AN
Illustrated
ARDHA-MAGADHI DICTIONARY

Literary, Philosophic & Scientific

WITH

Sanskrit, Gujrati, Hindi & English

EQUIVALENTS REFERENCES TO THE TEXTS & COPIOUS QUOTATIONS

BY

Shatavdhani The Jaina Muni Shri Ratnachandraji Maharaj.

Disciple of Swami Shri Gulabchandraji (Limbdi).

WITH

AN INTRODUCTION

BY

A. C. Woolner Esqr. M. A. (Oxon)

Principal, Oriental College, Lahore.

Vol. II.

Published

BY

SARDARMAL BHANDARI,

FOR

THE S. S. JAINA CONFERENCE.

-:o:-

1927.

॥ श्रीः ॥

नमोऽस्तु महावीराय

सचित्र

अर्द्ध-मागधी कोष.

सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बड़ी सम्प्रदाय)

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

सरदारमल भंडारी.

राजावाड़ा चौक, इन्दौर.

ई० सन् १९२७. वीर संवत् २४५३.

श्री सुखदेवसहाय जैन प्रिन्टिङ्ग प्रेस, किसनपुरा, पीरगली, इन्दौर
में
ऑ० प्रकाशक व सेक्रेटरी द्वारा मुद्रित

Kesarichand Bhandari,

The late Publisher of the Illustrated Ardha-Magadhi Dictionary.

Birth:- Dt. 24-8-1871 — *Death:- Dt. 27-2-1935*

जन्मः-अ. भाद्रपद शु. १ सं १९२८. — मृत्युः-फाल्गुन शु. ५ सं. १९९१.

Publisher's Note.

A number of unforeseen circumstances having arisen since the publication of the first volume of the Ardha-Māgadhī Dictionary the work of carrying the volume that is now offered to the subscribers, through the press was seriously hampered Not the least among these unexpected obstacles was the sad death of my father who though disabled from actively working long ago, continued to encourage and advise me in my efforts to render the Dictionary as complete and useful as possible.

Another serious difficulty that arose was in connection with the translation work. Mr P N. Kachhi, B A., who had finished more than half of the words, was unable to carry on the remaining work of translation from Gujrati into English, on account of his sudden deputation from the M. S. High School to the Holkar College as Assistant Professor of English Another competent hand it was very difficult to find and indeed it took a long time to find out one. I am glad, however to be able to see that Mr. C P Brahmo, M. A , L. L. B , on whom the choice at last fell has thoroughly satisfied me both by the quality of his work and the dispatch with which he has done it

I have now every hope that I shall be able to offer to the public the remaining volumes in the course of not more than two years.

I shall be glad to receive opinions of subscribers and the scholars in connection with the second volume and if there are practical suggestions I shall do my best to utilise them in making the Ardha-Māgadhī Dictionary still more useful & practical.

Rajwada Chowk,
Indore,
Dt. 1st April 1927

Yours truly,
S. K. Bhandari,
(Hon. Publisher).

चित्र सूचि.

—— o: ——

॥ अर्हं ॥

नमोऽस्तु महावीराय.

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ. अ० (आ) મર્યાદા; હદ; સીમા. सीमा, मर्यादा Limit. "आमरणाए" पराह० २, २; क० गं० २, २०; क० प० १, ६४, पञ्च० ३६, (२) વાક્યાલંકાર. वाक्यालंकार an expletive नाया० १; (३) સન્મુખ. सन्मुख, सामने. in front of. राय० (४) થોડુ, ઈષત્, જરાક थोडा, ईषत्, कम. a little पञ्च० २१,

आअ. पुं० (आय) લાભ; પ્રાપ્તિ लाभ, प्राप्ति Gain, acquisition. (२) જેનાથી જ્ઞાન આદિની પ્રાપ્તિ થાય તે, અધ્યયન, પ્રકરણ जिससे ज्ञान आदि की प्राप्ति हो वह, अध्ययन, प्रकरण means of gaining knowledge etc; chapter; section विशे० ६६१; १२२८; क० ग० १, २३;

आ+इ धा० I (आ+इण) આવવું आना. To come.

एइ-ति विशे० ४६१; दसा० ७, १; पिं० नि० २०८; प्रव० ६०६;

एंति. विशे० १४८६;

एउं. भ्रु० विशे० ११६;

एहि. आ० विवा० १; नाया० २; ८; भग० १५, १; दसा० ७, ४७,

एह. सु० च० २, १६४; उवा० १, ८१;

एही भ० सु० च० १, १८३;

एस्संति सूय० १, १, १, २७;

एउं. सं० कृ० उत्त० ४, १०;

एत्तए हे० कृ० वेय० १, ४४; दसा० ५, १; वव० ६, १;

एजंत. व० कृ० उत्त० १२, ४; उवा० ५, २१५;

एज्जमाण. व० कृ० भग० ५, ४, १९, १; १५, १; नाया० १; २; ३; ४; ५; ८; १४; १६; अंत० ६, ३; विवा० १;

आइ पुं० (आदि) આદિ; પ્રથમ; શરૂઆત. आदि; प्रथम, प्रारंभ. Beginning. क० गं० १, १५; २१; २८, ओघ० २७; अणुजो० १६८; नाया० १, ५; ७, १०; १४; भग० २, १; ४, १; ४०, १, पन्न० ११; जं० प० ५, १४; (२) નાભીની નીચેનો ભાગ. नाभी के नीचे का भाग-हिस्सा. the part below the navel ठा० ६; (३) ઇત્યાદિ; વગેરે; વગેરા वगैरह; इत्यादि et cetera. भग० ६, ७; नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७; (४) સંસાર. संसार. the world; worldly existence. सूय० १, ७, २२;

—आर. पुं० (-कार) (आदी संसारः सुख

धर्माचारादि ग्रन्थात्मकं कर्म करोति तद्यं प्रथमाक्षरेण प्रथमतीर्थकरीत्यः) આદિ શરૂઆતમાં આચારાંગ આદિ શ્રુત ધર્મના કરનાર, તીર્થંકર. आचारांगादि श्रुत धर्म के रचयिता, तीर्थंकर the first author of Achārānga etc, a Tīrthankara "ते सव्वे पावाउया आइगरा धम्माणं" सूय० २, २, ४१, कप्प० २, १५, नाया० ध० भग० १, १, नाया० १, १६; सम० १, —तित्थयर पुं० (-तीर्थकर) ઋષભદેવ સ્વામી. ऋषभदेव स्वामी. Risabhadeva Swāmī "भगवओ उसह सामिस्स आइतित्थयरस्स" नंदी० — दुग न० (-द्विक) અપર્યાપ્ત સૂક્ષ્મ અને બાદર એકેંદ્રિય-રૂપ બે પ્રકૃતિ अपर्याप्त सूक्ष्म और बादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां the two Karmic natures (Prakritis) viz Aparyāpta Sūkshma and Bādara Ekendriya क० प० १, १५, —मउ त्रि० (-मृदु) આરંભમાં કોમલ. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning अणुजो० १२८,—मुहुत्त न० (-मुहूर्त) પ્રથમ મુહૂર્ત, સૂર્ય ઉગ્યા પછી બે ઘડી સુધીનો સમય प्रथम मुहूर्त; सूर्योदय के बाद का दो घडी का समय the first Muhūrta, the first period of 48 minutes after sunrise 1 Muhūrta=48 minutes=2 Ghadīs. "अभिंतरओ आइ मुहुत्ते मुएव उइ अणुलवछाए पगासे" सम०—मोक्ख पुं० (-मोक्ष – आदि संसारस्तस्मान्मोक्षः आदि मोक्षः) આદિ-સંસારથી છુટકારો થવો તે. संसार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipation from worldly existence. "इत्थिओ जेय सेवंति आइ मोक्खाहिते-

अया" सूय० १, १, २२;—राय पुं० (-राज) ઋષભદેવ પ્રભુ કે જેણે સૌથી પહેલાં રાજ્યની સ્થાપના કરી અસિ, મસિ, કૃષિ આદિ કર્મભૂમિપણું પ્રવર્તાવ્યું ऋषभदेव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यकी स्थापना की और असि, मसि, कृषि आदि वाणिज्य रूप कर्म-भूमिपन का प्रारंभ किया. Lord Risabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. ठा ६,—लेसतिग. न० (-लेश्यात्रिक) શરૂઆતની ત્રણ લેશ્યા, કૃષ્ણ નીલ અને કાપોત લેશ્યા. प्रारम्भ की तीन लेश्याएं; कृष्ण, नाल और कापोत the first three Leśyās, i e. thought and matter tints viz black, blue and grey क० ग० ३, २२;—संघयण. न० (-संहनन) પ્રથમનું સંઘયણ, વજ્ર,ઋષભ, નારાચ સંઘયણ प्रथम का संहनन, वज्र, ऋषभ, नाराच. the first or primitive physical constitution called Vajra Risabha Nārācha Sanghayana (i e adamantine character of the bones etc) क० ग० २, २१;

आइअंतियमरण न० (आत्यन्तिकमरण) દેહ અને જીવ અત્યંત જુદા પડે તે, મૃત્યુ. जीव और शरीर का सर्वथा पृथक होना; मृत्यु Death; total separation of soul from body भग० १३, ६; प्रव० १०२३;

आइं अ० (आइ) વાક્યાલંકાર वाक्यालंकार. An expletive. भग० १५, १;

आइंखिणी स्त्री० (आ चक्षणा) કર્ણ પિશા-

चिका विद्या, के जेने योगे बीजाना मननी गुप्त वात जाणी शकाय. कर्ण पिशाचिका विद्या, जिसके बल से दूसरे के मन की गुप्त बात जानी जा सकती है. An art known as Karnapiśāchikā Vidyā by which other persons' secrets can be fathomed and known प्रव० ११३;

√**आइक्ख.** धा० I-II (आ+चक्ष्) कहेवुं, आख्यान करवुं, वधामणी देवी. कहना, आख्यान करना, बधाई देना. To tell, to describe, to inform about some good events

आइक्खइ भग० ३, १, ७, ९, ओव० २७, ३४, सूय० २, ६; १, नाया० १; १; ८; १३, १६, जं० प० ७, १७८, दस० ६, ३, सम० ३४, दसा० १०, ११, निर० १, १,

आइक्खंति भग० १, ६, ०, ५; ५, २, नाया० १, २, ६; १६, आया० १, ६, ४, १६०,

आइक्खेमि. सूय० २, १, ११,

आइक्खामि. भग० १, ६; १०; २, ५; १, १; ७, ६, १६, ५;

आइक्खे. दस० ८, ४१, सूय० २, १, ५७, आया० १, ६, ५, १६४;

आइक्खिज्ज. दस० ८, १४;

आइक्खेज्जा दसा० १०, ३;

आइक्खाहि भग० २, १;

आइक्खह नाया० १, भग० १५, १;

आइक्ख सं० कृ० पि० नि० ३२५,

आइक्खिस्सइ वेव० ३, २०; नाया० ८, भग० ९, ३३;

आइक्खिउं. भग० १८, २;

आइक्खमाण. नाया० १२; भग० ३, १, ६, ३३; ११, १२, आया० १, ६, ४, १६५; ओव० ३५;

आइक्खग त्रि० (आख्यायक) शुभाशुभ कहेनार शुभाशुभ कहने वाला A messenger or teller of good or evil. ज० प० ओव० अणुजो. ५२;

आइक्खिय. त्रि० (*आचक्षित – आख्यात) कहेलुं; कथन करेल कहा हुआ. Told; related भग० २, १, नाया० १,

आइक्खियव्व त्रि० (आख्यातव्य) कहेवा लायक, उपदेश करवा जोग कहने लायक; उपदेश करने योग्य Worth being told, worth being advised. सूय० २, ७, १५;

आइच्च पु० (आदित्य) सूर्य; सुरज. सूर्य. The sun. "सेकेणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ सूरे आइच्चे ओयमा सूरा दियाइं समयाइ वा आवलियाइ वा" भग० १२, ६; १५, १, उत्त० २६, ८; अणुजो० १४७, दस० ८, २८, विशे० १५६८, आव० २, ७, सू० प० २०, प्रव० (२) कृष्णराजीना आंतरामां रहेल अर्चिमाली नामना विमान ना वासी लोकांतिक देवता कृष्णराजी प्रदेश के अंतर में रहा हुआ अर्चिमाली नामक विमान वासी लोकान्तिक देव the Lokāntika gods residing in the Archimālī celestial abode in the interior part of Krishnarājī. नाया० ८ भग० ६, ५; (३) ग्रैवेयक विमान विशेष अने तेना देव. ग्रैवेयक विमान विशेष और उसका निवासी देव the celestial abode of Graiveyaka and its resident gods प्रव० १४६२, (४) सौरमास; साडात्रीस दिवस प्रमाणु आदित्य मास. सौरमास, साडे तीस दिन प्रमाण मास.

a solar month i. e. 30½ days सम॰ ३१ प्र॰ व॰ ६०४, —मास पुं॰ (-मास) सूर्य मास, ३०॥ दिवसने मास सौरमास, ३०॥ दिन का माह a solar month, a month of 30½ days प्रब॰ ६०४, —संवच्छर पु॰ (संवत्सर) सूर्य पहेलेथी छठे माडले जई फरी पहेले माडले आवे त्यां सुधीनो समय, त्रणसो छासठ दिवस प्रमाणे सौर वर्ष सूर्य के पहिले मडल से अन्तिम मराडल मे जाने और वहा से लौट कर फिर पहिले मडल मे आन तक जितना समय लगे उतना समय, तीनसो छासठ दिन प्रमाण वर्ष the solar year, an year consisting of 366 days, the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth ज॰प॰ सू॰ प॰ २,

आइच्चजस पु॰ (आदित्ययशस्) भरत चक्रवर्तीनो आदित्ययशा नामे पुत्र, के जे राज्य भोगवी अने दीक्षा लई सकल कर्म क्षय करी मोक्ष गया भरत चक्रवर्ती का आदित्य यशा नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर अंत मे दीक्षा ली और कर्म क्षयकर मोक्ष मे गया Adityayasa, the son of the emperor Bharata, he ruled for some time but at last took Diksā and after having destroyed all Karmas attained to salvation ठा॰ ८ १,

आइच्चा स्त्री॰ (आदित्या) सूर्यनी बीजी अग्र महिषी सूर्य का दूसरा पटरानी The second principal queen of the sun भग॰ १० ५,

आइज्ज त्रि॰ (आदेय) ग्रहण करवा योग्य ग्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया॰ १२; जं॰ प॰ कप्प॰ ३, ३६, क॰ गं॰ १, २६, ५१, २, २३, ६, ७१, (२) जेनुं वचन ग्राह्य—ग्रहण करवा योग्य होय ते. वह व्यक्ति, जिस का वचन ग्राह्य हो (one) whose words are worthy of acceptance गच्छा॰ ६४,

आइट्ठ न॰ (आदिष्ट) प्रेरणा करवी, आदेश करवो ते प्रेरणा करना, आदेश करना Instruction, suggestion सूय॰ १, ४, १, १६ विशे॰ ८८६,

आइट्ठ त्रि॰ (आविष्ट) आवेशवाळो आवेश वाला Possessed by, inspired by ' जक्खा एसेणी आइट्ठ समाणी'' भग॰ १८, ७ ठा॰ ५ दसा॰ ६ १४, ओघ॰ नि॰ ४६७,

आइट्ठि स्त्री॰(आदिष्टि) धारणा धारणा, विचार Intention, idea, fixed thought ठा॰ ५

आइड्ढि स्त्री॰ (आत्मर्द्धि) आत्मऋद्धि; आत्मशक्ति आत्मा की शक्ति Soul-force, soul growth, soul power. भग॰ १, ३, ३, ५, २०, १०,

आइड्ढिय त्रि॰ (आत्मर्द्धिक-आत्मन एव ऋद्धिर्यस्य) आत्मऋद्धि वाळो, आत्मशक्ति-लब्धिवाळो आत्मऋद्धि वाला; आत्मशक्तिवाला Possessed of soul-power or soul-wealth "आइड्ढि एण भंते ! देव जाव चतारी पच देवावास तराइं" भग॰ १०, १,

आइण. न॰ (आजिन) चर्म, चामडुं. चमडा. Skin, leather राय॰ ६७; निसा॰ १७, १२, क॰ ग॰ १, २६;—पावार. न॰ (-प्रावार) चर्मवस्त्र, चामडाना कपडा.

चमड़े का वस्त्र. a skin or leather garment निसी० ७, ११,

आइएण. त्रि० (आर्चार्ण) આજ્ઞા કરેલ आज्ञा पाया हुआ Advised; commanded "आइएणा ज पुण अणगाराय" आया० नि० १, १, १, ७;

आइएण त्रि० (आकीर्ण) વ્યાપ્ત; સકીર્ણ, ખાચા ખીચ ભરેલ खचाखच भरा हुआ Pervaded by; thickly scattered over with ओव० आघ० नि० ८०, नाया० १, भग० १, १ ९, ५, ३, १, ५ (२) त्रि० જાતિ આદિથી શુદ્ધ ગુણવાન ઘોડો जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोड़ा a horse of good breed "कमवद्दटु माइएणे पानग पडिवज्जइ" उत्त० १ १२, पगह० १, ४ जावा० ३, ४ "आइएण वरतुरय मुमपउत्त" भग० ७, ८, नाया० १७, (३) વિનયવાન પુરૂષ विनयवान पुरुष a reverent, respectful person ठा० ४ १ (४) આનીર્ણ જાત ના ઘોડાના દૃષ્ટાન્તવાળુ ગ્નાતાસત્રનું ૧૭ મુ અધ્યયન आकीर्ण जाति के घोड़े का जिसम वर्णन है वह ज्ञाता सूत्र का १७ वा अध्याय the 17th chapter of Jnata Sutra dealing with a horse of Ākirna breed नाया० १, सम० १६,—णाय उभयण न० (ज्ञाताध्ययन) ગ્નાતાસૂત્રનુ ૧૭ મુ અધ્યયન ज्ञाता सूत्र का १७वा अध्याय the 17th chapter of Jnata Sūtra सम० नाया० १७, —हय पु० (–हय) ખાનદાન ઘોડો जातिवान् घोड़ा a horse of noble breed जावा० ३,

आइएणतर त्रि० (आकीर्णतर) વધારે વ્યાપ્ત, અતિ ખીચો ખીચ बहुत ज्यादह व्याप्त. Densely or thickly pervaded by, dense, thick भग० १३, ४;

आइतव्व त्रि० (आदातव्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય ग्रहण करने योग्य Worthy of acceptance, worth being taken. वेय० ४, २५,

आइत्त त्रि० (आदीप्त) થોડુ પ્રકાશિત. कुछ प्रकाशित Faintly gleaming नाया० १,

आइत्तार त्रि० (आदातृ) લેનાર लेने वाला. Acceptor, one who takes ठा० ७,

आइद्ध त्रि० (आविद्ध) વ્યાપ્ત व्याप्त भरा हुआ Pervaded by; filled with नाया० १;

आइन्न त्रि (आकीर्ण) જુઓ 'आइएण' શબ્દ देखो "आइएण" शब्द Vide "आइएण" उत्त० १, १२, २१ १ पगह० १, ४, जावा० १, नदी० टी० ४ ३

आइन्न त्रि० (आचीर्ण) આચરેલ व्यवहार मे लाया हुआ Practised performed पि० नि० ३२६, ५७१ प्रव० १ १२,

आइम त्रि० (आदिम) પ્રથમનું; પહેલું, पहिले का, पहिला First foremost आव० नि० ६६०, क० गं० ३, १६, प्रव० ४, ६२६, —गणहर पु० (–गणधर) પ્રથમ ગણધર. प्रथम गणधर. the first Ganadhara प्रव० ६२६,

आइमय त्रि० (आदिमक) પહેલુ, પ્રથમનું. पहिला, प्रथम First, foremost. विशे० १०४०;

आइय. त्रि० (आदिक) આદિ आदि, शुरू Beginning, first of a series नाया. १, कप्प० ४, ६१-६६;

आइय त्रि० (आदृत) આદર પામેલ आदर पाया हुआ Honoured, respected पण्ह० १७

आइय त्रि० (आचित) વ્યાપ્ત व्याप्त. Filled with नाया० ८,

आइयण न० (आदान) ગ્રહણ કરવું તે ग्रहण करना Taking, acceptance पण्ह० १, ३,

आइयव्व त्रि० (आदातव्य) સ્વીકારવા યોગ્ય स्वीकार करने योग्य Worthy of acceptance वव० ६. ४१,

आइल्ल. त्रि० (आदिम) પહેલું, આદિનું, પ્રથમનું पहिला, शुरु का First, foremost पन्न० ५, १७, राय० २३६, नदी० ५६, प्रव० २२२. अणुजो १, —**चंद** पु० (-चन्द्र) ઉત્તરો ઉત્તર દ્વીપની અપેક્ષાએ પૂર્વ પૂર્વ દ્વીપનો ચન્દ્ર उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा पूर्व पूर्व द्वीप का चन्द्र the moon of the preceding continent in a series of continents "आइल्लचंद सहिता अणतराणंतर खेत्ते" सू० प० १९, —**सूर.** पु० (-सूर) ઉત્તરોત્તર દ્વીપની અપેક્ષાએ પૂર્વપૂર્વ દ્વીપના સૂર્ય उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा से पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य the sun of each preceding continent in a series of continents सू० प० १६,

आईण न० (आदीन) અત્યન્ત ગરીબ बहुत गरीब (one) who is very poor सूय० १. १०, ६; —**भोइ** त्रि० (-भोजिन्) ફેંકી દીધેલો ખોરાક ખાનાર फेंका हुआ भोजन खाने वाला. (One) who eats food thrown away (by others) "आईण-भोई वि करेति पाव मताउ एगत समाहिमाहु" सूय० १, १०, ६; —**विचि.** पु० (-वृत्ति आ समन्ताद्दीना कष्टास्पदा वृत्तिरनुष्ठानं यस्य) અત્યન્ત દીન ભિક્ષુ માગણ વગેરે. अत्यन्त दीन भिखारी (one) who is indigent, e.g a beggar. "आदाय वित्तीव करेति पावं" सूय० १, १०, ६;

आईणग न० (आजिनक) ચર્મમય-ચામડાનું વસ્ત્ર વિશેષ કે જે કમાવીને અતિ સુંવાળું કરેલ હોય છે चमड़े का वस्त्र विशेष जो कि कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो A garment of cured or tanned leather "आईणग रूय बूरणवणीकतूल फासे" सू० प० २०, कप्प० ३, ३२, ओव० आया० २, ५, १, १४५, नाया० १, जंबू० ३. भग० ११, ११, (२) पु० એ નામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર एक द्वीप और एक समुद्र का नाम an ocean of that name, also a continent of the name जीवा० ३,

आईणभद्द पु० (आजिनभद्र) આજિન દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા आजिन द्वीप का अधिपति देव The presiding deity of the Ājina-Dvīpa जीवा० ३;

आईणमहाभद्द. पु० (आजिनमहाभद्र) આજિન દ્વીપનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. आजिन द्वीप का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the Ājina Dvīpa. जीवा० ३,

आईणमहावर पुं० (आजिनमहावर) આજિન સમુદ્ર તથા આજિનવર સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. आजिन और आजिनवर समुद्र का अधिपति देव The presiding deity of the Ājina and Ājinavara oceans. जीवा० ३;

आईणवर. पुं० (आजिनवर) એ નામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप तथा समुद्र. An ocean as well as a continent of that name. (२) આજિન સમુદ્રને તથા આજિનવર સમુદ્રને અધિપતિ દેવતા. आजिन और आजिनवर समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the oceans named Ājina and Ājinavara. जीवा० ३,

आईणवरभद्द पुं० (आजिनवरभद्र) આજિનવર દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. आजिनवर द्वीप का अधिपति देव The presiding deity of Ājinavara Dvīpa जीवा० ३,

आईणवरमहाभद्द पु० (आजिनवरमहाभद्र) આજિનવર દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of Ājinavara Dvīpa जीवा० ३,

आईणवरोभास. पुं० (आजिनवरावभास) એ નામનો એક દ્વીપ તથા સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of a continent, also, that of an ocean. जीवा० ३;

आईणवरोभासभद्द पु० (आजिनवरावभासभद्र) આજિનવરોભાસ દ્વીપનો દેવતા आजिनवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

आईणवरोभास महाभद्द पु (अजिनवरावभास महाभद्र) આજિનવરોભાસ દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા आजिनवरोभास द्वीप का अधिपति देवता The presiding deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa. जीवा. ३,

आईणवरोभासमहावर. पुं० (आजिनवरावभासमहावर) આજિનવરો ભાસ સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव The presiding deity of the Ājinavarobhāsa ocean. जीवा. ३,

आईणवरोभासवर पु० (आजिनवरावभासवर) આજિનવરોભાસ સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા आजिनवरोभास समुद्र का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of Ājinavarobhasa ocean जीवा ३,

आईणिय त्रि० (आदीनिक-आसमन्तादीनमादीनं तद्विद्यते यस्मिन्तः) અત્યન્ત દીનતા વાળું अत्यन्त दीनता वाला Indigent; penurious. "आईणियं दुक्कडिय पुरत्था" सूय० १, ५, १, २.

आईयट्ठ त्रि० (आतीतार्थ-आसमन्तादतीव इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थायेनस यद्वाऽस्तामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स तथा) દૂર કર્યાં છે સમસ્ત પ્રયોજન જેણે; શાત વ્યવહાર વાળો समस्त प्रयोजनों से रहित, शांत व्यवहार वाला (One) who has risen above all worldly purposes, calm and tranquil. आया० १, ७, ६, २२२,

आइरग. त्रि० (आजीरग आजिः संग्रामस्तमीरयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति यावत्) લડાઇ જીતનાર युद्ध जीतने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. सया०

आईसाण न० (आईशान) ઈશાન દેવલોક પર્યંત. ईशान देवलोक पर्यंत Up to, as far as Īśāna heavenly world. प्रव० ११६२,

आउ. अ० (अथवा) અથવા. अथवा; वा. Or सूय० २, ७, ६;

आउ. न० (आयुष्-प्रतिसमयंभोग्यत्वे नायातीत्यायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमित्यायु..) જેના ઉદયથી જીવ જીન્દગી ભોગવે છે તે, આયુષ્ય કર્મ, આઠ કર્મ માનું પાંચમુ કર્મ वह कर्म जिस के उदय से आयु प्राप्त करता है, आयुष्य-कर्म, आठ कर्मों मेंसे पांचवा कर्म The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period, the fifth of the eight kinds of Karma दसा० ६, २, पन्न० २२, भग० ३, १, ५, १; ७, १, ६, १५, १; नाया० २, ज० प० उत्त० ३, १७, १०, ३, ३४, २, क० प० २, ५४, पिं० नि० भा० २६, क० गं० १, ३, ५, ८,—**अउझवसाण** पु० (अध्यवसान) આયુષ્યકર્મ નિષ્પાદક અધ્યવસાય વિશેષ आयुष्य कर्म उपादान करने वाला अध्यवसाय विशेष a certain sort of thought-activity giving rise to Āyusya Karma भग० २४, १; —**उवक्कम** पु० (-उपक्रम) પોતાના હાથથી જ આઉખું પુરૂ કરવું તે જેમ શ્રેણિક રાજાએ કાષ્ટ પિંજરમા હીરો ચુસી આઉખુ પુરૂ કર્યું તેમ अपने हाथ से ही अपना आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा श्रेणिक ने काष्टके पींजरे में हीरा चूसकर अपना आयु पूर्ण का भग० २०, १०; putting a period to one's own existence; e. g. in the case of Śreṇika the king, who sucked a diamond in a wooden cage and died, suicide —**कम्म.** न० (-कर्मन् एति याति चैत्या युस्तद्बन्धनं कर्मायुष्कर्म) આઠ કર્મમાનું પાંચમુ આયુષ્ય કર્મ. आठ कर्मों में से पांचवाँ आयु कर्म Āyusya Karma, the fifth of the 8 Karmas उत्त० ३३, २, ४, —**काल** पु० (-काल) મૃત્યુકાલ; મરણનો અવસર मृत्यु समय; मरणकाल. time of death. आया० १, ८, ८, ११, —**क्खय** पु० (-क्षय) આયુષ્ય કર્મનો ક્ષય, આયુષ્ય કર્મની નિર્જરા आयुकर्म का क्षय, आयुकर्म की निर्जरा. "सेणं जह वद्धय हरे एवमायुक्खयम्मि तुट्टती" the destruction of Āyusya Karma सूय० १, २, १, १, सु० च० ४, ११६, नाया० १, ८, १४, १६, भग० ७, १; १, ६, ६, ३३; २५, ८; पराह १, १; कप्प० १, ७. निर० ३. १ —**क्खेम.** न. (क्षेम) આયુષ્ય જીન્દગીનું સ્વાસ્થ્ય આબાદી आयुष्य जीवन का स्वास्थ्य the peace and safety of life " जं किंचि व कम्मं, जाणा आउक्खेमस्समप्पणो तस्सेव अंतरद्धाए खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए " आया० १, ८, ८, ६, सूय० १, ८, १५, —**निव्वत्ति** स्त्री० (-निर्वृत्ति) આયુષ્યની નિષ્પત્તિ आयुष्य की निष्पत्ति acquisition of life भग ६, ४. - **पज्जव** पुं० (-पर्यव) આયુષ્યના પર્યાય आयुष्य का पर्याय—मर्यादा variation of life. ज० प० २, २६, —**परिणाम** पु० (-परिणाम) આયુષ્ય કર્મનો સ્વભાવ आयुष्य परिणाम स्वभाव, आयुष्य कर्म का स्वभाव nature of Āyusya Karma " नव विहे आउ परिणाम पएणत्ते तजहा गइ परिणामे " गइ बंधण प० ठिइप० ठिइबंधण प० भग ६, ५, ज० प० ७, १७६, —**पहीण** पुं० (-प्रहीन) ક્ષીણ થયેલ આઉખુ क्षीण आयु worn out life; worn out life-period भग० ११, १०;

—भेय. पुं० (-भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रम. आयुर्भेद) આયુષ્યની ઉપઘાત. આયુષ્યકર્મનુ ભાંગવુ-તુટવું તે आयुकर्म का टूटना, आयु में भेद होजाना breaking down of Āyuṣya, the destruction of Āyuṣya-Karma "सत्तविहे आउभेद प० तंजहा अज्भवसाणा निमित्ते आहारे वेयणा पराघाए फासे आणा पाणू सत्तविह भिज्जए आऊ" ठा० ७,

आउ स्त्री० (अप्) પાણી जल Water भग० ५, ६, ६, ४, पिं० नि० भा० ६, सूय० १, १, १, ७, प्रव० ४८८, (२) स्त्री० અપકાય-પાણીનો જીવ, અપકાય अपकाय-जल के जाव an aquatic sentient being ज० प० ७, सू० प० १०, उत्त० २६, ३०, क० ग० १, २६, ४७, २, ६, ४ ३, भग० ६ ५ ८, (३) પૂર્વાષાઢા નક્ષત્રનો દેવતા पूर्वाषाढा नक्षत्र का देव the deity of the Pūrvāṣidhā constellation "पुव्वासाढा आउ देवयाए" सू० प० १०, अणुजो० १३१, ठा० २, ३, —काअ-य पु० (-काय-आप कायो यस्येति) અપકાય, પાણીના જીવ अपकाय के जीव aquatic lives सम० ६; उत्त० १०, ६, दस० ६, ३०, भग० २, ६, ७, १०, १६, ३, आया० १, ६, १, १२; —काइय पु० (-कायिक-आपो द्रवास्ताएव कायः शरीर यस्येति) અપ-પાણી કાય-શરીર છે જેનુ તે, પાણીના જીવ ऐसे जीव जिनका शरीर जल है aquatic lives भग० १, ४, १७, ८, १८, ८, ३३, १; जीवा० १; पन्न० १; दस० ४, —काअ—य. पुं० (-काय) અપકાય; પાણી. अपकाय; जल water; water considered as a sentient mass उत्त० १०, ६, पिं० नि० भा० १६, आया० नि० १, १, ३ ११३, पन्न० १, पंचा० ५, २६; १०, २४, १४, ७ —काइय पु० (-कायिक) જુઓ "आउकाइय" શબ્દ. देखो "आउकाइय शब्द" vide 'आउकाइय' "सेकिं आउकाइया ? आउकाइया दुविहा पन्नता" पन्न० १; भग० २६, १ —कायविहिंसग त्रि० (-कायविहिंसक) પાણીના જીવની હિંસા કરનાર जलकाय-जाव का हिंसा करने वाला (one) who kills aquatic sentient beings गच्छा. १०; —जीव पु० (जीव) જલજીવ પાણીના જીવ जलजीव, पानी के जाव aquatic lives "दुविहा आउजीवाओ सुहुमा बायरा तहा" उत्त० ३६, २४, ३६, ८८, ८५, सूय० १, ११, ७, भग० ४, २, —बहुल त्रि० (-बहुल) જેમા પાણી ઘણુ હોય તે जिम में पानी बहुत हो ऐसा that which is full of water ज० प० २, ३६; —बहुलकंड न० (बहुलकाण्ड) ઘણુ જલવાળો રત્નપ્રભા પૃથ્વીનો ત્રીજો કાણ્ડ. बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीसरा काण्ड-भाग the third section of the Ratnaprabhā-world abounding in water. "आउबहुले कंडे असीइ जोयणसहस्साइ बाहल्लेणं" सम० —याय पु० (-काय) પાણીના જીવ, અપકાય पानी के जाव. aquatic creatures, water considered as a living mass भग० १६, ३. —सोअ. न० (-शौच) જલવડે શૌચ-પવિત્રતા जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water. सू० ५, ३,

आउंचण. न० (आकुञ्चन) અવયવ સંકોચવા તે अवयवों को सकुचित करना Contraction of limbs सम०

✓आउंट धा० I (*आकुच-आ+कृ) કરાવવું कराना To cause to do (२) સંકોચવું सकुचित करना to contract

आउंटए ओघ० नि० २२६;

आउंटेज्जा वि० भग० १४, १;

आउंटेहि. आ० नाया० ५;

आउंटेह आ० नाया० ५,

आउंटावेति प्रे० भग० १६, ८;

आउंटावेमि नाया० ५;

आउंटावेतए प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३, ५

आउंटावेमाण प्रे० व० कृ० भग० १६, ८

आउंटण न० (आकुञ्चन) સંકોચન सकोचन. Contraction पवा० १७, १६,

—पसारण न० (-प्रसारण) સંકોચવું અને વિસ્તારવું તે, સંકેલવું અને પસારવું તે. संकोचना और विस्तार करना contraction and expansion भग १६, ८,

आउंटिय त्रि० (आकुञ्चित) સંકોચેલું सकुचित किया हुआ Contracted, folded. भग० १४, १,

आउग पुं० (आयुष्क) આઉખુ, જીવન, આયુષ્ય. आयुष्य, जीवन Life. भग० ६, १, —तिग. न० (-त्रिक) નરકાયુ, તિર્યંચાયુ અને મનુષ્યાયુ, એ આયુષ્યની ત્રણ પ્રકૃતિ. नरकायु, तिर्यंचायु और मनुष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतियां the three Prakritis (Karmic natures) of Āyusya i. e life-period viz of hellish beings subhuman beings and human beings क० ग० ५ ८३, —वज्ज न० (वर्ज) આયુષ્ય સિવાય आयुष्य के बिना excepting, with the exception of, Āyuṣya, (i. e life). क० प० १, ५५;

आउच्छणा स्त्री० (आपृच्छना) જુઓ " आपुच्छणा " શબ્દ. देखो "आपुच्छणा" शब्द Vide "आपुच्छणा" पंचा० १२, २६;

आउज्ज पु० (आवर्ज आवर्जनमावर्जः आवर्ज्यतेऽभिमुखीक्रियते मोक्षोऽनेनेत्यावर्जः) મન વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર, શુભ પ્રવૃત્તિ, મોક્ષને અનુકૂલ કર્તવ્ય मन, वचन, और काया की शुभ प्रवृत्ति, मोक्ष के अनुकूल कर्तव्य. The good activities of mind, speech and body (२) त्रि० મન વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર કરનાર मन, वचन और काया का शुभ व्यापार करने वाला (one) who has good activities of mind, speech and body, पन्न० ३५;

आउज्ज त्रि० (आयोज्य) એક બીજા સાથે જોડેલ एक दूसरे के साथ जोड़ा हुआ. Interlinked विशे० १४,

आउज्ज पु० (आतोद्य) વીણા આદિ વાજીંત્ર वीणा आदि वाद्य A musical instrument like a lute etc. " एवमाइयाणं एगोणपण्णं आउज्ज विहाणाइं विउव्वति" राय० ठा० २, ३, पण्ह० २, ४; —सद्द पुं० (-शब्द) વીણા આદિ વાજીંત્રનો અવાજ वीणा आदि बाजों की आवाज the sound of a musical instrument such as a lute etc. " आउज्जसद्दे दुविहे पण्णत्ते तंजहा ततेचेव विततेचेव " ठा० २,

आउज्जण न० (आवर्जन) મન, વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર मन, वचन और काया का शुभ व्यापार. Salutary

activity of mind, speech and body पन्न० ४३६;

आउज्जिय पु०(आयोगिक) उपयोग पूर्वक वर्तनार; ज्ञानी उपयोग पूर्वक—सावधान पूर्वक व्यवहार करनेवाला; ज्ञानी One acting attentively, one possessed of knowledge. भग० २, ५;

आउज्जियकरण न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितस्यकरणमावर्जितकरणम्) केवल समुद्घातनी पूर्वे करातो शुभ व्यापार-योग. केवल—समुद्घात के पहिले किये जानेवाला शुभ-व्यापार-योग Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta पन्न० ३६,

आउज्जियाकरण न० (आयोजिकाकरण-आङ्मर्यादया केवलिदृष्टया योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्-भावे तुम्‌ तस्य करणमिति) केवल-समुद्घातनी पहेलां करातां अन्तर्मुहूर्त शुभ मन, वचन, कायानो व्यापार-क्रिया, एक अन्तर्मुहूर्तसुधी कर्म-पुद्गलने उदयावलिकमां नाखवारूप उदीरणा विशेष केवलसमुद्घात के पहिले की जाने वाली मन वचन और काया की शुभ क्रिया; एक अन्तर्मुहूर्त तक कर्म पुद्गल को उदयावलिका में डालने रूप उदीरणा विशेष. Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta, causing an out-flow of Karmic atoms for one Antara-Muhūrta पन्न० ३६;

आउज्जीकरण न (आयोजिकाकरण) मन, वचन ने कायानो शुभ व्यापार मन वचन और काया का शुभ व्यापार Salutary activity of thought, speech and body. पन्न० ३६;

√ **आउट्ट** धा. I-II (आ+कुट्ट) हिंसा करवी हिंसा करना. To kill; to injure. (२) करवुं. करना to do (३) भुलाववुं भुलाना. to make one forget. (४) भमवुं भमना, भटकना to wander. (५) संकल्प करवो, धारो करवो. संकल्प करना. इरादा करना. to resolve; to intend.

आउट्टइ भग० ७, १,

आउट्टइ „ „

आउट्टामो आया० १, १, ३, १५;

आउट्टिया. आया०१, २, २, ७२;

आउट्टे. आया० २, १३, १७३;

आउट्टेज्जा.

आउट्टित्तए. कप्प० ६, ४६;

आउट्ट त्रि० (आवृत्त) वरेल थयेल उस ओर झुका हुआ Turned to that side पन्ना १६, २१. पिं० नि० २६७. (२) व्यवस्थित थयेल व्यवस्थित arranged, settled आया० १, ७, ४, २१५,

आउट्ट पु० (आकुट्ट आकुट्टनमाकुट्टः) प्राणीना अवयवो छेदवा ते, हिंसा करवी; मारवुं ते. प्राणी के अवयव छेदना, हिंसा करना. Cutting off limbs of animals; killing, injuring. सूय० १ १, २, २५,

आउट्टण न० (आवर्तन) पासुं फेरववुं ते. करवट पलटना. Turning from one side to the other. आव० ४, ४,

आउट्टणया स्त्री (आवर्तनता-आवर्ततेऽभिमुखीभूय वर्तते येन स तथा तद्भावस्तत्ता) मतिज्ञानना भेद जे 'अवाय' तेनुं अपर नाम मतिज्ञानके अवाय नामक भेद का दूसरा नाम Another name for Avāya which is a variety of Mati-jñāna. नंदी० ३२,

आउट्टि स्त्री. (आकुट्टि) હિંસા हिंसा Killing, injuring beating सम० —**कय** त्रि० (-कृत) હિંસા પૂર્વક કરવામાં આવેલ हिंसा पूर्वक किया हुआ done after having first performed an act of killing or injury आया० १, ५, ४, १५८,

आउट्टि स्त्री (आवृत्ति) સન્મુખ થઇને રહેવું તે. सन्मुख होकर रहना Standing with the face turned towards नंदी० (२) ફરી ફરી અભ્યાસ કરવો તે વારંવાર સ્વાધ્યાય-આવૃત્તિ કરવી તે बार-बार अभ्यास करना-पाठ करना repeated study, e. g. of Śāstras (३) સૂર્ય તથા ચંદ્રનું અન્દરના મંડલેથી બહાર જવું અને બહારના મંડલેથી અન્દર આવવું તે; એક યુગમાં-પાંચ વર્ષમાં સૂર્યની १० અને ચંદ્રની १३४ આવૃત્તિ થાય છે તેમાંના ગમે તે એક सूर्य तथा चंद्र का भीतर के मंडल में से बाहिर और बाहिर के मंडल में से भीतर आने का क्रिया— एक युग (पांच वर्ष) में सूर्य का १० और चंद्र का १३४ आवृत्तियां होना है उन में से कोइ भी एक recurrence of the sun and the moon to the same point or place. In five years the sun has got ten and the moon 134 recurrences सू० प० १२,

आउट्टि. त्रि० (आकुट्टिन्) જાણીજોઇને હિંસા કરનાર, ઇરાદા પૂર્વક પ્રાણિનું છેદન ભેદન કરનાર. जानबूझकर हिंसा करनेवाला सकल्प पूर्वक प्राणोको छेदनभेदन करनवाला. (One) who kills or injures animals purposely. सूय० १, १, २, २५

आउट्टिया स्त्री० (आकुट्टी) જાણી જોઈને-ઇરાદા પૂર્વક કરવું તે जानबूझकर करना Doing anything intentionally सम० २१; पचा० १५, १८; —**दंड.** पु० (-दण्ड) જાણી જોઈને કરવું તે समझ बूझकर पापसे अपने को दण्डना-पापार्जन करना दण्ड देना incurring sin, consciously and intentionally " आउट्टिय दंड खंडियव थोवा" भत्त० २७,

√**आउड** धा० II (आ+जुड) ઘણ વડે કુટવું ટીપવું, મારવું घन से कूटना, मारना. To hammer; to beat, to pound. आउडइ भग० ३, २.
आउडंति ज० प० ३, ५३;
आउडत्ता भग० ३ २,
आउडमाण भग० ६, १, १६, ४;
आउडावइ विवा० ६

आउडिअ त्रि० (आजुडित) અક્ષર કોતરી નામ પાડેલ अक्षर खोदकर लिखा हुआ नाम (Name) carved in letters अणुजा० १८८,

आउडिज्जमाण त्रि० (आजोड्यमान) અન્યોન્યયુક્ત થતું જોડાતું जुड़ता हुआ Being linked or united ' कुड-मरथण मत मणुमे आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणइ ' भग० ५ ४,

आउत्त त्रि० (आयुक्त) ઉપયોગ પૂર્વક. ઉપયોગ સહિત. સાવધાન उपयोग पूर्वक; सावधानी से Carefully, attentively " आउत्त गमण आउत्त ठाणं आउत्तं खिसीयण ' भग० ३, ३, ६, ५, ७, ७; २५, ७, सत्था० ६४, सूय० २, २, २३; पण्ह० ११, आघ० नि० ५५५, (२) રંધાઈને તૈયાર થયેલ रधाकर तैयार ready after being cooked, cooked and ready for use कप्प० ६; ३३;

आउत्त त्रि० (आगुप्त) ગુપ્તિથી ગોપવેલ; રક્ષણ કરેલ. रक्षण किया हुआ Protect-

ed carefully. (२) न० संयत-साधुनी गति चेष्टा वगेरे. संयत साधु की गति-चेष्टा वगैरह. the movements, actions etc. of a Sādhu भग० २५, ७,

आउत्तया. स्त्री० (आयुक्त) उपयोग सावधानी उपयोग, सावधाना Attentiveness; carefulness "आउत्तया अस्स य नारिथ काइ" उत्त० २०, ४०,

आउधागार पु० (आयुधागार) आयुध-शाला. हथिआरो राखवानी जग्या आयुध शाला, शस्त्रास्त्र रखने का जगह An armoury ओव०

आउय—अ न० (आयुष्क) आयुष्य, आउखु, जीवन, जींदगी आयुष्यकर्म आयुष्य, जावन, जिंदगी आयुकर्म Life, Āyusya-Karma सम० १, नाया० १; ८, ओव० ३०, ३८, ४१, अणुजो० १२७, क० गं० २, ५, सूय० २, ७, ११, आया० १, २, १, ६२, उत्त० ५, ३७, २१, ३२; भग० १, १ ७, ३, ५, ३, ६, ६, ३ ७ १ ८, ३; ११, १, १८, ४, २४, १, ४५ ३ ६, पन्न० २२, दसा० ५ ४०, क० प० १, २६;—**कम्म** न० (-कर्मन्) जुओ "आउकम्म" शब्द. देखो "आउकम्म" शब्द vide "आउकम्म" भग० २६, १. ३५, २, —**परिहाणि** स्त्री० (परिहानि) आयुष्यनो प्रतिक्षणे थतो क्षय, आउखानो घटाडो. आयु का प्रतिक्षण होता हुआ क्षय आयुष्य की हीनता. destruction of life going on every moment पंचा० १, ४८,—**बंध.** पु (-बन्ध) आयुष्य-कर्मनो बन्ध. आयुकर्म का बंध the bondage of Āyusya-Karma "कइविहेणं भंते ? आउय बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे आउय बंधे पण्णत्ते" भग० ६, ८,

आउर. त्रि० (आतुर) आतुर; आकुल-व्याकुल, तल्पी रहेल. विह्वल आतुर, व्याकुल, तडफताहुआ, विह्वल Eager; distracted, longing "तत्थ तत्थ पुढो पास आतुरा परितावति" आया० १, ६, २, १८१, उत्त० २, ५; ३२, २४, वव० ४, २६, नाया० १, जाबा० ३, १, भग० २५, ७, (२) रोगी, पीडित दु:खी, मांदो रोगी, बीमार diseased, afflicted; troubled भग० २५, ७, दस० ३, ६; नाया० १४, ठा० ४, ४, विशे० ८६१; विवा० ७,—**स्सरण** न० (-स्मरण) क्षुधा आदिथी आतुर थइने पहेला खाधेला अन्न पानकुं स्मरण करवुं ते आतुरपणे स्मरण करवु ते क्षुधादि से आतुर होकर पहिले किये हुए भोजन का स्मरण करना wistful recollection of food formerly taken (by one oppressed with hunger) "तत्ता निव्वुड भोइत्तं आउर स्सरणाणि य" दस० ३ ६,

आउरपच्चक्खाण न० (आतुरप्रत्याख्यान) २९ उत्कालिक सूत्रमानुं २८ मुं सूत्र; आउर-पच्चक्खाण नामे एक पयन्नो २९ उत्कालिक सूत्रों में से २८ वां सूत्र, आउर पच्चक्खाण नामक एक पइन्ना The 28th of the 29 Utkalika Sūtras, a Pannā of the name of Āura-pachchakkhāṇa नंदी ४३,

आउरिअ त्रि (आतुरित) मांदगीवाळो; आतुर थयेल बीमार, आतुरतावाला Diseased, sick, eager. राय० २५८;

आउल. त्रि० (आकुल) आकुल व्याकुल आकुल व्याकुल Distracted. नाया० १, ६, भग० १, १०; नंदी० १६, विशे० ६०० आव० ४, ४, ओघ० नि० ५१५; (२) व्याप्त; भरेल; भराहुआ full of; filled with. नंदी० १६, ओव० ३१; (३)

समूह समूह a collection a group अणुजा० ५७;—घर पु० (-गृह) જીવો થી ભરેલ ઘર a house full of sentient beings जीवों से भराहुआ घर नाया० ६,

आउलतर त्रि० (आकुलतर) અતિશય આકુલ. बहुत ज्यादह आकुल Highly distracted, greatly troubled in mind " णो आउलतरायेव " भग० १३, ४;

आउलत्त न० (आकुलत्व) આકુલત્વ વ્યાપ્તપણું व्याप्तता State of being filled with or pervaded by प्रव० १८६,

आउलिय त्रि० (आकुलित) વ્યાકુલ થયેલ. व्याकुल Perturbed, distracted सु० च० २, ३२८,

आउलीकरण न० (आकुलीकरण) પ્રચુરી કરણ—વધુ કરવું—વધારવું તે, સંસારને વધારવો તે. बहुत कुछ बढ़ाना, संसार भ्रमण की वृद्धि करना. Extending, increasing, increasing worldly existence भग० १, ६,

आउव्वेय पु० (आयुर्वेद-आयुर्जीवितं तद्विदन्ति रक्षितुमनुभवन्ति वापक्रमरूपान विदन्ति वा जगत यथा काल येन यस्मात्स्मिन् वन्यायुर्वेद) ચિકિત્સા શાસ્ત્ર વૈદક શાસ્ત્ર चिकित्सा शास्त्र, आयुर्वेद शास्त्र, वैद्यक Science of medicine "अट्ठविह आउव्वेए पण्णत्ते, तं जहा—कुमारभिच्च —कायतिगिच्छा सालाइसल्लहत्ता जंगोली भूयविज्जा खारतंत रसायणे" ठा० ८;

√**आउस** धा० I-II. (आ+क्रुश्) આક્રોશ કરવો, ઠપકો આપવો. आक्रोश करना, उलाहना देना. To cry out; to reproach; to rebuke

आउसइ भग० १५, १, नाया० १८;
आउसिज्जिहिति भ० भग० १५, १; नाया० १८;
आउसित्तए हे० कृ० राय० २६६;
आउसइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १,

आउस न० (आयुष्य) આયુષ્ય; આવરદા. आयुष्य, आयुष्य-काल Life; life-period सू० प० ८

आउस प० (आक्रोश) આક્રોશ ભરેલ વચન, ઠપકાના વચન. उलाहना भरा वचन. Words of reproach or rebuke. राय० २६६,

आउस त्रि० (आयुष्मत्) દીર્ઘાયુ ચિરંજીવી दीर्घायु, चिरजीवी, लंबी आयु वाला. Long-lived आया० १, १, १, १, सम० १, नाया० १४, पन्न० २,

आउसो स ए० व० जावा १ भग० ८, ६; १५, १ १०, ३ २० ८, ओव० ३४,

आउसन्त त्रि० (आयुष्मत्) દીર્ઘાયુ, ચિરંજીવી दीर्घायु लंबी उम्र वाला Long-lived " सुयं मे आउसन्तेणं " सूय० २, ३, ४३, २, ७, ५, ठा० १, आया० १, १, ३ १४, १, ७, २, २०२, २, ३, ३, १२६ निसी० ६, ४,

आउसणा स्त्री० (आक्रोशना) આક્રોશ કરવો તે चिल्लाना, बुरा भला कहना शोर करना Crying out, reproaching. भग० १५, १,

आउस्स. पु० (आक्रोश) આક્રોશ—કર્કશ વચન कठोर वचन Harsh words of rebuke. सूय० १, ३, ३ १८,

आउह न० (आयुध) આયુધ, શસ્ત્ર, હથીયાર शस्त्र हथियार A weapon. नाया० २, १६, १८; भग० ३, १०; ७, ६; ६, ३३; सु० च० १०, ४४; ज० प० ३, ४३; —घर. न० (-गृह) આયુધ ઘર; આયુધ

शाला; હથીયાર રાખવાનું સ્થાન शस्त्रागार; हथियार रखने की जगह an armoury. जं० प० ३, ४३; —घरसाला. स्त्री० (-गृहशाला) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide, "आउहघर" जं० प० ३, ४३, —घरेअ. पुं० (-गृहिक) આયુધશાલ નો ઉપરિ—અધ્યક્ષ आयुधशाला का अध्यक्ष a superintendent of an armoury "तएणं से आउहघरिए" जं० प० ३, ४३,

आऊणय त्रि० (* आऊनक-ईषदूनक) કંઇક ઓછુ, ઉણુ कुछ कम Somewhat less. भग० २५, ७;

आऊसिय त्रि० (*) પ્રવેશ કરેલ प्रविष्ट Entered "आऊसियवयणगंडदेसं" नाया० ८, (२) સંકુચિત. सकुचित contracted "आऊसिय अक्खचम्म उद्दट्टगंडदेस" नाया ८,

आएज्ज त्रि० (आदेय) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય, માનનીય ग्रहण करने योग्य, मानने योग्य Worth being accepted or taken जं० प० क० प० ७, ८, —वयण न० (-वचन) માનનીય વચન मानने योग्य वचन words worth accepting उत्त० ३६, ६;

आएस त्रि० (*आ+इष्यत्-एष्यत्) આવતું, આવવાનુ आता हुआ. Coming "आएसा विभंति सुव्वया" सूय० १, २, ३, १६;

आएस पुं० (आदेश-आदिश्यते आज्ञाप्यते सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथ्यं यावतद्राशनदानादिव्यापारे स आदेशः) પાહુણો, પરોણો, મિજમાન. अतिथि; पाहुना. A guest. "आएसाए समीहिए" उत्त० ७, १, ४; ओघ० नि० १४८, ६६१, ओघ० नि० भा० १४७, निसी० १०, १३, वव० ६, १. (२) પ્રકાર, ભેદ. प्रकार, भेद mode; kind भग० ८, २, नंदी० ३६, पएण० १; प्रव० ५१६, विशे० ४०३. (३) વિશેષ, વ્યક્તિ રૂપ विशेष, व्यक्तिरूप particular, individual उत्त० ३६, ६; (४) સૂત્ર, આગમ, શાસ્ત્ર सूत्र, आगम; शास्त्र a Sūtra or scripture. विशे० ४०५; (५) ઉત્પાદ વ્યય અને ધ્રૌવ્ય એ ત્રિપદી કે જે ગણધરને પ્રથમ સંભળાવવામાં આવે છે उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य ये त्रिपदा जो कि गणधर को पहले कहा जाता है the three conditions that are first taught to a Gaṇadhara, viz birth, decay and steady existence विशे. ५५०; (६) વ્યપદેશ, વ્યવહાર व्यपदेश, व्यवहार. denomination; nomenclature. सूय० १, ८, ३, (७) હુકમ; આજ્ઞા. हुकम, आज्ञा command. सु० च० २, ४५६, पिं० नि० १८४, पंचा० ५, ४५; जीवा० १, (८) મત. मत an opinion "वीओचय आएसो" प्रव० ८५५; —सव्वय पुं० (-सर्व-आदेशमादेश उपचारोऽव्यवहारस्तन सर्वमादेशसर्वम्) ઉપચારથી સર્વ; પ્રચુર અથવા પ્રધાન વસ્તુમાં સર્વનો ઉપચાર કરવો તે જેમ ભોજનમા ઘી વધારે હોય તો આજ તો એકલું ઘીજ ખાધુ,

* કોઇ જગ્યાએ મૂળ શબ્દને લગતો સંસ્કૃત પર્યાય સંસ્કૃત કોષ્ટમાં ન હોય તેવે સ્થલે સંસ્કૃતની જગ્યા ખાલી રાખવામાં આવી છે जहा मूलशब्द का पर्यायवाच संस्कृत शब्द नहीं मिला वहाँ संस्कृत शब्द का जगह खाली रखन में आई है Blank space left in brackets indicates that no satisfactory तद्भव or तत्सम Sanskrit equivalent is available.

आमां घीनी प्रधानताने लीधे घी शिवायनी वस्तुमां पण घीनो उपचार कर्यो. एक का अधिकता से उसका सब में उपचार करना; जैसे कि भोजन में घी अधिक होने पर यह कहना कि आज तो घी ही घी खाया इस मे घी का प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं मे भी घी का उपचार किया denominating a thing by giving the whole of it the name of a part which is prominently found there

आएसगु न० (आदेशन) लुहार वगेरेनी केड—कारखानु लुहार वगैरह का कारखाना, A workshop of a blacksmith etc दसा १०, १ आया० २, २, ८०

आएसिय न० (आदेशिक) साधुने दान माटे कल्पी राखेल आहारादि आहारनो एक दोष साधु को देने की इच्छा से रखा हुआ आहार वगैरह, आहार का एक दोष Food etc pre-determined to be given to a Sādhu, a kind of sin relating to food पिं० नि० २२६.

आओग पु० (आयोग) द्रव्य संपादन करवानो उपाय धंधो-व्यापार वगेरे द्रव्य उपार्जन करने का उपाय, धंधा व्यापार आदि Business, trade, means of earning. भग० २, ५, सूय० २, ७, २, (२) पैसानी आवक, बमणो त्रणगणो वटाव. धन की आमदनी, दुगना तिगना बटाव. income, double or treble profit of exchange आव० ज० प० ३, ५६,—**पओग** पु० (-प्रयोग आयोग-द्रव्यार्थमायस्य प्रयोगा उपाया) द्रव्य संपादन करवानो उपाय, द्रव्यवृद्धिमाटे धीरधार करवी ते द्रव्य संपादन करने का उपाय. वृद्धि के लिये देन लेन करना. earning wealth; business of lending etc जं० प० ३, ५६;—**पओग-संपउत्त** त्रि० (-प्रयोगसंप्रयुक्त) द्रव्य उपार्जन करवाना उपायमां प्रवृत्त थयेल. द्रव्यापर्जन के उपाय में प्रवृत्त तत्पर. (one) engaged in money-making concerns जं० प० ३, ५६;

आओजिया स्त्री० (आयोजिका)* तीव्र परिणामथी करवामां आवती क्रिया के जेनाथी संसार संबंध वधे छे तीव्र परिणाम से का जाने वाली क्रिया, जिससे कि संसार सम्बन्ध बढता है An action done with keen thought-activity increasing one's worldly attachment पन्न० २२

आओज्ज न० (आतोद्य) वाद्य, वाजित्र वाजां, वाद्य A kind of musical instrument ओव० ३०,

आओज्ज त्रि० (आयोज्य) मर्यादा पूर्वक जोडवा योग्य मर्यादा पूर्वक जोडने योग्य Worth being united within limits विशे० २३,

आओस धा० I, II. (आ+क्रुश्) तिरस्कार करवो, ठपको देवो तिरस्कार करना; उलाहना देना To upbraid, to reproach

आओसंति उवा० ७, २००,

आओसेज्जासि उवा० ७, २००;

आओसेज्जा विवि० उवा० ७, २००;

आओस पु० (§) परोढियुं, सूर्योदय पहेलानी बे घडी संवेरा, प्रातःकाल.

§ जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट * देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट *. Vide foot-note * of the 15th page.

Dawn, "वेसायसे संमासी समुई वेसाए सिमाए असर्म" पिं० नि० भा० ४१;

आंताहू. त्रि० (आन्ताशिन्-आन्तमेवग्राम्लं भुक्तावशेषं तदाम्लमशनीयेतच्छील आन्ताशी) ખાતાં પીતાં બાકી રહેલ આહાર લેનાર, (સાધુ). औरों के खाते बचे हुए आहार को खानेवाला, (साधु). (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others पन्ना० १८, ३१;

आंदोलिर. (* आन्दोलित्) કંપનશીલ कंपनशील; कांपनेवाला Trembling, of a quaking nature. सु० च० २. ६२४;

√आकंख. धा० I (आ+कांक्ष्) ઇચ્છવું, આકાંક્ષા રાખવી इच्छाकरना, आकांक्षा रखना. To wish; to desire. आकंखी वि० "निव्वुडे कालमाकंखी" सूय० १, ११ ३८;

आकंखिर त्रि० (* आ कांक्षिन्) આકાંક્ષા કરનાર, આકાંક્ષણશીલ आकांक्षा करने वाला One who wishes or desires. सु० च० २, ३२८;

√आकंप धा० I (आ+कम्प्) આરાધના કરવી. आराधना करना. To adore; to worship (२) સન્મુખ રહેવું. सन्मुख रहना. to remain face to face, to remain in one's presence. आकंपइत्ता. सं० कृ० भग० २५, ७;

आकड्ढ. त्रि० (आकृष्ट) સામે ખેંચેલ. सामने की ओर खींचा हुआ. Drawn towards पण्ह० १, १,

आकड्ढ. त्रि० (आकर्ष) સામે ખેંચવું તે. सन्मुख खींचना. Drawn towards. भग० ३, १; —विकड्ढि. स्त्री० (-विकृष्टि) આમતેમ ખેંચવું તે, ખેંચાખેંચ કરવી તે इधर उधर खींचना, pulling in different directions. भग० ३, १; १४, १;

आकड्ढित्ता सं० कृ० अ० (आकर्ष) सांभळीने. सुनकर. Having heard. नाया० १६;

√आकण्ण. धा० I. (आ+कर्ण्) સાંભળવું. सुनना. To hear.

आयण्णइ सु० च० १४, ४१.

आयण्णंत. व० कृ० सु० च० २, ११७;

आयण्णिय. सं० कृ० सु० च० २. ७१,

आयण्णिऊण. सं० कृ० सु० च० ७, १६७;

आकम्हिय. त्रि० (आकस्मिक—अकस्मात् भवति तदाकस्मिकम्) આકસ્મિક; અહેતુ; કારણ વગરનું आकस्मिक; अचानक, बिना कारण के Accidental, without any assignable cause. "बज्झ निमित्ताभावा जंभयमाकम्हियं" विशे० ३४५१;

आकार पुं० (आकार) આકૃતિ; ચહેરો; આકાર आकार; चेहरा; डील डौल Form, shape, figure, face सू० प० २०; ओव० निसी० ७, ३८. उवा० २, ६०; ६८;

आकासफलोवमा. स्त्री० (आकाशफलोपमा) ખાદ્ય-ખાવાનો એક પદાર્થ. खानेका एक पदार्थ An eatable substance, a substance used as food ज० पं० १, ११,

आकासिआ स्त्री० (आकाशिका) ખાદ્ય વિશેષ, ખાવાનો એક પદાર્થ खानेका एक पदार्थ A kind of food, a substance used as food जं० पं० १, ११;

आकिइ स्त्री० (आकृति) આકાર, આકૃતિ દેખાવ आकृति, रूपरंग, दरस. Form, shape; appearance. सम०

आकिंचण. न० (आकिंचन्य—आकिंचनस्यभाव आकिंचन्यम्) પરિગ્રહ રહિત પણું; સુવર્ણ આદિ પરિગ્રહનો અભાવ. परिग्रह रहितता; परिग्रह का अभाव. Absence of worldly possessions

like gold etc. पंचा० ११, १६; सु० च० ३, ४७;

आकिति स्त्री० (आकृति) આકાર, દેખાવ आकृति, स्वरूप. Form, appearance, shape जीवा० ३, ४;

आकीलवास. पुं० (आक्रीडावास) ગૌતમ-દ્વીપમાં રહેતા લવણ-સમુદ્રના અધિપતિ સુસ્થિક દેવતાનો ક્રીડાવાસ गौतम द्वीप में रहने वाले, लवण समुद्र अधिपति - सुस्तिक देवका क्रीडा क्षेत्र. The pleasure-abode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa जीवा० ३ ४.

आकुंचण न० (आकुञ्चन) સંકોચવું તે संकोचना Contraction. विशे० २४६२

—पट्टग. न० (-पट्टक) પલાંઠી કે કમર બાંધવાનું વસ્ત્ર कमर बान्धने का वस्त्र a cloth used to tie the waist वेय० ५, ३१,

आकुंचिय. त्रि० (आकुञ्चित) સંકોચેલ सकुचित, सिकोड़ा हुआ. Contracted. नाया० १;

आकुट्ठ. त्रि० (आकुष्ट) જેને આક્રોશ ભરેલ વચન સંભળાવવામાં આવે તે. जिसे कर्कश वचन सुनाये जावें वह (One) who is upbraided, reproached नाया० १, ६,२, १८३;

आकुल त्रि० (आकुल) જુઓ "आउल" શબ્દ देखो "आउल" शब्द Vide "आउल" सूय० १, १, १, २६;

आकूत. न० (आकूत) અભિપ્રેત વસ્તુ चाही हुई वस्तु; ईप्सित वस्तु. Desired object. विशे० २१५५;

आकूय. पुं० (आकूत) અભિપ્રાય; આશય अभिप्राय, मन्शा. Opinion; intended meaning (२) न० અભિપ્રેત-ઇચ્છિત વસ્તુ. चाही हुई वस्तु; ईप्सित वस्तु. a desired thing. विशे० २२८;

√आ-क्खा धा० I, II (आ+ख्या) કહેવું; કથન કરવું कहना; कथन करना. To tell; to narrate.

आघवेइ भग० ८, २; १६, ६;

आघवेज्ज वि० भग० ६, ३१;

आघवित्तए नाया० १;

आघवेत्तए. नाया० ८; भग० ९, ३१;

आघवेत्ता ठा० ३, १;

आघवमाणा. नाया० ५, ८, ओव० ३८;

आहिज्जइ क० वा० सूय० २, १, २०,

आहिज्जति क० वा० भग० १६, ३, कप्प० ५, १०३,

आघविज्जन्ति. क० वा० नंदी० ४५, सम० प० १७०,

आक्खेवण. न० (आक्षेपण) આક્ષેપ કરવો તે. आक्षेप करना Blaming for a fault; charging with a fault नाया० ७;

√आखोड धा० I (आ + खुड) ફાડવું; દાંત વડે કટકા કટકા કરવા. दांतों से टुकड़ २ करना To tear into pieces by means of teeth.

आखोडति नाया० ४;

आगइ. स्त्री० (आगति) આગમન; પરભવમાંથી આ ભવમાં આવવું તે आगमन; परभवसे इस भव में आना Coming, coming to this birth from the previous birth भग० ६, ३; आया० १, ३, ३, ११६; जं० प० २, ३१, वव० ६, २०; राय० २३३; कप्प० ५, १२०; प्रव० ४४; पंचा० १, २५; (२) ઉત્પત્તિ जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. "पुणा आगाइ" ठा० १;

—गइ. स्त्री० (-गति) આવવું જવું તે; આગમન; ગમનાગતિ. आना जाना; आवागमन.

coming and going; passing and repassing. पंचा० २, २५; —आइविशाण. न० (गतिविज्ञान) ક્યાંથી આવ્યો ને ક્યાં જવું એવો નિર્ણય કરવો તે. भूत भविष्य के जन्म का निर्णय करना knowledge of the past and the future births etc; knowledge of whence and whither. "आगइगइविष्णाया इत्तस्स तह पुण्ण पावस्स" पंचा० २, २५. —गइविन्नाण. त्रि० (-गतिविज्ञात) આવવા જવાથી, હાલવા ચાલવાથી જીવરૂપે જણાયેલ નાનકડા જંતુ આવ આવ કરતા જીવ રૂપે જણાયેલ ત્રસજીવ—બેઇંદ્રિય આદિ જીવ. आना जाना हलन चलन से जीवत्व का भाव होता जिन का ऐसा चलने वाला आने जाने से जाना हुआ known to be living by to and fro motion, e g a tiny insect etc दश० ४,

आगारमेत्त. न० (आकृतिमात्र) આકાર માત્ર आकार मात्र Only the shape राया० १;

आगारगार. न० (* आगन्तागार—आगन्तागार) મુસાફર વગેરેને ઉતરવાનું સ્થાન आगन्तुक आदि के उतरने का स्थान, सराय, धर्मशाला, अतिथिशाला Caravansary, a house for travellers. "आगमगारे आरामगारे समणे उ भीतेय उवेतिवासं" सूय० २, ६, १५;

आगमण. न० (आगमन) આવવું. आना Coming सु० च० १, १५३;

आगमेतार. त्रि० (आगमक) આવનાર. आने वाला. (One) who comes, a comer. "आगंतारो महब्भयं" सूय० १, २, १, १५; १, २, ३, ६; १, ११, ३१;

आगंतार. पुं० न० (आगन्त्वगार) આગન્તુક મુસાફરો ને ઉતરવાની ધર્મશાળા. धर्मशाला; सराय A house for travellers; a caravansary. आया० २, १, ८, ४४; निसी० ३, १;

आगंतु त्रि० (आगन्तु) અતિથિ; મુસાફર. आनेवाला; मुसाफिर. A traveller; a guest. सूय० १, १, ३, १; २, २, ८१; कप्प० २, ८७; —छेय. पुं० (-च्छेद) ભવિષ્યમાં પ્રાપ્ત થવાનું હોય તેનું તલવાર વગેરેથી છેદન કરવું તે. भविष्य में प्राप्त होने वाले का तलवार आदि से छेदन करना destruction of that which is to come; e. g with a sword etc. सूय० २, २, ८१; —भेय. पुं० (-भेद) ભવિષ્યમાં પ્રાપ્ત થવાનું હોય તેનું ભાલા વગેરેથી ભેદન કરવું તે. भविष्यमें आनेवाले का भाला वगैरह से भेदन करना. piercing e g with a lance etc. of that which is to come or to be encountered in the future. सूय० २, २, ८१;

आगंतुग त्रि० (आगन्तुक) અતિથિ, મુસાફર- કાપડી વગેરે अतिथि, मुसाफिर. (One) who arrives; e g a traveller etc ओघ० नि० २१६, (२) આવવાનો ઉપસર્ગ आना उपसर्ग—भय the future trouble "आगंतुगेय पीलाकरो य ओ मे उवसग्गो" पचा० १६, ८; सूय० नि० १, ३, १, ४५;

आगंतुय त्रि० (आगन्तुक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो "आगंतुग" शब्द. Vide, "आगतुग" ओघ० नि० २१६;

√आगच्छ. धा० I (आ+गम्) આ વવું. આવી પહોંચવું. आना; आ पहुंचना. To come; to arrive.

आगच्छइ. नाया० ३; १५; १६, भग० १, ६, ७; २, १, जं० प० ७, १३३;
आगच्छंति. नाया० ८; भग० १, ८;
आगच्छंजा. वि० अणुजो० १३४; भग० ६, ५, १३, ६; वेय० ५, १०, जं० प० २, १६; ओव० १६,
आगच्छे. वि० दसा० ७, १, क० गं० २, ८,
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६,
आगच्छिस्सइ भ० उवा० ७, १८८;
आगच्छित्तए हे० स० कृ० राय० २४८, भग० १८, ७, ठा० ३, १,
आगच्छमाया. व० कृ० भग० १२, ६;

आगति. स्त्री० (आकृति) આકૃતિ. आकृति, आकार, प्रकार Form, appearance विवा० १;

आगति स्त्री० (आगति) જુઓ " आगइ " શબ્દ देखो " आगइ " शब्द Vide " आगइ ". ठा० १, १,

√आगच्छ धा० II (आ+गम्) મેળવવુ, પામવું. प्राप्त करना, पाना To gain (२) જાણવું जानना to know (३) આવવું आना to arrive at.
आगमइ विवा० ६,
आगम्म. स० कृ० राय० २४५,
आगम्म स० कृ० आया० १, ६, १, ३, भग० १, ८, जं० प० ५, १२०; नाया० १४;
आगमित्ता. सं० कृ० ओव० २२; उत्त० १, २२, १४, ३, दसा० ७ १, सूय० २, ७, ३६, आया० १, ५, १, १८४;
आगम्मं हे० कृ० सूय० १, १, २, ३१;
आगमित्तए. हे० कृ० भग० १६, ५,
आगमिय स० कृ० क० प० ७, ४३,
आगममाण व० कृ० आया० १, ६, ३, १८५; १, ७, ४, २१६,

आगम. पुं० (आगम) આગમ; સિદ્ધાંત; સૂત્ર. शास्त्र; सिद्धान्त, सूत्र; आगम. Scripture; principle; motto. भग० ५, ४, अणुजो० ४२; पराह० २, २; ठा० ४, ३; दस० ६, १; (२) આગમ પ્રમાણ; આપ્ત વચનથી થતુ જ્ઞાન. आगम प्रमाण; आप्तवाक्य से होने वाला ज्ञान authority of Sūtra अणुजो० १४७, विशे० ४७०; १५५२; (३) આગમ વ્યવહાર आगम व्यवहार terms of scripture. ठा० ५, २; (४) આકાશ आकाश. the sky. भग० २०, २, (५) આગમન; આવવુ ते आना arrival, coming दस० ७, ११, (६) (आ-अभिविधिना मर्यादया वा गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्था:येन स आगम.) કેવલ મનપર્યવ અને અવધિ જ્ઞાન केवल मनपर्यव और अवधि ज्ञान the three kinds of knowledge viz Kevala Manaparyava & Avadhijñāna. भग० ८, ८, वव० १० ३. पचा० ६, १; (७) નવમા પૂર્વથી ચૌદ પૂર્વ સુધી. नौवे पूर्वसे चौदहवे पूर्व तक the Pūrvas from the 9th to the 14th Purva क० प० ७, १८, —पह पुं० (-पथ) લાભ માર્ગ लाभका माग a beneficial or profitable path ठा० ५; —बलिय पुं० (-बलिक) આગમ જ્ઞાનમા બલવાન; કેવલીપ્રભૃતિ आगम ज्ञान मे बलवान; केवली प्रभृति. (one) strong in the knowledge of the Śāstras, e. g Kevali etc. " आगम बलिया समणा खिग्गंथा " भग० ८, ८; वव० १०, ३; —बहुमाण. पुं० (-बहुमान) શાસ્ત્રનું બહુમાન કરવું તે. शास्त्र का अधिक मान paying high reverence to scriptures. प्रव०

१११; —ववहार. पुं० (-व्यवहार) नव-पूर्वथी मांडपूर्वसुधी जाणनार तथा केवली-नो व्यवहार—प्रायश्चित दानादि विधि. नौ पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा केवली का व्यवहार-प्रायश्चित दानादि विधि. the Vyavahāra i. e. the work of a Kevali as also of one who knows the Pūrvas from the 9th to the 14th Pūrva e g. administering expiation etc. प्रव० ८११; —ववहारि. पुं० (-व्यवहारिन्) प्रत्यक्ष ज्ञानी; नवपूर्वी उपरांत केवली सुधी. प्रत्यक्ष ज्ञानी, नवपूर्व के ज्ञानी से लगाकर केवल ज्ञानी तक. (one) having direct visual knowledge; any one from one knowing nine Pūrvas to a Kevali. जीवा० ३; —सत्थ. न० (-शास्त्र) आगम शास्त्र. श्रुतज्ञान. आगम शास्त्र, श्रुतज्ञान scripture, Sūtras. "आगमसत्थग्गहणं जं बुद्धि गुणेहिं अट्ठेहिं दिट्ठं" नंदी० —सुद्ध. त्रि० (-शुद्ध) आगम सूत्र अनुसार निर्दोष-शुद्ध. आगम के अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as judged by the code of Sūtras "पंचविहिमागमसुद्धं सपरेसिमट्ठम्मइ हाए" पंचा० ६, १;

आगमओ अ० (आगमत:) आगम शास्त्रने आश्रीने; सूत्रने अवलंबीने. शास्त्र का आश्रय लेकर. Abiding by the principles of scriptures; with the authority of scriptures. अणुजो० १२; विशे० २६;

आगमण. न० (आगमन) आगमन; आववुं ते. आगमन, आना. Arrival; coming. भग० ६, ३३, ११, ११; १३, ४; नाया० ३; १६; ओव० २६; राय० ५; पिं० नि० ८३; वेय० १, १६; उवा० १, ७८; पंचा० १, १६; —गहिय विणिच्छय. त्रि० (-गृहीत विनिश्चय) आववाने निश्चय करेल. आने का निश्चय किया हुआ one determined to come. भग० ३, ३३; —गिह. न० (-गृह-पथिकादीनामागमनेनोपेतं तदर्थं वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशाळा; मुसाफर-खानुं. धर्मशाला; सराय. a house for travellers to lodge. "आगमणगिहंसिवा" वेय० २, १०; —पह. न० (-पथ) आववानो मार्ग. आने का मार्ग; रास्ता. a way to come in निसी० ४, १०; —प्पओयण. न० (-प्रयोजन) आववानुं प्रयोजन. आने का प्रयोजन cause of arrival. विवा० १, ६;

आगमणगमणपविभत्ति. न. (आगमनागमनप्रविभक्ति) जेमां चंद्र आदिनुं आगमन गमन दर्शाववामां आवे तेवुं बत्रीश प्रकारना नाटकमानुं सातमुं नाटक. चंद्र आदिका आवागमन प्रकट करने वाला बत्तीस प्रकार के नाटकों में से सातवाँ नाटक the seventh of the 32 kinds of drama exhibiting the appearance and disappearance of the moon "आगमणगमण-प-विभत्तिं णामं दिव्वं णट्ट विहिं उवदंसेंति" राय० ९२;

आगमिस्स त्रि० (आगमिष्यत्) भविष्यमां थनार; आवतुं. भविष्य म होने वाला. Future सूय० १, ८, २१, २, २, २३; आउ० २८; दसा० ६, १; १०, ३, नाया० १६; आया० १, ४, १, १२६. जं० प० २, ३६; —निमित्त न० (-निमित्त) भविष्यनु निमित्त भविष्य का निमित्त. a sign or omen of the future. निसी० १३, १४; ज० प० २, ३६;

आगमेसि. (आगमिष्यत्) भविष्यमां थवानुं;

आविष्य में होनेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१, ओघ० ३४, —भद्द. त्रि० (-भद्र) એક ભવ કરી જેને મોક્ષ જવનું છે તે एक भव कर जिस मोक्ष जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth सम० ६००, (२) भविष्यनुं કલ્યાણ भविष्य का कल्याण. future welfare जं०प० २,३१, "समखस्य यं भगवओ महावीरस्य भद्द सयाखुसतेवबाहय या गइ कल्लाणाय आव आगमेसि भद्दाखु उढ़ा लेया" कप्प० ६.

आगमेस्स त्रि० (आ-गमिष्यत्) આવતે કાળ, ભવિષ્યનું भविष्य काल, भविष्यका The future (time); future, belonging to the future. अंत० ५, १; भग.० २०, ८,

आगय. त्रि० (आगत) આવેલ; પ્રાપ્ત થયેલ आया हुआ; प्राप्त Come, obtained उवा० १, ६६; ८६, २, ११३, ११४, ११८, नाया० १; ८; १६; १८; पिं०नि० १६८; सम० ११. ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५, ६; १०, ३४; भग० १, ७, २, १; ३, १, ३; ५, ४; ६, ३३; १६, ५; १८, ७, दसा० ६, १५; दस० ५, १, ८२, राय० २३२, आया० १, १, १, २, —गंध. त्रि० (-गंध) જેમાં સુગન્ધ ઉત્પન્ન થયેલ છે તે. जिसमें सुगन्ध उत्पन्न हुई है वह. (that) in which fragrance is born. नाया० ७; —पराषा. त्रि० (-प्रज्ञ-आगता उत्पन्ना प्रज्ञा यस्या सावागत प्रज्ञ) જેને પ્રજ્ઞા ઉત્પન્ન થઇ છે તે; આગતબુદ્ધિવાળો. जिसमें प्रज्ञा उत्पन्न हुई है वह; बुद्धिवाला. wise; cautious. "अभिम लमिलीसु सुलीसुय आगय-पवध्ये" सूय० १, १४, ५; —पराहुया. स्त्री० (-प्रस्रवा-आगतः प्रस्त्रवो यस्याः सा)

જેને પુત્ર સ્નેહથી પાનો ચડયો છે તે. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बढ़जाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. "तद्दयासा देवाणंदा माहणी आ गय पण्हया" भग० ९, ३३. —समय त्रि० (समय) નજિકમાં જેને અવસર આવેલ છે તે जिसका समय पास आया हो वह (that) for which the time is ripe नाया० ६;

आगर. पु० (आकर) સેનુ રૂપુ વગેરેની ખાણ सान, चांदी की खदान A mine (of gold, silver etc) जं० प० ३, २२ जं० प० टा० २, ४, भग० १, १ ७, ६; नाया १, ८, १४, १६ राय० २३३ जीवा० ३, १ आय० नि० भा० ८ आव० ३०; उत्त० ३०, १६, सम० ३ वेय० १, ७ दी० ४७, आया० १ ७, ६ २२२, २, १ २, १२, उवा० १, २०, १०८ (२) મીઠાનું અગર. नमक का खदान, a salt pit, a field from which salt is obtained. आया० १.७, ६. २२२ २, १ २, १२, उत्त० ३०, १६. आव० ४, ३२,

आगरि-अ-य त्रि० (आकरिक) ખાણનો ધણી खदान का मालिक An owner of a mine ओघ० नि० भा० ६,

आगरिस पु० (आकर्ष) આકર્ષણ; ખેંચવું તે. आकर्षण, खींचना. Attraction प्रव० २८, पच० ६; (२) ફરીથી ગ્રહણ કરવું તે. फिर से ग्रहण करना. re-acceptance प्रव० ८४३, विशे० १४८४; (३) તેવી રીતના (જેયવાના) પ્રયત્નથી કર્મપુદ્ગલોનું ગ્રહણ કરવું તે कर्म-पुद्गलों का आकर्षण करना. attracting Karmic atoms सम० पच० ६; (४) પ્રાપ્તિ; ચારિત્રની પ્રાપ્તિ प्राप्ति, चारित्र

की प्राप्ति. gain; gaining of right conduct. " पुव्वामसिया मंते एय अव-व्वाइविया केवइया आगरिसा पएणत्ता " भग॰ २५, ६;

आगाढ. त्रि॰ (आगाढ) કઠણ; કઠણું; આકરું કાઠન; कठोर Harsh; hard निसी॰ १०, १, २, ३; १३, ११; (२) ગાઢ કારણ; પ્રબલ કારણ बलवान कारण powerful cause; cogent reason. गच्छा॰ ११६, (३) અતિ અશક્ત. अत्यंत अशक्त very weak. ओघ॰ नि॰ ७८,

आगाढ जोग. पुं॰ (आगाढ योग) ગણિપે ગ આચાર્ય પેગ વહન કરવું તે. गणियान, जिसे आचार्य वहन करता है Head preceptorship ओघ॰ नि॰ ५४८,

आगामि त्रि॰ (आगामिन्) ભવિષ્યમા મળ નાર; પ્રાપ્ત થનારુ भविष्य में प्राप्त होने वाला Coming, future ठा॰ २, ४ —पह पुं॰ (-पथ) ભવિષ્યમાં મળનાની વસ્તુને માર્ગ भविष्य में मिलनेवाला वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future ठा २, ४,

आगामिय. त्रि॰ (अग्रामिक) ગામ-શહેર વગરનુ ग्राम रहित. Devoid of a city or a village अत्थेगइया खिण्णा य छिण्णावाओव एगमहं आम नियं छिण्णावायं दीहमद्धं मणुप्पविट्ठा." नाया॰ १८;

आगार. पुं॰ (आकार) આકૃતિ; સંઠાણ. आकृति; सस्थान. Configuration; form. " सिंगारागार चारुवेसाए " राय॰ भग॰ ५, ४; पन्न॰ १७, नाया॰ १; २, विशे॰ २६; गच्छा॰ १२१, प्रव॰ १४६६, पन्ना॰ ५, ४; उवा॰ १, १३; (२) આકાર; સિકલ; ચહેરા. आकार; स्वरूप. face; appearance; form. पन्न॰ १०; (३) ભેદ; પ્રકાર; તરેહ. भेद; प्रकार kind; variety. पन्न॰ १३; २१; (४) સ્વરૂપ; વિશેષ લક્ષણ. स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape or form; special quality. " आगारो य विसेसो " जीवा॰ (५) (आकियते आकलव्यते अभिप्रेतं मनोविकल्पितं वस्तवनेनेत्याकार:) બાહ્ય ચેષ્ટા; આંતરિક અભિપ્રાય સૂચક આંખ, મુખ, હાથ વગેરેની ચેષ્ટા. आंतरिक अभिप्रायसूचक बाह्य चेष्टा. movements of eye etc, indicative of inward mind. उत्त॰ १, २; विशे॰ २११२, (६) કાઉસગ્ગના અપવાદ-છુટ. कायोत्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kausagga. " एव माइएहिं आगारेहिं अभग्गो अविराहिओ " आव॰ १, ५; (७) પચ્ચખાણના અપવાદ છુટ, પચ્ચખાણમા મુકેલ આગાર. पच्चक्खाण का अपवाद. exception to the rules of Pachchakkhāṇa. प्रव॰ ६४; —अभावओ. अ॰ (-अभावतस्) આકારના અભાવથી. आकार के अभाव से. due to the absence of shape. विशे॰ ६५; —दरिसण. न॰ (-दर्शन) આકારનુ દેખાવુ તે आकार का दृश्य. sight of a form or shape विशे॰ ६६; —भाव पुं॰ (-भाव-आकारस्या कृतेर्भावा: पर्याया आकार भावा:) આકૃતિરૂપ પર્યાય; વસ્તુનું સ્વરૂપ વિશેષ. आकृतीरूप पर्याय; वस्तुका स्वरूप विशेष. a particular modification of the shape of a thing. भग॰ ७, ६; —भावपडोयार. पुं॰ (-आकारभावावतार आकारस्य आकृतेर्भावाः पर्यायास्तेषां प्रत्यवतारोऽवतरणमाविर्भाव आकारभाव प्रत्यवतार:) આકારના પર્યાયનો આવિર્ભાવ હતો તે; આકૃતિરૂપ

पर्यायनुं अवतरवुं हेतु तेः वस्तुनुं स्वरूप विशेष। आकार की पर्यायका आविर्भाव करना; वस्तु का स्वरूप विशेष. manifesting or showing the particular modification of the shape of a thing. "किमागार भत्त पडोयाराणं अंते वीयासमुदायधत्ता" जीवा० नाया० ८, भग० ६, ७; ७, ६. —विगार, पुं० (-विकार) आकृति-चेहरा उपर थयेल विकार-क्रोधादिजन्य फेरफार मुखपर होनेवाला विकार, क्रोधादिजन्य फेरफार a change on the countenance (produced by anger etc) "गइविब्भममाइएहिं आगार विगार तह पयासंति" गच्छा० १२१

—आगार. पु० (-आगार) घर, स्थान घर, जगह a house, an abode राय० ११३, सूय० १, १, १, १६, नाया० १, पण्ण० २०; भग० २, १, ६, ३१; दसा० ८, १, आव० १, ५; जं० प० २, ३०,

—आवास पु० (-आवास) गृहस्थाश्रम, घरसंसारमां लपटाई रहेवुं ते गृहस्थ वास, घर बारी में आपक्त होना absorption in worldly or household matters. नाया० ८,

—चरित्तधम्म पुं० (-चरित्रधर्म-आगारं गृह तद्योगाद् आगारा गृहिणस्तेषां चारित्रधर्मस्तथा) चारित्र धर्मने एक भेद-प्रकार, समकित पूर्वक बार व्रतरूप गृहस्थने चरित्र धर्म। चारित्र धर्म का एक भेद सम्यक्त्व पूर्वक बारह व्रत का गृहस्थ का चारित्र धर्म a variety of the rules of right conduct, a householder's duties in connection with right-conduct consisting in twelve vows accompanied with right faith. ठा० ४;

—धम्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थधर्म. गृहस्थ धर्म. the duty of a householder भग० १६, ६; —वास. पुं० (-वास) गृहवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थाश्रम. the stage or condition of life of a householder. "सेवो आगारवा. सोत्ति" उत्त० २, २४; जं० प० १, ७०; नाया० ८० —विणय. पुं० (-विनय) गृहस्थनो विनयरूप धर्म; गृहस्थधर्म. गृहस्थ का विनयरूप धर्म. the duty of reverence on the part of a house holder नाया० ५;

आगारमय त्रि० (आकारमय) आकृतिमय; आकृतिरूप आकृतिरूप Having a form or shape विशे० ६४;

आगारि. पुं० (आगारिन्) गृहस्थ. गृहस्थ. A householder, a layman. पिं० नि० २००;

आगाल. पुं० (आगाल) कर्मनी बीजी स्थितिमांथी कर्मना दलियाने उदीरणा प्रयोगे खेंचीने उदयमां लाववां ते, उदीरणानुं अपर-नाम कर्म की दूसरी स्थिति में से कर्म के भागों को उदीरणा के द्वारा खींचकर उदय में लाना; उदीरणा का नामान्तर Forcing up into maturity Karma which is yet in the 2nd stage; this is also called Udīraṇā. क० प० ५, १०;

आगास पु० न० (आ काश-सर्वभावप्रकाश-नादाकाशम्) आकाश, लोकालोक व्यापी अनंत प्रदेशात्मक छ द्रव्यमांनुं एक अमूर्त द्रव्य, धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्यना आधारभूत द्रव्य आकाश; लोकालोक व्याप्त अनन्त प्रदेशात्मक छः द्रव्यों में का एक अमूर्त द्रव्य, धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्योंका आधारभूत द्रव्य. The sky; one of the six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पन्न० १; अणुजो० १४३; ठा० २, १; ओव० १०, सू० प० १, नाया० १, ८, भग० १, १, ६; २, १०; ५, ६; २०, २, सूय० १, १, १, ७; उत्त० ६, ४८, २६, ७: ३६, २, ६, उवा० २, १३८; १४०, १४१; अणु० ६१; जं० प० ३, ४६, —अतिवाइ. पु० (-अतिपातिन् -आकाशं व्योमातिपतन्त्यतिक्रामन्ति ते तथा) આકાશમાં ઉડી આકાશમાંથી સુવર્ણ વૃષ્ટિ આદિ કરી દિવ્ય પ્રભાવ દર્શાવનાર आकाश में उडकर, आकाश से सुवर्ण वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला (one) soaring in the sky, (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky "अप्पेगइया .चारणा विज्जाहरा आगासातिवाइणो" ओव० १६, —गय त्रि० (-गत) આકાશવર્તિ, આકાશમાં અધર રહેલું आकाशवर्ति, आकाश में अधर रहा हुआ hanging in the sky "आगासगय चक्कं. आगासगयं छत्तं" सम० ३४, (२) અતિઉંચું, આકાશતલ સ્પર્શી बहुत ऊँचा, गगनस्पर्शी sky kissing; very lofty भग० ६, ३३, १६, ४, —गामि त्रि० (-गामिन्) આકાશમાં ફરનાર પ્રાણી, પક્ષી વગેરે आकाश मे उडने वाला प्राणी. a bird etc "आगासगामिणो पाणापाणे किलेसंति" आया० १, ६, १, १७७, —तल न० (-तल) આકાશનું તળીયું, आकाश का तल the bottom of the sky. नाया० १४ (२) ગગનતલ સ્પર્શી—ઊંચા મહેલ गगनस्पर्शी बहुत उंचा महल. palaces touching the sky i. e very lofty जीवा० ३, ३, नाया० १८,

v II/I.

—तलग न० (-तलक) અગાસી; ઝરૂખો. झरोखा a terrace. नाया० १६, विवा० ६; —थिग्गल न. (-थिग्गल) શરદઋતુનું સ્વચ્છ આકાશ; વાદળથી છુટું થતું આકાશખંડ કે જે અતિ શ્યામ દેખાય છે, થિગડારૂપ આકાશ. शरदऋतु का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless "आगास थिग्गले थंमंते! किएणा फुडे कइहिंवा काएहिं फुडे" पन्न० १५, —पइट्ठिय त्रि० (-प्रतिष्ठित) આકાશને અવલંબીને રહેલ आकाश का अवलंबन कर रहने वाला, आकाशावलंबी. supported by the sky, hanging by the sky, "आगास पइट्ठिए वाए" भग० १, १ —पंचम. पु० (-पञ्चम) આકાશ જેમા પાંચમું છે તે-પાંચ મહા ભૂત પૃથ્વી, પાણી, અગ્નિ, વાયુ અને આકાશ जिसमे आकाश पंचम है वह पंच महाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) the five elements of which ether is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether,. "पुढवी आऊ वाऊ तेऊवा, आगासपंचमा" सूय० १, १, १, ७, —पय. न० (-पद) દૃષ્ટિવાદાંતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મનો ચોથો ભેદ दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्धश्रेणि परिकर्म का चोथा भेद the fourth part of Siddha Śreṇi Parikarma in Dristivāda. सम० १२; —प्पएस पुं० (-प्रदेश) આકાશનો અવિભાજ્ય અંશ आकाश का अविभाज्य अंश. an indivisible part of the sky भग० २५, ४, विशे० ४८६; —फलियसरिस. त्रि० (-स्फटिकसदृश) અત્યન્ત સ્વચ્છ, સ્ફટિક તુલ્ય. अत्यन्त स्वच्छ, स्फटिक तुल्य. clear and trans-

parent like crystal. ओव॰ —फलिया मय. त्रि॰ (-स्फाटिकमय) અતિ-સ્વચ્છ; સ્ફટિકમય. अतिस्वच्छ, स्फटिक मय. very clear, crystal-like. "आगास फलियामय सपायपीढ सीहासणं" सम॰राय॰ —फलिह. पु॰ (-स्फटिक-आकाशमिव सत्यंतमच्छं स्फटिकमकाशस्फटिकम्) અતિ સ્વચ્છ સ્ફટિક; નિર્મલ સ્ફટિક अत्यंत स्वच्छ स्फटिक. very clear crystal. "आगास फलिहामएणं सपायपीढेण सीहासणेण" जं॰ प॰

आगासग. त्रि॰ (आकाशक) પ્રકાશક; प्रकाश करनेवाला. (That) which gives light. सम॰

आगासत्थिकाय. पुं॰ (आकाशास्तिकाय-अस्तयः प्रदेशा तेषां काय. समूह अस्तिकाय.) દરેક વસ્તુને અવકાશ આપનાર દ્રવ્ય; છ દ્રવ્યમાનુ ત્રીજું દ્રવ્ય प्रत्येक वस्तु को अवकाश देनेवाला द्रव्य, छ द्रव्यों मे का तीसरा द्रव्य. A substance in which all things exist or reside, the third of the six substances "आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा गोयमा अजेगा अभिवयणा" उत्त॰ २, २०, अणुजो॰ ६६, १३१, सम॰ ६, राय॰ २७०, भग॰ २, १०, ७, १०, २०, २;

आगास फालि ओवमा स्त्री॰ (आकाश स्फटिकोपमा) આકાશ અને સ્ફટિકના જેવી નિર્મલ એક જાતની મીઠા રસ વાલી ખાદ્ય વસ્તુ. आकाश और स्फटिकके समान निर्मल ऐसी मीठे रस वाली एक प्रकारकी खाद्य वस्तु A substance as pure and transparent as crystal used as food-stuff पन्न॰ १७; जं॰ प॰ २, २२;

आगालिउं हे॰ कृ॰ अ॰ (आकृष्टुम्) આકર્ષણ કરીને, સમીપ લાવીને आकर्षण करके; पास लाकर Having drawn near; having attracted. विशे॰ २२१;

आगालिय. त्रि॰ (आकर्षित) આકર્ષણ કરેલ; ઉપાડેલ. आकर्षित, आकर्षण किया हुआ. Attracted, drawn; lifted up. ओघ॰

आगासिय. त्रि॰ (आकाशित — आकाशमम्बर सित' प्राप्त.) આકાશવર્તિ; આકાશમાં રહેલ. आकाशवर्ति. Situated in the sky. "आगासियाहिं सेय चामराहिं" ओव॰

आगाहइत्ता. सं॰ कृ॰ अ॰ (आगाह्य) અવગાહીને. अवगाहन करके. Having entered, having resorted to. "आगाहइत्ता चलइत्ता" दस॰ ५, १, ३१;

आगिइ. पुं॰ (आकृति) આકૃતિ; આકાર; સંઠાણ आकार, संस्थान. Form; configuration, shape. विशे॰ २०६२; ७०७, नाया॰ १, क॰ गं॰ ५, ६१; —तिग न॰ (-त्रिक) આકૃતિ સંઠાણ ૬ સંઘયણ ૭ અને જાતિ પાચ, એ નામની ૧૭ પ્રકૃતિનો સમુદાય आकृति-संस्थान ६ संहनन ६ और पाच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों का समुदाय the collection of the 17 Prakritis made up of six Samsthānas, six Sanghayanas and five Jātis क॰ गं॰ ५, ८;

आगिति, स्त्री॰ (आकृति) જુઓ "आगिइ" શબ્દ देखो "आगिइ" शब्द Vide "आगिइ" जीवा॰ ३, ४, राय॰ १८८,

√ आगिल. धा॰ I. (आ + कल् = जि) જીતવું, જયપામવું जीतना; जय प्राप्त करना. To conquer; to get victory. आगिलति. भग॰ ३, २;

√ आ-ग्घा. धा॰ I (आ+घ्रा) સુગંધ લેવી; સુંઘવું; વાસ લેવી. सुगंध लेना; सूंघना; To smell; to scent. आग्घायइ. ठा॰ ३, ३;

आख्यायइ. नाया॰ १,

आख्यायमाण व॰ कृ॰ नाया॰ ८;

आघं. त्रि॰ (आख्यातवत्) કહેનાર, કથન કરનાર, આખ્યાન કરનાર. कहनेवाला; आख्यान करने वाला. (One) who tells or lectures or preaches. सूय॰ १, १०, १; —अज्झयण. न॰ (आख्यातवदध्ययन) સૂયગડાંગ સૂત્રના પહેલા શ્રુતસ્કંધના ૧૦ માં સમાધિ અધ્યયનનું અપર નામ. सूत्रकृतांग के पहिले श्रुतस्कंध के १० वें समाधि अध्ययन का दुसरा नाम another name of the 10th Samādhi chapter of the first Śruta-skandha of the Sūyagadānga Sūtra सूय॰ नि॰ १, १०,१०३;

आघंस त्रि॰ (आघर्ष) પાણી સાથે ઘસીને પીવા યોગ્ય ઔષધિ વગેરે. पानी के साथ घिसकर पीने योग्य औषधि वगैरह. Medicine which can be taken after it has been rubbed with water on a hard substance. पिं॰ नि॰ ५०२;

आघंसित्ता सं॰ कृ॰ अ॰ (आघृष्य) ઘસીને. घिसकर Having rubbed. आया॰ २, ५, १, १४६;

आघवइत्तार त्रि॰ (* आख्यातृ) આખ્યાન કરનાર, કથા કરનાર. आख्यान करने वाला, कथा वाचक (One) who relates or describes; narrator, ठा॰ ४, ४,

आघवण. न॰ (आख्यान) વ્યાખ્યાન, સામાન્ય કથન. व्याख्यान; सामान्य कथन Telling, lecturing नाया॰ १, १८;

आघवणा. स्त्री॰ (* आख्यान) આખ્યાન; સામાન્ય કથન. आख्यान; व्याख्यान. Telling; lecturing; " बहुहिं आघवणा हिय " उवा॰ २, ११३; भग॰ ६, ३३,

आघविय त्रि॰ (आख्यात) કહેલું. कहाहुआ. Told; related. " भगवया महावीरेण आघविए " उत्त॰ २६, ५४; पराह॰ २, १; (२) સ્વીકારેલ. स्वीकृत. accepted. अणुजो॰ १५;

√आघस धा॰ II. (आ+घृष्) થોડું ઘસવું. थोड़ा घसना To rub slightly.

आघसेज्ज वि॰ निसी॰ ३, ५;

आघाअ—य. पुं॰ (आघात-आहन्यन्ते अपनयन्ति विनाशयते प्राणिनो दश प्रकार। अपि प्राणायस्मिन् स आघातः) મરણ; મૃત્યુ मरण मृत्यु. Death निसी॰ १२, २५, दस॰ ६, ३५; सूय॰ १, ६, ४; —मंडल. न॰ (-मण्डल) વધસ્થાન-માંડલો वधस्थान, हत्यागृह; वूचड खाना. a slaughter-house; a place of killing. नाया॰ ८;

आघात. त्रि॰ (आख्यात) કહેલું. कहाहुआ. Told; related. सूय॰ १, ४, १, १९, १, १३, २;

आघाय त्रि॰ (आख्यात) જુઓ " आघात " શબ્દ. देखो " आघात ' शब्द. Vide " आघात " सूय॰ १, १, २, १.

आघायण. न॰ (आघातन) વધસ્થાન; ફાંસી દેવાની જગ્યા वधस्थान; फाँसी देने की जगह A place of killing; a place where men are hanged निसी॰ १२, २५;

आघायाय व॰ कृ॰ त्रि॰ (आघातयत्) વિનાશ કરતે, ઘાત કરતો. विनाश करताहुआ; घात करता हुआ Killing, destroying. " आघायाय समुस्सयं ' उत्त॰ ५, ३२,

√आचर धा॰ I. (आ+चर्) આચરવું; અનુષ્ઠાન કરવું. आचरण करना; अनुष्ठान करना. To practise; to perform.

आयरति. सूय॰ ६, १६;

आयरिंसु. हे॰ कृ॰ सू॰ च॰ १, २४७;

आयरित्तए हे॰ कृ॰ नाया॰ १४;
आयरंत व॰ कृ॰ उत्त॰ १, ४२, प्र॰ १२१,
आयरमाण व॰ कृ॰ दसा॰ ६, १, विशे॰ ३१६०,

आचरण न॰ (आचरण) આચાર; અનુષ્ઠાન. आचार. Practice, performance, conduct प्रव॰ ४०७,

आचारमाओ. अ॰ (आचरमात्) છેડા પર્યન્ત छोर तक Up to the end, till the end क॰ प॰ ५, ११,

आचिरण त्रि॰ (आचीर्ण) આચરેલ, આચરણ કરેલ. आचरण किया हुआ Practised, observed राय॰ ३७,

आचेलक्क त्रि॰ (आचेलक्य-न विद्यते चेल वस्त्रं यस्य सअचेलकस्तस्य भाव आचेलक्यम्) પરિમાણ ઉપરાંત વસ્ત્ર ન રાખવા તે, પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓને માટે બાંધેલી એક મર્યાદા परिमाण से अधिक वस्त्र न रखना. पहेला और अन्तिम तीर्थंकर के साधुओं के लिए नियत की हुई एक मर्यादा Having no garments beyond the prescribed limit, a fixed limit in the matter of garments of the Sādhus of the 1st and last Tirthankaras " आचेलक्को धम्मो पुरिमस्स य पच्छिमस्स य जिणस्स " पंचा॰ १७, ६,

आचेलुक्क न॰ (आचेलक्य) પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓનો કલ્પ, માન પરિમિત સફેદ અને અલ્પ મૂલ્યવાળા વસ્ત્ર ધારણ કરવા તે पहिले और अन्तिम तीर्थंकर के साधुओं का कल्प, अल्प मूल्य वाले परिमित सुफेद वस्त्र को ही धारण करना. The religious practice (in the matter of wearing clothes) of the Sādhus of the first and last Tirthankaras; viz putting on white, scanty and cheap garments. प्रव॰ ६२८;

आच्छायण न॰ (आच्छादन) ઓછાડ. आच्छादन, चादर A bed-cover; a covering आया॰ ०, २, १, ६२. कप्प॰ ४, ४२;

√**आच्छिद** धा॰ I (आ+छिद) છેદન કરવું, થોડું છેદવું छेदन करना, कुछ छेदना. To cut, to cut a little.
आच्छिंदेज्ज वि॰ निसी॰ ३, ३६;
आच्छिंदिहिति भग॰ १५, १, ठा॰ ५;
आच्छिंदित्ता निसी॰ ३, ३६,
आच्छिंदिय स॰ कृ॰ प्रव॰ १४६,
आच्छिंदमाण व॰ कृ॰ भग॰ ८, ३;

आच्छिदित्तार त्रि॰ (आच्छेतृ) ભંગાણ પાડનાર भंग करनेवाला (One) who breaks up or disperses by creating alarm सम॰ ३३.

√**आ-छट** धा॰ I II (आ + छट) પાણી છાંટવું जल छिटकना To sprinkle water
अच्छोडेइ नाया॰ १८;

आजम्म अ॰ (आजन्मन्) જીંદગી પર્યંત. आजन्म जीवन पर्यंत Life-long. " वासेज्ज तत्थ आजम्मगोयमा संजए सुयी " गच्छा॰ ७, पंचा॰ १७, २८,

आजाइ स्त्री॰ (आयाति) આવવું તે, પૂર્વ ભવમાંથી આવવું તે आना, पूर्वभव से आना. Coming, arrival, coming from the previous birth ठा॰ १०;

आजाइ स्त्री॰ (आजाति- आजायन्ते सत्त्वामित्याजाति,) જન્મવું તે, જન્મ, ઉત્પત્તિ. जन्म; उत्पत्ति. Birth, creation. भग॰ ५, ३; ठा॰ १०, —द्वाण. न॰ (-स्थान)

जन्म-उत्पत्तिनुं स्थान-संसार. जन्म -उत्पत्ति का स्थान-संसार the place of birth ठा. १०; (२) आजाइट्ठाणुनामे दशाश्रुत-स्कंधनुं दशमुं अध्ययन. दशाश्रुतस्कंध का आजाइट्ठाण नाम का दसवाँ अध्ययन. the 10th chapter named Ājāitthāṇa of Dashāśrutaskandha ठा १०,

—ट्ठाणज्झयण न० (—स्थानाध्ययन) दशाश्रुतस्कंधनुं अपर नाम, आचारदशा सूत्रनुं १० मुं अध्ययन दशाश्रुतस्कंध का दूसरा नाम, आचारदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन another name of Daśā-śruta-Skandha, * 10th chapter of Achāradaśā Sūtra ठा० १०,

आजीव पु० (आजीव –आजीवनमाजीव) आजीविका, वृत्ति, रोजी आजीविका, वृत्ति, धन्दा Livelihood प्रव० ११८, (२) आजीविका पुरतो द्रव्य संचय आजीविका के योग्य द्रव्य का संचय. wealth sufficient for livelihood सूय० १, १३, १५, (३) उपायणुना १६ दोषमांनो चोथो दोष, जाति वगेरे जणावीने आहारादि लेवं ते उपायण के १६ दोषों में का चौथा दोष अर्थात् जाति वगैरह बताकर आहारादि लेना the 4th out of 16 Upāyaṇa faults, accepting food after making one's caste etc known, the fourth of the 16 faults known as Upāyaṇa पिं० नि० ४०८; (४) गोशालाना मतनुं नाम गोशाला के मत का नाम name of the creed of Gośālā भग० ८, १, (५) गोशालाना मतनो साधु गोशाला के मत का साधु an ascetic of the creed of Gośālā. भग० ८, ४; पिं० नि० ४४५; प्रव० ७३८;

—भय पुं० (—भय) आजीविकानुं भय. आजीविका का भय. fear of maintenance सम० १, प्रव० १३३४, —वित्तिया. स्त्री० (वृत्तिता जाति कुल गुण कर्म शिल्पा-नामा 'जीवनमाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद् भाव आजीव वृत्तिता) जाति, कुल, आदि दर्शावीने आहार लेवो ते, उपायणनो चोथो दोष. जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारादि लेना, उपायणा का चौथा दोष acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upāyaṇa। दस० ३, ६,

आजीवग पु० (आजीवक) गोशालानो साधु गोशाला का साधु An ascetic of Gośālā creed प्रव० ७३८,

आजीवग पु० (आजीवग-आसमन्ताज्जीवं-त्यनेनत्याजोवोऽर्थ निचयस्तगच्छत्याश्रयत्व-साथा जीवग) पैसानो मद. धन का मद. Pride of wealth "आजीवग चेव चउत्थमाहु से पंडिए उत्तम पोग्गले से" सूय० १, १३, १५,

आजीवणा. स्त्री० (आजीवना) आजीविका आजीविका, रुजगार Livelihood पिं० नि० ४३७,

आजीवि. (आजीविन्) गोशालानो शिष्य, गोशालाना मतनो अनुयायी गोशाला का शिष्य, गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gośālā, a disciple of Gośālā. ठा० ७, ३, (२) जे साधु पोतानी जाति, कुल, शिल्प, तप वगेरेनी प्रशंसा करी आहार ल्ये ते, पेटभरो साधु, अपनी जाति, कुल, शिल्प तप आदि की प्रशंसा कर आहार मांगनेवाला; पेटभरा साधु. an ascetic who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. प्रव० ११४.

आजीविक पुं० (आजीविक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो "आजीवि" शब्द Vide above. ओव० ४१,

आजीविय. पुं० (आजीविक-अविवेकिलोकतो अविच्छाख्यात्यादिभिः स्वतपश्चरणा जीवतीत्याजीविकः) ગોશાલાનો સાધુ, ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. गोशाला का साधु; गोशालाका अनुयायी. An ascetic of the creed of Gośālā सम० २२, निसी० १३, ६३, पन० २०; भग० १, २; १५, १; उवा० ७, १८१, २१४,–उवासग पुं. (-उपासक) ગોશાલાના મતનો શ્રાવક. गोशाला के मत का श्रावक. a Srāvaka of the faith of Gośālā. "तत्थ खलु इमेदुवालस आजीवियोवासगा भवति" भग ८, ५, –उवासय. त्रि० (-उपासक) ગોશાલાના મતનો શ્રાવક. गोशाला के मत का श्रावक a Śrāvaka of the faith of Gośālā. उवा० ७, १८१, १८५, —समय पु० (-समय) ગોશાલાનો સિદ્ધાન્ત, ગોશાલાના મતનું શાસ્ત્ર गोशाला का प्ररुपित किया हुआ सिद्धान्त, गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gośālā. "आजीविय समयसवं अयमट्ठे पण्णत्ते" भग० ८५, १५, १, —सुत्त पुं० (-सूत्र) ગોશાલાનું પરુપેલ સૂત્ર. गोशाला का प्ररूपित सूत्र. a Sūtra of Gośālā's creed. सम०

आडंबर पुं० (आडम्बर) મોટું નગારું. बडा नगारा. A big kettledrum. अणुजो० १२८,

√आडह. धा० I. (आ+दह्) બાળવું. जलाना To burn 'आडहंति.' सूय० १, ५, २, ३; "धूम विचासं सुरे आडहंति"

आडा स्त्री० (आटा) પાણીમાં તરનાર એક જાતનું પક્ષી; પક્ષી વિશેષ. पानी में तैरनेवाला पक्षी, पक्षी विशेष A kind of bird that can swim in water. पन० १; पराह० १, १;

आडोलिया स्त्री० (*आडोलिका) નાના બાલકોને રમવાનું એક રમકડું. छोटे बालकों के खेलनेका एक खिलौना. A toy for young children. "एवं वहए आडोलियाओ तेंदुसए पोसुसए साडोलए......अवहरति." नाया० १८;

√आडोव. धा० II. (आ+टोप्) વિસ્તારીને ભરવું. विस्तार करके भरना. To fill by expanding.

आडोवेत्ता भग० १, ६,

आडोव पुं० (आटोप) વિસ્તાર विस्तार. Expansion नाया० १, उवा० २, १०७; कप्प० ३, ३५,

आढअ—य पु० (आढक) ચાર પ્રસ્થ પ્રમાણે ધાન્ય માપ વિશેષ. धान्य मापने का माप विशेष A kind of measure of corn ओव० ३८; राय० २७२, प्रव० १३६५;

आढई स्त्री० (आढकी) તુવરનું ઝાડ. तूर का झाड़. A kind of plant bearing corn called Tuvar. पन० १,

आढग पुं० (आढक) ચાર આઢક પ્રમાણે ધાન્ય માપ વિશેષ धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तंडु० प० १४; अणुजो० १३३;

आढत्त. त्रि० (*आरब्ध) આરંભેલું. आरंभ किया हुआ Begun; com-

menced. विं० वि० ४६२; क० प० ७, ४७; अग० ६, ८, सु० च० २, ५, ७;

आरब्भ. सं० कृ० अ० (आरभ्य.) આરંભીને. आरंभ करके. Having begun पण्ह० १७;

✓**आरा.** धा० I. (आ+द) આદર કરવો. आदर करना To honour; to respect.

आढाइ-ति. भग० ३, १, ४,३३; विवा० ६, नाया० १, ५, ४; १६; १६; राय० ७८; २२७; सूय० २७३७; उवा० ७, २१५; निर० १, १,

आढंति नाया० २; १६, भग० ३, १;

आढायंति नाया० १; १४; भग० ३, २;

आढाएज्जा. वेय० १, ३३,

आढाहि नाया० १४,

आढाइ. नाया० ६; भग० ३, १;

आढायमाण व० कृ० आया० १, ७, १, १६७; भग० ३, १,

आण पुं० (आण) શ્વાસોચ્છ્વાસ श्वासोच्छ्वास. Respiration भग० ५, १, सू० प० ८; (२) સંખ્યાત આવલિકા પ્રમાણ કાલનો એક વિભાગ; તન્દુરસ્ત માણસના એક ઉચ્છ્વાસ પ્રમાણનો કાલ संख्यात-संख्यायुक्त आवलिका प्रमाण काल का एक विभाग, निरोग मनुष्य के एक श्वास-प्रमाण काल. a division of time equal to one breath of a healthy man. अणुजो० ११५; —ग्गहण न० (-ग्रहण) પ્રાણવાયુ (ઉચ્છ્વાસ નિ શ્વાસ) ને યોગ્ય પુદ્ગલનુ ગ્રહણ કરવુ તે प्राणवायु (श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्गल का ग्रहण करना taking in matter fit for respiration. " समयं आणग्गहणं " पन्न० १;

आणअ. पुं० (आनत) નવમાં દેવલોકનું નામ. नौवें देवलोक का नाम Name of the 9th Devaloka. अणुजो० १०४;

आणंतर. त्रि० (आनन्तर-अनन्तरं अव आनन्तर) અન્તર નહિ તે-નિરંતર अन्तर न होना; अनन्तर--इतरेतर. Without interval; coming after immediately. आया० नि० १, १, १, २१;

आणंद पुं० (आनन्द) આનન્દ; હર્ષ. आनन्द; हर्ष, प्रमोद. Delight, joy. आया० १, ३, ३, ११७; नाया० १, २, भग० ११, ११; उवा० २, ६१; (२) એક અહોરાત્રિના ત્રીશ મુહૂર્તમાંના ૧૬માં મુહૂર્તનું નામ, સમવાયંગની ગણત્રી પ્રમાણે ૧૧ મું મુહૂર્ત एक अहोरात्रिके तीस मुहुर्तोंमें से १६ वे मुहूर्त का नाम; समवायंग की गिन्ती के अनुसार ११वां मुहूर्त. the name of the 16th out of 30 Muhūrtas of one day and night, the 11th Muhūrta according to the calculation of Samavāyanga. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२; सम० ३०; (३) આવતી ચોવીસીના છઠ્ઠા બલદેવનું નામ. आगामी चोवीसी के छट्ठे बलदेवका नाम the name of the 6th Baladeva of the coming Chovisī सम० प०२४२; (४) શીતલનાથ સ્વામીના પહેલા ગણધર. शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर. the first Gaṇadhara of Śītalanātha Svāmī. सम० प० २३३; (५) ભગવાન્ મહાવીર સ્વામીના અન્તેવાસી એક શિષ્ય. महावीर स्वामीका समीपवर्ति एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra Swāmi. "समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंद नामं थेरे " भग० १५, १, (६) આણંદ નામે ગુહપતિ કે જેને થેર ભગવાન્ મહાવીર સ્વામીએ બીજા આવ-

અભણનું પારણું કર્યું હતું. आनंद नामक एक गृहस्थ जिसके यहां महावीर स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था a householder named Ānand, at whose house Mahāvīra had broken his fast of second month भग० १५, १, (७) ગન્ધમાદન નામના વખારાપર્વતના વસનાર દેવ. गन्धमादन नामक बखारा पर्वत पर रहने वाला देव a deity residing on the Gandhamādana Vakhāra mountain जं० प० (८) ભરતક્ષેત્રના ચાલુ ચોવીસીના છઠ્ઠા બલદેવનું નામ भरत क्षेत्रकी वर्त्तमान चौवीसीके छट्ठे बलदेवका नाम name of the 6th Baladeva of Bharata Ksetra in the present Chovīsī (i. e cycle) प्रव० १२२५, (९) વાણીજ નગરનો નિવાસી આણંદજી શ્રાવક, ઉપાસક સૂત્રના દશ શ્રાવક પૈકી પ્રથમ શ્રાવક, કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વ્રત આદર્યા, શ્રાવકની ૧૧ પડિમા અંગીકાર કરી શ્રાવકપણામાજ અવધિજ્ઞાન પ્રાપ્ત કર્યું, એક માસનો સથારો કર્યો- વિસ્તાર ઉવા० ના પ્રથમ અધ્યયનમા છે ત્યાથી જોઈ લેવો. वाणिज नगर का एक आनंदजी नामक श्रावक, उपासक सूत्र में वर्णित दस श्रावकों में का पहिला श्रावक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, श्रावक की ११ प्रतिमा अंगीकार करके श्रावक अवस्थामें ही अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया, इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है name of a Śrāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvīra and accepted the vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santhāro for a month. उवा० १, १०; सत्था० (१०) ઉપાસકદશા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ उपासकदशा सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sūtra उवा० १, २, (११) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના ૭ મા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्र के ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of the Anuttarovavāi Sūtra अणुत्त० ७ (१२) ધરણેન્દ્રના રથની સેનાનો અધિપતિ धरणेन्द्रकी रथसेना का अधिपति -नायक commander of Dharanendra's army consisting of chariots ठा० ५, १, —अज्झयण न. (-अध्ययन) ઉપાસગદસા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ उवासग दसा सूत्रके पाहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Uvāsagadasā Sūtra उवा० १, (२) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના ૭ મા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्रके ७ वें अध्याय का नाम the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sūtra अणुत्त० ७, (३) નિરયાવલિકા સૂત્રના ૨ જા વર્ગના નવમા અધ્યયનનું નામ निरयावलिका सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवे अध्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २ ६; —कूड. न० (-कूट-आनन्द नाम्नो देवस्य कूटमानन्द कूटम्) ગન્ધમાદન નામે વખારા પર્વતનું સાતમું શિખર. गन्धमादन नामक

वक्खार पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vakhārā mountain जं॰ प॰
—रूव त्रि॰ (-रूप) આનન્દરૂપ, આનન્દમય आनंदरूप; आनन्दमय. full of delight. नाया ६;

आणंदजीव पुं॰ (आनन्दजीव) આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર પેઢાલ નામના ૮ મા તીર્થંકર નુ પૂર્વભવનું નામ, આનન્દનો આત્મા आगामी उत्सर्पिणीके ८ वें तीर्थंकर का पूर्वभव का नाम, आनंद की आत्मा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tīrthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiṇī, the soul of Ānanda प्रव॰ ४६७;

आणंदरक्खिय पुं॰ (आनन्दरक्षित) એ નામના પાર્શ્વનાથના એક સ્થવિર સાધુ (સ્થવિર) पार्श्वनाथ स्वामीके एक (स्थविर) साधु का नाम Name of an ascetic of Pārśvanātha. "तत्थणं आणंदरक्खिए नाम थेरे" भग॰ २, ५,

आणंदा. स्त्री॰ (आनन्दा) પૂર્વ દિશાના રૂચક પર્વત ઉપર વસનારી આઠમાંની ત્રીજી દિશાકુમારિકા पूर्वदिशा के रुचक पर्वतपर बसनेवाली आठ दिशा-कुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Diśākumārikās residing on the Rūchaka mountain of the East जं॰ प॰ ५, ११४; (२) લવણદ્વીપના પૂર્વના અંજનક પર્વત ઉપરની એક લાખ જોજન પ્રમાણ લાંબી પહોળી અને ૧૦ જોજન ઉંડી એક વાવનું નામ. लवणद्वीप की पूर्व दिशा के अञ्जनक नामक पर्वत पर की एक बावड़ी का नाम जो एक लाख योजन लंबी चौड़ी और १० योजन ऊंची है. the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavaṇa-Dvīpa. प्रव॰ १४६३; ठा॰ ४, २; आया १, ४;

आणंदिय—य. त्रि॰ (आनन्दित) આનંદ પામેલ; આનન્દ યુક્ત. आनंद पाया हुआ; आनंदयुक्त. Joyous, delighted. "हट्ठ तुट्ठ चित्तमाणंदिए" ओव॰ ११; नाया॰ ध॰ भग॰ २, १; सु॰ च॰ ३, १२४; कप्प॰ १, ५;

आणक्खेउं. स॰ कृ॰ अ॰ (*परीक्ष्य) પરીક્ષા કરીને, તપાસ કરીને परीक्षा करके, जांच करके Having examined ओघ॰ नि॰ ३६,

आणगाकिइ. त्रि॰ (आज्ञार्थकृति—आज्ञ ऽऽज्ञ्यार्थं शब्दस्य हेतु बहुवचनरूपाणि दर्शनादयो हेतुरस्याः सा तथा विधाकृतिराकृतिर्मुनि वेषात्मिका यस्य स आज्ञार्थाकृतिः.) મુનિ વેષના દેખાવ વાળો मुनि वेषका दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like, an ascetic "आणगाकिइ पव्वए" उत्त॰ १८, ५०;

आणण. न॰ (आनन) મુખ, મોઢું मुख A face, a mouth. 'कुवलउज्जाणवायणो" जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४, पन्न॰ २, आया॰ १; कप्प॰ २, ८४, ३, ३६;

आणयणट्ठ. न॰ (आनयनार्थ) લાવવાને માટે. लाने को. In order to bring पन्ना॰ ७, ३६;

आणत. पुं॰ (आनत) નવમાં દેવલોકનું નામ. नौवें देवलोक का नाम Name of the 9th Devaloka. जीवा॰ ३;

आणत्त. त्रि॰ (आज्ञप्त) આજ્ઞા આપેલ; આદેશ કરેલ; હુકમ કરેલ. आज्ञापित;

आदिशित; हुकम किया हुआ. Ordered, commanded. पण्ह० १, ३; सु० च० ३, ६, १३, विशे० १०६४, नाया० ८; १६; भग० ७, ६;

आणत्त न० (अन्-त्व) પરસ્પર ભેદ- ભિન્ન પણું, જુદાઈ परस्पर भेद, भिन्नता, जुदाई Mutual separation, separation राय० २६०, पन्न० १५, भग० १८, ३,

आणत्ति. स्त्री० (आज्ञप्ति) આજ્ઞા, હુકમ, આદેશ. आज्ञा, हुक्म, आदेश. Order, command "आणत्तिय पच्चप्पिणह" ज० प० ३, ४७, नाया० १, —किंकर पु० (-किङ्कर) આજ્ઞાપાલક નોકર. आज्ञापालक नौकर an obedient servant ज० प० ३, ४४;

आणत्तिआया स्त्री० (आज्ञप्तिका) આજ્ઞા, હુકમ, આદેશ आज्ञा, हुकम. Order, command विवा० १, भग० ७, ६, ६, ११, नाया० १, ८, १४, १६, नाया० ध० ओव० २६, राय० २८, उवा० २, १०६, ज० प० ३, ४४,

आणपाण पु० (आनप्राण) એક શ્વાસો શ્વાસ પ્રમાણ કાળ एक श्वासोच्छ्वास मे जितना समय लगे उतना समय Time required for a single breath आया० ३ ४. —भास. स्त्री० (-भाषा) શ્વાસો શ્વાસ અને ભાષા એ બે પ તિ શ્વાસો च्छ्वास और भाषा य दो पर्याप्ति the development of the two faculties viz that of respiration and that of speech क० प० ४, १५,

आणप्प. त्रि० (आज्ञाप्य) જેને આજ્ઞા-હુકમ કરી શકાય તે, આજ્ઞા ઉઠાવનાર. जिसे आज्ञा दी जासके, आज्ञानुसार चलनेवाला. (One) carrying out an order, (one) who can be ordered. "आणप्पा इवंति दासावा" सूय० १, ४, २, १५;

√**आणम** धा० I (आ+अन्) શ્વાસ ધારણ કરવા, જીવવું, जीना, प्राण धारण करना To live, to breathe.

आणमंति. सम० १, भग० १, १; २, १; ६, १३-१४, पन्न० ७;

आणममाण. भग० ६, ३३;

√**आणय** धा० I (आ+नी) લાવવું, લઈ-આવવું. लाना. To bring, to fetch.

आणयइ. क० ग० ३, १२.

आणय पु० (आनत) નવમે દેવલોક. नावाँ देवलोक The ninth Devaloka (-) નવમા દેવલોકનું વિમાન. नौवें देवलोक का विमान a heavenly abode of the ninth Devaloka आव० २६, सम० १९, पन्न० १, ठा० २, ३, उत्त० ३६, २०१; नाया० १, भग० ३, १, ८, १, १८, ७. विशे० ६६६, —देव पुं० (-देव) નવમા દેવલોકના દેવતા કે જેની ૧૯ સાગરે પમ ની સ્થિતિ છે-ઓગણીસ હજાર વર્ષે આહારની ઇચ્છા અને ૧૯ પખવાડિયે જે શ્વાસોશ્વાસ લે છે. नौवें देवलोक के देव जिनकी आयु १९ सागरोपम है और उन्नीस हजार वर्षबाद जिन्हें आहार की इच्छा होती है तथा १९ पक्ष (६॥ माह) बाद श्वासोच्छ्वास लेते हैं. the deities of the ninth Devaloka who live for 19 Sāgaropamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग० २४, २१;

आणयण न० (आनयन) બહારથી લાવવું તે. बाहर से लाना Bringing from outside. प्रव० २८५, पञ्चा० १, २०;

—प्पयोग. पुं० (-प्रयोग) બાંધેલી હદની બહારથી કંઇ વસ્તુ મંગાવવી તે; શ્રાવકના દશમા વ્રતનો પ્રથમ અતિચાર. नियत की हुई मर्यादा के बाहिर से वस्तु मंगाना, श्रावक के दसवें व्रत का प्रथम अतिचार. the first of the partial violations of the 10th vow of a Śrāvaka पंचा० १, २०; प्रव० २८५,

आणवण न० (आज्ञापन) આદેશ; પ્રતિબોધન, પ્રવર્તન આદેશ, प्रवर्तन. Order, command उवा० १, ५४,

आणवणिया स्त्री० (आज्ञापनिका) પાપનો આદેશ-હુકમ કરવાથી કર્મબંધ થાય તે; ૨૫ ક્રિયામાંની એક. पाप का आदेश से कर्मबंध होना, २५ क्रिया में से एक. Incurring Karma by ordering some evil action ठा० २, १.

आणवणी. स्त्री० (आज्ञापनी) આજ્ઞા આપવાની ભાષા, વ્યવહાર ભાષાનો એક પ્રકાર आज्ञा करने की भाषा, व्यवहार भाषा का एक भेद A sort of language viz that of command पन्न० ११, भग० १०, ३. प्रव० ६०१;

आणा. स्त्री० (आज्ञा) આજ્ઞા; આદેશ, હુકમ, તીર્થંકર, ગણધર, ગુરૂ, વડીલ, વગેરેનું ફરમાન आज्ञा, हुक्म; आदेश, तीर्थंकर, गणधर, गुरु, माता पिता आदि की आज्ञा. Order, command भग० १, ३; २, १; ५, ३, १, ७, ७, ६, ८, ८, १८, २, नाया० १, ८, ६, १६, १८, आया० १, १, ३, २१, १, ६, २, १८४; ओव० २०; ३०, ३१; ३४; उत्त० २, २; २६, १, अणुजो० ४१; ४२; राय० ३१; दस० १०, १, १; पिं० नि० ८०, १८३; पिं० नि० भा० २६; प्रव० १००; कप्प० २, ११, गच्छा० ३६; जं० पं० ५, ११५; सम० ४, १८, ६; ३७; १०, ३; सूय० २, ६, ५५, (२) આપ્તનો ઉપદેશ. आप्त का उपदेश. the teaching or advice of an authoritative person. पचा० २, १२, (३) બોધિ, સમ્યક્ત્વ सम्यक्त्व right knowledge. पंचा० १, (४) આજ્ઞા વ્યવહાર आज्ञा व्यवहार. Ājñāvyavahāra. ठा. ५, २, प्रव० ८६१, —अणुग. त्रि० (-अनुग) આજ્ઞાને અનુસરનાર आज्ञा के अनुसार चलनेवाला. (one) who obeys, carries out, an order. अणुजो० ४२; (२) આગમ અનુસરી आगम के अनुसार चलनेवाला. (one) who acts according to the orders (of scriptures). पचा० १६, २१, —अणुगामि. त्रि० (-अनुगामिन्) આજ્ઞા ને અનુસરનાર. आज्ञा के अनुसार चलनेवाला (one) obeying, carrying out, an order. अणुजो० २१, —इस्सरिय. न० (-ऐश्वर्य) આજ્ઞા કરવામાં ઐશ્વર્ય-મહત્તા आज्ञा करने में ऐश्वर्य महत्ता power of ordering; power of command "आणा इस्सरियस्स मे" उत्त० २०, १४, —ईसर. पुं० (-ईश्वर-आज्ञाया ईश्वर आज्ञेश्वर) હુકમ કરનાર, આજ્ઞા કરનાર आज्ञा करनेवाला. one having the power to command. सम० १८, जं० प० ३, ६६; —कंख. त्रि० (-कांक्षिन् आज्ञाकांक्षितुं शीलमस्येत्याज्ञाकांक्षी) સર્વજ્ઞના ઉપદેશ પ્રમાણે અનુષ્ઠાન કરનાર सर्वज्ञ के उपदेश का अनुष्ठान करनेवाला. (one) abiding by the teachings of the omniscient. "इह आणा कंखी पंडिए" आया० १, ४, ३, १३५; —कारि. त्रि० (कारिन्) સર્વજ્ઞની આજ્ઞા પ્રમાણે વર્તનાર. सर्वज्ञ की आज्ञानुसार चलनेवाला. (one)

acting according to the orders of the omniscient. "पुवस्स कवं आबियं इव आणाकारि-ओ हवइस्स" पंचा० ७, ४६, —गारि त्रि० (-कारिन्) गुरु आदिकनी आज्ञा प्रमाणे वर्तनार आज्ञाकारी; गुरू की आज्ञा को मानने वाला (one) who acts according to the order of a preceptor etc पंचा० ८, १२;—णिद्देस पु० (-निर्देश) विधिनिषेधनुं प्रतिपादन करवुं ते विधिनिषेध का प्रतिपादन करना explanation of things commanded and things prohibited. (२) आज्ञाने स्वीकार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order "आणा णिद्देस कर" उत्त० १, २, —णिद्देसयर. पु० (-निर्देशकर) आज्ञानो आराधक, आज्ञा स्वीकारनार आज्ञा मानने वाला one who obeys, pays homage to, an order "आणा णिद्देस करे" उत्त० १, २; -परतंत त्रि० (परतन्त्र) तीर्थंकरनी आज्ञाने आधीन तीर्थंकर का आज्ञा के आधीन obedient to the order of a Tirthankara. पचा० १४, १६; —पवित्ति स्त्री० (प्रवृत्ति) सर्वज्ञनी आज्ञाने आधीन थइ प्रवर्तन करवुं. आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthankara. "आणापवित्तिओचिय सुद्धो एसोय अण्णहाणियमा" पंचा० ८, १२; —बज्झ. त्रि० (-बाह्य) सर्वज्ञनी आज्ञानी बहार; आज्ञा रहित सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहिर. not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient. "समिति पविति सव्वा आणा बज्झति भवफला चेव" पचा० ८,१३;

—बलाभियोग पुं० (-बलाभियोग-आज्ञाबलमाज्ञा बलवद् कार्यमेव त्वं कुर्वित्ते बलात्कारश्च बलात्सयोगस्तत्समाज्ञया सह बलाभियोगा आज्ञाबलाभियोग.) हुकम अने बलात्कार बन्नेनो उपयोग करवो ते; हुकम और बलात्कार का उपयोग करना. command accompanied with physical force. "आणाबलाभियोगो णिग्गथाणं ण कप्पते काउं" पचा० १२, ७,—भंग. पु० (-भङ्ग) सर्वज्ञनी आज्ञानो भंग सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient पचा० ५, ४५; —रुइ स्त्री० (-रुचि) सर्वज्ञना वचनरूप नथी निसर्गन थयेली रुचि; समकितनो एक प्रकार सर्वज्ञ के वचन से उत्पन्न रुचि; सम्यक्त्व का एक भेद liking produced by the order, teaching, of the omniscient, a variety of right faith based on liking ओव० उत्त० १८, १६, ठा० ४, १, पचा० ११, १२; प्रव० ६६७, (२) त्रि० तेवी रुचिवाळो; समकितना दश प्रकारमाने एक पैरा रुचिवाला; सम्यक्त्व के दश प्रकार मे से एक (one) possessed of the above kind of liking भग० २५, ७; उत्त० १८, १९; —लोव. पु० (लोप) आज्ञानो लोप. आज्ञा का भग violation of an order पि० नि० भा० २२, —ववहार. पु० (-व्यवहार) गीतार्थ बे आचार्यो जुदे जुदे स्थले रहेल होय, अवस्थाने लीधे एक बीजानी पासे जइ शके एवी स्थितिमां नथी त्यारे अगीतार्थ पण मति धारणामां कुशल एवा कोइ शिष्यने गुप्त अर्थमा अतिचारो कही बीजानी पासे मोकले. बीजा आचार्य ते शिष्यनी मारफत प्रथम आचार्यनी गुप्त शब्दोमां हुकमथी आज्ञा प्रमाणे प्रायश्चित

tory power; power of breathing भग० ३, ९; ६, ४;

आणापाणु. पुं० (आनप्राण) જુઓ "आणापाण" શબ્દ. देखो "आणापाण" शब्द. Vide "आणापाण" भग० २५, ५; ठा० २, ४; जीवा० १, —पोग्गल परियट्ट पुं० (-पुद्गल परिवर्त) લોકની અંદરના બધા પુદ્ગલ જુદા જુદા ભવમાં શ્વાસોચ્છ્વાસ પણે જેટલા વખતમાં લઈ અને મુકે તે-લો વખત. समस्त लौकिक पुद्गलों-परमाणुओं को पृथक् २ भव जन्म में श्वास निश्वास रूप से जितने समय में ग्रहण कर छोड़ा जाय उतना समय the time taken for inhaling and exhaling in different births all the Pudgalas in the world भग० १२, ४,

आणापाणु—त्त न० (आनप्राणत्व) શ્વાસોચ્છ્વાસ પણું श्वासोच्छ्वासपन state condition of, respiration भग० २५, २,

आणापाणुत्ता. स्त्री० (आनप्राणता) જુઓ ઉપલે શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above भग० १२, ४, २५, २;

आणाम. (*आयाम) ઉચ્છ્વાસ उच्छ्वास Breath; breathing in "एएसिणं आणामं पाणामं वा उस्सासंवा निस्सासंवा" भग० २, १,

आणामिय त्रि० (आनामित) થોડું નમાવેલું વાંકું કરેલું कुछ नमाया हुआ Somewhat bent or inclined. ओव० १०; उवा० २, १०१,

आणामेत्त न० (आज्ञामात्र) આજ્ઞા માત્ર आज्ञा मात्र. Mere order "आणमणामि -बवहारवतो" पचा० १४, ३८;

आणाय. सं० कृ० अ० (आज्ञाय) જાણીને; સમજીને जानकर; समझकर Having known; having understood उत्त० २, १७;

आणिअ—य. त्रि० (आनीत) આણેલું; લાવેલ लाया हुआ Brought. भग० ३, १३; सु० च० ५, ८२, नाया० १,

आणील त्रि० (आनीत) આણેલું. लायाहुआ Carried, brought प्रव० ७७७, ८२०;

आणीस. पुं० (आनील-आ ईषन्नील आनीलः) થોડો નીલોરંગ. ઝાંખો નીલ શ્યામ कुछ नीला रंग. Blue tinge, faint blue colour "आणीलच वत्थयं रयावेहि" सूय० १, ४, २, ६.

आणुकंपिय त्रि० (आनुकम्पिक अनुकम्पया चरतात्यानुकम्पिक.) અનુકંપા કરનાર, દયાળુ दयावान्, दयालु Compassionate भग० ३, १, १५, १

आणुगामिय. त्रि० (आनुगामिक—गच्छन्तं पुरुषमासमन्तादनुगच्छत्येव शीलं अनुगामीअनुगाम्येवाऽनुगामिक) આપની પેઠે સ્વામિની સાથે સાથે જનાર અવધિજ્ઞાન, ઉત્પન્ન થયું હોય ત્યાંજ ન અટકી રહેતા સાથે સાથે જઈ બોધ કરાવના અવધિજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. आंखके समान साथ २ रहने वाला अवधिज्ञान, जहां उत्पन्न हुआ हो वहां न रहकर साथ साथ जाने और ज्ञान कराने वाला अवधिज्ञान का एक भेद A sort of Avadhijñāna i e visual knowledge so called because it accompanies the possessor like his eyes 'आणुगामिजं लुगच्छइ गच्छन्त' नंदा० ६; "से किंत आणुगामिय ओहिनाणं दुविहं प० तं० अंतगयं मज्झगयंच" नंदी० ६; विशे० ५७७; (२) ઉપાર્જિત પાપપુણ્યનું જીવની સાથે આવવું તે. उपार्जित पापपुण्य का जीव के

साथ जाना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया॰ १, ७, ४, २१४,
—भाव पुं॰ (-भाव) પછવાડે ચાલન રનો ભાવ- અનુકૂલતા अनुगामी का भाव; अनुयायी का भाव. the attitude of (reverence) of a man who is a follower सूय॰ २, २, २६;

आणुगामीअ—य-ता. स्त्री॰ (अनुगामिकता) ભવે ભવમાં સાથે આવે તેનું સુખ भवोभव -प्रत्येक भव- में साथ रहने वाला सुख Happiness which accompanies a man in all his births भग॰ ३; ३३, ओव॰ २७, राय॰ ७१, दसा॰ ४, ८०,

आणुगामित्त. स्त्री॰ (आणुगामित्त) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above नाया॰ १, भग॰ २, १,

आणुत्तण न॰ (आनत्व) શ્વાસોચ્છ્વાસ. श्वासोच्छ्वासपना Respiration, breathing in and out क॰ प॰ १, १७,

आणुपुव्व न॰ (आनुपूर्व्य) અનુક્રમ; પરિપાટી क्रमक्रम. परिपाटी, क्रम. Serial order, succession सूय॰ १, २, ३, १२, नाया॰ १; ६, ७, ओव॰ —सुजाय त्रि॰ (-सुजात) અનુક્રમે-પારીતે ઉત્પન્ન થયેલ. अच्छी तरहस-अनुक्रमसे उत्पन्न well born born in proper order ' आणुपुव्वसुजायरुइलवट्टभावपरिणया' नाया॰ १, ४, नाय॰

आणुपुव्विग त्रि॰ (आनुपूर्वीग-अनुपूर्वं क्रमस्तमनुगच्छतीत्यानुपूर्वीगः) ક્રમસર ક્રમ વાર क्रमशः क्रमानुसार. In proper order. " आणुपुव्विग मायसो पच्चआयुत्त जाय करंवि " आया॰ १, ६; १, १७२;

आणुपुव्वी. स्त्री॰ (आनुपूर्वी पूर्वस्य पश्चादनु पूर्वं तस्य भाव आनुपूर्वी) અનુક્રમ. પરિપાટી; પૌર્વાપર્ય ભાવ. अनुक्रम, क्रमश: Proper order; proper succession of one thing to another. (२) વિશિષ્ટ રચના. विशेष प्रकारकी रचना. a particular kind of arrangement. " आणुपुव्वित्र संठाए " आया॰ नि॰ १, १, १, ८; १, ८, ८; भग॰ १, ६; २, १, ६, ३; ५, १, १५, १; २५, ३; दस॰ ८, १, उत्त॰ ३, ७; पि॰ नि॰ ७८; नंदी॰ ३६; अणुजो ७०; राय॰ जं॰ प॰ सूय॰ १ ४, ३, ६, प्रव॰ ६६६; ८८४; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ (વધુ વિવેચન માટે જુઓ " आणुपुव्विनाम " શબ્દ) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'आणुपुव्विनाम' शब्द) (vide also 'आणुपुव्विनाम') a division of Nāma Karma. क॰ गं॰ ६ ६; पन्न॰ २३;
—गंठिय. त्रि॰ (-ग्रथित) અનુક્રમે ગુંથેલ. अनुक्रम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in proper order " आणुपुव्विगढिया " भग॰ ९, २, —णाम. न॰ (-नामन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ, કે જે બળદને નાથની પેઠે જીવને જે ગતિનું આયુષ્ય ઉદયમાં આવ્યું હોય તેજ ગતિમાં લઇ જાય; બીજી ગતિમાં જવા ન આપે તેવી નામકર્મની એક પ્રકૃતિ नामकर्म की एक प्रकृति कि जो बैल के नाथ के समान जीव को जिसगतिका उदय होवे उसी गति में ले जाय. a variety of Nāmakarma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Āyuṣya has entitled him. सम॰ प्रव॰ १२८१; —विहारि. पुं॰ (-विहारिन्) પ્રવજ્યા ક્રમને અનુસરી સંયમની તે તે ક્રિયા કરનાર. प्रव्रज्या-दीक्षा

आज के अनुसार सयम की क्रियाएँ करने वाला one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया० नि० १, ७, १, २७३,

आणुलोमिअ न० (आनुलोमिक) મધુર વચન, અનુકૂલ વચન. मीठे वचन, मनोहर वचन, अनुकूल वचन Pleasing and charming speech " बहुआ कुहेडिअमाणुलोमिय " दस० ७, ५६,

आणेयव्व त्रि० (आनेतव्य) લાવવાને યોગ્ય. लाने के योग्य. Worthy of being brought सु० च० ८, २०७ ज० प० २, ३३;

आणोह पुं० (आज्ञौघ—आज्ञाया आप्तोपदेशस्यौघ. सामान्यम्) સમ્યગ્ દર્શન રહિત આજ્ઞા માત્ર सम्यग्दर्शन रहित आज्ञा मात्र Words of the omniscient not accompanied with right faith "आणोहे खाणता मुक्का गवलगसुड सरीरा " पंचा० १४, ४८,

आत. पु० (आत्मन्) આત્મા. आत्मा Soul "कइ विहाणं भंते आता प० त० गोयमा अट्ठविहा ...दवियाता कसायाता जोगाताता उवओगाता" भग० १२, १६, १५, १, २०, ३, दस० ४, ठा० १,

आतंक पु० (आतङ्क—आ—समन्तादेव टङ्कयन्ति कृच्छ्रजीवितमात्मानं कुर्वन्तस्त्याद्याः) જીવલેણ રોગ; શૂલ ઝેરીનાર વગેરે प्राण हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३, ओव० ३९; (२) રોગનો પરીષહ रोगका परीषह. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७, —दंसि. पुं० (-दर्शिन्) શારીરિક યા માનસિક દુઃખ જોનાર (જાણનાર). शारीरिक या मानसिक दुःख जाननेवाला. (one) having knowledge of physical or mental pain. आया० १, ३, २, ४, —संपओग. पुं० (-संप्रयोग) રોગનો સંબન્ધ रोग का सम्बन्ध. connection of disease. —संपओगसंपउत्त. पुं० (-संप्रयोग संप्रयुक्त) રોગના સબંધની જોડાવું તે, આર્તધ્યાનનો ૩ જો ભેદ रोग के सम्बन्ध से युक्त होना, आर्तध्यान का तीसरा भेद meditating upon disease ओव०

√ आतच्च धा० I (आ+तञ्च्) ચોપડવું; મસળવું चिपड़ना, मसलना To rub to apply.

आयचइ. उवा० ३, १३७,

आयचामि उवा० ३, १२८,

आतंब त्रि० (आताम्र) થોડા લાલ, જરી રાતું. कुछ ललास वाला Reddish ओव०

आतवज्झयण न० (आतपाध्ययन) જ્ઞાતાધર્મકથાના બીજા શ્રુતસ્કંધના ૭ મા વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સૂર્યની અગ્રમહિષીનો વિસ્તારપૂર્વક હેવાલ છે ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतस्कन्ध के ७ वे वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम, जिसमें कि सूर्य की पटराणी का विस्तृत वर्णन है The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Śruta Skandha of Jñātā—Dharma—Kathā, in which is related the account of the principal queen of the sun नाया० ध० २, ७, २;

आतत. न० (आतत) લંબાઈ. लंबाई. Length. जं० प०

आतप. पुं० (आतप) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવને સ્વરૂપથી ગરમ નહિ હોવા છતાં ઉષ્ણતા અને પ્રકાશ આપનાર શરીર મળે જેમ સૂર્યમંડલગત પૃથ્વીકાયિક જીવ. नाम कर्म की एक प्रकृति जिसके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाय के जीव. A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat; e. g. a soul having earth-body in the sun पन्न० २३,

आतपत्त न० (आतपत्र) છત્ર; છત્રી. छतरी An umbrella ज० प०

√आतव. धा० II (आ+तप्) આતાપના લેવી आतापना लेना. To practise austerity by enduring cold, heat etc

आयावयति दसा० ३, १२;

आयाविजा वि० दस० ४,

आगावहि आ० दस० २, ५,

आयाविलए हे० कृ० आया० १, ७, ३, २१०; वेय० ५, २२;

आताविलए हे० कृ० कप्प ८,

आयावेत्तए हे० कृ० नाया० १६, कप्प० ६, ५२;

आयावेमाण. व० कृ० नाया० १, १६; भग० २, १; ३, १, ६, ३१, १५, १; १६, ३;

आतावेमाण. व० कृ० ओव० ४०,

आतव पु० (आतप) પ્રકાશ, તડકો. प्रकाश, उजेला. Light, sunshine ठा० २, ४, विशे० २२४२; (२) એ નામનું એક અહોરાત્રિનું ૨૪ મું મુહૂર્ત. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्तका नाम. name of the 24th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३०; —णाम. न० (—नामन्) જુઓ " आतव " શબ્દ. देखो " आतप " शब्द vide " आतप ". प्रव० १२७८; क० गं० ५, ६६, —णिवाय पुं० (—निपात—आतपस्य—घर्मस्य निपातोपातो

निपातः) ગરમી થવી; બફારો થવો. गर्मी होना. coming of heat, " आयवस्स निवाएणं अउला हवइ वेयणा " उत्त० २, ३५,

आतववंत. पुं० (आतपवत्) એ નામનું અહોરાત્રનું ૨૪ મું મુહૂર્ત. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्त का नाम Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जं० प०

आतवा. स्त्री० (आतपा) સૂર્યની અગ્ર મહિષીનું નામ. सूर्य की अग्र पटरानी का नाम The name of the principal queen of the sun. सू० प० १८;

आतवाभा. स्त्री० (आतपाभा) જુઓ " आतवा " શબ્દ. देखो " आतवा " शब्द Vide " आतवा." जीवा० ३;

आतावग. पु० (आतापक—आतापयत्यातापनां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापक) આતપના સહન કરનાર; સૂર્યની આતાપના લેનાર आतापना सहन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा० ४,

आतावण न० (आतापन) આતાપના લેવી તે शीत, उष्णता आदि से शरीर को कष्ट देना Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा० ३, दस० ४; —भूमि. स्त्री० (—भूमि) આતાપના લેવાની જગ્યા आतापना लेनेका स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर० ३, ३,

आतावणया. स्त्री० (आतापनता) જુઓ " आतावण " શબ્દ. देखो " आतावण " शब्द Vide ' आतावण " ठा० ३,

आताविं पुं० (आतापिन्-आतपयति आता पमां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापी) તાપ, શીતાદિ સહન કરનાર. ताप शीत, आदि को सहन करनेवाला (One) who endures heat and cold ठा० ४, कप्प० ८;

आत्थिरण्ण. त्रि० (आस्तीर्ण) પાથરેલું, બિછાવેલું. बिछाया हुआ Spread भग० १, १,

आतीय. त्रि० (आतीत--आसमन्तादतीवइतो ज्ञात आतीत) સર્વત્ર અત્યંત જણાએલ सर्वत्र अत्यंत-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ. Felt excessive everywhere. (२) (आसामस्त्येनातीतोऽतिक्रान्त आतीत) સમસ્ત પણે ઉલ્લંઘી ગયેલ सम्पूर्णतया उलांघा हुआ. wholly, completely, crossed आया० १, ८, ७, २२६, —ट्ठ त्रि० (-अर्थ) જેણે જીવ અજીવ આદિ સર્વ પદાર્થ જાણ્યા છે તે जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला (one) who has known fully sentient as well as insentient things (२) તમામ વ્યાપારથી નિવૃત્ત થયેલ समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one) retired from all activities आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) વ્યાકુલ, તીવ્રાભિલાષી व्याकुल, तडफड़ाता हुआ Afflicted, intensely longing आया० १, १, ६, ५१; भग० १६, ४, नाया० ५ (२) વિષય કષાય આદિ દોષયુક્ત विषय, कषाय आदि दोषों सहित full of faults such as passions etc. आया० १, १, ९, १४,

आतोडिज्जमाण. त्रि० (आतोद्यमान) વગાડવામાં આવતું बजाया जानेवाला Being played upon सूय० २, ४, ११;

आतोइ. पुं० (आतोद्य) વાજીંત્ર. बाजा. A musical instrument. जीवा० ३, ३;

आत्त पुं० (आत्मन्) આત્મા; જીવ. आत्मा; जीव. Soul सूय० १, १, २, १०, (२) શરીર, દેહ शरीर, देह body. जीवा० ३, (३) સ્વયં, પોતે. खुद; स्वयं. oneself सूय० १, ११, ३; —उवक्कम पुं० (-उपक्रम-अप्राप्तकालस्यायुषो निर्जरण, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम आत्मोपक्रम , आत्मन उपक्रमोवा) પોતાનું ઉપક્રમ—અપ્રાપ્તકાલ આઉખાનું નિર્જરણ. आत्माका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का निर्जरण Nirjarā of one's own unfinished life period भग० २०, १०, —भाव पुं० (-भाव) સ્વાભિપ્રાય, સ્વચ્છંદપણું स्वेच्छाचार, स्वच्छंदता wilfulness, self will. "जे आत्ताभावेण वियागरेज्जा" सूय० १, १३, ३, —रक्खश्र पुं० (-रक्षक) પોતાના સ્વામિના શરીરનું રક્ષણ કરનાર દેવતાની એક જાત, આત્મરક્ષક દેવતા अपने स्वामी की रक्षा करने वाले देवों की एक जाति, आत्मरक्षक देव a kind of deities who protect the body of their lord जीवा० ३, ४; —हिश्र न० (-हित) આત્મશ્રેય, આત્મ કલ્યાણ आत्मकल्याण. welfare of the soul "आत्तहियं खु दुहेण लब्भइ" सूय० १, २, २, ३०;

आत्तीकय त्रि० (आत्मीकृत) ખીરનીરની પેઠે આત્માની સાથે એકમેક કરેલ आत्मसातकिया हुआ; दूध और पानी के समान आत्मा के साथ एकता की हुई. Made one with the soul like milk and water विशे० १;

आदंस. पुं० स्त्री० (आदर्श) એક જાતની

लिपी. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) અરિસો दर्पण, शीशा. a mirror. पन्न० १; —घर. न० (-गृह) અરીસાનો ઘર. शीश-महल a house of mirrors or looking-glasses जं० प० ३, ७०,

आदंसग. पुं० (आदर्शक —आसमन्तात् दृश्यते आत्मा यस्मिन् स आदर्शः सएव आदर्शकः) અરીસો. दर्पण, A mirror "आदंसगच पयच्छाहि" सूय० १, ४, २, ११;

आदंसिआ. स्त्री० (आदर्शिका) ખાદ્ય વિશેષ, એક જાતનો ખાનાનોપદાર્થ खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance, a kind of food. जं० प० पन्न० १७,

√ आदद. धा० I (आ+दद्) ગ્રહણ કરવું, લેવું, આદાન કરવું ग्रहण करना; लेना To take, to accept

आययइ उत्त० १२, २६,

आययति आया० १, ७, १, १६६, विशे. १२२८, उत्त० ३, ७,

आययमाण पिं० नि० १०७;

आदर पु० (आदर) આદર સત્કાર आदर-सत्कार. Hospitality ठा० ६,

आदरण न० (आदरण) સ્વીકાર स्वीकार Acceptance. भग० १२, ५,

आदरिस पु० (आदर्श) જુઓ "आदंस" શબ્દ. देखो "आदंस" शब्द Vide "आदंस". ओव० १७, जं० प० २, ३१,

आदस्स लिवि. स्त्री० (आदर्शलिपि) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपीओं में से एक. One of the 18 scripts सम० १८;

√ आदह. धा I. (आ+धा) ધારણ કરવુ, પકડવું. धारण करना; पकडना To put on; to hold. to catch.

आदहइ. ओव० ३७,

आदहित्ता. ओव० ३०;

√ आदा. धा. I (आ+दा) ગ્રહણ કરવું ग्रहण करना To accept; to take.

आदियइ उवा० २, १२१, सूय० २, १, ३३,

आइयइ वेय० ४, २५, निसी० १६, २४, २६,

आइयति. सूय० २, १, १६,

आदिए. वि० उत्त० २४, १४;

आदियन्त व० कृ० सूय० २, २, २३,

आइत्तु सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदियावेन्ति. पु० सूय० २, २, २३;

आइयावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १६,

आदाण. न० (अग्रहण) આધણ आधन Boiling water. "आदाण भरियंसि कडाहयंसि" उवा० ३, १२६; —भरिय त्रि० (-भृत) આધરણ થી ભરેલ. गरम जल से भरा हुआ filled with boiling water "आदाण भरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि" उवा० ३, १२६,

आदाण न० (आदान) લેવું, ગ્રહણ કરવું लेना, ग्रहण करना. To take, to accept सूय० १, १६, ३, उवा० १, ५१, ओव० १०, १७, भग० २०, २, उत्त० २४, २, प्रव० १०७६; (२) કર્મનું ઉપાદાન કારણ कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma "भूणादाणाइ लोगसिस्सविजं परिजाणिया" सूय० १, ६, १०, —फलिह पु० (-परिघ आदीयते द्वारस्थगनार्थं गृह्यत इत्यादानं स चासौ परिघश्चादानपरिघः) બારણાં બંધ કરવાની ભોગળ द्वार बंद करने का भागल, चटकन A bolt of a door अंता० ४; पराह० १, ४; —भंडमत्तनिक्खेवणा समिइ. स्त्री० (-आदानभाण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) ઉપગરણ આદિ ભાણ્ડ

भांड लेवा मुकवा ते, साधुनी पांच समिति-आनी चोथी समिति यत्नाचार पूर्वक उपकरण आदि का उठाना रखना, साधु की पांच समिति में से चौथी समिति care fulness in taking up and laying down implements or articles of use; the 4th out of 5 Samitis of ascetics. ठा० ७, सम० ४, —भंडमत्तनिक्खेवणा समिय त्रि० (-भाण्डमात्रनिक्षेपणासमित) भंड उपगरण वस्त्रपात्रादि जतनाथी लेनार मुकनार; पांचमानी चोथी समिति पालनार साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक उठाने रखनेवाला साधु, पांच में से चौथी समिति पालने वाला साधु (one) who is careful in handling clothes vessels etc, a Sādhu who observes the 4th of the 5 Samitis (carefulness) ठा० ७, सम० ४, भग० ३, १.

आदाणया स्त्री० (आदान स्वार्थेतापत्यय) ग्रहण करवुं ते ग्रहण करना Acceptance ठा० २,

आदाणिज्जअज्झयण न० (आदानीयाध्ययन) सुयगडांग सूत्र ना प्रथम श्रुत स्कंधना १५ मा अध्ययननुं नाम सुयगडांग सूत्र के पहिले स्कंध के १५ वे अध्याय का नाम Name of the 15th chapter of the first Śrutaskandha of the Suyagaḍāṅga Sūtra सूय० १, १६,

आदाणीय त्रि० (आदानीय) आदेयवचन, जे वचन सर्वमान्य थाय ते आदेय वचन; सर्वमान्य वचन Speech which is acceptable to all सम० १६, कप्प० ६, १४,

आदाय सं० कृ० अ० (आदाय) ग्रहणे; ग्रहण करीने लेकर, ग्रहण करके. Having taken दसा० ४, ७१; भग० १५, १; सूय० १, ८, १, १०,

आदाया पुं० (आदातृ) ग्रहण करनार; स्वीकारनार. ग्रहण करनेवाला (One) who accepts विशे० १५६८;

आदि. स्त्री० (आदि) जुओ "आइ" शब्द. देखो "आइ" शब्द Vide "आइ". दसा० ७, १. सू० प० १;

आदिकर पुं० (आदिकर) जुओ "आइगर" शब्द देखो "आइगर" शब्द. Vide "आइगर" सूय० २, २, ४१,

आदिगर. पुं० (आदिकर) जुओ "आइगर" शब्द देखो "आइगर" शब्द Vide "आइगर" नाया० १६, भग० १, १; ७, ६, १८, २, राय० २२,

आदिज्ज त्रि० (आदेय) जुओ "आइज्ज" शब्द देखो "आइज्ज" शब्द Vide "आइज्ज" पण्ह० १, ४,

आदिट्ठ पुं० (आदिष्ट) जुओ आइट्ठ शब्द. देखो "आइट्ठ" शब्द Vide "आयट्ठ" भग० १२, १०;

आदिय पु० (आदिक) जुओ 'आइ' शब्द. देखो 'आइ' शब्द Vide "आइ" भग० १३, ४, १८, १०, २८, १, उवा० १, २६;

आदिल्ल त्रि० (आदिम) जुओ "आइल्ल" शब्द देखो "आइल्ल" शब्द Vide. "आइल्ल" भग० ७, २; १०, १; १३, ४, १५, ८, २४, १, १२; २६, ११,

आदिल्लअ. त्रि० (आदिमिक) जुओ "आइल्ल" शब्द देखो "आइल्ल" शब्द. Vide "आइल्ल" भग० ५, १;

आदिल्लग. त्रि. (आदिमक) जुओ "आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide "आइल्ल" भग० २४, १;

आवी. स्त्री० (आवी) ગંગામાં મળતી એક નદી. गंगामें मिलती हुई एक नदी Name of a river which flows into the Ganges. ठा० ५, ३;

आवीण त्रि० (आवीण) જુઓ " आईण " શબ્દ देखो " आईण " शब्द. Vide " आईण ". —वित्ति त्रि० (-वृत्ति) જુઓ " आईण वित्ति " શબ્દ. देखो " आईण वित्ति " शब्द Vide " आईण वित्ति " " आवीण पित्ती वकरेति पाव " सूय० १, १०, ६,

आदेज्ज. पुं० (आदेय) જુઓ " आएज्ज-वाम " શબ્દ देखो " आएज्जनाम " शब्द Vide " आएज्जनाम " पन० २३, जीवा० ३, ३, जं० प० —वक्क. पुं० (-वाक्य) જેના વચન ગ્રાહ્ય છે તે जिसका वचन ग्राह्य हो वह. one whose words are worth accepting सूय० १, १४, २७,

आदेयवयण न० (आदेयवचन) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય વચન ग्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of acceptance. दसा० ४, २७,

आदेस. पुं० (आदेश) જુઓ " आएस " શબ્દ. देखो " आएस " शब्द Vide " आएस " पिं० नि० भा० १८, पन्न० १८; भग० १४, ४,

आधा. स्त्री० (आधा) ખાસ સાધુનેમાટે અહારાદિ બનાવવા તે. खास साधु के लिये अहारादि का बनाना Preparing food etc. specially for Sādhus ठा० ३; —कम्म. न० (-कर्मन-आधानमाधा साधुनिमित्तं चेतसःप्रणिधान तस्याः कर्म पाकादिक्रिया आधाकर्म तद्योगात्तत्कारकाण्याधा-कर्म) સાધુનેમાટે આહાર આદિ કરવા તે; ખાસ સાધુનેમાટે બનાવેલ આહારાદિ લેવાથી સાધુને લાગતો એક દોષ. साधु के लिये अहारादि बनाना, साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेसे साधु को लगनेवाला एक दोष a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. ठा ३;

आधार पुं० (आधार) આધાર-આશ્રય; ટેકો. आश्रय, आधार, टेका. Means of supporting; support. भग० १०, २, पिं० नि० ५७; उवा० १, ६६;

आधारणिज्ज त्रि० (आधारणीय) ધારણ કરવાને યોગ્ય धारण करने के योग्य. Worthy of being put on or accepted नाया० १६;

√**आधाव.** धा० I (आ+धाव्) દોડવું. दौडना To run.

आधावंति भग० ३, १,

आधावमाण. नाया० १,

आधि पुं० (आधि) માનસિક પીડા. मानसिक पीडा Mental pain; agony of mind भग० १, १;

आधुणिय पुं० (आधुनिक) અઠયાસી ગ્રહ-માનો પાંચમો મહાગ્રહ. ८८ में से पांचवां महाग्रह. The fifth great constellation of the 88 constellations. सू० प० २०;

आधोहिय. पुं० (आधोवधिक) અમુક જગ્યા-એજ રહે એવું અવધિજ્ઞાન, અવધિજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला अवधिज्ञान; अवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १४, ७; १०; सम० ६६;

आनंद. पुं० (आनन्द) આન-દ-અંતઃશુદ્ધિમાં

भरतक्षेत्रमांथ।ना आठमा तीर्थंकरना पूर्व भवनु नाम. जंबू द्वीपके भरत क्षेत्र में होने वाले आठवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम Name of the previous birth of the would be eighth Tirthankara in the Bharataksetra of Jambudvipa सम० पं० २४१,

√**आनम** धा० I (आ+नम्) नमवुं, मर्यादाथी पगे पडवु, ताबे थवु, नमना, नम्रीभूत होना, मर्यादापूर्वक पैरों पड़ना; आधीन होना To bow before, to submit to

आनमति उत्त० ६, १२,

√**आने** धा० II. (आ+नी) आणवु लाना To bring

आणेमि पिं० नि० ४६६,

आणेह आ. भग० ६, ३३,

आणेहि आ० ओघ० नि० भा० ४१, नाया० १७,

आणाहि. आ० सूय० १, ४, २, ११,

आणिज्जए क० वा० व० प्र० ए० पि० नि० ५०७, विशे० २, ३६,

आणिज्जंत क० वा० व० कृ० सु० च० १४, ५, प्रव० ८९१,

√**आनव** धा० I, II (आ+ज्ञा-णिच्) प्रवृत्ति करावची, हुकम करवो प्रवृत्ति करना, आदेश करना To order, to command.

आणवइ सु० च० २, ३०६;

आणवेइ विवा० ५, १; राय० ४७, सु० च० २, १६०, दसा० १०, १, नाया० ८, १६; जं० प० ५, ११५,

आणवयंति. सूय० १, ४, १, ७,

आणवेह आ० नाया० ८,

आणवेत्ता. सं० कृ० नाया० १६;

आणवेमाण व० कृ० सूय० २, १, १२; ५६, दसा० १०, ३,

आणाविज्जइ. क० वा० राय० २६५;

√**आपज्ज** धा० I (आ+पद्) पामवुं; मेळववु पाना; प्राप्तकरना. To get; to obtain, to acquire

आपज्जइ. उत्त० ३२, १०३,

आपण पुं० (आपण) दुकान, हाट दुकान; हाट A shop भग० ५, ७, नाया० १; (२) शेरी गली street जीवा० ३;

√**आपा** धा० II (आ+पा) पीवु. पीना. To drink

आविअइ दस० १, २,

आविए आ० उत्त० १०, २६,

√**आपील** धा I (आपीड) मसलवु, पीडवु, रगडवु, मसलना, दुःखदेना, रगड़ना To press to oppress, to rub.

आवीलइ भग० १५, १,

आविलए आया० १, ४, १, १३७,

आवीलिज्जा दस० ४,

आवीलियाण सं० कृ० आया० २, १, ८, ४३,

√**आपुच्छ** धा० I (आ+पृच्छ) पुछवु, प्रश्न करवो पूछना; प्रश्न करना To ask, to question

आपुच्छइ नाया० ५, ८, १५, १६, भग० ११, ६, १२, १, उवा० १, ६६;

आपुच्छामि नाया० १, २; ५, १२, १३, भग० ६, ३३, १८, २, नाया० ध०

आपुच्छामो नाया० १६,

आपुच्छउ उवा० १, ६८,

आपुच्छेह. भग० १८, २,

आपुच्छित्ता नाया० १, ५, ८, १३, १६, उवा० १, ६६, दसा० १, २२, भग० ३, १, विवा० ७,

आपुच्छेत्ता नाया० ८, भग० १८, २;

आपुच्छेत्ता नाया० २; ८; भग० १८, २,
आपुच्छइत्ता भग० ११, ६, १२, १; १५,
१; नाया० ५; १५; १६, १८;
आपुच्छिऊण ओघ० नि० भा० १३, ८;
सु० च० ७, ३६;
आपुच्छिउं. कप्प० ६, ४६;

आपुच्छण. न० (आप्रच्छन) પુછવુ તે; પ્રશ્ન કરવો તે पूछना; प्रश्नकरना Questioning नाया० ६,

आपुच्छणा. स्त्री० (आप्रच्छना) પુછવુ તે, પ્રશ્નકરવો તે पूछना, प्रश्नकरना. Questioning. भग० २५, ७, नाया० १२, अणुत्त० १, १, पचा० १२, २; (२) વિનયપૂર્વક ગુરુપાસે આજ્ઞા માગવી તે, દસ સામાચારીમાંનો ૩ જો પ્રકાર विनयपूर्वक गुरु से आज्ञा मागना, दश सामाचारी में का ३रा भेद. Respectfully asking the command of a preceptor, the 3rd of the ten Sāmāchāris "आपुच्छणाय तइया चउत्थी पडिपुच्छणा " प्रव० ७६३, उत्त० २६, २,

आपुच्छणिज्ज. त्रि० (आप्रच्छनीय) પુછવા યોગ્ય. पूछने योग्य Worthy of being asked or questioned नाया० १, ७, उवा० १, ५,

आपुरण त्रि० (आपूर्ण) પુરૂ ભરેલ पूर्ण भरा हुआ Full to the brim, filled completely. पन्न० ३६

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्यमाण) પાણી વગેરેથી પૂર્ણ ભરાતું. पानी वगेरह से पूर्ण भरा हुआ Being completely filled with water etc. भग० १, ६, ३, ३,

आपूरिय. त्रि० (आपूरित) મર્યાદા પૂર્વક પૂર્ણ ભરાયેલું. मर्यादा पूर्वक पूर्ण भरा हुआ. Filled to the brim. "आहेतं वंजणमापूरियं होइ " विशे० २५०;

आपूरेमाण व० कृ० त्रि० (आपूरयत्) પૂર્ણ કરતો पूरा करता हुआ. Filling, completing "सद्देणं तप्पभूसे सव्वओ समंता आपूरेमाणे " राय० जीवा० ३; भग० ३, ३; जं० प० ५, ११६,

आपूविय. त्रि० (आपूपिक) પૂરી કે માલ પૌઆ બનાવનાર. पूडी या मालपुआ बनाने वाला (One) who prepares buns. नदी०

आफालिसार त्रि० (आस्फालयितृ) વગાડનાર बजानेवाला (One) who plays upon a musical instrument सूय० २, २, ५४,

आबाहा. स्त्री० (आबाधा) પીડા पीडा. Affliction, pain; trouble. भग० ५,४, १५, १, जीवा० ३, ३, वव० ५, १५, विवा० ६, जं० प० २, २४, नाया० ४, ५,

आभंकर. पुं० (आभङ्कर) એ નામનો ૮૮ ગ્રહમાંનો ૬૮ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों में से ६८ वें ग्रह का नाम. Name of the 68th constellation out of 88. सू० प० २०, ठा० २, ३, (२) ત્રીજા દેવલોકના એક વિમાનનુ નામ. तीसरे देव लोक के विमान का नाम name of the heavenly abode of the 3rd Devaloka सम० ३,

आभक्खाण. न० (अभ्याख्यान) ખોટો આક્ષેપ મુકવો, કલંક ચડાવવું झूंठा आरोप करना; कलंक लगाना. False accusation, falsely charging a person with guilt. उवा० १, ४६;

आभट्ट त्रि० (आभाषित) બોલાવેલ.

बुलाया हुआ. Called; spoken to. विशे० १६०६, सु० च० ६, ५४;

आभरण. न० (आभरण) घरेणुा, अलंकार, આભૂષણ गहना, अलंकार; आभूषण. An ornament, an embellishment पगह० १, ३; आया० २, ५, १, १४५; अणुजो० १०३, निसी० ७, ११, सम० १, २३१, सू० प० १; उत्त० १३, १६; ओव० ११, जीवा० ३३, नाया० १, २; ५; १८, भग० ३, २; ३, ७, १६, ५ पन्न० २, उवा० १. ३१, कप्प० ४, ६२, (२) पु० એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર एक द्वीप और एक समुद्र का नाम name of an island; also that of an ocean ज० प० ३, ४५, पन्न० १५, जीवा० ३, ४, अणुजो० १०३; —अलंकार पु० (-अलंकार) ઘરેણાગાંઠા પહેરવા તે गहनों का पहिनना putting on ornaments ठा ४, ४, भग० ६, ३३, —अलंकिय त्रि० (-अलंकृत) આભૂષણો પહેરેલ. આભૂષણોથી અલંકૃત आभूषणों से अलकृत, सुशोभित adorned, ornamented नाया० १२, भग० २, ५, नाया० घ० (२) આભૂષણથી શણગારેલ દેહ आभूषणों से सिनगारा हुआ शरीर body adorned with ornaments भग० ६, ३३, —विच त्रि० (चित्र) જુદી ૨ જાતના આભરણ, વિચિત્ર પ્રકારના આભરણ. भिन्न भिन्न प्रकार के आभूषण various kinds of ornaments. जावा० ३, —धारि त्रि० (-धारिन्) આભરણ ધારણ કરણાર, ઘરેણાં પહેરનાર. आभूषण पहिरनेवाला (one) who puts on ornaments. नाया० ८, —वास. स्त्री० (-वर्षा) મુદ્રિકાદિ આભૂષણોની વૃષ્ટિ. आभूषणों की वर्षा a shower of ornaments. कप्प० ५, ८७; —विविह. त्रि० (-विविध) જુદા જુદા પ્રકારના ઘરેણાં भिन्न २ प्रकार के गहने. various kinds of ornaments. "आभरणविविहा आभरणविविहाविविहा" आया० २, ५, १, १४५; निसी० १, ७, ११; १७, १२, —विहि पु० (विधि) ઘરેણાં બનાવવાની તથા પહેરવાની વિધિ. गहने बनाने और पहिनने की विधि art of making and putting on ornaments "आभरणविहि परिमाणं करेइ" वा० १, ३१, नाया० १, ओव० ४०;

आभवं-अ (आभवम्) ભવ પર્યંત, જીન્દગી પર્યંત जीवन पर्यंत Life-long. पचा० ४, ३६,

आभा स्त्री० (आभा) કાન્તિ, તેજ, પ્રભા कान्ति, तेज Lustre, light जीवा० ३, ६, राय० ७८ भग० १२, ५, (२) આકાર, છબી आकार, छवि form; picture पन्न० २, जीवा० ४;.

आभाकर पु० (आभाकर) એ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન तिसरे देवलोक के विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३,

आभाग पु (आभाग) પડિલેહણનું અપર નામ पडिलेहन का दूसरा नाम. A synonym of Padilehana i. e. proper examination of clothes etc ओघ० नि० ६३,

आभागि त्रि० (आभागिन्) ભાગીદાર; હિસ્સેદાર. हिस्सेदार A sharer, a partner. पिं० नि० २, १; नाया० १८;

आभासिय. पुं० (आभासिक) એ નામનો ૫૬ અંતર્દ્વીપ માંનો એક इस नाम का ५६ अन्तरद्वीप में से एक. Name of one

of the 56 Antaradvīpas. (२) त्रि० ते अन्तर द्वीपमां रहेनार मनुष्य. आभासिक नामक अंतरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvīpa called Ābhāsika; ठा० ४, जीवा० १, १, ३, (३) पुं० अे नामनो अेक देश. इस नाम का एक देश a country of this name. (४) त्रि० ते देशमां रहेनार मनुष्य, म्लेच्छनी अेक जात. आभासिक देश में रहने वाला मनुष्य, एक म्लेच्छ जाति (a person) residing in the country called Ābhāsika, a kind of Mlechchhas. पन्न० १, पराह० १, १, —दीव पुं० (-द्वीप) लवणसमुद्रमा चूलहिमवंत पर्वतनी डाढा उपरनो अे नामनो अेक द्वीप लवण समुद्र में के चूलहिमवत पर्वत के अन्तराय पर बसा हुआ द्वीप name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavana ocean. "कहिणं भंते दाहिणिल्लाणं आभासिय मणुस्साणं आभासिय दीवे नाम दीवे" जीवा० ३, ठा० ४, २, पन्न० १,

आभासी स्त्री० (आभाषी) आभासिक द्वीपनी रहेनारी स्त्री आभासिक द्वीप में रहने वाली स्त्री A female inhabitant of the Ābhāsika island जीवा० ३,

आभिओग पुं० (आभियोग्य-आसमन्तात् युज्यन्ते प्रेष्यकर्मणि व्यापार्यन्ते इत्याभियोग्याः) नोकर देवता; आभियोगिक जातना देवता. नोकर देव, आभियोगिक जाति के देव. A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the Ābhiyogika kind. पराह० १, २; भग० १६, २; ३८, २; जं० प० १, १२; नाया० ८; (२) (अभियोग आज्ञाप्रदानलक्षणोऽस्यास्तीत्याभियोगी तद्भाव आभियोग्यम्) नोकरपणुं; सेवकभाव सेवकपना, सेवकत्व. servitude दस० ६, २, ५; जं० प० ५, ११२, ११४, —पराति. स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) विद्याधरनी अेक विद्या. विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyādharas "सकामाणि आभिओग पराणत्ति गमणिथम्भणिसुय बउकुसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे" नाया० १६; —सेढि स्त्री० (-श्रेणि) वैताढ्य पर्वत उपर विद्याधरनी श्रेणिथी १० जोजन ऊंचे अभियोगी देवताने रहेवानी जग्या वैताढ्य पर्वत के ऊपर विद्याधर श्रेणी से १० योजन ऊंचा अभियोगी देवों का रहने का स्थान an abode of Abhiyogi deities on the Vaitādhya mount ten Yojanas in height from the Vidyādhara Śreni जं० प० १, १२;

आभिओगा स्त्री० (आभियोगा) विद्याधरनी अेक विद्या विद्याधर की एक विद्या. A branch of knowledge or an art possessed by Vidyādharas. नाया० १६,

आभिओगिअ—य पुं० (आभियोगिक—अभियोगःप्रयोजनमस्यति) नोकर देवतानी अेक जात, उतरता देवता. नोकर देवों की एक जाति, निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities "आभिओगिए देवे सद्दावेइ" जीवा० ३; ओव० ३१, नाया० ८, १४, राय० २८, ३४; भग० १४, २, (२) विद्या, मंत्र, वशीकरण, आदि अभियोगकर्म करनार साधु. विद्या, मंत्र, वशीकरण आदि अभियोग कर्म करनेवाला साधु. a Sādhu who practises

charms, incantations etc. विवा० २, जीवा० ३; भग० १, २; पन्न० २०, जं० प० ५, ११२, —क्खय पुं० (-क्षय— अभियोग प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतन्त्रता फलं तस्य क्षयो विनाश आभियोगिकक्षय.) અભિયોગ-પરતન્ત્રતા આપનાર કર્મનો નાશ परतंत्रता देनेवाले कर्मो का नाश destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit जं० प० ५, ११२, ११५, पंचा० १७, ७, —देव पुं० (-देव) અભિયોગજાતિના નીચા દેવતા अभियोग जाति के हलके देव a subordinate kind of deities styled Abhiyogika नाया० ध०

आभिग्गहिय त्रि० (आभिग्रहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहस्तेन निर्वृत्त आभिग्रहिकः) અભિગ્રહથી કાયોત્સર્ગાદિ કરનાર, અભિગ્રહ ધારણ કરીને કાઉસગ્ગ વગેરે કરતા તે अभिग्रह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला (One) who practises Kāusagga after taking certain vows पन्हा० ४, ८,

आभिणिबोहिय न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोध सएवाभिनिबोधिकम्) મતિજ્ઞાન, મન અને ઇંદ્રિયથી થતુ જ્ઞાન, જ્ઞાનના પાંચ પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર मतिज्ञान, मन और इंद्रियसे होनेवाला ज्ञान, ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद Matijñāna, knowledge derived through the five senses and the mind, the first of the 5 varieties of knowledge. "से किंत आभिणिबोहियणाणं आभि० दुविहं प० तं० सुयनिस्सियं असुयनिस्सियं च " नंदी० ओव० १६, अणुजो० १२७, उत्त० २८, ४, ३३, ४, ठा० २, १, विशे० ८० पन्न० १, —लाद्धि स्त्री० (-लब्धि) મતિજ્ઞાનની લબ્ધિ-પ્રાપ્તિ. मतिज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna भग० ८, २;

आभिणिबोहियणाण. पुं० (आभिनिबोधिकज्ञान) જુઓ " आभिणिबोहिय " શબ્દ. देखो " आभिणिबोहिय " शब्द Vide " आभिणिबोहिय " ठा० २, १; अणुजो० १, भग० १, ५, २, १०, , ६ ४; ८, २; नंदी० १, विशे० ७६, ओव० सम० २८; —पज्जव पुं० (-पर्यव) મતિજ્ઞાનના પર્યાય मतिज्ञानका पर्याय modifications of Matijñāna भग० ८, २, २५, ४; —लाद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) મતિજ્ઞાનની લબ્ધિ मतिज्ञान की प्राप्ति acquirement of Matijñāna भग० ८, २, —आवरण न० (-आवरण) મતિજ્ઞાનાવરણીય, મતિજ્ઞાનને દબાવનાર કર્મ. मतिज्ञानावरणीय; मतिज्ञान को ढकनेवाला कर्म Karma which obscures Matijñāna सम० १७ —आवरणिज्ज. न० (-आवरणीय) મતિજ્ઞાનાવરણીય કર્મ, મતિજ્ઞાનને અટકાવનાર જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ मतिज्ञानावरणीय कर्म, मतिज्ञान को न होने देनेवाली ज्ञानावरणी कर्म की एक प्रकृति a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna भग० ६, ३१; —विणय. पुं० (-विनय) મતિજ્ઞાનનો વિનય मतिज्ञान का विनय Vinaya or austerity of Matijñāna. भग० २५,७; —सागारोवओग पुं० (-साकारोपयोग—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनि. बोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च सदेव साकारोपयोगः तथा) મતિજ્ઞાનરૂપ સાકારોપયોગ-વિશેષ ઉપયોગ मतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पन्न० २८,

आभिणिबोहियणाणि पुं० (आभिनिबोधिक ज्ञानिन्) आभिनिबोधिक मतिज्ञानवाला आभिनिबोधिक मतिज्ञान वाला (One) possessed of Abhinibodhika Matijñāna भग० ६, ३; ८, २, १८, १; २५, १,

आभिप्पाइअ त्रि० (आभिप्रायिक) अभिप्रायवाळु, अभिप्राय युक्त अभिप्राय वाला Having a definite aim or purpose अणुजो० १३१,

आभियोग पु० (आभियोग) जुओ "आभिओग" शब्द. देखो "आभिओग" शब्द Vide "आभिओग" ठा० ४, ४, भग० ३, ५;

आभियोगत्ता. स्त्री० (आभियोग्यता) नोकरचाकरपणु, सेवा भाव, नोकर देवतापणु, नोकरचाकर पन, सेवकत्व, नोकर देवत्व. State of being a servant or a servile deity "चउहिं ठाणेहिं जीवा अभियोगत्ताए कम्मं पगरेंति" ठा० ४,

आभिसेक त्रि० (आभिषेक्य) राज्याभिषेक करवा योग्य, जेनो अभिषेक करवामा आवेछे ते राज्याभिषेक करने योग्य, जिसका अभिषेक किया जाता है वह (One) to be crowned king, (one) to be made king with proper ceremony "आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह" ज० प० ओव० २१, राय० १५८,

आभीरी स्त्री० (आभीरी) आहिरणु आहीरनी; अहीर जाति की स्त्री An Abhīra female नंदी० ४४;

√**आभोअ.** धा० II (*आ+भोग=आ+भुज्) जोवुं देखवुं देखना. To see. (२) जाणवुं जानना. to know.

आभोइए कप्प० ५, १०६,

आभोएइ राय० २६४, दसा० १०, ११; उवा० ८, २५५, नाया० ८, ६; भग० ५, १, १६, ५, ज० प० ५, ११२;

आभोएमि जं० प० ५, ११२;

आहोयति. भग० ३, १,

आभोएमि. भग० ३, २; नाया० ८;

आभोएहिंति भग० १५, १,

आभोएत्ता स० कृ० नाया० ९,

आभोइत्ता ग० कृ० नाया० ८, भग० ३, २; १४, १, दस० ४, १, ८६;

आभोएमाण व० कृ० नाया० २; ८; १३; भग० १६, १, नाया० ध०

आभोअ-य. पु० (आभोग) ज्ञान, समजण. ज्ञान, समज. Knowledge, understanding. दस० ५, १, ८६, विवा० १.

आभोग. पु० (आभोग-आभोजनमाभोग) उपयोग विशेष उपयोग विशेष A particular kind of attentiveness or carefulness प्रव० ११'८, (२) ज्ञान, समज, खबर ज्ञान, समज. knowledge, information. भग० ७, ६, पन्न० १४, पि० नि० ५७७; ठा० ४, १; १०. (३) जाणी बुझीने करेल प्रवृत्ति जानबूझकर की हुई प्रवृत्ति activity consciously performed. प्रव० ११६८; (४) विस्तार विस्तार extent नाया० १, —उझाण न० (—ध्यान आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्). ज्ञानपूर्वक व्यापारनु ध्यान. ज्ञान पूर्वक व्यापार का ध्यान contemplation of conscious activity. आउ० —णिव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) जाणी बुझीने

करेलुं जानबूझकर किया हुआ. performed consciously or purposely भग० १, १, (२) वैमानिक देवतानो क्रोध विशेष; क्रोधनु परिणाम जाणुवा छता पण करेल क्रोध वैमानिक देवों का क्रोध विशेष, क्रोध का परिणाम जानते हुए भी किया हुआ क्रोध anger of heavenly deities i e anger inspite of a knowledge of its results ठा० ४, —बउस पु० (-बकुश) आभोग-जाणीने देष लगाडनार साधु जान बूझकर दोष लगाने वाला साधु an ascetic consciously incurring sin ठा० ५, ३, भग० २५, ६,

आभोगण न० (* आभोग) विचारणा विचारणा विचार Thought, reflection नंदी० ३१,

आभोगणया. स्त्री० (आभोगन) ईहा; विचारणा ईहा, विचारणा Thought, reflection नंदी० ३१,

आम त्रि० (आम) अपक्व, काचुं, अपक्क, कच्चा Raw unripe वेय० १, १, सु० च० ७, १८३, पिं० नि० १०, पराह० १, ३. (२) सदोष आहार दोष सहित आहार food involving sin. आया० १, २, ५, ८७, —अभिभूय त्रि० (-अभिभूत) अपरिपक्व रसथी पराभव पामेल बिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ overpowered by raw essence. विवा० ७, —गंध. पु० (-गन्ध) आधाकर्म आदि दोष आधाकर्म आदि दोष a fault such as Ādhā Karma etc. " सव्वामगंधं परिणाय णिरामगंधो परिव्वए " आया० १, २, ५, ८७; —डाग. न० (-डाग) काचुं पांदडुं; अर्धुं पाकुं अर्धुं काचुं ताजंकला वगेरेनुं पांदडुं. कच्चा पत्ता a raw, unripe leaf. " सेवं पुण जाणेज्जा आमडागं वा " आया० २, १, ८, ४६, —मल्लग. पु० (-मल्लक) अपक्व काचो शरावलो कच्चा मिट्टीका प्याला a raw earthen bowl नाया० ६, —मल्लगरूव त्रि० (-मल्लकरूप) अपक्व शरावला जेवु, काचा शरावलानी पेठे तरत फुटी जाय तेवु. कच्चे प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला fragile like a raw earthen bowl नाया० ६, तंडु० —महुर त्रि० (-मधुर) काचुं छता स्वादमा मधुर. कच्चा होनपर भी स्वाद मे मिष्ट raw yet sweet (e. g. fruit) " आमे णाम एगे आममहुरे " ठा० ४, १,

आमअ. पु० (आमय) रोग रोग, बीमारी. Disease पिं० नि० ४५१,

आमअ त्रि० (आमक) सचित्त वस्तु; काची-जीववाली वस्तु सचित्तवस्तु, सजाव-वस्तु Raw, (a thing) having life in it दस० ३, ७,

√ **आ-मंत.** धा० II (आ+मन्त्र+णि) संबोधन करी बोलाववुं, आमंत्रण करवु; नेतरुं आपवु संबोधनपूर्वक बुलाना, आमन्त्रण करना, नोता देना To call out to; to invite

आमतेइ ओव० २१; विवा० ३; नाया० १, ७, १८, भग० ११, ८;१५, १;

आमतेमि नाया० १२,

आमतित्ता. नाया० ७, भग० ३, १; १४ ७; १५, १, निर० ३, ३, दसा० ५, ६; उवा० २, ११६; दसा० ९, १; ठा० ३, २; उवा० ६, १, ७७;

आमतेत्ता. नाया० १४, १५; भग० ११, ६, १५, १;

आमंतेकरण. नाया॰ १५;
आमंतिय सं॰ कृ॰ सूय॰ १, ४, १, ६,
आमंतेमाणे व॰ कृ॰ आया॰ २, ४, १, १३४;

आमंतण. न॰ (आमन्त्रण) સંબોધન. संबोधन. Vocative address; calling out to ठा॰ ८, १, (२) આમંત્રણ, નોતરૂં निमंत्रण, नोता invitation. सु॰ च॰ ३, ११३,

आमंतणी स्त्री॰ (आमन्त्रणी) હે દેવદત્ત ! ઇત્યાદિ સંબોધનરૂપ ભાષા, વ્યવહાર ભાષાનો એક પ્રકાર सबोधनरूप भाषा Language of address in the vocative case; a variety of conventional speech प्रव॰ ८०१ भग॰ १० ३, पन्न॰ ११, अणुजो॰ १२६, (२) સંબોધન અર્થમાં વપરાતી (પ્રથમા) વિભક્તિ सबोधन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा) (विभक्ति). the nominative used in the sense of the vocative " आमतणी भवे सट्ठमीय जह हे जुवाणत्ति " ठा॰ ८,

आमन्तिअ-य त्रि॰ (आमन्त्रित) પુછેલ, આમંત્રણ કરેલ पूछा हुआ, आमत्रण किया हुआ Asked, addressed, invited " गच्छामिरायं आमतिओसि " उत्त॰ १३, ३३. " सेभिक्खु वा २ इत्थिआमंतेमाणे आमंतिए " आया॰ २, ४, १, १३४,

आमग. त्रि॰ (आमक) કાચું, અપરિપક્વ कचा. Raw (२) સચિત્ત. सचित्त सजीव. having life or lives in. दस॰ ५, २, १६, ८, १०; भग॰ १५, १, तंडु॰

√**आमज्ज.** धा॰ I, II (आ+मृज्) વાળવુ, સાફ કરવુ; લુંછવું. साफ करना; पोंछना. To cleanse, to wipe; to sweep.

आमजिज्ज. विधि॰ आया॰ २ १३, १७२,
आमज्जेज्ज. विधि॰ निसी॰ ४, ७१; ३, १६; २२,
आमज्जमाण. वकृ॰ आया॰ २, १, ६, ३६,

आमयकरणी स्त्री॰ (आमयकरणी) વિદ્યા વિશેષ, રોગ ઉત્પન્ન કરનાર એક વિદ્યા रोग उत्पन्न करनेवाली एक विद्या An art of producing or causing diseases. सूय॰ २, २, ३०:

आमरणं. अ॰ (आमरणम्) મરણપર્યન્ત मरने तक Up to death, till death. पंचा॰ ७, ४६,

आमरणंत अ॰ (आमरणान्त) મરણ પર્યન્ત मरण पर्यन्त Till death. ठा॰ ४, १, —दोस पु (-दोष) મરણ પર્યન્ત પણ કાલસૂરિયા કસાઇની પેઠે પાપનું પશ્ચાત્તાપ ન થાય એવા પ્રકારનો દોષ; રૌદ્રધ્યાનનું એક લક્ષણ मृत्यु तक किन्तु कालसूरिया कसाई के समान पाप का पश्चाताप न हो ऐसा दोष, रौद्रध्यान का एक लक्षण. sin without repentance till death as in the case of the butcher Kālasūriā; a mark of Raudra Dhyāna. ठा॰ ४, भग॰ २५, ७, ओव॰ २०,

आमरिस पु (आमर्श) સંબંધ, સ્પર્શ. सम्बन्ध, स्पर्श, Connection, contact विशे॰ ११०६;

आमल. पु (आमल) બહુ બીજવાળું વૃક્ષ, આમળાનું વૃક્ષ बहु बीजवाला वृक्ष, आंवल का वृक्ष. A hog-plum tree; a kind of tree with many seeds. जीवा॰ १; आया॰ टी॰ १, १, ५, १२६; —कप्पास. न॰ (-कार्पास) આમળાનો કપાસ. कपास की एक जाति.

a variety or species of cotton "आमलकप्पासाओवा बसीकरयं करेइ" निसी० १, ७२,

आमलक न० (आमलक) આમળાનું ફળ आवला A fruit of the hog-plum tree. "आमलपाखगं वा" सूय० १, २, १, १६,

आमलकप्पा स्त्री० (आमलकप्पा) એ નામની એક નગરી एक नगरी का नाम Name of a city "इहेव जम्बूद्वीवे भा रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होत्था" राय० २, नाया० ध०

आमलग. पुं० (आमरक) મારી, મરકી चारों तरफ फैली हुई बीमारी. Plague infecting all quarters ठा० १०, (२) न० મરકી સંબંધી અધિકારવાળું વિપાક સૂત્રનું ૯ મું અધ્યયન विपाक सूत्रका मरी (बीमारी) के सम्बन्ध का ६ वा अध्ययन The 9th chapter of Vipāka Sūtra dealing with the subject of plague. ठा० १०,

आमलग. पुं० (आमलक) આમળાનું ઝાડ आवलेका वृक्ष A hog plum tree पन्न० १, सू० प० १०, सूय० १, ८, २, १०, अणुजो० १४३, १५०, भग० २२, ३ जीवा० १, ठा० ४, ३, —**महुर** त्रि० (-मधुर) આમળાના ફળ જેવું સ્વાદિષ્ટ आँवले के फल के समान स्वादिष्ट as tasteful as the fruit of a hog-plum tree. ठा० ४, ३, —**रस** पु० (-रस) આમળાનો રસ. आवले का रस juice of hog-plums. सूय० नि० टी० १, ८, ६१; —**रसिय.** त्रि० (-रसित) આમળાના રસથી મિશ્ર કરેલ. आंवलेके रस से मिश्रित mixed with the juice of hog-plum fruits विवा० ७,

आमलय. पु० (आमलक) જુઓ 'आमलग' શબ્દ देखो 'आमलग' शब्द. Vide. 'आमलग' राय० २६८, उवा० १, २४;

आमिआ स्त्री० (आमिका) કાચી ફળી વગેરે. कच्ची फली वगैरह A raw seed-pod etc. "आमिअं भज्जिअं सइ" दस० ५, १, २०,

आमिस. न० (आमिष) માંસ. मांस. Flesh सूय० १, १, ३, ३, उत्त० १२, ६३, नाया० ४, ठा० ४, पंचा० ५, २६, (२) ધન ધાન્યાદિ ભોગ્ય પદાર્થ धनधान्यादि भोग्य पदार्थ any thing which can be eaten or enjoyed "आकिंचणा उज्जुकडा निरामिसा" उत्त० १४, ४१, 'आमिस कुललं दिस्स बज्झमाणं निरामिसं आमिसं सव्वं मुज्झित्ता विहरिस्सा मो निरामिसा" उत्त० १४, ४६, —**आवत्त** पु० (-आवर्त) માંસાર્થી સમળી વગેરે જે આકાશમાં આવર્તન કરે તે, આવર્તનનો એક પ્રકાર मांस की इच्छा से आकाश मे उडने की क्रिया, आवर्तनका एक प्रकार act of wheeling in the sky done by kites etc for flesh ठा० ४, ४; —**आहार** पु० (-आहार) માંસાહાર. मांसाहार flesh food (२) त्रि० માંસાહારી मांस खानेवाला carnivorous, flesh-eating. नाया० ४, —**तल्लिच्छ** त्रि० (-तल्लिप्स) માંસનો ગૃદ્ધિ-લોલુપી मांस का लोलुपी greedy of flesh नाया० २, —**प्पिय** त्रि० (-प्रिय) માંસ ખાવામાં પ્રીતિ વાળો मांस खाने में प्रीति रखने वाला fond of flesh-eating. नाया० ४, —**भक्खि.** त्रि० (-भक्षिन्) માંસાહારી, માંસ ભક્ષણ કરનાર. मांसाहारी. carnivorous; flesh-eating नाया० ९; —**लोल** त्रि० (-लोल) માંસનો

लोलुपी; માંસ લમ્પટ. मांस का लोलुपी. greedy of flesh. नाया० ४,

आमिसत्थि. त्रि० (आमिषार्थिन्) માંસ ની ઇચ્છા-પ્રાર્થના કરનાર आमिष-मांस की इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One) desiring flesh नाया० ४,

√**आ-मुस.** धा० I (आ+मृश) ઘસવું, મર્દન કરવું, મરડીને નિચોવવું घिसना, मर्दन करना; मरोडकर निचोना. To rub, to expel water from a wet cloth by twisting it.

आमुसिज्जा वि० दस० ४;

आमुसंत ठा० १; दस० ४;

आमुसमाण व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो अ० (आमुहूर्तान्तत्) અંતર્મુહૂર્ત પર્યન્ત अन्तर्मुहूर्त तक. Up to the limit of an Antaramuhūrta क० प० २, ५२;

आमेल पु० (*) મસ્તક ભૂષણ, મુગટ ઉપરની પુષ્પની માલા. मस्तक भूषण; मुकट उपरकी पुष्प की माला A flower garland of a crown. "वणमाला मेल मउल कुंडल सच्छंद विउव्विया भरणा" पन्न० २, ओव० २४, राय० ८१, नाया० १६, जीवा० ३,

***आमेलअ-य** पुं० (*) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द Vide above. भग० ६, ३३, ओव० ३०,

***आमेलग.** पुं० (*) જુઓ "आमेल" શબ્દ देखो "आमेल" शब्द Vide. "आमेल" "आमेलग जमल जुगल वट्टिय" भग० ६, ३३; नाया० १; २, राय० १११;

आमेलग. न० (आमोचक) સ્તનનો અગ્રભાગ;-ડીંટડી-ડીંટું. स्तनका अग्रभाग. The nipple of the breast, a teat. जं० प० जीवा० ३,३; (२) પરસ્પર થોડા સંબંધ વાળું. परस्पर थोडे सबंध वाला. having limited inter-relation. नाया० १; १४,

आमोक्ख. पुं० (आमोक्ष-आमुच्यतेऽस्मिन्निति वा मोचणं वाऽऽमोक्ष) આ-સમંતાત-ચારે તરફથી મોક્ષ-છુટકારો, કર્મથી સર્વથા છુટકારો. संपूर्णतया मोक्ष; कर्मसे सर्वथा छुटकारा. Perfect salvation; perfect emancipation from Karma "आहएणाऽऽजाइ आमोक्खा" आया० नि० १, १, १, ७, सूय० १; १, ८, १३, २, ५, ३३;

आमोडण. न० (आमोटन) આ-થોડું મરડવું-ભાંગવું તે कुछ मरोडना. A little twisting पग्ह १, १,

आमोडिज्जन्त व० कृ० त्रि० (आमोट्यमान) થોડું મરડવામાં આવતું जो थोडा मरोडा जाता है वह. Being twisted a little. राय० ८८,

आमोय न० (आमोक) કચરાનો ઢગલો; ઉકરડો कचरेका ढेर. A heap of refuse. "आमोयाणिवा" आया० २, १०, १६६;

आमोयमाण व० कृ० त्रि० (आमोदमान) ખુશી થતો, આલ્હાદ પામતો; प्रसन्न होता हुआ, खुश. Rejoicing. "आमोयमाणा गच्छंति" उत्त० १४, ४४,

आमोस. पुं० (आमर्श) સ્પર્શ કરવો તે. स्पर्श करना. Touching; touch ओघ०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

नि० भा० १६४; पराह० २, १; प्रव० १२०६ आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) ચોતરફથી ચોરી કરનાર. चारों ओर से चोरी करने वाला. One who steals from all quarters "आमोसे लोमहारेय" उत्त० ६, २८.

आमोसग. पुं० (आमोषक) ચોર, તસ્કર चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०, ठा० ५, २,

आमोसहि. स्त्री० (आमर्शौषधि-आमर्शोऽपि-हस्तादिना स्पर्शः सर्वौषधिरामर्शौषधिः) હાથના સ્પર્શમાત્રથી સર્વ દર્દ મટી જાય એવી જાતની મેળવેલી શક્તિ, २८ લબ્ધિમાંની એક हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति, २८ लब्धि योंमें की एक लब्धि Power to cure diseases by mere touch of the hand etc, one of the 24 Labdhis ओव० १६, (२) એવિ લબ્ધિ વાળો સાધુ उक्त लब्धिवाला साधु an ascetic possessed of the above mentioned power विशे० ७७१, —पत्त त्रि० (-प्राप्त) હાથ માત્ર લગાડવાથી બધી પીડા મટી જાય તેવી લબ્ધિ ને પામેલ हाथ के स्पर्श मात्र से संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुवा possessed of the power of curing maladies by merely touching with the hand. पराह० २, १,

आय. न० (आज) બકરીના બાલનું બનેલ વસ્ત્ર. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र Cloth made of the hair of a she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) લાભ; ધનાદિકની પ્રાપ્તિ, આવક, કમાણી. लाभ, आय, आमदनी. Gain; earning; income. "आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी" सूय० १, १०, ३; १, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पिं० नि० ३१३; अणुजो० १३; (२) કર્મની આવક, આશ્રવ. कर्म का आश्रव-आवक. inflow of Karma. सूय० १, १०;, ३; (३) અધ્યયન તથા ઉદ્દેશાદિ. अंग सूत्र के अध्याय वगैरह. chapters, sections etc "नाणस्स दंसणस्सवि चरणस्सय जेण आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोत्ति एगट्ठा" दस० टी० १; (४) કોલાની એક જાત, વનસ્પતિ વિશેષ कोलाकी एक जाति; वनस्पति विशेष a kind of vegetation of the gourd kind "सेकिंतं कुहणा कुहणा अणेगविहा प० तं० आए काए कुहणे" पन्न० १,

आय पुं० (आत्मन्) આત્મા, જીવ आत्मा; जीव Soul, life "आयगुत्तेजिइंदिए" नाया० ८, सम० १, पन्न० १४, २८, आया० १, १, १, ३, सूय० १, ११, १६, उत्त० २, १५, ८, १६, १४, १०, भग० १, ८, ६, २, १, ३, ८, ६, १०, २०, २, ८१, १, राय० ७८, नदी० ४५, ठा० ७, १, विशे० ३०, ६२, ३५३६; —अंगुल. पु० (-अंगुल) આત્માંગુલ, શાસ્ત્રોક્ત પ્રમાણોપેત ઉંચાઈવાળા ઉત્તમ પુરૂષના શરીરની ઉંચાઈ નો १०८ મો ભાગ. આત્માંગુલ કહેવાય છે આ અંગુલથી કુવા, નદી, ઘર, ક્ષેત્ર બાડી વગેરે પદાર્થોનું માપ થાય છે. आत्मांगुल, शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की ऊंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुल कहलाता है, इस से कुआ, नदी, घर, बाडी आदि का माप होता है a measure of height or length, 108th part of the full height of a man as settled by the authority of scriptures; it is used to measure the depth of wells etc.

विशे० ३४०; अणुजो० १३४; प्रव० ४४, ८; १४०३; —अंतकर. पुं (-आत्मकर- आत्मनो जन्मजरामरणान्तं अवश्य करोतीत्या त्मान्तकर) આત્માનો જીવનનો અંત કર નાર, આત્માનો પંથ કરનાર आत्मा-जीवन का अंत करनेवाला one who destroys life, one who destroys the soul. ठा० ४, २, —अजस न० (-अयशस्) આત્મનો અયશ-અશુભ નામકર્મની એક પ્રકૃતિ आत्मा का अपयश -अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति infamy, disrepute of the soul, a variety of evil Nāma Karma भग० ४१, १. —अणुकंपय त्रि० (-अनुकम्पक— आत्मानमेवानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभा- नुष्ठानम् सद्गतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानु- कम्पक) આત્મહિત કરવામાં પ્રવૃત્ત, પ્રત્યેક- બુદ્ધ અથવા જિનકલ્પી आत्महित करने में प्रवृत्त, प्रत्येकबुद्ध अथवा जिनकल्पी one devoted to the welfare of the soul. "आयाणुकंपए णामयग णो पराणु कंपए" ठा० ४ ४, सूय० २, २, ८४, —अभिणिवेस पुं० (-अभिनिवेश) પોતા- પણાનો આગ્રહ, મમત્વભાવ अहंभाव, ममत्व भाव self-love, attachment to one's selfish interests. नदी० —अहिगरणवत्तिय त्रि० (-अधिकरण प्रत्यय – आत्मनोऽधिकरणानि आत्माधि- करणानि तान्येव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया करणे तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) જેમાં આત્માનો અધિકરણ કારણરૂપ છે તે. जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है वह (that) in which relation with the soul is the active cause. "आयाहिगरणवत्तियं चणं तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ सप राइया किरिया कज्जइ" भग० ७, १, —अहिगरणि पुं० (-अधिकरणिन्- अधि- करणानि हलशकटादीनि कषायाश्रयभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकरणी आत्मनोऽधिकरणी आत्माधिकरणी) આરંભાદિકના સાધન, હળ વગેરે જેની પાસે છે તે આત્મા, પોતાની જાતે આરંભ સમારંભના અધિ કરણ મેળવનાર आरंभादिक के साधन, हल आदि जिसके पास है वह आत्मा, स्वयं आरंभ समारंभ के साधनों को एक- त्रित करने वाला a soul possessed of implements of killing etc, such as a plough etc. by his own efforts "आयाहिगरणी भवइ" भग० ७, १, १६, १, —आरंभ त्रि० (-आरम्भ) પોતાને હાથે જીવની ઘાત કરનાર अपने हाथ से जीव की घात करने वाला (one) who kills a life with his own hands भग० १, १, —उवक्कम पुं० (-उपक्रम) પોતાની જાતે આઉખાનો ઉપક્રમ કરવો, આઉખું ટુંકુ કરવું તે अपने हाथसे आयुष्य को कम करना shortening one's own life भग० २० २, १०, —कम्म न० (कर्मन्) આત્માએ કરેલો કર્મ आत्मा का किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul भग० ३, ४, २०, १०, २४, ८; —गय त्रि० (-गत-आत्मान गतमात्मगतम्) આત્મામાં રહેલ; આત્મ- સંબંધી. आत्मा संबंधी. relating to the soul. पन्ना० ३, ३७; —गवे- सय त्रि० (-गवेषक) आत्मानं कर्म मलापहारेण शुद्धं गवेषयतीत्यात्मगवेषक) આત્માના ખરા સ્વરૂપને શોધનાર. आत्मा के सच्चे स्वरूप को खोजनेवाला. (one) who investigates into the

real nature of the soul "साहिए आयगवेसए स भिक्खू" उत्त० १५, ५, —गुत्त. त्रि० (-गुप्त—असंयमस्थानेभ्यो मनोवाक्कायैरात्मा गुप्तो यस्य स आत्मगुप्तः) मन वचन अने कायाये करी आत्माने पाप. थी गोपवनार, आत्मरक्षक मन, वचन और काया से आत्मा का रक्षा करने वाला (one) who guards the soul against sins of thought, word and deed "सव्वंत थाणु जाणाति आयगुत्ता जिइंदिया" सूय० २, २, ६५, आया० १, २, ७, २०४, १, ३, १, १०६, उत्त० १५ ३; सूय० १, ११, १६, —छट्ठ. पु० (-षष्ठ) आत्मा जेमा छठो छे एवा पांचभूत आत्मा जिसमे छठा है ऐसे पंचभूत the soul along with the five elements "आयछट्ठो पुणो आहु" सूय० १ १, १, १५ —छट्ठवाइ पुं० (-षष्ठवादिन्) पांचभूत उपरांत छठा आत्माने माननार सांख्य वगेरे पचभूत के सिवाय आत्मा को छठा मानने वाले सांख्य वगैरह one who admits the existence of the soul in addition to the five elements e g a Sankhya etc सूय० टी० १, १, १, १५, —जस न० (-यशस्) आत्माना यशरूप संयम आत्मा का यशरूप संयम the glory of the soul viz self-restraint "जंवा कि आयजसेणा उववजंति" भग० ४१, १, —जोग त्रि० (-योग) आत्मा तरफनी प्रवृत्ति वालो, कुशल मननी प्रवृत्ति आत्मा संबंधी प्रवृत्ति वाला, कुशल मन की प्रवृत्ति (one) busy with what concerns the soul; salutary activity of the mind. सूय० २, २, ८५, —जोगि. पुं० (-योगिन्-आत्मनो योग कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः स यस्यास्ति) सदा धर्म ध्यानमा निमग्न. सदा धर्म ध्यानमें निमग्न. always engaged in religious meditation दसा० ४, २१, —ट्ठ. पुं० (-अर्थ) आत्मानु अर्थ-प्रयोजन, मोक्ष आत्मा का प्रयोजन, मोक्ष the aim of the soul, salvation. आया० टी० १. २, १, ६२; —ट्ठि. पु० (-अर्थिन्—आत्मनो अर्थ आत्मार्थः स विद्यते यस्य स तथा) आत्मानु हित करनार, मोक्षार्थी. आत्मा का हित करने वाला, मोक्षार्थी one who accomplishes the well-being of the soul, one aiming at salvation. सूय० २, २, ८५, —ड्ढि पु० (-ऋद्धि) आत्मानी ऋद्धि-शक्ति वालो आत्मा की ऋद्धि-शक्तिवाला one possessed of soul power भग० ३, ४, ६, १, १०, २, २४, ८; —तिगिच्छिअ त्रि० (-चिकित्सक) पोते पोतानी दवा करनार अपनी आप औषधि करने वाला (one) who is his own doctor दा० ४, ४, —तुला स्त्री० (-तुला) आत्मानीतुला-समानता-उपमा. आत्मा की उपमा. self-comparison, e g comparison of the lives of others with one's own life. "आयतुलं पाणेहि संजए" सूय० २, २, ३, १२; —दंड. पुं० (-दंड-आत्मानं दंडयतीत्या त्मदंडः) आत्माने दंडनार; आत्माने हानि-पहोंचाडनार. आत्मा को दंडनेवाला; आत्मा को हानि पहुंचाने वाला one who

destroys or ruins his own soul. " एसेया कायुणा य आयदंडे " सूय० १, ७, २; —इंडसमायार पुं० (-दण्डसमाचार) આત્માના અહિતનું અનુષ્ઠાન કરનાર, આત્મા દંડાય તેવુ આચરણુ કરનાર आत्मा के अहित का कार्य करनेवाला one acting in a way to injure his own soul सूय० १, २, ३, ९; —निप्फेडय पुं० (-निस्फोटक) સમ્યગ્દર્શન આદિ અનુષ્ઠાન વડે આત્માને સસારરૂપ કેદખાનામાથી બહાર કાઢનાર सम्यग्दर्शनादि के अनुष्ठान के द्वारा आत्मा को ससाररूपी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc सूय० २, २, ८५. —पइट्ठिअ य त्रि० (-प्रतिष्ठित) પોતાને આશ્રી ઉત્પન્ન થયેલ, બહાર નિમિત્તવિના અંદરના નિમિત્તથી જ થયેલ स्वभावत उत्पन्न, बाहिर के निमित्त बिना अदरके निमित्त से ही उत्पन्न spontaneously produced without the operation of any outside agency ठा० २, ४, ४, १, —पच्चक्ख न० (-प्रत्यक्ष) આત્મસાક્ષી आत्म साक्षी with one's self or soul as witness, in one's own presence भग० ५५, —परक्कम. त्रि० (-पराक्रम) આત્મસાધક-સંયમ અનુષ્ઠાનવાળો आत्म साधक-सयम अनुष्ठान वाला (one) accomplishing the interest of the soul, practising asceticism सूय० २, २, ८५, दसा० ५, २४; —प्पओग. पुं० (-प्रयोग) આત્માનો વ્યાપાર आत्मा का व्यापार. activity of the soul. भग० ३, ४, ५, २०, १०; २३, ८, १२, १; —प्पओग निव्वत्तिय त्रि० (-प्रयोग निर्वर्तित आत्मन. प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तित निष्पादितम्) આત્માના વ્યાપારથી નિપજેલ आत्मा के व्यापार मे उत्पन्न produced by the activity of the soul भग० १६, १, —प्पमाण त्रि० (-प्रमाण) આત્મા દેહનું સાડાત્રણ હાથ પ્રમાણે પ્રમાણ आत्मा देह का साडेतीन हाथ का प्रमाण measure of the body equal to three and a half times the length of the arm प्रव० १२६; —प्पवाय न० (-प्रवाद—आत्मान जीवमनेकधा नयमतभेदेन यत्प्रवदति तदात्मप्रवादम्) એ નામનો એક પૂર્વ શ્રુત વિશેષ, ચૌદપૂર્વ માનો એક चौदह प्रकार के पूर्वों में से एक पूर्व name of a scripture, one of the 14 Pūrvas नंदी० ५६, सम० १४; प्रव० ७२०, —बल. पुं० (-बल - आत्मनो बल शक्त्युत्थय आत्मबलम्) આત્માની શક્તિ आत्माकी शक्ति power of the soul आया० १, २, २, ७५, —भाव पुं० (-भाव) મિથ્યાત્વ વિષય વૃદ્ધિપણુ વગેરે मिथ्यात्व विषय में लोलुपता greediness after sensual pleasures, heretical belief etc " विषयइजओ सव्वइ आयभाव " सूय० १, १६, २१, (२) સ્વ-પોતાનો અભિપ્રાય-મત अपना मत one's own view or opinion. " सव्वेवं एस अट्ठे णो चेयण आय भाव वत्तव्वाए " भग० २, ५, १०, विशे० ६८; सूय० १, १३, ३; —भाववंकणया स्त्री० (-आत्मवंकनता) પોતાની અંદરના અપ્રશસ્ત ભાવ ખોટા વિચારને સારા રૂપમા દેખાડવા તે. अपने

आयंसमुह पु० (आदर्शमुख) લવણ સમુદ્રના અગ્નિખૂણા તરફ રહેલ આયમ્સમુખ નામનો એક અન્તરદ્વીપ. लवण समुद्र के अग्नि कोण में रहा हुआ आयसमुख नाम का अन्तरद्वीप An island of the name of Āyamsamukha in the Lavana ocean (२) તે દ્વીપમાં રહેનાર उसमें रहनेवाले an inhabitant of the same ठा० ४, २, पन्न० १, जीवा० ३, ३,

आयंसय पु० (आदर्शक) અરીસો, આયનો दर्पण A mirror, a looking glass ओव०

आयकाय पु० (*आयकाय) વનસ્પતિ વિશેષ वनस्पति विशेष A kind of vegetation भग० २३, ३

आयग न० (आजक) બકરીના બાલના બનાવેલ વસ્ત્ર बकरी के बाल से बनाया हुआ वस्त्र A cloth made of the hair of a she-goat आया० २ ५ १, १४५,

आयचरित्त त्रि० (आयचरित्र आय भूत निरतिचारतया चारित्रं यस्य स आयचरित्र) દઢ ચારિત્ર दृढ चारित्र (One) having a firm character or right conduct सत्था०

आयछत्त न० (आतपत्र) છત્રી છત્ર छत्री छत्र An umbrella "एगे पुरिसे दिठ्ठो आयवछत्त धरेह" नाया० १६

आयड्ढिय स० कृ० अ० (आकृष्य) ખેંચીને આકર્ષીને खींचकर, आकर्षण करके Having drawn, having attracted सु० च० ७, १५१, ११, ५६,

आयजीव पु० (आजीव) કમાવેલ આજીવિકા આમાનું વસ્ત્ર कमाया हुआ चमड़ा, चर्म Tanned leather, a garment of leather "चैव मिवस्त्र माउजामस्स सेहुणवडियाए आयजीविणा आइयपायाराखि वा" निसी० ७, ११,

आयत त्रि० (आयत) લાંબુ, દીર્ઘ लंबा, दीर्घ Long, protracted ज० प० पन्न० १ भग० १८ ३, जीवा० ३ ३, सूय० १, २ ३, १५ (२) મોક્ષ, મુક્તિ मोक्ष; मुक्ति absolution, salvation आयपरे परमायतट्ठिते सूय० १, २ ३, १४ (३) ખેંચેલ खींचा हुआ drawn भग० १ ८, (४) પુ० દીર્ઘાકાર સંસ્થાન दीर्घाकार संस्थान configuration in its length भग० २५ ३ —कण्णाययं त्रि० (कर्णायत) અતિશય પ્રયત્ને કાન સુધી ખેંચેલ बड़े प्रयत्न से कान तक खींचा हुआ drawn with great effort as far as the ear आयय कण्णायय उसु आयामत्ता चिट्ठइ ' भग० १ ८ ६ ज० प० ३ ६५ —चक्खु त्रि० (चक्षुष् आयत दीर्घमैहिका मुष्मिकापायदर्शिचक्षुर्ज्ञानं यस्य स आयतचक्षु) દીર્ઘ દર્શી दीर्घ दर्शी (one) able to take a comprehensive view of things temporal and spiritual आया० १, २ ५, ८३ —चरित्त न० (—चरित्र) મોક્ષ માર્ગ સાધક ચારિત્ર मोक्ष मार्ग साधक चारित्र right conduct leading to salvation. आदाणि यमि आयतचारित्त आया० टी० १, १, ७, ६१, —ट्ठ पु० (—अर्थ) મોક્ષ મુક્તિ मोक्ष, मुक्ति absolution final emancipation सूय० १ ८, १८ —ट्ठिय पु० (अर्थिक) બાગા બંધન થી મોક્ષની

अचिराभिलाषी. बहुत समय से मोक्ष की अभिलाषा वाला. one desirous of salvation from a long time, one longing after salvation from a long time. "आयपरे परमाय-तट्ठिए" सूय० १, २, ३, १५; —फल त्रि० (-फल) મોક્ષરૂપ ફલ આપનાર मोक्षरूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा० १२, ४०; —संठाण न० (-संस्थान) દીર્ઘાકાર; લાકડીની પેઠે લમ્બાઈવાલો આકાર-સંઠાણ; પાંચ સંઠાણ માનું એક. दीर्घाकार, लकडी के समान लंबाईवाला आकार-संस्थान; पांच सस्थानों में से एक long configuration like that of a stick; one of the five configurations भग० ८, १; १३, ६, ठा० १, पन्न० १, —संठाण परिणय. त्रि० (-संस्थानपरिणत) આયત સંઠાણ રૂપે પરિણત પામેલ आयत संस्थान रूप से परिणाम पाया हुआ. (one) who has been developed into, changed into, a long configuration. पन्न० १,

आयतण न० (आयतन) સ્થાન, ન આશ્રય, નિવાસ સ્થાન. स्थान, आश्रय, निवास स्थान Place, abode; residence ओघ० नि० ७६२; पण्ह० २, १, आया० १, ७, ४, २१५; पंचा० ८, १६, निसी० १६, २६, (२) દેહરું; દેવાલય. देवालय, मंदिर. a temple. पण्ह० १, १; (३) દેરાની બાજુનો ઓરડો. मंदिर की बाजू का कोठा a side-room in a temple. दसा० १०, १; आया० २, १, २, ८०; (४) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. निसी० ४, १; आया० २, १, ३, ११/३,

१, १५; (५) પ્રગટ કરવું; પ્રશ્નનો ખુલાસો કરવો તે. प्रगट करना; प्रश्न का स्पष्टीकरण करना solution of a question; manifestation. सूय० १, ६, १६; (६) વધસ્થાન वधस्थान. a place of execution; a place for killing. नाया० ६,

आयति. स्त्री० (आयति) જુઓ "आयइ" શબ્દ. देखो "आयइ" शब्द vide "आयइ" पंचा० १२, ४०; —फल. त्रि० (-फल—आयतौ फलमस्य इति) આવતાભવમાં ફલ આપનાર. आगामी भव में फल देनेवाला giving or ripening into fruit in the next or coming birth. पंचा० १२, ४०;

आयत्त. त्रि० (आयत्त) મિશ્રિત કરેલું; એકઠું કરેલું. मिश्रित किया हुआ, इकट्ठा किया हुआ. Got together, collected together; mixed together. पिं० नि० २२८,

आयत्ता. स्त्री० (आयता) આય-વનસ્પતિ વિશેષ નો ભાવ, આય વનસ્પતિ પણું आय-वनस्पति विशेष का भाव; आय-वनस्पति पन State of being an Āya (a kind of vegetation). सूय० २, ३, १५,

आयन्नण न० (आकर्णन) શ્રવણ કરવું તે. श्रवण करना, सुनना Hearing सु० च० १२, ३७;

√आयम धा० I. (आ+यम्) ચલુ કરવું; અશુચિલેપ ટાલવો; આચમન લેવું. आचमन करना, कुल्ला करना. To remove impurity with water after answering a call of nature.

आयमइ निसी० ४, १५; दसा० ३, ११; आयमाणा. ठा० ५;

आयमण न० (आचमन) મલ ત્યાગ કર્યા પછી જલથી શુદ્ધિ કરવી તે, લેપ રહિત પણું मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना, लेपरहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature प्रव० १३३, पिं० नि० भा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (*आयमिनी) વિદ્યા વિશેષ. विद्या विशेष A particular branch of knowledge "आयमिणी पुवमाइआओ विजाओ अवस्स हेउ पउ जंति " सूय० २, २, ३०;

आयय त्रि० (आयत) જુઓ " आयत " શબ્દ. देखो " आयत " शब्द Vide " आयत " नाया० ५; सूय० १, ६, १५, उत्त० ३६, २१, अणुजो० १४१, जीवा० ३१; दस० ६, ४, २, ३ पिं० नि० ३६५, ओघ० नि० १२३, भग० ५, ६; ७, ६, १४, ७; पन्ना० ११, ४१; प्रव० ५२१, —कण्णायय त्रि० (-कर्णायत) જુઓ " आयत कण्णायय" શબ્દ देखो " आयत कण्णायय " शब्द. vide " आयत कण्णायय " भग० १, ८, —गंतु पच्चागया स्त्री० (-गत्वा पश्चादगता) કોઈ સાધુ એક લત્તા-શેરીમાં સિદ્ધા આગળ જઈ પાછા વળતા ગોચરી કરે તે, ભિક્ષાનો એક પ્રકાર નો અભિગ્રહ गली में सीधे आगे जाकर पीछे लोटते हुए भिक्षा करना, साधुओं की भिक्षा का एक प्रकार का अभिग्रह a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning. उत्त० ३०, १६;—चक्खु. त्रि० (-चक्षुष्) જુઓ ' आयत चक्खु' શબ્દ देखो ' आयत चक्खु ' शब्द vide " आयत चक्खु " आया० १, २, ४, ८३;—ट्ठि पुं० (-अर्थिन्) જુઓ " आयतट्ठि " શબ્દ. देखो " आयतट्ठि " शब्द. vide " आयतट्ठि " दस० ५, २, ३४, —ट्ठिअ. पुं० (-अर्थिक) જુઓ " आयतट्ठि " શબ્દ. देखो ' आयतट्ठि ' शब्द vide 'आयतट्ठि " दस० ६, ४, २, ३, —मग्ग. पुं० (-मार्ग) મોક્ષ માર્ગ मोक्ष मार्ग the path of salvation. पंचा० ११, ४२, —संठाण न० (-संस्थान) લાકડીના જેવો લાંબો આકાર-સંઠાણ लकड़ी के समान लंबा आकार-संस्थान long shape, configuration, like that of a stick भग० ८, १०, —संठाण परिणाम न० (-संस्थान परिणाम) દીર્ઘાકાર પરિણામ, આયત સંઠાણરૂપે પરિણામ दीर्घाकार परिणाम, आयत संस्थानरूप परिणाम modification into a long shape or configuration. भग० ८, १०;

आययण न० (आयतन) જુઓ ' आयतण ' શબ્દ. देखो 'आयतण' शब्द vide " आयतण " नाया० ६, ओघ० नि० २; उत्त० १३, ६, आया० १, ५, २, १४८; कप्प० ६, ४३, प्रव० ६४६, —सेवणा. स्त्री० (-सेवन) સાધુ પ્રભૃતિની સેવના કરવી તે, સમકિતનું ત્રીજું ભૂષણ सम्यक्त्व का तीसरा भूषण, साधु प्रभृति की सेवा करना act of rendering service to monks etc; the third commendable quality or merit of Samakita (i. e. right faith). प्रव० ६४६;

आयर. पुं० (आदर) જુઓ 'आदर' શબ્દ. देखो 'आदर' शब्द Vide "आदर" पिं० नि० १२८; २०३, पएह० १, ४, ओघ० ३, ४, भत्त० ५०;

आयरण. न० (आचरण) અનુષ્ઠાન કરવું તે अनुष्ठान करना. Practice; performance. ठा० ८;

आयरण न० (आदरण) વસ્તુનો સ્વીકાર वस्तु का स्वीकार Acceptance of a thing भग० १२, ५,

आयरणया स्त्री० (* आदरणता) માયા કપટ વિશેષથી કોઈપણ વસ્તુનો સ્વીકાર કરવો તે छल कपट से किसी वस्तु का ग्रहण करना Acceptance of anything with some deceitful intention भग० १२, ५,

आयरिय त्रि० (आचार्य) આચરવા યોગ્ય आदरने योग्य Worthy of being performed or practised सूय० १, ६, ३२,

आयरिय पुं० (आचारिक) આચાર સંબંધી તત્ત્વ आचार संबंधी तत्त्व Principles of right conduct truth about right conduct 'अ यारिय विदित्ताणं सव्व दुक्खा विमुच्चइ' उत्त० ५, ६

आयरिय त्रि० (आचरित) આચરેલું आचरण किया हुआ Performed, practised "धम्मज्जियं च ववहारं बुद्धे हायरियं सया" उत्त० १, ४२ राय० २६, जीवा० १ ४१ भत्त० २२, प्रव० ७३० पंचा० १, २२,

आयरिअ-य पुं० (आचार्य) આચાર્ય સમુદાયના નાયક आचार्य, समुदायके नायक The head of an assemblage of monks (२) तीर्थंकर तीर्थंकर Tirthankara (३) ગુરૂ, સાધુ गुरु, साधु preceptor कप्प० १, १, आव० १, २; भत्त० ४३; ७०, पंचा० ५, ४०, १४, १६; वव० १६, नाया० १, २, ३, १०, १६, उत्त० १, २०, ४०, सम० ३० वेय० १, १७ ४, १४ आया० १, ७, १, १००, २, १, १०, ५६, पिं० नि० भा० २७, सु० च० १०, २०६; ओघ० २०, वव० १, २६, २७, २७, ३, १०, ११, १०, १२, जवा० १, ७३, विशे० ५, भग० १, १, ५, ६, १, ८, २५, ७, दस० ५, २, ४०; ८, ३३ दसा० १ १, ४, ६१, ६२, —उवज्झाय-य पुं० (-उपाध्याय) આચાર્ય ઉપાધ્યાય, આચાર્ય સહિત ઉપાધ્યાય आचार्य उपाध्याय. आचार्य सहित उपाध्याय an Achārya who is also an Upādhyāya; a head of an order of monks who is also a preceptor, निसी० १६, २४, वेय० ४, २६, वव० ३ ५ १०, ११, १२, ४, २, ६७, ७, ८, २, ६, ७, ७, ५ दसा० ६, २०; दस० ६ २, १२, —पडिणीय पुं० (-प्रत्यनीक) આચાર્યનો શત્રુ પ્રતિપક્ષી आचार्य का शत्रु प्रतिपक्षी an opponent of an Achārya भग० ८ ३३ १५ —पाय पुं० (-पाद) આચાર્યના ચરણ કમળ आचार्य के चरण कमल the feet of an Achārya दस० ८, १ ५ —वेयावच्च न० (-वैयावृत्य) આચાર્યની વૈયાવચ્ચ-ભક્તિ સેવા કરવી તે आचार्य की सेवा भक्ति करना service to an Achārya ओव० ठा० ५, १, वव० १०, ३६, भग० २५ ७, —संमय न० (सम्मत) આચાર્યને માન્ય સંમત आचार्य का सम्मत liked by, acceptable to, an Acharya कप्प० ८, ५१,

आयरिय. त्रि० (आर्य) પૂજ્ય, પવિત્ર, पूज्य, पवित्र, श्रेष्ठ Holy, revered.

आया० १, ८, १, २००; वेय० १, ४६; (२) न० तत्त्व तत्त्व truth, essence उत्त० ६; ६, (३) आर्य जाति पाप नहीं करनार मनुष्य आर्यजाति, पाप न करनेवाली जाति the Ārya race, a person who does not commit sin जीवा० ३, ४, पन्न० १, भग० १, ७, ३, १, —खेत्त न० (-क्षेत्र) आर्य क्षेत्र आर्यक्षेत्र the country of the Āryas सूय० नि० टी० १, ५, १, ६६,

आयरियत्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपणुं, आचार्य पन Preceptorhood, status of a preceptor. वव० ७, १६, प्रव० ८०३,

आयरियत्ता स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपणुं, आचार्य पदवी आचार्यत्व, आचार्य पद State of being an Āchārya, Āchāryahood वव० ३, ७, ठा० ३, ३, निसी० ७, ३१,

आयरियभासिय न० (आचार्यभाषित) प्रश्न व्याकरण सूत्रनुं चोथुं अध्ययन प्रश्न व्याकरण सूत्र का चौथा अध्ययन The fourth chapter of Praśnavyākaraṇa Sūtra. ठा० १०,

आयरिय विप्पडिवत्ति स्त्री० (आचार्य विप्रतिपत्ति) बन्धदशासूत्रनुं पांचमुं अध्ययन बधदशासूत्र का पांचवां अध्याय The fifth chapter of Bandha Daśā Sūtra "बन्धदसाणं दस अज्झयणा प० तं० बंधे मुक्खेय देवड्ढी दसारमंडले इय आयरिय विप्पडिवत्ति" ठा० १०,

आयरियव्व त्रि० (आचरितव्य) आचरवा योग्य आचरण करने योग्य Worthy of being performed or practised सम० २८,

आयरिस पुं० (आदर्श) अरीसो; दर्पण; आयनो. दर्पण आयना. A mirror, a looking-glass सू० च० १, ११२,

आयव पुं० (आतप) जुओ "आतव" शब्द. देखो "आतव" शब्द vide. "आतव" ओव० ३४, उत्त० १, ३५; जीवा० ३, ३, पिं० नि० भा० ३४, भग० १, ६, उवा० ७, १८५, ज० प० ५, १५२,

आयवालोय पुं० (आतपालोक) अग्निना तापनुं दर्शन अग्नि के ताप का दर्शन. Sight of the flames of fire. "आतवालोय महतलुवइय परत्त कवलो" नाया० १, —जुग न० (-द्विक) आतप अने उद्योत नाम आतप और उद्योत नाम the group of the two viz Ātapa and Udyota (i e heat and light) क० ग० २, २६.

आयवंत त्रि० (आत्मवत् - आत्मज्ञानादिकम स्यास्तीत्यात्मवान्) आत्मज्ञानवाळो आत्मज्ञानवाला (One) Possessed of self knowledge or knowledge of the soul 'से आयवं नाणवं वेयवं धम्मवं बंभवं पन्नाणेहि परियाणइ लोयं' आया० १, ३, १, १०१,

आयवत्त न० (आतपत्र) छत्र, छत्री छत्र, छतरी Umbrella ओव० ३१ नाया० १, जीवा० ३, ४, सु० च० २, ४८८; भग० ६, ३३, ज० प० ५, ११७,

आयववंत न० (आतपवत्) अहोरात्रना २४मा मुहूर्तनुं नाम अहोरात्रि के २४वें मुहूर्त का नाम Name of the 24th Muhūrta of a period consisting of a day and a night सू० प० १० ज० प०

आयवा स्त्री० (आतपा) आतपा नामनी सूर्यनी एक अग्र महिषी सूर्य की आतपा

नामके एक पट्टरानी. One of the principal queens of the sun, so named. माया॰ च॰ ७;

आयवि. त्रि॰ (आत्मविद्) આત્મજ્ઞાની. आत्माको जाननेवाला; आत्मज्ञानी. (One) having the knowledge of the soul. आया॰ १, ३, १, १०७,

आयस. त्रि॰ (आयस) લોહમય, લોઢા-સબંધી. लोहमय, लोहे संबधि. Pertaining to iron; made of iron भग॰ ७, ६, —भंड पु॰ (-भाण्ड) આત્મારૂપી ભાડ, ભાજન વિશેષ आत्मारूपी पात्र the soul considered as a vessel or a receptacle. नाया॰ १, —वादि. त्रि॰ (-वादिन् आत्मानं वदितुं शीलमस्येत्यात्मवादी) આત્માના યથાર્થ સ્વરૂપને સ્વીકારનાર; આસ્તિક; आत्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला, आस्तिक (one) who accepts the real nature of the soul, orthodox. " से आयावादी लोयावादी कम्मावादी किरियावादी " आया॰ १, १, १, ५, —वाय. पुं॰ (-वाद) આત્મવાદ, પોતાના સિદ્ધાંતનો વાદ, સ્વસિદ્ધાંત સ્થાપન आत्मवाद, निज सिद्धान्त स्थापन Ātma vāda, establishing one's own tenets or doctrines. ओव॰ १५; —सुप्पणिहिअ त्रि॰ (-सुप्रणिहित) જેણે આત્માને શુભયોગમાં પ્રવર્તાવ્યો છે તે आत्माको शुभ योग में प्रवर्तने वाला (one) who contemplates upon things beneficial to the soul, (one) who has directed his soul into salutary activities दसा॰ ४, ८६,

आयाअ. त्रि॰ (आयात) આવેલું आयाहुवा Come, arrived उत्त॰ ६, ११,

आयाण. न॰ (आदान) લેવું, ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવું તે लेना; ग्रहण करना; स्वीकार करना Taking; acceptance. प्रव॰ ५२२, ओव॰ १०, ११; भग॰ २, १; २, २, जीवा॰ ३, ३; उत्त॰ १२, ५, पिं॰ नि॰ २५५, ३८६; ओ॰ नि॰ ७७, विशे॰ १८४; ४८१; (२) ભોગળ રાખવાનું સ્થાન. आगल (किवाड अटकानेका डंडा) रखनेकी जगह the place where a door-bolt is kept ओव॰ १०, (३) વાક્ય वाक्य. sentence सूय॰ १, १६, ३, (४) પરિગ્રહ परिग्रह. worldly possessions " आयाणं नरयं दिस्स नायइज्ज तरता तरतामपि " सूय॰ १, १५, २; ठा॰ उत्त॰ ६, ८, (५) ઉપયોગપૂર્વક વસ્તુનું લેવું મુકવું, આયાણભંડમત્તનિખેવણાસમિતિ, પાચ સમિતિમાંની ચોથી સમિતિ उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना, पाच समितियों मे से चौथी समिति the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down things उत्त॰ २४, २, (६) કર્મનું ઉપાદાન કારણ कर्म का उपादान कारण the efficient cause of Karma. सूय॰ १, १, २, २६; १, १, ५३, दसा॰ ७, १, (७) (आदीयते सावद्यानुष्ठाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) આઠ પ્રકારના કર્મ, જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ ज्ञानावरणीयादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e g, knowledge-obscuring Karma etc सूय॰ १, १३, ४, (८) (आदीयते आत्मप्रदेशैः सह श्लिष्यतेऽष्टप्रकारं कर्म येन तदादानम्) અઢાર પાપસ્થાન; હિંસાદિ આશ્રવસ્થાન पाप के अठारह स्थान; हिंसादि आश्रवस्थान eighteen sour-

आश्रव. the door for the inflow of Karma, sources of sin due to the ill activities of sense-organs. " आयाणसोय-मइवायसोय जोगच सव्वसो णच्चा " आया० १, ६, १, १६,

आयाणया. स्त्री० (आदान) જુઓ " आदाणया " શબ્દ देखो " आदाणया " शब्द Vide " आदाणया " ठा० ११,

आयाणवंत. त्रि० (आदानवत्) આદાન-જ્ઞાન દર્શન અને ચારિત્ર્ય વાળો ધર્મ, સાધુ વગેરે ज्ञान, दर्शन और चारित्र वाला धर्म साधु वगैरह (A religion, an ascetic etc) possessed of right-knowledge, faith, and conduct " आयाणवत समुदाहरेज्जा " सूय० २, ६, ५५,

आयाणसो अ० (आदानशस) ગ્રહણ કર્યું હોય ત્યારથી માંડી ग्रहण किया होवे तबसे लेकर From the time of acceptance सूय० २, ७, १६,

आयाणिज्ज त्रि० (आदानीय आदीयत उपादीयत इत्यादानीय) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted, acceptable आयाणिज्जे वियाहिए " आया० १, ४, ३, १३७, ठा० ६, सम० ७०, (२) (आदीयते गृह्यन्ते सर्वभावा अनेनेत्यादानीयम्) શ્રુત, શાસ્ત્ર श्रुत, शास्त्र scripture आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदीयत इत्यादानीयम्) કર્મ कर्म Karma " आयाणिज्जं आदाय तम्मिठाणेण चिट्ठइ " आया० १, ६, २, १८४, (४) સંયમ; સંયમાનુષ્ઠાન. संयम, संयमानुष्ठान asceticism. (५) મોક્ષ मोक्ष. salvation

आयाणीय. त्रि० (आदानीय) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય; ગ્રાહ્ય ग्रहण करने योग्य ग्राह्य Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६,

√**आ-याम.** धा० II (आ+यम्) જમાડવું; जिमाना. To feed (२) લાંબુ કરવું. लंबा करना. to stretch, to make long.

आयामेइ " माहरो आयामेइ आयामेइत्ता आयामेइत्ता, सउत्तरोट्ठ मुह करेइ " भग० १५, १,

आयाम. पुं० (आचाम्ल) આયંબિલ તપ. आयंबिल नाम का तप The austerity called Āyambila. उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, १० प्रव० ६१३, (२) કાંજી. कांजी Konjee. निसी० १५, १०; विशे० ११०४,

आयाम. न० (आचाम) ઓસામણ माड. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food ठा० ३, आया० २, १, ७, ४१, पिं० नि० ३७, ३६४, ओव० १६, पिं० नि० भा० ३६ —**सित्थभोइ.** त्रि० (-सिक्थभोजिन्) ઓસામણમાં જે કાંઈ અનાજની સિથ આવે તેટલું માત્ર ખાનાર माडमें जो थोडा बहुत अन्न का अंश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyāma. (q. v.) ओव०

आयाम न० (आयाम) લંબાઈ; લાંબાપણું. लंबाई, लंबापन Length. विशे० ५८६; ओघ० नि० ७०७, सू० प० १, सम० १, ओव० जं० प० १, ११, ठा० २, ३, नाया० ५, १६, भग० २, १, २ ३, ७; ६, ३; १०, ६, १३, ४, १५, १, जीवा० ३१, प्रव० ५४५;—**विक्खंभ.** पुं० न० (-विष्कंभ) લંબાઈ પહોળાઈ. लंबाई चोडाई.

length and breadth. नाया० ८, जं०प० १, ३, ७, १४७,

आयामअ न० (आयामक) ઓસામણ मांड Water removed after boiling rice, pulse etc ठा० ३, ३.

आयामग न० (आयामक) ઓસામણ. माड, दाल का पानी Vide " आयामअ " " आयामगंचेव अवोदगच " उत्त० १५, १३

आयामेत्ता. सं० कृ० अ० (आयम्य) લાંબી કરીને लंबा करके Having lengthened, elongated भग० १, ८,

आयाय सं० कृ० अ० (आदाय) જુઓ " आदाय " શબ્દ देखो " आदाय " शब्द Vide " आदाय " भग० ५, ८; ६, १०, १३, ६, १५, १, नाया० ५, ८, ६, १५, उत्त० २, ४३, ५, ३०, आया० १, २, ३, ८०, १, ६, २, १८३, २, १, १, १,

आयार पुं० (आचार) જ્ઞાનાદિ આચાર ज्ञानादिक आचार Knowledge etc. सम० प० १६८, सम० ८८, नाया० १, भग० २, १, २२, ३, विशे० ३१६०, ओघ० नि० १८३, पंचा० ५, ४, (२) વ્યવહાર, વિધિમાર્ગ व्यवहार, विधिमार्ग practice, prescribed rules दसा० ६, ५३, ६, ४, २३; (३) વર્તન, ચારિત્ર. चारित्र, वृत्ति conduct; character. पिं० नि० २०६, दस० ६, २, (४) આચારાંગ સૂત્ર, ૧૨ અંગમાનુ પહેલું અંગ સૂત્ર आचाराग सूत्र, १२ अंगोंमें से पहिला अगसूत्र the first of the twelve Angasūtras, the Achārānga Sūtra. सम० १, १८, अणुजो० ४२, ओव० २१, भग० १६, ६; २०, ८, २५, ३, नंदी० ४४, —अंग. न० (-अङ्ग) ૧૨ અંગસૂત્રમાંનું પ્રથમ અંગસૂત્ર बारह अंगसूत्रोंमे से पहिला अगसूत्र the first of the 12 Angasūtras. सम० —अंगचूला. स्त्री० (-अङ्गचूला) આચારાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધનો પાછલો ભાગ आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध का पिछला हिस्सा the latter part of the 2nd Śruta Skandha of Achārānga Sūtra आया० २, १, १, १. —उवगय. त्रि० (-उपगत) ૧૪ મો યોગ સંગ્રહ, આચાર વિશિષ્ટ પાલવો તે. १४ वाँ योग संग्रह, आचार विशेष का पालन करना the 14th Yogasangraha; observance of a particular kind of conduct सम० ३२, —कुसल. त्रि० (-कुशल) આચારમાં કુશલ. आचार में कुशल (one) proficient in ascetic conduct. वव० ३, ३, —क्खेवणी. स्त्री० (-आक्षेपणी) સાંભળનારને આચાર-અનુષ્ઠાન તરફ ખેંચનારી કથા, કથાનો એક પ્રકાર सुनने वाले को आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा, कथा का एक भेद a story inclining the hearer to practise or perform what he hears ठा० ४, २; —गुत्त त्रि० (-गुप्त) ગુપ્તાચારી; જેનો ગુપ્ત આચાર છે તે गुप्ताचारी, गुप्त आचार वाला (one) whose religious performances are well protected or carried on in privacy. दसा० ६, ३१-३२, —गोयर पुं० (-गोचर) આચાર વિષયક, આચાર સંબંધી. आचार संबंधी. pertaining to Achāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा० ८, दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४, १६०; —चूला. स्त्री० (-चूला) આચારાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધની ચૂલિકા आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध

की चूलिका the latter part (the Chūlikā) of the 2nd Śrutaskandha of Achāranga Sūtra आया० २. १, १, १; —चूलिया स्त्री० (-चूलिका) આચારાંગ સૂત્રની ચૂલિકા आचारांग सूत्र की चूलिका. the latter part (the Chūlikā) of Achārānga Sūtra " आयारस्सणं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसण काला " सम० ८६ " गणिपिडगाणं आयार चूलिया वज्जाणं सत्तावन्न अज्झयणा " सम० ५७, —णिज्जुत्ति स्त्री० (निर्युक्ति) આચારાંગ સૂત્રની નિર્યુક્તિ आचारांग सूत्र की निर्युक्ति the commentary on the Achāranga Sutra सम० १, आया० नि० १, १, १, १, —तेण त्रि० (-स्तेन) આચારનો ચોર અણ્ણાચારી છતા પોતાને આચારી કહેવડાવનાર आचार चोर अनाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc though in reality he is not दस० ५, १, २, —पगप्प.त्ति स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) આચારાંગ અને પન્નત્તિ-જમ્બુદ્વીપ પન્નત્તિ ચન્દ્ર-પન્નત્તિ સૂર્ય પન્નત્તિ વગેરે સૂત્રો आचारांग और पन्नत्ति-प्रज्ञप्ति जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति, चन्द्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति आदि सूत्र the Achārānga and Pannati Sūtras e g Jambudvīpa Pannati, Chandra Pannati, Sūrya Pannati etc. दस० ८, ५०, —पगप्पत्तिधर. पु० (-प्रज्ञप्तिधर) આચારાંગ સૂત્ર અને પ્રજ્ઞપ્તિ સૂત્ર જમ્બુદ્વીપ પન્નત્તિ ચન્દ્રપન્નત્તિ સૂર્ય પન્નત્તિ વગેરેના ધરનાર-જાણનાર आचारांग सूत्र और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला one who knows the Achārānga and Pannati Sūtras, like Jambūdvīpa Pannati etc " आयारपण्णत्तिधरं दिट्ठिवायमहिज्जगं " दस० ८, ५०; —पत्त त्रि० (-प्राप्त) બ્રહ્મચર્યવ્રત આદિ આચારવાળો ब्रह्मचर्य व्रत आदि का आचरण करनेवाला (one) who practises continence. " दूसणं आयार पत्ताण " तड० —भंडग पुं० (-भाण्ड) પાત્રા પાટ રજોહરણ આદિ ઉપકરણ. पात्र, रजोहरण आदि उपकरण an ascetic's implements such as alms bowl, soft brush etc नाया० १, १६, —भंडसेवि पु० (-भाण्डसेविन् आचार शास्त्र विहितो यपउपरतेन भाण्डमुपकरणमाचारभाण्डम् तत्सेवितुं शीलं यस्य स आचारभाण्ड सेवी) શાસ્ત્રવિધિને અનુસરી ઉપકરણ સેવનાર शास्त्रविधि के अनुसार उपकरण का सेवन करनेवाला an ascetic who uses his implements as prescribed by scriptures. आउ० —भाव पु० (-भाव) આચાર ભાવ-આચારનું સ્વરૂપ आचार स्वरूप. the true nature of Achāra i e, knowledge, faith conduct etc. दस० ७, १३. —भावतेण पु० (-भावस्तेन) ઉત્તમ આચાર વગેરેનો, ઉત્તમ-આચારના ચોર उत्तम आचार रहित, शरा चारचोर devoid of a high quality of Achāra i e knowledge faith, conduct etc दस० ५, २, ४६ —भावदोसगण त्रि० (-भावदोषज्ञ —आचार भावस्य रात्र जानातीआचारभाव दोषज्ञ) આચારભાવ-સાધુ સમાચારીના દોષને જાણનાર आचार भाव अर्थात साधु समाचारी के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sādhus or ascetics. आयार भाव तोसम् न तं भासिज्ज पन्नवं" दस० ७, १३; —मट्ठ त्रि० (-अर्थ) ज्ञानादि આચારને અર્થે-નિમિત્તે. ज्ञानादि आचार के लिये for the sake of Āchāra i. e knowledge, faith, conduct etc. "आयारमट्ठाविणयं पउंजे" दस० ६, ३, २; —विणय. पुं० (-विनय—आचारोऽतिनां समाचार. स एव विनीयते अपनीयते कर्माऽनेनेति विनय आचारविनय.) વિનય પૂર્વક આચાર પાળવો તે, વિનયનો એક પ્રકાર. विनय पूर्वक आचार का पालन करना, विनय का एक भेद practice of ascetic right conduct with reverence and austerity. a mode of Vinaya "सेकिं ते आयार विणए ? चउविहे पन्नते-तंजहा सजमसमायारी यावि भवति" प्रव० ५४४, दसा० ४, ६७; —संपया स्त्री० (-संपत्—आचारसमाचारोऽनुष्ठान तद्विषया स एव वा सपद्विभूतिस्तस्य वा सम्पत् संपत्तिः प्रासिराचारसम्पत्) આચારની સંપત્તિ, ઉંચો આચાર आचार की संपत्ति, उच्च आचार high kind of Āchāra i. e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc "आयार सपदा चउव्विहा पन्नता तंजहा सजम धुवजोग जुत्ते" ठा० ८, १, दसा० ४, १०६, —समाहि पुं० (-समाधि) આચારરૂપ સમાધિ; સમાધિ ના એક પ્રકાર आचाररूप समाधि, समाधि का एक भेद meditation in the form of Āchāra i. e ascetic life with knowledge, faith etc 'चउव्विहा खलु आयार समाही भवइ तंजहा' दस० ६, ४, ६; —समाहिसंवुड त्रि० (-समाधिसंवृत) આચારરૂપ સમાધિથી આશ્રવને રોકનાર. आचाररूप समाधिवाला; आश्रव को रोकने वाला (one) having meditation in the form of Āchāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस० ६, ४; ९, ३;

आयार पुं० (आकार) આકૃતિ; આકાર. आकृति, आकार Form; configuration जं० प० नाया० १, —भावपडोयार. पु० (-भावप्रत्यवतार) જુઓ "आगार-भावपडोयार" શબ્દ देखो "आगार-भावपडोयार" शब्द. vide "आगार-भावपडोयार" जं० प० १, ११.

आयार कप्प. न० (आचारकल्प) નિસીથ સૂત્રનું અપર નામ निसीथ सूत्र का दूसरा नाम. Another name of Nisītha Sūtra वव० ३,१०, प्रव० ८६४. —धर. त्रि० (-धर) નિસીથ સૂત્રના અર્થનો ધરનાર निसीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाता (one) who knows the meaning of Nisītha Sūtra वव० ३, ४;

आयारक्ख पु० (आत्मरक्ष) જુઓ "आयारक्ख" શબ્દ देखो "आयारक्ख" शब्द. Vide. "आयारक्ख" जं० प० ४, ८८,

आयारदसा स्त्री० (आचारदशा—आचारप्रतिपादनपरा दशा आचारदशा) આચારદશા નામનું સૂત્ર आचारदशा नामक सूत्र The Sūtra named Āchāra Daśā. "आयारदसाण दस अज्झयणा पण्णत्ता तजहा" ठा० १०;

आयारपकप्प पु० (आचारप्रकल्प) નિસીથના ત્રણ અધ્યયન સહિત આચારંગ સૂત્રના २५ અધ્યયન निसीथ सूत्र के तीन अध्यायोंसहित आचारांग सूत्र के २५ अध्याय.

The 25 chapters of Āchārānga plus three chapters of Nisitha "अट्ठावीसविहो आयारपकप्प नामोयं" पराह० २, ५, वव० १०, २०,

आयारपणिहि पु० (आचारप्रणिधि) આચાર પ્રતિપાદન કરનાર દશવૈકાલિક સૂત્રનું ૮ મું અધ્યયન. आचार का प्रतिपादन करनेवाले दशवैकालिक सूत्र का आठवां अध्याय The eighth chapter of Daśavaikālika explaining Āchāra i e right knowledge, faith etc "आयारपणिहि लद्धुं जहा कायव्व भिक्खुणा" दस० ८, १, ६४

आयारमंत. त्रि० (आचारवत्) શુદ્ધ આચાર વાળો. शुद्ध आचरण वाला Pure in knowledge, conduct, faith etc दस० ६, १, ३,

आयारवंत त्रि० (आचारवत्) જ્ઞાન, દર્શન, ચારિત્ર, તપ અને વીર્ય એ પાંચ આચારવાળો ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और वीर्य इन पांच आचारवाला (One) possessed of the five Āchāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism ठा० ८, १; भग० २५, ७; दसा० ९, ३१, ३२,

आयारवत्थु न० (आचारवस्तु) નવમા પૂર્વના ત્રીજા પ્રકરણનું નામ. नौवे पूर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the third chapter of the 9th Pūrva भग० २५, ७;

आयाव पुं० (आताप) જુઓ "आताव" શબ્દ. देखो "आताव" शब्द. Vide. "आताव" भग० १, ५; कप्प० २, ५४, ४, ३३;

आयावश्र. त्रि० (आतापक) આતાપના લેનાર; સૂર્યની સામે દૃષ્ટિ રાખી સૂર્યનો તાપ સહેનાર. आतापना लेनेवाला, सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के ताप को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६; पराह० ३, १; ठा० ५, १;

आयावग. त्रि० (आतापक) જુઓ "आतावग" શબ્દ देखो "आतावग" शब्द. Vide "आतावग" पिं० नि० ३१५;

आयावरा. न० (आतापन) આતાપના શીતાદિકનું સહન કરવું તે आतापना. शीतादिक का सहना Practice of enduring heat, cold, etc नाया० १६; —ट्ठाण. न० (-स्थान) શીતાદિ સહન કરવાનું સ્થાન. शीतादिक सहन करने का स्थान. a place where cold etc are to be endured पण्ह० १८, ४८, —भूमि. स्त्री० (-भूमि) આતાપના લેવાની જગ્યા. आतापना लेनेका जगह. a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १, ३, १, ६, ३१, ११, ६, १५, १, नाया० १६;

आयावणभूमिय. न० (आतापनभूमिक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

आयावणया स्त्री० (*आतापनता) જુઓ "आतावणया" શબ્દ देखो "आतावणया" शब्द Vide "आतावणया" ठ० ३, ३;

आयावणा स्त्री० (आतापना) આતાપના લેવી आतापना लेना. Endurance of heat, cold, etc as austerities. ओव० १८, वव० ५, २२; निर० ३, ३; भग० ११, ६;

आयास पुं० (आयास) चित्तनो खेद. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind पराह० १, ६; (२) १८ लिपिमानी १५मी लिपि १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the 15th of the 18 scripts. पन्न० १; —लिवि स्त्री० (-लिपि) १८ लिपिमानी १५ मी लिपि. १८ लिपियोंमें से १५ वी लिपि the 15th of the 18 scripts पन्न० १,

आयाहिणं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिण तरफथी माडी, जमणी तरफथी शरू करीने दक्षिण बाजूसे, दाहिनी ओर से प्रारंभ करके Commencing with, starting from the right side (as opposed to the left) ओव० २२, नाया० १, १३. १६, भग० १, १, ७, १, ३, १, ४१, २, राय० २६, उवा० १, १०, जं० प० ४, ११२;

आयाहिणपयाहिणा स्त्री० (आदक्षिणप्रद क्षिणा—आदक्षिणात् – दक्षिणपार्श्वादारभ्य प्रदक्षिणः परितो भ्राम्यतो दक्षिण एवा-दक्षिणप्रदक्षिणा.) जमणी तरफथी शरू करीने फरी जमणी तरफ सुधी आवर्तन करवुं ते दाहिनी ओर से आवर्तन कर फिर दाहिनी ओर तक-(प्रदक्षिणा) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left) " समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ " भग० १, १, ६, ३३, विवा० १, राय० ओव० नाया० १६,

आयु न० (आयुस्) आयुष्य आयुष्य, उमर Life क० प० ६, ६१. —क्खय. पुं० (-क्षय) आयुष्यनो क्षय-अंत. आयुष्य का क्षय-अंत decay or end of life क० प० ५, ६१,

आयोग पुं० (आयोग) धननी आवक धन की आमदनी Income of wealth. राय० २०६,

आर न० (आर-इहभवसारम्) आलोक यह लोक This world. " णाहिंसि आरं कओपरं " सूय० १, २, १, ८; १, ६, २८, (२) संसार, ज्वलोक संसार; मर्त्य-लोक world, worldly existence. सूय० १, २, १. ८, (३) गृहस्थपणुं. गृहस्थपन, गार्हस्थ्य householdership सूय० १, २, १, ८, (४) चोथी नरकनो एक नरकावासो चौथी नरक भूमिका एक-नरकावासा. a certain division of the 4th hell-region. सूय० ठा० ६, १;

आरओ अ० (आरतस्) आलोक यह लोक (From) this world " आरओ परओ वा वि " सूय० १, ८, ६, (२) पहेलां, अर्वाग, आपार. पहिले, अर्वाग्, इस पार before (in time or place) being on this side. पिं० नि० ३३४; ३४१,

√**आरंभ** I धा० (आ+रम्भ) आरंभ समारंभ करवो, हिंसा-पापनो व्यापार करवो हिंसा का व्यापार-हिंसक कार्य करना; आरंभ समारंभ करना To do a sinful action like killing etc.

आरभइ भग० ३, ३,

आरभे वि० दस० ६, ३५;

आरभमाण भग० ३, ३,

आरंभ पुं० (आरम्भ) हिंसा; कृषि आदि पापकारी व्यापार, आरंभ समारंभ हिंसा; कृषि आदि पापपूर्ण व्यापार, आरंभ समारंभ. Destructive operation, e. g. killing, in agriculture etc दसा० ६, ३; भग० ३, ३, ८, १; ओव० ३४;

ज्ञा० ६, १७७, सूय० १, १, १, १०; १, १, २, ११, उत्त० २८, २१; ३४, २८, विशे० ३; पंचा० १, ८, प्रव० १०७८, (२) त्रि० જેનો આરભ થાય તેવા જીવ जिसका आरम्भ-वध हो ऐसा जीव a victim of killing प्रव० १०७४. —उवरय त्रि० (-उपरत) આરભથી નિવૃત્ત થયેલ आरम्भ से निवृत्त पाया हुआ free from sinful operations of killing etc " जेय पयया समसो पयुज्ञा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह " आया० १, ५, ५, १६०; —करण न० (-करण) છ કાયના જીવને હણવા તે छ काय के जीवों की हिंसा करना destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc ठा० ३, १ पराह० १, ३, —कहा स्त्री० (-कथा) ભોજનાદિકમા થતા આરંભ સમારંભના વખાણ કરવા તે भोजनादि मे होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना. praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc ठा० ४, २ —जीवि त्रि० (-जीविन्) આરંભ-સાવદ્ય ક્રિયાથી આજીવકા ચલાવનાર (ગૃહસ્થ) आरम्भ-सावद्य-क्रिया से आजीविका करनेवाला (गृहस्थ) (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc आया० १, ३, २, ११२, —ज्झाण न० (-ध्यान) હિંસક ધ્યાન; આર્તધ્યાન हिंसक ध्यान, आर्तध्यान. meditation of destruction of sentient beings आउ० —ठाण न० (-स्थान) આરમ્ભ સમારમ્ભ કરવાના ઠેકાણા-ખેતર-વાડી વગેરે. आरम्भ समारंभ करने का स्थान जैसे खेती बाड़ी आदि. a place of sinful operations, e g. a field, a garden etc " आरंभ ठाणे एगयता एग मे व महा पडनेवे " ठा० ६ —ट्ठि. त्रि (-अर्थिन्) આરમ્ભનો અર્થી, પાપના વ્યાપારને ઇચ્છનાર आरंभ का अर्थी, पाप व्यापार को चाहनेवाला desirous of sinful operations. " आरंभट्ठी अणुवयमाणे हणमाणे घायमाणे " आया० १, ६, ४, १६२ —णिस्सिय. त्रि० (-विश्रित- आरम्भे हिंसादिके सावद्यानुष्ठानरूपे निश्चयेनाश्रिता: सम्बद्धा अध्युपपन्ना आरम्भनिश्रिता) આરમ્ભમા તત્પર થયેલ आरम्भ मे तत्पर plunged in sinful operations " मदा आरम्भ णिस्सिया " सूय० १, १, १, १०-१४, १, ६, २, —परिण्णाय. त्रि० (-परिज्ञात) શ્રાવકની આઠમી પડિમા આદરનાર શ્રાવક કે જે આઠ મહીના સુધી પોતે આરમ્ભ સમારમ્ભ કરે નહિ. श्रावक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला श्रावक जो कि आठ मास तक स्वयं कोई आरम्भ समारम्भ नहीं करता a householder practising the eighth vow i e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११; —वज्जय. त्रि० (-वर्जक) આરમ્ભ-પાપના વ્યાપારનો ત્યાગ કરનાર; શ્રાવકની આઠમી પડિમા સેવનાર आरम्भ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला; श्रावक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc for eight months. पराह० २, ५, —संभिय. त्रि० (-सम्भृत) આરમ્ભથી ભરેલુ-આરમ્ભથી પુષ્ટ आरम्भ से भरा हुआ, आरम्भ से पुष्ट.

full of sinful operations. "आरंभसंभियाकामा" सूय० १, ६, ३; —सच्च त्रि० (-सत्य—आरम्भो जीवोपघातस्तद्विषयसत्यमारंभसत्यम्) આરમ્ભ વિષયક સત્ય आरम्भ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc भग० ८, १, —सच्चमणप्पओग पुं० (-सत्यमनःप्रयोग) આરમ્ભવિષયક સત્ય મનનો પ્રયોગ--વ્યાપાર आरम्भ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc भग० ८, १, —सत्त. त्रि० (-सक्त) આરમ્ભમાં લાગેલ, આરમ્ભથી જોડાએલ आरम्भ सलग्न, आरम्भसंयुक्त engaged in sinful operations of killing etc. "आरंभसत्तापकरंतिसंग" आया० १, १, ७, ६०, —समारंभ पुं० (-समारम्भ—आरम्भः कृष्यादिव्यापारस्तेन समारम्भो जीवोपमर्दः-आरम्भसमारम्भः) આરમ્ભ સમારમ્ભ, પાપના વ્યાપારથી જીવની ઘાત કરવી તે आरम्भ समारम्भ; पापरूप व्यापार-कृत्य से जीव की घात करना. performance of operations involving destruction of life etc दसा० ६, ४, पण्ह० १, १;

आरंभग त्रि० (आरम्भक) આરંભ કરનાર आरंभ करनेवाला (One) who performs actions involving killing etc. आया० नि० १, ५, १, २३६,

आरंभज त्रि० (आरम्भज) સાવદ્ય ક્રિયાના અનુષ્ઠાનથી ઉત્પન્ન થયેલ सावद्य क्रिया के अनुष्ठान से उत्पन्न Born of sinful operations आया० १, ३, १, १०८;

आरंभय. त्रि० (आरम्भज) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above. आया० १, ३, १, १०८;

आरंभि त्रि० (आरम्भिन्) પાપનો આરંભ કરનાર पाप का आरंभ करनेवाला (One) performing sinful operations. सूय० १, ६, ६;

आरंभिया. स्त्री० (आरंभिकी) પાપના વ્યાપારથી લાગતી ક્રિયા. पाप व्यापार से होने वाला कर्मबंध Karma arising from sinful operations of killing etc "आरंभिया किरिया दुविहा पण्णत्ता तं-जहा जीव आ भिया चेव" ठा० २, १; ४, ४, भग० १, २, ५, ६, पन्न० १७, २२;

आरक्ख. पुं० (आरक्ष) રાજાના અંગરક્ષક. राजा के आत्मरक्षक. A body-guard of a king ठा० ३, (२) ઉગ્રવંશ અને તે વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ उग्रवंश और उस वश मे उत्पन्न उग्रवशी the Ugra family, a person born it ठा० ६;

आरक्खग. पु० (आरक्षक) રક્ષણ કરનાર-કોટવાલ रक्षा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects; e g. a police constable कप्प० ५, ६६;

आरक्खिय. पुं० (आरक्षिक) કોટવાલ. कोतवाल, नगर रक्षक. A constable; one who guards a city. दस० ५, १, १६, ओघ० नि० २२२;

आरग पु० (आरक) ચક્રનો આરો; પૈડાનો આરો. चक्र का आरा, पहिये का आरा. A spoke of a wheel पण्ह० २, ४;

आरगय त्रि० (आरगत) ઇંદ્રિયોની સમીપ આવેલ, ઇંદ્રિયગોચર થયેલ. इन्द्रियगोचर; इन्द्रियों के समीप आया हुआ. Within the reach of senses; near the senses. "आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ णो पारगयाइं" भग० ५, ४,

आरडियसद्द. पुं० (आरटितशब्द) આક્રન્દન શબ્દ. चिल्लाने का शब्द Bawling sound; loud sound. विवा० ३;

आरण्ण पुं० (आरण) ૧૧મો દેવલોક ग्यारहवाँ देवलोक The 11th heavenly world (२) તે દેવલોકના નિવાસી દેવતા उस देवलोक के निवासी देव. a deity of that world विशे० ६६३, पन्न० १, भग० १८, ७; जीवा० २, नाया० १, सम० १२०; ठा० २, ३, श्रोव० उत्त० ३६, २०८, (३) બુમ પાડવી તે, આક્રંદવું તે चिल्लाना, बोम मारना. shouting श्रोघ० नि० १६४,

आरणग. पुं० (आरणक) ૧૧મો દેવલોક ग्यारहवाँ देवलोक The 11th heavenly world भग० २४, २१;

आरणिय त्रि० (आरण्यक) અરણ્ય-વનમાં જવું તે, વાનપ્રસ્થ वन में जाना; वानप्रस्थ. (One) resorting to a forest, abandoning the world "से जे इमे आरणिया आवासियाण गामणियंति वा" दसा० १०, ७;

आरण्णग त्रि० (आरण्यक) અરણ્ય-વનમાં જઈ વસનાર, વાનપ્રસ્થ वन में जाकर रहने वाला, वानप्रस्थ. (One) renouncing the world and resorting to a forest. "आरण्णगा होह मुणी पसत्था" उत्त० १४, ६:

आरण्णय त्रि० (आरण्यक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above निसी० १६, ७,

आरण्णिय त्रि० (आरण्यक) વનમાં વસી ફલફુલ કંદના આહાર કરનાર તાપસ વગેરે वनमें रहकर फल, फूल, कंद का आहार करनेवाले तापसी वगैरह An ascetic etc. who stays in the forest and lives upon roots, fruit etc. सूय० २, २, २१, २७,

आरत त्रि० (आरत) નિવૃત્તિ પામેલ, ઉપરતિ-વિરામ પામેલ. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-हुआ (One) who has ceased. सूय० १, ४, १, १;

आरत्त त्रि० (आरक्त) થોડું રંગેલું, રંગીન વસ્ત્રાદિ कुछ रंगाहुआ, रंगीन वस्त्रादि. Lightly coloured, e. g. a cloth etc आया० १, २, ३, १६;

आरद्ध त्रि० (आरब्ध) આરંભ કરેલ. आरम्भ कियाहुआ Begun; commenced. सु० च० १, ८०, भग० ३, १; ४२, १, विशे० ४२२, ६५५; श्रोघ० नि० भा० २८८; क० प० ५, ६५;

आरन्निय त्रि० (आरण्यक) જુઓ "आरण्णिय" શબ્દ. देखो "आरण्णिय" शब्द Vide. "आरण्णिय" सूय० २, २, २१, २७;

आरब. पुं० (*आरब=अर्ब) ઉત્તર ભરતમાંનો અરબ નામે દેશ; અર્બસ્થાન. उत्तर भरत क्षेत्र मे का आरब नामक देश; अर्बस्थान. Arabia; name of a country in Uttara Bharata. (२) અરબસ્તાનના રહેવાસી મનુષ્ય, આરબ अर्बस्थान वासी मनुष्य an Arab पराह० १, १; जं० प०

आरबग. पु० (आरबक) આરબ, આરબદેશનો રહેવાસી अर्बस्थान का रहनेवाला. An Arab, a resident of Arabia. जं० प०

आरबी स्त्री० (*आरबी=आर्बी) અર્બસ્થાનમાં જન્મેલ દાસી. अर्बस्थान में जन्मीहुई दासी. An Arab servant-maid. भग० ६, ३३, श्रोव० ३३; जं० प० पराह० १, १; नाया० १;

आरब्भ. सं० कृ० अ० (आरभ्य) આરમ્ભીને; આરમ્ભ કરીને आरम्भ करके Having begun पण्ह० १७, पिं० नि० २३३ भग० ८, ७;

✓आरभ धा० I (आ-रभ) આરમ્ભ શરૂઆત કરવું. आरम्भ करना To begin to commence

आरभइ प्रव० १४३, ८२८;

आरभंत व० कृ० पिं० नि० ५७५, अणुजो० १२८,

आरभड न० (आरभट) ૩૨ નાટકમાનું ૨૮ મું નાટક ३२ नाटकों में से २८ वां नाटक 28th of the 32 dramas. जीवा० ३, ४, राय० ६४, ठा० ४, ४, जं० प० ५, १२१,

आरभडभसोल न० (आरभटभसोल) ૩૨ નાટકમાનું ૩૦ મું નાટક ३२ प्रकार के नाटकों में से ३० वा नाटक 30th of the 32 dramas जीवा० ३, ४, राय० ६४,

आरभडा स्त्री० (आरभटी) પડિલેહણ કરતી વખતે વસ્ત્ર ઉતાવલે લેવા; મુકવા-કે જોવા લાગતો એક દોષ પડિલેહણ નો એક દોષ पडिलेहण करते समय शीघ्रता से वस्त्र उठाने रखने या देखने में लगता हुआ दोष, पडिलेहण का एक दोष A fault connected with the examination of clothes viz hastily handling them or hastily inspecting them उत्त० २६, २६, ओघ० नि० भा० १६२, ठा० ६, १,

आरभिय. न० (आरभित) નાટ્યની વિધિનો એક પ્રકાર नाट्यविधि का एक भेद A mode of dramatic acting राय०

आरय त्रि० (आरत) નિવૃત્તિ પામેલ निवृत्ति पायाहुआ (One) who has ceased, freed from सूय० १, ४, (२) ગયેલ; દૂર થયેલ. गयाहुआ; दूर होचुका हुआ departed; gone away. सूय० १, १५, ११; —मेहुण. त्रि० (-मैथुन आरतमुपरत मैथुनंकामाभिलाषो यस्यासावारतमैथुनः) કામની અભિલાષાથી નિવૃત્ત થયેલ काम की अभिलाषा से निवृत्त हुआ हुआ free from sexual desire सूय० १, १५, ११,

आरव पु० (आराव) શબ્દ, અવાજ शब्द, आवाज, ध्वनि Sound, noise. जं० प०

✓आरस धा० I, II. (आ+रस) રડવું; વિલાપ કરવો रोना. विलाप करना. To weep, to lament

आरसति नाया० १६,

आरसत नाया० ६, उत्त० १६, ६६;

आरसिय-अ त्रि० (आरसित) બરાડા પાડેલ, આક્રંદ કરેલ चिल्लाया हुआ Bawling out (any thing) bawled out or piteously cried out "विघुट्ठे भिमेरे आरसिए तएण एयस्स दारगस्स" विवा० ७. —सद्द पुं० (-शब्द) રડવાનો અવાજ-શબ્દ रोने की आवाज. wailing sound नाया० १६,

आरा स्त्री० (आरा) અરા-ગાડી વગેરેના પૈડાના મધ્ય ભાગમાં જે લાકડા ગોઠવેલા હોય છે તે आरा-गाडी वगैरह के चाकों के बाच में जो लकडी के डंडे लगहुए होते हैं वे. A spoke of a wheel. सु० च० १२, ४६, पिं० नि० ३३१, (२) આર, બલદને મારવાની લોઢાની અણી વાલી લાકડી; હથીઆર વિશેષ आर, बैल के शरीर में टोचन की लकडी जिसमें लोहे की कील लगी रहती है a stick with an iron point to drive oxen etc; a goad. सु० च० १२, ५१; सूय० १, ५, २, १४;

आरा. अ० (आराद्) પાસે; નજીક પાસ; समीप Near, in the vicinity पंचा० ४ ३५,

आरामाग पुं० (आरामाग) પૂર્વનો ભાગ, પાસેનો ભાગ. पूर्व का भाग; समीपवर्ती भाग The adjoining part. विशे० १७३६.

आराम. पु० (आराम) ઉપવન, બાગ, સ્ત્રી-પુરૂષોને આરામ લેવાનો મંડપ. उपवन, बाग, स्त्री पुरुषों के विश्राम करनेका मडप. A garden; a pleasure garden ओव० नाया० १, २, ५, पएह० १, १, ठा० २, ४, राय० २०१; २३४, अणुजो० १६, १३४; उत्त० २, १५, १६, १५; भग० ५, ७, १८, १०, २५, ७, जीवा० ३; कप्प० ४, ८८, (२) त्रि० (आरामयति सुखवसीत्यारामः) આરામ કરનાર—આપનાર आराम देनेवाला refreshing; conducive to rest आया० १, ५, ४, १५६, राय० ३३, —आगार न० (-आगार) જુઓ " आरामगार " શબ્દ देखो " आरामगार " शब्द vide " आरामगार " निसी० ३, १, —गय त्रि० (-गत) આરામ બાગમાં આવી પહોંચેલ बागीचे मे आया हुआ arrived at a pleasure-garden ठा० ५; —गार न० (-गृह) ઉદ્યાનગૃહ. उद्यानगृह. a house in a garden. " आगंतागारे आरामगारे " सूय० २, ६, १४, —गिह. न० (—गृह) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द vide above दसा० ७, १;

आरामिय त्रि० (आरामिक) આરામ-બાગનું રક્ષણ કરનાર; માળી. बागीचे की देख रेख करनेवाला; माली. A gardener ठा० ४;

आराह. धा० I, II (आ+राध्) આરાધના કરવી; સેવના કરવી आराधना करना; सेवा करना. To worship; to resort to.

आराहेइ दस० ५, १, ३३, भग० १, ६; ३, १;

आराहइ उवा० १, ७०, ७१;

आराहयइ दस० ६, ३, १;

आराहए. वि० भग० २, ५, दस० ७, ६७; ६, १, १६, उत्त० १२, १२;

आराहइस्सामि भ० भत्त० १५८;

आराहिऊण सं० कृ० प्र० न० ११, १८;

आराहइत्ता. स० कृ० उत्त० २६, १, दस० ६, ४, १७;

आराहेत्ता सं० कृ० नाया० ८, १६, भग० १, ५; २; १, ६, १०; ६, ३३,

आराहित्ता सं० कृ० कप्प० ६, ६३; गच्छा० ८, ओव० ४०,

आराहिउं. हे० कृ० सूय० १, १५, १२,

आराहअ. पुं० (आराधक—आराधकति सम्यक् पालयति वार्धमित्याराधकः) આરાધક, સંયમ આદિનો પાલનાર पालन करने वाला, सेवन करनेवाला, संयम आदि की आराधना करनेवाला (One) who worships or devotes himself to asceticism ओव० ३४, भग० १, ३, ३, १, ८, ६, ८, राय० ७६, मर० ११, पन्न० ११, नाया० १, ३, ५;११,

आराहग. पुं० (आराधक) જ્ઞાનાદિકનો આરાધક ज्ञानादिक का आराधक One who devotes himself to right knowledge etc. " आराहगो य जीवो सम्मट्टुं भवेहि पावती णियमा " पचा० ७, ३१; नाया० १०, भग० ३, १, सूय० १, १, २, २१;

आराहण. न० (आराधन) આરાધન; સેવન. आराधना; सेवा. Worship, service; devotion to. संथा० आव० ४, ४; मत्त० ६;

आराहणय. पुं० (आराधनक) संथारो संथारा; मृत्यु आनेतक अन्न जल का त्याग करना Giving up food and water till death comes. सत्था०

आराहणया स्त्री० (आराधना) संथारो संथारा Giving up food and water till death comes. (२) श्रुत-शास्त्रनु सम्यक् प्रकारे आराधन—आसेवन. श्रुत-शास्त्र का सम्यक् रीति से आराधन-आसेवन devoted observance of scriptural injunctions सत्था० उत्त० २६. २,

आराहणा स्त्री० (आराधना) मोक्ष मार्गरूप ज्ञान आदिनी सेवा, वीतरागना वचननुं पालन मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा, वीतराग के वचनों का पालन Devoted adherence to the precepts of the omniscient, leading to final bliss " दुविहा आराहणा प० तं० धम्मि आराहणाचेव " ओव० ३४, उवा० १, ५७, ठा० २; ४, ३, ८, पचा० ६, ५, सम० १२, अणुजो० १८, प्रव० १००, वेय० १, ३३, आउ० १५, नाया० ११, भग० ३, ४, ५, ६; ८, १, १०, २४, १, कप्प० ६, ५६, —उवउत्त त्रि० (-उपयुक्त) आराधना सहित. आराधना सहित full of worship or devotion आउ० १५,

आराहणी स्त्री० (*आराधनी) जेनाथी मोक्ष मार्गनी आराधना कराय एवी भाष, द्रव्य भाषानो एक प्रकार. जिस भाषा से मोक्ष मार्ग की आराधना की जासके ऐसी भाषा; द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech fitted to secure final bliss; a variety of ordinary speech, पन्न० ११;

आराहिय त्रि० (आराधित) आराधना करेल. आराधना कियाहुआ Worshipped, adored; resorted to. पण्ह० १, १, उत्त० ८, १६; नाया० ८; भग० ८, ६, १०, २, प्रव० २१३, —संजम त्रि० (-संयम) બરાબર રીતે જેણે સંજમની આરાધના-સેવના કરી છે તે पूर्णतया जिसने संयम-साधुत्व का आराधना की है वह. (one) who has fully observed asceticism सम०

आरिट्ठ. पुं० (आरिष्ट) मंडप गोत्रनी शाखा. मंडप गोत्र की एक शाखा A branch of the Mandapa family (२) ते शाखामानो पुरुष उस शाखा का पुरुष a person belonging to the above branch ठा० ७, १,

आरिय. पु० (आर्य) ज्ञानी—तीर्थंकर ज्ञानी—तीर्थंकर An omniscient, a Tirthankara आया० १, २, २, १६, १, २, ५, ८७, (२) पवित्र, विशुद्ध, श्रेष्ठ; निष्पाप पवित्र, विशुद्ध, श्रेष्ठ, पापरहित; निष्पाप sinless, holy, pure उत्त० २, ३७, ठा० ३, १, पन्न० १; भग० ६, ३३, आव० २७, (३) आर्य देशमां उत्पन्न थयेल, श्रेष्ठ मनुष्य आर्य देशोत्पन्न, श्रेष्ठ मनुष्य. born in an Ārya country; high in civilisation सूय० २, १, १३, सम० ३४, ओव० ३४, भग० १५, १, (४) पु० मोक्ष मार्ग मोक्ष मार्ग path of salvation सूय० १, ८, १३, (५) आर्य देश आर्य देश. the Ārya (i. e. civilised) country प्रव० ६५; —दंसि. पुं० (-दर्शिन्—आर्य प्रयुक्तं न्यायोपपन्नं पश्यति तच्छीलश्चेत्यार्यदर्शी) न्यायदृष्टि वालो, न्याय दृष्टिए जोनार. न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखनेवाला (one) who is just and

impartial "आरिए आरियपयत्ते आरिय वृंसि" आया० १, २, ५, ८७ —धम्म पुं० न० (-धर्म) આર્ય ધર્મ, અહિંસા ધર્મ; સદાચાર ધર્મ. आर्य धर्म, अहिंसामय धर्म, सदाचाररूप धर्म Ārya religion i. e one high in morals and mercy "वेइज्ज विजरायेही आरिय धम्ममणुत्तरं" उत्त० २, ३७, —पन्न त्रि० (-प्रज्ञ) પ્રશંસનીય બુદ્ધિવાળો, શાસ્ત્રીય જ્ઞાનવાન્ प्रशंसनीय बुद्धिवाला, शास्त्रीय ज्ञान सहित highly talented, well-versed in Śāstras आया० १, २, ५, ८७,

आरियत्तण न० (आर्यत्व) આર્ય દેશમાં ઉત્પન્ન થવું તે, આર્યપણું आर्य देश में उत्पन्न होना, आर्यत्व State of being born in an Ārya country, state of being an Ārya उत्त० १०, १६,

आरुग्ग. न० (आरोग्य) નિરોગી પણું સ્વસ્થ્ય निरोगीपन, स्वास्थ्य Health, freedom from disease गच्छा० ६, दस० ८ ३५ आव० २, ८, भत्त० ६४, —बोहिलाभ. पुं० (-बोधिलाभ-आरोग्याय बोधिलाभ आरोग्यबोधिलाभ) સ્વાસ્થ્યને માટે અરિહંત પ્રણીત ધર્મની પ્રાપ્તિ, મોક્ષ માર્ગના ધર્મની પ્રાપ્તિ स्वास्थ्य के हेतु अरिहंत प्रणीत धर्म की प्राप्ति, मोक्ष मार्ग रूप धर्म की प्राप्ति acquisition of the religion taught by Tīrthankaras i e one leading to final bliss आव० २, ६,

आरुसिय. त्रि० (आरुष्ट) ક્રોધી થયેલ क्रोधित, क्रुद्ध. Angry, enraged नाया० २,

आरुस्स सं० कृ० (आरुष्य) રોષ કરીને क्रोध करके Being angry, having become angry. सूय० १, ५, २, ३,

√आ+रुह. धा० I, II (आ+रुह्) ચઢી બેસવું, આરોહણ કરવું चढना, चढ बैठना, आरोहण करना To mount on or upon, to ascend नाया० १, १४, भग० १५, १, १७, १, क० प० ५,६३,

आरुहइ उत्त० १७, ७;

आरोहइ दसा० १०, १,

आरुहेइ भग० १५, १ नाया० १६;

आरुभेइ भग० २, १,

आरुभइ भग० १७, १,

आरुहेन्ति ज० प० २, ३३,

आरुभे वि० ववा० ६, ४१;

आरुहेत्ता. भग० १५, १; १७, १;; नाया० १४;

आरुभेत्ता भग० १७, १,

आरुहित्ता सूय० २, ६ २८,

आरोहेत्ता भग १५, १, नाया० १; १३,

आरुहिय भत्त० १८,

आरोवित्ता भग० २, १,

आरोवंत सु० च० ४, २८६,

आरोहिजइ. उवा० ७, १६७,

आरोविजन्ति भत्त० २६,

आरुहण. न० (आरोहण) સ્વાર થવું, ચડવું सवार होना, चढना Mounting; ascending riding ज० प० सु० च० १, ३४१, जावा० ३, ३, राय० १८६. नाया० ६, प्रव० १०१७,

आरुहियव्व त्रि० (आरोहितव्य) ચઢવા લાયક, આરોહણ કરવા યોગ્ય चढने योग्य. आरोहण करने योग्य. Worthy to be mounted upon, fit for riding. बव० १, १६, २०, निसी० २०, १०,

आरूढ त्रि० (आरूढ) ઉપર ચડેલ, આશ્રિત રહેલ चढा हुआ, ऊपर चढाहुआ; आश्रय ले रहा हुआ. Mounted, climbed; resting upon पिं० नि० ३३७; ३७०;

(२) આમ થયેલ; ઉત્પન્ન થયેલ, ઉગેલ. प्राप्त, उगाहुआ. got; grown, produced. वि० नि० ८३; —आसारोह. पुं० (-अश्वारोह) સ્વાર ચડયાછે જેના ઉપર એવા -(ઘોડા), સ્વાર સહિત ઘોડો. जिसके ऊपर सवार चढा हो ऐसा घोडा, सवार सहित घोडा a horseman; a horse with its rider. विवा० २, —हत्थारोह पु० (-हस्त्यारोह-आरूढा हस्त्यारोहा महामात्रा येषु ते तथा) જેના ઉપર માવત સ્વાર થયેલ છે એવા जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it विवा० २,

आरेण. अ० (आरात्) નજીક; પાસે મજ દીક, समीप, पास Before (in time or place), near ओघ० नि० १६३, पिं० नि० ३४४, (२) આતરફ આકાંઠે इस ओर, इस किनारे पर on this side. सूय० १, ७, २७;

आरोग्ग. न० (आरोग्य) નિરોગિપણું, તદુરસ્તિ. नीरोगता, तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओघ० नि० ६८७; कप्प० ७, २०६, जं० प० ३, ५४, (२) त्रि० રોગ રહિત, નિરોગી रोग रहित. निरोगी healthy. नाया० १, भग० ११, ११, १४, १, कप्प० १, ८; ६, १७, —आरोग्ग. त्रि० (-आरोग्य) બાધા પીડા રહિત. बाधा-पीडा से रहित free from pain or affliction. नाया० ८; —फल न० (-फल) જેનું ફળ આરોગ્ય છે તે जिसका फल आरोग्यता है ऐसा कोई भी पदार्थ, anything conducive to health. पंचा० १४, ४४; —बोहिलाभ पुं० (-बोधिलाभ) આરોગ્ય અને બોધિ-સન્માર્ગ તેનો લાભ. आरोग्य और बोधि (सन्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोच्च पुं० (आरोच्य) બુદ્ધ શાસ્ત્રમાં કહેલ એક દેવતાની જાત बौद्ध शास्त्रों में कही हुई देवों की एक जाति A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सूय० २, ६, २६,

आरोवणा स्त्री० (आरोपणा) આરોપણા— એક અપરાધનું પ્રાયશ્ચિત કરતા પુન તેજ અપરાધ બીજી વાર કર્યો તેનુ પ્રાયશ્ચિત્ત પ્રથમ પ્રાયશ્ચિત્તમાં ઉમેરવુ-આરોપવુ ते एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वही अपराध दूसरी बार करनेपर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त मे शामिल करना अथवा पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as Āropaṇā or adding expiation to expiation. ठा० ५, निसी० २०, ११, कप्प० ६, ५७; सम० २८, —पायच्छित्त न० (-प्रायश्चित्त) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द vide above ठा० ४, १,

आरोवियव्व त्रि० (आरोपितव्य) આરોપવા યોગ્ય. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसी० २०, ३७,

आरोस पुं० (आरोष) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. Name of a country (२) તે દેશવાસી મ્લેચ્છની

એક જાત आरोष देशवासी म्लेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Aroṣa. पण्ह० १, १,

आरोह पुं० (आरोह) શરીરની ઉચિત દીર્ઘતા शरीर का यथार्थ उचाई Proper length of a body दसा० ४, २०, —परिणाह पु० (-परिणाह) શરીરની ઉંચાઈ જેટલી બે ભુજાની પહોળાઈ હોય તે -આરોહપરિણાહ. जितनी शरीर की उचाई हो उतनीही यदि दोना भुजाओं की चोडाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body ठा० ४, —परिणाहजुत्तता स्त्री० (-परिणाहयुक्तता) શરીરની ઉંચાઈ જેટલી ભુજાની પહોળાઈ સહિત शरीर की उचाई के समान भुजाओं की चौडाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४, —परिणाह संपराण. त्रि० (-परिणाहसंपन्न) આરોહપરિણાહ, શરીરની ઉંચાઈ જેટલી બે ભુજાની પહોળાઈ વાળો. शरीर की ऊचाइ के समान दो भुजाओं की चौडाई वाला. (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height. दसा० ४, २०;

आरोहग पुं० (आरोहक) હાથીની સ્વારી કરનાર; માવત हाथी की सवारी करनेवाला, महावत One who mounts upon an elephant, an elephant-driver ओव० ३१;

आलअ-य. त्रि० (आलय) રહેવાનું સ્થાન; ઘર घर; स्थान. A house, a place, [विशे० १८७१, ठा० ३, ३; क० प० ४, ३१, पंचा० ११, ४६; प्रव० ४४२; पञ्च० ३; —सामि पु० (-स्वामिन्) ઉપાશ્રયનો ધણી उपाश्रय का स्वामी मालिक. the lord of a Jaina monastery. पञ्च० १७, १८,

आलइय. त्रि० (आलगित) યથા યોગ્ય સ્થાને પહેરેલ यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ Put on properly जीवा० ४; कप्प० २, १३, पञ० २, —मालउमड. त्रि० (-मालमुकुट) જેણે માલા ને મુગટ પહેર્યા છે તે जिसने माला और मुकुट पहिना है वह garlanded and diademed. जीवा० ४; भग० ३, २,

आलंकारिय त्रि० (आलङ्कारिक) જ્યા અલંકાર ઘરેણા પહેરવા ઉતારવામાં આવે તે સ્થાન वह स्थान जहां अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हो A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा० ५; —सभा स्त्री० (-सभा) ચમરચંચા રાજધાનીની અલંકાર પહેરવાની એક સભા. चमरचचा नामक राजधानी की अलंकार पहिनने की एक सभा a council-hall of a capital city named Chamarachañchā, it was used as a toilette chamber for putting on ornaments. ठा० ५;

आलंद पु० (*आलन्द-कालभेद) પાણીથી ભીંજાએલો હાથ સુકાય તેટલા વખતથી માંડી ૫ રાત દિવસ સુધીનો કાલ काल का एक भेद; पानी से भींगा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय. A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० ६२१,

आलंब. पुं० (आलम्ब) આધાર, અવલમ્બન આધાર; आलम्बन; सहारा Support, basis नाया० ५, १६, भग० १८, २,

आलंबण. न० (आलम्बन) આધાર, આશ્રય ટેકો. आधार, आश्रय, सहारा. Support अणुजो० २४, प्रव० ४५; २१०; नाया० ७, ८, भग० २५, ७, उत्त० २४, ४, उवा० १, ५, क० प० १, ४, गच्छा० ८, ज० प० ४, ७४, (२) ઇર્યાસમિતિનું આલંબન-જ્ઞાન દર્શન અને ચારિત્ર ईर्या समिति का आलबन-ज्ञान दर्शन और चारित्र. basis of Iriya Samiti viz knowledge, faith, and conduct अणुजो० ८४

आलंबणभूय. त्रि० (आलम्बनभूत) આધાર ભૂત, આધાર જેવું आधार भूत, आधार जैसा. Supporting, forming a support नाया० १,

आलंबणा स्त्री० (आलम्बना) જુઓ "आलंबण" શબ્દ देखो "आलंबण" शब्द Vide "आलंबण" ओव० २०, प्रव० ७८४,

आलंभिया स्त्री० (आलम्भिका) આલંભિકા નામની એક નગરી एक नगरी का नाम Name of a town "तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी होत्था" भग० ११, ११, ११, १२, कप्प० ५, १२१, उवा० ५, १५५;

आलक पुं० (अलर्क) હડકાયો કુતરો बावला कुत्ता, A mad dog भत्त० १२५,

√ आलव धा० I, II. (आ+लप्) આલાપ કરવો; બોલવું आलाप करना, बोलना To speak, to talk.

आलवइ. नाया० १, सम० ३३;
आलवेंति. नाया० १;
आलविज्ज. दस० ७, १७;
आलवे. दस० ७, १६; २१, ४०; ३; १२; १३, उत्त० १, १०,
आलविंत प्रव० १३५;
आलवंत. उत्त० १, २१, अणुजो० ११९; राय० ८८, दस० ६, २, २०,
आलवमाण. ठा० ४, २, नाया० १४;
आलवित्तए उवा० १, ५८,

आलवण न० (आलपन) બોલવું, વાતચિત કરવી वार्तालाप करना. Speaking; conversation प्रव० १२६;

आलसिय-त्त न० (आलस्यत्व) આળસપણું आलस्य, आलसीपन Idleness. भग० १२, २,

आलस्स न० (आलस्य) આળસ; પ્રમાદ. आलस्य Laziness carelessness. उत्त० ११, ३, गच्छा० ३१,

आलस्समाण व० कृ० त्रि० (आलस्यत्) આળસ કરતા आलस्य करता हुआ Remaining lazy भग० १२, २,

आलाव पुं० (आलाप) થોડું બોલવું તે; આલાપ કરવો તે थोडा बोलना, आलाप करना Talking, whispering भग० ३, १, ६, ४, पिं० नि० ३७८; विशे० ६६४; ठा० ७, १, —गणण न० (-गणन) આલાવા સરખે સરખા વાક્યસમૂહને ગણવા તે समान २ वाक्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६७,

आलावअ पुं० (आलापक) જુઓ "आलावग" શબ્દ देखो "आलावग" शब्द. Vide. "आलावग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) આલાવો; એક સરખા ધારાવાળા વાક્યોનો સમૂહ एक सरखा-वाले वाक्यों का समूह A group of

connected sentences, भग० ·१, १; ३, ४; ५, ४; ६, ३३; आया० २, १, १, ६; २, ६, ६, १५२, ठा० २, ३; उवा० २, ११८, सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) પરસ્પર બે વસ્તુ મલાવાથી થતો બન્ધ. दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह Connection of two things joined together. भग० ८, ६, —**बंध** पु० (-*बध-आलाप्यते आलीन क्रियते एभिरिति आलापनानि रज्वादीनितैर्बन्धस्तृणादीनामिति) પરસ્પર બે વસ્તુ બંગાથવાથી થતો બંધ-જેમ ઘાસની ભારી અને દોરડું એ બેનો બન્ધ परस्पर दो वस्तुओं के एकत्रित होने से जो बंध हो वह जैसे घास और रस्सी connection of two things joined together e g a rope and a bundle of grass. " से किंते आलावण बंधे २ जएणं तणभारा-णवा " भग० ८, ६,

आलि पु० (आलि) એક જાતની વનસ્પતિ एक जातिका वनस्पति A kind of vegetation जीवा० ३, ४, नाया ३ —**घर** न० (-गृह) આલિ નામની વનસ્પતિ વિશેષનું બનાવેલ ઘર-મંડપ आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर-मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Āli. जीवा० ३, ४; नाया० ३, —**घरग.** न० (-गृहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. vide above, राय० १३;

√**आलिंग.** धा० I (आ+लिगि) આલિંગન કરવું. आलिंगन करना To embrace.

आलिंगइ सु० च० ८, १८७;

आ लिंगेजा. वि० निसी ७, ३१;

आलिंग पुं० (*आलिङ्ग) વાજીંત્ર વિશેષ મુરજ-માદલ નામનું વાજીંત્ર. वाद्य विशेष; एक विशेष तरह का बाजा; मुरज-मृदंग नाम का बाजा A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, ५, ३; राय०४६; (२) આલિંગ-સાધુનો વેષ साधु का वेष. dress of an ascetic. [illegible] —**पुक्खर.** न० (-पुष्कर—मुरजमुखम्) મુરજ-માદલ વાજીંત્રનું મોઢું. मृदंग नामक बाजे का मुंह. the face of a drum or tabor. भग० २, ८, ६, ७; जीवा० ३, ३ जं० प० १, ११; राय०

आलिंगण न० (आलिङ्गन) આલિંગન; થોડો સ્પર્શ કરવો તે आलिंगन, थोड़ा स्पर्श करना. Embrace, slight touch. प्रव० १०७७ सू० प० २०, भत्त० १२०;

आलिंगणवट्टि न० (आलिङ्गनवर्तिन्) શરીર પ્રમાણે લાંબુ ઓશીકું शरीर के अनुसार लंबा तकिया A pillow measuring the length of the body " तारि समंसि सयणिज्जंसि सालिंगण वट्टिए " सू० प० २०, जीवा० ३, भग० ११, ११, नाया० १, राय०

आलिंगणिया. स्त्री० (आलिङ्गनिका) શરીર પ્રમાણે લાંબું ઓશીકું शरीर के प्रमाण लंबा तकिया A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिंगिणी स्त्री० (आलिङ्गिनी) ગુડા અને કોણીનીચે રાખવાનો ચાકળો घुटनों और कुहनी के नीचे रखने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon प्रव० ६८४,

√**आलिंप** धा० I (आ+लिम्प्) શરીરે વિલેપન કરવુ शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिंपइ नाया० ५; ६;

आलिंपिज्ज. वि० आया० २, १३, ११२;

आलिंपिता. वि० निसी० ३, १७, १३, १८;

आलिंपिस्सद्. हे० कृ० वेय० ५, ३६;

आलित्त. त्रि० (*आलित्त) नावाने चलाव वानां हलेसां. नाव को चलाने का चाट्. An oar. आया० २, ३, १, ११६;

आलित्त. त्रि० (आदीप्त) सर्व तरफथी बलित-बळी रहेल. सब तरफ से जलता हुआ. Burning, on fire, from all sides. नाया० १, ८, १४; १६, भग० २, १; ६, ३३; १८, २, नाया० ध०

आलिद्ध. त्रि० (आदिग्ध) लागेल; जोडेल लगा हुआ, मिलाहुआ. Attached, joined. " अत्थेगइया पुढवीकाइया आलिद्धा " भग० १६, ३, प्रव० १५३,

आलिसंदग पुं० (*आलिसन्दक) धान्य विशेष; चोळा धान्य विशेष, चौला नामक धान्य. A kind of corn. ठा० ५, ३, जं० प० भग० ६, ७, (२) अलसि अलसी linseed सूय० २, २, ६३,

आलिसिंदग पुं० (*आलिसिंदक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. भग० २१, २, दसा० ६, ४,

√ आलिह. धा० I (आ+लिख्) आलेखवु, चीतरवुं आलेखन करना, चितरना To draw a picture.

आलिहइ जीवा० ३४, राय० १८६, जं० प० ५, १२२;

आलिहंति जं० प० ३, ४३।

आलिहंति भग० १५, १,

आलिहंति जं० प० ३, ४३;

आलिहिज्जा वि० वस० ७,

आलिहह आ० नाया० ८,

आलिहित्ता. सं० कृ० भग० १, २, ३, १; २; १५, १,

आलिहमाण भग० ८, ३, जं० प० ३ ५४,

आलिहिज्जमाण. क० वा० स० कृ० जं० प०

आलीण त्रि० (आलीन) इंद्रिय निग्रहरूप मर्यादामां तल्लीन. इंद्रिय निग्रहरूप मर्यादा में तल्लीन. (One) restrained in senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२) आश्रित. आश्रित resting on. नाया० ७; (३) थोडुं लागेल-वळगेल. थोडा लगा हुआ-लिपटा हुआ attached a little; clinging a little जं० प० —गुत्त. त्रि० (-गुप्त-आलीनश्चासौगुप्तश्चालीनगुप्तः) जेणे इंद्रियोनो निग्रह करी गोपवीराख्यो छे ते. जिसने इंद्रियों का निग्रह कर उन्हें आधीन कर लिया है, वह (one) having restraint over senses. " आलीणगुत्ता परिव्वए " आया० १, ३, ३, ११७,

आलीयग त्रि० (आदीपक) आग लगाडनार; अग्नि सळगावनार आग लगानेवाला, अग्नि सिलगाने वाला (One) who kindles fire " आलीयगतित्थमेयञ्चडुहृत्थसपउत्त " नाया० ?,

आलीवक त्रि० (आदीपक) आग लगाडनार, लाय सळगावनार आग लगानेवाला. (One) who sets fire to पण्ह० १, ३. नाया० २,

आलीवण न० (आदीपन) रोशनी करवी ते. रोशनी का करना Illumination on a festive occasion विवा० १,

आलीवित त्रि० (आदीप्त) अग्निमां बाळेल. अग्नि में जलाया हुआ Fire-burnt. विवा० ६;

आलु. पुं० (आलु) बटाटा. आलू: कन्द विशेष A potato प्रव० २४२;

आलुई स्त्री० (आलुकी) एक जातनी वेल. एक जाति की बेल A kind of creeper. आया० नि० १, १, ४, १२६;

√आलुंप. धा० I. (आ+लुम्प्) લોપ કરવો; ચોરવું; ગાંઠ છોડી કોઈની વસ્તુ ઉપાડી લેવી. लोप करना.; चोरना, गांठ खोलकर किसीकी वस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal; to remove.

आलुंपति नाया० ४;

आलुंपए. आ० आया० १, २, ७, २०४;

आलुंपइ. आ० सूय० २, १,१७;

आलुंप त्रि० (आलुम्प) ચારે બાજુથી અશુભ ક્રિયાનો કરનાર, હિંસા, ચોરી દારી વગેરે અકૃત્ય સેવનાર. चारों ओर से अशुभ क्रिया करनेवाला; हिंसा, चोरी, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आया० १, २, १, ६२;

आलुग पुं० (आलुक) આલુ-કંદ વિશેષ. બટાટા आलू, कंद विशेष A kind of bulbous root; a potato "साहारणसरीरा अणोगाहा ते पकित्तिया आलुए मूलए चेव" उत्त० ३६: भग० ७, ३; पन्न० १०; जीवा० १, अणुत्त० ३, १,

आलुय. पु० (आलुक) સાધારણ વનસ્પતિ વિશેષ. साधारण वनस्पति विशेष A kind of bulbous root जीवा० १; उत्त० ३६, ३६, भग० ७, ३, ८, ३, २३, ६;
—वग्ग. पुं० (-वर्ग) આલુ-બટાટા સબંધી ભગવતી સૂત્રના ૨૩ માં શતકનો બીજો વર્ગ भगवती सूत्र के तेवीसवे शतक का आलू-सम्बन्धी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Śataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the subject of potatoes. भग० २३, २;

आलेवण. न० (आलेपन) થોડું લેપન. थोडा लेप. A slight smearing निसी० १२, ४५; —जाव. न० (-जात) લેપના પ્રકાર. लेपका भेद varieties of ointments. निसी० ३, ३६; ६, १३; १२, ४१;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोकित) નિરીક્ષણ કરેલ. देखाहुआ, निरीक्षण किया हुआ. Observed. "आलोइयं इंगियमेवनचा" दस० ६, ३, १;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोचित) આલોચન કરેલ, નિવેદન કરેલ आलोचन किया हुआ; निवेदन किया हुआ Confessed; informed पिं० नि० ११६, नाया० १; १४; १६, सु० च० १, ३९३; भग० २, १; ३, १, ४; ५, ६, ७, ६, १५, १; २०, ६; वव० १, ६, विशे० ३३६८; —पडिक्कंत. त्रि० (-प्रतिक्रान्त) આલોચીને પ્રતિક્રમણ કરેલ, પોતાના દોષ પ્રકાશીને તેનાથી પાછા હટેલ. आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुआ, अपने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हटा हुआ. (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them भग० २, १; १०, २, विवा० १, —भोइ त्रि० (-भोजिन्) ગુરૂની પાસે આલોચન કરી પછી આહાર કરનાર –(મુનિ). गुरु के समीप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुनि). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor) ओघ० नि० ५५१,

आलोइत्तार त्रि० (आलोकितृ) જોનાર; અવલોકન કરનાર देखनेवाला, अवलोकन करनेवाला (One) who sees or observes. सम० ६; उत्त० १६, ४;

आलोयव्व. त्रि० (आलोचितव्य) પ્રકાશવા લાયક, નિવેદન કરવા યોગ્ય प्रकाश करने योग्य; प्रगट करने योग्य; निवेदन करने योग्य.

Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पचा० १५, २२;

आलोक. पुं० (आलोक) रूपी पदार्थ रूपवाला-दृश्य पदार्थ. A visible object. (२) પ્રકાશ उजयाला, प्रकाश light आया० १, ३, ३, १२०,

आलोग पु० (आलोक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above ओघ० नि० १३, जं० प० ३, ५४,

आलोडिऊण स० कृ० अ० (आलोड्य) વલોવીને, મથીને मथ करके Having churned सु० च० २, ४०७,

√आलोय धा० I,II (आ+लोच्) આલોચન કરવું, પોતાના દોષ તપાસી ગુરૂપાસે કહેવા, પોતાની ભૂલ જણાવવી आलोचन करना अपने दोष ढूंढकर गुरु से कहना, भूल प्रगट करना To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor)

आलोएइ सम ३३, भग० २, ५, सूय० २, २, २०, उवा० १, ८०,

आलोअइ गच्छा० ११८,

आलोएमि भग० ८, ६,

आलोएज्जा वव० १०, १, वेय० ४, २५, निसी० ५, १, २०, १०; ११, आया० १, ७, ५, २१६, २, १, २, १२;

आलोइज्जा वि० आया० २, ६, १, १५२,

आलोए. वि० प्रव० १२६; दस० ५, १, ३०;

आलोएह उवा० १, ५८,

आलोएहि. नाया० १६, उवा० १, ८४, नाया० ८०

आलोइत्ता सं० कृ० आया० २, १५, १७८; नाया० १६,

आलोएऊण पचा० १६, ५०;

आलोइऊण सु० च० २, ४३२;

आलोइऊ. पंचा० ३, ४६,

आलोइत्तए हे० कृ० वव० १, ३७; ५, १९; निसी० ५, ३६, ठा० २, २;

आलोएउं हे० कृ० पिं० नि० ५१८,

आलोएमाण व० कृ० वव० १, १, निसी० २०, १०,

आलोइजइ क० वा० उवा० १, ८५; नाया० १७;

आलोअंत व० कृ० जं० प० ३, ६७;

√आलोय धा० I. (आ+लोक्) દેખવું; અવલોકન કરવું देखना To see, to observe

आलोएउ हे० कृ० पिं० नि० ५१८,

आलोयमाण व० कृ० भग० १०, १.

आलोय-अ पुं० (आलोक) અવલોકન; નિરીક્ષણ, દર્શન, દેખવું તે अवलोकन, देखना, निरीक्षण Seeing, observation जं० प० ५, ११७, ओव० ३१, दस० दस० ५, १, १५, काप० २, २७, ओघ० नि० ६२, २८७, राय० ६८; विशे० २०६; नाया० १ २, ८, १३, आया० २, १, ६, ३२, (२) દીવાનો પ્રકાશ दीपक का प्रकाश light of a lamp उत्त० ३२, २४; —दरिसणिज्ज त्रि० (-दर्शनीय-आलोक दृष्टिगोचरं यावद् दृश्यतेऽत्युच्चत्वेन य स आलोकदर्शनीय) જે દ્રષ્ટિગોચર થતા ઊંચામા ઊંચું દેખાય તે जो दृष्टिगत होतेही ऊंचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's landscape "दसणारस्स आलोअ दरिसणिज्जा" ओव० नाया० १, भग० ६, ३३, —भायण, न० (-भाजन) જેમાં પ્રકાશ પડે એવું ભાજન प्रकाश पात्र; जिसमें प्रकाश पड़े वह (anything) receiving light पराह०.२, १, दस० ५, १, ६६;

आलोयण. न० (आलोकन) દર્શન. दर्शन Sight; seeing. वव० ४; भग० ६, ३३,

आलोयण न० (आलोचन) શિષ્યે ગુરુ પાસે પોતાના દોષનું આલોચન કરવું-નિવેદન કરવું તે शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष की आलोचना करना-दोष प्रगट करना Confession of a fault by a disciple to his preceptor सम० ३९, पराह० २, १, प्रव० २६, पचा० १, ३६,

आलोयणया स्त्री० (*आलोचना) ગુરુ પાસે પોતાના દોષનું નિવેદન કરવું તે गुरू के सन्मुख अपने दोष निवेदन करना Confession of one's own sins to a Guru भग० १७, ३, उत्त० २६, २,

आलोयणा स्त्री० (आलोचना) લાગેલા દોષનું ગુરુ આગળ નિવેદન કરવું, ગુરુ સમીપે દોષનું પ્રકાશવું लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवेदन करना, दोष प्रकट करना Confession of sins to a Guru भग० २५, ७, सन्था० ३३, आव० २०, प्रव० ७५७, उत्त० ३०, ३० वव० १, ३५, विशे० ३३६६, —**अरिह** न० (-अर्ह) ગુરુ પાસે નિવેદન કરવાથી જે પાપની શુદ્ધિ-નિવારણ થાય તે, આલોચનાયોગ્ય પાપ गुरु के सामने निवेदन करने से पाप की जो शुद्धि हो वह, आलोचना के योग्य पाप freedom from sin, caused by confession to a Guru, a sin deserving confession. भग० २५, ७ (२) આલોચના યોગ્ય પ્રાયશ્ચિત आलोचना के योग्य प्रायश्चित. expiation deserving confession ठा० ६; —**णय** पुं० (-नय) ગુરુપાસે આલોચના કરવાની રીતિ गुरु के समीप आलोचना करने की रीति mode of confession of sins to a Guru विशे० ३३६६;

आलोविय त्रि० (आलोपित) આચ્છાદન-કરેલ. ढाँकाहुआ Covered, concealed under. नाया० १;

आवइ स्त्री० (आपद्) આપત્તિ-દુઃખ; વિપત્તિ आपत्ति, दुःख, विपत्ति Adversity, misery. " आउरे आवईसु य " ठा० १०, " आवईसु दढधम्मया " सम० ३२; " दुहओ गइ बालस्स आवई वह मूलिया " उत्त० ७, १७, नाया० ६, ओव० ३६, भग० २८, ७,

आवइय न० (आपत्तिक) કષ્ટ, દુઃખ कष्ट, दु.ख Misery, adversity. नाया० ९,

आवंति अज्झयण न० (आवन्त्यध्ययन) આચારાંગના પ્રથમ શ્રુતસ્કંધના પાંચમા અધ્યયનનું નામ आचारांग के प्रथम श्रुत स्कन्ध के पांचवे अध्ययन का नाम Name of the fifth chapter of the first Śruta-skandha of Āchārānga Sūtra अणुजो० १३१, आया० नि० १, ५, १, १३६, ठा० ६, सम०

आवंती पु० (यावत्) જેટલા जितना. As many as. " आवंती के यावती लोयंसि " आया० १, ४, २, १३३,

आवकह अ० (यावत्कथम्) જાવજીવસુધી; જીન્દગી પર્યન્ત यावज्जीवन, जिन्दगी पर्यन्त. As long as life endures, till death. " आवकह भगवं समियासि " आया० १, ६, ४, १५,

आवकहा स्त्री० (यावत्कथा) જ્યાં સુધી નામકથન રહે ત્યાં સુધી, જીન્દગી પર્યન્ત. जब तक नाम धारण करके रहे वहांतक; जीवनपर्यन्त (Period of time) till life endures, till death " आवकहाए गुरु कुल वासं ण मुयति " पचा० ११, १६, सूय० १, २, २, ८, आया० १, ६, १, २; ठा० ४;

आवकहिय. त्रि० (यावत्कथिक) यावज्जीव सुधीनुं; हमेशनुं; घणुंावख्तनुं. यावज्जीवन तकका; हमेशहका, बहुत समय का. Lasting till death, permanent, old. अणुजो० ११; १४६, पन्न० १, भग० २५, ७, ओव० १६, विशे० १२६३, पंचा० १, २६; ५, १७; १२, ४३;

आवगा. स्त्री० (आपगा) नदी नदी. A river. "वउकसमाणि तिरयाणि आवगाण वियागरे" दस० ७, ३६,

आवज्जग त्रि० (आवर्जक) प्रसन्न करनार प्रसन्न करने वाला Causing charm, delightful. प्रि० नि० ४३८;

आवज्जण न० (आवर्जन) केवलीनो उपयोग-मानसिक व्यापार, शेष रहेला कर्मनो उदयावलिकामां प्रक्षेप करवानो व्यापार-क्रिया केवली का उपयोग-मनो व्यापार; बाकी बचे हुए कर्म का उदयावलिका में प्रक्षेपण करने की क्रिया The thought-activity of a Kevalī that he is to perform Kevala Samudghāta, the process on the part of a Kevalī to force up into maturity the remnants of his Karmas. विशे० ३०५१;

आवज्जीकरण. न० (आवर्जीकरण) जुओ "आवज्जण" शब्द. देखो "आवज्जण" शब्द Vide "आवज्जण" ओव० ८२,

आवट्ट. पु० (आवर्त-आवर्तयति प्राणिन आत्मवतीत्यावर्त) समुद्रादिकमां चक्राकारे घुमरी खातुं पाणी देखाय ते. समुद्रादि में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी दिखे वह. An eddy in an ocean etc राय० ४६, जं० प० आया० १, २, ३, ८३. नाया० १; ठा० ४; उत्त० ३, ५, (२) (आवर्तनमावर्त) रखडवुं, परिभ्रमण करवुं ते. भटकना; परिभ्रमण करना. wandering; going round and round नाया० १; (३) मोहपाश; भूलवणी मोह पाश; भुलौनी; भूल भुलैया. an infatuation; a maze ठा० ४, सूय० १, ३, २, १४, (४) (आवर्तन्ते परिभ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्तः) संसार. ससार the worldly existence. "आवट्टसोए सगमभिजाणति" आया० १, १, ५, ४०; (५) संसारना कारणरूप विषयना शब्दादिक गुण. संसार के कारण रूप-विषय के शब्दादि गुण objects of senses e g sound etc which lead to worldly existence "जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे" आया० १, १, ५, ४०, (६) उत्कट मोहना उदयथी विषयनी प्रार्थना करवी ते उत्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना करना. yearning after sensual pleasures through strong infatuation. "अह मे सति आवट्टा कासवेण पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पति सियंति अबुद्धा जहिं" सूय० १, ३, २, १४; १, १०, ५, (७) फरी फरीने उत्पन्न थवुं ते. बार बार उत्पन्न होना. rising or being born again and again. "दुक्खाणमेव : आवट्ट अणुपरियट्टइ" आया० १, २, ३, ८१; (८) महाघोष नामे थणित कुमारना इंद्रना लोकपालनुं नाम. महाघोष नामक थणित् कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the Lokapāla of the Indra of Thaṇitakumāras, styled Mahāghosa ठा० ४, भग० ३, ८; (९) जम्बुद्वीपमांनो एक दीर्घ वैताढ्य पर्वत. जंबूद्वीपमें का एक बडा वैताढ्य पर्वत. name

of a long Vaitādhya mountain in Jambū Dvīpa. ठा० ४. (१०) એક ખરીવાલા સ્થલચર તિર્યંચ પંચેદ્રિયની એક જાત एक खुरवाले तिर्यंच पंचेन्द्रिय की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land पन्न० (११) અહોરાત્રના ૨૫ મા મુહૂર્તનુ નામ अहोरात्रि के २५ वें मुहूर्त का नाम name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३४, (१२) આવર્ત નામનુ એક વિમાન आवर्त नामक एक विमान name of a heavenly abode. सम० १६, (१३) જંબૂદ્વીપના મેરૂની પૂર્વે સીતા મહાનદીની ઉત્તરે આવર્ત નામની એક વિજય जंबूद्वीप के मेरु के पूर्व की ओर सीता महानदी की उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय name of a Vijaya in the north of the river Sītā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. "दो आवत्ता" ठा० २, ८, जं० प० (१४) આવર્ત નામે ૩૨ નાટકમાનુ એક નાટક ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. राय० —कूड. न० (-कूट) મહાવિદેહમાના નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતનુ એ નામનુ એક શિખર महाविदेहके नलिन कूट नामक वखारा पर्वत के एक शिखर का नाम name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūṭa, in Mahāvideha. जं० प०

आवड. पुं० (आपात) કિરાત દેશના ભિલ્લની એક જાત. किरात देश के भील का एक जाति. A race of Bhils in the country of Kirāta. जं० प० ४, ११, ६; जीवा० ३, ४;

आवडण. न० (आपतन) ભાંગવું; કકડા કરવા. तोडना, फोडना; टुकडे करना. Breaking to pieces. ओघ० नि० २२४; ३११;

आवडिय. त्रि० (आपतित) ચારે તરફથી આવી પડેલુ, લાગેલુ चारों ओर से आया हुआ. Come from all sides. "दोवि आवडिया कुड्डे" उत्त० २५, ४०; जं० प० ५, ११५;

आवण पु० (*आपण) હાટ, દુકાન हाट; दुकान A shop ओव० १५, २६; जं० प० वेय० १, १२, विशे० २०६५, दस० ५, १, ७१; भग० ५, ७; ८, ६, अणुजो० १३४, पिं० नि० १६६; उवा० ७, १८४, जीवा० ३, ३; (२) બજાર. बाजार a market. पिं० नि० ३७७, जीवा० ३, ४; कप्प० ४, ८८, —गिह. न० (-गृह) બજાર વચ્ચેનું ઘર बाजार के बीच का घर. a house in a market. वेय० १, १२; —वीहि. स्त्री० (-वीथि) બજારની શેરી, બજારનો માર્ગ. बाजार का रास्ता. a market-road. जीवा० ३; राय०

आवण्ण त्रि० (आपन्न) પ્રાપ્ત થયેલ; આશ્રિને રહેલ. प्राप्त, आश्रय करके रहा हुआ. Got to; come to "आवण्णा दीहमद्धाणं संसारम्मि अणंतए" उत्त० ६, १२; (२) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न. produced; born नाया० ५; —सत्ता स्त्री० (-सत्त्वा) ગર્ભવતી; સગર્ભા સ્ત્રી गर्भवाली स्त्री, गर्भवती a pregnant woman. नाया० २, १६, विवा० ५;

√आवत्त. धा० I, II. (आ+वृत्) સંસારમા રખડવુ ભમવુ संसार में भटकना. To

wander in worldly existence. (२) ફરીને આવવું फिरसे आना. to return; to come back.

आवट्टति सूय० १, १०, ५;
आवट्टमाणा दसा० ७, १,
आवत्तयन्त. भग० ११, ११,

आवत्त. पुं० (आवर्त) જુઓ 'आवट्ट' શબ્દ. देखो "आवट्ट" शब्द Vide "आवट्ट" सम० १६; ३०; जीवा० ३, ३, ४, राय० २८; ८१; पण्ह० १, १, उत्त० २५, ३८, ठा० ४, १; ओव० १०, २१, सु० च० ६, २६; जं० प० ४, ९५, पन्न० १, नाया० १, ३, भग० ३, ८, कप्प० २, १४, —कूड पुं० (-कूट) નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાનું ત્રીજું કૂટ-શિખર वखारा पर्वत के चार कूटों में से नलिनकूट नामक तीसरा कूट-शिखर the third of the four summits of the Vakhārā mountain named Nalinakūta जं० प० ४, ९५,

आवत्तण न० (आवर्तन) ઉઘાડવું વાસવું खोलना व बंद करना Opening and shutting a door पिं० नि० ३५५, —पेढिया स्त्री० (-पीठिका) જેમાં આગળ રહે તે સ્થાન. जिस मे किवाडों का आडा या चटकनी रहे वह स्थान the receptacle of the bolt of a door जीवा० ३, राय० १०६; जं० प०

आवत्ता. स्त्री० (आवर्ता) આવર્તા નામની એક વિજય आवर्ता नामक एक विजय Name of a Vijaya ठा० २, ३,

आवत्तायंत त्रि० (आवर्तायमान) પ્રદક્ષિણા દેતુ, ભમતું प्रदक्षिणा करता हुआ Revolving, circumambulating कप्प० ३, ३५;

आवत्ति स्त्री० (आपत्ति) પ્રાપ્તિ. प्राप्ति. Acquisition, getting प्रव० ७६, (२) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति birth, rise; creation विशे० ६६,

आवन्न त्रि० (आपन्न) પ્રાપ્ત થયેલ प्राप्त. Got, got to विशे० १६७, सु० च० १, १२६, उत्त० ४, ४; प्रव० १३३३,

आवयमाण त्रि० (आपतत्) પડતો गिरता हुआ Falling, falling down. नाया० ८,

आवयमाण त्रि० (आव्रजत्) આવતો. आता हुआ Coming, arriving. भग० ३, २;

आवया स्त्री० (आपद्) આફત–આપત્તિ, ; संकट आपत्ति, आफत संकट Calamity adversity. राय०

√आवर. धा० II (आ+वृ) આવરવું, ઢાંકવું ढाकना To cover, to hide
आवरित्ता स० कृ० राय० २३६,
आवरिय स० कृ० दसा० ६, १, २,
आवरेत्ता स० कृ० भग० ६, ५, १२, ६; १५, १,
आवरेमाण भग० १२, ६,
आवरयत. प्रव० १४१४,
आवरिज्जइ क० वा० भग० ८, ३३;
आवरिजति क० वा० प्रव० १२६८;
आवरिज्जमाण भग० १५, १;

आवर त्रि० (अपर) બીજું दूसरा. Another सम० १२;

आवरण न० (आवरण-आ-मर्यादया वृणोतीत्यावरणम्) કવચ, બખ્તર कवच, बख्तर An armour जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३०, नाया० ८, ओव० ३०, सूय० नि० १, ८, ६२; ६३, (२) ઢાલ. ढाल a shield ओव० आया० नि० १, ३, ५, १४९, (३) ઢાંકવું; ઢાંકણું ढाकना;

ढकन. covering; a cover. पण० २३; राय० ६२; विशे० १०४; सम० ६; क० ग० १, २५; (४) મંજિઠ આદિ દ્રવ્ય मजीठ आदि द्रव्य a substance such as Indian madder etc. ज० प० (५) સર્વવિરતિ અથવા દેશવિરતિરૂપ પચ્ચખાણને અટકાવનાર કષાય, મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कषाय, मोहनीय कर्म की एक प्रकृति a variety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures विशे० १२३५, (६) જ્ઞાન આદિ શક્તિને આવરનાર ઢાંકનાર જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ. ज्ञान आदि शक्ति को ढकने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म Karma obscuring knowledge and other powers of the soul अणुजो० १२७, विशे० ११५, क० ग० १ ३-६, ६, ८६, —अवगम पु० (-अपगम) જ્ઞાનાવરણાદિકનો અપગમ-દૂર થવું તે ज्ञानावरणादिक कर्मो का दूर होना exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc पंचा० २, ४०, —दुग न० (-द्विक) જ્ઞાનાવરણ અને દર્શનાવરણ, એ બે પ્રકૃતિ. ज्ञानावरण और दर्शनावरण ये दो प्रकृतिया the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० ग० १, ५४, —आवरणावरणपविभत्ति न० (-आवरणावरणप्रविभक्ति) ૩૨ પ્રકારના નાટકમાંનું એક. बत्तीस प्रकार के नाटकों मे से एक one of the 32 kinds of drama. " चंदावरणावरणपविभत्तिं च सुरावरणपविभत्तिं च आवरणा वरणपविभत्तिं णामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेहि. " राय० ६२;

आवरणिज्ज न० (आवरणीय) આત્માની જ્ઞાનાદિશક્તિને આવરનાર; જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ आत्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढंकनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म Karma obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc नंदी० ८; ओव० ४०, उत्त० ३३, २०; अणुजो० १२७, उवा० १, ७४;

आवरणी स्त्री० (आवरणी) આવરણકારી વિદ્યા आवरणकारा ढकनेवाली विद्या Art of veiling or eclipsing things. नाया० १६;

√ आवरस (आ+वृष) વરસવું પાણી છાંટવું. बरसना; पानी छिड़कना To shower water, to sprinkle water, to rain.

आवरसेज्जा राय० ३५;

आवरिय. त्रि० (आवृत) ઢાંકેલ; આચ્છાદન કરેલ; ढंकाहुआ. Covered; hidden. भग० १५, १,

आवरिसण न० (आवर्षण-सुगन्धिजलवारिसिञ्चनम्) સુગંધિ પાણીનો છંટકાવ કરવો. सुगंधित जलका छिड़काव करना Sprinkling of cold water अणुजो० २०; राय०

आवलण न० (आवलन) અંગ મરડવું તે अंग मरोडना. Twisting of the body पण्ह० १, १,

आवलि स्त्री० (आवलि) હાર, પંક્તિ; લાઇન. श्रेणी, पंक्ति. A line; a series. सू० प० १०, राय० ४४; ४८; ६१, ओघ० नि० २०२, नाया० १, क० प० १, ३८;

आवलिय पविभत्ति. न० (आवलिका प्रविभक्ति) નાટ્ય વિધિ વિશેષ नाटक की

विधि विशेष. A mode of dramatic performance. " आवलियपविभत्तिं नामं दिव्वं नट्टविहिं उवदंसेइ " राय॰

आवलिआ-या. स्त्री॰ (आवलिका) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ, એક શ્વાસોચ્છ્વાસનો સંખ્યાતમો ભાગ. एक श्वासोच्छ्वास का संख्यातवाँ भाग. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants विशे॰ ५३१; ६०८; अणुजो॰ ११५, १३८; जं॰ प॰ २, १८, नंदी॰ १२; भग॰ ५, १, ५, ७, ६, १; २५, ४; पन्न॰ १२; ठा॰ २, ४, ओघ॰ १७, (२) શ્રેણિ, પંક્તિ. श्रेणी, पंक्ति. line; row जीवा॰ ३, १; सू॰ प॰ १०; तद्द॰ —णिवाय. पुं॰ (-निपात) ક્રમથી મળવું તે. क्रमशः मिलना. coming or getting of anything one after another in order " ता जोगेति वत्थुस्स आवालिया णिवाते आहितेति वदेज्जा ताहुति " सू॰ प॰ १०; —पविट्ठ. त्रि॰ (-प्रविष्ट) શ્રેણીમાં રહેલ; શ્રેણીમા પ્રવેશ કરેલ, પંક્તિબન્ધ, નરકાવાસના સંઠાણ જે પંક્તિબન્ધ એટલે બધી દિશાઓમા શ્રેણીમાં-એક લાઇનમા ગોલ, ત્રિકોણ અને ચોરસ આકારના છે श्रेणी में रहे हुए, श्रेणी में प्रवेश किये हुए, पंक्तिबद्ध;
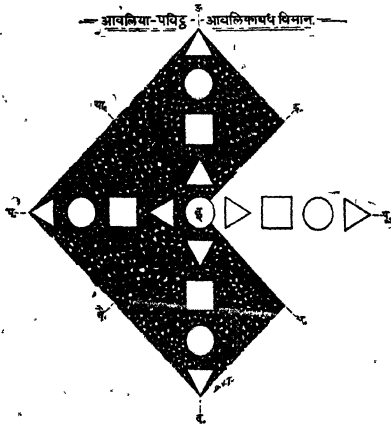
अवस्थानके संस्थान (आकार) जो पंक्तिबंध वाले चारों दिशाओं में एक लाइन से गोल, त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a line or row, in a graded order; e. g the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, (see diagram) " आवालिय पविट्ठाय आवलिय बाहिराय " जावा॰ ३, ४: —बाहिर त्रि॰ (-बाह्य) હાર બહાર, લાઇનબંધ નહીં, જેમતેમ श्रेणी बद्ध न होना, अव्यवस्थित not in a line, disordered जीवा॰ ४; —समय परिमाण त्रि॰ (-समयपरिमाण) એક આવલિના સમય જેટલા एक आवलि (आख मिचकना) के समय के समान of the measure of time equal to one Avali (twinkling of an eye) क॰ ग॰ ४, ८१,

√आवस धा॰ I (आ+वस्) વસવું રહેવું रहना, बसना. To dwell, to stay.

आवसे विधि॰ आया॰ १, १, ६, ४४;

आवसित्तए हे॰ कृ॰ नाया॰ १;

आवसंत सूय॰ १, १, १, १६, आया॰ १, ५, ६, १५५, ठा॰ १, उवा॰ १, ८३,

आवसह न॰ (आवसथ) મકાન, ઘર, રહેઠાણ रहने का मकान. A residence, a house. जं॰ प॰ ३, ४६; विवा॰ ३, ६, उत्त॰ १३, १३, सूय॰ १, ४, २, १८; (२) તાપસનો આશ્રમ, મઠ. तपस्वी का आश्रम; साधु का मठ. a monastery. आया॰ १, ७, २, २०२; पराह॰ २, ३; भग॰ २, १; —भवण. न॰ (-भवन) નિવાસભુવન. निवासभवन. a place of residence, a house. जं॰ प॰ ३, ४७;

आवसहिय. त्रि॰ (आवसथिक) આશ્રમ-ઝુંપડીમાં રહેનાર. पत्तों की झोपडी में रहने वाला (One) living a monastery or in hut of leaves etc. सूय॰ २, २, २१; दसा॰ १०, ७;

आवस्सग-य न॰ (आवश्यक) સાધુ અને શ્રાવકને બે વખત અવશ્ય કરવાની ક્રિયા; પ્રતિક્રમણ साधु और श्रावक को प्रतिदिन दो बार अवश्य करने योग्य क्रिया, प्रतिक्रमण. Pratikramana; a religious practice to be performed twice every day, without fail, by both ascetics and laymen. नाया॰ ८, ठा॰ २, १, विशे॰ १, (२) તે ક્રિયા પ્રતિપાદક આવશ્યક નામનું સૂત્ર. उक्त क्रिया-प्रतिक्रमण-प्रतिपादक आवश्यक नामका सूत्र name of a Sūtra explaining the above religious practice. ठा॰ २, १, १०, नंदी॰ ४३; प्रव॰ २३७, —अणुओग पुं॰ (-अनुयोग) આવશ્યક સૂત્રનું વ્યાખ્યાન आवश्यक सूत्र का व्याख्यान exposition of Avaśyaka Sūtra. प्रव॰ २३७, —करण न॰ (-करण.) કેવલ સમુદ્ઘાત કર્યા પહેલાં કેવલીને અવશ્ય કરવા યોગ્ય વ્યાપાર. केवलसमुद्घात करने के पहले केवली को अवश्य करने योग्य व्यापार. a kind of thought-activity necessary to be performed by a Kevali before Kevala Samudghāta पचा॰ १६, ३१; —वइरित्त न॰ (-व्यतिरिक्त) આવશ્યક સિવાયના કાલિક અને ઉત્કાલિક સૂત્ર. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और उत्कालिक सूत्र the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Āvaśyaka Sūtra ठा० २; नंदी० ४३, —सुयखंध न० (-श्रुतस्कंध) એ નામનું એક સૂત્ર एक सूत्र का नाम. name of a Sūtra. विसे० १;

आवस्सग. न० (आवश्यक) જુઓ " आवस्सअ " શબ્દ. देखो " आवस्सअ " शब्द Vide. " आवस्सअ " पिं० नि० ६७०, अणुजो० ५; भग० १८, १०, गच्छा० ४३, प्रव० १०७,

आवस्सया स्त्री० (आवश्यकी) સાધુએ અવશ્ય કામ પડ્યે બહાર જતી વખતે ' આવસ્સહિ " શબ્દ બોલવો તે, સામાચારીનો ચોથો પ્રકાર साधुको आवश्यक कार्य के लिये बाहिर जाते समय 'आवस्सहि' शब्द बोलना सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth variety of Samāchārī (ascetic right conduct), viz uttering the word " Āvassahi " at the time of moving out on some unavoidable business प्रव० ७६७,

आवास्सिया स्त्री० (आवश्यकी – अप्रमत्तत्वेनावश्यककर्तव्यव्यापारे भवाऽऽवश्यकी) સાધુને જરૂરનું કામ પડ્યે, ઉપાશ્રય બહાર જવું પડે, ત્યારે તે પ્રસંગ આવશ્યક છે તેનું સ્મરણ કરવાને મોઢેથી ' આવસ્સિયા ' શબ્દ કહેવો તે સામાચારીનો પ્રથમ પ્રકાર साधु को किसी जरूरी कामके लिये उपाश्रय के बाहिर जाना पड़े तब उस आवश्यक प्रसंग की आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से ' आवास्सिया ' शब्द का कहना, सामाचारी का प्रथम भेद The first variety of Sāmachārī, viz utterance of the word "Āvassiya" in a loud tone by a monk at the time of leaving monastery for some pressing work. " पढमा आवास्सिया नाम " उत्त० २६, २; ठा० १०; प्रव० ७७२, पंचा० १२, २;

आवाग पु० (आपाक) નિભાડો कुम्हार का भट्ठा; आवा A potter's kiln. नंदी० ३५

आवाड पु० (आपात) ઉત્તર ભરતમાંના કિરાત નામે ભિલ્લની એક જાત उत्तर-भरत के भीलोंका किरात नामक एक जाति A race of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. " उत्तरडुभरहे वासे बहवे आवाडा णाम चिलाता परिवसंति " जं० प० ३, ५८,

आवाय. पु० (आपात) આવજાવ; માણસોનું ગમનાગમન. आना जाना, मनुष्यों का आवागमन. Coming and going of men; coming and going " तस्स भावगस्स आवाए भद्दए भवइ " भग० ७, १०, उत्त० ४, २, २४, १६, ओव० ३६; ओघ० नि० २६६, —भद्दय. पु० (-भद्रक) પ્રથમ મેલાપમાં બોલવા ચાલવા વિગેરેમાં સુખ આપનાર पहली भेंट में बातचीत वगैरह से सुख देनेवाला (one) pleasing at first sight or meeting. " आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए " ठा० ४;

आवाअ-य पु० (आपाक-समन्तात्पारिवेष्ट्यापच्यतेऽत्र) નિભાડો भट्ठा, आवा A kiln; a potter's kiln " कुंभकारावाए इवा कवेल्लुयावाए इवा रट्ठावाए इ वा " ठा० ८,

आवावकहा स्त्री० (आवापकथा) ભોજન સંબંધી કથા કરવી તે. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food. ठा० ४, २,

आवास पुं० (आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः) આવાસ, મહેલ, હવેલી, निवा-

स्थान, रहेठाणु. रहनेकी जगह; हवेली, घर; महल. A palace; a mansion; a residence राय० २२७; नाया० ८, १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३, ४, उत्त० ६, २६; भग० ६, ५, १३, ६; १८, ५; १६, ७; ओव० सम० ८, (२) शरीर शरीर. the body सम० (३) आवास नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean जीवा० ३; ४, पन्न० १५; (४) नरकावास, नरकावास abode of hell प्रव० ४१, —पव्वय पुं० (-पर्वत) नाग राजानो आवास पर्वत नागराजा का आवास पर्वत name of a mountain-residence of Nāgarājā. "गोथुभस्स णं आवासपव्वयस्स" सम० भग० २, ८,

आवासग पुं० (आवासक) निवासस्थान, रहेवानुं स्थान निवास स्थान, रहने का स्थान Habitation, place of residence सूय० १, १४, २,

आवासय-अ. पुं० (आवासक) पक्षिनु घरमाळो. पक्षी का घर, घोंसला A bird's nest सूय० १, १४, २,

आवासय. न० (आवश्यक) आवश्यक कर्तव्य आवश्यक कर्तव्य A thing which must be done ओघ० नि० २२०,

√आवाह. धा० II (आ+वह्) स्वीकारवुं आवाहन करवुं, पासे बोलावबु आवाहन करना, नजदीक बुलाना To call, to invite; to invoke.

आवाहेइ "सालुग्घाडविग्घविज्ञ आवाहेइ" नाया० १८;

आवाह पुं० (आवाह) विवाह पहेलां ताम्बूल देवानो उत्सव विवाह के पहले पान देनेका उत्सव The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३; जं० प० २, २४; (२) नव परणेत वहुवरने प्रथम घेर लाववा ते नव विवाहित वधूवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. पण्ह० २, ४;

आवाहण. न० (आह्वान) आमंत्रणु देवु; बोलाववुं आमन्त्रण देना, बुलाना Invitation, calling. विशे० १८८३,

आवि. अ० (अपि) संभावना. समुच्चयपणु. संभावना, समुच्चय; परंतु (An indeclinable meaning), possibly; also. आया० १, १, ५, ४१, क० गं० १, २६,

आवि. अ० (आविर्) प्रगट; जाहेर प्रगट; जाहिर Publicly, openly "आवी वा जइवा रहस्से" उत्त० १, १७, —कम्म. न० (कर्मन्) खुल्ला-प्रगट काम. प्रगट कार्य, जाहिर काम an action openly or publicly done. आया० २, १५, १७६, राय० २१३. ठा० ६. कप्प० ५, १२०;

आविई. स्त्री० (आविची-अविचदेशोद्भवा) अवीच देशमा उत्पन्न थयेल स्त्री अवाच देश में उत्पन्न स्त्री A woman born in the country of Avicha. राय०

आविद्ध त्रि० (आविद्ध) युक्त थयेल, जोडायेल, मिला हुआ, सयुक्त Joined with; united with. सम० ३०, (२) अधिष्ठित. अधिष्ठित. presided over by; possessed by. ज० ५;

आविद्ध त्रि० (आविद्ध) पहेरेलु; धारण करेलु पहिना हुआ; धारण किया हुआ. Put on नाया० १, ५, ज० प० ३, ५५;

पराह० १, ३, जीवा० ३, ४; ओव० ३७; राय० ६१, (२) વીંટેલુ, યથોચિત બાંધેલુ लपेटाहुआ; यथोचित रीति से बांधा हुआ. wrapped; properly tied जं० प० ५, १२१, कप्प० ४, ६२; —गुडिय. न० (-गुडित) આવિદ્ધ-પહેરાવેલ છે ગુડિય-પાખર-સોના રૂપાના ફુલની બનાવેલ ઝુલ. पहिनाई हुई सोने चादी के फूलों की बनी झूल. an ornamental cloth of gold and silver flowers placed on the back, (e g of an elephant etc) विवा० २; —मणिसुवण्ण त्रि० (-मणि सुवर्ण) પહેર્યાં છે મણિ અને સુવર્ણના ઘરેણા જેણે તે जिसने रत्न जडित सुवर्ण के आभूषण पहिरे हो वह. (one) who has put on ornaments studded with jewels. दसा० १०, १, —मणिक्कसुत्तग. त्रि० (-माणिक्य-सूत्रक) જેણે માણેક જડિત સૂત્રક-દોરો પહેર્યા છે તે जिसने माणक से जडा हुआ सूत्रक-दोरा पहिना हो वह (one) who has put on a necklace studded with jewels. ज० प० ३, ४७, —वीरवलय त्रि० (-वीरवलय-आविद्धानि वीरवलयानिवीरत्व गर्वसूचकानि वलयानि येन) વીર પુરૂષોને પહેરવાનુ આભૂષણ જેણે પહેર્યું છે તે वीर पुरुषों के पहिरने का आभूषण जिसन पहिना है वह (one) who has put on an ornament worn by heroes नाया० १,

आविब्भाव. पुं० (आविर्भाव) પ્રગટ થવું, પ્રાદુર્ભાવ થવો प्रगट होना, प्रादुर्भाव होना. Manifestation. विशे० ६७,

√**आविरभव** धा० II (आविर+भू) આવિર્ભાવ થવો; પ્રગટ થવું. आविर्भाव होना; प्रगट करना. To be or become manifest.

आविब्भावेमि प्रे० सूय० २, १, ११;

आविल त्रि० (आविल) આકુલ. आकुल. Distracted सम० ३०, (२) કલુષિત; ડોલુ कलुषित, गंदला turbid. "अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आयवई अदत्त" उत्त० ३२, २९, जीवा० ३, —प्पा. पु० (-आत्मन्) આકુલ આત્મા आकुल आत्मा a troubled soul. "अभयंकरेभिक्खू अणाविलप्पा" सूय० १, ७, २१,

√**आविस** धा० I (आ+विश्) સેવવુ, ભોગવવુ सेवन करना, भोगना To endure, to experience, to resort to

आविसामि विशे० ३२५५;

आवीइमरण न० (आवीचिमरण) સમયે સમયે આયુષ્યના દલનો અપચય-થાય તે; આયુષ્ય સમયે સમયે ઓછુ થાય તે. समय समय पर आयुष्य के दल का अपचय होना, समय समय पर आयुष्य का क्षय होना. Diminution of life every instant सम० १७;

आवीइसंसिणय. न० (आवीचिसंज्ञित) આવીચિ નામનુ મરણ आवीचि नाम का मरण. A variety of death named Avichi प्रव० १०२०,

आवीकम्म. न० (आविष्कर्म) જુઓ " आविकम्म " શબ્દ. देखो " आविकम्म " शब्द. Vide " आविकम्म " जं० प० २, ३१,

आवीचिय मरण. न० (आवीचिकमरण) જુઓ " आवीइमरण " શબ્દ देखो " आवीइमरण " शब्द Vide " आवीइमरण " भग० १३, ७,

आवुत्त. त्रि० (अव्युक्त) नहि कहेल, वगर કહેલ. बिना कहा हुआ. Not said, not spoken. सूय० २, ३, ५६,

√**आवेढ.** धा० I. (आ+वेष्ट्) वींटवुं लपेटना. To wrap round, to encircle.

आवेढइ दसा० ६, ६;

आवेढिय. त्रि० (आवेष्टित) विटेल लपेटा-हुआ Wrapped round; encircled. ठा० १०, भग० ८, १०, १६, ६; निसी० १६, ४०-४१, नाया० १६,

आवेदिय सं० कृ० (आवेद्य) કહીને. कहकर Having said or told. पचा० १५, ४५,

√**आस** धा० I, II. (आस्) બેસવું बैठना To sit.

आसइ व० प्र० ए० नाया० ध०

आसे वि० दस० ४, ८,

आस आ० दस० ७, ४७, ८, १३,

आसइस्सामो भवि० भग० १०, ३,

आसइत्तए भग० ७, १०, १३, ४, १७, २, १८, ३,

आसइत्तु. दस० ६, ५४,

आसमाण " अजय आसमाणोय " दस० ४, ३, राय० ३, ६;

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्) ભોજન. भोजन Food. " सामाण्णए पायरासाए " सूय० २, १, १५; नाया० ५,

आस न० (आस्य) મુખ, મોં. मुख, मुंह. Mouth; face पिं० नि० ३४०, नाया० ८, ९, दस० ५, १, ८५, दसा० ७, १,

आस. पुं० (अश्व-अश्नुते व्याप्नोति मार्ग-मित्यश्वः) ઘોડો, અશ્વ अश्व; घोड़ा A horse. सम० १४, उत्त० ४, ८, ६, ५, ११, १६ अणुजो० ६३, १३१; ठा० २, ३, विसे० १४१६, नाया० १५, भग० ३, ४, ७, ६; ६, १४; ११, ११; ओव० ३१, ३८, दसा० ६, ४; १०, ३; विवा० ६; जीवा० ३, १; आया० २, १, ५, २७; जं० प० ७, १५७; (२) અશ્વિની નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the constellation Aśvinī. जं० प० ७, १५७; सू० प० २०, (३) અશ્વદેવતાથી ઉપલક્ષિત અશ્વિની નક્ષત્ર. अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र. the constellation Aśvinī presided over by the diety Āśva च० प० २०, —**करण.** न० (-करण) ઘોડાને કલા સીખવવાની જગ્યા घोड़े को कला सिखाने की जगह a place for training horses निसी० १२, २८; —**किसोर.** पुं० (-किशोर) જાતવાન ઘોડાનું બચ્ચું, વછેરું. जातिवान् घोड़े का बच्चा. a young one of a noble horse, a colt नाया० १३; —**किसोरी.** स्त्री० (-किशोरी) જાતવાન ઘોડી, વછેરી. जातिवान् घोड़ी, बछेरी a mare of noble breed, a filly नाया० ६, —**खंध** पु० (-स्कंध) ઘોડાની કાંધ-ખાંધ घोड़े का कंधा. the neck or shoulder of a horse. ठा० ३; नाया० १७; १८, जं० प० ७, १५६; —**खंध वरगय** त्रि० (-स्कंधवरगत) ઘોડા પર ચડેલ. घोड़े पर चढ़ा हुआ mounted on a horse नाया० १२; १४, —**जुद्ध** न० (-युद्ध) ઘોડાનું યુદ્ધ. घोड़ों का युद्ध horse-fight निसी० १२, ३०, —**धर** त्रि० (-धर) ઘોડાવાળો, સોદાગર घोड़ावाला, घोड़े का सौदागर (one) who has a horse or horses, a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७, —पोसय त्रि० (-पोषक) घोडाना पोषनार; सोदागर घोडे को पालने वाला (one) who breeds up horses a horse-merchant. निसी० ६, २२; —प्पमद्दय. (-प्रमर्दक) घोडाने कला शीखवनार. घोडे को कला सिखाने वाला (one) who trains horses नाया० १७, —मक्खिया. स्त्री० (-मक्षिका) घोडानी माख; बगा. घोडों के शरीर में लगने वाली मक्खी; बग a horse-fly. पिं० नि० भा० ४६; —मद्द. पुं० (-मृद्द) घोडाना समारनारा. घोडे को सुधारने वाला चाबुक असवार a horse-breaker निसी० ६, २२; —मद्दअ त्रि० (-मर्दक) घोडाने मर्दन करनार. घोडों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निसी० ६, २२. नाया० १७; —मद्दग. त्रि० (-मर्दक) घोडाने मर्दन करनार. घोडा की मालिश करने वाला (one) who rubs the body of a horse. नाया० १७; —रयण. न० (-रत्न) अश्वरत्न; चक्रवर्तिना चौदरत्नमानु एक रत्न. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravarti " अरतस्य कमलामेल नामेणं आसरयणं-आवईकमेल समक्खित्ते " जं० प० ठा० ७, सम० १६, २०, —रह पुं० (-रथ) घोडा गाडी, जेमा घोडा जोडाय एवो रथ. घोडा गाडी, जिसमें घोडे जुते ऐसा रथ a horse-carriage. नाया० १, ८, १६, १६, भग० ७, ६, ६, ३३, राय० २५६, जं० प० —राय पुं० (-राजन्) अश्वराज—प्रधान—उत्तम घोडो. अश्वराज, प्रधान घोडा—उत्तम घोडा. an excellent horse ठा० ५; —रूव पुं० (-रूप) घोडानुं रूप. घोडे का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५, —रोह. पुं० (-रोह) घोडे स्वार. घोडसवार a horseman निसी० ६, २२. —वर पुं० (-वर) उत्तम जातिनो घोडो उत्तम जाति का घोडा a horse of noble breed दसा० १०, ३, भग० ६, ३३; ओव०. —वाहणिया. स्त्री० (-वाहनिका) घोडानी स्वारी, अश्व क्रीडा घोडे की सवारी अश्व क्रीडा horse-riding; play on horse-back. विवा० ६. नाया० १७, १८; —सहस्स न० (-सहस्र) हजार घोडा हजार घोडे. a thousand horses निर० १, १,

आसंदिया स्त्री० (आसन्दिका) माची; खाटली खाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. सूय० १, ४, २, १५,

आसंदी स्त्री० (आसन्दी) एक जातनु आसन, माची एक प्रकार का आसन, खाट. a kind of seat a wooden frame strung up with thread and used as a seat. " आसंदी पलियंकेव " पिं० नि० ३६१ सूय० १, ६, २१; दस० ३, ५, ६, ५४. (२) ठाठडीनु माचडुं; बास की अरथी a bamboo frame to carry a corpse सूय० २, १, १४,

आसंसइय त्रि० (आसंशयित) निःसंशय; संशय रहित; जेमां संदेह नथी ते; निःसंदेह, संदेह रहित Doubtless, indubitable सूय० २, २, १६,

आसंसप्पओग. पु० (आशंसाप्रयोग— आशंसनमाशंसाऽभिलाषः तस्या. प्रयोगो-

व्यापारस्थत्कारणसाशंसाप्रयोगः) આશંસા અભિલાષા કરવી તે. अभिलाषा करना. Hoping, desiring; wishing. प्रव० २६६; ठा० १०,

आसंसा. स्त्री० (आशंसा) કામ ભોગ મેળવવાની ઇચ્છા, અભિલાષા. काम भोग प्राप्त करने की इच्छा Desire or wish for sensual pleasures. सूय० २, १, ५०, उवा० १, ५७, प्रव० २६६; ८२३,

आसंसारं अ० (आससारम्) સંસાર છે ત્યાંસુધી संसार है तबतक. So long as or as far as the world exists or worldly life exists प्रव० ६३७,

आसकरण. पुं० (अश्वकर्ण) લવણુ સમુદ્રમાના ૫૬ અનતર દ્વીપમાનો અશ્વકર્ણ નામનો એક અનતર દ્વીપ. लवण समुद्र के ५६ अन्तर द्वीप मे का अश्वकरण नामक एक अन्तर द्वीप. Name of one of the 56 Antara Dvipas (islands) in Lavana Samudra. (२) त्रि० તે દ્વીપના રહેવાસી उक्त अन्तर द्वीप के निवासी मनुष्य. a native of the above island. ठा० ४, २, जीवा० ३, ३, पन्न० १,

आसग न० (आस्यक) મોઢું, મુખ मुख; मुह Mouth, face भग० १५, १; नाया० १२, १८, सूय० २, २, ५६, दसा० १, ३,

आसग पु० (आस्यग) ફીણ फेन. Foam, froth पन्न० २,

आसग्गीव. पु० (अश्वग्रीव) ભરતક્ષેત્રના ચાલુ અવસર્પિણીના પહેલા પ્રતિવાસુદેવનું નામ. भरत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first Prativāsudeva of the current Avasarpiṇī (descending cycle) of Bharatakṣetra. प्रव० १२२७,

आसज्ज. न० (आसज्ज) ક્રિયા વિશેષ. क्रिया विशेष. A particular kind of action. ओघ० नि० २२६;

आसज्ज. स० कृ० (आसाद्य) પ્રાપ્ત કરીને; મેળવીને. प्राप्त करके; पाकर. Having got to, having acquired. विशे० ५२७; आया० १, ३, २, १११, पिं० नि० १५८, प्रव० ८६४,

आसण. न० (आसन) આસન, બેઠક; સિંહાસન; ભદ્રાસન, મયૂરાસન વગેરે, તપ માટે આસન લગાડવા તે. જેમ વીરાસણ, ઉક્કુડિયાસણ, દંડાયત આસણ ઇત્યાદિ. आसन; बैठक, सिंहासन; तपश्चर्या में साधुको लगाने के आसन जैसे वीरासन, दंडायत आसन इत्यादि (देखो चित्र) A seat, an unnatural bodily posture, e. g. Mayūrāsana etc. adopted by a Sādhu while practising penance (see diagram) उत्त० १, २१, ३०, ७, ८; उवा० २, ११३, राय० २३३; २८६; दस० ५, २, २८, ८, ५, १७, सू० प० २०; ओव० नाया० १, २, ५, ८, १३, १८, १६; सम० ६, भग० २, ५, ५, ७, १७, ३, ३५, ७; सु० च० ३, ५५, जं० प० २, ३३; सूय० १, १, ४, ११, १, ४, १, ४; आया० १, ६, ३, १२, २, ८, २, १३८; (२) આસન વાળી બેસવું તે. आसन लगाकर बैठना. sitting in a particular bodily posture. प्रव० १५८१,—**अणुप्पदाण.** न० (-अनुप्रदान) સત્કાર કરવાને આસનનું આમંત્રણ કરવું તે सत्कार करने के लिये आसन का आमंत्रण करना honouring any one by inviting him to a seat. भग० १४, ३; ठा० ७,—**अभिग्गह.** पुं० (-अभिग्रह) આસન સંબંધી

અભિગ્રહ ધારણ કરવો તે. आसन संबंधी अभिग्रह धारण करना. taking a vow in connection with seat. भग॰
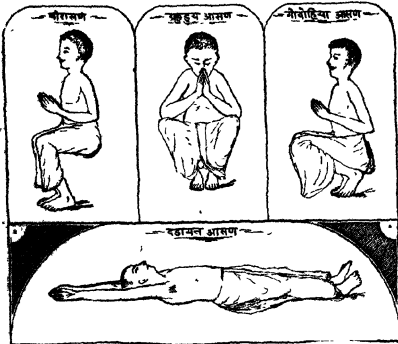
१४, ३; सम॰ ११, ओव॰ २०, —त्थ. त्रि॰ (-स्थ) ઉત્કટ ગોદોહ વગેરે આસન વાળીને રહેનાર उत्कट गोदोह आदि आसन लगाकर बैठाहुआ. (one) sitting or remaining in a particular bodily posture; e. g like that of one milking a cow. आया॰ १, ६, ४, १४, प्रव॰ ११५,

आसणय. पुं॰ (आसनक-आसनमेव आसनकः) આસન आसन. A seat; a bodily posture. वेय॰ ५, १२;

आसण्ण. त्रि॰ (आसन्न) નજીકનું; પાસેનું नजदीक का; समीपका. Adjacent, neighbouring, near. भग॰ १, ८; ओघ॰ नि॰ १०; दसा॰ २, ३; ४;५; —सिद्धिय. त्रि॰ (-सिद्धिक) તરતમાં સિદ્ધ થાય એવો; થોડા વખતમાં સિદ્ધિ પામનાર तुरत सिद्ध होनेवाला, थोडे समय मे सिद्धि प्राप्त करने वाला (one) who is to acquire perfection immediately. पचा॰ ११, १५;

आसत्त पुं॰ (आसक्त) ભૂમિમાં લાગેલ; ઉપરથી નીચેના ભાગ સાથે લાગેલ भूमि मे जुडा हुआ, ऊपर से नीचे के भाग के साथ संयुक्त Clung to the earth, attached to the upper as well as the lower part. राय॰ ५६; पन्न॰ २; ओव॰ कप्प॰ ३, ४१;

आसत्तमं. अ॰ (आसप्तमम्) સાત પેઢી

पर्यंत सात पेढी तक. Up to the 7th generation. भगा० १, १६; भग० ११, २०;

आसंसि. स्त्री० (आसक्ति) परिग्रह આદિમાં वृद्धि परिग्रह आदि में आसक्ति Attachment to worldly possessions etc पएह० १, ५,

आसत्तोसत्त त्रि० (आसक्तोत्सक्त) ઉપરના ભાગથી નીચના ભાગને લાગેલ ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ Attached from the upper part to the lower part कप्प० ३, ४१;

आसत्थ. त्रि० (आश्वस्त) આરામ લીધેલ आराम पाया हुआ, विश्रान्त Soothed; comforted, refreshed ओघ० नि० भा० ५५, नाया० १, २, ३, ८, ६, १६, १८, भग० ११, ११, १५, १, कप्प० १, ५, विवा० ३, ६

आसत्थ पुं० न० (अश्वत्थ) પીંપળો पीपल The holy fig-tree सम० प० २३३, —पत्त न० (-पत्र) પીંપળાના પાન पीपल का पत्ता a leaf of the holy fig-tree निर्सी० १८, १६, —वच्च पु० (-वर्चस्) પીંપળાના પાંદડા, ફલના કચરાનો ઢગલો. पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree निर्सी० ३ ७८,

आसद. धा० I (आ+शद्) બાધા કરવી; પીડા કરવી. बाधा करना; पीडा करना. To give pain, to afflict, to trouble.

आसादए दस० ९, ६, १, ४, निर्सी० १३, १२;

आसाइज्जा आया० १, ५, ६, १६५, ठा० ४, उवा० ८, १४०, १४६;

आसन. न० (आसन) જુઓ "आसण" શબ્દ. देखो "आसण" शब्द. Vide "आसण" पण० ११; दस० ७, २६;

आसन्न. त्रि० (आसन्न) જુઓ "आसण्ण" શબ્દ. देखो "आसण्ण" शब्द. Vide "आसण्ण" विशे० ६२६; ओघ० नि० २६, पिं० नि० २०८, २४६; प्रव० १३१; पंचा० ३, ४७; सम० ३३; —भव्व. पुं० (-भव्य) તેજ ભવે અથવા બીજે ત્રીજે ભવે મોક્ષ જનાર જીવ, નજીક વખતમાં મોક્ષ જવા યોગ્ય ભવ્યજીવ उसी ही भव में या दूसरे तीसरे भव में मोक्ष जानेवाला जीव. a soul which is to attain final bliss in very near future i. e. in the same birth or the 2nd or 3rd. प्रव० १०६०,

आसपुरा. स्त्री० (अश्वपुरा) પદ્મ વિજયની મુખ્ય નગરી पद्म विजय की मुख्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya ठा० २, ३. ८;

आसम पु० (आश्रम) આશ્રમ, તાપસ લોકોને રહેવાની જગ્યા आश्रम, तपस्वी लोगों के रहने की जगह A hermitage (२) ચાર આશ્રમ પૈકી એક આશ્રમ. चार आश्रमों में से एक आश्रम one of the four stages of life. सु० च० ७, १८०, ठा० २, ४, उत्त० ६, ४२; ३०, १७, आया० १. ७, ८, २२२, सूय० २, २, १३, भग० ७, ७, ३, ७, ७, ६, पएह० २, १ वेय० १, ६; पंचा० ७, १५, —पय. न० (-पद) તાપસ લોકોના આશ્રમને નામે ઓળખાતું સ્થાન. तापसी लोगों के आश्रम के नाम से प्रसिद्ध स्थान. a hermitage, a place of abode of a hermit कप्प० ६. १२९, —भेय पु० (भेद) બ્રહ્મચર્ય, ગૃહસ્થ વગેરે આશ્રમના

आश्रम ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद the four different stages of life distinguished as student's life, householder's life etc पंचा० १०, ५०;

आसमपथ न० (अश्वमपद) એ નામનું એક બાગ. एक बाग का नाम Name of a garden. कप्प० ६, ११६;

आसमित्त पु० (अश्वमित्र) અશ્વમિત્રાચાર્ય નામના ચોથા નિન્હવ કે જેણે દરેક પદાર્થ ક્ષણે ક્ષણે નાશ પામે છે એમ સ્થાપન કર્યું. अश्वमित्राचार्य नामक चौथा निन्हव जिसने कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिक्षण नाश पाता है, ऐसा सिद्धान्त स्थापन किया Name of the fourth Ninhava who established the doctrine that every thing perishes every moment ठा० ७, ३.

आसमुह पु० (अश्वमुख) લવણ સમુદ્રમાં દાઢા ઉપર જતા વિદિશામાં રહેલ અશ્વમુખ નામનો એક અંતર-દ્વીપ लवण समुद्र में विदिशा में स्थित अश्वमुख नामक अन्तर द्वीप Name of an Antara Dvipa (island) in a cardinal direction of Lavana Samudra ठा० ४, २, (२) त्रि० તે દ્વીપમાં રહેનાર મનુષ્ય उक्त द्वीप में रहनेवाला मनुष्य a person living in the above island जीवा० ३, ३, पन्न० १,

आसग. न० (आस्यक) મોઢું, મુખ मुख, मुंह Mouth, face. वव० ६, ४१, आया० २, २, १, १०६, जीवा० ३, १,

आसय पु० (आश्रय) આશ્રય, સ્થાન, મકાન आश्रय, स्थान, मकान A house, an abode; a place ठा० ३, (२) સેવવા યોગ્ય सेवन करने लायक a proper resort. (anything) fit to be resorted to नाया० १०; (३) આશ્રય, આધાર आश्रय, आधार. support उत्त० २८, ६; पराह० १, १; विशे० १७५४,

आसय पु० (आशय) चित्तवृत्ति, परिणाम. चित्तवृत्ति, आशय A state of mind; inclination of mind. पंचा० ७, २५; १६, २५, —**विचित्तया** स्त्री० (-विचित्रता) પરિણામનું વિચિત્રપણું, અભિપ્રાયનું વિવિધપણું परिणाम की विचित्रता, अभिप्राय की विचित्रता varieties of thought-activities; varieties of thoughts पंचा० १६, २५, —**बुड्ढि** स्त्री० (-वृद्धि) પરિણામ વૃદ્ધિ परिणाम वृद्धि increase in thought-activity, increase in sense perceptions and their objects. पंचा० ७, २५,

आसयमाण व० कृ० त्रि० (आशायमान-आशयत) આશા કરતા आशा करता हुआ (One) entertaining a hope विवा० १.

√**आसर** धा० II (आ+सृ) સરકવું, ખસવું, હાલવું सरकना, हलना To move

आसारइ प्रे० नाया० ३,

आसरूढ पु० (अश्वरूढ) ઘોડેસ્વાર घोड़ा सवार A horseman ज० प० ३, ४४,

आसल त्रि० (आशल) સ્વાદ લેવા યોગ્ય, ખાવા યોગ્ય स्वाद लेने योग्य. Worth being relished or tasted जीवा० ३, ४, पन्न० १७,

आसव पु० (आसव) દારૂ, મદિરા, મદ્ય, शराब दारू, मदिरा; शराब Wine;

intoxicating liquor. पिं० नि० ४४, ४३८; स्रव० १११; २२७; पत्र० १७; उत्त० ७, ६४, १७; श्रोव० जीवा० ३, ३०८; —(सो)दगा. स्त्री० (–उदका –आसव इव उदकं यस्याः) मीठा पाणीनी वाव. मीठे पानी की बावड़ी a well of fresh water जीवा० ३, राय०

आसव. पुं० (आश्रव) જીવરૂપ તળાવમાં કર્મરૂપ પાણીને આવવાનું ગરનાળું, કર્મ આવવાનું દ્વાર, મિથ્યાત્વ અવિરતિ પ્રમાદ કષાય અને અશુભયોગ એ પાંચમાંનું ગમે તે એક. जीव-रूप तलाव में कर्म-रूप पानी आने का रास्ता—द्वार, कर्म आने का द्वार, मिथ्यात्व, अविरति प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पांचों में का कोई भी एक A door, a sluice for the inflow of Karma, any of the five viz Mithyātva, Avirati, Pramāda, Kaṣāya and Asubhayoga ओव० १० ३४ उत्त० १८, ४, २८, १४, ३८, २१, सम० १, नाया० ६, भग० २, ५; ४, ६, आया० १, ४, २, १३०, १, ८, ७, १०, ठा० १, २, २, १; निं० नि० ६३, पत्रा० ४, ४७; क० ग० १, १५, सूय० २, ५, १२; —णिरोहभाव पुं० (–निरोधभाव) આશ્રવનો નિરોધ કરવો તે, કર્મના દ્વારને અટકાવવા તે आश्रव का निरोध करना, कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma; stopping the door of the inflow of Karma पन्ना० ५, ४७; —दार न० (–द्वार) આશ્રવ-પાપ આવવાના દ્વાર, દરવાજા. आश्रव—पाप आनेका—द्वार. a gate through which Karma enters. "पंच आसव दारा प० तं० मिच्छत्तं अविरई पमाया कसाया जोगा" ठा० ५, २; सम० ५, भग० १, ६, ३, ३, —सत्ति. त्रि० (–सक्तिन्-आश्रवा हिंसादयस्तेषु सक्त सङ्ग आश्रवसक्तं तद्विद्यते यस्य,स आश्रवसक्ती) આશ્રવનો સંગ કરનાર. आश्रव का संग करने वाला (one) attached to practices like killing etc which cause an inflow of Karma. आया० १, ५, ११४४;

आसवबहुल पुं० (आश्रवबहुल) અતિશય આશ્રવ; કર્મની ઘણી આવક. अतिशय आश्रव. कर्मों का बहुत आना Excessive inflow of Karma. भग० १३, ८,

*आसवर पुं० (अश्ववार) અસ્વાર, ઘોડેસ્વાર सवार. A horseman "अहं आसा आसवरा उवओयालि खाया" भग० ६, ३३,

आसवार पुं० (अश्ववार-अश्वं वारयतीति) અસ્વાર, અશ્વ રોકી, घोड़े को रोकने वाला, घुड़सवार A horseman सु० च० १५, ४३;

आससा स्त्री० (आशंसा) ઇચ્છા-આકાંક્ષા, આશા आकांक्षा, आशा, चाह Desire, hope; wish "तहेव खिमेतुं आससाए" उत्त० १२, १२, विशे० १५१६;

आसलेण पुं० (अश्वसेन) કાશીના રાજાનું નામ काशी के राजा का नाम Name of a king of Benares. कप्प० ६, १५०; (२) ચાલુ અવસર્પિણીના ચોથા ચક્રવર્તીના પિતા वर्तमान अवसर्पिणी काल के चौथे चक्रवर्ती का पिता. name of the father of the fourth Chakravarti of the present Avasarpiṇi. सम० प० २३४; (३) २३ मा तीर्थंकर पार्श्वनाथना पितानुं नाम. २३ वें

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tirthaṅkara. सम० प० २३०;

आसा स्त्री० (आशा) આશા, ઇચ્છા, અભિલાષા, આકાંક્ષા आशा, अभिलाषा; आकांक्षा Hope, desire, wish. निसी० ११, २८ ज० प० २, २२, तंडु० ओव० २१; उत्त० १२, ७, ३२, २७, सम० ६; दस० ६, ३, ६, (२) ભોગની આકાંક્ષા भोग की आकांक्षा. desire of enjoyments. आया० १, २, ४, ८४;

आसाअ-य पु० (आस्वाद) સ્વાદ, રસ स्वाद, रस, Taste, relish जीवा० ३, ३, ज० प० २, २२; आया० १, ५, ३, १५५, नाया० ७, १७, पन्न० १७, दस० ५, १, ७८,

आसाइय त्रि० (आसादित) પ્રાપ્ત થયેલ प्राप्त Got, acquired. नाया० १२, उवा० ३, १८०;

आसाढ. पु० (आषाढ) અષાડ મહિનો आषाढ मास The month of Āṣāḍha, " आषाढ पुण्णिमाएण उक्कोसपए " भग० ११, ११; १८, १०, ओघ० नि० ९८३; उत्त० २६, १३, सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १५१, पंचा० ६, ३४, (२) તૃણ વિશેષ. तृण विशेष. a kind of grass. भग० २१, ६, (३) આષાઢાચાર્ય નામના ત્રીજા નિન્હવ કે જેણે દરેક વસ્તુ અવ્યક્ત સંદિગ્ધ છે, કોનામાં સાધુતા છે અને કોનામાં નહિ તેનો નિશ્ચય આપણે કરી શકીએ નહિ માટે કોઇને પગે લાગવું નહિ એમ સ્થાપન કર્યું. आषाढाचार्य नामक एक निन्हव जिन्होंने यह मत स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है और किसमें नहीं इसका निश्चय मनुष्य नहीं कर सकता अतः किसीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Ninhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic ठा० ७, १, विसे० ३३०१; (ढा)—आयरिय पुं० (-आचार्य) આષાઢ નામના ત્રિજા નિન્હવ આચાર્ય. आषाढ नामक तीसरे निन्हव आचार्य. the third Ninhava preceptor so named ओव० —पाडिवया स्त्री० (-प्रतिपत्) શાસ્ત્રીય શ્રાવણ વદ ૧ પડવો. शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvaṇa according to scriptures ठा० ४; —पुण्णिमा. स्त्री० (-पूर्णिमा) અષાઢ સુદિ પુનમ, અસાડ મહિનાની પૂર્ણિમા. आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āsādha. भग० ११, ११; —बहुल पु० न० (-बहुल) આષાઢ માસનો કૃષ્ણપક્ષ. आषाढ मास का कृष्ण पक्ष the dark-half of the month of Āṣāḍha. कप्प० ७, २०६, —सुद्ध. पु० (शुक्ल) આષાઢ માસનો શુકલ પક્ષ आषाढ मास का शुक्ल पक्ष the bright-half of the month of Āsādha. कप्प० १, २,

आसाढभूइ पुं० (आषाढभूति) જુઓ " असाढभूइ " શબ્દ. देखो "असाढभूइ " शब्द. Vide " असाढभूइ " पिं० नि० ४१४;

आसाढा. स्त्री० (आषाढा) એ નામનું નક્ષત્ર; પૂર્વાષાઢા અને ઉત્તરાષાઢા. इस नाम का

नक्षत्र; पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा. Name of the constellations Pūrvāṣāḍhā and Uttarāṣāḍhā. "दो आसाढा" ठा० २; जं० प० ७, १५१,

आसाढी स्त्री० (आषाढी) આષાઢ માસની પૂર્ણિમા. आषाढ मास की पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āṣāḍha. ज० प० ७, १६१, —**पाडिवश्र.** पुं० (-प्रतिपत्) શાસ્ત્રીય શ્રાવણ વદ એકમ અને લૌકિક આષાઢ વદ એકમ शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा the first day of the dark half of Śrāvana according to scriptures and the first day of the dark half of Āṣāḍha according to mere calculation. निसी० १६, १३,

आसादण न० (आसादन) મેળવવું; ગ્રહણ કરવું प्राप्त करना, ग्रहण करना Getting, obtaining, taking नाया० ६,

आसादणता. स्त्री० (आशातना) અવિનય, આશાતના अविनय; अपमान Irreverence; immodesty. भग० १८, ७,

आसादिय त्रि० (आसादित) પ્રાપ્ત કરેલ प्राप्त किया हुआ. Got or acquired "इमे वयसडे आसादिए" भग० १५, १,

आसायण. न० (आस्वादन) આસ્વાદન, રસ લેવો તે. आस्वादन; रस लेना; चखना Tasting; relishing "थोवमासायणट्ठाए हत्थगंमि-दवाहिमे" दस० ५, १, ७८;

आसायण. न० (आसादन) ગ્રહણ કરવું, મેળવવું. ग्रहण करना; प्राप्त करना. Getting; acquiring. नाया० ६,

आसायणा. स्त्री० (आशातना) આશાતના, વિનય મર્યાદાનું ઉલ્લંઘન. आशातना; विनय मर्यादा का उल्लंघन; गुरु के प्रति किया जाने योग्य विनय में न्यूनता करना. Irreverence to a preceptor etc. आव० २४; दसा० २, ६; ३ ३४; निसी० ११, १२; दस० ६, १, २; ६, उत्त० ११, १७; सम० ३३; भग० ३, १; पंचा० ६, ४८; प्रव० ८; —**परिहार** पुं० (-परिहार) આશાતનાનો પરિહાર ત્યાગ. आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśātanā. प्रव० ६४५,

आसायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) સ્વાદ લેવા યોગ્ય, ચાખવા યોગ્ય. स्वाद लेने योग्य; चखने योग्य. Worth being tasted or relished जं० प० पन्न० १७; नाया० १२;

आसालय न० (आशालय) જેના ઉપર સુખશકાય કે બેસાને આરામ લઈ શકાય તેવું એક આસન जैसा आसन जिसपर सो सके या बैठकर आराम किया जा सके. A seat on which one can sleep or sit comfortably. "आसंदी पलियंकेसु" "अयमासालयएसु वा" दस० ६, ५४,

आसालिया स्त्री० (आशालिका) એ નામનો એક સર્પ કે જે પંદર કર્મભૂમિમા ચક્રવર્તિની સેના નીચે પૃથ્વીમા સમૂર્છિમપણે અન્તર્મુહૂર્તને આઉખે ઉત્પન્ન થાય છે, તેના શરીરની ઉત્કૃષ્ટી ૧૨ જોજનની અવગાહના હોય છે. ચક્રવર્તિની સેનાના વિનાશ થવાનો હોય ત્યારેજ તેની ઉત્પત્તિ થાય છે અને આખી સેનાનો તેથી અન્તર્મુહૂર્તમા નાશ થાય છે, એટલે તે સર્પ મોટી ખાઇ જાય છે તેથી ૧૨ જોજનનો ખાડો પડતા તેમા સેના દટાણુ પટણુ થઇ નાશ પામે છે. इस जाति का एक सर्प जोकि पन्द्रह कर्मभूमि में चक्रवर्ति की सेना के नीचे पृथ्वी में संमूर्छिम रूप में (अ गद्द रीति से) अन्तर्मुहूर्त की आयुष्य

आरम्भ कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण संपूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्यो कि वह १२ योजन मिट्टी खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बड़ा खड्डा पड जाता है जिसमें सेना गिरपडकर नाश को प्राप्त होजाता है A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles It is born under the ground occupied by the army of a Chakravartī of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed "सेकिंतं आसालिया ? कहिणं भंते ! आसालिया समुद्दाति" जीवा० १ पन्न० १;

आसाविणी स्त्री० (आस्राविणी) छिद्रवाळी नावा; जेमा पाणि आवे एवी नाव छिद्र-वाली नावा, जिसमे पानी आवे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it "जहा आसाविणिं नावं जाइ अन्धो दुरूहिया" सूय० १, ११, ३०;

आसास पुं० (आश्वास) आश्वासन आश्वासन Taking rest; removal of fatigue. ओघ० नि० ७३; पराह० २, ५; (२) विश्रामनुं स्थान, थाक लेवानी जग्या विश्राम का स्थान. a resting-place ठा० ४, ३;

आसासण पुं० (आश्वासन) अश्वासन नामनो ग्रह अश्वासन नामक ग्रह. A planet so named ठा० २, ३;

आसासणया. स्त्री० (आश्वासना) आशीर्वाद. आशीर्वाद Blessing words of blessings भग० १२, ५,

आसासिय त्रि० (आश्वासित) आश्वासन आपेल, विश्राम लीधेल. आश्वासन दिया हुआ, विश्राम लिया हुआ (One) who has rested himself, (one) who has removed his fatigue नाया० १, भग० ९, ३३,

आसि स्त्री० (आशिस्) दाढ. दाढ A jaw पन्न० १, प्रव० १५१५,

आसि-सी त्रि० (आसीत्) अस धातुना भूत कालनुं रूप हतो-ती-तुं अस धातु के भूतकाल का रूप था-थी थे He-she-it was सु० च० १ १२५ ३, ११५, विशे० १२६१, पिं० नि० १६१ नाया० ६, ११, १४, भग० २, १, ३, १; सूय० १, ६, २ २, ६, १, उवा० ६, १६७, पचा० १६, १०

आसित्त त्रि० (आसिक्त) थोडुं छांटेलुं, छंटकाव करेल थोडा सींचा हुआ छिटकाव किया हुआ Sprinkled slightly पगह० २, ३ नाया० १, जीवा० ३, ४; आव० ४६

आसिसिआ स्त्री० (आसिसिका) एक खाद्य पदार्थ एक खाद्य पदार्थ. Name of an article of food "सियाहारिं आसि-सियाओ भोच्चा कज्ज साधेति" सू० प० १०;

आसिसिद्धि अ० (आसिद्धि) सिद्धिपर्यन्त. सिद्धि पर्यन्त Up to, as far as Sid-

dhahood; up to the attainment of final goal. भग० ७१;

आसिय. त्रि० (आश्रित) આશ્રય પામેલ आश्रय प्राप्त. Resorted to, resting on, dependent on ठा० ६,

आसिय त्रि० (आसिक्त) જુઓ " आसित " શબ્દ देखो " आसित " शब्द Vide " आसित " दसा० १०, १; राय० १८०; नाया० ३, ८; १६, भग० ६, ३३,

आसियावाय पुं० (आशीर्वाद) આશીર્વાદ, આશીષ વચન. आशीर्वाद, आशीर्वचन. Blessings, words of blessings. सूय० १, १४, १६,

आसिल, पु० (आसील) એ નામના એક અન્ય તીર્થી પ્રાચીન ઋષિ इस नाम के एक अन्य धर्मानुयायी ऋषि Name of a non-Jaina ascetic. सूय० १, ३, ४; ३

आसी. स्त्री० (आशी-आशिस्) સર્પની દાઢ सर्प की दाढ A jaw of a serpent, a serpent's fang. ठा० ४; —विस पु (-विष) જેની દાઢમાં ઝેર રહેલું છે તેવો સર્પ जिसकी दाढ में विष है वह सर्प a serpent (with venom in the fangs) विशे० ७८०; भग० ८, १, दस० ६, १, ५, पराह० ०, १, उत्त० ६, ६३, तडु० दसा० ६, ३२ जावा० १, (२) સીતોદા નદીને પશ્ચિમ કિનારે શંખ વિજયની પશ્ચિમ સરહદ પરનો વખારા પર્વત सातोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय की पश्चिम सामा प्रान्त पर का वखारा पर्वत name of a Vakhārā mountain on the western boundary of Śaṅkha Vijaya on the western bank of the river Sitodā. ठा० ८, १; जं० प०

आसीण त्रि० (आसीन) બેઠેલ; આશ્રય કરેલ. बैठा हुआ. आश्रय किया हुआ. Sat; seated, resorted to. आया० १, ८, ७, १७, पराह० २, १; ,

आसीविसत्त. न० (आशीविषत्व) ઇષ્ટ અનિષ્ટ કરવાનુ સામર્થ્ય. इष्ट अनिष्ट करने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil भग० १५, १; ठा० ४,

आसीविसत्ता स्त्री० (आशीर्विषता) આશીર્વિષપણું, અતિ ઝેરી સર્પનો ભાવ आशीर्विषता; अति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent भग० १६, १.

आसीविसभावणा. स्त्री० (आशीविष भावना) આશી વિષત્વ ઇષ્ટાનિષ્ટ કરવાના સામર્થ્ય સંબંધી હકીકત જેમા બતાવેલ છે તે એક અગબાહ્ય એક કાલિક સૂત્ર-કે જે ચૌદ વર્ષ ઉપરાંતની દીક્ષા-પ્રવજ્યાવાળાને વાચવા દેવાનો અધિકાર છે. તે સૂત્ર હમણાં વિદ્યમાન નથી, વિચ્છેદ થઇ ગયેલ છે. जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंगो से पृथक् कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीक्षित साधु को पढने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्यमान नहीं है. इसका विच्छेद हो गया है Name of an Anga Bāhya Kalika Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities.) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days वव० १०, २३, २२,

आसीविसा. स्त्री० (आशीविषा) સીતોદા મહાનદીને જમણે કાંઠે આવેલી આશીવિષા નામની નગરી. सीतोदा महानदी के दाहिने किनारे पर की आशीविषा नाम की नगरी. Name of a town on the right bank of the great river Sitodā ठा० २, ३,

आसु अ० (आशु) જલ્દી; શીઘ્ર. એકદમ शीघ्र; तुरत, जल्दी. Quickly, at once सूय० १, ४, १, २७, दस० ८, ४८,

आसुकार त्रि० (आशुकार-करण-कार-श्वविताकरणं, आशु-शीघ्र कार आशु कार) જેથી તત્કાલ મરણ નિપજે તે, મરણનો અવસર લાવનાર સર્પદંશ વિસૂચિકા વગેરે शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला, सर्पदंश, विसूचिका आदि. Producing, causing death quickly or instantaneously, e.g serpent-bite आउ० ६,

आसुचर. त्रि० (आशुचर) શીઘ્ર ચાલનાર जल्दी जल्दी चलने वाला Walking fast; moving fast. विशे० २४२८,

आसुपन्न. त्रि० (आशुप्रज्ञ-आशु शीघ्र कार्याकार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स आशुप्रज्ञ) તીવ્ર બુદ્ધિવાલો, ઉત્પાતકી બુદ્ધિમાન્ तीव्र बुद्धिवाला, उत्पातकी बुद्धिमान् Quick-witted, sharp-witted आया० १, ७, १, २००, सूय० १, १४, ४,

आसुर न० (आसुर) આસુરી ભાવના, જેથી અસુરયોનિમા થવા યોગ્ય કર્મ બંધાય તેવી ભાવના. आसुरी भावना, ऐसी भावना जिससे आसुर योनि में उत्पन्न होना पडे ऐसे कर्मों का बन्धन हो Meditation which causes birth among demons or as a demon. ठा० ४, ४. (२) અસુર સંબંધી; ભવનપતિ અને વ્યંતર સંબંધી. असुरसंबंधी, भवनपति और व्यन्तर संबंधी. pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. सूय० १, १, ३, १६, उत्त० ३, ३; ८, १४; प्रव० ८५६,

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) આસુર પણું. आसुरी भाव, असुराई State of being a demon; devilry ठा० ४;

आसुरत्त त्रि० (आसुरक्त) ક્રોધથી લાલચોલ થયેલ जो क्रोध से लाल हो गया हो वह Red-hot with anger. निर० १, १. नाया० १, ७, ८, ६; १६, दस० ८, २५, उवा० २, ६५;

आसुरत्त न० (आसुरत्व) આસુરી ભાવના; અસુરદેવતામા ઉત્પન્ન થવું પડે તેવી ભાવના आसुरी भावना, असुरदेवों में जिस भावना से उत्पन्न होना पड़े वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation उत्त० ३६, २५४;

आसुरा स्त्री० (आसुरी—असुरा भवनपतिदेवविशेषास्तेषामियमासुरी) જેનાથી અસુર યોનિમા ઉત્પન્ન થવાય એવી ભાવના. जिससे असुर योनि में उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना A meditation which causes birth among infernal beings. " चउहिं ठाणेहि आसुरत्ताए कम्मं पकरेंति " ठा० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) અસુરસંબંધી. असुरसंबन्धी Pertaining to infernal beings. " आसुरियं दिसं बाला गच्छंति अवसातमं " उत्त० ७, १०, दसा० १०, ७, (२) (असुरवत्क्रोधनेन चरतीति आसुरिक) પૂર્વભવમાં તીવ્ર ક્રોધ કરવાથી અસુરપણે ઉત્પન્ન થનાર. पूर्वभव में तीव्र क्रोध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth. आउ०

आसुरिय. न० (आसुर्य) અસુરપણું. असुरपन; असुराई State of being a denizen of the infernal world, devilry. दसा० १०, ७,

आसुरी. स्त्री० (आसुरी) અસુરપણે ઉપજવા યોગ્ય ભાવના, સાધુ થઈને કજીઆ કરે, સકામ તપ કરે, નિમિત્ત પ્રકાશે, નિર્દયપણું કરે તે जिससे असुर योनी म उत्पन्न होना पडे एसी भावना, साधु होकर झगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, और निर्दयता रखना आदि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc प्रव० ६४८;

आसुरुत्त. त्रि० (आशुरुष्ट—आशु शीघ्र रुष्टः क्रोधेन विमोहितः स) જલદી ક્રોધાયમાન થનાર शीघ्रतासे क्रोधित होनेवाला (One) getting quickly exasperated विवा० ४, ३, भग० ३, १, २, ७ ६, १४, १, नाया० २, १६, ज० प० ३, ४५,

आसुहम्म. न० (आसौधर्म्म) સૌધર્મ દેવલોક સુધી सौधर्म देवलोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Saudharma. क० गं० ५, ७२,

आसुहुम न० (आसूक्ष्म) આ સૂક્ષ્મ સંપરાય —મિથ્યાત્વ-ગુણઠાણાથી માંડીને દશમા સૂક્ષ્મ સંપરાય ગુણઠાણા સુધી आसूक्ष्मसंपराय-मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर दसवें सूक्ष्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Gunasthāna named Mithyātva (i e first) and ending with that named Sūkṣmasamparāya (i e 10th). क० गं० ४, ६३.

आसुत्ति न० (आशुक्ति) ઘૃતપાનાદિક બલિષ્ટ ઔષધ-કે જેથી માણસ બલવાન્ થાય. घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो A tonic remedy e g taking ghee etc by which one becomes strong सूय० १, ६, १५,

आसूय न० (*) કોઇ દેવને માનતા માનવામાં આવે તે किसी देव की मानता मानना Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass पिं०नि०४०४,

√ आसेव धा० I (आ+सेव) સેવન કરવું सेवन करना To practise, to adopt, to take to

आसेविउ हे० कृ० नाया० १७;

आसेवित्ता सं० कृ० आया० १, ३, २, ११४;

आसेवमाण व० कृ० नाया० १७,

आसेवण. न० (आसेवन) સેવવું તે सेवन करना Resorting to, taking to, waiting upon पंचा० ७, ३१;

आसेवणा स्त्री० (आसेवना) સંયમમાં અતિચાર-દોષ લગાડવા તે संयम में अतिचार–दोष लगाना. Partial violation of ascetic vows. प्रव० ७२२; (२)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) page 15th.

सूत्रनुं अनुष्ठान करवुं ते सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras सूय० नि० १, १४, ११९, (२) आरोपणु करवु-आरोपवुं आरोपण करना, आरोप करना adding to, charging with. सम० २८,

—कुशील. पुं० (-कुशील) संयममां अतिचार लगाडवाथी कुशील थयेल. संयम में अतिचार लगाने से जो कुशील हुआ हो वह one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रव० ७१२,

आसेवासोय-अ. पुं० (आसेवासोचक) पुन, पुन पापकर्नी प्रायश्चित्त लेनार (साधु). बारबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विशे० ८६८,

आसेविय. त्रि० (आसेवित) आ-थोडुं सेवित-सेवेल, थोडो स्वाद लीधेल-चाखेल. कुछ स्वाद लिया हुआ-चखा हुआ, कुछ सेवन किया हुआ Slightly resorted to; slightly tasted आया० १, १, १६; नाया० ८,

आसोअ पु० (अश्वयुज्) आसोमास आश्विन मास. The month of Āśvina सम० ३६; जं० प० ओघ० नि० २८२, भग० ११, ११, १८, १०, कप्प० २, ३०, ६, १४४;

आसोई. स्त्री० (आश्वयुजी-अश्वयुगाश्विनी-तद्युक्ता सम्राडश्वयुजी) आसो सुद पुनम आश्विन सुदी १५ पूर्णिमा The full-moon-day of the month of Āśvina जं० प० ७, १६१,

आसोग पुं० न० (आशोक-अशोकस्येदमा-शोकम्) अशोक वृक्षनुं फूल अशोक वृक्ष का फूल. A flower of the Aśoka tree नाया० ८,

आसोत्थ. पु० (अश्वत्थ) पीपळो पीपळानुं झाड. पीपल का झाड The holy fig-tree आया० २, १, ८, ४४,

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न० १,

√**आ-स्सय.** धा० I (आ+श्रि) आश्रय करवो आश्रय करना To rest upon; to resort to

आसयइ दसा० ६, २७,

आसयति भग० १३, ६,

आसयंति नाया० १७, जं० प० १, ६, १२;

आसयंहि नाया० ७०

आसयइ राय० २५७;

आसयंत विशे० ३२२;

√**आ-स्सय** धा० I (आ+स्वद्) स्वाद लेवो, स्वाद लेना To taste, to relish (२) अभिलाषा करवी. अभिलाषा करना. to desire.

आसयइ सम० ३०,

√**आ-स्सस** धा० II (आ+श्वस्) थाक उतारवाने विश्रान्ति लेवी थकावट उतारने के लिये विश्रांति लेना To take rest in order to remove fatigue.

आसासेइ- नाया० १६,

आसासंति नाया० ६;

आसासि. भू० "एवमासासि अप्पाणं" उत्त० २, ४१;

√**आ-स्साय.** धा० I,II (आ+स्वद्) आस्वादन करवुं स्वाद लेना, चखना. To taste; to relish. (२) चहावुं; इच्छवुं चाहना, इच्छा करना to wish,

to desire. (३) प्राप्त કરવું. प्राप्त करना. to acquire; to gain

आसाएति. उत्त० २६, ३३; ठा० २, २; नाया० ६; १२; १६; १८, विवा० ७,
आस्साएति पन्न० १५,
आसादेइ नाया० १२,
आसादेन्ति भग० १५, १,
आसायन्ति पन्न० २८;
आसाएमि नाया० ६;
आसाएमो नाया० १८;
आसाएहि आया० १, ५, ३, १५५,
आसादेस्सामो. भग० १५, १;
आस्सादेस्सामो भग० १५, १,
आसादेत्ता सं० कृ० ठा० ७,
आसाइत्ता सं० कृ० नाया० ६,
आसित्ता आया० २, १, ३, १४,
आसाएमाण नाया० १;

आस्सादिय त्रि० (आसादित) જુઓ " आसादिय " શબ્દ देखो " आसादिय " शब्द. Vide " आसादिय " भग० १५, १,

आस्सायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) સ્વાદ લેવા યોગ્ય स्वाद लेने योग्य Worth being tasted. दसा० १०, ५,

आस्साविणी स्त्री० (आस्राविणी) જેમાંથી સંગ્રહ કરનાર, જેમાં પાણી આવ્યુ આવે તે (નાવ) जिस में पानी आता हो वह नाव. जल का संग्रह करनेवाली. (A ship) having a leak in it. उत्त० २३, ७०,

आहच्च अ० (आहत्य) કદાચ; કદાચિત્ कदाचित् Perhaps उत्त० १, ११, " आहच्च सवणं लद्धुं " ३, ६, वेय० ४, ११; आया० १, १, ४, ३७; १, १, १, १; भग० १, २; ७; ६, १०; ७, ६; १८, ७, कप्प० २, २३;४, १०; ११;

आहट्टु. अ० (आहृत्य) લાવીને; આણીને लाकर Having brought. आया० १, ५, २, १०४, २, १, १, १,

आहट्टु. सं० कृ० अ० (आहृत्य) સ્વીકાર કરીને. स्वीकार करके Having accepted. आया० १, २, ४, ८४, (२) લાવીને; આણીને. लाकर. having brought. आया० ६, ७, २, २०२, सम० २१, निसी० ३, ५, ११, ८, १४, १५, ४१, १७, २८; १८, २; १६, १; दसा० २, ७;

आहड. अ० (आहृत) આણેલુ, લાવેલુ. लाया हुआ Brought, carried दस० ५, १, ६६, ६, ४६; ओघ० नि० भा० २३६, राय० २७४, पण्ह० २, ५, पचा० १, १४,

आहडिया स्त्री० (*आहृतिका) બહારથી આવેલી લાણી बाहिरसे आई हुई लाहिन, परोसना. Food received from outside as a present वेय० १. ४४, २, १६,

आहत. त्रि० (आहत) એક ઠેકાણેથી બીજે ઠેકાણે આણેલું एक स्थान से दूसर स्थान में लाया हुआ. Brought or carried from one place to another. प्रव० ८५०,

आहत्तहिअ न० (याथातथ्य) યથાતથ્ય; જેમ એ તેવું जैसा का तैसा; जैसा चाहिये वैसा. Real, actual condition. सम० २३; (२) યથાર્થ ઉપદેશનું સ્વરૂપ; સત્ય, વાસ્તવિક સ્વરૂપ. यथार्थ उपदेश का स्वरूप, सत्य; वास्तविक. स्वरूप truth; real nature, e g. of religious teaching सूय० १, १३, ७; (३) સુયગડાંગના ૧૩ મા અધ્યયનનું નામ જેમાં યથાર્થ ઉપદેશનું સ્વરૂપ બતાવ્યું છે सूयगडांग के १३ वें अध्याय का नाम जिस में कि यथार्थ उपदेश के स्वरूप का वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagadānga in which the real nature of religious teaching is shown सूय० १, १३, २३.

आहमंत व० कृ० त्रि० (आधमत) ધમતો ધમણ ધમતો धौंकता हुआ, धम्मन धौंकता हुआ. Blowing, blowing a furnace with bellows राय० ८, ८,

आहम्मिअपय न० (अधार्मिकपद) અધાર્મિક પદ; ધર્મ વિરુદ્ધ પદ अधार्मिक पद धर्म विरुद्ध पद An irreligious step सूय० ८, ३१,

आहय त्रि० (आहत) હણેલું मारा हुआ Killed (२) વગાડેલ વગાડેલું पीटा हुआ, बजाया हुआ played upon, beaten e g a musical instrument. आव० ३२, पन्न० २, पग्ह० १, ३; उवा० ७, २००, विवा० १, कप्प० ३, ४०; ४३ (३) ઢોલ ढोल a drum आया० २, ११, १०, (३) પ્રેરણા કરેલ प्रेरित inspired, hinted at, moved राय०

आहया स्त्री० (आहता) દુંદુભિ दुदुभी A kind of large kettle-drum. a drum भग० १४, १,

आहर धा० I, II (आ+हृ) ખાવું खाना. To eat (२) ગ્રહણ કરવું, સ્વીકારવું ग्रहण करना to take, to accept (३) આણવું, લાવવું लाना to bring

आहारेइ-ति प्रे० निसी० ४, १७, ठा० २, २, नाया० २, ८, ६, १४, १६, १८, भग० १, ७, ३, २; ७, १, अंत० ३, ८, राय० २४०;

आहरेइ ओघ० ४०;

आहारं-रें-ति भग० ६, १०; ७, ३, ८, ५, १४, ६, १४, ६, १८, ३, १६, ३, नाया० ४, पन्न० १५,

आहारेंसि नाया० १६,

आहारेंस पन्न० ११,

आहारेमो नाया० १८,

आहारिज्जा वि० उत्त० २, ३१,

आहारेज-ज्जा सूय० १, १, २, २८; भग० ६, ४ २०, ६,

आहारे दस० ५, १, २७,

आ हर धा० I,II (आ+हृ) એકઠું કરવું, इकठ्ठा करना. To collect.

आहरिय स० कृ० नाया० ३, ज० प० ३, ५५, राय० २६,

आहार आज्ञा० निसी० ९, ५,

आहारेहि आज्ञा० नाया० १६,

आहराहि दस० २, ३१, भग० १५, १; सूय० १, ४, २, ४;

आहारेह आज्ञा० नाया० १५, १६, १८,

आहारेत्तए हे० कृ० नाया १६,

आहारित्तए ओव० ३८, वेय० १, १६; कप्प० ४, ४३, भग० १, ७, ३, १; नाया० १६,

आहरित्तए नाया० १८;

आहारेइत्ता. स० कृ० नाया० ४, ६, १६,

आहारित्ता भग० २०, ६,

आहारेमाण व० कृ० नाया० १; भग० ११, ११, २५, ७, वेव० ५, ६, दसा० ३, १६, १६,

आहारमाण क० वा० व० कृ० ओघ० १६; भग० ७, १,

आहरंत दस० ५, १, २८,

आहारिज्जमाण. क० वा० व०, कृ० भग० १, १, ठा० १०,

आहरिज्जमाण ठा० १,

आहरण. न० (आभरण) ઘરેણું; દાગીનો; આભૂષણ. गहना, आभूषण. An ornament ओव० २४; सु० च० १, ३१८; प्रश्न० १२३५, —विहि. पुं० (-विधि)

घरेणां બનાવવા તથા પ્હેરવાનો વિધિ રીતિ आभरण बनाने तथा पहनने की विधि the art or process of making or fashioning ornaments and also of putting them on प्रव॰ १२३४,

आहरण न॰ (उदाहरण—उदाह्रियते प्राबल्येन गृह्यतेऽनेनदार्ष्टान्तिकोऽर्थ इत्युदाहरणम्) દૃષ્ટાંત, ઉદાહરણ दृष्टांत, उदाहरण An illustration. पिं॰ नि॰ ६२६ ठा॰ ४, ३, —**तद्देस** पु॰ (तद्देश) એકદેશી દૃષ્ટાંત एकदशी दृष्टान्त एक अंश में घटित होनेवाला दृष्टान्त a one sided illustration i e one not fully applicable ठा॰ ४, ३ —**तद्दोस** पु॰ (-तद्दोष) સદોષ દૃષ્ટાંત सदोष दृष्टान्त faulty illustration ' आहरणतद्दोसे चउव्विहे पण्णत्ते तंजहा अधम्म जुत्ते ' ठा॰ ४ ३,

आहवण पु॰ (आह्वान) બોલાવવું बुलाना Calling, inviting सु॰ च॰ ३ ११२ पंचा॰ २, १२,

आहव्व त्रि॰ (आभाव्य) क्षेत्र, શિષ્ય ભાત, પાણી વસ્ત્ર, પાત્ર વગેરે क्षेत्र, शिष्य भात पानी, वस्त्र, पात्र आदि Such things as, a field, food, water, clothes, vessels etc , also a disciple etc पंचा॰ ११, २६,

आहव्वणी स्त्री॰ (आथर्वणी) તાત્કાલિક અનર્થ કરનાર એક વિદ્યા तात्कालिक अनर्थ करनेवाली एक विद्या An art (enabling a person) to work instantaneous disaster or mischief सूय॰ २, २, २७,

आहव्वाय न॰ (अथावाद) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો १०મો ભેદ विच्छेद हो चुके हुए बारहवे दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग-सूत्र का १०वाँ भेद The 10th section of the 2nd part of the lost 12th Dristivāda Anga नंदा॰ ५६

आहाकड त्रि॰ (आधाकृत) ખાસ સાધુને માટે નિપજાવેલ આહારાદિ खास साधुके लिये बनाया हुआ आहारादि (Food etc) prepared specially for a Sadhu सूय॰ १ १० ६ पण्ह॰ २, ३

आहाकम्म न॰ (आधाकर्मन्) આધાકર્મ આહાર વગેરે आधाकर्म आहार वगेरह Food etc specially prepared for an ascetic उत्त॰ ३ ३ पिं॰ नि॰ ६०, १०७ सम॰ २१ भग॰ १, ६ ५ ६, ७, ८, पंचा॰ १३ ५ प्रव॰ ५७१, दसा॰ २, ४, ५, ५ निसी॰ १० ६

आहाकम्म न॰ (*) પોતાના જેવા કર્મ હોય તે પ્રમાણે સ્વકૃત કર્માનુસાર अपने किये हुए कर्म के अनुसार In accordance with one's own Karma. उत्त॰ ५, १३,

आहाकम्मिय त्रि॰ (आधाकर्मिक) સાધુના માટે બનાવેલ આહાર साधु के लिये तैयार किया हुआ आहार Food prepared specially for an ascetic नाया॰ १ भग॰ ६ ३३ आव॰

आहाच्छंद त्रि॰ (यथाच्छन्द) પોતાની મરજી મુજબ વર્તનાર સ્વચ્છંદાચારી अपनी इच्छा अनुसार बर्ताव करनेवाला, स्वच्छंदी Self-willed निर॰ ३ ४,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

kritis, (Karmic natures) viz Āhāraka Śarīra, Āhāraka Aṅgopāṅga, Devatāyus, Narakagati, Narakāyuṣ, and Narakānupūrvī. क० गं० ३, १४, —आह. स्त्री० (जाति) આહારના પ્રકાર, જુદી જુદી જાતના ખોરાકનો જથ્થો. आहार के भेद, भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह. varieties of food, collection of foods of various kinds. पंचा० ५, २१, —जाय न० (-जात) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. vide above पंचा० १, २६, —जुगल न० (-युगल) આહારક શરીર અને આહારક અંગોપાંગ એ બે પ્રકૃતિ आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग ये दो प्रकृतियां the two Prakritis viz Āharaka Śarīra and Āhāraka Aṅgopāṅga क० गं० ३, १७, —(ऽ)ट्ठि त्रि० (-अर्थिन्) ભોજનનો અર્થી भोजन का अर्थी (one) desirous of, asking for, food भग० १, १, —तित्थयर पुं० (-तीर्थंकर) આહારક શરીર અને તીર્થંકરનામ એ બે પ્રકૃતિ आहारक शरीर और तीर्थंकरनाम ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis viz Āhāraka Śarīra and Tīrthankaranāma. " उक्कोसा संखेज्जा-गुणहीणा आहारतित्थयरे " क० प० १, ७८, —(ऽ)त्थि त्रि० (-अर्थिन्) આહારનો અર્થી-આહનાર. आहारका अर्थी, आहार चाहने वाला (one) who desires, wants, food. नाया० ४; —दव्ववग्गणा स्त्री० (द्रव्यवर्गणा) આહારક શરીરમાં ઉપયોગી થાય તેવા પુદ્ગલનો સમુહ. आहारक शरीरमें उपयोगी होसके ऐसे पुद्गलों का समुह. the material molecules which go to build up the Āhāraka body. भग० १, १; —जु. न० (-द्वि) જુઓ " आहार-जुगल " શબ્દ देखो " आहार-जुगल " शब्द vide " आहार-जुगल " क० गं० ३, ३, —दुग. न० (-द्विक) જુઓ " आहार-जुगल " શબ્દ देखो " आहार-जुगल " शब्द vide " आहार-जुगल " क० प० १, ७३, क० गं० २, ३, ३, १६; —पच्चक्खाण न० (-प्रत्याख्यान) આહાર--ખાન પાનનો ત્યાગ; ઉપવાસ સથારો વગેરે. आहार-खान पान का त्याग, उपवास, सथारा आदि. giving up food, drink etc ; a fast " आहारपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ " उत्त० २६, ३५; —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) જે શક્તિથી આહાર લઈને શરીર રૂપે પરિણામ પમાડી શકાય તે શક્તિની પૂર્ણતા. जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसको शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी पूर्णता the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १, ६, ४, प्रव० १३३१; —पोसह. पुं० (-पोषध) એક અહોરાત્ર સુધી ચારે આહારનો ત્યાગ કરવો તે एक अहोरात्र तक चारो प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा० १०, १४, —(ऽ)ब्भवहार. पु० (-अभ्यवहार) આહાર (ભોજન) કરવો; ખાવું તે. आहार (भोजन) करना; खाना. taking food; eating. विशे० २२१; —भाव पुं० (-भाव) આહારનો ભાવ आहार का भाव state of being food. भग० १८, १; —[illegible]

(-आहिक) ચાર જાતના આહાર; આહાર આદિ. चार प्रकार का आहार. food etc., food of four kinds viz solid, liquid etc दस० ८, २८, —वक्कंति. स्त्री० (-व्युत्क्रान्ति) આહારને છોડી દેવો-તજવો તે. आहार का त्याग करना giving up food नाया० ८; —संपज्जण. न० (-संपत्ति) આહારની સંપત્-રસને ઉત્પન્ન કરનાર, મીઠું, લવણ आहार के रस को उत्पन्न करनेवाला, नमक salt, (so called because it imparts taste to food) "आहार संपज्जणं वज्जयंता" सूय० १, ७, १२, —सरणा स्त्री० (-संज्ञा) આહાર લેવાની સંજ્ઞા-ઇચ્છા. आहार लेनेकी संज्ञा-इच्छा desire of taking food "चउहिं ठाणेहिं आहारसरणा समुप्पज्जइ" ठा० ४, ४, पन्न० ८, भग० ७, ८, १२, ५, २०, ७, २४, १; —सरणोवउत्त त्रि० (-संज्ञोपयुक्त) આહારની સંજ્ઞાવાળા आहारकी संज्ञावाला (one) having a desire of taking food भग० ११ १, १३, १, २६, १, —सन्ना स्त्री० (-संज्ञा) ચાર સંજ્ઞામાની એક, ખાવાની વાસના. चार संज्ञाओ मे से एक; खाने की वासना one of the four Sañjñās or animate feelings, viz desire for food आव० ४, ७, —समुग्घाय पु० (-समुद्घात) આહારક શરીર બનાવવાની વખતે જીવપ્રદેશનું ઉદારિક શરીરથી બ્હાર નીકાલવું અને, પ્રકૃત પ્રકૃતિનું ભાગવટો કરી નિર્જરવુ તે आहारक शरीर बनाते समय जीव प्रदेशो का औदारिक शरीर से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उनकी निर्जरा करना emanation of soul particles from the physical body at the time of the creation of the Āhāraka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul सम० ६,

आहारइत्तार त्रि० (आहर्तृ) આહાર કરનાર, ખાનારે आहार करनेवाला, खानेवाला. (One) who eats सम० ६,

आहारओ अ० (आहारतस्) ખેરાક આશ્રીને भोजन का आश्रय करके From food, on account of food "आहारओ पचकवज्जयंता" सूय० १, ७, १२;

आहारग न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽह्रियते गृह्यते इत्याहारकम्) આહારક શરીર પાચ શરીરમાનુ ત્રીજુ શરીર आहारक शरीर, पाच शरीर मे का तीसरा शरीर The 3rd of the 5 kinds of body, प्रव० १४, ७००, क० गं० १, ३३, भग० ८, ६, (२) त्रि० આહાર કરનાર, ખાન પાન વગેરે કરનાર. आहार करनेवाला, खान-पान करनेवाला (one) who eats आया० १, १, ५, ४६, भग० ६, ४, ८, २, (३) આહારક શરીરની લબ્ધિવાલા સાધુ आहारक शरीर की लब्धिवाला साधु an ascetic who has got the power of evolving the Āhāraka Śarīra प्रव० ८१७, (४) આહારક સમુદ્ઘાત, આહારક શરીરમા આત્માના પ્રદેશ વિસ્તારવા તે. आहारक समुद्घात-अर्थात् आहारक शरीर में आत्मा के प्रदेशों का विस्तार करना Āhāraka Samudghāta i. e. emanation of soul-particles into the tiny body known as Āhāraka Śarira. प्रव० १३२६; —अंगोवंगणाम न० (अङ्गोपाङ्गनाम) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ

है जेना उदयथी आहारक शरीरना अंगोपांग प्राप्त थाय. नाम कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हो. a variety of Nāmakarma by the maturing of which the Āhāraka body develops limbs and sub-limbs क० गं० १, ३४, —जुगल न० (-युगल) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपांग ए बे नामकर्मनी प्रकृतिनी जोड. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Āhāraka Sarira and Āhāraka Angopānga. क० गं० १ ३५, —णाम न० (-नामन्) जेना उदयथी आहारक शरीर मळे एवी नाम कर्मनी एक प्रकृति जिसके उदय से आहारक शरीर प्राप्त हो ऐसी नाम कर्म की एक प्रकृति a variety of Nāmakarma by the rise of which one gets the Āhāraka Śarīra क० गं० ४, ५८ —दुग न० (-द्विक) जुओ " आहारग जुगल " शब्द देखो " आहारग जुगल " शब्द vide " आहारग जुगल " क० गं० ४ ५८, —मीसग पु० (मिश्रक) जुओ " आहारगमीसा " शब्द देखो " आहारगमीसा ' शब्द vide " आहारगमीसा " भग० २१, १, —मीसा स्त्री० (-मिश्रा= मिश्र) आहारक मिश्रयोग. आहारक शरीर बनाववी वखते के छोडती वखते औदारिक आदि शरीरनी साथे मिश्र थाय ते वखतनो योग—शारीरिक व्यापार. आहारक मिश्रयोग; आहारक शरीर बनाते या छोड़ते समय औदारिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो उस समय का योग-शारीरिक व्यापार the process of the Āhāraka body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion भग० ८, १; २५, १ —लद्धि स्त्री० (-लब्धि) आहारक शरीर बनाववानी लब्धि-शक्ति आहारक शरीर बनाने की लब्धि-शक्ति the power of making an Āhāraka body प्रव० ८१७, —वग्गणा स्त्री० (-वर्गणा) आहारक शरीरनी रचनामां उपयोगी थाय तेवा पुद्गलनो जथ्थो आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह the molecules of matter which go to build up the Āhāraka body क० गं० १, १६ —वज्जिय त्रि० (-वर्जित) आहारक समुद्घात सिवायनुं. आहारक समुद्घात के अतिरिक्त. excepting or excluding Āhāraka Samudghāta प्रव० १३२६, —समुग्घाय पु० (-समुद्घात) आहारक शरीर बनाववा माटे आत्माना प्रदेश शरीरथी बहार काढवा ते. आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहिर निकालना emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhāraka body ठा० ७, भग० १३, ६

आहारगसरीर. न० (आहारकशरीर) आहारक शरीर आहारक शरीर. Āhāraka body भग० ६, ४; ८, १, —कायप्पओग पुं० (-कायप्रयोग) आहारक शरीर रचीने ते शरीरथी प्रवृत्ति करवी ते; आहारक शरीरनो व्यापार. आहा-

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रवृत्ति करना; आहारक शरीर का व्यापार. creating an Āhāraka body and acting with it भग० ८, १;

—सरीरि त्रि० (-शरीरिन्) આહારક શરીરવાળો (જીવ). आहारक शरीरवाला जीव (a soul) with an Āhāraka body ठा० ६, १, जीवा० १०

—प्पओगबंध पुं० (प्रयोगबन्ध) આહારક શરીરની રચના કરવી તે આહારક शरीर की रचना करना creating an Āhāraka body भग० ८, ९,

आहारगसरीरत्ता स्त्री० (आहारकशरीरता) આહારક શરીરપણું आहारक शरीरपन State of being an Āhāraka body भग० २५, २,

आहारण न० (उदाहरण) દૃષ્ટાંત दृष्टांत An illustration विशे० २३५, १०७७

आहारत्ता स्त्री० (आहारता) આહારતા ભાવ आहार का भाव State of being food भग० १८ ७

आहारपरिण्णा स्त्री० (आहारपरिज्ञा) સૂયગડાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સર્વ જીવોની ઉત્પત્તિ કેવી રીતે થાય અને આહાર કેવી રીતે લ્યેછે તેનું વર્ણન છે सूयगडांग सूत्र के दूसरे-श्रुतस्कंध के तीसरे अध्याय का नाम जिसमें कि सर्व जीवों की उत्पत्ति किस प्रकार होती है और वे किस प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है Name of the third chapter of the second Śrutaskandha of Sūyagaḍāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and their modes of taking food सूय० २ ३, ३८, सम० २३ ठा० ७;

आहारभूय त्रि० (आधारभूत) આધાર ભૂત આધાર भूत. Forming a support नाया० १;

आहारय. न० (आहारक) ૫ શરીરમાનું એક શરીર કે જે ૧૪ પૂર્વધારી લબ્ધિવાળા સાધુ બનાવી શકે કોઇ વાતના સંદેહનું નિવારણ કરવાને તે સાધુ એક આહારક શરીરનું પુતળું બનાવી મહાવિદેહમાં કેવલી પાસે મોકલે છે ને પાછું આવતા તેને સંકેલી લેછે ते पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि चौदह पूर्व धारी लब्धिवाला साधु, बना सकता है उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर मे मिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint read in 14 Purvas With this body which is tiny he can go to Mahāvideha and get his doubts solved by Kevalīs It can afterwards be dispersed पन्न० १२, भग० १, ७ ६ ३, ७ १, १८, १ ०२, ९, ६ विशे० ३७५ सम० प० २१६ क० गं० १ ३७,

आहारवत पुं० (अवधारवत) જે ધારે ત ક્ર તેવો जो धारे वही कहे ऐसा One who says what he has retained in mind or remembered ठा० ८ १ भग० २५ ७

आहारिय त्रि० (आहारित) આહાર ગ્રહણ કરેલ आहार ग्रहण किया हुआ (One) who has taken food तंदु०

आहारियार त्रि० (आहारविद्) આહાર

करनार. आहार ग्रहण करनेवाला (One) who takes food (२) ग्रहण करनार ग्रहण करनेवाला (one) who takes दसा० ३. १६.

आहारिम त्रि० (आहार्य) पाणी साथे उतारवा योग्य, खाद्य-औषध-चूर्ण वगेरे पानी के साथ खाने योग्य; औषधि, चूर्ण वगैरह. (anything e g food, medicine, powder etc) to be swallowed with water पिं० नि० ४०२;

आहारिय त्रि० (आहारित) जुओ "आहारित" शब्द देखो "आहारित" शब्द Vide "आहारित" नाया० २, ४ १६. १८ १६ भग० १५, १ सूय० २ ६, ३५

आहारिय अ० (यथाऽऽर्यम्) आर्यने घट तेवी रीते जेथी आर्य पणुं प्राप्त थाय तेवी रीते जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार In a manner worthy of a civilised person आया० २ ३ १, ११६

आहारिस्समाण त्रि० (आहारिष्यमाण-आहारिष्यत्) भविष्य कालमां आहार करनारो भविष्य काल में आहार करने वाला. (One) who is to take food in future, going to take food in future भग० १ १.

आहारुद्देसन्न पु० (आहारोद्देशक) "पन्नवणा" सूत्रना प्रथम उद्देशानुं नाम. "पन्नवणा" सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम Name of the first chapter of Pannavaṇā Sūtra भग० १. १.

आहारेत्तार त्रि० (आहर्तृ) आहार करनार आहार करनेवाला (One) who takes food सम० ३०.

आहारेयव्व त्रि० (आहर्तव्य) आहार करवा लायक आहार करने लायक Worthy of being eaten सू० ३.

आहालंदिय पु० (यथालन्दिक) उत्कृष्ट आचारवाळो एक प्रकारना जैन साधु उत्कृष्ट आचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन साधु A class of Jaina saints with excellent ascetic conduct वउ० ३३.

आहावणा स्त्री० (आभावना) धारणा, संकल्प, उद्देश. धारणा, संकल्प, उद्देश्य Thought, keeping, retention, of things in the mind पिं० नि० ३६१,

आहासिय. पु० (आभासिक) ए नामनो एक अन्तर्द्वीप इस नाम का एक अन्तर्द्वीप Name of an Antara Dvipa (island) (२) त्रि० तेमां वसनार मनुष्य उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य an inhabitant of the above island पन्न० १

आहिय त्रि० (आहृत) आदरथी ग्रहण करेल आदर से ग्रहण किया हुआ Respectfully accepted जं० प० २, १८, विशे० ३६३

आहियअग्गि पु० (आहिताग्नि) अग्निने स्थापन करनार ब्राह्मण, अग्निहोत्री अग्निकी स्थापना करनेवाला ब्राह्मण; अग्निहोत्री A Brāhmana consecrating or preserving the sacred domestic fire दस० ६, ३, १, ११;

√**आहिंड** धा० I (आ+हिण्ड्) फरवुं, भमवुं, मुसाफरी करवी, भटकवुं फिरना, भटकना; यात्रा करना To walk; to roam, to travel

आहिंडइ. नाया० १.

आहिंडासि नाया० ८,
आहिंडइ. नाया० ८, १७;
आहिंडेहि. आ० नाया० ८,
आहिंडेह नाया० १६,
आहिंडिऊण सथा० ७६,
आहिंडमाण नाया० १, विवा० ३.

आहिंडअ पु० (आहिण्डक) ભ્રમણશીલ, મુસાફર श्रमणशील मुसाफिर (One who wanders, a traveller ओघ० नि० ११५,

आहिंडग पु० (आहिण्डक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above " उवणुस भणुवणुमा दुविहा आहिंडगा समासेण " ओव० वव०

आहिंडिअ त्रि० (आहिण्डित) મોકલેલ भेजा हुआ Sent despatched पि० नि० ४२७,

आहिक न० (आधिक्य) અધિકપણું વિશેષપણું अधिकता विशेषता Excess state of being more विशे० २०८७

आहिगराणिया स्त्री० (आधिकरणिकी) હળ, ઉખળ, ખડગ, વગેરે અધિકરણ મેળવવાથી લાગતી ક્રિયા हल, ऊखल खड्ग आदि से होता हुई क्रिया, जिसे अधिकरण जिससे आत्मा दुर्गति मे जाय Operations of agricultural tools which lead a soul to spiritual degradation ठा० २, १

आहित्ता स० कृ० अ० (आधाय) લક્ષમા લઈને लक्ष मे लकर Having paid attention to having taken into consideration पि० नि० ६७

आहिय त्रि० (आख्यात) કહેલું, પ્રતિપાદન કરેલું कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ Told, said, described उत्त० २६, १, २८, ४; ३३; ३०, १३; २४, सूय० १, १, १, ७ ८, ज० प० २. १८,

आहिय त्रि० (आहृत) ધરેલ, આગલ મુકેલ. रखा हुआ, आगे रखा हुआ. Kept, placed before सूय० नि० १, १०, १०६

आहिय विसेसत्त न० (आहितविशेषत्व) સત્ય વચનનો એક અતીશય-અદ્‌ભુત શક્તિ सत्य वचन का एक अतिशय अद्‌भुत शक्ति. A super-natural manifestation of truthfulness in speech सम०

आहुअ-य. त्रि० (आहूत) બોલાવેલ बुलाया हुआ Called invoked सु० च० १, २८०,

आहुइ. स्त्री० (आहुति) અગ્નિમા ઘી, તલ, જવ વગેરે હામવા તે अग्नि मे घी, तिल जव वगैरह का होम करना Offering oblation consisting of ghee, barley etc to fire पि० नि० ४७०,

\ **आ-हुण** धा० I (आ+धू) કંપવું हिलना करना To shake

आहुणिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० ६,

आहुणिज्ज त्रि० (आह्वानीय) આહ્વાન કરવા યોગ્ય હોમવા યોગ્ય हवन करने योग्य Worthy of being invoked or offered as oblation ओव० नाया० १

आहुणिय पु० (आधुनिक) ८८ ગ્રહમાંના ૫ મા ગ્રહ ८८ ग्रहों मे का ५ वां ग्रह The 5th of the 88 planets " दो आहुणिआ " ठा० २ ३, ज० प० ३, ५५ सू० प० २०,

आहेउ ह० कृ० अ० (आधातुम) ધારણ કરવાને धारण करने के लिये In order to place or retain सूय० १, ६, ४

आहेण न० (आह्वान) વિવાહ થાય પછી વરને ત્યા કન્યાને નેડુ કરી જમાડે તે. विवाह

होजाने के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुलाकर जिमाना-भोजन कराना An invitation to the bride to dine at the bridegroom's house after marriage आया० २, १ ४, २२,

आहेय त्रि० (आधेय) આધારમાં રહેવા યોગ્ય વસ્તુ आधार में रहने योग्य वस्तु (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशे० १२४, १४०२

आहेरी स्त्री० (आभीरी) આહિરણ, ભરવાડણ ગોવાલણ अहीरना, ग्वालिना An Ahira or shepherd's woman विशे० १४१४

आहेवच्च न० (आधिपत्य) અધિપતિપણું નાયકપણું સ્વામીપણું आधिपतित्व नायकपन स्वामित्व Ownership lordship leadership ओव० ३२ सम० ७८ निर० १, १ विवा० ७, नाया० १; ३, ४; १८ नाया० ध० पन्न० २, जीवा० ३, ४ भग० ३, ८, १३, ६, १८, २, १०, जं० प० ५, ११५ ठा० ६ कप्प० ७, १३,

आहेवण न० (आक्षेपण) શહેરને ઘેરો ઘાલવો-થાપો મારવો તે नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना Besieging a town; invading a town पराह० १, ३

आहोइअ त्रि० (आभोगिक) જ્ઞાનનો એક પ્રકાર ज्ञान का प्रकार A variety of knowledge " आहोइयणा णाण-दंसणेण अप्पणोविसमणा कालआभोएइ, आभोइत्ता " कप्प० ५, १०६,

आहोहिय-अ पु० (आधोऽवधिक) નિયમિત ક્ષેત્રમાં રહેનાર અવધિજ્ઞાન नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवधिज्ञान Avadhijñāna limited to a particular area भग० १, ४ ७ ७ १८, १८,

इ.

√**इ** धा० I (इण) જવું, ગતિ કરવી जाना; गति करना To go, to move

इति सु० च० ३, १२,

इन्तु पि० नि० ४४७

इत्तए हे० कृ० कप्प० ९, २८

इत व० कृ० भग० १४ ३, पिं० नि० २६२

इअंत. व० कृ० दस० ६, २, ४

इ अ० (इ) પાદપૂરણ, વાક્યાલંકાર पादपरण, वाक्यालंकार An expletive, a word marking the close of a remark or sentence (२) સમાપ્તિ इति के अर्थ में समाप्ति में thus, in this way पन्न० १७, नाया० १, ८, १४ वव० १, ५,

इअ त्रि० (इत) પ્રાપ્ત થયેલ સ્થિત રહેલ प्राप्त, स्थित Acquired, got, remaining steady विशे० ३५१ दसा० ६, ३१, (२) ગયેલ गया हुआ gone, departed " समिय उदाहु " सूय० १, ६ ४,

इअर त्रि० (इतर) બીજું, અપર. दूसरा; अन्य Another, else क० गं० १, २७ ४, ३, —तुल्ल. त्रि० (–तुल्य) બીજા જેવું, અન્ય સરખું. औरोंकासा like

another; resembling another क० प० ४, ६४.

इअरहा. न० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा. In another way; otherwise. क० गं० १, ६०;

इइ. अ० (इति) એમ; એવી રીતે इस प्रकार, इस तरह. In that way or manner उत्त० २, २६, सम० ३३, दस० ८, २, (२) રૂપ પ્રદર્શન કરી નિર્દેશ કરી બતાવવું. कुछ निर्देश करके बताना रूप प्रदर्शन a word used to point out anything. भग० १, १ १, ७ ओव० नाया० १, क० प० ५, ११ पचा० ६, ८

इइहास पु० (इतिहास—इतिह पारम्पर्योपदेश आस्तेऽस्मिन्) પુરાણ ઇતિહાસ पुराण, इतिहास History, narration of past events आव० (२) પુરુષની ૭૨ કલામાની એક કલા पुरुष की ७२ कला ओमें की एक कला. one of the 72 accomplishments of a man कप्प० १, ६. आव०

इओ. अ० (इतः) અહિંથી, આ જન્મથી यहां से इस जन्म से From this place, from this birth or state of existence ' इओ चुत्तेषु दुहमट्ट दुग्ग " सूय० १, १० आया० १ १, १ ३; ओव० ३८ विवा० ५ पराह० १ १, पिं० नि० २२३ नाया० १ ७ ८ ११ भग० १४, १ २०, ६,

इंखिणिया स्त्री० ( ) નિન્દા निंदा Censure or slander " अदुइंखिणिया उपाविया " सूय० १, २, २, २

इंखिणी स्त्री० (इंखिणी) નિન્દા निन्दा Censure, slander " अह सेयकरी अन्नेसि इंखिणी " सूय० १ २, २, १,

इंगाल पु० (अङ्गार) અંગારો, કોલસો; ધુવાડા રહિત અગ્નિ अंगारा; धुआं रहित आग A burning charcoal, fire free from smoke. ओघ० ३८; उत्त० ३६ १०६, ठा० ४, ३, सूय० १, ५, १, ७ जं० प० ७, १७०, दस० ४, १. ९; ८, ८, अणुत्त० ३, १, पिं० नि० ४४६, जीवा० १ ३, पन्न० १ नाया० १. भग० ३, २ ५ २ १०, ५ १४, १, आया० २, १०, १६६ उवा० १, ८१ पचा० १३, ४८, (२) કોયલાની માફક સંયમને કાલો કરનાર એક પ્રકારનો આહારનો દોષ कोयले के समान संयम को काला करनेवाला एक प्रकार का आहार का दोष a fault connected with food, tarnishing self-restraint or asceticism like coal पिं० नि० १. (३) અંગાર નામનો એક ગ્રહ अंगार नाम का एक ग्रह a planet of this name भग० १० ५

—उवय त्रि० (-उपम) અંગારા જેવો દેખાતા જેવો अंगारे के समान ज्वलंत अंगार के सदृश दैदिप्यमान होने से देव समान (anything) like burning charcoal, red-hot ठा० ४ ४

—कड्ढिणी स्त्री० (-कर्षणी) કોયલાને ભઠ્ઠીમાંથી કાઢવાનો લોઢાનો સલીઓ कोयला का भट्टा में से निकालने का लोहे का सरिया an iron rod to take out coal from an oven or kiln. भग० १६ १,

—कम्म न० (-कर्मन्) કોયલા બનાવવા અને વેચવાનો વ્યાપાર कोयला बनाने और

*જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५की फूटनोट (*). Vide foot note (*) page 15th

बेचने का व्यापार. business of preparing and trading in coal भग० ८, ५, उवा० १, ५१, —कारिया. स्त्री० (कारिका-अंगारान् करोतीत्यंगार कारिका) સગડી सिगडी. a portable grate or fire-basket. " इंगालकारिएव अंते अगणिकाए केवइय काल सचिट्ठइ " भग० १६, १; —दाह पु० (-दाह-अङ्गारान् दहतीत्यङ्गार दाहः) અંગારા પાડવાની જગ્યા अगारा करने की जगह a place where fuel is converted into coal निसी० ३, ७५, —सगडिया स्त्री० (-शकटिका) અંગારા પાડવાની ગાડી अंगारा रहकाने की सिगडी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal भग० ७, १ —सोल्लिय त्रि० (-शूल्य) અંગારા ઉપર પકાવેલુ अगारों पर पकाया हुआ cooked, baked upon burning charcoal " इंगालसोल्लियं मिव कडुमोल्लियमिव " भग० ११, ६

इंगालअ पु० (अङ्गारक) એ નામનો એક ગ્રહ મંગલ इस नाम का एक ग्रह; मङ्गल. The planet Mars सव० २०, भग० ३, ७

इंगालग. पु० (अङ्गारक) મંગલ ગ્રહ मंगल नाम का ग्रह The planet Mars. ठा० २, ३;

इंगालभूय. त्रि० (अङ्गारभूत) કોયલા-અંગારાની સમાન अगारे के सामान (Anything) like a burning charcoal भग० ३, १ ५, ६ ७, ६; जं० प० २, ३६;

इंगालवडिंसय पुं० (अङ्गारावतंसक) અંગારક નામે ગ્રહના વિમાનનું નામ. अंगारक नाम के ग्रह का विमान Name of the heavenly abode of a planet named Aṅgāraka भग० १०, १;

इंगिअ-य न० (इङ्गित) મનોભાવ; જણાવવાની નિશાની, ઇશારો. આંખ વગેરેની સાભિપ્રાય ચેષ્ટા मनो भाव, संकेत; इशारा. Internal thought; significant gesture of the eye etc " इंगियागार सपत्ते " उत्त० १, २; ३२, १४, ओव० ३३, दस० ६, ३, १ पिं० नि० ४७८, विशे० ६ ३३. भग० ६, ३३, नाया० १. जं० प० ३, ५३, —आगार पु० (आकार) મનોભાવ જણાવવાની નિશાની. मनोभाव प्रगट करने का चिन्ह; इशारा internal thought, a significant gesture उत्त० १, २, —आगारसंपण्ण त्रि० (आकारसंपन्न) ઇંગિત અને આકાર જાણવાની સંપત્તિવાલો इंगित और आकार जानने की सपत्तिवाला one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them " इंगियागारसंपण्णे से विणीएत्ति वुच्चइ " उत्त० १, २. —मरण पु० न० (-मरण) જુઓ " इंगिणी मरण " શબ્દ देखो " इंगिणी मरण " शब्द. vide " इंगिणी मरण " सम०

इंगिणी स्त्री० (*इङ्गिनी-श्रुतविहितक्रियाविशेष इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयतेऽस्यामनशनक्रियायामितीङ्गिनी) શાસ્ત્રમાં કહેલ હદમાં રહી વૈયાવચ્ચ કરાવ્યા વિના સથારો કરવો ते शास्त्र में कही हुई हदमें रहकर वैयावृत्य कराये बिना सथारा करना Performing Santharo confining oneself within the limits of space prescribed by Śāstras

and not receiving any service from others. भत्त० ६; प्रव० १०३१; सम० १७; —मरण. न० (-मरण) संथारो करी वैयावच्च कराव्या विना इंगित-नियमित प्रदेशनी हदमां रही समाधि मरण करवु ते. संथारा करके वैयावृत्य बिना कराये नियमित प्रदेश की हद में रहकर समाधि मरण करना death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service सम० १७, प्रव० १०३१, ठा० २. संथा०

इंद. पुं० (इन्द्र-इन्दतीति इन्द्र) श्रेष्ठ श्रेष्ठ One who is excellent सू० प० २०, (२) इंद्र, देवतानो राजा, पुरन्दर इन्द्र, देवों का राजा the god Indra the king of gods पिं० नि० १३३ जं० प० ३ ४५, भग० ३, १ ७, ६, विशे० ३२५ नाया० ८; नाया० ध० ३ नंदी० २३; ओव० सम० १९ पन्न० २ अणुजो० २० ठा० ४, दस० ६, १, १४ पचा० ४, ८८. (३) ज्येष्ठा नक्षत्रनो अधिपति देवता ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव the presiding deity of the Jyesthā constellation अणुजो० १३१, सू० प० १ ठा० २, ३ (४) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island of that name also an ocean of that name जीवा० ३ ४ पन्न० १५. —अभिसेय पुं० (-अभिषेक) सूर्याभ देवनो राज्याभिषेक सूर्याभ देव का राज्याभिषेक the coronation ceremony of the Sūryābha god राय० १७६ —अहिट्ठिय त्रि० (-अधिष्ठित) इंद्रने अधिष्ठित. इन्द्राधिष्ठित, इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. " इंदाहिट्ठिया " भग० ३, १, ठा० १०, —अहीण त्रि० (-अधीन) इंद्रने वश, इंद्रने आधीन. इन्द्र के आधीन dependent upon Indra under the power of Indra भग० ३, १ —अहीणकज्ज. न० (-अधीनकार्य) इन्द्राधीन कार्य-काम इन्द्र के आधीन कार्य a work under the control of Indra भग० ३, १ —आउह पुं० (-आयुध) इंद्रनु आयुध, वज्र इन्द्र का शस्त्र-वज्र the weapon of Indra, Indra's thunderbolt नाया० १. —केउ पुं० (-केतु) इन्द्र यष्टि, इन्द्रमहोत्सवमा बनावेल स्थंभ इन्द्र यष्टि, इन्द्रमहोत्सव मे बनाया हुआ स्तंभ a post erected in the celebration of Indra's festival पणह० १, ४. —ग्गह पुं० (-ग्रह) व्यन्तर देवना उपद्रवथी थतो रोग, वळगाड व्यन्तर देव के उपद्रव से होता हुआ रोग a disease caused by the evil influence of hell gods being possessed by hell gods भग० ३, ७, जावा० ३ ३ (२) एक विशेष ग्रह विशेष name of a planet जीवा० ३, ३ —ज्झय पुं० (ध्वज-शेषध्वजापेक्षयाऽतिमहत्त्वादिन्द्रश्चासौ ध्वजश्चेन्द्रध्वज) इन्द्र ध्वज, बीजी ध्वजनी अपेक्षाए मोटी ध्वज इन्द्र ध्वजा दूसरा ध्वजा की अपेक्षा से बड़ा ध्वजा a banner taller than all the other banners " इंदज्झओ पुरओ गच्छइ " सम० ३४, प्रव० ४४१. —ट्ठाण न० (-स्थान) इन्द्रथंभ; इन्द्रध्वज इन्द्र स्तंभ, इन्द्रध्वज a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest अंत० ६, १५; (२) ઇંદ્રનું નિવાસ સ્થાન इन्द्र का निवास स्थान the residence of Indra "इंदट्ठाणे-णं भंते केवतिय काल विरहिते" ठा० ६, भग० ८, ८ जीवा० ३, सू० प० १६. —धणु. न० (-धनुष) ઇંદ્ર ધનુષ્ય, કામઠી इन्द्र धनुष a rainbow ज० प० अणुजा० १२७, भग० ३, ७, —पाडिवया स्त्री० (-प्रतिपत्) ભાદરવા સુદી પૂનમ પછીનો પડવો भाद्रपद सुदि पूर्णिमा के बाद की बदि एकम the first day of the dark half of the month of Bhādrapada ठा० ४ —मह पु० (मह) ભાદરવા માસની પુનમે થતો ઇન્દ્રમહોત્સવ भाद्रपद मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhādrapad राय० २१४ विवा० १ निसी० १६, १२ आया० २, १, २, १२, भग० ६, ३३, नाया० १ —लट्ठि स्त्री० (-यष्टि) ઇન્દ્ર મહોત્સવમાં જે સ્તંભ રોપવામાં આવે તે इन्द्र महोत्सव में जो स्तंभ गाड़ा जाता है वह a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival "निव्वत्तमहेव इंदलट्ठी विमुक्क संधि बंधणा" नाया० १, भग० ६, ३३,

इंदकंत. पुं० (इन्द्रकान्त) ઇન્દ્રકાન્ત નામે એક વિમાન કે જેના દેવતાઓની સ્થિતિ ૧૯ સાગરોપમની છે એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને ૧૯ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति १६ सागरोपम की है. ये देव साडे नौ मास बाद श्वासोच्छवास लेते हैं और १६ हजार वर्षोंबाद इन्हें क्षुधा लगती है Name of a heavenly abode, the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years सम० १६,

इंदकाइय. पु० (इन्द्रकायिक) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળો એક જીવ; ઇન્દ્રગોપ. तीन इन्द्रियोंवाला एक जीव इन्द्रगोप. A kind of insect of red colour; a kind of three-sensed living being पन्न० १,

इंदकील. पु० (इन्द्रकील—गोपुरावयव विशेष.) નગરના દરવાજાનો એક અવયવ, જેને આધારે દરવાજાના બે કમાડ બંધ રહી શકે તે नगर के दरवाजे का एक अवयव; जिसके आधार से दरवाजे के दो किवाड़ बंध रहसके वह. A portion of a city-gate a door-bolt fastening the two doors of a gate "गोमें-उकमया इंदकीला" राय० १०६ भग० ३, २, ओव० ठा० २,

इंदकुंभ पु० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र इन्द्रकुम्भ) કલશ. મહોટો ઘડો, ભાલિઓ कलश, बड़ा घड़ा A big pot राय० १०६, जं० प० १ (२) વીતશોકા નગરીના ઇશાન ખુણાનું એક ઉદ્યાન वीतशोका नगरी का ईशान कोन का एक उद्यान name of a garden in the north-east of the town of Vītaśokā "तीसेणं विवासोगाए राय हाणीए उत्तरपुरच्छिम दिसिभाए इंदकुंभ णामं उज्जाणे" नाया० ८; (३) નેમનાથના પ્રથમ શિષ્ય नेमनाथ का प्रथम शिष्य

name of the first disciple of Nemanātha सम० २४; (४) २० मा मुनिसुव्रत तीर्थंकरना प्रथम गणधरनु नाम २० वें तीर्थंकर मुनिसुव्रत के प्रथम गणधर का नाम name of the first Gaṇadhara of the 20th Tirthankara, Muni Suvrata सम० प० २३३.

इंदखील पुं० (इन्द्रकील) जुओ 'इंदकील' शब्द. देखो 'इंदकील' शब्द Vide 'इंदकील' जीवा० ३, ४

इंदग पुं० (इन्द्रक) तेइंद्रिय जीव विशेष तीन इन्द्रियोंवाला जीव विशेष A three-sensed living being, a kind of insect उत्त० ३६ १३७,

इंदगोव पुं० (इन्द्रगोप) इंद्रगोप मेममेलो, वरसाद थया पछी देखातो एक लाल जीवडा, त्रण इन्द्रिय वालो एक जीव इन्द्रगोप इन्द्रवहूटी. वर्षा ऋतु मे उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु A kind of insect of red colour springing up in monsoon a three-sensed living being उत्त० ३६ १३८, अणुजा० १२१ पन्न० १,

इंदगोवअ-य पुं० (इन्द्रगोपक) जुओ उपलो शब्द देखो उपर का शब्द Vide above जीवा० ३, ४ राय० ६३ नाया० १,

इंदगोवग पुं० (इन्द्रगोपक) जुओ 'इंदगोव' शब्द देखो 'इंदगोव' शब्द Vide 'इंदगोव' नाया० १

इंदग्गि पुं० (इन्द्राग्नि) विशाखा नक्षत्रनो अधिष्ठाता देवता विशाखा नक्षत्र का अधिष्ठाता देव The presiding deity of the constellation Visākhā अणुजा० १३१ सू० प० १० ठा० २, ३. (२) १७मा ग्रहनु नाम १७वें ग्रहका नाम. name of the 37th constellation ज० प० ७, ठा० २, ३. सू० प० २०,

इंदजसा स्त्री० (इन्द्रयशस्) पाञ्चाल देशना ब्रह्मराजानी राणी पाचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी Name of the queen of Brahmarāja of the country of Pāñchāla "इंदवसु १ इंदजसा २ इंदसिरि ३ चलणी देवीय" उत्त० टी० १३,

इंदजालि त्रि० (इन्द्रजालिन्) विविध रचना करी विस्मय पमाडनार; इन्द्रजालीयो विविध रचना करके विस्मित करनेवाला इन्द्रजालिया, जादूगर A magician टा० ४

इंदजालिअ-य त्रि० (इन्द्रजालिक) इन्द्रजाल करनार गाडविद्या बतावनार इन्द्रजाल करनेवाला गाड विद्या बतानेवाला (One) who displays magical tricks विशे० १६०७

इंदनील पुं० (इन्द्रनील) इन्द्रनील मणि, नीलम इन्द्रनील मणि नीलम A gem so named, a sapphire आव० राय०

इंदत्त न० (इन्द्रत्व) इन्द्रनु स्वरूप, इन्द्रपणु इन्द्र का स्वरूप, इन्द्रपन Power and dignity of Indra, state of being Indra, kingship. उत्त० ६, ४४, भग० ३ २,

इंदत्ता स्त्री० (इन्द्रता) इन्द्रपणु इन्द्रपन State of being Indra, power and dignity of Indra, kingship भग० १४ ६,

इंददत्त पुं० (इन्द्रदत्त) इन्द्रदत्त, चोथा तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार. इन्द्रदत्तः चोथे तीर्थंकर को पहिले पहिल भिक्षा देने

-माला Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthankara. सम० २४, (२) १२ मा वासुपुज्यनो त्रीजा पूर्व भवनुं नाम वासुपुज्य १२ वे तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmī सम० २४;

इंदविराण पु० (इन्द्रदत्त) ए नामना कोटिक-गच्छना एक आचार्य कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम Name of a preceptor of the Kotika order of saints कप्प० ८.

इंदनील पु० (इन्द्रनील) जुओ 'इन्द्रणील' शब्द देखो 'इन्द्रणील' शब्द Vide 'इन्द्रणील' उत्त० ३६, १५' पन्न० १

इंदपुर न० (इन्द्रपुर) ए नामनुं एक नगर एक नगर का नाम Name of a city 'इहव जंबूदीवे भारहेवासे इंदपुर णाम णयर' विवा० १०, (२) ए नामना एक साधु के जेने मणीपुर नामना गाममां नागदत्त गाथापतिए आहार पाणी वहोराव्या हता इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हें मणिपुर नामक ग्राम के नागदत्त गाथापतिने आहार पानी दिया था Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gathapati named Nāgadatta 'इंदपुर अण गारे पडिलाभिते जावसिद्धे " विवा० २, ७

इंदपुरग. पुं० (इन्द्रपुरग) वेसवाडियगणथी नीकळेल ए नामनुं कुळ. वेसवाडियगण से निकले हुए कुल का नाम Name of a family which was an offshoot of Vesavādiya Gana कप्प० ८;

इंदभूइ. पु० (इन्द्रभूति) महावीर स्वामीना प्रथम गणधर, गौतम स्वामी महावीर स्वामी के प्रथम गणधर; गौतम स्वामी The first Ganadhara of Mahāvīra Swāmī. भग० १, १; २, ५; ओव० ३८, नाया० ६, ज० प० नदी० २०, सम० ११, २४, उवा० १, ७६, प्रव० ३०८, कप्प० ५, १३३,

इंदभूति पुं० (इन्द्रभूति) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above. सम० ६२, सू० प० १;

इंदमुद्धाभिसित्त पु० (इन्द्रमूर्धाभिषिक्त) पखवाडीआना सातमा दिवसनुं (सातमनुं) नाम पखवाड़े के सातवें दिन (सप्तमी) का नाम The 7th day of a fortnight. "इंदमुद्धाभिसित्तेय" सू० प० १०, ज० प०

इंदय पु० (इन्द्रक) जुओ 'इंदग' शब्द. देखो 'इंदग' शब्द Vide 'इंदग' ठा० ६

इंदयणिरय पुं० (इन्द्रकनिरय) सौथी मोटा नरकावासा. सबसे बड़ा नरकावासा The greatest hell. ठा० ६

इंदयाल न० (इन्द्रजाल) ए नामनी एक विद्या इन्द्रजाल विद्या Juggling, a kind of lore, magic सू० च० ४, १६६,

इंदयालि पु० (इन्द्रजालिन्) इन्द्रजाल विद्याने जाणनार इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला A magician, a juggler सू० च० १३, ४०,

इंदसिरी स्त्री० (इन्द्रश्री) पांचाल देशनी कांपिल्य नगरना ब्रह्मदत्त राजानी एक राणी पांचाल देश के कांपिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya

in the country of Pāñchāla. उत्त० टी० १३,

इंदसेणा. स्त्री० (इन्द्रसेना) ઇન્દ્રસેના નામની એક નદી કે જે મેરૂને ઉત્તરે રક્તવતી નદીમાં મળે છે इन्द्रसेना नामक एक नदी जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी में मिलती है Name of a river which flows into the river Raktavati in the north of Meru ठा० ५, ३, १०,

इंदा स्त्री० (इन्द्रा) ઇન્દ્રા નામની નદી કે જે મેરૂની ઉત્તરે રક્તવતીને મળે છે इन्द्रा नामक नदी जो कि मेरु की उत्तर दिशा मे रक्तवती नदी में मिलती है Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meru ठा० ५, ३, (२) ઇન્દ્રા નામની એક દેવી एक देवी का नाम Name of a goddess नाया० घ० ३, (३) ધરણેન્દ્રની પાંચમી અગ્રમહિષીનું નામ धरणेन्द्र की पांचवीं अग्र महिषी का नाम name of the 5th principal queen of Dharanendra भग० १०, ५,

इंदा स्त्री० (ऐन्द्री) પૂર્વ દિશા पूर्व दिशा The eastern direction भग० ६, १; ठा० १०, ज० प० ५, ११८,

इंदाणी. स्त्री० (इन्द्राणी) ઇન્દ્રાણી, ઇન્દ્રની અગ્રમહિષી इन्द्राणी; इन्द्र की पटरानी The crowned queen of Indra ठा० ४;

इंदिय न० (इन्द्रिय) આંખ, કાન, નાક, જીભ, અને ત્વચા એ પાંચ ઇન્દ્રિય आँख, कान, नाक, जिव्हा और त्वचा ये पांच इंद्रियाँ. The five senses viz eye, ear nose, tongue and skin. विशे० ८१, पन्न० १५, नाया० १; ४; उत्त० ६, १६, ओव० १६; दस० ५, १, १३; भग० २, १, ४, ८, १, २४, १२, नंदी० ३; सम० ६, क० ग० १, १०, पचा० १४, ३, (२) પન્નવણા સૂત્રના ૧૫મા પદનું નામ पन्नवणा के पदरहवें पद का नाम. name of the 15th Pada of Pannavaṇā पन्न० १५, (३) પન્નવણાના ત્રીજા પદના ત્રીજા દ્વારનું નામ पन्नवणा के तीसरे पद के तीसरे द्वार का नाम name of the 3rd Dwāra of the 3rd Pada of Pannavaṇā पन्न० ३, —**अत्थ** पु० (-अर्थ) શબ્દ, રૂપ, રસ ગંધ અને સ્પર્શ એ પાંચ ઇન્દ્રિયના અર્થ-વિષય शब्द, रूप, रस, गध और स्पर्श ये पाच इन्द्रियों के अर्थ-विषय any of the five objects of the senses viz sound, form, taste, smell, and touch "पच इदियत्था पराणात्ता तजहा" ठा० ५, उत्त० २४, ८, ३१, ७, —**अत्थकोवण** न० (-अर्थकोपन) કામવિકાર, ઇન્દ્રિયના વિષયનો કોપ થવો તે कामविकार, इंद्रिय के विषय का कोपित होना desire for the enjoyment of the objects of the senses ठा० ६, —**अपज्जत्ति.** स्त्री० (-अपर्याप्ति) ઇન્દ્રિયની અપૂર્ણતા, ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધીને પુરી ન કરી હોય તે इंद्रियकी असम्पूर्णता, इंद्रिय पर्याप्ति को बाधकर उसे पूर्ण न करना. imperfect development of the senses भग० ६, ४, —**उवउत्त** त्रि० (-उपयुक्त) ઇન્દ્રિયના ઉપયોગસહિત. इंद्रियों के उपयोग सहित (one) carefully controlling the senses पन्न० ३; —**उवचय** पु० (-उपचय) ઇન્દ્રિયનો ઉપચય-વૃદ્ધિ इंद्रियों की वृद्धि

the growth of the senses. "कइविहेणं भंते इंदियउवचए" पन्न० १५; भग० २०, ४, —ग्गाम. पुं० (-ग्राम) ઇન્દ્રિયોનો સમુદાય इन्द्रियों का समुदाय the group of the senses आया० टी० १, ४, ४, १५६. —चउक्क न० (-चतुष्क) મન અને ચક્ષુ શિવાયની ચાર ઇન્દ્રિયો, કાન, નાક ઘ્રાણ અને સ્પર્શ ઇંદ્રિય चार इन्द्रिया. कान, नाक घ्राण और स्पर्श the group of the four senses, viz the senses of hearing smell, taste, and touch क०गं० १, ८. —चलणा स्त्री० (-चलना) ઇન્દ્રિયનું ચાલવું इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses भग० १७, ३ —जवणिज्ज त्रि० (-यापनीय) પાંચે ઇન્દ્રિયોને વશ કરવી તે पाचों इन्द्रियों को वश करना controlling all the five senses भग० १८, १०, नाया० ५, —जाय न० (-जात) ઇન્દ્રિયની જાત-પ્રકાર इन्द्रियों की जाति-भेद the variety of the senses वेग० ५, १३. —ट्ठाण न० (-स्थान) ઇન્દ્રિયના સ્થાન-ઉપાદાન કારણ-આકાશાદિ. इन्द्रियों के स्थान उपादान कारण आकाशादि the efficient causes of the senses such as space etc सूय० नि० १, १, १, ३३; —णिव्वत्तणा स्त्री० (-निर्वर्तना) ઇન્દ્રિયોને નિપજાવવી તે इंद्रियों को उत्पन्न करना the creating of the senses "कतिविहेणं भंते इंदिय णिव्वत्तणा" पन्न० १५, —णिरोहि. त्रि० (निरोधिन्) ઇન્દ્રિયની લાલસાનો નિરોધ કરનાર इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला (one) who checks the cravings of the senses प्रव० ५७०, —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) ઇન્દ્રિયની સંપૂર્ણતા, ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધીને પુરી કરવી તે इन्द्रियों की सपूर्णता, full development of the senses भग० ६, ४. —पडिसंलीणया स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) ઇન્દ્રિયોને વશ કરવી તે इन्द्रियों को वश करना conquest, control over the senses भग० २५, ७ —परिणाम न० (-परिणाम) ઇન્દ્રિય રૂપે જીવનું પરિણામ इन्द्रिय रूप में जीव का परिणाम the modification of the soul into the form of the senses पन्न० १५ —बल न० (-बल) ઇન્દ્રિયની શક્તિ इन्द्रियों का शक्ति. the power of the senses जीवा० ३ —मणोणिमित्त. न० (-मनोनिमित्त) ચક્ષુ વગેરે પાંચ ઇન્દ્રિય અને મન છે નિમિત્ત જેમાં એવું જ્ઞાન. મતિશ્રુત જ્ઞાન. चक्षु वगैरह पाच इन्द्रियों और मन के निमित्त से होनेवाला ज्ञान मतिश्रुत ज्ञान Mati-śruta Jñāna, sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind. विशे० ६३, —मणोभव न० (-मनोभव) ઇન્દ્રિય અને મનથી ઉત્પન્ન થતું જ્ઞાન इन्द्रिय और मन से उत्पन्न होनेवाला ज्ञान knowledge born of the senses and the mind विशे० ६४, —लद्धि स्त्री० (-लब्धि) પાંચ ઇંદ્રિયની પ્રાપ્તિ पाच इन्द्रियों की प्राप्ति the attainment of the five senses. भग० ८, २; पन्न० १५, —लद्धिया स्त्री० (-लब्धिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ८, २, —वसट्ट. त्रि० (-वशार्त) ઇંદ્રિયને વશ થવાથી થયેલ દુઃખી. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित (one) miserable on account of lack of control over the senses भग० १२, २, —विजय पु० (-विजय) ઇંદ્રિયને કાબુમાં રાખવી તે, ઇન્દ્રિયોપર જય મેળવવો તે, તપ વિશેષ इन्द्रियों को वश करना, इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना, तप विशेष control over the senses, a kind of austerity. पचा० १६, ३८, —विभत्ति स्त्री० (-विभक्ति) ઇન્દ્રિયના વિભાગ, એકેન્દ્રિય, બેઇંદ્રિય વગેરે इन्द्रियों के विभाग, एकेन्द्रिय बेइन्द्रिय आदि the classification of the senses, e g one sense, two senses etc. सूय० नि० १, ५, १, ६६, —विसय पु० (-विषय) ઇંદ્રિયોના વિષય શક્તિ इन्द्रियों की विषय शक्ति the power of enjoyment of the senses भग० ३, ८ —वीरिय न० (-वीर्य) શ્રોત્ર આદિ ઇંદ્રિયોનું પોત પોતાના વિષયને ગ્રહણ કરવાનું સામર્થ્ય श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय ग्रहण करने का सामर्थ्य the power of the senses e g ear etc to comprehend their objects सूय० नि० १, ८, ६६,

इंदियउद्देस पु० (इन्द्रियोद्देश) પન્નવણા સૂત્રના પંદરમા પદના પ્રથમ ઉદ્દેશાનું નામ पन्नवणा सूत्र के पद्रहवें पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddesa of the 15th Pada of Pannavanā Sūtra भग० २, ३

इंदियउद्देसय पुं० (इन्द्रियोद्देशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above भग० १८, ३ २, ४,

इंदिय पय न० (इन्द्रियपद) પન્નવણા સૂત્રનું ૧૫મું પદ पन्नवणा का १५वां पद The 15th Pada of Pannavaṇā Sūtra. भग० २, ४, पन्न० १५;

इंदु पुं० (इन्दु) ચન્દ્ર, ચન્દ્રમા चन्द्र, चन्द्रमा. The moon. नाया० १, १६, भग० ६, ३३,

इंदुत्तरवडिंसग पु० (इन्द्रोत्तरावतंसक) એ નામનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ ઓગણીસ સાગરોપમની છે એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે ઓગણીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે इस नाम का विमान, जिसमें रहनेवाले देवों का १६ सागरोपम आयु है ये देव साढे नौ महीने बाद श्वास लेते हैं और इन्हें १६००० वर्ष बाद भूख लगता है Name of a heavenly abode, the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years सम० १६,

इंदुरय न० (इन्दुरक) મોટા મુંડલો बड़ा टोपला A large basket गच्छ० ७०,

इंधण न० (इन्धन) બળતણ, છાણાં લાકડાં વગેરે इन्धन, जलाने का लकड़ा, कंडा वगरह Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc उत्त० १४, १०, ३२, ११ पि० नि० भा० १२ भग० ७, १,

इक्क त्रि० (एक) એક-સંખ્યાવાચક, एक-संख्यावाचक The numeral, one (२) એકલો એકાકી, અદ્વિતીય अकेला, एकाकी, अद्वितीय one, alone, matchless अणुजो० १३१, नदी० ३४, आया० १, ५, २, १६८, भग० २, ५; नाया० १५; सु० च० ४, १२८, जं० प० १, १२;

इक्कम त्रि० (एकक) એકલો, એકાકી.

अकेला· एकाकी Alone, solitary उत्त० १, १०; ३२, ६.

इक्कड. न० (* इक्कड) ઇક્કડ- ચટાઇ-સાદડી બનાવવાનું કોમલ ઘાસ; દર્ભના સદૃશ તૃણ વિશેષ. चटाई बनाने का कोमल घांस, तृण विशेष A kind of soft grass of which a mattress is made आया० २, २, ३, १००, २, ७, २, १६१, सूय० २ २, ७, भग० २१, ५, पराह० २, ३, ઇક્કડની બનાવેલી ચટાઇ उक्त घास का बनाई हुई चटाई a mattress made of the above grass आया० २, २, ३, १००, (३) આ નામનું પર્વંગ જાતનું ઝાડ इस नाम का पर्वंग जाति का झाड़ A kind of tree पन्न० १

इक्कमिक्क त्रि० (एकैक) એકેક परस्पर. Taken singly (२) પરસ્પર, એક બીજું અન્યોન્ય अन्योन्य एक दूसरा mutual उत्त० १३, ३, सु० च० २ ८१

इक्कवीस स्त्री० (एकविंशति) ૨૧ એકવીસ વીસ અને એક इकवीस, २१ Twenty one 21 उत्त० ३१, १५ कप्प० १ २,

इक्कसीइ स्त्री० (एकाशीति) એકાશી ८१ इक्यासी Eighty one 81 उत्त० ३६, २०

इक्कार त्रि० (एकादशन्) અગીયાર ११ ग्यारह. ११ Eleven; 11 क० ग० ६, २०,

इक्कारस. त्रि० (एकादशन्) અગીઆર, દસને એક ग्यारह, ११ Eleven, 11. सम० ११, दसा० ६, १, २, उत्त० २८, २३; उवा० १०, २७७, क० गं० ६, २०, जं० प० ९, ३१; —अंग पुं० (-अङ्ग) આચારાંગાદિ ११ અંગસૂત્ર आचारांगादि ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Anga Sūtras e g Achārānga etc नाया० १४, १८,

इक्कारसग त्रि० (एकादशक) અગીયાર ग्यारह Elven, 11 क० ग० १, ८२;

इक्कारसम त्रि० (एकादशम) ११ मो, અગીઆરમો ग्यारहवा. Eleventh, 11th नंदी० ५५,

इक्कारसी. स्त्री० (एकादशी) અગીઆરસ; પખવાડીઆનો ११ મો દીવસ ग्यारस, पक्ष का ग्यारहवा दिन The 11th day of a fortnight विशे० २०८३ प्रव० १५५७, जं० प० २, ३१,

इक्किक्क. त्रि० (एकैक) એક એક एक एक Taken singly उत्त० २८, ८; क० ग० ४ ७७, —उदय पुं० (-उदय) એકેક પ્રકૃતિનો ઉદય. एकैक प्रकृति का उदय the rise or maturity of each Prakriti (Karmic nature) singly क० ग० ६, १६,

इक्खाग न० (इक्ष्वाकु) ઋષભદેવ સ્વામીનો વંશ, ઇક્ષ્વાકુ કુલ ऋषभदेव स्वामी का वंश, इक्ष्वाकु कुल The Ikṣvāku family, the line of descent of Risabhadeva Swāmī आया० २, १, २, ११, पन्न० १, भग० ६ ३३, २०, ८, अणुजो० १३१ ठा० ७, १, ६०, उत्त० १८, ३६, ओव० राय० २१८, —कुल पुं० (-कुल) જુઓ 'इक्खाग' શબ્દ देखो 'इक्खाग' शब्द vide 'इक्खाग' ओव० —भूमि. स्त्री० (-भूमि) ઇક્ષ્વાકુ વંશ જ્યાં ઉત્પન્ન થયો તે ભૂમિ, અયોધ્યા. इक्ष्वाकु वंश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि; अयोध्या the land of the birth of the Ikṣvāku family, Oudh कप्प० ७, २०६, —राय. पुं० (-राजन्) ઇક્ષ્વાકુ કુળમાં જન્મેલ રાજા इक्ष्वाकु कुल·

में जन्मा हुआ राजा a king of the Ikṣvāku line. "पविचुद्धि इक्खागराया" ठा० ७, नाया० ८, —वंस पुं० (-वंश) ऋषभ देव स्वामीनो वंश ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Risabhadeva Swāmī विं० नि० ४७६,

इक्खागुकुल. न० (इक्ष्वाकुकुल) इक्ष्वाकु नामनुं कुल इक्ष्वाकु नामक वंश A family by name Ikṣvāku कप्प० १, २.

इक्खु पुं० (इक्षु) इक्षु शेरडी साटा Sugar-cane. भग० २१, ५, ओव० पन्न० १; पचा० ८, २३, —रस पुं० (-रस) शेरडीनो रस सांटे का रस sugar-cane juice प्रव० २३३, पचा० १४, १०; —वण न० (-वन) शेरडीनुं वन गन्ने का खेत a forest of sugar-canes निसी० ३, १४. —वाड पुं० (-वाट) शेरडीना वाड, ज्यां शेरडी पीलाय ते स्थान गन्ने का बाड़, गन्ने पेलने की जगह a place where sugar-canes are crushed to get out juice, a field where sugar-canes are grown. राय० २७१ —वाडिया स्त्री० (-वाटिका) इक्षु-शेरडी नो वाडवाडो गन्ने की बाड़ा खेत a field where sugar canes are grown पन्न० १ सम० २१ ५,

इक्खुवर पुं० (इक्षुवर) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of an island, also the name of an ocean जीवा० ३, ४,

इग त्रि० (एक) एकनी संख्या, १ एक की संख्या. १ The number one, 1 क० गं० १, ८, ३३; २, १४ ; १३; —चत्तसय न० (-चतुःशत) एकसो ने एकतालीस १४१ एकसौ एकतालीस, १४१. one hundred forty-one; 141. क० गं० २, २७, —नवइ. स्त्री० (-नवति) एकाणु, ९१ एकानवे, ९१ ninety one; 91 क० ग० ३, ७, —याल स्त्री० (-चत्वारिंशत) एकतालीश; ४१. एकतालीस, ४१ forty one, 41 प्रव० ५१६; क० ग० ६, ६६; —वन्न. स्त्री० (-पञ्चाशत) एकावन, ५१ एकावन; ५१ fifty-one, 51 प्रव० ३६०. —वीस. स्त्री० (-विंशति) २१ नी संख्या, एकवीश इकवासवी संख्या twenty-one; 21 उवा० १० २७७, —सय न० (-शत) एकसो ने एक, १०१ एक सौ एक, १०१ one hundred and one, 101 क० ग० ३, ८ —सट्ठि स्त्री० (-षष्टि) एकसठ ६१ इकसठ ६१ sixty-one 61 सम० ६१, —सी स्त्री० (अशीति) एकाशी ८१ इक्यासी, ८१. eighty-one 81 क० ग० २, १७

इगाहिय-अ सय न० (एकाधिकशत) एक अधिक सो एकसोनेएक १०१ एक सौ एक १०१ One hundred and one, 101 क० ग० २, ८

इगार त्रि० (एकादशन्) अगीयार ११. ग्यारह, ११ Eleven 11 क० ग० ६, ६२,

इगारसम त्रि० (एकादशम) ११मो; अगीयारमो ग्यारवा, ११ वाँ Eleventh; 11th विवा० १; क० ग० २, १४,

इगिंदिय त्रि० (एकेन्द्रिय) जेने एक इंद्रिय होय ते, पृथ्वी आदि स्थावर जीव एकेन्द्रिय वाला. पृथ्वी आदि स्थावर जीव. One-sensed; e g earth etc क० ग० ३, ११; ४, १८

इगिंदियया स्त्री० (एकेन्द्रियता) એકેન્દ્રિયપણું. एकेन्द्रियपन. State of being one-sensed भग० ३५, १,

इगुण त्रि० (एकोन) એક ઓછું एक कम Less by one क० प० २, १२ —**असि.** स्त्री० (-अशीति) ઓગણ્યાએંસી ७९. उनयासी, ७९ seventy-nine, 79 प्रव० ३६७; —**नउइ** स्त्री० (-नवति) નવ્યાશી; ८९ नेवासी, ८९ eighty-nine, 89 क०प० २, २३; —**वीस** स्त्री० (-विंशति) ઓગણીશ १९ उन्नीस, १९ nineteen, 19 क० प० २, १२ —**सट्ठि** स्त्री० (षष्टि) ઓગણ્યાસાઠ ५९ उनसाठ ५९ fifty-nine, 59 क० ग० ६, ७४

इग त्रि० (एक) એકની સંખ્યા एक की संख्या The number one क० ग० ४, ८०,

इच्चत्थ पु० (इत्यर्थ) આ પ્રકારનો અર્થ इस प्रकार का अर्थ This sort of meaning आया० १, १, २, १६.

इच्चा सं० कृ० अ० (इत्वा) જાણીને जानकर Having known आया० १, १, ३, २१.

इच्चाइ त्रि० (इत्यादि) એ, આદિ, ઇત્યાદિક इत्यादि Et cetera क० ग० १, २४; प्रव० ६६३,

इच्चाइय त्रि० (इत्यादिक) વગેરે बगैरह वगैरह Et cetera कप्प० ६, २०१:

इच्चेवं अ० (इत्येवं) આ પ્રકારે. એવી રીતે इस प्रकार से, इस तरह In this way. in that way. दस० २, ४, पन० ११,

√**इच्छ** धा० I (इष्) ઇચ્છવું, ઇચ્છા કરવી. इच्छा करना. To wish; to desire.

इच्छइ सूय० १, १, २, ३१; अणुजो० १४; नाया० १. ४; १३. १६; भग० १५, ५

इच्छति दस० ६, ११. नाया० ८, १३; भग० ८, ४

इच्छाम विशे० २०१,

इच्छामि नाया० १ २, ४. ८, १२, भग० १, ६, २, १, ४ ३, २ ५, ८; ७, १०,

इच्छामो नाया० १, ३; ६ भग० ११, ११,

इच्छे वि० उत्त० १, १२, ३२, ४, दसा० ३, १६ १६ वव० १, २२, २६, ३०,

इच्छिज्जा वि० कप्प० ६, ४८, दस० ५, १, ६६, ६, ४८,

इच्छेजा वि० उत्त० ९, २६ दस० ५, १, ६५,

इच्छेज्ज वि० वेय० ४, १५:

इच्छह० पि० नि० ३०१ ४६५; उत्त० १२, २८;

इच्छय. विशे० ब० कृ० ३२१४

इच्छन्त नाया० १६, विशे० १६०, दस० ८, ३७. उत्त० १, ६.

इच्छमाण पन्ना० २, ४०.

इच्छिज्जइ गच्छा० ७८,

इच्छावेइ प्रे० व० प्र० ए० विशे० १०८९,

इच्छंज्झाण न० (इच्छाध्यान) લાભની ઇચ્છાનું ધ્યાન लाभ की इच्छा का ध्यान. Meditation upon some desire of profit or gain आउ०

इच्छाकार. त्रि० (इच्छाकार-एषणामिच्छा स्वाभिप्रायस्तया करण तत्कार्यनिर्वर्तनमिच्छाकार) ઇચ્છાપૂર્વક ગુરુની આજ્ઞા ઉઠાવવી અનુષ્ઠાન કરવું તે, દશ સામાચારીમાંની એક. इच्छा पूर्वक गुरु की आज्ञा मानना; दश सामाचारियों में की एक सामाचारी Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct ठा० १०, पचा० १२, ४,

इच्छा. स्त्री० (इच्छा) ઇચ્છા, અભિલાષા इच्छा; अभिलाषा Desire, longing ओघ० ३८, आया० १, ४, २, १३१, पराह० १, ५, पिं० नि० २१६, सू० प० १० सम० ५२ ठा० १० उवा० १, १७ प्रव० ६६, पचा० १, ७, १२, २, भग० १२, ५, २५, ७, वेय० १, ३३, (२) પખવાડીઆના પદર રાત્રિઓમાંની અગ્યારવી રાત્રી पक्ष की पद्रह रात्रिया म की ग्यारहवा रात्रि the 11th night of a fortnight ज० प० ७, १५२, —**अणुलोम** त्रि० (-अनुलाम) ઇચ્છાને અનુકૂળ इच्छा के अनुकूल propitious to one's desires भग० १, ३ पन्न० ११ —(ऽ) **अणुलोमिय** त्रि० (-आनुलामिक) ઇચ્છાને અનુકૂળ બોલનાર इच्छा क अनुकूल बालनेवाला (one) who speaks agreeably to one's desire आया० नि० १, ४ १ २१८ —**काम** पु० (काम) અપ્રાપ્ત વસ્તુની આકાંક્ષા अप्राप्त वस्तु का आकाक्षा desire of an unattained object उत्त० ३०, ३ —**छंद** पु० (-छन्द) સ્વચ્છન્દપણું ઇચ્છામુજબ વર્તન તે स्वच्छदता स्वेच्छाचारत्व wilful, wanton action or behaviour प्रव० १२१, —**पणीय** त्रि० (-प्रणीत—ह्यद्यमनोविषयानुकूला प्रवृत्तिरिच्छा तया विषयाभिमुखमभिकर्मबन्धमससाराभिमुख वा प्रकषण नीत इच्छाप्रणात.) સસાર વધે તેવી વિષયાનુકૂલ પ્રવૃત્તિના પ્રવાહમા તણાયેલ संसार बढानेवाली विषयानुकूल प्रवृत्ति के प्रवाह में पडा हुआ. (one) drawn by activities favourable to sensual gratifications which prolong worldly existence आया० १, ४, २, १३१, —**परिमाण** न० (-परिमाण) ઇચ્છાનું પરિમાણ-મર્યાદા બાંધવી તે પાચમું અણુવ્રત इच्छा का परिमाण-मर्यादा करना, पाचवा अणुव्रत. limitation of desires, the 5th partial vow ठा० ५, —**मुत्ति.** स्त्री० (-मुक्ति) ઇચ્છા-મુક્તિ, ઇચ્છાનો ત્યાગ इच्छा का त्याग giving up, abandonment, of desires भत्त० २०, —**लोभ** पु० (-लोभ—इच्छा अभिलाषः सावासौ लोभश्च इच्छालोभ) ઇચ્છારૂપ લોભ लोभ avarice in the form of desire ' इच्छा लोभाउ उवहिमइरं गात्ति ' ठा० ६, आया० १, ८, ८, २३ —**लोभिय.** त्रि० (-लोभिक-इच्छा लाभो यस्यास्ति स इच्छा लाभकः) મહેચ્છાવાળો, વધી ઉમેદવાળો महेच्छावाला, बहुत स्पृहावाला highly ambitious or avaricious ठा ५ —**लोल.** पु० (-लाल) ઉગ્ર પ્રમાણમાં લોભ अत्यत लाभ अत्यत लाभ Excessive avarice वव० ६,१८

इच्छाकार पु० (इच्छाकार) જુઓ ' इच्छकार ' शब्द देखो ' इच्छकार ' शब्द Vide ' इच्छकार ' उत्त० २६, ३, ओघ० ११, उवा० १, ८१

इच्छाक्कार पु० (इच्छाकार) જુઓ ' इच्छक्कार ' देखो ' इच्छक्कार ' शब्द Vide ' इच्छक्कार ' प्रव० ७६९,

इच्छा.मित्त न० (इच्छामात्र) ઇચ્છા માત્ર; યુક્તિ વિના કલ્પના માત્ર इच्छा मात्र, युक्ति बिना कल्पना मात्र Mere desire

(without a plan to carry it out) सूय० १, ७, १६;

इच्छिय त्रि० (इष्ट) ઇચ્છેલું; ઇષ્ટ; વાંછિત इच्छित; इष्ट Desired, wished for. पिं० नि० ३४२; ओव० १८, ३२, उत्त० ३०, १०, जं० प० सु० च० १२, १०, विशे० २६५३, नाया० १, ५, १२, नाया० ध० भग० १, १, २, १, ६, ३३, ११, ११, ४१, १, उवा० १, १२, कप्प० १, १२. —काम कामि त्रि० (-कामकामिन) મનગમતા ભોગ ભોગવનાર मन चाहे भोग भोगनेवाला. (one) enjoying all the pleasures that one desires जं० प० २,

इच्छियव्व त्रि० (इष्टव्य) ઇચ્છવું इच्छा करना Desiring जं० प० ३, ५२;

इक्खुरस पु० (इक्षुरस) શેરડીનો રસ गाठे का रस Sugar-cane juice क० ग० ५ ६५,

इज्जमाण त्रि० (एज्यमान) કંપાયમાન कंपायमान Trembling राय० ६४.

इज्जा स्त्री० (इज्या) યાગ, દેવ પૂજા याग देव पूजा Worship of gods a sacrifice अणुजो० २६, उत्त० १२, २.

इज्जिस्स त्रि० (इज्येष—इज्यां पूजां इच्छति एषयति वा य स्म इज्येष) પૂજાની અભિલાષાવાળો पूजा की अभिलाषा वाला (One) desirous of worshipping gods भग० ९, ३३.

इज्झमाण त्रि० (इध्यमान) દીપ્યમાન दीप्यमान Being kindled or lighted. " मदाग्गे मदा इमे इज्झमाणा " राय०

इट्टगा स्त्री० (इष्टका) ઇંટ. ईंट. A brick अंत० ३, ८, विशे० १०८२, (२) સેવ, ખાદ્ય વિશેષ. सेव, खाद्य विशेष a particular variety of food, macaroni. पिं० नि० ४६६;

इट्टया स्त्री० (इष्टका) ઇંટ ईंट A brick. जीवा० ३, १,

इट्टा स्त्री० (इष्टा) ઇંટ ईंट A brick ठा० ८. —वाय. पु० (-पाक) ઇંટ પકાવવાનું સ્થાન ईंट पकाने का स्थान a place where bricks are heated; a kiln " इट्टा वाएइवा" ठा० ८,

इट्टाल पु० ( ) ઇંટ ईंट A brick " होजकट्ठ सिल वावि इट्टाल वावि एगया " दस० ५, १, ६५, पिं० नि० भा० ४६.

इट्ठ त्रि० (इष्ट) પ્રિય, વહાલું; મન ગમતું प्यारा, प्रिय मनचाहा Beloved. dear desired जं० प० २, ३०, पन्न० १७, २३, ठा० २, ३. ओव० ३२; ३६; नाया० १ ८, ९. १४, १५, १६ विशे० २३, ६८, १११; राय० ५१, उत्त० २२, २, जीवा० १; सूय० २०, भग० १, १, २, १; १४, ५, ९ १५, १, १६, ३; पंचा० १२, उवा० १, ६, कप्प० ३, ४८, ६, १५५, निर० ३, ४, क० ग० १, ५०; —अणिट्ठ त्रि० (-अनिष्ट) ઇષ્ટ અને અનિષ્ટ इष्ट और अनिष्ट. good and evil; desirable and undesirable. प्रव० ६३४, —(ट्ठा)अनिट्ठ. (-अनिष्ट) કંઈ ઇષ્ટ અને કંઈક અનિષ્ટ, સારૂં નરસું भला बुरा, कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट good and evil mixed up together. विशे० ५१५; —गइ स्त्री० (-गति) શુભવિહાયોગતિ; ચાલવાની ગતિ इष्ट गति. de-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) page 15th.

sirable capacity of moving in space. क० प० ४, १४; —गंध. त्रि० (-गंध) સુગંધ, સુગંધિ - પદાર્થ. सुगंध; सुगंधित पदार्थ a fragrant substance ओव० —त्थ पुं० (-अर्थ) ઇચ્છેલો અર્થ, કર્મ इच्छित कर्म desired object or end, desired Karma. पचा० १६, ४७; —फल न० (-फल) ઇચ્છિત ફલ इच्छित फल desired fruit पचा० ४, ३१, —फलजणग न० (-फलजनक) અભિમતાર્થ-ફલ સાધક इच्छित फल देनेवाला (anything) yielding desired fruit, accomplishing desired object पचा० ३, ४७, —फलसाहग त्रि० (-फलसाधक) ઇચ્છિત ફલને સાધનાર इच्छित फल की साधना करने वाला (anything) accomplishing a desired object or result, पचा० ४, ३३, —फलसिद्धि स्त्री० (-फलसिद्धि) ઇચ્છિત ફલની સિદ્ધિ इच्छित फल की सिद्धि accomplishment of a desired result पचा० ४, ३३, —रूव त्रि० (-रूप) ઇષ્ટ છે રૂપ જેનું તે इष्ट रूप वाला of a beloved, charming appearance "सुबाहु कुमारे इट्ठे इट्ठरूवे" विवा० २, १, —सद्द पु० (-शब्द) પ્રિય શબ્દ; વીણા વગેરેનો શબ્દ प्रिय शब्द, वाणा वगैरह का शब्द sweet sound, e g. that of a musical instrument पञ्च० २३. —सर पु० (-स्वर) મધુરો-પ્યારો સ્વર मधुर स्वर sweet, pleasing, sound क० प० ४, १४; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) ઇષ્ટ-ઇચ્છિત વસ્તુની સિદ્ધિ. इच्छित वस्तु की सिद्धि accomplishment of a desired object. पचा० ४, ३१; —सूय. पु० (-सुत) પ્રિય પુત્ર प्रिय पुत्र a beloved son पचा० ७, ३६. —स्सर. पु० (-स्वर) પ્રિય સ્વર. प्रिय स्वर a pleasant sound पञ्च० २३;

इट्ठतर त्रि० (इष्टतर) વધારે પ્રિય, અતિશય ઇષ્ટ बहुत प्रिय, बहुत इष्ट Extremely beloved, more pleasant राय० ज० प० २, २०,

इट्ठतारिश्रा स्त्री० (इष्टतारिका) અતિશય ઇષ્ટ बहुत इष्ट Most desirable ज० प० २, २२.

इट्ठयर त्रि० (इष्टयर) વધારે પ્રિય बहुत प्रिय Highly beloved, very pleasant जावा० ३, ३

√**इड्डर** न० ( ) ગાડા કે ગાડી गाडा या गाडी A small or big cart आघ० नि० ४७६,

इड्डि[*] स्त्री० (ऋद्धि) સમૃદ્ધિ વૈભવ समृद्धि, वैभव Prosperity, wealth (२) આમર્શ-ઔષધિ આદિ લબ્ધિ आमर्श-औषधि आदि लब्धि spiritual power उत्त० ?, ४४, ?७, ६, दस० ६, २, ६ १०, १, १७. आव० ३८, सम० ६, ३०, विशे० ५८६, निर० १, १, ओघ० नि० ४६८, नंदा० ५०, राय० ४१; नाया० १; २ ८; १६ पन्न० २, सु० च० १५, ६७, सम० १, ?; ३, ६, ८ १, ६; पंचा० ६, १८, दसा० ६, २८; —गारव पुं० (-गौरव) નરેન્દ્રાદિકની તથા આચાર્યની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

ऋद्धिवडे अभिमान करी आत्माने भारे करवी ते. नरेन्द्रादिक की तथा आचार्य की ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बंध करना burdening the soul with the pride of the spiritual power of a preceptor or of the temporal power of a king etc ठा० ३, सम० ३, आव० ४, ७; —गारवज्झाण न० (-गौरवध्यान) ऋद्धिना मदनुं ध्यान; दुर्ध्याननो एक प्रकार ऋद्धि के मद का ध्यान दुर्ध्यान का एक भेद meditation upon the power of prosperity, a bad kind of meditation आउ० —पत्त पुं० (-प्राप्त) ऋद्धि-आमर्श आदि औषधिनी प्राप्ति थयेल ऋद्धि, आमर्श आदि औषधियों को प्राप्त one who has attained to spiritual or temporal prosperity पन्न० १, भग० १८, ६, —पत्ताणुओग पुं० (-प्राप्त्यनुयोग) आमर्श औषधि आदिनी लब्धि प्राप्तिनुं व्याख्यान. आमर्श आदि औषधियों की प्राप्ति का व्याख्यान a discourse on the attainment of such spiritual prosperity or power as Amosahi etc विशे० ४६९, —पत्तारिय पुं० (-प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त थयेल आर्य-अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव, वासुदेव, चारण मुनि अने विद्याधर ऋद्धि प्राप्त आर्य अर्थात् अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव, वासुदेव, चारण मुनि, विद्याधर आदि an Arya who has attained to spiritual prosperity, Arihanta, Chakravarti etc. "से किंत इड्ढि-पत्तारिया छव्विहा पण्णत्ता तंजहा" पन्न० १, —सक्कारसमुदय पुं० (-सत्कार समुदय —सत्कारः-वस्त्र सुवर्णादिभिस्तदा सत्कार पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि करीने सत्कारनो समुदाय ऋद्धि से वस्त्राभरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. presents of clothes ornaments etc. as a mark of honour विवा० ३.

इड्ढिमंत. त्रि० (ऋद्धिमत्) ऋद्धिवाळो, समृद्धिवान ऋद्धिवाला, समृद्धिवान् Prosperous, wealthy ठा० ५, २;

इणमेव अ० (इदमेव) एहिज. वही The same. भग० २ १, ६ ५, १४, ७, २०, ६;

इयामेव अ० (इदमेव) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द Vide above पन्न० ३६

इयिंह अ० (इदानीं) हमणां; अहुणा. अभी, अब. Now सूय० २, ६, १. उत्त० १२ ३२, विं० नि० ६३४, सु० च० ३, ११३, विशे० १६८, नाया० ८;

इक्कड पुं० (इक्कड) तृण विशेष तृण विशेष A kind of grass. भग० २१, ६,

इति अ० (इति) जुओ "इइ" शब्द. देखो 'इइ' शब्द Vide "इइ" दस० १, ५, नाया० ३, १६, भग० १; ४, ७, २, १५, १, १६, ६, १६, ३, २५, ७, बव० १, ३७, ७, १७, दसा० ३, २२, २६, निसी० ५, ६६, १४, १२, क० गं० १, २५,

इतिहास पुं० (इतिहास) प्राचीन काळनी हकीगत दर्शावनार इतिहास शास्त्र. प्राचीन काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र History, narration of past events भग० २, १, ओव० ३८;

इतो अ० (इतः) अहींथी. यहां से. Hence; from this place. सूय० १, १, १,

१७; उवा० ६, १७; ३४, ११८; ओव० १६; राय० ६, २१; सु० च० १, १०४, भग० १, ३; १४, ७; १५, १; विशे० ८७; पन्न० १७, क० प० १. १२; क० गं० ४, २१;

इत्तर. त्रि० (इत्वर) અલ્પ કાલનું, અલ્પ કાલ; अल्प समय का, किंचित् काल Of a short duration. सूय० १, २, ३, ८; विशे० २६. ठा० ६, पंचा० १, ६,

—परिग्गहा स्त्री० (-परिग्रहा—इत्वर-मल्पसमयकाल वा परिग्रहो यस्या सा इत्वरपरिग्रहा) થોડા વખતને માટે ગ્રહણ કરેલ, વેશ્યાદિ. थोडे समय के लिये ग्रहण की हुई, वेश्यादि a woman accepted for a short time, a harlot etc प्रव० २७, ८, **—परिग्गहियागमण** न० (-परिगृहीतागमन) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી સાથે ગમન કરવું, મૈથુન સેવવું તે, શ્રાવકના ચોથા વ્રતને પ્રથમ અતિચાર छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन करना-मैथुन सेवन करना, श्रावक के चौथे व्रत का प्रथम अतिचार sexual intercourse with a girl-wife, the first Atichāra of the 4th vow of a Jaina layman पचा० १ १६, **—परिग्गहिया.** स्त्री० (परिगृहीता) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી छोटी उमर की विवाहित स्त्री a girl-wife प्रव० २७८ **—वास.** पुं० (-वास) થોડો નિવાસ थोडा निवास. short stay or residence सूय० १, २, ३, ८;

इत्तरिय. त्रि० (इत्वरिक) થોડા વખતનું, થોડા સમયનું, અલ્પ કાલીન. अल्प कालीन. थोडे समय का. Lasting for a short time, short-lived. पचा० १०, ११. ओव० ३९; अणुजो० ११; पन्न० १, १७; उत्त० ३०, ९; भग० २५, ७, प्रव० ३, २४; ६, २०; निसी० २, ५६; १०, ५०; दसा० १, ४८; (२) પાદોપગમન મરણની અપેક્ષાએ થોડા વખતનું ઇંગિત મરણ કરવું તે. पादोपगमन मरण की अपेक्षा से थोडे समय का इंगित मरण करना. accepting the Ingita kind of death which is speedier than the Pādopagamana kind of death. आया० १, ७, ६, २२२, જવા વાળું; ગમનશીલ गमनशील having the nature to go or move or pass away. उत्त० १०, ३,

इत्तरी स्त्री० (इत्वरी) થોડા વખતના માટે રાખેલ-વેશ્યા આદિ थोडे समय के लिये रखी हुई वेश्या आदि A woman temporarily kept e g a harlot etc पचा० १, १६,

इत्ति अ० (इति) એવું, એવીરીતે આ પ્રકારે इस प्रकार का, इस तरह Thus, in this way, in that way आया० १ १, १, १३, अणुजो० १०

इत्तिअ-य त्रि० (एतावत्) એટલું એટલા પ્રમાણનું, અમુક-નિર્ણમિત પ્રમાણનું इतना इतने प्रमाण का, अमुक निर्णमित प्रमाण का That much this much; उत्त० ३०, १८

इत्थ अ० (अत्र) અહિં આ આદિ, આ ઠેકાણું यहां, इस स्थानपर Here, in this place दस० ६, ४, १ आया० १, २, ६, १८३, वव० ३, २०, पिं० नि० भा० २१, भग० १५, १, नाया० ६ १७ ज० प० वव० ४, १०,

इत्थं अ० (इत्थम्) એવી રીતે, આ પ્રકારે इस प्रकार से. In this way, thus. नाया० १ ७, ८; १५, पन्न० २,

इत्थंत्थ. त्रि० (इत्थंस्थ) लोकप्रसिद्ध आकारे रहेल; लौकिक संस्थानवाळुं. लोकप्रसिद्ध आकार से रहा हुआ, लौकिक संस्थानवाला. Remaining in a common shape, possessed of ordinary configuration of body. "इत्थंत्थ च चयइ सव्वसो सिद्धे वा हवइ सासए" दस० ६, ४, ७, ३.

इत्थि स्त्री० (स्त्री) स्त्री नारी स्त्री नारी. A woman उत्त० १, १६ नाया० ५, ८; भग० ३, ४, १५, १, क० ग० १, २०; ७ ३० **—आणमणी** स्त्री० (–आज्ञापनी) स्त्रीने आदेश करवानी बोलाववानी भाषा स्त्री को आदेश करने की बुलाने की भाषा a form of address to a woman to call her पन्न० २, **—कम्म** न० (–कर्मन्) स्त्रीने वश करवानुं काम स्त्री को वश करने का काम the work of bringing a woman under control सूय० १, ६, १३. (२) हस्तकर्म वगेरे आवद्य अनुष्ठान हस्तकर्म आदि पाप पूर्ण कार्य a sinful action like self-abuse etc सूय० १, ६ १३. **—कला.** स्त्री० (–कला) स्त्रीनी चोसठ कळा स्त्री की कला ६४ प्रकार का स्त्री-कला any of the 64 accomplishments of a woman जं० प० २ **—कलेवर.** न० (–कलेवर) स्त्रीनुं शरीर स्त्री का शरीर. the body of a woman "इत्थि कलेवराण तत्थिरएसु च बहुमाओ" पया० १, ४६. **—कहा.** स्त्री० (–कथा) स्त्री संबंधी कथा; चार विकथामांनी एक स्त्री सम्बन्धी कथा, चार विकथाओं में का एक कथा talk about women; one of the four irreligious kinds of talk. "इत्थि कहा भत्तकहा रायकहा देसकहा" ठा० ४, २; सम० ४. **—काम** पु० (–काम) स्त्रीनी कामना; स्त्रीसंबंधी काम भोग स्त्री की कामना; स्त्री सम्बन्धी काम भोग enjoyment of women, desire for sexual pleasures. "एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया" सूय० २, ७, ३५. दस० १०, ७; **—कामभोग.** पु० (–कामभोग) स्त्री सम्बन्धी कामभोग. स्त्री सम्बन्धी कामभोग sexual enjoyment, enjoyment of women. "एवमेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा" सूय० टी० २ १, १०, दसा० ६, १, **—कुलत्थ** न० (–कुलस्थ) कुलमां रहेल कुलीन स्त्री मातादि कुलीन स्त्री मातादि a noble woman; a mother etc नाया० ५, भग० १८, १०, **—गण.** न० (–गण) स्त्रीओनो समूह जथ्थो स्त्रियों का समूह a group of women; a crowd of women. "नो इत्थिगणाणं सेवित्ता भवइ" ठा० ६; **—गब्भ** पु० (–गर्भ) स्त्री संबंधी गर्भ-सजीव पुद्गल पिंड. स्त्रीसम्बन्धी गर्भ-सजीव पुद्गल पिंड fœtus, embryo. भग० ५, ४, **—गुम्म** न० (–गुल्म) स्त्रीओनो समूह स्त्रियों का समूह a bevy of ladies "इत्थिगुम्मपरिवुडे" दसा० १०; **—चोर** पुं० (चोर) स्त्रीना रूपनो चोर, परस्त्री लंपट स्त्री के रूप का चोर, परस्त्री लंपट. one enamoured of the beauty of the [illegible] of others. [illegible] (–स्थान) स्त्री [illegible] स्थान. स्त्री [illegible] place frequented [illegible]

—णाम. न० (-नामन्) જેથી સ્ત્રી રૂપે જન્મ લેવો પડે તેવી નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पड़े. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —णाम गोय कम्म. न० (-नामगोत्रकर्मन्) સ્ત્રીના ગોત્રમાં-જાતિમાં જન્મ લેવો પડે તેવું કર્મ. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female नाया० ८, —तित्थ न० (-तीर्थ) સ્ત્રીરૂપે જન્મેલ મલ્લીનાથ તીર્થંકરનું તીર્થ-શાસન. स्त्रीरूप से जन्मे हुए मल्लीनाथ तीर्थंकर का शासन the canon of Mallinātha Tīrthankara who was born as a female ठा० १०, —दोस पु० (-दोष) સ્ત્રીના દોષ-અવગુણ स्त्री के दोष अवगुण the faults of a woman the defects of a woman, "इत्थिदोसं संकिणो होंति" सूय० १, ४, १, १५ —पच्छाकड. त्रि० (-पश्चात्कृत) જેણે સ્ત્રીપણું પાછળ કરયું છે-ટાળ્યું છે તે जिसने स्त्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह (one) who has banished female birth भग० ८, ८; —पएणवणी. स्त्री० (-प्रज्ञापनी) સ્ત્રીના લક્ષણનું પ્રતિપાદન કરનાર મોહજનક ભાષા. स्त्री के लक्षण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा fascinating, captivating language describing characteristics of women पन्न० ११; —परिसह. पुं० (-परिषह) સ્ત્રી સંબંધી પરિષહ; કોઇ સ્ત્રી સયમથી ચલાવવા હાવ ભાવ કરે તો પણ ચલિત ન થવું તે. २२ પરિષહમાંનો એક. स्त्री संबंधी परीषह; कोई स्त्री, संयम से विचलित करने के लिये हाव भाव करे तो भी विचलित न होना; २२ परीषहों में का एक परीषह. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parisahas. भग० ८, ८, उत्त० २, १; —परिसहविजय पुं० (-परिषहविजय) એકાન્તવાસમા અમુક ઘણી રૂપાળી સ્ત્રી આવી, અનેક પ્રકારના હાવભાવ કટાક્ષ વગેરેથી પરિષહ આપે છતાં પણ મન ન ડગાવીને પરિષહપર વિજય મેળવવો તે एकान्तवास में कोई बहुत रूपवान् स्त्री के आने और हाव, भाव, कटाक्ष करनेपर भी मन को चलित न होने देना और परिषह विजय प्राप्त करना maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc of a fair woman in a private place भग० ८, ८, —पोसय पु० (-पोषक—स्त्रिय पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) સ્ત્રીનું ભરણ પોષણ કરનાર પુરુષ स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष a person who maintains a woman सूय० १. ४, १, २०, —भाव पु० न० (-भाव) કટાક્ષ સદર્શન વગેરે સ્ત્રીના હાવ ભાવ. कटाक्ष, सदर्शन आदि स्त्री के हाव, भाव amorous movements, glances etc of a woman "मोट्टुम्मायजमणाइ सिंगारियाइ इत्थिभावाइ उवदंसेमाणी" उवा० ८, २४८. —रज्ज न० (-राज्य) સ્ત્રીનું રાજ્ય; સ્ત્રી જ્યાં સ્વતંત્રપણે વર્તે છે તે स्त्री का राज्य, जहा स्त्री स्वतन्त्रता से व्यवहार करती है वह petticoat government "रजा अवारियाओ इत्थिरज्ज न त गच्छ" गच्छा० १. ६६, —रयण न० (-रत्न) ચક્રવર્તિની મુખ્ય પટ્ટરાણી, ચક્રવર્તિના १४ રત્નમાંનું એક રત્ન. चक्रवर्ती की मुख्य

—वेद. पुं० (-वेद) स्त्रीवेद; मोहनीयकर्मनी એક પ્રકૃતિ સ્ત્રીને વિકાર થાય તે સ્ત્રીવેદ. मोहनीयकर्म की एक प्रकृति स्त्री को जो विकार होता है वह desire or feeling particular to a woman, a variety of Mohaniya karma सम० २१ जीवा० १ उत्त० ३२ १०२

—वेदग पु० (-वेदक) સ્ત્રીવેદના ઉદયવાળો જીવ स्त्री वेद का उदयवाला जीव a soul with feminine feeling or inclination भग० २ २ २६ १

—वेदय पु० (-वेदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ६ ३१

—वेय पु० (-वेद) સ્ત્રી વેદ સ્ત્રીને પુરુષ સાથે ભોગ ભોગવવાની ઇચ્છા થાય તે स्त्री वेद स्त्री को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा होना desire on the part of a woman for sexual pleasure क० प० ७, २६, जीवा० १, भग० २ ५ उत्त० ३२, १०२ (२) જેના ઉદયથી સ્ત્રીવેદ પ્રાપ્ત થાય એવો નોકષાય મોહનીયની એક પ્રકૃતિ. नोकषाय मोहनीय की एक प्रकृति जिसके उदय से स्त्रीवेद प्राप्त हो a variety of the 9 minor deluding faults entailing feminine inclination सम० २३ (३) સ્ત્રી ભોગ સંબંધી વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર કામ શાસ્ત્ર स्त्री भोग सम्बन्धी विषय का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र काम शास्त्र sexual science सूय० १, ४ १, २३

—वेयग. पु० (-वेदक) જુઓ ઇત્થિવેદગ શબ્દ देखो 'इत्थिवेदग' शब्द vide 'इत्थिवेदग' भग० ६, ३१ ४ ठा० ४

—वेयण्णु पु० (-वेदज्ञ) સ્ત્રી વેદ-સ્ત્રી ચરિત્રમાં નિપુણ; સ્ત્રીવેદ-કામશાસ્ત્રને જાણનાર स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण; काम शास्त्र जाननेवाला one expert in sexual science one who knows the characteristics of women सूय० १, ४ १ २०

—सकिलिट्ठ त्रि० (-संक्लिष्ट) સ્ત્રીને લીધે ક્લેશ પામેલ स्त्री के कारण कष्ट पाया हुआ (one) troubled on account of a woman प्रव० १२०३

—संग पु० (-सङ्ग) સ્ત્રીનો સંગ સ્ત્રીની સોબત स्त्री की संगति company of a woman सूय० टा० २ २, १८;

संपक्क पु० (सम्पर्क) સ્ત્રી સાથે સંસર્ગ કરવો તે સહવાસ स्त्री के साथ संसर्ग करना सा स्त्रीसमागम companionship, contact, with a man सूय० टी० ० ४ १ १२

—संवास पु० (संवास) સ્ત્રી સાથે ભોગ ભોગવવો તે स्त्री के साथ भोग भोगना enjoyment of pleasures with a woman सूय० टी० १, ४, १ १०

—संसग्ग पु० (संसर्ग) સ્ત્રીનો સંસર્ગ स्त्री का संसर्ग contact with a woman दस० ८, ५७

—संसत्त त्रि० (संसक्त) સ્ત્રી સાથે સંગત કરેલ स्त्री का संग किया हुआ (one) attached to or in love with a woman ठा० १०

—सड्ढा स्त्री० (-श्रद्धा) સ્ત્રીમાં શ્રદ્ધા વિશ્વાસ રાખવો તે स्त्री में श्रद्धा विश्वास रखना confidence or trust in a woman सूय० टी० १ ४ १ २४,

—सहाव पु० (स्वभाव) સ્ત્રીનો સ્વભાવ स्त्री का स्वभाव woman nature सू० च० ४, १६७, सूय० टा० १, ४ १ ०,

—सागारिय त्रि० (-सागारिक) જેમાં સ્ત્રી રહેતી હોય તે સ્થાન जिसमें स्त्री रहती हो वह स्थान an apartment for women.

"स्त्री सम्बन्ध निवर्तक इत्थिसमागम ...वणं सच्चं सच्चइ" वेय० १, २१, २६, २७, २८;

इत्थिका. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. स्त्री. A woman. वसा० १०, ४;

इत्थित्त. न० (स्त्रीत्व) स्त्री पणुं स्त्री पना, स्त्रीत्व. Womanhood दसा० १०, ४,

इत्थिपरिण्णा स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) ए नामनुं सुयगडांग सूत्रनुं चोथुं अध्ययन. इस नाम का सूयगडांग सूत्र का चोथा अध्याय The 4th chapter of Sūyagaḍānga समः २३

इत्थियलक्खण न० (स्त्रीलक्षण) હાવ ભાવ આદિ સ્ત્રીના લક્ષણ સ્ત્રી के हाव, भाव आदि लक्षण A characteristic mark of a woman, e g glances, sportive gestures etc नाया० १.

इत्थिया स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. બૈરી स्त्री, पत्नी. A woman a wife ठा० ४, २, प्रव० ८६०, भग० १५, १, दसा० १०, ३

इत्थी. स्त्री० (स्त्री) स्त्री· नारी स्त्री पत्नी, औरत A woman, a wife क० ग० ४, २६, क० प० २ ८४, ८५, ५, ४४ "से किल इत्थीओ २ तिविहाओ पण्णत्ताओ " नाया० ८; सम० ६ जावा० १, अणुजा० १२८, ओव १६, ठा० ३ १, दसा० ७, १, आया० १, ६, २, ८, उत्त० ३०, २२ ३६, ४६, ५२ निसी० ७, २१, ६, ६, पन्न० १, सु० च० ४, १५४, दस० ५, २, २६ ६ ४६ पिं० नि० १६२, भग० २, ५ ५ ४, ६, ३ १६, ६ १८ ४ —**कलेवर** न० (कलेवर) स्त्रीनुं शरीर स्त्री का शरीर female body पंचा० १, ४६ —**कहा.** स्त्री० (-कथा) चार विकथामांनी एक. स्त्रीकथा; चार विकथा में की एक one of the four Vikathās, talk about women, आव० ४, ७; —**काम.** पुं० (-काम) स्त्री संबंधी काम भोग स्त्री सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoyment. प्रव० ८४०; —**गुत्त.** न० (-गोत्र) स्त्री गोत्र; स्त्री जाति. स्त्री गोत्र; स्त्री जाति womankind. वव० ७, १७; —**पच्छाकड.** त्रि० (-पश्चात्कृत) जुओ " इत्थि पच्छाकड " शब्द देखो " इत्थि पच्छाकड " शब्द vide " इत्थि पच्छाकड " भग० ८, ८, —**परिवुड.** त्रि० (-परिवृत) स्त्रीथी विंटायेल. स्त्री से घिरा हुआ surrounded by women निसा० ८, १०, —**मज्झगय.** त्रि० (मध्यगत) जुओ " इत्थि मज्झगयं " शब्द देखो " इत्थि मज्झगय " शब्द vide " इत्थि मज्झगय " निसी० ८, १० —**रयण** न० (-रत्न) जुओ " इत्थि रयण " शब्द. देखो " इत्थि रयण " शब्द vide " इत्थि रयण " जं० प० पन्न० १, —**रूव.** पु० (-रूप) जुओ " इत्थि रूव " शब्द देखो " इत्थि रूव " शब्द. vide " इत्थि रूव " वेय० ५, १, भग० ३, ४, —**वड** स्त्री० (-वाक) जुओ " इत्थि वड " शब्द देखो " इत्थि वड " शब्द. vide " इत्थि वड " पन्न० ११, —**वेअ-य** पु० (-वेद) स्त्रीने थती पुरुष समागमनी अभिलाषा स्त्री का होती हुइ पुरुष समागम की अभिलाषा the desire of sexual intercourse on the part of a woman ठा० ६, १, पन्न० २३, उत्त० २६, ५; —**वेद** पुं० (-वेद) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २०, ७ —**वेदग.** पुं० (-वेदक) जुओ " इत्थि वेदग " शब्द देखो " इत्थि वेदग " शब्द. vide " इत्थि वेदग " भग० २, ३१, ११, १; २४, १, २५, ६

इत्थि° ; —संसत्त. त्रि० (—संसक्त) स्त्रीमां आसक्त. स्त्री से आसक्त. attached to a woman; in love with a woman. निसी० ८, १०; —सहाव पु० (—स्वभाव) जुओ "इत्थिसहाव" शब्द. देखो "इत्थि सहाव" शब्द vide 'इत्थि सहाव' सु० च० ४, १६७,

इत्थीतित्थ न० (स्त्रीतीर्थ) १६ मा मल्लीनाथ स्त्री रूपे हता छता तीर्थ प्रवर्ताव्युं ते, दश अछेरामांनुं त्रीजुं अछेरुं स्त्री तीर्थकर, १६वें तीर्थंकर मल्लीनाथ, १० अछेरे (आश्चर्यजनक बात) में से एक the 3rd of the 10 Achherās (i. e. wonderful events), viz. the founding of a Tīrtha (religious community) by the 19th Tīrthaṅkara Mallinātha who was a woman. प्रव० ८८२,

इत्थीपरिन्ना स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) सुयगडांग सूत्रना चोथा अध्ययननुं नाम के जेमां स्त्रीओ साधुओने केवी रीते फसावी दुःखी करे छे तथा साधुये तेनाथी केम बचवुं ते विषेनो उपदेश तथा समज आपवामां आवी छे सूयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि स्त्रिया साधुओं को किस प्रकार फसाकर दुःखी करती हैं और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Sūyagadāṅga dealing with the ways in which women entice and entrap Sādhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. सूय० १, ४, २, २२, सम० १६;

इदाणिं. अ० (इदानीं) हमणां. अधुना. अभी. Now at this time. भग० ३, १, ११, ११; १४, ६, नाया० २; सू० प० १६, उवा० १, ६१,

इदुर. न० (इदुर) सुंडलो. बडी टोपली. A large basket. अणुजो० १३२; (२) मोटी पाट. बड़ा पाट—लकडी का बैठने का पाट. a large wooden seat. राय०

इण्हिं. अ० (इदानीम्) अधुना, हवे. अब इस समय Now, at this time. प्रव० ३५६,

इब्भ पु० (इभ्य) जेटला द्रव्यथी अंबाडी सहित हाथी ढंकाय तेटला द्रव्यवालो गृहस्थ इतने द्रव्यवाला गृहस्थ कि जिसके द्रव्य से अबाटी सहित हाथी ढक जाय A man possessed of wealth enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back. पन्न० १. १६, ओव० १४, २७, ठा० ६, भग० ६, ३३, अणुजो० १६, ३१, राय० २५३; जीवा० ३, ३, जं० प० नाया० ५, —कुल न० (—कुल) साहुकारनुं कुल. साहूकार का कुल a wealthy family. नाया० ५, —जाइ स्त्री० (—जाति) आर्य जाति. आर्य जाति the Ārya or civilised race "हरिया चचुया चेव छव्वेया इब्भजाइओ" ठा० ६, —सेट्ठि पु० (—श्रेष्ठिन्) नगर शेठ नगर सेठ, नगरभर का मुखिया सेठ the chief merchant-prince of a town. नाया० ५, १६,

इभ पु० (इभ) हाथी. हस्ती; हाथी An elephant. जं० प० २, कप्प० ३, ३३,

इम त्रि० (—इदम्) आ, ए, प्रत्यक्ष. यह, प्रत्यक्ष This, that. ओव० ३१; भग० १, ३२; ३३; ३६; ७, ४, १८; दसा० १,

इ; ४, १; ५; ३, १६; निसी० ६, ४; विशे० २६८; सु० च० १; ६४, ३, १३८, भग० ५, १; क० ६, पञ० १५.

इमेमाण. अ० (अस्मन्वन) એટલામાં, તે દરમ્યાન, એ વખતમાં. इतने में; इतने समय में During that time, meanwhile अंत० ३, ८, नाया० १, ५, १३, १४, १६,

इमेयारूव त्रि० (एतद्रूप) આપ્રકારનું, આપ્રમાણે. इस प्रकार, इस तरह In this way, thus नाया० ३, ७, ८, १२, १३, १४, १६, विवा० ७, दसा० १०, ३, वव० २, २३ उवा० १, ६६, ३ १३८, ४, १५१, कप्प० ५, १०३, भग० २, १,

इमेरिस त्रि० (ईदृश) આ જેવું, આપ્રકારનું. इस प्रकार का, इसके समान Of this sort, of this nature " इमेरिस मणयायारं आवजइ अबोहिय " दस० ६, ५७.

इय अ० (इति) આ પ્રકારે, એ પ્રમાણે इस प्रकार से, इस तरह से Thus, in that way नाया० १, दस० ६, २१ पिं० नि० २०१, सु० च० १, ६४, विशे० ७४, ३६०२; आया० १, २, ३, ७७, १, ६, २, १८३, उवा० ७, २१६ पंच० २ पंचा० ४, ३२ क० गं० १, ५, २६, ३०, ६१, (२) સમાપ્તિ. समाप्ति a word marking conclusion दस० ६, ६६ नाया० ६ पिं० नि० ३०६ क० गं० १, २५, ३, ४;

इयर्सिंह अ० (इदानीं) હમણા अभी Now, at this time ठा० ३, ३;

इयर. त्रि० (इतर) બીજું, અન્ય, भिन्न दूसरा, अन्य; भिन्न Another; different; other. पञ० २१; विशे० २६; ७५; आया० १, ६, २, १८४; नाया० ५; ११, सू० प० ११, पिं० नि० भा० ७, सू० च० १, १; कप्प० १, ३; क० गं० १, ८; पंचा० १, ६, —कुल न० (-कुल) અન્ત પ્રાન્ત કુલ अन्य कुल another family, different family " इयरेहिं कुलेहिं " आया० १, ६, २, १८४, —भेय पुं० (-भेद) અન્ય ભેદ अन्य भेद; दूसरा भेद another difference; another variety विशे० ६७;

इयरत्थ अ० (इतरत्र) બીજે સ્થલે दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere विशे० १२८;

इयरविह त्रि० (इतरविध) ઇતર-બીજા પ્રકારનું अन्य प्रकार का Of another sort; different. क० गं० १, ८;

इयरहा अ० (इतरथा) અન્યથા; નહિ તો अन्यथा In another way; otherwise भत्त० ३६, प्रव० १४८१,

इयाणिं. अ० (इदानीम्) હમણા, અધુના अभी. Now, at this time ओव० ३८, नाया० १ ५, १३, १४; १६, १८; भग० १, ४, ६; ७, ६, १४, २; राय० २५२. आया० १, १, ४, ३५. जं० प० ७, १४१; कप्प० ४, ६३,

इयाल स्त्री० (एकचत्वारिंशत्) એકતાલીસ; ૪૧ની સંખ્યા इकतालीसवी संख्या Forty-one, 41 " चउक पचग संजोगेणं इयाल भगसयं भवति " भग० २०, ५,

√**इर** धा० II. (इर) પ્રેરણા કરવી प्रेरणा करना To impel; to incite. (२) ગમન કરવું गमन करना. to go. इरेइ विशे० १०६०,

इरिय त्रि० (इरित) પ્રેરણા કરેલ प्रेरित; गति कराया हुआ. Made to go; prompted, विशे० ११४४;

इरियावहिअज्झयण. न० (ईर्यापथाध्ययन) આચારંગ સૂત્રની પ્રથમ ચૂલિકાનું ત્રીજું અધ્યયન आचारांग सूत्र की प्रथम चूलिका का तीसरा अध्ययन. The third chapter of the first Chūlikā of Āchārānga Sūtra. आया० २, ३, १, ३०५,

इरियविह. त्रि० (ईर्यार्थ) ઈર્યા-વિશુદ્ધિ અર્થે ईर्या अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking ठा० ६;

इरिआ-या स्त्री० (ईर्या) ગમન ક્રિયા, ઉપયોગપૂર્વક ચાલવું તે; સમિતિનો એક પ્રકાર. गमन क्रिया, उपयोगपूर्वक चलना, समिति का एक भेद. Carefulness in walking, a variety of Samiti or carefulness. ओव० १७, भग० २, १, ३, ३, पिं० नि० ६६२, उत्त० २४, २, ४; उवा० १, ७८, —असमिति स्त्री० (-असमिति) ઈર્યાસમિતિનો અભાવ ईर्यासमिति का अभाव lack of carefulness in walking भग० २०, ?, —वह. पुं० (-पथ) ગમન માર્ગ જાને का मार्ग a way or road to go by. भग० ३, ३, ११, १०, ठा० —वह किरिया स्त्री० (-पथ क्रिया) ગમન ક્રિયા વિશેષ. गमन की क्रिया विशेष a kind of Karma arising from walking ठा० ५, —वहिअ त्रि० (-पथिक) તેરમુ ક્રિયા સ્થાનક, સમિતિ ગુપ્તિ યુક્ત યત્નાવંત સાધુને હાલતાં ચાલતા આંખની પાંપણ હલાવતા યોગ નિમિત્તે ક્રિયા લાગે તે तेरहवां क्रिया स्थानक, समिति, गुप्ति युक्त यत्नावान् साधु को हलन चलन करने या आंख के पलकों को हलाने पर योग के अर्थात् मन वचन, काय के कर्म के निमित से जो कर्म बंध हो वह. the 13th source of Karma (Kriyā-sthānaka), a Karma incurred by a careful and well-restrained Sādhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc सम० १३, सूय० २, २, १६, २३; —वहिय बंध. न० (-पथिकबन्ध) ગમનક્રિયા થી લાગતો કર્મ બંધ गमन की क्रिया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग० ८, ८, —समिइ स्त्री० (-समिति) ચાલવામા યત્ના રાખવી તે, પાચ સમિતિમાની પેલી સમિતિ चलने मे यत्नाचार रखना, इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिससे जीवों को बाधा न हो. पांच समिति में की पहिली समिति carefulness in walking, the first of the 5 Samitis ठा० ५, ३ ८ कप्प० ५, ११६, —समिय त्रि० (समित) યત્ના પૂર્વક ચાલનાર, ઈર્યા સમિતિ યુક્ત यत्नाचार पूर्वक चलने वाला इर्या समिति का पालन करनवाला (one) walking with care and attention. नाया० १; ५, १४, १६. भग० ?, १ १२, १, १८, २, २०, २, दसा० ५, ६.

इरियावहिआ स्त्री० (ईर्यापथिकी) ઇરિયાવહી ક્રિયા ११-१२-અને १३ મેં ગુણઠાણે ઉપશાંતમોહ કે ક્ષીણમોહવાલા સાધુને કેવલ યોગ નિમિત્તે સાતાવેદનીય કર્મ રૂપે કર્મબંધ થાય તે इरियावही क्रिया, ११, १२ और १३ वें गुणस्थान में उपशांत मोह या क्षीण मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त से साता वेदनीय कर्म रूप जो बंध हो वह. Iriyāvahī Kriyā, i. e Karmic bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (Guna Sthāna) arising from Kevala yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower, (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.) ठा० २, १, आव० ४, ३; प्रव० ७८, भग० १, ६०, ३, ३, ६, ३; ८, ८, १८, ८, नाया० १६, वेय० ३, १६; दस० ५, १, ८८, —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ७, १, ७,

इला. स्त्री० (इला) જંબુદ્વીપમાંનું એક ક્ષેત્ર. जंबुद्वीप में का एक क्षेत्र Name of a region in Jambū Dvipa. ज० प० ठा० ४, (२) ઇલાવર્ધન નગરની એક દેવી. इलावर्धन नगर की एक देवी name of a goddess of the town of Ilāvardhana. जं० प० (३) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી એક દિશાકુમારી पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी name of a Diśākumārī residing on the western Ruchaka mountain ज० प० —कूड. न० (-कूट) ચૂલ હિમવંત પર્વત ઉપર ઇલાદેવીના વાસવાળુ ચોથું શિખર चूल हिमवंत पर्वत का चौथा शिखर जहां इलादेवी का निवास है the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ilā resides ठा० ४; ज० प० (२) શિખરી પર્વતના ૧૧ કૂટમાનું નવમું કૂટ-શિખર शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवां शिखर. the ninth of the 11 summits of the Sikhari mountain. ठा० ४; जं० प०

इला देवी स्त्री० (इला देवी) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત પર રહેનારી આઠ દિશા કુમારિકાઓની પહેલી पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहनेवाली आठ दिशा कुमारिकाओं में से पहिली दिशाकुमारी The first of the eight Disākumāris residing on the western Ruchaka mountain निर० ६, १; ज० प० ५, ११४; —कूड. न० (-कूट) જુઓ " इलाकूड " શબ્દ देखो 'इलाकूड' शब्द vide 'इलाकूड' ज० प० ४, ११६,

इलापुत्त पुं० (इलापुत्र) ઇલાવર્ધન નગરના રહેનારા એક શેઠનો પુત્ર-એલાચી કુમાર કે જે એક નટડીમા લુબ્ધ થઈ કુલ જાતિથી ભ્રષ્ટ થયો હતો પણ પાછળથી બોધ પામી દીક્ષા લીધી હતી इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक सेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ध होकर कुल जाति से भ्रष्ट हो गया था और पीछे से बोध को पाकर दीक्षित हुआ Elāchī Kumāra a son of a merchant of Ilāvardhana town, he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk जं० प०

इलावइ पुं० (इलापति) એલાપત્ય ગોત્રનો પ્રકાશક આદિ પુરુષ एलापत्य नामक गोत्र का आदि पुरुष. The progenitor of the family called Elāpatya. नंदी०

इलावद्धण. न० (इलावर्द्धन) ઇલાચી પુત્રનું નિવાસ સ્થાન; ઇલાવર્ધન નગર. इलाची पुत्र का निवास स्थान; इलावर्धन नगर.

The residence of Ilāchīputra viz the town called Ilāvardhana. जं० प०

इलिका-का. स्त्री० (इलिका) ઇયળ, એલ; ચોખા વગેરે ધાન્યમાં પડતો એક કીડો इली; चावल वगैरह धान्यों में होनेवाला एक कीड़ा A worm found in rice and other grains. विशे० ४३०;

इली. स्त्री० (इली) કરવાલ, બે ધારવાળી તલવાર दो धारवाली तरवार A double edged sword पराग० १, ३;

इव अ० (इव) પેઠે પરે, જેવું, માફક. तुल्य; सदृश Like, as सम० ३०, दसा० ६, १, नाया० १, ३, ८ १५, १६, १८; दस० ६, ६६, ६, २, १२, भग० ८ ३३, १६, ३, २५, ७, आया० १, ५, १, १४२; ओव० १०, उवा० २, १ २, क० गं० १, ३६, ५२,

इसणा स्त्री० (इषणा) અન્વેષણા, ઇષ્ટ વસ્તુમાં પ્રીતિ અને અનિષ્ટ વસ્તુમાં ત્યાગબુદ્ધિ इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु मे त्याग बुद्धि. Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false आया० १, ४, १, १२५,

इसि पुं० (ऋषि) ઋષિ જ્ઞાનવાન સાધુ મુનિ. ऋषि, ज्ञानवान साधु, मुनि A sage, a saint, an ascetic "इसीणं सेट्ठे तह वद्धमाणे" सूय० १, ६, २२; २, १, ६०. जं० प० ३, ५७, पराह० २; ओव० ३६, दस० ६, ६७, सम० ६, ३४; १६, ३; अणुजो० १२८, ठा० ३, १; उत्त० १२, ३४, २८, ३६; नाय० ... पं० प० ३, ५७; —परिसा स्त्री० (परिषद्) અતિશય જ્ઞાનવાળા ઋષિઓની પરીષદ્ સભા अतिशय महान् ज्ञानवाले साधुओं की सभा an assembly of highly enlightened saints. भग० ६, ३३, दसा० १०, १ —वंस पु० (-वंश) ગણધર સિવાયના તીર્થંકરના શિષ્યોનો વંશ गणधर के सिवाय तीर्थंकरों के शिष्यों का वंश the lineage of the disciples of Tirthankaras excepting the Ganadharas (२) તે વંશનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર સમવાયાંગ વગેરે उक्त वंश का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र समवायांग वगैरः the scripture e g Samavāyānga etc dealing with the above सम० ०

इसिगणिआ. स्त्री० (ऋषिगणिका) એ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલ દાસી उस नाम के अनार्य देश में जन्मी हुई दासी A female servant born in a non Arya country of the name जं० प० भग० ६, ३३ ओव० ३३

इसिगुत्त पु० (ऋषिगुप्त) વસિષ્ઠ ગોત્રના સુહસ્તિન્ આચાર્યના એક થિવર શિષ્ય वाशिष्ठ गोत्र के सुहस्तिन् आचार्य के एक थवर शिष्य Name of a Thivara disciple of the preceptor Suhastin, of the Vasistha family (२) એ નામનું માણવગણનું પ્રથમ કુલ इस नाम का माणवगण का प्रथम कुल name of the first family of Mānavagana. "थेरेहिंतोणं इसिगुत्तेहिंतो वासिट्ठसगोत्तेहिं" कप्प० ८,

इसिगुत्ति न० (ऋषिगुप्ति) એ નામનું માણવગણથી નીકળેલ કુલ. माणवगण से निकले हुए कुल का नाम Name of a

family-offshoot derived from Māṇava Gaṇa. कप्प॰ ८;

इसिण. पुं॰ (इसिन) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ एक अनार्य देश का नाम A non-Ārya (uncivilised) country of this name नाया॰ १.

इसिणिया स्त्री॰ (इसिनिका) ઇસિણ નામક અનાર્ય દેશની સ્ત્રી. इसिण नामक अनार्य देश की स्त्री. A woman of a non-Ārya country (uncivilised country) named Isiṇa पन्न॰ १, नाया॰ १

इसिदत्तिय पुं॰ (ऋषिदत्तक) રિસિગુપ્ત થિવરથી માણવગણનું નીકલેલ બીજું કુલ ऋषिगुप्त स्थविर स निकला हुआ मानवगण का दूसरा कुल. The 2nd Māṇava-gaṇa lineage starting with the saint Risigupta कप्प॰ ८,

इसिदास पुं॰ (ऋषिदास) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રિજા વર્ગના ત્રિજા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम Name of the third chapter of the third section of Anuttarovavai Sūtra. (२) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી છઠ્ઠ છઠ્ઠને પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઇ ઘણા વરસની પ્રવ્રજ્યા પાલી એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ પામશે. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थवाही का पुत्र, जिसने कि दीक्षा लेकर ११ अंग पढे, और प्रत्येक छट्ठ २ (दो २ अनशन) का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली और बहुत वर्षों तक प्रव्रज्या का पालन कर अन्त में एक मास का संथारा किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्ध विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां से एक भव और धारण कर मोक्ष जावेगा name of a son of the merchant Bhadrāsārthavāhī of the city of Kākandī He took Dīkṣā, studied 11 Angas, took a vow to take food after every two fasts, practised asceticism for many years and after a Santhārā (giving up food and water) for one month was born in the heavenly abode called Sarvārtha Siddha whence after one birth he will get salvation अणुत्तो॰ ३, ३ —उज्झयण न॰ (-अध्ययन) અણુત્તરોપપાતિક સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના ત્રીજા અધ્યાનું નામ अणुत्तरोपपातिक सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम name of the third chapter of the third section of the Anuttaropapātika Sūtra. ठा॰ १०,

इसिदिण्ण पुं॰ (ऋषिदत्त) જમ્બુદ્વીપના ઐરવતક્ષેત્રના ચાલુ અવસર્પિણીના પાંચમા તીર્થંકર સુમતિનાથ પ્રભુના સમકાલીન जंबूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी काल सम्बन्धी पांचवे तीर्थंकर सुमतिनाथ स्वामी के समकालीन The 5th Tīrthaṅkara (contemporary of Lord Sumatinātha) of the present Avasarpiṇī in the Airavataksetra of Jambūdvīpa सम॰ प॰ २४०; (२) કોટીકકાકન્દકાચાર્યના થવિર શિષ્ય. कोटिक काकन्दकाचार्य का स्थविर शिष्य. name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कप्प० ८;

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) पांचमा वासुदेवना त्रीज्‍ा पूर्वभवनुं नाम. पांचवें वासुदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva सम० प० २३६, (२) इसिवाय जातिना व्यंतर देवनो इंद्र. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya. ठा० २,

इसिभद्दपुत्त पुं० (ऋषिभद्रपुत्र) आलंभिका नगरीना मुख्य श्रावक आलंभिका नगरी का मुख्य श्रावक The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, १२,

इसिभासिय न० (ऋषिभाषित) ऋषिभाषित नामनुं एक कालिक श्रुत के जेमा तीर्थंकर आदिनी स्तुति करेल छे हाल तेनो विच्छेद थइ गयो छे ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिस मे कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है वर्तमानमे इस श्रुत का विच्छेद होगया है Name of a Kālika Śruta (not extant) scripture containing the praises of Tīrthaṅkaras etc सम० ४४, विशे० १०५५, नंदी० ४३, (२) त्रि० ऋषि मुनिए कहेल उत्तराध्ययन वगेरेना अध्ययनो. ऋषि-मुनि-द्वारा कहा हुआ उत्तराध्ययन वगैरह का अध्याय chapters of Uttarādhyayana etc narrated by ascetics विशे० ५५४;

इसिभासियदसा... न० (ऋषिभाषिता...) प्रश्नव्याकरणदशानुं त्रीजुं अध्ययन प्रश्नव्याकरणदशा का तीसरा अध्याय. The third chapter of Praśnavyākaraṇa Daśā. ठा० १०;

इसिया. स्त्री० (इषिका) घासनी सळी. घासकी सलाई A blade of grass. "केइ पुरिसे मुंजाओ इसिय अभिणिवट्टित्ता" सूय० २, १, १६,

इसिवाइ पु० (ऋषिवादिन्) वाणव्यंतरनी १६ जातमानी ११ मी जात वाणव्यंतर की सोलह जातियों मे की ११ वीं जाति The 11th of the 16 classes of Vāṇavyantara hell-gods पन्न० २, ओव०

इसिवाइय पु० (ऋषिवादिक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above ओव० २४, पएह० १, ४

इसिवाल. पु० (ऋषिपाल) जुओ 'इसिपाल' शब्द देखो 'इसिपाल' शब्द Vide "इसिपाल" पन्न० २, ठा० २, ३,

इसिवालिय पु० (ऋषिपालित) इसिवाय जातिना व्यन्तरनो इंद्र इसिवाय जाति के व्यनर देवों का इन्द्र The Indra of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods ओव० (२) माढरस गोत्रा आर्यशान्तिसैनिकना स्थविर शिष्य माढरस गोत्र के आर्यशान्तिसैनिक के स्थविर शिष्य the Sthavira disciple of Ārya Śāntisainika of the Māṭharasa family (३) तेना उपरथी नीकलेल शाखा उक्त गोत्र पर से निकला हुई शाखा a lineal branch from the above "थेरेहिंतो अज्जइसिवालि-एहिं तो इत्थणं अज्जइसिवालिया साहा निग्गया" कप्प० ८,

इसीपब्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) जुओ 'इसिपब्भारा' शब्द. देखो 'इसिपब्भारा'

...Vide "...." पत्र० २; ...० ४३;

इस्सत. पुं० (ऐष्यत्) ભવિષ્ય કાલ भविष्य काल; आगामी काल. The future time विशे० ५०८.

इस्सर. पुं० (ईश्वर.) દક્ષિણના ભૂતવાદી જાતના વ્યન્તરદેવતાનો ઇંદ્ર दक्षिण के भूतवादी जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र Indra of the Bhūtavādī kind of Vyantara gods of the south पन्न २. (२) માલિક સરદાર, સામાન્ય રાજા मालिक, सरदार सामान्य राजा an owner a lord, a king जीवा० ३ ३. निर० १ १ दसा० ६, १३, १४, —**वाइ** पु० (वादिन्) ઈશ્વર જગતકર્તા છે, એવો વાદ કરનાર ईश्वर जगत् कर्ता है, इस प्रकार वाद करने वाला one who holds that God is the creator of the universe सूय० टी० १, १ २, ५.

इस्सरिय न० (ऐश्वर्य) ઐશ્વર્ય મહોટાઇ ऐश्वर्य; समृद्धि, बड़प्पन Power, wealth, greatness पन्न० २३, अणुजो० १३१, उत्त० १८, ३२. प्रव० १०७०, विशे० १०४८, —**मय-य** पु० (-मद) ઐશ્વર્યને - મ્હોટી સંપત્તિ વગેરેનો મદ. ऐश्वर्य-समृद्धि वगैरह का मद pride, intoxication, of power, wealth etc सम० ८, ठा० ८,—**मद्** पु० (-मद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ८, ६ —**सिद्धि** पुं० (-सिद्धि) ઐશ્વર્યની સિદ્ધિ-પ્રાપ્તિ. ऐश्वर्य की प्राप्ति acquisition of power and wealth. सय० १, १, ३, १४.

इस्सरीकय. त्रि० (ईश्वरीकृत) ધનાઢ્ય નથી તેને ધનાઢ્ય બનાવેલ. जो धनाढ्य न हो उसे धनाढ्य बनाया हुआ (One) raised to power and wealth सम० २१; दसा० १, १३,

इस्सा स्त्री० (ईर्ष्या) અદેખાઇ. अदेखाई, ईर्षा; दूसरे का वैभव, माल आदि सहन न होना Envy, jealousy उत्त०३४,२३,

इह अ० (इह) અહિઆ; આ લોકમાં. यहां; इस लोक मे. Here, in this world राय० २३; नंदी० ४५, नाया० १, ३, ६, ७, ८, ६, १५; १६, भग० १, ६, ७, १, ३, २, ५, ३, ५, ४, ७, ६, ५, ८, ८, १८, ५; सूय० १, १, १, ७, आया० १, १, १, ३, दस० ४, ६, ३, १५, दसा० १, ३; विशे० ४१, निर्मी० ६, १२; क० ग० १, ३-२१, २ १७, जं० प०७, १३३, —**गय** त्रि० (-गत) અહિંઆ રહેલો यहां रहा हुआ. standing here, remaining here नाया० ध० भग० २, १; ६, ६, ७, ६ ६; जं० प० ७, १३३,

इहइं अ० (इह) અહીં यहां Here सू० च०१८,३०,

इहं अ० (इह) અહિ, ઇહાં यहां, Here. आया० १, १, १, १, नाया० १, २; ५, ६. १५, १६, १७ पि० नि० २१६

इहत्थ त्रि० (इहार्थ-इहैव जन्मन्यर्थः प्रयोजनं यस्य) આલોકના અર્થ સુખનો અભિલાષી. इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला. (One) desirous of the happiness of this world ठा० ४, ३;

इहभव. पु० (इहभव) આ ભવ, આ જન્મ. મનુષ્ય જન્મ यह भव; यह जन्म; मनुष्य जन्म This life; this world; human birth. नाया० ४; ७; ६, १३, १५, १८, भग० २, ५,

इहभविय. त्रि० (इहभविक) આભવ સંબંધી; આ ભવમાં રહે તેવું. इस भव संबंधी. Pertaining to, belonging to, this birth. भग० १, १, ३, ५, ३, **—आउय.** न० (-आयुष्) આ ભવનું આયુષ્ય. इस भव संबंधी आयु duration of life in this birth. भग० १, ३ ५, ३; **—चरित.** न० (-चारित्र) આ-ભવ-જન્મનું ચારિત્ર इस जन्म का चारित्र the right-conduct of this birth भग० १, १, **—णाण.** न० (-ज्ञान) આ ભવમા રહે એવું જ્ઞાન इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान. knowledge remaining with the possessor in this birth भग० १, १,

इहरहा. अ० (इतरथा) અન્યથા अन्यथा Otherwise, in another way. पंचा० १०, २२;

इहरा. अ० (इतरथा) અન્યથા, બીજી રીતે अन्यथा, दूसरी तरह से· Otherwise, in a different way विशे० १ ६; सु० च० ७, २८४, पिं० नि० ४३१, पंचा० २, ३०,

इहलोइय त्रि० (ऐहलौकिक) આ લોક સંબંધી इस लोक सम्बन्धी Pertaining to this world सम० ६, आया० १, ६, २, ६, २, ११, १७०; **—परलोइय** त्रि० (-पारलौकिक) આ લોક અને પરલોકનું इस लोक और परलोक का pertaining to this world and the next world ठा० ३;

इहलोग. पुं० (इहलोक) આ લોક, આ જન્મ, મનુષ્યભવ. यह लोक; मनुष्यभव, वर्तमान जन्म. This world, this birth, human birth. पिं०नि०२६५; दस०६,२, १३; उवा० १, ५७; **—आसंसपओग.** पुं० (-आशंसाप्रयोग) આ લોકમાં હું રાજા થાઉ ઇત્યાદિ ઇચ્છા કરવી તે; સંથારા-નો પ્રથમ અતિચાર इस लोक में मैं राजा बनूं, इत्यादि इच्छा करना, संथारा का प्रथम अतिचार desire of being a king in this world and such other desires, the first step of violation of Santhārā उवा० १, ५७, **—पडिणीय** त्रि० (-प्रत्यनीक) મનુષ્ય-લોક સંબંધી કામભોગથી વિરૂદ્ધ વર્તનાર પંચાગ્નિ તાપસ વગેરે, અથવા માનુષિક કામ ભોગમા ઉપદ્રવ કરનાર, અથવા મનુષ્ય ભવ-સંબંધી વિપરીત પરૂપણા કરનાર मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पंचाग्नि तापस वगैरह' अथवा मानुषिक कामभोग मे उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्ररूपणा—विरुद्ध वर्णन करने वाला (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures, or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures, or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life ठा० ३. **—पडिबद्ध** त्रि०(-प्रतिबद्ध) આ લોકમા મચેલ, આ ભવના ભાગમા લપટાયેલ इस लोक मे-संसार मे लुप्त, इस भव के भोगों मे तल्लीन plunged or steeped in the pleasures of this world ठा० ४, ४, **—परत्तहिय** त्रि० (-परत्र-हित) આ લોક અને પરલોકનું હિત इस लोक और परलोक का हित. benefit or welfare of this world and the next world दस० ८, ४४; **—भय.**

पुं० (-भय) मनुष्य तिर्यंचादिकथी उत्पन्न थतुं भय; सात भयमांनु एक प्राणियों-मनुष्य तिर्यंचादिकों से उत्पन्न भय-डर fear arising from the beings (men, animals, etc,) of this world सम० ७, ठा० ७, १, —वेयण पुं० (-वेदन) आ लोकना सुखनो अनुभव इस लोक के सुख का अनुभव experience of the happiness of this world आया० १, ५, ४, १५८ —वेयणवेज्ज त्रि० (-वेदनवेद्य) आ भवमाज वेदवाथी वेदाइ जाय तेवुं कर्म, प्रमत्त संयतिने इच्छाविना मात्र काय योगथी बांधेल कर्म इस भव में ही वेदने से—भोगने से भोगा जाय—ऐसा कर्म, प्रमत्त संयति का भी बिना इच्छा के केवल काया के योग से बांधा हुआ कर्म (Karma) the result of which can be exhausted (borne) in this world. (Karma) incurred by an erring ascetic without special desire, merely by the weakness of the flesh आया० १, ५, ४, १५८, —वेयण वेज्जा वडिय त्रि० (वेदन वेद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मनि वेदनमनुभवनमिहलोकवेदन तेन वेद्यमनुभवनीयमिहलोकवेदन वद्य तत्रापतितमिहलोकवेदन वेद्यापतितम्) आ भवमाज भोगवाइ जाय एवुं कर्म; इच्छा विना मात्र काययोगथी कर्म बंधाय ते. इस भव में ही भुगता जाय, ऐसा कर्म; बिना इच्छा के केवल काया के योग से जिस कर्म का बंधन हो वह. (Karma) the result of which is exhausted (borne) in this very birth incurred without volition, through weakness of the flesh आया० १, ५, ४, १५८,—संवेगिणी. स्त्री०(-संवेगिनी) आ संसारनुं स्वरूप जाणीने वैराग्य पमाय तेवी कथा ऐसी कथा जिससे संसार स्वरूप जान कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creating disgust towards this world by showing its worthlessness. ठा० ४,

इहलोय पुं० (इहलोक) जुओ 'इहलोग' शब्द देखो 'इहलोग' शब्द. Vide "इहलोग" निसी० १२, ३५, नाया० २, ५, १७, १८, सु० च० ४, ६७, —भय न० (-भय) आ लोकनुं-तिर्यंच मनुष्य वगेरेथी थतुं भय. इस लोक का भय. fright caused by beings in this world e g by men, brutes, etc प्रव० १३३४,

इहेव. अ० (इहैव) अहिंज यहां ही. Here, in this very place नाया० १, ८ ६ १४ १६, भग० ३, २, १५, १.

ई.

ईइ. स्त्री० (ईति) उपद्रव उपद्रव, विघ्न Disturbance, obstruction. ओव०

ईइ स्त्री० (ईति) अतिवृष्टि अनावृष्टि आदि उपद्रव अतिवृष्टि अनावृष्टि आदि उपद्रव A calamity such as excess of rain, drought etc प्रव० ४५०;

ईति. स्त्री० (ईति) १ स्वचक्रभय, २ परचक्र-भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ ऊँदर, ६ तीड अने ७ शुक एम सात ईति कहेवाय छे. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अना-वृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ टिड्डी, और ७ शुक यह सात प्रकार के भय हैं. A calamity, a disturbance; it is sevenfold; (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (6) from parrots and (7) from rats जं० प० १,१०; सम०३४, —बहुल त्रि० (-बहुल) जेमा स्वचक्र भय आदि ईति घणी होय ते. जिसमें स्वचक्र भय आदि भय बहुत हो that which is full of calamity, disturbance, from friends etc. ज० प० १, १०,

√ईर. धा० I, II (ईर्) प्रेरणा करवी प्रेरणा करना To prompt, to direct "ईरंति" दस० ६, ३६,

ईरिय. त्रि० (ईरित) प्रेरणा करेल, हांकेल, हलावेल. प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ, हांका हुआ Prompted, directed "समीरिया कोट्टबलिं करेंति" सूय० १, ५; २, १६; (२) कहेल, प्रतिपादन करेल, कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ told, explained. आया० १, ६, ४, १६२,

ईरिया. स्त्री० (ईर्या) जुओ "इरिया" शब्द. देखो "इरिया" शब्द Vide "इरिया" ओघ० नि० ७४८; ओघ० ४१, —समिइ स्त्री० (-समिति) जुओ "इरियासमिइ" शब्द. देखो "इरियासमिइ" शब्द vide "इरियासमिइ" सम० ५; ठा० ८, १,

ईस. पुं० (ईश) ईश्वर; ईश्वर. God; lord [illegible]

ईसक्खा. त्रि० (ईशाख्य-ईश ईश्वर इत्याख्या प्रसिद्धिर्यस्य) ईश्वर-नायक तरीके जेनी प्रसिद्धि होय ते ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर जिसकी प्रसिद्धि हो वह (One) famous as a leader, or commander. जीवा० ३,

ईसणिया स्त्री० (ईशानिका) ईशान देशमां उत्पन्न थयेल दासी ईशान देश में उत्पन्न दासी A maid servant born in the country of Īśāna नाया० १,

ईसत्थ न० (इष्वस्त्र) धनुर्विद्या, थोडाने घणुं अने घणाने थोडुं लश्कर बतावनानी ७२ कलामांनी एक कला धनुर्विद्या, युद्ध संबंधी शास्त्र, थोडी सेना को बहुत और बहुत सेना को थोडी बतलानेवाली ७२ कलाओं में की एक कला Science of archery, one of the 72 arts viz that of causing a large army to appear small and vice versa नाया० १, पराह० १, ५, जं० प० २ सम० ओव० ४०,

ईसर पु० (ईश्वर) ईश्वर परमेश्वर ईश्वर, परमेश्वर God आया० २, २, ३, ८६, पचा० १७, २१, (२) मालिक धणी नायक मालिक सरदार; स्वामी, नायक lord, master commander कप्प० २, ८३, निर० ३, ४ जं० प० ३, ४३ नाया० ५, ७, १४, आया० २, ७, १, १५५ (३) युवराज युवराज an heir-apparent नाया० १, अणुजो० १६ (४) सामान्य मांडलिक राजा सामान्य मांडलिक राजा a king, a chief अणुजो० १६; (५) अमात्य; प्रधान मंत्री, प्रधान, कारभारी. a minister, chief minister. अणुजो० १६, (६) श्रीमंत; शेठ; श्रीमान्; धनी; सेठ a wealthy person;

lord of wealth. विशे० १४४१; सम० ९०; (७) लवण समुद्रनी अन्दरमा उत्तर दिशामे ईश्वर नामनो महापाताल कलश। लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश an infernal pot-like structure so named in the centre of Lavana ocean in the north जीवा० ३ ४ ठा० ४ २ सम० ५२ (८) भूतवादि व्यंतरना व्यंतर देवनो इन्द्र भूतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhutavadi ठा० २ ३ (६) अणिमादि ऋद्धिवाला समर्थ अणिमादि ऋद्धिवाला समर्थ powerful possessed of Yogic powers like Anima etc पन्न० १६ (१०) चोथा तीर्थंकरना यक्ष देवतानुं नाम चौथे तीर्थंकर के यक्ष का नाम name of the Yaksa deity of the fourth Tirthankara प्रव० ३७५ —कारणिअ त्रि० (-कारणिक) ईश्वरने जगतनुं कारण माननार जगतकर्तृवादी ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग जगत्कर्तृत्व वादी (one) who holds that God is the creator of the universe सूय० ? १ १५ —पभिइ त्रि० (प्रभृति) ईश्वर प्रभृति आदि ईश्वर प्रभृति आदि God etc ज० प० ३ ४२

ईसरिअ य न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्य मोटाई संपत्ति ऐश्वर्य बड़प्पन संपत्ति Great ness wealth power अणुजो० १३१ —मय पु० (मद) जुओ ईस्सरियमय शब्द देखो 'इस्सरियमय' शब्द vide "इस्सरियमय" ठा० ८, १;

ईसरी कय त्रि० (ईश्वरीकृत) ईश्वर धनाढ्य नहि तेने धनाढ्य करवामां आवेल जो धनाढ्य नहीं हो उसे धनाढ्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह (One) raised to greatness and wealth सम० १०

ईसा स्त्री० (ईर्ष्या) अदेखाई अदेखाई ईर्षा दूसरे का वैभव आदि सहन न होना Jealousy envy सु० च० १५ ६७;

ईसा स्त्री० (ईशा) इन्द्राणीनी अन्दरनी सभा इन्द्राणी की भीतरी सभा The private or inner council of Indrani ठा० ३ ? (२) वाणव्यंतर इन्द्रनी अभ्यन्तर सभा वाणव्यंतर इन्द्र का अन्तरंग सभा the inner council of the Indra of Vana vyantara gods जीवा० ३ ४,

ईसाण पु० (ईशान) ईशान नामे बीजो देवलोक ईशान नामक दूसरा देवलोक The 2nd heavenly world so named जीवा० १ ओव० २६ ठा० ? ३ सम० १ नाया० ध० १ अणुजो० १०४ भग० २ १ १८ ७ नाया० १ विशे० ६६५ ज० प० ५, ११८ ७ १५२ (?) ए देवलोकना निवासी देवता ईशान देव लोकवासी देव a god residing in the above world कप्प० २ ८४ पन्न० १ क० गं० ५ ४३, (३) ईशान देवलोकनो इन्द्र ईशान देवलोक का इन्द्र Indra of the Devaloka called Īśāna नाया० ध० ६ पन्न० २ सम० ३२ ठा० ?, ३; भग० ३ १ १७ ५; (४) ईशान नामे १६ मुं मुहूर्त ईशान नामक १६ वां मुहूर्त name of the 16th Muhūrta (a period of time) सम० ३०; (५) एक अहो

[illegible] मुहूर्तमांनु ११ मु मुहूर्त मुहूर्त अहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां मुहूर्त the 11th of the 24 Muhūrtas of a day and a night सू० प० १० ज० प० २, ३ १७, १५२ (१) ईशान कोण—खूणो. ईशान कोण the north-east ओघ० नि० भा० २७६; —इंद पुं० (-इन्द्र) ईशान देवलोकनो इन्द्र ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र Indra of the heaven named Īśāna. भग० ३ १ —देव पुं० (-देव) बीजा ईशान देवलोकना देवता दूसरे स्वर्ग के देव a god of the 2nd heavenly world, named Īśāna सम० २४ १२

ईसाणकप्प पुं० (ईशानकल्प) बीजो देवलोक दूसरा स्वर्ग—देवलोक The 2nd heavenly world नाया० १६ नाया० ध० १०; जीवा० १ निर० २ २

ईसाणग पुं० (ईशानक) बीजा ईशान देवलोक वासी देवता ईशान नामक दूसरे देवलोकवासी देव A god residing in the 2nd Devaloka styled Īśāna उत्त० ३६ २०८ ज० प० ५, ११८

ईसाणवडिंसय पुं० (ईशानावतंसक) ईशान देवलोकमानु सौथी मोटु विमान ईशानेन्द्रनु मध्यनु विमान ईशान स्वर्ग का सब से बड़ा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान The largest abode of the heavenly world called Īśāna the middle or central abode of Īśānendra भग० ३ १; ४, १; १० ५

ईसाणविदिसा-वा स्त्री० (ईशानिका) ईशान कोण, ईशान खूणो. ईशान कोण; ईशान नामक विदिशा The north-east [illegible] सम० १०, ३,

ईसादोस पुं० (ईर्ष्यादोष) ईर्ष्या रूपी दोष. ईर्ष्या रूपी दोष The fault of jealousy or malice दसा० ६ १५

ईसालु त्रि० (ईर्ष्यालु) ईर्ष्या वाळो ईर्ष्यालु, ईर्षा वाला Jealous; malicious. प्रव० ५००,

ईसि अ० (ईषत्) थोडु अल्प जरा थोडा कुछ जरा किंचित् A little नाया० २, ११ सु० च० १३ ४०, ठा० ८ १ पन्न० २; ३६

ईसिं अ० (ईषत्) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above जीवा० ३, ४ विशे० १२४६ आव० नि० ७२७, भग० ३ १ ५ २ पन्न० ० १७ सम० ३४ ओव० नाया० ६ ८ १६; ठा० ३ १ राय० ६३ दसा० ५, १ पन्हा० १२, ६ कप्प० ० १४ ० प० ५ ११९, ११६ —ओट्ठवलंबि त्रि० (ओष्ठावलम्बिन्) थोडुक होठने अवलम्बन करनार ओंठ को थोडासा अवलम्बन करने वाला touching resting on the lips a little पन्न० १७ —तंबच्छिकरणी स्त्री० (ताम्राक्षिकरणी) थोडीक लाल आंख करनार (स्त्री) कुछ लाल आंख करनेवाली (स्त्री) (a woman) making the eyes a little red पन्न० १७ —तुंग त्रि० (तुङ्ग) कंइक ऊंचु कुछ ऊंचा a little high somewhat high ज० प० ६; —दंत पुं० (दन्त) थोडा दांत वाळो थोड़े दांत वाला (one) having a few teeth or having scanty teeth ओव० —दंत त्रि० (दान्त) थोडो शिक्षा पामेल हाथी थोडी शिक्षा पाया हुआ हाथी (an elephant) scantily trained ज० प० ३ —पब्भार पुं० (-प्राग्भार) थोडु कुब्ज थयु नमतु ते

कुछ मनवाल; कुछ मनोचित ऊँचा. bending a little. पंचा० १८, १३;—पब्भार-गय. त्रि० (प्राग्भारगत) थोडुं કુબ્જ-નમેલ. कुछ नमा हुआ. bent a little; somewhat bent पंचा० १८, १३, —पुरेवात. पुं० (-पुरोवात) જરાક પૂર્વનો વાયુ. जरासा पूर्व का वायु wind which is a little in front नाया० ११;—पुरेवाय पुं० (-पुरोवात) થોડો પૂર્વ દિશાનો વાયુ कुछ पूर्व दिशा की हवा a little eastern wind नाया० ११; भग० ६, १; —मत्त त्रि० (-मत्त) યૌવનની શરૂઆતવાળા થોડા ઉન્મત્ત-હાથી વગેરે. यौवन की प्रारंभिक अवस्था वाले थोडे उन्मत्त हाथी वगैरह (an elephant etc) somewhat intoxicated on account of the budding of youth. ज० प० ३ ओव० —रहस्स (-ह्रस्व) થોડા હ્રસ્વ અક્ષર-અ ઇ ઉ ઋ લૃ कुछ ह्रस्व अक्षर अ इ उ ऋ लृ वगैरह. any of the five short vowels-अ इ उ ऋ लृ "ईसिरहस्सपंचक्खर उच्चारणा द्धारा" ओव० - वोच्छेदकडुइ स्त्री० (-व्यवच्छेदकटुका) પીધા પછી થોડેજ વખતે-તરત કડવાશ આપનારી પીને के थोडी ही देर बाद तुरत ही कडु लगने वाली anything that tastes bitter immediately after it is drunk पन्न० १७;

ईसिपब्भारा स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा ईषत्प्राग्भारो महत्त्व रत्नप्रभाद्यपेक्षया यस्याः सा) સિદ્ધ શિલા· મુક્તિ શિલા; सिद्ध शिला, मोक्ष शिला The place of abode of perfected souls or Siddhas; Siddha-Śilā अणुजो० १०४, ठा० ४, ८, १; ओव० ४३; पन्न० २; सम० ६, ७; ८, ३; १२, ७; १४, १७; १६, ८; २०, ४,

ईसिप्पभा. स्त्री० (ईषत्प्रभा) સિદ્ધ શિલા; મુક્તિ શિલા. सिद्ध शिला; मोक्ष शिला; मोक्ष स्थान. The place of abode of perfected or liberated souls; Siddha-Śilā भग० १, १;

ईसिय त्रि० (ईषत्क) થોડું; અલ્પ. थोडा; अल्प, कुछ. A little; scanty. नाया० ११;

ईसी स्त्री० (ईषत्) સિદ્ધ શિલાનું એક નામ. सिद्ध शिला का एक नाम. One of the names of Siddha-Śilā or the abode of perfected souls ओव० ४३;

ईसीपब्भारा स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) જુઓ 'ईसिपब्भारा' શબ્દ. देखो 'ईसिपब्भारा' शब्द. Vide "ईसिपब्भारा" सम० १२, उत्त० ३६, ५७; प्रव० ८०६;

√**ईह** धा० I. (ईह्) ઇચ્છવું; ચ્હાવું इच्छा करना, चाहना. To wish; to desire.

ईहइ-ति उत्त० ७, ४, सु० च० ८, ४५;
ईहिउण. स० कृ० विशे० २९७,
ईहिय. स० कृ० विशे० २९८;
ईहमाण व० कृ० उत्त० २६, ३३;
ईहिज्जइ. क० वा० विशे० २६६,

ईहा. स्त्री० (ईहा) વિચારણા; આલોચના; અવગ્રહ થયા પછી તે આમ છે કે તેમ એવી વિશેષ વિચારણા કરવી તે, મતિજ્ઞાનનો બીજો ભેદ. विचारणा, आलोचना, अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा कहलाता है; मतिज्ञान का दूसरा भेद. Dealing with perception to arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा॰ ३, ४५; ओव॰ ४०; विशे॰ १७८; १६६; पन्न॰ १२; ओघ॰ नि॰ ६२; नाया॰ १; ८, भग॰ ८, २, ३, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २, राय॰ १०६; नंदी॰ २६, सम॰ ५; २८, कप्प॰ १, ७; क॰ गं॰ १६; (२) मृग विशेष एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया॰ १, ८;

ईहापोह पुं॰ (ईहाव्यूह) ઉહાપોહ; તર્ક વિતર્ક ऊहापोह; तर्क वितर्क, शका समाधान. Full consideration of the pros and cons (२) સંગ્રામ-યુદ્ધ નીતિ, એક જાતની વ્યૂહ રચના युद्ध नीति, एक तरह की व्यूह रचना science of war, a kind of military array नाया॰ १; ज॰ प॰ ३, ७०,

ईहामइ. स्त्री॰ (ईहामति) ઈહારૂપ મતિ વિચારણા, મતિજ્ઞાનનો એક ભેદ ईहारूप मतिज्ञान. मतिज्ञान का एक भेद One of the varieties of Matijñāna, stage next to perception i e reflection to arrive at judgment. ठा॰ ४, ४; ६, १; —संपया. स्त्री॰ (-सम्पद्) અવગ્રહ પછી વિચારણા કરવી તે રૂપ મતિજ્ઞાનની સંપત્તિ. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान की संपत्ति the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived, to form a judgment दसा॰ ४, ३५;

ईहामिग. पुं॰ (ईहामृग) વરૂ भेडिया A wolf ज॰ प॰ २, ३३. कप्प॰ ३, ४४,

ईहामिय पुं॰ (ईहामृग) વરૂ, નાહર एक प्रकार का पशु, भेडिया, नहार A wolf, a tiger ओव॰ राय॰ ८२, ११, ११, जावा॰ ३, ४, ज॰ प॰ ५, ११२,

ईहिय त्रि॰ (ईहित) ચેષ્ટા કરેલ, વિચારેલ जिसकी चेष्टा का गई वह, बिचारा हुआ Acted, thought of, reflected upon "सड्ढीमागतुमीहिय" सूय॰ १, १, ३, १,

उ.

उ. अ॰ (तु) નક્કી, નિશ્ચય निश्चय, निस्संदेह Positively, surely, दस॰ ६, २८; ९, १; १, पन्न॰ १५; सूय॰ १, १, १, ५; (२) વિતર્ક वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस॰ ६, १३, नाया॰ ९, १६; विशे॰ ३१०;

उअर. पुं॰ (उदर) પેટ; ઉદર पेट Belly, stomach. दस॰ ८, २६; —मल. न॰ (-मल) પેટનો મેલ. पेट का मल. dirt or filth in the stomach. भत्त॰ ४०,

उआर पुं॰ (उच्चार) ઉચ્ચાર કરવો તે બોલવું તે उच्चारण, बोलना. Act of speaking or uttering words. ओव॰ २७,

उइएण त्रि॰ (अवतीर्ण) ભૂમિપર પડી ગયેલ भूमिपर गिरपड़ा हुआ. Fallen on the ground निर॰ १, १;

उइएण त्रि॰ (उदीर्ण) ઉદય પામેલ; કર્મના

ઉદયથી આવેલ પ્રવેશ. उदय प्राप्त हुआ; कर्म के उदय से प्राप्त. Got by the maturing of Karma. उत्त० १८, १ विशे० २३०; अ० ५; पन्न० १६; (२) ઉદીરણા કરી ઉદયમાં લાવેલ उदीरणा करके उदय मे लाया हुआ caused to be matured भग० १, १, —कम्म त्रि० (-कर्मन्—उदीर्णमुदयप्राप्तं कटुविपाकं कर्म येषां ते तथा) ઉદય આવેલ કર્મવાળા. उदय मे आये हुए कर्मवाला (one) whose Karma has matured "उदिरणकम्माणउदिरणकम्मा पुणो पुणो ते भरह दुहेति" सूय० १, ५, १, १८ —बलवाहण त्रि० (-बलवाहन—उदीर्णमुदयप्राप्त बलं चतुरङ्ग शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिबिकादि यस्य स तथा) જેને શુભના ઉદયથી બલ વાહન વગેરે પ્રાપ્ત થયા છે તે जिसे शुभ के उदय मे बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह (one) who gets strength vehicles etc by the rise of good Karma "कंपिले नयरे राया उदिण्णबलवाहणे" उत्त० १८, १,

उइय त्रि० (उदित) કહેલું कहा हुआ Said, told विशे० २३३, (२) ઉદય આવેલ उदयागत, उदय मे आया हुआ risen; matured नाया० १ सू० च० १, ३८८, पंचा० १६, १२ —गुण त्रि० (-गुण) જેના ગુણ કહેવામાં આવ્યા છે તે जिसका गुण कहने मे आया हो वह (that) of which the attributes or properties have been described पचा० ३, ३८ —गुणजुत्त त्रि० (-गुणयुक्त) ઉદય પામેલા ગુણયુક્ત. उदय पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come to rise or maturity. पंचा० १०, २०

उईण. पुं० (उदीचीन) ઉત્તર પ્રદેશ. उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र. Northern region. ठा० ५, भग० ५, १; —पाईण पुं० (-प्राचीन) પૂર્વોત્તરદિશા; ઇશાનખુણો पूर्व उत्तर दिशाओ के बीच का कोना, ईशान दिशा. the north east quarter भग० ५, १ —वाय पुं० (-वात) ઉત્તર દિશાનો વાયુ. उत्तर दिशा का हवा the northern wind. पन्न० १;

√उईर धा० I (उत्+ईर्) ઉદીરણા કરવી उदीरणा करना To utter; to cause to rise or move.

उईरति क० ग० ४ ६४;

उईरइत्ता सूय० १, ६ १६

उईरेत ठा० ७,

उईरण न० (उदीरण) પ્રેરણા કરવી प्रेरणा करना Act of prompting ठा० ४;

उईरणा स्त्री० (उदीरणा) જુઓ "उदीरणा" शब्द देखो "उदीरणा" शब्द Vide "उदीरणा" ठा० २; ओव०

उईरिय त्रि० (उदीरित) ઉદીરણા કરેલ; પ્રેરણા કરેલ उदीरणा किया हुआ, प्रेरित, कहा हुआ Told, said, caused to rise or move पन्न० २३, भग० १, १,

उउ पुं० (ऋतु) ઋતુ. બે માસ પ્રમાણનો એક કાલ વિભાગ, હેમંત, શિશિર આદિ છ ઋતુ ऋतु, दो मास प्रमाण एक काल, हेमंत, शिशिर, वर्षा आदि ऋतु Any of the six seasons of the year; e g Hemanta, Śiśira etc. "दो मासा उऊ" भग० ३, ७; ५, १, ६, ७, ६, ३३, २५, ५; जं० प० २, ३१, ७, १४१; सू० प० ८; नाया० १; ३; ६; सम० ३४, ५६; दस० ६, ६६; अणुजो०

सूय० १३८; ठा० ९, ४; आया० २, १, ३, १०; कप्प० ५, १०८; —परियट्ट पुं० (-परिवर्तन) ऋतुनुं બદલવું તે. ऋतु का बदलना. change of season आया० २, १, २, १, —पव्वय पु० (-पर्वत) ऋतुरूपी पर्वत ऋतु रूपी पर्वत-पहाड, a mountain of a season, season regarded as a mountain नाया० ९, —प्पसन्न पु० (-प्रसन्न-प्रसन्न स्वच्छ ऋतुः ऋतुप्रसन्न) સ્વચ્છ-निर्मल ऋतु, शरत्काल वगेरे स्वच्छ-साफ-निर्मल ऋतु, शरत्काल वगैरह clear, cloudless season, e. g autumn etc " उउप्पसन्नं विमलंव चंदिमा " दस० ६, ६६, —बद्ध पु० (-बद्ध) ऋतु બદ્ધકાલ, શીયાળો અને ઉન્હાળો, ચોમાસા સિવાયનો કાલ ऋतु बद्धकाल, ठंड और गर्मी का समय, चौमासा वर्षा के समय का काल winter and summer season, any time of the year except monsoon-time. " उउ बद्ध पीढक लगे" प्रव० १०६ पंचा० ११, २६, आघ० नि० २६५, पि० नि० भा० २३ नाया० ५, —मास पु० (-मास) ऋतुमास, परिपूर्ण त्रीस दिवस प्रमाणनो काल विभाग, कर्ममास ऋतु मास पूरे तीस दिन प्रमाण काल विभाग, कर्म मास a period of time consisting of full thirty days a month of full 30 days " एसो चेव उउमासो कम्ममासो भवणइ " वव० १, १ प्रव० ८०६, - लच्छी स्त्री० (-लक्ष्मी) ऋतु लक्ष्मी, ऋतुनी शोभा संपत्ति ऋतु लक्ष्मी; ऋतु की शोभा सम्पत्ति. beauties of the seasons नायो० ६, —वास. पुं० (-वर्ष) ऋतु બદ્ધકાલ, ચોમાસા સિવાયના આઠ માસ. चौमासेको छोडकर आठ मास the whole year excepting the 4 months of the rainy season " उउ वासे पणग चउमास " प्रव० ६१३, —संधि पु० (-सन्धि) એક ઋતુનો અંત-છેડો અને બીજી ઋતુની શરૂઆત ऋतु सन्धि, एक ऋतु का अन्त और दूसरी ऋतु का प्रारंभ काल का समय passing of one season into another आया० २, १, २, १०, —संवच्छर पु० (-संवत्सर) ऋतु संवत्सर, छ ऋतु प्रमाणनो काल छह ऋतु प्रमाण काल एक वर्ष a year comprising the six seasons. " ता पणुगिया पचगह संवच्छराण तत्र उउ संवच्छरस्स " न० प १, १२, ठा० ५ —सुह न० (सुख) ऋतुने उचित अनुकूल जेम ग्रीष्म ऋतुमां छत्र ऋतु के अनुसार उचित सुख जैसे ग्रीष्म ऋतु मे छत्रा (anything) appropriate to the season e g umbrella in summer " उउ सुह संवच्छाय समणु बद्धग " ओव०

उउंबर पु० (उदुम्बर) उदुम्बरनुं झाड अने तेनुं फल, गुलर उदम्बर का झाड और उसका फल गुल्लर Name of a tree, Ficus Glomerata and its fruit भग० ८, ५, —पणग न० (पञ्चक) १ वड २ पीपल ३ उदुम्बर ४ प्लक्ष ५ काकोदुम्बरी ए पांच वृक्षनो समूह १ बड, २ पीपल, ३ उदुम्बर, ४ प्लक्ष, और पांचवा काकोदुम्बरा, ये पाच वृक्षोका समूह a collection of five kinds of trees viz (1) Vata (2) Pippala (3) Udumbara (4) Plaksa & (5) Kakodumbari भग० ६, ३३;

—पुप्फ. न० (-पुष्प) ઉંબરના ઝાડના ફૂલ, ગુલ્લરના ફૂલ—કે જે ભાગ્યેજ ક્યાંક જોવામાં આવે; દુષ્પ્રાપ્ય વસ્તુને આની ઉપમા આપવામાં આવી છે उदवर के झाडका फूल, गुल्लर का फूल जो भाग्य में ही कहीं दिखलाई पड़ता है, इसकी उपमा दुष्प्राप्य वस्तुओं के सम्बंध में दी जाती है a flower of the Udumbara tree, (it is rarely seen and so is used to express a rarity) भग० ६, ३३,

उउंबरदत्त पु० (उदुम्बरदत्त) પાટલીખંડ નગરના રહેવાસી સાગરદત્ત સાર્થવાહનો પુત્ર पाटलाखंड नगर के रहनेवाले सागरदत्त सार्थवाह का पुत्र Name of a son of the merchant Sāgaradatta, a resident of the city named Pātalikhanda ठा० १०, (२) પાટલીખંડ નગરના ઉદ્યાનગાનો એક યક્ષ पाटलाखंड नगर के उद्यानका एक यक्ष name of a Yaksa (a ghost or a spirit) living in a garden of the city of Pātalikhanda विवा० ६

उउदेवी स्त्री० (ऋतुदेवी) વસંત, ગ્રીષ્મ, વર્ષા, શરદ વગેરે ઋતુના નામવાની દેવી वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद आदि ऋतु के नाम वाली देवी The goddess of a season, e. g. spring-goddess etc पन्ना० २, १४,

उउय. त्रि० (ऋतुज) ઋતુ સમ્બન્ધી મોસમનું, કાલને ઉચિત ऋतु सम्बन्धी, मौसमका, काल के योग्य Born in the season appropriate to the season पन्न० २, ओघ० २८, भग० ११ ६, १२, ६,

उंछ. न० (उञ्छ-उञ्छ्यते अल्पाल्पतया गृह्यते भिक्षादिकमित्युञ्छम्) ભિક્ષા, થોડું થોડું ગ્રહણ કરવું તે भीख. भिक्षा, बहुत थोडा २ ग्रहण करना Getting a little food at a time, begging of alms, सूय० १, २, ३, १४; ओघ० नि० भा० ६६, ओघ० नि० ४२४; उत्त० ३५, १६, दस० ८, २३, १०, १, १७, पराह० २, १, ठा० ४, २, —जीविया स्त्री० (-जीविका) એષણા, થોડા થોડા આહાર લઈ જીવિકા ચલાવવી તે एषणा, थोड़ा २ आहार लेकर जीविका का चलाना supporting life by begging a little food at a time, alms-begging ठा० ४, —जीविया संपराण त्रि० (-जीविकासम्पन्न) એષણા કરનાર, એષણા ગવેષણા કરી શુદ્ધ આહાર લેનાર एषणा करनेवाला, गवेषणापूर्वक—खूब देखभाल कर—शुद्ध आहार लेनेवाला (one) living by begging alms; (one) taking food begged from others after examining its purity ठा० ४,

√ उज धा० II (अज्ज) અગ્નિ સળગાવવો, અગ્નિમાં તરણાં વગેરે નાખવા अग्नि धोंकना, आग में तिनके वगैरह डालना To throw fuel (e. g. grass etc.), into fire to kindle it

उजउज्जा दस० ४, ८, ८

उजावेज्जा दस० ४,

उजत व० कृ० दस० ४

उंजायण पु० (उज्जायन) વશિષ્ઠ ગોત્રની એક શાખા वशिष्ठ गोत्र का एक शाखा. A branch of the Vasistha family (२) त्रि० તે શાખાનો પુરૂષ उक्त शाखा का पुरुष a scion of the above branch ठा० ७, १,

उंडु पु० (उण्डु) ઉંદર, સ્વારીનો એક પશુ

[illegible] A camel. निसी० ७, ११; —चम्मक न० (-चर्मक) ઉંટનું ચામડું ऊंटका चमड़ा. leather of a camel. निसी० १, ११,

उंडग. पुं० (उन्दक) મૂત્ર પાત્ર, માત્રું કરવાનું ઠામ. मूत्र करनेका बरतन A vessel for making water into. दस० ४, (२) પીંડો; લોચો. पिंड a lump, a mass "बाहाइमंसउडग मज्जाराइ विराहेज्जा" ओघ० नि० भा० २४६;

उंडी स्त्री० (उण्डी) પિણ્ડી, પેશી छोटा पिंड. A small lump नाया० ३,

उंदुय. न० (उन्दुक) ભોજન કરવાનું સ્થાન. भोजन करनेका स्थान A dining room "सपिंड पायमागम्म उडुयं पडिलेहिया" दस० ५, १, ८७,

उंबेरीय न० (*) રેવડી, ખાવાની એક સ્વાદિષ્ટ વસ્તુ रेवड़ी, खाने की एक स्वादिष्ट वस्तु A kind of sweet-meat ठा० ४,

उंडुपाणिअ न० (*) ઉંડું પાણી ठंडा पानी Deep water निसी० १३, ३४.

उंदुर. पुं० (उन्दुर) ઉંદર चूहा, उन्दरा A rat, a mouse पगह० १, १,

उंदिर पुं० (उन्दुर) ઉન્દર चूहा A mouse a rat. नाया० ८;

उंदुर. पु० (उन्दुर) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो उपर का शब्द Vide above उवा० २, ६५, —माला. स्त्री० (-माला) ઉન્દરની માલા चूहों की श्रेणी, चूहों की पंक्ति. a line, a series, of rats "उंदुरमाला परिगय सुकय चिराह" उवा० २; ६५;

उंबुक्क. न० (*) ઉન્દુ=મુખ. રૂક્ક=વૃષભાદિ શબ્દ; દેવતાપુજન વખતે મોઢેથી બળદના જેવો શબ્દ કરવો તે देवता के पूजन के समय मुख से बैल आदि के समान शब्द करना, उदु अर्थात् मुख और रुक्क अर्थात् वृषभ—बैल आदि के समान शब्द Imitating the sound of a bullock at the time of worshipping a deity अणुजो० २६, गच्छा० २

उंबर पु० (उदुम्बर) ઉમ્બરાનું ઝાડ; ગુલ્લરનું ઝાડ गुल्लर का झाड, उदुम्बर का वृक्ष A kind of tree, ficus glomerata जीवा० १ विवा० १, भग० ६, ३३, आया० २, १, ८, ४५, पन्न० १, (२) વીજળીકુમાર દેવતાનું ચૈત્ય વૃક્ષ विद्युतकुमार दव का चैत्य वृक्ष a tree growing in the garden of the deity, Vijjukumāra ठा० १०, १; —पुप्फ न० (-पुष्प) ગુલ્લરનું ફૂલ. આ ફૂલ ગુલ્લરના વૃક્ષમાં ક્વચિત્ દેખાતું હશે. જે વસ્તુ અતિ મુશ્કેલીથી પ્રાપ્ત થઇ હોય છે તેને માટેના દીકરાને આની ઉપમા અપાય છે गुल्लर का फूल यह फूल गुलर के वृक्ष पर क्वचित ही लगा हुआ दिखता है, जो वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होती है उसे इस पुष्पकी उपमा दीजाती है a flower of the Udumbara tree (It is rarely seen on the tree and so is metaphorically used to express a rarity) "उंबर पुप्फंपिव दुल्लभे" राय० २४५; नाया० १, २, —वच्च पु० (-वर्चस्) ગુલ્લરના ફલથી ભરેલ. गुल्लर के फल से भरा हुआ filled with the

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ નીં ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी॰ ३, ७८;

उंबर दत्त. पुं॰ (उदुम्बरदत्त) એ નામનો યક્ષ इस नाम का यक्ष. Name of a Yaksa (a kind of demi-god) विवा॰ ७,

उबाॅ. स्त्री॰ (*) વનસ્પતિ વિશેષ वनस्पति विशेष A kind of vegetation भग॰ २२, २, पन्ना॰ १, २१;

उंबिगा स्त्री॰ (उंबिका) ઘઉં, જવ, ચોખા વગેરેની ઊમ્બડી-મંજરી. गेहूं, जव, चावल आदि की मञ्जरी. Blossoms growing on the plants of wheat, barley, rice etc पन्ना॰ १०, २३,

उंबेभरिया स्त्री॰ (*) એ નામનું એક જાતનું ઝાડ इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष A kind of tree पन्न॰ १,

उंमिसावेत्तए हे॰ कृ॰ अ॰ (उन्मेषयितुम्) આંખ મીંચવાને, આંખનો પલકારો માર વાને आंख मींचने के लिये In order to twinkle the eye भग॰ १६, ४,

उंमुय पु॰ (उल्मुक) એ નામના એક જાદવ કુમાર. इस नाम का एक यादव कुमार Name of a Jādava (Yādava) Kumāra. पराह॰ १, ४,

उकसमाण. व॰ कृ॰ त्रि॰ (अवकसमाण) તણાતો तनाता हुआ Being tightened. वेय॰ ६, ८,

उकुज्जिय सं॰ कृ॰ अ॰ (उत्कुब्ज्य) ઉંચેથી કુબડા થઇને-શરીર નમાવીને कुबडा होकर-शरीर नमा कर. Bending the body. "उक्कुज्जियाविय उक्कुजिय विकुज्जिय दिवा-माय पडिगाहेति" निसी॰ १७, २२;

उकुरुडिया स्त्री (*) ઉકરડી; ઉકરડો. घूरा. A dung-hill. निर॰ १, १;

उक्कंचण न॰ (उत्कञ्चन-उत् ऊर्ध्वं शूला पारोपणार्थं कञ्चनंतसथा) શૂલીએ ચઢાવવાને ઉંચે ઉંચકવું તે किसी को शूली पर चढाने के लिये ऊंचा उचकना Lifting up a person in order to impale him. सूय॰ २, २, ६२, (२) ગુણ વગરના માણસના ખોટા વખાણ કરવાં તે; ખુશામત. गुणरहित मनुष्य की प्रसंशा करना, खुशामत. praising an unworthy person to flatter him. नाया॰ २, (३) ગરીબને વધારે દંડ કરવો તે गरीब को बहुत दंड देना. mulcting the poor more heavily. भग॰ ११, ११; (२) કોઇને છેતરવામાં પાસે ઉભેલો ડાહ્યો માણસ જાણી જશે એમ જાણી વાતચિત બંધ રાખવી તે. किसी को ठगने के समय-धोका देते समय पास में खडे हुए समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात चीत बंद करना कि वह समझ जावेगा stopping deceitful conversation lest a wise by-stander might hear it ओव॰ ३४, राय॰ (४) લાંચ, રૂશ્વત. रिश्वत, घूंस. bribe; bribery नाया॰ २; दसा॰ ६, ४, राय॰ २०७; —दीव. पुं॰ (-दीप) મશાલ. मशाल a torch भग॰ ११, ११;

उक्कंचणया स्त्री॰ (* उत्कंचन) મુગ્ધ જનને છેતરવા ઢોંગ કરવો-છલ કરવો તે. कम समझ मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

-[illegible] Putting on false appearances to deceive a simpleton ओव० ३४;

उक्कंठिय त्रि० (उत्कण्ठित) ઉત્કંઠા વાળો ઉત્સુક થયેલ उत्कण्ठायुक्त, उत्सुक Anxious eagerly longing नाया० १४, सु० च० २, ४४०

√उक्कत धा० II (उत्+कृत्) માસ અને ચામડીનું ઉપાડવું-ઉતારવું તે मास और चमड़ी का निकालना To flay to cut out skin and flesh

उक्कते सूय० १ ४, १, २१

उक्कतत सु० च० १० ७७,

√उत्-कंप प्रे० धा० II (उत्+कम्प्+णि) ચંપાવવું દબાવવું दबाना, To cause to be massaged or shampooed

उक्कपावेइ विव० ६

उक्कंबिअ त्रि० (उत्कम्बित) વાસની કામડીથી બાંધેલ बास की किमडी से बाधा हुआ Fastened with strips of bamboo आया० २ २ १, ६४

उक्कच्छिया स्त्री० (औपकक्षिका-कक्षाया समीपमुपकक्षा तत्राच्छादितौपकक्षिकाऽत्र तथा) સાધ્વીના ૨૫ ઉપકરણમાંનું એક ઉપકરણ જમણી બાજુની છાતીથી કાખ સુધી સીવ્યા વગર ધારણ કરવાનું વસ્ત્ર કે જે અઢી હાથનો ચોરસ કકડો હોય છે साध्वी के २५ उपकरणो मे से एक उपकरण दाहनी तरफ की छाती से काख तक बिना सिला हुआ वस्त्र जोकि अढाई हाथ का एक चारस टुकडा होता है One of the 25 articles of use permitted to a nun, a kind of bodice (unsewn) covering the breast being 2½ arms in length and breadth ओघ० नि० १७७

उक्कट्टि स्त्री० (उत्कृष्टि) ઉત્કર્ષ उत्कर्षता Rise intensity सू० प० १४

उक्कडुअ त्रि० (उत्कटुक) પૃથ્વી ઉપર શરીર રાખીને પવિત્રતા થી બેઠેલ पृथ्वी पर शरीर रख कर पवित्रता से बैठा हुआ Seated on the ground with pure mind and body पव० १८, १६ (२) ઉકડું આસન उत्कटुक आसन a seat in a particular bodily posture प्रव० ५८२

उक्कड त्रि० (उत्कट) પ્રકૃષ્ટ, ઉન્નત ઊંચું प्रकृष्ट ऊचा उन्नत High raised intense उवा० २ १ ७ पराह० १ १ नाया० १ (२) પસરેલ फैला हुआ spread extended नाया० ३ ६३ (३) આધિક વધારે ज्यादह बहुत more additional भग० १५ १ पिं० नि० ३१६ (४) મલિન ગંદુ कलुषित गदला turbid muddy वव० २ ४ (५) મજબૂત सबल strong powerful नाया० ६ — गंधविलित त्रि० (गन्धविलिप्त) અતિ દુર્ગંધથી વાસિત बहुत दुर्गंध से व्याप्त highly stinking नंदा० —जागि त्रि० (-योगिन्) ઉત્કૃષ્ટ યોગી उत्कृष्ट योगी (one) practising the highest kind of contemplation क० ग० ८ ८३

उक्कडुय न० (उत्कटुक) ઉકડું આસન ઉભડક પગે બેસવું તે उकडू आसन घुटनो के बल बैठना A kind of bodily posture squatting दसा० ७ ६ नाया० १ पव० ५ ११६

√उत् कड धा० I (उत्+कृड्) આબાદ થવું आबाद होना To flourish, to prosper

उक्कुडु. [illegible] ३, ७०;

उक्कामा. पुं० (आमन्त्रक) ચોરને બોલાવી ચોરી કરનાર. चोर को बुला कर चोरी करने वाला. One who calls a thief and steals. पराह० १, ३;

उक्कत्तिऊण. स० कृ० अ० (उत्कृत्य) કાપીને काट कर Having cut off सु० च० १८, ८४,

उक्कत्तण. न० (उत्कर्तन) ખાલ ઉતારવી; ચામડી ઉતારવી તે. चमड़ा उतारना निकालना Flaying, cutting off the skin. पराह० १, १,

उक्कम पु० (उत्क्रम) પહેલેથી ન ગણતા છેલ્લેથી ગણવુ તે, પશ્ચાનુપૂર્વી, ઉલટો ક્રમ. शुरू मे न गिन कर आखिर मे गिनना; उलटा क्रम Counting from the end instead of the beginning, reversed order विशे० ७७१· प्रव० १०६१,

उक्कमित त्रि० (उपक्रान्त) પ્રારબ્ધયોગે પ્રાપ્ત થયેલ प्रारब्धयोग से प्राप्त Got through fate· " अहवा उक्कामत भवतिए" सूय० १, २, ३, १७,

उक्कर. पु० (उत्कर) સમૂહ, સંઘાત समूह, जमघट A collection, a group. कप्प० ३, ४२, (२) કર રહિત कर रहित (one) having no arm नाया० १, भग० ११, ११' जं० प० कप्प० ५, १०१,

उक्करियाभेय पु० (उत्करिका भेद) એરંડબીજ કે સુકેલ મગફલી વગેરેનો તડ તડ કરતો થતો ભેદ-ભેદન, अरंडी के बीज अथवा सूखी हुई मूंगफली वगैरह का तड़तड़ करता हुआ भी आवाज हो कर. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a cracking sound ' अयंताइ दव्वाइं उक्करिया भेएणभिज्जमाणाइ" भग० ५, ४, पन्न० ११;

उक्करिस. पुं० (उत्कर्ष) ઉત્કર્ષ, અતિશય; उत्कर्ष, बहुत ज्यादह, उच्च दशा Intensity, abundance, excess ' अल-समुक्करिसत्थं" सूय० नि० १, २, २, ४३; विशे० १५८३,

उक्करुडिया स्त्री० (*) ઉકરડો, મલીન વસ્તુનો સંગ્રહ कचरा, मलीन वस्तु का समूह A dung hill नाया० २,

उक्कल त्रि० (उत्कल) ચડતી કલાવાલો, વૃદ્ધિ પામનાર चढ़ता कला वाला, वृद्धि पाने वाला. Rising; increasing. " पच उक्कला पराणत्ता तजहा दंडुक्कले रज्जुक्कले ' ठा० ५, ३· (२) તેઈંદ્રિય જીવ વિશેષ तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष a kind of three sensed living being उत्त० ३६, १३६,

उक्कलिआ-या स्त्री० (उत्कलिका) વધારે નાનો સમુદાય बहुत छोटा समुदाय A smaller group ओव० २७; (२) તેઇંદ્રિય જીવવિશેષ, કરોળિઓ तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष a kind of three-sensed living being कप्प० ३, ४५, (२) લહેર; તરંગ लहर a wave ठा०४, (३) વાયુની આફક ચક્ર કરવું તે वायु के समान चक्र काटना whirling like wind जीवा० ३, ४, —अंड. पु० (-अण्ड) કરોળીયાનુ ઇંડાલું. मकड़ी का

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide Foot-note (*) p 15th.

-अण्डग. a spider's eggs. कप्प० ५,४५, —वाय पु० (-वात) थोडी थोडी वारने अन्तरे वातो एक प्रकारनो वायु एक प्रकार की हवा जो थोडे २ समय के बाद चलती है a kind of wind blowing at small intervals of time पन्न० १ आया० नि० १, १, ७, १६६, उत्त० ३६, ११८ जीवा० १;

उक्कलिया स्त्री० (उत्कलिका) उपरा उपरी जवु आववु ते बार बार जाना आना Coming and going in quick succession राय० १८३,

उक्कलिय त्रि० (उत्कलिक) एक प्रकारनो अव्यक्त शब्द. एक तरह का अव्यक्त शब्द A sort of indistinct sound भग० २, १,

उक्कस पु० (उत्कर्ष-उत्कृष्यते आत्मा दर्पा ध्मातो विधीयतेऽनेनत्युत्कर्षः) मान, अहंकार मान, घमड Pride conceit " उक्कस जलण णूम मज्झत्थ चवि चिचए" सूय० १, १, ४, १२ (२) वधारेमा वधारे अधिकाधिक maximum highest limit क०ग० ४, ७४

उक्कस्स पु० (उत्कर्ष) मान, अहंकार मान, घमड Pride; conceit सूय १ १ ४ १२,

उक्कस्स त्रि० (उत्कर्षवत्) मदवान, अभिमानी घमण्डी, मदोन्मत्त, आभमानी Proud, conceited सूय० १, १ ४ १२

उक्कस्समाण त्रि० (अपकर्षत्) टुंकु करतो छोटा करता हुआ Cutting short (२) पाछु खेंचतो पीछे खचता हुआ Pulling backward 'पक्खासि वा कप्पमिह वा उक्कस्समाणे " ठा० ४,

उक्का स्त्री० (उल्का) मूल अग्निथी छूटा पडेल अग्नना तणखा मूल अग्नि से अलग हो चुका हुआ अग्नि का तिनगा Sparks of fire ओघ० नि० भा०११०, नंदी. १०, दस ४, उत्त ३६, ११०; जीवा ३, १, ठा० ८, दिग दाह दिग्दाह, दिशा की ललाश preternatural redness of the horizon उत्त० ३६ ११० आकाशमां व्यतरादिकृत अग्नि देखाय ते आकाश में व्यतरादिकृत अग्नि का दृश्य a fiery appearance in the sky the work of Vyantara etc दस० ४ पन्न० १, (४) तेजनी ज्वाला तेज का ज्वाला fire, flame of light ओघ० नि० ११०, उल्कापात, तारानु पडवु उल्कापात तारे का टूटना falling of a meteor भग० ३ २ —पाय पु० (-पात) उल्कापात, आकाशमाथी ताराओनु पडवु उल्कापात, आकाश मे तारा का टूटना falling of meteors from the sky भग० ३ ७, —वाय पु० (पात उल्का आकाशजातस्या पात) जुओ ' उक्कापाय ' शब्द देखो " उक्कापाय शब्द vide ' उक्कापाय अणुजो० १२७ ठा० १० १ भग० ३, ६ —सहस्स न० (सहस्र) अग्नना हजारो पिण्ड तणखा अग्नि का हजारों चिनगारिया thousands of sparks of fire ठा० ८

उक्कापायरा स्त्री० (उल्कापाता) उल्कापात तारा खरे तेनु शुभाशुभ जणवानी विद्या उल्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या Science of interpreting the good or evil effects of the fall of meteors सूय० २, २, २७,

उक्कामुह पु० (उल्कामुख) लवण समुद्रमा आठसो योजन उपर आवेल उल्कामुख नामनो एक अतर द्वीप लवण समुद्र में आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उल्कामुख

उक्कामुहअंतर द्वीप Name of an Antara Dvipa (island) in Lavana Samudra at a distance of 800 Yojanas ठा० ४ २; (२) तेमां रहेनार मनुष्य. उक्त द्वीप के अंदर रहने वाला मनुष्य a native of the above island जीवा० ३ ३, पन्न० १ (३) गंगा नदीनी अधिष्ठात्री देवीनो निवास पर्वत. गंगा नदी की अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत the mountain abode of the presiding goddess of the river Ganga ठा० ८ १

उक्कालिअ य न० (उत्कालक—उत् कृष्य कालात्पठ्यमानतया) चार अकाल सिवाय चारे पहोरमां भणाय तेवां सूत्र. उववाई आदि उत्कालिक सूत्र. चार अकाला के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पढ जाने योग्य चारों प्रहरों में पढ़ने योग्य सूत्र. उववाई आदि उत्कालिक सूत्र Utkalika Sutras viz Uvavai etc which can be studied during all the four Praharas excepting the 4 Akalas "कालियं उक्कालियं उक्कालियं अणेग विहा पण्णत्ता" नंदी० ४३ अणुजो० ४ ठा० २ १

उक्कास पुं० (उत्कर्ष) अभिमानथी पोतानी समृद्धिना वखाण करवां ते मोहनीय कर्मनी एक प्रकृति. अभिमान से अपनी समृद्धि का वर्णन करना मोहनीय कर्म की एक प्रकृति A variety of deluding Karma praising one's own prosperity through pride सम० १२ ५

उक्किट्ठ त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट सर्वोत्तम; श्रेष्ठ. उत्कृष्ट उत्तम सब से श्रेष्ठ Excellent surpassing best नाया० १ ८ ६ १७ निसी० १७, १२ राय० २४ पिं० नि० ५६०, दस० १, १ ४ १६ जीवा० ३ १ भग० ३ १ २, ६, ५ कप्प० २, १७; (२) कलिंगडां तुंमडां भींडां वगेरेने मोरीने करेल चीरा. ककड़ी तरबूज तूमड़ी भिंडी आदि का काट कर किये हुए छोटे टुकडे slices of vegetables, like water-melons gourds etc "उक्किट्ठमसंसट्ठं" दस० ५ १, ३४ (३) करज वगेरे अमुक वखत माटे मागवुं नहीं ते. कर्ज वगैरह का अमुक समय के लिये नहीं मांगना not asking for money lent etc for a specified time "उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं" भग० ११ ११ कप्प० ५ १०१ —चंदण. पुं० (—चन्दन) अधिक उत्तम चंदन. उत्तम—सब श्रेष्ठ चंदन excellent sandal-wood "उक्किट्ठ कयग्गोपरि" पन्ना० २ १७ —संकिलेस पुं० (—संक्लेश) उत्कृष्ट स्थितिना बंधनक अध्यवसाय स्थान—जेमां पापकर्म अध्यवसायनुं स्थान है, जेथी अशुभ उत्कृष्ट स्थिति बंधाय. उत्कृष्ट स्थिति बंध करने वाला अध्यवसाय स्थान नीच से नीच अध्यवसाय कृत्य जिस से कि अशुभ कार्यों का उत्कृष्ट स्थिति बंधे impure thought activity causing increased duration of evil Karma क० गं० —सरीर त्रि० (शरीर) उत्कृष्ट मोटा शरीरवाळु. बड़े शरीर वाला having a big, bulky body, "उक्किट्ठ उक्किट्ठसरीर अविस्सट्ठ" विवा० ४ ७ नाया० ८ १४ १८ —सीहणाय पुं० (सिंहनाद) मोटो अवाज; उत्कृष्ट सिंहनाद. बडा आवाज जोर का आवाज उत्कृष्ट सिंहनाद thundering sound;

- roaring sound of a lion. ज० प० ३, ३५, भाया० १८,

उक्किट्ठा स्त्री० (उत्कृष्टा) એક પ્રકારની દેવતાની વેગવાળી અતિ મનોહર ગતિ एक प्रकार की देवता की शीघ्र गति मनोहर गति A kind of quick gait of gods; charming gait "उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए" राय० जीवा० ३, भाया० २, १५, १७६, वाया० ४, ८

उक्किट्ठि. स्त्री० (उत्कृष्टि) આનંદજનક ધ્વનિ હર્ષનો અવાજ आनन्दजनक शब्द हर्षयुक्त शब्द A voice of joy ओघ० २७

उक्किण्ण त्रि० (उत्कीर्ण) ઉખેડેલું, ખોદી કાઢેલું खुदा हुआ Dug out आव० नि० २६१ (२) અત્યન્ત પ્રગટ પ્રકટ अच्छी तरह से जाहिर खुला हुआ open, quite manifest पन्न० २ (३) કોતરેલ खोदा हुआ carved सम० प० २०३, (४) મિશ્રિત मिश्रित मिला हुआ mixed पराह० १, १ —अंतर त्रि० (—अन्तर) અતિ પ્રકટ અન્તર अच्छा तरह से प्रगट अंतर having the inner side quite manifest or laid open also, having the difference quite manife t सम०

उक्किन्न त्रि० (उत्कृत्त) ઉખેડેલ उखाड़ा हुआ Scratched out dug out उत्त० १६ ६३,

उक्कित्तण न० (उत्कीर्तन) ચઉવિસત્થે ચોવીસ તીર્થંકરની સ્તુતિ सस्तवन गुण कीर्तन; चावीस तीर्थंकरों का स्तुति Praise; praise of the glory of the 24 Tirthankaras अणुजो० ५८, चउ० १ विसे० ८०२ प्रव० ६८, —अणुपुव्वी स्त्री० (—आनुपूर्वी) ઉત્કીર્તન અનુક્રમ સ્તુત્ય પુરુષોની અનુક્રમે સ્તુતિ કરવી તે गुणवान् प्रशंसनीय पुरुषों की अनुक्रम से स्तुति करना praising in due order the merits of worthy persons अणुजो० ७१,

उक्कित्तिय त्रि० (उत्कीर्तित) કીર્તન કરેલ कीर्तन किया हुआ Praised described सू० प० २०

उक्कुज्जिय सं० कृ० अ० (उत्कुब्ज्य) ઊંચે થી શરીર નમાવીને કુબડા થઈને ऊंचे से शरीर को नमाकर Having bent down the body भाया० २ १, ७, ३७,

उक्कुट्ठ न० (उत्कृष्ट) લીલા પાનનો ભુક્કો हरे पत्तों का भूसला मं किया हुआ चूरा Powdered green leaves आया० २ १, ६ ३३

उक्कुट्ठ त्रि० (उत्कृष्ट) ઉત્કૃષ્ટ નાદ આનંદ ધ્વનિ उत्कृष्ट नाद श्रेष्ठ शब्द आनन्द ध्वनि Excellent, pleasant (sound) पराह० १ ३

उक्कुडुअ न० (उत्कुटुक) ઉકડું આસન ઉભાપગે બેસવાનું આસન ઉભડક આસન उकडु आसन घूटों के बल बैठने रूप आसन A squatting bodily posture sitting on heels etc भाया० १ ६ ४ ४ २ ७ ० १६१ उत्त० १, २२, भाव० नि० भा० १५६ आव० १६ भग० ७ ६ —आसण न० (आसन) ઉકડુ આસન ઉભડક પગે બેસવું તે आसन विशेष घूटों के बल बैठने के रूप आसन squatting bodily posture sitting on heels etc भग० २५ ७ —आसणिअ त्रि० (—आसनिक) ઉભડક પગે બેસનાર ઉકડુ આસને બેસનાર उकडू आसन से बैठने वाला घूटों के बल बैठने वाला (one) in a squat

ting bodily posture. ठा० ५, १; भग० २५, ७;

उक्कुडुय. अ० (उत्कुटुक) જુઓ "उक्कुडुय" શબ્દ. देखो "उक्कुडुय" शब्द Vide "उक्कुडुय" अ० प० नाया० १, आया० २, २, ३, १०१,

उक्कुडुया. स्त्री० (उत्कुटुका) ઉભડક બેસવું તે; પાંચ પ્રકારની નિષદ્યા-બેઠકમાંની એક घूटों के बल बैठना; पांच प्रकार की बैठकों में से एक प्रकार की बैठक One of the five sitting postures viz squatting on heels etc "पंच निसिज्जाओ पं० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया" ठा० ५, १,

उक्कुकड पुं० (-) ઉકરડો घूरा A dung-hill ओघ० नि० ४६६;

उक्कुरुडय पुं० (-) ઉકરડો घूरा A dung-hill (२) એ નામનો કોઈ માણસ इस नाम का कोई मनुष्य name of a person अगुजो० १३ ,

उक्कुरुडिया या स्त्री० (-) ઉકરડો घूरा A dung-hill विवा० १,

उक्कूइय त्रि० (उत्कूजित) મહાન્ અવ્યક્ત ધ્વનિ बडी भारी अप्रगट ध्वनि Loud indistinct sound पराह० १, १,

उक्कूल त्रि० (उत्कूल) સન્માર્ગ અથવા ન્યાયના કૂલ-તટથી દૂર કરનાર सन्मार्ग अथवा न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला Leading away from the path of justice पराह० १, २,

उक्केर पुं० (उत्कर) રાશિ, સમૂહ, ઢગલો ढेर. A heap ओघ० नि० २६०, (२) वृद्धि; ઉદ્વર્તન, કર્મની સ્થિતિ વગેરેમાં વધારો કરવો તે. वृद्धि; बढती; कर्मकी स्थिति वगैरह में बढती करना. increase; increase in the duration of Karma. विशे० २५१४;

उक्कोडा. स्त्री० (उत्कोटा) લાંચ; રૂશ્વત. रिश्वत, घूंस Bribe; bribery. "उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिज्जेहिय" विवा० १, पराह० १, ३,

उक्कोडिय. त्रि० (औत्कोटिक-उत्कोटा लब्धा तया वं व्यवहरन्ति ते तथा) રૂશ્વત ખાનાર, લાંચ લેનાર; લાંચીઓ. रिश्वत खोर, घूंस लेनेवाला (One) who takes bribes ओव० भग० १, १;

उक्कोया स्त्री० (उत्कोचा) લાંચ रिश्वत Bribe, bribery नाया० १८,

उक्कोस पुं० (उत्क्रोश) ઉંચું મોઢું કરી શબ્દ કરનાર પક્ષી, ચાતક, બપૈયો. ऊँचा मुँह करके शब्द करनेवाला पक्षी, चातक, पपैया. A bird that screams with its mouth raised up, e g Chātaka etc. पराह १, १

उक्कोस. पु (उत्कर्ष) ઉત્કૃષ્ટ, વધારેમાં વધારે; ઘણામાં ઘણું उत्कृष्ट; श्रेष्ठ ज्यादह से ज्यादह Highest, longest पंच० १, २, १६, ४४; क० प० १, १२, ६७; "उक्कोसं जीवो उसंवसे" उत्त० १०, ५, ओव० ३८; नंदी० १४; अगुजो० ८६; ठा० १, १, सम० १, विशे० ३४५; पिं० नि० ३०, नाया० १६ दसा० ६ २; भग० १, १; १०, २, ५; ३, ३, ५, १, ८, ६, ३, ८, ८, १०, ६, ३२; १२, १, १८, ७; २४, २०; २५, ४; ३६, १, जं० प० २, २५; (२) માન; અહંકાર. अहंकार, घमंड.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

उक्कोस सूय० १, ४, ३, २२, सम० ५३, (३) ઉત્તમ શ્રેષ્ઠ, अच्छा excel lent, best पिं० नि० भा० १२ भग० १२, ५, —काल पु० (-काल) ઉત્કૃષ્ટ-ઘણામાં ઘણો કાલ ज्यादह स ज्यादह समय; उत्कृष्ट समय the longest time भग० २४ १, —कालट्ठिइ स्त्री (-कालस्थिति) ઉત્કૃષ્ટ કાલની સ્થિતિ उत्कृष्ट काल की स्थिति duration of the longest time भग० १५, १, -ट्ठिइ स्त्री० (-स्थिति) ઘણામાં ઘણી સ્થિતિ ज्यादह स ज्यादह—अधिकाधिक स्थिति longest duration निर० २, २ —ट्ठिइय पु० (स्थितिक) ઉત્કૃષ્ટ ઘણામાં ઘણી સ્થિતિ વાલે उत्कृष्ट ज्यादह से ज्यादह स्थितिवाला one that has the longest duration ठा० १ १ —पएसिय त्रि० (-प्रदेशिक) ઘણામાં ઘણા પ્રદેશ વાલો ज्यादह स ज्यादह प्रदेश वाला (one) having the greatest number of molecules ठा० १ —पद न० (पद) ઉત્કૃષ્ટ પદ ઉત્કૃષ્ટપણુ उत्कृष्ट पद श्रेष्ठ पद उत्कृष्टता excellent status highest state " उक्कोसपदे अट्ठ अरिहंता " ठा० ८ —पय न० (-पद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ११ १०; —मयपत्त त्रि० (मद प्राप्त—उत्कर्षेण मद प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्त) ઉત્કૃષ્ટ મદવાલો उत्कृष्ट मदवाला highly intoxicated with pride जीवा ३ पच १७, —सुयणाणि त्रि० (-सूत्र ज्ञानिन्) ઉત્કૃષ્ટ શ્રુતજ્ઞાનવાલે उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला (one) highly learned in the scriptures विशे० ४५१

उक्कोसग पु० (उत्कर्षक) મ્હોટામાં મ્હોટો बडे से बडा One that is highest or biggest अणुजो० १३१

उक्कोसओ अ० (उत्कर्षतस) વધારેમાં વધારે ઉત્કૃષ્ટપણે उत्कृष्टतास At the maximum limit at the highest प्रव० ७६४,

उक्कोसत त्रि० (उत्क्रोशत्) આક્રન્દન કરતો आक्रन्दन करता हुआ चिल्लाता हुआ Screaming crying aloud पराह० १ १

उक्कोसग पु० (उत्कर्षक) ઉત્કૃષ્ટ મ્હોટામાં મ્હોટો उत्कृष्ट श्रेष्ठ बड से बडा One that is highest biggest or best "तताण च उत्तम कट्ठ पत्त उक्कोसए अट्ठारसम मुहुत्त" च० प० १ भग० १५ ६

उक्कोसअय त्रि० (उत्कृष्ट) ઉત્કૃષ્ટ વધારેમાં વધારે उत्कृष्ट ज्यादह स ज्यादह Highest highest in amount जं० प० ७, १३४ उत्त० ३३ १६ भग० ५ १ ८ १० ११ ११ १८, ७ १३ ३ वव १ १७ नाया० ८ भत्त० ३७, पचा० ८ २६

उक्कोसिय पु (उत्कौशिक) એ નામના ગોત્રને ચલાવનાર ઋષિ इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि (A saint) the progenitor of a family of that name "थेरस्सण अज्जवइरसेणस्स उक्कोसिय गोत्तस्स" कप्प० ८

उक्ख पु० (उक्ष) ભારા सम्बन्ध Connection relation नदी०

उक्खंभ पु० (उत्तम्भ) જોરથી રોકવું ते जार स रोकना Stopping checking forcibly सत्था०

उक्खंभिय त्रि० (उत्तम्भिक) જોરથી રોકનાર અટકાવનાર बल पूर्वक रोकने वाला

(One) who stops or checks forcibly. देखो॰

उक्खणण नं॰ (उत्खनन) ઉખેડવું તે उखाड़ना Digging out scratching out पण्ह॰ १ १,

उक्खणिय त्रि॰ (उत्खानत) ઉખેડી નાખેલ उखाड़ा हुआ Dug out rooted out पिं॰ नि॰ २४६

उक्खय त्रि॰ (उत्खात) ઉખેડેલ મોડેલ उखाड़ा हुआ खोदा हुआ Rooted out सु॰ च॰ ४ ५६ नाया॰ ७

उक्खल पु॰ (उदूखल) ઉખલ ખાંડણી ओखली A mortar पण्ह॰ १ १

उक्खलग पु॰ (उदूखलक) ખાંડવાની ખાંડણી कूटने का ओखली A mortar used for pounding का सयमा चमेहाए सुप्पुक्खलग च खारगालणं च सूय॰ १ ४ २ १०

उक्खलुंदिय स॰ कृ॰ अ॰ ( ) ખંજવાળીને खुजाकर Having scratched ... bed with the nails of the hand to remove itching sensation having tickled आया॰ २ १ ६ ३

उक्खा स्त्री॰ (उखा) थाळी तेनी કડાની थाला हंडी भरातया A metal earthen pot or pan पयाया उक्खातो पारए सिज्झमाया पहाए आया॰ २ १ २ १०,

उक्खिरण त्रि॰ (*) ખરડાયેલ खरडाया हुआ, लिप्त Bespattered smeared पण्ह॰ १ ३

उक्खित त्रि॰ (उक्षित) સિંચેલ વિલેપન કરેલ सींचा हुआ, लेप किया हुआ Smeared, bespattered 'वद्धो विलतगाय सरीरे' सूय॰ २ २, ५२,

उक्खित्त त्रि॰ (उत्क्षिप्त) ઉંચું કરેલ, ઉપાડેલ ઉઠાવેલ ऊंचा किया हुआ; उखाड़ा हुआ उठाया हुआ Raised up lifted up पिं॰ नि॰ २८४ नाया॰ १ ३, ८ भग॰ ८, ६ १६ ५ वय॰ २, १ आव॰ ८ ६; (२) ज्ञाताधर्म कथा सूत्रना पहेला अध्ययनुं नाम ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम name of the 1st chapter of the Sutra named Jnatadharmakatha नाया॰ २; (३) ગાનના ચાર પ્રકારમાંનો એક પ્રકાર गाने के चार भेदा म का एक भेद one of the four kinds of music राय॰ ६५ ज॰ प॰ ५ १२१ (४) આકર્ષેલું કરેલ ખેંચેલ आकर्षित खींचा हुआ attracted drawn नाया॰ १६ —कराणनास त्रि॰ (-कर्णनास) જેના કાન અને નાક ઉખડી નાખ્યા છે તે जिसक कान और नाक उखाड डाल हो वह (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out) विवा॰ २ ३ —चरअ त्रि॰ (चरक) રાંધવાના વાસણમાંથી ખાવાના વાસણમાં ગૃહસ્થે પોતાને ખાવા કાઢેલ હોય તેજ લેવું એવો અભિગ્રહ ધારી ગોચરી કરનાર भिक्षान के बर्तनम से खाने क बतन में अपने खान के लिये गृहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेन की प्रतिज्ञा करके भिक्षा मांगने वाला (one) who begs alms with a determination to take

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

उक्खुलणिय. सं० कृ० अ० (*) ખણેરીને. खुजाकर. Scratching; rubbing with the nails of the hand, to remove an itching sensation 'नो गाहावइ अगुलियाए उक्खुलणिय (उक्खलुंचिय) आइजा' आया० २, १, ६, ३२;

उक्खेव. पुं० (उत्क्षेप) ઉંચે ઉપાડવુ, ઉંચે ફેંકવુ ऊंचा उठाना, ऊंचा फेंकना Lifting up; tossing up जावा० ३, ४, पि० नि० २२७, (२) આરંભ વાક્ય प्रारंभ का वाक्य; शुरु का वाक्य commencing sentence or words उवा० ३, १२६, ४, १४५, निर० ३, ३, (३) અધિકાર, અભિધેય अधिकार, अभिधेय subject-matter. विवा० ३, (४) पुं० ઉપોદ્ઘાત उपोद्घात; प्रारंभिक वक्तव्य. introduction, preface उवा० ३, १२६, ४, १४५,

उक्खेवअ-य. पु० (उत्क्षेपक) પ્રસ્તાવના, ઉપોદ્ઘાત प्रस्तावना, प्रारंभिक वक्तव्य, उपोद्घात Introduction, preface भग० २४, १. (२) त्रि० આલાવો, અધ્યાય अध्याय, विभाग, परिच्छेद. a chapter नाया० ध० ५, ६, (३) પવન નાખવાનો વાંસનો પંખો हवा करने का बास का पखा a fan. भग० ६, ३३, नाया० १, (४) त्रि० ફેંકનાર फेंकनेवाला one who throws or flings भग० ६, ३३.

उक्खेवण. न० (उत्क्षेपण) ઊંચે ફેંકવુ, ન્યાયદર્શન સમ્મત પાંચ કર્મ પૈકી પ્રથમ કર્મ-ક્રિયા ऊंचा फेंकना, न्यायदर्शन सम्मत पांच कर्मों मे से प्रथम कर्म. Throwing up; one of the five actions recognized in the Nyāya philosophy विशे० ३४६२; श्रोघ० नि० २०३,

उग्ग. पुं० (उग्र) ઋષભદેવ પ્રભુએ રક્ષક તરીકે નીમેલું કુલ, ઉગ્રવંશ ऋषभदेव भगवान् को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ कुल, उग्रवंश. The family appointed as a guardian family by lord Riṣabhadeva, the Ugra family श्रोव० १३, सम० २३?, नाया० १, ५, भग० ६, ३३, पन्न० १, उवा० २, १०७, ज० प० २, ३०, (२) त्रि० ઉગ્રકુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ उग्रकुल मे उत्पन्न one, born in the Ugra family प्रव० ३८६, अणुजो० १३१, उत्त० १६ ६, श्रोव० १३, २७; ठा० ३, १, (३) त्रि० ઉગ્ર, પ્રધાન; બહુ ભારે उग्र, तीव्र, प्रधान, बहुत भारी austere, chief, severe पन्न० १, भग० १०, ४, २०, ८, नाया० ८, (४) त्रि० ઉત્કટ, આકરૂ, દુઃખે આચરી શકાય તેવુ उत्कट, कठिण strong, austere, severe उत्त० ३०, २७, सु० च० १, ३८४, नदी० ५६; (५) त्रि० ઉદ્યમ સહિત उद्यम सहित, उद्योग सहित industrious, active. नाया० १९,

—**कुल** पु० (-कुल) ઉગ્રકુળ, જે કુલને ઋષભદેવે રક્ષક તરીકે સ્થાપ્યુ તે કુલ उग्रकुल, जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल. the Ugra family appointed by Riṣabhadeva as a guar-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (1) p. 15th

Ugra family आया० २, १, २, ११ कप्प० २, १७, —तव न० (-तपस्) ઉગ્રતપ, અઠ્ઠમાદિક તપ થકી કઠિણ તપશ્ચર્યા उग्रतप, अट्ठमादिक तप बहुत कठोर तपस्या austere penance ठा० ४, २, भग० १, १, उवा० १, ७६ (२) त्रि० ઉગ્રતપ કરનાર उग्रतप करने वाला, कठोर तप करनेवाला (one) performing austere penance उत्त० १२ २२ —तेय त्रि० (तजस्) ઉગ્ર પ્રભાવવાળો उग्र तज प्रभाववाला powerful (one) of powerful lustre (२) न० તીવ્ર ઝેર तीव्र जहर deadly poison 'आसाविसा उग्गतेयकप्पा' पएह० २ १ —पव्वइग पु० (-प्रव्रजित) ઉગ્રવંશમાં ઉત્પન્ન થઇને દિક્ષા લીધેલ उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिक्षा लिया हुआ one born in the Ugra family, who has taken Diksa ओव० —पुत्त पु० (-पुत्र) ઉગ્રવંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુત્ર-કુમાર उग्र वंश में उत्पन्न पुत्र कुमार a male member (a son) of the Ugra family ओव० २७ दसा० १०, ३ राय० २१८, —विस न० (विष) ઉત્કટ વિષ प्रधान विष, तीव्र विष deadly poison भग० १५ १ नाया० ६ (२) આકરા વિષવાળો સર્પ बहुत तीव्र विषवाला सर्प a serpent with deadly poison उवा० २ १०७ —विहार पु० (-विहार) ઉગ્ર વિહાર उग्र विहार, कठिन विहार साधु का एक ग्राम से अन्य ग्राम जाना austere wandering from place to place e g on the part of a monk भग० १५, १, —विहारि त्रि० (विहारिन्) ઊંચીરીતે સયમ પાળનાર उग्र रीति से सयम पालन करनेवाला साधु (one) who strictly observes ascetic rules भग० १०, ४,

उग्गम पु० (उद्गम) સાધુને અર્થે આહારાદિ નિપજાવતા ગૃહસ્થથી આધાકર્માદિ લાગતા ૧૬ દોષ, ૧ આહાકમ્મ ૨ ઉદ્દેસીય ૩ પૂઇકમ્મ ૪ મીસજાયએ ૫ ઠવણા ૬ પાહુડિયા ૭ પાઉઅર ૮ કીય ૯ પામિચ્ચ ૧૦ પરીયટ્ટિ ૧૧ ઉબ્ભિન્ન ૧૨ અભિહડ ૧૩ માલોહડ ૧૪ અચ્છિજ્જે ૧૫ અણિસઠ્ઠે ૧૬ અજ્ઝોયરે એ સોળમાંનો ગમે તે દોષ साधु के लिये आहारादि बनाने में गृहस्थ को लगनेवाले आधाकर्मादि १६ दोष १ आहाकम्म २ उद्देसिय ३ पूइकम्म ४ मीसजायए ५ ठवणा ६ पाहुडिया ७ पाउयर ८ कीय ९ पामिच्च १० परियट्टि ११ उब्भिन्न १२ आभहड १३ मालोहड १४ अच्छिज्ज १५ अणिसट्ठ १६ अज्झोयर इन सोलह दोषों में से कोई भी एक Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a householder for an ascetic they are (1) Āhākamma (2) Uddesiya (3) Puikamma (4) Misajāye (5) Thavaṇā etc (vide Guj explanation) पगह० २ १ दस० ५ १ ५६ ठा० ३, ४ उत्त० २४ १२ सम० प० १८८ पि० नि० १ ३० सू० प० २ भग० ७ १ प्रव० ५७१, —उवघाय पु० (-उपघात) આધાકર્મ આદિ ઉદ્ગમન દોષથી ચારિત્રની વિરાધના કરવી તે आधा कर्म आदि उद्गमन दोष से चारित्र की विराधना करना damaging one's right conduct by an Udgamana fault e g by tak

-ing] Adhākarma food etc. ठा० ३; १४; —कोडि. स्त्री० (-कोटि) उद्गम पक्ष; आधाकर्म अने उद्देशिकना त्रण त्रण भेद-ओकंदर छ भेद उद्गम कोटी तरीके गणेल छे. उद्गम पक्ष, आधाकर्म और उद्देशिक के तीन तीन भेद कुलला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं a group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddeśika. पिं० नि० ४०१; —दोस पुं० (-दोष) १६ उद्गमन दोष, जुओ "उग्गम" शब्द १६ उद्गम दोष, देखो "उग्गम" शब्द any of the 16 Udgamana faults, vide "उग्गम" "सोलस उग्गम दोसे गिहिणो सुमुद्विये" पिं० नि० ४०१; पंचा० १३, २, —विसोहि स्त्री० (-विशोधि) १६ उद्गमनना दोषनो अभाव १६ प्रकार के दोषों का अभाव absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults ठा० ५, ३;

उग्गमण. न० (उद्गमन) उगवुं ते, सूर्यनो उदय. ऊगना, उदय होना, सूर्य का उदय Rising up, rising, e g of the sun जं० प० ७, १३६, —मुहुत्त न० (-मुहूर्त) सूर्योदय थवानुं मुहूर्त सूर्योदय होने का मुहूर्त time of sunrise भग० ८, ८;

उग्गय-अ त्रि० (उद्गत) बहार नीकळतो भाग बाहिर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out नया० १; राय० (२) उत्पन्न थयेल उत्पन्न; पैदा हो चुका हुआ born; produced. अणुजो० १२८, पगह० १, ४, विशे० १०६६; आव० ६१; प्रव० ५५६, कप्प० ४, ६१; (३) उगेल, उदय पामेल ऊगा हुआ; उदय प्राप्त. risen; come out भग० ७, १; नाया० १; ओघ० नि० १७५, जीवा० ३, ३; —वित्तिअ त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिर्जीवनोपायो यस्यासौ) दिवस उग्या पछी जेने वृत्ति खोराक मेळववानुं छे ते. दिन उदय होने के पीछे जिसे आहार लाना हो वह. (one) who has to acquire his food after sunrise. "भिक्खूय उग्गय वित्तिए अणत्थमिय" वेय० ५, ५;

उग्गवई-ती. स्त्री० (उग्रवती) पडवो, छठ्ठ अने अग्यारस ए रात्रिनी त्रण तिथिनुं नाम प्रतिपदा, छठ और ग्यारस की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. जं० प० ७, १५२; सू० प० १०,

उग्गसेण पुं० (उग्रसेन) कंसना पिता उग्रसेन राजा, कृष्ण वासुदेवना ताबाना सोळ हजार राजाओमां अग्रेसर. उग्रसेन राजा, कृष्ण के अधीनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा, कंस का पिता. King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Krisna Vāsudeva अंत० १, १; नाया० ५, १६. निर० ५, १,

उग्गह पुं० (अवग्रह) मन अने इन्द्रियोनी साथे वस्तुनो सम्बन्ध थता प्रथम सामान्य बोध थाय ते, मतिज्ञानना चार प्रकारमांनो पहेलो प्रकार मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह, मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद. General knowledge derived from the first perception of an object; the first of the 4 varieties of Matijñāna

of sensitive perception. विसे० १७०८; अव० ८, २; १२, ५; १७, ४३; भैत्री० २६; कप्प० ६, ६; (२) ઉપકાર; આશ્રય. उपकार; आश्रय. favour; support. भग० १७, १, (३) આજ્ઞા; રજા; સંમતિ. हुकम, आज्ञा, रजा; सम्मति. order; permission, assent. सूय० ४, २२, २३; ७, १७; दसा० १०, १; जीव० १२; वेय० १, ३७; राय० २७, २१६, पराह० २,३; नाया० १,२,१६; दस० ५, १, १९; भग० २, ५, ६, ३३; १५, १, १६, १; आया० २, १, ५, २८, २, ७, २, १६२; कप्प० १, ५; (४) અભિગ્રહ, નિયમ अभिग्रह; नियम, प्रतिज्ञा a vow, a rule of conduct अंत० ६, ३; (५) પરિગ્રહ. परिग्रह. worldly possessions सूय० १, ६, १०, दस० ६, १४; उत्त० ३१, ६; (६) આવાસ; નિવાસ સ્થાન आवास, निवासस्थान an adode; a residence. निर० १, १; (७) અન્તર, આતરુ अन्तर. interval, anything that intervenes or forms an interval "उग्गिहंं सद्दिहत्थुगा" प्रव० ७७; —अणुग्गवणा. स्त्री० (-अनुज्ञापना) અવગ્રહ-ઉપાશ્રયની રજા अवग्रह-उपाश्रय की आज्ञा, अथवा मजूरी permission to have an abode in monastery. सम० २५, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा अवग्रहात इत्यवग्रहोवस्थान स्वयमित्यर्थः अभिग्रह' अवग्रहप्रतिमा) નિવાસ કરવામાં નિયમ અભિગ્રહ ધારવો તે ઉપાશ્રયની પ્રતિમા—અભિગ્રહ. निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा-अभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular place; e g. in a monastery. "आवोग्गहपडिमा पडमा" आया०नि० २, १, १, १६, ठा० ७, १; पि० नि० ६१; —प्पवेस. पुं० (-प्रवेश) મકાનમાં પ્રવેશ કરવો તે मकान में प्रवेश. entering a house etc. पञ्चा० १२, २२; —मइ. स्त्री० (-मति) ઇંદ્રિય અને અર્થનો સમ્બન્ધ થાય તે, મતિજ્ઞાનનો એક ભેદ. इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना, मतिज्ञान का एक भेद contact of an object with a sense of perception, a variety of Matijñāna ठा० ४, ४, ६, १, —मइसंपया स्त्री० (-मतिसम्पद्) મતિસંપદાનો એક પ્રકાર, સામાન્યપણે વસ્તુનું ગ્રહણ કરવું તે मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद, सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना a variety of the power of perception general knowledge of a thing through perception दसा० ४, ३५,

उग्गहण न०(अवग्रहण) સામાન્ય અંશનું ગ્રહણ કરવું વિચારવું सामान्य अंश का ग्रहण करना विचारना General perception, perception of broad outlines विसे० १७६, (२) સ્થાનની આજ્ઞા स्थान की आज्ञा permission to lodge आया० १, ७, ५, ८६,

उग्गहणंतग न० (अवग्रहानन्तक) નાવાને આકારે સાધ્વીનું એક વસ્ત્ર કે જેનો ગુહ્ય પ્રદેશ ઢાંકવામા ઉપયોગ થાયછે, સાધ્વીના ૨૫ ઉપકરણમાનું એક साध्वी के गुह्याङ्ग ढकने का एक वस्त्र, २५ उपकरणों में का एक उपकरण. One of the 25 articles of use for a nun, viz a boat shaped lower garment put on to protect the private parts.

संथा० ५३६; ओघ० नि० भा० ११३; वेव० ३, १३; —पट्टय, न० (-पट्टक) साध्वीनुं ओक उपकरण. साध्वी का एक उपकरण one of the articles used by a nun. वेव० ३, ११,

उग्गहिय. न० (अवग्रहिक) पाटीआरा उपकरण; अमुक वखत सुधी वापरीने पाछा धणी ने सोंपवा योग्य उपकरण अमुक समय तक काम में लेकर-पीछे उसके मालिक को सौंप देने योग्य उपकरण An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner ठा० १०;

उग्गहिय त्रि० (अवग्रहीत) पीरसवामाटे उपाडेलु परोसने के लिये उठाया हुआ Taken up to be served as food ठा० १०,

उग्गहिया. स्त्री० (अवगृहीता) गृहस्थने थाली वगेरेमा पीरसेलु भोजन साधुओ यत्नापूर्वक लेवुं ते, पिंडेषणानो पांचमो प्रकार गृहस्थ द्वारा थाली वगैरह मे परोसा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक ग्रहण करना, पिंडेषणा का पांचवाँ भेद Careful taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil, the 5th mode of begging food ठा० ७, प्रव० ७४४,

उग्गाइय स० कृ० (उद्गाय) गान करीने गाता हुआ Singing, having sung ओघ० नि० ६६;

उग्गाल. पुं० (उद्गार) ओडकारनी साथे अनाज के पाणी पेटमांथी मोढामा आवे ते डकार के साथ अन्न या पानी का पेट मे से मुंह में आना Coming up of water or food into the mouth along with eructation वेव० ५, १०;

उग्गाहणा. स्त्री० (अवगाहना) शरीरनी उंचाई. शरीरकी ऊंचाई The height of the body. भग० १६, ३; २२, ६१

उग्गाहिम त्रि० (अवगाह) घी आदिमा तलेली वस्तु. घी वगैरह में तली हुई वस्तु. Food fried in ghee etc. पराण० २, ५.

उग्गाहिय-अ त्रि० (उदग्राहित) हाथमा लीधेल; उपाडेल हाथ में लिया हुआ; उठाया हुआ. Taken up; lifted up ओघ० नि० १६७,

उग्गाहियव्व त्रि० (उद्ग्राहितव्य) तपास करवी तपास करना, जांच करना. Examining, inquiring. वव० ३, २२,

उग्गिरण. त्रि० (उद्गीर्ण) ओकेल; वमेल वमन किया हुआ Vomited नाया० १;

उग्गिलित्ता स० कृ० अ० (उद्गीर्य) ओगालीने उगाल कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e g like cows etc वेव० ५, १०;

उग्गोवणा स्त्री० (उद्गोपना) शोधवुं; ओषणा करवी शोधना, खोजना; एषणा करना To search, being in search of पि० नि० ७३,

उग्गोविय त्रि० (उद्गोपित) मुंझाई गयेल सूत्रने उकेलेल; गुंच काढेल अस्पष्ट या कठिन सूत्र का सशोधन किया हुआ Deciphered, e. g a difficult Sūtra. भग० १६, ६;

उग्घाइअ य. त्रि० (उद्घातित) लघु प्रायश्चित. छोटा प्रायश्चित्त Minor expiation ठा० ५. नि शी० १०, १५; वेव० ४,

...(२) नाश पामेल. नाश पाया हुआ; वह. destroyed; ruined. ठा० १०; —संकप्प. पुं० (-संकल्प) लघु प्रायश्चित्तनो विचार. लघुप्रायश्चित्त का विचार. thought about minor expiation. निसी० १०, २६;

उग्घाइम. न० (उद्घातिम-उद्घातोमान पातलेन निर्वृत्तमुद्घातिमम्) लघु प्रायश्चित्त लघु प्रायश्चित्त Minor expiation ठा० ३;

उग्घाड. त्रि० (उद्घाट) थोडुं ढांकेलुं-वासेलुं; थोडुं खुलुं, ओगल न दीधेल. कुछ ढका हुआ और कुछ खुला हुआ Partially closed, not bolted. आव० ४, ५, —कवाड त्रि० (-कपाट) अर्धुं दीधेल कमाड आधा बन्द किवाड a partially closed door, a door not bolted ओघ० आव० ४, ५; —कवाडउग्घाडणा स्त्री० (-कपाटोद्घाटना) अर्ध उघाडुं कमाड पुरुं उघाडवुं ते; साधुनो गोचरीनो एक अतिचार आधा खुला हुआ किवाड पूरा उघाडना; साधु का गोचरी का एक अतिचार opening a partially closed door; a fault in alms-begging by a Sādhu "पडिक्कमामि गोयरग्गचरियाए उग्घाडकवाडउग्घाडणाए" आव० ४, ५;

उग्घाडण न० (उद्घाटन) उघाडवुं, खोलवुं उघाडना; खोलना Opening, opening a door. पिं० नि० ३०७, ओघ० नि० ४७६; आव० ४, ५;

उग्घाडपोरिसी स्त्री० (उद्घाटपौरुषी) प्होरनो पाछलो भाग; पोणो पहोर प्रहर का पिछला हिस्सा. The latter part of a Prahara (a period of time equal to about three hours;) three-fourth of a Prahara प्रव० ५८८;

उग्घाडिअ-य त्रि० (उद्घाटित) उघाडेल; खुल्लुं करेल उघाडा हुआ खोला हुआ. Opened. नंदी० ४२; पिं० नि० ३५२; क० प० ५, ६४;

उग्घाडियण्ण त्रि० (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं प्रकाशितं जानातीति) कहेल मात्र जाणनार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला. (One) who knows anything exactly as it is explained or said to him. नंदी०

उग्घाय पुं० (उद्घात) लघु प्रायश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त Minor expiation ठा० ३;

उग्घायण न० (उद्घातन) क्षय-नाश करवो क्षय करना, नाश करना; Destruction. आया० १, २, ६, १०२.

उग्घुट्ठ त्रि० (उद्घुष्ट) घोषणा करेल घोषित; घोषणा की गई हो वह. Proclaimed. सु० च० २, ४०१,

उग्घोसणा स्त्री० (उद्घोषणा) उद्घोषणा-ढंढेरो. उद्घोषण, प्रसिद्धि Proclamation, declaration नाया० ५, १५,

उग्घोसिय त्रि० (उद्घुष्ट) घसेल. माजेल घिसा हुआ, माजा हुआ Rubbed, cleansed "उग्घोसियसुनिम्मलव आयसमंडलतल" पगह० २, ४;

उचिअ-य त्रि० (उचित) योग्य. लायक. योग्य, उचित, लायक Fit, proper; suitable. नाया० १. राय० ४४, पिं० नि० ६४१, कप्प० ४, ६२, (२) जोडेल; मळेल जोडा हुआ, मिला हुआ united; joined पंचा० १, ४३, —अणुट्ठाण. न० (-अनुष्ठान) उचित-योग्य अनुष्ठान. उचित अनुष्ठान; योग्य कार्य proper

performance, " उचिय अणुट्ठाणओ विचित्त अइ जोगतुल्ला मोयलं" पचा० ६,१६, —करणिज्ज. त्रि० (-करणीय) યોગ્ય કર્તવ્યવાળો. योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पचा० १, ४३, —जोग पु० (-योग—उचित स्वभूमिकायोग्यो योगो व्यापारः) પોતાની ભૂમિકાને યોગ્ય વ્યાપાર. अपनी भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies पंचा० ५, ४४, —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) ઉચિત-યોગ્ય સ્થિતિ योग्य स्थिति proper condition पचा० ३, ८;

उचिअ (य) त्त न० (उचितत्व) યોગ્યતા, લાયકતા योग्यता, ल्याकत Propriety, fitness पचा० ६, ५०,

उच्च त्रि० (उच्च) ઉચ્ચ, ઉત્તમ, પૂજ્ય उच्च, उत्तम, श्रेष्ठ, पूजनीय. High, excellent, noble " उच्चावयाहिं सिज्जाहिं उत्त० २, २२, भग० २, ५, ३, १, (२) ઉંચા શરીર તથા ઉંચા કુલ વાલો ऊंचे शरीर तथा उच्च कुल वाला possessed of a noble body and born in a noble family नाया० १६, ठा० ४, ३, (३) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેથી ઉચ્ચ ગોત્ર પ્રાપ્ત થાય उच्च गोत्र प्राप्त करने वाली नामकर्म की एक प्रकृति name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family क० गं० १, ३०—५२, ५, ३०, —आसण. न० (-आसन) ઉંચુ આસન उच्च आसन a high seat. सम० ३३; दसा० ३, ३४, —गोय. न० (-गोत्र) ઉંચ ગોત્ર નામે ગોત્રકર્મની શુભ પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ઉંચ ગોત્ર પામે उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है a variety of Gotra karma by which a soul is born in a noble family उत्त० ३३, १४, —ट्ठाण न० (-स्थान) ઉંચ સ્થાન ऊंचा स्थान. high place; high position. " उच्चट्ठाणगयसुग्गह " नाया० ८,—फल त्रि० (-फल) લાંબા વખત સુધિ જેનું ફલ રહે છે તે; ચિરકાલનો ઉપકારિ लंबे समय तक जिसका फल रहता है वह, चिरकाल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit " उच्च फलो अह सुट्ठू सउणिल्यो " वव० १, ३. —सद्द पु० (-शब्द) મ્હોટો શબ્દ बड़ा शब्द, उच्च शब्द loud sound वव० २, ७;

उच्चत पु० (*) દાતનો રંગ; દંતરાગ. दांत का रंग Colour of the teeth, tooth colour राय० ५२,

उच्चतग पु० (*) દન્તનો રંગ, દન્તરાગ. दांत का रंग Colour of the teeth, tooth colour जीवा० ३, ४,

उच्चंतय पु० (उच्चन्तक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. राय० पत्र० १७,

उच्चंपिय त्रि० ( ) જોરથી હલ્લો કરેલ. जोर से किया हुआ हल्ला Violently attacked " सीस उच्चंपियं कबं धम्मिय " तंडु०

उच्चत्त. न० (उच्चत्व) ઉંચપણું. उच्चता;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

उच्चत्त. Nobility. सम० ७; नाया० ८; जीवा० ३, ४; भग० २, ८, ६, ७; ८, ८, ११, ६; १४; ६, ३५, १, ४०, १४, (२) ઊંચાઈ; કદ; જમીનના તળિયાથી ઊંચાઈ ऊंचाई; कद, जमीन के तल से ऊंचाई. height प्रव० ४१२; ठा० १, १, २, ३, जं० प० १, ४; २, २६, सम० ७, सू० प० १; (३) ઉચકો, બદલાની અમુક વસ્તુ. बदलेकी वस्तु, a certain thing as reward ठा० ४, १; —भयश्र पुं० (-भृतक) ઉચકો આપી કામ કરાવી એ તે સેવક. मजदूरी देकर जिससे काम कराया जाय वह सेवक a servant made to work by paying some reward ठा० ४, १,

उच्चत्तरिया. स्त्री० (उच्चतरिका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपिओं में की एक लिपि. One of the 18 scripts सम० १८,

उच्चत्ता स्त्री० (*) મફત, કંઇ બદલો લેવાની ઇચ્છા ન કરવી તે मुफत, कुछ भी इच्छा रखे बिना Gartis, without desire of any reward or gain "उच्चत्ताए वायं दुल्लभ" पिं० नि० ३२२,

उच्चत्थवणग. पुं० (उच्चस्थापनक) ઊંચા મોઢાનું ભાજન વિશેષ, ચરુ ऊंचे मुह का बरतन. A vessel (e. g. a pot) with a long neck, a pitcher with a long neck अणुत्त० ३, १,

उच्चय. पुं० (उच्चय) ઊંચો ઢગલો ऊंचा ढेर. A large heap. a high pile. अंत० ६, ३; कप्प० १, ४; —बंध. पुं० (-बन्ध—ऊर्ध्वं चयनं रीत्याकारस्य तद्-रूपोबन्धः उच्चयबन्धः) ઉપરા ઉપરી મૂકી ઢગલો કરવો તે; રૂપ બંધ. एक के ऊपर एक रखकर ढेर करना. heaping together one upon another भग० ८, ६;

उच्चयर त्रि० (उच्चतर) વધારે ઊંચું बहुत ऊचा Higher, more high. भग० ३, १;

उच्चरण न० (उच्चरण) અક્ષરાદિનો ઉચ્ચાર કરવો अक्षरादि का उच्चारण करना Pronunciation, act of pronouncing words etc. गच्छा० ८२,

उच्चाश्र त्रि० (,,) થાકી ગયેલ थका हुआ Tired fatigued. ओघ० नि० ५१८,

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुचा—उच्चा चासा वकुचा-परिस्पन्द रहिताचोच्चाकुचा) જમીનથી ઊંચી અને હાલે ચાલે નહી તેવી શય્યા जमीन से ऊंची और न हिलने वाली शय्या A raised, high, bed which does not shake कप्प० ६, ५४,

उच्चाकुइया स्त्री० (उच्चाकुजिका) જમીનથી ઉંચી અને ડગમગતી શબ્દ ન કરે તેવી શય્યા વગેરે जमीनसे ऊंची किन्तु न हिल सके ऐसी शय्या A raised bed which does not shake कप्प० ६, ५४;

उच्चागय त्रि० (उच्चागज-उच्चो योऽग पर्वतो हिमवान् तत्र जातं उच्चागजम्) હિમાચલમાં ઉદ્ભવેલ-ઉત્પન્ન થયેલ. हिमालय में उत्पन्न Born, produced on the Himalaya mountain कप्प० ३, ३६;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

उच्चागोय-य न० (उच्चगोत्र) ઉંચુ ગોત્ર, ગોત્ર કર્મની ઉચ્ચ પ્રકૃતિ उच्च गोत्र, गोत्र कर्म की उच्च प्रकृति Noble family a kind of Gotra Karma which causes birth in a noble family 'से असइं उच्चागोए असइं नीआगोए' आया० १ २, ३ ७७, ठा० २, ४ अणुजो० १२७, सम० १७ क० प० ७ ४३ प्रव० १२६७, —**कम्म** न० (-कर्मन्) ઉચ્ચ ગોત્ર કર્મ, ગોત્ર કર્મની એક પ્રકૃતિ उच्च गोत्र कर्म गोत्र कर्म की एक प्रकार a variety of Gotra Karma giving birth in a high family भग० ८, ६ —**णिबंध** पु० (निबन्ध) ઉચ્ચ ગોત્ર કર્મ બાંધવું તે उच्च गोत्र कर्म बांधना performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family "उच्चागोयणिबन्धो सासय वमयो य आगामि" पचा० १२ ७

उच्चागोत्त न० (उच्चगोत्र) જુઓ "उच्चागोय" शब्द देखो "उच्चगोय" शब्द Vide उच्चागोय उत० ३ १ ८

उच्चानागरी स्त्री० (उच्चानागरी) એ નામની કોડિયગણથી નીકળેલી શાખા આર્ય સન્તિસેણિકની શાખ कोडय गणसे निकला हुई शाखा का नाम Name of a family offshoot derived from Kodiya Gana the offshoot of Ārya Santisenika कप्प० ८

उच्चार पु० (उच्चार) વડી નીત ઝાડો વિષ્ટા विष्टा मल टट्टी Excrements पिं० नि० भा० १५ पिं० नि० १६७ ५३६ भग० १, ६८ ओघ० उत्त० २४, १५ सूय० १, ६, १६, सम० ५, आया० २ १, ५ २ ६ नाया० १, २ ५, पण्ह० १ ५ ; दस० ८, १८, भग० १, ७; २, २, ६, ३३, १२, ७; २० ९ प्रव० ४३८ (२) વડી નીત કરવી, મલત્યાગ કરવો शौच जाना, मल त्याग करना answering the call of nature, getting rid of fæces सेमि० उच्चार पासवण किरियाए आया० २, १० १६५, (३) ઉપયોગ અને યત્ના પૂર્વક પરઠવવું પાંચમી પરિઠાવણિયા સમિતિ उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निक्षेप—त्याग करना पांचवी परिठावणिया समिति getting rid of, laying down, excreta etc carefully उत्त० २४, २ —**करण** न० (करण) દિશાએ જવું मलमूत्रका त्याग करना easing oneself answering a call of nature प्रव० २४ —**णिरोह** पु० (-निरोध) ઝાડાનો નિરોધ અટકાવ કરવો તે मल निरोध दस्त रोकना stopping, checking of stools "उच्चारणिरोहेण पासवणणिरोहेण" ठा ६ १; —**पडिक्कमण** न० (प्रतिक्रमण) ઉચ્ચાર-વિષ્ટા પરઠવીને ઈરિયા વહિયા પડિક્કમવી તે मल त्याग करके इरिया वहिया रूप प्रतिक्रमण करना performing Iriya Vahiya Pratikramana (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature ठा० ६ —**पासवण** न० (प्रस्रवण) ઝાડો અને પેશાબ मल मूत्र fæces or solid excrements and urine दसा० ७ १, निसी० ४ ६६ (२) આચારંગના બીજા શ્રુતસ્કન્ધના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ आचारांग के दूसरे श्रुत स्कंधके तीसरे अध्यायका नाम name of the third chapter of the second Śrutaskandha of

Acharanga आया० २, २ ३ १०६
—पासवण भूमि स्त्री० (-प्रस्रवणभूमि) ઝાડો અને પેશાબ પરઠવવાની જગ્યા मल मूत्र त्यागन की जगह a place for getting rid of solid excrements and urine नाया० १ भग० २ १
—भूमि स्त्री० (-र्मि) જંગલ જવાની જગ્યા शौच जान का स्थान a place for answering a call of nature दस० ८ १७ —मत्तअ पु० (-मात्रक) સ્થંડિલ જવાને માટે ભાજન पशाब करनेका पात्र a vessel in which urine solid excrements etc are got rid of कप्प० ६ ४६
उच्चारण पु० (उच्चारण) બોલવું त बोलना Utterance speaking पण्ह० १६ पण्हा० ६ ३८
उच्चारत्त न० (उच्चारत्व) [illegible] विष्टापन मलत्व State of solid excrements भग० ३० ४
उच्चार पासवण खेलजल्ल सिंघाण पारिट्ठावणिया समिय त्रि० (उच्चार प्रस्रवणखेलमलसिंघाणपरिस्थापनिका समित) ઝાડો પેશાબ [illegible] એવી વસ્તુઓ પરઠવવામાં સમિતિ [illegible] वाला मल मूत्र कफ मैल नाक का मैल इन का यत्नाचार पूर्वक डालने वाला (One) careful in laying down or throwing out solid excrements urine spittle bodily dirt & snot नाया० ५ दसा० ४ ०१
उच्चारिय त्रि० (उच्चारित) ઉચ્ચારેલ ઉચ્ચાર કરેલ कहा हुआ उच्चार किया हुआ Said; uttered पण्ह० १७ सु० च० १, १६१ विं० नि० ६७,
उच्चारियव्व त्रि० (उच्चारितव्य) ઉચ્ચાર કરવા યોગ્ય उच्चार करने योग्य Worth saying or uttering अणु० ६ ३. १६ ४
उच्चारेयव्व त्रि० (उच्चारितव्य) જુઓ ઉપરનો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above भग० १ ४ ५ १ ६ २ ६, जं० प० ७ १६२
उच्चालइअ त्रि० (उच्चालयिक) દૂર કરનાર ખસેડનાર दूर करने वाला घसीटने वाला (One) who removes or causes to [illegible] उच्चालिआ उच्चालइअस्स आलिआ दूरालइय आया० १ ३ ३ ११८
उच्चालिय त्रि० (उच्चालित) ઉંચું કરેલ ઉપાડેલું ऊंचा किया हुआ उठाया हुआ Lifted up; raised up उच्चालियंमि पाए इरिया समियस्स सकमट्ठाए ओघ० नि० ७४८
उच्चावअ य त्रि० (उच्चावच उदकचावाक उच्चावच) ઉચ્ચ નીચ ઉત્તમાધમ અનેક પ્રકારનું ऊंच नीच उत्तम अधम अनेक प्रकार का Of various kinds [illegible] सूय० १ १ १ २७ उत्त० ४ २ नाया० १ १६ १८ भग० ७ ६ १५ १ आव० ४० पण्ह० ३४ राय० ६, दसा० १ १
(२) અનુકૂળ પ્રતિકૂળ अनुकूल प्रतिकूल favourable as well as adverse भग० १ ६
उच्चावय त्रि० (उच्चव्रत उच्चानि महान्ति व्रतानि येषां ते) મહાવ્રત ધારી ઉંચા વ્રતવાળો महा व्रत धारन करने वाला ऊंचे व्रतवाला (One) observing high or full vows उच्चावयाइं मुणिणो चरंति उत्त० १२ १५

उच्चत्तइत्तु सं० कृ० अ० (ऊर्ध्वी कृत्वा) ઉંચુ કરીને. ऊंचा करके. Having lifted up पण्ह० १७,

उच्चत्तियं सं० कृ० अ० (ऊर्ध्वी कृत्वा) ઉંચુ કરીને ऊंचा करके Having lifted or raised up पण्ह० १७,

उच्चिअइय त्रि० (उच्चैस्क) ઉંચુ ऊंचा High, elevated जंबा० ३, ३

उच्चूल न० (उच्चूल = ऊर्ध्वं चूला यथा स्यात् तथा उच्चूलम्) ઉંચો ચોટલી થાય તેવી રીતે ઉંચુ કરેલ માથું जिस तरह से चोटी ऊंची हो उस तरह से माथा-नीचा किया हुआ माथा (Head) topsy turvied so that the tuft of hair becomes erect विवा० ६

उच्चूल पु० (अवचूल) હાથીના ગળાની બે બાજુએ ઝુમણા જેવું લટકતું ફુમકુ हाथी के गल के दोनों ओर झूमक के समान लटकता हुआ झूमका An ornamental pendant (of the shape of a flower) on both the sides of the neck of an elephant ओव० १०,

उच्चूलग पु० (अवचूलक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above आव० ३१

उच्चोदअ पु० (उच्चोदक) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તિના એક મહેલનું નામ ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक महल का नाम Name of a palace of the Chakravarti Brahmadatta उत्त० १३ १३

उच्छंग पु० (उत्सङ्ग) ખોળ ઓલ ગોદી A lap भत० १, ८, ओव० ३१, सु० च० २, २४८; नाया० २; १६, निवा० ७; प्रव० १६०,

उच्छण्ण त्रि० (उच्छन्न) ઢાંકેલ ढांका हुआ Covered, hidden ओघ० पञ्च० २३, ज० प० २, १६,

उच्छणा न० (अपच्छन्न आच्छन्न विकल्प इत्र स्वदोषाणां परगुणानां चावरणमपच्छन्नम्) પોતાના દોષ અને બીજાના ગુણોને છુપાવવા તે, અસત્યનો એક પ્રકાર अपने दोष और दूसरे के गुण को छुपाना Hiding one's own demerits as well as another's merits पण्ह० १, २,

उच्छुढ त्रि० (उत्स्तब्ध) અંદર ઉંડે ઉતરેલ अंदर उतरा हुआ, ऊंडे में उतरा हुआ Gone deep into the interior अणुत्त० ३ १

उच्छुण त्रि० (उच्छून) જુઓ 'उच्छुण्ण' શબ્દ देखो 'उच्छुण्ण' शब्द Vide 'उच्छुण्ण' ज० प०

उच्छुरत त्रि० (उत्स्पृशत्) આચ્છાદન કરતું ઢાંકતું आच्छादन करता हुआ, ढकता हुआ Covering 'उच्छुरइसुच्छुरन्त कच्छइ गमार' पण्ह० १, ३

उच्छलणा स्त्री० (उच्छलना) ઉછળવું તે उछलना Leaping up throwing up पण्ह० १ ३

उच्छलिय त्रि (उच्छलित) ઉછળેલ उछला हुआ (One) that has leapt up पण्ह० १, ३

उच्छव पु० (उत्सव) ઇન્દ્રોત્સવાદિ મહોત્સવ इन्द्रोत्सवादि महोत्सव, बड़ा जल्सा A festival e g one in honour of India नाया० १ भग० ६, ३३

उच्छहत त्रि० (उत्सहत्) ઉત્સાહ રાખતો उत्साहवाला Ardent, zealous, enthusiastic 'अओमया उच्छहया नरेण" दस० ९, ३, ६

उच्छाइय. त्रि० (अवच्छादित) આચ્છાદન

करेल; ढंकेल. ढांका हुआ. Covered; hidden. नाया० १;

उच्छायणया. स्त्री० (उच्छादन) ઉચ્છેદન કરવું તે. उच्छेदन करना, उखाडना. Rooting out; cutting out. " अंगाणं अंगुलियाणं पादाण बाहाए उच्छायणयाए " भग० १५, १.

उच्छाय पुं० (उच्छाय) ઉંચાઇ ऊंचाई. Height. ठा० ७,

उच्छायणा स्त्री० (उच्छादना) વ્યવચ્છેદ-વ્યાવૃત્તિ કરવી जातिका विच्छेदन करना-नाश करना. Cutting off, debarring नाया० ८,

उच्छाह. पुं० (उत्साह) ઉત્સાહ, ઉત્કંઠા उत्साह, उत्कठा Zeal, enthusiasm, eager longing सू० प० २०, सम० ६,

उच्छिंदण न० (उच्छेदन) ઉછીનું ઉધારૂ લેવું તે उधार लेना. Borrowing, taking on credit पि० नि० ११६,

उच्छिंपग पुं० (उत्क्षेपक) ચોર વિશેષ, મીણા, ભીલ વગેરે ચોરની જાત चोर विशेष, मीणा, भील वगैरह चोरकी जाति. A particular class or tribe of thieves; e. g Mīṇā, Bhīla etc पराह० १, ३;

उच्छिट्ठ. त्रि० (उच्छिष्ट) ખાતાં ખાતા વધેલુ, એઠું; જુઠું. उच्छिष्ट; झूठन् (Food) remaining after one has eaten a portion of it प्रव० ११६,

उच्छिण्ण. त्रि० (उच्छिन्न) ઉચ્છેદ કરેલ; નાશ પામેલ. नाश पाया हुआ, नष्ट Destroyed; ruined ठा० ५; भग० १, ७; कप्प० ४, ८८; —सामि० पुं० (-स्वामिक—उच्छिन्नो निःसत्तीभूत स्वामी यस्य तत्तथा) જેનો સ્વામી-ધણી નાશ પામેલ હોય તે जिसका स्वामी नष्ट हो गया हो वह (one) whose master has been ruined. "उच्छिण्णसामियाइ वा उच्छिण्णसेउ याइ" भग० ३ ७;

उच्छिय त्रि० (उच्छ्रित) ઉંચુ કરેલ ऊंचा किया हुआ Raised up; elevated जीव० २१, ३१, नंदी० ६;

उच्छु पु० (इक्षु) શેરડી सांटा, गन्ना. Sugar-cane भग० १, १, आया० २, ७, ३; १६०, ओव० पिं० नि० २८०, सु० च० २, २४; —खंड पु० (-खण्ड) શેરડીનો કટકો -કાતળી गन्नेका टुकडा a piece of sugar-cane. दस० ३, ७, ५, २, ३८, दसा० १०, ५, —गंडिया स्त्री० (गण्डिका) શેરડીના ગાંઠ સહિત કકડા. गन्नेका गाठ सहित टुकडा a piece of sugar-cane with joints आया० २ १, १०, ५८, —मेरग न० (मेरक) શેરડીની ગંડેરી, છોતાં ઉતારેલ શેરડીના કટકા गंडेरी, गन्नेके बिना छिलके के छोटे टुकडे small pieces of sugar cane with the peel chopped off आया० २, १, ८, ४०, —वण न० (-वन) શેરડીનું વન गन्ने का वन a forest of sugar canes अणुजो० १३१, —वाड पुं० (-वाट) શેરડીની વાટ गन्नेकी वाड a field of sugarcane where they are pressed to extract juice ओघ० नि० ७७१;

* उच्छुढ त्रि० (*) ઉપર આવેલ. ऊपर

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

...हुआ. Come up, come to the surface. विशे० ११४७;

उच्छुढ. त्रि० (विक्षिप्त) वेराયેલ; વિખેરેલ बिखरा हुआ Scattered, dispersed. ओघ० नि० भा० २२१;

उच्छूढ त्रि० (‌‌‌•) ચોરાએલ. चुराया हुआ Stolen जीवा० ३, ३, (२) તજેલ. त्यागाहुआ abandoned ओघ० ३८, सत्था० (३) પોતાના સ્થાનથી દૂર કરેલ, બહાર કરેલ अपने स्थानसे दूर किया हुआ; बाहिर किया हुआ removed expelled from one's place "आयाया कालिय उच्छूढ दीह बाहू" तदु० ओव० १०, —सरीर. पुं० (-शरीर) જેણે શરીર સરકારને તજી દીધા છે એવા મુની एसे मुनि जिन्होंने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them "घोरतवसी घोर बंभयारी उच्छूढ सरीरे" विवा० १, भग० १, १, नाया० १,

उच्छेद पुं० (उच्छेद) નાશ नाश Destruction, annihilation नदी० ३६

उच्छेय पुं० (उच्छेद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above नदी० ३६, —कर त्रि० (-कर) નાશ કરનાર नाश करने वाला (one) who destroys नदी० ३६,

उच्छेयण न० (उच्छेदन) નિર્મૂળ કરવુ, ઉચ્છેદન કરવું निर्मूल करना; उच्छेद करना Uprooting; annihilating, eradicating राय० २०८,

उच्छोभ त्रि० (अक्षोभ) ક્ષોભ રહિત क्षोभ रहित Free from agitation. ओघ० नि० ४१३,

उच्छोलण न० (उच्छोलन) અજતનાએ હાથ પગ ધોવા તે बिना यत्नाचार के हाथ पैर धोना Careless washing of hands and feet सूय० १, ६, १८; —(णा)पहोअ-य त्रि० (-प्रधौत -उच्छोलनेन प्रभूतजलक्षालनक्रियया धौता धौतगात्रा ये ते तथा) ઘણા પાણીથી જતના વગર શરીર વગેરે ધોનાર बिना यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह धोनेवाला (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water ओव० दस० ४, २६, —(णा)पहोइ त्रि० (-प्रधाविन्—उच्छोलनगोचरक यतनया प्रकर्षेण धावतिपादादिशुद्धिं करोति यः स तथा) જતના વગર પગ પ્રક્ષાલન કરનાર बिना यत्नाचार के पैर धोनेवाला (one) who washes feet without proper care दस० ४,

उच्छोलित्तार त्रि० (उत्क्षालितृ) ઉચ્છાળનાર छींटनेवाला (One) who washes or sprinkles सूय० २, २, १८,

उज्जम पुं० (उद्यम) ઉદ્યમ; ધન્ધો, પ્રવૃત્તિ उद्यम, धंधा, व्यापार, प्रवृत्ति; कर्तव्य तत्परता Industry, activity; business ओव० २१, सु० च० १, २५, नाया० ५, गच्छा० २;

उज्जय त्रि० (उद्यत) તૈયાર, तैयार. तत्पर, उद्यम, तैयार. Ready, ready to do, prepared पण्ह० १, ३, ओघ० नि० भा० ४१; सु० च० १, ३०३; पंचा०

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

ब, द; —विहार त्रि० (-विहार) विहारमां ઉત્સુક-ઉજમાળ. विहार में उद्यत. enthusiastic or zealous about peregrination (Vihāra). पंचा० १, ४३,

उज्जयंत. पुं० (उज्जयत्) ગિરનાર પર્વત गिरनार पर्वत. The Giranāra mountain. प्रव० ३६४, —सेल. पुं० (-शैल) ગિરનાર પર્વત गिरनार पर्वत the Giranāra mountain. नाया० १६,

उज्जल त्रि० (उज्ज्वल) નિર્મલ, સ્વચ્છ, ચોકખું; શુદ્ધ, કલંક રહિત. निर्मल, स्वच्छ, साफ; निष्कलंक Clear, pure, stainless. कप्प० ३, ४१, ४६; नाया० १, जीवा० ३, १; राय० ओव० भग० ६, ३३; १४, १; गच्छा० १०२, (२) ઉત્કટ, તીવ્ર. उत्कट; तीव्र. sharp; severe नाया० १; ५; १६; १९; सूय० २, २, ३७; राय० २८३; विवा० १, जं० प० ७, १६६; दसा० ६, १, —नेवत्थ. पुं० (-नेपथ्य) નિર્મલ વેષ. निर्मल वेष; स्वच्छ पोशाक clean, spotless, dress भग० ७, ८,

उज्जलिय. त्रि०. (उज्ज्वलित-उद्गता ज्वाला यस्य सः) પ્રકાશિત; દેદીપ્યમાન. प्रकाशित, प्रकाशवान्; देदीप्यमान. Shining, sparkling नाया० १; जीवा० ३;

उज्जल्ल. त्रि० (उज्जल्ल - उद्गतो जल्लः शुष्कस्वेदो यस्य सः) સુકા પસિનાના જામેલ મેલયુક્ત; मलीन सूखे पसीने के जमे हुए मेल सहित. Dirty with a sediment of dried up perspiration. "मुंडा कंडूविणट्ठंगा उज्जल्ला असमाहिता" सूय० १, ३, १, १०;

उज्जहित्ता. सं० कृ० (उद्धाय) તજીને; છોડીને. तजकर; छोड़कर. Having abandoned; having left. "उज्जहित्ता पलायंई" उत्त० २७, ७;

उज्जाण. न० (उद्यान-उद्यान्ति ...) ફુલ-ફલ વાળા ઝાડોથી વ્યાપ્ત બાગ; સાધારણ જનોને ઓચ્છવ ઉજાણી કરવાનુ સ્થાન, વગીચો. फूल फल वाले झाड़ों से व्याप्त बागीचा, साधारण जनों का उत्सव करने का स्थान; बागीचा. A garden with fruit-trees and flowering plants, a place where common people go for celebrating a festivity. कप्प० ४, ५, ८८; ११३, ७, २११; अणुजो० १६; १३४, ठा० २, ४; सम० ६, दस० ६, १, ७; २६; राय० २०, ३३; २३४; नंदी० ५०, पिं० नि० २१२, सु० च० १, ६६, दसा० ६, ३, विवा० ५, ओव० १६; नाया० १, १, ३, ५; ८; १४; १६ भग० ३, २; ५, ७; १५, १, १८, १, २५, ७, जं० प० २, ३०; ३१; निसी० ८, २, (२) ઉચી જમીન; ટેકરી ऊंची जमीन, टेकरी a high ground, a hill. "उज्जाणंसि व दुब्बला" सूय० १, ३, २, २०; —गिह न० (-गृह) ઉદ્યાનમા બાંધેલ મકાન उद्यान गृह, बगीचे वाला घर a house in a garden ठा० २, ४; निसी० ८, २, —जत्ता स्त्री० (-यात्रा) ઉદ્યાનમા જવુ તે. ઉદ્યાનની યાત્રા. बगीचे मे जाना. going to a garden. नाया० १; —पाल त्रि० (-पाल) ઉદ્યાનનો રક્ષક-માળી उद्यान का रखवाला; माली. a gardener; (one) in charge of a garden. पिं० नि० २१४; —पालक. त्रि० (-पालक) જુઓ ઉપલો શબ્દ

ascetioism which leads to salvation दस० ३;११;—पन्न. त्रि०(-प्रज्ञ) सरળ અને સમજુ सरल और समझदार straight-forward and intelligent. दस० ५, १, ६०; उत्त० ६, २३, २६, पंचा० १७, ४३;—भाव पुं०(-भाव) ઋજુ ભાવ; સરલતા सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness; self-restraint "उज्जुभाव च जणयइ" उत्त० २६, ५; —मइ. स्त्री० (-मति-मननं मतिः ऋज्वी सामान्यग्राहिणी मतिः. ऋजुमतिः) મન પર્યવ જ્ઞાનનો એક ભેદ, સામાન્યથી મનના પર્યવેને જણાવનાર જ્ઞાન. मन पर्यव ज्ञान का एक भेद, सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला ज्ञान a variety of Manaparyaya Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६, दस० ४, २७, ठा० २, १. नंदी० १८, भग० ८, २; विशे० ७७४, (२) पुं० કંઈક ન્યૂન (અઢી અંગુલ ન્યૂન); અઢીદ્વીપના સંજ્ઞી પ્રાણિઓના મનોભાવને જાણનાર સાધુ. अढाई द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु. (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of $2\frac{1}{2}$ Dvīpas i. e continents; a little less (by the breadth of $2\frac{1}{2}$ fingers) ओव० १५; —यार. त्रि० (-चार) ઋજુ-સંયમ-સરલતાના કારકરનાર; સંયમધારી; સંયમ પાલનાર संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७; —सुय. पुं० (-सूत्र) વર્તમાન વસ્તુનેજ માનનાર નય; સાત નયમાંનો એક નય. वर्तमान वस्तु को ही मानने वाला नय; सात नय में से एक नय the theory which admits the present condition of things only, one of the 7 logical stand-points ठा० ७, —सुत्त पुं० (-सूत्र) અતીત અનાગત કાલ રૂપ વક્રતા વિના માત્ર વર્તમાન કાલવર્તિ વસ્તુનેજ જે દેખાડે, પારકી વસ્તુ નિષ્પ્રયોજનહોઇને અસત્ સમાન માને, લિંગ વચન ભિન્ન છતા એકજ પદાર્થ માને, નિક્ષેપા ચાર સ્વીકારે તે, સાત નયમાંનો ચોથો નય सात नय में का चौथा नय, जो अतीत अनागत काल रूपी वक्रता को छोड कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु को असत के समान मानता है, लिंग वचनों के भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ बतलाता है और चार निक्षेप स्वीकार करता है the fourth of the seven logical standpoints, viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number अणुजो० १४, १४८, सम० ८८, पन्न० १६, विशे० ४०, २२२२; प्रव० ८५४, (२) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો પ્રથમ ભેદ जिसका विच्छेद होगया है ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dristivāda Anga. —सेढि. स्त्री० (-श्रेणी) सरल

श्रेणी—आकाश प्रदेशपंक्ति सरल श्रेणी—आकाश प्रदेशों की सरल पंक्ति a straight line of spatial units "विग्गहरहिता ... अणुसेढिपत्ते" उत्त० २१ ७३

उज्जुअ. पु० (ऋजुक) ઉદર સર્પ વગરેના દર—રાફડો. ऊदरे और सांपों का बाबा A hole of a snake, a rat etc. कप्प० ६ ४५

उज्जुग पु० (ऋजुक) દૃષ્ટિવાદના ૮ સૂત્રમાંના પહેલું સૂત્ર. दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का पहला सूत्र The first of the 8 Sutras of Dristivada. सम० (२) નિષ્કપટી સરલ. कपटरहित सरल one free from fraud. जावा० ३

उज्जुगइ स्त्री० (ऋजुगति) સાધુ પોતાના સ્થાનથી નિકળી સિધેસિધ્ધ ગૃહપંક્તિએ જઇ વ્હોરે વળતા ન હોરે તે ગોચરીના આઠ પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર. गोचरी के आठ प्रकार में का एक प्रकार जिस में साधु अपने स्थान से निकल सीधा गृहसमूह में जाकर वहोरता भिक्षा लेता है और लौटते हुए नहीं वहोरता. The first of the eight modes of begging alms viz proceeding to beg from one's own abode in a straight line (of houses) and not begging while returning. प्रव० ७४३

उज्जुगभूय त्रि० (ऋजुकभूत) સરલ બનેલ, સરલીભૂત. सरल हो चुका हुआ (One) that has become straight or straight forward "सोहि उज्जुगभूयस्स धम्मो सुद्धस्स चिट्ठइ" उत्त० ३ १२

उज्जुगया स्त्री० (ऋजुकता) સરલતા. सरलता, साधा साधा पन Straightness straight-forwardness. ठा० ३

उज्जुत्त त्रि० (उद्युक्त) ઉદ્યમ વાળો, ઉદ્યમી. उद्यमी उद्यम करने में तत्पर Industrious, busy. पण्हा० १७, ५२; नदी० २६, (२) સાવધાન. सावधान सचेत attentive careful. भाउ०

उज्जुभूय त्रि० (ऋजुभूत) સરલ થયેલ, સિદ્ધા-સરલ હૃદયનો. सरलीभूत सरल हृदयवाला (One) who has become straight-forward in mind straight forward. उत्त० ३, १२

उज्जुय त्रि० (ऋजुक) સરલ સીધો નિષ્કપટી. साधा साधा कपट प्रपचरहित Free from deceit, guileless. आया० २, ३ १ ११४ भग० १८ ५ दसा० ६, २; आव० नि० ८०० कप्प० ३ ३६ (२) पु० જમણો હાથ. साधा हाथ दाहिना हाथ the right hand. आव० नि० ५१०,

उज्जुयया स्त्री० (ऋजुकता) સરલતા. सरलता साधा सादापन Freedom from guile straightforwardness. उत्त० २६ ४८

उज्जुवालिया स्त्री० (ऋजुवालुका) જંભિયા ગામની બહાર વહેતી એક નદી કે જેને કાંઠે મહાવીરસ્વામીને કેવલજ્ઞાન ઉત્પન્ન થયું. जाभया ग्राम के बाहर बहता हुइ एक नदी, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को केवलज्ञान उत्पन्न हुआ Name of a river outside the village called Jambhiya on the bank of which Mahavira Swami got omniscience. 'जंभिय गामस्स नगरस्स बहिया नईए उज्जुवालियाए उत्तरकूले" आया० २, १५ १७६ कप्प० ५ ११६

उज्जेणी स्त्री० (उज्जयिनी) માળવ દેશની એક નગરીનું નામ. मालव देश की एक

Wife of the merchant Dhana pâla, the son of the merchant Dhannâ नाया० ७,

उट्ट पुं० त्रा० (उष्ट्र) સાંઢીઓ ઊંટ ऊंट; A camel ' अहसते उट्टे गाय खर घोडए " पव० १; " आरवहावहतिउट्टावा ' सूय० १, ४, २, १६ २ २, ४५, ओव० ३८, जीवा० ३, ३, ज० प० उवा० २, ६४, क० गं० ६, ४३

उट्टिय त्रि० (औष्ट्रिक उष्ट्राणामिदमैष्टिकम्) ઊંટના વાળનું બનેલું સૂત્ર ડાબલી વગેરે ऊंट के बालों से बना हुआ वस्त्र, धावल वगैरह A blanket etc made of the hair of a camel ओघ० नि० ७०३, वेय० २, २३ अणुजो० ३७

उट्टिया स्त्री० (उष्ट्रिका उष्ट्रस्याकार इवाव यव इवाकारोऽस्या.) ઊંટના આકારનું લાંબા આકારના વાસણુ શિરોઇ ऊंट के आकार का लम्बी गर्दन वाला बर्तन A pot with a long neck like that of a camel उवा० १ २७, २, ६४ ७ १८४, विवा० ७

उट्टियासमण पु० (उष्ट्रिकाश्रमण--उष्ट्रिका महामृद्भाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्रा म्यन्ति तपस्यन्तीत्युष्ट्रिकाश्रमणा) મોટા માટીના વાસણમાં બેસી તપશ્ચર્યા કરનાર; ગોશાલાના સાધુની એક જાત मिट्टी के बड़ बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला गोशाला के साधु की एक जाति One who sits in a large earthen vessel and practises penance one of the sects of the followers of Gośâla ओव० ४१;

उट्टी. स्त्री० (उष्ट्री) ઊંટડી; સાંઢણી ऊंटनी सांडनी. A she camel अणुजो० १३१, प्रव० ३१८;

उट्टीवाल. पु० (उष्ट्रपाल) ઊંટ રાખનાર. ऊंट को पालने वाला A keeper of camels अणुजो० १३१

उड्ड पु० (उष्ट्र) એક જાતનું જલચર પ્રાણી एक प्रकार का जलचर प्राणी A kind of aquatic animal ' मगूय उड्डा-दुगरक्खसाय ' सूय० १ १, १५;

उट्ठ पु० (ओष्ठ) હોઠ હોઠ ओष्ठ A lip कप्प० ३, ३५; नाया० २ ओव० १८ भग० ११, ११ सम० ११, सु० च० १०, ४१, आव० नि० भा० २६६ उवा० २, ६४ विश० ८५७; निसी० ३ ४३ ४, ३८ दसा० ६ ४ (२) વાસણનો કાંઠો बरतन का कोर the brim or border of a vessel. आघ० नि० ६६०

—छिन्न त्रि० (-छिन्न)હોઠ કપાયો, હોઠ કાપેલ जिस का ओठ कटा हो वह ओठ कटा (one) whose lip is cut आया० २ ४ २ १३८ —पुड पु० (पुट) હોઠ પુટ ओष्ठ पुट the cavity formed by hollowing the lips प्रव० २६३

उट्ठंभिया स० कृ० अ० (अवष्टभ्य) રોકીને સ્તંભન કરીને रोक कर स्तभन करके, थाम कर Having stopped having checked आया० १ ६ ३ ११,

उट्ठा स्त्री० (उ था) શરીર ઊંચું કરવું ઉભા થવું शरीर का ऊंचा करना खड़े होना To raise the body to stand आव० ३५; उवा० ७, १८३

उट्ठाण न० (उत्थान) ઉભા થવું ઉઠવું તે એક પ્રકારની ચેષ્ટા खड़े होना, उठना Standing up getting up ज० प० २, ३४, उवा० १, ७३ ठा० १, १, सम० १, ३, ८, ७, ७, १२, ५ १७, २; नाया० १, सू० प० १६, पन्न० २३ (२) સાહસધાને

गुरु पासे जवुं ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना going up to a preceptor to hear वं० प० २०, (३) उद्यम-यत्न उद्यम, प्रयत्न effort industry भग० २, १, (४) उत्पत्ति उत्पत्ति, पैदा होना rise, birth production नाया० १४ —कम्म न० (-कर्मन्) उठवुं शरीर चेष्टा रूप कर्म उठनेरूप शारीरिक कर्म the act of standing up नाया० १ भ० प०२, १४,—परियाणिय न० (-परियानिक परियान विविधस्थान करपरिगमन नदेव परियानिकञ्चरितमुत्थाना जन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिक) जन्मथी माडी जींदगीना छे । सुधीमा मनेल दरेक बनावोनो अहेवाल जीवन चरित्र जावनी जावन चरित्र जन्म स मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन a biography from birth to death गासालस्स मखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणिय परिकहिय भग० १५, १ नाया० १४, ०७

उट्ठाणसुय पुं० (उत्थानश्रुत) ७२ कालिक सूत्रमानु एक ७२ कालक सूत्राम का एक One of the 72 Kalika Sutras वव० १० ७१ नदी० ४३,

उट्ठावण न० (उत्थापन) उठाडवुं ते उत्थापना करवी उठना उत्थापना करना Causing to stand up rise or get up वेय० ४ २६

उट्ठावण न० (उपस्थापन) सामायिक चारित्र माथी छेदोपस्थापनीय चारित्रनु आरोपण ते सामायिक चारित्र से छेदोपस्थापनाय चारित्रका आरोपण करना Re-establishment of equanimity after a temporary lapse भग० २५, ठा० ४, .. —अन्तेवासि त्रि०(अन्तेवासिन्) पांच महाव्रतनी उपस्थापना करी करेल शिष्य पंचमहाव्रत की उपस्थापना करके बनाया हुआ शिष्य a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows ठा० ४, ३,

उट्ठिअ-य त्रि० (उत्थित) उठेल, उभो थयेल, तैयार थयेल उठा हुआ, तत्पर उद्यत Got up, ready "उट्ठियम्मि सूरे" अणुजो० १६, कप्प० ४ ८०; दस० ५, १, ४, वव० ३, १३, ठा० ३, ३, आव० १३, नाया०१ भग० २ २, पि० नि० ४१७, (२) उदय पामेल; उगेल उदय पाया हुआ; ऊगा हुआ. risen (३) धर्माचरणु माटे तैयार थयेल प्रव्रज्या लेवाने तैयार थयेल धर्माचरणके लिये तैयार दीक्षा लने को उद्यत ready, prepared to take Dikṣā "अहपास विवेगमुट्ठिए अविर्तिण्णेइह भासइ" सूय० १ २, १ ८ आया० १, ४ १, १२८, (४) उज्जड वस्ति वगरनु ऊजड, बस्तिरहित स्थान desolate, untenanted ओघ० नि० ८८

उड पुं० (पुट) दडीओ दाना A cup made of leaves आव० २२, उवा० २ ११३

उडअ पुं० (पुटक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above विवा० ५

उडग पुं० (उटज) तापसनो आश्रम-झुपडो तापसी का आश्रम झोंपड़ा A hermitage, a cottage of a hermit भग ११ ९,

उडव पुं० (उटज) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above जीवा० ३, १,

उडु पुं० (उडु) नक्षत्र नक्षत्र A constellation ज० प० ३, ६७, सू० प० ५,

—वइ. पुं० (-पति) નક્ષત્રનો સ્વામી, ચંદ્ર. नक्षत्रका स्वामी; चन्द्र the lord of the constellations the moon. "अहासे उडुवइ चंदे नक्खत्तपरिवारिए" उत्त० ११ २५, ओव० १० जीवा० ३, ३,
—वर पुं० (-वर) સૂર્ય सूर्य the sun "तिरएव सहस्से सगण सुर सए उडुवरो हरइ" तडु०

उडु पुं० (ऋतु) વસન્ત ગ્રીષ્મ આદિ ૬ ઋતુ वसन्त ग्रीष्म आदि छह ऋतु Any of the six seasons viz spring summer etc आय० नि० भा० ३११, ओघ० नि० २६ —पज्जोसविश्र न० (-पर्युषित) ઋતુ બદ્ધકાલ ચોમાસા સિવાયના વખતમાં રહેલ-નિવાસ કરેલ ऋतु बद्धकाल मे निवास किया हुआ चौमासे सिवाय दूसर समय में रहा हुआ one that has stayed or remained during the Ritu baddha time i e time of the year excepting the rainy season बव० ८ १, —बद्ध पुं० (बद्ध) જુઓ उउबद्ध શબ્દ देखो 'उउबद्ध' शब्द vide "उउबद्ध" ओघ० नि० २५, निसा० १४ ३२; ३३ ३४, —बद्धिय त्रि० (-बद्ध) શીત અને ઉષ્ણ કાલમાં સાધુઓનો માસ કલ્પ વિહાર शीत और उष्ण काल म साधुओं का मास कल्प विहार the monthly peregrinations of an ascetic during the winter and summer seasons आया० २ २ २, ७८,

उडु कल्लाणिआ स्त्री० (ऋतुकल्याणिका) ચક્રવર્તીની ૩૨૦૦૦ રાણી चक्रवर्ती की ३२००० राणी. The 32000 queens of a Chakravarti ज० प०

उडुप न० (उडुप) હોડી नाव, डोंगी A boat पिं० नि० ३३०,

उडुव पुं० न० (उडुप) નાવ, હોડી, હોડીને આકારે બનાવેલો ત્રાપો नाव, डोंगी, डोंगा के आकार का बनाया हुआ बेडा A boat, a raft विशे० १०२७,

उडुवाडियगण पुं० (ऋतुपाटकगण) ભદ્રયશસ્થવિરથી નિકલેલ એક ગણ भद्रयश स्थविर स निकला हुआ एक गण Name of a Gana (i e order of monks) derived from the Sthavira Bhadrayasa कप्प० ८,

उडुविमाण पुं० (उडुविमान) સૌધર્મ દેવલોકના પહેલા પાથડમાંનું એક વિમાન કે જેની લંબાઈ પહોલાઈ ૪૫ લાખ જોજનની છે सौधर्म नामक स्वर्ग क पहले पाथडे म का एक विमान जिसकी लंबाई चौडाई ४५ लाख योजन की है Name of an abode in the first stratum of the Saudharma heaven, having an area of 45 square lacs of Yojanas ' उडुविमाणे ण विमाणे पणयालीस जोयण ठा० ४ ३, सम० ४५,

उडुखल पुं० (उडूखल) ઉખલ ખાંડણી ओखली A mortar used for pounding पिं० नि० ३६१,

उडु पुं० (उडु) ઉડ નામનો એક અનાર્ય દેશ જેને હાલ ઉડીસા કહે છે उड नामक एक अनार्य देश उडीसा Name of an Anarya (uncivilized) country, Orissa प्रव० १५८७, (२) त्रि० તે દેશના રહેનારી उड नामक अनार्य देश के रहने वाले a native of the above country पराह० १, १

उदुबत्ता. पुं० (*) કલકલાટ. कलकलाहट. Bustle; noise ओव० नि० २२१,

उद्दावण. न० (उद्दावन) આકર્ષણ आकर्षण. Attraction, drawing towards oneself. " हिय उद्दावणे का उद्दावणाहेउ " नाया० १४;

उद्दाह. पु० (उद्दाह) ઉપઘાત નાશ नाश Destruction " गेलन्न वद्दि उद्दाहो " ओव० (२) હલકાઈ કરવી ते हीलना करना disregard of scriptures पिं० नि० ४६, वेय० १, ३; (३) હેલના; ખીંસણા अवहेलना, निंदा. disrespect पिं० नि० ३६१, (४) હાનિ, ન્યૂનતા हानि, नुक्सानी, कमी, न्यूनता loss, diminution. पिं० नि० ३०८, —कर त्रि० (—कर) હાનિ કરનાર हानि करनेवाला productive of, generating, loss गच्छा० ५५,

उद्दीण त्रि० (उड्डीन) આકાશમાં ઉડેલ उडा हुआ Flying, flowing in the sky. नाया० १,

उद्दुभडग पु० (उड्डभडक) ઉડ્ડભડક દેશ उड्डभडक देश The country so named (२) त्रि० તેના રહેવાસી उनके रहनेवाले. the inhabitants of the above पन्न० १,

उद्दुदुय न० (*) ઓડકાર डकार Eructation. " जभाइएणं उड्डुएणं वायनिसग्गेणं " आव० १, ५,

उद्देंत त्रि० (उड्डीयमान) આકાશમાં ઉડતો आकाश में उड़ता हुआ Flying, soaring in the sky राय०

उद्ध त्रि० (ऊर्ध्व) ઉંચે, ઉપર, ઊંચો ચી-ચું ऊंचा; ऊपर High; upwards जीवा० १; एय० १०३, भाया० १; भ० ६; १६; भग० १, १; ६, २, ८; ३, १; २; ५, ४; ६; २०, ६; २५, ३, पन्न० २; २८; निर० २, १; उत्त० ३, १३, २६, ३३, ओव० ३१; ३८; आया० १, १, ५, ४१; ठा० १, १; सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७, अणुजो० १०३, जं० प० १, ४; पिं० नि० ३६३, (२) ઉર્ધ્વલોક, સ્વર્ગલોક स्वर्गलोक; ऊर्ध्वलोक heavenly world सूय० १, ३, ४, २०, उत्त० ३६, ५०, (३) ઉર્ધ્વ-દિશા; ઊંચી દિશા उर्ध्व दिशा, ऊंची दिशा. the topmost direction दस० ६, ३४, आया० १, १, १. २. —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) ઉંચી દિશામાં મુખ કરેલ ऊपर की ओर जिसने मुख किया हो वह (one) with the face turned up भग० ११, १०, —उववण्णग त्रि० (-उपपन्नक) ઉર્ધ્વ લોકમાં બાર દેવલોક નવગ્રીવેકાદિમાં ઉત્પન્ન થનાર-દેવ દેવી ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक और नवग्रैवेयकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव देवी (a god or a goddess) born in the twelve Devalokas, Nava Graiveyakas etc. of the upper region. "जे देवा उड्ढो ववण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता " ठा० २, भग० ८, ८; —कंडूयग. त्रि० (-कण्डूयक) નાભિની ઉપર ખંજવાળનાર, તાપસનો એક પ્રકાર. नाभि के ऊपर के भाग म खुजानेवाला, तापसी का एक भेद (a class of hermits) who scratch (to remove itching sensation)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

only the part above the navel अग० ११, ३ —गइ स्त्री० (—गति) ઉંચી ગતિ ऊर्ध्व गति ऊंची गति upward motion, birth in a higher state of existence भग० ३ १ —गारव परिणाम पु० (—गारव परिणाम—येन आयु स्वभावेन जीवस्य ऊर्ध्वं दिशि गमनशक्तिलक्षणपरिणामो भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणाम) આયુષ્ય પરિણામનો એક પ્રકાર કે જેનાથી જીવ ઉંચે ઉંચી ગતિમા જાય आयुष्य परिणाम का एक भेद जिससे कि जीव ऊंची गति म जाता है a nature of Āyuṣya Pariṇāma by which the soul has an upward motion ठा० १० —चर त्रि० (—चर) ઉંચે ઉડનાર ગીધ આદિ ऊंचे उडनवाले गिध आदि flying, soaring high e g a vulture etc आया० १, ८ ७ ६ —जाणु त्रि० (—जानु—ऊर्ध्वं जानुनी यस्यासावूर्ध्वजानु) જેના ઊંચી રહે તેવે આસને બેસનાર ऐसे आसन से बैठने वाला जिस में जघा ऊंची रहे (one) in a posture in which the thighs are raised up ' उड्ढ जाणु अहासिरे झाणकोट्ठोवगए " नाया० १ भग० १ १, अ० प० आव० —दिसि पमाणाइक्कम पु० (—दिक्प्रमाणातिक्रम) છઠ્ઠા દિગ્વ્રતનો પ્રથમ અતિચાર छठे दिग्व्रत का प्रथम अतिचार the first Atichāra of (the 6th) Diśivrata (limitation of movement to a fixed area) उवा० १ ५०, —पाय पु० (—पाद) ઊંચા રાખ્યા છે પગ જેના તે, जिसके पैर ऊंचे रखे हो वह one with his legs thrown up, lifted up कर्यंता कडु कुम्भीसु उड्ढपाओ अहोसिरो ' उत्त० १६ ५० —बद्ध त्रि० (—बद्ध) ઉંચે વૃક્ષની ડાળી આદિએ બાંધેલ ऊंचा वृक्ष की डाला आदि से बांधा हुआ fastened upwards e g to the branch of a tree ' रसंतो कडुकुम्भीसु उड्ढबद्धो अबंधवो उत्त० १६ ५२ —बाहा त्रि० (बाहु) ઊંચા હાથ જેણે રાખ્યા છે તે ऊंचे हाथवाला जिसने हाथ ऊंचा रखा हो वह (one) with arms raised up निर० ३ ३ भग० १५, १ —भागि त्रि (—भागिन्) આકાશમા રહેલ आकाश मे रहा हुआ remaining in the sky उड्ढभा पस उड्ढभागी भवति सूय० २ ३ ३० —मुइग पु० (—मृदग) ઉંચા મોઢાવાળું ઉંચે मुहवाला ढोल a tabor or drum with its mouth upwards भग० ११ १० —मुइगाकार त्रि० (मृदगाकार) ઉંચા મોઢાના આકારે ऊंचे मृदग के आकारका of the shape of a tabor with its mouth upwards भग० ११ १० —मुइगाकार संठिय त्रि० (मृदगाकारवस्थित ऊर्ध्व मुख मुखो या मृदगस्तदाकारेण सस्थिता च स तथा) ઉંચા મોઢાવાળા ઢોલના આકારે રહેલ ऊंचे मुह वाले ढोल के आकार में स्थित in the shape of a tabor with upward mouth भग० ११ १० —मुह त्रि० (—मुख) ઉંચા મોઢાવાળો ऊंचे मुह वाला (one) with face turned up क० प० —रेणु पु० स्त्री० (—रेणु—[illegible] [illegible]) આઠ શ્લક્ષ્ણ શ્લક્ષ્ણિકા [illegible] એકઠાં થવાથી બનેલ એક [illegible]

उड्ढ लोय - उर्ध्व लोक
सिद्धि शिला
पाथडा १
पाथडा ४
पाथडा ४
पाथडा ४
पाथडा ५
पाथडा ६
८००००० वि
पाथडा १२
१२००००० वि
पाथडा ११
पाथडा १३
२८०००००
पाथडा १३
३२०००००
विमान
विमान
ईशान
सुधर्मा
रामनी संख्या

के जो आकाशमा पोतानी मेळे अथवा परना आश्रयथी उंचे नीचे उडे छे ते, रजकण. आठ सन्ह सान्हेया रजकण एक त्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वत अथवा दूसर के आश्रय से ऊपर नीचे उड़ता है a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency अणुजा० १३४ ज० प० भग० ६ ७, —लोअ—य पु० (-लोक) ऊर्ध्वलोक स्वर्गलोक लोकनो परनो भाग तिर्छा लोकना उपरना छेडाथी त लोकना अग्र भाग सुधीनो प्रदेश ऊर्ध्व लोक स्वर्गलोक लोक के ऊपर का हिस्सा तिर्यग्लोक के ऊपर के छोर से उस लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश the upper world the heaven world अणुजा० १०३ १४८ पन्न० २ भग० ० १० ११ १० —लोअ य-खेत्तणाली स्त्री० (लोक क्षेत्रनाडी) ऊर्ध्व लोक स्वर्गलोकनी नाडी अमुक विभाग ऊर्ध्व लोक स्वर्ग लोक की नाडी विभाग a particular portion of the upper world or heaven world भग० ३४ १ —लोग पु० (-लोक) जुओ उड्डुलोअ शब्द देखो 'उड्डुलोअ' शब्द vide उड्डुलोअ ठा० ३ २ —लोयवत्थव्व त्रि० (लोक वास्तव्य) ऊर्ध्व लोक स्वर्गलोकमा रहेनार ऊर्ध्वलोक में बसने वाले (one) residing in the upper world or heaven-world 'उड्डुलोगवत्थ व्वाओ अट्ठ दिसा कुमारी ओ" नाया० ८, —वाय—अ पु० (-वात—ऊर्ध्वमुद् गच्छद् यो वाति वात स ऊर्ध्ववातः) ऊर्ध्व दिशानो वायु ऊर्ध्व दिशा में बहने वाली हवा wind moving in the upward direction जीवा० १ ठा० ७, १ पन्न० १

उड्डुकाय पु० न० (ऊर्ध्वकाय) कागडो कौआ A crow 'ते उड्डुकाएहिं पजक्खमाणा अवरेहिं" सूय० १ ५ २, ७

उड्डुत्ता स्त्री० (ऊर्ध्वता) ऊंचापणु ऊंचापन State of being high or upwards height 'अहत्ताए नोउड्डुत्ताए' भग० ६, ३

उड्डुवाइय पु० (ऊर्ध्ववातिक) ऊर्ध्ववातिक नामनो महावीर स्वामीना नव गणमानो पांचमो गण ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पांचवां गण The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahavira Swami so named 'उड्डुवाइयगणे विस्सवाइगणे' ठा० ६, १

उड्डुवाइयगण पु० (ऊर्ध्ववातिकगण) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above ठा० ६ १

उण अ० (पुनर्) फरीथी फरी फिर से, पुन Again once more विशे० १४४ पण्ह० २ ५ सु० च० १, २२७ पञ्चा० ० ३४

उण न० (ऊन) वन्दनाना पाठना अक्षरो, पद वगेरे ओछा कहेवा ते वंदनाने २८ मो दोष वन्दना के पाठ के अक्षर पद वगैरह का कम कहना वंदना का २८ वां दोष The 28th fault connected with salutation viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation प्रव० १५३,

उणय त्रि० (अवनत) नीचु नमेल नीचे की ओर नमा हुआ Bent down, bent low विशे० १४४३;

ऊणग त्रि० (ऊनक) न्यून, ओछु कम, न्यून Less, diminished fall ing short by जीवा० १, वव० ८, १६,

ऊणड्डभाग पु० (ऊनार्द्धभाग) अर्द्ध भागे ओछो–ओछो जिस का आधा हिस्सा कम हो Less by a half निसी० २, ३६

ऊणयालीस स्त्री० (एकोनचत्वारिंशत्) ३९ ओगणचालीस ३६ उन्चालीस 39, Thirty nine भग० ३ ७,

ऊणाहिय त्रि० (ऊनाधिक) ओछु वत्तु न्यूनाधिक कमज़्यादह न्यूनाधिक More or less विशे० १४३

ऊणूण न० (ऊनोन) ओछु ओछु ऊन ऊनतर–इत्यादि रीते ओछु ऊन ऊनतर इत्यादिक रीति से न्यून Progressive ly decreasing क० प० २, ६२

ऊणोयरिआ स्त्री० (ऊनोदरिका) न्यून–ओछो आहार करवो ते, खोराक उपधि वगेरे जोइये ते करता ओछा लेवा ते कम आहार करना, आवश्यकता से कम भोजन करना या उपाधि आदि कम लेना Eating less than one's fill सम० ६,

उण्णइ स्त्री० (उन्नति) उन्नति. उन्नत अभ्युदय Rise; prosperity पंचा० ६, ४७, —णिमित्त न० (-निमित्त) प्रभावनो हेतु प्रभाव का हेतु cause of power or prosperity पंचा० ६ ४७

उण्णय. त्रि० (उन्नत) उन्नत, उंचु ऊंचा उन्नत. Raised, elevated भग० ११, ६,

उण्णकप्पास पु० (ऊर्णाकार्पास) घेटाना वाळ, ऊन ऊन, भेड के बाल Wool. निसी० ३, ७२,

उण्णतासण न० (उन्नतासन) उंचु आसन. ऊंचा आसन A raised seat, an elevated seat भग० ११, ११,

उण्णय त्रि० (उन्नत) उंचु उन्नत आबाद ऊंचा उन्नत अच्छी दशामें High elevated prosperous कप्प० ३, ३६, ओव० १० दस० ७ ४२ नाया० १ स० प० २०, भग० ११, ११, १२, ५, (२) नीकळतु चडतु निकलता हुआ बढिया prominent superior ओव० १० (३) गुणवान गुणवान virtuous, meritorious, उन्न (?) चरियट्टालगोपुर तोरणउण्णय सुविभत्तराय मग्गा" नाया० १ ठा० ४ (४) अभिमानरूप मोहनीय कर्म अभिमानरूप मोहनी कर्म deluding Karma in the form of conceit भग० १० ८

सम० —आवट्ट पु० (आवर्त—उन्नत उच्छ्रित स चासावावर्तश्चेति उन्नतावर्त) उंचु आवर्तन करवु ते आवर्तननो एक प्रकार ऊपर आवर्तन करना आवर्तन का एक भेद moving round in the upward direction ठा० ४

—आसण न० (आसन) उन्नत उंचु आसन ऊंचा आसन उन्नत आसन high, elevated seat राय० १३६ जं० प० —मण त्रि० (-मनस्) उन्नत–उदार मन वाळो उदार मन वाला ऊंच मन वाला high minded, ठा० ४ ४

—माण त्रि० (मान—उन्नतो मानो यस्यस्युन्नतमान) (?) उंचो छु एम माननार, गर्विष्ठ अपने आपको उन्नत माननेवाला, गर्विष्ठ अभिमानी proud, conceited.

"[illegible] मुज्झसि" [illegible] ५, ४, १५७;

उच्चयतर. त्रि० (उच्चतर) વધારે ઉંચા. बहुत उंचा. More elevated, higher. भग० ३, १;

उण्णा स्त्री० (ऊर्णा) ઊન ऊन Wool भग० ८, ६; १५, १; —**लोम** पुं० (–रोमन्) ઊનના રોમ–રેસા. ऊन के बाल. hair in the form of wool. भग० ८, ६, १५, १.

उण्णाम पुं० (उन्नाम) ગર્વ, અહંકાર, મદ गर्व, अहंकार, घमड, मद Pride, intoxication (२) મદના પરિણામ થી બંધાતુ મોહનીય કર્મ मद रूप परिणामसे बंधनेवाला मोहनीय कर्म deluding Karma incurred by pride भग० १२, ५,

उण्णिय-य त्रि० (और्णिक) ઊનનું ऊन का, ऊनका बना हुआ Made of wool, woollen वेय० २ २३, अणुजो० ३७, ओघ० नि० भा० ८६, ओघ० नि० ७०६, (२) ઊનના બનેલ રજોહરણાદિ ऊन के बन हुए रजोहरणादि a kind of brush etc made of wool ठा० ५.

उण्ह त्रि० (उष्ण – उषति दहति जन्तून् इत्युष्णः) ગરમ, ઊનુ, ઉષ્ણ गर्म, उष्ण Hot पंचा० १७, ४६; क० गं० १, ४१, सू० प० १०, उत्त० ३६, २०, आया० १, ५, ६, १७७, दसा० ७ १. पिं० नि० भा० १३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १, ४, १०, ७, १; (२) पुं० ગરમી, ઉષ્ણતા, તાપ; તડકો. गर्मी; उष्णता, घाम, धूप heat; sun shine राय० ७३६; नाया० १; ओव० ३६; उत्त० २, ८, पिं० नि० २००; —**अभितत्त.** त्रि० (–अभितप्त) ગરમીથી અત્યન્ત પીડિત–દુઃખી થયેલ गर्मी से अत्यन्त दुःखी. troubled by excessive heat. "उण्हाभितत्तो मेहावी" उत्त० २, ८, —**अभिहय.** त्रि० (–अभिहत) સૂર્યની ગરમીથી અભિભૂત થયેલ–પીડિત सूर्य की गर्मी से पीडित overpowered, oppressed, by excessive heat "उण्हाभिहए तण्हाभिहए" जीवा० ३; भग० १६, ४; —**उदग** न० (–उदक) ઊનુ પાણી गरम जल hot water कप्प० ४, ६२; —**आहिय** त्रि० (–आहित) ગરમી આપેલ. उष्णता दिया हुआ; जिसे गर्मी दी गई हो वह. heated; made hot नाया० ५; —**दिन्न** त्रि० (–दत्त) ગરમી દીધેલ; તડકે નાખેલ. धूप मे डाला हुआ, जिसे गर्मी दी हो वह heated, put in the sunshine भग० २, १; —**परियाव.** पुं० (–परिताप) અતિશય ગરમીનો પરિષહ बहुत गर्मी का परिषह great affliction caused by heat उत्त० २, १०; —**वाय** पुं० (–वात) ઊનો વાયુ, ગરમ પવન गर्म हवा hot wind नाया० १; – **सह.** न० (–सह) ગરમીનુ સહન કરવુ ते गर्मी का सहन करना endurance of heat भग० १४, १,

उण्हवण न० (उष्णापन) ઊનુ કરવું તે गर्म करना Heating पिं० नि० २४०;

उत्त त्रि० (उक्त) કહેલ कहा हुआ Said, expressed दस० ६, ४६; विशे० १०५. उत्त० १, ६, क० गं० ४, ८३;

उत्त त्रि० (उप्त) વાવેલ. बोया हुआ. Sown (२) બનાવેલ. बनाया हुआ made. "देवउत्ते अयंलोए" सूय० १, १, ३, ५, पिं० नि० १७२,

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति। प्रधान वैभव high est glory or prosperity सेया श्रेष्ठ उत्तमरिद्धिए कामस्या ' पया० ६, ४४, —विउव्वि त्रि० (-विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्शीलस्येव शीलम्) ઉત્તમ પ્રકા રનુ વૈક્રિય કરનાર उत्तम प्रकार की विक्रिया रूपान्तर करनेवाला (one) able to effect the best trans formation e g of body जीवा० ४ —संघयणि पु० (-संहनानन्) ઉચ્ચ સઘયણુ વાળો उच्च संहननवाला one possessed of a high order of physical or bony constitution क० प० ४ १० —सुयवणिणय त्रि० (-श्रुतवर्णित) પ્રધાન આગમમા કહેલ प्रधान आगम मे कहा हुआ mentioned in the highest scripture पन्ना० ६ ४५

उत्तमंग न० (उत्तमाङ्ग) મસ્તક માથુ मस्तक शिर The head श्रोय विरसु उत्तमगं पिं० नि० २६२ जं० प० आव० १०; जीवा० ३ ३ सूय० १ ५ १ १५ दसा० ६, ६ नाया० १८ प्रव० २५४ पन्ना० ३ १८

उत्तमट्ठ पु० (उत्तमार्थ—उत्तमश्चासावर्थ श्चात्तमार्थ) ઉત્તમ પદાર્થ મોક્ષ उत्तम पदार्थ श्रेष्ठ अर्थ मोक्ष The highest or best category viz salvation उत्त० २५ ६, आउ० ११ (२) ઉપવાસી રહેવુ તે उपासे रहना fasting आव० नि० ७ —गवेसय त्रि० (गवे षक) મોક્ષનો અભિલાષી मोक्ष का अभि लाषी desirous of salvation ' वणिश्रो नवि तुट्ठो, उत्तमट्ठ गवेसओ उत्त० २५, ६। —पत्त त्रि० (-प्राप्त) ઉત્તમ અવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ उत्तम अवस्था को पहुंचा हुआ (one) who has reached the highest condition or salvation " कुसुमाए समाए उत्तमट्ठपत्ताए अहक्खा" अग० ६, ७,

उत्तमा स्त्री० (उत्तमा) યક્ષના ઇંદ્ર પૂર્ણભદ્રની ત્રીજી પટરાણી यक्ष के इन्द्र पूर्णभद्र की तीसरी पटरानी The third crowned queen of Purṇabhadra the Indra of Yakṣas ठा० ४, १ नाया० ध० ५, भग० १ ५ (२) પખ વાડીયાની પન્દર રાત્રિમાની પહેલી રાત્રિ पखवाडे की पन्द्रह रात्रियों में की पहली रात्रि the 1st of the 15 nights of a fortnight जं० प० सू० प० १०

उत्तर त्रि० (उत्तर) શ્રેષ્ઠ પ્રધાન ઉત્તમ प्रधान मुख्य श्रेष्ठ अच्छा Best, highest; prominent भग० ३, १; ७, २, उत्त० ५ २०, २६, नाया० १ ८ उवा० १ ६६, ओघ० नि० ४२२ (२) બીજુ, ઇતર અન્ય दूसरा अन्य another, next क० गं० १, २ सम० ८ पन्न० ३४, जं० प० ५, ११२ दस० २, ३, (३) વૃદ્ધિ ગત वृद्धि का प्राप्त increased कप्पपडुत्तरा भग० १३, ४ (४) ઐરવતક્ષેત્રમા આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર ૨૨ મા તીર્થંકર एरावतक्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी म होन वाल २२ व तार्थकर the future 22nd Tirthankara of Airavata kṣetra in the coming Utsarpiṇi सम० प० २४१ (५) ઉતરણ ઉતરવુ તે उतरना descending (६) અધિક अधिक ज्यादह more, additional पन्न० २ सूय० १, २, २ २४, (७) મુખ્ય નહિ પેટાશાખ મૂલની શાખા गौण उ.विभाग, मूल की शाखा a branch of the main stock; a

—मिह. न० (-गृह) ઉપરનું બીજું ઘર. दूसरा घर; भिन्न घर a separate upper house, another upper house. निसी० ६, १६.
—ज्झाय. पुं० (-अध्याय-उत्तरा प्रधाना अध्ययना अध्ययनानि । उत्तराश्चते अध्यायाश्च वा उत्तराध्यायाः) ઉત્તરાધ્યયન સૂત્રના વિનયાદિ છત્રીસ અધ્યયન. उत्तराध्ययन सूत्र के विनयादि छत्तीस अध्याय the 36 chapters viz Vinaya etc of Uttarādhyayana Sūtra "छत्तीस उत्तरज्झाए भवसिद्धिय" उत्त० ३६, २७२.
—दारियणक्खत्त न० (-द्वारिकनक्षत्र) ઉત્તર દિશા તરફ મુખ રાખનાર નક્ષત્ર સ્વાતિ આદિ સાત નક્ષત્ર. उत्तर दिशा की ओर मुख रखने वाला नक्षत्र, स्वाति आदि सात नक्षत्र a constellation facing the north, any of the seven constellations viz Swāti etc "साइयाया सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पगणत्ता" ठा० ७; —दाहिण पु० (-दक्षिण) ઉત્તર અને દક્ષિણ દિશા उत्तर और दक्षिण दिशा the north and the south भग० ५, १, —दाहिणायय त्रि० (-दक्षिणायत्त) ઉત્તર દક્ષિણ લાંબું उत्तर दक्षिण लंबा extended lengthwise in the north and the south "उत्तरदाहिणायए पाईण पडीण विच्छिगणे" ज० प०
—दिसा स्त्री० (-दिशा) ઉત્તર દિશા उत्तर दिशा the north ओघ० नि० ६६२, —पगइ स्त्री० (-प्रकृति) જ્ઞાનાવરણીય આદિ મૂલ આઠ કર્મના અવાન્તર ભેદ; કર્મની પ્રકૃતિ ज्ञानावरणीय आदि मूल आठ कर्मों के अवान्तर भेद; कर्म की उत्तर प्रकृति. any of the sub divisions of the eight main divisions of Karma viz knowledge-obscuring etc. आया० नि० १, २, १; क० प० २, ४४; क० गं० १, २, —पगडि. स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની ઉત્તર પ્રકૃતિ-પેટા ભાગની પ્રકૃતિ. कर्म की उत्तर प्रकृति. a subvariety of Karma प्रव० १२८६;
—पगडिबंध पु० (-प्रकृतिबन्ध) કર્મની ઉત્તર પ્રકૃતિનો બન્ધ कर्म की उत्तर प्रकृतियों का बंध bondage caused by any of the sub divisons of the main eight divisions of Karma भग० १८, २,—पच्चच्छिम. पु० (-पश्चिम) વાયવ્ય ખુણો, ઉત્તર અને પશ્ચિમ વચ્ચેનો પ્રદેશ वायव्य कोन, उत्तर और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-west भग० ५, १, —पच्चच्छिमिल्ल पु० (-पश्चिम) વાયવ્ય કોણ; ઉત્તર અને પશ્ચિમ વચ્ચેનો પ્રદેશ. वायव्य कोन, उत्तर और पश्चिम के बीच का प्रदेश the north-west quarter ज० प० ४, १०४,
—पच्चत्थिम पु० (-पश्चिम) જુઓ "उत्तर पच्चच्छिम" શબ્દ देखो ' उत्तर पच्चच्छिम " शब्द. vide ' उत्तर पच्चच्छिम ' ज० प० ४, १०४, —पच्चत्थिमिल्ल पुं० (-पश्चिमक) જુઓ "उत्तरपच्चच्छिमिल्ल" શબ્દ देखो " उत्तरपच्चच्छिमिल्ल " शब्द vide " उत्तरपच्चच्छिमिल्ल " ज० प० ४, १०४, —पट्ट पु० (-पट्ट) ડાભડાકે કામળાની પથારી ઉપર પાથરવાનું વસ્ત્ર घांस या कम्बल के बिछौने के ऊपर बिछाने का वस्त्र a covering for a bed of straw or of a blanket ओघ० नि० १२३; प्रव० ५२१; —पडिउत्तर. न० (-प्रत्युत्तर) ઉત્તર પ્રત્યુત્તર, સવાલ જવાબ उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल जवाब

question and answer. गच्छा० १२६; —पयडि. स्त्री० (-प्रकृति) જુઓ "उत्तर-पगडि" શબ્દ देखो "उत्तरपगडि" शब्द vide "उत्तरपगडि" प्रव० ४६, —पुरच्छिम पु० स्त्री० (-पौरस्त्य) ઇશાન ખુણો. ईशान कोन the north-east. "तीसेणं मिहिलाए उत्तरपुरच्छिमे दिसि भाए" सू० प० १, दसा० ५, १, विवा० १; निर० ५, १; नाया० १, २; ४; ५; ८; १२, १३, १४, १६, भग० २, १; ३, ५; ६, ३, १०; १, १५, १, सु० च० २, २२१; —पुरच्छिमिल्ल पुं० (-पौरस्त्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above भग० ३, ३; —पुरत्थिम पुं० (-पौरस्त्य) ઉત્તર અને પૂર્વ દિશાની વચ્ચેનો પ્રદેશ, ઇશાન કોણ उत्तर और पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश; ईशान कोन the north-east. ओव० भग० १, १, ३, ७; ३, १, राय० ६४, १५०; सूय० २, १, ४, जं० प० ५, ११७; कप्प० २, २६; —पोट्ठवया. स्त्री० (-प्रौष्ठपदा) ઉત્તરાભાદ્રપદ નક્ષત્ર उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the constellation Uttarā-Bhādrapada सू० प० ४; —फग्गुणी स्त्री० (-फाल्गुनी) ઉત્તરાફાલ્ગુની નક્ષત્ર, ૧૯ મું નક્ષત્ર. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १६वा नक्षत्र the 19th constellation viz Uttarā-fālgunī. "उत्तर फग्गुणी-णक्खत्ते दुतारेपण्णत्ता" ठा० २; —बाहिर. त्रि० (-बहिर्) ઉત્તર તરફના બહારનું उत्तर दिशाके बाहिर. outside the northern quarter. भग० ५; ६, —(ऽ) ब्भंतर. न० (-अभ्यन्तर) ઉત્તર તરફના અન્દરનું. उत्तर [illegible] within the northern quarter. भग० ६, ५, —भेय पुं० (-भेद) મૂળની અપેક્ષાયે ઉત્તર પ્રકાર मूलकी अपेक्षा से उत्तर भेद further development or stage as compared with the original stage. क० गं० १, ३०; —वाअ-य पुं० (-वाद) ઉત્કૃષ્ટ વાદ. उत्कृष्ट वाद the highest tenet or doctrine "आणाए मामगं धम्मं एस उत्तर वाए" आया० १, ६, २, १८४, —वेउव्वि त्रि० (*) જન્મપછી ગમે તે વખતે વૈક્રિય શક્તિથી વૈક્રિય શરીર બનાવનાર जन्म के बाद चाहे जब वैक्रिय शक्तिसे वैक्रिय शरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaikriya body by Vaikriya power at any time after birth जं० प० ५, ११७, —वेउव्विय-अ त्रि० (*) જન્મપછી કોઇપણ વખતે ધારણાપ્રમાણે ન્હાનું મોટું શરીર બનાવી શકાય તેવી–વૈક્રિય શક્તિ અને તે શક્તિથી શરીર રચના કરવી તે जन्म के पश्चात् किसी भी समय धारणाके अनुसार-इच्छानुसार छोटा बडा शरीर बना सकने योग्य वैक्रिय शक्ति और उस शक्ति से शरीर रचना करना the Vaikriya power i. e the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes, making the body large or small by the use of this power. ' उत्तरवेउव्विय रूवं विउ-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

[illegible] जीवा॰ १६; प्रज्ञा॰ १०६४; कप्प॰ २, २; अणुजो॰ १३४; नाया॰ ८, जं॰ प॰ ५, ११७; भग॰ १, ५; ३, १, २४, १२; पन्न॰ १५, —वेउव्विया. स्त्री॰ (*) મુલ શરીરથી ન્હાનુ યા મ્હોટું રૂપ બનાવવાથી પ્રાપ્ત થયેલ શરીરની અવગાહના मूल शरीरसे छोटा या बडा रूप बनाने से प्राप्त हुई शरीरकी अवगाहना–शरीरका कद occupation of space by a body contracted or expanded by the Vaikriyaka power. जीवा॰ १, —साल न॰ (—शाला) એક જાતનું ઘર; બેસવાનુ સ્થાન–મંડપ વગેરે एक प्रकार का घर, बेठनेका मंडप आदि स्थान a kind of house, a room used for sitting "उत्तर साला गिहा वत्तव्वा" निसी॰ ८, १६,

उत्तरश्रो अ॰ (उत्तरत) ઉત્તરોત્તરથી उत्तरोत्तर मे From one birth or generation etc to another क॰ प॰ ७, ८७, जं॰ प॰ १८८,

उत्तरकुरा पु॰ स्त्री॰ (उत्तरकुरु) મેરૂથી ઉત્તરે મહાવિદેહાન્તર્ગત જુગલિયાનું એક ક્ષેત્ર मेरुके उत्तरकी ओर महाविदेहान्तर्गत जुगलिया का एक क्षेत्र A region of Jugaliyās (a Karma Bhumi) in Mahāvideha to the north of Meru "कहिणं भंते! महाविदेहे वासे उत्तरकुराणामकुरा पण्णत्ता गोयमा? " जं॰ प॰ ४; (२) २२ મા તીર્થંકરની પ્રવજ્યા પાલખીનુ નામ. २२ वें तीर्थंकरकी दीक्षा पालकीका नाम. name of the palankeen of the 22nd Tirthankara at the time of Dikṣā. सम॰ प॰ २३१; कप्प॰ ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं॰ (उत्तरकुरु) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above जं॰ प॰ जीवा॰ १, सम॰ ४६, पन्न॰ १; १६; भग॰ २. ८, नाया॰ ४, १२, १३, १७; (२) તે ક્ષેત્રના મનુષ્ય उत्तर कुरु क्षेत्रके मनुष्य a native of the above said region अणुजो॰ १३१, (३) તે ક્ષેત્રના અધિષ્ઠાતા દેવનુ નામ उक्त क्षेत्रके अधिष्ठाता देवका नाम name of the presiding deity of the above said region जं॰ प॰ ४, १२०, (४) ઉત્તરકુરૂ નામનો એક દ્રહ उत्तरकुरु नामक एक द्रह name of a lake जीवा॰ ३४; जं॰ प॰ —उज्जाण न (–उद्यान) એ નામનુ સાકેતપુર નગરની બહારનુ એક ઉદ્યાન साकेतपुर नगर के बाहिर के एक उद्यानका नाम name of a garden outside the city of Sāketapura नाया॰ ध॰ ६, विवा॰ १०; —कूड. पु॰ (–कूट) માલ્યવન્ત નામે વખારા પર્વતનું ઉંચુ શિખર. माल्यवत्त नामक वखारा पर्वतका ऊंचा शिखर. the high summit Mālyavanta of the Vakhārā mount ठा॰ ६, (२) મહાવિદેહના ગન્ધમાદન પર્વતના ચોથા શિખરનુ નામ महाविदेह के गन्धमादन पर्वत के चोथे शिखरका नाम name of the 4th summit of the Gandha mādana mount in Mahāvideha. ठा॰ १०; जं॰ प॰ —द्दह पुं॰ (–ह्रद)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्तर कुरु नामनो ३ જે દ્રહ-હૃદ. उत्तर-कुरु नामक तीसरा ग्रह. the 3rd lake bearing the name of Uttara-kuru. ठा० ६; —वत्तव्वया स्त्री० (-वक्तव्यता) ઉત્તર કુરૂનો અધિકાર. उत्तर कुरु का वर्णन. the subject-matter or topic dealing with Uttara-kuru भग० ६, ७,

उत्तरकुरुअ त्रि० (उत्तरकुरुक) ઉત્તરકુરૂ ક્ષેત્રમા જન્મેલ, ઉત્તરકુરુક્ષેત્રવાસી. उत्तर-कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ, उत्तरकुरु क्षेत्र में निवास करनेवाला Born in Uttara-Kuru Kṣetra अणुजो० १३१,

उत्तर कुरुग. पुं० (उत्तरकुरुक) જુઓ "उत्तर कुरुअ" શબ્દ देखो "उत्तर कुरुअ" शब्द Vide "उत्तर कुरुअ" भग० ६, ७,

उत्तर कोडि. स्त्री० (उत्तरकोटि) ગાન્ધર્વ ગ્રામની ૭મી મૂર્છના. गान्धर्व ग्राम की ७वी मूर्च्छना. The 7th note of the musical scale ठा० ७,

उत्तर गंधारा स्त्री० (उत्तरगान्धारा) ગાંધાર ગ્રામની પાચમી મૂર્છના गान्धार ग्राम की पांचवीं मूर्च्छना The 5th note of the musical scale ठा० ७, १, अणुजो० १२८;

उत्तर गुण. पुं० (उत्तरगुण) મૂલ ગુણની અપેક્ષાયે ઉત્તર ગુણ, સ્વાધ્યાય પિડ્ડ વિશુદ્ધિ આદિ, દશ પ્રકારના પચ્ચખાણ. मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण, स्वाध्याय, पिण्ड विशुद्धि आदि, दश प्रकार के पच्चक्खाण A secondary quality; study of scriptures, purity of food etc.; 10 kinds of Pachchakhāṇas (vows). पंचा० १, ७; प्रव० ७१६, उत्त० २६, १७; भग० २५, ६; —पच्चक्खाण पुं० (-प्रत्याख्यान) ઉત્તરગુણરૂપ પચ્ચખાણ; પચ્ચખાણનો એક પ્રકાર. उत्तर गुण रूप पच्चक्खाण; पच्चक्खाण का एक भेद. a kind of Pachchakhāṇa in the form of the practice or observance of Uttaraguṇas "उत्तरगुण पच्चक्खाणेणं कइ विहे पण्णत्ते" भग० ७, २; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) ઉત્તર ગુણ-પિંડ વિશુદ્ધિ આદિ તપની લબ્ધિ. उत्तर गुण अर्थात् पिण्ड विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति attainment of Uttara Guṇas e g purity of food, study of scriptures etc regarded as austerities "उत्तरगुण लद्धि खयमाणस्स" भग० २०, ६, पन्न० ११; —सद्धा. स्त्री० (-श्रद्धा) પ્રધાનતર-ઊંચા ગુણની અભિલાષા प्रधानतर-उच्च गुणों की श्रद्धा-अभिलाषा-चाह desire to acquire higher qualities. पंचा० १, ३७,

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूड) વદના કરીને પછી 'મત્થએણ વદામિ' કહેવુ તે વદનાનો ૧૯ મો દોષ वदना करने के पश्चात् 'मत्थएण वदामि' कहना, वदना का १६वा दोष The 19th fault of salutation, viz uttering the words "I bow with my head" after salutation (instead of before it). प्रव० १५३,

उत्तर चूलिया. स्त्री० (उत्तरचूलिका) વદન કરીને પછી 'મસ્તકે કરી નમું છું' એમ કહેવુ તે वदना करके पीछे 'मस्तक से नमन करता हूं' इस प्रकार कहना. uttering the words "I bow

with my head " after salutation (instead of before it) प्रव० १५३;

उत्तरड्ढ. न० (उत्तरार्द्ध) ઉત્તરાર્ધ, વૈતાઢ્યથી કે મેરૂથી ઉત્તર - બાજુનો પ્રદેશ. उत्तरार्द्ध; वैताढ्य या मेरुपर्वत से उत्तर की ओर का प्रदेश. The northern half, viz the region north of Vaitādhya or Meru सम० ३६, अणुजो० १४८, ज० प० भग० ३, १, ५, १, —भरत पुं० (-भरत) વૈતાઢ્ય પર્વતથી ઉત્તરનો ભરત પ્રદેશ वैताढ्य पर्वत से उत्तर की ओर का भरत प्रदेश the Bharata region to the north of Vaitādhya mountain. ज० प० —भरह कूड पुं० (-भरतकूट) જંબૂદ્વીપના વૈતાઢ્ય પર્વતનું ૮ મું શિખર जंबूद्वीप के वैताढ्य पर्वत का ८ वां शिखर the 8th summit of the Vaitādhya mountain of Jambūdvipa (२) તેનો અધિષ્ઠાતા દેવતા उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the above ज० प० १, १२,

उत्तरड्ढ भरहा स्त्री० (उत्तरार्द्धभरता) ઉત્તરાર્ધ ભરતકૂટની પાસે ઉત્તરાર્ધ-ભરતા નામની રાજધાની उत्तरार्द्ध भरतकूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम की राजधानी Name of a capital city near the Uttarārdha Bharatakūta. ज० प० ३, ५३, —माणुस्स क्खेत्त. न० (-मानुष्यक्षेत्र—मनुष्यक्षेत्रस्यार्द्धमर्द्ध मनुष्य क्षेत्र उत्तरखेतखंति) મનુષ્ય ક્ષેત્રનો ઉત્તરાર્ધ પ્રદેશ मनुष्य क्षेत्र का उत्तरार्द्ध प्रदेश the northern half of the region of Manusya Ksetra. " उत्तरड्ढमाणुस्सक्खेत्ताओ, जावहिं वंदा पमाणिंसु " सम०

उत्तरण न० (उत्तरण) તરી જવું; પાર ઉતરવું तिरजाना, पार उतरना Crossing, going to the opposite shore or end " उत्तरणं चयसूराण " नाया० ६; सम० ७, ठा० ५; १०,

उत्तरणप्पाअ त्रि० (उत्तरणप्राय) પાર ઉતરવા જેવું पार उतरने योग्य Worthy of, capable of being crossed " अणुहतरदुत्तरणप्पाया " पंचा० ६, २१,

उत्तरपुव्वा. पुं० (उत्तरपूर्वा) ઈશાન ખુણો ઉત્તર અને પૂર્વ વચ્ચેની વિદિશા. उत्तर और पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन The north-east प्रव० ७६०,

उत्तर बलिय. पुं० (उत्तरबलिय) ઉત્તરબલિય નામે એક ગણ उत्तर बलिय नामक एक गण. Name of a Gana. " गोदासगणे उत्तरबलियस्सयगणे उद्देहगणे " ठा० ६, १,

उत्तरबलिस्सह. पुं० (उत्तरबलिस्सह) ઉત્તરબલિસ્સહ સ્થવિરથી નિકલેલ એ જાતનો એક ગણ उत्तरबलिस्सह स्थविर से निकला हुआ इस जाति का एक गण. Name of an order of monks (Gaṇa) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha कप्प० ८,

उत्तरबलिस्सह पुं० (उत्तरबलिस्सह) મહાગિરિ સ્થવિરના પ્રથમ શિષ્ય અને તેનાથી નિકલેલ ગણ महागिरि नामक स्थविर का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ गण The first disciple of the saint Mahāgiri and the order established by him " थेरेहिंतोय

उत्तरवडिंसएहिंतो तत्थणं उत्तर वडिंसए" ठा० ६, १;

उत्तरभद्दवया. स्त्री० (उत्तराभाद्रपदा) अभिजित वगेरे नक्षत्रमांनुं ६ठ्ठु नक्षत्र; उत्तराभाद्रपद नक्षत्र. अभिजित वगैरह नक्षत्रों में का छठवां नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद The constellation Uttarā Bhādrapadā i e. the 6th of the constellations viz Abhijita etc. "उत्तर भद्दवया णक्खत्ते दुत्तारे पण्णत्ता" ठा० ६, १;

उत्तरमंदा. स्त्री० (उत्तरमन्द्रा) गन्धार स्वर अन्तर्गत એક मूर्छना, मध्यम ग्रामनी पहेली मूर्छना. गंधार स्वर के अन्तर्गत एक मूर्छना. मध्यम ग्राम की पहिली मूर्छना कोट One of the 7 notes of the Indian gamut, the 1st note of the Madhyama scale राय० १३०, ठा० ७, १; जीवा० ३, ४;

उत्तर वडिंसग न० (उत्तरावतंसक) એ नामनुं એક विमान इस नाम का एक विमान. Name of a celestial abode. जीवा० ३, ६;

उत्तरसमा. स्त्री० (उत्तरसमा) मध्यम ग्रामनी चोथी मूर्छना. मध्यम ग्राम की चौथी मूर्छना. चौथा कोट The 4th note of the Madhyama musical scale. ठा० ७, १;

उत्तरा स्त्री० (उत्तरा) उत्तराषाढा आदि नक्षत्र उत्तराषाढा आदि नक्षत्र The constellation Uttarāsāḍhá. अणुजो० १३१, (२) मध्यम ग्रामनी पहेली अने त्रीजी मूर्छना. मध्यम ग्रामकी पहिली और तीसरी मूर्छना. the third note of the Madhyama musical scale. ठा० ७, १; अणुजो० १२८, १३८. (३) उत्तर दिशा. उत्तर दिशा the north; "उत्तरा वो वा दिसाओ आगओ अहमंसि" प्रव० ७६०, क० प० ४, २, भग० १०, १; २५, ३, आया० १, १, १, २; —आसाढा. स्त्री० (-आषाढा) उत्तराषाढा नक्षत्र. उत्तराषाढा नक्षत्र. the constellation called Uttarāṣādhā ज० प० २, १९; ७, १५५, सम० ४, ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि स्त्री० (उत्तराकोटि) એ नामनी गंधार ग्रामनी सातमी मूर्छना इस नामकी गंधार ग्रामकी सातवीं मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut ठा० ७, १;

उत्तरज्झयण. न० (उत्तराध्ययन) એ नामनुं એક मूल सूत्र, छत्रीश अध्ययनना समूहरूप उत्तराध्ययन नामे सूत्र इस नामका एक मूल सूत्र छत्तीस अध्ययनों का समूहरूप उत्तराध्ययन नामक सूत्र Name of a Mūla Sūtra, name of a scripture containing 36 chapters नंदी० ४३, —फग्गुणी स्त्री० (-फाल्गुना) એ नामनुं नक्षत्र इस नामका एक नक्षत्र name of a constellation ज० प० ७, १२६; ५, ११५, सू० प० १०; सम० २, —भद्दवया स्त्री० (-भाद्रपदा) એ नामनुं એક नक्षत्र इस नामका नक्षत्र. name of a constellation सम० २,

उत्तरायण पु० (उत्तरायण) सूर्य दक्षिण दिशामांथी उत्तर दिशामां जाय ते सूर्य का दक्षिण दिशा से उत्तर दिशामें जाना The northward apparent motion of the sun. सम० २४, ठा० ३; —गय पु० (-गत) कर्क संक्रांतिनो दिवस; उत्तरायणमां प्रवेश करतो सूर्य कर्क संक्रांतिका दिन;

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress सम० —णियट्ट पु० (-निवृत्त) સૂર્ય ઉત્તરને માડલેથી દક્ષિણને માડલે જાય તે सूर्यका उत्तरायणसे दक्षिणायन होना the returning of the sun towards the south from the north "उत्तरायणणियट्टे सूरिए" ठा० ३, सम० २४,

उत्तरायया स्त्री० (उत्तरायता) ગંધાર ગ્રામની સાતમી મૂર્છના गधार ग्राम की सातवीं मूर्छना Name of a certain musical note in the Indian gamut अणुजो० १२८,

उत्तरावग पु० (उत्तरापथक) ઉત્તરાપથ દેશનો રૂપાનો એક સિક્કો उत्तरापथ देश का चांदीका एक सिक्का Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath प्रव० ८०५,

उत्तरावह पुं० (उत्तरापथ) ઉત્તર તરફનો એક દેશ उत्तर की ओरका एक देश. Name of a country in the north प्रव० ८०५,

उत्तरासंग. पुं० (उत्तरासङ्ग) મુખ ઉપર દુપટ્ટાનું આવર્તન કરવું તે ઉત્તરાસણ કરવું ते उत्तरासन करना Wrapping of scarf round the face कप्प० २, १४; जं० प० ५, ११५, भग० २, ५; ६, ३३, १५, १, ओव० १०; नाया० १ १६; विवा० १, राय० २३, —करण न० (-करण) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above "एग साडियं उत्तरासङ्ग करेणं" नाया० १;

उत्तरासमा स्त्री० (उत्तरसमा) મધ્યમ ગ્રામની ચોથી મૂર્છના. मध्य ग्राम की चौथी मूर्छना The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music अणुजो० १२८;

उत्तराहुत्त. त्रि० (उत्तराभिमुख) ઉત્તર તરફ; ઉત્તરને સન્મુખ उत्तरकी ओर; उत्तर दिशा के सन्मुख Towards the north; facing the north "ओवासेसियाए सज्झाए ठाइ उत्तराहुत्तो" ओघ० नि० ६५०;

उत्तरिज्ज. न० (उत्तरीय) ખભા ઉપર રાખવાનું વસ્ત્ર-દુપટ્ટો कंधेपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा A scarf, an upper garment "उत्तरिज्जं विकड्डमाणी" उवा० ६, १६६, ओव० ३१, दसा० १०, १; नाया० १, ८, ६, १२, १४, भग० ६, ३३; जं० प० कप्प० ४, ६२,

उत्तरिज्जग न० (उत्तरीयक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६, १६४,

उत्तरिज्जय न० (उत्तरीयक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above. उवा० ६, १६४;

उत्तरिय पु० (उत्तरिक) ઉત્તર ગુણ-સમિતિ વગેરે उत्तर गुण-समिति वगैरह Samiti etc (i e. care in walking, eating etc) विशे० १२४५; (२) त्रि० પ્રધાન, શ્રેષ્ઠ प्रधान; मुख्य, श्रेष्ठ; उत्तम principal, highest, best नाया० ८, वेय० ४, १८, ठा० १०; (३) દુપટ્ટો; ખભે રાખવાનું વસ્ત્ર दुपट्टा; कंधेपर रखनेका वस्त्र a scarf, an upper garment नाया० २;

उत्तरिल्ल त्रि० (औत्तर) ઉત્તર દિશામાંનું; ઉત્તર દિશાસંબંધી उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धी. Northern; pertaining to the north. नाया० ध० ४;

सम० ९, आया० ३ १३; १६, ज० प० २, ६३; ५, ११४ विवा० १ भग० १ १; १०, ७, १६ २ ८, ३४ १; प्रव० ११२०

उत्तरिज्ज त्रि० (उत्तार्य) ઉતરવા યોગ્ય उतरने योग्य Worth descending worth crossing fit to be crossed etc राय० ७१ ज० प० ५, ११४

उत्तरीकरण न० (उत्तराकरण) જેની આલોચના કરીછે તેની વધારે વિશુદ્ધિ કરવા કાયોત્સગ કાઉસ્સગ કરવો તે जिसकी आलोचना की है उसका अधिक विशुद्धक लिय कायात्सग करना Meditation upon the soul in a particular posture after confession of a sin in order to wash off that sin the more आव० ९ ५

उत्ताडण न० (उत्ताडन) એક પ્રકારનું વાજીંત્ર एक प्रकारका बाजा A kind of musical instrument राय०

उत्ताण त्रि० (उत्तान) ચત્તુંપાટ સમુ સિધ્ધુ सीधा सदा Flat straight भग० १ ७ "उत्ताण छत्तसंठिया" उत्त० ३६, ६१ दस० ५ १८ पन्न० २ (२) છીછરૂં ઉંડું નહી તે जा गहरा ऊंडा न हो वह shallow ठा० ४ ४ (३) न० પનકારો મર્યા વિના આખ ખુલ્લી રાખવી તે पलक मार बिना आंखका खुली रखना keeping the eye open without twinkling आव० (४) त्रि० ચત્તા સુવાનો અભિગ્રહ ધરનાર चित् सोने का अभिग्रह प्रतिज्ञा वाला (one) who has taken a vow to sleep flat on the back पञ्चा० १८, १५ —(णो) उदहि पु० (-उदधि) છીછરા પાણીવાળો દરીઓ, छिछले पानी वाला समुद्र a sea with shallow waters ठा० ४, ४, —ओभासि त्रि० (अवभासिन्) તુચ્છ જણાય એવું जा तुच्छ मालूम हो एसा appearing trivial ठा० ४, ४, —णयणपेच्छणिज्ज त्रि० (नयनप्रेक्षणीय) અતિ સુંદર હોવાને લીધે ઉઘાડી-અનિમિષ આંખે જોવા યોગ્ય बहुत सुंदर होनेके कारण आंखोंसे (बिना पलक मारे) निरास देखने योग्य deserving to be gazed at with twinkleless eyes on account of fascinating beauty उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा पासा दिया दरिसणिज्जा आव० —हत्थ पु० (-हस्त) વસ્તુ લેવાને ઉંચા કરેલો હાથ वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊंचा किया हुआ हाथ a hand raised to grasp at a thing कि बिंबो विव उत्ताणहत्था सो तडु०

उत्ताणग त्रि० (उत्तानक) ચત્તા સુનાર चित् सोनवाला One who sleeps flat on the back जावया मत गब्भ गब्भगमाया उत्ताणएका पासल्लएवा भग० १ ७ (बिवा ६ अव० ४ ६० (२) લાંબુ કરેલું પસારેલું लंबा किया हुआ पसारा हुआ फैलाया हुआ projected expanded extended आया० २ १ १० ७

उत्ताणसय त्रि० (उत्तानक) ચત્તા થઇને-સુઇ જનાર चित होकर सोजाने वाला (One) who lies on the back and goes to sleep (२) न० સમુ સિધ્ધુ सीधा सन्मुख straight even पञ्चा० १८, १५

उत्ताणिय त्रि० (उत्तानिक) ચિત્તા સુવાનો અભિગ્રહ ધરનાર चित् सोनेका अभिग्रह धारण करने वाला (One) who has

taken a vow to lie flat i. e. sleep on the back दसा० ७, ६; वेय० ५, १०,

उत्तार. पुं० (उत्तार) નદીનો ઉતાર; પાણીનો આરો. नदीका उतार. A place where water may be crossed on foot, a ford. जं० प०

उत्तारण न० (उत्तारण) ઉતરવું-પાર જવું તે पार जाना, उतरना Crossing; going to the opposite end विशे० १०४०, जीवा० ३, ३,

उत्ताल न० (उत्ताल) તાલ બહાર ગાવું તે ગાયનનો એક દોષ तालके खिलाफ गाना, गायनका एक दोष Singing out of tune " गाय तो मायगाहि उत्ताल " ठा० ७, जं० प० अणुजो० १२८,

उत्तासइत्तार त्रि० (उत्त्रासयितृ) અતિશય ત્રાસ આપનાર बहुत त्रास देनेवाला. Highly annoying, excessively troublesome " अत्तविलुपिता उद्दसित्ता उत्तासइत्ता " आया० १, २, १, ६६,

उत्तासणग त्रि० (उत्त्रासनक) ત્રાસ ઉપજાવનાર, ભય ઉત્પન્ન કરનાર. त्रास देनेवाला, भय उत्पन्न करने वाला Terrifying, annoying, frightful नाया० ८,

उत्तासणय त्रि० (उत्त्रासनक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above नाया० ८, पन्न० २, भग० ३, २, ६, ५;

उत्तासणिज्ज त्रि० (उत्त्रासनीय) મહા ભયંકર महा भयकर, बहुत डरावना Very terrible, frightful. " नरोविव उत्तासणिज्जाओ " तडु०

उत्तासिय त्रि० (उत्त्रासित) ત્રાસ પામેલ त्रस्त Troubled; frightened; terrified. भग० ३, ५, (२) પરસ્પર મળેલ. परस्पर मिला हुआ mixed together, joined together. भग० ३, १; ५, ६;

उत्ति. स्त्री० (उक्ति) વાણી, વચન वाणी; वचन, कथन. Speech, words " संसीराहरयोहिं उत्तीहिं य भावसाराहि " पंचा० ६, १६; विशे० ३३५६,

उत्तिंग पुं० (उत्तिङ्ग) કીડીયારૂં; કીડીનું દર चीटियों का बिल. An ant-hill " सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे " सम० २१ दस० ५, १, ५६, ८, ११; आया० १, ७, ६, २२२. आव० ४, ३, (२) છિદ્ર, ફાડ छेद, छिद्र. a hole; an aperture आया० २, ३ १, ११६. निसी० १८, १८; —लेण. पु० (-लयन) કીડીયારૂં. चिउटी का बिल an ant-hill कप्प० ६, ४५;

उत्तिण्ण त्रि० (उत्तीर्ण) પાર ઉતરેલ. पार उतरा हुआ. Crossed, passed over. जं० प० नाया० १; १६;

उत्तेड त्रि० (*) વાસણ ઉપર જામેલ ઓસના બિન્દુ बर्तनके ऊपर जमे हुए ओस बिंदु A dew-drop clinging to a vessel or utensil "उत्तेडा बत्थायायन समिति " पिं० नि० भा० १६;

उत्थय. पु० (उच्छ्रय) ઓભાર, ઉભડભો तीव्रता Rising, increasing, intensity ओघ० ३१,

उत्थय त्रि० (अवस्तृत) ઢાંકેલુ, આચ્છાદન કરેલુ, ढांका हुआ, आच्छादित. Covered; concealed आव० ३१, जं० प०

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

उत्थरंत. व० कृ० त्रि० (उपस्तृण्वत्) આચ્છાદન કરતો. आच्छादन करता हुआ; ढांकता हुआ. Covering; hiding. " अवि एहिं उत्थरंता अभिभूय हरंति परधणाइ " पराह० १, ३,

उत्थल न० (उत्स्थल—उन्नतानि धूलपुञ्जरूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) ધૂલના ટેકરા धूल के टेकरे. A sand-hill, a sandy down भग० ७, ६,

उत्थाण. न० (उत्थान) ઉઠવું ઉભા થવુ उठना, खडे होना. Rising up, getting up विशे० २८२६,

उत्थिय. त्रि० (अवस्तृत) આચ્છાદન કરેલ ઢાંકેલ ढांका हुआ, आच्छादित. Covered, concealed from view उवा० १, ५८,

उदग-य. पु० न० (उदक) જલ, પાણી जल; Water आया० १, ६, १, १७७, उत्त० ७, २३, २८, २२, नाया० १; ५, ८, १४; १८, भग० ३ ३, राय० २७, ओव० ३९, दसा० ६, १; ६, २, सू० प० १०, विशे० १४५८, पिं० नि० ८३, (२) પાણીમાંની એક વનસ્પતિ जल मे की एक वनस्पति a kind of aquatic plant पन्न० १, (३) પર્વગ જાતની વનસ્પતિ, એક જાતનુ વૃક્ષ पर्वग जाति का वनस्पति, एक प्रकारका वृक्ष a kind of tree पन्न० १, (४) पुं० એ નામના એક અન્યતીર્થિ વિદ્વાન इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान. name of a learned non-Jaina भग० ७, ६; (५) ગોશાલાના એક મુખ્ય શ્રાવકનુ નામ. गोशाला क एक मुख्य श्रावक का नाम name of one of the principal lay-followers of Gośālā. भग० ८, ५; (६) ઉદક નામે (અપર નામ પેઢાલ પુત્ર) એક પાર્શ્વનાથના સંતાનીયા નિગ્રન્થ કે જેનો ગૌતમસ્વામી સાથે સંવાદ થયો હતો उदक (अपरनाम पेढाल पुत्र) नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु कि जिसका गौतम स्वामी के साथ संवाद हुआ था. name of an ascetic follower of Pārśvanātha, who had held discussion with Gautama Swāmi, he is also named Pedhālputra सूय० २, ७, ५.

—**उप्पीला.** स्त्री० (*) પાણી વગેરેનો જથ્થો-સમુહ जल वगैरह का समूह. a volume of water etc भग० ३, ७.

—**तल** न० (-तल) પાણીનુ તળીયુ जल का तल the bottom of water. दसा० ६, १,

—**परिफोसिया** स्त्री० (-परिपृषत्) પાણીનાઝીણા છાંટા, ફુવાડ पाणी क छोटे छोटे छींटे. फुवार spray of water नाया० ८

उदइ त्रि० (उदयिन्) ઉદય પામનાર उदय पाने वाला Rising, coming to rise " उदइयो अणुदइ ठराइ " भग० ११, १; ३५, १,

उदइअ पु० (औदयिक) કર્મનો ઉદય कर्म का उदय Maturity of Karma, state of maturity (२) કર્મના ઉદયથી નિષ્પન્ન થએલ ભાવ, ૭ ભાવમાંનો એક उदय से निष्पन्न—उत्पन्न anything resulting from maturity of Karma अणुजो० ८८, भग० १७, १; २५, ६, क० गं० ४, ७२; —**आइ.** त्रि० (-आदि) ઉદય ભાવ જેમાં આદિ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

अजय छे. तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायक अने पारिणामिक भाव जिन भावों में औदयिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायक और परिणामिक भाव (those Bhāvas or states viz Aupsamika, Kṣāyopśamika, Kṣāyaka and Pariṇāmika) which are headed by Udayabhāva i e state of coming to rise, lit Udayabhāva etc. विशे० ४०४, —भाव. पु० (-भाव) जुओ "उदइय" शब्द. देखो "उदइय" शब्द vide "उदइय" भग० १४, ७,

उदउल्ल त्रि० (उदकार्द्र) पाणीथी भीनुं थयेल पाणी से भीजा हुआ Wet with water, "उदउल्ल बीयससत्त" दस० ६, २५, ४, ५, १, २३; ८, ७, आया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ४०, कप्प० ६, ४३, प्रव० ६१६, —काय पु० (-काय) पाणीथी भीनुं शरीर पानी से गीला शरीर body wet with water दस० ४, —वत्थ न० (-वस्त्र) पाणीथी भीनु वस्त्र पानी से गीला वस्त्र cloth wet with water दस० ४,

उदएचर. त्रि० (उदकचर) जलचर जलचर, जल मे रहने वाला प्राणी Aquatic "उदएचरा आगास गामिणो" आया० १, ६, १, १७७,

उदओदर पुं० (उदकोदर) जलोदर रोग जलोदर रोग. Dropsy ज० प० २.

उदक न० (उदक) पानी जल, पानी Water. जीवा० ३, ३, —भायण पु० (-भाजन) पाणीनुं वासण पानी का बर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७,

उदग न० (उदक) पाणी; जल जल, पानी Water. पंचा० २, ११; प्रव० १५६३; कप्प० ४, ५६; जं०प० ५,१२०; निसी० १८, १८; नाया० ६, ८, १८, भग० १, ६; ८; ५, ४; ७,१, १५, १, पन्न० १, नंदी० ३५; दस० ४, ५ १, ७५, उवा० १, २७; ४१; —(ग) आवत्त पुं० (-आवर्त) पाणीनुं चक्कर – भमरी – वमळ पानी का भौंर, an eddy, a whirlpool of water. अणुजो० १३४, भग० ५, ७, —गब्भ. पुं० (-गर्भ) पाणीनो गर्भ-पाणी रूपे थनार पुद्गल परिणाम पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुद्गल परिनाम particles of matter transforming themselves into the element of water. "चत्तारि उदग गब्भा पएणत्ता तं जहा" भग० २, ५; —जोणिय पु० (-योनिक-उदक योनिरुत्पत्तिस्थानं येषां ते) पाणीमां उत्पन्न थनार जीव पानी में उत्पन्न होने वाला जीव an aquatic sentient being "इहे गतिया सत्ता उदग जोणिया उदग संभवा" सूय० २, ३, १७, —दोणी. स्त्री० (-द्रोणी) पाणी खेंचवानी डोल पानी भरनेका डोल a bucket for drawing out water "अल उदगदोणीणं" दस० ७, २७, (२) न्हानी होडी, मछवो. छोटासी डोंगी, डोंगा a small boat आया० २, ४, २, १३८, (३) लोहारनी पाणीनी कुंडी के जेमां तपेलुं लोढुं ठारवामां आवे छे लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled "उदग दोणीं विवत्तिए" भग० १६, १,—धारा स्त्री० (-धारा) पाणीनी धारा जलधारा. a stream of water; a down pour of rain नाया० ६, जं० प० ३, ४३,

—परिणय. त्रि० (-परिणत) पाणी रूपे परिणाम पामेल. जल रूप में परिणाम पाया हुआ transformed into water. ठा० ३, ३, —पोग्गल पु० (-पुद्गल) पाणीना पुद्गल नो समूह, वादलुं जल रूप पुद्गल का समूह बादल, मेघ a collection of watery particles, a cloud "तत्थ समुट्ठिय उदग पोग्गल परिणयवा" ठा० ३, ३, —प्पसूय. त्रि० (-प्रसूत) जलथी उत्पन्न थयेल कन्द आदि जल में उत्पन्न हुए कन्द आदि (a bulbous root etc) produced in water "उदग पसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा" आया० २, २, १, ६५, —फोसिया स्त्री० (-पृषद्) पाणीना बिंदु जल बिन्दु Spray of water, small drops of water नाया० ८, —बिंदु पु० (-बिन्दु) पाणीनुं टीपुं पानी की बिन्दु, जल का छींटा a drop of water भग० ५, ७, ६, १; पन्ना० ४, ४७, —मच्छ पुं० (-मत्स्य) ईंद्र धनुष्यना कटका. इन्द्र धनुष्य के टुकडे bits of rainbow भग० ३, ७, अणुजो० १२७, जीवा० ३, ३, —माल. पु० स्त्री० (-माला) उपरा उपर रहेल पाणीनी शिखा, दगमाळो. एक पर एक स्थित पानी की शिखा crests of water piled one upon another "लवणस्सणं समुद्दस्स के महालए उदगमाले पण्णत्ते" जीवा० ३, ४, ठा० १०, - रयण पुं० (-रत्न) शुद्ध पाणी, रत्न समान पाणी शुद्ध पानी pure water, crystal water. "उड्ढे उदगरयणा अस्सतिंदए" भग० १५, १; नाया० १२; —रस. (-रस) पु० पाणीनो रस पानी का रस water in the fluid form. "तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं पण्णत्ता" जं० प० १; —राई स्त्री० (-राजि) पाणीनी लीटी. पानी की रेखा a line of water. क० प० ५, ७५, —लेव. पु० (-लेप) नावा चाले तेटला पाणीमां चालवुं-नदी उतरवी ते जितने पानी मे नाव चले उतने पानी मे से नदी पार होना. fording a river etc at a place where a boat can sail "अंतो मासस्स तओ दगलेवे करे मायी सबला" सम० २१; दसा० २, १०, १३, (२) पाणीनो लेप, पाणीथी भिंजावुं ते. जलका लेप, पानी मे भिजाना getting wet with water आया० २, १, ११, ६२, —वत्थि पु० स्त्री० (-वस्ति) पाणीनी मसक. पानी की मशक a leather bag for holding water in "उदगवत्थि पराभुमइ" नाया० १८, —संभारणिज्ज त्रि० (-सम्भारणीय) पाणीने शुद्ध करवानी वस्तु पानी को शुद्ध करने का वस्तु. any substance used to purify water "इट्ठ तुट्ठ बहूहि उदगसंभारणि-ज्जेहि" नाया० १२,—सत्थ पु० (-शस्त्र-उदकमेवशस्त्रंतत्तथा) पाणीना जीवनो नाश करनार शस्त्र, अग्नि, क्षार वगेरे जल के जीवो का नाश करने वाला शस्त्र, अग्नि, क्षार वगैरह a weapon which destroys sentient beings living in water e g fire, poisonous salts etc. आया० १, १, ३, २३, —साला स्त्री० (-शाला) पाणीनुं परब (परव). पानी की पो a place where water is supplied to travellers etc. (out of charity) सूय०२, ७, ४,—सिहा स्त्री० (-शिखा) दरीयानी वेल, पाणीनी भरती ओट पानी की बढती और घटती. ebb and tide of the sea ठा० १०

उदगखाय. पुं० (उदकखात) ખાઇના પાણી-ના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું ૧૨ મું અધ્યયન खाई के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का १२ वा अध्ययन Name of the 12th chapter of Jñātā Sūtra containing an illustration of ditch water सम० १६, नाया० १,

उदगत्त न० (उदकत्व) પાણીપણું जलपना, जलत्व State of being water "या बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताय वक्कमंति" ठा० ३, भग०२,५,

उदगसीमय पु० (उदकसीमक) એ નામનો એક વેલંધર નાગરાજનો આવાસ પર્વત वेलधर नागराज के निवास करने के एक पर्वत का नाम Name of a mountain-abode of Velandhara Nāgarāja जावा० ३,

उदग्ग त्रि० (उदग्र) ઉત્કટ, તીવ્ર, ઉન્નત, ઉત્તરોત્તર વૃદ્ધિવાળું उत्कट, तीव्र, उन्नत, उत्तरोत्तर वृद्धि वाला Fierce, intense, tall, lofty, mighty increasing "उदग्गो दुप्पहंसए" उत्त० ११, २०, भग० ७, १, नाया० १, ५, —चारित्तनव पु० स्त्री० (-चारित्रतपस्-उदग्र प्रधान चारित्र तपश्च यस्य स तथा) પ્રધાન ચારિત્ર તપ વાળો प्रधान चारित्र तप वाला one of austere right conduct and penance उत्त० १३, ३५,

उदत्त त्रि० (उदात्त) ઉદાત્ત, પ્રધાન, શ્રેષ્ઠ उदात्त, प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ, उदार High, lofty, prominent उत्त० १३, ३५, भग० २, १, ३, १, ६, ३३, (२) અકારાદિ સ્વરનો એક પ્રકાર अकारादि स्वर का एक प्रकार a particular variety (accent) of vowel-sound. प्रव० ५५०,

उदत्ताभ. पुं० (उदत्ताभ) ગૌતમ ગોત્રની એક શાખા અને તેનો પુરૂષ गौतम गोत्र की एक शाखा और उस शाखा का पुरुष. Name of a branch of Gautama family-stock, a person belonging to this branch "ते उदत्ताभा" ठा० ७, १,

उदधि पु० (उदधि) સમુદ્ર समुद्र, दर्या The ocean, the sea सू० प० १६; जावा० ३, १,

उदय पु० (उदय) ઉગવું, પ્રગટ થવું; ઉદય થવું તે ऊगना, प्रगट होना, उदय होना Rising, coming to view; appearance ठा० ८, १, पंसंहं० ७, ४; सू० प० १, नाया० ३, आव० १६, (२) અભ્યુદય, ચડતી अभ्युदय, बढती; चढती rise, prosperity सूय० २, ६, १६; पिं० नि० ४१४, (३) ઉપજવું, ઉત્પત્તિ पैदा होना, उत्पत्ति birth, creation; production सम० ३२, (४) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર સાતમા તીર્થંકરનું નામ जम्बुद्वीपके भरतखड मे होने वाले सातवे तीर्थंकर का नाम the name of the 7th would-be Tirthankara of Bharatakhanda in Jambudvipa सम० प० २४१, (५) જંબુદ્વીપમાં ભરતક્ષેત્રમાં થનાર ત્રીજા તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ जम्बुद्वीप के भरतखड मे होने वाले तीसरे तीर्थंकर का पूर्व भव का नाम the name in the past birth of the third would-be Tīrthankara of Bharatakhanda in Jambudvīpa सम० प० २४१, (६) કર્મનું વિપાકાભિમુખ થવું તે, જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મનો ઉદય. कर्म का विपाक (फल देने) के सन्मुख होना, ज्ञानावरणीयादि कर्मों का उदय maturi-

ty of Karma; e. g. of knowledge-obstructing Karma etc भग० १, १; २, ५; ५, ४, ८, ६; १४, २, २०, ३, ४०, १९, पिं० नि० १०२; (७) ઉદય ભાવ, ७ ભાવમાંનો પ્રથમ ભાવ उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth the first of the 6 Bhāvas भग० १७,१;—अंत. पुं० (-अन्त) નદી આદિના પાણીની સીમા, જ્યાં નદી પુરી થાય તે પ્રદેશ नदी आदि के जल की सीमा, वह प्रदेश जहां नदी पूरी हो the place where the water of a river ends or terminates भग० १, ६, —अंस पुं० (-अंश) ઉદયના સ્થાનક. उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity क० गं० ६, १८; —गय त्रि० (-गत) ઉદયના સ્થાનને પ્રાપ્ત થયેલ उदयस्थान को प्राप्त come to rise, risen क० गं० ६, ४०, —णिप्फण्ण. त्रि० (-निष्पन्न) કર્મના ઉદયથી નિષ્પન્ન થયેલ कर्म के उदय से निष्पन्न-उत्पन्न produced on account of the maturity of Karma, resulting from the maturity of Karma भग० १७, १, २५, ५, —त्थमण. त्रि० (-अस्तमन) સૂર્યના ઉદય અથવાનો સમય सूर्यके उदय अस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कप्प० ३, ३६, —पत्त त्रि० (-प्राप्त) ઉદય પામેલ. उदय पाया हुआ matured; come to rise भग० २५, ७; पण्ह० २, ५; —विहि. पुं० (-विधि) ઉદયનો પ્રકાર. उदयका प्रकार. mode or method of coming to rise. क० गं० ६, ३०; —संठिइ. स्त्री० (-संस्थिति) સૂર્યના ઉદયની સ્થિતિ. सूर्य के उदय की स्थिति the condition of the sun at the time of rising सू० प० ८; —संत स्त्री० (-सत्ता) ઉદય અને સત્તા સ્વરૂપ उदय और सत्ता स्वरूप the existence and rise i. e maturity (of Karma). क० प० ७, ५१, ५५,

उदयजिण. पुं० (उदयजिन) આવતી ચોવીસીના સાતમા તીર્થંકર કે જે એક વખત મહાવીર સ્વામીના શ્રાવક શંખજી હતા आगामी चौवीसी के सातवें तीर्थंकर जो एक समय महावीर स्वामीके शंखजी नामक श्रावक थे The 7th Tīrthankara of the coming Chovīsī i. e cycle who was once a Śrāvaka (by name Śankhajī) of Mahāvīra Swāmi प्रव० ४६७,

उदयणसत्त त्रि० (उदयनसत्व) ઉદય પામતો છે સત્વ જેનો તે. जिसका सत्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise ठा० ५, ३,

उदयसीम पुं० (उदकसीमन्) લવણ સમુદ્રમાં ઉત્તર દિશાએ આવેલો એક આવાસ પર્વત. लवण समुद्रके उत्तर दिशामें स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavaṇa Samudra in the north. सम० ४३,

उदयसेण पुं० (उदयसेन) વીરસેન ને શૂરસેનનો પિતા वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम Name of the father of Vīrasena and Śūrasena. नाया० नि० १, ४, १, १;

उदयायल पुं० (उदयाचल) ઉદયાચલ પર્વત. उदयाचल पर्वत The eastern moun-

tain named Udayāchala behind which the sun rises सु० च० ३, ७८;

उदर. न० (उदर) જઠર, પેટ. जठर, पेट The belly, the stomach सूय० १, ५, २, २, २, १, ४२; दस० ४, जीवा० ३, ३; ओव० १०, निसी० ७, १४; अणुजो० १३१, नाया० १३; आया० १, १, २, १६, उवा० २, १०१,

उदरवली. स्त्री० (उदरावलि) કાલજુ; કલેજુ कलेजा The heart निर० १ १ —**मंस** न० (-मांस) કાલજાનું માંસ कलेजका मांस the flesh of the heart निर० १, १

उदरि. त्रि० (उदरिन्) પેટનો રોગી, જલોદર રોગવાલો. पेट का रोगी, जलोदर रोगवाला (One) suffering from abdominal affections like dropsy etc. आया० १, ६, १, १७२

उदरिक त्रि० (औदरिक) જલોદરના રોગ વાલો जलोदर रोगवाला. (One) suffering from dropsy पण्ह० २, ५,

उदरिय न० (औदरिक) જુઓ "उदरिक" शब्द देखो "उदरिक" शब्द Vide "उदरिक" विवा १, ७,

उदवाह पु० (उदवाह) જલનો નાનો પ્રવાહ जलका छोटासा प्रवाह A small current of water. "उदवाहाइ वा प्रवाहाइ वा " भग० ३, ७,

उदहि पु० (उदधि) સમુદ્ર. દરીયો. समुद्र, उदधि, दर्या The ocean; the sea ठा० २ ४, उत्त० ११, ३०, भग० १, ६, ६. विशे० १३३२; पिं० नि० भा० १७, प्रव० १४६३, क० प० १, ७०; ज० प० २, ३३, ६, ११६, (२) ઉદધિકુમાર નામે ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. उदधिकुमार नामक भवनपति देवों की एक जाति a class of Bhavanapati gods named Udadhikumāra उत्त० ३६, २०४, पण्ह० १, ४; सम० ७६, ओव० (३) ઘનોદધિ. घनोदधि the ocean named Ghanodadhi भग० १, ७, (४) સમુદ્ર-સાગરોપમ; કાલવિભાગ વિશેષ सागरोपम; कालविभाग विशेष a Sagaropama, a particular division of time क० ग० ५, २६, —**पइट्ठिय** त्रि० (-प्रतिष्ठित) ઘનોદધિ સમુદ્રને આધારે રહેલ घनोदधि समुद्र के आधार से रहा हुआ supported on, resting on Ghanodadhi ocean. "उदहि पइट्ठिया पुढवी" भग० १, ७, —**पुहुत्त** न० (-पृथक्त्व) બેથી માંડીને નવસાગરોપમ સુધી दो से नौसागरोपम तक. ranging from two to nine Sāgaropamas of time. क० प० १, ६०; **मंगल** पु० (-मङ्गल) સમુદ્રના વિઘ્નને દૂર કરનાર મંગલ. समुद्र के विघ्नको दूर करनेवाला मंगल anything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea पचा० ८, ३७, —**सरिस** त्रि० (-सदृश) સમુદ્ર-સાગર સરખું, સાગરોપમ, દસ કોડા કોડી પલ્યોપમ પ્રમાણુ કાલ વિભાગ. समुद्र के समान, सागरोपम; दस कोडा कोडी पल्योपम के प्रमाण काल विभाग similar to an ocean, a division of time equal to 10 crore × 10 crore Palyopama उत्त० ३३. १६;

उदहिकुमार. पुं० (उदधिकुमार) ઉદધિકુમારનામે ભવનપતિ દેવતાની એક જાત भवनपतिदेवों की उदधि-कुमार नामक जाति.

Name of a class of Bhavanapati deities " उदहि कुमाराणं सव्वे समाहारा " भग० १६, १२; पन्न० १.

—आवास पुं० (-आवास) ઉદધિકુમાર દેવતાના રહેવાના સ્થાન-ભવન. उदधिकुमार देवों के रहने का स्थान-भवन the abode of Udadhikumāra class of gods " उदहि कुमारावास सयसहस्सा पण्णत्ता " सम०

उदहिकुमारी. स्त्री० (उदधिकुमारी) ઉદધિ કુમાર જાતના ભવનપતિની દેવી उदधि कुमार जाति के भवनपति दवों की देवी A female deity of the Udadhikumāra Bhavanapati class of gods भग० ३, ७.

उदाइ पुं० (उदायिन्) કુડિકાયન ગોત્રમાં જન્મેલ ઉદાયી નામનો એક માણસ કે જે ગોશાલાનો છઠ્ઠો પ્રૌઢપરિહાર હતો. कुंडिकायन गोत्र में जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ प्रौढ परिहार था Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Praudha Parihāra of Gosāla भग० १५, १. (२) કોણિક રાજાનો ઉદાયિ નામે એક હાથી कोणिक राजा का उदायि नामक हाथी name of an elephant of a king named Koṇika भग० ७, ६; १६, १. (३) કોણિકનો એક પુત્ર કે જેણે કોણિકના અવસાન પછી પાટલિપુત્ર નગર વસાવી ત્યાં પોતાની રાજધાની સ્થાપી; જેને ઉદાયી નામના અભવ્યે પૌષધમાં મારી નાખ્યો હતો; જે તીર્થંકર નામકર્મ ઉપાર્જન કરી આવતી ચોવીસીમાં સુપાર્શ્વ નામે ત્રીજા તીર્થંકર થશે कोणिक का एक पुत्र जिसने कि कोणिक की मृत्यु के बाद पाटलिपुत्र नगर बसाया और वहां अपनी राजधानी स्थापित की; जिसे उदायी नामक अभव्यने पोषध—उपवास की अवस्था में मारडाला, जिसने तीर्थंकर-नामकर्म का उपार्जन किया और आगामी चोवीसी में सुपार्श्व नामक तीसरा तीर्थंकर होगा name of a son of Koṇika. After Koṇika's death he founded the city of Pātaliputra and made it his capital He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fasting etc) He will earn Tīrthankara Nāmkarma and be the third Tīrthankara named Supārsva in the coming Chovisī (cycle) ठा० ९.

उदायजीव पुं० (उदयिजीव) કોણિકના પુત્ર-ઉદાયિરાજાનો જીવ કે જે આવતી ચોવીસીમાં ત્રીજા સુપાર્શ્વ નામના તીર્થંકર થશે कौणिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भावी चौवीसी में सुपार्श्व नामक तीर्थंकर होंगे The soul of king Udāyi (the son of Koṇika) who will be the 3rd Tīrthankara by name Supārśva in the coming Chovīsī (i e cycle) प्रव० ४६१.

उदायण पुं० (उदायन) સિંધુસૌવીર દેશના વીતિભય નગરના રાજા કે જેણે દીકરાને રાજ્ય ન આપતા કેશી નામના ભાણેજને રાજ્ય આપી મહાવીર સ્વામિ પાસે દીક્ષા લીધી सिंधुसौवीर देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र को राज्य न देकर अपने केशी नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामीसे दीक्षा ली Name of a king of the city of Vītibhaya of the country of Sindhusauvīra. He, instead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Kesī and took Dīkṣā from Mahāvīra Swāmī उत्त० १८, ४८; भग० १३, ६. (४) કૌશાંબી નગરીના રાજા શતાનીકનો પુત્ર कौशांबी नगरी के राजा शतानीक का पुत्र. name of the son of Śatānīka, king of the city of Kosambī "तस्सगं सयाणियस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए उदायणे णाम कुमार होत्था" भग० १२, २. विवा० १, ५,

उदायि पु० (उदायिन्) કોણિક મહારાજાના હાથીનું નામ कोणिक महाराजा के हाथी का नाम Name of the elephant of king Koṇika भग० १७, १,

उदार त्रि० (उदार) ઉદાર, પ્રધાન, શ્રેષ્ઠ उदार, प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ Generous, high, excellent, prominent भग० २, १, ५. —मण त्रि० (-मनस्) ઉદાર ચિત્તવાળો उदार चित्त वाला magnanimous, generous भत्त० ३०,

उदारत्त न० (उदारत्व) ઉદારપણું સત્યવચનનો ૨૨ મો અતિશય उदारता, सत्यवचन का २२ वाँ अतिशय Generosity, nobility, the 22nd supernatural manifestation of truthfulness of speech सम० टी० ३५,

उदारय त्रि० (उदारक) ઉદારતા વાળું (તપકર્મ). उदारता पूर्ण (तपकर्म) High, noble (ascetic Karma). नाया० १,

उदासीण त्रि० (उदासीन) રાગ દ્વેષરહિત, શાન્ત, મધ્યસ્થ. राग द्वेश रहित, शान्त; मध्यस्थ, तटस्थ Free from passion and hatred, dispassionate neutral आया० १, ६, ३, १६१, सूय० १, ४, १, १५,

उदाहड त्रि० (उदाहृत) કહેલ, દર્શાવેલ कथित, कहा हुआ; दिखाया हुआ Said; pointed out, explained. सूय० २, ६, ६१,

उदाहरण न० (उदाहरण=उदाह्रियते गृह्यते दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनेति) ઉદાહરણ, દાખલો उदाहरण दृष्टान्त An illustration, an example पिं० नि० ११३, नाया० ३, पचा० ७, १४,

उदाहरिय त्रि० (उदाहृत) દાખલા સાથે કહેલું उदाहरण सहित कहा हुआ Explained, narrated with illustration नाया० ८,

उदाहिय त्रि० (उदाहृत) કથન કરેલ, વ્યાખ્યાન કરેલ कथन किया हुआ, कथित, व्याख्यान किया हुआ Told, narrated, illustrated "जामा तिण्णि उदाहिया" आया० १, ७, १, २००,

उदाहु अ० (उताहो) વિકલ્પ, અથવા. विकल्प अथवा, या Or, an alternative conjunction भग० १, १, २, ५, ५, ७, ८, ८, १०, १५, १, १८, ८, नाया० ३, ७, १६. पन्न० १०; विवा० ३,

उदिओदिअ त्रि० (उदितोदित) આલોક અને પરલોકને આશ્રી ઉદય પામેલા જેમ ભરત મહારાજ इहलोक और परलोक दोनों के लिये उदय पाया हुआ:—

जैसे कि भरत महाराज Prosperous; rising both in this world and the next e g king Bharata ठा० ४ ३ विवा० ३

उदिरण्ण त्रि० (उदीर्ण) उदय पामेल उदय पाया हुआ Come to rise risen matured पन्न० २० २३ नाया० १ भग० १ २ ३ ४ ७ २ ५ ५ ४ १० ९ नदा० ८ —**कम्म** त्रि० (कर्मन) उदयमां आवेल छे कर्म जेना ते जिसके कर्म उदयमें आये हुए है वह (One) whose Karma has matured ठा० ४ १ —**कामजाअ** त्रि० (कामजात) जेने कामनो कोईपण प्रकार विकार उदयमां आवेल छे ते जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार विकार-उदय आया है वह (one) whose passion has risen दसा० १० ३ —**मोह** त्रि० (मोह) उत्कृष्ट मोहना उदयवाले तीव्र मोह का उदय वाला (one) whose infatuation or delusion has acutely risen अणुत्तरोववाइयाणं भंते देवा किं उदिरणमोहा भग० ५ ४

उदित त्रि० (उदित) उदय थयेल प्रकाश आवेल उदित उदय प्राप्त Risen come to view नाया० १

उदिन्न न० त्रि० (उदीर्ण) जुओ उदिरण्ण शब्द देखो उदिरण्ण शब्द Vide 'उदिरण्ण' क० प० १ ३२

उदिय पु० (उदित) उदय पामेल उगेल ऊगा हुआ सूर्य The sun in its rise the sun risen above the horizon नाया० १

उदीची स्त्री० (उदीची) उत्तर दिशा उत्तर दिशा The north भग० ५ १

उदीण पु० न० (उदीचीन) उत्तर दिशा, उत्तर विभाग उत्तर दिशा; उत्तर विभाग The north the northern region सू० प० १ जं० प० ४ ७२ ४ १५० ७ १५० राय० १०२ नाया० ५ —**अभिमुह** त्रि० (—अभिमुख) उत्तर दिशा तरफ मुख उत्तर दिशाके सन्मुख facing the north वव० १ ३७ —**वाअ** पु० (वात) उत्तर दिशानो वायु उत्तर दिशा का वायु the north wind ठा० ५ ३ ७ १ पन्न० १

उदीणा स्त्री० (उदीचीना) उत्तर दिशा उत्तर दिशा The north दो दिसाओ कप्पइ पाईणं चेव उदीणं चेव ठा० २ राय० आया० १ ६ ५ १६४ जं० प०

उदीरग त्रि० (उदीरक) उदीरणा करनार उदीरणा करनेवाला (One) who forcefully (Karma) into maturity भग० १ १ ३५ १ क० प० ४ ४

उदीरण न० (उदीरण) उदीरणा करवी ते उदीरण करना गत बात को प्रगट करना Telling or expressing the past आव० १६ क० ग० १३

उदीरणया स्त्री० (उदीरणा) जुओ उदीरणा शब्द देखो उदीरणा शब्द Vide उदीरणा क० ग० २ १

उदीरणा स्त्री० (उदीरणा) जुओ उइरणा शब्द देखो उइरणा शब्द Vide उइरणा जं० प० भग० १ १ ७ ६ क० ग० २६ ४ ४ क० प० ४ १ ५ ४० प्रव ४६

उदीरय त्रि० (उदीरक) जुओ उदीरग शब्द देखो उदीरग शब्द Vide उदीरग भग० २५ ६,

उदीरिय त्रि० (उदीरित) जुओ उईरिय शब्द देखो उइरिय शब्द Vide

"उदुईरेइ" आया० १, ६, ३, १६३, पत्न० २१; राय० १२८, भग० १, १ ३, ३ कप्प० २६, ७१;

उदीरि(रे)त्तार. त्रि० (उदीरयितृ) ઉદીરનાર, પ્રેરણા કરનાર प्रेरणा करनेवाला One who prompts or forces up (e g Karma) into maturity सम० २०, दसा० १ १४

उदु पु० (ऋतु) ઋતુ, મોસમ ऋतु, मोसम A season नाया० १

उदुंबर न० (उदुम्बर) એ નામનું વિપાક સૂત્રનું આઠમું અધ્યયન इस नामका विपाक सूत्रका आठवाँ अध्ययन Name of the 8th chapter of Vipaka Sutra ठा० १० १

उदुंबरिज्जिया स्त्री० (औदुम्बरिका) ઉદ્દેહ ગણથી નિકળેલ એક શાખા उद्दह गणसे निकली हुइ एक शाखा An off shoot of Uddeha gana कप्प० ८

उदुब्भेय पु० (उदकोद्भव) ગીરી પર્વત વગેરેમાંથી પાણીનું નિકળવું पर्वत तगैरहसे जलका निकलना A spring of water from a mountain etc भग० ३, ७

उदुहल पु० (उदुखल) ખાંડણી ઉખળ ओखला A mortar आया० २ १ ७, ३७; विशे० १०३०

√उद्-अय धा० I (उत्+अय्) ઉદય થવો ઉગવું उदय होना ऊगना To rise to come to rise

उदयति नाया० ५,

उदयंत व० कृ० भग० १, ५, ६,

√उद्-आ-हर धा० I (उत्+आ+हृ) કહેવું પ્રતિપાદન કરવું, દાખલા સહિત વર્ણન કરવું कहना, प्रतिपादन करना, उदाहरण सहित वर्णन करना To tell, to explain, to illustrate

उदाहरे वि० उत्त० ११, ४,

उदाहरे वि० उत्त० ६, १, सूय० १, २, २, १३

उदाहरिस्सामि भवि० उत्त० २ १, दस० ८, १

उदाहु उत्त० ६, १८ नाया० ८,

√उद् इ धा० II (उत्+इ) ઉદય થવો ઉગવું उदय होना, ऊगना To rise to come to rise

उदेइ जीवा० ३ २

√उद् इर धा० I II (उत्+ईर) ઉદીરણા કરવી પરિપાકના સમય પહેલા કર્મને આકર્ષી ઉદયમાં લાવવા તે उदीरणा करना परिपाक क समय के पहिले कर्म को आकर्षित करके उदयमें लाना To cause to mature (e g Karma) before the ripe time to force up Karma into maturity

उदीरइ राय० २६७ भग० ३, ३ क० प० ५, ५४

उदीरेइ उत्त० १७ १२ भग० ७, १, २५, १ ६ ७ ठा० २ ४ निसी० ४, ४३

उदीरंति भग० ५ २ पन्न० १४ गच्छा० ६८,

उदीरेंति भग० १८, १० नाया० ५

उदीरिस्संति पन्न० १६

उदीरसु भू० का० पन्न० १४

उदीरिजा वि० भत्त० १५६;

उदीरित्तए हे० कृ० वेय० ६, १,

उदिरमाण भग० २५, ६, अंत० ३ ८,

उदीरिज्जमाण क० वा० व० कृ० भग० १, १ ६, ३३,

पानी उछालना To wash with water, to throw up water

उच्छोलति वि० राय० १८३, भग० ३, २;

उच्छोलेज्ज आया० २, १, ६, ३३, निसी० १, ७; २, २१,

उच्छोलित्ता. सं० कृ० अ० आया० २, ५, १, १४६, भग० ३, २,

उच्छोलित्तए हे० कृ० दसा० ७, १,

उच्छोलंत व० कृ० निसी० १, ७,

उच्छोलित. गच्छा० १२२,

उद् जम. धा० I,II (उत्+यम्) ઉદ્યમ કરવો, પ્રયત્ન કરવો उद्यम करना, प्रयत्न करना To work, to be industrious; to make an effort

उज्जमति. नाया० ५,

उज्जमेड आ० सु० च० १, २८०,

उज्जमतु सु० च० १, ६८,

उज्जमिस्स प्रव० ७८६,

उज्जमत व० कृ० पएह० १, ३,

उज्जममाण व० कृ० सूय० नि० १, १३, १२६,

उद्-जा धा० I (उत्+या) ઉપર જવુ ऊपर जाना To go up, to mount

उज्जाइ भग० ३, ३,

उज्जाइंस नाया० १,

उद्-जोय धा० I, II (उत्+द्युत्) પ્રકાશ કરવો; ઉદ્યોત કરવો. प्रकाश करना, उद्योत करना. To light up, to brighten

उज्जोएइ प्रे० भग० १, ६,

उज्जोवेइ प्रे० राय० १२०,

उज्जोवेंति. भग० ७, १०, ८, ८, जं० प० ७, १४१, ७, १३७,

उज्जोवेमाण. भग० २, ५; ३, १, २, ओव० २२, उवा० २, ११२;

उज्जोवेमाणा जीवा० ३, ठा० ८, ओव०

उज्जोवेंत सु० च० २, २; ३, १०६; नाया० १,

√उद्-जल धा० I. (उत्+ज्वल्) ઝળકવુ, ચળકાટ કરવો झलकना; चिलकना To shine to sparkle.

उज्जलइ भग० १६, १,

उज्जलत राय० ८०;

उज्जालेइ प्रे० भग० ७, १०, ११, ६,

उज्जालेंति ज० प० २, ३३,

उज्जालेज्जा दस० ४,

उज्जालेइ आ० ज० प० २, ३३,

उज्जालावेज्जा णि० दस० ४,

उज्जालेत्ता स० कृ० भग० ११ ६

उज्जालिया स० कृ० दस० ५, १, ६३,

उज्जालित्तए हे० कृ० आया० १, ७, ३, २१०

√उद्-ठा धा० I, II (उत्+स्था) ઉભા થવુ, ઉઠવુ खड़े होना उठना To get up, to stand

उट्ठेइ ।ति नाया० १, ५ ६ १६ भग० १ १, ३, १ १५, १ राय० ७५, उवा० ७, १६३,

उट्ठाति भग० ८, १

उट्ठमा सूय० २ ७ १५

उट्ठिहिति भ० सू० च० ६, ५७,

उट्ठिहिसि भ० पिं० नि० भा० ३६,

उट्ठित्ता स० कृ० उत्त० २ २१, भग० १, १, नाया० १ ठा० ३, २,

उट्ठेत्ता नाया० १ १६ भग० ३, १ ६, ३३ १०, ४, १५, १,

उट्ठिऊण स० कृ० सु० च० २, ५३

उट्ठाए स० कृ० वव० ३, २, नाया० १, ६, १६; १६; भग० १, १ २, १, ३, १, ६, ३३; १५, १, आया० १, ८, ६, २२१; सम० १, १०, ७,

उद्दूत. व॰ कृ॰ पिं॰ नि॰ २८६;
उद्दित. व॰ कृ॰ प्रव॰ १३४;
उद्दिवयाव. भत्त॰ ८५
उद्दाविकम् प्रे॰ हे॰ कृ॰ वव॰ ७, ६,

√उद्-दुहद. धा॰ I (उद्+ष्ठिव्) थुंकवुं थुंकनी पिचकारी नाखवी थूकना, थूक की पिचकारी डालना. To spit; to eject saliva from the mouth

उद्दुहंति. भग॰ ३, १,
उद्दुहित्ता भग॰ १५, १,

√उद्-दा. धा॰ I. (उत्+द्रा) पाश रचवु पाश-जाल-रचना To make a net or a snare, to prepare a snare

उद्दाइ. १, ८,

√उद्-तर धा॰ I, II (उत्+तृ) पार उतरवु, पार उतरीने सामे कांठे जवु पार उतरना, पार होकर पहली पार जाना To cross, to go to the opposite shore

उत्तरइ नाया॰ १३,
उत्तरेइ नाया॰ ८,
उत्तरिंति नाया॰ ४, १६, १७,
उत्तरेइ आ॰ नाया॰ १६,
उत्तरइ. आ॰ नाया॰ १६,
उत्तरित्ता उत्त॰ ३२, १८, नाया॰ १३;
उत्तरित्तए हे॰ कृ॰ ठा॰ ५, २, ओव॰ ४०, वेय॰ ४, २८, नाया॰ १६;
उत्तरिउं-सु सु॰ च॰ १, १७३, ज॰ प॰ नाया॰ १६;
उत्तरंत. व॰ कृ॰ सत्था॰ ५६,
उत्तारेत्ता प्रे॰ नाया॰ १७,
उत्तारेमाण. प्रे॰ व॰ कृ॰ ठा॰ ५;
उत्तारेइ. प्रे॰ नाया॰ २, १७,

√उद्-दाल. धा॰ II. (उत्+दाल्) प्रहार मारवा. प्रहार मारना. To strike blows. (२) चामडी उतारवी. चमडी उतारना to flay. (३) नीचे पाडवुं. नीचे गिराना to throw down.

उद्दालित्ता सं॰ कृ॰ सूय॰ २, २, ३८, दसा॰ ६, ४;
उद्दालेउं. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ १४, ४५;

√उद्-दिस धा॰ I (उत्+दिश्) अमुक अध्ययननुं पाठ कर एवी रीते शिष्यने गुरुनो आदेश थवो गुरुका 'अमुक अध्ययन का पाठ कर' इस प्रकार शिष्यको आदेश होना To order a disciple to study a particular scriptural chapter

उद्दिसइ निसी॰ २, ६,
उद्दिसामि विशे॰ ३४१२,
उद्दिसित्तए वव॰ २, १८, ३, ३४, ७, ८, ठा॰ २, १,
उद्दिस्स सं॰ कृ॰ निसा॰ १४, ५, पत्र॰ १६, आया॰ २, २, २, ८४;
उद्दिसिय सं॰ कृ॰ निसी॰ १४, ४;
उद्देडु सं॰ कृ॰ विशे॰ १४८६
उद्दिसिज्जंति क॰ वा॰ भग॰ ४२, १, अनुजो॰ २,
उद्दिसावित्ता प्रे॰ सं॰ कृ॰ वव॰ ३, १०, ११; वेय॰ ४ २१,

√उद्-द्दव धा॰ I, II (उत्+द्रु) उपद्रव करवो. मारवु. उपद्रव करना, मारना. To attack, to beat, to trouble

उद्दवए आया॰ १, १, २, १६,
उद्दवति पन्न॰ ३६;
उद्दवेइ १८, ८,
उद्दवेहिति भग॰ १५, १;
उद्दवेत्ता सूय॰ २, २, ६, भग॰ ८, ५;
उद्दवित्तए. ज॰ प॰
उद्दवेमाण भग॰ १८, ८;

उग्घोसेमाणा व० का० व० कृ० सूय० २, १, ४८; २, ४, ११;

उद्-द्दा धा० I (उद्+द्रा) मरवुं मरना To dıe

उद्दाइ भग० १, १, २, १, विवा० १,

उद्दायंति आया० १, १, ४, ३७;

उद्दाइत्ता सं० कृ० भग० २, १ १५, १ जं० प० ६, १२४, ठा० १०,

उद्दाय स० कृ० भग० ५, २, जीवा० ३,

उद्दावेत्ता प्रे० स० कृ० राय० २८२

उद्-द्धंस धा० II (उत्+ध्वस्) वखोडी वखोडी तिरस्कार करवो किसीकी तुच्छता बतला बतला कर तिरस्कार करना To dispraise a person and show contempt towards him

उद्धंसेइ भग० १५ १, नाया० १८

उद्धंसेंति नाया० १६,

उद्धंसेत्ता भग० १५, १

उद्धंसित्तए हे० कृ० राय० २६८

उद्-नम धा० I (उत्+नम्) ऊभा थवुं, मस्तक ऊंचुं करवुं खड़े होना मस्तक ऊंचा करना To stand up to raıse the head

उन्नामति राय० ८६,

उन्नामित्ता स० कृ० आया० २, १, ५ ३२;

उद्-नि-क्खिव धा० I, II (उत्+नि+क्षिप्) ऊंचे खेंची लेवुं उखेडवुं उखाडना ऊपर खेंच लेना To root out to draw up, to pull out

उन्निक्खिस्सामि. सूय० २, १, ६,

उद्-पज्ज धा० I (उत्+पद्) उत्पन्न थवुं, पेदा थवुं उत्पन्न होना पैदा होना To be boın, to be produced

उप्पज्जइ उत्त० १७, २ विशे० ७० ४१४, प्रव० १११५,

उप्पज्जए सूय० १, १, ३, १६,

उववज्जन्ति सूय० १, १, ३, १६,

उप्पज्जति नाया० १६, भग० ५, ६,

उप्पज्जन्तु पराह० १ २,

उप्पज्जिस्सति भ० भग० ५, ६, नाया० १६;

उप्पज्जिस्स भ० सु० च० १, २२३०;

उप्पज्जिंसु भू० नाया० १६ भग० ५, ६,

उप्पज्जित्ता स० कृ० भग० ५ ६,

उप्पज्जमाण भग० ३४, १,

√ उद्-पज्ज धा० I (उत्+पद्+णिच्) उत्पन्न करवुं पेदा करवुं उत्पन्न करना, पैदा करना To create, to produce

उप्पाएइ भग० ८, ३

उप्पाए-इ-ति. प्र० नाया० ५ भग० १५, ८ निसा० ४, २२, ६, १०

उप्पायेंति जं० प० २ २४ भग० ११ १०,

उप्पाएत्ता विधि० भग० ५ ४

उप्पाएत्ता जीवा० १

उप्पाएत्तए नाया० ४, भग० १५, १

उप्पाइत्ता ठा० ४, ७,

उप्पाइय क० प० २ २६

उप्पायंत व० कृ० निसा० ४, २२

√ उद्-पड धा० I (उत्+पत) ऊंचे कूदवुं ऊंचा कूदना To jump (२) ऊंचे ऊडवुं ऊंचा उड़ना to jump high

उप्पडइ भग० ३, २ १५, १ नाया० ६,

उप्पयइ भग० ३ २ १५, १, नाया० ६

उप्पयन्ति जीवा० ३ भग० ३ १ राय० १८३ जं० प० ४, १२१,

उप्पएज्जा वि० भग० ३, ५ १३, ६

उप्पयाहि आ० सय० २ १ १०

उप्पइत्ता स० कृ० पन्न० २, नाया० १ ६, ६, भग० ३ २, ६ ५, जं० प० १ १२,

उप्पइउ स० कृ० सु० च० ७, ३११;

उप्पज्जन्त. व० कृ० आया० २, १५, १७६;
कप्प० ५, ६६; .

उप्पयमाण. व० कृ० नाया० १, ६; कप्प०
२, २६,

उप्पाडन्ति प्रे० ओव० ४१; सु० च० २,
५६६,

उप्पाडें (डिं) ति प्रे० कप्प० ५, ११५,

उप्पाडेज्जा वि० ठा० २, १, भग० ६, ३१,
पन्न० २०,

उप्पाडेत्ता सं० कृ० पन्न० २८,

√उद्-पिल धा० I. (उत्+प्लु+णि) ઉપાડવું. उठवाना. To cause to lift up

उप्पिलावेइ प्रे० निसी० १८, ६,

उप्पिलावए "वियडेणुप्पिलावए" दस०
६, ६२,

√उद्-पाड धा० II (उत्+पट्+णि) ઉપાડવું. उठाना उठालेना To take up, to lift up

उप्पाडेइ नाया० ५. भग० १५, १ १६, ३;

उप्पाडे आ० पगह० १, १,

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० नाया० ५, भग० १५, १,

उप्पाडिउ हे० कृ० सु० च० २, ६६५;

उप्पाडेमाण भग० १६, ६,

√उद्-फण धा० I (उत+फण्) ઉફણવું उफनना To whisk

उप्फणिंसु आया० २, १, ६, ३४

√उद्-फिड धा० I (उत्+स्फुट्) દેડકાની ચાલે ચાલવું, કુદકા મારવા मेंढक की चालसे चलना, उछल कर चलना. To bound or leap; to move bounding like a frog.

उप्फिडइ. उत्त० २७, ५,

उप्फडित्ता. नाया० ८; पन्न० १६;

उप्फिडिउं स० कृ० सु० च० ५, १०६;

√उद्-बाह. धा० I. (उत्+बाध्) પ્રબલ પીડા કરવી प्रबल पीडा करना. To give great trouble; to cause intense affliction.

उब्बाहंति आया० १, ७, ३, २१०,

उब्बाहिज्जा विधि० दसा० ७, १,

उब्बोहे. वि० दस० ५, १०

उब्बाहित्था भू० नाया० २;

उब्बाहिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया०
२ आया० १, ६, ४, १५६;

√उद्-भम. धा० II (उत्+भ्रम्) ભટકવું, ભમવું भटकना To wander; to roam.

उब्भमति नाया० १७;

उब्भमे विधि० आया० १, ८, ७, १०;

√उद्-भिन्द धा० I (उत्+भिद्) ઉઘાડવું, તોડવું खोलना; तोडना To open, to break open; to break.

उब्भिदइ नाया० ७,

उब्भिदित्ता स० कृ० नाया० ७;

उब्भिदिय स० कृ० निसी० १७, २३;
दस० ५, १, ४६,

उब्भिदमाण. आया० २, १, ७, ३८,

√उद्-मा धा० I. (उत्+मा) ઉન્માન કરવું, તોલવું तोलना; मापना. To weigh, to measure

उम्मिणिज्जइ क० वा० अणुजो० १३३,

√उद्-मिस. धा० I (उत्+मिष्) આંખ ઉઘાડવી आंख खोलना To open the eyes

उम्मिसेज्जा वि० भग० १४, १; १०;

√उद्-मुंच. धा० I, II (उत्+मुच्) છોડવું; તજવું; મુકવું छोडना, त्यागना To abandon, to release, to give up.

उम्मुयइ भग० ६, ३३, १५, १; १६, ५,

उम्मुंच. आ० आया० १, २, ९, १३१;
उम्मुइत्ता. नाया० घ० क० भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

√उद्-मूल. धा० II. (उत्+मूल्) જડ-મૂલમાંથી ઉખાડેવું. जड मूल से उखाड़ना. To root out; to eradicate.
उम्मूलेइ. भग० १६, ६,
उम्मूलेमाण भग० १६, ६;

√उद्-लंघ. धा० I. (उत्+लंघ्) ઓલંઘવું, કૂદવું उलॉघना, कूदना. To cross, to leap across
उल्लंघिज्ज. वि० पञ्च० ३६;
उल्लंघिया सं० कृ० दस० ४, १, २२;
उल्लंघित्तए. हे० कृ० भग० ३, ४; १४, ५;

√उद्-लच्छ धा० I (उत्+लच्छ) ખોલવું, ઉઘાડવું; શીલ તોડવું. खोलना, उघाड़ना; मोहर तोड़ना To open, to uncover; to break the seal
उल्लच्छइ. नाया० २;
उल्लंच्छित्ता. नाया० २;

√उद्-लल. धा० I. (उत्+लल्) ઉછાળવું, उछालना To toss, to throw up.
उल्लालेइ. प्रे० जं० प० ५, ११५;
उल्लालेमाण प्रे० जं० प० ५, ११५, अंत० ६, ३, राय० ३७,

√उद्-लव. धा० I, II (उत्+लप्) પ્રલાપ કરવો; ગમેતેમ બોલવું; અસંબદ્ધ બોલવું; प्रलाप करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा रहित बोलना. To prattle, to speak irrelevantly.
उल्लवइ. उत्त० ११, २;

उल्लवंति. गच्छा० ६२;
उल्लवइ. आ० चु० व० २, ४४४;

√उद्-लिंच धा० I (*) ઉલેચવું. उलीचना To empty a vessel etc. of the water contained in it; to take out water in small quantities until a vessel is empty.
उल्लिंचइ पि० नि० ३६६;

√उद् लोल धा० II. (उत्+लोल्) લુંછવું ઉ-મર્દન કરવું पोंछना, मलना. To wipe, to rub, to knead.
उल्लोलेइ आया० २, १५, १७४;
उल्लोलेज्ज वि० निसी० ३, १६;
उल्लोलेज्ज. आया० २, १, ३, १७२;

√उद् वत्त धा० I, II (उत्+वृत्) ઉદ્વર્તન કરવું, અવલી રૂવાડીએ મર્દન કરવું उलटे रूएँ की ओरसे मर्दन करना To rub the body against the grain. (२) અધ્યવસાય વિશેષથી કર્મની ટુંકી સ્થિતીને લાંબી કરવી अध्यवसाय विशेषसे कर्मकी अल्प स्थिति को लंबी करना to lengthen the duration of Karma by means of sinful meditation. (३) નરકાદિ ગતિમાંથી નિકળી બીજી ગતિમાં જવું नरकादि गति से निकलकर अन्य गति मे जाना to take birth in another life after finishing the life-period in hell
उव्वत्तेइ नाया० २, प्रव० १५८,
उव्वट्टेइ निसी० १, ६, नाया० ४;
उव्वट्टेति.
उव्वट्टंति भग० १, १, १३, १; २०, १०; ३२, १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उव्वत्तणि. प्रव० ११८८
उव्वट्टेज्ज. निसी० ३, १६;
उव्वट्टिस्संति. भग० १; १;
उव्वट्टिंसु. भू० भग० १, १;
उव्वट्टित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; नाया० २; १६, १६; उत्त० ८, १५, भग० ७, ९, ११, १, १२, ३, १५, १, १६, ३, ३२, १; नाया० ध० विवा० १; ७;
उव्वट्टेत्ता. सं० कृ० जीवा० १;
उव्वत्तंत. व० कृ० पिं० नि० ५७६;
उव्वट्टन्त व० कृ० निसी० १, १६, प्रव० ११८७,
उव्वट्टमाण व० कृ० भग० १, ७,
उव्वत्तमाण व० कृ० आया० २, १, ६, ३५
उव्वट्टावेइ प्रे० विवा० ३,
उव्वत्तिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० ३,

√उद्-वम धा० I. (उत्+वम्) ઉલટી કરવી उलटी करना, कै करना. To vomit.
उव्वमइ सु० च० २, ५३६;

√उद्-वल धा० I. (उत्+वल्) ઉપટી રૂંવાડીએ પીઠી ચોળવી તે. उलटे हँका ओरसे पीठा मसलना To rub a perfumed ointment on the body against the grain
उव्वलिज्जा विधि० आया० २, ११३, १७२,
उव्वलमाण क० प० ७, ४०;

√उद्-वह धा० I, II. (उत्+वह्) નિર્વાહ કરવો, આબાદ થવું निर्वाह करना; कुश हाल होना; आबाद होना To sustain, to support; to prosper
उव्वहइ सम० ३०, दसा० ६, १३, सु० च० १, ३०;
उव्वहंति. जं० प० ५, ११४;
उव्वहंत. सु० च० १, १८३;

√उद्-वेढ. धा० II (उत्+वेष्ट्) વીંટાળવું. लपेटना. The act of enclosing or enwrapping.
उव्वेढिज्ज. आया० २, ३, २, १२१;

√उद्-विह धा० I. (उत्+विध्) લક્ષપૂર્વક ઊંચે ફેંકવું. ध्यान पूर्वक ऊंचा फेकना. To throw up or toss up carefully.
उव्विहइ-ति. नाया० ३, भग० ५, ६; १८, ३; उवा० २, १०५;
उव्विहंति भग० १६, १,
उव्विहामि. नाया० ८; उवा० २, १०१;
उव्विहित्ता. सं० कृ० भग० १८, ३;
उव्विहिय स० कृ० पन्न० १६; भग० १३, ६,
उव्विहमाण भग० १४, १,

√उद्-सक्क धा० I, II. (उत्+ष्वष्क्) આગળ વધવું आगे बढना To proceed; (२) ઉંચું કરવું. ऊंचा करना. to elevate
उस्सक्कइ पन्न० १७,
उस्सक्कित्ता स० कृ० ठा० ६, १.
उस्सक्किया स० कृ० दस० ५, १, ६३;

√उद् सप्प धा० I. (उत्+सृप्) વૃદ્ધિ પામવી वृद्धि पाना, बढना. To grow; to prosper.
उस्सप्पंति वेय० १, ४६,

√उद्-साव. धा० I, II. (उत्+सु) ઊંચું ફેંકવું, ઉચકવું; ઉંચે કરવું; ऊंचा फेकना. उचकना; ऊंचा करना. To lift up, to toss up.
ऊसवेइ भग० ३, २;
ऊस्सवेह. कप्प० ६;
ऊसवेह. भग० ११, ११,
ऊसवेत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११;
ऊसविय स० कृ० सूय० २, २, ८;
उस्सविता. दस० ४, १, ६७;

20th hell-abode in the north in a series of such (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabha earth ठा० ६, १,

उद्द्दावत्त पु० (उद्द्रावत्त) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आवलिकाबंध नरकावासाथी २० मो नरकावासो. रत्नप्रभा पृथ्वीके सामन्तकआवर्त नामक पश्चिम का आर क आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वा नरकावास का नाम The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Avarta) in the west belonging to Ratna Prabha earth ठा० ६ १

उद्द्दावासट्ट पु (उद्द्रावाशिष्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक नामे पश्चिम आवलिकाबंध नरकावासथी २० मो नरकावासो रत्नप्रभा पृथ्वीके सामन्तकावर्त नामक पश्चिम का आर क आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वा नरकावास का नाम The 20th hell-abode in series of such in the west (styled Simantaka Avarta) belonging to Ratna Prabha earth ठा० ६ १

उद्दरिय त्रि० (उद्दृप्त) कर्मरूपी शत्रुने जीतवाने मगरूर थयेल कर्मरूपी शत्रु का जीतने के लिये अभिमान करने वाला (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma नंदी० १४,

उद्दवण न० (उपद्रवण) मारवु वात करवी [illegible], मरणांत कष्ट मारना; घात करना [illegible]; मरणांत कष्ट Beating killing, trouble; life-long misery

" उद्दवणं पुण जाणासु अइवाय विवज्जियं पीडं " पिं० नि० ६७, ओव० २०, अ० प० पण्ह० १, १,

उद्दवणा स्त्री० (उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव करवो ते उपद्रव करना Giving trouble or annoyance to पण्ह० १ १

उद्दविता त्रि० (उपद्रावक) उपद्रव करनार दुःख आपनार उपद्रव करने वाला दुःख देने वाला (One) who troubles or annoys (one) who beats or kills आया० १, २ १, ६६

उद्दविय त्रि० (उपद्रुत) डरावेल उद्वेग पमेल उद्वेग पाया हुआ, डराया हुआ. Frightened troubled distracted आव० ४, ३

उद्दविया स्त्री० (उपद्रावका) मरकी रोग, बीमारी Plague भग० १६, ३

उद्दवेयव्व त्रि० (उपद्रावयितव्य) उपद्रव करवा योग्य घात करवा योग्य उपद्रव करने योग्य घात करने योग्य (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed ' अहवा उद्दवगव्वा अणु उद्दवयव्वा ' सूय० २, १, ४८ आया० १ ४ १ १२६

उद्दहक पु० (उद्दाहक) अटवी वगेरेनो दाह करनार बन वगैरह को जलाने वाला One setting fire to one causing forest conflagration etc पण्ह० १ ३

उद्दाइ अ० (उताहो) अथवा अथवा या Or, an alternative conjunction नाया० १

उद्दाम त्रि० (उद्दाम) उद्धत स्वच्छन्दी उद्धत, स्वच्छन्द Insolent, self willed पण्ह० १ ३ अणुजो० ११,

उद्दामियघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) घंटाथी युक्त घंटासे युक्त. Furnished with, united with a bell. विवा० २;

उद्दाल. पुं० (अवदाल) એ નામનું એક જાતનું ઝાડ. इस नाम का एक जाति का झाड Name of a kind of tree. जं० प० भग० ६, ७, (२) રેતી વગેરેનો પોચો-ઢિલો થર કે જેના ઉપર પગ મુકતાં પગ નીચે જાય તે रेती वगैरह का ढाला थर जिसपर कि पैर रखने से पैर धुस जाय. a soft heap or layer of sand etc. which gives way as soon as it is trodden by foot राय० १६२; नाया० १, भग० ११, ११, जीवा० १, ४, कप्प० ३, ३२,

उद्दालक. पुं० (उद्दालक) એક જાતનું વૃક્ષ. एक जाति का वृक्ष. A kind of tree जीवा० ३, ३,

उद्दावणया. स्त्री० (उद्रावणता) ઉદ્રવ કરવો. ત્રાસ આપવો उपद्रव करना, त्रास देना Harassing. troubling, terrify-ing. भग० ३, ३, ६,

उद्दाह पुं० (उद्दाह) મોટો દાહ. बडा भारी दाह. Great conflagration ठा० १०,

उद्दिट्ठ त्रि० (उद्दिष्ट) સામાન્યપણે ઉદ્દેશ કરેલ-કહેલ, પ્રતિપાદન કરેલ सामान्य रीति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ Generally pointed out, ex-plained. वेय० ४, २८, विशे० १७६, निसी० ६. २०, पचा० १०, ३, प्रव० १२६६; (२) સાધુને ઉદ્દેશી બનાવેલ આહારાદિ, साधु के उद्देश से बनाया हुआ आहार वगैरह (food etc.) spe-cially prepared for an ascetic सूयग० २, ५; पिं० नि० २०८; (३) અમાવાસ્યા. अमावस; अमावस्या. the 15th day of the dark-half of a month दसा० ६, २; भग० २, ५; ३, ३; नाया० २; —कड. त्रि० न० (-कृत) સાધુ આદિને ઉદ્દેશીને કરેલ साधु आदि के उद्देश से किया हुआ. (food etc) specially prepared for a monk. "उद्दिट्ठकडभत्तं विवज्जति किमुयसे समारंभे" पचा० १०, ३१. —कय त्रि० (-कृत) ઉદ્દેશીને કરેલ. उद्देशकर किया हुआ prepared spe-cially for प्रव० १००५ —भत्त पुं० (-भक्त) સાધુને ઉદ્દેશીને બનાવેલ ભોજન. साधु के उद्देश से बनाया हुआ भोजन. food prepared specially for an ascetic सूय० २, ६, ३७, दसा० ६, २. —भत्तपरिएणाय त्रि० (-भक्तपरिज्ञात) દશમી પડિમા આદર નાર શ્રાવક કે જે દસ માસ સુધી ઉદ્દિષ્ટ ભક્ત પાન એટલે પોતાને ઉદ્દેશી કરેલ ભાત પાણીનો ત્યાગ કરે. दसवी प्रतिमा ग्रहण करनेवाला श्रावक जो कि दस मास तक अपने लिये बनाये हुए भोजन वगैरह ग्रहण न करने की प्रतिज्ञा करता है (a Jaina layman) practis-ing the 10th vow of a Śrāvaka i e not taking food and water specially meant for him सम० ११;

उद्दिट्ठा स्त्री० (उद्दिष्टा) અમાવાસ્ય, અમાસ अमावस; अमावस्या The 15th day of the dark-half of a month राय० २१५, जीवा० ३, ४; नाया० ८;

उद्देस पु० (उद्देश) સામાન્ય આદેશ; સામાન્ય કથન सामान्य आदेश; सामान्य कथन General mention, (२) બોધ; શિખામણ शिक्षा, उपदेश advice; expostulation. अणुजो० ३; आया०

१, २, ३, ३१, अग० २, ३, ५ पया० ६, ३१, (३) क्षेत्र अने विभाग क्षेत्र काल का एक विभाग a division of space or time बेय० ३, १५, (४) अध्ययन के शतकनो એક પેટા વિભાગ अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग a sub division of a chapter or of a Sataka उत्त० ३१ १७ विशे० ३७५

उद्देसग य पु० (उद्देशक) અધ્યયન કે શતકનો એક વિભાગ अध्याय अथवा शतक का एक विभाग A sub division of or a portion of a chapter or of a Sataka भग० ३ ८ ७ ८ ६ ३ निसा० ६ १२

उद्देसग पु० (उद्देशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above अणुजा० १४६ भग० २१ ४ २३ ५ ३१ ६

उद्देसण न० (उद्देसन) અંગસૂત્ર આદિનુ પાઠ કરવુ તે अंगसूत्र आदि का पठन करना The study of Anga Sutra, etc ठा० ३ आव० ४ ७ —**अंतेवासि** त्रि० (अन्तेवासिन्) જેને મૂળ સૂત્રપાઠ ભણાવવામાં આવ્યા હોય તે શિષ્ય जिसको मूल सूत्र पढाये गये हो वह शिष्य a disciple who is instructed in the original texts of the Sutras ठा० ४ ३ वव० १० १५ —**आयरिय** पु० (आचार्य) આચારાંગાદિ સૂત્ર મૂળ પાઠ ભણાવનાર आचारांग आदि सूत्रों का मूल पाठ पढाने वाला one who teaches Anga and other Sutras in the original वव० १०, १३ १४ ठा० ४, ३ —**काल** पु० (काल) અંગ અધ્યયન કે શતકનો એક વિભાગ ઉદ્દેશો

वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग; उद्देशा a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka नदी० ४५, सम० १७, पण्ह० २, ५ सम० प० १६६,

उद्देसिय न० (उद्देशिक) એક સાધુને ઉદ્દેશીને બનાવેલ આહારાદિ બીજાઓને પણ ન ખપે એવો પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓનો કલ્પ एक साधु का उद्देश कर बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का व्यवहार-आचार The tenet of the Sadhus of the first and the last Tirthankaras that the food specially prepared for one Sadhu is not acceptable even to other Sadhus प्रव० ६५६ (२) અમુક સાધુને ઉદ્દેશીને નિપજાવેલુ આહાર પાણી ઉદ્દેશ દેઈ નીપજાવેલ व्यक्तिगत साधु के लिये किया हुआ अन्न जल, उद्देश दोष युक्त (food water etc) specially prepared for a particular Sadhu सम० २१ बेय० २ १९ दस० ३, २ ६ ४६, पि० नि० ६२ २०६ भग० ६ ३३ निसी० ५, ६३ अव० ४० प्रव० ५७१ नाया० १ उत्त० ० ४७

उद्दहगण पु० (उद्दहगण) એ નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ નવ ગણમાંનો એક महावीर स्वामी के एक गण का नाम नौ गणों में का एक गण Name of an order of saints instituted by Mahavira Swami one of the nine such orders "उद्देहगण चारण गण" ठा० ६ १ कप्प० ८

उद्देहिका-या स्त्री० (उद्देहिका) ઉધાઈ, ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો જીવ વિશેષ दीमक, तीन इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष A moth a kind of three-sensed living being पन्न० १, उत्त० ३६, १३६, आव० नि० ३२६,

उद्देहिगा स्त्री० (उद्देहिका) ઉધાઈ दीमक A moth पिं० नि० भा० ४८

उद्ध त्रि० (ऊर्ध्व) ઊંચુ ऊंचा High lofty tall भग० १, १, ६, ४ ३ ७ १ सू० प० ४ ज० प० ५ ११२ ७, ३१ ७ १३३ —घराभवण न० (घनभवन) ઊંચા અને આંતરા વગરના જોડાજોડ રહેના ઘર अंतर रहित परस्पर में मिले हुए ऊंचे घर lofty houses close to each other without any interval of space भग० ६ ३३ —चलणवंध पु० (-चरणबन्ध) ઊંચે પગ બાંધવા રૂપ શરીર દંડ पैरों को ऊपर करके बांध देने रूप शरीर दण्ड a bodily austerity consisting in remaining with the head downwards and with the feet tied to something above पण्ह० १ ३ —ट्ठिअ त्रि० (स्थित) ઉપર બેઠેલ ऊपर बैठा हुआ remaining sitting above सु० च० ३ ३० —पूरित य त्रि० (पूरित) ઊર્ધ્વ ભાગ નાભિની ઉપરનો શ્વાસથી ભરેલો ભાગ ऊर्ध्व भाग नाभि से ऊपर का श्वास से भरा हुआ भाग the part above the navel which is filled with air in respiration पण्ह० १ ३ —मुह न० (-मुख) ઊંચુ મોઢું ऊंचा मुंह face turned upwards नाया० ८, जं० प० ७, १६२, —रेणु स्त्री० (-रेणु) જુઓ "उड्ढ रेणु" શબ્દ देखो "उड्ढ-रेणु" शब्द vide 'उड्ढ रेणु' अ० प० २, १४,

उद्धसणा स्त्री० (*उद्ध्वसना) તિરસ્કારી વચન तिरस्कार युक्त वचन Contemptuous words 'उद्धसणाहिं उद्धसणाहिं उद्धसेइ' नाया० १६ भग० १५, १ राय० २६९ (२) નિન્દા निन्दा बुराइ blame censure आव० नि० भा० ३८

उद्धट्टु सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) ઊંચુ કરીને उचा करके Having raised aloft 'पाउद्धट्टु मुट्ठिं पहाणति' सूय० १, ४, २ २ दसा० ६ २ वव० २ २७

उद्धडा स्त्री० (उद्धृता) ગૃહસ્થે પોતાના માટે રાંધવાના વાસણમાંથી બીજા વાસણમાં કાઢ્યું હોય તે ભિક્ષા લેવી તે ત્રીજી પિંડૈષણા गृहस्थ ने अपने लिये रसोइ बनाने के बर्तन में से दूसरे बर्तन में निकाल कर जो अन्न रखा हो उसकी भिक्षा लेना तीसरी पिण्डैषणा Begging of that food only which a householder has served for himself in a dish from the cooking vessel the third way of receiving or begging food viz Pindaisana प्रव० ७४९

उद्धत त्रि० (उद्धत) ઊંચુ ઉદાર ऊंचा उत्कट तीव्र High lofty strong नाया० १ ज० प० २ ३० (२) ઉદ્ધત સ્વેચ્છાચારી उद्धत स्वच्छाचारी insolent wanton self willed कप्प० ७ ३३ —तमधकार पु० (-तमान्धकार) અતિશય ગાઢ અન્ધારૂ अतिशय अन्धकार dense darkness पण्ह० १, ३

उद्धत्तु सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) ઉંચી કરીને

ऊंचा करके. Having raised aloft. सूय० १, ४, १, ३;

उद्धत्तुं अ० (उद्धर्तुम्) તારવાને; ઉધ્ધાર કરવાને. उद्धार करने के लिये; तारने के लिये. In order to save, in order to raise up. उत्त० २५, ३३;

उद्धमंत. त्रि० (उद्ध्मायमान) ધમતો, શંખાદિ ફુંકતો शंखादि फूकता हुआ, धौंकता हुआ Blowing, e g. a conch etc " उद्धमंताणं संखाणं सिंगाणं " राय० ८८,

उद्धमाण न० (उद्ध्मान) શંખ આદિ વગાડવો शंखादि को मुंह से बजाता हुआ. Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth राय० ८८,

उद्धम्ममाण त्रि० (उद्धन्यमान-उत्पाद्यमान) ઉત્પાદ્યમાન; ઉત્પન્ન થતો उत्पन्न होता हुआ Being produced, being created " वाउवेगउद्धम्ममाणाआसा विवास पाया " पराह० १, ३,

उद्धया स्त्री० (उद्धता) દેવતાની ગતિ વિશેષ दवों की गति विशेष A particular kind of gait possessed by gods राय० ६६, भग० ५, ६, ११, १०,

उद्धरण न० (उद्धरण) ખેંચી કાઢવું, બહાર કાઢવું. खेंचकर निकालना, बाहिर निकालना To draw out, to uproot ओघ० नि० ७६२; प्रव० ७६८,

उद्धरिय त्रि० (उद्धृत) ઉખેડેલ, મૂલથી કાઢી નાખેલ उखाडा हुआ; जडसे निकाल डाला हुआ Rooted out, eradicated " कलेइ विसभक्खियं सामो उद्धरिया कह " उत्त० २३, ४५, प्रव० २२७; ७४८, (२) ધારણ કરેલ. धारण किया हुआ. put on. दसा० १०, १, क० गं० ४, ७८; —सल्ल त्रि० (-शल्य) જેણે શલ્ય કાઢી નાખેલ છે તે. जिसने शल्य निकाल डाला है वह (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया० १, —सेय-छत्त. न० (-श्वेतछत्र) ધર્યું છે જેના ઉપર ધોલું છત્ર તે जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है वह one with a white umbrella held upon दसा० १०, ३.

उद्धाइय त्रि० (उद्धावित) દોડી આવેલ, ઉતાવળથી આવેલ दौडकर आया हुआ; शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste, come running उत्त० १२, १६,

उद्धायमाण त्रि० (उद्धावत्) દોડતું; કુદતું दौडता हुआ, कूदता हुआ Running; leaping ओव० २१, नाया० १,

उद्धायमाणग त्रि० (उद्धावत्+क) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above पराह० १, २,

उद्धार. पु० (उद्धार) ગોશાલાના મતને અનુસાર કાલપ્રમાણવિશેષ गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष A particular measure of time according to the tenet of Gośālā भग० १५, १; क० गं० २, २७, —पलिओवम पु० (-पल्योपम) કાલ પ્રમાણ વિશેષ, એક સાગરોપમનો દશ કોડાકોડિમો ભાગ कालप्रमाण विशेष, एक सागरोपमका दस कोडाकोडिवाँ हिस्सा a particular measure of time; $\frac{1}{10 \times crore \times crore}$ of one Sāgaropama " से किं तं उद्धार पलिओवमे २ दुविहे पन्नते " अणुजो० १३६; —पल्ल.

'ग्र० (–पल्य) એક જોજનના કુવામાં ઠાસીને ભરેલ બાલાગ્રમાંથી સમયે સમયે એકેક બાલાગ્ર અપહરતા જેટલા વખતમાં કુવો ખાલી થાય તેટલો વખત एक योजन के कुएमें ठोस ठोस कर भरे हुए बालाग्र में से समय समयम एक एक बालाग्र निकालने पर जितने काल में कुआ खाली हो उतना काल a well one Yojana 1 e 8 miles square is to be filled with thin points of hair and at every Samaya (i e unit of time) one hair point is to be taken out the time taken to empty the the well is Uddharapalya प्रव० १०३४ —पल्लग न० (पल्यक) જુઓ 'उद्धारपल्ल शब्द देखा उद्धारपल्ल शब्द vide उद्धारपल्ल प्रव० १०३८ —समय पु० (समय) અઢી સાગરો પમના સમયને સમૂ અઢી સાગરોપમમાં જેટલા સમય થાય તેના સમયના જથ્થાની ઉદ્ધાર સંજ્ઞા છે ઉદ્ધાર સમય જેટલા તિર્છા લોકના દ્વીપ અને સમુદ્ર છે अढाई सागरोपम काल प्रमाण म जितन समय है उन समयो के समूह क नाम उद्धार है उद्धार म जितने समय हैं उतने ही तिर्छालाक के द्वीप और समुद्र हैं the number of Samayas (time units) contained in 2½ Sagaropamas the number of continents and oceans of Trichha Loka is equal to the number of Samayas in 2½ Sagaropamas (Samaya = an instant) अनु० ६, ३; अणुजो० ११६ —सागरोवम पु० (–सागरोपम उद्धार विशेष) दस सागरोपम उद्धारपल्योपम) दश कोडाकोडि पल्योपम प्रमाण काल विशेष दश कोडाकोडी पल्योपम प्रमाण काल विशेष a division of time equal to 10xcrorexcrore Palyopama ठा० १ अणुजो० ११३;

उद्धि स्त्री० (उद्धि) ગાડાની ઉધ ગાડી का जुडा A particular part of a carriage (the part which rests on the axle) सू० प० १०

उद्धिय त्रि० (उद्धृत) ઉખેડી નાખેલ દેશ બહાર કરેલ उखाडा हुआ दश बाहर किया हुआ Rooted out banished from the country ओव० महा० प० ३४ ज० प० ३ ६६ —कंटय त्रि० (कण्टक—उत्धृता स्वदेशत्याजन जीवित त्याजनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धत कण्टकम्) દેશ બહાર કરેલ છે પ્રતિસ્પર્ધી જેણે તે जिसन प्रतिस्पर्धी का दश बाहिर किया है वह (o e) who has banished or deported his enemies राय० ओव० —पय न० (पद) ઉદ્ધાર કરેલ ૧ –શબ્દ उद्धार किया हुआ पद शब्द an extracted ( ) particle word प्रव० ८४ —मुह त्रि० (–मुख) ઉંચું કરેલ છે મોઢું જેણે जिसने ऊचा मुख किया है वह (one) who has raised his face upwards च० प० ४ —सत्तु पु० (शत्रु—उद्धृता शत्रवस्तदुद्धृतशत्रु) દેશ નિકાલ કરેલ છે શત્રુ જેણે देशसे निकाला हुआ राजशत्रु an enemy who has been banished or deported ओव० राय०

उद्धी स्त्री (उद्धी) મેઘના આગળા ઝુલા પડખે પાસે રાખી પેનીને વિસ્તારી પહોળી રાખી કાઉસગ્ગ કરવો તે કાઉ

कायोत्सर्ग के १६ दोषोंमें का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों को पास पास रख और एडीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart, one of the 19 faults connected with Kāusagga प्रव० २५७;

उड्ढीमुह त्रि० (ऊर्ध्वमुख) ऊंचुं मोढुं छे जेनुं ते, ऊंचा मोढावाळुं. ऊचे मुह वाला (One) with the face turned upwards. " उड्ढीमुहकलबुता पुप्फग संठाण सठिया " च० प० ४, ज० प० ७, १३४,

उद्धुमाय त्रि० (*) परिपूर्ण, भरेल परिपूर्ण; भरा हुआ Full, filled to the brim नदीसू० गा० १३;

उद्धुय त्रि० (उद्धृत) ऊंचे फेंकायेल; ऊंचे फेंकेल ऊंचा फेंकाया हुआ Tossed up, flung up 'वाउद्धुय विजय वेजयती" ओव० जीवा० ३, १; पन० २, (२) उत्कट; प्रकृष्ट उत्कट, प्रकृष्ट strong, powerful. सम० प० २१०; नाया० २, (३) उत्पन्न थयेल, उठेल. उत्पन्न, उठा हुआ. produced, risen up, got up ओव० सू० प० २०, कप्प० ३, ३२,

उद्धुया स्त्री० (उद्धृता) आकाशमां उडती धूळना जेवी त्वरित गति आकाश मे उडती हुई धूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dust-clouds in the sky राय०

उद्धुव्वमाण त्रि० (उद्धूयमान) विंजायुं. पंखा किया हुआ. Being fanned. जं० प० नाया० १६; भग० ५. ६; ६, ३३, ओव० ३१,

उद्धुस्सित त्रि० (ऊर्ध्वोच्छ्रित) ऊंचे विस्तृत ऊचाई मे विस्तृत. Having a great expanse above or upwards " से जोयणे णवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हेठसहस्समेगं "सूय० १, ६, १०;

उद्धूय त्रि० (उद्धूत) हालेलुं; कंपेलुं. हला हुआ, कपा हुआ Shaken; trembled ओव० ३१, जं० प० राय० ६६, पन्न० २, कप्प० ३, ३७;

उन्नय त्रि० (उन्नत) उन्नत, मानकषायनो पर्याय उन्नत, मानकषाय की पर्याय. Lofty, high, a synonym for the moral filth called conceit सम० ५२, ओघ० नि० ८८६; आया० १, ५, ४, १४७; कप्प० ३, ३२,

उन्नइय. त्रि० (उन्नतिक) उन्नतिवाळुं उन्नति वाला Lofty, high. जीवा० ३, १,

उन्नमंत त्रि० (उन्नमत्) तरणां के लाकडानां भारा उपाडतो घांस या लकडी का भारा उठाता हुआ (One) who carries bundles of sticks or grass सूय० २. २, ५६,

उन्नयावत्त पु० (उन्नतावर्त) ऊंचे चडतुं आवर्त-वटोळीओ ऊचाई मे चढा हुआ धूल का चक्कर A whirlwind, a winding. (२) पर्वत उपर जतो फरतो मार्ग. पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग a circuitous road on a mountain ठा० ४, ४,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

उक्कास. पुं० (उक्कास) मान કષાયનો પર્યાય मान कषाय की पर्याय. A synonym for the moral impurity called conceit सम० ५२;

उक्कामिय. त्रि० (उक्कामित) અમુક નામથી પ્રસિદ્ધિ પામેલ अमुक नामसे प्रसिद्धि पाया हुआ Famed by a certain name, known by a particular name. अणुजो० १३१,

उक्किक्खमाण त्रि० (उत्क्षिप्कामत्) દીક્ષાનો ત્યાગ કરતો दीक्षा का त्याग करता हुआ (One) abandoning Dikśā i e asceticism विशे० १२६१,

उन्निय. त्रि० (औणिक) ઊનનું બનેલું, કામળો વગેરે, ઊની વસ્તુ કમ્બલ આદિ Woollen, made of wool प्रव० ५१४.

उल्लुपित त्रि० (*) ભીનું થયેલ, ભીનું, भींजा हुआ Wet, damp पराह० १, ३,

उवएस. पुं० (उपदेश) ઉપદેશ उपदेश Advice, exhortation पचा० ५, ३६,

उवओग पुं० (उपयोग) ઉપયોગ, ધ્યાન उपयोग, ध्यान Carefulness; attentiveness नाया० १६,

उवट्ट पुं० (उत्पट्ट) શણના વસ્ત્ર વણનાર, પટોળીયો. सन के वस्त्र बनाने वाला A weaver of jute cloth अणुजो० १३१;

उवणय पुं० (उपनय) ઉદાહરણ આપી સાધ્ય અને સાધનનો સંબંધ મેળવવો તે उदाहरण देकर साध्य और साधनका संबध मिलाना Establishing a logical conclusion by giving an apt illustration नाया० ६;

उवणेइत्ता सं० कृ० अ० (उपनीय) પાસે લઇ જઇને समीप मे लेजाकर. Having taken or carried in the vicinity of नाया० ५,

उवदंसइत्ता सं० कृ० अ० (उपदर्श) દેખાડીને दिखलाकर Having shown or pointed out भग० १६, ५,

उवप्पुअ. त्रि० (उपप्लुत) ભીનું થયેલ, પલળી ગયેલ भीजा हुआ. Wet, damp, soaked अणुजो० १३०, जीवा० ३, १,

उवयुत्त त्रि० (उपयुक्त) ઉપયુક્ત, ઉપયોગ સહિત उपयुक्त, उपयोग सहित Careful, attentive (one) possessed of carefulness. नाया० १६,

√**उव-लभ** धा० I (उप+लभ्) ઓલંભો દેવો उलाहना देना To taunt, to blame

उवलभति. भग० १५, १,

उवलब्भ सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८

√**उव-लिंप.** धा० I, II (उप+लिप्) મોઢું બંધ કરી ઉપર લેપ મારવો मुह बद करके ऊपर लेप लगाना To close the mouth and smear it up with a semi-liquid substance

उवलिंपति नाया० ७,

उवविट्ठ त्रि० (उपविष्ट) બેઠેલ बेठा हुआ Sit, seated क० ग० १, ११;

√**उव-विस** धा० I. (उप+विश्) બેસવું. बेठना To sit.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

उववितइ. सु० च० २, २२९;

उपविसिय सं० कृ० सु० च० १, २४७;

उपसंकमित्तु सं० कृ० अ० (उपसंक्रम्य) પાસે જઈને समीप जाकर Having approached " उपसंकमित्तु बूया-आउसंत समणा " आया० २, १, ३, १५,

उपसंत पुं० (उपशान्त) ઐરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ચોવીસીના ૧૫ મા તીર્થંકરનું નામ इरवत क्षेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५ वे तीर्थंकर का नाम Name of the 15th Tīrthankara of Iravataksetra in the present Chovīsī (i e cycle) प्रव० २६६·

उपसंपया स्त्री० (उपसपत्) જ્ઞાનાદિકને માટે બીજા ગુરૂનો આશ્રય લેવો તે ज्ञानादिक के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लेना Resorting to, going to another preceptor in order to acquire knowledge etc पचा० १२, ३.

√ उपहस धा० I (उप+हस्) ઉપહાસ કરવું હસવું उपहास करना, हसना To laugh at, to mock at, to ridicule

उपमेज्ज विधि० दमा० ६, ७,

उपहाण. न० (उपधान) તપ વિશેષ एक प्रकार का तप A particular kind of austerity ठा० ४, ३, —**पडिमा** स्त्री० (प्रतिमा) ઉપધાન તપની પડિમા-પ્રતિજ્ઞા, બાર ભિક્ષુની અને અગીયાર શ્રાવકની પડિમા उपधान तपकी प्रतिमा, साधु की बारह और श्रावक की ग्यारह प्रतिमा the vow of the austerity known as Upadhāna e g 12 vows of an ascetic and 11 of a layman. ठा० २, ३;

उपाय. पुं० (उपाय) ઉપાય કારણ उपाय, कारण Cause; means; remedy. नाया० १६;

उपायओ अ० (उपायतस्) યુક્તિથી, ઉપાયથી युक्ति से, उपाय से. Skilfully; by some means उत्त० २३, ४१;

उपालद्ध. त्रि० (उपालब्ध) ઠપકો અપાયેલ. उपालम दिया हुआ. Blamed, rebuked, reproached पिं० नि० १२५;

√ उ-पील. धा० II (अव+पीड्) પીડા કરવી, પીડવું, दुःख देना; पीडा करना. To give pain to, to afflict.

उवीलेति जी० ३, ४,

उवीलेमाण. नाया० १८,

उपेहा स्त्री० (उपेक्षा) શુભ યોગની પ્રવૃત્તિ અને અશુભ યોગની નિવૃત્તિમાં બેદરકાર રહેવું તે शुभ योगकी प्रवृत्ति और अशुभ योग की निवृत्ति मे बेपर्वाह रहना Negligence in doing what is good and in omitting to do what is bad, negligence सम० १७

उप्पइअ-य. त्रि० (उत्पतित) સંયમ લેતી વખતે સિંહની પેરે ઉઠેલ, સંયમને ઊંચે સ્થાનકે ચડેલ-કુદકો મારેલ संयम लेते समय सिंह के समान उठा हुआ, सयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ. (One) who has ascended like a lion to the high pedestal of asceticism आया० १, ६, ३, १९३; (२) ઉપર આવેલ, ઉપજેલ. उत्पन्न born, produced उत्त० २, ३२, (३) ઊંચે ઉછળેલ; ઉડેલ उचा उछलता हुआ, उडा हुआ. leapt up; flown up. नाया० १६; भग० १, २; उवा० ३, ११८;

उप्पइया. स्त्री० (औत्पातिकी) જેથી અશ્રુ- તકુ અશ્રુતપૂર્વ તર્કથી શુદ્ધ આવે તેવી બુદ્ધિ તર્ક બુદ્ધિ, હાજરજવાબી- ઉત્પાતકી બુદ્ધિ; ચાર બુદ્ધિમાંની એક ऐसी बुद्धि जिससे बिना देखा सुना केवल तर्क से ही समझ में आजाय, तर्क बुद्धि चार बुद्धियों में से एक प्रकार का बुद्ध One of the four kinds of intellect ready wittedness quickness of perception ठा० ४, ४

उप्पकडा स्त्री० (उत्पकटा = उत्प्राबल्येन प्रकटा प्रस्तुतावेति) ચાલુ કથા चालू कथा The narrative which forms the actual, present subject-matter भग० १८, ७

उप्पड पु० (उत्पट) તેઇંદ્રિય જીવ વિશેષ तेइंद्रिय जीव विशेष A kind of three sensed living being पन्न० १,

उप्पण्ण त्रि० (उत्पन्न) ઉત્પન્ન થયેલ ઉપજેલું उत्पन्न Born, produced अणुजो० ४२ ओव० ३८ पन्न० ११ सू० ५, १, ६४ भग० १ ४, १३, ६, नाया० १; दसा० ७ १ जं० प ३ ४५, ५, ११२ ३ ६७ ५, ११५ —कोउहल त्रि० (-कुतूहल) જેણે ઉત્સુકપણું ઉત્પન્ન થયેલ છે તે जिस में उत्सुकता उत्पन्न हुई है वह (one) in whom curiosity is engendered सू० प० १, —णाणदंसणधर त्रि० (-ज्ञानदर्शनधर) ઉત્પન્ન થયેલ જ્ઞાનદર્શનવાળા जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न हुए हैं वह (one) in whom right knowledge and right faith have been engendered. "उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे " भग० १, १, ८ २, —पक्ख पु० (-पक्ष) ઉત્પન્ન પક્ષ ઉત્પાદ-ઉત્પત્તિ પક્ષ उत्पन्न पक्ष coming into existence भग० १ १ —संसय त्रि० (-संशय) ઉત્પન્ન થયેલ છે સંશય જેને તે जिसे संशय उत्पन्न हुआ है वह (one) in whom doubt is engendered सू० प० राय०

उप्पतिअ त्रि० (उत्पतित) ઉંચે ચડેલ આકાશ તરફ ગતિ કરેલ ऊंचा चढा हुआ आकाशकी ओर गमन किया हुआ Risen up, flown up gone upwards उत्त० ६, ६०

उप्पत्ति स्त्री० (उत्पत्ति) ઉત્પત્તિ આવિર્ભાવ પ્રગટ થવું उत्पत्ति, प्रगट होना आविर्भाव Creation production manifestation आव० ४३ नाया० १ विशे० ११८५ [illegible] ४०६, अणुजो० १३० भत्त० १५ प्रव० ८१

उप्पत्तिया स्त्री० (औत्पत्तिकी) તર્ક બુદ્ધિ तर्क बुद्धि Power of imagination intellect capable of high imagination "उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया परिणामिया" राय० २०४ नंदी० २६ नाया० १, ८ भग० १२, ५, १७ २, निर० १ १ विवा० १०

उप्पतित्ता सं० कृ० अ० (उत्पत्य) ઉડીને ઊંચે ચડીને ऊंचा चढ कर Having mounted up having flown up जं० प०

उप्पन्न त्रि० (उत्पन्न) જુઓ 'उप्पण्ण' શબ્દ देखो "उप्पण्ण" शब्द Vide "उप्पण्ण" भग० २, १ ५ ६, सू० च० २, २८८; उवा० ६, १८७, प्रव० ११११; —कोउहल त्रि० (-कुतूहल) જુઓ " उप्पण्ण कोउहल " શબ્દ

देखो " उप्पयण कीडइत्त " शब्द. vide " उप्पयण कीडइत्त" नाया० १; —संसय पुं० (-संशय) જુઓ "उप्पयण संसय" શબ્દ. देखो " उप्पयण ससय " शब्द vide " उप्पयण संसय " नाया० १, —सड्ढ त्रि० (-श्रद्ध) ઉત્પન્ન થઈ છે શ્રદ્ધા જેને जिसे श्रद्धा उत्पन्न हुई है वह (one) in whom faith is engendered or begotten नाया० १; भग० १, १,

उप्पय पुं० (उत्पात) ઉંચે કુદવુ તે, નીચેથી ઉપર કુદકો મારવો તે नीचेसे उपर कूदना उछाल मारना. Leaping up, jumping जं० प० राय० ६५, विशे० ८६४, —णिवय पुं० (-निपात) ચડ ઉતર કરવી, એક જાતનું નાટક चढना उतरना, एक प्रकार का नाटक ascending and descending, a kind of drama " उप्पयणिवय पसत्त संकुचिय" राय०

उप्पयण न० (उत्पतन) ઉંચે જવું તે ऊंचाईपर जाना. Going up, flying up, mounting high ठा० १०, भग० ३, २; —काल पुं० (-काल) ઉંચે ચડવાનો કાલ વખત ऊँचा चढने का समय the time for going up, flying up भग० ३, २,

उप्पयणिया. स्त्री० (उत्पातिनिका) ઉંચે ચડવાની વિદ્યા ऊँचाईपर चढनेकी विद्या The art of flying up or mounting up नाया० १६,

उप्पयणी स्त्री० (उत्पतनी) નીચેથી ઉંચે ચડવાની વિદ્યા. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या The art of flying up in the air. सूय० २, २, २७; —विज्जा स्त्री० (-विद्या) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १६;

उप्पल न० (उत्पल) સૂર્ય વિકાશી કમલ; નીલકમલ. सूर्य को देखकर विकसित होने वाला कमल; नील कमल. A blue lotus; a sun lotus ओव० १०; ११; अणुजो० १८, सूय० ?, ३, १०; निसी० १२, २१; नाया० १, २; ४; १३; दस० ५, २, १८, भग० ११, १; २५, ५, जं० प० १, १७, जीवा० ३ १, पन्न० १; विशे० २६३; ओघ० नि० ६८६; उवा० २, ११८; कप्प० ३, ३७, (२) ગંધદ્રવ્ય વિશેષ सुगंधित द्रव्य विशेष. a particular scented thing " पउमुप्पल गंधिए " सम० तंडु० जं० प० ५, १२०; (३) દશમા કલ્પનું ઉત્પલ નામનું એક વિમાન કે જેની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે दसवे कल्पका उत्पल नामका एक विमान जिसकी स्थिति बीस सागरोपम की है, इसके देवता दसव मास श्वासोछ्वास लेते हैं और इन्हें बीस हजार वर्षमें क्षुधा लगती है name of a heavenly abode of the 10th Kalpa Life there lasts for 20 Sāgaropamas The gods living there breathe once in ten months and feel hungry once in 20 thousand years सम० २०, (४) ૮૪ લાખ ઉત્પલાંગપ્રમાણ કાલ વિભાગ; ८४ लाख उत्पलांगप्रमाण काल विभाग a division of time measuring 84 lacs of Utpalāngas भग० ५, १; ६, ७, ठा० २, ४, अणुजो० ११५, जीवा० ३, ४, जं० प० ५, १२०; (५) એ નામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent, also that of an ocean पण० १५ जीवा० ३ ४ —अंग पुं० (-अङ्ग) ८४ लाख हुहुप्रमाणु એક કાલ વિભાગ ८४ लाख हुहुप्रमाण एक काल विभाग a division of time measuring 84 lacs of Huhus अणुओ० ११५ ठा० २ ४ भग० ५ १ २६ ५ जं० प० जीवा० ३ ४ —उद्देसय पुं० (-उद्देशक) કમળના અધિકારવાળો ભગવતીના ૨૧ મા શતકનો એક ઉદ્દેશો भगवती सूत्र के २१वें शतक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश name of a subdivision of the 21st Sataka of Bhagavati Sutra with the subject matter of a lotus भग० २१ २ —कंद पुं० (-कन्द) ઉત્પલ કમળનો કંદ कमल का कन्द कमलकी जड the bulbous root of a lotus भग० ११ १ —कंदत्ता स्त्री० (-कन्दता) કમળનું કન્દપણું कमल का कन्दपन state of being the bulbous root of a lotus भग० ११, १ —कण्णियत्ता स्त्री० (-कर्णिकता) કમળનો બીજકોશપણું कमल का बीजकोशपना state of being a seed vessel of a lotus भग० ११ १ —केसरत्ता स्त्री० (-केशरता) કમળનું પુકેસર કે ઓકેસરપણું कमल की पुकेसर अथवा ओकेसरता state of being a filament of a lotus भग० ११ १ —णाल न० (-नाल) કમળની નાળી દાંડી જેના ઉપર કમળ રહે છે તે कमल की दांडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है a lotus stalk भग० ११, १, —णालत्ता स्त्री० (-नालता) કમળની નાલિપણું कमलका नाली पना state of being a lotus stalk भग० ११ १ —थिभुगत्ता स्त्री० (-थिभुगता) જેમાથી પાંદડા ફુટે એવા કમળના એક ભાગને ભાવ जिसमें से पत्ते फूटे ऐसे कमल के एक भागका भाव state of being a part of a lotus from which leaves sprout forth भग० ११ १ —नालिआ स्त्री० (-नालिका) લીલા કમળની નળી દાંડી नील कमलकी दाडी stalk of a blue lotus दस० ५ २ १८ —पत्त न० (-पत्र) કમળના પાંદડા कमल का पत्ता a leaf of a lotus भग० ११ १ —मूलत्ता स्त्री० (-मूलता) ઉત્પલ કમળનું મૂળપણું कमलका मूलपना state of being a root of a lotus भग० ११ १

उप्पलगुम्मा स्त्री० (उत्पलगुल्मा) જંબુ વૃક્ષના અગ્નિખુણના વનખંડમાં પચાસ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડી जंबू वृक्षके अग्निकोन के वनखण्ड में पचास योजन दूरीपर स्थित एक बावडी Name of a well in the forest situated to the south east of Jambu Vriksa. The well is at a distance of 50 Yojanas i e 400 miles in the forest जं० प० जीवा० ३ ४

उप्पलबेंटिय पुं० (उत्पलवृन्तिक) કમલના ડિંટડાની ભિક્ષા લેનાર ગોશાલાના મતનો અનુયાયી कमल के गट्टा पुकदा की भिक्षा लने वाला गोशाला का एक अनुयायी A follower of Gosala's tenet accepting a lotus stalk as alms ओव० ४१

उप्पलहत्थग. पुं० (उत्पलहस्तक) કમળ ફૂલ વિશેષ. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower राय०

उप्पला. स्त्री० (उत्पला) સાવથી નગરીના રહેવાશી શંખ નામના શ્રાવકની સ્ત્રી सावथी नगरीका निवासी शंख नामक श्रावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Śaṅkha residing in the town Sāvatthī "तस्सणं सखस्स समणो वासगस्स व उप्पलाणामं भारिया होत्था" भग० १२, १, (२) પિશાચના ઇંદ્ર, કાલની ત્રીજી અગ્રમહિષી पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas ठा० ४, १, नाया० ध० क० ५ भग० १०, ५; (३) જંબુવૃક્ષના અગ્નિ ખુણામાના વનખંડની એક બાવડીનુ નામ जंबूवृक्ष के अग्निकोन के वनखड की एक बावडी का नाम name of a well in a forest situated to the south east of Jambū Vriska जं० प० जीवा० ३, ४, (४) હસ્તિનાપુર નિવાસી ભીમ નામના કસાઇની સ્ત્રી हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कसाई की स्त्री name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpura विवा० २,

उप्पलिणीकंद. न० (उत्पलिनीकन्द) એક જાતની પાણીની વનસ્પતિ एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति A kind of aquatic plant "पउमुप्पलिणीकंदे अंतरकंदे तहेवज्झिल्लिय" पन्न० १,

उप्पलुज्जला. स्त्री० (उत्पलोज्ज्वला) જંબુ વૃક્ષના અગ્નિખુણાના વનખણ્ડની એક બાવડી. जंबू वृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vṛikṣa. जं० प० जीवा० ३ ४;

उप्पह. पुं० (उत्पथ) ઉન્માર્ગ, ઉલટો માર્ગ उन्मार्ग, विरुद्ध मार्ग Wrong path; perverse path "आवजे उप्पहं जंतु" सूय० १, १, २, १६; उत्त० २४, ५, २७, ४,—जाइ पुं० न० (-यायिन्) ઉલટે માર્ગે જનાર. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. ठा० ३,

उप्पिलण. न० (उत्प्लावन) શરીર ઉપર પાણી રેડવુ शरीर पर पानी ढोलना Pouring of water on the body पिं० नि० ४२२;

उप्पाइत्तार त्रि० (उत्पादयितृ) ઉત્પાદક; ઉત્પન્ન કરનાર. उत्पन्न करने वाला (One) who produces or creates ठा० ४, ४, दसा० १, १३, ४, ६१,

उप्पाइय त्रि० (औत्पातिक) સહજ; સ્વાભાવિક सहज, स्वाभाविक Natural ओव० ३०, (२) ઉત્પાત કરનાર અનિષ્ટ સૂચક બનાવ, ઉલ્કાપાતાદિ ઉપદ્રવ. अनिष्ट सूचक चिन्ह; उल्कापातादि उपद्रव a portentous event, e g. the fall of a meteor etc. जं० प० ३, ५६ नाया० ८, ६, १७, सम० ३४, —पव्वय पुं० (-पर्वत) અસ્વાભાવિક-કૃત્રિમ પર્વત कृत्रिम-बनावटी पर्वत. an artificial mountain "उप्पाइयपव्वयं च चकमंतं सक्ख मत्त गुलुगुलुत" ओव०

उप्पाडण न० (उत्पाटन) ઉખેડી નાખવું; મૂળથી ઉખેડવું उखाड डालना; जड से उखाड़ना Uprooting, eradicating; tearing out ओव० ३८;

उप्पाडिय. त्रि० (उत्पाटित) ઉપાડેલ. उठाया हुआ; उखाड़ा हुआ. Lifted up; rooted out. भग० १६, ६;

उप्पाडिय त्रि० (उत्पाटित) ઉખેડેલ. उखाड़ा हुआ. Eradicated, rooted out. दसा० ६, ४,

उप्पाडियग त्रि० (उत्पाटितक) ઉપાડેલું, માંસ કાઢેલું उठाया हुआ, मास निकाला हुआ. Lifted, (that) from which flesh is torn out ओव०३८,

उप्पातिया. स्त्री० (उत्पातिकी) જુઓ " उप्पाइया " શબ્દ. देखो ' उप्पाइया ' शब्द. Vide " उप्पाइया " नाया० १,

उप्पाय-अ पुं० (उत्पात) ઉડવું ઊંચે કુદવું उड़ना Flying up. भग० २०, ९; प्रव० ६०६, (२) પ્રકૃતિનો વિકાર-રૂધિર વૃષ્ટ્યાદિ. प्रकृति का विकार, रुधिर वृष्टि आदि. any unusual phenomenon in nature, e g a shower of blood etc प्रव० १४२१, पराह० २, १, ठा० ८, १; अणुजो० १४७; (३) આકાશમાંથી લોહી વગેરેની વૃષ્ટિ થાય છે તેના લક્ષણ સૂચક-શાસ્ત્ર ૨૯ પાપસૂત્રમાંનું એક आकाश से आ रक्त वगैरह की वृष्टि होती है उसके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र, २६ प्रकार के पाप सूत्रों में से एक a scripture dealing with explaining unusual phenomena in nature which portend evil; one of the 29 Pāpa Sūtras सूय० ८, २, २६, सम० २६;

उप्पाय-अ पुं० (उत्पाद) વૃદ્ધિ; વધારો થવો. वृद्धि; बढ़ती. Increase; increasing विशे० ७५०; (२) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति creation, production, birth विशे० ६६; ४२४; अ० १, १; (३) ઉત્પાદ દોષ, સાધુને પોતાથી લાગતા આહારના ધાત્રી આદિ ૧૬ દોષ. साधु को अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि १६ दोष. any of the 16 sins such as Dhātrī etc incurred by a Sadhu himself in connection with his food सम० (४) ચૌદ-પૂર્વમાંનું પ્રથમ ઉત્પાદ નામે પૂર્વ શાસ્ત્ર. चौदहपूर्व में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-शास्त्र name of the 1st of the 14 Pūrvas (i e. scriptures) प्रव० ७१८ —च्छेयण न० (—च्छेदन—उत्पादो देवत्वादिपर्यायान्तरस्यछेदस्तेन जीवादि विभाग उत्पादच्छेदनम्) એક પર્યાયની ઉત્પત્તિથી બીજા પર્યાયનો છેદ-વિભાગ થાય તે-જેમ દેવત્વ પર્યાયના ઉત્પાદથી જીવાદિ દ્રવ્યનો વિભાગ થાય છે एक पर्याय की उत्पत्ति से दूसरी पर्याय का विभाग होना जैसे कि देवत्व पर्याय क उत्पन्न होने से जीवादि द्रव्य का विभाग होना the classifications of a substance or rather its subdivisions caused by the modifications of that substance, sub division caused by modal transformation, e g the substance soul is sub-divided into gods etc on account of its modification ठा० ४, ३; —पव्वय पुं० (-पर्वत) સૂર્યાભવિમાનના વનખંડમાંનો એક પર્વત કે જ્યાં સૂર્યાભવિમાનવાસી દેવતા ક્રીડા નિમિત્તે વૈક્રિય શરીર બનાવે છે सूर्याभविमान के बनखंडो में का एक पर्वत जहां कि सूर्याभविमानवासी देव क्रीड़ा के अर्थ वैक्रियिक शरीर बनाते हैं name of a mountain in a forest region of the Sūryā-

his heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport सम० १३४; जीवा० ३ ४; (२) ચમરેન્દ્રને ઉપર આવવાનો પર્વત चमरेन्द्र के ऊपर आने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend भग० १३, ६, १६, ६; —पुव्व पुं० (-पूर्व) દ્રવ્ય પર્યાયના ઉત્પાદનો જેમાં વર્ણન છે તે ઉત્પાદ નામે ૧૪ પૂર્વમાંનો પ્રથમ પૂર્વ-શાસ્ત્ર द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शास्त्र the first of the 14 Pūrvas dealing with the rise of modifications of substances "उप्पायपुव्वस्सणं दसवत्थु पराणत्ता" ठा० १०, सम० १४, नंदी० ५६. —व्वयधुवधम्म पुं० (-व्ययध्रुवधर्मन्) ઉત્પત્તિ વ્યય (નાશ) ધ્રુવ-સ્થિતિ વાળો उत्पत्ति, व्यय (नाश) और ध्रुव-स्थिति वाला one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशे० ५४३,

उप्पायक त्रि० (उत्पादक) ઉત્પન્ન કરનાર उत्पन्न करने वाला (One) who creates or produces. पराह० १, ५

उप्पायग. त्रि० (उत्पादक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. उत्त० ३६, २६०,

उप्पायण. न० (उत्पादन) ઉત્પન્ન કરવું, પેદા કરવું उत्पन्न करना Producing, creating. पराह० १, ३; ३; उत्त० ३२, ४८; (२) ઉપ્પાયણના ૧૬ દોષ. उप्पायण के १६ दोष. any of the 16 sins known as Uppāyaṇa sins. पिं० नि० १, ७४; पराह० २, १; —(घा) उवघाय पुं० (-उपघात) ઉત્પાદનાદિ દોષનો ઉપઘાત-નાશ કરવો તે उत्पादनादि दोष का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा० १०; —विसोहि स्त्री० (-विशोधि) ઉત્પાદનના ૧૬ દોષનો અભાવ उत्पादन के १६ दोषों का अभाव. absence of the 16 Utpādana faults or sins ठा० ५, २,

उप्पायणा स्त्री० (उत्पादना) ઉત્પન્ન કરવું; પેદા કરવું उत्पन्न करना, पैदा करना Creating, producing पिं० नि० ३०९; पंचा १३, ३, (२) આહારના દોષનો એક પ્રકાર. ધાત્રી આદિ આહારના ૧૬ દોષ કે જે સાધુને પોતા આશ્રિ લાગે છે आहार की गवेषणा के दोष का एक भेद; धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. a variety of sin connected with the taking of food. the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person These are Dhātrī etc. प्रव० ५७१, भत्त० २४, १२, भग० ७, १;

उप्पाया स्त्री० (उत्पाता) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળા જીવની એક જાત तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being पन्न० १,

उप्पिं अ० (उपरि) ઉપર, ઊંચે. ऊपर, ऊंचाई पर Above, upon, on. "तेसिं भोमाणं उप्पिंउल्लोया" जीवा० ३, ठा० ३, ४, राय० ४७; १०३; वेय० ४, २६; विवा० ३, ६; पन्न० २; जं०

सं० १, ४, २, १८, नाया० १, ६ ८, १४, १६; भग० १, ६, २, ८, ३, १, २, ५, ६, ९, ५, ६, ३३ १३, ४, —पासाय पु० (—प्रासाद) ઊંચો મહેલ ऊंचा महल a high or lofty palace निर० २, १ —सलिलपइट्ठाण त्रि० (—सलिलप्रतिष्ठान) પાણી ઉપર જેનું પ્રતિષ્ઠાન રહેઠાણુ છે તે जल पर जिस का निवास स्थान है वह (one) whose residence or abode is on water भग० ७ १

उप्पिजल त्रि० (उत्पिंजल) ક્ષોભ જનક आकुलता जनक (Anything) which causes agitation to the mind "उप्पिजलभूए कह कह भूए" राय० ८१,

उप्पिजलगभूअ त्रि० (उत्पिञ्जलकभूत) આકુલ વ્યાકુલ થયેલ आकुल व्याकुल Troubled, distracted in mind कप्प० ५ १२६

उप्पिच्छ न० (*उपिच्छ) અધર શ્વાસે જલ્દીથી ગાઉં તે ગાયનનો એક દોષ अधरश्वास से गाना, गायनका एक दोष Singing far too rapidly a fault in singing अणुजो० १२८ भत्त० ११६,

उप्पियमाण त्रि० (उत्प्लाव्यमान) પાણી ઉપર ઉછળતો जलके ऊपर उछलता हुआ Leaping on water, rising and falling on water 'बुब्बुमाणे चिबुब्बुमाणे उप्पियमाणे' उवा० ७, २१८,

उप्पीलिय त्रि० (उत्पीडित) દૃઢ કરેલ ખેંચીને બાંધેલુ, તંગ કરેલ दृढ किया हुआ; खेंचकर बांधा हुआ Tightly fastened, bound fast उप्पीलिय चिंधपट्ट गहिया उहपहरणा" भग० ७, ६, नाया० ० ओघ० १०, विवा० २; राय० ८१, जीवा० ३ ४, पगह० १, ३, ज० प० ३, ४२ ३, ४६ —कच्छ पु० (—कच्छ) પાછળ કચ્છોટો જેણે. जिसने कछोटा मारा है वह. one who has tightly tucked up the hem of his loin cloth after carrying it to the back part of his waist विवा० २,

उप्पुय न० (उत्प्लुत) ગાયનનો એક દોષ गायन का एक दोष A kind of fault in singing नाया० १५ ( ) त्रि० ભયભીત भयभीत डरा हुआ terrified alarmed नाया० ६

उप्पूर पु० (उत्पूर) પાણીનો પ્રચંડ પ્રવાહ प्रचंड प्रवाह A big current or flood of water पगह० १ ४ (२) ઘણું જ્યાદુ बहुत ज्यादह much, excessive पगह० १ ३

उप्फालग त्रि० (*) નઠારૂં બોલનાર નિંદા કરનાર बुरा बोलन वाला निंदक (One) who censures or slanders उत्त० ३४ २६

उप्फिडग पु० (*) તીડ टिड्डी A locust a grasshopper प्रव० १५७

उप्फुल्ल त्रि० (उत्फुल्ल) વિકસિત विकसित प्रफुल्लित Full blown blooming उप्फुल्ल नवि निज्भाए ' दस० ५ १, २३,

उप्फेणउप्फेणिय त्रि० (उत्फेनोत्फेनित) દૂધના ઉભરાણની પેઠે ઉકળેલ-ફીણવાળ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

માન ઘનેલ દૂધક ઉફાન के समान कोपायमान Boiling with anger; with anger rising like boiling milk 'उप्फेणउप्फेणियं सीहसेणराय एव वयासी' विवा० ६

उप्फेस पुं० न० (*) મુગટ, તાજ मुकुट ताज A crown, a diadem ओव० ३१; ठा० ५ १ आया० २ ३ ? १२१ पन्न० २,

उब्बंधण न० (उद्बन्धन) ઊંચે શાખ ઇ૦માં નાંકો ભરવું તે ऊंचाई पर शाखादि में गलफा कर मरना Committing suicide or dying by hanging on the branch of a tree etc प्रव० १०३०

उब्बद्दय पुं० (उद्बद्धक) વિદ્ય મંત્ર વગેરેમાં વ્હેમાવેલો કે જેને દીક્ષા આપવાની મના રેલ છે विद्या मंत्र तंत्र आदि में शंकायुक्त कि जिसे दीक्षा देन का मनाइ की गइ है A person full of superstition in the matter of charms incantations etc Such a person is thought unfit to be given Diksa to ठा० ३

उब्भट्ट त्रि० (*) માગેલું યાચેલ मागा हुआ Prayed for solicited begged पिं० नि० ५८१

उब्भड त्रि० (उद्भट) પ્રત્યક્ષ ઉઘાડ खुला हुआ उघाडा Open manifest 'उब्भडघडमुहा' भग० ७ ६ अणुत्त० ३ १ (२) વિકરાલ, ભયંકર भयंकर डरावना terrible, fierce भत्त० १०८; जं० प० अणुत्त० ३, १, सु० च० २, ७१२

उब्भव पुं० (उद्भव) ઉત્પત્તિ પૈદાઇશ; उत्पत्ति Birth production, rise नाया० २

उब्भसुक्क त्रि० (*) ઝાડમાંને ઝાડમાં ઉભાં ઉભાં સુકાઇ ગયેલ वृक्ष में ही खड़ खड़े सूख गया हुआ Dried up in the very tree, in an erect posture भाघ० नि० ७१५

उब्भाम पुं० (उद्भ्राम) ભિક્ષાચરી ભિક્ષાને માટે ભ્રમણ કરવું તે भिक्षा के लिये भ्रमण करना One who wanders to beg alms wandering in order to beg alms ठा० ४

उब्भामक्क पुं० (उद्भ्रामक) જાર વ્યભિચારી जार व्यभिचारी A person who commits illicit sexual intercourse पिं० नि० ४८०

उब्भामग पुं० (उद्भ्रामक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above 'अद्दाय सिग्गगाइ उब्भामग खमग अक्खरे रिक्खा' भाघ० नि० भा० ६० (२) એક જાતનો વાયુ एक प्रकार का वायु A kind of wind पन्न० १

उब्भावणा स्त्री० (उद्भावना) પ્રગટ કરવું જાહેર કરવું ઉત્પન્ન કરવું प्रगट करना, जाहर करना उत्पन्न करना Manifesting declaring producing आव० ४१ नदी० ४० (२) પ્રભાવના प्रभावना explaining explanation 'पवयणउब्भावणया' ठा० १०,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th.

उब्भियंा त्रि० (उद्भिज) જમીન ભેદી ફણગા રૂપે બહાર આવનાર મેથી વગેરે ભાજીપાલો. जमीन फोड़कर बाहिर निकलनेवाली मेथी वगैरह की भाजी Vegetation which pierces the soil and sprouts forth पिं० नि० ६२४ (२) ખજૂરક આદિ જીવ खजनक आद जीव a species of living beings, such as a wag tail etc पएह० १, ४

उब्भिजमाण त्रि० (उद्भिद्यमान) ઉઘાડવા મા આવતુ, ખુલ્લુ થતુ खुलता हुआ Being opened, becoming manifest केतइपुडाणवा अणुवायसि उब्भिजमाणाणवा भग० १६ ६ ज० प १ राय० जीवा० ३ ४

उब्भिय न० (उद्भिन्न य कुतुपादे स्थगित मुख साधूनां तैलघृतादिदानार्थमुद्भिद्य तैलादि साधुभ्यो दीयते तद्दीयमान तैलादि पिहितोद्भिन्नम) સાધને ઘી આદિ વહોરાવવા માટે કમાડ ઉઘાડી કે ડાટો ઉખાડી આપવા થી લાગતો દેષ १६ ઉદ્ગમમાંનો ૧૨ મો દોષ साधु का घी आदि वहोराने के लिये किवॉड उघाडकर अथवा बतन का ढक्कन निकाल कर भिक्षा देने से लगने वाला दोष उद्गमन के १६ दोषों में से १२ वा दोष The 12th of the 16 Udgamana faults viz opening a jar or a door in order to give ghee etc to an ascetic for eating पिं० नि० ६३ ३४७ ५चा० १३ ६, (२) બહાર નીકળેલ फोड़कर बाहिर निकला हुआ sprouted forth or shot out after piercing something " तेसं समणवा उब्भिजं सकरी पोयए ' नाया० १, सु० च० ४, ३६५।

उब्भिय त्रि० (उद्भिद) ભેદીને નીકળેલ-જન્મેલ ખંજરીટ દેડકા વગેરે फोड़कर निकले हुए जन्म हुए खजरीट, मढ़क आदि Come out shot out after piercing something a wag tail a frog etc सूय० १, ३, ८, दस० ४ प्रव० १२५० —लोण न० (लवण) દરિયા પાસે ખારા પાણીથી ઉત્પન્ન થતું નમક દરિયાઈ મીઠું समुद्र के पास खार जल स उत्पन्न होनवाला निमक, दर्याई निमक Sea salt आया० २ १ ६ ३५ निसी० ११ ४०

उब्भियय त्रि० (उद्भिज्जक) પૃથ્વીને ભેદીને નીકળનાર તીડ વગેરે पृथ्वी को फाड़कर निकल हुए जीव पतग आदि (An insect) coming out by piercing the land e g a locust etc आया० १ १ ६ ४८

उब्भूइया स्त्री० (आद्भूतिकी) એ નામની કૃષ્ણ વાસુદેવની ભેરી કોઈ પણ આશ્ચર્યજનક બનાવ વખતે અમુક વખતે અમુક થાય છે તેના માટે વગાડવાની ભેરી कृष्ण वासुदेव की भेरी का नाम किसी आश्चर्यजनक प्रसंग पर लोगों को जागृत करने के लिये अथवा अमुक समय में अमुक होगा यह प्रगट करने के लिये बजाई जाने वाली भेरी Name of the kettle drum of Krisna Vasudeva, a kettle drum sounded to proclaim some unusual event to people विशे० १४७६

उब्भेइम न० (उद्भेदिम) સમુદ્ર આદિમા ઉત્પન્ન થતું નમક મીઠું समुद्र आदि में उत्पन्न होता हुआ निमक Salt produced in the sea etc., common salt दस० ६ १८,

उभओ. अ० (उभयतस्) બે બાજુએ, બે તરફ. दो तर्फ से, दोनों ओर On both sides. (२) બે, २ दो; २ two 2 ज० प० ५, ११७, नाया० १ भग० २४ २१ उत्त० ११ १७; ओव० ३१; क० ग० १, ३१ कप्प० १ १२ क० प० १ १३ —काल पुं० (काल) બન્ને વખત दोना समय both times दसा० १० ३, वव० ६ २० —पासिं अ (पार्श्वे) બે પડખે બે બાજુ दानां तर्फ on both sides सम० ३४

उभय त्रि० (उभय) બે दो Two both भग० ६ ३३ १२ १० विशे० ११८ ४७० ओव० १६ ३६ अणुजो० ८ ०१, दसा० १० ३ दस० ४ ११ ५ २ १२ नाया० ११ १ पिं० नि० भा० ३ पं० नि० १५ ५८० उत्त० १ २३ क० ग० २२ —(या)-अनुपस्सि त्रि० (अनुदर्शिन्) આલો અને પરલોક બન્નેના સુખને ચાહનાર इस लाक आर परलाक दाना लोकाके सुख का चाहने वाला (i e) who wishes the happiness f I th this world and the next world आया० १ ३ २ १११ (या)अभाव पुं० (अभाव) ઉભયનો અભાવ દોનોકા अभाव absence of both विशे० १३३ —अरिह न० (अर्ह) ઉભય આલોચના અને પ્રતિક્રમણ એ બન્નેને યોગ્ય आलोचना और प्रतिक्रमण इन दोनोंके योग्य deserving both Alochana (confession) and Pratikramana (repentance for faults) (२) દશ પ્રકારના પ્રાયશ્ચિત્તમાનું એક दश प्रकार के प्रायश्चित्तों में का एक one of the ten kinds of expiation जीवा० १, —पइट्ठिअ त्रि० (-प्रतिष्ठित) પોતે અને પર બન્ને આશ્રી રહેલ अपने और दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ in relation to oneself and for others i e applicable to both ठा० ४ १ —भाग पुं० (भाग) ચંદ્રને બે પડખે યોગ જોડનાર નક્ષત્ર चद्रकी दानों ओर रह कर योग जडने वाला नक्षत्र a constellation on both sides of the moon's path चदस्स जाइसिदस्स जोइसरणा छ णक्खत्ता उभयभागा उत्तरा तिरसय तिसाहा पुणव्वसू रोहिणी ठा० —लोगहिय न० (-लोकहित) બન્ને લોકને હિત કલ્યાણ दोनों लोकों का कल्याण beneficial both for this world and the next world कल्लाणमावयसेय उभय लोगहिय पचा० ११ ३६ —वाय पुं० (वात) બન્ને તરફનો વાયુ दोनों ओर का वायु wind blowing from both sides नाया० ११

वायजाग पुं० (वातयोग) બન્ને તરફના વાયુના જોગ दोनों तर्फ का वायुका योग coming together of winds from both sides i e opposite sides नाया० ११ —विसुद्ध त्रि० (विशुद्ध) બે પ્રકારે શુદ્ધ दोनों तरह शुद्ध pure or purified both ways पचा० १, २० —विहूण त्रि० (विहीन) ઉભય ભ્રષ્ટ બનથી રહિત उभय भ्रष्ट दोनों से रहित devoid of both destitute of both पचा० ३ ४० —सुय पुं० (श्रुत) દ્રવ્ય અને ભાવ

" सुत्त द्रव्य और भाव श्रुत scripture of both kinds viz Dravya and Bhava विशे० १२६

उभयतो अ० (उभयतस्) जुओ "उभओ" शब्द देखो "उभओ" शब्द Vide 'उभओ' भग० २४, २

उभयहा अ० (उभयथा) बे प्रकारे बन्ने रीते दो प्रकार से दोनो तरह से Both ways i e both ways विशे० १५०

उमा. स्त्री० (उमा) बीजा वासुदेवनी मातानु नाम दूसरे वासुदेवकी माताका नाम Name of the mother of the 2nd Vasudeva सम० प २३५

उमाण न० (अपमान) अपमान अनादर तिरस्कार अपमान अनादर Insult disrespect आया० १ ६ १ १९

उम्मग्ग त्रि० (उन्मग्न) पाणीमाथी उपर आवेल जल मे से ऊपर आया हुआ Emerged out of water पराह० १ ३ न० प० ३ ५५

उम्मग्ग पु० (उन्मार्ग) उंचे आववाने मार्ग डुबकी मारीने बहार निकळवानो मार्ग ऊपर आने का मार्ग डुबकी मारकर बाहिर निकलने का मार्ग The way to come up the emergence out of water after dipping oneself into " पच्छन्न पलासे उम्मग्गं नाखहइ भुजगाइव आया० १ ६ १ १७२ पचा० ११, ३६ क० गं० १ ५६, (२) उलटो मार्ग उलटा मार्ग विरुद्ध मार्ग wrong path contrary path (३) उन्मार्गदेशक विरुद्ध मार्ग-शास्त्र, विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला one who leads astray अणुजो० १२१ (४) अकार्य करवु ते अकार्य करना taking to a wrong path, doing a wrong deed " उम्मग्गवज्जणं इत्थ दोसविरए आया० नि० १, ५ १, २४६ —ट्ठिय त्रि० (–स्थित) उन्मार्गमा रहेल उन्मार्ग गामी (one) who has taken to a wrong or prohibited path ' उम्मग्गट्ठिय सूरी तिविहा वेमग्ग पयासेंति गच्छा० १ २८ —देसणया स्त्री० (देशना-उन्मार्गस्य भवहेतामोंक्षहेतु वन दशना कथ नमुन्मार्गदेशना) उन्मार्ग-अवळा मार्गनी देशन-उपदेश उन्मार्ग-खराब-मार्ग का उपदेश unwholesome pernicious advice i e one leading astray ठा० ४ ४ —देसणा स्त्री० (देशना) उन्मार्गनी देशना उपदेश देवो त उन्मार्ग का दशना खोटा उपदेश देना giving a false advice giving advice leading to a wrong path प्रव० ९६३ —पइट्ठिय त्रि० (–प्रतिष्ठित) अवळे मार्गे प्रतिष्ठा पामेल उन्मार्ग मे प्रतिष्ठा पाया हुआ (one) gone astray misguided भयव काह लखगेहिं उम्मग्ग पइट्ठिय वियाणिज्जा गच्छा० २ —पट्ठिय त्रि० (प्रास्थत) जुओ 'उम्मग्ग पइट्ठिय" शब्द देखो 'उम्मग्ग पइट्ठिय' शब्द vide उम्मग्ग पइट्ठिय" गच्छा० ६ **पडिवरण** त्रि० (प्रतिपन्न) उन्मार्गने स्वीकार करेल उन्मार्ग का स्वीकार किया हुआ (one) who has accepted a wrong or pernicious path or course of action उवा० ७, २१८, —पयट्ट त्रि० (प्रवृत्त) उन्मार्गे प्रवृत्त थयेल उन्मार्ग मे प्रवृत्त gone astray

चित्त ठेकाणे नथी એवो उन्मत्त पागल, मदिरा पान से जिसका चित्त ठुकानपर न हो वह Maddened intoxicated with drink ठा० ४, १

उम्मत्तजला स्त्री० (उन्मत्तजला) २५५६ विजयनी पश्चिम सरहद ઉपरनी नदी महाविदेहनी बार अन्तर नदीमानी એक रम्यक विजय की पश्चिम तट पर की नदी Name of a river on the western border of Rampaka Vijay; one of the 12 Antara Nadis (rivers) of Mahavideha " रम्मए विजए उम्मत्तजला महाकई " ज० प० ठा० ७, ३

उम्मद्दण न० (उन्मर्दन) ઉनની रुवाडाએ मर्दन करवु ते उलट रूएँ की ओर से मर्दन करना Rubbing (i. e. oil) on the body against the grain सूय० २ २, ६२ नाया० १३

उम्मद्दिया स्त्री० (उन्मर्दिका) ઉनની रुवाडीએ मर्दन करनार दासी उलट रूवों तरफ से मर्दन करनेवाली दासी A maid servant who rubs oil etc on the body against the grain भग० ११, ११,

उम्माण न० (उन्मान-उन्मीयते तावद्यत् न्मानम्) तोलथी परिमाण थाय ते शेर मण कर्ष, मासो वगेरे तोल वजन का परिमाण सेर, मण तोला मासा आदि A measure of weight e. g. a seer, a mound etc सम० प० २३६, ज० प० ठा० ४, ४; नाया० १ (२) जेने तोलता अर्धभार प्रमाण थाय तेवो पुरुष ઉन्मानोपेत कहेवाय जो तौलने पर अर्द्धभार प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है a person who is Ardhabhāra in weight is styled as Unmānopeta. ' सेकिंतं उम्माणे २ जण्णं उम्मिणिज्जइ " अणु० ७०, कप्प० १, ८, (३) सामा त्राजवामा जेम नाखी वस्तुने जोखी तोलवी ते तराजु के एक पलडेमें बाँट डालकर दूसरे पलडे से वस्तुका तोलना weighing a thing against a measure of weight in the scales of a balance ठा० १ अणुजो० १३०

उम्माद पु० (उन्माद) गांडपणु चित्त विभ्रम पागल पन चित्तविभ्रम Madness intoxication mental aberration भग० १४ २ दसा० ७, १० विशे० १४१४ (२) अत्यन्त काम थी ઉन्मत्त अत्यन्त काम से उन्मत्त maddened with love or lust कइ विहेण भंते उम्मादे पण्णत्ते गोयमा दुविहे उम्मादे पण्णत्ते ' भग० १४ २ (३) यक्षादिना आवेश यक्षादि का आवेश being possessed by a Yaksa etc ठा० ? १ —पमाय पु० (प्रमाद—उन्माद प्रमादत्व म एव प्रमाद प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतान्मादप्रमाद) यक्षादिना आवेशथी ઉपयोग शून्यपणु यक्षादि के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना listlessness or inattentiveness due to one's being possessed by a Yaksa etc ठा० ६

उम्मादण न० (उन्मादन) कामनु ઉद्दीपन थाय ते प्रबल काम का उद्दीपन होना Rise of strong passion or lust अणुजो० १३०,

उम्माय पु० (उन्माद) जुओ " उम्माद " शब्द देखो " उम्माद " शब्द Vide " उम्माद ' भग० १४ २, दसा० ७,

२१; विशे० १४१४; दसा० ६, २५८, प्रव० १०४७; —पत्त. त्रि० (—प्राप्त = उन्माद- मुन्मत्ततां प्राप्त उन्मादप्राप्त) મોહનીય કર્મના ઉદયથી ગાંડપણુ થયેલ मोहनीय कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma i. e. Karma which deludes as regards right belief etc.) बव० २, १०, १६,

उम्मि. पु० (ऊर्मि) તરંગ, મોજું, લહેર तरंग, लहर A wave कप्प० ३, ४३; नाया० ८, पराह० १, ३ (२) મોજાને આકારે જનસમુદાય लहरों के आकार के समान जन समुदाय a crowd of people resembling a series of waves. भग० ७, १, —वीचि. पु० (–वीचि) સમુદ્રના મ્હોટા તરંગ અને ન્હાના તરંગ समुद्र की बडी २ और छोटी छोटी लहरें waves and ripples of the ocean भग० १६, ६;

उम्मिमालिणी स्त्री० (ऊर्मिमालिनी) મેરુ પર્વતની પશ્ચિમે અને શીતોદા મહા નદીની ઉત્તરે સુવપ્ર વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની અન્તર નદી. मेरु पर्वत के पश्चिमकी ओर, सीतोदा नदी के उत्तर की ओर और सुवप्र विजय की पूर्वसीमापर की एक अन्तर नदी Name of a river on the eastern border of Suvapra Vijaya to the North of the great river Sitodā and in the west of Meru mountain "सुवप्पे विजए जयंति राय- हाणी उम्मिमालिणी णई" ठा० २, ३; जं० प० ४,

उम्मिलित. त्रि० (उन्मीलित) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above ओव० ११,

उम्मिलिय अ. त्रि० (उन्मीलित) વિકસિત; ખીલેલ, ઉઘડેલ. फूला हुआ, खिला हुआ; विकसित. Full blown, opened, blooming. राय० २३८, अणुजो० १६; सम० प० २११; नाया० १, जीवा० ४;

उम्मिलिर त्रि० (उन्मीलनशील) ખીલનાર. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open सु० च० ३, ४४,

उम्मिसिय त्रि० (उन्मिषित) પ્રકાશિત प्रकाशित Bright; shining, opened. भग० १४, १, (२) पु० આંખ મીંચીને ઉઘાડે તેટલો કાલ आंख मींचकर खोलनेमे लगनेवाला समय, समय परिमाण a measure of time required for the twinkling of an eye. "उम्मि- सियाणिमिसियतस्से" जीवा० ३, १;

उम्मिस्स न० (उन्मिश्र) ભેળસેળવાળું, એકઠું થયેલ, એષણાનો ७ મો દોષ. मिश्रित; एकत्रित, एषणा समिति का ७ वां दोष. Food etc of different kinds mixed up together the 7th fault in connection with food-begging आया० २, १, १, १; प्रव० ५७६, ठा० ४;

उम्मीलिय त्रि० (उन्मीलित) ખીલેલ. खिला हुआ Full-blown; opened. पराह० ?; विवा० १, ७,

उम्मीस न० (उन्मिश्र) એષણાના દશ દોષમાનો ७ મો દોષ एषणा के दश दोषों मे का ७ वां दोष. The 7th of the ten faults connected with food-begging. दस० ५, १, ५७; पिं० नि० ५२०, पंचा० १३, २८;

उम्मुक्क. त्रि० (उन्मुक्त) ઊંચે ફેંકેલું ऊचाई पर फैंका हुआ Thrown up, tossed up ओव० (२) સર્વથા ત્યાગ કરેલ; છોડેલ सर्वथा छोडा हुआ त्यागा हुआ abandoned; renounced for ever कप्प० ५, १०३; विशे० २७५० उत्त० ३६ ६२, आया० १, १, १५ नं० नि० ६३२ भग० ११ ११ १२, १, —कम्मकवय पुं० (–कर्मकवच) સકલ કર્મરૂપ કવચનો ત્યાગ કરેલ છે જેણે એવા સિદ્ધ ભગવાન્ सकल कर्मरूप कवच का जिन्होने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान a liberated soul i e i Siddha who has removed the fetters in the form of Karma ओव० —बालभाव पुं० त्री० (–बालभाव) બાળપણું છોડી દીધેલ बालभाव का जिसने त्याग दिया है वह adolescent, one who has passed from childhood to boyhood or manhood भग० १५ १ विवा० ५, नाया० १ ८ १३ १४ दसा० १० ३ कप्प० १, ६,

उम्मूलणा स्त्री० (उन्मूलना) મૂળથી ઉખેડવું ચુરી નાખવું काढवु जडस उखाडना Uprooting, eradication "उम्मूलणा सरीरा ओ" पराह० १, १

उम्मूलिय. त्रि० (उन्मूलित) જડમૂળથી ઉખેડેલ जड मूल से उखाडा हुआ Uprooted eradicated भग० १६, ६

उम्मेस पुं० (उन्मेष) આંખ મીંચવી ઉઘાડવી તે, આંખનો પલકારો आंख खोलना, मींचना, आँखकी पलक A glance; twinkling of eyes भग० १३, ४,

उम्ह पुं० (ऊष्मन्) ઉષ્ણતા, ગરમી उष्णता, गर्मी Heat ओघ० नि० ७८४

उय पुं० (ऋतु) વસંત આદિ ઋતુ वसंत आदि ऋतु A season e g spring etc नाया० १ ५ भग० ६ ३३,

उय अ० (उत) અથવા अथवा, या Or, an alternative conjunction विशा० १६१०

उयंसि त्रि० (ओजस्विन्) ઓજસ્વી અધિક મનોબળ વાળો ओजस्वी ज्याद गुण वाला अधिक मन बल वाले Powerful possessed of strong will power राय० २१८ सम० प० २३५

उयट्ट त्रि० (अपवर्त्त) કર્મની લાંબી સ્થિતિને ટુંકી કરવી તે कर्म का दीर्घ स्थिति का अल्प करना (One) who has weakened the power of Karma भग० १ १,

उयट्टण न० (अपवर्त्तन) જુઓ उयट्ट શબ્દ देखो उयट्ट शब्द Vide उयट्ट भग० १ १

उयर पुं० (उदर) પેટ જઠર उदर पेट The belly the stomach उत० ७ २ पिं० नि० भा० ४५ दसा १० ४ सू० च० १ ३०४ क० गं० १ ३४

उयरिय त्रि० (उदरिक) જલોદર રોગવાળો जलोदर राग वाला (One) suffering from dropsy विवा० ७

उर पुं० (उरस्) છાતી, સ્તન छाती वक्षस्थल The breast पन्न० १ अणुजो० १२८ आया० १ १ ? १६ राय० ३४ ८६ पगह० १ ३ ठा० ७, उवा० २, १०८ क० गं० १, ३४ उरसि स० ए व० प्रव० ६७ (२) સુંદર सुंदर, खूबसूरत beautiful, charming ठा० ४ —क्खय पुं० (–क्षत) હૃદયનો ઘા हृदय का घाव. a wound in the heart, a heart-sore विशे० २१६, —[illegible] पुं०

(-व्रत) गोसालाना उपासकनुं એક જાતનું તપ. गोशालाके उपासक का एक प्रकार का तप. a kind of austerity practised by the followers of Gośālā ठा० ४, —परिसप्प. पुं० (-परिसर्प) છાતીથી ચાલનાર પ્રાણી-સર્પ વગેરે. छाती के बल चलनेवाले -सर्पादि प्राणी a reptile moving or creeping upon the belly; e. g a serpent etc उत्त० ३६, १८०, भग० ८, १, —परिसप्प विहाण न० (परिसर्प-विधान) સર્પની જાતિ सर्प की जाति the serpent kind भग० १५, १; —परिसप्पिणी स्त्री० (-परिसर्पिणी) નાગણ; સર્પની સ્ત્રી नागिन. a female serpent a female snake. " से किंत उरगपरिसप्पिणी २ " जावा० २, —सुत्तिया स्त्री० (-सूत्रिका) છાતીમાં પહેરવાનું આભુષણ छाती का एक आभूषण an ornament of breast ज० प०

उरंउरेणं अ० (*) છાતીસાથે ગ્રહણ કરવું તે, છાતી સરસો छाती से लगाना, छाती से छाती मिलाना Embracingly, closing in embrace " चउर गिण्हि उरउरे गिरिहत्तए " विवा० ३;

उरग पुं० स्त्री० (उरग) પેટે ચાલનાર-સર્પ पेटके बल चलने वाला सर्प A snake; a serpent. उत० १४, ४७, नाया० १६, १७, भग० ८, १; प्रव० ११०६, —परिसप्प समुच्छिम पुं० (-परिसर्पसमुच्छिम) છાતી દ્વારા ચાલનાર સમુર્છિમ સર્પ. छाती के बल चलने वाला समूर्च्छन जीव-सर्प a reptile moving on the belly, e. g. a serpent. जीवा० १; —परिसप्पी. स्त्री० (-परिसर्पिणी) નાગણ, છાતીએ ચાલતા સર્પની સ્ત્રી. नागिन; छातीके बल चलने वाली साँपिन. a female serpent; a female snake. जीवा० १, —वर. पुं० (-वर) ઉત્તમ નાગ; ઉંચી જાતિનો સર્પ. उत्तम नाग, ऊंची जाति का सर्प. a serpent of a high breed; a noble serpent नाया० १६, ज० प० ३, ४५, —वीहि. स्त्री० (-वीथि) શુક્રની ઉરગ નામની વીથિ ગતિ વિશેષ. शुक्र की उरगनामक गति विशेष name of a particular kind of motion of the planet Venus ठा० ६, १;

उरत्थ न० (उर. स्थ) છાતીમા પહેરવાનુ આભરણ छाती मे पहरने का गहना. An ornament to be worn on the breast जीवा० ३, ३, भग० ६, ३३; कप्प० ३ ३६,

उरब्भ पुं० स्त्री० (उरभ्र) મેંઢું, ઘેટું मेंढा, भेड, बकरा A sheep, a lamb पन्न० १७, सूय० २, ६, ३७; जीवा० ३, ४, राय० ४३, पराह० १, १; नाया० १, उवा० २, ६४; उत्त० ७, ४ —पुडसरिणभ त्रि० (-पुटसन्निभ) ઘેટાના નાક જેવું बकरेकी नाक के समान resembling the nose of a sheep "उरब्भपुडसंरिणभा से नासा" उवा० २, ६४, —रुहिर पुं० (-रुधिर) ઘેટાનું લોહી. बकरेका रक्त blood of a sheep जीवा० ३,

उरब्भिय-य. पुं० (औरभ्रिक) ઘેટા-બકરાને પાલનાર-ભરવાડ; કસાઈ बकरे को पालकर फिर कसाई को बेचनेवाला. A

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

shepherd who herds sheep, goats etc and sells them to a butcher. सूय० २, २, २८,

उरब्भिय न० (उरभ्रीय) ઉત્તરાધ્યયન સૂત્રનું સાતમું અધ્યયન उत्तराध्ययन सूत्रका ७वा अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra उत्त० ७,

उरय-अ. पु० (उरज) એક જાતનો ગુચ્છો. एक प्रकार का गुच्छा A kind of bunch or cluster. पन्न० १, २,

उरल पुं० (उदारिक) ઉદારિક શરીર औदारिक शरीर The Udārika i. e physical body क० गं० १, ३५, २, ६; २१; प्रव० ११११; जं० प० २, ३०,

उरल न० (औदारिक) ઔદારિક યોગ औदारिक योग Activity or vibrations of the Udārika i. e physical body. क० गं० ४, ८, —अग पु० (-अङ्ग) ઉદારિક શરીર. औदारिक देह the Udārika i e. physical body क० गं० १, ३६; प्रव० १३२६, —दुग. न० (-द्विक) ઉદારિક અને ઉદારિક મિશ્ર એ બે પ્રકૃતિ औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियां the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamiśra क० गं० २, ६; ३, ३,

उरस. त्रि० (औरस) પોતાનો પુત્ર निजका पुत्र; औरस पुत्र. One's own son ठा० १०;

उरसप्प. पुं० (उरः सर्प) છાતીયે ચાલનાર તિર્યંચ સર્પ વગેરે. छातीके बल चलने वाले तिर्यंच. A reptile walking or moving on its belly, e. g. a serpent etc. अणु० १०६;

उरसी. स्त्री० (उरसी) એક જાતનો ગુચ્છો, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पन्न० १;

उरस्स न० (उरस्य-उरसि भवमुरस्यं) છાતીનું छाती का Being in the breast, anything pertaining to the breast राय० ३२; —बल न० (-बल) હૃદયબલ. हृदयबल power of the heart; will-power; strength of the heart "उरस्सबल-समण्णा गए" राय० ३२,

उराल त्रि० (उदार) સમર્થ; શક્તિયુક્ત. प्रबल शक्तियुक्त Powerful (२) ઉન્નત સ્વભાવ વાળો उन्नत स्वभाववाला aspiring. जीवा० ५, राय० ज० प० (३) ઉદાર उदार magnanimous (४) પ્રધાન, શ્રેષ્ઠ उदार, श्रेष्ठ chief, prominent ओव० ३८, सम० ६, नाया० १, ५, ८, १२; १४, १६, भग० १, १, ३, १, ६, ८ ११, ११, १५, १, निर० १, १, पन्न० ३४, जीवा० ३, ४, राय० ५६, ८१, सू० प० २०, कप्प० १, ५; (५) અતિ અદ્ભુત बहुत आश्चर्यजनक very wonderful सू० प० १, च० प० २०, भग० २, १, ज० प० ओव० (६) વિશાલ. વિસ્તારવાન્ विस्तृत extensive आया० १, ६, १, १०, ठा० ५, (७) न० એક જાતનું શરીર; ઉદારિક શરીર एक प्रकार का शरीर, औदारिक शरीर a kind of body, Udārika Sarira, external physical body क० ग० १, ३७, पचा० १, १५; (८) त्रि० ઉદારિક શરીર સંબંધી औदारिक शरीर संबंधी pertaining to the Udārika body. राय० २५२, (९) સ્થૂલ; પ્રસિદ્ધ स्थूल, मोटा, प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सूय० १, १, ४, ३; (१०) પ્રધાન તપ, प्रधान तप; मुख्य तप. principal or prominent austerity. ओव० १;

ओघ० २, ५-(११) એ નામની લીલી વનસ્પતિ. एक प्रकार की हरि वनस्पात का नाम. name of a green plant पन्न० १, —तस. पुं० (-त्रस) સ્થૂલ ત્રસજીવ. औदारिक त्रसजीव. a many sensed living being possessed of an external physical body, a mobile sentient being with physical body. जीवा० १, —मिस्स पुं० (-मिश्र) ઉદારિક મિશ્ર યોગ. उदारिक मिश्रयोग vibratory activity of Udārikamiśra i. e physical mixed with Karmic body. प्रव० १३२६,

उरालिअ-य त्रि० (औदारिक) હાડમાસ ને રુધિરવાલુ શરીર, મનુષ્ય અને તિર્યંચનું સ્થૂલ શરીર. हाड मांस और रुधिर वाला शरीर, मनुष्य और तिर्यंचका प्राकृतिक शरीर External physical body having flesh, blood and bone ठा० २, १, सम० १३, जीवा० १, नाया० ८, भग० २, १, ६, १, दसा० ५, ४०, सम० प० २५६; —सरीर न० (-शरीर) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above. नाया० १८; —सरीरि. पुं० (-शरीरिन्) ઉદારિક શરીર વાલો જીવ औदारिक शरीर वाला जीव a sentient being with Udārika or external physical body ठा० ६, १, जीवा० १०;

उरु. न० (उरु = विस्तीर्ण) વિસ્તીર્ણ, વિશાલ. विस्तृत, फैला हुआ. Extensive vast. सम० ११, ११; —घंटा. स्त्री० (-घण्टा) વિશાલ ઘંટ; મ્હોટી ઘંટા. बडा भारी घंटा. a large bell. विवा० ,३; —णायग पुं० (-नायक) મ્હોટો નાયક. मोटा नायक a great leader; a great guide कप्प० ३, ३६;—पीवर, पु० (-पीवर) ઘણો પુષ્ટ. बडा स्थूल. very fat, corpulent, कप्प० ३, ३६;

उरुणग. पुं० (*) વનસ્પતિનો પૂર; એક સુંવાળો પદાર્થ वनस्पति का एक कोमल पदार्थ A kind of soft substance. जीवा० ३, ३;

उरुलुंबगा स्त्री० (उरुलुम्बका) ત્રણ ઇંદ્રિય વાલો જીવ तीन इन्द्रियों वाला जीव A three-sensed living being. पन्न० १,

उरोरुह पुं० (उरोरुह) સ્તન स्तन. The female breast ओघ०नि० भा० ११०; प्रव० ४४३;

उरोविसुद्ध न० (उरोविशुद्ध—उरसि भूमिकानुसारेण स्वरो विशुद्धो भवति इति) ગાયનની શુદ્ધિનો એક પ્રકાર गायन की शुद्धि का एक भेद A particular variety of cleanness of voice in singing. राय०

उलिज्झमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) ચટાતુ, ખવાતુ चाटने में आता हुआ; खाने में आता हुआ. Being licked or sipped, being eaten कप्प० १, ४०;

उलुग्ग त्रि० (अवरुग्ण) ગ્લાન થયેલ उदास Faded; withered, fatigued, wearied नाया० १; —सरीर. न० (-शरीर) દુર્બલ શરીર. निर्बल शरीर. an enfeebled body, a weak and emaciated body. नाया० १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

उलुअ. पुं॰ (उलूक) घुड उल्लू. An owl. (२) वैशेषिक दर्शनना नेता कणाद मुनि वैशेषिक दर्शन का नेता कणाद मुनि Saint Kaṇāda the founder of the Vaiśesika school of philosophy विशे॰ २१६५;

उलूग पुं॰ (उलूक) घुवड, घुड. उल्लू An owl सूय॰२, २, १६, सम॰ विशे॰११०७, —पत्त न॰ (-पत्र) घुवडनी पांख उल्लू के पख a wing of an owl. भग॰ १८, ६;

उलूगी. स्त्री॰ (उलूकी) એક પ્રકારની વિદ્યા एक प्रकार की विद्या Name of an art (२) घुवडनी माद्दा उलूक स्त्री a female owl विशे॰ २४५४,

उल्ल. त्रि॰ (*) लीलुं, भीनु आर्द्र, गीला Wet, damp दस॰ ५. १, ६६, जं॰ प॰ ३, ६२, राय॰ २५१, पि॰ नि॰ भा॰ १२; पिं॰ नि॰ ३६७, ५३३; भग॰ ५, ७; १६, ४, नाया॰ ८, ८; १६, उत्त॰ २५, ४०, —चम्म न॰ (-चर्मन्) लीलुं चामडुं. गीला चमडा, कचा चमडा wet skin or leather विवा॰ ६, —दब्भ पु॰ (-दर्भ) लीलु दाभ-दाभडो; એક જાતનુ घास हरित दर्भ. wet i e green Dabha grass. विवा॰ ६,—पडसाडिया स्त्री॰ (-पटशाटिका) लीला झाडी. हरी झाडी. wet i e. green thicket of trees. विवा॰ ७,

उल्लगच्छ. न॰ (*) ઉદ્દેહ ગણથી નીકળેલ એ નામનું એક કુલ. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot from Uddehagaṇa. कप्प॰ ८; (२) કાશ્યપ ગોત્રથી નીકળેલ ૩ જો ગણ, कास्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण the third Gaṇa (order of saints) descending from Kāsyapa family origin कप्प॰ ८,

उल्लंघण न॰ (उल्लङ्घन) ઉલ્લંઘવું; કુદી જવું ते उलांघना, कूदना Crossing, leaping across. उत्त॰ २४, २४; ओव॰ २०, भग॰ २५, ७; (२) त्रि॰ विनय-मर्यादा ઉલ્લંઘનાર विनय-मर्यादा का उल्लंघन करने वाला (one) who violates the rules of modest or reverential conduct उत्त॰ १७, ८,

उल्लंबण न॰ (उल्लम्बन) ઝાડની ડાળીએ લટકતુ બાધવું; ઉંચે લટકાવવું झाड की डाली से लटकता हुआ बांधना, ऊंचाई पर लटकाना Suspending or hanging anything on something above, e. g on a branch of a tree सम॰ ११, पण्ह॰ १, १, नाया॰ २,

उल्लंबिय स॰ कृ॰ अ॰ (उल्लम्ब्य) ઉંચે લટકાવીને ऊंचाई पर लटका कर Having suspended or hung on something above भग॰ १३, ६,

उल्लंबिय त्रि॰ (उल्लम्बित) ઝાડમાં લટકાવેલ. झाड पर लटकाया हुआ. Hung or kept suspended on a tree दसा॰ ६, ४;

उल्लय. त्रि॰ (आर्द्रक) आर्द्र; भीनुं. गीला; भीगा हुआ. Wet, damp. अंत॰ ३, ८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

—हत्थ. पुं० (-हस्त) ભીનું હાથ गीला हाथ A wet hand भग० १५, १;

उल्लण न० (*) ઓસામણ पसामण Water in which pulse rice etc are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food पिं० नि० ६२४ (२) ભીનું શરીર લૂછવું તે गीले शरीर का पोंछना to wipe off a wet body with a towel etc उवा० १०, २७७

उल्लणिया स्त्री० (*) ન્હાવાનું વસ્ત્ર ભીના શરીરને લુછવાનું વસ્ત્ર गीले शरार का पाछन का वस्त्र अगोछा A piece of cloth to wipe off a wet body उवा० १, ३२, —विहि पु (-विधि) પાણીથી ભીના શરીરને લુછવાના વસ્ત્રની વિધિ गीले शरीर का पाछन के वस्त्र का विधि a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body "तयाणतर च ण गन्ध उल्लणियाविहि परिमाण करेइ" उवा० १ ३२

उल्लय त्रि (आर्द्रक) ભીનું ભીનું गीला आर्द्र Wet damp सू० च० २ ४९३ भग० १५ १

उल्लविय न० (उल्लपित) કામદેવ સંબંધી વાતચીત કરવી તે કામકથા कामकथा काम सबधी बात चात Amorous talk love talk "अग पच्चग सट्ठाण चारुल्लविय पहिय" उत्त० १६ ४०

उल्लसिय त्रि० (उल्लसित) ઉલ્લાસ આનંદ પામેલ उल्लासित, प्रफुल्लित, आनन्द प्राप्त. Delighted, joyful सू० च० १, ३६८, प्रव० १४१३; कप्प० ३, ४०,

उल्लाइय त्रि० (*) માટી છાણાદિથી લીંપેલ गोबर मिट्टी आदि से लिपा हुआ (Wall etc) smeared or be daubed with cowdung, earth etc राय० ५६

उल्लाय पु० (उल्लात) પ્રહાર લાત प्रहार लात A kick, a violent stroke तदु०

उल्लालिय त्रि० (उल्लालित) તાડન કરેલ ઉછાળેલ उछाला हुआ ताडित Struck, beaten, tossed or flung up ज० प० ५ ११४ राय०

उल्लाव पु० (उल्लाप) વાતચિત, કાંકુ વચન બોલવું તે बात चात Indirect talk, conversation पि० नि० ४२५, ४६५, अणुजो० १४६, ठा० ७ १ नाया० १, सु० च० २, ५३२ ओघ० नि० भा० ५६ विशे० १४११ (२) પ્રત્યુત્તર જવાબ जवाब a reply a response "तत्थमणा सुणइ दह उल्लाव" प्रव० १४३

उल्लास पु० (उल्लास) પ્રગટ કરવું તે प्रकट करना Act of manifesting or bringing to light प्रव० १३३५ —सज्जणण त्रि० (-सजनन) પ્રગટ કરનાર प्रकट करन वाला (one) who manifests or brings to light प्रव० १३३५

उल्लिंपमाण त्रि० (उल्लिंपत्) ઉપર લેપ કરતો ऊपर लेप करता हुआ Smearing or bedaubing the surface of anything आया० २, १ ७, ३८,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

उल्लिहण. न० (उल्लेखन) उल्लेख करवो ते. लखवुं ते. उल्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उल्लिहिय. त्रि० (उल्लिखित) घसायेल; उझरडा पाडेल. अंकित; घिसा हुआ, रगडाया हुआ. Scarred; worn out, bearing marks of being worn out. नाया० २, ओव० उत्त० १६, ६५,

उल्लीण त्रि० (उल्लीन) गुप्त रहेल; एकांतमां रहेल. गुप्त रहा हुआ, अप्रगट रहा हुआ, एकान्त में रहा हुआ Hidden; solitary. आया० २, २, ३, ६७;

उल्लुंचिय. त्रि० (उल्लुंचित) उखेडेल, चुंटेल. उखाड़ा हुआ; चूँटा हुआ Rooted out, plucked out सु० च० २, ६७१,

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) ए नामनी एक नदी एक नदी का नाम Name of a river विशे० २४२६,

उल्लुगातीर न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा नामनो नदीना कांठे आवेलुं एक नगर के जेमां गंगाचार्य नामना निन्हव थया उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जिसमें कि गंगाचार्य नामक निन्हव हुए थे Name of a town on a bank of the river Ullugā It was the native place of the Ninhava Gaṅgāchārya ठा० ७,१,

उल्लुयातीर. न० (उल्लुकातीर) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समयेणं उल्लुयातीरेनामं नयरे होत्था" भग० १६, ३;

उल्लोइत्ता. सं० कृ० अ० (आर्द्रीकृत्य) भीनुं करीने. भीगा-आर्द्र करके. Having made wet. विशे० १४५५;

उल्लोइय-अ. न० (उल्लोचित) माटी माटी वगेरेथी भींत वगेरेनु लेपन करवुं ते. मिट्टी वगैरह से दावाल वगैरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall etc with earth cowdung etc. "लाइ उल्लोइय महिय" नाया० १, रा० प० पत्र० २, भग १२, ८, सम० ओव० (२) चन्दरवो बांधेल, उल्लेचथी शणगारेल जहां चन्दरवा बांधा है वह स्थान having a cloth-ceiling fastened above ओव० २६, जीवा० ३, ४;

उल्लोच पु० (उल्लोच) छत उल्लेच छत. A cloth-ceiling सू० प० २०;

उल्लोय. पु० (उल्लोच) छत, चंदरवो, उल्लोच छत, चदरवा A cloth-ceiling राय० ६, १०७, जीवा० ३, भग० ११, ११; १४, ६, कप्प० ३, ३२ जीवा० ३ राय० जं० प० ४, ८८, भग० ११, ११, (२) त्रि० जोवा योग्य, दर्शनीय देखने लायक (a sight) worth being seen. नाया० १, ८, भग० ११, ११, १४, ६, —तल. पुं० (-तल) घरनो उपरनो भाग घर का ऊपरी भाग the upper part of a house नाया० १, —भूमि स्त्री० (भूमि) प्रासाद-महेलनी उपरनी भूमि महल के ऊपर की भूमि The upper part or upper floor of a palace. भग० २, ८, —वण्णग पुं० (-वर्णक) महेलना उपरना भागनो वर्णन महल के ऊपरी भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग० २, ८,

उल्लोयमेत्त. न० (उल्लोकमात्र) जोतांवेत, निमेषमात्र निमेष मात्र At a mere glance; a mere glance भग० १५, १,

उव अ० (उप) समीप પાસેના અર્થમાં नज़दीक के अर्थ में Near in the vicinity "उवत्तिता जनवया पवया जावा" पत्र० १ २ (२) સમસ્તપણું सम्पूर्णता समस्तपन, सपूर्णता an intec used to show 'entirety' राय०

√उव-आति-ने धा० II (उप+आत+नी) ગ્રહણ કરવું-સ્વીકારવું ग्रहण करना मंजूर करना To accept to take (२) પ્રવેશ કરવો प्रवेश करना to enter (३) વ્યતીત થવું व्यतीत होना to elapse to be spent

उवाइणित्तए हं० कृ० ठा० ३ ४ विवा० ६ दसा० ७ १

उवाइणित्ता आया० २ २ २ ७८

उवाइणावइ निसी० ४ ५० १२ ३६

उवायणावति निसी० १० ४६ वेय० ३ ३०

उवाय-इ णावित्तए हं० कृ० वव० ३ ३० ४ ११ १ दसा० ७ १ या० १२ कप्प० ६ ४ ६४

उवायणावित्ता सं० कृ० भग० ७ १

उवाइणावत्त व कृ० वव ३ ३०

√उव अय धा० I (उप+अय) યાચવું માગવું करी प्रार्थना करना मागना To beg to pray for to solicit

उवाइत्तए हे० कृ० नाया० २

√उव-आगच्छ धा० I (उप+आ+गम) પાસે આવવું સન્મુખ જવું समीप आना सन्मुख जाना To go near to approach

उवागच्छइ आव० ११ राय० ३६, ५१ भग० १, १ ६ २, १ नाया० १ १०, १६ उवा० १ ५८ ७८ ८६

उवागच्छति भग० २, ५, ५, ४, ७, ६ ज० प० २ ३३ २, ११२ ५ ११३

उवागच्छामि भग० ३, २, १५, १, नाया० ८

उवागच्छामो नाया० १६

उवागच्छेज्जा दसा० ७ १

उवागच्छित्ता स० कृ० भग० १ १, ८ ७ आव० ८१ ज० प० ५, ११४, ५ ११७ नाया० १ २ ५ ८ ६, १० १४ १६ भग० २ १, ५ ३ १ ७, ६ ६ ४

√उव आ लभ धा० I (उप+आ+लभ्) ઠપકો દેવો ठपका देना उपालम देना उलाहना देना To rebuke to reproach

उवालभति नाया० १८

उवालभित्ता स० कृ० राय० १६७

√उव आस धा० I II (उप+आस) ઉપાસના કરવી સેવા કરવી उपासना करना सेवा करना To worship to serve to wait upon

उवासज्जा सूय० १ ६ ३३

√उव इ धा० I (उप+इण) પ્રાપ્ત કરવું મેળવવું प्राप्त करना To get to obtain to acquire

उवेइ उत्त० ३२ ११ ओव० ४० अणुजो० १४६ भग० ६ ३३ १३ ६ नाया० १८ सूय० २ ६ १६ दस० १० १ २१ विशे० १५६

उवेंति नाया० २ भग० १३ ६ १४, ८ विशे० १५६

उविति आव० ३४ सूय० १ २ २ १६,

उवति दस० ६ ६६ विशे० १२७६

उवेहि नाया० १६

उवेह उत्त० १२ ३८

उवेच्च स० कृ० भग० ६, ३३

उविंत व० कृ० सूय० १ ५ १ ६

√उव-इक्ख धा० I II (उप+ईक्ष्) ઉપેક્ષા કરવી બેદરકારી રાખવી उपेक्षा

करना, परवाह न करना To neglect, to be indifferent to

उवेहइ दसा० ५ ४२ सूय० १, ३ ३, २, आया० १, ६ ३ १६३

उवहे वि० उत्त० १, ११,

उवहमाण आया० १ ३ १, १०६ १ ४ ४, १४० भग० ३, १

उवइट्ठ त्रि० (उपदिष्ट) ઉપદેશેલું બોધેલ उपदेशात बोध दिया हुआ Preached taught advised उत्त० २८ १८ विशे० ३२१७ आव० नि० ४८३ क० प० ५ २४ प्रव० ६६६

उवइय त्रि० (उपचित) युक्त माहत Possessed of united with राय० ४५ (२) ઉન્નત उन्नत raised exalted आव० (३) मांसल पुष्ट मांसयुक्त पुष्ट fleshy पराह० १ ४ (४) पु० એક જાતનો તેઇંદ્રિય જીવ કે જે જમીનમાં ઘર કરી રહે છે एक प्रकार का तेइंद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता है a kind of three sensed living being nestling in burrows आचा० १ पत्र० १

√**उवउंज** धा० I (उप+युज) ઉપયોગ કરવો उपयोग करना To make use of to be attentive

उवउंजइ विशे० ८८१

उवउंजिऊण सं० कृ० भग० ८ १; २४, १ ११, २०

उवउत्त त्रि० (उपयुक्त) ઉપયોગ સહિત उपयोग सहित Attentive (२) સાવધાન, સાવચેત सचेत, ध्यानपूर्वक careful, cautious कप्प० ८, प्रव० ७७४; पन्ना० १, २, १६, ४, नंद० ४०, सूय० ४०, उत्त० २४, ४; पत्र० ३, नंदी० ४७ अणुजो० २३, पिं० नि० २२२, ओघ० वि० ५१५, भग० ५ १४ ८ २, १८, ३

उवउत्तया स्त्री० (उपयुक्तता) ઉપયોગ; સાવચેતી उपयोग सावधानी Cautiousness attentiveness उत्त० २४ ८,

उवएस पु० (उपदेश) ઉપદેશ બોધ શિખામણ उपदेश, ज्ञान हित का शिक्षा Advice, teaching आव० २० १०, ८० अणुजो० ४२ पिं० नि० भा० ५१ सु० च० ४ १०, नाया० १ ७ भग० २ १ ७ ६६ उवा० ७ २१६, पन्ना० १ २३ भग० ८९ प्रव० १ गच्छा० १३३ —रुइ पु० (रुचि) ગુરુનો ઉપદેશ સાંભળી જાગૃત થયેલ તત્ત્વરુચિ રુચિ-સમકિતનો એ પ્રકાર गुरु का उपदेश सुनकर जा तत्त्वरुचि जागृत हुई हो वह रुचि सम्यक्त्व का एक भेद liking for right knowledge etc excited by hearing the sermon of a Guru a variety of liking for Samkita कुडम थवा जिणाण च उवएस रुइत्ति नायव्वा प्रव० ६५४ उत्त० २८ १६ ना १० (२) त्रि० તેવી રુચિવાળો वैसी रुचि वाला a person possessed of the above kind of liking उत्त० २८ १६ —लद्ध त्रि० (लब्ध) ઉપદેશ પામેલ उपदेश पाया हुआ (one) who has received and accepted religious instructions " इय उवएसलद्धा इयाविसयाव्वा पत्ता उवा० ७, २१९

उवएसग त्रि० (उपदेशक) ઉપદેશ બોધ-કરનાર उपदेश करन वाला A religious instructor a religious preacher, an adviser सूय० १ १, ४, १;

उवएसण न० (उपदेशन) ઉપદેશ બોધ

उपदेश; ज्ञान, बोध Advice, teaching "हरिसाण तु आवाच समाधे उवए सण" उत्त० २८, १९, (२) उपदेश આપવો તે, બીજાને કોઇ કાર્યમાં પ્રવર્તાવવું તે उपदेश देना दूसर को किसी कार्य मे प्रवृत्त करना teaching ad vising; exhorting "विहृया उव एसवे ठा० ७ अणुजो १०६

उवएसय पु० (उपदेशक) ઉપદેશ કરનાર उपदेश करने वाला An adviser a preacher पचा० १, १२

उवओग पु० (उपयोग=उपयोजनमुपयोग उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेद प्रति व्यापार्यते जीवो ऽनेनेत्युपयोग) વસ્તુ પરિચ્છેદ કરનાર જીવને જ્ઞાન દર્શનમય વ્યાપાર ચૈતન્ય શક્તિ वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शन मय व्यापार, चैतन्य शक्ति The power of consciousness used by the soul in dealing with an object भग० १ ५, २, १ ६ ३ ७ ५, १३ ४ १५ ६ २४ १ पन्न० २८ नाया० १ विशे० ५४९ ८८० पि० नि० १९५, प्रव० ५१, क० गं० ६ ७ पचा० ४ १५ (२) સાવધાનપણું સાવચેતી सावधानता attentiveness cautiousness carefulness आव० ९१ (३) પન્નવણા સૂત્રના ૧૯ મા પદનું નામ पन्नवणा सूत्र के १९ व पदका नाम name of the 19th Pada of Pannavana Sutra पन्न० १ (४) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ૧૩ મા દ્વારનું નામ पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद के १३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dwara of the 3rd Pada of Pannavana Sutra पन्न० ३, (५) ફાયદો, લાભ फायदा; लाभ gain, advantage सु० च० ४, १६३; —**आत** पु० (-आत्मन्) ઉપયોગરૂપ આત્મા उपयोगरूप आत्मा soul in its aspect of consciousness भग० १२ १० —**गुण** पु० (-गुण—उपयोग साकारानाकार चैतन्य गुणो धर्मो वस्य स तथा) ચૈતન્યધર્મવાળો જીવ चैतन्य धर्मवाला जीव soul possessed of the power of consciousness 'जीवे सासए गुणओ उवओग गुणे' ठा०५ —**जुय** त्रि० (-युत) ઉપયોગવાળો उपयोग वाला possessed of attentiveness or carefulness "स पुण सावेगणा उवओग जुएवा तिव्व सद्धाए' पचा० १६ —**ट्ठया** स्त्री० (अर्थता) ઉપયોગની અપેક્ષા उपयोग की अपेक्षा desire or wish for attentiveness or carefulness नाया० ५ —**णिव्वत्ति** स्त्री० (निर्वृत्ति) ઉપયોગની ઉત્પત્તિ उपयोगकी उत्पत्ति birth or rise of attentiveness or power of consciousness भग० १६, ८ —**पद** न० (पद) પન્નવણા-પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના ૨૯ મા પદનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के २९व पदका नाम name of the 29th Pada of Pannavana Sutra भग० १६ ७ —**परिणाम** पु० (-परिणाम उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणाम) જીવપરિણામનો એક પ્રકાર जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul पन्न० १३, ठा० १० —**लक्खण** न० (लक्षण) જીવાસ્તિકાયનું ઉપયોગ લક્ષણ जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग) the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul भग० १३, ४,

उवंग. न० (उपाङ्ग) શરીરના અવયવના અવયવ, મુખ્ય અવયવના અવયવ,; ઉપાંગ शरीर के अवयव का अवयव (उपाग). A sub-limb of a body जं० प० अणुओ० १२७, पन्न० २३, क० गं० १, २४, २, ६; ५, ६१, क० प० ४, ४१, १, ५६; (२) અંગ સૂત્રની પાસેના ઉપાગ સૂત્ર; ઉવવાઇ આદિ બાર ઉપાગ अंगसूत्र के उववाई आदि बारह उपांग any of the 12 Upāṅga Sūtras viz Uvavāi etc जं० प० १, राय० निर० १, १, ३, कप्प० १, ६, —**तिग** न० (त्रिक) ઉદારિક શરીરના અંગોપાંગ, વૈક્રિય શરીરના અંગોપાગ અને આહારક શરીરના અંગોપાંગ એ ત્રણનો સમૂહ औदारिक, वैक्रियक और आहारक इन तीनों शरीरो के अंगोपाग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz Udārika Vaikreya and Ahāraka. क० गं० २, २३

उवंजण न० पुं० (उपाञ्जन) ગાડીના પૈડાને ઊંગણ દેવુ–ચીકણો પદાર્થ લગાડવો તે गाड़ी के चाक में तैल देना Lubricating a wheel of a carriage etc "अक्खोवंजणं वणलेवणं" सूय० २, १, ५६, पन्न० २, १;

√**उव-कप्प.** धा० I. (उप+कल्प्) નિપજાવવું, તય્યાર કરવું उत्पन्न करना, तैयार करना To produce, to prepare

उवकप्पंति सूय० १, ११, १६,

√**उव-कस** धा० I. (उप+कष) પામવુ, મેળવવુ प्राप्त करना, पाना To get; to obtain.

उवकसंति. सूय० १, ४, १, २०,

उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११;

√**उव-कर.** धा० II. (उप+कृ) ઉપકાર કરવો. उपकार करना To do a good turn; to do an act of benevolence

उवकरेउ उवा० १, ६८,

√**उव-कर** धा० II (उप+कृ) રાંધવું, રસોઇ કરવી सिझाना, रसोई करना To cook, to cook food

उवक्खडेइ नाया० २, १३, १६

उवक्खडिंति नाया० ८

उवक्खडिज्ज वि० आया० २ १, ६, ५०,

उवक्खडेह आ० नाया० ३,

उवक्खडेउ उवा० १, ६८,

उवक्खडिय सं० कृ० नाया० १६;

उवक्खडित्ता नाया० १६,

उवक्खडेत्ता सूय० २, ६, ३७,

उवक्खडावेइ प्रे० नाया० २, १६, भग० १६, ५,

उवक्खडावेइ ति. प्रे० नाया० १ ७; ८, १६, भग० ३, १; विवा० ३,

उवक्खडाविंति प्रे० नाया० १४,

उवक्खडावेंति. प्रे० भग० ११, ६ १२, १,

उवक्खडावेहि आ० प्रे० नाया० १४,

उवक्खडावेह आ० प्रे० भग० १२, १, १८, २,

उवक्खडाविय स० कृ० भग० १२, १,

उवक्खडावेइत्ता स० कृ० नाया० १, १६, भग० ३, १, १६, ५,

उवक्खडावेत्ता स० कृ० नाया० २· ३; ७, भग० ३, १,

उवकरण. न० (उपकरण) ઉપકરણ, વસ્ત્ર આદિ પરિગ્રહ. उपकरण; वस्त्र वगैरह परिग्रह. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पराह० १, ५, भग० १५, १; —**ओमोयरिया** स्त्री० (-अवमोदरिका) ઉપકરણની ઉણોદરી. उपकरण की ऊनोदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed. ठा० ३, ३;

उवकालिय. न० (*) શરીરના અવયવ, ગાત્ર शरीर के अवयव. Any of the limbs of the body पएह० २, ४,

√**उव-की** धा० III (उप+कॄ) ફેંકી નાખવું बिखेरना To scatter, to disperse.

उवकीरेइ निसी० ७, २७,

उवकुल पु० (उपकुल) કુલનક્ષત્રની પાસેના નક્ષત્રો, જેમકે અશ્વિની કુલ તો ભરણી ઉપકુલ, કૃતિકા કુલ તો રોહિણી ઉપકુલ कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अश्विनी नक्षत्र कुल नक्षत्र है और इस के समीप भरणी नक्षत्र उपकुल है, कृतिका कुल नक्षत्र का रोहिणी उपकुल है The asterisms in the vicinity of a constellation, e g Bharanī in the vicinity of Asvinī, Rohinī in the vicinity of Krittikā ज० प० ७, १६१,

√**उव क्कम** धा० I, II. (उप+क्रम्) ખેડવું, ખેડવું, વાવવાને યોગ્ય કરવું जमीन हलना To cultivate, to till

उवक्कमिजइ क० वा० विशे० २०३६;

उवक्कमिजति. क० वा० श्रणुजो० ६७.

उवक्कम पुं० (उपक्रम) દૂર રહેલ વસ્તુને પ્રતિપાદનશૈલીથી નજિક લાવીને નિક્ષેપ યોગ્ય કરવી, અનુયોગ શબ્દવિવેચનનું પ્રથમ દ્વાર दूरवर्ती वस्तु को प्रातपादनशैली के द्वारा समीप लाकर निक्षेप करना, अनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार An introduction; introductory remarks. अणुजो० ५६, ११९, (२) જેથી જીંદગીનો અંત આવે-આયુષ્ય તુટી જાય તે. जिससे जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य टूट जाय-वह that which puts an end to life सूय० १, ८, १५, भग० ८, प्रव० १०१७, (३) અનુદિત કર્મને ઉદયમાં લાવવા તે. अनुदित कर्म को उदय में लाना causing unmatured Karma to mature. ठा० ४, २; (४) બન્ધનો આરમ્ભ-શરૂઆત बंध का प्रारंभ. commencement of bondage, commencement ठा० ३, ३; ४, २, (५) ઉપાય, ઇલાજ उपाय. means to accomplish an object, an expedient, a remedy. "तिविहे उवक्कमेपरणत्ते तंजहा धम्मिएउवक्कमे अहम्मिए उवक्कमे" ठा० ३, सूय० १, २, ३, १४, श्राया० १, ८, ७, ६, भग० १, ४;

—**काल** पु० (-काल) દૂર રહેલ વસ્તુને પ્રતિપાદનશૈલીથી નજિક લાવવાનો વખત. दूरवर्ता वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय time for making introductory remarks or preliminary observations "सकिलोवक्कमकालो किरियापरिणाम मूरहो" विशे० ६१७,

उवक्कमण न० (उपक्रमण) ઉપક્રમ કરવો, વિશેષતા કરવી. उपक्रम करना, विशेषता करना Commencement, particularisation, making preliminary observations अणुजो० ६८;

उवक्कमिया स्त्री० (औपक्रमिकी) રોગાદિક

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

આરણથી થતી પીડા રોગાદિક से जो पीड़ा हो वह Involuntary pain caused by disease etc "अह उवक्कमिय वय ण घोसम्म सहामि" ठा० ४, २ ४ पञ० १५, भग० १ ४;

उवक्कर पुं० (उपस्कर) સરકાર શુશ્રૂષા सत्कार शुश्रूषा Attendance of a ceremony पण्ह० १ १,

उवक्खड त्रि० (उपस्कृत) રાંધવાને આરમ્ભ કરેલું पकाने के लिये प्रारम्भ किया हुआ (Food) begun to be cooked नि०नि०१७०, जावा०३ ३ आघ० नि० भा० ५४, नाया० ८, उत्त० १२ ११

उवक्खड पु० (उपस्कर) રાંધવાની સામગ્રી पकाने का सामान the articles for cooking ओव० —**संपरण** त्रि० (सपन्न) રાંધવાની સમ્પૂર્ણ સામગ્રીથી તૈયાર થએલ ભાત વગેરે आहार का एक भेद, सिझाने से उत्पन्न भात वगैरह a kind of food food prepared by cooking ओव०

उवक्खडिय त्रि० (उपस्कृत) સરકાર કરાએલ सत्कार किया हुआ Seasoned भग० १२, १, नाया० १६

उवक्खर पु० (उपस्कर) ઘરના ઉપકરણ્ણુ ઘરવખરી, घर के उपकरण, घर सम्बन्धी सामान Household furniture (२) હીંગ આદિ हागादि asafoetida etc ठा० ८, —**संपरण** त्रि० (सपन्न) હીંગ આદિથી વઘારેલ हींग आदि से बघारा हुआ seasoned spiced with asafoetida etc ठा० ८, २,

उवक्खा धा० I, II (उप+ख्या) નામનિર્દેશ કરવો नामनिर्देश करना To make mention of a name

उवक्खाएज्जांति क० वा० भग १३, ३, १०, १, सूय० २, ४, १०,

उवक्खाइया स्त्री० (उपाख्यायिका) ઉપકથા, પ્રાસંગિક કથા उपकथा, प्रसग सम्बन्धी कथा An episode, a story subordinate to the main story; an episodical story नंदी० ५० सम० ६

उवक्खाइत्तार त्रि० (उपाख्यातृ) ખ્યાતિ-પ્રસિદ્ધિ મેળવનાર प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला (One) who has won renown सूय० २, २, ७६,

√**उवगम** धा० I (उप+गम्) પાસે આવવું, નજીક આવવું पास आना नजदीक आना To come near

उवगम्म स० कृ० विशे० ३१६६,

उवगत व० कृ० सम० ३०,

उवगय त्रि० (उपगत) પામેલ પ્રાપ્ત થયેલ प्राप्त हुआ, प्राप्त Acquired got (one) who has got राय ३३ ३८ कप्प० ८ ६८, ओव० ३१ निवा० २ भग० २, १ ८६ अणुजो० १३ नाया० १ ८, ६ १७ भग० ३, ० १६ ३, उवा० १ ६६ ७, ६६, (२) યુક્ત युक्त possessed of united with राय० कप्प० १, ७ —**सलाहत्त** न० (श्लाघत्व) ૨૪ મો સત્ય વચનનો અતિશય सत्य वचन का २४ वा अतिशय the 24th supernatural manifestation of truthfulness of speech सम० राय०

उवगरण न० (उपकरण) વસ્ત્ર પાત્ર વગેરે નિર્વાહના સાધન निर्वाह का सामग्री वस्त्र, पात्र आदि Articles of use, such as clothes, utensils etc, आव० ४, ६, प्रव० १५, १२८, ५०४, राय० २५७, ओव० १६, उत्त० १२ ४; जं० प० ३, १३; आया० १, २, १, ६२, २, ३, ३, १२३;

दसा॰ ४, ६१ विश॰ १६४२ अणुजो॰ १३४; पिं॰ नि॰ २४६ भग॰ ३, ८, ३ १ ५, ४; दस॰ ४ —इंदिय न॰ (इन्द्रिय) शब्दादिने જાણવામાં હેતુરૂપ શક્તિ વિશેષ शब्दादि को जानने म हेतु रूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc विश॰ १६४ —उप्पायणया स्त्री॰ (–*उत्पादनता) ઉપગરણ એકઠાં કરવાં તે આણી આપવા તે उपकरणा का इकट्ठे करना collecting & bringing together articles of use such as clothes, vessels etc ' सफल उवगरण उप्पायणया चउविहा पण्णत्ता ' दसा॰ ४ ८६ —जाय न॰ (जात) ઉપકરણની જાત ઉપકરણના પ્રકાર उपकरण क भद उपकरण का जात varieties of article of use such as clothes utensils etc वव॰ ? ॰ ४ २७ दस॰ ४ वव॰ ७, १७ ८ ११ निसा॰ ? ३० १५ ३५ —दव्वाभोयरिया स्त्री॰ (द्रव्य वमोदरिका) સાધુને રાખવાના ઉપકરણ રાખવાં તે તેના કરતાં પણ ઓછાં ઉપકરણ રાખવાં તે દ્રવ્ય ઉણોદરીને એ પ્રકાર साधू क रखने योग्य उपकरणों से भी कम उपकरण रखना द्रव्य उनादरी का एक भद limitation of implements of use such as clothes etc beyond that prescribed for even a monk भग॰ २५ ७ —परिहाण न॰ (प्रणिधान) લૌકિક ઉપકરણ ગૃહાદિ અને લોકોત્તર ઉપકરણ—વસ્ત્રપાત્રાદિ તેનું પ્રણિધાન—ઉપભોગ પ્રવર્તન लौकिक उपकरण गृहादि और लोकात्तर उपकरण वस्त्रपात्रादि का उपभोग use of such worldly possessions as a house etc also that of such implements as clothes utensils etc , by monks ठा॰ ४,१ —सजम पु॰ (संयम) મહામૂલ્યવાળાં વસ્ત્રનો ત્યાગ કરી સાદાં ધોળાં વસ્ત્ર પહેરવા તે સંયમનો એક પ્રકાર मूल्यवान् वस्त्रों का त्याग कर साद सफद वस्त्रोंको पहिनना सयम का एक भेद a variety of ascetic conduct giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments ठा॰ ? —संवर पु॰ (संवर) સંવરનો એક પ્રકાર સાધુએ પ્રમાણ ઉપરાંત તથા અકલ્પનીય ઉપકરણ ન લેવાં તે संवर का एक भद साधु का प्रमाण स अधिक तथा अकल्पनीय उपकरण न लना a mode of the stoppage of Karma non acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit ठा॰ १०

उवगसित्ता स॰ कृ॰ अ॰ (उपकस्य) સમીપે આવીને समीप आकर having approached मया बध मावाहिं णागाहिं कलुषा त्वणीयसुवगसित्ताणं ' सूय॰ १, ? १ ७

उवगाइज्जमाण त्रि॰ (उपगायमान) ગવાતું गाया जाता हुआ Being sung 'उवगाय विउल्ल त्ति उवगाइज्जमाण उवलालिज्ज माणा ' राय॰ २८६

उवगार पु (उपकार) ઉપકાર उपकार A good turn a benevolent deed benevolence kindness नंदी॰ —(रा) अभाव पु॰ (–अभाव) ઉપકારનો અભાવ અપકારી પણું अपकार का अभाव अपकार absence of benevolence or kindness; un-

Kindness " उवयाराभावम्मिवि पुव्वाय पुत्रगस्स उवमारो " पवा० ४, ४४

उवयारण न० (उपकारण) ઉપકાર કરવો કરાવવો તે उपकार करना कराना Showing kindness or causing others to show it to those in distress " उवयारणपारयासु विवस्ा पडिजयव्वो " पएह० १ ३

उवयारि. त्रि० (उपकारिन्) ઉપકાર કરનાર उपकार करनवाला उपकारी Benevolent kind helpful पचा० ४, ४१,

उवयारियलेण न० (उपकारिकालयन) પ્રાસાદમાં દાખલ થતાં ઉપકારક થાય તેવો ચોતરો વગેરે પ્રાસાદપીઠ प्रासाद में जाने समय चढने का चौंतरा प्रासादपीठ A small platform to ascend the palace भग० ३ ७ १३ ६

उवगाहित्तए स० कृ० अ० (अवगाहितु) અવગાહન કરવાને अवगाहन करने के लिये In order to enter or pervade नाया० ८

उवगिज्जमाण त्रि० (उपगीयमान) ગાતું गाता हुआ Singing being sung नाया० १ १ भग० ६, ३३ राय० २७५ जं० प० ३ ५२ ३ ६७

√**उवगिएह** धा० I II (उप+ग्रह्) ગ્રહણ કરવું ग्रहण करना To take t accept

उवगिएहइ भग० ५ ४

उवगिएहमाण भग० ५ ६

उवगीयमाण त्रि० (उपगीयमान) ગાતો गाता हुआ Singing विवा० १

उवगूढ त्रि० (उपगूढ) સ્પૃષ્ટ અડકેલ छुआ हुआ, स्पर्श किया हुआ Touched by, in contact with सूय० १ ४ १, २७, नाया० १८ (२) યુક્ત युक्त, सहित joined with, possessed of. " गुंजावक कुहरिकगूढ " राय० (३) छुपाई रहेलु छुपाई रहेल छुप कर रहा हुआ remaining hidden or concealed, hiding lurking राय० ८६,

उवगूहण न० (उपगूहन) આલિંગન आलिगन भेंट मिलाप Embrace, pressing to the bosom with affection " आलइयबाहयेहिं बाहय उवगूहयोइ " तदु०

उवगूहिअ त्रि० (उपगूहित) આલિંગન કરેલ आलिगन किया हुआ Embraced तदु० राय० नाया० ६

उवगूहिज्जमाण त्रि० (उपगूह्यमान) આલિંગન કરાતુ मिलाप करा[illegible] हुआ Embracing उवलालिज्जमाण उवगूहिज्जमाण नाया० १ राय० ८६

उवग्ग अ० (उपाग्र) સમીપમાં નજીક नजदीक समीप Near in the vicinity विश० ३०१५

उवग्गह पु० (उपग्रह) ઉપાધિ જેની ભવ[illegible] તે उपाधि कमरन का कारण Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths आव० पच० ३६ (२) આશ્રય ટેક टेका आधार a support ग[illegible] १५ आव० पि० नि० ६६ भग० ५ ६ (३) આજ્ઞા आज्ञा, हुक्म order command नाया० १३ १४ नाया० ध० —कम्म न० (कर्मन्) ભવોપગ્રાહી કર્મ વેદનીય, આયુષ્ય, નામ, અને ગોત્ર એ ચારમાંનું ગમે તે એક भवोपग्राही कर्म वदनीय, आयुष्य, नाम और गोत्र इन चार कर्मो में से कोई भी एक कर्म Karma which is helpful in prolonging worldly existence,

any of the four kinds of Karma viz Āyuṣya, Nāma, Gotra and Vedaniya पन्न० २६, —कुसल त्रि० (-कुशल) अनुग्रह करवामां कुशल अनुग्रह-उपकार-करने में कुशल (one) proficient in showing favour kindness etc वव० ३, ३, —ट्ठया स्त्री० (-अर्थना) अनुग्रहनी अपेक्षा अनुग्रह की अपेक्षा a desire or wish for Anugraha i e favour help etc ठा० ५ ३

उवग्गाहिय त्रि० (औपग्राहिक) पाडीहारु साधुओ थोडा वखत राखी पाछु आपीने सेपी देवा योग्य वस्तु उपाधि ऐसा वस्तु जो कि साधु थोडे समय के वास्ते लेकर उस वापस मालिक को दे देता है, वापस देने योग्य वस्तु (Anything) borrowed from the owner for temporary use भग० ८ ३१ आघ० नि० ३२६

उवग्गाहिय त्रि० (उपगृहीत) उपस्थापन करेल उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order पन्न० २२

उवग्घाय पु० (उपोद्घात) प्रस्ताव उपोद्घात उपोद्घात प्रस्ताव An introduction a preface अणुजो० १५५ विशे० ६०२

उवघाअ य पु० (उपघात) विनाश मरण संहार विनाश, मरण संहार Death destruction annihilation क० ग० १ २५ ४८ ५ ७ ७०, क० प० १, ४८, प्रव० १२०७, १३८८; पिं० नि० भा० २४ ओघ० पञ्ज० ११ ०३ पण्ह० १ १, (२) आघात-श्रोत्रादि इन्द्रियोने वाजित्र वगेरेना शब्दथी धक्को लागे ते श्रोत्रादि इन्द्रियों को वाद्य आदि के शब्दादिक अथवा वगैरह से जो धक्का लगे वह an impact given by sound etc to the sense organs e. g ears etc विशे० २०४ (३) पिंड शय्या वगेरेनु अकल्पनि पणु जेथी साधुने आहार शय्या वगेरे कल्पे नहि तेवो दोष पिण्ड शय्या आदकी अकल्पनीयता food, bed etc used by an ascetic against the rules of scriptures ठा० ३ ४ —कम्म न० (कर्मन्) बीजानी घात थाय तेवी क्रिया दूसर का घात जिस से हो एसी क्रिया an act which involves destruction of other living beings "आसुरियं भक्खियाग च गादधुमुवघाय कम्मगा" सूय० १, ६, १५ —कम्मग न० (कर्मक) जुओ उपलो शब्द देखो उपरका शब्द vide above सूय० १, ६ १५ —नाम न० (-नामन्) नामकर्मनी एक प्रकृति नाम कर्मका एक प्रकृति a variety of Nāmakarma सम० — —णिस्सिय न० (निश्रित) दशमुं मृषा जुठ, दसवाँ झूठ, असत्य का दशवां भेद the 10th variety of falsehood or lie प्रव० ८६६ ठा० १० —वज्ज त्रि० (वर्ज्य) उपघात नामकर्मनी प्रकृति सिवाय उपघात नामकर्म की प्रकृति के अतिरिक्त with the exception of the variety of NāmaKarma known as Upaghāta क० प० ४, ३

उवघाइ त्रि० (उपघातिन्) घात करनार मारनार घात करन वाला मारने वाला A destroyer a slaughterer उत्त० १, ४०

उवघाइअ त्रि० (उपघातिक) उपघात-नाश करनार दूसरेका घात करने वाला

kindness "उवगाराणावरिणवि पूयाव [illegible] उवगारो" पंचा० ४, ४४

उवगारण न० (उपकारण) ઉપકાર કરવો કરાવવો તે उपकार करना कराना Showing kindness or causing others to show it to those in distress "उवगारणपारगासु विणओ पडिवज्जयव्वा" पयह० १ ३

उवगारि त्रि० (उपकारिन्) ઉપકાર કરનાર उपकार करनेवाला उपकारी Benevolent kind helpful पंचा० ४, ४१,

उवगारियलेण न० (उपकारिकालयन) પ્રાસાદમાં દાખલ થવાને ઉપકારક થાય તેવો ચોતરો વગેરે આસાદપીઠ प्रासाद में जाने समय चढ़ने का चौटला प्रासादपीठ A small platform to ascend the palace भग० ३ ७ १३ ६

उवगाहित्तए स० कृ० अ० (अवगाहित) અવગાહન કરવાને अवगाहन करने के लिये In order to enter or pervade नाया० ८

उवगिज्जमाण त्रि० (उपगीयमान) ગાતું गाता हुआ Singing being sung नाया० १, १ भग० ६, ३३ राय० २७५ जं० प० ३ ५२ ३ ६७

√**उवगिराह** धा० I II (उप+ग्रह) ગ્રહણ કરવું ग्रहण करना To take to accept

उवगिराहइ भग० ५ ४

उवगिराहमाण भग० ५ ६

उवगीयमाण त्रि० (उपगीयमान) ગાતો गाता हुआ Singing विवा० ६

उवगूढ त्रि० (उपगूढ) સ્પર્શ કરેલ [illegible] हुआ, स्पर्श किया हुआ Touched by; in contact with सूय० १ ४ १, ११, नाया० १८, (२) युक्त युक्त, सहित joined with; possessed of. "गुंजवल्ल कुहरोवगूढ" राय० (३) છુપાઈ રહેલ ભરાઈ ગયેલ छुप कर रहा हुआ remaining hidden or concealed, hiding lurking राय० ८६

उवगूहण न० (उपगूहन) આલિંગન आलिंगन भेट मिलाप Embrace, pressing to the bosom with affection "[illegible] उवगूहणोहि" तंदु०

उवगूहिय त्रि० (उपगूहित) આલિંગન કરેલ आलिंगन किया हुआ Embraced तंदु० राय० नाया० ६

उवगूहिज्जमाण त्रि० (उपगूह्यमान) આલિંગન કરાતું मिलाप कराता हुआ Embracing "उवलालिज्जमाणा उवगूहिज्जमाणा" नाया० १ राय० १८६

उवग्ग अ० (उपाग्र) સમીપમાં નજીક नजदीक समीप Near in the vicinity विशे० ३०१४

उवग्गह पु० (उपग्रह) ઉપાધિ જેથી ભવ વધે તે ઉપાધિ कर्मबंध का कारण Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths आव० पन्न० ३६ (२) આધાર [illegible] टेका आधार a support [illegible] १५ आव० नि० नि० ६६ भग० २, ६ (२) આજ્ઞા आज्ञा, हुक्म order command नाया० १३ १४ नाया० ध० —**कम्म** न० (कर्मन्) ભવોપગ્રાહી કર્મ વેદનીય, આયુષ્ય, નામ, અને ગોત્ર એ ચારમાનું એક તે એક भवोपग्राही कर्म वेदनीय, आयुष्य, नाम और गोत्र इन चार कर्मों में से कोई भी एक कर्म Karma which is helpful in prolonging worldly existence,

any of the four kinds of Karma viz Āyuṣya, Nāma Gotra and Vedanīya पन्न० ३६ —कुसल त्रि० (—कुशल) અનુગ્રહ કરવામાં ચતુર अनुग्रह-उपकार-करने में कुशल (one) proficient in showing favour kindness etc बव० ३ ३ —ट्ठया स्त्री० (—अर्थना) અનુગ્રહની અપેક્ષા अनुग्रह की अपेक्षा a desire or wish for Anugraha i e favour help etc ठा० ५ ३

उवग्गहिय त्रि० (औपग्रहिक) સાધુને થોડા વખત રાખી પાછું આપવાને સારૂ લેવાય તે વસ्तु ઉપધિ ऐसा वस्तु जो कि साधु थोड़ा समय के वास्ते लेकर उस वापिस मालिक को दे देता है वापिस देने वाली वस्तु (Anything) borrowed from the owner for temporary use भग० ८ ३१ आव० नि० ७ ६

उवग्गहिय त्रि० (उपगृहीत) ઉપસ્થાપન કરેલ उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order पन्न० २३

उवग्घाय पु० (उपोद्घात) પ્રસ્તાવ ઉદ્ઘાત उपोद्घात प्रस्ताव An introduction preface अणुजा० १५५ विशे० ६७२

उवघाअ य पु० (उपघात) વિનાશ મરણ સંહાર विनाश मरण संहार Death destruction annihilation क० गं० १ २५ ४८ ५ ७ ७० क० प० १ ४८ प्रव० १२७७, १३८८; पिं० नि० भा० २४ ओघ० पन्न० ११ २३; पयह० १ १; (२) આઘાત-શ્રોત્રાદિ ઈન્દ્રિયોને શબ્દ વગેરેના શબ્દથી ધક્કો લાગે તે आघात इन्द्रियों को शब्द आदि के शब्दादिक अथवा वगैरह से जो धक्का लगे वह an impact given by sound etc to the sense organs e g ears etc विशे० २०४ (३) પિંડ શય્યા વગેરેનું અકલ્પનીયપણું જેવી સાધુને આહાર શય્યા વગેરે કરે નહિ તેવો દોષ पिण्ड शय्या आदकी अकल्पनीकता food bed etc used by an ascetic against the rules of scriptures ठा० ३ ४ —कम्म न० (कमन) બીજાની ઘાત થાય તેવી ક્રિયા दूसर का घात जिस स हो एसी क्रिया an act which involves destruction of other living beings आधूवि मविक्खराग च [illegible] कम्मग " सूय० १, ६ १५ —कम्मग न० (कर्मक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो उपरका शब्द vide above सूय० १ ६ १४ —णाम न० (—नामन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ नाम कर्मका एक प्रकृति a variety of Nāmakarma सम० ० —णिस्सिय न० (निश्रित) દશમ મૃષા દશવા ભેદ, असत्य का दशवा भेद the 10th variety of falsehood or lie प्रव० ८६६ ठा० १० —वज्ज त्रि० (वर्ज्य) ઉપઘાત નામકર્મની પ્રકૃતિ સિવા યનુ उपघात नामकर्म का प्रकृति के अतिरिक्त with the exception of the variety of Nāmakarma known as Upaghāta क० प० ४ ३

उवघाइ त्रि० (उपघातिन्) ઘાત કરનારુ મારનાર घात करने वाला मारने वाला A destroyer a slaughterer उत्त १ ४०

उवघाइय त्रि० (उपघातिक) ઉપઘાત-નાશ કરનાર दूसरेका घात करने वाला

(One) that kills or destroys another दस० ८ २१

उवघाइया स्त्री० (उपघातिकी) प्रायश्चित्त नो એક પ્રકાર ભારે પ્રાયશ્ચિત્તમાંથી થોડા વખત બાદ કરી લઘુ પ્રાયશ્ચિત્ત આપવું તે प्रायश्चित्त का एक प्रकार भारी प्रायश्चित्त मे से थोड़ा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त देना A mode of expiation making an expiation lighter by curtailing the time required for its due performance and then prescribing it to a sinner (२) २८ આચારપ્રકલ્પમાંનું એક २८ आचारप्रकल्प मे से एक one of the 28 Āchāra Prakalpa ' उवघाइया आरोवणा अणुघाइया आरो वणा ' सम० २८

√**उवचिय** धा० I (उप+च्यु) ચ્યવવું, નાશ થવો च्युत होना नाश पाना To destroy, to ruin

उवचयति भग० २ ५;

उवचय पु० (उपचय) પુષ્ટિ, વધારો વૃદ્ધિ वृद्धि, बढ़ती; पुष्टि Increase growth भग० २० ४ पिं० नि० ?, १०१ म० च० १, ३१५ राय० २४०, (२) ઇંદ્રિય યોગ્ય પુદ્ગલનો સંગ્રહ કરી ઇંદ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધવી ते इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संग्रह करके इन्द्रिय पर्याप्ति का बांधना development or growth of organs of the body by sufficient storage of proper molecules पन्न० १५ क्वाइ० १, ४,

√**उव-चर** धा० I (उप+चर्) પાસે આવી ઉપસર્ગ આપવો-કષ્ટ આપવું समीप आकर उपसर्ग करना-कष्ट देना To trouble or annoy by approaching.

उवचरति आया० १, ६, १, ७,

उवचरअ-य पु० (उपचरक) સેવાને મિષે બીજાને ઉતારી પાડવાની તક જોનાર सेवा क बहाने दूसर क पतन का मौका ताकने वाला One who watches for an opportunity to bring another into disgrace while pretending to serve him सूय० २ २ २८

उवचरिअ त्रि० (उपचरित) ઉપચાર કરેલ उपचार किया हुआ Worshipped पचा० ६ १०

उवचार पु० (उपचार) પૂજા સામગ્રી पूजा सामग्री Materials of worship पगह० १ ३

उवचिअ-य त्रि० (उपचित) પુષ્ટ થયેલ, વૃદ્ધિ પામેલું જીવના પ્રદેશથી વ્યાપ્ત થએલું पुष्ट वृद्धि प्राप्त जीव के प्रदेश से व्याप्त Grown, developed increased ' उवचियतयपत्तपवाल कर पुप्फ फल समुदए ' जं० प० ? ३८ विशे० ८६४ दस० ७ ?? नाया० १ ४ पन्न० २, आव० १० भग० १ १ ६ ? १ दसा० १ १ उवा० ? ६५ कप्प० २, १४ ३, ३२ ३४ (२) સહિત सहित युक्त accompanied with अणुजो० ५३ जीवा० ३ १ (३) સ્થાપન ગોઠવેલ स्थापित जमाया हुआ established settled arranged (४) બનાવેલું કમાવેલ सम्हाला हुआ कमाया हुआ mended tanned, cured (leather) राय० १०?

√**उव-चिट्ठ** धा० I,II (उप+स्था) સમીપ જવું પાસે સ્થિતિ કરવી समीप में स्थिति करना To stand in front of, to go to

उवचिट्ठइ नाया० १, सु० च० १, २४१,

उवचिडिति भग० ७, ६;
उवचिट्टे. वि० दस० १, २०,
उवचिट्ठिआ वि० उत्त० १, ३;
उवचिट्ठइत्था. वि० दस० ६ ११;
√उव-चिय. धा० II (उप+चि) ઉપચય કરવો; વૃદ્ધિ કરવી उपचय करना; वृद्धि करना. To increase, to grow, to develop
उवचियइ. भग० १, १; १, ७, ६, उत्त० २६, २२.
उवचिणिंति ठा० ४, १;
उवचिणिस्संति ठा० ४; १,
उवचिणिंसु भू० ठा० ४, १;
उवचिज्जइ क० वा० भग० १, १०.
उवचिज्जन्ति. भग० ६, ३, २५, २.
√उव-जा धा० I (उप+या) પાસે જવું મળવું पास जाना; मिलना To go to or near, to meet
उवयाइ. मत्त० ७२,
√उव-जीव धा० I (उप+जीव्) જીવવું; નિર્વાહ કરવો जीना, निर्वाह करना To live; to maintain livelihood
उवजीवइ भग० २, १, वव० ६, ६, सूय० २, ५, ३१;
उवजीवंति भग० ४१, १,
उवजीवि. त्रि० (उवजीविन्) આજીવિકા ચલાવનાર आजीविका चलाने वाला (One) who maintains livelihood, (one) who supports life पि० नि० २६६,
उवजुंजिऊण सं०कृ०अ० (उपयुज्य) ઉપયોગ કરીને उपयोग करके Having used; having made use of भग० ८, १
उवजुत्त त्रि० (उपयुक्त) ઉપયોગ સહિત उपयोग सहित. Full of carefulness or attentiveness प्रव० ६८;
उवजोइय. पु० (उपज्योतिष्क = ज्योतिषः समीपे तिष्ठन्तीति उपज्योतिष्काः; अग्नीपार्श्ववर्ति- तिष्काः) અગ્નિ પાસે રહેનાર; રસોઇઓ. अग्नि के समीप रहने वाला; रसोइया. One who remains near fire; a cook. (२) અગ્નિહોત્રી अग्निहोत्री. one who consecrates and maintains the sacred fire उत्त० १२, १८;
√उव-पज्ज धा० I. (उप+पद्+य) ઉત્પન્ન થવું. उत्पन्न होना To be born; to be produced.
उववज्जति दसा० ७, ७;
उववज्जित्तए हे० कृ० भग० ७, ६; ३४, १
√उव-वज्ज धा० II (उप+पद्) ઉપજવું. ઉત્પન્ન થવું पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced.
उववज्जइ भग० १, ७, ३, ४, ५, ४, ६; ८, १०, नाया० १६,
उववज्जति ओव० ३८, उत्त० ८, १४; सू० प० १६. भग० २, ५, ७, ३, १०, ४; ११, १, १२, ६; १३, १; १६, ३, २०, १; २३, ५, २४, १, ३२, ३५, ८; ३२, १, ३५, ४; ४०, १, ४१, १;
उववज्जेज्जा भग० १, ७, १२, ८, १७, ६, २०, ६. २४, १; ३४, १.
उववज्जिहिति. भग० २, १, ७, ६, ११, ११, १३, ६, १४, ८; १५, १, नाया० ध० उवा० १, ६२; ६०: २, १२५, ओव०
उववज्जिहिंति नाया० १. १४, भग० ३, १; ७, ६; विवा० १, ज० प० २, ३६;
उववज्जिहिसि उवा० ८, २५५, २५६;
उववज्जिस्सइ भग० ३, १,
उववज्जित्तए हे० कृ० भग० ३, ४; ५, ३; ६, ५; ७, ६, ७, १२, ६; १७, ६, ७, १८, ५; ८; २०, ६; २४, १; २१; ३४, १; पन्न० १६;

उवसज्जिसा सं॰ कृ॰ भग॰ ११ ६, २० ६
उवसज्जित्ता सं॰ कृ॰ भग॰ ६ ५
उवसज्जिऊण सं॰ कृ॰ पज॰ १६
उवसज्जमाण भग॰ १ २ ६ ७ १२ ८
२४ १ २ २० २५ ६ ३४ १
४१ १
उवसावए प्रे॰ वि॰ उत्त॰ १ ४३ दस
८ ३३

उवज्जोइ त्रि॰ (उपज्योतिष) અગ્નિ અગ્નિ સમીપવર્તી ज्योति अग्नि समीपस्थ (One) who remains near the fire remaining near the fire सूय॰ १, ४ १ २६

उवज्झाय पु॰ (उपा याय उपसमीपमागम्य अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचनं येभ्यस्ते उपाध्यायाः) ઉપાધ્યાય શાસ્ત્રનું અધ્યયન કરાવનાર उपाध्याय शास्त्र का अध्ययन कराने वाला An Upadhyaya or preceptor or teacher of scriptures दसा॰ १ १ वय ४ १५ नाया॰ २ ०॰ भग॰ १ १ ५ ८ ८ २५ ७ ओव॰ २० ४१ उत्त॰ १७ ४ सम॰ ३० आया॰ २ १ १० ५६ राय॰ १ पन्न॰ १६ वव॰ १ २६ २६ आव॰ १ २ भत्त॰ ४८ कप्प॰ १ १ —पडिणीय पु॰ (प्रत्यनीक) ઉપાધ્યાયનો શત્રુ उपाध्याय का शत्रु an enemy of an Upadhyaya or preceptor भग॰ ६ ३३; १२ १ —वेयावच्च न॰ (वैयावृत्य) ઉપાધ્યાયની સેવા કરવી તે उपाध्याय की सेवा rendering of service to an Upadhyaya or teacher of scriptures भग॰ २५ ७ ठा॰ ५ १ सम॰ १० २७

उवज्झायत्त न॰ (उपाध्यायत्व) ઉપાધ્યાયપણું उपाध्याय पना State of being an Upadhyaya or teacher of scriptures preceptorhood वव॰ ८ १, ११ वव॰ ७, १९

उवज्झायता स्त्री॰ (उपाध्यायता) ઉપાધ્યાયની પદવી उपाध्यायकी पदवी Degree or title of an Upadhyaya or preceptor ग॰ ३ ४ वव॰ ३ ४ ७

उवट्ठंभ पु॰ (उपष्टम्भ) ટેકો टका A support प्रव॰ १३८१

√ उव ट्ठव धा॰ I II (उप+स्था) તૈયારી કરવી મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું तयारी करना मल मिलाना जमाना सजाना महाव्रतका आरोपण करना To make preparations arrangements to administer the great vows

उवट्ठवेइ नाया॰ १ ५ ८ १२ १३
दसा॰ १० १
उवट्ठवति नाया॰ ८ भग॰ ७ ६
उवट्ठवसि नाया १२
उवट्ठवे दसा॰ १० १
उवट्ठवह आ॰ नाया॰ १ ५ ८ १२
भग॰ ७ ६ ६ ३३ आव॰
६ ३० राय॰ २ ६ उवा॰ ७
२०६ ज॰ प॰ ५ १२०
उवट्ठवत्ता भग॰ ६ ३३ निसी॰ १४ ४८
नाया॰ १ १३

उवट्ठवणा स्त्री॰ (उपस्थापना) મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું તે महाव्रत का आरोपण करना Investing with full vows (i.e. investiture vows) पचा॰ १७ ३१

√ उव ट्ठा धा॰ I II (उप+स्था+णि) ઉપસ્થિત રહેવું તૈયાર રહેવું तैयार रहना उपस्थित रहना हाजिर रहना To keep (oneself) ready or prepared
उवट्ठाइ ज॰ प॰

उवट्ठंति, अणुजो॰ ९१,
उवट्ठाएज्ज भग॰ १५, १;
√उवट्ठाव धा॰ I II (उप+स्था+णि) ચારિત્રમાં સ્થાપવું મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું महाव्रत का आरोपण करना To establish (a fresh disciple) in right conduct to administer the great vows to a disciple
उवट्ठावेइ नाया॰ ८; निसी॰ ११ ३८
उवट्ठाविंती नाया॰ ८
उवट्ठावेज्जा भग॰ १ ८ वव॰ १ २५ २७
उवट्ठावइ आ॰ भग॰ ७ ६
उवट्ठाविसए हे॰ कृ॰ ठा॰ २ १ सूय॰ २ ७ १५ वव॰ २,१६ ६ २० १० १८
उवट्ठावणए ठा॰ ३, ४
उवट्ठाण न॰ (उपस्थान) બેઠક સભા મંડપ बैठक सभा मंडप A seat a meeting place a hall of assembly क प ४ ८८ भग॰ १, ३ ३ ७ नाया॰ (२) સંયમ અનુષ્ઠાન सयम का अनुष्ठान observance of asceticism सूय १ १ ३ १८ —साला स्त्री॰ (शाला) રાજસભા બેઠક राज सभा बैठक a seat a hall f audience a royal council hall नाया॰ १ ५ १६ ज॰ प॰ ३ ४३ भग॰ ७, ६, ६ ३३ ११ ११ निर॰ १ १ नाया॰ ध॰ दसा॰ १० १ बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए पडिएक पडिएकाइं जत्त भि सुहाइं जुत्ताइं आणाइ उवट्ठवह आव॰ ११ २६ कप्प॰ ४, ५८
उवट्ठाणिअ न॰ (उपस्थानिक) ભેટ, બક્ષીસ નજરાણો भट इनाम पारतोषक नजराना A gift, a present ज॰ प ३, ६४ ३ ४५
उवट्ठाणिया स्त्री॰ (उपस्थानिका) પાસે બેસનારી દાસી समीपमें पास में बैठनेवाली दासी An attendant female servant a waiting maid servant भग॰ ११, ११,
उवट्ठावण न॰ (उपस्थापन) દીક્ષા લીધા બાદ સાત દિવસે ચાર મહિને કે છ મહિને મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું—મ્હોટી દીક્ષા આપવી તે દેપસ્થાપનીય ચારિત્ર આરોપવું તે दीक्षा लेने के बाद सात दिन चार मास या छ माम के नतर महाव्रत का आरोपण करना बडा दीक्षा देना छेदोपस्थापनीय चारित्र का आरोपण Fresh admission after expulsion from the order of monks वव॰ १० १२ १३, ठा॰ ४ २ —अंतेवासी पु॰ (अन्तेवासिन्) જેને છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર આપ્યું હોય તેવો શિષ્ય जिसे छेदोपस्थापनीय चारित्र दिया हो वह शिष्य a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion वव॰ १० १३ १४, (ख)—आयरिअ पु॰ (आचार्य) મોટી દીક્ષા આપનાર આચાર્ય ગુરુ बडी दीक्षा देनेवाल आचार्य a preceptor entitled to re admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion ठा॰ ४ ३ —आरिअ पु॰ (-आचार्य) ઉપસ્થાપના છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર આપનાર ગુરુ छेदोपस्थापनीय चारित्र देनेवाल गुरु a preceptor re admitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion वव॰ १०, १२,
उवट्ठिअ य त्रि॰ (उपस्थित — उप सामीप्येन स्थित उपस्थित) પાસે આવેલ હાજર થએલ समीप में आया हुआ हाजिर रहा

हुआ Come near, approached present "उवट्ठियामे आयरिया वि ज्जामंत तिगिच्छमा" उत्त० २०, २२, नाया० ८, दस० ४, ६, २ ५ सम० ३०, प्रव० १२५ आया० १ ४ १ १२६ भग० १ ६ ७, ६ सूय० १, १ ७ ५ उत्त० २५ ५ ओघ० नि० ५१५

उवडहित्तए त्रि० (उपदग्धृ) બાળનાર જલાને वाला (One) who burns or sets fire to सय० २ ७ १८

√**उव-ढोय** धा० II (उप+ढौक्) ભાવતા ચડાવવી ધરવું मानता करना मानता चढाना To offer for acceptance e g before a deity to present as an offering

उवढोइति स च० ७ ३३६

उवणच्चिज्जमाण पु० (उपनृत्यमान) નાચતો नाचता हुआ नृत्य करता हुआ One who is dancing भग० ६, ३३ ज० प० ३, ६७ ३ ५२

उवणत्थ त्रि० (उपन्यस्त) તૈયાર કરેલ तैयार किया हुआ Made ready prepared दस० ९, १ ३९;

उवणद्ध त्रि० (उपनद्ध) ઘણું बहुत Much more in a great quantity भग० ६ ३३

उवणय पु० (उपनय) પ્રકૃત વસ્તુની સાથે ઉદાહરણની ઘટના કરવી તે प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना The fourth member of the five membered Indian syllogism (in logic), the application of the Udāharaṇa or illustration to the special case in question ओघ० नि० भा० ४४, विशे० ३१४२, (२) भेटणं) भेटणं, इनाम, पारितोषक a gift, a present राय० २१७, (३) ગુણની તારીફ પ્રશંસા प्रशंसा praise or appreciation of merits or virtues प्रव० ६०३;

—**वयण** न० (-वचन) પ્રશંસા વચન જેમ અમુક સ્વરૂપવાન્ અને સુશીલ છે તે प्रशंसाके वचन words of praise or admiration प्रव० ६०३

उवणयण न० (उपनयन) કલાચાર્ય પાસે લઈ તે કળા શિખવવી તે कला के आचार्य से बालक को कला सिखवाना Getting a child instructed in arts by a preceptor भग० ११ ११ पगह० १ राय० २८८

उवणिक्खित्त त्रि० (उपनिक्षिप्त) મૂકેલ रक्खा हुआ Placed deposited वव० २ ४

उवणिक्खियव्व त्रि० (उपनिक्षेप्य) થાપણ મૂકવું रक्खने लायक Placing or depositing a gift वव० ४ २४

उवणिग्गय त्रि० (उपनिर्गत) નીકળેલ બહાર આવેલ निकला हुआ बाहर निकला हुआ Come out got out emerged ओव०

√**उवणिमंत** धा० II (उप+नि+मन्त्र) નિમંત્રણ કરવું નોતરું દેવું निमंत्रण करना न्योता करना To invite to give an invitation

उवणिमंतइ नाया० १ ८ १४ १६ भग० १२ १ सम० ३३

उवणिमंतजा भग ८ ६ वव० १, ३७

उवणिमंतहि नाया० १४

उवणमंतेइ नाया० १

उवणिमंतेहिंति ओव० ४०

उवणिविट्ठ त्रि० (उपनिविष्ट) સમીપે રહેલ समीप में रहा हुआ Placed near remaining near, situated near

राय० ४६, जं० प० ४, ७४;

उवणिहिया. स्त्री० (औपनिधिकी) જુદી જુદી અનેક વસ્તુઓના પૌર્વાપર્યભાવ-અનુક્રમની યોજના; આનુપૂર્વી-અનુક્રમને એક પ્રકાર. भिन्न २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव -अनुक्रम की योजना; अनुक्रमका एक भेद. Arrangement of different things in order or succession अणुजो० ७२;

उवणीअ-य. त्रि० (उपनीत) પાસે આવેલ; પ્રાપ્ત થએલ. समीपगत; प्राप्त Come near; brought near, obtained उत्त० ४, ०; सु० च० १,२१६, आया० १, ३, १, १०८, १, ७, १, ६०, पिं० नि० ११३, नाया० १४, १६, राय० २३७; विवा० ६, पचा० ७, १७, (२) બક્ષીસ આપેલ; સમર્પણ કરેલ समर्पित, अर्पित, पारितोषक में दिया हुआ-दी हुई. (one) who has been presented with. ओव० १६, भग० ५, ६, पराह० २, १, (३) પ્રશંસા, તારીફ, મહિમા प्रशंसा; स्तुति praise; glorification आया० २, ४, १, १३० पज० ११, (४) સંયુક્ત संयुक्त, मिला हुआ. joined with, accompanied with. भग० ११, ११, (५) પ્રસ્તાવના ઉપસંહાર વગેરેથી યુક્ત प्रस्तावना, उपसहार आदि सहित accompanied with a preface, a conclusion etc. अणुजो० १२८; (६) યોજના કરેલ योजित, योजना किया हुआ-की हुई planned; arranged विशे० १५४

—चरअ त्रि० (-चरक) ક્યાંકથી આણેલ હોય કે બક્ષીસ આવી હોય તેની અવેષણા કરનાર. कहीं से लाई हुई या पारितोषक में प्राप्त वस्तु की गवेषणा करनेवाला. (one) who seeks only that which is brought from out side or got as a present. ओव० १६;

—वयण. न० (-वचन , પ્રશંસા રૂપ વચન જેમ કે આ સ્ત્રી રૂપાળી છે प्रशंसायुक्त वचन जैसे अमुक स्त्री रूपवान है words of praise; commendation; e. g. of the beauty of a woman आया० २, ४, १, १३०;

उवणीयतर त्रि० (उपनीततर) જ્ઞાનાદિકમાં અતિશય મગ્ન થએલ ज्ञानादिक मे जो अतिशय मग्न हो वह. (One) deeply absorbed in right knowledge etc सूय० १ २, २, १७,

उवणीयतराग. त्रि० (उपनीततर) અતિ નજીકનું. अतिशय समीपस्थ, बहुत पास का Very close to, very near to सूय० २, १, ३६;

उवणुप्पयणी स्त्री० (अवपातोत्पतनी) આકાશમાં ચડવા ઉતરવાની વિદ્યા. आकाश मे चढने उतरने की विद्या. Art of ascending and descending in the sky नाया० १६

उवण्णसिउं स० कृ० अ० (उपन्यस्य) ઉપન્યાસ કરીને સ્થાપન કરી તે उपन्यास करके स्थापन की हुई Having placed; having deposited; having established विशे० १३५५.

उवत्थड. त्रि० (उपस्तृत) આસપાસ ઢંકાયેલું आसपास ढंका हुआ Covered on all sides. "आलिंगया लिंतिगया उवत्थडा संथडा" भग० १, १, राय० २७३,

उवत्थाणिआ. न० (उपस्थानिक) જુઓ 'उवट्ठाणिअ' शब्द. देखो 'उवट्ठाणिय' शब्द Vide 'उवट्ठाणिय'. जं० प०

उवत्थाणिया स्त्री० (उपस्थानिका) જુઓ

उवट्ठाविया ' शब्द. देखो ' ' उवट्ठाविया ' शब्द. Vide उवट्ठाविया' भग० ११, ११,

उवत्थिअ-य त्रि० (उपस्थित) પાસે રહેલ; તૈયાર રહેલ. समीप में रहा हुआ-हुई, तैयार. Situated near, in a state of readiness; standing near " वसविहारकत्ता उवभोगत्ताए उवत्थिया " सम० १०; नाया० १६; दसा० ६, १७, २३, २८,

√ उव-दंस धा० I, II (उप-दृश्) દેખાડવું. दिखाना. To show; to manifest.

उवदंसेइ ति० भग० २, १०; ३, २; १०, ६, १६, ५; ६, विवा० १; कप्प० ६, ६४,

उवदंसंति भग० ३, १,

उवदंसेंति जं० प० ५, १२१;

उवदंसेमि. सु० च० १४, ११३, सूय० २, १, ११.

उवदंसिज्जा वि० भग० ११, १०, दसा० ३, १४, १२.

उवदंसेज्जा. वि० भग० १४, ८;

उवदंसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदंसेत्ता सं० कृ० भग० ३, १,

उवदंसित्तए हे० कृ० भग० ६, १०, ५, ६; राय० ७, ८; २६८.

उवदंसेत्तए हे कृ० भग० ५, ४. १४, ८,

उवदंसेमाण. राय० ७१; भग० १२, ६, नाया० ८; जं० प० ५, ११७, उवा० ८, २४६;

उवदंसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १३,

उवदंसण पुं० (उपदर्शन) नीलवन्त पर्वत ઉપરનું નવમું શિખર. नीलवत पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount ठा० २, ३; -न० (२) દેખાડવું; બતાવવું. दिखाना; बताना. Act of showing or pointing out. प्रव० १३६; —कूड. पुं० (-कूट) જુઓ ' उवदंसण ' શબ્દ. देखो " उवदंसण " शब्द Vide " उवदंसण " ज० प०

उवदंसणया. स्त्री० (उपदर्शन) નામની અર્થ સાથે યોજના કરી વસ્તુનું નિદર્શન કરવું તે नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning अणुजो० ७२,

उवदंसिय त्रि० (उपदर्शित) દર્શાવેલ, બતાવેલ प्रदर्शित, बताया हुआ Shown, pointed out अणुजो० १६, उत्त० २५, ३५,

उवदिट्ठ त्रि० (उपदिष्ट) ઉપદેશેલ, દર્શાવેલ उपदर्शित बतलाया हुआ Taught, instructed; pointed out भग० ८, ३३, अणुजो० १७, ओव० २१, पन्न० १६,

√ उवदिस. धा० I (उप+दिश्) ઉપદેશ કરવો. उपदेश करना To teach, to advise, to preach

उवदिसइ कप्प० ७, २१०, जं० प० २, ३०;

उवदिसंति नाया० ५; पगह० १, २.

उवदिसित्तए हे० कृ० नाया० १४.

उवदेस. पु० (उपदेश) ઉપદેશ, ધર્મનો બોધ. उपदेश, धर्म का बोध-ज्ञान Religious teaching, instruction; sermon भग० ६, ३१, ३३; १८, २, नाया० १६, पन्न० १,

उवदेसण न० (उपदेशन) જુઓ ' उवदेस ' શબ્દ देखो ' उवदेस ' शब्द. Vide " उवदेस " ठा० ८, १;

√ उव-हव. धा० I, II. (उप+द्रु) ઉપદ્રવ

करवुं; दुःख देवुं; मारवुं. उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

उवद्दवेमो. भग० ८, ७;

उवद्दवेह. ८, ७;

उवद्दवेमाण भग० ८, ७.

उवद्दव. पुं० (उपद्रव) મહાકષ્ટ, આફત महान् कष्ट, आफत, संकट. Great trouble; calamity भग० ६,३३ , नाया० १; जं० प० २, २४; जीवा० ३, ३, —रक्खिय. त्रि० (-रक्षिक) ઉપદ્રવમાંથી રક્ષણ કરનાર उपद्रवसे रक्षा करनेवाला (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव० ६४१,

उवधारेमाण त्रि० (उपधारयत्) ધારણ કરતો धारण करता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on भग० ६, ३३,

उवधारणया. स्त्री० (*उपधारण) અર્થાવગ્રહનું એક નામ. अर्थावग्रह का एक नाम Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha नंदी० ३०;

उवधारिय. त्रि० (उपधारित) ધારણ કરેલ धारण किया हुआ-की हुई. Retained in the mind, put on भग० १, ६,

उवनम् धा० I. (उव+नम्) નમસ્કાર કરવો, नमस्कार करना, प्रणाम करना. To salute, to bow to.

उवणमंति. तंडु० सूय० १, २, १, १,

उवनमंतु भग० ३, २,

उवनंदणभद्द. पुं० (उपनन्दनभद्र) આર્ય સંભૂતવિજયના એ નામના એક શિષ્ય आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vijaya कप्प० ८,

उवनच्चिमाण त्रि० (उपनृत्यमान) નાચ કરતો नृत्य करता हुआ. Dancing. राय० १७५, २८६,

√उव-निमंत धा० II (उप+नि+मन्त्र्) પાસે આવી નિમંત્રણ કરવું. समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching; to invite

उवनिमंतेमि उवा० ७, २२०,

उवनिमंतिस्सति राय० २२६,

उवनिमंतिस्सामि उवा० ७, १८८,

उवनिमंतेत्ता भग० १२, १,

उवनिमंतित्तए हे० कृ० उवा० ७, १६३;

उवनिहिअ. त्रि० (औपनिधिक) ગૃહસ્થ બેઠો હોય તેની નજીકમાં જે આહારાદિ હોય તેની ગવેષણા કરવાના અભિગ્રહ ધરનાર गृहस्थ बैठा हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेषणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders ठा० ५, १, पण्ह० २, १;

√उव-ने धा० I (उप+नी) લઈ જવું, દોરવું लेजाना To lead, to carry; (२) ભેટ આપવી भेंट देना to give as a gift; to give a present (३) સોંપવું सोंपना to hand over; to give under the charge of

उवणेइ-ति. नाया० १, २, ३, ५, ८; ६; १२, १४, १६, १७, १८, जं० प० राय० २६०, सु० च० २; १०८; पिं० नि० ४२३;

उवर्णिति सु० च० २, ३५३,

उवणेति नाया० १, ३, ५, ८; ६; उवा० ८, २४३;

उवणेमो नाया० ८; दसा० १०, ३;

उववाहि. नाया॰ २; १२; १६;
उववोह. नाया॰ १३; ८, १६;
उववोहिंति. ओव॰ ४०;
उववोला. सं॰ कृ॰ सूय॰ २; ६. १,
उवविसइ. हे॰ कृ॰ वव॰ १, २३;
उवविसई. क॰ वा॰ उत्त॰ १३, २६,

उवन्नासोवणअ. पुं॰ (उपन्यासोपनय) વાદિને જિતવાને પ્રત્યુત્તર આપવો તે. वादी को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना replying an adversary with a view to refute his argument. ठा॰ ४, ३,

उवप्पयाण न॰ (उपप्रदान) રાજનીતિનો બીજો પ્રકાર; પહેલા પ્રકારથી દુશ્મન વશ ન થાય તો પછી કંઇક આપી લલચાવી તેને વશ કરવાની નીતિ. राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद, पहले प्रकार से शत्रु के वश न होनेपर उसे कुछ लालच देकर वश करने की नीति (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz enticing him to submit by offering some gift. विवा॰ ३, नाया॰ १; राय॰ २०६,

उववूह. पुं॰ (उपबृंह) સમાનધર્મિઓના સદ્ગુણની પ્રશંસા કરી તેમના મનને ઉત્સાહિત કરવા તે. समधर्मियोंके सदगुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना Encouraging; cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues पञ्च॰ १; पंचा॰ १५, २४; प्रव॰ २६६;

उववूहण न॰ (उपबृंहण) નિભાવ, રક્ષણ, વૃદ્ધિ; પોષણ निभाव, रक्षा; वृद्धि. Encouraging, nourishing; protecting. पंचा॰ १, २८; पग्ह॰ २, १, ५,

उववूहणिय. त्रि॰ (उपबृंहणिक) वृद्धि-पुष्टि કારક. पुष्टि करने वाला. Nourisher of the body निसी॰ ६ ११;

उववूहा. स्त्री॰ (उपबृंहा) ગુણિજનોના ગુણની પ્રશંસા કરવી, સમકિતના આઠ આચારમાંનો પાંચમો આચાર. गुणीजनों के गुणकी प्रशंसा करना, सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेंसे पांचवा आचार Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Achāras of right belief or Samakita उत्त॰ २८, ३१,

उववूहिऊणं अ॰ (उपबृह्य) કુહુ કુહુ અવાજ કરીને कुह कुह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha," cooing सु॰ च॰ १, १६३,

उववूहित त्रि॰ (उपबृंहत) પ્રશંસા કરતો प्रशंसा करता हुआ Praising, applauding, गच्छा॰ ३४,

√**उव-भुंज** धा॰ I (उप+भुज्) ખાવું खाना. To eat, to dine.

उवभुंजइ नाया॰ ७,
उवभुंजसि सु॰ च॰ १, २१३,

उवभुत्त त्रि॰ (उपभुक्त) ભોગવેલ भोगा हुआ Enjoyed भत्त॰ ३६.

उवभोग पु॰ (उपभोग) ઉપભોગની વસ્તુ, જેનો વારવાર ઉપભોગ થઇ શકે તેવા સ્ત્રી વસ્ત્ર ભૂષણ વગેરે उपभोगकी वस्तु, जिस का बारबार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण आदि An object of enjoyment; an object of enjoyment which is not consumed by being used once, e g. clothes, ornaments etc. कप्प॰ ३, ४४; प्रव॰ २८२; क॰ गं॰ १, ५२; पञ्च॰ ३३; उवा॰ १, २२; ५१; पंचा॰ १, २४;

—अंतराय. न० (-अन्तराय) અન્તરાય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી વસ્ત્ર આભૂષણ વગેરેના ઉપભોગ થઇ શકે નહીં. अन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय से वस्त्र, आभूषण आदि का उपभोग नहीं हो सकता A variety of Antarāya (i e obstructing) Karma by the rise of which a person can not enjoy clothes, ornaments etc उत्त० ३३, १५, सम० १७, भग० ८, ६, —ट्ठ न० (-अर्थ) વસ્ત્ર આદિના ઉપભોગ માટે वस्त्र आदि के उपभोग के लिये for the sake of the enjoyment of clothes etc दस० ६, २, १३, —परिभोगपरिमाण न० (-परिभोगपरिमाण) ગૃહસ્થોના સાતમા વ્રતનું નામ કે જેમા એકવાર કે વારવાર ભોગવાય તેવી વસ્તુઓનું પરિમાણુ બાંધવામાં આવે છે. गृहस्थके सात वे व्रतका नाम जिसमें कि उपभोग्य-वारवार भोग में आनेवाली-वस्तुओं के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz those consumed by one use and those not so consumed भग० ७, २; —लद्धि स्त्री० (-लब्धि) ઉપભોગ-વસ્ત્રાદિકની પ્રાપ્તિ उपभोग वस्त्र आदिकी प्राप्ति acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग० ८, २.

उवभोगत्त न० (उपभोगत्व) વસ્તુનો ઉપભોગ, ઉપભોગ उपभोग, उपयोग Use, enjoyment सम० १०;

उवमा स्त्री० (उपमा) મુકાબલો, સરખામણી, ઉપમા. तुलना; उपमा. Comparison "जलहा परिवे सके उवमा न विज्जइ" उत्त० ७, १५; ३६, ६५; पन्न० २, ३०, ओव० विशे० ४७०; राय० २४६; आया० १, ५, ६, १७०, उवा० १, ६२; ३, १४४; क० ग० १, १६, पचा० १६,१०; (२) ધારણા માન્યતા धारणा; मान्यता belief, supposition उत्त० ४, ६.

उवमिअ-य. त्रि० (उपमित) ઉપમાયુક્ત उपमा सहित (That which is) compared. ० ज प० भग० १८, १, विशे० ६८५

उवमिय त्रि० (औपमिक—उपमयाभिवृत्त औपमिक उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणमनतिशायिना ग्रहीतुं न शक्यते तदौपमिकम्) જેનુ કાલપ્રમાણ ઉપમા વિના બીજાથી જાણી ન શકાય માત્ર ઉપમાથીજ જાણી શકાય તે, પલ્યોપમ, સાગરોપમ વગેરે जिसका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना जा सके वह, पल्योपम, सागरोपम आदि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise e. g Palyopama; Sāgaropama etc भग० ६, ७,

उवयरिय त्रि० (उपचरित) ઉપચાર કરેલ उपचार किया हुआ Worshipped. विशे० २८३,

उवयार पु० (उपचार) પૂજનસામગ્રી. पूजासामग्री Articles of worship ओव० पन्न० २. सू० प० १० राय० ६०. जीवा० ३, ३. नाया० १, ३, अणुजो० १३०, भग० ६, ३३, ११, ११. कप्प० ३, ३२, ४, ४८, पचा० २, ३६, जं० प० ४, ६२, सु० च० १, ३७, (२-) કારણમાં કાર્યનો અને કાર્યમાં કારણનો આરોપ

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का और कार्य में कारण का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e g. identification of cause with effect and vice versa विशे० १६०, (३) સમૂહ; ઢગલો. समूह, ढेर a group; a collection. सम० ३४, (४) એક વિષયથી બીજા વિષયનું ગ્રહણ કરવું एक विषय से दूसरे विषय का ग्रहण करना figurative or metaphorical use, secondary application. विशे० १३; (५) લોકવ્યવહાર लोक व्यवहार conventional practice ओव० २०, राय० २६१; ओघ० नि० ७४०,

उवयार पुं० (उपकार) ઉપકાર, મદદ, ભેટ. उपकार; भेंट; सहायता. Obligation, help, a gift; a present सु० च० १, १४, ओघ० नि० ८८३, पि० नि० २४१, भत्त० ११८,

उवयारि त्रि० (उपकारिन्) ઉપકાર કરનાર उपकार करने वाला Obliging, helpful, kind. विशे० २३४४; सु० च० १०, ५५;

उवयारिअ. पुं० (औपचारिक-उपचारो लोकव्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) ઔપચારિક વિનય, વિનયનો એક પ્રકાર औपचारिक विनय, विनय का एक प्रकार A way of showing respect; observing proper forms of respect पंचा० ६, ३७;

उवयारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) સૂર્યાભના વનખણ્ડમાંના મધ્ય ભાગનું એક ઘર-ભવન કે જે એક લાખ જોજનનું લાંબુ પહોળું છે. सूर्याभ के वनखंड के मध्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhaṇḍa (forest region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth जं० प० ४, ८८;

उवयालि. पु० (उपजालि) અંતગડ સૂત્રના ચોથા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ अन्तगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Antagaḍa Sūtra (२) વસુદેવરાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ બાર અંગનો અભ્યાસ કરી સોળ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી પરમ પદ પામ્યા वसुदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिसने कि नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा ली थी और बारह अंग का अभ्यास किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर अन्त में शत्रुंजय पर एक मास का संथारा किया और मोक्ष पाया name of a son of Dhāraṇī the queeer of king Vasudeva He took Dīksā from Lord Nemināthа, studied 12 Angas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya got final emancipation अंत० ४, ३, (३) અણુત્તરોવવાઇના પ્રથમ વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाई के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम name of the third chapter of the first section of Aṇuttarovavāī. (४) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ કરી સોળ વરસની

सुभनथा मां विपुल पर्वत ऊपर ओक मासनो संथारो करी જયંત નામના અનુત્તર વિમાન- માં ૩૨ સાગર ને આઉખે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. श्रेणिक राजा की धारणी रानी के पुत्र का नाम जिस ने कि दीक्षा ग्रहण कर गुणरयण नामक तप किया और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर अंत में एक मास का संथारा करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२ सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां एक अवतार करके मोक्ष जायगे. name of a son of Dhāraṇī queen of king Śreṇika. He took Dīkṣā, practised the Guṇarayaṇa austerity, observed asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Vipula mount, was born in the celestial abode named Jayanta with a life of 32 Sāgars After one more birth he will get salvation अणुत्त० १, ३;

उवयोग पुं० (उपयोग) પોતાના વિષયને જાણવાને તે તરફ લક્ષ આપવું તે, શબ્દાદિ વિષય તરફ ઇંદ્રિયની પ્રવૃત્તિ-વ્યાપાર अपने विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना, शब्दादि विषयों की ओर इन्द्रियों का झुकाव-व्यापार. Operation of the senses in cognising their objects, e g of the ear in relation to sound; straining of the senses towards their objects विशे० २०६८, (२) પાંચ જ્ઞાન ત્રણ અજ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ બારમાંનું ગમે તે એક. पांच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन में से कोई भी एक. any one of the group of the twelve, viz. 5 kinds of knowledge (Jñāna), 3 kinds of ignorance (Ajñāna) and 4 kinds of belief (Darśana) उत्त० २८, १०, विशे० ३१०६, - **इया.** स्त्री० (-अर्थता) ઉપયોગપણું, ઉપયોગની અપેક્ષા. उपयोग लगाने की अपेक्षा, उपयोगपन, उपयोगिता. state of being Upayoga, desire for Upayoga. (q v) भग० ८, ५.

√ **उव रम** धा० I. (उप+रम्) નિવર્તવું, અટકવું. दूर होना, रुकना. To cease; to stop, to desist from.

उवरमइ भग० १, ८, नाया० १८,

उवरम पुं० (उपरम—उपरमणमुपरमः) અભાવ, નિવૃત્તિ. अभाव, निवृत्ति. Absence; cessation; desisting from. विशे० ६२;

उवरय त्रि० (उपरत) પાપથી નિવૃત્તિ પામેલ. पाप से हटा हुआ, छुटकारा पाया हुआ (One) who has desisted from sin. आया० १, ३, ४, १२१, १, ४, १, १२६, दस० ८, १२, उत्त० ६, ७; नाया०१; ६, भग०८, १०, सूय०२, १, ५६, ववं० ३, १३, कप्प०४, ६२; क०गं०६, १०; (२) વૈરભાવ વિનાનો. वैरभाव रहित. free from feelings of hostility. "अ इक्केपाणिबीपामो, भयवेराउउवरए" उत्त० ६, ७, आया० १, ३, १, १०८;

उवराग पु० (उपराग) ગ્રહણ. ग्रहण; खग्रास An eclipse. जीवा० ३, ३;

उवरि. अ० (उपरि) ઉપર; ઉંચે. ऊपर, ऊंचा; ऊर्ध्व भाग में Above; upon; upwards. "अमरपुलिमयों उवरि पकारि ओरलाइं" ओव०; उत्त० १६, ४७;

विसे० ४३०; नाया० १, २' ५, ८, ६ जं० प०१, ३; भग० २, ८, ६, ७, १४, ६; १६, ६; पिं० नि० भा० ३०, क० गं० १, ५०; क० प० ५, ५४;

उवरिं. अ० (उपरि) ઉપર ऊपर Upon; above, over क० प० १ ६७, ज० प० ५, ११६.

उवरिचर. त्रि० (उपरिचर) આકાશમાં અધ્ધર રહેનાર ऊपर आकाश में-अंतराल में रहने वाला Remaining, situated up in the sky, high in the sky जीवा० ३, १,

उवरितल. त्रि० (उपरितल) ઉપરનું તળીયું ऊपर का सपाट भाग The above plat surface भग०१,६; जं०४, ८६,

उवरिपुंछणी स्त्री० (उपरिपुञ्छिनी) સાદડીની છત ઉપર ઝીણા તણખાનું મજબુત આચ્છાદન चटाई की छत पर बारीक घास का पक्का आच्छादन A strong covering (made of straws) upon a mattress ceiling राय० १०८,

उवरिम त्रि० (उपरिम) ઉપરનું, ઉપલું ऊपर का, ऊंचा Situated, remaining above or upwards निसी० १६, १७, भग० १, ५, ८, १०, ९, ३२; १२, १८; नंदी० १८, पन्न० १, उत्त० ३६, ६१, ठा० १, १, पिं० नि० १५०; प्रव० ६, ६. — **गेवेज्जग**. पुं० (ग्रैवेयक) ગ્રૈવેયકના નવ વિમાનમાંના ઉપરના ત્રણ વિમાન ग्रैवेयक के नौ विमानों में से ऊपर के तीन विमान the three topmost of the nine Graiveyaka heavenly abodes. (२) ઉપરની ત્રિકના દેવતા. ऊपर की त्रिक के देवता a deity of any of the three above mentioned heavenly abodes भग० १८, ७;

—**गेवेज्जगकप्पातीय**. न० (-ग्रैवेयक कल्पातीत) ઉપરના ગ્રૈવેયકના કલ્પ તીત દેવતા. ऊपर के ग्रैवेयक के कल्पातीत देवता a Kalpātita deity of the upper Graiveyaka heavenly abode भग० ८, १.

—**गेवेज्जय** पुं० (ग्रैवेयक) જુઓ "उवरियगेवेज्जग" શબ્દ देखो "उवरिमगेवेज्जग" शब्द vide "उवरिमगेवेज्जग" भग० १, २, —**तल** पुं० (-तल) ઉપરનું જાય તળીયું ऊपर का छत, ऊपरकी फर्श the upper floor "जंबूदीवप्पमाणा उवरिमतलेण" भग० २, ८

उवरिमग त्रि० (उपरिमक-उपरिमा पर्योपरिमकाः) ઉપર ઉપર રહેનાર ऊपरहा ऊपर रहनेवाला Situated one upon another, remaining one above another विशे० ६६८,

उवरिमय त्रि० (उपरिमक) જુઓ "उवरिमग" શબ્દ देखो "उपरिमग" शब्द. Vide "उपरिमग" विशे० ७७

उवरिमा स्त्री० (उपरिमा) નવગ્રૈવેયકની ત્રણ ત્રિકમાની ઉપરની ત્રિક ત્રણ વિમાન नवग्रैवेयक की तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक-तीन विमान The topmost three of the 9 Graiveyaka heavenly abodes उत्त० ३६, २१२,.—**उवरिम**. पुं० (-उपरिम) ઉપલિ ત્રિકમા ઉપર-નવમાં ગ્રૈવેયકમાં રહેનાર દેવતા ऊपर की त्रिक में ऊपरके देवता-नवें ग्रैवेयक के (the deities) of the ninth and topmost Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१३ —**मज्झिम** पुं० (-मध्यम) ઉપલી ત્રિકમાં મધ્યમ-આઠમા ગ્રૈવેયકના દેવતા ऊपर की त्रिक में मध्यम - आठवें ग्रैवेयक के देवता. (the deities) of

the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode उत्त० ३६, २१२;
—हिट्ठिम. पु० (*) ઉપલી ત્રિકમા અધસ્તન-સાતમા ગ્રૈવેયકના દેવતા. ऊपर की त्रिक में नीचे के-देव-सातवें ग्रैवेयक के देवता (the deities) of the 7 th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode उत्त० ३६, २१२;

उवरिल्ल त्रि० (उपरितन) ઉપરનું, ઉપલુ. ऊपरका Situatad above, upward. upper "उवरिल्ले ताराख्वे चार चरति" ठा० ६, विशे० ६६७, पन्न० २, १६, अणुजो० १३५, सम० ६, नाया० ८, जीवा० ३, १, पि० नि० १५०, भग० १, ६; २, ८, १०, ३, १, ६, ३, ५, ६; १५, १, १६, ८, २२, १, २५,७, ३०, १, जं०प०२, ३३; ७, १६४,

उवरिसिज्जमाण त्रि० (उद्वृष्यमाण) વરસાદથી ભિંજાતુ बरसात से भींगता हुआ Getting wet with rain निसी० ७, ५२;

उवरुद्द न० (उपरौद्र) નારકીના અંગોપાંગ તોડી દુ:ખ દે તે ઉપરૌદ્ર, પરમાધામીની છઠ્ઠી જાત नारकीयों के अंगापांग छेदकर दुःख देने वाले उपरौद्र देव, परमाधामी देवताओं की छठ्ठी जात. The 6th class of Paramādhāmis (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell beings and torture them. भग० ३,७,

उवरुवरि. अ० (उपर्युपरि) એક બીજાની ઉપર एक दूसरे के ऊपर One upon another; one above another "उवरुवरिसंठाणसंठिय आलिंगणचक्खु परमोक्खुरंत" पराह० १, ३; निसी० १८, १८;

उवरोह. पु० (उपरोध) દુ:ખ, બાધા. दुःख; तकलीफ Pain; trouble. (२) આગ્રહ आग्रह restraint. सु० च० २, ४८३; (३) અટકાવ, રોકાણ. अटकाव; रोक. obstruction, impediment. पराह०२, २,—कारक त्रि० (-कारक) ઉપરોધ કરનાર, અટકાવનાર रोकनेवाला, बाधा पहुंचानेवाला. impeding, obstructing; troubling पराह० २, २.

उवल. पु० (उपल) પથ્થર, પાણો. पत्थर. A stone सु० च० १२, ४६; पि० नि० भा० ७, उत्त० ३६, ७३, भग० ५, २; विशे० ८२६; पन्न० १;

उवलंभ. पु० (उपलम्भ) ઇંદ્રિયજ્ઞાન; સાક્ષાત્કાર इंद्रिय ज्ञान, साक्षात्कार. Direct perception (by the senses) पचा० ३, २३, ६, १०, १३, ३८; विशे० ३५, १८६३, (२) સમૂહ समूह. a group, a collection सु० च० २, ८१,

उवलंभणा स्त्री० (उपलम्भना) ઠપકાનું વચન, ઉલંભો. उपालभ, ओलम्भा Words of rebuke or reproach. नाया० १८,

उवलंभमाण पुं० (उपलंभमान) ઠપકો દેતો उपालम देता हुआ Rebuking; reproaching नाया० १८,

उवलक्खण न० (उपलक्षण) પરિજ્ઞાન-ઉપલક્ષણ મુખ્ય વસ્તુનું જ્ઞાન થવાથી ગૌણવસ્તુનું જ્ઞાન જેથી થાય તે वह ज्ञान जिसमें मुख्य वस्तु का ज्ञान होने से गौण वस्तु का ज्ञान होजाय A mark, a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

actually expressed. सु० च० ३, १५६; विशे० ६३२;

उवलद्ध. त्रि० (उपलब्ध) જાણવામાં આવેલ,પ્રાપ્ત થએલ समझा हुआ, प्राप्त Known, understood, gained; obtained. 'अहयं सहोइ उवलद्धो, सोपेसंति तहाभूएहिं अन्ना उवलेवंपदेहिं" सूय० १, ४, २, ४, प्रव० ६७०, नाया० १२; १६, भग० २, ५, ६, ३३. विशे० ६२, —पुव्व. न० (-पूर्व) पहेलेथीज प्राप्त थएल पहिले से ही मिला हुआ gained, obtained before-hand नाया० १४,

उवलद्धार स्त्री० (उपलब्धृ) वस्तुने साक्षात्कार करनार; वस्तुने जाणनार वस्तु को देखने वाला, वस्तु को जानने वाला One who knows or perceives an object; direct perceiver of an object "उपलब्धा वस्तूनां बोध्धा" विशे० ९१; १८६३;

उवलद्धि स्त्री० (उपलब्धि) ज्ञान, साक्षात्कार; ज्ञान; साक्षात्कार. Knowledge, perception; observation विशे० ६१, —सम त्रि० (-सम) साक्षात्कार जेवुं साक्षात्कार सरीखा similar to or equal to direct perception विशे० १२८,

√**उव-लभ** धा० I (उप+लभ्) प्राप्त करवुं मेळववुं प्राप्त करना, मिलाना To get, to obtain, to acquire

उवलब्भइ. क० वा० अणुजो० १२८,

उवलब्भे वि० दसा० ६, १;

उवलब्भत्ते नाया० १२;

उवलालिय. न० (उपलालित) એક જાતની કામ ચેષ્ટા. एक तरह की काम-चेष्टा. A kind of amorous gesture in a woman; a kind of voluptuous gesture. नाया० ६;

उवलालिज्जमाण. त्रि० (उपलाल्यमान) કામક્રીડા કરતો; ઇચ્છાનુસાર લીલા કરતો. कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार क्रीडा करता हुआ Sporting at will, doing amorous sport. "उवगाइज्जमाणे उवलालिज्जमाणे" राय० २८८, जं० प० ३, ६७, नाया० १, भग० ६, ३३; राय० २७४;

√**उव-लिप** धा० I. (उप+लिप्) હાથ ફેરવવો; ચાટવું, લાડલડાવવો हाथ फेरना, चाटना, लाड लडाना To pat with the hand, to lick, to fondle and endear

उवलिंपए गच्छा० १६,

उवलिप्पइ क० वा० उत्त० २५, २६; ओव० ४०,

उवलित्त त्रि० (उपलिप्त) છાણથી લિપેલ गोबर से लिपा हुआ. Bedaubed or smeared with cowdung; cowdunged दसा० १०, १; नाया० १; ३; १६, जीवा० ३, ४, कप्प० ४, ५८, ५, ६६; (२) કર્મથી લિપ્ત થએલ कर्मों से लिपटा हुआ smeared with Karma, सूय० २, ४, ६

उवलेव पुं० (उपलेप) કર્મનો લેપ कर्मका लेप. Assemblage, gathering together of Karma उत्त०२१,२२,२५,२६,

उवलेवण न० (उपलेपन) છાણ વગેરેથી લિપવું તે गोबर आदि से पोतना; विलेपन. Besmearing or anointing with cowdung etc "उपलेवण सम्मज्जणं करेइ" भग० ११, ६. अणुजो० २०; निर० ३, १; राय० २७७,

√**उव-लिय.** धा० I (उप+ली) નિવાસ કરવો ठहरना. To reside, to have an abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार करवी. चातुर्मास व्यतीत करना. to spend the rainy season; to stay till the expiry of the rainy season.

उवखिइत्ता. नाया० २. ३, १, ११९;

उववज्झ. त्रि० (औपवाह्य—उपवाह्यावां राजा द्विवह्नभानामेते कर्मकरा इत्यौपवाह्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेने बेसवायोग्य सेनाध्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य Worthy of being mounted by (e. g a seat etc) by a king, a minister, a general etc दस० ६, २, ५,

उववण न० (उपवन) नानु वन, वननी पासेनु वन लघु बन, जंगलके पासका जगल A small forest, a garden, a park नाया० १, पंचा० ७, १७,

उववरण त्रि० (उपपन्न-उत्पन्न) उत्पन्न थयेल, पेदा थयेल उत्पन्न हुआ, पैदा हुआ Born, produced "उववयणो माणुसम्मि लोगम्मि" उत्त० ६, १, "दोच्च पुढवीए नारगा उववन्ना" निसी० च० ११, नाया० १, २, ८, ६, १४, १६, भग० २, १, ३, ३, २, ७, ६, ७, ६, ६, ३३, ११, १, १२, ७, १८, ५, २४, १, २०, जीवा० ३, १, उत्त० ६, १,१३, १, पंचा० ४, ४६, —पुव्व पुं० (-पूर्व) अगाउ जन्मेल. पहिले पैदा हुआ one born before or previously भग० ६, ५, २१, १; ३४, १.

उववरणग. पुं० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार, पेदा थयेल. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला One who is born; one that takes birth. भग० ५, ४, ८, १ २५, १;

√उववत्त. धा० I. (उप+वृत्) निकळवुं; नरकादि भव पुरो करी बहार आववु. निकलना, नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out, to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहइ पन्न० १७;

उववत्तार त्रि० (*उपपत्तृ) उत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला (One) who is to born, (one) who takes birth. "देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवति" ओव० ३४; दसा० १०, ३; भग० १, १, २, ५ ७, ६, ८, ५, ६, ३३, २०, ८,

उववत्ति स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति, उपजवुं ते पैदायश, उत्पत्ति Birth, creation; production, being produced उत्त० २६, १४, ३४, ५८, नंदी० ५३; भग० ४०, १;

उववत्तिमेत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्यनी घटनामात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect विशे० १०७७.

उववन्न त्रि० (उपपन्न) जुओ "उववरण" शब्द देखो "उववरण" शब्द Vide "उववरण" प्रव० ११०७,

उववाअ-य पुं० (उपपात) उत्पन्न थवु, उत्पत्ति. उत्पन्न होना, उत्पत्ति. Birth; creation, production, being born or produced "आओववाय वयणाणिद्दे सेचिट्ठति" भग० ३, ३; "एगे उववाए" ठा० १०; भग० १, १०; २, ७; ७, ५; ८, ८, ११, १; १२, ८, १४, १,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१६, १; ६; २४, १२; २०; २६, ४,; ३४, १; ४१, १; राय० २१३; ओव० ३८; नाया० ध० ३; ४; पन्न० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० १४, ४८; (२) ઉત્પત્તિ-દેવતા અને નારકીનો જન્મ થાય તે. उत्पत्ति-देवता और नारकी का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings प्रव० ११०६, आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १, १, (३) વિજય દેવતાની સભાનું નામ. विजय देवता की सभा का नाम name of the council of the Vijaya gods. जीवा० ३ (४) ભગવતી સૂત્રના એકત્રિશમા શતકનું નામ. भगवती सूत्र के एकतीसवें शतक का नाम name of the 31st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० ३२, २, (५) ઉપાય; કારણ. उपाय-कारण a means, an expedient. भग० ३, ७; भग० ४, १८, (६) સેવા; ભક્તિ सेवा, भक्ति service; reverent attendance upon. नाया० ६, भग० ३, १, (७) સમીપે-નજીકમા સ્થિતિ કરવી, પાસે બેસવું पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैठना. sitting near, remaining in the vicinity of क० प० १, ७८, उत्त० १, २, —कारि. त्रि० (-कारिन्) આચાર્યાદિની પાસે નિવાસ કરી તેમનો આદેશ ઉઠાવનાર. आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा सिरोधार्य करने वाला (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. " उववाय कारीय हरीमवेय " सूय० १, १३, ६; —कारिया स्त्री० (-कारिका) ચરણ સેવનારી દાસી. चरण सेविका-दासी. an attendant female servant. नाया० ६; —गइ. स्त्री० (-गति) જીવ અથવા પુદ્ગલને એક ભવ છોડીને બીજો ભવ ગ્રહણ કરવો કે એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને જવું તે. जीव या पुद्गल का भव त्याग कर दूसरे भव म जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter भग० ८, ७; पन्न० १६, —सभा. स्त्री० (-सभा) દેવતાને ઉપજવાની સભા. देवताओ के उत्पन्न होनेकी सभा A place of birth for heavenly beings भग० ३, १, १६, ५, ६; राय० १६७, नाया० ध० निर० ३, ४, नाया० १३, ठा० ५, ३.

उववाइअ-य त्रि० (औपपातिक) એક ભવમાંથી બીજા ભવમાં જનાર, એક શરીર છોડી બીજું શરીર ગ્રહણ કરનાર एक भव स दूसरे भव मे जानेवाला; एक शरीर त्याग दूसरा शरीर प्राप्त करने वाला Passing from one birth into another; passing from one body into another दस० ४; उत्त० ५, १३; भग० १७ ६; ७, आया० १, १, १, ३, सूय० १, १, १, ११, प्रव० १२५०, (२) દેવતા અને નારકી જે સેજ્જા અને કુંભીમાં ઉપજે છે देवता और नारकी जो कि शैय्या व कुंभी में उत्पन्न होते हैं (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī. आया० १, १, ६, ४८, (३) ઓગણત્રીશ ઉત્કાલિક સૂત્રમાનું પાંચમું; ઉવવાઇ (ઔપપાતિક) નામે પ્રથમ ઉપાંગ સૂત્ર उन्तीस उत्कालिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उववाइ (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālika

Sūtras; the first Upāṅga Sūtra so named. नंदी० ४३, भग० ७, ६, १५, १; २४, ७; —गम. न० (-गम) ઔપપાતિક સૂત્રમાં દર્શાવેલુ છે તે પ્રમાણે उववाइ सूत्र में दिखाये अनुसार in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra दसा० १०, १.

उववातेयव्व पु० (उत्पादयितव्य) ઉત્પન્ન થવાને યોગ્ય. उत्पन्न होन लायक One fit to take birth, one fit to be born or produced भग० १२, ६, १८, ५, २०, ६, २४, २०, ३१, १, ३४,१,

उववायव्व पु० (उपपादयितव्य) ઉત્પન્ન થવા યોગ્ય उत्पन्न होन योग्य One fit to be born or produced भग०१७, ६.

उववास पु० (उपवास=उपेत्य सह उपावृत्त दोषस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वा वास उपवास) આખા એક દિવસ અન્ન પાણીને વિધિપૂર્વક ત્યાગ કરવો पूरा एक दिन अन्नजल का विधिपूर्वक त्याग करना A fast, giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next राय० २२६, नंदी० ४१ ठा० ३, १. पण्ह० २०, उवा० १, ५५, २, ६५,

√**उव-विस** धा० I. (उप+विश) બેસવું बैठना To sit

उवविसामि राय० २८

उववीयमाण. ब० (उपवीजमान) ચમરીથી પવન નાખતો चवरी से पवन उड़ाता हुआ. Fanning with a chowri नाया०१६;

उववेय-य त्रि० (उपेत) યુક્ત, સહિત युक्त; सहित Accompanied with possessed of. ओव० पण्ह० १७, नाया० १; ४: ८, १२; नंदी० ४३; भग० २, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६, कप्प० ९, ८; जं० प० २, २२,

उव-सं-कम. धा० II (उप+सम्+क्रम्) પાસે જવું, સમીપ જવું समीप जाना; पास जाना. To go to, to approach

उवसंकमंति ठा० ३, २,

उवसंकमेज्जा सूय० २, ७, १५,

उवसंकामित्तु स० कृ० आया० १, ७, २, २०२, २, ३, ३, १३१;

उवसंकमित्ता नाया० २; ठा० ३, २; जं० प० ७, १३४, ७, १३१.

उवसंकमंत स० कृ० दस० ४, २, १०;

उवसंकममाण. जं० प० ७, १३२.

उवसंगिय त्रि० (उपगृहीत) સ્વીકાર કરેલ स्वीकृत Accepted; adopted. विशे० १०११,

उवसंत पु० (उपशान्त) શાંત પ્રકૃતિવાળો, ઉપશમ ભાવ વાળો; જેના કષાયાદિક ઉપશમ્યા હોય તે शान्त प्रकृति वाला, उपशांत भाव वाला, जिस के कषायादिक शांत हो वह One whose passions (e g. anger etc) have subsided; calm, peaceful पण्ह० १, १४; ववं० ३, १३, भग० १, ८, ६: ८, ५, ४, १५, १, १८, १० २७, ७; दस० ६, ६५ १०, १, १० जं० प० सु० च० २, २०३, राय० २७; नाया० १, ५, उत्त० ६, १; २, १५ ठा० २, १ अणुजो० १२७; ओव० ३८, आया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८४, सम० १४ प्रव० १२५; १३१३, क० प० ४, ७०, ७, ६७, (२) આકુલતા સહિત. घबराहट रहित one free from distraction of mind ओव० नि० ५१५; (३) ક્ષમાવાન. क्षमावंत. one possessed of forgiveness जीवा० ३, ३;

(४) सौंदर्य निरीक्षणु वगेरे विकारथी निवृत्ति पामेल. सौंदर्य देखने आदि विकार से निवृति पाया हुआ, सौंदर्यादि देखने में मन का भाव हटाया हुआ one not excited by seeing beautiful objects etc. अणुजो० १३०, (५) उदयमां आवेल नहि, दबायेल उदय न आये हो, दबे. not come to rise, dormant (६) जम्बुद्वीपमां ऐरवत क्षेत्रना चालु अवसर्पिणीना पन्दरमा तीर्थंकर जम्बूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के पन्द्रहवे तीर्थंकर name of the 15th Tīrthaṅkara of the current Avasarpiṇī of the Airavata region of Jambūdvipa सम० प० २४०, —अहिगरण न० (-अधिकरण) उपशात उपशमी गयेल क्लेश शान्त हुआ क्लेश trouble that has subsided प्रव० —कसाइ. पु० (कषायिन्) जेना क्रोध कषाय वगेरे नाश पाम्या छे ते जिस के क्रोधादि कषाय शांत हो one whose moral impurities (e g anger, greed etc) have subsided or have been destroyed भग० ६, ३१, २५, ६, —कसायवीयराग पुं० (-कषायवीतराग) जेना कषाय शान्त थया छे ते; ११मा गुणस्थानवर्ती जिन के राग द्वेष शांत हो गए हों वे, ११ वें गुणस्थानवर्ति. one whose passion and hatred have been completely assuaged; one in the 11th spiritual stage भग०२५, ६, —गुण. न० (-गुण) उपशांत मोहगुण नामे ११मु स्थानक उपशांत मोहगुण नामक ११वा स्थानक. the 11th Sthānaka named Upaśāntamohaguṇa. क० गं० २, १६; —जीवि. पुं० (-जीविन्) कषायादि दबावनार कषायादि को दबाने वाला. one who subdues his evil passions like anger, greed etc पराह० १, १, भग० ३ ३३, —द्धा स्त्री० (-अद्धा) उपशांत मोह नामना ११ मा गुणस्थानकनो काल उपशात मोह नामके ११ वें गुणस्थानक का समय the time of the 11th Guṇasthānaka named Upśāntamohaguṇa क० प० ५, ५६, —वेदय पु० (-वेदक) जेनो वेद-कामविकार शान्त पाम्यो छे ते जिस का वेद-काम विकार शात हो गया हो one whose lust i e sexual passion has been subdued or calmed भग० ६, ३१, २५ ६,

उव-सं पज्ज धा० II (उप+सम्+पद्) आश्रय करवो, स्वीकार करवो स्वाकार करना, ग्रहण करना To resort to; to accept to get

उवसपज्जइ भग० २५, ६, ७
उवसपज्जामि ठा० ४, २,
उवसपज्जे वि० सूय० १ ८, १३,
उवसपज्जिता. स० कृ० भग०१, ६, २, १,३, ७ ५, ६, ६,३३, १०; २, ११, ८; १३,६, १४, १ १८,१०, २५,७,८ नाया० १ ५, ८, १२, १३, १४; १६, १८, ज० प०७, १४१, वव०१, २८ ४, ११, १२, नाया० ध० वेय० ४, १५, राय० २२३, ओव० १६, उवा० १, ६६, ६६,
उवसपज्जमाण. पन्न० १६,

उवसंपज्जण न० (उपसंपादन) पदवीनो स्वीकार. पदवी का स्वीकार. Acceptance of a degree or title वव० ५, ११,—(णा)अरिह. त्रि० (-अर्ह) पदवी

આપવા યોગ્ય. पदवी देने योग्य. deserving to be invested with a degree or title. वव० ४, ११; १२.४, ११;

उवसंपज्जणावत्त न० (उपसंपदावर्त) ઉપસંપજ્જણસેણિઆ પરિકર્મનો ચઉદમો ભેદ उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवा भेद The 14th division of Upasampajanaseniā Parikarma नंदी० ५६,

उवसंपज्जसेणिया स्त्री० (उपसंपादनश्रेणिका) ઉપસંપાદન શ્રેણી ગણુના દૃષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો એક વિભાગ उपसम्पादक श्रेणिगण के दृष्टिवादातर्गत परिकर्म का एक विभाग Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dristivāda सम० १२,—**परिकम्म** पु० (परिकर्मन्) દૃષ્ટિવાદના પરિકર્મનો ૪થો ભેદ दृष्टिवाद के परिकर्म का चौथा भेद the fourth division of the Parikarma of Dristivāda नंदी० ५६.

उवसपज्जियव्व पु० (उपसंपादयितव्य) પદવી દેવી पदवी देना Investing with a degree or a title वव० ४, ११, १२,

उवसंपन्न त्रि० (उपसंपन्न) ઉદ્યત થએલ प्रस्तुत, तैयार Ready, prepared (to do some action) " उवसपन्नो जकारणातु त कारणं अपूरितो " भ० स० ३, सूय० २, ७, ६,

उवसंपया स्त्री० (उपसम्पद्) જ્ઞાનાદિ સંપત્તિ માટે આચાર્યાદિકની નિશ્રા સ્વીકારવી તે હું તમારોજ છું એવીરીતે સ્વીકાર કરવો તે, સમાચારીનો દશમો યા છેલ્લો પ્રકાર. ज्ञानादि सम्पत्ति मे आचार्यादि की नेश्राय स्वीकार करना, मैं आपकाही हु ऐसा स्वीकार करना, समाचारी का दशवां या अतिम भेद The 10th and last mode of Samāchāri; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc. " अरथणे उवसपया " उत्त० २६, ४; ठा० ३, ३, भग० २५, ७. प्रव० ७७५.

उवसंहार (उपसंहार) સમેટીલેવું. एकत्रित करना Summing up. (२) રોકવું. નિરોધ કરવો निरोध करना, लौटा लेना. winding up, withdrawing; withholding सम० ३२;

उवसग्ग. पु० (उपसर्ग- उपसृज्यन्ते धातु समीपं युज्यन्ते इति उपसर्गा) પ્ર, પરિ, પ્રતિ, નિ, આ, સમ, ઇત્યાદિ ધાતુની આદિમા રહેનાર શબ્દ સમૂહ प्र, परि, उप, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातु के आदि में रहनेवाला शब्द समूह a preposition prefixed to roots, e. g प्र, परि, उप, etc पण्ह० १, २, (२) ઉપદ્રવ, કષ્ટ, પરિષહ उपद्रव, कष्ट. परिषह trouble; affliction annoyance ओघ० नि० भा० २६३, राय० १२८, नाया० १; ८, ६ ज० प० उत्त० २, २१ ३१, ५, नंदी० ५ अन० ६, ३, दसा० ७, १ वव० १०, १, मत्त० ८. ४४, प्रव० ५८४ (३) દેવતાએ કરેલ ઉપદ્રવ. देवताओं का किया हुआ उपद्रव disturbance or trouble caused by gods भग० १, ६, २, १, वि० नि० ६६६, राय० २६५, सम० ७; आव० ३६ आया० १, ८, ७, २२, उवा० २, ११८, ३. १४१, ८, १५३. (४) તીર્થંકર વિચરે ત્યા સવાસો જોજનમા માર મરકી ન હોય છતાં મહાવીર સ્વામિના સમવસરણમા ગોશાલાએ બે સાધુઓના ઉપર તેજુલેશ્યા મુકી ઉપસર્ગ આપ્યો તે; દશ અછેરામાનું પહેલું અછેરું तीर्थंकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग वाला नहीं होता और महावीर स्वामी के समवरण में गोसाला ने दो साधुओं पर तेजोलेश्या डाल कर उपसर्ग किया सो दस आश्चर्य जनक बनावों में से पहिला बनाव the first of the 10 Achherās (wonderful events), viz. the trouble given by Gosālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasaraṇa by inflicting Tejolesyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tīrhankara abides, there can be no fear of any violence, plague etc प्रव॰ ८६२; —पत्त त्रि॰ (-प्राप्त) ઉપદ્રવ પામેલ. उपद्रव प्राप्त annoyed, afflicted, harassed ठा॰ ५, २, बव॰ २, २०, १०, १८, —सहण न॰ (-सहन) દેવાદિકના ઉપસર્ગ સહન કરવા તે. देवादि का उपसर्ग सहन करना. endurance of the troubles, disturbance etc caused by heavenly beings etc प्रव॰ १३६६,

उवसग्गपरिएणा स्त्री॰ (उपसर्गपरिज्ञा) સૂયગડાંગ સૂત્રના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં ઉપસર્ગ-પરિષહ કેમ સહન કરવા તેની સમજ આપવામાં આવી છે सूत्र सूयगडांग के तीसरे अध्ययन का नाम, कि जिस में उपसर्ग-परिषह कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिक्षा दी है. Name of the 3rd chapter of Sūyagadānga dealing with the way in which afflictions are to be endured. सम॰ १६; २३; सूय॰ १, ३, ४, २२;

उवसग्गग पुं॰ (उपसर्ग) ઉપસર્ગ, ઉપદ્રવ. उपसर्ग, उपद्रव Disturbance; trouble, annoyance विशे॰ ३००४; (२) અપ્રધાનભૂત-ગૌણરૂપ. गौणरूप; अप्रधान secondary; subsidiary; subordinate. विशे॰ २२६२,

उवसत्त-त्ति (उपसक्त) ગાઢ આસક્તિવાલો गाढ आसक्तिवाला Deeply attached, grossly attached. उत्त॰ ३२, २६;

√उवसम. धा॰ I,II (उप+शम्) શાંત થવું, પ્રકૃતિને ઉપશમાવવી शातहोना; प्रकृतिको उपशांत करना. To become calm, to calm down passions

उवसमइ वय॰ १, ३३, नाया॰ १६, कप्प॰ ६, ६६,

उवसामेइ प्रे॰ भग॰ १, ३,

उवसमंति सम॰ ३४,

उवसमेंति राय॰ ३४,

उवसमेज्जा वेय॰ १, ३३,

उवसमित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १३

उवसामित्तए प्र॰ हे॰ कृ॰ नाया॰ १३; विवा॰ १,

उवसम पुं॰ (उपशम) ક્ષમા, શાંતિ क्षमा, शांति Forgiveness, calmness, peace दस॰ ८, ३६ वेय॰ १, ३३; (२) પખવાડીયાના પંદરમા દિવસનું નામ पक्ष के पन्द्रहवें दिन का नाम name of the 15th day of a fortnight जं॰ प॰ सू॰ प॰ १०, (३) અહોરાત્રના ત્રીશ મુહૂર્તમાંના પંદરમા અથવા વીશમા મુહૂર્તનું નામ अहो रात्र के तीस मुहूर्तों में से पंद्रहवें, अथवा बीसवें मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such) जं॰ प॰ सू॰ प॰ १०; सम॰ ३०, (४) મોહનીયની ઉદયમાં આવેલી

પ્રકૃતિનો ક્ષય કરવો અને ઉદયમાં આવવાની હોય તેને દબાવી દેવી–ઉદયમાં આવવા ન દેવી તે. मोहनीय कर्म का उदयमें आई हुई प्रकृति का क्षय करना और उदय में आने वाली प्रकृति को दबा देना–उदयमें न आने-देना. destruction of that Mohaniya Karma which has matured and the assuaging of that which is dormant क॰ गं॰ २, २, ४, १६, ६७, प्रव॰ ३५, ६५०; ६५९, उत्त॰ ३२, ११, आया॰ १, ६, ५, १८४; भत्त॰ ८८, ओव॰ ३९, अणुजो॰ १२७, —निप्फराण. पु॰ (-निष्पन्न) જે પ્રકૃતિનો ઉપશમ કરવામાં આવ્યો છે–ઉપશમની નિષ્પત્તિ થઇ ચુકી છે તે जिस प्रकृति को उपशांत कर दिया है–उपशम की निष्पत्ति होगई है वह calmness which has been born as a result of assuaging the passions अणुजो॰ १२७, —सार त्रि॰ (-सार) ઉપશમ-પ્રકૃતિઓનો તિરોભાવ છે સાર-સત્ત્વ જેનું वे उपशम-प्रकृतियों का तिरोभाव है सार-सत्व जिसका ऐसा (anything) having for its essence the subsidence of Karmic Prakritis "उवसमसार खुमामन" कप्प॰ ६, ५६, —सेणि स्त्री॰ (-श्रेणि) અનંતાનુબંધિ આદિ પ્રકૃતિઓને શાસ્ત્રમાં કહેલ ક્રમ પ્રમાણે ઉપશમાવતા ગુણશ્રેણિથી ઉપર ચડવું તે, આ શ્રેણિથી અગીયારમા ગુણઠાણાપર્યંત જવાય છે शास्त्रमें कहे हुए क्रमानुसार अनन्तानुबंधि आदि प्रकृतियों का शमन करते करते गुणश्रेणिपर चढना इस उपशम श्रेणि से ग्यारहवें गुणस्थान पर्यन्त पहुंचा जा सकता है. the ladder of spiritual advancement leading up to the 11th Gunasthanaka by a gradual subsidence of deluding passions etc. प्रव॰ ७०६;

उवसमयग पुं० (उपशमक) ઉપશમભાવ વાળા મુનિ, ઉપશમ શ્રેણિયે ચડનાર उपशम भाव वाले मुनि उपशम श्रेणिपर चढनेवाले An ascetic with passions calmed down one trying to curb and assuage his passions भग० २५ ७,

उवसमग पु० (उपसमक) જુઓ 'उपसमय' શબ્દ देखो उपसमय शब्द Vide उपसमय' भग० २५ ६

उवसमणा स्त्री०(उपशमना) જુઓ उवसमणा શબ્દ देखो उवसमणया' शब्द Vide उवसमणया क० प० ५ १

उवसमि त्रि० (उपशमिन्) ઔપશમિક ઉપશમ સમકિતવાળો उपशम सम्यक्त्ववाला One possessed of Upasama Samyaktva (i e subsidential right belief) क० ग० ४ २५

उवसमिय पु० (औपशमिक) મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિનો ઉપશમ माहनीय कम की प्रकृति का उपशम Subsidence of Mohaniya Karma (२) ઉપશમ નિપન્ન ઔપશમિક ભાવ उपशम निष्पन्न भाव calmness of mind born of that subsidence अणुजो० ८८ १२७; भग० १४ ७ १७ १, २५ ६, (३) त्रि० શાંત शांत free from passions, calm सु० च० १, ३४४,

उवसमियव्व त्रि० (उपशमितव्य) ઉપશમાવવું તે उपशम करना Assuaging causing to subside बेय० १, ३३, कप्प० ६, ५६;

उवसामक पु० (उपशामक) મોહનીયની કર્મ પ્રકૃતિને ઉપશમાવી ૧૧મે ગુણસ્થાને વર્તમાન જીવ मोहनीय कर्म की २८ प्रकृतियों को शमन करके ग्यारहवें गुणस्थान में विद्यमान हुआ जीव A soul in the 11th Gunasthāna with all the 28 varieties of Mohaniya Karma subsided सम० १४;

उवसामग पु० (उपशामक) મોહનીયની પ્રકૃતિઓને સર્વથા ઉપશમાવનાર माहनीय की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला One who causes right-conduct deluding Karma to subside completely क० ग० ४ ७३ प्रव०७१३

उवसामणा स्त्री० (उपशमना) જુઓ उपशम શબ્દ देखो उपशम शब्द Vide उपशम क० प० ५ ६५

उवसामणया स्त्री० (उपशमन) શાન્તિ ઉપશમવૃત્તિ शांति उपशम भाव Ascetic renunciation calmness, freedom from passions भग० ३ १,

उवसामणोवक्कम पु० (उपशमनोपक्रम) કર્મને ઉપશમ કરવાનો ઉપક્રમ—આરંભ कर्म का उपशम करने का उपक्रम आरम्भ Commencement of effort to assuage Karma ठा० ४ २

उवसामियव्व त्रि० (उपशमयितव्य) ઉપશમ કરાવવો उपशम कराना Causing subsidence of Karma कप्प० ६ ५६

उवसवण न० (उपसवन) સેવા કરવી सेवा करना Attending upon; rendering service to प्रव० २७४

उवसोभमाण पु० (उपशोभमान) શોભાયમાન शाभायमान Beautiful charming नाया० १३, भग० २ १ ७ ३

उवसोभिय य त्रि० (उपशोभित) શોભિતુ થએલ शाभनीय बना हुआ शोभित Beautified adorned made beautiful कविसीसएहिं उवसोभिए ' राय० ' हारद्धहार उवसोभिए राय० ज० प० १ ११, नाया० १,

उवसोभेमाण पुं० (उपशोभमान) शे भतो सुंदर; शोभायमान; शोभायमानः खूबसूरत Beautiful appearing beautiful नाया० १ ११ १५; भग० २ १ १५ १ जं० प० २ १६

उवसोहिय त्रि० (उपशोभित) शोभायुक्त सुंदर शोभामान् Beautiful lustrous handsome नाया० १ ६ सु० च० १ ५१ जं० प० ७ १६६

उवसोहिय त्रि (उपशोधित) निर्मल करेल शोधेल शोधाहुआ Purified नाया० १

√उव स्सय धा I (उप + आ+श्रि) पेसवु घुसना To enter to resort t
उवस्सए निर० ३ ४

उवस्सअ य पुं० (उपाश्रय = उपाश्रीयते सश्यते सयमपालनाय शीतादन्नावार्थ वा य स तथा) साधु साध्वीने रहेवानु स्थान उपाश्रय साधु साध्वीक रहनेका स्थान उपाश्रय A Jaina monastery आया १ १ ३ १२; २ १ १ १ २ ४ २ १३८ नाया० १४ १६ नाया० ध०राय० २३५ निर० ३ ४ उत्त० २ २३ ३५ ५ पराह० २ ३ आव० नि० भा० १७ दस० ७ २६ वय० १ १४ बव० ६ ७ ८ ९ दसा० ७ १ निसी० ८ १२ कप्प० ६ २४ प्रव० ५४४ गच्छा० १४

उवहअ य त्रि० (उपहत) लेकोम पराभव पमेल नाशपामेल लागा में पराभव पायाहुआ नाश प्राप्त विनष्ट Destroyed disgraced and got people सु० च० १ २७ भग० ३ २ विशे० ११६ आया० १ ८ ३ ७६

उवहड पुं० (उपहृत) नासवुम करेल होय तेज म्होरवु अेवो अभिग्रह विशेष बर्तन में निकाल कर रखे हुए कोही भाजन स्वयं ग्रहण करनेका अभिग्रह नियम विशेष A kind of vow to eat only that food which is placed in a dish वव० ३ ४४; ४५ (२)
वासणमा काढेल पीरसेल बरतन में निकाला हुआ परासाहुआ served in a dish ठा० ३ ३

√उवहरा धा० I (उप+हन् क० वा०) नाश पामवु नाश पाना To perish to be destroyed
उवहम्मइ क० वा० पिं० नि० ६२२ दश० ७ १३
उवहम्मति भत्त० १३५

उवहति स्त्री० (उपहति) व्यवधान अंतर अन्तर फर्क Destruction break of continuity विशे० २०१५

√उवहस धा० II (उप+हस्) हसवु मश्करी करवी हसना दिल्लगी करना; मजाक करना To laugh at to joke
उवहसे दस० ८ ५०
उवहसति उत्त० १२ ४
उवहसिहात भग० १५ १

उवहसिअ त्रि० (उपहसित) मश्करी करेल हसा हुआ Laughed at ridiculed तडु०

उवहाण न० (उपधान — उप समीप धायते क्रियते सूत्रादिक येन तपसा तदुपधानम्) अनशन आदि बार प्रकारना तप बारह प्रकार के तप Austerity of 12 kinds आव० नि० भा० १६८ नदी० ५० उत्त० २ ४३ ठा० २ ३ सम० ३२ पचा० ६ ७ १५ २३ (२) करवु ते विधान करना विधान performance doing ओघ० १८ (३) ओसिकु तकिया a small pillow for the head सु० च० १ ४४ ओघ० नि०

१०४: (४) સૂત્રની વાચના ઉપર તપ કરેવું તે सूत्र बांचने का तप करना austerity performed after reading Sūtras. प्रव० २६८; —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) ઉપધાન-તપ વિશેષનો અભિગ્રહ કરવો उपधान-तप-विशेष का अभिग्रह करना, नियम करना a vow to perform the austerity known as Upadhāna ठा० २; ४, १, ओव० —सुय न० (-श्रुत=महावीरसेवितस्योपधानस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं ग्रन्थ. उपधान-श्रुतम्) ઉપધાન શ્રુત નામનું આચારંગનું ૮મું અધ્યયન उपधान सूत्र नाम का आचारंग का आठवा अध्याय the 8th chapter of the Āchārānga Sūtra, styled Upadhāna Sutra. ठा० ५, सम० ५,

उवहाणग न० (उपधानक) ઓશીકું तकिया A pillow प्रव० ६८४,

उवहाणवंत. पुं० (उपधानवत् = उपधीयते-उपष्टभ्यते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्विद्यते यस्यासौ उपधानवान्) ઉપધાન-શાસ્ત્ર વાચન નિમિત્તે તપવિશેષ, તેનું કરનાર. शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाल तप विशेष को करने वाला. One who practises the austerity known as Upadhāna with a view to study the scriptures "बसे गुरु कुलेनिच्च जोगवं उवहाणवं" उत्त० ११, १४, ३६, ३७, सूय० १, २, १, १५;

उवहार. पुं० (उपहार) ભેટ; બક્ષીસ. भेट, पारितोषक; इनाम. A gift; a present "पहाणसुदरीबाहरेहिं सव्वओ वेढा" कप्प० ३, ३४; पयह० १, २;

उवहि. पुं० (उपधि = उपधीयते संगृह्यते इत्युपधिः) वस्त्र.घरेणां घरबार वगेरे ઉપધિ.; ઉપકરણ; સામગ્રી. वस्त्र, आभूषण, घरबार आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. Worldly possessions, such as clothes, ornaments, house etc; material possessions, implements. भग० १२, ५, १७, ३, १८, ७, निसी० २, ४१; १२, ४७, १६, २५, पिं० नि० भा० २६; २६, पिं० नि० ६८, दस० ६, २, १८; १०, १, १६; आया० २, ३, २, १२१; सम० १२, उत्त० १२, ४; १६, ८६, २४, ११; ओव० २०, प्रव० ४६८, (२) માયા; કપટ. माया, कपट fraud, deceit पयह० १, २; —धोवण. न० (-धावन) ઉપધિ-વસ્ત્રાદિ ધોવા તે वस्त्रादिकका धोना. washing, cleansing of clothes etc. प्रव० ३०, —पच्चक्खाण न० (प्रत्याख्यान = उपधिरुपकरणं तस्य रजोहरणमुखवस्त्रिकाव्यतिरिक्तस्य प्रत्याख्यानं न मयाऽसौ गृहीतव्य इत्येवं रूपा निवृत्तिरुपधिप्रत्याख्यानम्) ઉપધિ વસ્ત્રપાત્ર આદિ ઉપકરણ-તેનો ત્યાગ પરિહાર वस्त्र, पात्र आदि उपकरणों का त्याग-परिहार. abandonment of material possessions such as clothes vessels etc उत्त० २६, २, —विउस्सग्ग पुं० (-व्युत्सर्ग) વસ્ત્ર પાત્ર આદિ ઉપધિનો પરિત્યાગ वस्त्र, पात्र आदि उपाधि का परित्याग abandonment of such material possessions as clothes, vessels etc भग० २५, ७, ओव०

उवहिय त्रि० (उपहित) અર્પણ કરેલ, પાસે મુકેલ अर्पित अर्पण किया हुआ. पासमें रखा हुआ Offered for acceptance; placed near विशे० ६३७, भग० १, ६;

उवहिय पुं० (औपधिक) માયાવડે પાપને ઢાંકનાર माया-छल कपट-के द्वारा पापको ढांकने वाला One who deceitfully

hides his sin. आया० २;

उवाइक्कंत. त्रि० (उपातिक्रान्त) વ્યતીત થયેલ; પસાર થઇ ગયેલ. गया हुआ, व्यतीत Past; gone. आया० १, ७, ४, २१२,

उवाइक्कम्म सं० कृ० अ० (उपातिक्रम्य) ઉલ્લંઘન કરીને, ઓળંગીને उल्लंघ करके. Having crossed or transgressed. आया० १, ७, १, २००, २, ८, १६३; (२) પરિહાર કરીને, ત્યાગ કરીને त्याग करके छोड करके. having abandoned, having given up. आया० २, २, ३, १००,

उवाइय त्रि० (उपायित) યાચેલું, ઇચ્છેલું मागा हुआ, इच्छित. Begged; solicited; desired "उवाइयं उववाइत्तए" नाया० २, विवा० ७, (२) દેવની આરાધનાથી પ્રાપ્ત થયેલ देवकी आराधना करने से प्राप्त got by propitiating a deity ठा० १०, १, —**सेस** त्रि० (-शेष) ખાતા વધેલું, ખાતા ખાતાં શેષ રહેલું खाते खाते बचाहुआ (the portion of food) which has remained in the dish after one has taken his fill आया० १, २, १, ६७,

उवाइय पुं० ( ) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો જીવ तीन इन्द्रिया वाला जीव A three sensed living being पन्न० १.

उवागअ-य त्रि० (उपागत) પ્રાપ્ત થયેલ મેળવેલ. पाया हुआ, प्राप्त. Got, acquired obtained. ज० प० ओव० १०, नाया० १, ६, १४, १६, भग० १५, १.

उवाचिय त्रि० (उपाचित) ભરેલ, વ્યાપ્ત भरा हुआ; व्याप्त filled, full, pervaded by नाया० १२,

उवाणह. पुं० (उपानह) પગરખાં; જોડાં. जूती का जोडा. A shoe; a pair of shoes " तिगिच्छमाणहाणाए, समारंभं च जोइणो " दस० ३, ४; पराह० २, ५; सूय० १, ४, २, ६, प्रव० ४३८,

उवादाण. न० (उपादान) મુખ્ય કારણ. पहला कारण मूल कारण Primary or material cause विशे० १२२६;

उवादेय त्रि० (उपादेय) ઉપાદેય–આદરવા-યોગ્ય વસ્તુ उपादेय-ग्रहण करने योग्य Acceptable; worthy of being accepted पञ्चा० ५, २०,

उवाय-अ पुं० (उपाय) ઉપાય, સાધન; પ્રતીકાર. उपाय, साधन, तरीका A means, a remedy, an expedient "विसय पिजो उवाएणं चोइओ कुप्पइनरो " दस० ६, २, ४, " एग च दोसं पवेडेंच अहि, उद्धसुकामेणं समूल जाल। जे जे उवाया पडिवज्जियव्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणु पुव्वि '' उत्त० ३२, ६, विशे० ५५७; ओव० ठा० ४, ३, नाया०१; ६, ८,६, १२, सूय०१ ४ १, २, दस० ८ ३१, पन्न० ३६, (२) યુક્તિ युक्ति a scheme, a plan. सू० प० १, —**उज्झाय** पुं० (-अध्यायक) પોતાના અને પારકા હિતનો ઉપાય ચિંતવનાર अपने और दूसरे के हितका उपाय सोचने वाला one who reflects upon the means of securing his own well-being as well as that of others विशे० ३११६, —**पव्वज्जा** स्त्री० (-प्रव्रज्या) ગુરૂની સેવા કરી દીક્ષા લેવી તે गुरुकी सेवा कर दीक्षा लेना. taking of Dīkṣā after

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

rendering service to a precep tor ठा० ३, ३

उवाय-अ पुं० (अवपात) આચાર્યનો નિર્દેશ-આજ્ઞા आचार्यकी आज्ञा The order of a preceptor सूय० १ १४, १ (२) ખાડો खड्डा गड्ढा a pit a ditch आया० २, १, ५, ७७ जीवा० ३, ३, पराह० १, १,

उवायण न० (उपायन) ભેટ भेट पारितोषक A gift a present सु०च०८, ४६ (२) યાચના કરવી માગણી કરવી मांगना, याचना करना praying for asking for, solicitation विशे० १८७८

उवायमाण त्रि० (उपायमान) પુત્ર આદિની યાચના કરતો-તી તુ पुत्र वा पुत्रीका याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for begging for a son or a daughter नाया० २, १७

उवालम पुं० (उपालम्भ = उप लम्भमुपालम्भ) ઠપકો આપવો તે ઓનભો ठपका देना उलाहना A rebuke a reproach a reprimand पं० नि० भा० ४५ विशे० ०८८ ठा० ४ ३

उवास पुं० (अवकाश) અવકાશ આકાશ अवकाश आकाश खाली जगह Vacant space, sky भग० १ ६ वव० ७ १८ (२) ઉપાશ્રય નિવાસ સ્થાન उपाश्रय जैन साधुओंका ठहरनेका स्थान a Jain monastery निसी० १०० —अंतर न० (-अन्तर) ઘનવા તનવા વગેરેની વચ્ચેનું આકાશ, આંતરારૂપ આકાશ घनवात विलय और तनवात वलयके बीच का आकाश intervening void space "एएसुणं भंते उवासंतरेसु अत्थिबहुलावा वहुहिया" ठा० ७, २ ६, निसी० ६, १०; भग० ८, १, पन्न० १५, जीवा०३, १ भग० १, ६, ७ २ १० ६ ५ १२, ५, १३, ४, २०, २,

उवासअ-य त्रि० (उपासक = उपास्ते सेवन्ते साधूनित्युपासका) ઉપાસના કરનાર, સેવક उपासना करनेवाला सेवा करने वाला, सेवक (One) who worships or serves or waits upon निसी० ८, १२ पिं० नि० १५८ ४६६

उवासग पुं० (उपासक = उपास्ते सेवन्ते साधूनित्युपासका) સાધુની ઉપાસના કરનાર, શ્રાવક साधुकी उपासना करनेवाला श्रावक One who renders service to an ascetic a Jaina layman उवा १ ७० १ १२३ उत्त०३१, ११ सम०११ (२) ધર્મ સાંભળવાની અભિલાષાવાળો धर्मोपदेश मननकी इच्छा वाला one desirous of learning religious truths from a Guru भग० ५, ४ —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा = उपासका श्रावकास्तेषां प्रतिमा प्रतिज्ञा अभिग्रहविशेषा उपासक प्रतिमा) ઉપાસકની-શ્રાવકની ૧૧ પડિમા श्रावककी ग्यारह प्रतिमा the 11 vows of a Jaina layman उवा०१० १ आव० ४ ७ नाया० ५ दसा० ६ १ २

उवासगदसा स्त्री० (उपासकदशा = उपासका श्रावकास्तद्गताणुव्रतादिक्रियाकलापप्रतिबद्धा दशा अध्ययनानि उपासकदशा) ઉપાસક શ્રાવકનો અધિકાર જેમાં છે એવા સાતમા અંગસૂત્રનું નામ, ઉપાસકદશા સૂત્ર उपासक श्रावक के आचार जिसमें दश अध्याय हैं उस सातवें अंगरूपका नाम उपासगदशा सूत्र Name of the 7th Anga Sutra dealing with the duties of a Jaina layman in 10 chapters उवा०१०,२१५, अणुजो० ४२ नंदी० ४४ ५१, सम०१, ७;

उवासिया स्त्री० (उपासिका) સિદ્ધાંત સાંભળવાની ઇચ્છાવાળી સ્ત્રી શ્રાવિકા सिद्धान्त सुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री श्राविका A woman desirous of learning religious truths from a preceptor; a Jaina lay woman भग० २ ४; १५ १

उवाहण पु० (उपानह्) પગરખું ખાસડું जूता A shoe a pair of shoes छत्तो वाहण सजुत्त धाउरत्तवत्थ परिहिए भग० २ १ अगुत्त० ३ १

उवाहि पु० (उपाधि) ઉપાધિ વિશેષ० उपाधि खिताब विशेषण पदवी Worldly fetters attachment to world ly objects a title an epithet आया० १ ३ १ १०६

उविक्खग्र त्रि० (उपेक्षक) ઉપેક્ષા કરનાર બેદરકાર उपेक्षा करने वाला Neglectful indifferent गच्छा० २८

उविक्खा स्त्री० (उपेक्षा) ઉપેક્ષા उपेक्षा Neglect indifference contempt पन्हा० १८ ३४

उविच्च अ० (उपेत्य) પ્રાપ્ત કરીને મેળવીને प्राप्त करके पा करके Having got obtained उत्त० १२ ३१

उवीला स्त्री० (अवपीडा = अवपीडन परपीडा) પરને પીડ ઉપજાવવી તે दूसर का दुःख देना Giving pain trouble to others विवा० ६ पराह० १ ३

उवेश्र त्रि० (उपेत) યુક્ત સંયુક્ત સહિત सयुक्त सहित साथ Accompanied with joined with possessed of वण्ण पुप्फ फलोवेए उत्त० ३ ३

उवेहलिय पुं० (*) અનંત કાય વિશેષ; કંદ મૂલની એક જાત कंद मूल की एक जाति अनंत कायरूप वनस्पति विशेष A kind of bulbous root भग० २३, ३,

उवेहिअ त्रि० (उपेक्षित) ઉપેક્ષા કરેલ उपेक्षा किया हुआ, जिसकी परवाह नहीं की वह Neglected सु० च० ५ १००;

***उव्वाकिउ** अ० (उद्वार्य) ગોળાલીને उगाल करके Having reduced to a semifluid condition by masticating etc सु० च० ६, ५६

उव्वह पु० (उद्वर्त) નારકી અને દેવતાનો ભવ પુરો કરી બીજી ગતિમાં જવું તે नारकी और देव भव का पूरा करके दूसरी गति में जाना Passing in to another state of existence after completing one's term of existence as a celestial or hell being विशे० ७४८ (२) પીઠીવડે ચીકાશ દૂર કરવી તે ઉવટાણું કરવું તે पिठी के द्वारा चिकनाहट दूर करना उबटन करना Rubbing the body with perfumes removing oiliness by kneading with a fragrant substance विशे० २६६४

√**उव्वट्टण** न० (उद्वर्तन) કર્મની ટુંકી સ્થિતિને અધ્યવસાયવિશેષથી લાંબી કરવી તે कम का अल्प स्थिति को अध्यवसायविशेष से दीर्घ काल की करना Lengthening the duration of Karmas by meditation विशे० २५१४ (२) ઉબટી રૂપ એમ । કરવું તે उबटन करने की क्रिया

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th

मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दस० ३, ५; उवा० १, २६, १०, २७७, गच्छा० ११३, (३) પડખું ફેરવુ તે करवट बदलना turning from one side to another (in a lying posture). आव० ४, ४,

उव्वट्टणा. स्त्री० (उद्वर्त्तना) દેવતા અને નારકી નો ભવ પુરો કરી બ્હાર નીકલવુ તે देव और नारकी के भवको पुरा कर बाहर निकलना. Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being प्रव० ११३६, (२) ઉગટણા, મર્દન વિશેષ उवटना, मलना, मालिश करना anointing, smearing, rubbing नाया० १३, विवा० १, भग० ११, १, १६, ३; २१, १, ३५, २, **—आलिगा** स्त्री० (-आवलिका) કર્મની ટુકી સ્થિતિની લાંબી સ્થિતિ કરવી તે ઉદ્વર્તના તેની આવલિકા-સમયવિશેષ. कर्म की छोटी प्रकृति की लंबा स्थिति करना, उद्वर्तना-उसकी आवलिका-समय विशेष the particular moment of prolonging the duration of Karma क० प० २, ३,

उव्वट्टणाकारय त्रि० (उद्वर्त्तनाकारक) પીઠી કરાવનાર उवटना उवटन कराने वाला (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent निसी० ६, २८,

उव्वट्टित्तव्व त्रि० (उद्वर्तितव्य) નરકાદિકનો ભવપુરો કરી નીકળવુ नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना Finishing one's term of life in hell etc and taking another birth भग० १३, १;

उव्वट्टित्ता स० कृ० अ० (उद्वर्त्य) નરકાદિમાથી બ્હાર નિકલીને, નરકાદિ ભવ પુરો કરીને नरकादि में से बाहिर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc i. e. having come out of it भग० १५, १,

उव्वट्टिय त्रि० (उद्वर्तित) નરક આદિનો ભવ પુરો કરી બ્હાર નીકલેલ नरकादि गतिसम्बन्धी भव पूरा करके बाहिर निकला हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there "आउक्खएण उव्वट्टिया समाणा" प्रव० ११०३, पगह० १, १, ३, क० प० २, २१, (२) ઉગટણુ કરેલ, પીઠી ચોળેલ उबटन किया हुआ पीठी चिपडा हुआ rubbed with a perfumed substance, kneaded with a perfumed substance (३) પદભ્રષ્ટ થયેલ पदच्युत, पदभ्रष्ट deposed, dethroned, degraded पिं० नि० ४२०,

उव्वण भोग पु० (उल्बण भोग) ઉત્કટ ભોગ उत्कटभाग Keen enjoyment पंचा० २, ८,

उव्वत्त पु० (उद्वर्त) રોગી ગિલાન કે સથારો કરનાર સાધુની વેયાવચ્ચ કરનાર નિર્યામક સાધુનો એકવર્ગ કે જે રોગીના ઉદ્વર્તના-પાસુ ફેરવવુ વગેરે રૂપે શુશ્રુષા કરે रोगी, ग्लान या सथारा करने वाले साधु की वेयावच्च करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी की उद्वर्तना-करवट लिवाना मालिश करना आदि शुश्रुषा करता है A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g by helping a sick Sādhu to turn oevr from one side to another प्रव० ६३६;

उव्वरिय. त्रि० (उर्वरित) આહારનો એક દોષ. आहार का एक दोष. A fault connected with food पिं० नि० २२७; पंचा० १३, ८, (२) જુદું કાઢેલ. जुदा किया हुआ. set apart, separated पचा० १३, ८,

उव्वलण. न० (उद्वलन) ઉલટી રૂવાડીએ મર્દન કરવું, મર્દન કરી મલ ઉતારવું. उलटे रूँ की ओर से मर्दन करना. Rubbing a perfumed unguent on the body against the grain, rubbing and cleaning the body with perfumes etc. ओव० ३१, नाया० १३, क० प० ७, ४८, कप्प० ४, ६१,

उव्वलणा. स्त्री० (- उद्वलना=उद्वर्तन) ઉખેલવું. खोलना Act of unfolding or unwinding क० प० २, ६३;

उव्विग्ग. त्रि० (उद्विग्न) ઉદ્વેગ પામેલ, અશાંત થયેલ अशांत, उद्वेगयुक्त Vexed, troubled agitated "जम्म मच्चु भउव्विग्गा दुक्खस्संतगवेसिणो" ज० प० ३ ४८, ओव० २१, नाया० १; ३, ४, ६; १६ १७; पण्ह० १, १, जीवा० ३, १; भग० ३, १, ६, ३३; १२, १; १८, २, पन्न० २; नाया० ध० सु० च० १, २२१; उवा० ८, २५६; जं० प० ३, ५८; उत्त० १४, ५२; —मण. त्रि० (मनस्) ઉદ્વેગયુક્ત મનવાળો. उद्वेगयुक्त मन वाला; चिंतित मन वाला. troubled or agitated in mind. नाया० १७;

उव्विद्ध. त्रि० (उद्विध्य) ઉંડું. ऊंडा, गहरा. Deep. ओव० नाया० १; जं० प० ४, ११५; (२) ઉચ્છ્રિત, ઉંચું. ऊंचा. lofty; raised; high. सम० प० २३६; भग० ३, ३३; पण्ह० १, ४;

उव्विह. पुं० (उद्विध) ગોશાલાના મુખ્ય શ્રાવકનું નામ. गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम Name of the principal layman of Gośālā. भग० ८, ५;

उव्विहिय त्रि० (उद्विद्ध) ઉંચે ફેંકેલ. ऊंचा फेका हुआ Thrown up, tossed up भग० ५, ६,

उव्वीढ. त्रि० (उद्विद्ध) ઉંચું આણુ ફેંકેલુ ऊंचा फेंका हुआ Thrown up; tossed up, shot up. भग० १८, ३;

उव्वीलअ–य. पुं० (अपव्रीडक=लज्जया अतिचारान् गोपायन्तमुपदेशविशेषेण व्रीडयति–विगतलज्जंकरोतीति अपव्रीडकः) આલોયણના લેનારને લજ્જા થતી હોય તે સમજાવી દૂર કરનાર आलोचना करनेवाले को यदि लजा लगती हो तो समझाकर उसे दूर करनेवाला One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins भग० २५, ७, ठा० ८, १,

उव्वीलेमाण. त्रि० (अवपीडयत्) પીડતો. पीडा देता हुआ Troubling, afflicting "पच कोट्टहिय उवीलेमाणे २ विहिंसेमाणे २ विहरइ" ठा० ८. विवा० १,

उव्वुज्झमाण. त्रि० (उपोह्यमान) પાટીયા ઉપર બેસી તરતો पटिये पर बेठकर तिरता हुआ. Swimming upon a wooden board "तत्थेणं अहं उव्वुज्झमाणे रयणा

सरीरे तेसिं सुव्व' नाया॰ ८;

उव्वेयमाण पु॰ (उद्वेगमह) ઉદ્વેગ ઉત્પન્ન થાય એવો રોગ जिससे उद्वेग उत्पन्न हो ऐसा रोग A disease or an ailment giving rise to anxiety and alarm जीवा॰ ३, ३

उव्वेग पु॰ (उद्वेग) ઉદ્વેગ એદ उद्वेग खेद; चिंता Mental affliction mental agitation भग॰ ३, ७ ठा॰ ३

उव्वेव पु॰ (उद्वेग) વ્યાકુલતા ઉદ્વેગ व्याकुलता चिन्ता घबडाहट उद्वेग Agitation perturbation mental distress नाया॰ १

उव्वेयणय त्रि॰ (उद्वेजनक) ઉદ્વેગ કરનાર उद्वेग करन वाला Causing distress or misery giving rise to pain and sorrow पराह॰ १

उव्वेयणकारि त्रि॰ (उद्वेजनकरिन्) ઉદ્વેગ કરનાર उद्वेग करने वाला (One) becoming angry (one) causing distress or pain of mind भग॰ ६, ३३;

उव्वेयणग त्रि॰ (उद्वेजनक) જુઓ ઉવ્વેયણય શબ્દ देखो उव्वेयणय शब्द Vide उव्वेयणय भग॰ ६, ३३ पराह॰ १, १

उव्वेयणिय त्रि॰ (उद्वेजक) ઉદ્વેગકારી उद्वेग करने वाला Distressing painful full of misery असुहए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भव सहाए वसि वब्ब भविस्सइ ' ठा॰ ३, ३;

उव्वेह पु॰ (उद्वेध) જમીનમાં ઉંડાઇ ઉંડાપણું गहराई उडाई Depth भग॰ २, ५, १ राय॰ १२५, जीवा॰ ३, ४, ज॰ प॰ १, १२, ७, १७७; अणुजो॰ १३४; ठा॰ ३, ३

उव्वेहलिया स्त्री॰ (*) એક જાતની વનસ્પતિ उव्वहलिया नामक एक वनस्पति A kind of vegetable growth सूय॰ २, ३, १६

उसगण पु॰ (अवसन्न) સંયમથી થાકેલ સન્નમસ थका हुआ Fatigued, exhausted on account of ascetic practices tired of ascetic penance निसी॰ ४, ३१, ३६

उसण्ण अ॰ (*) મ્હોટે ભાગે પ્રાયે बहुधा प्राय Mostly to a great extent पन्न॰ ८ भग॰ ७, ६ आव॰ २०, वव॰ १, ३४

उसण्हसाण्हिआ स्त्री॰ (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) અનંત વ્યવહારિક પરમાણુ મેળાવવાથી બનતા ન્હાના માં ન્હાના સ્કંધની સંજ્ઞા ઉર્ધ્વ રેણુનો ૬૪ મો ભાગ अनंत व्यवहारिक परमाणुओंके एकत्रित होनेसे बने हुए छोटेसे छोटा स्कंधकी संज्ञा A name given to the smallest molecule made up of innumerable atoms 1/64th part of an Urdhva Renu भग॰ ६, ७

उसण्हसण्हिआ स्त्री॰ (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) જુઓ ઉપને શબ્દ देखो उपरका शब्द Vide above अणुजो॰ १३४

उसत्त त्रि॰ (उत्सक्त) ઉપર બાંધેલ ऊपर बांधा हुआ Bound or attached to the top आव॰ पन्न॰ २; राय॰ ५८;

उसन्न अ॰ (*) બહુલતા अधिक

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

बहुलता; अधिकता, प्रचुरता Mostly; to a great extent ठा० ४, १ —तस्सपाणघाति त्रि० (-त्रसप्राणघातिन्) घणे भागे त्रस प्राणीनी घातने। करनार अधिकतर त्रस प्राणोंकी घात करने वाला mostly destroying or killing mobile living beings दसा० ६, १ —सभारकड त्रि० (सम्भारकृत) प्राये कर्मना भारथी प्रेरायेल भारे कर्मिपणाथी प्रेरायेल प्राय कर्मके भार से दबा हुआ, कर्म के भार से प्रेरित mostly urged by a heavy load of Karma दसा० ६, १

उसभ पु० (वृषभ) शाश्वती एक जिन प्रतिमानुं नाम शाश्वत निरंतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम A permanent idol of a Tirthankara जीवा० ३ ४ कप्प० ३ ४४

उसभ पु० (ऋषभ—ऋषति गच्छति परमपदमिति ऋषभ) प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव स्वामी पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी The first Tirthankara Rishabhadeva Swami आव० २ ४, भग० २० ८ सम० २३, २४ ज० प० ० ११४ अणुजो० ११६ पन्ना० १६, ८ सम० प० २३४ (२) त्रि० उत्तम श्रेष्ठ उत्तम सब श्रेष्ठ highest excellent ठा० ४ ० (३) पु० पन्नरमा कुलगरनुं नाम पंद्रहवे कुलकर-नेताका नाम name of the 15th Kulagara i. e. a great leader of men ज० प० (४) बळद; बैल बैल an ox सम० ११ ११ १६ ५ अणुजो० ४७, ओव० ज० प० राय० ४३ नाया० १, (५) अगीयारमा बारमा देवलोकना इंद्रनुं चिन्ह, ग्यारहवे, बारहवे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह the emblem of the Indra of the 11th and 12th Devalokas ओव० २६; (६) बळदना चित्र वाळुं वस्त्र अथवा आभरण ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो a cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा० ३ ३; (७) चामडानो पाटो चमडे का पट्टा a leathern belt ज० प० सम० प० २२६, पण्ह० २३ —आसण न० पु० (आसन) बळदना आकारनुं आसन बैल के आकार का आसन an ox shaped seat जीवा० ३ —कंठ पु० (कण्ठ) एक जातनुं रत्न एक प्रकार का रत्न a kind of gem राय० १२१ —कंठग पु० (कण्ठक) एक जातनुं रत्न एक जात का रत्न a kind of gem "उसभकंठगणभट्टसम" जीवा० ३, ४ —कूड पु० (-कूट) एक पर्वतनुं नाम एक पर्वत का नाम name of a mountain ज०प०१ १७ , १२४ (२) सिन्धुकुंडनी पूर्व गंगाकुंडनी पश्चिमे नीलवन्त पर्वतना दक्षिण बाजु उत्तरार्द्ध कच्छविजयमां आठ योजननो ऊंचो एक कूट शिखर सिन्धुकुंड के पूर्व की ओर गंगा कुंड की पश्चिम दिशा में नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनार पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya to the south of Nilavanta mountain, to the west of Ganga Kunda and to the east of Sindhu Kunda ज०प० १, १७, —नाराय पु० (-नाराच) जुओ 'उसभनारायसंघयण' शब्द देखो "उसभनारायसंघयण" शब्द vide "उ-

a bull. नाया० ८;

उसभकूड. पुं० (वृषभकूट) એ નામનો એક પર્વત ગંગાકૂટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે ચુલ્લહિમવંત પર્વતને દક્ષિણ તરફ છે. इस नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवंत पर्वतके दक्षिण की ओर है Name of a mountain between Gaṅgākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain. जं० प०

उसहसेण पुं० (ऋषभसेन) જુઓ " उसभसेण " શબ્દ. देखो " उसभ-सेण " शब्द Vide " उसभसेण " प्रव० ३०६,

उसा स्त्री० (उषा-अवश्याय) ઠાર, ઝાકળ ओस Fog, dew (२) પ્રભાત प्रातःकाल dawn " तेजः परिहरिष्यत्वा, भानोरभ्युदयं यावत् " जीवा० १,

उसिण. पु० न० (उष्ण-उषति दहति जन्तूनित्युष्णम्) ઉષ્ણ સ્પર્શ, ઉષ્ણતા गर्मी, उष्ण स्पर्श Heat hot touch (२) त्रि० ઊનું, ગરમ गर्म hot आया० १, १ ६, ३३. पन्न० १. ३५, भग० २, २, ५, ६,३,७,८,१०, १ १८, ६. २० ६, दस० ६, ६३, पिं० नि० ४५२; जीवा० ३ १ उत्त० २, ८. ठा० ४, ४, नाया० १६ प्रव० ३१, (३) पु० ઉષ્ણકાલ, ઉનાળો गर्मी का मौसम summer; hot season प्रव० ८७५

—उदग न० (-उदक) ઉનુંપાણી, ગરમ પાણી गर्म पानी उष्ण जल hot water " उसिणोदगतत्त-फासुय पडिगाहेज संजए " दश० ८, ६; प्रव० ८८८; पन्न० १, वेय० २, ५. पिं० नि० भा० १८, नाया० १६

—उदगवियड. न० (-उदकविकृत) વિકૃત-અચેત થયેલ ઉનું પાણી. अचित पानी; जीवजंतु रहित उष्ण जल. hot water rendered lifeless निसी० १, ७; दसा० ६, ४; —उसिण. त्रि० (-उष्ण) ઉનુંઉનું गर्म; उष्ण; ताजा hot निसी० १७, २९;—जोणिय. पु० (-योनिक-उष्णमेव योनिर्येषान्ते उष्णयोनिकाः) ઉષ્ણ યોનિવાળા જીવ उष्ण योनिवाला जीव. a living being (female) with hot generative organ or womb. भग० ७, ३, —तेयलेस्सा स्त्री० (-तेजोलेश्या) ઉષ્ણ તેજો લેશ્યા; ગરમ અગ્નિરૂપ લેશ્યા-તપના પ્રભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ એક લબ્ધિ કે જેથી બીજાને બાલી શકે उष्णतेजो लेश्या; अग्नि के समान लेश्या; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लब्धि जो दूसरे को जला सके hot and bright Lesyā; a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १, —परिसह. पुं० (-परिषह) તાપ-ગરમીનો પરિસહ गर्मी का परीषह, उष्णता सहन करने रूप तप bearing affliction caused by heat सम० २२; उत्त० २, ८, भग० ८, ८, —फास पु० (स्पर्श) ઉષ્ણ સ્પર્શ. ગરમી, આઠ સ્પર્શમાંનો એક गर्मी, आठ प्रकार के स्पर्शों में से एक स्पर्श heat hot touch, one of the 8 kinds of touch. क० गं० १ ४५; —भोयणजाय न० (-भोजनजात) ઉના ભોજનની જાત-પ્રકાર गर्म भोजन उष्ण भाजन की एक जाति. a variety of food served hot. वेय० ५, १२, —विकट न० (-विकट) ઉકાળેલું ઉનુ પાણી, ઉનુ અચિત્ત પાણી. उकाला हुआ गरम जल; गरम अचित्त जल boiled water; lifeless, sterilised water कप्प० ६,२९,

उसिणभूय त्रि० (उष्णभूत) ગરમભૂત

भूयं उष्णं Become hot made hot उसिणो उसिणभूए चावि हात्था भग० ३ २

उसिय त्रि० (उषित) निवास करेल रहेल निवासित रहा हुआ निवास किया हुआ Dwelt inhabited नाया० १ ६, १ १८७

उसीर पु० (उशीर) वाळो एक सुगंधि द्रव्य वीरणना मूल खस एक सुगंधित द्रव्य खस की जड The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus राय० ५६ जीवा० ३ ४ पण्ह० २ ५ सूय० १ ४ २ ८; —पुड पु० (पुट) वाळानो पो खस का पुडा a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus नाया० १७

उसु पु० (इषु) बाण तीर कमठ बाण तीर An arrow ब्रह्मेण से उसू भग० १ ८ ५ ६ ७ ३ १८ १ १८ ३ जं० प० ४ ४५ अत० ५ १ राय० २२० विशे० ३१४१ सूय० १ ५ १ ८

उसुकारिज्ज न० (इषुकारीय) उत्तराध्ययन ना चौदमा अध्ययननुं नाम जेमां इषुकार राजा कमलावती राणी भृगु पुरोहित अने तेनी स्त्री तथा पुत्रनो अधिकार छे उत्तराध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसमें इषुकार राजा, कमलावती रानी भृगु पुरोहित और उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है Name of the 14th chapter of Uttaradhyayana dealing with the king Iṣukāra the queen Kamalāvatī the preceptor Bhagu etc उत्तराध्ये० १३१;

उसुयार पु० (इषुकार) धातकीखंडमां दक्षिण अने उत्तर दिशानो विभाग करनार एक पर्वत धातकी खण्डमें दक्षिण और उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत Name of a mountain in Dhataki Khanda situated between and separating the north and the south ठा० २ ३;

उसुअ पु० (इषुक) बाळकने पहेरवानुं एक घरेणुं बाण के आकार का बालक का एक गहना A kind of ornament for a child उसुयाइयाइ मडाइ मावया अइवइ विभूसेति पिं० नि० ४२३

उसुयार पु० (इषुकार) ए नामनुं इषुकार राजानुं नगर इषुकार राजा के नगर का नाम Name of a town belonging to king Iṣukāra विवा० ३ उत्त० १४ १ (२) इषुकार नगरीनो राजा इषुकार नगरी के राजा का नाम the name of the king of Iṣukāra town उसुयारस्स वायरडसभदत्त गाहावइ विवा० १ १ उत्त० १४ ३

उसुयाल न० (*) उंबल उखल A wooden mortar used for cleansing grain from husk etc निसी० १३ ५ आया० २ ५ १ १४८

उसोवणी स्त्री० (अवस्वापिनी) सामा माणसने गाढ निद्रा आवी जाय तेवी विद्या एसी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य को गाढ निद्रा आजाय Art of hypnotising सूय० २ २ २७

उस्स पु० (अवश्याय) ओस ठार झाकळ

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

ओस. Dew, fog, hoar-frost. "अप्पवरिसु उस्सासु" वेय० ४, १; भग० १४, १; उत्त० ३६, ८४; विसे० २५७६; ठा० ४, ४,

उस्सास. पुं० (उत्कर्ष) भावनी उन्नति. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति. Sublimity of thought. पगह० २, १;

उस्सक्कण. न० (उत्ष्वष्कण स्वयोगप्रवृत्त कालावधेरूर्ध्वं पुरतः ष्वष्कणमारम्भकरण मुत्ष्वष्कणम्) જેને માટે જે કાલ નિર્માણ કરેલ છે તેને ઉલંઘીને તે કાર્ય કરવું તે. जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करना. *Doing an action after the time fixed for it has elapsed.* पिं० नि० २८५, (२) ઉંચે કુદવુ. ऊंचे कूदना. leaping up, high jump प्रव० १५७, पचा० १३, १०,

उस्सग्ग. पुं० (उत्सर्ग) કાઉસગ્ગ કાયાના વ્યાપારનો ત્યાગ कायोत्सर्ग, शरीर के व्यापार का त्याग. Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम० ६ ओघ० नि० ५१; प्रव० ७५, (२) મલમૂત્ર દિનો ત્યાગ मलमूत्रादि का त्याग getting rid of urine, solid excrements i. e. feces etc. पंचा० ३, २०, पिं० नि० भा० १५, ओघ० नि० भा० ३१, सत्त० ४४,

उस्सग्गि. त्रि० (उत्सर्गिन) ઉત્સર્ગમાર્ગ તથા અપવાદમાર્ગને જાણનાર; શાસ્ત્રીય બારીક નિયમોને સમજનાર. उत्सर्ग और अपवाद मार्ग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूक्ष्म नियमों को समझने वाला. (One) who has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Śāstras प्रव० ५५०;

उस्सग्ण. न० (*) બહુલતા; ઘણેભાગે; પ્રાયે. बहुलता; बहुत अधिक; प्राय. mostly; to a great extent. "उस्सण्णमं-साहारा" भग० ७, ७; "उस्सण्णं तसपाण सजुत्ता" निसी० ३; जीवा० १; भग० ७, ६; १५, १, —दोस. पुं० (-दोष-उत्सन्नमनु परतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सन्नदोष) હિંસાદિમા ઘણી પ્રવૃતિવાળો. हिंसादि में बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला one who is too much given to the sin of killing etc. भग० २५, ७,

उस्सण्हसण्हिआ. स्त्री० (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) અનત વ્યવહારિ પરમાણુ ભેગા થવાથી બનેલ સ્કંધની સંજ્ઞા अनंत व्यवहारी परमाणुओं के एकत्र होनेसे बने हुए स्कंध की संज्ञा Name given to a molecule made up of innumerable atoms जं० प० २, १६,

उस्सन्न (*) જુઓ "उस्सग्ण" શબ્દ देखो 'उस्सग्ण' शब्द. Vide "उस्सग्ण" पगह० १, १, सूय० २, २, ६५;

उस्सप्पिणी स्त्री० (उत्सर्पिणी-उत्सर्पन्ति शुभभावा अस्यामित्युत्सर्पिणी.) ચડતા છ આરા પુરા થાય તેટલો કાલ, દશ કોડા કોડી સાગરોપમ પ્રમાણનો ચડતો કાલ उत्सर्पिणी काल, प्रगतिशील छह कालो के समूह का नाम; दश कोडा कोडी सागरोपम वह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है The æon of increase; the up-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Ārās); the era of increase equal to 10 × crore × crore of Sāgaropamas भग० ३, १, ५, १, ५, ६, १५ ० २०, ८ उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५; १४५, सम० २०; ठा० १, १ १, ४ सू० प० ८, पन्न० १२, जं० प० ७ १५० नदी० १६ कप्प० २, १८ —काल पुं० (काल) ** दश कोडा कोडी सागरोपम प्रमाणु चडतो काल उत्सर्पिणी काल दश कोडा कोडी सागरोपम प्रगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 × crore × crore of Sagaropamas जं० प० २ १८, भग० २५ ६ —इया स्त्री० (-अर्धता) उत्सर्पिणी ना अपेक्षाओ उत्सर्पिणी का अपेक्षा से भग० ११ ११

उस्सयगुल न० (उच्छ्रयांगुल) त्रण प्रकारना अंगुल पैकी ओनु के जेथी अशाश्वती वस्तुनी लंबाई पहोळाई वगेरेनो माप थाय अथवा शरीर ना अवगाहना मपाय ते अंगुल तीन प्रकार के अंगुला म स दूसरा उत्सेध अंगुल जिसमे अनित्यवस्तुओं की लंबाई चौडाई वगैरह का नाप होती है अथवा शरीर की अवगाहना नापी जाती है वह अंगुल The 2nd of the three kinds of fingers called Utsedha Angula, small finger in its breadth used to measure the length and breadth of destructible objects विशे० ३४१

उस्सयण पुं० (उच्छ्राय) मान, अहंकार. मान घमंड अहंकार Pride, conceit. "अविउस्सयणाविय" सूय० १, ९, ११;

उस्सव पुं० (उत्सव) इंद्र आदिनो महोत्सव इन्द्र आदि का महोत्सव A festival e g of Indra etc नाया० १ २ पण्ह० १ ३ २, ५

उस्सवणया. पुं० (*उस्सवण) ऊंचु करवु ते ऊंचा करना Lifting up raising up भग० १ ८

उस्सविय स० कृ० अ० (विश्वास्य) विश्वास पामीने विश्राम न डालकर Having inspired with trust or confidence सूय० १ ४ १ ६

उस्ससण न० (उच्छ्वास) उश्वास उसास Inhaling of air breathing in of air क० गं० १ ४४

उस्ससिअ न० (उच्छ्वसित) ऊंचो श्वास ऊंचा श्वास Inhalation of breath नदी० ३८ आव० १ ५

उस्सा स्त्री० (अवश्याय) ओस ओस Frost dew mist कप्प० ३ ४५

उस्सास पु० (उच्छ्वास—ऊर्ध्वं प्रबल श्वास उच्छ्वास) प्रज्ञापनाना सातमा पदनु नाम जेमा नारकी वगेरे केटले वखते श्वास ले छे तेना कालनु परिमाण आपेल छे प्रज्ञापना के ७ वे पद का नाम जिसमे नारकी जीव कितने समय के बाद श्वास लेते है इसका वर्णन है Name of the 7th Pada of Prajnapanā in which is given the period of time during which a hell being takes one

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

breath. पन्न० १; (२) ઉંચો શ્વાસ લેવો તે. ऊंचा श्वास लेना. inhalation of breath. पन्न० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ८; २, १; सम० ३४, जं० प० २, १८; (३) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ શ્વાસોચ્છ્વાસ લઇ શકે છે. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय से जीव श्वासोच्छ्वास लेते हैं. a variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath क० गं० १, २५; ५, ६०; पन्न० २३, —नीसास पुं० (-निःश्वास) શ્વાસોશ્વાસ લેવો તે; ઉંચેથી નીચે ને નીચેથી ઉંચે શ્વાસ લેવો તે. श्वासोच्छ्वास लेना, ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर श्वास लेना respiration. पन्न० १, —पय पुं० (-पद) ઉચ્છ્વાસ પદ-પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના સાતમા પદનું નામ. उच्छ्वास पद; प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम name of the 7th Pada of Prajñāpana Sūtra भग० १, १, —विस पुं० (-विष) જેના શ્વાસમાં ઝેર છે એવી જાતિનો એક સર્પ जिसके श्वास में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प a serpent with venomous breath पन्न० १.

उस्सासग पुं० (उच्छ्वासक उच्छ्वसन्तीत्युच्छ्वासका) શ્વાસોચ્છ્વાસ લેનાર श्वासोच्छ्वास लेने वाला. One who breathes. नाया० १, ठा० २. २

उस्सासय. पुं० (उच्छ्वासक) જુઓ "उस्सासग" શબ્દ. देखो "उस्सासग" शब्द Vide "उस्सासग" भग० ११, १,

उस्सिअ. त्रि० (उच्छ्रित) ઉંચું કરેલ, ઉંચે ઉપાડેલ. ऊंचा उठाया हुआ Raised up, lifted up विवा० १; राय० ७०, ओव० ११; जं० प० २, ३१; —(ओ)दय-अ-य. त्रि० (-उदक) વધેલું પાણી; ઉંચું ચડેલ પાણી. बढा हुआ पानी; चढा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. "जलथेयं समुद्दे उस्सिओदय" भग० ६, ८; —धया. स्त्री० (-ध्वजा) ઉંચી કરી છે ધ્વજા જેણે તે (સ્ત્રી) जिसनें ध्वजा ऊंची की वह (स्त्री) (a woman) who has raised up a flag or banner विवा० २,

उस्सिंचणा. स्त्री० (उत्सेचन = ऊर्द्धंसेचनमुत्सेचनम्) તળાવાદિનું પાણી ઉલેચી બહાર કાઢવું તે तलाव वगैरह का पानी उलीच कर बाहिर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc उत्त० ३०, ५; भग० ३, ३;

उस्सिंचितार त्रि० (उत्सेक्तृ) પાણી ઉલેચનાર. पाणी उलीचने वाला. (One) that draws out or takes out water दसा० ६, ४

उस्सित त्रि० (उत्सृत) ઉંચું કરેલું ऊंचा करा हुआ Raised up, lifted up. जीवा० ३, ४,

उस्सित्त न० (उत्सिक्त) ઉંચું કીધેલું ऊंचा किया हुआ Lifted up, raised up, exalted (२) ગર્વિષ્ઠ; ઉદ્ધત गर्विष्ठ; घमंडी उद्धत proud; vain भग० ३,३,

उस्सिय. त्रि० (उत्सृत) ફેલાયેલ. પસરેલ फैलाया हुआ, पसारा हुआ Spread, extended (२) ઉંચું કરેલ. ऊंचा किया हुआ lifted up, raised up सम० प० २१२, राय० ६६,

उस्सीस. न० (उच्छीर्ष) ઓશીકું तकिया A small pillow for the head. ओघ० नि० ३३२; —मूल न० (-मूल) ઓશીકાનું મૂળ, ઓશીકાની નીચે तकियेके

...का भाग. the under-portion of a pillow for the head निसी० ३, ७२; नाया० १;

उस्सुअ न० (औत्सुक्य) उछाछलापणु उत्सुकता, चंचलता. Excessive eagerness or curiosity busy inquisitiveness ओव० १६;

उस्सुक्क. त्रि० (उच्छुल्क) कर रहित, जगात रहित, नि शुल्क, कर रहित, बिना फीस का, जगात रहित. Free from customs duties, free from taxes. "उस्सुक्कं विसरइ" कप्प० ५, १०१, नाया० १, ८, १५, १७, विवा० ३;

उस्सुग त्रि० (उत्सुक) उत्कंठित, उत्साहयुक्त. उत्कठित, तीव्र चाह वाला, उत्साह सहित. Eager, zealous, enthusiastic. ओव० २६;

उस्सुगत्त. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकपणु, आकुलता उत्सुकता, उत्कठा, तीव्र इच्छा, आकुलता Eagerness, confusion of mind caused by excessive eagerness महा० प० ५,

उस्सुगत्तण न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता. आकुलता. उत्सुकता उत्कंठा, तीव्र चाह, आकुलता. Eagerness; perturbation of mind पण्ह० २, ३,

उस्सुत्त न० (उत्सूत्र) मन, वचन, अने कायाओ करी सूत्रथी विरुद्ध आचरण करवुं वे मन, वचन, और काया से सूत्र से विरुद्ध आचरण करना Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed. आव० १, ४; भग० ७, १; १०, १, प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उस्सुय. त्रि० (उत्सुक) उत्कंठित, उत्साहवाळो. उत्कंठित, तीव्र इच्छावाला; उत्साह वाला Eager, zealous; enthusiastic (२) पु० उत्सुक नामना एक कुमार उत्सुक नामक एक कुमार. name of a Kumāra (a boy) नाया० १६,

उस्सुय न० (औत्सुक्य) उत्सुकपणु उत्सुकता, उत्सुकपना Eagerness; curiosity. नाया० १, —**कर** त्रि० (-कर) उत्कंठा उपजावनार उत्कठा पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया० १,

उस्सुयभूअ. त्रि० (उत्सुकीभूत) उत्कंठावाळो, आतुर थयेल उत्कठा वाला, आतुर; उत्सुक Made eager or anxious; eager, made curious. "उस्सुयभूएण अप्पाणेण" नाया० २, १, ३, १५,

√**उस्सु-याय** ना० धा० I (उत्सुक करोतीति-उत्सुकायते) विषय तरफ उत्सुकता करवी—आतुरता करवी विषयो की ओर उत्सुकता करना, विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment

उस्सुयायति. भग० ५, ४,

उस्सुयाएज्ज भग० ५, ४,

उस्सुयमाण भग० ५, ४,

उस्सूलअ पु० (*) दुश्मनना लश्करने पाडवा माटे ढांकेली छूपी खाड; एक जातनी खाई खाई, शत्रु की सेना को गिराने के लिये ढांकी हुई खाई A ditch; a trench, a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त० ६, १८;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

उस्सेइम. न० (उत्स्वेदिम) લોટનું પોયણું ઘઉંના વગેરેનો લોટ ઓસાવવામાં આવે તે લોટ વાળુ પાણી आटे का धावन Water in which rice flour etc have been socked ठा० ३,३ आया० २ १,७ ४१

उस्सेयण न० (उत्स्वेदन) ઓસામણનું પાણી मांड चावल वगैरह सिझाने के बाद निकला हुआ पानी Water taken out after rice etc have been boiled in it निसी० १० ३०

उस्सेह पुं० (उत्सेध) ઉચાઈ અવગાહના ऊंचाई; अवगाहना Height measure of height आव० नि० भा० २६३ राय० ३६ ज० प० ७ १६ ५ १२२ आव० ९० ३८ उत्त० ३६ ६३ उवा० १ ७६ ( ) શિખર शिखर चोटी summit peak जीवा० ३ ४ —अंगुल पुं० (अंगुल) ઉત્સેધાંગુલ આઠ જવ પ્રમાણ એક માપ આ અંગુલથી નારકી તિર્યચ વગેરે સર્વ જીવોના શરીરની અવગાહના-ઉંચાઈનું પ્રમાણ માપવામાં આવ્યું છે उत्सेधांगुल, नारकी तिर्यंच वगैरह जीवों के शरीर की ऊंचाई का प्रमाण जिससे किया जाय वह अंगुल a measure equal in breadth to eight barley seeds and used to calculate the height of hell beings etc प्रव० ८८; १४०६ अणुजो० १३४ —प्पमाण न० (प्रमाण) શરીરાદિની ઉંચાઈનું પ્રમાણ शरीरादि का ऊंचाई का प्रमाण height of the body etc राय० १५४

उस्सेह पुं० (उत्सेध) માઢ મેડાનો શિખર ऊपर का मंजिल की चोटी The top of the upper floor राय० १०७

उहासणभिक्खा स्त्री० (अवभासन भिक्षा) પોતાની ઓળખાણ આપીને ભિક્ષા લેવી તે पहचान देकर ली हुई भिक्षा Begging alms after introducing oneself i e disclosing one's name etc आव० ४ ५

ऊ.

ऊण त्रि० (ऊन) ઉણું ઓછું ન્યૂન न्यून कम ओछा उणा Wanting lacking; falling short अणुजो० ६७ आव० १६ सूय० २ ६ १५ उत्त० ३० २१ नाया० ८ पन्न० २ सू० प० १ क० ग० ३ २२ पचा० ३ २० ज० प० ७ १३४ क० प० १ १३ —ऊण त्रि० (—ऊन) ઓછું ઓછું ઓછુ ઓછુ कम कम less and less क० ग० ५ १६

ऊणग त्रि० (ऊनक) ઓછું न्यून कम Less falling short सम० ७, १

ऊणत्त न० (ऊनत्व) ઓછાપણું कमी ओछापन State of being less paucity defect पचा० १४ २४

ऊणय त्रि० (ऊनक) જુઓ 'ऊणग' શબ્દ देखो 'ऊणग' शब्द Vide 'ऊणग' पि० नि० ६५०

ऊणाइरित्तमिच्छादंसण न० (ऊनातिरिक्त मिथ्यादर्शन) શરીરના પ્રમાણથી જીવને ન્હાનો અથવા મ્હોટો માનવો તે મિથ્યાત્વનો એક પ્રકાર शरीर के आकार परसे जीवको छोटा या बड़ा मानना मिथ्यात्वका एक भेद Measuring the size of the soul by the size of the body, a mode of false belief 'ऊणाइरित्त मिच्छादंसण वत्तिया चेव' ठा० २, १

ऊणिय त्रि० (* ऊन) ન્યૂન, न्यून, कम Less, falling short; lacking "बायालीसं वासाइं ऊणियाए" जं० प० २, ११, २, ३५ २ ४०, भग० ६, ७ २५ ७, कप्प० १ ७

ऊणोयरिया स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर मुनोदर तस्य करणं भावे वुञ ऊनोदरिका) હમેશના ખોરાક કરતા કંઇક ઓછુ ખાવુ તે, ઊનોદરી તપ रोज के प्रमाण से कुछ कम भोजन करना भूख से कुछ कम खाना Eating less than one's fill this is called Unodari austerity ओव० १६ उत्त० ३०, ८ भग० २५, ७ प्रव० २७१ पंचा० १६ २

ऊरणी स्त्री० (*) ગાડર भेड गाडर A female sheep, a ewe a sheep अणुजो० १३१

ऊरणीअ पु० (औरणिक) ગાડર પાળનાર, રબારી गडरिया A shepherd अणुजो० १३१

ऊरु पु० (ऊरु) સાથળ जांघ A thigh "कयलगाम्भा ऊरु" राय० १६४ "बाहामे ऊरु मे" सूय० २ १, ४२ भग० ५, ४ १६ ८, दसा० ४, ८ ४६ जं० प० ओव० १०, उत्त० १, १८ आया० १ १ २, १६ जीवा० ३१, ३ निसी० ७ १८ उवा० २, ६४ —घंटा स्त्री० (-घण्टा) સાથળ ઊપર લટકતી ઘંટડી जांघ के ऊपर लटकने वाली घंटी a small bell hanging upon a thigh नाया० १८ —घंटिया स्त्री० (-घण्टिका) સાથળ ઊપર લટકતી ઘંટડી जांघके ऊपर लटकने वाली घंटी a small bell hanging upon a thigh नाया० १८,

ऊस पु० (ऊष) ખારો; લવણમિશ્ર રેતી ખારી માટી नोंन मिली हुई रेती, ऊसर, खारी मिट्टी Salt earth, sand mixed with salt पन्न० १, निसी० ४, ४०; दस० ५ १, ३३, पिं० नि० भा० १३, उत्त० २६, ७३ आया० २, १, ६, ३३,

ऊसड त्रि० (उत्सृत) ઊંચુ કરેલ ऊंचा किया हुआ Elevated, made high जीवा० ३ ४ राय० १३५

ऊसढ त्रि० (उत्सृष्ट) તજેલુ, નાખી દેવાનુ छोडा हुआ फेंक देने योग्य Abandoned thrown away; to be thrown away निसी० ८ १६ —पिंड न० (-पिण्ड) નાખી દેવાનુ પિંડ ભોજન फेंक देने योग्य भोजन food to be thrown away or cast away निसी० ८ १६

ऊसढ त्रि० (उत्सृत) ઋદ્ધિ સંપદા વગેરેથી ઉંચુ ऋद्धि संपत्ति आदि से बडा Exalted high by reason of wealth, prosperity "ऊसढ नाम धारए" दस० ५ १ ७५, सम० ३३ (२) સારૂ રસદાર સુગન્ધિ ભોજન अच्छे रसवाला सुगन्धित भोजन rich and sweet smelling food "रसिय रसिय ऊसढ ऊसढ मणुण्णया मणुण्णया" सम० आया० २, १ ५ २६ २ ४ २, १३७ दसा० ३ १६ (३) ઉછરીને મ્હોટા થઇ આવેલ (છોડવા વગેરે) फलफूल कर जो बडा हो गया वह (वृक्ष वगैरह) grown up (plants, crops etc) "थिरा ऊसढाविय" दस० ७ ३५

ऊसप्पिऊण स० कृ० अ० (उत्सर्प्य) આગે

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ ( ) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

करीने. पा करके, प्राप्त करके Having got or obtained सु॰ च॰ ५, ६७

ऊसर न॰ (ऊषर) खारी जमीन नमकीन जमीन Salt land or soil सु॰ च॰ ७, २५, भत्त॰ ७३,

ऊसरण न॰ (उत्सरण) उपर चडवुं ऊपर चढना Rising up mounting up "धाऊसरणसओ समुप्पतओ" विशे॰ १२०८

ऊसव पु॰ (उत्सव) उत्सव महोत्सव उत्सव महोत्सव A festival a festive occasion पि॰ नि॰ ३२५

ऊसविय त्रि॰ (उत्सृत) ऊंचुं करेल ऊंचा किया हुआ Elevated made high नाया॰ १ ८ भग॰ ६, ३३ ११ ११ जीवा॰ ३ ३

ऊसविय अ॰ (उत्सृत्य) एकत्र करीने ऊंचा करीने एकत्र कर के ऊंचा कर के Having collected or gathered or joined together having raised up भग॰ १ ८

ऊसस पु (उच्छ्वास) ऊंचो श्वास ऊंचा श्वास उच्छ्वास Inhalation of breath भग॰ १ १

ऊससिय न॰ (उच्छ्वसित) ऊंचो श्वास लेवो ऊंचा श्वास लेना Inhaling of breath विशे॰ ५०१ सु॰च॰१३,४०
—**रोमकूव** त्रि (-रोमकूप) जेना रोमकूप हर्षथी ऊंचा थया छे ते उच्छ्वसित रोमकूप (जिस के रोम हर्ष से ऊंचे होते है) रोमांचित होने वाला (one) horripilated with joy कप्प॰ २, १४

ऊसारिय. पु॰ (उत्सारित) प्रसारेल, फेलावेल प्रसरित, फैलाया हुआ पसारा हुआ Spread extended नाया॰ १८ भग॰ ६, ३२

ऊसास पु॰ (उच्छ्वास = उच्छ्वसनं उच्छ्वास) श्वास ऊंचो लेवो ते ऊंचा श्वास लेना, Inhaling of breath जीवा॰ ३ १ ज॰प॰२,१८ नाया॰१ ८,१३,१६, ओव॰ ३६, भग॰ २, १, ६, ७ सु॰ च॰ २, ४१६, (२) गायनना एक चरणने बोलता जेटलो वखत लागे तेटला वखत प्रमाणनो काल विभाग गायन का एक चरण बोलने में जितना समय लगे उतने समयका काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition अणुजो॰ १२८ —**नीसास** पु॰ (नि श्वास = उच्छ्वासनसह निश्वास) श्वासोच्छ्वास श्वासोच्छ्वास उपर नीचे श्वास लेना respiration भग॰ ७, ६, ज॰ प॰ ७, १८ —**द्धा** स्त्री (अध्वन्) उच्छ्वास प्रमाण काल उच्छ्वास प्रमाण काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition भग॰ ६ ७

ऊसासग पु॰ (उच्छ्वासक = उच्छ्वसितीत्युच्छ्वासक) श्वास लेनार श्वास लेनेवाला One who breathes भग॰ ३५, १

ऊसासनाम न॰ (उच्छ्वासनाम) नाम कर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव श्वास श्वास लइ शके नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदयसे जीव श्वासोच्छ्वास ले सकता है A variety of Nama karma by the use of which a soul gets the power of respiration क ग॰ १ ४४ प्रव॰ १२७७

ऊसिय त्रि॰ (उच्छ्रित) ऊंचुं करेल ऊंचा किया हुआ Raised high lifted up आव॰ ७१ पण्ह॰ १५ ज॰ प॰ ३ ४६ ५३ ५७, ७ १६६, भग॰ ३, ४ ११, ११; नाया॰ १ ८ ६ सूय॰ ७, १, ३१

जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३३; प्रव० १४६०;

ऊसिय. त्रि० (उत्सृत) ઊંચુ કરેલ; ઊંચુ મુકેલ. ऊंचा किया हुआ Raised up; placed high. राय० २२५; जीवा० ३, ४; नाया० ८; ओव० ४०, (२) ઉન્નત उन्नत, ऊंचा उठा हुआ. lofty, high ओव० ४०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६. —ज्झया स्त्री० (ध्वजा) ઊંચી કરેલી ધ્વજા ऊंची उठाई हुई ध्वजा raised up banner or flag विवा० १, २, नाया० ३; —फलिह पुं० (स्फटिक-उच्छ्रितमुन्नतं स्फटिकमिव स्फटिकं चित्त येषां ते उच्छ्रित-स्फटिका मौनीन्द्रप्रवचनावाप्त्यापरितुष्टमान सा इत्यर्थः। यद्वा उच्छ्रितोऽर्गलास्थानादपनी-तोर्द्धीकृतोतिरश्चीना कपाटपश्चाद्भागादपनीतः परिघोर्गलायेषा ते उच्छ्रित परिघाः। अथवा उच्छ्रितोगृहद्वारापगत परिघोयेषा ते उच्छ्रि-तपरिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदा-यित्वेन भिक्षुकाणा गृहप्रवेशार्थमनर्गलित गृहद्वारा इत्यर्थः.) સ્ફટિક રત્ન જેવુ નિર્મલ ચિત્તવાળો स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला a person with a mind as pure and transparent as crystal (२) જેણે ભાગલ ઊંચે ચઢાવી દ્વાર ઉઘાડા મુક્યા છે તે जिसने अपने द्वार सदा खुले रखे हैं वह. one who has raised up a door-bolt and opened the doors "ऊसियफलिह अवगुयदुवारे चियत्तंतेउर परघरप्पवेसे" भग० २, ५, नाया० ५; —लंगूल न० (लांगूल) ઊંચી પુંછડીવાળું. ऊंची पूंछवाला one with the tail lifted up नाया० १,

ऊसिया स० कृ० अ० (उत्सृत्य) ઉત્તરોત્તર ચઢીને, આગળ વધીને. उत्तरोत्तर बढकर; अगाडी बढकर Progressing; rising step by step उत्त० १०, ३५;

* **ऊसियारी** स्त्री० (*) બીલાડી बिल्ली A cat आया० १, ६, ४, ११,

ऊसीस न० (उच्छीर्ष) ઓસિકુ. तकिया. A small pillow for the head or for resting the cheeks on. नाया० ७, —मूल न० (-मूल) ઓસીકાની પાસે-નીચે तकिया के पास, तकिया के नीचे. near a pillow, under a pillow. "ऊसीसामूले ठावेइ" नाया० ७,

ऊसीसग न० (उच्छीर्षक) ઓશીકુ, તકીયો तकिया, उसीसा A small pillow भग० ६, ३३, —मूल न० (-मूल) ઓસીકા-તકીયાનુ મૂલ तकिये का नीचे की ओर the bottom or under-part of a pillow भग० ६, ३३.

ऊह पुं० (ओघ) ઓઘ-સામાન્ય સંજ્ઞા, આહાર, ભય મૈથુન અને પરિગ્રહ વિષયક સંજ્ઞા-ઇચ્છા. सामान्य संज्ञा-ओघ आहार, भय आदि संज्ञा. Proposition of the subject, inclination towards food, fear, sex and worldly possessions विशे० ५२१, —सराणा. स्त्री० (-संज्ञा) જુઓ 'ऊह' શબ્દ. देखो 'ऊह' शब्द Vide "ऊह" विशे० ५२३;

ऊह न० (ऊधस्) ગાય, ભેંસ વગેરેનો આઉ. गाय भैंस वगेरे का अउ An udder of a cow etc. विवा० २,

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

ए.

ए. अ० (ए) संबोधन. संबोधन A vocative interjection. जं० प०

ए. अ० (एवं) આપ્રમાણે इस प्रकार, इस तरह. Thus, in this way. भग० ५, ४, पन्न० ३६,

एइय. त्रि० (एजित) કાંઈક કંપેલું ધ્રુજેલું कुछ कपा हुआ कुछ धूज गया हुआ A little trembled, quaked. जीवा० ३, ४; राय० १२८,

एक त्रि० (एक) એક, એકલું, એકજ एक, अकेला, एकही One, alone; single, only. नाया० १, सम० १ —(का)असइ स्त्री० (-अशीति) ८१. એકયાશી इक्यासी 81, eighty one ववः६, ३४, —(का) अह न० (-अहन्) એક દિવસ एक दिन one day. भग० ६, ५, —चत्तालीसा. स्त्री० (-चत्वारिंशत्) એકતાલીસ इकतालीस. 41; forty-one सम० ४१, —हुअ त्रि० (-अर्थक) એક અર્થવાળું; પર્યાયવાચક, एक अर्थवाला synonymous अणुजो० २८, —नीसा स्त्री० (-त्रिंशत्) એકત્રિસ. ३१ इकतीस 31, thirty one पन्न० ४, —पासिय त्रि० (-पार्श्विक) એક પડખે સુનાર एक करवट से सोनेवाला (one) who lies or sleeps on one side only वेय० ५, २ ३. —राइ स्त्री० (-रात्रि) એક રાત एक रात्रि one night. वव० ६, १०; —राय. न० (-रात्र) જુઓ " एकराइ " શબ્દ. देखो " एकराइ " शब्द vide " एकराइ " दसा० ७, १, —वीसा. स्त्री० (-विंशति) એકવીસ; २१. एकवीस. 21; twenty-one नाया० ३; १६; क० प० २, १३;

एकंचणं अ० (एकअन) એક; કોઇ એક. एक; कोई एक One; some one. नाया० ३;

एकजडि पुं० (एकजटिन्) એક જટા-વાળો-પુંછડીવાળો ગ્રહ, ૮૮ ગ્રહમાનો એક. एक जटावाला-पूछवाला ग्रह; ८८ ग्रहों में से एक One of the 88 planets; a planet with a tail. ठा० २, ३.

एक राइया स्त्री० (एक रात्रिका) એક રાત્રિ-ની બારમી ભિક્ખુ પડિમા एक रात्रि की बारहवी भिक्षु की पडिमा. The twelveth austerity of a Jaina-layman which takes one whole night. वव० १, २४

एकल-ल्ल-विहार पु० (एकाकिविहार) સાધુએ એકલા વિચરવું તે. साधु का अकेला विचरना. Lonely peregrination on the part of an ascetic. वव० १, २६, दसा० ४, ११, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) એકાકી-એકલા વિચરવાની પ્રતિજ્ઞા કરવી તે एकाकी-अकेल विचरने की प्रतिज्ञा लेना a vow (by an ascetic) of lonely peregrination वव० १, २६, —सामायारी स्त्री० (-समाचारी) એકલા વિચરવાની સમાચારી-આચાર મર્યાદા अकेले घूमने की मर्यादा विचरने की समाचारी (आचार मर्यादा) a Sādhu's Samāchārī (a point of prescribed conduct) consisting in lonely peregrination दसा०४,११,

एकाणउइ स्त्री० (एकनवति) એકાણું. इक्यानवे 91, ninety-one. सम० ९१,

एकाणिय. त्रि०(एकाकिन्) એકલું.સહાય વગર-નું अकेला, सहाय रहित Alone; helpless; unaccompanied. वेय० १, ४६,

एकारस. त्रि॰ (एकादश) અગીઆર, ૧૧ ग्यारह. 11, Eleven. क॰ प॰ २, १२, नाया॰ १२, —**अंग.** न॰ (-अङ्ग) આચારાંગાદિ ૧૧ અંગસૂત્ર आचारांगादि ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Anga Sūtras, e. g Achārānga etc. नाया॰ १२;—**अलंकार** पुं॰ (-अलङ्कार) સંગીતના ૧૧ અલંકાર संगीत के ग्यारह अलंकार. the 11 melodies or tropes of music राय॰ १३१. —**मास** पु॰ (-मास) અગીયાર મહિના ग्यारह मास 11 months दसा॰ ६, २. —**वार** पु॰ (-वार) અગીયારમી વાર ११ वीं वार eleventh time नाया॰ ६,

एकारसम त्रि॰ (एकादशम) અગીયારમો ग्यारहवा 11th, eleventh दसा॰ ६, ७, नाया॰ ११,

एकारसी स्त्री॰ (एकादशी) અગીયારસ. ग्यारस The 11th day of every fortnight. ज॰ प॰

एकावली. स्त्री॰ (एकावली) કનકાવળીના જેવું એક પ્રકારનું તપ, અનુક્રમે ચડતા ઉતરતા તપની આવલી-સમૂહ. कनकावली के समान एक प्रकार का तप. अनुक्रम चढते और उतरते हुए तप का समूह Name of an austerity resembling that known as Kanakāvali. It consists of a number of fasts in ascending and descending order. ओव॰ १६, (२) એક સરો હાર, એક જાતનું ઘરેણું एक प्रकार का गहना a kind of ornament, a single string of pearls, beads etc निसी॰ ७, ८, सम॰ प॰ २३७; जीवा॰ ३, ३;

एकासण न॰ (एकाशन) આખા દિવસમાં એકજ વખત ખાવાનું વ્રત લેવું તે एक व्रत का नाम जिस व्रत में दिन में एकही बार खाया जाता है A vow of taking only one meal in a day. प्रव॰ २०३, पंचा॰ ६, ७.

एकासणिअ. पुं॰ (एकाशनिक) હમેશાં એક વખત જમનાર सदा एक बार भोजन करने वाला One who takes his food only once a day. पराह॰ २, १,

एकूणवीसा स्त्री॰ (एकोनविंशति) ઓગણીસ, ૧૯. उन्नीस, उगनीस, १६ 19; nineteen सम॰ १६, मृ॰ प॰ १,

एक्क त्रि॰ (एक) એક, અદ્વિતીય एक, अद्वितीय. One, without a second पि॰ नि॰ १८४, नाया॰ १, सम॰ प॰ २३२, ओव॰ ३, ३ भग॰ २, ५, १०, ३, २, ५, ६ ८, ६, ७, ८, १, १८, ७, २०, १०, २५, ४; ३१, २, वेय॰ १, ४२ उवा॰ ७, १८२, क॰ प॰ १, ३८, ज॰ प॰ ५, १११, —**अभिलाव.** पु॰ (-अभिलाप) એક સમાન સૂત્ર પાઠ एकसा सूत्र पाठ one reading of Sūtras भग॰ २ १०, —(**क्का**)**अवराह** पु॰न॰ (-अपराध) એક અપરાધ, એક ગુન્હો एक अपराध one fault or crime नाया॰ ६, —(**क्का**)-**असी.** स्त्री॰ (-अशीति) એકાશી; ८१ इक्यासी ८१ eighty-one 81 सम॰ ८१; —**असीति** स्त्री॰ (-अशीति) જુઓ "एकासी" શબ્દ देखो "एकासी" शब्द vide "एकासी" भग॰ ४०, १; —(**क्का**)**आसण.** न॰ (-आसन) એકાસણું; એક આસને બેસી દિવસમાં એકજ વખત ભોજન કરવાનું વ્રત. एकासना; एक आसन से बेठकर दिन मे एक बार भोजन करने का व्रत the vow of taking only one meal on one seat during a day (i. e.

24 hours): this is also called Ekāsaṇā. ओघ० नि० भा० २७४; —त्तीसइ. स्त्री० (-त्रिंशत्) ३१, એકત્રીસ ३१; इकतीस 31; thirty one भग० ८, ९, २०, ५; २४, २१, ४० १७ ओघ० १८ ४१, सम० ३१, कप्प० २, २४, जं० प० ७, १४८, —देस पु० (-देश) બાદર દૃષ્ટિ વગેરેથી જોઈ શકાય એવી વન સ્પતિ કાય વગેરેની હિંસા स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आसकनेवाली वनस्पति वगैरह का हिंसा killing of vegetable life etc which can be perceived with the eyes etc विशे० १२३४ —वीसा भा० (विंशति) એકવીસ, २ इक्कीस, २१ इक्कीस 21 twenty one भग० २, ८ ६, ५ ७ ७, ६, १६, ३ सम० ११, २१, अणुजो० १४१ क० प०२,१६ —सत्तरि स्त्री० (सप्तति) ७१ એકોતેર ७१, इकहत्तर 71 seventy one सम० ७१ —समय पु० (-समय) એક સમય एक समय one Samaya i e a unit of time, an instant भग० १, १० —सरय न० ( ) એકજ સર પંક્તિવાળુ ઉદ્દેશાદિ વિભાગ વિનાનું एक ही पंक्तिवाला, उद्दशादि उप विभागोंसे रहित (a text composition etc) not divided into sections, chapters etc ' सम्मत्त च पक्करस्स सप एक्कसरय" भग० १५, १ —साडिय न० (-शाटिक) જેની સાંધો ન હોય તે વસ્ત્ર, શાલ, દુપટ્ટો ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड न हो, साल; दुपट्टा a shawl, a scarf, a uniform web of cloth i e having no joint. ओघ० ४२,—सिद्ध. पु०(-सिद्ध) એકાકી પણે સિદ્ધ થયેલ एकाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह one, who has attained to salvation by himself i e not in the company of others ठा० १, १, —सीई स्त्री० (-अशीति) એકાશી इक्यासी ८१ eighty one; 81; क० प० ? २३

पक्कअ त्रि० (एकक) એકલ એકલો એકલ વિહારી સાધુ, अकेला एकाकी अकेला विहार करने वाला साधु Alone, solitary, an ascetic wandering alone from place to place दस० ० १ ६५,

पक्कगदत्ति स्त्री० (एकदत्ति) જે તપમા એકજ દાન અન્ન પાણીની લેવાય તે एक तपका नाम जिस मे अन्नजलकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है An austerity in which one cannot take more than one Data of food and water प्रव० १२०३

पक्कगसित्थ न० (एकसिक्थ) જે તપમા આખા દિવસ અન્નની એક સિથ ઉપરાંત ખવાય નહીં તે ત૫ एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक सिथ के सिवाय नहीं खाया जा सकता An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc) प्रव० १०२७

पक्कसिं अ० (एकदा) એકદા કોઈ સમયે एक समय में एक बार Once, in one Samaya (a unit of time = one instant) ओघ० नि० १५१

पक्कसेस पु० (एकशेष) એકશેષ નામનો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide footnote (*) p 15th.

समास; समासनो એક પ્રકાર एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekaśeṣa compound. अणुजो० १३१,

एक्काईनाम. न० (इक्काइनामन्) એક્કાઈ નામના રાઠોડ इकाई नाम वाला, एकाइ नामका राठोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste विवा १;

एक्कारस. त्रि० (एकादशन्) અગીયાર; ११ ११; ग्यारह 11, eleven भग० २, १, ३, २; ७, १०, ८, ८; १४, ६, १५, १; २०, ५, २६, १, ३१, १, ३५, ३, उवा० १, ८६; २, १२४, पन्न० ४, ओव० १४, सु० च० १, ३२७; २, ३५३, विशे० १०६२, —अंग. न० (-अङ्ग) આચારાગાદિ ૧૧ અંગશાસ્ત્ર आचारांगादि ग्यारह अंगशास्त्र the 11 Aṅgaśāstras e g Achārāṅga etc भग० २, १, ६, ३३, नाया० १; ५; ८, ६; १६, —अंगि. पुं० (-अङ्गिन्) આચારાંગ આદિ ૧૧ અંગના જાણનાર आचारागादि ग्यारह अंगो को जानने वाला one proficient in, familiar with the 11 Angas viz. Achārānga etc चउ० ३३, नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) જેના ઉત્તરપદમા ૧૧ છે તે. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह (a compound expression) having " eleven " as its latter part. भग० १, २, —भाग. पुं० (-भाग) અગીયાર ભાગ. ग्यारह भाग-हिस्से. 11 parts. निर०१,१;

एक्कारसम. त्रि० (एकादश) અગીયારમો. ग्यारहवां. 11th; eleventh. उवा० १, ७१; ठा० ६, १; भग० २, १;

एक्कारसय. त्रि० (एकादशक) અગીયાર; ११. ग्यारह 11; eleven. भग० १०, १०;

एक्कारसी. स्त्री० (एकादशी) એકાદશીતિથિ; અગીયારસ. ग्यारस; एकादशी (तिथि). The 11th day of every fortnight नाया० ८, जं० प० ७, १५३;

एक्कावण्ण स्त्री० (एकपञ्चाशत्) એકાવન; ૫૧. इक्यावन 51, fifty-one भग० ६, ३, सम० ५१;

एक्कावादि पुं० (एकवादिन्) એકજ આત્મા છે એમ માનનાર એક વાદી एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी One who holds that there is only one soul without a second ठा० ८, १,

एक्किक. त्रि० (एकैक) એક એક; પ્રત્યેક. प्रत्येक. Each taken singly, every one भग० ४, १; क० प० १, ६६; —पडिग्गहग त्रि० (-पतद्ग्रहक) એક એક પાત્ર રાખનાર एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time. प्रव० ६३६;

एक्किया स्त्री० (एकाकिनी) એકલી (સ્ત્રી). अकेली (स्त्री) A lonely, solitary, (woman). नाया० ६;

एक्केक्किय. त्रि० (एकैकक) પ્રત્યેક प्रत्येक Every one, each taken singly. राय० ६१;

एक्केक त्रि० (एकैक) એકેએક; દરેક; પ્રત્યેક. प्रत्येक; हरएक Every one; each taken singly भग० १, ६; ३, ५; ८, १, पिं० नि० भा० ८; उत्त० १०, १४, उवा० ४, १४७; १, २२५;

एक्कोणवीसइम. त्रि० (एकोनविंशतितम) ઓગણીસમુ. उन्नीसवां. nineteenth; 19th. नाया० ८;

एग. त्रि० (एक) એક. एक. One. भग० १, ४; ८; २, १; ५, ३, १; ६, ३३; १५, १; ३३; ६, १८, १०; २४, १; २५, २, ६; नाया० १; २; ५; ६; ८; ६; १०; १३; १४; १६; १८; उत्त० १, २६; पिं० नि० भा० ४१, पिं० नि० ७५; वेय० १, ६; १०, दस० ६, ३०, ६, १, ३, दसा० ७, १. १०, ३ पन्न० १; ४; ज० प० १, १७, ५, १०, २०, सु० च० १, १०३, ठा० ७. अणुजो० १०, वव० १, ३५. ३६, ८, २; १५; ६, ३७, ४०, ४५, १०, १, २; ४, विशे० ३१, ८४, उत्रा० ७, ६३, ११८. क० गं० २, २९, कप्प० ४, ७७; क० प० १, २१, (२) કોઇ એક, કેટલા એક. कोई एक, कुछ एक some one. some. सूय० १, १, १, ६, १, १, २, १, आया० १, १, १. १. ७, १, ६, २, १८३, सु० प० २०. —**अगिय** त्रि० (-आङ्क) સલંગ, આખુ, અખંડ ભાગ; अखड. पूरा whole, entire, undivided. ओघ० नि० ७०७, —**अंतर.** त्रि० (-अन्तर) એક એક દિવસને આંતરે આવતા આયંબિલ ઉપવાસ વગેરે, એકાન્ત તપ. एकर दिनके अतरसे आनवाले आयंबिल उपवास आदि, एकान्तर तप विशेष practice of austerity known as Ekāntara (e g fasting etc on alternate days). उत्त० ३६, २५१; (२) અનન્તર સમય (અન્તર-રહિત) એક સમય अन्तररहित एक समय continued one Samaya or unit of time विशे० ३५५. —**अंतरा** अ० (-अन्तरा) એક આંતરું-અંતરાલ एक अन्तराल. one interval. (at) an interval of one क० प० १, ४८, —**अणुप्पेहा.** स्त्री० (-अनुप्रेक्षा) હું એકલો છું, મારું કોઇ નથી, હું કોઇનો નથી એવા પ્રકારની ભાવના. एकत्व भावना; मै अकेला हूं मेरा कोई नहीं है और न मैं किसी का हूं इस प्रकार की भावना. meditation on one's loneliness in this world taking this form "I am alone and nobody is really mine." ठा० ४, १. —**असी.** स्त्री० (अशीति) જુઓ " एकसीई" શબ્દ. देखो "एकसीई" शब्द vide "एकसीई" प्रव० ३६७; —**अह** पुं० न० (-अह) એક દિવસ एक दिन. one day, a single day. भग० १२, ७; दसा० ६, २ वव० ८, ४. —**आहिअ-य.** त्रि० (-आह्निक) એક દિવસનું. एक दिन का. pertaining to, relating to one day, diurnal भग० ६, ७, ज० प० ७, १३३, (२) न० એકાન્તરો તાવ इकतरा बुखार fever on alternate days जीवा० ३, ३; भग० ३, ७, —**आगार** पु० (-आकार) એકાકાર થયેલો, સરખા આકારવાળો. एकाकार समान आकार वाला uniform; homogeneous भग० ८, ७, ६, —**आभरण** न० (-आभरण) એકસરખા આભૂષણ एक से आभूषण a uniform ornament. राय० ८०, दसा० १०, ३, —**आमोसा** स्त्री० (आमर्श) પડિલેહવાના વસ્ત્રનો મધ્યભાગ પકડી બેતરફના છેડાને એકીસાથે ઘસવાથી લાગતો દોષ, પડિલેહણના દોષનો એક પ્રકાર प्रतिलेखना करनेके वस्त्रको मध्यभाग से पकड़कर दोनों ओर के पल्लों को एक साथ घिसनेमे जो दोष लगे वह; पडिलेहनादोष का एक भेद a variety of fault incurred in connection with the inspection of clothes viz holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends. उत्त० ३६, २७, —आसण न० (-आसन) એક સ્થાનમાં બેસીને દિવસમાં એકજ વખત જમવું તે एक स्थान में बैठ कर एकही बार भोजन करना confining oneself to a seat in one place and taking meals only once आव० ६, ४, —आहिय त्रि० (-आह्निक) એક દિવસનું एक दिन का lasting for one day प्रव० १०३४, —(गि) इत्थी स्त्री० (-स्त्री) એકલી સ્ત્રી अकेली स्त्री a lonely, solitary woman उत्त० १, २६, —उत्तर. त्रि० (-उत्तर) એક એક વધતુ एक एक बढता हुआ progressing by one प्रव० १३४८, —उप्पाय. पुं० (-उत्पात) એક વાર ઉંચે ચડવું एक वार उंचे चढना rising up once. प्रव० ६०६ —खुर त्रि० (-खुर—एकःखुरो येषां ते तथा) એકખરીવાળા તિર્યંચ પંચેન્દ્રિય ઘોડા, ગધેડા વિગેરે, થલચર તિર્યંચ પંચેન્દ્રિયનો એક ભેદ एक खुर वाला; पचेन्द्रिय तिर्यंच घोडा, गधा, आदि स्थलचर पैंचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद single hoofed five sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc.) उत्त० ३६, १७६; ठा० ४, ४, भग० १४, १, जीवा० १, —चक्खु त्रि० (-चक्षुष्) શ્રુતજ્ઞાન અને અવધિજ્ઞાન રહિત માત્ર એક ચક્ષુઇંદ્રિય રૂપ દ્રવ્યચક્ષુ ધરનાર श्रुतज्ञान और अवधिज्ञान रहित केवल मात्र चक्षु, इन्द्रियरूप द्रव्य चक्षु धारण करनेवाला (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhijñāna and possessed of merely physical sight. ठा० ३, ४, —चरिआ-या. स्त्री० (-चर्या) એકલ વિહારી થવું-એકલા વિચરવું તે બે પ્રકારે-દ્રવ્યથી અને ભાવથી; એકાકીપણે સંયમ પાલતા વિચરવું તે દ્રવ્ય એક ચર્યા; રાગ-દ્વેષરહિત એકાંત સ્વપરિણતિમાં પરિણત થવું તે-ભાવથી એક ચર્યા. एकाकी विहार करनेवाला होना; एकाकी विहार द्रव्यचर्या व भावचर्या रूप दो प्रकार का होता है. संयम पालते हुए एकाकी रूप से विचरना द्रव्यचर्या है और राग द्वेष रहित एकान्त स्वपरिणति में परिणत होना भावचर्या है. lonely wandering or peregrination. It is two-fold viz. physical and mental. The latter means freedom from passion and hate accompanied with contemplation upon the soul ज० प० ३, ५०, आया० १, ५, १, १४५; १, ६, २, १८६, —चारि त्रि० (-चारिन्) એકલ વિહારી. એકાકી વિચરનાર एकाकी-अकेला विहार करनेवाला (one) who wanders or goes from place to place, alone. सूय० १, १३ १८,—च्च पुं० (-अर्च) એકાવતારી પુરુષ, જેને એક વાર ફરી મનુષ્યમાં અવતાર લઇ મોક્ષે જવાનુ છે તે. एकावतारी पुरुष, जिसे एकवार फिर मनुष्य योनिमे जन्म लेकर मोक्ष जाना है वह a man who is to get final beatitude after one human birth ओव० ३४,—छत्त. त्रि० (-छत्र) એકલ છત્ર एकछत्र वाला having one paramount or suzerain king उत्त० १८, ४२, —जडि पुं० (-जटिन्) જુઓ "एकजटि" શબ્દ. देखो "एकजटि" शब्द vide "एकजटि" सू० प० २०; —जाय त्रि० (-जात) એકલું; બીજા નંબર વગરનું. अकेला, एकही प्रकार का single; without a second. ओव०

प० ४, ३३; —नाणि. पुं० (ज्ञानिन्) केवलज्ञानवाळो केवलज्ञानवाला. an omniscient person भग० ८, २ —निक्खमण न० (–निष्क्रमण) गुरुनी मर्यादामांथी वंदना वखते एकवार अवग्रहथी बहार निकळवुं ते गुरु की मर्यादा में से वदना के समय एकबार अवग्रह से बाहिर निकलना going or stepping out once with Avagraha (disregard) at the time of salutation or worship, giving up propriety of conduct towards a Guru or preceptor सम० १२, —निक्खमणप्पवेस त्रि० (–निष्क्रमण प्रवेश) जेमां पेसवा नीकळवानो एकज मार्ग छे ते. जिसमें प्रवेश होने और निकलने का एकही मार्ग हो वह having only one door or way for exit and entrance वव० ६, १४, ६ १३, —पएस पुं० (प्रदेश) एक प्रदेश झीणामां झीणो अंश-विभाग एक प्रदेश. सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग अंश. one unit of space, the smallest indivisible atom of matter भग० १, ४, —पएसाहिय त्रि० (-प्रदेशाधिक) एक प्रदेशे अधिक-वधारे. एक प्रदेश से अधिक exceeding by one indivisible atom of matter भग० १, ५, —पएसिया स्त्री० (-प्रदेशिका) एक प्रदेशनी (श्रेणि). एक प्रदेश की (श्रेणि) (a line) of indivisible atoms of matter भग० ६, ३; —पएसोगाढ पुं० (-प्रदेशावगाढ) एक आकाश प्रदेश उपर अवगाही रहेल पुद्गल आकाश के एक प्रदेशपर फैला हुआ पुद्गल. an indivisible atom of matter occupying one unit of space. भग० ५, ८; —पक्ख. त्रि० (-पक्ष) निष्प्रतिपक्ष, प्रतिपक्ष वगरनुं जिस का कोई विरोधी पक्ष न हो वह, प्रतिपक्ष रहित. without a rival; unrivalled सूय० १, १२; ४, —पक्खिय त्रि० (पाक्षिक) एक गुरुना चेला, एक पक्षना एक गुरु के चेला; एक पक्ष का a disciple of the same preceptor one belonging to the same camp वव० २, २३, २४, —पज्जवसिय पुं० (-पर्यवसित) जे संख्याने चारे भागतां एक बाकी रहे ते जिस संख्या को चार से भागने पर एक बचे वह संख्या any sum which when divided by four leaves one as remainder भग० ३१, १. —पत्तय. त्रि० (पत्रक-एक पत्र यत्र तत्तथा) एक पत्र-पांदडावाळ, जेमां एक पांदडुं होय ते. एक पत्तेवाला, जिसमें एक पत्ता हो वह one leaved "उप्पलगभत्तएगपत्तयाकि एगजीवे" भग० ११, १, —पदेसिय. त्रि० (-प्रदेशिक) एक प्रदेशवाळो एक प्रदेशवाला having one unit of space occupied by an indivisible atom of matter भग० ६, ४, —पाइया त्रि० (-पादिका) एक पग जेणे ऊंचुं राख्युं छे ते जिसने एक पैर ऊपर रखा है वह (one) who has lifted up one leg वव० ४, १२ —पाण त्रि० (-पान) एक पाणीनी (दात). एक पानी की दात One Dāta of water. वव० १०, १ —पाय पुं० (-पात्र) एक पात्र एक पात्र एक बरतन one vessel or utensil वव० ४, ६; —पास. पुं० (-पार्श्व) एक पडखे रहेनार. एक ओर रहनेवाला, एक तर्फ रहने

वाला one who stays (i. e. lies etc.) on one side. पण्ह० २, १ —पोग्गलाणिय. त्रि० (-पुद्गलाश्रित) એક પુદ્ગલ ઉપર રહેલ. एक पुद्गल पर स्थित-रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance). दसा० ७, ११ —फड्डग पुं० (-स्पर्धक) કર્મસ્કંધ સમૂહ. कर्मस्कंध समूह a group or collection of Karmic molecules. क० प० ५, ८१, —भत्त न० (-भक्त—एक वक्त भोजन यत्रतत्तथा) એકાસણું, દિવસમા એક વાર જમવું તે. एकासना दिन म एक बार जीमना the austerity known as Ekāsana i. e. taking only one meal in 24 hours "तहएगभत्तच" दसा० ६, ०३ पचा० १९, ३०, —भव पु० (भव) એકજ ભવ અત્ર—ચાલુ એક ભવ. एकही भव केवल वर्तमान भव only one birth, the present birth प्रव० ८८३ —भवग्गहणिय त्रि० (-भवग्राहक) એક ભવને ગ્રહણ કરનાર. एक भव का ग्रहण करनेवाला, एकभववावनारी (one) who is to have one birth भग० २४ ६, —भविश्र त्रि० (-भविक) એક ભવને અન્તરે જે રૂપે ઉત્પન્ન થવાને હોય તે જેમ એક ભવ પછી શખરૂપે ઉત્પન્ન થવું હોય તો તે એકભવિક શખ કહેવાય. एक भव के अन्तर से जिस रूप मे उत्पन्न होना हो वह रूप. जैस कि एक भव के बाद शंख रूप से उत्पन्न होना हो तो एक भविक शंख कहलायगा (condition) after the interval of one more birth e. g. a soul which is to be born as a conch-shell after the interval of one birth is called Ekabhavika conch-shell. अणुजो० १४५; —मण त्रि० (-मनस्) એકાગ્ર મનવાળો, સ્થિર ચિત્તવાળો. एकाग्र मनवाला; स्थिर चित्तवाला. steady, concentrated in mind उत्त० ३७, १. —राइ स्त्री० (-रात्रि) એક રાત્રિ. एक रात्रि. one night दसा० ७ १, पचा० १८, ३, (२) ભિક્ષુની ૧૨મી પડિમા કે જેમા અટ્ઠમ તપ કરી કાઉસગ્ગ સ્મશાન ભૂમિમા કરવામાં આવે છે. भिक्षुक की १२ वीं प्रतिमा-जिसमें अट्ठम तप कर के एक रात्रि का कायोत्सर्ग स्मशान भूमि में किया जाता है. the 12th Padimā (austerity) of an ascetic in which after fasting, one night is spent in Kāusagga on a funeral ground. प्रव० ५८५, —राइअ-य त्रि० (-रात्रिक) એક રાત રહેનાર; એક રાત્રિનો નિવાસ કરનાર. एक रात रहनेवाला (one) who stays for a single night वव० ३, ४, आव० १६, वव० १, २३. —राइंदिया. स्त्री० (-रात्रिंदिवा) એક રાત્રી અને એક દિવસની ભિક્ષુ પડિમા. एक रात्रि और एक दिन की भिक्षु प्रतिमा an austerity practised by a Jaina layman, consisting of a day and night. "एकाराइदिय भिक्खु पडिम पडिवण्णा" दसा० ७, १; नाया० १. —राइया स्त्री० (-रात्रिका) જેમા અટ્ઠમ તપ કરી એક રાત સ્મશાનભૂમિમા કાઉસગ્ગ કરવામા આવેછે તે બારમી ભિક્ષુ પડિમા. बारहवीं भिक्षु प्रतिमा जिसमे कि अठ्ठम तप करते हुए एक रात्रि स्मशानभूमि में कायोत्सर्ग किया जाता है the 12th vow of an ascetic viz contemplation upon the soul for one night in a

cemetery after the Atthama austerity (i. e. three fasts). वव० १, २५, दसा० ६, २; ७, ११; भग० २, १; नाया० ८, —राय न० (-रात्र- एकाचासौ रात्रिश्च) એક રાત્રિ, એક રાત. एक रात्रि. one night. "गामे गामे चएग रायं" पगह० १, ५, ओव० २१; वव० १, २३, वेय० २, ४; उत्त० २, २३, —रूव त्रि० (-रूप—एकं समान रूप यस्य) એક રૂપ, એક સરખું एक रूप, एक समान uniform, of the same type "पभूएगवण्ण एग रूवं विउव्वित्तए" भग० ६, ६; ७, ६, —वगडा स्त्री० (*) એક વાડો, એક વંડી एक बाडा; एक चौक, एक आगन one open compound at the back of a house; one wall enclosing an open space वव० ६, १४, ६, ३, ८; —वराण पु० न० (-वर्ण) એક વર્ણ; એક રંગ एक रंग one colour, same colour भग० ७, ६, प्रव० ६८१, —वयण न० (-वचन) એક વચન, વસ્તુનું એકત્વ બતાવનાર પ્રત્યય एक वचन, वस्तुका एकत्व-अकलापन बताने वाला प्रत्यय. singular number, a termination of the singular number ठा० ३, ४, आया० २, ४, १, १३३; —वीसा स्त्री० (-विंशति) २१, એકવીસ २१; इकवीस, इक्कीस twenty-one, 21 दसा० २, १, पन्न० ४, विवा० ९, भग० २०, ८; आव० ४, ७, —सट्ठि-भाग. पुं० (-षष्टिभाग) કોઇપણ વસ્તુનો એકસઠમો ભાગ; કોઇ એક વસ્તુના સરખા ६१ ભાગ કરીએ તેમાંનો એક ભાગ किसी एक वस्तु का इकसठवाँ भाग. 1/61 of anything सम० ११; —समय पु० (-समय) એક સમય. एक समय, one Samaya (i e unit of time); one instant भग० १, ६; सू० प० १, १३; —सय. न० (-शत) એકસો એક; १०१. एकसो एक; १०१ one hundred and one; 101 क० गं० २, १०; —साड. त्रि० (-शाटक-एकःशाटको यस्य स तथा) એક સાડી પછેડી રાખનાર. एक दुपट्टा रखने वाला (one) who keeps only one scraf etc. in his possession. आया० १, ७, ४, २१२, —साडिय न० (-शाटिक) એક-પનાવાળુ-સાંધા વગરનું વસ્ત્ર, સાડી, સેલું एक पहने का वस्त्र; पहन में बिना जोडवाला वस्त्र a web of cloth not bearing any dividing line upon it (caused by stitching another cloth), a Sari etc "एग साडियं उत्तरासग करेइ" भग० २, १, राय० २०, विवा० १ ओव० ३०, कप्प० २, १४, प्र० प० ३, ४३ ४, ११५ —साला त्रि० (-शाल) એક માળવાળુ (ઘર); એક માળાગી (મેડી) एक मंजिल का घर (a house) with one floor जीवा० ३, ३ - सिद्ध पु० (सिद्ध) એક સમયમાં એકજ જીવ સિદ્ધ થાય તે. एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls. पन्न० १; नदी० २१; —हिय त्रि० (-अधिक) એક અધિક एक ज्यादा exceeding by one, one more क० प० ७, ४८;

एगअ त्रि० (एकक) ६ुओ એકલો; એકાકી. एकाकि; अकेला Alone; solitary; single उत्त० २, २०;

एगअ-य. त्रि० (एकक) કોઇ, એક; એક.

एक; કેઈક એક. कोई एक; कुछ एक. Some one; some; one by one. श्रोव० १४; ३५; दस० ५, २, ३७; जं० प० सम० १; भग० १, १; ७, ७, नाया० २, दसा० १०, ३.

एगओ. अ० (एकतस्) એક તરફથી, एक ओर से. On the one hand; from one side, भग० ३, ४; ३४, १; नाया० १, २, ५, ८, १६ उत्त० ३१, २, दसा० १०, १, निसी० ८, ७६, २०, १०, जं० प० ५, १२०, कप्प०४, ६७, —**खहा.** स्त्री० (-ख) જેમા જીવ ડાબી તરફથી પ્રવેશ કરી ડાબી બાજુએ જઈ ઉત્પન્ન થાય તે શ્રેણિ, વામશ્રેણિ-આકાશ-પ્રદેશ-પંક્તિ जिस में जीव बाइ ओर से प्रवेश करके बाइ ओर जाकर उत्पन्न होता है वह श्रेणि; आकाशप्रदश पंक्ति a line of space on the left side along which the soul enters the left side and is born भग० २५, ३, —**णतश्र.** त्रि० (-अनन्तक) એક લબાઈમા અનંત. एक लंबाई में अनत an endless line of space ठा० ५, ३, —**वंका** स्त्री० (-वक्रा) એક તરફથી વાંકી શ્રેણી. એક વાંકવાળી શ્રેણી-આકાશ પ્રદેશ પંક્તિ एक ओरसे टेढी श्रेणी. आकाश प्रदेश पंक्ति a line of space curved on one side. भग २५, ३. —**सहिय** पु० (-सहित) એકઠા થયેલ, એકત્ર કરેલ एकत्रित. grouped, assembled, collected नाया० ५;

एगओवत्त पुं० (एकतोवृत्त) બેઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. दो इंन्द्रिय वाले जीवकी एक जाति A kind of two sensed living being पन्न० १;

एगंचणं अ० (*एकंचन) કોઈ એક. कोई एक. Some one भग० ७, १०, नाया० ८;

एगंत. न० (एकान्त) એકાંત સ્થલ; નિર્જન સ્થાન. निर्जन स्थान; एकांत स्थान A solitary place, solitude. "एगंते पाडेमि" नाया० ६, "एगंते एडेइ" भग० २. १; ३, २; ७, १ ४, ३३, १५, ८, नाया० १ ७, ४; १२;१६; पिं० नि० २३१; सू० प० २०, राय० २६; २६३; आया० १, १. ७, ६, २२२, उत्त० ३, २८, वव० २, २४, ७, १७; सु० च० २, ४१८, दस० ४; पचा० ६, ६, क० प० १, ६७, (२) નક્કી; ચોક્કસ निश्चित assuredly; certainly पि० नि० भा० १२, (३) એકાંત; ફક્ત કેવલ. एकान्त, सिर्फ, केवल. simply. उत्त० ३२, ३; श्रोव० ३८, विशे० ६५; (४) નિરંતર, ચાલુ निरंतर, चालू continuously; uninterruptedly. भग० ३, १, ७, ६. (५) સર્વથા, પુરેપુરુ सर्वथा; पूर्णतया. completely, perfectly भग०८, ७, —**छेअ** पु० (-च्छेक) એકાન્ત છેક-વિશુદ્ધ पूर्ण विशुद्ध altogether, perfectly pure. पचा०३, ३५; —**दंड.** पु० (-दण्ड) એકાંત-ચોક્કસ દંડાય તેવો, હિંસક. यथैव दाण्डत होनेवाला; हिंसक one fully sinful, killer or murderer सूय० २, ४, १, —**दुक्ख.** न० (-दु ख) કેવલ દુઃખ; એકાન્ત દુ ખ एकान्त दु ख, दु खही दु ख, सर्वथा दु ख perfect misery, unmitigated misery भग० ६, १०; —**धारा** स्त्री० (-धारा-एकविभागाश्रया

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

धारेवेति) એકાન્ત-તીક્ષ્ણ ધારા. एकान्त धारा, तीक्ष्ण धारा sharp edge. "खुरोइव एगंत धाराए" भग० ६, ३३, नाया० २; —पंडिय. त्रि० (-पण्डित) એકાન્ત પંડિત, પાપથી નિવૃત્ત, સર્વ વિરતિ સાધુ एकान्त पंडित, पापरहित पुरुष सर्व विरति साधु perfectly free from sin; (an ascetic) absolutely free from sin. "एगत पंडिया यावि भवामो" भग० ८, ७, भग० १, ८. —बाल त्रि० (-बाल) સર્વથા બાલ, અજ્ઞાની, મિથ્યા દૃષ્ટી અને અવિરતિ सर्वथा अज्ञानी, मिथ्या दृष्टि और अविरति absolutely, perfectly ignorant, heretical and sinful भग० १, ८, ८, १, १७ २, सूय० २, ४, १. —मंत पु० (-अन्त) સર્વથા એકાંત सर्वथा एकान्त perfectly solitary भग० ७, ६, नाया० १३, —यारि त्रि० (-चारिन्) એકાન્ત-જન રહિત સ્થાનમાં વિચરનાર, એકાંતવાસી निर्जन स्थान में विचरनेवाला, एकान्त में रहनेवाला (one) who moves in a solitary place, living in solitude सूय०२,६,१,—लूसग त्रि०(-लूषक) એકાંત જન્તુની હિંસા કરનાર सर्वथा जन्तु की हिंसा करनेवाला (one) who is completely given to the killing of insects. सूय० १.२,३, ६, —साया स्त्री० (-सात) એકાંત શાન્તિ-સુખ एकांत सुख; सर्वथा सुख perfect, unalloyed happiness or peace भग ६, १०,—सुत. न० (-सुप्त) એકાંત-નિશ્ચયે સૂતેલ, ભાવનિદ્રા; મોહમાં ઉંઘેલ सर्वथा सोया हुआ, मोह निद्रायुक्त assuredly asleep;(metaphorically)steeped in infatuation. सूय० २, ४, १;—सुहि .(-सुखिन्) એકાંત સુખી. सर्वथा सुखी. perfectly happy. नाया० ७; —हिय. न०. (-हित) સર્વથા ઉપકારી एकान्त हितकारी altogether beneficent. पंचा० १४, १६, —अंबिल पु० (-आचाम्ल) એકાંતરે આયંબિલ કરવા તે एकान्तरे आयंबिल करना alternate performance of Ayambila austerity प्रव० १५५८; —उववास पु० (-उपवास) એકાંતરે ઉપવાસ કરવા તે एकान्तरे उपवास करना fasting on alternate days. प्रव० १५६२,

एगंतरिय त्रि० (एकान्तरित) એક એકને અંતરે આવેલ, એકાંતર, (ઉપવાસ આયંબિલ વગેરે) एक एक के अन्तर पर आया हुआ, एकान्तर (उपवास आयंबिल आदि) alternate, coming at intervals of one प्रव० ८८०,

एगंतसो. अ० (एकान्तशः) એકાન્તથી. સર્વથા. सर्वथा, पूर्णतया Perfectly, in all respects भग० ८, ६;

एगखित्त न० (एक क्षेत्र) એકજ ગામ एक गाव Only one village प्रव० ७८४, —निवासि त्रि० (-निवासिन्) એકજ ક્ષેત્રમાં-ગામમાં નિવાસ કરનાર (મુનિ વગેરે) एकही गाव में रहनेवाला (मुनि आदि) (an ascetic etc.) confining his residence to one village only प्रव० ७८४,

एगगुण त्रि० (एकगुण) એકગણો, વર્ણ ગંધ આદિની સરખામણી કરતાં જે બમણો ત્રણગણો ન હોય કિન્તુ એક ગણો હોય તે. एक गुना, वर्ण गंध आदि से मिलाने पर जो दुगुना तिगुना नहीं किन्तु एक ही गुना हो वह Of one (i.e. same) amount or measure; not double. treble.

etc. in comparison. भग० २५, ४; (२) पुं० न० सिद्ध सेणिआ અને મણુસ્સ સેણિઆ પરિકર્મનો સાતમો ભેદ અને પુટ્ઠ સેણિ આદિ પાંચ પરિકર્મનો ચોથો ભેદ सिद्ध सेणिआ और मनुष्य सेणिया परिकर्म का सातवां भेद और पुट्ठसेणि आदि ५ परिकर्म का चोथा भेद the 7th division of the Parikarmas of Siddhaseṇia and Manusyaseṇia and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthaseṇia etc नंदी० ५६; सम० १२, —गुणकक्खड पुं० (-गुणकर्कश) જેમાં એકગણી થોડી કર્કશતા છે તે जिसमें एक गुनी (थोड़ा) कर्कशता है वह. one having as much (less) harshness or roughness भग० २५, ४, —कालग पुं० (-कालक) જેમાં એક ગણી કાલાશ છે તે जिसमें एक गुनी कलास-कालापन है वह one having as much blackness (i e not double or treble etc. the amount of blackness) भग० २५, ४,

एगग्ग न० (एकाग्र) ચિત્તની એકાગ્રતા, એક મુદ્દા ઉપર મનની સ્થિરતા. चित्त की एकाग्रता, किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना Concentration of mind उत्त० ३२, १, (२) त्रि० ચિત્તની એકાગ્રતા વાળો. एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind. उत्त० ३०, १, राय० ४०, —चित्त पुं० (चित्त) એકાગ્ર ચિત્તવાળો एकाग्र चित्तवाला. one having a concentrated mind. दस० ६, ४, २; ६; जं० प० ५, ११५; —मण. न० (-मनस्) જુઓ "एगग्ग चित्त" શબ્દ देखो "एगग्ग चित्त" शब्द. vide, "एगग्ग चित्त" उत्त० २६, २; पंचा० १७, २८; —मणसंनिवेसणया. स्त्री० (-मनःसन्निवेशन) મનને એકાગ્ર બનાવવું; એક વસ્તુ ઉપર મનને સ્થાપવુ તે. मन को एकाग्र करना concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २; —जंबुय पुं० (एकजम्बुक) ઉલ્લુકતીર નગરની બહારનો એ નામનો એક બગીચો उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम name of a garden outside the town named Ullukatīra भग० १६, ३,

एगट्ठाण. न० (एकस्थान) જેમાં દિવસમાં એક વખત એક ઠેકાણે બેસીને ખવાય તે તપ, એકઠાણું एक तपका नाम, जिस तपमें दिन में एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० २०३, १५२७,

एगट्ठियपय न० (एकार्थिकपद) सिद्ध सेणिआ અને મણુસ્સસેણિઆ પરિકર્મનો બીજો ભેદ सिद्ध सेणिआ और मनुष्य सेणिआ परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhaseṇiā and Manusyaseṇiā Parikarma. नंदी० ५६, (२) त्रि० એક અર્થવાળું, સમાન અર્થવાળું एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous सम० १२;

एगतर त्रि० (एकतर) બે કે અનેકમાંનો એક दो या अनेक में से एक. One of two or more विवा० ७;

एगतिय. पुं० (एकक) કોઈ એક. कोई एक. Some one सूय० २, ३, १; पन्न० १२;

एगत्त अ० (एकत्र) એકત્ર; એકસ્થાને;

...ओ॰ ठेकाणे. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. ओव॰ ३२;

एगत्त. न॰ (एकत्व) એકપણું; એકલાપણું अकेलापन. One-ness, solitariness भग॰ १, २; २, ६; १२, ६, १७, १, १८, १; २५, ४, नाया॰ १; ठा॰ १०, १. उत्त॰ २८, १३, प्रव॰ ५०१; —अणुप्पेहा स्त्री॰ (-अनुप्रेक्षा) આ જીવ એકલો આવ્યો છે અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવવું તે. एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. ओव॰ २०; भग॰ २५, ७, —गत त्रि॰ (-गत) એકત્વ ભાવનાવાળો, અંતઃકરણવાળો एकत्व भावना वाला (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul आया॰ १, ६, १, ११, —गय त्रि॰ (-गत) એકત્વભાવનાને પ્રાપ્ત થયેલ एकत्व भावना को प्राप्त (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया॰ १, ६, १, ११, भग॰ ८, ६, —वियक्क न॰ (-वितर्क) એક દ્રવ્ય આશ્રી રહેલ પર્યાયોનું અભેદ રૂપે ચિન્તવવું અથવા અનેક પર્યાયોમાંના એક પર્યાયને અલગથી ચિન્તવન કરવું તે एक द्रव्य के आश्रय में रही हुई पर्यायों का अभेदरूप से चिंतवन करना अथवा अनेक पर्यायों में से एक पर्याय का चिन्तवन करना. contemplation of unity among the varieties or modifications of the same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. ओव॰ २०; भग॰ २५, ७,

एगत्तीकरण. न॰(एकत्रीकरण)એકાગ્રપણું કરવું તે एकाग्रता करना Act of concentrating; concentration भग॰२,५;

एगत्तीभावकरण. न॰ (एकत्रीभावकरण) મનના ભાવને એકત્ર કરવા मन के भावोंका एकत्री करण- एक स्थान पर इकठ्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind भग॰ ६, ३३, २५, ७,

एगत्तीभावकरणया स्त्री॰ (एकत्रीभावकरण) જુઓ " एगत्तीभावकरण " શબ્દ. देखो " एगत्तीभावकरण " शब्द. Vide " एगत्तीभावकरण " भग॰ १३, ८,

एगत्थ अ॰ (एकत्र) એક સ્થલે, એક ઠેકાણે एक स्थान पर In one place, in one and the same place. पि॰नि॰ २८८,

एगनासा स्त्री॰ (एकनासा) પશ્ચિમ દિશાના રુચક પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારિકામાંની પાંચમી पश्चिम दिशाके रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों में से पांचवी दिशाकुमारी The 5th of the 8 Diśākumāris residing on the Ruchaka mountain in the west ज॰ प॰ ५, ११४,

एगमेग त्रि॰ (एकैक) એકેક. प्रत्येक Each, taken singly " ता एगमेगं दुवे सुरिया तीसाए मुहुत्तेहिं एगमेगं अद्धमंडलं " जं॰ प॰ भग॰ १, ५; ३, १; ५, ३, ६, ७, ८, १०, १०, ५, १२,४; १४,८; नाया॰ १, ८, जं॰ प॰२,१८; उवा॰८,२३४;

एगक्खरी. पं० (* एकाक्षर) જુઓ "एगक्ख" शब्द. देखो " एगक्ख " शब्द. Vide " एगक्ख " भग० २, ५; ११, १२; १२, ४; १६, ३; नाया० १६; दस० १, २२, २, १;उवा०७,१६७,कप्प०६,१८; जं०प०३,५८;

एगयर. त्रि० (एकतर) બેમાનો ગમે તે એક. दो में से एक; कोईभी एक. One of two or more पिं० नि० १४०, ४७३, आया० १, २, ६, ६७, १, ६, २, १८३; उत्त० ६, २५, क० ग० २, २३; ३४,

एगया. स्त्री० (एकता) એકત્વ ભાવના; જીવ એકલો આવ્યો છે અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવવું તે एकत्व भावना–जिसमें चिन्तवन किया जाता है कि जीव अकेला आया है और अकेला जायगा The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone प्रव० ५७३,

एगया अ० (एकदा) એકદા પ્રસ્તાવે,કોઇ પ્રસંગે, કોઇ વખતે किसी एक प्रसंग पर. Once upon a time; on one occasion. आया० १, ६, २, २. उत्त०२, ६, १३. ३, ३; नाया० १२,

एगलया. स्त्री० (एकलता) પહેલે દિવસે ઉપવાસ,બીજે દીવસે એકાસણું ત્રીજે દિવસે એક સીથ, ચોથે દિવસે એકઠાણુ, પાચમે દિવસે એક દાત, છઠે દિવસે નીવી, સાતમે દિવસે આયંબિલ અને આઠમે દિવસે આઠ કવલ એમ આઠ દિવસ સુધી ઉપર કહ્યા પ્રમાણે તપ કરવામાં આવે તે એકલતા તપ. एक तप का नाम. जिसमें पहले दिन उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक सीथ, चौथे दिन एकठाणा, पांचवे दिन एक दात, छठे दिन नीवी; सातवें दिन आयंबिल और आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आठ दिन में होने वाला तप विशेष. an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsaṇā, on the third one Sitha, on the fourth Ekathāṇu, on the fifth one Dāta on the sixth Nivī, on the seventh Āyambila and on the eighth eight morsels (Kavala). प्रव० १५२७,

एगविह त्रि० (एकविध) એક પ્રકારનું एक प्रकार का Of a certain sort; of one kind उत्त० ३६, ७७, प्रव० १३५६; आव० ४, ७.

एगसेल पुं० (एकशैल) પુષ્કલાવર્ત અને પુષ્કલાવતી વિજયની વચ્ચેનો વખારાપર્વત पुष्कलावर्त और पुष्कलावती, इन दोनों के बीच का वखारा पर्वत The Vakhārā mountain situated between the two Vijayas named Puskalāvarta and Puskalāvatī. "पच्चत्थिमेणं एगसेलस्स वक्खार पव्वतस्स" नाया० १६, जं० प० ठा० ४, २; —कूड. पु० (-कूट) એકશૈલ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું બીજું કૂટ–શિખર. एकशैल वखारा पर्वतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर. the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhārā mountain जं० प० —वक्खार पव्वय पुं०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

—(-वक्खार पर्वत) મહાવિદેહ ક્ષેત્રમાં એક શૈલ નામનો એક વખારા પર્વત. महाविदेह क्षेत्र का एक शैल नामक एक बखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain (called Ekaśela) in Mahāvideha region नाया॰ १६

एगाइ. पुं॰ (एकादि) એ નામનો એક ક્રૂર રાઠોડ एक क्रूर राठोड का नाम Name of a cruel Rāthoda. विवा॰ १, —सरीरय न॰ (-शरीरक) એકાઇ રાઠોડનું શરીર एकाइ नामक राठोड का शरीर the body of the Rāthoda named Ekāi विवा॰ १;

एगागि त्रि॰ (एकाकिन्) એકલો, એકાકી अकेला; एकाकी Alone; solitary. आया॰ १, ७, ५, २१६; प्रव॰ ५३१; गच्छा॰ १०५,

एगागिय त्रि॰ (एकाकिन्) એકલું अकेला Alone, solitary वव॰ ४, १, ६, २, वेय॰ १, ४८; २, १५ ओघ॰ नि॰ भा॰ २८,

एगाणी स्त्री॰ (एकाकिनी) એકલી સ્ત્રી अकेली स्त्री A lonely, solitary woman ओघ॰ नि॰ ७८;

एगारस त्रि॰ (एकादशन्) જુઓ "एकारस" શબ્દ देखो "एकारस" शब्द Vide "एकारस" नाया॰ ५; —वास-परियाग त्रि॰ (-वर्षपर्याय) અગીયાર વરસની પ્રવજ્યાવાળો, જેને દીક્ષા લીધે ૧૧ વર્ષ થયા હોય તે. जिसे दीक्षा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism वव॰ १०, २६, २७,

एगावली. स्त्री॰ (एकावली) મણિજડિત હાર; એકસરો હાર मणिजड़ित हार; एक-लड़ी हार. A single string of beads, pearls etc भग॰ ३, ३६; ११, ११; नाया॰ १; सू॰ प॰ १०; कप्प॰ १०; १; जं॰ प॰ ७, १५६, राय॰ ८१; १८६; —पविभत्ति. न॰ (-प्रविभक्ति) એકાવલિ હારની વિશેષ રચનાથી યુક્ત-નાટ્ય વિશેષ. ૩૨ નાટકમાંનું એક एकावलि हार की विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक मे से एक a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc, one of the 32 kinds of drama राय॰ ६१.

एगाहच्च त्रि॰ (एकाहत्य—एकेनाहत्याऽऽहतम् प्रहारो यत्र तत्तथा) એક ઘાએ મારવા યોગ્ય. એક ઘાથી બે કટકા કરવા યોગ્ય. एक घाव से मारने योग्य Worthy to be severed into two pieces by a single blow. "एगाहच्च कूडाहच्च जीवियाओ ववरो वेइ" भग॰ ७, ६; १२, १, राय॰ २४,

एगिंदिय पुं॰ (एकेन्द्रिय—एक इन्द्रियं करणं स्पर्शनलक्षणं यस्य) ફક્ત એક સ્પર્શેન્દ્રિય જીવ-જેવા કે-પૃથ્વીકાયિક, ૨ અપકાયિક; ૩ તેજોકાયિક, ૪ વાયુકાયિક, ૫ વનસ્પતિકાયિક एक-स्पर्श-इन्द्रियवाला जीव. यथा: १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable भग॰ २, १; १०; ५, २; ८, १; २४, १; ३३, १; पन्न॰ १; जीवा॰ १; विशे॰ १०१; ४११; क॰ प॰ १, ४५; २, ५६; आव॰ ४, ३; —देस. पुं॰ (-देश) એક ઇંદ્રિયવાળા જીવનો દેશ-ભાગ. एकेन्द्रिय

जीव का भाग a portion or part of one-sensed living beings. भग॰ १०, १; —पएस पुं॰ (-प्रदेश) એકેન્દ્રિય જીવોનો પ્રદેશ-નિર્વિભાજ્ય અંશ एकेंद्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश. an indivisible, atomic part of one-sensed living beings भग॰ १०, १, ११, १०, —रूव न॰ (-रूप) એક ઇંદ્રિયવાળાનું રૂપ एकेन्द्रियवाले जीव का रूप the form, appearance, of one-sensed living beings भग॰ १०, ६, —सय. न॰ (शत) એકેન્દ્રિય શતક. ભગવતી સૂત્રના ૩૩ માં શતકના બીજા ઉદ્દેશાનું નામ एकेन्द्रिय शतक भगवती सूत्र के ३३ वें शतक के दूसरे उद्देश का नाम Ekendriya Śataka, name of the 2nd Uddeśa (part) of the 33rd Sataka of Bhagavati Sūtra ' बिंतिय एगिंदिय सयं सम्मत्त " भग॰ ३३, २, ४.

एगिंदियत्त न॰ (एकेन्द्रियत्व) એક ઇંદ્રિયપણું एकेन्द्रियता State of being a one-sensed living being; possession of one sense only भग॰ ८, ६;

एगीभूय त्रि॰ (एकाभूत) અનેક મટીને એક થયેલો अनेक रूप से मिटकर एक रूप को प्राप्त Reduced to unity from multiplicity. राय॰ ६६;

एगुत्तरिय त्रि॰ (एकोत्तरिक) એક જેનો ઉત્તર અવયવ છે તે; એકે વધતુ-જેમ ૧૧, ૨૧ વગેરે. जिसका ' एक ' उत्तर अवयव है वह संख्या जैसे ग्यारह, इकतीस आदि. Having one as the latter part (in the case of compound numerals); e. g. 11, 21, etc : exceeding by one. भग॰ १, २, ४; विशे॰ ४४२;

एगुरुअ. पुं॰ (एकोरुक) એકોરૂક નામના છપ્પન અન્તરદ્વીપમાંનો એક एकोरुक नामक ५६ अंतरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka जीवा॰ ३, ३; (२) त्रि॰ તે દ્વીપમાં રહેનાર. उस देश में रहनेवाला मनुष्य a resident of that country. जीवा॰ ३, ३;

एगूण त्रि॰ (एकोन) એકે ઊણું. એક ઓછું सम॰ ८६; पन्न॰ ४, भग॰ ८, ५; १५, १, २४, १२, २५, ७, उत्त॰ ३६, १३८, अणुजो॰ १२८; जं॰ प॰ ५, ११५. विवा॰ ६,—(णा) असि स्त्री॰ (अशीति) ૭૯;ઓગણ્યાએંશી उन्यासी 79,seventy-nine सम॰ ७६,—णउइ. स्त्री॰ (नवति) નવ્યાસી ८६ नी संख्या निवासी की सख्या 89. eighty nine. सम॰ ८६; —तीसइ स्त्री॰ (-त्रिंशत) જુઓ "एगूण तीस" ૨૯. देखो "एगूणतीस" शब्द vide "एगूणतीस' सम॰ २६; —तीसा. स्त्री॰ (त्रिंशत्) २६. ઓગણત્રીસ. २६; गुनतीस 29, twenty-nine. भग॰ २४, १२. २५, ७, पन्न॰ ५, विवा॰ २; —पएणा स्त्री॰ (-पञ्चाशत) ઓગણ્પચાસ; ४६ उनंचास, ४६. forty-nine; 49 "एगूणपयणाराइंदियाइं" भग॰ २४, १२. वव॰ ६, ३७, जं॰ प॰ ३, ५४; ५, ११५; २, २६,—पन्ना स्त्री॰ (-पञ्चाशत) ઓગણપચાશ; ४६ उनंचास; ४६ forty-nine, 49 "एगूणपन्नाराइंदिएहिं" सम॰ ४६, जावा॰ १; —पन्नास. स्त्री॰ (-पंचाशत्) ઓગણપચાસ; ४६. उनंचास; ४६. forty nine; 49. अणुजो॰ १२८; —पन्नासा स्त्री॰ (-पञ्चाशत्) જુઓ 'एगूणपन्ना' ૪૯. देखो "एगूणपन्ना" शब्द.

Vide एगूणपन्ना भग० ८, ५, ३७, १, पन्न० ४ उत्त० ३६, १३८ —वीसति स्त्री० (–विंशति) १९ नी सख्या ओगणीस उन्नीसकी सख्या १९ 19 nineteen ज० प० १ ११ कप्प० १० २३ २६।—वीसा स्त्री० (विंशति) ओगणीस १९ उन्नीस १९ 19 nineteen एगूणवीसनायज्झयणा सम० १९ नदी० ५० भग० १५ १ ३५ १ अणुजा० १४२ नाया० १ १९ आव० ४ ७ —सट्ठि स्त्री० (षष्टि) ओगणसाठ ५८ उनसाठ ५९ fifty nine 59 एगूणसट्ठिराइंदियाइं सम० ५९ —सत्तरि स्त्री० (–सप्तति) ओगणसीतेर आगणोतेर ६८ उनहत्तर 69 sixty nine ' एगूणसत्तरिं वासा वास इए पव्वया पन्नत्ता सम० ६९

एगूणवीसइम त्रि० (एकोनविंशतितम) ओगणीसमो उन्नीसवां 19th nineteenth एगूणवीसइमं सय सम्मत्त भग० १९ १० २० १ ठा० ६ २ नाया० १ १९

एगूरुई स्त्री० (एकोरुका) एकोरुक द्वीपनी स्त्री एकोरुक द्वीपकी स्त्री A woman belonging to Elorul a Dvipa जीवा० १

एगूरुय पु० (एकोरुक) ए नामनो एक अन्तरद्वीप ५६ अन्तरद्वीपमानो पहेलो एक अंतर्द्वीपका नाम छप्पन अन्तर्द्वीपा में स पहला द्वीप Name of an Antara Dvipa the first of the 56 Antara Dvipas भग० ६, ३ १०, ७ ठा० ४ २ (२) पु० स्त्री० ए द्वीपमां रहेनार उक्त द्वीप में रहने वाला a resident of the above named Dvipa भग० ९ ३ १० ७ —दीव पु० (द्वीप) जुओ 'एगूरुय' शब्द देखो एगूरुय शब्द vide 'एगूरुय' भग० ९ ३ १० ७ ठा० ४ २ —मणुस्स पु० (मनुष्य) एकोरुक द्वीपना रहेनार मनुष्य एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य person belonging to the Elorula Dvipa भग० ९ ३ १० ७

एगोरुय पु० (एकोरुक) जुओ 'एगूरुय' शब्द देखो 'एगूरुय' शब्द Vide 'एगूरुय' पन्न० १

एज पु० (एज) (पवन) हवा वायु पवन Wind air पहू एजस्स दुगुंछणाए आया० १ १ ७ ५५

एउज त्रि० (त्वा) [illegible] आन यावय With time म० च० ७ १६६

√ एड धा० II ( ) [illegible] तजवुं त्याग दना त्यागना To discharge to get rid of to throw down solid excrements etc एडइ भग० ११ ६ १७ १ १ नाया० ५ निसा०३ ७२ राय०२६३ आव०३६ एडति राय० २४ ज० प० ५ ११२ एडवि भग० १५ १ एडेत्ता स० कृ० भग० २ १ ११ ६ १७ १ नाया० ५

एडय पु० ( ) ८४ लाख एडवांग परिमित काल विभाग ८४ लाख एडयांग, जितना काल विभाग A period of time measuring 84 lacs of Edayangas भग० ६ ७

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

[illegible] स्त्री० ([illegible]) હરણી; મૃગલી. हरिणी; [illegible]. A female deer. ज० प० १३, १७; पराह० १, १; जीवा० ३, ३; श्रोव०१०;

एणेज्ज. पु० (एणेय) ગોશાલે પહેલો પ્રૌઢ પરિહાર કર્યો તે. गोशालाने पहला जो प्रौढ परिहार किया था वह. The first Praudha Parihāra (a kind of austerity) practised by Gosālā भग० १५, १, (२) त्रि० હરણ સંબંધી, મૃગનું हरण संबंधी, मृगका. pertaining to, belonging to a deer विवा० ८; —रस पु० (-रस) હરિણ સંબન્ધિ માંસનો રસ. हरिण के मास का रस taste of the flesh of a deer " मच्छरसेय एणेज्जरसेय " विवा० ८,

एतः त्रि० (एतत) આ; એ. પહેલું यह This " एतंव आवाह " भग० ४, ३२, सु० प० १०;

एतावंत त्रि० (एतावत्) એટલું इतना. This much, that much. जं० प० विवा० १, वेय० १, ८४,

[illegible]ोवम. त्रि० (एतदुपम) એની બરોબર; એનાજેવો. इसके समान Similar to that or this सूय० १, ६, १४,

एत्तिअ य त्रि० (इयत) આટલું, આ પ્રમાણનું. इतना. This much, of this measure नाया. १७. विशे० १४० पिं० नि० २२३; —काल. पु० (-काल) એટલો વખત इतना समय. so much time; that much time प्रव०४३२.

एत्तो. अ० (इतः) અહિંથી; હવે પછી यहां से; इसके बाद. Hence; henceforward; from this place. श्रोव० १८. अणुजो० ५६; १३०; पिं० नि० १२५; भग० ६, ८; वेय० १, ४३; नाया० ९; ८, १२; राय० २६२; प्रव० ३६५; क० प० १, ६;

एत्तोवरं. अ० (इतःपरं) એનાપછી; એ ઉપરાંત इसके बाद; इसके उपरांत. Further than this or that; in addition to this or that. अणुजो० १३८;

एत्थ अ० (अत्र) અહીં, એ સ્થલે यहां; इस स्थानपर. Here; in this place. भग० १, ३; ४; २, १; ७, ३; ८, ७, ४, ३३; १५, १; १६, ४; २०, ५; २१, ८; ४२, १; नाया० १; ३, ५; ७, ८; १३; १७; १८; १६, पन्न० १; जं० प० ५, ११६, २, १४२; ७, १४२; दसा० ४, ५; सू० प० १; श्रोव० विशे० ८८, उवा० ७, २०१,

एत्थंतरे अ० (अत्रान्तरे) એટલા વખતમાં, इतने समय में Meanwhile; in the meanwhile; during that time. सु० च० १, ७१; २४८;

एम अ० (एवम्) એ પ્રકારે. इस तरह से; इस प्रकार से. Thus; in this way. " एमेण समणा वुत्ता " दस० १, ३,

एमाइ अ० (एवमादि) ઇત્યાદિ; એ વિગેરે. इत्यादि; वगैरह This, that etc पिं० नि० भा० १५,

एमेव अ० (एवमेव) એવીજ રીતે, એમજ. इसी प्रकार Exactly in this way; precisely in that way. पि० नि० ७६; पन्न० १, प्रव० १६१, क० प० १, ७०;

√ **एय.** धा० I (एजृ) કંપવું; ધ્રુજવું. कपना To tremble; to shiver.

एयइ—ति. राय० २६६; भग० ३, ३, ५, ६, १७, ३; १८, ३.

एयति भग० ५, ७, १७, ३

एयमसंति. भवि० भग० १७, ३.

एयंतु भू० का० भग० १७, ३;

एय त्रि० (एतत्) આ; સામે રહેલી ચીજ વીગેરે. यह; सम्मुख की वस्तु वगैरह का उल्लेख करने योग्य सर्वनाम शब्द. This;

that सू० प० १०,

[illegible] त्रि० (एतत्कर्मन्) એ છે કર્મ જેનું એવો કોઈ यह है कर्म जिसका एसा कोइ (one) who has thus acted विवा० १ ५

एयगुण त्रि० (एतद्गुण) એટલાએ ગુણેલ इतने से गुणा हुआ Multiplied so much or to this extent प्रव० १३११

एयजोग पु० (एतद्योग) એનો સંબંધ इसका सम्बन्ध Connection of this or that पचा० २ ३५

एयधर त्रि० (एतद्धर) એને ધારણ કરનાર इसको धारण करनेवाला (One) that bears or puts on this or that पचा० १४, २४

एयपहाण त्रि० (एतत्प्रधान) એ છે પ્રધાન જેમાં તે जिसमें यह प्रधान है वह (Any thing) having this as a prominent factor विवा० १ —प्पयार त्रि० (-प्रकार) આ પ્રકારનું इस प्रकार का of this nature of this sort नाया० १४

एयमट्ठ न० (एतदर्थ) એ માટે એ અર્થ इसलिये For this purpose for the sake of this भग० ७ ७ १५ १ १८, ७ नाया० १, ५ ६ १४ दस० ६, ५३;

एयविउत्त त्रि० (एतद्वियुक्त) એથી રહિત इस के बिना Devoid of or free from this or that पचा० ६ ६

एयविज्ज पुं० त्रि० (एतद्विद्य) એ છે વિદ્યા જેની તે जिसकी यह विद्या है वह (One) possessed of this or that knowledge or learning विवा० १

[illegible] त्रि० (एतत्समाचार) એ છે આચાર જેનો તે जिसका यह आचार है वह (One) possessed of this ascetic conduct विवा० १,

एयण न० (एजन) કંપવું ધ્રુજવું कंपना Trembling, quaking भग० ५, १, पन्न० ३६

एयणा स्त्री० (एजना) ધ્રુજારી ધ્રુજ કંપ कंपी Tremour shivering भग० १७ ३

एयणुद्देसय पु० (एजनोद्देशक) ભગવતી સૂત્રના પાંચમા શતકના આઠમા ઉદ્દેશાનું નામ भगवती सूत्र के पांचवे शतक के आठवें उद्देश का नाम Name of the 8th Uddesa of the 5th Sataka of Bhagavati Sutra भग० ५ ८

एयलई स्त्री० (एतका) [illegible] [illegible] जात की वनस्पति A [illegible] of vegetation भग० [illegible]

एयाणुरूव त्रि० (एतदनुरूप) આને અનુસરતું इसके अनुरूप Like resembling or worthy of this or that कप्प० ४ ६

एयारिस त्रि० (एतादृश) આવું આનાજેવું इस प्रकार का इसके सरीखा Of this sort of this or that nature, similar to this पचा० ३४ उत्त० ३ १७ सम० ३० दसा० ६ १० दस० ५ १ ६६

एयारूव त्रि० (एतद्रूप) એ પ્રકારનું इस प्रकार का Of this sort of that sort अत० ६ ३ राय० २४ ७७ विवा० ५ दसा० ८ ० १०, ३ नाया० १ ५ ६ भग० २ १ ५ ४ १४ १, १८, १० उवा० १ ८० २ ६४, कप्प० १, ४ अ० प० २ २२

एयावति अ० (एतावत्) એટલા इतना,

इतने These many; so many नाया० १, १, १, ७, अम० ६, ७,

परंड. पुं० (एरण्ड—ईरयति वायुमध्वा) એરંડો એરંડાનું વૃક્ષ अरण्ड, अरण्ड का वृक्ष The castor oil plant भग० २ १ २१, ६ ठा० ४, ४ पन्न० १ —कट्टसगडिया स्त्री० (—काष्ठशकटिका) એરંડના લાકડાની ગાડી अरडकी लकडी की गाडा a cart made of the wood of the castor-oil plant नाया० १ —मिंजिया स्त्री० (मिञ्जिका) એરંડાની મીંજ अरडा की माजी a seed of the castor oil plant भग० ७ १

परएणवन न० (ऐरण्यवत) અરણ્યવત-નામનું અકર્મ ભૂમિનું એકક્ષેત્ર एरण्यवय नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र Name of a region of the Akarma bhumi सम० १

परएणवय अ पुं० (ऐरण्यवत्) એ-ન નામનું રમ્યકવાસ અને ઈરવત લેત્રની વચ્ચે આવેલું જુગલિયાનું એક ક્ષેત્ર रम्यक वास और इरवत क्षेत्र के बीचमे स्थित ऐरण्यवय नामक जुगलिया का एक क्षेत्र Name of a region inhabited by the Jugalias situated between Ramakavasa and Iravata Ksetra जं० प० भग० ६ ७ २० ८ ठा० २ ३ पन्न० १६ जीवा० १ (२) त्रि० તે ક્ષેત્રમાં રહેનાર. उक्त क्षेत्र मे रहने वाला (one) who resides in the above mentioned region अणुजो० १३१,

परवय-य पुं० (ऐरवत) મેરુથી ઉત્તરમાં આવેલું કર્મભૂમિનું ભરત જેવડું છેલ્લું ક્ષેત્ર मेरु की उत्तर दिशामे स्थित कर्मभूमि का भरतक्षेत्र बराबरी का अंतिम क्षेत्र The last region of Karma Bhumi to the north of Meru, equal in size to Bharata region सम० ७, जीवा० १ सू० प० १० अणुजो० १३४ पन्न० १, नदी० ४२ भग० २०, ८, निसी० २४६, प्रव० ३ जं० प० ., १२५ ठा० २ ३, (२) त्रि० ભરત ક્ષેત્રમાં વસનાર एरावत क्षेत्र में उत्पन्न एरावत क्षेत्र मे रहने वाला born in Iravata Ksetra, residing in Iravata Ksetra अणुजो० १३१ —कूड पुं० (कूट) શિખરી પર્વતના ૧૧ કૂટમાંનું દશમું કૂટ શિખર शिखरी पर्वत के ११ कूटों में से १० वा कूट the 10th of the 11 peaks of the Sikhari mountain जं० प० ६, १२५

परावण पुं० (ऐरावत) જંબુદ્વીપને ઉત્તર છેડે આવેલ ભરત જેવડું છેલ્લું ક્ષેત્ર जंबूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत क्षेत्र जितना अंतिम क्षेत्र The last region to the North of Jambu Dvipa, equal in size to Bharata region जं० प०

परावई स्त्री (एरावती ईरा सन्त्यस्या) કુણાલા નગરી પાસે વહેતી એરાવતી નામની નદી कुणाला नगरी के समीप बहने वाली नदीका नाम Name of a river flowing in the vicinity of the city of Kunala वेय० ४, २८ कप्प० ६ १२,

परवण पुं० (ऐरावण) પ્રથમ દેવલોકના ઇંદ્રનો હાથી જે દેવતા હાથીનું રૂપ લઇ ઇંદ્રને પોતા ઉપર બેસાડે તે प्रथम स्वर्ग के इन्द्र के हाथी का नाम जो देव हाथी का रूप धारण कर इन्द्र को अपने ऊपर बैठाता है वह देव The elephant of the Indra of the first Devaloka,

a god in the form of an elephant for Indra to ride upon "हत्थीसु एरावण आकुणाए' सूय० १, ६, २१, ज० प० ५, ११५, पन्न० २, प्रश्न० २, ४; (२) शक्रेन्द्रना हाथीना लश्करनो अधिपति शक्रेन्द्र के हाथी की सेना का अधिपति the head of the army of elephants belonging to Sakrendra "एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई' ठा०१, १ (३) એ નામે એક ગુચ્છજાતની વનસ્પતિ एक गुच्छ जाति की वनस्पति का नाम a kind of plant पन्न०१ (४) ઉત્તરકુરુક્ષેત્રમાનો એક દ્રહ કે જેની બેયાસે વીશ કંચનક પર્વત છે उत्तर कुरु क्षेत्र क एक द्रह का नाम जिसके दोनों ओर बीस कचनक पर्वत हैं name of a lake in the Uttara Kuru Ksetra, on both sides of which there are 20 Kanchanaka mountains ज० प० जावा० ३, ४ —वाहण पु० (वाहन) એરાવણ હાથી જેનું વાહન છે તે एरावण हाथी के वाहन वाला one whose vehicle is the Airavana elephant कप्प० २ १३

एरावत पु० (एरावत) એરાવત ક્ષેત્રના પ્રથમ ચક્રવર્તી ऐरावत क्षेत्र का प्रथम चक्रवर्ती The first Chakravarti of Airavata Ksetra (२) એરાવત ક્ષેત્રની અધિષ્ઠાતા દેવતા एरावत क्षेत्र का अधिष्ठाता देव the presiding deity of Airavata Ksetra ज० प०

एरावती स्त्री० (ऐरावती) જુઓ 'एरावई' शब्द देखो "एरावई" शब्द Vide "एरावई" ठा० ५ २

एरिस त्रि० (ईदृश = अयमिव पश्यति) એના જેવું इसके समान Of that sort of this sort, such भग० २, ५; उत्त० १२, ३१, सूय० १, ३, ३, १४; सु० च० ७, ३३८, नाया० ८ दस० ६ ५; प्रव० ४६३;

एरिसग त्रि० (ईदृशक) એનાજેવું; એ સરખું इसके समान इसक सरीखा Of that sort such similar to this or that भग० १ १ ८ ५

एरिसय त्रि० (ईदृशक) એવું એ જેવું ऐसा इसके समान Such, similar to that of this sort प्र० जा० ५८६; नाया० ८ १६

एल पु० (एड) ઘેટો, મેંઢો अज A sheep, a ram जीवा० ३ ३ विवा० ४ सूय० २ २ २१ दस० ५ २, ४८ —मूयत्त न० (मूकत्व = एडइव अव्यक्त मूकतया शब्दमात्र कराति) ગડરની પેઠ (બેબે) ન સમજી શકાય તેવું બોલવું તે બોબડાપણું भेड़ के बोलने के समान समझ में न आसकने योग्य बोलना babbling indistinct speech like the bleating of a sheep सूय० २, २ २१, दस० ५, २, ४८ दसा० १० ४५

एलइज्ज न० (एलकीय) ઉત્તરાધ્યયન સૂત્રના સાતમા અધ્યયનનું નામ उत्तराध्ययन के सातवें अध्याय का नाम Name of the 7th chapter of Uttaradhyayana अणुजा० १३१

एलग पु० (एडक) ઘેટો મેંઢો अज A male sheep a ram ज० प० २, २४; दस० ५, १ २ पन्न० १

एलगा स्त्री० (एडका) ગાડર मेड़ A female sheep, a ewe ज० प० २, २४;

एलय पु० (एडक) બકરો; મેંઢો बकरा; मेढ़ा A he-goat, a ram "कोई पोसेज्ज एलय" उत्त० ७, २१५;

एला स्त्री० (एला) એલચી, इलायची.

Cardamom plant, the seed of the plant जीवा० ३, ४, जं० प० पन्न० १; राय० ६२, —पुड पुं० (-पुट) એલચીનો પુડા इलायची का पुडा A packet of cardamoms नाया० १७

एलावच्च पुं० (एलापत्य) મંડુક ગોત્રની શાખારૂપ એક ગોત્રનું નામ मंडुक गोत्रका शाखा रूप एक गोत्रका नाम Name of a branch or offshoot of the Mandūka family origin नंदी० स्थ० २६, ठा० ७ १ (२) त्रि० ते ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુરૂષ उक्त गोत्र में उत्पन्न पुरुष a man born in the above mentioned branch of family ठा० ७ १

एलावच्चसगुत्त न० (एलापत्यसगोत्र) આર્ય મહાગિરિનું ગોત્ર आर्य महागिरी का गोत्र Name of the family line of Ārya Mahāgiri कप्प० ८

एलावच्चा स्त्री० (एलापत्या) પખવાડીયાની ૧૫ રાત્રિઓમાંની ત્રીજી રાતનું નામ पक्षकी तीसरी रात The third day of a fortnight सू० प० १० जं० प० ७ १५२

एलिक्ख त्रि० (ईदृश) એવા એના જેવા इसके समान ऐसा Such, of this sort, of that sort "कहन्नु जिच्चमेलिक्खं जिच्च माया न सविहे" उत्त० ७ २०

एलिक्खग त्रि० (ईदृशक) જુઓ "एलिक्ख" શબ્દ देखो 'एलिक्ख' शब्द Vide "एलिक्ख" आया० १, ६, ३, ५

एलुय. पु० (एलुक) ઘરનો ઉંબરો (ઉમરો) घर की देहली The threshold of a door जीवा० ३, ४, राय० १०६, समा० ५, १, प्रव० १०, २;

एवं अ० (एवं) અવધારણ, નિશ્ચય નક્કી निश्चय Positively; assuredly. आया० १, १ १, ११ उत्त० १, १६; अणुजो० १४ वव० १, ३७ निसी० २०, १०, दसा० ६ १ उवा० ७, २१६, विशे० १७८, पि० नि० १०८

एवइकाल पु० (इयत्काल) એટલો વખત इतना समय That much time so much time क० प० १, ४५

एवइखुत्तो अ० (एतावत्कृत्वस्) એટલી વાર इतनी बार So often so many times कप्प० ६, ४८

एवइय त्रि० (इयत्) આટલું इतना So much this much भग० ३ १ ४; ६ ८ १० ४, १३ ४ १४, ७, ८ १६ ४; २० ६ २४ १ २४ ओघ० नि० १५४ विशे० ४४४ वव० १ ३७ प्रव० ८४६

एव अ० (एवम्) એ પ્રકારે પૂર્વોક્ત રીતે (પહેલા કહ્યું તેમ) इस प्रकार से पूर्वोक्त रीतसे In that way as said above, thus भग० १ १ ७, १ ३ २ ४ ८ ६, ४ ७ १ १६, ५ १८, १० ३४ १ नाया० १ २ ५ ७ ८ ६, ११ १६ १९, दसा० ३ २८ ४, ४५ ६, ४ दस० ९, २ ३० ७, ७ ४४ ८, ३ आया० १, १, १ १ १ १ १ ७ सूय० १, १ १ ७, १ १ १ ६ २, ७ ६, वेय० २ २, जं० प० ५ ११३, ४, ११२, ५ ११२ निर० १, १, विशे० ७०, निसा० २० १० उत्त० १ ४ आव० ११, अणुजो० १४ ठा० १, १ सू० प० २० उवा० १ १० १२, १४, नाया० ध० ३ क० प० १, ३१, क० ग० ३ १ १९ 'एवमेगाचि अपवा' सूय० १, १, २, ४, 'एव माइक्खी करिति' भग० १, ६;

एवंखलु अ० (एवंखलु) ખરેખર; નિશ્ચે; એમજ નિશ્ચયસે, इसी प्रकार, वास्तव में

Indeed; exactly so. भग० ७, ६; नाया० ६; ८; १०, १२; नाया० ७०

एवंचेव अ० (एवंचैव) જુઓ "एव" શબ્દ. देखो "एवं" शब्द. Vide "एवं" नाया० १; २, भग० १५, १, २५, २, ४१, ८,

एवमाइ. अ० (एवम्) જુઓ "एवं" શબ્દ. देखो "एव" शब्द. Vide "एवं" वेय० १, १४, ४, २८;

एवतिय. त्रि० (इयत्) જુઓ "एवइय" શબ્દ देखो "एवइय" शब्द Vide "एवइय" भग० १, ७, ११, १;

एवंपि अ० (एवमपि) એમપણ. इस प्रकार भी Even thus; even so. भग० १,६,

एवंभूत वादि त्रि० (एवंभूत वादिन्) ભાવ સહિત પદાર્થનેજ પદાર્થ માનનાર એક નય સાત નયમાનો સાતમો નય. भाव सहित पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय (One) who holds the logical standpoint that a substance should be styled by its name only so long as it actually performs the operation denoted by it; the seventh of the 7 logical beliefs सूय० २, ४, १०,

एवंभूय. पु० (एवंभूत) જે શબ્દનો જે અર્થ થતો હોય તે અર્થ પુરે પુરી રીતે, તે વસ્તુમા જુએ ત્યારેજ તેને તે વસ્તુ કહે, જેમ ઘટ શબ્દ ચેષ્ટાવાચી ઘટ્ ધાતુમાથી બનેલો છે તો જ્યારે તે ઘડો પાણીથી ભરેલો સ્ત્રીના મસ્તક ઉપર હોય ત્યારેજ તેને ઘડો કહે અન્યથા નહિ એમ માનનાર એક નય સાત નયમાંનો ૭મો નય जिस शब्द का जो अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पड़े तब ही उस वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द चेष्टावाची घट् धातु से बना है अब पानी से भरा हुआ स्त्री के मस्तक पर चढ़ा रखा हो तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं; सातनयों में से एक नय The seventh of the seven logical standpoints, viz that a substance should be styled by its name only so long as it performs actually the operation denoted by it; e g a pot should de styled a pot only when it is actually filled with water and "carried" by any woman upon the head विशे० २२५१, ठा० ७, १, भग० ५, ४, पन्न० १६, प्रव० ८४४; पंचा० ६, १२, (२) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ૧૬ મો ભેદ जिसका विच्छेद हो चुका है ऐसे बारहवे दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के सूत्रका १६वा भेद name of the 16th division of the 2nd section of the 12th non-extant Anga viz. Dristivāda नंदी० ५, ६,

एवंविह त्रि० (एवंविध) એવા પ્રકારનુ-નો-ની इस प्रकार का-की Of that or this sort such सु० च० ४, ८१; पंचा० १३, ३६;

एवमेव अ० (एवमेव) એમજ इसी प्रकार Exactly so quite so नाया० १; भग० १ १,

एवामेव अ० (एवमेव) એવીજ રીતે इसी प्रकारसे. Exactly so; quite in this manner. ज० प० नाया० २; ३; ४; ५; ८; ६; १०; १२; १४; भग० १, १; ६,३, ३, ५, ३; ६; १२, १; २५, ८; उवा० ७, २१६,

√**एस.** धा० I II. (एष्) શોધવું; તપાસ

કરવી, પુછ પરછ કરવી खोजना; ढूढना पूछ ताछ करना To search, to inquire after

एसे वि॰ आया॰ १, ६, ४ १०,

एसिज्जा वि॰ उत्त॰ १, ७ २ २० दस॰ ५ २, २६,

एसेज्जा वि॰ सूय॰ १, १, ४ ४

एसस व॰ कृ॰ उत्त॰ ३॰ २१,

एसमाण व॰ कृ॰ वव॰ १०, ?

√एस धा॰ I॰ (इष्) ઇચ્છા કરવી इच्छा करना To wish to desire

एसइ पिं॰ नि॰ ७४

एस त्रि॰ (एष्यत) આવતો ભવિષ્ય भविष्य का आगामी Future, the future विश॰ ४२२ —काल पु॰ (काल) આવતો કાળ आगामी काल coming time future time दस॰ ७ ?

एसण न॰ (एषण) નિર્દોષ વસ્તુ નિર્દોષ આહારાદિ दोषरहित आहारादि A thing worthy to be used as food unobjectionable food etc उवा॰ १, ८५ नाया १६; भग॰ २ ५

एसणा स्त्री॰ (एषणा) આહારાદિની ગવેષણા માં સાધુ અને ગૃહસ્થી મળીને લાગતા શંકિતાદિ દશ દોષ आहारादि की गवेषणा में साधु और गृहस्थों से जो दश दोष लगते हैं वे Any of the 10 faults (viz Sankita etc) incurred by a layman as well as an ascetic in connection with begging food etc प्रव॰ २२; ५७१ ठा॰ ३, ४, पिं॰ नि॰ १, (२) ઉપયોગ પૂર્વક આહારાદિની ગવેષણા કરવી એષણાનામની ત્રીજી સમિતિ उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेषणा करना; तीसरी समिति का नाम name of the third Samiti, circumspection in begging food etc उत्त॰ १, ३१, २, ४, ८, १९, २४, २, ३०, ३५, भग॰ २, १ सूय॰ १, १, ४, ४, पण्ह॰ ?, १, वव॰ १० २, ओव॰ १७, सम॰ प॰१६८ —असमिअ त्रि॰ (-असमित) આહારાદિની ગવેષણારૂપ સમિતિ વિનાનો એષણા સમિતિ રહિત आहारादि की गवेषणा रूप समिति से रहित एषणा समिति से रहित (one) devoid of circumspection in begging food etc दसा॰ १ २ २१ २२ —असमित त्रि॰ (असमित) અસમ્રતો ભાતપાણી લઈ બીજા સાધુની સાથે કલહ કરનાર અસમાધિનું વીસમું સ્થાનક સેવનાર असमृता (दोषयुक्त) आहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला—असमाधि का २ वां अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला (one) who resorts to the last viz 20th source or cause of Asamadhi i e non concentration, (one) who quarrels with another Sadhu, after receiving food involving sin सम॰ २० —रय (-रत) નિર્દોષ આહાર લેવામાં સાવધાન निर्दोष आहार लेने में सावधान one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food दसा॰ १ ३ —विसोहि स्त्री॰ (विशोधि) એષણાની શુદ્ધિ एषणा समिति की शुद्धि purity or faultlessness of circumspection in begging food etc ठा॰ ५, ३, —समिइ स्त्री॰ (-समिति) ૪૨ પ્રકારના દૂષણ ટાળી શુદ્ધ આહાર પાણીની ગવેષણા કરવી તે, પાંચ સમિતિમાંની ત્રીજી સમિતિ

४२ प्रकार के दूषणों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना पांच सामतिया म से तीसरी समित the third of the 5 Samitis viz begging of alms untainted by the 42 kinds of faults सम० ५, ठा० ८ १ —समिय पु० (समिति एषणाया उ यावनमहणमास विषयायां सम्यगित. स्थित) निर्दोष आ ार लेनार निर्दोष आहार ग्रहण करनवाला one who receives faultless or absolutely untainted food ' एसणा समिएणिच वजयते अणेसणं ' सूय०१ ११ १३ दसा० ५, ६ सम० २०, २ नाया० ५

एसणिज्ज त्रि० (एषणीय) मुनिने ओरणा करवा योग्य, लेवु कल्पे तेवा दोष रहित मुनि के एषणा करन योग्य निर्दोष लन योग्य Faultless unobjectionable worthy of being received as food by a Sadhu भग १, ६ २, ५ ८ ६ ७, १ ८ ६ १८ १० उत्त० १२ १७ ३२, ४, नाया० ५ १६ १६ ठा० ४ २ उवा० १, ५८ पि० नि० १६१ राय० २७५

एसणिय त्रि० (एषणीय-एष्यते गवेष्यते उक्त आदिदोषविकलतया साधुभिर्यत्तदेषणीयम्) निर्दोष दोष वगरनुं निदोष दोष रहित Faultless, untainted unobjectionable (e g food) दस० ६, २४

एसिय त्रि० (एषित) गोचरीनी विधिथी आवेल (आहारादि) गोचरी का विधि से प्राप्त (आहारादि) (Food etc) got by Gochari (i e begging) in a particular fashion) आया० २, १, ३, ४०, सूय० २, १ ५६, भग०७,१

एसिय पु० (एषिक) असंख्यात ओकेन्द्रिय छवोनी हिंसा थाय ओवा आहार करता ओक हाथीने मारी खावु ते श्रेय ओम माननार ओक तापस, हाथी तापस असख्यात एकेंद्रिय जीवोंकी हिंसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी का मार कर खाना श्रेष्ठ समझने वाला तापसी हाथी तापस An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one sensed living beings, (such a one is styled a Hathi Tapasa) एसिया वोसिया लुद्धा सूय० १ ६ २

*एसिय पु० ( ) गोवाळीआ ग्वाला ग्वाल A cowherd आया० २ १ २ ११

एस्स पु० (एष्यत्) भविष्य काल भावी भविष्य काल भावी काल The future, future time विशे० ८८३

एहत त्रि० (एधमान) वधतु वृद्धि पामतु वढ़ता हुआ बढ़ता हुइ वाढ़वत Increasing growing दस० ६ ५

एहा स्त्री० (एधा) शमी (लीमडी) ना लाकडा शमी का लकड़ा उस्तरा नामक वृक्षकी लकडा The wood of the Sami tree fuel उत्त० १२ ४४

एहिय त्रि० (ऐहिक) आलोक संबंधी आलोक इस लोक सम्बन्धी इस लोक का Belonging to, pertaining to this world आघ० नि० ६२ —एपए सिय त्रि० (प्रदेशिक) विषम संख्या ५ ७ वगेरे ओकी संख्याना प्रदेशथी निपन्न थयेल विषम सख्या क प्रदेश से निष्पन्न resulting from odd numbers such as three five, seven etc भग० २५, ३,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट ( ) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

ओ.

ओअंसि. पुं० (ओजस्विन्) મનની ધીરજ વાળો, ધૈર્યવાન્, धीर धीरज वाला धैर्य धारण करनेवाला, वीर Courageous brave ओघ० १६,

ओइएण त्रि० (अवतीर्ण) અવતરેલ ઉતરી આવેલ अवतरित उतरा हुआ Born descended come down आव० २६, आव० नि० ३४ पचा० १५ ४२

ओंकार पु० (ओंकार) ઓંકારનો ઉચ્ચાર કરવો ॐकार का उच्चार करना Pronouncing the word "Omkara" उत्त० २, २६

ओकड्डिया स्त्री० (अवकर्षिका) જુઓ "उक्कड्डिया" शब्द देखो "उक्कड्डिया" शब्द Vide 'उक्कड्डिया' आघ० नि० ६७७ प्रव० ५४३

√**ओकड्ड** धा० I (अप+कृष) પાછું ખેંચવું पीछा खांचना To draw back to pull back

ओकड्डइ क प० ३ ७

ओकड्डिय स० कृ० क० प० ४, १

ओकड्डणा स्त्री० (अपकर्षणा) અપવર્તના अपवर्तना Drawing back, turning back क० प० १ १०

ओगाहिअ त्रि० (अवगृहीत) પીરસેલ ભોજનમાંથી હાથમાં લીધેલ ग्रहण किया हुआ परोस हुआ Served as food held in the hand (sup food) अ० ३ १

ओगाढ त्रि० (अवगाढ) આકાશ પ્રદેશને અવગાહી-સ્પર્શ કરીને રહેલ आकाश प्रदेश को व्याप्त करके रहा हुआ Pervading or touching Akasa Dravya i ... उत्त० १८, २४; पन्न० १, जीवा० १, विशे० ६७५ अणुजो० १०१, १४८, ठा० १, १ भग० १३, ४, १६, ६, ३०, २, २५, ३ ४, नाया० ८ ६ १७, ओव० ३० ७ १३७; (२) જમીનમાં ઉંડું जमीन के भीतर ऊंडा deep in the ground प्रव० १५८७ —रुइ स्त्री० (-रुचि) ઉપદેશ કે શાસ્ત્રને અવગાહનાથી ઉત્પન્ન થતી ધર્મરૂચિ उपदेश अथवा शास्त्र के अवगाहन-मनन से उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि love for religion excited by a sermon or a study of scriptures भग० २५ ७, ठा० ४, १,

ओगाढसेणिआपरिकम्म न० (अवगाढश्रेणिकापरिकर्मन्) દૃષ્ટિવાદના પરિકર્મનો છઠ્ઠો ભેદ दृष्टिवाद के परिकर्म का छठवां भेद The sixth division of the Parikarma of Dristivada नदी० ५६

ओगाढावत्त न० (अवगाढावर्त्त) ઓગાઢ-સેણિઆપરિકમનો ૧૪મો પ્રકાર ओगाढसेणिआ परिकर्म का चौदहवा भेद The 14th division of Ogadhasenia Parikarma नदी० २६,

ओगास न० (अवकाश) અવકાશ, ખુલ્લી જમીન अवकाश, खुली जगह, खाली स्थान Open space "ओगासं फासुयं नच्चा" दस० ५, १, १६

√**ओगाह** धा० I II (अव+गाह्) અવગાહવું અન્દર પેસવું સ્પર્શ કરવો अवगाहन करना भीतर प्रवेश करना, स्पर्श करना To pervade to enter, to touch

ओगाहइ भग० २०, ... १६७;

ओगाहेइ नाया० १; ५, ३६;

ओगाहंति. ओव० ३१,

ओगाहेज्जा भग० १, ६. १८, १०; अणुजो० १३४.

ओगाहइ. नाया० १७;

ओगाहित्ता सं० कृ० ओव० ३१. ज० प० १, १४. ७, १४२, ७; १२७, भग० २, १. ८, ३, ७. पन्न० २.

ओगाहेत्ता स० कृ० नाया० २, ३ भग० २०, ८,

ओगाहित्तए हे० कृ० ओव० ३८,

ओगाहंत पिं० नि० ५७५,

ओगाहिऊण जं० प० ४, १०५ प्रव० १४३५.

ओगाह. पु० (अवगाह) અવગાહના, અવકાશ, આકાશનું લક્ષણ. अवकाश आकाश का लक्षण. खाली स्थान Interpenetration, lit entrance, giving space to other substances, this is the nature of Ākāśa उत्त० २८, ६.

ओगाहण न० (अवगाहन) જીવ શરીર આદિ વસ્તુ જેટલા ક્ષેત્રને અવગાહિ રહે એટલું ક્ષેત્ર. जीव, शरीर आदि वस्तु जितने क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना क्षेत्र Space occupied by any object भग० १, ५, ५, ७, ८, १, पिं० नि० ४८६,

ओगाहणग त्रि० (अवगाहनक) અવગાહનાર. अवगाहन करने वाला (One) that occupies a particular space, occupying space ठा० १, १,

ओगाहणसेणिया स्त्री० (अवगाहनश्रेणिका) અવગાહનશ્રેણી નામે દૃષ્ટિવાદાતર્ગત પરિકર્મનો એક ભાગ. अवगाहन श्रेणी नामक दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग Name of a division of the Parikarma forming a part of Dṛṣṭivāda सम० १२;

ओगाहणा स्त्री० (अवगाहना—अवगाहन्ते—आसते अवतिष्ठन्ते जीवा यस्यां सा तथा) શરીરાદિની ઉંચાઇ. शरीर आदि की ऊंचाई. Height of the body etc. भग० ३, १, १६, ३. २४, २०, २५, ४; २५, ६; ३६, १ ओव० ४४, अणुजो० १३४, उत्त० ३६, ६०, ३६, ६१. जावा० १, नंदी० १२; नाया० ध० प्रव० ४८१, —ठाण न० (—स्थान—अवगाहन्तेजावा यस्यां साऽवगाहना तनुस्तदाधारभूत क्षेत्र वा तस्याः स्थानानि प्रदेशवृद्धा विभागा अवगाहनास्थानानि) અવગાહના—શરીરની ઉંચાઇના સ્થાન—વિભાગ. अवगाहना अर्थात शरीर का ऊंचाई का स्थान-विभाग A (smaller) division of the height of the body भग० १, ५, —नामनिहत्ताउय. न० (-नामनिधत्तायुष्क) ઔદારિકાદિ શરીર નામ-કર્મ સાથે આયુષ્ય કર્મનો બન્ધ થાય તે, આયુબંધનો એક પ્રકાર. औदारिक शरीर नामकर्म के साथ आयुष्य कर्म का बंध होना, आयु बंध का एक प्रकार The linking together of Āyuṣya Karma with the Nāmakarma that builds up the physical body पन्न० ६ भग० ६, ८, —सठाण. नं० (—सस्थान) પ્રજ્ઞાપનાના ૨૧ મા પદનું નામ કે જેમાં ઔદારિક વગેરે પાંચ શરીરોના સંઠાણ વગેરેનું વર્ણન કર્યું છે. पन्नापना के २१ वे पद का नाम कि जिस मे औदारिक आदि पाच शरीरों के सस्थान आदि का वर्णन है Name of the 21st Pada of Prajñāpanā, dealing with the conformation of the five kinds of bodies viz. physical etc पन्न० १,

ओगाहिम त्रि० (अवगाहिम) પકવાન;

सुखडी; आलपुवा वगेरे. आलपुवे आदि पकवान. Rich food; sweetmeats. पिं० नि० ५४८; पंचा० ५, ११;

ओगाहिमग. पुं० न० (*अवगाहिमक) पकवान; मिठाइ वगेरे पकवान, मिठाई वगैरह. Sweet meats प्रव०२०३,२१८,

√ ओगिण्ह धा० I,II (अव+गृह्) हाथमां लेवुं; ग्रहण करवुं हाथमें लेना, ग्रहण करना To hold in hand; to take

ओगिण्हइ नाया० १; ठा० ३, ३. भग० ६, ३३,

ओगिण्हेत्ता सं० कृ० नाया०१,भग० ६,३३,

ओगिगिण्हत्ता सं० कृ० भग० २, ४, उवा० ७, १६१, २०० कप्प० ८, ६,

ओगिज्झिय सं० कृ० आया०२, ७,१,१५६,

ओगिण्हण न० (अवग्रह) अर्थावग्रहनुं एक नाम अर्थावग्रह का एक नाम. A synonym for Arthāvagraha i e vague idea or apprehension of an object नंदी० ३०,

ओग्गह न० (अवग्रह) आज्ञा, संमति. आज्ञा, हुक्म, सम्मति Order, permission, consent भग० ९, ३३, दस० ५, १, १८, ८, ५ नाया० ५, पंचा० ६, ०३.

ओग्गहण स्त्री० (अवग्रहण) इंद्रियोना विषयरूप पुद्गलोनुं ग्रहण करवुं ते इन्द्रियोंके विषयरूप पुद्गलों का ग्रहण करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses पन्न० १५;

ओघ. पुं०(ओघ)प्रवाह, संसारने प्रवाहनुं रूपक आपवामां आवे छे माटे संसाररूप प्रवाह प्रवाह; संसार को प्रवाहका रूपक देने में आता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly existence. "एते ओघं तरिस्संति" सूय० १, ३, ४, १८, २, ६, ५५; क० प० १, ८१, पवा० ३, ३; (२) समूह; राशि; जथ्थो. समूह. समुदाय; ढेर a group; a heap, a collection जं० प० ५, ११५, नाया० १५ सम० ७, राय० ३७; (३) सामान्य, समुच्चय सामान्य, समुच्चय, साधारण accumulation, general, broad nature भग० २५, ३, ४; पन्न० ८. —**आदेस** पुं० (-आदेश) सामान्य प्रकार, सामान्य अपेक्षा सामान्य प्रकार; सामान्य अपेक्षा matter of course, matter of common expectation. "आघादेसेणं सियकड जुम्मा" भग० २५, ३ ४,—**आययण** न० (-आयतन) ओघ-प्रवाह-परंपराथी मनायेला तीर्थस्थान. परंपरा से माने जाने वाले तीर्थस्थान a place traditionally regarded as sacred आया० २, १०, १६६.—**सण्णा.** स्त्री० (-संज्ञा) मतिज्ञानावरणीय कर्मना क्षयोपशमथी सामान्य बोध थाय ते-जेम बीजानी देखादेखीथी बालक नीसरणी पर चडे पण ते समजतो नथी के हुं केना पर चड्यो. मतिज्ञानावरण कर्मके क्षयोपशमसे जो सामान्य बोध होता है वह-जैसे दूसरेकी देखादेखी से बच्चा निसरनी पर चढता है किन्तु उसे यह नहीं समझता कि वह किसपर चढा है ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma which obstructs Matijñāna पन्न० ८; —**ओघस्सरा** स्त्री० (-ओघस्वरा) चमरच्या राजधानीना देवताने संदेशो पोचाडनारी घंटा. चमर चंचा नामक राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया जाताहै वह घंटा. a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chamara Chanchā capital जं० प० ५, ११६.

ओयार पुं० (अवचार) ધાન્યનો લાંબો કોઠાર धान्य का लंबा कोठा A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape अणुजो० १३२

ओचूलअ न० (*अवचूलक) લગામ, ચોકડા लगाम A bridle, reins "ओचूलगसुद चंडाधर चामर थासक परिमंडिय कडिए" विवा० २, जं० प० ३, ६१,

ओच्छाहिअ त्रि० (उत्साहित) ઉત્સાહ વંત કરેલું વખાણ કરી ઉત્સાહ ચડાવેલ उत्साहित कियाहुआ, उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ Encouraged, enlivened with applause पि० नि० ८.४

ओज न० (ओजस्) બલ, તાકાત बल, शक्ति Strength, power, vigour पगह० २, २

ओट्ठ पुं० (ओष्ठ) હોઠ ओंठ A lip अणुजो० १३, १२८, १३१ नाया० ८ जं० प० पन्न० २, राय० १६४, विवा० २

ओणमत व० कृ० त्रि० (अवनमत) નીચે નમતું नीचे नमाहुआ Bending or inclining low ओघ० नि० भा० २१२

ओणय त्रि० (अवनत) વાંકું વળેલ, નીચે નમેલું नीचे नमा हुआ Bent low, inclined low curved सू० च० १, ३८२ नाया० १, ओघ० नि० २२३,

√ **ओ-तर** धा० I, II (अव+तृ) આવે રવું નાખવું; ઉમેરવું आवटन रखना, डालना To add to, to put or throw into boiling water (२); ઉતરવું उतरना to descend

ओयरई पि० नि० ३८८,

ओयरत पि० नि० ४१८,

ओयारिया प्रे० स० कृ० दसा० ५, १, ६३;

ओयारमाण प्रे० व० कृ० आया० २, १; ६, ३५.

ओतार पुं० (अवतार) પ્રવેશ કરવો; અંદર ઉતરવું प्रवेश करना To enter; to descend into विशे० १०४०,

ओतिराणा त्रि० (अवतीर्ण) પાર ઉતરેલો; પાર પામેલો पार उतराहुआ, पार पाया हुआ (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त० ५, १४, १०, ३२,

ओदण पुं० (ओदन) ભાત રાંધેલ ચોખા भात पके हुए चावल Cooked rice जावा० ३, २, भग० ४, २ उवा० १, ३४, पचा० १० ३७

ओधारणी स्त्री० (अवधारणी) નિશ્ચયકારિણી (ભાષા) निश्चय कारक भाषा Decisive speech दस० ७, ५४,

√ **ओ पड** धा० I (अव+पत्) નીચે પડવું नीचे गिरना To fall down to come down

ओवयइ भग० ३, २,

ओवयंति विशे० १४६

ओवयंत आया० २, १२, १७६ नाया० ६, कप्प० ३, ३७, ४ ४६.

ओवयमाण व० कृ० नाया० १, ६, भग० ११, ११ राय० ७२, जं० प० ५, ११७

ओप्पाइय त्रि० (औत्पातिक) ઉત્પાતથી उत्पात सम्बन्धी Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc सूय० १, १२, ६;

ओबद्धअ त्रि० (अवबद्धक) અમુક સમય સુધી કોઈની આધીનીમાં આવેલ. પરવશ अमुक समयतक किसी के बन्धन मे आया हुआ, पराधीन Bound down for a time, dependent प्रव० १६८;

ओमइ त्रि० (*) માગેલું; યાચેલુ. मांगा हुआ. Asked; begged, solicited. ओघ० नि० १४७,

ओ-भम धा० I (अव+भ्रम्) ફરવું. ભમવું फिरना; भटकना, भ्रमना To wander, to roam

ओभामेइ प्रे० राय० २३१,

ओभावणा. स्त्री० (अवभावना) ઉપહાસ, હેલના. મશ્કરી उपहास. अवहेलना. हंसी Ridicule, insulting, disrespectful joke ओघ०नि०भा०८१; प्रव०१६३.

√ **ओ-भास** धा० I, II (अव-भाष्)યાચવું, દાતાર પાસે માગવું दाता के पास से मांगना याचना करना To beg to solicit a favour

ओभासिज्ज आया० २, १, ५, ३०

√ **ओ-भास** धा० I, II (अव+भास्) પ્રકાશિત થવું ચલકાટ કરવો प्रकाशित होना, चिलकाहट करना To shine, to glitter

ओभासति राय० ७१०,

ओभासए सू० प० १ राय०१२० ठा०२,२

ओभासइ भग० १, ६,

ओभासति सू० प० १८, भग० ७, १०, ८, ८, १४, ६ जं० प० ७, १३७, राय०२७०

ओभास पु० (अवभास) ६५मा માહાગ્રહનું નામ ६५वें माहग्रह का नाम Name of the 65th planet, सू० प० २०; ठा० २, ३, (२) પ્રભા; ઝાંક प्रभा; झांई light, lustre, brilliance आव०

ओभासिय. त्रि० (अवभासित) યાચના કરેલ, માગીલીધેલ मांगकर लिया हुआ; याचित. Begged, solicited, got by solicitation ओघ० नि० ३१३;

ओम त्रि० (अवम) ઊણું ઓછું; ન્યુન; અધુરું. कम, अधूरा, न्यून Less falling short पंचा० १६, १२, उत्त० २१, १४, ३०, १५, ३२, १२, पिं० नि० ६४३, पिं० नि० भा० ६५, (२) દુકાલ, દુર્ભિક્ષ अकाल; दुष्काळ, दुर्भिक्ष famine, scarcity death of food " आवासु कहवि ओमे " पिं० नि० २२०, (३) અસાર તુચ્છ असार; तुच्छ; सार रहित, हीन worthless, unsubstantial, उत्त० १२, ६, आया० २, २, ५, १४६, ठा० ४, ४, —(मो) उयरण न० (-उदरण = उदर) ઉણોદરી તપ, નિત્ય ખોરાકથી ઓછું ખાવું તે उनोदरी तप, नित्यक भोजन के परिमाण से कम भोजन करना the penance consisting in eating less than one's fill " ओमोयरणं पचहा " उत्त० ३०, १४;

—(मो) उयरिअ न० (-उदरिक) દુષ્કાળ, દુર્ભિક્ષ. अकाल, दुष्काल famine, scarcity of food ओघ० नि० ७,

—उयरिया स्त्री० (उदरिका-अवमं न्यूनमुदरं यस्या सा तथा) ઉણોદરી તપ; છ બાહ્ય તપમાંનું બીજું उनोदरी तप छह प्रकारके बाह्य तपो मे से दूसरा तप eating less than one's fill, the 2nd of the six external penances " अणसण ओमोयरिया भिक्खायरिया "

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th

ठा० ६, १; भग० ७, १; आया० १, ५, ४, १५६; १, ६, २, १८३; —कोठया स्त्री० (-कोष्ठता) ખાલી પેટ खाली पेट emptiness of stomach. "आहरस-मुएणा समुप्पज्जइ तंजहा ओमकोठयाए" ठा० ४, ४, —चेल त्रि० (-चेल) પ્રમાણથી ઓછા વસ્ત્ર રાખનાર. प्रमाण से कम वस्त्र रखनेवाला (one) having less than the permitted number or quantity of clothes आया० १, ७४, २१२. —चेलग पु० (-चेलक—अवमान्यमाराणि चेलानि यस्य स.) ટુંકા અને જુના વસ્ત્ર પહેરનાર कम और जुने वस्त्र पहनने वाला, मेले वस्त्रो वाला one shabbily dressed, one putting on short and old garments उत्त० १२, ६; —चेलिअ त्रि० (-चेलिक) જુઓ "ओमचेल" શબ્દ देखो "ओमचेल" शब्द vide "ओमचेल" "अदुवा सतदुत्तरे अदुवा ओमचेलए अदुवा एगसाडे" आया० १ ४, २, १४३. —रत्त. पु० ( ) ક્ષય તિથિ; ઘટેલ તિથિ क्षय तिथि; घटी हुई तिथि a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises ओघ० नि० २८५; —राइणिअ पुं० (-रात्निक) દીક્ષાયે ન્હાનો (સાધુ) दीक्षा की अपेक्षा छोटा (साधु). A Sādhu junior in point of Dīksā or entrance into the religious order ठा० ४,३,

ओमंथिय त्रि० (अवमस्तक) નીચું મસ્તક કરીને બેઠેલ मस्तक नीचा करके बैठा हुआ Sitting with the head bent or low "जो कप्पइ निग्गंथीए ओमंथियाए" वेय० ५, २६; विवा० २, निर० १, १;

ओमत्थय त्रि० (अवमत्यय) આહારનો એક દોષ आहार का दोष A fault connected with food पचा० १३, ८,

ओमत्त न० (अवमत्व) ઓછાપણું हीनत्व, आल्पत्व Scantiness, paucity राय० २६०, पन्न० १५.

√ओ-मा धा० I (अव+मा) હાથ વગેરેથી ભરવું, ભરપ કરવી हाथ वगेरह से नापना-मापना To measure with the hand etc, to take measurement

ओमिमिणाइ क० वा० अनुजो० १३३

ओमाण न० (अवमान) ક્ષેત્રાદિકની ભરપ क्षेत्रादिकी माप Measurement of area etc ठा० २, ४.

ओमाण पु० (अपमान) અપમાન; માન ભંગ, અનાદર अपमान मानभंग, अनादर Insult, disrespect, affront "भिक्खालसिएएगे एगे ओमाणभीरुए" उत्त० २७, १०,

ओमिणाण न० (अवमान) પોંખવું पौंखना A particular ceremony by which a bridegroom and a bride are greeted at the entrance of a house पचा० ८, २४,

√ओ-मुंच धा० I, II (अव+मुच्) મુકવું, છોડવું छोडना To release, to abandon

ओमुयइ. कप्प० ५, ११६,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

ओमुद्धता. कप्प० ४, ११४;

ओमुद्धग. त्रि० (अवमूर्धक) ઊંધુ મસ્તક કરેલ ओंधा मस्तक किया हुआ (One) with the head touching the ground and legs thrown up, on wards i e heels over head " ओमुद्धगा धरणितल पडंति " सूय० १, ५, २, १६.

ओमुय न० (उल्मुक) અંગારો. બળતો કોલસો अंगारा जलता हुआ कोयला A burning charcoal आघ० नि० २७४,

√ ओय धा० I (अव+लोक्) નીહાળવું, જોવુ देखना To observe, to see to mark

ओयइ विश० ७६८,

ओय न० (ओजस्) વિષમ સંખ્યા, જેવી કે-એક, ત્રણ પાચ વગેરે विषम संख्या जैस कि एक, तीन, पाच, सात वगैरह Any odd number e g one, three five etc पिं० नि० ६२६, भग० २५, ३, (२) त्रि० નિષ્કિંચન, નિષ્પરિગ્રહી पारग्रह राहत having nothing, keeping no possession of property सूय०१, १४, २१, (३) રાગ દ્વેષથી રહિત, કર્મ મલ રહિત-શુદ્ધ राग द्वष से रहित, कर्म मल राहत. devoid of attachment or malice, devoid of the mud of Karma आया० १, ५, ६, १७०; १, ७, ६, २२२, सूय० १, ४, २, १, (४) पु० જીવ ઉત્પન્ન થતાવેંત પ્રથમ આહાર ગ્રહણ કરે તે; માતાનું રૈનસ અને પિતાનું વીર્ય. जीव उत्पन्न होतेही प्रथम जो आहार ग्रहण करता है वह, माता का रक्त और पिता का वीर्य. the first food of the soul or sentient being immediately after becoming quick viz the semen of the parents सूय० २, ३, २१, तदु० १६, पन्न० ३८, प्रव० १३७५, (५) તેજ; પ્રકાશ तेज, प्रकाश. luster, light सू० प० १ —आहार त्रि० (-आहार) ઓજ આહાર વાલો ओज आहार वाला (one) whose food consists of invigorating substences प्रव० ११६५,

ओयंसि त्रि० (ओजस्विन्) મનોબલવાળુ मनोबल वाला. Powerful; possessed of great will-power भग० २, ५. नाया० १.

ओयण पु० (ओदन) રાંધેલા ચોખા, ભાત. भात; सिझाये हुए चावल Cooked rice प्रव० ७०८, आया० १, ८, ४ ४; पि० नि० भा० ३; पचा०५,२७, उवा०१०,२७७, ओघ० नि० भा० ३०७, विशे० ३०२७, उत्त०७, १,

*ओयरण न० (अवचरण) પાછું ફરવું, પાછું હટવું पीछे फिरना, पीछे हटना Retreating, retracing one's steps विशे० १२१०

ओयरण न० (अवतरण) ઉપરથી ઉતરવું, હેઠે જવું ऊपर से उतरना; नीचे जाना Descending; getting down पिं० नि० ४८, ३६३;

*ओयव धा० II (साध्) સાધવું; સર કરવું साधना; जीतना To accomplish, to subdue

ओयवेइ ज० प०

ओयवेहि आ० जं० प०

ओयवेत्ता. स० कृ० जं० प०

ओवास्सि. त्रि० (ओवास्सिन्) જુઓ " ओवंसि " શબ્દ. देखो " ओवंसि " शब्द Vide " ओवंसि " आया० २, २, १, ७१;

ओयाय त्रि० (अवयात) પ્રાપ્ત કરેલ प्राप्त किया हुआ (One) who has reached, (one) who has got or obtained 'महासिलाकटयं सगाम ओयाए पुरचा य से सके " भग० ७, ६;

ओयार. पु० (अवतार) સમાવેશ, અંતર્ભાવ अंतर्भाव Inclusion, state of being included. विशे० ४४१.

ओरस पुं० (औरस) અંગ જાત પુત્ર, દત્તક નહિ તે ओरस पुत्र A son born of one's loins a legitimate son सूय० १, ३, ४, उत्त० ६, ३,

ओरस्स त्रि० (औरस्य) છાતી સમ્બન્ધી (હિમ્મત) छाती संबंधी (हिम्मत, धैर्य आदि) (Anything) connected with the breast i e. courage, bravery etc पिं० नि० ४६२;

ओराल त्रि० (उदार) ઉદાર, પ્રધાન उदार, प्रधान, बड़े दिल का Generous ex tensive, prominent कप्प० १, ४, नाया० १; भग० २, १, १६, ६, (२) સ્થલ, મ્હોટુ. मोटा. बड़ा bulky, large in size उत्त० ३६, १०७, (३) ઔદારિક શરીર-પાચ શરીરમાનુ એક औदारिक शरीर, पाच प्रकार के शरीरों मे से एक प्रकार का शरीर. the external physical body, one of the five bodies क० ग० १, ३३, पिं० नि० ६७. —**सरीर** न० (-शरीर) ઉદારિક શરીર, પ્રધાન શરીર औदारिक शरीर, प्रधान शरीर the external physical body; the prominent body ओघ० नि० ५२४;

ओरालिय पु० न० (औदारिक) ઉદારિક શરીર, મનુષ્ય અને તિર્યંચનુ સ્થૂલ શરીર. औदारिक शरीर, मनुष्य और तिर्यंच का स्थूल शरीर Audārika body, the external physical body of human and sub-human beings.

(२) ત્રિ० ઉદારિક શરીરવાલો औदारिक शरीरवाला possessed of Audārika body अणुजो० १४४, क० ग० ७, ७२, ओव० ४२, भग० १, ७, ८, १, पन्न० १२; विशे० ३७५, ३३३३, —**पोग्गलपरियट्ट.** पु० (-पुद्गलपरिवर्त) ઔદારિક પુદ્ગલ પરાવર્તન-લોકના તમામ પુદ્ગલોને એક જીવ જેટલા વખતમા ઉદારિક શરીરરૂપે ગ્રહણ કરી પરિણમાવી પુરા કરે તેટલો વખત औदारिक पुद्गल परावर्तन–दुनिया के तमाम पुद्गलों को एक जीव जितने समय मे औदारिक शरीररूप से ग्रहण कर के परिणमित कर के पूरा करे उतना समय time taken by the soul in embodying within itself all the molecules of matter that constitute the Audārika body भग० १२, ४, —**मीसग.** पु० (-मिश्रक) વૈક્રિય આદિ સાથે મિશ્રિત થયેલ ઉદારિક શરીર-યોગ वैक्रिय आदि के साथ मिश्रित औदारिक शरीर-योग, connection of the Audārika body with other kinds of bodies, such as Vaikriya body etc and its activity in that mixed condition भग० २५, १; —**सरीर** न० (-शरीर) ઔદારિક શરીર, હાડ માંસવાલું શરીર औदारिक शरीर, हाड मांस वाला शरीर the ex-

ternal physical body of flesh and blood. आया० २; —सरीरकाय-जोग पुं० (-शरीरकाययोग) ઔદારિક શરીરરૂપ કાયાનો જોગ-પ્રવૃત્તિ औदारिक शरीररूप कायाकी प्रवृत्ति activity of the external physical body भग०२५,१.—सरीरत्ता. स्त्री० (-शरीरता) ઔદારિક શરીરપણું औदारिक शरीरपना state of being or having the external physical body भग०२४, २,

√ ओरुंभिया अ० (अवरुध्य) અટકાવીને; રોકીને. रोक कर Having confined or pent up, having obstructed "जावतेय समारंभे बहू ओरुंभिया जणा" सूया० ६, ४ सम० ३०

ओरुब्भमाण व० कृ० त्रि० (अवरुध्यमान) રોકવામાં આવતો. અટકાવવામાં આવતો रोका हुआ Being obstructed or checked उत्त० १४ २०.

ओरुहण न० (अवरोहण) નીચે ઉતરવું. नीचे उतरना Coming down act of descending विश० १२०८

ओरोह पुं० (अवरोध) અંતેપુર; જનાનખાનું अन्तःपुर, जनानखाना A harem, a woman's inner apartment नाया० ८, १६. उत्त० ६, ४. २०, ५८, विवा० २, ९; पि० नि० १२७, (२) દરવાજાની અંદરનો અવાંતર કોઠો दरवाजे के भीतर का कोठा an inner apartment of a house. ओव०

ओरोहिया स्त्री० (अवरोधिका) અંતઃપુરમાં રહેનાર (સ્ત્રી). अंतःपुर में रहनेवाली (स्त्री) A woman who stays in a harem; a woman विवा० ६.

ओलंबणदीव. पुं० (अवलंबनदीप) સાંકળ-થી બાંધેલો દીવો લટકતો દીવો. लटकता हुआ दीपक; सांकल से बंधा हुआ दीपक. A hanging lamp. भग० ११, ११;

ओलंबिय. त्रि० (अवलंबित) દોરડી બાંધી લટકાવેલ रस्सी बांध कर उस से लटकाया हुआ. Kept suspended on or with a rope "इमं ओलंबियं करेह" सूय० २, २, ६३. ओव० ३८,

√ ओ-लग. धा० I (अव + लग) સ્થાપિત કરવું, ગોઠવવું रचना करना, स्थापित करना. To compose, to arrange ओलयति नाया० ८

ओलित्त त्रि० (अवलिप्त) છાણ વગેરેથી લિંપી મુખ બંધ કરેલ गोबर आदिसे छाब कर मुंह बंद किया हुआ With the mouth (e g of a pot etc) stopped with cow-dung. भग० २, १,६,५,वेय०२, ३, ठा०३ १,(२) લેપાયેલ ખરડાયેલ खरडाया हुआ Smeared, bespittered आया० २, १, ७, ३८

ओलुग्ग त्रि० (अवरुग्ण) માંદો; ગ્લાનિ પામેલ बीमार ग्लान. Diseased, sickly fatigued निर० १,१, विवा० २, भग० ६, ३३ नाया० १,—सरीर. पुं० (-शरीर-अवरुग्ण ग्लान दुर्बलं शरीरं यस्य सः) દુબળા શરીરવાળો માંદો दुबले शरीर वाला; बीमार A man with a lean and sickly body विवा० २. नाया० १. निर० १, १;

ओलोइअ त्रि० (अवलोकित) જોયેલું देखा हुआ Seen, observed सूय०२,६,२४.

√ ओ-लोय धा० I, II (अव+लोक्) જોવું; તપાસવું देखना, खोज करना, जाच करना. To see, to observe, to introspect ओलोएमाण. भग० १० १; नाया० १. ओलोयंत. नाया० १६;

ओलोय. पुं० (* अवलोक) प्रકાશ. ઉજેવાલા; प्रकाश. Light. पण्ह० २, १;

ओवग्गहिय. त्रि० (औपग्रहिक) ગચ્છ સાધારણ, એકલાનું નહિ. जो किसी अकेले का न हो वह, गच्छ साधारण. Belonging to a whole order or class of persons jointly ओघ० नि० २३२, (२) દંડ-લાકડી, આદિ પાઢીયારા સાધુના ઉપકરણ. दंड-लकड़ी आदि साधुके उपकरण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्थी से मांग लिये जाते हैं. (articles of use) for an ascetic brought from a householer for temporary use e g a stick etc उत्त० २४, १३;

ओवचिय. पु० (*) ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત तीन इंद्रियों वाला जीव A three sensed living being भग० १५, १;

ओवट्टणा स्त्री० (अपवर्तना) અપવર્તના अपवर्तना Turning back, drawing back क० प० ३, १०,

ओवट्टिय. त्रि० (अपवर्तित) અપવર્તન કરેલ अपवर्तन किया हुआ, लौटाया हुआ Turned back, drawn back क० प० २, २८,

ओवड्डि. स्त्री० (अपवृद्धि) હાનિ हानि, नुकसान Loss, decrease सू० प० १,

ओवणिहिय त्रि० (औपनिधिक) ગૃહસ્થે સમીપે આણેલ અન્નાદિની ગવેષણા કરનાર. गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नादि की गवेषणा करने वाला. (One) who searches for food brought to him by a householder ओव० १६;

ओवतणी. स्त्री० (अववातिनी) ઉપરથી નીચે પાડવાની વિદ્યા ऊपर से नीचे गिराने की विद्या The art of making a thing fall down from a high place सूय० २, २, २७,

ओवत्तिया सं० कृ० अ० (अपवर्त्य) અગ્નિ ઉપર રહેલા પાત્રમાંથી લઇને બીજા પાત્રમાં નાખીને अग्नि पर चढे हुए पात्र में से लेकर दूसरे पात्र में डालकरके Having taken out from a vessel which is actually on the fire and placed it in another vessel (i e. food etc). दस०५, १, ६४,

ओवमिश्र न० (औपमिक) ઉપમાવડે દર્શાવાય તેવું उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके ऐसा Capable of being shown or indicated by a simile or metaphor अणुजो०१३६,ज०प०२,१८,

ओवम्म न० (औपम्य) ઉપમાન પ્રમાણ; એક વસ્તુની સરખામણીથી થતું બીજી સદૃશ વસ્તુનું જ્ઞાન उपमान प्रमाण, एक वस्तुका उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान Argument from analogy knowledge derived from analogy.ओव० ४१ पन्न०२ ११, भग० ५, ४ अणुजो०१४७,

ओवम्मसच्च पु० (औपम्यसत्य) ઉપમા સત્ય જેમ મોટું તળાવ જોઇ કહે કે સમુદ્ર જેવું તલાવ છે તે ઉપમા સત્ય उपमा सत्य, जैसे किसी बडे तालाव को देख कर कहना कि समुद्र के जैसा विशाल ताल है Truth of the nature of that found in similes, verisimilitude; e g.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

comparing a big lake with a ... प्रश्न० ८६८;

ओवयण. न० (अवपतन) પોંખવું; એવા-રના લેવા. ओवारना लेना According welcome or reception with a particular kind of ceremony, auspicious in its nature नाया० १, (२) નીચે ઉતરવું; નીચે આવવું नीचे उतरना, नीचे आना coming down, falling down, descending भग० ३, २,

ओवरअ पु० (अपवरक) ઓરડો કોટડી, कोठा A room, an apartment in a house ओघ० नि० ४२१,

ओवसमिय न० (औपशमिक) ઉપશમ સમકિત, ઉદયમાં આવેલ મિથ્યાત્વ મોહનીય કર્મનો નાશ, અને શેષ રહેલ મોહકર્મનો ઉદય થાય તે-ઉપશમ-તે વડે કરાયેલું તે-ઔપશમિક. उपशम सम्यक्त्व, उदय में आये हुए मिथ्यात्व मोहनीयकर्म का नाश और शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने वाला सम्यक्त्व औपशमिक सम्यक्त्व होता है (Right belief) arising from the destruction of actually matured right-belief-deluding Karma and the subsidence of that which is still dormant विशे० ५२८,

ओवाहिअ त्रि० (औपधिक) પોતાના દોષને ઢાંકનાર. अपने दोष को ढाकने वाला (One) who hides one's own faults. उत्त० ३४, २१. (२) કષાયનિમિત્તક કર્મ. कषाय नैमित्तिक कर्म an action resulting from Kaṣāya or moral filth. ओघ० ४१;

ओवाडिअ. त्रि० (अवपाटित) ચિરાયેલું; ચીરેલું-લી-લો. चीरा हुआ; चीरी हुई. Rent, torn. ओव० ३८,

ओवात पुं० (अवपात) પડવાનું સ્થાન; ઠેસ વાગે તેવી ખાડા વાળી જમીન गिरने का स्थान, खड्डे वाली जमीन. A place unsafe on account of pitfalls जं० प०

ओवाय न० (अपपात) અખડાબખડી ખાડા વાળી જમીન. ऊंची नीची-खड्डे वाला जमीन. Rough, uneven ground दस० ५, १, ४;

ओवाय (औपाय) ઉપાય-સાધન સમ્બન્ધી उपाय सम्बन्धी. Relating to ways and means. उत्त० १, २८,—**पव्वज्जा.** (-प्रव्रज्या) ગુરુસેવારૂપ સાધનથી લીધેલી. દીક્ષા. गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई दीक्षा Dikṣa received on account of service rendered to a Guru. ठा० ४, ४,

ओवायवंत त्रि० (अवपातवत्) નમ્ર, વિનયવાન્ नम्र, विनीत Modest, humble. दस० ६, ३, ३,

ओविअ-य त्रि० (*परिकर्मित) સરખી રીતે ગોઠવેલ, સમારેલ. જડેલ समान रीत से जमा कर रखा हुआ-रखा हुई, जड़ा हुआ. Duly arranged, properly set right, inlaid with ओव०३१;नाया०१६;

ओवीलग. त्रि० (अपव्रीडक) બીજાને નિર્લજ્જ કરનાર. दूसरे को निर्लज्ज करने वाला. (One) making or causing another person to be shameless. पराह० १, ३,

ओस. पुं० (अवश्याय) ઓસ, ખારી જમીનમાંથી નીકળી તરણાં ઉપર જામેલ પાણીના બિન્દુ. खारी जमीन से निकल कर घांस पर जमे हुए पानीके बिन्दु Drops of water

issuing from salt ground and settling on grass आया० १, ७, ६, २२२; (२) ઝાકલ, ઠાર. ओस. dew, fog उत्त० १०, २, दस० ४,

ओसक्किता. स० कृ० अ० (अवष्वष्कय) તક મેળવવાને પાછા હટીને. मौका पाने के लिये पीछे हट कर Having retraced one's steps with a view to secure an advantage ठा० ६, १,

ओसक्कण न० (अवष्वष्कण) અમુક ક્રિયાનો જે સમય નિયમિત હોય તે પહેલા તેની શરુઆત કરવી, જેમ કે ગોચરીનો મધ્યાન્હ સમય હોય છતાં રાંધવાને વખતે ગોચરી જવું. किसी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका आरंभ करना, जैसे गाचरी (भिक्षा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गोचरी के लिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it, e. g. begging in the morning instead of at noon पिं० नि० २८५, ओघ० नि० भा० २१६,

ओसक्किय. स० कृ० अ० (अवष्वष्क्य) નીચે ખસેડીને नीचे हटा कर Having drawn below आया० २, १, ७, ३८ दस० ४,

ओसक्किया. सं० कृ० अ० (अवष्वष्का) જુઓ ' ओसक्किय " शब्द देखो "ओसक्किय" शब्द Vide "ओसक्किय" दस० ५, १, ६१,

ओसण्ण त्रि० (*) અવશ્ય કરવા લાયક ધર્મ ક્રિયા કરવામાં આળસ કરનાર, સંયમમાં ખેદ ધરનાર. अवश्य करने लायक धर्मक्रिया करनेमें आलस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties भग० १०, ४, नाया० ५, १६ १६, ओघ० नि० भा० ४८; नाया० ध० (२) ખુચી ગયેલ; ફસાઇ ગયેલ गड़ गया हुआ, फसा हुआ entrapped, entangled, plunged deep (e. g. in mud) पराह० १, ४ ओव० ३८;

-विहारि त्रि० (-विहारिन्) શિથિલ આચાર વાળો. शिथिल आचार वाला (One) lax in ascetic conduct (२) સ્વાધ્યાય આદિ ન કરનાર. स्वाध्याय आदि न करने वाला (one) neglecting scriptural study भग० १०, ४ नाया० ५ १६ नाया० ध०

ओसण्णं अ० (प्रायशस्) પ્રાયેકરી ઘણું કરીને प्राय करके अधिकतर Most probably, mostly, to a great extent विशे० २२७४, ओव० ३८ कप्प० ६, ६१, जं० प० २, ३६,

ओसन्न पु० (अवसन्न) જુઓ "ओसण्ण" शब्द देखो "ओसण्ण" शब्द Vide "ओसण्ण" क० ग० १, १३; प्रव० १०३

ओसप्पिणी स्त्री० (अवसर्पिणी) દિનદિનસે ઉતરતો-વર્ણ ગંધાદિકમાં હાનિ પામતો કાલ. દશ કોડાકોડી સાગરોપમપ્રમાણે ઉતરતો એક કાલવિભાગ, ઉતરતા ૭ આરા-પૂરાથાય-તેટલો કાલ दिन पर दिन कम होता हुआ -वर्ण गंध आदिमें न्यून होता हुआ काल. दश कोडाकोडी सागरोपम प्रमाण उतरता-कम होता हुआ एक काल, उतरते छः आरे-पूरे हो उतना काल The cycle of decrease; the era of decrease or

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

degeneration, equal to 10×crore × crore Sāgaropamas भग० २०, ८; अणुजो० ११५, १४५, नंदा० १२, पन्न० १२, उत्त० ३४, ३३, ठा० २, ८, सू० प० ८, कप्प० १, २, पचा० १६, ६, जं०प० २, १८

—काल. पु० (-काल) ઉતરતો કાલ દશ કોડા કોડી સાગરોપમ પ્રમાણ કાલ વિભાગ अवसर्पिणी काल, जिसमें दिनपरदिन हीनता हो वह काल विभाग, दश कोडा कोडी सागरोपम प्रमाण कालविभाग the era of decrease or degeneration equal to 10×crore×crore Sāgaropamas of time जं० प० २, १८

√ ओ-सम धा० I, II (उप + शम) શાંત કરવું शांत करना To calm to appease

ओसामेहत्ति प्रे० पिं० नि० ३२६

√ ओ-सर धा० I (उप + सृ) પાછું હઠવું, पाछा हटना To retreat to retrace one's steps

ओसरइ प्रन० ४, ८८

ओसरिइ प्र० निसी० २ ४२

ओसारत व० कृ० निसी० २ ४२

√ ओ-सर धा० I. (अव + सृ) વિસ્તાર કરવો પ્રસારવું, ફેલાવું વિસ્તાર કરવું विस्तार करना, प्रसार करना फैलाना लंबा करना To extend, to spread to stretch

ओसारजा प्र० अणुजो० १३८

ओसरण. न० (अवसरण) સાધુઓનો સમુદાય साधुओं का समुदाय A group or assemblage of Sadhus पिं० नि० २२८, पचा० ६, ३१, प्रव० ४४५

ओसविय त्रि० (उपशमित) શાંત થયેલ, શાંત વૃત્તિવાળું शान्त, शान्त वृत्तिवाला Peaceful, calmminded पिं० नि० ३२६,

ओसह. न० (औषध) ઓસડ, સુંઠ, લવીંગ, મરી વિગેરે દવા औषध, सोंठ, लौंग, मिर्चे आदि दवा A medicine; a drug. पंचा० ६, २२, भग० २, ५, ७, १८, नाया० ४, ८, १३, १४ १६, ठा० ८, ४, ओव० ४१, उत्त० १६, ८०, ३०, १२, उवा० १, ५८, पिं०नि०भा० ४६, सु० च० ८, १००, विवा० १;

ओसहा स्त्री० (-औषधा) પુષ્કલાવિજયની મુખ્ય રાજધાની पुष्कला विजय की मुख्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puskalāvijaya. जं० प० ठा० २, ३,

ओसहि स्त्री० (औषधि) કણ પાકે ત્યાંસુધી રહેનાર વનસ્પતિ જુવાર, બાજરો વગેરે फसल आनेतक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, बाजरा आदि A class of plants which live till the harvest ripens e g crops of grain. उत्त० ११, २८ २२, ६ आया० २, १, १, २ नंदा० १६, सु० च० १ २५८ दस० ७, ३८ जं० प० ४, ३३, पन्ना० ८, २६, प्रव० ८ ३३, भग० ७ ६, पिं० नि ८७ पन्न० १ नाया० १, सय० ४, २, ४६ प्रन० १५१, निसी० ४, ४४ उवा० १, ४१ —गंध० पु० (—गन्ध) ઔષધની ગંધ औषधी की वास smell of a medicine नाया० १७ —बीय न० (बीज) ઔષધિનાં બીજ औषधी के बीज seeds of medicinal herbs निसी० १४, ४६,

ओसा स्त्री० (अवश्याय) ઓસ, ઝેલ, ઝાકળ ओस, कुहरा Dew, fog, hoar-frost पन्न० १ ओव० ४ ३

ओसाण न० (अवसान) સમીપ; નજીક समीप नजदीक In the vicinity of, near (२) અંત, અવસાન, अंत, अवसान; मृत्यु death end सूय० १, १४, ४;

ओसारिया त्रि० (अवसारित) અવલંબિત, ઉપરથી લટકેલ. अवलंबित, लटकता Remaining suspended from above, hanging ओव० ३०;

ओसास पुं० (उच्छ्वास) ઉંચે શ્વાસ મુકવો તે. उर्द्ध श्वास लेना, ऊपर की श्वास लेना A sigh, a heavy sigh. अणुजो० १२८,

ओसिंचित्तार त्रि० (अवसेक्तृ) છાટનાર. छींटनेवाला, सींचनेवाला (One) who sprinkles water etc सूय० २,२,१८.

ओसित्त. त्रि० (अवसिक्त) સિંચેલ, પલાળેલ, ભિંજાવેલ भींजा हुआ, गीला; सींचा हुआ Wet, damp आया० २, १, ३, १.

ओसेइम न० (उत्स्वेदिम) લોટ આદિ ધોવાનુ પાણી; ધોવણ आटा वगैरह के धोने का पानी Water with which flour, rice etc are washed कप्प० ६, २४

ओसोवणी स्त्री० (अवस्वापिनी) અવસ્વાપિની નિદ્રા, અતિગાઢ નિદ્રા बड़ा भारी गाढ निद्रा Very deep sleep, profound sleep कप्प० २, २७,

ओह. पुं० (ओघ) સંસાર સમુદ્ર ससाररूपी समुद्र Ocean of worldly existence आया० १, २, ६, ६६, दस० ६, २, २४, दसा० ५, २७, २८, सूय० १, ११, १, (२) અસંયમ असयम, सयम हीनता absence of self restraint वव० २, २३, (३) સંક્ષેપ सक्षेप, थोडासा general statement, brief outlines ओघ० नि० २, २१३, (४) સમૂહ જથ્થો समूह समुदाय a group, an assemblage उत्त० १०, ३०, २४, १३; ३२, ३३, ओव० ३४, नंदी० स्थ० ७, सु० च० १०, १६०, जं० प० १, ११; (५) પ્રવાહ प्रवाह. a current, a stream; a flow. उत्त० ५, १, विशे० ११५१. सम० प० २३५; (६) સમુચ્ચય સામાન્ય समान्य, समुच्चय. general or broad nature अणुजो० १५४, पिं० नि० २१६, पिं० नि० भा० ३१, ओघ० नि० २, विशे० ३४८; क० गं० ६, १३; —**अणुवेहि** त्रि० (अनुप्रेक्षिन्) અસંયમ સેવવાની ઇચ્છાવાલો असंयम स रहने की इच्छावाला (one) desirous of leading a life of indulgence वव० २, २३, —(**द्दा) आदेस** पुं० (-आदेश) સામાન્ય પ્રકાર. દ્રવ્ય સામાન્ય सामान्य भेद; द्रव्य समान्य general, broad nature, general outline विशे० ४०३. —**नाण** न० (ज्ञान) ઔઘિક જ્ઞાન ओघिक ज्ञान general knowledge knowledge of broad outlines विशे० ८७१५, —**सएणा** स्त्री० (-सञ्ज्ञा-सञ्ज्ञायते वस्त्वनयेति) સામાન્ય બોધ सामान्य बोध general knowledge of an object, knowledge or broad outlines by perception etc भग ७, ८, —**सुय** न० (-श्रुत) ઉત્સર્ગ શ્રુત શાસ્ત્ર उत्सर्ग शास्त्र a scripture named Utsargasruta नंदी० ३६·

ओहंजलिया स्त्री० ( ) ચાર ઇંદ્રિયવાલા જીવની એક જાત एक चार इंद्रियों वाला जीव विशष A kind of four-sensed living being पन्न० १,

ओहंतर त्रि० (ओघन्तर-ओघं संसारसमुद्रं तरितुं शील यस्य स) ઓઘ-સંસાર પ્રવાહને

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

करनार; संसार पारगामी. संसार रूपी प्रवाह से पार जाने वाला (one) wishing to and possessing capacity to cross the ocean of worldly existence, emancipating from worldly existence सूय॰ १, १, १, २०;

ओहट्ट. व॰ कृ॰ त्रि॰ (अपसर्पत्) હટતું, અલગ રહેતું अलग रहनेवाला. Getting aside; remaining apart. सु॰ च॰ ११, ४४,

ओहय त्रि॰ (अवहत) હણેલ; વિનાશ કરેલ मारा हुआ, विनिष्ट Killed, destroyed उवा॰ ८, २४६ नाया॰ ३ ओव॰ राय॰ २६२, ज॰ प॰ ३, ६६, कप्प॰ ४, ८२ विवा॰ ३, —मण (-मनस्) ઉત્સાહ વગરનુ મન उत्साह रहित मन depressed, gloomy mind नाया॰ १, १४, १६; —मणसंकप्प त्रि॰ (मनःसंकल्प-अवहतो मनसः सङ्कल्पोयस्य स तथा) નષ્ટ થયા છે મનના (વિકલ્પાદિ) સંકલ્પો જેના એવો सकल्प विकल्प रहित मनवाला; जिसके मन के सकल्प नष्ट हो चुके है वह free from doubts and misgivings of the mind नाया॰ १, ६; निर॰ १, १, निसी॰ ८, ११,

√**ओहर.** धा॰ I (उप+हृ) સ્થાપન કરવું. स्थापन करना, प्रतिष्ठित करना. To establish; to settle.

ओहरइ नाया॰ १४;

ओहरिय. सं॰ कृ॰ अ॰ (उद्धृत्य) ઉદ્ધરીને, બહાર કાઢીને बाहिर निकाल करके. Having taken or drawn out (२) વાંકો થઇને. टेढा होकर. having bent low "पयविद्द सक्खिया विसविख्खिया ओहरिय आहट्टु दलएज्जा" नाया॰ २, १, ७, ३७;

ओहरिय त्रि॰ (अवधृत) ઉતારેલું; હેઠે મુકેલું; नीचे रखा हुआ; उतारा हुआ Taken down; placed down ओघ॰नि॰ ४०६;

√**ओहा** धा॰ I (अव+हा) દ્રવ્યલિંગ છોડી મૈથુનાદિ અસંયમ આદરવુ. द्रव्यलिंग छोडकर मैथुनादि असंयमो का ग्रहण करना. To indulge in sexual pleasures etc. in talk, imagination etc without actual deed

ओहायइ वव॰ ३, १८,

ओहायमाण वव॰ ५, १४,

ओहायंत. ओघ॰ नि॰ १२४,

ओहाइय त्रि॰ (अवहीन) ચારિત્ર સંયમથી ભ્રષ્ટ થયેલ सयमभ्रष्ट, चरित्रभ्रष्ट (One) who has fallen off or lapsed from ascetic right conduct. वव॰ ५, १४;

ओहाडणी स्त्री॰ (अवघाटनी) કમાડ બંધ કરવાની ટાટી. द्वार बद करने की टाटी. A contrivance to close a door ज॰ प॰ (२) પાતળા છોડની ગુંથેલી કમાસાદડી વિગેરે पतली सलाइयो से गुंथी हुइ चटाई वगैरह a mat made of thin strips of wood knit together राय॰ १०८, जीवा॰ ३, ४,

ओहाडिय त्रि॰ (अवघाटित) બાંધેલુ-લી-લો बांधा हुआ-हुई Fastened. वेय॰ १, १४,

ओहामिअ त्रि॰ (*) तिरस्कार करेलुं तिरस्कृत; तिरस्कार कियाहुआ Slighted;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર १५ नी ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

disdained ओघ० नि० भा० ६०

ओहार. पुं० (+) કાચબો कछुवा. A tortoise विं० नि० ३३२

ओहारइत्तार त्रि० (अवधारयितृ) નિશ્ચયકારિ ભાષા બોલનાર. અસમાધિનં ૧૧ મું સ્થાન સેવનાર. निश्चय कारक भाषा बोलने वाला. असमाधि के ११ वे स्थानक का सेवन करने वाला (One) speaking with decisiveness or self confidence (one) resorting to the 11th source of Asamādhi सम० २०,

ओहारिणी स्त्री० (अवधारिणी) નિશ્ચયકારિણી ભાષા 'હું આમજ કરીશ' એવી ચોક્કસ રૂપ વાણી. निश्चय कारणी भाषा मैं एमा ही करूगा ऐसे दृढ वाक्य decisive or positive speech, e g "I will positively act thus." अग० २, ६ उत्त० १, २४ दस० ६ ३ ६, पन्न० ११

ओहारमाण त्रि० (अवहरत्) હલાવતું हिलाता हुआ Moving shaking नाया० १,

ओहावण न० (अवहापन) અપકીર્તિ, અવહેલના अपकीर्ति, निन्दा Disrepute disrespect, dishonour विं० नि० ४८. ओघ० नि० भा० १ २

ओहामिश्र त्रि० (अवभाषित) પ્રાર્થિત, પ્રાર્થનાપૂર્વક માગેલું इच्छित प्रार्थनापूर्वक मागा हुआ Desired solicited ओघ० नि० ५५६

ओहि पु० (अवधि) ઇંદ્રિયોની સહાય વિના આત્મપ્રકાશથી રૂપિ પદાર્થોનું હદવાળું જ્ઞાન અવધિજ્ઞાન. વિકલપ્રત્યક્ષજ્ઞાનનો એક પ્રકાર इन्द्रियोकी बिना सहायता आत्म प्रकाश से रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; अवधिज्ञान, विकलप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार. Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul a variety of limited direct knowledge by occult powers क० प० ४ ८६, कप्प० १ १६, उत्त० २८, ४ ३३, ४ भग ३, १, १९, १, १५, १८, नाया० ८, १३ नाया० ध० दसा० ५, ०० ३० उवा० १, ७४, ८३ ८ ०५४ २४८ क० गं० १, ४ १८ ८ १४, क० प० ४, ११६ ५, ११२, ० ३३, (२) पन्नवणाना तेत्रीसमा पदनुं नाम के जेमा अवधिज्ञाननु वर्णन छे पन्नवणा के ततीसवे पद का नाम जिसमे के अवधिज्ञान का वर्णन है name of the 33rd Pada of Pannavanā dealing with Avadhijñāna पन्न० १, (३) अवधि, हद मर्यादा अवधि हद सीमा limit border सं० ४० २ ४८८,

—**खित्त** न० (—क्षेत्र) અવધિજ્ઞાનનો વિષય अवधिज्ञान का विषय an object of or subject matter of Avadhijñāna विशे० ५८१

—**जुअ** पु० (युग) અવધિજ્ઞાન અને અવધિદર્શન એ બે પ્રકૃતિ अवधिज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति the group of the two Prakritis viz Avadhijñāna and Avadhidarsana क० प० ६, ८६.

—**णाण** न० (ज्ञान) અવધિજ્ઞાન-ઇંદ્રિય અને મનના વ્યાપાર વિના માત્ર આત્મજ્યોતિથી અમુક હદમાં પ્રત્યક્ષરીતે રૂપીપદાર્થોનું

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

थवासुं; ज्ञानना पांच प्रकारमांनो त्रीजो भेद अवधिज्ञान-इंद्रिय और मन के व्यापार के बिना केवल आत्मज्योति से किसी हद तक प्रत्यक्ष रीति से रूपि पदार्थों का जानना, ज्ञान के पांच प्रकारों में से तीसरा प्रकार. direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind, merely through the light of the soul, the third of the 5 kinds of knowledge, it is a kind of knowledge by occult powers "जो केवलणाणे दुविहे पन्नत्ते तजहा ओहिनाणेचेव" ठा० २, अणुजो० १२७; भग० ८, २, ६, ३१, ओव० १६, ४०, विशे० ७९, —णाणपज्जव पुं० (-ज्ञानपर्यव) अवधिज्ञाननो पर्याय अवधिज्ञान के पर्याय a modification of Avadhijñāna भग० २५, ४, —णाणि पुं० (-ज्ञानिन्) अवधिज्ञानवाळो जीव अवधिज्ञानवाला जीव a soul possessed of Avadhijñāna भग० २६, १, नाया० ८ क० प० २, ३१, —दुग न० (-द्विक) अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन अवधिज्ञान और अवधिदर्शन the pair of two viz Avadhijñāna and Avadhidarsana क० ग० ३, १८; ४ १७, —मरण न० (-मरण) अवधि मरण; एक भवर एक गतिना आयुष्यना दलिया भोगवी मरी फरी तेवा दलिया भोगवीने मरे ते अवधि मरण. एक बार एक गति के आयुष्यके दलिया-समूह भोगकर मरनेपर फिर वैसेही दलिया-समूह भोगकर मरना death after a repetition of the experiences of a former birth "ओहीमरणंमरणे" भग० १३, ७, सम० १७; प्रव० १०२३. —लंभ. पुं० (-लम्भ) अवधिज्ञाननो लाभ-प्राप्ति. अवधिज्ञान की प्राप्ति attainment of Avadhijñāna क० प० ४, ८२, —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) जुओ "ओहिलंभ" शब्द. देखो "ओहिलंभ" शब्द vide "ओहिलंभ" क० प० ६, ११,

ओहिंजलिया स्त्री० (अवधिजलिका) चोइंद्रिय जीव विशेष चार इन्द्रियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. उत्त० ३६, १४७,

ओहिदंसण न० (अवधिदर्शन) द्रव्य, क्षेत्र, काल, भावनी मर्यादाथी रूपि पदार्थोनुं जोवुं, जे अवधिज्ञाननी पहेलां थाय छे ते. द्रव्य, क्षेत्र, काल, भावकी मर्यादासे रूपि पदार्थों को देखना, जो अवधिज्ञान के पूर्व होता है वह Direct perception of matter limited as to subject matter, place, time etc with the help of the senses (This state precedes Avadhijñāna.) जीवा० १, भग० २, १०, ८, २, सम० १७; दसा० ५, २२, —आवरण पुं० (-आवरण) दर्शनावरणीय कर्मनो एक प्रकार जे अवधिदर्शनने रोके छे दर्शनावरणीय कर्मका एक प्रकार जो कि अवधिदर्शन को रोकता है obstruction of Avadhijñāna caused by the rise of Darśanāvaraṇīya Karma उत्त०३३,६; पन्न० २३; ठा० ६, १, सम० १७. —पज्जव. पुं० (-पर्यव) अवधिदर्शनना पर्याय अवधिदर्शन के पर्याय a modification of Avadhidarśana. भग० २५, ४;

ओहिदंसणि त्रि० (अवधिदर्शनिन्) अवधिदर्शनवाळो जीव अवधि दर्शन वाला जीव. A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग० ६, ३, १३, १, ठा०४,४,
ओहिणाण. न० (अवधिज्ञान) અવધિજ્ઞાન अवधिज्ञान Avadhijñāna. भग० २, १०; ६, ४; ८, २. अणुजो० १, नंदी० १, ठा० २, १; दसा० ७; १२, विशे० ७९,
—(णा) आवरण. न० (-आवरण) અવધિજ્ઞાનાવરણ, જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ अवधिज्ञानावरण, ज्ञानावरणीय कर्मकी एक प्रकृति Karma obscuring or obstructing Avadhijñāna, a variety of knowledge obstructing Karma सम० १७,
—आवरणिज्ज पु० (-आवरणीय) અવધિજ્ઞાનને આવરનાર – ઢાંકનાર એક પ્રકૃતિ अवधि ज्ञान को ढाकने वाली शक्ति a variety of Karma obscuring or hindering the attainment of Avadhijñāna भग० ८, ३१, ६, ३१
—लद्धि स्त्री० (-लब्धि) અવધિજ્ઞાનની લબ્ધિ-શક્તિ अवधिज्ञानकी शक्ति attainment of or faculty of having Avadhijñāna भग० ३, ६ —लद्धिया स्त्री० (-लब्धिका) અવધિજ્ઞાનની લબ્ધિ अवधिज्ञानकी शक्ति attainment of or faculty of having Avadhijñāna भग० ८, २,

ओहिनाणि त्रि० (अवधिज्ञानिन्) અવધિજ્ઞાનવાળો. अवधिज्ञान वाला Possessed of Avadhijñāna भग० ६, ३, ८, २;

ओहिपद. न० (अवधिपद) પન્નવણાસૂત્રના તેત્રીશમાં પદનું નામ. पन्नवणा सूत्र के ३३वें पद का नाम. Name of the 33rd Pada of Pannavaṇā Sūtra. भग० १६, १०,

ओहिय. न० (अवधिक) અવધિજ્ઞાન. अवधिज्ञान Avadhijñāna. नाया० १,
—णाण न० (ज्ञान) અવધિજ્ઞાન अवधिज्ञान Avadhijñāna भग०२३,१.

ओहिय-अ पु० (औघिक) સામાન્ય; અવિશેષ સમુચ્ચય सामान्य; समुच्चय General, common पन्न० ३, जावा० ३, भग० १, १, २. ८, ६, ४. २४, १; १२ २३, ३१, ६, ४१, ५६, अणुजो० १४५, प्रव० ११९३ —अणाण (-अज्ञान) ઓધિક સમુચ્ચય અજ્ઞાન વિશેષ अज्ञान अविशेष अज्ञान absence of general knowledge; absence of broad comprehensive knowledge. भग० ६, ४ —गमय. पु० (-गमक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above भग० २४; १, —गम पु० (-गम) સામાન્ય પાઠ; સમુચ્ચય ગમો-આલાવો सामान्य पाठ; समुच्चय वर्णन. ordinary reading of (scriptures etc). भग० ३१, १, —णाण न० (-ज्ञान) સમુચ્ચય જ્ઞાન. समुच्चय ज्ञान, विशेष ज्ञान general,comprehensive knowledge, knowledge of broad outlines भग०६,४;

ओहीरमाण व० कृ० त्रि० (अपक्रियमाण) થોડી થોડી નિદ્રા લેતો थोड़ा थोड़ा निद्रा लेता हुआ Dozing, taking a nap; slumbering भग० ११, ११, नाया० १, कप्प० १, ४

क.

क. त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थमां वपराय छे; कोणु; शुं. प्रश्नवाचक सर्वनाम; कौन; क्या. An interrogative pronoun. दस० ५, १, ६६; ८, २१; भग० २, १; १२, ४. नाया० १; विशे० १२०,

कइ. त्रि० (कति) केटला. कितने How many भग० १, १, २, १०, ३, ३; ६; ५, ४, ७, ६. १३, १; १६, ३, २०, ५; नाया० २, विशे० ३७८ सु० च० ३, २१३, अणुजो० ८७, सू० प्र० १; ठा० ४, २; क० गं० ६, २ जं० प० ७, १५१, १५२, —किरिय त्रि० (क्रिय) केटली क्रियावाळो कितनी क्रिया वाला Of how many acts भग० १६, १, —भाग पु० (-भाग) केटलामो भाग कौनसा हिस्सा what numerical portion विशे० ३७८; —भाग. पु० (-भाग) केटलामो भाग कौनसा भाग. what numerical portion भग० १, १, —संचिय त्रि० (-संचित) संख्याथी गणाय तेटला एक समये उत्पन्न थता नारकी वगेरे संख्या द्वारा गिने जा सकें, उतने एक समय मे उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह numerically calculable number of Nārkīs etc. (hell beings etc) born at a time ठा० ३, भग० २०, १०,

कइ पुं० (कवि = कवते नव नव भणतीति कविः) काव्य बनावनारः कवि कविता बनाने वाला, कवि, शायर A poet सू० च० १, १३, अणुजो० १२८,

कइअ-य. पुं० (क्रयिक) ग्राहक; माल लेनार; खरीदनार ग्राहक, माल लेने वाला; खरीदार A buyer; a customer. उत्त० ३५, १४; दस० ७, १८, १६; भग० ५, ६;

कइत्थ. त्रि० (कतिथ) केटलामुं; कई संख्या वाळु. कितवां ?; कितनी संख्या वाला. Of what number or numerical order ? विशे० ६१७;

कइयव न० (कैतव) छळ, कपटः दंभ, लुच्चाई छल, कपट; दंभ, लुच्चाई. Fraud; hypocrisy. विशे० २३८४, सु० च० ८, ८५, प्रव० १६७; —पसत्ति. स्त्री० (-प्रशक्ति = कैतवानि कपटानि वेषभाषामार्गगूहनरावर्तादीनि प्रज्ञाप्यन्ते याभिस्ताः) वेष भाषा वगेरे बदलावीने कपट जणावनार स्त्री भेष भाषादि बदल कर कपट करने वाली स्त्री. (a woman) who deceives by change in dress, speech etc तंदु०

कइया अ० (कदाचित्) कोई वखत. किसी समय Sometimes. सू० च० १, १०६,

कइयावि. अ० (कदाचिदपि) कोईपण वखते किसी भी समय. At any time प्रव० ५३५,

कइर. पु० (कदर) वृक्ष विशेष, वांसनी एक जात वृक्ष विशेष, बांसकी एक जाति. A kind of bamboo पन्न० १७;—सार. पु० (-सार) आ जातना वृक्षनो मध्य भाग. बांस जाति के वृक्ष का मध्य भाग the interior of a tree of the bamboo kind न० पन्न० १७,

कइलास पु० (कैलास = के जले लासो लसनं दीप्तिर्यस्य स कैलासः) जम्बुद्वीपना मेरु पर्वतने नैऋत खुणे लवण समुद्रमां आवेल कैलास नामे अनुवेलंधर नागराज देवतानो आवास पर्वत जंबुद्वीपके मेरु पर्वतके नैर्ऋत

कोण में लवण समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहां अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavaṇa Samudra in the South western quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa जीवा० ३, ४; (२) કૈલાસ નામે અનુવેલધર દેવતા. कैलास नामका अनुवेलधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailāsa. (३) કૈલાસ નામે નન્દીશ્વરદ્વીપના પૂર્વાર્ધનો અધિપતિ દેવતા कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वार्द्धका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīsvara Dvīpa by name Kailāsa (४) स्त्री० કૈલાસ નામે નાગરાજ દેવતાની રાજધાની कैलास नामकी नागराज देवता की राजधानी the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa जीवा० ३, ४;

कइवय. त्रि० (कतिपय) કેટલા कितने ? Some, several, a certain number नाया० ८, १२, सु० च० ३, १८१; १५, ६०, पिं० नि० २२०, उवा० ७, १८

कइविया स्त्री० (कैतविका) કોણીથી મણિબંધ સુધીનો હાથનો ભાગ कुहना से कलाइ तक हाथका हिस्सा The part of the arm from the elbow to the wrist नाया० १;

कइविह त्रि० (कतिविध) કેટલા પ્રકારનું कितनी तरहका? Of how many kinds? भग० ८, १, २०, २०; २५, ५; अणुजो० १४४; जं० प० ७, १२१,

कउह पुं० (ककुद्) બળદની ખાંધ. बैल की कूबड A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० ३; ओघ नि० भा० ७७, प्रव० ८८७

कउहि. पुं० (ककुद्मत्) ખાંધવાળું બળદ, ખુંટિયો कूबड वाला बैल, साड A humped bull, a humped ox, humped. अणुजो० १३१

कओ अ० (कुतस्) સાથી. ક્યાંથી कहांसे ? कैसे? Whence ? by what means ? " कओआसाविए " नाया० १२ "कओउवलद्धे " नाया० १२, भग० १, ६; १७, १, १६, ३, २१, ८, २४, १, ३१, ४ ३५, १, ३६, १, नाया० ६ १२; ओघ० नि० ४७; उत्त० ६, ११, पन्न० ११६,

कओ अ० (क) ક્યાં ? कहां ? Where ? " कओ वयामो " नाया० १४, जीवा० ३, २;

कओहिंतो अ० (कुत) ક્યાંથી कहां से ? Whence ? भग० २४, १३, जं० प० ७, १३४.

कक पुं० (कङ्क) પાણીને આશ્રી રહેનાર માંસાહારી એક જાતનું પક્ષી पानी के आश्रय से रहने वाला एक जात का मासाहारी पक्षी An aquatic carnivorous bird, a heron भग० ७, ६, १२, ८, जीवा० १ ३, ३, सूय० १, १, ३, ३, १, ११, २७, अणुत्त० ३, १, ओव० १०, पन्न० १;

—**उवम** त्रि० (उपम) કંકપક્ષી સમાન- કંકપક્ષીને જેમ ગમે તેવો દુર્જર આહાર પચી જાય તેમ જેને પચી જાય તે कक पक्षी जैसा, जिसे इस पक्षी के समान दुष्पाक आहार पच जाता है वह like Kanka bird, (one) who can digest heaviest food like Kanka bird ठा० ४, ४. —**गहणी.** स्त्री० पुं० (-ग्रहणी-कङ्क पाचकविशेषस्तस्येव ग्रहणी गुदाशयो यस्य स तथा) તીર્થંકરે તથા

जुगलिया के जेनी गुदा विष्टाथी ખરડાય नहि ते तीर्थंकर का जुगलियों जिनकी गुदा विष्टा से खराब नहीं होती any of the Tirthankara and Jugaliyas whose anus is not bespattered with excrements अ० प० ७, २१ ओव० पराह० १, ४,

कंकड पु० (कङ्कट) કવચ બખ્તર कवच जिरह बख्तर An armour mail भग० ६,३३ राय० १३० जं०प० आव०३१

कंकडइय त्रि० (कङ्कटित) કવચયુક્ત કવચ જડેલ जिरह बख्तर स युक्त Equipped with an armour पराह० १ ३

कंकडग न० (कङ्कटक) કવચ બખ્તર कवच बख्तर An armour mail जं०प०१६७

कंकण न० (कङ्कण) બાંઆને હાથમાં પહેરવાનું એક ભૂષણ કંકણ स्त्रिया के हाथ म पहिनने का एक आभूषण कंगन A bracelet भग० ११ १० ११

कंकावंस पु० (कङ्कावंस) ગાંઠવાળી વનસ્પતિ ની એક જાત गांठवाली वनस्पति की एक जात A kind of bulbous vegetation पन्न० २

कंकिल्लि पु० (कङ्कल्लि) અશોક વૃક્ષ આશા પાલવનું ઝાડ अशोक वृक्ष आशापल्लव का झाड Asoka tree (२) तीर्थंकर જ્યાં બીરાજે ત્યાં અશોક વૃક્ષ થઈ આવે તે આઠ પ્રાતિહાર્ય માંનું એક तीर्थंकर जहां बिराजते हैं वहां अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाता है आठ प्रातिहार्यों म स एक springing up of an Asoka tree where Tirthankara stays one of the 8 Pratihāryas प्रव० ४४६

कंकेल्लि पु० न० (कङ्कल्लि) અશોક વૃક્ષ આશોપાલવ अशोक वृक्ष, आशापल्लव The Asoka tree प्रव० १४६२

कंकोल पु० (कङ्कोल) એક પ્રકારની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation जीवा० ३, ४,

कंख धा० I, II (कांक्ष) ઈચ્છવું, વાંછવું चाहना, इच्छा करना To wish, to desire

कंखइ नाया० १६

कंखति ओव० ११

कंखति दसा० १०, १

कंखपउस न० (कांक्षाप्रदोष) ભગવતીસૂત્રના પહેલા શતકના ત્રીજા ઉદ્દેશાનું નામ કે જેમાં કાંક્ષા મોહનીયના પ્રશ્નોત્તર કરેલ છે भगवती सूत्र के पहिले शतक क तीसरे उद्देशे का नाम कि जिसमें आकांक्षामोहनीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं Name of the 3rd Uddesa of the first Sataka of Bhagavati Sutra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire भग० १, १,

कंखा स्त्री० (काङ्क्षा) અભિલાષા ઈચ્છા ધનની ઈચ્છા લોભનું બીજું નામ अभिलाषा द्रव्येच्छा लोभ का अपर नाम Desire desire of wealth a synonym for greed सु० च० ६ ८० नम० ५२ भग० १२ ५ दसा० ४, ८४ सूय० १ १२ १४ भग० १, १ उवा० १ ४४ प्रव० २७४ ६४७

कंखापदोस पु० (कांक्षाप्रदोष) બીજા મતની ઈચ્છા કરવી તે મિથ્યાત્વ મોહનીયનો એક પ્રકાર मिथ्या मत की चाह करना मिथ्यात्व मोहनीय का एक भेद The desire for false tenets, a variety of Mithyatva Mohaniya भग० १,३

कंखि त्रि० (कांक्षिन्) ઈચ્છનાર चाहनेवाला (One) who desires पिं०नि०२१६

कंखिय. त्रि० (कांक्षित) ઇચ્છેલું; આકાંક્ષિત. इच्छित; अभिलाषित; चाहा हुआ. Desired; longed for. नाया० ३; ८, भग० १, ३, २, १, १०, ४, ठा० ३, ४, दसा० ४, ८४; उवा० १, ८६;

कंगु स्त्री० पुं० (कंगु) એક જાતનું ધાન્ય, કાગ. एक प्रकार का धान्य, काग A kind of corn (Panic seed) भग० ६, ७, २१, ३, सूय० २, २, ११, ठा० ७, १, पन्न० १, पिं० नि० ६२४, प्रव० १०१३.

कंगुलया स्त्री० (कगुलता) એ નામની એક જાતની વેલ इस नामकी एक जाति की लता A kind of creeper of this name पन्न० १;

कंगुलिया स्त्री० (") લઘુનીત અથવા બડીનીત કરવી તે लघुनीत–लघुशंका या बडी नीत-दीर्घशंका करना Passing of urine, stool etc प्रव० ४३६.

कंचण न० (काञ्चन) સોનું सोना, सुवर्ण Gold विशे० १८१६, ओव० १७, नाया०१, भग० ६, ३३; उवा० २, १०१, प्रव० ४५३, जं० प० ५, १२२, (२) કંચન નામનો એક પર્વત कंचन नाम का एक पर्वत. the Kañchana mountain (३) કંચન પર્વતના અધિપતિ દેવતાનું નામ कचन पर्वत के अधिपति देवता का नाम name of the presiding deity of the Kañchana mountain जीवा० ३, ४, **—कोसी** स्त्री० (-कोशी) સોનાની મૂર્તિ सोने की मूर्ति, सुवर्णकी प्रतिमा an idol of gold. उवा० २, १०१; जं० प० ७ १६६, **—खचिय.** त्रि० (-खचित) સોનાથી જડેલ सोनेसे जड़ा हुआ. laid in with gold. नाया० ३; **—भिंगार.** न० (-भिङ्गार) સોનાની ઝારી सुवर्णकी झारी. a golden kettle. नाया० १; **—मणिरयणथूभियाग** त्रि० (-मणिरत्नस्तूपिकाक—काञ्चनम मणयश्च रत्नानिच तेषाँ तन्मयो वा स्तूपिका शिखर यस्य) સોનું મણિ રત્ન વગેરે યુક્ત જેનું શિખર છે તે. जिसका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से युक्त है with the crest or summit full of gold, jewels etc राय०

कंचणउर न० (काञ्चनपुर) કલિંગ દેશનું એક પ્રખ્યાત નગર कलिङ्ग देश का एक प्रख्यात नगर Name of a famous town of the country of Kalinga. पन्न० १.

कंचणकूड पु० (काञ्चनकूट) કંચનકૂટ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. कचनकूट नाम का तीसरे चौथे देवलाक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the 3rd and the 4th Devaloka, ठा० ७, सम० ७, (२) સોમનસ વખારા પર્વતના સાત કૂટમાંનું છઠ્ઠું કૂટ-શિખર सोमनस वखारा पर्वत के सात कूटों मे से छठा कूट-शिखर the 6th of the 7 summits of the Somanasa Vakhārā mountain. जं० प० ४, ९५.

कंचणग पु० (काञ्चनक) નીલવંત આદિ દશ દ્રહને પૂર્વ અને પશ્ચિમ બંને પાસે દશ દશ જોજનને આંતરે એ નામના વીશ વીશ પર્વત છે, એકંદર २०० કંચન પર્વત છે नीलवंत आदि दश हदों (अगाध

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

-आवासपर्वतों-कीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं; एकंदर सौसौ पर्वत हैं. One of the 200 Kāñchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nīlavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा० ३, जं० प० २८४,

—पव्वय पुं० (-पर्वत) ઉત્તર કુરૂ ક્ષેત્રમાં નિલવંતાદિ દ્રહની પૂર્વ પશ્ચિમ બાજુએ રહેલ પર્વત उत्तर कुरु क्षेत्रमें नीलवतादि हृदोंके पूर्व पश्चिम की ओर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nīlavanta and other lakes in Uttara Kuru region जं०प० भग० १४, ८, जीवा० ३, सम० ५०,

कंचणा स्त्री० (काञ्चना) એક સ્ત્રી કે જેના માટે યુદ્ધ થયું હતું एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था Name of a woman for whom a war was waged पण्ह० १, ४,

कंचणिया. स्त्री० (कांचनिका) રુદ્રાક્ષની માલા. रुद्राक्षकी माला A rosary of Rudrāksa beads ओव० ३६, भग० २, १, (२) કંચન પર્વતના અધિપતિ દેવતાની રાજધાનીનું નામ कंचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी name of the capital city of the Kañchana god. जीवा० ३, ३,

कंचीमेहला. स्त्री० (काञ्चिमेखला) કન્દોરો. कंदोरा. An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३;

कंचुअ. पुं० (कंचुक) ચોળી; કાંચળી. आंगिया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चउ० प्रव० ५३७, (२) સર્પની કાંચળી सर्प की कांचली. a slough or skin of a snake. विशे० २५१७, चउ०

कंचुइ. पुं० (कञ्चुकिन्) નાજર; અંતેપુર રક્ષક. अंतःपुर का रक्षक दर्बान. An attendant on the women's apartments (२) સર્પ. सर्प. a serpent विशे० २५१७;

कंचुइज्ज पुं० (कंचुकीय) નાજર; દ્વારપાલ; અંત પુરનો રક્ષક. द्वारपाल, प्रतीहारी, अंतःपुर-का रक्षक A chamberlain; a door-keeper. भग० ६,३३,११, ११, नाया० १; ओव० ३३; निसी० ४, २५; राय० २८६;

—पुरिस पुं० (-पुरुष) જુઓ 'कंचुइज्ज' શબ્દ देखो " कंचुइज्ज " शब्द. vide " कंचुइज्ज " भग० ६, ३३;

कंचुग न० (कञ्चुक) ચોળી, સાધ્વીનિબદન ઉપર ધારણ કરવાનું વસ્ત્ર, કંચવો. चोली, साध्वी के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कांचली A bodice (worn by women), a piece of cloth worn like a bodice by nuns. ओघ० नि० २०१, ६७६,

कंचुय पुं० न० (कंचुक) જુઓ "कंचुअ" શબ્દ देखो " कंचुअ " शब्द Vide. "कंचुअ उत्त० ६ २२;अंत० ३, ८, भग० ६, ३३, नाया० १, (२) વાળ, રોમરાજી. केश; रोमराजी, बाल hair भत्त० ३०;

कंटक स्त्री० न० (कण्टक) બોરડી બાવળ વગેરેનો કાંટો. बेर बंबूल आदि का कांटा A hard thorn e g: that of Babool etc.जं०प०१,१०,दस०६,३,६,—बोंदिया.

स्त्री० (*) कांटानी વાડ. कांटों की बाड thorny fencing सूय० २, २, ५१;

कंटग. पुं० (कंटक) કાંટો. कांटा A thorn. राय० २६६; सूय० १, ४, १, ११; जं० प० सु० च० ३, २१८, उत्त० १६, ५२; जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पह. पुं० (—पथ) કાંટાવાળો રસ્તો कंटक मय मार्ग, कांटोंवाला रस्ता a thorny path. ओघ० नि० ७८५;

कंटय-अ. पुं० (कंटक) કાંટો; પ્રતિસ્પર્ધી कांटा; प्रतिस्पर्धी, डाही A thorn, a a rival ओव० उत्त० २, २६, आया० २, १, ५, २७; पिं० नि० २००, ३३२, जीवा० ३, १, ३, (२) વિંછીનો આકડો. बिच्छू का डक. a scorpion's sting. आया० १; दस० ४, १, ७३, दसा० ७, १, सम० ३४, आया० २, १३, १७२, उत्त० १०; ३२, प्रम० १, ६, प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) ગળુ. ડોક, કણ્ઠ; ગ્રીવા; ગરદન. गला, कठ, ग्रीवा, गर्दन. Throat, neck. भग० ६, ३३, नाया० १; दसा० १०, १; राय० ८१, अणुजो० १३, १२८, सम० प० २३७, उत्त० १२, १८; ओव० २७, विसे० ३३५; गच्छा० १२२; जं० प० ५, १२१, —मणिसुत्त, न० (-मणिसूत्र) કંઠમાં પહેરવાનો હીરાનો હાર गले मे पहिनने की हीरे की माला a diamond neckless. कप्प० ३, ३६, —मुरवि. पुं० (-मुरवि) સોનાની ગુંથેલી કંઠી सोने की गुंथी हुई माला-कंठी a gold string used as an ornament for the neck राय० १८३; —मुही स्त्री० (-मुखी) કંઠની નજીક રહેનારું ઢોલકના આકારનું આભરણ (માદળિયું). कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आभरण (मादलिया) a neck-ornament resembling a knob tied to a string भग० ६, ३३; —विसुद्ध न० (-विशुद्ध) ચોકખા કંઠથી ગાનકરવું. सुंदर कठ से गाना singing in a clear voice राय० —सुत्त न० (-सूत्र) ડોકમા પહેરવાનો સોનાનો દોરો गले में पहिनने की सोने की लड़-डोर a gold necklace, a gold string used as an ornament for the neck. ओव० —सुत्तग पुं० (-सूत्रक) જુઓ "कट्ठसुत्त" શબ્દ देखो "कंठसुत्त" शब्द. vide "कंठसुत्त" जीवा० ३, ३,

कंठगय त्रि० (कण्ठगत) કણ્ઠે આવેલ. ગળા સુધી આવેલ कठतक आया हुआ, गलेतक आया हुआ Come to the throat. गच्छा० ५५; —पाण पुं० (-प्राण) કણ્ઠે આવેલ શ્વાસ, મરણાંત કષ્ટ. कठतक आया हुआ श्वास, मरणात कष्ट life breath come to the throat गच्छा० ५५,

कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकण्ठि—कण्ठे कण्ठे गृहीत्वेतियोगविभागात्) કંઠે કંઠ મળીને. कंठ से कठ मिलाकर. With necks touching each other, neck of one touching that of another नाया० २,

कंठिया. स्त्री० (कण्ठिका कण्ठोभूषणतयाऽस्य-स्या.सा) કણ્ઠી. कंठी A necklace. जीवा० ३, ४, (२) કણ્ઠ પ્રદેશ कंठ का हिस्सा a part of a neck गच्छा० १२४; (३) પુસ્તકનું પુઠું पुस्तक का पुट्ठा a

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

cover of a book. राय० १६६,

कंठस्सर. त्रि० (कण्ठोत्क-कण्ठश्लाघाप्रक ओत्कंठःकण्ठोत्कः) तीक्ष्ण स्वरवाले तेज कंठवाला. One of shrill voice ठा०७,

कंठेगुण. पु० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठेगुण) કણ્ઠે પહેરવાનું દોરા સરખું આભરણ. गले में पहिनने का डोरे जैसा गहना. a gold string used as an ornament for the neck. पन्न० ३; विवा०२,

कंठेमालकअ. त्रि०(कण्ठे मालकृत) કણ્ઠે માલા પહેરી છે જેણે जिमने गले में माला पहिनी है. (One) who has put on a garland on the neck दसा० १०, १.

कंड पु० (काण्ड) ધનુષ્ય બાણ धनुष्य बाण. an arrow प्रव० ८२६, क० प० १, ३२, भग० ७, १, जीवा० ३, ४, राय० २०८, नाया०२ ८, (२) ભાગ, હિસ્સો भाग हिस्सा a section, a part. (३) એક જાતની વનસ્પતિ एक जाति का वनस्पति a kind of vegetation भग० २१, ४, (४) પૃથ્વી કે પર્વતનો એક વિભાગ; જમીન કે પહાડના થર पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा, जमीन या पहाड का थर a section of land or mountain a layer of rock on land or on mountain अणुजो० १३४. ज० प० पन्न० २. (५) અગીઆરમા દેવલોકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ એકવીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા એકવીસમે પખવાડીયે શ્વાસોશ્વાસ લે છે એને એકવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે ग्यारहवें देवलोक का एक विमान इसके देवताओं की स्थिति इकवीस सागरोपम की होती है. ये देवता इकवीस पक्ष में श्वासोश्वास लेते है और इकवीस हजार वर्ष में उन्हें भूक लगती है name of a heavenly abode of the 11th Devaloka Its deities enjoy a life of 21 Sāgaropamas, breathe, once in 21 fortnights and become hungry once in 21 thousand years. सम० २१; (६) કર્મનાં સ્થિતિ સ્થાનકોનો સમૂહ कर्म के स्थिति-स्थानक का समूह a collection of items of the different varieties of enduring Karma क०प०१,८५,

कंडंत. त्रि० (कण्डयत्) ખાંડતું; છડતું. कूटता हुआ, चूरर करता हुआ. Pounding, e g. with a pestle. पिं० नि० ५७८ ओव०

कंडक न० (कण्डक) જુઓ "कंड" શબ્દ देखो "कड" शब्द Vide "कड" क० प० १, ८६,

कंडग न० (काण्डक) કાંડ; પાથડો. પડ पर्त; थर, अस्तर A layer. सूय० १, ६, १०; (२) બાણ बाण arrow. राय०२५७, (३) સંખ્યાતીત સંયમના સ્થાનકોનો સમુદાય असंख्य संयमके स्थानकका समूह collection of countless items of ascetic conduct पिं०नि० भा० ६६; क० प० १, ४२, ४६ —हेट्ठ त्रि० (अधस्तन) ચાર સમયના સ્થિતિસ્થાનક સમૂહ રૂપ કંડકની નીચેનું चार समय की स्थिति स्थानक समूह रूप पर्त नीचे का. situated below Kandaka and equal to the duration of 4 units in a certain stage. क० प० १, ५०,

कंडय न० (काण्डक) કાલનો એક સૂક્ષ્મ ભાગ समयका एक सूक्ष्म भाग. A very small division of time. भग० ३,२; (२) રાક્ષસની સભા આગળનું ચૈત્યવૃક્ષ, કંડક નું ઝાડ. राक्षस की सभा के सामने का चैत्य

वृक्ष कंडक का स्थाद. name of a Chaitya (garden) tree near the council-hall of demons. ठा० ८, १.

कंडरीय. पुं० (कराडरीक) મૂલદેવની સહાયથી વનમાં જતાં કોઇ પુરૂષની સ્ત્રીને લઇજનાર એક લુચ્ચો માણસ કે જેની કથા ઉત્પાતકી બુદ્ધિ ઉપર દર્શાવેલ છે मूलदेव की मदद से बन के किसी प्रवासी पुरुष की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घटित की है Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Mūladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpātiki नि० नि० ८६ नदी० (२) પુષ્કલાવતી વિજયની પુંડરિકિણી નગરીના મહાપદ્મરાજાની પદ્માવતી રાણીનો પુત્ર, પુંડરીકનો ન્હાનો ભાઇ કે જે દીક્ષા લઇ, પાછલથી પતિત થઇ, સંસારમાં આવ્યો અને તરતજ મરણ પામી નરકે ગયો મ્હોટો ભાઇ પુંડરીક કંડરીકનો ઉતારેલ સાધુવેષ પહેરી, સાધુથઇ ત્રણ દિવસમાંજ મરણ પામી, સર્વાર્થ સિદ્ધ વિમાને પહોંચ્યો. पुष्कलावती विजय की पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मावतीरानी का अगजात पुंडरिक का लघु भ्राता जो कि दीक्षा ले फिर पतीत होगया और संसारी बन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा नरक में गया बड़ा भाई पुंडरीक, कंडरीक के उतारे हुऐ साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वार्थ सिद्ध विमान में जा पहुंचा name of the son of Padmāvatī, queen of Mahāpadma king of the city of Puṇḍarikiṇī belonging to the country Puṣkalāvatī Vijaya. He was younger brother to Puṇḍarika He had taken Dīkṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immediately died and went to hell while Puṇḍarika putting on the ascetic dress cast off by him became a Sādhu. He too died within three days and reached the heavenly abode named Sarvārtha Siddhi नाया० १९.

कंडवा स्त्री० (कराडवा) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument राय० —**कंडा** स्त्री० (कण्डा) એ નામની એક પર્વગ જાતિનું ઝાડ इस नाम का एक पर्वग जाति का झाड़ A kind of vegetation of Parvaga sort पन्न० १.

कंडिय त्रि० (कण्डित) ખાંડેલ, છડેલ. कूटा हुआ पीसा हुआ Pounded with a pestle. पिं० नि० १२१.

कोंडियायण पुं० (कण्डिकायन) વૈશાલી નગરીથી બહારનું એક ઉદ્યાન वैशाली नगरी के बाहर का एक बगीचा Name of a garden outside the city of Vaiśālī. भग० १५, १.

कंडिल्ल पुं० (काण्डिल्य) કાંડિલ્ય ગોત્ર પ્રવર્તક એક ઋષિ काण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक ऋषि The name of the progenitor sage of Kāṇḍilya Gotra (lineage). ठा० ७.

कंडिल्लायण. पुं० (काण्डिल्यायन) એ નામના એક ઋષિ इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. ठा० ७;

कंडु. पुं० (कण्डू) લોઢાનું વાસણ; તવો. लोहे का बरतन; तवा. An iron pan. ओघ० ३८; (२) ખસનો રોગ. खाज की बिमारी itches. नाया० १३; भग० ७ ८;

कंडुइय. न० (कण्डूमत्) ખસવાળો खुजलीवाला, खाज वाला. One having itches. सूय०१, २, ३, १३; भग० ७, ६,

कंडुग. पुं० (कण्डक) અંગુલના અસંખ્યાતમા ભાગ પ્રમાણ આકાશ પ્રદેશ પરિમિત કર્મના સ્થિતિ સ્થાનકોનો સમૂહ. अगुल के असख्यातव भाग क बराबर आकाश परिमित कर्म के स्थिति स्थान का समूह A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क०प० ३,६,

√**कंडुय** धा० II. (कण्डू) ખાજ કરવી, ખજોળવુ खाज खुजाना, कुचरना To scratch; to tickle, to remove irritation of skin by scratching

कडुयए आया० १, ६, १, २०,

कडुइस्सामि नाया० २,

कडुइत्ता स० कृ० नाया० १,

कंडूयमाण व० कृ० सु० च० ३, १३६,

कंडूयावेइ क० वा० विवा० ६,

कंडुयण. न० (कण्डूयन) ખણવુ, ખરજ-ચર કરવી खोदना; खुजा करना Digging पंचा० ४, २०,

कंडू. स्त्री० पुं० (कण्डू) ચર; ખજવાળ. खाज खुजाना, खजवाल. Itching sensation. नाया० १, सूय० १, ३, १, १०,

कंडूइय. न० (कंडूवित) ખરજ, ચર. खाज, खुजली. Itching sensation जं० प० सूय० १, ३, ३, १३;

कंडूयय. त्रि० (कंडूयक) ખજવાળનાર. खुजाने वाला. One who scratches to remove an itching sensation. ठा० ६, १;

√**कंत.** धा० I. (कृत) છેદવું छेदना To cut. (२) કાંતવું. कातना to spin.

कत्तति. सूय० १, ८, १०,

कंतामि. पिं० नि०भा०३६, ज०प० ६, ११५;

कंत त्रि० (कान्त) મનોહર; કાન્તિવાન; શોભાયમાન. मनोहर; कांतिवाला, शोभित. Charming; beautiful; lustrous. "कंतपियदंसणा" नाया० १; ३, १४; भग० २, १; ११, ११; १२, ६; ओघ० ३९; ३६, जीवा० १, दस० २, ३; सू० प० २०; सम० प० २३५, ठा० २, ३, दसा० १०, १; सु० च० १, ३५३; पन्न० १७, १६, उवा० ४, १५४; ज० प० ५, ११५, कप्प० १, ८, ३, ३४, (३) ઘૃતસમુદ્રના દેવતાનું નામ घृत समुद्र के देवता का नाम. name of the deity of Ghruta Samudra. जीवा० ३, ४; —रूव त्रि० (-रूप) સુંદર રૂપવાળું. सुंदर रूपवान beautiful; of charming appearance. विवा० १; २. —स्सर त्रि० (-स्वर-कान्त स्वरोयस्य स कान्तस्वरः) સુંદર સ્વરવાળું. सुंदर कठवाला. of melodious voice पन्न० २,

कंत त्रि० (क्रान्त-आक्रान्त) આક્રમણ કરેલ. आक्रमण किया हुआ. Surmounted सु० च० १; ३५३,

कंततर त्रि० (कान्ततर) અતિ સુંદર. बहुत सुंदर Very beautiful. "एत्तोकंततराए चेवमणुण्णतराए चेव" राय०२१, जीवा० ३;

कंता स्त्री० (कान्ता) સૌંદર્યવાળી સ્ત્રી. रूपवान स्त्री. (A woman) possessed of beauty भग० १५; १; नाया० १६;

कंतार पुं० (कान्तार) અરણ્ય; અટવી; ગહન

वन. वन; जंगल; गहन वन A deep dense forest, the world उवा० १, ५८, पंचा० ११, ११. नाया० २, १६, भग० १, १, ५, ६; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु० च० १, २, सम० १२, ओव० ४०; ठा० २, २, महा० प० ३५; श्रोघ० नि० ६८३. —भत्त. न० (भक्त = कान्तारमरण्यं तत्र भिक्षुकाणां निर्वाहार्थं यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम्) अटवीमां मुसाफरी करता गरीबोने आपवानो खोराक. जंगल म मुसाफिरी करते गरीबों को दी जानेवाली खुराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest भग० ५, ६, ६, ३३: नाया० १, निसी० ६, ६, श्रोव० —वित्ति स्त्री० (-वृत्ति) जंगलनी वृत्ति-निर्वाह चलाववो ते जंगलमा प्राणघातक आपत्ति आवी पडे त्यारे प्राण निर्वाह करवो ते, ७ आगारमानो एक. जंगल मे प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना, जंगल में प्राणांत कष्ट आ पडे तब प्राण बचाना, छ आगार मे से एक maintenance in a jungle while travelling, saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle, one of the 6 options (on the part of an ascetic) प्रव० ४५३,

कंति स्त्री० (कान्ति) तेज, क्रांति प्रभा तेज, कांति, शोभा, लावण्य Lustre, beauty पण्ह० २, १, ओव० ३२; ३४, (२) शोभा प्रभा, सुदरता beauty, charm सु० च० २, ३४५,

कंतिल्ल त्रि० (कान्तिमत्) कान्तिवालो, कांतिमान् लावण्यवाला प्रभावान् Lustrous, beautiful सु० च० ८; २४६;

कंतेज्ञ. पु० (कान्तेज्ञ) मंडव गोत्रनी शाखा. मंडव गोत्र की शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) मंडव गोत्रनी शाखामांनो पुरुष. मंडव गोत्र की शाखावाला पुरुष a person belonging to the above branch ठा० ७, १;

कंथश्र. पु० (कन्थक) जातवान घोडो के जे तोपोना अवाजथी पण भडके नहीं कुलवान घोडा जो तोपोंकी आवाजसे भी न भडके. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns उत्त० ११, १६;

कंथग. पु० (कन्थक) जुओ "कंथश्र" शब्द. देखो "कथश्र" शब्द Vide "कंथश्र" उत्त० २३, ५८,

कंथीकय त्रि० (कन्थीकृत) कन्था-गोदडीनी माफक घणा थिगडां वाळु कथा-गोदडी क सदृश बहुतम जोड (चिंथे) लगेहुए (Any thing) prepared with a good deal of patch-work विशे० १४३६,

√**कंद** धा० I (क्रन्द) आक्रन्दन करवु, रडवु, ककळवु, बूमो मारवी बूम मारना, रोना आक्रन्द करना, शार मचाना To cry, to weep, to shout

कदइ आया० १, २, ५, ८४,

कंदिसु आया० १, ८, ३, ५;

कंदमाण व० कृ० नाया० १, २, ८, १६; भग० ६, ३३,

कंद पु० (कन्द) कन्दमूल, डुंगली, लसण, गाजर, रताळु वगेरे कन्दवाली साधारण वनस्पति कन्द मूल, लहसन, गाजर, रतालु आदि कन्दवाला साधारण वनस्पति. Bulbous roots, bulbous vegetation i e garlic, carrot etc

जं० प० २, १६, ३, ६७, आया० २, ३, ३, १२६; पन्न० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४, उत्त० ३६, ६८; निसी०४,५२; दस० ५,१,७०; चउ०२८; (२) ઝાડના મૂલ અને થડની વચ્ચેનો ભાગ. झाड के मूल और धड के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk जीवा० १, राय० १५५, भग० ७, ३, नाया०१४,पन्न०१,ओव० (३) કમલાદિકના મૂલ ઉપરનો ગોલ ભાગ कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग the upper round portion of the lotus roots ज० प० —अहिगार पु० (-अधिकार) કંદનો અધિકાર-વર્ણન कंद का अधिकार-वर्णन subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३,२१, १, —आहार पु० (-आहार) કંદનો આહાર કરનાર તાપસનો એક વર્ગ कंद का भक्षण करने वाली तपस्वी की एक जाति one who eats bulbous roots भग० ११, ६, निर० ३, ३ —जीवफुड पु० (-जीवस्पृष्ट) કંદના જીવથી સ્પૃષ્ટ થયેલ कद के जीवों से छुआ हुआ one touched by the sentient beings living in bulbous roots भग० ७, ३, —भोयण न० (-भोजन) કંદનું ભોજન कंद का भोजन food consisting of bulbous roots ठा० ७, सम० २१, नाया १, भग० ६, ३३,दसा० २, १३, —मूल न० (-मूल) કંદ મૂલ कंद मूल roots and bulbous roots भग० ८, ५,

कंदणया स्त्री० (क्रन्दन) આક્રંદનકરવું, રોવું, કકળવું. आक्रंदन करना; रोना, शोर मचाना. Crying, weeping, lamenting ठा० ४, १; भग० २५, ७, ओव० २०;

कंदता. स्त्री० (कंदता) કંદમુળ પણું. कंदमूल पना State of being bulbous roots and roots. भग० २१, १; सूत्र० २, ३, ५,

कंदप्प पु० (कन्दर्प) રાગ અને મોહ ઉપજાવનાર હાસ્ય, ગર્ભિત ચેષ્ટા; વક્રભાષણ; राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय क्रीडा, वक्र भाषण Amorous sport; dalliance; humorous, witty love talk गच्छा० ८२; उत्त० ३६, २५४, जीवा० ३; पन्न० २, ओघ०नि०१०२, (२) કામદેવ कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, पराह० २, २; भग० १४, ८; उवा० १, ५२, प्रव० २८३, ६४८, पंचा० १, २४. (३) કુતૂહલી દેવ. (३) कुतूहल करने वाले देव the god Kutūhalī भग० ३, ७, (४) કામદેવની ભાવના. कामदेव की भावना meditation for sexual pleasure गच्छा० ८२; —कर पु० (-कार) કામ ઉપજે તેવી ચેષ્ટાના કરનાર. कामदेव उत्पन्न हो ऐसी चेष्टा करनेवाला one who speaks and acts amorously. ओव० ३१;—देव पुं० (-देव-कन्दर्पो—ऽट्टाट्टहसन कन्दर्पकरणशीला· कन्दर्पाः कन्दर्पाश्चते देवाश्च कन्दर्पदेवा.) ખડખડાટ હસનારા દેવો. हडहड हसने वाला देव. a loud laughing god नंदु० —भावणा. स्त्री० (-भावना-कन्दर्पः कामस्तत्प्रधाना निरन्तर नर्मादिभिरततया विटप्राया देव विशेषाः कन्दर्पास्तेषामियं कान्दर्पी सा चासौभावना च) એક પ્રકારની કામોદ્દીપક મોહજનક ભાવના एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना a kind of love-exciting meditation प्रव० ६४८, —रइ स्त्री० (रति) કામભોગમાં રતિ આસક્તિ. कामभोग में रति आसक्ति delight in amorous pleasures नाया० १,

कंदप्पिय-अ. त्रि० (कान्दर्पिक-कन्दर्पस्त-त्वादि: प्रयोजनमस्येति) કામચેષ્ટા, હાસ્ય, મશ્કરી કરનાર. कामचेष्टा हास्य विनोद करने वाला. (One) doing amorous gestures. ओव० ३८; भग० १, २; पन्न० २०;

कंदर. न० (कन्दर) પર્વતની ગુફા. पर्वत की गुफा. A cave. नाया० १; २, ८; नंदी० १४; जीवा० ३, ३, भग० ३, ७; ६, ३३, विवा० १, ३;

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) ગુફા. गुफा A cave दस० ३, १; महा० प० ८२, ज० प० नाया० १;

कंदल. न० (कन्दल) એક જાતનું ઝાડ. કેળનું ઝાડ. एक जाति का झाड; केले का झाड. A kind of tree नाया० १; ६; ३;

कंदलग. पुं० (कन्दलक) એક ખરીવાળા પશુની એક જાત. एक खुरवाले पशु की एक जात A one-hoofed animal. पन्न० १;

कंदली स्त्री० (कन्दली) એક જાતનો કન્દ. एक प्रकार का कंद A kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७, (२) કેળનું ઝાડ. केले का झाड. a plaintain tree पन्न० १; भग० २२, १; (३) લીલી વનસ્પતિ हरी वनस्पति. green vegetation आया० नि० १, १, ५, १२६;

कंदिय. पुं० न० (क्रन्दित) વિયોગિની સ્ત્રીનું રુદન. वियोगिनी स्त्री का रोना Lamentation of a woman separated from her husband. उत्त० १६, ५, ओव० २१, नाया० १, पंचा० ७, १६; (२) વાણવ્યન્તર દેવતાની એક જાત वाणव्यंतर देवता की एक जाति. a kind of Vāṇavyantara (infernal) gods. पन्न० २; पएह० १, ४; ओव० २४, प्रव० ११४४;

कंदु. त्रि० (कन्दु) લોઢાનું વાસણ; ચણા મમરા વગેરે ભુંજવાની કડાઈ. लोहे का एक बरतन.; चने आदि भूंजने की कढाई. An iron vessel, an iron pan to bake grams etc. पएह० १, १; विवा० ३; —सोल्लिय. त्रि० (-पक्व) ચણા મમરાની પેઠે તાવડામાં પકવેલું चने, फूली की तरह घाममे पका हुआ Cooked, baked in the heat of the sun "कंदुसोल्लिय पिव कइसोल्लियं पिव अप्पाणं जाव करेमाणा विहरंति " भग० ११, ६,

कंदुकत्ता त्रि० (कन्दुकता) કન્દુક નામની વનસ્પતિનો ભાવ-સ્વરૂપ. कदुक नामकी वनस्पति का भाव-स्वरूप State of, nature of a vegetation named Kanduka. सूय० २, ३, १६,

कंदुकुंभी स्त्री० (कन्दुकुम्भी) લોઢાની કઢાઈ. તાવડી लोहे की कढाई, लोहे का बरतन An iron pan used to bake bread etc. उत्त० १६, ४८,

कंदुरुक्क न० (कन्दुरुक्क) એક જાતનો ધૂપનો સુગંધી પદાર્થ. एक जाति का धूप का सुगंधी पदार्थ A kind of fragrant incense नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) નારકીને ઉપજવાની કુંભી. नारकियों के पैदा होनेकी कुम्भी A pot-like place where the hell beings get their birth. सूय० १, ५, २, ७;

कंध पुं० (स्कन्ध) ખાંધ कन्धा; स्कन्ध. A shoulder आया० १, ६, १, २२,

√**कंप.** धा० II (कम्प) ધ્રુજવું, કંપવું. धूजना, कांपना, थरथराना To tremble; to quiver.

कंपन्त. व० कृ० सु० च० १, ११०;

कंपमाण. व० कृ० भग० २, २;

कंप पुं० (कम्प) કંપારી; ધ્રુજારી; थरथराहट. Tremour; trembling. सम० ११;

कंपण. न० (कम्पन) કંપવું; ધ્રુજવું; હલવું.

कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पिं० नि० ५८०; अणुजो० १३०; —वाइअ. पुं० (–वातिक) કંપ-વાનું દર્દ; જેથી મસ્તક કંપ્યા કરે એવો રોગ. धूजने की बीमारी; वह बीमारी जिससे सिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. अणुत्त० ३, १,

कंपिल्ल पुं० न० (कम्पिल्ल) કમ્પિલ્લપુર નામનું ફરુખાબાદ જીલ્લાનું એક જુનું નગર કે જે દક્ષિણ પાંચાલદેશની રાજધાની હતી અને ત્યાં દ્રૌપદીનો સ્વયંવર થયો હતો. कम्पिलपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश की राजधानी था और जहां द्रौपदी का स्वयंवर रचा गया था Name of an ancient town of Farukhābād district It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-marriage. पन्न० १, निसी० ६, २०, उत्त० १३, ३, (२) અન્તગડ સૂત્રના ૧ લા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ अंतगड सूत्रके पहिले वर्गके सातवें अध्यायका नाम name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (३)અન્ધકવૃષ્ણિના પુત્ર સાતમા દશાર્હ કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે બાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષ ગયા. अंधकवृष्णि के पुत्र सातवें दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास बारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्ति पधारे. the 7th Daśārha, son of Andhaka Vrisni He practised ascetism for twelve years under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation अंत० १, ७,

कंपिल्लपुर. न० (काम्पिल्यपुर) કંપિલપુર નામે નગર. कंपिलपुर नामका नगर. Name of a city "पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरं णयरं तत्थ दुम्मुहारायां" नाया० १६; नाया० ध० ६, भग० १४, ८; नाया० १; ८, १६; उवा० ५, १६३, ओव० ३६,

कंबल पुं० (कम्बल) કમ્બલ; ધાબળો, કામળો कबल; कामल; शाल A blanket. ओघ० नि० ७०६, निसी० ७, ११, भग० २, ५, ७, १; ८, ६, १३, ६, विवा० २; पन्न० १९, ५३, राय० २२६, नाया० १७; दस० ४, ६, २०; आया० १, २, ५, ८६; १, ७, १, १६७; वेय० १, ३७; जीवा० ३, ३, उवा० १, ५८, कप्प० ६, ५२, प्रव० ८७६; —कड पुं० (–कट) કામળો कम्बल. a blanket ठा० ४, ४, —किड्ड न० (–कट) ધાબળો कम्बल a blanket भग० १३, ६, —पावार. न० (–प्रावार) કામળારૂપ ઓઢવાનું વસ્ત્ર कम्बल सरीखा ओढने का वस्त्र a blanket. निसी० ७, ११,

कंबलग न० (कम्बलक) કામળ, કાંબળ कामल; कम्बल A blanket, a rug. आया० २, ५, १, १४५;

कंबलय न० (कम्बलक) ધાબળો, ઉનનું વસ્ત્ર कम्बल, ऊन का वस्त्र. A woolen blanket प्रव० ६६२;

कंबु पुं० (कम्बु) શંખ शंख A conch-shell ज० प० जीवा० ३, ३; पराह० १, ४, ओव० १०, (२) કંબુ નામે પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનું બાર સાગરનું આયુષ્ય છે. कंबु नामक पांचवें

देवलोक का एक विमान, जहां उत्पन्न होनेवाले देवताओं की आयुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras; (it is in the fifth Devaloka) सम० १२;

कंबुग्गीव पुं० (कम्बुग्रीव) કંબુગ્રીવ નામે પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમા વસતા દેવોનું બાર સાગરનું આયુષ્ય છે. कंबुग्रीव नामका पांचवें देवलोक का एक विमान, जहां के देवताओं की बारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sāgaras सम० १२,

कंबू स्त्री० (कम्बू) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ, કન્દમૂલની એક જાત इस नामकी एक साधारण वनस्पति, कद मूल की एक जात Name of a kind of vegetation with bulbous roots पन्न० १,

कंबोय पुं०(कम्बोज) કમ્બોજ દેશ; કાબુલ દેશ कम्बोज देश, काबुल देश The country called Kamboja राय० २३६;

कंबोय-अ त्रि० (काम्बोज) કંબોજ દેશના જન્મેલ कबोज देश का मनुष्य A native of Kamboja country राय० २३६, " जहा से कंबोयाणं आइन्ने कथए सिया " उत्त० ११, १६;

कंस. पुं० न० (कंस) કંસ નામનો ૮૮ ગ્રહમાંનો ૨૨ મો ગ્રહ. ८८ गृहों में से कंस नाम का २२ वां गृह. The 22nd planet of the 88. ठा० २, ३, सु० प० २०, (२) મથુરાનો રાજા. मथुरा का राजा. name of a king of Mathurā ठा० २, ३, पराह० १,४;—**कंस.** पुं०(-कांस्य) કાંસાની એક ધાતુ कांसी; एक धातु bronze उवा० ८, २३५; सूय० २, १, ३६; उत्त० ६, ४६; जं० प० २, २४; पिं० नि० १३७; नाया० १, ७, भग० ८, ५; ६, ३३; पन्न० ११; दसा० ६. ५३; जीवा० ३, ३; गच्छा० ८८,—**पाई** स्त्री० (-पात्री) કાંસાની થાલી. कांसे की थाली a bronze utensil. " कंस पाईव व मुक्कतोए " ठा० ६, ओव० १७; उवा० ८, २३५, —**पाय** पुं० (-पात्र) કાંસાનું ઠામ, कांसे का बरतन a bronze pot. "कंसेसु कंस पाएसु, कुंड मोएसु वा-पुणो भुंजतो असणा पाणाइं आयरो परि-भस्सइ" दस० ६, ५३, कप्प० ५, ११६,

कंसणाभ पुं० (कंसनाभ) ત્રેવીશમા ગ્રહનું નામ २३वें ग्रह का नाम Name of the 23rd planet सू० प० २०

कंसताल न० (कांस्यताल) કાંસાનું એક જાતનું વાજિંત્ર, કાંસીયા कांसे का एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument made of bronze. आया० २, ११, १६८, राय० ८७, जीवा० ३, ३, —**सद्द** पुं० (-शब्द) કાંસિયાનો અવાજ. कांसे के बाज का आवाज the sound of cymbals निसी० १७ ३५;

कंसवण्णाभ पुं० (कंसवर्णाभ) અઠ્ઠાવીસમા ગ્રહનું નામ. अट्ठावीसवें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet " दो कंस व-ण्णाभा " ठा० २, ३, सू० प २०;

कंसवन्न पुं० (कंसवर्ण) કંસવર્ણ નામનો ગ્રહ कंसवर्ण नाम का ग्रह A planet so named " दो कंस वण्णा " ठा० २, ३; सू० प० २०,

कंसिय. पुं० (कांस्यिक) કાંસાનું વાજીંત્ર कांसे का बाजा A musical instrument of bronze सु० च० ११, ४१;

कंसीय न० (कंसीय) કાંસાનું પાત્ર. कांसे का बरतन. A vessel of bronze.

पण्ण० ११;

ककारपविभत्ति. पुं० (ककारप्रविभक्ति) કકારની રચના વાળું નાટક. ककार की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क." राय० ६३,

ककुद त्रि० (ककुद्) પ્રધાન प्रधान Any one that is prominent, principal नाया० १७,

ककुह. स्त्री० (ककुद) રાજચિન્હ જેથી રાજાની ઓળખાણ પડે તેવી નિશાની राजचिन्ह, जिससे राजा पहिचाना जासक वह चिन्ह Royal insignia "राय ककुहा" टा० ५, १, नाया० १७; ओव० १२, ज० प० ७, १६६, (२) બળદની ખુંધ बैल का कंधा a hump of a bullock (३) પર્વતની ટોચ पर्वत का श्रृंग a summit of a mountain ज० प० ७, १६६, कप्प० ३, ३, ४,

कक्क. पु० (कल्क) કપટ, માયા, પાપ कपट, माया, पाप Deceit, sin सम०५२, भग० १२, ५, पगह० १, २, (२) સુગંધી પદાર્થ. એક કષાયલા દ્રવ્યનો ઉકાળો કે જેનો પીઠીમા ઉપયોગ થાય છે તે લોધ્રાદિક દ્રવ્યે શરીરનું ઉગટાણું કરવું તે सुगंधी पदार्थ. एक कषैला पदार्थ का उकालकर (पीठी) मर्दन करने के लिये बनाये हुए लेप मे डाला जाता है वह; सुगंधी पदार्थ का शरीर का उबटन a fragrant substance, a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhra etc "कक्कं उव्वलणाय" सूय० १, ६; १५, भग० १२, ५. आया० २, २, १, ६७, निसी० १, ६, दस० ६, ६४,

कक्क पु० (कर्क) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીના એક મહેલનું નામ ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक महल का नाम. Name of a palace of Brahmadatta Chakravarti. "उचोदए महुकक्के य बंभे" उत्त० १३, १३,

कक्ककुरुया. स्त्री० (कल्ककुरुका) દંભથી બીજાને છેતરવું તે. दंभ से दूसरों को ठगना Deceiving others by means of false tricks प्रव० १११

कक्कड त्रि० (कर्कश) ખરખરું कर्कश, कठोर. Rough, harsh. क० प० ४, ४५;

कक्कडग. पु० (कर्कटक) કાકડી, શાકની એક જાત. ककडी A cucumber, a kind of vegetable. पचा० ५, २८, —जल न० (-जल) કાકડી તથા ખડબુચા વગેરેમાથી નીકળતું પાણી काकडी तथा खरबूजा वगैरह मे से निकलता हुआ पानी the water that comes out of cucumber etc प्रव० २०६,

कक्कडय न० (कर्कटक) દોડતા ઘોડાના પેટમા ઉછળતો વાયુ. दौडते घोडे के पेट में उछलता वायु The gases that play in the stomach of a running horse भग० १०, ३,

कक्कडिगा स्त्री० (कर्कटिका) કાકડી. ककडी A cucumber पचा० ५, २४, १०, २४,

कक्कडी स्त्री० (कर्कटी) કાકડી काकडी. A kind of vegetable, a sort of cucumber पिं० नि० १६६, प्रव० २००,

कक्कब पु० (कर्कब) ઉકાળેલ શેરડીનો રસ औटाया गर्म किया हुआ साठे का रस Boiled juice of sugarcane पिं०नि०२८३,

कक्कर. पु० (कर्कर) જેને ચાવતા કરકર થાય તેવી વસ્તુ जिसे चबाने से करकर हो ऐसा पदार्थ A substance which produces a cracking sound when chewed उत्त० ७, ६. (२) કાંકરો कंकर a small stone दसा० ७, १;

सय० २६; भग० ४, ४; —सय. न० (-शत) सेंकडो कांकरा. सैकड़ों कंकर. (with) hundreds of pebbles. विवा० २;

कक्करणया. स्त्री० (कर्करण) शय्या उपधि वगेरेमां दोष कहाडी બડબડાટ કરવું તે. शय्या, उपधि आदि में दोष निकालकर बड २ करना. Loquaciously finding fault with environments such as a bed etc. ठा० ३, ३,

कक्करय. पुं० (कर्करक) सुभिक्षादिना हेतु शीખववा. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना Giving instructions into the reasons for proper alms begging etc. निसी० ११, ८;

कक्करी. स्त्री० (कर्करी) ગાગર गागर A round metal pot जीवा० ३, ३;

कक्कस. त्रि० (कर्कश) કઠણ, આકરૂં कठीन, कड़ा Hard; severe "विपुला कक्कसा पगाढा चंडा दुहाहिस्सा दुहाहियासत्ति" विवा० १, १; सु० च० २, ३८०, भग० ७, ६, ३३. दस० ८, २६; उवा० २, १०७, ठा० ६, आया० २. ४, १, ६३३, (२) ખરખરુ, કર્કશ कर्कश, खुर्दरा rough; harsh. गच्छा० ५४, राय० २८२,

कक्कावंस. पुं० (कर्कवंश) એક જાતની વનસ્પતિ; વાંસની એક જાત. एक जाति की वनस्पति, बांस की एक जाति A kind of vegetation so named, a kind of bamboo. भग० २१, ४;

कक्केयण. पुं० (कर्केतन) એક જાતનું રત્ન; મણિ एक जाति का रत्न; मणि. A kind of gem; a jewel. "भागासकेसकज्ज कक्केयण इंदनील चलसि कुसुमप्पगासे" राय० जं० प० कप्प० ३, ४५;

कक्कोडई. स्त्री० (कर्कोटकी) કંકોડાની વેલ. ककुम्बर की लता; ककोड़े की बेल. Name of a creeper; a species of cucumber. पन्न० १;

कक्कोडय. पुं० (कर्कोटक) વેલંધર જાતના દેવતાનું નામ. वेलंधर जाति के देवता का नाम. Name of a god belonging to the Velandhara kind of gods. भग० ३, ६; ७, (२) કર્કોટક દેવને રહેવાના પર્વતનું નામ. उस पर्वत का नाम जहा कर्कोटक देव रहता है. name of the mountain abode of the Karkotaka. जीवा० ३,४; (३) અનુવેલંધર દેવતાના રાજાનું નામ. अनुवेलधर देवता के राजा का नाम name of the king of the Anuvelandhara kind of gods जीवा० ३, ४, (४) લવણ સમુદ્રમાં પૂર્વ દિશાયેં બેતાલીશ હજાર જોજન ઉપર આવેલ અનુવેલધર દેવોનો આવાસ પર્વત लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर ४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेलधर देवताओं का निवास पर्वत. name of the mountain abode of the Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in Lavana Samudra in the east ठा० ४, २,

कक्कोल पुं० (कक्कोल) એક જાતનું ફલ एक जाति का फल A kind of fruit. पराह० २, ५,

कक्ख पुं० (कक्ष) કાખ, બગલ बगल; कांख. An arm-pit. नाया० २; १६; भग० ३, २; ५, ४, निसी० ५, ४१; जीवा० ३, ३; प्रव० १७७, कप्प० ६, २६; —अंतर. न० (-अन्तर = कक्षाया अन्तरं मध्यं कक्षान्तरम्) કાખનો મધ્ય ભાગ. बगल का मध्य भाग the middle part of the

arm-pit विर० ४, १; —देसभाग. पुं० (-देशभाग) સ્તનપાસે કાખનો મૂલ ભાગ स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the arm pit near the breast. नाया०२;—मेत्त त्रि० (-मात्र) કાખ, બગલ સુધી પ્રમાણવાળું, બગલ સુધી बगल तक मापवाला, बगल तक. reaching to the arm pit प्रव० ६७७, —रोम न० (-रोम) કાખના રોમ बगल के बाल the hair of the armpit "परूढया इकेस कक्खरोमा आसि" ओव०३८,आया०२,१३,१७२, निसी०३,४६,

कक्खड त्रि० (कर्कश) કઠોર, ખરબચડું, કર્કશ कठोर; कर्कश, खरदरा Hard, harsh, rough "एगेकक्खडे" ठा० १, १, ओघ० नि० ६२. अणुजो० १४१; पज० १, जावा० १, उत्त० ३६, १६, आया० १, ५, ६, १७०, पिं० नि० ४२६; नाया० ६, भग० १, १, १४, ७, १५, १; १८, ६; २०, ५, ठा० १, १, कप्प० ६, ५६; क० प० ४, ६३, —फास० पुं० (-स्पर्श) કઠિનસ્પર્શ; ખરબચડાસ્પર્શ कठिन स्पर्श, खरखरा स्पर्श hard touch, rough touch सम० २२, भग० ६, ६, ८, १; (२) त्रि० કઠીણ સ્પર્શવાળા कठिन स्पर्श वाला feeling hard. दसा० ६, १, क० गं० ५, ३२

कक्खडत्त. न० (कर्कशत्व) કઠોરપણું કર્કશપણું कठोरता, कर्कशता Hardness, harshness. भग० १७, २,

कक्खडा स्त्री० (कर्कशा) કઠોર વેદના, દુસ્સહ પીડા कठोर वेदना, दुःसह पीडा Hard acute pain नाया० १,

कक्खा० स्त्री० (कक्षा) કાખ; બગલ- बगल; कांख An arm-pit. "उप्पीलियकक्खा" विवा० १, ३, सूय० १, ४, १, ३, नाया० १, १६, जं० प० गच्छा० १२२;

कच्च. त्रि० (कृत्य) કર્તવ્ય; કરવાનેયોગ્ય कर्तव्य, करने योग्य. A deed; an action, a duty. राय० ३१;

कच्चायण. पुं० (कात्यायन) કાત્યના પુત્ર શ્રી પ્રભવજીના ગોત્રનુંનામ कात्य के पुत्र श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम Name of the family of Śrī Prabhavaji, the son of Kātya नंदी० २३, (२) કૌશિક ગોત્રની શાખા कौशिक गोत्र की शाखा name of a branch of the Kauśika family ठा० ७, १; (३) કૌશિક ગોત્રના શાખામાંનો પુરુષ. कौशिक गोत्र की शाखा का पुरुष a person belonging to the branch of the Kausika family ठा० ७, १; (४) મૂલ નક્ષત્રનું ગોત્ર मूल नक्षत्र का गोत्र the family of the Mūla constellation. "जे कोसिया ते सत्त विहापरणत्ता तंजहा ते कोसिया ते कच्चायणा" सु० प० ११, ठा० ७, —सगोत्त त्रि० (-सगोत्र) કાત્યાયન ગોત્રવાળું. कात्यायन गोत्र वाला Of Kātyāyana family. "मूलनक्खत्ते कच्चायण सगोत्ते पराणत्ते" सू० प० १०; भग० २, १,

*कच्चोलय पुं० (*) પ્યાલો, કચોળો. प्याला, कटोरा A cup. सु० च० ८, ६५;

कच्छ पुं० (कच्छ) કાછડી, કચ્છોટો. कांछ, कछोटा The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११, भग० १, ६; १, ८; (२) કાંઠો. किनारा a border; a margin, a bank भग० १, ८, जं० प० १, ४, ६५; ३, ५२; (३) સીતા નદીની ઉત્તરે નીલવંતપર્વતની દક્ષિણે ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે અને માલવંત વખારાપર્વતની પૂર્વે મહાવિદેહક્ષેત્રમાંનો એક વિજય सीता नदी के उत्तर नीलवत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वखारा पर्वतके पश्चिम और मालवत वखारा पर्वत के पूर्व मे महाविदेह क्षेत्र का एक विजय name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūta Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sitā जं०प०(४)ચારેકોર જળથી ઢંકાયેલ પ્રદેશ वह प्रदेश जिसके चारो बाजू जलसे ढके हों a place covered with water on all sides (५) કચ્છ વિજયના વૈતાઢ્ય પર્વતના નવ કૂટમાંના બીજા અને સાતમા કૂટનું નામ कच्छ विजय के वैताढ्य पर्वत के नौ कूटों में से दूसरे और सातवे कूट का नाम name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitādhya mountain of Kachchhavijaya जं० प० (६) થોડા જળનું સ્થાન थोडे जलका स्थान a place containing scanty water. नाया० १; —कूड पुं० (-कूट) ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-શિખર. चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Chitrakūta Vakhārā mountain. जं० प० (२) માલવંત પર્વતના નવ કૂટમાંનાં ચોથા કૂટ-શિખરનું નામ. मालवन्त पर्वत के नौ कूटो मे से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain जं० प० —वत्तव्वया. स्त्री० (-वक्तव्यता) કચ્છ વિજયની વક્તવ્યતા-અધિકાર. कच्छविजय का वर्णन. a description of Kachchhavijaya.

कच्छ. पु० (कक्ष) કાખ, બગલ. बगल, कांख. An arm-pit भग० ३ ७, —कोह. पु० (-कोथ = कक्षायां शरीरावयवविशेषायां कोथो दौर्गन्ध्यम्) કાખમાંની દુર્ગન્ધ बगलकी दुर्गन्धी stench proceeding from the arm-pit भग० ३. ७,

कच्छगावई स्त्री० (कच्छकावती) જુઓ "कच्छगावती" શબ્દ देखो "कच्छगावती" शब्द Vide "कच्छगावती" "वीकच्छगावइ" जं० प० ठा० २, ३.

कच्छगावती स्त्री० (कच्छकावती) બ્રહ્મકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે અને દ્રહવતી નદીની પૂર્વે બન્નેની વચ્ચે મહાવિદેહાન્તર્ગત ક્ષેત્ર વિશેષ ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के पश्चिम और द्रहवती नदी के पूर्व इन दोनो के मध्यमे महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūta Vakhārā mountain (westward) and Drahavati river (eastward). जं० प० —कूड. पुं० (-कूट) બ્રહ્મકૂટ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ચોથું કૂટ-શિખર. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhāra mount. जं० प०

कच्छुभ. पुं० (कच्छप) કાચબો. कछुआ. A tortoise. पन्न० १; जं० प० पगह० १, १, विवा० १, उत्त० ३६, १७१, जीवा० १, नाया० ४; पिं० नि ५६१, भग० ३, २, ७, ६, १२, ६, १५, १, (२) રાહુનું નામ राहुका नाम another name of Rāhu सू० प० २०;

कच्छभरिंगिय. न० (कच्छपरिङ्गित) કાચબાની પેઠે આગલ કે પાછલ મરજીપ્રમાણે ચાલીને વંદના કરે તે; વંદનાનો એક દોષ कछुवे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार चलकर वंदना करना, वंदन का एक दोष A fault connected with Vandanā (bowing), one who bows by moving backward and forward like a tortoise प्रव० १५०,

कच्छभाणी स्त्री० (*) એક જાતની પાણીમા ઉગતી વનસ્પતિ, કેશરનું ઝાડ. एक जाति की पानी मे उत्पन्न होने वाली वनस्पति, केशर का झाड A kind of aquatic plant, a saffron tree पन्न० १,

कच्छभी स्त्री० (कच्छपी) એક જાતનું વાજીંત્ર, વીણા एक जाति का वाजित्र, वीणा A kind of musical instrument, a kind of lute. " अट्ठसय कच्छभीणं " राय० ८८, जं० प० पगह० २, ५. नाया० १७; ठा० ४, २, निसी० १७, ३५,

कच्छभी स्त्री० (कच्छपी) છેડે પાતલું અને વચ્ચે પહોળું એવું પુસ્તક, પુસ્તકના પાંચ પ્રકારમાંનું એક. किनारों पर पतली और मध्य में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से एक. A book tapering at the end and bulky in the middle; one of the five varieties of books. प्रव० ६७१;

कच्छा स्त्री० (कक्षा) હાથીને છાતીમાં બાંધવાની રાસડી. हाथीकी छातीमे बांधने की रस्सी. A rope with which an elephant is tied in the middle part of its breast. ओव० ३०; भग० ३, ६; (२) મહાવિદેહની બત્રીશ વિજયમાની એક. महा विदेहकी बत्तीस विजय में की एक विजय one of the 32 Vijayas of Mahāvideha. ठा० २, ३;

कच्छुय पु० (कच्छुक) ખરજવો, ખસનો રોગ खाजका रोग; खाज A kind of disease which causes itching sensation निसी० ६, २२;

कच्छुरी स्त्री० (कच्छुरा) ધમાસો, ધમાસાનો ગુચ્છો एक जातकी वनस्पति, धमासे का गुच्छा Name of a plant, a cluster of the same plant. पन्न० १,

कच्छुल. पु० (कच्छूर) ગુલ્મ જાતનું એક ઝાડ. गुल्म जाति का एक झाड A kind of bushy plant पन्न० १,

कच्छुलनारय. पु० (कच्छुलनारद) કચ્છુલ નામનો નારદ कच्छुल नाम का नारद Nārada bearing the name Kachchhula नाया० १६,

कच्छू स्त्री० (कच्छू) ખરજ-ખાજ, કચ્છુ-રોગ खाज, खुजली, खाज का रोग. Itch, itching sensation जीवा० ३, ३, जं० प० भग० ७, ६;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

कच्छूक पुं० (कच्छूक) ખાજ; ખસ खाज; खुजली Itching sensation भग०७,६.

कच्छूल त्रि० (कच्छूमत) ખુજલીનો દર્દી. जिसे खाजकी बीमारी है वह (One) suffering from itch, scab etc विवा० ७, पराह० ३, ५;

कज्ज न० (कार्य) કાર્ય; પ્રયોજન; કારણ. કર્તવ્ય, ક્રિયા. काम, मतलब, काय, कर्तव्य, क्रिया. A deed, an action, an aim, a purpose, a duty "किंकज्ज मयगक्ति जतुकीरती लेख" पिं० नि० भा० ४७, विशे० ७१; ४२३, २११२, उत्त० २५, ३८, श्रोव० २०, राय० २१०; सु० प० ११, सु० च० १, ५७, जीवा० ३, ४, भग० ११, ६, १२, ६, १८, २, ७, नाया० १, २, ३, ५, ७, ८ आया० १, ०, २, ७६, दस० ७, ३६, उवा० १, ६, गच्छा० २२, ५६, पचा० ४, १७, ५, ३५, क० प० १, ८, —**अंतर** न० (-अन्तर) પ્રથમ કહેલા કાર્ય વિના બીજું કાર્ય प्रथम कहे हुए कार्य के बिना दुसरा कार्य, कार्यान्तर work other than the one said before पचा०१२, ३०, —**अभाव** पुं० (-अभाव) કાર્યનો અભાવ कार्यका अभाव absence of action or purpose विशे० ७१ —**आवन्न** त्रि०(-आपन्न)કાર્યપણાન-ઉત્પત્તિ ભાવને પ્રાપ્ત થયેલ कार्य रूप की-उत्पत्ति भाव को प्राप्त (that) which has reached the stage of effect or result; (that) which has been born विशे० ६०; —**सिद्धि.** स्त्री० (-सिद्धि) કાર્યની સફલતા कार्य की सफलता accomplishment of a purpose, a deed विशे० ३, —**हेउ.** पुं० (-हेतु) કાર્યનો હેતુ-નિમિત્ત कार्य का हेतु-निमित्त. (with) a purpose or motive. ठा० ४, ४, भग० २५, ७,

कज्जकारि त्रि० (कार्यकारिन्) સાર્થક; સપ્રયોજન अर्थ युक्त, मतलब सहित Having meaning, full of meaning. गच्छा० ६५,

कज्जता स्त्री० (कार्यता) કાર્યપણું कर्तव्य पन State of being a deed, a result etc. विशे० ११०,

कज्जल न० (कज्जल) આજણ, કાજળ अंजन, कज्जल Soot used as collyrium for the eyes. जं० प राय० ६०, पन्न० १७, श्राव० १०, जीवा० ३, ३, नाया० १, भग० २, १

कज्जलंगी स्त्री० (कज्जलाङ्गी) કાજલની ડબ્બી કે શીસી काजल की शीशी या डिब्बा A small box or vial in which eye collyrium is kept श्राव०

कज्जलप्पभा स्त्री० (कज्जलप्रभा) જંબૂ વૃક્ષના નૈઋત્ય ખુણાના વનખંડની એક વાવડીનું નામ जम्बू वृक्ष के नैऋत्य कोन के वनखंड का एक बावडी का नाम Name of a forest-well to the south-west of Jambūvṛiksa जीवा०३,४,ज०प०

कज्जसेण पुं० (कार्यसेन) કાર્યસેન નામે ગત-અવસર્પિણીના પાંચમા કુલકર गत अवसर्पिणी के कार्यसेन नामक पांचवें कुलकर The 5th Kulakara (a great leader of men) of the past Avasarpiṇi, named Kāryasena सम० प० २३८,

* **कज्जलावेमाण** त्रि० (*) પાણીથી

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

भराईने डुबाई. पाणी से भरा कर डूबता हुआ. Sinking down after being filled with water. निसी० १८, १८, आया० २, ३, १, ११६, —कज्जोवग्ग पुं० (-काष्ठोपग) ८८माना छोंतेरमा ग्रहनु नाम ८८ ग्रहों में से ७६वें ग्रह का नाम name of the 76th planet सू०प० २०, जं० प० ७, १७०, —कज्जोवग पु० (-काष्ठोपग) जुओ "कज्जावग्ग" शब्द देखो "कज्जावग्ग" शब्द vide "कज्जावग्ग" ठा० २, ३,

कडुअ-य पु० (कटुक) कडवो रस कटु रस Bitter taste सम० २२ भग० २, १,

कट्टर पु० (कट्वर) छाश, चटणी अथवा गरम मशालो छाछ, चटनी या गरम मसाला Whey; a kind of sauce; spices used to season food पिं०नि० ६२१,

कट्ठ त्रि० (कृष्ट) हलथी खेडेल हल से खुदा हुआ Ploughed पि० नि० भा० १२ उवा० १, ३३

कट्ठ पु० (कष्ट) कष्ट, दुःख, मुश्केली कष्ट दुःख, कठिनाई (Anything) bad, terrible or calamitous विवा० ७, ८ नाया० ६ भत्त० १२४,

कट्ठ न० (काष्ठ) लाकडुं, काष्ठ लकडा Wood stick. विवा० ७ पिं० नि० भा० ७ निसी० ३, १ सु० च० १३, १६ भग० ७, ६; ६ १८, ७ आया० १, १ ४, ३ १, ४, ३, १३४, २, १, ४ २६ नाया० १, ८, ६, १३ राय० २६ २६२, अणुजो० १० १६१, दस०४, ५, १ २, ३ पण्ह० १, पंचा० ७, ६; १८, १० क० गं० १, १२ प्रव० २२१, जं० प० ४, ११२, ११४, —अंतर. पु० (-अन्तर) लाकडा लाकडामां अन्तर-विशेषता लकडी लकडा में भेद विशेषता. the peculiarity of different kinds of wood. ठा०४, १;—आहार पु० (-आहार) लाकडाने खानार एक जातनो कीडा, त्रण इंद्रियवालो जीव. लकडी को खाजानेवाला एक जाति का कीडा; तीन इंद्रियवाला जीव a three-sensed living being, a worm found in wood and eating wood उत्त० ३६, १३६, पण्ह० १, नाया० १३, —कम्म न० (-कर्मन्) लाकडा कोतरवानु कार्य लकडी कोरने का काम engraving of wood नाया० १३, १७ निसी० १२, २०, आया० २, १२, १७१, —कार पु० (-कार) सुतार, सुनार, बढई, a carpenter अणुजो० १३१ —खाअ-य. त्रि० (-खाद —काष्ठं खादतीति काष्ठखादः) काष्ठ खाई लाकडामा रहेनार एक जातनो कीडो लकडी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कीडा a kind of worm found in timber ठा० ४ १ —पाउया स्त्री० (-पादुका) लाकडानी पावडी, चाखडी लकडी की पादुका a sandal of wood "कट्ठया उपानिवाजरग उवाइयाखित्ता" अगुत्त० ३, १ —पाउयार पु० (-पादुकाकार) पादुका बनावनार पादुका बनाने वाला one who makes sandals of wood पन्न० १, —पास पु० (-पाश) लाकडानो पाशलो लकडी का पाश a wooden die निसी० १२, १, —भार पु० (-भार) लाकडानो भारो लकडा का भारा a load of wood भग० ८, ६, —मालिया स्त्री० (-मालिका) लाकडानी माला लकडी की माला a rosary of wood निसी० ७, १; —मुद्दा स्त्री० (-मुद्रा) लाकडानी पटडी लकडी की पटली. a kind of wooden plank. "कट्ठमुद्दाए मुहंबंधइ बंधइत्ता" निर० १३;

—रासि. पुं० (-राशि) લાકડાનો ઢગલો. लकड़ी का ढेर. a heap of wood. भग० ८,६,१५,१;—संथारोवगय. पुं०(-संस्तारकोपगत) લાકડાના આસન ઉપર બેઠેલ लकड़ी के आसन पर बैठा हुआ one seated upon a wooden seat १५, १; —सगडिया स्त्री० (-शकटिका) લાકડાની ગાડી. लकड़ीकी गाडी. a wooden cart. नाया० १; भग० १, २, २, १; विवा० १, —सिला. स्त्री० (-शिला— काष्ठं शिलेवायतिविस्ताराभ्यामिति काष्ठशिला) શિલાનીપેઠે લાંબુ, પહોળું અને ચપટું લાકડાનું પાટીયું शिला की तरह लम्बा मोटा और चपटा लकड़ी का पटिया. a slab of wood. ठा० ३, आया० २, ७, २, १६१, —सिव. पु० (-शिव) લાકડાની ઘડલી શિવની મૂર્તિ लकडी की घडी हुई शिव की मूर्ति a wooden idol of god Śiva प्रव० १६६; —सेज्जा स्त्री० (-शय्या) લાકડાની શય્યા-શેજ. लकड़ी की शय्या a wooden bed. ठा० ३, ४, अत० १, ६, निर० ५, १, —हारअ त्रि० (-हारक) લાકડા ઉપાડનાર. કઠીયારો. लकड़ी उठानेवाला; कठियारा one who cuts wood and carries the pieces in bundles on his back अणुजो० १३१,

कट्ठभूअ. त्रि० (काष्ठभूत) કાષ્ઠની પેઠે જડ, ચેતન વગરનો जड, काष्ठ की नाईं, अचेतन Life less, inanimate. उत्त०१२,३०,

कट्ठयर. त्रि० (कष्टतर) અતિશય કષ્ટ बहुत कष्टवाला Very hard; very calamitous विशे० ३२४;

कट्ठा. स्त्री० (काष्ठा) દશા; અવસ્થા दशा; हालत Stage, condition. जं० प० ५, ११४; (२) પ્રમાણ प्रमाण. unit

" कट्ठकट्ठा पोरिसीछाया " सू० प० १;

कढिण त्रि० (कठिन) કઠણ; આકરૂં; કર્કશ. कठिन, कड़ा; कर्कश Hard, difficult; rough. ओव० २१;

कड पुं० (कट) સાદડી चटाई. A mat. अणुजो० १३१, १३३; ओघ० नि० भा० २८८; (२) હાથીનું ગંડસ્થલ हाथी का गंडस्थल an elephant's temple. नाया० १, (३) માંચો, પલંગ વગેરે पलंग, खाट; इत्यादि. a cot, a bed etc. भग० ५, ४, ८, ६, (४) પર્વતનો એક ભાગ. पर्वत का एक भाग a part of a mountain नाया० १, (५) ઘાસ (કરા પન્નાથી) घास. grass भग० २३, १; ठा० ४;

कड त्रि० (कृत) કરેલું, આચરેલું, અનુષ્ઠાન કરેલ कृत, किया हुआ, अनुष्ठान किया हुआ, आचरित Done, performed, practised प्रव० ६, ६०, कप्प० ५, १२६, ६, २, राय० २६३ वव० ३, ६, ओव० ३४, सूय०१,८,२१, उत्त० १, ११, वेय० ४, १४; नंदी० ४५, पि० नि० १४५, नाया० १; भग० १, ४, ७, १०; ३, १, ५, ३, ४, १७, ४; १८, ३; (२) ચાર, ચારની સંખ્યાનો સંકેત. चार २ की संख्या का संकेत quaternion, a set of four सूय० १, २, २, २३; (३) સચિત્તે ખરડેલું सचित्त से लिप्त-लगा हुआ bespattered by, carved by a living being. निसी० १२, १८,

कडअ. पु० (कटक) ભીંત दीवाल A wall. जं० प०

कडंगर. न० (कडङ्गर) ફલશૂન્ય એક જાતનું ઘાસ. फल रहित एक जाति का घास. A kind of grass सु० च० ५, १५;

कडंब. न० (*) એક જાતનું વાજિન્ત્ર एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

कडक्ख. पुं० (कटाक्ष) કટાક્ષ कटाक्ष; भ्रभंगादि हाव भाव A glance; a side-long look " **मकडक्ख दिट्ठिओ** " नाया० ६, सु० च० २,६८३, तंदु० जीवा० ३,३, जं० प० ७, १६६; —**दिट्ठि** स्त्री० (-दृष्टि) કટાક્ષભરી નજર. कटाक्षभरी दृष्टि a look, sight full of glances नाया० ६; राय० ११२,

कडक्खिय त्रि० (कटाक्षित) કટાક્ષ ભરેલ कटाक्ष से भरा हुआ. Full of glances प्रव० १३००;

कडग पु० (कटक) હાથમા પહેરવાનુ ભૂષણ, કડણ, કડુ. हाथमे पहिनने का आभूषण, ककण, कडा A bracelet " **वरकडग तुडिय थभियभूए** " ओव० २२, ज० प० निसी० ७, ८, राय० २७, दसा० १०, १, सू० च० १२, ४६; सम० ३४, महा० प० ८२, जीवा० ३, ३ ४, भग० ६, ३३, ११, ११, नाया० १ नाया० ध० ओव० १२, २२, पन्न० २, कप्प० २, १४, ४, ६२, (२) સમૂહ समूह, झुंड. a group, a collection. ज० प० (३) સૈન્ય; લશ્કર फौज सेना an army पराह० १, १ (४) ભીંતનુ મૂળ, પાયો. दीवाल का मूल पाया. the base of a wall ज० प० प्रव० ८७९, (५) પર્વતનો તટ, તળેટી पर्वत का पेंदा; तली. the bottom of a mountain. नाया० १, (६) પર્વતનો ઉપલો ભાગ पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a mountain नाया० ५; (७) પર્વતનાં મેખલાનો મધ્યભાગ. पर्वत का मध्यभाग the middle part of a mountain. ज० प० —**च्छेज.** न० (-च्छेद्य) સોનાના આભૂષણ તથા પર્વતના મધ્ય ભાગને છેદવાની કલા सुवर्ण का गहना तथा पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament ज० प० ३, ६५, ५, ११५, नाया० १, —**तट.** न० (-तट) પર્વતનુ તળીયું पर्वतकी तली. the bottom of a mountain नाया० १, —**पल्लल** न० (-पल्वल) પર્વતની પાસેનુ તળાવ पर्वत के पासका तालाव. a lake situated near a mountain; a mountain lake नाया० १, —**बंध.** पु०(-बंध) કેડ બાંધવી તે. कमर का बांधना, कमर बन्ध girding up the waist " **कडगबधहिं खलिया बधेहिं** " नाया० १७; —**मद्दण** न० (-मर्दन) સૈન્ય અથવા પત્થરથી મર્દન કરવું તે सैन्य द्वारा अथवा पत्थरों से मर्दन-नाश करना मारना pounding, destroying by means of stones, destroying by means of an army. पराह० १, १,

कडग्गिदाह पुं० (कटाग्निदाह) બે ફાડવાલા વાંશને અગ્નિ વડે બાળવુ તે दो फांकों वाले बांस को अग्नि द्वारा जलाना Burning, kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two (२) આગલ પાછલથી કટ નામનું ઘાસ વીંટાળીને સલગાવી મુકવું તે. कट नामक घास को चारो ओर लपेट कर जला

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. सम० ११,

कडजुम्म. पुं० न० (कृतयुग्म-कृतंसिद्धं पूर्यंतत परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न त्र्योज प्रभृतिवदपूर्णं यत् युग्मं समराशि विशेषः तत्कृतयुग्मम्) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં શૂન્ય શેષ રહે તે સખ્યા, જેમ કે ૧૬. जिस संख्या में चार का भाग देने से शून्य रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—**कडजुम्म** पुं० न० (-कृतयुग्म) ભાજ્ય. સખ્યા અને લબ્ધ સંખ્યા એ બન્નેને ચારે ભાગતા શૂન્ય શેષ રહે તે સખ્યા; જેમ કે ૧૬ ની સખ્યા वह सख्या जिस को ४ से भागने पर शून्य शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने पर भा शेष शून्य रहता है, जैसे १६ की सख्या any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four, e. g 16 भग० ३५, १;

—**कलिओग-य.** पुं० (-कल्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઇ શેષ ન રહે તેવી સંખ્યા, જેમકે સત્તરની સંખ્યા जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने से कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या, जैसे १७ any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e g. 17. भग० ३५ १; —**तेओग** पुं० (-त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધ સખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઈ શેષ ન રહે તેવી સખ્યા; જેમકે ઓગણીશની સંખ્યા जिस संख्या को चार से भागने पर तीन बचे और लब्धि संख्या में चार का भाग देने पर कुछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १६. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder, e g 19. भग० ३५, १, —**दावरजुम्म** पुं० (-द्वापर युग्म=यो राशि प्रतिसमय चतुष्कापहारेणापहियमाणो द्विपर्यवसानो भवति तत्समयाश्चतु पर्यं वासिताएवेति । असौ अपहियमाणापेक्षया द्वापरयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા શેષ બે રહે અને લબ્ધ સખ્યા ને ચારે ભાગતા શેષ ન રહે તેવી સંખ્યા; જેમ અઢારની સખ્યા जिस संख्या में चार का भाग देने पर शेष दो रहे और लब्धि सख्या मे चार का भाग देने से शेष कुछ न रहे ऐसी सख्या, जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder, e. g 18 भग० ३५, १;

कडपूयणा स्त्री० (कटपूतना) કડપૂતના નામની દેવી कडपूतना नाम की देवी. Name of a goddess. विशे० भा० २५, ४६;

* **कडप्प** पुं० (*) સમૂહ समूह, झुंड.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

A group सु० च० २, ३३१;

* कडमू. पुं० (कदृष्टू) એ નામનો એક કંદ इस नाम का एक कंद A kind of bulbous root. पन्न० १;

कडय न० (कडक) શેરડી, જાર, વગેરેના સાંઠા, કડબ ऊख ज्वार वगैरह के सांठा A stalk of sugar-cane, millet etc. आया० २, १०, १६६,

* कडयडिय त्रि० ( ) પાછું ફરેલ पीछे फिरा हुआ. Retreated, stepped back सु० च० ८, १६;

कडसक्करा स्त्री० (कटशर्करा) વાંસની ખીલી-શળી वास की सलाई कील A peg made of bamboo विवा० ६,

कडाय पु० (कृतायास) સંથારો કરનાર સાધુની સેવા ભક્તિ કરનાર સાધુ संथारा करने वाले साधु की सेवा भक्ति करने वाला साधु An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santhārā (giving up food and water) भग० २, १,

कडाली स्त्री० (कटालिका) ઘોડાના સ્વારને પગ ટકવાને પલાણની બે બાજુએ લટકતો પાગડો, घुडसवार के पाव टिकाने के लिये जीन के दोनों ओर लटकने हुए रकाब A stirrup अणुत्त ३, १,

कडासण न० (कटासन) આસન, પરથાણું आसन, बिछौना A seat consisting of a mattress, carpet etc. "उग्गहणं च कडासणं पुप्फगुआखिजा" आया० १, २, ५, ८६;

कडाह. पु० (कटाह) લોઢાનું ઠામ; કડાઈ लोहे का बरतन; कढाई; An iron vessel; a cauldron "दुव्वंसुविए कडाहे" पिं० नि० ५५२; उवा० ३, १२६;१३२;१४७, अणुत्त० ३, १, जीवा० ३, १; भग० ८, ९, (२) કાચબાની પીઠ. कछुए की पीठ. the back of a tortoise अणुत्त० ३, १; (३) પાંસળીનાં હાડકાં पसलीकी हड्डियां. the ribs. प्रव० १३८३,

कडाहय पु० (कटाहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो उपरका शब्द Vide above. उवा० ३, १२६;

कडि स्त्री० (कटि) કેડ, કમર कमर The waist. "घणकडितडच्छायं" ओघ० नि० भा० २५६, ३१५, पिं० नि० ४२६; आया० १, १, २, १६, जीवा० ३, भग० १, ६, ओव० १०, जं० प० नाया० २; १८; निर० ३, ४, —बंध पुं० (-बंध) કેડે બાંધવાની દોરી; કંદોરો कमर पर बांधने की डोरी, कंदोरा an ornamental belt for the waist. ओघ० नि० भा० ३१६. —बंधण न० (-बन्धन) કેડે બાંધવાનું વસ્ત્ર, ચરોટો कमर पर बांधने का वस्त्र, कमरबंध a cloth for the waist "सेकप्पइ कडिबंधणं धारित्तए" आया० १, ७, ७, २२३, —भाग पुं० (-भाग) કેડનો ભાગ, કટી પ્રદેશ कमर का हिस्सा, कटिप्रदेश the portion of the waist, the waist. प्रव० ५४१; —सुत्त. न० (-सूत्र) કમ્મરપટો; કંદોરો. કેડનું ઘરેણું कमरपट्टा, कदोरा, कमर का गहना, an ornamental belt for the waist "कडिसुत्त सुकयसोहे" जं० प० सम० प० २३८, ओव० २७; कप्प०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

४, ४२; —सुत्तग. न० (-सूत्रक) કડની દોરી; કંદોરો. कमरकी डोरी कंदोरा a thick thread worn round the waist. राय० १८६; —सुत्तय. न० (-सूत्रक) જુઓ " कडिसुत्तग " શબ્દ. देखो " कडिसुत्तग " शब्द. vide " कडिसुत्तग " नाया० १,

कडि. पुं० (कटिन्) સાદડીવાળો चटाई वाला One having a mattress अणुजो० १३१;

कडिअ. त्रि० (कटित) સાદડીથી ઢાંકેલું. चटाईसे ढंका हुआ Covered with a mat कप्प० ६, २;

कडिअकडि त्रि० (कटितकटिन्) સાદડીના પટાની માફક એક બીજા સાથે મળેલ, અત્યન્ત નિશ્છિદ્ર चटाई के पट्टों की तरह परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ, अत्यन्त निश्छिद्र Interlinked like the strips of a mat;having no hole " सवाकडिअकडिच्छाए " ओव० ३;

कडिण. पुं० (*) વાંસમાં ઉત્પન્ન થતું એક જાતનું ઘાસ કે જેથી ફૂલ ગુંથાય છે. बांस में उत्पन्न होने वाली एक जाति की घास, जिससे फूल गुंथे जाते हैं A kind of grass growing in bamboos, used to string together flowers सूय० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) કેડ, કમ્મર कटि, कमर The waist. प्रव० ५४२, —दोर पुं० (-दोरक) કેડનો દોરો કન્દોરો. कमर का दोरा; कंदोरा. a lace worn round the waist. प्रव० ५४२;

कडियल. त्रि० (कटितल) કમર. कमर The waist. सु० च० २, ३७४;

कडिल्ल. पुं० न० (कटिल्ल) કડાહ; મ્હોટી કઢાઇ. कढाई, बड़ी कढाई. A large cauldron अणुजो० १३४, ओघ० नि० ५२; उवा० २, ६४,

कडु त्रि० (कटु) કડવું, કડવારસવાળું कडु; कडुआ Bitter (२) पु० કડવો રસ. कडुआ रस. bitter juice ओघ० नि० भा० १४२; विशे० ८६५; क० गं० १, ४१; उत्त० ३६, १८, जं० प० ७, १२१; —विवाग त्रि० (-विपाक) દારુણ ફલવાળું; કડવું ફલ कठोर फलवाली; कडुआ फल (one) having bitter fruit or result पचा० १२, १७,

कडुइया स्त्री० (कटुका) કડવી તુબડીની વેલ कड़वी तुम्बी का लता. A creeper of gourd bitter in taste पन्न० १.

कडुग त्रि० (कटुक) કડવું कडु; कडवा Bitter. पंचा० ६, २२;

कडुच्छुग पु० (*) ધૂપનો કડછો. धूप का चिमचा, धूपदानी A large ladle made of iron etc used to burn incense, an incense pot जं० प० ५, १२०,

कडुच्छुय पु० न० (*) કડછો, કડછી चिमचा, कर्छी A large ladle made of iron etc. used in cooking जं० प० ५, १२, ३. ६३; जीवा० ३, ४, राय० १७५, भग० ५, ७, ८, ६, निर० ३, ३,

कडु-य त्रि० (कटुक) કડવું कडुआ. Pungent, bitter. जं० प० ओव० २०; ठा० १, १, अणुजो० १३१, दस० ५, १, ६७; सू० प० ११; आया० १, ५, ६, १००

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

पण्ण० १ नाया० १, १६, १७; विवा० १, राय० २८१, उत्त० ३४ १० जीवा० ३ १ भग० ६, ३३ १७ ६ २०, ४ क० ग० १ ४२ कप्प० ४, ६५ ६ ५६; (२) पु० કેવો રસ कडुआ bitter juice (३) અશુભ अशुभ inauspicious दस० ४ १ —तुंबी स्त्री० (तुम्बी) કડવી તુંબડી कडु तुम्बी bitter gourd नाया० १ —भासिणी स्त्री० (-भाषिणी) કડવું બોલનારી (સ્ત્રી) कटु वचन बोलने वाला (स्त्री) woman speaking bitter words ठा० ४ ४ —रस पु० (रस) કડવો રસ कटु रस bitter juice भग० ८ १ —रुक्ख पु० (वृक्ष) કડવા રસવાળું ઝાડ कटु रस वाला झाड a tree bitter in taste भग० १५ १ —वयण न० (वचन) કડવું વચન कठोर वचन bitter words नाया० ११ —वल्ली स्त्री० (-वल्ली) કડવી વેલ कडवी लता a creeper bitter in taste भग० १५ १

कडुय न० (*) એક જાતનું વાજું एक जाति का बाजा A kind of musical instrument राय० ८८

*कडुसगबंधण न० ( ) એક ભાગ સૂત્ર એક ભાગ ઊન અને એક ભાગ કાથી એ ત્રણના મિશ્રણથી બનાવેલ દોરડું एक भाग सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल की जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई रस्सी A string or thread made of cotton wool and coir mixed together proportionately निसा० ५, ७४

√कड्ढ धा० I (कथ) કહેવું कहना To tell to say

कड्ढति पिं० नि० ३१३

√कड्ढ धा० I (कृष) ખેંચવું खींचना To draw (२) ખેડવું खड़ना to till

कड्ढइ पिं० नि० ५८७ निसा० १८ १५

कड्ढिउ सं० कृ० सु० च० ६ १७

कड्ढित्त सं० कृ० आया० २ १३ १७३

कड्ढेत पि० नि० ११४ सु० च० ७ १२६

कड्ढिज्जमाण क० वा० व० कृ० राय० ७१

कड्ढावित्त प्र० अत० ३ ८

कड्ढावेत्तु सं० कृ० आया० २ १३ १७३

कड्ढण न० (कर्षण) ખેંચવું खींचना Drawing (२) ખેડવું जोतना हलना tilling कड्ढइकारसइ पि० नि० ३८० सु० च० १५ ११६ पचा० ५, ३७

कड्ढिढत त्रि० (कृष्ट) ખેંચેલું खींचाहुआ Drawn pulled पचा० ७ ४०

कड्ढिढय त्रि० (कृष्ट) ખેંચેલ खींचाहुआ Drawn hugged पराह० १ १ क० प० ४ १

कड्ढोकड्ढा स्त्री० (कृष्टापकृष्ट कर्षणापकर्षण) ખેંચ મચ તાણાતાણ खींचाखींच खचाताना Tugging to and fro उत्त० १६ ५२

कढण पु० (क्वाथन) કઢવું ઉકાળવું उबालना औटाना Boiling पराह० १ १

कढिग-य त्रि० (क्वथित) કઢેલ ઉકાળેલ औटाया हुआ उबाला हुआ Boiled आघ० नि० १४७ जीवा० ३ ३ भत्त० ४१ पि० नि० ६२४

कढिण त्रि० (कठिन) કઠોર મજબુત दृढ मजबूत Hard strong भग० ११

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

१; ओघ० ३८; सु० च० १, १४१; (२) वांसनी सादडी; चटाइ. बांसकी चटाई, a mat; a bamboo mattress. "इक्कडं वा कढिणं वा जंतुयं वा" आया० २, २, ३, १००;

कण. पुं० (कण) કણકી, ચોખાના ખંડિત દાણા. खंडित चावल, कणी Broken grains of rice, broken grain. उत्त० १, ५, आया० २, १, ८, ४८; जं० प० ५, ११५; (२) સાતમા ગ્રહનું નામ. सातवें ग्रह का नाम name of the 7th planet सु० प० २०, ठा० २, ३, —**कुंडग.** पु० (-कुण्डक) દાણાવાળા કુસકા दानेवाला भूसा, अन्न मिश्रित भूंसा. chaff containing grain. आया० २, १, ८, ४८; —**पूवलिया** स्त्री० (-पूपलिका) કણમિશ્રીત રોટલી कणमिश्रित रोटी bread mixed with broken grains. आया० २, १, ८, ४८, —**वित्ति** त्रि० (-वृत्ति) દાણા વિણીને તેના ઉપર ગુજરાન ચલાવનાર दाणे चुनकर उसपर निर्वाह करने वाला one who supports oneself by picking up scattered grains सु० च० १२, ५.

कणंद. पु० (कनन्द) કનન્દ નામના સાધુ कनन्द नामका साधु Name of a monk. भग० १५, १;

कणक. पु० (कनक) બાણ. बाण An arrow. सम०

कणकणग. पुं० (कनकनक) નવમાં ગ્રહનું નામ. नौवें ग्रह का नाम. Name of the 9th planet सू० प० २०,

कणकणग. पुं० (कणकणक) જુઓ "कणकणग" શબ્દ. देखो "कणकणग" शब्द Vide "कणकणग" "दो कणकणगा" ठा० २, ३;

कणगपाणि. पुं० (कनकपाणि) કણક-બાણ અથવા શારંગ-ધનુષ્ય જેના હાથમાં છે તે વાસુદેવ. कणक—बाण या शारंग—धनुष्य जिसके हाथ में है वह वासुदेव Vāsudeva; lit. one with a bow or arrow in his hand सम० प० २३७,

कणग न० (कनक) સુવર્ણ, સોનું. सुवर्ण, सोना Gold. चं० प० १; राय० २२२; आया० २, ५, १, १४५, जं० प० ७, १७०; सु० च० २ ५६३; पिं० नि० ८०; ४०६, नाया० १, ६, १८; भग० ३, १, ८, ५, ६, ३३; ११, ११, २१, ४, उवा० १, ७६; कप्प० ३, ३६; ४४, (२) ધૃતદ્વીપના દેવતાનું નામ घृतद्वीप के देवता का नाम name of the deity of the Ghrita Island जीवा० ३, ४, सू० प० १६; (३) રેખા-લીટિ વગરનો તેજનો ગોળો. रेखा रहित प्रकाश वाला गोला a ball of light without any lines upon it ओघ० नि० भा० ३१०, (४) ચાર ઇંદ્રિયવાલો એક જીવ चार इन्द्रिय वाला एक जीव a kind of four-sensed living creature. पन्न० १, (५) એક જાતનું બાણ एक जाति का बाण a kind of arrow पण्ह०१,१,३, (६)એક જાતનું વાજીંત્ર एक जाति का बाजा. a kind of musical instrument. जं० प० —**कंत** न० (-कान्त = कनकस्येव कान्तं कान्तिर्येषां तानि कनककान्तानि) સોનાની માફક ચમકતું. सोनेकी तरह चमकता glittering like gold निसी० ७, ११, आया० २, २, १, १४५, —**खचित.** त्रि० (-खचित) સોનાના તારથી જડેલ सोनेके तार से जडा हुआ fastened with, inlaid with golden wires. निसी० ७, ११; भग० ६, ३३, —**चित्त** न० (-चित्र)

सोनेरी चित्रामण, सुनहरी चित्र-चित्राम. pictures, drawings of gold निसी० ७, ११; —जालग पुं० (-जालक) सोनानी જારી; એક જાતનું આભરણ. सोने की जाली; एक जाति का गहना. a kind of gold ornament; a kind of net of gold, जीवा० ३, ३, —सिगर मालिया. स्त्री० (-सिकरमालिका) એક જાતનું આભરણ एक जातिका गहना a kind of ornament जीवा० ३, ३. —तिंदुसय. न० (-तिंदुसक) સોનાના તારથી ખીચેલ દડો सोने के तार से बना हुआ गेद a ball woven with gold wires विवा० ६, —तिलग पु० (-तिलक) સોનાનું તિલક सोने का तिलक a mark made on the forehead with gold an ornament of gold worn on the forehead. जीवा० ३, ३. —विचित्त त्रि० (-विचित्र) સોનેરી ચિત્રામણવાળુ सुनहरी चित्राम वाला bearing pictures or drawings of gold. निर० ७, ११;

कणगकूड. पु० (कनककूट) વિદ્યુત્પ્રભ વખારા પર્વતના નવ કૂટમાનુ પાચમું કૂટ-શિખર विद्युतप्रभ वखार पर्वत के नौ कूटो में से पांचवां कूट-शिखर The 5th of the 9 summits of the Vidyutprabha Vakhārā mountain.ज०प०

कणगकेउ. पु० (कनककेतु) અહિચ્છત્રી નગરીનો કનકકેતુનામે રાજા अहिछत्रा नगरीका कनककेतु नामक राजा. Kanakaketu, the name of a king of the city of Ahichchatri. "अहिच्छत्ताए नयरीए कणगकेऊ नाम राया होत्था" नाया० १४,१५;१७,(२) હસ્તિનાપુર નગરના કનકકેતુ નામે રાજા. हस्तिनापुर नगर का कनक केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastināpura.नाया०१७;

कणगउज्झय. पु० (कनकध्वज) તેતીલ નગરના કનકરથરાજાનો કણગજ્ઝયનામે પુત્ર. तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकध्वज नामक पुत्र. Name of the son of Kanakaratha king of Tetilpura. नाया० १४, —कुमार. पु० (-कुमार) જુઓ "कणगउज्झय" શબ્દ. देखो "कणगउज्झय" शब्द. vide "कणगउज्झय" नाया० १४,

कणगपुर न० (कनकपुर) કનકપુરનામે નગર. कनकपुर नामक नगर Name of a town. विवा० २, ६,

कणगप्पभा स्त्री० पुं० (कनकप्रभा) ધૃતદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ घृतद्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of a presiding deity of the Ghritadvīpa सू०प०१६,जीवा०३,४,नाया०ध०५;

कणगमय त्रि० (कनकमय) સોનાનું. सोनेका, सुवर्ण का Golden, made of gold नाया० ८; १४; सु० च० १, २६७ —तिंदुसय. पुं० (-तिंदुसक) સોનાના તારથી બિચેલ દડો. सोने के तार से बनाया हुआ गेद a kind of ball made of gold. नाया० १६; —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) સોનાની પ્રતિમા-પુતળુ. सोने की प्रतिमा-मुर्ति a golden idol नाया०८,

कणगरह. पुं० (कनकरथ) તેતીલપુર નગરનો કનકરથ નામનો રાજા, કે જે આવતી ચોવીસીમા પહેલા મહાપદ્મ તીર્થંકર પાસે દીક્ષા લેશે. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा जो आगामीकाल की चौवीसी में पहिले महापद्म तीर्थंकर के पास दीक्षा लेगा. Name of a king of Tetilapura who will take Dīksā from the first

Tirthankara in the comingChoviśī. नाया॰ १४; विवा॰ ७, ठा॰ ८, १;१०;

कणगलया. स्त्री॰ (कनकलता) કનક નામની વેલ. कनक नाम की बेल-लता Name of a creeper. भग॰ २०, ५; (२) ચમરેન્દ્રના લોકપાલ સોમની બીજી પટ્ટરાણી. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की द्वितीय पट्टरानी. the 2nd crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra ठा॰ ४, १;

कणगवियाणग. पुं॰ (कनकवितानक) કનકવિતાન નામનો ગ્રહ. कनकवितान नाम का ग्रह. Name of a planet. ठा॰ २, ३.

कणगसंताणग. पुं॰ (कनकसन्तानक) કનકસંતાનક નામે ૮૮ માંનો એક ગ્રહ. कनक संतानक नामका ८८ ग्रहो मे का एक ग्रह. Name of one of the 88 planets ठा॰ २, ३;

कणगसंताणय. पुं॰ (कनकसन्तानक) સત્તોતેરમા ગ્રહનું નામ ७७ वे ग्रह का नाम. Name of the 77th planet "कणगसंताणय" सू॰ प॰ २०,

कणगसत्तरि न॰ (कनकसप्तति) સુવર્ણની હકીકત વાળું આગલના વખતનું એક લૌકિક શાસ્ત્ર. सुवर्ण के इतिहास वाला भूत काल का एक लौकिक शास्त्र. An ancient science giving a description of gold अणुजो॰ ४१;

कणगा. स्त्री॰ (कनका) કનકા દેવી कनका देवी Name of a goddess नाया॰ ध॰ ५; (२) રાક્ષસના ઇન્દ્ર ભીમની ત્રીજી પટ્ટરાની. राक्षस के इंद्र भीम की तीसरी पट्टरानी. the third crowned queen of Bhima, Indra of the Rākṣasa. ठा॰ ४,१, भग॰ १०,५; (३) ચમરેંદ્રના લોકપાલ સોમની પહેલી પટ્ટરાની. चमरेंद्र का लोकपाल सोम की पहिली पट्टरानी the first crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. ठा॰ ४, १;

कणगामय त्रि॰ (कनकमय) સુવર્ણનું બનેલ; સુવર્ણમય. सोने का बनाहुआ स्वर्णमय. Golden; made up of gold. जं॰ प॰ ४, ७२;
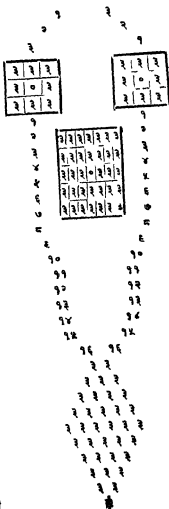
कणगावलि स्त्री॰ (कनकावलि) એક પ્રકારના તપનો સમૂહ જેની સ્થાપના કનકાવલિ-હાર ને આકારે થાય છે તે આપ્રમાણે—

१ ३
२ २
३ १

३	३	३
३	०	३
३	३	३

३	३	३
३	०	३
३	३	३

१ १
२ २
३ ३
४ ४
५ ५
६ ६
७ ७
८ ८

३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	०	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३

९ ९
१० १०
११ ११
१२ १२
१३ १३
१४ १४
१५ १५
१६ १६
३ ३
३ ३ ३
३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३
३ ३ ३
३ ३
३

આ કોષ્ટકમાં ચાર પારિપાટી (કડકા) છે. તેમાં પહેલી પરિપાટીમાં એક ઉપવાસથી શરૂ કરી છઠ અને અઠમ (ત્રણ ઉપવાસ) સુધી ચ્હડી આઠ અઠમ કરી વળી એક ઉપવાસથી સોલ ઉપવાસ સુધી ચડાવવા બીજી પરિપાટીમા ચોત્રિશ અઠમ કરવા. ત્રીજી પરિપાટી પહેલી પરીપાટીથી ઉલટી રીતે કરવી એટલે સોળથી ઘટાડી એક સુધી આવી આઠ અઠમકરી અઠમ, છટ્ઠ અને એક ઉપવાસ કરવો. ચોથી વચ્ચેની પરિપાટીમાં ચોત્રિશ અઠમ કરવા એકેક પરિપાટીમા એક વરસ પાચ માસ અને બાર દિવસ લાગે ચારેમા પાચ વરસ નવ માસ અને અઢાર દિવસ લાગે एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकावलिहार की तरह किया जाता है जैसः— इस कोष्ठक मे चार परिपाटी (लडे है) उनमे की पहिली परिपाटी म एक उपवास से प्रारभ कर छट्ठ और अट्ठम (तीन उपवास) तक बढकर आठ अट्ठम किये जाते है, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक चढना पडता है दूसरी मे पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास से घटकर एक उपवास तक करके आठ अट्ठम करते है और अट्ठम छट्ठ तथा एक उपवास करते हे चौथी मध्य की परिपाटिमें ३४ अट्ठम करत हैं एक एक परिपटि मे एक वर्ष पांच मास और बारह दिन लगते हैं चारो परिपाटियां करने मे पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिन लगते है. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. ओव १६; प्रव० १५४२;

कणगावलिपविभत्ति पुं० (कनकावलिप्रविभक्ति) એક જાતનુ નાટ્ય. एक जाति का नाट्य -नाटक. A kind of drama. राय० ६१,

कणगावली. स्त्री० (कनकावली) પાંચ વરસ નવમાસ અને અઢારા દિવસમાં થતું એક તપ કે જેની આકડામા સ્થાપના કરતાં કનકાવલિનો આકાર થાય છે કે જે કણકાવલિ શબ્દમાદર્શાવેલ છે पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसकी अंकों में स्थापना करने से कनकावलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनकावलि शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace. अंत० ८, २; निर० ७, ८; (२) ડોકમા પહેરવાનો સોનાનો હાર. गले मे पहिनने का सुवर्ण का हार a gold necklace. नाया० १, भग० ११. ११,

कणयग पुं० (कनक) સોનુ, सुवर्ण, सोना Gold. भग० १, १, ७, ५; नंदी० ११. सु० च० १, ३१, नाया० १, (२) આઠમા ગ્રહનુ નામ आठवें ग्रह का नाम name of the eighth planet. सू० प० २०; **—कमल** न० (-कमल) સોનાના કમલ सोने का कमल. a golden lotus प्रव० ४५३, **—खचिय** पु० (-खचित) સોનાના તારથી ભરેલ. सोने के तार से जडा हुआ anything inlaid with, full of wires of gold नाया० १, **—दंडिया.** स्त्री० (-दण्डिका) સોનાની છડી નાની લાકડી. सोने की छडी-छोटी लकडी. a small stick of gold ज० प० ३, ४८; **—वन्न.** त्रि० (-वर्ण) સોના જેવા રંગ વાળું. जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो. of the

colour of gold सु० च० १, ६५,
—सेल० पुं० (-शैल) મેરૂપર્વત; સોનાનો પર્વત मेरु पर्वत; सुवर्ण का पर्वत the Meru mountain, the mountain of gold सु० च० २, ४६६;

कणयमय. त्रि० (कनकमय) સુવર્ણમય सुवर्णमय. Golden; full of gold. जं० प० १, १४, प्रव० १२४१;

कणयर पुं० (करवीर) કણેર નામનું ગુલ્મ જાતિનું ઝાડ कनेर नाम का गुल्म जाति का झाड. Name of a tree. पन्न० १.

कणया स्त्री० (कनका) ચમરેન્દ્રના લોકપાલ સોમની કનકા નામની મુખ્ય દેવી. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी The principal queen of Soma, the Lokapāla of Chamarendra भग० २०, ४,

कणयार पुं० (कर्णिकार) કણેરનું ઝાડ. कनेर का झाड Name of a tree. आया० २, १४, १७६,

कणव पुं० (कणव) કણવ નામનું એક જાતનું ઘાસ. कणव नाम की एक जाति की घास A kind of grass. भग० २१, ५,

कणवियाणग पुं० (कणवितानक) દશમા ગ્રહનું નામ दशवें ग्रह का नाम. Name of the 10th planet. सू० प० २०,

कणवीर पुं० (कणवीर) કણેરનું વૃક્ષ कनेर का झाड. Name of a tree called Kanera राय० ५७; जीवा० ३, ४; पराह० १, ३; जं० प० ५, १२२, (२) કણેરનું ફુલ. कनेर का फूल. a flower of the Kanera tree पराह० १, ३;

कणिक. पुं० (*) એક જાતનો મચ્છ एक जाति का मच्छ. A kind of fish. पन्न० १;

कणिट्ठ. त्रि० (कनिष्ठ) ન્હાનો; લઘુ. छोटा; लघु. Small; young; youngest. पिं० नि० ५११; गच्छा० ६०;

कणिट्ठग. त्रि० (कनिष्ठक) ન્હાનું; હલકું. हलका. छोटा Small; younger. क० गं० ५, ३८,

कणिया-आ स्त्री० (कणिका) એક જાતની વીણા. एक जाति की वीणा A kind of lute जीवा० ३, ३. (२) ચોખાની કણકી. चावल की कनी broken grains of rice पिं० नि० २४६; तंदु०

कणियार पु० (कर्णिकार) થણિતકુમાર દેવતાનું કણેર નામે ચૈત્ય વૃક્ષ स्तनितकुमार देवता का कनेर नाम का चैत्य वृक्ष A garden tree of the god Thanitakumāra, named Kanera ठा० १०, १. नाया० ३, (२) કર્ણિકાર નામના સાધુ कर्णिकार नाम के साधु name of a saint भग० १५, १,

कणिर त्रि० (*) વાગવાના સ્વભાવવાળુ. दुखन वाला स्वभाव वाला Having the nature of being hurt or cut सु० च० २, ४६, ३२१;

कणीयस त्रि० (कनीयस्) ન્હાનો, કનિષ્ઠ. छोटा, कनिष्ठ Young, small; younger. अंत० ३, ८, उवा० ३, १३४; कप्प०८,

कणुग न० (कणुक) આંખમાં પડેલું કણું. आंख में गिरा हुआ कण. A particle of dust etc. entering the eye पंचा० १८, १०,

कणुय. न० (कणुक) કણો; રજકણ; रज

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

कण; रजकण; रज. Particles of dust. " सुकसुमं " आया० २, १, ८, ४१;

कण्ण. पुं० (कर्ण) કાન. कान. An ear. विवा० २; नाया० १; ८; १४, १६; भग० ३ ७, १२, ५; आया० १, १, २, १६; राय० ४०; अणुत्त० ३, १, ज० प० ५, ११४; १२५, उवा० २, ६५; —अंतर. न० (-अन्तर) બે કાન વચ્ચેનું અન્તર दोनों कानों के बीच का अतर the distance between the two ears विवा० १, —आयय त्रि० (-आयत) કાનસુધી લંબાવેલ कान तक लम्बा खींचा हुआ anything long enough to reach the ears ज० प० ३, ४५, भग० ५, ६, ७, ६; —गय पुं० (-गत) કાને સભળાયેલ कान से सुना हुआ (anything) heard " कयणगया दुम्मणियं जयाति " दस० ६ ३, ८, —छिन्न त्रि० (-छिन्न—छिन्नकर्ण) કાનકટ્ટો જેના કાન છેદાયા છે તે कानकटा, जिसका कान कटा हुआ है वह, छिन्न कर्ण (one) with ears cut आया० २, ४, २, १३६, —च्छेयण न० (-च्छेदन) કાનનું છેદન कान का छेदना cutting off or piercing of ears नाया० २. —धार पुं० (-धार) નાવીક मल्लाह; नाविक a sailor, a boat man नाया० ८; ६; १७, —पीठय न० (-पीठक) કાનનું ઘરેણું कानका गहना an ear-ornament " कुडल मट्टगंडयल कयण पीढधारी " पन्न० २, भग० १५, १; ठा० ६, ओव० २०; —पूर. पुं० (-पूर) કાનમાં પહેરવાનું આભરણ. कान मे पहिनने का आभूषण an ear-ornament. नाया० १; ८; ओव० ३८; (२) કર્ણપૂર નામે હાથીના કાનનું આભૂષણ कर्णपूर नामक हाथीके कान का आभूषण. an ear-ornament for an elephant. ओव० ३०; —बंध. पुं० (-बन्ध) કાન બાંધવા તે. कानों का बांधना. closing up, tying up of ears. नाया० १७; —मल न० (-मल) કાનનો મેલ. कान का मैल wax of the ears. निसी० १, ३५; ३, ६६; —मूल. न० (-मूल) કાનની નજીકનો પ્રદેશ, કાનનું મૂલ कान के समीप का भाग, कान का मूल the neighbouring part of an ear. नाया० ३; ज० प० ५, ११४. —पाली. स्त्री० (-पाली) કાનમા પહેરવાની વાળી—એક આભૂષણ कान में पहिनने की बाली-एक आभूषण an ear-ring. जीवा० ३, ३. —वेयणा स्त्री० (-वेदना) કાનની વેદના कान का दुःख pain in the ear नाया० १३ —वेहण न० (-वेधन) જુઓ " कण्णवेहणग " शब्द. देखो " कण्णवेहणग " शब्द vide " कण्णवेहणग " भग० ११, ११, —वेहणग. न० (-वेधनक) કાન વિંધવાનો સસ્કાર कान बींधने का संस्कार the ceremony of piercing or perforating the ears राय० २८८; —सक्कुलिया. स्त्री० (-शष्कुलिका) કાનનુ વિન્ધ. कान का छेद a hole in the ear, a perforation made in the ear. नाया० ८, १४, —सुह न० (-सुख) કાનને સુખરૂપ શબ્દ. कान को सुखकारी शब्द. words sounding sweet to the ears. नाया० ९; —सोहणअ. न० (-शोधनक) કાનને ખોતરવાની સળી, કાન ખોતરણી. ચાટુડી. कान साफ करने की सलाई a small thin straw etc , used to cleanse the ear of its wax निसी० १, ३६; आया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

कण्णकला. स्त्री० (कर्णकला) सूर्य એક માંડલેથી બીજે માંડલે જે ગતિએ જાય છે તે ગતિનું નામ કર્ણકલા છે. કર્ણ એટલે એક માંડલાનો બુદ્ધિકલ્પિત છેડો, ત્યાં આવીને સૂર્ય કલા એટલે એકેક અંશે બહાર નિકળતો કે અંદર આવતો બીજા માંડલાને છેડે પહોચે તે કર્ણકલા ગતિ. सूर्य एक मंडल से दूसरे मण्डल में जिस गति से जाता है उस गति का नाम " कर्णकला " है, कर्ण अर्थात् एक मण्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां आकर सूर्य कला अर्थात् एक २ अंश में बाहर निकल कर या अंदर आकर दूसरे मंडल के सिरे–अंत तक पहुंच जाता है उसे " कर्णकला गति " कहते हैं A name given to the apparent motion of the sun from one point to another सू० प० १;

कण्णंतेउर. पुं० (कन्यांत पुर) કન્યાનું અન્તાપુર; રાજકન્યાઓને રહેવાનું સ્થાન. कन्या का अन्त पुर, राज कन्या के रहने का स्थान An apartment for royal girls नाया० १६;

कण्णगा स्त्री० (कन्यका) કુમારિકા; કન્યા. कुमारी, कन्या. A girl unmarried; a girl नाया० ८,

कण्णत्तिय. पुं० (-कर्णत्रिक) એક જાતનો પાંખવાળો ઉડતો ચોઇન્દ્રિય જીવ. एक जाति का पंखो वाला उडता चार इंद्रिय जीव. A kind of four-sensed insect with wings. पन्न० १;

कण्णपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) લવણ સમુદ્રમાં સાતસો જોજન ઉપર આવેલ કર્ણ પ્રાવરણ નામનો એક અંતર દ્વીપ. लवण समुद्रमें सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्रावरण नामक एक अंतर द्वीप. Name of an island in Lavana Samudra at a distance of 700 Yojanas from the shore. ठा० ४, २; (२) તે અંતર દ્વીપમાં રહેનારા મનુષ્યો. उस अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabitant of any of the islands called Antara Dvīpas. पन्न० १,

कण्णलोयण पुं० (कर्णलोचन) સતભિશક નક્ષત્રના ગોત્રનું નામ. सतभिषक नक्षत्र के गोत्र का नाम Name of the family of the constellation Satabhiśaka सू० प० १०;

कण्णा स्त्री० (कन्या) કન્યા, પુત્રી. कन्या; लडकी. A girl; a daughter उत्त० २२, २८, नाया० १६, पचा० १, ११,

कण्णिआ–या. स्त्री० (कर्णिका) ખુણો. कोना A corner जं० प० (२) કમલનો બીજકોશ; કમલનો મધ્યભાગ. कमल का मध्य भाग, कमल का बीज कोष pericarp of a lotus, the middle part of a lotus. भग० ११, २, पन्न० १, २, जं० प० ओव० ४२; जीवा० ३, १, कप्प० ६, ४४, (३) એક જાતની વનસ્પતિ एक जाति की वनस्पति a kind of vegetation भग० ११, ७, (४) કાનની વારી कान की बाली an ear-ring ओव० ४२, (५) છત્રનો અન્દરનો ભાગ. छत्र का भीतरी भाग. the inner part of an umbrella. राय० १२२;

कण्णियार. पुं० (कर्णिकार) કણેરનું ઝાડ, कनेर का झाड. Name of a tree. (२) न० કર્ણિકારનું ફુલ. कर्णिकार का पुष्प a flower of this tree. पन्न० १०; भग० १४, १०; नाया० ६;

कण्णीरह. पुं० (कर्णीरथ) એક પ્રકારનો વિશિષ્ટ રથ કે જે ખાસ ઋદ્ધિમંત માણસોને ત્યાંજ હોય તે. एक प्रकार का प्रधान रथ, जो

प्रायः समृद्धिशाली मनुष्यों के यहां ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people नाया० ३, —प्पयाय त्रि० (-प्रयात) श्रीमंतकना चिन्ह वाला रथमा बेसी आव जाव करनार श्रीमंताई के चिन्ह वाले रथ मे बैठ गमनागमन करने वाला one who drives in a chariot which is a mark of prosperity " कण्णी रहप्पयायावि होत्था " नाया० ३

कण्ह पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव Krisna Vāsudeva पन्न० १, उत्त० ३६, ६८, सम० १०, नाया० ५, प्रव० ८६१, (२) कृष्ण नामना एक परिव्राजक संन्यासी कृष्ण नामक एक परिव्राजक सन्यासी name of a mendicant saint ओव० ३८ (३) अत्यंत काला रंगना कर्म पुद्गलोने येन थता अत्यंत मलिन परिणाम अत्यन्त काले रंग कर्म पुद्गलों के योग से होता हुआ महा मलिन परिणाम very dark consequence resulting from very dark Karma सम० ६, (४) पांचमा बलदेव वासुदेवना पूर्वभवना धर्माचार्य पांचवें बलदेव-वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva Vasudeva सम० प० २३६, (५) काली रंग काला रंग black colour जीवा० ३, (६) कृष्ण नामनी वेल कृष्ण नाम की बेल-लता name of a creeper पन्न० १, (७) काली तुलसी काली तुलसी the black holy basil पन्न० १, (८) एक प्रकारनो कृष्ण नामनो कंद एक जातिका कृष्ण नामका कंद name of a kind of bulbous root पन्न० १; (९) स्त्री० छ लेश्यामानी कृष्ण नामनी पहेली लेश्या. छः लेश्याओं में से कृष्ण नाम की प्रथम लेश्या. the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पन्न० १७, (१०) निरयावलिकाना चोथा अध्ययनुं नाम. निरयावलिका के चौथे अध्याय का नाम name of the fourth chapter of Nirayāvalikā निर० १, १, —कंद पुं० (-कन्द) एक जातनी कृष्णकंद नामनी साधारण वनस्पति एक जाति की कृष्णकंद नाम की एक साधारण वनस्पति a kind of bulbous root called also Krisnakanda उत्त० ३६, ६८, जीवा० १, पन्न० १, —जीव पुं० (-जीव) कृष्ण वासुदेवनो जीव. कृष्ण वासुदेव का जीव. the life of Krisna Vāsudeo प्रव० ४७१, —पक्खिअ-य पुं० (-पाक्षिक = कृष्णपक्षोऽस्यास्तीति कृष्णपाक्षिकः) जेने अर्द्ध पुद्गल परावर्तन करता वधारे संसारमां परिभ्रमण करवानुं होय ते जीव. जिसे अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भी अधिक संसार में रुलना भ्रमण करना है वह जीव a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardha Pudgala Parāvartana दसा० ६, १, भग० १३, १, २६, १; ३१, २४, ठा० १, १ —लेसा स्त्री० (-लेश्या) कृष्ण लेश्या नामनी पहेली लेश्या कृष्ण लेश्या नाम की प्रथम लेश्या the first of the Leśyās called the black Leśyā. जीवा० १, ४, ७, —लेस्स त्रि० (-लेश्य) कृष्ण लेश्यावालो कृष्ण लेश्या वाला with black Leśyā (i. e thought-colour or matter colour). भग० २६, १, २९, २२ ठा० २, १; —लेस्सा

स्त्री० (-लेश्या) કૃષ્ણલેશ્યા. कृष्ण लेश्या. the black Leśyā (i. e thought -tint or matter-tint) भग० २५, ६; —वासुदेव पुं० (-वासुदेव) કૃષ્ણ વાસુદેવ, ચાલુ અવસર્પિણીના નવમા વાસુદેવ. कृष्ण वासुदेव; वर्तमान अवसर्पिणी काल के नौवें वासुदेव. Krisna Vasudeva; the 9th Vāsudeva of the current Avasarpiṇī. नाया० ४, १६; —सप्प पुं० (-सर्प) કાલો સરપ काला सर्प. a black serpent. नाया० ८, (२) રાહુ દેવનું નામ राहु देव का नाम. name of the god Rāhu. भग० १२, ६; सू० प० १६, —सीहासण न० (-सिंहासन) કૃષ્ણનું સિંહાસન कृष्ण का सिंहासन the throne of Krisna नाया० ध० १०;

कण्हकुराल. पुं० (कृष्णदराल) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation भग० २१, ८,

कण्हदीवायण. पुं० (कृष्णद्वैपायन) એ નામના એક બ્રાહ્મણ સન્યાસી. इस नाम का एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a Brāhmaṇa ascetic ओव० ३८,

कण्हपरिव्वायग. पुं० (कृष्णपरिव्राजक) નારાયણની ભક્તિ કરનાર પરિવ્રાજક नारायण की भक्ति करनेवाला परिव्राजक. An ascetic worshipping Nārāyaṇa ओव० ३८;

कण्हराइ. स्त्री० (कृष्णराजि) પાંચમા દેવલોક ઉપર જમીનની ફાટ જેવી લોકાંતિક દેવતાના વિમાનને ફરતી કાળી રેખાઓ છે તે, કૃષ્ણરાજી पांचवें देवलोक के ऊपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी की दरार जैसी काली रेखाएं, कृष्णराजी. The black lines (resembling the cracks in the ground) surrounding the abodes of Lokāntika gods in the 5th Devaloka आया० २, १५, १७६; भग० ६, ५; ८; ठा० ८, १; प्रव० ६३, १४४५; (ઈશાનેન્દ્રની બીજી પટ્ટરાણીનું નામ ईशान इंद्र की द्वितीय पटरानी का नाम the other name of the principal queen of Īśānendra. भग० १०, ५;

कण्हराई स्त्री० (कृष्णरात्रि) કૃષ્ણરાત્રી દેવી. कृष्णरात्री देवी The goddess Krisna Ratri नाया० ध० १०,

कण्हवडिंसय विमान न० (कृष्ण वतसक विमान) કૃષ્ણાવતંસ નામનો વિમાન. कृष्णावतस नामक विमान. Name of a heavenly abode नाया० ध० १०;

कण्हसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) કૃષ્ણશ્રી નામની એક સ્ત્રી कृष्णश्री नामकी एक स्त्री Name of a woman. विवा० ६,

कण्हा स्त्री० (कृष्णा) ઇશાનેન્દ્રની કૃષ્ણાનામની રાણી इशान इंद्र की कृष्णा नाम की रानी. Name of a queen of Īśānendra. ठा० ४, २, भग० १०, ५, (२) કૃષ્ણા નામની દેવી. कृष्णा नाम का देवी. name of a goddess. नाया ध० ६, (३) કૃષ્ણા નામની નદી कृष्णा नाम की नदी name of a river. पिं० नि० ५०३, (४) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ, મહાસિંહનિક્રીડિત નામનું તપ આચરી, અગીઆર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી સિધ્ધ થઇ श्रेणिक राजा की रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर महासिंहनिक्रीडित नाम का तप किया और ग्यारह वर्ष की प्रवर्ज्या पाल एक मास का संथारा कर मोक्ष को प्राप्त हुई.

— कण्हराई — कृष्णराजी. —
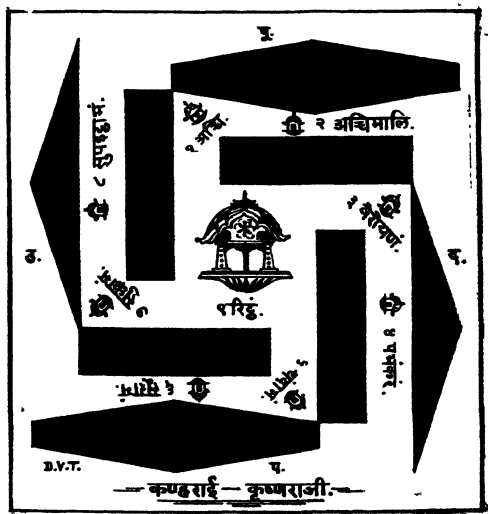
भारत के वर्तमान चौवीसी के आठवें चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chakravarti of the present cycle सम०प०२३४,

कत्तार त्रि० (कर्त्ता कर्तृ) કરનાર. કર્તા कर्ता, करने वाला (One) who does or makes भग० २०, २. विशे० १५४, २११२, अणुजो० १२८. पि० नि० १७३. पचा० ८, ७, —**अभाव** पु० (-अभाव) કર્તાનો અભાવ कर्ताका अभाव absence of a doer or maker विशे० २१६;

कत्ति स्त्री० (कृत्ति) ચર્મ ચામડું चमडा, चर्म Leather ओघ० नि० ३३,

कत्तिअ-य पु० (कार्तिक-कृत्तिका नक्षत्रेण युक्ता पौर्णमासी कार्तिकी साऽस्यस्मिन्निति कार्तिक) કાર્તિક માસ कार्तिक मास The month of Kārtika जं० प० ७, १४१, ओघ० नि० २८५, गम० २६, उत्त० २६, १६, कप्प० ५, १२३, ६ १००, नाया० ५ भग० १८, १०, (२) હસ્તિનાપુર નગરના રહેવાસી કાર્તિક શેઠ કે જેણે મુનિસુવ્રત પ્રભુની પાસે પોતાના એક હજાર મુનિમની સાથે દીક્ષા લીધી દીક્ષા પાળી પહેલા દેવલોકના ઇન્દ્રપણે ઉત્પન્ન થયા हस्तिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ जिसने मुनिसुव्रत स्वामी के पास अपने एक हजार मुनीमों के साथ दीक्षा ली और दीक्षा पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना name of a merchant of the city of Hastināpura who took Dīkṣā from Lord Munisuvrata accompanied with his one thousand agents He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka भग० १८, २, निर० ३, १; (३) જમ્બુદ્વીપના ભરતખણ્ડમાં થનાર છઠ્ઠા તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ जम्बुद्वीप के भरतखंड में होनेवाले छट्ठे तीर्थंकर के पूर्वभव का नाम name of the previous birth of the future would-be 6th Tīrthankara of the Bharatakhanḍa of Jambu Dvīpa सम० प० २४१, (४) કાર્તિક નામનો માણસ. कार्तिक नाम का मनुष्य name of a man अणुजो० १३१, —**अणगार** पु० (अनगार) કાર્તિક નામના સાધુ कार्तिक नाम का साधु an ascetic so named भग० १८, २, —**चाउम्मासिय** त्रि० (-चातुर्मासिक) કાર્તિક ચોમાસા સમ્બન્ધી कार्तिक चातुर्मास सम्बन्धी the monsoon season of the month of Kārtika भग० १४, १ नाया० ५, —**पाडिवअ** पु० (-प्रतिपद्) કાર્તિક સુદ ૧૫ પછીનો પડવો તે. કાર્તિક સુદ ૧ कार्तिक शुक्ला १५ के पश्चात् का पडवा, मगसर वद १ the first day of the dark half of the month of Mārgaśīrṣa. निसी० १४, १०

कत्तिया स्त्री० (कर्त्रिका कर्त्तरी) કાતર. कैंची A pair of scissors सू० च० १० ७७,

कत्तिआ-या स्त्री० (कृत्तिका) કૃત્તિકા નક્ષત્ર कृत्तिका नक्षत्र The constellation Krittika जं० प० ७, १५५, सू० प० ६, ११, सम० ६, ठा० २, ३,

कत्तिआरक्खिअ पु० (कृत्तिकारक्षित) કૃત્તિકારક્ષિત નામનો પુરુષ. कृत्तिकारक्षित नाम का मनुष्य. A man so named; अणुजो० १३१;

कत्तिगी स्त्री० (कार्तिकी) કાર્તિક માસની પુનેમ. कार्तिक मास का पूर्णिमा The

full-moon day of the month of Kārtika. जं० प० ७, १६१;

कत्तो. अ० (कुतस्) કયાંથી. कहां से ? Whence संथा० ४८, सूय० १, १, १, १४; पन्न० ६; विवा० ६; विशे० १४०;

कत्तोच्च त्रि० (कुतस्त्य) કયાંનો; કયા સ્થાનનો; કયા ગામનો कहां का ? किस स्थान का ? किस ग्राम का ? Of what place or country पिं० नि० १६८,

कत्तोच्चय अ० (कौतस्त्यक) કયાંથી. कहांसे ? Whence विशे० १०१६,

√कत्थ धा० I (कथ) કહેવું कहना To say, to tell

कत्थइ नदी० ८७,

कत्थ. अ० (कुत्र) કયાં ? કઈ બાજુએ कहां ? किस ओर ? Where, on what side सु० च० १, १८, जं० प० विशे० १३३: सू० प० २०,

कत्थ. त्रि० (कथ्य) કથા યોગ્ય (શાસ્ત્ર) નાયા વગેરે कथा, इतिहासादि हों वह; ज्ञाता आदि शास्त्र. (Nāyā and other scriptures) including stories and historical matter ठा० ४, ४; जावा० ३, ४, ज० प० राय० १३१, —गेय न० (-गेय) કથાને યોગ્ય ગેય. कथा के योग्य गायन a narrative song राय० १३१,

कत्थइ अ० (कुत्रचित्) કયાંયપણ, કોઈપણ ઠેકાણે कहीं भी; किसी भी स्थान पर In any place whatever. विशे० २६८, ३८८, ७५१, ओव० १७, भग० ३, २, १५, १; ४०, १; नाया० २, ६, १६, प्रव० ६७३; विवा० ४;

कत्थवि. अ० (कुत्रापि) કયાંયપણ कहा भी? In any place whatever. भग० १५, १.

√कद्-अत्थ. धा० I, II. (कदर्थ) કદર્થના કરવી; દુઃખ દેવું. दुख देना; कष्ट पहुंचाना. To give pain to

कयत्थेइ सु० च० १२, ५४;

कदंब. न० (कदम्ब) કદમ્બનું ઝાડ. कदम्ब का झाड. A kind of a tree. नाया० १; —पुप्फग. न० (-पुष्पक) કદમ્બના ઝાડનું પુષ્પ ફૂલ. कदम्ब के झाड का फल और फूल. a flower of the Kadamba tree नाया० १;

कदलि पुं० (कदली) કેળનું ઝાડ केले का झाड.The plantain tree भग०२२,१;

कदाइ. अ० (कदाचित्) કદાચિત્, ક્યારેક. कदाचित्, किसी समय At some time; perhaps. भग० २, १, ६, ३३;

कदापि अ० (कदापि) કયારેપણ; કોઈપણ વખતે. कभी भी किसीभी समय. At some time, at any time भग० १५, १.

कद्दम. पुं० (कर्दम) કીચડ; કાદવ कावड. Mud "अयइदुभिसु भिवणफाणिय पस-णिय इहिर कवभूमि कद्दमचिक्खिल्लपदे" पराह० १, ३, १, ४; ओव० ३८, पिं० नि० २५३, ठा० ४, २, जीवा० ३, ४; नाया० १; भग० ६, १, ७, ६, प्रव० ८५७, क० गं० १, २०; —उदग. न० (-उदक) કાદવ-વાળું પાણી. कावडमय पानी. mud with water in it. ठा० ४, ३,

कद्दमग्र. पुं० (कर्दमक) અનુવેલંધર દેવતાના બીજા રાજાનું નામ अनुवेलंधर देवता के दूसरे राजा का नाम Name of the 2nd king of the Anuvelandhara gods. जावा० ३, ४; भग० ३, ७,

कणककंत. त्रि० (कनककान्त) સોનેરી વરખ; સોનાજેવા દેખાવનો પદાર્થ. सुनहरी वरक; सुवर्ण सरीखा बनावटी पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. आया० २, ४, १, १४४;

कण्ण. पुं० (कर्ण) જુઓ " कण्ण " શબ્દ. देखो " कण्ण " शब्द. Vide " कण्ण " सम० ११; आया० १, ३, २, १०१, पिं० नि० ५३३; ५६१; दस० ८, २०; —धार. पुं० (-धार) જુઓ " कण्णधार " શબ્દ. देखो " कण्णधार " शब्द. vide " कण्णधार " सु० च० ३, १६४, —पावरण. पुं० (-प्रावरण) ગજરો, કાનનું ભૂષણ. गजरा; कान का गहना an ornament for the ear, an ear rings प्रव० १४४०; —मल पुं० (-मल) જુઓ " कण्णमल " શબ્દ देखो " कण्णमल " शब्द vide "कण्णमल" तंदु०—सर पुं० (-शर) કાનને બાણજેવું લાગે તે कानों को तीर के समान लगने वाला anything striking the ears as an arrow strikes the body (e. g. harsh words) दस० ६, ३, ६; —सोक्ख. न० (-सौख्य) કાનને સુખરૂપ कानों को सुखदाई anything delightful to the ears दस० ८, २६,

कण्णगा. स्त्री० (कन्यका) કુમારિકા. कुमारी. लड़की A girl; a daughter सु० च० १४, ८; ठा० ७, १; निर० ५, १;

कण्णा. स्त्री० (कन्या) જુઓ " कण्णा " શબ્દ. देखो " कण्णा " शब्द Vide " कण्णा " सु० च० २, ४६५; दस० ६, ३, १३,

कण्णालीय. पुं० न० (न्यालीक) કન્યા આશ્રી જુઠું બોલવું તે; નવ વરસની હોય અને ૧૫ વરસની છે એમ કહેવું તે. कन्या के कारण झूंठ बोलना; नौ वर्षकी हो और १५ वर्षकी बताना A lie spoken for a girl; saying that a girl is of 15 years when she is only nine years old. पण्ह० १, २;

कण्णिया स्त्री० (कर्णिका) જુઓ "कण्णिया" શબ્દ देखो "कण्णिया" शब्द Vide "कण्णिया" नंदी० ७,

कण्ह पुं० (कृष्ण) જુઓ "कण्ह" શબ્દ. देखो "कण्ह" शब्द. Vide "कण्ह" अंत० १, १, प्रव० ६६०,

कपिंजल पुं० (कपिञ्जल) કપિંજલ પક્ષી. कपिंजल पक्षी. A kind of bird दसा० ६, ४, आया० ६, १०, १६६,

कपित्थ. न० (कपित्थ) કોઠું. કોઠ. कबीट; फल विशेष The wood-apple tree. अणुजो० १३१,

कपिल पुं० (कपिल) ધાતકી ખંડમાના ભરત ખંડની ચંપા નગરીના કપિલ નામના વાસુદેવ. धातकी खण्डान्तर्गत भरतखण्ड की चम्पा नगरी के कपिल नाम के वासुदेव Name of the Vāsudeva of the city of Champā on the Dhātaki-khanda. नाया० १६·

कपिहसिय न० (कपिहसित) વાંદરાના દાંત વાળી પેઠે વાદળા વગર આકાશમાં વિજળી થાય તે आकाश में बिनाही मेघ के बंदर के दांतों (कपिहसित) की तरह विद्युत का होना Lightning in the sky resembling the teeth of a monkey without there being any sign of clouds भग० ३, ७,

कपोत. पुं० (कपोत) કબુતર; પારેવું कबूतर. A dove, a pigeon. दसा० ६, ४,

√कप्प धा० II (कृत) કાપવું; છેદવું; ખપવું, સમર્થ થવું; ઉત્પન્ન કરવું काटना. छेदना; खपना; समर्थ होना. उत्पन्न करना. To cut

कप्पइ नाया० १,

कप्पेसु. सूय॰ २, ३, ४६; भग॰ ६, ३३;
कप्पेसि. सूय॰ नि॰ १, ५, १, ७९;
कप्पंति. सूय॰ ९, ११४;
कप्पेज्ज. निसी॰ ३, ४२,
कप्पेहि नाया॰ १;
कप्पेह. भग॰ ६, ३३;
कप्पेत्ता स॰ कृ॰ ५, ११४;
कप्पेमाण. व॰ कृ॰ २; ३६,
कप्पावेइ प्रे॰ क॰ वा॰ सु॰ च॰ १३, ६८;

कप्प पु॰ (कल्प) કલ્પ, યોગ્ય, ઉચિત, योग्य, उचित Anything that is worthy or proper. उत्त॰ ३२, १०४; वव॰ १, २२; २, २७, ४, १५; विवा॰ १; उवा॰ १, ७०; (२) આચાર. आचार a sacred precept or rule जं॰ प॰ ५, ११५; वेय॰ ४, १४; वव॰ ५, ११; ६, २; १६, भग॰ ३, ८, २५, ९, ओव॰ १७, आया॰ १, ३, ३, ११७, १, ६, ३, १८५, कप्प॰ ५, ११८, पचा॰ ६, २१. ११. २७; १५, ४०; (३) કલ્પશાસ્ત્ર, વેદધર્મની વિધિ બતાવનાર એક ધર્મશાસ્ત્ર कल्पशास्त्र, वेदधर्म की विधि बतानेवाला एक धर्म शास्त्र Kalpa Śāstra. भग॰ २, १, ५, ४, विशे॰ ६; कप्प॰ १, ६; (४) ઓઢવાની પછેડી, સાધુનું એક ઉપકરણ पछेवडी, चादर, साधु का एक उपकरण a kind of scarf पिं॰ नि॰ भा॰ ४६; प्रव॰ २५३, ५१४, (५) કલ્પનામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. कल्प नाम का समुद्र और द्वीप an ocean and an island named Kalpa जीवा॰ ३, ४, (६) એ નામનું આચારની મર્યાદા બતાવનાર કાલિક સૂત્ર. इस नामका आचारकी मर्यादा दिखानेवाला कालिक सूत्र a Kālika Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc नंदी॰ ४३; (७) બ્રિ-ફુધર્મનું એક શાસ્ત્ર; આચાર વિચાર પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र; आचार विचार प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brāhmaṇa scripture dealing with ritual. पिं॰ नि॰ १७२, ओव॰ ३८; (८) સૌધર્મ આદિ લોકોના નામવાલા દ્વીપ અને સમુદ્ર. सौधर्म्म आदि देवलोकों के नाम वाले द्वीप और समुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas e g. Saudharma etc पन्न॰ १५, (६) બાર દેવલોક, કલ્પ-રાજનીતિ વગેરે વ્યવહાર જે દેવલાકમાં છે તે દેવલોક. बारह देवलोक, कल्प-राज नीति इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों में है वे देवलोक the 12 Devalokas; a Devaloka in which there is to be found political organisation etc जीवा॰ १, ३, ८, पन्न॰ २; उत्त॰ ३, १५, ठा॰ २, ४, भग॰ १, २, ५; २, ७; ८, १, राय॰ १८; प्रव॰ ८७, सम॰ १; का॰ ५, १२, (१०) સરખા, બરાબર. समान; बराबर. equal to, similar to. पन्न॰ ३६, पण्ह॰ १, ३; उवा॰ १, ७४, (११) કલ્પવૃક્ષ कल्पवृक्ष a desire fulfilling tree, a sacred tree सु॰ च॰ २, ६७,—**अंतर** न॰ (-अन्तर) દેવલોકાંતર देवलोकांतर; अन्य देवलोक another Devaloka विवा॰ १०, (२) જિનકલ્પ અને સ્થવિરકલ્પનું અન્તર जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa भग॰ १, ३; —**अंतरिय**. त्रि॰ (-अन्तरित) કલ્પ-પછેડી -ચાદરની અંદર રહેલ. कल्प-पछेवडी -चादर के अंदर रहा हुआ remaining under the upper garment. प्रव॰

-३६०; —उवग. पुं० (-उपग) કલ્પ-નિયમ-રાજ્ય કાયદાની હદમાં રહેનાર દેવતા; પહેલા દેવલોકથી બારમા દેવલોક સુધીના વૈમાનિક દેવતા. कल्प-नियम-राजनीति की सीमा में रहनेवाले देवता, प्रथम देवलोक से बारहवें देवलोक तक के वैमानिक देवता a god who has not transcended the need of administrative organisation, any of the gods of the heavenly worlds from the first to the twelfth नाया० १, उत्त० ३६, २०७, भग० २४, २०; पन्न० १५. —उवय पु० (-उपग) જુઓ "कप्पावेग" શબ્દ देखो "कप्पावेग" शब्द vide "कप्पावेग" भग० ८, १०; —उवरिम न० (-उपरितन) પાંચમાં દેવલોકના ઉપરના દેવલોક. पाचवें देवलोक के ऊपर का देवलोक the Devaloka situated above the 5th Devaloka भग० ६, ८, —उववत्तिय पुं० स्त्री० (-उपपत्तिक) કલ્પ-બાર દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમાનિક દેવતા. कल्प-१२ देवलोक मे उत्पन्न हुए वैमानिक देवता a deity of the heavenly worlds 12 in number सम० १, ८, —उववन्नग. पु० (-उपपन्नक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ देखो "कप्पोवग" शब्द vide "कप्पोवग" जं० प० ७, १४०, ठा० २, २, —काल. पुं० (-काल) ઘણો વખત, ચિરકાલ. बहुत समय, चिरकाल. long time सूय० १, १, ३, १६, —ग्गहण न० (-ग्रहण) ચાદર વગેરે વસ્ત્રોનું ગ્રહણ કરવું તે. चादर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना. accepting of clothes. प्रव० ५२५; —जुअ. (-युक्त) પછેડી વગેરે કપડાથી યુક્ત चादर इत्यादि वस्त्रों के सहित possessed of upper garment etc. प्रव० ५०२, —तिग न० (-त्रिक) ત્રણ પછેડી ત્રણ ચાદર. तीन चादर, तीन पछेवडी three upper garments (used by ascetics) प्रव० ५०२, ५२६, —दुग. न० (-द्विक) બે પછેડી, બે ચાદર, दो चादर, दो पछेवडी. two upper garments (of an ascetic) प्रव०५०२, कप्प०३,११,—महद्दुम. पु० (-महाद्रुम) કલ્પ નુ મોટું વૃક્ષ कल्पद्रुम का महान् वृक्ष the big holy tree known as Kalpadruma. प्रव० १०३६,—समत्ति स्त्री० (-समाप्ति) કલ્પની-પરિહાર તપની સમાપ્તિ. कल्पकी-परिहार तपका समाप्ति conclusion, end of the austerity known as Parihāra प्रव० ६७७,

कप्पट्ठ पु० (कल्पस्थ) બાલક. बालक A child पिं० नि० २८७, पचा० १५, ३१, प्रव० ४८८,

कप्पट्ठिइ स्त्री० (कल्पस्थिति) સાધુ સમાચારીની સ્થિતિ-મર્યાદા. साधु समाचारीकी स्थिति मर्यादा Practice of ascetic scriptural rules by . Sādhu वेय० ६, २०;

कप्पट्ठिय पु० (कल्पस्थित) કલ્પસ્થિત સમાચારીની મર્યાદામાં રહેલ મુનિ कल्पस्थित समाचारी की मर्यादा मे रहा हुआ मुनि An ascetic observing scriptural rules विशे० १२७५, प्रव० ६१३; —तव न० (-तपस्) કલ્પસ્થિત-વાચનાચાર્ય ૭ માસ પર્યન્ત પરિહારિક નામનું તપ કરે તે (તપ). कल्पस्थित वाचनाचार्य ७ माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह (तप) a kind of austerity named Parihārika; practised

for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity प्रव॰ ६१५,

कप्पड. पुं॰ (कर्पट) લુગડાને વળ દઈને બનાવેલ ગોટો वस्त्र को बट देकर बनाया हुआ गेंद A cloth twisted into the shape of a ball. पराह॰ १, ३; प्रव॰ ४४०,

कप्पडिय पुं॰ (कार्पटिक) કાપડી, કાવડ લઇ ભિક્ષા માગનાર कावड़ लेकर भिक्षा मागने वाला A mendicant begging alms with a balancing lath on his shoulder. पि॰ नि॰ १२७, विवा॰ ७, नाया॰ ८,

कप्पण. न॰ (कल्पन) છેદવું काटना, छेदना Act of cutting सु॰ च॰ १३, १, सूय॰ नि॰ १, ५, १, ७४,

कप्पणा स्त्री॰ (कल्पना) કલ્પના, સંભાવના खयाल, कल्पना, सभावना Imagination, act of imagining a thing as probable विशे॰ १६, ११७, १७३२, भग॰ ७, ६,

कप्पणिज्ज. त्रि॰ (कल्पनीय) ઉદ્ગમાદિ દોષરહિત. કલ્પનું उद्गमादि दोष रहित, लेने योग्य Free from any fault (objection), acceptable पंचा॰ १, ३१;

कप्पणी स्त्री॰ (कप्पनी–कल्प्यते छिद्यते यया सा कल्पनी) કાતર; છુરી. कैंचा, छुरा A pair of scissors, a knife "खुरेहि तिक्खधारेहिं छुरियाहिं कप्पणींहि या कप्पिओ फालिओछिओ, उक्कत्तोयअणेगसो" उत्त॰ १६, ६३; जं॰ प॰ पराह॰ १, १; विवा॰ ४, —कप्पिय न॰ (–कल्पित) કાતરે કાપેલું. कैंची से कटा हुआ cut with scissors; विवा॰ ८,

कप्पतरु. पुं॰ (कल्पतरु) કલ્પવૃક્ષ कल्पवृक्ष A desire-yielding tree. सु॰ च॰ २, ३६६, प्रव॰ १५६३;

कप्पदुम पुं॰ (कल्पद्रुम) કલ્પવૃક્ષ कल्पवृक्ष. A desire-fulfilling tree; a sacred tree, भत्त॰ २; प्रव॰ ४०;

कप्पपायव. पुं॰ (कल्पपादप) કલ્પવૃક્ષ. कल्पवृक्ष A desire-yielding tree सु॰ च॰ २, ६७,

कप्परुक्ख पुं॰ (कल्पवृक्ष) કલ્પવૃક્ષ, જુગલિયા અને દેવતાને વંછિત ફલ આપનાર ઝાડ. कल्पवृक्ष, युगलिया और देवताओं को वांछित फल देने वाला झाड A desire-yielding tree; a tree furnishing desired objects to Jugaliyās and gods कप्प॰ ४, ६२, भत्त॰ १६७, जं॰ प॰ ३, ४३,

कप्परुक्खग पुं॰ (कल्पवृक्ष) કલ્પવૃક્ષ कल्पवृक्ष A desire yielding tree जं॰ प॰ ५, १२२, भग॰ ६, ३३,

कप्परुक्खय पुं॰ (कल्पवृक्षक) જુઓ "कप्परुक्खग" શબ્દ देखो "कप्परुक्खग" शब्द Vide "कप्परुक्खग" नाया॰ १,

कप्पवइ पुं॰ (कल्पपति) કલ્પવાસી દેવતાના અધિપતિ–ઈંદ્ર कल्पवासि देवताका अधिपति-इन्द्र The lord Indra of Kalpavāsī gods. जं॰ प॰ ५, ११५,

कप्पवडिंसिआ स्त्री॰ (कल्पावतंसिका) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર इस नाम का एक कालिक सूत्र Name of a Kālika Sūtra जं॰ प॰ राय॰ नंदी॰ ४३;

कप्पविमाणावास पुं॰ (कल्पविमानावास) દેવલોકના એક દેશરૂપ વિમાનમાં નિવાસ. देवलोक के एक देशरूप विमान में निवास Residence in a heavenly abode named Deśarūpa. ठा॰ २, ४,

कप्पविमाणोववत्तिया स्त्री॰ (कल्पविमानोपपत्तिका) જેથી દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થાય

તેવી આચરણા. जिससे देवलोक मे उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार—आचार Conduct leading to birth in Devaloka ठा० ९२, ४,

कप्पाईय पुं० (कल्पातीत) રાજ્યવ્યવસ્થાના નિયમને ઉલ્લંઘી ગયેલ દેવતા, નવગ્રીવેક અને પાંચ અનુત્તર વિમાનના દેવતા राज्य-व्यवस्था के नियम को उलांघ चुके हुए देव, नवग्रैवेयक और पाच अनुत्तर विमानके देवता Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation, viz the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods उत्त० ३६, २०७, पन्न० १५,

कप्पाकप्पिय न० (कल्पाकल्पिक-कल्प आचार अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिन कल्पादिरकल्पश्चरकादिदीक्षा, यत्र कल्प्यं प्राह्ममकल्प्यमग्राह्यम्वत तत्प्रतिपादक शास्त्र क ल्पाकल्पिकम्) કલ્પ અકલ્પ દર્શાવનાર એક લૌકિક ધર્મશાસ્ત્ર. कल्प और अकल्प दिखाने वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa अणुजो० ४१,

कप्पाग. पुं० (कल्पक) એક જગ્યાના ઘણા માલિકોમાંથી એકને મુખ્ય માલિક કલ્પવું તે, સેજાંતરીઓ. एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समझ लेना, शय्यान्तरीय Designating one among many owners of a place as the principal owner वेय० २, १२,

कप्पाग. पुं० (कल्पाक) સાધુ साधु An ascetic. वव० ४, १५, —**भिक्खु** पुं० (-भिक्षु) છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર સ્થાપવાજોગ સાધુ छेदोपस्थापनीय चारित्र में स्थापने योग्य साधु an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. वव० ४, १३; १४;

कप्पातीत. पुं० (कल्पातीत-कल्पमतीता अतिक्रान्ता कल्पातीता) કલ્પાતીત દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ, નવગ્રીવેકથી માંડી પાચ અનુત્તરવિમાનમાંના દેવતા કે જેને કલ્પ —એટલે રાજનીતિ—વ્યવહારના કાયદાનું બંધન નથી कल्पातीत देवलोक में उत्पन्न हुए देव; नवग्रैवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजनीति के व्यवहार—कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation भग० ८, १; १०, २४,२०, (२) સ્થિતિકલ્પ આદિ સાધુના આચારની મર્યાદાને ઉલ્લંઘી ગયેલ—તીર્થંકર કેવલી વગેરે स्थितिकल्प आदि साधुके आचार की सीमा उलांघे हुए-तीर्थंकर, केवली आदि a Tirthankara, a Kevalī etc. who have transcended the necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics भग०२, ५, ६, ७;

कप्पातीतगवेमाणिय पुं० (कल्पातीतकवैमानिक) બાર દેવલોકથી ઉપરના દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમાનિક દેવતા बारह देवलोकों के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग० २४, १२,

कप्पाय न० (कल्पक) કલ્પ कल्प. Kalpa. (q. v.) विवा० ३,

कप्पास. पुं॰ (कार्पास) એક પ્રાચીન લૌકિક મત. एक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १२, (२) કપાસથી ઉત્પન્ન થતુ સૂત્ર कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत cotton thread अणुजो॰ ३७, **—रोम** न॰ (-रोमन्) કપાસની રૂવાટી कपास के तार-नर्म रेशा a fibre of cotton भग॰ १५, १, **—लोम** न॰ (-रोमन्) કપાસ-રુની પુન-રૂવાટી कपास-रुई का तार a cotton fibre भग॰ ८, ६, **—वण** न॰ (-वन) કપાસનું વન कपास का बन a forest of cotton निसी॰ ३, १६,

कप्पासत्थि पु॰ (कार्पासास्थि) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળો એક કપાસનો જીવ. तीन इंद्रिय वाला एक कपास का जीव A kind of three sensed living being found in cotton पन्न॰ १, जीवा॰ १,

कप्पासिअ पुं॰ (कार्पासिक) કપાશનો વેપારી कपास का व्यौपारी A cotton-merchant पन्न॰ १, अणुजो॰ १३१, (२) એ નામનું કપાસનુ વ્યાન આપનાર એક શાસ્ત્ર इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र name of a science describing the properties of cotton अणुजा॰ ४१,

कप्पासी स्त्री॰(-कार्पासी) કપાશમા રહેનાર જીવ-ડું कपासमें रहने वाला एक कीडा An insect living in cotton उत्त॰३६,१३५,

कप्पिअ-य त्रि॰ (कल्पित) સાધુને લેવા યોગ્ય; સાધુને કલ્પે તેવુ साधु के लेने योग्य, साधु को कल्पनीय Fit for an ascetic; acceptable to a Sadhu दस॰ ६, ४८; (२) ગોઠવેલું; રચેલું, સ્થાપેલું. जमाया हुआ, रचा हुआ; स्थापित किया हुआ arranged, established. श्रोव॰ २७, दसा॰ १०, १, ज॰ प॰ नाया॰ १; सूय॰ १, २, ३, १८, कप्प॰ ४, ६२;

कप्पिअ-य त्रि॰ (कर्तित) કાપેલું, છેદેલું. काटा हुआ, छेदा हुआ Cut off, broken. जीवा॰ ३, ४; विवा॰ ४, उत्त॰ १६, ६३;

कप्पिअकप्पिअ पु॰ (कल्पाकल्प) ઓગણ-ત્રિશ ઉત્કાલિક સુત્રમાનુ બીજું २६ उत्कालिक सुत्रों में से दूसरा सूत्र The 2nd of the 29 Utkālika Sūtras नदी॰ ४३,

कप्पिआ स्त्री॰ (कल्पिका) એ નામનું કાલિક સૂત્ર, નિરયાવલિકા અતર્ગત ઉપાગ સૂત્ર इस नामका कालिक सूत्र, निरयावालिका के अतर्गत उपाग सूत्र Name of a Kālika Sūtra, the Upānga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदी॰ ४३,

कप्पूर पु॰ (कर्पूर) કપૂર कपूर Camphor राय॰ ५६, नाया॰ १; १७, जीवा॰ ३, ४; कप्प॰ ३, ४३; **—पुड** पुं॰ (-पुट) કપૂરનો પડો-પડિકો कपूर का पुडा-पुडिया a packet of camphor, नाया॰ १७;

कप्पोववण्णग. पु॰ (कल्पोपपन्नक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ देखो "कप्पोवग" शब्द Vide "कप्पोवग" भग॰ २४, २०, **—वेमाणिय** पु॰ (-वैमानिक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ देखो "कप्पोवग" शब्द vide "कप्पोवग" भग॰ २४, १२,

कबंध पु॰ (कबन्ध) માથાવિનાનું જીવતું ધડ बिना सिर वाला जाता धड़ A headless trunk with life in it पण्ह॰१,३;तंदु॰

***कब्बाडिगा** स्त्री॰ (*) पुत्री, દીકરી. लड़की, कुमारी. A daughter. पिं॰ नि॰ ५७३;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

* कव्वड्डी स्त्री० (बालिका) नानी छोकरी छोटी लड़की. A young girl. पिं० नि० २८५;

कव्वड. न० (कर्बट) नाना गढथी विटायेलुं शहेर छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर A city encircled by a low rampart आया० २, ७, ६, २२२, कप्प० ४, ८८, (२) हलकी वसतीनुं रहेठाणु. छोटी बस्ती का स्थान an abode of mean population. अणुजो० १३१, वेय० १, ६; उत्त० ३० १६, ठा० २, ४,

कव्वडग पुं० (कर्बटक) कर्बटक नामनो ग्रह कर्बटक नाम का ग्रह Name of a planet ठा० २, ३,

* कमल्ल न० (*) खप्पर, ठीकडी खोपडा, खप्पर The skull, a piece of a broken jar of the shape of a skull "कमल्ल सट्ठाय सट्ठिए" उवा० २, ६४, अंत० ३, ८, अणुत्त० ३, १,

कम पुं० (क्रम) क्रम, अनुक्रम, पद्धति, नियमसर क्रम, अनुक्रम, नियमसर, तरतीब वार Order, method, serial order सम० ७, क० प० १, १५, ६६, क० गं० २, ११, ९, ७६; सु० च० १, १, पिं० नि० ६०, नाया० १; ७, १, १६, भग० ५, १, ६, ३, २०, ५, २४, १, ३२, २, प्रव० ३७६; विशे० २; ११०, जं० प० ७,१५७, (२) चरण, पग पांव, पग; चरण feet गच्छा० ३६, —आरद्ध त्रि० (-आरब्ध) क्रमे करीने आरंभेलुं. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ begun in serial order क० प०५,६५; —उक्कम. पुं० (-उत्क्रम) क्रम अने उत्क्रम क्रम और अनुक्रम. order and serial order प्रव० १०५८;—जुअल न० (-युगल) क्रमयुगल बे पग क्रम युगल, दो पांव two feet. गच्छा० ३६;—जोग. पुं० (-योग) अनुक्रम-अनुपूर्व जोग-व्यापार प्रवृत्ति क्रमानुसार जोग-व्यापार-प्रवृत्ति. serial order, graded order दसा० ५,१,१;

कमंडलु न० (कमण्डलु) कमंडलु कमंडल. A waterpot (earthen or wooden) used by ascetics नाया०७१६; भग० ११, ६, १४, ८,

कमकरिया स्त्री० (क्रमकरिका) एक जातनुं वाजित्र एक जातका बाजा A kind of musical instrument निसी० १७,३५; —सद्द न०(-शब्द क्रमक्रिया शब्द-कम कृत शब्द) वाजित्रना शब्द बाजे का आवाज sound of a musical instrument. निसी० १७, ३५,

कमढग न० (कमठक) कांसानी कथरोटने आकारे साध्वीने आहार करवानुं तुंबडानुं पात्र, कमंडल कांसे के पात्र के सदृश साध्वी के आहार करने का तुम्बेका पात्र-कमडल A dining vessel of an ascetic made of gourd and having the shape of a bronze pan, an earthen or wooden waterpot of an ascetic ओघ० नि० ३६, ६७५, वव० २, २७,

कमढय. न० (कमठक) जुओ उपलो शब्द. देखो उपर का शब्द Vide above. प्रव० ५३६, —जुय त्रि० (-युत) रोगन वगेरेथी लेपित करेल तुंबडाना पात्रथी युक्त रोगन आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहित. (one) possessed of a painted vessel made of a dry gourd.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

प्रव० ४३६;

कमणग्ग. न० (**कमण**) આક્રમણ કરવું. आक्रमण करना. Attacking. ओव० ३, १.

कमल पुं० (**कमल**) કમલ. कमल. A lotus. संथा० १५, राय० २७, नाया० १, ८, ६; भग० २, १, ६, ३३, विशे० ११०६, (२) એક જાતનો હરણ एक जाति का मृग. a kind of deer. जं० प० ५, ११५; १२१, अणुजो० १६, ओव० ६३, (३) છઠ્ઠા તીર્થંકરનુ લાછન. छठे तीर्थंकर का चिन्ह-लाञ्छन. the mark (insignia) of the 6th Tīrthankara प्रव० ३८१, —**आगर पु०** (**-आकर**) કમલવાળુ તલાવ कमलवाला तालाव a lake with lotuses growing in it ओव० १३; भग० २, १, अणुजो० १६, —**आयर पु०** (**-आकर**) કમલના ઉત્પત્તિસ્થાન, તલાવ સરોવર વગેરે कमल के उत्पन्न होनेका स्थान तालाव, सरोवर आदि a lake etc where lotuses grow. कप्प० ४, ६०, —**उवम. त्रि०** (**-उपम**) કમલના સરખુ, કમલ જેવુ कमल के सदृश, कमल जैसा lotus-like, resembling a lotus. विवा० ७, —**ट्ठिय त्रि०** (**-स्थित**) કમલ ઉપર રહેલુ कमल पर रहा हुआ situated on a lotus कप्प० ३, ४१, —(**ला**)**णयण न०** (**-नयन**) કમલના જેવી આખ. कमल जैसी आंख. an eye like a lotus. नाया० १; —**दल न०** (**-दल**) કમલનુ પત્ર कमल का पत्ता a leaf of a lotus. भत्त० ७८, —**दलक्ख. त्रि०** (**-दलाक्ष**) કમલની પાખડી જેવી આખોવાળુ कमलकी पखड़ी के समान आंखोंवाला. having eyes like lotus-buds भत्त० ७८; —**वण न०** (**-वन**) કમલનુ વન कमलों का बन the place where lotuses grow abundantly. कप्प० ३, ३६; —**वणालंकरण. न०** (**-वनालंकरण**) કમલવનના આભૂષણ. कमल बन का आभूषण. the lotus as an ornament of the forest. कप्प० ३, ३६, —(**ला**)**सीहासण न०** (**-सिंहासन**) પિશાચના ઇંદ્ર કાળની પટ્ટરાણી-કમલાદેવીનુ કમલસિંહાસન નામનુ આસન. पिशाचों के इंद्र काल की पट्टरानी कमलादेवी का कमल सिंहासन नाम का आसन name of the throne of Kamalādevi the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas नाया० ध० ५,

कमलगाहावइ पु० (**कमलगाथापति**) કમલ નામના ગૃહપતિ. गृहस्थ कमल नाम का एक साहुकार A merchant-prince so named नाया० ध० ४,

कमलप्पभा स्त्री० (**कमलप्रभा**) પિશાચના મહારાજ કાળની બીજી પટ્ટરાની पिशाचों के इन्द्र काल की दूसरी पट्टरानी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Piśāchas ठा० ४, १, भग० १० ५, नाया० ध० ४,

कमलवडिंसयभवण न० (**कमलावतंसकभवन**) કમલાવતંસક નામે ભવન. कमलावतंसक नाम का भवन A celestial abode named Kamalāvatamsaka नाया० ध० ५,

कमलसिरी. स्त्री० (**कमलश्री**) કમલશ્રી નામની રાણી कमलश्री नाम की रानी. Name of a queen नाया० २, ८; —**भारिया. स्त्री०** (**-भार्या**) કમલશ્રી નામની સ્ત્રી कमलश्री नाम की स्त्री name of a woman नाया० ध० ४

कमला. स्त्री० (कमला) પિશાચના ઇંદ્ર કાળની પટ્ટરાણી; કમલાદેવી पिशाच का इंद्र काल की पट्टरानी; कमलादेवी Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. ज० प० ३, ५७; नाया० ध० ९; ठा० ४, १, भग० १०, ५; **—दारिआ** स्त्री० (–दारिका) કમલા નામની પુત્રી कमला नाम की लडकी. a daughter of this name. नाया० ध० ५, **—रायहाणी.** स्त्री० (–राजधानी) કમલાદેવીની કમલા નામે રાજધાની कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी the capital-city named Kamalā of Kamalādevī नाया० ध० ५;

कमलावई. स्त्री० (कमलावती) ઇષુકાર રાજાની રાણી इषुकार राजा की रानी Name of the queen of king Isukāra. उत्त० १४, ३,

कमसो. अ० (क्रमशस्) અનુક્રમથી; ક્રમેકરી क्रम से. अनुक्रम से In order, in serial order विशे० ११०; पिं० नि० ७७, अणुजो० १२८, प्रव० १८, १३८३, क० गं० १, १४, ३०, २, ३०, ५, ८३, क० प० १, १६, ४०, उत्त० १८, ११,

कमा. स्त्री० (कमा) કમાદેવી, ધરણેન્દ્રની અગ્રમહિષીનુ નામ कमादेवी, धरणेंद्रकी अग्र-महिषी का नाम. Kamādevī; the principal queen of Dharanedra. नाया० ध०

कमाड न० (कपाट) કમાડ. किवाड A door आव० ४, ५;

कमियव्व त्रि० (क्रमितव्य) આક્રમણ કરવું आक्रमण करना, हमला करना Attacking; overpowering. नाया० १; भग० ६,३३;

कम्म. पुं० (कार्मण) કાર્મણ શરીર; પાંચ શરીર માંનું એક. कार्मण शरीर; पांच शरीरों में से एक Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग० १, १, ६; २, १; ८, १; क० गं० ५, ७९; (२) કાર્મણ યોગ; ૧૫ યોગમાંનો એક. कार्मण योग; १५ योगोंमेंसे एक Kārmaṇa Yoga; one of the 15 Yogas. क०गं०४, ७; २८, (३) કાર્મણ શરીર યોગ્ય પુદ્ગલ સ્કંધની વર્ગણા-સમુદાય (३) कार्मण शरीर के योग्य पुद्गल स्कधों का समूह-समुदाय. a collection of molecules fit for the Kārmaṇa body क० प० १, १६; **—उरलदुग** न० (–औदारिकद्विक) કાર્મણ તથા ઓદારિક દ્વિક कार्मण तथा औदारिक द्विक-युग्म a pair of Kārmana or physical bodies. क० गं० ४, ३०, **—पोग्गलपरियट्ट** न० (–पुद्गलपरिवर्त) એક જીવ જેટલા વખતમા લોકના તમામ પુદ્ગલોને કાર્મણ શરીર પણે લઇને પરિણમાવીને છોડે તેટલો વખત-કાલનો એક વિભાગ एक जीव जितने समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कार्मण शरीर द्वारा लेकर और परीणमाकर छोडता है उतना समय; काल का एक विभाग. a certain division of time. भग० १२, ४;

कम्म पु०(कर्मन्) ઉત્ક્ષેપણ, અવક્ષેપણ, આકુંચન, પ્રસારણ, ગમન, એ પાંચ કર્મોમાંનું ગમેતે એક કર્મ उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों मे से कोई भी एक कर्म any of the five actions consisting of raising, lowering, contracting, expanding and moving भग० १, ९, १२, ५; पन्न० २३; दसा० ६, १; उवा० १, ४१; (२) કારીગરી, કારીગરીથી બનાવેલું રૂપ-આકાર कारीगरी; कारीगरी से बनाया हुआ आकार.

artificial shape अणुजो० १०; (३) कर्म; કાર્ય; ક્રિયા; કામ ધંધો વ્યાપાર; कर्म; काम किया; धंधा action; operation, trade. अणुजो० १३१; ठा० १, १; सू०प० १९, नाया० १, १७, सु०च० १, १, पिं०नि० ६३, १०१, ४३७, पिं० नि० भा० ४०, जं० प० ७, १५१, (४) આરંભ, પ્રવૃત્તિ आरंभ; प्रवृत्ति beginning of activity, activity सूय० १, १२, १५, जं० प० (५) આત્માની શક્તિને દબાવનાર જ્ઞાનાવરણીય આ૦ કર્મ, જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, વેદનીય, મોહનીય, આયુષ્ય, નામ, ગોત્ર અને અન્તરાય, એ આઠમાનું ગમે તે એક आत्मशक्ति को दबाने वाले आठ कर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय आयुष्य नाम, गोत्र, और अंतराय इन आठ में से कोइ भी एक any one of the eight Karmas viz Jñānāvaraṇīya Darśanāvaraṇīya, Vedanīya, Mohanīya, Āyuṣya, Nāma, Gotra and Antarāya भग० १, १ ५, ३, १, ५, ७, ७, ८, ३५, १, ३४, १; पन्न० १. १४; १६, दसा० ६, १, विशे० ०८६, ३६३, सूय० २, १, ६०, दस० ४, २८, ६, ३३ ६६ नाया० १, ८, कप्प० ४, ११८, आव० १, ४, क० गं० १, १. ३७, २, १. —अंत पु० (-अन्तकर्मणां अन्तः. पर्यन्तभागो मूल कारणं यस्य) કર્મના કારણ कर्म्म का निमित्त-कारण a cause of Karma. दसा० ६, ३१; —अंस. पु०(-अंश) જ્ઞાનાવરણાદિ કર્મનો અંશ ज्ञानावरणादि कर्मोंका अंश. a portion of Karma, e g of knowledge obscuring Karma etc. ओव० ४२, उत्त० ३, १०; भग १५. १; १८, ७, (२) કર્મ પ્રકૃતિ. कर्म प्रकृति. a variety of Karma. क० गं० ६, १७; —अवसेस पु० (-अवशेष) કર્મમાત્ર; અવશેષ-બાકીનાં કર્મ. कर्ममात्र; अवशेष-बाकीका कर्म the whole mass of Karma; the remaining Karmas. भग० १६, ७; —आजीव. त्रि० (-आजीवक) ખેતી વગેરે કર્મ કરી જીવનાર खेती प्रभृति कर्म करके जीविका चलाने वाला one who earns livelihood by agriculture and other occupations ठा० ४, १. —आदाण न० (-आदान) ૫૬૨ પ્રકારનાં કર્માદાન; શ્રાવકને ન કરવા યોગ્ય કર્મ-ધંધો. पंद्रह प्रकारके कर्मादान, श्रावक के न करने योग्य कर्म-व्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ८, ३३, (२) કર્મોને આવવાનો માર્ગ. कर्मो के आने का मार्ग a door for the coming in of Karma भग० ५, ५; —आयाण न०(-आदान) કર્મનું ઉપાદાન કારણ कर्मों का उपादान कारण. an efficient cause of Karma. अत० ६,१५.—आसीविष त्रि० (-आशीविष = कर्मणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशी विषा॰ कर्माशीविषा.) જેને ક્રિયા અનુષ્ઠાનના બલથી બીજાનો નાશ કરવાની શ્રાપ આપી અનિષ્ટ કરવાની શક્તિ ઉત્પન્ન થઇ હોય તેવા તિર્યંચ મનુષ્ય વગેરે जिसे क्रिया-अनुष्ठान के बलस दूसरों का नाश करने-शाप देकर अनिष्ट करने की शक्ति उत्पन्न होगई है वह तिर्यंच मनुष्य वगेरह one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses भग० ८, १, २; —उदय पुं० (-उदय) કર્મોનો ઉદય. कर्मो का प्रादुर्भाव. rise of Karma, maturity of Karma. भग० ६, ३२, —उदीरण. न० (-उदीरण) કર્મને પરાણે ખેંચીને ઉદયમાં લાવવું તે कर्मों को उदय भाव में लाना. forcing up Karma into maturity भग० २५, ६; —उपस. पु० (-उपग) જ્ઞાનાવરણાદિ કર્મોનું બંધન ज्ञानावरणादि कर्मों का बंधन bondage of Karma, e g that of knowledge-obscuring Karma etc भग० १४, ६, —उवचय पुं० (-उपचय) કર્મોનો ઉપચય-વૃદ્ધિ कर्मों की वृद्धि increment of Karmas भग० १, ३, —उवसम. पु० (-उपशम) કર્મોને ઉપસમાવવા તે कर्मों को उपशमाना subsidence of Karma, assuaging of Karma. भग० ६, ३२, —उवहि पु० (-उपधि) કર્મરૂપ ઉપાધિ, આઠ કર્મરૂપ પરિગ્રહ. कर्म रूप उपाधि, आठ कर्म रूप परिग्रह obstacles, fetters in the form of the eight kinds of Karma ठा० ३, १, भग० १८, ७, —कर पुं० (-कर) ઘરનું કામકાજ કરનાર, કામગરો, નોકર घर का कामकाज करने वाला, नोकर चाकर a domestic servant, a servant जं० प० ओव० ३१, दसा० ६, ४, नाया० २, १, २, १२; —करअ पु० (-कर+क) જુઓ ' कम्मकर " શબ્દ. देखो " कम्मकर " शब्द vide " कम्मकर " सूय० २, २, ६३, —करण न० (-करण—कर्मविषय करण जीववीर्य बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूत कर्म कर्मकरण) કર્મનું કરણ, સાધન, જીવ વીર્ય વગેરે कर्मों का कारण-साधन, जीव वीर्य इत्यादि. instrumental cause of Karma. भग० ६, ५; —करी. स्त्री० (-करी) કામ કરનારી; કામગરી; દાસી काम करने वाली; दासी, नौकरानी. a female servant, a maid-servant. नाया० २, १, २, १२; —कार. पु० (-कर) કામ કરનાર, દાસ. काम करने वाला दास a servant. नाया० ६; —कारअ पुं० (-कारक) કામ કરનાર; દાસ. काम करने वाला, दास a servant. दसा० ६, ४, —क्खय पु० (-क्षय) કર્મોનો ક્ષય-નાશ कर्मों का क्षय-नाश. destruction of Karma. नाया० ६, प्रव० ४४८; ६५८, भत्त० १३६, —खंध पुं० (-स्कन्ध) કર્મના સ્કંધ-અણુસમૂહ कर्म के स्कध-अणुसमूह. collection of Karmas क० ग० ५, ७८, —गर पु० (-कर) કારીગર-લુહાર વગેરે दस्तकार (कारीगर) -लुहार इत्यादि an artisan, e g a blacksmith etc जीवा० ३, ३, जं० प० ५, ११२, —गुरु. त्रि० (-गुरु) કર્મે કરી-ગુરુ-ભારે, ભારેકર્મ कर्मों से भारी, गुरु कुमार (one) possessed of heavy Karmas. नाया० ६, —गुरुयत्ता स्त्री० (-गुरुकता) કર્મે કરી ગુરૂપણું कर्मों द्वारा भारी पना heaviness of Karmas भग० ६, ३२, —गुरुयसंभारियत्ता. स्त्री० (-गुरुकसभारिकता) કર્મોનું ભારેપણું, ભારેકર્મીપણું. कर्मों का भारी पन; जिसके कर्म बड़े जबरदस्त हैं heaviness of Karmas, state of being one with heavy Karmas भग० ६, ३२; —घण पु० (-घन) કર્મરૂપી વાદળ कर्म रूपी बादल. a cloud in the form of Karma " विरायई कम्म घणंमि

बवयम् " दस० ८, ६४, —चउक्क न० (-चतुष्क) दर्शनावरण, वेदनीय, नाम, अने गोत्र, એ ચાર કર્મ દર્શનાવર્ણીય, वेदनीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz Darśanāvarṇiya, Vedaniya, Nāma and Gotra क० प० २, ८०. —जाइभेश्र. पु० (-जातिभेद) કર્મ અને જાતિ નો ભેદ कर्म और जाति का भेद the distinctions of occupation and castes प्रव० १५, १५, —जुत्त. त्रि० (-युक्त) કર્મ યુક્ત, કર્મસહિત कर्मयुक्त-सहित; धर्म युक्त possessed of Karmas, with Karmas प्रव० १२८८, —ट्ठग न० (-अष्टक) આઠ કર્મ. आठ कर्म the eight Karmas क० प० १, १, प्रव० १२८६, —ट्ठगोदय पु० (-अष्टकोदय) અષ્ટ કર્મ નો ઉદય आठों कर्मों का उदय the rise or maturity of eight Karmas क० प० ७, ५९, —ट्ठिइ स्त्री० (-स्थिति) કર્મની સ્થિતિ कर्मों की स्थिति duration of existence of Karma भग० ६, ३, १६, ६; प्रव० १०४४, क० प० २, ७४, ३, २, —णरवइ पु० (-नरपति) કર્મરૂપી રાજા कर्म रूपी राजा a sovereign, a king in the from of Karma. नाया० १७, —णिदाण न० (-निदान=कर्म निदान नारकत्वनिमित्त कर्मबन्धनिमित्तं वा येषां ते कर्मनिदानाः) કર્મ બંધનના કારણ कर्म बधन का कारण. a cause of Karmic bondage. भग० ४, ६, १४, ६. —णिसेग पुं० (-निषेक) જુઓ "कम्मनिसेश्र" શબ્દ देखो "कम्मनिसेश्र" शब्द vide. "कम्मनिसेश्र" जीवा० ३; भग० ६, ३;

—दव्ववग्गणा. पुं० (द्रव्यवर्गणा) કર્મ રૂપ દ્રવ્ય વર્ગણા-કર્મોનો સમૂહ. कर्म रूप समुदाय -कर्मों का समूह, कर्म वर्गणा. a group, collection of Karmas भग० १, १, —निज्जरा. स्त्री० (-निर्जरा) કર્મની નિર્જરા, કર્મનો ક્ષય कर्मों की निर्जरा, कर्मों का क्षय. destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३, —निव्वत्ति स्त्री० (-निर्वृत्ति) કર્મની ઉત્પત્તિ -નિષ્પત્તિ कर्मों की उत्पत्ति-उद्गम. birth of Karmas.भग० १६, ८, —निसेश्र पु० (-निषेक-कर्मणो निषेको बाधोनाकर्मस्थितिः कर्मदलिकस्यानुभवनार्थो रचनाविशेषो वा कर्म निषेक) અબાધા કાલ શિવાયની કર્મ સ્થિતિ, અબાધાકાલ પછી કર્મનો અનુભવ થાય તેવી રીતે કરેલી કર્મની એક રચના વ્યવસ્થા. अबाधा काल रहित कर्म स्थिति; अबाधा काल के पश्चात् कर्मों का अनुभव हो ऐसी की हुई कर्म रचना-व्यवस्था a variety of Karma which is experienced after the period of its end "अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगोत्ति" भग० ६, ३; —पएस पुं० (-प्रदेश) કર્મના પ્રદેશ कर्मों का प्रदश the atomic part of Karma. क० प० १, २६, ७, ५०, क० गं० ५, ६६, —पगइ. स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની પ્રકૃતિ कर्मों की प्रकृति variety of Karma. क० गं० ६, ६६,—पगडि स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની પ્રકૃતિ અવાંતર ભેદ. कर्मों का प्रकृति-अवान्तर भेद. Karmic nature, Karmic variety भग० ६, ३, ६, ८,१०,१६, ३; २५, ६ २६, ३,३३,१, —पभार पुं० (-प्रभार) કર્મનો ભાર, કર્મનો બોજો कर्म का भार, कर्मों का बोझ heavy load of Karma निर० १ १. —

(-परिग्गह) આઠ કર્મરૂપ પરિગ્રહ. आठ कर्म रूप परिग्रह possession in the form of the eight kinds of Karmas ठा० ३, १, भग० १८, ७, —परिणति स्त्री० (परिणति) કર્મનું ફલ कर्मों का फल the result of Karma पंचा०७,४८;—पुरिस पुं०(-पुरुष) કર્મ-મહારંભાદિ તત્પ્રધાન પુરૂષ-વાસુદેવ कर्म-महारंभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations ठा० ३, १, —प्पवाय न० पुं० (-प्रवाद) કર્મસંબંધી વિવેચન જેમાં છે તે, કર્મ પ્રવાદ નામનો આઠમો પૂર્વ जिसमें कर्म सम्बन्धी विवेचन है वह. कर्म प्रवाद नामका आठवां पूर्व. name of the 8th Pūrva in which there is a discourse on Karma. नंदी० ५६, सम० १४, —बंध. पुं० (-बन्ध) કર્મોનો બંધ कर्मों का बंध Karmic bondage नाया० १७, प्रव० ११६३, —बहुत्त न० (-बहुत्व) કર્મોનું બહોળાપણું कर्मों का बाहुल्य multiplicity of Karma भग० १२, ७, —बीअ न० (-बीज) કર્મનું બીજ રાગ દ્વેષાદિ कर्मों का बीज-राग द्वेषादि seed of Karma दसा०५,३६, —भारियता स्त्री० (-भारिकता=आरोपित येषां तानि भारिकाणि तद्भावो भारिकता कर्मणो भारिकता कर्मभारिकता) કર્મોનું ભારેપણું heaviness of Karmas भग० ६, ३२; —मइल. त्रि० (-मलिन) કર્મ વડે મલીન कर्मों द्वारा मलीन bespattered with Karma क० प० ७, ५७; —मल. पुं० (-मल) કર્મરૂપી મેલ. कर्म रूपी मैल. dirt in the form of Karma.क०प०१,१;—मलावेक्खा स्त्री० (-मलापेक्षा) કર્મરૂપી મેલની અપેક્ષા. कर्मरूपी मैल की अपेक्षा reference to the dirt in the form of Karma. प्रव० ७३५, —मूल न० (मूल) કર્મનું મૂલ કારણ, મિથ્યાત્વ, અવિરતિ, પ્રમાદ, કષાય અને યોગ. कर्मोंका मूल कारण, मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय और योग. any of the five causes of Karma, viz Mithyātva, Avirati, Kaṣāya and Yoga. "कम्ममूलंच जंहण" आया० १, ३, १, ११७; —रय. न० (-रजस्) કર્મરૂપ રજ कर्म रूपी रज, कार्मिक रज Karmic dust नाया० ८, १४, दस० ४, २०, भग० ६, ३१, २०, ८, —लेस्सा स्त्री० (-लेश्या-कर्मणः सकाशाद्या लेश्या जावपरिणति सा कर्मलेश्या) નામકર્મની પ્રકૃતિરૂપ છ લેશ્યા. नाम कर्म की प्रकृति रूप छ लेश्या. any of the six Leśyās resulting from the Nāma Karma of a soul भग० १४, १, ६, —वस त्रि० (-वश) કર્મને વશ-આધીન. कर्माधीन, कर्मों के वश one subject to Karma नाया० १८; —वसगय त्रि० (-वशगत) કર્મને વશ થયેલ. कर्मों के वशीभूत one under the power of Karma नाया० ६; —विउस्सग्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) કર્મનો ત્યાગ કરવો તે. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Karma. भग० २५, ७; —विगम पुं० (-विगम) કર્મનો ક્ષય कर्म क्षय. destruction of Karma; subsidence of Karma पंचा० १, ९; —विमुक्क. त्रि० (-विमुक्त) કર્મથી મુક્ત થયેલ. कर्मोसे मुक्त. one, free from Karma. नाया० ६; —विवाग. स्त्री० (-विपाक) કર્મની

विचित्र गति कर्मों की विचित्र गति. the strange course of Karma. भग० ६,३१, —विस. न० (-विष) કર્મરૂપ ઝેર. कर्मरूपी विष-जहर. a poison in the form of Karma. पचा० ४, २८, —विसुद्धि. स्त्री० (-विशुद्धि) કર્મની શુદ્ધિ. कर्मों की निर्मलता-शुद्धता purification of Karma. भग० ६, ३२, —विसोहि स्त्री० (-विशुद्धि) કર્મની શુદ્ધિ कर्मों की शुद्धि purification of Karma भग० ६, ३२, —वेयणा स्त्री० (-वेदना) કર્મની વેદના कर्मों की वेदना पीडा feeling of pain due to Karma भग० ७, ३, —समारंभ पुं० (समारम्भ) પાપના હેતુરૂપ ક્રિયાના કારણ पाप का हेतु रूप क्रिया का कारण a cause of Karma which leads to sin, an action leading to sinful Karma आया० १, १, १, ७; —सह त्रि० (-सह) કર્મવિપાકને સહન કરનાર कर्मविपाक को सहन करने वाला (one) who endures the results of Karma "कम्मसहा कालेण जतवो" सूय० १, २, १, ६, —हेउअ त्रि० (-हेतुक) કર્મ છે હેતુ જેનું એવું जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह that of which Karma is the cause "पयत्तजहि सिव कम्म हेउअ" दस० ७, ४२,

कम्मअ. पुं० (कार्मण) આઠ કર્મના જથ્થારૂપ કાર્મણ શરીર; તૈજસ અને કાર્મણ શરીર સંસારી દરેક જીવને હોય છે તે ભવાંતરમાં પણ જીવની સાથે જાય છે आठ कर्मों का समूह रूप कार्मण शरीर, प्रत्येक संसारी जीव को तैजस और कार्मण शरीर होता है और भवांतर में भी जीव के साथ जाता है. Kārmana Sarīra i. e. a body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmana as well as the Tejasa Śarīra and these two accompany it even in the next birth. सम० प० २१६; जीवा० १, अणुजो० १४४;

कम्मइया स्त्री० (कर्मजा) કામ કરતાં કરતાં ઉત્પન્ન થયેલી બુદ્ધિ, ચાર બુદ્ધિમાંની એક काम करते २ उत्पन्न हुई बुद्धि, चार बुद्धिओं में से एक Thought excited in the mind during the course of an action नाया० १,

कम्मओ अ० (कर्मतः) કર્મથી. कर्म से. Through, on account of Karma. भग० १२, ५, २०, ४,

कम्मग न० (कर्मक=कार्मण) કાર્મણ શરીર, કર્મ સમુદાય દ્રવ્ય कार्मण शरीर, कर्म समूह द्रव्य. Kārmana Śarīra i e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma विशे० ६५८, भग० ८, ६, १२, ५, —सरीर. न० (-शरीर) કાર્મણ શરીર कार्मण शरीर, Kārmana Śarīra भग० २५, १, —सरीरि पु० (-शरीरिन्) કાર્મણ શરીરવાળો જીવ. कार्मण शरीरवाला जीव a soul possessed of Kārmana Śarīra जीवा० १०, ठा० ६, ४, भग० १८, १,

कम्मजोग. पुं० (कार्मणयोग) વશીકરણાદિ વ્યાપાર वशीकरणादि व्यापार The act of making one submissive by means of some enchantment etc नाया० १४,

कम्मण. न० (कार्मण) મનની શક્તિથી કોઈને વશ કરવું, જાદુ મંતરવું વગેરે. मानसिक

आदि से किसीको वश करना, पागल बनाना इत्यादि Mesmerism. पिं० नि० ४१७, प्रव० १३३०; क० गं० ३, २४, ४, २७, (२) કાર્મણ શરીર कार्मण शरीर the Kārmana body. भग० १, ५, क० गं० १, ३३; —जोय पुं० (-योग) વશીકરણાદિ વ્યાપાર वशीकरणादि व्यापार. practising of enchantment etc नाया० १४; —सरीरनाम न० (-शरीरनामन्) કાર્મણ શરીર નામ कार्मण शरीर नाम the name or appellation Kārmana Śarīra सम० २८,

कम्मतर. न० (कर्मान्तर) અતિશય કર્મ. बेहद कर्म; अधिक कर्म Excessive Karma. भग० ५, ६,

कम्मतरय पुं० (कर्मान्तरक) બહુકર્મ, અતિશયકર્મ बहुत कर्म, अतिशय कर्म Excessive Karma भग० ५, ६; ७, ३,

कम्मत्थय पुं० (कर्मस्तव) કર્મસ્તવનામે કર્મગ્રંથનો ત્રીજો કર્મગ્રંથ कर्मस्तव नाम का कर्मग्रंथ का तीसरा कर्मग्रन्थ The third division of Karmagrantha, the third Karmagrantha named Karmastava क० गं० ३, २५,

कम्मधारय पुं० (कर्मधारय) કર્મધારય સમાસ, સમાસનો એક પ્રકાર कर्मधारय समास; समास का एक भेद An appositional compound, a variety of compound. अणुजो० १३१;

कम्मभूम त्रि० (कर्मभौम) કર્મભૂમિના ક્ષેત્રમા રહેનાર; અસિ મસી અને કસી (તલવાર કલમ અને ખેતી) એ ત્રણ કર્મ ઉપર નિર્વાહ ચલાવનાર. कर्मभूमि में रहने वाले, असि मसी और कृषी (तलवार, कलम और खेती) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उत्त० ३६, १९४,

कम्मभूमि. स्त्री० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्य-तप संयमानुष्ठानादिकर्मप्रधानाभूमयः कर्म-भूमयः) કર્મભૂમિ મનુષ્યને રહેવાના પંદર ક્ષેત્ર; પાંચ ભરત, પાંચઐરવત, અને પાંચ મહાવિદેહ એ પંદર ક્ષેત્ર. कर्मभूमि-मनुष्य के रहने के पंद्रह क्षेत्र, पांच भरत, पांच इरवत और पांच महाविदेह The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz 5 Bharat, 5 Iravata and 5 Mahāvideha विशे० ५११; भग० २०, ६, ८, २५, ७. नंदी० १७, पन्न० १, आव० ४, ८,

कम्मभूमिग त्रि० (कर्मभूमिक) કર્મભૂમિમા પેદા થયેલ મનુષ્ય, અસી, મસી, અને કૃષિ એ ત્રણ કર્મ કરી નિર્વાહ ચલાવનાર મનુષ્ય कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करने-वाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi, a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz military, literary, and agricultural. ओघ० नि० ५२६, पन्न० १, —भूमिय त्रि० (-कर्मभूमिज) જુઓ "कम्मभूमिग" शब्द देखो "कम्मभूमिग" शब्द. vide "कम्मभूमिग" ठा० ३, १,

कम्मय न० (कर्मज—कर्मणो जात कर्म-जम्) કાર્મણ શરીર, આઠ કર્મના સમુદાયથી ઉત્પન્ન થતું ઉદારિકાદિ ચાર શરીરના કારણ રૂપ શરીર. कार्मण शरीर, आठ कर्मों के समुदाय से उत्पन्न औदारिकादि चार शरीरों

—कम्मगसरीर. Kārmaṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz Audārika etc. जं० प० २, २४, पन्न० १२, —दव्व. न० (-द्रव्य) કાર્મણ શરીરને યોગ્ય દ્રવ્ય વર્ગણા कार्मण शरीर के योग्य द्रव्य समूह molecules of which Kārmaṇa Śarīra is made. विशे० ६७४,

कम्ममासग-य. न० (कर्ममाषक) પાચ ગુંજા (રતિ) ચાર કાગણી અથવા ત્રણ નિષ્પાપ પ્રમાણનું વજન-માપ पाच रत्ता चार कागणी या तीन निष्पाप के बराबर का वजन—माप A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kāgaṇīs or 3 Nispapas i e equal to about 10 grains अणुजो० १३३,

कम्मया. त्रि० (कर्मजा) કામ કરતા કરતા ઉપજે તે બુદ્ધિ. ચાર પ્રકારમાંની ત્રીજા પ્રકારની બુદ્ધિ ' કમ્મયા ' काम करते करते जा बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि चार प्रकार की बुद्धिओं में से तीसरा ' कम्मया ' बुद्धि Thought or impulse excited in the mind during the course of an action, the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदी० २६, ३२, ३६, दसा० ६, ४, निर० १, १,

कम्मविवाग पु० (कर्मविपाक) એ નામનું કર્મગ્રંથનું પ્રથમ પ્રકરણ, પ્રથમ કર્મગ્રંથનું નામ. इस नामका कर्मग्रंथ का प्रथम प्रकरण, प्रथम कर्मग्रंथका नाम The first Karmagrantha क० गं० १, ३, ६१; (२) કર્મનું પરિણામ-ફલ कर्मोंका फल. the matured result of Karma.. उत्त० २, ४१; —ज्झयण. पुं० (-अध्ययन) કર્મવિપાક-પુણ્યપાપાત્મક કર્મના ફળનું પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર, તેના અધ્યયન-અધ્યાય. कर्मविपाक—पुण्य पापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन—अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas सम० ४३,

कम्मवेयय पु० (कर्मवेदक) પ્રજ્ઞાપનાના પચીશમાં પદનું નામ, જેમાં જીવ કર્મને કેવી રીતે બાંધે છે તથા કેવી રીતે વેદે છે તેનું વર્ણન છે प्रज्ञापना के २५ वे पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बाधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पन्न० १;

कम्मार पु० (कर्मार) લુહાર लुहार. A blacksmith. विशे० १२६८; जीवा० ३,१,

कम्मार पुं० (कर्मकार) કામ કરનાર, નોકર, काम करनेवाला, नौकर A servant, जं० प० जीवा० ३; ३; (२) કારીગર मिस्त्री a carpenter, राय० ३२,

कम्मावादि पुं० (कर्मवादिन्) કર્મવાદી કર્મને માનનાર. कर्मवादी, कर्मों को मानने वाला. One who believes in the doctrine of Karma आया० १, १, १, ५,

कम्मासरीर. न० (कार्मणशरीर) કાર્મણ શરીર कार्मण शरीर Kārmaṇa Śarīra, Kārmic body भग० ८, १, —कायजोग पुं० (-काययोग)

ज्ञांगवयान्येव क्ववाविक्षाणि दुःस्वप्नादिविफलीकरणायावश्यकत्वादावश्यकानि तथा) दुष्ट स्वप्न आदिना फ़ळने निवारवामाटे प्रायश्चित्त तरीके जेणे कौतुक-कपाले तिलक तथा मांगलिक कृत्य कर्या छे ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको अफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्चित्तरूपमें कौतुक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य किया है वह (one) who has made an auspicious mark on the forehead in order to avert the evil attendant upon a bad dream etc भग० २, ५, दसा० १०, १; नाया० ५० —नास पुं० (-नाश) करेल-धर्म-अधर्मनो नाश कृत-किये हुए धर्म अधर्म का नाश destruction of good or evil Karma performed विशे० ३२३१; —नासि त्रि० (-नाशिन्) कृतघ्न, करेल गुणनो नाश करनार कृतघ्न, किये हुए गुणोंका नाश करने वाला ungrateful, lit one who destroys what is done ओघ० नि० १६६, —पडिकइ त्रि० स्त्री० (-प्रतिकृतिक) गुणनो बदलो वाळवो ते; हुं दान आपीश तो गुरु मने शास्त्रज्ञान आपशे एम प्रत्युपकारनो उद्देश मनमां राखी गुर्वादिकनी सेवा करवी ते, लोकोपचार विनयनो एक प्रकार गुणोंका बदला चुकाना, मैं दान दूगा तो गुरु मुझे शास्त्रज्ञान सिखावेंगे,ऐसी प्रत्युपकार की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा करना, लोकोपचार विनय का एक भेद rendering service (e g to a Guru) with the expectation of getting something in return (e. g. knowledge). नाया० १; —पडिकइया. स्त्री० (-प्रतिकृतिता) जुओ " कयपडिकइ " शब्द. देखो " कयपडिकइ " शब्द. vide " कयपडिकइ " भग० २५, ७;—पडिकइय. त्रि० (-प्रतिकृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः तदस्यास्तीति कृतप्रतिकृतिकः) करेल गुणनो बदलो वाळनार. किये हुए गुणों का बदला चुकाने वाला. one who returns good for good ठा० ४, ४, — पुराण. त्रि० (पुरय) पुरेपुरा पुण्यवाळा, पुण्यवान्. पूर्ण पुण्यवान्; पुण्यात्मा one possessed of high religious merit. नाया० १, १३; १६, भग० ६, ३३, १५, १, पचा० ७, २६, —बलिकम्म. त्रि० (-बलिकर्म) कर्यु छे बलिकर्म=कुलदेव गृहदेवताने बलिदानकर्म अथवा बळ वधे तेवु कर्म कसरत वगेरे जेणे ते जिसने बलि कर्म-अथवा बल वर्द्धक-- शक्ति प्रद--कसरत आदि किया है वह one who has given oblations to a deity or has performed strength giving activity, physical exercise etc भग० ७, ६, ६, ३३, दसा० १०, १. नाया० ५० नाया० १ १२, १६. जं० प० ३,५०. —लक्खण. त्रि० (-लक्षण) संपूर्ण लक्षणवाळो सम्पूर्ण लक्षणों युक्त one possessed of all the signs or marks. नाया० १. १६, भग० ६, ३३: १५, १, —विहव. त्रि० (-विभव) संपूर्ण वैभववाळु सपूर्ण वैभव वाला (one) possessed of full glory or prosperity नाया० १, —व्वयकम्म. त्रि० न० (व्रतकर्मन्) श्रावकनी बीजी पडिमा धरनार श्रावक के जे बे मास सुधी ज्ञान अने इच्छा पूर्वक अणुव्रत आदरे अने पाळे. श्रावककी दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि जो दो मास तक ज्ञान और इच्छा से अणुव्रत धारण कर उन्हें पालता है; (a Jaina

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i e practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृताङ्गला) श्रावस्ती नगरीनी पासे आवेली नगरीनुं नाम. श्रावस्ती नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śrāvastī " तीसेणं कयंगलाए नगरीए अदूरसामते सावत्थी णामं नयरी होत्था" भग० २, १.

कयंत पुं० (कृतान्त) दैव, भाग्य भाग्य, दैव, तकदीर Fate, fortune पराह० १, ३. (२) यमराज यमराज the god of death सू० च० १, २३३.

कयंब पुं० (कदम्ब) कदम्बनुं झाड, कलम, देवताडनां झाड कदम्ब का वृक्ष Name of a tree जावा० ३, ४, राय० पन्न० १, अणुजो० १३१, कप्प० १, ५; ३. ३३, जं० प० ५, ११५, —पुप्फ न० (-पुष्प) कदम्बनुं फूल कदब का फूल a flower of a Kadamba tree. कप्प० १, ५,

कयंबग न० (कदम्बक) कदम्बना झाडनां फूल कदंब के झाड का फूल A flower of the Kadamba tree नाया०१;१३,

कयग पु० (कृतक) कृत्रिम, करेल. कृत्रिम, बना बटी Artificial विशे०१८३७,—कयग त्रि० (-क्रमक) खरीदेलु खरीदा हुआ bought. निसी० ६, ६. —भत्त न० (-भक्त) खरीदेलु भक्त-भोजन मोल लिया हुआ भोजन-भात purchased food निसी० ६, ६;

कयग्घ पु० (कृतार्घ) भरतक्षेत्रना गई चोवीशीना १९ मा तीर्थंकर भरतक्षेत्र की गत काल की चौवीसी के १६ वे तीर्थंकर The 19th Tirthankara of Bharata Ksetra of the past cycle. प्रव० २६१;

कयट्ठ त्रि० (कृतार्थ) कृतार्थ; भाग्यशाली. कृतार्थ, भाग्यशाली Prosperous; fulfilled भत्त० ५२,

कयण्णय. त्रि० (कृतज्ञक) करेला उपकारने जाणनार किये हुए उपकार को मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पचा० ११, ३५,

कयत्थ पु० (कृतार्थ) जेणे पोतानु कार्य सिद्ध कर्युं छे ते, कृतार्थ जिसने अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह, कृतार्थ One who has accomplished his object. भग० १, ८, ६,३३, २५, १, नाया०१, १३, १९. उत्त० ३२, ११०; विवा० ७, विशे० १००८, सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३, जं० प० ५. ११२, ११७,

कयन्न. त्रि० (कृतज्ञ) करेला उपकारनो जाणनार किये हुए उपकार को समजनेवाला. कृतज्ञ (One) who is conscious of the obligations done by others प्रव० १३७२;

कयमाल पु० (कृतमाल) एक जातनु वृक्ष. एक जाति का झाड A kind of tree जं० प० (२) तिमिस गुफानो अधिष्ठायक देवता तिमिस गुफा के अधिष्ठायक देवता the presiding deity of the Timisa Gupha (cave) जं० प० १, १२. ३, ४१, ३, ६५, ६, ०२५,

कयमालअ-य पुं० (कृतमालक) वैताढ्यनी तिमिस गुफानो स्वामि-देवता वैताढ्य की तिमिस्र गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitāḍhya. जं०

प०-(२)वैताढ्यनी गुहानुं नाम. वैताढ्यकी गुफा का नाम. name of a cave of the Vaitādhya of Iravata Ksetra. ठा० २. ३; (३) मेरुपर्वतनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आठ दीर्घवैताढ्यनी आठ तिमिस्र गुहाना अधिपति देवता. मेरु पर्वत के पूर्व ओर सीता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताढ्य की आठ तिमिस्र गुफाओं के अधिपाति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dirgha Vaitādhyas to the north of the river Sitā which is to the east of the Meru mount ठा० ८;

कयर त्रि० (कतर) ओ के घणामानो कोण-कयो ओक दोया बहुतों में स कौन एक Which who "कयरे धम्मे अक्खाए माहणेया महमया" सूय०१,६,१,११,१, दस० ४, १,६, २ ८,१४ पि०नि०३१०;सू०प०१०, जीवा०१;अणुजो०८१ उत्त०१२,६ ओव०४२, ओघ० नि० १३७६, विशे० १६०; पन्न० ३. दसा०१,३,६ १,२,नाया०१६,१७,भग०१,१, ३, १, २, ९, ६ ७, १२,४,१६, ११,१८,५, २५, १; ६, जं० प० ७, १५६

कयली स्त्री० (कदली) केळनुं झाड. केले का झाड A plantain tree आघ० नि० ६६७, जं० प० सु० च० २, १६५, जीवा० ३ २; प्रव० ५११; —गब्भ. पु० (-गर्भ) केळ-कदलीना वृक्षनो गर्भ केले कदलीके वृक्ष का गर्भ the inner part of a plantain tree प्रव० ५११, —घर न० (-गृह) केळनाघर, केळीघर केले का गृह, केली घर. a house of plantain trees. नाया० ३; जीवा० ३, ४; —घरग पुं० (-गृ.क) जुओ "कयलि घर" शब्द. देखो "कयलि घर" शब्द. vide. "कयलि घर" राय०१२६; —लया. स्त्री० (-लता) केळनी लता- कांप वेल. केले की लता-बेल. a creeper of plantain trees. नाया० १३;— हर. न० (-गृह) केळना घर. केले का घर. a house of plantain trees. जं० प० ५, ११४;

कयवत. त्रि० (कृतवत्) करनार. करनेवाला. (One)who has done विशे० १५५५.

कयवम्म. पुं० (कृतवर्मन्) तेरमा तीर्थंकरना पिता. तेरहवें तीर्थंकर के पिता. The father of the 13th Tirthankara सम० प० २२६; प्रव० ३२४;

कयवर पु. (कचर) कचरो; पुंजो, कूडा; कचरा Dirt. refuse. नाया० १, १ ४, ३७. जीवा ३. ३; भत्त० ८६; नाया० १, २,६, जं०प० ५, ११२; —उज्झिया. स्त्री० (उज्झिका) कचराने शोधी साफ करी बहार फेंकनार, वाळीझुड वाळनारी. कूडे करकट को निकाल साफ कर बहार फैंकने वाली; झाड पूंछ का कार्य करनेवाली. a woman who collects refuse and throws it away नाया० ७.

कया सं० कृ० अ० (कृत्वा) करीने करके Having done. पि० नि० ८८;

कया-आ न० (कदा) क्यारे कब. When. ठा० ३, ४; उत्त १, २१, सु० च० १, २७: दस० ७, ४१, भग०५, २; जं०प०७, १५३;

कयाइ अ० (कदाचित्) कोइ वखते, कदाचित्. किसी समय. कदाचित् At some time or other, perhaps भग० २, १; ३, १; ९, ४, १५, १; नाया० १; विवा०१; उत्त०१, १७, २, ७; राय० १४६; जं० प० पि० नि० २०६; दसा० १०, १; सम० १३; ओघ० ४०. सूय० १, १, ३, ६; १, ३, २०; दसा० १, ८८;

कयाई. अ० (कदाचित्) જુઓ "कयाइ" शब्द. देखो "कयाइ" शब्द. Vide "कयाइ" विशे० ३०१, उत्त० ३२, २१, पिं० नि० ३००,

कयाणग न० (क्रयाणक) કરીયાણું किराना. Grocery सु० च० १, १४७,

कयार. न० (कचार) કચરો. कचरा Refuse; dirt विशे० ११७०,

√**कर.** धा० I, II. (कृ) કરવું. બનાવવું. करना, बनाना To do, to prepare, to make

करेइ-त्ति. ज० प० ५, ११५, दसा० १०, १, निर० २, ३, नाया० १, २, ५, ८, ६, वेय० १, ३६; भग० १, २, २, १; ३, १, ८, ७, १; ६, ४,

करन्ति. भग० १, ३, ३, १; ५, ४, ८, १, दसा० ६, ६८, ६, २, नाया०२, ८,

करिन्ति. नाया० १, ७; ८, १४, १६, भग० २७, १,

करेन्ति ओव० २७, पिं० नि० २०६, नाया० १; २; ६, १४; भग० १ ६, १४, १, २०, ८, ज० प० ५, ११४ ११२; ११३;

करेसि नाया० १६,

करेमि नाया० १, जं० प० ५, ११५,

करेमो ज० प० ५, ११२,

किरिज्जइ पिं० नि० ४८६, सु० च० ६ ३२०, भग० १, ७, १२, ७, ८, २१, १ २८, १; ७; नाया० १५

करेज्जा भग० ८, ६;

करेज्जासि वि० भ० ए० पिं० नि० ४३०,

करेज्जामि वि० उ० ए० नाया० २,

करेहि आ० नाया० २, ८ दस० ७, ३७, भग० ३, १,

करेह आ० ओव० २८; भग० १, ६, ६, ३३; ११, ११; १५, १, नाया० १; ५; ८, ६, १६;

करिस्सइ भ० भग० ८, २; १५, १; दस० ७, ६, नाया० ५,

करिस्सन्ति. भ० सम० १, भग० १, ३; २६, १; नाया० ५, दस० ७, ६;

करिहिन्ति भ० नाया० १८, भग० २, १;

करेहिन्ति भ० नाया० ६, भग० १५, १,

करिस्सामि भ० भग० १८, १०, ज० प० ५०२, १२६, ५, १२७,

करेस्सामि भ० भग० १८, १०, ज० प० ३, १२६, ५, ११७;

करेस्स भ० भग० १८, १०, ज० प० ३, १२६, ५, ११७,

करिस्समाण भ० ओव० २७, ज० प० ५, ११३,

अकरिस्स भ० आया० १, १, १, ४,

अकरिंसु भ० ठा० ३, १, नाया० १ भग० १, २, ८, २, १५, १,

करित्ता स० कृ० ओव० २७, पन्न० ११२; ओघ० नि० ३६, नाया० १; भग० ११ ११, दसा० १०, १,

करेत्ता. स० कृ० ओव० २८ भग० ३, १,

करिय स० कृ० सत्था० १०८,

करेत्तए हे० कृ० भग० ३, १ ८, ५ ८ १५ १ ज० प० ५, ११२, ११५,

करिन्त व० कृ० विशे० ३४२०,

करेन्त व० कृ० विशे० ३४२०

करेमाण व० कृ० दसा० २, ३, १० ११, १६, २०, वेय० ८, १, १०, ३६, ओव० २७, नाया० १, २, ९, १४,

कारेइ प्रे० पिं० नि० ४२४; निसी० १, १२, भग० ३, १,

कारावेइ प्रे० नाया० १२; १६,

करावेइ प्रे० नाया० २, १३;

कारवेइ प्रे० सु० च० २, ४३; भग० ८, ५;

कारवेमि प्रे० दस० ४;

कराले. प्रे० वि० उत्त० २, ३३;
कारेइ. प्रे० आ० आया० १, ७, २, २०४;
कारवेइ. प्रे० आ० ओघ० २६; भग० ११, ११; राय० २८;
कारावेइ. प्रे० आ० नाया० १;
कारवेत्ता प्रे० स० कृ० ओघ० २१, जं० प० ३, ४३
करावेत्ता प्रे० स० कृ०
कारवित्ता. प्रे० स० कृ० भग० ११, ११.
कारावेत्ता प्रे० स० कृ०
कारेत्ता प्रे० स० कृ० भग० ३, १.
कारावित्ता प्रे० स० कृ० राय० ७८.
कराविऊण प्रे० स० कृ०
काराविऊण प्रे० स० कृ० सु० च० ३, १५
कारवेत्तए प्रे० हे० कृ० भग० ८, ५.
कारावत्तए प्रे० हे० कृ० वव० ५, २०;
कारावेत्तए प्रे० हे० कृ० सूय० २, ४, ६.
कारन्त प्रे० व० कृ० निसी० १, १२
कारेन्त. प्रे० व० कृ० भग० ११, ११.
कारेमाण प्रे० व० कृ० सम० ७८, भग० १८, २, १३, ६, पन्न० २ कप्प० ४, १३, जं० प० ५, ११५
काविज्जइ प्रे० व० कृ० भग० २८, ६,
कीरन्त प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, ८, नाया० ११, सु० च० २, ३३०, पचा० १६, ५
कीरमाण प्रे० व० कृ० भग० १५, १, दस० ७, ४०; सु० च० ७, १४६, वव० २, ६, पचा० ४, २; १६, २२,
किज्जमाण प्रे० व० कृ० ठा० ३, २
कज्जमाण. प्रे० व० कृ० सूय० १, ८, भग० १, ८; १, १०, ६, ३२, १२, ८ पंचा० १७,
कारिज्जइ प्रे० व० कृ० सु० च० २, ४७.
किज्जइ क० वा० सु० च० १, ३६, सम० ३४,
कज्जइ क० वा० अणुजो० ७५, ८, भग० १, ६; १, ६, २, ५; ३, २; ४, ६; १२, ५, १७, ९; १८, ७; जं० प० ७, १३८,
कीरए. क० वा० पि० नि० ५८.
कीरइ. क० वा० सूय० १, २, ६; नाया० १६; भग० १, ९; ६; ३३; विशे० २६; ६६, गच्छा० ७४, प्रव० ३० क० ग० १, १,
कज्जन्ति क० वा० पन्न० १७, भग० १, २; ४, ६, ७, १०,
कीरन्ति क० वा० सु० च० २, ३२६,
किज्जन्ति क० वा० भग० १, १०; दसा० ६, ४;
किज्जउ क० वा० सु० च० १, ३५५,

कर पु० (कर) હાથ हाथ A hand; an arm नाया० १, ६; १६, १७, दसा० ६, ४, विवा० १, भग० ८, १०; ४२, १, राय० २८, गच्छा० ८३ (२) હાથીની સુંઢ हाथी का सूंड the trunk of an elephant नाया० १, पराह० १, ३, (३) त्रि० કરનાર. करनेवाला. one who does, a doer उत्त० १, २६, भग० १, १, ओव०, नाया० १ (४) पु० ८२ મા ગ્રહનું નામ ८२ वे ग्रह का नाम. name of the 82nd planet सू० प० २०; (५) કર, વેરો कर, महसूल a tax; a duty जं० प० पि० नि० ८७, (६) કિરણ किरण a ray जीवा० ३, ३, (७) રાજાના કરની પેઠે અરિહન્તના કર, તરીકે માની વન્દના કરે તે, વન્દનાના ૩૨ દોષમાંનો પચીશમો દોષ वदना क ३२ दोषो मे से २५ वा दोष the 25th of the 32 faults connected with Vandanā i. e. bowing a Tirthankara, supposing it to be a tax similar to the tax which is paid to a king. (८) કામના ચોવીશ પ્રકારમાંનો એક; રતિસં-

भोग माटे कामना आसन वगेरे वाळवा ते. काम के २४ भेदों में से एक भेद; रति संयोगार्थ काम के आसनादि बनाना any of the 24 varieties of sexual intercourse; the different postures adopted at the time of sexual intercourse. प्रव० १०७६;

—कमल न० (-कमल) हाथरूप कमल हाथ रूप कमल. a hand as a lotus (metaphorically). भत्त० १७;

—जुयलमज्झ पुं० (-युगलमध्य) बे हाथनी वच्चे ढींचणुराखी वन्दना करवी ते. वन्दनानो एक दोष दोनों हाथों के बीच में घुटना रखकर वंदना करना; वंदना का एक दोष a fault connected with Vandanā (bowing) by keeping the knees between the two hands. प्रव० १५६; —नवग न० (-नवक) नव हाथ नौ हाथ nine cubits (a measure of length) प्रव० ७७;

करअ पुं० (करक) करा, जामेलुं पाणी बर्फ, ओला Ice; hail कप्प० ६, ८५;

करंज. पुं० (करंज) करंज नामनुं झाड. एक जाति का करंज नामक झाड Name of a tree पन्न० १, भग० २२, २,

करंड पुं० (करण्ड) करंडियो. डिब्बा, कडिया A small box or basket (made of bamboo). नाया० १, पराह १५.

करंडग. पुं०(करण्डक) करंडीयो; डाबलो डिब्बा, कंडिया. A small box or basket (made of bamboo). ठा० ४, ४, भग०२,१; अणुत्त०३,१,जीवा० ३, ४,ओघ० नि० ६६०; आव०१६,१६, जं०प० ५,१२०,

करंडय. पुं० (करण्डक) करोडनु हाडकु रीढ की हड्डी. The spinal cord. तंडु०

करंडु. पुं० (करण्ड) पुंठनुं हाडकुं पीठ की हड्डी. The back-bone. जीवा० ३, ३;

करंब. पु० (करम्ब) दही चोखाना मिश्रणथी बनतो एक खाद्य पदार्थ. करंबो दही, चावल के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ. A food prepared of boiled rice and curds mixed together. प्रव० २३०,

करंबिय त्रि०(करम्बित) कातरचितरा रंगवाळो नाना रंगवाला, रंग बेरंगा. Of variegated colours सु० च० २, ५०;

करक पु० (करक) करा ओला A hail-stone पराह० १, ३, (२) करवडाजेवुं एक पात्र, झारी करवे जैसा एक बर्तन (जो साधु के काम म आता है) a water pot (used by ascetics) अणुजो०१३०,

करकंड पु० (करकण्ड) ए नामनो एक ब्राह्मण सन्यासी इस नामका एक ब्राह्मण सन्यासी Name of a Brahmana ascetic ओव० ३८,

करकंडु पु० (करकण्डु) करकंडु नामना एक प्रत्येकबुद्ध के जेने बळदनी पलटाती अवस्था जोइ वैराग्य उत्पन्न थयो हतो करकंडु नाम के एक प्रत्येकबुद्ध जिसे कि बैलकी पलटती हुई अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था Name of person who felt disgusted with the world upon seeing the changes in the condition of an ox "करकंडु कलिंगेसु" उत्त० १८, ४६

करकचिय त्रि० (क्रकचित) करवत वगेरेथी फाडेल काष्ट पाटीया आरे आदि से चीरा हुआ काष्ट–पाटिया A board of wood cut off with a saw etc अणुजो०१३३;

करकय. पुं० न० (क्रकच) लाकडा वेहेरवानु ओजार, करवत लकडी चीरनेका औजार; आरा;

करवत A saw उत्त० १६,५१,पराह०१,१,

करकर पुं० (कर्कर) વહાણ પાણીમાં ડુબતી વખતે કડકડ આવાજ કરે છે તે जहाजका पानी में डूबते समय करकर आवाज करना A croaking sound produced by a sinking vessel नाया० ६, उवा०२,८४

करकरसुंठ पु० (करकरसुण्ठ) એક જાતની વનસ્પતિ एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation "एरंड कुरुविंदे कर करसुंठे तहविभगगुय" पन्न० १ भग०२१,६

करकरिग पु० (करकरिक) કરકરિક નામનો ગ્રહ करकारक नाम का ग्रह Name of a planet "दाकरकारगा" ठा० २ ३ सू० प० २०

करकुडि पु० ( ) ફાંસીની સજા પામેલ કેદીનું એક વસ્ત્ર फांसी का हुक्म पाये हुए कैदी का एक वस्त्र A garment worn by a person sentenced to capital punishment पगह० १ ३

करग पु० (करक) કરવો, કરૂઓ એક જાતનું વાસણ करवा नाम A metal pot अणुत्त०१ १ सूय०१ ४,२ १३ जावा०३ ३, उवा० ७ १६७ (२) त्रि० કરનાર करनेवाला A doer one who does नंदी० ५८ (३) पु० વરસાદનો કાચાગળ કરા बरसात का कचागभ ओला A hail stone दस० ४, पन्न० १ त्रि० नि० भा० १७ जीवा० १ (४) શાલક પક્ષિની એક જાત शालक पक्षी का एक जाति A kind of bird पगह० १ १

करगय पु० (क्रकच) કરવતો કરવત आरा करवत A saw उत्त० ३४ १८

करग्ग न० (कराग्र) હાથનો આગભાગ આગળી हाथ की अंगुलियां Fingers. सु० च० १, ३५,

करड. पु० (करट) એક જાતનું વાજિંત્ર एक जाति का बाजा A kind of musical instrument राय०८८

करडि पु० (करटि) એક જાતનું વાજિંત્ર एक जाति का बाजा A kind of musical instrument जावा० ३ ३,

करडुयभत्त न० (*) મરી ગયેલાની પાછળ જમણ થાય તે મૃતક ભોજન मनुष्यके मरने के पश्चात् जो भोजन होता है वह मृतक भोजन औसर Dinner for which the occasion is the death of a person वि० नि० ४६४

करण न० (करण) સાધ્ય ક્રિયાને સિદ્ધ કરવામાં અત્યંત સહાયક સાધન साध्य क्रिया को सिद्ध करने में अत्यंत सहायक, साधन Anything useful in accomplishing an object an instrument or means of an action ठा०३,१ ८, १ अणुजो० २७ १२६ नाया०१, ज० प०७ १५३ ५ ११० उवा०१, ५८ विशे०२००८, ३३०१ राय०२१५ भग०१, १०, ६ १ १६, ९ पचा०३ २६ १४ २, (२) ઇંદ્રિય इंद्रिय an organ of sense क० गं० १, ५, ४६ जावा० ३ ३ आव० १० पराह १ २ (३) પ્રયોગ કરી બતાવવું प्रयोग करके दिखाना actual experiment or performance आव ०४० (४) જ્યોતિ-શાસ્ત્રમાં દર્શાવેલ બવ બાલવ વગેરે અગીયાર કરણ ज्योति शास्त्र में दिखाये हुए 'बव' 'बालव' इत्यादि ग्यारह करण (In Astrology) any of the 11

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ का फूटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th

divisions of a day भग० ११, १; ११, ६; १५, १, नाया० १; ५; ८; १४; १५, १६; ओव० ४०; ओघ० नि० ८०; क० प० ४, १; आव० १, ५; जं० प० (५) કરણ અભિગ્રહ આદિ. करण, अभिग्रह आदि a certain vow नाया०१, (६)કરવું. करना. doing; performing उत्त० २६, ६; ओव० ३१; भग० ३, १, १४, ४, नाया० १, ६; पि० नि० १६६, ४१०, पण्ह० १, १. (७) ચારિત્ર ધર્મ. चारित्र धर्म. religion pertaining to right-conduct. नंदी० ३०; (८) પિંડવિશુદ્ધિ આદિ જૈનશાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ ૭૦ બોલનો સમૂહ पिंडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० बोलों का समुदाय the collection of 70 terms of the Śāstras such as Piṇda Viśuddhi (purity of food)etc ओव०१६,सम०२, ओघ०नि०१, नदी० ४५,नाया० १. भग० २, १, प्रव०१६. (९) પૂર્વે કોઇ વખતે નથી ઉત્પન્ન થયા તેવા અધ્યવસાય વિશેષ, અપૂર્વ કરણ. ऐसे अध्यवसाय जो पहिले कभी भी उत्पन्न न हुए हों, अपूर्व भाव peculiar thought activity, Apūrva Karaṇa. उत्त० २६, ६; (१०) જે અધ્યવસાયથી કર્મના બન્ધન સંક્રમણ, ઉદ્વર્તના, અપવર્તના, ઉદીરણા, ઉપશમના, નિધત્તિ અને નિકાચના થાય છે, બન્ધન આદિ કાર્યભેદથી કારણરૂપ કરણના પણ ઉપર કહ્યા પ્રમાણે આઠ પ્રકાર છે. जिन अध्यवसायों से कर्मों के बंधन, संक्रमण, उद्वर्तना, उदीरणा, उपशमन, निधत्ति और निकाचना होते हैं वह; बंधन आद कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार आठ भेद हैं the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramaṇa, Udvartana, Apavartana Udiraṇa etc. is affects.प्रव०११,—उवाय पु०(-उपाय-करणक्रियाविशेषः स एवा उपायः स्थानान्तरप्राप्तौ हेतुः करणोपायः) કરણ-ક્રિયારૂપ હેતુ, જીવને એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને ઉપજવામાં કે જવામાં કરણ-કર્મ રૂપ હેતુ છે તે. करण क्रियारूप कारण, जीव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानेमें करण कर्म रूप कारण an action or a Karma which constitutes a cause e g. Karma which is the acause of transmigration to the soul "सेजहाणामए पवए पवयमाणे अज्झवसाणणिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेय काले तठाणं विप्पजहित्ता" भग० २५, ८, —कय त्रि० (-कृत यथा प्रवृत्यादि करण-क्रियाथी કરેલું यथा प्रवृत्यादि करण-क्रिया से किया हुआ. performed properly. क० प० ५, १; —जोग पु० (-योग) કરણરૂપ યોગ-મન, વચન અને કાયાનો વ્યાપાર करणरूप योग—मन, वचन और काया का व्यापार activity of mind, speech and body. दस० ६,२७,—जोय पु० (-योग) જુઓ "करणजोग" શબ્દ देखो 'करणजोग'शब्द vide "करणजोग" दस०८,४;—नअ पु० (नय) કરણ ક્રિયાનય, એટલે ક્રિયાને જ માનનાર. સર્વ વસ્તુ ક્રિયાને આધીન છે એમ માનનાર करण क्रियानय अर्थात् क्रियाकोही माननेवाला, सब चीजें क्रिया के आधीन हैं ऐसा माननेवाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशे० ३५६१, —वीरिय न० (-वीर्य) ઉત્થાન આદિ ક્રિયારૂપે પરિણામ પામેલું વીર્ય. उत्थान आदि क्रियाओं के रूप में परिणाम पाता हुआ वीर्य the vital fluid which is the

* हाथी अथवा ऊंट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel. सु० च० ४, ११८,

करही. स्त्री० (करभी) ઉંટડી,સાંઢણી ऊटनी, साण्डणी. A she-camel पिं० नि० १६५;

कराइ. त्रि० (करादि) હાથ વગેરે हाथ आदि A hand etc. विशे० २७२, —चिट्ठा स्त्री० (-चेष्टा) હાથ વગેરેની ચેષ્ટા-પ્રવૃત્તિ हाथ आदि की चेष्टा-बनाव movement of the hand etc. विशे० १७२,

कराल त्रि० (कराल) ઉભત, બહાર નીકળતું. उन्नत; वृद्धि पाता हुआ. Projecting, lofty, prominently coming out अणुत्त० ३, १, उत्त० ३०,

करि त्रि० (करिन्) હાથવાળો हाथ वाला One having a hand or hands भग० ८, १०, (२) पु० હાથી. हाथी an elephant पराह० १, ३,

करिअ पु० (करिक) ૮૩ મા ગ્રહનું નામ ८३ वे ग्रह का नाम Name of the 83rd planet सू० प० २०;

करिंसुगसय न० (*) ભગવતી સૂત્રના ૨૭ મા શતકનું નામ. भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नाम Name of the 27th Śataka of Bhagavatī Sūtra भग० २७, ११,

करिल्ल न० (करील) વાંસના અંકુર, કુંપળ, પાંદડાંનો અગ્રભાગ. बास के अंकुर, पत्तों का अग्रभाग, कोपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general अणुत्त० ३, १; विशे० २६३,

करिस. पुं० (करीष) કરીષનું ઝાડ करीष का झाड A kind of a tree. उवा०७, १६७;

करिसावण. पुं० (कार्षापण) એક જાતનો સિક્કો चांदी का एक सिक्का A silver coin "अहापुणोकरिसावणो तहावहवेक-रिसावणा" अणुजो०१४७, तंदु०विशे०५०६;

करिसित. त्रि० (कृशित) સૂક્ષ્મ, પતળું; દુર્બલ सूक्ष्म, पतला, दुर्बल. Fine, thin; feeble सूय० १, ३, ३, १५,

करीर पु० (करीर) કેરડાનું ઝાડ एक झाड का नाम Name of a tree. पन्न० १; आया० २, १८, ४३; —अकुर पु० न० (-अङ्कुर) કેરડાનો અંકુરો बास का अंकुर. a sprout of a tree प्रव० २६३,

करीरअ पु० (करीरक) કેરડા નામે પાડેલું કોઈ પુરુષનું નામ करडा नामवाला कोई पुरुष Name of a person अणुजो० १३१,

करीस न० (करीष) અડાયું, છાણું कडा; गोबर का छाना A dry cow dung cake पिं० नि० २७६,

करुण त्रि० (करुण) દયાજનક, કરુણાપાત્ર. दयाजनक, करुणापात्र Pitiful भत्त०१६०;

करुणा स्त्री० (करुणा) કરુણાજનક શબ્દ करुणा जनक शब्द Piteous cry. नाया० ६, (२) દયા. दया mercy क० ग० १, ५५, —पर त्रि० (-कर) દયા કરવાવાળો दया करने वाला, दयालु kind, merciful सु० च० २, ६४,

करेणु स्त्री० (करेणु) હાથણી हथिनी A she elephant. उत्त० ३२, ८६; नाया० १.

करेणुया स्त्री० (करेणुका) હાથણી हथिनी A she-elephant. सु० च० २, ५०१;

करोडि-अ-य. पु० (करोटिक) તાપસ; કાપાલિક तापस, कापालिक An ascetic; an ascetic carrying a garland

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of human skulls. विवा० ७; जं० प० नाया० ८; १३; भग० ११, ११; (२) તામ્બુલપર્દની બટવો વગેરે ઉપાડનાર રાજાનો માણસ. ताम्बूल आदि की कोथली उठाने वाला राजाका मनुष्य a servant of a king carrying a bag etc of betel-leaves etc. ओव० ३२, (३) માટીની મ્હોટા મોઢાની કુંડી, ઠામ. मिट्टी की बडे मुंह का कुंडा–बरतन an earthen basin, a cup or basin. भग० २, १, ओव० ३६ अणुजो० १३२, जीवा० ३३, जं० प० ३, ६७, (४) કલશ. कलश. a pitcher भग० ११, ११;

कल त्रि० (कल) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य A kind of corn पिं० नि० ६२३, भग० १५, १, २१, २, पन्न० १७, दसा० ६, ४, (२) હૃદય અને કાનને મધુર લાગે તેવો અવ્યક્ત (ધ્વનિ). हृदय और कानको सुहावनी अव्यक्त आवाज (ध्वनी) sweet and indistinct sound. "कलरिभियमहुरतंतीतलताल" नाया० १७, पराह०२,५; (३) કાદવ, કીચડ. कीचड mud भत्त० ५२, १३०; –**रिभिय** न० (–रिभित) મધુર ગીત ગાએલ मधुर गीत गाया हुआ a sweet and charming song नाया० १७,

कलंक. पुं० न० (कलङ्क) ડાઘો, લાંછન दाग, कलंक, लांछन. Spot; stain पचा० ६, २०, विवा० ३, ओव० १०,

कलंकलीभाव पुं० (कलङ्कलीभाव) કળકળાટ, દુખનો ગભરાટ दुःखका घबराहट Piteous lamentation or complaint पन्न०२; ओव०४३, सूय०२,२,८१, (२)સંસારમાં ગર્ભાશય આદિને વિષે પર્યટન કરવું તે संसार में गर्भाशयादि में पर्यटन करना, जन्ममरण धारण करना. wandering in the cycle of birth and death e. g. remaining in the womb etc नाया० २, १६, १२;

कलंद. पुं० (कलन्द) કુંડ વિશેષ. कुण्ड विशेष. A basin of water. उवा०२,६४;

कलंब पुं० (कदम्ब) કદમ્બનું ઝાડ. कदम्ब का झाड Name of a tree भग० ६, ३३, २२, ३; नाया० १,

कलंबचीरपत्त न० (कदम्बचीरपत्र) શસ્ત્ર વિશેષ. शस्त्र विशेष A kind of weapon विवा० ६;

कलंबचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र) તીક્ષ્ણ ધારવાળું શસ્ત્ર. तीक्ष्ण धार वाला शस्त्र A kind of weapon with a sharp edge नाया० १६;

कलंबचीरियापत्त न० (कदम्बचीरिकापत्र) એક જાતનું શસ્ત્ર एक जाति का शस्त्र A kind of weapon. ठा० ४, ४,

कलंबवालुया. स्त्री० (कदम्बवालुका) જેની રેતી વજ્ર જેવી છે એવી વજ્ર વેલુકા અથવા કદમ્બવેલુકા નામની નદી. जिसकी रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा कदम्ब वालुका नाम की नदी Name of a river also called Vajra Velukā on account of its sand being as hard as adamant. उत्त० १६, ५०, (२) કદમ્બના ફુલના જેવી વેલ. कदम्ब के फूल सदृश लता a creeper resembling the flower of a Kadamba tree. पराह० १, १;

कलंबुअ पुं० (कलम्बुक) એ નામનું ઝાડ. इस नाम का झाड A kind of tree.सू०प०४;

कलंबुग न० (कलम्बुक) એક જાતની પાણી-ની વનસ્પતિ. एक जाति की पानी की वनस्पति. A kind of aquatic plant सूय० २, ३, १८,

कलम्बुआ-या. स्त्री॰ (कलम्बुका) એ નામની પાણીમાં ઉગતી એક વનસ્પતિ. इस नाम की पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति A kind of vegetation growing in water पन्न॰ १, १४, ज॰ प॰ ७, १२१.

कलकल. पुं॰ (कलकल) કલકલાટ, ઘણામાણસોનો આવાજ. बहुत से मनुष्यों की आवाज, कोलाहल. Humming or bustling noise ओव॰ २७, ज॰ प॰ ३, ४४; राय॰ २१७, भग॰ २, १; (२) ચૂર્ણાદિમિશ્ર જલ चूर्णादि मिश्रित जल water mixed with powder. विवा॰ ६; —रव पुं॰ (-रव) કલકલાટ શબ્દ गडगडाट, कोलाहल humming or bustling sound भग॰ ३, २, ज॰ प॰ ७, १४०,

कलकलंत. त्रि॰ (कलकलायमान) કલકલાટ કરતું; કલકલ એવો અવાજ કરતુ कलकल ऐसी आवाज करता हुआ, गुनगुनाट करता हुआ, Humming; producing a bustling sound उत्त॰१६, ६६, आव॰ २१, पराह॰ २, ५

कलकलित त्रि॰ (कलकलित) કલકલાટ શબ્દ સહિત. कलकलाट शब्द युक्त With a bustling or humming noise. पराह॰ १, १.

कलत्त. न॰ (कलत्र) સ્ત્રી स्त्री. A wife सु॰ च॰ १, २४४;

कलभ पुं॰ (कलभ) હાથીનું બચ્ચું. हाथी का बच्चा A young one of an elephant पन्न॰ १७, राय॰ ६०; नाया १,

कलभिया. स्त्री॰ (कलभिका) હાથણી हथिनी A she-elephant नाया॰ १,

कलम. पुं॰ (कलम) ડાંગર; કમોદ. चांवल, उच्च जातिके चांवल. Rice which is sown in May–June and ripens in December–January. सूय॰ २, २, ६३; जीवा॰ ३, ३; जं॰प॰ भग॰ ६, १०; ओ॰ नि॰ भा॰ ३०७, उवा॰ १, १५;

कलमल. पु॰ (कलमल) જઠરમા રહેલા દ્રવ્ય-નો સમૂહ पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह. The contents of the stomach. ठा॰३, ३. —अहियास. पुं॰ (-अधिवास) જઠરના કલમલ દ્રવ્યમા વસવુ તે. पेटके कलमल-द्रव्यमें रहना remaining in the contents of the stomach भग॰ ६, ३३.

कलमाय त्रि॰ (कलमात्र) ચણામાત્ર. ચણા જેવડું चना मात्र, चने जितना Of the measure of a gram निसी॰ १२, ८;

कलयल पु॰ (कलकल) કલકલાટ શબ્દ गुनगुनाहट Bustling noise जीवा॰ ३,४; —रव पु॰ (-रव) કલકલાટ શબ્દ गुनगुनाहट Bustling noise सु॰च॰३,६२;

कलल पु॰(कलल) ગર્ભની પ્રથમ સાત દિવસની અવસ્થા. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन का अवस्था The condition of the embryo during the seven days succeeding conception "सत्ताह कललहोइ, सत्ताह होइ बुब्बुय" तंदु॰ १६

कलस पु॰ (कलश) ઘડો, કળશો घडा, कलश. A pot a pitcher. पन्न॰ २; आव॰ सत्था॰ १९, ज॰ प॰ नाया॰ १, ८, १४; भग॰ ६, ३३, राय॰ ३८, जीवा॰ ३, ३, कप्प॰ ३, ३६, (२) આઠ માગલિક માનુ છઠ્ઠું. आठ मांगलिक में से ६ ठा the 6th of the 8 Māngalikas (auspicious signs) राय॰ ८७;जं॰प॰५,१२०; नाया॰ १, (३) અગ્નિ કુમાર દેવતાનું ચિન્હ-તેના મુગટમા રહેલ ઘડાને આકારે નિશાન. अग्नि कुमार देवता का चिन्ह-उसके मुकुट में चित्रित घडे के आकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem ओव० २३, (४) ઓગણીશમાં તીર્થંકરનુ લાછન १६ वें तीर्थंकर का लांछन the mark of the 19th Tirthaṅkara. प्रव० ३६२,

कलसय पुं० (कलशक) જુઓ 'कलस' શબ્દ देखो. 'कलस' शब्द Vide 'कलस' उवा० ७, १८४,

कलसिआ स्त्री० (कलशिका) નાનો કળશિયો छोटा कलश A small pitcher अणुजो० १३२,

कलह पुं० न० (कलह) ક્લેશ ક્રોધ, ફિશાદ લડાઈ, ઝગડો क्लेश, क्रोध, लड़ाई, झगड़ा Quarrel, anger, strife. निसी० १२, ३३, दसा० ६, ८; पण्ह० २ २२, सम० ११३, अणुजो १२८, जीवा० ३, ३ आया० २, ११, १७०, दस० ५, १, १२, ओव० २४; उत्त० ११, १३, महा० नि० १, नाया० १, १६, भग० १ ६, ६, ३, ६ ७, ७, ६, १२, ५, कप्प० ४, ११७, गच्छा० १३८,—**कर** पु० (-कर) કજીયા કરનાર क्लेश करनेवाला one who is given to quarrel "कलह करा असमाहि करे" दसा० १, १७, १८, १६. (२) અસમાધિનુ ૧૬ મુ સ્થાનક સેવનાર. असमाधि का १६वां स्थानक सेवनेवाला. one who resorts to the 16th source of Asamadhi i. e. lack of meditation or concentration of mind सम० २०; —**वडिया** स्त्री० (*) ક્લેશ નિમિત્તે. क्लेश के कारण on account of quarrel निसी० ६, ८,

कलहंस पु० (कलहंस) રાજહંસ राजहंस. A swan ओव० पन्न० १; जं० प० नाया० १; कप्प० ३, ४२:

कलहमाण. व० कृ० त्रि० (कलहायमान) કજીયા કરનાર लड़ाई, फिसाद करनेवाला Quarrelsome, (one) who quarrels. सु० च० १, १४३;

कलहोय न० (कलधौत) ચાંદી चांदी Silver. पण्ह० १, ४,

कला. स्त्री० (कला) ભાગ, અંશ. भाग, अंश. A part; a division. उत्त० ६, ४४, नाया० ८ १६; जं० प० ७, १६०, (२) શોભા. शोभा beauty. नाया० ८. १६, (३) હુન્નર. કારીગરી, વિદ્યા, કલા. कला, कारीगरी, विद्या, हुन्नर any practical art नाया० १, राय० २८६, विवा० २, भग० ६, ३३, ११, ११, अणुजो० ४१; १२८, सम० ७२, ओव० ४०, कप्प० ७, २१०, प्रव० ८३६; (४) ચંદ્રની કળા चन्द्र की कला a digit of the moon, (these are sixteen) नाया० ८; सू० प० १०;

कलाद पु० (कलाद) સોની सुनार Goldsmith. नाया० १४,

कलाय पुं० (कलाद) સુવર્ણકાર, સોની. सुवर्णकार, सुनार Goldsmith पण्ह० १, २, नाया० ८; उवा० १, ३६, (२) એક જાતનુ ધાન્ય. एक जाति का धान्य A kind of corn प्रव० १०१०; १०१६,

कलायरिअ-य पु० (कलाचार्य) ૭૨ કળા શીખવનાર, કળાચાર્યની પદવી મેળવેલ અધ્યાપક ७२ कला सिखानेवाले कलाचार्य का पद प्राप्त अध्यापक A preceptor teaching the 72 arts and entitled Kalāchārya राय० २७७; ओव० ४०; नाया० १, ५,

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

कलाव. पुं० (कलाप) મોર; ઢેલ. मयूर, मोर A peacock; a pea-hen नाया० ३; (२) સમૂહ. समूह. a collection. नाया० ५, सूय० २, २, ५५, ओव० विशे० १५१४, पन्न० २, १५, सु० च० १, ६०, जीवा० १; कप्प० ३, ४१, ५, ६६, राय० ४६, ११०; "बाल तोसलविउलव इव व्यारिव दाम कलाबा" पञ्च० २, उवा० ७, २०६, (३) ડોકમાં પહેરવાનું આભૂષણ गले मे पहिनने का आभूषण an ornament for the neck. भग० ३, ३३. जीवा० ३, ३.

कलासिंबलिया स्त्री० (कलासिंबिका) એક જાતનું શીંગ વાળું ધાન્ય, વટાણા, ચોરા,વગેરે एक जाति का फली वाला धान्य, चंवरा; बटला आदि. A kind of corn growing in pods, e g. peas etc भग० १, १.

कलाय पु० (कलाय) એ નામનું એક અનાજ. इस नाम का अनाज. A kind of corn. पन्न० १, भग० ६, ७,

कलावग पु० (कलापक) ડોકમાં પહેરવાનુ આભૂષણ. गले मे पहिनने का आभरण An ornament for the neck पराह० २, ५;

कलावि पुं० (कलापिन्) મયૂર मयूर, मार A peacock. सु० च० २, २८२,

कलि. पुं० (कलि) એક, એકની સખ્યા. एक, एक की संख्या. The number one सूय० १, २, २, २३; उत्त० ६, १६. (२) કજીયો ક્લેશ. लडाई; झगडा quarrel. पराह० १, २; प्रव० ४३६; —**कलुस** न० (-कालुष्य) કલિ-ક્લેશનું ડોળાપણું कलि-क्लेश की मलीनता-मैलापन filthiness; malignity like that of quarrel. विवा० १;

कलिऊण. सं० कृ० अ० (कलयित्वा) વિચારીને. विचारकर. Having thought; thinking सु० च० २, १५२. ३, २०७; भत्त० १७,

कलिओग-य. न० (कल्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તેવી સંખ્યા. जिस संख्या मे चार का भाग देने से एक शेष रहता है वह संख्या A sum which when divided by four leaves one as remainder. ठा० ४, ३; भग० १८, ४, २५, ३, ३१, १,

कलिओग पु० (कल्योज) જુઓ ' कलिओय " શબ્દ देखो कलिओय " शब्द Vide "कलिओय" भग०१८, ४, ३५, १; —**कडजुम्म** पु० (-कृतयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા ચાર શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સંખ્યા, મહાયુગ્મ સખ્યાનો તેરમો પ્રકાર जिस संख्यामे ४ का भाग देने से चार शेष बचे और लब्धि को ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसा संख्या: महायुग्म संख्या का तेरहवा भेद a sum which when divided by four leaves four as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder, the 13th variety of Mahāyugma number भग०३५, १; —**कलिओग.** पुं० (-कल्योज) જે રાશીને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે અને લબ્ધાંકને પણ ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સખ્યા. મહાયુગ્મ સંખ્યાનો સોળમો પ્રકાર जिस संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है और लब्धि संख्या को भी चार से भागने पर एक शेष बचता है वह संख्या. महायुग्म संख्या का सोलहवां भेद. the 16th variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग० ३५, १, —तेओग पु० (-त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સંખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાનો ચૌદમો પ્રકાર. जिस संख्या में चार का भाग देने से तीन बचते है और लब्धांक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या महायुग्म संख्याका चौदहवा प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग० ३५, १ —दावरजुम्म पु० (-द्वापरयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા બે શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સંખ્યા, મહાયુગ્મ સંખ્યાનો પંદરમો પ્રકાર जिस संख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते है और लब्धि संख्या मे चार का भाग देने मे एक शेष बचता है वह संख्या. महायुग्म संख्या का पद्रहवा भेद the 15th variety of Mahāyugma number, a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four भग० ३५, १;

कलिओगवा स्त्री० (कल्योजता) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે जिस संख्या मे चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which when divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १;

कलिंग. पुं० (कलिङ्ग) આર્ય દેશમાંનો કલિંગ નામે ચોથો દેશ आर्यदेश का कलिंग नाम का चौथा देश Name of an Āryan country. ओघ० नि० भा० ३; पन्न० १; उत्त० १८, ४५, (२) તરબુચ, કાલિંગડું. तरबूज a kind of fruit जं० प०

कलिंग न०(कालिङ्ग) કલિંગ દેશમા બનેલ વસ્ત્ર कलिंग देश का वस्त्र. A cloth made in Kaliṅga country जीवा० ३, ३, —रव पु (-रव) કલકલાટ શબ્દ गडबडाट, कोलाहल a humming or bustling-sound भग० ३, २, ज० प० ७, १४०,

कलिंज पु (कलिञ्ज) ગુડથો. गोल हलकी टोकरी A round shallow basket. राय० ११६,

कलिंद् पु० (कलिन्द) એક આર્ય જાત. एक आर्य जाति Name of an Āryan race or tribe पन्न० १,

कलिंब पु० (कलिम्ब) કલિંબ નામનું એક જાતનું લાકડું कलिम्ब नामकी एक जाति का लकडी A kind of wood so named भग० ८, ३,

कलित्त न० (कटित्र) કેડે બાંધવાનું ઘુઘરીવાળું ઘરેણું, કન્દોરો कमर पर बांधनेका घुंघरुओं वाला आभूषण,कदोरा An ornamental waist band ओव० नाया० १,

कलिय त्रि० (कलित) યુક્ત. सहित. Planned, formed together, possessed of "सुंदरथणजघण वयण कर चरण णयण लावण्ण विलास कलिया" पन्न० २, दसा० १०, १, विवा० १, २. राय० ३६, ४३, ज० प० ५, ११५; ४, ६२; सम० प० २१२; ओव० जीवा० ३, ३. कप्प० ५, १०१; सू० प० २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १, ३, ८, १६, १८, नायाध० ८७; ओघ० नि० भा० २७६; प्रव० १२५४; कप्प०३, ३२, (२) રચેલુ बनाया हुआ formed, made. ज० प० ५, ११५; ४, ६२, ३, ४३; सू० च० १, ४४,

कलिसिया स्त्री० (कलशिका) કલસીઆના આકારનું એક વાજીંત્ર कलश के आकार का एक बाजा A musical instrument of the shape of a pitcher राय०८६,

कलुण त्रि० (करुण) કરુણા ઉત્પાદક, દયાપાત્ર, ગરીબ करुणोत्पादक, दयापात्र, गरीब Exciting pity or compassion आव० २१, नाया० ६; विवा० ७, पिं० नि० ३७१; सूय० १, ५, १, ७, आया० १, १, ६, १८२, (२) કરૂણારસ, નવ રસમાંનો એક રસ करुणा रस, नौ रसों में से एक one of the nine sentiments, viz that of compassion ठा० ४, ४, अणुजो० १३०, —भाव न० (-भाव) કરૂણાજનક ભાવ दयाजनक भाव sentiment exciting pity or compassion नाया० ६,

कलुणा. स्त्री० (करुणा) કરૂણા, દયા दया, करुणा Compassion, mercy पराह० १, १, नाया० १, दस० ६, २, ८,

कलुस त्रि० (कलुष) ડોળું; મેલું, અસ્વચ્છ કાદવવાળું अस्वच्छ, कीचड वाला, मैला; गदा Muddy, turbid भग० १, ३, ७; ७, ६, अणुजो० १३०, सूय० २, ३, २१, ओव० २१, विसे० १४६६, ओघ० नि० ५८५, तंदु० १६; नाया० १,

कलुस पु० न० (कालुष्य) પાપ કર્મ; ચિત્તની ડામાડોળ સ્થિતિ. पाप कर्म; बिगडी हुई मनोवृत्ति. Sinful action, troubled condition of mind. सूय० १, ५, १, २७; सम० ३०, दसा० ८, १, २१; ८, २१; भत्त० ५२; नाया० १, ६, उवा० ६, १७०; —आउलचेय त्रि० (-आकुलचेतस्) દોષ પાપાદિકે કરી જેનું ચિત્ત મલીન છે તે. दोष पापादि से जिसका मन मलिन है वह. (one) whose mind is filthy on account of sin etc. दसा० ६, १५; २४, २५, —किव्विस त्रि० (-किल्बिष) અત્યન્ત મલિન अत्यन्त मलिन. very filthy in mind. भग० १, ७, —समावरण त्रि० (समापन्न) ડામાડોળ સ્થિતિને પામેલ डावांडोल स्थिति को प्राप्त one who is troubled in mind. भग० २, १, ६, ३३, ११, ६, नाया० ३, ८; —हियय पु० न० (-हृदय) દુષ્ટ-મલિન હૃદય दुष्ट-मलीन हृदय wicked heart नाया० १६,

कलेवर न० (कलेवर) શરીર. દેહ शरीर; देह Body, physical body जीवा० ३ ४ सू० प० २०, ठा० ५, १, पन्न० १; ज० प० नाया० १२,

कलेसुय. न० (कलेसुक) એક જાતનું ઘાસ एक जाति की घास A kind of grass. सूय० २, २, ११,

***कलोवाइ** स्त्री० (*) વાસનો કરંડીયો. बास का कडिया A small box of bamboo आया० २, १, २, १०,

कल्ल न० (कल्य) આવતી કાલ, બીજો દિવસ आगामी काल; दूसरा दिन Next day. निर० ३, ९, विवा० ७, दसा० ७, १; नाया० ८; १४, १६, सु० च० ७, ११२,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

भग० २, १; ३, १; ११, ६; ओघ० नि० १७३, विशे० १४७३; (२) प्रात:काल; प्रभातनो समय प्रातःकाल, प्रभात का समय dawn. नाया० १. २. ५; ८; १३. १६. भग० १२, १. अणुजो० १६, उत्त० २०, ३४; ओव० १३; राय० २३८, उवा० १, ६३; (३) आरोग्य नीरोग. आरोग्य health विशे० ३४४०,

कल्लाकल्लिं अ० (कल्याकल्यम्) दिनदिन प्रत्ये, दररोज, हरएक रोज; प्रति दिन Day by day; daily नाया० ८, ६ १० १४, १६, विवा० ३ ५ अत० ३, ८, ४ ३. उवा० ७, १८४,

कल्लाण न० (कल्याण = कल्योऽत्यन्तनारुक्तया मोक्षस्तमानयति प्रापयतीति कल्याण) सुखकर, कल्याणकारी, श्रेयस्कर सुखकारी. कल्याणप्रद; श्रेयस्कर Causing ease, giving comfort सू० च० २, ५८ नव० १०, १ जावा० ३, ३, विशे०३४६१ गच्छ० २ ४ १२, दस० ४, ११ राय० २४ उत्त० १ ३८, ठा०३, १, आया० १, ७, १, १६६ ओव० नाया० १; ७ ६. १४, १६ १६, भग० २, १ ३ १ ७ १०, ६, ३३ पण्ह० २, १, सु० प० १८, उवा० ७, १८७, कप्प० १, ४, (२) ए नामनुं पर्वग जातनुं झाड, इस नाम का पर्वग जाति का झाड a tree of that name पन्न० १, (३) एक प्रकारना प्रायश्चित्तनुं नाम एक प्रकार के प्रायश्चित्त का नाम name of a kind of expiation पिं० नि० भा० ३४, (४) तीर्थकरना छ कल्याणिकमानुं गमे ते एक तीर्थकर के छः कल्याणों में से कोई भी एक. one of the six precepts of Tirthankars. पचा० ६, २०, —कर त्रि० (-कर) कल्याण करनार कल्याण करनेवाला. one who accomplishes welfare. नाया० १५, —कारय त्रि० (-कारक) कल्याण करनार कल्याणकारी one who confers welfare. नाया० १; —दियह पु० (-दिवस) जिनेश्वरना पांच कल्याणकनो दिवस जिनेश्वर के पांच कल्याण का दिन. the day of the 5 Kalyāṇakas of a Tīrthankara. पंचा० ६, २६. —परंपरा स्त्री० (परंपरा) कल्याणनी परम्परा कल्याण का परम्परा continuation or remote standing of Kalyāṇaka भत्त० ६८, —फलविवाग पु० (-फलविपाक) विपाक सूत्रनो सुखविपाक रूप एक भाग विपाक सूत्र का सुखविपाक रूप एक भाग. a part of a Vipāk Sutra called Sukha Vipāka ज० प० १, ६, सम० ५५; —भागि. त्रि० (-भागिन्) मोक्षने भजनार मोक्ष का सेवन करने वाला one who enjoys final bliss दस० ६, १, १३, —संपया स्त्री० (-संपत्) कल्याणनी संपत्ति कल्याण का संपत्ति पचा० २, ४१,

कल्लाणग पु० (कल्याणक) पडिलेहणनो वखत वीत्या पछी पडीलेहण थाय तेनुं प्रायश्चित एक कल्याणक तप विशेष प्रतिलेखना का समय बीतने के पश्चात् प्रतिलेखना कीजाय उसका प्रायश्चित्त-एक कल्याणक तप विशेष A kind of expiatory penance for examining clothes etc. after the time for it has elapsed ओघ० नि० भा० १७४; (२) त्रि० कल्याणकारी कल्याण कारी advantageous पन्न० २. नाया० १,

कल्लाणि पु० (कल्याणिन्) एक जातनी

गुड़ उबालने का बरतन A vessel in which treacle is boiled. विवा० ३;

कवाड. न० (कपाल) ખોપરી. खोपड़ी The skull. नाया० ४;

कवाड. पुं० न० (कपाट) કપાટ; બારણું; દરવાજો. कपाट, द्वार. A gate; a door उवा० २, ६४; प्रव० १३२७, पिं० नि० ३४७, जीवा ३, ४, ओव० सम० ८. अणुजो० १४१, नाया० ज० प० सु० च० १. ४५, अंत० ६, ३. राय १७६, नाया० १८; सम० प० २१०, ज० प० ३, ४३. (२) કેવલ સમુદ્ઘાત ક્રિયામા કેવલી આત્માના પ્રદેશને બહાર કાઢી પ્રસારી કપાટને આકારે બનાવે તે. कवल समुद्घात क्रिया मे केवली की आत्मा क प्रदेश बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के आकार की भांति बना देना Universal projection of the soul by a Kevali by expanding it in the shape of a door पन्न० ३६, —अयश्च पुं० (—मूलक) બે હાથ અથવા ત્રણ હાથ જમીન ખોદે તો અમુક પૈસા આપીશ, એવી સરત કરી રાખેલો ચાકર दो हाथ या तीन हाथ जमीन खोदनेपर इतने पैसे दूंगा इस शर्त पर रक्खा हुआ नौकर a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e g two or three arms ठा० ४, १,

कवाल पुं० न० (कपाल) ઘડાનો અર્ધભાગ. घडे का आधा भाग, घडे का अर्द्ध भाग The half of an earthen pot विशे० १६८७, दसा० ६,४, आया० १,६,३,१०, (२) મસ્તક, ખોપરી. मस्तक; खोपडी. a brain सु० च० ५, ५३; सूय० २, १, ४८;

कवि. पु० (कवि) કવિતા કરનાર कविता बनानेवाला, कवि. A poet. ठा० ७; अणुजो० १३१,

कवि पुं० (कपि) વાંદરો. बंदर, वानर. A monkey सूय० २, २, १०, विशे० ८६१; ओघ० नि० ६४३, सु० च० १, २६,

कविंजल पुं० (कपिञ्जल) એક જાતનું પક્ષી. एक जात का पक्षी A kind of bird; the Chātaka bird सूय० २, २, १०, पन्न० १, उवा० ७, २१७;

कविंजलग पुं० (कपिञ्जलक) જુઓ "कविंजल" શબ્દ. देखो "कविंजल" शब्द Vide "कविंजल" पराह० १, १,

कविकच्छु पुं० (कपिकच्छु) એક જાતની વેલ કે જેને અડતાં શરીરમાં ખરજ ઉત્પન્ન થાય છે. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेही शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch जीवा० ३, १; पराह० २, ५.

कविट्ठ पुं० (कपित्थ—कपिस्तिष्ठत्यत्रेति कपित्थः) વાંદરાને ગમતું બહુ બીવાળું ફલ; કોઠનું ફલ बहुत बीजो वाला फल जो बंदर को प्रिय–रुचिकर होता है, कबीट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys ज० प० आया० २, १, ८, ४३; उत्त० ३४, १२, सू० १, १८, पन्न० १, २, प्रव० २४६, भग० १८ ६, २२, ३, दस० ५, १,७३. जीवा० १ ३,४, निर० ३,२,

कविया. स्त्री० (कविका) લગામ लगाम (जो घोडे वगैरह के मुह मे अटकाई जाती है) A bridle सु० च० १०, ३२,

कविल. पु० (कपिल) કપિલ નામના મુનિ· કપિલ કેવલી કે જે રાજા પાસે શું માગવું તેનો વિચાર કરતાં, પરિણામની ઉચ્ચ શ્રેણી

ઉપર ચડતા સતોષ ન્વ્યો અને ત્યા કેવલ જ્ઞાન ઉત્પન્ન થયુ કે તરતજ શાસન દેવે આપેલ સાધુને વેશ પહેરી દીક્ષા લઇ ચાલી નીકળ્યા कापल नामक मुनि कापल नामक केवली जो राजा से क्या मागना ? इसका विचार कर रहे थे ; क विचार करते करते परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ गये और उस अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा कवलज्ञान उत्पन्न हो गया तब आपने तुरतही शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेष पहन कर दीक्षा ली और वहां से चल निकले Name of a sage who while pondering upon the boon that he should ask of a king, rose to a high stage of thought-activity experienced content ment, attained perfect know ledge became an ascetic, took Dikṣā and set out उत्त० ८, २० सु० च० १२ ५६ (२) ભુરે રંગ भूरा रंग tawny colour जं० प० भग० ७, ६ (३) એક જાતનું पिल नामनું પક્ષી एक जात का कापल नामक पक्षी a kind of bird पराह० १ १ ज० प० आव० (४) કપિલ મુનિ સાખ્યશાસ્ત્ર પ્રણેતા અને તેના અનુયાયિઓ कापल मुनि और उस मत के अनुयायि—माननवाले name of the founder of the Sankhya system of phylosophy also a follower of Kapila आव० ३८

कविलक्ख पु० (कपिलक) રાહુના પુદ્ગલના ૧૫ પ્રકારમાંનો એક राहु के पुद्गल के पन्द्रह प्रकार में से एक One of the 15 varieties of the molecules of which the body of Rāhu is made सू० प० २०

कविसायण पु० (कपिशायन) એક જાતની મદિરા एक जात की दारू A kind of intoxicating drink पन्न० १७,

कविसीसम पु० (कपिशीर्षक) જુઓ कावसीसग શબ્દ देखो 'कविसीसग' शब्द Vide कावसीसग राय० १०४ जीवा० ३ ४

कविसीसग पु (कपिशीर्षक) કોશીશા ગઢમાંથી બહાર જોવાને તેમાં મુકેલા વાંદરાના માથાને આકારે મોકા કાંગરા गढ से बाहर देखने के लिये उसमें रखे हुए बंदर के सिर के आकार के छेद An indentation or hole in the wall of a fortification resembling a head of a monkey आव० ज० प० नाया० ५ भत० १ १

कविहसिय न० (कपिहसित) આકાશમાં અકસ્માત્ બળતી ભયકર જ્વાલા કે જે માય તે आकाश में अकस्मात दिखाई देनेवाली भयकर ज्वाला Unexpected sudden flames in the sky अणुजो० १२७ जीवा० ३ ३

कवल्लक पु० ( ) પાત્ર વિશેષ મોટી કડાઈ पात्र विशेष बडी कडाइ A utensil a big cauldron भग० ३ १

कवेल्लुय पु० (*) નળિયા कवलू A tile जीवा० ३ १ (२) મોટી કડાઈ કડાઇઓ बडा कडाई a large cauldron ज० प० ५, ३८,

कवोड पु० (कपोत) પારેવું कबूतर A

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th

dove. पिं० नि० ११७;

कवोतालि स्त्री० (*कपोतालि—कपोत पालिका) निટક, પક્ષીને પાલવાની જગા पक्षियोंको पालने की जगह A place set apart for taming birds. जीवा० ३,३,

कवोय पुं० (कपोत) કબૂતર; પારેવો कबूतर A dove, a pigeon जीवा० ३, पन्न० १; ओव० आया० २, १०, १६६. उवा० ७, २१७. जं० प० ७, २१; —**सरीर** न० (-शरीर) પારેવાના શરીરના રંગવાળું ફલ, કોળું कबूतर के शरीर के समान रंगवाला फल, भूरा कोला. name of a fruit of the colour of a dove; a kind of pumpkin gourd भग० १५, १.

कवोयग पुं० (कपोतक) પારેવું कबूतर A dove, a pigeon सूय० २, २, १०;

कवोल पु० (कपोल) ગાલ, લમણું गाल. A cheek; the temples जीवा० ३, ३. ओव० १०, जं० प० —**मूल** न० (-मूल) ગાલનું મૂળ, લમણું कनपटा the temples कप्प० ३, ३३,

कव्व. न० (काव्य) કાવ્ય; કવિની બનાવેલ કૃતિ. काव्य, कवि का बनाई हुई कविता A poem, the work of a poet अणुजो० १३०, ठा० ४, ४, ज० प० प्रव० १२४१, सु० च० १, १;

कव्वड. पुं० (कर्वट) કુત્સિત નગર; અશોભિતુ શહેર शोभा रहित शहर A city devoid of beauty. नाया० ८, १६, ओव० ३२. सूय० २, २, १३; पण्ह० १, १. जीवा० ३, ३; भग० १, १; ३, ७, ७, ६; जं० प० ३, ६६.

कव्वडग पुं० (कर्वटक) ७६मा ग्रहनुं नाम. ७६ वें ग्रह का नाम. Name of the 76th planet. सू० प० २०;

√**कस.** धा० II (कृश) શોષવવું; સુકવી નાખવું शोषण करना, शोखना, सुखा डालना To dry up, to cause to evaporate

कसेहि आया० १, ४, ३, १३५,

कस पु० (कश=कशते शासनयाशासजनयति ताडयति वेति तथा) ચાબખો, કોરડો. चाबुक A whip पण्ह० १, १, ३; २, ५, ज० प० उत्त० १,१२, १२, १६; विवा० ६; दसा० ६, ४, विशे० २०४२ (२) કર્મ અથવા ભવ (સંસાર) कर्म या ससार. Karma, worldly existence विशे० १२२८, २३७८; —**प्पहार.** पुं० (-प्रहार) ચાબખાના પ્રહાર चाबुक का प्रहार, चाबुक की मार. a stroke or lash of a whip. विवा०३; नाया०२,१७;

कस पुं० (कष) ઘસીને કસોટી કરવી તે कसोटीपर लगाना. Testing on a touch-stone. पंचा० १४, ३६,

कसट्ट न० (*) કસતર, કચરો कचरा Refuse; dross ओघ० नि० ४४७;

कसट्टिय. पुं० (कशपट्ट) કસોટીનો પથરો कसोटी का पत्थर. A touch-stone. भग० ५, २;

कसर पु० (*) ખંજવાળવાથી ઉત્પન્ન થયેલો રોગ; ખસ खुजाने से उत्पन्न रोग; खाज. A skin disease caused by scratching; itches. "कच्छूकसराभिभूया" भग० ७, ६, जं०प०—**अभिभूय.** त्रि० (-अभिभूत) ખાજના રોગથી પીડા-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

मेलो. खाज के रोग से पीडित. (one) suffering from itches भग० ७, ६;

कसाय. पुं० (कषाय) लगवां वस्त्र भगवां वस्त्र. A red cloth or garment दसा० ६, ४; (२) कसायेलो रस कसाया हुआ रस; उतरा हुआ रस, चलित रस astringent taste. जीवा० ३, १, आया० १, ५, ६, १७०, उत्त० ३६, १८, पन्न० १, नाया० १; १७, जं० प० निसी० ९, ४४, भग० २, १, १७, ३, १८, ६; २०, ५, २१, ७; २४,१; दस० ५, १, ६७, सम० २२,ठा० १, १; (३) पन्नवणा सूत्रना त्रीजा पदनुं सातमा द्वारनु नाम पराणवणा (प्रज्ञापना) के तीसरे पद का सातवां द्वार. name of the 7th Dvāra of the third Pada of Pannavanā Sūtra पन्न० ३; (४) प्रज्ञापनाना चउदमां पदनु नाम जेमा क्रोधादि चार कषायनु वर्णन आपेलुं छे प्रज्ञापना के चौदहवें पद का नाम जिसमे क्रोधादि चार कषायों का वर्णन है name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaśayās पन्न० १, (५) सात समुद्घातोमानी बीजी समुद्घात-जेमा कषाय मोहनीय कर्मनी निर्जरा थाय छे सात समुद्घातों मे से दूसरी समुद्घात जिसमे कषाय मोहनीय कर्म की निर्जरा होता है the 2nd of the seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kaṣāya Mōhanīya Karma. पन्न० ३६; (६) जीवना शुद्ध स्वभावने कर्मरूप मेल लगाडी मलीन करे अने संसारनी वृद्धि करे ते क्रोध, मान, माया अने लोभ. जीवके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मलीन करने वाले तथा संसार भ्रमण की वृद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ रूप कषाय the four moral impurities viz anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence दस० ८, ४०, १०, १, ६, भग० १७, ३, २४, १, क० गं० १, ४१; ५, ६३; पन्न० १४, भत्त० ८८, गच्छा० ६७ पच० १७, ५०, कप्प० ४, ६५ जीवा० १, नाया० ५ आया० १, ८, ७, २; उत्त० ३१, ६, अणुजो० १२७, आव० १६. —**अईय** त्रि० (-अतीत) कषायरहित जीव, कषाय (कष + आय) संसारनी प्राप्ति करावनारः क्रोधादिथी रहित कषाय रहित जीव, कषाय (कष+आय)-संसार की प्राप्ति-कराने वाले क्रोधादि भावोंसे रहित (a soul) free from Kaṣāya i e anger etc. which are the causes of worldly existence विशे० ७७७, —**उदय** पुं० (-उदय) कषाय क्रोध, लोभ वगेरेनो आविर्भाव. कषाय-क्रोध लोभ आदिका आविर्भाव (वृद्धि). rise, manifestation of Kaṣāya i e. anger greed etc क० प० १, ४२, ६, ६४, —**कलि** पुं० (-कलि) कषाय रूपी क्लेश कषाय रूप क्लेश mental agony, trouble in the form of Kaṣāya, such as anger etc भत्त० १२१, —**चउक्क** न० (-चतुष्क) कषायनी चोकडी. क्रोध, मान, माया अने लोभ कषाय की चोकडी. क्रोध, मान, माया, और लोभ the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed क० प० ६,७७;—**अय.** पुं० (-अय) क्रोध, मान, माया अने लोभ ए चार ने इतव ते; कषाय क्षय. क्रोध, मान, माया और लोभ का क्षय

इन चारों को जीतना. conquest over the four passions viz anger, conceit deceit and greed प्रव० ५६२; —हुग न० (-अष्टक) કષાયની આઠ પ્રકૃતિ, અપ્રત્યાખ્યાની અને પ્રત્યાખ્યાની ચોકડી कषाय की आठ प्रकृति भेद, अप्रत्याख्यानी और प्रत्याख्यानी चोकडा the eight-fold nature of Kasaya viz four Apratyākhyānī and four Pratyākhyānī क० ग० ६ ८२, —णिव्वत्ति स्त्री० (-निर्वृत्ति) ક્રોધાદિ કષાયની ઉત્પત્તિ क्रोधादि कषायों का उत्पत्ति the rise of Kasaya viz anger. etc भग० १६ ८, —पच्चक्खाण न० (-प्रत्याख्यान) ક્રોધ આદિ કષાયનો ત્યાગ क्रोधादि कषाय का त्याग. giving up, abandoning Kasāya i e anger etc उत्त० २९, २, —पडिसंलीणता स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) કષાયને લય કરવો તે कषाय का लय करना नाश करना destruction assuaging of Kasaya भग० २५ ७ – पिसाअ पु० (पिशाच) કષાય રૂપી પિશાચ कषाय रूप पिशाच a ghost, an evil spirit in the form of Kasay नंदी० ५७ —प्पमाअ पु० (-प्रमाद) કષાયરૂપ પ્રમાદ कषायरूप प्रमाद negligence, blunder in form of Kasāya ठा० ६ १. —मोहणिज्ज. न० (मोहनीय) કષાયરૂપ મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ मोहनीय कर्म का कषायरूप प्रकृति a variety of Mohaniya Karma in the form of Kasāya उत्त० ३३, १०; —रस. त्रि० (-रस) કસાયેલો રસ कषाय–कडवा रस astringent in taste भग० ८, १; —वयण न० (-वचन) ક્રોધયુક્ત વચન ગુસ્સાના શબ્દ क्रोधयुक्त वचन; गुस्सा भरे शब्द angry words सूय० १, ३, १, १५, —विउस्सग्ग पुं० (-व्युत्सर्ग) કસાયનો પરિત્યાગ. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment of Kasāya i e anger etc भग० २५, ७, —विजय पुं० (-विजय) ક્રોધાદિક કષાયનો વિજય કરવો તે क्रोधादि कषाय पर विजय प्राप्त करना conquest over Kasāya i e anger etc प्रव०१४२६, —समुग्घाय पु० (-समुद्घात-कषायैः क्रोधादिभिहेतुभूतैः समुद्घातः कषाय समुद्घात) ક્રોધાદિ કષાયને ઉદયે જીવના પ્રદેશ શરીર અંદર અને બહાર વિસ્તરવાથી નેત્ર વિકાર કે મુખવિકારનું થવું અને કષાય મોહનીયનો ભોગવટો કરી કષાયના પુદ્ગલોને નિર્જરવા તે क्रोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भीतर और बाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखविकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर क्षय होजाने में कषाय पुद्गलों का निर्जरा होना deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kasāya (passions) and destruction of the molecules of Kasaya after enduring them. सम० ६, जावा० १, ठा० ४, ४, भग० ११, १, २४, १, ३४, १ पन्न० ३६.

कसायकुसील पु० (कषायकुशील = कषायैः संज्वलन क्रोधाद्युदयलक्षणैः कुशीलः कषायकुशीलः) કષાયયુક્ત, સાધુ, છ પ્રકારના નિર્ગ્રંથમાંનો એક कषायवाला साधु क्रोधादि भावयुक्त साधु. छ प्रकारके साधुओं में से एक An ascetic full of Kasāya, one

of the six kinds of Nigranthas i e ascetics. भग० २५, ६, पगह० ६३

कसाय कुसीलत्त न० (कषाय कुशीलत्व) કષાયકુશીલપણું कषाय भावसे कुशीलपना Evil conduct arising from Kaṣāya भग० २५ ६

कसायपद न० (कषायपद) પન્નવણા સૂત્રના ચોથા પદનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के चौथे पद का नाम Name of the fourth Pada of Pannavanā Sutra भग० १८, ४

कसायात पु० (कषायात्मन्) કષાયવાળો આત્મા कषायवाला आत्मा A soul full of Kaṣāya भग० १२ १०,

कसाहि पु० (कशाहि) એક જાતનો મુકુલિત સર્પ एक प्रकार का मुकुलित सर्प A kind of snake पन्न० १

कसि पु० (कृषि) ખેતી કૃષિકર્મ खेती कृषिकर्म Agriculture जावा० ३ ३ क० प० २, ६१,

कसिण त्रि० (कृत्स्न) પૂરેપૂરૂં સંપૂર્ણ पूरा पूर्ण संपूर्ण Whole full all, entire दसा० १०, १ निसा० ८, १२ आव० ४०, अणुजो० ५०, भग० २, १० ६, ३१ दस० ८, ६० नाया० १४ ज० प० ७ १६६, (२) અખંડ ટુકડાએ વગેરે નહીં ખંડિત થયેલ समग्र अखंड, टुकडे वगैरह जिसके न हुए हों वह unbroken, entire कप्प० १, १, ५, १३, क० प० ७, ३ ४८, आया० २, १, १, २, वेय० ३ ५, निसा० ४, १६ (३) પું० પરિપૂર્ણ સ્કંધ મહાસ્કંધ જેનાથી મ્હોટો બીજો સ્કંધ નથી તે परिपूर्ण स्कंध, महास्कंध, सबसे बड़ा स्कंध a perfect, complete Skandha or molecule विशे० ८३७, —**अब्भपुड** पु० (-अभ्रपुट) સમ્પૂર્ણ અભ્રપટલ (આકાશ) નો પડ सम्पूर्ण बादल का पडल; सम्पूर्ण अभ्रपटल The entire vault of the sky कसिणब्भ पुडावगमव चंदिमा" दस० ८, ६४, —**चणय** पु० (-चणक) આખા ચણા अखंड चना chick pea, grain प्रव० १०१०, —**संयम** पु० (-संयम) સર્વરીતે સાવદ્યનો ત્યાગ, સર્વ વિરતિ सावद्य का त्याग पापानुष्ठान का सर्वथा त्याग, सर्व विरति complete renunciation of sinful things पंचा० ६ ४०

कसिण त्रि० (कृष्ण) કાળું કાળાશવાળું काला Black आगासिय चावसहस्स सु कसिण सिप्पभूया ' जावा० ३ २, म० च० ४, २३६ पन्न २ ओव० १० ठा० १० कप्प० ३ ३६, क० गं० १, ४२

कसिणा स्त्री० (कृत्स्ना) જે પ્રાયશ્ચિત્તમાં અધિક સમાવેશ ન થઇ શકે તેવું પ્રાયશ્ચિત્તનો એક પ્રકાર जिस प्रायश्चित्त में अधिक शामिल न हो सके वह प्रायश्चित्त प्रायश्चित्त का एक भेद A variety of expiation in excess which has reached the highest limit and which can not admit any more ठा० ५ २ समा० २८

कसेर पु० (कशेरु) પાણીમાં ઉત્પન્ન થતો કસેરુ નામનો પ્રસિદ્ધ કંદ पानी में पैदा होनेवाला कशेर नामक प्रसिद्ध कंद A bulbous root growing in water and named Kaseru पन्न० १

कसेरग पु० (कसेरक) કસેરુ નામની પાણીમાં ઉગતી વનસ્પતિ पानी में उत्पन्न होनेवाला कसर नामक वनस्पति Name of aquatic plant सूय० २, ३, १८ आया० २, १, ८, ४७,

कस्सई अ० (कस्यचित्) કોઇ એકનું

किसी एक का. Of some one; belonging to some one दस० ८, १०;

कह धा० II. (कथ्) કહેવું, બોલવું कहना; बोलना To tell, to speak; to say.

कहेइ. निसी० ८, २, नाया०ध०उवा०१, ६०;

कहंति ओव० २१,

कहिंति नाया० १६,

कहिज्जा वि० दस० १०, १,१०,

कहिज्ज वि० पिं० नि० ३१४,

कहाहि आ० सूय० १, ११, ३,

कहसु आज्ञा० सु० च० १, ४६;

कहेसु. सु० च० ५, ६;

कहय. उत्त० २५, १६,

कहेमाण दसा० ३, २६, सम० ३३,

कहमाण गच्छा० ३२,

कहिउ. सु० च० ३, ८२,

कहिजए. क० वा० विशे० ५८५,

कहिजउ क० वा० सु० च० ४, २४०,

कहिज्जाहि क० वा० आज्ञा० पिं० नि० ४३२.

कहिजंत क० वा० व० कृ० सु०च० ७,१४६,

कह अ० (कथम्) કેમ, શામાટે, કેવી રીતે क्यों, किसलिये, किम तरह. Why, how. नाया० २, ६, ७, भग० ७, ६,

कहं अ० (कथम्) કેમ? શામાટે? કેવીરીતે? किस प्रकार? How? why? नाया० १, २, ६, ७, ६, १०; १८, भग० १, ३, २, ५ ३, १, ५, ५, ६; १५, १, १६, ६, २०, ६, २५,८; दस०२,१,४,७,६,२ २४,२५,दसा०४, १०५, विशे० ३०, १२७, सु०प०१, सूय०१, १, ३, १०; १, २, ३, ज० प० ७, १४१,

कहंचि अ० (कथचित्) કોઇ પ્રકારે, किसी प्रकार से In some way or other, some how or other पंचा० ५, ३५,

√कहकह ना० धा० II· (कहकह) કહકહ એવો આવાજ કરવો कहकह ऐसा आवाज करना. To make a sound resembling the sound of the word Kahakaha.

कहकहति. जीवा० ३, ३;

कहकहंत. पराह० १, ३, ज० प० ५, १२१;

कहकह. पुं० (कहकह) ઘણા જણનો ખુશાલીનો અવાજ कोलाहल, शोर Bustling noise राय० ८१,

कहकहअ पुं० (कहकहक) આનંદનો કલકલ શબ્દ आनंद का कलकल शब्द. A joyous bustling sound ठा० ३, १,

कहकहक. पु० (कथकथक) કહકહ એવો ખુશાલીનો પોકાર 'कहकह' रूप हर्षोद्गार, खुशाली की पुकार. A joyous sound resembling the pronounciation of the word Kahakaha नाया० २, १५, १७६,

कहकहग पु० (कहकहक) કોલાહલ कोलाहल Bustling sound कप्प० ५, ६६,

कहग पुं० (कथक) કથા કરનાર; કથા ઉપર આજીવિકા ચલાવનાર कथा करनेवाला, कथा करके आजीविका करनेवाला A professional story-teller राय० अणुजो० ६२, ओव० ज० प० निसी० ६, २२, जीवा० ३ ३, कप्प० ५, ६६, प्रव० ६३६,

कहण. न० (कथन) કથન, વર્ણન, કહી બતાવવું कहना, कथन, वर्णन. Telling, describing, narrating विशे०८६४, पिं० नि० ८०, १६०, १६१, सु० च० २, ३५०, नाया० ८, नंदी० ४१,

कहणा. स्त्री० (कथन) કથન कथन Narration विशे०८४६,पंचा०६, १३,१२, १५;

कहवि. अ० (कथमपि) કોઇ પણ રીતે कोई भी रीति से In some way or other; anyhow गच्छा० ६६;

कहा. स्त्री० (कथा) કથા, વાર્તા; સમાચાર; કથા-વાદ, જલ્પ, વિતંડા, પ્રકીર્ણ અને

निश्चय એ પાંચ પ્રકારની કથા. કથા; સમાચાર; वार्ता-वाद, जल्प, वितंडा, प्रकीर्ण और निश्चय, ये पांच प्रकार की कथा A story; a news, a description " तिविहा कहा पणत्ता तजहा अत्थ कहा धम्मकहा कामकहा " ठा० ३, ३, गच्छा० ११५, कप्प० ३, ५६, भग० २, ५, ७, ६, ६, ३३, ११, ११, दस० ८, ४२, नाया० १, ३, ५, ८, १३, १६, सम० ९, १२, उत्त० १६, ६, २६, २६, ओव० ११, ३८, दसा० ३, २६, ३१, निसी० ८, १, उवा० २, ११७,—अहिकरण न० (-अधिकरण) કથાના અધિકારવાળું कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र A scripture containing stories or teaching through stories दसा० ६, २५, —समुल्लाव पु० (-समुल्लाप) પરસ્પર વાર્તાલાપ परस्पर वार्तालाप, आपस में बातचीत. mutual conversation नाया० ८, ६

कहाणग न० (कथानक) કથા, વાત, કથા, कथानक, वर्णन A story a narration नदी० ५०,

कहि त्रि० (कथिन्) કહેનાર कहने वाला (One) who tells, a teller "महाधम्म कही" उवा० ७, २१८, ज० प० १, १,

कहि अ० (क) ક્યાં, કયે ઠેકાણે कहां, किस जगह Where? at what place? जं० प० जीवा० ३, नाया० १३, पन्न० २, भग० २, १; ७; ३, २, ६, १, ६, १, १२, १; १३, ४,

कहिअ-य. त्रि० (कथित) કહેલું कहा हुआ Told, narrated नाया० १, २, ५, ६, १६; भग० १, १; २, १, पंचा० १७, ३०,

कहिं अ० (क) ક્યાં? कहाँ? Where? जीवा० १; राय० नाया० ८; १३, १४; १६; सु० च० ३, ६२; भग० २, १; ३, १;२; ५, ३, ६, ५ ७, ६, ६ ३३, १४, १; १५, १; ३२, १, अणुत्त० १, १, पिं० नि० ३७६; सू० प० १,

कहिं अ० (कदा) ક્યારે कब, किस समय. When? भग० २०, ८,

कहिंचि अ० (क्वचित्) ક્યાયપણ, કોઇસ્થલે कहीं भी, किसीभी स्थान पर In some place, in some place or other विशे०१६२७, नाया० १, आया० १, ७, २, २०२;

कहित त्रि० (कथित) કહેલ कहा हुआ. Told; said, narrated सू० प० १,

कहित्तार त्रि० (कथयितृ) કહેનાર; બોલનાર कहनेवाला, बोलने वाला (One) who tells, a teller a speaker दसा० ३, २१, उत्त० १६, ६, सम० २,

कहेत्तार त्रि० (कथयितृ) કહેનાર कथन करने वाला, कहनेवाला A speaker, a teller, (one) who tells "इत्थि कह भत्तकह रायकह कहेत्ता भवइ" ठा० ४, २, सम० २०.

कहार न० (कल्हार) સંધ્યા વિકાશી સફેદ કમલ संध्या का फूलने वाला सफेद कमल A white lotus blooming in the evening सूय० २, ३, १८,

√का धा० I (कृ) કરવું करना To do

कासिथा विध० सूय० १, २, १, १७,

काहिइ-ति भवि० भग० ३, २, ६, ३३, ११, १२, १४, ८, १५, १, १८, १०, नाया० १५, १६, विशे० ६६८,

काही नाया० ध० ६, दस० ५, १०;

काहिंति भग० ३, १, १९, १, नाया० १, नाया० ध० १०; ओव० ४०; उत्त० ८, १६, पिं० नि० २३६,

कासी. भूत० सूय० १, १, ३, ८; आया०

१, १, ४, ३२, उत्त० १, १०;

काऊयं. ज० प० नाया० १८, १६; विशे० १५२; पिं० नि० ३, भग० १४, २,

काउं सं० कृ० भग० १, ८; ३, ५, ६, ३३, १५, १, सु० च० १, २०७, दसा० १०, १, नाया० ध०; नाया० १६. ओव० ४०, पिं० नि० भा० ३०,

काउं. हे० कृ० भग० ४, २, नाया० १८;

कट्टु. सं० कृ० दस० ८,३१, वेय० १, ३७, ७, १७, सू० प० १. पन्न० ३६, ओव० ११, जं० प० ५,११५, ११२, १२२, २, ३३, ३, ४५, अगुजो० १३, ७१, निसी० ७,३१, १४, १२, १८ १७, आया० १, ५ १, १४८, २, १, ३, १५, उत्त० ५, २, ११, नाया० १, ५; ८, १४, भग० १, १; २, १, ५; ३, १, ५, ४, ६, ६ ७, ६,६,३१, १६,५ वेय०१,१३,५, ५,

√का धा० I स० कृ० अ० (कृत्वा) કરીને करके Having done

किच्चा नाया० १, ६, १४, १६, आया० १, ७, ६, २२१, सूय० १, १, १०; ओव० ३८, भग० १, १, ८, २, १, ३, १, ७, ६ ८, ५, १५, १, दस० ५, २, ४७, ८, ४६ निर० ३, १, दसा० ६, १, ६, ११,

काइ अ० (काचित्) કોઈ સ્ત્રી જાતિ વિશેષ પદાર્થ काई स्त्री जाति विशेष वस्तु Somebody, someone, (said of of an object in the feminine gender) वेय० ५, ११; विशे० १२२.

काइय त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण निर्वृत्तः कायिक) શરીરસમ્બન્ધી. શારીરિક शारीरिक, शरीरसबन्धी Physical; relating to the body. आव० १, ४. ओव० ३२, विशे०२३३ ३५८ उत्त०३१,१६.

काइया. स्त्री० (कायिकी) શરીરના વ્યાપારથી થતી ક્રિયા; પાંચ ક્રિયામાંની એક शरीर के व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक क्रिया One of the five activities viz physical activity पन्न० २२, सम० ५; ठा० २, १. ओघ० नि० २४१; भग० १, ८, ३, १, २, ६, ५, ६, ८, ३,

काई. न० (काकी) કાગડી कौवा (कौवा का स्त्री लिङ्ग) A female crow विवा० ३, —अंडअ न० (-अण्डक) કાગડીના ઇંડા कौवे का अडा an egg of a female crow विवा० ३,

काउ स्त्री० (कापोती) કાપોત લેશ્યા, પારેવાના રંગ જેવા કર્મ સ્કંધો કે જેના યોગે જીવને તદ્દન કાળા નહિ પણ સફેદની ઝાંઇવાળા પરિણામ થાય તે કાપોત લેશ્યા. कापोत लेश्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-स्कंध, जिनके सयोग से जीव के बिल्कुल काले परिणाम न होकर सफेदी की झाईवाले परिणाम हों ऐसे परिणामों को कापोत लेश्या कहते हैं Dove coloured tint, grey colour of Karmic molecules resembling that of a dove पन्न० १७, उत्त० ३४, ३, ५६, क० गं० ४, १६; जं० प० ५, ११५, —लेसा स्त्री० (-लेश्या) ૭ લેશ્યામાંની ત્રીજી કાપોત લેશ્યા छ लेश्याओं मे स तीसरी कापोत लेश्या the third of the six matter or thought tints viz dove coloured tint आव० ४, ७, प्रव० ११७३ —लेस्सा स्त्री० (-लेश्या) કાપોત લેશ્યા, પારેવાના રંગ જેવા કે અલસીના ફુલ જેવા કર્મસ્કંધો કે જેના યોગે તદ્દન કાળા નહિં પણ કંઈ સફેદની ઝાંઈવાળા આત્માના ભુખરા પરિણામ થાય તે कापोत लेश्या अर्थात् कबूतर के रंग के समान

कर्मस्कंधों के सयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम जो बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी की झांई लिये हुए हों dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul, dove coloured tint भग० १, १, ७, ३, १८, ३, २२ ९, २६, १, ३१, ४, ३३, ४, ३५, ४, सम० ६, पन्न० २७, उत्त० ३४ ६, जीवा० १, ठा० १, १,

काउअग्गिवएणाभ त्रि० (कपोताग्निवर्णाभ) કપોત અથવા ધમેલ અગ્નિના વર્ણ જેવી કાંતિ જેની છે તે कबूतर अथवा धमी हुई अग्नि के वर्ण समान One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower. दसा० ६, १,

काउंबरि पु० (काकोदुम्बरि) એક જાતનું ઝાડ. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जीवा० १, पन्न० १,

काउंबरिय पु० (काकोदुम्बारिक) વૃક્ષ વિશેષ. एक तरह का झाड / A kind of tree भग० २२, ३,

काउकाम त्रि० (कर्तुकाम) કરવાની ઇચ્છા વાળું करने की इच्छा वाला Desirous of doing or performing ओघ० नि० ५३७,

काउज्जुयया स्त्री० (कायर्जुकता) શરીર યોગની સરળતા, સીધાપણું शरीर योगका सीधापन, शरीर योग की सरलता Straightforwardness of physical activities ठा० ४, १, भग० ८, ६,

काउदर पु० (काकोदर) એક જાતનો ફેણવાળો સર્પ. एक प्रकारका फन वाला सर्प A kind of hooded serpant पन्न० १,

काउरिस पु० (कापुरुष) કાયર, બીકણ. कायर; डरपोक Timid, cowardly गच्छा० २७, सु० च० ७, १६४, आउ० ६४;

काउलि स्त्री० (काकोली) એક જાતની વનસ્પતિ एक तरह की वनस्पति A kind of vegetation. भग० २३, ५,

काउसग्ग पु० (कायोत्सर्ग) કાયાના વ્યાપારનો ત્યાગ કાઉસગ્ગ કરવો તે शारीरिक क्रिया का त्याग, कायोत्सर्ग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul आव० १, १, कप्प० ६, ५२, नदी० ४३, उत्त० २६, ३८, २६, २; वेय० १, १६, नाया० १, ५, भग० २, १, (२) આવશ્યક સૂત્રના પાંચમા અધ્યયનનું નામ आवश्यक सूत्र के पांचवे अध्याय का नाम name of the fifth chapter of Āvaśyaka Sūtra अणुजो० ५६,

काओदर पु० (काकोदर) એક જાતનો સર્પ एक प्रकार का सर्प A kind of serpent पगह० १, १,

काओय पु० (कापोत) જુઓ "काउ" શબ્દ देखो "काउ" शब्द Vide "काउ" पन्न० २,

काओली स्त्री० (काकोली) એ નામની એક વનસ્પતિ एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation पन्न० १,

कांची स्त्री० (काञ्ची) કાંચી નામની એક નગરી. कांची नाम की नगरी Name of a town प्रव० ८०६;

काक पु० (काक) કાકડો कौआ A crow. भग० १,

काकंतिअ पु० (काकन्तिक) લોકડી लोमडी. A fox ज० प०

कांकंदिया स्त्री० (काकंदिका) કાકંદી નામની નગરી काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया० ६;

काकंदी स्त्री० (काकन्दी) જિતશત્રુ રાજાની કાકંદી નામની નગરી કે જેમા ધન્ના અણગારનો જન્મ થયો હતો जितशत्रु नामक राजा की एक नगरी जिसमें कि धन्ना अणगार का जन्म हुआ था A town named Kākandī belonging to king Jitaśatru where the ascetic Dhannā was born अणुत्त० ३, १, ठा० ५, १,

काकणी स्त्री० (काकिणी) ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાંનુ એક રત્ન चक्रवर्ती के चौदह रत्नो मे से एक रत्न One of the fourteen jewels of a Chakravartī ओव० ४०,

काकलि पु० स्त्री० (काकली) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की काकली नामक वनस्पति A kind of vegetation so named भग० २२, ६,

काग पु० (काक) કાગડો. कौआ A crow अणुजो० १३१; पराह १, १; पन्न० १, पिं० नि० ४५४, भग० ३, २, ओघ० नि० ५६३, (२) કાક નામનો ગ્રહ काक नामक ग्रह. a planet so named ठा० २, ३,

※ **कागणि** न० (राज्य) રાજ્ય राज्य. A kingdom (२) એ નામની એક વેલ एक प्रकार की लता का नाम a creeper of that name पन्न० १, ચક્રવર્તિના ચૌદરત્નમાનું એક કે જેથી ચક્રવર્તી તિમિસ ગુફામા પ્રકાશ કરવાને માંડલા આલેખે છે चकवर्ति के चौदह रत्नों में से एक कि जिससे चक्रवर्ति तिमिस गुफा मे प्रवेश करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खीचते हैं one of the fourteen jewels of a Chakravartī by which he draws circles to produce light in dark caves. ठा० ७, १, पन्न० २०, —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીનુ કાકિણી નામનું રત્ન. चक्रवर्ती का काकणी नामक रत्न. a jewel named Kākiṇī belonging to a Chakravartī. ठा० ७, १, पन्न० २०, —लक्खण न० (-लक्षण) કાકણિ રત્નને જોવાની કળા काकणि रत्न को देखने की कला the art of viewing the Kākiṇī jewel. नाया० १; ओव० ४०,

कागणी स्त्री० (काकिणी) કોડી, સોનુ રુપું માપવાનુ એક વજન; સવા ચણોઠીભારનુ માપ, માસાનો ચોથો ભાગ सोना चांदी तोलने का एक प्रकार का वजन, माशे का चौथा भाग, सवा रत्ती (गुंजा) भर वजन A cowrie, a small measure of weight equal to about two grains used in weighing gold and silver अणुजो० १३३, पराह० १, ३, ओव० ३८

कागस्सर पु० (काकस्वर) કાગડાની પેઠે કઠોર સ્વરથી ગાવુ તે, ગાયનનો એક દોષ कौआ के समान कठोर स्वर से गाना, गायन का एक दोष Singing with a harsh sound like that of a crow; a fault in singing जं० प० ३, अणुजो० १२८,

कागिणी स्त्री (काकिणी) ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાનુ એક રત્ન કે જેને ૭ તલા, આઠ ખુણા અને બાર હાંસો હોય છે चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ तह आठ कोनें और बारह बाजु होती हैं One of the fourteen jewels of a Chakravartī, having six facets, eight angles and twelve sides सूय० २, २, २६; सम० १४, जं० प० प्रव० १२२८, (२) કોડી; માસાનો ચોથો હિસ્સો. मासे का चोथा हिस्सा, दो रत्ती भर वजन a cowrie, a measure of

weight of about two grains. उत्त० ७, ११; —मंस न० (-मंस) કોડીને આકારે કોડી જેવડા માસના કકડા શરીરમાંથી કાઢવા તે शरीरमें से कौडी जैसे मासके टुकडे निकालना. taking off pieces of flesh of the size of a cowrie विवा० २,—खाइम न० (-खादिम) કોડી પ્રમાણે કકડા કરી પોતાનું માસ પોતાને ખવડાવે તે कोडी बराबर टुकडे करके अपना मास अपने को ही खिलाना feeding oneself with one's own flesh in pieces as a cowrie दसा० ६, ४, —खावियंग. त्रि० (-खादिताङ्ग) કોડીને આકારે માસના કકડા કરવા તે, એક પ્રકારની શારીરિક શિક્ષા कोडी के आकर बरोबर मास के टुकडे करना, एक प्रकार का शारीरिक दड a kind of physical punishment viz slicing one's flesh into pieces as small as a cowrie सूय० २, २, ६३.

कागी स्त्री० (काकी) કાગડી कौवी A female crow (२) કાકડાસબંધી વિદ્યા कौआ सम्बन्धी विद्या a science in connection with crows विशे० २४५३;

काण त्रि० (काण) એક આંખવાળો, કાણો एक आंखवाला, काना. One eyed अणुजो० १२८, पण्ह० १, १. नाया० १४, दस० ७, १२, पिं० नि० ४७४. प्रव० ८०२;

काणक न० (काणक) બાણ बाण, बान तार An arrow जं० प०

काणग न० (काणक) કાણુ-શેરડીનો એક રોગ કે જેથી તેમા છિદ્ર છિદ્ર પડિ જાય. सांटे का एक रोग जिससे कि उसमें छद पड़ जावें A sugarcane with a disease in it which makes it full of small holes. (२) તેવા છિદ્રવાળી શેરડી ऐस छेदों वाला गन्ना. a sugarcane with small pin-holes. आया० २, १, ८, ४८,

काणग त्रि० (काणक-मुषित) ચોરેલુ चुराया हुआ Stolen. प्रव० ८०३. —महिस पु० (-महिष) ચોરેલો પાડો, ચોરાવ પાડો. चुराया हुवा भैंसा a stolen buffalo. प्रव० ८०३.

काणण न० (कानन) શહેરની પાસેનુ વન, પ્રકીર્ણ ઝાડોવાળુ વન शहर के पास वाला बन, प्रकीर्ण झाडों वाला बन. A forest in the outskirts of a town, a forest with trees lying scattered here and there. पण्ह० १, ४, नाया० १; भग० ५, ७, राय० २०१, अणुजो० १३४ सु० च० ७, ५; भत्त० २.

काणत्त न० (काणत्व) એક આંખપણુ કાણાપણુ काना पन State of being one-eyed आया० १, २, ३, ७८;

काणिय न० (काणय) કાણાપણું, રોગથી કે ગર્ભમાથી-એક આખની ખામી રહી ગઇ હોય તે ૧૬ રોગ માનો એક રોગ कानापन, रोग से अथवा गर्भ में से ही एक आंख की न्यूनता होना सोलह रोगों में का एक रोग State of being one-eyed one of the sixteen diseases आया० १, ६ १, १७२

कात्तिय पु० (कार्तिक) કાર્તિક મહિનો कार्तिक मास The month Kārtika प्रव० १४७०,

कादंब पु० (कादम्ब) એક જાતનો હસ एक प्रकार का हंस A kind of goose. पण्ह० १, १;

काडूसणिया स्त्री० (कडूषणिका = क आत्मानं दूषयति समन्काय पारिणामेन परिणमनात्

कदूषया सैव कदूषाविका-दीर्घमाव प्राकृतत्वात) तमस्कायना प्रभावथी मंद थयेली चंद्रनी कान्ति तमस्काय के प्रभाव से मद हुई चन्द्र कान्ति. The lustei of the moon dimmed on account of the power of daik bodies. भग० ६, ४,

कापालिअ पु० (कापालिक) कापालिक योगी कापालिक योगी, खोपड़िये रखने वाला योगी A Kapālika ascetic अणुजो०१३१,

कापिसायण न० कापिशायन) एक जातनो मदिरा एक तरह की मदिरा A kind of intoxicating drink जीवा०३, ४,

कापुरिस पु० (कापुरुष) कायर पुरुष कायर पुरुष, डरपोक आदमी A timid, worthless person नाया० १, पराह० २, १,

काम पुं० (काम काम्यन्तेऽभिलष्यन्त एव ननु विशिष्ट शरीर सस्पर्श द्वारेणोपयुज्यन्ते ये ते तथा) मनोज्ञ शब्द अने मनोज्ञ रूप मनाज्ञ शब्द और मनोज्ञ रूप Attractive sound and form, उवा० १, ४८, आव० ३२, (२) शब्दादि पाच विषय (२) शब्दादि पाच विषय the five objects of senses such as sound etc उत्त० ३, १८; ८, १४ दस० २, १, आया० १, ५, १, १४१, सूय० १ १, १, ६, नाया० १ (३) इच्छा कामना वासना, अभिलाषा इच्छा; कामना, वासना, अभिलाषा desire, lust ओव० ३८, दस० ६, ४, १४, सू० प० २०, सम० ५, भग० ७, ७, नाया० ५, पन्न० २, पचा० १, १६, प्रव० ४०; क०प० २, १५; ज०प०५, ११५, (४) काम-कंदर्प, मैथुन सेवा काम-कंदर्प, मैथुन सेवा the god of love, sexual intercourse पचा० १,१६, भत्त० १०७, पन्न० २; पराह० १, ३, —**आसंसा.** स्त्री० (-आशंसा) काम-मनोहर शब्दादिकनी अभिलाषा. काम-मनोहर शब्दादिक की अभिलाषा desire for the enjoyment of the objects of senses. प्रव०८२३,—**आसंसपओग** पु० (-आशंसाप्रयोग) विषयवासना उपजे एवो प्रयोग विषयोत्पत्ति का प्रयोग an activity which excites sensual desires ठा० ४, ४, —**आसत्त** त्रि० (-आसक्त) काममां आसक्तिवाळु काममे आसक्ति वाला attached to sensual pleasures भत्त० ११३ —**आसा** स्त्री० (-आशा) कामनी आशा. लोभनु पर्यायनाम काम की आशा, लोभ का पर्याय वाची नाम desire of sensual enjoyment, a synonym for greed सम० ५२, भग० १२, ५; —**कंखिय** त्रि० (-कांक्षित) कामनी इच्छा करनारो काम की इच्छा करने वाला desirous of sensual enjoyments भग० १, ७, —**कम** त्रि० (-क्रम) इच्छा प्रमाणे गति करनार, स्वच्छंदे चालनार स्वच्छद चलने वाला, मन मानी गती करने वाला (one) moving wantonly at his own will उत्त० १४, ४४, (२) लातव नामे छठा देवलोकना इन्द्रनु मुसाफरी विमान लातव इद्र का मुशाफिरी करने का विमान the travelling baloon of the Indra of the sixth Devalōka Lānta. ठा० ८, १, १०, —**कलि** पु० (-कलि) कामनो कलेश. काम का क्लेश the trouble or worry caused by sexual desire भत्त० ११४. —**कहा** स्त्री० (-कथा) काम शास्त्र सबंधी कथा कामशास्त्र अर्थात् कोकशास्त्र संबधी

कहा. talk about love matters. ठा० ३, ३;—कामअ. त्रि० (-कामुक) કામની ઇચ્છા કરવાવાળો. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse भग० १, १, —कामि त्रि० (-कामिन्) કામ વાસનાનો અભિલાષી, કામની ઇચ્છાવાળો. काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse नाया० १, २, ५, ६२, —किञ्च त्रि० (-कृत्य) ઇચ્છા પ્રમાણે વગર વિચાર્યે કામ કરનાર इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला (one) acting wilfully and thoughtlessly. सूय० २, ६, १७, —गम त्रि० (-गम) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિકરનાર इच्छानुसार गति करनेवाला (one) who moves according to his desire जं० प० ७, १६६; ५, ११८, —गामि. त्रि० (-गामिन्) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિકરનાર; મરજી મુજબચાલનાર इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुआफिक चलने वाला (one) moving or acting according to his own wish ओव० २४; —गिद्ध त्रि० (-गृद्ध) વિષયાસકત; કામભોગમા ગૃદ્ધ થયેલ विषयासक्त, काम भोग मे तल्लीन (one) greedy of sensual enjoyments, attached to sensual pleasures. उत्त० ६, ४, —गुण. पुं० (-गुण) કામને-વિષયને ગુણ કરનાર-ઉત્તેજન આપનાર ગુણો, શબ્દાદિ પાંચ વિષય विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of senses e g. sound etc which excite desire or lust उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५; —घत्थ त्रि० (-ग्रस्त) કામ-વિષયમાં ગ્રસ્ત-આસક્ત થયેલ. कामादि विषयोंमें ग्रस्त-आसक्त attached to or plunged in sensual enjoyments. मत्त० ११४, —तिव्वहिलास पु० (-तीव्राभिलाष) કામ-વિષયની અત્યન્ત ઇચ્છા. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures प्रव० २७८, —त्थिय त्रि० (-अर्थिक) કામ ભોગનો અર્થી-ઇચ્છનાર कामभोग का अर्थी- इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments.जं० प०३,६७,—पिवासिय. त्रि० (-पिपासित) કામની પિપાસાવાળો काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला (one) thirsting after sensual pleasure भग०१,७, —भोग पु० (-भोग—कामा कमनीया भोगाशब्दादय) કામ અને ભોગ, શબ્દાદિ પાંચ વિષય विशय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses), the five objects of senses viz. sound etc ठा० ४,१, भग० ७,७, ६, ३३, १२, ६, २५, ७, नाया० १, २, ८; ६, १६, दशा० १०, ४, ६, उवा० १, ५७; —भोगि त्रि०(-भोगिन्) કામી અને ભોગી, શબ્દાદિ પાંચે વિષયમા મશગુલ विषयी (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz sound etc.भग०७,७,—भोय पुं०(-भोग) જુઓ "कामभोग" શબ્દ देखो "कामभोग" शब्द. vide "कामभोग" नाया० १; ५, १६,—रइसुह न० (-रतिसुख) કામ રતિનુ સુખ, વિષય સુખ. काम रति का सुख. pleasure derived form sexual enjoyment. प्रव० १००५; —रय न० (-रजस्-कामःशब्दादि विषय-सएवरजःकाम-

रजः) કામ રૂપરજ-મેલ. कामरूप मेल dirt or impurity in the form of sensual desire भग० ६, ३३, —रागविवड्ढण. त्रि० (—रागविवर्द्धन) કામ રાગને વધારનાર काम राग की वृद्धि करने वाला (one) that increases the passion of attachment to sensual objects दस० ८, ५८; —रूवि त्रि० (-रूपिन्) ઇચ્છાનુસાર રૂપ બનાવનાર इच्छानुसार रूप बनाने वाला (one) that can assume various forms according to one's own desire उत्त० ६, २७, —समणुन्न त्रि० (-समनुज्ञ) કામ ભોગ-વિષય વાસનાને મનોજ્ઞ માનનાર, કામી, વિષયી विषय वासना का मनोज्ञ मानने वाला, कामी, विषयी (one) who takes delight in sensual pleasures, sensual आया० १, २, ३, ८१,

कामं अ० (कामम्) અત્યન્ત, અતિશય अत्यत, अतीव excessively पिं० नि० १११,

कामगम पु० (कामगम) છઠ્ઠા દેવલોકના ઇંદ્રનું વિમાન. छठवें देवलोक के इन्द्र का विमान Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devalōka, ओव० २६, जीवा० ३, (२) છઠ્ઠાદેવલોકના ઇંદ્રના યાન વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવતા छठवे दव लोकके इन्द्रके विमान का व्यवस्थापक देव the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka जं० प० ५; ओव०

कामजल न० (कामजल) સ્નાન કરવાનો બાજોઠ स्नान करने की चौकी A wooden seat for taking bath. आया० २, ५, १, १४८, निसी० १३, ५;

कामज्झया. स्त्री० (कामध्वजा) કામધ્વજા નામની એક વેશ્યા कामध्वजा नामकी एक वेश्या A prostitute named Kāmadhvajā. विवा० १, २;

कामदुहा स्त्री० (कामदुघा) જોઇએ તેટલું દૂધ પૂર્ણ કરનાર કામદુધા ગાય इच्छानुसार दूध देने वाली गाय, काम धेनु A cow yielding as much milk as one desires उत्त० २० ३६,

कामदेव पु० (कामदेव) એ નામનું એક શ્રાવક, મહાવીર સ્વામિના દશ શ્રાવકમાના એક. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी के दस श्रावकोमे से एक Name of one of the ten laymen-followers of Mahāvīra. उवा० २, १००;

कामफास. पु० (कामस्पर्श) ૪૭મા ગ્રહનુ નામ ४७ वें ग्रह का नाम Name of the 47th planet सू० प० २०,

काममहावण न० (काममहावन) કાશી-વણારસી બહારનું એક ચૈત્ય-ઉદ્યાન काशी-बनारसी नामक नगरीके बाहिरका एक उद्यान. Name of a garden situated outside the city of Benares " तत्थणं जेसे चउत्थे पउट्ट परिहारे सेणं वाणारसीए णयरीए बहिया काममहावणसि चेइयंसि सरीरं विप्पजहामि " भग० १५, १, अंत० ६, १६, नाया० ध० ३;

कामय. पु० (कामुक) કામની ઇચ્છાવાળો, કામી कामकी इच्छा करने वाला, विषयेच्छु One desirous of sensual enjoyments भग० ३, १, दस० ५, २, ३५; उवा० २, ९५,

कामि पुं० (कामिन्) કામની ઇચ્છાવાળો; કામી. कामी, विषयेच्छु, विषय भोग का लोलुपी. One desirous of sensual enjoyments भग० ७, ७,

कामिजुग पु० (कामियुग) એક તરેહના ચોપ-

ની પાંખવાળો પક્ષી. एक तरह का रुँएदार पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with downy feathers पन्न० १;

कामिड्डि. पुं० (कामार्थि) આર્ય સુહસ્તીના શિષ્ય. आर्य सुहस्ती का शिष्य Name of the disciple of Ārya Suhasti. कप्प० ८;

कामिड्डियगण पुं० (कामर्द्धिकगण) કામર્દ્ધિક નામનો મહાવીર સ્વામીના નવ ગણુમાંનો એક ગણ. कामार्धिक नामक महावीर के ६ गणों में का एक गण One of the 9 Gaṇas (orders of saints) of Mahāvīra, named Kāmārddhika ठा० ६;

कामिय. त्रि० (कामित) ઇચ્છેલું इच्छित, चाहा हुआ. Desired, longed for, wished पिं० नि० २७२; भत्त० १११,

कामुय. त्रि० (कामुक) કામની ઇચ્છાવાળો कामेच्छु; विषयेच्छु Sensual, desirous of sexual pleasures दस०९,२,३,४,

कामेमाण त्रि० (कामयमान) ઇચ્છતો, અભિલાષા કરતો. इच्छा करता हुआ, अभिलाषा करता हुआ Desiring, wishing, longing for ओघ० नि० ३०४;

***काय.** पु० (*) પાણી લાવવાની કાવડ पानी लाने की कावड A piece of bamboo on two ends of which water-pots are hung, a contrivance to carry water from place to place with ease. पिं० नि० ६६;

काअ-य. पुं० (काक) કાગડો. कौआ. A crow नाया० २; १६; विशे० २०६४;

काअ-य न० (काच) કાચ. कांच. A pane of glass, glass. ओघ० नि० ७७२, सू० च० ६, ५१,

काय पुं० (काय = चिञ् इति धातोश्चयनं कायः चीयतेऽनेनेति वा काय) કાયા; શરીર; દેહ शरीर, काया, देह Body; physical body दस०४, ८, ७, ६९, १०,१,५; पिं० नि० ६३, १२८, ५८३, जीवा० ३, ४; सू० प० १६, दसा० ४, १८, ६, ४; पन्न० ३४, नाया० १, ४, ८, भग० ३, १, ७, ४; १८, ८, १६, ३, निसी० ३, ३४, ५४; १२, ३८, उत्त० २, ३७, ५, २३, ३२, ६३, ७४, वव० ६, ३१, १०, १, आव० १, ३, भत्त० ३२, पि० नि० भा० २६, (२) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ एक अनार्य देशका नाम name of a country of the Non-Aryans. प्रव० १५६७; (३) પૃથિવી આદિ ૭ કાય, પૃથ્વી, જલ, અગ્નિ, વાયુ વનસ્પતિ, અને ત્રસ એ ૭ કાય पृथ्वी आदि छ काय, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति और सूक्ष्म जतु यह छः काय the six kinds of bodies, viz those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८, अणुजो० २०१, (४) કાય દેશમાં રહેનારાઓ મનુષ્ય काय देश में रहने वाले मनुष्य people residing in the Kāya region पन्न० १, (५) એ નામની વનસ્પતિ इस नामकी एक वनस्पति a vegetation of that name पन्न० १; (६) પ્રકાર, ભેદ भेद, प्रकार mode, variety. सूय० २, ३, १; (७) કોઇ દેશમાં ઇંદ્રનીલ મણીના રંગનો કપાશ થાય છે તે કપાસના

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सुत्तरनुं બનેલું વસ્ત્ર किसी देश में इन्द्रनील मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के सूतसे बना हुआ वस्त्र cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries Its colour is of the colour of India's gem (८) ૩૬ મા ગ્રહનું નામ ३६ वे ग्रह का नाम name of the thirty sixth planet सू० प० २०, (९) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ચોથા દ્વારનું નામ पन्नवणाके ३ रे पदके चोथे द्वारका नाम name of the 4th chapter of the third section of Pannavanī पन्न० ३, (१०) સમૂહ समूह collection अणुजो० ६७, —अगुत्ति स्त्री० (-अगुप्ति) પાપમાં પ્રવર્તતી કાયાને ન રોકવી તે पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना not checking the body from doing sinful deeds ठा० ३, १, भग० २०, २, —अणुजुयया स्त्री० (-अनृजुकता) કાયાના વેપારની વક્રતા- સરલતાનો અભાવ काया-शरीर-के व्यापार की वक्रता absence of straightforwardness in the actions of the body ठा० ४, १, भग० ८ ६, —उब्बावण न० (-उद्वापन) શરીરનું આકર્ષણ કરવું તે शरीर का आकर्षण करना act of attracting a body towards oneself नाया० १४, —करण पुं० (-करण) શરીરનું સાધન शरीर का साधन instrumental to the body ठा० ३, १, भग० ६, १, —किलेस पुं० (-क्लेश = कायस्य शरीरस्यक्लेशः खेदः पीडा कायक्लेशः) શરીરને ક્લેશ આપવો તે, આસન વાળવા, આતાપના લેવી, ધર્મનો પરિશ્રમ ઉઠાવવો તે शरीरको क्लेश पहुंचाना, आसन लगाना, घाम (धूप) सहन करना. act of subjecting the body to austere penances e g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc भग० २५, ७; ओव० १६, ठा० ६, १, उत्त० ३०, ८, सम० ६, प्रव० २७१, —गिरा स्त्री० (-गिरा) કાયા અને વાણી. शरीर और वाणी body and speech दस० ६, १, १२, —गुत्त. त्रि० (-गुप्त=कायगुप्त्या गुप्त कायगुप्त) કાયાને પાપથી ગોપાવનાર, काय गुप्ति, शरीरका पाप प्रवृत्त न होने देने वाला (one) checking the body from doing sinful deeds ' कायगुत्तो जिइंदियो '' उत्त० १२, ३, भग० २, १, —गुत्तया स्त्री० (-गुप्तता) કાયાને પાપથી ગોપવવી તે काया को पापमे बचाना checking the body from doing sinful deeds उत्त० २६, २. —गुत्ति स्त्री० (-गुप्ति) કાય ગુપ્તિ, સાવદ્ય પ્રવૃત્તિથી કાયાને ગોપવવી તે, પાપમાં કાયાની પ્રવૃત્તિ ન કરવી તે काय गुप्ति, पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना, शरीरको पाप प्रवृत्त न करना controlling the body and preventing it from doing sinful deeds आव० ४, ७, भग० २०, २, ठा० ३, १. सम० ३, —चिट्ठा स्त्री० (-चेष्टा) કાયાની ચેષ્ટા, હલન ચલન વગેરે शरीर की चेष्टा; हलन चलन आदि movements or motions of the body उत्त० ३०,१२, —छक्क न० (-षट्क) પૃથ્વી આદિ ૭ કાય, પૃથ્વી કાય, અપકાય, તેઉકાય, વાયુકાય, વનસ્પતિ કાય અને ત્રસકાય એ ૭ કાય. पृथ्वी, अप, अग्नि, वायु, वनस्पति और त्रस ये ६ काय. the six kinds of bodies, viz.

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects सम० १८; दस० ६, ८, —जोग पुं० (-योग) શરીરનો વ્યાપાર, શરીરચેષ્ટા शारीरिक चेष्टा movement or activity of the body. ठा० ३, १, भग० १, ३, १२, ५, १७, १, २५, १, भत्त० ८३; —जोगया. स्त्री० (योगता) કાયયોગપણું काय योगता that condition in which there is activity of the body भग० २५, २; —जोगि त्रि० (-योगिन्) કાયયોગી જીવ. કાયાની પ્રવૃત્તિમા જોડાયેલ काय योगी जीव, शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४; भग० १, ५, ६, ३, ४ ८ २; ६, २१; ११, १, २४, १, २५, ६, २६, १, —ट्ठि पु० (-स्थिति) પૃથ્વી વગેરે કાયમા અવિચ્છિન્ન જે રહેવું તે पृथ्वी आदि कायों में आविच्छिन्न-अस्खलित रूपसे रहना. remaining uninterruptedly in earth-bodies etc (२) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના અઢારમા પદનું નામ કે જેમા નરકાદિ જીવોનુ કાયસ્થિતિનુ વર્ણન આવેલ છે. प्रज्ञापना सूत्र के अठारहवे पद का नाम जिसमे कि नरक आदि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पन्न० १; प्रव० ४३, १०४४, —तिगिच्छा स्त्री० (-चिकित्सा) શરીરના રોગ મટાડવાનું ચિકિત્સા દર્શાવનાર શાસ્ત્ર, આયુર્વેદનો એક ભાગ. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र, आयुर्वेद का एक भाग a division of medical science treating of the cure of the diseases of the body ठा० ८, १;—तिज्ज. त्रि० (-तीर्य—तरणीय) કાયાથી તરવા યોગ્ય. शरीर से तिरने योग्य such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; —दंड पु० (दण्ड = काय एव दण्डःकायदण्ड:) કાયા દંડ, કાયાની દુષ્ટ પ્રવૃત્તિ કરી આત્માને કર્મ બંધનથી દંડવો તે. काया दण्ड, शरीर मे दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबंधन से दण्डित करना fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds आव० ४, ७, सम० ३ ठा० ३, १, —दुक्कड न० (-दुष्कृत) શરીરથી કરેલું પાપ शरीर से किया हुआ पाप a sinful deed done by the body ओव ३, १, —दुप्पणिहाण न० (दु प्रणिधान) કાયાની દુષ્ટતા, કાયાનો અશુભ યોગ काया की-शरीर- की दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७, ठा० ३, १, —पओग पु० (प्रयोग) કાયાનો-પ્રવર્તન शरीर का प्रयोग activity of the body ठा० ३, १, भग० ६, ३ ८, १, —पओगपरिणय न० (प्रयोग परिणत) કાયાના વ્યાપાર રૂપે પરિણામ પામેલ પુદ્ગલ काया के व्यापार रूप मे परिणमित पुद्गल Material molecules shaping themselves or turning themselves into the activity of the body भग० ८, १,—पडिसंलीणया स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) કાયાને વશ કરવી તે शरीर को वशीभूत करना Keeping the body under control भग० २५, ७, —पणिहाण न० (-प्रणिधान) કાયાનું એકાગ્રપણું शरीर की एकाग्रता. concentration of the body ठा० ३, १;

४, १; भग० १८; ७; —परियारग. पुं० (-परिचारक) शरीरथी स्त्रीसंभोग करनार शरीर से स्त्री से संभोग करने वाला one who enjoys sexual intercourse by means of the body. "दासु कप्पेसुदेवा कायपरियारगापरणत्ता) ठा०२,४, —परियारणा स्त्री० (परिचारणा) शरीरथी परियारणा = मैथुन सेववु ते शरीर से मैथुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body ठा० ५,१. —पावार न० (-प्रावार) कायदेशमा बनेल वस्त्र काय नामक देश में बने हुए वस्त्र cloth made in the country named Kāya निसी०७,११, —पीडा स्त्री० (पीडा) शरीर वेदना, शारीरिक दुःख शारीरिक कष्ट, bodily pain, physical pain पचा० १८, ३६, —पुराण न० (-पुण्य) कायाए सेवा करवाथी थतु पुण्य. शरीर से सेवा करने पर जो पुण्य हो वह religious merit arising from rendering services with the body ठा०६, १. —बलिअ त्रि० (-बलिक) मजबुत शरीर वाळो; कायाना बळवाळो मजबुत शरीर वाला a man possessed of great physical strength ओव० १६,—भवत्थ पु० (-भवस्थ=काये जनन्युदरमध्यवस्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय भव तत्र तिष्ठति य. स कायभवस्थ) माताना गर्भमा रहेवु ते माता के गर्भ में रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the fœtus. भग० २, ५; —वायाम पु०(व्यायाम = काय शरीर, तस्य व्यायामो व्यापारः कायव्यायामः) काययोग, कायानो व्यापार प्रवृत्ति—उदारिकादि शरीर युक्त आत्मानी वीर्य परिणति विशेष शरीर की प्रवृत्ति; औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा की वीर्य परिणति विशेष the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा० १, १. —वह पु० (-वध) पृथ्वी वगेरे जीवनिकायनी हिंसा पृथ्वी वगैरह जीवकायों की हिंसा killing sentient beings such as earth-bodies etc पचा० ४, ६१, - विणय. पु० (-विनय) कायाने वश करवीने शरीर को वश करना bringing the body under control. भग० २५, ७, ठा० ७, —विसय न० (-विषय) कायानो विषय शरीर का विषय an object fit to be seen, enjoyed etc by the body नाया० १७, —संफास. न० (-सस्पर्श) कायानो स्पर्श करवो ते शरीर का स्पर्श act of touching a body वेय० ४, २१; आव० ३, १, —संवेह पु० (-सवेध) शरीरनी स्थिति शरीर की स्थिति state or existence of the body भग० २४, १, २०; —समाधारणया स्त्री० (-समाधारणा) सयममाज कायानु प्रवर्तन करवु ते सयममें ही शरीर की प्रवृत्ति करना engaging the body exclusively in ascetic practices उत्त० २६,२, —समाहारणया. स्त्री० (-समाधारणा) कायाने वश करवी ते शरीर को वशकरना act of controlling the body भग० १७, ३. —समिइ स्त्री० (-समिति) कायाने जतनाथे प्रवर्तावी ते, कायसमिति यत्नाचार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना, काय समिति. controlling carefully the activities of the body. ठा० ८, १,

—समिय त्रि० (–समित) યત્નાપૂર્વક કાયાને પ્રવર્તાવનાર. यत्नाचार पूर्वक काय योग (one) who carefully controls the activities of the body भग० २, १. —सुप्पणिहाण न० (–सुप्रणिधान) કાયાનું સુપ્રણિધાન, કાયાને શુભ કૃત્યમાં એકાગ્રતાથી રોકવું તે. शरीर की सुप्रधानता. शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त करना engaging the body in salutary activities with a concentrated mind भग०१८, ७, ठा० ३, १,

कायंदग त्रि० (काकन्दक) કાકંદી નગરીમા વસનાર. काकदी नामक नगरी में रहने वाला (One) who resides in the town called Kākandī भग० १०, ४,

कायंदी स्त्री० (काकन्दी) પ્રાચીન સમયની કાકંદી નામની નગરી. प्राचीन समय की काकदी नामक नगरी Name of an ancient town भत्था० ५४, भग०१०,४,

कायंब न० (कदम्ब) કદમ્બનું વૃક્ષ कदम्ब का झाड The Kadamba tree. ठा० ८, १,

कायंबग पु० (कादंबक) કલહંસ कलहंस A species of swans कप्प० ३, ४२,

कायमंत त्रि० (कायवत्) ઉંચા શરીરવાળો. ऊंचे शरीरवाला. Tall in body सूय० २, १, १३,

कायमणि पु० (काचमणि) કાચમણિ, કાચનો કકડો. कांचमणि, कांच का टुकडा A piece of glass. भत्त० १३८,

कायमाई स्त्री० (काकमाची) મીઠું ફલ આપનારી એક વનસ્પતિ मीठा फल देनेवाली वनस्पति Vegetation yielding sweet fruit. पन्न० १;

कायय त्रि० (कायक) કાય દેશનું બનેલું. काय नामक देश का बना हुआ. Made or produced in the country called Kāya निसी० ७, ११,

कायर त्रि० (कातर) કાયર, નિર્માલ્ય, નાહિંમ્મત कायर, डरपोंक, कम हिम्मत Cowardly, timid सु० च० १५, ११, पराह० १, ३ जीवा० ३, ४, उत्त० २०, ३८, आया० १, ६. ४, २५३, नाया० १. ८, भग० ६, ३३, (२) એ નામનો એક દેશ इस नामका एक देश name of a country निसी० ७, ११,—पावार न० (–प्रावार) કાય દેશમા બનેલ ઓઢવાનું વસ્ત્ર काय देश मे बना हुआ ओढने का वस्त्र a kind of cloth used for wrapping round the body made in the country called Kāya निसी० ७, ११,

कायरिय पु० (कातरिक) ગોશાલાના મુખ્ય શ્રાવકનું નામ गोशाला के मुख्य अनुयायी का नाम Name of the principal layman follower of Gośālā भग०८,५,

कायरिय पु० (कातर्य) દેવતા વિશેષ कातर्य नामक देव Name of a deity भग० ३, ७,

कायरिया स्त्री० (कातरिका) માયા, કપટ छल कपट, मायाचार Deceit, fraud सूय० १, २, १, १२

कायवज्ज पु० (काकवर्ज्य) એ નામનોગ્રહ. ग्रह विशेष A planet so named ठा०२ ३;

कायव्व त्रि० (कर्तव्य) કરવા યોગ્ય करने योग्य Worthy of being done विं० नि० ३, राय० ८४, सु० च० १, ७३, दस० ६, ६,८,१, उत्त० २६, ९, पन्न० १५, ४, विशे० ५०८, नाया० १४, १६; भग० १, ५. ३, २; ८, ६, २०, ५, २२, २; २४, १; ३१, ४, ४१,२१, प्रव० ५०८; पंचा० ३,४६; ६, ७, १५, ४१,

कायाइक त्रि० (कायाधिक) કોઈ વિષયનું.

किसी समय का. Of some time or other. विशे० ७११;

कायोवग त्रि० (कायोपग) એક કાયામાંથી બીજી કાયામાં જનાર एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने वाला. (One) passing from one body into another सूय० २, ६, १०,

कार. पु० (कार) કારાગૃહ; કેદખાનું. जैल, कारागृह A prison पराह० १, ३, ठा० १०, उवा० १, ८१. **—बाहिय** त्रि० (-बाधित) કારાગ્રહમાં પીડિત પીડા પામેલ, कैदी जेलमें कष्ट पाया हुआ, कैदी a prison er, one troubled by imprisonment. ओव०३२, भग०६, ३३, नाया० १,

कारंड पु० (कारण्ड) બતક પક્ષી बदक पक्षी A duck ओव० ज० प० पराह०१,१,

कारंडग पु० (कारण्डक) જુઓ 'कारंड' શબ્દ देखो "कारंड" शब्द Vide "कारंड" नाया० १,

कारग. त्रि० (कारक) કરનાર करने वाला (One) who does, a doer. विशे० १००३, ओघ० नि० १८, ओव० ४१, नाया० १, अणुजो० १२८, प्रव० ६८६, (२) न० કારક સમકિત, સમકિતના દશ પ્રકારમાંનો એક. कारक समकित, समकित के दश प्रकार में से एक one of the ten varieties of right belief called Kāraka Samakit प्रव० ३५, **--आइ.** त्रि० (-आदि) કારક આદિ સમકિત कारक आदि समकित right belief such as Kāraka etc. प्रव० ३५;

कारण. न० (कारण) કારણ; નિમિત્ત પ્રયોજન; હેતુ. कारण; निमित्त, हेतु Cause, motive; reason प्रव० ६५; पंचा० १, १८; ५, ७; गच्छा० ८३; जं० प० विशे० २०१८, पज० ८, राय० ४२; २१०; दस० ६, २, १३, वव० १, १३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५, ८, ६, १२; भग० १, ३; ५, ४, ८, ७; १५, १; १८, २; सम० ६;(२) આહાર લેવાના બતાવેલા કારણ સિવાય આહાર લેવાથકી યતિને લાગતો એક દોષ. आहार लेने के बतलाये हुए कारणों के सिवाय आहार लेने से यति को लगने वाला एक दोष a fault incurred by an ascetic by taking food without a justifying reason पिं० नि० १; **—जाअ** त्रि० (-जात) કારણથી ઉત્પન્ન થયેલ. कारण द्वारा उत्पन्न caused, born of a cause प्रव० ६६१; १०३०, **—वत्तिय** न० (-वृत्तिक) કારણનુ વર્તવુ, નિમિત્તની ઉપસ્થિતિ. कारण का उत्पन्न होना. existence, presence of a cause or reason. वव० १, २३,

कारणओ अ० (कारणतस्) કારણથી कारण से Through or owing to a cause or reason. विशे० ३, ·

कारणट्ठ. न० (कारणार्थ) કારણને માટે कारण के लिये For some reason or cause नाया० १,

कारणया स्त्री० (कारणता) કારણપણું कारणपन. State of being a cause or reason विशे० ५६०,

कारणिअ. त्रि० (कारणिक) કાઇપણ કારણથી નિષ્પન્ન થયેલ. किसी भी कारण से निष्पन्न. Born of some cause or other. ओघ० नि० ७१,

कारभारिअ. पुं० (कार्यभारिक) કારભારી, દિવાન कारभारी; दिवाण An administrator, a minister, a Dewān. जं० प०

कारय-अ. न० (कारक) કારક નામનું સમકિત, સદ્અનુષ્ઠાન પ્રત્યે શ્રદ્ધાપૂર્વક સારા

અનુષ્ઠાન (કાર્ય) પોતે કરે છે અને બીજાને પણ કરાવે છે તે कारक नाम का सम्यकत्व; सद्अनुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने वाला Right belief named Kāraka, by which one performs good deeds with faith and causes others also to do the same विशे० २६७५, भग० ११, ११; उत्त० १, २, ६, ३०, नाया० ७;

कारवण न० (कारण) કરાવવું તે कराना Causing (another) to do पचा० १, ११,

कारवाहिआ स्त्री० (कार्यवाहिका) કાર્ય વહન કરનારી कार्यवहन करने वाली One (woman) who discharges a work ज० प० ३, ६७,

कारावण न० (कारण) કરાવવું, કરવાને પ્રેરવું कराना, कराने के लिये प्रेरित करना Causing or exhorting (another) to do सूय० २, २, ६२, पराह० १,३, पिं० नि० ४१०; पचा० ६, ४६, प्रव० ५७७,

काराविय त्रि० (कारित) કરાવેલ कराया हुआ. Caused to be done विशे० १०१६,

कारि स्त्री० (कारिन्) કરનાર करने वाली One who does; a doer विशे० ७४,

कारिअ-य. न० (कार्य) કાર્ય, પ્રયોજન कार्य; प्रयोजन, काम An action, a reason; a purpose. सूय० १, २, ३, १०, दस० ६, ६५,

कारित्तण. न० (कारित्व) કરવાપણું कर्तृत्व शक्ति State of being a doer. नाया० ७;

कारिय. त्रि० (कारित) કરાવેલ. कराया हुआ. Caused to be done. आउ० ११;

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) કરનાર. करने वाला (One) who does, a doer. नाया० १; उवा० ३, १३४,

कारियल्लइ स्त्री० (कारवल्ली) કારેલાની વેલ. करेले की वेल A creeping plant in which the vegetable known as Karelā grows पन्न० १,

कारिल्लञ न० (कारिल्लक) કારેલા. करेला A kind of vegetable सू० प० ११,

कारीसंग न० (करीषाङ्ग) જેનાથી અગ્નિ પ્રજ્વલિત કરાય તે અગ્નિ ફૂંકવાનો ધમ્મો अग्नि प्रज्वलित करने की धम्मन या फूकनी Bellows उत्त० १२, ४३.

कारुइज्ज पु० (कारुक) કારીગર कारीगर A craftsman, an artist पन्न० १,२,

कारुणिय त्रि० (कारुणिक) દયાળુ, કરુણાવાન् दया करने वाला Kind, compassionate सु० च० २, ५५२,

कारुण्ण न० (कारुण्य) કરૂણા, દયા दया करुणा Kindness; compassion भत्त० १६ उत्त० ३२, १०३; नाया० १, चउ० ३८;

कारुन्न न० (कारुण्य) કરૂણા, દયા करुणा, दया Kindness, compassion भत्त० १६,

कारेल्लय न० (कारेल्लक) કારેલું करेला A kind of vegetable अणुत्त० ३, १, अत० ३, १,

काल पु० (काल–कल् संख्याने कलनं कालः कल्यते वा परिच्छिद्यते वस्त्वनेनेति कालः कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः) સમય; વખત, અવસર. समय, वक्त. Time. ओव० उत्त० १, १०, २४, ४, वव० ७, १२, १३, विशे० १३४, १५३६; दसा० ६, १, सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७, ८, ८, ३५; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २; ७७, पिं० नि० ५; १२५, अणुजो० २१; १३२; आया० १२, १, ६२; नाया० १, ८, ६, १६; १६; १८, भग० १, १; ५, ८, ८, ६, ११, ११, १२, ६, १५, १, प्रव० १२३२. १५८८, पिं० नि० भ० २०, कप्प० १, १, भत्त० ५८, ज० प० १, १, (२) स्थिति. स्थिति condition, state विशे० ४०६, ज० प० ५, ११३, ७, १७५, (३) प्रातःकाल प्रात काल, सुबह morning time नाया० १, (४) ५६मा ग्रहनु नाम ५६वें ग्रह का नाम name of the 56th planet सू० प० २० ठा० २, ३, (५) भयानक, कालस्वरूप भया नक, काल के समान प्राण लेने वाला terrible like the god of death उत्त० १२, ६, (६) विलम्ब तथा प्रभञ्जन इन्द्रना लोकपालनु नाम विलब तथा प्रभजन इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the two Lokapālas (guardians of the people) of Indra named Vilamba and Prabhañjana ठा० ४, ५, (७) वायुकुमार जाति-ना देवताना इन्द्रनु नाम वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम name of the Indra of the Vāyukumāra species of gods भग०३ ८, (८) जे नारकीने कडायामा राधे अने पोते रगे काळो ते, काल नामे परमाधामीनी एक जात जा नारका को कढाइ मे राधे और खुद कौले रग का हा वह, काल नामक परमाधामी की एक जाति a kind of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hell-beings in an iron cauldron सम० १५, (६) काल नामे आठमा देवलोकनु एक विमान. एनीस्थिति अढार सागरोपमनी छे

एे देवता नव महिने श्वासोच्छ्वास ले छे अने अढार हजार वर्षे क्षुधा लागे छे आठवें देव लोक का विमान जहा के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की होती है वह नौवे महिने में श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हे अठराह हजार वर्षों बाद भूख लगता है a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and eat once in 18000 years. गम० १८, (१०) पूर्व दिशामानो काल नामनो सातमो नरकनो नरकवासो. सातवे नर्क में पूर्व दिशामें स्थित काल नामक नरका वास an abode of the seventh hell in the east. सम० प० २०६, ठा० ५, ३; सम० ३३, पन्न० २, जीवा०३, १, (११) जुनी ने नवी अने नवीने जुनी बनावनार, पर्यायने पलटावनार एक द्रव्य, ७ द्रव्यमानु एक द्रव्य पुरानो को नई और नई को पुरानी बनाने वाला-पर्याय परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य a substance that transforms the old into the new and the new into the old उत्त० २८, ७, (१२) चक्रवर्तीना नव निधानमानु एक के जेमा सर्व कारीगरी-शिल्पकर्मनो समावेश थाय छे चक्रवर्ती की नौ निधियों मे की १ निधि जिसमे कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश हाता है one of the nine treasures of a Chakravartī including a knowledge of all fine and mechanical arts ठा० ६, १, ज० प० (१३) त्रि० काळा रंगनुं. काले रंगका black भग० १, १, ३, ७, ६, ५; ७, ६; जीवा० ३,१, विशे०२०६७; पन्न० १, ओव०

२२, ३०; नाया० २; (१४) पुं० कृष्णपक्ष कृष्णपक्ष. the dark half of a month जीवा० ३, ४, (१५) पिशाय जातना व्यंतर देवताने। ઇन्द्र. पिशाच जाति के व्यतर देवो का इन्द्र India of the Vyantara deities of the kind known as Piśācha भग०३, ८, १०, ४; पन्न० २, ठा० २, ३, जीवा ३, ४, (१६) भरण, मृत्यु मरण, मृत्यु death नाया० १, ८; पन्न० १६, विशे० २०६६, दसा० ६, १; भग० १, १, ३, ४, ।७० नि० ५२, आया०१, २, ३, ८०, १, ६, २, १३१, उत्त० ४, ६, (१७) निरयावलिकाना पहेला अध्ययननुं नाम निरयावलिका के पहले अध्याय का नाम name of the first chapter of Niryāvalikā निर०१,१, भग०७,६, —अइकंत पुं० (-अतिक्रान्त) भूखने समये नहीं पण तेने ઉલ્લંઘીને મળેલો ખોરાક क्षुधा के समय पर न मिलकर उस समय के बाद मिला हुआ भोजन food obtained not at the time of hunger but after it नाया० ५० १६, भग० ७, १; ६, ३३, (२) કાલની જે મર્યાદા બાંધેલ હોય તેને ઉલ્લંઘી ગયેલ कालका जो मर्यादा बाधा हो उस का उल्लंघन किया हुआ transgressing the limit of time fixed प्रव० ७८४, ८२०, —चारि त्रि० (-चारिन्) समय-ચતુર્માસાદિ કાલનું ઉલ્લંઘન કરી ચાલનાર समय- चतुर्मासादि काल का उल्लंघन कर के चलने वाला. (one) who transgresses the rules laid down to be observed in the rainy season etc. प्रव० ७८४; —अइक्कम पुं० (-अतिक्रम) કાલને ઉલ્લંઘવો; સમયને ત્યજવો. काल को उल्लंघना, समय को त्यागना transgression of time fixed पचा० १, ३२, —अइयार पुं० (-अतिचार) કાલ-આયુષ્યના પ્રમાણનું અતિચાર ઉલ્લંઘન કરવું તે, આયુષ્ય તોડી નાખવું તે आयुष्य के प्रमाण का उल्लंघन करना, आयुष्य का तोड़ना cutting short one's allotted period of life सूय० १ १३, २०, —अंतर पुं० (-अन्तर) કાલાન્તર, અન્યદા कालान्तर, दूसरी बार another time नाया० २, पचा० १२, ३१, —अगुरु पुं० (-अगुरु) કાળુ અગર, સુગંધિ ધૂપનું દ્રવ્ય, કૃષ્ણાગર. काला अगर, सुगंधित द्रव्य a kind of black substance used as an incense ओव० सम० प० २१० राय० २७, सू० प० २०, नाया० १, १६, भग० ६, ३३, ११, ११; दसा० १० १, जं० प० ५, ११३, कप्प० ३, ३२ —अद्धरत्त न० (-अर्द्धरात्र) અંધારીયા પક્ષની-અમાસની અર્ધી રાત્રિ अंधेरे पक्ष की अमावश्या का आधी रात midnight of the 15th day of the dark half of a month भग० ३, २, —अणुट्ठाइ त्रि० (-अनुष्ठायिन्) વખતસર અનુષ્ઠાન કરનાર, નકામો વખત નહીં ગાળનાર समय पर काम करने वाला निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one) who is punctual in the performance of his duties आया० १, २, ५, ८८, —अणुपुव्वी स्त्री० (-आनुपूर्वी) કાળ વિષયક અનુપૂર્વી, અનુક્રમ काल संम्बन्धी अनुपूर्वी proper order of time अणुजो० ७१, — अभिग्गह पुं० (-अभिग्रह) પહેલે પહોરે કે છેલ્લે પહોરે અમુક વખતે મળે તોજ લેવું એમ કાળ સંબંધી નિયમ ધારવો તે पहले पहरमें या अन्तिम पहरमें अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बधी नियमका बांधना. vowing to take a thing either in the first or the last of the 8 divisions of time of a day. ओव० —अवभास पु० (-अवभास) કાળી ઝાંઇ, કાળી પ્રભા काली झाई black tint नाया० २, —अवहि पुं० (-अवधि) સમયની મર્યાદા, વખતની હદ समय की मर्यादा time limit पन्ना० ५, १८, —आदेस पु० (-आदेश) કાલની અપેક્ષા. काल का अपेक्षा relativity of time भग० ५, ८, ६, ४, ११ १, १४, ४, २४, १, —आयस न० (-आयस) કાળુ લોઢુ, પોલાદ, ગજવેલ फलाद, गजवेल steel, black iron राय० १२६, ओव० ३१, ज०प० —एयणा स्त्री० (एजना) કાલ આશ્રી એજના-કંપન काल का अपेक्षा से कपना trembling with fear, having regard to time भग० १७, ३, —ओगाहणा स्त्री० (-अवगाहना) કાલની અવગાહના-ક્ષેત્ર વિસ્તાર-અઢિદ્વીપ પ્રમાણ काल की अपेक्षा से अढाई द्वीप प्रमाण अवगाहना localisation of time to the extent of two continents and a half ठा० ४, १, —ओभास पु० (-अवभास) કાળી પ્રભા. काली प्रभा black tint भग० ६, ५, ७, १०, —कखि त्रि० (-कांक्षिन्) કાલ-પંડિતમરણને ચાહનાર पंडित मरण की इच्छा करने वाला (one) who desires (natural and peaceful) death आया० १, ३, ३, १११, —गअ-य त्रि० (-गत) મરણ પામેલ मृत, मृत्यु प्राप्त dead नाया० १,६,१६;१८, भग०२,१, ५; ३, १, ७, ६, ६, ३३, १५, १; सम० १०००, प्रव० १४७५, कप्प० ६, १८५, ओघ० नि० ११९, विवा० १, —चारि त्रि० (-चारिन्) પોતાના ઠરાવેલ સમયે ચાલે તે अपने ठहराये हुए समयानुसार चले वह (one) who punctually follows his own programme ओघ० नि० १०७, —ट्ठिइ स्त्री० (-स्थिति) કાલપરિમિત સ્થિતિ, આયુષ્ય काल स्थिति, आयुष्य fixed or determined period of life-time, life भग० २४, १, —ट्ठिति स्त्री० (-स्थिति) કાલસ્થિતિ, આયુષ્ય काल स्थिति fixed or determined period of life time भग० १५, १. —णाण न० (-ज्ञान) કાલ સમ્બન્ધી જ્ઞાન काल सम्बन्धी ज्ञान, शुभाशुभ ज्ञान, knowledge of (what is going to happen in) time "काले काल णाण" ठा० १०, ज० प० —णाणि. त्रि० (-ज्ञानिन्) કાલજ્ઞાની, અમુક માણસનું ક્યારે મોત થશે તે જાણનાર कालज्ञानी. मृत्युका समय जानने वाला (one) who knows what is going to happen in time, i e the time of death of a particular person "काल कालणाणी आणइजेजय वेओ" अणुजो० १४६, —तिग. न० (त्रिक) ભૂત, ભાવી, અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ भूत, भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल the triad of times, viz past, future and present प्रव० १३५०, —तिय न० (-त्रिक) ભૂત, ભવિષ્ય, અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ भूत, भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल the triad of times, viz past, future and present प्रव० ६०३, —तुल्लय त्रि० (-तुल्यक) કાળની અપેક્ષાએ બરાબર, સમાન કાળ-

પાળો काल की अपेक्षा से समान-तुल्य, समकालीन. equal in point of time, same as regards time, contemporaneous भग० १४, ७, —धम्म पु० (-धर्म-कालो मरण स एव धर्मो जीवपर्यायः कालधर्म्म) કાલ ધર્મ, મરણ मरण, जीवकी पर्याय का मरण रूप स्वभाव death; passing from one state of existence into another in due course of time विवा० २, ५, नाया० १. ठा० ३, ३, ४, ३, —नाण न० (-ज्ञान) કાલ સમ્બન્ધિ જ્ઞાન, જ્યોતિષ આદિને આધારે ભૂત ભાવીનું જ્ઞાન થાય તે काल सम्बन्धी ज्ञान ज्योतिष आदिके आधार से भूत भविष्य का ज्ञान का होना knowledge of events in the past or future through astrology etc प्रव० १२३८, —पडिलेहणया स्त्री० (-प्रतिलेखना) કાલ વખતનુ નિરિક્ષણ, જે વખતનુ જે કામ શાસ્ત્રમા બતાવ્યુ હોય તેના પ્રત્યે જાગૃત રહેવુ તે समय का निरीक्षण, जिस समय जो काम करने की शास्त्रने आज्ञा दी हो वहां काम करने मे जागृत रहना proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures उत्त० २६, २, —परट्ट पु० (-परावर्त) કાલ આશ્રી પરાવર્તન -પુદ્ગલ પરાવર્તન काल आश्री परावर्तन-पुद्गल परावर्तन modifications in matter in due course of time. प्रव० १०६१, —परमाणु पु० (-परमाणु) સૂક્ષ્મમા સૂક્ષ્મ કાળ, સમય सूक्ष्मसे सूक्ष्म काल, समय the smallest division of time, called a Samaya. भग० २०, ५, — परियाअ (-पर्याय) મોતને વખતે કરવાનો સ લેખના વિધિ, ભક્ત પરિજ્ઞાદિ પડિત મરણ अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि, भक्त परीज्ञादि पंडित मरण the ceremony known as Samlekhanā to be performed at the time of death. आया० १, ७, ४, २१५, —माण पुं० (-मान) કાલનુ પ્રમાણ समय का प्रमाण. measure of time, limit of time पन्ना० १, १६, —मास पुं० (-मास-कालो मरण तस्य मासःप्रक्रमादवसर कालमास) મરણ સમય मरण समय. time of death भग० १,१,३,१,१८,१०,नाया०१, ५ ६,१४,१६, ओव० ३८,दसा०६,१, "काल मासे काल किच्चा " भग०७,६,उवा०१,८६, —मासिणी स्त्री०(मासिनी) પ્રસવ સમયને પ્રાપ્ત થયેલ સ્ત્રી प्रसव-प्रसूति-समय को प्राप्त स्त्री a woman about to give birth to a child दस० ५, १, ४०, —मिग पु० (-मृग) કાલા મૃગના ચર્મનુ વસ્ત્ર काल हरिण के चमड़ का वस्त्र a garment made of the skin of a black deer जीवा० ३,३, निसी०७, ११, —मियचम्म न० (-मृगचर्म) કાલા મૃગનુ ચામડુ काले मृग का चमडा skin of a black deer नाया० १६ —लोय पु० (-लोक) કાલની અપેક્ષાએ લોક काल की अपेक्षा से लोक a world in its relation to time भग०११,१०, —वण्ण पु० (-वर्ण) કાલો રગ काला रग black colour भग० ८, १; २५, ६, सम० २२, —वण्णपज्जव पु (वर्णपर्यव) કાલા રગની પર્યાય (દશા) काले रग की पर्याय (अवस्था) a particular state or condition of black colour भग० २५,३,—वण्णपरिणय त्रि०(-वर्णपरिणत) કાલ વર્ણરૂપે પરિણામ પામેલ काल वर्ण-रूप
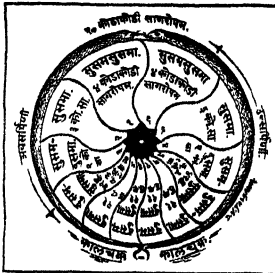
कालचक्क. न० (कालचक्र) ૭ આરા મળી ઉત્સર્પિણી એટલે ચડતો કાલ થાય છે, તેમજ ૭ આરા પરિમિત અવસર્પિણી એટલે ઉતરતો કાલ થાય છે. ઉત્સર્પિણી અને અવસર્પિણી એ બન્ને કાલ મળી એક કાલચક્ર થાય છે તેનું પરિમાણ ૨૦ કોડાકોડી સાગરોપમનું છે તે ૭ ૭ આરાનું સ્વરૂપ બતાવે છે સુસમસુસમાથી દુસમદુસમા સુધી ૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ પરિમિત અવસર્પિણી કાલ અને દુસમદુસમાથી સુસમસુસમાપર્યંત જમણી બાજુના ૭ વિભાગ ૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ પરિમિત ઉત્સર્પિણી કાલને બતાવે છે.

छः आरे (काल विभाग) मिलाकर उत्सर्पिणी अर्थात् बढता काल होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण २० कोडाकोडी सागरोपम का होता है कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं. सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित अवसर्पिणी काल और दुसमदुसमा से सुसमसुसमा तक दाहिना ओर के छः विभाग १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित उत्सर्पिणी काल को बतलाते हैं. Utsarpinī time i. e. an æon of increase is equal to 6 Ārās (a measure of time)· and Avasarpiṇī time i. e an æon of decrease is also equal to 6 Ārās. The Kālachakra measuring 20 Kodākodī (I crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken togethr. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpiṇī Kāla which measure 10 Kodakodī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusama dusamā to the left indicate Avasarpiṇī Kāla which, is also equel to 10 Kodākodi Sāgaropamas of time जं० प०

में परिणत. modified into or developed into black colour भग० ८, १, —वण्णपरिणाम पु० (-वर्णपरिणाम) काला वर्णरूपे परिणाम पामवु ते काले वर्ण-रूप में परिणत होना modification or development into black colour भग० ८, १०;—विभाग पुं० (-विभाग) कालनो भेद कालविभाग काल का भेद, काल का विभाग a division of time "इत्तो काल विभागतु, तसिं वोच्छं चउव्विह" उत्त० ३६, ११ —वासि पु० (-वर्षिन्) समये वरसनार, ओमासामां वरसनार (मेघ) समय पर बरसने वाला rain falling in due season, seasonable rain ठा० ४, ४, भग० १४ ? —विसेस पु० (विशेष) कालना विशेष विभाग (भेद) समय का विशेष विभाग a particular division of time प्रव० ६२३, —विहीण त्रि० (-विहीन) काल द्रव्य शिवायनु काल द्रव्य रहित excluding, excepting the category named time प्रव० ६६०, - संजोग पु० (-संयोग) कालनो संजोग काल का संयोग juncture of time ठा० ३ २, अणुजो० १३१. —संसार पु० (-संसार) गत दिवस मास वर्ष पल्योपम सागरोपम पर्यंत भटकवु ते काल संसार रात, दिन, महीना, वर्ष, पल्योपम, सागरोपम, संसारमें भटकना वह कालससार कहलाता है wandering in worldly existence for indefinite periods of time ठा० ४, १, —सम त्रि० (सम) उदय-काल बराबर उदय काल के बराबर simultaneously with the rise of क० प० ५, ४२, —समय पु० (-समय) कालरूपी समय कालरूपी समय a point of time viewed as time. विवा० ३, सू० प० ८,

कालओ अ० (कालतः) कालथकी; कालनी अपेक्षाये; कालआश्री काल की अपेक्षा से In point of time, as regards time ओव० १७, भग० २, १; ५, १०, ४, ७, ८, २, ८, ६, राय० ६६, उत्त० २४, ६, प्रव० ७७८, १२०४, ज० प० ७, १७१,

कालक न० (कालक) काळा पुद्गल काला पुद्गल Matter or substance black in colour भग० ६, ६,

कालकूट न० (कालकूट) विष, झेर. जहर, विष Poison उत्त० २०, ४८,

कालग त्रि० (कालक) काळा रंगनु काले रंगका Black उत्त० २२, ४; नाया० ८, भग० १५, १. २५, ४, उवा० २, १०७. (२) पुं० कालकाचार्य कालकाचार्य A preceptor named Kālakāchārya विशे० १७६६, —च्छवि. स्त्री० (-छवि) काळीकान्ति, चामडीनो रंग काली कान्ति, चमड़ी का रंग black colour of the skin उत्त० २२, ५

कालगाहावइ पु० (कालगृहपति) काल नामना गृहपति-शेठ काल नामक गृहपति-सेठ A merchant named Kāla नाया० ४०

कालगणुया स्त्री० (कालज्ञता = काल प्रस्ताव-मुपलक्षणत्वाद् देश च जानातीति कालज्ञ-स्तद्भावः कालज्ञता) अवसर जाणवो ते, देश काळनी ओळखाण समयको पहिचानना; देश काल को जानने वाला Due recognition, sense of time, place etc ओव

कालत्त न० (कालत्व) काळापणु. कालापन Blackness भग० १७ ३;

कालन्न त्रि० (कालज्ञ) कर्तव्य परायण,

वखतनो जाणुनार, उचित अनुचित समयने जाणुनार कर्तव्य परायण, समय को जानने वाला, उचित अनुचित समय को जानने,वाला. (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties आया० १, २, ५, ८८, १, ७, ३, २०६,

कालपाल पु०(कालपाल) ए नामना धरणेन्द्र अने भूतानन्दना लोकपाल धरणेन्द्र और भूतानंद के लोकपाल का नाम The guardian of people (so named) of Dharanendra and Bhūtānanda ठा० ८, १,

कालपिसायकमारिंद पु० (कालपिशाचकुमारेन्द्र) काल नामे पिशाचोनो इंद्र पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Piśāchas named Kāla नाया० ध०

कालमुह पु० (कालमुख) उत्तर भरतमांनो एक देश उत्तर भरतका एक देश Name of a country in Uttara Bharata ज० प०

कालय पु० (कालक) काळो वर्ण काला वर्ण Black colour. नाया० ६, भग० ५, ७, १२, ६, १८, ६, २० ५,

कालवडिंसगभवण न० (कालावतंसकभवन) कालीदेवीनुं कालावतंसकनामनुं भवन काली देवी का कालावतंसक नामक भवन The abode of Kālīdevi named Kālāvatamsaka नाया० ध० —**वासि** पु० स्त्री० (-वासिन्) कालावतंसकभवनमां वसनारा कालवतंसक भवनमें रहने वाला (a person) residing in Kālāvatamsaka abode नाया० ध०

कालवाल पु० (कालपाल) धरणेन्द्रना लोकपालनुं नाम धरणेन्द्र के लोकपाल का नाम Name of a guardian of people of Dharanendra भग० ३, ८;१०,५;

कालसिरी स्त्री० (कालश्री) कालगृहपतिनी कालश्री नामनी धर्मपत्नी काल गृह पति की कालश्री नामक स्त्री Name of the wife of Kāla a householder नाया० ध०

कालसीहासण न० (कालसिंहासन) काल नामनुं सिंहासन काल नामक सिंहासन. A throne named Kāla नाया० ध०

काला स्त्री० (काला) कालेन्द्रनी काला नामनी राजधानी कालेन्द्र की राजधानी का नाम Name of the capital city of Kālendra भग० १० ५,

कालालोण न० (कालालवण) कोई पर्वतमां उत्पन्न थतुं काळुं मीठुं किसी पर्वत मे उत्पन्न होनेवाला काला निमक Black salt produced in a mountain दस० ३, ८,

कालासवेसियपुत्त पु० (कालाश वैश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शासनना एक साधु, पार्श्वनाथना संतानिया के जेणे थिवर साधुओने प्रश्नो पुछ्या हता श्री पार्श्वनाथ भगवान के शासन के साधुका नाम जिसने थिवर साधुओंका प्रश्न पूछे थे Name of an ascetic belonging to the cult of Pārśvanātha who had asked some questions to Sthavira monks भग० १, ६,

कालिअ-य त्रि० (कालिक) रात अने दिनना पहेले तथा छेल्ले पहोरे भणाय पण बीजे त्रीजे पहोरे न भणाय तेवुं सूत्र, आचारांग आदि कालिक सूत्र वह सूत्र जो रात्रि और दिन के पहिले तथा अंतिम प्रहर मे पढा जाय, आचारांग आदि कालिक सूत्र Kālika Sūtras such as Āchārānga etc which could be read at the first and last of the

four divisions of day or of night. विशे० ४२०, ठा० २, १, अणुजो० ६, १४३, नंदी० ४३, (२) કાલાંતરે મળવાનું, અનિશ્ચિત. कालान्तर में मिलने वाला, अनिश्चित uncertain in point of time. उत्त० ५, ६, (३) એ નામનો એક દ્વીપ-બેટ इस नामका एक द्वीप-बेट name of an island नाया० १७, —अणुओग. पु० (-अनुयोग) કાલિક શ્રુતનું વ્યાખ્યાન कालिक श्रुत का व्याख्यान a discourse on, an explanation of a Kālika scripture पचा० ११, ३४, —दीव पु० (-द्वीप) કાલીય નામનો દ્વીપ कालीय नामक द्वीप an island named Kālīya नाया० १७, —वाय पु० (-वात) પ્રચંડ વાયુ, પ્રતિકૂળ વાયુ प्रचंड वायु, प्रतिकूल हवा violent wind, adverse wind नाया० ६, १७, —सुय न० (-श्रुत) કાલિક સૂત્ર આચારાંગાદિ-કાલે વંચાય તે સૂત્ર कालिक सूत्र a Kālika Sūtra e g Āchārānga etc which could be read at particular times only भग० २०, ८, निसी० १६, १०, विशे० ५४६,

कालिंगी स्त्री० (कालिङ्गी) તરબૂચ तरबूज, मतीरा A kind of water-melon पन्न० १, भग० २२, ६,

कालिंजर पु० (कालिंजर) એ નામનો એક પર્વત. एक पर्वत का नाम Name of a mountain " दसा दसभे आसी मिया कालिंजरे नगे " उत्त० १३, ६,

कालिज्ज न० (कालेय) કાળજું, શરીરની અંદરનો એક અવયવ कलेजा, शरीर के भीतर का एक अवयव An organ of the body viz. liver. तदु०प्रव०१३८४,

कालियपुत्त. पु० (कालिकपुत्र) કાલિકપુત્ર નામે શ્રી પાર્શ્વનાથ પ્રભુના શાસનના એક વિદ્વાન્ થિવર સાધુ. श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha. भग०२,५,

कालिया स्त्री० (कालिका) કાલકા દેવી. कालिका नामक देवी The goddess Kālikā सु०च० ८,१४६,

काली स्त्री० (काली) અંતગડ સૂત્રના આઠમા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ अतगड सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagada Sūtra अंत० ८, १, (२) શ્રેણિક રાજાની રાણી અને કોણિકની ઓરમાન માતા કે જેણે મહાવીરસ્વામી સમીપે દીક્ષા લઈ રયણાવલી=રત્નાવલિ નામનું તપ આચરી આઠ વરસની પ્રવ્રજ્યાપાળી એક માસનો સંથારો કરી પરમ પદ પ્રાપ્ત કર્યું. राजा श्रेणिक की रानी और कोणिक की सोतेली माता जिसने की महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर रत्नावलि नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अंत में एक मास का संथारा किया और परमपद प्राप्त किया the queen of Śrenika and step-mother of Konika, who took Dīkṣā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. अंत०८,१,(३) કાગડાની જાંઘ कौए की जांघ. the thigh of a crow उत्त० २, ३, (४) કાળા રંગની સ્ત્રી काले रंग की स्त्री a woman of black colour अणुजो०

१२८, (५) ચમરેન્દ્રની મુખ્ય દેવી चमरेन्द्र की मुख्य देवी the principal goddess of Chamarendra भग० १०,५; (६) અભિનંદન સ્વામિની શાસન દેવીનું નામ अभिनंदन स्वामी की शासन देवी का नाम name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī प्रव० ३७७, पचा० १६, २४. —अज्जा स्त्री० (आर्या) કાલી આર્યા काली आर्या a nun named Kālī नाया०ध०—दारिआ स्त्री० (-दारिका) કાલી કુમારી काली कुमारी a girl named Kālī नाया० ध०

कालीदेवित्त न० (काली देवीत्व) કાલી દેવીપણું काली देवीपना State of being the goddess Kālī नाया० ध०

कालीवडिंसयभवण न० (कालवतंसकभवन) કાલીદેવીનું કાલાવતંસક નામે ભવન कालीदेवी का कालावतसक नामक भवन An abode of Kālī Devī, named Kālāvatamsaka नाया० ध०

कालुणियं त्रि० (कारुणिक) કરુણાજનક करुणाजनक, करुणा पैदा करने वाला Piteous सूय० १, ७, १, १७,

कालोअ-य पुं० (कालोद) કાલોદધિનામનો સમુદ્ર કે જે ધાતકીખંડને ફરતો વિંટાયેલ છે कालोदधि नामक समुद्र जो कि धातकीखंडद्वीप को घेरे हुए है An ocean named Kālodadhi, encircling Dhātakīkhaṇḍa ठा० ७, जीवा० ३, ४, अणुजो० १०३, सम० ४२, ६१, पन्न० १५,

कालोद पुं० (कालोद) જુઓ "कालोअ-य" शब्द देखो "कालोअ-य" शब्द Vide "कालोअ-य" ठा० २,३; भग०६,२,

कालोदहि पुं० (कालोदधि) ધાતકીખંડની ચારે બાજુએ આઠ લાખ જોજન પ્રમાણનો કાલોદધિ સમુદ્ર उस समुद्र का नाम जो धातकीखंडकी चारों ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है An ocean so named, surrounding Dhātakīkhanda and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १,

कालोदायि पुं० (कालोदायिन्) કાલોદાયી નામના એક અન્ય દર્શનીગૃહસ્થ एक जैनेतर गृहस्थ का नाम Name of a householder belonging to a non-Jaina creed भग० ७, ६, १०;१८ ७,

काव पुं० (काव्य) કાવ્ય બનાવીને સંભળાવનાર काव्य बनाकर सुनाने वाला A bard; a minstrel जीवा० ३.३, नाया० १, ८,

कावलिय पु० (कावलिक) કવલ આહાર, કોર, कवल A mouthful भग० १, ७ प्रव० ११६४,

कावि अ० (कापि) કોઈપણ कोई भी Somebody, some one or other, anybody नाया० ८,

काविट्ट पु० (काविष्ट) છઠા દેવલોકનું કાવિષ્ટ નામનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ ચૌદ સાગરોપમની છે, એ દેવતા સાત માસે શ્વાસોશ્વાસ લે છે छठव देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासियों की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पखवाड़े में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months. सम० १४;

काविल न० (कापिल) કપિલશાસ્ત્ર, સાંખ્ય દર્શનનું શાસ્ત્ર कापिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. अणुजो० ४१,

काविलिअ. न० (कापिलिक) કપિલમતનો ગ્રંથ. कपिल मत का एक ग्रंथ A book containing an exposition of the tenets of Kapila नंदी० ४१,

कावोय. पु० ( ) કાવડ ફેરવી ભિક્ષા માગનાર એક વર્ગ. कावड लेकर भिक्षा मांगने वाला एक वर्ग A class of mendicants begging their food in bags attached to the ends of a bamboo which rests on the shoulders अणुजो० ६२,

कावोया स्त्री० (कापोतिका) પારેવી વૃત્તિ, કબૂતરની માફક ઘણી સભાળથી આહારાદિક લેવું તે एक प्रकार की वृत्ति-कबूतर के समान बड़े यत्नाचारपूर्वक आहारादि ग्रहण करने की वृत्ति Taking food with great care, like pigeons उत्त० १६ ३३,

√**कास** धा० I (कास्) ઉધરસ ખાવી खाँसना. To cough

कासित्ता सं० कृ० जावा० ३, ३, ज० प० २, २५,

कासंत व० कृ० पराह० १, ३

कास पु० (कास) ઉધરસ, ખાસી खांसी Cough ज० प० भग० ३,७, जावा० ३,३,

कास पु० (काश) કાશ નામનો ગ્રહ काश नामक ग्रह A planet named Kāśa "दोकासा" ठा० २, ३, (२) કાશ નામની વનસ્પતિનો ગુચ્છો. कास नामक वनस्पति का गुच्छा. a cluster of the vegetation named Kāśa पन्न० १ उवा० ३, १४८,

कासंकस. त्रि० (कासंकष कसन्तेऽस्मिन्निति-कासः संसारस्तं कषतीति तदभिमुखोयातीति कासङ्कष) ડમફી, અસ્વસ્થ, આકુળવ્યાકુળ अस्वस्थ, बीमार, आकुल व्याकुल. Uneasy, restless आया० १,२,५,६४;

कासग पु० (कर्षक) ખેડુત, ખેતી કરનાર. किसान, खेती करने वाला A farmer; a peasant उत्त० १२, १२;

कासग पुं० (काशक) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation जीवा० ३, ४.

कासण न० (कासन) ઉધરસ ખાવી खासी आना. Act of coughing ओघ० नि० २३५

कासव पु० (काश्यप) કાશ્યપ ગોત્રીય-મહાવીર સ્વામી-ચોવીશમા તીર્થંકર. काश्यप गोत्र के महावीर स्वामी चौवीसवें तीर्थंकर Lord Mahāvīra the 24th Tīrthankara belonging to the family origin named Kāsyapa भग० १५ १, दस० ८, सु० च० ३, १०५, नंदी० ०३, उत्त० २, १, सूय० १, २, २, ७, १, ९, १, २, ज०प० ७, १५६, (२) કાશ્યપ ગોત્રમા ઉત્પન્ન થયેલ-મુનિસુવ્રત અને નેમી સિવાયના બાવીશ તીર્થંકર, ચક્રવર્તિ વગેરે ક્ષત્રિય, સાતમા ગણધર વગેરે બ્રાહ્મણ, જબુસ્વામી વગેરે ગાથાપતિ. काश्यप गोत्र में उत्पन्न मुनि सुव्रत और नेमिनाथ के सिवाय बाईस तीर्थंकर तथा चक्रवर्ति वगैरह क्षत्रिय, सातवें गणधर वगैरह ब्राह्मण और जबूस्वामी वगैरह गाथापति the Tīrthankaras (24) excepting Muni Suvrata

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

and Nemi, the Ksatriyas viz the 7th Ganadhara etc and the Gāthāpatis viz Jambū Svāmī etc all born in the Kāsyapa family ठा० ७, १, उत्त० २४, १६, (३) पुं० એક પ્રસિદ્ધ ગોત્રનું નામ, કાશ્યપ નામે ગોત્ર एक प्रसिद्ध गोत्र का नाम काश्यप नाम का गोत्र name of a famous family-origin कप्प० ५, १०३ (४) શ્રી પાર્શ્વનાથપ્રભુના શાસનના એક વિદ્વાન સાધુ श्री पार्श्वनाथ प्रभु के शासन के एक विद्वान साधु a learned monk belonging to the cult of Lord Pārsvanātha भग० २,५, (५) અંતગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના ચોથા અધ્યયનું નામ अंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे अध्याय का नाम name of the 4th chapter of the sixth section of Antagada Sutra अंत० ६, ४ (६) રાજનગર નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઈ સોળ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સંથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી राजगृह निवासी एक गाथापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली और १६ वर्षोंतक तप कर विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्धपद प्राप्त किया. name of a merchant residing in Rājagriha, who took Dīksa from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years and attained salvation on Vipula mount giving up food and water अंत० ६, ४, (७) હજામ નાઈ a barber भग० ६, ३३; (८) ઉત્તરા ફલ્ગુની નક્ષત્રનું ગોત્ર उत्तरा फल्गुनी का गोत्र the family origin of the constellation named Uttara-Falgunī सू० प० १० —गुत्त, पुं० (-गोत्र) સિદ્ધાર્થ રાજા વગેરેનું ગોત્ર सिद्धार्थ राजा वगैरह का गोत्र the family-origin of king Siddhārtha etc क० प० १, २, २, २०, आया० २, १५, १७६ —गोत्त पुं० (गोत्र) જમ્બુ સ્વામી વગેરેનું ગોત્ર जम्बू स्वामी का गोत्र the family-origin of Jambu Svāmi etc नाय० १.

कासवग पुं० (काश्यपक) નાઈ હજામ नाई A barber सूय० १, ४, २, ६,

कासवनालिया स्त्री० (काश्यपनालिका) શ્રીપર્ણીનું ફલ श्रीपर्णी का फल The fruit of Sripaini दस० ५, २, २१, आया० २, १, ८ ४८,

कासवय पुं० (काश्यपक) જુઓ "कासवग" શબ્દ देखो "कासवग" शब्द Vide "कासवग" नाया० १

कासवी स्त्री० (काश्यपी) પાંચમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી पांचवे तीर्थंकर की मुख्य साध्वी The principal nun of the 5th Tirthankara सम० प० २३४,

कासाइ न० (कापाय) જુઓ "कासाइअ-य" શબ્દ देखो "कासाइअ-य" शब्द Vide "कासाइअ-य" उवा० १, २२.

कासाइअ य न० (कापायक) કષાય-ભગવા રંગથી રંગેલું વસ્ત્ર-નહાને શરીર લુછવાનું વસ્ત્ર भगवा रंग से रंगा हुआ वस्त्र. स्नान करके शरीर पोछने का वस्त्र A saffron-coloured cloth generally worn by Hindū ascetics, a piece of cloth to dry the body after bath, a towel जीवा० ३, ४; ज० प० ओव० ३१,

कासिल्ल. त्रि० (कासमत्) ખાસીવાળો खासी वाला One suffering from cough विवा० ७,

कासिह पु० (कासिह) જલચારી મત્સ્યાહારી એક જાતનું પક્ષી मछली खानेवाला जलचारी पक्षी. A sort of crane, a bird eating fish living in water सूय० १, ११, २७

कासी. स्त्री०(काशी) કાશીપુરી; વનારસી નગરી काशी नामक पुरी The town of Benares भग० ७, ८, सूय० २, ६, उत्त० १३ ६, कप्प० ४, १२७, (२) કાશી દેશ. આર્ય દેશમાંનો એક काशी देश. आर्यदेश में से एक a country named Kāsi पन्न० १, भग० १४, १, नाया० ८, —**राय** पु०(-राज) કાશીદેશનો રાજા काशी देश का राजा a king of the country named Kāsi उत्त० १८, ४८, नाया० ८,

काहल त्रि० (काहल) અસ્પષ્ટ, અવ્યક્ત अव्यक्त, अप्रगट, अस्पष्ट Indistinct, inarticulate, not manifest पगह २, ३, ठा० ७

काहलिया स्त्री० (काहलिका) કાહલિકા નામે એક સોનાનું આભરણ इस नामका सोनेका आभरण A sort of gold ornament प्रव १४३६

काहार पु० (कहार—कं जलं हरतीति) કાવડ कावड A contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders

काहावण. पु० (कार्षापण) મુદ્રા, સિક્કો मुद्रा, सिक्का, छाप, मुहर A stamp पण्ह० १, ३,

काहिश्र-य पुं० (काथिक = कथया चरति-काथिकः) ગૃહસ્થને ઘેર બનાવી બનાવી કથા કહેનાર સાધુ गृहस्थ के घर पर बना बना कर कथा करने वाला साधु An ascetic telling long drawn scriptural stories at the houses of householders गच्छ० १, २, २, २८, निसी० १३, ४७ गच्छा० ११४,

काहे अ० (कदा) ક્યારે कब When अंत० ६, १४ भग० २, १,

किइकम्म न० (कृतिकर्मन = कृतिरेव कृतेर्वा कर्म क्रिया कृतिकर्म) ગુર્વાદિકને વિધિપૂર્વક વંદના કરવી તે, એવી રીતે કે વાત વગેરે રોગથી પીડિત ન હોય તો ઉઠ બેસ કરી અસ્ખલિત પાઠાચ્ચાર કરી વંદના કરવી, ઉઠવાને અશક્ત હોય તો અસ્ખલિત પાઠનો ઉચ્ચાર કરી વંદના કરવી તે गुरु आदि की विधि पूर्वक वंदना करना यदि वात रोगसे पीडित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठाच्चार करते हुए वंदना करना और उठने मे अशक्त हो तो धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना Rendering obeisance to a preceptor etc with observance of due forms and ceremonies प्रव०१८ ६८,पचा० १७, ६ आव० ३०, भग० १४, ३, सम० १२,

किं. अ० (किम्) કોણ, શું, કયો कौन, क्या, कौनसा Who, what, which भग० १, ३, ७, २, १, ३, ४ ६, ३, ६, ६; ५, ७ ४; ६, ३३, १४, १, १६, ८, १८, ७, ८, ३६, २३ २४, ६, २६, १, ४१, १, नाया० १, ३, ४, ८; १६, १७, अणुजो०३; ११, वेय० १, ३३, वव०२, २२, ओव०१६; ३८, पन्न० १४, दसा० ३, २२, ३३, २४,४, १०, आया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०,

सूय० १, १, १, १, दस० ४, १०; ५, २, ४७;६,६५;१,१,५;६.२,१६;जं०प०७, १४०;

किंअंगपुरा. अ० (किमङ्गपुनर्) જુઓ "किंपुरा" શબ્દ देखो "किंपुरा" शब्द Vide "किंपुरा" नाया० १; १४;

किंअरणं अ० (किमन्यत्) બીજું શુ? दूसरा क्या? What else? नाया० ५,

किंकम्म न०(किंकर्मन्) અંતગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ अंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम Name of the 2nd chapter of the 6th section of Antagaḍa Sūtra (२) રાજગૃહ નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જે મહાવિર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ અગીઆર અંગ ભણી ગુણરયણતપ કરી સોલ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર પરમ પદ પામ્યા राजगृह निवासी एक गाथापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली, ग्यारह अंग पढे, गुणरयण नामक तप किया और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया name of a householder residing in Rājagṛha, who took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, studied 11 Aṅgas, practised Guṇaratyaṇa penance, observed asceticism for 16 years and attained salvation on the Vipula mount अंत० ६, २;

किंकर. पु० (किङ्कर) અનુચર, સેવક, ભૃત્ય, દાસ, ચાકર नोकर, सेवक. A servant, an attendant. नाया० १, जीवा० ३, ४, पन्न०२; ओव०३१ राय० ६४; भग०११,११;

किंगिरिड. पुं० (किङ्गिरीट) ત્રણઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. तेइन्द्रिय जीव; तीन इन्द्रियों वाला जीव. A kind of sentient being with three senses.

किंच. अ० (किञ्च) અને; વળી. और. And; moreover भग० १८, ८,

किंचण अ० (किंचन) કંઇપણ, કંઇક कुछ; कुछभी. Anything; something. सूय० १, १, २, १४, (२) न० દ્રવ્ય, પરિગ્રહ द्रव्य का ग्रहण करना wealth, worldly possessions विशे० १४५१, उत्त० ३२, ८, सूय० २, १, १४,

किंचि अ० (किञ्चित्) કિંચિતમાત્ર, કંઇક कुछ; किंचित् मात्र A little, something; something at least. " किंचि बहुयं वयोवच " पराह० १, ३, जं० प० ७, १३२; जं० प० दसा० ६, ३५, ७, २६, भग० २,१, ८, ८, ३;२०, ६,२५,७,३०,१, नाया०५;८, ओव० १६, ३८, उत्त० १, १४; पिं० नि० १००, उवा०६,१७० गच्छा०१, प्रव० १४७, —**काल** न० (-काल) થાડાકાલ, થાડો વખત थोड़ा समय a little time; some little time भग० १, ७, नाया० १६,—**विसेसाहिय** त्रि० (-विशेषाधिक) જરા વધારે, થોડું અધિક कुछ ज्यादह a little more, somewhat more भग० २, ८; —**साहम्म** न० (-साधर्म्य) સહેજ સમાનપણું, કાંઇક સાધર્મ્ય कुछ समानता, कुछ साधर्म्य भाव a little affinity, possession of common qualities to a little extent. अणुजो० १४७,

किंचिम्मेत्त त्रि० (-किञ्चित्मात्र) કિંચિત્ માત્ર कुछ, किंचित्मात्र. a little; very little, only a little विशे० ३११,

किंतु अ० (किन्तु) પણ, વિશેષતા બતાવવાને આ અવ્યય વપરાય છે भी, किन्तु, परन्तु. But; (an adversative conjunction). विशे० १५३,

किंत्थुग्घ-ग्ग पुं० न०. (**किंस्तुघ्न**) દરેક માસના શુક્લ પક્ષના પડવાને દિવસે આવતું, ચાર થિરકરણમાંનું ચોથું કરણ, ૧૧ કરણમાંનું ૧૧ મું કરણ प्रत्येक मास की शुक्र पक्ष की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण, ग्यारह करण में का ११वा करण. The last of the eleven Karanas, the last of the four Thira Karanas falling on the first day of the bright half of each month जं० प० ७, १५३,

किंनर पुं० (**किन्नर**) કિંનર જાતના વ્યંતર દેવતા किन्नर जाति के व्यतर देव A kind of Vyantara gods known as Kinnaras नाया० १, १६; भग० ३, ८, सम० ३४, ओव० २४, ठा० २, ३, राय० ४१, जीवा० ३, ४, अणुजो० ४७, उत्त०३६, २०५, (२) ચમરેન્દ્રના રથની સેનાનો ઉપરી चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra ठा० ५, १, —**संठिय** त्रि० (**-सस्थित**) કિંનર દેવના આકારવાળો किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god भग० ८, २,

किंनरकंठ पु० (**किन्नरकण्ठ**) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem राय० १२१,

किंनरी. स्त्री० (**किन्नरी**) એક સ્ત્રી કે જેને લીધે યુદ્ધ થયું હતું एक स्त्री जिसके लिये कि युद्ध हुआ था Name of a woman who was the cause of a battle. पराह० १, ४;

किंपाग. न० (**किंपाक**) કિંપાક વૃક્ષ, એક ઝેરી ફ્લવાળું વૃક્ષ किंपाक वृक्ष,एक जहरी फल वाला वृक्ष A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्त० ३२, २०; तंदु० ओव० १४, —**फल.** न० (**-फल**) કિંપાક વૃક્ષનું ફ્લ, સ્વાદે મધુર પણ પરિણામે ઝેરી એક ફ્લ. किंपाक वृक्ष का फल, स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous तंदु०

किंपि अ० (**किमपि**) કંઈક, કાંઈપણ. कुछ भी Something; something at least; a little पिं० नि० भा० ३६, सु० च० १, २३४; नाया० १,

किंपुण अ० (**किंपुनर**) તેમાં તો કહેવુંજ શું એવી મહત્તાવાળો નિશ્ચય દર્શાવવામાં એનો ઉપયોગ થાય છે. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है A phrase meaning, " it goes without saying " गच्छा० ६५, नाया० १४,

किंपुणो. अ० (**किंपुनर**) જુઓ " किंपुण " શબ્દ देखो " किंपुण " शब्द Vide " किंपुण " दस० ७, ५,

किंपुरिस पुं० (**किम्पुरुष**) કિંપુરુષ દેવતા, વ્યન્તરદેવતાની એક જાત व्यतर देवों का 'किं पुरुष' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods भग० २, ५; ३, ८, १०, ५, नाया०१६, पराह० १, ४, जीवा० ३, ४, अणुजो० ४७, सम० ३४, ओव० २४, उत्त० ३६, २०५, ठा० २, २, ३, पन्न० १, २, प्रव० ११४४, (२) વૈરોચન ઇંદ્રના રથની સેનાનો અધિપતિ वैरोचन इन्द्र के रथ की सेना का अधिपति. name of the commander of the army of chariots of Vairochana Indra ठा० ५, १, —**संठिय** त्रि० (**-सस्थित**) કિંપુરુષ દેવને આકારે રહેલ किंपुरुष देव

के आकार का having a shape of a Kimpurusa kind of gods भग० ८, २,

किंपुरिसकंड पु० (किम्पुरुषकठ) એક જાત નુ રત્ન एक जाति का रत्न A kind of gem राय० १२१,

किंबहुणा अ० (किम्बहुना) વધારે શુ ? ज्यादह क्या ? What more ? What is the use of adding more ? नाया० १, भग० ६, ३३,

किमग्ग त्रि० (किमग्र) સ્વરૂપ કે પ્રાધાન્ય વિષયક પ્રશ્નાર્થમા વપરાતુ, આનું શું સ્વરૂપ છે કે આમા પ્રધાનપણે શુ છે એવા પ્રશ્નાર્થમા આ રૂપ વપરાય છે प्रश्नवाचक वाक्य में उपयोग में आनेवाला शब्द A form of interrogation meaning " What is the essential or prominent feature of this ? " भग० १६, ७,

किंमूलय त्रि० (किंमूलक) કયા મૂલવાળુ ? इसका मूल क्या ? Originating in what ? नाया० ८,

किंवा अ० (किंवा) અથવા अथवा; या Or, an alternative conjunction विशे० १२०, नाया० १, ५, भग० ३, १.

किंसुअ-य पु० (किंशुक) કેશુડાનુ ઝાડ, ખાખરાનુ વૃક્ષ केशू का वृक्ष, टेसू का झाड A kind of tree bearing red flowers. जं० प० ओव० १३; अणुजो० १३; भग० २, १, ३, २, नाया० १, ८, ६, जीवा० ३, १; राय० ४३. कप्प० ४, ६०;

किंसुग्घ पु० न० (किंस्तुघ्न) જુઓ " किंत्थुग्घ " શબ્દ देखो " किंत्थुग्घ " शब्द. Vide " किंत्थुग्घ " विशे० ३३४०,

किच्च न० (कृत्य) કૃત્ય, કાર્ય, પ્રયોજન कृत्य, कार्य, काम Act, action; purpose दस० ७, ३६, ६, २, १६, भग० १, १०; ३, १, १३, ८, सूय० २, ४, ८, उत्त० १, ४४, नाया० ३, १४, सु० च० ३, ६६; विशे० ३४६४, क० प० २,७४, प्रव० २००, (२) કૃતિ-વન્દનાને લાયક—ગુરૂ, આચાર્ય વગેરે कृति अर्थात् वदना के योग्य गुरु आचार्य आदि worthy of salutation e g a preceptor etc उत्त० १,१८, (३) પચન પાચનાદિ ક્રિયા पचन पाचनादि कृत्य process such as that of digestion etc सूय० १, १, ४, १ —गय पु० (-गत) કાર્યમા તત્પર कार्य मे तत्पर busily engaged in work भग० ३, ५,

किच्चण न० ( ) ધોવુ धाना Washing ओघ० नि० १६८,

किच्चाकिच्च न० (कृत्याकृत्य) કૃત્યાકૃત્ય, કાર્ય અને અકાર્ય कर्म और अकर्म Act to be done and act not to be done दसा० ६, ३१,

किच्छ न० (कृच्छ्र) કષ્ટ, મુશ્કેલી कठिनाई, कष्ट Difficulty, trouble ज० प० सु० च० ६, ७५, भग० ७, ६, नाया० ८, विशे० २२८६ —प्प पु० (-आत्मन्) કષ્ટયુક્ત આત્મા कष्ट सहित आत्मा a troubled soul नाया० ८, ज० प० ३,५६,

किज्ज त्रि० (क्रेय) ખરીદવાને યોગ્ય खरीदने के योग्य Fit for purchase, worthy of being purchased दसा० ७, ४५,

किट्ट धा० I, II. (कृत्) કીર્તન કરવુ;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

वखाणवुं कीर्तन करना, कथन करना To praise, to glorify, to sing the praise of
किट्टेइ भग० २, १ नाया० ०,
किट्टइ आया० १, ५, ४, १४८,
किट्टमि सूय० २, १ ११,
किट्ट विधि० आया० १, ६. ६, १६४, सूय० २, १, ४७,
किट्टित्ता सं० कृ० नाया० १,
किट्टत्ता सं० कृ० उत्त० २६, १ नाया० १
उट्टिया सं० कृ० ववः ६, ३७,
किट्टित्तए हे० कृ० वव० ३, २०,

किट्ट पु० (किट्ट) लोढानो काट लोहे का जंग Iron rust आया० २, १ १, १
—**रासि** पु० (-राशि) लोढाना काटनो ढगलो लोहे के जङ्ग का ढेर a heap of iron rust "अट्टरासिस वा किट्टरासिसि वा" आया० २, १, १, १,

किट्टकरणाद्धा स्त्री० (किट्टिकरणाद्धा) संज्वलन लोभनी प्रथम स्थितिना त्रण भाग करीने तेमां बीजा विभागनी संज्ञा किट्टिकरणाद्धा छे संज्वलन लोभ का प्रथम स्थान के तीन भाग में से दूसरे विभाग का संज्ञा किट्टिकरणाद्धा कहलाती है Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as Sanjvalana Lobha क० प० ४, ४६,

किट्टि स्त्री० (+) सूक्ष्म सूक्ष्म Fine as opposed to gross प्रव० ७१२, क० प० ३, १०,

किट्टिअ-य त्रि० (कीर्तित) वर्णवेल, भजवेलु. कहा हुआ, वर्णित, वर्णन किया हुआ Described "एव से अट्टकिट्टियमेव धम्म" आया० १ ८, ५, २१७, सूय० २, १, ११, ठा० ७, १०.

किट्टिक, पु० (किट्टिक) एक जातनी वनस्पति एक प्रकार का वनस्पति A kind of vegetation भग० २३, १,

किट्टिकर त्रि० (कीर्तिकर) कीर्तिनुं गान करनार. कीर्तिका गान करने वाला (One) that sings glory ओव० ३१,

किट्टिया स्त्री० (कीटिका) एक जातनी साधारण वनस्पति एक प्रकार की साधारण वनस्पति A kind of ordinary vegetation पन्न० १ भग० १, २, जीवा० १,

किट्टिस न० ( ) बेत्रण जातना वाळना मिश्रणथी बनेलु सूत्र दो तीन जाति के बालो के मिश्रण से बनाहुआ सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together horse hair or hairs of different kinds अणुजो० ३७,

किट्टी स्त्री० (किट्टी) एक जातनी वनस्पति एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation पन्न० १

किट्ठि पु० न० (कृष्टि) कृष्टिनामनुं त्रीजा चोथा देवलोकनुं एक विमान कृष्टि नामक तीसरे चौथे देव लोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka सम० ४,

किट्ठिकूड पु० न० (कृष्टिकूट) कृष्टिकूट नामनुं त्रीजा चोथा देवलोकनुं एक विमान. कृष्टिकूट नामक तीसरे चौथे देवलोकका विमान A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

lokas. सम० ४,

किट्टिघोस. पुं० (कृष्टिघोष) કૃષ્ટિઘોષ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. कृष्टि घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ६,

किट्टिजुत्त. पुं० (कृष्टियुक्त) એ નામનું ત્રીજા અને ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे और चौथे देवलोक के विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४,

किट्टिज्झय पुं० (कृष्टिध्वज) કૃષ્ટિધ્વજ નામનુ ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे और चौथे देवलोक के एक विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४,

किट्टिप्पभ पुं० (कृष्टिप्रभ) કૃષ્ટિપ્રભ નામનુ ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४,

किट्टियापत्त पुं० (कृष्टिकापत्र) કૃષ્ટિકાપત્ર નામનુ ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४,

किट्टिलेस्स. पुं० (कृष्टिलेश्य) કૃષ્ટિલેશ્ય નામનુ ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४,

किट्टिसिंग पुं० (कृष्टिशृंग) કૃષ્ટિશૃંગ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४;

किट्टिसिद्ध पुं० (कृष्टिसिद्ध) કૃષ્ટિસિદ્ધ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४,

किट्टुत्तरवडिंसग पुं० (कृष्ट्युत्तरावतंसक) કૃષ્ટિઉત્તરાવતંસક નામનુ ત્રીજા ચોથા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे चौथे देवलोक के एक विमानका नाम Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम० ४.

किडिकिडिया स्त्री० (किटिकिटिका) દુર્બલ શરીર વાલા માણસના માંસ વિનાના હાડ કાનો ઉઠતા બેસતા અવાજ થાય તે दुर्बल शरीर वाले मनुष्य के मांस रहित हड्डियों का उठने बैठने पर जो आवाज हो वह The cracking sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down नाया० १, भग० २, १;

किडिकिडियाभूय त्रि० (किटिकिटिकाभूत = किटिकिटिकाभूत प्राप्तो यः स किटिकिटिकाभूत) કડ કડ અવાજ કરતુ जिसकी हड्डियों का उठते बैठते आवाज हो वह Making a cracking sound विवा० ८, भग० २, १,

किडिम. पुं० (किटिम) કીડીઆરૂ, રાફી चिऊंटियों का घर. An ant-hill, a swarm of ants. ज० प० भग० ७, ६;

(२) એક જાતનો રોગ. एक प्रकार का रोग a kind of disease. भग० ७, ६;

किड्डा स्त्री० (क्रीडा) ક્રીડા, રમત ગમત, રતિ, આનંદ क्रीडा; खेल, आनन्द, रति, विनोद Sport, play, amusement. आया० १, २, १, ६४, सूय० १, १, ३, ११, भग० १३, ६, १४, २; पिं० नि० ८८, ४२५,

किड्डाविया स्त्री० (क्रीडाकारिका) ક્રીડા કરાવનારી દાસી क्रीडा कराने वाली दासी A maid-servant who makes one sport, play or supplies with some kind of amusement नाया० १६,

किढिण पु० (*) એક જાતનું વાસનું ઠામ તાપસનું એક ઉપકરણ, કાવડની બે બાજુના બાસડા एक प्रकार का बांस का बर्तन, तापस का एक उपकरण, कावड़ के दोनों तरफ के छबड़े. A sort of vessel made of bamboo, a vessel used by an ascetic, the two flat baskets hanging by a rope attached to the two ends of a bamboo placed on the shoulder भग० ७, ६; —**पडिरूवग** त्रि० (-प्रतिरूपक=किढिन वंशमयस्तापससम्बन्धी भाजनविशेषः तत्प्रतिरूपके किढिनाकारे वस्तुनि) કાવડના આકારની વસ્તુ कावड़ के आकार की वस्तु An object having the shape of a wooden pole resting on the shoulders with two baskets hanging at each end. भग० १, ६, —**संकाइय** न० (-सांकायिक = किढिन वंशमयस्तापसभाजनविशेष. ततश्च तयोः सांकायिक भारोद्वहन यन्त्र किढिनसांकायिकम्) કાવડ कावड़. A contrivance consisting of a long piece of bamboo with two vessels suspended one at each end, by means of ropes. The middle part of the bamboo rests on any or both of the shoulders. भग० ११, ६,

किणण. न० (क्रयण) ખરીદવું તે खरीदना. Act of purchasing. सु०च० २,४४५;

किणित न० (किणित) એક જાતનું વાજીત્ર एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument ज० प०

किणिया स्त्री० (किणिका) એક જાતનું વાજિંત્ર एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument राय० ८८,

किण्णं अ० (किम्) કયું શું. कौनसा क्या What, a particle showing interrogation नाया० १, २, ३, ७; ८, ६, १६, भग० ३, २, १२, ५, उवा० ३, १२६,

किण्ण त्रि० (कीर्ण) આકીર્ણ, વ્યાપ્ત. फैलाया हुआ, व्याप्त Scattered over with, full of नाया० ५, उवा० २, ६४,

किण्णमुड पुं० (कीर्णमुण्ड) એક જાતનું વાજિંત્ર एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument जीवा० ३, १;

किण्णर पुं० (किन्नर) વ્યંતર જાતના દેવતાઓની એક જાત व्यंतर जाति के देवों की एक जाति A species of gods known as Vyantara gods. पन्न० १; १; ओव० पराह० १, ४, नाया० ८, भग० २,५,१०, ५ कप्प० ३, ४४, जं०प०५,११५;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

किंचणाइ. अ० (किञ्चित) કિંચિત. कुछ, किंचितमात्र. Very little; only a little पिं० नि० ६४३.

किरह पुं० (कृष्ण) કાળોરંગ. काला रंग Black colour (२) કાળા રંગનું. श्याम काले रंग का, श्याम black भग० १२, ६, १४, १; नाया० १,६, १०; १३,१२;१७. राय० ४७; अणुजो० १३१, आया० १, ५, ६, १७०, ठा० १, १, उत्त०३६ १६, सू०प० २०, ओव० पन्न० १, प्रव० १२२६, क० गं० १, ४०, कप्प० ८, ४५, ज० प० ४, ७४, २,१३.निर०३,२.(३) पु०કૃષ્ણ નામના ૯ મા વાસુદેવ कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव the 9th Vāsudeva named Krisna निर० ५, १, (४) કૃષ્ણપક્ષ. અંધારીયું कृष्णपक्ष the dark half of a month. पचा० १६, २०, **—आभास** त्रि० (-आभास) કૃષ્ણ રંગ જેવું દેખાતું. કાળી પ્રભા काले रंग के समान दीखता हुआ, काली प्रभा appearing blackish; black lustre. नाया० ७, ६. निर० ३,२. **—ओभास** पु० (-अवभास) કાળી પ્રભા काली प्रभा black lustre नाया० १, भग० १३, ६ १४, १. **—केसर.** पु० (-केशर) કાળી કેશર काला केशर black saffron पन्न०१७,राय०—**पडिवक्ख** पु० (-प्रतिपक्ष) અંધારીયું પખવાડીયું कृष्णपक्ष the dark half of a month पचा० १६, २०, **मिग** पुं० (-मृग) કાલોવાર મૃગ કાળો હરણ. कृष्ण मृग, काला हिरन a black deer आया० २. ५, १, १४५, **—लेसा.** स्त्री० (लेश्या) કૃષ્ણ લેશ્યા कृष्ण लेश्या black thought tint or matter-tint प्रव ११७३, **—लेहसा** स्त्री०(-लेश्या) કૃષ્ણ લેશ્યા. कृष्ण लेश्या black tint, black thought-tint or matter-tint भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पन्न० १७, **—सप्प** पुं० (-सर्प) કાળો સર્પ. काला साप a black serpent. भत्त० ८३,**—सुत्तग** न० (-सूत्रक) કાલા રંગનું સૂત્ર काला सूत, thread of a black colour भग० १६, ६;

किरहपडल न० (कृष्णपटल) એ નામની સાધારણ વનસ્પતિ इस नाम की एक साधारण वनस्पति Name of an ordinary kind of vegetation पन्न० १.

किरहपत्त पु० (कृष्णपत्र) ચાર ઇંદ્રિયવાળો એક જીવ चार इन्द्रियों वाला एक जीव A four-sensed living being पन्न० १;

किरहसिरि स्त्री० (कृष्णश्री) છઠ્ઠા ચક્રવર્તીની કૃષ્ણશ્રી નામની સ્ત્રી छठवें चक्रवर्ती की कृष्णश्री नामक स्त्री Name of the wife of the sixth Chakravarti. सम० प० २३४,

किरहा स्त्री० (कृष्णा) મેરૂના ઉત્તરમાં આવેલી રક્તા નદીમાં જઇને મળતી એક નદી मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नामक नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी Name of a river flowing into the river Raktā in the north of Meru ठा० ५, ३ १०, (२) કૃષ્ણ લેશ્યા. કાળામાં કાળા કર્મસ્કંધ કે જેના યોગથી જીવને ક્લિષ્ટમાં ક્લિષ્ટ પરિણામ થાય છે. ૭ લેશ્યામાંની પ્રથમ લેશ્યા. कृष्ण लेश्या, अत्यंत काले वर्ण के स्कंध कि जिनके योग से जीव को अत्यंत दीन और कठोर परिणाम हो. blackest Karmic molecules causing the direst results to the soul, black thought-tint or mattertint क० गं० ४,१६, उत्त०३४,३; पिं०नि०भा०३०, (३) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation भग०२३,९;(४)કાળી પ્રભા. काली प्रभा black lustre नाया० ७

√**कित्त** धा० I (कृत्) ગુણ કીર્તન કરવું, વખાણવું સ્તુતિ કરવી गुण कीर्तन करना, प्रशंसा करना, स्तुति करना To sing the merits of, to praise

कित्तइस्सामि अणुजो० ५९,

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६,

कित्तण. न० (कीर्तन) વખાણ, પ્રશંસા, સ્તુતિ प्रशंसा, स्तुति Praise, eulogy विशे० ६८०, चउ० ३, नाया० १६, उवा० १७, २१६, पचा० १६, ३७,

कित्तवीरिअ पु०(कीर्तिवीर्य) ભરતની ગાદીએ તેજવીર્ય પછી આવેલ તેનો પુત્ર भरत की गादी पर तेजवीय क पाछे बेठन वाला उस का पुत्र The son of Tejavīrya who succeeded the latter to the throne ठा० ८, १,

कित्ति स्त्री० (कीर्त्ति) દાનાદિકમાં ઉદારતા બતાવવાથી થયેલ કીર્તિ, પ્રસિદ્ધિ, યશ, આબરૂ दानादि में उदारता प्रगट करने से जो कीर्ति प्रसिद्धि, यश अथवा प्रतिष्ठा हुई हो वह Fame, reputation, glory arising from charity etc "कित्ति वस सह सिलोगट्ठयाए" दस० ६, ४, २, ३, ६, २, २, उवा० २, ६४, सूय० १, ६, २३, ओव० ३१, उत्त० १, ४५, भग० १४, ५, १४, १ १६, ६, वि० नि० ५०६, ६८७ नदी० २७, ओघ० नि० भा० १६१, निर० ४, १, पन्न० २३ प्रव० ४६६, (२) કીર્તિદેવીની પ્રતિમા कीर्तिदेवी की प्रतिमा an image of the goddess of fame भग०११,११, (३) કિર્તિદેવી, નીલવંત પર્વતના કેશરી દ્રહની અધિષ્ઠાત્રી દેવી कीर्तिदेवी, नीलवत पर्वत के केशरी द्रहकी अधिष्ठात्री देवी the goddess of fame; the presiding goddess of the lake named Keśarī in the north of Nīlavanta mount. ठा० २, ३, ज० प० ४,

—**कूड** पु० (-कूट) નીલવત વખારા પર્વતના નવકૂટમાંનું પાચમું કૂટ-શિખર नीलवंत वखारा पर्वत के नौ कूट में का पाचवा कूट the 5th of the 9 summits of the Nīlavant Vakhārā mount ज० प०

—**कर** त्रि० (-कर) કીર્તિ પ્રગટ કરનાર, યશ કરનાર कीर्ति प्रकट करने वाला, यश करने वाला making famous, giving fame. कप्प० ३, ५२,

कित्ति स्त्री० (कृत्ति) ચામડાનો ચોખડો કકડો કે જે બેસવાને પાથરવાના કામમાં આવે તે चमड़े का चोखुटा टुकडा जो कि बैठने के काम मे आता है A rectangular piece of leather used for sitting on प्रव० ६८३

कित्तिअ-य त्रि०(कीर्तित) વખાણેલ प्रशसित, कीर्तिप्राप्त Praised, famous ओव० प्रव० २१३ ४७६, आव० २ ६, नाया०१६,

कित्तिआ स्त्री० (कृत्तिका) કૃતિકા નક્ષત્ર कृतिका नामक नक्षत्र The constellation named Kṛttikā अणुजो०१३१,

कित्तिआदास. पु० (कृत्तिकादास) કૃતિકા દાસ નામે કોઇ એક માણસ कृत्तिका दास. Name of a person अणुजो० १३१,

कित्तिआदिराण. पुं० (कृत्तिकादत्त) કૃતિકાદત્ત નામનો માણસ कृत्तिकादत्त नामक मनुष्य Name of a person अणुजो० १३१,

कित्तिआदेव पु० (कृत्तिकादेव) કૃત્તિકા દેવ નામનો માણસ कृत्तिका देव Name of a person अणुजो० १३१,

कित्तिआधम्म पु० (कृत्तिकाधर्म) કૃત્તિકાધર્મ નામનો માણસ कृत्तिका धर्म नामक मनुष्य

A person so named अणुजो० १३१,

किसिआसम्म पुं० (कृत्तिकाशर्मन्) કૃત્તિકા શર્મા, નક્ષત્ર યોગથી માણસનું નામ कृत्तिका शर्मा A person so named after the constellation called Krittikā अणुजो० १३१,

किसिआसेण पुं० (कृत्तिकासेन) કૃત્તિકાસેન, કૃતિકા નક્ષત્ર યોગથી માણસનું પડેલું નામ कृत्तिका सेन A person so named after the constellation called Krittikā अणुजो० १३१,

किसिकम्म न० (कृतिकर्मन्) વંદન वन्दन (नमस्कारादि कर्म) Salutation, obeisance to a preceptor etc वेय० ३, १८,

किसिम त्रि० (कृत्रिम) બનાવટી, કોઇએ કરેલું बनावटी, किसी का बनाया हुआ Artificial, made by somebody सूय० २, १, २२, गाणा० ७५, जं०प०१,१२;

किसिय त्रि० (कियत्) કેટલું कितना How much " किसिया सिद्धा " वव० २, तद० विशे० १३४८,

किसियामित्त त्रि० (कियन्मात्र) કેટલા कितना How many, how much सु० च० ४, २४१

किन्नर पुं० (किन्नर) કિન્નર જાતના દેવતા, વ્યંતર દેવતાની એક જાત किन्नर जाति के देवता; व्यंतर देवता की एक जाति. A kind of Vyantara gods प्रव० ११४४, (२) ધર્મનાથજીના યક્ષનું નામ धर्मनाथजी के यक्ष का नाम name of the Yaksa of Dharmanāthaji प्रव० ३७६,

किन्ह. पुं० (कृष्ण) કૃષ્ણ વાસુદેવ कृष्ण वासुदेव Krisna Vāsudeva प्रव० १२८, (२) त्रि० કાળું, કાળા રંગનું. काला, काले रंग का. black भत्त० ६१; —**सप्प** पुं० (-सर्प) કાળો નાગ; કાળો સર્પ. काला नाग; काला सर्प. A black serpent भत्त० ६१,

किब्बिस त्रि० (किल्बिष) બીભત્સ; બીહામણું. बीभत्स, भयानक. Frightful, obscene; sinful सूय० २, ३, २१; भग० १, ७, १२, ५, उत्त० ७, ५, (२) કિલ્બિષ, માયાનું પર્યાય નામ, પાપ पाप; माया का पर्यायवाची नाम sin, deceit सम० ५२; पराह० १, २, भग० १२, ५;

किब्बिसत्त न० (किल्बिषत्व) અસુરભાવ; અસુરપણું असुरभाव Devilishness, fiendishness पगह० २, २,

किब्बिसिअ-य पुं० (किल्बिषिक) હલકી જાતના દેવતાની એક જાત ચણ્ડાલ જેવા દેવતાની એક જાત नीची जाति के अधम देवो की एक जाति, चाडाल के समान देवों की एक जाति A kind of lower gods performing the meanest action भग० ६, ३३; दसा० १०, १, ओव० ४१, सूय० १, १, ३, १६ २, २, २१, ठा० ३ ४, प्रव० ६५०, (२) બીજાને હસાડનાર, વિદૂષક दूसरे को हसानेवाला, विदूषक a buffoon a fool जं० प० ३,६७, ओव० ३२, (३) ચતુર્વિધ સંઘ તથા જ્ઞાનાદિનું અવર્ણવાદ બોલનાર (સાધુ). चतुर्विध संघ तथा ज्ञानादिका अवर्णवाद बोलनेवाला (साधु) (an ascetic) defaming the fourfold Sangha, and knowledge etc भग०१,२,पन्न० २०,—**भावणा** स्त्री० (-भावना) ગુરુનિન્દા, ગુરુદ્રોહ વગેરે દુર્ગુણો કે જેથી કિલ્બિષિ જાતના દેવતામાં ઉત્પન્ન થઇ પડે તે गुरुनिन्दा, गुरुद्रोह आदि भावनाएं जिसके कारण किल्बिषिक जाति के देवो मे उत्पन्न होना पडे offences such as censure, treason etc towards a preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbisi kind of gods. उत्त० ३६, २५४,

किब्बिसियत्ता स्त्री० (किल्बिषिकता) કિલ્બિષ દેવપણું. किल्बिष देवपना. State of being one of the Kilbişa kind of gods भग० ६, ३३;

किमंग अ० (किमङ्ग) 'કિમંગ પુણ' એ વિશેષાર્થ બતાવનાર વાક્યમાં સહયોગી તરીકે વપરાતું અવ્યય 'किमगपुण' यह विशेषार्थ बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके काम में आने वाला अव्यय A kind of conjunctive phrase meaning ' What else should be told ?" नाया० २, १६, भग० ८, ५. —**पुण** अ० (-पुनः) શું કહેવું? તેમાં તો કહેવુંજ શું? અથવા સામાન્ય એ મ છે વિશેષ વાત તો શું કરવી? क्या कहना? उसमें तो कहनाही क्या? अथवा सामान्य बात तो यह है और विशष बात तो क्या करना? it goes without saying, or, what more? ओव० २७, नाया० १, भग० २, ५ ६, ३३, १३, ६, १५, १,

किमट्ठं अ० (किमर्थम्) શા માટે किस लिये Why? wherefor? भग० १, ९

किमि. पु० (कृमि) એક જાતનો કીડો કરમીયો जीव, जन्तु काड़ा, कृमि A kind of worm or insect विवा०१, नाया० १, सूय०१, ५, १, २० राय० २५५ उत्त० ३६, १२७, (२) લાખ लाख lac used in dyeing etc. पन्न० १७, (३) એક જાતનું કંદ एक प्रकार का कंद. a kind of bulbous root जीवा० १, —**कवल** न०(-कवल) કરમીયાનો કવલ-કોળીઓ. कृमि का कौर-कवल a mouthful of a worm or of worms विवा० ८; —**जालाउल.** त्रि० (-जालाकुल) કરમિયાના સમૂહથી વ્યાકુલ कृमि-कीड़ों के समूह से व्याकुल. full of swarms of worms नाया० १२;

किमिच्छिय न० (किमिच्छक) "આ ચીજ છે? આ છે?" એમ ઇચ્છા પ્રમાણે માંગી લેવું તે; સાધુના ૫૨ અનાચીર્ણમાનું એક. "यह चीज है? यह है!" इस प्रकार माग लेना. साधू के ५२ अनाचर्णों में से एक Accepting as alms various things after asking such questions as " have you got this? have you got that?" etc.. one of the 52 Anachirnas of a Sādhū दस० ३, ३, नाया० ८,

किमिण. त्रि० (कृमिवत) કૃમિ જીવ યુક્ત. कृमि सहित, कीड़ वाला Containing worms i e sentient beings. पराह० १, ३, नाया० १२,

किमियकवल पु० (कृमिक कवल) કરમીયાનો કવલ-કોળીઓ कृमि कवल, काडो का कौर A mouthful of worms, or of a worm विवा० ७,

किमिया स्त्री० (कृमिका) જઠરમાં ઉત્પન્ન થતા જન્તુ. पेटमें उत्पन्न होनेवाले कीडे-कृमि Worms produced in the stomach जीवा० १,

किमिराग न० (कृमिराग) કિરમજી રંગવાળુ સૂત્ર, લોહી પાઇ ઉછેરેલ કીડાની લાળમાંથી લોહીના રંગવાળુ બનેલુ સૂત્ર किरमजी रंग का सूत, लोही पिला कर पाल हुए काडों की लार से लोहीं के रग का बना हुआ सूत A Crimson-coloured thread produced from the saliva of a kind of insect. अणुजा० २, ७, (२) કિરમચી રંગ, એક જાતનો પાકો રંગ किरमची रंग, एक जात का पक्का रंग. crimson colour; a kind of fast colour राय० ५३,

क० गं० १, २०; —कंबल पु० (-कम्बल) કીરમજી રંગથી રંગેલ કામળ किरमजी रंग से रगा हुआ कबल a blanket of crimson colour नाया० १७, पन्न०१७, —रत्त त्रि० (-रक्त) કિરમચના રંગથી રંગેલ किरमची के रग से रंगा हुआ crimson-coloured ठा० ४, २,

किमिराय. न० (कृमिराग) જુઓ 'किमिराग" શબ્દ देखो "किमिराग" शब्द Vide "किमिराग" पराह० २, ४,

किमिरासि पु० (कृमिराशि) એ નામની એક વનસ્પતિ एक वनस्पति का नाम Name of a kind of vegetation पन्न० १, भग० २३, ५,

किमु अ० (किमु) શું, પ્રશ્નાર્થે क्या? A particle showing interrogation, what पिं० नि० १२०,

कियकम्म न० (कृतकर्मन्) કૃતકર્મ વંદના कृतकर्म वंदन The Vandanā (salutation and prayer to a Guru) styled Kritakarma प्रव० ६४५,

कियापर त्रि० (क्रियापर) કાર્ય કરવામાં તત્પર काम करने में तय्यार Devoted to business, (one) busily doing his work "मगगुमारि सड्ढो पराणवणिज्जा कियापरो चेव" पचा० ३, ६,

किर अ० (किल) નિશ્ચય ખરેખર निश्चय, वास्तवमं Indeed, assuredly पिं० नि० ६४०, विशे० ४६३, भग०६, ७, संथा० २, ज प० सु०च० २, ११, भत्त०१०८, क० गं० ४, ७८;

किरण पु० (किरण) કિરણ; તેજ, પ્રભા किरण, तेज, ज्योति. A ray of light, light भग०११,११, ओव०१०; जीव०३,३,

किराय पु० (किरात) કિરાત નામનો એક અનાર્ય દેશ. किरात नाम का एक अनार्य देश Name of an uncivilised country प्रव० १५९६,

किरिकिरिया स्त्री० (किरिकिरिका) વાંસની ખપાટથી વગાડવાનું ભાંડલોકોનું એક વાજીંત્ર. बास की खिपाली से बजाने का भाड लोगों का एक प्रकारका बाजा A musical instrument used by bards etc played upon by passing a slip of bamboo across its strings आया० २, ११, १६८,

किरिमेर पुं० (*किरिमेर) એક જાતનું સુગંધી દ્રવ્ય एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind of fragrant substance जीवा०३,४,

किरियतर पु० (क्रियातर) મોટી ક્રિયા बड़ी क्रिया A great action भग० ५, ६, १३, ४

किरियाविसाल न० (क्रियाविशाल यत्र क्रिया कायिक्यादिका विशाला सभेदम्बेनाभिधीयन्त तत्) એ નામનો ચૌદ પૂર્વમાંનો તેરમો પૂર્વ इस नाम का चौदह पूर्व में से तेरहवा पूर्व The 13th of the 14 Pūrvas so named सम० १४,

किरिया स्त्री० (क्रिया) કર્મ બંધન હેતુ, કાયિકી આદિ પાંચ ક્રિયા કર્મ બંધનની ચેષ્ટા कर्म बधन का कारण रूप कायिकादि पांच क्रिया कर्म बधन की चेष्टा Any of the five kinds of actions which lead to bondage e g bodily action etc ज० प० ७, १३८, ओव० २०, उत्त० १८, २३ भग० १ २, ६ १०, २, ५, ३, ३, ५, ६, १७, १. नाया० १. सूय० २, १, १७,२,५,१८; आया० १,६,१.१६; ठा०सम० १, ५, विशे० ३; ४६, ६४, निसी० ५, ६५; राय० २२४, पन्न० १, १७, २२; पराह० २, २, सु० च० ६, ३, (२) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના વીસમા પદનું નામ કે જેમાં કાયિકી આદિ

पांच क्रियानुं वर्णन आपेल छे प्रज्ञापना के बीसवें पद का नाम जिसमें कि कायाकी आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पन्न० १, (३) आत्मा तथा परलोक छे एम मानवुं ते. आत्मा और परलोक का मानना belief in the existence of soul and unseen world प्रव० ५५७ भग० २५ ७, —ट्ठाण न० (-स्थान) क्रियानु स्थानक, क्रियाना तेर स्थानकमानु गमे ते एक क्रिया का स्थानक क्रिया के १३ स्थानकों म स कोई भी एक any of the 13 varieties of Kriyā i e action or source of Karma प्रव० ८३७, —द्वार. न० (-द्वार) क्रियानु द्वार-प्रकरणु क्रिया का द्वार-प्रकरण the chapter on Kriyā प्रव० ३१६ —रुइ स्त्री० (-रुचि) क्रिया-अनुष्ठानमा रुचि-रुच्छा, समकितनो एक प्रकार अनुष्ठान मे रुचि-प्रेम, सम्यकृत्व का एक भेद liking for, desire for Kriyā i e. religious performance, one of the varieties of right belief उत्त०२८, १६, प्रव०६७२, —वाइ पु० (-वादिन्-क्रियां जीवाजीवादिरर्थोऽस्तीत्येवंरूपां क्रिया वदन्ति इति क्रियावादिनः) क्रियानेज मोक्षसाधक माननार, क्रिया को मोक्ष दायक मानन वाला, क्रिया का अस्तित्व स्वीकार करने वाला one who accepts the existence of the soul etc as a cause of action ठा० ४, ४, सूय० १, १, २, २४; —वादि पु० (वादिन्) जुओ "किरियावाइ" शब्द. देखो "किरियावाइ" शब्द. vide "किरियावाइ" आया०१,१,१, ५, भग० ३०, १. —विवज्जिय. पु० (-विवर्जित) क्रियाथी रहित. क्रिया से रहित devoid of action भग० ३०, १; —समय. पुं० (-समय) क्रिया करवानो समय क्रिया करने का समय the time for doing an action. भग० १, १०,

किरियाठाण न० (क्रियास्थान-करणं क्रिया तस्याः स्थानानि भेदा तत् क्रियास्थानम) सूयगडांगसूत्रना बीजा श्रुतस्कंधना बीजा अध्ययननु नाम के जेमा क्रियाना तेर स्थानकोनु विस्तारथी वर्णन छे सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम जिसम तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है Name of the 2nd chapter of the 2nd Sruta Skandha of Sūyagadānga Sūtra, describing the 13 varieties of actions सम० २३; सूय० २, २, ८५, ८६;

किरियापद न० (क्रियापद) पन्नवणा सूत्रनु क्रियापदनुं नाम पन्नवना सूत्र के क्रियापद का नाम Name of the Kriyāpada of Pannavaṇā Sūtra भग० ८, ३,

किरियाविसालपुव्व पु० (क्रियाविशालपूर्व) क्रियाविशाल नामे तेरमो पूर्व क्रियाविशाल नामक तेरहवा पूर्व. The 13th Pūrva named Kriyāviśāla नंदी० ५६, प्रव० ७२४,

किरीड न० (किरीट) मुगट मुकुट A crown, a diadem सुय० १, १,

किल अ० (किल) निश्चय निश्चय Indeed, assuredly नाया० १६;

किलंजय पु० (किलिञ्जक) घासनी सुडली के जेमा गायने खाणु आपवामा आवेछे ते. घास की टोपली जिसमे कि गाय को भोजन दिया जाता है A basket of bamboo used for giving food to cows

राय० २७१; गवा० २, ४४;

किलंत त्रि० (क्लान्त) દુઃખથી પીડિત दुःखसे पीडित. Troubled, pained. भग० १६, ४, १६, ३, सु० च० १०, ६५, जीवा० ३, १, पराह० १, ३; वेय० ३, १६; नाया० १; कप्प० ६, ६१,

√**किलाम**. धा० II. (क्लम्) દુખદેવુ, દુઃખઆપવુ दुःख देना To afflict, to give pain; to trouble

किलामेइ भग० ९, ६,

किलावत्ति. पन्न० ३६,

किलामेसि दस० ५, २, ९,

किलामेइ. भग० ८, ७;

किलाविज्जमाण क० वा० व० कृ० सूय० २, १, ४८,

किलाम. पु० (क्लम) પીડા पीड़ा; दुःख Affliction, pain, trouble भग० १, १, विशे० २४०४, कप्प० ४, ७६, (२) થાક थकावट. exhaustion, getting tired राय० २३६,

किलामणा. स्त्री० (क्लमना) પીડા, દુખ पीड़ा, दुःख Misery, pain, affliction. भग० ३, ३,

किलामिय त्रि० (क्लान्त) ગ્લાનિ પામેલુ, સુકાઈ ગયેલુ मुरझायाहुआ सूखाहुआ. Tired; faded, dried अणुजो० १३०, भग० ८, ७;

किलिंच न० (*) વાસની ખપાટ बांसकी चिंपाली A slip of bamboo. निसी० १, २, दस० ४,

किलिट्ठ त्रि० (क्लिष्ट) સક્લિષ્ટ પરિણામી, રાગ દ્વેષના પરિણામવાળો. संक्लिष्ट परिणाम वाला, रागयुक्त परिणामी Troubled, agonised on account of attachment, hatred etc. उत्त० ३२, २७; क० प० ४, १६; (२) ક્લેશયુક્ત; દુખી. क्लेशयुक्त, दुःखी. unhappy, miserable सु० च० ३, १५६, (३) અશુભ, દુષ્ટ अशुभ, दुष्ट evil, wicked भत्त० ७८, पचा० ३ ४१, —**कम्म** न० (–कर्मन्) ક્લિષ્ટ કર્મ क्लिष्ट कर्म. an action causing pain, sorrow etc arising from anger, hatred etc भत्त० ७८,—**भाव** पुं० (–भाव) ક્લિષ્ટભાવ – પરિણામ क्लिष्ट परिणाम state of being full of pain, sorrow caused by attachment, hatred etc नाया० १६, —**सत्त** पु० न० (-सत्व) કલેશી જીવ क्लेशी जीव a sentient being full of trouble or pain. पचा० ३, ४१,

किलिट्ठया स्त्री० (क्लिष्टता) દુષ્ટપણુ. दुष्टपना State of being evil or wicked पंचा० १६, २५,

किलिराण त्रि० (क्लिन्न) આર્દ્ર, ભીનું भींजा हुआ, गीला Wet, damp नाया० १, उत्त० २, ३,

किलिन्न त्रि० (क्लिन्न) જુઓ "किलिराण" શબ્દ देखो "किलिराण" शब्द Vide "किलिराण" उत्त० २, ३६;

√**किलिस्स** धा० I (क्लिश्) કલેશપામવુ, દુખી થવુ. क्लेश पाना, दुःखी होना To be miserable, to undergo trouble or pain.

किलिस्सइ उत्त० २७, ३,

किस्सन्ति सूय० १, ३; २, १२;

---

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ० पिं० नि० १८८,

किलिस्स पुं० (क्लेश) દુઃખ, ક્લેશ. दुःख, क्लेश Misery, pain, trouble. नंदी० १३,

किली स्त्री० (किली) શલાકા, સળી; ખીલી सलाई, खील. A small rod, a small nail, a thin blade of grass etc भत्त० १०२,

√**किलेस** धा० I (क्लिश्) ક્લેશ ઉપજાવવો, પરિતાપ-દુઃખ ઉત્પન્ન કરવું क्लश-दुःख उत्पन्न करना To cause trouble, to give pain

किलेसंति प्रे० आया० १, ६, २, १८४

किलेस पुं० (क्लेश) ક્લેશ, દુઃખ क्लेश, दुःख Trouble, pain सू० प० २०, पिं० नि० १८८ नाया० १६, पच० ४, २१, —**कर** त्रि० (-कर) ક્લેશ કરનાર क्लेश करनेवाला causing trouble troublesome. भत्त० १२३,

किवण त्रि० (कृपण) દરિદ્રી, રાંક, ભિખારી कृपण, कजूस, दरिद्री, निर्धन Poor indigent, miserly, beggarly ठा० ५, ३, अणुत्त० ३, १, भग० १, ६, दस० ५, २, १० जं० प० पिं० नि० ४४६. नाया० १४, आया० २, १, १, ९, कप्प० २, १६, —**कुल** न० (-कुल) રાંક કુળ, ગરીબનું કુળ दारिद्र कुल, गरीब का कुल poor family, indigent family ठा० ८, दसा० १०, १०, —**पिंड** पु० (-पिण्ड) રાંકને આપવાનો ખોરાક. रंक के लिये रक्खा हुआ भोजन. Food to be given to the indigent. निसी० ८, १६,

किवणग त्रि० (कृपणक) કૃપણ કંજુસ कजूस Miserly, stingy सूय० २, २, २४;

किवाण. पु० (कृपाण-कृपांनुदतीति) ખડ્ગ, તલવાર तरवार. A sword ओव०

किविण. त्रि० (कृपण) કંજુસ; ગરીબ, રાંક. निर्धन, दरिद्र Poor, stingy; miserly पण्ह० १, १, नाया० १३, सु० च० १, १५४;

√**किस** ना० धा० I (कृश्) પાતળું-દુબળું કરવું पतला-दुबला करना To render weak, slender or emaciated.

किसए सूय० १, २, १, १४,

किस त्रि० (कृश) પાતળું, દુબળું, નિર્બળ पतला, दुबला, कमजोर Weak, feeble, slender उवा० १, ७२, ठा० ४, २; सूय० १, १, १, २ १, २, १, ६ उत्त० २, ३, आया० १, ६ ३, १८६, पिं० नि० २६२, भग० २, १, नाया० १, ५, —**उयर** त्रि० (-उदर) દુબળા-પાતળા પેટવાળો दुबले पेटवाला (one) with a slender belly सु० च० २, ८६,

किसलय पु० (किसलय) પત્રાંકુર. ટીશી; કુંપળ. कोपल A tendril, a sprouting leaf जं० प० आव० राय० ११४, जीवा० ३, ४, ' सव्वो वि किसलओ खलु, उग्गममाणा अणंतओ भणिओ " पन्न० १, —**पत्त** न० (-पत्र) કિસલયરૂપ પત્ર-નીકળતું કોમળ પાંદડું ટીશી किसलयरूप पत्र निकलता हुआ कामल पत्र-टहनी. a sprouting, tender leaf प्रव० २४०,

किसि स्त्री० (कृषि) ખેતીવાડી, ખેતીકર્મ खेती Agriculture ठा० ४, ४ पिं० नि० ४३८, जं० प० स० च० १२, ५६, विशे० १६१५, पचा० ८, ४५ —**कम्म.** न० (-कर्म) ખેતીનું કામ काश्तकारी. agriculture पचा० ४, ४,

किसोर त्रि०(किशोर) કિશોર અવસ્થાવાળો. किशोर अवस्था, बाल्यावस्था Young, adolescent ओघ० नि० ६६;

किह अ० (क) ક્યાં ? ક્યેઠેકાણે. Where ?

at what place ? भग० २, १, ३, २,

किहं अ० (कथम्) કેમ? કેવી રીતે? क्यों? क्या? How, why विशे०१३५,१४५, पिं० नि० भा० ३६, नाया० ७, भग० २, १, "से काहेवा किहवा केवच्चिरेण वा किहं वत्ति" भग० ३, २,

कीअ. त्रि० (क्रीत) વેચાતુ લીધેલુ. मोल लिया हुआ खरीदा हुआ Bought, purchased पचा० १३, ५,

कीड पुं० (कीट) જંતુ, કીડો जतु, कीड़ा An insect, a worm उत्त० ३, ८, ३६, १४६, दस० ४, ओघ० नि० ७३५, सूय० २, ६, ४८, पगह० १, ३

कीडय न० (कीटज) કીડાની લાળથી ઉત્પન્ન થતુ સૂત્ર कीडा की लारसे उत्पन्न सूत A thread produced from the saliva of an insect "कीडय पच विहप०णत्तं तं जहा पट्टेमलए अमुए चीणंसुए किमिरागे" अणुजो० ३७,

कीडा. स्त्री० (क्रीडा) રમત ગમ્મત खेल विनोद Sport, play भग० ११, ६, उत्त० १, ३, नाया० १, उवा० १, ४८, (२) માણસની દશ દશાઓ પૈકી બીજી દશા. मनुष्य की दस दशाओं मे से दूसरा दशा. the 2nd of the ten conditions of men तंदु० —**कारी.** स्त्री० (-कारिणी) ક્રીડા કરાવનારી દાસી क्रीडा कराने वाली दासी a maid servant who causes to play or sport भग० ११, ११,

कीणास पुं० (कीनाश = कुत्सित नाशयतीति) યમરાજ यमराज The god Yama, the god of death सु० च० ५, १७१,

कीव न० (क्लीव) કાયર, નપુંસક; નામર્દ. कायर, नपुंसक; नामर्द A cowardly fellow, an impotent person उत्त० १६, ४१, सूय० १, ३, १, १७, जीवा० ३,३, ठा० ३,४, क० गं० ४, ४२; सु० च० ६,११८, वेय० ४, ८, नाया० १, भग० ६, ३३, प्रव० ७६७, (२) એક જાતનુ પક્ષી. एक जातका पत्ती a kind of bird. पगह० १, १, (३) ક્લીવકુમાર क्लीवकुमार Klīvakumāra. नाया० १६;

कीय त्रि० (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन गृह्यते स्मेति क्रीतम) ખરીદેલુ, વેચાતુ લીધેલુ खरीदा हुआ Bought, purchased आया० १, ८, २, २०२ २, ५, १, १४४, दस० ६, ४९; सम० २१, दसा० २, ७, निसी० १४, १ १८ २ १६, १, (२) સાધુને માટે આહારાદિ વેચાતુ લઇને આપવાથી લાગતો એક દોષ १६ ઉદ્‌ગમનમાંનો આઠમો દોષ. साधुको आहारादि खरीद कर देने मे जो दोष लगता है वह, १६ उद्गमनो में का८वा दोष the 8th of the 16 Udgamna faults viz giving food etc to a Sādhū after purchasing it प्रव० ५७२, पिं० नि०६२, ३०६, भग० ६, ३३ —**कड** त्रि० (-कृत—क्रीतेन क्रयण कृत निष्पादित क्रीतकृतम) સાધુને વાસ્તે અગાઉથી વેચાતુ લઇ રાખેલ साधु के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. purchased beforehand for a Sadhū पगह० २, ५, —**गड** त्रि० (-कृत) જુઓ "कीयकड" શબ્દ देखो "कीयकड" शब्द vide "कीयकड" भग० ५, ६, नाया० १, ओव० ४०; उत्त० २०, ४७; दस० ३, २, ५, १, ५५,

कीय पु० (कीचक) કીચક, વાંસ. कीचक, बास A bamboo दस० ६, १, १;

कीयग पु० (कीचक) કીચક નામનો રાજા.

कीचक नामक राजा Name of a king. नाया० १६;

कीया. स्त्री० (~ कीका-कानीनिका) આંખની કીકી आंखकी पुतली. The pupil of the eye ओव०

√कील. धा० I, II (क्रीड्) ખેલવું, ક્રીડા કરવી खेलना To sport, to play

कीलेइ. सु० च० २, ३८५

कीलंत व० कृ० ज० प० ३, ६७ भग० १३, ६; पचा० ७, ३६,

कीलमाण नाया० १४, १६; विवा० ६,

कील. पुं० (कील) ખીટી, ખીલો. खील कील A nail; a peg सूय० १, ५, १. ६ दस० ५ १ ६७, उवा० ७, २७७ पचा० ७, १०,

कीलग पु० (कीलक) ખીલો खीला. A nail जीवा० ३ ४, ज० प० ५, ११६, राय० ४६,

कीलण न० (क्रीडन) ક્રીડા, રમત क्रीडा, खेल Play, sport. ओव० २४, पन्न० २

कीला स्त्री० (क्रीडा) રમત खेल, क्रीडा Play, sport तंदु० निर० १, १, सु० च० १, २४४, —पसंग पु० (-प्रसग) ક્રીડા કરવાનો પ્રસંગ क्रीडा करने का प्रसग an occasion of sport or play प्रव० ४४८,

कीलावण न० (क्रीडन) રમાડવું खिलाना Causing to sport or play नाया० २, १८, पिं० नि० ४१०, —धाई स्त्री० (-धात्री) ક્રીડા કરાવનારી સ્ત્રી-ધાવમાતા क्रीडा कराने वाली स्त्री a wet-nurse who causes a child to sport or play नाया० १, १६,

कीलावणग. त्रि० (क्रीडाकारक) ક્રીડા કરાવનાર क्रीडा कराने वाला (One) who causes to sport नाया० ३,

कीलिय. न० (क्रीडित) ક્રીડા કરેલ क्रीडा करा हुआ, खेला हुआ Sported; (one who has) sported उत्त० १६, ५; सु० च० २, ४१४, नाया० ३, ठा० ६,

कीलिय त्रि० (कीलित) મંત્રાદિકથી ખીલી મુકેલ मंत्रादिक से कीला हुआ Charmed, subjugated with incantations etc; hypnotised सु० च० २, ४१४,

कीलिया स्त्री० (कीलिका) જેમા હાડકાના સાંધા ખીલીથી જડેલ હોય તે સંઘયણ, છ સંઘયણમાનુ પાંચમુ સંઘયણ जिसमे हड्डियाँ के जोड़ कील से जोड़े हो वह संघयण, ६ संघयण मे से पाचवा संघयण A variety of physical structure in which the bones are fastened together by (two) little nails, the fifth of the six Sanghayanas पन्न० २३, क० ग० १, ३६, —संघयण न० (सहनन = यत्रास्थीनि कीलिकामात्र बद्धान्येव भवन्ति तत्कीलिकासहननम्) છ સંઘયણમાનુ પાંચમું કીલિકા સંઘયણ ६ संघयण मे से पाचवा कीलिका सहनन the fifth of the six varieties of physical constitutions where the bones are joined together merely by two little nails जीवा० १, ठा० ७, १;

कीलियासंघयणि त्रि० (कीलिकासहननिन्) કીલિકા સંઘયણવાળો कीलिका सहनन वाला (One) possessed of a nailed bony frame भग० २४, १,

कीस पु० (कीदृश) કેવું कैसा Of what sort or nature भग० १, १,

कीसत्ता स्त्री० (कीदृशता) કેવો પ્રકાર ? શું સ્વરૂપ किस प्रकारका, कैसा (Of)

what nature or sort भग० १, १, पन्न० २८,

कीसत्ता स्त्री० (किंस्वत्ता) શું સ્વરૂપ? किस प्रकार का (Of) what sort or nature "कीसत्ताए" भग० १, १;

कु. न० (कु) કુત્સિત, નઠારૂં. खराब Bad evil अणुजो० १२८, पन्न० १, (२) કુમાર કુમાર, बालक a boy विवा० १, ६,

कुइयएण पु० (कुविकर्ण) ઘણી ગાયોનો ધણી, ગોમંડળનો અધિપતિ बहुतसी गायों का स्वामी, गौमडलका अधिपति An owner of many cows विशे० ६३२,

कुउकूयमाण पुं० (कुडकूयमान) કુકુઆટા કરતો कुक कुक करताहुआ Bustling; noisy विवा० ८,

कुउव न० (कुतप) કુડલું, કુડલી मिट्टी का छोटा बर्तन A small earthen pot पिं० नि० ४५७,

कुओ अ० (कुतः) કયાંથી कहां से Whence. सूय० २, ५, ३१,

कुंकण. पुं० (कोङ्कण) કોંકણ દેશ कोंकण देश The country known as Konkaṇa (२) ચાર ઇંદ્રિય વાળો એક જીવ चार इन्द्रियों वाला एक जीव a kind of four-sensed living being उत्त० ३६, १४६,

कुंकणअ त्रि० (कोङ्कणक) કોંકણ દેશમાં જન્મેલ, કોંકણ દેશમાં વસનાર कोंकन में जन्मा हुआ, कोंकन देशनिवासी (One) born in the country of Konkaṇa, a resident of Konkana अणुजो० १३१;

कुंकुम पुं (कुंकुम) કેશર केशर. Saffron राय० ५६, ओव० ३८; अणुजो० १३३, जं० प० उवा० १, २६; (२) કંકુ कुंकू a kind of red powder. नाया० १, जीवा० ३, ४, कप्प० ४, ६०; —पुड पुं० (-पुट) કુંકુમનો પડો केशर का पुडा a packet of saffron नाया० १७;

कुंच पुं० स्त्री० (क्रौञ्च) કૌંચ પક્ષી चकवा पक्षी A kind of bird "अह कुसुम संभवे काले, कोइला पचम सरं। छट्ठं च सारसा कुंचा, णेसाय सत्तम गओ" अणुजो० १२८, सम० प० २३८ पगह० १, १, (२) કૌંચ પક્ષી, પાંચમા તીર્થંકરનું લાંછન कौंच पक्षी, पाचवें तीर्थंकर का लाछन a kind of bird which was the symbol of the 5th Tirthankara प्रव० ३८१,

कुंच पु० (कुञ्च) કુંચ નામનો એક અનાર્ય દેશ. कुच नामक एक अनार्य देश Name of an uncivilised country प्रव० १५६८,

कुंचिअ पु० (कुञ्चिक) કુંચિક નામનો શેઠ જેણે મુનિપતિ નામના સાધુને પોતાને ત્યાં રાખ્યા હતા कुंचिक नाम का सेठ कि जिसने मुनिपति नामक साधु का अपने यहां रखा था Name of a merchant who had maintained at his house an ascetic named Munipati भत्त० १३३,

कुंचिय त्रि० (कुञ्चित) વાંકા વળેલ, કુંડલાકારે થયેલ, વાંકું गोल बना हुआ, कुडल के आकार का बना हुआ, टेढा Curved, bent उत्त० २२, २४ पगह० १, ४, ओव० १०, सु० च० २, ३६८, भग० १, १, जीवा० ३ ३, जं० प० ३, —केसय पु० (-केशक) વાંકા વળેલ કેશ. घुंघराले बाल curved locks of hair भग० १५, १;

कुंचिया स्त्री० (कुञ्चिका-कुञ्चत्याच्छादयति इति कुञ्चिका) કુંચી कूंचा A key पिं० नि० ३५६,

कुंजर पुं० (कुजरे जीर्यतीति कुंजरः

मदिरा कुम्भे बलमहने रमते रतिम बच्चा- वीति कुंजर) गज, હાથી. हाथी, गज, हस्ती An elephant ठा० ६, भग० १, ११, नाया० १ ८, १७, जीवा० ३, १, राय० ४३; ओघ० उत्त० ११, १८, कप्प० ३, ३३, ज० प० ५, ११५, —अणीअ-य पु० (-अनीक) હાથીની સેના गज सेना, हाथी की सेना an army of elephants ठा० ५, १, ७, १.

कुंट. त्रि० (कुण्ट) વિકૃત હાથવાળો, ઠુંઠો टुटा, विकृत हाथ वाला (One) with a defect in an arm पगह० १, १, प्रव० ८०२;

कुंटत्त न० (कुण्टत्व) જેને હાથ કે પગે ખોડ- ખાપણ હોય તે जिसके हाथ पैर विकृत हो वह A defect in an arm or a leg आया० १, २, ३, ७८,

कुंड न० (कुण्ड) કુંડા कूडा, पानी का पात्र A large vessel or receptacle of water ज० प० पत्र ११ नदी० ४७, जीवा० १

कुंडकोलिय पु० (कुण्डकोलिक) એ નામના મહાવીર સ્વામીના એક શ્રાવક; દશ શ્રાવક માના એક इस नाम का महावीर स्वामी का एक श्रावक; दस श्रावक में से एक Name of layman follower of Mahā vīraswāmī, one of the ten Srā vakas उवा० १, २,

कुंडग. पु० (कुण्डक) કણુસલુ कानखजूरा, कान में घुसने वाला एक जन्तु A kind of insect उत्त० १, ५,

कुंडधार पु (कुण्डधार) એક જાતના દેવ. एक प्रकार के देव A species of gods राय० १६६,

कुंडमोय. पुं० (कुण्डमोद) હાથીના પગના આકારનું કુંડા જેવું માટીનું ઠામ, हाथीके पैरों जैसा मिट्टीका कूडा An earthen vessel of the shape of an elephant's leg. "कंसेसु कंसपाएसु कुंडमोएसु वापुणो" दस० ६, ५०,

कुंडय. पु० (कुंडक) એક જાતનું વાસણ; કુંડું. एक प्रकार का बर्तन. A kind of vessel नाया. ७,

कुंडरीय पु० (कुण्डरिक) કુંડરિક નામનો એક રાજકુમાર કે જે વૈરાગ ભાવે દીક્ષા લઇ, એક હજાર વર્ષ સુધી બરાબર પાળી, આખર પતિત થઇ સંસારમાં આવ્યો, થોડાક વખત વિષય સેવન કરી મરણ પામ્યો મરીને સાતમા નરકે પોહોંચ્યો कुडरिक नाम का एक राजकुमार कि जिसने वैराग्य भाव से दीक्षा ले, एक हजार वर्ष तक बराबर पालन करके आखर पतित होकर संसार में आया, थोडा समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर सातवें नर्कमें पहुचा Name of a prince who became a monk and closely practised asceticism for 1000 years but became degraded at last and again entered the world he enjoyed sensual pleasures for some time and after death went to the 7th hell नाया० १६, –जुवराय. पु० (-युवराज) કુંડરીક નામના યુવરાજ, પુંડરીક રાજાના ભાઇ कुण्डरीक युवराज a prince named Kuṇḍarika नाया० १६,

कुंडल पुं० (कुण्डल) કાનમાં પહેરવાનું કુંડલ નામનું એક આભૂષણ कान में पहरने का कुडल नामक गहना An ear-ring जं० प० ५, १२३, ११५, ३, ४५, अणुजो० १०३, नाया० १, २, भग० ३, १, २, ११, ११, १५, १, राय० २६, जीवा० ३, ३, आया० १ ७, ३, ७६, समं प० ३३१,

२३७; उत्त० ६, ५, दसा० २; १५, ओव० १२, ३२, निसी०७, ८ कप्प०२, १४, दसा० १०१, (२) कुडलनामे दशमा द्वीप अने दशमा समुद्र दसवें द्वीप और समुद्र का नाम name of the 10th island and also of the 10th ocean सूय० १६, प्रीवा० ३, ४, अणुजो० १०३, —जुअल न० (-युगल) कानमा पहेरवाना बे कुडल कानों में पहेरने के दो कुडल a pair of ear rings कप्प० ३, ३६, —जुगल न० (-युगल) कुडलनी जोड कुडल की जोड a pair of ear-rings नाया० ८, —धर. त्रि० (-धर) कुडलने धारण कर नार कुडल को धारण करने वाला (one) who has put on ear rings नाया० ८;

कुंडलभद्द. पुं०(कुण्डलभद्र) कुडलद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kundala island जीवा० ३, ४,

कुंडलमहाभद्द पुं० (कुण्डलमहाभद्र) कुडलद्वीपना अधिपति देवतानु नाम कुडल द्वीप के अधिपति देव का नाम Name of the presiding deity of the Kundala island जीवा० ३, ४

कुंडलवर पुं० (कुण्डलवर) कुडलवर नामनो द्वीप तथा समुद्र कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र Name of an ocean, also that of an island जीवा० ३, ४, (२) कुंडलद्वीपने चारे तरफ फरतो कुंडलवर नामनो पर्वत. कुडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत name of a mountain surrounding the Kundala island on all sides ठा० ३, ४, (३) कुंडलवर समुद्रना अधिपति देवता. कुंडलवर समुद्रके अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kundalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरभद्द पुं० (कुण्डलवरभद्र) कुण्डलवरद्वीपना अधिपति देवतानु नाम कुडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम Name of the presiding deity of the island of Kundalavara जीवा० ३, ४,

कुंडलवरमहाभद्द पुं (कुण्डलवरमहाभद्र) कुडलवर द्वीपना अधिपति देवतानु नाम कुडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम Name of the presiding deity of the island of Kundalavara जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभास पुं० (कुण्डलवरावभास) कुडलवरोभास नामनो एक द्वीप तथा समुद्रनु नाम कुडलवरोभास नामक द्वीप अथवा समुद्र का नाम Name of an ocean, also that of an island सू० प० १६; जीव० ३, ४,

कुंडलवरोभासभद्द पुं० (कुण्डलवरावभासभद्र) कुडलवरावभास द्वीपना अधिपति देवतानु नाम कुडलवरावभास द्वीप के मुख्य देव का नाम Name of a deity presiding over the ocean named Kundalavarāvabhāsa जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभासमहाभद्द पुं० (कुण्डलवरावभासमहाभद्र) कुडलवरावभासद्वीपना अधिपति देवतानु नाम कुडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम Name of a deity presiding over the island named Kundalavarāvabhāsa जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभासमहावर पुं० (कुण्डलवरावभासमहावर) कुडलवरावभास समुद्रना देवतानुं नाम कुंडलवरावभास समुद्र के

देव का नाम Name of a deity presiding in the Kundalavarā vabhāsa ocean जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासवर पुं० (कुण्डलवरावभासवर) કુંડલવરાભાસ નામે સમુદ્રના દેવતાનું નામ कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम Name of a deity residing in the ocean named Kundalavaravabhāsa, जीवा० ३, ४,

कुंडला स्त्री० (कुण्डला) સુવચ્છ વિજયની મુખ્ય રાજધાની सुवच्छ विजय की मुख्य राजधानी. The chief capital of Suvachchhavijaya 'दो कुंडलाओ' ठा० ४, २, ४, जं० प०

कुंडलोद पु० (कुण्डलोद) કુંડલોદ નામનો એક સમુદ્ર एक समुद्र का नाम Name of an ocean सू० प० १६, जीवा० ३, ४,

कुंडिआ या. स्त्री० (कुण्डिका) ભાજન વિશેષ, કુંડી, कूंडी, पात्रविशेष A sort of vessel राय० अणुजो० १३० भग० १५, १ नाया० १५, पगह० २, ५, अणुत्त० ३, १, (२) કમંડલ कमंडल a kind of pitcher made from gourds etc to hold water in भग० २, १, ओव० ३८,

कुंडिय पुं० (कुण्डिक) કમંડલ कमंडल A sort of pitcher made from gourds etc to hold water in नाया० ५,

कुंडियायणीय पु० (कुण्डिकायनीय) કુંડિકાયન ગોત્રવાલા कुंडिकायन गोत्र वाला. One belonging to the family-line named Kundikāyana भग० १५, १,

कुंत पुं० (कुन्त) ભાલો भाला A spear जीवा० ३, १, भग० ६, ३३; ओव० ३१, जं० प० ३, ६७, —ग्ग. न० (-अग्र) ભાલાની અણી भाले की नोक. the point of a spear नाया० १५, —ग्गाह त्रि० (-ग्रह) ભાલો રાખનાર भाला रखने वाला. a spearman भग० ६, ३३ निसी० ८, ६, २४,

कुंतीदेवी स्त्री० (कुन्तीदेवी) પાણ્ડુ રાજાની રાણી पाडु राजा की रानी Name of the queen of the king Pāndu नाया० १६,

कुंथु पु० (कुन्थु) કુંથુનાથ નામના ચાલુ ચોવીસીના ૧૭ મા તીર્થંકર અને ૬ ઠા ચક્રવર્તી कुंथुनाथ नाम के वर्तमान चौबीसी के १७ वें तीर्थंकर और ६ ठे चक्रवर्ती Name of the 17th Tirthankara and the 6th Chakravarti of the present Chovisi भग० २०, ८, अणुजो० ११६, सम० २४, आव० टी० सम० प्र० १३४, प्रव० २६४, कप्प० ६, १८६, उत्त० १८, ३६, (२) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો એક જીવ, કંથવો तीन इन्द्रियों वाला एक जीव. a kind of sentient being having three sense-organs "पाण सुहुमे" ठा० ८, दस० ४, भग० ७, ८, उत्त० २, ८, ३६, १३६, राय० २७०, ओघ० नि० ३२३, पन्न० १, कप्प० ५, १३१, —जिणिंद पु० (-जिनेन्द्र) કુંથુ નામના ૧૭ મા તીર્થંકર कुन्थु नामक १७ वें तीर्थंकर the 17th Tirthankara named Kunthu प्रव० ४१६,

कुंद पु० (कुन्द) મચકુન્દનું ફૂલ, મોગરાનું ફૂલ. मचकुन्दका फूल; मोगरे का फूल A kind of flower नाया० १, ६, १६, भग० ६, ३३, २२, ५, ओव० १०, पन्न० १, उत्त० ३४, ६, राय० ४४, जीवा० ३, ३, कप्प० ३, ३७; ४, जं०प० ५, १२२, (२) કુન્દ નામની વનસ્પતિ, वेल कुंद नामक वनस्पति; बेल a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पन्न० १. —माला स्त्री० (-माला) મોગરાના પુષ્પની માળા मोगरा के पुष्पों की माला a garland of Kunda flowers. कप्प० ३, ३६. —लया स्त्री० (-लता) મચકુન્દના ફૂલની વેલ मचकुंद के फूलकी बेल a creeper bearing flowers known as Machakunda. ओव०

कुंदुरुक्क पुं० (कुन्दुरुक्क) એક જાતની સાધારણ વનસ્પતિ एक प्रकार की साधारण वनस्पति A kind of ordinary vegetation. जं०प०५,१२२,भग०२३, ३, (२) ચીડ-એક જાતનું સુગંધી ધુપદ્રવ્ય, સીલારસ एक प्रकार की धूप, सिलारस a kind of fragrant substance used as incense सम० प०२१०, राय० २७, जीवा०३,४,सू०प०२०, ओव०नाया०१, भग०११, ११,कप्प०३, ३२,

कुंभ पुं० (कुम्भ) ઘડો, કલશ घडा कलश A pot. "चत्तारि कुम्भापण्णत्ता । त जहा पुन्न नाममेगे नो पुन्ने" नाया० १७ राय० ३४, जीवा० ३, १ वेय० २, ४, अणुजो० १६; १३२, सूय० १, ४, १, ०६, भग० ११, ११, कप्प० १, ४, जं० प० ७, १६६ (२) ૧૯ મા તીર્થંકરના પિતા १९ वे तीर्थंकर के पिता the father of the 19th Tirthankara सूय०प०१३०,प्रव०३२५, (३) ૧૮ મા અરનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ १८ वे तीर्थंकर अरहनाथ के प्रथम गणधर का नाम name of the first Gaṇadhara of Aranātha, the 18th Tirthankara सम० प० २३३, प्रव० ३०६, (४) કુંભીમા નારકીને પકાવનાર પરમાધામી. कुंभी मे नारकीको पकाने वाला परमाधमी a Paramādhāmī who cooks hell-beings in a pot सम० १५, भग० ३, ७; (५) કુંભસ્વપ્ન; ચૌદસ્વપ્ન તીર્થંકર, ચક્રવર્તીની માતા જુવે છે તેમાંનું એક. कुंभस्वप्न; तीर्थंकर, चक्रवर्ती की माता जो स्वप्न देखती है वह चोदह स्वप्नों में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tirthankara Chakravarti sees. नाया० ८, (६) સાઠ આઢક, અથવા ૨૪૦ પ્રસ્થ પ્રમાણ, માન વિશેષ કુંભ એ પ્રકારના છે જઘન્ય અને ઉત્કૃષ્ટ. જઘન્યનું માન ઉપર બતાવ્યું, તે ઉત્કૃષ્ટ કુંભ સો આઢક પ્રમાણ ગણાય છે. साठ आढक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण बाटतालने के वजन को कुंभ कहते हैं वह जघन्य और उत्कृष्ट रूप में दो प्रकार का होता है जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है और उत्कृष्ट का प्रमाण सो आढक है तद्० a measure of weight equal to 60 Ādhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz superior and inferior, the former being equal to 100 Ādhakas. —जुअल (-जुगल) બે ઘડા दो घडा two pots जं०प० ७, १६६, —सहस्स न० (सहस्र) હજાર ઘડા हजार घडा. one thousand pots जं०प०३, ५,६,

कुंभकार पुं० (कुम्भकार) કુંભાર कुम्भार A potter उवा० ७, २२०, भग० १५,१, —आवण पुं० (-आपण) કુંભારની દુકાન कुम्हार की दुकान a potter's shop. भग० १५, १.

कुंभकारकडग न० (कुम्भकारकटक) એક પ્રાચીન નગરનું નામ જ્યાં પાલકે બંધકના પાંચસો શિષ્યોને ઘાણીમાં પીલ્યા હતા. एक प्राचीन नगर का नाम जहा पालक ने बंधक के पांचसौ शिष्यों को घानी मे पेला था Name of an ancient city in which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill सत्था० ५८,

कुंभकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) કુંભારની સ્ત્રી, કુંભારી. कुम्हारनी A potter's wife; a female potter भग० १५, १,

कुंभग पुं० (कुंभक) મિથિલા નગરીના રાજાનું નામ मिथिला नगरी के राजा का नाम. Name of a king of the town of Mithilā नाया० ८,

कुंभगसो अ० (कुम्भकशस्) ઘડા પ્રમાણે घडे के समान After the size of a pot भग० १५, १,

कुंभय पु० (कुम्भक) કુંભરાજા, મલ્લિનાથના પિતા कुंभराजा, मल्लिनाथ के पिता Kumbharāja, the father of Mallinātha नाया० ८,

कुंभराय पुं० (कुम्भराज) કુંભરાજા कुंभराजा. Kumbharāja the father of Mallinātha नाया० ८,

कुंभार पु० (कुम्भकार) કુંભાર कुम्हार A potter उवा० ७, १८४, पचा० १, ३४,

कुंभि पु० (कुम्भिन्) ઉત્કટ મોહના ઉદયથી જેનું પુરૂષ ચિન્હ તથા વૃષણ, કુંભ જેવડા મ્હોટા થતા હોય તે, દીક્ષાને અયોગ્ય પુરુષમાંનો એક उत्कट मोह के उदय से जिसका पुरुष चिन्ह और वृषण, कुम के बराबर मोटा होता हो वह, दीक्षा के अयोग्य पुरुष मे से एक A person whose generative organ and testicles swell to the size of a pot through excessive lust or infatuation; one of the classes of persons unfit for Dikṣā प्रव० ८००,

कुंभिय न० (कुम्भिक) મગધ દેશ પ્રસિદ્ધ એક પ્રમાણ. मगध देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. The standard measure of Magadha country. राय० ६३; (२) त्रि० કુંભ પ્રમાણે, ઘડા જેવડું घडे के बराबर. of the size of a pot. राय० ६३, ठा० ४, २, (३) એક જાતની વનસ્પતી एक प्रकार की कुंभिक वनस्पति. a kind of vegetation भग० ११, ४;

कुंभी स्त्री (कुम्भी) હાથીનો કુંભસ્થળ हाथी का कुमस्थल The frontal globe on the fore head of an elephant ज० प० प्रव० ११००, (२) કુંડી कुंडी. a small water-pot. पराह० १, १, (३) નારકીનું ઉત્પત્તિ સ્થાન. नारकी जीव का उत्पत्ति स्थान the birth place of hell-beings पराह० १,१; —**पाग.** पुं० (-पाक) કુંભી નામના પાત્રમાં પકાવવું कुंभी नामक पात्र में पकाना cooking in a vessel called Kumbhī सम० ११,

कुंभीमुह. न० (कुम्भीमुख) સાંકડા મોઢાવાળી હાંડલી सकडे मुह की हंडी A small earthen pot with a narrow mouth आया० २, १, २, १०,

कुम पु० (कूर्म) કાચબો कछुआ. A tortoise. आया० १, ६, १, १७२;

कुकंमि त्रि० (कुकर्मिन्) કુત્સિત કામધંધો કરનાર લુહાર, કુંભાર વગેરે कुत्सित-खराब धंदा करन वाला, लुहार, कुमार वगैरह. (One) engaged in a bad profession e g an ironsmith, a potter etc. सूय० १, ७, १८,

कुकम्म पु० न० (कुकर्मन्) ખરાબ કામ खराब काम. A bad or wicked action ओघ० नि० भा०६०, निसी०४,५५

कुकुइअ न० (कौकुच्य) શરીરાદિની ચપલાઇ-કુચેષ્ટા शरीरादि की चपलता-कुचेष्टा. Unsteadiness of the motions of the body etc. regarded as a defect. वेय० ६, १६,

कुकुइअ. त्रि० (कौकुचिक = कुत्सितमप्रत्युपेक्षितत्वादिना कुचितमवस्यन्दितं यस्य स कुकुचितः कुकुचा अवस्यन्दनं प्रयोजनमस्येति कौकुचिक) કુચકુચ એવો અવાજ કરનાર कुचकुच आवाज करनेवाला. (One) making a sound resembling the pronunciation of the words Kucha Kucha. ओव० ३८, उत्त० १७, १३; भग० ६, ३१;

कुकुल पु० (*) છાણા कडा A cake made of cow-dung etc used as fuel पराह० १, १,

कुक्कुइअ न० (कौकुच्य) મુખનેત્રના વિકાર વાળી ક્રિયા–ચેષ્ટા मुख और नेत्रोंकी विकार-वाली क्रिया-चेष्टा An action accompanied with gestures of the face and the eyes पन्ना० १, २४,

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुट) કુકડો मुर्गा A cock. निसी० ६ २३, पन्न०१, नंदी० ४६; पराह० १, १, ओव० अगुजो० १२८, नाया० २, १, ६, ३१, उत्त० ३६, १४६, भग० १, १, ठा० ७, १, उवा० ७, २१९; —**पंजर** न० (-पञ्जर) કુકડાનું પાંજરૂં मुर्गेका पिंजरा a cage in which cocks are confined प्रव० १४९१, —**पोय** पु० (-पोत) કુકડાનું બચ્ચું मुर्गे का बच्चा a chicken. भग० १८, ८, दस० ८, ५४, —**मंसय** न० (-मांसक) કુકડાનું માંસ मुर्गे का मांस the flesh of a cock (२) કોલાપાક कोले का पाक. a preparation made of sugar, spices and a kind of pumpkin gourd. भग० १५, १, —**लक्खण** न० (-लक्षण) કુકડાના લક્ષણ જોવાની કળા मुर्गे के लक्षण देखने की कला the art of testing the merits or demerits of a cock नाया० १, ज० प० २, ओव० ४०; सम० —**वसभ** पुं० (-वृषभ) મોટો કુકડો. बड़ा मुर्गा a big cock. भग० १२, ८;

कुक्कुडग पु० (कुक्कुटक) કુકડો. मुर्गा A cock भग० ६, ५,

कुक्कुडिया स्त्री० (कुक्कुटिका) મુર્ગી; કુકડી मुर्गी A hen नाया० ३,

कुक्कुडी स्त्री० (कुक्कुटी) કુકડી मुर्गी A hen प्रव० ७४२, पचा० १६, २१, नाया० ३, विशे० १८१८, भग० १, ६; ७, १, २५, ७, ओव० ११ निर० १, १, (२) માયા; કપટ माया, छल, कपट deceit; fraud. पिं० नि० २६७, —**अंडग** न० (-अण्डक) કુકડીના ઇંડા मुर्गी का अंडा a hen's egg वव० ८, १५, —**अंडमेत्त** * त्रि० (-अण्डमात्र) કુકડીના ઇંડા જેટલું. मुर्गी के अंडे के आकार का of the size of a hen's egg. प्रव० ७४२, —**पिच्छग** न० (-पिच्छक) કુકડીના પિછાં. मुर्गी के पंख the feathers of a hen निर० १, १,

कुक्कुयय न० (*) ખુંખણો, झुंझुना खुनखुना A toy for children giving out a jingling sound when shaken सूय० १, ४, २, ७,

कुक्कर. पुं० (कुक्कुर) કુતરો. कुत्ता A dog. नाया० १, ६, ३, ३,

कुक्कुस पु० (कुक्कुस) એક જાતનું ધાન્ય; કુસકા एक प्रकार का कुसका धान्य. A

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

kind of grain नाया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ५५; दस० ५, १, ३४,

कुक्कुड पु० (कुक्कुट) ચાર ઇંદ્રિય વાળો જીવ चार इन्द्रियों वाला जीव A four-sensed living being पन्न० १,

कुक्कगइ स्त्री० (कुखगति) અશુભ વિહાયસ ગતિ-ચાલવાની ગતિ अशुभ विहायस गति-चलने की गति Bad gait क० ग० २, ५, ३, ४, ५, ३२,

कुग्गह पु० (कुग्रह) ખોટો આગ્રહ, કદાગ્રહ. दुराग्रह. Obstinacy in a wrong, false cause पचा० ३, ५० १० ४, भत्त० ५३, **—संका** स्त्री० (-शङ्का) કદાગ્રહ તથા શંકા दुराग्रह तथा शंका obstinacy and doubt प्रव० ६६६, **—हविरह** पु० (हाविरह) મિથ્યા અભિનિવેશનો નાશ मिथ्या अभिनिवेश का नाश. destruction, banishment of false attachment पचा० ४, ४४

कुग्गहीय त्रि० (कुगृहीत) નઠારી રીતે ગ્રહણ કરેલું बुरी तरह से ग्रहण किया हुआ Taken by, got by foul means उत्त० २८, ४४,

कुचर त्रि० (कुचर-कुत्सितं चरन्तीति कुचराः) નઠારું આચરણ કરનાર પરસ્ત્રી ગમન કરનાર વગેરે खराब चालचलन वाला (One) of bad character, e. g. a thief, an adulterer etc. नाया० १,६,२,८

कुचेल त्रि० (कुचेल) ખરાબ વસ્ત્રધારી, કુત્સિત કપડાં પહેરનાર खराब कपडे पहरने वाला (One) who puts on bad clothes or garments "**दुहजीविणो कुचेला, कुवितय चोरा चवाल मुद्दिया**" अणुजो० १२८;

कुच्च. पु० (कूर्च) દાંતીયો, વાળ ઓળવાનું સાધન. कंगवा; कंगा A comb. उत्त० २२, ३०, (२) એક જાતનું ઘાસ. एक तरह की घास. a kind of grass पराह० २, ३, (३) દાઢી दाढी. beard ओघ० नि० भा० ८३,

कुच्चंधर पुं० (कूर्चधर) દાઢીવાળો दाढी वाला Bearded ओघ० नि० भा० ८३;

कुच्चगग. न० (कूर्चक) શર નામના રોપાનું પાથરણું જેના કુચડા બને છે ते शर नामक पौधे का बना हुआ बिछौना A mat made of a plant named Śara नाया० २, ३, ३, १००,

√**कुच्छ** धा० I (कुथ्) કહોવાડવું, પલાળવું सड़ाना, भिंजाना. To soak in water

कुच्छेजा विधि० अणुजो० १३४, भग० ६,७,

कुच्छिहिइ पिं० नि० २३८,

√**कुच्छ** धा० I. (कुत्स) નિંદા કરવી निन्दा करना To censure, to cast blame on

कुच्छामि विशे० ३२७६,

कुच्छग पु० (कुत्सक) એક જાતનું ઘાસ, વનસ્પતિ एक प्राकार की घास A kind of grass or vegetation सूय० २, २, ७

कुच्छणिज्ज त्रि० (कुत्स्य) નિંદા કરવાને યોગ્ય, નિંદાપાત્ર निन्दा करने के योग्य, निंदा पात्र Worthy of censure or reproach पराह० १, ३,

कुच्छा स्त्री० (कुत्सा) નિંદા निंदा Censure, blame, reproachful words पिं० नि० १४५, क०ग० १, २१, ५, २, ६९;

कुच्छि स्त्री० (कुक्षि) કુખ कोंख, कुक्षि The interior of anything विवा० १, ७, नाया० १, ८, भग० ६, ७, ७, ६, १५, १, सु० च० २, ६६३, अंत० ३, ८, पिं० नि० ६४२; जं० प० जीवा० ३, ३;

प्रश्न० १३६३; उवा० २, १०१, (२) પેટ. ગર્ભસ્થાન. पेट; गर्भस्थान the belly, the womb ज० प० २, १६. २, २०. कप्प० १, २, ३, ४७; नाया० १३, १६, श्रोघ० १०; पिं० नि० ३५२, (३) બે હાથ પ્રમાણ માપ, ગજ. दो हाथ प्रमाण नाप, गज a measure of length equal to two cubits; a yard जीवा० ३, ४, नंदी० १४, अणुजो० १३४, —किमि पुं० (-कृमि) કુખમાં ઉત્પન્ન થતો કૃમિ-કીડો कोख में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि a worm generated in the belly पन्न० १, —किमिय न० (-कृमिक) કુંખનો કરમીયો कुखी के कृमि a worm in the belly निसी० ३, ४२, —सूल न० (-शूल) કુખમાં શગ્યાકા આવે-શૂલ થાય તે. कोख में शूल का होना shooting pain in the belly, colic तदु०नाया० १३, भग० ३, ७;

कुच्छिधार पुं० (कुक्षिधार) નાવનો નિર્યામક, સુકાની नाव का निर्यामक, सुकानि One who is at the helm of a ship; a helmsman ज० प० ५, ११२, नाया० ८, १७,

कुच्छिय त्रि० (कुत्सित) ખરાબ खराब, बुरा Bad; evil, deserving censure विशे० २२६६, पचा० ७, १२, —सील त्रि० (-शील) ખરાબ આચારવાળો बुरे चाल चलन वाला (one) of bad conduct or character विशे० ५२०.

कुच्छियत्त न० (कुत्सितत्व) ખરાબી, નિન્દના बुरापन State of being worthy of censure, badness विशे० ५२१,

कुच्छुम्भरिय पुं० (कौस्तुम्भरिक) એક જાતનું વૃક્ષ. एक प्रकार का वृक्ष. A kind of tree. भग० २२, ३;

कुजत्र त्रि० (कुजय) જેનો જય કુત્સિત-નિન્દિત છે તે, જુઆરિ. जिसकी जीत निंदित है वह, जुआरि. (One) whose victory or success deserves to be censured i e a gambler. सूय० १, २, २, २३,

कुज्ज त्रि० (कुब्ज) કુબડો कूबडा Hump-backed, crooked सु० च० १, १७,

कुज्जय पु० (कुब्जक) ગુલાબ, સેવતીનું ઝાડ गुलाब, सेवती का वृक्ष A rose-tree पन्न० १. नाया० १,८,ज०प०५, १२२,

√**कुज्झ** धा० I (क्रुध्+य) કોપ કરવો कोप करना To be angry.
कुज्झे विधि० सूय० १, १४, ६,

कुटिल त्रि० (कुटिल) વાંકુ ચુંકું, વક્ર. टेढा तिरछा, वक्र Crooked, tortuous. तदु०

कुटुंब पुं० (कुटुम्ब) પરિવાર कुटुम्ब, परिवार. A family, a family circle भग०३, १,१८,२,—जागारिया स्त्री० (-जागरिका) કુટુમ્બ સબંધી વિચાર કરવો તે कुटुम्ब सम्बन्धी विचार करना thinking about one's family भग० ३, १, १५, १,

√**कुट्ट** धा० I (कुट्ट) કુટવું, ખાંડવું कूटना To pound, to grind
कुट्टति आया० २, १, ६, ३४,
कार्हिंसु भू० आया० २ १ ६, ३४;
कुट्टिजमाण क० वा० व० कृ० राय० ५६;
कुट्टिय स० कृ० भग० १७, ८,

कुट्टण न० (कुट्टन) કુટવું, મારવું, कूटना, मारना Beating, Pounding "कुट्टे अतीयं कण्हुभीयं चित्तविरावं" राय० श्रोव० ४१; सूय० २, २, ६२; दसा० ६, ४;

कुट्टिणिया स्त्री० (कुट्टिका) અનાજને ખાંડનારી. अनाज को कूटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७;

कुट्टिम. पुं० (कुट्टिम) ભૂમિતલ બાંધણીયું ભૂમિતલ. Ground-floor. भग०८, ६; श्रोव० ३१, कप्प० ४, ६२, **—तल** न० (-तल) બાંધણીયું तलघर ground floor नाया०१, श्रोव०३१. राय०१०५, जीवा० ३,

कुट्टिय त्रि० (कुट्टित) કુટેલું कूटा हुआ Pounded प्रव० ८५७,

कुट्टिलअ पु० (कुट्टिलक) એ નામના એક સાધુ इस नामका एक साधु. Name of an ascetic विवा० ६,

कुट्ठ पु (कुष्ठ) કોઇ એક જાતનો સુગંધી દ્રવ્ય एक प्रकार की सुगंधित वस्तु A kind of fragrant substance सूय० १, ४,२,८, विशे०२६३, (२) કુષ્ટરોગ, કોઢ कुष्ट रोग, कोढ leprosy जीवा० ३, ३,

कुट्ठग न० (कोष्ठक) કોષ્ટક, કોઠો कोष्टक, कोठा A column दसा० ५, १, २१,८२;

कुट्ठाण नृ० (कुस्थान) દુષ્ટ સ્થાન खराब स्थान An impure place, a bad place भग० ७, ६,

कुट्ठि. त्रि० (कोष्ठिन्) કોઢી कोढी. (One) affected by leprosy. सु०च० १३,४४,

कुट्ठिआ स्त्री० (कोष्ठिका) ધાન્ય રાખવાને બનાવેલ માટીની કોઠી कोठी, धान्य रखने की मिट्टी की कोठी A large earthen cylindrical vessel to store grain in आया० २, १, ७, ३७,

कुड. पुं० (कुष्ट) કોઢનો રોગ कोढ की बीमार. Leprosy जीवा० ३, ३,

कुड पु० (कूट) પર્વત पर्वत A mountain जीवा० ३, ३, दसा० ६, ४, राय० ४०, १००, (२) દૃષ્ટાન, દાખલો. दृष्टान्त; उदाहरण an illustration, an example. विशे० २२४०, (३) અસત્ય. असत्य, झूंठ. falsehood राय० २०७; भग० ७, ६, (४) એક પ્રકારનો પાશ. एक प्रकार का पाश a kind of snare. विवा० २, **—अंतर** न० (-अन्तर) બે કુટ-શિખર વચ્ચેનું અન્તર. दो कूट-शिखर के बीच का अन्तर the interval, distance, between two summits. भग०१५, १, **—ग्गाह** त्रि० (-ग्राह) કુટ-પાશ વિશેષને ગ્રહણ કરનાર पाश रखने वाला (one) who holds a snare or a trap in the hands विवा०२, **—ग्गाहिणी** स्त्री० (ग्राहिणी) કુટ- પાશને ગ્રહણ કરનાર-સ્ત્રી कूट ग्राहिणी a woman, who holds in her hands a snare or a trap विवा०२, **—तुल** न० (-तुल) ખોટા તોલા खोटा तोल false weights. दसा०६, ४, **—माण** त्रि० (-मान) ખોટા માપ खोटा माप, false measure दसा० ६, ४,

कुडअ-य पु० (कुटज) ઇંદર જવનું ઝાડ इन्द्रजव का झाड A kind of tree. प्रव० ५१८, ज० प० जीवा० ३, ४, अणुजो० १३१ श्रोव० नाया० १, ६, पन्न० १,

कुडंग पु० (कुटङ्क) ઘરનું ઢાંકણું છાપરૂ छप्पर A roof of a house विवा० ३. (२) એ નામનો એક દ્વીપ इस नामका एक द्वीप name of an island श्रोघ० नि० भा० २३६, વાંસનું વન बाम का वन a forest of bamboos नाया० १८

कुडग पु० (कूटक) ઘડો घडा A pot विशे० १४५४, नदी० ४४, (२) એક જાતની સફેદ ફુલવાળી વનસ્પતિ एक प्रकार की सफेद फूल वाली वनस्पति a kind of plant bearing white flowers. भग० २२, ३, पन्न० १७,

* कुडभि. स्त्री० (*) न्हानी ध्वजा छोटी ध्वजा. A small flag; a small banner " कुडभी सहस्स परिमण्डिअ भिरामो इंदज्झओ " सम० ३४ राय० ७०, जीवा० ३, ४; ज० प० ५, ११७,

कुडह. त्रि० (?) कदरूपो, बेडोळ रूप-देखाव खराब रूप, बेडौल रूप Ugly appearance, repulsive in appearance ओघ० नि० भा० ३२०,

कुडागार पु० (कुटागार) पर्वतना शिखरमा कोतरेल घर, शिखरना आकारनु मकान शिखर के आकार का घर. A house carved out from the summit of a mountain, a house of the shape of the summit of a mountain निसी० ८, ५, राय० १००, विवा० ३, ३;—साला स्त्री० (-शाला) शिखरबंध शाळा-मकान शिखर के आकार का घर, a house with a spire at the top दसा० १०, ३, राय० २५४, भग० ३, १, २, १३, ४, १६, ५,

* कुडाल. पु० (*) हळनो उपलो भाग हल के उपर का हिस्सा The upper part of a plough उवा० २, ६४,

कुडिल त्रि० (कुटिल) वाकुचुकु टेढा तिरछा Crooked, tortuous नाया० ८, ६, ओव० २१, भग० १५, १, सु० च० २, २०, उवा० २, १०७,

कुडिलत्त न० (कुटिलत्व) दुष्टता, कुटिलता दुष्टता Wickedness, crookedness सु० च० १२, ४७;

कुडिव्वय. पु० (कुटिव्रत) घरमां रही क्रोधादिक कषाय के अहंकारनो त्याग करे तेवो परिव्राजक घरमें रहकर क्रोधादि कषाय और अहंकार का त्याग करने वाला परिव्राजक. An ascetic getting rid of anger etc or pride without leaving the house in which he stays. ओव० ३८,

कुडी स्त्री० (कुटी) ओरडी, झुंपडी कोठरी. A room, a hut, a cell ओघ० नि० १०५ भत्त० १२३,

कुडीर न० (कुटीर) झुंपडु, निर्धननु घर. झोंपडा, निर्धन का घर. A hut, a cottage, a hovel तदु०

कुडुंब पु० (कुटुम्ब) कुटुम्ब परिवार कुटुम्ब; परिवार A family नाया० १, २; ५, ७, १२, १४, पिं० नि० ६६, उवा० ८, २३८. —जागरिया स्त्री० (जागरिका) कुटुम्ब संबंधी विचार करवो ते. कुटुम्ब सम्बन्धी विचार करना thinking about one's family नाया० २, १४ विवा० ७,

कुडुंबिय त्रि० (कौटुम्बिक) कुटुम्बी, खास कुटुंबनो माणस कुटुम्बी, कुटुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family, (one) belonging to a family (२) हजुरी नौकरी an attendant e g on a king ओव० कप्प० ३, ३६;

कुडुय पु० ( ) पर्वतनी टोच, शिखर. पर्वत की शिखर Summit of a mountain भग० १५, १,

कुड्ड न० (कुड्य) दीवाल, भींत. भीत, दीवाल. A wall भग० ८, ६, विशे० १४२६ उत्त० २५, ८०, पगह० १, १, पिं० नि० २६८, —अंतर न० (-अन्तर) भींत अथवा त्राटीनु अंतर भींत अथवा टट्टी

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

का अन्तर interposition, intervention of a wall. उत्त० १६; ५; प्रव० ८६५;—अंतरिय. त्रि० (-अन्तरित) ભીતને આંતરે રહેલ दीवाल की आड रहा हुआ. hidden by a wall. नाया० १६,

कुडुग. स्त्री० (कुडक) પાતાલના કલશાની ઠીકરી. पाताल के घडे की ठीकरी. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world) जीवा० ३, ४, प्रव० १५६०,

कुण. धा० I (कृ) કરવું, રચવું, બનાવવું करना, रचना; बनाना To do, to make.

कुणइ उत्त० ६, २६; अणुजो० १३०, विशे० २७२, पिं० नि० ६८, प्रव० ६८, कप्पा० १, ४८, ५३,

कुज्जा उत्त० २, ३३,

कुणउ सु० च० १, १,

कुण आज्ञा० विशे० ६४३, सु० च० ४, ८६,

कयासु भूत० अणुजो० १२६, पिं० नि० ४६६,

कुणंत उत्त० २६, २६,

कुणओ विशे० १६७,

कुणमाण विशे० ४६, सु० च० १, ३१५, ७, ११५, उत्त० १४, २४, पचा० १८, २६,

कुणक्क. पु० (कुणक) કુણુક નામની એક વનસ્પતિ. एक वनस्पति का नाम (कुणक) Name of a kind of vegetation पन्न० १,

कुणाल. पु० (कुणाल) કુણાલ નામનો એક દેશ एक देश का नाम (कुणाल) Name of a country नाया० ८, पन्न० १, राय० २१०, (२) કુણાલ રાજા, જેનું બીજું નામ સંપ્રતિ રાજા, હતું; મૌર્યવંશી ચન્દ્રગુપ્તનો પ્રપૌત્ર, બિંદુસારનો પૌત્ર અને અશોકનો પુત્ર કુણાલ मौर्यवंशी चंद्रगुप्त का प्रपौत्र; बिन्दुसार का पौत्र; अशोक का पुत्र; कुणाल राजा, जिसका नाम संप्रति राजा पड गया था. King Kuṇāla also called Samprati, the son of Aśoka and grandson of Bindusāra. विशे० ८६१, —अहिवइ पु० (-अधिपति) કુણાલ દેશનો અધિપતિ कुणाल देश का अधिपति The king of the country named Kuṇāla ठा० ७, १; नाया० ८;

कुणाला. स्त्री० (कुणाला) કુણાલા નામે ઉત્તર તરફની એક નગરી, ઉજ્જેણી નગરીનું બીજું નામ કુણાલા હતું એમ પણ કયાંક લખેલ છે कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी, उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है Name of a city in the north, (in some works it is also stated that Ujjain was so called) वेय० १, ४६, ४, २८; सत्थारगा० ८; कप्प० ६, ११,

कुणि. त्रि० (कुणिन्) હાથ અથવા પગ ન્હાનો મ્હોટો હોય એવા ગર્ભના દોષવાલો हाथ अथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोषवाला (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other पण्ह० २, ५,

कुणिम. न० (कुणप) માંસ मांस Flesh. ओव० ३४, ठा० ४, ४, सूय० १, ४, १, ८, भग० ६, ३३, जीवा० ३, १, पिं० नि० २६२, (२) શબ, મુડદુ शव, मुर्दा. a corpse, a dead body. ज० प० भग० ७, ६, अणुजो० १३०, पण्ह० १, ३, —आहार. पु० (-आहार—कुणप शवस्तद्वसोऽपिवसादि कुणपास्तदाहार) માંસનો આહાર मांस का आहार. flesh-food (२) त्रि० માંસાહારી मांसाहारी a flesh-eater. ज० प० २, ३६; भग० ७, ६; ८, ६,

कुणिय. पुं० (कुणिक) કૂણિક રાજા; શ્રેણિકનો પુત્ર. कूणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र King Kūṇika, the son of Śreṇika. भग० ७, ६,

कुणिया स्त्री० (कुणिता) જેથી એક હાથ અથવા પગ ન્હાનો મ્હોટો થઇ ગયો હોય તે, સોળ રોગમાનો એક રોગ सोलह रोगोंमें से एक रोग, जिससे एक हाथ अथवा एक पैर छोटा बड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other आया० १, ६, १, १७२;

कुण्हरि स्त्री० (कुन्हरी) કુન્હરી નામનું કંદ एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root (२) એ નામની એક વનસ્પતિ एक वनस्पति का नाम name of a kind of vegetation पन्न० १,

कुतित्थि त्रि० (कुतीर्थिन्) જુઓ "कुतित्थिय" શબ્દ देखो "कुतित्थिय" शब्द. Vide "कुतित्थिय" उत्त० १०, १८, प्रव० ६५१,

कुतित्थिय त्रि० (कुतीर्थिक) પાખંડી, કુત્સિત-અસત્ય તીર્થ ભજનાર, મિથ્યાત્વી पाखंडी, खराब धर्म का माननेवाला, मिथ्यात्वी A person following a false, heretical creed नाया० ७,

कुतुंबक पुं० (कुस्तुम्बक) એક જાતનું વાજિત્ર. एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument जीवा० ३, १,

कुतुप. पुं० (कुतुप) ઘી તેલ રાખવાનું વાસણ, કુડલો. घी तेल रखनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc जं० प०

कुत्तार. त्रि० (कुतार) ખરાબ તારૂ, પોતે ડુબે અને બીજાને ડુબાડે તેવો. कच्चा तैराक; खुद डूबे और दूसरे को डुबावे ऐसा (One) who swims badly, (one) who drowns himself and others connected with him गच्छा० ३१;

कुत्तिअ-य न० (कुत्रिक=कुरिति पृथिव्याः संज्ञा तत्संबन्धिक कुत्रिकम्) સ્વર્ગ, મર્ત્ય અને પાતાળ એ ત્રણ લોક स्वर्ग, मृत्यु और पाताल, ये तीन लोक The three worlds, viz heaven, earth and hell or nether world ओव० १६.

कुत्तिआवण पुं० (कुत्रिकापण-कुत्रिकं स्वर्गमर्त्यपातालजलक्षण भूत्रय तत्सम्भवि वस्त्वपि कुत्रिकं कुत्रिकमापणायति व्यवहरति असौ कुत्रिकापणः) ત્રણ લોકમાં નિપજતી દરેક ચીજ જ્યાંથી વેચાતી મલી શકે તેવી મ્હોટી દુકાન ऐसी दूकान जहां तीनों लोक में उत्पन्न होने वाला प्रत्येक वस्तु मिल सके A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase भग० ६,३३, नाया० १, ओव०

कुत्थ अ० (कुत्र) ક્યાં कहां Where नाया० ३,

√**कुत्थ** धा० I (कुथ्) કોહાઇ જવું, બગડી જવું सड़जाना, बिगड़जाना To spoil. कुत्थेजा वि० जं० प० २, १६,

कुत्थिअ त्रि० (कुत्सित) નિન્દિત; ખરાબ निन्दित Bad, evil, deserving censure ओघ० नि० १६४,

कुत्थुंभरि स्त्री० (कुस्तुम्बरी) ધાણાનો ગુચ્છ; કોથમરી. धनिये का पौधा A collection of coriander plants पन्न० १;

कुदंड पुं० (कुदण्ड) એક જાતનું બન્ધન एक प्रकार का बन्धन A kind of bondage. पराह० १, १; नाया० १,

कुवंडग. पुं० (कुदण्डक) પ્રહાર મારવાનો કોરડો. प्रहार करने का चाबुक. A whip used for flogging पगह० १, ३,

कुवंडिम. न० (कुदण्ड) કુત્સિત દંડ; ગુન્હા કરતા ઓછો દંડ. थोडा दंड. Inadequate punishment. नाया० १, भग० १, ११,

कुदंसण न० (कुदर्शन) વિપરીત શ્રદ્ધાન; મિથ્યાત્વ દર્શન विपरीत श्रद्धान, मिथ्यात्व दर्शन. False, heretical faith or creed. पन्न० १, उत्त० २८, २८, " इम पिविसिय कुदसणं असब्भाव वादियो पयवावेंति " पन्न० २,

कुदिट्ठि स्त्री० (कुदृष्टि) મિથ્યાત્વ દૃષ્ટિ વિપરીત દૃષ્ટિ मिथ्या दृष्टि, विपरीत दृष्टि False faith, heretical faith उत्त० २८, २६ प्रव० ६७३,

कुद्दाल पु० (कुद्दाल) જમીન ખોદવાનું હથિયાર, કોદાળી जमीन खोदने का हथियार, कुदाली A spade. पग्ह० १,१, ज० प० २, १६,

कुद्ध त्रि० (क्रुद्ध) ક્રોધી, ગુસ્સે થયેલ क्रोधी Angry, enraged पचा० १५, ३७, प्रव० १२८६, उत्त० १७, ४, भग० ७, १०, १४, ८,

कुपक्ख त्रि० (कुपक्ष) નીચપક્ષનો नीच पक्ष का Belonging to, espousing a cause that is low or mean. आया० २, ४, १, १३४

√कुप्प. धा० I (कुप्) કોપ કરવો, ગુસ્સે થવું. कोप करना, गुस्सा होना To be angry, to get enraged

कुप्पइ दस० ६, २, ४;

कुप्पिज्जा. उत्त०१,६;दस०८,४८;१०,१, १८;

कुप्पे. आया० १, २, ३, ७७, दस० ५, २, ३०; १०, १, १०;

कुप्पत सू० च० ७, ३०३;

कुप्पमाण भग० ७, ६;

कोवे प्रे० उत्त० १, ४०,

कोवइज्जा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६'

कुप्प. न० (कुप्य) આસન શય્યા વગેરે રાચ-રચીલુ; ઘરવખરી. आसन शय्या वगैरह. Household furniture, such as beds, chairs etc पचा० १, १८,

—संखा. स्त्री० (–सख्या) રાચરચીલું કે ઘરવખરીનું પરિમાણ બાંધવું તે setting a limit to one's possession in the matter of household furniture प्रव० २८०,

कुप्पर पु० (कूर्पर) ગાડા કે રથની પિંજણી; गाडा या रथ की पिंजणी A part of a carriage. " से रहवरस्स कुप्परासह्ना " ज० प० ३, ४८, (२) કોણી कहुनी. the elbow पिं० नि० ४१८; प्रव० ७४,

कुप्पावयणिय न० (कुप्रावचनिक) પાખંડીઓના પ્રવચનને આધારે તેઓને કરવાનું આવશ્યક- દિન કૃત્ય पाखंडियों के शास्त्र के आधार के अनुसार उन लोगों के करने का आवश्यक दैनिक कृत्य A daily religious rite prescribed by false, heretical scriptures. अणुजो० १८;

कुबेरदत्त पु० (कुबेरदत्त) એ નામનો એક શેઠ इस नामका एक सेठ. Name of a rich merchant भत्त० ११३,

कुब्बर पुं० (कूबर) ધોંસરી, ગાડાની ધુરી. गाडे को जुड़ा The yoke of a carriage. (२) મલ્લિનાથનો યક્ષ मल्लिनाथ का यक्ष. name of the Yaksa of Mallinātha प्रव० ३७६,

कुभोइ त्रि० (कुभोजिन्) દુષ્ટ ભોજન કરનાર खराब भोजन करने वाला. (One)

who takes bad, unwholesome food भग० ७, ६,

कुमुद पु० (कुमुद) सातमा देवलोकनुं कुमुद नामे एक विमान. एना देवतानी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे. ए देवता साडा आठ महिने श्वासोच्छ्वास ले छे अने सत्तर हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देव लोक के विमान का नाम इसके निवासी देवों की स्थिति सत्रह सागरोपम की है और साढ़े आठ मास बाद वे एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्ष बाद भूक लगती है Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live 17 Sagaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years सम० १७

कुमर पु० (कुमार) बालक बालक A boy child सु० च० २ ३८४

कुमरत्त न० (कुमारत्व) कुमारअवस्था कुमार अवस्था, बाल्यावस्था Boyhood सु० च० १३, ५१

कुमार पु० (कुमार) आठ वरसथी ऊपरनो बालक कुमार कुंवर अविवाहित बालक कुमार कुंवर, अविवाहित, कुंवारा A boy an unmarried lad उत्त० १ १६ १४, ३ सूय० १, ७ १० नाया० २ ५ ८ १४ १६, १८ भग० ५ ४ २४ १२ जं० प० अत० ३ ८ दसा० ६ ४ निर० ३, ४; उवा० ८, २५६, (२) बाल मरण खराब मरण bad unfortunate kind of death नाया० १४, (३) असुर कुमार आदि देवता असुर कुमार आदि देवता gods known Asura Kumara etc जं० प० भग० ३, ७, जीवा० ३ ३ —ग्गह पु० (-ग्रह) असुर कुमारादिनो वशमां असुर कुमारादि का सम्बन्ध, state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumara etc जं० प० २, भग० ३ ७ जावा० ३ ३ —वास. पु० (वास) कुमार अवस्थामां रहेवुं ते ब्रह्मचर्याश्रम कुमार अवस्था, ब्रह्मचर्य आश्रम remaining in the state of a bachelor that stage of life in which one remains a bachelor "कुमारवासमज्झावसित्ता मुंडे जाव पव्वइया" ठा० ५ ३ कप्प० ७, २१० जं० प० २ ३० —समण पु० (श्रमण) कुमार अवस्थामांथीज दीक्षा लीधेल बाल ब्रह्मचारी कुमार अवस्था में ही दीक्षा लिया हुआ, बाल ब्रह्मचारी (one) who has taken Diksa (initiation) from early boyhood अत० ३ ८ राय० २१५ उत्त० २३ ८

कुमारत्ता स्त्री० (कुमारता) कुमारापणुं कुंवारापन अविवाहितपना State of being unmarried i.e. a bachelor नाया० ८

कुमारपुत्तिय पु० (कुमारपुत्रक) ए नामना एक निग्रंथ साधु इस नाम के निग्रन्थ साधु Name of a Nigrantha ascetic सूय० २ ७ ६

कुमारभिच्च पु० (कुमारभृत्या—कुमाराणां बालानां भृतौ पालने साधु कुमारभृत्या) आयुर्वेद शास्त्रनो एक भाग के जेमां न्हाना छोकराओना रोगनी चिकित्सा बतावी छे आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग जिसमें कि छोटे २ बच्चों की चिकित्सा बताई है A division of Ayurveda medical science treating of the diseases of children ठा० ८, १,

कुमारिश्र पु० (कुमारक = कुत्सितो मारकोऽ

सत्वस्याली वेद्यौत्यादकत्वाद्यिो वो मारो मारक्ष स विद्यते येषां ते कुमारका) ખરામ શીકારી बुरा शिकारी, बुरा शिकारी A bad cruel hunter आव० नि० भा० ६०

कुमारिया स्त्री० (कुमारिका) કન્યા, કુમારિકા कन्या, कुमारी A girl राय० ८१, नाया० २ दस० ५, १ ४२

कुमारी स्त्री० (कुमारी) કુમારિકા, અવિવાહિત સ્ત્રી કન્યા कुमारी, लड़की अविवाहित कन्या A virgin a girl सूय० १ ४,१,१३, नाया० १८ राय० ८१ कप्प० ६ १८

कुमारलेच्छइ न (कुमार लिप्सु) કુમારલચ્છી નામનું વિપાક સૂત્રનું દશમું અધ્યયન विपाक सूत्र का कुमारनच्छी नामक दशवा अध्याय The tenth chapter of Vipaka Sutra named Kumara lichchhi ठा० १० १

कुमुअ य न० (कुमुद) ચન્દ્ર વિકાશી કમલ चन्द्र विकस्वर फूलनेवाला कमल A moon lotus राय० ४८ ज० प० ८म० ४ ३ १४ १६ उत्त० १० ८८ सूय० २, ३ १८ नाया० ४ जावा० ३ १ कप्प० ५ ११० (२) સફેદ ફૂલ सफेद फूल A white flower विशे० ११०५, —वण न० (वन) ચન્દ્રવિકાશી કમલનું વન બાગ । નું વન चन्द्रविकाशी कमल का वन A forest of moon lotuses कप्प० ३, ३८,

कुमुद न० (कुमुद) સફેદ કમલ ચન્દ્રવિકાશી કમલ सफेद कमल चन्द्रविकाशी कमल A white lotus पन्न० १ राय० ४८ नाया० १, ६ १२ भग० ६ ३३ (२) પશ્ચિમ મહા વિદેહના દક્ષિણ ખાડવાનો મેરૂ તરફથી છઠ્ઠી વિજય पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खण्डकी मेरुकी तरफसे छटवीं विजय. the 6th Vijaya from Meru situated in the south of the western Maha-Videha ठा० ८, जं० प० ३ ४६ (३) પશ્ચિમ મહા વિદેહના દક્ષિણ ખાડાની મેરૂ તરફથી છઠ્ઠા વિજયનો રાજા पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खण्ड के मेरु का तर्फ से छटवीं विजय का राजा the king of the sixth Vijaya from Meru situated in the south of the western Maha Videha ज० प० (४) આઠમા દેવલોકનું કુમુદ નામે એક વિમાન એના દેવતાની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોશ્વાસ લેછે અને ૧૮ હજાર વર્ષે ભુખ લાગ છે आठवें देवलोक क विमान का नाम जहां के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और वे ६ व मास म एकबार श्वासाश्वास लेत हैं तथा अठारह हजार वर्ष में उन्हे भूक लगा करता है name of a heavenly abode of the eighth Devaloka सम० १८

कुमुदकूड पु० (कुमुदकूट) ભદ્રસાલ વનના આઠ દિગ્હસ્તિકૂટમાંનું પાંચમું કૂટ-શિખર भद्रसाल वन क आठ दिग्हस्ति कूटो में का पाचवा कूट-शिखर The 5th of the eight Dighasti summits of the forest named Bhadrasala ज० प०

कुमुदग न० (कुमुदक) એક જાતનું ઘાસ एक प्रकार का घास A kind of grass सूय० २, २ ११,

कुमुदगुम्म न० (कुमुदगुल्म) આઠમા દેવલોકનું કુમુદગુલ્મ નામે એક વિમાન, એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એ દેવતા નવ મહીને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને અઢાર

कुमारे वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहां के देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और जो नौ माह में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूँख लगा करती है. Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sāgaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years सम० १८,

कुमुदप्पहा स्त्री० (कुमुदप्रभा) જમ્બુવૃક્ષના ઇશાનખુણાના વનખણ્ડમા ૫૦ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડી जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree ज० प० ४,

कुमुदा. स्त्री० (कुमुदा) કુમુદા નામની મહાવિદેહની એક વિજય कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय Name of Vijaya in Mahāvideha ठा० २, ३, (२) જમ્બુ વૃક્ષના ઇશાન ખુણાના વનખણ્ડમા ૫૦ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડીનું નામ जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखराड मे ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambu tree जं०प०

कुमुया. स्त्री० (कुमुदा) દક્ષિણ દિશાના અંજનક પર્વતની કુમુદા નામની એક વાવ दक्षिण दिशा के अंजनक पर्वत की कुमुदा नामक बावडी. Name of a well on the Añjanaka mount in the south प्रव० १५०१; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

कुम्म पुं० (कूर्म) કાચબો कछुवा. A tortoise जं० प० ५, ११६; सूय० १, ७, १५; १, ८, १६; दसा० ६, ४; विशे० ११४८; ओव० १०, १७, दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३,; भग० ८, ३, १५, ७, ४२, १, उवा० २, १०१, कप्प० ३, ३६; ५, ११६, (२) કાચબાના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનુ ચોથું અધ્યયન ज्ञातासूत्र का कछुआके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise. नाया० १, मम० १६; ओव० (३) કૂર્મ નામનું એક ગામ एक नगर का नाम (कूर्म). a village of that name भग० १५, १. (४) વીશમા તીર્થંકરનુ લાંછન २० वें तीर्थंकर का लांछन-चिन्ह the symbol of the 20th Tirthankara प्रव० ३८०, —**आवलिया** स्त्री० (-आवलिका) કાચબાની પંક્તિ कछुओंकी पंक्ति a row, a series of tortoises भग० ८,३, —**गइ** स्त्री० (—गति) કાચબાની ગતિ, કાચબાની ચાલ कछुओं की गति, कछुओंकी चाल the motion, the gait of a tortoise नाया० ५; —**चलण** न० (—चरण) કાચબાના પગ. कछुए का पैर a foot of a tortoise. नाया० १,

कुम्मग-य पुं० (कूर्मक) કાચબો कछुवा. A tortoise. नाया० ४,

कुम्मग पुं० (कूर्मक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. नाया० ४;

कुम्मत्थल न० (कूर्मस्थल) ગણ્ડસ્થલ, ગાલ. गराडस्थल Cheeks, temples. सु०च० २, २७;

कुम्मास पुं० (कुल्माष) એક જાતનું ધાન્ય;

અડદ. उर्द; एक तरहका अनाज. A kind of grain; black beans. नाया० १, ३, ४, ४. पराह० २, ५; दस० ५, १, ६८; भग० ५, २; उत्त० ८, १२; (२) કુળથી. कुलथी; एक तरहका धान्य. a kind of pulse called Kuluttha पि० नि० ६२३; सूय० १, ३, २१; (३) બાફેલા અડદ, બાફેલા पकाया हुआ उडद नामक धान्य. cooked black beans पि० नि० भा० ३७, पि० नि० २०२, —पिंडिया. स्त्री० (-पिंडिका) અડદની મુઠી उडद की मुट्ठी a handful of black beans भग० १५, १,

कुम्मुरणया स्त्री० (कुर्मोन्नता-कुर्म कच्छपस्त-द्वदुन्नता कुर्मोन्नता) કાચબાના જેવી ઉન્નત યોનિ-ઉત્પત્તિ સ્થાન કે જેમાથી અરિહંત, ચક્રવર્તી, બળદેવ અને વાસુદેવનો જન્મ થાય છે कछुएके समान उन्नत योनि-उत्पत्ति स्थान जिसममे अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव और वासुदेवका जन्म होता है The womb like a tortoise from which Arihantas, Chakravarti Baladeva and Vāsudeva are born "कुम्मुरणयाया जोणीए तिविहा उत्तम पुरिसा गब्भं वक्कमति। तंजहा-अरहता, चक्कवट्टी, बलदेव-वासुदेवा" ठा० ३, १, नाया० ८ पन्न० ६,

कुयवा स्त्री० (कुयवा) એ નામની એક વેલ. इस नाम की एक बेल A kind of creeper so named पन्न० १.

कुरअ पु० (कुरजस्) એ નામની એક કુહન વનસ્પતિ. इस नाम की एक कुहन वनस्पती Name of a species of vegetation. पन्न० १,

कुरंग. पुं० (कुरङ्ग) હરણ; મૃગ. हिरन; मृग. A deer जं० प० पिं० नि० ७६; ८१; पराह० १, १; पन्न० १;

कुरज्ज न० (कुराज्य) ખરાબ રાજ્ય. खराब राज्य A bad kingdom जं० प० ३, ६६; —कुरत्था स्त्री० (-कुरथ्या) નાની શેરી-ગલ્લી छोटी गली. कुचा a narrow miserable lane. प्रव० १४७८;

कुरर पु० (कुरर) પાણીને કિનારે રહેનાર એક જાતનું પક્ષી जल के समीप रहने वाला एक प्रकार का पक्षी A kind of bird residing near water; an osprey पराह० १, १.

कुररी. स्त्री० (कुररी) એક જાતનું પક્ષી, ટીટોડી. एक प्रकार का पक्षी, झिंगुर A kind of bird, a female osprey उत्त० २०, ५०,

कुरल. पुं० (कुरल) એક જાતનું રૂ આની પાંખોવાળું પક્ષી एक प्रकार का रुए दार पंखोवाला पक्षी A kind of bird, an osprey जीवा० १, पन्न० १.

कुरली स्त्री० (कुरली) કરચલી. सल. A fold; a wrinkle सु० च० १, १;

कुरविंद पु० (कुरुविन्द) એ નામનું પર્વગ જાતિનું ઝાડ इस नाम का पर्वग जाति का वृक्ष A kind of tree पन्न० १.

कुराय पु० (कुराजन्) ખરાબ રાજા; સીમાડાનો રાજા दुष्ट राजा, सामान्त राजा. A bad king. a neighbouring king. निसी० ९, २१,

कुरिग. न०(*) મોટું જંગલ बडा जंगल. An extensive forest ओघ० नि० ४४७;

कुरु. पु० (कुरु) કુરૂ નામનો દેશ. कुरु नामक

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

देश A country named Kuru नाया० १८ पत्र० १ (२) કુરૂ નામનો દ્વીપ તથા સમુદ્ર कुरु नामक द्वीप तथा समुद्र name of an island also that of an ocean जावा० ३ ४ पन्न० १५ (३) મહાવિદેહ ક્ષેત્રમા આવેલ જુગા લિયાના ક્ષેત્રો દેવ કુરૂ અને ઉત્તર કુરૂ નામક ક્ષેત્ર महाविदेह क्षेत्र सबंधी जुगलिया के क्षेत्र देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र the regions of abode of Jugaliyas in Mahavideha viz Deva Kuru and Uttara Kuru अणाजा०१०३ —जणवय न० (जनपद) કુરૂ નામનો દેશ कुरु देश a country named Kuru नाया० ८ १६ —राय पु० (राज) અદીનશત્રુ નામે કુરુ દેશન રાજા अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा a king of Kurudesa Adinasatru by name नाया० ८

कुरुअ पु० (कुरुक) માયા કષાય પર્યાય વાચક નામ माया कषाय का पर्याय वाची नाम A synonym for Maya Kasaya i e deceit सम० ५२

कुरुकुन्द न० (कुरुकन्द) એક જાતનું ઘાસ एक तरह का घास A kind of grass भग० २१ ६

कुरुकुया स्त्री० (कुरुकुचा) સ્થંડિલે ગયા પછી આચમન લેવું પગ ધોવા વગેરે શૌચ ક્રિયા કરવી તે शौच जाने के बाद आचमन लेना पैर धोने आदि शौच क्रिया का करना Cleansing the mouth after answering the call of nature washing the feet etc आघ० नि० ३१८

कुरुदत्तपुत्त पु० (कुरुदत्त पुत्र) કુરૂદત્તપુત્ર નામના શ્રીમહાવીર ભગવાનના એક શિષ્ય श्रीमहावीर स्वामी का कुरुदत्तपुत्र नामक शिष्य Name of a disciple of Lord Mahavira भग० ३ १

कुरुमई स्त्री० (कुरुमति) કુરૂમતી નામની ૧૨મા ચક્રવર્તિની સ્ત્રી बारहवे चक्रवर्ता की स्त्री का नाम Name of the wife of the 12th Chakravarti सम० प० २३४

कुरुया स्त्री० (कुरुका) પગ ધોવા વગેરે શૌચ ક્રિયા पैर धोना आदि क्रिया Process of cleansing e g washing the feet etc आघ० नि० १८६

कुरुविंद पु० (कुरुविन्द) એક જાતનું ઘાસ નાગરમોથ एक प्रकार का घास नागर मोथा A kind of grass आव० १० ( ) કેળનુ ફળ स्तभ फल स्तभ कल का फाड the fruit of a plantain tree जावा ३ ३

कुरुविंदावत्त न० (कुरुविंदावत) એક જાતનું ઘરેણુ इस नाम का एक प्रकार का आभूषण Name of a kind of ornament क प० ३ ३६

कुरूव पु० (कुरूप—कुत्सित रूप कुरूपम्) ખરાબ રૂપ बुरा रूप कुरूप Ugly appearance कुत्सित वचन वस्त्व रूपयति मोहयतीति कुरूपम जं०प० १३ भग० ७ ९ १ ८ (२) મોહનીયકર્મ मोहनी कर्म Mohaniya Karma सम० ५२

कुल पु० (कुल) પૂર્વજ પરંપરા બાપદાદાની વંશ એળી કુળ कुल पूर्वज पुरखा बाप दादा वंशपरपरा Family ancestors genealogy family descent जं० प० ४ ११२ ७, १२५ ७ १६१ आव० पन्न० १ राय०१५ सत्था०६ वव० ३ ६

नाया० १; १६; दस०५, १, १४; २४; भग० ९, ३; ८, ६; २५, ७; आया० १, ६, २, १८४; उत्त० २५, १; सूय० १, ४, १, ११; उवा० १, ६६, (२) पितानुं पक्ष; બાપના વડીલોની પરંપરા. पिता का पक्ष; पिता के पूर्वजोंकी परपरा. paternal side, continuity of paternal ancestors ओव० १६, तदु० राय० ठा० ४, २, (३) ચાંદ્રાદિક કુલ, ગણનો એક ભાગ चान्द्रादिक कुल; गण का एक भाग. family like Chāndra etc , a portion or division of a Gaṇa ठा०३, ४, ५ १,भग० ८, ६. १२, ७. (४) કુળ, ગોત્ર कुल, गोत्र family genealogy or line of descent अणुजो० १३१; गच्छा० ८७, कप्प० २, १३, प्रव० ५५७, भत्त० ७५; (५) ઘર गृह, घर a house कप्प० ६, निसा० ८, ४८, वेय० १, ३१. (६) સમુદાય, જથ્થો, समुह समूह, समुदाय a collection, a multitude राय०२५५, ओव० पि० नि० ८३, पगह ०, ३, नाया० ५; ८: (७) મહીનાના નામસરખા નામવાલા નક્ષત્રો, જેવા કે કૃતિકા, મૃગશિર, પુષ્પ વગેરે બાર નક્ષત્રો महिनों के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृतिका, मृगसिर पुष्य, वगैरह बारह नक्षत्र the twelve constellations corresponding in name to the 12 months, e g Kṛtikā, Mṛigaśira etc ज० प० ३, ४५; —अणुरूव त्रि० (-अनुरूप) કુલને અનુસાર. कुल के अनुसार such as is worthy of one's family नाया० १६; भग०११,११, —अमद. पु०(-अमद) કુલનો મદ ન કરવો તે कुलके मद से रहित. absence of pride about one's family. भग० ८, ३; —आजीव पुं० (-आजीविक) કુલ જણાવી આહાર લેવો તે; આહારનો એક દોષ. कुल बतलाकर आहार लेने वाला. a fault connected with begging food, accepting food after declaring one's family. ठा०४,१;—आधार. पु० (-आधार) કુલનો આધાર कुलका आधार the prop-or support of a family. नाया० १; भग० ११, ११, कप्प ३, ५२, —इंगाल. पु० (-अङ्गार) કુલની કિર્તિને બગાડનાર; નઠારો; કુલમાં અંગારા જેવો, યથા કંડરિક कुल की कीर्तिपर धब्बा लगाने वाला, कुल में अग्नि के समान जैसे कि कंडरिक one who is a disgrace to the family; e g Kaṇḍarika. ठा०४,१: —उप्पन्न. त्रि० (-उत्पन्न) કુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ born in a family कप्प० १, २, —उवकुल. न० (उपकुल) ચિત્રા આદિ કુલ નક્ષત્રની પાસે રહેલ ઉપકુલ નક્ષત્ર चित्रा आदि नक्षत्र की पास का उपकुल नक्षत्र the constellation Upakula near Chitrā etc. ज० प० ७, १६१, —कन्नया स्त्री० (-कन्यका) કુલીન કન્યા कुलीन कन्या a girl belonging to a family भग०१८, १०; —कहा स्त्री० (-कथा) અમુક કુલ સારૂ અમુક કુલ ખરાબ ઇત્યાદિ કથા કરવી તે. कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि. talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २, – कित्तिकर त्रि० (-कीर्तिकर) કુલની ખ્યાતિ કરનાર. कुल की प्रशंसा करने वाला one who is a source of fame to the family नाया०१; भग० ११, ११,--केउ पुं० (-केतु-कुलस्य केतुः ध्वजःकुलकेतुः) કુલની ધ્વજા રૂપ कुल की

झया-पडाया रूप one who is like a flag or banner in a family i. e prominent in a family नाया॰ १, भग॰ ११, ११,—क्खय पु (-क्षय) कुलनो नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग॰ ३, ७, जीवा॰ ३; —घर न॰ (-गृह) पितृ गृह, पितृ गृह, मैका, पिता का घर the home of parents, the house of the family. नाया॰ ७; भग॰ १५, १; —घरवग्ग पु॰ (-गृहवर्ग) माता पिता भाई भाडु आदि समूह माता, पिता, भाई बधु आदि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc नाया॰ ७, —जसकर त्रि॰ (-यशस्कर) कुलनुं यश वधारनार कुल का यश बढानेवाला. (one) who increases the reputation of the family भग॰ ११, ११, नाया॰ १, —णंदिकर त्रि॰ (-नन्दिकर) कुलनी वृद्धि करनार कुल की वृद्धिकरने वाला (one) who is a source of increase and prosperity to the family नाया॰ १, भग॰ ११, ११, —तिलय. न॰(-तिलक) कुलनुं तिलक; कुलमां तिलक समान कुल का तिलक one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i e. brings fame to the family. नाया॰ १, भग॰ ११, ११; —दीव पुं॰ (-दीप=कुले दीप इव कुल दीप) कुलनो दीवो. कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया॰ १, भग॰ ११; ११, —धम्म. पुं॰ (-धर्म) कुलाचार. कुलाचार; कुल सम्बन्धी आचार rules of conduct which are observed in a family ठा॰१०, —धूया. स्त्री॰(-दुहितृ) कुलनी पुत्रि. कुल की पुत्री a daughter in a family. "सत्थय जेते इरियकुलाया केतिविहा प॰तं॰कुलमाउयाइय कुलधूयाइय" नाया॰ ५. —धूया. स्त्री॰ (-वधू) कुलनी वहु. कुल वधू a daughter-in-law in a family "तत्थयं जे ते तिविहा प॰तं॰ कुलकणिया इवा कुलमाउया इवा कुलधूया इवा" भग॰ १८, १०, —नंदिकर त्रि॰ (-नन्दिकर) जुओ "कुलणंदिकर" शब्द दखो "कुलणंदिकर" शब्द. vide "कुलणंदिकर" भग॰ ११, ११; —पडिणीय त्रि॰ (-प्रत्यनीक) कुलनो दुश्मन कुल का शत्रु. an opponent of a family भग॰ ८, ३३. —पव्वय पु॰ (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वत) कुलमां पर्वत समान कुल म पर्वत के समान (one) who is like a mountain (i e protector) in his family. नाया॰ १, भग॰ ११, ११, ज॰ प॰ ५, १२०, (२) क्षेत्रनी मर्यादा करनार पर्वत. चूल हिमवंत वगेरे क्षेत्र की मर्यादा करनवाला पर्वत, चूल हिमवंत आदि. mountains like Chūla Himavanta etc that bound a region of plains सम॰ ३८, —पायव पुं॰ (-पादप—छायाकरत्वात् आश्रयत्वाच्च कुलस्य पादप इव वृक्ष इव कुलपादपः) कुलने कल्पवृक्ष तुल्य कुल में कल्पवृक्ष के समान (one) who is like a shady tree to his family नाया॰ १, भग॰ ११,११;—पुण्णिमा स्त्री॰(-पूर्णिमा) कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. जं॰प॰ ७, १६३;

—मञ-य पुं० (-मद) કુલનો મદ, પિતાના પક્ષનો મદ કરવો તે कुल सम्बन्धी मद, पिता के पक्ष का मद. pride of high descent, pride of family "दुसहिं ठाणेहिं अहरुंसी तिथ भजा। तजहा-जाइ मएण वा कुल मएण वा" ठा० १०, भग० ८, ६, ठा० ८, १. —मसी. स्त्री० (-मषी) કુલને મેસરૂપ કલંક લગાડનાર कुल को मेस रूप कलंक लगाने वाली (a woman) who blackens the fame of a family पग्ह० १, ३, —माउया स्त्री० (-मातृका) કુલની માતા, कुल का माता mother of a family नाया० ४, भग० १८, १० —रोग पु० (-रोग) કુળનો રોગ આખા કુલને થનારો તેવો વ્યાધિ कुलसम्बन्धी रोग a disease affecting the whole family a disease from which all the members of a family suffer भग० ३, ७, —थइ पु० (पति) તાપસ મણ્ડળનો ઉપરી તાપસ ગુરુ, ઋષિયોમાં શ્રેષ્ઠ तापस लोगों का अधिपति, तापसी गुरु, ऋषियों में श्रेष्ठ the head of a group of ascetics, the preceptor of ascetics, the highest among saints पिं० नि० ४०३, सू० च० ७, १०१, —वंस पुं० (-वंश) કુલવંશ कुलवंश noble genealogy भग० ६, ३३, ११, १०; नाया० १ १६. —वंसतंतु. पु० (-वंशतंतु) કુલવંશના સંતાન कुलवंश की संतान. off-spring of a noble descent नाया० १, —वडिंसय. पु० (-वतंसक) કુલના મુગટ રૂપ कुल के मुकुट रूप. (one) who is like the crown of a family. भग० ११, ११; नाया० १; —बहुया स्त्री० (-वधूका) કુલની વહુ कुलवधू a daughter-in-law belonging to a noble family नाया० ४, —बहू स्त्री० (-वधू) સારા કુલની વહુ अच्छे कुल की वहु a daughter in law belonging to a noble family प्रव० २५४, पचा० ११, १८, —वित्तिकर त्रि० (-वृत्तिकर) કુળની આજીવિકા ચલાવનાર कुल की आजीविका चलाने वाला (one) who supports a family नाया० १, —विवड्ढणकर त्रि० (-विवर्द्धनकर) કુલની વૃદ્ધિ કરનાર कुलकी वृद्धि करनेवाला (one) who is a source of increase and prosperity to the family भग० ११, ११, नाया० १, —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य) કુળની સેવા કરવી તે कुलका सेवा करना rendering services to the members of a family वव० १०, २७, भग० २५, ७, आव० —संताण पु० (-सतान) કુળની સંતાન-સંતતિ कुलकी संतान. progeny of a (noble) family भग० ११, ११, —संपएण त्रि० (-संपन्न—कुलं पैतृक: पक्ष तत्सपन्न) જેના બાપ દાદા શ્રેષ્ઠ હોય તે કુળ સંપન્ન जिसके बापदादा श्रेष्ठ हो वह कुलसम्पन्न कहलाता है born in a noble or high family "जाई कुलसम्पन्नो पायमाकिंचन सेवईकिंच। आमे विउं च पच्छा तग्गुणाओ सम्मसमाणेए" ठा० ८, ३, १, विवा० १ नाया० ५० भग० २, ५, ६, ७, —सपन्न त्रि० (-सम्पन्न) જુઓ "कुलसंपएण" શબ્દ देखो "कुलसंपएण" शब्द. vide "कुलसंपएण" नाया० १; भग० २५, ७, ठा० ४, २; ३; —समुप्पएण. त्रि० (-समुत्पन्न) કુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ. कुल में उत्पन्न हुआ. born

in a noble family कप्प० १, २, —सरिस. त्रि० (—सदृश) કુલ સમાન-સરખું. कुलकी अपेक्षा से-समान worthy of the family in which one is born; bearing family resemblance. भग० ११, ११; नाया० १६,

कुलग्ग-य. न० (कुलक) શ્લોક કે ગાથાનો સમુદાય; એક સંબંધવાળી આઠ કે તેથી વધારે ગાથાઓનો સમુહ. श्लोक या गाथा का समुदाय, एक सम्बन्ध वाली आठ या उससे अधिक गाथाओंका समूह. A collection of verses eight or more in number and grammatically connected प्रव० १२६३,

कुलकोडी. पुं० (कुलकोटि) કુલકોડિ, જીવની ઉત્પત્તિ સ્થાનના પ્રકાર. जीव के उत्पत्ति स्थान के प्रकार Varieties of the sources of birth or origin of living beings प्रव० ३६, ६७७,

कुलक्ख. पुं० (कुलाक्ष) કુલાક્ષ દેશનો મનુષ્ય. कुलाक्ष देश का मनुष्य A man belonging to the country named Kulākṣa. पराह० १, १, पन्न० १,

कुलक्खण. न० (कुलक्षण) અપલક્ષણ; ખરાબ ચિન્હ. बुरे चिन्ह, अपलक्षण, कुलक्षण A bad sign or mark or characteristic पराह० १, १;

कुलगर पुं० (कुलकर) જુગલીયાનો રાજા, જુગલીયાની વ્યવસ્થા કરનાર. जुगलियों का राजा. The king or governor of the Jugaliyās जं० प० २, २६; सम० ६००; भग० ५, ५; कप्प० ७, २०६,

कुलत्थ. पुं० (कुलत्थ) કળથી; એક જાતનું ધાન્ય. कुलथी. A kind of pulse. वेय० २, १, दसा० ६, ४, जं० प० भग० ६, ७, १८, १०, २१, २, पन्न० १; ठा० ५, ३, नाया० ५, निर० ३, २, प्रव० १०१६,

कुलत्थ पुं० (कुलार्थ) કુલાર્થ નામે એક અનાર્ય દેશ. कुलार्थ नामक एक अनार्य देश. Name of an Anārya i. e. barbarous country प्रव० १५८८,

कुलत्था स्त्री० (कुलस्था) કુલીન સ્ત્રી. कुलीन स्त्री A nobly born woman नाया० ५, भग० १८, १०

कुलय पु० (कुलक) ચાર સેતિકા અથવા આઠ પસલિ પ્રમાણ માન વિશેષ. चार सेतिका अथवा आठ पसली प्रमाण तौल विशेष A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together) तद० अणुजो० १३२, पिं० नि० ८, प्रव० १३६६,

कुलल पु० (कुलल) ગીધ પક્ષી. गीध पक्षी, गीधड A vulture उत्त० १४ ४६, सूय० १, ११, २७, (२) સમડી. चाल a kind of bird उत्त० १४, ४६; पराह० १, १, (३) બીલાડો. बिल्लाव a cat दस० ८, ५४,

कुललय पु० ( ) પાણીનો કોગળો કરવો. ते पानीका कुल्ला A gargle प्रव० ८३६,

कुलविहि पु० (कुलविधि) જુઓ 'કુલકોડી' શબ્દ. देखो "कुलकोडी" शब्द. Vide "कुलकोडी" भग० ७, ५,

कुलाल पु० (कुलाट) માંજાર, બિલાડો. बिलाव, मार्जार. A cat सूय० २, ६, ८४,

कुलाल. पु० (कुलाल) કુંભાર. कुमार A

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

potter. क० गं० १, ५२;

कुलालय. पुं० (कुलाटक—कुलानि-गृहाएयां भिक्षार्थमटन्ति ते कुलाटा -मार्जारा कुलटा इव कुलाटका भाह .ः) भिलाडीनी पेठे गृद्ध थई घरेघर फरनार भिक्षु बिल्ली के समान लोलुप होकर घरघर फिरने वाला भिकारी A greedy mendicant wandering from house to house like a cat. सूय०

कुलालय पुं० (कुलालय—कुलानि-ग्रामग्रादि गृहाणी तानि निर्त्यं पिण्डपातान्वेषिणां परतकुकाणामालयां येषां ते कुलालयाः) जुओ उपलो शब्द देखो उपरका शब्द. Vide the above word सूय०२, ६, ४४, "जे भोयए णियए कुलालयाण" सय० २, ६ ४४,

कुलावकुल पुं० (कुलाकुल) अभिच, शतभिषक, आर्द्रा, अने अनुराधा ए चार नक्षत्र अभिजित शतभिषक आर्द्रा, और अनुराधा ये चार नक्षत्र The four lunar constellations, viz Abhicha, Satabhisaka, Ārdrā and Anurādhā ज० प०

कुलिंग. पुं० (कुलिङ्ग—कुत्सित लिङ्ग कुलिङ्ग) कुलिंग—शाक्य वगेरेनो वेष कुलिङ्ग-शाक्यादि वगैरह का वेश Garments worn by heretics, such as Śākyas etc सम० प० २३१; (२) कीडानी एक जात. माकड कीडेका जाति. खटमल a kind of insect, a bug विशे० १७५४, ओघ० नि० भा० २५५,

कुलिंगच्छाय. पुं० (कुलिंगछाय) जंतु विशेष जंतु विशेष A kind of insect भग० १८, ८,

कुलिंगि त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुत्सितं लिङ्ग कुलिङ्गं शिवसुखबाधक तल्लिङ्गते येषां ते कुलिङ्गिनः) कुतीर्थी पाखंडी. कुतीर्थी, पाखण्डी; बुरे धर्म का अनुयायी, मिथ्यात्वी. A follower of a false religion, a heretic. ओव० पगह० १, २,

कुलिय-अ त्रि० (कुलिक) कोलीयुं कौर A mouthful. नाया० २, ८, २, १३८, पगह० १, १, अणुजो० ६७. (२) हल हल. a plough विशे० ३२५; पगह० १, १, (३) ताटी टट्टी a fencing निसी० १३, ६; १६, २७,

कुलिय न० (कुड्य) भींत दीवाल A wall सूय० १, ०, १ १४. आया० २, १, ५, १४८;

कुलियकड त्रि० (कुलिकीकृत) कुलडाने आकारे ढगलो कियेल मिट्टी के लोटे के आकार ढेर किया हुआ Heaped up in the shape of an earthen pot वेय० २, २.

कुलीकोस पुं० (कुलीकोश) श्वेतहंस एक जातनु पक्षि सफेद हस. एक प्रकार का पक्षी A kind of bird a white swan. पगह० १, १.

कुवश्र पुं० (कुवय) अन्तःगड सूत्रना त्रीजा वर्गना अगीआरमा अध्ययननु नाम अत गड सूत्र के तासरे वर्गक ११ वें अध्यायका नाम Name of the 11th chapter of the 3rd section of Antagada Sūtra अन० ३, ११ (२) द्वारकाना बलदेव राजानी धारणी राणीना पुत्र के जे नेमनाथ प्रभुपासे दीक्षा लइ वीस वरसनी प्रव्रज्या पाळी चौद पूर्वनो अभ्यास करी शत्रुजय उपर एक मास नो संथारो करी, परम पद पाम्या. द्वारिका के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्वामी से दीक्षा ली, चौदह पूर्व का अभ्यास किया बीस वर्षोंतक

प्रव्रज्या का पालन किया और अन्त में शत्रुंजय पर्वत पर एक मास का संथारा कर के मोक्ष प्राप्त किया the son of Dhāraṇī the queen of Baladeva the king of Dwārakā city He (the son) took Dīkṣā from lord Neminātha and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvas, accepted Santhārā for a month on the mount Śatruñjaya and there attained the final bliss अंत० ३, ११,

कुवर न० (कूवर) નાવાનો આગલો ભાગ, નાવાનો મોરચાનો ભાગ नौक का अगला हिस्सा The front part of a ship or boat " संवुरिखय कट्ठ कुवरा " नाया ६,

कुवलय. न० (कुवलय) કમલ कमल A lotus कप्प० ३, ४२, ओव० ज० प० नंदी० ३१, (२) નીલોત્પલ કમલ. नीलोत्पल कमल, नीले पत्तों का कमल a lotus with blue leaves नाया० ६,

कुविअ-य त्रि० (कुपित) કોપેલ, ગુસ્સે થયેલ. कुपित, नाराज, क्रोधित Angry, enraged. "आयरिय कुवियनच्चा, पत्तिएण पसायए" नाया० १, ६, १६, दस० ६, १, ७; भग० ३, १, २, विवा० १, ८ परह० २, ५, उत्त० १, ४१ उवा० २, ६५, ज० प० ३, ५६;

कुविअ-य. न० (कुप्य) વાસણ વગેરે ઘર વખરી. गृह सामग्री Household articles and furniture such as vessels etc पराह० १, ४, प्रव० ७२६; —**गिह** पुं० (-गृह) ઘરવખરો રાખવાનું ઘર गृह सामग्री रखने का घर. a house in which household articles, furniture etc are kept. निसी० ८, ८, —**साला** स्त्री० (-शाला) જ્યાં ઘર વખરો રહે તેવું ઘર जहां घर सामग्री रहती है वह घर A house in which household furniture, vessels etc are kept पराह० २, ३, निसी० ८, ८,

कुविंद पुं० (कुविन्द) વણકર बुननेवाला; जुलाहा A weaver सु० च० ८, २३४,

कुविंदवल्ली स्त्री० (कुविन्दवल्ली) એ નામની એક વેલ इस नामकी एक वेल Name of a creeper पन्न० १,

कुविहायगइ स्त्री० (कुविहायोगति) અશુભ વિહાયો ગતિ, ઉંટીયાની માફક ખરાબ ગતિ. उंट के समान खराब चाल Bad repulsive gait like that of a camel. प्रव० १३०३,

कुवुट्ठि स्त्री० (कुवृष्टि-कुत्सिता वृष्टि कुवृष्टि) રોગોત્પાદક વરસાદ, ઋતુવિનાનો વરસાદ, માવઠું. रोगोत्पादक वर्षा, बिना ऋतु की वर्षा, मावठा Rain out of season; unwholesome rain ज० प० १, १०,

कुवेज्ज पुं० (कुवैद्य) ખરાબ વૈદ્ય, ઉંટ વૈદ खराब वैद्य A bad doctor, a quack पंचा० १५, ५,

कुवेणी स्त्री० (कुवेणी) એક જાતનું હથિયાર. एक प्रकार का शस्त्र. A kind of weapon. पराह० १, ३,

√**कुव्व** धा० I (कृ) કરવું करना To do

कुव्वइ उत्त० १, ४४, दस० ५, २, ४६;
कुव्वंति भग० ६, ४, नाया० १,
कुव्विज्जा वि० उत्त० १, १४,
कुव्वमाण आया० १, १, ३, १८; नाया० ९, पन्न० २;

कुब्बय. सूय० १, १, १, १२, २, ४, ११;

कुब्बकारिया. स्त्री० (कुब्जकारिका) એ નામની વનસ્પતિ. इस नाम की वनस्पति A kind of vegetation so named. पन्न० १,

कुवणा. स्त्री० (* करण) કરવું. करना Doing, act of doing भग० ६, ४,

कुस पुं० (कुश) એક જાતનું ઘાસ, દર્ભ, દાભડો एक तरह का घास, दाभ, कास A kind of grass, Darbha grass नाया० १, २, ६, अंत० ३, ८; ओव० १४, पन्न० १, उत्त० ७, २३, ६, ४४ १०, २, २६ २६, आया० २, २, ३, १००, भग० ६, ७, ७, १, ८, ६, २१, ६, जीवा० ३, ३; जं० प० —अंत पुं० (-अन्त) દાભડાનો અગ્રભાગ दाभ का अग्रभाग the point of the Darbha grass. राय० ६२, —ग्ग. न० (-अग्र) દર્ભનો અગ્રભાગ. દાભડાની અણી दाभ की अना the point of the Darbha grass आया० १, ६, १, १४२, भग० ६, ३३, —पत्त न० (-पत्र) દાભનું પાંદડું दाभ के पत्र-पत्ते, a blade of the Darbha grass. निसी० १८, १८.

कुसंघयण न० (कुसंहनन) હલકું સંઘયણ -શરીરનો બાંધો कमजोर सहनन शरीर का बाधा Bad, mean constitution of the body भग० ७, ६, जं० प०

कुसंठिय. त्रि० (कुसंस्थित) ખરાબ આકારે રહેલ कुसंस्थान; बुरे आकार का Remaining in, being in a bad, ugly conformation भग० ७, ६,

कुसण. न० (?) દહીં, ગોરસ दही, गोरस Curds. पिं० नि० ६०७,

कुसणिय न० ( ) દહિમાં છાશ વગેરે મસાલા નાખીને બનાવેલ કરંબો. दही में तक्रादि मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ. A food prepared of curds, butter milk, spices etc. mixed together. पिं० नि० २८२,

कुसत्त. पुं० (कुशक्त) પથારી ઉપર બિછાવવાના વસ્ત્રની એક જાત बिछोने पर बिछाने के वस्त्र की एक जाति A kind of cloth used as a covering of a bed. "अच्छरय मलयनवयतकुसत्तलिंबसीह केसरपच्चुत्थए" नाया० १;

कुसत्त पुं० (कुशावर्त्त) કુશાવર્ત્ત નામનો દેશ. कुशावर्त नामक एक देश A country named Kuśāvarta पन्न० १;

कुसमय पु० (कुसमय) કુશાસ્ત્ર, પાખંડમતના શાસ્ત્ર बुरे शास्त्र, पाखंड मत के शास्त्र False, heretical scriptures सम० २, नंदी० २२,

कुसल त्रि० (कुशल) નિપુણ, કુશલ, ચતુર; હોશીયાર चतुर, पटु, कुशल; दक्ष. Proficient, expert, clever नाया० १, ४, ५, ६, १३ १८, भग० २, ५; ६, ३३; ११ ११, राय० ३३, १२६, २६५, जीवा० ३, १ सू० प० २०; उत्त० २५, १६; ओव० १६, ३१, पचा० ८, २५, ५, ३७, ८, ५; १२, २०, १२, १५. प्रव० २३७; मत्त० ५६, जं० प० ३, ४७, विवा० २, (२) શુભ, સારૂ शुभ, उत्तम. wholesome; good पचा० १०, १४. प्रव० ६०३; —उदंत पु० (-उदन्त) ક્ષેમ કુશલ-સમાચાર राजीखुशी के समाचार. happy news, good news, e. g. about one's health and happiness.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

नाया॰ ८; १६; —जोग पुं॰ (-योग) मन, वचन, કાયાના શુભ વ્યાપાર મન, वचन और काया के शुभ व्यापार wholesome, good activity of thought speech and action पंचा॰ १३, ४०, —धम्म पुं॰ (-धर्म) પ્રાણાતિપાત વિરમણાદિ શુભ આચાર प्राणातिपात विरमणादि शुभ आचार right, good conduct consisting in cessation from killing etc पचा॰ १०,१४, —पवित्ति. स्त्री॰ (-प्रवृत्ति) કુશલ-શુભ મન, વચન, અને શરીરની પ્રવૃત્તિ कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति wholesome, good activity of mind, speech and body प्रव॰ ६०३, —पुत्त पुं॰ (-पुत्र) વૈદ્યશાસ્ત્રમા કુશળ એવો પુત્ર वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया॰ १३, —बंध पुं॰ (-बन्ध) પુણ્યાનુબન્ધી-પુણ્ય-કર્મનો બન્ધ. पुण्य से बंधे हुए पुण्य कर्म के बंधन bondage caused by good and meritorious actions पचा॰ ६, २३ —मणउईरण न॰ (-मनउदीरण) કુશલ-શુભ મનની ઉદીરણા કરવી कुशल मन की उदीरणा करना directing the mind towards good and auspicious things दस॰ ६, १, भग॰ २५, ७, —मति स्त्री॰ (-मति) ચતુર બુદ્ધિ, चतुर बुद्धि expert, proficient intellect पंचा॰ १३, ४२; —वइ-उदीरण न॰ (-वागुदीरण) કુશલ-શુભ વચનની ઉદીરણા કરવી कुशल वचन की उदीरणा करना. uttering kind and skilful words भग॰ २५, ७,

कुसलया. स्त्री॰ (कुशलता) કુશલપણું; હોશીયારી. कुशलता, होशियारी. Skilfulness; cleverness; proficiency. प्रव॰६४३;

कुसिस्स पुं॰ (कुशिष्य) ખરાબ શિષ્ય; અવિનીત ચેલો. खराब शिष्य. A bad disciple, a rude disciple. भग॰६, ३३; १५, १,

कुसील त्रि॰ (कुत्सित शीलमाचारो यस्येति) કુત્સિત આચારી, અસદ્વર્તન વાળો, અનાચારી, દુષ્ટસ્વભાવ વાળો. दुष्ट आचार वाला; कुत्सित व्यवहार वाला, अनाचार करने वाला; दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct, of bad character पिं॰ नि॰ भा॰ ४८, उत्त॰ १, १३, भग॰ २५, ६, दस॰ १०, १, १८, ठा॰ ३, ३; नाया॰ ५, वव॰ १, ३४, ओघ॰ नि॰ ३०३; ७६३, निसी॰ ४, ३०, गच्छा॰ ४८, प्रव॰ १०३, ७३२, (२) न॰ અનાચાર, દુષ્ટ-આચાર अनाचार, दुष्ट आचार. bad character, wicked conduct सूय॰ १, ७, ५; भग॰ १०, ४, —पडिसेवणा स्त्री॰ (-प्रतिसेवन) કુશીલ સેવવું તે, બ્રહ્મચારીએ સ્ત્રીઆદિને આલિંગન દેવું તે कुशील सेवन करना, ब्रह्मचारी का स्त्र्यादि को आलिंगन करना act of taking to a dishonourable course of conduct, sexual intercourse by a person professing to be a bachelor ठा॰४,४,—लिंग न॰(-लिङ्ग) આરંભાદિ કુશીલ ચેષ્ટા आरंभादि कुशील चेष्टा a wicked action, such as injuring, killing etc. दस॰ १०, १, २०, —वड्डणठाण. न॰ (-वर्द्धनस्थान) જેથી કુશીલ-દુરાચાર વધે તે जिससे कुशील-दुराचार बढे वह a source or cause of enhancement in wicked practices दस॰ ६, ५६, —विहारि त्रि॰ (-विहारिन्) કુત્સિતશીલ વાળો. कुत्सित

शील वाला. (one) of bad or doubtful character भग० १०, ४, नाया० ५, —विहारिणी स्त्री० (-विहारिणी) ખરાબ આચારવાળી (સ્ત્રી), દુરાચારિણી खराब चालचलन वाली स्त्री, दुराचारिणी a woman of bad character नाया० ७० नाया० १४, —संसग्गि त्रि० (-संसर्गिन्) નઠારાનો સંગ કરનાર निठल्ले का साथी (one) who associates with the wicked नाया० १०,

कुसीलपरिभासिय न० (कुशील परिभाषित) સુયગડાંગ સૂત્રના સાતમા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં કુશીલ-અસદાચારી કુલિંગીનું વર્ણન છે सूत्रकृतांग के ७ वे अध्ययन का नाम जिसमें कुशील-अनाचारी कुलिंगी का वर्णन है Name of the 7th chapter of Sūyagaḍāṅga Sūtra dealing with or describing persons of bad character सूय० १, ७, ३० सम० १६, २३,

कुसीला स्त्री० (कुशीला) જેનો ખરાબ આચાર છે તે कुत्सित आचार वाला (A woman) of bad character नाया० १५, नाया० ध०

कुसुंभ पु० (कसुम्भ) કુસુંભવૃક્ષ કુસુંબાનું ઝાડ कुसुम्भ का झाड, कसुंब का वृक्ष A kind of tree called Kusumbha प्रव० २२०, आव० नि० ४४६, पन्न० १, (२) એક જાતનું ધાન્ય एक जाति का धान्य a kind of corn, a kind of cereals. भग० २१, ३ —वण न० (-वन) કુસુંબાના વૃક્ષનું વન कुसुम के वृक्षों का बन a forest of Kusumbha trees. निसी० ३, ७१. भग० १, १,

कुसुंभग पुं० (कुसुम्भक) કુસુંબો; કુસુંબી રંગ कुसुंबा, कुसुम्भी रंग;सुर्ख रंग. A kind of red dye. जं० प० पण्ह० १, ३; (२) એક જાતનું ધાન્ય एक जाति का धान्य a kind of cereals. भग० ६, ७;

कुसुंभय पुं० (कुसुम्भक) કુસુંબાના રાતા ફૂલમાંથી નીકળતો લાલ રંગ कुसुंबे के लाल फूलों में से निकलता हुआ लाल रंग A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१

कुसुम न० (कुसुम) કુસુમ, પુષ્પ, ફૂલ पुष्प फूल. कुसुम A flower जं० प० ५, ११२, ११४, नाया० १, ८, ११, १४, भग० १, १, ७, ६, ११, ११, दसा० १०, १, पन्न० १७; आव० २२ राय० २७, ३६ सू० प० २०; उत्त० ३४, ८, अणुजो० ११८; नदी० १४, उवा० १, ३० कप्प० ३, ३२, ३७, प्रव० ४५५, ११९६; (२) पु० પદ્મપ્રભ પ્રભુના યક્ષનું નામ पद्मप्रभ प्रभु के यक्ष का नाम name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthankara प्रव० ३७५, —आसव पु० (-आसव) ફૂલનો રસ फूल का रस juice of flowers नाया० १ —कुंडल न० (-कुण्डल) ફૂલના આકારનું કાનનું આભરણ, કાન ફૂલ फूल का आकृति वाला कान का आभूषण करनफूल an ear-ornament of the shape of a flower अंत० ३, ८, —घर न० (-गृह) ફૂલનું ઘર फूलों का घर a flower-house नाया० ३, ६; —घरय न०(-गृहक) જેમાં ફૂલ પાથર્યાં રહે તેવું ઘર जिस घरमें फूल बिखरे हुए हों वह a house carpeted with flowers राय० २३६, नाया० ३; जं० प० —णिअर पुं० (-निकर) ફૂલનો સમૂહ. फूलों का समूह. a collection of

flowers जं० प० ५, १२२, —णिगर पुं० (-निकर) જુઓ "कुसुमणिगर" શબ્દ देखो "कुसुमणिगर" शब्द vide. "कुसुमणिगर" ज० प० ३, ४५, —दाम न० (-दामन्) ફૂલની માલા. फूलों की माला a garland of flowers नाया० १६, —पत्थर पु० (-प्रस्तर) ફૂલનું બીછાનું, કુસુમશય્યા फूलोंकी शय्या, कुसुम का बिछौना a bed of flowers नाया० १३, —रासि पु० (-राशि) ફૂલનો ઢગલો कुसुम का समूह, फूलोंका ढेर a heap of flowers कप्प० ४, ६०, —वुट्ठि स्त्री० (-वृष्टि) ફૂલનો વરસાદ कुसुम वृष्टि, फूलों का बरसना a shower of flowers नाया० ६, प्रव० ४४६, पन्ना० २, १४, —सर पु० (-शर) કામ દેવ कामदेव Cupid, the god of love सु० च० १, ८०,

कुसुमनगर न० (कुसुमनगर) પાટલીપુત્રનું અપર નામ पाटलीपुत्र का दूसरा नाम Another name for the town of Pātalīputra प्रव० ८०८

कुसुमपुर न० (कुसुमपुर) એ નામનું શહેર પાટલીપુત્ર (પટના) इस नाम का शहर, पाटलीपुत्र (पटना) Name of a town (also called Pataliputra) पिं० नि० भा० ४४,

कुसुमसंभव. पु० (कुसुमसभव) વૈશાખ માસનું લોકોત્તર નામ वैशाख माह का लोकोत्तर नाम The month of Vaiśākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. ज० प० ७, १५२,

कुसुमिअ-य त्रि० (कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाणि सञ्जातानि एषामिति कुसुमिता) ફૂલવાળું फूल वाला Flowery. भग० १, १, ओव० जीवा० ३, ३, नाया० ६, राय० ज० प० ७, १७७

कुसुमित त्रि० (कुसुमित) જુઓ "कुसुमिअ-य" શબ્દ. देखो "कुसुमिअ-य" शब्द Vide "कुसुमिअ-य" भग० १६, ६,

कुसेज्जा स्त्री० (कुशय्या) દુષ્ટ શય્યા-સ્થાન दुष्ट शय्या-स्थान A vitiated dormitory भग० ७, ६, ज० प० २

√**कुह** धा० I (-कुथ्) સડવું, કોહવું. सड़ना. To rot, to decay
कुहेज्जा वि० अणुजो० १३६,

कुहअ पु० (कुहक) ઇંદ્રજાલ, કુતુહલ इद्रजाल कौतूहल An enchantment, a charm, curiosity दस० १०, १, २०

कुहंड पु० (कुष्माण्ड) વ્યન્તર દેવતાની એક જાત व्यन्तर देव की एक जात A species of a Vyantara gods पण्ह० १, ३, ओव० २४ पन्न० २,

कुहंडय पु० (कुष्माण्डक) કોળું, શાકની એક જાત एक जाति का फल कि जिसका भाजी (साग) बनती है, कुष्माण्ड A kind of vegetable a gourd पन्न० १७,

कुहंडी स्त्री० (कुष्माण्डी) દૂધી, નઈ लौकि; तुम्बी A kind of vegetable, a kind of large fleshy fruit of white colour राय० ५४, जावा० ३, ४;

कुहकुह पुं० (कुहकुह) કુહુ કુહુ એવો અવાજ. कुहु कुहु ऐसा शब्द An onomatopoetic word meaning the sound resembling "Kuha Kuha" नाया० ८,

कुहण न० (कुहन) એક જાતની વનસ્પતિ; ભૂમિફોડા इस नाम की एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation पन्न० १, जीवा० १, (२) त्रि० કુહણ દેશનો

—रहेवासि कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhuṇa पराह० १, १,

कुहणा स्त्री० (कुहुना) छत्रीना आकारनी वनस्पति, भूमिफोडा छाते के आकार की वनस्पति, भूमि फोडा A kind of vegetation of the shape of an umbrella पन्न० १,

कुहम्म पु० (कुधर्म) खोटो-पाखण्ड धर्म मिथ्या-पाखड धर्म False religion, heretical creed भत्त० ६०,

कुहर न० (कुहर) पर्वतनी गुफा गिरि कदरा, पर्वत की गुफा A cave of a mountain नंदी० १४, नाया० १, ५, पराह० १, ८, राय० ८८

कुहाड पु० (कुठार) कुहाडा; लाकडा कापवानुं हथियार कुल्हाडा, लकडी काटनका औजार An axe उत्त० १६, ६७, सूय० १, ५, १, १४

कुहिंचिय अ० (कुत्रचित्) क्यांक, कोइ स्थले कहीं भी, किसी स्थान पर Somewhere, in some place or other नाया०८,

कुहिय त्रि० (कुथित) कोहाइ गएलुं, सडी गएलुं गला हुआ, सडा हुआ Rotten decayed decomposed तद० पराह० १, १, नाया० १, ४, १२, जीवा० ३, १,

कुहुण. पु० (कुहुण) उद्भिज्ज जातनी एक वनस्पति, भूमि फोडा उद्भिज जाति की एक वनस्पति, भूमि फोडा A kind of vegetation growing by germination भग० १५, १; २३, ३,

कुहुव्वय. पुं० (कुहुव्रत) एक जातनो कंद एक जाति का कद A kind of bulbous fruit उत्त० ३६, ६७;

कूडेडग पु० न० (*) अजमो. अजवायन. Thyme प्रव० २११, पंचा० ५, १०,

कूअणया. स्त्री० (कूजन) पीडित स्वरथी रडवुं ते दुःखी स्वर से रोना A piteous cry. ठा० ३, ३,

कूइअ न० (कूजित) पक्षिना जेवो अव्यक्त शब्द पक्षि जैसा अव्यक्त शब्द Indistinct sound like that of a bird उत्त० १६ ४,

कूचिया स्त्री० (कर्चिका) परपोटो बुदबुदा A bubble विशे० १४६७,

कूजिय न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि अव्यक्त ध्वनि Indistinct note or sound पराह० २, ४,

कूड पु० (कूट) कूट नामनो द्वीप तथा समुद्र कूट नामका द्वीप और समुद्र A continent of that name, an ocean of that name जीवा० ३, ४, पन्न०१५, (२) शिखर, पर्वतनी टुक, टोच शिखर, पर्वत की टोक, पर्वत की चोटी top of a mountain भग० ५, ७, नाया० १, नंदी०१३, ४७, सू० प० १६, अणुजो०१०३; १३६, ओव० १०; ३१; पन्न० २; ठा० २,४, ज० प०५, ११४ (३) द्रव्य कूट-पाश, भाव कूट-स्नेह, राग बंधन. द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फांसी होती है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव है जिससे कर्म बंध होता है a snare, a trap; excessive attachment (which is a snare) नाया० १७, पिं० नि० १०६, सूय० १, १३, ६, (४) कूड कपट, मायाकषायनुं पर्याय नाम. कपट माया कषाय का पर्यायवाची नाम.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

deceit. सम० ५२, पण्ह० १, २; (५) તોલમાં-માપમાં ન્યૂનાધિકતા રાખવી તે. नापतोल में ज्यादह कमती देना using false weights and measures. सूय० २, २, ६२, (६) પાશલો, માણુસને ગલામાથી ભિંચવાનું યંત્ર पाश, मनुष्य को गले में डाल कर मारने का यंत्र, फांसी gallows सूय०१, ५, २ ६८, (७) નરક नरक. hell. उत्त०५,५, (८) દુઃખનુ ઉત્પત્તિ સ્થાન. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source of pain or misery सूय० १, ५, २, १८; (९) દરવાજાનો ઉપરનો ભાગ, માઢ द्वार के ऊपर का भाग the upper part of a gate राय० १०७, (१०) त्रि० ખોટું અસત્ય, દગાબાજી झूठ; असत्य, दगाबाज. falsehood, deceit पंचा० ३, ३६, नाया० २, —उवमा स्त्री० (-उपमा) જેમ કોઇ શિકારીએ પાશલો રચ્યો હોય તેમા જેમ મૃગનુજ બધન થાય છે શિકારીનુ નહિ તેમ ગૃહસ્થ સાધુને માટે રસોઇ નિપજાવે તેમાં સાધુનેજ બંધનદોષ લાગે ગૃહસ્થને કંઇ નહિં એવી રીતે ઉપમા આપવી તે इस प्रकार की उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारीके फैला ये हुए जालमे मृगकाही बंधन होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसोई बनाने वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दोष लगता है a false analogy, e g just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has prepared it पिं० नि० १०६; —जाल. न० (-जाल) પાશયુક્ત જાળ. फांस सहित जाल a net that entraps; a snare उत्त० १६, ६४; —तुला. स्त्री० (-तुला) ખોટું તોલ. झूठा तौल a false weight सूय० २, २, ६२, भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास पु० (-पाश) મૃગલાને ફસાવવા કપટ કરીને પાશ રચવો તે मृग को फंसाने के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer विवा० ८; भग० १, ८; —माण न० (-मान) ખોટા માપ રાખવા તે, શ્રાવકના ત્રીજા વ્રતનો એક અતિચાર खोटे माप रखना, श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार act of using false weights, a partial violation of the third vow of a Jaina layman सूय० २, २, ६२, पण्ह० १, २; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —माणतुलकरण. न० (-मानतुलकरण) ખોટુ માપ અને ખોટાં તોલા વાપરવા તે, ત્રીજા વ્રતનો એક અતિચાર खोटा माप और खोटा तौल रखना, श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार act of using false weights and measures, partial violation of the third vow. प्रव० २७७, —लेहकरण न० (-लेखकरण) ખોટો લેખ લખવો તે, બીજા વ્રતનો પાચમો અતિચાર झूठा लेख लिखना, दूसरे व्रत का पांचवां अतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow पंचा० १, १२; प्रव० २७६; —सक्खिज्ज. न० (-साक्ष्य) ખોટી સાક્ષી ભરવી मिथ्या-झूठी साक्षी देना. act of giving false evidence; false evidence. पंचा० १, ११, —सामिय त्रि० (-स्वामिक)

कूट समान; कूड जेवुं. शृंग के समान; चोटी के सदृश resembling the top or summit नाया० १३.

कूडग त्रि० (कूटक) ખોટું गलत, अशुद्ध False; untruthful पचा० ३, ३४,

कूडया स्त्री० (कूटता) તોલનુ ઓછાવત્તાપણુ. तौल की न्यूनाधिकता-कमी बेशी State of a weight being either above or below the standard पराह०१,३.

कूडसामलि पु० (कूटशाल्मलिन्) કૂટશાલ્મલી નામનું વૃક્ષ કે જેમા જંબુવૃક્ષની માફક આઠ જોજનની ઉંચાઈ છે અને જે ગરૂડ જાતના વેણુદેવ નામે દેવતાનો આવાસ રૂપ છે कूट शाल्मली नामका वृक्ष जिसका जम्बु वृक्ष की तरह आठ योजन की उचाइ है तथा जिसपर गरुड जाति के वणु देव नाम के देवता का निवास स्थान है Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venu-deva deities belonging to the Garuda family "दोकूड सामलीचेव" ठा० २, ३, सम० ८, —पेढ पु० (-पीठ) દેવકુરૂ ક્ષેત્ર નાપશ્ચિમાર્ધને મધ્યભાગે આવેલ કૂટશાલ્મલી વૃક્ષનુ પીઠ-ઓટલો देवकुरु क्षेत्र के पश्चिमार्द्ध के मध्य भाग में कूट शालमली' वृक्ष का पीठिका ओटला the base of the tree called Kūta Sālmalī situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Ksetra ज० प० ४, १००

कूडागार पु० (कूटागार) શિખર બધ ઘર, શિખર ઉપરનુ દેવાલય शिखर बन्ध घर; शिखर ऊपर का देवालय A house or a temple situated on the summit of a mountain. आया० २, ३, ३, १२७ नाया० १३, निर० ३, १; ठा० २, ४, ४, १, (२) પર્વતમા કોતરેલ ઘર पर्वत में खोदाहुआ गृह a house carved out of a rock जं० प० २, २१; ६, १२५; —दिट्ठंत पु० न० (-दृष्टान्त) શિખરવાલા ઘરનુ દૃષ્ટાન્ત शिखर वाले घर का दृष्टांत. an illustration of a house built on a mountain summit नाया० १३, —साला स्त्री० (-शाला) શિખરને આકારે શાલા-સભા-બેઠક शिखर के सदृश शाला-सभा-बैठक a seat in the shape of a mountain summit भग० ३, १. विवा० ३; सूय० २, २, ५५

कूडाहच्च न० (कूटाहत्य कूटे इव तथाविध पाषाणसम्पुटादौ काकाविलम्बाभावसाधर्म्यादाहत्या हनन यत्र तत्कूटाहत्यम्) એક ઘા મારવાથી પર્વતથી શિખર પડે તેમ ધડ ઉપરથી માથુ ઉતરી નીચે પડે તેને યોગ્ય, એક ઘાયે શિખરની માફક નીચે પાડવા યોગ્ય जैसे एक चोटसे पर्वत पर से शिखर नीचे गिरपडताहै वैसेही धडसे सिर का नीचे गिरपडना, एक चोटसे शिखर की तरह नीचे गिराने योग्य One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain "तोणं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि" भग० १५, १, राय० २४७, भग० ७, ६, १५, १;

कूणिअ-य पु० (कोणिक) શ્રેણિક રાજાની ચેલણા રાણીથી ઉત્પન્ન થયેલો મોટો પુત્ર કોણિક, ચ પા નગરીના રાજા श्रेणिक राजा की चेलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र कोणिक राजा चम्पानगरी का नरपति.

- Name of a king of the town called Champā, son of king Śreṇika and queen Chelaṇā. ओव० ६, निर० १, १; नाया० ८, उवा० १, ८,

कूबर पु०(कूबर) मल्लिनाथजीना यक्षनु नाम मल्लिनाथजी के यक्ष का नाम Name of the Yaksa of Mallinatha. प्रव० ३७६,

कूम्मग पु० (कूर्मक) काचबो कछुआ A tortoise. नाया० ४,

कूर पुं० (कूर) भात चावल Rice उत्त० १२, ३४, (२) साथवो, खावानी एक वस्तु सत्तू, खाने की एक वस्तु a kind of food prepared by baking corn and grinding it सू० प० ११, पिं० नि० १६१, ठा० ३, ३, सम० १, (३) एक जातनी वनस्पति एक जात की वनस्पति a kind of vegetation सूय०२,३,१६,

कूर त्रि० (क्रूर) क्रूर, भयंकर, निर्दय, घातकी क्रूर, भयंकर, निदय, घातकी Cruel, terrible नाया० ८, आया० १, ४, २, १३२, उत्त० ५, ८, दसा० ६, ४, —ग्गह पु०, (ग्रह) सूर्य, मंगल, शनि, अने राहु ए चार ग्रह ज्योतिःशास्त्र प्रमाणे क्रूर ग्रह कहेवाय छे सूर्य, मंगल, शनि और राहु ये चारों ग्रह ज्योतिष शास्त्रानुसार क्रूर ग्रह कहे जाते हैं any of the four planets viz the Sun, Mars, Saturn and Rāhu regarded in scriptures as cruel गणि० १६,

कूरत्ता न० (क्रूरता) तोईकोडी नामे वनस्पतिनुं स्वरूप लालकनेर नामक वृक्ष का स्वरूप The shape of a certain kind of vegetation called Toi-Kodi सूय० २, ३, १६,

कूरि त्रि० (क्रूरिन्) क्रूर, निर्दय क्रूर निर्दय Cruel, ruthless पण्ह० १, ३,

कूल न० (कूल) कांठो, किनारो तट, किनारा. A bank, a shore ओव० ३८, पिं० नि० ५०५ अ०प० जीवा० ३, ४, नाया०१,

कूलधम पु० (कूलधम) नदीने कांठे उभा रही शंख धमी राम शब्द पोकारी जमे तेवा तापस, तापसनी एक जात नदी के किनारे खडे रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर भोजन करे एसा तपस्वी, तपस्वी का एक जाति A class of ascetics who take their food after blowing loudly a conch shell, standing on the bank of a river निर०३,३,

कूलधमग. पु०(कूलधमक्) जुओ 'कूलधम' शब्द देखो ' कूलधम शब्द. Vide ' कूलधम ' निर० ३, ३, भग०११, ६.

√कूव. धा I (कूज) बुम पाडवी राना; चिल्लाना To shout to bawl aloud.

कूवत व० कृ० उत्त० १६, ५४,

कूवमाण व० कृ० विवा० ७, नाया० १८

कूव न० ( ) चोराइ गयेली वस्तुने पाछी वाळवा माटे यत्न ने चुराई गई वस्तु का फिर प्राप्त करने के लिये उतारु होना Act of helping a man in rescuing his stolen property ' अतया ग्रह अमर कंका रायहाणी दोबतीए कूव गच्छामि " नाया० १६;

कूव पु० (कूप) कुवो कुआ A well नाया० २, ८, जीवा० ३, ३, पचा०६, ४२;

---

* जुओ पृष्ट नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

—णाय. न० (-ज्ञात) કુવાનું ઉદાહરણ-દૃષ્ટાંત. कूए का दृष्टांत-उदाहरण an illustration of a well, e g in a story पंचा० ४, १०, —दुदुर. पु० (-दर्दुर) કુવાનો દેડકો. कूए का मेंढक a frog in the well. नाया० ८, —मह. पु० (-मह) કુવાનો મહોત્સવ. कूए का महोत्सव a festival connected with a well भग० ६, ३३.

कूवय पु० (कूपक) કૂવા થંભ; વહાણ કે જહાજની વચ્ચેનો થાભલો. जहाज या नाव के मध्य का खंभा The main-mast of a ship. ओव० २१

कूविय पु० ( ) ચોરાઇ ગયેલી વસ્તુની વારે ચડનાર चुराई हुई वस्तु का लाने के लिये उद्यत होने वाला One who helps another in rescuing stolen property तंदु० पिं० नि० ११६, —बल न० (-बल) વારે ચડેલ લશ્કર युद्ध पर गया हुआ सैन्य an auxiliary army coming as a re-inforcement " सुबहुस्स विकुविय बलस्स आगयस्सदुपससया विहोत्था " नाया० १८

कूहणत्ता स्त्री० (कुहणत्व) કુહણ વનસ્પતિપણું कुहन वनस्पतिपना State of being the vegetation called Kuhaṇa सूय० २ ३. १६

केआण न० (केतन) વાંકી વસ્તુ, ધનુષ્યની કમાન વગેરે टेढी वस्तु, धनुष्य की कमान वगैरह Anything curved in shape i e a bow etc ठा० ६, २,

केइ अ० (कश्चित्) કોઇ એક कोई एक Some one " केइ राया रायपुत्तो " विवा० २, दसा० ६, ४, ७, १; भग० २, १; २, ५, ३, ३, ६, १, ८, १; १३, ७; १८, १; नाया० १, २; ८,१२, १४, १७, दस०५, १, ६५, क० गं० ३, ११, सम० ३०; पन्न० १, पिं० नि० १०२, नाया० १६, दसा० ३, १२; १३, सु० च० १५, ६७; सूय० १, १, ४, ८, वव० १०, १, वेय० १, ३७, पन्न० ३५, भग० ८, १, दस० ३, १४;

केउ पु० (केतु) કેતુ નામનો ગ્રહ केतु नाम का ग्रह A planet so named. ओव० २५, सू० प० २०, राय० २०८, (२) ધ્વજા ध्वजा a flag. (३) ચિન્હ; નિશાન चिन्ह, निशान a sign; a signal कप्प० ३, ५२, राय० १२३, जीवा० ३, ४; ओव० नाया० १,

केउअ-य पु० (केतुक) લવણ સમુદ્રની મધ્યમાં દક્ષિણ દિશામાં રહેલ કેતુક નામનો મહાપાતાલ કળશો लवण समुद्र के मध्य में दक्षिण दिशा की ओर केतुक नाम का महापाताल कलश The Mahāpātāla pot named Ketuka situated in the middle of Lavana ocean in the south ठा० ४, २, जीवा० ३, ४,

केउं सं० कृ० अ० (क्रीत्वा) વેચાતી લઇને खरीद कर, मोल लेकर Having bought विशे० १४३५,

केउग पु० (केतुक) કેતુક નામનો લવણ સમુદ્રમાનો દક્ષિણ તરફનો પાતાલકલશો लवण समुद्र के दक्षिणकी ओर का केतुक नामका पाताल कलश The Pātāla pot Ketuka situated in the south of Lavana ocean सम० ५२;

केउभूअ-य न० (केतुभूत) સિદ્ધ સેણિઆ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

अने मणुस्स सेणिआ परिकर्मनो पांचमो भेद अने पुट्ठ सेणिआदि पांच परिकर्मनो सातमो भेद सिद्धश्रेणी और मनुष्य परिकर्म का पांचवां भेद और पुट्ठ श्रेणि आदि पांच परिकर्मों का सातवां भेद The fifth division of Siddha Senıā and Maṇussa Seṇiā and the 7th division of the five Parikarmas viz Puttha Seṇiā etc नंदी० ५६, सम० १२,

केउमई स्त्री० (केतुमती) किन्नर देवताना इंद्र किन्नरनी बीजी पटराणी किन्नर देवताओं के इन्द्र किन्नर की द्वितीय पटरानी The second crowned queen of Kinnara the Indra of Kinnara gods भग०१०,५, ठा०४,१ नाया०ध०५,

केऊर पु० (केयूर) बाजुबंध एक आभूषण. बाजूबंध, एक आभूषण An ornament worn on the arm सम० ६, ३३, नाया० १, राय० ७७, १८६, निर्मा० ७, ८, कप्प० २, १४, ज० प० ५, ११५,

केकई. स्त्री० (कैकयी केकयानां राजा कैकयः तस्येयं) कैकेयी-आठमा वासुदेवनी माता कैकेयी-आठवे वासुदेव की माता Name of the mother of the 8th Vāsudeva सम०प० २३५, (२) पश्चिम महाविदेहनी सलिलावती विजयनी वीतसोका नगरीनुं बीजुं नाम पश्चिम महाविदेह सलिलावती विजयकी वीतशोका नगरी का दूसरा नाम the other name of the city Vītaśokā of Salilavatī Vijaya in the western Mahā videha सम०

केकय. पुं० (केकय) केकय नामनो एक देश केकय नामका एक देश A country of this name (२) त्रि. ते देशना रहेवासी उस देश का निवासी. a resident of that country पन्न० १; पराह० १, १; राय० २०५;

केकयद्ध पु० (केकयार्द्ध) केकय देशनो अर्द्ध-भाग परदेशी राजानो देश केकय देश का अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The half of the Kekaya country, the dominion of the king named Pardeśī राय० २०५,

केकाइय न० (केकायित) मोरनो शब्द. मयूर का शब्द The cry of a peacock नाया० ३;

केकारव. पु० (केकारव) मोरनो शब्द मयूर का शब्द The cry of a peacock नाया० १,

केक्कय पु० (कक्कय) केक्कय नामनो अनार्य देश कैकय नाम का अनार्य देश Name of an uncivilised country प्रव०१५८८;

केक्कारव पु० (केकारव) जुओ "केकारव" शब्द दखो "कंकारव" शब्द Vide "केकारव" नाया० ३,

केणइ अ० (कर्नाचत्) कोइ ओ पण किसी न भी By any body; by some body or other दस०४, १, ४३, ज०प०नाया० २, ८, १६, भग० १४ १,

केतई स्त्री० (केतकी) केतकी केतकी A flowering plant so named भग० १५,६,--पुड पु० (-पुट) केतकीनो पडो केतकी का पुडा a packet of Ketakī. भग० १५, ६,

केतु पु० (केतु) ८८मा ग्रहनुं नाम ८८वें ग्रह का नाम Name of 88th constellation सू० प० २०,

केतुमई स्त्री० (केतुमती) किन्नरनी बीजी राणीनु नाम किन्नर की दूसरी रानी का नाम. Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ८;

केदार. न०(केदार)ક્યારો. क्यारी. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden नाया० ७;

केमहालय. त्रि० (किवन्महत्) કેટલું મ્હોટું कितना मोटा How much big. ज प० ७, १३४;

केय न० (केतन कित निवासे-कित्यते उष्यतेऽस्मिन्निति) ગૃહ, ઘર. गृह; घर. A house. "केयं मिहम्मि सहलेब" प्रव०१६६,

केयइअद्ध न० (केकयार्द्ध) કેકય દેશનો અર્ધો ભાગ केकय देश का अर्द्धभाग-आधा हिस्सा The half of the country Kekaya " सयावयाव नयरी, केयइअद्ध चआरिय भणिय " पन्न० १,

केयई स्त्री० (केतकी) કેતકીનું ઝાડ केतकी का झाड The Ketakī plant राय० पन्न०१,जीवा०३,४; भग० ८,२, —पुड पु० (-पुट) કેતકીનો પડો. केतकीका गड्डा-बंडल a packet of Ketakī नाया० १७,

केयकंदली स्त्री० (केतकदली) એક જાતનો કંદ एक जाति का कंद. A kind of bulbous root उत्त० ३६, ६७,

केयण न० (केतन) ધનુષ્યની કમાન धनुष्य का कमान The wooden bow उत्त० ६, २१, (२) મત્સ્ય બંધન જાલ मत्स्य बंधन, जाल-फास a net, a snare. सूय०१,३,१, १३, (३) બે પ્રકારનું કેતનઃ- १-द्रव्य કેતન-ચાલિની અથવા સમુદ્ર, २-ભાવ કેતન-લોભેચ્છા. दो प्रकार का केतन १-द्रव्य केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव केतन-लोभेच्छा a Ketana of two sorts viz. one like that of a sieve or a ocean and the other like that of a greed. आया० १, २, २, ११३;

केयति. पुं० (केतकी) કેવડાનું વૃક્ષ. केवडे का झाड. A Kevadā tree. भग०२ २, १;

केयव्व. त्रि० (क्रेतव्य) લેવું, ખરીદવું लेना; खरीदना Purchasing, buying उत्त० ३५, १५,

केयाघडिया. स्त्री० (*) દોરીને છેડે બાંધેલ ઘડી रस्सी से बांधी हुई घडी. A clock fastened to the end of a string. भग० १३, ८,

केयार पु० (केदार) અનાજના ક્યારા. अनाज का क्यारा. Plots of corn नाया० ७,

केवइयंती. अ० (कंचन) કેટલા એક. कितने एक A certain number. आया० १, ४, २, १३३;

केयूर. पु० (केयूर) બાજુબંધ बाजूबंध. An ornament worn on the arm. ओव० १२, जीवा० ३, ३, प्रव० १५८६,

केरिस. त्रि० (कीदृश) કેવું, કેવા પ્રકારનું; કેનાજેવું कैसा, किस तरह का; किस सरीखा. Of what sort or nature उत्त २३, ११, पन्न०१७ विशे०३२६; भग० १,१;२,५; ३, १, सत्था०३१; जीवा०३, ३, " अनुभावे केरिसे वुत्ते " सू० प० १, जं० प० १, २१,

केरिसअ-य त्रि० (कीदृशक) કેવું ? કેવા પ્રકારનું ? कैसा ? किसतरह का ? Of what sort or nature. नाया० ८, जं० प० निर० १, १; भग० ६, ५, ७; ७, ६, १२, ६; १३, ४, १९, १, ३६, ३.

केलास. पु० (केलास) અંતગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ. अंतगड

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

सूत्र के छुटे वर्ग के सातवें अध्ययन का नाम Name of the 7th chapter of the 6th section of Antagada Sūtra अंत० ६, ७, (२) સાકેતન નગર નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જેણે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ બાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સંથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી साकेतन नगर के निवासि एक गाथापति, कि जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर बारह वर्ष तक सयम पाल विपुल पर्वत पर संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया a merchant of Sāketana city who took Dikṣā from Mahāvīra Swāmī, observed it for 12 years and performing Santhārā on the Vipula mount, attained salvation अंत० ६, ७, (३) રાહુના નવમા પ્રકારના પુદ્ગલનું નામ राहु के नव प्रकार क पुद्गल का नाम name of the 9th variety of the molecule of Rāhu सू० प० २०,

केलास पु० (**कैलास**) કૈલાસ નામનો પર્વત, મેરૂ પર્વત. कैलास नामका पर्वत. मेरु पर्वत Name of a mountain, the mount Meru (२) કુબેરના તાબાનો પર્વત कुबेर के अधीन पर्वत the mountain belonging to Kubera जं० प० (३) લવણ સમુદ્રમાં પશ્ચિમ દિશાએ ४२००० જોજન ઉપર આવેલ અણુવેલંધર દેવોનો નિવાસ પર્વત लवण समुद्र में पश्चिम दिशा की ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलधर देवता का निवास स्थान पर्वत. the mountain abode of Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in the west, in Lavana ocean ठा० ४, २,

केलि स्त्री० (**केलि**) ક્રીડા, ખેલ; રમત. क्रीडा; चेष्टा; रमत, खेल Play; recreation. ओव० २४, पन्न० २, प्रव० ४३६;

केली स्त्री० (**कदली**) કેળાનું વૃક્ષ, કેળ केले का वृक्ष, केला A plantain tree. भत्त० १४४;

केवइअ य त्रि० (**कियत्**) કેટલું, કેટલા પ્રમાણનું कितना ? कितने प्रमाण का ? How much ओव० ३८; पन्न० ४, ओघ० नि० १४३ सू० प० १, ठा० ३, १ अणुजो० १४०; नाया० १३, भग० १, १; २, ५, ३, १, ४; ५, २, ८, ६, ४, ८; ८, १, २, ८, १०, ११, १, १२, ४, १४, ७, ८, १६, १, १६, ३, ६, ७, २४, १, १२, २४, ६, ४१, १, नाया० ध० ज प० २, २४, ३, १३६, ७, १६६, ६, १२५, ७, १३२ १, १६, ७, १३१;

केवचिरं. अ० (**कियच्चिरं**) કેટલો લાંબો વખત, ક્યાં સુધી ? कितना लम्बा समय, कबतक ? How long, how far जीवा० १, राय० १४६, भग० २, ५, ३, ३, ८, २, ८ २४, ६, ज० प० ७, १७४,

केवचिरं अ० (**कियच्चिर**) કેટલો વખત. कितना समय How much time. अणुजो० ८४, भग० २५, ४, पन्न० १८,

केवच्चिरेण अ० (**कियच्चिरेण**) કેટલે વખતે कितने समय में. In how much time. अंत० ६, १५, भग० २, १,

केवतिय त्रि० (**कियत्**) જુઓ "**केवइअ**" શબ્દ देखो "**केवइअ**" शब्द Vide "**केवइअ**" सू० प० १, १६, जीवा० १; भग० १, १०; ११, १,

केवल न० (**केवल**) સંપૂર્ણ, પરિપૂર્ણ संपूर्ण, परिपूर्ण Full; complete. दसा० ६, २, भग० १, ४, १ ८, ९, ५; ७, ८; ६, ३१, १०, ५, १५, १, १८, ३; पिं० नि० २११, नाया० ५, १६, उत्त० ३३, ४;

(२) એકનું જ્ઞાન; કેવળ જ્ઞાન. अकेला ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge नाया० ८; पन्न० १; २०; ३६; विशे० ८४, ४१८; पिं० नि० ३०; भग० १६, ६, क० गं० १, ४; ८, १८; ४, १४, जं० प० ७, १६०, (३) કેવલ દર્શન. केवल दर्शन Kevala Darśana, perfect understanding क० गं० ४, ४५; —आलोअ पुं० (-आलोक) કેવલ જ્ઞાન, પરિપૂર્ણ જ્ઞાન. केवल ज्ञान, परिपूर्ण ज्ञान, ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge पिं० नि० ४७६, —जुअल न० (-युगल) કેવલ યુગલ; કેવલ જ્ઞાન તથા કેવલ દર્શન केवल द्वय, केवल ज्ञान और केवल दर्शन a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana क० गं० ४, ६८, —दुग. न० (-द्विक) કેવલ જ્ઞાન તથા કેવલ દર્શન केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन perfect knowledge and perfect vision. क० गं० ३, १६. ४, ८; २०, —दुगूण त्रि० (-द्विकोन) કેવલ દ્વિક રહિત केवल द्विक-केवल ज्ञान और केवल दर्शनसे रहित devoid of a pair of Kevala क० गं० ४, ३४, —परियाय-ग न० (-पर्याय) કેવલજ્ઞાનના પર્યાય. केवल ज्ञान की पर्याय molecules of Kevala Jñāna दसा० १०, ११; भग० १५, १. —मरण न० (-मरण) કેવળજ્ઞાન સહિત મરણ. केवल ज्ञान सहित मृत्यु death accompanied with Kevala Jñāna (२) કેવલ-અદ્વિતીય મરણ; પંડિત મરણ. अनोखी मृत्यु; पंडित मरण. good death, death in a proper way. दसा० ५, २६, २७; —वरणाणदंसण न० (-वरज्ञान दर्शन- केवलसन्निधानतो वरं ज्ञानान्तरापेक्षया प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) પ્રધાન કેવળજ્ઞાન અને કેવલદર્શન. प्रधान केवलज्ञान और केवलदर्शन the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया० ५; ८; १४, भग० ६, ३१; २५, १; —सिरी. स्त्री० (-श्री) કેવલજ્ઞાનરૂપ લક્ષ્મી. केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ० १४;

केवलकप्प त्रि० (केवल कल्प-केवलः संपूर्णः कल्पत इति कल्पः स्वकार्यकरणसमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलश्चासौ कल्पश्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानमसत्या परिपूर्णतासाधर्म्यात् सम्पूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्द) સ પૂર્ણ; કેવલ જ્ઞાનની માફક પરિપૂર્ણ. सपूर्ण केवल ज्ञान की तरह परिपूर्ण. Complete, perfect as Kevala Jñāna. दसा० ६, २४; २६, नाया० ५० ठा० ३, ४; भग० ३, १; ६, ५; नाया० १३, जं० प० ओव० ४१; कप्प० २, १४,

केवलणाण. न० (केवलज्ञान) કેવલજ્ઞાન, સ પૂર્ણ-પરિપૂર્ણ જ્ઞાન, લોકના સર્વભાવને પ્રત્યક્ષ જણાવનાર જ્ઞાન, જ્ઞાનનો પાંચમો પ્રકાર. केवलज्ञान, सम्पूर्ण- ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान; ज्ञान का पांचवां भेद Perfect knowledge, omniscience, knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge ओव० दसा० ६, २४, २५, भग० ६, ४, ८, २, नाया० १, —आवरण न० (-आवरण) કેવલજ્ઞાનનું આવરણ-આચ્છાદન; જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ केवलज्ञान का आच्छादन-आवरण; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvaraṇīya Karma. सम॰ १७; —आवरणिज्ज. न॰ (-आवरणीय) કેવલજ્ઞાનને દબાવનાર કર્મ. केवल ज्ञान को दबाने वाला कर्म, ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग॰ ८, ३१, —पज्जव पुं॰ (-पर्यव) કેવલ જ્ઞાનના પર્યાય केवल ज्ञान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna भग॰ २५, ४; —विणय पुं॰ (-विनय) કેવલ જ્ઞાનનો વિનય केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग॰ २५, ७,

केवलणाणि. पुं॰ (केवलज्ञानिन्) કેવલજ્ઞાની, કેવલી તીર્થંકર અને સિદ્ધ ભગવાન. केवलज्ञानी, केवली तीर्थंकर और सिद्ध भगवान An omniscient being, Kevalī Tīrthankara and Siddha भग॰ ८, २, १८, १, २६, १, नाया॰ ८,

केवलदंसण न॰ (केवलदर्शन—केवलेन सपूर्णवस्तुतत्वग्राहकबोधविशेषरूपेण यद्दर्शन सामान्यांशग्रहणं तत्केवलदर्शनम्) કેવલ દર્શન; સંપૂર્ણ દર્શન. केवल दर्शन, सम्पूर्ण दर्शन Kevala Darśana; perfect vision दसा॰ ५, २४,२५; भग॰ २, १०, ८; २, जीवा॰ १, कप्प॰ १, १, —आवरण. न॰ (-आवरण—केवलमुक्तस्वरूपं तच्चदर्शनं च, तस्यावरण केवलदर्शनावरणम्) દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ કેવલદર્શન ન પામે दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darśanāvaraṇīya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darśana ठा॰ ९, १, सम॰ १७; पन्न॰ २३; उत्त॰ ३३, ६;

केवलदंसणि. पुं॰ (केवलदर्शिन्) કેવલ દર્શની જીવ केवल दर्शन वाली आत्मा A soul possessed of Kevala Darśana भग॰ ६, ३, ठा॰ ४, ४;

केवलनाण न॰ (केवलज्ञान) જુઓ "केवलणाण" શબ્દ. देखो 'केवलणाण' शब्द. Vide "केवलणाण" भग॰ २, १०; ८, २, नंदी॰ १; अणुजो॰ १, विशे॰ ७६, दसा॰ ७, १२, कप्प॰ १, १, प्रव॰ ७०५, —आवरणिज्ज पु॰ (-आवरणीय) જુઓ "केवलणाण आवरणिज्ज" શબ્દ. देखो "केवलणाण आवरणिज्ज" शब्द vide "केवलणाण आवरणिज्ज" भग॰ ८, ३१, —पज्जव पु॰ (-पर्यव) કેવલ જ્ઞાનના અનંત પર્યવ. केवल ज्ञान के अनंत पर्यव. infinite atoms of Kevala Jñāna. भग॰ ८,२,—लद्धि स्त्री॰ (-लब्धि) કેવલજ્ઞાનની પ્રાપ્તિ केवलज्ञान का प्राप्त होना acquirement of Kevala Jñāna भग॰ ८, २; —लद्धिया स्त्री॰ (-लब्धिका) કેવલજ્ઞાનની પ્રાપ્તિ केवल ज्ञान की प्राप्ति attainment of Kevala Jñāna भग॰ ८, २,

केवलनाणि पु॰ (केवलज्ञानिन्) જુઓ "केवलणाणी" શબ્દ देखो "केवलणाणी" शब्द Vide "केवलणाणी" भग॰ ६, ३; ८, २, ८, ६, कप्प॰ ६, १८१, (२) અતીત ઉત્સર્પિણી કાલમાં થયેલ પહેલા તીર્થંકર अतीत उत्सर्पिणी काल में उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थंकर the first Tīrthankara of the past Utsarpiṇī time. प्रव॰ २६०;

केवलि पुं॰ (केवलिन्) કેવલજ્ઞાન ધરનાર, કેવલજ્ઞાની; કેવલી તીર્થંકર અને સિદ્ધ ભગવાન् केवलज्ञान रखनेवाले; केवल ज्ञानी;

केवली; तीर्थंकर और सिद्ध भगवान् One possessed of perfect knowledge; an omniscient being, Kevalī, Tīrthankara and the Siddha भग० १,४,२,१,५,४;७,७,६, ३१, १४, १०, १८, ७, २४, १, २५, ६, ७, दस० ८, २२, पण्ह० २, १, पिं० नि० १४८, नाया० ८, १४, अणुजो० १२७, पन्न० २०, ३, ओव० १०, उवा० ७, १८७, क० गं० १, ४७, ४, ४४, ६, ४, भत्त० १४६, आव० २, १, क०प० २, ५५, प्रव० ६, ६६५, (२) કેવલસમુદ્ઘાત-સાત સમુદ્ઘાતમાંની સાતમી જેમાં બે પ્રકારના વેદનીય કર્મની બે પ્રકારના નામકર્મની અને બે પ્રકારના ગોત્ર કર્મની નિર્જરા થાય છે केवल समुद्घात-सात समुद्घातों में से सातवा, जिसमें दो प्रकार के वेद नीय दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के गोत्र कर्मों की निर्जरा होती है one of the 7 Samudghāts Kevala Samudghata which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedanīya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पन्न० ३६, —आराहणा स्त्री० (-आराधना) અવધિજ્ઞાની, મનઃપર્યવજ્ઞાની અને કેવલજ્ઞાનીની આરાધના अवधिज्ञानी मनःपर्यवज्ञानी और केवलज्ञानी की आराधना devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyava Jñāna and Kevala Jñāna ठा० २, ४, —उवासग पुं० (-उपासक—केवलिनमुपास्ते य अश्रवणानाकांक्षितदुपासनामात्रपरः सश्रवा केवल्युपासक,) કેવલીની ઉપાસના કરનાર વ્રતધારી શ્રાવક केवली की उपासना करनेवाला व्रतधारी श्रावक. a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevalī भग० ५, ४, ६, ३१, —उवासिया स्त्री० (-उपासिका) કેવલીની ઉપાસના કરનારી શ્રાવિકા केवली की उपासना करने वाली श्राविका a female Jaina householder who worships a Kevalī भग० ६, ३१, —पण्णत्त त्रि० (-प्रज्ञप्त) કેવળી ભગવાનનું પ્રરૂપેલું केवली भगवान द्वारा कथित prescribed, extolled by the omniscient राय० २३५, दसा० ७, १२, भग० ६, ३१, आव० ४, १, —परियाग पुं० (-पर्यायक) કેવલજ્ઞાનીનો કેવલી તરીકેની અવસ્થા केवलज्ञानी की केवलीपनेकी हालत the Kevalīhood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८ १६; भत० ५ १ —मरण न० (-मरण) કેવળીપણે મરણ થાય તે केवल ज्ञान होते हुए मृत्यु होना death in the stage of Kevala Jñāna भग० ५, ७, सम० १७, —समुग्घाअ-य पुं० (-समुद्घात—केवलिन्यन्तर्मुहूर्तभाविपरमपदेभव. समुद्घात केवलिसमुद्घात) કેવલી ભગવાનને કરેલ સમુદ્ઘાત, કેવલસમુદ્ઘાત આઠ સમયમાં થતી એક પ્રકારની આત્મ પ્રદેશને વિસ્તારી કર્મને ખપેરવાની કેવલિની ક્રિયા केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्घात. केवल समुद्घात—आठ समय में होने वाली एक प्रकार की आत्मप्रदेश को फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवली का क्रिया the Samudghāta performed by a Kevalī; Kevala Samudghāta, i. e. the activity performed by a Kevalī

in eight Samayas (instants) by expanding the molecules of the soul to destroy the Karmas भग० २, २, ८, ६; २५, ६, सम० ७, —सावग पुं० (-श्रावक) કેવલિભગવાનનો શ્રાવક-વચનસાંભલનાર केवली भगवान का श्रावक-वचन सुनने वाला an adherent of an omniscient being भग० ६, ३१; —साविया स्त्री० (-श्राविका) કેવલિભગવાનની શ્રાવિકા केवली भगवान का श्राविका. a female adherent of an omniscient being भग० ६, ३१

केवलित्त. न० (केवलित्व) કેવલજ્ઞાનીપણું केवलज्ञानीपना The state of being an omniscient being प्रव० १५०१,

केवलिय न० (कैवल्य-केवलस्य भाव कैवल्यम्) કેવલ સ્વરૂપ, ધાતિકર્મનો વિયોગ केवल स्वरूप. घाति कर्म का नाश The perfected stage, absence of Ghāti Karmas विशे० ११८०,२६८१,

केवलिय त्रि० (कैवलिक) કેવલજ્ઞાની સમ્બંધી केवल ज्ञानी सम्बन्धी Relating to an omniscient being "तं सोयकारी पुढो पवेसे । सखा इम केवलीयं समाहिं" सूय० १, १४, १६ ठा० ४, २, नाया० १,

केस पुं० (क्लेश) ક્લેશ, દુ:ખ. क्लेश; दुःख Misery, affliction, pain trouble विशे० १६२१, उत्त० ५, ७,

केस पुं० (केश) વાળ, કેશ बाल, केश Hair. ओव० १०, जीवा० ३, ३, नाया० १, ८, भग० १, ७ ६ ३, २, ४, ७ ६, ६, ३३, पन्न० २, उत्त० १०, २१; आया० २, ८, १६३, सम० ३४, राय० सूय० २, १, ४२; उवा० १, ५१, कप्प० ६, ५७; प्रव० ४११; ४३६, —अलंकार पुं० (-अलङ्कार—केशाएवालङ्कारा केशालङ्काराः) વાળ ઓળવા, પટીયા પાડવા અને તેલ ફુલેલ ઘાલવું તે बाल ओंछना, मांग पाड़ना और तेल फुलेल लगाना combing of hair ठा० ४, ४, भग० ६, ३३, —अग्ग न० (-अग्र) કેશનો અગ્રભાગ बाल का अग्रभाग the tip, point of a hair. भग० ३, २, —भूमि स्त्री० (-भूमि) કેશની ભૂમિ, માથાની ચામડી बाल की चमडी, सिर का चर्म the skin of the head ओव० १०, राय० १६४, —मंसु पुं० (-श्मश्रु) માથાપરના કેશ અને દાઢી મુચ્છ सिर के बाल और डाढी मूच्छ the hair of the head, moustache and beard प्रव० १३६४ —रोमनह न० (-रोमनख) માથાના કેશ, શરીર રેવા અને નખ सिर के बाल, शरीर के रोम और नाखून the hair of the head, furs and nails प्रव० ४७४, —लोअ पुं० (-लोच) કેશનો લોચ કરવો, મસ્તક તથા ડાઢીના વાળ હાથેથી ખેંચી-ખુંટી કઢાડવા તે केश का लुंचन करना; मस्तक तथा डाढी के बाल हाथ से खींचकर उखाड़ना rooting out of hair, pulling out of hair of the head, beard etc with the hand. भग० १, ६, उत्त० १६, ३३, "सतत्ता केस लोएणं, बम्भचेरपराइवा" सूय० १, ३, १३, निर० ५, १, —वहार. पुं० (-अपहार) કેશ-વાલાઅનુ અપહરવું બ્હાર કાઢવું તે केश-बाल आदिका परित्याग-बाहर निकाल देना rooting out of very small hair क० गं० ५, ८५; —वाणिज्ज न० (-वाणिज्य) કેશવાલા જીવોનો વ્યાપાર, ૫૬૨ કર્માદાનમાંનો એક. केश वाले जीवों का व्यापार पन्द्रह कर्मा॰

दानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādānas भग० ८, ५; —हत्थ. पु० (-हस्त) કેશના હાથ-વેણી, અંબોડો बाल का हाथ-वेणी; बाल का गूथना. a braid of hair नाया० १, कप्प० ३, ३९,

केसंत पु० (केशान्त) કેશનો પર્યંત ભાગ, માથાની ચામડી केश के नीचे का भाग, सिर की चमडी The root of the hair, the skin from which the hair comes out राय० १६४, जीवा०३, तउ०

केसर पु० न० (केशर) ફૂલનો કેશર; પદ્મ વગેરે ફૂલમાં થતું કેશના આકારે તંતુ फूल का पराग-केशर, पद्मादि फूलों में उत्पन्न होने वाले केश सरीखे तन्तु The pollen or farina of a flower पन्न० १, नाया० ८, नदी ७, जीवा० ३, १, राय० १३३. (२) કમ્પિલપુરની બહારના એક ઉદ્યાન-બગીચાનું નામ कांपिलपुर के बहार के एक बगीचे का नाम name of a garden outside the city of Kampilapura "अह केसरम्मि उज्जाणे अणगार तवाधणे" उत्त० १८, ३ (३) બકુલની અંદરના, બકુલનું ઝાડ वृक्ष का एक जाति, बकुल का झाड. a kind of tree राय० ५१, (४) સિંહના કેસરા सिंह के केश the mane of a lion. भग० ११, ११, कप्प० ३ ३५ —आडोव. पु० (-आटोप) સિંહના કેશરાનો વિસ્તાર. सिंह के केशों का फैलाव the expanse of the mane of a lion भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५. —उववेय पु० (-उपपेत) કમલ કેશરથી-યુક્ત कमल केशर सहित full of pollen or farina of a lotus नाया० १३,

केसरि पुं० (केसरिन्) કેસરી સિંહ. केशरी सिंह A lion of high breed अणुजो० १३१, पराह० १, ४; (२) કેસરી રંગનું કપડું केशरी रंग का कपडा a cloth of saffron colour नाया० ५; (३) કેસરિ નામનો દ્રહ, નિલવંત પર્વત ઉપરનો એક દ્રહ केसरी नाम का द्रह, नीलवंत पर्वत ऊपरका एक द्रह a lake of this name, a lake situated on the Nīlavanta mount जीवा० ३, ४, ठा० २, ३, (४) કેસરી-આવતી ચોવીસીના ચોથા પ્રતિવાસુદેવ केसरी-आगामीकाल की चौवीसी के चौथे प्रति वासुदेव Kesarī, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle सम० प० २४२ —दह पु० (-द्रह) જેમાંથી સીતાનદી નીકળે છે તે નીલવંત પર્વત ઉપરનો એક દ્રહ नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रह जिस में से सीता नदी निकलती है. the lake on the mount Nīlavanta from which the river Sītā rises ठा० ३, ४, सम० ४०००, जं० प० ४, ११०

केसरिया स्त्री० (केशरिका) જમીન હાથ પગ સાફ કરવાને સન્યાસીને રાખવાનો લુગડાનો કકડો લાકડીએ બાંધેલ રૂમાલ भूमि या हाथ पांव साफ करने के लिये सन्यासी के पास रखने का एक वस्त्र का टुकडा, लकडी पर बांधा हुआ रुमाल A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet भग० ३ २; ओव० ३८ (२) પાત્રા પુંજવાનું સાધન, પૂંજણી. पात्रादि पूजने का साधन, पूजणी a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० ७, १; पराह० २, ५, ओघ० नि० ६६६;

केसव पु० (केशव) કૃષ્ણવાસુદેવનું નામ कृष्णवासुदेव का नाम The name of the Krisna Vāsudeva उत्त० २२, २, नाया० १६, जीवा० ३, ३, पराह० १,४,

केसवुट्ठि स्त्री० (केशवृष्टि) કેશ-વાળની વૃષ્ટિ કરી બતાવવાની વિદ્યા केश-वालों की वृष्टि दिखलाने वाली विद्या The lore of making a shower of hair fall सूय० २, २, २७; (२) કેશ-વાળની વૃષ્ટિ केश-वालों की वृष्टि. a shower of hair प्रव० १४६७

केसि पु० (केशिन्) પરદેશી રાજાને સમજાવનાર પાર્શ્વ પ્રભુના સતાનીયા, એ નામના એક કુમાર શ્રમણ-કુમારાવસ્થામા પ્રવ્રજ્યા લીધેલ મહાત્મા परदेशी राजा को समझाने वाले पार्श्वप्रभु के सतानिया, इस नाम के एक कुवार श्रमण-कुवारावस्था मे दीक्षित हुए महात्मा A disciple of Pārśvanāth who had given advice to Pardesi king उत्त०२३, २,राय०२१५, भग० ११, ११, उवा० ८ २४६, निर० ५, १; (२) કેશીકુમાર, ઉદાયન રાજાનો ભાનેજ केशीकुवार; उदायन राजा का भानेज the prince named Kesi the nephew of king Udāyana भग० १३, ६, उवा० ८, २४६ (३) केशव-वासुदेव. Keśi Vasudeva प्रव० ४२३, —**सामि** पु० (-स्वामिन्) કેશી કુમાર-શ્રી પાર્શ્વનાથ સ્વામિના શિષ્યાનુશિષ્ય केशी कुवांर-श्री पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य Keśi Kumāra the grand-disciple of Parśvanātha. भग० २, ५;

केसि. पुं०(क्लेशिन्) ક્લેશ વાળો; દુ:ખ વાળો. क्लेश वाला, दु खी. Troubled; afflicted विशे० ३१५४,

केसिग्रा स्त्री० (केशिका = केशा विद्यन्ते यस्याः सा केशिका) માથા ઉપર લાંબા કેશ ધરાવનારી સ્ત્રી सिर पर लम्बे केश रखने वाली स्त्री A woman having long hair on the head सूय० १, ४, २, ३,

केसी स्त्री० (कीदृशी) કેવી, કેવા પ્રકારની. कैसी, किस तरह की, (स्त्री) Of what sort अणुजो० १२८

* **कोआसिअ** त्रि० (*) પદ્મની પેઠે વિકસેલ पद्म-कमल की तरह विकसित Blown as a lotus आव० १०, ज० प० २,

कोई अ० (कश्चिन्) કોઇ એક कोई भी Certain, some one नाया० ७, सु० च० ४, १८८, दस० ५, १, ६६, भत्त०३८,

कोइल पु० स्त्री० (कोकिल) કોયલ, વસત ઋતુમા પચમ સ્વરે મધુર અવાજ કરતું એક પક્ષી कोयल, वसत ऋतु मे पचम स्वर से मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी A cuckoo सु० च० २, १३६ जीवा० ३, ३, नाया० ४ ८; ज० प० निर० ५, १, उत्त० ३४, ६, अणुजो० १२८ आव० ठा० ७, १,

कोइलच्छय पु० (कोकिलच्छद) તેલ કટક નામની એક વનસ્પતિ तैल कटक नाम का एक वनस्पति A kind of vegetation पन्न० १७,

कोउग्र-य न० (कौतुक) કુતુહલ कुतूहल. Curiosity भग० ७, ६, सु० प० २०,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

ठु० च० ११, ४१; प्रव० १११; ६५१, कप्प० ४, ६७, (३) ગર્ભાધાનાદિ સસ્કાર, મહોત્સવ વિશેષ. गर्भाधान आदि संस्कार, महोत्सव विशेष ceremony relating to pregnancy भग०११,११,राय०२८, (३) ઉતાર કાઢવો વગેરે કૌતુક કર્મ भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म an observance to get rid of the obsession by a ghost सूय० २, २, ५५, (४) રક્ષા; રક્ષણ रक्षा, रक्षण protection ज० प० ३, ४३; (५) મગળ ક્રિયા, કપાલે તિલક કરવુ તે. मांगलिक क्रिया; कपाल पर कंकु आदिका तिलक लगाना an auspicious action, an auspicious mark on the fore head. ज० प० भग० २, ५, ६, ३३; उत्त० ३२, ६, ओव० ११, २७, —कम्म न० (-कर्मन्) મગલ-સૌભાગ્ય માટે કપાલે તિલક કરવુ તે मगल-सौभाग्य के लिये कपाल पर ककू आदि का तिलक लगाना the act of making an auspicious mark on the fore head नाया० १४ निसी० १३, १२, —कारक त्रि० (-कारक) કૌતુક કરનાર. कौतुक-तमाशा करने वाला an enchanter, a joker ओव०४ १;

कोउग न० (कौतुक) જુઓ "कोउअ-य" શબ્દ देखो "कोउअ-य" शब्द Vide "कोउअ-य" सु०च०६, ८४, पचा०१३,२४,

कोउय पुं० (कौतुक) જુઓ "काउअ" શબ્દ. देखो "कोउअ" शब्द Vide 'कोउअ' नाया० १,

कोउहल न० (कौतूहल) કૌતુક, કુતુહલ, ઉત્સુકતા कौतुक; कुतूहल, उत्सुकता Eagerness, curiosity. ओव०३८, भग० ६, ३३, निसी० ३, ५; जीवा० ३, ३; राय० ४०, —वडिया. स्त्री० (-प्रतिज्ञा) કુતુહલ નિમિત્તે. कुतूहल के लिये for the sake of curiosity. राय० निसी० १७, १;

कोऊहल. पुं० (कुतूहल) કૌતુક; કુતુહલ कौतुक भाव. कौतूहल. Curiosity भग० १, १, (२) અભુક્ત ભોગની ઇચ્છા અને ભુક્ત ભોગની સ્મૃતિ. अभुक्त भोग की आकांक्षा और भुक्त भोग की स्मृति desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted ज० प० ५, ११५, उत्त० १५, ६,

कोऊहलिअ. त्रि० (कौतूहलिक) કુતુહલી; મશકરો मस्करा, हसी करनेवाला. A joker, a buffoon. ओघ०नि०भा०११३;

कोंकण पु० (कोङ्कण-कोङ्कण एव कोङ्कणाः) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. A country of this name. ओघ० नि० भा० २३३,

कोंकणग त्रि० (कोंकणक) કોકણ દેશનો રહેવાસિ कोकन देस का निवासी. A resident of Kokana. पन्न० १, पराह० १, १,

कोंच. पु० (क्रौञ्च) ક્રૌંચ પક્ષી क्रौंच पक्षी A heron निर० ५, १, पन्न० १; ठा० ७, १, ज० प० नाया० ४, ८, राय० ५४, जीवा० ३, ३, उत्त० १४, ३६, ओव० ३४, " कडुच सारसा कोंचा, वोसाय सत्तमं गमा " ठा० ७, (२) ક્રૌંચ દેશનો રહેવાસી क्रौंच देश का रहनेवाला a resident of Krañcha country. पराह० १, १, पन्न० १, —आरव पु० (-आरव) ક્રૌંચ પક્ષીના જેવો આવાજ कौंच पक्षी जैसा आवाज a sound resembling that of a heron ज०प०३,५३,—आसण न०

—(–आसन) એક જાતનું આસન एक प्रकारका आसन. a kind of bodily posture. जीवा॰ ३; भग॰ ११, ११; —स्सर. त्रि॰ (-स्वर-क्रौञ्चस्येवाप्रकासेन विनिर्गतोऽपि दीर्घदेशव्यापी स्वरो येषां ते क्रौञ्चस्वरा) ક્રૌંચ પક્ષીના સરખા મધુર સ્વરવાળો. क्रौंच पक्षी के सरश मधुर स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जीवा॰ ३; (२) વિજ્જુ કુમાર દેવતાની ઘંટા. विद्युत कुमार देव की घंटा. a bell of Vijju Kumāra. जं॰ प॰ ५, ११५, ५, २१,

कोंटलग. त्रि॰ (कौटलक-कौटल ज्योतिष निमित्तं वा प्रयुङ्क्ते इति कौटलकः) કૌટલ-જ્યોતિષ અથવા નિમિત્ત શાસ્ત્રનો જાણનાર. कौटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञाता. One knowing astrology and science of omens " पाणि बहोति सुणहवे पउंचवे कोंटल यस्स निमित्तु " ओघ॰ नि॰ भा॰ २२१,

कोंडलग. पुं॰ (कोण्डलक) એક જાતનું પ્રાણી एक जात का प्राणी A kind of animal. ओव॰

कोंत पुं॰ (कुन्त) ભાલો भाला A spear. जं॰ प॰ —ग्ग न॰ (-अग्र) ભાલાની અણી. भाला की नोक the point of a spear नाया॰ १६;

कोंतिय. पुं॰ (कौन्तिक) એક જાતનું ઘાસ एक जाति का घास. A kind of grass. भग॰ २१, ६;

कोकंतिय. पुं॰ (कोकन्तिक कोको इत्येव आरटतीति) કોકલું. कोला A gourd. (२) લોંકડી. लोमड़ी. a jackal. पगह॰ १, १; नाया. २; १, ५, २७; जीवा॰ ३; ३; नाया॰ १, पन्न॰ १,

कोकणद. न॰ (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान् नदति नादयति वेति) લાલ કમલ. लाल कमल) A red lotus. पन्न॰ १; सूय॰ २, ३, १८,

कोकासिअ-य त्रि॰ (*) કોકાસ-લાલ કમલની પેઠે વિકસિત, પ્રફુલ્લિત कोकास-लाल कमल की तरह प्रफुल्लित-विकसित. Blown as a red-lotus जीवा॰ ३, ३, जं॰ प॰

कोकिल. पु॰ स्त्री॰ (कोकिल) કોયલ પક્ષી कोयल पक्षी A cuckoo bird पन्न॰ १,

कोकुइअ पु॰ (कौत्कुचिक) હાસ્યજનક ચેષ્ટા કરનાર, ભાંડ भांड, हास्यमय चेष्टा करनेवाला. A joker जं॰ प॰

कोक्कुइअ. त्रि॰ (कौत्कुचिक) ભાંડની પેઠે ચેષ્ટા કરનાર भांड की तरह चेष्टा करनेवाला. One who acts like a joker उत्त॰ ३६, २६१; ओव॰ ३१, जं॰ प॰

कोच्छ पुं॰ (कौत्स) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. A country of this name भग॰ १५, १,

कोच्छुंभरि पुं॰ (कुस्तुम्बरि) એક જાતનું ધાન્ય एक जाति का धान्य A kind of corn जं॰ प॰

कोज्ज. पु॰ (कुब्ज) કુબ્જક-એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का झाड A kind of tree कप्प॰ ३, ३७; नाया॰ ८,

कोटि पु॰ (कोटि) અગ્રભાગ, અણી. अग्रभाग, नोक The point. जं॰ प॰ (२) કરોડ; સંખ્યા વિશેષ. करोड, बृहद संख्या. a crore (numerical figure).

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

विशे॰ ८२३;

कोडिल्लग. पु॰ न॰ (कोडिल्ल) नानो मुद्गर. छोटा मुद्गल. A small club विवा॰ ६.

कोट्ट धा॰ II (कुट्ट) બન્ને પગવડે જમીન પર કુદવું दोनों पांव से जमीन पर कूदना Jumping on the ground by lifting both the feet upwards. (२) કુટવું. कूटना. बुकनी करना to pound

कोट्टिय म॰ कृ॰ जीवा॰ ३, १,

कोट्टमाण व॰ कृ॰ भग॰ १४, १,

कोट्टिजमाण क॰ वा॰ व॰ कृ॰ जीवा॰ ३, ४,

कोट्ट पु॰ (॰) કિલ્લો गढ किला A fortress, (२) પછાડવું; કુટવું. पछाडना. कूटना to dash, to pound पराह॰ १ १.

कोट्टकिरिया स्त्री॰ (कोट्टक्रिया) ચંડિકા દુર્ગા વગેરે રુદ્રસ્વરૂપ દેવી चण्डिका, दुर्गा आदि रौद्ररूप वाली देवियां The goddess Chandika etc भग॰ ३, १ नाया॰ ८ अणुजो॰ २०,

कोट्टणी स्त्री॰ ( ) કિલ્લા ઉપરની ભૂમિકા किले की भूमि The courtyard in a fortress जं॰ प॰ ३, ६७,

कोट्टाग पु॰ (॰) સુતાર सुतार, बढई A carpenter "कोट्टाग कुलाणि वा गाम-रक्ख कुलाणिवा" आया॰ २, १, २, ११

कोट्टिम पुं॰ (कुट्टिम) ભોંયતળીયું जमीन के नीचे का तलघर, नीचे की भूमि. The underground floor, a cellar नाया॰ ६. **—कार** त्रि॰ (-कार) ભોંયતળીયાનો બનાવનાર भूमि में तलघर का बनानेवाला the architect who constructs a cellar अणुजो॰ १३१; **—तल.** न॰ (-तल) ભોંયતળીયું. नीचे की जमीन, तलघर. a cellar. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३, जं॰ प॰ १,

कोट्ठ पुं॰ (कोष्ठ) કોઠો; ધાન્ય ભરવાનો કોઠાર, કોઠી कोठा; धान्य भरने का कोठार; कोठी A granary. ठा॰ ३, ४, भग॰ १४, १ १८, ६, नाया॰ १ जीवा॰ ३, १, पिं॰ नि॰ २११ ओव॰ २६, ३८, प्रव॰ १००६, (२) કોઠો; છાતી कोठा; छाती a store room the breast जं॰प॰३, ४७ आव॰ २१, नाया॰ १६, (३) એક જાતનો સુગંધી દ્રવ્ય, કાઠ एक जाति का सुगंधी द्रव्य a kind of fragrant substance. भग॰ १८, ६, राय॰ ५५; ધારણાનું એક નામ धारणा का एक नाम name of a Dhāraṇā नंदी॰३३. (५) શરીરની અંદર પેટમાં પોલો અવયવ, એવા કોઠા પુરૂષને પાંચ અને સ્ત્રીને છ હોય છે, એક ગર્ભનો અધિક છે આઠ शरीर के भीतर का पोला अवयव, ऐसे पोले कोठे पुरुष के पांच तथा स्त्री के छः होते हैं, एक गर्भ का अधिक होता है a hollow organ in the body, there are five such organs in the body of a man and 6 in the body of a woman तदु॰ **—आउत्त** त्रि॰ (-आगुप्त) કોઠીમાં નાખેલ કોઠારમાં રક્ષિત भंडार में डाला हुआ, कोठे में रक्षित properly stored भग॰ ६, ४ ६, ६, ठा॰ ३, २; निसी॰ १७, २२. वेय॰ २ ३. **—उवगय** पु॰ (-उपगत) કોઠામાં પ્રવેશ કરેલ कोठे में घुसा हुआ (one) who has entered

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

into a room भग० ८, ७, —पुड पुं० (-पुट-कोष्ठे यःपच्यते वासससुदायः स कोष्ठ एव, तस्यपुटाःपुटिका कोष्ठपुटा) કોઠને-સુગંધી દ્રવ્યનો પડો सुगंधी द्रव्य का पुडा a packet of a fragrant substance नाया० १७, भग० १६, ६, जं०प० ४, ८६, —बुद्धि स्त्री० (-बुद्धि-कोष्ठकप्रक्षिप्तधान्यमिव यस्य सूत्रार्थौ सुचिरमपि तिष्ठत स कोष्ठबुद्धिः) કોઠારના જેવી બુદ્ધિ, કોઠામા પડેલ ધાન્ય જેમ સડે કે બગડ નહિં તેમ મેળવેલ જ્ઞાન જીવન પર્યંત નષ્ટ થાય નહિ એવા પ્રકારની બુદ્ધિ-શક્તિ. कोठ जैसी बुद्धि, कोठे में पड़ा हुआ धान्य सड़ता या बिगड़ता नहीं वैसे ही प्राप्त हुआ ज्ञान जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होना ऐसी बुद्धि-शक्ति (one) of great intellect, a kind of intellect which never spoils like corn which is stored in a granary ओव०विशे०७६६, —समुग्ग पु० (-समुद्ग) કોઠનો ડાબલો कबिट का डब्बा a box made of wood-apple ज० प० ३, ४३.

कोट्ठग-य. पु० (कोष्ठक) સાવથી નગરીના ઇશાનખુણાના પુરાતન ઉદ્યાનનું નામ. सावथी नगरी के ईशान कोन क पुरातन उद्यानका नाम Name of an old garden situated to the north east of Sāvarthī city नाया० १, भग० ६, ३३; १२, १, १५, १, राय०२११, निर० ३, १, उवा०६, १२६, (२) ધાન્યનો કોઠાર धान्य का कोठा a store-room for grain; a granary प्रव० १५१६, —चेइय. न० (- चैत्य) સાવથી નગરીની બહારનું ઉદ્યાન. सावथी नगरी के बाहर का बगीचा. a garden situated outside Sāvarthī city नाया० ध० २, —बुद्धि. स्त्री० (-वृद्धि) ધાન્યના કોઠારની વૃદ્ધિ. धान्य के कोठों की वृद्धि. increment in grain stores प्रव० १५०८;

कोट्ठग पु० (कोष्ठक) કોઠો, બુરજ कोठा; बुर्ज A tower. a room (२) ઓરડો बड़ा कमरा. a large room सम० प० २१० जीवा०३, ३. अणुजो० १४८, पण०२, (३) શ્રાવસ્તી નગરીબહારનો એક બાગ. श्रावस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान a garden outside the city of Srāvasti उत्त० २३, ८,

कोट्ठागार. पु० (कोष्ठागार) ધાન્ય ગૃહ, કોઠાર धान्य घर कोठार A room for storing grain, a granary निर० १, १. राय० २०६, २२२, २८२; निसा०८ ५; ६. विशे० १८२७ नाया० १ ७, १४, भग० ११ ६, उत्त० १०, २६. ओव० कप्प० ४, ६४,ज०प०२,३०, —साला पु० (-शाला) કોઠારનું મકાન कोठ का मकान. a house having a granary निसी० ६, ७

कोट्ठिय त्रि० (कोष्ठिक) કોઠ વાળો, જેના પાસે કોઠનામે સુગંધી દ્રવ્ય છે તે सुगंध द्रव्य जिसके पास है वह, कोठ वाला. (One) having a fragrant substance known as Kotha विवा०७, उवा० ० ६४.

कोडंड पु० (कदण्ड) ધનુષ્ય धनुष्य A bow भग० ५, १.

कोडंब पु० (कोलम्ब) વૃક્ષની નમેલી શાખાનો અગ્રભાગ झुके हुए वृक्ष की शाखा का अग्रभाग The foremost portion of a bent branch of a tree " विसम गिरिकडग कोडंबसंनिविट्ठा " नाया० १८;

कोडंबाणी स्त्री० (कौटुम्बिनी) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. A

sect of this name. कप्प० ८;

कोडण. न० (*कोट्टन) કુટવું તે कूटना Pounding. पराह० १, ३;

कोडाकोडि स्त्री० (कोटिकोटि) એક ક્રોડ ક્રોડ, કરોડે ગુણ્યા કરોડ एक कोडा कोड; करोड को करोड से गुणा करना 10000000× 10000000, a crore multiplied by a crore ठा० २, ३, भग० ६, ३, १६, ६, ज० प० पन्न० २३,

कोडाल न० (कोडाल) કોડાલ નામે એક ગોત્ર. ઋષભદત્ત બ્રાહ્મણનું ગોત્ર. कोडाल नामक गोत्र, ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र A lineage known as Kodāla, the lineage of the Brahmin Rishabhadatta कप्प०१, २, —**सगोत्त** त्रि० (—सगोत्र-कोडालैःसम गोत्र यस्य सः) કોડાલ ગોત્રમાં જન્મેલ, કોડાલ ગોત્ર વાળો कोडाल गोत्र में उत्पन्न, कोडाल गोत्र वाला (one) born in Kodāla lineage श्राया० २, १५ १७६,

कोडि स्त्री० (कोटि) કરોડ, સો લાખ (१०००००००) एक करोड़; सौ लाख (१०००००००) One hundred lacs, one crore, 10000000 भग० २, १; ८, ३, २ ७, १, १३, ६, सु० च०१, २१८, सु० प० १८ जीवा० १, नाया० १, ८, श्रणुजो० ११७, उत्त० ८, १७ ठा० २, ४, श्रोव० ७, १८२, (२) ખુણો कोना a corner, an angle पन्ना० १३, ०६; राय० १५६, पिं० नि० २४७, ठा० ८, (३) છેડો; અંત્ય પ્રદેશ किनारा; अंतिम प्रदेश end, the region of the boundary ज० प० (४) હથીયારની ધાર हथियार की धार the edge of a weapon. जीवा० ३, राय० २०४, (५) અણિ; અગ્રભાગ, नोक, अग्रभाग point; tip (६) ધનુષ્યની પણછ. धनुष्य की डोरी. the string of a bow जीवा० ३, ४, (७) પચ્ચખાણના ભાંગા; કરણ; અને જોગના સંયોગથી ઉત્પન્ન થતા વિકલ્પના પ્રકાર. प्रत्याख्यान के भांगे, करण और योग के सयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद divisions of Pachchakhāṇas, प्रव० १६१, —**पहुत्त** न० (—पृथक्त्व) બેથી માંડી નવ કરોડ સુધી दो से लगाकर नौ करोड तक from two to nine crores प्रव० ६३५, —**सयपुहुत्त** न० (—शतपृथक्त्व) બસે કરોડથી માંડી નવસે કરોડ સુધી दोसौ करोड से लगा कर नौसो करोड तक from two hundred crores to nine hundred crores ज० प० ६, १२५; भग० २५ ६; —**सहस्सपुहुत्त** न० (—सहस्रपृथक्त्व) બે હજાર કરોડથી માંડીને નવ હજાર કરોડ સુધી दो हजार करोड से लगा कर नौ हजार करोड तक from two thousand crores to nine thousand crores. भग० २५, ६; —**सहिय** न० (—सहित—कोटीभ्यामेकस्य चतुर्थादेरन्तविभागोऽपरस्य चतुर्थादेरेवारम्भविभाग इत्येवं लक्षणाभ्यां सहितं मिलित कोटिसहितम्) એક પચ્ચખાણનો છેડો બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆતને મળતો હોય તેવું તપ, દાખલા તરીકે એક માણસે આજે આયંબિલ કર્યું બીજે દિવસે સવારમાં આજનું તપ પુરૂ થતાં બીજું આયંબિલ પચ્ચખે તો પહેલા પચ્ચખાણનો છેડો બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆત સાથે મળ્યો માટે તે તપ કોટિ સહિત તપ કહેવાય एक प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिलता हो ऐसा तप; उदाहरणार्थ एक मनुष्य ने आज आयंबिल किया दूसरे दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होते ही

दूसरा आयंबिल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिल जाय इस लिये इस तप को कोटि सहित तप कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity भग० ७, २. ठा० १०. उत्त० ३६, २५३ प्रव० १८१,

कोडिकोडि स्त्री० (कोटिकोटि) जुओ "कोडाकोडि" शब्द. देखो "कोडाकोडि" शब्द Vide "कोडाकोडि" क० प० १, ८२; २, ४६, —अंतो अ० (-अन्तर्) કોડાકોડીની અન્દર कोडा कोडी के अदर less than a crore multiplied by a crore क० गं० ५, ३३,

कोडिगार पु० (कोटिकार) એક પ્રકારનો કારીગર, હથીયારની ધાર સમી કરનાર एक प्रकार का मिस्त्री, हथियार की धार दुरुस्त करने वाला An architect who sharpens or grinds the edge of a weapon पन्न० १,

कोडिण न० (कोटिन) કોટિન નામનું એક નગર कोटिन नाम का एक नगर Name of a city. नाया० १६,

कोडिएण न० (कौडिन्य) એ નામનું ગોત્ર इस नाम का एक गोत्र A lineage of this name कप्प० ५, १०३,

कोडिन्न पुं० (कौडिन्य) કોડિન્યનામે મહાગિરી આચાર્યનો શિષ્ય कौडिन्य नाम का महागिरी आचार्य का शिष्य Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgirī कप्प० ८, विशे २३६०. (२) કુત્સ ગોત્રની શાખા कुत्स गोत्र की शाखा. a branch of Kutsa lineage ठा० ७, १, (३) કુત્સ ગોત્રની શાખાનો પુરૂષ कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न पुरुष a person belonging to Kutsa lineage ठा० ७, १; (४) વસિષ્ઠ ગોત્રની શાખા. वसिष्ट गोत्र की शाखा. a branch of Vasistha lineage ठा० ७, १, (५) વસિષ્ઠ ગોત્રની શાખામાંનો પુરૂષ. वसिष्ठ गोत्र की शाखावाला पुरुष a person of Vasistha lineage ठा० ७, १,

कोडिमा स्त्री० (कोटिमा) ગધાર ગ્રામની સાતમી મૂર્છના गधार ग्राम की सातवीं मूर्छना The 7th note of a musical scale known as Gandhāra अणुजो० १२८

कोडियगण पु० (कोटिकगण) કોટિક નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ कोटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण An order of ascetics styled as Kotika and established by Mahāvīr Svāmī ठा० ६,

कोडिल्लय न० (कौटिल्यक) કોટિલ્યનું અર્થશાસ્ત્ર कौटिल्य का अर्थ शास्त्र Political economy founded by Koutilya अणुजो० ४१,

कोडी. स्त्री० (कोटी) કરોડની સંખ્યા, સો લાખ; एककरोड़ की सख्या, सौ लाख; (१००००००). 10000000, one crore, 100 lacs पन्न० २, अणुजो० १३३. नाया० १. -ईसर पु० (-ईश्वर) ધનાઢ્ય, કોટિપતિ-શાહુકાર. धनाढ्य, कोड़ाधिपति-साहुकार a wealthy person, a millionaire सु० च० १, ३३,

कोडीदुगमिलण न० (कोटिद्विकमिलन) વ્રતના બે છેડાનું મિલાન કરવું તે, એક વ્રત પુરૂં થયું કે તે પાળ્યા વિના બીજાનો આરમ્ભ કરવો તે-જેમ ઉપવાસ પુરો થયો કે એકાસણામાં પચ્ચખાણ કરવા તે, પચ્ચ-

भ्याणुनो એક પ્રકાર. व्रत के दोनों किनारों का मिलान करना; एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवास पूर्ण होनेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना; प्रत्याख्यान का एक भेद A variety of Pachchakhāṇa, joining together of two Pachchakhānas (vows) i.e to undertake another vow at the end of the first प्रव० १६१

कोडीवरिस न० (कोटिवर्ष) લાટદેશનું એ નામનું એક નગર लाटदेश का इस नाम का एक नगर A city of this name of the country Lita पन्न० १.

कोडीवरिसिया स्त्री० (कोटिवर्षिका) એ નામની એક શાખા इस नाम का एक शाखा A branch of a certain lineage कप्प० ८,

कोडुंबि त्रि० (कुटुम्बिन्) મોટા કુટુંબ વાળો बड़े कुटुम्ब वाला. (One) of a big family ठा० ३, १ अणुजो० १३१ जावा० ३ १.

कोडुंबिणी स्त्री० (कौटुम्बिनी) કુટુંબની સ્ત્રી कुटुम्ब की स्त्री० A female member of a family (२) દાસી दासी a maid servant भग० ११, ११

कोडुंबिय पु० (कौटुम्बिक-कुटुम्बस्याधिपतिः कौटुम्बिक:) કુટુંબનો નાયક कुटुम्ब का आधिपति नायक The head of a family अणुजो० १६, राय० २४३, पन्न० १६ भग० २, १, ७, ६, उवा० १, १२, नाया० १६, ज० प० (२) સેવક, હજુરી. (२) सेवक; हजूरी a servant, an attendant दसा० १०, १, कप्प० ४, ५७. —**पुरिस** पु० (-पुरुष) કુટુંબનો માણસ; હજુરી, સેવક. कौटुम्बिक मनुष्य, हजुरी; सेवक. an attendant of a family. नाया० १; ८, १४, भग० ६, ३३, विवा० ६; निर० १, १ दसा० १०, १; कप्प० ४, ५७;

कोडूसग पु० (कोदूषक) એક જાતનું ધાન્ય, કોદરા एक प्रकार का धान्य A kind of corn भग० ६, ७, प्रव० १०१३,

कोढ पु० (कुष्ट) એક પ્રકારનો રોગ, કોઢ एक प्रकार का रोग, कोढ. A kind of disease; leprosy नाया० १३

कोढि त्रि० (कुष्ठिन्—कुष्टमष्टादशभेदमस्यास्तीति कुष्टी) કોઢ રોગ વાળો, કોઢીયો, कोढ रोग वाला, कोढिया (One) having leprosy पगह० २, ५, आया० १, ६, १, १७२,

कोण पु० (कोण) વીણા વગાડવાનો હાથો वाना बजानेका दस्ता. The key note of a musical instrument राय० १३०, (२) ખુણો कोना. a corner; an angle प्रव० ५८२ जीवा० ३, १, सू० प० १ ओघ० नि० भा० १६७

कोणाल पुं० (कोणाल) જીવ વિશેષ जीव विशेष A kind of living creature ज० प०

कोणालग पुं० (कोणालक) એક જાતનું પક્ષી एक जाति का पक्षी. A kind of bird पगह० १, १,

कोणिय. पु० (कोणिक) ચંપા નગરીનો રાજા, શ્રેણિક રાજાનો પુત્ર चंपा नगरी का राजा, श्रेणिक राजा का पुत्र The king of the city of Champā the son of the king Śreṇika नाया०१ १, १६, भग० ७, ६,

कोतव न० (कौतव) ઉંદરના વાળનું બનાવેલું સૂત્ર चूहे के बाल का बनाया हुआ सूत. A

thread made of the hair of a rat अणुजो० ३७,

कोत्तिय पुं० (कात्रिक) भूमि पर शयन कर नार, तापसनी એક જાત भूमि पर सोने वाला; तपस्वी की एक जाति One who sleeps on the floor निर० ३, ३; भग० ११, ६, ओव० ३८.

कोत्थ. त्रि० (कौत्स) કુત્સ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુરુષ-શિવભૂતિ વગેરે कुत्स गोत्र मे उत्पन्न पुरुष शिवभूति आदि Sivabhūti etc born in Kutsa lineage ठा० ७, १;

कोत्थ पु० (कोष्ट) કોઠો, ઉદર પ્રદેશ कोठा, उदर प्रदेश The stomach the belly नाया० १, **हत्थ** त्रि० (-हस्त=कोष्ठे उदर प्रदेशे हस्तो यस्य स तथा) ઉદર પર હાથ છે જેનો એવો जिसका छाती पर हाथ है वह (one) with his hand resting on the breast "गाविया भार करेणु कोत्थ हत्थी" नाया० १.

कोत्थर पु० ( ) ઝાડની બખોલ झाड की कोचर A cleft in a tree सू० च० १८ १३,

कोत्थल पुं० (*) થેલો કોથળો गुण, थैला. A big bag उत्त० १६, ८०,

कोत्थलगारिआ स्त्री० (कोस्थलकारिका) કોથળા જેવું ઘર કરનારી ભમરી मिट्टी का घर बनाने वाली भमरी A fly which builds a house of the shape of a bag. ओघ० नि० ४६२,

कोत्थलवाहगा. स्त्री० (कोस्थलवाहिका) ત્રણ ઈંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત त्रण इंद्रिय वाले जीव की एक जाति A kind of three sensed creature पन्न० १.

कोत्थुभ पु० (कौस्तुभ) ડોકનું આભરણ. गले का आभूषण. An ornament for the neck a necklace (२) કૃષ્ણ વાસુદેવનો કૌસ્તુભ નામનો મણી कृष्ण वासुदेव का कौस्तुभ नाम की मणि. a gem so named of Krisṇa Vāsudeva पन्न० १. ८

कोत्थुह पु० (कौस्तुभ) અગીયારમા તીર્થકરના ૧લા ગણધરનું નામ ग्यारहवें तीर्थंकर के १ ले गणधर का नाम Name of the 1st Gaṇadhara of the 11th Tirthankara प्रव० ३०६.

कोत्थुभवन्न पु० (कौस्तुम्भवर्ण) કોથમરી कथमीर A kind of vegetable निसा० ३, ८ .

कोदंड न० (कोदण्ड) ધનુષ્ય धनुष्य A bow "कोदंड विप्प मुक्केण उसुणा वामं पार्श्वविद्धे समाणो" अत० ५, भग० ७, १.

कोदाइय पु० (कुदण्डक) કુત્સિત દંડ અયોગ્ય દંડ कुत्सित दण्ड, अयोग्य दण्ड Inadequate punishment भग० ११, ११.

कोदूसग पु० (कोरदूषक) એક જાતનું ધાન્ય કોદરા एक जाति का धान्य, कोदरा A kind of corn. भग० २१, ३, पन्न० १.

कोद्दव पु० (कोद्रव) કોદરો, એક જાતનું હલકું ધાન્ય एक जाति का हलका धान्य कोदरा A kind of corn of inferior quality पन्न० १ विशे० १२०४, ओघ० नि० भा० ३०७, पि० नि० १६२, भग० ६, ७, २१, ३, ज० प० सूय० ०, २, ११ ठा० ७, १, प्रव० ६८२, १०१३,

कोद्दाल. पु० (कोद्दाल) એક જાતનું વૃક્ષ.

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

एक जाति का वृक्ष A kind of tree जं० प०

कोद्दालग पुं० (कोद्दालक) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का झाड़ A kind of tree भग० ६, ७, जीवा० ३, ३.

कोद्दालिया स्त्री० (कुद्दालिका) કુહાડી. कुल्हाड़ी. An axe विवा० १ ३.

कोप्पर पुं० (कूर्पर) કોણી कुहनी, काना The elbow पंचा० ३, १८ ओघ० नि० भा० २६६. विवा० ६, (२) નદીના કોતર नदी का गुफा-दर the cleft or hollow in the river ओघ०नि०३०.

कोमल त्रि० (कोमल) સુકોમળ; મૃદુ सुकोमल, मृदु Soft delicate नंदी० ४२, भग० २, १. ११, ११, नाया० १. २, अणुजो० १६, ओव० विवा० ७ राय० (२) એક જાતનું હરણ एक जाति का हिरन a kind of deer राय० २३८ —अंगी स्त्री० (-अंगी) કોમળ અંગવાળી कोमल अंगवाली a woman having a delicate body नाया० ८ —अंबिलिया स्त्री० (-आम्लिका) કાચી આમલી જેમા આબળીયો ન થયો હોય તેવો કાતરો कच्चा आमला, जिस में गुठला पैदा न हुई हो ऐसा इमली a kind of raw fruit having sour taste प्रव० २४१ —तल न० (-तल) કોમળ પગનું તળીયું कोमल पांव की तली the sole of a delicate feet भग० १ १

कोमलिया स्त्री० (कोमलिका) સુકોમળ સ્ત્રી. सुकोमल स्त्री A delicate woman नाया० १६.

कोमारभिच्च. न० (कौमारभृत्य) કુમારને ક્ષીરાદિક કેવીરીતે પોષવું તેનું વર્ણન જેમાં છે એવું શાસ્ત્ર कुमार का क्षीरादि से किस प्रकार पोषण करना इस का शास्त्र A science dealing with the ways of nourishing the children with milk etc विवा० ७,

कोमारी स्त्री० (कौमारी) કુમાર અવસ્થામા દીક્ષા લીધેલ સાધ્વી બાલબ્રહ્મચારિણી. बाल्यावस्था में दीक्षित हुई आर्जिका, बाल ब्रह्मचारिणी A woman initiated from the very childhood भग० १५, १,

कोमुई. स्त्री० (कौमुदी) કાર્તિકી પૂર્ણિમા. कार्तिककी पूर्णिमा The full-moon-day of the month of Kartika ज०प० नाया० २, (२) ચંદ્રપ્રભા, ચંદ્ર-જ્યોત્સ્ના, चन्द्रप्रभा, चन्द्रज्योत्स्ना the moonlight. आव० —जोगजुत्त पुं० (-योगयुक्त) કાર્તિક માસની પુનમના યોગ વાળો कार्तिक मास की पूर्णिमा के योग वाला (चन्द्र) (the moon) coexistent with the full moon-day of the month of Kārtika दस०६, १ १५;—निसा स्त्री० (-निशा) કાર્તિક માસની પુનમની રાત્રિ कार्तिक मास का पूर्णिमा की रात्रि the night of the full-moon-day of the month of Kārtika नाया० १,

कोमुईयभेरी स्त्री० (कौमुदिकभेरी) કૌમુદિ ઉત્સવનું એક વાજિંત્ર कौमुदी महोत्सव का एक बाजा A kind of musical instrument नाया० ४,

कोमुदिया स्त्री० (कौमुदिका) કૌમુદિકા ભેરી; લોકો ને ખબર આપવા માટે મહોત્સવ પ્રસંગે વગાડવાની ભેરી વાજિંત્ર कौमुदिका भेरी; लोगों को सूचना देने के लिये महोत्सव के समय बजाने की भेरी बाजा. A kind of musical instrument which is played upon at the time of

some ceremony for giving notice to the people विशे०१४७६,

कोमुदी. स्त्री० (कौमुदी) ચાન્દની चांदनी Moon-light. जीव० ३, ३,

कोयव न० (कोयव) કોયવ દેશના વસ્ત્રની એક જાત कोशव देश के वस्त्र की एक जाति A kind of cloth of the Koyava country नाया०१७, आया०२,५ १,१४५. (२) કોયવ નામનો એક દેશ कोयव नाम का एक देश a country of this name प्रव० १५३८

कोयवि पु० (कोयवि) રૂ-કાપુસથી ભરેલ રજાઈ, ગુદડી कपास से भरीहुई रजाई A quilt प्रव० ६८१,

√**कोर** धा० II (कर्) કોરવું. કોતરવું खोदना; कुतरना To carve

कोरेइ निसी० १४, ४६,

कोरिय स० कृ० निसी० १८, ४६;

कोरावेइ पृ० निसी० १४, ३०,

कोरंट पु० (कोरण्ट) કોરન્ટ જાતનું એક ઝાડ, ફૂલના ગુચ્છાવાળું એક વૃક્ષ कोरंट जाति का एक झाड, फूल के गुच्छेवाला एक वृक्ष A kind of plant bearing flowers in clusters पन्न० १ भग० ७, ६, ओव० ३१, नाया० १, राय० ५४; ६६; उवा० १, १० ज० प० ५, १२२, —पत्त न० (-पत्र) કોરંટ વૃક્ષના પાંદડાં कोरंट वृक्ष के पत्ते. the leaves of a Koranta tree. नाया० ८, —बेंट पु० (वृन्त) કોરંટ વૃક્ષનું દીંટુ-બિંટ કું कोरंटवृक्ष का बींट. the stem of a Koranṭa tree भग० ४२, १,

कोरंटग. पुं० (कोरण्टक) જુઓ "कोरट" શબ્દ देखो "कोरंट" शब्द Vide "कोरंट" भग० २२, ५;

कोरण. न० (कोरण) કોતરવું તે नकासना; कोरना. Carving निसी० १८, १४;

कोरव पुं० (कोरक) કોર, મંજરી. मंजरी. Pollen (२) કળિ कली. a bud. ठा० ४, १,

कोरव पु० (कौरव) કુરુવંશ कुरुवंश The Kuru family (२) તે વંશમાં જન્મેલ. उस वश में उत्पन्न a person born in this family भग० ६, ३३, पन्न० १; राय० २१८;

कोरविआ स्त्री० (कोरविका) ષડ્જ ગ્રામની બીજી મૂર્છના शड्ज ग्राम की दूसरी मूर्छना The second note of the musical scale अणुजो० १३८,

कोरव्व पु० (कौरव्य) કુરુ વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ कुरुवंश में उत्पन्न One born in a Kuru family ओव० १४, भग० २०, ८ जावा० ३, १ अणुजो० १३१, प्रव० १०२३,

कोरव्विया स्त्री० (कौरविका) ષડ્જ ગ્રામની બીજી મૂર્છના षड्ज ग्राम का दसरां मूर्छना Known as Sadaja ठा० ७, १

कोरिंग पु० (कोरङ्ग) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पराह० १ १,

कोरिंट पु० (कोरण्ट) એક જાતનું ઝાડ एक जाति का झाड. A kind of tree कप्प०३, ३७, ४, ६२, जीवा० ३, ४, ज०प०

कोरिंटग पु० (कोरण्टक) એક જાતનું પ્રાણી. एक जाति का प्राणी A kind of creature. ज० प०

कोरिंटय पु० (कोरण्टक) એક જાતનું ઝાડ गेंदा; हजारा A kind of plant. पन्न०१;

कोरिल्लअ त्रि० (कौरिलक) ઘુણા જીવોએ કોરી ખાધેલું; તુટી ફુટી જીર્ણ થયેલું. घुन जीवों ने कोर कर खाया हुआ; टूटा फूटा

जीर्ण. destroyed by insetos which feed themselves by carving a substance राय० २५७,

कोल. पु० (कोल) धुणो, ઉદ્ધઈ, કીડી વગેરે. घुन, उदई; चिउंटी इत्यादि Insects e g white ants etc. आया० १, ८, ७, १७, (२) બોર. बेर. berry दस० ५, २, २१, आया० २, १, ८, ४३ पिं० नि० ५६१, (३) ડુક્કર, ભૂંડ सुअर a pig पराह० १, १; उत्त० १९, ५४, नाया० १. —**अट्ठिग** न० (-अस्थिक) બોરનો ઠળીયો बेर की गुठली a stone of a berry भग० ६ १० —**आवास** पु० (-आवास) ધુણાનું રહેઠાણ, ઉધાઈનું સ્થાન घुन के रहने का स्थान, उदई का स्थान residing place of insects e g white ants etc निर्मा० ७, २१. १३ ८, —**चुराण** न० (-चूर्ण) બોરનું ચૂર્ણ, બોર કુટ્ટો बेर का चूर्ण बर कुट्टा. a powder of berry fruits दस० ५ १, ७१,

कोलंब पु० (कोलम्ब-नतग्रमाग्रभाग) નમેલા ઝાડની શાખાનો અગ્રભાગ झुके हुए झाड की डाली का अग्रभाग The front part of a branch of a tree which is bent विवा० ३.

कोलघरिय त्रि० (कौलगृहिक) કુલઘર સમ્બન્ધી कुलघर सम्बन्धी. Relating to father's house "कोलघरिए पुरिसे सद्दावेइ" उवा० ८, २४२

कोलव न० (कौलव) કૌલવ નામનું ત્રીજું કરણ, દરેક માસના શુક્લ પક્ષમા છઠ અને તેરસને દિવસે તથા બીજ અને નોમની રાતે, તથા કૃષ્ણ પક્ષમા પાચમ અને બારસને દિવસે તથા એકમ અને આઠમની રાતે આવતું. સાત ચર કરણમાંનું ત્રીજું કરણ कौलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष की छठ और तेरम के दिन तथा बीज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष की पांचम और बारम का दिन या एकम और आठम की रात पर आनेवाला, सात चर करणों में से तीसरा करण The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight ज० प० ७, १५३; विशे० ३३४८,

कोलवाल पु० (कोलपाल) ધરણેન્દ્રના બીજા લોકપાલનું અને ભૂતાનંદ ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ धरणेंद्र के दूसरे लोकपाल का और भूतानंद इंद्र के लोकपाल का नाम The name of a Lokapāla, the second of Dharaṇendra and of Bhūtananda ठा० ४, १, भग० ३, ८, ज० प०

कोलसुणश्र-य पु० (कोलशुनक) મોટું ભુંડ઼ર बडा सूअर A big pig आया० २ १, ५, २७,

कोलसुणग पु० (कोलशुनक) મોટું ડુક્કર बडा सुअर (भसूडा). A big pig पन्न० १, जीवा० ३, ३; ज० प० पराह० १ १.

कोलालिय पु० (कौलालिक-कोलालानि मृद्भाण्डानितत्पण्यमस्येति कौलालिकः) માટીના વાસણ વેચનાર; કુંભાર. मिट्टी के बरतनों का व्यौपारी. कुमकार A potter अणुजो०

१३१; पन्न० १; उवा० ७, १६५;

कोलाह. पुं० (कोलाह) એક જાતનો ફેણવાળો સર્પ एक जाति का फनवाला सर्प A kind of hooded serpent. पन्न० १,

कोलाहल पुं० (कोलाहल) શોર બકોર, ગભરાટ कोलाहल; हल्लागुल्ला An uproar, bustle नाया० १६; उत्त० ६, ५; ओव० २४, ज प० पन्न० २, "वाय कोलाहलं करे" सूय० १, ६, ३१; भग० ७, ६, उवा० ६, १३६; —पिय त्रि० (-प्रिय) કોલાહલ છે પ્રિય જેને તે जिसे कोलाहल प्रिय है वह (one) appreciating bustle. नाया० १६,

कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूत कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽस्मिन्नुतत् कोलाहलक भूतम्) કોલાહલ મય कोलाहल सहित Full of bustle ज० प० २, ३६, भग० ७, ५,

कोलुण्ण न० (कारुण्य) દયા, કરુણા दया, करुणा Mercy, pity निसी० १२, १, —पडिया स्त्री० (-प्रतिज्ञा) અનુકંપા નિમિત્ત, કરુણા માટે दया के लिये, करुणार्थ for the sake of mercy. निसी० १२ १

*कोलिआ स्त्री० (अवोवृत्त खाता कारकोष्ठिका विशेष) નીચે ખાટલી અને ઉપર ખાઇના આકારની કોઠી नीचे बोतल और ऊपर खन्दक के आकार वाली कोठी A conical shaped pot आया० २, १७, ३७,

कोल पुं० (कोल) કોલવૃક્ષ कोलवृक्ष A Kola tree. कप्प० ३, ३७;

कोल्लाय पुं० (कोल्लाक) કોલ્લાક નામનો સન્નિવેશ-ગામ कोल्लाक नाम का संनिवेश-ग्राम. A neighbouring village named Kollāka. भग० १५, १, उवा० १, ८०;

कोव. पुं० (कोप) કોપ, કોપ कोप; कोप. Anger, enragement पिं० नि० २१२; सम० ५२, भग० १२, ५, —घर न० (-गृह) કોપ કરવાનું ઘર, રીસાઇને બેસે તે સ્થાન कोप स्थान, क्रोधित होकर जहां जा बैठे वह जगह. resorting place of one who is enraged विवा० ६: —सीलया स्त्री० (-शीलता) ક્રોધી સ્વભાવ क्रोधी स्वभाव high temperament ठा० ४, ४,

कोविअ-य त्रि० (कोविद) પંડિત पंडित. Learned आया० १, ५, १

कोस पु० (क्रोश) ગાઉ, બે હજાર ધનુષ્ય પ્રમાણ ક્ષેત્ર, કોસ गाउ दो हजार धनुष्य प्रमाण क्षेत्र, कोस A distance of two miles a distance equal to 2000 Dhanusyas (a measure of length) उत्त० ३६, ६१, ओव० ४२, ज० प० भग० २, ८, पन्न० ३६, जीवा० ३, १, प्रव० ४४२, (२) આંખનો ડોળો आंख की पुतली the pupil of the eye अणुत्त ३, १, (३) લઘુનીત-પેશાબ કરવાનું ઠામ लघुनीत-पेशाब करने का बर्तन a pot for passing urine in सूय० १, ४, २, १२; (४) અર્ધામુખ કમલને આકારે ગર્ભાશય, ગર્ભસ્થાન a womb तंदु० ८; (५) ભંડાર ખજાનો. भंडार, खजाना a store; a treasury ज० प० ७ १६५, राय० १६२, २०६; २२२, २८२, नाया० १; १४, निर० १, १, भग० ११, ६, उत्त० ६, ४६, ओव० कप्प० ४, ८६, (६) કમલનો ડોડો कमल की फली. a lotus pod. पण्हा० ३, १६, —दुग न० (-द्विक) બે ગાઉ दो कोस. two miles प्रव० ८१६, —आगार. पुं० (-आगार) ભંડાર, ખજાનો भंडार; खजाना. treasure;

store. जं० प० —**आगार.** पुं० (-आकार) કમળ કોશની આકૃતિ. कमल की फली सी आकृति the shape of a lotus pod. पंचा० ३, १६;

कोसंब पुं० (कौशम्ब) દ્વારકાથી પાંડુ મથુરા જતા વચ્ચે આવતું એ નામનું એક વન કે જેમાં જરાકુમારે કૃષ્ણ મહારાજને હરણની ભ્રાંતિથી બાણ માર્યું. द्वारका से पाडु मथुरा जाते समय मार्ग में आने वाला एक बन जहां जराकुमार ने कृष्ण महाराज को हिरन समझ कर बान मारा था A forest of this name situated between Dwārakā and Pandu Mathurā, where Jarā Kumāra had struck Kṛiṣṇa Mahārāja taking him to be a deer through mistake अत० ५, १, (२) એ નામનું એક ઝાડ इस नाम का एक झाड़. a kind of tree. पन्न० १ (३) કોશામ્બ ઝાડનું ફલ. कोशाम्ब नामके झाड़ का फल. a fruit of Kośamba tree भग० २२, २, —**गंडिया** स्त्री० (-गण्डिका) કોશમ્બ વૃક્ષની ગાંઠવાળી લાકડી कोशम्ब वृक्ष की गाठवाली लकडी. a stick of Kośamba tree having knods भग० १६, ४,

कोसंबिया स्त्री० (कौशाम्बिका) એ નામની એક શાખા इस नाम की एक शाखा An offshoot of this name कप्प० ८·

कोसंबी पुं० (कौशाम्बी) એ નામની એક નગરી, અનાથી મુનિનું મૂળ વતન इस नाम की एक नगरी, अनाथी मुनि का मूल निवास स्थान Name of a city, the residing city of the ascetic Anāthī निसी० ६, १०; भग० १२, २; वेय० १, ४६; उत्त० २०, १८; नाया० ८० १०; पन्न० १,

कोसग. पुं० (कोशक) એક જાતનું ઠામ- વાસણ एक जाति का बर्तन. A kind of pot. "सरावं सिवा डिंडिमंसिवा कोसगं सिवा" आया० २, १, ११, ६२; प्रव० ६८३;

कोसल पुं० (कोशल) કોશલ દેશ; શ્રીઋષભદેવ ભગવાનના ચોવીશમાં પુત્રના ભાગમાં આવેલ દેશ. कौशल देश, श्री ऋषभदेव भगवान के चौवीसवें पुत्र के हिस्से में आया हुआ देश Kośala country; name of the country which came as a part of property to the 24th son of Śrī Riṣabhadeva पन्न० १, नाया० ८; कप्प० ५, १२७, —**जाणवय** पुं० (-जानपद) કોશલ દેશ कोशल देश. the Kośala country. भग० १५, १;

कोसलग. त्रि० (कोशलक-कोशला अयोध्या तज्जनपदोऽपि कोशला, तत्तस्मान्वितः कोशलका·) કોશલ દેશવાસી. कौशल देश निवासी A resident of Kośala पिं० नि० ६१६, भग० ७, ६; १५, १, ठा० ५, २

कोसलिअ-य. त्रि० (कोशलिक-कुशला-विनीता अयोध्या, तस्या अधिपतिस्तत्र भवोवा कौशलिक) કોશલ દેશમાં જન્મેલ कौशल देश में उत्पन्न (One) born in the country of Kośala (२) અયોધ્યા નગરીનો અધિપતિ-રાજા अयोध्या नगरी का अधिपति-राजा the king of Ayodhyā. जं० प० २, ३०; ३१;

कोसिअ-य पु० (कौशिक) કૌશિક નામનું ગોત્ર कौशिक नाम का गोत्र. A lineage of this name नंदी० २५; सू० प० ११; ठा० ७, १; (२) त्रि० કૌશિક ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ कौशिक गोत्र में उत्पन्न. (one) born in a Kouśika lineage. ठा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार पुं० (कौशिकार) એક જાતનો

रेशमने। कीडो. एक जातका रेशम का कीडा A kind of silk-worm पराह० १, ३,

कोसिअ न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र रेशमी कपडा. Silken cloth. जं० प०,

कोसी स्त्री० (कौशी) कोशी नामनी नदी के जे गंगामां मळे छे कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है Name of a river which joins the Ganges ठा० ५, ३, उवा० २, १०१;

कोसी स्त्री० (कोशी) तलवारनी म्यान तलवार का कोश, म्यान A sheath. सूय० २, १, १५,

कोसेज्ज न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प० २३८, पराह० १, ४; ओव० जीवा० ३,

कोह पु० (क्रोध-क्रोधन कुध्यति वा येनस· क्रोध) क्रोध, रोष, गुस्सो क्रोध, गुस्सा, रोष. Anger, rage. नाया० १, ५, सु० च० ३, १६१, भग० १, ६; ७, १, १०, १२, ५, दस० ४, ६, १२, ७, ५४, पिं० नि० ६३, ४०६, आया० १, ५, ६, १६५, ठा० १, १, २, १, उत्त० १, १४, ४, १२; ६, ३६; दसा०४,८२;६,४, निसी०१३, ६६, ओव०१६,३४; विशे०१०३४, पन्न०१४,सूय० २,२, १२,भत्त०६८,१५१, प्रव०४५७,ओव० ३, १; क० प० २, ८७, क० गं० १, १६, पचा०१, १०,—उदयणिरोह. पु० (-उदयनिरोध) क्रोधना उदयने रोकवो क्रोध का उदय न होने देना. checking of anger भग० २५, ७; —उवउत्त. त्रि० (-उपयुक्त) क्रोधना उपयोगवाळो; क्रोधी. क्रोधी उपयोग वाला; क्रोधी. enraged; angry भग० १, ५; —कसाअ-य पु० (-कषाय) क्रोध-गुस्सो ते रूप कषाय. क्रोध-गुस्सा वह रूप वाला कषाय. a passion in the form of anger ठा० ४, १; सम० ४; भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४, ७; —कसाइ. पु० (-कषायिन्) क्रोध कषायवाळो; क्रोधी क्रोध कषायवाला; क्रोधी a person possessed of anger. भग० ६, ४, ११, १, १८, १, २१, १, ३५, १, —जुअल न० (-युगल) क्रोधनुं जोडु-युगल, अपच्चखाणावरणीय क्रोध अने पच्चखाणावरणीय क्रोध क्रोध की जोडी-युगल, अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध और प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध a pair of Pratyākhyānāvaranīya and Apratyākhyānāvaranīya anger प्रव० ७१०; —निग्गह पु० (-निग्रह) क्रोधनो निग्रह करवो ते. क्रोध का निग्रह करना checking of anger प्रव०५५६, —निव्वत्तिअ त्रि० (-निर्वर्तित) क्रोधथी निष्पन्न थएल क्रोध से निष्पन्न produced, born of anger ठा० ४, ४, —पिंड पुं० (-पिण्ड—क्रोध· कोपस्त-हेतुक पिण्ड कोधपिण्ड·) कोइपण साधु विद्या के तपनो प्रभाव दर्शावी राजवल्लभ· पणुके पोतानु बल जणावी आहार ल्ये ते, आहारनो एक दोष कोई भी साधु विद्या या तप का प्रभाव दिखाकर या राजवल्लभता और अपना बल दिखा आहार ले वह आहार: आहार का एक दोष accepting of food by exposing some miracle or superhuman power or the royal patronage, a fault connected with receiving food. पिं० नि० ४६२, —मुंड त्रि० (-मुण्ड) क्रोधनो निग्रह करनार. क्रोध का निग्रह करने वाला. (one) who checks anger. ठा० ५, ३, —वसट्ट त्रि० (-वशार्त) क्रोधथी पीडित; क्रोधने वशे आर्त-दुःखी

थयेल. क्रोध से दुःखित, क्रोध के कारण आर्त-दुःखी. afflicted with anger; given to anger. भग० १२, १, —विउस्सग्ग पुं० (—व्युत्सर्ग) ક્રોધનો ત્યાગ क्रोध का त्याग. abandoning of anger भग० २५, ७, —विजअ-य पु० (—विजय—क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परिभावनेनोदय निरोध क्रोधविजय) ક્રોધને જીતવો તે ક્રોધને અટકાવવો તે क्रोध को जीतना, क्रोध का रोकना conquering of anger; victory over anger उत्त० २९, २, —विवेग पु० (—विवेक) ક્રોધનો ત્યાગ क्रोध का त्याग abandoning of anger "एगे कोह विवेगे" ठा० १, १, भग० १७, ३, सम० २५, —सण्णा स्त्री० (—संज्ञा—क्रोधोदयात्तदावेशगर्भा प्ररूक्ष मुखनयनदन्तच्छदस्फुरणादि चेष्टैव संज्ञायते अनयेति क्रोधसंज्ञा) ક્રોધ મોહનીયના ઉદયથી ક્રોધિ મનુષ્યના મુખ નેત્ર દાન્ત વગેરે અંગો ધ્રુજે છે તે. ક્રોધ સંજ્ઞા क्रोध मोहनीय के उदय से क्रोधी मनुष्य के मुह, नेत्र, दंत आदि अंगों का धूजना. क्रोध संज्ञा trembling of face eyes teeth etc of a man who is enraged भग० ७, ८, ठा० १० पन्न० ५,

कोहंगक पु० (क्रोधाङ्गक) એક જાતનું પક્ષી एक जाति का पक्षी A kind of bird ओव०

कोहंड पु० (कूष्माण्ड) કલોળુ, દુધી, लौकी, तुम्बी A white gourd अणुजो० १४३, प्रव० ११४५,

कोहण. त्रि० (क्रोधन) ક્ષણે ક્ષણે તપી જનાર, ક્રોધી, અસમાધિનું નવમું સ્થાનક સેવનાર. क्षण २ पर क्रोध करने वाला, क्रोधी; असमाधि का नवा स्थानक सेवने वाला (One) getting angry every moment; (one) undergoing the 9th stage of uneasiness due to anger. सूय० २, २, १८; उत्त० २७, ६, मम० २०;

कोहि. त्रि० (क्रोधिन्) ક્રોધવાળો, ક્રોધી क्रोधी, क्रोध वाला Angry; enraged. अणुजो० १३१; क० गं० ४, ४३,

कोहिल्ल त्रि० (क्रोधवत्) ક્રોધિલો, ખારીલો, ઝેરી क्रोधी, जहरी, डाह्या Angry, enraged ओघ० नि० भा० १३३,

√**किण** धा० I, II (क्री) વેચાતુ લેવું. ખરીદવું बिकता हुआ लेना, खरीदना To purchase, to buy

किणेइ निसी० १४, १, १६, १

किणाइ पि० नि० ३५०,

किणे वि० आया० १, २, ५, ८८,

किणं व० कृ० सूय० २, १, २४,

किणंत. उत्त० ३५, १४, सु० च० १५, १७६,

किणावेइ प्रे० निसी० १४, १, १६, १,

किणावए. प्रे० आया० १, २, ५, ८८,

किणावेमाण प्रे० सूय २, १, २४,

किणन्तु प्रे० पण्ह० १, २,

√**क्खोड** धा० I ( ) નિષેધ કરવો त्यागना To abandon to reject खोडिज्जति भग० १३, २,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th.

ख.

ख न० (ख) આકાશ. आकाश, आस्मान The sky "खे सोहइ विमले अब्भ मुक्के" दस० ६, १, १५; (२) ઇંદ્રિય. इंद्रिय an organ; a limb विशे० ३४४५;

खअ-य न० (क्षत) ઘા; જખમ ઘાવ, जखम A wound सु० च० ७, २३४,

खइ. त्रि० (क्षयिन्) ક્ષયરોગવાળો क्षय रोगी Consumptive सु० च० १३, ५४,

खइअ-य. त्रि० (क्षायिक) કર્મ પ્રકૃતિનો ક્ષય, સમુલગો નાશ કરવાથી ઉત્પન્ન થતો ભાવ-કેવલ જ્ઞાનાદિ ક્ષાયિક ભાવ कर्म प्रकृति का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला भाव-केवल ज्ञानादि क्षायिक भाव Complete destruction of Karmic natures पिं० नि० १५८; अणुजो० ८८, भग० १४, ७, २५, ६, विशे० ५२८; प्रव० ६५७, १३०४. क० गं० १, १५, ३, २०, ४, १६,

खइय त्रि० (क्षपित) ખપાવેલું, ક્ષય કરેલું नाश कियाहुआ, क्षयकियाहुआ Destroyed राय० २८३,

खइय त्रि० (खचित) જડેલું जडा हुआ, पच्चीकियाहुआ. Inlaid; studded. नाया० २, ४, १ १६५, उवा० ७, २०६,

खइय त्रि० (खादित) ખવાયેલ, ખાધેલ खायाहुआ Tasted, eaten. पिं० नि० १४२; पं० चा० १६, १३, ओघ० नि० भा० ५८८; राय० २५८, पिं० नि० ७३५;

खइर. पुं० (खदिर) ખેરનું ઝાડ. खेरका झाड. A kind of tree known as Khera. सु० च० ७, ६५;

खउर न० (खपुर) સોપારીના લાકડામાંથી બનાવેલ તાપસનું પાત્ર. सुपारीकी लकडी से बनाया हुआ तापस का एक पात्र A pot for an ascetic made of the wood of a bettle-nut विशे० १४६५;

खउरिय त्रि० (*) મેલું, ડોળું मैला, गन्दला Turbid, dirty पिं० नि० २६२;

खओवसम पुं० (क्षयोपशम) ક્ષયોપશમ ભાવ-કર્મનો કાંઇક ક્ષય અને કાંઇક ઉપશમ કરવો તે, અર્થાત ઉદયમા આવેલ કર્મનો ક્ષય અને ઉદયમા ન આવેલ કર્મનો ઉપશમ કરવો તે क्षयोपशमभाव-कर्मका कुछेक क्षय और कुछेक उपशम करना अर्थात् क्षय करना और उदय में न आये हुए कर्मका उपशम करना Destroying of Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature विशे० १०४, ओव० ४, नाया० १, १४; भग० ६, ३१; पंचा० १, ३, उवा० १, ७४

खओवसमिअ. न० (क्षयोपशमिक) ક્ષયોપશમભાવે પ્રાપ્ત થતા મતિજ્ઞાન આદિ क्षयोपशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान आदि Intellectual knowledge etc got by the action of destroying the matured Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. अणुजो० ८८, ठा० २, १; नंदी० ६, भग० १४, ७; २५, ६, विशे० ५१७; क० गं० ६, ५०, प्रव० ६३६;

√**खंच**. धा० I (कृष्) ખેંચવું. खेंचना. To stretch

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खंज. आ० सु० च० २, १८.

खंजण पुं० (खञ्जन) ગાડાની ઉંધણ-ગાડાના પૈડાનો મેલ-પૈડા ફરવાથી ધરી ઊપર જમતો ચીકણો કાળો મેલ. गाडेकी उघन गाडे के पहियों का मैल—पहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला चिकना काला मैल The dirty black grease of wheels ओघ० नि० ४०१, क० गं० १, २, भग० ६, १, १०, ६, उत्त० ३४, ४, ओव० सू० प० १२०, (२) એક જાતનું પક્ષી एक जात का पक्षी a kind of bird जीवा० ३, ४, (३) દીવાની મેસ, કાજળ दीपक की मेस, काजल the soot of a lamp ठा० ४, २, पन्न० १७, प्रव० ८५७

√ खंड धा० II (खण्ड्) ખાંડવું खाडना To pound

खंडेइ. सु० च० २, ३६४,

खंडित्तए हे० कृ० नाया० ५ ८,

खंडिज्जंत क वा० व० कृ० सु० च०४,८२.

खंड. न० (खण्ड) ભાગ, કટકો ભાગ. टुकडा A division, a part जं० प० ६, १२५, विवा० ७. विसे० १४६२, नंदी० ५० पिं० नि० ५१७, भग० २, ५. १०. ६, ३१ १०, ७, नाया० १६ १७, उवा० १, ३४, भत्त० ८७, (२) વનખણ્ડ वनखण्ड a part of a jungle नाया० १ (३) ખાંડ शकर, sugar उत्त० ३४,१५, जीवा० ३, ३; अणुजो० ६५, १३३, भग० १८, ६, पिं० नि० २८३, जं० प० पन्न० १७, —घडग पुं० (-घटक) ફૂટી ગયેલો ઘડો फूटा हुआ घडा a broken pot नाया० १६, —पट्ट. त्रि० (-पट्ट) અપૂર્ણ લુગડાવાળો, ગરીબ अपूर्ण वस्त्रों वाला, गरीब (one) possessing poor clothes (२) ઠગ, જુગારી. ठग, जुआरी a speculator. विवा० ३; ६; —पडह त्रि० (-पटह) ફૂટેલ ઢોલવાળો. फूटे ढोल वाला. (one) possessed of a broken drum. विवा० ९; —पाण न० (-पान) ખાંડનું પાણી शकर का पानी sugar water नाया० १७, —मल्लय न० (-मल्लक) ભાંગી ગયેલ પ્યાલો-સરાવલો फूटा हुआ प्याला, सरावला a broken cup नाया० १६, —महुर त्रि० (-मधुर) ખાંડના જેવું મીઠું शकर जैसा मीठा sweet as sugar. ठा० ४, ३,

खंडग. पु० (खण्डक) કચ્છવિજયના વૈતાઢ્ય ઉપરના નવ કૂટમાંનુ ત્રીજું કૂટ-શિખર कच्छविजय के वैताढ्य पर के नव कूटों में का तीसरा कूट-शिखर The third of the nine summits of the Vaitādhya mount in Kachchha Vijaya जं० प० ६, १२५, (२) કર્મસ્થિતિના ખંડ-કકડા कर्मस्थिति के खंड-टुकडे parts, divisions of Karma क० प० ७, ४८, —मल्लग. पु० (-मल्लक) ભાગી ગયેલ સરાવલો, ભાંગેલ સકોરૂં फूटा हुआ प्याला अथवा मिकोरा a broken earthen cup. नाया० १६ —विच्छेय. पु० (-विच्छेद) કર્મના સ્થિતિખણ્ડનો વિચ્છેદ-અભાવ कर्मकी स्थिति खड का विच्छेद-अभाव absence of a division of the duration of Karma क० प० ७, ४८,

खंडगप्पवाय पु० (खण्डकप्रपात) જુઓ 'खंडप्पवायगुहा' શબ્દ देखो "खडप्पवायगुहा" शब्द Vide "खंडप्पवायगुहा" ठा० २, ३.

खंडगप्पवायगुहा स्त्री० (खण्डकप्रपातगुहा) એવા નામની ભરતના વૈતાઢ્યની બીજી ગુફા, ઉત્તર ભરતમાંથી ચક્રવર્તીના લશ્કરને પાછો દક્ષિણ ભરતમાં આવતાં વૈતાઢ્ય પર્વતની

पश्चिमे गुफारूप मार्ग खंडकप्रपात गुहा इस नाम की भरत के वैताढ्य का दूसरी गुफा- उत्तर भरतमे से चक्रवर्ती के लश्कर को पाछा दक्षिण भरत मे आने की वैताढ्य पवत में का गुफारूप मार्ग Name of the second cave of Vaitādhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravarti from the northern Bharata to the southern Bharata "खंडप्पवाय गुहाए अट्ठ जोयणाइं" ठा० ८, सम० ८०

खंडप्पवायगुहा स्त्री० (खण्डप्रपातगुहा) वैताढ्य पर्वत मध्ये पूर्व बाजुनी एक गुफा जेमाथी चक्रवर्ती उत्तर भरतदेशे साधी पाछा दक्षिण भरतमा वळे छे वैताढ्य पर्वत में की पूर्व बाजू की एक गुफा, जिसमें से चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जीतकर पीछे दक्षिण भरत में लौटते है Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitādhya through which Chakravarti returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata जं० प० ३, ६४ ६, १२५; १, १३.

खंडप्पवायगुहाकूड पु० (खण्डप्रपातगुफाकूट) वैताढ्यपर्वत उपरना नवकूटमानु त्रीजु कूट शिखर वैताढ्य पर्वत के नवकूट में का तीसरा कूट-शिखर. The third of the 9 summits of the Vaitādhya mount. जं० प०

खंडरक्ख पुं० (खण्डरक्ष) दाणी; दाणु लेनार. दाणी, दाण लेनेवाला A custom inspector. (२) कोटवाळ. कोतवाल. the head of the police पण्ह० १, १, ३; ओव० नाया० १८,

खंडरूवत्तण न० (खंडरूपत्व) खंडितपणु खंडितपना The state of being broken पचा० १४, १२

खंडसिरी स्त्री० (खण्डश्री) विजयनामे चोर सेनापतिनी स्त्रीनु नाम विजय नाम के चोर सेनापति का स्त्री का नाम Name of the wife of Vijaya the head of thieves विवा० ३,

खंडाखंडि. अ० (खण्डाखण्डि) खडखड, कडके कडका खड खड, टुकड टुकडे Pieces into pieces 'अमिणा खंडाखंडि करेमि" उवा० २, ६५, नाया० ६

खंडाभेद पु० (खण्डभेद) कटके कटके भाग थइ ते खड, कडका थाय तेवी रीते भेदवु ते टुकडे टुकडे करना खड-टुकडे होजाय इस तरहसे छेदन करना Breaking or piercing into pieces पन्न० ११,

खंडिय पु० (खण्डिक) शिष्य विद्यार्थी शिष्य, छात्र, विद्यार्थी A pupile, a disciple उत्त० १२, ३० ओव० ३२ भग० १८ १०,

खंडिय त्रि० (खण्डित) खण्डित, भांगेल खण्डित, खंडाहुआ Broken प्रव० ५८८, तंदु० आव० १, ४, ५, १. (२) एक देशथी भागेल खण्डित थयेल एक ओर से टूटा हुआ-खंडित broken on one side नाया० ६.

खंडी. स्त्री० (*) गढमा पाडेली बारी, छीडी. गढ मे पाडी हुई बारी; छेद. An

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

opening made in a fortress. नाया० २; १८; (२) ખાજા; દહિથરા. खाजा, खाद्य विशेष a kind of eatable substance प्रव० १४२७,

खंडुयग्ग न० (खण्डक) ખાડવા; ખંડ; વિભાગ. खंड, विभाग Division, part प्रव० ६१७,

खंडेय. पु० (खण्डेय) બતક, પક્ષી વિશેષ. बतक; पक्षी विशेष. A kind of swan ओव०

खंत त्रि० (क्षान्त-क्षाम्यतिक्षमां करोतीति) ક્ષમા વાળો क्षमा वाला (One) possessed of a tranquil mind, patient "खंतो आयरियहिं, सभाबाओ विनरूम्मेति" नाया० १४ गच्छा० ४३ सय० २, १२ ६, ५, ठा० ८, (२) पुं० પિતા, બાપ पिता, बाप father "जामा इपुत्त पइमारएग खंतचमेसिट्ठ" पि० नि० ८३०

खंताइ त्रि० (क्षान्त्यादि) ક્ષાંતિ-સહનશીલતા ક્ષમા વગેરે क्षांति-सहन शीलता-क्षमा वगैरे Patience; forbearance प्रव० ८४६,

खंति स्त्री० (क्षान्ति) સહન શીલતા. ક્રોધનો નિગ્રહ કરવો તે, क्षमा सहन शीलता, क्रोध का निग्रह करना, क्षमा Patience, forbearance पराह० २, १, ओव० १६, २०, ज० प० दस० ४, २७, नाया० १, भग० २, १, २५, ७, सु० च० ३, ४७, सम० १०; उत्त० १, ६, २६, २, ठा० ४, १, राय० २१५; क० गं० १, ५५; कप्प० ५, ११६; प्रव० ५६१, पंचा० ११, १६ १३६८, —खमा स्त्री० (-क्षमा) ક્રોધને રોકીને સહનશીલતા રાખવી તે. क्रोध को रोककर सहनशीलता रखना the state of being patient by checking anger भग० १४,१, ठा० ३,३, —सूर. पुं० (-शूर) ક્ષમા રાખવામા શૂર ધીરજ ધારી; જેવા કે અરિહંત, મહાવીર. क्षमा रखने में शूर, धैर्य धारि; जैसे कि अरिहंत, महावीर (one) possessing the power of checking anger, like Arihanta, Mahāvīra etc ठा० ४, ३;

खंतिया स्त्री० (क्षान्तिका) જનની, માતા. जननी, माता. A mother "कहिआहि खन्तियाए तुम" पि० नि० ४३२, ५७६, ओघ० नि० भा० २४१,

खंद पु० (स्कन्द) કાર્તિક સ્વામી કાર્તિકેય નામે શંકરનો મ્હોટો પુત્ર कार्तिक स्वामी, कार्तिकेय नामक शंकर का बड़ा पुत्र Name of a person. Kārtikaswāmī, the eldest son of Śaṅkara Kārtikeya by name भग० ३, १ ज० प० जीवा० ३, ३. अणुजो० २०. नाया० ३: —ग्गह पु० (-ग्रह) કાર્તિક સ્વામીનો વળગાડ कार्तिक स्वामी का लगना under the influence of Kārtikaswāmī, subject to the influence of Kārtikaswāmī. जावा० ३ ३, ज० प० भग० ३,७, —मह न० (-महस्) કાર્તિકસ્વામીનો ઉત્સવ कार्तिक स्वामी का उत्सव. the festival in honour of Kārtika svāmī आया० २, १, २, १२, नाया० १, निसी० १६, १२, भग० ६, ३३ राय० २१७

खंदअ-य पु० (स्कन्दक) ખંધક સન્યાસી ગદ્દભાલિના શિષ્ય કે જે શ્રી ગૌતમ સ્વામિના મિત્રહતા, જેને પિંગલ નિગ્રન્થે પ્રશ્નો પૂછ્યા હતા; તે પ્રશ્નોના જવાબ ન આપી શકાયાથી મહાવીરસ્વામી પાસે જતા પ્રશ્નોના ખુલાસા મેળવી શ્રીમહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લીધી खधक सन्यासी गद्दभालि के शिष्य थे; जिन से पिंगल निर्ग्रथने प्रश्न पूछे थे, जब उन प्रश्नों

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर दीक्षा ली. Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmi He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Pingala on being asked भग० २, १, (२) કાર્તિક સ્વામી कार्तिक स्वामी Kārtikaswāmi. नाया० २,

खंदिल. (स्कन्दिल) સિંહસૂરિના શિષ્ય, સ્કન્દિલાચાર્ય सिंहसूरि के शिष्य, स्कन्दिलाचार्य The disciple of Sinha-Sūri; Skandilāchārya. नंदी०

खंध पु० (स्कन्ध) બૌદ્ધ મતમા રૂપ, વેદન, વિજ્ઞાન, સંજ્ઞા અને સસ્કાર એ પાંચને સ્કન્ધ કહેવામા આવેછે, તેમા પૃથ્વી આદિ તેમજ રૂપાદિને રૂપ સ્કન્ધ, સુખદુઃખ અને અદુઃખ સુખને વેદના સ્કન્ધ, રૂપ રસાદિ વિજ્ઞાનને વિજ્ઞાન સ્કન્ધ, પદાર્થના નામાદિને સંજ્ઞા સ્કન્ધ અને પુણ્યા પુણ્યાદિ ધર્મ સમુદયને સસ્કાર સ્કન્ધ કહે છે बौद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, सज्ञा और सस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने मे आता है उनमें से पृथ्वी आदि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को सज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म्म समुदाय को सस्कार स्कन्ध कहते हैं A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vidyana, Saujñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled according to their name. जं० प० १, ५८; सूय० १, १, १,१७; पराह० १,२; भग० २०,१; (२) કાંધ; ખભો कंधा a shoulder. उत्त० ११, १६, राय० ३२; पिं० नि० ६६; ३३१; नाया० ८; १४, आया० १, १, २, १६, जीवा० ३, १, सु० च० २, ३६; कप्प० ३, ३५, प्रव० ८८७, १३१५, (३) દ્વિપ્રદેશાદિક ઘણા પરમાણુઓ મળીને બનેલ એક જથ્થો द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बनाहुआ एक स्कंध a collection of various particles. भग० १. ६, १०, २, १०, ५, ७, ११, ११, १४, १०, १८, ६, ८ २५, ३ ४; नाया० १; १६. विशे० ३२४, ८९५. अणुजो० ८४, १४४, उत्त० ३ १८, ३६, १०, ठा० १, १. ओव० क० ग० ७५ (४) ઝાડનું થડ झाड का धड the trunk of a tree ओव० राय० १५२; भग० ३, ४ ११, ३, सूय० २, ३,२, ५ पन्न० १ (५) સમગ્ર વસ્તુ સંપૂર્ણ પદાર્થ. समग्र वस्तु, संपूर्ण पदार्थ a complete thing. पन्न० १ भग० ८, ६, (६) માલા વિશેષ माला विशेष a kind of garland निसी० १६ २८, (७) ઢગલો ढेर. a heap नंदी० १८, निसी० १३, ७ आया० २, ५, १, १४८, (८) બે ઇન્દ્રિય વાળો એક જીવ दो इन्द्रिय वाला एक जीव a two-sensed living being पन्न० १; (९) કર્મના સ્કંધ कर्म का स्कन्ध a heap of Karma क० प० ७, ४७ —**उत्तरओ** अ० (-उत्तरतस्) પૂર્વ પૂર્વના કર્મ સ્કંધથી ઉત્તરોત્તર पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्ध से उत्तरोत्तर the future collection of Karma as opposed to the past क० प० ७, ४७, —**देस.** पुं० (-देश) સ્કન્ધનો એક આખી વસ્તુનો ભાગ. स्कन्ध का -सारी वस्तु का एक भाग a part,

division of a group. भग० २, १०; ६, १; उत्त० ३६, ३; —पएस. पुं० (-प्रदेश) वस्तुनो એક બારીકમાં બારીક અંશ. वस्तु का एक बारीक में बारीक अंश. the infinitisimal part of a thing. अणुजो० १४४; भग० १०, १, —प्पभव. पुं० (-प्रभव) स्कंध-थडनी उत्पत्ति. स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति origin of a tree "मूलाओ खंधप्पभवो दुमस्स" दस० ६, २, १. —बीज. त्रि० (-बीज) स्कंध-थडरूप बीज जेने छे ते, थड वाववाथी जे थाय ते; मोगरो चम्पेली-धुपेलो विगेरे. पौधे रूपी बीज जिसका है, वह पौधा लगाने से जो होते हैं, मोगरा-चमेली वगैरा the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc. आया० २ १, ८, ४८, ठा० ४, १, दस० ४,

खंधकरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) साध्वीने खभे नाखवानु वस्त्र; संधारीओ. साध्वी के कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of a female ascetic worn on the shoulder ओघ० नि० ६७७,

खंधग. पुं० (स्कन्धक) जुओ 'खंध' शब्द देखो 'खंध' शब्द Vide "खंध" सू० प० १०;

खंधगरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) जुओ 'खंधकरणी' शब्द. देखो 'खंधकरणी' शब्द. Vide "खंधकरणी" प्रव० ५३८, ५४६;

खंधया स्त्री० (स्कन्धता) झाडना थडनो भाव-स्वरूप. झाड के पौधे का भाव-स्वरूप. The state of being a trunk of a tree. सूय० २, ३, २;

खंधार. पु० न० (स्कन्धावार) सेनानो पडाव, लश्करनु निवासस्थान-छावणी सैन्य का पड़ाव, लश्कर का निवासस्थान, छावनी Encampment, the halting place of an army उत्त० ३०, १७, प्रव० १२३३. —माण पुं० (-मान) सैन्यने गोठववानी कला. सैन्य रचना की कला. the art of arraying an army नाया० १, ओव० ४०,

खंधावार पु० (स्कन्धावार) जुओ "खंधार" शब्द देखो "खंधार" शब्द Vide "खंधार" नाया० ८, १६, विशे० ७४२, ज० प०

खंपणग न० (*) खापणः मडदा उपर नाखवानु वस्त्र कफन, शव पर डालने का वस्त्र A winding sheet. सु० च० १, १४२;

खंभ पु० (स्तम्भ) थांभलो. थंभ खभा, स्तंभ A post; a pillar उवा०३,१४०, ज० प० ५, ११५, १, ५५, ३, ६८; ४, ६० ६१; भग० २,७, ८,६, ९,३३; १०, ५,१२, ६, नाया० १, ८; १३; १६, अणुजो० १५३, जीवा० ३, ३, प्रव० २४६; राय० १०५; सू० प० २०; सूय० २, ७, ४, गच्छा० ८; —उग्गय. त्रि० (-उद्गत) थांभला उपर रहेल स्तम्भ के ऊपर रहा हुआ. resting on a post or pillar ज० प० ५, ११५; नाया० १, —सय न० (-शत) सो थंभ सौ स्तम्भ. one hundred pillars. ज० प० ५, ११२,

खकारपविभत्ति न० (खकारप्रविभक्ति) ख अक्षरना आकारनी रचनावाळु नाटक

* जुओ पृष्ट नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

३२ પ્રકારના નાટકમાંનું એક. ख अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक A kind of drama based on the shape of the letter 'ख' (kha); one of the 32 kinds of dramas राय० ८३,

खग. पु० (खग) આકાશમાં ઉડનાર પ્રાણી, પક્ષી आकाश में उडनेवाला प्राणी, पक्षी A bird उत्त० ६, १०, ज० प० ७४, १०२;

खगइ स्त्री० (खगति) ચાલ, ગતિ चाल, गति. Gait; motion क० ग० २, ३२, ५,३, क० प० १, ७१, —**चेट्ठा.** स्त्री० (-चेष्टा) ચાલવાની-ગતિ કરવાની ચેષ્ટા चलने की-गति करने की चेष्टा the act of moving. क० प० १, ७१; —**दुग** न० (-द्विक) શુભ અને અશુભ વિહાયોગતિ ચાલ. शुभ और अशुभ विहायोगति-चाल auspicious and unauspicious movements क० ग० २, २१, ५, ७३,

खग्ग पु० (खड्ग) તલવાર तलवार, खड्ग. A sword ठा० ४, १, सु० च० ४, २८, ज० प० क० ग० १, १२, प्रव० १२२८, आव० १२, जीवा० ३, ४, (२) ગેંડો गेंडा a rhinoceros पराह० १, १, २, ४, —**धारा** स्त्री० (-धारा) તલવારની ધાર तलवार की धार. the edge of a sword. क० गं० १, १२,

खग्गपुरा स्त्री० (खड्गपुरी) સુવલ્ગુ વિજયની મુખ્ય રાજધાની सुवल्गुविजय की मुख्य राजधानी The chief capital city of Suvalgu Vijaya. ज० प० ठा० २, ३,

खग्गा स्त्री० (खड्गा) આવતીવિજયની મુખ્ય રાજધાની आगामी विजयकी मुख्य राजधानी The chief capital city of the coming Vijaya जं० प०

खग्गि. पुं० (खड्गिन्) ગેંડો; એક શિંગડાવાળો જંગલી પશુ. गेंडा, एक सींगवाला जंगली पशु A rhinoceros. पराह० १; कप्प० ५, ११६; ओव० १७,

खग्गी स्त्री० (खड्गी) જુઓ 'खग्गा' શબ્દ देखो "खग्गा" शब्द Vide 'खग्गा" ठा० २, ३

खग्गुड. त्रि० (-) ખરાબ સ્વભાવવાળું, લુચ્ચું, ધર્મહીન खराब स्वभाववाला; बदमाश, धर्महीन. A rognish, of wicked nature पिं० नि० ३२२, ओघ० नि० ३५

खचिय त्रि० (खचित) જડેલું, ખીચેલું जड़ा हुआ, खिचा हुआ Studded, inlaid. नाया०१ कप्प० ३, ६०, राय०५८, ज० प० जीवा० ३, ४, (२) કેશર વિગેરેથી રંગેલું. केशर वगैरह से रंगा हुआ dyed with saffron etc नाया० १

खज्ज न० (खाद्य) ખાજાં વગેરે ખાવા યોગ્ય પદાર્થ खाजे वगैरह खाने योग्य पदार्थ Crisp bread etc. नाया० १७, पराह० १, २, प्रव० १४२७,

खज्जग. न० (खाद्यक) જુઓ "खज्ज" શબ્દ देखो "खज्ज" शब्द Vide "खज्ज" विशे० १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४, पचा० ५, २७, —**विहि.** पु० (-विधि) ખાજા, ઘેવર, લાપશી વગેરે બનાવવાની વિધિ. खाजे, घेवर, लापसी वगैरह बनाने की विधि the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc प्रव० २०८;

खज्जू पुं० स्त्री० (खर्जू) ખુજલી, ખરજવે।

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

खाज; खुजली. Itch. ठा० १;

खज्जूर न० (खर्जूर) ખજુર; એક જાતનો મેવો. खजूर; एक प्रकार का मेवा; A kind of dried date उत्त० ३४, १४, आया० २, १, ८, ४३; प्रव० २१०; १०१६, पचा० ५, २६, —मत्थय. पुं० (-मस्तक) ખજુરનો ગર્ભ-પીસી खजूर का गर्भ-मगज the interior of dried dates "णालिएरमत्थयणा वा खज्जूरमत्थएणा वा" आया० २,२,८, ६८, —सार पुं० (-सार) ખજુરનો આસવ-દારૂ खजूर का आसव-शराब the essence wine prepared from dried dates जीवा० १ पन्न० १७,

खज्जूरी स्त्री० (खर्जूरी) ખજુરીનું ઝાડ खजूर का झाड A kind of palm tree bearing dates ज० प०२, १६, भग० २२, १ जीवा० ३, ३, पन्न० १; गच्छा० ७६, —पत्त न० (-पत्र) ખજુરીનું પાંદડું खजूरका पत्ता. the leaf of a palm tree गच्छा० ७६,

खज्जोत. पु० (खद्योत—खेद्योतते इति) પતંગીઓ, ખજુઓ पतङ्ग, जुगनू A glow worm. अणुजो० १४७,

खज्जोय. पुं० (खद्योत) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above सु० च० १, २२६, क० गं० १, ४६,

खज्जोयग. पु० (खद्योतक) જુઓ 'खज्जोत' શબ્દ देखो 'खज्जोत' शब्द. Vide 'खज्जोत' नाया० ८.

खट्ट त्रि० (*) ખાટું. खट्टा Sour. पन्न० १; —उदग न० (-उदक) ખાટું પાણી खट्टा पानी the sour water पन्न० १, —मेह. पुं० (-मेघ) ખાટા પાણી વાળો વરસાદ खट्टे पानी वाली बरसाद. a sour rain. भग० ७, ६.

खट्टंग पु० (खट्वाङ्ग) ખાટલાના અંગ-પાયા વગેરે. खाट के अंग-पाये वगैरह. The legs etc of a cot. ओव०

खड्डा स्त्री० (*) ખાડ, ખાઇ खड्डा: खाइ A ditch. पचा० ७, ३६, —तड पु० (-तट) ખાડનો-ખાઇનો કાંઠો खाई का किनारा the verge of a ditch पंचा० ७, ३३.

खड्डिआ स्त्री० (खड्डिका) ગન્ધાર ગ્રામની બીજી મૂર્છના गन्धार ग्राम की दूसरी मूर्छना The second note of the musical scale Gandhāra अणुजो० १३८,

खड्डुग न० (*) આંગળીમાં પહેરવાની વીંટી, કેરવા વગેરે ઘરેણું अंगुली में पहनने का छल्ला, मूदड़ी वगैरह गहना. A ring worn on the finger. भग० ६, ३३;

खड्डुय पु० (*) જુઓ "खड्डुग" શબ્દ देखो "खड्डुग" शब्द Vide "खड्डुग" दस० १०, १, नाया० १.

खड्डुया. स्त्री० (खड्डुका) આંગળીના ટકોરા, આંગળીથી મારવું તે. अंगुली की टङ्कार, अंगुली से मारना Tapping with fingers उत्त० १, ३८.

√**खण** धा० I (खन्) ખોદવું. ખણવું खोदना To dig

खणइ नाया० १७,

खणंति सु० च० २. १६३; नाया० १७. जं० प० ४, ११४,

खणे दस० १०, १, २;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

खमावई-आऊ सूय० १, ४, २, १३;
खमावइ. उत्त० १२, २६;
खमिउ. सं० कृ० आया० २, १३, १७२,
खममाण. व० कृ० पिं० नि० ५३०, विवा० १; नाया० १२;
खमित्ता. सं० अं० प० ५ ११४;
खमावइ. प्रे० दस० १०, १, २,
खमावए. दस० १०, १, २;
खमावेत्तुं स० कृ० नाया० १३,
खमाविसए. हे० कृ० नाया० १३.
खामिणु. पिं० नि० १६८.

√खण. धा० I. (क्षण) મારવું, હિંસા કરવી. मारना, हिंसा करना. To kill
खणइ आ० आया० १, ७, २, २०४,
खणत आ० सूय० २, १, १७,

खण. पु० (क्षण) અવસર, વખત अवसर, समय An instant, a moment सूय०२,४, ४; मत्त०८४, क०प०२ ८२, ४, २१,गच्छा० ६०; आया० १,२,१,७०; कप्प० ५, ११७. (२) ન્હાનામાં ન્હાનો કાળ વિભાગ, સમય छोटे मे छोटा काल विभाग, समय the shortest division of time; an instant. सूय०१,२८;भग०१, ३३;नाया० १,१६, दस० ६,१,६३ पिं०नि० ७६७, तंदु० मत्त० ५०; पचा० १, ८८, (३) સંખ્યાત પ્રાણરૂપ કાલ વિભાગ; મુહૂર્ત संख्यात प्राणरूप, काल विभाग, मुहूर्त. a measure of time comprising countable breaths, a time equal to 48 minutes. ज० प० ७, १५१, ठा० २, ४; —जोइ. त्रि० (-योगिन्—परं निकृष्टकाल क्षण स विद्यते यस्य इति) પ્રતિક્ષણે નાશ પામનાર, क्षणिक प्रतिक्षण नाश पाने वाला, क्षणिक; क्षण भंगुर. decaying every moment, momentary सूय०१,१,१, १७; —(द्ध) द्ध. न० (-अर्ध) अर्ध क्षण. आधा क्षण half a moment. गच्छा० ६०; —ण्णु त्रि० (-ज्ञ) અવસર જાણનાર समय को पहिचानने वाला (one) knowing the proper time. आया० १, ७, ३, २०६, —बंध. पु० (-बन्ध) સમય રૂપે બન્ધ; સ્થિતિ બન્ધ समय रूप बन्ध; स्थिति बन्ध. limiattion in relation to time. क० प० ७, ४२, —लव पु० (-लव) ક્ષણમાત્ર કે લવમાત્ર વૈરાગ્યભાવથી ધ્યાન કરવું તે; તીર્થંકર નામગોત્ર બાંધવાના વીશ પ્રકારમાંનો એક क्षणमात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना; तीर्थंकर नामगोत्र बांधने के बीस प्रकार मे का एक dispassionate meditation for a moment only, one of the 20 ways of distinguishing oneself as a Tirthankara नाया० ८, प्रव० ३१२, —संजोइय त्रि० (-संयोगिक) ક્ષણ-અંતમુહૂર્ત પર્યંત જેનો સંયોગ હોય તે अंतमुहूर्त तक जिसका संयोग हो वह. remaining or lasting forless than 18 minutes क० प० ७, ३६; —सेस. त्रि० (-शेष) ક્ષણ-જેમાં બાકી છે તેવું, क्षण जिस में बाकी है एसा. less by a moment क० प० २, ८२,

खणयण्ण. त्रि० (क्षणकज्ञ—क्षण परं निकृष्ट कालं जानातीति) વખત-અવસરનો જાણનાર. समय-अवसर को जानने वाला (One) knowing the proper time आया० १, २, ५, ८८,

खणि. स्त्री० (खनि) ખાણ; खदान; खान A mine. पिं० नि० २२६; नाया० ७,

खत न० (क्षत) ઘા; ચાંદો; જખમ. घाव; जखम A wound पण्हा० १४७,

खत्तअ-क पुं० (खतक) राहुना पुद्गलनी ५ दर जातमानी ओक जात राहु के पुद्गल की पंद्रह जात में की एक जात One of the 15 sorts of the molecules of Rāhu सू० प० १६;

खत्त पुं० (क्षत्र) क्षत्रिय; चार वर्णमानो बीजो वर्ण क्षत्रिय, चार वर्णो मे से दूसरा वर्ण Ksatriya, the second of the four castes (२) दासीपुत्र, वर्णसंकर दासीपुत्र; वर्ण संकर one belonging to a mixed caste उत्त० १२, १८

खत्त त्रि० (*) छाणजेवा रसवाळु. गोबर जैसा रस वाला Resembling liquid cow-dung ज० प० (२) खातर पाडेल खात लगाया हुआ (a wall etc) bored through by a thief पिं० नि० भा० १३ (३) खातर पाडवु, भींतमा बाकु करवु ते खात लगाना, भीत में छेद करना boring through the wall. विवा० ३, नाया० १८ —खणण न० (-खनन-क्षात्र खननीति) खातर पाडवु, चोरी करवाने अंदर दाखल थवा भीतमा बाकु पाडवु ते. खात लगाना, चोरी करने को अंदर जानेके लिये भीत में छेद करते है वह. breaking into a house for the sake of comitting theft विवा० ३, नाया० १८. —मेह पुं० (-मेघ-क्षात्रवत् करीषेण साक सकरीषो वा मेघो वर्षति) छाणना रस जेवो वरसाद छाण के रस सरीखी बरसात rain resembling liquid cowdung ज० प० २, ३६; भग० ७, ६,

खत्तय पुं० (क्षत्रक) क्षत्रक; राहुदेवनु नाम राहु देव का नाम. Name of god Rāhu. भग० १२, ६,

खत्तिय-अ पुं० (क्षत्रिय) क्षत्रिय जाति; चार वर्णमानो बीजो वर्ण. क्षत्रिय जाति; चार वर्णों में का दूसरा वर्ण The second of the four castes जं० प० ५, ११२; उत्त० ३, ४, ६, १८, १६, ६; राय० २१८, २६६; विवा० १, निसी० ८, १५, ६, २१; दस० ६, २, ?, ६, २; भग० १, ६; ११, ६, सु० च०२, ३५५; अणुजो०१३१, ओव० १४; २७, ३८, कप्प० २, १७, प्रव० ३८६, —कुमार पुं० (-कुमार) क्षत्रियकुमार, राजपुत्र क्षत्रियकुमार, राजपुत्र a prince; the son of a Ksatriya भग०६,३३; —कुल न० (-कुल) सामान्य क्षत्रिय तरीके स्थापेलु कुल सामान्य क्षत्रियके तौर पर स्थापित कुल a family ranked as an ordinary Ksatriya family. आया० २, १, २, ११. —जायअ त्रि० (-जातक) क्षत्रिय जातिमा उत्पन्न थयेल. क्षत्रिय जाति मे उत्पन्न (one) born in the Kṣatriya caste सूय० १ १३; १०; —दारग पुं० (-दारक) क्षत्रियनो बालक क्षत्रिय का बालक a child of a Ksatriya विवा० ४; —पुत्त पुं० (-पुत्र) क्षत्रिय पुत्र क्षत्रिय बच्चो क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय का बच्चा a son of a Ksatriya भग० ६, ३३. —विज्जा स्त्री० (-विद्या) क्षत्रियनी धनुर्विद्यादि विद्या, ४० विद्यामानी ओक क्षत्रिय की धनुर्विद्यादि विद्या; ४० विद्याओं की एक the science of archery possessed by a Ksatriya; one of the 40

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

lores. सूय० २, २, २७;

खत्तियकुंडग्गाम पुं० (क्षत्रियकुण्डग्राम) क्षत्रियकुण्डनामे ग्राम ज्यां जमालि रहेता हता क्षत्रियकुंड नाम का गांव जहां जमाली रहते थे Name of a city the residence of Jamāli. भग० ६, ३३, कप्प० २, २०;

खत्तियकुंडपुर न० (क्षत्रियकुण्डपुर) महावीरस्वामीनी जन्मभूमिनुं ग्राम; सिद्धार्थ राजानी राजधानी महावीर स्वामी का जन्मभूमि का ग्राम, सिद्धार्थ राजा की राजधानी The city which is the birth place of Mahāvira Swāmi, the capital city of king Siddhārtha आया० २, १५, १७६,

खत्तियाणी स्त्री० (क्षत्रियाणी) क्षत्रियनी स्त्री क्षत्रिय की स्त्री A wife of a Ksatriya कप्प० ३, ४८,

खदिरसार. पुं० (खदिरसार) खेरसार खेर का सार A powder prepared of Kher पन्न० १७;

खाइ-इ त्रि० (खाद्य) मनोज्ञ, स्वादिष्ट, रसभर मनोज्ञ, स्वादिष्ट, रसभर Delicious, tasteful सम० ३३, प्रव० ५२६,

खद्ध. त्रि० (*) प्रभूत, अधिक, प्रमाणथी वधारे. प्रभूत; अधिक, प्रमाण से विशेष Abundant; much more than enough आया० २, १, १; ५६, पिं० नि० १८८; ४८१, ५२६; ओघ० नि० ८६; ७२२; पण्ह० २, ४, प्रव० १३०, दसा० १, १६; १७; १८; १६, —पजणण न० (-प्रजनन.) म्होटुं पुरुषचिन्ह (इन्द्रिय). बडा पुरुषचिन्ह (इंद्रिय). a big organ of generation प्रव० ५२६; —सद्द पुं० (-शब्द) म्होटो शब्द बडा शब्द a loud sound. प्रव० १३८,

खद्धं अ० (शीघ्रम्) जलदी; उतावले. जल्दी; शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५;

***खद्धादाणिअ** त्रि० (*) समृद्धि वाळु. समृद्धिवान. Prosperous ओघ० नि० ८६,

खपुप्फ न० (खपुष्प) आकाशना फुलनी पेठे शून्य. आकाश के फूल की समान शून्य. Anything impossible or non-existent like the flower in the sky विशे० ३२

√**खम** धा० I (क्षम्) क्षमा करवी क्षमा करना To forgive; to pardon

खमइ-ति आया० २, १५, १७४; अंत० ६, ३,

खमंतु भग० ३, २, नाया० १६; ३ ६;

खमे वि० वव० १०, १,

खम. आ० नाया० ५;

खमह आ० सु० च० ४, १२३;

खमाहि नाया० ६,

खमेह दस० ६, २, १८,

खमिउं हे० कृ० सु० च० ४, १२४;

खमत व० कृ० दसा० ५, ३.

खममाण. व० कृ० भग० १५, १, १०, ८; विवा० १,

खामेइ-ति प्रे० भग० २ १, ३, १; ५, ८, १५, १; नाया० १, ५, ८; १४, सु० च० ७, २०८,

खामेति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खामेता. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;
खामेमि. भग० ३, २, नाया० ८; १६;
महा० प० ६;
खामेमो. भग० ३, १;
खामेसु आ० नाया० ८,
खामिय स० कृ० निसी० ४, ३२,
खामेत्ता. स० कृ० भग० २, १, ५, ८, १५, १; नाया० १;
खामेमाण नाया० ५,

खम. त्रि० (क्षम—क्षमते इति क्षम) શક્તિમાન્, સમર્થ ताकतदार; समर्थ. Powerful; able ओघ० नि० ७६३, भग० १, १. ३, १. नाया० १, १०, सु० च० १, २६; ३१६. आया० १, ७, ४, २१५, दसा० ७, १, पिं० नि० ७१, (२) શુભ, હિતકર शुभ, हितकारक auspicious, beneficial उत्त० ३२, १३,

खमग पुं० (क्षमक) માસ ખમણ આદિ તપ કરનાર, તપસ્વી સાધુ मास खमण करने वाला. तपस्वी साधु One practising fasts for a month etc, an ascetic given to austerity पिं० नि० ४७६,

खमण पु० (क्षमण) સહનશીલતા રાખનાર સાધુ सहनशीलता रखनवाला साधु An ascetic of forgiving nature अणुजो० १३१, प्रव० १५२७, उवा० १, ७७, (२) તપ, ઉપવાસ. तप, उपवास a fast, an austerity प्रव० १५३१; —सय पु० (-शत) સો ઉપવાસ सौ उपवास. one hundred fasts प्रव० १५३१,

खमरिह त्रि० (क्षमार्ह) ક્ષમા કરવાને યોગ્ય क्षमा करने के योग्य. Deserving pardon. भग० ३, २,

खमा. स्त्री० (क्षमा) ક્રોધનો અભાવ, સહનશીલતા, ક્ષમા. क्रोध का अभाव; सहनशीलता, क्षमा Absence of anger; forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३; नाया० १०, १३, ओघ० नि० ५८१; सम० २७; नंदी० ३४, ज० प० राय० १७१; उवा० २, ११३, आव० ३, १, कप्प० ८,

खमावणया स्त्री० (क्षमापना) અપરાધની માફી માગવી ખમાવવું, મિચ્છામિ દુક્કડં લેવું તે अपराध की माफी मागना, क्षमायाचना, मिच्छामि दुक्कडं लेना Begging of pardon for a fault committed; a particular way of confessing a sin भग० १७, ३, उत्त० २६, २,

खमासमण पु० (क्षमाश्रमण) ક્ષમાધારી સાધુ. क्षमाधारी साधु. An ascetic of a calm and quiet nature कप्प० ८;

खय पु० (क्षय) મૂલથી ઉચ્છેદ, સમૂલગો નાશ मूल से उखाड डालना; समूल नाश. Utter destruction भग० ३, ६, ७, ६, ६, ३१, ११, ११, उत्त० ३, १७; क० गं० २, २६, मत्त० ५०, —गअ त्रि० (-गत) ક્ષય પામેલ क्षय पाया हुआ, हुई. destroyed, decayed दसा० ५; ३२, ३३; —नाणि पु० (-ज्ञानिन्) સર્વથા આવરણના ક્ષયથી ઉત્પન્ન થયેલ કેવલજ્ઞાનવાન્ કેવળી. सर्वथा आवरण के क्षय के जर्ये (द्वारा) ज्ञानवान् केवली one possessed of perfect knowledge due to the destruction of cover in the form of Karmas विशे० ५१८, —निप्फण्ण त्रि० (-निष्पन्न) કર્મના ક્ષયથી પ્રાપ્ત થયેલ ભાવ, ક્ષાયકભાવે પ્રાપ્ત થતા કેવલજ્ઞાનાદિ. कर्म के क्षय से प्राप्त हुआ भाव, क्षायक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि. Kevala Jñāna etc got by destroying the Karmas. अणुजो० १२७, —समज. न० (-श्रमज—क्षय-

शमाम्बां आवते लए) ઉદીરિત મિથ્યાત્વનો ક્ષય અને અનુદીરિતનો ઉપશમ કરવાથી ઉત્પન્ન થતું ક્ષયોપશમ સમકિત उदीरित मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम करने से उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समकित destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशे० ५२५,

खयर पु० (खदिर) ખેરનુ ઝાડ खेर का झाड़ A kind of tree known as Kher अंत० ३, ७, तदु०—इंगाल पु० (-अगार) ખેરના લાકડાના અંગારા खेर की लकडी के अंगारे burning charcoals of a Kher wood राय० ६६,

खयिअ त्रि० (खायिक) જુઓ "खइअ" શબ્દ देखो "खइअ" शब्द Vide "खइअ" अणुजो० १२,१७

√खर. धा० I (क्षर्) નાશ પામવું नाश पाना To be ruined

खरइ विशे० ४५४,

खर त्रि० (खर) કઠિણ; ખરખરો, કર્કશ, તીક્ષ્ણ कठिण, खरदरा, कर्कश, तीक्ष्ण Harsh, rough क० गं० १, ४१, ४२, गच्छा० ५४, भग० ७, ६, १४, १; नाया० १; ८, ६; तदु० दसा० ३, २२; २३, २४, उत्त० ३६, ७१, पिं० नि० ३२७, जीवा० १, पन्न० १, जं० प० अणुजो० १२८, (२) તલનુ તેલ. तिल्ली का तैल sesame oil ओघ० नि० ४, ६, (३) ગધેડો गधा an ass. ओव० ३८; जीवा० ३, ३, गच्छा० १२५, (४) રાહુનો અપર નામ राहुका पर्यायवाची नाम. a synonym for Rāhu सू०प०१६;—आवट्ट पुं० (-आवर्त) કઠિનચક્રની પેઠે પાણીનુ ગોળ કુંડાળું થાય તે, વમળ. कठिन चक्र सरीखा पानी का गोल कुंडल होता है वह, वमल a whirlpool ठा० ४, ४, —कंट पु० (-कण्ट) તીક્ષ્ણ કાંટાસરખો, શીખામણ દેનાર સાધુને દુર્વચનરૂપ કાંટાથી વીંધનાર શ્રાવક तीक्ष्ण काटे सरीखा, उपदेश देनेवाले साधुको दुर्वचन रूपी कांटोंमे छेदने वाला श्रावक. one sharp as a thorn, a layman who gives advice to an ascetic in severe words ठा० ४, ३, —कंड पु० (-काण्ड) કઠિન ભાગ कठिन हिस्सा the hard portion. (२) પહેલી નરકનો પહેલો કાંડ पहले नर्क का पहला काण्ड the first division of the first hell जीवा० ३, १, —कक्कस त्रि० (-कर्कश) કર્કશમા કર્કશ, અતિકર્કશ कर्कश में कर्कश, अतिकर्कश very harsh प्रव० १४२, —कम्म न० (कर्म) કઠોર કર્મ, કૃત્ય. कठोर कर्म, कृत्य wicked actions. पंचा० १, २१, —पवणसंग पु० (-पवनसग) પ્રચણ્ડ પવનનો સગ प्रचण्ड वायु का सग uniting with fierce wind प्रव० २५१, —पुढवी स्त्री० (-पृथ्वी) કઠિન પૃથ્વી कठिन पृथ्वी hard ground or earth प्रव० ११११; क० प० ४, ६७, —फरुस त्रि० (-परुष) ઘણુ કઠોર बहुत कठोर very harsh "खरफरुस धुवीमइला" नाया० २, भग० ७,६, —बायरपुढविकाइय. पु० (-बादरपृथ्वी कायिक) કઠણ બાદર પૃથ્વીકાયાના જીવ कठिन बादर पृथ्वीकाया के जीव hard and visible earth-beings जीवा० १, —विसाण न० (-विषाण) ગધેડાનું શીંગડું गधेका सींग. the horn of an ass विशे० ३५,

खरअ पुं० (खरक) કામગરો; નોકર; દાસ. काम करने वाला, नौकर, दास. A ser-

vaut. ओघ० नि० ४३८;

* खरंटणा. स्त्री० (*) निंदा; तिरस्कार, अपमान निन्दा; तिरस्कार, अपमान Disgrace, censure, dishonour पंचा० १२, ३, ओघ० नि० ४०, पिं० नि० २२५,

खरमुह पु० (खरमुख) ખરમુખ નામે એક અનાર્ય દેશ. खरमुख नामक एक अनार्य देश A non-Aryan country प्रव० १५६६,

खरमुहिया स्त्री० (खरमुखिका) વાદ્ય વિશેષ, કાહલા. वाद्य विशेष, खरमुही A kind of musical instrument भग० ५, ४,

खरमुही स्त्री० (खरमुखी) કાહલા, એક જાતનું વાજીંત્ર खरमुही, एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument आया० २, ११, १६८, राय० ८२, ८८, जावा० ३, ३, ओव० ३१, जं० प० कप्प० ४, १०१,

खरमुहीसद्द पु० (खरमुखीशब्द) કાહલાનો શબ્દ खरमुहीका शब्द The sound of a musical instrument निसी० १७, ३६,

खरय पु० (खरक) રાહુદેવનું એક નામ राहुदेवका एक नाम A synonym of the deity Rahu. भग० १२, ६, (२) त्रि० કઠિણ कठिन. hard नाया० ६,

खरसाहिया स्त्री० (खरसाधिका-खरसाधिका) અઢાર લિપિમાંની એક अठारह लिपियों में की एक One of the 18 scripts सम० १८;

खरस्सर पुं० (खरस्वर) વજ્ર જેવા કાંટા વાળા શાલ્મલી વૃક્ષ ઉપર નારકીને ચઢાવીને ગધેડાના જેવો અવાજ કાઢતા નારકીને આમ તેમ ખેંચે તે પરમાધામી वज्र सरीखे काटे वाले शाल्मली वृक्ष पर नारकी को चढ़ाकर गधे सरीखा आवाज निकालते हुए नारकी को इधर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी The infernal gods known as Permādhāmīs who mount the hell-beings on a Śālmalī tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while uttering a cry like the braying of a ass. सम० १५, भग० ३, ७, प्रव० ११०१,

खरिआ. स्त्री० (*) દાસી. दासी A maid-servant. ओघ० नि० ४३८;

खरिंसुय पु० (खरिंसुक) કન્દ વિશેષ कन्द विशेष A kind of bulbous root प्रव० २४०,

खरियत्त स्त्री० (खरिकता) નગર બાહેર કે બજારમાં રહેનારી વેશ્યાનો ભાવ-સ્વરૂપ. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वैश्या का भाव-स्वरूप The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग० १५, १,

खरोट्ठिया स्त्री० (खरोष्टिका) અઢાર લિપિમાંની એક अठारह लिपि में की एक One of the 18 scripts. सम० १८,

खरोट्ठी स्त्री० (खरोष्ठी) જુઓ "खरोट्ठिया" શબ્દ देखो "खरोट्ठिया" शब्द. Vide "खरोट्ठिया" पन्न० १,

√ खल धा० I (स्खल) ખસવું; દૂર જવું खिसकना, दूर जाना, To slip away, to go away. (२) પડવું; સ્ખલના પામવું पड़जाना, पतन होना to fall

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खलाइ. सु० च० २, ३६;

खलाहि. आ० उत्त० १२, ७;

खलेज्ज वि० उत्त० १२, १८;

खलेत व० कृ० भग० ७, ६; जं०प०

खल पु० (खल) ખલાવાડ. खला A threshing floor place in a field where the corn is husked ओव० १७;पराह.२,३,जं०प०कप्प०५,११७;(२) त्रि० લુચ્ચો; દુર્જન. बदमाश, दुर्जन. a rogue, a wicked person. सूय० २, २, ४४,

खलणा. स्त्री० (स्खलना) ભૂલ, ત્રુટિ भूल, त्रुटि. A Mistake. तंदु०

खलय पु० (खलक) જુઓ "खल" શબ્દ देखो "खल" शब्द- Vide "खल" नाया० ७;

खलवाड पु० (खलवाट) ખળાવાડ खलवाट A barn yard, a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn राय० २७६,

खलिश्र. न० (स्खलित) સ્ખલના; ભૂલ, અતિચાર पतन, अतिचार Degradation, mistake (२) त्रि० શીલથી સ્ખલના પામેલ शीलसे पतन पाया हुआ (one) degraded, fallen नाया० १, चउ० १, अणुजो० ६८, ओघ० नि० ५४१, विसे० १०२, ८२४, पचा० १२, ६; सु० च० ६, ६,

खलिए न० (खलिन) ઘોડાની લગામ, ચોકડું घोडे की लगाम; चौकडा A bridle of a horse. प्रव० २४६, (२) નદીની ભેખડ नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;—बंध. पुं० (—बन्ध) ચોકડાનો બન્ધ लगाम का बन्द. the reins नाया० १७, —मट्टिया स्त्री० (—मृत्तिका) ભેખડની માટી नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

खलीए. न० (खलीन) લગામ, ચોકડું लगाम, चौकडा The reins सु०च०२,६३;

खलु. अ० (खलु) નિશ્ચય અવધારણ અર્થમા અને વાક્યના અલંકાર સાથે ખલુ શબ્દ આવે છે निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ खलु शब्द आता है. Verily, indeed, (used also to add grace to a sentence) जं० प० ७, १३१, ५, ११२, ११५, भग० १, ३, २, १, ७, १, ८, ५, २५, ३; ३१, १, नाया० १, ४, १४, १६, दसा० १, ३, दस० ४, ७, १, ६, ४, १, आया० १, १, १, ८; १, १, १, १८, १, १, २, १५; पन्न० १, २३, सूय० १, २, १, १, उत्त० १, १५, ओव० ३८, निर० १, २, उवा० १, २; क० गं० १, ६,

खलुश्र पु० (खलुक) પગની એડી पैर की ऐंडी The heel विवा० ६,

खलुंक पु० (खलुक) અવિનીત, ક્ષુદ્ર અને વાંકા સ્વભાવવાલો શિષ્ય विनयहीन, ओछे और टेढे स्वभाव वाला शिष्य Immodest; a disciple of crooked nature उत्त० २७, २, (२) ગળીયો બળદ કે ઘોડો मस्त बैल अथवा घोडा an unruly bull or a horse ठा० ४, ३, उत्त० २७, ५, (३) ડાંસ, મચ્છર વિગેરે ક્ષુદ્ર જન્તુ डांस, मच्छर वगैरह छोटे जीव small insects, such as mosquitoes, bugs, etc उत्त० २७, २,

खलुग पुं० (*) ખાખરાના પાદડાનો પડીયો.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पलास के पत्तों का दोना. A cup made of leaves of a Khākarā tree पिं० नि० २०६. (२) જોડા; મોજડી, પગરખા जोड़ा, मोजड़ी, जूती. a pair of shoes प्रव० ६८१;

खल्लूड पुं० (खल्लूड) એક જાતનો કન્દ एक जात का कन्द A kind of bulbous root पन्न० १, जीवा० ३, ४;

√खव. धा० I, II (क्षि+णि) ક્ષય કરવો, ખપાવવું. क्षय करना; अंत करना To destroy, to make an end, to waste.

खवेइ भग० ६, ३१, नाया० १, ओव० ४३, उत्त० २६, १; सूय० १, २, १, १४, प्रव० ७०१,

खविंति भग० १६, ४, सूय० १, १२,१५,

खवति दस० ६, ५८; सु० च० १, १८,

खवयन्ति भग० १६, ४; १८, ७,

खववेत्ता सं० कृ० भग० ६, ३१, १५, १; नाया० १, ६,

खविवेत्ता स० कृ० नाया० ५, ओव० ४१; उत्त० २८, ३६, दस० ३, १५,

खवित्तु स० कृ० दस० ६, २, २४,

खवमाण व० कृ० नाया० २;

खवेमाण व० कृ० नाया० १८,

खवेंत क० प० २, ६६, ४, ४१, ७, ३६,

खविउ स० कृ० क० ग० २, ३५,

खवअ पुं० (क्षपक) કર્મોનો ક્ષય કરનાર, ક્ષપક શ્રેણિગત સાધુ. कर्मों का क्षय करने वाला, क्षपक श्रेणिगत साधु One who destroys Karmas, an ascetic who has reached Ksapaka Sreni (a stage of evolution) भग० २५, ७, भत्त० १२७,

खवग पुं० (क्षपक) ક્ષપક શ્રેણિપ્રાપ્ત સાધુ क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पिं० नि० २०६, भग० २५, ६, भत्त० ४३, प्रव० ७०६, क० प० २, १७, (२) મોહનીયને ખપાવવા રૂપ–ક્ષપક શ્રેણિ. मोहनीय को दबाने वाला-क्षपक श्रेणि. a certain stage in which Mohaniya Karma is wasted away. क० ग० २, २८; ५ ८२, —आउ. पुं० (-आयुष्) આયુષ્યને ખપાવનાર-સૂક્ષ્મ સંપરાય અને અપૂર્વ કરણ ગુણસ્થાન વાળો જીવ. आयुष्य का क्षय करने वाला सूक्ष्म संपराय और अपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Sūksamasampa-rāya and Apūrvakarana which waste away the period of life क० ग० ५, ६७; —कम पुं० (-क्रम) ક્ષપક શ્રેણિનો ક્રમ क्षपक श्रेणि का क्रम. the order of Ksapaka Sreni कप्प० २, ४३; —सेढि. स्त्री० (-श्रेणि) ક્ષપક શ્રેણિ क्षपक श्रेणि Ksapaka Sreni; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession प्रव०२०; —सेणि स्त्री० (-श्रेणि) ક્ષપક શ્રેણિ क्षपक श्रेणि the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession (२) ઘાતીકર્મની પ્રકૃતિઓને ખપાવવાના ક્રમને ક્ષપકશ્રેણિ કહેવામાં આવે છે તેમા અનંતાનુબંધી ક્રોધ, માન, માયા અને લોભને ખપાવવાની શરૂઆત કરી ચિત્રમાં બતાવેલ ક્રમ પ્રમાણે મોહનીયની બધી પ્રકૃતિઓને ખપાવતા દર્શનાવરણીય, જ્ઞાનાવરણીય, અને અન્તરાયની પ્રકૃતિઓને ખપાવી ૧૨ મા ગુણઠાણાને છેલ્લે સમયે કેવલજ્ઞાન અને કેવલદર્શન પ્રાપ્ત થાય છે घातकर्म की प्रकृतियों के क्षय करने के अनुक्रम को क्षपकश्रेणि कहते हैं. उसमें अनतानुबन्ध क्रोध, मान, माया, और लोभ इनका क्षय करने का आरभ करके चित्रम बतलाये हुए क्रमके अनुसार मोहनीय की सपूर्ण प्रकृतियों का क्षय करने पर दर्शनावरणीय, ज्ञानावरणीय और अतराय की प्रकृतियों का क्षय करने के पश्चात् १२ वे गुणस्थान के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन की प्राप्ति होती है the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Ksapaka Sreni The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,

deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Darśanāvarṇīya, Jñānāvarṇīya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution प्रव० ७७६,

खवग्ग पुं० (क्षपक) જુઓ " खवग " શબ્દ देखो " खवग " शब्द Vide " खवग " प्रव० ७००,

खवण न० (क्षपण) કર્મનો ક્ષય કરવો તે; અમુક અંશે કર્મની નિર્જરા કરવી તે कर्म का क्षय करना, अमुक अंशतक कर्मों का निर्जरा करना Destroying of Karmas, destroying the Karmas to a certain limit विशे० २५१४, उत्त० ३३, २५, पचा० १८, ४१, पिं० नि० भा० १. सु० च० १, ३८४, (२) પ્રકરણ, અધ્યયન अध्याय, अध्ययन chapter, division विशे० ६६२, (३) સાધુ, મુનિ साधु, मुनि a Sādhu, an ascetic पचा० १६, ३५

खवणा स्त्री० (क्षमणा) અધ્યયનનું અપર નામ अध्ययन का अपर नाम A synonym for a chapter अणुजो० १५४,

***खवल्ल** पुं० (*) એક જાતનું માછલું एक जातिका मत्स्य A kind of fish पण्ण० १,

खवित त्रि० (क्षपित) ખપાવેલ ક્ષય કરેલ क्षय किया हुआ destroyed, wasted सम० २१,—**सत्तय** त्रि० (–सप्तक) અનંતાનુબન્ધી ચાર કષાય, મિથ્યાત્વ મોહનીય, સમકિત મોહનીય, અને મિશ્ર મોહનીય એ સાત પ્રકૃતિ જેણે ક્ષીણ કરી છે તે अनंतानुबंधी चार कषाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृतियों का जिसने क्षय किया है वह. (One) who has destroyed the seven natural impurities; fourfold passions known as Anantānubandhī सम० २१,

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

खविय-अ. त्रि० (क्षपित) ખપાવેલું. क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted क० गं० २, १; क० प० ७, ३६, ४४, —कम्म पुं० (-कर्मन्) ખપાવ્યા છે કર્મ જેણે તે. કર્મનો ક્ષય કરનાર (સાધુ) कर्मोका क्षय करने वाला (साधु), जिसने कर्मों का क्षय किया है वह one who has destroyed, wasted the Karmas क० प० २, ६६, ६, २०,

खस पु० (खस) ખસ નામનો એક અનાર્ય દેશ खस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country (२) त्रि० તે દેશનો રહેવાસી उस देश का निवासी. a resident of this country पराह० १, १, प्रव० १५६७,

खसखासिय पु० (खसखासिक) ખસખાસિક નામનો એક દેશ खसखासिक नाम का एक देश Name of a country पन्न० १, (२) त्रि० તે દેશમા રહેવાવાળા માણસો उस देश के निवासी मनुष्य a resident of this country पन्न० १,

खसर पु० (*) ખસનો રોગ, ખસ खस का रोग, खस Itch, a kind of skin disease जीवा० ३, ३, जं० प०

खह न० (ख) આકાશ आकाश The sky भग० २०, २,

खहचर पु० (खेचर-खे आकाशे चरतीति) આકાશમા ઉડનાર પક્ષી, તિર્યંચ પચેન્દ્રિયની એક જાત. आकाश में उडने वाले पक्षी आदि, पंचेंद्रिय की एक जाति. A bird, a kind of five sensed animal. भग० २४, १, उत्त० ३६, १७, —विहाण. न० (-विधान) પક્ષીઓના ભેદ-પ્રકાર. पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of birds भग० १५, १; नाया० १६,

खहचरी स्त्री० (खेचरी) આકાશમા ઉડનાર ચકલી; કોયલ વગેરે પક્ષિણી. आकाश में उडने वाली चिडिया, कोयल आदि पक्षी (स्त्री) Birds that fly in the sky, the cuckoo etc ठा० ३, १,

खहयर पु० (खेचर) પક્ષી पक्षी A bird (२) વિદ્યાધર. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers अणुजो० १३४, जं० प० भग० ७, ५, ८, १, उत्त० ३६, १८६; ओव० ४१, जीवा० १, पन्न० १, —मंस न० (-मांस) તેતર, કુકડા વગેરે પક્ષીનું માસ तीतर, मुर्गे आदि पक्षियोंका मास. the flesh of a cuckoo partridge etc प्रव० २२२,

खहयरी स्त्री० (खेचरि) પક્ષિણી स्त्रीलिंग पक्षी A female bird जीवा० १,

√खा I (खाद्) ખાવું खाना. To eat

खाअइ. अणुजो० १२८; दस० ४, १, ६, पिं० नि० २७४,

खाइ. सु० च० १२, ५५; राय० २४०;

खायइ आ० उत्त० १२ २६,

खायमाण. जीवा० ३, विवा० १;

खावियत प्रे० व० कृ० विवा० २,

खजइ क० वा०राय० २७६; उत्त० १२,१०,

खज्जत क० वा० व० कृ० भत्त० १६०;

खजमाण. क० वा० व० कृ० सथा० ६६,

खाअ-य त्रि० (ख्यात) પ્રખ્યાત, પ્રસિદ્ધ. प्रख्यात, प्रसिद्ध Famous, renowned पचा० ११, ४, उत्त० १४, २, नंदी० २७,

खाअ-य त्रि० (खात) ખોદેલુ खुदा हुआ. Dug कप्प० ६,२,आव० (२) ખાડો; કુવો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

खाडी; कुआ. a ditch, a well. अणुजो॰ १३३; (२) ખાઈ. खाई. a ditch. जं॰ प॰ ३, ४७; सम॰ प॰ २०६;

खाइ. स्त्री॰ (ख्याति) પ્રખ્યાતિ, પ્રસિદ્ધિ. प्रख्याति, प्रसिद्धि. Fame भग॰ १२, २; १७, २; ओव॰ ४१;

खाइआ-या. स्त्री॰ (खातिका) નીચે અને ઉપર સરખી ખોદેલી ખાઇ नीचे और ऊपर बराबर खुदी हुई खाई; गड्ढा A ditch uniformly dug from its mouth to the bottom. पण्ह॰ १, १, अणुजो॰ १३४, भग॰ ५, ७, ८, ३,

खाइम. त्रि॰ (*खादिम=खाद्य) સુખડી, મેવો, વગેરે ખાવાલાયક પદાર્થ मेवा, मिठाई आदि खाने योग्य पदार्थ Sweetmeats, dried fruits etc. उवा॰ १, ५८, आया॰ १, ७, १, १९७, २, ११, १७०; भग॰ २, १; ५; ५, ६; ७, १; नाया॰ १, ५, १६, पिं॰ नि॰ १६६; राय॰ २२६, दस॰ ५, १, ४६, १०, १, ८; वेय॰ १, १६, सम॰ २१, ३३, ओव॰ ३६, पचा॰ ५, २६, कप्प॰ ५, १०२, प्रव॰ १६८, आव॰ ६, १, —साइम त्रि॰ (-स्वादिम=स्वाद्य) સુખડી મેવો અને સ્વાદિમ-મુખવાસ-સોપારી લવિંગ વગેરે. मेवा मिठाई आदि स्वादिम-सुपारी लौंग आदि मुखवास. sweetmeats, dried fruits, cardamom, cloves etc दस॰ ५, १, ६१,

खाइय त्रि॰ (खादित) ખવરાવેલું, ભક્ષણ કરાવેલું. खिलाया हुआ, भक्षण कराया हुआ (Any thing) caused to be tasted or eaten ओव॰ ३८,

खाइय. त्रि॰ (ख्यात) પ્રગટ કરેલ, કહેલ. प्रगट किया हुआ; कहा हुआ. Revealed; exposed; told भग॰ २, १०;

खाइय न॰ (क्षायक) ક્ષાયિકભાવે ક્ષાયક સમકિત કેવલજ્ઞાન વગેરે. क्षायिक भाव क्षायक सम्यक्त्व केवल ज्ञान आदि. The state of destroying Karmas etc विशे॰ ४६,

खाडखड पुं॰ (खाडखड) એ નામનો ચોથી નરકનો એક નરકાવાસો इस नाम का चौथी नरक का एक नरकावासा A division of the 4th hell so named ठा॰६,१,

***खाडहिल** पु॰ (*) જેના શરીરપર ધોલા તથા કાલા પટ્ટા હોય છે તેવું એક પ્રાણી जिसकी देह पर सफद तथा काले पट्टे हों ऐसा एक प्राणी An animal having black and white stripes on the body e g the zebra पण्ह॰१,१,

खाणि स्त्री॰ (खानि) આકર, ખાણ खान, खदान. A mine. नदी॰ ४१, उत्त॰ १२, १३, सु॰ च॰ १५, ६१,

खाणिआ स्त्री॰ (खानिका) જુઓ "खाणि" શબ્દ देखो "खाणि" शब्द Vide "खाणि" आया २, १०, १६६,

खाणु पु॰ (स्थाणु) ઝાડનું ઠુંઠું डालों पत्ते रहित सूखेहुए झाड का ठूठा A dried trunk of a tree without branches आया॰ २, १, ५, २७, दसा॰ ७, १, नाया॰ १, जीवा॰ ३, ३, जं॰ प॰ १, १०; उत्त॰ १४, २९; (२) ખીલે. ખુંટો. कीली; खूटा. a big nail, a peg. वव॰६, १३; जं॰प॰४,१११, —समाण त्रि॰ (-समान) સુકેલ ઝાડના ઠુંઠા જેવો, પોતાની ખોટી હઠ છોડે નહિ, ખોટો આગ્રહ કરનાર सूखे हुए

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

झाड के ठूठे जैसा. अपनी मिथ्या हट न त्याग ने वाला. झूठा आग्रह करने वाला (one) like a dried trunk of a tree, (one) who never gives up one's false idea, obstinate ठा० ४, ३,

खाणुय पु० (स्थाणुक) જુઓ "खाणु" શબ્દ દેખો "खाणु" शब्द. Vide "खाणु" आया० २, १०, १६६, २, १३, १७२; नाया० २,

खात. न० (खात) ખોદેલું. खुदाहुआ. Dug पन्न० २ (२) ખાઇ खाई a ditch भग० १७, १. पन्न० २, —**उदग** पु० (उदक) ખાઇનું પાણી खाई का पानी water of a ditch भग० १५, १.

खातिया स्त्री० (खातिका) જુઓ "खाइआ" શબ્દ देखो "खाइआ" शब्द Vide "खाइआ" पराह १, १,

खात्त न० (खात्र) ખાતર भीत में खात लगाना Opening in a wall (made by a thief) नाया०१६,—**खणग** त्रि० (-खनक) ખાતર પાડનાર, ચોર खात लगाने वाला, चोर (one) who bores through a wall, a thief नाया०१८,

खामण न० (क्षामण) ખમાવવું क्षमाना Begging of pardon दसा० ४,१०४, भग० ५०, नाया० ५,

खामणा स्त्री० (क्षामणा-क्षमापना) અપરાધની માફી માગવી, ખમાવવું ते अपराध की माफी मांगना, क्षमा मांगना Begging of pardon प्रव० ८१; १८२. भग० १६,

खामिअ-य त्रि० (*क्षामित-क्षमापित) ક્ષમા કરેલ માફી આપેલ क्षमा किया हुआ. माफी दिया हुआ Pardoned सु० च० १, ३८३; भग० ३. १. १५, १, दसा० १, १४, सम० २०;

खार. त्रि० (क्षार) ખારું. क्षार Salt. (२) पु० જવ ખાર વગેરે ખાર પદાર્થ मिठ जव-खार इत्यादि क्षार पदार्थ things having salt taste "खारतलोखत्त अखायमहयं" नाया० १६, सूय० १, ४, १, २१ २, ३. २५, आया० २, १०, १६६, राय २५८, निसी० १२, ३३, ज० प० विवा० १. (३) સામસામો ખાર, વેર दूसरों से डाह, वैर enmity towards others जीवा० ३ भग०३,३,७, (४) पु० ખારો રસ क्षार रस salt juice पन्न० १७, सु० च० ७,२८४, (५) स्त्री० ખારવાળી ભૂમિ क्षार वाला भूमि saline soil पिं०नि०भा०१३. (६) ભુજ-પર સર્પની એક જાત भुजपर सर्प की एक जात a kind of serpent पन्न०१.—**उदग** न० (-उदक) થોડું ખારૂં પાણી थोड़ा खारा पानी. water having some what saltish taste. पन्न० १; भग० १५, १; —**गालण** न० (-गालनक) સાજીખાર વિગેરેને ગાળવાનું પાત્ર सज्जीखार आदि गलाने का पात्र a pot for liquifying carbonate of soda etc सूय०१, ४. २, ११. —**तेल्ल** न० (-तैल) ખારૂ તેલ खारा तेल saltish oil विवा० ६; —**दाह** पु० (-दाह) સાજીખારાદિ પકાવ-વાની જગ્યા सज्जी, खार आदि पकाने का स्थान a place where carbonate of soda etc are boiled निसी० ३, ७५, —**मेह** पु० (-मेघ) સાલવૃક્ષના રસજેવા જળ વાળો મેઘ-વરસાદ सालवृक्ष के रस समान जलवाला मेघ-बरसाद rain resembling the juice of a Sāla tree भग०७, ६, ज० प० २. ३६;—**वत्त** पु० (-वर्चस्) ખારવાળો કચરો खार मय कूड़ा. saltish dirt निसी० ३, ८०, —**वत्तिय** त्रि० (-वर्तित) ખારમાં ભરાવેલ, ખારમાં નાખેલ. नमक से भराहुआ; नमक

में भिंगोया हुआ. salt-soaked सूय० २, ३, ६३; ओव०३८,दसा० ६, ४,—तंत पु० (-खारतंत्र) લિંગ વૃદ્ધયાદિ વાજી કરણ શાસ્ત્ર આયુર્વેદનો એક ભાગ लिंग वृद्धि आदि वाजी करण शास्त्र, आयुर्वेद का एक भाग. a section of Āyur Veda (medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs ठा० ८, १०;

खारायण पुं० (खारायन) મડપ ગોત્રની શાખા मडप गात्र की एक शाखा A branch of Mandapa lineage (२) તે શાખાનો પુરુષ उस शाखा का पुरुष a man of that branch ठा० ७, १;

खारेअ. पु० (खारिक) ખારીઓ, મૂલા વગેરેના પાદડામાં મીઠું ભરાવી અથાણા જેવું બનાવવામાં આવે છે તે नमकीन, मूले आदि के पत्तों में नमक डालकर अचार जैसा बनाया जाता है वह Pickles ओघ० नि० भा० १३६,

खारी स्त्री० (* खारी) એક જાતનું પ્રાણી एक जाति का प्राणी A kind of creature आवा० १,

खारुगणिय. पु० (खारुगणिक) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नाम का एक अनार्य देश Name of a non-Āryan country (२) त्रि० તે દેશના રહેવાસી उस देश का निवासी a resident of this country भग० ६, ३३,

खालिअ. त्रि० (क्षालित) ધોએલું धुलाहुआ Washed सु० च० २, २४३ ७, ६१,

खावण. न० (ख्यापना) પ્રસિદ્ધિ, ખ્યાતિ, प्रसिद्धि; ख्याति Fame, reputation पंचा० १०, ७;

खास. पुं० (कास) ખાંસીનો રોગ; ઉધરસ. खासी का रोग, दमा. Cough. नाया० १३, भग० ३, ७.

खासिअ न० (कासित) જુઓ " खास " શબ્દ. देखो " खास " शब्द. Vide " खास " विशे० ५०१, नंदी० ३८,

खासिय पु० (खासिक) એ નામનો એક દેશ इस नाम का एक देश Name of a country (२) તે દેશનો રહેવાસી उस देशका निवासी. a resident of this country पराह० १, १ प्रव० १२६७ ओव० १, ४,

खिइ स्त्री० (क्षिति) પૃથ્વી पृथ्वी The earth, the world क० प० १ ६२ ४, ३२,

खिंखणी स्त्री० (किङ्किणी) ઘુઘરી, નહાની ઘંટડી घुंघरिया. छोटा घुगरा. A small bell नाया० ९, ठा० १०, १;

खिंखणीय न० (किङ्कणीक) જુઓ ' खिंखणी ' શબ્દ देखो " खिंखणी " शब्द Vide ' खिंखणी ' नाया० १ उवा० २, ११२,

खिंखिणी स्त्री० (किङ्किणी) ઘુઘરી, ઘંટડી छोटा घुगरा A small bell ज० प० राय० १०१, ओवा० ३, ३ उवा० ६, १६६;

√**खिंस** धा० I (खिंस्) નિન્દા કરવી. निन्द्‌ निन्दा करना To blame, to censure (२) ક્રોધ કરવો, તરછોડવું क्रोध करना, तिरस्कार करना to get angry, to despise

खिंसइ-ति सूय० १, १३, १४, २, २; १७, नाया० ध० पं० नि० ३५८, उत्त० १७, ४, सम० ३०, दसा० ६, २०, २१;

खिंसति, भग० ३, १, भत०६, ३ नाया०८;

खिंसए. त्रि० दस० ८, २६; नाया० १,

२, ४, ५१;
खिंसइत्ता. दस० ६, ३, ११;
खिंसइ. भग० ५, ४; १२, १;
खिंसिस्संति. नाया० १६;
खिंसे (सि) चा. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;
खिंसिज्जमाण. नाया० १६, भग० ३, १;

खिंसण न० (खिंसन) निन्हा; तिरस्कार, अपमान निन्दा, तिरस्कार, अपमान. Censure; contempt, dishonour पराह० १, १; ओव० २१;

खिंसणा स्त्री० (खिंसना) લોક સમક્ષ મર્મ ઉઘાડા પાડી અવજ્ઞા કરવી लोगों के सामने गुप्त रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना Disregarding anyone by exposing his weakness in the public ओव० ४०, राय० २६६.

खिंसणिज्ज त्रि० (खिंसनीय) નિરસ્કાર કરવા યોગ્ય तिरस्कार करने योग्य Censurable, disgraceful. नाया० ३;

खिंसा. स्त्री० (खिंसा) નિન્દા निंदा Censure पंचा० १७, २५,

खिंसिय त्रि० (खिंसित) મર્મ ભેદી વચનથી નિરસ્કાર કરેલ. मर्म भेदी वचन से तिरस्कृत. Disgraced with piercing words ठा० ६, १, प्रव० १३३५, —वयण न० (-वचन) બીજાની ભર્ત્સના (તિરસ્કાર) કરવાનુ વચન दूसरों की घृणा-तिरस्कार करने योग्य वचन the words of rebuke ठा० ६, १, वेय० ६, १,

खिखिखयंत त्रि० (खिखिकुर्वत्) ખિખિ શબ્દ કરતું, તી, તો. खिखि शब्द करता हुआ-हुई (One) making a sound like 'Khi Khi.' पराह० १, ३;

खिज्जणा. स्त्री० (*खिदना-खेदांकिता) ખેદ खेद. Pain; trouble नाया० १८;

खिज्जणिय. त्रि० (खेदनीय) ખેદ કરવાને યોગ્ય. रंज करने योग्य Regrettable. नाया० १६;

खिज्जमाण. त्रि० (खिद्यमान) ખીજતો-ચીડીયા સ્વભાવ વાળો. खीजताहुआ चिरडी स्वभाव वाला. (One) of an irritable nature. जीवा० ३, ४; नाया० १८, राय० ११२;

खिज्जिय त्रि० (खिन्न) ખેદ પામેલું खेद प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया० ६;

खिडुकर. त्रि० (कड) ગિદગિદિયા કરનાર गुदगुदी चलाने वाला. (One) who tickles सु० च० २, ६४३;

खिति स्त्री० (क्षिति) પૃથ્વી पृथ्वी The earth, the world विशे० १२०८,

खित्त न० (क्षेत्र) આકાશ પ્રદેશ. आकाश प्रदेश. The firmament; the space of the sky. उत्त० ११, १६; क० गं० ५, ८६. (२) આર્ય અનાર્ય દેશ आर्य अनार्य देश a country of Aryas and Anāryas. गच्छा० १४, उत्त० ३, १८; (३) દ્વિપનો એક ભાગ, ખંડ-વિજય; જેમ ભરત ક્ષેત્ર द्वीप का एक भाग; खंड विजय, जैसे भरत क्षेत्र a part of a continent ठा० २, ३; (४) ખુલ્લી જમીન. ધાન્યવાવવાની જમીન. खुली जमीन, धान्य बोने की जमीन a field, an open plot of ground नाया० १, २, ३, ७६; अणुजो० ८०; दस० ८, ३५; प्रव० १८; ६०४, भग० २, १; २५, ५. पराह० १४; उत्त० ३०, १८; ओघ० नि० भा० ८२; सु० च० १, २३, कप्प० ५, ११७, —निवासि. त्रि० (-निवासिन्) એક ક્ષેત્રમાં નિવાસ કરનાર. एक क्षेत्र में निवास करने वाला. residing in one country. प्रव० ७८४; —फुसणा. स्त्री० (-स्पर्शना)

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना. क्षेत्र का स्पर्श; आकाश प्रदेश की अवगाहना occupying the atmosphere or space विशे० ४०६, —बाहिट्ठिय. त्रि० (-बहिः स्थित) क्षेत्रथी-वसतिथी બહાર રહેલ. क्षेत्र से बाहर रहा हुआ situated outside the inhabited region प्रव०६२७,—वुड्ढि स्त्री० (-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि. क्षेत्र की वृद्धि increment in space प्रव० २८१; —संठिइ स्त्री० (-संस्थिति) क्षेत्रनो આકાર क्षेत्र का आकार. the shape of the space or region जं० प० ३७, १३५, —सहाव पुं० (-स्वभाव) क्षेत्रनो स्वभाव क्षेत्र का स्वभाव the nature of the space प्रव० १०८८;

खित्त त्रि० (क्षिप्त) ફેંકેલું फैंका हुआ. Thrown क० ग० ४, ८६, नाया० १७, —चित्त त्रि० (-चित्त) पुत्रशोक वगेरे थी विक्षिप्त थयुं छे चित्त जेनुं एवो पुत्र-शोक आदि से जिसका चित्त क्षुब्ध है वह (one) maddened on account of the death of a son etc ठा० ५, १, वव० २, १०, १०, १८;

खित्तअ त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीथी उपजेला छो-કરા स्त्री से उत्पन्न लडके. Children born of a woman ठा० १०,

खित्तओ. अ० (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथकी, क्षेत्रनी अपेक्षाए, क्षेत्रआश्री क्षेत्र से, क्षेत्र का अपेक्षा, क्षेत्र के सम्बन्ध में In relation to space. उत्त० २४, ६, ओव० १७;

खित्तवाल. पुं० (क्षत्रपाल) देव विशेष, खेत-रपाल देव विशेष, क्षेत्रपाल A kind of deity. सु० च० ७, ७०,

खिन्न त्रि० (खिन्न) खेद पामेलुं. दुःखी; खेद पाया हुआ Troubled; afflicted. ओघ० नि० १२४,

खिप्प. त्रि० (क्षिप्र) जलदी, उतावळुं जल्दी; फुर्तीला Speedy आया० १, ६, ७, ६; २, ३, २, १२१, उत्त० १, ४४; ओघ० नि० ७७५, भग० १, ६, २, १. ३, १; ३; दस० ४, २८, ८, ३१, नाया० १; १६; विशे० २८० सूय० १, ८, १५; कप्प० २, २५, ४, ५८, उवा० १, ६६, राय० २८; ३४, ३५; ओव० ३६. क० प० ७, ८८, ६, १६, सम० ३४. दसा० ४, ३८,

खिप्पगइ पुं० (क्षिप्रगति) दिशाकुमारना लोकपालनुं नाम दिशाकुमार के लोकपाल का नाम Name of a Lokapāla of Disākumara भग० ३, ८ (२) अमितगति तथा अमितवाहन इंद्रना लोक-पालनुं नाम अमितगति तथा अमितवाहन इन्द्र के लोकपाल का नाम name of a Lokapāla of the Indras named Amitagati and Amitvāhana ठा० ४, १,

खिलीकय त्रि० (किलीकृत) खीली मारीने कर्मने निबड करेल, निकाचितबन्धने बांधेल. कील ठोककर कर्म को दृढ किया हुआ, निका-चित बंध से बंधे हुए (The Karmas) nailed or bound very tightly. भग० ६, १

खिल्लुड पुं० (*) कन्द विशेष. कन्द विशेष A kind of bulbous root. प्रव० २४०,

खिल्लूड पुं० (*) कन्द विशेष; वनस्पति.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation. जीवा० १;

खिल्लिऊणं. सं० कृ० अ० (क्रीडयित्वा) ખેલીને, રમીને. खेलकर; क्रीडा करके. Having played सु० च० ७, ११३;

खिविता. सं० कृ० (क्षिप्त्वा) ફેંકીને फेंककर Having thrown भग० ३ २,

खिविय. त्रि० (क्षिप्त) ફેંકેલુ. फेंका हुआ Thrown. सु० च० १, १७,

खीण. पु० (क्षीण) ખપી ગયેલ, નાશ પામેલ नष्ट, क्षीण Wasted, destroyed नाया० ४; ८ अणुजो० १२७; १३६; अ० प० पन्न० १; भग० १, ६ ५, ४, ६ ७; १५, १; २५, १ ७, सम० ७, ठा० २, १; क० प० ४, १८, ५, १८, प्रव० १३१३; काप० २, १८, ५, १४६, क० ग० २, २, २८, ४, ७६; (२) બારમા ક્ષીણમોહગુણસ્થાનકનું ટુંકુ નામ बारहवे क्षीण मोहनीय गुण स्थानक का संक्षिप्त नाम. a short name of the 12th variety of spiritual evolution known as Kṣīnamoha क० ग० ६, ४५, —उदग त्रि० (-उदक) પાણીવિનાનું; નિર્જલ पानी रहित. निर्जल. devoid of water. waterless. भग० १५. १. —उवसंत न० (-उपशान्त) ક્ષીણમોહ તથા ઉપશાન્તમોહ નામે ગુણસ્થાનક, બારમુ અને અગીયારમું ગુણસ્થાનક क्षीण मोह तथा उपशांत मोह नाम का गुणस्थानक; बारहवें और ग्यारहवें गुणस्थानक the eleventh and the twefvth spiritual stages known as Kṣīnamoha and Upaśāntamoha. क० ग० ४, ६१; —कसाइ. त्रि० (-कषायिन्) જુઓ "खीणकसायि". शब्द. देखो "खीणकसायि" शब्द. vide "खीणकसायि" भग० ६, ३१, —कसाय त्रि० (-कषाय) ક્ષય પામ્યા છે કામ ક્રોધાદિ કષાય જેના તે. जिसके काम क्रोधादि कषाय क्षय होगए हैं. (one) whose passions i. e. anger, hatred etc. are destroyed or decayed क० प० ७, ४८; —कसायि त्रि० (-कषायिन्) કષાયનો નાશ-ક્ષય કર્યો છે જેણે તે, કષાયરહિત जिसने कषाय का नाश--क्षय किया है वह; कषाय रहित (one) who has destroyed the passions भग० २५, ६; —दुह. त्रि० (-दुःख) ક્ષીણ થયુ છે દુઃખ જેનું, દુઃખ વિનાનું जिसका दुःख क्षीण होगया है वह, दुःख रहित. freed from pain or misery. सम० प० २४०, —भोग त्रि० (-भोग) જેના ભોગ વિલાસ ક્ષીણ થયા છે એવો. जिसके भोग विलास क्षीण होगये है वह. freed from wordly enjoyments नाया० ६, —भोगि. त्रि० (-भोगिन्—भोगा जीवस्य यत्रांगेन तद् भोगि, शरीरम् तत्क्षीणं तपोरोगादिभिर्यस्य स क्षीणभोगी) દુબળા શરીર વાળુ पतले शरीर वाला, दुर्बल. (one) of weak constitution भग० ७, ७, —मोह. त्रि० (-मोह) મોહનીકર્મ જેનું ક્ષીણ થયેલ છે તે. जिसका मोहनीय कर्म क्षय होगया है वह. (one) freed from Karma known as Mohanīya. क० ग० ४, ६३. क० प० ६, ६; ठा० ३, ४; —रय. त्रि० (-रजस्) જેણે કર્મરૂપ રજનો નાશ કર્યો છે તે. कर्म रज का नाश कीया है वह (one) freed from dust in the form of Karma. सम० प० २४०; —राग त्रि० (-राग) જેણે રાગ ક્ષય કર્યો છે તે, जिसने राग

हैं नष्ट किये हैं वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८; ४२; गच्छा० ३३; —वेदय. त्रि० (-वेदक) स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, આદિ જેના કામ વિકાર નષ્ટ થયેલ છે તે. जिसके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० ६, ३१; २५; ६;

खीणकसाय. न० (क्षीणकषाय) બારમું ગુણસ્થાનક કે જ્યાં કષાયનો સર્વથા ક્ષય કરવામાં આવે છે बारहवां गुणस्थानक कि जहां कषाय का सर्वथा क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क०गं० ६, ८४, —वीतराग. पु० (-वीतराग) કષાય રહિત વીતરાગ બારમા ગુણસ્થાનવર્તી कषाय रहित वीतराग बारहवें गुणस्थानकवर्ती a soul that has reached the 12th spiritual stage भग० २५ ६,

खीर न० (क्षीर) દુધ. दूध Milk सू० प० ११, १६, पन्न० २, आया० २, १, ४, २४, विशे० ७६६, निसी० ६, २२; निर० ३, ४; जीवा० ३, ३, पिं० नि० १३०; भग० ३, ७, ११, ११; ठा० ४, १, ओव० १०; ३८; पिं० नि०भा० ४०, उवा० १, २४, पंचा० ५, २७; १३, १०, कप्प० ३, ३८, ६, १७; (२) ક્ષીર નામનો પાંચમો સમુદ્ર અને પાંચમો દ્વીપ क्षार नामका पांचवा समुद्र और पांचवां द्वीप Name of a continent and an ocean. अणुजा० १०३; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ पुं० न० (-कुंभ) દુધનો ઘડો. दूध का घड़ा a pot of milk. भग० १६, ३; —दुम. पु० (-द्रुम) દુધ વાળાં ઝાડ; થોર, આકડા વગેરે. दूधवाले झाड; थूअर, आकडे आदि. trees that give milk e. g. the Aśvattha tree. पंचा० १५, २०; पिं० नि० भा० १६; —धाई स्त्री० (-धात्री) બાલકને ધવરાવનારી; ધાયમાતા बालक को दूध पिलाने वाली, धाय माता a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया० १; १६, विवा० २; —भोयण. न० (-भोजन) ખીરનુ જમણ. खीर का भोजन a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४; —महुर. त्रि० (-मधुर) દુધના જેવું મીઠું दूध जैसा मिष्ट sweet as milk. ठा० ४, ३; —मेह पु० (-मेघ) ભરત ક્ષેત્રમાં ઉત્સર્પિણીનો બીજો આરો બેસતાં સાત દીવસ પુષ્કર સંવર્ત નામનો મેઘ વરસ્યા પછી બીજો મેઘ સાત દિવસ સુધી વરસે તેનું નામ. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुष्कर संवर्त नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक बरसता है उसका नाम name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd aeon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puṣkara Saṃvarta ज० प० —वुट्ठि स्त्री० (-वृष्टि) દુધની વૃષ્ટિ, દુધનો વરસાદ दूध की वृष्टि; दूध की बरसात a shower of milk, a rain of milk भग० ३, ७; —समुद्द. पु० (-समुद्र) ક્ષાર સાગર. क्षीर सागर the ocean of milk. सु० च० २, २४१, —सर न० (-सरस्) દુધ જેવા પાણીવાળુ તલાવ. दूध जैसे पानी वाला तलाव. a tank having milky water. सु० च० ११, १३; —सागर.

(—सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. name of an ocean. कप्प० ३, ३१; —साला. स्त्री० (-शाला) दुधनी शाला-दुकान दूध की शाला-दुकान. a shop of milk. निसी० ६, ७,

खीरकाकोली स्त्री० (क्षीरकाकोली) એ नामनी साधारण वनस्पति इस नाम की साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पन्न० १.

खीरकाकोलि. स्त्री० (क्षीरकाकोली) જુઓ "खीरकाकोली" शब्द. देखो 'खीरकाकोली' शब्द. Vide "खीरकाकोली" भग०

खीरणी. स्त्री० (क्षीरणी) वृक्ष विशेष; खिरनी वृक्ष विशेष, खिरनी A kind of tree bearing sweet fruit भग० २२, २. पन्न० १,

खीरभुस पु० (क्षीरभुष) એ नामनुं पर्वंग जातनुं એક ઝાડ इस नाम का पर्वंग जाति का एक झाड़ A kind of tree of Parvaga sort पन्न० १,

खीराइय त्रि०(क्षीरकित) જેમાં क्षीर-रस उत्पन्न थयेो छे એવું जिसमें क्षीर रस उत्पन्न हुआ है वह. (A substance) in which juice has been produced "तएणंतेसालीपत्तगापुव्वेण आयवगया खीराइया बद्धकत्ता" नाया० ७.

खीरासव. त्रि० (क्षीरास्रव) જેનું વચન દુધના જેવું સાંભળનારને મધુર લાગે તેવા શક્તિલબ્ધિવાળો માણસ जिसके वचन सुननवालों का दूध जैसे मिष्ट मालूम हो ऐसा शक्ति-लब्धिवाला मनुष्य. (One) possessed of sweet speech like milk ओव० १६. पण्ह० २, १.

खीरिणिया. स्त्री० (क्षीरिणिका) દુધવાળી; દુઝણી दूधवाली; दुधारू. A milch cow etc. आया० २, १, ४, २३.

खीरिणी. स्त्री० (क्षीरिणी) ચીકવાળી ઝાડની વેલ. चीकवाले झाड का वेल A kind of creeper पन्न० १,

खीरोदग पु० (क्षीरोदक) क्षीर समुद्र क्षीर समुद्र. Name of an ocean. ठा० ४, ८;

खीरोदग पु० (क्षीरोदक) क्षीरसमुद्र क्षीरसागर. क्षीर समुद्र; क्षीर सागर Name of an ocean. भग० ८, ६; ज० प० पन्न० १, —समुद्द. पु० (-समुद्र) क्षीरोदक समुद्र-જેનું પાણી દુધ જેવું છે એવો સમુદ્ર. क्षीरोदक समुद्र-जिसका पानी दूध सरीखा है ऐसा समुद्र An ocean the water of which is like milk नाया० ८,

खीरोदा स्त्री० (क्षीरोदा) પશ્ચિમ મહાવિદેહના દક્ષિણ ખાડવાની બીજી વિજયની પશ્ચિમ સરહદ ઉપરની મહાનદી. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की दूसरी विजय की सीमा पर बहनी हुई महानदी Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha ज० प० ४, १०२,

खीरोय न० (क्षीरोद) क्षीर सागर क्षार सागर Name of an ocean ज० प० ५, १२०; कप्प० ३, ४३, —सायर पुं० (-सागर) क्षीर समुद्र क्षीर समुद्र. Name of an ocean कप्प० ३, ४३,

खीरोया. पु० (*) જુઓ "खीरोदा"

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

शब्द. देखो "खीरोदा" शब्द. Vide "खीरोदा" ठा० २, ३;

खील. पुं० न० (कील) ખીલો. कील. A nail ओघ० नि० ६८८,

खीलग. पुं० (कीलक) જુઓ "खील" શબ્દ. देखो "खील" शब्द Vide "खील" सू० प० ८; ओघ० नि० भा० २७१;

खु. अ० (खु-खलु) વાક્યાલંકાર, વાક્યને શોભાવનાર અવ્યય. वाक्यालंकार, वाक्य को सुंदर बनानेवाला अव्यय. A particle used to add grace to a sentence नाया० १, ६, ३, १८४, दस० १, ५; ८, ५४; (२) નિશ્ચે निश्चय certainly, verily. गच्छा० ६३,

खुइ. स्त्री० (क्षुति-क्षवथुं क्षुतिः) છીંક छींक A sneeze. नाया० २, १६, भग० १५, १.

खुक्खु. पुं० (खुक्खु) દોડતા ઘોડાને "ખુક્ખુ", શબ્દ થાય છે તે दौडते हुए घोडे का खुक्खु शब्द. A sound which is produced when a horse is running. भग० १० ३,

खुज्ज. पुं० (कुब्ज) જેના હાથ પગ મસ્તક અને ગ્રીવા-ડોક લક્ષણયુક્ત પ્રમાણોપેત હોય અને પેટ છાતી પીઠ વગેરે લક્ષણ હીન હોય તે સંસ્થાનનું નામ, છ સંઠાણમાનું ચોથું સંઠાણ. जिसके हाथ, पांव, सिर और ग्रीवा-गर्दन लक्षणयुक्त प्रमाणानुसार हो और पेट, छाती पीठ आदि लक्षणहीन हो ऐसे सस्थानका नाम; छ संठाणोंमें से चौथा सठाण Name of a bodily structure in which hands, feet, the head and the neck are in proportion while, stomach, the back, the breast etc are disproportionate; the 4th of the 6 bodily structures अणुजो० ११८; ठा० ६, १; सम० ६; सम० प० २२७; (२) त्रि० કુબડો. कुब्ज; कुबडा. (one) hump-backed सु०च०२,३६४; पराह० १. १, ओघ० नि० भा० ८९; पिं० नि० ४७५; पंचा० १८, १७, प्रव० ५६३; ८०२, (३) न० જે પ્રકૃતિના ઉદયથી કુબડા-પણું પ્રાપ્ત થાય તે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. जिस प्रकृति के उदय से कुबडापना प्राप्त हो उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma Karma by the rise of which one becomes hump-backed. क० गं० १ ४०;

खुज्जकरणी स्त्री० (कुब्जकरणी) રૂપવતી સાધ્વી ઉપર કોઈ મોહ ન પામે તે સારુ કદરૂપ બનાવવાને ખભા ઉપર ગખવાના સભારી આ વસ્ત્રને ખભા નીચે પીઠ ઉપર એક પટાથી બાંધી રાખવું તે. रूपवती साध्वी पर कोई मोहित हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत करने के वास्ते कंधे के वस्त्र का पीठ से नीचे पट पर एक पट्टे से बांध रखना Wrapping of a shoulder garment round the breast and the back on the part of a female ascetic in order that nobody should be tempted by her beauty ओघ० नि० भा० ३२०; प्रव० ५४६,

खुज्जत्त न० (कुब्जत्व) કુબડા પણું कुबडापन The state of being hump-backed नाया० १, २, ३, ७८.

खुज्जा स्त्री० (कुब्जा) કુબડી દાસી. कुबडी दासी A hump-backed female; a maid ओव० ३३; दसा० १. १; नाया० १, ८, अन० ३, ८; अ० प० भग० ६, ३३; विवा० ६; (२) કુબ્જદેશ ની દાસી. कुब्ज देश की दासी. a maid of the country named Kubja. विवा० ६;

२० विवा० ८; निर० १०१; (२) थुंकपात्र पात्र (थुंकदानी) धारण करनारी दासी. थुंकने का पात्र (पीकदानी) उठाने वाली दासी. a female attendant who holds a spittle-pot. विशे० १४, १, १; विवा० ६,

खुज्जिया. स्त्री० (कुब्जिता) सोल रोगमांनो एक रोग, खुंधापणुं. सोलह रोगों में का एक रोग; कुबडापन. One of the 16 diseases; croockedness. आया० १, ६; १, १०२,

खुड्डय. त्रि० (*क्षुल्लक) न्हानुं; लघु; हलकुं. छोटा; लघु. हलका Trifling; small जं० प० वव० १०, १८.

खुड्डाग त्रि० (*क्षुल्लक) न्हाना-नी-नो छोटा-टी Small निसी० ४ ७१ अंन० ८, ३, ओव० १६ भग० १२, ४; ३१, १ नाया० ७

खुड्डिय त्रि० (क्षुल्लक) जुओ "खुड्डय" शब्द देखो 'खुड्डय' शब्द. Vide 'खुड्डय' वव० ६, ४१; १०, १८;

√**खुड्ड** धा० I (त्रुद्) तोडवुं तोडना To break

खुड्डंति भग० १५, १

खुड्डित्ता सं० कृ० १५, १,

खुड्ड. त्रि० (क्षुद्र) न्हानो छोटा. Small गच्छा० १०६, —भव पुं० (-भव), क्षुद्रभव, न्हानोभव निगोदीया जीवनो २५६ आवलिकानो एक भव क्षुद्र भव. तुच्छ भव. निगोदिया जीव का २५६ आवलिका का एक भव. a small period of life, a period of life of hell-beings lasting for 256 Āvalikās (a measure of time) क० गं० ५, ३८,

खुड्ड पुं० (क्षीद्र) मदिरा. दारू. Wine जं० प० ३, ३६; —आहार त्रि० (-आहार) मदिरापान करनार. दारू पीने वाला. a drunkard जं० प० ३, ३६;

खुड्डखुड्डग. त्रि० (क्षुद्रक्षुद्रक) न्हानामां न्हानो; बहुज न्हानो. छोटे से छोटा; बहुत छोटा. Smallest. राय० १३५;

खुड्डग. त्रि० (क्षुद्रक) न्हानो, लघु. छोटा; लघु Small, short. निसी० १४, ६; भग० १३, ४; —भव पुं० (-भव) न्हानामा न्हानो २५६ आवलिकानो एक भव क्षुद्र से क्षुद्र २५६ आवलिका का एक भव. the shortest period of life lasting for 256 Āvalikās भग० ८, ६, जीवा० ८;

खुड्डतर त्रि० (क्षुद्रतर) अतिशय लघु अतिशय लघु-थोडा Shorter, smaller जं० प० ४, ७५,

खुड्डय. त्रि० (क्षुद्रक) हलकुं, थोडुं हलका, क्षुद्र, थोडा. Short trifling पि० नि० भा० ४४; विशे० ६१६, जं० प० प्रव० १२८, कप्प० ६, २०.

खुड्डालय पुं० (क्षुद्रालय) थोडा झुंपडावाळुं गाम, न्हानु गाम थोडी बस्ती वाला गाम. छोटा ग्राम A small village ओव० नि० ६१.

खुड्डलिअ. त्रि० (क्षुल्लक) नाजुक; न्हानुं. नाजुक, छोटा Delicate, small. ओघ० नि० २१७.

खुड्डाअ. त्रि० (*क्षुल्लक) जुओ "खुड्डय" शब्द देखो "खुड्डय" शब्द Vide "खुड्डय" आया० २, १, ६, २४, ओव० ४०, नाया० ७

खुड्डाखुड्डिय त्रि० (क्षुद्रक्षुद्रक) न्हानामां न्हानो छोटे से छोटा Smallest shortest. जं० प० ४, ८८;

खुड्डाग. त्रि० (क्षुल्लक) न्हानो-नी-नुं छोटा-टी-टे Small; short. पन्न० १८; नाया०

७; भग० ३१, १; ओव० १६; —जुम्म. पुं० (—*युग्म) चार आठ बार विगेरे न्हानी राशिना जोडलां. चार, आठ, बारह आदि छोटी राशि के जोडे a pair of small figures भग० ३१, १, —भव. पुं० (—भव) क्षुल्लक भव; २५६ आवलिका प्रमाण निगोदनो एक भव क्षुद्र भव; २५६ आवलिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Āvalikās. क० प० १, ७८, —भवग्गहण न० (—भवग्रहण) २५६ आवलिकानो निगोदने एक भव करवो ते. २५६ आवलिका का निगोद का एक भव करना a period of hell life equal to 256 Āvalikās भग० ८, ६,

खुड्डिआ स्त्री० (क्षुल्लिका) न्हानी साध्वी आर्या. छोटी आर्या-साध्वी A child-female ascetic. गच्छा० १०७

खुड्डिय. त्रि० (*क्षुल्लक) जुओ "खुड्डिय" शब्द देखो "खुड्डिय" शब्द Vide "खुड्डिय" भग० ७, ८, सूय० १, ३, २, ३; सम० ३७, जीवा० ३, १, ४, आया० २, १, २, १३, २, ११, १७०, ठा० २, ३ ४, १; भग० १३, ४, निसी० १४, ६,

खुड्डियामोयपडिमा स्त्री० (क्षुद्रिकामोकप्रतिमा) मात्राना अभिग्रहरूप चार पडिमा मांनी पहेली आहार की मात्राकी अभिग्रहरूप चार प्रतिमाओं में से पहिली प्रतिमा The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food ठा० ४, १,

खुड्डियविमाणपविभत्ति. स्त्री० (क्षुद्रिकाविमानप्रविभक्ति) ए नामनुं एक कालिक सूत्र. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika scripture. नंदी० ४३; वव० १०, २६;

खुणिय. त्रि० (क्षुणित—क्षुण्ण) भूमिउपर खुंदेलु भूमि पर कूटा हुआ. Trampled; pounded. भग० ६, ३३,

खुत्त त्रि० (*) खुची गयेल; डुबी गयेल. लिप्त; डूबा हुआ, निमग्न Plunged सु० च० ३, १६१, ओघ० नि० २३,

√**खुद्द** धा० I. (क्षुद्) अध्यवसायादि उपक्रम कारणोथी विनाश करवो, आयुष्य टुंकु करवुं अध्यवसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना, आयुष्य कम करना To shorten the life period

खुद्दए हे० कृ० उत्त० ३२, २०,

खुद्द त्रि० (क्षुद्र) दुष्ट; नीच दुष्ट, नीच Wicked. (२) हलकुं, तुच्छ हलका, थोडा trifling, mean. (३) लघु; न्हानुं छोटा, लघु small, short उत्त० ३४, २१, ठा० ६, पण्ह० १, १, कप्प० ५, १२८, प्रव० ६१६, पंचा० ३, ४८, *, *; दसा० ५, ४, राय० २०७, नाया० ३; —कहा स्त्री० (-कथा) क्षुद्र-दुष्टकथा, काम कथा क्षुद्र-दुष्ट कथा, काम कथा a bad story; a talk about sinful actions प्रव० ६४६, —पाण पुं० (-प्राण) क्षुद्र प्राणी विकलेन्द्रिय अने समुर्च्छिमतिर्यंच क्षुद्र प्राणी-विकलेंद्रिय और समुर्च्छिमतिर्यंच. very very small insects ठा० ४, ४, —मिग पुं० (-मृग) दुष्टजनरूपी मृग दुष्ट मनुष्य रूपी मृग a wicked deer. पंचा० ३, ४८, —सत्त पुं० (-सत्त्व) क्षुद्र प्राणी क्षुद्र प्राणी an insignifi-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

plant creature. पंचा० १४, २५,
खुद्दग. त्रि० (क्षुद्रक) જુઓ "खुद्द" શબ્દ देखो 'खुद्द' शब्द Vide 'खुद्द' सूय० १, ४, ६
खुद्दाग त्रि० (क्षुद्रक) જુઓ 'खुद्द' શબ્દ देखो 'खुद्द' शब्द Vide खुद्द जीवा० ३, १
खुद्दिमा स्त्री० (क्षुद्रिमा) ક્ષુદ્રિમા નામની ગાંધાર ગ્રામની બીજી મૂર્છના क्षुद्रमा नाम की गांधार ग्राम की दूसरी मूर्छना The second note named Ksudrima of the musical scale named Gandhara ठा० ७ १
खुधिय त्रि० (क्षुधित) ભૂખેલ भूखा Hungry सूय० १ ३ १ ७
*√खप्प धा० I (मस्ज्) મચી જવું, ડુબી જવું मग्न रहना लीन रहना To be immersed to be drowned
खुप्पत० आय० नि० ७३
खुप्पिवासा स्त्री० (क्षुत्पिपासा) ભુખ અને તરસ भूख और प्यास Hunger and thirst नाया० १३ —परिगय त्रि० (परिगत) ભુખ અને તરસથી ઘેરાએલ भूख और प्यास से प्राभत overpowered by hunger and thirst दस० ६ २ ८
√खुब्भ धा० I (क्षुभ) મનમળવું ગભરાવું ક્ષોભ પામવો घबराना क्षोभित होना इकावक होजाना To be agitated
खुब्भइ भग० ३ ३;
खुब्भमाणआ वि० भग० ६ ५
खुब्भमाण क० वा० कप्प० ३ ४१
√खुब्भ धा० II (क्षुभ्) ગભરાવું ક્ષોભ પામવો घबराना; क्षुब्ध होना To be agitated or disturbed
खोभेइ प्रे० नाया० १

खोभेंति प्रे० नाया० ४,
खोभइत्त प्रे० हे० कृ० उत्त० ३२ १६
खोभित्तए प्रे० हे० कृ० नाया० ३, ६,
खोभत्त प्रे० व० कृ० भग० ३, ३,
खुभिय त्रि० (*क्षुब्ध) ક્ષોભ પામેલ, ક્ષોભ પામેલ થયેલ क्षोभित क्षुब्ध बिगा हुआ Agitated भग० ६ ८ —जल न० (जल) ક્ષોભ પામેલું પાણી क्षुब्ध पानी agitated water भग० ६ ८
खुम्मिय त्रि० (*कूर्मित) નમેલ કાચબાની પેઠે ઢળી ગયેલું कच्छप की तरह झुका हुआ, नमा हुआ Bent like a tortoise sloping खुम्मिय सखुम्मिय यवयवयवय नाया० १
खुर पु० (खुर खुरासान) ઉત્તર ભરતમાંનો ખુરસાન દેશ उत्तर भरत का खुरासान दश Name of Khurasāna country in Uttara Bharata ज० प०
खुर पु० (खुर) પગની ખરી ગાય ભેસ, ઘોડા ગધેડા વગેરે નખ ગણના પશુને પગના આંગળાને ઠેકાણે જે નખ જેવું હોય છે તે खुर गाय भेस घोड गद्दे आदि नाखोंवाले पशु के पाव की अंगुलियों के स्थान पर जो नाखून जैसा होता है वह A hoof भग० ५ ७ १२ ७ सूय० २ १ १६ ज० प० पि० नि० ३२१ पत्र० १ नाया० ३;
खुर पु० (क्षुर) અસ્તરો સ્ફ્રાયો उस्तरा A razor भग० ६ ३३ सूय० १ ४ १ ८ १ १५, १४ अणुजो० १३४ नाया० १ २ उत्त० १६ ६३ पण्ह० १ १ १ ५ —धार त्रि० (—धार—क्षुरस्य इव धारा यस्य) સહ્રાયાના જેવી ધારવાળું उस्तरे जैसी धार वाला having an edge like the edge of a razor भग० ५, ७, नाया० ८ ६ उवा० २ ९५, (२) स्त्री०

અસ્તરાની ધાર. उस्तरे की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुण्ड) क्षुर-અસ્ત્રાથી મુંડેલ उस्तरे से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, ३५; ६, ४७, प्रव० १००७,

खुरदुग. त्रि० (-खुरदिक) ગાય ભેંસ વગેરેની ચામડીમાં ઉત્પન્ન થતા કીટ વગેરે गाय भैंस आदि की चमडी मे उत्पन्न होने वाले कीडे आदि Insects etc that are generated in the skin of domestic animals सूय० २, ३, २६,

खुरपत्त. न० (-क्षुरपत्र) છરો ક્ષુરા; उस्तरा A dagger, a razor. ठा० ४, ८, (२) છરપલો, छुरा. a dagger. विवा० ६, (३) છરી જેવા પાંદડા વાળુ छुरी के समान पत्ते वाला. a tree having leaves like a dagger जंबा० ३, १, (४) અસ્તરાની ધાર उस्तरे की धार the edge of a razor नाया० १६,

खुरप्प पुं० (क्षुरप्र) અસ્તરો, છરપલો उस्तरा; छुरा A razor, a large knife (२) દાતરડુ दातरा a sickle सूय० २,३,६६; ज० प० प्रव० १११६, पन्न० २, —संठाण-संठिय त्रि० (-संस्थानसंस्थित) અસ્ત્રા આકારે (રહેલ) उस्तरे के आकार का (रहा हुआ) razor-shaped. दसा० ६,१,

खुरमुंडअ पुं० (क्षुरमुण्डक क्षुरेणमुण्डयतीति) હજામત કરનાર, નાવી हजामत बनाने वाला, नाई. A barber दसा० ६, २.

खुरि त्रि० (खुरिन्—खुरिन् खुरोऽस्यास्तीति) ખરીવાળું જાનવર खर वाले प्राणी A hooped animal. अणुजो० १३१, ओव० ३,

खुल्लग. पुं० न० (-क्षुद्र) બે ઇન્દ્રિયવાળા જીવ; નાના શંખલા. दो इंद्रिय वाले जीव; छोटे शंख आदि Living beings having two organs i e conch, shells etc. पन्न० १, जीवा० १,

खुल्लय. पुं० न० (*) કોડી. कोडी. A shell नाया० १८,

खुव पुं० (क्षुप) નાનો છોડવે. छोटा झाड. A small plant. "लया वा वल्ली वा खाणु वा खुवेवा" नाया० १.

* **खुवग.** पुं० (*) ખોબો पस, धोबा. The cavity formed by joining the palms together. बव० २, २७;

खुह पुं० (*) અંકુશાકાર. अंकुश के आकार का Goad shaped राय० ६१. (२) અંકુશાકાર આકાશ પ્રદેશની શ્રેણી आकाश की अंकुशाकार श्रेणी a goad-shaped horizontal line of the sky भग० ३४, १,

खुहा स्त्री० (क्षुधा) ક્ષુધા, ભુખ क्षुधा, भूख. Hunger प्रव० ६६२; जावा० ३, १, जीवा० ३, १, नाया० १, २; ओव० ३..; दस० ८, २७, भग० २, १, ७, ८, —सह त्रि० (-सह क्षधा सहनेतत) ભુખને સહન કરનાર भूख को महने वाला (one) er during hunger भग० १५, १,

खुहिअ. त्रि० (क्षुभित) ક્ષોભપામેલ; હાલ કલોલ થયેલ क्षुब्ध; हाल बेहाल Agitated, distracted महा० प० ७८; ओघ० नि० ७,

खुहिय त्रि० (क्षुधित) ભુખેલ, બુભુક્ષિત. भूखा, बुभुक्षित Hungry; starving. पण्ह० २, १,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

thing) that is brought having transgressed the limit of space. " खेत्ताइ चंते पाख भोयचे " भग० ७, १; —अईय त्रि० (-अतीत) क्षेत्रनी मर्यादा ओळंगी गयेल क्षेत्रकी सीमा लांघा हुआ (one) who has transgressed the limit of space. प्रव० ३७, —अणुपुव्वी स्त्री० (-अनुपूर्वी) क्षेत्र विषयक अनुपुर्वी-अनुक्रम. क्षेत्र विषयकी अनुक्रमणिका अनुपूर्वी serial order of regions अणुजो० ७१; —अभिग्गह. पुं० (-अभिग्रह) गाममां के बाहर अमुक जग्या मळे तोज लेवु एवी रीते क्षेत्र आश्री नियम धारवो ते ग्राम में या बाहर अमुक स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा क्षेत्र सम्बन्ध का नियम धारण करना. a kind of vow to accept food etc only when it is got at a certain place in a city or outside it ओव० —अभिग्गहचरिया स्त्री० (-अभिग्रहचर्या) क्षेत्र आश्री अभिग्रह धारण करीने गोचरी करवी ते क्षेत्र का अभिग्रह धारण कर गोचरी करना begging of food only when it is got at a desired place भग० २५, ७, —आदेस पुं० (-आदेश) क्षेत्रनी अपेक्षा क्षेत्र की अपेक्षा relating to a place भग० ५,८;१४ ४, —एजणा स्त्री० (-एजना) क्षेत्रनी अपेक्षाए कंपवु ते क्षेत्रकी अपेक्षा से कांपना trembling in relation to a certain place. भग० १७, ३, —ओगाढ त्रि० (-अवगाढ) क्षेत्रने अवगाही रहेल क्षेत्र का अवगाह कर रहा हुआ. occupying space भग० ६, १०, —ओगाहणा स्त्री० (-अवगाहना) क्षेत्र-आश्री अवगाहना क्षेत्र सम्बन्धी अवगाहना. length and breadth in relation to a place or space ठा० ४, १; —तुल्लय त्रि० (-तुल्यक) क्षेत्र आश्री तुल्य, क्षेत्र जेवुं क्षेत्र तुल्य; क्षेत्र जैसा. resembling a place or space. भग० १४, ७; —पएस. पुं० (-प्रदेश) क्षेत्र-आकाश प्रदेश. क्षेत्र-आकाश प्रदेश. the firmament प्रव० १०४०, —परमाणु पुं० (-परमाणु) क्षेत्र आश्री परमाणु, आकाश प्रदेशने अवगाही रहेल पुद्गल परमाणु क्षेत्रकी अपेक्षा परमाणु. आकाश प्रदेश की अवगाहना करनेवाले पुद्गल परमाणु the molecules of matter occupying space भग० २, ५; —पलिय न० (-पल्य) क्षेत्रपल्य, क्षेत्र-आश्री पल्योपम, पल्योपमनो एक प्रकार. क्षेत्रपल्य, क्षेत्रकी अपेक्षा पल्योपम, पल्योपम का एक भेद. a measure of time in relation to a place. प्रव०१०३२, —लोय पुं० (-लोक—क्षेत्रमेवलोकः) क्षेत्ररूप लोक, लोकाकाश क्षेत्र रूप लोक, लोकाकाश the space in the form of the world भग० ११, १०. —वत्थु न० (वास्तु) क्षेत्र खुल्ली जमीन अने वास्तु-घर-ढांकी जमीन क्षेत्र-खुली हुई जमीन और वास्तु घर-ढका हुई जमीन the open plot and the covered plot (with a house etc) प्रव० २७६: —वासि त्रि० (-वर्षिन्) खेतरमा वरसनार. खेत में बरसने वाला (rain) falling in a field. ठा० ४, ४; —विवागा स्त्री० (-विपाकी) क्षेत्रविपाकी, कर्मप्रकृति. क्षेत्र विपाकी कर्म प्रकृति. a variety of Karmic nature. which matures at a certain place. क० गं० ५, १८; —सुद्धि. स्त्री०

of the 6th Kulakara. (२) ઉપ- દ્રવ દૂર કરનાર. उपद्रव नष्ट करने वाले. one who removes troubles. ओव॰

खेमकर. त्रि॰ (क्षेमकर) સુખકારી. सुखकारी. Beneficial, giving happiness पराह॰ २, १;

खेमपुरा. स्त्री॰ (क्षेमपुरी) સુકચ્છ વિજયની મુખ્ય નગરી; રાજધાની सुकच्छ विजय की मुख्य नगरी; राजधानी Name of the chief capital of Sukachchha Vijaya. जं॰ प॰ ठा॰ २, ३;

खेमा. स्त्री॰ (क्षेमा) કચ્છ વિજયના કચ્છ રાજાની મુખ્ય રાજધાની कच्छ विजय के कच्छ राजा की मुख्य राजधानी The chief capital of the king Kachchha of Kachchha Vijaya. ठा॰ २, ३, जं॰ प॰

खेयरण्ण. त्रि॰ (खेदज्ञ-खेद. श्रमः ससार पर्यटनजनितः तं जानातीति) સંસારના ખેદને દુ:ખને જાણનાર ससार के खेद दुःख का ज्ञाता. (One) having knowledge of the miseries of the world आया॰ १, १, ६, ३२;

खेयन्न त्रि॰ (खेदज्ञ) જુઓ 'खेयरण्ण' શબ્દ. देखो 'खेयरण्ण' शब्द Vide 'खेयरण्ण' सूय॰ १, ६, ३; ओघ॰ नि॰ ६४७, आया॰ १, २, ४, ८८, १, ७, ३, २०७;

खेयर. त्रि॰ (खेचर) આકાશ ગામી, પક્ષી आकाश विहारी, पक्षी. A bird. (२) पु॰ विद्याधर विद्याधर. a kind of deity सु॰ च॰ १, २६१;

√**खेल.** धा॰ I (क्रीड्) રમત કરવી क्रीडा करना To play.

खेलेज्ज. विधि॰ ओघ॰ नि॰ भा॰ ६८, उत्त॰ ८, १८,

***खेल** त्रि॰ (खेलक-नट) વાંશાએ ખેલ કરનાર; નટ વિશેષ. बांस पर खेलने वाला; नट. An actor; one who performs acrobatic feats on a rope or a bamboo. निर॰ ६, १२;

खेल पु॰ (क्ष्वेलम्) નાક તથા મુખમાંથી ચીકણું કફ નીકળે તે. नाक और मुंह से चिकना कफ निकलता है वह; कफ The phlegm that comes out of the the mouth and the nose कप्प॰ ५, ११६; ६, ५६; प्रव॰ ४३६, गच्छा॰ ६६; ओव॰ १, ५, ७, ७; भग॰ १, ७, २, १; ६, ३३; १२, ७, २०, २, नाया॰ १, ५; दस॰ ८, १८; तंदु॰ वेय॰ १, १६, आया॰ २, १, १६, २६, पन्न॰ १, उत्त॰ १४, १६, सम॰ ५; ओव॰ —आसव पु॰ (-आश्रव) કફનું બહાર નીકળવું कफ का बाहर निकलना. coming out of phlegm. भग॰ ३, ३, नाया॰ १, ८, दसा॰ १०, ६; —ओसहि त्रि॰ (-औषधि) એક પ્રકારની લબ્ધિ-શક્તિ, થુંકથી દર્દીનું દર્દ મટી જાય એવી જાતની શક્તિ. एक प्रकार की लब्धि-शक्ति, थूक से रोग मिटजाय एसी शक्ति. a kind of attainment or spiritual power, a certain kind of power which cures diseases by the application of salina only विशे॰ ७७१, ओव॰ १६; पराह॰ २, १, प्रव॰ १५०६, —पडिबद्ध. त्रि॰ (-पतित) બલખામાં પડેલ सर्दी से ग्रस्त troubled with cold गच्छा॰ ६६, —संचाल. पु॰ (-सञ्चाल) બલખાનું સંચરણ થવું कफ का संचार होना. affected with cough सु॰ च॰ १, ५;

खेलावणधाई. स्त्री॰ (क्रीडाधात्री) બાલકને રમાડવાનું કામ કરનાર ધાવ માતા. बालक को रमाने का काम करने वाली धाय माता.

खोतोद. पुं० (क्षोदोद) क्षोहोद नामनो समुद्र क्षोदोद नाम का समुद्र. Name of an ocean सू० प० १६;

खोतोदग न० (क्षोदोदक) शेरडीना रस जेवुं पाणी. साठे के रस जैसा पानी. Water resembling the juice of sugar-cane. उत्त० १.

खोद. न० (क्षौद्र) मध मधु, शहद Honey भग० ७, ६, —**आहार.** त्रि० (-आहार) मधना खोराकवाळो शहद का आहार वाला (one) who eats honey भग० ७, ६;

खोभ पु० (क्षोभ) भय, क्षोभ भय, डर Fear, agitation विशे० १४७६,

खोभण न० (क्षोभन) विह्वळता, आकुळता आकुलता; घबराहट Agitation, distraction पिं० नि० ५८५,

खोभिय त्रि० (क्षोभित) स्थानथी चलावेल, क्षोभ पमाडेल स्थान से चालत, क्षोभत Agitated, distracted. राय० १०८,

खोम न० (क्षोम) सुतराउ कापडु सूत का कपडा, सूता कपडा A cotton cloth जीवा० ३, ३, सू० प० २०, राय० १६२, निसा० ७, ११, उवा० १, २८, ५, १०३ —**जुयल** न० (युगल) सुतराउ वस्त्रनी जोड. सूती वस्त्र की जोडा A pair of pieces of cotton cloth. भग० ११, ११,—**दुग्गुल** न० (दुकूल) सुतराउ, तथा अतसी (रेशम) नु वस्त्र. सूती तथा रेशमी वस्त्र half silken cloth नाया० १,

खोमिय न० (क्षौमिक) शणु तथा सूतराउ वस्त्र सन या सूत का कपडा. A cloth made of cotton or jute. प्रव० ८६७; ओघ० नि० ७२४; आया० २, ५, १, १४१, १४५; भग० ११, ११; ठा० ३, ३, (२) रेशमी वस्त्र रेशमी वस्त्र. silken cloth पिं० नि० भा० ४६;

खोय पु० (क्षोद) शेरडी ईख; सांठा A sugar cane पन्न० १५; राय० १३१; (२) सातमा द्वीप अने सातमा समुद्रनु नाम सातवे द्वीप और सातवे समुद्र का नाम. name of the 7th continent and the 7th ocean अणुजो० १०३; —**रस** पु० (-रस) शेरडीनो रस इक्षु रस the juice of sugar cane. सम० प० २३२, जीवा० ३, ३, सूय० २, १, १६

खोरय न० ( ) ओक जातनु गोळ वासण. एक जाति का गाल बरतन. A kind of round shaped pot जावा० ३,

खोल पु० (खोल) खोळ, तल वगेरेनो कुच्चो खल, तलों वगैरह का फोक Oil-cakes etc आया० २, १, ८, ४६, (२) गुप्तचर, जासुस गुप्तचर, जासूस a spy. पिं० नि० १२७,

खोलिय त्रि० (*) जुनुं करी नाखेलु जीर्ण, पुराना कर के डाला हुआ Old; discarded as being old पिं० नि० ३२१,

खोह पु० (क्षोभ) भय; क्षोभ. भय; डर; क्षोभ Fear, agitation of the mind सु० च० १५, १८६;

* जुओ पृष्ट नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

ग.

गइ. स्त्री० (गति) ગતિ; ચાલ, ગમન, ધર્માસ્તિકાયનું ખાસ લક્ષણ. गति; चाल; गमन; धर्मास्तिकाय का खास लक्षण Gait, motion; the result, the fulcrum of motion क० ग० २, २३, ५, ६१; कप्प० १, ५, भग० ३, २; ४, १०; ७, १०, १६, ८, नाया० १, १७, सम० १, उत्त० २८, ८, दस० ६,२, १७, सू० प० १, विशे० ४४७; सु० च० ५, ६, (२) એક ભવમાંથી બીજા ભવમાં જવું તે, ભવાન્તરમાં જવું ते एक भव से दूसरे भव में जाना, अन्य गति में जाना passing from one birth to another birth आया० १, ३, ३, ११६, ज० प० पन्न० १८ (३) નિસ્તાર કરનાર આશ્રય સ્થાન શરણ યોગ્ય निस्तारा करने वाला, आश्रय दान, शरण के योग्य a benefactor, a patron ओव० कप्प० ०, १५, (४) મરીને જયાં જવું તે ગતિ ચાર અથવા પાંચ નરક, તિર્યંચ મનુષ્ય અને દેવતા. (પાંચમી મોક્ષગતિ) मरकर जहां जाना होता है वे चार या पाच गति, नरक, तिर्यंच, मनुष्य और देवगति (पाचवा मोक्षगति) the four or five states of passing from one birth to another birth viz that of hell, beasts, human beings and gods the 5th is that of Moksa (salvation) पन्न० १३ २३; उत्त० ३४, २ अणुजो० १२०; दस० ४, १४; ६, ३, १५, १०, १, २१, भग० १, ८, ६, ३; प्रव० ४, १२७६, कप्प० ५, ११६; क० प० २, ११, ४, ६. (५) હિતાહિત બોધક જ્ઞાન. हितहित बोधक ज्ञान, वह ज्ञान जिसमें हित और अहित का बोध हो, the power of discrimination उत्त० २०, १, (६) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ નરક આદિ ગતિમાં જાય છે. नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके द्वारा जीव नरक आदि गतियों में जाता है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads a soul to hell. क० गं० १, २४, ३३ ४३, (७) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના બીજા દ્વારનું નામ કે જેમાં નરક આદિ ગતિઆશ્રી જીવોનું અલ્પાબહુત્વ કહ્યું છે पन्नवणा-प्रज्ञापना सूत्रके तीसरे पद के दूसरे द्वार का नाम कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में जीवों का अल्पाबहुत्व-न्यूनाधिक्य कहा है name of the second section of the third Pada (chapter) of Pannavanā dealing with the duration of life in hell पन्न० ३; —**कल्लाण** त्रि० (-कल्याण) કલ્યાણ રૂપ ઉચ્ચગતિ પામનાર मंगलरूप कल्याणमय ऊर्ध्व गति को प्राप्त करने वाला leading to welfare in the form of attaining to the condition of a god or heavenly being "अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं" कप्प० ६, ज० प० ७,३१; सम० ८००.—**तस** पुं० (-त्रस) ગતિ આશ્રી ત્રસ તેઉ કાય તથા વાયુ કાય. गति का आश्रय करके त्रस तेजस्काय और वायु काय the living beings of fire and wind in relation to the state of their existence क० गं० ३,१४, ४, २२. —**तुल्ल** त्रि० (-तुल्य) પોતપોતાની ગતિ સમાન. अपनीर गति के तुल्य-समान according to one's

own state of existence. क॰ प॰ ६, ३०; —नाम. न॰ (-नामन्) જેના ઉદયથી નરકાદિક ગતિ પ્રાપ્ત થાય તે નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम॰ ४२, —पडिहा स्त्री॰ (-प्रतिघात) શુભગતિનો પ્રતિઘાત અટકાયત शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas ठा॰ ४, १; —परिणाम पु॰ (-परिणाम) ગતિનું પરિણામ-સ્વભાવ गति का परिणाम-स्वभाव the nature of duration of life भग॰ ७, १; —प्पवाय पु॰ (-प्रवाद) જેમા ગતિનું વિવરણ છે એવા એક અધ્યયનનું નામ name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग॰ ८, ७, —विन्नाण न॰ (-विज्ञान) ગતિનું જાણપણું गति का ज्ञान knowledge of the condition of existence. पचा॰ २, २४, —विब्भम पु॰ (-विभ्रम) ગતિ-ચાલની શોભા गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion or existence गच्छा॰ १२१, —विसय पुं॰ (-विषय) ગતિનો વિષય; ગતિ શક્તિ गति का विषय-शक्ति the subject of a condition of existence. "असुरकुमाराणं देवाणं कहे गइ विसये लिखे" भग॰ ३, २; भग॰ २०,१; —समावन्नग. त्रि॰ (-समापन्नक) વાટે વહેતા જીવ, એક ભવપૂરો કરી બીજા ભવમા ગતિમાં જતો જીવ. जन्म मृत्युरुप प्रवाह मे बहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं॰ प॰ ७, १४०; ठा॰ २, २.

गइमंत. त्रि॰ (गतिमत्) ગતિમાન્, ગતિવાળો. गतवाला, गमनशील; चलने वाला. Moving; going विशे॰ ३१२७,

गंग पु॰ (गङ्ग) મધ્યાન્હે નદી ઉતરતાં પગે ઠંડી અને માથે ગરમીનો અનુભવ થાય છે માટે એક સમયે બે ઉપયોગ હોય શકે એમ સ્થાપના કરનાર ગંગ નામનો પાંચમો નિન્હવ. गङ्ग नामक पांचवां निन्हव-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय मे दो क्रियाओं का ज्ञानभान हुआ था अर्थात गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा 'एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं' इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था The fifth of the propounders, named Ganga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time विशे॰ २३०१; ठा॰ ७, १;

गंगदत्त पु॰ (गङ्गदत्त) એ નામનો એક માણસ કે જેનું રાગનેલીધે પતન થયું. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ A man of that name who got a spiritual fall on account of passion. भत्त॰ ११०; (२) ગંગદત્ત-નવમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम. the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३३; (२) છઠ્ઠા બલદેવ-વાસુદેવના પૂર્વભવના ધર્માચાર્ય. छठे बलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३३; હસ્તિનાપુરનો રહેવાસી એક ગાથાપતિ हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति a merchant-prince of Hastināpur. भग०१६,५,—देव पुं० (-देव) એ નામનો સાતમા દેવલોકનો એક મહાસામાનિક દેવતા सातवें देवलोक के एक महासामानिक देवता का नाम name of a Mahāsāmānica deity of the 7th Devaloka (heavenly abode). भग० १६, ५;

गंगदत्ता स्त्री० (गङ्गदत्ता) ગંગદત્તા નામે એક સ્ત્રી इस नाम की एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ७;

गंगप्पवाय पुं० (गङ्गाप्रपात) હિમવંત પર્વત ઉપરથી નીકળતી ગંગા નદીનો દરેડો જ્યાં પડે છે તે કુંડ वह कुण्ड जिसमें हिमवंत पर्वत से निकली हुई गंगा नदी का प्रवाह गिरता है The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls ठा० २, ३;

गंगा. स्त्री० (गङ्गा) ગંગાનદી ચૂલહિમવંત પર્વત ઉપરથી નીકળી વૈતાઢ્યમાં થઈ લવણ સમુદ્રમાં પૂર્વ તરફ મળતી ભરત ક્ષેત્રની એક મ્હોટી નદી गङ्गा हिमालय पर्वत से निकल वैताढ्य पर्वत के बीचो बीच होकर लवण समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी A large river of Bharata-Kṣetra flowing to the east into Lavaṇa ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitāḍhya. सम० १४, नाया० १; ४; ८; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ६, ३३; १५, १; ओव० १०; जं० प० ५, १२०; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; अणुजो० १३४; कप्प० ३, ३२; —आवत्तणकूड पुं० (-आवर्तनकूट) ચૂલ હિમવંત પર્વતના પદ્મદ્રહથી ૫૦૦ જોજન પૂર્વ તરફ ગંગાવર્ત નામે એક શિખર છે કે જ્યાં ગંગા નદીનું આવર્તન થાય છે. हिमालय पर्वत के पद्म नामक द्रह से पूर्व की ओर ५०० योजन की दूरी पर गंगावर्त नामक एक शिखर है, कि जहां गंगा नदी का आवर्तन होता है name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn जं०प०—कुंड पुं० (-कुण्ड) કચ્છ વિજયની ગંગાનદીનો કુંડ; ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે ઋષભકૂટ પર્વતની પૂર્વે નીલવંત પર્વતને દક્ષિણ કાંઠે ઉત્તરાર્ધ કચ્છ વિજયમાંનો ગંગા નદીનો કુંડ. कच्छविजय की गंगा नदी का कुण्ड, चित्रकूट बखारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नीलवंत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्द्ध कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कुण्ड. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nilavanta mountain, in the east of Rishabhakūṭa mountain, and in the west of Chitrakūṭa Vakhā-

ड्ड mountain. जं० प० —कूड पुं० (-कूट) चूल्ल हिमवंत पर्वत ઉપરના ૧૧કૂટમાંનું પાંચમું કૂટ-શિખર चुल्ल हिमवान् पर्वत के ११कूटों में से पांचवां कूट शिखर the 5th of the eleven summits of Chula Himavanta mount जं० प०—कूल न० (-कूल) ગંગા નદીનો કિનારો-કાંઠો गंगानदी का तीर a bank of the river Ganges भग०११,६,—दीव पु०(-द्वीप) ગંગા પ્રપાત કુંડની વચ્ચે રહેલ દ્વીપ गंगा प्रपात कुंड के बीच में आया हुआ एक द्वीप an island in the lake Gangāprapāta जं०प०—पमाण पु०(-प्रमाण) ગંગા નદીનું પ્રમાણ गंगानदी का प्रमाण the extent of the Ganges भग०१५,१, —पुलिणवालुया स्त्री० (-पुलिनवालुका) ગંગાનદીના કાંઠાના વેળુ-રેતી गंगा के तीर की बालु-रेती. the sand of the banks of the river Ganges भग०११ ११, —प्पवाय पुं० (प्रपात) ચુલ્લ હિમવંત પર્વત ઉપરથી પડતો ગંગા નદીનો ધરેડો चुल्ल हिमवंत पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगानदी का प्रपात-झरना the fall of the Gangā river from the Chūla Himvanta mountain जं० प० ठा० २, ३, —प्पवायद्दह पुं० (-प्रपातह्रद) જેમાં ગંગાનદીનો ધરેડો પર્વત ઉપરથી પડે છે તે દ્રહ गंगा प्रपातह्रद जिसमें पर्वत पर से गंगा नदी की धारा गिरती है the lake into which the Gangā river falls from the mountain ठा० २, ३, —महानई स्त्री०(-महानदी) ગંગા નામની મોટી નદી गंगा नाम की महानदी the large river named Ganges. नाया० १६; —महानई स्त्री० (-महानदी) જુઓ "गंगामहानई" શબ્દ देखो "गंगा महानई" शब्द. vide "गंगामहानई" निर०२,३;—वालुआ-या स्त्री०(-वालुका) ગંગાનદીની રેતી. गंगा नदी की रेती the sands of the river Ganges भग० १५, १, पण्ह० १४३;

गंगासयसहस्स न० (-गङ्गाशतसहस्र) ગોશાળાના મતાનુસાર ગંગા-એક કાળ પ્રમાણ, તેની એક લાખ સંખ્યા गोशाला के मतानुसार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी एक लाख संख्या According to Gośālā, a division of time called Ganga also a place of such divisions भग० १५ १. —सलिल न० (-सलिल) ગંગાનદીનું પાણી गंगा नदी का जल, गंगाजल water of the Ganges. नाया० ८,

गंगाऊल पु० (गङ्गाकूल) ગંગાનદીને કાંઠે રહેનાર તાપસની એક જાત गंगानदी के तीर पर रहने वाले तापसों की एक जाति A class of ascetics residing on the bank of the river Ganges. निर० [illegible]

गंगादेवी [illegible]) ગંગાનદીની [illegible] की अधिष्ठात्री देवी [illegible] god.less of the river Ganges जं०प०३,६४,—भवण न० (-भवन) ગંગાદેવીનું ભવન गंगादेवी का भवन the palace of the goddess Gangā जं० प० ३, ६४,

गंगावत्त पुं० (गङ्गावर्त) એ નામનો એક દ્રહ. इस नाम का एक ह्रद. Name of a lake कप्प० ३, ४३,

गंगेय. पुं० (गाङ्गेय) પાર્શ્વનાથના સંતાનીયા એ નામના એક મુનિ કે જેણે મહાવીર સ્વામિને નરક આદિના ભાગાના પ્રશ્નો પૂછ્યા છે તે ગંગીયાનગારા [illegible]

मोहनी निबड गांठ वालो अभव्य जीव. मोह की मजबूत गांठ वाला अभव्य जीव a soul incapable of untying Karmic knots and so of being liberated उत्त० ३३, १७; क० प० ५, ४,

गंठिल. त्रि० (ग्रन्थिल) गांठवाळु गांठ वाला Knotty; knotted ओघ० नि० ७३७.

गंठिल्ल त्रि० (ग्रन्थिमत्) कर्म संबंधी गांठ वाळुं. कर्म सम्बन्धी गांठ वाला. Having (Karmic) knots. भग० १६, ४,

गंड. पुं० (गण्ड) कपोल, गाल. गाल A cheek आया० १, १, २, १६, पन्न० २, सू० प० २०, ओव० प्रव० ४३६, जं० प० ५, ११५ (२) गड, गुमडु, कण्ठमाल रसोळी विगेरे फोडा, कण्ठमाल वगैरह a boil, an ulcer etc "ज व अण सुयावग त गड" निसी० ३, ३४; ६, १३, उत्त० ८, १८, १०, २७, सूय० १, ३, ४, १०; २, १, १७, (३) दडो गेंद, खेलने का एक साधन-कंदुक. a ball जं० प० (४) गेंडु, ११ मा तीर्थंकरनु लाञ्छन ११ वें तीर्थंकर का लांछन-चिन्ह a distinction sign of the 11th Tirthankara पञ्ज० १; प्रव० ३८१, (५) स्तन, थाई, थानोलो. स्तन a breast. पिं०नि० ४१६, —आदिअ पुं० (-आदिक) गाल; गलोफा विगेरे. गाल, कपोल आदिक a cheek etc. निसी० ६, १२; —उवहाणय न० (-उपधानक) गाल मसरियु गल तकिया. a small round pillow for the cheeks. राय० १६१;

गंडउवहाणिय पुं० (गण्डोपधानिक) गाल मसूरियुं. सिराने लेनेका तकिया. A pillow; a small round pillow for the cheeks. जीवा० ३, ४; —तल. न० (-तल) गालनी सपाटी; कपोलनो मध्यभाग. गाल, मुंह का मांसल प्रदेश. a cheek, the middle fleshy part of the face ओव० ३१; —देस पुं० (-देश) कपोल (गाल) नो भाग. गाल प्रदेश, कपोलों का भाग. that part which forms a cheek. नाया० ८, —यल त्रि० (-तल) जुओ "गड तल" शब्द देखो "गड-तल" शब्द Vide "गड तल" सु० च० १, ८०; —लेहा स्त्री० (-रेखा) गाल उपर करेल कस्तुरी वगेरेनी रेखा, कपोल पाली कपोलों–गालों पर कस्तूरी वगैरह सुगन्धित पदार्थों की बनाई हुई रेखा, एक प्रकार का शृंगार-कपोल पाली a kind of decorative streak or mark of musk or some other fragrant substance made on the cheek जं० प०

गंडअ पुं० (गण्डक) टेलीओ मुखिया. A watchman (२) ढंढेरो पिटनार ढ्योंडा पीटने वाला one who announces or makes a proclamation. ओघ० नि० ६४५,

गंडमाणिया. स्त्री० (गण्डमाणिका) देश विशेष प्रसिद्ध माप. किसी देश का प्रसिद्ध माप Current, well known, measures of weight etc of any country; राय० २७१,

गंडाग पुं० (गण्डक) हजाम, वाळंद, नापी. नाई, नापित; बाल बनाने वाला A barber आया० २, १, २, ११;

गंडि. त्रि० (गण्डिन्) कंठमाळ, म्होटा सोळ रोगमानो एक रोग. गण्डमाल. Boils, ulcers etc. on the throat; (this is one of the sixteen great diseases) (२) ते रोगवाळो; इस रोग

वाला. (one) suffering from boils, ulcers etc. on the throat. आया० १, ६, १, १७२; पयह० २, ५;

गंडिआ-या. स्त्री० (गण्डिका) સામાન્ય અર્થના અધિકાર વાળી ગ્રન્થ પદ્ધતિ साधारण अर्थ के अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति. Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter नंदी०४६; (२) સોનીની એરણ सुनार की ऐरण the anvil of a goldsmith दस०७, २८; (३) શેરડીની ગંડેરી. गंडेरी, सांठे के छोटे २ टुकडे. small bits of sugar-cane आया० २, ७, २, १६,

गंडियाणुओग पु० (गण्डिकानुयोग) દૃષ્ટિવાદ સુત્રાન્તર્ગત અનુયોગનો એક વિભાગ કે જેમાં એક સરખા અર્થના વાકયની રચના રૂપ ગંડિકાની વ્યાખ્યા કરવામાં આવી છે અને તેમા તીર્થંકર ગણધર ચક્રવર્તી દશાર્હ બલદેવ હરિવંશ વગેરેનો અધિકાર છે. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक विभाग, जिसमें एक जैसे अर्थ वाले वाक्यों की रचनारूप गंडिका की व्याख्या की गई है और उसमें तीर्थंकर, गणधर, चक्रवर्ती, दशार्ह, बलदेव, हरिवंश आदि का अधिकार है. Name of a division of a section of Dṛiṣtivāda Sūtra; here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given; it treats of Tīrthaṅkaras, Gaṇadharas etc. सम० १२; नंदी० ५६;

गंडी. स्त्री० (गण्डी) સોનીની એરણ મૂકવાનું લાકડાનું ઠીમચું જેમા એરણ ગોઠવવામાં આવે છે તે લાકડું. सुनार की ऐरण रखनेका एक लकडी का ढांचा; जिस में ऐरण मजबूत हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. आया० २, ४, २, १३८; (२) કમલની કળિકા कमल की कली. a bud of a lotus. उत्त० ३६; १७६; (३) ગંડી પુસ્તક; જે પહોલાઇમાં અને જાડાઇમાં સરખું હોય તે ગંડિ પુસ્તક. गण्डी पुस्तक जो चौडाई और लंबाई में बराबर हो. a book which is equal in length and breadth प्रव० ६७१; —पय. त्रि० (-पद) ગંડી-સોનીની એરણ અથવા કમળની કળિકા જેવા પગવાળા જનાવર; હાથી, ગેંડા, વગેરે हाथी, गेंडा, वगैरह पशु, ऐरण अथवा कमल की कली के समान पांववाला पशु. (An animal) having feet like a goldsmith's anvil; e g an elephant, a rhinoceros भग० १५, १, ठा० ४, ४, सूय० २, ३, २३, —पय. पुं० (-पद) જુઓ ' गंडी-पद ' શબ્દ देखो 'गंडी पद' शब्द Vide ' गंडी पद ' उत्त० ३६, १७६; पन्न० १; जीवा० १; —पोत्थय. न० (-पुस्तक) જુઓ ' गंडी ' શબ્દ देखो ' गंडी ' शब्द vide ' गंडी ' प्रव० ६७२;

***गंडूयलग.** पुं० (गण्डूपद -गण्डूप· प्रन्थय-स्ताभिरन्वितानि पदानि यस्य) બે ઇન્દ્રિય વાળો જીવ--જેને ગુજરાતીમાં ગિગોડા કહે છે दो इन्द्रियों वाला एक जीव, केंचुआ; गडोआ आदि A sentient being with two sense-organs. पन्न० १;

गंतव्व. त्रि०(गन्तव्य) જવા લાયક जाने योग्य Worth going to; worth approaching. भग० २, १, १८, २, नाया० १, (२) જાણવું; સમજવું. समझना, जानना. to know; to understand. पन्न० २५

गंतार. त्रि० (गन्तृ) જનાર; જાણનાર.

-चलने वाला; गमन करने वाला. a goer, (one) who goes. सम० ३३; दसा० २,२;

गंतुंपच्चागया. स्त्री० (गत्वा प्रत्यागता—गत्वा प्रत्यागतं यस्याम्) એક તરફ ગોચરી કરતા છેડે જઇ બીજી બાજુ તરફ ગોચરી કરવી તે. एक ओर गोचरी करतेर अन्त में जाकर दूसरी श्रेणी की ओर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line ठा० ६, १, दसा० ७, १,

गंतुमण पुं० (गन्तुमनस्) જવાની ઇચ્છા વાળો, અર્થાત્ અમુક સૂત્ર સમર્પણ કરો તો પછી ભણીને કે સાંભળીને જાઉં એમ બોલનાર અવિનીત શિષ્ય जाने की इच्छा वाला, अर्थात् अमुक सूत्र अर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जाऊं इस प्रकार बोलने वाला अविनीत शिष्य A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. ओघ०नि०भा०२०६, विशे०१४४६;

गंतूण. सं० कृ० अ० (गत्वा) જઇને जाकर Having gone पचा० २; सु० च० १, १३५; गच्छा० ११५,

गंथ. पुं० (ग्रन्थ-ग्रथ्यतेऽनेन अस्मादस्मिन् वा अर्थ.) સૂયગડાંગના ૧૪ મા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં ગ્રન્થપરિગ્રહનો ત્યાગ કરનાર સાધુએ કેવી રીતે દેશના આપવી કેમ બોલવું તેનું વ્યાખ્યાન છે सूत्रकृताङ्ग के १४ वें अध्याय का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोलना आदि का व्याख्यान है Name of the 14th chapter of Sūyagaḍānga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of books. अ० प० ५, १९३; सूय० १, १४, १; २७; सम० १६; २१, (२) કર્મનો બંધ કર્મની ગાંઠ कर्मों का बन्ध; कर्मों की गांठ knot of Karma. आया० १,१, २, १६, (३) ગ્રંથ, પુસ્તક. ग्रन्थ; पुस्तक. a book अणुजो०४२;राय० ११०; विशे० १२०८, (४) બાહ્ય અને અભ્યન્તર પરિગ્રહ;બાહ્ય ધન ધાન્યાદિ, અભ્યન્તર કષાયાદિ बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन्य-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कषायादि external and internal possessions, such as wealth corn etc and attachments to worldly things. आया० १, ३, २, ११२, १, ७, २, २०४; सूय० १, ६, ५; १, १४, १; उत्त० ८, ४; विशे० २५६१, प्रव० ७२७; (५) સૂત્રાર્થ; શાસ્ત્રોનો મતલબ. सूत्रों का अर्थ; शास्त्रों का मतलब the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. सूय० १, १. १, ६,

गंथिम त्रि० (ग्रन्थिम) દોરાથી ગાંઠીને બનાવેલ ફૂલની માળા વિગેરે डोरे से गांठ कर-गूथ कर बनाई हुई फूलमाला वगैरह. A garland of flowers etc. knit up with a thread. ओघ० ३८, ठा० ४, ४, अणुजो० १०, आया० २, १२, १७१; जीवा० ३, ३; नाया० १३; निसी०१२, २०; भग० ६; ३३,

गंध पुं० (गन्ध) નાસિકા (ઘ્રાણેંદ્રિય) નો વિષય; સુગંધ કે દુર્ગંધ. घ्राणेंद्रिय का विषय –सुगंधि और दुर्गन्ध.Fragrance;smell; e g of flower etc. which is the subject of nose. ओघ० १०; २२, अणुजो० १३; १०३; १३०; सम० १; ५; राय० २७; निसी० ९, १३; नंदी० १३; अ० प० ५, १३५; १३६; ११२;

नायाº १; ८; १९; १६; १७; उ० १, १; उत्तº ३८, १२; ३२, ४८; ३४, २, अग० १, १, २, ३; ७; ६, १०, ७, ७, ८, १, २०, ६, २५, ४; विशे० २०६, दसा० ६, ४, दस० ५, २, सूय० १, ९, १३, सू० प० १७, पन्न० १, प्रव० ६४७, आव० ४, ७, क० प० १, २७; कप्प० ३, ३७, भत्त० १२१; क० गं० १, २४, (२) गंध नामनो द्वीप तथा समुद्र इस नामका द्वीप और समुद्र an island of that name; also an ocean of that name जीवा० ३,४, पन्न० १. (३) आधा कर्म आदि दोष, ७ उद्गमनना दोष आधा कर्म आदि दोष उद्गमनके छ दोष a fault like that of Ādhākarma etc. any of the six faults of Udgamana. आया० १ २, ५, ८७, —अंग पुं० (-अङ्ग) गंध प्रधान वस्तुना सात प्रकार छे मूल, त्वचा, काष्ट, निर्यास, पत्र, पुष्प फल, मूल-गलो वगेरे, त्वचा सुरभिछालप्रमुख, काष्ट चंदनादि, निर्यास-कपूर आदि पत्र-तमाल आदि, पुष्प-नवनवमी वगेरे फल-लविंग वगेरे. गन्ध के अङ्ग, गन्ध प्रधान वस्तु के सात भेद होते हैं, यथा-मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्यास-कपूर, पत्र, पुष्प, और फल. the seven varieties of fragrant things viz. roots bark, wood, exudation etc. leaves, flowers and fruits जावा० ३, २, —आदेस पुं० (-आदेश) गंधनी अपेक्षा गन्ध की अपेक्षा relating to fragrance. पन्न० १, —आरुहण. न० (-आरोहण) सुगन्धनुं वधारवुं ते. सुगंध को बढाना. increasing the fragrance of a substance. नाया० १, —उदग-य न० (-उदक) सुगन्धिपाणी. सुगन्धि द्रव्य मिश्रपाणी. सुगन्धित जल; सुगन्ध वाले पदार्थों से मिश्रित जल scented water. ओव० प्रव० ४५५, कप्प० ४, ५८, भग० ३, ३३; १२, १; नाया० १, ज० प० ५, ११४, —उदग न० (-उदक) जुओ "गन्धोदक" शब्द देखो "गंधोदक" शब्द. vide "गन्धोदक" भग० ७, ३, नाया० १; १६, पन्ना० २, १३, —उदगवास न० (-उदक वास) सुगंधी पाणीनो वर्षाद सुगंधित जल का वर्षा a rain of scented water पन्ना० २, ८३, —उदयवुट्ठि स्त्री० (-उदक वृष्टि) सुगंधिपाणीनी वृष्टि सुगन्धित जल की वृष्टि a shower of scented rain प्रव० ४५५, —उद्धुयाभिराम. पुं० (-उद्धुताभिराम) सुगन्धि निकळवाथी-मनोहर सुगन्ध निकलने से अभिराम मनोहर charming on account of the irradiation of fragrance भग० ११, ११; नाया० १, ज० प० ५ ११२, —उव्वट्टण न० (उद्वर्तन) सुगंधी पदार्थोथी उद्वर्तन पीठी करवी ते सुगन्ध वाले पदार्थों से उद्वर्तन करना, सुगन्धित पदार्थों को मिला कर, कूट छान कर चूर्ण-उबटना बनाना mixing, pounding etc. of fragrant substances. नाया० १६;—उस्सास पुं० (-उच्छ्वास) सुगंध या दुर्गंधवालो उच्छ्वास सुगन्ध या दुर्गन्धवाला उच्छ्वास fragrant or stinking breath भग० ६, ३३, —करय न० (-करक) सुगंध करनार, पुष्पादि सुगन्ध करने वाला, पुष्प वगैरह (any thing) which imparts fragrance. e g a flower etc. भग० १६, ६; —कासाइय. त्रि० (-काषायिक) ओछ सुगंधवाळु सुगंधि करेल वस्त्र.

अंग पुंछने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. भग० ६, ३३; आया० २, १५, १७६; नाया० १; २; १६; कप्प० ४, ६२; राय० १७५; जं० प० ५, १२२; —कासाई. स्त्री० (-काषायी.) जुओ "गंधकासाइय" शब्द देखो "गंध-कासाइय" शब्द vide "गंधकासाइय" "गंधकासाईए गायाइं लूहेइ" भग० ११, २; —जुत्ति. स्त्री० (-युक्ति) सुगंधि तेल अत्तर विगेरे बनाववानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि बनाने की युक्ति-तरकीब knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc ओव० —डुय न० (-द्रव्य) सुगंधि चूर्ण. सुगंधि चूर्ण. scented powder. "गन्धदव्वा उव्वट्टिया" ठा० ३, १, —ड्ढ त्रि० (-आढ्य) सुगंध भरेल सुगन्ध युक्त scented, fragrant पत्रा० २,१४;८,२४,—णिव्वत्ति स्त्री०(-निर्वृत्ति) गंधनी निष्पत्ति. गन्ध की निष्पत्ति-प्रादुर्भाव rise of fragrance भग० १४, ८, — णिसास पुं० (-निश्वास) कमलनी गंध जेवो मुखनो निश्वास कमल की सुगन्धि के समान मुखका श्वास. fragrant breath. नाया० ८,—दुग न०(-द्विक) सुगंध अने दुर्गंध सुगन्ध और दुर्गन्ध fragrance and stink क० गं० २,३२,—णुग्घाणि. स्त्री० (-घ्राणि) गन्धनो जथ्थो, गन्ध समूह सुगन्धका समुदाय -समूह a collection of perfumes. ओव० नाया०१; ८; १६; जं० प० ४, ८७०; —नाम. न० (-नामन् गन्धस्ते इतिगन्धः तदेतुत्वाद्-नामकर्म) गंध नामे नाम कर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव गंधवालुं शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karma known as Gandhanāma. सम० २८; —परिणत. त्रि० (-परिणत) दुर्गंधि रूपे के सुगंध रूपे परिणाम पामेल सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना change of a substance into fragrance or stench भग० ८, १, —परिणाम. पुं० (-परिणाम) सुगन्धनुं दुर्गन्ध रूप थवुं तथा दुर्गन्धनुं सुगन्धी थवुं ते. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. "गंधपरिणामेणंभंते" पन्न० १३. ठा० ४, १, भग० ८, १०; —मदवारि. न० (-मद वारि) सुगंधी मदरूपे झरतुं पाणी सुगन्धित मदरूप से झरता हुआ जल water trickling like scented wine नाया०१, —वट्टि. स्त्री० (-वर्ति) सुगंधनी वाट, अगरबत्ती, सुगन्धमय गुटिका. धूपबत्ती, अगरबत्ती या सुगन्ध मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill ओव०२६; राय०२८; भग० ११, ११; जं० प० ५, १२१. (२) कस्तूरीनो गोटो. कस्तूरीका गोटा-गोला a ball of musk. नाया० १; —हत्थि पुं० (-हस्तिन्) मदोन्मत्त हाथी-जेना गण्डस्थलमांथी सुगन्धिम मद झरे छे अने जेनी गन्धथी बीजा हाथीओ नासी जाय ते गन्ध हस्ती. गन्ध हस्तीः जिसके गण्डस्थल में से सुगन्धित मद झरता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं-मदोन्मत्त हाथी an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephants.

जीवा० ग्रहं० ३६; नाया० ५; कप्प० २, ५१; नाया० ६, ११; (३) कृष्ण वासुदेवनो विजय नामनो हाथी कृष्ण वासुदेव का विजय नामक हाथी. an elephant of Krisna Vāsudeva named Vijaya. नाया० ५;

गंधघाओ. अ० (गन्धतस्) गन्ध आश्री. गन्ध से; गन्ध का आश्रयकर. Through, from fragrance उत्त० ३६, १५, भग० ८; १; १८, १०.

गंधण. पुं० (गंधन) गंधन जातनो सर्प, के जे मुंहेल झेर मंत्र प्रयोगथी पाछुं चुसी ले छे. गंधन जाति का एक सांप, कि जो मंत्र बल से अपने विष को वापिस ले लेता है A kind of serpents named Gandhana which sucks the poison back again by the power of spells दस० २ ८; उत्त० २२, ४४,

गंधमंत. त्रि० (गन्धवत्) गन्धवाळुं. गंध वाला Smelling; fragrant. भग० २, १, १०; ००, ४,

गंधमादण. पुं० (गन्धमादन) जुओ "गंधमायण" शब्द. देखो "गंधमायण" शब्द. Vide "गंधमायण" सम० ५००,

गंधमायण पुं० (गन्धमादन) नीलवंत पर्वतनी दक्षिणे मेरुनी उत्तरे गंधिलावती विजयनी पूर्वे अने उत्तर कुरुक्षेत्रनी पश्चिमे घोडाना खभाने आकारे एक वखारो पर्वत छे तेनुं नाम नीलवंत पर्वत के दक्षिण, मेरु पर्वत के उत्तर की ओर गन्धिलावती विजयके पूर्व और उत्तर कुरुक्षेत्र की पश्चिम दिशा में घोडे के कंधे जैसा वखारा पर्वत. Name of a Vakhārā mountain in the shape of a horse's shoulder, it is situated to the south of Nīlavanta mount, to the north of Meru, to the east of Gandhilāvatī Vijaya and to the west of Uttara Kuru Kṣetra ठा० २ ३, पण्ह० २ ४, जं० प० —कूड. पुं० (—कूट) गंधमादन पर्वतना सात कूटमांनुं बीजुं कूट-शिखर गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से दूसरा कूट-शिखर. the second of the seven summits of Gandhamādana mount. जं० प० ४, ८६;

गंधय पुं० (गन्धक) गंध; सुगंध सुगंधि Smell, fragrance. सु० च० १, २६५;

गंधवट्टिभूय-श्र त्रि० (गन्धवर्तिभूत) जेमां उत्तम सुगंधि होय तेवी गुटिका जिस में उत्तम सुगंधि हो ऐसी गुटिका. (A pill) having high fragrance in it. सम० प० २१०; नाया० १, १६, कप्प० ३, ३२; जं० प० ३, ४३.

गंधव्व. पुं० (गन्धर्व) गायनप्रिय व्यन्तर देवनी एक जात गीत प्रिय व्यन्तर देवों की एक जाति. गन्धर्व A species of Vyantara gods fond of music. सम० ३४; जीवा० २४, भग० २, ५; ३६, १०; ठा० २, ३. उत्त० १ ४८, ३६, २०५, अणुजो० ४२, विवा० २, पण्ण० १; प्रव० १ ४४ जीवा० ३ ४ कप्प० ३, ४४, जं० प० ७, १५८, ३, ४६; (२) एक जातनी लिपि एक प्रकार की लिपि; गन्धर्व लिपि. a particular kind of script पण्ण० १. (३) कुंथुनाथजीना यक्षनुं नाम कुंथुनाथ स्वामी के यक्ष का नाम name of the Yaksa of Kunthunātha Swāmī प्रव० ३७६; (४) गवैयो; गान करनार गवैया; गायक; गाने वाला a singer. विवा० ६; सम० ७, ६; नाया० १६; (५) एक अहोरात्रिना त्रीजे मुहूर्त

भांनु २२ मु मुहूर्त. एक अहोरात्रि के ३० मुहूर्तों में से २२ वा मुहूर्त the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night जं॰ प॰ सम॰ ३०, सू॰ प॰ १०, (६) गंधर्व विद्या, नाटक. गंधर्व विद्या, नाटक. a kind of lore, drama. जीवा॰ ३, ३, नाया॰ १, १४; —अणिय-अ पुं॰ (-अनीक) गन्धर्वोनी सेना-नाटकना ॲक्टरो, (गायन करनारा) गंधर्वों की सेना, नाटक के पात्र (गायन करने वाले) a party of Gandharvās or singers and actors भग॰ १४, ६, ठा॰ ७, १, —कराणा स्त्री॰ (-कन्या) गंधर्वनी पुत्री गन्धर्व कन्या a daughter of a Gandharva. नाया॰ ८, —घरग पुं॰ (-गृहक) જેમાં ગીત નૃત્ય થાય તેવું ઘર, નાટક શાળા नाटक-शाला, जिस में गीत नृत्य हो वह घर a theatre, a house for singing and dancing राय॰ १३७, —देव पुं॰ (-देव) गंधर्व देव. गंधर्व देवता Gandharva celestial being भग॰ ८, १, —नगर पुं॰ (-नगर) આકાશમાં ગંધર્વ નગરને આકારે થતો વાદળાનો દેખાવ. गन्धर्व नगर के आकार से आकाश में बनता हुआ बादलों का बनाव-दृश्य an appearance of a Gandharva city in the sky formed by clouds अणुजो॰ १२७, भग॰ ३, ७; —लिवि स्त्री॰ (-लिपि) ગંધર્વ લિપિ, અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपियों में से एक लिपि, गन्धर्व लिपि one of the 18 scripts; the Gandharva script सम॰ १८; —संठिय त्रि॰ (-संस्थित) ગંધર્વને આકારે રહેલ. गंधर्व के सदृश-आकार में स्थित. beautiful in appearance like a Gandharva भग॰ ८, ३;

गंधव्वकंठ पुं॰ (गन्धर्वकण्ठ) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न A kind of gem. राय॰ १२१;

गंधव्वमंडलपविभत्ति पुं॰ न॰ (गन्धर्वमण्डलप्रविभक्ति) ગંધર્વમંડળની વિશેષ રચનાવાળું નાટક વિશેષ. गंधर्वमण्डल की विशेष रचना युक्त नाटक विशेष (A drama) with a particular arrangement of the party of actors. राय॰ ९२,

गंधहारक त्रि॰ (गन्धहारक-गान्धारक) કંદહાર દેશમાં રહેનાર. कंदहार गान्धार देश में बसने वाला A resident of Kandahara पराह॰ १, १.

गंधहारग पुं॰ (गन्धहारक) ગન્ધહાર દેશનો નિવાસી. गान्धार देश निवासी A resident of the country of Gandhāra पन्न॰ १.

गंधार पुं॰ (गान्धार) નાભિથી ઉઠેલ વાયુ કંઠસ્થાન પ્રાપ્ત કરી ખાસ સ્વરૂપ ધરે છે તે. સાત સ્વર માંનો ત્રીજો સ્વર. नाभी से उठा हुआ वायु कण्ठ प्रदेश को प्राप्त करके जो खास असाधारण स्वरूप को धारण करता है वह-गंधार, सात स्वरों में से तीसरा स्वर The third of the seven ascending tunes of music e. g. सा, री, ग etc अणुजो॰ १२८, ठा॰ ७, १; (२) ગાંધાર નામનો દેશ; હાલમાં જેને કાબુલ કંધાર કહે છે. गंधार नामक देश, हाल में जिसे काबुल कंधार कहते हैं. the country of Gandhāra or Kandahāra. उत्त॰ १८, ४५;

गंधारगाम पुं॰ (गन्धारग्राम) નંદી આદિ સાત મૂર્છનાનો ગ્રામ-સમૂહ. मूर्छना-समूह.

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandi etc. अणुजो० १२८;

गंधारी. स्त्री० (गान्धारी) અંતગડ સૂત્રના પાંચમા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. अंतकृत सूत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagaḍa Sūtra. अंत० ५, ३; (२) કૃષ્ણ વાસુદેવની એક પટ્ટરાણી કે જે નેમનાથ પ્રભુની દેશના સાંભળી યક્ષિણી આર્યાની પાસે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી વીસ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી પરમપદ પામ્યા. कृष्ण वासुदेव की एक पट्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अङ्गों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रव्रज्या पाल एक मास का संथारा-अनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Kṛiṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Neminātha and took Dikṣā from a nun of the Yakṣa class. She studied eleven Angas, practised asceticism for twenty years, performed Santhārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss. अंत० ५, ३; ठा० ८, १; (३) નમિનાથજીની દેવીનું નામ. नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha. प्रव० ३७८, (४) એ નામની એક વિદ્યા. इस नाम की एक विद्या-गांधारी विद्या. a science, a branch of knowledge so named सूय० २, २, २७;

गंधावाइ. पुं० (गन्धापातिन्) એ નામનો હરિવર્ષ ક્ષેત્રમાંનો વાટલો વૈતાઢ્ય પર્વત. इस नाम का एक वैताढ्य पर्वत Name of a mountain in Harivarṣa Kṣetra. "गंधावइवासी अरुणादेवी" ठा० २, ३; पण० १६; ठा० २, ३, भग० ४, ११, जीवा० ३, ४;

गंधावाति. पुं० (गन्धापातिन्) રમ્યકવાસ ક્ષેત્રના મધ્યભાગમાં આવેલ એક વાટલો વૈતાઢ્ય પર્વત. रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक वैताढ्य पर्वत Name of a mountain in the middle of Ramyakavāsa Kṣetra. जं० प० जीवा० ३, ४.

गंधि पुं० (गन्धिन्) ગંધવાળું. गन्ध वाला. Smelling; fragrant नाया० १;

गंधिय त्रि० (गन्धित) સુવાસિત; ગંધવાળું सुवासित गन्धयुक्त. Smelling, fragrant ओव० भग० ११, ११; नाया० १; १६; जं० प० ५, १२३. (२) કરીયાણું ગાંધીયાણું किराणा. groceries. वव० ६, २१; २४; —साला स्त्री० (शाला) ગાંધીયાણું વેચવાની જગ્યા गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला, इत्र आदि बेचने की दुकान a place for selling grocery वव० ६ २१, २४, २५, २६, ३०, (२) કલાલની દુકાન कलाल की दुकान a liquor-shop वव० ६, २१.

गंधिल पुं० (गन्धिल) પશ્ચિમ મહાવિદેહના ઉત્તર ભાગમાંની સીતોદામુખ વન તરફથી ૭ મી વિજય पश्चिम महाविदेह के सीतोदामुख वन की ओर से ७ वीं विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodāmukha forest, in the north of western Mahāvideha

(२) એ વિજયને રાજા. उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. "गंधिलेविजयं अवज्झा रायहाणीदेवे वक्खारपव्वए" जं० प० ६,

गंधिला स्त्री० (गन्धिला) ગંધિલાવિજય गंधिलावती विजय Gandhilā Vijaya "दो गंधिला" ठा० २, ३,

गंधिलावई स्त्री० (गन्धिलावती) પશ્ચિમ મહાવિદેહના ઉત્તર ભાગવાળી સીતોદામુખ વનથી આઠમો વિજય पश्चिम महाविदेह के उत्तर खण्ड म के सीतोदामुख बन से आठवीं विजय The eighth Vijaya from the Sītodāmukha forest in the north of western Mahāvideha "गंधिलावई विजए अउज्झा रायहाणी" जं० प० ठा० २, ३, (२) पुं० ગંધમાદન પર્વતના સાત કૂટમાંનું ત્રિજુ કૂટ-શિખર गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से तीसरा कूट शिखर the third of the seven summits of Gandhamādana mount जं० प०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) તોડો નહી તે; સાગર પેઠે, ગંભીર. सागर के समान, गंभीर. Grave, deep sounding, serious उत्त० २७, १७, ओव० १५; नंदी० स्थ० २८, नाया० १, १६; (२) ઊંડું; અગાધ; થાગ વિનાનું. गहरा, अथाह unfathomable जं०प० ५, १, १५, ४, ७४, ठा०४, ४, ओव० २१; नाया० ४, राय० २५४, (३) ગહન; ગીચઝાડીવાળું गहन, सघन, बहुत झाड़ियों वाला. of dense thicket. नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ५; ११, ११; विशे० ३४०४; पन्न० २, कप्प० ३, ३२, (४) પ્રકાશરહિત; અંધારાવાળું. प्रकाश रहित; अंधकारमय. without light. नाया० १; दस० ५, १, ६६; —उदहि. पुं० (-उदधि) ઊંડા પાણીવાળો દરિયો. गहरे पानीवाला दर्या-समुद्र. deep sea; sea with deep water. ठा०४, ४, —ओभासि त्रि० (-अवभासिन्) ગંભીર દેખાય એવું गंभीर प्रतीत होनेवाला. of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४, —पयत्थ. पुं० (-पदार्थ) ગહન પદના અર્થ, ન જાણી શકાય એવા પદાર્થ. गहन-कठिन पदों का अर्थ-मतलब, न जाना जासके ऐसा पदार्थ the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४; २४. —पोयपट्टण न० (-पोतपत्तन) વહાણના ટાહવાની જગ્યા जहाज के ठहरने की जगह, पत्तन, बन्दरगाह. a place where ships are anchored "जेणेव गंभीर पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छति" नाया० ८; १७,

गंभीरमालिणी. स्त्री० (गम्भीरमालिनी) સુવલ્ગુવિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની એક અન્તરનદી सुवल्गुविजय की पूर्वीय सीमा ऊपर की एक अन्तरनदी. A small river on the eastern border of Suvalguvijaya "दो गंभीरमालिणीओ" ठा० २, ३, जं० प०

गंभीरविजय पु० (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकाशं विजय आश्रयः) અગાધ આશ્રય-અંધારાવાળું સ્થાન. गंभीर—अंधकारमय वि-ज —आश्रय—स्थान. A dark place. दस० ६, ५६;

गंभीरा स्त्री० (गम्भीरा) ચાર ઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A living being with four senses पन्न० १;

गकारपविभत्ति. पुं० (गकारप्रविभक्ति) નાટકનો એક પ્રકાર; ૩૨ પ્રકારના નાટકમાંનું

-भेद. नाटक का एक भेद; ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय० ८३;

गगण. न० (गगन) આકાશ; ગગન. आकाश The sky: "गगणमिवनिरालंबो" ठा० ६; पिं० नि० १०५; श्रोव० १७; ३१; नाया० १, भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६, कप्प० ०३, ३८, —गण. पुं० (-गण) ગગનરૂપી સમૂહ; સમૂહ आकाशरूपी समूह a multitude in the form of the sky, sky appearing like a heap "सलिल द्वारं गगणगण संत" निसी० २०, २; —तल न० (-तल) આકાશ તલ आकाश तल the surface, vault of the sky "गगणतलविमल-विपुल गमण गइ वल वालियमणप्पवण जइण सिग्घवेगा" भग० ६, ३३; जं० प० ४, ११७; सम० प० २९३; नाया० ५, ६, ६, १६, निर० ५, १, —मंडल न० (-मण्डल) આકાશમંડલ आकाशमंडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४५;

गगणवल्लभ न० (गगनवल्लभ) વૈતાઢ્યપર્વતની દક્ષિણ તરફની વિદ્યાધર શ્રેણીનું મુખ્ય નગર वैताढ्यपर्वत के दक्षिण ओर का विद्याधर श्रेणी का मुख्य नगर. The principal town of the Vidyādhara Śreni to the South of Vaitādhya mountain जं० प० १, १२;

गगणवल्लह. न० (गगनवल्लभ) જુઓ "गगणवल्लभ" શબ્દ. देखो "गगणवल्लभ" शब्द Vide "गगणवल्लभ" जं० प० १, ११,

गग्ग पुं० (गार्ग्य) ગાર્ગ્યગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ ગર્ગનામના આચાર્ય કે જે પોતાના અવિનીત શિષ્યોથી કંટાળી જઈ છેવટે તેમનો ત્યાગ કરી એકાકી સમાધિભાવમાં રહ્યા અને આત્મશ્રેય કર્યું गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का आचार्य, जो अपने अविनीत शिष्यों से तंग आकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला ही समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण को प्राप्त हुआ. An ascetic of the name of Gārga, born in the Gārgya family He was disgusted with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by practising meditation in solitude. उत्त० २७, १; (२) ગૌતમગોત્રની એક શાખા અને તેમાં ઉત્પન્ન પુરૂષ गौतम गोत्र की एक शाखा और उससे उत्पन्न मनुष्य. an offshoot of the Gautama line of descent, a person born in that offshoot. ठा० ७, १,

गग्गय. त्रि० (गद्गद) ગદ્‌ગદ સ્વર. गद्गद स्वर-आवाज A low and inarticulate sound expressing joy or grief. सु० च० ३, ६८,

गग्गर न० (गद्गद) શ્વાસ રૂંધાતા બોલવું તે; ગદ્‌ગદ્ કરતે हुए गले से बोलना; गद्गद स्वर. Speaking with obstructed breath भग० ३, २, जं० प० ७; १६६;

गच्छागइ स्त्री० (गत्यागति-गतिश्चागतिश्चेति) ગતિ અને આગતિ, અનુકૂલ ગમન કરવું તે-ગતિ-પ્રતિકૂલ આવવું તે આગતિ. गति और आगति, गमनागमन; गति-अनुकूल गमन, आगति-प्रतिकूल आगमन Coming and going, passing and repassing विशे० २१५६,

गच्छागमि त्रि० (गत्यागमिन्) ગતિવડે આવનાર; ચાલીને આવનાર गति द्वारा आने वाला; चलकर आने वाला One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विशे० ११५४;

√गच्छ. धा० I. (गम् गच्छ्) જવું. ચાલવું. जाना; चलना. To go, to walk; to move.

गच्छइ भग० ७, १; निसी० १६, २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वव० १, २३, २, २३; सू० प० १; सूय० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२, ८, ४४; राय० ३८,

गच्छंति. नाया० ४; ८, १६, दस० ४, २८, जं० प० ७, १३७;

गच्छं ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि नाया० ५, ८, १५; १६, भग० २, १, ५, ४; १८, १०, जं० प० ५, ११५,

गच्छेज्जामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो. भग० २, १, ५, ३, ४, नाया० ५; ८, १३, १८; जं०प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६, सूय० २, ७, १५, ओव० २७;

गच्छेज वि० पन्न० ३६,

गच्छेज्जा वि० भग० ३, ४, ६, ५, १३, ६; नाया० ६. वव० १, २३, २, २३,

गच्छेज्जाहि आ० नाया० ६,

गच्छिज्जा. विवि० दस० ४,

गच्छंतु. नाया० १६,

गच्छ. नाया० १, २; ३;

गच्छइ. नाया० १; ३, ५, ८; १२; १३, १४; १५, १६;

गच्छेह. नाया० ८,

गच्छाहि. भग० ६, ४, नाया० १; ८, जं०प०

गच्छिहिति, भग० २, १; ७, ६; १४,८, १५, १; १७, १; ओव० ४०,

गच्छिहिति. भग० ३, १, ७, ६, नाया० १, नाया० ५०

गच्छित्ता; सं० कृ० नाया० १; १;

गच्छंत व० कृ० ओव० २०; सूय० १, १, १ २७, आया० २, १, १; उत्त० ५, १३, पंचा० १२. १८; भग० १४, ३;

गच्छमाण भग० ३, ३; ७, १; ७; १२, ६; २५, ६; ७, निसी० ८, ११;

गच्छ पुं० (गच्छ) સમુદાય; સમૂહ समुदाय; समूह A group; a multitude e. g. of the followers of an Āchārya अणुजो० ४७; (२) ગચ્છ; સંઘ, સાધુ સમુદાય. गण, संघ; साधु समुदाय a collection, an asssembly of Sādhus "गच्छंमि सव्वासियाणं" गच्छा० २, ७५, प्रव० ६२३; पंचा० १८,७,—वर त्रि० (-वर) સમગ્ર ગચ્છ -સમુદાયમાં શ્રેષ્ઠ. सब संघ-गच्छ में श्रेष्ठ the best among all groups गच्छा० ११७,—वास पुं० (-वास) સાધુ સમુદાયમાં રહેવું તે साधु समुदाय में रहना residing amongst Sādhus प्रव० ५३१;

गच्छागच्छि अ० (गच्छागच्छि—गच्छेन गच्छेन भूत्वा) એક આચાર્યનો પરિવાર તે ગચ્છ અને ગચ્છ ગચ્છના સાધુઓ ભેગાથઇ ટોળામા ગોઠવાય તે ગચ્છાગચ્છિ કહેવાય एक आचार्य का परिवार-शिष्य प्रशिष्य गच्छ होता है. और कइ एक गच्छों के साधु मिल कर मण्डली रूप में हों तो गच्छागच्छि होता है. A multitude of the followers of one Āchārya or head of an order of saints assembling together with other similar multitudes. ओव० ३१;

गजसुमाल पुं० (गजसुकुमार) દેવકીજીનો ન્હાનો પુત્ર; કૃષ્ણ મહારાજના ન્હાના ભાઇ કે જેણે કુમારાવસ્થામાં નેમનાથજી પાસે

दीक्षा लई ખારમી ભિખ્ખુપડિમા આદરી અગ્નિનો असह्य परिषह सही केवलज्ञान मेळव्युं, दीक्षा लई એકજ દિવસમાં મોક્ષે પહોંચ્યા. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारावस्था में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु की बारहवीं प्रतिमा का पालन कर अग्नि का असह्य परिषह जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त हुआ, दीक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष को प्राप्त हुआ Name of the younger son of Devakī, and younger brother of Lord Kriṣṇa He took Dikṣā from Lord Nemanātha in young age, practised the 12th ascetic vow, bore the intense pain caused by fire and attaining perfect knowledge became Siddha, (all this took place in one day) ठा० ४, १;

√गज्ज धा० I (गर्ज्) ગાજવું; ગર્જના કરવી गर्जना, गर्जना करना To roar, to thunder

गज्जइ-ति. नाया० १, भग० ३, २

गज्जंति राय० १८३, जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१,

गज्जित्ता स० कृ० भग० ३, २,

गज्ज न० (गद्य) ગદ્યબંધ; કવિતા કે છંદ વિનાનું લખાણ गद्यबन्ध, छन्द बिना की रचना Prose writing ठा० ४, ४, जीवा० ३, ४, राय० १३१,

गज्जफल न० (गज्जफल) ગાજફલાલીન જેવું ગરમ વસ્ત્ર. फलालेन; एक प्रकार का रुईदार गरम वस्त्र. Warm cloth known by the name of gauze flannel. जीवा० ३, ५, १, १४४,

गज्जर. न० (गृञ्जन) ગાજર गाजर. A turnip प्रव० २३६;

गज्जिसार. वि० (गर्जितृ) ગાજનાર; ગર્જના કરનાર. गर्जना करने वाला. Roaring; thundering. ठा० ४, ४;

गज्जियम न० (गर्जित) ગર્જના ગાજવુ તે गर्जना Thundering; roaring जीवा० ३, ३; सु० च० २, २४२, भग० ३, ७; नाया० १, ८; ६; ठा० १०, १, अणुजो० १२७, ओघ० नि० ६४३, जं० प० कप्प० ३, ३३, ४४, पच्हा० ६५, प्रव० १४६६,

गज्झ त्रि० (ग्राह्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય ग्रहण करने के योग्य Worthy of being taken; acceptable. विशे० ८४८,

गड्ड पु० (गर्त) ખાડો खड्डा. A pit; a ditch. भग० ४, २, ७, ६. (२) ઘેટાં. भेड a she goat, a ewe सु० च० ४, १४७,

गड्डय. पु० (गर्तक) ખાડો; ખાડ खड्डा. A pit; a ditch भग० ६, ३१.

*गड्डय न० ( ) ગાડું. गाड़ी A cart सु० च० ११, ५८;

गड्डा. स्त्री० (गर्ता) મોટી ખાઈ बड़ी खाई A large ditch जं० प० दसा० ७, १, जीवा० ३; निर० ३, ३,

*गड्डी. स्त्री० (*) ગાડી. गाड़ी. A cart सु० च० १४, ६६

गढिहस्स. त्रि० (गृद्ध) આસક્તિ પામેલ. मूर्छित, आसक्त. Infatuated; deeply

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

attached; greedy. दसा० ६, १; आया० १, १, २, १६;

गढ़ पुं० (*) કિલ્લો; ગઢ किला, गढ़. A castle, a fort. सु० च० १, ३२६; ४, ४०,

गढिय त्रि० (गृद्ध) ગૃદ્ધ, આસક્ત. आसक्त. Very greedy, wistful भग० ७, १; पिं० नि० २२६, नाया० २, ५, (२) અત્યંત बहुत ज़्यादह. too much पगह० १, २,

गढिय. त्रि० (ग्रथित) ગુંથેલ, બાંધેલ बन्धा हुआ; बद्ध. Tied; knitted सूय० १, १, ३, १५, आया० १, ५, ६, १६५,

√गण. धा० I. (गण्) ગણના કરવી गिनती करना To count.

गणिउं हे० कृ० सु० च० ४, १६२,

गणेमाण. व० कृ० भग० १५, १,

गणिजइ. क० वा० अणुजो० १३३,

गण. पु० (गण) સમુદાય, સમૂહ, ટોળું. समूह, समुदाय A crowd, a multitude. भग० १, १, ३, ६, ६, ५, ७, ९, ८, ८; १२, २, १६, ५, १८, ७, उवा० १, ५८, जं० प० सम० ६; नाया० १; ५, पगह० २, ३, नंदी० ८; ओव० राय० २५३, उत्त० १५, ६; अणुजो० ५७, प्रव० ५५७, क० ग० १, ३६; कप्प० ४, ६२, (२) ગણવું; ગણના કરવી गिनना, गिन्ती करना. reckoning, calculation अणुजो० १३३, (३) મલ્લ આદિનો સમુદાય. मल्ल-पहलवान आदि का समुदाय a party of athletes etc पिं० नि० ४४१, (४) ગચ્છ, સમાન ક્રિયાવાળા સાધુનો સમુદાય. गच्छ; समान क्रिया-आचार विचार वाला साधु समुदाय an order of ascetics observing the same rules of conduct. सम० ८; दसा० २, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०, ११; निसी० १६, १०; नाया० ८; ओघ० नि० ६८८; पिं० नि० १६३; भग० २५, ७, (५) ચાન્દ્રાદિ કુલનો સમૂહ; કોટિકાદિ ગણ; સંઘનો એક ભાગ चान्द्रादि कुल का समूह; कोटिकादि गण; संघ का एक भाग. a collection of families like Chāndra etc.; a portion or sub-division of a religious sect. ओव० २०, पगह० २, ३; ठा० ३, ४, —अभिओग पुं० (-अभियोग) ગણ-સમુદાયની આજ્ઞા गण-समुदाय की आज्ञा, गच्छ का आदेश. command of a Gaṇa or an order of saints under one head भग० ७, ६, प्रव० ६६३, —ट्ठकर पु० (-अर्थकर) ગણ-સમુદાયનું કામ કરનાર. गण-समुदाय का कार्य करने वाला. (one) who transacts the business of the brothers of the same order of saints ठा० ४, ३, —णायग पुं० (-नायक) ગણનો-જનસમૂહનો આગેવાન માણસ समुदाय-मनुष्य समूह का अगुआ the leader of a multitude. नाया० १, —त्थकर. पुं० (-अर्थकर) જુઓ "गणट्ठकर" શબ્દ देखो "गणट्ठकर" शब्द Vide "गणट्ठकर" वव० १०, ३; ३; ६; ६; —धम्म पुं० (-धर्म) મહાવીર સ્વામિએ સ્થાપેલ સાધ્વાદિ સમુદાય રૂપ ગણનો ધર્મ-શ્રુત ચારિત્ર રૂપ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

अणुत्तरिय नो धर्म-अणुव्रत महाव्रतादि रूप. गण-गच्छ का धर्म-आचार; महावीर स्वामी द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रूप गण का धर्म-व्रत चारित्र रूप; गण-तीर्थ का धर्म-अणुव्रत महाव्रतादि रूप. the religious principles of an order of saints e. g. that established by Mahāvīrasvāmī, religious principles of a sect, e. g minor vows, great vows etc. ठा० १०, जं० प० २, ३५, —नायग. पु० (-नायक) जुओ "गणनायग" शब्द. देखो "गणनायग" शब्द vide "गण-नायग" अणुजो० १२८, ओव० नाया० १; राय० २८३, —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) गणुनो शत्रु. गण का शत्रु an enemy of an order of saints भग०८, ३२; —माण न० (-मान) गणुनुं मान प्रमाणु. गण का मान, गच्छ का प्रमाण the limit of an order of ascetics प्रव० ६३३, —राय. पुं० (-राज-समुत्पन्ने प्रयोजने ये गणं कुर्वन्ति ते)समूहनो राजा,कार्य पडते सौने एकठा करी शके ते सामन्त समूह का कार्य पड़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा, सामन्त वगैरह a sovereign king having feudatory princes under him भग० ७, ८, —विउस्सग्ग. पु० (व्युत्सर्ग) गणु गच्छनो परित्याग गच्छ का परित्याग desertion, abandonment of an order of saints भग० २५, ७; —वेयावच्च पुं० (-वैयावृत्त्य) गणुनी सेवा, वैयावृत्यनो नवमो भेद गण की सेवा, वैयावृत्त्य का नौवां भेद ninth variety of serviceableness, viz service to an order of monks ववः १०, ८; १०; भग० २५, ७; —संगहकर. पुं० (-संग्रहकर) समुदायनो आहार अने ज्ञान वगेरेथी संग्रह करनार. आहार और ज्ञान आदि का संग्रह-संचय करने वाला. one who preserves or extends the circle of his sect by food, knowledge etc. ववः १०; ४; २, ६; ७; —संगहण. पुं० (-संग्रहण) साधु समुदाय एकठो करवो ते साधु समुदाय को एकत्रित करना. assembling a multitude of Sādhus or saints. गच्छि० २७, —संपया स्त्री० (-सम्पत्) गणु-संपदा-समुदायनी संपदा. गच्छ-समुदाय की सम्पत्ति. the power or authority of an order of ascetics regarded as wealth प्रव० ५५३; —सामायारी. स्त्री० (-समाचारी) साधुना समुदायनी समाचारी. साधुओं के समुदाय की समाचारी education of an order of monks in austerities etc दसा० ४, ७०, —सोभाकर त्रि० (-शोभाकर) समुदायने शोभावनार. समुदाय को सुशोभित करने वाला, गच्छ की शोभा बढाने वाला. one who is an ornament or a jewel of an order of saints ववः १०, ८, ६, —सोहिकर त्रि० (-शोधिकर) गणुनी शुद्धि करनार, गच्छनी संभाळ लेनार गण की शुद्धि करने वाला, गच्छ की देखरेख करने वाला. one who bestows care on an order of saints; one who refines an order of saints. ववः १०, ४, ५, ६, ७

गणग पु० (गणक) गणुक, ज्योतिष शास्त्र जाणनार; ज्योतिषी गणक, ज्योतिषी; गणित विद्या को जाननेवाला. An astrologer. ओव० नाया० १; कप्प० ४, ६२.

गणणा. न० (गणन) गणवुं; गणत्री करवी गिनती करना; गिनना. Calculation, reckoning विशे० ६४२;

गणणा. स्त्री० (गणना) गणतरी, एक दस, सो इत्यादि क्रमथी गणवुं. गणना गिनती, एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना Calculation; counting. अणुजो० १४६, —अइरित्त. त्रि० (-अतिरिक्त) गणना-संख्याथी जुदा संख्या से अतिरिक्त, गिनती के बाहिर. beyond calculation; different from calculated amount. निसी०१६,२५ —अणंतअ पुं०(-अनन्तक) गणवानी अपेक्षाए अनंत, संख्या अश्री अनंत गणना की अपेक्षासे अनन्त; संख्या के लिहाज से अनन्त. incalculable, countless; beyond calculation ठा० ५, ३; —अणुपुव्वी स्त्री० (-अनुपूर्वी) संख्या विषयक अनुपूर्वी, अनुक्रम. संख्या विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम serial order, order of numerical calculation अणुजो० ७१,

गणहर पु० (गणधर) गणधर; तीर्थंकरना मुख्य शिष्य. गणधर, तीर्थंकर का मुख्य शिष्य. The principal disciple of Tirthankara, the Ganadhara जं० प० २, ३३, नाया० ८, वेय० ४, १५, भग० ४२, १, विशे० ५५०; मत्त० १०४; (२) आचार्यनी आज्ञाअनुसार साधु समुदायने लई महीमंडलमां विचरनार समर्थ साधु. आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला समर्थ साधु the able ascetic who wanders over the world along with other ascetics by the order of the head preceptor आया० २, १, १०, ५६; पन्न० १६; सम० ८; मत्त० २७; १; नंदी० [illegible] —पमाण न० (-प्रमाण) गणधर-तीर्थंकरना मुख्य शिष्योनुं प्रमाण. गणधर-तीर्थंकरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the authority of the chief disciples of Tirthankara, known as Ganadharas. प्रव० ३३२;

गणावच्छेअय. पुं० (गणावच्छेदक) बीजा साधुओने साथे राखी जे महीमण्डलमां विचरे ते. दूसरे साधुओं को साथ लेकर पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला. One who wanders over the world along with other ascetics. कप्प० ६, ४६,

गणावच्छेइणी स्त्री० (-गणावच्छेदिनी) गच्छनी साध्वीओनी सारसंभाळ करनारी साध्वी गण की साध्वीओं की देखरेख करने वाली साध्वी A female ascetic who provides necessary things to the nuns of the same order. वव० ५, ३;

गणावच्छेइय. पुं० (गणावच्छेदक) गणना साधुओनी सारसंभाळ करनार. गण के साधुओं की देखरेख करने वाला. One who provides necessary things to the monks belonging to the same order आया० २, १, १०, ५६; वव० १, २६, २७, २८, २६, २, ७; ३, १५, वेय० ४, १५;

गणावच्छेइयत्त. न० (गणावच्छेदकत्व) गणावच्छेदकपणुं गणावच्छेदकता; गण सञ्चालकत्व State of being a provider of necessary things to an order of saints वव० ३, १५; वेय० ४, १६,

गणावच्छेइयत्ता. स्त्री० (गणावच्छेदकता)

"गणसंभोइयक" शब्द. देखो "गणसम्भोइयक" शब्द. Vide "गणसम्भोइयक" सम० ३, ५;

गणावच्छेद. पुं० (गणावच्छेदक) साधु समुदायनी वस्त्र पात्रादि आहारथी सार संभाळ करनार साधु. साधु समुदाय की वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेख करने वाला साधु. A Sādhu who provides the monks of an order of saints with food, clothes, vessels etc पन्न० १६;

गणि. पुं० (गणिन्-गणः साधुसमुदायोऽस्ति-यस्य) आचार्य; सूरि, गच्छना उपरी. आचार्य, सूरि; गच्छाधिपति. The head of an order of saints; an Āchārya अणुजो० ४२; ठा० ४, ३; आया० २, १, १०, ६१, सम० १; दस० ६, १, ३, १५, पिं० नि० ३१९; निसी० १८, ५; पन्न० १६ उवा० २, ११६, भग० २३, कप्प० ८, पचा० १२, ४७; प्रव० ११८, ६२७, गच्छा० २०; ११२, —आगमसंपन्न. न० (-आगमसंपन्न) गणि-आचार्यना शास्त्रोमां कुशल. गणि आचार्य के शास्त्रों में कुशल proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस० ६, १; —पिडग न०(-पिटक-गणो गच्छोऽस्ति यस्य स गणी तस्य पिटकम्) जिन प्रवचन, जैन तत्वोनो खजानो, आचार्यनी पेटी के जेनी अन्दर शास्त्रीय तत्वो भरवामां आव्या होय ते-आचारांगादि सूत्र जिन प्रवचन; जैन तत्वों का खजाना; आचार्यों की पेटी तिजोरी, जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हों; आचारांगादि आगमसूत्र. the treasury of Jaina canonical scriptures; literally, the box of an Āchārya filled with scriptures. सम० १६, ८; १०, ८; ४२, १; सम० ५७; संथा० ८१; ओघ० नि० ७६०; —पिडय. न० (-पिटक) जुओ "गणि-पिडग" शब्द. देखो "गणि-पिडग" शब्द. vide गणि-पिडग" भग० २५, ३; —पिडग न० (-पिटक) जुओ 'गणि-पिडग' शब्द देखो 'गणि-पिडग' शब्द. vide 'गणि-पिडग' ओव० १६; —भाव. पुं० (-भाव) आचार्यपणुं; गणि-आचार्यनो भाव आचार्यत्व, आचार्यपना. status of an Āchārya, Āchāryahood. उत्त० २७, ०, —वसभ. पुं० (-वृषभ) गणि- आचार्योमां श्रेष्ठ. आचार्यों-सूरियों में श्रेष्ठ the chief among the Āchāryas. भग० ५२, —संपया. स्त्री० (-संपद्) आचार्यनी ६४ संपदा आचार्य की ६४ सम्पदाएं the 64 acquisitions of an Āchārya. भग० २३, दसा० ८, १०६,

गणिअ. त्रि० (गणक) गणितवेत्ता; ज्योतिषी गणितवेत्ता; ज्योतिषी A mathematician. अणुजो० १४६, जं० प० २, १६;

गणिणी. स्त्री० (गणिनी) गणमां मोटा साध्वी, प्रवर्तक साध्वी. गण में बडी साध्वी-प्रवर्तिका साध्वी The principal female ascetic of the order. गच्छा० ११६,

गणित. न० (गणित-गण्यते इति) गणितकला. गणितकला A numerical script. नाया० १; (२) अंकलिपि अङ्कलिपि. a particular kind of script. पन्न० १; —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) गणित छे प्रधान जेमां ते. गणित प्रधान. an art in which mathematics occupies a prominent part नाया. १;

गणिसार. स्त्री० (गणिता) ગણિપણું; ગણાચાર્યની પદવી. गणिपद; गणाचार्य की पदवी. Headship of an order of saints ठा० ३, ३; वव० ३, ७;

गणिम. त्रि० (गण्य) ગણિમ, એક બે ત્રણ વગેરે સંખ્યાથી ગણાય તે एक, दो, तीन आदि संख्या से जो गिना जासके Capable of numerical calculation, capable of countable. अणुजो० १३२; नाया० ८; ६; १५; विवा० २;

गणिय न० (गणित) ગણિત કળા; હિસાબની કળા गणित कला, हिसाब की कला Art of mathematics; numerical calculation. ओव० ४०; अणुजो० १४४; तंदु० भग० ६, ७, नाया० १; ८, पयह० १, ५; जं० प० ओघ० नि० भा० ५; (२) ગણેલું; સંખ્યા કરેલું गिना हुआ. counted वेय० ४, २८, निसी० ६, २०, प्रव० १२३३; —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) જેમાં ગણિતકલા મુખ્ય છે તે गणितप्रधान, जिसमें गणित कला मुख्य है वह, ज्योतिःशास्त्र का एक अंग that in which mathematics is the prominent factor; a division of astrology. कप्प० ७, २१, —लिवि स्त्री० (-लिपि) ગણિતલિપિ; ૧૮ લિપિમાંની એક. गणित लिपि; १८ लिपियों में से एक लिपि one of the 18 scripts, the script of numbers सम० १८;

गणिया-आ. स्त्री० (गणिका) ગણિકા, વેશ્યા. वेश्या; बाजार की औरत A harlot; a public woman. भग० ११, ११; नाया० १; ३; ५; १६; विशे० ६२८; अंत० १, १; निर० ५, १; कप्प० ४, १०१; विवा० २; अणुजो० ६६; —सहस्स. न० (-सहस्र) હજાર વેશ્યાઓ. हजार वेश्याएं a thousand harlots. विवा० २,

गणिविज्जा स्त्री० (गणिविद्या) ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું વીસમું સૂત્ર २९ उत्कालिक सूत्रों में से बीसवां सूत्र. The 20th of the 29 Utkālikā Sutras. नंदी० ४३,

गणेत्तिया. स्त्री० (*) હાથનો બેરખો; સન્યાસીનાં હાથનું આભરણ संन्यासी के हाथ का एक आभरण A rosary for the hand, an ornament in the case of an ascetic. ओव० ३६, भग० २, १; नाया० १६,

गत त्रि० (गत) ગયેલ गया हुआ, पहुंचा हुआ Gone. (२) પ્રાપ્ત થયેલ प्राप्त. obtained, acquired नाया० १,

गति स्त्री० (गति) નરક આદિ ગતિમાં જવું તે नरक आदि गतियों में जाना Passing from one state of existence into the state of hell etc ठा० १, १, (२) નરક આદિ ચાર ગતિ नरक आदि चार गतियां the four states of existence viz hell etc उत्त०४,१२; (३) ગમન, ચાલ, જવું તે गमन, चाल the act of going. भग० ३, १; २५, ३, ६, ८, पन्न० १३, सू० प० १०; —नामनिहत्ताउ-य त्रि० पु० (-नामनिधत्तायुष्) ગતિને અનુસારે નામકર્મના પુદ્ગલની સાથે આયુષ્કર્મનો બંધ. गति के अनुसार नाम कर्म के पुद्गलों के साथ आयुष्

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

कर्म का बन्ध. Karmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is भग० ६, ८; पन्न० ६; —रागति. स्त्री० (-*आगति) ગતિ અને આગતિ, એક ગતિમાંથી બીજી ગતિમાં જવું અને બીજી ગતિમાથી આ ગતિમાં આવવું તે. गति और आगति-गमनागमन; एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें आना. coming and going back from one state of life into another. भग० ११,१.२१, १, २४, १. —लक्खण न० (-लक्षण) ગતિરૂપ ધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. गति रूप धर्मास्तिकाय का लक्षण. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion भग० १३, ४ —विसय पु० (-विषय) ગતિનો વિષય-જવાની શક્તિ गति का विषय, चलने की शक्ति the object of motion, the power of movement भग० २०, ६,

गत्त न० (गात्र) શરીર. शरीर, शरीर का अंग. Body a bodily limb. ओव० २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया० १, २; ८, सु० च० २, ७७; १३, २८, पन्न० २, कप्प० ४, ६२,

गत्त पुं० (गर्त) ખાડો खड्डा A pit, a ditch भग० १४, १; जीवा० ३, ३, नाया० १;

गत्तग. न० (गात्रक) પલંગાદિની ઈસું અને ઉપડાં पलंगादि के ईस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stead etc राय० १६१,

गत्ता. स्त्री० (गर्ता) મ્હોટી ખાઈ. बडी-गहरी खाई. A large ditch. जं० प०

गद्दतोय. पुं० (गर्दतोय) પાંચમાં દેવલોકની નીચે કૃષ્ણરાજી વિમાનમાં રહેતા લોકાન્તિક દેવતાની નવ જાતિ પૈકી એક જાત. पांचवें देवलोक के नीचे कृष्णराजि विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Krisnarāji heavenly abode under the fifth Deva-loka. " गद्दतोय तुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सापरिवारा " ठा० ७; प्रव० १४६२; सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, ४, नाया० ८;

गद्दभ. पु० (गर्दभ) ગધેડો. गर्दभ; गधा. An ass, a donkey. पन्न० १; सूय० १, ३, ४, ५; २, २, ४५, दसा० ६, १३;

गद्दभालि. पु० (गर्दभालि) ગર્દભાલિ નામના સાધુ સંજતિ રાજાને સમજાવનાર: સંજતિના ગુરૂ इस नाम का एक साधु. संयति राजा को समझाने वाला, संयति राजा का गुरू An ascetic named Gardabhāli who enlightened king Sañjati उत्त० १८, १९; (२) ખંધક સન્યાસિના ગુરૂ खंधक संन्यासी का गुरू the preceptor of Khandhak a Sanyāsi भग० २, १,

गद्दह. पुं० (गर्दभ) જુઓ " गद्दभ " શબ્દ देखो ' गद्दभ " शब्द. Vide " गद्दभ " सम० ३०; पिं० नि० ४४६;

गणा. स्त्री० (गणना) સંખ્યા; ગણના. संख्या; गणना, गिनती Calculation; reckoning. सु० च० १४, १०३;

गब्भ. पुं० (गर्भ) ગર્ભાશય, ગર્ભને રહેવાનુ સ્થાન. गर्भ; गर्भाशय; गर्भ के रहने का स्थान; जहां शुक शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान. The womb ओव० १०; ३३;

विर० १, १; दसा० ६, १; नंदी० ३७, नाया० १;२; १३; १४; भग० १, ७; ५, ४;२, ११, ११; १२, ५, २०, २; पि० नि० ३६२; प्रव०१७; सूय० १,१, १, २२; १२४; आया० १,५,३; प्रव०२८०;क०प०४ १६; कप्प०१,१; (२) રેશમના કીડાએ પોતાની લાળમાંથી ઉત્પન્ન કરેલ રેશમનો કોકોટો. रेशम के कीट ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम का कोया. silk thread produced by a silkworm. अणुजो० ३७; (३) મધ્ય, વચલો ભાગ मध्य, बीच का हिस्सा. middle part; interior राय० ५७; ओघ० नि० ६३७; —अजोगा. स्त्री० (-अयोग्या) ગર્ભધારણ કરવાને અયોગ્ય સ્ત્રી, વંધ્યા. गर्भ धारण करने के अयोग्य स्त्री, बांझ. a barren woman प्रव०५७, —आधाण न० (-आधान) ગર્ભાધાન સંસ્કાર. गर्भाधान सस्कार. the ceremony relating to pregnancy भग०११,११, —आहाण. न० (-आधान) ગર્ભાધાન; ગર્ભનું રહેવું તે गर्भ का रहना, गर्भाधान pregnancy. विशे० २३०, —उब्भव त्रि० (-उद्भव) ગર્ભથકી ઉત્પન્ન થયેલ; ગર્ભજ-તિર્યંચ અને મનુષ્ય गर्भ से उत्पन्न, तिर्यंच और मनुष्य fetus born; i e men and animals. विशे० ५२३, —करा स्त्री० (-करी) જેના પ્રભાવે ગર્ભ ઉત્પન્ન થાય તેવી વિદ્યા; ૪૦ વિદ્યામાંની એક जिसके प्रभाव से गर्भ रहे वह विद्या; ४० विद्याओं में से एक विद्या. a science dealing with the cure of sterility; one of the 40 sciences. सूय०२,२, २७, —गत त्रि० (-गत) ગર્ભગત-ગર્ભમા રહેલું. गर्भगत; गर्भ में स्थित. embryonic; in embryo. विवा० १; अंत० १, ७; —घर. न० (-गृह) સૌથી વચ્ચેનો ઓરડો, અન્દરનો હોલ. गर्भगृह; सब के बीच का कमरा; अन्दर का कोठा. inner room; central hall. अणुजो० १४८; (२) ભોંયરું વિગેરે. तहखाना; जमीन के अन्दर बनाया हुआ घर. a cave; an interior cavity. जीवा० ३, ३; नाया० ८; —घरग. न० (-गृहक) અંદરનો ઓરડો भीतर का घर. a toilette chamber राय० १३६; नाया० ८; —घरय. न० (-गृहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० ८; —ट्ठम. त्रि० (-अष्टम-गर्भाद्-ष्टमोवर्षःगर्भाष्टमम्) ગર્ભથી આઠમો વર્ષ गर्भ से आठवां वर्ष. the 8th year from conception नाया० १; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) ગર્ભની સ્થિતિ गर्भ की स्थिति condition of embryo प्रव० ५५; १२७३, —ट्ठिय. त्रि० (-स्थित) ગર્ભમાં રહેલ. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ. remaining in the womb. प्रव०५५; —त्थ. त्रि० (-स्थ) ગર્ભમા રહેલું લો-લી. गर्भ में रहा हुआ embryonic; in the interior; in embryo. राय० २८७; नाया० १; कप्प० ४, ६४; —वसहि. स्त्री० (-वसति) ગર્ભરૂપે નિવાસ; ગર્ભાશયમાં રહેવુ તે गर्भ मे रहना remaining in the womb ठा० ३, ३. गच्छा० ६८; —वास. पु० (-वास) ગર્ભાશયમા નિવાસ; માતાના ગર્ભમા રહેવું તે. गर्भ में निवास करना, माता के उदर में रहना staying, residence in the womb of one's mother. सूय०२,२,८१; पन्न० २; नाया० १, प्रव० १३०५; —वुक्कंति. स्त्री० (-व्युत्क्रान्ति) ગર્ભમાં ઉત્પત્તિ; ગર્ભાશયમાં આવવું તે गर्भ में आना birth in the womb. ठा० २, ३; दसा० ५, १;

—वुक्कंतिय. त्रि० (-व्युत्क्रान्तिक) ગર્ભજ-ગર્ભાશયમાંથી જન્મ પામનાર, મા બાપના શુક્ર શોણિતથી ઉત્પન્ન થતું गर्भाशय द्वारा उत्पन्न होने वाला; माता पिता के शुक्र शोणित से उत्पन्न होने वाला. born from a womb, fetus-born. अणुजो० १३४; उत्त० ६, १६; जीवा० १; भग० ५, ८; ८, १; ६, सम०१, —संभूइ. स्त्री० (-सम्भूति) ગર્ભની ઉત્પત્તિ. गर्भ की उत्पत्ति produc-tion of the embryo प्रव० ५६, १३७७; —साडण न० (-शातन) ગર્ભનું સાડવું- ગર્ભ પાડવા વિગેરે. गर्भ का नाश करना, गर्भ का छांटना causing abor-tion etc विवा० १. —हरण न० (हरण) ગર્ભનું હરવું તે; એક ઠેકાણેથી બીજે ઠેકાણે ગર્ભને લઇ જવું તે गर्भ का हरण करना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेजाना. stealing or transferring embryo from one womb to an-other प्रव० ८६२, —गब्भया. स्त्री० (-गर्भता) ગર્ભપણું गर्भत्व, गर्भपन embryonic condition विवा १, नाया० ८, कप्प० १, २,

गब्भमुहेस पुं० (गर्भोद्देशक) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના એક ઉદ્દેશાનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के एक उद्देशा का नाम Name of a chapter of Prajñāpanā Sūtra. भग०१६,२,

गब्भिआ-या स्त्री० (गर्भिता) ગર્ભવતી સ્ત્રી गर्भवती स्त्री, सगर्भा नारी A pregnant woman दस० ७, ३५; नाया० ७;

गब्भिणी स्त्री० (गर्भिणी) ગર્ભવતી સ્ત્રી गर्भिणी, गर्भवती स्त्री A pregnant woman पिं० नि० ५१०,

गब्भिय त्रि० (गर्भित) ગર્ભિત, વચ્ચે પોલ વાળું, गर्भ वाला; भीतर पोल वाला Hollow. प्रव० ७६ (२) અંદર ગર્ભવાળું. भीतर गर्भ वाला. hollow in the middle. पंचा० ३, २१;

गभीर. पुं० (गभीर) અંતગડ સૂત્રના પહેલા વર્ગના ૪ થા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के पहिले वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम Name of the fourth chapter of the first section of Anta-gada Sūtra (२) અન્ધકવૃષ્ણિ રાજાના પુત્ર ચોથા દશાર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર વરસ પ્રવજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષે ગયા. अन्धकवृष्णि राजा का चौथा पुत्र-दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वर्ष तक प्रव्रज्या पाल शत्रुञ्जय पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka Vṛsṇi, the fourth Dāśrha, who took Dikṣā from Lord Nemnnātha, practised asceti-cism for twelve years, per-formed Santhārā (gave up food and drink) for one month on Śatruñjaya and became Siddha अंत० १, ४, (३) ઉંડુ. गहरा. deep नाय० ३७, (४) મોટું. बड़ा. big large प्रव० ४४६; —घोस. त्रि० (-घोष) મોટા અવાજવાળું बड़ी आवाज वाला. deep sounding प्रव० ४४६;

√गम धा० I (गम्ल) જવું; ગતિ કરવી जाना, गति करना To go, to move.

गमइ आया० २, १, १, ४;

गमिस्सइ. पिं० नि० ३१०,

गमिस्संति भ० भग० ३, १;

गमिस्सामि भ० नाया० १;

गमिस्सामो. भ० आव० ३८;

गमेऊण सं० कृ० सु० च० ९, ३५५.

गमिज्जमाण. त्रि० कृ० वृसा० ७, १, उत्त० १०, ३४, ओव० ३८, सम० ३, ४; ७, ७; १६, ५; नाया० ८, ६; १२; १६;

गममाण. व० कृ० भग० ८, ७,

गम. पुं० (गम) आलापक-सूत्रनो आलावो, એક વિષયનુ પ્રતિપાદન કરનાર વાક્ય સમૂહ, न्हानुं प्रकरण. आलाप-छोटा प्रकरण, एक ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ A supplementary chapter नंदी० ४४५, विशे० ४४८, जं० प० नाया० १, पिं० नि० ४२१, भग० ३, १०; ६, ६, १६, ३, २४, १, (२) કથન; વર્ણન, कथन, वर्णन narration पन्न० १५, (३) જવું; ચાલવુ जाना, चलना, moving, going प्रश्न० २, (४) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार, भेद varieties ओघ० नि० २५, विशे० १४६२, (५) અર્થ પરિચ્છેદ, અર્થની જુદી જુદી ભંગી, अर्थ का परिच्छेद, अर्थ के अलग २ भाग the distinctions of meaning सम० प० १६६,

गम-अ. पुं० (गमक-गमयतीति) આલાવો, સરખા પાઠના વાક્ય સમૂહ एकार्थ वाचक वाक्यों का समूह, सूत्र पाठ Text in a uniform style of composition. राय० २३६, नाया० १३; भग० १२, ४, १३, १, २४, १२, १७, ३२, १; नाया० ध० ३, (२) વર્ણન, અધિકાર वर्णन, अधिकार description. निसी० १, ४१; ६, १२; पन्न० ५, नाया० ध० ६, (४) ગમનશીલ गमन शील having the nature of going. भग० २५, ३, ४, २६, १,

गमग. पुं० (गमक) જુઓ " गमअ " શબ્દ देखो " गमअ " शब्द Vide " गमअ " भग० २४, १,

गमगत्त. न० (गमकत्व) જણાવવાપણું. सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव. State of being a proper subject for information. विशे० ११५;

गमण न० (गमन) ચાલવું; જવું; ગતિ કરવી गमन, जाना; गति करना. Motion; going; movement भग० २, १; ५, ४, ६, ३३, १२, १, १३, ४; २५, ७; ओव० २१; उत्त० २६, ६; आया० १, ७, ५, २१५, सम० प० १६८; नाया० १; १४; १६, १७, पिं० नि० ८३; १६०; २०६; सु० च० ३, २३३, विशे० २४६२, वेब० १, ३६; ४५, राय० ४४; पंचा० १, १६, ४३; भत्त० ८०; प्रव० १५६६, कप्प० ३, ४३; उवा० २, ८६, —आगमण न० (—आगमन) જવું આવવું. जाना आना passing and repassing; coming and going प्रव० १३४, आव० ४, ३, भग० २, ५, नाया० १६, निसी० ११, २०; दस० ५ १, ८६, —गुण पुं० (—गुण-गमन गतिः तद्गुण) ગતિરૂપ ગુણ ધર્માસ્તિ-કાયનુ લક્ષણ गतिरूप गुण, धर्मास्तिकाय का लक्षण. the characteristic mark of Dharmāstikāyā, viz motion भग० २; १०; —मण त्रि० (—मनस्) જવાની ઇચ્છાવાળું जाने की इच्छा वाला desirous of going. सु० च० २, १८२;

गमणया स्त्री० (गमन) ગતિ, ગમન. गति, गमन State of being in motion, state of being going. " गमणे सोगंत गमणयाए " ठा० ४; नाया० १;

गमणिज्ज. त्रि० (गमनीय) ગમતું; રૂચતું. अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ. Pleasant, charming. ओव० ३२; जं० प० ३, ६७; (२) ઉલ્લંઘવા-પાર પામવા યોગ્ય उल्लंघने योग्य; पार पाने लायक. worth transgressing. निसी० १६,

गम. (३) જાણવા યોગ્ય; પ્રકાશવા યોગ્ય. जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth knowing; capable of throwing light upon. भग० १, ३;

गमणी. स्त्री० (गमनी) એક જાતની (ઉડવાની) વિદ્યા; વિદ્યાધરોની વિદ્યા एक प्रकार की आकाश में गमन करने की विद्या, विद्याधरों की विद्या. A science of flight; (this is possessed by Vidyādharas). नाया० १६;

गमिय-य. न० (गमिक) જેમાં એક સરખા ઘણા પાઠ હોય તે બારમું દૃષ્ટિવાદ નામે અંગસૂત્ર. जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवां दृष्टिवाद नामक अंगसूत्र. Name of the 12th Anga Sūtra named Dristivāda having many chapters of the same nature. नंदी० ४३, विशे० ५४९; क० गं० १, ६,

गम्म त्रि० (गम्य) મેળવી શકાય તેવું, પહોંચી શકાય તેવું प्राप्त हो सके ऐसा, That which can be acquired, that which can be reached. पएह० २, २; पचा० ७, १७, (२) ગમન કરવા યોગ્ય गमन करने योग्य. worth going to भत्त० ११३,

गय-अ. त्रि० (गत) ગયેલ, અદૃશ્ય થયેલ गया हुआ, अदृश्य जो है वह. Gone; passed out of sight भग० २, १, ३, १; ५, ४, ७, ८, ८. ३३; ११, १०, १५, १; नाया० १, ६, ७, १३, १६; नाया० ध० दस० ३, २, २४, उवा० १, ११; भत्त० ३८; क० प० ६, २५; कप्प० २, १७; (२) પ્રાપ્ત થયેલ. प्राप्त किया हुआ got; obtained. भग० ३, १, १८, ७; पन्न० ३६; नाया० १; ३; ८; १६; अणुजो० १६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २१; (३) ગતિ; ચાલ. गति; चाल. gait; motion. ओव० ५० प० ५, ११४; ७, ११३; ३, ५६; (४) રહેલ. रहा हुआ. remaining, stayed ओव० १०; विशे० ३८;

—तराह. त्रि० (-तृष्ण) તૃષ્ણા વિનાનું. तृष्णारहित. free from greed. प्रव० ४७३;—तेय त्रि०(-तेजस्) તેજહીન; તેજ-વિનાનું. तेजहीन; तेजरहित. lack-lustre; having no lustre; dull. भग० १५, १. —दसण. त्रि० (दशन) જેના દાંત પડી ગયા હોય તે; દાંત વગરનો. जिसके दांत गिर पडे हों वह; दांतरहित (one) without teeth गच्छा० ६२;

गय. पुं० (गज) હાથી. हाथी. An elephant अणुजो० २१, १३१, ठ० ४, ३; दसा० १०, १; दस० ५, १, १२; ६, २, ५, सु० च० २, ६४१, कप्प० १, ४, पंचा० १२, २४, पिं० नि० ७६, ८३, राय० ५०, जीवा० ३, ३, पन्न० १, नाया० १, ५; ८, १६, भग० १६, ६, ७, ६, ६, ३३, (२) ગુચ્છો. गुच्छा. a cluster. पन्न० १, (३) અંત ગડસૂત્રના ત્રીજા વર્ગના આઠમા અધ્યયનનું નામ अंतगडसूत्र के तीसरे वर्ग के आठवें अध्याय का नाम. name of the 8th chapter of the third section of Antagada Sūtra (४) વસુદેવ રાજાની દેવકી રાણીના સૌથી ન્હાના પુત્ર-કૃષ્ણ મહારાજના ન્હાના ભાઇ કે જે નેમનાથ પ્રભુપાસે દીક્ષા લઇ તુરતજ ભિખ્ખુની બારમી પડિમા આદરી શ્મશાન ભૂમિમાં કાઉસગ્ગ કરી ઉભા રહ્યા ત્યાં સોમલ બ્રાહ્મણે અગ્નિનો પરિષહ આપ્યો તે સમભાવે સહન કરતાં તરતજ કેવળજ્ઞાન પામી મોક્ષમાં ગયા. वसुदेव राजा की देवकी रानी के सब से छोटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर तुरन्तही भिक्खु की बारहवीं पडिमा का अंगिकार कर श्मशान भूमि में काउसग्ग कर, खडे रहे वहां सोमल ब्राह्मणने अग्नि का परिषह दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्षगति को पहुंच गये the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Kriṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation अंत॰ ३, ८; पएह॰ १, ४. नाया॰ १६. (४) सातमां देवलोकना इंद्रनु चिन्ह-निशानी. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान the badge of the Indra of the 7th Devaloka ओव॰ २६. (५) दिशाकुमार जातना देवतानुं चिन्ह; तेना मुगटमा हाथीने आकारे निशानी होय छे दिशाकुमार जाति के देवता का चिह्न, उस के मुकुट मे हाथी के आकार का निशान होता है the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind ओव॰ २३. (६) बीजा तीर्थंकरनुं लांछन द्वितीय तीर्थंकर का चिन्ह the symbol of the second Tīrthaṅkara. प्रव॰ ३८१; —अणीय न॰ (-अनीक) हाथीनुं सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants नाया॰ १; अंत॰ १८, २; —कलभ. पुं॰ (-कलभ) हाथीनुं बच्चुं; नानो हाथी. हाथी का बचा; छोटा हाथी a young elephant. नाया॰ १; —गय त्रि॰ (-गत) हाथी उपर बेठेलुं. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant भग॰ १५, १; ओव॰ —चम्म, न॰ (-चर्मन्) हाथीनुं चर्म-चामडुं हाथी का चर्म-चमडा. skin of an elephant. नाया॰ ८, —चलण. न॰ (-चरण) हाथीना पग. हाथी का पैर. the foot or leg of an elephant. सम॰ ११, —जोहि त्रि॰ (-योधिन्) हाथीसाथे युद्ध करनार हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant राय॰ २९०, नाया॰ १, —तालुयसमाण त्रि॰ (-तालुकसमान) हाथीना तालवा समान. हाथी के तालु के समान similar to, resembling the temple of an elephant नाया॰ १६, —दंत. पु॰ (-दन्त) हाथी दांत हाथी दांत tusks of an elephant सू॰ प॰ १०; जं॰ प॰ ७, १२६, —पंति स्त्री॰ (-पंक्ति) हाथीओनी पंक्ति-हार हाथियों की पंक्ति a series, line of elephants भग॰ १६, ६. —भत्त न॰ (-भक्त) हाथीनुं खाणुं, मलीदो हाथी की खुराक; मलीदा food cooked for elephants. निसी॰ ६, ६, —लक्खण न॰ (-लक्षण) हाथीना शुभाशुभ लक्षणो जोवानी कला. हाथी के शुभाशुभ लक्षण जानने की कला art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया॰ १; —सोंड. न॰ (-शौण्ड) हाथीनी

-केस. हाथी के बाल. the hair of an elephant. अणु० ३, ६; —वर. पुं० (-वर) શ્રેષ્ઠ હાથી. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant; a noble elephant. नाया० ८; १६; —विक्कम पुं० (-विक्रम) હાથીની ચાલ हाथी की चाल the gait of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १५६, —विलंबिय. पुं० (-विलम्बित) હાથીની વિશેષ ગતિવાળું નાટક; નાટકનો એક પ્રકાર. हाथी की विशेष गति वाला नाटक, नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राय० ६३; —संठिय त्रि० (-संस्थित) હાથીને આકારે રહેલ. हाथी के आकार का of the shape of an elephant, a kind of drama. भग० ८, २, —ससण न० (-श्वसन) હાથીનું શુંઢ. हाथी की सूंड. the trunk of an elephant. ओव० १०, —साला स्त्री० (-शाला) હાથીખાનું हाथी शाला the place where elephants are kept. निसी० ८, १७,

गयंद पुं० (गजेन्द्र) હાથીમાં ઇન્દ્રસમાન, ઐરાવત હાથી हाथीयों में इन्द्र, ऐरावत हाथी An Indra among elephants the Airāvata elephant. सत्था० १६; —भाव पुं० (-भाव) ગજેન્દ્રનો ભાવ-સ્વરૂપ गजेंद्र का भाव-स्वरूप State of being an Indra among elephants. माया० १.

गयकरण्ण पुं० (गजकर्ण) ગજકર્ણ નામના છઠ્ઠા અન્તર દ્વીપમાં રહેનાર મનુષ્ય. गजकर्ण नामक छट्ठे अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. Name of a person living in the sixth Antara Dvīpa. जीवा० १, १; पन्न० १. (२) છપ્પન અંતર દ્વીપમાંનું એક. छप्पन अंतर द्वीप में का एक. one of the fiftysix Antara Dvīpas. जीवा० १, ३; पन्न० १; ठा० ४, २; —दीव. पुं० (-द्वीप) લવણ સમુદ્રમાં ચારસો યોજનપર ચૂલહિમવંતની દાઢાઉપર આવેલો ગજકર્ણ નામનો અન્તરદ્વીપ. लवण समुद्र में चारसौ योजन पर चूलाहिमवन्त के उपर आया हुआ गजकर्ण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavaṇa Samudra at a distance of 400 Yojanas. ठा० ४, २,

गयकण्ण. पुं० (गजकर्ण) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country प्रव० १५९६, (२) ગજકર્ણ નામનો એક અન્તર દ્વીપ गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप. name of an Antara Dvīpa. प्रव० १४३७,

गयण न० (गगन) આકાશ. आकाश The sky उत्त० २३,१६; भग० ४, ३३. सु० च० १, २२, जं० प० —द्विय. त्रि० (-स्थित) ગગનમાં રહેલ गगन में रहा हुआ. remaining in the sky प्रव० ८५२,

गयपुर. न० (गजपुर) કુરુદેશમાનું એક પ્રસિદ્ધ નગર, હસ્તિનાપુર. कुरु देश में का एक प्रसिद्ध (हस्तिनापुर) नगर. A famous city in Kurudeśa; viz Hastinapura. पन्न० १;

गयमुह पुं० (गजमुख) ગજમુખ નામે અનાર્ય દેશ. गजमुख नामक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५९६,

गयवीहि. स्त्री० (गजवीथि) રોહિણી આદિ ત્રણ નક્ષત્રમાં શુક્ર ગતિ કરે તે ગજવીથિ.

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति की एक गजवीथि The movement of Venus in the three constellations viz Rohiṇī etc ठा० ६, १;

गयसुकुमाल पुं० (गजसुकुमाल) કોઈ એક શાહુકારનો પુત્ર કે જેણે વૈરાગ્ય ભાવે દીક્ષા લીધી તે એકદા પ્રતિમાધારી થઈ કાઉસગ્ગ કરી ઉભા હતા–એક જણે માર્ગ પૂછ્યો જવાબ ન મળતાં તેણે કોપાયમાન થઈ જમીન ઉપર પછાડી દરેક અંગે ખીલા મારી જમીન સાથે જડી દીધો તો પણ તે મુનિએ સમભાવ રાખી મરણ આરાધ્યું कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमाधारी बन, काउसग्ग कर खड़े थे–एक व्यक्ति ने रास्ता पूछा–उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक कर प्रत्येक अंग मे खीले ठोक कर जमीन के साथ उसे मिला दिया, तदपि उस मुनिने सम भाव रख कर मृत्युकी आराधना की. Name of a merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died संथा० ६६. (२) કૃષ્ણ મહારાજનો ન્હાનો ભાઈ કે જે નાની ઉમ્મરમાં નેમનાથપ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ તેજ રાત્રે સોમલ બ્રાહ્મણ તરફથી અપાએલ અગ્નિનો પરિષહ સમભાવે સહન કરી તત્કાલ મોક્ષ ગયા. कृष्ण महाराज के लघु बन्धु कि जो छोटी उमरमें नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिये हुए अग्नि के परिषह को समभाव से सहन कर तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Kriṣṇa He took Dīkṣā from Lord Nemanātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmaṇa became Siddha immediately on the same night अंत० ३, ८,

गया. स्त्री० (गदा) કૌમોદકી નામે ગદા, વિષ્ણુનું એક આયુધ कौमोदकी नामक गदा विष्णु का एक आयुध A mace of Viṣṇu named Kaumodakī जीवा० ३, ३, उत्त० ११, २१, १६, ६२. सम० प० २३७, ओव०

गर. पुं० (गर–गरत्याहार स्तम्भयति कामेन वा) ઝેર, વિષ विष. Poison ओघ० नि० ४८७, पराह० १, १,

√**गरह.** धा० I (गर्ह्) નિન્દા કરવી. નિન્દવું. निन्दा करना To censure
गरहइ. सूय० २, २, १७, २०, भग० १, ३,
गरहए. पिं० नि० ४१६;
गरहामो सूय० २, ६, १२;
गरहंति. अंत० ६, ३;
गरहेज्जा वि० वेय० ४, २५,
गरहइ भा० भग० १, ६; ५, ४; १२, १;
गरहंत सूय० १, १, २, १२;

गरहणया. स्त्री० (गर्हणा) ગુરૂની સાક્ષિએ પોતાના અતિચાર–દોષોની નિન્દા કરવી–પશ્ચાત્તાપ કરવો તે. गुरु के सन्मुख अपने अतिचार–दोषों की निन्दा करना–पश्चात्ताप

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor; repentance for one's own faults भग० १७,३; उत्त० २९,२;

गरहणा स्त्री० (गर्हणा) निन्दा निन्दा. Censure राय० २३४, ओव० ४०,

गरहणिज्ज पुं० (गर्हणीय) निन्दनीय; निन्दवा लायक निन्दनीय, निन्दापात्र Censurable, blameworthy भग० ६, ३३; पराह० १, २;

गरहा स्त्री० (गर्हा) निन्दा. निन्दा Censure. भग० १, ६, उत्त० १, ४२,

गरहिअ त्रि० (गर्ह्य) निन्दाने पात्र, निन्दनीय निन्दापात्र; निन्दनीय Censurable आया० २, १, २, ११;

गरहिज्जमाण त्रि० (गर्ह्यमाण) लोकसमक्ष निन्दाने योग्य लोगों के समक्ष निन्दा पात्र. Deserving public censure नाया० १६,

गरहित त्रि० (गर्हित) निंदेलुं. निन्दित Censured. पंचा० ६, ७;

गरहिय-अ त्रि० (गर्हित) निंदेलुं; गर्हा करेल निन्दित Censured. दस० ६, १३; पिं० नि० ५३२, सूय० १, १३, ३६; पचा० २, ४३;

गराई न० (गरादि) दरेक मासना शुक्ल पक्षमा सातम अने चौदसने दिवसे तथा त्रीज अने दसमनी राते तेमज कृष्ण पक्षमां छठ अने तेरसने दिवसे तथा बीज अने नोमनी राते आवतुं सात चरकरण-मानुं पांचमुं करण. ११ करणमानुं पांचमुं करण प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतिया व दसमी की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में षष्ठी व त्रयोदशी के दिन व द्वितिया व नवमी के रात्रि को आनेवाला सात चरकरण में का पांचवा करण; ११ करणों में से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karanas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month; also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month. The 5th of the 11 Karanas ज० प० ७, १५३.

गरिट्ठ त्रि० (गरिष्ठ) सौथी मोटुं. सब से बड़ा Eldest सू० च० १, १२६;

√ गरिह धा० I (गर्ह) निन्दवुं. निन्दा करना. To censure

गरिहति. दस० ४, ७, ६० नाया० ८ नाया० ध०

गरिहामि भग० ८ ६, दस० ४

गरिहित्ता स० कृ० ठा० ३, १ भग० ५, ६, आया० २, १५, १७८,

गरिहित्तए हे० कृ० ठा० २, १

गरिहणा स्त्री० (गर्हणा) निन्दा निन्दा Censure भग० ५०,

गरिहणिज्ज त्रि० (गर्हणीय) गुरु सन्मुख निन्दवा योग्य गुरु के सन्मुख निन्दा करने योग्य. Censurable in the very presence of a preceptor नाया० ३.

गरिहा स्त्री० (गर्हा) गुरुनी साक्षीए निन्दा अर्थात् पोते करेला पापनी गुरुनी साक्षीए निन्दा करवी ते गुरु के सन्मुख निन्दा; अर्थात् स्वतः ने किये हुए पापकर्मों की गुरु के सन्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor विशे० १५७२;

ठाण० ३, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गरुअ–य. त्रि० (गुरुक) ભારે, વજનદાર भारी, वजनदार, वजनी. Heavy. दसा० ६, ५; नाया० १, ५, ६, १७०, भग० २, ३; ५, ६; —दंड पु० (-दण्ड) ભારે દંડ. भारी दंड a heavy stick. दसा० ६, ४;

गरुई. स्त्री० (गुर्वी) મોટી, ભારે. बडी, भारी. Big, heavy. भग० ६, ३३, पंचा० ६, २६,

गरुड पु० (गरुड) શાન્તિનાથજીના યક્ષનું નામ शान्तिनाथजी के यक्ष का नाम Name of a Yakṣa of Śāntinātha प्रव० ३७६,

गरुडासण न० (गरुडासन) ગરૂડના આકાર જેવુ આસન गरुडाकार आसन A bodily posture resembling an eagle in shape. भग० ११, ११,

गरुयत्त न० (गुरुकत्व) ભારેપણુ भारीपन गुरुत्व. Heaviness, weightiness सु० च० ४, ६४२,

गरुडोववाय पु० (गरुडोपपात) ७२ સૂત્રમાંનું એક ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras वव० १; २८, नदी० ४३,

गरुल पु० (गरुड) ગરૂડ પક્ષી गरुड पक्षी An eagle जीवा० ३, ३, ओव० १०, सूय० १, ६, २१, नाया० ८, (२) વાણવ્યન્તર દેવતાની એક જાત वाणव्यन्तर दवता की एक जाति. a species of Vāṇavyantara deities सम० ८, ३४, नाया० ८, भग० २, ५, (३) સુવર્ણકુમાર દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમા રહેલ ગરૂડાકાર નિશાની. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह, उसके मुकुट में का गरुडाकार निशान the emblem, badge viz an eagle in the crown of Suvarṇakumāra god ओव० २३, पण्ह० १, ४; —आसण न० (-आसन) જુઓ " गरुडासण " શબ્દ. देखो " गरुडासन " शब्द. vide "गरुडासण" जीवा० ३; राय० १३६; —केउ. पु० (-केतु) ગરૂડના ચિન્હવાળી જેની ધ્વજા છે તે; વાસુદેવ गरुड के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वजा है वह. वासुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle सम० २३६; —वूह पु० (-व्यूह) ગરૂડને આકારે વ્યૂહ –લશ્કરની રચના કરવાની કલા गरुड के आकार में व्यूह (लश्कर) की रचना करने की कला a battle order in the shape of an eagle ओव ४०; निर० १, १, नाया० १,

√गल धा० I (गल्) જમવું, ખાવુ, जिमना. भोजन करना To eat; to take meals (२) ગળવું, ગાળવું. छानना. to filter.

गलंत सूय० १, ५, १, २३;

गलत व० कृ० पिं० नि० ५८०; ५८३, ६४५, नाया० ८;

गालेइ प्रे० निसी० ६, ८,

गालावेइ. प्रे० नाया० १२,

गालति प्रे० पि० नि० ३६८;

गालावेत्ता स० कृ० नाया० १२,

गालिय प्र० स कृ० क० प० ३, ६१,

गलावेमाण प्रे० व० कृ० नाया० १२;

गल पु० (गल) ગળુ, કંઠ, ગરદન कण्ठ; गला; गर्दन Throat; neck ओव० १०; ३१, नाया० १, १, २, २६; सूय० १, ५, १, १०; जं० प० पिं० नि० ३१४; ६३३; (२) માછલાંનું ગળું વિંધનાર જાળની અન્દરનો કાંટો. मच्छी के गले में छेद करने वाला जाल के अन्दर का कांटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उत्त० १६, ६४; आया० १७;

—ग्गाह. त्रि० (-ग्राह) ગળું પકડી કાઢી મુકનાર; गर्दन पकड़कर निकाल देने वाला. (one) who takes out seizing by the neck कप्प० ३, ३६, —च्छुल्ल. पुं० (*) ગળું પકડી પાછું હડાવવું. गर्दन पकड़ कर पीछे हटाना. giving a push seizing by the neck. पग्ह० १, ३;

गलकंबल पुं० (गलकम्बल) ગળાનો ધાબળો; ગાયોને ગળે ધાબળા જેવું લટકતું હોય છે તે गले का कम्बल; गायों के गले में पखा सा लटकता है वह. Lit a throat blanket; a dewlap सु०च०१३, १०,

गलग पुं० (गलक) ગળુ, કંઠ; कण्ठ; गला Throat, neck पग्ह० १, १,

गलय पुं० (गलक) જુઓ " गलग " देखो "गलग" शब्द. Vide. "गलग"नाया०१८,

गलि. त्रि० (गलि) ગળીયો; નિયત ખોટો. आलसी, अडियल; कुटिल. A lazy, vicious (ox, horse etc.) उत्त० १, १२, ३७; सु० च० १२, ४८; —गद्दह पुं० (-गर्दभ) ગળીયો ગધેડો; નિયત ખોટો ગધેડો. अडियल गधा a lazy, vicious donkey (२) અવિનીત શિષ્ય अविनीत शिष्य. a bad disciple. उत्त० १६; २७,

गलिक्क. त्रि० (गलसत्क) ગળા સમ્બન્ધિ; ગળાનું गले-कंठके सम्बन्ध में. Pertaining to the throat पिं० नि० ४२४;

गलिय. त्रि० (गलित) ગળી ગયેલ, પિગળી ગયેલ. गलित; पिगला हुआ Dissolved; worn out. नाया० ६; कप्प० ४, ६१; (२) વરસતુ बरसता हुआ raining; showering; falling as rain. कप्प० ३, ३३; —लंबण. त्रि० (-लम्बन) ગળી ગયેલ છે આલમ્બન (આધાર) જેનું એવું; નિરાધાર. जिस का आलम्बन (आधार) गलित हो गया है ऐसा; निराधार (that) of which the support has been worn out, supportless. नाया० ६;

गलोई. स्त्री० (गडूची) ગુડવેલ નામની વનસ્પતિ. गुडवेल नामक वनस्पति. A kind of vegetation. प्रव० २३६,

गवक्ख पुं० (गवाक्ष) ગોખ, ઝરૂખો. खिड़की A window विशे०६२, जं०प० १, ४; सु० च० ३, २२८; जीवा० ३, ३: ४, पंचा० १३, ११;

गवच्छिय त्रि० (*) આચ્છાદિત, ઢાંકેલ आच्छादित; ढंका हुआ Covered. " किं एइ सुत्त सिक गवच्छिया " जीवा० ३, ४; राय० १२०;

गवल न० (गवाग्र) ગાયનો ખોરાક; घास. चांस; गौओं का खुराक Grass पिं० नि० २२६.

गवय. पुं० (गवय) રોઝ, ગાયજેવો એક ચોપગો પશુ रोझ; गाय जैसा पशु A species of ox. पग्ह० १, १; जं० प० अणुजो० १४७; पन्न० १,

गवल न० (गवल) ભેંસ કે પાડાનું સિંગડું. भैंस या पाडे का सिंग. A horn of a buffalo. उत्त० ३४, ४; ओव० २२; पन्न० २; १७; जं० प० ३, ४८, राय० ५०; सु० च० २, १३६, जीवा० ३, ४, अंत० ३, ८; नाया० ६, उवा० २, ६५; —गुलिया. स्त्री० (-गुलिका) ભેંસ કે પાડાના સિંગડાની કઠણ ગાંઠ. भैंस या पाडे के सिंग की

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

[illegible] ગાંઠ. a hard knot of a buffalo's horn नाया० १; ५; ब; ६; (२) નીલ ગુલિકા વિશેષ. नील. indigo. नाया० ९; राय०

गवा. स्त्री० (गो) ગાય. गौ, गाय. A cow उवा० ६, ५; ६, ४०, दसा० ६, १२; दस० ७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०, २७७; (२) મૃગ આદિ પશુ. मृग आदि पशु a deer and such other animals. सूय० १, २, ३, ५; —अलीय न० (-अलीक) ગાય આશ્રી જુઠું બોલવુ તે. गौ के विषय में असत्य बोलना telling a lie about a cow पण्ह० १, २;

गवाणी. स्त्री० (गवादनी) ગાયોને ખાવાની તથા રહેવાની જગ્યા, ગમાણ. गौओं को खाने की व रहने की जगह A cow-pen नाया० २, १०, १६६;

गविट्ठ त्रि० (गवेषित) એષણા ગવેષણા દોષ રહિત શોધેલું, ખોળેલું. एषणा-गवेषणा दोष रहित ढूंढा-खोजा हुआ Searched after without committing the fault of Esanā-gavesaṇā; searched after पिं० नि० ५१३, बु० ७० ४, ३१;

गविट्ठ त्रि० (गर्विष्ठ) અભિમાની. अभिमानी. Proud; vain. मत्त० १४३;

गवेलग. पुं० (गो+एलक) ગાડર; મેંઢો. भेड A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग० १, १; २, ५; ७, ६; राय० २७६; अणुजो० १२८; ओव० पण्ह० १, ४;

गवेलय पुं० (गो+एलक) બકરો; મેંઢો. बकरा. A he-goat पण्ह० १, १; दसा० ६, ४; जं० प०

√ गवेस. धा० II. (गवेष) શોધવું; ગવેષણા કરવી. ढूंढना; गवेषणा करना. To search.

गवेसइ. निसी० १०, ४२;
गवेसेजा. वि० पण्ह० २, २;
गवेसए दस० ५, १, १; वव० ८, २;
गवेसमाण व० कृ० पिं० नि० १०७; नाया० २; ४;

गवेसग पुं० (गवेषक) અન્વેષણા-શોધ કરનાર. अन्वेषणा-खोज करने वाला. One who searches after उत्त० १, ४०; २६, ५; ओव०

गवेसण न० (गवेषण गवेष्यतेऽनेन) વ્યતિરેક ધર્મનું આલોચન, જેમ પાણીની શોધ કરવી હોય ત્યારે પાણીના અસહચારી ધર્મોનું આલોચન કરવું કે ઝાડી નથી સુકી હવા છે નદી કે તલાવ નથી માટે આંહી પાણી ન હોવું જોઇએ. व्यतिरेक धर्म का आलोचन, जिस प्रकार जल का पता लगाना हो, तब जल के असहचारी धर्मों का आलोचना करना कि झाड़ी नहीं है, सूखी हवा है, नदी या तालाब नहीं है इस लिये यहांपर जल न होना चाहिये. Search; observing qualities or things which cannot co exist with the object of search, e. g. deciding the absence of water from the absence of trees etc. ओव० ३९; भग० ६; ३१, जं० प० ३, ७०; (२) શોધ; તપાસ. खोज; जांच. inquiry; search नाया० १, भग० १५, १;

गवेसणता. स्त्री० (गवेषणता) ખોળવાપણું. गवेषणता. State of being in search after. भग० १२, ६;

गवेसणया. स्त्री० (गवेषणा) શોધ; તપાસ. तलाश; खोज जांच Wandering in search; searching after. ओव० २०; नंदी० ३१;

गवेसणा. स्त्री० (गवेषणा) [illegible]

शब्द देखो " गवेसण " शब्द. Vide "गवेसण". निसी० १३४; जं० प० विं० बि० ७३; ओघ० निं० ६३; उत्त० २४, ११; नाया० १; २; पंचा० १३, २५;

गवेसियब. त्रि० (गवेसित) शोधी-तपासी आवेलुं. खोज किया हुआ. Searched out; searched after. निसी० २, १७; ११;

गव्व. पुं० (गर्व) गर्व-मान; अहंकार. अहंकार; गर्व. Pride; conceit; a kind of moral impurity. सम० ५२, भग० १२, ५;

गव्विय त्रि० (गर्वित) अभिमानी. गर्वित, अभिमान युक्त. Proud; conceited नाया० १७; कप्प० ३, ४२; जं० प० ७ १६६;

√गस. धा० I. (ग्रस्) खावुं; अर्था जेवु कोइना प्राण लेवामां आ धातुनो प्रयोग थाय छे. गलित होना. किसा के प्राण लेना इस मतलब के क्रियापद में इस धातु का उपयोग किया जाता है To eat, to swallow; (used often in the sense of taking another's life).

गसइ. सु० च० १, ३५५;

गसिज्जइ क० वा० सु० च० २, ५४३.

गसिय. त्रि० (ग्रसित) गसाई गयेलुं ग्रसित; निगला हुआ Swallowed नाया० ४;

गह. न० (गृह) घर; निवास स्थान घर; निवास स्थान A house. कप्प० ४, ६६.

गह. पुं० (ग्रह) ८८ ग्रह-ज्योतिषी देवतानी त्रीजी जाति. ८८ ग्रह ज्योतिषी देवता की तृतीय जाति. 88 constellations; the 3rd kind of deities known as Jyotişi deities. ओव० २६;३१; उत्त० ३६, २०७; नाया० १; ५; भग० ६, ५, १४, ७; पन्न० २; सू० प० १९; नंदी० १०; दसा० ६, १; जीवा० १; सू० प० ८, ५८; विशे० १८७८; प्रव० ११४७; (२) गायनना आरंभनो आलाप. गाने के आरंभ का आलाप. the commencing note of singing. जं० प० ७, १६६; ७, १७० जीवा० ३; ४, (३) लेवुं; पकडवुं. लेना, पकडना taking; catching. क० गं० १, ११, प्रव० ६१३, —अवसव्व. न० (-अपसव्य) ग्रहोनी वांकी गति. ग्रहों की वक्रगति oblique, crooked motion of planets. भग० ३, ७; ११, १; —गज्जिय न० (-गर्जित) ग्रहो चलायमान थवाथी गर्जना थाय ते. ग्रह चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह. thundering of clouds due to the motions of planets भग० ३, ७. —गण. पुं० (-गण) ग्रह समूह. ग्रह समूह. a group of constellations जं० प० ७, १७०; भग० ३, ७, कप्प० ३, ३४; —जुद्ध न० (-युद्ध) बे ग्रहोनुं एक नक्षत्रमां दक्षिण उत्तरे समश्रेणिमां रहेवुं दो ग्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर में समश्रेणि में रहना co-existence of 2 planets in one constellation. भग० ३, ७, —दंड पुं० (-दण्ड दण्डा-इव दण्डास्तिर्यगायता: केचन ग्रहाणां मंगलादीनां दण्ड) ग्रहोनी दंडनी पेठे त्रांसी श्रेणी ग्रहों की दंड के समान (टेढी) वक्र श्रेणी. planets ranged in oblique lines. भग० ३, ७; —भिन्न न० (-भिन्न) जे नक्षत्रनी वच्चे थई ग्रह प्रसार थाय ते नक्षत्र केजेमां दीक्षा आदि कार्य करवाथी हानि थाय माटे वर्ज्य कहेलछे. जो नक्षत्र के मध्य में से होकर ग्रह पसार हो वह नक्षत्र-कि जिसमें दीक्षा आदि कार्य करने से हानि हो इस लिये

त्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Dikṣā is forbidd n. गणि. १६; —मुसल न० (-मुसल) મુશળને આકારે ગ્રહેની ઉંચી શ્રેણી ग्रहों की उच्च श्रेणी planets forming them selves into the shape of a pestle. भग०३, ७; —वेह पुं० (-वेध) સૂર્ય ચન્દ્રાદિ સાથે ગ્રહનો વેધ सूर्य चन्द्रादि के साथ के ग्रह का वेध a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc प्रव०१४२२; —सिंघाडग. न०(-शृंगाटक ग्रहा.शृंगाटक इव शृंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः) શીંગોડાના ફલની પેઠે ગ્રહોનુ રહેવુ તે. सिंघाडे के फल के समान ग्रहों का रहना a formation of planets of the shape a three horned fruit, called Śringhātaka. भग० ३, ७;

गहण न० (गहन) ઝાડી વાળું જંગલ. झाडी वाला जंगल A dense forest सूय०१, ३, ३, १, १, १२, १४; २, २, ८; नाया० १८, दस० ८, ११, भग० १, ८; (२) જેનો પાર પામી ન શકાય તેવું जिसकी थाह न मिल सके ऐसा. profound, im measurable. नंदी० ४; भत्त०२; (३) નિર્જલ પ્રદેશ निर्जल प्रदेश. a waterless tract of country आया० २, ३, ३, १२७; (४) અન્યને છેતરવા માટે કરેલ વચન પ્રપંચ; માયા કપટ. अन्य को ठगने के लिये किया हुआ वचन प्रपञ्च; माया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others सम०१२,४;पराह० १,२;सम०५२;

गहण. न० (ग्रहण) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવું; લેવું. ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance. भग० २, १; ५; १०; ११, ४; नाया० १; दस० ४, १, ६०; पण्ह० ११, उत्त० २४, ११; पिं० नि० भा० १४; पिं० नि० ६४; सु० च०१, ३१६, सम० १; अणुजो० १४७; क० प० १, ४; भत्त० ८०; पंचा० १, ३४, ५, ४, १०, ४०; प्रव० ४७, (२) આકર્ષણ કરનાર; ખેંચનાર. आकर्षण करने वाला, खींचने वाला. (one) who attracts; an attraction उत्त० ३२ २२, (३) ગ્રાહ્ય; ગ્રહણ કરવા યોગ્ય ग्राह्य; ग्रहण करने योग्य. worthy of acceptance, acceptable. क०प० १, २१, —आगरिस. पुं० (-आकर्ष— एकस्मिन्नेव भवे ऐर्यापथिककर्मपुद्गलानां ग्रहणकरो य आकर्षः सः) એર્યાં પથિક નિમિત્તથી કર્મોના પુદ્ગલોનું ગ્રહણ કરેવુ તે ऐर्या पथिक निमित्तसे कर्मों के पुद्गलों का ग्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyāpathika (faults connected with walking) भग० ८, ८; —खंध. पुं० (-स्कन्ध) જીવને ગ્રહણ કરવા યોગ્ય પુદ્ગલ સ્કન્ધ जीव को ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्कन्ध. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul क०प० १, २१; —दव्व.न० (-द्रव्य) જીવને શરીરાદિ રૂપે ગ્રહણ કરવા યોગ્ય દ્રવ્ય. जीव को शरीरादि रूप से ग्रहण करने योग्य द्रव्य. matter worth accepting for a soul in the form of phy: ical body. क०प०१,२१,—धारणजोग्ग न० (-धारणयोग्य) ગ્રહણ કરવાને તથા ધારણ કરવાને યોગ્ય ग्रहण करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting. क० प० ४, ४६;
—विदुग्ग. न० (-विदुर्ग) પર્વતની એક તરફનું વન. पर्वत का एक तरफ का वन a forest on one side of a mountain. भग० २, ८; सूय० २, २, ८;
—समय. पुं० (-समय) ગ્રહણ કરવાનો સમય. ग्रहण करने का समय. time of acceptance or taking. भग० १, १; क० प० १, २६,

गहणय न० (ग्रहणक) આભૂષણ, ઘરેણું आभूषण, गहना. An ornament. सु० च० ७, १०६;

गहणया. स्त्री० (ग्रहण) ગ્રહણ કરવું, ધારવું. ग्रहण करना. Putting on; acceptance. ओव० २७, भग० २, ५; ६, ३३,

गहणी. स्त्री० (ग्रहणी) ઝાડાનો રોગ, અતિસાર રોગ; સંગ્રહણી. अतिसार रोग, संग्रहणी. Dysentery. ओघ० नि० भा० ३२३, (२) ગુદાશય; ગુદાસ્થાન. गुदाशय, गुदास्थान. rectum ओव० १०; जीवा० ३, ३, पग्ह० १, ४; जं० प०

गहर. पुं० (गृध्र) ગીધ પક્ષી गीध पक्षी A vulture पन्न० १

गहवइ. पुं० (गृहपति) ગૃહપતિ, ગૃહસ્થ. गृहपति; गृहस्थ A house holder, a merchant भग० १६, १; —उग्गह पुं० (अवग्रह) ગૃહપતિની આજ્ઞા गृहपति की आज्ञा. the command of a Grihapati भग० १६, १.

गहवइणी स्त्री० (गृहपत्नी) ઘરધણીયાણી, (ગૃહસ્વામિની) गृहस्वामिनी The housewife. सु० च० १०, ७;

गहिअ-य. त्रि० (गृहीत) લીધેલું, ગ્રહણ કરેલું, लिया हुआ, ग्रहण किया हुआ. Taken; accepted. आव० २१, २६; विशे० ६१५; पिं० नि० १८२; १८८; आया० १, ४, २, १३१; उत्त० ७, १२, ५६; भग० १, १; २, १०; ७, ६; ८, ६; ११, ११; ११, ४; १२, १; नाया० १; ६; ८, १६; १८, दस० ५, १, ६; सु० च० २, २५१; अंत० ७६, कप्प० ४, ७२; पंचा० ७, २०; १५, १०; ११; प्रव० ७६०. ८, १८. उवा० ७, १८१; —आउह त्रि० (-आयुध) ગ્રહણ કરેલ છે આયુધ જેણે એવો. ग्रहण किये हैं आयुध जिसने ऐमा. (one) who has taken up arms; armed. विवा० २;—आगमणपवित्तिय त्रि०(आगमन प्रवृत्तिक) ગ્રહણ કરી છે ભગવાન પધારવાની વાર્તા જેણે એવો जिसने भगवान के पधारने की वार्ता ग्रहण की हो ऐसा (one) who has heard or known the intelligence about the coming of the lord नाया० १. —आयारभंडगनेवत्थ त्रि० (आचारभडकनेपथ्य) સ્વીકારેલ છે આચારભંડક ને પથ્ય-વેષ જેણે એવો जिसने आचार भडक और पथ्य-वेष का स्वीकार किया है ऐसा (one) who has assumed the garb of Achārabhandaka दसा० ६, २; —ट्ठ. त्रि० (-अर्थ -गृहीतो मोक्षरूपोऽर्थो मार्गो येन सः) જેણે મોક્ષમાર્ગ સ્વીકાર્યો છે એવો જીવ जिसने मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा (one) who has accepted the path of salvation. सूय० २, ७, ३. (२) જેણે શાસ્ત્રનો અર્થ જાણ્યો છે તે. जिसने शास्त्र के अर्थ को जान लिया है वह one who has understood the meaning of a scripture भग० २, ५;

गहिर त्रि० (गभीर) ગહેરું; અગાધ. गहिरा; अगाध. Deep, unfathomable. सु० च० ३, १५;

√गा. धा॰ I. (गै) गावुं. गाना. To sing
गायंति. जं॰ प॰ ५, १२१;
गायइ. वि॰ निसी॰ १७, ३२;
गायंत. व॰ कृ॰ ओव॰ ३१, आया॰ २, ११, १००; सु॰ च॰ २, १४४, जं॰ प॰ ३, ६७, ६४३, निसी॰ १२, ३४,
गायमाण. व॰ कृ॰ भग॰ १५, १,

√गा. धा॰ I. (गा) गावुं. गाना. To sing.
गिज्जइ क॰ वा॰ राय॰ २७६,
गिज्जंत क॰ वा॰ सु॰ च॰ १, २७८; २, ३३१,

गाइर. पुं॰ (*गायक-गायतीति) गानार, गवैया. गानेवाला, गवैया A singer. सु॰ च॰ २, ३३१,

गाउ. पुं॰ (गव्यूति) बे माईल, गाउ. दो मील, एक कोस Two miles विशे॰ ३४३,

गाउ. पुं॰ (गो) गाय; बळद. गौ. बैल An ox; a cow. आया॰ २, ४, १, २३, पन्न॰ ११, अणुजो॰ ११६, —जूहियठाण. न॰ (-यूथिकस्थान) गायोना टोळाने रहेवानी जग्या. गौओं के झुंड को रहने का स्थान a cow pen, a cow fold. निसी॰ १२, ३१;

गाउय. न॰ (गव्यूत) बे हजार धनुष्य परिमित क्षेत्र-जमीन, गाउ. दो सहस्र धनुष्य परिमित क्षेत्र-जमीन, कोस Two miles, land measuring two thousand bows. ज॰ प॰ नंदी॰ १२, ठा॰ २, ३, अणुजो॰ १३४, भग॰ ६, ७; २४, १; १२, २२; ३३; ३८, १, सु॰ च॰ १४, १८, विशे॰ ६०३; ओघ॰ नि॰ भा॰ ६३; पन्न॰ २, ३३, ओघ॰ नि॰ १२; प्रव॰ ११११; जं॰ प॰ ७, १४६; २, २५; -पुहत्त न॰ (-पृथक्त्व) बे गाउथी भाडीने गाउ सुधी. दो कोस से लेकर नव कोस पर्यंत ranging from 4 miles to 18 miles. भग॰ ११, १;

गागर. पुं॰ (गागर) एक जातनुं माछलुं. एक तरह की मच्छी. A kind of fish. पन्न॰ १;

गागरी स्त्री॰ (गर्गरी) पाणी भरवानी गागर. जल भरने की गागरी. A water-pot. अणुजो॰ १३२.

गाढ त्रि॰ (गाढ) गाढ, दृढ, मजबुत गाढ, मजबूत Firm, strong उत्त॰ १०, ४, पिं॰ नि॰ २०५; ओघ॰ नि॰ ३२४; नंदी॰ १२; (२) न॰ सर्पादिझेरनी तीव्र वेदना, मरणांत कष्ट सर्पादि विष की तीव्र वेदना मरणांत कष्ट excessive, e. g pain of serpent-bite वेय॰ ५, ३८, नाया॰ १६, (३) अत्यंत, घणुं. अत्यंत; बहुत. much, more; excessive पंचा॰ ८, १०; —गिलाण त्रि॰ (-ग्लान) गाढ दुःखी; अत्यंत थाकेलुं बहुत दुःखी, अत्यंत. थका हुआ greatly afflicted; very, very tired पंचा॰ ८, १०; —प्पहारीकय त्रि॰ (-प्रहारीकृत) अत्यन्त प्रहार करेल. घणु मारेल. अत्यन्त प्रहार किया हुआ, बहुत मारा हुआ severely punished or flogged भग॰ ७, ६. —रोगायंक त्रि॰ (-रोगार्तिक) अत्यन्त रोगथी आर्त्त-दुःखी थयेल अत्यन्त रोग से आर्त्त-दुःखी greatly afflicted, very sickly. प्रव॰ १६६,

√गाढप्पहारीकर धा॰ II. (गाढ-प्रहार+कृ) अत्यंत मार मारवो, अत्यन्त मार मारना. To beat severely.
गाढप्पहारीकरेइ भग॰ ७, ६,

गाढीकय. त्रि॰ (गाढीकृत-अगाढं गाढं अकारीति) मजबूत करेलुं दृढ किया हुआ Strengthened. भग॰ ६, १; १६, ४;

गार्भिक. त्रि॰ (गार्भिक) ७ आसनी

अंदरे अेक गच्छ छोडी बीजा गच्छमां दाखल थनार. छः मास के अंदर एक गच्छ छोडकर दूसरे गच्छ में प्रवेश करने वाला (One) who changes his religious order and joins another within six months उत्त० १७, १७.

गाय न० (गात्र) शरीरना अवयवो शरीर के अवयव गात्र A limb of the body. राय ३२, नाया० ५;

गाथा स्त्री० (गाथा) आर्या वगेरे छंद श्लोक श्लोक, आर्या आदि छंद A verse etc. सम० २३, भग० १६, ८;

गाम पुं० (ग्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशाना शास्त्र प्रसिद्धानां कराणाम्) गाम-जेमा साधारण वसति रहेती होय अने व्यापारनु साधन न होय ते. वह गांव कि जिसमें साधारण बस्ती रहती हो व व्यापार का साधन न हो. A village ठा०२, ४, अणुजो०१३७, सूय० २, २, १३, दसा०६, १३, १८, दस०५, १, २, वेय० १, ६; पण० १६, उत्त० ३०, १५, ओव० १७, २१, ३२, नाया० १, १४, १६. विशे० ३६५; पिं० नि० १६२, आया० १, ५, ६, १६४, प्रव० ५६७, ७६३, (२) समूह. समूह. a group, a collection भग० १, ६; राय० २६४, उत्त० ५, ८; ३१, १२. सम० ३०, विशे० २८६६; ओव० (३) संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्च्छनाना आश्रय रूप षड्जादि त्रण ग्राम. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्च्छना के आश्रय रूप षड्जादि तीन ग्राम a gamut, a scale of music with all the notes. अणुजो० १२८; १३१, —**अंतर.** न० (-अन्तर) बे गाम वच्चेनु अंतर-आंतरु.-दो गांवों का मध्यस्थ अंतर. the distance between two villages or towns. निसी०१४, ४७; (२) बीजुं गाम. अन्य गांव another village or town. दसा०१०, ५;—**अंतिय.** त्रि०(-आन्तिक) गामनी पासे रहेनार. गांवके पास रहने वाला (one) who resides near a village सूय० २,२,२१; दसा० १०,७,—**अणुगाम.** अ०.(-अनुग्राम) अेक गाम पछी बीजु बीजापछी त्रीजुं अेम अनुक्रमे न्हाना म्होटा दरेक गाम. एक गांव के बाद दूसरा, दूसरे पीछे तीसरा, इस प्रकार क्रमशः छोटा बडा प्रत्येक गांव. every village in order. ओव० २१; राय० २३०, ना या० १, ५, १३, १६; कप्प० ६, ४७, (२) अेक गामथी बीजे गाम. एक गाव से दूसरे गाव. from one village to another निसी० ८, ११; भग० १,१; १६, ५, १८, १०; वेय० ४, २५, उत्त० २, १४, आया० २, १, १, ४; —**कंटय.** पुं० (-कण्टक) गाम-इंद्रिय समूहने कांटारूप, इंद्रियोने दुःख दायक. गांव-इन्द्रिय समूह को कंटक समान, इन्द्रियों को दुःख दायक one like a thorn to the senses, one intriguing, causing pain to the senses. दस० १०, १, ११; नाया० १, —**कुमारिय.** त्रि० (-कौमारिक) गामडाना छोकराओ संबन्धि. गांवडे के लडकों के विषय में (anything e g. play) concerning village children सूय०१,६,२६, —**घाय** पुं०(-घात) गाम भागवुं ते गाव का टूटना-नष्ट होना. destruction of a village विवा०१; (२) गाम भागनार-लुटनार. गांव को लूटने वाला one who plunders a village. नाया०१८;—**दाह** पुं० (-दाह) गामनो दाह (बळीजवु ते) गांव का दाह जल उठना. the conflagration (being on fire) of a village. भग०३,७; निसी०१२,२७;—**दुवार.** न०(-द्वार) दरवाजो.

ગામનો ઝાંપો; ગામમાં નિકલવા પેસવાનો દરવાજો. गांवका दरवाजा, गांवमें प्रवेश करनेका व बाहर निकलने का द्वार a village gate. ओघ० नि० २५, —धम्म पुं० (-धर्म) ગ્રામ-ઇંદ્રિય સમૂહના ધર્મ-શબ્દ-રૂપ રસ ગન્ધ-અને સ્પર્શ એ પાચ વિષય ग्राम-इद्रिय समूहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये पांच विषय a longing, desire, for the five objects of senses viz sound, form, taste, smell and touch, सूय०१,२,२,२५,ठा०१०,१,पराह० १, ४, आया०२,१, ३, १५. (२) ગામડાનો આચાર વિચાર. गावडे का आचार विचार the practices and customs of villages ठा० १०. १, —नगर न० (-नगर) ગામડુ અને શહેર ग्राम व नगर, गांव व शहर a village and a city प्रव० ५६३; —पह पु० (-पथ) ગામનો રસ્તો. ग्राम का मार्ग. a village road निसी० १२, २६; —पहंतर न० (-पथान्तर) ગામના બે માર્ગનું આંતરૂ ग्राम के दो मार्गों का अन्तर the distance between the two roads of a town निसी० १४, ४७, मारी. स्त्री० (-मारी) ગામનો ક્ષય કરનાર મરકી. गाव का क्षय करने वाला plague; a kind of disease. भग० ३, ७; —रक्ख. पु० (-रक्ष—रक्षक) ગામનુ રક્ષણ કરનાર, કોતવાલ ग्राम का रक्षण करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी one who guards a town. आया० २, १, २, ११, —रक्खिय पु० (-रक्षिक) કોટવાલ-ગામેતિ कोटवाल-नगर रक्षक कर्मचारी a village constable निसी० ४, १२; —रूव न० (-रूप) ગામના જેવો આકાર. गांव के समान आकार. the proper form, outlines of a village. भग० ३, ६; —रोग. पुं० (-रोग) આખા ગામમાં ફાટી નીકળેલો રોગ. सारे गांवमें फट निकला हुआ उपद्रव-रोग a disease spreading over the whole village. भग० ३. ७; जं० प० —वह पुं० (-वध)ગામને મારવું તે गावको नष्ट करना. destruction of a villag निसी० १२, २५, —वाह पु० (-वाह)ગામનુ વહેવુ-તણાવું.गामका बहजाना wiping off of a town or a village भग०३,७,—संठिय. न०(-संस्थित) ગામને આકારે રહેલ गांव के आकारसे रहा हुआ the shape, arrangement of a village भग० ८, २; —सय. न० (-शत) સો ગામ शत गाम; सौ ग्राम a hundred villages विवा० १; —सामि पु० (-स्वामिन्) ગામનો ધણી. ગામનો નાયક. गाम का धनी; गाम का नायक the owner of a village; a village headman ओघ०नि०भा०४४;

गामि त्रि० (गामिन्) જનાર; પહોંચનાર. जाने वाला, पहुचने वाला (One) who goes or reaches ओव०१७,पंचा०६,७,

गामिल्ल त्रि० (ग्राम्य) ગામવાસી. ગામડીયો. ग्रामवासी, गंवार, Resident in a village, rustic नंदी० ४७;

गामेल्लय. त्रि० (ग्राम्य) ગામડાનો રહીશ. गांव का रहने वाला A villager भग० १५, १, विशे० १४११, विवा० १,

गाय पुं० (गो) બલદ गौ, बैल A bullock पराह० ११; —वाड. पु० (-वाट) જ્યાં બિમાર બલદોને ડામ (દાહ) દેવાતા હોય તે સ્થાન. जहां बिमार पशुओं को दाह दिये जाते हों वह स्थान. a veterinary hospital. "बाहर वाई•

सिवा गाव ग्राई सिवा तुल दाह सिवा " निसी० ३, ७२;

गाय. न० (गात्र) शरीरना अवयवो. शरीर के अवयव A limb of the body. ओव० आया० १, ३, १, २०, दस० ३, ५; ६, ६४, उत्त० २, ९; जीवा० ३, ३, पन्न० १७; भग० १, १, १५, १, २५, ७, नाया० १; ४; १६; वेय० ४, ४०, दसा० ७, १२, उवा० ३, १२६ कप्प० ४, ६१; —**अब्भंग** पु० (-अभ्यग) तेल वगेरे सुगंधि पदार्थो शरीरे चोपडवा ते. तैल इत्यादि सुगंधित पदार्थों का शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc दस० ३, ६. —**अब्भंगविभूसण** न० (-अभ्यंगविभूषण) अभ्यंगन मर्दन करी शरीर शणगारवुं ते, साधुना ५२ अनाचीर्णमानुं एक अभ्यगन-मर्दन कर, शरीर को सुशोभित करना, साधु के ५२ अनाचीर्ण में का एक anointing the body with ointments etc , one of the 52 minor faults of an ascetic दस० ३, ६. —**भेय.** पु० (-भेद) शरीरनो नाश करी लुटनार चोर शरीर का नाश कर के लूटने वाला चोर a thief who destroys the body and commits robbery भग० १. १, —**लट्ठि** स्त्री० (-यष्टि) शरीर रूपी लाकडी शरीर रूप लकडी the body appearing like a stick. सम० ३४, भग० ६, ३३, नाया० १; राय० १६४, जीवा० ३, ४,

गारत्थ पु० (अगारस्थ) गृहस्थाश्रमी, घरबारी. गृहस्थाश्रमी, घरबारवाला. A house-holder. उत्त० ५, २०, सूय० २, १, ४३; २, ७, १४,

गारत्थिणी. स्त्री० (अगारस्था) गृहस्थनी स्त्री. गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house holder. निसी० ३, ४;

गारत्थिय-अ. पुं० (अगारस्थिक) गृहस्थ गृहस्थ. A house-holder आया० २, १, १, १४, निसी० १, १२; ३, ४; —**व-यण** न० (-वचन) गृहस्थनुं वचन; गृहस्थी बोले तेवी रीते बोलवुं ते गृहस्थ का वचन; गृहस्थी बोले ऐसा बोलना the manner of speech of a householder ठा० ६, १, वेय० ६, १;

गारव न० (गौरव) अभिमानवडे आत्माने अशुभभावे भारे करवो ते, गुरुपणुं, मोटाई अभिमान से आत्माको अशुभ भाव से भारी करना, बड़प्पन, गुरुत्व. Pride; pride of greatness, heaviness नाया० १६, सम० ३, उत्त० १६, ६२, ठा० ३, ४, ओघ० नि० ४००, ८०५, आउ० १६, प्रव० ११६, (२) गृद्धि, आसक्ति आसक्ति greed, excessive attachment उत्त० २७, ६, (३) गर्व-अभिमान तेना त्रण प्रकार— ऋद्धिनो गर्व; रसनो गर्व, अने पोताने मळेल सुखशांतिनो गर्व गर्व-अभिमान उसके तीन प्रकार—ऋद्धि का गर्व, रस का गर्व, व स्वतः को जो सुख व शांति प्राप्त हुई है उसका गर्व pride of three sorts e g of prosperity, of pleasures, and of calmness acquired by one उत्त० ३१, ४, आव० ४ ७, —**कारण** न० (-कारण) गर्वनुं कारण गर्व का कारण the cause of pride प्रव० १४१ —**पंकनिबुड्ड.** त्रि० (-पङ्कनिमग्न) गर्वरूपी कादवमां डुबेल. गर्वरूपी कीचड में डूबा हुआ (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव० १०२५,

गारविश्र-य. त्रि० (गर्वित) गर्विष्ठ; गर्ववाळुं. गर्विष्ठ, गर्वयुक्त. Proud; con-

cited. ओघ० नि० ४१३; पगह० १, ३;

गारत्थिया. स्त्री० (गार्हस्थिका) ગૃહસ્થની ભાષા; બેટા, બાપ, મામા વગેરે. गृहस्थकी भाषा; बेटा, बाप, मामा इत्यादि. The language used by a house-holder. प्रव० १३३१,

गारुडिअ. पुं० (गारुडिक) ગારુડીવિદ્યા-(સર્પ ઉતારવાની પકડવાની વિદ્યા) જાણનાર गारुडीविद्या को जाननेवाला A snake-charmer सु० च० ६, १३,

गालण न० (गालन) ગાળવું. છાણવું छानना Filtration पगह० १,१, विवा० १;

गालित. त्रि० (गालित) ગાળેલું छाना हुआ Filtered जीवा० ३, ४,

गाली स्त्री० (गाली) ગાળ દેવી તે गाली-कटु वचन-अपशब्द कहना Abusing प्रव० ४३३,

गाव. पुं० (गो) બળદ बैल An ox, a bullock अणुजो० १२८,

गावी. स्त्री० (गो) ગાય गाय A cow नाया० २, १, ४, २३, ज०प० —अजिण न० (-अजिन) ગાયનું ચર્મ गौका चर्म the hide of a cow प्रव० ६८३;

गास पु० (ग्रास-ग्रस्यते इति) કોળીયો; કવલ. निवाला, ग्रास. A mouthful of food उत्त० २, ३०, पिं० नि० ७७, विशे० २४०५; —एसणा स्त्री० (-एषणा) આહારની એષણા आहार का एषणा seeking of food or alms प्रव०२२,

गाह पु० (ग्राह) મગરમચ્છ જલચર પ્રાણિ વિશેષ मगरमच्छ, जलचर प्राणी विशेष An aquatic animal, an alligator उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१, सूय० २, २, ६३; तंदु० विवा० १, दसा० ६, ४, जीवा० १; नाया० ४; पिं० नि०३३२; पत्र० १; (२) પકડવું पकडना. holding; catching. राय० ३५, (३) ગ્રહણ કરી ચાલનાર. ग्रहण करके चलने वाला. one who walks after having accepted. ओघ० ३३;

√**गाह** धा० II (गाह) સ્થાપવું स्थापन करना To establish; to install
गाहेइ. दसा० १०, १;

√**गाह.** धा० I. (गह)પ્રવેશ કરવો; પેસવું. प्रवेश करना To enter
गाहइ सूय० १, २, १, ४;

गाहग. त्रि० (ग्राहक) સ્વીકારનાર લેનાર स्वीकार करने वाला लेने वाला (One) who takes or accepts पिं० नि० भा० २७; ३०, विशे० १४५६; (२) ગુરૂ; વિદ્યા આપનાર. गुरु; विद्या देने वाला. (one) who instructs like a Guru विशे० १४५६,

गाहग्ग न० (गाथाग्र) ગાથાનું પરિમાણ. गाथाका परिमाण. The limit of verses क० गं० ६, ६३,

गाहा स्त्री० (गाथा) પ્રાકૃત ભાષાનું પદ્ય, શ્લોક, આર્યા આદિ ગાથા प्राकृत भाषा का पद्य, श्लोक आर्या आदि गाथा A verse, a Māgadhi etc. verse, the metre known as Āryā etc. उत्त० १३, १२, भग०१, १. ३, २, १०;१०; ६, ४;२२ ३, ३१, १, नाया० १. ६; ८; अणुजो० १३१, १४६, वेय० ३, २०, आव० ४, ७; भत्त० १७२, प्रव० ६२३, जं० प० ७, १५३; (२) સામાન્ય પ્રાકૃત ગાથા બનાવવાની તથા જાણવાની કળા सामान्य प्राकृत गाथा बनाने व जानने का कला the art of composing or knowing ordinary Prākrita verses. ओघ०४०; (३)સૂયગડાંગ-સૂત્રના પ્રથમ શ્રુતસ્કન્ધના ૧૬મા અધ્યયન-નું નામ કે જેમાં ગાથારૂપે, શ્રમણ માહણ

भिक्खु अने निग्गन्थ शब्दोना लक्षणो दर्शाव्यां छे. सूत्रकृतांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वे अध्ययन का नाम की जिसमें गाथा रूपसे श्रमण, माहण, भिक्खु व निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Śruta Skandha of Sūyagadāṅga Sūtra. Here meanings of the words Śramana Māhaṇa, Bhikkhu and Nigrantha are given in verses सूय० १, १६. ६, सम० १६; उत्त० ३१, १३. पगह० २, ५;

गाहावइ. पुं० (गाथापति-गृहपति) कुटुंबने निभावनार नायक, कुलपति कुटुंब को निभानेवाला, कुलपति The head of the family कप्प० ५, ११६, ६, २० आया० २, ७, २, १६२, निर० ३, १, (२) कोठारनो उपरी, चक्रवर्तीना १४ रत्नमांनुं एक कोठार का ऊपरी भाग चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक. the part above the store, one of the 14 jewels of a Chakravarti सम० १४, ठा० ७, १, (३) ए नामना एक अन्य तीर्थी विद्वान इस नामका एक परिव्राजक सन्यासी a wandering ascetic of this name. भग० ७, १०

गाहावइ. पुं० (गृहपति) घरधणी, गृहस्थ गृहस्वामी, गृहस्थ. A householder आया० १, ७, २, २०२, २, १, ३, १५, सूय० २, २, ४२, २, ७, २, भग० २, १, ३, १, ५, ६, ७, १०, ८, ६. १०, ४, नाया० १, अंत० ३, १, वेय० १,३१, राय० २६६, विवा० १, सु० च० ११, ७, प्रव० १२३८, —करंडग (-करण्डक) गृहस्थनो करंडीओ के जेमां रत्न के सुवर्ण होय. गृहस्थ की टोकरी कि जिसमें रत्न या सुवर्ण हो. a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) ठा० ४, ४, —कुल न० (-कुल-गृहपतिगृहस्थस्तस्य कुलम्) गाथापतिनुं कुल गाथापति का कुल the family of a patriarch वव० ८, ५, निसी० ३, १; ६, ७, दसा० ६, २, —रयण न० (-रत्न) चक्रवर्तीना १४ रत्नमानुं एक चक्रवर्ती के १४ रत्ना में से एक one of the 14 gems of a Chakravarti, named Gāthapati. पन्न० २०

गाहावइणी स्त्री० (गृहपत्नी) घर धणीआणी गृह स्वामिना A housewife अंत० ३, ८, आया० २, १, ३, १५, भग० १५, १, नाया० ५,

गाहावई-ती. स्त्री० (ग्राहवती) नीलवन्त पर्वतथी नीकळी दक्षिण तरफ चालती २८ हजार नदीओना परिवारे शीता नदीमा मळती सुकच्छ अने महाकच्छविजयने जुदी पाडती एक महानदी नीलवत पर्वत से निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहती हुई २८ महस्र नदियों के परिवार सहित शीता नदी में मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करता हुई एक महानदी Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachchha Vijaya and flowing into the river Sīta, with 28 thousand tributary rivers It starts from Nīlavanta mountain and flows towards the south ठा० २, ३, जं० प० ३, ६०; —कुड पुं० (-कूट) सुकच्छ विजयनी पूर्वे महाकच्छ विजयनी पश्चिमे नीलवंत

पर्वतने दक्षिण कांठे ग्राहवती नदीनो दरेडो जेमां पडे छे ते कुण्ड. सुकच्छ विजय की पूर्व में व महाकच्छ विजय की पश्चिम में नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती नदी की धारा जिसमें गिरती है वह कुण्ड. name of a lake receiving the torrent of the waters of Grāhavatī river. It is to the south of Nīlavanta mountain, to the west of Mahākachchha Vijaya and to the east of Sukachchha Vijaya जं॰ प॰ —दीव. पुं॰ (-द्वीप) ग्राहावती कुण्ड वच्चेनो द्वीप ग्राहावती कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप. an island in the lake into which the river Grahavatī pours down her torrent जं॰ प॰

गाहिय-अ त्रि॰ (ग्राहित) शीखावेल, ग्रहण करावेल सीखाया हुआ, ग्रहण कराया हुआ. Taught; caused to accept or take दसा॰ ६, २०, सूय॰ १, २, १, २०; सम॰ ३०, नंदी॰ २७,

√**गिज्झ.** धा॰ I (गृध्) गृद्ध थवुं, मुंझाई जवुं लालचा होना, आसक्त होना To be greedy, to be confounded

गिज्झइ. नाया॰ १७, सु॰ च॰ ४, २८०, निसी॰ १२, ३५,

गिज्झेजा. वि॰ आया॰ २, १५, १७६,

गिज्झा वि॰ आया॰ १, २, ३, ७७,

गिज्झइ आ॰ नाया॰ ८,

गिज्झिहिंति भ॰ ओव॰ ४०.

गिज्झ सं॰ कृ॰ उत्त॰ २६, ३५,

गिज्झ त्रि॰ (ग्राह्य) ग्रहण करवा योग्य ग्रहण करने योग्य Worthy of acceptance; worthy of being taken विशे॰ २४०; २७०; उत्त॰ १३, १६; —वक्क त्रि॰ (-वाक्य) जेनुं वचन ग्रहण करवा योग्य छे ते जिसके वचन ग्रहण करने योग्य हो वह (one) whose words are worth accepting. क॰ गं॰ १, ५१,

गिज्झियव्व त्रि॰ (गृद्धव्य) लालचु थवा लायक लोभी होनेके लायक. Worthy of being greedy for पण्ह॰ २, ५,

—**गिड्डियाइरमण** न॰ (-गिड्डिकादिरमण) गेडीदडा वगेरेनी रमत गेंद व दण्डुके का खेल. (अंग्रेजी रमत हॉकी के समान) a game like hockey प्रव॰ ४४१;

√**गिण्ह.** धा॰ I, II (गृह्) ग्रहण करवुं, लेवुं, स्वीकारवुं ग्रहण करना; लेना, स्वीकार करना To accept.

गिण्हेइ नाया॰ ५, ८, १३,

गिण्हइ उत्त॰ २५, २४, निसी॰ २, ४; नाया॰ १, १४, १६, पन्न॰ ११, भग॰ २, १, ५, राय॰ २६६, जं॰ प॰ ५, ११७,

गेण्हइ नाया॰ ८, भग॰ १२, ५, २५, २,

गेण्हेइ सु॰ च॰ १, २६५,

गिण्हंति विशे॰ २०५, नाया॰ १, २, १८, भग॰ २, १, राय॰ ८६; दसा॰ ९, १५, जं॰ प॰ ५, ११४,

गेण्हंति भग॰ १८, ३, २५, २,

गिण्हामि नाया॰ ७, ८;

गिण्हामो नाया॰ ८, ओव॰ ३६,

गेण्हामो भग॰ ८, ७,

गिण्हिज्जा वि॰ आया॰ २, १५, १७६;

गिण्हे वि॰ पिं॰ नि॰ २०५;

गण्हेज वि॰ विशे॰ २१२;

गेण्हेज्जा वि॰ भग॰ ३, १; ४; ५, ६;

गिण्ह आ॰ सु॰ च॰ ४, १५०; दस॰ ७, ४५. भग॰ १, १, २, १;

गिराहाहि. आ० नाया० ७, १२; १४; दस० ६, ३, ११; आया० २, ३, २, १२०,
गिराहसु. आ० सु० च० १, ३५६,
गिएहह. आ० नाया० १२,
गिएहेह. आ० नाया० ७;

√गिएह धा० I (ग्रह) ગ્રહણ કરવું ग्रहण करना To take.
घेच्छिइ. भवि० विशे० १०२३,
घेच्छामि भवि० पिं० नि० ४८१,
घेच्छ. भवि० विशे० ११२७,
घेच्छा भवि० पिं० नि० २८१,
घित्त स० कृ० सु० च० २, १७०,
घेत्तूण. स० कृ० नाया० ६, उत्त० ७, १४,
घेत्तुं. स० कृ० पिं० नि० १६३, प्रव० १५८
गिएहेत्ता स० कृ० नाया० ८, १३, १५
गेरिहत्ता स० कृ० भग० २, १;
गिरिहऊण स० कृ० नाया० २ विवा० ७,
गिरिहय. सं० कृ० नाया० ६,
गिरिहत्ता सं० कृ० नाया० १, ८, २, ५, ७, ६, १२, १६, भग० २, ५, ज० प० ५, ११४
गेरिहत्तए हे० कृ० भग० ३, २,
गिराहंत व० कृ० उत्त० २४, १३, पिं० नि० १८४,
गेराहमाण. व० कृ० भग० ३, २, ३, ७, १०, ७, ८, ७, नाया० १,
गिएहमाण. व० कृ० विवा० १, वय० ६, ७ दसा० २, १५, १६ ठा० ५, २, सम० २१,
गिराहावइ णि० सु० च० १३, ६४;
गिराहावेइ णि० विवा० ५, नाया० ५, १२;
गिराहाविजा वि० आया० २, १५, १७६,
गिएहावेसु. णि० भू० नाया० १;
गिराहाविता णि० स० कृ० नाया० ८,

√गिराह. धा० I. (गृह् क० वा०) ગ્રહણ કરવું. ग्रहण किया हुआ. To take.
घिप्पइ. क० वा० सु० च० ४, १६८;
घेप्पइ. क० वा० पिं० नि० ३५६;
घेप्पेज्ज. क० वा० वि० विशे० २८७;
घिप्पमाण क० वा० व० कृ० भग० १, १,

गिएहण न० (ग्रहण) પકડવું पकड़ना. Catching, holding पिं० नि० १८१; नाया० ६,

गिरिहअव्व. त्रि० (गृहीतव्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય, સ્વીકારવા યોગ્ય. ग्रहण करने योग्य, स्वीकृत करने योग्य Worth being accepted or taken अणुजो० १५६,

गिद्ध त्रि० (गृद्ध) લાલચુ, આસક્ત लालची; आसक्त. Greedy, excessively attached दसा० ६ १, पराह० १, १; भग० ७, १, नाया० २, ५, ८, १७, दस० ८, २३, १०, १, १७, उत्त० ५, ५, ८ ११, प्रव० ८४०, भत्त० ११२,

गिद्ध पु० (गृध्र) ગીધ, માંસાહારી પક્ષી વિશેષ गीध, मांसाहारी पक्षी विशेष A vulture "ढंक गिद्धेहिंणत सो" उत्त० १६, ५६; आया० २, १०, १६६, ओव० ३८, प्रव० १०३०, नाया० २;

गिद्धपिट्ठ न० (गृध्रपृष्ठ) ગૃધ્રપૃષ્ઠ નામનુ મરણ, કોઇ જનાવરના કલેવરમાં પડી ગિદ્ધાદિકના ચુંથી ખાવાથી મરવુ તે, બાર અકામ મરણમાનુ એક गृध्रपृष्ठ नामक मृत्यु किसी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर गिद्धादिकका उसको चोंच मार मार कर खाना वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक Devouring (by vultures etc) of carcass of an animal by pecking; one of the 12 kinds of deth. ठा० २, ४, भग० २, १, निसी० ११, ४१; प्रव० १०२१, नाया० १६; —मरण. न० (-मरण) ગિદ્ધ વગેરે પક્ષીના ફોલી ખાવાથી મરવું તે. गिद्ध आदि पक्षी के चोंच मार मार कर खाना

मरण. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc सम० ७७;

गिद्धि स्त्री० (गृद्धि) આકાંક્ષા, આસક્તિ; આતુરતા आकांक्षा, आसक्ति, उत्सुकता. Greed, longing, attachment. आया० १, ६, २, १८३; प्रव० १०३०,

गिम्ह पुं० (ग्रीष्म) ગીષ્મ ઋતુ, ગરમીની મોસમ ઉન્હાળો ग्रीष्म ऋतु, गरमी की मौसिम Summer. ओव० १७, ३६; भग० ५. १, ७, ३, १४, ८, नाया० १, ८; ९; सूय० १, ३, १, ५, जं० प० ७, १६२, आया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, १, विशे० १२७२, निर० ४, १, सु० च० ३, २४०; दस० ३, १२, पिं० नि० ८३, वेय० १, ७, सु० प० ८, कप्प० १, २, ४, ४६; गच्छा० ७७, प्रव० ५११, ६११, —उउ पुं० (-ऋतु) ગ્રીષ્મ ઋતુ, ઉનાળો ग्रीष्म ऋतु summer season. नाया० ६, —काल पु० (-काल) ઉનાળો, વૈશાખ જેઠ માસનો સમય ग्रीष्म, वैशाख जेठ मासका समय. summer नाया० १; —कालसमय पुं० (-कालसमय) ઉનાળાનો વખત ग्रीष्म का समय. time of summer. नाया० १३,

गिम्हग त्रि० (ग्रीष्मक) ગ્રીષ્મ ઋતુમાં થયેલું ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ belonging to the hot season. अणुजो० १३३,

गिरा स्त्री० (गिर्) વાણી वाणी, शब्द. Speech; words भग० ३, २, ६, ३३, नाया० १; उत्त० १२, १४, निसी० १६, १५, दस० ७, ३; ५४; वउ० १८;

गिरि पु० (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननिवासभूतत्वेन) પર્વત; ડુંગર, પહાડ. पर्वत; पहाड; गिरि A mountain. भग० ५; १; ३, ७; ७, ६; नाया० १; २; १८; ओव० ३१, ३८; उत्त० ११, २६; ३२, २६; आया० २, १, २, १२; ओघ० नि० ७८४; जं० प० ३, ४७, महा० प० ८२; दस० ६, १, ६, भत्त० १६१; —ईसर. पु० (-ईश्वर) પર્વતોનો ઈશ્વર, મોટો પર્વત. पर्वतों का ईश्वर, महान् पर्वत the highest mountain. प्रव० १५०५, —कंदर पु० (कन्दर) પર્વતની ગુફા. पर्वत की गुफा. a mountain cave. विवा० २; नाया० २, १६, प्रव० ८८४, —कडग. पुं० (-कटक) પર્વત પાસેની જમીન पर्वत के पास की जमीन the side or ridge of a mountain नाया० १८, —गुहा. स्त्री० (-गुहा) પર્વતની ગુફા पर्वत की गुफा a mountain cave. आया० १, ७, २, २०२; —जत्ता स्त्री० (-यात्रा) પર્વતની યાત્રા (જાત્રા) पर्वत की यात्रा a pilgrimage to a mountain नाया० १, निसी० ६, १६; —णयर न० (-नगर) પર્વત પાસેનું નગર, શહેર पर्वत के पड़ौस (निकट) का शहर—नगर a town near a mountain अणुजो० १३१; —पडण. न० (-पतन) પર્વતથી પડીને મરણ નિપજાવવું એક પ્રકારનું બાલમરણ पर्वत से गिर कर मरण होना death by fall from a mountain ठा० २, ४, भग० २, १, निसी० ११, ४१; नाया० १६. —पायमूल न० (-पादमूल) પર્વતની તળેટી पर्वत की तली the bottom of a mountain भग० १४, ८, —मह. पुं० (-मह) પર્વતનો ઉત્સવ पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय० २१७, —राय पुं०(-राज) પર્વતનો રાજા, મેરૂ પર્વત पर्वतों का राजा; मेरु पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १६; जं० प०
—दरि. स्त्री० (-दरा) પર્વતમાં પડેલી ફાટ. पहाड़ में पड़ा हुआ चीरा. the crack in a mountain. क० ग० ५, ६३;
—सिहर. न० (-शिखर) પર્વતનું શિખર ટોચ. पर्वत का शिखर. the summit of a mountain. नाया० ५, ६;

गिरिकरिणया. स्त्री० (गिरिकर्णिका) ગિરિકર્ણિકા નામની એક વેલ. गिरिकर्णिका नाम की एक बेल. A kind of creeper so named पन्न० १;

गिरिकन्नी स्त्री० (गिरिकर्णी) ગિરિ કર્ણિકા નામની વેલ. गिरि कर्णिका नामकी एक बेल A kind of creeper प्रव० २४०,

गिरिकुमार पुं० (गिरिकुमार) ચુલ્લહિમવંત પર્વત સંબંધી એક શિખરના અધિષ્ઠાતા દેવતા. चूल हिमवन्त पर्वत सम्बन्धी एक शिखर का अधिष्ठाता देवता The presiding deity of the summit of Chūlahimavanta mountain. जं० प० ४, ७४,

गिरिवर पुं० (गिरिवर) શ્રેષ્ઠ પર્વત; મેરૂ પર્વત श्रेष्ठ पर्वत; मेरु पर्वत Meru mountain, the loftiest and the greatest of all मत्त० ११६. —गुरु त्रि० (-गुरु) મેરૂ-પર્વત સમાન મ્હોટા શ્રેષ્ઠ. मेरु पर्वत के समान महान्-श्रेष्ठ great as Meru मत्त० ११६,

गिरिसिया. स्त्री० (गिरिसिका) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक प्रकार का वाजित्र. A kind of musical instrument. राय० ८६;

गिलमाण त्रि० (गिलत्) ગળતો; પાછું પેટમાં ઉતારી જતો गलित होता हुआ; पुनः पेट में उतारता हुआ. Swallowing; swallowing back again into the belly. वेय० ५, १०;

√ गिला. धा० I. (ग्लै) ગ્લાનિ પામવી; મુઝાઈ જવું. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना. To wither; to suffer mental pain.
गिलाइ. आया० १, २, ६, १००; भग० २, १, नाया० १,
गिलायति. भग० ५, ८;
गिलामि. आया० १,७, ६, २२१, भग० २,१;
गिलायमाण व० कृ० दसा० ४, १०४; वव० २, ५; ४, ११; ५,१२; वेय० ६,१०;

गिलाण. त्रि० (ग्लान) ગ્લાનિપામેલ; અશક્ત; રોગી; દુર્બલ ग्लानि युक्त; अशक्त, रोगी, दुर्बल. Withered, enfeebled; sickly; afflicted in mind. उत्त० ५, ११; सम० ३०, ठा० ३, ४, सूय० १,३, ३, १२; पराह० २, ३; पिं० नि० भा० १७; विवा० ७; विशे० ४; दसा० ६, २३, २४. निसी० १०, ४२; १४, ६; भग० ८, ८; १२, २, नाया० १३; कप्प० ६, १८, गच्छा० ११६; प्रव० १४५; १६२, २२५; ८७२, —पओग. पुं० (-प्रयोग) અશક્તને અનુકૂલ પડે એવો પ્રયોગ-ઉપચાર अशक्त को अनुकूल हो ऐसा प्रयोग. treatment, remedy agreeable to an enfeebled person निसी० १०,४४, —भत्त. न० (-भक्त) રોગી-અશક્તને માટે તૈયાર કરેલું ભોજન. रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ भोजन food for an invalid. ओघ० ४०; भग० ५, ६, ९, ३३; नाया० १; निसी० ६, ६, —वेयावच्च न० (-वैयावृत्य-ग्लानस्य अशनपानादिभिरुपष्टम्भः) રોગીની વૈયાવચ્ચ-સેવા रोगी की " वैयावच " सेवा. tending the sick; service rendered to a sick person. ठा० ५, १; वव० १, २; ७; भग० २५, ७;

गिलाणभिः. पुं० (ग्लानभि). કારમુક રોગ; કારમુક વ્યાધિ. मरमकरोग; अशक्त. व्याधि.

A kind of disease आया० १, ६, १, १७२;

गिलिअ. त्रि० (गिलित) ગળી ગયેલ, ગળા નીચે ઉતારેલ गलित; गले के नीचे उतारा हुआ. Eaten; consumed पिं० नि० १८२;

* गिल्लि. स्त्री० (*) હાથીના અંબાડી हाथी का ओहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin जं० प० भग० ३,४,५, ७;८, ६. ११, ११; (२) બે માણસોએ ઉપાડેલ ઝોળી-ડોલી दो मनुष्यों ने उठाई हुई झोली -डोली a sort of small palanquin lifted up by two persons दसा० ६, ४, सूय० २, २, ६१, (३) ઉંટનું પલાણ. ऊंट की काठी the saddle which is tied on the back of a camel. सूय० २, २, ६२, जीवा० ३, ३;

गिह न० (गृह) ઘર, મકાન; રહેઠાણ घर, मकान A house; a residence आया० १, ५, ६, १६४, २, ४, २, १३६, ओव० ११, भग० ३, ७, १२, १, १५, १, नाया० १, २, ३, ५, ८, १३; १४, १६, १८, दस० ८, १; निसी० १, ५६; ६, १२, वेय० १, १२, ४, २६, सु० च० २, ५००, दस० ७, २७, उवा० १, ५८, —अंगण न० (-अङ्गण) ઘરનું આગણું-ફળીયું. घर का आंगन. a court-yard in front of a house. निसी० ३. ६३; —अंतर. न० (-अन्तर) ગૃહાન્તર-બે ઘર વચ્ચેનો ભાગ, ઘરનું અન્તરાલ. गृहांतर-दो घर का मध्यस्थ भाग. an interval of space between two houses; the inside of a house. आया० १, ६, ५, १६५; —अंतरणिसिज्जा. स्त्री० (-अन्तरनिषद्या) બે ઘરની વચ્ચે બેઠક કરવી તે. दो घर के बीचमें बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा० ३, ४; —एलुग. न०(-एलुक) ઉમ્બરો-બારણાનો નીચેનો ભાગ. देहली-द्वार के नीचे का भाग. the threshold. आया०२,५, १, १४८; —एलुय. न० (-एलुक-चालिन्द) ઘરનો ઉમ્બરો घर की देहली the threshold निसी० ३, ६३; १३, ४; —दुवार. न० (-द्वार) ઘરનું બારણું. घर का दरवाजा. a house-door निसी० ३, ६३; —धम्म पुं० (-धर्म) ગૃહસ્થનો ધર્મ (અતિથી સત્કાર વગેરે) गृहस्थ का धर्म (अतिथि सत्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नाया० ८, १५; —मुह. न० (-मुख) ઘરનો આગળો ભાગ घर का आगे का भाग the front of a house. निसी० ३, ६३, —लिंग पुं० (-लिङ्ग) ગૃહસ્થનો વેષ. गृहस्थ का वेष the garb of a householder. भग० २५, ६, ७, —वइ पुं० (-पति) ઘરનો ધણી घर का मालिक the owner of a house; the lord of a house दस० ५, १, १५, १६, प्रव० ६८८, —वच्च. न० (-वर्चस्) ઘરનો કચરો. घर का कूडा. the dirt or refuse of a house. निसी० ३, ७३, —वास. पुं० (-वास) ઘરનો વાસ, ગૃહસ્થાશ્રમમાં રહેવું તે गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

of being a householder. उत्त॰ ५, २४; ३६, ५; —संधि. पुं॰ (-सन्धि) બે ઘરનું જોડાણ; બે ઘરની વચ્ચેનો પ્રદેશ. दो घर का संधान, दो घरों के बीच का प्रदेश the interval of space between two houses. उत्त॰ १, २६,

गिहकोकिलिया स्त्री॰ (गृहकोकिला) ગૃહ-ગોધિકા–ઠેઢગરોડી छिपकली. A lizard. विशे॰ २४५६;

गिहत्थ. पुं॰ (गृहस्थ--गृहमगारं तत्रतिष्ठति सः) ગૃહસ્થાશ્રમી-ગૃહસ્થ. गृहस्थाश्रमी--गृहस्थ A householder उत्त॰ २, १६, ५, २२, भग॰ ३, १, नाया॰ ११; १५; दस॰ ५, २, ४५; सु॰ च॰ १५, ७०, निसी॰ १२, १६, गच्छा॰ ११०, आव॰ ६, ६; पचा॰ १३, ३५, भत्त॰ १४; १७०, —धम्म. पु॰ (-धर्म) ગૃહસ્થનો ધર્મ; શ્રાવક ધર્મ गृहस्थ का धर्म, श्रावक धर्म. the duties or the rules of a layman. गच्छा॰ ३२: —पच्चक्ख न॰ (-प्रत्यक्ष) ગૃહસ્થની સમક્ષ-પ્રત્યક્ષ, ગૃહસ્થના દેખતાં गृहस्थ के समक्ष-समीप-प्रत्यक्ष गृहस्थ की दृष्टि के सामने. in the presence of a householder गच्छा॰ ११०; —भाव पु॰ (-भाव) ગૃહસ્થપણું गृहस्थपन the status of a householder. पचा॰ १०, ३६, —भासा स्त्री॰ (-भाषा) ગૃહસ્થની ભાષા, મામા, આઈ, ભાઈ વગેરે બોલવું તે गृहस्थ की भाषा, मामा, माता, भाई इत्यादि बोलना the householder's mode of addressing relations गच्छा॰ ११७; —संसट्ठ. त्रि॰ (-संसृष्ट) ગૃહસ્થના ઘી વગેરે પદાર્થથી ખરડાયેલ (હાથ વગેરે) गृहस्थ के घी इत्यादि पदार्थ से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands of a householder smeared with ghee etc. आव॰ ६, ५;

गिहि. पुं॰ (गृहिन्–गृहमस्यास्तीति) ગૃહસ્થાશ્રમવર્તી; ગૃહસ્થ गृहस्थाश्रमवर्ती, गृहस्थ. A householder. दस॰ ३, ६; ६, ३६; ८, ५१; ६, ३, १२; पिं॰ नि॰ भा॰ ३६; पिं॰ नि॰ १४३, १४६; विशे॰ १२६४, उवा॰ १, १२; पंचा॰ १, ३१, ४, ५, गच्छा॰ १२८; प्रव॰ २, —जोग. पुं॰ (-योग) ગૃહસ્થનો યોગ-સમાગમ. गृहस्थ का परिचय, समागम contact with a householder. दस॰ ८, २१, १०, १, ६; —णिसिज्जा. स्त्री॰ (-निषिद्या) ગૃહસ્થની બેઠક પલંગ આદિ गृहस्थ की शय्या पलंग आदि the seat e g a cot etc. used by a householder. निसी॰ १२, १६; —तिगिच्छा. स्त्री॰ (-चिकित्सा) ગૃહસ્થનું વૈદું કરવું તે गृहस्थ का वैदिक उपाय करना medical treatment of a householder. निसी॰ १२, १७; —धम्म पु॰ (-धर्म- गृहं यस्यास्तीति तद्धर्म) ગૃહસ્થધર્મ-ને જ શ્રેયસ્કર માનનાર વર્ગ; ત્યાગ ધર્મનું ઉત્થાપન કરનાર गृहस्थ धर्मको ही श्रेयस्कर मानने वाला वर्ग; त्याग धर्म का उत्थापन करने वाला. one who regards the duties of a householder as the highest duties, one opposed to asceticism. अणुजो॰ २०; (२) શ્રાવકના બાર વ્રતરૂપ ગૃહસ્થ ધર્મ श्रावक के द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the precepts or the 12 vows of a Jaina layman. विवा॰ १; राय॰ २२३, नाया॰ १४; —णिसिज्जा. स्त्री॰ (-निषद्या) ગૃહસ્થીની બેઠક गृहस्थी की बैठक the seat of a householder. गच्छा॰ १२६; —पडिक्कमण न॰ (-प्रतिक्रमण)

-गृहस्थनुं-श्रावकनुं प्रतिक्रमण. गृहस्थ का-श्रावक का प्रतिक्रमण. Pratikramaṇa (prayer and confession of faults) to be practised by a layman. प्रव॰ २; —भायण. न॰ (-भाजन) गृहस्थना वासण-थाळी विगेरे गृहस्थ के पात्र-थाली इत्यादि. household utensils. सम॰ १८; दस॰ ६, ५२; —मत्त न॰ (-अमत्र) गृहस्थना भाजन-थाळी कळश वगेरे. गृहस्थ के बरतन -पात्र-थाली कलश आदि. cups, dishes etc. used by a householder दस॰ ३,३; निसी॰१२,१४; —वत्थ पुं॰ (-वस्त्र) गृहस्थनां वस्त्र गृहस्थ के वस्त्र clothes worn by a householder, dress of a householder. निसी॰ १२, १५. —व्वय. न॰ (-व्रत) गृहस्थना व्रत, श्रावकना व्रत गृहस्थ के व्रत; श्रावक के व्रत. the vows or precepts of a layman. प्रव॰ ५४, —संथव न॰ (-संस्तव) गृहस्थनो विशेष परिचय गृहस्थका विशेष परिचय. close contact with a householder दस॰ ८, ५३;

गिहिभूय. वि॰ (गृहिभूत) गृहस्थ सरखो गृहस्थ के समान Resembling a householder. भग॰ २, २१; —लिंग. न॰ (-लिङ्ग) गृहस्थनुं चिन्ह-वेष गृहस्थ का चिन्ह-वेष. a mark of a householder, dress, garb उत्त॰ ३६, ४९; सम॰ प॰ २३१; पन्न॰ १; प्रव॰ ११; ५०६; —लिङ्गसिद्ध. पुं॰ (-लिङ्गसिद्ध) गृहस्थना वेष धारण करी सिद्ध थयेल; (जेम मरुदेवी). गृहस्थ का वेष धारण कर सिद्ध जो हुआ है वह (यथा मरुदेवी). one who has become a Siddha in the condition of a householder; e. g Marudevī. पन्न॰ १;

गीअत्थ. त्रि॰ (गीतार्थ) बहुसूत्री. बहुसूत्री. Learned, well-versed गच्छा॰ ४१;

गीइ. स्त्री॰ (गीति) गीत; छन्द विशेष गीत; छन्द विशेष. Art of music; name of a metre. नाया॰ १,

गीइय. पुं॰ (गीतिक) गीत-कविता बनाववानी विधि. गीत-कविता बनाने की विधि. A poet, a composer of songs नाया॰ १;

गीत न॰ (गीत) गायन-गीत गाना-गीत A song अणुजो॰ १२,८,ओव॰२४, पंचा॰६, ५, (२) सूत्र तथा अर्थने जाणनार; विद्वान. सूत्र व अर्थ का जानने वाला; विद्वान. a learned person, one knowing the original text and its meaning पंचा॰ १०, ४६,

गीय-अ न॰ (गीत) गीत-गायन कला गीत-गायन कला. Art of song; music भग॰ ७ ६, ११, ११, नाया॰ १, ८; १४, सु॰ च॰ २, ३२६, जीवा॰ ३, ४; ओव॰ ३२, ३८, उत्त॰ १३, १६, १६, ५; सू॰ प॰ १८, राय॰ १६, कप्प॰ २, १३; आया॰ २, ११. १७०, (२) गीतार्थ, आगमनो जाण गीतार्थ, आगम का ज्ञान. one knowing the Āgamas (scriptures). जं॰ प॰ ७, १४०, प्रव॰ ८६६, पंचा॰ ११, ६, —वाइय न॰ (-वादित) गीत अने वाजित्र. राग और साज Singing and music जं॰ प॰ ५, ११२,

गीयजस. पुं॰ (गीतयशस्) गन्धर्व जातना व्यन्तर देवनानो बीजो इंद्र. गन्धर्व जातिके व्यन्तर देवता का द्वितीय इंद्र. The

second Indra of Gandharva class of Vyantara gods. ठा० २, १; भग० ३, ८; १०, ५; जीवा० ३, ४, पन्न० २,

गीयत्थ. पुं० (गीतार्थ) शास्त्रना अर्थने જાણનાર બહુશ્રુત शास्त्र के अर्थ को जाननेवाला; बहुश्रुत One well-versed in scriptures प्रव० ७७७, गच्छा० १००, —मीसिअ त्रि० (-मिश्रित) गीतार्थ અને અગીતાર્થ બનેનુ મિશ્રણ. गीतार्थ व अगीतार्थ इन दोनों का मिश्रण consisting of a mixture of both Gītārtha and Agitartha i e the well-versed in scriptures and the ignorant प्रव० ७७७.

गीयरइ पुं० (गीतरति) દક્ષિણ તરફના ગન્ધર્વ દેવતાનો ઇન્દ્ર. दक्षिण तरफ के गन्धर्व देवता का इन्द्र Indra of the southern Gandharva gods भग० ३, ८; १०, ५, पन्न० २. विवा० २, ठा० २ ३,

गीवा स्त्री० (ग्रीवा) ડોક, ગરદન ગળુ कण्ठ, गरदन, गला Neck, throat. आया० १ १, २, १६. अणुजो० १४३. ओव० १०. उत्त० ३४, ६; नाया० २, ८, १४, जीवा० ३, ३. पन्न० १७. राय० ५२ जं०प० उवा० २, १०८.

गुंजंत त्रि० (गुञ्जत्) ગુંજારવ કરતો ની–ગુ गुनगुन करता हुआ. Humming. giving out a low sound ओव० नाया० १,

गुंजद्ध न० (गुञ्जार्ध) અડધી ચણોઠી, અડધી રતિ. अर्धरति Half a Gunja (q. v) in weight. a little less than one grain. भग० २, १, नाया० १. —राग पुं० (-राग) અર્ધ ચણોઠીનો રાગ. अर्ध-रतिका राग tune of a half grain. कप्प० ४, ६०;

गुंजा. स्त्री० (गुञ्जा) ચણોઠી; रत्ति एक जाति का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काला ऐसा चने के दाने के प्रमाणका फल कि जो सोना, चादी इत्यादिको तोलने मे काम आता है. रत्ती A red black berry of a shrub of the same name equal to two grains in weight ओव० १३; अणुजो० १६; १३३; पन्न० १७, राय ५३, ८६,—वल्ली स्त्री०(-वल्ली) ચણોઠીની વેલ. एक जाति के लाल परन्तु उपरसे काले रंगसे मिश्रीत चने के दानेके समान फल की बेल कि जो सोना चादी इत्यादि को तोलने में काम आते हैं, रत्ती A line of the red black berries of a shrub of the same name पन्न १;

गुंजालिआ-या. स्त्री० (-गुञ्जालिका) વાંકી વાવ, નીક, નહેર વગેરે. टेढा बावडी, नहर इत्यादि A canal or a channel of water which is not straight ओव० ३८, अणुजो १३४. निसी० १२, २१; जीवा० ३ ४, राय० १३२; भग० ५, ७; ८, ६, नाया० १ २; पण्ह० २, ५,

गुंजावाय पुं० (-गुञ्जावात) શબ્દ કરતો સુસવાટા મારતો પવન शब्द करता हुआ सुसाटा मारता हुआ पवन Hissing wind उत्त० ३६, ११८, पन्न० १,

गुंजिय. त्रि० (गुञ्जित) ગુંજારવ કરેલ. गुंजारव किया हुआ Sounding lowly; humming. पण्ह० १, ३; प्रव० १४७१;

गुंडण न० (गुण्डन) રજથી ખરડાવું તે. रज से भरजाना-बिगडना Spoiling smearing with dust etc नाया० १;

गुंडिअ-य. त्रि० (गुण्डित) રજથી ખરડાયેલ रजसे भरा हुआ. Smeared with dust. पि० नि० ४४२; नाया० १; (२) વીટાએલું; ઘેરાએલું. घेराहुआ; लिपटा हुआ. rolled; wrapped. ओव० नि०

भग० १५१; पण्ह० १, ३; सूय० १, २, १, १५;

गुंदवक्ख. पुं० (गुन्दवृक्ष) એક જાતનું ઝાડ. (गुंदा) एक जाति का झाड-वृक्ष. A kind of tree having fruits equal in size to hog-plums; a tree full of gum. भग २२, १,

गुंदल. न० (गुन्दल) ક્રીડા; ખેલ क्रीडा खेल. Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ. पुं० (गुच्छ) રીંગણી પ્રમુખના ગુચ્છા वृक्षादिका गुच्छा A cluster of trees etc. ज० प० १, १०; नाया० १; ५, भग० ७, ६; १९, १, जीवा० १; पन्न १; (२) ગુચ્છો. શરીર વગેરે ઉપરથી રજ કે જતુને પુંજીને દૂર કરવાનું એક સાધન-ધર્મનું ઉપકરણ (२) गुच्छा; शरीर इत्यादि के ऊपरसे रज व जंतु दूर करने का एक साधन -धर्म का उपकरण a kind of brush made of woollen threads to remove dust or insects from body etc. आव० ४, ८,

गुच्छग. पुं० (गुच्छक) ગુચ્છો गुच्छा A cluster प्रव० ५०६,

गुच्छय-अ. पुं० (गुच्छक) શરીર અને વસ્ત્ર પાત્ર પુંજવાનો ઉનનો ગુચ્છો-ગોચ્છો शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का ऊनका गुच्छा A wollen brush to cleanse the body, vessels clothes etc उत्त० २६, २३; ओघ० नि० ६६८;

गुज्झ. त्रि० (गुह्य) ગુપ્ત વાત; બહારના માણસો આગળ પ્રકાશવા યોગ્ય નહિ તે. गुप्त वर्तान; बाहर के मनुष्यों के समीप प्रकाशित करने योग्य नहीं वह. (Anything) secret; private. प्रव० ४४२; ५१६, राय० २१५; नाया० २; ७; (२) ગુહ્ય ભાગ, ગુહ્યેંદ્રિય. गुह्य भाग; गुह्येंद्रिय. a secret part of the body. ओघ० नि० भा० ३११; पण्ह० १, ४; ओघ० १०; अणुजो० १३०; नाया० १; २; (३) ભવનપતિ દેવતાનો એક અવાન્તર ભેદ. भवनपति देवता का एक अवान्तर भेद. a sub-division of gods known as Bhavanapati. दस० ७, ५३; —अंतर न० (-अन्तर) ગુહ્યસ્થાનનો વચલો ભાગ. गुह्य स्थान का मध्यस्थ भाग. the middle portion of a private, secret part (e. g of the body) नाया० १६; नाया० ध० —अंतराय पुं० (-अन्तराय) ગુહ્યસ્થાનનો અતરાલ-મધ્ય ભાગ गुह्य स्थान का अतराल-मध्य भाग. a middle portion of secret parts (e. g. of the body). "गुज्झंतरायं ओवेति" निर० ४, १; —अणुचरिअ. न० (-अनुचरित) ગુહ્ય જાતના ભવનપતિ દેવોએ સેવેલું (સ્થાન). गुह्य जाति के भवनपति देवोंसे सेवित किया हुआ (स्थान) (a place) resorted to by gods styled Guhyas दस० ७, ५३;

गुज्झग पुं० (गुह्यक) ભવનપતિ દેવની એક જાત. भवनपति देव की एक जाति. A particular kind of deities, a Bhavanapati (lords of the lower parts of the earth) god दसा० ६, २६; पिं० नि० ४५२, दस० ६, २, १०, (२) ગુપ્ત; અદૃશ્ય. गुप्त; अदृश्य. secret. सम० १०, ओघ० नि० भा० २३८;

गुज्झदेस पुं० (गुह्यदेश) ગુહ્ય સ્થાન. गुह्य स्थान. Rectum प्रव० २५३; —रक्खट्ठ. न० (-रक्षार्थ) ગુહ્યસ્થાનની રક્ષામાટે. गुह्य स्थान की रक्षा के लिये. for the safety of rectum. प्रव० ५२६;

गुत्तागारसाला. स्त्री० (गुप्तागार) गुप्त घर. गुप्त घर. A secret house; a private room. निसी० ८, १७; —गय. त्रि० (-गत) गुप्त घरमां रहेल गुप्त घर में रहा हुआ. (one) gone in a private room. निसी० ८, १७;

गुड. पुं० (गोष्ठ) गायोने रहेवानो वाडो. गौओं को रहने का बाडा. A cow-pen भत्त० १६२;

गुड. पुं० (गुड) गोळ; शेरडीना रसथी बनेल खाद्य पदार्थ. गुड; गन्ने के रस से बना हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पिं० नि० भा० ३, अणुजो० ६५; जीवा० ३, ३; प्रव० २०६, कप्प० ६, १७,

गुडायारि. त्रि० (गूढाचारिन्) पोतानो दुराचार छुपावनार. अपना दुराचार छिपाने वाला (one) hiding one's own misconduct दसा० ६, ८,

√गुण धा० I,II (गुण्) गुणवुं, आवर्तन करवुं गुनना; आवर्तन करना To multiply

गुणइ सु० च० १४, ६१,

गुणति ओघ० नि० ६६२,

गुणेत्ता सं० कृ० ज० प० ७, १३५;

गुण. पुं० (गुण) गुण मूलगुण अने उत्तर गुण. मूलगुण–महाव्रत; उत्तरगुण–समिति आदि गुण-मूलगुण व उत्तरगुण, मूलगुण-महाव्रत, उत्तरगुण-समिति आदि A quality, it is classified into Mūlaguṇa i e a full vow and Uttaraguṇa i e. Samiti etc विशे० १; अणुजो० २१; दस० ८, ६१; (२) श्रावकनां त्रण गुण व्रत; ६ ठुं ७ मुं अने ८ मुं व्रत. श्रावक के तीन गुण व्रत. छठा सातवा व आठवा व्रत. the three vows viz. the 6th, the 7th and the 8th of a Jaina layman. भग० २, ५; ७, ६; नाया० ८; पञ्च० २०; (३) द्रव्यमां रहेल धर्म; वस्तुस्वभाव द्रव्य में रहा हुआ धर्म, वस्तुस्वभाव. the nature of a thing. ओघ० पञ० १५; पिं०नि०भा० १; (४) शब्द, रूप, रस आदि कामना गुण, इंद्रिय विषय. शब्द, रूप, रस आदि काम के गुण; इंद्रिय विषय the object of senses viz sound, sight, taste etc. पिं०नि०१२८; आया० १, १, ४, ३४; १, २, १, ६३; (५) क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता आदि सद्गुण. क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता इत्यादि सद्गुण the virtues e.g. forgiveness, modesty, knowledge, straightforwardness etc भग० २, १; ७, २; ८, ४, २५, ४, ४२, १; नाया० १; ३; ८, १०; १६, दस० ५, २, ४४, ६, ६, ७, ५६, ६, १, १७; ६, ३, ११, राय० ८०, २१५, नंदी० स्थ० ४; अणुजो० १२८, पिं० नि० ३१२; उवा० १, ६६; क० प० १, २६; क० ग० २, ६; (६) सूत्रना तातणा, दोरा. सूत के तंतु, डोर cotton threads. जीवा० ३; राय० १०६; कप्प० ३, ३४, (७) गणवुं, गुणाकार करवो; गिनना; गुना करना. counting. ज०प०५,१२१; पञ्च०२, २८, कप्प०३, ३४; —अणुराग. पुं० (-अनुराग) गुणनो अनुराग–प्रेम गुण का अनुराग-प्रेम. love for merit. भत्त० ५४, —अहिय. त्रि० (-अधिक) गुणेकरी अधिक. गुणों से करके अधिक surpassing by reason of, in point of qualities उत्त० ३२,५; —आसाय. पुं० (-आस्वाद) विषयना शब्दादि गुणोमां आस्वाद; आसक्ति. विषय के शब्दादि गुणों में आस्वाद–आसक्ति.

attachment to objects of senses such as sound etc. आया० १, १, ५ ४१; —उक्कित्तण. न० (-उत्कीर्तन) ગુણને ગાવાં; ગુણને વખાણવાં. गुणोंका गान करना; गुणों की प्रशंसा करना extolling, praising of merits. पंचा० ४, २४; —उत्तर. त्रि० (-उत्तर) ગુણ પ્રધાન, ગુણેકરી શ્રેષ્ઠ. गुणप्रधान, गुणों से श्रेष्ठ superior by reason of or in point of qualities. उत्त० १२, १. —उप्पायण. त्रि० (-उत्पादन) ગુણ-રસાદિને ઉત્પન્ન કરવું તે गुण इत्यादि को उत्पन्न करना. producing, exciting such qualities as taste etc. अग० ७,१; —उववेय. त्रि० (-उपेत) ગુણથી યુક્ત गुणों से युक्त having qualities, possessed of qualities नाया० ८, विवा०२; कप्प०१,८; —कर त्रि० (-कर) ફાયદો કરનાર लाभ देने वाला. a benefactor. पचा० ५, १२; —करण न० (-करण) મૂલ ગુણ અને ઉત્તર ગુણ રૂપ કરણ. मूलगुण व उत्तर गुण रूप करण thought-activity in the form of Mahavrata and Samitis etc. विशे० ३३५४, —कार. पुं० (-कार) ગુણાકાર—એક રકમને બીજી રકમથી ગુણવું તે. गुणाकार; एक संख्या को दूसरी संख्या से गुनना. multiplication. सम० ८४, प्रव० १३५१; —क्खाण. न० (-आख्यान) ગુણ કીર્તન. गुण कीर्तन. praise पंचा० २, २४; —गण पुं० (-गण) ગુણનો સમૂહ. गुणों का समूह. a collection of qualities or virtues. नाया० १०; —गाहि त्रि० (-ग्राहिन्) ગુણને ગ્રહણ કરનાર. गुण ग्राही; गुण को ग्रहण करने वाला. (one) who appreciates virtues. उत्त० ३६, ३६०; —गुण. त्रि० (-गुण) ગુણવાળો; ગુણવંત. गुणवाला; गुणवंत; गुणयुक्त. meritorious; possessed of good qualities. पंचा० २, १४, —ट्ठाण. न० (-स्थान) મિથ્યાત્વ આદિ ૧૪ ગુણસ્થાન. मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान the 14 stages including false belief etc. क० गं० २, १; ४, १; पंचा० ८, ३१; १०, ११; १५, ४६; —ट्ठाणग. न० (-स्थानक) મિથ્યાત્વ આદિ ૧૪ ગુણસ્થાનક मिथ्यात्व आदि गुणस्थानक the 14 stages including false belief etc क० ग० ६, ४८, —ट्ठि त्रि० (-अर्थिन्) શબ્દ આદિ વિષયગુણનો અર્થી-અભિલાષી शब्द आदि विषय गुणका अर्थी--अभिलाषी. (one) desirous of objects of senses like sound etc आया० १. २, १, ६२. —ट्ठिअ त्रि० (-अर्थिक) જુઓ "गुणट्ठि" શબ્દ देखो "गुणट्ठि" शब्द vide "गुणट्ठि" आया० १, १, ४, ३४. —णिप्फण्ण त्रि० (-निष्पन्न) ગુણ પ્રમાણે ઉત્પન્ન થયેલું गुण से उत्पन्न हुआ हो वह. born of qualities नाया० १; १६; —णिहि. पुं० (-निधि) ગુણનો ભંડાર गुणों का भंडार. a store of merits पंचा० ८, ४३; — (ण)ण्णिअ. त्रि० (-अन्वित) ગુણ સહિત, ગુણવાળું. गुण सहित, गुणयुक्त. having qualities. विशे० ८६;—त्थि. त्रि० (-अर्थिन्) જુઓ "गुणट्ठि" શબ્દ देखो "गुणट्ठि" शब्द. vide "गुणट्ठि" विशे०२६४२;—धारणा. स्त्री० (-धारणा) સદ્ગુણ ધારણ કરવા તે सद्गुण धारण करना. adopting of virtues अणुजो० ५८; (२) આવશ્યક સૂત્રના પ્રત્યાખ્યાન નામે અધ્યયનનું અપર·

નામ. आवश्यक सूत्र के प्रत्याख्यान नामक अध्ययनका अपर नाम. the other name of the chapter Pratyākhyāna of Āvaśyaka Sūtra. विशे० ६०२; —ड्डि स्त्री० (-ऋद्धि) ગુણ રૂપ સમૃદ્ધિ; ગુણ લક્ષ્મી. गुण रूप समृद्धि; गुणलक्ष्मी. wealth in the form of merits पंचा० ७, ६; —निप्पन्न त्रि० (-निष्पन्न) જુઓ "गुणनिप्पन्न" શબ્દ. देखो "गुणनिप्पन्न" शब्द. vide 'गुणनिप्पन्न' भग० ११,११,१५, १, नाया० २, कप्प० ४, ६०, —निप्फन्न त्रि० (-निष्पन्न) જુઓ "गुणनिपन्न" શબ્દ देखो "गुणनिपन्न" शब्द. vide "गुणनिपन्न" क० प० १,२० —निबद्ध त्रि० (-निबद्ध) ગુણ-દોરડી અથવા સદ્ગુણથી બંધાયેલ. गुण-डोरा अथवा सद्गुण से बंधाया हुआ bound, tied with merits, qualities भत्त० ११६, —निहि पुं० (-निधि) ગુણનો ભંડાર गुणों का भंडार a store of merits, qualities. पंचा० १४, ४०, —पगरिस पुं० (-प्रकर्ष) ઘણા ગુણ बहुत गुण many merits, qualities पचा० ८, ४, —परिण्णा स्त्री० (-परिज्ञा) ગુણનું જાણપણુ गुण का ज्ञान knowledge of qualities. पंचा० ७, २५, —परिहाणि. स्त्री० (-परिहाणि) ગુણોની હાનિ गुणों की हानि loss of qualities or attributes नाया० १३; —पसत्थ. त्रि० (-प्रशस्त) સદ્ગુણોથી વખણાએલ. सद्गुणों से प्रशंसित praised. क० प० ५, २; —पेहि. त्रि० (-प्रेक्षिन्) ગુણદર્શી; ગુણગ્રાહી. गुणदर्शी; गुणग्राही grateful. क० गं० १, ६०; —प्पमाण न० (-प्रमाण) ગુણ-આત્મગુણ-જ્ઞાનાદિરૂપ પ્રમાણ-પ્રમેય વસ્તુનો પરિચ્છેદ કરનાર. गुण-आत्मगुण-ज्ञानादि रूप प्रमाण-प्रमेय वस्तु का परिच्छेद करनेवाला. the measure of merits. विशे० ६८३, —प्पहाण. पुं० (-प्रधान) સંયમાદિ ગુણોથી પ્રધાન-શ્રેષ્ઠ संयमादि गुणों से प्रधान. prominent by reason of, in point of the qualities of asceticism etc. नाया० १, —भवपच्चय त्रि० (-भवप्रत्यय) ગુણ અને ભવ એ બે જેમાં કારણ હોય તે. गुण व भव ये दो जिस में कारण हो वह. that in which birth and merits are the cause. क० प० २, ६८; —मुक्कजोगि पुं० (-मुक्तयोगिन्) વિષયાદિ ગુણરહિત યોગી-સાધુ विषयादि गुण रहित, योगी-साधु. an ascetic, one free from passions. नाया० १९; —रागि त्रि० (-रागिन्) ગુણનો રાગી, ગુણનો પક્ષપાતી. गुण का रागी, गुण का पक्षपाती (one) given to virtues प्रव० १२७१. पंचा० ३ ६; ७, ७, —रासि पुं० (-राशि) ગુણોનો ભંડાર गुणों का भंडार. a store of virtues गच्छा० ६४; —विसिट्ठ त्रि० (-विशिष्ट) ઉપશમ, સંવેગ, નિર્વેદ, અનુકંપા, આસ્તિક્ય એ પાંચ ગુણોથી યુક્ત. उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्तिक्य इन ५ गुणों से युक्त (one) possessed of five virtues viz Upaśama, Samveda etc प्रव० ६६६, —संकर. पुं० (-शङ्कर) ગુણોનો સમૂહ गुणों का समूह. a collection of attributes. नाया० १, —संपन्न. त्रि० (-सम्पन्न) ગુણસંપન્ન; ગુણોકરી ભરપૂર. गुण सम्पन्न; गुण से भराहुआ. full of attributes. गच्छा० १२७; —सायर

पुं० (-सागर) ગુણનો સમુદ્ર. गुणसागर, गुण का समुद्र. an ocean of qualities or virtues. दस० ६, ३, १४, गच्छा० १०३; —सुट्ठिअप्प त्रि० (-सुस्थितात्मन्) જેનો આત્મા ગુણમાં સારી રીતે સ્થિત છે તે जिसकी आत्मा गुणमें अच्छी तरहसे स्थित है वह. (one) whose soul is strictly given to virtues. दस० ६, ७, ३; —हाणि स्त्री० (-हानि) ગુણ અને હાનિ, વધારો અને ઘટાડો गुण व हानि, अधिकता , न्यूनता loss and gain क० प० १, १०, ३, ८; —हीण त्रि० (-हीन) ગુણવિનાનું गुण रहित devoid of attributes गच्छा० १०६. क० प० १, ७८,

गुणओ अ० (गुणतस्) ગુણથી, ગુણઆશ્રી गुणसे, गुण आश्री By reason of qualities, in point of qualities उत्त० ३२, ४, भग० २, १०,

गुणण. न० (गुणन) આવૃત્તિ, અર્થવિચાર. आवृत्ति, अर्थविचार Multiplication; revision, reflecting upon the contents of a book पिं० नि० ६६४, विशे० ११९३;

गुणरयण न० (गुणरत्न) સોળ મહીનાનું એક તપ કે જેમા પહેલે મહિને એકેક ઉપવાસ, બીજે બબ્બે, યાવત્ સોળમે મહીને સોળ ઉપવાસ કરવા પડે છે, દિવસે ઉકુડુ આસને સૂર્યની સન્મુખ અને રાત્રે વીર આસને વસ્ત્ર રહિત બેસવાનું હોય છે, સોળ માસે આતપ પૂર્ણ થાય છે सोलह मास का एक तप कि जिसमें प्रथम मास में एक एक उपवास, दूसरे में दो दो, यावत् सोलहवें मास में सोलह उपवास करने पडते हैं, जिसमें दिनको उकुडु आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि को वीर आसन से वस्त्र रहित बैठने का होता है, सोलह मास में वह तप संपूर्ण होता है. A kind of penance lasting for sixteen months in which one fasts for a day in the first month, for two days in the second and so on for sixteen days in the 16th month. During day one has to sit in a certain bodily posture facing the sun and at night in another posture without clothes on the body. The day posture is Oukhadu Āsana while the night posture is Virāsana. भत० १, १; कप्प० ७, ६. —वत्थर न० (-वत्सर) ગુણરત્ન સંવત્સર નામનું. गुणरत्न सवत्सर नामका name of a kind of austerity. प्रव०१५८०,—संवच्छर. न० (-संवत्सर) ગુણરત્ન સંવત્સર એ નામનું એક તપ છે गुणरत्न सवत्सर इस नामका एक तप है name of a kind of austerity भग २, १; नाया० १,

गुणवत त्रि० (गुणवत्--गुणा मूलोत्तर विशुध्याद्यो विद्यन्ते येषां ते) ગુણી, ગુણયુક્ત गुणवान, गुणयुक्त. Possessed of qualities or virtues गुणवओ च० ८० अणुजो० ५८,

गुणवेरमण न० (गुणविरमण) શ્રાવકનું છઠું સાતમું અને આઠમું એ ત્રણ વ્રત श्रावकके छठ, सातवे और आठवे यह ३ व्रत. The three vows viz the 6th, 7th and 8th of a Jaina layman. ठाण० २२६, नाया० ८,

गुणव्वय. न० (गुणव्रत) જુઓ " गुणवेरमण " शब्द. देखो " गुणवेरमण " शब्द. Vide " गुणवेरमण " आउ०

४; ओ० ७, १; सू० ६, १; पंचा० ९, १६,

गुणसंकम. न० (गुणसंक्रम) અબધ્યમાન અશુભ પ્રકૃતિના દલિઆને બધ્યમાન પ્રકૃતિમા પ્રતિસમય અસંખ્યાતગુણે વૃદ્ધિએ ઉમેરવા તે. अवद्धमान अशुभ प्रकृति के समूह को बध्यमान प्रकृतिमे प्रतिसमय असंख्य गुण वृद्धि से जोडना. Adding infinitely of sinful molecules every instent in the acquired ones क० प० २, १००,

गुणसंकमण. पु० (गुणसंक्रमण) જુઓ " गुणसंकम " શબ્દ देखो " गुणसंकम " शब्द Vide "गुणसंकम" क०प० २,७०,

गुणसिल न० (गुणशील) એ નામનું રાજગૃહ નગરી પાસેનું એક ઉદ્યાન इस नामका राजगृही नगरी के समीप का एक उद्यान-- बगीचा Name of a garden in the vicinity of Rājagruhī city कप्प० ९, ६३.

गुणसिलअ-य पु० (--गुणशीलक) રાજગૃહની બહાર આવેલું એ નામનું એક ચૈત્ય-ઉદ્યાન राजगृह के बाहर आया हुआ इस नाम का एक चैत्य उद्यान Name of a garden outside Rajagriha भग० १, १, २, १; ७, १०, अणुत्त० १, १ नाया० १८, (२) એ નામનું યક્ષનું મન્દિર इस नाम का यक्ष मन्दिर name of a temple of Yaksa निर० ३, १, --चेइय न० (-चैत्य) જુઓ "गुणसिलअ-य" શબ્દ देखो "गुणसिलअ-य" शब्द vide "गुणसिलअ-य" नाया० १३;

गुणसेढि. स्त्री० (गुणश्रेणि) ગુણાકારે પ્રદેશની રચના, જ્યાં ગુણની વૃદ્ધિએ અસંખ્યાત ગુણી નિર્જરા એકેક સમયે અધિક થાય તે ગુણ શ્રેણિ गुणश्रेणि, गुणाकार प्रदेश की रचना: जहां गुण की वृद्धि से असंख्यात गुनी के निर्जरा हर समय पर अधिक हो वह गुण श्रेणि. The spiritual stages of evolution in succession. क० गं० ५, ८२,

गुणसेढी स्त्री० (गुणश्रेणी) સર્વથી ઉપરની સ્થિતિના કર્મ દલિયાને લઈ ઉદયના પહેલા સમયથી પ્રતિ સમયે અસંખ્યાત ગુણ વૃદ્ધિયે નાખતાં અન્તર્મુહુર્ત સુધી તેની અધિક શ્રેણી ચાલે તેને ગુણશ્રેણી કહેવામા આવે છે, લાંબી સ્થિતિના દલીયા ભોગવવાની એક રીતિ सर्व से उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उदय के पूर्व समय से प्रति समय पर असंख्यात गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्मुहूर्त पर्यन्त एसी अधिक श्रेणी चालू रहे उसे गुण श्रेणी कहते है, लम्बी स्थिति के समूह को भुक्त मान करने की रीति The process of enduring the Karma of a long duration उत्त० २६,६, आव० ७;

गुणि त्रि० (गुणिन्) ગુણ વાળું-ળી-ળો गुण युक्त Having a quality, meritorious नाया० १२, क० प० ४, २१

गुणिज्जमाण त्रि० (गुण्यमान) ગુણાકાર કરાતું. गुना किया जाना. Multiplied. प्रव० ६३७,

गुणिय-अ त्रि० (गुणित) ગુણેલ. ગુણાકાર કરેલ गुना हुआ,गुना किया हुआ Multiplied. उत्त० ७, १२, विशे० ७६० भग० २४ २१, क० प० २, ७८;

गुण्ण त्रि० (गुण्य) ગુણને લાયક, गुनने योग्य. Worthy of attributes कप्प० ४,६०;

गुत्त न० (गोत्र) ગોત્ર અટક गोत्र; कुल-नाम Surname, family name नदी० २६, उत्त० १८, २१, भग० २५, ६; कप्प० ११ २ (०) સાતમું ગોત્ર કર્મ सातवा गोत्रकर्म the 7th Gotra Karma. भग० २५, ६.

गुत्त. त्रि० (गुप्त) गुप्तिवन्त; मन वचन अने कायाने पापमां न जवा देतां गोपवी राखनार. गुप्तिवन्त; मन वचन व काया को पाप में जाने से बचा रखने वाला. (One) who protects himself against sins of mind, body and speech. ओघ० नि० भा० ४६; ओघ० १७, उत्त० १२, १७; आया० १, ३, ३, ११७; भग० २, १, ३, १, २; १३, ४; नाया० ४, सूय० २. १, ६०; गच्छा० ५३, (२) स्तब्ध; दिग्मूढ जेवा स्तब्ध; दिगमूढ, बना हुआ. confounded; bewildered. ओघ० नि० भा० १७१, (३) छुपावेल; ढांकेल; गोपवेल. छुपाया हुआ, ढांका हुआ; गुप्त रखा हुआ. concealed, protected, a hidden cave etc. जीवा० ३, ४, नाया० १४; राय० २५४, निसी० २०, १, कप्प० ६, २; (४) रक्षण करेल; बचावेल रक्षा किया हुआ; बचाया हुआ. protected. पन्न० २, (५) गुप्तघर-भोयरु वगेरे गुप्तघर- तल- घर इत्यादि a celler. ठा० ४, १. —इंदिय त्रि० (-इन्द्रिय) पांच इंद्रियो जेणे वश करी पापथी गोपवी छे ते. पांच इन्द्रियों को जिसने वशकर, पाप से बचाई है वह (one) who has controlled his senses नाया० ४, भग० २, १, २५, ७, दसा० ५, १८, कप्प० ५, ११६, —दुवार. न० (-द्वार) छानुं बारणुं, गुप्तद्वार गुप्तद्वार. a hidden door. ठा० ५, २, भग० ३, १, —बंभ- यारि. त्रि० (-ब्रह्मचारिन्) ब्रह्मचर्यनुं रक्षण करनार. ब्रह्मचर्य का रक्षण करने वाला (one) who observes celibacy or chastity दसा० ५, २१; भग० १२, १; १८, २; नाया० १४; १६; नाया० ध० निर० २, १;

गुत्तास. पुं० (गोत्रास) विपाकसूत्रनुं बीजुं नामनुं बीजुं अध्ययन. विपाक सूत्र के द्वितीय अध्ययन का नाम. Name of the 2nd chapter of Vipāka Sūtra. ठा० १०;

गुत्ति. स्त्री० (गुप्ति-गोपनं गुप्तिः) मन वचन अने कायाने अशुभ प्रवृत्तिथी रोकी गोपवी राखवां ते. मन वचन व काया को अशुभ प्रवृत्ति से रोककर बचा रखना. Control of mind, speech and body. i. e. guarding them against sins सम० ३, सम० प० १६८, उत्त० १२, १७; २४, १; नाया० १, १०; निसी० २०, १; पन्न० १; भत्त० १४०, प्रव० २००, पंचा० १५, ३१; विशे० ११३०; —विभेय पुं० (-विभेद) गुप्ति-वचन गुप्तिनो विभेद-भंग. गुप्ति-वचन गुप्ति का विभेद-भंग the breech in control of speech. गच्छा० १३१;

गुत्तिय पुं० (गुप्तिक) कोटवाल. नगर रक्षक अधिकारी; कोतवाल A village constable पण्ह० १, २, कप्प० ४, ८८;

गुत्तिसेण. पुं० (गुप्तिसेन) जम्बुद्वीपना ऐरवत क्षेत्रमां चालु अवसर्पिणीमां थयेल सोळमा तीर्थंकर जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न सोलहवें तीर्थंकर. The 16th Tīrthaṅkara of the present Avasarpiṇī in the Airavata region of Jambū dvīpa सम० प० २४०,

गुद. न० (गुद) गुदा; गुह्यस्थान. गुदा, गुह्य- स्थान Anus; rectum तंदु० प्रव० १३८८;

गुप्पमाण. व० कृ० त्रि० (गुप्यत्) व्याकुल थतुं. व्याकुल. Getting troubled or distracted. ओघ० २१,

गुप्फ. (गुल्फ) पुं० पगनी एडी; घुंटी. घुंटी; एडी A heel. ओघ० १०, आया० १, १, २, १६; जीवा० ३, ३;

गुमगुमंत. त्रि० (गुमगुमत्) गुमगुमाट करतो; गुमगुम बोलतो अवाज करतो. गुमगुमाट करता हुआ; गुम गुम ऐसी आवाज करता हुआ. Buzzing; humming. ओव०

गुमगुमायंत. व० कृ० त्रि० (गुमगुमायमान) घमघमाट करतुं, गणगणाट करतुं, मधुर शब्द करतु. घमघमाट करता हुआ; गिनगिनाट करता हुआ; मधुर शब्द का उच्चार करता हुआ Tinkling; buzzing. कप्प० ३, ३७;

गुम्म. पुं० (गुल्म) वंश जाल नवमालिका आदि, वृक्षनी एकजात. वंशजाल नवमालिका आदि वृक्ष की एक जाति. A cluster of bamboo trees etc नाया० १, ५; भग० ७, ६, जं० प० जीवा० १; पन्न० १, (२) समूह; परिवार. समूह; परिवार. a group; a collection. विशे० ३३; जं० प० १, १०; सूय० २, २, ५५;

गुम्मइअ त्रि० (गुल्मित) मुंआएलुं; मूंझवणेल. मूझना हुआ. Puzzled, bewildered ओघ० नि० १३६;

गुम्मागुम्मि अ० (गुल्मागुल्मि) गुच्छनो एक भाग ते गुल्म, एक उपाध्याय अधिष्ठित साधुओ भेगा थाय ते. गुच्छ का एक भाग-गुल्म, एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग एकत्र हों वह A portion of an order of saints, saints under one preceptor assembled together. आव० ३१,

गुम्मि. पुं० (गुल्मिक) कानखजुरो. कानखजूरा. A centiped. उत्त० ३६, १३७,

गुम्मिय-अ. पु० (गुल्मिक) किल्लानुं रक्षण करनार; चोकीदार. गढ का रक्षण करने वाला. A guard of a fort; a watchman ओघ० नि० १२३; ७६६; जुई विगेरे फुल झाड जुई आदि के फुल के वृक्ष. a kind of flowering plant. जीवा० ३, २;

गुरु. पुं० (गुरु-गृ शास्त्रार्थमिति गृणाति कथा-यति) शास्त्रनो सदुपदेश आपनार; गुरु. शास्त्र का सदुपदेश करने वाला; गुरु. A teacher; a preceptor. भग० ७, ६; ८, ७; ११, ११; १७, ३; नाया० १; ७; ८; पिं० नि० भा० २७, अणुजो० १३, ६६; उवा० ३, १३५; पंचा० १, ९; ५, १२; मत्त० १७; ६६, आव० ६, २; (२) त्रि० भारे; वजनदार. भारी; वजनदार. heavy. विशे० ६६०, जीवा० ३, १; पिं० नि० ३२७, उत्त० ३६, १६; क० गं० १, ४७; आया० १, ५, १, १४१, (३) अधोगति लइ जनार महादोष. अधोगति को लेजानेवाला महा-दोष a great sin leading to lower condition of existence. पिं० नि० १०२; ११२, जं० प० २, ३६; (४) वडील, आचार्य वडील, आचार्य. an elder; a head of an order of saints. दस० ५, १, ८८; पंचा० ७, ५; उत्त० १, २, २६, ७, अणुजो १२०; (५) जेना उदयथी जीव लोढा जेवु भारे शरीर पामे ते नामकर्मनी एक प्रकृति जिसके उदय से जीव लोहे के समान भारी शरीर प्राप्त करे उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nama Karma by the rise of which a soul gets body as hard as iron क०ग०१, ४१, ४२; —**असाय.** पु० न० (-असात) भारे असाता-दुःख भारी दुःख great pain क० प० ४, ८४; —**उवएस.** पु० (-उपदेश) गुरुनो उपदेश. गुरु का उपदेश. words of advice of a Guru. विशे० १; प्रव० १; ७७३, —**उवएसाणुसार** पुं० (-उप-देशानुसार) गुरुना उपदेश प्रमाणे. गुरु के उपदेश के अनुसार. according to

the advice of a preceptor. पंचा० ४, १; —जण. पुं० (-जन) મોટા માણસ; વડીલ. बडा मनुष्य; वडील an elderly person, an elder. नाया० ६, १८, कप्प० ३, ५६; पंचा० ४, ३४, प्रव० १००, —जप्पग्ग. त्रि० (-जल्पाक) ગુરૂની સ્હામે બોલનાર, દુર્વિનીત, વિનયવિનાનો. गुरु से अनुचित बोलने वाला दुर्विनीत, विनय रहित. impolite, irreverent पराह० १, २; —जोग पुं० (-योग) ગુરૂનો સમાગમ गुरु का समागम. contact with a preceptor पचा० २, ४; —णियोग पु० (-नियोग) ગુરૂની આજ્ઞા. गुरु की आज्ञा. command of a preceptor. पचा० १२, १८, —दत्तसेसभोयण न० (-दत्तशेषभोजन) ગુરુએ પોતે ખાતા બાકી રહેલું આપેલ ભોજન गुरुने भोजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भोजन. the remnent of food given by a preceptor. प्रव० २१५, —देवय. त्री० (-देवता) ગુરુદેવતા, દેવતા સમાન गुरु देवना; देवता के समान, गुरु (one) who regards a preceptor as his god नाया० ८, १८, पचा० १, ४५, —दोस पु० (-दोष) મોટો દોષ बडा दोष a major fault, a grave fault प्रव० २१७, —निग्गह पुं० (-निग्रह) ગુરૂનો દાબ, ગુરૂની આજ્ઞામાં રહેવું તે गुरु की आधीनता, गुरु की आज्ञा मे रहना. the control of a preceptor प्रव०६५३;—नियोग पु० (-नियोग) ગુરૂ-વડીલનો હુકમ. गुरु, वडील की आज्ञा the order of a preceptor or elderly person क० प० ५, २४; —पमुह त्रि० (-प्रमुख) ગુરૂમહારાજ વગેરે, આચાર્યાદિક, गुरु महाराज इत्यादि—आचार्यादिक. preceptor etc. प्रव० १०; —पसाय. पुं० (-प्रसाद) ગુરૂની કૃપા. गुरु की कृपा. favour of a preceptor. नाया० १२; दस० ६, १; १०; —पसायभिमुह. पुं० (-प्रसादाभिमुख) ગુરૂની પ્રસન્નતા રાખવાને ઉદ્યમશીલ. गुरु की प्रसन्नता रखने को उद्यमशील. one active in keeping one's preceptor pleased. दस० ६, १, १०, —पुच्छा. स्त्री० (-पृच्छा) ગુરૂને પુછી દરેક કામ કરવું તે गुरु से पूछ कर प्रत्येक काम करना. performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ४१, —पूया स्त्री० (-पूजा) શિષ્યે ગુરૂને યથોચિત આહારાદિ લાવી સેવા ભક્તિ કરવી તે शिष्यने गुरु को यथोचत आहारादि लाकर सेवा भक्ति करना service of a disciple to his preceptor by bringing food etc for him उत्त० २६, ७, —फास पु० (-स्पर्श) ગુરૂ સ્પર્શ, ભારેપણું, આઠ સ્પર્શમાંનો એક गुरु स्पर्श, भारीपन, आठ स्पर्श मे से एक heaviness सम० २२; क० गं० ५, ३२, —भणिय त्रि० (-भणित) ગુરૂએ કહેલ गुरुने कहा हुआ explained by a preceptor. प्रव० १३४, —भत्ति स्त्री० (-भक्ति) ગુરૂની ભક્તિ—સેવા गुरु की भक्ति, सेवा devotion towards a preceptor क० गं० १, ५५, पचा० २, ३७; —भूतोवघाइणी स्त्री० (-भूतोपघातिनी) મહાભૂતોનો નાશ કરનારી (ભાષા). महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा) a language which destroys ghosts. दस० ७, ११, —मुह. न० (-मुख) આચાર્યનું મુખ आचार्य का मुख. the mouth of a

preceptor पंचा० ५, ५०; —लक्खण. न० (-लक्षण) ગુરૂનાં લક્ષણ. गुरु के लक्षण. the attributes or qualifications of a preceptor. गच्छा० ४०; —लघुय त्रि० (-लघुक) જુઓ "गुरुय-लघुय" શબ્દ. देखो "गुरुय-लघुय" शब्द. vide "गुरुयलघुय" क० प० ४, ४६; —लाघव-न० (लाघव) ભારે અને હલકુ. भारी व हलका. heavy and light. प्रव० २१७; —वयण न० (-वचन) ગુરૂનુ વચન गुरु का वचन. the words of a preceptor. प्रव० ६३; —संभारियत्ता स्त्री० (-संभारिकता) પરસ્પર ગ્રંથિયોના પ્રયોગથી ભારે. परस्पर ग्रंथियों के प्रयोग से भारी heavy on account of being interlinked भग० ५, ३; —सगास. पुं० (-सकाश) ગુરૂપાસે, ગુરૂસમીપ गुरु के के पास, गुरु के समीप near a preceptor. पचा० १, ४३. —सम्मय त्रि० (-सम्मत) ગુરૂને માન્ય, ગુરૂ જેને બહુ માન આપતા હોય તે गुरु को मान्य, गुरु जिस को बहुत मान देते हों वह admissible to a preceptor पचा० १२, २६, —सुस्सूसणया स्त्री० (*-शुश्रूषणा) ગુરૂની શુશ્રૂષા, ગુરૂ સેવા; ગુરૂ ભક્તિ गुरु की शुश्रूषा, गुरु सेवा, गुरु भक्ति. service to a preceptor उत्त० २६, २; —सेज्जासंथारग. पुं० (-शय्यासंस्तारक) ગુરૂની શય્યા અને સંથારો-પથારી गुरु की शय्या व संथारा-पथारी the bed of a preceptor प्रव० १४६; —हीलणा स्त्री० (-हेलना) ગુરૂની હેલના-નિન્દા. गुरु की हेलना-निन्दा. censure of a preceptor. "जया सिसुको गुरुहीलणाए" दस० ६, १, ७;

गुरुय-अ त्रि० (गुरुक) ભગવતી સૂત્રના પહિલા શતકના ૯ માં ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती सूत्र के पहिले शतक के ९ वें उद्देशा का नाम Name of the 9th chapter (Uddeśā) of the first Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १; (२) વજનદાર. वजनदार; भारी heavy. भग० १. ६, ३, २३, १८, ६, २०, ९, दस० ९, २, १२; नाया० १; ६; पराह० १, २, पन्न० १, पंचा० १०, २६; —भारियत्ता स्त्री० (-भारिकता) ગુરુતા રૂપ-ભારેપણુ गुरुता रूप, भारिपन. the state of being heavy, heaviness. उवा० २, १०२, नाया० ६, —लहुअ. पुं० (-लघुक) એક અપેક્ષાએ ભારે અને બીજી અપેક્ષાએ હલકા એવા વાયુ કાયાદિ પદાર્થ. एक अपेक्षासे भारी व अन्य अपेक्षा से हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air bodied beings etc भग० १, ६; —संभारियत्ता. स्त्री० (-सम्भारिकता) વિશેષ ભારીપણુ. अधिक गुरुता, विशेश भारी पन extra heaviness भग० ७, १.

गुरुई स्त्री० (गुर्वी) મ્હોટી; ભારે (સ્ત્રી). बडा, वजनदार (स्त्री). Heavy, great; (a woman) विशे० १२००, नाया० १; ६;

गुरुक त्रि० (गुरुक) ભારે, મ્હોટુ. भारी, वजनदार. Big, heavy क० प० ४, ४५;

गुरुकुल न० (गुरुकुल) અભ્યાસ કરવામાટે ગુરૂ સમીપે રહેવુ તે, ગુરૂનુ નિવાસ સ્થાન. अभ्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना. गुरु का निवास स्थान A group of ascetics under one preceptor; residence with a preceptor for study; residence of a preceptor. उत्त० ११, १४; पिं० नि० ४३९, —वास.

पुं० (-वास) धर्मगुरुनी पासे निवास करवो ते. धर्मगुरु के पास निवास करना. residing near a religious preceptor. पचा० ११, ६;

गुरुग. त्रि० (गुरुक) भारे, म्होटुं, वजनदार भारी; बड़ा, वजनदार Heavy, big. पंचा० १५, १७,

गुरुतरग. त्रि० (गुरुतरक) अतिभारे, बहु म्होटो. अतिवजनी, बहुतबड़ा Very heavy. पचा० ८, २८,

गुरुयत्त न० (गुरुकत्व) भारीपणुं भारीपना Heaviness. भग० १, ८, १२, २, नाया० ६, राय० २६०; पन्न० १५;

गुरुयत्ता स्त्री० (गुरुकता) जुओ "गुरुयत्त" शब्द. देखो "गुरुयत्त" शब्द Vide "गुरुयत्त" भग० ५, ६; ७, १, १७, नाया० ६,

गुरुलहु. त्रि० (गुरुलघु) एकांत भारे नही अने एकांत हलकुं नही किन्तु एक अपेक्षाए भारे अने बीजी अपेक्षाए हलकुं एकात वजनी नहीं व एकान्त हलका नहीं किन्तु एक अपेक्षा से वजनी व अन्य अपेक्षा से हलका Heavy and light from different points of views; relatively heavy and light सम० २२, —परिणाम पुं० (-परिणाम) अपेक्षिक हलका भारेपुद्गलनुं परिणाम; गुरुलघु पर्याय. एक की अपेक्षा से वजनी व अन्यकी अपेक्षा से हलका; गुरु लघु पर्याय relatively light or heavy. सम० २२,

गुल. पुं० (गुड) गुड, गोळ. गुड Molasses; treacle. 'खंडगुलम च्छंडीमाईयं' ओव० १८, अणुजो० १२७; ठा० ७, १; नाया० ८, १७; पिं० नि० ५४. २१०; पन्न० १७; सं० प० पंचा० ५, ११; ८, २३, प्रव० २३४; अणुजो० १८,—पाण. न० (-पान) गोळनुं पाणीपीवुं ते. गुड का पानीपीना. drinking of water mixed with treacle. नाया० १७;

गुलइय. त्रि० (गुल्मित) गुच्छ-झुमखारूपे भगेलां न्हाना झाडो गुच्छे के रूपमें मिले हुए छोटे वृक्ष. A cluster of small trees ओव० भग० १, १;

गुलगुल न० (गुलगुल) हाथीनो गुलगुलाट शब्द; गुलगुल एवो ध्वनि हाथी का गुलगुलाट शब्द; गुलगुल ऐसी ध्वनि. The gurgling sound of an elephant

गुलगुलंत व० कृ० त्रि० (गुलगुलत्) गुलगुलाट करतो; गुलगुल एवो आवाज करतो गुलगुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी आवाज Making a grunting sound like that of an elephant. ओव० ३०;

गुलगुलाइय. न० (गुलगुलायित) हाथीनो गुल गुल आवाज. हाथी की गुलगुल आवाज Grunting of an elephant राय० १८३, जीवा० ३, ४, भग० ३, २,

गुलगुलेय स्त्री० (गुलगुलित) कोलाहल करेल हाथी की हल्ला गुल्ला किया हुआ. Making a bustle or noise सु० च० ६, २७; —लावणिया स्त्री० (-लावणिका) गोळ पापडी गुड की पपडी a cake of malacess प्रव० १४२५,

गुलहाणी स्त्री० (गुडधाना) गोळ मिश्रीत धाणा गुड मिश्रित धानी. Parched grains mixed with malacess. प्रव० २३५; १४२८,

गुलिआ-या स्त्री० (गुलिका) गुटिका, दवानी गोळी गुटिका; दवाई की गोली. Indigo; a medicinal pill. ओव० २२; ठा० ४, २; सूय० १, ४, २, ७; राय० ५०; अंत० ३, ८, विवा० १, जीवा० ३, ४; नाया० १३; १७; पन्न० २; १७; उवा० २ ९५; अणुत्त० ३, १;

गुम्म. पुं० (गुम्म) जुओ "गुम्म" शब्द. देखो "गुम्म" शब्द. Vide. "गुम्म" नाया० २, १, ४, २४;

√ गुम. धा० I. (गुम्) व्याकुल थवुं. व्याकुल होना. To become distracted.

गुमंति. भग० १५, १;

गुविल. त्रि० (गुपिल-कुटिल) कुटिल कुटिल. कुटिल Deep; crucked; intricate. सु० च० ७, २५०; (२) व्याप्त. व्याप्त pervaded पराह० १, ३;

गुव्विणी स्त्री० (गुर्विणी) सगर्भा स्त्री, गर्भवती स्त्री. सगर्भा स्त्री, गर्भवती स्त्री. A pregnant woman भग० १५, १, पिं० नि० ३६२ दसा० ७, १, बव० १०, १; दस० ५, १, ३१; प्रव० ७६६,

गुहा स्त्री० (गुहा) गुफा. गुफा A cave सूय० १, ५, १, १२; भग० ४, ७, जं० प० नदी० १४, ४७,

गुहिर त्रि० (गह्वर) गंभीर; ऊंडुं. गंभीर, गहरा Thick, deep, profound पराह० १; कप्प० ३; ३८,

गूढ त्रि० (गूढ) गूढ, गुप्त, छानुं गूढ, गुप्त. Hidden; mysterious. ओव० १०; पिं० नि० २०६, नाया० ८; —आयार. त्रि० (-आचार) धुतारो, ठगारो, ज्ञानी छोडो धूर्त, ठग. (one) who cheats सूय० २ २, १६, —आवत्त पुं० (-आवर्त) गूढ-गुप्त-आवर्त शंख वगेरेनो वळ. गूढ-गुप्त-आवर्त-शंख इत्यादि की मोड. a curve, e. g. of a conch etc. ठा० ४, ४, —सामत्थ न० (-सामर्थ्य) छानुं पराक्रम. गुप्त पराक्रम. a secret bravery. प्रव० ८३८; —हिअय त्रि० (-हृदय) मायावी-कपटी हृदयवाळो. मायावी-कपटी हृदयवाला. deceitful; fradulant. पराह० १-१; क० गं० १,२८;

गूढदंत. पुं० (गूढदन्त) अनुत्तरोववाई सूत्रना बीजा वर्गना चोथा अध्ययननुं नाम. अनुत्तरोववाइ के अनु द्वितीय वर्ग के चतुर्थ अध्ययन का नाम Name of the fourth chapter of the second section of Anuyogadvara. (२) श्रेणिक राजानी धारणी राणीनो पुत्र के जे दीक्षा लइ ११ अंग भणी गुणरयण तप करी १६ वर्षनी प्रवज्या पाळी विपुलपर्वत उपर एक मासनो संथारो करी वैजयंत अनुत्तरविमानमां उत्पन्न थया, त्यांथी एक अवतार करी मोक्षे जशे श्रेणिक राजा की धारणी रानी का पुत्र कि जो दीक्षा लेकर ११ अंगों का पठन कर गुणरयण तप कर, १६ वर्षकी प्रव्रज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर एक मास का संथारा कर, वैजयंत अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुआ. वहां एक अवतार को संपूर्ण करके मोक्ष गति को प्राप्त करेगा. name of the son of queen Dhārinī of king Śrenika. He took Dikṣā, studied 11 Aṅgas, practised the Gunarayana penance, observed asceticism for 16 years and was born in the Vaijayanta abode above the heavens after practising one month's Santhārā (giving up food and drink) on Vipula mountain. After one more birth he will attain salvation. अणुत्त० २, ४; (३) जंबूद्वीपना भरतमां आवती उत्सर्पिणीमां थनार त्रीजा चक्रवर्ती. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती. the third future Chakravarti of the coming Utsarpini in the Bharata

of Jambū Dvīpa सम० प० २४२, (२) લવણસમુદ્રમાં નવસો જોજન પર આવેલ ગૂઢદન્ત નામનો એક અન્તરદ્વીપ. लवण समुद्र में नौ सौ योजन पर आया हुआ गूढदन्त नामक एक अंतरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas ठा० ४, २, ६, १, प्रव० १४४१, (३) २७ મા અન્તરદ્વીપમા રહેનાર માણસ. २७ वें अन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य a resident of the 27th Antara Dvīpa. पन्न० १;

गूढपय न० (गूढपद) ગુપ્ત પદ, સાંકેતિક શબ્દ गुप्तपद; सांकेतिक शब्द. A code word. प्रव० ८६४, —आलोयणा स्त्री० (-आलोचना) ગુપ્તપદ-બે આચાર્યોના સાંકેતિક શબ્દથી અતિચારની આલોચના કરવી તે गुप्तपद-दो आचार्यों की सांकेतिक शब्द से अतिचार की आलोचना करना expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words प्रव० ८६८

गूढसिराग. न० (गूढसिराक) જેના પાંદડામાં સિરા-રેસા ગુપ્ત હોય અર્થાત પ્રગટ ન દેખાય તેવી એક સાધારણ વનસ્પતિ. जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति A vegetation with hidden fibres in its leaves पन्न० १,

गूहणया. स्त्री० (गूहन) પોતાના રૂપને છુપાવી દેવું તે, કપટનું અપર નામ. अपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form, a kind of deceit. भग० १२, ५, सम०५२;

गेअ. न० (गेय) ગાવા લાયક; ગીત. गाने योग्य; गीत. A song. पगह० २, ४,

गेय-अ. न० (गेय) ઉત્ક્ષિપ્ત-પાદાન્ત મન્દક-અને રોચિતાવસાન-એ ચાર ગીતમાંનો ગમે તે એક જાતનું ગીત. उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक व रोचितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहे सो एक जाति का गीत. Any of the four kinds of song viz. Utksipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय० ८८; ६६; अणुजो०१२८, ठा०४, ४; जं० प० ५, १२१; —उक्कणि पुं० (-ध्वनि) ગીતનો ધ્વની-શબ્દ गीत का ध्वनि-शब्द the sound of a song. सु० च० ५, ६२.

गेरिअ पु० (गैरिक-गिरौ भव) ગેરિક ધાતુ, ગેરૂ. गैरिक धातु. गेरु Red chalk; a mountain-born substance or metal दस० ५, १, ३४;

गेरुय पु० (गैरुक) ભગવા વસ્ત્ર પહેરનાર; પરિવ્રાજક; સન્યાસી गेरुए वस्त्र पहिनने वाला, परिव्राजक, सन्यासी An ascetic with clothes dyed with red chalk आया० २, १, ६, ३३, पिं० नि० ३५८; ४४५; निसी० ४, ७५; उत्त० ३६, ७६, प्रव० ७३८, (२) એક જાતનો મણી एक जाति का मणि a kind of gem. पन्न० १;

गेलण्ण न० (ग्लान्य) ગ્લાનિ થવી; મુંઝાવું; અણગમો. ग्लानि से व्याकुल होना, बेचैनी; अरुचि Mental discomfort पिं० नि० भा० २५,

गेलन्न न० (ग्लान्य) જુઓ "गेलण्ण" શબ્દ देखो "गेलण्ण" शब्द vide "गेलण्ण" पिं० नि० ४८०, विशे० ५६७, ओघ० नि० ७२; प्रव० ८६०;

गेव त्रि० (ग्रैव) કંઠ સબંધી कंठ; गला, गरदन Neck; throat. "गेवेज्जगा" ओघ० ३६;

गेवज्ज. न० (ग्रैवेय) नव ग्रैवेयક. नव ग्रैवेयक. The nine heavenly abodes. पन्न० १४, ४७;

गेविज्ज. न० (ग्रैवेय-ग्रीवायां बद्धमलंकरणम्) કંઠનું ઘરેણું; ડોકનું આભરણ. कंठ का आभूषण, गले का गहना A necklace ओव० ३१, विशे० ६६७; जीवा० १, ३, ३; भग० ७, ६, राय० ८१; जं० प० ७, १६६; कप्प० ४, ६२, (२) ગ્રૈવેયક નામનું વિમાન. ग्रैवेयक नामक विमान. a heavenly abode styled as Graiveyaka. प्रव० ११३०; ११००; —विमाण न० (-विमान) ગ્રૈવેયક દેવતાના નિવાસ સ્થાન. ग्रैवेयक देवता का निवास स्थान name of any heavenly abode between the 12th and the 29th Devaloka भग० १३, २, १४, १०,

गेविज्जग. न० (ग्रैवेयक) ગ્રૈવેયક વિમાન. ग्रैवेयक विमान A heavenly abode named Graiveyaka. नाया० १, सु० च० २, ३७, (२) નવ ગ્રૈવેયકવાસી દેવ नौग्रैवेयक वासी देव the gods residing in the nine heavenly abodes known as Graiveyaka पन्न० १, उत्त० ३६, २१०, ठा० २, ३,

गेवेज्ज न० (ग्रैवेय) જુઓ " गेविज्ज " શબ્દ. देखो " गविज्ज " शब्द vide " गेविज्ज " नाया० १; भग० २, १०, ५, ८; ६, ३३; ओव० ४१; राय० २५३; —कप्पातीय. पुं० (-कल्पातीत) બાર દેવલોક ઉપર ગ્રૈવેયકવાસી દેવો કે જે કલ્પાતીત વ્યવહાર મર્યાદાથી અતીત છે. द्वादशवे देवलोक के ऊपर ग्रैवेयक वासी देव कि जो कल्पातीत व्यवहार मर्यादा से अतीत हैं name of the gods above the 12th Devaloka. भग० ८, १; —विमाण न० (-विमान) જુઓ " गेविज्जविमाण " શબ્દ देखो " गेविज्जविमाण " शब्द. vide " गेविज्जविमाण " अणुजो० १०४;

गेवेज्जग. न० (ग्रैवेयक) જુઓ " गेविज्जग " શબ્દ देखो " गेविज्जग " vide " गेविज्जग " भग० १६, ८; २०, ६, —कप्पातीय. पुं० (-कल्पातीत) જુઓ " गेवेज्जकप्पातीय " શબ્દ. देखो " गवेज्जकप्पातीय " शब्द. vide " गेवेज्जकप्पातीय " भग० ८, १;

गेवेज्जय. पुं० (ग्रैवेयक) ગ્રીવાનું; ગ્રીવાસંબંધી (બંધન). ग्रीवा संबंधी (बन्धन). Relating to neck. नाया० २,

गेवेय न० (ग्रैवेय) કંઠનું ભૂષણ. कंठ का भूषण. An ornament for the neck ओव० ३०,

गेह. न० (गेह) ઘર; મકાન. गृह; मकान. A house; a building. पिं०नि० १६३; भग० २, ५, ६, ५, ११, ६, १८, २: नाया० २, ८; १६, भत्त० ११२; गच्छा० ११९, —आगार पुं० (-आकार) ઘરની પેઠે ટાઢ તડકો અને વરસાદથી બચાવનાર ઘરને આકારે પરિણત થયેલ કલ્પવૃક્ષ. घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा से बचानेवाला, गृह की आकृति में परिणत कल्पवृक्ष. a desire-yielding tree protecting against heat and cold like a house सम० १०, जीवा० ३, ३; —आवण. पुं० (-आपण) ઘરયુક્ત બજાર. गृहयुक्त बाजार a market having a line of houses. भग० ६, ५; —वास पु०(-वास) ઘરવાસ; ગૃહસ્થાશ્રમ. गृहस्थपना; गृह संसार; घरवास. status of a householder सूय० २, १, ६८;

गेहंगेह. न० (गृहगृह) ઘરઘર; દરેક ઘર.

घरघर; प्रत्येक घर पर From house to house नाया० १६,

गेहेलय न० (गेहलय) वीणा विगेरे वाजीत्रो जे स्वर उपाड्यो होय तेज स्वरमां गावुं ते. जिस स्वर को वीणा इत्यादि वाजित्र में उठाया हो उसी स्वर में गाना. Singing in the same pitch in which a song is begun on a musical instrument अणुजो० १२८,

गेहि स्त्री० (गृद्धि) आसक्ति, इच्छा आसक्ति, इच्छा Greed, desire सूय० १, १, ४, ११. १, ६, २१; उत्त० ६, ४, ३४, २३, सम० ३०. ५२, श्रोघ० नि० ८७, भग० १२, ५, पण्ह० १, ३,

गेहिणी. स्त्री० (गेहिनी) स्त्री, पत्नी गृहिणी, स्त्री; पत्नी; A wife सू० च० ५, ६.

गो पुं० (गो-गच्छतीति) गाय, बळद गौ, बैल A bull; ox भग० १, १, २, ५, श्राव० अणुजो० १३१, सम० ४०, जीवा० ३, १, नंदी० ५४, ४६, पिं० नि० १३२, राय० २८६, दसा० ६, ४, दस० ७ २४, सू० प० १०, उवा० १, ४, पन्ना० १, ३०, ज० प० ५, ११४, —**कलिंज** न० (-कलिञ्ज) गायोने खाणु आपवाने वासनो सुंडलो गौओं को बाटा देने के काम में आने वाली टोकरी a basket from which cows are fed जीवा० ३, ४, —**खीर** न० (-क्षीर) गायनुं दुध. गाय का दूध cow's milk. नाया० १; १६, कप्प० ३, ३८; जं० प० ५, १२२, ७, १६६, —**ग्गहण** न० (-ग्रहण) गायोने पकडी-लइ लेवी ते गौओं को पकडना-ले जाना taking away of cows नाया० १८, विवा० ३; —**घायअ-य** पुं० (-घातक) गायोने मारनार; गोवध करनार; कसाइ. गौओं को मारने वाला, गोवध करने वाला, कसाई. a butcher; one who kills cows. सूय० २, २, २८; —**चर.** न० (-चर) गायोने चरवानुं जंगल गौओं को चरने का जंगल a pasture ground; भग० १२, ७; —**जिब्भा.** स्त्री० (-जिह्वा) गायनी जीभ. गौ की जिव्हा a cow's tongue, उत्त० ३४, १८, —**दोहि** त्रि० (-दोहिन्) गायने दोनार. गौको दुहनेवाला. (one) who milches a cow प्रव० ५६३, पंचा० १८, १७; —**दोहिया** स्त्री० (-दोहिका) गाय दोवाने जे आसने बेसाय ते आसने बेसी ध्यान धरवुं के आतापना लेवी ते गौका दूध दुहने को जिस आसनपर बैठा जाता है उस आसन पर बैठ का ध्यान करना या आतापना लेना. practice of meditation or austerity on a seat used at the time of milking a cow श्राया० २, १५, १७६. ठा० ५, १, कप्प० ४, ११६; दसा० ७, १०, —**पुच्छ** न० (-पुच्छ) गायनुं पुंछडुं. गाय की पूंछ a cow's tail ज० प० १, ४, ४, १०३; राय० १०४. —**पुट्ठ** न० (-पृष्ठ) गायनो वांसो-बरडो गौकी पीठ a cow's back भग० १५, १, —**भत्त** न० (-भक्त) गायनुं खाणु गौओं का बांटा the fodder for cows प्रव० ११६, —**भत्तलिंदअ** न० (-भक्तलिन्दक) गायने खाणु आपवानो थाळीयो. गौओं को बांटा देनेका बर्तन a fodder pot. प्रव० ११६; —**मंडवअ** न० (-मण्डपक) गायनो मंडप-मांडवो गौओं का मंडप a house for cows विवा० २, —**मंस** न० (-मांस) गाय अथवा बळदनुं मांस. गौ या बैल का मांस. beef पिं० नि० १५४; —**मडअ.** न० (-मृत) गाय के बळदनुं मडदुं-कलेवर गौ या बैल की लोथ. a carcass of a cow

or an ox. उत्त० १४, १६, नाया० ८; १२; —महिसी. स्त्री० (-महिषी) ગાય અને ભેંસ. गौ व महिषा, गाय व भैंस a cow and a she-buffalo. प्रव० २१६, —मुत्त न० (-मूत्र) ગાયનું મૂત્ર गौमूत्र. urine of a cow पिं० नि० भा० ५०, ओघ० नि० भा०६४, —रूव. त्रि० (-रूप) ગોરૂપ, ગાય જેવુ गौवत्; गोरुप, गौ के समान like a cow. विवा० २; —लेहणिया स्त्री० (-लेहनिका) ગાયોને ચરવાની જગ્યા (બીડ) गौओं का चरने की भूमि, चरागाह. a meadow for the grazing of cows. निसी० ३, ७७, —वइ पु० (-पति) મોટો બળદ. बडा बैल a big ox नाया० ४. —वग्ग पु० (-वर्ग) દશ હજાર ગાયોનુ ટોળુ दस सहस्र गौओं का युथ a herd of cows 10 thousand in number "एग च ण मह सेय गोवग्गं पासित्ताणं पडिवुद्धे" ठा० १०, भग० १६, ६, —वाल. पुं० (-पाल) ગોવાલિઓ, ગાયો ચારનાર गोवाल, गौओं को चरानेवाला a cowherd उत्त० २२, ४६, —वालग पु० (-पालक) ગાયોને પાલનાર ગોવાળ. गौओं का पालन करनेवाला, गोवाल, गवली a cowherd. सूय० २, २, २८, पिं० नि० ३१७; —व्वइअ. त्रि० (-व्रतिक) ગાયનુ વ્રત રાખનાર, ગાય બ્હાર નિકલે ત્યારે બ્હાર જવું; ગાયના ખાધા પછી ખાવુ, પાણી પીધા પછી પાણી પીવુ અને ગાયના સુવા પછી સુવુ એ વ્રત ધરનાર. गौका व्रत रखने वाला, गौ बाहर निकले तब बाहर जाना, गौके खाने के पश्चात् खाना, पानी पीने के पश्चात् जल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐस व्रत को धारण करने वाला. (one) who has taken a vow to go out, eat drink and sleep when the cow has done all these things. अणुजो० २०, ओव० ३८;

गोअम. पुं० (गौतम) મહાવીરસ્વામિના પ્રથમ ગણધર-ગૌતમસ્વામી. महावीरस्वामी के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी Gautama Swāmī, the first Gaṇadhara of Mahāvīra Swāmī ओव० ३८; कप्प० १, २, गच्छा० ७६; (२) ઇંદ્રભૂતિ ગણધરનો ગોત્ર इंद्रभूति गणधर का गोत्र. the lineage of the Gaṇadhara Indrabhūti. ज० प० ६, १२४, कप्प० ४, १२४; (३) વિચિત્ર બળદને શણગારી તેની મારફત ભિક્ષા ઉઘાડનાર એક ભિક્ષુકવર્ગ. बैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा भिक्षा एकत्र करने वाला; एक भिक्षुकवर्ग. a class of beggars who decorate an ox and beg in its name. अणुजो० २०.

गोअर पु० (गोचर) આહાર લેવાની વિધી; ગોચરી, મધુકરી आहार लेने की विधी, गोचरी, मधुकरी. Process of begging food. नंदी० ४५; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) ગોચરીની આઠ ભૂમિકા. गोचरीकी आठ भूमिका. the eight places of begging alms. गच्छा० ७३;

गोउर. न० (गोपुर-गोभिः पूर्यते इति) નગરનો દરવાજો. नगर का दरवाजा A city-gate सम० प० २१०,

गोकरण पुं० (गोकर्ण) બે ખુરીવાળો ગાયના જેવા કાનવાળો પશુ વિશેષ दो खुर वाला गौ के समान कान वाला पशु विशेष A kind of animal with ears resembling those of cows and having two hoofs जं० प० पन्न० १, १; पण्ह० १; (२) સાતમાં અંતરદ્વિપમાં

रहेनार माणस सातवें अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य a resident of the 7th Devaloka. जीवा० ३, ३; पत्र० १; —दीव पुं० (-द्वीप) लवणु समुद्रमां च्यारसो जोजन पर चूलहिमवतनी डाढा उपरे आवेल गोकर्णु नामनो अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमें चारसौ योजन पर चूलहिमवत पर्वत के ऊपर आया हुआ गोकर्ण नामक अतर द्वीप name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavaṇa Samudra at the distance of 400 Yojanas ठा० ४, २;

गोचर. पुं० (गोचर) गायोने चरवानी रीति गौओं की चरने की रीति. The way of grazing of cows आव० ४, ४,

गोचरी स्त्री० (गोचरी) भिक्षा, गोचरी भिक्षा; गोचरी Begging, alms आव० ४ ४,

गोच्छग पु० (गुच्छक) गुच्छो, पुंजवानुं एक उपकरणु. गुच्छा, पूंजने का एक उपकरण A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग० ८, ६,

गोच्छय-अ. पुं० (गच्छक) वस्त्र-पात्र-लुछवानो (ऊननो) गोच्छो, वस्त्र-पात्र साफ करने की कूची. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पण्ह० २, ४, दस० ४, वेय० ३, १३; प्रव० ४३८,

गोच्छिय त्रि० (गच्छित) फुलना गुच्छा वाळु फूलों के गुच्छे वाला Having clusters of flowers ओव०भग०१, १,

गोजलोया स्त्री० (गोजलौका) गोजलोका नामनो बेइंद्रिय जीव. गोजलोका नामक दोइन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōkā पन्न० १;

गोट्ठामाहिल पुं० (गोष्ठामाहिल) गोष्ठामाहिल नामना सातमा निन्हव के जेणे जीवने कर्मनो स्पर्श थाय पणु बन्ध न थाय एम स्थापन कर्युं गोष्ठामाहिल नामक सातवें निन्हव कि जिन्होने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया Name of the 7th Ninhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them ठा० ७, १,

गोट्ठिअ पु० (गोष्ठिक) एक गोष्ठी-मण्डलीमां रहेनार, मित्र, दोस्त एक गोष्ठी-मण्डलीमें रहने वाला, मित्र, दोस्त A friend, one belonging to the same circle of friends अणुजो० १४८,

गोट्ठिग पुं० (गौष्ठिक) मित्र, गोठीओ मित्र समुदाय, साथी A friend पच्चा० १३, १४,

गोट्ठिल्ल त्रि० (गोष्ठीमत्) विट् पुरुषोनी गोष्ठी मण्डलीमा भाग लेनार, गोठीओ विट् पुरुषों की गोष्ठी-मडली में भाग लेने वाला सभासद A member of an assembly of evil persons अत० ६, ३, विवा० २;

गोट्ठिल्लग. पु० (गोष्ठिमत्क, जुओ "गोट्ठिल्ल" शब्द. देखो "गोट्ठिल्ल" शब्द Vide "गोट्ठिल्ल" विवा० २, —पुरुष पुं० (-पुरुष) व्यभिचारी मंडलीमा रहेनार माणस व्यभिचारी मडली में रहने वाला मनुष्य an intriguing person. नाया० १६,

गोट्ठी स्त्री० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरुषोनी मण्डली व्यभिचारी पुरुषों की मडली. A circle of unchaste persons अंत० ६, ३; (२) मित्र मण्डली मित्र

मंडली. a circle of friends पिं० नि० २४५; सु० च० २, ३८६; नाया० १६;

गोड पुं० (गौड) गौड देशने। रहेनार. गौंड देश का रहने वाला. A resident of Gauda country. पगह० १, १; पन्न० १.

गोडु. त्रि० (गौड) गुड संबंधी गुड. Treacle, (anything) sweet (२) मधुर, मीठु मधुर, मीठा. sweet, delicious. भग० १८, ६.

गोण त्रि० (गौण-गुणैर्निवृत्तम्) गुणथी उनेल-यथार्थ गुण निष्पन्न गुण निष्पन्न. गुणोंसे बना हुआ Possessed of proper qualities अणुजो० १४०, ओव० ४०, नाया० १; १६, भग० ११, ११, १४, १.

गोण पु० (गोण) બળદ, વૃષભ, આખલો बैल, वृषभ, सांड An ox, a bull आया० २, १, ५, २७, २, ३, ३, १३०, सूय० २, २, ४४, ज० प० सु० च० १२, ५७, जीवा० ३ ३, पन्न० १, पगह० १, १, २, भग० ८, ३, ६, ३३, ११, ११, १४, १, नाया० ३, ओव० उवा० ८, २४२, (२) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नामका एक अनार्य देश name of an uncivilised country. प्रव० १५६७, **—आवलिया** स्त्री० (आवलिका) બળદોની પંક્તિ. बैलों की पंक्ति. a herd of oxen. भग० ८, ३, **—गिह.** न० (-गृह) બળદને રહેવાનુ ઘર-સ્થાન. बैलों को रहनेका स्थान-घर. a fold for bullocks. निसी० ८, ६, १५, २७. **—लक्खण** न० (-लक्षण) બળદના લક્ષણ જોવાની કલા. बैल के लक्षणों को परखने की कला. an art of testing the merits of an ox. नाया० १; **—साला.** स्त्री० (-शाला) બળદ શાલા बैलों का घर; बैल शाला a stable for bullocks निसी० ८, ६.

गोणत्ता स्त्री० (गोणता) બળદપણુ, મૂર્ખતા मूर्खता, बैलपन State of being an ox, foolishness. विवा० १,

गोणस पु० (गोनस) ફેણ વિનાનો સર્પ. फन रहित सर्प. A serpent without a hood (२) સર્પ, વિંછિ વગેરે. सर्प, बिच्छु इत्यादि. snake, scorpion etc. पन्न० १, जीवा० १, नाया० ८ पगह० १, १,

गोणी स्त्री० (गो) ગાય गौ, गाय. A cow ओघ० नि० भा० २३, पिं० नि० ११६, विशे० १४११,

गोण्ण त्रि० (गौण) ગુણનિષ્પન્ન નામ. પ્રકૃતિ પ્રત્યયના અર્થને અનુસરતુ નામ गुण निष्पन्न नाम, प्रकृति प्रत्यय के अर्थ के अनुसार नाम A name according to attributes नाया० २, पगह० १, १. अणुजो० १३१, (२) ગૌણ, મુખ્ય નહિ તે गौण, मुख्य नहीं वह minor पिं० नि० भा० ५,

गोतम पु० (गौतम) અંતગડસૂત્રના પહેલા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનુ નામ अंतगडसूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम Name of the first chapter of the first section of Antagada Sūtra. (२) અંધકવૃષ્ણિ રાજાનો પ્રથમ પુત્ર કે જેણે નેમનાથપ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર વરસ પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષ ગયા. अंधकवृष्णि राजा का प्रथम पुत्र कि जिसने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वर्ष पर्यंत प्रव्रज्या का पालन कर शत्रुंजयके ऊपर एक मास का संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया the first son of king Andhakavṛṣṇi who took Dikṣā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month on Śatruñjaya mount and attained final bliss अंत० ३, १, (२) ગૌતમ ગણધર; મહાવીરસ્વામિના મુખ્ય શિષ્ય. गौतमगणधर, महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य the Ganadhara named Gautama भग०४२, १,नाया० १६; (३) રોહિણી નક્ષત્રનુ ગોત્ર रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohiṇī सू० प० १०; (४) ગૌતમ ગોત્રમા ઉત્પન્ન થયેલ. गौतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुआ है वह (one) born in the Gautama family सू०प० १;

गोतित्थ न० (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) તલાવમાં ઉતરવાનો આરો तालाव में उतरने का आरा. A path to descend into a pond. जीवा० ३, ४,

गोत्त न० (गोत्र-गूयते संशब्द्यते उच्चावचैः शब्दैर्यद् तत्) વંશનો મૂલ પુરૂષ-જે નામથી-અટકથી-વંશ ઓળખાતો હોય તે वंश का मूल पुरुष-जिस नाम से-गोत्र से जो वंश पहिचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived सूय० १, २, ७, ५; ओव० ११; पिं० नि० ५०६. राय० २६, सू० प० १; भग० ३, १, नाया० १४; उवा० १, ७६, जं० प० ७, १५५, (२) त्रि० (गां वाचं त्रायत इति गोत्र सर्वागमाधार भूतम्) સર્વ આગમનો આધાર सर्व आगम का आधार. the source of all the scriptures. सूय० १, १३, ६; (३) ગોત્ર કર્મ; આઠમાનું સાતમુ કર્મ गोत्र कर्म, आठमें से सातवां कर्म Gotra Karma; the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; —अगार. पुं० (-अगार) ગોત્રની માલેકીનું ઘર. गोत्र के स्वामित्व का गृह. a house of the same lineage. "पहीणा गोत्तागाराइ वा" उच्छिन्न गोत्तागाराइ वा " भग० ३, ७; —कम्म न० (-कर्मन्) જેથી જીવ ઉચ્ચ નીચ ગોત્રમા-કુલમા ઉત્પન્ન થાય તે કર્મ जिससे जीव उच्च नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म a kind of Karma causing birth in a high or low family. ठा० २, ४, —दुग न० (-द्विक) નામ અને ગોત્ર. नाम व गोत्र. name and lineage प्रव० १२६२, —भेद पुं० (-भेदिन्) ઇન્દ્ર इन्द्र the god Indra सु० च० २, १५;

गोत्त. न० (गोत्व) ગાયપણું, ગોત્વરૂપ સામાન્ય જાતિ गौत्व, गोत्वरूप सामान्य जाति Genus of a cow. विशे० २१६१,

गोथूभ पुं० (गोस्तूप-भ) લવણ સમુદ્રમા ચારે દિશાએ જંબુદ્વીપની જગતીથી બેતાલીસ હજાર જોજન ઉપરે આવેલ વેલંધર દેવોને રહેવાનો પર્વત. लवण समुद्रमें चारों दिशाओं में जंबुद्वीप की सीमा से बयालीस सहस्र योजन के ऊपर आया हुआ वेलंधर देवों को रहने का पर्वत A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavaṇa Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० १, ८, (२) ११ માં શ્રેયાસનાથના પ્રથમ ગણધરનુ નામ ११वें श्रेयांसनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 11th Śreyānsanātha. सम० प० २३३;

गोथूभा. स्त्री० (गोस्तूपा) પશ્ચિમ દિશાના

अंजनकपर्वतनी-पश्चिम तरफनी वावनुं नाम. पश्चिम दिशा के अंजनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावड़ी का नाम. Name of a well on the Añjanaka mountain in the west ठा० ४, २, जीवा० ३, ४; प्रव० १५०२;

गोदास पु० (गोदास) એ નામના મુનિ इस नाम के मुनि. Name of an ascetic कप्प० ८,—गोगण पुं०(-गण) મહાવીરસ્વામિના નવગણમાંનો એક ગણ-સાધુ સમુદાય. महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण-साधु समुदाय One of the nine Gaṇas or groups of saints founded by Mahāvīra Swāmī ठा० ६,

गोधूम पु० (गोधूम) ગોધૂમ, ઘઉં गोधूम, गेहू Wheat भग०१४, ७, ११; १, ठा० ३, १, जीवा० ३, ३, ज० प०

गोपुर न० (गोपुर गोभि: पूर्यते इति) શહેરનો દરવાજો शहर का दरवाजा. A city-gate. नाया० ५, १६, भग०५, ७; ८, ६. उत्त० ६ १८; ओव० अणुजो० १३४,राय० २०१; निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; ज० प० सू० प० ३.

गोप्पय न० (गोष्पद) ગાયના પગલા જેટલું -જેમાં પગ બુડે તેટલું ખાબોચીયુ गौ के पैर जितने प्रमाण का खड्डा जिसमें गाय का पैर मात्र डूब सके A puddle having the depth of the measure of a cow's foot " जहा समुद्दो तहा गोप्पयं " अणुजो० १४७; ठा०४, ४; विशे० १५६६;

गोप्पयमित्त त्रि० (गोष्पदमात्र) ગાયની ખરી જેટલું; નાનું ખાબોચીયું गौ के खुर जितना; छोटा खड्डा Of the measure of a cow's hoof e. g. a pit सु० च० ३, १५;

गोप्पहेलिया. स्त्री० (गोप्रहेल्या) ગાયોને ચરવામાટે થોડા ઘાસ વાળી ભૂમિ. गौओं को चरने के लिये थोड़े घांस वाली भूमि. A pasture-ground for cows having thinly growing grass आया०२, १०, १६६,

गोफ पुं० (गुल्फ) ઘુંટી-પગની એડી घुंटी-एड़ी. A heel. पण्ह० १, ४,

गोबहुल पु०(गोबहुल) શરવણ નામના ગામમા રહેનાર એક બ્રાહ્મણનું નામ शरवण नामक ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम Name of a Brāhmaṇa living in a village named Śrvaṇa भग० १५, १,

गोब्बर पु० (गोबर) મગધ દેશમાંનુ એક ગામ मगध देश का एक ग्राम. Name of village in the Magadha country पिं० नि० १६६,

गोभत्तिय त्रि० (गोभक्तिक) ગાયની પેઠે આહાર કરનાર गौ के समान आहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow नाया० १५;

गोमंत त्रि० (गोमत्) ગાયવાળો गौओं का रक्षक; गवली A cowherd, (one) having cows विशे० १४६८;

गोमय न० (गोमय) છાણ गोबर. Cow-dung निसी०१२,३८; भग०५,२, आया०१, १, ४, ३७, २, १, १. १, भत्त०१६२, दस० ५, १, ७; —कीड. पु० (-कीट) છાણનો કીડો-ચતુરિંદ્રિય જીવ गोबरका कीड़ा-चतुरिंद्रिय जीव an insect in cowdung, a four-sensed being. भग०१५,१; जीवा० १; पन्न०१, —रासि पुं० (-राशि) છાણનો ઢગલો गोबर का ढेर a heap of cow-dung भग० ८, ६: १५, १;

गोमाउ पुं० (गोमायु) શૃગાલ: શિયાળ.

शृगाल; सियार; A jackal. नाया० ४,

गोमायुपुत्त. पुं० (गोमायुपुत्र) ગોમાયુપુત્ર નામના એક સાધુ गोमायुपुत्र नाम के एक साधु. An ascetic so named. भग० १५, १;

गोमाणसिआ-या. स्त्री० (गोमानसिका) શય્યા; પથારી शय्या; बिछौना A bed. (२) લાંબો ઓટલો. लंबा ओटला a long verandah. जं० प०राय० १०६,

गोमाणसी. स्त्री०(गोमानसी) શય્યા, शय्या A bed. जीवा० ३, ४,

गोमिअ. त्रि० (गोमिक गावस्सन्ति यस्येति) જુઓ ' गोमत " શબ્દ देखो " गोमत " शब्द. Vide " गोमत " अणुजो० १३१; पराह० १, २; दस० ७, १६; १६,

गोमिज्जअ. पुं० (गोमेदक) એક જાતનો મણિ, સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક ભાગ गोमेद-एक जाति का मणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त० ३६, ७६;

गोमिणी. स्त्री० (गोमिनी) ગાયવાળી સ્ત્રી गायवाली स्त्री A woman possessing a cow. दस० ७, १६,

गोमुत्तिया. स्त्री० (गोमुत्रिका) ચાલતી ગાય મુતરે તેને આકારે વાંકી ગોચરી કરવી તે, ઘરની બે પંક્તિમા એક વાર એક પંક્તિના એક ઘરે વ્હોરી પછી સ્હામી પંક્તિનુ એક ઘર વ્હોરે વળીપાછો પહેલી પંક્તિમા એક ઘર મુકી ગોચરી કરે એમ ગોમુત્રિકાને આકારે ઘર વ્હોરે તે ભિક્ષાનુ નામ ગોમુત્રિકા, ભિક્ષાના અભિગ્રહનો એક પ્રકાર जिस प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी आकार में वक गोचरी करना अर्थात घरों की दो पंक्तियों में से एक बार एक पंक्ति के एक घर में से भिक्षा लेकर सामने की पंक्ति के एक घर से भिक्षा लेना; पुनः पहिली पंक्ति में एक घर छोड गोचरी करना इस प्रकार गोमुत्रिका के आकार से घर घर भिक्षा लेना उसका नाम गोमुत्रिका; भिक्षा के अभिग्रह का एक प्रकार. A vow to beg food; a particular mode or fashion viz. in imitation of the zigzag course described when a cow moves on shedding a stream of urine as she walks; e. g. while begging food from two rows of houses the ascetic would begin with the first house of one row and then go to the first house of the opposite row then to the second house of the first row and so on. उत्त० ३०, १६; ठा० ४, २, ६, १; दसा० ७, १, प्रव० ७५२,

गोमुत्ती स्त्री० (गोमूत्रिका) ગાય કે બલદ મુતરે તેનો જે આકાર થાય તે. गौ वा बैल मूत्र करे उसका जो आकार हो वह The zigzag shape which is formed while a cow or a bullock passes urine while it moves क० ग० १, २०,

गोमुह पुं० (गोमुख) લવણ સમુદ્રમા પાંચસો જોજન ઉપર ઇશાન ખુણામાં આવેલ ગોમુખ નામનો એક અન્તર દ્વીપ. लवण समुद्र में पांचसौ योजन पर इशान कोन में आया हुआ गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of an Antara Dvīpa (an island) in the north-east in Lavaṇa Samudra at a distance of 500 Yojanas. ठा० ४, २; प्रव० १४१६; (२) १२માં દ્વીપમાં રહેનાર મનુષ્ય. १२वें द्वीप में रहने वाला मनुष्य an inhabitant

of the 12th Dvipa. पन० १, (३) श्रीऋषभदेव स्वामीना यक्षनु नाम. श्रीऋषभदेव स्वामी के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa of Śrī Riṣabhadeva Swāmī. प्रव० १७४,

गोमुही स्त्री० (गोमुखी) એનામનુ એક વાજીંત્ર; ગાયના મુખ જેવું-કાહલ મ જીનીયા વિગેરે. इस नामका एक वाजिंत्र; गौके मुख के आकारका वाजित्र विशेष. A kind of wind instrument; e. g a bugle etc. अनुजो० १२८; ठा० ७, १, नाया० १८; राय० ८८;

गोमेज्ज. पु० (गोमेद) એક જાતનો મણિ. एक जातिका मणि. A kind of gem. पन० १,

गोमेह. पुं० (गोमेध) નેમિનાથજીના યક્ષનુ નામ. नेमिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Neminātha प्रव० ३७६,

गोम्हि पु० (*गोम्भिन्) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાળો જીવ, કાન ખજુરો. तीन इन्द्रिय वाला जीव, कान खजूरा A three-sensed being; a centiped. पन० १;

गोय. पु० न० (गोत्र) સાતમુ ગોત્રકર્મ જેના ઉદયથી જીવ ઉંચ અથવા નીચ ગોત્ર પામે છે. सातवां गोत्रकर्म जिसके उदयसे जीव उच्च किंवा नीच गोत्र पाता है. The 7th variety of Karma known as Gotra Karma by the rise of which a soul gets high or low lineage. पन० २०; २२; ओव० २०; नाया० ८; भग० २६, १; विशे० ११८७; क० प० १, २६; २, ६; क० गं० १, ३; ५२; ५, ७५; उत्त० ३३, ३, प्रव० १२६६; (२) ગોત્ર; વંશ; અટક. गोत्र; वंश; कुलनाम. lineage; family name. ओव० २७, भग० २, ५; (३) (गा वाचीं वायत इति गोत्रम्) મૌન ધારણ કરવુ તે; વાક્‌સંયમ. मौन धारण करना, वाक्संयम. keeping of silence. सूय० १, १४, २०; —कम्म. न० (-कर्मन्) જુઓ ગોય શબ્દનો બીજો અર્થ. देखो "गोय". शब्द का द्वितीय अर्थ. vide the second meaning of the word "गोय' उत्त० ३३, १४, —दुग. न० (-द्विक) ગોત્ર દ્વિક, ઉંચ ગોત્ર અને નીચ ગોત્ર એ ગોત્રકર્મની બે પ્રકૃતિ गोत्र द्विक; उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो प्रकृति the two varieties of Gotra Karma viz high and low lineage क० गं० ५, १६; —मय पु० (-मद) ઉંચ ગોત્ર મળે તેનો મદ કરવો તે. उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका मद करना. pride of high family सूय० १, १३, १५;

गोयम. पु०(गौतम—गोभि: तमो ध्वस्त यस्य) જુઓ "गोतम" શબ્દ देखो "गोतम" शब्द Vide "गोतम" "गोयमोय गोत्तेणं" जं० प० उवा० १, ७६, अनुजो० ८६, १३४, ओव० ३, ८, उत्त० १०, १; १८, २२, २३, ६; नंदी० स्थ० २४, भग० ७, १; १८,१०, नाया०१,६,७,१०, ११, १३, १४, राय० ७८; (२) સુસ્થિક (લવણ સમુદ્ર સ્વામિ) દેવતાનો ગૌતમ નામે દ્વીપ. सुस्थिक देवता का गौतम नामक द्वीप. name of an island of the god Susthika the lord of Lavana Samudra. जीवा० ३, ४, (३) ગૌતમ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ-મુનિ સુવ્રત અને નેમિ તીર્થંકર નારાયણ અને પદ્મશિવાયના વાસુદેવ, બલદેવ, ઇન્દ્રભૂતિ આદિ ત્રણ ગણધર વગેરે गौतम गोत्र में उत्पन्न मुनि सुव्रत व नेमि तीर्थंकर,

नारायण व पद्मके सिवाय वासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूति आदि तीन गणधर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and NemiTīrthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyaṇa and Padma, the three Gaṇadharas e g Indrabhūti etc ठा० ७, १, (४) पुं० गोशालानो छठो पउट्ट परिहार-कल्पित अवतारनुं नाम गोशाला का छठा पउट्ट परिहार कल्पित अवतार का नाम the immaginary sixth incarnation of Gośālā भग० १५, १; —गोत्त न० (-गोत्र) इन्द्रभूति गणधरनुं गौतम गोत्र इन्द्रभूति गणधर का गौतम गोत्र the family named Gautama to which the Gaṇadhara Indrabhūti belonged भग० १, १, ३, १; —सामि पुं० (-स्वामिन्) गौतमस्वामी गौतम स्वामी Gautama Swāmī नाया० १६,

गोयमकुमार पुं० (गौतमकुमार) अंधक वृष्णिराजाने कुमार, दश दशारमानो एक अंधकवृष्णि राजा का कुमार, दश दशार मे से एक A son of king Andhaka Vrisni, one of the ten Daśāras अंत० १, १,

गोयमदीव पुं० (गौतमद्वीप) लवणसमुद्रमां गौतमद्वीप नामनो टापु छे त्यां सुस्थित नामनो लवणसमुद्रनो अधिपति रहे छे लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lavaṇa Samudra where the lord of that ocean resides, सम० ६७,

गोयमपुत्त पुं० (गौतमपुत्र) गौतमनो पुत्र अर्जुन. गौतम का पुत्र अर्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmī भग० १५, १,

गोयर पुं० (गोचर-गौरिव चरति यस्मिन् सः) गोचरी, साधुओ गोवृत्तिथी भिक्षा लेवा जवुं ते. गोचरी, साधु का गोवृत्ति से भिक्षा लेने के वास्ते जाना Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow पिं० नि० १६४, राय० २३५, सम० प० १६८, उत्त० १६, ८१, ओघ० नि० भा० ६६, नाया० १; भग० २, १, वव० ६, १६, दसा० ७, १; (२) स्थान स्थान a place. विशे० १६६, भग० ७, ६, (३) सन्मुख, प्रत्यक्ष सन्मुख, प्रत्यक्ष in front of, in presence. दसा० ५, २; (४) विषय, संबंधी विषयमें, संबंधमें relating to. जं० प० ३, ३६, पचा० ५, ३, —काल पुं० (-काल) गोचरीनो समय गोचरीका समय time of begging food दसा० ७, १ —चरिया. स्त्री० (-चर्या गौरिव गोचर इव चर्या) गोचरीनी चर्या गोचरी का चर्या mode of proceeding to beg alms दसा० ७, १,

गोयरग्ग न० (गोचराग्र) अग्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोचर-भिक्षा, आधाकर्मादि दोष रहित भिक्षा गोचरी अग्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोचर-भिक्षा, आधाकर्मादि दोष रहित भिक्षा-गोचरी Begging alms of the highest kind i e free from the fault of Ādhākarma etc उत्त० २, २६, ३०, २५, दस० ५, १, २; १६, ६, ५७, —गश्र त्रि० (-गत) भिक्षा माटे गयेल. भिक्षाके लिये गया हुआ gone to beg alms दस० ५, १, २,—पविट्ठ त्रि० (-प्रविष्ट) जुओ " गोयरग्गगश्र "

अ० ६. देखो " गोयमसमय " शब्द. vide "गोयमसमय" दस० ५, १, ११, ६, ५७,

गोयावाय पुं० (गोत्रवाद) गोत्रना नामथी कोईने बोलाववुं-जेम के-हे गौतम. गोत्र के नाम से किसी को पुकारना, यथा-हे गौतम. Addressing a person by his family-name सूय० १, ६, २७,

गोर त्रि० (गौर) सफेद; उज्वळ; धोळुं. श्वेत; उज्वल; सफेद. White. ओव० २६, पन्न० २; उवा० १, ७६, —खर पु० (-खर) धोळो गर्दभ-गधेडो. श्वेत गर्दभ, सफेद गधा. a white ass पन्न० १; —मिग. पुं० (-मृग) सफेद हरण; श्वेत मृग, सफेद हिरन a white deer आया० २, ४, १, १४५, —मिय न० (-मृग) सफेद हरणुं श्वेत मृग a white deer निसी० ७, ११,

गोरव न० (गौरव) गौरव, महिमा, मोटाई गौरव, महिमा, बडाई Greatness glory विशे० ३४७३, जं० प० सू० प० २०,

गोरस पु० (गोरस-गवां रस व्युत्पत्तिस्त्वेवम्-प्रवृत्तिस्तु महिष्यादीनां दुग्धादि रूपे रसे) दहिं-दूध-छाश वगेरे दहीं-दूध-छाछ इत्यादि Milk, curds, whey etc. पि० नि० ५४, नाया० ८, १७, प्रव० १४२६;

गोरहग पु० (गोरथक) त्रण वर्षनो-नानो वाछडो तीन वर्ष का-छोटा बछडा. A young ox three years old आया० २, ४, २, १३८, सूय० १, ४, २, ११; दस० ७, २४,

गोरी. स्त्री० (गौरी) अंतगडसूत्रना पांचमा वर्गना बीजा अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के द्वितीय अध्ययन का नाम Name of the second chapter of the fifth section of Antagada Sūtra. (२) कृष्ण वासुदेवनी एक पट्टरानी के जे नेमनाथ प्रभुनी देशना सांभळी विरक्त थई यक्षिणी आर्याजी पासे दीक्षा अंगीकार करी ११ अंग भणी वीस वर्षनी प्रव्रज्या पाळी एक मासनो संथारो करी निर्वाणपद पाम्या. कृष्ण वासुदेव का एक पट्टरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी आर्या से दीक्षा अंगीकार की व ११ अंगों का अभ्यास कर बीस वर्ष की प्रव्रज्या का पालन कर एक मास का संथारा कर निर्वाण पद को प्राप्त हुई name of a principal queen of Kṛṣṇa Vāsudeva. She gave up worldly attachment as a result of the preaching of Nemanatha and took Dikṣā from a nun named Yakṣiṇī After studying 11 Angas and practising asceticism for twenty years she attained to salvation after one month's Santhārā (giving up food and water) अंत० ५, २; ठा० ८, १, (२) पार्वती पार्वती the goddess Pārvatī सूय० २२, ४७. मु० च० २, ३३. (३) गोरवर्णवाळी स्त्री. गौर वर्ण वाली स्त्री. a woman with fair skin अणुजो० १२८, ठा० ७ १.

गोरोयण न० (गोरोचन) गोरु चंदन लाल चंदन The bezoar stone पन्ना० ४, १५,

गोल त्रि० (गोल) गोळ, लखोटो, गोळा वगेरे. गोल; गोटी, गोली इत्यादि A small ball etc for play. अणुत्त०

६, १; भग० १०, ५, १३, ३; पन्न० १, जं० प० ७, १७; सू० प० १८; (२) કાશ્યપ ગોત્રની એક શાખા અને તેમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુરૂષ. काश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it ठा० ७, १, (३) કોઈ એક દેશમાં વપરાયેલ અપમાન સૂચક સંબોધન. किसी मुल्क में प्रचलित अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect) नाया० ६, आया० २, ४, १, १३४, दस० ७, १४,

गोलंगुल पुं० (गोलांगूल) વાનર. बंदर. A monkey भग० १२, ८; —वसभ पुं० (–वृषभ) મ્હોટો વાનર. बड़ा बदर. a big monkey भग० १२, ८,

गोलय. पु० (गोलक) ગોળો; ગોળ પિણ્ડો, દડો. गोला, गेंद; A ball. उत्त० २६, ४०,

गोलवट्ट. त्रि० (गोलवृत्त) ગોલાકારે, વર્તુલ. गोलाकार; वर्तुलाकृतिमें Round circular. सम० ३५, जं० प० ७ १७०; २ ३३,

गोलव्वायण न० (गालव्वायन) અનુરાધા નક્ષત્રનું ગોત્ર. अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā सू० प० १०;

गोसिकायण. पु० (गोशिकायन) કૌશિક ગોત્રની શાખા. कौशिक गोत्र की शाखा A branch of the lineage named Kauśika. (२) તે શાખામાંનો પુરુષ उस शाखामेंका पुरुष a person belonging to the above lineage ठा० ७, १;

गोलियसाला. स्त्री० (गौलिकशाला) ગોળ વેચવાની દુકાન. गुड बेचने की दुकान. A shop for selling treacle. (२) ગાયોને દોહવાનું સ્થાન गौओंका दूध निकालने का स्थान a place for milking cows. वव० ६, १, ७;

गोलुकि सद्द. पु० (गोलुकि शब्द) ગોલુકી નામના વાજીંત્રનો શબ્દ एक प्रकारके वाजित्र का शब्द Sound of a musical instrument निसी० १७, ३३,

गोलोम. पु० (गोलोम) બે ઇંદ્રિયવાળો જીવ; (છાણમાં થાય છે તે) दो इंद्रिय वाला जीव--गोबर में होता है वह A two sensed being; (found in cow-dung) पन्न० १, निसी० १०, ५०, (२) ગાયનું રૂંવાડું. गौ का रूंवा. the fur of a cow कप्प० ६, ५७,

√ **गोव.** धा० I,II. (गुप्) બચાવવું; છુપાવવું बचाना, छिपाना. To hide, to protect

गोवेइ नाया० १६,

गोवति सु० च० १५, ६,

गोवित्ता सं० कृ० नाया० १६,

गोवित्तए हे० कृ० नाया० १६;

गोव. पु० (गोप-गा भूमि वा पाति रक्षति) ગોવાળ. गवली, ग्वाला A cowherd विशे० २६५९; पिं० नि० ६६७; भत्त० ८१;

गोवल्लायण न० (गोवल्लायन) પૂર્વા ફાલ્ગુની નક્ષત્રનું ગોત્ર. पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Pūrvāfālguni constellation. सू० प०१०, जं० प० ७, १५६;

गोवालिआ. स्त्री० (गोपालिका) ગોપાલિકા નામની આર્યા. गोपालिका नामक आर्या Name of a nun नाया० १६,

गोवाली. स्त्री० (गोपाली) એ નામની એક વેલ. इस नाम की लता. Name of a creeper. पन्न० १;

गोवीहि. स्त्री० (गोवीथि) શુક્રની ગતિ વિશેષ. शुक्र की गति विशेष. A particular kind of motion; the motion of Venus. ठा० ६, १;

गोस. पुं० (*) પ્રાતઃકાલ; સવાર प्रातःकाल; सवेरा. Morning; dawn. सु० च० २, ११; ४, २०२; प्रव० १६१; पंचा० १, ५०; **—करणीय** त्रि० (-करणीय) સવારમાં કરવા લાયક (ધર્મ-ધ્યાનાદિ). प्रातःकाल में करने योग्य (धर्मध्यानादि) (anything) to be done in the morning, i. e religious meditation etc सु० च० २, ७५,

गोसाल पुं० (गोशाल) ગોશાલો-મંખલિ પુત્ર, જેનું વિવરણ ભગવતી સૂત્રના ૧૫ મા શતકમાં છે गोशाला मखलि पुत्र, जिस का विवरण भगवती सूत्र के पद्रहवें शतक में है Gośālā-the son of Mankhali, described in the 15th Śataka of Bhagavatī Sūtra भग० १५, १, नाया० १६, उवा० ७, १८८,

गोसालग. पुं० (गोशालक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above प्रव० ७४०, **—मय.** न० (-मत) ગોશાલાનો મત. गोशाला का मत the tenet of Gośālā प्रव० ७४०,

गोसीस न० (गोशीर्ष) ગાયના મસ્તકમાંથી નિકલતું ગોરોચન गौ के मस्तक में से निकलने वाला गौरोचन A yellow pigment found in the head of a cow. जं० प० ४, ११४, पन्न०२, सम०प० २१०; नाया० १, भग० ९, ३३· १५, १; ओव० (२) ગાયનું મસ્તક. गौ का मस्तक the head of a cow. सू० प० १०; **—आवलि** स्त्री० (-आवलि) ગાયના મસ્તકોની પંક્તિ गौ के मस्तकों की पंक्ति. a line of the heads of cows. सू० प० १०,

गोह. पुं० (गोध) જુઓ " गोहा " શબ્દ. देखो " गोहा " शब्द Vide " गोहा " पराह० १, १, उत्त० ३६, १८०, जीवा० १; वसा० ६, ४,

गोहा. स्त्री० (गोधा) ઘો, સરડા જેવું એક ચપટું પ્રાણી એને ભીંગડા અને ચાર પગ હોય છે, રાત્રે શિકાર સારુ બ્હાર નીકળે છે એની બે જાત છે-ચન્દનઘો અને પાટલા ઘો. घो जैसा एक चपटा प्राणी-उसके शरीर पर छिलके व चार पैर होते हैं, रात्रि को शिकार के वास्ते निकलती है उसकी दो जाति है-चदनघो व पाटलाघो. A lizard-like animal having scales and four feet It moves out in search of prey at night It is of two kinds. (1) Chandanagho and (2) Pātlagho. नाया० ८, सूय० २, ३, ६३, २, ३, २५; भग०८, ३, १५,१, **—आवलिया** स्त्री० (-आवलिका) ઘોની પંક્તિ घो की पंक्ति. a row of lizard-like animals भग० ८, ३,

गोहिआ-या स्त्री० (गोधिका) ભાંડ લોકનું એક જાતનું વાજીંત્ર. भाड लोगों का एक तरह का वाजित्र. A kind of musical instrument used by tumblers etc अणुजो० १२८, आया०२, ११, १६८; ठा० ७, १, विवा० ७; (२) સામાન્ય ઘો. सामान्य घो A kind of lizard. जीवा०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

१; —सद्द पुं० (-शब्द) ભાંડના વાજિંત્રનો શબ્દ. भांडों के वाजित्र का शब्द. the sound of a musical instrument of a bard निसी० १०, ३५;

गोही. स्त्री० (गोहि) ગોહણી गोहणी. A female lizard-like animal. जीवा० १,

गोहूम पुं० (गोधूम) ઘઉં, ધાન્યની એક જાત गेहू, धान्य की एक जाति Wheat, a kind of corn. पन्न० १, वेय० २, १, प्रव० १००६;

√ग्गह धा० II (ग्रह्) ગ્રહણ કરવું ग्रहण करना. To accept.

गहेइ निसी० १, ५४;

गहेही. भ० सु० च० ८, १६७,

गहिउं. सं० कृ० सु० च० १२, १७३,

गहेऊण. सं० कृ० नाया० १६;

गहाय उत्त० ४, २; अणुजो० १४८, भग० २, १, ३, १, ५; ६, १०; ८. ३३; ११, ६, १३, ६; १५, १, १६,१; नाया० १; २; ३, ५; ७; ८; १६; १८; दसा० ७, १, १०, ३; विवा० २; ६, ७, निसी० ३, ८२. ७, २६; ६, ४, वव०७, १७, ८, ११, राय० ३३, वेय० १, ३७, निर० ३, ३.

गाहेइ. प्रे० नाया० ५; ओव० ३०,

गाहावइ. प्रे० वि० सु० च० १०, १२६,

गाहेहिंति प्रे० भ० भग० ७, ६, ज० प० २, ३६,

गाहिस्सं. प्रे० भ० विशे० १४५६;

गाहित्ता. प्रे० सं० कृ० भग०७, ६, ओव० ३०,

गाहेत्ता. प्रे० सं० कृ० नाया० ५;

√ग्घा. (घ्रा) સુંઘવો सूंघना To smell

जिग्घइ निसी० १, ८, ६, ५;

जिग्घत निसी० १, ६,

घ.

*घंघ. त्रि० (*) ગરીબ અનાથ. गरीब, अनाथ. Poor; destitute. पिं० नि० ३४५, —साला. स्त्री० (-शाला) અનાથાલય, ધર્મશાલા. अनाथालय, धर्मशाला A house of charity for the helpless. ओव० नि० ६३६,

घंट. पुं० (घण्ट) ઘંટડી, ટોકરી. घंटी. A bell. सम० ५, ३३, सु० च० २, ३०३, प्रव० ११४७, ज० प० ५,११५; —रव पुं० (-रव) ઘંટનો અવાજ घंटेकी आवाज. घंटा का नाद Sound of a bell नाया० ८;

घंटा स्त्री० (घंटा) ઘંટડી. ટોકરી. घटी. A bell ओघ० नि० भा० ८६, ओव० ३०; नाया० १, ३; राय० ३७, ज० प० ५, ११५; उवा० ७, २०६, —आवलि स्त्री० (-आवलि) ઘંટોની પંક્તિ. घंटो की पंक्ति a series of bells. नाया० १, राय० ओव०

घंटिअ-य. पुं० (घण्टिक-घण्टया चरन्ति तां वादयन्तीति घण्टिकाः) ઘંટા વગાડી ભિક્ષા માગનાર; રાઉલિક घंटा बजाकर भिक्षा मांगने वाला, राउलिक One who begs alms by ringing a bell; a Rāulika. नाया० ६; कप्प० ५, १०७;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

घंटिआ-या. स्त्री॰ (घंटिका) घण्टडी; घुघरी. घंटी, घुघरी. A bell, a small bell. राय॰ ४४; जीवा ३, ३; नाया॰ ३; प्रव॰ ११३; (२) એક જાતનું આભરણ. एक जातिका आभरण. a kind of ornament. जं॰ प॰ ५, ११९; उवा॰ ७, २०६, नाया॰ ६. —आल. न॰ (-जाल) घंटडिओनो, घुघरीओनो समूह. घंटियों का समूह, घुघरियों का समूह a collection, bunch of small bells भग॰ ६, ३३,

घंतु. त्रि॰ (घातुक) मारनार, घात करनार मारनेवाला, घात करनेवाला. A killer, a destroyer "रसगिद्धेण घतुणा" उत्त॰ १८, ७,

घंसण. न॰ (घर्षण) घसवुं घिसना, घर्षण Rubbing, friction विशे॰ २०४३, नाया॰ १,

घसिअ-य. त्रि॰ (घर्षित) चंदननी पेठे घसेलुं, घडेलुं. चन्दन की तरह घिसाहुआ Rubbed against a hard substance, e g Sandal wood ओघ॰ ३८,

घकारप्पविभत्ति. पु॰ (घकारप्रविभक्ति) "घ" ना आकार जेवुं ३२ नाटकमानुं एक "घ" की आकृति जैसा, ३२ नाटक में से एक Anything of the shape of the letter ' घ " one of the 32 dramas राय॰ ८३.

√**घट्ट.** धा॰ I, II (घट्ट) स्पर्श करवो, हलाववुं स्पर्शकरना, हिलाना To touch, to give motion

घट्टइ. भग॰ ३, ३, राय॰ २६६,

घट्टेइ नाया॰ ३,

घट्टंति. नाया॰ ४,

घट्टिआ. वि॰ दस॰ ४;

घट्टेआ. वि॰ दस॰ ४,

घट्टाविआ वि॰ वि॰ दस॰ ४,

घट्टावेआ वि॰ वि॰ दस॰ ४;

घट्टिय सं॰ कृ॰ पिं॰ नि॰ ५५४;

घट्टेउ ओघ॰ नि॰ ३००

घट्टंत व॰ कृ॰ दस॰ ४,

घट्टग. न॰ (घट्टक) घसवानो पाणो घिसने का पत्थर A hard stone used for rubbing things against ओघ॰ नि॰ ४०१,

घट्टण. न॰ (घट्टन) संघट्टो थवो, अथडावुं. संघट्टन होना, अथडाना Clash; collision. दस॰ ४, ठा॰ ४, ४, पचा॰ १५, ३१.

घट्टणया. स्त्री॰ (घट्टना) संघट्टो करवो; भार दईने घसवुं संघट्टन करना, जोरसे दबा कर घिसना. Rubbing with great pressure पण्ह॰ १६, ओघ॰ ३८,

घट्टिय. त्रि॰ (घट्टित) मांहोमांहि स्पर्श थाय तेवी रीते हलावेल. घट्टना-घर्षणना पामेल. परस्पर स्पर्श हो इस तरह हिलाया हुआ. caused to collide, moved in a way to cause friction. "घट्टियाए कट्टियाए खोभियाए" अ॰ प॰ १, राय॰ १२८, पिं॰ नि॰ ५२३, (२) स्पृष्ट. स्पृष्ट touched. पण्ह॰ १, ३; (३) प्रेरणा करेल प्रेरणा किया हुआ, प्रेरित directed, instructed पण्ह॰ १, ३

घट्ठ. त्रि॰ (घृष्ट) घसेलुं; पालीश करेलुं; पत्थरनी पेठे साफ करेलुं घिसाहुआ, पत्थर के समान साफ किया हुआ. Rubbed, polished. ओव॰ ४३, नाया॰ २, २, १, ६४, २, ५, १, १४४, अणुजो॰ २१, सू॰ प॰ जीवा॰ ३, ४; भग॰ २, ८. जं॰ प॰ ओघ॰ नि॰ ८८; पण्ण॰ २. वेय॰ १४४; सम॰प॰ २११, राय॰ कप्प॰ ३, ३२; ६, २,

√ घड. धा० I, II (घट्) घडवुं; टीपवुं घडना; बनाना. To hammer, to fashion. (२) घटना करवी घटना करना to mould
घडइ सु० च० २, १८१;
घडेमो नाया० ८;
घडित्तए. हे० कृ० नाया० ८,
घडंत भत्त० ४७,
घडेंति. भग० ११, ६, ज० प० ५ ११४;
घडित्ता सं० कृ० ज० प० ५, ११४;

घड पु० (घट-घटतेऽसौ घटनाद् वा घट) घडो; कळश घड़ा; कलश A pot, a pitcher विशे० ६१, भग० ५, ४ ८, १०, पन्न० २; पिं० नि० ८८, १३२ ओव० अणुजो० १३१, सम० २५, पंचा० ६, ११, प्रव० ६४५. —कार पु० (-कार) घडानो बनावनार, कुंभार घट बनाने वाला कुंभकार, कुभार a potter विशे० १८१५ —दास पु० (-दास) पाणी भरनार नोकर पानी भरने वाला नौकर a servant employed to fetch water. आया० २, ४, १, १३४, —दासी स्त्री० (-दासी) पाणी भरनारी दासी पानी भरने वाली दासी a servant maid employed to fetch water सूय० १, १४, ८. —मुह पु० (-मुख) घडानुं मोढुं घटका मुख, घड़े का मुह the mouth of a pot. सम० १४.

घडक पु० (घटक) घडो घड़ा, घट A pot अणुजो० १३२

घडग पुं० (घटक) घडो घड़ा, घट A pot नाया० १६; ज० प०

घडण न० (घटन) उद्यम; प्रयत्न उद्यम, प्रयत्न Effort, industry. पण्ह० २, १,

घडणा. स्त्री० (घटना) घटना करवी, योजवुं घटना करना; योजना करना Formation विशे० १२०७, पंचा० १२, ४९,

घडत्त न० (घटत्व) घडानो भाव; घटपणुं. घड़े का भाव; घटत्व State of being a pot भग० १, ३,

घडत्ता स्त्री० (घटता-घटा समुदायरचना तद्भाव तत्ता) समुदाय रचनानो भाव समुदाय रचना का भाव Formation of group जीवा० ३, ३, भग० ५, ३; ११, १०, १८, १०,

घडय पु० (घटक) जुओ " घडग " शब्द देखो " घडग " शब्द Vide " घडग " नाया० ७, उवा० ७ १६४,

घडि त्रि० (घटिन्) घडावाळो घड़ा वाला (One) having a pot अणुजो० १३१,

घडिगा स्त्री० (घटिका) माटीनी कुलडी मिट्टी की कुलडी A small earthen vessel भत्त० १, ४ २, १८

घडिमत्तय न० (घटिमात्रक) घडीने आकारे माटिनु ठाम छोटा मिट्टीका बरतन A small earthen pot वेय० १ १६,

घडिय त्रि० (घटित) घटना करेल, मेळवेल घट । किया हुआ. Formed, joined जीवा० ३, ३,

घडियव्व त्रि० (घटितव्य) घटना करवी; साथे मेळववी मयुक्त करना, सांधा जुडाना Uniting together, bringing together. नाया० १ ५, भग० ६, ३३;

घण पुं (घन) दहींनो जामेल चकदो, दही का जमा हुआ चक्का thick curds " दहि घणे " पन्न० १७, ज० प० ४, ११२, ७, १४०, ५ १२१ (२) नक्कर वाजित्र कासिया, झांझ वगेरे ठोस वांजत्र, झांझ इत्यादि a bronze musical instrument. ज० प० १, १२, जीवा० ३, ४, राय० ८६, भग० ५, ४, ठा० २, ३; ४ ४; (३)

દઢ; કઠણ; મજબુત; છિદ્રવગરનું दृढ; कठिन; छिद्र रहित. hard; firm; free from holes. राय० ८२, १०६; २५४; विशे० ११८६; पिं० नि० भा० १७; पन्न० १; २; ३६; सू० प० १६; ओव० ४१; भग० ५, २; (४) ધાટું, ગાઢ, જાડું घट्ट, गाढा, मोटा. thick, dense पि० नि० भा० ३८; ओघ० नि० भा० ३१३, कप्प० ३, ४४, प्रव० ५१२, ५३९, क० गं० १, २०, (५) વિસ્તાર विस्तार extent, area विशे० २६०१. (६) મેઘ मेघ. a cloud भग० २, १, पन्न० २, पराह० १, ३, नाया० ८, पिं- नि० १७५, कप्प० ३, ३३, गच्छा० ६५, (७) આત્માના અસંખ્યાત પ્રદેશનું ઘનરૂપ પિંડ आत्मा के असख्यात प्रदेश का घन रूप पिण्ड body consisting of countless atoms of the soul भग० ५, ६. (८) સમાન જાતિના આંકડા ત્રણ વખત ગુણવાથી જે આંકડો આવે તે જેમ કે બેનો ઘન આઠ, ત્રણનો સત્તાવિસ, ચારનો ચોસઠ વગેરે समान जाति के अंक तीन बार गुनने से जो अंक आता है वह, यथा दो का घन आठ, तीन का सत्तावीस, चार का चौंसठ इत्यादि number got by cubing a numerical quantity पन्न० १२; (९) લંબાઇ પહોળાઇ અને જાડાઇ એ ત્રણેનું માન જેમાં આવે તે, ઘનરૂપે આલોકનું પરિમાણ સાતરાજ છે. लंबाई चौड़ाई व मोटाई इन तीनों का मान जिसमें आता है वह, घनरूप से इस लोक का परिमाण सात राज है a cubic measure as that of this world "सत्तरज्जुमाणघणो" क० गं० ५, ९७, (१०) ઘણું, બહુ. बहुत, अतिशय much, more. प्रव० १४८६, (११) નાગરમોથ नागरमोथ. a fruit of a medicinal plant सु०च० ५,७७, (१२) કાંસિયા વગેરે વાજીંત્રનું શબ્દ झांझ इत्यादि बाजिंत्र का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze भग० ५, ४, —आयत. न० (-आयत) જાડાઇ અને પહોળાઇ યુક્ત આયત સંઠાણ, નક્કર વસ્તુની લંબાઇ आयत सठाण; ठोस वस्तु की लंबाई, चौडाई व मोटाई. having length and breadth भग० २५, ३ —करण न० (-करण) કર્મનો બંધ મજબુત કરવો, નિબ્બડ કર્મ બંધ કરવો તે कर्मों को बांधना, दृढ करना, निब्बड कर्म-बंध करना tightening the bond of Karma पिं० नि० १०१, —चउरंस न० (-चतुरस्र) નક્કર વસ્તુનું ચોરસ સંઠાણ ठोस वस्तु का चौरस संठाण. a quadrangular solid भग० २५, ३. —तंस. न० (-त्र्यस्र) નક્કર રૂપ ત્રિકોણ સંઠાણ ठोस त्रिकोण संठाण (anything) triangular भग० २५, ३, —तव न० (-तपस्) પ્રતરને શ્રેણિ ગુણ્યા કરતા ઘન થાય, અથવા લંબાઇ પહોળાઇ અને જાડાઇ સરખી હોય તે ઘન. દાખલા તરીકે ચાર કોષ્ટકની શ્રેણી હોય તો સોળ કોષ્ટકના પ્રતરને ચારે ગુણતા ચોસઠ કોષ્ટક થાય, પ્રતરના સોળ કોષ્ટકને ચોવડો બનાવતા, ઘન કોષ્ટક થાય, તેમ લખી શકાય નહીં, જેથી પ્રતર તપ પ્રમાણેજ ચારવાર તપ કરવાથી, ઘન તપ થાય છે, તે સમજી લેવું. प्रतर व श्रेणि का गुना करने से घन होता है, अथवा लबाई, चौडाई व मोटाई समान हो वह घन, उदाहरण-चार कोष्टक की श्रेणी हो तो सोलह कोष्टक के प्रतर को चार से गुनने से चौसठ कोष्टक हो, प्रतर के सोलह कोष्टक को चार गुना करने से घन

कोष्टक हो; इस तरह लिखा नहीं जा सका इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने से घन तप समझ लेना the cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent x, Ghana Tapas would represent x^3 उत्त० ३०, १०, —परिमंडल न० (-परिमण्डल) નક્કર રૂપે વર્તુલ આકાર; ઘન પરિમંડલ સઠાણ ઠોસ वर्तुलाकार, घन परिमंडल सठाण (anything) circular in shape भग० २५, ३, —माला स्त्री० (-माला) મેઘમાલા मेघ माला. a line of clouds. भत्त० १२५, —मणि त्रि० (-मणि) ઘણા મણિ बहुत मणि many gems प्रव० १४८६, —मुइंग पु० (-मृदंग) મ્હોટું નગારૂ मृदंग, ढोल, बड़ा नक्कारा a big drum जं० प० ५, ११५, कप्प० २, १३, —रज्जु स्त्री० (-रज्जु) જેની લંબાઇ પહોળાઇ અને જાડાઇ સરખી થાય એવી રીતે રાજનું પરિમાણ કરવું તે जिसका लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो इस रीति से राज का परिमाण करना a unit of measure in which length, breadth and thickness are equal (२) રજ્જુ એટલે રાજ કે જે લોકના ક્ષેત્રનું પરિમાણ બતાવે છે આખો લોક ઉક્તરાજથી માપતા ૧૪ રાજ પરિમિત થાય છે આ માપ ત્રણ પ્રકારે બતાવેલ છે સૂચિ, પ્રતર અને ઘન જેમાં લંબાઇ બતાવવામાં આવે પહોળાઇ નહિ, તે સૂચિ જેમા લંબાઇ અને પહોળાઇ બન્ને દર્શાવવામાં આવે તે પ્રતર જેમા લંબાઈ પહોળાઇ અને ઉંચાઇ એ ત્રણે બતાવવામાં આવે તે ઘન ત્રણે પ્રકાર આ ચિત્રમાં બતાવવામાં આવ્યા છે रज्जु अर्थात राज कि जो लोक के क्षेत्र का
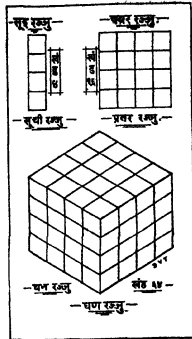
परिमाण बतलाता है सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है यह माप तीन प्रकार से बतलाया गया है सूचि, प्रतर और घन जिसमें केवल लम्बाई बतलाई जाती है वह सूचि जिसमें लंबाई और चौड़ाई दोनो बतलाई जाती है वह प्रतर. जिसमें लंबाई, चौड़ाई और उंचाई ये तीनों बतलाई जाती हैं वह घन तीनों प्रकार इस चित्र मे बतलाये गये है Rajju means Raja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region) the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja this measure is displayed in three ways, viz. Sūchi, Pratara and Ghana. The measure by which

length and dreadth are calculated is called Pratara and Ghana is that by which length breadth and thickness are measured All these three ways are exhibited in the picture. प्रव० ६२१,—वट्ट न० (-वृत्त) नक्कर गोળાકાર, લાડુની માફક ठोस गोलाकार (anything) solid and globular or round like a ball भग०२५, ३. —वात. पु० (-वात) જુઓ ' घणवाय " शब्द देखो " घणवाय " शब्द vide " घणवाय " भग० २०, ६,—वाय पु० (-वात) ઘનોદધિ અથવા વિમાન આદિના આધારભૂત જામેલા બરફ જેવો અથવા થીજેલા ઘી જેવો એક પ્રકારનો કઠિન વાયુ घनोदधि अथवा विमान आदि क आधार भूत जमा हुआ बरफ जैसा अथवा जमे हुए घृत जैसा एक प्रकार का गाढा वायु. a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter) उत्त० ३६, ११८, भग० १, ६, ७, १०, १०, ५, १७, ११, पन्न० १, जीवा० ३, १, —वायवलय पु० (-वातवलय) વલયાકારે રહેલ ઘનવાયુ वर्तुलाकार से रहा हुआ घनवायु, वलयाकार मे रहा हुआ घनवायु thick, condensed air remaining in a circular form भग० १७, ११,—संताणअ पु० (-संतानक) કરોળીયાનુ પડ मकडी का जाला a cobweb श्राघ० नि० २६२;—समद्द पु० (-संमर्द) જે યોગમા ચંદ્ર અને સૂર્ય ગ્રહ તથા નક્ષત્રની વચ્ચમા થઈ ચાલે તે યોગ जिस योग में चद्र व सूर्य, ग्रह व नक्षत्र के मध्यस्थ होकर गति करते हैं वह योग the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation सू० प० १२; —सद्द न० (-शब्द) નક્કર વાજીંત્રના શબ્દ नक्कर वाजित्र के शब्द the sound of a certain musical instrument निसी० १७, ३५,

घणसार पु० (घनसार-घनस्य मुस्तकस्य सार) કપૂર कर्पूर Camphor. सु० च० २, ७७,

घणघणाइय न० (घनघनायित) રથનો ઘણ ઘણ એવો અવાજ થાય ते रथका घण घण ऐसा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chariot राय० १८३, पराह० १, ३, भग० ३, २, जीवा० ३, ४,

घणघाइ न० (घनघातिन्) ઘનઘાતી કર્મ; જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, મોહનીય અને અંતરાય એ ચાર કર્મ घनघाती कर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अतराय ये चार कर्म The four Karmas viz Jñānāvarnīya, Mohanīya, Darśanāvaranīya and Antarāya, these four Karmas are known as Ghanaghāti Karmas क० गं० ५, २७,

घणदंत पु० (घनदन्त) ઘનદન્ત નામના અન્તરદ્વીપમા રહેનાર મનુષ્ય. घनदन्त नामक अतर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य A resident of an island named Ghanadanta पन्न० १, जावा० ३, ३, (२) લવણ સમુદ્રમા નવસો જોજનપર ઘનદત નામનો અતર દ્વીપ. लवण समुद्र मे नवसौ योजन पर घनदत नामक अंतर द्वीप name of an island in Lavaṇa Samudra at a distance of 900

Yojanas inside. प्रव० १४४१, ठा० ४, २; ८, १;

घणविज्जुया. स्त्री० (घनविद्युत) धरणेन्द्रनी छठ्ठी अग्रमहिषीनु नाम धरणेन्द्र की छठी अग्रमहिषी का नाम Name of the 6th queen of Dharaṇendra भग० १०, ५, (२) ७५न दिसाकुमारीमांनी એક. ५६ दिशाकुमारियों में से एक one of the 56 Diśākumāris ठा० ६;

घणा स्त्री० (घना) घणा देवी घणा देवी. Ghaṇādevī. नाया० ध० ३,

घणोदधि पु० (घनोदधि-घनः स्त्यानो हिम शिलावत् उदधिर्जलनिचयः सचासौ चेति घनोदधिः) પ્રત્યેક નરકની પૃથ્વી નીચે બરફની પેઠે જામેલ ઘનરૂપ પાણી કે જે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણે છે प्रत्येक नर्क के नीचे बरफ के समान जमाहुआ घनरूप पानी कि जो बीस हजार योजन तक है An ocean with frozen water 20 thousand Yojanas in depth, under every hell-world ठा० ३,४; " सत्तसुघणवाएसु सत्तघणोदहीपइट्ठया " जीवा० ३, १, भग० १२, १, २०, ६, सम० ८६, ठा० ७,

घणोदहि पु० (घनोदधि) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरोक्त शब्द Vide above (२) રત્નપ્રભા પૃથ્વિને ફરતા ત્રણ વલય છે પહેલો ઘણોદધિનો, બીજો ઘનવાયુનો અને ત્રીજો તનુવાતનો ઘનોદધિ થીજેલા ઘી જેવું પાણી. ઘનવાત પિઘળ્યા ઘી જેવો વાયુ છે તનુવાત એ સૂક્ષ્મ પવનરૂપ છે એ ત્રણ વલયની કેટલી કેટલી જાડાઈ છે અને પૃથ્વીને ફરતા કેવી રીતે રહેલ છે તે ચિત્રમાં બતાવેલ છે, ચિત્રની વચ્ચેની જાડી આડી લાઈનો રત્નપ્રભા પૃથ્વીના પાથડા અને આંતરા બતાવે છે रत्नप्रभा पृथ्वी के आस-पास तीन वलय हैं पहिला घनोदधि का, दूसरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का. घनोदधि थीजे हुए घी के समान होता है. घनवात पिघले घी जैसा वायु है और तनुवात यह सूक्ष्म पवनरूप है इन तीनों वलय की कितनी कितनी मोटाई है और पृथ्वि के आस-पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बतलाया है चित्र के अन्दर बीचकी जो मोटी लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्वि के पाथडा (प्रस्तर) और आन्तरा (अन्तर) बतलाती हैं The three curves round Ratnaprabhā world, viz Ghanodadhi, Ghanavāyu and Tanavāyu. Ghanodadhi is like a condensed clarified butter Ghanavāta is like a fluid clarified butter and Tanavāta is like thin atmosphere. The breadth and the positions of these three curves are shown in the picture The deep black lines in the picture show the different layers and intervals of the Ratnaprabhā world भग०१,६,२,१० १२,५, सम०२०, पन्न० २, —वलय पुं० (-वलय घनोदधि-रेव वलयमिव वलयकटक घनोदधिवलयम्) સાતે નરકોની નીચે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણ ઘનોદધિ-ગલોયાને આકારે જામેલ પાણી सात नरकों के नीचे बीश सहस्र योजन प्रमाण घनोदधि-वर्तुला कार से जमा हुआ पानी an ocean with frozen water circular in form, and twenty thousand Yojanas in depth under each of the seven hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७, ६, २०, ६; पन्न० २,
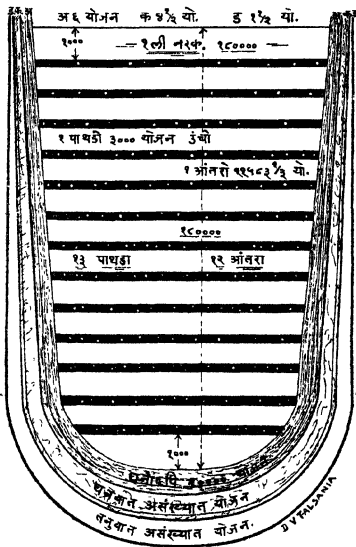
घत. न० (घृत) घी. घी. घृत Ghee, clarified butter सु० प० १६,

√**घत्त** धा० I. (*) तपास करवी. तपास करना. to search (२) यत्न करवो प्रयत्न करना to try
घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १ ६

घत्त. त्रि० (घात्य) घात करवा योग्य घात करने योग्य. Worthy to be killed, to be killed सूय० २, ७, ६,

घत्थ त्रि० (ग्रस्त) पकडाएलु, घेराएलु पकडा हुआ, घिरा हुआ Caught, surrounded, overpowered पि० नि० ११६ पराह० १, ३, भग०१२, ८. सु० च० २, ५३१, (२) घसाइ गयेल, घसाइ गयेल घिस गया हुआ काट खाया हुआ worn out rusted गच्छा० १८

घन त्रि० (घन) गाढ गंभीर गंभीर Deep sound thick कप्प०३, ३८, (२) मेघ, वरसाद मेघ, वर्षा rain. प्रव० १४८३ —**पडलकलिय** त्रि० (-पटलकलित) वरसादना वादळाथी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त full of clouds bearing rain प्रव० १४८७

घम्म पु० (घर्म) ताप, गरमी धाम, गरमी ताप Heat, heat of the sun ठा० ८, ४ पि०नि०३०३,—**ठाण** न०(-स्थान) उष्णु -तापनु स्थान, ताप क्षेत्र उष्ण गरमी का स्थान, ताप क्षेत्र a region of heat सूय० १,५,१,१२ —**पक्क** त्रि० (-पक्व) गरमी-तडकाथी पाकेल गरमी-धूप से पका हुआ ripened by the heat of the sun विवा० ८.

घम्मा स्त्री० (घर्मा) पहेली नरकनु नाम. प्रथम नरक भूमि का नाम. Name of the first hell जीवा० ३, १, भग०१२, ३, प्रव० ६११. १०८४,

घय-म पुं० न० (घृत) घी घी. Ghee; clarified butter निसी० १, ४; दस० ४, १, ६७, नाया० ८, जीवा० ३, ३; उवा० १, ३४, भग० ११, ६ १४, ९, पि० नि० २१०, सु० च० ०, ४४७, उत्त० ३, १२; ठा० ४, १, अणुजा० १६, आया०२, १, ८, ७४, प्रव० २०६ १४३० गच्छा० ६६. कप्प० ३, ४०, ५, ११ ८, २३, (२) घृत नामना द्वीप तथा समुद्रनु नाम घृत नामक द्वीप व समुद्र name of an island, also that of an ocean जीवा० ३, ४ पन्न० १५. अणुजा० १०३, —**उदग** न० (उदक) घीना जेवु घृत समुद्रनु पाणी घी के समान घृत समुद्र का जल water of the Ghrita ocean resembling clarified butter पन्न० १ स०प० २०, जावा० ३, —**किट्टि** स्त्री० (-किट्ट) घीनो मेल-कीटु घी का काट मैल the dirt of ghee प्रव०२३१ —**कुंभ** पु० (-कुम्भ) घीनो घडो घी का पात्र घडा a pot of ghee or clarified butter भग०१६, ६, —**मेह** पु० (-मेघ) भरतक्षेत्रमा उत्सर्पिणीनो बीजो आरो बेसता १४ दिवस सुधी मेघ वरस्या पछी सात दिन सुधी त्रीजो मेघ वरसे तेनु नाम भरत देश में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा लगतेही १४ दिन दा मेघ के बरसने के पश्चात् सात दिन पर्यंत तीसरा मेघ बरसता है वह the name of the last of the 3 downpours of rain (each last-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpiṇī in Bharata-kṣetra जं० प०

घयपुरण न० (घृतपूर्ण) घेभर घेवर An article of food prepared with a great quantity of ghee. पिं० नि० ४६१,

घयपूर. पुं० (घृतपूर) घेभर घेवर An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared पिं० नि० ४६१.

घर पु० न० (गृह) मकान; रहेवानुं स्थान. घर गृह, रहनेका स्थान, मकान A house, a residence ओव०१७, अणुजो० १२७, १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८, राय० ४७, पिं० नि० १६५, भग० १, ६, २, ४, ५, ७; ८, ६; नाया० १, ८, १६, सु० च० १, ३३, जं० प० ठा० ४, १; उवा० १, ७७; पचा० १४, ४२; प्रव० १६७; कप्प० ५, ११७, —अंतर पु० न० (-अन्तर) बे घर वच्चेनु आंतरुं दो गृह का मध्यस्थ अंतर the distance between the two houses कप्प० ६, २७, —जामाउय पु० (-जामातृक) घर जमाई गृह जामात, घर जवांई a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया०१६,—समुदाण न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिक्षाटनं गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रकारे बधे घरथी गोचरी करे ते साधु सामान्य रीति से सर्व घरों से गोचरी करे वह the way of begging alms i e begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction, indiscriminate begging of alms from all houses. भग० २, ५; ६, १; —समुदाणिय. पुं० (-समुदानिक-गृहसमुदाय प्रतिगृहं भिक्षा येषां आज्ञाऽस्ति ते गृहसमुदानिकाः) प्रतिघर-दरेक घरे भिक्षा लेनार गोशालाना मतनो अनुयायी. प्रतिघर से भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मत का अनुयायी one who begs alms at each house, a follower of the tenet of Gośālā ओव० ४१,

घरक न०(गृहक) घर गृह A house ओव०

घरकोइला स्त्री० (गृहकोकिला) गरोळी; भींतगरोळी छिपकली A lizard बउ० ३७, पिं० नि० ३५५,

घरकोइलिया स्त्री० (गृहकोकिला) जुओ उपलो शब्द देखो उपरोक्त शब्द. Vide above सूय० २, ३, २५

घरणी स्त्री० (गृहिणी) घर धणियाणी; स्त्री, भार्या गृह-स्वामिनी, स्त्री, भार्या A housewife, a wife चउ० ३० उत्त० २१४,

घरय. न० (गृहक) घर-भवन गृह-भवन A house जीवा०३, नाया० १,प्रव०४०८,

घरिणी स्त्री० (गृहिणी) स्त्री, घरधणीयाणी. स्त्री, गृहस्वामिनी A housewife, a wife सु० च० १, ४०,

घरोइला स्त्री० (गृहकोकिला) नानी गरोळी छोटी छिपकली A small lizard पन्न० १,

घस न० (घस) जमीननी मोटी फाट, काळी जमीननो चीरीयो. जमीन की बडी दरार, काली जमीन की दरार A large crack in land आया० २, १०, १६६,

घस्सा. स्त्री० (घसा) क्षारवाळी भूमि क्षारवाली भूमि Saline soil. दस० ६, ६२,

घसिय त्रि० (घर्षित) घसेलुं घिसा हुआ (Any thing) rubbed दसा० ६, ४, सूय० २ २, ६३,

घसिर. त्रि० (घस्मर) અધરાયો; બહુ ખાનાર. अधिक आहार करने वाला. Voracious; gluttonous. श्रोघ० नि० भा० ११३;

घसी. स्त्री० (घसी) જમીનનો ઢોલાવ जमीन का उतार. Sloping ground (२) ભોંયરૂ तलघर a cellar जीवा० ३, ३;

घाइ त्रि० (घातिन्) ઘાત કરનાર घात करने वाला. (One) who kills. श्रोघ० नि० भा० २१; क०प० १, ५७; २, ४४, **—कम्म.** न० (**—कर्म**) જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, મોહનીય અને અંતરાય એ ચાર કર્મ, આત્મિક ગુણોની ઘાત કરનાર કર્મ ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतराय ये चार कर्म, आत्मिक गुणो की घात करने वाला कर्म Karmas destructive of the qualities of the soul i e those which obscure knowledge, faith, and those which delude and obstruct. श्रणुजो० १२७,

घाइअ य त्रि० (घातित) મારી નખાવેલું, ઘાત કરાવેલ. मार डाला हुआ; घात कराया हुआ. Caused to be killed. नाया० ८, भग० ७, ६; पिं० नि० १२७, २७४;

घाउकाम त्रि० (हन्तुकाम) લુટવાની ઇચ્છાવાલો. लूटने की इच्छावाला. (One) desirous to rob, spoil. नाया० १८,

***घाण.** न० (*) ધાણી ધાનાં Parched grains. पिं० नि० भा० ४०,

घाण. न० (घ्राण) ઘ્રાણેંદ્રિય, નાસિકા, નાક. घ्राणेन्द्रिय, नासिका, नाक. A nose; the sense of smell ' घोणाघा " पण्ण० १५; ठा० विशे० २०५, उत्त० ३२, ४८, ठा० ५, १, सूय० २, १, ४२; सम० ५७; श्रोघ० नि० ३८७; पण्ण० २३; प्रव० ५६७, ७१४, भग० १४५, **—पुग्गल.** पुं० (**—पुद्गल**) સુગંધી દ્રવ્ય, સુંઘવાનો પુદ્ગલ. सुगन्धित द्रव्य; सूंघने का पुद्गल. a fragrant substance. पण्ण० ३६, **—पोग्गल** पु० न० (**--पुद्गल**) નાસિકાથી લેવા યોગ્ય પુદ્ગલ नासिकासे ग्रहण करने योग्य पुद्गल atoms for or of the sense of smell भग० ६, १०, श्रोव० ४२; **—बल.** न०(**—बल**) ઘ્રાણેંદ્રિયનું સામર્થ્ય प्राणेद्रिय का सामर्थ्य power of the sense of smell. उत्त० १०, २३, **—मणनिव्वुइकर.** त्रि० (**—मनोनिर्वृतिकर**) નાસિકા અને મનને શાન્તિ કરનાર नासिका व मनको शान्त करने वाला (anything) quieting the mind and the nose ना० ६; **—विसय.** पु० (**—विषय**) નાસિકાનો વિષય-સુંઘવું તે नासिका का विषय-सुघना--बास लेना. smell; smelling नाया० १७, **—सहगय** पु० (**—सहगत**) નાસિકાના સહકારી પુદ્ગલ नासिका के सहकारा पुद्गल. atoms which are associated with the sense of smell भग० १६, ६, १८, ७,

घाणिंदिय. न० (घ्राणेन्द्रिय) નાસિકા, સુંઘવાની શક્તિ ધરાવનાર ઇંદ્રિય, નાક नासिका, प्राणेद्रिय; नाक A nose, organ of smell पण्ण० १५, नंदी० ४; भग० ८, १ ३३, १, नाया० ५, १७, श्रोव० १६; सम० ६, **—निग्गह** पुं० (**—निग्रह**) ઘ્રાણેંદ્રિય-નાસિકાને કાબુમાં

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

રાખવી તે घ्राणेन्द्रिय-नासिका को वशमें रखना. one who controls the sense of smell. उत्त॰ २६, २

√घात. धा॰ I, II. (हन्) હણવું मारना; घात-वध-करना. To kill.

घाएइ विवा॰ ३;

घाएंति. विशे॰ १२४८;

घाएत्ता सं॰ कृ॰ नाया॰ १८;

घाइत्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १;

घाइज्जमाण क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰ १८,

√घात. धा॰ I (हन्+णि) હણાવવું, ઘાત કરાવવી घात करना. To cause to be killed.

घायए प्रे॰ दस॰ ६, १०, सूय॰ १,१, १,३,

घायावइ प्रे॰ आ॰ सु॰ च॰ ८, १८०,

घायमाण प्रे॰ व॰ कृ॰ आया॰ १, ६, ४, १३२, सूय॰ २, १, २४,

घात पुं॰ (घात) મારવુ. घात करना, वध करना. Killing, murder. भग॰ १५, १, (२) નરક. नरक. hell सूय॰१,५,१,५.

घातअ त्रि॰ (घातक) ઘાત કરનાર માર-નાર घातक. Destructive; (anything) that kills जं॰ प॰

घाति त्रि॰ (घातिन्) હણનાર, વધ કરનાર घात-वध करने वाला (One) who kills. ओव॰ ३८;

घातिअ-य. त्रि॰ (घातित) હણેલુ घातित, घात किया हुआ. Killed, murdered भग॰ १६, ६, नाया॰ ८;

घाय पुं॰ (घात) વધ કરવો; ઘાત કરવો. वध करना, घात करना. Killing; destruction. पिं॰ नि॰ ४८८; नाया॰ १, उवा॰ ८, २४१. पंचा॰ ६, १२, क॰ प॰ २, ४४; —उम्मड. पुं॰ (-उद्भट) ઘાત કરવાને વિકરાલ, घात करने के समय विकाल रूप धारण किया हुआ. (one) assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया॰ ८, —कर. त्रि॰ (-कर) નાશ કારક. विनाशक. destructive. क॰ गं॰ १, १८;

घायअ. त्रि॰ (घातक) જુઓ "घातअ" શબ્દ देखो "घातअ" शब्द. Vide. "घातअ" विशे॰ १७६३;

घायक त्रि॰ (घातक) ઘાત કરનાર घात करनेवाला (One) who kills जीवा॰ ३, ३, नाया॰ २,

घायग त्रि॰ (घातक) જીવ હિંસા કરનાર. जीव हिंसा करनेवाला (One) who kills living beings. पचा॰ ६, २२;

घायगत्ता स्त्री॰ (घातकता) ઘાતકીપણુ, ક્રૂરપણું घातकीपना, क्रूरपन Cruelty; destructiveness, murderousness भग॰ १२, ७,

घायण न॰ (घातन) મારવુ, ઘાત કરવી मारना, घात करना Killing, murder. सु॰ च॰ ८, १२६,

घायणा स्त्री॰ (घातन) ઘાતકરવી તે. घात करना Murder, killing. पराह॰ १, १;

घायावण न॰ (घातना) ઘાયલ કરાવવુ. घात कराना Causing (another) to wound or kill विवा॰ ३;

घास पुं॰ (ग्रास) કોળીયો कौर, निवाला; ग्रास A morsel of food (२) ભોજન भोजन. food सूय॰ १, १, ४, ४; ओव॰ १६, उत्त॰ ८, ११; ३, २१; पिं॰ नि॰ ६२६, भग॰ ७, १; वव॰ ८, १५; आया॰ १, ६, ४, ६,

घासक. पु॰ (घासक) અરિસો; દર્પણ आरसी. दर्पण A mirror. विवा॰ २; —परिमंडिअ. त्रि॰ (-परिमण्डित) અરિસાથી શોભિત. आरीसा-दर्पण से सुशो-

मिस: adorned with mirrors "चामर कलस करिसंधिय कविश" विवा० २;

घिया. न० (घृत) घी. घी; घृत. Ghee; clarified butter तंदु०

घिओदय. पुं० (घृतोदक) घृतोदधि समुद्र, घीना जेवा पाणीवाळो समुद्र घृतोदधि समुद्र, घी के समान जलयुक्त समुद्र. Name of an ocean having water like clarified butter ठा० ४, ४,

घिंसु. पु० (ग्रीष्म) गरमीनी मोसम, उनाळो ग्रीष्म ऋतु Summer सूय० १, ४, २, १०, उत्त० २, ८;

घिणिल्ल. त्रि० (घृणावत्) दयाळु; दयावान दयालु, दयावान Kind, compassionate पिं० नि० १७६;

घुघुयत त्रि० (*) घु घु एवो शब्द करतुं. घु घु ऐसा शब्द करता हुआ Sounding "ghu ghu" नाया० ८,

√घुट्ट. धा० I (घुट्) पाणी पीवुं. जल पीना To drink water (२) घुंटडुं घूट लेना to sip

घुट्टति नदी० स्थ० ४५;

घुट्टग. पु० (*) लिम्पेल पात्रने शुद्ध करवानो पथरो कीचड लगे हुए पात्रको शुद्ध करने का पत्थर A stone used to cleanse a bespattered vessel पिं० नि० भा० १२,

घुट्ठ. त्रि० (घुष्ट) उंचे स्वरे बोलाएल; उद्घोषणा करेल उच्च स्वर से बोला हुआ, उद्घोषणा किया हुआ Spoken aloud, proclaimed aloud. भग० १५, १; उत्त० १२, ३६; उवा० ८, २४१,

घुण. पुं० (घुण) घुणो; जन्तु विशेष-के जे लाकडाने कोरी नाखे छे. लकड़ खोद काट-जन्तु विशेष A kind of worm eating into wood ठा० ४, १;

घुणा. स्त्री० (घुण) लाकडानो कीडो; घुणो. लकड का कीडा. An insect found in wood or timber. राय० २२१,

घुम्मंत. व० कृ० त्रि० (घूर्णत्) भ्रमतुं, फरतुं भ्रमण करता हुआ, फिरता हुआ. Wandering, roaming, moving. ओव० २१;

घुम्ममाण व० कृ० त्रि० (घूर्णत्) भ्रमतुं, भ्रमण करतुं भ्रमण करता हुआ Wandering, roaming नाया० ६,

*घुल्ला. स्त्री० (*) बे इंद्रियवाळो जीव; शंखला वगेरे दो इन्द्रिय वाला जीव, शंख आदि A two sensed being. पन्न० १,

घुसिण न० (घुसृण) केसर केसर Saffron सु० च० १०, २८८, प्रव० १४६८,

*घुसुलिंत व० कृ० त्रि० (मन्थत्) दहीं वगेरेनुं मन्थन करतुं, छास वलोवतुं दही इत्यादि का मथन करता हुआ Churning curds etc into whey etc. पिं० नि० ५७३,

घूघूअंडअ न० (घूकाण्डक) घुवडना इंडां. घुग्घु का अंडा. An egg of a she-owl विवा० ३,

घूणंत व० कृ० त्रि० (घूर्णमान) भयथी विव्हळ थतो भय से विह्वल होता हुआ Being destracted by fear of danger पण्ह० १, ३,

घूय. पुं० (घूक) घुवड; घुड घुग्घू, उल्लू An owl नाया० ८, पण्ह० १, ३,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

घूरा. स्त्री० (घूरा) જાંઘ વગેરે શરીરના અવયવ. जंघा इत्यादि शरीर के अवयव. A limb of the body such as thigh etc सूय० २, २, ४५,

घेत्तव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય ग्रहण करने योग्य Worthy to be accepted विशे० १२;

घेयव्व त्रि० (ग्रहीतव्य) જુઓ " घेत्तव्व " શબ્દ देखो " घेत्तव्व " शब्द Vide " घेत्तव्व " भग० ८, ६;

घेरोलिया स्त्री० (गृहकोकिला) ગરોળી छिपकली A lizard, a small house-lizard जीवा० १;

घोड पुं० (घोट-अश्व) ઘોડો. अश्व घोडा A horse गच्छा० १२५,

घोडग पु० (घोटक) એક જાતનો ઘોડો एक जाति का अश्व A kind of horse प्रव० २४१, पण० १, सूय० २, २, ४५,

घोडय. पुं० (घोटक) ઘોડો अश्व, घोडा A horse उवा० २, ८४; —**मुह** न० (-मुख) ઘોડાના લક્ષણો જોવાનું શાસ્ત્ર अश्व के चिन्हों की परिक्षा करने का शास्त्र. a science treating of the marks by which a horse can be tested. अणुजो० ४१;

घोर त्रि० (घोर) ઘોર, ભયંકર, દારુણ घोर, भयङ्कर; दारुण. Dreadful "घोरनिउरंब कंदरचलंत बीभत्थभावाइं" भग० १६, ६; पण्ह० १, १, नाया० १;८, १७, भग० १, १३, २, दस० ६, ११, ६, २, १४, उवा० १, ७६, ओव० २१; ३८; उत्त० ४, ६; ६, ४२, २५, ३८; प्रव० ५३१, पंचा० ७, १२; १८, १२; भत्त० १११, गच्छा० ५; (२) જેમાં જીવવાનો પણ સંશય રહે તેવું દુષ્કર કૃત્ય जिसमें जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर कृत्य a perilous, hazardous undertaking नाया० १, ४, ४, १२६; —**अंसुपाय** पुं० (-अश्रुपात) આંસુની મ્હોટી ધાર अश्रुओं की धारा; अश्रुपात. stream of tears. नाया० ६; —**आगार.** पु० (-आकार) ભયંકર આકાર, આકૃતિ. भयंकर आकृति terrible appearance भग० ३, २; —**गुण** पु० (-गुण घोरोऽन्यैर्दुरनुचरा गुणा मूलगुणा यस्य सः) સર્વોત્તમ ગુણવાન્ सर्वोत्तम गुणवान्. (one) extraordinarily virtuous, (one) possessed of insuperable qualities भग० १, १, —**तव.** न० (-तपस्) સંસારના સુખની ઈચ્છા રહિત તપશ્ચર્યા संसार के सुख की इच्छा रहित तपश्चर्या austerity without desire of worldly happiness ठा० ४ २, —**तवस्सि** पु० (-तपस्विन्) દુશ્ચર (મ્હોટા) તપવાળો भयानक, महान् तप वाला one practising austere penance. नाया० १, भग० १, १; —**बंभचेरवासि** त्रि० (-ब्रह्मचर्यवासिन्) મહાબ્રહ્મચર્ય પાળનાર, અલ્પ-સત્વ વાળાને દુષ્કર એવા બ્રહ્મચર્યનું પાલન કરનાર महा ब्रह्मचर्य पालने वाला (one) practising strict or austere continence नाया० १; भग० १, १; —**रूव** न० (-रूप) ઘોરરૂપ, બિહામણું રૂપ डरौना रूप आकृति- dreadful appearance उत्त० १२, २५, भग० १६, ६, —**विस** न० (विष) ભયંકર ઝેર; જેની ગંધથી હજારો જીવો મરે તેવું. भयंकर विष; जिसकी गंध से असंख्य जीवों का नाश हो. deadly poison भग० १५, १; —**वेयणा,** स्त्री० (-वेदना) મહા દુઃખ, ભયંકર પીડા. महा दुःख; भयंकर पीडा. severe pain, affliction. भग०

१६०; —व्वय. त्रि० (-व्रत) दुष्कर महाव्रतोने पाळनार. दुष्कर महाव्रतों को पालने वाला (one) who observes full vows difficult to practise नाया० १,

घोल पु० (घोल) दहिने कपडामां बांधी गाळी नाखवु-पाणी काढी नाखवु ते दही को कपडे में बांधकर छान डालना-पानी निकाल देना The process of extracting water out of curds by tying it in a cloth प्रव०२३०,

घोलंत त्रि० (घोलयत्) डोलायमान थतु, डगतु हिलताहुआ, ढीला चलायमान होता हुआ Swinging, shaky. ओव० १२; कप्प० ३, १४,

घोलण न० (घोलन) घोळवु;अंगूठा अने आंगळीवती केरीनी पेठ घोळवु-मसळवु घोलना, अंगूठा व उंगली से केरी के समान घोलना, मसलकना Pressing round by means of the thumb and the fingers, e g a mango विशे० २०४३,

घोलमाण व० कृ० त्रि० (घोलयत्) घोळता करतु घोलता हुआ. Rubbing. क० प० २, १०३;

घोलवड. न० (घोलवटक) दहि घोळीने तेमा वडा नाखे ते, दहिवडां दही को घोलकर उसमें बडे डालना; दहीबडे A kind of food prepared of tiny cakes dipped in curds mixed with salt etc This is known as DaLibadā प्रव० २३०,

घोलिअ-य. त्रि० (घोलित) वलोवेलु; मन्थेलु, केरीनी पेठे घोळेलु. मथन किया हुआ, आम के समान घुला हुआ. Churned, pressed round (e g a mango) to take out juice सूय० २. २; ६३; ओव० ३८;

घोलित. त्रि० (घोलित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. दसा० ६, ४;

घोलिर. न० (घोलनशील) वक्रपणे फरवुं ते. वर्तुलाकार घूमना. Circular, tortuous motion. सु० च० १, ४,

√**घोस** धा० I, II (घुष्) उंचे स्वरे बोलवु उच्च स्वर से बोलना To speak loudly.

घोसति नाया० ५;

घोसेह नाया० ५, १३, १४, १६; सु०च० २, १८१, ज० प० ५, १२३,

घोसित्ता सं० कृ० नाया० १२,

घोसंत ओघ० नि० ६४८,

घोसावेह नाया० १६,

घोस. पु० (घोष) गोकुल, गायोने रहेवानुं स्थान. गौकुल, गौओं का स्थान A house for keeping cows in उत्त०३०, १७, ठा० २, ४, सम०३२, वेय०१, ६, (२) घोस नामनु त्रीजा अने चोथा देवलोकनु विमान. घोस नामक तीसरे व चौथे देवलोक का विमान. name of a heavenly abode of the third and the fourth Devaloka सम० ६, (३) स्वर, अवाज स्वर; आवाज sound नदी०स्थ० ६; नाया०६, भग०१५,१; सु०च० २, ५८७, ज० प० (४) उंच्चु नीचु के समस्वर विशेष उच्चार-उदात्तादि स्वरे बोलवु ते ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष उच्चार-उदात्तादि स्वर का उच्चार करना. speaking in high, low or middle accent विशे० ८५१; पिं०नि० ४४०, अणुजो० १३, (५) स्तनित कुमार जातना भवनपतिनो इन्द्र स्तनित कुमार

जाति के भवनपति का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind नाया०ध० २, (६) घोस नामनु पांचमा देवलोकनु विमान के ज्यांना देवतानु दश सागरनु आयुष्य छे घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहां के देवताओं को दश सागरो का आयुष्य प्राप्त होता है name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time सम० १०, —विसुद्धिकारअ. त्रि० (-विशुद्धिकारक) उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करनार. उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करने वाला (one) using high, low and circumflex accents in speech दसा० ४, १६; —हीण त्रि० (-हीन) सूत्र पाठनो उच्चार करवामां दीर्घ होय त्यां ह्रस्व, बे मात्रा होय त्यां एक मात्रा बोलवी ते, ज्ञानना १४ अतिचारमानो एक सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हों वहां ह्रस्व, दो मात्रा हों वहां एक मात्रा बोलना, ज्ञान के १४ अतिचार में से एक wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected with acquiring knowledge, आव० ४, ७;

घोसण न० (घोषण) घंटानो शब्द. घंटा का नाद Sound of a bell. राय० ४०;

घोसणा स्त्री० (घोषणा) जाहेर खबर; ढंढेरो प्रसिद्ध पत्रिका, ढंढेरा Proclamation ज० प० ५, १२३, ११५, अंत० ५, १; नाया० १३, १५;

*__घोसय__ पुं० (.) आरसी; नानो अरिसो दर्पण, आईना, छोटा दर्पण. A small mirror. भग० ११, ११,

घोसाड पुं० न० (घोसातक) घीसोडां; शाक वनस्पतिनी एक जात. तुराई, शाक वनस्पति की एक जाति A kind of vegetable प्रव० २४३,

घोसाडई स्त्री० (घोषातकी) घीसोडा-तुरीयानी वेल तुरई की बेल. A creeper yielding fruit which is used as vegetation पन्न० १; १७,

घोसाडिया स्त्री० (घोषातकी) वनस्पति विशेष, घीसोडी वनस्पति विशेष, टींडोरे की बेल A kind of vegetation जीवा० ३, ४, राय० ५४,

घोसिअ त्रि० (घोषित) जाहेर करेलुं साद पाडी वेरेलो प्रसिद्ध किया हुआ, ढूंढी पिटाईहुई. Publicly proclaimed ओघ०नि०६४५;

ङकारपविभत्ति पुं० (ङकारप्रविभक्ति) ङना आकार जेवुं नाटक विशेष. ङ कार की आकृति के समान, नाटक विशेष (Anything) of the shape of the letter "ङ", a kind of a drama. राय०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

च

च. अ० (च) અને; વળી. और; फिर. And; moreover. (२) પાદપૂરણ पादपूर्ति an expletive. क० गं० १, ३, २३, २६; ३७; ४२, दस० ४, १४, ५, १, ३७, ५, २, ८; ६, ६; १८; भग० ३, १, नाया० १, ८; १२; १६; आया० १, १, १, ११, नदी० स्थ० २०, २१, उवा० १, १४;

चअ-य. पुं० (चय) જથ્થો. समूह. A collection (२) ઇંટ વગેરેનું ચણતર ईंट, पत्थर आदि का चुनाव. piling of bricks etc पिं० नि० २, १०१, उत्त० २८, ३३, पराह० १, ५; सूय० १, १०, ३, (३) શરીર शरीर. body ओव० ४०, (४) શરીરનું તજવું शरीर का त्याग करना giving up or abandoning one's body. ओव० ४०,

चइय. त्रि० (त्यक्त) છોડેલું, તજેલું. छोडा हुआ; त्याग किया हुआ Abandoned, given up भग० ७, १, पराह० २, १, ओघ नि० ११५,

चइयव्व त्रि० (त्यक्तव्य) ત્યજવા યોગ્ય त्याग ने योग्य, छोडने योग्य Worthy of being abandoned सू० च० ८, १८६;

चउ. त्रि० (चतुर्) ચાર, ચારની સંખ્યા चार, ४ की सख्या. Four, the number 4 उत्त० ३, १; ३६, ६३, ओव० ३१, अणुजो० ८; भग० १, १, ५, २, १, २, ८; ६, ३; ७, ६, १६, ५, १०, १, २४, ६, नाया० १; राय० १८, दस० ७, १; उवा० १, १८; क० गं० १, ३०, ३३; ४६; २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १, पन्न० १, ४; विवा० ५; सु० च० १, २, निसी० १६, ६, १२, पिं० नि० ४; वेव० ३, १४; वव० ६, ३६; जं० प० ५, ११२;

—**कण्ण** त्रि० (-कर्ण) ચાર કાને ગએલ (વાર્તા) चार कानों में गई हुई (बात). (a story) known to two persons ओघ० नि० ७६०,

—**कुडअ.** पुं० (-कुडव) ચાર કુડવ-ધાન્યનો માપ વિશેષ. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas. प्रव० ५१८;

—**कसाय.** पुं० (-कषाय) ક્રોધ, માન, માયા અને લોભ એ ચાર કષાય चार कषाय-क्रोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz anger, pride, deceit and greed आव० १, ४, दस० ७, ५७, ६, ३, १४;

—**कोण** त्रि० (-कोण-चत्वार कोणा यस्य) ચાર ખુણાવાળું; ચોરસ चार कोनों वाला, चतुष्कोण quadrangular "सउत्ताराओ अविसुवदाओ चउकोणाओ" राय० भग० १३, ६,

—**गाहा** स्त्री० (-गाथा) ચાર ગાથા चार गाथा four verses वेय० ३, २०,

—**गुण** त्रि० (-गुण) ચારગણું. चार गुना; चौगुना. fourfold जं० प० ५, ११६, भग० २४, १; क० गं० ३, १०,

—**गुणिय.** त्रि० (-गुणित) ચોગણું चौगुना. fourfold भग० २४, १,

—**घाइ** न० (-घातिन्) જ્ઞાનાવરણીયાદિ ચાર ઘાતિ કર્મ ज्ञानावरणीय आदि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. क० गं० ४, ७२,

—**ठाण.** न० (-स्थान) કર્મનો ચાર ગણીઓ રસ. कर्मों का चतुःस्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc. क० ग० ५, ६४, —णउइ स्त्री० (-नवति) ચોરાણું; ९४ चौरानवे, ९४; ninety-four; 94. सम० ९४, —णाणोवगय त्रि० (-ज्ञानोपगत) મતિ, શ્રુત, અવધિ અને મનપર્યવ એ ચાર જ્ઞાનથી યુક્ત. मति, श्रुत, अवधि और मनःपर्यव इन चार प्रकार के ज्ञानों से युक्त Possessed of four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta, Avadhi and Manahparyava नाया० ; नाया० ध० - तणु पुं० (-तनु) શરીર ચતુષ્ક, શરીર નામકર્મ, અંગોપાંગ નામકર્મ સંઘયણ નામકર્મ અને સંઠાણ નામકર્મ એ ચાર પ્રકૃતિનો સમૂહ शरीर चतुष्क; शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म, संहनन नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन चार प्रकृतियों का समुदाय the fourfold Karmic matter viz Śarīra Nāma Karma, Angopānga Nāma Karma, Sanghayana Nāma Karma and Saṇṭhāṇa Nama Karma. क० ग० ५, २१, —त्तीस. त्रि० (-त्रिंशत्) ચોત્રીશ; ३४ चौंतीस, ३४; Thirty four, 34 "चउत्तीसबुद्धवयणातिसेसपत्त" ओव० १०, नाया० ८, —त्तीसम न० (-त्रिंशत्तम) સોળ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે, તેત્રીશ ભક્ત-ટંકનો ત્યાગ કરી ચોત્રીશમે ટંકે પારણું કરવું તે सोलह उपवास इकठ्ठे करना; ३३ भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय पारणा करना. sixteen fasts; taking food after a fast of thirty-three meals नाया० १; —दंसण न० (-दर्शन) દર્શનાવરણીય કર્મની ચક્ષુદર્શનાવરણીય આદિ ચાર પ્રકૃતિ दर्शनावरणीय कर्म की चक्षुदर्शनावरणीय वगैरह चार प्रकृतियाँ the fourfold Karmic variety of the Karma called Darśanāvaraṇīya. क० ग० २, १२; —दंत. पुं० (-दन्त) ચાર દાંત વાળો હસ્તી રત્ન. हस्तिरत्न; चार दांतो वाला हाथी an elephant with four tusks भग० १२, १, नाया० १, ठा० ६, कप्प० ३, ३३, —द्दसम. त्रि० (-दशतम) ચૌદમું. चौदहवाँ. fourteenth वव० ६, ४१, भग० १६, १४, २५, ७ नाया० १, १४, —द्दिसि अ० (-दिश्) પૂર્વ, પશ્ચિમ, ઉત્તર અને દક્ષિણ એ ચાર દિશાઓ चार दिशाए, पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण the four quarters east, west etc नाया० ६, १३, —नवइ स्त्री० (-नवति) ચોરાણું ૯૪ની સંખ્યા ९४ की संख्या ninetyfour; the number 94. क०गं० ३, १३, १४; —नाण न० (-ज्ञान) મતિ, શ્રુત, અવધિ અને મન પર્યવ એ ચાર જ્ઞાન चार ज्ञान; मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनःपर्यव ज्ञान the four kinds of knowledge viz Mati, Śruta, Manahparyava and Avadhi. प्रश्न० १३०६, —नाणि त्रि० (-ज्ञानिन्) ચારજ્ઞાન વાળું चार ज्ञान वाला possessed of the four kinds of knowledge. सु० च० ३, १; १६, ४७, भग० ८, २,—नाणोवगय पुं० स्त्री० (-ज्ञानोपगत) કેવલ જ્ઞાનને છોડી અન્ય ચાર જ્ઞાનથી યુક્ત केवल ज्ञान को छोड़कर शेष चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all (the remaining four) kinds of knowledge except Kevala Jñāna भग० १, १; —पंचग. न० (-पञ्चक) ચાર પાંચ. चार पांच, four or five. दसा०

६, १; —प्पज्जवसिय. त्रि० (-पर्यवसित) ચારચારનો થોક કરતાં જેમા ચાર શેષ રહે તે चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह-संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each con aining four भग० १८, ४, ३१, १, —प्पज्जाय पुं० (-पर्याय) નામ-સ્થાપના-દ્રવ્ય-ભાવ એ ચાર પર્યાય चार पर्याय, नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव the four Paryāyas viz Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva विशे० ७३, —प्पराग्ग स्त्री० (-पञ्चाशत्) ચોપનની સંખ્યા. चोपन की सख्या fifty-four ज०प० २, ३१, —पल्लाहिय. त्रि० (-पल्याधिक) ચાર પલ્યોપમે અધિક चार पल्योपम अधिक.. exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क०प० २, १०७, —पोरिसिय. त्रि० (पौरुषिक) ચાર પહોરનુ चार पहर वाला of or extending to four Praharas (one Prahara = 3 hours) भग० ११, ११, —प्पएसिअ-य त्रि० (-प्रदेशिक) જેમા ચારપરમાણુ એ ભળેલાછે તેવો (સ્કન્ધ) चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (खध) जिसमें चार परमाणु मिले रहते हैं वह स्कन्ध a molecule consisting of four atoms अणुजो० ७४, भग०५,७, —प्पडोयार त्रि०(-प्रत्यवतार) ચાર વિભાગમા વિભક્ત. चार भागों में विभक्त-बंटा हुआ divided into four parts. भग० २५, ७, —प्पराग्ग त्रि० (-पञ्चाशत्) ચોપન, ૫૪. चौपन,५४ fifty-four, 54 नाया० ध० १, ४, भग० २५,६;७, —प्पदी स्त्री० (-पदी) तिर्यंच स्त्री; ચોપગી. तिर्यंच जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री-लिंगी पशु. a female quadruped. जीवा० १, —प्पदेसिअ त्रि०(-प्रदेशिक) જુઓ "चउप्पएसिअ" શબ્દ देखो "चउप्पएसिअ" शब्द vide "चउप्पएसिअ" भग०१२, ४;—प्पय-अ त्रि० (-पद-चत्वारिपदानि पादायस्य) ચોપગો, ચારપગવાળું. ગાય ઘોડો -હાથી વિગેરે. चौपगा चार पैरो वाला, गाय, घोडा हाथी वगैरह. a quadruped, e. g a cow, horse etc नाया०८; भग० ७, ४, ८, १, जीवा० १, ३, ४; पिं० नि० ७६, ज० प० ७, १५३, पन्न० १, सम०३४, उत्त० १३, २४, आया०१, २, ३, ८०; ठा० ४, ४, अणुजो० ६१, १३१, (२) દરેક માસની અમાવાસ્યાને દિવસે આવતુ ચાર સ્થિરકરણમાનુ બીજું કરણ, ૧૧ કરણમાનું નવમુ કરણ प्रयेक मास की अमावस के दिन आने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण; ११ करणों में से नौवा करण the second of the four Sthira-Karaṇas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month, the nineth of the eleven Karanas उवा० १, १८, ज० प० विशे० ३३५०, —प्पयार. पु० (-प्रकार) ચાર પ્રકાર-ભેદ चार प्रकार -भेद four varieties. क० गं०६, ६६, —प्पाय पुं० (-पाद) જુઓ "चउप्पय" શબ્દ. देखो "चउप्पय" शब्द vide "चउप्पय" शब्द भग० १५, १, —प्पुडय. त्रि०(-पुट-क) ચાર પડ વાળુ चार पुडवाला. Having four folds " सयमेवच उप्पुडयं दारूमयं " भग० ३, २; नाया० १; —फास. पुं० (-स्पर्श) ચાર સ્પર્શ चार स्पर्श. four kinds of touch. भग० २०, ५, क० गं० ५, ७८; —ब्भाग पुं० (-भाग) ચતુર્થાંશ; ચોથો

भाग. चौथा हिस्सा; चतुर्थांश. one-fourth. उत्त० २६, ८; ३०, २१; अणुजो० ११२, —भंग. पुं० (-भंग) ચાર વિકલ્પ-ભેદ ચોભંગી चार विकल्प-भेद. four varieties. " सुदेवाम एगे सुदे सुदेवामं एगे असुदे असुदेवाम एगे सुदे असुदेवामं एगे असुदे चउभंगो " ठा० ४, १, पन्ना० ५, ६, १२, ४४, भग० ६, ६: —भंगी स्त्री० (-भङ्गी—चत्वारो भगाः समाहृता) ચોભંગી. चार भेदकी रचना. four varieties पन्न० १०, प्रव० १७१. —मास पुं० (-मास) ચાર માસ-મહીના चार मास four months. क० गं० १, १८; —म्मुह त्रि० (-मुख—चत्वारि मुखा न्यस्य) ચાર મુખવાળુ, જેના ચારે દિશામાં દરવાજા-દ્વાર-હોય તેવો પ્રાસાદ-હવેલી चार मुह वाला अर्थात् जिसके चारों दिशाओं में चार द्वार हों वैसा प्रासाद-महल four-faced, a palace having gates facing all the four directions कप्प० ४, ८८, भग० २, ५, ३, १; ७, ४, ७, ओव० २७; राय० २०१, नाया० १;१६, —राइ स्त्री० (-रात्रि) ચાર રાત્રી. चार रात्रि. four nights क० प० ७, २३, —राय. न० (-रात्र) ચાર રાત્રી. चार रात. four nights निसी० ६, ७, —रूव त्रि० (-रूप) ચાર મૂર્તિવાળુ चार मूर्तियों वाला four-shaped; having four shapes सु० च० ३, ६१ —वइरित्त. त्रि० (-व्यतिरिक्त) ચારથી भिन्न. चारों से भिन्न different from four. विशे० ३०३; —वन्न. त्रि० (-पञ्चाशत्) ચોપન; ૫૪. चौपन; ५४. fifty-four; 54. सम० ५४;—वन्न. पुं० (-वर्ण) વર્ણચતુષ્ક; વર્ણ, ગંધ, રસ અને સ્પર્શ એ નામકર્મની ચાર પ્રકૃતિ. वर्णचतुष्क; वर्ण, रस, गंध; और स्पर्श ये नामकर्म की चार प्रकृतियां. the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch क० गं० ५, ६; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) ચાર વર્ષની દીક્ષાવાળો. चार वर्ष की दीक्षा वाला, चार वर्षका दीक्षित. (one) with a Dīksā (asceticism) of four years, standing वव० १०, २१; २२; २३, २४; —व्विगप्प. पुं० (-विकल्प) ચાર વિકલ્પ-પ્રકાર चार विकल्प-प्रकार four varieties. क० प० २,७, —सद्दहणा स्त्री० (-श्रद्धान) ચાર સદ્દહણા, જીવાજીવાદિ તત્વનો અભ્યાસ કરવો, પરમાર્થદર્શી આચાર્યાદિની સેવા કરવી, નિન્હવોનો સંગ ન કરવો અને પાખણ્ડીનો પરિચય ન કરવો એ ચાર સમકિતની સદ્દહણા. चार श्रद्धाए, जीव अजीव आदि तत्वोंका अभ्यास करना, परमार्थदर्शी आचार्यों की सेवा करना, निन्हवों-कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, और पाखण्डियों से परिचय तक न करना. the four varieties of right faith viz spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Ninhavas and of heretics. प्रव० ६४०; —समइय त्रि० (-सामयिक) ચાર સમયનુ. चार समय-काल का of four Samayas (or units of time). भग० २५, ८, —समयसिद्ध. पुं० (-समयसिद्ध) જેને સિદ્ધ થયા ચાર સમય થયા છે તે जिस सिद्ध हुए चार समय हुए हैं वह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पन्न० १; —सय. न० (-शत) એકસો ને ચાર. एक सौ और चार. one hundred

and four. क० गं० २, १५; —सयरि. स्त्री० (-सप्तति) ચમોતેર, ૭૪ની સંખ્યા. चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy-four, 74. क० गं० २, ५, —सरण. न० (-शरण) અરિહન્ત, સિદ્ધ, સાધુ અને ધર્મ એ ચારનુ શરણુ (આશ્રય) લેવુ તે अरिहंत, सिद्ध; साधु और धर्म इन चारों की शरण लेना—आश्रय लेना. resigning oneself to these four viz Arihanta, Siddha, Sādhu and Dharma. (२) દશપઇન્ના પૈકી એક પઇન્ના (પુસ્તક) નુ નામ दस पइन्नाओं मे से एक पइन्ना-पुस्तक name of one of the ten books known as Painnās चउ० ११, —सरणगमण न० (-शरणागमन) ચાર શરણા લેવા चार शरण-आश्रय लेना resigning oneself to the four e g. Arihanta etc. पचा० २, २७, —साल त्रि० (-शाल) ચતુઃશાલ, ચાર માળવાળું (ઘર) चार अटारी वाला मकान; चार मजला घर. four storeyed जीवा० ३, ३, —सिर न० (-शिरस्—चत्वारि शिरांसि यस्मिन्) વન્દનામા ચાર વખત ગુરૂને મસ્તક નમાડવુ તે वन्दना करते समय चार बार गुरु के आगे मस्तक नमाना टेकना act of bowing one's head four times while saluting a preceptor. सम० १२; —हेउ पु० (-हेतु) મિથ્યાત્વ આદિ કર્મ બન્ધના ચાર હેતુ मिथ्यात्व आदि कर्मबन्ध के चार हेतु the four causes of Karmic bondage viz heresy etc क० गं० ४, ५३;

चउक्क पुं० (चतुष्क) ચાર રસ્તા ભેગા થતા હોય તે સ્થલ—ચોક, ચોવાટો. चौक, वह जगह जहां चार मार्ग आकर मिलते हों A square where four roads meet. ओव० २७, उत्त० १६, ४, अणुजो० १३४; भग० २, ५, ३, ७; ५, ७, कप्प० ४, ८८; नाया० १, २; वेय० १, १२, (२) ચારનો સમૂહ—જત્થો. चारका समूह. a group of four भग० ८, १, ११, १, १२, ४, १८, ४, २०, ५; २४, १२, ३३, ३; पिं० नि० ३, जीवा० ३, ३, पन्न० २३; राय० २०१, अणुजो० ८; प्रव० ६३७, क० गं० १, ४, —णय पुं० (-नय) ચાર નયને માનનાર એક આજીવિક મત चार नयों को मानने वाला एक आजीविकमत-सम्प्रदाय a tenet named Ājivika believing in four standpoints सम० १२, —णइय त्रि० (-नयिक) ચાર નયથી વસ્તુનો વિચાર કરણાર, જે નૈગમના સામાન્ય અંશને સંગ્રહમા અને વિશેષ અંશને વ્યવહારમા સમાવી ત્રણ શબ્દનયને એક રૂપે માની સંગ્રહ, વ્યવહાર, ઋજુસુત્ર અને શબ્દ—એ ચાર નય માનતા હતા તે. चार नयों मे वस्तु का विचार करने वाला, जो नैगम के सामान्य अंश का सग्रह मे और विशेष अश का व्यवहार में समावेश कर तीनो शब्द नयों को एक रूप मे स्वीकार कर सग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र और शब्द ये चार नय मानने वाला (one) who looks at a thing from four standpoints; (one) who believes in the four standpoints viz. Sangraha, Vyavahāra, Rujusūtra and Śabda, including Sangraha Viśesa in Vyavahāra and taking the three Śabda Nayas to be one सम० २२, —संजोग. पु० (-संयोग) ચાર બોલનો જોડાણ—સંયોગ. चार बोलों का संयोग conjunction of

four words अणुजो० १२७,

चउक्कग पुं० न० (चतुष्कक) જુઓ "चउक्क" શબ્દ देखो "चउक्क" शब्द Vide "चउक्क" भग० २०, ५;

चउक्कय पुं० न० (चतुष्कक) જુઓ "चउक्क" શબ્દ देखो "चउक्क" Vide "चउक्क" भग० ११, १,

चउक्खुत्तो. अ० (चतुःकृत्वस्) ચાર વાર चार बार Four times क० प० ७, ३६.

चउगइ स्त्री० (चतुर्गति) નરક તિર્યંચ મનુષ્ય અને દેવતા એ ચાર ગતિ नरक, तिर्यञ्च, मनुष्य और देव ये चार गतियां The four states of existence viz. hellish, beasts, human and divine चउ० ११; क० गं० ५, ६८, —मिच्छा स्त्री० (-मिथ्या) ચાર ગતિના મિથ્યાદષ્ટિ જીવો चार गति के मिथ्यादृष्टि जीव heritical souls in the four states of existence क० गं० ५, ६८;

चउगइअ. त्रि० (चतुर्गतिक) ચાર ગતિમા ફરનાર. चार गतियों में घूमने वाला Incarnating in the four states of existence प्रव० २६,

चउज्जामधम्म पुं० (चतुर्याम धर्म) ચાર મહાવ્રત રૂપ ધર્મ, અહિંસા, સત્ય, અચૌર્ય અને અપરિગ્રહ એ ચાર મહાવ્રતરૂપ વચ્ચેના બાવીસ તીર્થંકરોએ બતાવેલ ધર્મ चार महाव्रत रूप धर्म, अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह इन चार महाव्रतों वाला बीच के २२ तीर्थंकरों द्वारा कहा हुआ धर्म The creed in the form of the four vows viz. non-killing, truth, non-stealing and non possession of worldly effects—this was taught by the 22 intermediate Tīrthankarās. नाया० १२;

चउतीसइम. न० (चतुस्त्रिंशत्तम) સોળ ઉપવાસ. सोलह उपवास Sixteen fasts. भग० २, १;

चउत्थ. त्रि० (चतुर्थ) ચોથું; ચોથા નમ્બરનું. चौथा, चौथी संख्या वाला. Fourth. जं० प० ७, १४१; १६२, आया० २, ४, १, १३२, सम० ८; ठा० ६, २; उत्त० २६, १६; भग० १, ६; २, १; ४; ५, १०, ५, ६; ७, ८, १०, १५, १, १६, ४, २४, १; १६,२६,१,३५, १०, उवा० १, ७१, नाया० ४, ७, ८, १६; नाया०ध०४, पिं०नि० भा० १४, २६४; पिं० नि० २२३, दस० ४; ६, ४, १, दसा० ७, ८; पण्ह० ६; कप्प० १, २, ८, (२) ચોથ ભક્ત, એક ઉપવાસની સંજ્ઞા एक उपवास. a term denoting one fast. नाया० १, ५, १६, पचा० १६, ७, —अहिअ पुं० (-आहिक) ચોથે ? દિવસે આવતો તાવ. चौथारा, चौथिया ज्वर, तीन ३ दिन के बाद आने वाला बुखार fever making its appearance every fourth day जं० प० —पय. न० (-पद) ચોથુ પદ; ગાથાનુ છેલ્લુ પદ चौथा पद, गाथा का अन्तिम चरण. the last or fourth line of a verse दस० ६, ४, २; ३, —भत्त न० (-भक्त) ચોથ ભક્ત તપ—એક ઉપવાસ-અર્થાત્ ઉપવાસ કરવાને આગલે દિવસે એક વખત જમવું અને ઉપવાસ પછીના દીવસે પણ એક વખત જમવુ એટલે ઉપવાસના બે ભક્ત અને આગળ પાછળ દિવસનો એકેકો ભક્ત મળી ચાર ભક્ત-(ભોજન) નો ત્યાગ તે ઉપવાસ અથવા ચોથભક્ત કહેવાય चतुर्थ भक्त नामक तप; एक उपवास अर्थात् जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक वक्त भोजन करना, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और आगे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा चतुर्थभक्त कहलाता है a fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days. विशे० १२७२; ओव० १६, भग० १, १, २५, ७, पराह० २, १; जीवा० ३, ३, नाया० ८, पत्र० २८; —भत्तिय. त्रि० (-भक्तिक) ચોથ ભક્ત-એકેક ઉપવાસ કરનાર एकेक उपवास करने वाला. (one) who does one fast as described above भग० १६, ४; कप्प० ६, २१, —मास. पु० (-मास) ચોથો મહિનો चौथा मास fourth month नाया० ८,

चउत्थग. पुं० (चतुर्थक) ચોથીયો તાવ, ત્રણ દિવસને આન્તરે આવે તે चौथिया बुखार, तीन २ दिन के बाद आने वाला ज्वर Fever that makes its appearance every fourth day जीवा० ३, ३, (२) ચોથો. चौथा fourth. वव० ३, १३.

चउत्थय. पु० (चतुर्थक) જુઓ "चउत्थग" શબ્દ देखो "चउत्थग" शब्द. Vide "चउत्थग" विशे० ५६५;

चउत्थी. स्त्री० (चतुर्थी) પક્ષની ચોથી તિથિ, ચોથ. पक्ष की चौथी तिथि, चौथ-चतुर्थी. The fourth day of a fortnight जं० प० ७, १५३, (२) ચોથા નંબરની चौथी संख्या वाली fourth (feminine) उत्त० २४, २०; अणुजो० १२८; १२९, विशे० ६६५; दसा० ६, २; पत्र० ३; जीवा० २; नाया० ७; ८, भग० १, ५; ६, ८; १७, १;

चउद्दस. त्रि० (चतुर्दशन्-चतुरधिकादश) ચૌદ; દશ અને ચાર चौदह; दस और चार. Fourteen जं० प० २, ११६, सम० १४; ओव० ३८; अणुजो० १४७; भग० १, १; ५, ८; ११, ११; १५, १, २६, ६, ३१, १, क० गं० १, २५; २, ३०; नाया० १, ८; १३, सु० च० २ ३७, वव० १०, २, पत्र० ४; —जिअट्ठाण न० (-जीवस्थान) ચૌદ જીવસ્થાન-ગુણઠાણું चौदह जीवस्थान-गुणस्थान. the fourteen Gunasthānas or spiritual stages क० गं० ४, २; —पुव्व. न० (-पूर्व) ચૌદ પૂર્વ-આગમ વિશેષ કે જે હાલ વિચ્છિન્ન થઇ ગયેલ છે. चौदह पूर्व-आगम विशेष, जो वर्तमान में विच्छेद हो गये हैं the fourteen Pūrvas-a portion of scripture not now extant भग० २५, ७; नाया० ५, १४, १६, —पुव्वि. पु० (-पूर्विन्) ચૌદ પૂર્વના જાણનાર (સાધુ). चौदह पूर्वो को जानने वाला (साधु). a Sādhu learned in the fourteen Pūrvas. ओव० नि० १; नाया० ८; भग० १, १. प्रव० ६, १६३, कप्प० ५, १३६, —पुव्वी न० (-पूर्वी) ચૌદ પૂર્વનો સમૂહ चौदह पूर्वो का समूह. the collection of the fourteen Pūrvas. जं० प० २, ३१, प्रव० ३६५, —भत्त. न० (-भक्त) ૭ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે छ उपवास इकट्ठे करना six consecutive fasts. ओव० १६, भग० २५, ७; —मग्गणट्ठाण न० (-मार्गणास्थान) ચૌદ મૂલ માર્ગણાના સ્થાન चौदह मूल मार्गणाओं का स्थान the fourteen original characteristics by which mun-

dane souls are investigated. क० गं० ४, ३; —रज्जु. स्त्री० (-रज्जु) ચૌદ રજ્જુ-રાજ-ક્ષેત્ર વિભાગ વિશેષ; આખોક ચૌદ રાજપ્રમાણે ઉંચો છે. चौदह रज्जु--राजु परिमित क्षेत्र विशेष; यह लोक चौदह राजु प्रमाण ऊंचा है. name of a region, so called because its height is fourteen Rajjus क०गं० ५,९७;—रयण. न०(-रत्न)ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્ન કે જેના સહાયથી ચક્રવર્તી ભરતખંડ સાધે છે એ રત્નોના નામ અને આકૃતિ ચિત્રમાં દર્શાવેલ છે. चक्रवर्ति के चौदह रत्न जिसके बल चक्रवर्ती भरतखण्ड जीतता है इन रत्नों के नाम व आकार चित्रमें बतलाये है. the fourteen gems of a Chakravarti, by the help of which he conquers the whole of Bharatakhanda the names and shapes of the gems are shown in the picture. जं०प० —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) ચૌદ વર્ષની દીક્ષાવાળુ. चौदह वर्षो की दीक्षा वाला; चौदह वर्षो से दीक्षित. (one) after whose initiation into the ascetic order fourteen years have elapsed वव० १०, ३०; ३१, ३२;

चउद्दसहा. अ० (चतुर्दशधा) ચૌદ પ્રકારનું. चौदह प्रकार का. In fourteen modes or varieties. क० गं० १, ५,

चउद्दसी. स्त्री० (चतुर्दशी) ચૌદશ ચતુર્દશી, पक्ष की चौदहवीं तिथि. The fourteenth day of a fortnight जं० प० ७, १५३; विवा० ५, दसा० ६, २, पंचा० १०, १७;

चउद्धा. अ० (चतुर्धा) ચાર પ્રકારે. चार प्रकार से, चार प्रकार. In four modes or varieties. क० प० २, ७३; ४, ३;

चउप्पाइया. स्त्री० (चतुष्पादिका) ચાર પગવાળા ભુજપરિ સર્પની એક જાત. चार पैर वाले भुजपरिसर्पकी एक जाति. A species of serpents with four feet. पन्न० १; सूय० २, ३, २५, जीवा० १;

चउप्पुडिया स्त्री० (चतुष्पुटिका) ચપટી વગાડવી તે. चिमटी बजाना. Act of snapping a finger with the thumb. गाया० ३;

चउभाइआ. स्त्री० (चतुर्भागिका) માણીનો ચોથો ભાગ, રસ માપવાનુ માપ. माणी के चौथे हिस्से जितना रस नापने का एक नाप A measure of capacity equal to the fourth of a Mâni. अणुजो० १३२,

चउभाग पु० (चतुर्भाग) ચોથો ભાગ; ચતુર્થાંશ. चौथा भाग, चतुर्थांश Fourth part क० गं० ५, ६५, —कढिअ. त्रि० (-क्वथित) ચોથો ભાગ શેષ રહે તેટલું ઉકાલેલ उतना औटाया हुआ जिससे चतुर्थांश बाकी रहा हो boiled so long as to be reduced to a fourth part. क० गं० ५, ६५;

चउमासा. स्त्री० (चतुर्मासी-चतुर्णां मासानां समाहारः) ચાર માસનો સમૂહ, ચોમાસુ. चार मासका समुदाय; चौमासा. A group of four months; the monsoon season सु० च० ८, १२३,

चउमासिय. न० (चातुर्मासिक) ચોમાસી તપ, ચાર માસના ઉપવાસ કરવા તે चातुर्मासिक तप; चार मास तक उपवास करना. Austerity in the form of fasting for four months. ओघ० १५;

चउमासिया-आ स्त्री० (चातुर्मासिका) ભિક્ષુની ચોથી પ્રતિમા કે જેમાં એક માસ

—— चउद्दसरयण —१४ रत्न. ——

સુધી ચાર દાત અન્નની અને ચાર દાત પાણી-ની કલ્પે. भिक्षुकी चौथी प्रतिमा, जिसमें एक मास तक अन्न और जल की चार चार दात कमसे विशेष लिये जांय. The fourth vow of an ascetic in which he takes four Dātas of food and four of water for one month भग० २, १; सम० १२, २८; दसा० ७, १, वव० १, १७;

चउमास्स न० (चतुर्मास्य) આષાઢી ૧૫ થી કાર્તકી ૧૫ સુધીનો સમય चौमासा; आषाढ की पूर्णिमा से कार्तिक की पूर्णमासी तक का समय Period of time from the 15th day of Āṣāḍha to the 15th day of Kārtika ओघ० नि० भा० ६५, (२) ચાર મહિનાના ઉપવાસ; ચોમાસી તપ વિશેષ चार मास का उपवास; चातुर्मासिक तप विशेष fasting for four months, the monsoon-fasting austerity of four months संथा० ६२,

चउयाह न० (चतुरहः) ચાર દિવસ चार दिन Period of four days. वव० ८, ४;

चउर त्रि० (चतुर्) ચાર, ૪ ની સંખ્યા चार, चारकी संख्या, ४. Four, 4 आया० २, ५, १, १४१; सूय० १, १, १, १८; सम० ४; पिं० नि० १२४; वेय० १, ६, दस० ६, ४, २, ३; पन्न० १६, क० गं० १, २६, —अंग त्रि० (-अङ्ग—चत्वारि चतुर्गुणितानि अंगानि मनुष्यादिभावांगानि यस्य तत्तथा) જેના ચાર અંગ-અવયવ છે તેવી વસ્તુ-ધર્મના ચાર અંગ-દાન, શીલ, તપ અને ભાવ;-શરણના ચાર અંગ-અરિહન્ત, સિદ્ધ, સાધુ અને ધર્મ जिसके चार अंग हों ऐसी वस्तु, जैसे-धर्म के चार अंग—दान, शील, तप और भाव, वैसे ही शरण के चार अंग—अरिहंत, सिद्ध, साधु और धर्म. anything composed of four parts; e. g. the four parts of Dharma are—charity, chastity; austerity and faith, those of Śaraṇa (surrender) are—Arihanta, Siddha; Sādhu and Dharma चउ० ६२; (२) હાથી, રથ, ઘોડા અને પેદળ એ ચાર જેના અંગ છે એવી સેના-સૈન્ય. हाथी, रथ, घोडे और प्यादे इन चार अंगों वाली सेना; चतुरंगी सैन्य. an army composed of horses, chariots, elephants and infantry पएह० १, ३; सु० च० १५, २८; —अंगिणी. स्त्री० (-अंगिनी) ચતુરંગી સેના. चतुरंगी सैन्य; चार प्रकार की सेना. an army composed of four parts viz. horses, elephants, chariots and infantry. नाया० १६; निर० १, १; —अंगुल न० (-अंगुल) ચાર આંગળ चार अगुल four fingers. ज० प० ५, ११२, ७, १६२; ३, ४७; उत्त० २६, १५; नाया० १; भग० ३, २; ६, ३३; —अंगुल-दीह. त्रि० (-अंगुलदीर्घ) ચાર આંગળ લાંબું. चार अंगुल लम्बा of the length of four fingers. प्रव० ६७३, —अंत. त्रि० (-अन्त) ચાર પ્રકારની ગતિ છે જેમાં એવો સંસાર. चतुर्विध गति युक्त संसार. Earthly existence consisting of four Gatis or states of existence सूय० २, ६, २३; —अंस त्रि० (-अस्र) ચોરસ; ચાર ખુણાવાળું. चौरस; चार कोनोंवाला Square; four-angled. "आक्खाडगसम चउरंस संठाण संठियाओ" ठा० ८, उवा० १, ७६; सूय० २, २, ६६; आया० १, ५, ६, १७०; ठा०

१, १; ३, ३; ७, १, सम० प० ३०६, उत्त० ३६, २१; भग०६, ५; ८, १, १४, ७; २५, २; नाया० ८; जीवा० ३, १, ३; पन्न०१, ओघ० नि०२८६, दसा०६, १, विशे० ६०१, प्रव० ६७३, जं० प० १, १२, —असी स्त्री० (-अशीति) ચૈરાશી; ૮૪. चौरासी, ८४. eighty-four, 84 जं० प० ५, ११५, " सूयगडेणं असीइ सयंकिरियावाईणं चउरासीओ किरियावाईणं " राय० भग० १, ५, ३, १; २, ६, ७, १२, ६, २०, ५, नाया० ८; नंदी० ४३, पन्न० ४, —असीइति त्रि० (-अशीति चतुरधिका अशीति) ચૌરાશી, ८४; चौरासी; ८४. eighty-four, 84 उवा० १, ७४; जं० प० भग०१५, १; २५, ७, सम०८४, ओव० ३८; जं० प० २, १८, —इंदिय. पु० (-इन्द्रिय) સ્પર્શ-ઘ્રાણ-રસના-નેત્ર-એ ચાર ઇન્દ્રિય વાળા જીવ चतुरिन्द्रिय जीव; स्पर्श घ्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव a living being with four senses viz touch, smell, taste and sight. ठा० १, १, उत्त० १, १; उत्त० ३६, १२५; भग० १, १, ५, २, १; १०, ५, ३, ८, १, २४, १, १२, १९, २६, १, दस० ४, पिं० नि० भा० ३; जीवा० १, पन्न० १; —इंदियकाय पु० (-इन्द्रियकाय) ચાર ઇન્દ્રિય વાળા જીવનુ શરીર. चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर. body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२;

चउर. त्रि० (चतुर) કુશલ; હોશીઆર चतुर; कुशल; दक्ष, Clever, skilful अणुजो० १२८;

चउरग. पुं० (चकोरक) ચકોર પક્ષી. चकोर. the bird Chakora पराह० १, १;

चउरमइ. पुं० (चतुरमति) શ્રી શેખર રાજાના દૂત (નોકર) નું નામ. श्री शेखर नरपति का एक दूत-नौकर Name of a servant of king Śrī Śekhara सु० च० ३, ११२;

चउवीस. त्रि० (चतुर्विंश) ચૌવીશ; વીશ અને ચાર. चौवीस, बीस और चार, २४. Twenty-four, 24. अणुजो० ५६; ठा० १, १; भग० २, ५, ८, ३, १; ५, ८, १५, १; २; ८; २४, १; १२; पन्न०४; उवा० १०, २७७; प्रव० २, सम० २४; वव० ८, १५; ओव० १६, —त्थय. नं० (-स्तव) બીજું આવશ્યક સૂત્ર જેમા તીર્થંકરની સ્તુતિ છે दूसरा आवश्यक सूत्र, जिस में तीर्थंकरों की स्तुति की गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tīrthaṅkaras. नंदी० ४३; उत्त० २६१२, —त्थव पुं० (-स्तव) બીજુ આવશ્યક સૂત્ર, લોગસ્સનો પાઠ જેમા ૨૪ તીર્થંકરની સ્તુતિ છે देखो ऊपरका शब्द the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tirthankaras in the text " Logassa " etc नंदी० ४३, उत्त० २९, २,—दंडअ. न० (-दण्डक) ચોવીસ દણ્ડક. चौवीस दण्डक. twenty-four Daṇḍakas ठा० १, १,—दंडग. पुं० (-दण्डक) ચોવીશ દણ્ડક देखो ऊपर का शब्द twenty-four Daṇḍakas भग० २०, ७, ठा० २, २,

चउवीसइम पुं० (-चतुर्विंशतितम) ૧૧ ઉપવાસ ११ उपवास Eleven fasts. भग० २, १; नाया० १; (२) ચોવીશમો. चौबीसवां. twenty-fourth भग० २४, १; ठा० ६, १;

चउव्विह. त्रि० (चतुर्विध) ચાર પ્રકારનું.

चार प्रकार का. Four-fold; of four kinds. क० प० २, ३६, ४, ३०; क०; क० गं० १, १६; ६, २४; भग० १, १; २, २, १, ५, ३, २५, १; नाया० १, ५, १४, सु० च० ६, १३१; दसा० ४, ११, ४३, ६३; अणुजो० १३२, ओव० १७; सम० ४; विसे० २४, ७८; दस० ६, ४, १, उवा० १; ४३; भत्त० ४४, १५८, गच्छा० १००, कप्प० ४, ६१, —भंडग. न० (-भगडक) ચાર પ્રકારના કરીયાણા चार प्रकार का कर याना-बचने का सामान. four kinds of groceries विवा० २,

चउसट्ठि स्त्री० (-चतुष्षष्टि) ચોસઠ, ६४. चौंसठ; ६४ Sixty-four; 64. सम० ६४, ओव० ३८; भग० ३, १, २; ९, ४, १०, ५, १६, ७; २०, ५, नाया० ३, वव० ६, ३८; विवा० ७, ५, ज० प० ५६, १२५; २,२६,—कला स्त्री० (-कला) ચોસઠ કલા चौंसठ कला. sixty-four arts नाया० ३,

चउसट्ठिया-आ स्त्री० (चतुःषष्ठिका) રસ તોલવાનું માણીના ચોસઠમા ભાગનું માપ रस मापने-तौलने का माणा का चौंसठवां भाग-हिस्सा A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Māṇi अणुजो० १३२, राय० २७२.

चउसिया. स्त्री० (चौकुसिका) ચૌકુષ નામના દેશની સ્ત્રી चौकुश नाम के देश की स्त्री A female of the country named Choukuśa भग० ६, ३३;

चउहा. अ० (चतुर्धा) ચાર પ્રકારે चार प्रकार से. In four ways or parts. four-fold क० ग० १, २; ४, ४३, भग० १२, ४; राय० २६१;

चओर. पुं० (चकोर) ચકોર પક્ષી. चकोर पक्षी. The bird called Chakora. सु० च० २, १६;

चओवचइय. त्रि० (चयोपचयिक) ન્યૂનાધિક થનારુ; ચયોપચય-હાનિવૃદ્ધિ પામનાર. न्यूनाधिक होने वाला, घटती बढती होने वाला, वृद्धि क्षय पाने वाला Subject to decrease and increase. आया० १, १, ५, ४६,

चंकमंत व० कृ० त्रि० (चङ्क्रमत्) ચાલતુ, પગલા ભરતુ चलता हुआ Moving, stepping चकमओ व० ए० क० ग० १, ११; ओव० ३०,

चंकमण न० (चङ्क्रमण) આમ તેમ ફરવુ તે इधर उधर फिरना. Moving here and there सम० प० १६८;

चंकमिअ. त्रि० (चङ्क्रमित) અતિશય ચાલેલ अतिशय चला हुआ (One) that has moved too much ज० प० ७, १६६;

चंकमिया. स० कृ० अ० (चङ्क्रम्य) વ્યતીત કરીને, પસાર કરીને. व्यतीत करके; गुजार कर Having passed or spent आया० १, ८, २, ६.

चंकम्ममाण. व० कृ० त्रि० (चङ्क्रम्यमाण) ફરતુ; ચાલતુ; કંપતુ चलता हुआ, कम्पित होता हुआ. Moving, walking; quaking कप्प० ३, ३८.

चंकार. पुं० (चकार) ચકાર, ચ અક્ષર 'च' अक्षर. चकार. The letter Cha. ठा० १०, १,

चंगबेर पुं० (*) કથરોટ: ચંગેરી.

* જુઓ પૃષ્ઠ નુમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कढौती. A large metal pan. "पीवइ चंगेरेय भगबे मइयं लिवा" दस० ७, २८, आया० २, ७, २, १३८,

चंगिम त्रि० (चङ्गिमन्) સુંદર, રૂપવાન્ सुन्दर; चंगा, सुरूपवान्. Beautiful; handsome सु० च० २, ३८२;

चंगेरिया. स्त्री० (*) ફુલ રાખવાની છાબડી फूल रखनेकी टोकरी A flat basket to keep flowers in राय० ३५,

चंगेरी स्त्री० (*) ફુલની છાબ. છાબડી पुष्प रखनेकी छाबडी-चगेर. A flat basket to keep the flowers in, a flat basket विशे० ७१०, जं० प० जीवा० ३, ४; राय० १२१,

चंचल त्रि० (चञ्चल) ચચલ, અસ્થિર, ચપલ चंचल, अस्थिर, चपल Unsteady, moving; quick जं० प० ५, ११५, ओव० १४, २१, भग० ३, १, २, ६, ३३, १५, १, पन्न० २ नाया० १, ८, ६; उवा० २, १००; —कुडल न० (-कुण्डल) ચલાયમાન કુંડલ ચલાયમાન कुण्डल. an unsteady ear-ring कप्प० ३, १३,

चंचलायमाण त्रि० (चञ्चलायमान) ચલાયમાન, ચચલ, चंचल. Unsteady, moving जं० प० ३ ४१,

चंचु. स्त्री० (चञ्चु) પક્ષીની ચાંચ पक्षी की चोंच Bird's beak जं० प० ७, १६६,

चंचुच्चिय. न० (*चञ्चुच्चित) પોપટની ચાંચની માફક પગ વાંકા અને ઉંચા રાખી ઉભા રહેવુ કે ચાલવુ તે, ઘોડાની એક પ્રકારની ગતિ. शुक-सुआ-तोते की चोंच की तरह पैरों को टेढा और ऊंचा रखकर खडे रहना या चलना; एक प्रकार की घोडे की गति. Act of standing or walking with feet bent like the beak of a parrot, a kind of gait peculiar to a horse ओव० ३१; जं० प० ७, १६६,

*चंचुमालइय त्रि० (*) હર્ષથી વિકાશ પામેલ-રોમાંચ થયેલ हर्ष से विकसित-फूला हुआ, खुशी के मारे रोमांचित Bristling with joy. "धाराहयनीव सुरहिकुसुम चंचुमालइयतणु" जं० प० ५, ११५; भग० ११, ११,

चंड. त्रि० (चण्ड) પ્રચણ્ડ; તીક્ષ્ણ, ક્રોધના આવેશવાળુ. प्रचण्ड, तीक्ष्ण, क्रोध के आवेश वाला Fierce, keen, hot with anger. उत्त० १, १३, १७, ८; ओव० २१, सूय० २, २, १७, ६२; भग० ३, १, ७, ६; ६, ३३, ११, ११, १५, १. नाया० १, ४, ६, दसा० ६, ४, पराह० १, १; जीवा० ३, १, दस० ६, २, ३, जं० प० राय० २०७, २८३; उवा० २, १०७, कप्प० २, २७; २८, —कम्म त्रि० (-कर्मन्) ક્રૂર કર્મ કરનાર क्रूर कर्म करनेवाला (one) who does fierces or cruel deeds प्रव० १६००, —विस न० (-विष) શરીરમાં જલ્દી વ્યાપી જાય તેવું ઝેર; તીવ્ર ઝેર. शरीर में जल्दी प्रविष्ट होने वाला विष, तीव्र विष deadly poison. नाया० ६, भग० १५, १,

चंडपिंगल. पु० (चण्डपिङ्गल) એ નામનો એક માણસ કે જેનો મોહને લીધે નાશ થયો હતો इस नाम का एक मनुष्य, जिसका नाश मोहवश हुआ था. Name of a person

* જુઓ પૃષ્ઠ નંમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

who was lost on account of infatuation. भत्त॰ १३७;

चंडरुद्द. पुं॰ (चण्डरुद्र) એ નામના એક ક્રોધી આચાર્ય इस नाम का एक क्रोधी आचार्य. Name of a preceptor given to anger पंचा॰ ११, ३५,

चंडा स्त्री॰ (चण्डा) ચમરેન્દ્ર વગેરેની મધ્યમ પર્ષદા-સભા. चमरेंद्र इत्यादि की मध्यम सभा The middle council of Chmarendra etc ठा॰ ३, २, भग॰ ३, १०, जीवा॰ ३, ४, (२) જેમ ક્રોધી માણસને શ્રમ ન લાગે તેમ જેમા શ્રમ ન જણાય એવી દેવતાની એક ગતિ जिस प्रकार क्रोधी मनुष्य का श्रम नहीं होता उसी प्रकार जिस में श्रम न हो ऐसी देवता का एक गति a sort of gait of gods involving no strain to a man given to anger or to themselves "विपुला ककसा पगाढा चडा दुहा तिव्वा दुरहियांस" विवा॰ १, राय॰ २६; नाया॰ ८

चंडाल पुं॰ (चाण्डाल) ચાડાલથી-શૂદ્રથી બ્રાહ્મણીમા ઉત્પન્ન થયેલ જાત નીચ જાત चाण्डाल-शूद्रादि नीच से ब्राह्मणी में उत्पन्न जाति, नीच जाति. A low-caste person having a Brāhmaṇa mother and a Śūdra father. उत्त॰ ३, ४, (२) ભંગી; ઢેડ भंगी A sweeper, persons of low caste भत्त॰ १००, सु॰ च॰ १२, ५५, नाया॰२, अणुजो॰१२८,

चंडालग. न॰ (चन्दालक) દેવપૂજા નિમિત્તે ફુલ રાખવાનું તાંબાનું વાસણ કે જેને મથુરામા ચડાલગ કહે છે; देवपूजा के निमित्त फूल रखनेका तांबेका एक पात्र; जिसे मथुरामें 'चंडालग' कहते हैं A copper vessel, so called, in Mathurā, used for holding flowers for the worship of gods सूय॰ १, ४, २, १३;

चंडालिय. न॰ (चाण्डालय) ચણ્ડાલના જેવું કર્મ चण्डाल जैसा कर्म. A deed worthy of a low-caste person उत्त॰ १, १०,

चंडिक्क पुं॰ न॰ (चाण्डिक्य) ચાણ્ડિક્ય-ક્રોધ क्रोध; गुस्सा. Anger, fury सम॰ ५२; पराह॰ २, २, भग॰ १२, ५,

चंडिक्किअ-य त्रि॰ (*चाण्डिक्यित-चाण्डिक्य रौद्ररूपं संजात यस्येति) ક્રોધ પ્રગટવાથી રૌદ્ર રૂપ ધરેલ क्रोध प्रकट होने से रौद्र रूप-भयंकर रूप वाला Fierce or grim in appearance on account of anger ज॰ प॰ ३, ५६, ५७; उवा॰ २, ६५, नाया॰ १, १६; भग॰ ३, १, २;

चंडी स्त्री॰ (चण्डी) એ નામની સાધારણ વનસ્પતિ इस नाम की एक साधारण वनस्पति Name of a common vegetation. पन्न॰ १, भग॰ २३, ३ (२) ચણ્ડી દેવી. चण्डी, चण्डिका देवी the goddess Chaṇḍī पराह॰ १, २,

चंद. पुं॰ (चन्द्र) ચદ્ર, ચદ્રમા चद्र, चद्रमा. The moon ज॰ प॰ ७, १४७; ओव॰ १०; सम॰ ३, ७; ८, १, ६, २; दसा॰ ६, १, नाया॰ १, १०, अणुजो॰ १०३; सम॰ ६, ३२; उत्त॰ ११, २५, २५, १६; कप्प॰३ ३६; ४३; पंचा॰८,३४, आव॰२,७; विशे॰ २३६, पन्न॰ १, नदी॰ ६; (२) ચદ્ર નામનું ત્રીજા દેવલોકનુ એક વિમાન तीसरे देवलोक का चंद्र नामक एक विमान. an abode of the name of Chandra in the third Devaloka सम॰ ३, (३) વપ્રવિજયની પૂર્વ સીમા ઉપરનો વખારા પર્વત. वप्रविजय की पूर्व सीमा ऊपर का वखारा पर्वत the Vakhārā

mountain on the eastern boundary of Vapravijaya. जं० प० (४) જ્યોતિષ દેવતાનો ઇંદ્ર. ज्योतिषी देवों का इन्द्र. the Indra of the Jyotiṣa-gods. जीवा० १; उत्त० ३६, २०६; ठा० २, ३; ओघ० २६; (५) ઉત્તર કુરુક્ષેત્રમાંનો એક દ્રહ કે જેને બે પાસે કંચનક પર્વત છે उत्तर कुरु क्षेत्र में का एक द्रह, जिसके कि दोनों किनारों पर कंचनक पर्वत है. a lake in Uttara Kurukṣetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain जीवा० ३, ४, (६) ચન્દ્ર નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર चन्द्र नामक द्वीप और समुद्र a continent of the name of Chandra; also ocean of that name. जीवा० ३, ४, पन्न० १; (७) જે વર્ષમાં અધિક માસ ન હોય તે સંવત્સર जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर an ordinary year; an year not intercalary जं० प० सू० प० १०; प्रव० ६०८; (८) ચન્દ્રપુષ્પિકાનું પહેલું અધ્યયન. चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्ययन the first chapter of Chandrapuṣpikā. निर० ३, १, (९) આઠમા તીર્થંકરનું લાંછન आठवें तीर्थंकर का चिन्ह. the emblem or symbol of the eigth Tīrthaṅkara. प्रव० ३८१; —अद्ध. न० (-अर्धचन्द्र) અડધો ચંદ્ર; અષ્ટમીનો ચંદ્ર. आधा चन्द्र; अष्टमी का चांद half-moon, the moon on the eighth day of every fort-night. राय० ११३; —आभा. स्त्री० (-आभा) ચંદ્રની આભા-જ્યોતિ. चन्द्र की ज्योति; चन्द्र की आभा moonlight. भग० ६, ५; ७, —उव-

राग. पु० (-उपराग) ચંદ્ર ગ્રહણ. चंद्र ग्रहण. lunar eclipse. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —जोग.पुं० (-योग) નક્ષત્રની સાથે ચંદ્રનો યોગ. नक्षत्र के साथ चन्द्र का योग the moon in conjunction with a lunar asterisk. जं० प०७, १६०; —दिवस. न० (-दिन) ચંદ્રનો દિવસ, સોમવાર. चंद्र का,दिन, सोमवार monday सम०२८; —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) ચન્દ્ર નામની પ્રતિમા-અભિગ્રહ કે જેમાં ચન્દ્ર કલાની પેઠે શુકલ પક્ષમાં દરરોજ એકેક કોળીઓ વધારતા અને કૃષ્ણપક્ષમાં એકેક કોળીઓ ઘટાડતાં અમાવસ્યાએ એકજ કોળીઓ લેવામાં આવે તે, એક પ્રકારનું ઉનોદરી તપ चन्द्र नाम की प्रतिमा-अभिग्रह, जिसमें चन्द्रमा की कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कवल-ग्रास बढाते और कृष्णपक्ष में एक एक ग्रास घटाते अमावस के दिन एक ही ग्रास लिया जाता है, उनोदरी तप विशेष A sort of austerity in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half प्रव० १५७२; ओघ० १६, ठा० २, ३; वव० १०, १, —परिवेस पु० (-परिवेष) ચન્દ્રનો કુંડાલો, ચન્દ્રને ફરતું મણ્ડલાકારે દેખાવ. चन्द्रमा के चारों ओर गोलाकार का घेराव-वृत्त the halo of light round the moon. अणुजो० १२७; भग० ३, ७;—पव्वय-त्त. पु० (-पर्वत) ધાતકી ખંડના મહાવિદેહમાંનો એક પર્વત.

चंद मंडल - चंद्र मंडल.
उ.
बधा
मांडला
१५ वा.
बधा
मांडला
इ. ५१०
योजनमां
प.
पू.
नै.
१५
अ.
बे मांडला वच्चेनुं अंतर ३५ योजन.
द.
D.V.TALSANIA
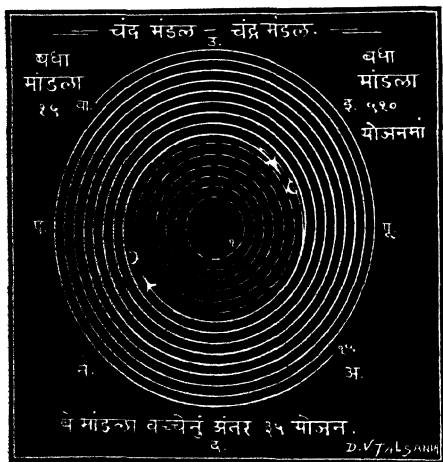
धातकी खण्ड के महाविदेह का एक पर्वत. name of a mountain of the Mahāvideha of Dhātakī continent ठा० ९, ३; (२) એ નામનો સિતોદા નદીનો વક્ષસ્કાર પર્વત. इस नाम का सितोदा नदी का बखारा पर्वत. name of a Vakārā mountain on the river Sītodā ठा० ८, १; —मंडल न० (-मंडल) ચન્દ્રનું મંડલ चन्द्र मंडल. the discus of the moon सम०६१; (३) ચન્દ્રમાને આકાશમાં ચાલવાનો નિયત માર્ગ चन्द्रमा के चलने के लिये आकाश का नियत मार्ग the orbit of the moon. (४) આકાશમાં ચન્દ્ર જે પ્રદેશ ઉપર ચાલે છે તે પ્રદેશની લાઈનને ચંદ્રમંડલ કહેવામાં આવે છે. તેવા ચન્દ્રના માંડલા १५ છે એટલે ચન્દ્ર પહેલે માંડલેથી १५ દિવસે १५ મે માંડલે જાય છે, અને પછી પંદર આવતાં १५ મે માંડલેથી १५ દિવસે પહેલે માંડલે આવે છે એમ પંદર પંદર દિવસે ચંદ્રની આવૃત્તિ થાય છે आकाश में चंद्र जिस प्रदेश पर फिरता है उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं ऐसे चंद्रके मंडल १५ हैं अर्थात् चंद्र प्रथम मण्डल से १५ वें दिन १५ वें मण्डल में जाता है और फिर वापस १५ दिन में १५ वें मण्डल से १ ले मण्डल में आता है इस प्रकार पंद्रह २ दिन में चंद्र की आवृत्ती होती है the path of the moon in the sky is called the circle of the moon. There are such 15 circles The moon begins her course from the first circle and reaches the 15th circle on the 15th day and when she retreats her motion back from the 15th circle takes again 15 days to come to the first circle. Thus the whole course is completed in every fortnight ज० प० ७, १५२;

चंदमण्डलपविभत्ति. पु० (चन्द्रमण्डलप्रविभक्ति) ચન્દ્ર મંડલની વિશેષ રચનાવાળું નાટક. चन्द्रमण्डल की विशेष रचना वाला नाटक A drama in which the scenery of the moon is exhibited राय० ६२,—रविजोग पु० (-रवियोग) ચન્દ્ર અને સૂર્યનો યોગ चंद्र और सूर्य का योग. the moon in conjunction with the sun. ज०प० ७, १५५; —विमाणजोइसिय. पु० (-विमानज्योतिष्क) ચન્દ્રના વિમાનમાં રહેનાર જ્યોતિષ્ક દેવ. चन्द्रमाके विमानमें रहने वाला ज्योतिष्क देव a deity living in the heavenly abode of the moon. ज० प० ७, १६४; भग० २४, १२. —सूर. पु० (-सूर) ચન્દ્ર અને સૂર્ય चन्द्र और सूर्य. moon and sun. प्रव० ८६३; —होरा स्त्री० (-होरा) ચન્દ્રની હોરા, ચન્દ્ર લગ્ન चन्द्रलग्न, चन्द्रमा की होरा-समय विशेष a particular duration of time in the position of the moon in its orbit गणि० ६५;

चंदक पु० (चन्द्रक) મોર પીંછ ઉપરનો ચાંદલો मोर की पिच्छ ऊपर का एक प्रकार का चन्द्राकार चमकीला आकार विशेष. A star-like spot on the feather of a peacock नाया० १.

चंदकंत पुं० (चन्द्रकान्त) ચન્દ્રકાંત નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चन्द्रकान्त नाम का तीसरे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode in the third Devaloka सम० ३;

चंदकंता स्त्री० (चन्द्रकान्ता) ચાલુ અવસર્પિ-

थ्वीना બીજા કુળકરની સ્ત્રી. वर्तमान अवसर्पिणी के दूसरे कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the second Kulakara of the present or current descending cycle (Avasarpiṇī) सम० प० २२६;

चंदकूड पुं० (चन्द्रकूट) ચન્દ્રકૂટ (કૂટ) નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. इस नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३,

चंदगवेज्झ न० (चन्द्रकवेध्य) રાધાવેધ-ચક્કરતી રાધા પુતળીની તનચર્ચેથી આખ વિંધવી ते राधा वेध, चक्की तरह घूमती हुई पुतली की आंख वेधना. A feat in archery-piercing the eye of a rotating doll ओघ० नि० ८०७, संस्था० १२१, आउ० ५४,

चंदगुत्त पु० (चन्द्रगुप्त) મૌર્યવંશી ચન્દ્રગુપ્ત રાજા मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King Chandragupta of the Mauriya dynasty. विशे० ८६२, पिं नि० भा० ४५,

चंदचरिया. स्त्री० (चन्द्रचर्या) ચંદ્રની ગતિ ગણવાની વિદ્યા चन्द्र की गति जानने की विद्या The science of the motions of the moon. सूय० २, २, २७,

चंदच्छाग-य पुं० (चन्द्रच्छाय) ચંદ્રછાય નામે અંગ દેશનો રાજા चन्द्रच्छाय नाम का अंग देश का राजा, Name of a king of the country called Aṅga ठा० ७, १; नाया० ८,

चंदजसा. स्त्री० (चन्द्रयशस्) વિમલ વાહન કુલકરની સ્ત્રી. विमल वाहन कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the Kulakara Vimala-Vāhana सम० प० २२६;

चंदज्झय पुं० (चन्द्रध्वज) ચંદ્રધ્વજ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું વિમાન. चन्द्रध्वज नाम का तीसरे देवलोक का विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३,

चंदण न० (चन्दन) મલયાગર-ચન્દન मलयागर-चदन Sandal-wood. (२) સુખડનું ઝાડ. चन्दन का वृक्ष. sandal tree. ओव० भग० ६, ३३, २२, ३; नाया० १, ५, ८, सु० च० २, ५८४, राय० ५६, जीवा० ३, ४, पन्न० १, कप्प० ५, ११८; प्रव० ३१०, उवा० १, ३६, जं० प० ५, ११४, (३) અક્ષ-કોડાનો જીવ, બેઇંદ્રિય જીવનો એક પ્રકાર अक्ष-कौड़े (घोंघा) का जीव, दो इंद्रिय जीव का एक प्रकार. a variety of two-sensed living beings. उत्त० ३६, १२८, पन्न० १, (४) ચંદનમણિ, સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક પ્રકાર. चन्दन मणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार. a kind of sentient hard earth called Chandanamaṇi. उत्त० ३६, ७६, पन्न० १, —**उक्खित्तगाय** त्रि० (-उक्षितगात्र) ચંદનથી લેપાયલું છે શરીર જેનું એવો चदन से लेपन किया हुवा जिसका शरीर है वह. (one) whose body is smeared with sandal-paste. भग० ६, ३३, —**कलस** पुं० (-कलश) ચન્દન લિપ્ત કલશ, મંગલ કલશ चन्दन लिप्त कलश मंगल कलश. a pot smeared with sandal-paste, an auspicious pot. राय० ५८; जं० प० ५, १२०, —**पायव**. पुं० (-पादप) ચંદનનું વૃક્ષ चंदन का वृक्ष. a sandal-tree. विवा० १; —**पेसिया.** स्त्री० (-पेषिका) ચન્દન ઘસનારી દાસી, चन्दन घिसने वाली दासी. a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone. भग० ११, ११, —विलेवण. न० (-विलेपन) ચન્દનનો લેપ કરવો તે. चंदन का लेप करना smearing the body with sandal paste पचा० ८, २४,

चंदणज्जा स्त्री० (चन्दनार्या) ચોવીશમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી; ચંદનબાલા નામની આરજા चौवीसवे तीर्थङ्कर की मुख्य साध्वी चंदनबाला नामकी आरजा A nun named Chandanabālā, the chief nun of the 24th Tirthankara समः प० २३४,

चंदणा स्त्री० (चन्दना) ચન્દનબાલા સાધ્વી चन्दनबाला साध्वी The nun named Chandanabālā कप्प० ४, १३४

चंदणी स्त्री० (चन्दनी) આચમન. आचमन. Holy water आया० २, १, ६, ३२; —उयय न० (-उदक) આચમનનું પાણી જ્યાં વહેતું હોય તે સ્થલ आचमन का जल जहांपर वहता हो वह स्थल. a place where holy water is flowing आया० २, १, ६, ३२,

चंदत्थमणपविभत्ति स्त्री० (चन्द्रास्तमनप्रविभक्ति) ચન્દ્રાસ્ત-ચન્દ્રઆથમવાની વિશેષ રચનાવાળું નાટક चद्रास्त की विशेष रचना-युक्त नाटक. A drama in which there is a scene of the setting moon. राय० ९२,

चंददीव पु० (चन्द्रद्वीप) ચન્દ્ર નામનો દ્વીપ चंद्र नाम का द्वीप. A continent or island named Chandra जीवा० ३, ४;

चंदन. न० (चन्दन) ચંદન चंदन. Sandal paste, sandal wood तंदु०

चंदनागरी. स्त्री० (चंद्रनागरी) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. An off-shoot of that name कप्प० ८;

चंदपण्णत्ति. स्त्री० (चन्द्रप्रज्ञप्ति) જેમાં ચન્દ્રસમ્બન્ધી વર્ણન કર્યું છે તે ચન્દ્રપ્રજ્ઞપ્તિ નામનું એક કાલિક સૂત્ર जिसमे चन्द्रसंबन्धी वर्णन किया गया है वह चन्द्रप्रज्ञप्ति नाम का एक कालिक सूत्र Name of a Kālika Sūtra in which a description of the moon is given ठा० ३, १; ४, १, नंदी० ४३.

चंदप्पभ पु० (चन्द्रप्रभ-चन्द्रस्य इव प्रभा-ज्योत्स्ना यस्य) ચન્દ્રકાંતમણિ. चद्रकान्तमणि. A precious stone called Chandrakānta नाया० १; पन्न० १, उत्त० ३६, ७६, (२) છત્રીનો દાંડો छत्रीका दंडा the handle of an umbrella नाया० १, (३) ચંદ્રપ્રભ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન चद्रप्रभ नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३, (४) આઠમા ચંદ્રપ્રભ તીર્થંકર કે જેની કાંતિ ચન્દ્ર જેવી હતી. ८ वे चंद्रप्रभ तीर्थंकर कि जिनकी कान्ति चन्द्र के समान थी the 8th Tirthankara with moon-like lustre. ठा० २, ४, —गाहावइ पु० (-गाथापति) ચંદ્રપ્રભ નામના એક ગૃહપતિ-શેઠ चन्द्रप्रभ नाम के एक गृहपति सेठ name of a merchant नाया० ध० ८,

चंदप्पभा. स्त्री० (चन्द्रप्रभा-चन्द्रस्येव प्रभा आकारो यस्याः) ચંદ્રહાસ નામની મદિરા-દારૂ चन्द्रहास नाम की मदिरा दारू A sort of wine called Chandrahāsa जीवा० ३, ३, पन्न० १७; (२) ચંદ્રમાની મ્હોટી પટ્ટરાણી. चंद्रमाकी प्रधान

पट्टराणी. the senior queen of the moon-god ठा॰ ४, १; भग॰ १०, ४; सू॰ प॰ १८, जीवा॰ ४; जं॰ प॰ ७, १७०, (३) ચંદ્રપ્રભા દેવી. चंद्रप्रभा देवी Chandraprabhā Devī. नाया॰ ध॰ ८. (४) દશમા અને ચોવિશમા તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનું નામ दशवें और चौवीसवें तीर्थंकरकी प्रव्रज्या पालकीका नाम name of the Palanquin of the 10th and 24th Tīrthankara at the time when he took holy orders. कप्प॰ ४, १०७, सम॰ प॰ २३१, —दारिया. स्त्री॰ (-दारिका) ચંદ્રપ્રભા નામની એક કન્યા चंद्रप्रभा नाम की एक कन्या a girl named Chandraprabhā नाया॰ ध॰ ८,

चंदप्पह. पु॰ (चन्द्रप्रभ) વર્તમાન ચોવીસીના આઠમા તીર્થંકરનું નામ वर्तमान चौवीसी के आठवें तीर्थंकर का नाम Name of the 8th Tīrthankara of the current Chovīsī. अणुजो॰ ११६; सम॰ २४, कप्प॰ ३, ४६, ४, १४८, आव॰ २, २, प्रव॰ २६३,

चंदप्पहा स्त्री॰ (चन्द्रप्रभा) જુઓ "चंदप्पभा" શબ્દ. देखो "चंदप्पभा" शब्द Vide "चंदप्पभा" आया॰ २, १५, १७६,

चंदप्पहाविमाण न॰ (चन्द्रप्रभाविमान) એ નામનું એક વિમાન. इस नाम का एक विमान Name of a heavenly abode. नाया॰ ध॰ ८,

चंदभागा. स्त्री॰ (चन्द्रभागा) ચંદ્રભાગા નામની એક નદી કે જે સિંધુમાં જઈને મળે છે. चंद्रभागा नाम की नदी कि जो सिन्धु में जाकर मिलती है वह. The river named Chandrabhāgā. ठा॰ ५, ३,

चंदम. पुं॰ (चन्द्रमस्) ચન્દ્રમા. चंद्रमा. The moon. "आवत्तसाइंच चंदमा" नाया॰ १, सू॰ प॰ १,

चंदमस. पु॰ (चन्द्रमस्) ચાંદો; ચંદ્રમા. चन्द्रमा, चन्द्र; शशि. The moon. सू॰ प॰ १;

चंदमहत्तर पु॰ (चन्द्रमहत्तर) એ નામના એક આચાર્ય કે જેણે સપ્તતિકા નામે ગ્રંથ રચ્યો છે इस नाम के एक आचार्य कि जिन्होंने सप्ततिका नाम का ग्रंथ बनाया है. Name of a preceptor who was the author of a book named Saptatikā. क॰ गं॰ ६, ६३,

चंदय पु॰ (चन्द्रक) મોર પીંછાનો ચાંદલો मोर पंख का चांद A star in the feather of a peacock. नाया॰ ३,

चंदगुत्त पु॰ (चन्द्रगुप्त) પાટલી પુત્રનો પ્રાચીન રાજા; ચન્દ્રગુપ્ત નામે મૌર્યવંશનો એક રાજા पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा, चन्द्रगुप्त नाम का मौर्यवंशी एक राजा. Chandragupta of the Maurya dynasty सत्था॰ ७०,

चंदलेस्स पु॰ (चन्द्रलेश्य) ચન્દ્રલેશ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન चन्द्रलेश नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान A heavenly abode named Chandralesa in the third Devaloka सम॰ ३,

चंदलेस्सा स्त्री॰ (चन्द्रलेश्या) ચન્દ્રના વિમાનની કાંતી चन्द्र के विमान की कान्ति The splendour of the heavenly abode of the moon. भग॰ १२, ६,

चंदवडिंसअ. पु॰ (चन्द्रावतंसक) ચન્દ્રમાનું વિમાન. चन्द्रमाका विमान The heavenly abode of the moon. जं॰ प॰ निर॰ ३, १, नाया॰ ध॰ ८;

चंदवण्ण न॰ (चन्द्रवर्ण) ચોથા દેવલોકનું ચન્દ્રવર્ણ નામનું એક વિમાન. चौथे देवलोक का चन्द्रवर्ण नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० १;

चंदसालिया स्त्री०(चन्द्रशालिका) મેડી; માળ, મજલો. मजला, मंजिल Upper floor, top-floor. पराह० १, १; नाया० १; जीवा० ३, ३.

चंदसिंग. न० (चन्द्रशृंग) त्रीજા-ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे, चौथे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka सम० ३;

चंदसिद्ध न० (चन्द्रसिद्ध) ચન્દ્રસિદ્ધ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન चन्द्रसिद्ध नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३;

चंदसिरी स्त्री० (चन्द्रश्री) ચન્દ્રશ્રી નામની સ્ત્રી. ચક્ષુષ્મત નામના બીજા કુલકરની માતા चन्द्रश्री नाम की स्त्री; चक्षुष्मत् नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman -the mother of the second Kulakara named Chaksusmat नाया० ध० ८;

चंदसूरदंसावणिया स्त्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शनिका) બાલકને જન્મથી ત્રીજે દિવસે કરાવવામાં આવતું સૂર્ય ચન્દ્રનું દર્શન जन्म पाये हुए बालक को तीसरे दिन कराया जाता सूर्य चन्द्र का दर्शन The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth. भग० ११, ११.

चंदसूरमालिआ स्त्री० (चन्द्रसूर्यमालिका) એક જાતનું ઘરેણું, દાગીનો. एक प्रकार का आभूषण-अलंकार. A kind of ornament. (२) જંબુદ્વીપમાં બે ચંદ્ર અને બે સૂર્ય, લવણ સમુદ્રમાં ચાર ચંદ્ર અને ચાર સૂર્ય; ધાતકી ખંડમાં ૧૨ ચંદ્ર અને ૧૨ સૂર્ય, કાલોદધિ સમુદ્રમાં ૪૨ ચંદ્ર અને ૪૨ સૂર્ય અને અર્ધપુષ્કર દ્વીપમાં ૭૨ ચંદ્ર અને ૭૨ સૂર્ય એમ અઢીદ્વીપમાં ૧૩૨ ચંદ્ર અને ૧૩૨ સૂર્ય છે એ ચર એટલે ગતિમાન છે અને પોતપોતાના માંડલે ફેર છે અઢીદ્વીપ બહાર અસંખ્યાત ચંદ્ર અને અસંખ્યાત સૂર્ય છે તે સ્થિર છે અઢીદ્વીપમાં ૧૩૨ ચંદ્ર સૂર્ય કેવી સ્થિતિમાં છે તે આ ચિત્રમાં બતાવેલ છે जंबूद्वीप में २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र में ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातकी खण्ड में १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र में ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्द्धपुष्कर द्वीप में ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य ढाईद्वीप में हैं. ये सब चर अर्थात् गतिमान हैं और अपने २ मण्डल में फिरते हैं ढाईद्वीप के बाहर जो असंख्यात चंद्र और सूर्य हैं वे स्थिर हैं ढाईद्वीप के अन्दर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते हैं यह इस चित्र में बतलाया है. there are 2 moons and 2 suns in Jambu Dvīpa, 4 moons and 4 suns in the Lavana ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātakī Khanda, 42 moons and 42 suns in Kālodadhi ocean and 72 moons and 72 suns in Ardha Puskara Dvipa. Thus there are 132 moons and 132 suns in Adhī Dvīpa and these moons and suns are not stationary e. g. they move in their own circles There are also innumerable moons and suns outside Adhī Dvipa

and they are steady The respective positions of the moons and the suns of Adhī Dvīpa are shown in the diagram जीवा० ३, ३,

—— चंदसूरमालिया-चन्द्र सूर्योनी माळा. ——

चंदा स्त्री० (चन्द्रा) ચદ્રમાની રાજધાની चन्द्रमा का पाटनगर-प्रधान शहर The capital city of the moon-god जीवा० ३, ४, जं० प० ७, १२६;

चंदागमणपविभत्ति न० (चन्द्रागमनप्रविभक्ति) નાટ્ય વિશેષ; ચંદ્રાગમનનિ રચના વાળુ નાટ્ય વિશેષ; चन्द्रागमन की रचना युक्त A kind of drama in which the moon figures. राय० ६२,

चंदाणण पु० (चन्द्रानन) જબૂદ્વીપના ઐરાવત ક્ષેત્રમા ચાલુ અવસર્પિણીના પહેલા તીર્થંકર जम्बूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी के प्रथम तीर्थंकर. The first Tirthankara of the current cycle. सम० प० २४०; प्रव० ४५७;

चंदाणणा. स्त्री० (चन्द्रानना) शाश्वती જિન પ્રતિમાઓ પૈકી ત્રીજી પ્રતિમાનું નામ शाश्वती जिन प्रतिमाओं में से तीसरी प्रतिमा का नाम. Name of the third Jaina everlasting vow (Pratimā) जीवा० ३, ४, ठा० ४, २, राय० १५४,

चंदाभ पुं० (चन्द्राभ) ચંદ્રાભનામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન चद्राभ नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka सम० ८, भग० ६, ५, प्रव० १४६०, (२) અગીયારમા કુલગરનું નામ ग्यारहवें कुलगर का नाम name of the eleventh Kulagara ज० प०

चंदायण न० (चान्द्रायण) જુઓ " चद-पडिमा " શબ્દ देखो " चद-पडिमा " शब्द Vide "चद-पडिमा" पचा० १६, १८,

चंदावत्त पु० (चंद्रावर्त) ચન્દ્રાવર્ત નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન चद्रावर्त नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३;

चंदावरणपविभत्ति न० (चन्द्रावरणप्रविभक्ति) ચન્દ્રમાને ઢાંકવાની વિશેષ રચના વાળુ નાટ્ય વિશેષ चन्द्रमा को आच्छादित करने की विशेष रचना युक्त नाट्य विशेष A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view राय० ८२,

चदावलिपविभत्ति न० (चन्द्रावलिप्रविभक्ति) ચંદ્રમાની પંક્તિની વિશેષ રચના વાળુ એક નાટક चद्रमा की विशेष रचना युक्त एक नाटक A drama exhibiting a particular position of the moon. राय० ८१;

चंदाविज्झय. न० (चन्द्राविध्यक) २६ ઉત્કાલિકસૂત્રમાનુ ૧૫ મું. २६ उत्कालिक सूत्रों मे से १५ वा The fifteenth of the 29 Utkālika Sūtras नदी० ४३;

चंदिम. पु० (चन्द्रमस्) ચંદ્રમા. चन्द्रमा. The moon. भग० ३, ७, ६, ५; १२, ६; ११, ५, नाया० १, पन्न० २, राय० १००, (२) ચંદ્રમાનાદૃષ્ટાંત વાળુ જ્ઞાતા સૂત્રનુ ૧૦ મુ અધ્યયન चन्द्रमा के दृष्टातयुक्त ज्ञातासूत्र का १० वा अध्ययन. The tenth chapter of Jñātā Sūtra giving an illustration of the moon सम० १६, **—सूरवराग.** पुं० (— सूर्योपराग) ચંદ્રગ્રહણ તથા સૂર્યગ્રહણ चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण lunar and Solar eclipses प्रव० १४७१,

चंदिमसूरिय पुं० (सूर्याचन्द्रमसौ) ચંદ્ર અને સૂર્ય चंद्र और सूर्य Sun and Moon. भग० १८, ७,

चंदिमा पुं० स्त्री० (चन्द्रिका) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના છઠા અધ્યયનનુ નામ अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Anuttarovavāi Sūtra (२) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ છઠ્ઠ છઠ્ઠની પ્રતિજ્ઞા લઇ ૧૧ અંગ ભણી ઘણા વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાને પહોંચ્યા ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थवाही के पुत्र कि जिन्होंने दीक्षा लेकर छट्ठ की प्रतिज्ञा लेकर ११ अग पढ कर बहुत वर्षों की प्रव्रज्या का पालन कर एक मास का सथारा कर सर्वार्थसिद्ध विमान में प्राप्त हुवे वहांसे एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त करेंगे. name of the son of Bha-

drā Sarthavāhī of the city of Kākandī, who vowed to observe periodical fasts, studied eleven Aṅgas, practised asceticism for many years and after complete abstention from food and water for a month attained to the heavenly abode known as Sarvārtha Siddha, whence after one incarnation he will attain to final emancipation अणुत्त० ३, ६, भग० ५, १, ६, दस० ६, ६६, ८, ६४; (२) चन्द्रिका, ज्योत्स्ना चंद्रिका, ज्योत्स्ना moon light नाया० १,

चंदुत्तरवडिंसग पुं० (चंद्रोत्तरावतंसक) चन्द्रोत्तरावतंसक नामनुं त्रीजा देवलोकनुं एक विमान इस नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heaven's abode of the third Devaloka सम० ३

चंदोत्तरायण न० (चन्द्रोत्तरायण) कौशाम्बी नगरनी बहारनो चन्द्रोत्तरायण नामनो एक बाग इस नाम का कौशाम्बी नगर के बाहर का एक बाग Name of a garden situated outside the city of Kauśāmbī भग० १२, २, विवा० ५, निर० ३, ५,

चंदोवरण. न० (चन्द्रोत्तरण) ए नामनुं एक चैत्य, के जे उदंडपुर नगरनी बहार हतुं. उदण्डपुर नगर के बाहर का एक चैत्य Name of a garden outside the city of Uddaṇḍapura भग० १५, १,

चंपअ पुं० (चम्पक) किंपुरुषदेवनी सभा आगळनुं चैत्यवृक्ष-चम्पानुं झाड. किं पुरुष देव की सभा के समीप का चैत्य वृक्ष-चंपा का वृक्ष. The Champā tree growing near the council hall of the deities known as Kimpurusas ठा० ८, १, (२) सर्याभना चम्पक वननो रक्षक देवता सूर्याभ के चम्पक वन का रक्षक देवता. the guardian deity of the Champaka forest of Sūryābha राय० १४०, (३) चंपानुं वन तथा त्यां रहेनार देव चंपा का वन व वहां रहने वाला देव the Champā forest and the deities residing there जीवा० ३,४, (४) चंपो, चंपानुं फुल चंपा, चंपा का फूल the Champā tree, a flower of that tree नाया० १६, पन्न० १७, (५) चंपानुं वृक्ष के जेनी हेठे वीसमा तीर्थंकरने केवलज्ञान थयुं चंपा का वृक्ष कि जिस के नीचे २० वें तीर्थंकर को केवलज्ञान हुआ the Champā tree under which the 20th Tīrthankara attained to Kevala Jñāna सम० प० २३३

चंपक पु० (चम्पक) चंपानुं झाड चंपा का झाड A Champā tree नंद० —**पायव** पु० (-पादप) चंपानुं झाड चंपा का वृक्ष A Champā tree विवा० ६

चंपग पु० (चम्पक) जुओ "चपअ" शब्द. देखो "चपअ" शब्द Vide "चपअ" नाया० १, ८, राय० ६३, पन्न० १, नंदी० ३७, कप्प० ३, ३७, जं० प० ५, १२२, —**पायव** पुं० (-पादप) चंपानुं झाड चंपा का वृक्ष A Champā tree. नाया०२; १८, —**पुड** पुं० (-पुट) चंपाना फुलनो दडो चंपा के फूल का गेंद. a bunch made of Champā flowers. नाया० १७; —**माला** स्त्री०

(-माला) ચંપાના ફુલની માલા चंपा के फूल की माला a garland made of Champā flowers नाया० १. —लया. स्त्री० (-लता) ચંપાની વેલ चंपा की बेल, लता. a Champā creeper. ओव० भग० ६, ३३; नाया० १, १६. विवा० २; निर० १, १, —वण न० (-वन) ચંપાના વૃક્ષોનુ વન चंपा के वृक्षों का वन a forest of Champā trees. भग० १, १, अणुजो १३१, निसी० ३, ८१, पन्न० १७, (२) સૂર્યાભવિમાનના પશ્ચિમ દરવાજેથી પાચસો જોજન ઉપરે ચપક વૃક્ષનું એક વન સાડા બારહજાર જોજન લાબું અને પાચસો જોજન પહોળુ છે सूर्याभ विमान के पश्चिम द्वार से पाचसो योजन पर चपक वृक्ष का वन साडे बारह हजार योजन लंबा व पाचसो योजन चौडा है. the great Champaka forest at a distance of 500 Yojanas (Yojana=8 miles) from the western gate of the Sūryābha heavenly abode The forest is 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in width राय० १२६ —वडिंसअ पु० (-चपकावतसक) જુઓ " चपयवडिसअ " શબ્દ दखो " चपयवडिंसअ " शब्द Vide "चपयवडिसअ" राय०१०३,

चंपयवडंसय. न० (चम्पकावतसक) ચમ્પકાવતસક નામનુ ત્રીજું વિમાન इस नामका तीसरा विमान. The third heavenly abode of this name भग० ३, ७,

चंपा स्त्री० (चम्पा) ચપા નામની નગરી, કોણિક રાજધાની, અંગદેશનો પાયતખ્ત चंपा नाम की नगरी, कोणिक राजा का पाट नगर, अंगदेश का पाटनगर. Name of a city; the capital of king Konika, the capital-city of the country called Aṅga उत्त० २१, १, ओव० नाया० १; २, ८; ६; १२,१५, १६, भग०५,१; ६, ६, ३३, उवा० १, १, कप्प० ५, १२१, भत्त० ८१, पन्न० १, जीवा० ३, ४, निसी० ६, २०, नाया० ध० ८, —णयरी स्त्री० (-नगरी) ચપા નગરી चपा नगरी. the city named Champā नाया० ८, ६, १६, विवा० ६, —पविभत्ति. न० (-चम्पाप्रविभक्ति) ચપા નગરીની-બજારની શોભાયુક્ત નાટક चपा नगरी के हाट की शोभा युक्त नाटक. a drama in which is exhibited the beautiful bazar of Champā. राय० ६३,

चकारखग्गपविभत्ति पुं० (चकार वर्ग प्रविभक्ति) ચ-અક્ષરના આકારની રચના વાળુ નાટક ૩૨ નાટકના પ્રકારમાંનો એક च अक्षर की आकृति की रचनायुक्त नाटक, ३२ नाटक के प्रकार में से एक A drama exhibiting a scene of the shape of the letter च राय० ६४,

चक्क न० (चक्र) રથનુ-ગાડાનું પૈડું रथका-गाडेका पैया. A wheel of chariot, cart etc सूय० १,१४,१८, ओव०भग०३, १ ५, नंदी०स्थ०५ प्रव०२४५, उवा०७,१६७, (२) વાસુદેવનુ સુદર્શન ચક્ર वासुदेव-नारायण का सुदर्शन नामक चक्र the wheel of Vāsudeva styled Sudarśana सम० प० २३७, ओव० १०, उत्त० ११, २१,विशे०२७४ जं०प० ચક્રરત્ન ૧૪ રત્નમાનુ એક one of the fourteen gems known as the Chakra gem चक्र रत्न, चक्रवर्तिको प्राप्त होनेवाले चौदह रत्नों मे से एक रत्न सम०१४;प्रव०१२२८, (४) ધર્મચક્ર (દેવતાનુ બનાવેલ) તીર્થંકરની

આગળ રહે છે તે. तीर्थंकर भगवान् के विहार के समय आगे आगे चलनेवाला देवों द्वारा रचित धर्मचक्र. the wheel known as Dharmachakra accompanying a Tirthankara (It is made by gods.) सम० ३४, ओव० नि० ११६, (५) કુભારનો ચાકડો कुंभार का चाक a potter's wheel भग० १, १, २, १०, ५, ६, नंदी० स्थ०५, पंचा० १,३४, (६) ચક્રાકારે હાથની રેખા चक्रके आकारकी हस्त रेखा the lines of the palm in the form of a wheel उत्त० ६, ६०, (७) સમૂહ મંડલ समुदाय, मंडल, गोलाकार a circle, a party, an assemblage उत्त० २२, ११, (८) મુશલ, સાંબેલ मूसल; सब्बल. a pestle भग० ११, ११, (९) આકાશમાં ચક્રાકારે ગોળકુંડાળા જેવું થાય છે તે आकाशमें चक्रके आकार का जो गोल कुंडल जैसा बनजाता है वह a ring like appearance that forms itself in the sky भग० १६,५, (१०) ચકવો પક્ષી चकार पक्षी a kind of bird कप्प०३, ४२, —रक्ख पुं० (रक्ष) ચક્રનું રક્ષણ કરનાર દેવ चक्र का रक्षण करने वाला देव. a deity who guards the Chakra भग० ३, ७, —रयण न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદરત્નમાનું એક ચક્રરત્ન चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक चक्ररत्न one of the 14 jewels of a Chakravarti. भग० १२, ६, ठा० ७, १, विशे० ५१३, पन्न० २०, जं० प० ३, ४१, —वूह. पुं० (चक्रव्यूह-चक्रमिव व्यूहोरचना विशेष) ચક્રાકારે વ્યૂહ રચના કરવાની કલા चक्राकार में व्यूह रचना करने की कला. the art of marshalling an army in the form of a wheel ओव० ४०; नाया० १,

चक्कग. पुं० (चक्रांग) ચક્રવાક નામે એક પક્ષી चकवाक नामक एक पक्षी A kind of bird named Chakravāka सु० च० २, ४४,

चक्कग पुं० (चक्रक) ચક્ર, આભરણ વિશેષ चक्र, आभरण विशेष A wheel, a kind of ornament. जीवा० ३, ३,

चक्कपुरा स्त्री० (चक्रपुरी) વલ્ગુ વિજયની મુખ્ય રાજધાની-નગરી वल्गु विजय का मुख्य पाटनगर The capital city of Valguvijaya ठा० २, ३, ज० प०

चक्कल पुं० (चक्रल) સિંહાસનનો પડવાયો सिंहासन के नीचे रखने की ईंट. A stand or base for a throne. राय० ६१,

चक्कवट्टि पुं० (चक्रवर्तिन्-चक्रेण आयुधविशेषेण वर्तितुं शीलं यस्य) ચક્રવર્તી રાજા, સમ્રાટ્, ભરત ક્ષેત્રના છ ખણ્ડનો અધિપતિ चक्रवर्ती राजा, सम्राट, भरत क्षेत्र के छ खंडो का अधिपति A suzerain, a sovereign of the six continents of Bharata Ksetra ओव० ३४, राय० २३, ज० प० २, ३० ५, ११२ अणुजो० १३१. सु० च० २, ८२, नाया० १; ८, १६ भग० ५, ५, ११, ११, १६, ६, पन्न० १ दसा० ६, ४, प्रव० ४१६, ११०२, भत्त० १३४, —माउ स्त्री० (-मातृ) ચક્રવર્તીની માતા. चक्रवर्ती की माता. the mother of a Chakravartī नाया० १; —वंस. पुं० (-वंश) ચક્રવર્તિનો વંશકુલ चक्रवर्ति का वंश कुल the family-line of Chakravartī. ठा० ३, १,

चक्कवाक पुं० (चक्रवाक) ચકવો પક્ષી. चकवा पक्षी. A kind of bird. जं० प०

चक्कवाग पुं० (चक्रवाक) રથાંગ પક્ષી, ચકવો. रथांग पक्षी; चक्रवाक पक्षी. A kind of bird. पराह० १, १,

चक्कवाय. पुं० (चक्रवाक) ચકવો પક્ષી. चक्रवाक पक्षी A kind of bird ओव० नाया० १; ५, ८, ६,

चक्कवाल. पुं० (चक्रवाल) ચક્રાવો; સમૂહ, મંડલ. परिधि, समूह, मंडल. A group, a cluster, a circle ओव० ३३; सूय० १, १, १, २६; ठा० २, ३, सम० प० १६५, नाया० १, १६, भग० ५, ३, ६, ३३, ३४, १; ओघ० नि० ६६, सु० च० १६, ६१, राय० २८६ उवा० ७, २०८, प्रव० १४०२, (२) ગાડાનું પૈડું गाडे का पहिया a wheel of a cart भग० ३, ४, पन्न० ३६ जीवा० ३, १, ज प० ४, १०४, (३) સિંહાસનની નીચેનો પાયો सिंहासन के नीचे का पाया a stand or base for a throne to rest upon जावा० ३, ४,

चक्कवाला स्त्री० (चक्रवाला) મંડલાકારે શ્રેણી मंडलाकार में श्रेणी A circular ladder "एगओ खहा दुहओखहा चक्कवाला" भग० २५, ३

चक्कहर पुं० (चक्रधर) સુદર્શન ચક્રને ધારણ કરનાર વાસુદેવ सुदर्शन चक्रको धारण करने वाला वासुदेव चक्रधर Vāsudeva, holding Sudarsana wheel विशे० ३५१३, (२) છ ખંડનો સ્વામી, ચક્રવર્તિ छ खंडका स्वामी, चक्रवर्ति. a Chakravarti lord of six continents विशे० ८०४,

चक्काउह. पुं० (चक्रायुध) સોલમા શાંતિનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ सोलहवें तीर्थंकरके प्रथम गणधरका नाम Name of the first Ganadhara (apostle) of Śāntinātha the 16th Tīrthaṅkara प्रव० ३०६, सम० प० २३३;

चक्काग. पुं० (चक्रवाक) ચક્રવાક પક્ષી. चक्रवाक पक्षी. The bird named Chakravāka निर० ५, १; पन्न० १; (२) ચક્રાકાર મણ્ડલ. चक्राकार मंडल. a circular shape पन्न० १, —**भज्जमाण** त्रि० (-भज्यमान) જે ફલ-પાંદડું કે શાખા તોડતાં ચક્રાકારે ગોળ ચિન્હ થાય છે તે वृक्ष के फल-पत्ती या शाखा तोडने से भिन्न हुए स्थान पर गोलाकार चिन्ह होता है वह (a fruit or leaf or branch of a tree) which when plucked, leaves behind a circular mark पन्न० १,

चक्कि पु० (चक्रिन्) ચક્રવર્તી રાજા चक्रवर्ती राजा A sovereign king पन्न० १,

चक्किय-अ पु० (चक्रिक) ચક્ર નામનું આયુધ લઈ ચાલનાર चक्र नामके आयुध को लेकर चलने वाला One who carries with him a weapon called Chakra. कप्प० ५, १०७, ओव० ३२, ज० प०

चक्किय त्रि० (चाक्रिक) તેલી तेली An oilman (२) કુંભાર कुम्हार. a potter वव० ६, १७, —**साला** स्त्री० (-शाला) તેલ વગેરે વેચવાની દુકાન तेल वगैरह बेचने का दुकान a shop where oil etc are sold वव०६,१७,

चक्कीसर पुं० (चक्रीश्वर) ચક્રવર્તી, સમ્રાટ. चक्रवर्ती सम्राट A sovereign king; a paramount king. प्रव० ४३०; —**बंभदत्त** पु० (-ब्रह्मदत्त) બ્રહ્મદત્ત નામે બારમો ચક્રવર્તી. ब्रह्मदत्त नामक १२वां चक्रवर्ती the 12th Chakravartī named Brahmadatta प्रव० ४३०;

चक्केसरी स्त्री० (चक्रेश्वरी) ઋષભદેવ પ્રભુની

देवीनुं नाम. ऋषभदेव प्रभुकी देवी का नाम Name of the goddess of Lord Risabhadeva. प्रव० ३७०;

चक्ख न० (चक्षुष्) चक्षु; आंख चक्षु, आंख An eye पन्न० १५;

चक्खिंदिय न० (चक्षुरिन्द्रिय) चक्षु इंद्रिय, જોવાની શક્તિવાળી ઇન્દ્રિય-આંખ चक्षु-इन्द्रिय, देखने की शक्तियुक्त इन्द्रिय, आंख The sense of sight. ओव० १९, भग० १, १, ७, ७, ८, २, १२, २, २४, १, २५, ७, ३३, १, नाया० १७, नदी० ४, —निग्गह. पु० (-निग्रह) ચક્ષુરિન્દ્રિય-આંખને કાબુમાં રાખવી તે चक्षुरिन्द्रिय-आंख को वश में रखना control over the sense of sight. उत्त० २६, २,

चक्खु न० (चक्षुष्-चष्टेऽनेन) આંખ आंख An eye उत्त० १, ३३, ५, ५, भग० २, ५, ३, ६, नाया० १, ६, ज० प० ६, ११२, ओव० पि० नि० ४६३, ओघ० नि० १६७; दसा० ५, २, पन्न० २३; सू० प० २, राय० २३, ४३, सूय० २, १, ४२, प्रव० ५९७, ११११, उवा० १, ५, क० गं० १, ६, १०; ३, १८, ८, ८, क० प० ४, ४६, (२) શાસ્ત્રીય જ્ઞાન शास्त्रीय ज्ञान scriptural knowledge. सम० १, —गोयर. त्रि० (-गोचर) નેત્રને સન્મુખ રહેલું नेत्र के समीप रहा हुआ within the range of sight दस० ५, २, ११, —दीहरोम. न० (-दीर्घरोम) આંખના લાંબા રોમ, (વાળ) आंखों के लम्बे बाल eye-lashes. निसी० ३, ४५, ४६, ४७, ७८; —पम्ह न० (-पक्ष्मन्) આંખની પાંપણ. आंखकी बरौनी-पलक. an eye-lid. सूय० २, २, २३, भग० ३, २, —फास. पुं० (-स्पर्श) આંખનો વિષય; દૃષ્ટિગોચર. आंख का विषय, दृष्टिगोचर an object of sight कप्प० ५, १३१; भग० १, ६, २, ५; ६, ३३; जं० प० ७, १३६, —बल न० (बल) જોવાની શક્તિ, ચક્ષુઇંદ્રિયનું સામર્થ્ય. देखने की शक्ति, चक्षुइंद्रिय का सामर्थ्य. power of sight उत्त० १० २२, —राय पु० (-राग) દૃષ્ટિરાગ, આંખનો પ્રેમ दृष्टिराग, आंखोंका प्रेम attachment through or in the eye नाया० ८, मत्त० १४५, —लेस. त्रि० (-श्लेष) જોવામાં જ્યાં આંખનો શ્લેષ થાય-આંખ ચોંટી જાય ते देखने में आंखोंका श्लेष होना-आंखोंका चिपक जाना attachment, the cause of which is sight ज० प० ४, ७४, ५, ११५, —लोलञ्च त्रि० (-लोलक) આંખની ચપલતાવાળો दृष्टि की चपलता वाला (one) with quick or unsteady eyes "चक्खु लोलए हरिया वहियाए पाणिमंथु" वेय० ६, १६, —ल्लोअण न० (-लोकन) આંખથી જોવું તે. आंख से देखना. act of seeing ज० प० ४, ७८, ५, ११२, —सम त्रि० (-सम) ચક્ષુદર્શનાવરણ સમાન चक्षुदर्शनावरण समान like vision obstructing. कप्प० ६ ३२, —हर न० (-हर—चक्षुर्हरति) આંખને આનંદ આપનારૂં. चक्षु को आनंद देनेवाला. (anything) that charms or delights the eyes भग० ६, ३३, नाया० १;

चक्खुइंदिय न० (चक्षुरिन्द्रिय) નેત્ર, આંખ. नेत्र, आंख An eye भग० ८, १; सम० ६; नाया० ५,

चक्खुकंत. पुं० (चक्षुष्कांत) કુંડલ સમુદ્રના દેવતાનું નામ कुंडल समुद्र के देवता का नाम. Name of the deity of the ocean named Kundala. जीवा० ३, ४;

चक्खुकंता स्त्री० (चक्षुष्कान्ता) આ અવસર્પિણીના પાંચમા કુળકરની સ્ત્રી. वर्तमान अवसर्पिणी के पांचवें कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the 5th kulakara of the current Avasarpiṇī सम० प० २२९;

चक्खुदंसण. न० (चक्षुर्दर्शन) આંખથી જોયેલ વસ્તુનો પ્રથમ સામાન્ય બોધ થાય તે आंखों से देखी हुई वस्तुका प्रथम सामान्य बोध हो वह General knowledge of a thing that one has when one sees it अणुजो० १२७, भग० २, १०, ८, २, २४, ४, जीवा० १; —आवरण न० (-आवरण) દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ચક્ષુદર્શન (આંખથી સામાન્ય બોધ થાય તે) ન પામે दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदयसे जीव चक्षुदर्शन (दृष्टि से सामान्य बोध हो वह) न प्राप्त कर सके maturity of a particular variety of sight-obscuring Karma which prevents one from having visual perception उत्त० ३३, ६, सम० १७, —प०िया. स्त्री० (-प्रतिज्ञा) ચક્ષુદર્શન-જોવાને નિમિત્તે चक्षुर्दर्शन-देखने के निमित्त with a view to visual perception निसी० ३, ८;

चक्खुदंसणि त्रि० (चक्षुर्दर्शनिन्) ચક્ષુદર્શનવાળો જીવ चक्षुदर्शन-प्राप्त जीव (A living being) possessed of the sense of visual perception ठा० ४, ४; भग० ६, ३, १३, १;

चक्खुदय पु० (चक्षुर्दय) જ્ઞાનરૂપી આંખ આપનાર. ज्ञान रूप आंख-चक्षु को देने वाला. One who gives an eye in the form of knowledge जं० प० ५. ११५, नाया० १, कप्प० २, १५; आव० ६, ११;

चक्खुदरिसण न० (चक्षुर्दर्शन) જુઓ "चक्खुदंसण" શબ્દ. देखो "चक्खुदंसण" शब्द Vide "चक्खुदंसण" ठा० ६, १; —आवरण न० (-आवरण) જુઓ "चक्खुदंसणावरण" શબ્દ देखो "चक्खुदंसणावरण" शब्द vide "चक्खुदंसणावरण" ठा० ९, १.

चक्खुभूय त्रि० (चक्षुर्भूत) આંખની પેઠે આધાર રૂપ आंख के समान आधार रूप. (Anything) as helpful as an eye. भग० १८, २; नाया० १, २; ७, गच्छा० २६;

चक्खुमंत पु० (चक्षुष्मत्) ચક્ષુષ્મા નામે આ અવસર્પિણીના બીજા કુલકર चक्षुष्मा नामक वर्तमान अवसर्पिणी के द्वितीय कुलकर Name of the 2nd Kulakara of the current Avasarpiṇī सम० प० २२६, (२) આઠમા કુલકરનું નામ अष्टम-आठवें कुलकर का नाम. name of 8th Kulakara जं० प० (३) त्रि० આંખવાળું चक्षुयुक्त. आंखों वाला possessed of an eye विशे० २१०; ११४६;

चक्खुस. त्रि० (चाक्षुष) નેત્રગ્રાહ્ય પદાર્થ नेत्रग्राह्य पदार्थ. (Anything) that is an object of sight दसा० ६, २८, पण्ह० १, ९.

चक्खुस. न० (चक्षुस्) ચક્ષુ, આંખ चक्षु, आंख An eye प्रव० ७७८,

चक्खुसुह पु० (चक्षुस्सुख) કુણ્ડ સમુદ્રના દેવતાનું નામ. कुण्ड समुद्र के देवता का नाम. Name of the deity of the ocean named Kuṇḍa. जीवा० ३, ४;

✓चच्च. धा० I (चर्च्) ચંદન વગેરે ચર્ચવું, પૂજવું. चंदन इत्यादि का लेप करना, पूजा करना. To smear with sandal-psate etc; to worship
चच्चइ सु० च० १५, १६६,

चच्चग. पुं० (चर्चाक) છાંટણાં छिड़काव Sprinkling. राय० १०१,

चच्चर न० (चत्वर) ચાચર; ચારથી વધારે રસ્તા ભેગા થતા હોય તે સ્થળ, ચકલો चौवट्टा, चार से अधिक रास्ते एकत्र होते हों वह स्थल, चौक A place where more than four roads meet वेय० १, १२, अणुजो० १३४, उत्त० १६, ४, ओव० २७, भग० ३,७, नाया० २, १६, जीवा० ३, ३, कप्प० ४, ८८, विवा० ३, ६, राय० २०१,

चच्चा स्त्री० (चर्चा) ચન્દન વિગેરેથી લેપન કરવું તે चन्दन इत्यादि से लेपन करना Act of smearing with sandal-paste etc जीवा०३,४, ज० प०५,१२१,

चच्चियअ त्रि० (चर्चित) ચદન વગેરેનું વિલેપન કરેલ, ચર્ચેલ चदन इत्यादि से विलेपन किया हुआ. Smeared with sandal paste etc नाया० १, सु० च० २, ६०३, दसा० १०, १,

चज्जा स्त्री० (चर्या) પરિભાષા; સંકેત परिभाषा, सांकेतिक भाषा Technical language, conventional terminology. विशे० २०४४;

चडग. पुं० (चटक) ચકલો एक जातिका पक्षी A sparrow. सूय० २, २, १०, (२) નોકર नौकर a servant भग० ७, ६, ६, ३३,

चडगर पुं० (*) સમુદાય; સમૂહ समुदाय, समूह. A group, an assemblage जं० प० नाया० १४, १६, राय० २१३; (२) નોકર; સેવક a servant; an attendant नाया० १; (३) મુખ્ય લડવૈયો. प्रधान सैनिक a principal warrior; a chief fighter नाया० १; राय०७०. (४) ચટકા દેનાર-ડાંશ વગેરે. डंक देने वाला, दश देने वाला anything which bites e.g. a mosquito etc विवा०१,—पहकर पुं०(-प्रकर) શૂર વીરોનો સમહ वीरों का समूह An assemblage of heroic men नाया० १६,

चडचड पु० (चडचड) ચડચડ એવો શબ્દ. तड तड शब्द A sound resembling that of the word चड चड. विवा० ६,

चडवेला स्त्री० (चपेटा) ચપેટામારવા પોરસ કરવો चपटा मारना, पोरस करना. Slapping. पराह १, ३.

चडिअ त्रि० (चटित) ચડેલું चढा हुआ, आरूढ. Mounted, raised, risen सु० च० ६, २६,

चडिउं स० कृ० अ० (* चटित्वा-आरुह्य) ચડીને, સ્વાર થઈને. चढकर, आरुढ होकर Having mounted, having risen. सु० च० ४, १६०,

चडुआरि त्रि० (चाटुकारिन्) સારૂ લાગે તેમ કરનાર अच्छा मालुम हो वैसा करनेवाला (One) who does what is agreeable to others, trying to please other पि० नि० ३०८;४१४,

चडुयारि त्रि० (चाटुकारिन्) મીઠા બોલો, માખણીઆ मधुर भाषण करनेवाला One who flatters पिं० नि० ४८६,

चडुल त्रि० (चटुल) અસ્થિર ચપલ ચિત્ત વાળું अस्थिर-चपल चित्त वाला. Unsteady in mind पराह० १, १;

चडुली. स्त्री० (चटुली) ઘાસના પુળાના

-ज्वालाग्नि. અગ્નિ. घास के पूळे के अग्र भाग की अग्नि. Fire or burning portion of the top most portion a bundle of hay. नंदी० १०.

चउग पुं० (चवक) ચણા, કઠોળ ધાન્યની એક જાત. चना; एक प्रकार का धान्य A kind of corn, gram. अणुजो० १४३, पचा० १०, ११;

चउ त्रि० (चतुर्) ચાર चार Four प्रव० १३११; —जोगजुत्त त्रि० (-योगयुक्त) ચાર યોગથી યુક્ત ચઉક સયોગી चतुर्योग से युक्त, चउक संयोगी. Possessed of four fold Yoga. प्रव० १३११;

चउत्था स्त्री० (चतुर्थी) ભિક્ષુની બાર પડિમામાંની ચોથી પ્રતિમા भिक्षुक की बारह पडिमामें से चौथी प्रतिमा The 4th of the 12 vows of an ascetic नाया० १,

चक्क न० (*) તરાક, સૂતર કાતવાની લોઢાની તરાક. तकुआ, सूत कातनेका लोहे का तकुआ. An iron instrument for spinning cotton पचा० ८, २२;

चत्त त्रि० (त्यक्त) ત્યાગ કરેલ; છોડી દીધેલ त्याग किया हुआ, छोड दिया हुआ Abandoned, given up प्रव० ५८२, उत्त० ६, १५, अणुजो० ?, १६, भग० ७, १; नाया० ७,

चत्ताल. त्रि० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ, ४० चालीस; ४०. Forty; 40 क०गं०६,६०,

चत्तालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ, ४०. चालीस, ४०. Forty, 40 भग० १, ५; २, ८, १०, ५, १६, ६, १०, ५. २४,१, २१; नाया० ५; ८; सम० ४०, सु० च० २, २४७; जं० प० ५, ११८; २, ३१;

चपल त्रि० (चपल) ચપળ. चपल, चालाक. Quick, unsteady नाया० २;

चप्पुडिया स्त्री० (चप्पुटिका) ચપ્પુટિકા, ચપટી. चप्पुटिका, चुटकी A pinch नाया० ३,

* **चमढण** न० (*) ખષ્ટ કરવું તે कष्ट पहुंचाना. Act of injuring or hurting. ओघ० नि० ७६;

चमढणा स्त्री० (*) ચાંપવું, દાબી દેવું; दबा देना. Pressing ओघ० नि० १८७, (२) ભુસી નાખવું मिटा देना act of effacing. (३) લાત, પાટું મારવી તે. लात मारना act of kicking. ओघ० नि० १५३, (४) પજવવું सताना act of troubling or vexing or teasing ओघ० नि० २३७,

चमर पुं० (चमर) દક્ષિણ દિશાના અસુરકુમારનો રાજા, ચમરેંદ્ર दक्षिण दिशा के असुर कुमार का राजा; चमरेंद्र Chamarendra the king of the Asura kumāras in the south नाया० ८, नाया० ध० ओव० ३२, ठा० २, ३, सम० १६, ३२, ३३; भग० २, ८, ३, १, २, ७, १, जावा० ३, ४, पन्न० २, प्रव० ११५२, (२) પાડા જેવો એક મૃગ કે જેના પૂછડાના વાલની ચમરી બને છે; ચમરી ગાય पाड़े के समान एक मृग कि जिसके पूंछ के बालों से चमर बनती है, चमरी गाय a kind of deer resembling a buffalo the hair of whose tail is used for making chowries. नाया० १, ८, ओव० पएह० १, १; ४,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

जीवा० ३, ३; पन्न० १, कप्प० ३, ४४; राय० ४३; ५८, जं० प० ५, ११५; ११६; (३) પાંચમા તીર્થંકરના ૧ લા ગણધરનું નામ. पांचवें तीर्थंकर के पहिले गणधर का नाम name of the first Ganadhara of the fifth Tirthankara प्रव० ३०५, —उप्पाअ पु० (-उत्पात) ચમરેન્દ્ર શક્રેન્દ્ર સાથે લડવાને ઉપર પહેલે દેવલોકે ગયો તે, દશ અચ્છેરામાનુ એક चमरेंद्र शक्रेंद्र के साथ लडने का प्रथम देवलोक में गया सो; दस आश्चर्यजनक घटनाओं में से एक one of the ten wonderful events viz the going up of Chamarendra to fight with Śakrendra in the 1st Devaloka ठा० ८६३, —सिंहासण न० (-सिंहासन) ચમરેન્દ્રનુ સિંહાસન चमरेंद्र का सिंहासन the throne of Chamarendra भग० १०, ४,

चमरचंचा स्त्री० (चमरचञ्चा) ચમરચચા નામે ચમરેન્દ્રની રાજધાની चमरचचा नामक चमरेंद्र का पाटनगर Name of the capital of Chamarendra भग० २, १, ८, ३, १, १०, ५, १३, ६, सम० ३३, नाया० ध० ज० प० ५, ११६,

चमस. पुं० (चमस) ચાટવો, કડછી लकडीका चमचा, कडछा An iron or wooden spoon; a ladle ओव० ३८; (२) ચમસ નામનો એક દેશ चमस नामक एक देश name of a country सू० प० १०,

चमू. स्त्री० (चमू) સેના; લશ્કર सैन्य, लश्कर An army. भग० ३, ३२, नाया० १; महा० प० ३५,

चम्म. न० (चर्मन्) ચામડું, ચામડી. त्वचा, चमडा; चमडी. Skin; leather भग० २, १; १०; ५, २, ८, ६; १२, ७; नाया० १; १८, सम० १४; ठा० ४, २; विं० नि० भा० ८०; वेय० ३, ३; कप्प० ४, ६१; प्रव० १६; २२२, १२२८; (२) ચામડાની આંગુઠી. चमडे की अंगूठी. a leather cover for the finger just like a thimble. राय० १०४; —कड. पुं० (-कट) ચામડાની સાદડી. चमडे की चटाई a mattress made of leather ठा० ४, ४, —किड्ड न० (-किट) ચામડાથી મઢેલ-ગાદી-તકીયા વિગેરે. चमडे से आच्छादित-गद्दी-तकिया इत्यादि a bed, pillow etc with a cover of leather भग० ११, ६; —कोसअ पुं० (-कोशक) ચામડાની કોથળી चमडे की थैली. a leathern bag आया० २, २, ३, ८८, ओघ० नि० ७२८, —कोसिया. स्त्री० (-कोशिका) ચમડાની કોથળી चमडे की थैली a leathern bag सूय० २, २, ४८; —खडिय-अ त्रि० (-खडिक) ચામડાનાજ સર્વ ઉપકરણને રાખનાર એક ભિક્ષુક વર્ગ चमडेके सर्व उपकरण का रखनवाला एक भिक्षुक वर्ग. a class of ascetics who make use of materials (e g alms-bowl etc) made of leather only अणुजो० २०, नाया० १५, —च्छेदण न० (-च्छेदन) ચામડું કાપવાનુ શસ્ત્ર चमडा काटने का शस्त्र an instrument for cutting leather (२) વાધર વિગેરેનો કકડો-પટ્ટી चमडे के पंट इत्यादि का टुकडा-पट्टी. a band of leather etc ओघ० नि० ७२८, —छेयणअ पु० (-छेदनक) ચામડા કાપવાનુ હથિયાર चमडा काटने का शस्त्र an instrument for cutting leather आया० २, २, ३, ८८;—उझाम न० (-ध्मात) ચામડાની અગ્નિથી ધમાયેલ

चमड़े की धमनसे धमा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather भग० ५, २; —पलिच्छेयण. न० (-परिच्छेदन) ચામડાનો કકડો. चमड़े का टुकड़ा a piece of leather. वव० ८, ४, —पाय. (-पात्र) ચામડાનું પાત્ર चमड़े का पात्र a vessel or receptacle made of leather भग० ३, ५, —पास पु० (-पाश) ચામડાનો પાસલો चमड़े का पाश a net or trap made of leather नि० १२, १. —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્નમાનું એક કે જે નદી-સમુદ્ર આદિ સ્થળે નાવાની(હોડી) ગરજ સારે. चक्रवर्ती के चौदह (चतुर्दश) रत्नोंमेंसे एक कि जो नदी-समुद्र आदि स्थलों में नाव का काम देवे one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a a boat to cross a river, sea etc ठा० ७, १, पन्न० २०, ज० प०

चम्मम्र पु० (चर्मक) ચામડાની તળી, પગને તળે બાંધવાની પટ્ટી चमड़े का तला, पैर के नीचे बांधने का पट्टी A sole made of leather ओघ० नि० ७२८,

चम्मग न० (चर्मक) પાદુકા સન્યાસીનું એક ઉપકરણ. पादुका, संन्यासी का एक उपकरण A kind of shoe put on by an ascetic सूय० २, २, ४८.

चम्मट्ठिल. पु० (चर्मास्थिल) પક્ષિ વિશેષ. ચામાચીડી पक्षि विशेष, चिमगाधर, चमगीदड़ A kind of bird पराह० १, १,

चम्मपक्खि पु० (चर्मपक्षिन्) ચામડાની પાંખ વાળા પક્ષી, બાપા વાગુલ વગેરે, ખેચર તિર્યંચ પંચેંદ્રિયનો એક ભેદ चमड़े की पांख वाले पक्षी; तिर्यंच पचेंद्रिय का एक भेद A variety of birds with leather wings; a variety of sub-human beings with five senses. उत्त० ३६, १८६, ठा० ४, ४; सूय० २, ३, २६, भग० १४, १, जीवा० १; पन्न० १,

चम्मरुक्ख पुं० (चर्मवृक्ष) ચર્મવૃક્ષ-વનસ્પતિ વિશેષ चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष. A kind of tree. भग० २२, १;

चम्मार पुं० (चर्मकार) ચમાર-પગરખાં બનાવનાર मोची-जूते बनानेवाला A shoe-maker विशे० २१८८,

चम्मिट्ठ पु० (चर्मेष्ट) મુદ્દર, કસરતનું એક સાધન मुगदल, व्यायाम का साधन A club for taking exercise with राय ३२,

चम्मेठ पु० (चमष्ट) પ્રહરણ વિશેષ शस्त्र का एक भेद A kind of weapon. पराह० १, ३,

चम्मेठग न० (चर्मेष्टक) લુહારનો લોઢું ટીપવાનો એક ઓજાર. लोहार का लोहा घड़ने का एक औजार A kind of tool used by a blacksmith for forging iron भग० १६, ३,

√**चय** धा० I,II (शक्) શક્તિમાન્ થવું शक्तिमान होना, समर्थ होना To be able

चएइ पिं० नि० १०२,

चयति सूय १, ३, २, १,

चकिया वि० भग०६, १०; ७ १०,१३, ८, १७, २ १८, ३, वेय० ४, २८. वव० ८, २.

चाएति विशे० ७६१.

चाएमि सु० च० १३, ८,

√**चय** धा० I (च्यु) સ્વર્ગથી પતન પામવું, ચવવું स्वर्ग से पतन होना To fall spiritually, to be degraded

from heaven.

चइत्ति. भग॰ २, ५; ७, ३, १०, ४; १३, २; १५, १; १६, ७, १०, १०; सू॰ प॰ १६,

चइऊण. उत्त॰ ६, १;

चइत्ता. भग॰ २, १, ६, ३३, १२, ८; १५, १; नाया॰ ८, १५, १६, दस॰ ४, २, ४८, दसा॰ ८, १,

चयंत. भग॰ ६, ३३, विशे॰ १२७७,

चयमाण कप्प॰ १, ३, २, ३,

√चय धा॰ I (चिन्) એકઠું કરવું एकत्र करना To gather, to collect

चयइ आया॰ १, २, ६, ६८. भत्त॰ ४६,

चयति पन्न॰ ६,

चय न॰ (च्यवन) દેવલોકમાંથી ચવવું તે देवलोक में से पतन होना Fall from, degradation from Devaloka ओव॰ ४०, नाया॰ १, ८, १६, भग॰ १५, १, उवा॰ १, ६०,

चय त्रि॰ (त्याग) તજવું, છોડવું त्याग Abandoning, leaveing; giving up नाया॰८, १२, भग॰११, ११, १२,८,

चय पु॰ (चय) શરીર A body. नाया॰ ८, १५, भग॰ ११, ११; १२, ८,

चयण न॰ (च्यवन) ચ્યવન-વૈમાનિક અને જ્યોતિષીનું મરણ. च्यवन-वैमानिक व ज्योतिषी की मृत्यु Death of a Vaimānika or of a Jyotisi god. ठा॰१,१; सू॰ प॰ १, पन्न॰ १७,

चयावचइग्र त्रि॰ (चयापचयिक) વધતુ ઘટતું, ન્યૂનાધિક થનાર न्यूनाधिक होने वाला. Increasing and decreasing, waxing and waning. आया॰ १, ५, २, १४७;

चयावेयव्व. त्रि॰ (च्यावयितव्य) ચ્યવનને યોગ્ય. च्यवन के योग्य. Worthy of, deserving Chyavana (spiritual fall, abandonment, death etc.) भग॰१३, १;

√चर. धा॰I. (चर्) સંયમ માર્ગમાં ચાલવું; संयम मार्ग में चलना, To follow the path of asceticism (२) ગતિ કરવી. गति करना to walk; to move.

चरइ दस॰ ६, ३, ४, सम॰ ६; भग॰ ८, ५; जं॰ प॰ ७, १३१; १३३;

चरंति ओव॰ २६, पिं॰ नि॰ २३७; जं॰प॰ ७, १२६;

चरे. वि॰ उत्त॰ २, ३, ४, ७, ६, ४६, १०, ३६; आया॰ १, २, ३, ८०, १, ६, २ १८३, सूय॰ १, २, १, ६; दस॰ ४, ८, ५, १, २; १३, ६, २४; २५, ३, ३, १४,

चरेज वि॰ इमा॰ ७, ६, ३१,

चरेज्जासि सूय॰ १, २, १, २२.

चरिस्सति. भ॰ जं॰ प॰ ७, १२६;

चरिंसु भू॰ जीवा॰३, ४, जं॰प॰ ७, १२६;

चरिय. स॰ कृ॰ वेय॰ १, ४,

चरिऊण स॰ कृ॰ पिं॰ नि॰ ५१८,

चरित्ता. सं॰ कृ॰ उत्त॰ २६, १,

चरत. व॰ कृ॰ दस॰ ५, १, १४, उत्त॰ २, ६, ४, ११, पराह॰ १, ३,

चरमाण व॰ कृ॰ भग॰ १, १, २, ५, ३, २, ६, ३३, १२, ६; १६, ५, १८, १० नाया॰ १, ३, ५, १६, वृम॰ ४,१, ८,१, ओव॰२०, दसा॰१०,१;

चर. पु॰ (चर) હાલતા ચાલતા ત્રસજીવ चलता फिरता त्रसजीव A sentient being having the power of movement उत्त॰ ३२, २७,

चरअ. त्रि॰ (चरक) ચાલનાર; ફરનાર. चलने वाला; फिरने वाला. Walking; (one) that moves; moving.

ओघ० १३; सं०प० (२) सेवनार; आचरनार. सेवन करने वाला; आचरण करने वाला one who resorts to; one who practises. उत्त० ३०, २४, (३) धाड पाडी-हल्लो करी भिक्षा मागनार वर्ग. हल्ला-शोर करके भिक्षा मांगने वाला वर्ग a class of beggars who get food by violent means नाया० १४,

चरग पु० (चरक) धाड पाडी-हल्लो करी भिक्षा लेनार वर्ग हल्ला-शोर करके भिक्षा लेने वाला वर्ग A class of beggars who get their food by violent means अणुजो० १६; नाया० १४, पन्न० २०, (२) दांश, मच्छर इत्यादि, डांस, मच्छर इत्यादि a flea, a mosquito etc सूय० १, ३, ३, १४, —परिव्वायग पु० (-परिव्राजक) तापस विशेष, त्रिदंडी तापस विशेष, त्रिदंडी one of a particular class of ascetics called Tridandi भग० १, २, ज० प०

चरण न० (चरण) संयम, चारित्र संयम, चारित्र Ascetic conduct, asceticism सम० २, उत्त० २४, ६, ठा० २, १, विशे० १, ओघ० नि० १, भग० २, १ नाया० १, ६, पिं० नि० ६०, १०५, सूय० २, १, ६०, भत्त० ६३, गच्छा० २०, प्रव० १६, क० गं० १, १३, (२) ब्रह्मभाट, चारण ब्रह्मभाट-चारण a bard, a minstrel विशे०१४७३, (३) चरण-पग चरण-पैर a foot, a leg नाया० १, ८, ६; १७, —आय. पु० (-आत्मन्) चारित्र रूपी आत्मा, चारित्रस्वरूप चारित्ररूपी आत्मा, चारित्रस्वरूप. soul as consisting of ascetic conduct, ascetic conduct regarded as soul पिं० नि० १०४; —आयार. पु० (-आचार) चारित्रनो आचार. चारित्र का आचार. practice of asceticism. प्रव० २७०; —कुसील त्रि० (-कुशील) चारित्रनी विराधना करनार चारित्र की विराधना करने वाला (one) who shows hatred towards ascetic conduct प्रव० ११०, —चुय त्रि० (-च्युत) चारित्रथी भ्रष्ट थयेल. चारित्र्य से भ्रष्ट जो है वह degraded from ascetic conduct, spiritually degraded नाया० ६, —जुअ त्रि० (-युत) चारित्रयुक्त चारित्र युक्त Possessed of ascetic conduct, ascetic in conduct प्रव० ५५०, —ट्ठिअ त्रि० (-स्थित) चारित्र्यमां रहेलुं-स्थिर थयेल चारित्र्य में रहा हुवा steady in ascetic conduct नाया० ६; —भेय पु० (-भेद) चारित्रनो भेद चारित्र का भेद difference, distinction in right-conduct प्रव० ५५६, —मोह. पु० (-मोह) चारित्र अंशने अटकावनार मोहनीय विभाग, चारित्र मोहनीय चारित्र अंश को रोकने वाला मोहनीय विभाग, चारित्र मोहनीय. anything that checks or hinders right conduct क० गं० १, ५७, —मोहणिय न० (-मोहनीय) मोहनीय कर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव चरण चारित्र न पामे. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव चारित्र चरण प्राप्त न कर सके a variety of Mohaniya Karma the maturing of which hinders right conduct उत्त०३३,८;

चरणवत त्रि० (चरणवत्) चारित्र वाळुं. चारित्र युक्त Possessed of right conduct पंचा० १४, ३१;

चरणविहि. पु० (चरणविधि) २६ उत्कालिक

क्षेत्रमांनुं २७मुं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २७वां सूत्र The 27th of the 29 Utkālika Sūtras नंदी० ४३;

चरम त्रि० (चरम) छेल्लुं; छेवटनुं अन्तिम Final, last नाया० १, १३, १६, भग० १, ६; १४, १, नदी० १६, पिं० नि० ५३, कप्प० २, १५, ५, १२३, विशे० २००; दसा० ७, १, सू० प० ७, पचा० १, २६, क० ग० २, १०, (२) पांचमा सुमतिनाथ तीर्थंकरना प्रथम गणधरनुं नाम पांचवें सुमतिनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम name of the first Gaṇadhara of Sumatinātha the fifth Tirthankara सम० प० २३३, (३) जेने फरीथी ते भवमां आववुं नथी ते, छेल्ला भववाळो जिसको पुन उस भव में नहि आना है वह, अन्तिम भव वाला one who is for the last time in a particular state of existence राय० ७६, —**अंत** न० (-अन्त) चरमान्त प्रदेश. चरमान्त प्रदेश. the ending region भग० १६, ८, —**खंड** पु० (-खण्ड) छेल्लो भाग टुकडो. अन्तिम खण्ड-टुकडा the last piece or portion of anything प्रव० ७१४, —**खंडग** पु० (-खण्डक) जुओ " चरम खण्ड " शब्द देखो "चरम खण्ड " शब्द vide " चरम खण्ड " क० प० २, ४१; —**ट्टिइ** स्त्री० (-स्थिति) छेल्ली स्थिति अन्तिम स्थिति last or final state of existence. क० प० १, ६१; —**तित्थयर** पु० (-तीर्थंकर) छेल्ला तीर्थंकर, महावीर स्वामी. अंतिम तीर्थंकर, महावीर स्वामी. lord Mahāvīra, the last Tīrthankara कप्प० १, ३, —**निदाहकाल**. पुं० (-निदाघकाल) उनाळानो आखर वखत. गरमी की मौसम का अन्तिम समय; ग्रीष्म ऋतु का अन्तिम समय. the fag end of summer. वव० ६, ४१, —**भवत्थ** त्रि० (-भवस्थ) छेल्ला भवमां रहेल; चरम शरीरी. अन्तिम भव में रहा हुआ. चरम शरीरी. (a body) that is for the last time in a particular state of existence भग० ३, २; —**वरिसारत्त** न०(-वर्षारात्र) चोमासानो आखर समय वर्षा ऋतु का अंतिम समय. the latter or ending part of the rainy season नाया० १; —**समय**. पु० (-समय) छेल्लो वखत अंतिम समय last time. क० ग० ६, ८४, भग० १२, ६,

चरिअ. न० (चरित) चेष्टा, चाल चलगत चेष्टा; चालचलन Conduct; behaviour ओव० २१, नाया० ६, (२) जन्म चरित्र-वृत्तांत biography, life राय० ६५, २०१,

चरिआ-या स्त्री० (चरिका) गढ अने शहेर वच्चेनो ८ हाथ प्रमाणे रस्तो. किल्ला व शहर के मध्य का आठ हाथ प्रमाण का मार्ग A road eight arms in breadth between a town and the ramparts that surround it भग० ५, ७, ८, ६, नाया० १६; ओव० अणुजो० १३४, सम० प०२१०; निसी० ८, ३, जीवा० ३, ३, पण्ह० १. १; (२) परिव्राजिका. परिव्राजिका a nun आघ० नि० ५३८.

चरित्त न० (चारित्र) चारित्र मोहनीयना क्षय के क्षयोपशमथी उत्पन्न थतो आत्मानो विरति परिणाम, संयम अनुष्ठान, सदाचार. चारित्र मोहनीय क क्षय वा क्षयोपशम से उत्पन्न होता हुआ विरति परिणाम, संयम

अनुष्ठान; सदाचार. Right conduct; ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma. ठा० १, १; ओव० १६; २०; अणुजो० १३१, १४७, भग० २, १, २५, ५; नाया० १; २, ५, १०, ओघ० नि० ६८८; विशे० ५०, १२३४, वेय० १, ४५, राय० २१५, पन्न० १, पिं० नि० ६५, गच्छा० १२३, पचा० ६, २७, —(त) अंतर. न० (-अन्तर—अन्यचारित्रं चारित्रान्तर) ચારિત્ર ચારિત્ર વચ્ચે અંતર-ભેદ જોઇ ઉપજતી આશંકા चारित्र चारित्र के अंदर अवान्तर देख उत्पन्न होती हुई आशंका. doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another. भग० १, ३, —आता पु० (-आत्मन्) ચારિત્રરૂપ આત્મા चारित्र रूप आत्मा soul as consisting of right (i e ascetic) conduct भग० १२, १०, —आयार पु० (-आचार) પાંચ સમિતિ અને ત્રણ ગુપ્તિ એ આઠ ચારિત્રના આચાર पांच समिति व तीन गुप्ति ये आठ चारित्र के आचार right-conduct consisting of the observance of the 5 Samitis and 3 Guptis. ठा० २, ३, ५, २, सम० प० १६८, —आराहणा स्त्री० (-आराधना) ચારિત્રની આરાધના-સમ્યક્ સેવન चारित्र की आराधना-सम्यक सेवन. proper observance of right-conduct भग० ८, १०; —इंद पुं० (-इंद्र) યથાખ્યાત ચારિત્રવાન यथाख्यात चारित्रवान् one strictly observing rules of right-conduct. ठा० ३, १. —कुसील. त्रि० (-कुशील) ચારિત્રને દૂષિત બનાવનાર चारित्र को दूषित बनाने वाला. (one) that sullies or violates the rules of right conduct. ठा० ५, ३, —धम्म पु० (-धर्म) ચારિત્રરૂપ ધર્મ चारित्ररूप धर्म religion as consisting of right-conduct. ठा० १०, —नास पु० (-नाश) ચારિત્રનો ભંગ. चारित्र का भंग violation of the rules of right-conduct. गच्छा० १३२, —पज्जव. पु० (-पर्यव) ચારિત્ર પર્યવ, ચારિત્ર સંબન્ધિ વિશુદ્ધિના અંશ વિભાગ चारित्र पर्यव, चारित्र के संबंध में विशुद्धि का अंश विभाग. subdivisions of expiation for faults in right-conduct. पिं० नि० भा० २८, भग० २५, ६, —पाण पु०(-प्राण) ચારિત્રરૂપી પ્રાણ चारित्रात्मक प्राण life or vitality as consisting of right-conduct भत्त० १२६, —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) ચારિત્રની શુદ્ધિ અર્થે અતિચારાદિનું પ્રાયશ્ચિત લેવું તે. चारित्र की शुद्धि के लिये अतिचारादि का प्रायश्चित लेना. act of expiating for faults in right-conduct ठा० ४, १. —पुरिस पु० (-पुरुष) ચારિત્ર વાળો પુરૂષ चारित्रवान पुरुष a man possessed of right-conduct ठा० ३, १, —पुलाग-य पु० (-पुलाक) ચારિત્રને નિઃસાર બનાવનાર પુલાક લબ્ધિવંત સાધુ. चारित्र को निःसार बनाने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु. an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right-conduct. ठा० ५, ३, भग० २५, ६, —बुद्ध. पुं०(-बुद्ध) ચારિત્રરૂપે બોધ પામેલ चारित्र रूपसे बोधप्राप्त. one awake to (i. e follow-

ing) the rules of right-conduct after knowing them ठा० ३, ३; —बोहि स्त्री० (-बोधि) ચારિત્રરૂપે ધર્મની પ્રાપ્તિ થવી તે. चारित्र रूप से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of religion in the form of right-conduct ठा० ३, १, —मोह पु० (-मोह) જુઓ "चरण-मोह" શબ્દ देखो "चरण-मोह" शब्द vide "चरण-मोह" भग० ८, ८, क० प० २, ३७; ५, २७; प्रव० ६६४; —मोहण न० (-मोहन) ચારિત્રને અટકાવનાર-રોકનાર મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ, સોલ કષાય અને નવ નોકષાય એ પચીસ પ્રકૃતિ. चारित्र को रोकने वाली मोहनीय कर्म की पचीस प्रकृति, १६ कषाय और ६ नोकषाय ये २५ प्रकृति the 16 Kasāyas and 9 Nokasāyas which hinder the attainment of right-conduct उत्त० ३३, १०, —मोहणिज्ज न० (-मोहनीय) જુઓ "चरित्त-मोहण" શબ્દ देखो "चरित्त-मोहण" शब्द. vide "चरित्त-मोहण" ठा० २, ४, अणुजो०१२७, भग०५,४, ८,८; १०, ७, —मोहणिय. न० (-मोहनीय) જુઓ "चरित्त-मोहण" શબ્દ. देखो "चरित्त-मोहण" शब्द vide "चरित्त-मोहण" क० गं० १, १७, —लद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) ચારિત્રની પ્રાપ્તિ चारित्र की प्राप्ति. attainment of right-conduct. भग० ८, २, —लोग. पुं० (-लोक) સામાયિકાદિ પાંચ ચારિત્ર રૂપ લોક. सामायिकादि पांच चारित्ररूप लोक the world or region of the five items of right-conduct viz. Sāmāyika etc ठा० ३, २, —विणय. पुं० (-विनय) ચારિત્રનું સમ્યક્ પ્રકારે પાલન કરવું તે. चारित्र का सम्यक् प्रकार से पालन करना. due observance of the rules of right-conduct. भग० २५, ७, —विराहणा. स्त्री० (-विराधना) ચારિત્રનું ખણ્ડન કરવું તે, વ્રતમાં ભંગ પાડવો તે. चारित्र का खंडन करना, व्रत का भंग करना violation of the rules of right-conduct सम० ३; आव० ४, ७, —संपरण त्रि० (-संपन्न) ચારિત્ર ગુણથી ભરપૂર चारित्र-गुण से भरपूर well accomplished in right-conduct भग० २, ५, २५, ७, —संपन्नया स्त्री० (-संपन्नता) સામાયિક આદિ ચારિત્ર વિશિષ્ટતા सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता state of being well accomplished in right conduct viz Sāmāyika etc उत्त०२६, २, भग० १७, ३,

चरित्ताचरित्त. न० (चारित्राचारित्र) એક દેશે ચારિત્ર અને એક દેશે અચારિત્ર-અવિરતિ; વિરતાવિરતિ, શ્રાવકપણું एक देश से चारित्र व एक देश से अचारित्र-अविरति; विरताविरति; श्रावकपना Partial observance (e g by a Jaina layman) of the rules of right-conduct भग० ८, २, —लद्धि स्त्री० (-लब्धि) દેશવિરતિ-શ્રાવકપણાની પ્રાપ્તિ देशविरति-श्रावकत्व की प्राप्ति Śrāvakahood, partial observance of the rules of right-conduct. भग० ८, २,

चरित्तावरणिज्ज न० (चारित्रावरणीय) ચારિત્રને ઢાંકનાર ચારિત્ર મોહનીય કર્મ चारित्र को ढांकने वाला चारित्र मोहनीय कर्म. Karma that hinders right conduct भग० ६, ३१; —कम्म. न०

(-कर्म) ચારિત્રને ઢાંકનાર કર્મ, જેનાથી ચારિત્રની પ્રાપ્તિ થતી નથી તે કર્મ चारित्र को ढांकने वाला कर्म. जिससे चारित्र की प्राप्ति नहीं होती वह कर्म Karma that hinders the attainment of right-conduct भग० ६, ३१;

चरित्ति त्रि० (चरित्रिन्) ચારિત્રવાળો, ચારિત્રી; સાધુ चारित्रवान; चारित्री, साधु An ascetic, (one) possessed of right-conduct अणुजो० १३१, पंचा० ११, ७, गच्छा० २१,

चरिम त्रि० (चरम) અંતિમ. છેલ્લું अंतिम. Last; final ओव० ३८, ठा० १, १, भग० १, ७, ३, १; ८, ५, ४, ८, २, १३, १; १४, ४, १८, १, १३, ५, २५, ६ १०, २६, १, ३३, १०; विशे० ४२४, पिं० नि० १३४, सु० च० १, १ क० गं० ४, २८; अत्त० ३४, प्रव० १४६, ४६०, ६१०; पंचा० ६, २६, (२) ચરમ શરીરી ભવ્યજીવ. चरम शरीरी भव्य जीव a soul that has its body for the last time i e one going to attain to salvation without being reborn पन्न० ३, १८; जीवा० १० (३) પન્નવણાસૂત્રના ત્રીજા પદના બાવીસમા દ્વારનું નામ पन्नवणा सूत्र के तृतीय पद के बावीसवें द्वार का नाम name of the 22nd Dwāra of the third Pada of Pannavaṇā Sutra पन्न० ३, —अंजलिकम्म. न० (-अञ्जलिकर्म) છેવટના પ્રણામ अंतिम प्रणाम farewell, final salutation भग० १५, १; —अंत त्रि० (-अन्त) પર્યન્ત ભાગ, છેડાનો ભાગ; પર્યવસાન. पर्यन्त भाग, अंत का भाग; पर्यवसान. end, final part. उत्त० ३६, ५६, भग० ६, ३, ३४, १; विशे० १७६; जीवा० ३, १; पन्न० २; —गेय न० (-गेय) છેલ્લું ગીત; ગાયન. अन्तिम गीत, गाना last or final song भग० १५, १; —चउ पुं० (-चतु) છેલા ચાર अन्तिम चार. last four क० गं० ४, २३, —दिवस. पुं० (-दिवस) છેલ્લો દિવસ. अन्तिम दिन final day. ज० प० ७, १६२, —नट्ट. न० (-नाट्य) છેવટનું નાટક अंतिम नाटक. last or final dramatic performance भग० १५, १, —पाण. न० (-पान) છેવટનું (મદિરા) પાન. अन्तिम (मदिरा) पान final or last drinking of intoxicating wine. भग० १५, १,—पुढवी स्त्री० (-पृथ्वी) છેલ્લી પૃથ્વી; સાતમી નરક. अन्तिम पृथ्वी, सातवां नर्क last earthly abode; the seventh hell. विशे० ६६२, —भवत्थ त्रि० (-भवस्थ) ભવના અવસાન ભાગમાં રહેલ, મૃત્યુની પાસે પહોંચેલ भव क अवसान भाग में रहा हुआ, मृत्यु के पास-निकट पहुचा हुआ (one) nearing death, one at death's door भग०३,२; —समयभवत्थ पु० (-समयभवस्थ) ભવને છેલ્લે સમયે રહેલ भव के अन्तिम समय पर रहा हुआ. one in the last moment of life; one very near to death भग० ७, १,

चरिमाइ. न० (चरमादि) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના દશમા પદનું નામ કે જેમાં રત્નપ્રભા વગેરેના ચરમ અચરમનું વર્ણન છે. प्रज्ञापना सूत्र के दशवे पद का नाम कि जिसमें रत्नप्रभा इत्यादि का चरम अचरम का वर्णन है. Name of the 10th Pada of Prajñāpanā Sūtra. पन्न० १;

चरिमुद्देसअ पु० (चरमोद्देशक) ચરમો-

देसक-भगवती सूत्रना એક ઉદ્દેશાનું નામ છે चरमोद्देशक नामक भगवती सूत्रका एक उद्देशा. Name of an Uddeśā of Bhagavatī Sūtra भग० ३२, ६,

चरिय. न० (चरित) આચરણ; વર્તન आचरण; बर्ताव. Conduct, behaviour. पंचा० २, ३१, प्रव० ६१४,

चरिय. पुं० (चरिक) વનસ્પતી વિશેષ वनस्पति विशेष A kind of Vegetation. भग० २३, १;

चरिय. न० (चरित) ચરિત્ર-આચાર चरित्र-आचार. Conduct, behaviour प्रव० ६१४,

चरिय निबद्ध. न० (चरितनिबद्ध) ૩૨ નાટકમાંનું ૩૨ મુ નાટક કે જેમા તીર્થંકરના છે કલ્યાણિકના ચરિત્રોનુ બ્યાન આપવામા આવે છે ३२ नाटकमें से ३२ वा नाटक कि जिसमें तीर्थंकर के छ कल्याणिक के चारित्रों का वर्णन किया जाता है The last of the 32 kinds of dramatic performances in which is given an account of the conduct of the six Kalyāṇikas of a Tirthankara. राय० ६५;

चरियव्व. त्रि० (चरितव्य) આચરવા લાયક आचरण करने योग्य. Worthy of being practised भग० ६, ३३,

चरिया. स्त्री० (चर्या) ચાલવુ; વિહાર કરવો ते चलना; विहार करना Moving out; peregrination. सूय १, १, ४, ११, १, ९, १०; प्रव० ६८२; (२) ईर्या समिति ईर्या समिति. carefulness in walking. भग० ७, १०; (३) ચાલવાનો પરિષહ. चलने का परिषह. endurance of the trouble caused in walking. भग० ८, ८; प्रव० ६६८, (४) ભિક્ષા; ગોચરી. भिक्षा; गोचरी. alms-begging. आव० ४१; —निवट्ट. त्रि० (-निवृत्त) ચાલવાથી નિર્વૃત્ત થયેલ चलने से जो निवृत्त हुआ है वह. (one) who has ceased walking. वव० ४, २२;—परिसह. पुं० (-परिषह) ચાલવાનો-વિહાર કરવાનો પરિષહ. चलने का विहार करने का परिषह trouble or affliction caused by walking or peregrination सम० २२; —पविट्ठ त्रि० (-प्रविष्ट) ચાલવામાં પ્રવૃત્ત થયેલ. चलने मे जो प्रवृत्त है वह (one) who has commenced walking or peregrination वव० ४, २०,

चरु पुं० (चरु) હાંડલી, પાત્ર, યજ્ઞમા દેવોને બલીદાન આપવાનુ પાત્ર मटकी, पात्र, यज्ञमें देवोंको बलिदान देनेका पात्र. An earthen pot or a vessel in which an oblation is offered to gods in a sacrifice ओव० ३८, भग० ११, ६,

चरेल्लग न० (चारक) રોમરાજી (રૂંવાડા) ની પાંખો વાળુ પક્ષી रुएंदार पंखवाला पक्षी A bird with downy feathers. पन्न० १;

√**चल** धा० I, II (चल) ચાલવું. चलना. To walk, to move.

चलइ नाया० १, भग० ३, ३, राय० २६६, जं० प० ५, ११५;

चलंति भग० १७, ३, नाया० ८, जं० प० ५, ११३,

चलेंति नाया० ८;

चलिस्संति भग० १७, ३;

चलिंसु. भग० १७, ३;

चलित्ता, दस० ५, १, ११;

चालेंड. ओव० ३१; नाया० ६;
चाल (ले) आए. भग० १, १; १०; ३, ३३;
आया० २, ७, १, १६८,
चालेइ. प्रे० नाया० ३; राय० २६६,
चालेति. प्रे० नाया० ८,
चालेंति. प्रे० सु० च० २, ५८७;
चालित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० ८; ६.
चालिय प्रे० सं० कृ० आया० २, १, ६, ३२;
चालिज्जइ. प्रे० क० वा० सु० च० ४, २८;

चल त्रि० (चल) ચાલતુ; અસ્થિર चलता हुआ; अस्थिर. Moving; unsteady भग० ५, ४, १३, ४; १४, १, नाया० ८, विशे० ५५०, ओघ० नि० ६; ५१६: सम० प० २३१, —**अचल** त्रि० (-अचल) ચલાચલ, અસ્થિર चलाचल; अस्थिर unsteady, moving, changing दस० ५, १, ६५, निसी० १३, ७. —**उवगरण** न० (-उपकरण) અસ્થિર ઉપકરણ अस्थिर उपकरण an unsteady implement (e.g an alms-bowl etc used by an ascetic). भग० ५, ४. —**चपल** त्रि० (-चपल) ચલ અને ચપળતાવાળું चल व चपलता युक्त. quick and changing. नाया० ८; —**चित्त** त्रि० (-चित्त) ચપલ ચિત્તવાળુ चपल चित्त वाला. fickle-minded; unstable in mind प्रव० २६०; —**जीव**. त्रि० (-जीव) જેની જીવા-પણુછ ચલ-અસ્થિર છે એવુ (ધનુષ્ય) जिसकी जीवा-दोरी चल-अस्थिर है ऐसा (धनुष्य) (a bow) with an unsteady or quickly moving string. जं० प० ३, ४५; —**सत्त** त्रि० (-सत्व) અસ્થિર સત્વવાળો. अस्थिर सत्व वाला unsteady in mind; unsteady in spirit. ठा० ४, ३; ५, ३;

चलण पुं० (चरण) ચરણ; પગ. चरण; पैर. A foot. भग० ४२, १; अणुजो० १२८; नाया० १; ५; सु० च० १, ५८०; ओव० १०; पिं० नि० १८१; जीवा० ३, ३; जं० प० कप्प० ३, ३६; ४, ६०; सम० १०६; (२) ભગવતીના પ્રથમ શતકના દશમા ઉદ્દેશાનું નામ भगवती के प्रथम शतक के दशवें उद्देशा का नाम the name of the 10th chapter of the first section of Bhagawatī Sūtra. भग० १, १, —**तल**. न० (-तल) પગનુ તળીયુ पैर का तला. the sole of a foot नाया० ७; —**मालिया** स्त्री० (-मालिका) પગનુ ઘરેણુ; (તોડા બેડી વગેરે) पैर का आभूषण. an ornament for foot जीवा० ३, ३,

चलण. न० (चलन) ચાલવુ. चलना. Act of walking or moving. तंदु० भग० १७, ३, उवा० २, १०१, —**धम्म**. पु० (-धर्म) ચાલવુ એજ છે ધર્મ જેનો તે. चलना यही जिसका धर्म है वह ' one whose duty or nature is to walk or move. दसा० १०, ८, ६;

चलणिआ. स्त्री० (चलनिका) સાધ્વીનું કટી વસ્ત્ર, જાંગીયો साध्वीका कटी वस्त्र, जांघिया A waist-cloth used by a nun ओघ० नि० ६७६., " जाणुपमाणा चलणी असीविया लंखिया एुजे " (२) ચાળણી. चलनी. a sieve प्रव० ५३७,

*****चलणी**. स्त्री०(चलनी-चलन चरणं तत्प्रमाणं कर्दमश्चलनी) પગની ઘુંટી સુધી તેટલો કાદવ. पैर गड जाय उतना कीचड. Mud just reaching the ankles; knee-deep mud. प्रव० ५४१, जीवा० ३, ३; भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

चलिय-अ त्रि० (चलित) ચલાયમાન

थयेल. जो चलयमान है वह Moving; moved, stirring, quick. कप्प० ३, ४३; सम० ६, भग० १, १०, ३, ३३; नाया० १; ८, १३; जं० प० ५, ११५, २, ३३; ५, ११२; ३, ५८; —करण त्रि० (-कर्ण) ચાલતા (હલતા) છે કાન જેના એવા. जिसके कान चलते (हिलते) हैं वह (one) whose ears are moving or shaking नाया० ८, —कम्म त्रि० (-कर्मन्) ચલાયમાન થયેલ કર્મ जो कर्म चलायमान है वह Karma which has become quick or which has commenced its motion भग० १, १, —रस त्रि० (-रस) જેના રસ ચલિત થયો હોય બગડી ગયો હોય તે. जिसका रस चलित हुआ हो बिगडा हुआ हो वह. (anything, e g a fruit etc) of which the juice has undergone decomposition प्रव० २४८,

चवचव. न० (*) અનુકરણ શબ્દ अनुकरण शब्द. An onomatopoetic word; a sound like that of the word (Chavachava). ओघ० नि० भा० २८६,

चवण. न० (च्यवन) દેવલોક વિગેરેથી ચવવું મરણ પામવું; દેવતા કે નારકીનું મરણ देवलोक आदिसे पतन होना--मृत्यु को प्राप्त होना, देवता वा नारकी की मृत्यु Death of a heavenly or hellish deity. सु० च० १, १२०; २, १५५, भग० ७, ५, आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३, २०७, राय० ६५, २६३; जीवा०१; कप्प०५, १२०, —काल. पुं० (-काल) દેવતાઓના ચ્યવન (મરણ) કાલ देवताओं का च्यवन--मृत्युकाल the hour of death of the gods. नाया० ८;

चवल. त्रि० (चपल) ચચલ, ચપલ, ઉતાવળું. चचल, चपल, स्फूर्तिवाला. Wavering; fickle, swift, impatient. जं० प० ३, ४३, ५, ११५; ७, १६६, उत्त० ६, ६०, ओव० १२, २१; सम० प० २३१, भग० ३, १, ११, ११, १५, १; नाया० १; ६; पिं० नि० २६२. जीवा० ३, १, पन्न० २; कप्प० ३, ४३

चवला स्त्री० (चपला) દેવતાની એક પ્રકારની ગતિ देवता की एक प्रकार की गति A kind of gait of the gods राय० २६, आया० २, १५ १७६,

चवलिय. त्रि० (चपलित) ભાજન વિશેષ भाजन विशेष A kind of pot or vessel जीवा० ३, ३;

चविया स्त्री० (चविका) તીખા રસવાળી એક વનસ્પતિ तीक्ष्ण रस वाली वनस्पति A kind of herb having sharp, pungent juice पन्न० १७,

चवेडा स्त्री० (चपटा) આંગળીવતી ચપટી વગાડવી તે उगली से चुटकी बजाना Snapping the fingers उत्त० १, ३८, १६, ६८, भग० ३, २: सु० च० १४, ४०; राय० १८३. जीवा० ३, ४, जं० प० ५, १४१,

चाअ पुं० (त्याग) તજવું, છોડવું. त्याग करना, छोड देना Abandonment, giving up. पन्ना० २, ७,

चाइ त्रि० (त्यागिन्) ત્યાગ કરનાર; ત્યાગી त्याग करने वाला, त्यागी. (One) who

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

gives up or abandons. भग० ३, ३; सूय० १, ३;

चाइत्त. न० (त्यागित्व) त्यागी पणुं. त्यागी पना Renunciation. सु० च० २, १४;

चाइय. त्रि० (शक्त) शक्तिवन्त; समर्थ. शक्तिवंत समर्थ. Powerful; capable. उत्त० ३१, १६,

चाउकाल पुं० (चतुष्काल) बे संध्या अने बे मध्यान्ह एम रात दिवसमां चार वखत. दो सन्ध्या व दो मध्यान्ह इस प्रकार रात दिन के चार समय. The four points of day and night viz. two twilights, mid-day and mid-night. निसी० १६, १९,

चाउक्कोण त्रि० (चतुष्कोण) चार खुणा वाळुं चार कोन वाला. Four-cornered. नाया० १३, राय० १३३;

चाउग्घंट. पुं० (चतुर्घण्ट-चतस्रोघण्टायस्य स) जेनी चारे बाजुए-चारे दिशामा विजय सूचक घंटडी बांधेली होय तेवो रथ. जिसकी चारों दिशाओं में विजय सूचक घंटा बंधा हुई हो ऐसा रथ. A chariot with triumphal bells tied on its four sides. भग० ७, ६, ९, ३३; नाया० १, ८, १६, १६, जं० प० राय० २१३,

—आसरह. पु० (-अश्वरथ) चार टोकरी वाळी घोडा गाडी चार घंटी वाला अश्वरथ a chariot drawn by horses having four bells. निर० १, १, नाया० ८,

चाउज्जातक. न० (चतुर्जातक) तज-एलची केसर-मरी-ए चार वस्तुनुं मिश्रण. दालचिनी, केशर, इलायची, कालीमिर्च-इन चार वस्तुओं का मिश्रण. A mixture of four ingredients viz. cinnamon, aromaticum, saffron, cardamom and pepper. जीवा० ३, ४;

चाउज्जाम. पुं० (चातुर्याम) चार महाव्रत-सर्व प्राणातिपात विरमण, सर्व मृषावाद विरमण, सर्व अदत्तादान विरमण सर्व परिग्रह विरमण ए चार महाव्रतमां श्रमणपणुं जेमा दर्शाव्युं छे ते धर्म, वच्चेना बावीश तीर्थंकरोनो धर्म, तेमा चोथुं मैथुन विरमणव्रत पांचमामां समावी देवाथी महाव्रतनी संख्या पांचने बदले चारनी छे. चार महाव्रत-सर्व प्राणातिपात विरमण, सर्व मृषावाद वीरमण, सर्व अदत्तादान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार महाव्रत मे श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह धर्म, मध्य के बाईस (२२) तीर्थंकरों का धर्म, उसमें चतुर्थ मैथुन विरमण व्रत पांचवे में समाविष्ट कर देने से महाव्रत की संख्या पांच के स्थान चार है. that religious teaching which demonstrates the asceticism in the four great vows viz. abstention from all killing, abstention from all false-hood, abstention from acceptance of things not given and abstention from stealing; the distinctive character of the middle 22 Tirthankaras; the fourth of the vows being included in the fifth, the number of the great vows is four instead of five. सूय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२; भग० १, ६, २, ५; ५, ६; ६, ३२; २०, ८; २५, ७; राय० २२१; नाया० १६;

—धम्म. पुं० (-धर्म) चार महाव्रतरूप धर्म. चार महाव्रतरूप धर्म. religious-

observance in the form of the four great vows. नाया० १६,

चाउद्दसिय त्रि० (चातुर्दशिक) ચૌદસને દિવસે જન્મેલ चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उवा० २, ६५;

चाउद्दसी. स्त्री० (चतुर्दशी) ચૌદશ चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) "चाउ द्दसी पन्नरसिं वजेजा अट्ठमींच नवमींच" विशे० जीवा० ३, ४, राय० २२५; भग० २, ५; ३, २; ३, ७, नाया० २, ६, विवा० १, —**चंद** पु० (-चन्द्र) ચતુર્દશીનો ચંદ્રમા चतुर्दशी का चंद्र the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month) नाया० १०,

चाउप्पाय. त्रि० (चतुरपाद) ચિકિત્સાના ચાર પાયા-વમન, વિરેચન મર્દન અને સ્વેદન चिकित्साके चार पाये-वमन, विरेचन मर्दन व स्वेदन. the four basic operations of medical treatment; vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) वैद्य, ઔષધી, દરદી અને સારવાર કરણાર માણુસ. वैद्य, औषधी, दरदी व सेवा शुश्रूषा करने वाला मनुष्य the physician, medicine, the patient and who nurses. (३) અંજન-બન્ધન-લેપન અને મર્દન. अञ्जन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त० २०, २३;

चाउभाइया. स्त्री० (चतुर्भागिका) ચોથો ભાગ. चतुर्थ भाग, चौथा भाग. The fourth part. राय० २७२;

चाउम्मास. न० (चातुर्मास्य) ચોમાસુ, ચાતુર્માસ. वर्षा ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season). प्रव० १८३; पंचा० १, १६,

चाउम्मासिय त्रि० (चातुर्मासिक) ચાતુર્માસિક, ચાર મહિનાનું. (પ્રતિક્રમણ વગેરે). चातुर्मासिक, चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season). नाया० ५, निसी० २०, १३, १६, ४१; वव० १, २, वय० १, ३६, २, १५, —**मज्जणय** न० (-मज्जनक) ચાતુર્માસમાં થતો મજ્જન મહોત્સવ चातुर्मास में होनेवाला मज्जन महोत्सव the great festival of ablution occuring in the four months (of the rainy season) नाया० ८;

चाउर त्रि० (चतुर) ચાર, ચારની સંખ્યા चार; चार की संख्या. Four; the number four ओव० —**अंग.** न० (-अङ्ग) ચાર અંગ. चार अंग the four limbs or divisions विवा० ३,

चाउरंगिज्ज न० (चतुराङ्गिक) ઉત્તરાધ્યયનના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ उत्तराध्ययन के तृतीय अध्ययन का नाम Name of the third Adhyayana of Uttarādhyayana अणुजो० १३१.

चाउरंगिणी स्त्री० (चतुरङ्गिणी) જુઓ "चउरंगिणी" શબ્દ देखो "चउरंगिणी" शब्द Vide "चउरंगिणी" ओव० २६; भग० १, ७, ७, ६, नाया० १, ५; ८, १४, १६, दसा० १०, १, जं० प०

चाउरअंत. त्रि० (चतुरन्त) નારકી-તિર્યંચ-મનુષ્ય અને દેવતા એ ચાર ગતિ છે અન્ત-અવયવ જેની તે, ચાર ગતિરૂપ ચાર અવયવ વાળો સંસાર. नारकी-तिर्यंच-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं अन्त-अवयव जिसकी वह,

चार अविभाग अंत अवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings उवा० ७, २१८; उत्त० १९, ४६; सूय० २, २, ८१, भग० १, १; ७, १, नाया० १, १; (२) ચાર દિશાના ચાર વિભાગ વાળુ. चार दिशाओं के चार विभाग युक्त consisting of four divisions of the four quarters. ठा० २, १, (३) ત્રણ તરફ સમુદ્ર અને ચોથો હિમાચલ એ ચાર જેના અન્ત-પર્યન્ત ભાગ છે એવો પૃથ્વી પ્રદેશ. तीनों तरफ समुद्र व चौथा हिमालय ये चार जिसके अन्त-पर्यंत भाग हैं ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himālayas सम० १. उत्त० ११, २२; —चक्कवट्टि. पुं० (चक्रवर्तिन्) ભરતની ચારે દિશા પર્યંત વિજય કરનાર ચક્રવર્તી भरत की चारों दिशा पर्यंत विजय करने वाला. चक्रवर्ती one who is victorious in the four quarters of Bharata, a sovereign whose dominion extends as far as the ocean. भग० १३, ३; कप्प० २, १३.

चाउरक्क. पुं० (चातुरक्य) ખાંડ ગોળ દુધ વિગેરેથી બનાવેલ ખાદ્ય વિશેષ शक्कर, गुड़, मिश्री, दूध इत्यादि से बनाया हुआ खाद्य विशेष A kind of dainty prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk जीवा० ३, ३;

चाउत्थय पुं० (चातुर्थक) ચોથિયો જ્વર-તાપ. प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर; चौथिया ज्वर. Fever recurring on every fourth day. भग० ३, ७;

* चाउल पुं० (*) ચોખા, ચાવલ; ભાત. चावल; भात. Cooked or boiled rice. आया० २, १, १, ३; पिं० नि० भा० १८; दस० ५, १, ७५, पण्ह० १०, २३ दसा० ५, २. ६, २; वव० ६, ४; —उदग. न० (-उदक) ચોખાના ધોવણનુ પાણી चावल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. "चाउल उदग बहु पसन्न" दस० ५, १, ७५; पिं० नि० १६४, निसी० १७, ३०, कप्प० ६, २५, —उदय न० (-उदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द vide above. आया० २, १, ७, ४१, —धोवण. न० (-धावन) ચોખાનુ ધોણ; જેમા ચોખા ધોયા હોય તે પાણી चावल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. ठा० ३, ३, —पिट्ठ पुं० (-पिष्ट) ચોખાનો લોટ-આટો. चांवल का आटा. the flour of rice. दस० ५, १, २२,

चाउवण्ण न० (चातुर्वर्ण्य) બ્રાહ્મણ, ક્ષત્રિય, વૈશ્ય અને શૂદ્ર-એ ચાર વર્ણ ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र-ये चार वर्ण. The 4 casts; viz. Brahman, Kṣatrīya, Vaiśya and Śūdra. भग० १५, १; (२) સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક અને શ્રાવિકા એ ચતુર્વિધ સંઘ. साधु, साध्वी, श्रावक व श्राविका ये चार

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz male and female ascetics and male and female disciples ठा० १०; भग० १६, ६; २०, ८, —आइण्ण त्रि० (-आकीर्ण—चत्वारो वर्णास्तैराकुल: कीर्णः) ચાર વર્ણ-સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક અને શ્રાવિકાથી વ્યાપ્ત (સંઘ) चार वर्ण-साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका से व्याप्त (संघ) (an assembly) consisting of four classes viz male and female ascetics and male and female disciples "समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवण्णा इत्ते संघे" ठा० १०; भग० १६, ६, २०, ८

चाउस्सालग न० (चतुःशालक) ચાર માળવાળું ભવન चार मंजिल वाला मकान. A four-storyed mansion जं० प० ५, ११४,

चाउस्सालय न० (चतुःशालक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above जं० प० ५, ११४;

चाग. पु० (त्याग) ત્યાગ; ત્યાગ त्याग Abandoning; renunciation पंचा० १०, १४, —रूव न० (-रूप) ત્યાગરૂપ त्याग रूप. marked by renunciation. पचा० ५, १३;

चाडुकर. त्रि० (चाटुकार) પ્રિય વચન બોલનાર. प्रिय वचन बोलनेवाला Speaking sweet words. ओव० ३१,

चाडुकारग. त्रि० (चाटुकारक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द Vide above. जं० प० ३, ६७,

चाडुयार. त्रि० (चाटुकार) મીઠું-મધુરું બોલનાર. मिष्ट-मधुर बोलने वाला. (One) who speaks sweet words. पण्ह० १, २;

चाणक पुं० (चाणक्य) પાટલીપુત્રના ચંદ્રગુપ્તરાજાનો મંત્રી કે જેના ઊપર ચંદ્રગુપ્તના પુત્ર બિન્દુસારનો અભાવો થવાથી તેણે મંત્રીપદ છોડયું, માબાપની અનુજ્ઞા લઇ સર્વ આરંભથી નિવૃત્ત થઇ સંથારો કર્યો. पाटलीपुत्र के चन्द्रगुप्त राजा का मंत्री कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र बिन्दुसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उसने मन्त्रीपद का त्याग किया मा बाप की अनुज्ञा लेकर सर्व आरंभ से निवृत्त होकर सथारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pātaliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusāra, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhārā "पाडलिपुत्तम्मि पुरे चाणक्को नाम विस्सुओ आसी सव्वारंभनियत्तो इंगिणीमरणं अह निवण्णो" संथा० ७३, पिं० नि० २००, भत्त० १६२,

चाणूर. पु० (चाणूर) એ નામનો એક મલ્લ જેને કંસની સભામાં વાસુદેવે માર્યો. इस नामका एक मल्ल जिसको कंस की सभा में वासुदेव ने मारा Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. पण्ह० १, ४,

चामर न० (चामर) જેનાથી પવન નખાય છે તે ચામર-ચામરી ગાયના વાળનું બનાવેલું હોય છે તે. जिमसे हवा की जाती है वह चमर-चमरी गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan जं०प० ४, ७४; ५, ११४; ओव० १०; ३१; उत्त० २२, ११; भग० १, १; ५, ६; ६, ३१,

समा० १; १; ३; १६; राय० ४७; प्रव० ४४१; कप्प० ४, ९२. ओघ० नि० भा० ८६; सू० प० १०, पन० ११, विवा० २; —उक्खेव. पुं० (-उत्क्षेप) ચામર ઢાળવું તે चंवर उड़ाना waving of Chawri. जं० प० ४ १२२, नाया० १६. —ग्गाह त्रि० (-ग्राह) ચામર ગ્રહણ કરનાર चंवर ग्रहण करने वाला (a person) who carries a chamara (chawri) जं० प० ३, ६७, निसी० ६, २४, —धार त्रि० (-धार) ચામર ધરનાર, હાથમાં ચમરી ગ્રહનાર चवर धारण करने वाला; हाथ में चवरी रखने वाला (one) who holds or carries a chamara in his hand. राय० १६६. —वालवीय-णीया स्त्री० (-वालव्यजनिका) ચામર અને વીંજણું-પંખો चवर व पंखा a chawri and a fan भग० ६, ३३

चामरा स्त्री० (चामर-स्त्रीत्वञ्च प्राकृतत्वात्) ચમરી ચામર चवरी-चवर A chawri जं० प०

चामीकर न० (चामीकर) સુવર્ણ; સોનું सुवर्ण; सोना Gold कप्प० ३, ३६, अनु० १, १.

चामीयर न० (चामीकर) સુવર્ણ, સોનું सुवर्ण, सोना Gold. नंदी० स्थ० १२, नाया० ५, सू० च० २, ६३८, जं० प० ३, ४१,

चाय पुं० (त्याग) ત્યાગ, અભાવ. त्याग, अभाव Forsaking, absence. विशे० १८८६; ४८०; सु० च० १, ३६१; प्रव०४४१;

चार. पुं० (चार) જાસુસ; છુપી પોલીસ गुप्त दूत, जासूस. A spy; a secret emissary. पिं० नि० ३७१; सूय०१, ३, १, १५; उवा० १, १०; (२) ચન્દ્રાદિકની ગતિ-ચાલ. चंद्रादिक की चाल motion of the moon etc. जं० प० ७, १२३, १२६, ओव० २५; नाया० २, १६; भग० २, ५; १६, ४, जीवा० ३, ४; (३) સૈન્યનું માન-માપ કરવાની કલા सैन्य का मान-अनुमान करने की कला the art of estimating the strength of an army ओव० ४०; नाया० १; (४) ભ્રમણ કરવું; ફરવું भ्रमण करना, फिरना. wandering, roaming सम० ६; —उववरणग त्रि० (-उपपन्नक) ગતિયુક્ત गतियुक्त possessed of motion. जं०प०७ १४०; — पुरिस. पु० (-पुरुष) છાની ખબર મેળવનાર; જાસુસ गुप्त बात मिलाने वाला, जासूस a spy a secret emissary, विवा० ३.

चारश्र न० (चारक) કેદખાનું; કારાગૃહ જેલ कारागृह कैदखाना A prison. ठा० ७, १;

चारए हे० कृ० अ० (चरितुम्) વિચરવાને જવાને विचरने को, जाने को For the purpose of wandering or going वव० ४ १; १६,

चारग न० (चारक) ભાકસી; ગુન્હેગારને પુરવાની અંધારી કોટડી, કારાગૃહ-જેલ अपराधों को शिक्षा के लिये अंधेरी कोठरी, कारागृह A dungeon for confining a criminal, a prison भग० ११, ११ नाया० १ २, सूय० २. २, ६३, ओव० ३८; पण्ह० १, १; जीवा० ३, ३; कप्प० ५, ६६; —पालश्र पुं० (-पालक) જેલર, कारागृह का प्रधान अधिकारी. a jailor, the keeper of a prison. विवा० ६: —बंधण न० (-बन्धन) જેલખાનાનું બન્ધન, જેલમાં પડવું તે कारागृह का बन्धन. imprisonment दसा० ६, ४, —भंड. पुं० (-भांड)

बेडना-(બેડીઓ વિગેરે) સાધન कारागृह के (बेडी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc. of a prison. विवा० ६; —वसहि स्त्री० (-वसति) જેલમાં નિવાસ કરવો તે कारागृहमें निवास करना confinement in a prison. पराह० १, ३,

चारगलगह न० (चारकलक्षण) એક જાતનું ફૂલવાળું વૃક્ષ एक जाति का फलवाला वृक्ष. A kind of fruit tree भग० २२, २, —साला स्त्री० (-शाला) કેદખાનું; જેલનું મકાન कारागृह a prison. नाया० २, १४, —सोहण न० (-शोधन) જેલમાંથી કેદિઓને છુટા કરવા તે. कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना releasing criminals from imprisonment नाया० १,

चारण पुं० (चारण —चरण गमन विद्यते येषाम्) ચારણ લબ્ધિ વાળા સાધુ તે બે પ્રકારના છે- જંઘાચારણ અને વિદ્યાચારણ, અઠમ અઠમના તપથી ઉપજેલ પહેલા પ્રકારની લબ્ધિવાળા સાધુ એકજ કુદકે તેરમે રૂચકવર દ્વીપે પહોચી શકે, વળતા મેરૂને શીખરે વિસામો લઇ બીજે ઉતપાતે મુલ જગ્યાએ પહોચે, છઠ્ઠ છઠ્ઠના તપથી ઉપજેલ બીજા પ્રકારની લબ્ધિવાળા બે ઉત્પાતે મેરૂશિખર અને આઠમે નન્દીશ્વરદ્વીપે પહોચે અને વળતાં એકજ ઉત્પાતે મુલ જગ્યાએ પહોચે चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं–जंघाचारण व विद्याचारण, अठ्ठम अठ्ठम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लब्धि एक ही झडपमें तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुंच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लेकर द्वितीय उपपात में मूल स्थान पर पहुचे छठ्ठ छठ्ठ के तपसे उत्पन्न द्वितीय प्रकारकी लब्धिवाला दो उत्पात से मेरु शिखर व अष्टम नन्दीश्वर द्वीप को पहुचे व लौटते समयएकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known as Chāraṇa Labdhi, which is of two sorts namely Jaṅghāchāraṇa and Vidyāchāraṇa. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvīpa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasts, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandiśwara Dvīpa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning प्रव० ६०४, ओव० १६, सम० १७, भग० २०;८, नाया० १,५, विश० ७८०, जीवा० ३,४; पन्न० १. —भावणा न० (-भावना) ચારણ ભાવના-ચારણલબ્ધિ ઉત્પન્ન થાય તેવી ભાવના. चारणभावना, चारण लब्धि उत्पन्न हो ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Chāraṇa Labdhi वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चारणगण पु० (चारणगण) એ નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of Mahāvīra Svāmī. ठा० ८;

चारभड. पुं० (चारभट) સુભટ. सुभट A clever warrior. (२) ચોર तस्कर; चोर a thief. पराह० १, १;

चारि. त्रि० (चारिन्) ચાલનારું, ચાલવાના સ્વભાવ વાળુ चलने वाला; चलने के स्वभाव वाला Moving; capable of movement ओघ० २६, ४०; नाया० ४, पिं० नि० १७५,

चारि. पुं० (चारि—पशुभक्ष्यविशेष) ચારો; ઘાસ पशु भक्ष्य विशेष; चारा; घांस Food of beasts, grass पिं० नि० २२५; २३८;

चारिय पु० (चारिक) જાસુસ जासूस, गुप्त दूत. A spy, a secret emissary आया० २, ४, १, १३४, (२) લડવૈયો; યોધો. योद्धा, सुभट a warrior, a fighter विशे० २३८५, (३) હેરુ, ચોર चोर, तस्कर. a thief पराह० १, २

चारिआ स्त्री० (चारिका) परिव्राजिका; साध्वी परिव्राजिका, साध्वी A female ascetic who has renounced the world ओघ० नि० ४६८.

चारित्त न० (चारित्र) કર્મનો નાશ કરનાર એક જીવ પરિણામ, નિશ્ચય દૃષ્ટિ એ આત્મ સ્વભાવ અને વ્યવહાર દૃષ્ટિ એ સયમાનુ ષ્ઠાન. कर्म का नाश करने वाला एक जीव परिणाम; निश्चय दृष्टि से आत्म स्वभाव व व्यवहार दृष्टिसे सयमानुष्ठान. The nature of Jiva (soul) which destroys Karma, the nature of self from the stand-point of will and the practice of self-control from the practical, worldly stand-point. उत्त० २८, ११; नंदी० स्थ० ४; प्रव० १८; भत्त० ७; आव० १, १; पंचा० ११, ३; —गुण पुं० (-गुण) ચારિત્ર-સંયમના ગુણ चारित्र-संयम के गुण. the characteristics of self-control. गच्छा० १०२. —जुत्त. त्रि० (-युक्त) ચારિત્રથી યુક્ત. चारित्र से युक्त. possessed of self-control. प्रव० ८४६; —परिणाम. पु० (-परिणाम) ચારિત્રના પરિણામ-અધ્યવસાય चारित्र के परिणाम-अध्यवसाय the thought-activity in relation to right-conduct or self-restraint. पंचा० १, ४०, —रक्खण न० (-रक्षण) ચારિત્રનુ રક્ષણ કરવુ તે चारित्र का रक्षण करना the guarding of self-restraint गच्छा० २१,

चारित्ति त्रि० (चारित्रिन्) ચારિત્ર વાળું चारित्र युक्त. Possessed of self-control पंचा० ३, ६. प्रव० ७६५;

चारी स्त्री० (चारी) ચારો, ખડ-ચાર चारा; घास Grass. ओघ० नि० २३८.

चारु त्रि० (चारु) સુન્દર. મનોહર. सुन्दर; मनोहर Beautiful; charming. ओव० १०, भग० ३, १, २. नाया० १; २; ३, ८, दस० ८, ५८, जीवा० ३, ३, कप्प० ३, ३२, सू० प० २०. (२) હથીયાર. शस्त्र. a weapon जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ४, राय० २०४; (३) ભરત ક્ષેત્રના ચાલુ ચોવીસીના ત્રીજા તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનુ નામ भरत क्षेत्र के वर्तमान चौवीसी के तृतीय तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the third Tīrthaṅkara of the present cycle of Bharata Deśa प्रव० ३०१; —णिगा. स्त्री० (-गणिका) હાથી વિશેષ, સુન્દર વેશ્યા

वासां विशेष, सुन्दर वेश्या (नायिका भाविका) a beautiful harlot or courtezan. जं० प० —घोस. पुं० (-घोष) સુન્દર શબ્દ, શ્રેષ્ઠ ગર્જના सुंदर शब्द श्रेष्ठ गर्जना sweet voice, a loud roar कप्प० ३, ३३, —भासि त्रि० (-भाषिन्) મીઠું મીઠું બોલનાર मीठा मीठा बोलने वाला speaking sweetly जं० प० ३,५२, —चित्त न० (-चित्र) સુંદર ચિત્ર सुंदर चित्र. a beautiful picture कप्प० २,१३, —रूव न० (-रूप) સુંદર રૂપ, શ્રેષ્ઠ આકૃતિ सुंदर रूप श्रेष्ठ आकृति. beautiful form जं० प० ३, ६०, कप्प० ३, ३८, —वेसा स्त्री० (- वेषा) મનોહર છે વેષ જેનો એવી (સ્ત્રી) ऐसी (स्त्री) जिसका पहिनाव मनोहर है a woman with beautiful dress. भग० १, १०, ६, ३३, ११, १०, विवा० २ —हार पुं० (-हार) સુંદર હાર सुंदर हार a beautiful garland 'सहकार चारुहारो" नाया० ६,

चारुपव्वय पुं० (चारुपर्वत) એ નામનો એક પહાડ इस नाम का एक पहाड Name of a mountain नाया० ८,

चारूह पुं० (चारूह) ત્રીજા સંભવનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ तृतीय सम्भवनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम. The name of the first Ganadhara of the third Tîrthankara Sambhavanâtha सम० प० २३३,

चारुवंस पुं० (चारुवंश) ચારુવંશ નામે વનસ્પતિ વિશેષ. चारुवंश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation भग० २१, ४;

चारेयव्व. त्रि० (चारयितव्य) કથનદ્વારા સમ્યગ્પ્રકારે સંચાર કરાવવો તે कथनद्वारा सम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of narration भग० ६, ३२,

चारोववन्नग. त्रि० (चारोपपन्नक) ચાર-ગતિ યુક્ત જ્યોતિશ્ચક્ર ક્ષેત્ર-તેમાં ઉત્પન્ન થયેલ જ્યોતિષી દેવતા चार-गति युक्त ज्योतिश्चक्र क्षेत्र-उसमें उत्पन्न होनेवाले ज्योतिषी देव A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisi gods live in four states ठा० २, १;

चालण न० (चालन) સમાધાન કરવાને શંકા કરવી તે, તર્કવિતર્ક. समाधान करने को शंका करना, तर्कवितर्क. Questions and doubts

चालअ पुं० (चालक) ચાલણી. चलनी A sieve वव० ६, ८४, विशे० १००७, (२) સ્થાનાન્તરે લઇ જવું તે स्थानातर को लेजाना removal पएह० २, ३

चालणी स्त्री० (चालनी) ધાન્ય ચાળવાની ચાળણી धान्य को साफ करनेकी चलनी A sieve विशे० १४५४, नंदी० स्थ० ४४, मन्था० ८५,

चालिय त्रि० (चालित) ચલાયમાન કરેલું ચાલેલ चलायमान किया हुआ, चला हुआ Moved राय० १२८

चाली स्त्री० (चाली) એક જાતનું વાદ્ય-વાજીંત્ર एक जाति का वाद्य-वार्जित्र-बाजा. A kind of musical instrument राय० ८६,

चाली. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ ४०. चालीस Forty, 40 उवा० १०, २७७;

चालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ. चालीस Forty सू० प० १,

चाव पुं० (चाप) ધનુષ धनुष्य. A bow. ओव० १०, जीवा० ३, ३, राय० १२८;

ग्रावा॰ २, १०१; जं॰ प॰ ३, ६७;

चाइक्ति. त्रि॰ (च्यावित) પ્રાણથી ભ્રષ્ટ કરવામાં આવેલ; મારી નાખેલ. प्राण से भ्रष्ट किया गया हुआ; मार डाला हुआ. Destroyed; killed. अणुजो॰ १६;

चावेयव्व. त्रि॰ (चर्वयितव्य) ચર્વણ કરવા યોગ્ય-ચાવવા લાયક. चर्वणा करने योग्य, चाबने के लायक Worthy of being chewed. उत्त॰ १६, ३८, नाया॰ १; भग॰ ६, ३३,

चावोण्णत. पुं॰ (चापोन्नत) ચાપોન્નત નામે અગીયારમા દેવલોકનુ એક વિમાન, એના દેવતાની સ્થિતિ એકવીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા એકવીશમે પખવાડીયે શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને એકવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलोक का एक विमान, इसके देवताकी स्थिति इक्कीस सागरोपम की है, यह देवता इक्कीसवें पक्ष में श्वासोच्छ्वास लेता है और उसे इक्कीस हजार वर्ष मे क्षुधा लगती है. An abode of god in the 11th region of gods The god of this abode lives for 21 Sāgaropamas, breathes once in 21 fort-nights and feels hungry after every 21 thousand years सम॰ २१,

चास. पु॰ (चाष) ચાષ, પપૈયો चाष पक्षी. A kind of bird उत्त॰ ३४, ५, ओव॰ नि॰ भा॰ ८४; पण्ह॰ १, १; जीवा॰ ३, ४, पन्न॰ १, राय॰ ५१,

चिअ. त्रि॰ (चित) ઇંટ પાણા વિગેરેથી ચણેલું. ईंट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ Piled with bricks etc. अणुजो॰ १३१;

चिअगा. स्त्री॰ (चिता) ચિતા; ચે. चिता. A funeral pyre जं॰ प॰

*__चिअत्त.__ न॰ (*) મનનો પ્રેમ मन का प्रेम. Inner love. जं॰ प॰ २, ३१; दस॰ ५, १, १७,

चिआअ. पुं॰ (त्याग) પરિગ્રહનો ત્યાગ. परिग्रह का त्याग. Giving up of worldly possessions. (२) સુપાત્રમાં આહારાદિક આપવા તે; દાન. सुपात्र में आहारादिक का दान देना वह right charity, charity or alms to the deserving persons. सम॰ १०;

चिइ स्त्री॰ (चिति) કાષ્ટની ચિતા, એહ. काष्ट का चिता. A funeral pyre. (२) ચૈત્ય; ચિતા ઉપર કરેલ સ્મારક ચિન્હ चैत्य, चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक चिन्ह. A sign or mark erected on the spot where a person is burnt after death पंचा॰ १, ४२;

चिइगा स्त्री॰ (चितिका) જુઓ "चिइ" શબ્દ. देखो "चिइ" शब्द. Vide 'चिइ' जं॰ प॰ २, ३३;

चिउर पु॰ (चिकुर) જેમાથી પીળો રંગ થાય તેવું એક દ્રવ્ય-પદાર્થ जिस में से पीला रंग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ. A kind of substance from which yellow colour is extracted. नाया॰१, जीवा॰३, ४; पन्न॰ १७; राय॰२३;

* __चिंचइअ__ त्रि॰ (*) મઢેલું, શણગારેલું. Adorned. सु॰ च॰ ४, ३०८;

चिंचा स्त्री॰ (चिञ्चा) આંબલી; આંબલીનું વૃક્ષ. इमली; इमली का वृक्ष. A tama-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

rind tree. नाया० २, १, ४३; (२) ઘાસનો બનાવટી પુરુષ; ઓડો. घांस का कृत्रिम पुरुष. an artificial man made of hay सु० च० ४, २८४, —छिया. स्त्री० (-छिका) આમલીની કાંબ एक प्रकार की इमली की (लकड़ी) चूड़ी a bangle made of tamarind wood. विवा० ६,

चिंचिणिआ स्त्री० (*) આમલીનું વૃક્ષ इमली का वृक्ष. A tamarind tree ओघ० नि० २६,

√चिंत. धा० I, II. (चिन्त्) ચિન્તવવું, આલોચવું, વિચારવું चिन्तवन् करना विचार करना. To meditate, to think over

चिंतइ नाया० ३;

चिंतेइ. दसा० ६, १४;

चिंतेसि पन्ह० ११;

चिंतिज्ज. वि० उत्त० ४६, ३६;

चिंतिऊण. सं० कृ० विशे० १६१, सु० च० १,'११,

चिंतिउ हे० कृ० सु० च० २, ३४४,

चिंतत व० कृ० ओघ० नि० ६४४, सु० च० १, २६४,

चिंतिज्जइ. क० वा० सु० च० २, ४४०,

चिंतिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० ६,

चिंतिज्जंत क० वा० व० कृ०पचा० १८,

चिंतग. त्रि० (चिन्त्) ચિંતવનાર चिंतवन करनेवाला. (One) who meditates or thinks over गच्छा० १२४,

चिंतण न० (चिन्तन) વિચારવું, ચિંતવન કરવું તે. विचारना, चिंतवन करना Contemplation. पंचा० १, ४५;

चिंतणा. न० (चिन्तन) ચિંતવન કરવું. चिंतवन करना Contemplation. अणुत्त० १, १,

चिंतन न० (चिन्तन) મનમાં વિચાર કરવો તે मनमें विचार करना. Contemplation आव० १, १;

चिंतय पुं० (चिन्तक) વિચાર કરનાર. विचार करनेवाला One who contemplates नाया० ५, ८,

चिंता स्त्री० (चिन्ता) ચિંતા, ફિકર; મનની વ્યગ્રતા चिंता; मनकी व्यग्रता. Distraction of mind, anxiety. ओव० २१, सूय० १, १, २, २४, अणुजो० १३८, भग० ३, ?, नाया० १, १२, १६; नंदी० ३१, पंचा० ७, २८, उवा०१०, २७५, राय० २५३; —आउर त्रि० (-आतुर) ચિંતામાં ગરક થયેલો चिंताग्रस्त anxious; distracted सु० च० ४, २००;

चिंतावर त्रि० (चिन्तापर-चिन्तन चिन्ता सैव परमा प्रधाना यस्य असौ चिन्तापरः) ફિકરમાં તત્પર, ચિન્તાવાળો चिन्ता युक्त. Anxious उत्त० १४, २२, —सुमिण न० (-स्वप्न) ચિન્તાથી સ્વપ્નું જોવું તે. चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना dream through anxiety भग० १६, ४' —सोगसागर पु० (-शोकसागर) ચિન્તા રૂપ શોકનો સમુદ્ર. चिन्ता रूप शोक का समुद्र the ocean in the form of anxieties निसी० ८, ११;

चिन्तामणि पु (चिन्तामणि) સર્વ ઈચ્છા પૂર્ણ કરનાર મણિ, ચિન્તામણિ રત્ન. सर्व इच्छाओं को पूर्ण करने वाला मणि; चिन्तामणि रत्न A wish-fulfilling gem.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

अंता० ३, ४४; अत० १६४;

चिंतिय-आ. त्रि० (चिन्तित) चिन्तवेलुं चिन्तन किया हुआ. Contemplated. अं० प० ३, ५३; ओव० ३३, भग० २, १, ३, २; ६, ३३, नाया० १, १२; १३, १४; १६; अत० ३, ८; कप्प० २, १६; ४, ८६; उवा० १, ६६, राय० २४,

चिंध. न० (चिन्ह) चिन्ह; लक्षण, निशानी. चिन्ह; लक्षण, निशान Symbol, insignia, mark ओव० २२, नाया० ८, १६, भग० ७, ६, सु० च० १, ३३, २, ६१२; विशे० २०६०, पंचा० १५, ४६; प्रव० १६४, पन्न० २, प्र० प० —**झया** स्त्री० (-ध्वजा) चिन्हवाळी ध्वजा चिन्ह युक्त ध्वजा a flag bearing a symbol नाया० १६; —**पट्ट.** पु० (-पट्ट) चांद, खास ओळखवानी निशानी वाळो पट्टो चांद, बिल्ला, खास पहिचान करने के चिन्ह वाला पट्टा. medal, sign, mark नाया० १, राय० २०४, पण्ह० १, ३; —**पुरिस** पु० (-पुरुष) दाढी-मूछवाळो पुरुष; पुरुषना चिन्हवाळो पुरुष दाढी-मूछ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला पुरुष a person having the marks of a man viz. beard, mustaches etc. ठा० ३, १;

चिक्कण त्रि० (चिक्कण) चिकाशवाळुं. चिकनाई वाला. Sticky भग० ६, १, १६, ४; दस० ६, ६६, तंदु० पण्ह० १, १. पि० नि० ६६;

***चिक्कखल्ल** न० (चिक्खल-कर्दम) कीचड, कादव कीचड. Mud. अणुजो० १३१; सूय० २, २, ६६; ओघ० नि० ७३६; पण्ह० १, १; ३; पन्न० २; दसा० ६, १,

***चिक्खिल्लग** पु० (*) पग खुंचे तेटला कादववाळो मार्ग. पैर गड जाय उतने कीचड वाला मार्ग. The path having some mud. भग० ८, ६; ओव० २१; सम० ११; ओघ० नि० भा० ३३; पण्ह० १, ३;

√**चिगिच्छ** धा० I. (कित) चिकित्सा करवी, रोगनी परीक्षा करवी चिकित्सा करना; रोग की परीक्षा करना To diagonise

चिगिच्छइ. उत्त० १६, ७६,

चिंचिक्का स्त्री० (चिंचिक्का) वाद्य विशेष. वाद्य विशेष A kind of musical instrument नाया० ८८,

√**चिट्ठ** धा० I, II. (स्था-तिष्ठ) उभा रहेवुं, स्थिति करवी खडा होना; स्थित होना. To stand, to stay

चिट्ठइ. भग० १, १;२, १;१०; नाया० १, ६; १४; १६, उत्त० १०, २; सूय० १, १, ४, ८, ओव० १६, ४२; सु० च० २, ४२५, जं० प० १, २३;

चिट्ठंति नाया० १, ४, ११, १५, १७, भग० ३,७, ५, ३; १८,३, पन्न० ९; सू०प०१८; जं०प० ५, ११३; ११२;

चिट्ठसि नाया० १,

चिट्ठामि भग० २, १;

चिट्ठामो. नाया० ८, १६, सूय० २, ७, १५;

चिट्ठे वि० उत्त० १, १६, दस० ४, ८; ओघ० नि० ६;

चिट्ठिज्जा वि०भग०११, १०, दस० ८, ११;

चिट्ठेज्ज वि० पन्न० ३६,

चिट्ठेज्जा. वि० भग० ३,५, १५, १, दस० ४;

चिट्ठ आ० दस० ७, ४७, ८, १३;

चिट्ठह. आ० विवा० १, नाया० ३, ८; ८;

* जुओ पृष्ट नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

१५; १६; राय० २५१;

चिट्ठेइ. आ० नाया० ८;

चिट्ठिस्सामि. वव० ४, १८; नाया० १६,

चिट्ठिस्सामो. नाया० ६; भग० १०, ३;

चिट्ठंतु. नाया० १६;

चिट्ठित्तए हे० कृ० भग० ५, ४, ७, १०; १३, ४,१७, २, वेय०१, १६; ३,१.

चिट्ठइत्तए. हे० कृ० नाया० १;

चिट्ठत व० कृ० भग० १, १; २, १.

चिट्ठेट्ठमाण व० कृ० भग० १, ३, ३, ३ उत्त० २, २१, दस० ४, २, ५, १, २७; पंचा० १, ५०;

चिठज्जाइ क० वा० आ० नाया० ३.

चिट्ठं अ० (भृशम्) घणुं, अत्यंत. बहुत; अत्यंत. Very; much नाया० १, ४, ?, १३२.

चिट्ठण. न० (स्थान) ઉભા રહેવું તે. उपस्थित होना The act of standing प्रव० १४६,

चिट्ठा. स्त्री० (चेष्टा) હાથ વગેરેની ચેષ્ટા કરવી તે. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना. Gestures by means of hands etc. भग०७,६, पिं०नि०२२२, विशे०१७९

चिट्ठिअ-य न० (चेष्टित) ચેષ્ટા; સવિકાર અંગ પ્રત્યંગ મરડવાં-કરવા તે चेष्टा; सविकार अंग प्रत्यंग मरोड़ना इत्यादि Gestures of the body भग०६,३३, जीवा०३, ३, नाया० १, जं० प०

चिट्ठित. न० (चेष्टित) જુઓ "चिट्ठिअ" શબ્દ. देखो "चिट्ठिअ" शब्द Vide "चिट्ठिअ" सू० प० २०,

चिट्ठितव्व. न० (स्थातव्य) ઉભા રહેવું જોઈએ. खड़े रहना चाहिये. Ought to stand भग० १८, २; नाया० ५;

चिट्ठिय. त्रि० (स्थित) સ્થિર રહેલ स्थिर रहा हुआ. Steady; firm. विशे० १०६८.

चिट्ठित्तार. त्रि० (स्थातृ) ઉભો રહેનાર. खड़ा रहने वाला (One) who stands. सम० ३३; दसा० २, ३; ४, ५; ६; ७; ८; ९, ३, ३२, ३३,

चिडक पुं० (चटक) ચકલો एक जाति का पक्षी A kind of bird पण्ह० १, १;

चिडगा स्त्री० (चटका) ચકલી; ચીડી. चिड़िया. A sparrow पन्न० १;

√चिण धा० I. (चिन्) એકઠું કરવું; સંગ્રહ કરવો एकत्र करना; संग्रह करना. To collect

चिणाति-इ पिं० नि० ६६,

चिणइ उत्त० ३२, ३३, भग० १, ७;

चिणति भग० २, ५, पन्न० १४, ठा० २, ४; ४, १,

चिणिस्संति ठा०४, १,

चिणसु, सु० च० ८, २२८,

चिणिंसु पन्न० १४ ठा० ४, १,

चिजन्ति भग० ६, ३, १६, ३, २५, ८,

चिणण त्रि० (चीर्ण) ગ્રહણ કરેલું; એકઠું કરેલ ग्रहण किया हुआ, एकत्रित किया हुआ. Accepted, collected भग० १६, ३, पचा० १६, ४६,

चिणण त्रि० (चैन्य) ચીનદેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह Born or produced in China country निसी० ७, ११;

चिण्ह न० (चिन्ह) નિશાન, ચિન્હ. निशान, चिन्ह Mark, sign, symptom. नाया० १. —पट्ट त्रि० (-पट्ट) ચાંદ, ખાસ નિશાની યુક્ત પટ્ટો વાળો. चांद; विशेष निशानी युक्त, पट्टे वाला. a badge bearing a special mark. नाया० १;

चिति. स्त्री० (चिति) ચિતા; ચેહ. चिता. Funeral pyre पण्ह० १, १;

चिति. स्त्री० (चैत्य) ચિતા ઉપરનું સ્મારક.

चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre पंचा० २, १६; ८, ३२;

चितिय. न० (चैत्य) જુઓ "चिति" શબ્દ देखो "चिति" शब्द Vide "चिति" राय० २१४; —मह. पुं० (-मह) ચૈત્ય-મહોત્સવ. चैत्य महोत्सव a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre राय० २१६,

√चित्त. धा० I (चित्र्) ચિત્ર કરવા; ચિતરવુ. चित्र खींचना To picture, to portray.

चित्तेइ नाया० ८,

चित्तेह आ० नाया० ८,

चित्तेत्ता सं० कृ० नाया० ८,

चित्त न० (चित्त) ચિત્ત, અંતઃકરણ; મન चित्त, मन, अन्तःकरण Mind; heart अणुजो० ३२, सूय० १, १, २, २९, सम० १० उत्त० ८, १८, ओव० ११. भग० २,१, ३. १, नंदी० स्थ० १३, राय० २१; पण्ह० २, दसा० ४, २६, २७; नाया० १, नाया० ध० विशे० १८३, पंचा० १, १७, भत्त० १५४, (२) पुं० ચિત્ત નામના મુનિ કે જેણે બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીની સાથે ભાઈ રૂપે કેટલા એક સાથે ભવ કર્યા હતા પૂર્વભવની પ્રીતિથી ચિત્તમુનિ થયા પછી બ્રહ્મદત્તને સમજાવવા ઘણી કોશીશ કરી પણ વિષયલુબ્ધ બ્રહ્મદત્તને બોધ ન લાગ્યો. चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चकवर्ति के साथ साथ भ्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि हानेके पश्चात् पूर्वभवोंकी प्रीति के कारण ब्रह्मदत्त को समझानेकी बहुत कोशिश की परंतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध को प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless. उत्त० १३,२; ४. (३) પરદેશી રાજાનો સારથી કે જે રાજાના મ્હોટા ભાઈ થતા હતા અને જેણે પરદેશી રાજાને કેશીસ્વામી દ્વારા ધર્મ પમાડયો તેનું નામ. प्रदेशी राजा के सारथी जो कि रिश्ते में राजा के बडे भाई थे और जिसने प्रदेशी राजा को केशी स्वामी द्वारा धर्म दिखाया-धारण कराया the charioteer of king Pradeśī and also his elder brother He initiated king Pradeśī into religion through Keśiswāmi. भग० १८, २; १०; राय० २०९, निर० १, १, (४) જીવ; ચેતન जीव; चेतन life, soul, vitality. पन्न० २८, (५) જ્ઞાન. ज्ञान. knowledge दसा० ४, ४१; —अणुय. त्रि० (-अनुग) બીજાના-આચાર્યના ચિત્તને અનુસરી વર્તનાર, સ્વચ્છન્દચારી નહિ તે. आचार्य के चित्त को अनुसरता हुआ जो आचरण करता है वह; स्वच्छन्दाचारी नहीं है वह (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor उत्त० १, १३, —चमक्क. न० (-चमत्कृति) ચિત્તનો ચમત્કાર, મનમા આશ્ચર્ય ઉપજે તે चित्त का चमत्कार, चित्त मे आश्चर्य उत्पन्न होना extra-ordinary things of mind. गच्छा० ७४, —णास पु० (-न्यास) મનનો ન્યાસ; ધ્યાન આપવુ; વિચારવું તે. चित्त का न्यास; ध्यान देना; विचार करना. meditation; contemplation. पंचा० १, ४६; —धेज्ज. न० (-स्थैर्य) મનની

स्थिरता. चित्त की स्थिरता. calmness or peace of mind. पंचा॰ २, ७, —वड्ढण त्रि॰ (-वर्धन) चित्त-ज्ञानने वधारनार. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा॰ ६, ३१; —विएणास पुं॰ (-विन्यास) मनने विन्यास-स्थिर चित्ते चिन्तववुं ते. चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तवन करना meditation with calmness of mind. पचा॰ १, ४७, —विब्भम. पुं॰ (-विभ्रम) चित्तविभ्रम, घेलछा. चित्तविभ्रम, पागलपन. derangement of mind, insanity; mad ness. ओघ॰ नि॰ ६८८, —सभूय पुं॰ (-संभूत) चित्त अने सभूत-नामना बे मुनि चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि two sages named Chitta and Sambhūta उत्त॰ १३,३; —समाहिअ त्रि॰ (-समाहित) चित्त (ज्ञान) मां सावधान चित्त (ज्ञान) में सावधान attentive or awake to knowledge दस॰ १०, १, १, —समाहित्थाण न॰ (-समाधिस्थान) चित्तनी समाधिनुं स्थान चित्त की समाधि का स्थान a place for abstract contemplation or devout meditation दसा॰ ५, १, २, ३; १६,

चित्त न॰ (चित्र) चितरामणु, छबी, फोटा, चित्र. चित्रकाम, चित्र, तस्वीर Picture, portrait नाया॰ १, भग॰ १४, ६, अणुजो॰ १०, पन्न॰ २, राय॰ ४३, ओव॰ सू॰ प॰ २०, विशे॰ ७६०, विवा॰ ६, निसी॰ ५, ३१; तंदु॰ (२) त्रि॰ विचित्र, नाना प्रकारनुं. विचित्र, विविध प्रकार का. varied; wonderful, several, distinct. कप्प॰ ३, ४२; गच्छा॰ ११२; पंचा॰ ५, २; भग॰ ११, ६; उत्त॰ ६, १३; ३०, १०; राय॰ ८१; विशे॰ १८७; (३) पुं॰ चित्तरो. एक जंगली मांसाहारी पशु. चीता, एक जंगली मांसाहारी पशु. leopard, a carnivorous or flesh-eating beast आया॰ २, १, ५, २७; नाया॰ ८; (४) आश्चर्यकारी; नवाइ जेवुं. आश्चर्यकारक wonderful, uncommon पन्न॰ २. कप्प॰ ३, ३७; पचा॰ ५, २, (५) चित्र नामनो एक पर्वत. चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra भग॰ १४, ८, (६) वेणुदेव अने वेणुदालि इंद्रना लोकपालनुं नाम वेणुदेव व वेणुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the god of Venudeva and Venudāli Indra ठा॰४, १; (७) भूतानेन्द्रना प्रथम लोकपालनु नाम. भूतानेंद्र के प्रथम लोकपाल का नाम name of the first Lokapāla of Bhūtānendra भग॰ ३, ८;१०,५; —कम्म न॰ (-कर्मन्) चित्रनु (चीतरवानु) काम. चित्र-काम a pictorial work आया॰ २, १२, १७१; भग॰ ११, ११; नाया॰ १, १३, पिं॰ नि॰ भा॰ ७, पिं॰ नि॰ ४४६, निसी॰ १२, २०, कप्प॰ ३, ३२; —कार पुं॰ (-कार) चित्र करनार; चितारो. चित्रकार painter, draftsman. अणुजो॰ १३१, —घरग न॰ (-गृह-क) चितरेलुं घर, रंगीन घर चित्रकाम से सुसज्जित गृह, रंगीत गृह a house beautified or adorned with painting or pictures उत्त॰ ३५, ४, राय॰ ११६; —ताण पुं॰ (-तान) चित्र विचित्र ताणो-वस्त्रनो लांबो तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्त्र का लंबा तंतु. a variagated or parti-coloured thread; a long

thread of a cloth. भग० ११, ११.
—दंड. पुं० (—दण्ड) ચિત્રેલી લાકડી. रंगी हुई लकड़ी. a painted stick भग० ६; ११; —पत्तग. पुं० (—पत्रक) ચિત્રપત્રક; ચિત્રવિચિત્ર પાંખવાળો ચોઇંદ્રિય જીવ વિશેષ चित्रपत्रक, विचित्र पांखवाला चतुरिन्द्रिय जीव विशेष a kind of four-sensed living-being with parti-coloured wings. उत्त० ३६, १४७.
—पयजुय त्रि० (—पदयुक्त) વિચિત્ર પદવાળું પદયુક્ત; विचित्र पदवाला (one) possessed of wonderful feet. पंचा० १४, ३६; —प्पहार पुं० (-प्रहार) ચાબખા વગેરેનો વિચિત્ર પ્રહાર-માર चाबुक इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार a wonderful stroke or blow of a lash etc नाया० १७, —फलग. न० (—फलक) ચિત્રનું પાટીયું चित्र का तखता a painting-board or sheet "चित्तफलग हत्थगए" भग० १५, १. नाया० ८,
—भित्ति स्त्री० (-भित्ति) ચિતરેલ ભીંત चित्र से सजित भींत a pictured wall. दस० ८, ५५; —माणंदिय. त्रि० (-आनन्दित) જેનું ચિત્ત આનન્દવાળું છે તે, પ્રસન્ન મનવાળું. जिसका चित्त आनंदयुक्त हो ऐसा; प्रसन्न चित्त. (one) possessed of jolly or gay mind नाया० १, जं० प० ३, ४३; —माला स्त्री० (—माला) વિચિત્ર માળા विचित्र माला a variegated garland. "सोहत विकसंतचित्त माला" दसा० १०, १; —रयण. न० (—रत्न) ચિત્રરત્ન-વિવિધ જાતના રત્નો चित्ररत्न-विविध जाति के रत्न. various kinds of jewels. भग० ६, ३३, —रयहरण न० (—रजोहरण) ચિત્ર વિચિત્ર રજોહરણ. चित्र विचित्र रजोहरण. a wonderful broom-stick. गच्छा० १२१, —रूव. न० (—रूप) વિચિત્ર રૂપ. विचित्र रूप. a wonderful appearance or form गच्छा० ११६; —विचित्तपक्खग. पु० (—विचित्रपक्षक) ચિત્ર વિચિત્ર પાંખવાળો; કોયલો. चित्र विचित्र पंखवाला (one) possessed of parti-coloured wings भग० १६, ६;
—वीणा स्त्री० (—वीणा) વિચિત્ર વીણા-સતાર विचित्र वीना (वीणा) सितार. a wonderful guitar with six strings. राय० ८८ —सभा. स्त्री० (—सभा) ચિત્રવાળી-આશ્ચર્યકારી સભા. चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extraordinary meeting. पि० नि० ८०; नाया० ८, १३, —साला स्त्री० (—शाला) ચિત્રામણ શિખવાની શાલા, ચિત્રશાલા. चित्रकाम सीखने की शाला; चित्रशाला. a school of arts or painting जीवा० ३, ३;

चित्त पु० न० (चैत्र) ચૈત્ર મહિનો चैत्र मास. Name of a Hindoo month called Chaitra. उत्त०२६, १३; नाया० ५, भग० ११, ११; ओघ० नि० २८३; जं० प० २, ३३, ५ ११५; ५, १२०; कप्प० ४, ८६, ७, २०८,

चित्तउत्त. पुं० (चित्रगुप्त) ચિત્રગુપ્ત જમ્બૂ દ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૧૬મા તીર્થંકર. चित्रगुप्त-जम्बूद्वीप के भरत खंड में होने वाले १६ वें तीर्थंकर. The 16th would-be Tirthankara in Bharata Khanda of Jambu Dvipa. सम० प० २४१;

चित्तंग पुं० (चित्रांग) રંગ બેરંગી ફૂલ આપનાર-કલ્પ વૃક્ષ. विविध रंग के फूल देनेवाला-कल्पवृक्ष. (One) yielding

flowers of various colours; a **desire-yielding** tree सम॰ १०, ठा॰ ७, १; जीवा॰ ३, ३; प्रव॰१०८१; (२) ચિતરાની એક જાત; હિંસક પશુની એક જાત. एक जाति का चीता, हिंसक पशु की एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast पण्ह॰ १;

चित्तकट्टर न॰ (*) સુડલાનુ નીચનુ તળીયુ (ચિત્ત-સુડલો-કટ્ટર-કડકો). टोकरी के नीचे का तला, चित्त-टोकरी-कट्टर-टुकडा Lower part of a basket अणुत्त॰ ३, १,

चित्तकणगा स्त्री॰ (चित्रकनका) વિદિશાના રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી ચાર દિશાકુમારી કામાની બીજી. विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी The second of the four Diśākumāris living on the mountain called Ruchaka of Vidiśā. ज॰ प॰ ५, ११४, (२) ભગવન્તના જન્મ સમયે દીવી લઇને ઉભી રહેની એક વિદ્યુત્કુમારી भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खडी रहने वाली एक विद्युत्कुमारी. a Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tirthankara's birth. ठा॰ ४, १;

चित्तकूड पुं॰ (चित्रकूट) કચ્છ વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરનો વખારા પર્વત कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत A Vakharā mountain on the eastern boundary of Kachha Vijaya. जं॰ प॰ ६, १२५; (२) દેવકુરુ ક્ષેત્રમા નિષધ પર્વતથી ૮૩૪ જોજનને સાતીયા ચાર ભાગ ઉત્તરે સીતા નદી ને પૂર્વ કાઠે આવેલ એક પર્વત. देवकुरु क्षेत्र में निषध पर्वत से ८३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sitā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Niṣadha mountain in Devakuru Kṣetra ज॰ प॰ (३) જમ્બૂ દ્વીપના મેરૂથી પૂર્વ દિશામા પહેલી સીતા મહાનદીના ઉત્તર કાંઠા ઉપરનો એક વખારા પર્વત जम्बू द्वीप के मेरु से पूर्व दिशा म पहिली सीता महानदी के उत्तर किनार ऊपर का एक वखारा पर्वत a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river Sitā in the east of Meru mountain of Jambu Dvipa. ठा॰ ४, २,

चित्तग पु॰ (चित्रक) ચિત્તરો; પશુ વિશેષ चीता, पशु विशेष A leopard, a kind of brute. ज॰ प॰

चित्तगर पु॰ (चित्रकर) ચિતારો ચિત્રકરનાર चित्रकार A painter नाया॰ ८; —**दारय** पु॰ (-दारक) ચિતારાને પુત્ર. चित्रकार का पुत्र a painter's son नाया॰ ८; —**लद्धि** स्त्री॰ (-लब्धि) ચિત્ર આલેખવાની શક્તિ. चित्र का आलेखन करने की शक्ति power or capacity

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखें पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

of drawing picture. नाया० ८; —सेणि. स्त्री० (-श्रेणी) चितारांसोनी पंक्ति. चित्रकारों की पंक्ति. a line of painters. नाया० ८; —चित्तगुत्त. पुं० (-चित्रगुप्त) चित्रगुप्त नामे भरत क्षेत्रमां आवती चोवीसीमां थनार १६मा तीर्थंकर. चित्रगुप्त नामक भरत क्षेत्र में आगामी चौवीसी में होने वाले १६ वें तीर्थंकर. Chitragupta, the 16th of the 24 would-be Tirthankaras of Bharat Kshetra प्रव० ४६६, ४७१.

चित्तगुत्ता. स्त्री० (चित्रगुप्ता) चमरेन्द्रना लोकपालनी त्रीजी अग्रमहिषी देवी. चमरेंद्र के लोक पालकी तृतीय अग्रमहिषी देवी. The principal queen of the 3rd Lokapala of Chamarendra. ठा० ४, १; भग० १०, ५. (२) दक्षिण दिशाना रुचक पर्वत पर वसनारी आठ दिशाकुमारीकामानी सातमी दक्षिण दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा कुमारी में से सातवीं the seventh of the eight Disā Kumāris residing on the Ruchaka mountain of the southern direction. ज० प० ११४

चित्तण्णु पुं० (चित्तज्ञ) मनने जाणनार. मन को जाननेवाला (One) who reads the heart विशे० ६३७.

चित्तपक्ख पुं० (चित्रपक्ष) वेणुदेव अने वेणुदाली इन्द्रना लोकपालनुं नाम. वेणुदेव व वेणुदाली इन्द्र के लोक पाल का नाम. Name of the Lokapala of Venudeva and Venudālī Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८. (२) चार इन्द्रियवाळो एक जीव. चार इन्द्रियवाला एक जीव a four-sensed living being. पन्न० १;

चित्तमंत. त्रि० (चित्तवत्-चित्तं जीवलक्षणं तदस्यास्ति) सचित्त, सजीव वस्तु. सचित्त; सजीव वस्तु. A living being or thing. उत्त० २५ २४; सूय० १, १, १, २; आया० १, ५, ७, १४८; सम० २१; दसा० २, १८, दस० ४; ६, १८; निसी० ७, २२,

चित्तरस. पुं० (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा मधुराः सर्पते यस्मात्) विचित्र रसना भोजन-खाद्य पदार्थ आपनार कल्पवृक्ष विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला कल्पवृक्ष A tree yielding eatables and diet of various tastes. प्रव० १०८१, सम० १०; ठा० ७, १, जीवा० ३, ३,

चित्तल पुं० (चित्रक) जंगली पशु; चित्तरो जंगली पशु, चीता. A wild beast; a leopard जीवा० ३, ३; (२) त्रि० विचित्र रंगनुं. काबरचितरुं विचित्र रंगका, कबरा variegated. parti-coloured. गच्छा० १२०, —अंग त्रि० (-अङ्ग) काबरचितरा अंगवाळुं कबरे अंगवाला (one) having various colours ज० प० २, ३६. भग० ७, ६;

चित्तलय त्रि० (चित्रक) रंग बेरंगी, अनेक रंगनुं विविध रंगका. अनेक रंगका Of various colours ओघ०नि०७३५;

चित्तलि पु० (चित्रलिन्) मुकुलि सर्प के जे -चितळ- नामथी ओळखाय छे मुकुलिन सर्प कि जो-चितल- नाम से पहिचाना जाता है A kind of serpent. पन्न० १,

चित्ता. स्त्री० (चित्रा) चित्रा नामनुं नक्षत्र. चित्रा नामक नक्षत्र A constellation of this name. " दो चित्ताओ " ठा०

२, ३; अणुजो० १३१; सम० १; ठा० १, १; नाया० १; सू० प० १०; कप्प० ६, १३६, (२) पहेला देवलोकना ईंद्र-शक्रना लोकपाल सोमनी त्रीजी पट्टराणी. पहिले देवलोक के इन्द्र-शक्र के लोकपाल सोम की तृतीय पट्टरानी. the third principal queen of Soma, the Lokapāla of Śakra, the Indra of the first heavenly region ठा० ४, १; भग० १०, ५, (३) भगवंतना जन्म वखते दीवो लइने उभी रहेनार एक विद्युत्कुमारी देवी. भगवत के जन्म समय दीपक लेकर उपस्थित रहनेवाली एक विद्युत्कुमारी a heavenly damsel who stands with a lighted lamp held in a hand at the birth time of a Tīrthankara ठा० ४, १; (४) विदिशाना रुचक पर्वत उपर रहेनारी चार दिशा कुमारीमानी पहेली विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first of the four Disākumārīs residing on the Ruchaka mount in an oblique direction जं० प० ७, १५५; ५, ११४,

चित्तामूलय पुं० (चित्रमूलक) तीखा रस वाणी एक जातनी वनस्पति तीक्ष्ण रसवाली एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation having pungent taste. पन्न० १७,

चित्तार पुं० (चित्रकार) चितारो. चित्रकार, चितेरा. An artist; a painter पन्न० १,

चित्ति० त्रि० (चित्रित्) चित्रकार, चितारो चित्रकार. An artist; a painter. क० गं० १, २३;

चित्तिश्र-य त्रि० (चित्रित) चितरेलुं. चित्र काम कियाहुआ. Pictured; painted. कप्प० ३, ३२, भत्त० १०६;—तल. न० (-तल) चितरेलुं तळीयुं चित्र काम किया हुआ तला a painted floor. कप्प० ३, ३२;

चिन्न वि० (चीर्ण) आचरेल; पाळेल. आचरण किया हुआ; पाला हुआ. Adopted सूय० १, ३, २, १८; पिं० नि० २६७; (२) जेमा एक वखत जवायु होय तेवो प्रदेश जिसमें एक बार जाना हुआ हो वह प्रदेश the part of a country which is once visited सू० प० १,

चिपिड त्रि० (चिपिट) चपटु चपटा. बैठाहुआ Flat. नाया० ८,

चिमिढ त्रि० (*चिपिट) चपटा नाकवाळुं बैठेहुए नाक वाला, चपटा (One) having flat nose "चीर्णाचमिढघाणाओ" नाया० १, ८, पिं० नि० ४१८,

चिय त्रि० (चित) उपचय- वृद्धि पामेल उपचय-वृद्धिप्राप्त Increased; risen राय० १, ६, पिं० नि० ६०५;

चियगा स्त्री० (चिता) चिता, चे. चिता, A funeral pyre राय० श्रेत० ३, ८;

***चियत्त** त्रि० (*) प्रेम उपजवनार; लोकप्रिय प्रेम उत्पन्न करनेवाला, लोकप्रिय Liked by the public, popular ओव० ४०, भग० २, ५; राय० २२५, दस० ५, १, १७,

चियत्त त्रि० (त्यक्त) तजेलु; छोडेलुं. त्याग कियाहुआ, छोडाहुआ. Abandoned.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

धोयेलुं. बहुत समय पहिले धोया हुआ Washed a long time before दस॰ ५, १, ७६;

चिलाईपुत्त पुं॰ (चिलातीपुत्र) राज गृह निवासी धनाशा शेठनी चिलाती नामे दासीने पुत्र-ज्ञाता सूत्रमां प्रसिद्ध छे राजगृह निवासी धनाशा शेठ का चिलाती नामक दासी का पुत्र-ज्ञाता सूत्र में प्रसिद्ध है The name of the son of Chilātī, the maid of Dhanāśā, a resident of Rājagriha भत्त॰ ८८, नाया॰ १८, सत्था॰ ८५,

चिलातिया स्त्री॰ (किरातिका) किरात देशमां उत्पन्न थयेल दासी चिलात-किरात देश में उत्पन्न दासी A maid born in the country named Kirāta भग॰ ६, ३३, नाया॰ १; दसा॰ १०, १,

चिलाती स्त्री॰ (किराती) किरात नामना अनार्य देशमां उत्पन्न थयेल दासी किरात नामक अनार्य देश में उत्पन्न दासी A maid born in the Anārya country named Kirāta ज॰ प॰

चिलाय. पुं॰ (किरात) धन्ना सार्थवाहनो एक दास के जे उद्धत थई चोर बन्यो छेवट चार हत्या करी, वैराग्य पाम्यो अने दीक्षा लीधी अने आत्म श्रेय साध्यु धन्ना सार्थवाह का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर बना, अंत में चार हत्या कर, वैराग्य को प्राप्त कर दीक्षा धारण की व आत्मश्रेय का साधन किया. An attendant of Dhannā Sārthawāha He became a thief,committed four murders but then realised his self and got initiated विशे॰ २७८६ नाया॰ १८, (२) म्लेच्छ भीलनी एक जात. म्लेच्छ, भीलकी एक जाति. A class of aborigines जं॰ प॰ पण्ह॰ १, १; (३) किरात देशमां रहेनार किरात देशमें रहनेवाला one living in Kirāta country नाया॰ १८, पण्ह॰ १; —तक्कर. पुं॰ (तस्कर) भिल्ल ज्ञातिनो चोर भिल्ल जातिका चोर A thief of Bhilla caste नाया॰ १८.—दास पु. (-दास) ए नामनो एक धन्नासार्थवाहनो दास-नोकर चिलात नामक एक धन्नासार्थवाह का दास-नौकर An attendant of Dhannā Sārthawāha नाया॰ १८,

चिलिण त्रि॰ (*) अशुचि, अपवित्र अशुचि, अपवित्र Impure, unholy ओघ॰ नि॰ १६४ जीवा ३, १

चिलिमिणी स्त्री॰ (*) पडदो, ढांकवानुं वस्त्र परदा, ढाकन का वस्त्र A curtain; a cloth used as a curtain ओघ॰नि॰ १६७,

चिलिमिलिगा स्त्री॰ (*) जुओ "चिलिमिणी" शब्द देखो "चिलिमिणी" शब्द Vide 'चिलिमिणी' सूय॰२,२,४८,

चिलिमलिया स्त्री॰ (*) दोरी, दोरडी रस्सी, डोरी A string वव॰ १, १८,

चिलिमिली स्त्री॰ (*) पडदो, वस्त्र परदा, वस्त्र A curtain आया॰ २, २, ३, ८८, ओघ॰ नि॰ ७८,

चिल्लग. त्रि॰ (*) देदीप्यमान, प्रकाशमान देदीप्यमान, प्रकाशमान Lustrous, shining नाया॰ १६, पण्ह॰ २,

चिल्लइय पु॰ (*) लोकडी; एक

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जंगली जनावर. शीयाळ; एक जंगली पशु A jackal आया० २, १, ५, २७.

चिल्लणा. स्त्री० (चिल्लना) श्रेणिक राजानी पट्टराणीनुं नाम. श्रेणिक राजा की पटरानी का नाम. The name of the principal queen of the king Śreṇika, भग० १, १.

चिल्लय. त्रि० (*) चळकतु, देदीप्यमान चमकताहुआ, देदीप्यमान. Shining. पण्ह० १, ४;

चिल्लल. पुं० न० (चिक्खल) जल मिश्र कादववाळु स्थान जल मिश्र कीचड वाला स्थान. A spot with mud and water mixed together भग० ५, ७, पन्न० २, नाया० १, पुं० चिल्वल देशनो रहीस चिल्वल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chilvala पण्ह० १, १, पन्न० १. (३) बे खरीवाळो जंगली जनावर. चित्तरो. दो खुर वाला जंगली जानवर a wild animal having two hoofs पण्ह० १, १, नाया० १;

चिल्ललग पुं० (चिल्ललक) बे खरीवाळो जंगली पशु साबर रोज वगेरे बारहसींगा, दो खुर वाला जंगली पशु A two-hoofed wild animal viz elk etc. भग० ६, १४, जीवा०३,३, पन्न०१;११, जं०प०२,३६,

चिल्लित. त्रि० (*) सुशोभित. प्रदीप्त सुशोभित, प्रदीप्त Adorned, bright. सू० प० २०;

चिल्लिय. त्रि० (*) दीप्त, दीपतु दीप्त; प्रकाशित Shining, bright ओव० २४, भग० ६, ३३, जीवा० ३, ३;

—तल. न० (-तल) देदीप्यमान भूमितु तळीयुं. देदीप्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया० १; भग० ११, ११;

चिल्ली स्त्री० (चिल्ली) ए नामनी लीली वनस्पति इस नामकी हरी वनस्पति A kind of green vegetation पन्न० १;

चिहुर पुं० (चिकुर) केश; वाळ केश; बाल. Hair सु० च० १, १,

चीण पुं० (चीन) चीन-देश चीन देश China (२) त्रि० चीन देशनो रहीस. चीन देश का रहने वाला a resident of China. प्रव० १५९८, जीव० ३, ३; पण्ह० १, १, पन्न० १, (३) त्रि० न्हानुं; लघु छोटा. small नाया०८;—अंसुअ-य न० (-अंशुक) चीन देशनी बनावटनु रेशमी वस्त्र चीन देश की बनावट का रेशमी वस्त्र China-silk. आया० २, ५, १४५, भग० ६, ३३, दसा० १०, १; (४) चीन देशना कीडाओनी लाळथी उत्पन्न थतु सूत्र, रेशम चीन देश के कीडों की लार से उत्पन्न तार, रेशम. a sort of silk-thread got from the saliva of a certain insect in China अणुजो० ३७,

चीणपिट्ठ पुं० (चीनपिष्ट) सिन्दूर. सिन्दूर Red lead राय० ४३, (२) हिंगळो हिंगलू. vermilion पन्न० १७;

चीणपिट्ठ पुं० (चीनपिष्ट) हींगळो. हिंगलू. Vermilion जीवा० ३, ३,

चीर. न० (चीर) वस्त्र; लुगडु. वस्त्र; कपडा Clothes. उत्त० २६, २६; पिं० नि० भा० २३; (२) झाडनी छालनु वस्त्र.

---

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वृक्ष की छाल का वस्त्र. a cloth made of barks. उत्त० ५, २१.

चीरल्ल. पुं० (चीरल्ल) ચીરલ, પક્ષી વિશેષ चीरल्ल, पक्षी विशेष A kind of bird पण्ह० १, १, —पोसय पुं० (-पोषक) ચીરલ જનાવરને પોષનાર-પાલનાર चीरल जनावर का पोषण पालन करने वाला one who keeps or tames a bird named Chīrala निसी० ६ २३,

चीरिग पुं० (चीरिक) શેરીમાં કે રસ્તામાં પડેલ ચીથરાનો બુરખો બનાવી ધારણ કરનાર એક વર્ગ गली में किंवा रास्ते में - मार्गमें पड़े हुए चीथडे का परदा बनाकर धारण करने वाला एक वर्ग A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street अणुजो० २०,

चीरिय पुं० (चारिक) જુઓ " चारिग " શબ્દ देखो " चारिग " शब्द Vide " चीरिग " नाया० १५.

चीवर न० (चीवर) વસ્ત્ર, લુગડું कपडा A cloth, clothes ठा० ५, ०, भग० २, १, आया० २, ३, २, १२१, निसी० १०, ५३, ज० प०

चुअ त्रि० (च्युत) ભ્રષ્ટ થયેલ, ચ્યવેલ, મરણ પામેલ भ्रष्ट, मृत्यु प्राप्त Deceased, fallen, degraded आया० १, १, १, ३, १, ४ ३ १५४, उत्त० ३, १७; १७, ८; १४, १, १६, ८, आव० १८, सम० ७, ज० प० ७, १४१ आघ० नि० ६२, कप्प० १, १, ३, ४, ६२, दसा० ८, १, नाया० ७, ८, ६, भग० ७, १, सु० च० १५, ६८; पएह० २, ५ विशे० १६७६ —धम्म. त्रि० (-धर्म) ધર્મથી ભ્રષ્ટ; ધર્મથી પતિત धर्म से भ्रष्ट, धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दसा० ८, १६,

चुआचुअसेणिया स्त्री० (च्युताच्युतश्रेणिका) ચ્યુતાચ્યુત શ્રેણી ગણના, દ્રષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો એક ભેદ च्युताच्युत श्रेणी गणना द्राष्टवादान्तगत पारकर्म का एक भेद A division of Parikarma in Drishtivāda सम० १२,

चुआचुअसेणिय.परिकम्म न० (च्युताच्युतश्रेणिक परिकर्मन्) દ્રષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો સાતમો ભેદ दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का सातवा भेद The 7th division of Parikarma in Drishtivada नंदी० ५६,

चुआचुआवत्त न० (च्युताच्युतावर्त) ચુઆચુઆ સેણીઆ પરિકર્મનો ચૌદમો ભેદ चुआचुअ सेणिआ परिकर्म का चौदहवा भेद. The 14th division of Parikarma in Drishtivāda नंदी० ५६,

चुंचुअ पुं० (चुञ्चुक) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ उस नामका एक अनार्य देश An uncivilised country of this name प्रव० १५६८

चुंचुण न० (चुञ्चुन) એક આર્ય જાત एक आर्य जाति An Aryan race उत्त० १

चुंचुय पुं० (चञ्चुक) મ્લેચ્છ જાતિનો એક ભેદ म्लेच्छ जाति का एक भेद A sub-division of non-Aryan race जीवा० ३, ३,

चुंकी स्त्री० (*) નાની કુંચી छोटी कुंजी

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

A small well. नाया० १;

चुंबण. न० (चुम्बन) चुम्बन; चुमी चुम्बन Kissing; a kiss प्रव० १००४;

√ चुक धा० I (भ्रश्) चुकी जवुं, भूली जवुं. भूल जाना To forget, to err चुक्कति गच्छा ३२.

* चुक त्रि (*) सेकेलुं, भुंजेलुं भुना हुआ Baked, roasted सु० च० ६, १४,

चुरख. त्रि० (चोक्ष) चोख्खुं, पवित्र शुद्ध, पवित्र Best, pure ज० प०

चुचुय. पु० (चुचक) चुचुक नामनो देश चुचुक नामक देश Name of a country (२) त्रि० ते देशमां रहेनार उस देश में रहने वाला a resident of the above country भ० ० ३, २, पग्रह० १ १.

चुचुया स्त्री० (चचका) स्तननो अग्रभाग डीटी स्तन का अग्रभाग-धुगटा The nipple or teat of a breast जावा० ३ ३.

चुच्चुय पु० (चचुक) स्तननी डीटी स्तन का घुगटा The nipple of a breast राय० १२४,

* चुडण न० (*) जुनुं थवुं फाटी जवुं पुराना जीर्ण होना, फट जाना Wearing out पिं० नि० भा० २५

चुडालय पु० (चडलिक) ३ आडीयानीपड रजोहरण फेरवता वंदना करवाथी लागतो दोष, वंदनाना बत्रीसमो दोष रजोहरण घुमाकर वंदना करने से लगता हुआ दोष, वंदना का बत्तीसवां दोष A fault incurred by moving a Rajoharana (a kind of brush) here and there while paying respects to an elderly ascetic. प्रव० १५३;

चुडिली स्त्री० (*) उआडीयुं अग्नि का प्रकाशना व ज्वस्तेज होना. Gleaming of fire प्रव० १५६,

चुडुलि स्त्री० (·) सळगतो घासनो पूळो. जलताहुआ घास का पूला A burning bunch of hay. भग० ६, ३३.

√ चुराण धा० I (चूर्ण्) दळवुं, पीसवुं चूर्ण करवुं पीसना, चूर्णकरना To pound, to grind

चुरिणऊण म० कृ० सु० च० २, ४०७, चुरिणय म० कृ० भग० १६, ८, जीवा० ३,

चुराण पु० न० (चूर्ण) भूकको, रेत. चूर्ण Powder पचा० १३, १९. कप्प० ३, ३२, पन्न० १, १७; स० प० २०, निर्मा० १३. ४८, (२) ए नामनो गुच्छो-गुच्छ, वनस्पति. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ, वनस्पति a kind of vegetation in the form of cluster पन्न० १, (३) केशर कस्तुरी वगेरे सुगंधि द्रव्यनुं चूर्ण केशर कस्तूरा इत्यादि सुगन्धिमय द्रव्यों का चूर्ण a powder prepared of saffron and other scented substances प० ह० २, ४; जावा० ३, ३, भग० ३ ७, ११, ११ (४) चमत्कारी चूर्ण, भूकडो चमत्कारी चूरण, मंत्रित चूरण a miracled powder निसी० १३, २८. ६१. (५) चुनो चूना lime. विवा० २, —आरुहण न० (-आरोहण) अबीर केशर वगेरे चढाववां ते अबीर-केशर इत्यादिका चढाना. offering of scented

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

ingredients viz. saffron etc नाया० २,—चुडियगात्त त्रि० (-चूर्णित गात्र) ચુનાથી ખરડાયલા શરીર વાળુ चूने से बिगड हुए शरीर वाला, चूना लगे हुए शरीर वाला (one) with a body smeared with lime विवा० २, —जुत्ति स्त्री० (-युक्ति) અબીર-ગુલાલ વગેરે ચૂર્ણ બનાવવાની યુક્તિ-વિજ્ઞાન, ૬૪ કલામાંની એક अबीर गुलाल इत्यादि चूर्ण बनाने का युक्ति-विज्ञान, ६४ कलाओं में की एक कला a method of preparing a red powder known as Gulāla ओव० ४०, नाया० १ —जोय पुं० (योग) સ્તંભનાદિ કર્મ, ચૂર્ણયોગ स्तंभनादि योग wedicine etc which lengthen the period of sexual intercourse नाया० १४ —वास पुं० (-वर्षा) ચૂર્ણ-કેસર વિગેરે સુગંધિ દ્રવ્યની વૃષ્ટિ चूर्ण-इत्यादि सुगन्धित द्रव्य की वृष्टि shower of scented things as saffron etc नाया० ६ जं०प० ५, १२१,

चुरणय पुं० (चूर्णक) ચુનો चूना Lime विवा० २.—पंसिया स्त्री० (पंषिका) ચૂર્ણ પીસનારી દાસી चूर्ण पीसने वाली दासी a maid who works as a pounder भग० ११, ११,

चुरिणअ-य त्रि० (चूर्णित) ચુરે ચુરા કરેલ, ચૂર્ણ થયેલ चूर्ण किया हुआ, चूरा चूरत Poundered, reduced to atoms उत्त० १६, ६८, नाया० १;

चुरिणगाभाग पुं० (चूर्णिकाभाग) ભાગનો પણ ભાગ, અંશનો અંશ. भागका भी भाग A division of a division जं० प० ७, ११४; १३१;

चुरिणयाभेद. पुं० (चूर्णिकाभेद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. पन्न० ११,

चुत त्रि० (च्युत) દશ પ્રકારના પ્રાણથી ભ્રષ્ટ થયેલુ, પ્રાણરહિત બનેલુ दश प्रकार के प्राणों से भ्रष्ट, प्राणरहित बना हुआ Lifeless अणुजो० १६, भग० १, १;

चुन्न. पुं० (चूर्ण) જાદુઈ ચૂર્ણ કે જે માણસ ઉપર નાખવાથી હર્ષ-શોકને વશ થાય जादुई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालने से हर्ष-शोक के वश हो A miraculous powder which subjugates a man when thrown upon him पिं० नि० ४०६; (२) આટો. લોટ आटा flour मु०च० ३, २०७, प्रव० ५७५, (३) ચૂર્ણ, ભુકો चर्ण powder प्रव० २७५,

चुन्नग पुं० (चूर्णक) સોમલ-સુરમાદિક ચૂર્ણ. सुरमा. सुरमा द चूर्ण Collrium etc in a powdered form निर० ३, ४,

चुन्नी स्त्री० (चूर्णी) ચૂર્ણ, ભુકો, લોટ चूर्ण, आटा. Powder पिं० नि० २४०,

चु.पालय पुं० (*) વિજય નામના દેવનું આયુધાલય રાખવાનુ ઘર विजय नामके देवका आयुधालय-शस्त्र रखने का गृह A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya जीवा० ३, ४,

चुलणी स्त्री० (चुलनी) કંપિલપુરના રાજાની રાણી, બ્રહ્મદત્ત નામના બારમા ચક્રવર્તીની માતા कम्पिलपुरके राजा की रानी; ब्रह्मदत्त नामक बारहवे चक्रवर्ती की माता. The name of the queen of the king of Kampilapura उवा० १, २;

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

उत्त० १३, १; सम० प० २३४, जीवा० ३;
चुलसी. स्त्री० (चतुरशीति) ચોરાશી; ૮૪ चोराशी, ८४. Eighty four प्रव० ८.
चुलसीइ स्त्री० (चतुरशीति.) ચોરાશી; ૮૪. चोरासी की संख्या, ८४ Eighty-four. क० ग० ६, ५३, भग० २०, १०; ४३, १; नाया० ८, सू० प० १, —समज्जिय पुं० (-समर्जित) ચોરાશીની સંખ્યાથી સંગૃહીત-ભાજ્ય થાય તે. चोरासी की सख्या से सगृहीत भाज्य होवे वह A sum which can be divided by eighty-four भग० २०, १०;
* **चुल्ल** त्रि० (*) ન્હાનુ લઘુ छोटा; लघु Small, tiny पन्न० १६, ज० प० उवा० १, २, —कप्पसुत्त न० (-कल्पसूत्र) ૨૯ ઉત્કાલિકમાનુ ત્રીજુ २६ उत्कालिक मे स तीसरा the third of the 29 Utkālika (Sūtras). नंदी० ४३, —पिउअ पु० (-पितृक) પિતાનો નાનો ભાઈ, કાકો. पिता का छोटा भाई, काका. uncle, the younger brother of a father " अजप्पभिए पजप्प वाथि बप्पो चुल्लपिउत्ति य दस० ७, १८, —माउ स्त्री० (-मातृ) જુઓ " चुल्ल माउया " शब्द दखो ' चुल्लमाउया ' शब्द vide " चुल्लमाउया " नाया० १, —माउया स्त्री० (-मातृका) ઓરમાન માતા सौतेली माता step-mother " कुच्छियस्सरखो चुल्लमाउया " भत० ८, १, निर० १, १, विवा० ३;
चुल्लग पुं० (*) ભાત, ખોરાક. भात, खुराक. Food पि० नि० ८४;
चुल्लणीदेवी स्त्री० (चुलणीदेवी) દ્રુપદ રાજાની ચુલણી નામની દેવી (રાણી). द्रुपद राजा की चुलणी नामकी देवी (रानी). Name of the queen of the king Drupada नाया० १६,
चुल्लसयग न० (चुल्लशतक) ચુલ્લશતક નામનો મહાવીર સ્વામિનો એક શ્રાવક; દશ શ્રાવકમાંનો એક. चुल्लशतक नाम का महावीर स्वामी एक का श्रावक, दस श्रावकमेसे एक. One of the 10 layman followers of Mahāvīra. उवा० १, २,
चुल्ल हिमवंत पु० (चुल्ल (लघु) हिमवत्) ભરત ક્ષેત્રની મર્યાદા બાંધનાર પર્વત, ભરત અને હેમવયને જુદું પાડનાર (બેની વચ્ચે આવેલ) પર્વત भरत क्षेत्र की मर्यादा बांधने वाला पवत. A mountain bounding the limit of Bharata Kṣetra. जीवा० ३, ३; सम० ७, भग० ६, ३, जं० प० ४, १२०, ११४; १, १०; पन्न० १६, उवा० १, ५४, —कूड (-कूट) ચુલ્લ હિમવંત પર્વત ઉપરના અગીયાર કૂટમાંનું બીજું કૂટ શિખર चुल्ल हिमवत पर्वत के ग्यारह कूटमें से द्वितीय कूट शिखर. the second out of 11 summits of the mountain Chullahimavanta. ठा० २, ३,
चुल्ल हिमवंता स्त्री० (चुल्ल हिमवती) ચુલ્લ હિમવંત ગિરિ કુમાર દેવતાની રાજધાનીનું નામ चुल्ल हिमवन्त गिरि कुमार देवताकी राजधानी का नाम Name of the capital city of the god Chulla Himavantagirikumāra. ज० प०
चुल्ली स्त्री० (चुल्ली) ચુલડી; ચુલી; ન્હાનો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

चूलो. चूल्हा, छोटा चूल्हा. A small stove. पिं० नि० २४१; जीवा० ३ १, उवा० २, ६४,

चूअ-य पुं० (चूत) આંબાનુ વૃક્ષ. आम का वृक्ष A mango tree विशे० ३३, १७२४, सु० च० ६, ६४, तंडु० ६, (२) સૂર્યાભના આમ્રવનનો રક્ષક દેવતા सूर्याभ के आम्रवन का रक्षक देवता the guardian deity of the mango forest of Sūryābha जं० प० ५, १०२; राय० १४०, जीवा० ३, ४, (३) એ નામની લતા इस नाम की लता. a name of a creeper. पन्न० १, —लया स्त्री० (-लता) આંબાની લતા-ડાળ आम्रलता, (आम की लता) a mango creeper ओव० —वण न० (-वन) સૂર્યાભ વિમાનના ઉત્તર દરવાજેથી૫૦૦ જોજનઉપર આવેલ આંબાનુ એક વન કે જે સાડ બાર હજાર જોજન લાંબુ અને પાંચસો જોજન પહોળું છે सूर्याभ विमान के उत्तर दरवाजे से ५०० योजन पर आया हुआ आम का एक बन कि जो साडे बारह योजन लम्बा व पाच सौ योजन विस्तृत है a mango forest 12500 Yojanas in length and 500Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २, निसी० ३, ८१, राय० १२६, भग० १, १, अणुजो० १३१,

चूडामणि. पुं० (चूडामणि) ચૂડામણિ, મુગટ चूडामणि; मुकुट Crown, diadem. उत्त० २२, १०, नाया० १, पन्न० २; जीवा० ३, ३;

चूरणकोस. पुं०(चूर्णकोश) ખાવાનો પદાર્થ खाद्य पदार्थ. Eatable पण्ह० २, ५

चूयगवडिंस. न० (चूतकावतंसक) એ નામનું એક ઇંદ્રનુ વિમાન इस नामका एक इन्द्रका विमान A Name of an abode of Indra. राय० १०३, भग० ३, ७,

चूयवडिंसा स्त्री० (चूतावतसा) સૌધર્મેન્દ્રની અગ્રમહીષી દેવીની રાજધાની. सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी देवी की राजधानी The capital city of the principal queen of Saudharmendra ठा० ४, २;

चूया स्त्री० (चूता) સૌધર્મેન્દ્રની અગ્રમહિષીની રાજધાની. सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. Vide above ठा० २, ४,

√ चूर धा० I (चूर्) ચૂરો કરવો; ભાંગવુ चूराकरना, तोडना. To pound, to reduce to atoms चूरेइ नाया० १६. चूरेत्ता सं० कृ० नाया० १६,

चूलणी स्त्री० (चूलनी) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવતીની માતા ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की माता. The mother of Brahmadatta Chakravarti जीवा ३, १

चूला स्त्री० (चूडा) ચોટી, શિખા, ચોટલી. शिखा, चुटिया Summit; peak नंदी० १०,—उवणयण न० (उपनयन) ચોટલી ઉતરવાને-મુન્ડનકરાવવાનો સંસ્કાર शिखा उतारने का-मुन्डन कराने का संस्कार the ceremony concerning shaving राय० २८८,

चूलामणि पुं० (चूडामणि) મુગટ मुकुट. Crown; diadem. ओव० २२, राय० १८६,

चूलिअंग न० (चूलिकाङ्ग) ચોરાશી લાખ પ્રયુત પરિમિત કાલવિભાગ चौरासी लक्ष प्रयुत परिमित काल विभाग A measure of time equal to 84 lacs of Prayuta भग० ५, १, २५, ६; अणुजो०

११५; ठा० २, ४; जं० प०

चूलिआ. स्त्री० (चूलिका) દૃષ્ટિવાદ અંગના પાંચવિભાગમાંનો પાંચમો-છેલ્લો વિભાગ दृष्टि वाद अंग के पांच विभाग में से पांचवां-अंतिम विभाग. The fifth or the last division of Dristivāda Anga. नंदी० ५६; (२) મૂલસૂત્રમાં ન બતાવેલ હકીકત સંગ્રહ કરી અંતમાં બતાવવી ते मूलसूत्र में अप्रकाशित वर्णन का संग्रह कर अंत में प्रकट करना a commentary which exposes that description which is not given in the original text नंदी० ५६. (३) ચોરાશી લાખ ચુલિઅંગ પ્રમાણનો કાળ વિભાગ चौरासी लक्ष चूलि अंग प्रमाण का काल विभाग. a measure of time equal to 84 lacs of Chūlaṅga भग० ५, १; ६, ७; ११, १०; २५, ५, जीवा० ३, ४; अणु-जो० ११५; ठा० २, ४, जं० प० (४) ચૂલિકા-ચોટલી, શિખર. चूलिका-चोटी, शिखर summit; peak सम० १२; नंदी० स्थ० १७, जं० प०

चूलिय पुं० (चूलिक) ચૂલિક દેશ. चूलिक देश Name of a country. (२) त्रि० તે દેશમાં વસનાર उस देश में रहने वाला. a resident of the above country. पराह० १, १;

चूलिया. स्त्री० (चूलिका) ચુલો, સગડી. चूल्हा, सिगडी A stove; a fire place. प्रव० १७२;

चेअणया. स्त्री० (चेतना) જ્ઞાનાદિ ચેતના; ચૈતન્ય. ज्ञानादि चेतना; चैतन्य. Consciousness विशे० ४१;

चेइअ-य. त्रि० (चेतित) કરેલું; બનાવેલું; ચણાવેલું. किया हुआ; बनाया हुआ Performed; prepared. " अगारिहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति " आया० २, २, २, ८१: २, २, २, ८३; वेय० २, १६;

चेइत्तए हे० कृ० (चेतितु) રહેવાનો. रहने को. For the sake of living or residing वव० १, २२:

चेइय. न० (चैत्य-चितेरिदं भाव कर्म वा चैत्यम्) યક્ષ વગેરે વ્યંતર દેવતાનું આયતન-સ્થાન; દેવસ્થાન કે જે બાગમાં અથવા તેના પૂર્વજ રીરના અગ્નિદાહ-ચિતાને સ્થાને, ચોતરા રૂપે કે દેરીરૂપે, ચણાવવામાં આવતાં, અને લોકો સકામવૃત્તિથી આ ભવની લાલસાથી તેની પર્યુપાસના કરતા તેની ઉપમા સાધુ વગેરેની પર્યુપાસનામાટે આપવામાં આવી છે यक्ष वगैरह व्यंतरदेवताके आयतन-स्थान; चिता के ऊपर मंदिर या अन्य रूप में बनाया हुआ स्मारक चिन्ह संसारी लोग इसकी इस लोक के सुखों की इच्छासे उपासना करते हैं. The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. आया० २, १५, १७६; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सू० प० १, ओव० निर० १, २; कप्प० ६, ६३; क० ग० १, ५६, ओघ० नि० ६५; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासति " सूय० २, ७, ८१; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामो " दसा० १०, १; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेज्जा " वव० १०, १, " कल्लाणं मंगलं देवय चेइयं पज्जुवासेज्जा" (देवतं चैत्यमिव-टी) ठा० ३, १; भग० २, १; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवा-

सामि " ठा० ३, ३, " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जे " नाया० १४; उवा० ७, १८७, " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जाओ भवंति " भग० १०, ५ " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ " भग० १५, १, " थूभमहेसुवा चेइयमहेसुवा रुक्खमहेसुवा " आया० २, १, २, १२, " रुक्खमहेइवा चेइयमहेइवा थूभमहेइवा " भग० ६, ३३, " भवण घरसरण लेण आवण चेतिय देवकुल " पराह० १, ५, " तवस्सिकुलसयसव चेइयट्ठे " पराह० २, ३. (२) व्यन्तरना आयतन वाळो अथवा तेना विनानो बाग, उद्यान, आराम बगीचो व्यंतर के आयतन वाला किंवा उसके रहित बाग, उद्यान, आराम-बाग a garden having or not having a temple of an infernal god, a pleasure garden दसा० ५, ६. नदी० ४०; जं० प० राय० ४; २११, अंत० १, १, नाया० ६; "पुन्नभद्दे चेइए" नाया० १, १५, १६ नाया० ध० १, अंत० १, १ विवा० १, १, पराह० १, १, उवा० १, १; २, ४२, ११६, भग० ५, १, ९, ३३, १३, ६; " कोट्ठए चेइए " नाया० ध० १, ३, उवा० ३, १२६, ४, १४५, ६, २६७, १०, २७२, भग० ६, ३३, १२ १, १५, १ "आयाण आगराइ उज्जाणाइ चेइआइ " सम० प० १७६; " उवासयाण आगराइ उज्जाणाइ चेइआइ " सम० प० १८४, " अतगडाणं आगराइं उज्जाणाइं चेइआइ " सम० प० १८६, " अणुत्तरोववाइयाण आगराइ उज्जाणाइ चेइआइ " सम० प० १८७; " सुहविवागाणं आगराइ उज्जाणाइ चेइआइं " सम० प० १६२; " दुहविवागाणं आगराइं उज्जाणाइं चेइआइ " सम० प० १६३; (चैत्यं व्यंतरायतनम् टी०) " चंदोवरणंसि चेइए " भग० १५, १; " मंडिकुच्छिंसि चेइए " भग० १५, १; " कोटुगसि चेइए" भग० १५, १; " एगजंबुए चेइए" भग० १६, ५, "सालकोट्ठए चेइए" भग० १५, १, " छत्तपलासए चेइए " भग० २, १; " पुप्फवईए चेइए " भग० २, ५; ६, ६, ३३, " माणिभद्दे चेइए " भग० ६, १, " संखवणे चेइए " भग० ११, १२, " नंदणे चेइए " भग० ३, १, " बहुसालए चेइए " भग० ६, ३३, " चंदोतरायणे चेइए " भग० १२, २, " दूइपलासए चेइए " उवा० १, ३, १०, ५८; ७८, ८१, भग० ८, ३२, १०, ४, ११, ११, १८, १०, " अंबसालवणे चेइए " नाया० ध० १. " कामसहावणे चेइए " नाया० ध० १. अंत० ६, १६. " गुणसिलए चेइए " नाया० १, २, १८, नाया० ध० १; ३; अंत० ६, १; ३. ७, १, अणुत्त० १, १, २, १. ३. १ विवा० २, १; उवा० ८, २३१, भग० २, १; ५, ६; ७, १०, ८, ७, १६, ३, १८, ३, ७, ८ (३) तीर्थंकरनुं ज्ञान-केवल ज्ञान तीर्थंकर का ज्ञान-केवल ज्ञान the knowledge of a Tirthankara " ए एसिणं चउवीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं चेइयरुक्खा होत्था " सम० प० २३३, 'तहिं चेइयाइं वन्दइ " (वन्दते स्तौति) भग० २०, ६, नाया० १६, (४) श्रमण; साधु श्रमण; साधु an ascetic ' देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता " (दैवतं चैत्यमिव चैत्य श्रमणं पर्युपास्य टी०) ठा० ३, १; " अन्नउत्थियाणि वा अन्नउत्थिय देवयाणि वा अन्नउत्थिय परिग्गहियाणि वा (चेइयाइं) वंदित्तए नमसित्तए वा " उवा० १, ५८, भग० ३, २, (५) व्यंतर आदि देवता व्यंतर आदि देवता, infernal god etc " दस्स वा चेइयकडं थूभं वा चेइयकडं " (वृक्षस्याधो व्यन्तरादिस्थानकस्तूपं वा व्यन्तरादिकृतं टी०) आया० २, ३,

—ं. (६) त्रि० चित्तने आनंद उपजावनार. चित्त को आनंद देनेवाला. delightful; pleasant. "तेसिणं चेतिथूमाणं पुरतो चत्तारिमणि पेढियाओ" (चित्ताह्लादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रसिद्धाश्चैत्यस्तूपा) ठा० ४, २; सम० ३४, दसा० १०, १, वव० १०, १, (७) કોઈ મહાપુરૂષની ચેહ ઉપરના સ્મારક અવશેષો-રાખ અસ્થિ ડાઢા વગેરે किसी महापुरुष की चिता ऊपर के स्मारक अवशेष-राख, अस्थि इत्यादि. the memorial on the funeral pyre of a man of importance "अरहंते वा अरहंत चेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पाणो णीसाए उड्ढ उप्पयइ" भग० ३, २, (८) જલદી, ઉતાવળુ. तुरत, शीघ्र, उतावला speedy. "सिग्घ चवल चवल तुरिय चेइय" नाया० १; —खंभ पुं० (-स्तंभ) સુધર્મા સભાની વચ્ચે મણિપીઠિકા ઉપર જે સાઠ જોજન ઉંચો માણવક નામનો સ્તંભ છે તે, ચિત્તને આહ્લાદ ઉપજાવનાર થંભ सुधर्मा सभा की मध्य में मणिपीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊंचा माणवक नामक स्तंभ है वह, चित्त को आल्हादित करनेवाला स्तंभ a pillar named Māṇavaka 60 Yojanas in height situated on Manipīthika in the Council-hall of Sudharmā. "सुहम्माए सभाए माणवए चेइयखम्भे" सम० ३५, राय० १५६, —थूम पुं० (-स्तूप) ચૈત્ય વૃક્ષ અને પ્રેક્ષા ઘરની વચ્ચે મણિપીઠિકા ઉપરનું ચિત્તને આલ્હાદ જનક સ્તૂપ. चैत्य वृक्ष व प्रेक्षागृह के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर का चित्त को आनंद दायी स्तूप. a beautiful pillar situated on Manipīthikā and in the middle of a memorial tree and a particular house. "चत्तारि चत्तारिचेइयथूभा" ज० प० २, ३३, ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; —मह पुं० (-मह) ચૈત્યનો મહોત્સવ. चैत्य का महोत्सव. a ceremony concerning a memorial on a funeral pyre. आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३, नाया० १, —रुक्ख. पुं० (-वृक्ष) વાણવ્યંતરની સુધર્માદિસભાની આગળ મણિપીઠિકા ઉપર રત્નમય વૃક્ષ કે જેની આઠ જોજનની ઉંચાઈ છે. वाणव्यंतर की सुधर्मादि सभा के सन्मुख मणिपीठिका के ऊपर रत्नमय वृक्ष कि जिसकी आठ योजन की ऊंचाई है a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Maṇi Pīthikā in front of the council-hall of Sudharma. सम० ८, ठा० ३.१; (२) જેની નીચે તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન થયું હોય તે વૃક્ષ जिसके नीचे तीर्थंकर को केवल ज्ञान प्राप्त हुवा हो वह वृक्ष a tree under which Tirthankara obtained supreme or perfect knowledge. सम० प० २३३, (३) દેવતાઓની સભાના દરેક દરવાજા આગળ મહાધ્વજા અને ચૈત્ય થુભની વચ્ચેનું વૃક્ષ देवताओं की सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महाध्वजा के व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का वृक्ष a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-halls of gods. ठा० ३, १; जीवा० ३, ४; राय० १५४; —वण्णग. न० (-वर्णक) ચૈત્યનું વર્ણન चैत्य का वर्णन. the descrip-

tion of a memorial on a funeral pyre. दसा० ५, ६;

चेट्ठा. स्त्री० (चेष्टा) ક્રિયા. क्रिया. Gestures, movements. पचा० ४, २,

चेट्ठिय. त्रि० (चेष्टित) ચેષ્ટા કરેલ चेष्टित Gestured पचा० १, ४८; नाया० १. राय० २६१;

चेड. पुं० (चेट) પગપાસે રહેનાર નોકર पैरों के पास रहने वाला नौकर A close attendant. कप्प० ४, ६२, पिं० नि० ३६८; ओव० राय० १५३, नाया० १; (२) બાલક बालक baby पिं०नि० भा०१२६,

चेडग. पुं० (चेटक) વિશાલા નગરીનો ચેટક નામનો રાજા કે જે મહાવીર પ્રભુનો પરમ ભક્ત હતો विशाला नगरी का चेटक नाम का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम भक्त था. Chetaka, the king of Viśā'a and a great devotee of Mahāvīra. भग०६२, २,निर० १, १,

चेडय. पु० (चेटक) કુમાર; છોકરો कुमार, लडका. An unmarried boy, a boy. नाया० २, (२) દાસ. નોકર दास, नौकर. a servant; an attendant नाया० २, सु० च० १५, १३५,

चेडिया-आ. स्त्री० (चेटिका) દાસી, બાનડી दासी A maid. भग० ६, ३३, ११, ११, ओव० ३३; नाया० १; ८, १६, राय० २८६, उवा० ७, २०८, —चक्कवाल न० (-चक्रवाल) દાસીનો સમૂહ दासी का समूह a group of maids निर० ३, ४; नाया० १४; नाया० ध०

चेतिय. न० (चैत्य) જુઓ " चेइय " શબ્દ देखो " चेइय " शब्द. Vide " चेइय " पराह० १, १,

चेत्त. पुं० (चैत्र) ચૈત્રમાસ. चैत्रमास. The month of Chaitra. सम० ३६; भग० १८, १०; —सुक्क. पु० (-शुक्ल-शुक्ल) ચૈત્રમાસનું શુક્લ પક્ષ चैत्र मास का शुक्ल पक्ष the bright-half of the month of Chaitra नाया० ८;

चेत्ती. स्त्री० (चैत्री) ચૈત્રમાસની પુનેમ चैत्र मास की पूर्णिमा The fifteenth bright day of the Chaitra month ज० प० ७, १६१,

चेदि पु० (चेदि) ચેદિ નામનો દેશ चेदि नामक देश. A country of this name पन्न० १,

√चेय. धा० II (दा) આપવું, દાન કરવું. देना, दान करना To give, to give as charity

चेएइ आया० २, १, १, ६.

चेएमि. आया० १, ७, २, २०२;

√चेय धा० II (चित्) સંકલ્પ કરવો. सकल्पकरना To resolve (२) નિપજાવવું, उत्पन्न करना to produce (३) ચણવું बनाना. to pile, to construct

चेएइ सम० ३०, निसी० ५, २, १३ १; नाया० १६,

चेएसि नाया० १६,

चेइस्सामो आया० २, १, ६ ४६,

चेयंत निसी० ५, २;

चेतेमाया सम० २१,

चेइजमाया क० वा० दसा० ७, १६, १७,

चेय-अ न० (चेतस्) ચિત્ત चित्त, The mind चेयसा तृ० ए० भग० ७, १०, दस० ५, १, २, नाया० १, भग० ६, ३३, दसा० ६, ५, दस० ६, ६७; (२) વિજ્ઞાન विज्ञान science. विशे० १५६३; (३) જીવ, આત્મા जीव; आत्मा. soul. भग० १०, २; —कड त्रि० (-कृत) મનથી કરેલ मनसे किया हुआ heartily per-

formed. भग॰ १६, २;

चेय अ॰ (एव) એમજ; ચોક્કસ. ऐसाही; निश्चित. Verily; certainly विशे॰ १४९;

चेयएय. न॰ (चैतन्य) જીવતા જીવપણું जीवत्व, जीवितता. Life; vitality. विशे॰ ४७५, १६४१; ३१३८, सु॰ च॰ १, २६०, —जुत्त त्रि॰ (-युक्त) ચેતના વાળું चेतना वाला vital, living. प्रव॰ १२४६; —भाव पु॰ (-भाव) જીવનો જ્ઞાન પરિણામ जीव का ज्ञान परिणाम intellecuality विशे॰ ४५५,

चेया स्त्री॰ (चेतना) ચેતના, જ્ઞાનશક્તિ चेतना; ज्ञानशक्ति Intellect विशे॰ १६५७,

चेल न॰ (चैल) વસ્ત્ર; લુગડું वस्त्र, कपडा. Cloth निसी॰ १८, १४, आया॰ २, ६, १, १५२. जीवा॰ ३, ४, वव॰ ८, ५, दस॰ ४, प्रव॰ ६६२, —ट्ठ न॰ (-अर्थ) લુગડાનું પ્રયોજન वस्त्र का प्रयोजन. the cause for keeping a cloth वव॰ ३, १२, —उक्खेव. पुं॰ (-उत्क्षेप) વસ્ત્રનું ફેંકવું, વસ્ત્રની વૃષ્ટિ वस्त्रों का फेकना, वस्त्रकी वृष्टि the shower of clothes. विवा॰ १, ठा॰ ३, १. भग॰ १५, १, —कएण-न्न. न॰ (-कर्ण) લુગડાની કીનારી वस्त्र की किनार the border of a cloth निसी॰ १८, १८. दस॰ ४, —गोल पुं॰ (-गोल) લુગડાનો ગોલ દડો वस्त्र का गोलाकार गोला a ball of cloth सूय॰ १, ४, २, १४, —चिलि मिलिया. स्त्री॰ (*) વસ્ત્રની દોરી वस्त्र की रस्सी a string of cloth. वेय॰ १, १८, —पेडा-डा. स्त्री॰ (-पेटा) લુગડાની પેટી, પોટલી. वस्त्र की पेटी; गठरी. a box for clothes; a bundle of clothes भग॰ १५, १; दसा॰ १०, ३;

चेलअ. न॰ (चेलक) જુઓ "चेल" શબ્દ. देखो "चेल" शब्द Vide "चेल" ज॰ प॰

चेलग. न॰ (चेलक) સન્યાસીઓનું એક ઉપકરણ सन्यासियों का एक उपकरण An implement of an ascetic. सूय॰ २, २, ४८,

चेल्लणा स्त्री॰ (चेल्लणा) શ્રેણિક રાજાની રાણી, ચેડા રાજાની પુત્રી श्रेणिक राजा की रानी, चेडा राजा की पुत्री. The queen of the king Śrenika; the daughter of the king Chedā अंत॰ ६, ३, नाया॰ ध॰

*चेला. स्त्री॰ (*) ચિલાત (કિરાત મ્લેચ્છ) દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ દાસી. चिलात (किरातम्लेच्छ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. ओव॰ ३३;

चेव अ॰ (च+एव-चैव) નિશ્ચય. निश्चय. Certainly, verily. ज॰ प॰ ५, ११४; भग॰ १, १; २; ८; ५, ४, ६, ५, नाया॰ १; १४, १६; दस॰ ६, १, १, उवा॰ १, ८१, विशे॰ ७०, वेय॰ १, ३३; नाया॰ ध॰ ३, १०,

चोअअ पुं॰ (चोयक) એક જાતનું ફળ. एक प्रकार का फल A kind of fruit. अणुजो॰ १३३;

चोअण न॰ (चोदन) પ્રેરણા प्रेरणा. Instigation गच्छा॰ ५१,

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

चोअणा. स्त्री० (चोदना) પ્રેરણા કરવી તે. प्रेरणा करना. Instigation. गच्छा० ३८, १२७;

चोआलीसा स्त्री०(चतुश्चत्वारिंशत्)ચુમ્માલીસ. चुम्मालीस Forty-four ज० प० ७, १४८, विशे० ३३०४,

चोइअ. त्रि० (चोदित) પ્રેરાયેલું, પ્રેરણા કરેલ; પુછેલ. प्रेरित; प्रेरित कियाहुआ, पूछा हुआ Instigated. उत्त० ६, ८; ६१, सूय० १, ३, २, २०, दस० ६, २, ४, १६. पिं० नि० ११४, २२२; जं० प० ३, ६४,

चोक्ख. त्रि० (चोच) સ્વચ્છ, પવિત્ર, સાફ. स्वच्छ, पवित्र, साफ Clean, clear; pure; spotless "आयंतेचोक्खेपरम-सुइभूए" ज० प० ७, १८६, ओव० १२, ३८; भग० ३, १, ६, ३३, ११, ६, नाया० १, ७; १६; पण्ह० २, १; जीवा० ३, ४, विवा० ३;

चोक्खलि. त्रि० (चोक्खशील) ચોખલો, શરીર વસ્ત્રાદિકને સાફસુફ રાખનાર शरीर वस्त्रा-दिक को स्वच्छ रखनेवाला.(One) who keeps the body and the clothes clean. पिं० नि० ६०२,

चोक्खा स्त्री० (चोक्षा) ચોક્ષા નામની પરિવ્રાજિકા-સન્યાસણ. चोक्षा नामक परिव्रा-जिका; संन्यासिनी A nun of this name नाया० ८,

चोज्ज. न० (*) આશ્ચર્ય, વિસ્મય आश्चर्य; विस्मय. Wonder, surprise सु० च० १, १२२;

चोज्ज. न० (चौर्य) ચોરી, તસ્કર પણું. चोरी, तस्करत्व. Theft, stealing उत्त० ३५, ३;

चोरि. त्रि० (*) ગદુ; સુગામણું. गदला घृणा पैदा हो ऐसा. Dirty; turbid पिं० नि० ५८७,

चोत्तीस त्रि० (चतुस्त्रिंशत्) ચોત્રીશ चौंतीस. Thirty-four भग० ३, १; १; १; सम० ३४.

चोद्दस त्रि० (चतुर्दश) ચૌદ चौदह. Fourteen भग० ५, १, ६, ५, ८, ८; नंदी० ३७; उवा० १, ६६, ज० प० ३, ४१, —पुव्व न० (-पूर्व) ચૌદ પૂર્વ-શાસ્ત્ર चौदह पूर्व-शास्त्र the scriptures known as fourteen Pūrvas. नाया० ४, १४, १६,—पुव्वधर पु० (-पूर्वधर) ચૌદ પૂર્વના ધરનાર चौदह पूर्वधारी one having knowledge of fourteen Pūrvas विशे० १४२; —पुव्वि पु० (-पूर्विन्) ઉત્પાદપૂર્વ વિગેરે ચૌદ પર્વના અભ્યાસી उत्पादपूर्व इत्यादि चौदह पूर्व के अभ्यासी one having the knowledge of fourteen Pūrvas e g Utpāda Pūrva etc विशे० ५३६, भग० ५, ४, नाया० १, ५; नाया० ८, —भाग पु०(-भाग) ચૌદ ભાગ; ચૌદ રાજ (રજ્જુ) चौदह भाग; चौदह राज-भाग the fourteen divisions, the fourteen Rājas (a measure of length) विशे० ४३०,

चोद्दसम त्रि० (चतुर्दशतम) ચૌદમું चौदहवां. Fourteenth भग०२, १,ज०प०२,३३, (२) ७ ઉપવાસ ७ उपवास six fasts भग० २, १; नाया० ८,

***चोप्पड.** पु० (*) તેલ વિગેરે ચોપડવું તે. तैल इत्यादि का मर्दन Smearing

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

of oil etc. ओघ० नि० ४०१;

चोप्पाल. पुं० (चोप्पाल) सूर्याभ देवना आयुधागार; हथियार शालानुं नाम. सूर्याभ देव का आयुधागार; शस्त्र शाला का नाम. Name of the house for weapons of the deity Sūryābha. राय० १६२.

चोप्पालग. न० (*) मत्तवारणु-हाथी हाथी. An elephant. ज० प० ४, ८८,

चोभंग. पुं० (चतुर्भङ्ग) जेमां चार विकल्प पडे ते, चोभंगी जिसमें चार विकल्प पड़ते हैं वह, चतुर्भङ्ग That which can be classified in four different ways प्रव० १४४,

√चोय धा० I, II (चद्) प्रेरणा करवी प्रेरणा करना To instigate

चोएइ गच्छा० २०, चोदयति नाया० १, चोइज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० १६;

चोय पुं० (*) त्वचा; छाल छाल. Bark; skin. जीवा० ३, ४, राय० ५६; पन्न० १७;

चोयअ. पुं० (चोयक) एक जातनुं फल एक जाति का फल. A kind of fruit ज० प०

चोयग त्रि०(चोदक) शंका करनार, प्रश्न पूछनार शिष्य शंका करने वाला, प्रश्न पूछने वाला-शिष्य One who questions and doubts सूय० २, ४, २, पिं० नि० २५७; राय० १२३, (२) स्त्री० फूलनी छाब. फूलकी छबड़ी a flower-basket आया० २, ७, २, १६०;

चोयणा. स्त्री० (चोदना) प्रेरणा. चेतवणी. प्रेरणा, चेतावनी. Instruction; caution. प्रव० १४४, पिं० नि० ४८३,

चोयाल पुं० (*) गढउपर बेसवानुं स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A seat on a fort जीवा० ३, ३, क० गं० ६, ५१;

चोयाल स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) चुमालीस. चुम्मालीस Forty-four पन्न० २;

चो (त्रा) यालीस स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) चुमालीस चुम्मालीस Forty-four जं० प० ७, १४६, १४१; भग० ३, १, २४, १२; सम० ४४,

चोर पुं० (चार) चोर, हेरु, तस्कर. चोर तस्कर A thief भग० २, १, ओघ० ३८; अणुजो० १२८, नाया० १. १८, दस० ७, १२, भत्त० १०५, पराह० १, १; राय० २६०, —अभिसंकी पुं० (-अभिशङ्किन्) चोरथी शंका राखनार, चोरनी शंका वालो. चोरसे शंका रखनेवाला, चोर की शङ्कावाला. suspicious of a thief नाया० १८, —आणीय त्रि० (-आनीत) चोरोए लावेलुं चोरों का लाया हुआ brought by thieves. प्रव० २०७; —णायग. पुं० (-नायक) चोरोनो नायक. चोरोंका नायक the head of thieves. नाया० १८; —णिगडि स्त्री० (-निकृति) चोरोनी माया-कपट चोरों की माया-कपट the deceit or tricks of thieves नाया० १८, —पल्ली स्त्री० (-पल्ली) चोरोने रहेवानी जग्या चोरों के रहने का स्थान the residing place of thieves. विवा० ३; —प्पसंगि. त्रि० (-प्रसंगिन्) चोरनी सोबत करनार. चोर

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

—का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया॰ १८, —मत्त. पु॰ (-मत्र) ચોરનો વિચાર. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया॰ १८; -महिला स्त्री॰ (-महिला) ચોરની સ્ત્રી. चोर की स्त्री a wife of a thief विवा॰३ —माया स्त्री॰ (-माया) ચોરની માયા. चोर की माया the deceits or tricks of a thief. नाया॰ १८,—विज्जा स्त्री॰ (-विद्या) ચોર (ખાતર પાડવાની) વિદ્યા. चोरी करने की विद्या. the art of breaking the house by thieves. नाया॰ १८; —सय न॰ (-शत) સો ચોર शत चोर, सौ चोर one hundred thieves विवा॰ ३, —साहिय. पुं॰(-साधिक)ચોરનો સાધારણ ભાગ चोरका साधारण भाग. a common division of thieves भग॰ ६, ३२; —सेणावइ पु॰(-सेनापति) ચોરોનો સેનાપતિ, ચોરોનો અગ્રેસર चोरों का नेता; चोरों का सेनापति, the head of thieves विवा॰ ३; नाया॰ ८,

चोरडा. पु॰ (चोरक) એ નામની એક સુગંધિ વનસ્પતિ જેને નેપાલમા ભટેઉર કહે છે. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepāl. पन्न॰ १; भग॰ २१, ८;

चोरिक्क. न॰ (चौरिक्य) ચોરી. चोरी Theft. भत्त॰ १०६, १३२; ओघ॰ नि॰ ७८७; महा॰ नि॰ १; पराह॰ १, ३; —करण. न॰ (-करण) ચોરી કરવી તે. चोरी करना the act of stealing. सम॰ ११;

चोरिय वि॰ (चोरित) ચોરેલું; ચોરી લીધેલું चुराया हुआ; चोरी से लिया हुआ. Stolen विशे॰ ८५७, पिं॰ नि॰ ४७६;

चोरिय. पु॰ (चौरिक) માણસોને મારી ચોરી કરનાર. मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला A looter; a burgler, one who murders and steals. पराह॰ १, ३; विवा॰ ६,

चोरी. स्त्री॰ (चौर्य) ચોરી, ચોરવું તે चोरी; करना. Theft. प्रव॰ ४४७,

चोलक न॰ (चोलक) ચુડોપનયન, બાલકોનું પ્રથમ શિરોમુંડન કરાવવું તે चूडोपनयन, बालकों का प्रथम शिरोमुंडन (चोलकर्म) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time पराह॰१,२;२, ४,

चोलपट्ट पु॰ (चोलपट्ट) મુનિને નીચો પહેરવાનું વસ્ત્ર. ચલોટો मुनि को नीचे पहिनने का वस्त्र, चोलपट्ट. The waist cloth of an ascetic प्रव॰ २५६,

चोलपट्ट पु॰ (चोलपट्ट) સાધુઓનું કટિ વસ્ત્ર, ચલોટો साधुओं का कटिवस्त्र चोलपट्ट. The waist cloth of ascetics ओघ॰ नि॰ ३४, ६००, पराह॰ २, १, प्रव॰ २४४,४०६,

चोलपट्टग पु॰ (चोलपट्टक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. भग॰ ८, ६,

चोलापणय न॰ (चूलोपनय) જુઓ " चोलक " શબ્દ देखो " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया॰ १; भग॰ ११, ११; जीवा॰ ३, ३;

चोल्लग. न॰ (*) ભોજન; ખાણું भोजन;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th.

आमा. Food; diet. पि० नि०

चोयिय. त्रि० (*) દેદીપ્યમાન देदीप्यमान. Bright; lustrous dazzling. राय० १२२;

चोवत्तरि स्त्री० (चतुःसप्तति) ચુમ્મોતેર चुम्मोत्तर. Seventy-four सम० ७४;

चोव्वीस. स्त्री० (चतुर्विंशति) ચોવીસ चोवीस. Twenty-four उवा० १०, २७७.

चोसठि स्त्री० (चतुःषष्टि) ચોસઠ चोंसठ Sixty-four भग० १, ५,

√ चय धा० I, II. (त्यज्) તજવું; છોડવું छोड़ना, त्याग करना To leave, to abandon

चयइ दस० ६, ८, २, ३,

चयइ उत्त० ३१, ४, सु० च० ८, १३६, सत्था० ६६, भग० ७, १; दस० ८, १७,

चयति. सूय० १, २, १, २;

चय वि० दस० ९ ५, ६, ३, १२, १०, १, १७,

चइस्सति. सूय० १. ८, १२,

चइउ हे० कृ० सु० च० ४, २४१, उत्त० १३, ३२,

चइऊण. सं० कृ० उत्त० ६, ६१

चइत्ता. सं० कृ० श्रोव० १४, ४०, उत्त० १, २१, ४८, भग० ११, ११, नाया० १; ५, ८, दसा० १०, ३.

चिच्चा. सं० कृ० उत्त० १०, २८ आया० १, ६, २, १८४, १, ७, ६, २२२, दसा० ५, ४०,

चयंत. व० कृ० पण्ह० २,

चयमाण. व० कृ० भग० १, ७,

चइज्जइ. क० वा० सु० १०, २७,

√ चव धा० I (च्यु) મરવું, શરીર છોડવું. मरना; शरीर का त्याग करना To die.

चवंति जीवा० ३, १.

चविऊण सं० कृ० सु० च० १, ११५;

चविय सु० च० २, ३७,

√ चुय धा० I (च्युत्) ચવવું; પતન પામવું पतन होना To die, to fall; to degrade

चुए सूय० १, १, २, १२,

√ छण धा० I. (क्षण) છેદવું, મારવું, હિંસા કરવી छेदना; मारना; हिंसा करना. To cut, to kill; to injure.

छणंति क० वा० "आइछणंति भूयाइ" दस० ६, ५२,

√ छाय. धा० I, II. (छद्+णिच्) ઢાંકવું, છુપાવવું, વસ્ત્રની છત કરવું. ढांकना, मकान की छत बनाना To cover, to conceal; to have a cloth ceiling below the roof

छाएइ सूय० २, २, ७०,

छायए वि० दसा० ९, ८. सूय० १, १४, १६, आघ० नि० भा० ३१५;

छाएज्जा त्रि० सूय० १, १०, १४,

छाइत्तए हे० कृ० दसा० ७, १,

छायंत प्रव० ५८, आघ० नि० भा० ३१४;

√ छिंदइ धा० I, II (छिंद्) છેદવું, કાપવું; ભેદવું छेदना, काटना. To cut; to break, to pierce

छिंदइ भग० ३, २, १६, ६, नाया० १४; १८, उत्त० २७, ७;

छेदेइ. भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० ध०

छिंदए १६, ८७,

छिदन्ति. ज० प० ५, १२१,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p 15th.

छिंदिय. ओव० ३६,
छिंदि. उत्त० २, २,
छिंदेज्जा. वि० भग० १६, ३; दस० ८, १०,
छिंदेज्ज वि० आया० १, ३, २, ११५,
छिंद. उत्त० ६, ४, राय० २०८; दसा० ६, ४;
छिंदाहि आ० दस० २, ५,
छिंदह. आ० आया० १, ७, २, २०४,
छिंदिस्सामि भ० निसी० १, ३३,
छिन्दिऊण. सं० कृ० सु० च० २, ६६६,
छिन्दित्तु सं० कृ० दस० १०, १, २१,
छिन्दित्ता. सं० कृ० ठा० ३, २, भग० ८, ६; १४, ८, नाया० १८,
छिन्दिय. क० वा० आया० २, १, २, १३, भग० १४, ८, २२, ६,
छिज्जा क० वा० नाया० १४, दसा ५, ४१,
छिन्दमाण भग० १६, ६; नाया० १;
छिंदंत व० कृ० निसी० १, ३३, पिं० नि० ४८०; भग० १, ६,
छिन्दावेइ. णि० नाया० ८,
छिदावए. उत्त० २, २,
छेदित्ता. भग० २, १, ३, १, नाया० १, १४, दसा० ४, ८४,
छेदेत्ता भग० ६, ३३; १०, ४, १८, २,
छेदित्ता सं० कृ० सम० ७,
छेपत्ता सं० कृ० नाया० १५,
छेत्ता. सं० कृ० भग० ८, ५, आया० १, २, ५, ८६, भग० ६, ५, जं० प० ७, १३३; ७, १४८, सूय० २, २, ६, सु० प० १०;
छेत्तूण. सं० कृ० भग० २५, ७, उत्त० ७, ३,
छेत्तुं. हे० कृ० भग० ६, ७, जं० प०
छिज्जइ. क० वा० भग० १६, ३; राय० २७६, अणुजो० १३८; आया० १, ३, ३, ११६,
छिज्जंति. क० वा० भग० ६, ३; सु० च० २, ३३३,
छिज्जेज्ज वि० भग० ५, ७; १८, १०, अणुजो० १३४,
छिज्जिही भवि० सु० च० ८, १६८;
छिज्जत व० कृ० जीवा० ३, १;
छिज्जमाण भग० १, १, ८, ६, ११, ११; विवा० ०२,
छिज्जत प्रव० १६१,

√च्छिव. धा० I (छुप्) સ્પર્શ કરવો. અડકવું स्पर्श करना, छूना To touch; to come in contact with.
छिवति पण्ह० २, २,
छिप्पे वि० गच्छा० ६०,

√च्छुभ धा० I (क्षिप) ફેંકવું. फेंकना To throw
छुभेज्ज. पिं० नि० ५८२,
छोढुं स० कृ० पिं० नि० ३६८,
छोढूण स० कृ० विशे० ३०१,

√च्छुभ धा० II (क्षुभ्) ખળભળવું, ગભરાવું डगमगाना, घबडाना To totter; to be agitated or frightened
छोभावेइ विवा० ६,

√च्छुह धा० I (क्षिप्) ફેંકવું, નાખીદેવું फेंक देना To throw, to cast away.
छुहइ पि० नि० २२१,
छुहिऊण स० कृ० सु० च० १३, ३४,
छुहित्ता स० कृ० उत्त० १८ ३;

√च्छुह धा० I (छुप्) સ્પર્શ કરવો, અડકવું. स्पर्श करना, छूना To touch, to be in contact with
छुहइ पिं० नि० २५५, क० ग० ६, ८२, ८३;

√च्छोल धा० I (छुर्) છોલવું છાલ-ફોતરા ઉતારવા छीलना, छिलका निकलना. To chop off outer bark, husk etc of anything.
छोलेइ. नाया० ७,

छ

छ. त्रि० (षट्) छ; ६ नी संख्या छ, ६ की संख्या. Six; 6. ठा० १, १; उत्त० २६, ३६; आया० १, २, ६, १७, सम० २१; अणुजो० १४८; भग० १, १; २, १. १०, ५, ४; ८, १३, ६; १७, १, २०, १०, २५, १; ९, ४; ४; ३२, २, ४१, १; नाया० ८, १६; दस० ४, ७, ६६, पन० १; ४; विशे० ३८४; विवा० ५, नंदी० ७, सू० प० १, नाया० ध० ३. छएहं. प० व० भग० १, ५, ८; ३, १; १५, १, नाया० ८, दसा० २, ८, ६; क० गं० १, ३०, २, १६, —अंगुल न० (-अंगुल) छ आंगल छ अंगुल six fingers भग० ६, ७, —अहिअचत्त त्रि० (अधिकचत्वारिंशत्) छेतालीश ४६ छियालीस, ४६ forty-six, 46 क०गं० ४, ५७, —कट्ठय न० (-काष्ठक) दरवाजाना अंदरना भागमां छ काष्ठनो समूह दरवाजे के बाहर के हिस्से में छः काष्ठों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door नाया० १; —क्कम्म न०(-कर्मन्) यजन-याजन-पठन-पाठन वगेरे ब्राह्मणनां छ कर्म. ब्राह्मणों के छः कर्म कर्तव्य, यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, और आदान the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc पि० नि० ४४८, —खंड. पुं० (-खण्ड) छ खंड. भरत आदि क्षेत्रना गंगा सिंधु अने वैताढ्य पर्वतथी पडेला छ विभाग छः खण्ड; भरत आदि क्षेत्रों के गंगा, सिन्धु और वैताढ्य पर्वत द्वारा पड़े हुए छः भाग six parts or divisions; the six divisions of such regions as Bharataksetra etc demarkated by the Ganga, Sindhu and the Vaitadhya mountain प्रव० ६८६; —गमक. पुं० (-गमक) छ गमा-पाठ-आलापा. छः पाठ six (scriptural) studies. भग० १३, २; —जिअ पुं० (-जीव) छ काय जीव छः काय-षट्काय जीव living beings in six different forms क० गं० ४, ५४; —जीवणिकाय. पु० (-जीवनिकाय) छ काय जीवोनो समूह पृथ्वी-अप-तेजस्-वायु-वनस्पति अने त्रसकाय छः जीवों का समूह, पृथ्वी, अग्नि, वायु, वनस्पति, और त्रसकाय a collection of six sentient beings viz those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trasakāyas. (moving animals) नाया० ३.—क्काय. पु० (-षट्काय-षएणां कायानां समाहारः) पृथ्वीकाय - अपकाय – तेउकाय – वाउकाय –वनस्पतिकाय अने त्रसकाय-ए छ प्रकारना जीवोनो समुदाय the group of the six kinds of sentient beings viz with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and minute insects अणुजो० २१; सूय० १, ११; ८, क० गं० ४, १३; पचा० १४, ४२, —ट्ठाण न० (-स्थान) जुओ "छट्ठाणग" शब्द देखो "छट्ठाणग" शब्द. vide "छट्ठाणग" क० गं० ४ ३; —एणउइ स्त्री० (-नवति) छन्नुं; ९६. ९६ की संख्या ninety-six; 96. भग० सम० ६१; १, ५; ६, ७; ७, ६; १०, ५; २४, १६;

[illegible], १८; पण्ह० ८; १२; जं० प० ६, २, १८; ७, १३३; —ण्णउइसय न० (-नवतिशत) એકસો છન્નું. एकसौ छयानवें; १९६ one hudered ninety-six; 196. क० ६, ६७; —तल त्रि० (-तल षट्तलानि यत्र तत्)જેના છ તલિયાં છે એવું. (છ તળવાળું). छ तलों वाला six bottomed. ठा० ८, १; जं० प० —त्तीस. स्त्री० (-त्रिंशत्) છત્રીશ, ३६. छत्तीस, ३६. thirty-six; 36. उत्त० ३६, ७२; नंदी० ४६; भग० १, १; १०, ५; २०, ५; नाया० १६; विशे० १०७, सम० ३६; —दंत. पुं० (-दन्त-षड्दन्ता-यस्य) છ દાંતવાળો હાથી. छ दांत वाला हाथी. having six teeth, an elephant with six tusks. नाया० १, —द्दिसि. अ० (-दिश्) છ દિશા-પૂર્વ, પશ્ચિમ, ઉત્તર, દક્ષિણ, ઉર્ધ્વ અને અધઃ એ છ દિશા. छ दिशाएं, पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, उर्ध्व, और अध. six quarters or cardinal points viz east, west, north, south, upward and downward विशे० ३५२; भग० १, ६, १९, ३; २५, २; ज० प० ७, १३७; —ब्भाग. पुं० (-भाग) છઠ્ઠો ભાગ. छठा हिस्सा. sixth part. जं० प० १, १०; उत्त० ३६, ६१, —(मा) म्मास पुं० (-मास) છ મહિના, છ માસ छ. मास. six months जं० प० ७, १३४. सु० च० ७, १६४; सम० ८८, भग० ८, ८, वव० १, ५; दसा० ६, २, निसी० २०, २१; भग० २, ५, ३, १, ४, ८; ६, ४, २४, १२, २२, १; ६; ३८, १, —मासतव न० (-मासतपस्) છમાસીક તપ षण्मासिक तप. austerity or penance lasting six months. प्रव० ६१४; —म्मासिअ. त्रि० (-मासिक) છમાસી તપ, છ મહિનાના ઉપવાસ કરવા તે. षण्मासिक तप; छः मास तक उपवास करना. penance lasting for six months. ओव० १६; निसी० २०, ११; वव० १, ३; प्रव० १७६, —म्मासियभत्त न० (-मासिकभक्त) છ માસના ઉપવાસનું વ્રત छः मास का उपवास रूप व्रत. a vow to fast for six months. भग० २५, ७; —म्मासिया स्त्री० (-मासिकी) ભિખ્ખુની છઠ્ઠી પડિમા કે જેમાં એક માસ પર્યન્ત છ દાત અન્ન અને છ દાત પાણી ઉપરાન્ત કલ્પે નહિ भिक्षु की छठी प्रतिमा, जिस में एक मास तक छः दात अन्न और इतना ही पानी लिया जाता है. the sixth vow (Padimā) of a Sādhu requiring him to take not more than six Dātas of food and six of water for one month. सम० १२; नाया० १, वव० १, १३, दसा० ७, १, —लेसा स्त्री०(-लेश्या) કૃષ્ણ, નીલ, કાપોત, તેજુ, પદ્મ અને શુક્લ એ છ લેશ્યા. छ लेश्याएं; कृष्ण, नील, कापोत, तेजु, पद्म और शुक्ल. 6 Leśyās viz thought or matter tints of black, blue, grey, red, pink and white colour. क० गं० ४, १०, —वीसा स्त्री० (-विंशति) છવ્વીસ; २६ छब्बीस. २६ twenty-six, 26 क० गं० २, १०; —व्वीसा स्त्री० (-विंशति) છવ્વીસ; २६. छब्बीस, २६ twenty-six; 26 सम० २६; अणुजो० १०१; भग० २, १; ८, ८; १७, १; २०, ५; पन्न० २, ४; सु० च० ८, २४, ज० प० विवा० १; क० गं० ६, ३३, —व्वीही. स्त्री० (-वीथी) છ શેરી-ચૌટા. छः गलियाँ; छ रास्ते. six streets or squares. " छव्वीहीहिय गामे

कुज्जाहिति" प्रव० १३५; —छट्ठि. स्त्री० (–षष्टि) छासठनी संख्या. छासठ; ६६ की संख्या. sixty six; 66. क० गं० २, १८; ५, ७४; —सयरि स्त्री० (–सप्तति) छोंतेर, ७६ नी संख्या. छियोत्तर; ७६ की संख्या seventy-six; 76. क० गं० २, १०;

छउ. पुं० (छवि) દઢાયુના બાપનું નામ. दृढायु के पिता का नाम. Name of the father of Dridhâyu. जीवा० ३, १,

छइय. त्रि० (च्छादित) ઢાંકેલું ढंका हुआ. Covered. नाया० १;

छउम न० (छदन्-छादयति ज्ञानादिकं गुणमात्मन इति) છદ્મસ્થ અવસ્થા, સરાગ દશા सराग दशा, छद्मस्थ अवस्था Condition in which one is not free from attachment. (२) આત્માનું આચ્છાદન કરનાર જ્ઞાનાવરણીય આદિ આઠ કર્મ. आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावरणियादि आठ कर्म the eight varieties of Karma such as Jñānâvaraṇiya etc. which obscure the qualities of the soul. उत्त० १, ४३; सम० १; ओव० भग० ५, १, जं० प० ५, ११५; क० प० २, ८०,

छउमत्थ. त्रि० (छद्मस्थ-छद्मनि तिष्ठतीति) અપૂર્ણ જ્ઞાનવાન માણસ; કેવલજ્ઞાની નહિ; રાગદ્વેષ સહિત अधूरे ज्ञानवाला मनुष्य; रागद्वेष सहित One, possessed of imperfect knowledge; one not omniscient " छउमत्थे चेव कालं करिस्संति " भग० १५, १, आया० १, ६, ४, १५; ओव० ४२; उत्त० २८, १६, ठा० २, १; ३, ४; अणुजो० १२७; पन्न० १; भग० १, ४; १, ६; ५, ४; १४, १०; १५, १; २२. ७; विशे० ८७; १६६; जं० प० जीवा० १; पिं० नि० २३१; कप्प० ५, १३१; पंचा० ८, ११; क० प० ४, ४; प्रव० ७०; ६६६; —अवक्कमण. न० (-अपक्रमण) છદ્મસ્થપણે નીકળવું. छद्मस्थपन से निकलना; छद्मस्थदशामें बाहर आना. the act of coming out in the condition of a Chhadmastha भग० ६, ३१. —कालिया स्त्री० (-कालिका) છદ્મસ્થ કાલની છેલ્લી રાત્રી. छद्मस्थ काल की अन्तिम रात. the last night of the period during which one is Chhadmastha. भग० १६, ६; —परियाय. पुं० (-पर्याय) છદ્મસ્થપણે દીક્ષા छद्मस्थ अवस्था में दीक्षा. entering religious order in the condition of a Chhadmastha सम० ५४, —मरण. न० (-मरण) છદ્મસ્થપણે મૃત્યુ, મરવું તે छद्मस्थ अवस्था मे मरण, मृत्यु. death in the condition of a Chhadmastha. भग० ५, ७, सम० १७;

छउमत्थिय त्रि० (छाद्मस्थिक) છદ્મસ્થ અવસ્થામાં રહેનાર छद्मस्थ दशामें रहने वाला One living in the condition of a Chhadmastha भग० २, १,

√छंद. धा० I (छन्द्) બોલાવવું; નિમંત્રણ દેવું. बुलाना. To call, to invite. छंदिय सं० कृ० दस० १०, १, ६;

√छंद धा० II. (*छर्द्-त्यज्) છાંડવું; મુકવું; તજવું छोडना, त्यागना. To abandon; to leave off.

छंडेहि राय० २०४;

छंडेत्ता. राय० २७४;

छंद. पुं० न० (छन्दस्) છાંદો; મરજી; અભિપ્રાય अभिप्राय; मरजी. Will; opinion; pleasure. प्रव० १०१; सूय० १, २, २, २२; २, २, ८०; आया० १, २, ४, ८४; उत्त० ४, ८, १६, ३०; नाया० ३; भग०

२३, १; १४, १; पराह० १, २. दस० ५, १, १०, ६, ३, १; राय० २३७, विशे० १४५१; पिं० नि० ३१०, ६४१, (२) विषयाभिलाषा विषयों की अभिलाषा desire of sensual pleasure. सूय० १, १०, १०; (३) छंद वृत्तोनु स्वरूप બતાવનાર શાસ્ત્ર પિંગળશાસ્ત્ર. छन्द वृत्तोंका स्वरुप बतलाने वाला शास्त्र, पिङ्गलशास्त्र. science of prosody; metrical science. कप्प० १, ६, ओव० ३८, भग० २, १, (४) ગુરૂનો અભિપ્રાય મરજી गुरु का अभिप्राय the will or pleasure of a preceptor विशे० १४५१, —अणुवत्तग. त्रि० (-अनुवर्तक) અભિપ્રાયને અનુસરનાર, પોતાની મરજી પ્રમાણે ન ચાલતા ગુરૂની મરજી પ્રમાણે વર્તનાર गुरू की इच्छानुसार चलने वाला (one) who acts according to the will of a preceptor सूय० १, १३, २, २२, नाया० ३, —अणुवत्ति. स्त्री० (अनुवृत्ति) કોઇના છંદાને-અભિપ્રાયને અનુસરીવર્તવું તે किसीके मर्जी अनुसार चलना. acting according to the will of another गच्छा० ४२, —उवयार. पु० (-उपचार) આચાર્ય વિગેરેની ઇચ્છાનુસાર વર્તનાર તથા તેમની ભક્તિ કરનાર आचार्य आदि की इच्छानुसार चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला one who obeys and serves a preceptor etc दस० ९, २, २१,

छंदण. न० (छन्दन) ખડીયાનું ઢાંકણું दवात-मसीपात्र का ढकना Lid or cover of an ink stand राय० १७०,

छंदणा स्त्री० (छन्दना) સાધુએ કાંઇપણ વસ્તુ ગૃહસ્થને ત્યાંથી વ્હોરીલાવ્યા પછી ગુર્વાદિકને તે વસ્તુનું આમંત્રણ કરવું તે; સમાચારીનો પાંચમો પ્રકાર. कोई भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस वस्तु के लिये गुर्वादिक का साधुने आमंत्रण करना, समाचारीका पांचवां भेद. The 5th variety of Samāchārī, inviting a preceptor etc to partake of a thing received as alms by a Sādhu प्रव० ७६७, भग० २५, ७, उत्त० २६, ३, पचा० १२, २,

छक्क न० (षट्क) છ ૬ નો સમુદાય. छः का समुदाय A group of six पिं० नि० ३ भग० २०, १०, उत्त० ३१, न; क० गं० १, २१, १, ३०, २, ३३. (२) હાસ્યાદિ ૬ હાસ્ય રતિ અરતિ શોક ભય જુગુપ્સા हास्यादि छ हास्य, रति, अरति, शोक, भय और जुगुप्सा the group of six viz laughter, attachment, discontent, grief, fear and disgust विशे० १२८८, —समज्जिय त्रि० (-समर्जित) છ છને થોકથી જેનું ગ્રહણ થઈ શકે એવું. छः छः के थोक से जिसका ग्रहण हो सके वह capable of being taken into group of six भग० २०, १०;

छक्काय पु०(षट्काय) પૃથ્વી, અપ, તેઉ, વાઉ, વનસ્પતિ અને ત્રસ એ છ કાયના જીવ. पृथ्वीकाय, अपकाय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और त्रसकाय इन ६ प्रकारके जीवोंका समूह षट्काय A group of living beings in the form of earth, water, fire, wind, vegetable and moving animals. अणुजो० १२, सूय० १, ११, ८, —रक्खण न० (-रक्षण) પૃથિવી આદિ છ કાય જીવોનું રક્ષણ કરવું તે पृथ्वी आदि षटकाय जीवों का रक्षण करना protection of the six kinds of sentient beings. प्रव०

४२४; —रक्खा. स्त्री० (-रक्षा) છ કાય જીવોનું રક્ષણ. षटकाय जीवों की रक्षा. protection of the six kinds of sentient beings प्रव० ११६८,

छुग. न० (*) વિષ્ટા. विष्ठा, मल. Dung, feces. पगह० १, ३;

छुगण न० (*) છાણું गोबर Dung पंचा० १२, १३; —पीढग पु० (-पीठक) છાણનો બાજોઠ गोबरका ओटला, बैठने का आसन विशेष. a square seat made of dung. निसी० १२, ६,

छुगणिया स्त्री० (*) છાણો उपल, गोबर के आणे. A dung-cake अणुत्त० ३,१;

छुगल पुं० (छगल) બોકડો बकरा A young of a goat पगह० १, १; जीवा० ३, ४. (२) ચોથા દેવલોકના ઇન્દ્રનું ચિન્હ. चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह the mark of the India of the fourth Devaloka ओव० २६; (३) સત્તરમા તીર્થંકરનુ લાઞ્છન १७ वे तीर्थंकर का चिन्ह the mark of the 17th Tirthankara प्रव० ३८२,

छुगलग. पुं० (छगलग) જુઓ 'छगल" શબ્દ. देखो "छगल" शब्द. Vide "छगल" पि० नि० ३१४,

छुगलपुर. न० (छगलपुर) એ નામનું શહેર इस नाम का एक नगर. Name of a town विवा० ४.

छुच्च. त्रि० (षट्) છ, ६; छ, ६, Six; 6 भग० १, ५, १५, १. पन्न० २, क० गं० २ ७; जं० प० ५, ११८, —अंगुल न० (-अंगुल) જુઓ "छअंगुल" શબ્દ. देखो "छअंगुल" शब्द. vide "छअंगुल" भग० २४, २०; —चत्ताल. स्त्री० (-चत्वारिंशत्) છેંતાળિસની સંખ્યા. छयालीस की संख्या. fourty six. जं० प० ७, १४७, —मास. पुं० (-मास) છ મહીના. छः मास. six months. उत्त० ३६, १५; —सट्ठ स्त्री० (-षष्टि) છાસઠની સંખ્યા. छासट की सख्या. sixty-six जं० प० ७, १४७;

√छज्ज धा० I (राजेरग्घछज्जसहरीररेहा इति सूत्रेण राजते छज्जादेशः) શોભવું. शोभना. To appear beautiful; to shine

छज्जति. जं० प० ३, ४५,

छज्जिआ स्त्री० (*) છાબડી; ફુલ વગેરે રાખવાની છાબ छाबडी, फूल वगैरह रखने का टोकरी. A shallow basket for flowers etc. राय० ३५.

छज्जीवणिया स्त्री० (*षड्जीवनिका-जीवनिकाय) જેમા છકાય જીવની રક્ષાનો અધિકાર છે એવા દશવૈકાલિક સૂત્રના ચોથા અધ્યયનનું નામ. दशवैकालिक सूत्र के चौथे अध्याय का नाम, जिसमें षट्काय जीवोंकी रक्षा का अधिकार है. Name of the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra dealing with the subject of protection of the six kinds of sentient beings दस० ४, —नामउज्झयण. न० (-नामाध्ययन) છજીવનિકાય નામે દશવૈકાલિકસૂત્રના ચોથા અધ્યયનનુ નામ. षटजीवनिकाय नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय. the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra named Chha-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

Jivanikāya. दस० ४;

छक्कण. न० (*) સીચવું; છાંટવું. सींचना; छांटना To sprinkle सु० च० ६, ११;

छट्ठ. त्रि० (षष्ठ) છઠ્ઠું, છની પૂરણ સંખ્યા छठा. Sixth. कप्प० ८, पन्ना० १६, १२, कप्प० ४; ११४, (२) બે ઉપવાસ ભેગા કરવા તે दो उपवास एक साथ करना two consecutive fasts भग० २, १; ५; ३, १, ४, ७; ७, ७, २४, १०, नाया० १, ६, ७, ८; १६, १४, दस० ४, सूय० १, १, १, १२; सम० ८, सु० च० २, ३४८ पज० ४, दस० ४, वव० ४, ४०; विशे० ६४१, पिं० नि० ४६०, नाया० ध० ६, दसा० ६, २; ७, ११; — **अट्ठम** पुं० (-अष्टम) બે અથવા ત્રણ ઉપવાસ કરવા તે—છઠ્ઠમ -અટ્ઠમ दो अथवा तीन उपवास करना, षष्ठ-अष्टम तप. the (Chhattha) or (attha-ma) consecutive fasts नाया० १६, —**खमण** न० (-क्षमण) છઠ્ઠ તપ, બે ઉપવાસ સાથે કરવા તે. षष्ठ तप दो उपवास एक साथ करना two consecutive fasts नाया० १४; अंत० ३, ८; भग० २ ५; —**भत्त** न० (-भक्त) પાંચ ટંક ઉલ્લંઘી છઠ્ઠે ટંકે ભોજન કરવું, બે ઉપવાસ ભેગા કરવા તે पाँच भोजन वेलाओं का त्याग कर के छठे वक्त भोजन करना, दो उपवास एक साथ करना. taking food after two consecutive fasts. ओव० भग० १, १; पञ० २८, —**भत्तिय** त्रि० (-भक्तिक) બે બે ઉપવાસ કરવા વાળો. दो दो उपवास करने वाला (one) observing two consecutive fasts. भग० ३, ४; १४, ७; १६, ४;

छट्ठछट्ठेण अ० (षष्ठ षष्ठेन) છઠ્ઠછઠ્ઠને પારણે છઠ્ઠ તપ કરવું તે छ. २ के पारणे से षष्ठ तप करना Practising an austerity in which fast is to be broken every third day "छट्ठ छट्ठेण तवो कम्मेणं" अणुत्त० ३, १; नाया० १३, १६; भग० ९, ३१,

छट्ठग न० (षष्ठक) છઠ્ઠું छठा. Sixth भग० ६, १,

छट्ठाण न० (षट्स्थान) અનંત ભાગ હીનાધિક, અસંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અસંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અને અનન્ત ગુણ હીનાધિક, એ હાનિ વૃદ્ધિના છ સ્થાનની સંખ્યા. अनंत भाग हीनाधिक, असंख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व अनंत गुण हीनाधिक, इन हानि वृद्धि के छः स्थानक का संज्ञा Name of the six stages of rise and fall namely more or less than infinite parts or divisions; more or less than immeasurable parts or divisions, more or less measurable or limited virtues or qualities, more or less than illimitable virtues and more or less than infinite virtues पिं०नि०भा० २६,—**गय** त्रि०(-गत) છ સ્થાનકમાં પ્રાપ્ત થયેલ, ૧ અનન્ત ભાગ, ૨ અસંખ્ય ભાગ, ૩ સંખ્ય ભાગ, ૪ અનન્ત ગુણ, ૫ અસંખ્ય ગુણ, ૬ સંખ્ય ગુણ એ છ સ્થાનક સાથે

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कीलाधिक रूपे प्राप्त थयेल. छ स्थानकों में पहुंचा हुआ; १ अनंत भाग, २ असंख्य भाग, ३ संख्य भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्य गुण, ६ संख्य गुण, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से संबंध रखने वाला One who has reached or obtained the 6 stages (1) Infinite divisions,(2) immeasurable parts, (3)measurable or limited parts. (4) infinite virtues (5) virtues by and measure (6) virtues that can be counted or reckoned One who keeps concern with the above six forms of stages in a more or less measure विशे० १४२.—पडिय त्रि० (-पतित) छ स्थानकमां पतित छ स्थानकोंमें पतित one resorting to six stages भग० २५, ६;

छट्ठिया. स्त्री० (षष्ठिका) छट्ठीउत्पत्ति, छट्ठो जन्म छठा जन्म. Sixth birth "इमाओ छट्ठिया जाई" उत्त० १३, ७.

छट्ठी. स्त्री० (षष्ठी) छट्ठ, पक्षनी छट्ठी तिथि षष्ठी; पक्ष की छठी तिथि The sixth day of a fortnight. जं० प०७, १५३; (२) छट्ठी विभक्ति. छठी विभक्ति. the genitive case. ज० प० पन्न० २, ३, अणुजो० १२९; विशे० ६६७, (३) छट्ठी नरक, मघा नामे छट्ठी पृथ्वी. छठा नरक, मघा नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया० १६; —पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) मघा नामे छट्ठी नरक. मघा नामक छठी नरक भूमि the sixth hell named Maghā. जीवा०२; नाया०१६;

छडिय. त्रि० (*) छांडेलुं, छडेलुं. (शाल-कमोद वगेरे) मूसले से पीट कर दाना को भूसा से अलग करना Thrashed with a flail, pounded "तिछडिय साति" राय० ११८, तदु० जीवा० ३, ४;

√छड्ड धा० I, II (छर्द्) छोडवुं, तजवुं छोड़ना; त्याग करना To abandon; to leave; to release

छड्डइ. भग० १ ६;

छड्डसि उवा० २, ६५,

छंड्डज्ज वि० विशे० १४१३,

छड्डेज्जा नाया० २,

छड्डए वि० दस० ५, १, ८५,

छड्डइस्सामि राय०

छड्डेउं सं० कृ० विशे० १४७१,

छड्डावेइ णि० सु० च० १४, १२७

√छड्ड धा० I, II (छर्द्) ऊलटी करवी; वमन करवुं वमन करना To vomit

छड्डिआ आया० २, १, ३, १४,

छडुछडु पु० (छडुछडु) सुपडे सातीने धान्यनो जे अवाज थाय ते; छडु छडु एवो अनुकरण शब्द-अवाज. छडु छडु ऐसी आवाज An onomatopoetic word expressive of its sound नाया० ७,

छड्डण. न० (*छर्दन) परठवुं, तजवुं त्याग देना. Getting rid of (e g. feces); abandoning पि० नि० ५२७; ५५६; आया० २, १, ६, ३२,

छड्डावण न० (छर्दन) छोडाववुं, तजाववुं छुड़ाना; त्याग कराना. Causing to abandon ओघ० नि० भा० २१८,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

छड्डिय त्रि० (छर्दित) ઉલટી કરેલ; વમન કરેલ. वमन, वमन कियाहुआ. Vomitted (२) વમન કરનારને હાથે વ્હોરવાથી સાધુને લાગતો એક એષણાનો દોષ. वमन किये हुऐ के हाथ से भिक्षा लेने से साधु को लगाता हुआ एक एषणा का दोष. a fault connected with alms-begging viz. accepting food at the hands of one who has vomtited. पंचा० १३, २६; प्रव० ५७६, पिं० नि० ५२०,

√छण धा० I. (क्षण) હિંસા કરવી; વધ કરવો हिंसा करना, वध करना To kill

छणे. त्रि० नाया० १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६,

छणइ आ० सूय० २, १, १७;

छण पु० (क्षण) વખત, અવસર. समय, अवसर Time, moment (२) હિંસા हिंसा. killing (३) ઉત્સવ. उत्सव a festivity ओघ० नि० ८८. —ऊसविश्र त्रि० (-औत्सविक) ઓચ્છવ મહોછવે પહેરવા ઓઢવાનું उत्सव महोत्सव के प्रसग पर ओढने व पहिनने का. holiday apparel निसी० १५, ३५. —पश्र न० (-पद) હિંસાસ્પદ; હિંસાનુ સ્થાન. हिंसा का स्थान. an abode of the sin of killing नाया० १, २, ६, १०२,

छणिय. त्रि० (क्षणिक) ક્ષણભગુર क्षणभगुर Transitory; transient. (२) મહોત્સવ महोत्सव a great festivity नाया० ५;

छण्ण. त्रि० (छन्न) ઢાંકેલું; સંતાડેલું; છાનું ढका हुआ, छिपाया हुआ; गुप्त Covered, concealed, hidden. निसी० १२, ६, ओघ० नि० १२८; (२) જન સમુદાયે મળી ભોજન કરવુ તે भोजन सम्मेलन. feasting; a feast; a dinner-party. नाया० २; (३) ઇન્દ્રાદિનો મહોત્સવ इन्द्रादि का महोत्सव a festivity of Indra etc. भग० ६, ३३; नाया० १;

छण्णालश्र न० (*षण्णालक) ત્રિકાષ્ઠિક, સન્યાસીનું એક ઉપકરણ. त्रिकाष्टिक, सन्यासी का एक उपकरण. A wooden implement used by a Sannāyāsī (an ascetic). भग० २, १, नाया० ५; ओव० ३८;

छणिश्र पुं० (क्षणिक) એ નામનો એક કસાઇ इस नाम का एक कसाई. Name of a butcher विवा० ४.

छत्त न० (छत्र-आतप छादयति तत्) છત્ર, છત્તર छत्र, छाता An umbrella कप्प० ४, ६२. प्रव० ४४१, १२२८, ओव० १०, २७, अणुजो० १३१, सूय० १, ४, २, ६, ठा० ५, १, सम० १४, ३४, नाया० १, ३; ५, ८, १२, भग० ३. १; २, १०; ४, ४, ७, ६, ८, १०, दसा० १, १; ३, वव० ८, ५, पन्न० २, निसी० ६, २२, ओघ०नि० भा० ८५, जीवा० ३, ३; राय० ६८; सु० च० १५; २६, ज० प० ५, ११७; विवा० २; नाया० ध० दस० ३, ४; उवा० १, ११; (२) ચંદ્ર વગેરેનો છત્રાકારે થતો નક્ષત્ર સાથેનો યોગ, છત્રયોગ चद्रादि का नक्षत्र के साथ छत्रकी आकृतिके अनुसार होता हुआ योग, छत्रयोग the conjunction of the moon etc with a constellation presenting the appearance of an umbrella. सू० प०१२; —अतिछत्त. न० (-अतिछत्र) ભગવાનનો એક અતિશય; ભગવાનના માથે છત્રઉપર છત્ર ધારણ થાય તે. छत्रपर छत्र धारण करना; भगवान का एक अतिशय. holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc नाया० १; ५, भग० १९, ५, सू० प० १२; —कार पुं० (-कार) છત્ર બનાવનાર. छत्र बनाने वाला. a maker of umbrellas. अनुजो० १३१; —ग्गाह पुं० (-ग्राह) છત્રને ધારણ કરનાર. छत्र को धारण करने वाला one who holds an umbrella. निसी० ६, २४, —त्तय न० (-त्रय) ઉપરા ઉપરિ ત્રણ છત્રો, છત્ર ઉપર છત્ર તેના ઉપર છત્ર. ऊपरा ऊपरी तीन छत्र, छत्र के ऊपर छत्र व उसपरभी छत्र three umbrellas, one held over the other प्रव० ४५१, —धारि त्रि० (-धारिन्) છત્ર ધરનાર. छत्र धारण करने वाला (one) who holds an umbrella भग० ११, ११. —रयण न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્નમાનું નવમું રત્ન चक्रवर्ती के चौदह रत्नों मे म नवमा रत्न the ninth of the fourteen jewels of a Chakravarti ठा० ७ १, जं० प० पन्न०२०, —लक्खण न० (-लक्षण) છત્રના લક્ષણ પરખવાની એક કલા. छत्र के लक्षणों की परिक्षा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella नाया० १; —संठिय त्रि० (-संस्थित) છત્ર સંસ્થિત; છત્રને આકારે રહેલ. छत्र की आकृति वाला having the form of an umbrella. उत्त० ३६, ५७;

छत्तग. न० (छत्रक) છત્ર; છતર छत्र; छाता An umbrella. नाया० ३, ३, २, १२०; (२) સંન્યાસીનું એક ઉપકરણ. संन्यासी का एक उपकरण. an implement used by an ascetic. सूय० १, ३, ४८;

छत्तगत्ता. स्त्री० (छत्रकता) છત્રને આકારે એક વનસ્પતિપણું छत्र के आकार में एक प्रकार का वनस्पतिपना State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella सय० २, ३, १६,

छत्तपलासय पु० (छत्रपलाशक) કયંગલા નગરની બ્હારનો એ નામનો એક બગીચો कयंगला नगरी के बाहर का इस नाम का एक बगीचा. Name of a garden outside the town named Kayangalā ' छत्तपलासए नामं चेइए होत्था " भग० २ १;

छत्तय. न० (छत्रक) જુઓ "छत्त" શબ્દ. देखो "छत्त" शब्द. Vide ' छत्त " भग० २, १

छत्तरि स्त्री० (षट्सप्तति) છોંતેર; ૭૬ની સંખ્યા. छहत्तर, ७६ Seventy-six; 76 क० ग० ६, ३१.

छत्ता स्त्री० (छत्रा) અનન્તકાય વિશેષ अनन्तकाय विशेष A variety of Anantakāya भग० २३, ३;

छत्तार पु० (छत्रकार) છત્રી બનાવનાર કારીગર छाता बनानेवाला कारागीर A maker of umbrellas पन्न० १,

छत्ताह पुं० (छत्राभ) એક વૃક્ષ-કે જેની હેઠ છઠ્ઠા શ્રીપદ્મપ્રભ તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન થયું હતું एक वृक्ष कि जिसके नीचे छठे श्री पद्मप्रभ तीर्थंकर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Śrī Padmaprabha attained to omniscience. सम० प० २३३,

छत्ति. त्रि० (छत्रिन्-छत्रमस्यास्तीति) છત્રી વાળો; છત્ર વાળો. छत्रवाला, छातावाला. Having an umbrella; possessed

of an umbrella. भग॰ ८, १०; अणुजो॰ १३१,

छत्तोअ. न॰ (छत्रौक) छत्राकार वर्षाद पछी तरत उगती एक वनस्पति के जेने लोको भीदडानी 'ग्णी कहे छे ते छत्र की आकृति के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली एक प्रकार की बनस्पति कि जिसको लोग कहते हैं A kind of umbrella-shaped vegetation sprouting up immediately after the setting in of monsoon, mushrooms; fungi पन्न॰ १,

छत्तोवग. पुं॰ (छत्रोपग) एक जातनुं वृक्ष एक प्रकार का झाड A kind of tree, ओव॰ जीवा॰ ३, ४,

छत्तोह. पुं॰ (छत्रौघ) ए नामनुं झाड; वृक्ष विशेष इस नाम का वृक्ष; वृक्ष विशेष Name of a particular kind of tree. पन्न॰ १; भग॰ २२, ३, —वण न॰(—वन) छत्रोह जातना वृक्षनुं वन. छत्रोह जात के वृक्षों का वन a forest of the trees of the Chhatroha kind भग॰ १, १;

छद. न॰ (छद) पांख, पिच्छु पक्ष, पर. A wing; a feather. उत्त॰ १४, ६,

छद्धा. अ॰ (षोढा-षड्भिः प्रकारैः) छ प्रकारे छः प्रकारसे In six ways or modes. विशे॰ ६००; क॰ गं॰ १, ३८;

छन्न. त्रि॰ (छन्न) गुप्त राखेल, कपटथी आश अने गोपवी अन्यथा बोलेल गुप्त, भेदयुक्त Hidden; secret; dissimulated. सूय॰१,६,२६; भग॰२५,७; (२) स्त्री॰बीजा न जाणे तेवी रीते गुप्त सन्देशो पहोंचाडनार एक दूती. औरों को ज्ञात न हो इस प्रकार सदेशा पहुचानेवाली दासी-दूती a female servant who conveys a message without letting others know it कप्प॰ ६, २६; पिं॰ नि॰ ४२८; —अक्क पु॰ (—अर्क) वादळाथी ढंकायेल सूर्य. बादल से ढका हुआ सूर्य the sun hidden behind clouds. विशे॰ ६१८, —पन्न-य न॰ (-पद) कपट, माया. कपट, माया. deceit; fraud; foul play. सूय॰ १, ४, १, २, —पद न॰ (-पद) मायास्थान, कपट मायास्थान; कपट deceit, fraud, foul play. सूय॰ २, ६ ३४,

छन्ना स्त्री॰ (छन्ना) जुओ "छन्नपन्न" शब्द देखो "छन्नपन्न" शब्द Vide "छन्नपन्न" सूय॰ १, २, २, २६;

छब्बग्ग. पु॰ (*) वासनी धीवरणी, चालणी बासकी चलनी A sieve of bamboo आया॰ २, १, ८, ४३ ओघ॰ नि॰ ४५८, पिं॰ नि॰ ५६१;

छब्बुवग्ग स्त्री॰ (*) रोटली वणवानी पाटली, आपडीओ रोटी बनानेका पाटा A wooden board on which bread is made पिं॰ नि॰ २७९;

छब्भंग पु॰ (षड्भङ्ग) छ भांगा. छः भंग Six classifications. भग॰ ६, ४;

छब्भामरी. स्त्री॰ (षड्भ्रामरी) वीणा, सतार सितार; बीन A harp a flute नाया॰ १७,

छम्मुह. पुं॰ (षण्मुख) विमलनाथजीना यक्षनुं नाम विमलनाथजी के यक्ष का नाम. Name of a Yakṣa of Vimala-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

nāthaji. प्रव॰ ३७६;

छरु पुं॰ (त्सरु) तलवारनी मुठ. तलवार की मूठ. The handle of a sword ओव॰ १०; जीवा॰ ३, ३, पराह॰१, ४,—प्पवाय पुं॰ (-प्रवाद) तलवारनी मुठ पकडी फेरववानी कला. पटेबाजी. the art of fencing. ओव॰ ४०, नाया॰ १,

छल. त्रि॰ (षट्) छ छ. Six. विशे॰ ३०१, —अंस. पुं॰(-अंश) छअंश छ अंश. six parts भग॰ ६,५, पराह॰ १४५७; जं॰प॰ ३.५४, (२)छठो भाग छठा हिस्सा. sixth part "अगुरुलहु चउ चलंसि तीसतो" क॰ गं॰ २, १०; —असा स्त्री॰ (-अंश) छ प्रकृतिनी सत्ता छ प्रकृतियों की सत्ता. the existence of six Prakritis क॰ गं॰ ६, ६,—द्ध त्रि॰ (-अर्द्ध-सार्द्ध पंचकम्) साडापांच साडे पांच five and a half विशे॰१८०१,—सीइ स्त्री॰ (-अशीति) छआसी; ८६ छियासी eighty six 86 क॰ गं॰ ६, ३१, सम॰ ८६, भग॰ २, ८,

छल न॰ (छल) छल, कपट—बीजाना वचनने पोतानी प्रष्टकल्पनावडे असत्य करी बतावनुं. छल, कपट,-औरों के वचन को अपनी इष्ट कल्पना से असत्य कर दिखाना Fraud; deceit, proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself विशे॰१६०७, —आयतरण. न॰ (-आयतन) छल-वादनो एक दोष तेनुं स्थान. छल-वाद का एक दोष उसका स्थान an abode of fallacious dispute or controversy. "आईसु छलायतणं च कम्मं" सूय॰ १, १२, ५,

छलणा. स्त्री॰ (छलना) छेतरवुं; छलभेद ठगना, छलभेद. Deceit, fraud. ओघ॰ नि॰७८५; पि॰ नि॰ ११०,

छलिअ. त्रि॰ (छलित) कपट विगेरेथी ठगायेल. कपट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceived; cheated;imposed upon.नाया॰ ६; विशे॰ १६०७; पि॰ नि॰६३४;

छलुअ पुं॰ (षडुलूक) जुओ "छलुग" शब्द देखो "छलुग" शब्द Vide "छलुग" ठा॰ ७, १,

छलुग पुं॰ (षडुलूक) वैशेषिक मतना स्थापनार कणाद मुनि वैशेषिक मत के स्थापक कणाद मुनि Kaṇāda, the founder of the Vaiśesika tenet. विशे॰ २३०२,

छलूय पुं॰ (छलूय) आर्य महागिरिना शिष्यनुं नाम आर्य महागिरी के शिष्य का नाम Name of a disciple of Ārya Mahagiri कप्प॰ ८,

छल्ली स्त्री॰ (छल्ली) त्वचा. छालटो, छाल त्वचा, छाल Skin, bark विवा॰ १, नाया॰१३.१४;प्रणजो॰१; पन्न॰१ राय॰५३; —खाअ त्रि॰ (-खाद) छालने खानार एक जातनो कीडो छाल को खाने वाला एक प्रकार का कीडा. an insect or worm eating the bark of trees ठा॰ ८, १.

छवि स्त्री॰ (छवि-छयति आम्नार छिनत्ति वा तमः) चामडी, छाल. त्वचा, चमडी, छाल Skin bark ठा॰ २, ३, ज॰ प॰ प्रव॰ ४३६; (२) शरीर शरीर. a body. भग॰ ५, ४, ७, ६; (३) कांति; तेज सौन्दर्य lustre, beauty कप्प॰ ३, ३४. जीवा॰ ३, ९ (४) वाल चोळा वगेरे धान्य चोले वगैरह धान्य a variety of pulse. दस॰ ७, ३४; —आब. पुं॰ (-आब) सुवर प्रमुखनी चामडी पानार.

सुअर वगैरह की चमड़ी को खाने वाला one who eats the skin of pigs etc निसी० ६,१०, —त्ताण न०(-त्राण) ચામડીનું રક્ષણ કરનાર વસ્ત્ર કાંબલી વિગેરે त्वचा का रक्षण करने वाला वस्त्र कम्बल वगैरह any kind of cloth (e g a blanket etc) protecting the skin. उत्त० २, ७, —छेद पुं० (-च्छेद) જુઓ छविच्छेय) શબ્દ देखो "छविच्छेय" शब्द vide "छविच्छेय" ठा० ७,१, भग० ८, ३, ११, १०; १४, ८, १५, १; —च्छेय. पुं० (च्छेद) હાથ, પગ, નાક, કાન વગેરે કાપવા તે. એકજાતની દંડ નીતિ हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना, इस नामकी दंड नीति punishment by mutilation of limbs. जीवा० ३,३, राय०२६०, ज०प०नाया०४. पंचा० १, १०,—पव्व न०(-पर्वन्) જેમાં હાડના સાંધા અને ચામડી વગેરે છે તેવું શરીર,ઉદારિક શરીર ऐसा शरीर जिसमें हड्डियों की जोड व त्वचा वगैरह है the physical body consisting of bones, skin etc उत्त० ६, २४,

छवि. स्त्री० (क्षवि) નાશ, ક્ષય. नाश, क्षय Destruction, ruin भग० २५, ७. —कर त्रि० (-कर) જીવોનો ક્ષય કરનાર जीवों का क्षय करने वाला (one) who destroys or kills living beings. भग० २५, ७,

छव्वीसं. स्त्री० (षड्विंशति) છવીસ छब्बीस Twenty-six. विवा० १;

छव्विह. त्रि० (षड्विध) ૭ પ્રકારનું. छ प्रकार का. Of six kinds or modes सम० ६, भग० १२, ४; दसा० ४, ३८; ४५; ४६; ७, १,

छवीइय त्रि० (छविमत्) કાન્તિવાળું. तेजस्वी, कान्तिवान. Beautiful, lustrous. ओघ० १०, आया०२, ४, २,१३८;

छव्विह त्रि० (षड्विध) ૭ પ્રકારનું. छः प्रकार का Of six kinds or modes. वेय०६,२०, पिं०नि० ५, भग०६,७, १६, ८; २५ ६, ७, विशे० ३००; —बंधय त्रि० (-बन्धक) મોહ અને આયુષ્યકર્મ ને છોડી બાકીના ૭ કર્મ નું બન્ધન કરનાર मोह और आयुष्यकर्म को छोड़कर शेष छ कर्मों का बन्धन करने वाला one who incurs Karma of six kinds i e all save those called Moha and Āyus भग० ६, ४;

छहा अ० (षोढा) ૭ પ્રકારે. छ. प्रकार से In six ways or modes. क० ग० १, ५, ८,

*छाअ. त्रि० (*) ભૂખ્યું भूखा, जिसको क्षुधा लगी हो वह Hungry पिं० नि० ६६३,

छाआ स्त्री० (छाया) છાયા, પડછાયો छाया Shade, shadow ओघ० दसा० ७, १;

छाइय त्रि० (छादित) ઢાંકેલું ढंकाहुआ. Covered नाया० १,

छाउमत्थ त्रि० (छाद्मस्थ) છદ્મસ્થ સંબંધી. छद्मस्थ सम्बन्धी Pertaining to a Chhadmastha (i. e one not free from attachment राय० २४१;

छाउमत्थिय पुं० (छाद्मस्थिक) છદ્મસ્થ અવસ્થામાં રહેનાર. छद्मस्थ अवस्था में रहने वाला. One in the stage of being Chhadmastha. (i. e. one not

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

who sweeps off ashes. जं० प०

छारिय-य. न० (क्षारिक) ભસ્મ. राख, भस्म. Ashes भग० २, २, —**रासि** पुं० (-राशि) ભસ્મનો ઢગલો. राख का ढेर. a heap of ashes दस० ४, १, ७,

छारियभूय त्रि० (क्षारीभूत-अक्षार अक्षरम क्षारं भस्म भवतीति) રાખ જેવું થયેલું राख जैसा बना हुआ Reduced to ashes भग० ५, ६, ७, ६,

छारिया. स्त्री० (क्षारिका) રાખ राख Ashes भग० ५, २, १८, ६,

छारीभूय त्रि० (क्षारीभूय) જુઓ " छारियभूय " શબ્દ. देखो " छारियभूय " शब्द Vide " छारियभूय " भग० ३, १,

छावट्ठि स्त्री० (षट्षष्टि) છાસઠ; ६६ छासठ, ६६ Sixty-six, 66. जं० प० ७, १३४, विशे० ४३५, ७१८, सम० ६६, भग० २४, २०, पन्न० ४,

छाव पुं० (शाव) બચ્ચું, બાલક बालक, बच्चा A young one, a baby. नंदी० स्थ० ४६, सूय० १, १४, ३;

छावत्तरि स्त्री० (षट्सप्तति) છોતેર, ७६ छियोत्तर, ७६ Seventy-six, 76. सम० ७५; भग० २४,१२, जं० प० ७,१२६,

छासट्ठि स्त्री० (षट्षष्टि) છાસઠ, ६६ छांछठ; ६६. Sixty-six, 66. भग० ८,२;२४,१;

छासीइ स्त्री० (षडशीति) છયાશી; ८६. छियासी, ८६ Eighty-six, 86 भग० २०, ५,

छिंडी. स्त्री० (*) છીંડી-નાનો માર્ગ, બારી-બારી; छोटी खिड़की A small back-door; a small window or gate. नाया० २;

छिक्क त्रि० (छीत्कृत) છી-છી કરેલું तिरस्कृत. Despised, condemned विशे० ११७; १७५४, पिं० नि० १८६; १९१; पिं० नि० भा० ३७;

छिक्कंत त्रि० (*) છીંકતું छींकता हुआ. Sneezing सु० च० ४,२२६;

छिक्छिक्कार पु० (छिक्छिक्कार) કુતરા વગેરેને હાંકવાને છિ છિ-હત હત વગેરે શબ્દ કહેવો ते कुत्ता वगैरह को निकालने के लिये छि छि हत-हत वगैरह शब्दों का कहना, Uttering the sound Chhi-Chhi or any similar sound to drive away dogs etc पिं० नि० ४५१, पिं० नि० भा० १२४;

छिड्ड न० (छिद्र) છિદ્ર. કાણું. બાકોરું. छिद्र A hole, an opening. विशे० १४६२, (२) દોષ. दोष, अपराध a blemish. a fault राय० २८३, (३) આકાશ. आकाश the sky. भग० २०, २;

छिड्डिया स्त्री० (छिद्रिका-छिद्राणि विद्यन्तेऽस्यामिति) ચાળણી चलनी A sieve नाया० ८,

छिण्ण. त्रि० (छिन्न) છેદેલું; કાપેલું. काटा हुआ. Broken; cut off. उत्त० १४, २६, १५,७, ओव० ३८; सम० १२; आया० १,१, ५, ४६, भग० ८, ३; ६, ७, ३३; १३, ४, १६, ६; नाया० १; १६; १८; पन्न० १५, —**आवाय** त्रि० (-आपात—छिन्न आपात आयातोऽन्यागत आगमनम् यस्मिन्) જેમાં જવું આવવું ન બને એવું સ્થાન-પર્વત જંગલ વગેરે. जिसमें आना जाना न हो सके ऐसा स्थान-पर्वत जंगल वगैरह. (anything) inaccessible e. g. a

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

mountain, a forest etc नाया० १५; भग० १५, १; वेय० ४, २६; —जाला. स्त्री० (-ज्वाला) छेदायेल अग्निनी शिखा; जेनी ज्वाल-ज्वाला छेदाइ गइ छे ते छिदी हुई अग्निकी शिखा; जिसकी ज्वाला छिद गई हो a broken flame of fire, (fire) with broken flame. नाया० १; —भिरण्ण त्रि० (-भिन्न) छिन्न भिन्न थई गयेल छिन्न भिन्न बना हुआ scattered, at sixes and sevens, in a condition of disorder "छिण्णभिण्णं बाहिरिगाहिय" विवा० ३, —रुहा स्त्री० (-रुहा—सत्यपिछिन्ना पुनरारोहताति) कापी नाखी होय तोज उगे एवी एक जातनी वनस्पति (गळुची) काट डाली जावे तब ही उगे एसा एक प्रकार की वनस्पति a species of vegetation which grows only if it is pruned (Galuchī) पन्न० १, विवा० ३; भग० २३, १, —सेलग त्रि० (-शैलक) जेमा पर्वत छेदाईने पडी गयेल छे एवो मार्ग वगेरे ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो a road etc obstructed by a mountain which has broken and collapsed नाया० १८; —सोय. त्रि० (स्रोतस्) जेनो संसार प्रवाह छेदाइ गयो छे ते जिस का संसार प्रवाह छेदा गया है वह one whose worldly relations are cut off जं० प० २, ३१;

*छिन्न. त्रि० (*) स्पर्श करेलु; अडकेलु स्पर्श किया हुआ, छुआ हुआ Touched, in contact with. पिं०नि०५३९,

छिन्नरा स्त्री० (*) छापरु; छत. छत. A roof; a ceiling "छिन्नरा छिकवाइ" भग० ८, ६,

छिन्नार. त्रि० (छेदृ) छेद करनार, नाश करनार नाश करने वाला One who cuts off or destroys. आया० १, ७, ३, २०६, प्रव० १३१,

छिद्द न० (छिद्र) जुओ "छिड्डु" शब्द. देखो "छिड्डु" शब्द Vide "छिड्डु" भग० ३, ३; नाया० २, ८, राय० २५४; पन्न० २; —प्पेहि त्रि० (-प्रेक्षिन्) छिद्र जोनार छिद्र को देखने वाला (One) who looks to the weak points of others ठा० ४, १; —अंत पुं० (-अंत) छिद्रनो अन्त-छेडो छिद्र का अन्त-किनारा end of a hole. "छिद्दते हुसते" भग० १, ६,

छिन्न. त्रि० (छिन्न) जुओ 'छिण्ण' शब्द देखो "छिण्ण" शब्द Vide 'छिण्ण' उत्त० २, ५, पिं० नि० ५८८, दस० ४, भग० ३२, (२) नियमित रीते जुदुं पाडेलुं; विभाग करेल. नियमित रीति से विभक्त. divided, separated पिं० नि० २३१; ३८८, —कहकह त्रि० (-कथंकथ-छिन्ना-इर्याकृता कथकथा रागद्वेषादियेन असौ) दूर करी छे रागविलासादिक कथा जेणे. जिस ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह (one) who has banished talk involving passion, hatred etc. आया० १, ७, ६, २२२; —गंथ. त्रि० (-ग्रन्थ) ग्रंथ-परिग्रहनी गांठ-आसक्ति जेणे छेदी नाखी छे ते. ग्रंथ-परिग्रह की आसक्ति जिसने हटा

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वी हो वह (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions कप्प० ५, ११६ —पक्ख त्रि० (-पक्ष) કપાયેલ છે પાંખ જેની તે कटे पंख वाला having the wings cut off भत्त० १४१,

छिन्नछेयणइय त्रि० (छिन्नछेदनयिक) જે સૂત્ર કે ગાથા સ્વતન્ત્ર અર્થ દર્શાવે બીજી સૂત્ર કે ગાથાની અપેક્ષા ન રાખે તે છિન્ન છેદનયન્ય કહેવાય જેમ ધમ્મોમંગલ મુક્કિટ્ઠમ जो सूत्र या गाथा स्वतन्त्र अर्थ बता सके दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse e. g. religion is the highest good' सम० २२,

छिन्नाल पु० (*) હલકી જાતનો બળદ કે ઘોડો हीन जात का बैल या घोड़ा An ox or a horse of a low breed उत्त० २७, ७

छिप्प त्रि० (स्पृश्य) સ્પર્શ કરવા લાયક स्पर्श करने के योग्य Worthy of being touched सू० च० ८ ०५

* **छिप्प** न० ( ) પૂંછ. पूंछ दुम A tail विवा० २

छिप्प न० (क्षिप्र) જલદી ઉતાવળે जल्दी शीघ्रता से Soon quickly विवा० १ नाया० १८ —तूर न० (तूर्य) ઉતાવળું વાગનાર વાજું जोर से बजने वाला बाजा a musical instrument which gives out tunes in rapid succession छिप्पतूरेण वज्जमाणेणं" विवा० १ नाया० १८,

छिप्पतर त्रि० (क्षिप्रतर) ઉતાવળું जल्दबाज़. Hasty very quick. विवा० ३,

छिरा स्त्री० (शिरा) નાડી નસ नाड़ी An artery जावा० १ सूय० २, ३, १८, भग० १ ५ ६ ३३,

छिरिया स्त्री० (क्षीरिका) એક વનસ્પતિની કન્દ વિશેષ एक वनस्पति; कन्द विशेष A kind of vegetable with bulbous root जावा० १,

* **छिछिय** न० ( ) સીત્કાર કરવો તે सी २ का आवाज करना Act of uttering a sibilant sound पएह० १, ३,

छिवट्ठ त्रि० (सेवार्त्त) છઠ્ઠું સંઘયણ છ સંઘયણમાંનું છઠ્ઠું સંઘયણ छ संघयणों से छट्टा संघयण The last of the six kinds of Sangharanas (i e physical structures of bones etc) क० गं० ४ ४ ५ ४४

* **छिवा** स्त्री० ( ) ચામડાનો ચાબુક चमड़े का चाबुक A leathern whip पएह० १ ३ —प्पहार पु० (प्रहार) ચાબખાનો માર चाबुक की मार a lash of a whip नाया० २ १७

* **छिवाडिया** स्त्री० (*) ભોંયમીંગ, મગફળી मुमफली A ground nut पन्न० १९ (२) ઝાડની છાલ झाड़ की छाल bark of a tree दसा० ६ ४

छिवाडी स्त्री० ( ) સીંગ, ફળી फली A pod श्राया० २ १, १ २ दस० ५ २ २० जावा० ३, ४ राय० ५५ पन्न० ६ ९१ —पात्थ न० (पुस्तक) પુસ્તકના પાત્ર

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

प्रकारमांनो એક; જે પુસ્તકની પહોળાઇ વધારે અને લંબાઇ ઓછી હોય તે પુસ્તક. पुस्तक के ५ प्रकारों में से एक; जिस पुस्तक की चौड़ाई अधिक व मोटाई कम हो ऐसा पुस्तक. one of the five varieties of the shapes of books; viz. a book which is very thin but whose breadth is very great. प्रव० ६७१; —मित्त त्रि० (-मात्र) સિંગ-ફળી પ્રમાણ. फली के परिमाण का. of the size of a pod प्रव० ६७४,

छीअ. न० (क्षुत) છીંક छींक A sneeze. काव० १, ५, ४, ४;

छींइत्ता. सं० कृ० अ० (*) છીંક ખાઇને, છીંકીને छींककर Having sneezed जं० प० २, २४, जीवा० ३, ३,

छीय. न० (क्षुत) છીંકવું તે; છીંક छींकना, छींक Sneezing, a sneeze विशे० ५०१. नदी० ३८,

छीया स्त्री० (क्षुता) છીંક ખાવી छींक खाना, छींक. Act of sneezing, a sneeze. ओघ०नि० ६४२;

छीर स्त्री० (क्षीर) ખીર; દૂધવાળી એક સાધારણ વનસ્પતિ दूध जैम रस वाली एक साधारण वनस्पति. A vegetation containing milky juice and having infinite lives भग० २१, १, पन्न० १;

छीरल. पुं० (क्षीरल) ભુજપર સર્પ વિશેશ भुजपर सर्प विशेष A particular kind of serpent. पराह० १, १,

छीरविराालिया स्त्री० (क्षीरविदारिका) કન્દ વિશેષ कन्द विशेष. A particular kind of bulbous root. भग० ७, ३; पन्न० १, जीवा० १:

छुच्छुकार पु० (छुच्छुकार) કુતરાને છુ છુ-એ પ્રમાણે શબ્દ કરવો તે कुत्ते को छु-छु ऐसे शब्द करना. Calling a dog by the sound "chhu-chhu". आया० १, ६, ३, ४;

छुडियवर. न० (*) આભરણ વિશેષ. आभरण विशेष A particular kind of ornament जीवा० ३, ३;

छुत्र त्रि० (*छुत्त्व) નપુંસક. नपुसक; नामर्द Impotent पि०नि० ४२४,

छुयायार त्रि० (क्षुताचार) ખામી ભરેલ; આચારવાળુ दोष युक्त आचार वाला Faulty or defective in right conduct. वव० ६, २०.

छुर पुं० (क्षुर) અસ્ત્રો, સજાઇઓ. उसतरा A razor पंचा० १०, ३२; —घर. न० (-गृह) વાળંદની અસ્ત્રા વગેરે રાખવાની કોથળી नाई की उसतरा वगैरह रखने की थैली a barber's bag for keeping in razors etc सु० च० १०, जं० प० ७, १५६; —मुंड त्रि० (-मुण्ड) અસ્ત્રાથી માથુ મુંડાવનાર. उसतरे से सिर मुडाने वाला (one) who gets his head shaved by means of a razor पंचा० १०, ३२;

छुरय पु० (छुरक) તિલકનું ઝાડ કે જેના ફૂલ સુગંધી અને તલના ફૂલ જેવા થાય છે તથા ફૂલ મીઠા અને પપલાના જેવા થાય છે. तिलक का वृक्ष; जिसके फूल सुगन्धयुक्त व तिलके फूल जैसे होते हैं व फल सोंठ व पांपल के फल जैसे होते हैं A variety

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits; the Tilaka tree. पन्न० १,

छुरिया स्त्री० (क्षुरिका) छरी छुरी A small knife उत्त० १६, ६३,

छुहा स्त्री० (सुधा) चुनो; कळीचुनो चूना Lime; chunam ओघ० नि० ३२४;

छुहा स्त्री० ((क्षुधा) भुख भूख, क्षुधा. Hunger "छुहासमाबेयणा नत्थि" गच्छा० २; पिं० नि० ६६३, नाया० १, १३; १८, पन्न० २, राय० २५८, सु० च० ३. १८३; —कम्मंत न० (-कर्मान्त) क्षुधापरिकर्म; ब्राह्मणने रसोई निपजाववानुं स्थान क्षुधा परिकर्म; ब्राह्मणको रसोई बनाने का स्थान a place for a Brāhmaṇa to cook food, a kitchen दसा० १०,१, —परिसह पु० (-परिषद) भूखनो परिषह; भूखसहन करवी ते. क्षुधा सहन करना. bearing the affliction caused by hunger भग० ८, ८, —वेयणिज्ज न० (-वेदनीय) क्षुधा वेदनीय कर्म, जेना उदयथी भूख लागे छे ते कर्म क्षुधा वेदनीय कर्म. जिसके उदयसे क्षुधा लगती है वह कर्म the Karma by the rise of which one feels hunger ठा० ४, ४,

छुहिय त्रि० (क्षुधित) भूख्यु, भूखेल क्षुधित; क्षुधातुर. Hungry नाया० १८,

छूढ त्रि० (*) नाखेलुं, फेंकेलुं फेंकाहुआ, डालाहुआ Thrown, flung पिं० नि० ८८, २२४, ५९२, उत्त० २९, ४०,

छेक-य त्रि० (छेक) अवसरनो जाणनार कुशल; होशीयार. समय को पहिचानने वाला, कुशल; समय सूचक. Clever; (one) who knows what to do at a particular time. सूय० १, १४, १; ओव० ३०; ३१; जीवा० ३, १; आया० १, ५, १, १४४, भग० ३, १, ७ ६; नाया० १; १६; पराह १, ३; विशे० ११४५; कप्प० ४, ६१, दस० ४, ११, राय० १२६, २६५; (२) विच्छेद, अटकायत विच्छेद, अटकाव. interruption, hindrance. वेय० २, ४, ५, ५, ओव० २०, उत्त० ३०; ३, (३) विनाश, नुकसानी विनाश, नुकसानी, हरजा destruction, loss उत्त० ७, १६, (४) भाग, कडको. खड, टुकडा a piece, a fragment राय० ५३, —आयरिय पु० (-आचार्य) निपुण एवा शिल्पना आचार्य शिल्पके निपुण आचार्य a proficient teacher of arts "छेयायरियउवएसमइकप्पणाविगप्पेहिं" भग० ७, ६, —कर त्रि० (-कर) नाश करनार; छेदी-नाखनार नाश करने वाला (one) who destroys, destructive पचा० ३ १९; —पलिभाग पु० (-प्रतिभाग) भागनो भाग. विभाग हिस्से का हिस्सा a subdivision. क० गं० ४, ८५;

छेओवट्ठावण न० (छेदोपस्थापन) ए नामनुं बीजुं चारित्र पूर्व पर्यायने छेदी महाव्रतोनुं आरोपण करवुं ते इस नामका दूसरा चारित्र, पूर्वपर्यायका छेदन करके महाव्रतोंका आरोपण करना Name of the right-conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. विशे० १२६.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुट नोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

छेओवट्ठावणिय. त्रि० (छेदोपस्थापनीक) छेदोपस्थापनीय नामे बीजुं चारित्र. छेदोपस्थापनीय नाम का दूसरा चारित्र Name of the right-conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows ओव० २०, भग० २५, ६, ७, वेय० ६, २०; पन्न० १. **—संजम** पु० (–संयम) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० २५, ६; **—संजय** त्रि० (–संयत) छेदोपस्थापनीय चरित्रवाळु छेदोपस्थापनीय चारित्रवाला an ascetic possessed of the right conduct as stated above वेय० ६, २०,

छेज्ज त्रि० (छेद्य) छेदवा लायक, (चारित्रनो छेद) छेदनेके योग्य,चारित्रका छेद Worthy of being cut off, degraded from right-conduct विशे० १२४६.

छेत्त न० (क्षेत्र) स्थान, स्थळ स्थान, स्थल A place, a region ओव०

छेत्तार. त्रि० (छेत्तृ) छेदनार, कापनार छेदने काटने वाला. (One) who cuts off आया० १, २, १, ६६; सूय० १, ८, ५,

छेद पु० (छेद) खंड, कटको खंड, विभाग A division, a portion. आव० २०; भग० ५, ४, वव० २, २,

छेदोवट्ठावण न० (छेदोपस्थापन) जुओ 'छेओवट्ठावण' शब्द देखो 'छेओवट्ठावण' शब्द Vide. 'छेओवट्ठावण' उत्त० २८, ३२ ठा० ३, ४, २, २,

छेदोवट्ठावणिय न० (छेदोपस्थापनिक) जुओ 'छेओवट्ठावणिय' शब्द. देखो 'छेओवट्ठावणिय' शब्द. Vide. 'छेओवट्ठावणिय' भग० ८, २;

छेय. पु० (छेद) निशीथ आदि छेदसूत्र. निशीथ आदि छेदसूत्र Niśītha and other Chheda Sūtras. प्रव० ७६६, **—गंथ** पु० (–ग्रन्थ) व्यवहार निशीथ वगेरे छेदसूत्र. व्यवहार निशीथ वगैरह छेद सूत्र. Chheda Sūtras such as Vyavahāra, Niśītha etc प्रव० ७६६;**—सुय.** न० (–श्रुत) छेद-प्रायश्चित विधि बतावनार सूत्रो-निसीथ, दशाश्रुत स्कंध, वेदकल्प अने व्यवहार सूत्र. छेद-प्रायश्चित विधि बताने वाले सूत्र निसीथ, दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकल्प और व्यवहार सूत्र Sūtras which deal with modes of expiation viz. Niśītha,DasāśrutaSkandha,Vedakalpa and Vyavahāra वव० १;

छेयगभाव पु०(छेदकभाव) छेदावापणुं छिन्नत्व The state of being cut विशे० २१३;

छेयण न० (छेदन) खड्ग विगेरेथी कापवुं ते खड्ग वगैरहसे काटना Act of cutting with a sword etc उत्त० २६, ३, सम० ११ ठा० ५, ३. (२) कर्मनी स्थितिनो घात करवो ते कर्म की स्थितिका घात करना cutting off the existence of Karma. ठा० १, १, (३) जेनाथी वस्तुना अंश-छेद-पाडी शकाय ते, शस्त्र शस्त्र an instrument for cutting क० प० १, ६,

छेयणग न० (छेदनक) बे कटका करवा ते दो टुकडे करना. Cutting into two. पन्न० १२, (२) चामडाने छेदवानुं शस्त्र चमडे को छेदनका शस्त्र A tool or instrument to cut leather सूय० २, २, ४८,

छेयणय न० (छेदनक) जुओ "छेयणग" शब्द. देखो, छेयणग 'शब्द. Vide. 'छेयणग' सूय० २, २, ४८

छेयपरिहार. पु० (छेदपरिहार) चरित्रनो छेद अने परिहार-तप चारित्र का छेद और

परिहार तप. Lapse in right conduct, austerity or penance. वव॰ १, २६; २७; २८; २६;

छेरविरालिया स्त्री॰ (छेरविरालिका) वन-स्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. जीवा॰ १,

छेलिअ न॰ (*) नाक छींकवु नाक छिंकना Act of clearing away the mucous of the nose by expelling it from the nostrils नदी॰ ३८, (२) सीटी वगाडवी ते सीटी बजाना act of whistling विशे॰ ५०१,

छेलिया. स्त्री॰ (*) छाली, नानी बकरी छोटी बकरी A young she-goat. पराह॰ १, १;

छेवट्ठ. पुं॰ (सेवार्त) छ संघयणमानु छठ्ठं संघयण जेमां हाडकाओनो परस्पर स्पर्श मात्र संबंध रहे छे, खीली विना छेद जोडाइने रहे छे, तेल वगेरेथी मालिश आदि सेवानी अपेक्षा राखे छे ते. जिसमें हड्डीयों का परस्पर स्पर्श मात्र का संबंध रहता है, बिना मेख प्रत्येक छेद जुडा हुआ हो, तैलादि मालिश की अपेक्षा रखता हो ऐसा शरीर का बांधा. The last of the six kinds of bony structures (Sanghayaṇas) in which the bones are kept together without being fastened by a bandage and nails. पन्न॰ २३; जीवा॰ १; भग॰ २४, १, क॰ गं॰ १, ३६, ३, ३; ५, ६६;
—संघयण न॰ (-संहनन) छेवट्ठु संघयण छेवट्ठ संघयण the Sanghayaṇa known as Chhevattha. ठा॰ ६, ४, —संघयणि. त्रि॰ (-संहननिन्) छेवट्ठु संघयणु वालो छेवट्ठ संघयण वाला (one) possessed of Chhevattha Sanghayaṇa. भग॰ २४, १,

छोअ पुं॰ (छोद) छोतरा छिलके. Outer harder and useless parts, particularly of vegetable substances chopped off with a knife etc सूय॰ २, ४, १६;

छोडिय त्रि॰ (*) फोडेलु फोडा हुआ. Exploded, discharged, broken. आव॰ १०,

छोभग न॰ (*) आल; कलंक दाग; धब्बा, कलंक A stain; a blemish पिं॰ नि॰ ४३०,

ज.

ज. त्रि॰ (यत्) जे. जो A relative pronoun meaning who or which. भग॰१, १, १२, ४; १०; नाया॰ १, १६; विशे॰ १०, १६५;

जअ. त्रि॰ (यत) यत्नावंत सावचेत; अप्रमादि यत्न करने वाला; सावचेत, अप्रमादि Self-controlled; self possessed, circumspect उत्त॰ १, ३१; आया॰ १, ३, २, ११३;

जइ. पुं॰ (यति) यतनावंत साधु, मुनि, यति. यतनावंत साधु, यति, मुनि. An ascetic; a Sādhu ओघ॰ ३४, उत्त॰ २४, १२;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जगतकी उत्पत्ति होती है ऐसा वाद करनेवाला. A person holding that the things of the world (i. e the world) are produced fortuitously by mere accident. नंदी०

जइय. त्रि० (जैन) જિન તીર્થંકરે દર્શાવેલ, જિન સંબંધી जिन तीर्थंकरने बताया हुआ. जिन संबंधी Pertaining to, revealed by Jina i e Tirthankara पंचा० ३, ४१, विशे० ३८३, १०३८, १०४१;

जइण त्रि० (जयिन्) જયવાન્; જીત મેળવનાર; જિતવાના સ્વભાવવાળું. जीत प्राप्त करनेवाला, जीतने के स्वभाव वाला Victorious; conquering ओव० ३०, राय० ३३, जं० प० ५, ११५; उवा० २, १०२; (२) ઘણી ઉતાવળી ગતિ बहुत शीघ्र गति great velocity; great speed " लंघणपवणजइणपमद्दणसमत्थे " राय० जीवा० ३, १,

जइण त्रि० (जविन्) વેગવાન, વેગવાળુ वेगवान्, वेगवाला, तेज Fast; speedy " लंघणवग्गणधावणधोरणतिवई जइणसिक्खिअ गईआ " ओव० भग० ३, २, जीवा० ३, १; —वायाम पुं० (-व्यायाम) ઉતાવળી કસરત तेज कसरत fast or quick physical exercise. " लंघणपवणजइणवायामसमत्थे " उत्त० टी० ६, —वेग. पुं० (-वेग) સૌથી વધારે વેગ, ગતિમાન સર્વ પદાર્થો ઉપર જિત મેળવનાર વેગ सब से अधिक गति, गतिमान; सर्व पदार्थों को जीतने वाला वेग. highest speed, all-conquering speed. भग० ३, २,

जइणा स्त्री० (जवना) એક જાતની ગતિ एक प्रकार की गति. A kind of Gati or movement. नाया० ४;

जइणी. स्त्री० (जविनी) वेगवाली (स्त्री). गति वाली (स्त्री) (A woman) with speedy gait or movement. ओव०

जइत्ता. स्त्री० (यतिता) સાધુ પણું. साधुत्व; साधुपन Monkhood; state of being an ascetic. भत्त० ८७;

जइत्तार पुं० (जेतृ) શત્રુના સૈન્યને જીતનાર. शत्रु के सैन्य को जीतने वाला. One that conquers hostile army. ठा० ४, २,

जइत्ता. सं० कृ० अ० (याजयित्वा) યજન કરાવીને, યજ્ઞ કરાવીને यज्ञ कराकर. Having caused a sacrifice to be performed " जइत्ता विउले जन्ने " उत्त० ६, ३८,

जइय. त्रि० (जयिक) જય કરનાર, જિતનાર. जय करने वाला, जीतने वाला. Conquering, victorious. नाया० १, ८. (२) જય જય શબ્દ. जय जय शब्द. the voice of victory नाया० ८,

जइय पुं० (यष्टृ) યાજક, યજ્ઞ કરનાર यज्ञ कर्ता, यज्ञ करनेवाला A sacrificer, one who performs a sacrifice उत्त० २५, ३६;

जइवा. अ० (यदिवा) અથવા या Or; or else. उत्त० १, १७; २५, २४,

जइवि अ० (यद्यपि) જોકે જો પણ जोकि; जोभी Although; even though. सु० च० १, १२४; सूय० १, २, १, ६; नाया० ८, विशे० ५०१; गच्छा० ६६,

जउ. न० (जतुष्) લાખ; જેમરૂી. लाख, जोगमी. A resinous substance called lac used in dyeing etc पिं० नि० ३५०, क० गं० १, १५; —गोल पुं० (-गोल) લાખનો ગોળો. लाख का गोला. a ball of lac. ठा० ४, ४;

जउणा. स्त्री० (यमुना) यमुना; જમના નદી. यमुना, जमुना नदी. The river Yamunā. विवा० ८, ठा० ५, २; ६, २,

जउणावंक. न० (यमुनावंक) જમુના નદીને કાંઠે એ નામનું એક નગર यमुना नदी के तट का इस नामका एक नगर Name of a city on the banks of the river Yamunā मत्था०

जउव्वेय. पु० (यजुर्वेद) ચાર વેદમાનો એક વેદ चार वेदों में से एक One of the four Vedas so named भग० ६, ३३; विवा० १, ६, कप्प० १, ६,

जओ अ० (यत) જેથી; જેથી કરી, જેમાંથી जिससे, जिसमें से From which, since, because. उत्त० १, ७, आया० १, ५, १, १४१; भग० २, १, १५, १, विशे० ३, विवा० १; नाया० २. ११, दस० ७, ११, क० ग० ३, १३;

जओ अ० (यत्र) જ્યાં जहां Where, in which. सम० ३४,

जं. अ० (यत्) જેથી કરીને, જે કારણ માટે. जिस कारण से, जिस वास्ते. So that, reason for which; that for which. नाया० ५; १२, १४, १७; भग० ३, १; १८, ६; क० ग० १, ८; १, ३५, २, ८, जं० प० ५, ११२,

जंकिंचि अ० (यत्किंचित्) જે કાંઈ. जो कुछ Any extent to which, anything which नाया० ६;

जंगम. त्रि० (जङ्गम) હાલતું ચાલતું જંગમ મિલકત. चलती फिरती जंगम मालिकत. Moveable, moveable property. पराह० १, १; उत्त० ६, ६; (२) पुं० હાલતા ચાલતા જીવ; ત્રસજીવ चलते फिरते जीव; त्रस जीव जं० प० —विस पुं० (-विष) સર્પ આદિનું ઝેર. सर्प वगैरह का विष venom of a serpent etc. ठा० ६;

जंगल पुं० (जङ्गल) એ નામનો એક આર્ય દેશ. इस नामका एक आर्य देश. Name of an Ārya country. पन्न० १:

जंगिअ-य न० (जाङ्गमिक) કોરોટા વગેરે ત્રસ જીવના અવયવથી ઉત્પન્ન થયેલ વસ્ત્ર; ઉન રેશમી વિગેરે कोरोटा इत्यादि त्रस जीव के अवयव से उत्पन्न ऊन रेशम Silk, wool etc produced from the limbs of moving sentient beings such as silkworms etc. "जंगमजायजंगिय तंपुणविगलिंदियचपचेंदि" ठा० ३, ३. ४, ३; वेय० २, २२; आया० २, ५, १ १४१,

जंगोल न० (जाङ्गुल) ઝેર ઉતારવાના ઉપાય બતાવનારું શાસ્ત્ર, આયુર્વેદનો એક ભાગ विष उतारने का इलाज बिताने वाला शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc विवा० १, ७,

जंगोली. स्त्री० (जाङ्गुली) ઝેર ઉતારવાના ઉપાય દર્શાવનાર શાસ્ત્ર ગારુડી વિદ્યા. विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र; मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake bites etc ठा० ८,१:

जंघा. स्त्री० (जङ्घा) જાંઘ. સાથળ जांघ, जङ्घा A thigh जं० प० जीवा० ३. ३; ओघ० नि०भा० ४, ३१६. अणुत्त० ३, १, आया० १, १, २, १६; पिं० नि० ३३०; ओव० १०; उवा० १, ६४, प्रव० १६,६०४; — ट्ठिया स्त्री० (-अस्थिका) સાથળના ઉપરના ભાગનું હાડકું जांघ के ऊपर के हिस्से की हड्डी. the bone of the part above the thigh. तडु०

—चर. त्रि० (-चर) જાંઘથી—પગથી; આસ્થાર; પાળો. जांघा से-पैरसे चलनेवाला, प्यादा. pedestrian. अणुजो० १२८.

जंघाचारण. पुं०(जङ्घाचारण) તપ વિશેષથી પ્રાપ્ત થયેલી શક્તિવાળા ચારણમુનિ કે જેના આત્રથી જાંઘને થાપડી આકાશમાં અધર જઈ શકે तप विशेष की एक लब्धि शक्ति वाला चारण मुनि कि जो अपनी विद्या के प्रभावसे जंघा को थपथपाकर चाहे ऊपर आकाश में अधर जा सकता है A class of ascetics who through the force of their spiritual power can move in the sky simply by patting the thighs भग० २०, ६. प्रव० ६०७, —चारणलद्धि स्त्री० (-चारणलब्धि) જંઘાચારણ વિદ્યાની પ્રાપ્તિ जघा-चारण विद्या की प्राप्ति ac quirement of the knowledge which enables one to move in the sky simply by patting the thighs भग० २०, ६;

जंघाचारणा स्त्री० (जंघाचारिणा) એ નામની વિદ્યા કે જેના પ્રભાવથી આકાશમાં ઊંચે ઉડી શકાય છે इस नामकी विद्या कि जिसके प्रभाव से आकाश में उडा जा सकता है A science of that name enabling a person to soar in the sky. भग० २०, ६; —परिजिय पुं० (-जङ्घापरिजित) એ નામનો સાધુ કે જેણે વશીકરણનો પ્રયોગ કરી મૂળ દોષ લગાડ્યો હતો. इस नाम का साधु कि जिसने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल दोष लगाया था. name of an ascetic who had incurred a blemish by making use of fascination. पिं० नि० ५०५; —बल. न० (-बल) જાંઘનું બળ. जांघ का बल. hardiness, strength of the thighs जीवा० १; —रोम पुं० (-रोमन्) જાંઘની રુવાંટી. जाघ पर के नरम नरम बाल soft hair growing on the thighs. निसी० ३, ४४, —संतारिम. त्रि०(संतार्य) જાંઘથી તરી શકાય તેટલું (પાણી). जंघा से तैरा जासके इतना पानी (water) reaching the thighs " सतरा से जंघा सतारिमे उदगे सिया" आया०२,३,२,१२४;

जंचेव अ० (यत्रैव) જ્યાં जहां. Where; at which place. भत०३,८;

जंत न० (यन्त्र) વશીકરણાદિ પ્રયોગમાં વપરાતો યંત્ર. वशीकरणादि प्रयोग में आने वाला यंत्र A diagram of some mystical nature used in winning over a certain person पण्ह० १,२; (२) નિયમન નિયંત્રણ नियमन, नियन्त्रण control राय०(३) એક પ્રકારનું રથનું ઉપકરણ एक प्रकारका रथका उपकरण one of the parts of a chariot नाया० १; ज० प० ५, ११५; (४) ઘાણી, ચિચોડા, ગોફણ વગેરે घाणा, पीलने के साधन विशेष. oil mill, juice extractors etc पण्ह०१.२. —पत्थर पुं० (-प्रस्तर) પાણા ફેંકવાનું યંત્ર, ગોફણ આદિ पत्थर फेंकने का यन्त्र, गिलोल आदि a weapon (e g. a sling) to discharge or shoot stones पण्ह० १, ३; —पीलणकम्म न० (-पीडनकर्म) ઘાણી ચિચોડા વગેરે ફેરવવાનો ધંધો કરવો તે, શ્રાવકના પંદર કર્માદાનમાંનું બારમું કર્માદાન; સાતમાં વ્રતનો એક અતિચાર तेल निकालने की चक्की चलाने का उद्योग करना वह; जैनियों के १५ कर्मादानों में से १२ वां कर्मादान, सातवें व्रत का एक अतिचार. occupation of

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmādānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman, a partial violation of the 7th vow भग० ८, ५;—लट्ठि स्त्री० (-यष्टि) यंत्रना उपयोगमां आवतुं लाकडुं; घीचोडानुं लाकडुं. यंत्र के उपयोग में आता हुआ लकड़. wood used in constructing a mill e g. that for pressing out juice from sugar-cane. दस० ७, २८, —वाडय. पुं० (-पाटक) शेरडी पीलवानुं स्थल; शेरडीनो वाड गन्ने का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane जीवा० ३, १, —वाडयचुल्ली. स्त्री० (-पाटकचुल्ली) शेरडीनो रस पकाववानी चूल गन्न का रस पकाने की भट्टी an oven where the juice of sugar cane is heated. जावा० ३,१; —वाहण. न० (-वाहन) यंत्र चलाववुं ते. यंत्र चलाना working a mill e. g. an oil-mill etc प्रव० २६८,

अंतिय त्रि० (यंत्रित) नियंत्रित, नियमित. कब्जे करेल नियंत्रित, नियमित. वश किया हुआ Kept under restraint. उत्त० १२, १२,

अंतु पुं० (जन्तु) प्राणी; जीव. प्राणी; जीव. A living being. उत्त० ३, १. भग० ६, ७, २०, २, (२) जीवास्तिकाय नामनुं ज्ञानादि गुणवाळुं द्रव्य. द्रव्यनो एक प्रकार. जीवास्तिकाय नामक ज्ञानादि गुण वाला द्रव्य; द्रव्य का एक प्रकार. a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc. and named Jivāstikāya. उत्त० १८, ७;

जंतुग. पुं० (जन्तुक) एक जातनुं घास के जेथी फूल गुंथाय छे. एक प्रकार का घास कि जिस से फूल गुथा जाता है. A kind of grass used in knitting to gether flowers सूय० २, २, ७; पगह० २, ३.

जंतुय न० (जन्तुक) जंतुक नामना घासनु पाथरणु जन्तुक नाम के घांस का बिछौना Bed made of the grass called Jantuka आया० २, २, ३, १००;

√ जंप धा० I (जल्प्) बोलवुं कहेवुं. बोलना, कहना To speak; to say.

जंपइ सु० च० १, १०३,

जपए सु० च० १, ३७६,

जपंत विशे० ५६७,

जप्पाहित सूय० १, १, १ १०,

जपिस्सामि सु० च० १, २२१,

जंपित्ता स० कृ० दसा० ६, १२,

जपंत. व० कृ० सूय० १, १, २, ४; ओघ० नि० ८०१, आउ० ३२, पगह० २, ३, सु० च०१, ३१३; २, ५७६; पचा० १५, ४७,

जंपमाण व० कृ० नाया० ६, पगह० १, १. विशे० २४२०, ज० प० ३, ५२,

जंपग त्रि० (जल्पक) बोलनार बोलने वाला (One) who speaks पगह० १, ३;

जंपाण न०(जम्पान)एक प्रकारनु वाहन.पालखी विशेष एक प्रकार का वाहन, पालकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin सु० च० १०, ११३. ठा० ४, ३.

जंपिय. त्रि० (जल्पित) बोलेल; कहेल बोला हुआ. कहा हुआ. Uttered, spoken उत्त० १२, १४, भग० ११, ११.

जंपिर. त्रि० (जल्पिर) बोलनार. बोलने

. बाला. (One) who speaks. सू० च० २, २००;

जंबाल पुं० (जम्बाल) કાદવ; કીચડ. कीचड़. Mud, mire. ठा० ३, ३,

जंबु. न० (जम्बु) જાંબુડા. जामुन A fruit of a tree called Jambu भग० ८, ३३,२२,२, नाया० ६, (२) જાંબુડાનું ઝાડ जामुन का झाड़ a kind of tree जीवा० १.पन्न०१. (३) જમ્બુ સ્વામી जम्बू स्वामी Jambu Svāmī प्रव० ७००, (४) જમ્બુદ્વીપ जम्बूद्वीप the continent known as Jambū Dvīpa कप्प० ८;

जंबुअ पु० (जम्बुक) શિયાલ सियार. A Jackal ओघ० नि० भा० ८४, (२) જાંબુનું ફલ जामुन का फल. a fruit of the Jāmbu tree सू० च० ११, १०,

जंबुद्दीव न० (जम्बूद्वीप) જુઓ "जबूद्दीप" શબ્દ देखो ' जबूद्वीप " शब्द Vide " जबूद्दीप " जं०प०५,११२, १,३,६ १२४, ५, ११५ सू० प० १. राय० २०, सु० च० २, ८, नाया० १; १३ भग० ५, १, ५, ६, ५, १८, २, २०, ८. जं० प० ५, ११२, १, ३, उवा० २, ११३. कप्प० १, २, २, १४. प्रव० १४१२, —पन्नत्ति स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) એ નામનું પાંચમુ ઉપાંગ સૂત્ર इस नाम का पांचवा उपांग सूत्र the fifth Upānga Sūtra so named भग० ८, १, नदी०४३, जं० प० ७, १५०, —पमाणय त्रि० (-प्रमाणक) જમ્બુદ્વીપ પ્રમાણ વાલું. जम्बूद्वीप के प्रमाण वाला. of the measure of Jambūdvīpa क० गं० ४, ७६;

जंबुफलकालिया स्त्री० (जम्बूफलकालिका) એક જાતનો દારૂ. एक प्रकार की मदिरा. A kind of liquor. पन्न० १७;

जंबुवती. स्त्री० (जम्बूवती) अंतगड सूत्रना पांचमा वर्गना छठ्ठा अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के छट्ठे अध्ययन का नाम Name of the 6th chapter of the 5th Varga (section) of Antagada Sūtra. अंत० ५, ६.

जंबुसुदंसणा स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) એ નામનું ઝાડ કે જેના ઉપરથી આ દ્વીપનું નામ જમ્બુદ્વીપ પડયુ इस नाम का एक वृक्ष कि जिस पर से इस द्वीप का नाम अम्बूद्वीप रखने में आया है Name of a tree after which Jambudvipa is named जीवा० ३, ४,

जंबू पु० (जम्बू) સુધર્મા સ્વામીના શિષ્ય. જમ્બુ સ્વામી जबु स्वामी. सुधर्मा स्वामी के शिष्य The disciple of Sudharmā Svāmī, Jambu Svāmī नाया० १. —अणगार पु० (-अनगार) જમ્બુ સ્વામી जम्बु स्वामी Jambū Swāmī विवा० १. —फल न० (-फल) જાંબુડાનુ ફલ जामुन का फल a fruit of the Jāmbu tree राय० ओव० पन्न० १७, जीवा० ३, —रुक्ख पु० (-वृक्ष) જાંબુનુ ઝાડ जामुन का झाड़. Jāmbu tree जं० प० ७, १७७; —वण. न० (-वन) જાંબુનુ વન जामनों का वन. a forest of Jāmbu trees जं० प०७,१७७, —वणसंड पुं० (-वनखंड) જાંબુનું નદ્દાનું વન जामुनों का छोटा वन a small forest of Jāmbu trees जं० प० ७, १७७;

जंबूणय न० (जाम्बूनद) સોનું, સુવર્ણ. सुना; सुवर्ण, कांचन Gold जं० प०

जंबूणय. पु० (जाम्बूनद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. राय० ६१; जीवा० ३, ४; जं० प० उवा०७, ...

जंबुद्दीव – जंबुद्वीप.

अंबूनयतलंग. त्रि॰ (जाम्बूनदमय) सुवर्णमय. सुवर्ण मय. Full of gold; golden. भग॰ ६, ३३;
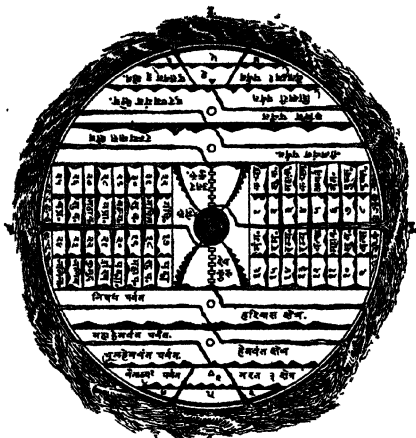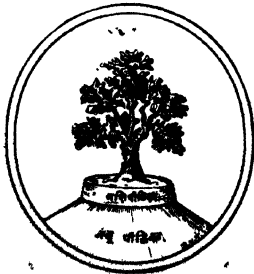
अंबूदीप पुं॰ (जम्बूद्वीप) એ નામનો અસંખ્યાત દ્વીપ સમુદ્રમાંનો પ્રથમ દ્વીપ. इस नाम का असंख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप. Name of the first Dvipa of innumerable Dvīpas in ocean " कहीणमंते जबूदीवे दीवे महालयणा मंते " सम॰ १. नाया॰ १; ८, १६. १६; नंदी॰ १२; पन्न॰ १५; ओव॰ ४३, अणुजो॰ १०३. १४८; भग॰ २, ८, १०, ३, १, ७; ठा॰ १; १, निर॰ ३, १, —अहिवइ. पुं॰ (-अधिपति) જંબુ દ્વીપનો અધિપતિ અનાદ્દત નામનો દેવતા जम्बूद्वीप का अधिपति अनादृत नाम का देवता a god named Anādrita, the lord of Jambūdvīpa ज॰ प॰ —पन्नत्ति स्त्री॰ (-प्रज्ञप्ति) જેમા જંબુદ્વીપનું પ્રરૂપણ કર્યું છે તે,જંબુદ્વીપ પન્નતિ નામે એક કાલિક સૂત્ર कालिक सूत्र कि जिस में जम्बूद्वीप का वर्णन किया है. name of a Kālika Sūtra describing Jambūdvīpa नाया॰ ८, ठा॰४,१, —प्पमाण त्रि॰ (-प्रमाण) જંબુદ્વીપ પ્રમાણે, જંબુદ્વીપ જેવડું जम्बूद्वीप के परिमाण का of the size of Jambūdvīpa. भग॰ ३, ७;

अंबूदीवग. त्रि॰ (जम्बूद्वीपक) જંબુદ્વીપમાં ઉત્પન્ન થનાર મનુષ્ય जम्बूद्वीप में उत्पन्न होने वाला मनुष्य. A person born in Jambūdvīpa ठा॰४, २;

अंबूपल्लवपविभत्ति न॰ (जम्बूपल्लवप्रविभक्ति) બત્રીસ પ્રકારના નાટકમાંનું २० મું જેમાં જાંબુના પાદડાંનો વિભાગ દર્શાવવામાં આવે છે તે. ३२ प्रकार की नाटक की विधि में से २०-वीं विधि कि जिस में जामुन की पत्तियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है. The 20th of the 32 varieties of dramatic representations characterised by a scene of the leaves of Jambu tree. राय॰ ६४,

अंबूफलकालिया. स्त्री॰ (जम्बूफलकालिका) જાંબુડાના જેવી કાલા રંગની મદિરા. जामुन की सी काले रंग की मदिरा Liquor as black as Jāmbu fruit जीवा॰ ३;

अंबूय. पुं॰ (जम्बूक) શૃગાલ; શિયાલ सियार A jackal. पण्ह॰ १, १.

अंबुलय पुं॰ (जम्बूलक) જંબુ. સાંકડાં મોઢાનું પાણીનું ઠામ सुराई; मकडे मुह का पानी का पात्र A pot of water with a narrow neck उवा॰ ७, १८४;

अंबूवई स्त्री॰ (जम्बूवती) કૃષ્ણ વાસુદેવની છઠ્ઠી પટરાણી કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ મોક્ષ પામ્યાં कृष्ण वासुदेव की छठी पटरानी कि जिन्होंने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा ले कर मोक्ष प्राप्त किया The sixth crowned queen of Krisna Vāsudeva who got religious initiation (Dīkṣā) from Lord Nemanātha and attained to final bliss ठा॰ ८, १, अंत॰ ४. ७

अंबुसुदंसणा. स्त्री॰ (जम्बूसुदर्शना) સુદર્શન નામે જાંબુનું ઝાડ જેના ઉપરથી જંબુદ્વીપ નામ પ્રસિદ્ધ થયેલ છે सुदर्शन नाम का एक जामुनका वृक्ष जिस परसे जम्बू द्वीप का नाम प्रसिद्ध हुआ है The Jambu tree named Sudarsana from which the name Jambudvīpa is derived. ज॰ प॰

√अंभ धा॰ I. (जृम्भ) બગાસું ખાવું. बगासी खाना To yawn; to gape.

जंभगपुरा सं० कु० अं० प० २, २६;

जंभगवग्ग प० कु० भग० ११, ११;

जंभग पुं० (जृम्भक) त्रिच्छालोकवासी देव तानी એક જાત. त्रिच्छा लोक वासी देवता की एक जाति A class of deities residing in the region known as Trichchhā. " अत्थिणं भंते जंभगा देवा " भग० १४, ८; नाया० ८, सु० च० २, ३०८, पराह० २, २,

जंभणी स्त्री० (जृम्भणी) એ નામની એક વિદ્યા इस नाम की एक विद्या. A science of that name. सूय० २, २, २७,

जंभय. पुं० (जृम्भक) જુઓ " जंभग " શબ્દ देखो " जंभग " शब्द Vide " जंभग " नाया० ८, भग० १४, ८, —देव पुं० (-देव) જુઓ " जंभग " શબ્દ देखो " जंभग " शब्द. vide " जंभग " नाया० १, ८,

जंभाइय. न० (जृम्भित) બગાસુ ખાવુ बगासी खाना. A yawning; a gaping आव० १, ५; ४, ४;

जंभायमाण. त्रि० (जृम्भमाण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

जंभिय पुं० (जृम्भिक) એ નામનું ગામ इस नाम का एक गांव Name of a village कप्प० ५, ११६,

जंभियगाम. पुं० (जृम्भिकग्राम) બંગાલમાં આવેલ એક ગામ કે જેની પાસે મહાવીર સ્વામીને કેવલજ્ઞાન પ્રાપ્ત થયું बंगाल का एक गांव जहां पर महावीर स्वामी को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. Name of a village in Bengal in the vicinity of which Mahāvīra Svāmi attained to omniscience. आया० २, १५; कप्प० ५, ११६;

जंमइज्ज. न० (यमकीय) સૂયગડાંગ સૂત્રના પંદરમા અધ્યયનનું નામ. सूयगडांग सूत्र के १५ वें अध्ययन का नाम. Name of the 15th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. सम० १, १५; २५, अणुजो० १३१;

जक्ख. पु० (यक्ष) યક્ષ, વ્યંતર દેવની એક જાત यक्ष; यक्ष, व्यन्तर देव की एक जाति. A kind of demi-gods known as Yakṣas, a class of Vyantara gods. सम० ३०, उत्त० ३, १४, १२, ८; ३६, २०७, अणुजो० २०, १०३. ओव० २४, आया० २, १, २, १२; नाया० १; २; ८; ६, ठा० ४, १; ओघ० नि० ४६७; सु० च० १, ३४७, ५, ३१, विवा० १, २; ५; दसा० ६, २४, जीवा० ३, ३. पन्न० १, प्रव० ०, २६१, मत० ७८; भग० ३, ५, ४३, १, दस० ६, २, १०; (२) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप व एक समुद्र name of an island and also that of an ocean सू० प० २०; पन्न० १५; जीवा० ३, ४; —आइट्ठ त्रि० (-आविष्ट) યક્ષના આવેશવાળો. यक्ष का आवेश जिसमें है वह possessed by a Yakṣa वव० २, १०; १०, १८, ठा० ५, १; —आएस पु० (-आवेश) યક્ષનો આવેશ यक्ष का आवेश state of being possessed or influenced by Yakṣa. भग० १४, २; १८, ७; —आदित्तय-अ न० (-आदीप्तक) એક દિશામાં થોડે થોડે આંતરે વીજળીના જેવા ભડકા દેખાય તે; ભૂત પિશાચ વગેરેના ચાળા एकही दिशा में थोडे थोडे अंतर से बिजली की सी चमक का दिखाई देना, भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार flashes of light seen at intervals in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc.; Jack with a lantern. अणुजो० १२७; —आवेस. पुं० (-आवेश) यक्षनो आवेश-प्रवेश यक्ष का आवेश-प्रवेश. state of being possessed or haunted by a Yaksa. भग० १८, ७, —आयतन न० (-आयतन) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. निर० ५, १, —आययण न० (-आयतन) यक्षनुं आयतन-स्थान-देहरुं यक्ष मंदिर; यक्ष स्थान a temple consecrated to a Yaksa. अत० १, १, ६, ३, नाया० ५; ८, —आलित्त न० (-आदीप्त) एक दिशामां थोडे थोडे आंतरे विजळी जेवो प्रकाश देखाय ते एकही दिशा में कुछ २ अंतर में विद्युत जैसे प्रकाश का दिखाई देना. a flash of light seen at intervals in the dark, jack with a lantern. प्रव० १४९६ —आलित्तग-य न० (-आदीप्तक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. ठा० १०, १; जीवा० ३, भग० ३, ७, —इंद पुं० (-इन्द्र) यक्षनो इन्द्र यक्षों का इंद्र. the Indra of the Yaksas, भग० १०, ५, (२) अरनाथ जीना यक्षनुं नाम अरनाथजी के यक्ष का नाम. name of the Yaksa of Aranāthajī प्रव० ३७६· —आवेस पुं० (-आवेश) यक्षनो आवेश वळगाड यक्ष का आवेश-शरीर प्रवेश state of being possessed by or under the influence of a Yaksa ठा० ३, १, भग० १४, २, —(क्खु) उत्तम. पुं० (-उत्तम) यक्षना १३ प्रकारमांनो छेलो प्रकार यक्ष के १३ प्रकारों में से अन्तिम प्रकार. the last of the thirteen varieties of Yaksas. पन्न० २; —ग्गह पुं० (-ग्रह) यक्षनो आवेश; जक्षनो वळगाड. यक्ष का आवेश; यक्ष का शरीर प्रवेश state of being possessed by a Yaksa. भग० ३, ७; ज०प० ३, ४४, जीवा० ३, ३, —देउल. न० (-देवल) यक्षनुं मंदिर यक्ष का मंदिर. a temple consecrated to a Yaksa. नाया० २, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) यक्ष देवतानी प्रतिमा यक्ष देवता की प्रतिमा. an idol of a Yaksa (a kind of demi-god) राय० १६६, —पाय पुं० (-पाद) यक्षना पग यक्ष के चरण a foot of a Yaksa नाया० ९,—मंडलपविभत्ति. स्त्री० (-मण्डलप्रविभक्ति) ३२ नाटकमानुं १० मुं नाटक ३२ नाटकोंमेंसे १० वां नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय० ६१; —मह पुं० (-मह) यक्षनो महोत्सव यक्ष का महोत्सव a festival in honour of a Yaksa. भग० ६, ३३, राय० २१७, निसी० १६ १२;

जक्खकद्दम पुं० (यक्षकर्दम) ए नामना बे वाणीआ. इस नाम के दो वैश्य. Two Baniyās named Yaksa and Kardama (२) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island and also that of an ocean. चं० प० २०,

जक्खदिन्ना. स्त्री० (यक्षदत्ता) बावीसमा तीर्थंकरनी मुख्य साध्वीनुं नाम. बावीसवें तीर्थंकर की प्रधान साध्वी का नाम. Name of the principal nun of the 22nd Tirthankara प्रव० ३०६;

जक्खभद्द. पुं० (यक्षभद्र) यक्ष द्वीपनो अधिपति देवता. यक्षद्वीप का अधिपती

देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas). सू० प० २०;

अक्खवरमहाभद्द. पुं० (यक्षमहाभद्र) यक्ष द्वीपनो अधिष्ठाता देवता. यक्षद्वीप का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas.) सू० प० २०,

अक्खवर. पुं० (यक्षवर) यक्ष समुद्रनो अधिपति देवता. यक्ष समुद्र का अधिपति देवता. The presiding deity of Yakṣa Samudra (i. e. the ocean of the Yakṣas) सू०प०१६,

अक्खसिरी स्त्री० (यक्षश्री) यक्षश्री नामनी एक ब्राह्मणी. यक्षश्री नामकी एक ब्राह्मणी स्त्री. Name of a Brāhmaṇa woman. नाया० १६,

अक्खा स्त्री० (यक्षा) स्थूलभद्रनी बहेन. स्थूलभद्र की भगिनी. The sister of Sthūlabhadra so named कप्प०८,

अक्खिणी स्त्री० (यक्षिणी) २२ मा तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी. बावीसवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. The principal nun of the 22nd Tīrthankara कप्प० ६, १७७, सम० प० २३४,

अक्खोद पुं० (यक्षोद) यक्षोद नामनो समुद्र. यक्षोद नामका समुद्र Name of an ocean. सू० प० १६;

जग. पुं० (*) प्राणी. प्राणी. A living being. सूय० १, ११, ३३;

जग. पुं० (जगत्) जगत, दुनिया; लोक; संसार. जगत; दुनिया; लोक; संसार. The world; worldly existence सूय० १, १, ३, ८; १, १०, ७; उत्त० १२,४२; पण्ह० २, १; दस० ८, १२, अं० प० ५, ११२; —आणन्द. पुं० (-आनन्द—जगतां संज्ञिपंचेन्द्रियाणां नि श्रेयसाभ्युदयसाधकधर्मोपदेशद्वारेण आनन्दहेतुत्वात् ऐहिकामुष्मिकप्रमोदकारकत्वात् जगदानन्दः.) संसारना जीवोने धर्म बोध आपी ऊंच गतीमा लावी आ भव तथा पर भव नो आनंद आपनार, श्री जिनेश्वर. संसारके जीवों को धर्म बोध देकर उच्च गतिमें लाकर इस भव व उस भव का आनंद देने वाला; श्री जिनेश्वर Śrī Jineśvara so called because he gives delight to worldly beings in this world and the next by religious instruction which elevates them in the scale of spiritual evolution नंदी० १; उत्तम त्रि० (-उत्तम) जगतमा उत्तम श्रेष्ठ. जगत में उत्तम, श्रेष्ठ best in the world प्रव० ४०१, —गुरु पुं० (-गुरु) जगतना गुरु-तीर्थंकर. जगद्गुरु - तीर्थंकर a world-teacher; a Tīrthankara प्रव० ४५२, नंदी० १. —जीवजोणीवियाणय. पुं० (-जीवयोनिविज्ञायक) जगतजीवोना खरा स्वरूपने जाणनार केवलज्ञानी. जगत् के जीवों के सब स्वरूप का जानने वाला; केवलज्ञानी. an omniscient knowing the real nature or essence of the beings on the earth नंदी० —जीवण पुं० (-जीवन = जगन्ति जङ्गमानि अहिंसकत्वेन जीवयतीति जगज्जीवनः)

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

छकाय जीवोंना रक्षक; जिनेश्वर भगवान्. छ काय जीवों का रक्षक; जिनेश्वर भगवान्. a protector of the 6 kinds of living beings; lord Jineśvara भग० १०; —इभासि पुं० (—अर्थभाषिन्— जगत्यर्थो जगदर्थो ये यथा व्यवस्थिताः पदार्थाः, तानाभाषितुं शीलमस्येति जगदर्थभाषी) लोक प्रसिद्ध अर्थ-वात कहेनार जेमके शूद्रने आभिर, ढेढने चांडाल, आंधळाने आंधळो, पगुने पांगळो वगेरे कहेनार, निष्ठुर वचन बोलनार, सत्य पण अप्रिय बोलनार लोक-प्रसिद्ध अर्थ-बात कहने वाला, जैसे कि शूद्र को शूद्र, भंगी का चांडाल, अंधे को अंधा, लूले का लूला इत्यादि कहने वाला, निष्ठुर वचन बोलने वाला, सत्य परंतु अप्रिय बोलने वाला one who speaks harsh and unpleasant truths plainly and without using euphemisms, e. g. calls a blind man a blind man, an untouchable a Chāṇḍala etc "ज कोइण होइ जगट्ठभासी" सूय० १, १३, ४, —णाह. पुं० (—नाथ) जगतना नाथ, जिनेश्वर भगवान जगत का स्वामी, जिनेश्वर भगवान् lord of the world, lord Jineśvara. नंदी० १, —णिस्सिय त्रि० (—निश्रित) लोकमां रहेल, जगतने आश्री रहेल ससार में रहा हुआ, जगत के आश्रित रहा हुआ residing in the world; having an abode in the world "जगणिस्सिएहिं भूएहिं" उत्त० ८, १०; दस० ८, २४; —पागड त्रि० (—प्रकट) जग जाहेर. जग जाहिर. public; known to the world पण्ह० १, १; —पियामह. पुं० (—पितामह) जगतना-दादा; कुगति जता जीवने बचावनार; जगतना पितारूप जिनेश्वर भगवान् जगत के पितामह; दुर्गति जाते जीवों को बचाने वाला; जगत के पितारूप जिनेश्वर भगवान. the grand-father of the world, lord Jineśvara so called because he is a saviour of the world नंदी० १, —बन्धु. पुं० (—बन्धु—जगतः सकलप्राणिसमुदायस्य-स्यात्यापायनोपदेशप्रदायनेन सुखस्थापकत्वाद् बन्धुरिव-बन्धु) जगतना बंधु-भाइ समान, जगतना बधा जीवोने भाइ समान माननार, श्रीजिनेश्वर भगवान. जगत के बंधु समान, जगतके सब जीवोंको भ्राता तुल्य माननेवाला, श्री जिनेश्वर भगवान Lord Jineśwara, the brother of the world because he bears fraternal affection to the beings of the world नंदी० १. —सव्वदंसि पुं० (—सर्वदर्शिन्) जगतने संपूर्ण स्वरूपे जोनार श्री जिनभगवान. श्री ज्ञातपुत्र महावीर जगत के संपूर्ण स्वरूप को देखने वाला श्री जिन भगवान, श्री ज्ञातपुत्र महावीर. Lord Mahāvīra who sees and knows fully the real nature of the world "णाएण जगसव्वदंसिणा" सूय० १, २, २, ३१, —सिहर न० (—शिखर) जगतना शिखररूप मोक्ष जगत् का शिखर रूप मोक्ष. the summit or climax of the world i. e. final bliss. क० ग० ६, ६०; —हित त्रि० (—हित) जगतनुं हित-भलुं करनार जगत का हित करनेवाला. (one) who is a benefactor of the world. सम० १२, —हिय त्रि० (—हित) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide above सम० १२;

जगअ. न० (जगत्क) જગત્ जगत् The world; the universe विशे० १६६८;

जगई. स्त्री० (जगती) પૃથ્વી. पृथ्वी The earth. "भूयाणं जगई जहा" उत्त० १, ४५. प्रव० १४१२; जं०प० १, ५; (२) જમ્બુદ્વીપને ફરતો કોટ. जंबूद्वीप के चारों ओर का कोट. a fortification encircling Jambūdvīpa सेणं एगाए वइरामईए जगईए सव्वओ " जं० पं० सम० ८, —पव्वयग. पु० (-पर्वतक) પર્વત વિશેષ, સૂર્યાભ વનખંડમાનો એક પર્વત पर्वत विशेष; सूर्याभ वनखंड में का एक पर्वत a particular mountain in Sūryābha forest राय० १३५,

जगडिज्जत त्रि० (कलहायमान) કલહ કરતો क्लेश करता हुआ Quarrelling, entering into strife जगडिज्जता विपरकसाएहिं " गच्छा० ३७,

जगतण. न० (जगत्तृण) એ નામની એક જાતની લીલી વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की हरी वनस्पति A kind of green vegetation पन्न० १,

जगती स्त्री० (जगती) પૃથ્વી पृथ्वी The earth. सूय० १, ११, ३६, (२) જમ્બુદ્વીપ આદિ ક્ષેત્રનો કોટ, કિલ્લો. આ કોટ ૮ યોજનનો ઉંચો છે, એની ઉપરની પહોળાઈ ૪ યોજનની અને નીચેની ૧૨ યોજનની છે એના ઉપર પદ્મવર વેદિકા છે અને વચમાં કેટલાક ઝરોખા છે, એનો વર્ણન વિસ્તારથી જીવાભિગમ સૂત્રમાં આપેલ છે, આ ચિત્રમા કોટનો આકાર, ઉંચાઈ, પહોળાઈ, ઇત્યાદિ બતાવેલ છે. जंबुद्वीप आदि क्षेत्रका कोट, किल्ला. यह कोट ८ योजन का ऊंचा है. इस के ऊपर के भाग की चौड़ाई ४ योजन की और नीचे (पायें) की चौड़ाई १२ योजन की है इस के ऊपर पद्मावर वेदिका और बीचमें कई झरोखे हैं इस का विस्तार से वर्णन जीवाभिगम सूत्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambūdvīpa and other regions. This wall
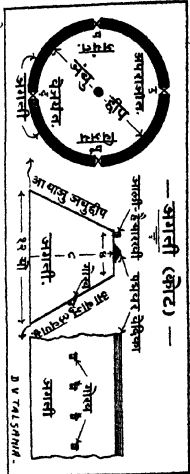
is 8 Yojanas in hight. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jivābhigami Sūtra. जीवा० ३, ४;

जगती(ति)पव्वय. पुं० (जगति पर्वत) जुओ " जगइ पव्वयग " शब्द देखो " जगइ पव्वयग " शब्द Vide " जगइ पव्वयग " जीवा० ३, ४,

जगप्पइ पुं० (जगत्पति) जगत्स्वामी The lord of the universe ज० प० ५, ११२;

जगय न० (यकृत्) कलेजु. कलेजा, हृदय The liver. (२) ते भागनो रोग कलेज की बिमारी, हृदय का रोग a disease of liver भग० १०, ३;

जगारी स्त्री० (*) राजगरो, एक जातनु धान्य. राजगरा, एक प्रकार का धान्य A kind of corn " मसूर ओयरा सतुग मुग्ग जगारीइ " दसा० ५, २७,

√ **जग्ग** धा० I (जागृ) जागवुं; उजागरो करवो जागना, जागरण करना To remain awake, to wake

जग्गइ आघ० नि० ८६.

जग्गन्त विशे० १६६.

जग्गावेइ. आया० १, ६, २, ६,

जग्गण. न० (जागरण) जागरणु. निद्रा न लेवी ते, उजागरो करवो ते जागरण, निद्रा न लेना वह, जागृत रहना. Remaining awake, a vigil पगह० १, १, आघ० नि० १०६,

जग्गुण. त्रि० (यद्गुण) जेटला गणु. जितना गुना. Multiplied as many times, taken as many times. प्रव० ३२,

जघण न० (जघन) केडनो नीचेनो भाग; साथल. कमर से नीचे का भाग. The fleshy part below the waist. कप्प० ३, ३६;

जघराण. त्रि० (जघन्य) थोडामां थोडुं; ओछामा ओछु. कम से कम Minimum, least सू० प० १८,

जघरिराय. त्रि० (जघन्य) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सू० प० १;

जच्च. त्रि० (जात्य) स्वाभाविक स्वाभाविक. Natural, innate पगह० १, ४; (२) जातवान्; जातिवुं प्रधान; श्रेष्ठ, उत्तम जातवान्; प्रधान, श्रेष्ठ, उत्तम prominent, excellent of its kind. कप्प० ३,३५; ज० प०२,३१, नदी०३१; ओव०१०; १७, ३१, विशे० १४७०; सू० च० २, ६; ६३८, भग० ११, ११, १५, १; नाया० १२,

—**अंजन** न० (-अञ्जन) शुद्ध अंजन शुद्ध अजन pure collyrium (for the eye) " जच्चंजण भिंगभेय रिट्ठग भमरावलिबल गुलिय कज्जल समप्पभंसु " नाया० १, कप्प० ३, ३६, —**कंचण** न० (-काञ्चन) जातीवु सोनु, शुद्ध सुवर्ण. शुद्ध सुवर्ण pure gold कप्प० ३, ३६,

—**रिणय** त्रि०(-अन्वित) उंच, जातिवान्, कुलीन कुलीन, उच्च जातिका. nobly born; born in a high family सूय० १, १३, ७. —**विन्न.** त्रि० (अन्वित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above सूय० १, १३, ७,

जजुव्वेय पु० (यजुर्वेद) चार वेदमांनो बीजो वेद, ब्राह्मण धर्मनु मूल पुस्तक चारों वेद में का द्वितीय वेद; ब्राह्मण धर्म

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

की मूल पुस्तक The second of the four Vedas held sacred by the Brāhmaṇas. भग० २, १; नाया० ५; १६; ठा० ३, ३. श्राव० ३८, विवा० ५;

जज्जर. त्रि० (जर्जर) જીર્ણ જુનુ-પુરાણુ. जीर्ण, पुराना Old; tottering; भग०६, ३३ —घर न० (-गृह) જીર્ણ ઘર. जीर्ण घर tottering house. भग० ६, ३३;

जज्जरिश्र-य त्रि० (जर्जरित) જાજરો, ખોખરો. જીર્ણ થયેલ, લડથડી ગયેલ जजरित; जीर्ण, लथडा हुआ, भारी, बैठा हुआ Worn out, tottering ठा० ५, ४, पराह० १, १, राय० २४८, नाया० १; भग० १६, ३. —सद्द पु० (-शब्द) ખોખરો અવાજ भारी या बैठी हुई आवाज, रूखा स्वर hoarse and feeble sound ठा० १०,

जजाव. न० (यावजीव) જીવતા સુધી. जीवन पर्यंत As long as life lasts पिं० नि० ५०६,

जट्ठा स० कृ० श्र०(इष्ट्वा) યજ્ઞ કરીને, હોમ કરીને यज्ञ कर के, होम कर के Having performed a sacrifice उत्त० ६, ३८;

जड त्रि० (जड) જડતા વાળો, વિવેક રહિત; મૂર્ખ जड; विवेकहीन, मूर्ख Devoid of common sense, foolish राय० २४०,

जडा स्त्री० (जटा) માથાના કેશનો સમૂહ, જટા सिर के केशों का समूह, जटा The hair on the head twisted together. नाया० १६; —मउड न० (-मुकुट) જટા રૂપી મુકુટ जटा रूपा मुकुट a crown in the form of hair twisted together नाया०१६;

जडि. पुं० (जटिन्) જટાધારી; યોગી. जटाधारा, योगी A person with matted hair on the head, an ascetic; a Yogi भग० ६, ३३; श्रोव० ३१; जं० प० ३६७; भत्त० १००,

जडित्त न० (जटित्वा) જટા ધારીનો ભાવ; જટા जटाधारी पन, जटा State of being an ascetic with matted hair on the head; matted hair on the head. ज० प० ३, ६७; उत्त० ५, २१,

जडियाइलग पु० (जटितायक) ૮૮ ગ્રહ-માંનો ૫૩ મો ગ્રહ ८८ ग्रहों में से ५३ वा ग्रह The 53rd of the 88 planets "दा जांडयाइलगा" ठा० २, ३,

जडियाल पु० (जटाल ८८ ગ્રહમાંનો ૫૩ મો ગ્રહ ८८ ग्रहों म में ५३ वा ग्रह The 53rd of the 88 planets सू०प०२०,

जडिल त्रि० (जटिल) જટાધારી, જટાવાળુ जटाधारी, जटावाला Having matted hair on the head "एगं मह कोम गडिय सुक जडिल गडिल" प्रन० ७३६, (२) पु० રાહુ राहु Rāhu (a planet that causes lunar and solar eclipse सू० प० २०,

जडिलय पु० (जटिलक) રાહુનું બીજું નામ राहु का दूसरा नाम A synonym of Rāhu (a planet which causes lunar or solar eclipse) सू० प० २०, भग० १२, ६;

जडुल. पुं० (जटिल) કેશરી સિંહની માફક જટાધારી એક જાતનો સાપ केसरी सिंह

जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent having a mane like that of a lion. "उक्कड फुडकुडिलजडुलकक्खड विकडफडाडोवकरणदच्छं" भग० १५, १, नाया० ८,

जडु. पु० (*) હાથી हाथी. An elephant ओघ० नि० २३८, पिं० नि० ३८६,

जडु त्रि० (जड) બોલવામાં દેખવામાં અને કાર્યમાં જડ-મૂર્ખ-કે જે દીક્ષા દેવા યોગ્ય નથી बालने मे, दिखने मे व कार्य करने मे जड-मूर्ख कि जो दीक्षा देने योग्य न हो (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order "बाले वुड्ढे नपुंसेय कीव जड्डेय वाहिए" प्रव० ७६३.

जढ त्रि० (हीन) तજी દીધેલ, छोडेल, મૂકેલ त्याग किया हुवा त्यक्त Abandoned, left दस० ६, ६१, मत्था० ओघ० नि० १८७, ४२१,

√ **जण** धा० I, II (जन्) જણવું, ઉત્પન્ન કરવુ जन्म देना, पैदा करना To give birth to, to produce

जणेइ सु० च० २, ३०६,

जणति. दस० ६, ३८,

जणयन्ति आया० १, २, १, ६३;

जणइत्तइ आया० २, ३, ८,

जणित्ता म० कृ० आव० ३२,

जणिउं हे० कृ० सु० च० २, २२६;

जणेमाण व० कृ० पिं० नि० १८६,

जण पुं० (जन-जायते इति जन.) લોક, માણસ, મનુષ્ય मनुष्य, आदमी A man, a person, people नाया० १; २; ७; १४; १७; १८; भग० १, १; २, ५; ७, ८; पिं० नि० १२४, १६४, सू० प० १, राय० अणुजो० १३०, उत्त० १०, १९; ओव० सु० च० ४, १५२; वव० १, २३; नंदी० ८; पचा० ७, १६, कप्प० ३, ४०, क० गं० १, ५०, (२) જન-સગાવહાલા. जन-सम्बन्धी. relatives आया० १, ६, ४, १६३;

—**आणंद** पुं० (-आनन्द) જન સમાજને આનન્દ આપનાર. जन समाज को आनद दाता one that pleases or delights mankind or human society प्रव० ३६६, —**उम्मि** पु० (-ऊर्मि) તરંગમાંથી તરંગ ઉઠે તેવી રીતે માણસોના ટોળેટોળા નીકળે તે जिस प्रकार तरंग मे से तरंग निकलती है उसी प्रकार मनुष्यों के समूह के समूह निकलना surging crowds of men राय० आव० २७, —(णा) **उवयार** पु० (-उपचार) લોકપૂજા સ્વજનાદિકથી થતી પૂજા उपचार, स्वजनों मे होता हुइ पूजा worship or honour paid by relatives or other people. पचा० २, ३६, ८, ६७, —**कलकल** पु० (-कलकल) માણસોનો 'કલ કલ' એવો અવાજ मनुष्यो का कलकल ऐसा आवाज bustling sound made by a concourse of men राय० —**क्खय** पुं० (-क्षय) માણસનો ક્ષય, મરણ मनुष्य का क्षय, मरण death of a man. भग० ३, ७, ७ ६, —**क्खयकर** त्रि० (-क्षयकर) લોકનો ક્ષય કરનાર लोगों का क्षय करने वाला (one) that destroys

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

men. " बहु जणस्सव करा संगामा " प्रश्न० १, ४; —अपवाय. न० (-अपवाद) લોકોમાં અપવાદ. लोगों में अपवाद. censure among people गच्छा० ६४, —प्पमद्द. न० (-प्रमर्द) લોકોનું ચૂર્ણ નાશ. लोगों का नाश. destruction or annihilation of people. भग० ७, ६; —पूयणिज्ज. त्रि० (-पूजनीय) લોકમાં પૂજનીય; લોકમાન્ય लोगों में पूजनीय; लोकमान्य. deserving of honour or worship among people. पचा० २,८;—वूह पु०(-व्यूह) માણસોનો સમૂહ. मनुष्यों का समूह a concourse or crowd of men भग०२, १, ११, ११, —बोल पु० (-शब्द) માણસોનો અવ્યક્ત અવાજ. मनुष्यों का अव्यक्त आवाज in distinct noise made by men विवा० १, १; —मणोहर त्रि० (-मनोहर) લોકોનાં ચિત્તને આકર્ષનાર. लोगों के चित्त को आकर्षण करने वाला (one) that attracts the minds of men. charming पंचा०६, १८; —वह पु० (-वध) માણસોની ઘાત मनुष्यों का वध killing or slaughter of men भग० ७, ६; —वहा स्त्री० (-व्यथा) જન પીડા; લોક પીડા जन पीड़ा, लोक पीड़ा affliction of people; giving pain to men. भग० ७, ६, —वाय. पु० (-वाद) માણસો સાથે પરસ્પર વાર્તાલાપ કરવો તે, વાતચિત કરવી તે मनुष्यों के साथ परस्पर वार्तालाप करना mutual conversation among men ओव० (२) લોકો સાથે વાર્તાલાપ-સંવાદ કરવાની કલા; વાતચીતથી માણસોને પસંદ કરવાની કલા. लोगों के साथ वार्तालाप संवाद करनेकी कला, वाक्चातुर्य. the art of pleasing men by conversation; adroitness in conversation. जं० प० ओव० ४०; नाया० १; —संवट्टकप्प. त्रि० (-संवर्तकल्प) માણસોના સંહાર જેવું. मनुष्यों के सहार समान. like the annihilation of men or people. भग० ७, ६, —सद्द पु० (-शब्द) માણસોનો અવાજ, કોલાહલ. मनुष्यों का आवाज. कोलाहल bustling sound of a concourse of men नाया०१,विवा०१, भग० ११, ११, —सम्मद्द पुं० (-संमर्द) લોકોનો પરસ્પર અવાજ; કોલાહલ लोगों का परस्पर आवाज, कोलाहल bustling sound made by a concourse of men ठा० ४, १, भग० २, १, —सया-उल त्रि०(-शताकुल) સેંકડો માણસોથી વ્યાપ્ત सैकड़ों मनुष्यों से व्याप्त full of, containing hundreds of men भग० ११, १०;

जणइत्तार पु० (जनयितृ) ઉત્પાદક, ઉત્પન્ન કરનાર उत्पादक, उत्पन्नकर्ता, A generator, a producer ठा० ४, ४,

जणग पु० स्त्री० (जनक) જનક, માતાપિતા વગેરે जनक, माता पिता वगैरह One who begets, e g a father, a mother etc. आया० १, ६, १, १८०, पचा० ६, ६,

जणण पु० न० (जनन) ઉત્પત્તિ उत्पत्ति Production, creation "गंभीर रोम हरिस जणण" भग० ६, ५; नाया० १, उत्रा० ८, २४६, पचा०३, ४४, ६, १२;

जणणी. स्त्री० (जननी) માતા. माता. A mother पिं० नि० ४८७, उवा०३, १३५; जं० प० ५, ११२, पंचा० ७, ३६; —कुच्छिमज्झ न० (-कुक्षिमध्य) માતાની કુક્ષિમાં. माता की कुक्षिमें. in the

womb of a mother. तंदु॰ —गब्भ पुं॰ (-गर्भ) માતાનો ગર્ભાશય माता का गर्भाशय. the womb of a mother. प्रव॰ १३८१;

अणुपय. पुं॰ (जनपद) દેશ. देश. A country उत्त॰ ३, ४;

जणय. पुं॰ (जनक) પિતા. पिता A father. प्रव॰ ४, —नाम. पुं॰ (-नामन्) પિતાનું નામ पिता का नाम. name of one's father. प्रव॰ ४,

जणवअ-य. पुं॰ (जनपद) દેશ. રાષ્ટ્ર देश, राष्ट्र A country उत्त॰ २६, २३, आया॰ १, ३, २, ११३, १, ६, ५, १६४, नाया॰ १, ५; ८, १२, १५, १६, १८, पएह॰ १, ३. राय॰ २८२, निर॰ १, १, पन्न॰ ११, ज॰ प॰ २, ३६, सु॰ च॰ २, ४, भग॰ २, १, ५, ७, ६, १०, ६, ३३; १३, ६, १५ १ प्रव॰ ८६८, कप्प॰ ४, ८३, —कल्लाणिआ स्त्री॰ (-कल्याणिका) ચક્રવર્તીની રાણીઓ. चक्रवर्ती की रानियां any of the queens of a Chakravartī ज॰प॰ —पाल पुं॰ (-पाल-जनपद पालयति इति जनपदपाल) દેશનો પાલણહાર, રક્ષક, રાજા. देश का पालन वाला, रक्षक, राजा the protector of a country, a king ओव॰ —पिया. पु॰ (-पितृ) દેશનો પિતા, પાલનાર देश का पिता; पालने वाला the father i e the protector of a country ठा॰ ६, —पुरोहिय पुं॰ (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारित्वा-त्पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) દેશમા શાન્તિ કરનાર; પુરોહિત देश में शान्ति करनेवाला, पुरोहित. one who gives peace of mind to people, a religious preceptor ओव॰ —प्पहाण. त्रि॰(-प्रधान) દેશમાં પ્રધાનશ્રેષ્ઠ. देशमें प्रधान, श्रेष्ठ prominent, renowned in a country. "अणिहय जणवयप्पहाणाहिं वाणिक्कता" पएह॰ १, ४; —वग्ग पु॰ (-वर्ग) દેશનો સમુહ. देशों का समूह a collection or group of countries. भग॰ ३, ६, —सच्च. न॰ (-सत्य-जनपदेषु देशेषु यद् यदर्थवाचकतया रूढं देशान्तरेऽपि तत् तदर्थवाचकतया प्रयुज्यमानं सत्यमवितथ-मिति जनपदसत्यम्) દશ પ્રકારના સત્યનો પહેલો પ્રકાર दश प्रकार के सत्य का पहिला प्रकार the first of the ten kinds of truth ठा॰ १०, —सच्चा. स्त्री॰ (-सत्या—जनपदमधिकृत्येष्टार्थप्रतिपत्ति-जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद सत्या) સત્ય ભાષાના દશ પ્રકારમાનો પહેલો પ્રકાર सत्य भाषा के दश प्रकारों में से पहिला प्रकार the first of the 10 kinds truthful speech पन्न॰ ११;

जणिअ-य त्रि॰ (जनित) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न Born, produced आव॰ २६, नाया॰ १, भग॰ ६, ३३, सु॰ च॰ १, १६; —पमाअ पुं॰ (-प्रमाद) પ્રમાદ ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको प्रमाद उत्पन्न हुआ हो वह one who has committed an act of negligence नाया॰ १०, —मोह त्रि॰ (-मोह) ઉત્પન્ન કર્યો છે મોહ જેણે તે जिसने मोह उत्पन्न किया वह (one) that has caused or produced infatuation. भत्त॰ १२०, —संवेग त्रि॰ (-संवेग) મોક્ષાભિલાષા ઉત્પન્ન થયેલ जिसको मोक्षाभिलाषा उत्पन्न हुई हो (one) in whom a desire for salvation has been generated नाया॰ १०, —हास. पुं॰ (-हास) હાસ્ય ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको हर्ष उत्पन्न हुआ हो (one) in whom joy

has been produced. नाया० ८;

जण्ण. पुं० (यज्ञ) यज्ञ—नागादिनी पूजा—होम यज्ञ—नागादिकी पूजा—होम हवन A sacrifice, worship of serpents etc भग० ६, ३३, उत्त० ६, ३८, नाया० १; २, (२) स्व स्व ईष्टदेवनी पूजा. अपने अपने इष्ट देव की पूजा. worship of one's own special or family-deity. जं०प० जीवा०३, —जाइ पुं० (—याजिन्) यज्ञ करनार यज्ञ करने वाला one who performs a sacrifice or worship. ओव० —ट्ठ पुं० (—अर्थ) यज्ञना प्रयोजन वाळो यज्ञके प्रयोजनवाला (one) having sacrifice or worship as a motive or end "जनट्ठा य जा दिया" उत्त० २५, ७; —ट्ठि पुं० (—अर्थिन्) भाव यज्ञनो अर्थी, ईच्छनार भाव यज्ञ करने के उत्सुक (one) desirous of a sacrifice in a spiritual sense. "जन्नठी वेयसां मुहं" उत्त० २५, १६,

जण्णदत्त. पुं० (यज्ञदत्त) ए नामना साधु इस नाम का साधु Name of an ascetic कप्प० ८, —वाड. पुं० (—वाट) यज्ञ वाडो; ज्यां यज्ञ थाय छे ते स्थळ—जग्या यज्ञ का बाडा; जहां पर यज्ञ होता हो वह स्थान. a place where a sacrifice is performed उत्त० १२, ३, —सेट्ठ पुं० (—श्रेष्ठ—यज्ञेषु श्रेष्ठो यज्ञ श्रेष्ठः) उत्तम यज्ञ. उत्तम यज्ञ. the highest kind of sacrifice "वोसट्ठ काया सुइचत्तदेहा महाजयं जयइ जन्नसेट्ठं" उत्त० १२, ४२,

जण्णइ. पुं० (यज्ञिन्) यज्ञ करनार तापसनी एक जात. यज्ञ करने वाले तापसकी एक जाति. One who performs a sacrifice; a kind of an ascetic. ओव० ३८; भग० ११, ६;

जण्णइज्ज. न० (यज्ञीय) ए नामनुं उत्तराध्ययन सूत्रनुं पच्चीसमुं अध्ययन इस नाम का उत्तराध्ययन सूत्र का पचीसवां अध्ययन. Name of the 25th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. सम०३३; अणुजो० १३१.

जण्णं अ० (यद्) जे कंइ जो कुछ Any thing; whatever ओव० ३८; ४०; नाया० १, भग० ३, १, ५, ५, (२) जेथी. जेथी करीने, जे माटे जिसके कारण; जिस वास्ते. by which, so that भग० ३, १, ५, ७, वव० १, २३; नाया० १४;

जण्णोवईय न० (यज्ञोपवीत) जनोई यज्ञोपवित् A sacred thread worn on the body भग०११, ६; नया०१६,

जण्हा. अ० (यस्मात्) जेथी, जे माटे. जिस से, जिस लिये. For which; from which नाया० ८,

जण्हवी. स्त्री० (जान्हवी) गंगा नदी गङ्गा नदी. The river Ganges प्रव०१२४२,

जतमाण त्रि० (यतमान) यत्नवान्. यत्नवान. Carefully trying or attempting, making efforts to accomplish an object आया० १, ६ २, ४, १, ४, १, १२६,

जति. अ० (यदि) जुओ "जइ" शब्द देखो "जइ" शब्द, Vide "जइ" भग० १२, १,

जति. पुं० (यति) साधु; मुनि साधु, मुनि. An ascetic, a saint पंचा० ५, ३३; १०, ३४, १२, १;

जतियव्व त्रि० (यतितव्य) यत्न करवा योग्य. यत्न करने के योग्य. Worthy of being accomplished by efforts; worth attempting. पंचा० १५, २८;

जउ. न० (जतुक) લાખ; એમગુી. लाख; चपड़ी. Lac; a dark-red transparent resin. भग० १६, २; सूय० १, ४, १, २६; —कुंभ. पुं० (-कुम्भ) લાખનો ઘડો. लाख का घड़ा a pot of lac सूय० १, ४, १,२६; —गोल पु० (-गोल) લાખ-જેમગુીનો ગોળો. लाख-चपड़ा का गोला a globe of lac; a ball of lac भग० १५, ३; —गोलासमाण त्रि० (-गोलसमान) લાખના ગોળાજેવું लाख के गोले जैसा resembling a ball of lac भग० १५, ३;

जत्त. त्रि० (यत्तत्) જે તે जो; वह, जो, सो That-which anybody. उत्त० १, २१.

जत्त. त्रि० (यावत्) જેટલું जितना. As much, to the extent to which गच्छा० ११८.

जत्त. पु० (यत्न) યત્ન; પ્રયાસ, મહેનત यत्न, प्रयास, मिहनत Effort, attempt, labour. दस० ६, ३, १३, भग० ६, ३३, पचा० १, २६, (२) त्रि० યત્નવંત यत्नवन्त full of effort, carefully attempting. आया० १, १, ४, ३३;

जत्ता स्त्री० (यात्रा) પ્રયાણ, જવું प्रयाण, निकलना, रवाना होना. Going, setting out ओव० २६, नाया० ८, ६. (२) સંયમ નિર્વાહ, સંયમ પાલન, તપ નિયમ સંયમ, સ્વાધ્યાય આદિમાં ચિત્તને લગાવવું તે संयम निर्वाह, संयम पालन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदि में चित्त को लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. " किंते भंते जत्ता ? सो मिला ? " भग० १८, १०; नाया० ५; उत्त० २३, ३३; पंचा० ६, ३, प्रव० ६६; —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) યાત્રા-ગમન કરવાને તૈયાર થયેલો-સન્મુખ થયેલ. यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start ओव० २६; —पडिनियत्त. त्रि० (-प्रतिनिवृत्त) યાત્રા કરી પાછા વળેલ यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc निसी० ६, २४; —भयग पु० (-भृतक —भ्रियते इति भृतक सहायो यात्राया भृतको यात्राभृतक.) દેશાન્તરમાં મુસાફરી કરતી વખતે સાથેનો નોકર देशान्तर में यात्रा करते समय सग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. ठा० ४, १, —भयग. पु० (-भृतक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द vide above ठा० ४, १; —संपत्थिय त्रि० (-संप्रस्थित) યાત્રાએ જવાને તૈયાર થયેલ यात्रा करने को (के लिये) जाने का तत्पर bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निसी० ६, १३, —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) જે બાર વખત સમુદ્રની યાત્રા કરી ક્ષેમ કુશલ-સહીસલામત ઘરે આવે તે યાત્રા સિદ્ધ કહેવાય बारह बार समुद्रयात्रा क्षेम-कुशल-सहीसलामत करके घर पर आवे उसे यात्रा सिद्ध कहा जाता है one returning safely after twelve sea voyages. राय०

जत्तिय. त्रि० (यावत्) જેટલા, જેટલા પ્રમાણનો. जितना; जितने प्रमाण का. As much, of as much extent or proportion उत्त० ३०; २०; तंदु० ३; भग० ३, ६; ८, १; १३, २, १५, ७; पिं० नि० — काल पुं० (-काल) જેટલો વખત. जितना

—काल. as much time; as much extent of time. क० गं० ५, ८७,

जत्तो. अ० (यतस्) જેથી; જે પાસેથી जिससे; जिसमें से; From which; whence; पिं० नि० ८७;

जत्थ. अ० (यत्र) જ્યાં, જેમાં; જે સ્થલે. જે જગ્યા એ. जिसमें, जहां, जिस स्थान पर Where, in which, at which place. अणुजो० ८, उत्त० ६, २६, नाया० ध० निर० ४, १, पिं० नि० ७६; बव० १, ३७, दस० ५, १, २१, ७, ६, नाया० १३, १६, भग० ३, १, ८, १; १२, ४, १६, ७, वेय० १, ४६, ४, १८, गच्छा० ७८, प्रव० ७५, ६८७,

जत्थेव अ० (*यत्रव-यत्र) જ્યાં जहां, जिस स्थान पर Where, at which place भग० ८, ६, १५, १;

जदा. अ० (यदा) જ્યારે, જે વખતે. जब, जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६;

जदि. अ० (यदि) જુઓ " जइ " શબ્દ देखो " जइ " शब्द. Vide " जइ " भग० १२, १; २०, ५; २४, २०,

जदिच्छिअ त्रि० (याद्दच्छिक) યથેચ્છિક, અકસ્માત બનેલું. दैवयोग से बना हुआ Accidental, fortuitous. विशे० ११५,

जदुणंदण. पु०(यदुनन्दन) શ્રીકૃષ્ણ श्रीकृष्ण The god Krishna ठा० ८;

जन पुं० (जन) મનુષ્ય मनुष्य. A man. भग० ६, ३३; विशे० ५६;

जनय पुं०(जनक) જુઓ " जणय " શબ્દ. देखो " जणय " शब्द. Vide " जणय " सु० च० १, ८८;

जनवअ. पुं० (जनपद) દેશ; રાષ્ટ્ર. देश; राष्ट्र A country. विशे० १५, १७;

जन्न. पुं० (यज्ञ) જુઓ " जण्ण " શબ્દ. देखो " जण्ण " Vide " जण्ण " विशे० उत्त० २५, ४; १८८२; जीवा० ३, ३; सु० च० ४ १०१; —ट्ठ. त्रि०(-अर्थिन्) યજ્ઞ છે પ્રયોજન જેનું એવા; યજ્ઞમાં જોડાયેલ जिसका प्रयोजन यज्ञ है वह; यज्ञ में सम्मिलित having a sacrifice for an end, engaged in a sacrifice उत्त० २५, ७; —वाइ पु० (-वादिन्) યજ્ઞ વાદિ; અજમેધાદિ દ્રવ્ય યજ્ઞની સ્થાપના કરનાર. यज्ञवादी, अजामेधादि द्रव्य यज्ञ की स्थापना करने वाला one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc for religious purpose . उत्त० २४, १८;

जप न० (जप) મંત્રાદિનો જપ. मंत्रादि का जप Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc अणुजो० २६;

जप्प स्त्री० (जपा) ચીનાઈ ગુલાબનો છોડવો. चिनाई गुलाब का पौधा A plant of China rose राय० ५३,

जप्प पुं० (जल्प) બબડવું તે, બોલવું તે बडबडाहट करना, बोलना Prattle; act of speaking at random ठा० ६;

जप्पभिइ. अ० (यत्प्रभृति) જે કાલથી, જે વખતથી, જ્યારથી. जिस काल से; जिस समय से, जब से From the time when, since the time when. " जप्पभिइं च णं अम्ह एस दारए " कप्प० ४, ६०; भग० १०, ४; नाया० ध० जं० प० २, ३१;

√जम. धा० II. (यम्) વિષમતા ટાલી સમું કરવું विषमता मिटा कर योग्य स्थिति में रखना. To make even; to place in order by removing inequalities. (२) નિયુંત્ર થવું. नियुक्त होना.

to retire; to cease from. जमावेइ प्रे० निसी० १, ४०;

जम. पुं० (यम) પ્રાણાતિપાતવિરતિ આદિ પાંચ મહાવ્રત प्राणातिपातविरति आदि पांच महाव्रत The five major vows such as abstaining from killing etc. " जावइ जमजखमि " उत्त० २५, १. ठा०२,३. (२) શક્ર તથા ઇશાન ઇંદ્રના દક્ષિણ દિશાના લોકપાલનું નામ. शक्र व इशान इद्र के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम a name of the guardian deity of the southern quarter of Śakra and Īśānendra. ठा० ४, १. विशे० १८८३, सू० प० १०, भग० ३, ७, जं० प० पराह १, १; (३) ભરણી નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા भरणी नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the constellation Bharaṇī अणुजो० १३१, सू० प० १०, जं० प० ७, १५७, ठा० २. ३; —काइय पुं० (-कायिक) દક્ષિણ તરફના યમ જાતના દેવ दक्षिण दिशाके यम जातिके देव a deity of the south belonging to the kind known as Yama पराह०१,१, भग० ३ ७, —जन्न पुं० (-यज्ञ) અહિંસા, સત્ય, અસ્તેય, બ્રહ્મચર્ય અને અપરિગ્રહ એ ૫ યમ-સંયમ રૂપ યજ્ઞ, ભાવ યજ્ઞ अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, व अपरिग्रह इन पाच यम-संयम रूप यज्ञ भाव यज्ञ a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly effects. उत्त० २५, १; —देवकाइय पुं० (-देवकायिक) યમ દેવતાઓની એક જાત. यम देवताओं की एक जाति a group of the gods known as Yama Devatās भग० ३, ७; —पुरिससंकुल त्रि० (-पुरुषसंकुल यमस्य दक्षिणदिक्पालस्य पुरुषा अम्बादयो सुरविशेषास्तैः सकुला ये ते तथा) પરમાધામીઓથી વ્યાપ્ત; જમપુરૂષ, પરમાધામીઓથી વ્યાકુલ परम अधर्मियों से व्याप्त, यम पुरुष परम अधम मनुष्य स व्याकुल full of demons known as Paramādhāmīs पराह० १, १, —पुरिससानभ त्रि० (-पुरुषसन्निभ) પરમાધામીના જેવું परमाधामी के समान क्रूर. (cruel) like a demon known as Paramādhāmī पराह० १, ३. —लोइय पुं० (-लौकिक) પરમાધામી વગેરે યમલોકવાસી દેવતા परमाधामी आदि यम लोक वासी देवता. a god living in Yamaloka, e g a Paramādhāmī etc सूय० १,१२,१३;

जमइञ्ज न० (यद्तीत) એ નામનું સુયગડાંગ સૂત્રનું ૧૫ મું અધ્યયન इस नाम का सूयगडांग सूत्र का १५ वां अध्ययन Name of the 15th chapter of Sūyagadāṅga. सम० १६; २३,

जमइत्ता स० कृ० अ० (नियम्य) જમાવીને, જમાવટ કરીને અતિપરિચિત કરીને; વારંવાર આવૃત્તી કરી માહીતગાર થઇને जमा कर, अति परिचित करके बारबार आवृति कर के, माहितगार होकर Having fixed or settled, having become thoroughly familiar with श्रोव० १६,

जमग पुं० (यमक) દેવકુરૂ ઉત્તરકુરૂ ક્ષેત્ર-

ओना એ નામના પર્વત. "कहिणं भंते उत्तर कुराए कुराए जमगा नाम दुवे पव्वया पन्नत्ता ?" जीवा० ३, ४, जं० प० भग० १४, ८; (२) જમગ પર્વતવાસી દેવતાનું નામ जमग पर्वतवासी देवता का नाम. Name of the god residing on the Jamaga mountain जं० प० ५, ११९, ओव० ३१, जीवा०३, ४, —पव्वय- पुं० (-पर्वत) જુઓ ઉપલા શબ્દના બીજા નંબરનો અર્થ देखो ऊपर के शब्द का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above ज० प० ४, ८८, ६, १२९, सम० १०००;

जमगसमगं अ० (यमकसमकं) એકીસાથે, યુગપત્, એકી વખતે एक साथ, युगपत्, एकही समय पर At one and the same time, simultaneously ज० प० ४, ८८, ४, ५७, जीवा० ३, ४, ओव० ३१, विवा० १, ७, नाया० ४,८, भग० ११, १०, उवा० ४, १४८,१५३; कप्प० ५, १०१;

जमगा स्त्री० (यमका) જમક દેવતાની રાજધાની जमक देवताकी राजधानी, जमक देवता का पाटनगर The capital of the gods known as Jamaka जीवा० ३, ४, जं० प० ४, ८८;

जमणिया स्त्री० (यमनिका) જમણી કાખમાં રાખવાનું સાધુનું એક ઉપકરણ दाहिनी बगलमें रखनेका साधुका एक उपकरण An article used by a Sādhu and kept in the right arm-pit. ठा० ६;

जमदग्गि पुं० (जमदग्नि) એ નામના એક તાપસ, પરશુરામનો પિતા इस नाम का एक तापस; परशुराम का पिता Name of a saint who was the father of Paraśurāma जीवा० ३, १, —पुत्त पुं० (-पुत्र) જમદગ્નિનો પુત્ર; પરશુરામ परशुराम; जमदग्नि पुत्र. the son of Jamadagni; Paraśurāma. जीवा० ३, १;

जमप्पभ पुं० (यमप्रभ) ચમરેન્દ્રના ઉત્પાત પર્વત. चमरेंद्र के इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उत्पात पर्वत. Name of a mountain which was the abode of Chamarendra, the Indra of the Yama gods ठा० १०,

जमल. त्रि० (यमल) સમશ્રેણિયે રહેલું; સરખે સરખું, જોડાજોડ રહેલું समश्रेणी में रहा हुआ, एक सरीखा, लगोलग रहा हुआ. Remaining in a straight line; in juxtaposition उवा० २, ६४, ओव० ३०; राय० ३३, नाया० १, ८; ६; जीवा० ३, १, ६, जं० प० भग० १५, १; १६, ३. (२) न० એ નામનું વૃક્ષ કે જેનું રૂપ કૃષ્ણવાસુદેવના વૈરી વિદ્યાધરે ધારણ કર્યું હતું इस नाम का वृक्ष कि जिसका रूप कृष्ण वासुदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया था name of a tree into which a Vidyādhara who was an enemy of Krisna Vāsudeva had metamorphosed himself. पगह० १, ४, —जुयल न० (-युगल) સરખે સરખી જોડ, સમશ્રેણિયે રહેલ જોડું. युगल, समश्रेणी से रहा हुआ a pair; a couple with its two members in juxtaposition. राय० ११२; —पय न० (-पद) આઠ આઠ આંકડાનો એકેક જથ્થો; જેમકે ૩૨૫૪૮૬૩૫; ૨૪૬૫૩૫૫०; આમાં પહેલા આઠ આંકડાનું એક જમલ પદ અને બીજા આઠ આંકડાનું બીજું જમલ પદ. आठ आठ अंक का एक समूह, जैसा कि, ३२५४८६३५, २४६५३५५० इसमें पहिले आठ अंक का एक जमल पद;

अं इत्यादि आठ अंकों का दूसरा यमल पद. a numerical sum containing 8 figures; e. g. 32548635. अणुजो० १४४; पत्र० १२; —पाणि पुं० (-पाणि) मुष्टि. मुट्ठी. the fist of a hand भग० १३, ३.

जमलया. स्त्री. (यमलता) જોડલાપણું. युगलता. State of being a pair विवा० ४;

जमलिय त्रि० (यमलित-यमलं नाम सजातो यथोर्युग्मं तत् संजातमेषां ते यमलिता) दिशामां समश्रेणीએ રહેલ. एकही दिशा में सम श्रेणी में स्थित. Remaining in juxtaposition, remaining in a straight line ओव० भग० १, १,

जमा स्त्री० (याम्या-यमो देवता यस्याः सा याम्या) દક્ષિણ દિશા दक्षिण दिशा The southern direction भग० १०, १, (२) યમલોકપાલની રાજધાની यमदेव का पाटनगर. the capital of god Yama भग० १०, ५,

जमालि पुं० (जमालि) એ નામના ક્ષત્રિય રાજકુમાર, મહાવીરસ્વામિના જમાઈ કે જેણે પ્રભુપાસે દીક્ષા લીધી અને પાછળથી એક પંથ ચલાવ્યો इस नाम का क्षत्रिय राजकुमार, महावीर स्वामी का जवाई कि जिन्होंने प्रभु के समीप दीक्षा ली और फिर एक पंथ का स्थापना की A Ksatriya prince, the son in law of Mahāvira Svāmi who received Diksa from him and afterwards founded a sect. " तत्थणं खत्तियकुंडगामे णयरे जमालिणामं खत्तिय कुमारे परिवसइ " भग० ६, ३३; नाया० ८; निर० ४, १; ठा० ७, १; —अज्झयण न० (-अध्ययन) અંતગડ દશાનું છઠું અધ્યયન કે જે હાલ ઉપલબ્ધ નથી अन्तगडदशा का छठा अध्ययन कि जो फिलहाल उपलब्ध नहीं है. name of the 6th chapter of Antagaḍadaśā (it is no longer extant) ठा० १०,

जमिगा स्त्री० (यमिका) જમક પર્વતના દેવતાની રાજધાની. जमक पर्वत के देवता का पाटनगर. The capital of the gods esiding on the Jamaka जं० प० ४, ८८,

जमिय त्रि० (यमित) નિયન્ત્રિત કરેલ. दिशा दिखाया हुआ. Guided; governed सु० च० १, २६,

जमुणा स्त्री० (यमुना) જમના નદી यमुना नदी The Jamunā river सु० च० ५ ६;

जम्म पु० न० (जन्मन्) જન્મ, ઉત્પત્તિ उत्पत्ति, जन्म Production, birth नाया० १, २, १३, १६; १६, नाया० ध० भग० ६, ३३; १५, १, सु० च० १, १८७; ३०६, ३, १८३. विशे० ७८५, दसा० ६, १, निर० १, १; श्रोव० ४६, सूय० १, १, १, २३, पिं० नि० ७५ उवा० २, ११३, कप्प० ०, १८, प्रव० ५, भत्त० १६४, —जरामरण. न० (-जरामरण) જન્મ જરા અને મરણ जन्म जरामरण. birth, old age and death पगह०१,३;—जीवियफल. न० (-जीवितफल) જન્મરૂપ જીવિતનું ફલ जीवित फल the fruit of life भग० १५, १; नाया० १३, —णगर न० (-नगर) જ્યાં જન્મ થયો હોય તે નગર जिस जगह जन्म हुआ हो वह नगर. the town where one is born. जं० प० ५, १२२, २, ११७, —णयर. न० (-नगर यस्मिन् नगरे यस्य जन्म भवति तत्तस्य जन्मनगरम्) જન્મ નગર; ઉત્પત્તિ સ્થાન;

-जे गाममां जन्म थयो होय ते गाम. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान the town where one is born; birth-place. जं० प० ५,१२३, —दरिस. त्रि०(-दर्शिन्) जन्मना खरास्वरूपने जोनार जन्म के वास्तिविक स्वरूप को देखने वाला (one) who understands the real nature of birth (life). " जे गब्भदंसि से जम्म दसि जेजम्मदंसि से मारदंसि" आया० १,३, ४,१२५; —दोस पु० (-दोष) जन्म सह आवी दोष-जन्मनी खोड. जन्म दोष the defect from the very birth ठा०१०, —नक्खत्त न०(-नक्षत्र) जन्मनुं नक्षत्र जन्म नक्षत्र the natal star कप्प० ५, १२८, —पक्क त्रि०(-पक्व) जन्मथीज पोतानी मेळे पाकेल जन्म से ही-स्वयं परिपक्व बना हुआ fully developed or mature from the very birth विवा०१,८, —फल न० (-फल) जीवननुं फल प्रयोजन जीवन का फल-प्रयोजन the aim or object of life पंचा० ८, ३; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) जन्म भूमि, मातृ भूमि जन्म भूमि, मातृ भूमि birth-place, mother-land " सव्वेसिमा तित्थयरा निक्खता जम्म भूमिसु " सम० प० २३१; —समय पु० (-समय) जन्मनो वखत जन्म समय the hour of birth प्रव० ५,

जम्मंतर. न० (जन्मान्तर-अन्यजन्म जन्मान्तरम्) अन्य जन्म; पूर्व जन्म. पूर्व जन्म. Previous birth गच्छा० ६, मत्त० १६६; —कड. त्रि० (-कृत) जन्मांतरमा करेल. पूर्व जन्म में किया हुआ. done in the previous life. गच्छा० ६;

जम्मण. न० (जन्मन्) जन्म; उत्पत्ति; ऊपजवुं; अवतार जन्म; उत्पत्ति; अवतार. Birth, production; incarnation. " जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्खुभिय " पण्ह० १, ३; आया० १; ५, ८; भग० ११, ११; १२, ७, १८, ४; २५, ६; जीवा० १, ओव० २१, ओव० ३१, ओघ० नि० ११६; जं० प०५, ११२, अणुजो० १७, १५४;निर०२,१, —चरिय न० (-चरित्र) जन्म चरित्र; जीवन चरित्र जन्म चरित्र; जीवन चरित्र account of one's life; biography राय० ६५, —चरियणिबद्ध न० (-चरित्रनिबद्ध) तीर्थंकरना जन्माभिषेकना देखाववाळुं ३२ नाटकमानुं एक तीर्थंकर के जन्माभिषेक के दृश्य वाला नाटक, ३२ नाटकों में से एक a dramatic performance showing the birth of a Tirthankara, one of the 32 dramas राय० —भवण न० (-भवन) प्रसूति घर प्रसूति घर. a lying-in chamber जं० प० ५, ११२, —मह पुं० (-मह) जन्म महोत्सव जन्म महोत्सव festivity in connection with birth. भग०३, —महिमा. पुं० (-महिमन्) जन्मोत्सव जन्मोत्सव. festivity in connection with birth. भग० १४, २, जं० प० ५, ११२, ११३,

जम्मा. स्त्री०(याम्या) दक्षिण दिशा दक्षिण दिशा. The South. प्रव० ७६४,

√जय धा० I (जि) जीतवुं; जय मेळववो; फतेह पामवी जय प्राप्त करना, सफलता पाना To conquer; to succeed जयइ-ति. सु०च०१,१; उत्त०७,३१;नंदी०१, जयति. जं० प० ७, १५३;

जइत्था. भग० ७, ६;

जयित्था. ठा० ३, २;

[illegible] [illegible] ४, १३; [illegible] पिं० नि० १३०; [illegible] [illegible] [illegible] ५, ६;

√ जय धा० I. (यत्) મહેનત કરવી, યત્ન કરવો; ઉદ્યમ કરવો. मिहनत करना, यत्न करना. To exert oneself, to endeavour.

जयइ उत्त० ३१, ७;
जये वि० सूय० १, २, ३, १५;
जयसु पिं० नि० ४१,
जयंत व०कृ०उत्त० २४, १२; पिं०नि०११०;
जयतन्त सूय० १, २, १, ११.
जयमाण. १,४,१, १२६, १,६, २, १८३; १, ६, १, २१,

जय—ग्र पु०(जय) શત્રુઓને જીતવા તે; વિજય विजय, शत्रुओंको जीतना Victory श्रोव० ११,दस० ७, ५०, नंदी० ५, कप्प० १, ५; ४, ६७, नाया० १, ३, १६; भग ३, १; २; ७, ३; ६, ३३, राय० ३७; पश्च० २. (२) એ નામના વર્તમાન અવસર્પિણીના ૧૧ મા ચક્રવર્તી इस नाम का वर्तमान अवसर्पिणी का ११ वां चक्रवर्ती name of the 11th Chakrawarti (sovereign) of the present cycle ज० प० ३, ४४; उत्त० १८, ४३; सम० प० २३४; (३) એ નામની ત્રીજ આઠમ અને તેરસ એ ત્રણ તિથિઓ इस नाम की तृतिया अष्टमी व तृयोदशी ये तीन तिथियां name of the 3rd, 8th and 13th day of a fortnight. ज० प० ७; (४) એ નામનો એક દેવતા इस नाम का एक देवता. name of a god भग० ३, ७; (५) ११ मा तीर्थंકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ ११ वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देनेवाले गृहस्थ a householder who was the first to give alms to the 11th Tirthankara. सम० प० २४३;—णाम. पुं० (-नामन्) જય નામે ૧૧ મા ચક્રવર્તી. जय नाम का ११ वां चक्रवर्ती. name of the 11th Chakravarti. ठा० १०, उत्त० १८, ४३; —सद्द पुं० (-शब्द) જય થાઓ એવો શબ્દ. जय हो ऐसा शब्द the exclamation 'victory! victory!'. "जयसद्दघोसपउं" भग० ६, ३३, श्रोव० ३१; कप्प० ४, ६१,—जय पु० (-जगत) સંસાર, લોક, દુનિયા. ससार, लोक world-ly existence, the world भग० २०, २, ३; —गुरु पुं० (-गुरु) જગતના ગુરૂ. શ્રીજિનેશ્વર. जगत् के गुरु, श्री जिनेश्वर. the world teacher; Jineśwara सु० च० २, ३६१, पचा० ४, ३३,—पसिद्ध त्रि० (-प्रसिद्ध) જગ જાહેર जग जाहिर; लोक प्रसिद्ध, प्रख्यात. famous; well-known सु० च० १, २८. —पहु पु० (-प्रभु) જગતના પ્રભુ परमेश्वर. the lord of the world, the supreme being. सु० च० १, ३८०, —पुंगव त्रि० (-पुङ्गव) જગતમાં શ્રેષ્ઠ जगत में श्रेष्ठ the greatest or the best in the world. सु० २, ६७०,

जयंत पुं० (जयन्त) જંબુદ્વીપના ચાર દ્વારમાંનું પશ્ચિમ તરફનું દ્વાર. जम्बूद्वीप के चार द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार. The western gate of the four gates of Jambū Dvipa. "कहिणं भंते जंबूदीवस्स जयंत णाम दारे पराणत्ते" जीवा० ३, ४, ज० प० (२) જયંત નામે પાંચ અણુત્તર વિમાનમાંનું ત્રીજું વિમાન એની સ્થિતિ ૩૨ સાગરોપમની છે એ દેવતા ૧૬ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને ૩૨ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. जयंत नाम के पांच अणुत्तर विमान में से तीसरा विमान;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने में ये देवता श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें ३२ हजार वर्ष में क्षुधा लगती है. the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta The life-period of the gods of this abode is 32 Sāgaras They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years "विजये विजयंते जयंते अपराजए सव्वट्ठसिद्धे" ठा० ५, ३. ४, सम० ३२, भग० ५, ८; २४, २४; नाया० ८, प्रव० ११५१, (३) ते विमानवासी देवता उस विमान में रहने वाले देवता gods residing in celestial palaces or abodes. सम० उत्त० ३६, २१३, पन्न० १, (४) मेरु पर्वतनी उत्तर दिशाए आवेला रूचकवर पर्वतना आठ कूटमांनु ७ मु कूट मेरु पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रूचकवर पर्वत के आठ कूट में से सातवां कूट the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. ठा० ४; (५) आवती चोवीसीमां थनार प्रथम बलदेव. आगामी चोवीसी में होने वाले प्रथम बलदेव. the first Baladeva of the coming cycle सम० प्र० २४२; (६) वज्रसेन सूरीना चार शिष्यमांना त्रीजा शिष्यनु नाम अने तेनाथी नीकळेल शाखानुं नाम. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūrī as also the school that sprang from him. कप्प० ८; —पवर. पुं० (-प्रवर) त्रीजुं अनुत्तर विमान. तीसरा अनुत्तर विमान. the third chief celestial abode known as Anuttara नाया० ८.

जयंती स्त्री० (जयन्ती) कोशाम्बी नगरी निवासी जयंती नामे महावीर स्वामीनी मोटी श्राविका. कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी का बड़ी श्राविका Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kaośāmbi भग० १२, २, (२) सातमा बलदेवनी मातानु नाम ७वे बलदेव की माता का नाम. name of the mother of the seventh Baladeva सम० प० २३५; (३) सातमी दिशाकुमारी सातवीं दिशा कुमारी the seventh Diśākumārī. (४) सर्व ग्रहनी चार अग्रमहिषीमांनी त्रीजी अग्रमहिषीनु नाम सर्व ग्रहों की चार अग्रमहिषी में से तीसरी अग्रमहिषी का नाम name of the third of the four principal queens of the planets. जं० प० ५, ११४; जीवा० ४, ठा० ४, १; भग० १०, ५, (५) महावप्रविजयनी मुख्य राजधानी. महावप्र विजय का मुख्य पाटनगर the chief capital of Mahāvipra Vijaya जं० प० ठा० २, ३, (६) उत्तर दिशाना अंजन पर्वतनी एक पश्चिमनी वावनुं नाम. उत्तर दिशा के अंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Añjana. जीवा० ३, ४, प्रव० १५०३; (७) पख्वाडीआनी पंदर रात्रिमांनी ५ मी रात्रिनुं नाम. पक्ष की १५

रात्रिओं में से ९ वीं रात्रि का नाम name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight जं० प० सू० प० १५, (८) સાતમા તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનું નામ सातवें तीर्थंकर की प्रवज्या पालकी का नाम, name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism सम० प० २३१ (६) એ નામની એક શાખા इस नाम की एक शाखा a school of this name कप्प० ८

जयघोस पु० (जयघोष) એ નામના એક મુનિ કે જે કાશીમા બ્રાહ્મણ કુલમા જન્મેલ હતા પ્રથમ વેદ ધર્મને સારી રીતે અભ્યાસ કર્યો હતો પાછળથી ગંગા નદીને કાંઠે એકેક પ્રાણી બીજા પ્રાણીઓ પ્રાણીઓથી ગળાતું જોઈ વૈરાગ્ય પામી જૈન દીક્ષા અંગીકાર કરી મહાજ્ઞાની અને તપસ્વી થયા માસ ખમણને પારણે પોતાના ભાઈ વિજયઘોષને ત્યાં ભિક્ષા લેવા ગયા ત્યાં બ્રાહ્મણોએ તિરસ્કાર કર્યો તથાપિ તેની દરકાર ન કરતાં બ્રાહ્મણધર્મ અને બ્રાહ્મણ શબ્દનું ખરૂં રહસ્ય પ્રકટ કરી જેણે વિજયઘોષને પ્રતિબોધી દીક્ષા આપી इस नामक एक मुनि जो कि काशीमें ब्राह्मण कुलमें जन्मे थे प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्यास किया था, पीछे से गंगा नदी के तटपर एक २ प्राणी अन्य प्राणियों द्वारा निगला जाता हुआ देख वैराग्य प्राप्त हो गया जैन दीक्षा अंगीकार करके बड़े ज्ञानी और तपस्वी बने मास खमण (एक मासका उपवास) के पारणे के दिन अपने बन्धु विजयघोषने प्रारंभ किये हुए यज्ञमें भिक्षा लेनको गये किन्तु ब्राह्मणोंने तिरस्कार किया, परन्तु उस की परवाह न करते ब्राह्मण धर्म व ब्राह्मण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी दीक्षा दी Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every acquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana winned his brother and initiated him in his order उत्त० २५ १

जयजय पु० (जयजय) જય થાઓ જય થાઓ એવો ધ્વનિ जय हो जय हो ऐसा ध्वनि The exclamation Jaya! Jaya (victory) भग० ६ ३३

—**रव** पु० (रव) જય થાઓ એવો આશીર્વાદ વાચક શબ્દ जय हो ऐसा आशीर्वादवाचक शब्द the benedictory exclamation Jaya Jaya (victory) भग० ६ ३३

—**सद्द** पु० (शब्द) જય જય એવો આશીર્વાદ શબ્દ जयजय ऐसा आशीर्वाद शब्द The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory).

ओघ॰ नं॰ प॰ ५, १२२;

जयरक्ख. न॰ (यजन) અભય દેવું તે. अभय दान देना Giving assurance of safety पराह॰ २, १,

जयण न॰ (यत्न) પ્રાણીનું રક્ષણ કરવું. प्राणी का रक्षण करना Protection of living beings. पराह॰ २, १, (२) યત્ન કરવો તે, ઉદ્યમ કરવો તે यत्न करना. effort; exertion नाया॰ १, पराह॰ २, १,—(णा) आवरणिज्ज न॰(-आवरणीय) જેથી પ્રયત્ન-ઉદ્યમમાં અંતરાય પડે તેવી કર્મની એક પ્રકૃતી जिस से प्रयत्न-उद्यम में विघ्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति a kind of Karma which hinders efforts भग॰ ६, ३१,

जयणा स्त्री॰ (यतना) જતના, સભાળ ભર્યું વર્તન;કાર્યમાં ઉપયોગ રાખવો તે सावधानता-युक्त आचरण, हरेक कार्य में उपयोग रखना Cautious behaviour, making every action useful, proper circumspection. उत्त॰ २४, ओव॰ २१, पिं॰ नि॰ भा॰ २६, नाया॰ ५, भग॰ १८, १०, पंचा॰ ४, १०, ७, २६, गच्छा॰ ८०;

जयणा स्त्री॰(जयना) બધી ગતિ ઉપર જીત મેળવે એવી દેવતાની ગતિ सर्व गतियों के ऊपर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति The gait or the speed of gods which is the highest of all "जयणाए गइए" कप्प॰ २, २७, नाया॰ १, भग॰ ३, १, राय॰ २६,

जयणा. स्त्री॰ (यत्ना) સમકિતમાં છ પ્રકારની યતના-વિવેક. सम्यक्त्व में छ प्रकार का विवेक. The six forms of discrimination in Samyaktva प्रव॰ ६७१;

जयद्दह. पुं॰ (जयद्रथ) એ નામના એક રાજકુમાર. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince "कंसेयविदूरदोणं जयद्दहं" नाया॰ १६,

जयमाण त्रि॰ (यतमान) યત્ન કરતું. यत्न करता हुआ Endeavouring; striving पंचा॰ १५, ११;

जया अ॰ (यदा) જ્યારે, જે વખતે जब; जिस समय When. नाया॰ १; ७; ११; १६, नाया॰ ध॰ भग॰ ५, १, दसा॰ ५, ३२; १०, १, दस॰ ४, ४, ओघ॰ १२; उत्त॰ २५, १६, विशे॰ ६२, क॰ ग॰ २, ७;

जया स्त्री॰ (जया) બારમા તીર્થંકર વાસુપૂજ્યની માતાનું નામ बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य की माता का नाम Name of the mother of the twelth Tirthankara, Vāsupūjya सम॰ प॰ २३०, प्रव॰ ११, (२) ત્રીજ, આઠમ અને તેરસની રાત્રિના નામ तृतीया, अष्टमी और त्रयोदशी की रात्रियों के नाम name of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight सू॰ प॰ १०, (३) ચોથા ચક્રવર્તીની સ્ત્રી (રત્ન) चौथे चक्रवर्ती की स्त्री the wife of the fourth Chakravarti सम॰ प॰ २३४, (४) એક જાતની મિઠાઇ एक प्रकार की मिठाई a kind of sweet meat जं॰ प॰ ५, ११२,

जयारमयार पुं॰ (जकारमकार) જકારમકાર રૂપ અપશબ્દ जकार मकार रूप अपशब्द A corrupted word having the sound 'ja' and 'ma'. गच्छा॰ ११०,

√जर धा॰ I, II (जृ) જીર્ણ કરવું. जीर्ण करना To grow old; to decay. जरेहि नाया॰ १, ४, ३; ११५;

जर पुं॰ (ज्वर) તાવ; એક જાતનો રોગ. बुखार; ताप; एक प्रकार की बिमारी. A

kind of disease, fever. जीवा० ३, ३; विशे० ३१७४; आया० १, ८, ११; भग० ७, ८; (३) सं० संताप संताप. enragement. जीवा० ३, १; —समग्ग. न० (-शमन) तावने शांत करवो. बुखार को शान्त करना. cessation of fever पचा० ४, २६,

जरग्ग त्रि० (जरत्क) जूनुं. जीर्ण, पुराना Old; worn out " जरग्ग ओवाहयं सिया " अगुत्त० ३, १;

जरग्ग पुं० (जरद्गव) घरडो बळद वृद्ध बैल An old ox. (२) जरक-ख नामनुं जनावर. जरक-ख नाम का जानवर a kind of animal अणुत्त० ३, १,

जरग्गव पुं० (जरद्गव) घरडो बळद वृद्ध बैल An old ox. " जरग्गवाणं " अणुत्त० ३, १, सूय० १, ३, २, २१,

जरठ त्रि० (जरठ) घरडुं जुनुं, जूनुं वृद्ध. पुरातन, जीर्ण Old, aged, decayed ओघ० नि० ७३७, ओव०

जरय पुं० (जरक) पहेली नरकनो मेरुथी दक्षिण तरफनो एक नरकावासो पहिली नरक का मरु से दक्षिण तरफ का एक नरकावास. An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा० ६, १;

जरयमज्झ पुं० (जरकमध्य) पहेली नरकनो उत्तर दिशा तरफनो एक नरकावासो पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावास. The northern internal abode of the first hell ठा० ६, १,

जरयावत्त पुं० (जरकावर्त) पहेली नरकनो पश्चिम दिशा तरफनो एक नरकावासो. पहिली नर्क का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा० ६, १;

जरयावसिट्ठ पुं० (जरकावशिष्ट) पहेली नरकनो दक्षिण दिशा तरफनो एक म्होटो नरकावासो. पहिली नरक की दक्षिण दिशा के ओर का इस नामका बडा नरकावास. A big hell abode of the first hell region situated in the south ठा० ६, १;

जरस पुं० (जरस) एक जातनुं जंगली पशु. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा० ३, ३;

जरा स्त्री० (जरा) घडपण, वृद्धावस्था वृद्धावस्था Old age, decline of age. " जीवाणं भंते किं जरा सोगे ?" भग० १६, २, भग० २, १, ३, ७, ७, ६; ६, ३३, नाया० १, ५, १७, विशे० ३११५; पन्न० २, दस० ६, ६०, ८, २६, सत्था० ३२, ओव० २१, भत्त० १५, १६४, आव० २, ५, उत्त० ८, १, १३, २६; आया० १, ३, १, १०८, सूय० १, १, १, २६; जं० प० ७, १५३, सु० प० २०, सु० च० १, २३',, —जज्जरिय त्रि० (-जर्जरित) जराथी जूनुं थयेल जरासे जीर्ण old, infirm; decayed भग० १६, ४, —मरण न० (-मरण) जरा अने मरण जरा व मरण. old age and death आव० २, ५;

जराउज त्रि० (जरायुज) जर यु-ओर साथे जन्म पामनार, गर्भाशयथी जन्म पामता मनुष्य अने पशु जरायु- साथ में जन्म लेने वाला, गर्भाशय से जन्म पाते हुए मनुष्य व पशु Born from the womb, viviparous सूय० १, ७, १, प्रव० १२५०; आया० १, १, ६, ४८, दस० ४; जीवा० ३, २,

जराउज त्रि० (जरायुज) जुओ " जराउज " शब्द देखो " जराउज " शब्द. Vide " जराउज " ठा० ७, १;

जराउय त्रि० (जरायुज) जुओ " जराउज " शब्द देखो " जराउज " शब्द Vide ' जराउज ' ठा० ३ १, ६ ४८, सूय० ४ जीवा० १

जराकुमार पु० (जराकुमार) यादव वंशना एक कुमार के जेने हाथे कृष्ण महाराजनुं मोत थशे एम नेमनाथ भगवाने प्रकाश्याथी ते पातकमांथी बचवाने जे कोसम्बी वनमां रहेता हता छतां दैव योगे कृष्ण महाराज त्यां आवी चड्या अने जराकुमारने हाथेज मोत थयुं यादव वंश का एक कुमार कि जिसके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने वाली थी नेमनाथ भगवानने यह भविष्य प्रगट किया था और पातक से बचने का जिसम कोसंबी वन में वे रहने लगे थे वहां भी कृष्ण महाराज जा चढे और जराकुमार के हाथ से मृत्यु हुई A Yadava prince at whose hands Krisna was to meet his death Owing to the manifestation of Nemanatha he used to reside in the forest of Kosambi for saving himself from sin where too Krisna happened to come and was killed at the hands of Jara Kumāra अत० ५, १

जरासंघ पु० (जरासंघ) राजगृह नगरने राजा; नवमा प्रति वासुदेव राजगृह नगर का राजा; नव में प्रति वासुदेव The king of Rajagriha, the ninth Prati Vāsudeva पण्ह० १, ४

जरासिंधु पु० (जरासिन्धु) ए नामनो राजा उक्त सिन्धु नामका राजा A king so named, the ninth Prati Vāsudeva. नाया० १६, प्रव० १२२७;

जरि त्रि० (ज्वरित) तावथी पीडित ज्वर वाला. Attacked with fever सू० प्र० १३ ४७

जरिय त्रि० (ज्वरित) ज्वर-ताव वगेरे रोगवाळु ज्वर ताप आदि रोगवाला Attacked with fever पिं० नि० ५७२ ५८२, सूय० १, ७, ११, प्रव० ११२३;

जलूका स्त्री० (जलूका) चार इंद्रिय वाळो एक जीव चार इन्द्रिय वाला एक जीव A four sensed creature पन्न० १,

जल न० (जल) पाणी जल जल पानी Water नाया० १ २ ४ ८, १८, भग० २ १ ५ ७ ४२ १ नंदी० ७ विशे० २०६ ओघ० २१ उत्त० ३६ ५० क० ग० १ १६ भत्त० १२६ प्रव० ६०७ (२) जलकान्त तथा जलप्रभ इंद्रना प्रथम लोकपालनुं नाम जलकान्त व जलप्रभ इन्द्र के प्रथम लोकपाल का नाम name of the first Lokapāla of Jalakānta and Jalaprabha Indra जं० प० ४ ७४ ठा० ४ १ भग० ३ ८ (३) पाणीमां रहेनार जीव जल के जीव an aquatic animal क० ग० ४ १३ (४) प्रस्वेद, पसीनो पसीना प्रस्वेद sweat perspiration नाया० १ (५) जलस्थान तळाव वगेरे जलस्थान वगैरह a store of water a pond etc दसा० ७ १, —अंत पु० (-अन्त) पाणीनो अन्त छेडो जल का अंत भाग depth of water भग० ६ ५ —अभिसेय न० (-अभिषेक) पाणीथी न्हावुं ते जल से स्नान करना bathing with water भग० ११, ६ नाया० ५, निर० ३, ३ —अभिसेयकढिणगाय पु० (-अभिषेककठिनगात्र) वानप्रस्थ तापसनी एक जात जेनुं शरीर पाणीना वारंवार स्नानथी कठिन थइ गयेल होय ते वानप्रस्थ तापस की एक

पक्खंद" शब्द. देखो "जलपक्खंद" शब्द. Vide "जलपक्खंद" भिसी॰ ११, ४१,
—पवेसिक. त्रि॰ (-प्रवेशिक) જલમાં પ્રવેશ કરનાર. जल में प्रवेश करने वाला. (one) who enters into the water ओव॰ ३८, —प्पवेस न॰ જુઓ "जलपक्खंद" २७६ देखो "जलपक्खंद" शब्द vide "जलपक्खंद" ठा॰ २, ४; भग॰ २, १, नाया॰ १६, —बिंदु. पुं॰ (-बिन्दु) પાણીનું ટીપું जल का बूद a drop of water नाया॰ १, कप्प॰ ३, ४२; —वासि पु॰ (-वासिन्) જલની અંદર વસનાર તાપસની એક જાત जल के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति an order of ascetics living in water "जलवासिणो त्ति" भग॰ ११, ६, निर॰ ३, ३, —बुब्बुत्र न॰ (-बुद्बुद) પાણીના પરપોટા, जल का बुलबुला A bubble of water "विसय सुहं जलबुब्बुत्रसमाणं" ओव॰ —बुब्बुद पुं॰(-बुद्बुद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above भग॰ ६, ३३,—भय न॰ (-भय) પાણીનું ભય जल का भय fear of water प्रश्न॰ ६८०, —भूमिआ स्त्री॰ (भूमिका) પાણી વાળી જમીન जल वाली धरती. land having water पन्न॰ २, —मज्जण न॰ (मज्जन) જલ સ્નાન जल स्नान bathing or ablution in water नाया॰ ६; ८, ९, भग॰ ११, ६; विवा॰ ७, —मज्झ. न॰ (-मध्य) પાણીની વચ્ચે, જલમાં. जल के बीच में, जल मे the midst part of water प्रव॰ १५६; —माला. स्त्री॰ (-माला) ઘણું પાણી. बहुत जल. plenty of water. सूय॰नि॰१,१, १६१; —रक्खस पुं॰ (-राक्षस) રાક્ષસનો પાંચમો પ્રકાર. राक्षस का पांचवां प्रकार. the fifth variety of demons. पन्न॰१, —रमण. न॰ (-रमण) જલક્રીડા. जलक्रीडा. sporting in water. नाया॰ १३; —रुह. पुं॰ (-रुह) જલમાં પેદા થનાર વનસ્પતિ; કમલ, શેવાલ વગેરે. जलमें पैदा होनेवाली वनस्पति; कमल, इत्यादि. vegetation growing in water, the lotus etc 'सेकिंतं जलरुहा !; जलरुहा अणेगविहा पन्नत्ता' पन्न॰१, जीवा॰१, —रेहा स्त्री॰ (-रेखा) પાણીમાં લાકડી વગેરેથી કરેલી લીટી जलमें लकडी वगैरह से की हुई रेखा a line made by means of a stick etc in the water. क॰ गं॰१,६३,—विच्छुय पुं॰(-वृश्चिक) જલનો વિંછી जल का बिच्छु a prawn पन्न॰ १, —विसुद्ध त्रि॰ (-विशुद्ध) જલથી શુદ્ધ થયેલ जल मे शुद्ध purified by means of water प्रव॰ ७३५, —सित्त. त्रि॰(-सिक्त) પાણીથી સિંચન કરેલ जल से सिञ्चन किया हुआ sprinkled or moistened with water दस॰ ६ २, १२, —सिद्धि. स्त्री॰ (-सिद्धि) જલમાં ન્હાતા ન્હાતા સિદ્ધિ પામે તે जल में स्नान करते करते सिद्धि पावे वह perfection attained while bathing in water. "सुत्त वयंते जलसिद्धिमाहु" सूय॰ १, ७, १७, —सोयवाइ. पुं॰ (-शौचवादिन्) પાણીથી શુદ્ધિ માનનાર તાપસની એક જાત. जल से शुद्धि मानने वाले तापस की एक जाति. an order of ascetics who believe in purity by means of water. सूय॰ नि॰ १, ७, ९०;

जलअ-य. पुं॰ (जलद) મેઘ; વરસાદ. वर्षा; मेघ. A cloud. भिसि॰ ४३८;

—जीवा० कप्प० ३, ३५;

जलकंत. पुं० (जलकान्त) જલકાન્ત મણિ; સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક પ્રકાર જલકાંત-मणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार The moon-gem; a variety of hard animate earth. उत्त० ३६, ७६; पन्न० १; सम० ३२, (२) દક્ષિણ તરફનો ઉદધિકુમારના ઇંદ્રનું નામ दक्षिण तरफ के उदधिकुमार के इन्द्र का नाम. name of Indra of Udadhi Kumāra (son of the ocean) of the south ठा० २, ३, पन्न० २, (३) જલકાંત ઇંદ્રના ત્રીજા લોકપાલનું નામ जलकांत इन्द्र के तीसरे लोकपाल का नाम. name of the third Lokapāla of Jalakānta Indra ठा० ४, १, भग० ३, ८,

जलकारि पुं० (जलकारिन्) ચોઇંદ્રિય જીવ વિશેષ जलकारि नामक चोइंद्रिय जीव विशेष. A kind of four sensed creature of this name उत्त० ३६, १४७,

जलचर पुं० (जलचर) પાણીમાં ઉત્પન્ન થઇ પાણીમાં રહેનાર પંચેન્દ્રિય તિર્યંચ जल में उत्पन्न हो जलही में रहने वाला पंचेन्द्रिय तिर्यंच A five sensed aquatic animal जीव० ४१, भग० ८, १, १५; १, २४, १, प्रव० ६७६,—**विहाण** न० (-विधान) જલચર તિર્યંચ પંચેંદ્રિયના પ્રકાર जलचर तिर्यंच पंचेन्द्रिय का प्रकार a kind of five sensed aquatic animal भग० १५. १;

जलचरी. स्त्री० (जलचरी) પાણીમાં રહેનાર માછલી; મગરી વગેરે; જલચર તિર્યંચની સ્ત્રી. जल में रहने वाला मछली मगरी; जलचर तिर्यंच का मादा. A fish living in watar; the female of an aquatic animal. जं० ३, १;

जलज. न०.(जलज) પાણીમાં ઉત્પન્ન થયેલ; કમલાદિ. जल में उत्पन्न कमलादि. The lotus etc. produced in water राय० २७,

जलजलिंत. त्रि०(जाज्वल्यमान) જલહળતા; દીપતા. प्रज्वलित; ज्वलत. Blazing; burning कप्प० ३, ३६,

जलण त्रि० (ज्वलन) દેદિપ્યમાન અગ્નિ; આગ, દેવતા देदिप्यमान, अग्नि; आग. Blazing fire; fire. प्रव० १०७१, क० गं० १, ४५, गच्छा० ७६, पंचा० २, १६; ४, ४४, विशे० २७, २१४, अणुजो० १३१, १५४; नाया० १, १७; दसा० ६, १, ११, सु० च० ४, २१०; ओव० ३८, भग० २, १, (२) पुं० (आत्मानं चारित्रं वा उज्वालयति दहतीति ज्वलनः) ક્રોધ, ગુસ્સો क्रोध, गुस्सा. anger, rage सूय० १, १, ४, १२, (३) સળગાવવું, બાળવું जलाना. burning; kindling पण्ह० १, १; (४) જ્ઞાનાદિ ગુણનો પ્રકાશ કરવો તે ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlightenment in the form of knowledge etc प्रव० १४८, (५) અગ્નિકુમાર દેવતા. अग्निकुमार देवता the Agnikumāra deity. पण्ह० १, ४; —**काय.** न० (-काय) તેજસ્કાય; અગ્નિ. तेजस्काय; अग्नि one having a lustrous form, fire क० गं० ४, १३; —**पक्खंदण** न० (प्रस्कन्दन) અગ્નિમાં પડી મરી જવું તે, બાલ મરણનો એક પ્રકાર. अग्नि में गिरकर जल मरना, बालमृत्युका एक प्रकार burning to death by falling into the fire; a form of premature death. निसी० ११, ४१; —**प्पवेस.** न० (-प्रवेश) અગ્નિની અંદર

पडी जेवी मरवु ते; भाग अग्नि में पड़ीने भेड प्रकार अग्नि के भीतर गिर कर जल मरना, बालमृत्यु का एक प्रकार burning to death by falling into the fire, a form of premature death निसी० ११ ४१, भग० २ १ नाया० १६ ठा० २ ४

जलन पु० (ज्वलन) जुओ 'जलण' शब्द. देखो 'जलण' शब्द Vide "जलण" पिं० नि० भा० १,

जलनिहि पु० (जलनिधि) समुद्र. समुद्र The sea प्रव० १५४२

जलप्पभ पु० (जलप्रभ) दक्षिणु तरफ़ । उत्तर बाजुना उदधिकुमार जातिना भवनपति देवतानो ईन्द्र दक्षिण दिशाके उत्तर तरफ का उदधिकुमार जाति के भवनपति देवता का इन्द्र Indra of the Bhavanapati deities of the northern Udadhi Kumara class of the south ठा० २ ३ पन्न० २ (२) जलकान्त तथा जलप्रभ ईन्द्रना चोथा लोकपालनुं नाम जलकान्त व जलप्रभ इन्द्र के चोथ लोकपाल का नाम name of the fourth Lokapala (regent of a quarter of the world) of Jalkanta and Jalaprabha Indra ठा० ४, १ भग० ३, ८,

जलप्पह पु० (जलप्रभ) जुओ 'जलप्पभ' शब्द देखो 'जलप्पभ' शब्द Vide "जलप्पभ" सम० ३२

जलमय त्रि० (जलमय) पाणीमय पाणी रूप जलमय, पानीस्वरूप Abounding in water पण्ह० १, १

जलय न० (जलज) कमल कमल A lotus पन्न० १, राय० ४७ नाया० ८ जीवा० ३, ४ —गंधिय. पुं० (—जलजगन्धिक—जलजगन्धिक जलज-कुसुमगन्धिवासको न तु कुसुमगन्धिको गन्धो न विद्यते येषां ते जलजगन्धिकाः) कमलना जेवी गन्धवाला. कमल की सी गन्धवाला fragrant like a lotus जीवा० ३, ४; राय० ४७, ओ० प० ४ ७४

जलयर त्रि० (जलचर जले चरति पर्यटतीति जलचर) पाणीमा उत्पन्न थई पाणीमां रहेनार पंचेन्द्रिय तिर्यंच जल में उत्पन्न होकर जल में रहनेवाला पञ्चेन्द्रिय तिर्यञ्च A five sensed creature born and living in water से किं तं जलयरपंचे-न्द्रियतिरिक्ख जोणिया ' पन्न० १ जीवा० १ सम० १२ सू० प० १० उत्त० ३, १३० भग० १३० —निकर पु० (—निकर) जलचर प्राणीनो समूह जलचर प्राणियों का समूह A collection of aquatic animals प्रव० २२२ —मंस न० (मांस) मत्स्य आदि जलचर प्राणीनु मांस मत्स्य आदि जलचर प्राणियों का मांस the flesh of aquatic creatures such as fish etc प्रव० २२२

जलयरी स्त्री० (जलचरी) जलचर तिर्यंच-पंचेन्द्रियनी स्त्री जलचर तिर्यञ्च पञ्चेन्द्रिय की स्त्री The female of a five sensed aquatic animal ' से किं तं जलचरीओ जीवा० १

जलरअ पु० (जलरत) जलकान्त तथा जलप्रभ ईन्द्रना लोकपालनुं नाम जलकान्त व जलप्रभ इन्द्र के लोकपाल का नाम Name of the Lokapala (regent of a quarter of the world) of Jalakanta and Jalaprabha Indra ठा० ४, १,

जलरूप-व पु० (जलरूप) उदधिकुमारना

इन्द्र जलकांतना बीजा लोकपालनुं नाम. उदधिकुमार के इन्द्र जलकांत के दूसरे लोकपाल का नाम. Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Indra Jalakānta of Udadhikumāra. भग० ३, ८;

जलवीरिय पुं० (जलवीर्य) चार इन्द्रियवाळो जीव विशेष. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed creature जीवा० १, (२) ऋषभदेव स्वामीथी तेमना वंशमां थयेलो सातमो राजा. ऋषभदेव स्वामी से उन के वंश का सातवा राजा. name of a king born in the race of Risabhadeva Swāmi and seventh from him ठा० ८.

जलसूग पुं० (जलसू) जलकांत इन्द्रना बीजा लोकपालनुं नाम. जलकान्त इन्द्र के दूसरे लोकपाल का नाम Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalakanta Indra ठा० ४, १.

जलहर पुं० (जलधर) मेघ, वर्षा; मेघ, वर्षा; बारिश A cloud, rains. कप्प० ३, ३३, ४४,

जलहि पुं० (जलधि) समुद्र. जल-पानी धि -भंडार-समुद्र The sea. सु०च० १, १. नाया० ११.

जलाय पुं० (जल्पाक) राजाना गुण बोलनार. राजा के गुण बोलने वाला One who extols the merits of a king. निसी० ६, १२;

जलावण न० (ज्वालन) सळगाववुं. अग्नि प्रगट करवो. जलाना; अग्नि प्रकट करना Burning, kindling of fire. "जलवा जलावण विद्धंसणेहिं" पण्ह० १, १;

जलासय पुं० (जलाशय) जलाशय; जळना ठेकाणा-तळाव वगेरे. जलाशय; जल के स्थल-तालाव इत्यादि A pond; a reservoir. पन्न० २, —ज. त्रि० (—ज) जलाशय-तळाव-समुद्र वगेरेमां उत्पन्न थयेल. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि में उत्पन्न हुआ produced in a pond, sea etc. प्रव० ११९८, —सोसण न० (—शोषण) जलाशय-तळाव वगेरे सोसववा ते श्रावकना सातमा व्रतना अतिचाररूप १५ कर्मादानमानुं चौदमुं कर्मादान. जलाशय-तालाव इत्यादि को सुखाना, श्रावक के सातवें व्रत के अतिचार रूप १५ कर्मादान में से चौदहवा कर्मादान the suction or absorption of a pond etc the fourteenth of the fifteen Karmādāns (sinful operations) forming part of the partial violation of the seventh vow of a lay man प्रव० २६८,

जलिय त्रि० (ज्वलित) बळेलुं. जला हुआ Burnt "पक्खदे जलिय जोइ" दस० २, ६, ६, ३३, ४, १, ६, नाया० १, भग० ५, ६, नाया १ भग० ५, ६, सूय० १, ५, १,७, ओव० १०, पण्ह०२,५; —चुडिली स्त्री० (—चुडिली) घासनी सळगती पुळी. घास का जलता हुआ पूला a burning bunch of grass "जलिय चुडिलाविव असुहम इ-हवासिलाओ" नंदु०

जलिर त्रि० (ज्वलिर-ज्वलनशील) जलनार; बळवाना स्वभाव वाळो जलनेके स्वभाव वाला Of a burning nature. सु० च० ४, ५१;

जलूगा स्त्री० (जलौकस्-जलमंको वसति इस्यति) जळोडुं लोही पीनार; जळो; बे इन्द्रियजीव विशेष बिगाडे हुए रक्त को पीने

चूसता; द्विइंद्रियजीव विशेष. One that sucks impure blood, a kind of two sensed creature. उत्त० ३६, १२८; नंदी० ४४;

अलोया. स्त्री० (जलौकस्) जुओ "जलूगा" शब्द. देखो " जलूगा " शब्द Vide " जलूगा " पन्न० १, अणुत्त० ३, १, भग० १३, ६, (२) चर्म पक्षीनी એક જાત. चर्म पक्षी की एक जात a kind of bird पन्न० १,

जल्ल. पुं० (यज्ञ याति च लगति चेति यज्ञः) શરીર ઉપર જામેલ કઠણ મેલ, પરસેવા આદિનો ઘટ્ટ મેલ शरीर के ऊपर का जमा हुआ कठिन मल, पसीना आदि का घट्ट मल Hard dirt or impure matter of the body, thick dirt of perspiration etc सम० ५, ओव० ३८, जीवा० ३, ३ नाया० १३, भग० १, १, ८, ८, २०, ४; उत्त० २, ३७; निसी० ३, ७०; पिं० नि० २६२, कप्प० ५, ११६, (२) દોરડી વાધર ઉપર ચડી ખેલ કરનાર, નટ બજાણીઆ. (२) रस्से पर चढ कर खेल करने वाला, नट. an acrobat, a rope-dancer. ज० प० नाया० १, अणुजो० ६२, ओव० पराह० २, ४, कप्प० ५, ६६, (३) त्रि० થોડા પ્રયત્નથી દૂર થાય તેવું थोडे प्रयत्न से दूर हो ऐसा (that) which can be got rid of with little effort (४) મ્લેચ્છની એક જાત; જલ્લ દેશવાસી. म्लेच्छकी एक जाति; जल्लदेशवासी a class of outcasts residing in Jalla country. पराह० १, १. (५) કાવડ ઉઠાવનાર. कावड ले जाने वाला (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end जीवा० १,३; —ओसहि. स्त्री० (–औषधि) એક પ્રકારની લબ્ધિ; મેલના સ્પર્શથી રોગ મટે એવા પ્રકારની શક્તિ. एक प्रकार की लब्धि; मल के स्पर्श से रोग का नाश हो इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means of contact with dirt. ओव० १५; पराह० २, १, विशे० १७८, —ओसहिपत्त त्रि० (–औषधिप्राप्त-यज्ञो मलः स एवौषधिर्यज्ञौषधिस्तां प्राप्तो यज्ञौषधिप्राप्तः) મેલ માત્રના સ્પર્શથી રોગ મટી જાય એવી લબ્ધિને પ્રાપ્ત થયેલ. मल मात्र के स्पर्श से रोग नष्ट हो ऐसी लब्धि जिसको प्राप्त हुई है वह (one) possessed of the power of getting rid of a disease by mere contact with dirt "जल्लोसहिपत्तो" पराह० २, १; —परिस्सह पुं० (–परिषह—यज्ञ-इतिमल म, एव परिषहो यज्ञपरिषहः) શરીરના મેલનો પરિષહ, ૨૨ માંનો ૧૮ મો પરિષહ. शरीरके मल का परिषह, २२ में से १८ वा परिषह affliction or trouble due to dirt of the body due to perspiration, the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly सम० २२ भग० ८, ८, —पेच्छा स्त्री० (–प्रेक्षा-वर-त्राखेलकारा स्तोत्रपाठका इत्यपरे तेषां प्रेक्षा जल्लप्रेक्षा) દોરડી પર ચડી ખેલનારના ખેલ જોવા તે. रस्सेपर चढकर तमाशे करनेवाले नट का तमाशा देखना. witnessing the exhibition of skill of perfomers in the streets जीवा० ३, ३;

—मल पुं० (–मल—याति च लगति चेति मलः. सपातौ मलः यज्ञमलः) શરીરનો મેલ. शरीर का मैल. dirt or im-

purity of the body. "जल्ल मल-कलंक सेयरय दोसवज्जिय सरीर निरुव लेवा" तंदु० जीव० नाया० १३; —सिंघाण. न० (-सिंघाण) शरीरनो मेल अने नाकनो मेल. शरीर व नाक का मेल. bodily dirt and snot. श्राव० ४, ७;

जल्लसा. न० (जल्लता—मल) कठीन मेल कठिन मेल Hard dirt. दसा० ७, १,

जल्लरी स्त्री० (झल्लरी) झालर झालर A frill ज० प०

जल्लिय न० (*जल्लक) शरीरनो मेल शरीर का मेल Dirt or impurity of the body. "उच्चार पासवण खेल सिंघाण जल्लिय" उत्त० २४, १५, भग०६, ३,

जव पु० (यव) जव, एक जातनुं धान्य जौ, एक प्रकार का धान्य. Barley; a kind of corn. भग० १, १, ६, ४, ६, ३३, १४, ७, २१, १, नाया० १; श्राव० उत्त० ३, ४६, ठा० ३, १, पन्न० १, जीवा० ३, ३, वेय० २, १, नदी० १६, पचा० ५, २८, (२) एक प्रकारनी औषधी एक प्रकार की औषधी a kind of medicine पन्न० १, (३) आठ जु प्रमाण, जवनो दाणो, अंगुलनो आठमो भाग आठ जू प्रमाण जवका दाना, अंगुलका आठवां हिस्सा the eighth part of a finger which is equal to a barley-corn अणुजो० १३४; ठा० ८, (४) एक जातनी कन्याने पहेरवानी चोळी एक प्रकार की कन्या की पहिनने की चोली a sort of breast coat for a girl. विशे० ७०६, (५) ए नामनो एक माणस. इस नाम का एक मनुष्य name of a person. मत्त० ८७, —उदग्ग. न० (-उदक) जवनुं पाणी. जौ का जल-पानी water mixed with barley-corn. ठा० ३, ३;—उदय. पुं० (-उदक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. "सीयं च सोवियं च जवोदगं च" उत्त० १५, १३; निसी० १७, ३०; प्रव० २०३; पचा० ५, २८; कप्प० ६, २५; —ओदण. न० (-ओदन) जवनो रोटलो वगेरे. जौ की रोटी वगैरह a barley-cake. "आयामगं चेव जवोदणं च" उत्त० १५, १३, —रण्ण. न० (-अन्न) एक जातनुं जवनुं बनावेलु अन्न एक प्रकार का जो से बनाया हुआ अन्न. an article of food consisting of barely सू०प० २०, —वारय. पु० (-वारक) जवना अंकुर, जवारा जवारा a sprout of barley-corn "जववार वराययसत्थि गावि महारम्भ" पचा० ८, २३,

जव पु० (जव) गति, वेग, जोस. गति, वेग, जोश Speed, swiftness उत्त०११,१६.

जवजव पु० (यवयव) ए नामनुं एक धान्य. इस नाम का एक धान्य A kind of corn of this name भग० ६, ४; १४, ७, वय० २, १, ज० प० ठा० ३, १, दसा० ६, ८, पन्न० १, —जवजवग. पु० (-यवयवक) जुओ "जव जव" शब्द देखो "जव जव" शब्द vide 'जव जव' भग० २१, १; —जवण पुं० (-जवन) वेग, शीघ्रगति वग, शीघ्रगति. swiftness, velocity. भग० १४, १, —जवण पुं० (-यवन) म्लेच्छ, यवन देशवासी म्लेच्छ, यवनदेश वासी an out cast, one residing in a foreign country पगह० १, १, पन्न० १; सू० प० २०; (२) ए नामनो एक अनार्य देश इस नामका एक अनार्य देस a non-Aryan country of this name. प्रव०

-दीव पुं० (-द्वीप) यवननी वसति वाळो देश. यवनों से बसाहुआ देश. A country inhabited by non-Aryans जं० प० —जवणा. स्त्री० (-यापना) शरीर निर्वाह; जीवन निर्वाह शरीर निर्वाह, जीवन-निर्वाह live lihood, maintenance उत्त० ८, १२, (२) संयमनो निभाव संयम का निभाव maintenance of asceticism उत्त० ८, १२, ३५, १७; प्रव० ६६, —(ह) ट्ठ. पुं० (-अर्थ) संयमरूप भार उपाडवानो अर्थ. संयमरूप बोझ उठाने का अर्थ utility of bearing the burden in the shape of restraint " जवणट्ठाए निसेवए मधु " उत्त० ८, १२, दस० ६, ३, ४,

जवणाणिया. स्त्री० (यवनानिका) एक जातनी लिपि एक प्रकार की लिपि A kind of script or character पन्न० १,

जवणालिया स्त्री० (यवनालिका) कन्याने पहेरवानी एक जातनी चोली कन्या को पहिनने की एक प्रकार की चोली. A kind of breast-coat for a girl नंदी० (२) यवन देशनी लिपि, १८ लिपिमानी एक यवन देशकी लिपि, १८ लिपियों में से एक one of the 18 scripts सम० १८,

जवणिज्ज त्रि० (यापनीय) वखत गुजारवा योग्य. समय व्यतीत करने योग्य Fit for being a pastime (२) इंद्रियो अने मनने जीतवा ते इंद्रिय व मन को जीतना conquering the senses and the mind " जवणिज्ज अव्वाबाहं फासुय विहार " भग० १, १०, १८, १०; नाया० ५; आव० ३, १;

जवणिया. स्त्री० (यवनिका) कनात. कनात. A curtain नाया० १; भग० ११, ११; प्रव० ६७६, —(यं) अंतरिय. न० (-अन्तरित) कनातने आंतरे रहेल; कनातनी अंदर कनात के अन्दर रहा हुआ. screened or protected by a curtain " पभावर्ति देविं जवणियंतरियं ठावेइ " नाया० १, ८;

जवनालिया स्त्री० (यवनालिका) जुओ " जवणालिया " शब्द. देखो " जवणालिया " शब्द. Vide " जवणालिया " पन्न० ३३,

जवमज्झ पुं० (यवमध्य) जवना मध्य भाग परिमित एक माप जौ के मध्य भाग के प्रमाण का एक नाप A measure of length equal to the middle part of a barley corn जं० प० २, १६. भग० २५, २, ३, प्रव० १४०७, (२) जवनो मध्य भाग जौ का मध्य भाग the interior of a barley-corn भग० ६, ७, क० प० १, ४०, (३) त्रि० जवना मध्य भागना आकारनुं. जौ के मध्य भाग के आकार का. having the form of the middle part of a barly corn भग० ६, ७; २५, ३;

जवमज्झचंदपडिमा स्त्री० (यवमध्यचन्द्रप्रतिमा) जवना मध्य भाग जेवी पडिमा एटले के बे छेडे पातळी अने वच्चे पुष्ट, जेम कोइ साधु शुक्ल पक्षने पडवेथी एक कोळियो आहार लइ पडिमा शरु करे, पुनमे पंदर कोळीआ सुधी पहोंची, पछी दररोज एकेक कोळीओ घटाडता वद ०)) एक कोळीओ आहार लइ पडिमा पुरी करे ते जवमध्य चंद्रपडिमा साधु की एक प्रतिमा (-तप विशेष) जिसे जव के मध्य भाग की उपमा दी जाती है. जैसे जव दोनों तरफ से पतला

और बीच में मोटा होता है इसी प्रकार इस तप में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को एक ग्रास लिया जाता है और प्रतिदिन एक एक ग्रास बढाकर पूर्णिमा को १५ ग्रास लिये जाते हैं, फिर एक एक ग्रास घटा कर अमावस्या को एक ग्रास लेकर यह प्रतिमा पूर्ण की जाती है. इस प्रतिमाको जवमध्यचन्द्रपडिमा कहते हैं. An austerity performed by an ascetic This is known as Javamadhya Chandra Padimā (an austerity of the shape of the middle part of a barley-corn). This austerity is begun from the 1st day of the bright-half of the month and on that day only one morsel is taken as food and then every day one morsel is increased Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. In a similar way one morsel is decreased every day till on the 15th day of the dark half of the month one morsel is taken. वव० २, २ १०, १, ठा०२, ३, ३, ३.

जवमज्झा स्त्री० (यवमध्या) એક પ્રકારની પડિમા, જુઓ ઉપરનો શબ્દ एक प्रकार की पडिमा; देखो ऊपर का शब्द A kind of Padimā, vide above. ओव० १५; ठा० २, ३; ४, १, उत्त० ३६ ५४, वव० १०, १,

जवस. न० (यवस) મગ અડદ વગેરે કઠોળ ધાન્ય. मूंग, उडद इत्यादि धान्य. A kind of corn " ओयणं जवसं देजा " उत्त० ७, १;

जवा. स्त्री० (जवा) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १; भग० २१, १;

जवासय. पुं० (यवासक) વનસ્પતિ વિશેષ; જવાસો. वनस्पति विशेष; जवासा. A kind of vegetation. पन्न० १;

जवासा स्त्री० (यवासा) રાતા ફૂલવાળું એક જાતનું ઝાડ लाल पुष्प वाला एक प्रकारका वृक्ष. A kind of tree bearing red flowers " जवासाकुसुमेइ " पन्न० १७,

जवि त्रि०(जविन्) વેગ વાળો वेगवान्; गति वाला Swift; fleet (२) पुं० ઘોડો. अश्व; घोडा. a horse सूय०१,१, ३, ६;

जव्वस त्रि० (यद्वश) જેને વશ થયેલ जिसके आधीन बना हुआ. Subdued by which; submissive to which क० ग० १, २२,

जस न० (यशस्) યશ; કીર્તિ, આબરૂ यश, कीर्ति Fame, renown भग० ३, ६, १६, ५, १२, १, ४१, १. नाया० ८, १८, ओव० ३८, सूय० १, ६, २२; सू० प० १६; नंदी० ३३, पन्न० २३, उत्त० ३, १३, क० ग० ५, ६१, (२) સંયમ, ચારિત્ર સંયમ, चारित्र. asceticism 'जसं संचिणु खंतिए' उत्त० ३, १३, दस० ५, २, ३६, (३) શ્રી પાર્શ્વનાથના આઠમા ગણધરનું નામ श्री पार्श्वनाथ के ८ वें गणधर का नाम name of the 8th Ganadhara of Śrī Pārśwanātha. सम० प० २३३, (४) ચૌદમાં તીર્થંકર શ્રી અનંતનાથજીના પ્રથમ ગણધરનું નામ चौदहवें तीर्थंकर श्री अनंतनाथजी के प्रथम गणधर का नाम. name of the 1st Ganadhara of the 14th Tirthankara Śrī Anantanāthaji. सम० प० २३३, प्रव० ३०६;

—कर. त्रि० (—कर—यशः सर्व दिग्व्यापि

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्करः) सर्व दिशाओमां यश मेळवनार सर्व दिशाओं में यश प्राप्त करने वाला (one) attaining fame or glory everywhere. नाया० १. तंदु० (२) ऋषभदेव स्वामीनो ए नामनो ४१मो दीकरो ऋषभदेव स्वामी का इस नाम का ४१ वा पुत्र name of the 41st son of Ṛisabhadeva Svāmī कप्प० ३. ५२; —वंस. पु० (-वंश—यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव यशोवंशः) यशवान वंश यशवान वंश a glorious family 'जसवंसो नागहत्थीस' नदी० —वाय पु० (-वाद) धन्यवाद धन्यवाद thanks-giving; thanks ' जसवंदण वद्धिता " कप्प० ४, ६०,

जसंस पु० (यशस्विन्) महावीरस्वामिना पितानुं एक नाम. महावीर स्वामी के पिता का एक नाम One of the names of the father of Mahāvīra Svāmī कप्प० ५, १०३,

जसंसि. त्रि० (यशस्विन्) प्रख्यात, यशस्वी, जेनी शुभ कीर्ति चोतरफ प्रसरेली होय ते प्रख्यात, यशस्वी, जिसकी सुकीर्ति चहुं ओर फैली हुई हो वह Famous, glorious, (one) whose fame has spread everywhere ' कणुमेरे णाणवरं जसंसि " उत्त० ५, २६, मग० प० २३५, ओव० १६, नाया० १. दस० ६, ६६, राय० २१५, मग० २, ५, (२) महावीर स्वामीना बापनुं अपर नाम महावीर स्वामी के पिता का अपर नाम another name of the father of Mahāvīra Swāmi आया० २, १५, १७७, कप्प० ५, १०३,

जसाकित्ति. स्त्री० (यशःकीर्ति) जश; कीर्ति, आबरू, प्रख्याति. यश, कीर्ति, विख्याति Fame; reputation; glory ठा० ३, ३; क० गं० १, २१; क० प० १, ७६; प्रव० १२७०; —णाम न० (-नामन्) नामकर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव ज्यां जाय त्यां शुभ कीर्ति मेळवे. नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव जहां जावे वहां शुभ कीर्तिको प्राप्त करे. a variety of Nāmakarma by the rise of which a Jiva (a soul) attains fair fame wherever he goes प्रव० १२८०;

जसघोस पुं० (यशोघोष) ऐरावत क्षेत्रमां भावि त्रीजा तीर्थंकर ऐरावत क्षेत्र के भावी तीसरे तीर्थंकर The third would-be Tirthankara of Airāvata Kṣetra प्रव० ३०१.

जसचंद पु० (यशश्चन्द्र) ए नामना एक गणी इस नामका एक गणी An ascetic of this name भग० ४२, १.

जसद. पु० (जसद) जसत जसत Zinc आव० ३८, —पाय न० (-पात्र) जसतनुं वासण जसत का बरतन (पात्र) a zink pot ' जसदपायाणि वा " ओव० ३८,

जसधण पु० (यशोधन) ए नामनो एक राजा इस नाम का एक राजा A king of this name तंदु०

जसधर पु० (यशोधर) पखवाडीआना पांचमा दिवसनुं नाम पक्ष के पांचवे दिन का नाम Name of the fifth day of a fortnight ज० प० ७, १५२;

जसभद्द. पु० (यशोभद्र) शय्यंभव सूरीना एक शिष्य शय्यम्भव सूरी के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Śayyambhava Sūri. नंदी०२४; (२) ए नामना एक आचार्य के जे माढरस गोत्रना आर्य संभूतविजयना

शिष्य था. इस नामके एक आचार्य कि जो आढरस गोत्र के थे और अमूतविजय के शिष्य थे. name of a teacher who was a disciple of Ayra Sambhūta vijaya of Mātharasa race कप्प० ८; (३) પખવાડીઆના ૧૬ે દિવસમાંના ચોથ દિવસનું નામ. पक्ष के पंद्रह दिवस में से चौथे दिन का नाम. name of the fourth day of a fortnight. सु० प० १०. जं० प० ७, १२०, (४) न० यशोभद्रथी नीकळेल એ નામનું કુલ यशोभद्र से उत्पन्न इस नाम का कुल. a family of this name sprang from Yaśobhadra कप्प० ८, (५) पु० એ નામના શ્રીપાર્શ્વનાથના એક ગણધર इस नाम का श्रीपार्श्वनाथ का एक गणधर a Gaṇadhara of this name of Śrī Pārśvanātha सम० ८;

असमंत पु० (यशोमत्) એ નામનો એક કુલગર इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A Kulagara so named. सम० प० २३६ ठा० ६,

असवई स्त्री० (यशोमति) બીજા સગર ચક્રવર્તીની માતા द्वितीय सगर चक्रवर्ती की माता The mother of the 2nd Sagara Chakravatti सम० प० २३४, (२) શ્રમણ ભગવાન્ શ્રીમહાવીરની પુત્રીની પુત્રીનું નામ श्रमण भगवान् श्री महावीर की पुत्री की पुत्री का नाम name of the daughter of the daughter of the great ascetic Mahāvira कप्प० ५, १०३; (३) ત્રીજ આઠમ અને તેરસ એ ત્રણ રાત્રિની તિથિ. तृतीया अष्टमी व त्रयोदशी. इन तीन रात्रियों की तिथि. the three nights viz of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight. सु० प० १०. जं० प० ७, १५२;

असवती स्त्री० (यशोमती) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० प० २३४; जं० प० ७, १५२;

असस्सि त्रि० (यशस्विन्) યશવાન્, આબરૂવાળો, કીર્તિવંત यशवान्, कीर्तिवंत. Famous, glorious आया० २, २, १, ७१;

असहर पु०(यशोधर) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૧૯મા તીર્થંકર. जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले १९वें तीर्थंकर The 19th would-be Tirthankara who is to appear in Bharata Khanda of Jambūdvīpa. सम० प० २४१;(२) પખવાડીઆના ૧૬ે દિવસમાંનો પાંચમો દિવસ पक्ष का पांचवा दिन the fifth day of a fortnight जं० प० (३) ગ્રૈવેયક વિમાનનો પાથડો. ग्रैवेयक विमान का प्रस्तर (थर) a layer of the dividing matter of Graiveyaka abode ठा०३, (४) स्त्री० દક્ષિણ રૂચક પર્વત ઉપરની આઠ દિશાકુમારીમાંની ચોથી દિશાકુમારી दक्षिण रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में की चौथी दिशा-कुमारी the fourth of the eight Disākumaris living on the southern Ruchaka mountain ठा०८,जं०प० (५) પક્ષની ૧૬ે રાત્રિમાંની ચોથી રાત્રિનું નામ पक्ष की पंद्रह रात्रि में से चौथी रात्रि का नाम. name of the fourth night of a fortnight. जं० प० (६) જંબુ સુદર્શન નામે વૃક્ષ. जंबु सुदर्शन नाम का वृक्ष. a tree named Jambū

Sudarśana जीवा० ३; ज० प०

जसा. स्त्री० (यशा) કૌશમ્બિના રહીશ કાશ્યપની સ્ત્રી અને કપિલની માતા कौशांबी का रहीस काश्यप की स्त्री व कपिल की माता The mother of Kapila and wife of Kāśyapa, the resident of Kauśāmbi उत्त० ८, (२) ભગુ પુરોહિતની સ્ત્રી. भगु पुरोहित की स्त्री उत्त० ३, १४, ३,

जसो पुं० (यशस) યશ; આબરૂ; કીર્તિ यश, कीर्ति Fame, reputation सु० च० २, १३८, —कामि पु० (—कामिन्) યશની ઇચ્છા કરનાર यश की इच्छा करने वाला one aspiring to fame or reputation " धिरत्थु ते जसोकामी " दस० २, ७, ५, २, ३५, —कित्ति स्त्री० (–कीर्ति) જુઓ " जसकित्ति " શબ્દ. देखो " जसकित्ति " शब्द. vide " जसकित्ति " पन्न० २३, —कित्तिनाम न० (–कीर्तिनामन्) જુઓ " जसकित्तिनाम " શબ્દ देखो " जसकित्तिनाम " शब्द. vide. " जसकित्तिणाम " सम० १७, —नाम न० (–नामन्) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ જશ પામે છે. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव यश प्राप्त करता है. a variety of Nāma Karma by the rise of which a soul attains glory सम० २८,

जसोचंद पु० (यशश्चन्द्र) જુઓ 'जसचंद' શબ્દ देखो "जसचंद" शब्द Vide "जसचंद" भग० ६१, १,

जसोद. पुं० (जसद) જુઓ "जसद" શબ્દ देखो "जसद" शब्द Vide "जसद" ओव० ३८, —पाय न० (–पात्र) જુઓ "जसदपाय" શબ્દ. देखो "जसदपाय" शब्द. vide. "जसदपाय" ओव० ३८,

जसोधव पु० (यशोधव) એ નામનો એક રાજા इस नाम का एक राजा A king of this name तंदु०

जसोधर पु० (यशोधर) જુઓ " जसहर " શબ્દ. देखो " जसहर " शब्द. Vide 'जसहर' ठा० ४, १; सु० प० १०;

जसोधरा स्त्री० (यशोधरा) પંદર રાત્રિમાંની ચોથી રાત્રિનું નામ पंद्रह रात्रिमें से चौथी रात्रि का नाम Name of the fourth of the fifteen nights सु० प० १० ज० प०

जसोमंत पु० (यशामत्) જુઓ 'जसमंत' શબ્દ. देखो 'जसमंत' शब्द Vide 'जसमंत' ठा० ७,

जसोया स्त्री० (यशोदा) મહાવીર સ્વામીની સ્ત્રી महावीर स्वामी की स्त्री The wife of Mahāvīra Swāmī (२) કૃષ્ણ વાસુદેવની માતા. कृष्ण वासुदेव की माता the mother of Kṛṣṇa Vāsudeva 'समणस्सणं भगवओ महावीरस्सभज्जाजसोयागोत्तेणकोडिन्नया" आया० २, १५, १७७, कप्प० ५, १०३; सु० च० १२, ४.

जसोवई स्त्री० (यशोमती) જુઓ " जसवई " શબ્દ देखो " जसवई " शब्द Vide ' जसवई ' सम०

जसोहर पु० (यशोधर) ભરતક્ષેત્રના ગત ચોવીસીના १८ મા તીર્થંકર. भरतक्षेत्रके गत चौवीसी के १८ वें तीर्थंकर The 18th Tirthankara of the past cycle of Bharata Kṣetra. प्रव० २९१. (२) આવતી ચોવીસીના ભરતક્ષેત્રના १६ મા તીર્થંકરનું નામ. आगामी चौवीसी के भरतक्षेत्र के १६ वें तीर्थंकर का नाम name of the 19th Tirthan-

hara of the coming cycle of Bhārat Kṣetra. जं॰ प॰ ४, ११४, सम॰ ३१७; ३७१;

जसोहरा. स्त्री॰ (यशोधरा) दक्षिणु दिशाना रुचक पर्वतपरनी आठ दिशा-कुमारीमांनी चोथी दिशा-कुमारी. दक्षिण दिशा के रुचक पर्वत पर की आठ दिशा कुमारी में से चौथी दिशा-कुमारी The fourth of the eight Diśā Kumārīs living on the southern Ruchaka mountain. जं॰ प॰ ७, १५२, (२) जंबु सुदर्शननु अपर नाम. जंबु सुदर्शन का अपरनाम. another name of Jambu Sudarśana. जीवा॰ ३, ४,

जह. अ॰ (यथा) जेम, जेवी रीते. यथा, जिस तरह In which manner, just as. नाया॰ १, ६, ७, ८, ६,१३. १४; १६, १८, विशे॰ २२, २७, पिं॰ नि॰ ७१, उवा॰ २, ६४; गच्छा॰ ३०;

जहक्कम न॰ (यथाक्रम) क्रम अनुसार, क्रमसर, अनुक्रमे क्रमानुसार, पद्धति पूर्वक In due succession, regularly. उत्त॰ ३४, १; चउ॰२६, दस॰५, १, ८६; प्रव॰८३;

जहक्खाय न॰ (यथाख्यात) कषाय रहित, यथाख्यात नामनु पांचमु चारित्र कषाय रहित; यथाख्यात नाम का पांचवा चारित्र. Free from passion, attachment, the fifth observance known as Yathākhyāta विशे॰ १२७१.

जहचिंतिय त्रि॰ (यथाचिन्तित) चिन्तव्या प्रमाणे, जेम चिंतव्यु होय तेम चिन्तवन के अनुसार; जैसा सोचा हो वैसा As contemplated or meditated सु॰ च॰ १, १५३;

जहट्ठिय. न॰ (यथास्थित) यथास्थित, जेम होय तेम. यथास्थित; जैसा हो वैसा. According to circumstances सु॰ च॰ १, ३५३; गच्छा॰ २६;

जहण. न॰ (जघन) जांघ; जांघ, जंघा The thigh जीवा॰३, ३. (२) स्त्रीनी कमरनो नियेनो भाग. स्त्री की कमर का नीचे का भाग the lower part of the loins of a female ज॰ प॰ नाया॰ १, १७; जीवा॰ ३, ३;

जहणवर न॰ (वरजघन) श्रेष्ठ साथल श्रेष्ठ जांघ Big heavy thigh. जीवा॰३,३;

जहणिज्ज त्रि॰ (हेय) त्यागवा योग्य त्याग करने योग्य Fit to be abandoned. नाया॰ १;

जहण्ण त्रि॰ (जघन्य) ओछामां ओछु; न्हानामा न्हानु; थोडामा थोडु छोटेमे छोटा थोडा, थोडेमे थोडा Smallest, little, least जं॰ प॰ ७, १३४, २, २४, भग॰ १, १, १, १०, ४. १, ८, ८, २; १०, वव॰ ३, ४. अणुजो॰ ८६, उत्त॰ ३०, १४; ३६, ५०, ठा॰ १, १, ४, २, भत्त॰ १६६, पन्न॰३,२, —उक्कोसग त्रि॰ (-उत्कर्षक-जघन्यो निकृष्ट कश्चिद्व्यक्तिमपेक्ष्य स एव च व्यक्त्यन्तरापेक्षयोत्कर्ष उत्कृष्टो जघन्योत्कर्षक) अमुक वस्तुनी अपेक्षाए जघन्य ज्यारे बीजानी अपेक्षाए उत्कर्ष अमुक वस्तु की अपेक्षा में जघन्य व दूसरे की अपेक्षा से उत्कर्ष inferior to one thing and superior to something else. भग॰ २४, १, २४, १, —उगाहणग त्रि॰ (-अवगाहनक —अवगाहन्ते आसते-यस्या साऽवगाहना क्षेत्रप्रदेशरूपा साजघन्या-येषाते) जघन्य क्षेत्र प्रदेशने-अवगाहीने रहेल; जघन्य अवगाहना वालो जघन्य क्षेत्र को अवगाहन करके रहाहुआ (one) residing or occupying the smallest region ठा॰१,१;—काल पुं॰ (-काल)

થોડામાં થોડો વખત થોડેમે થોડા સમય shortest space of time भग० १४, ९, ११. —गुणकालग पु० (-गुणकाल क—जघन्येन जघन्यसंख्याविशेषेणैकेनेत्यर्था गुणेो गुणन ताडनमस्य स तथाविध काला वर्णो येषाते जघन्यगुणकालका) ઓછા માં ઓછાગણો કાલો, એકગણો કાલો कमसे कम काला एक गुना काला of least black colour ठा० १, १, —ठिइ स्त्री० (-स्थिति) જઘન્ય-ઓછામાં ઓછી સ્થિતિ जघन्य-कमसे कम स्थिति shortest period क० प० ४, ८६ —ठिइय त्रि० (-स्थितिक जघन्या जघन्य सख्यासमयापेक्षया स्थितिर्येषा ते जघन्य स्थितिका) જઘન્ય-થોડામાં થોડી સ્થિતિ વાળો जघन्य-थोडेसे थोडी स्थितिवाला of the shortest period ठा० १ १ —प एसिय पु० (-प्रदेशिक—जघन्या सख्या प्रदेशा परमाणव सन्ति येषा त जघन्य प्रदेशिका) ઓછામાં ઓછા પ્રદેશ વાળો कमसे कम प्रदेशवाला consisting of a small number of atoms ठा० १ १ —पद न० (पद—पदान गम्यत इति पद पदसख्यास्थान तत्रानक येति जघन्य सर्वहीन पद जघन्यपदम्) ન્હાનામાં ન્હાની સખ્યા ન્હાનામાં ન્હાનુ પદ छोटेसे छोटी सख्या पद lowest number भग० १८, ४ —पय न० (-पद) જુઓ ઉપનો શબ્દ देखा ऊपर का शब्द vide above ठा० ४, २ भग० ११, १०, ज० प० ७ १७३ —पुरि स पु० (-पुरुष) જઘન્ય પુરૂષ હલકો માણસ जघन्य पुरुष, नीच मनुष्य a low, vile person ठा० ३, १, —सामि पु० (-स्वामिन्) અનુભાગ-કર્મના રસની જઘન્ય ઉદીરણા કરનાર अनुभाग-कर्म के रस की जघन्य उदीरणा करने वाला. one who forces into maturity a small number of Karmas into maturity क० प० ४, ७९,

जहण्णग त्रि० (जघन्यक) ઓછામાં ઓછું; ન્હાનામાં ન્હાનુ कम से कम; थोडे से थोडा Least, slightest भग० २४, ११, २५ ६

जहण्णय त्रि० (जघन्यक) જુઓ 'जहण्ण' શબ્દ देखो 'जहण्ण' शब्द Vide "जहण्ण" भग० ८ ६, २१, १,

जहण्णिय त्रि० (जघन्य) જુઓ "जहण्ण' શબ્દ देखो "जहण्ण' शब्द Vide "जहण्ण' भग० ५, १ ८, ३ १०, ११, ११ १६, ३ २५, १, ज० प० ७, १३४,

जहतह अ० (यथातथा) જેમ તેમ, આડું અવળું. यथा तथा जैसा वैसा थोडा टेढा Somehow somehow or other क० ग० ५, ८८,

जहत्थ त्रि० (यथार्थ) યથાર્થ, ખરેખરું બરાબર, સાચેસાચ यथार्थ सचमुच, ठीक ठीक Infact actual real "लोच्छा मि पवयणह-सयमइत्थ जहत्थस ' पिं० नि० भा० १ पिं० नि० ४६३ नाया० ७ विशे० ८४८ पराह० २ २; सु० च० १, २८

जहत्थाम न० (यथास्थाम) યથાશક્તિ यथाशक्ति As far as possible to the utmost of one's power "जुज्जइ य जहत्थाम" पचा० १५, २७

जहन्न त्रि० (जघन्य) જુઓ "जहण्ण' શબ્દ देखो 'जहण्ण" शब्द Vide 'जहण्ण' भग० १, ५, विशे० ३३४ नदी० १२ दसा० ६, २, क० प० २, ३२ १, ६ १३, पचा० १६, ४३, —आरब्भ त्रि० (-आरब्ध) सर्व જઘન્ય પ્રદેશ બંધ સ્થાનથી આરંભેલુ. सर्व जघन्य प्रदेशबंध

स्थान से प्रारंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. क॰ प॰ ७, ४७; —इयर त्रि॰ (-इतर) जुओ "जहण्ण-इयर" शब्द. देखो "जहण्ण-इयर" शब्द vide 'जहण्ण-इयर" क॰ प॰ १, १२; —काल पुं॰ (-काल) જઘન્ય-ઓછામાં ઓછો કાલ जघन्य-कम के कम समय. shortest space of time प्रव॰ १७१; —गइ स्त्री॰ (-गति) જઘન્ય ગતિ जघन्य गति shortest condition or position क॰ प॰ ४, ७२; —ट्ठाण. न॰ (-स्थान) જઘન્યસ્થાન जघन्यस्थान lowest place. क॰ प॰ १, ४६, —ट्ठिइ. स्त्री॰ (-स्थिति) જુઓ "जहण्णट्ठिइ" શબ્દ. देखो "जहण्णट्ठिइ" शब्द vide "जहण्णट्ठिइ" क॰ प॰ १, ५१, ६, २०, —ट्ठिइबंध पुं॰ (-स्थितिबन्ध) જઘન્ય સ્થિતિ રૂપે થતો કર્મબંધ जघन्य स्थिति रूप होता हुआ कर्मबंध Karmic bondage lasting for a very short period. क॰ प॰ १, ४७, —ट्ठिइसंकम. पुं॰ (-स्थितिसंक्रम) કર્મની જઘન્ય સ્થિતિનું સંક્રમણ कर्म का जघन्य स्थिति का संक्रमण transition of the shortest period of Karma क॰ प॰ २, ५७, —देवट्ठिई स्त्री॰ (-देवस्थिति) દેવગતિની જઘન્ય સ્થિતિ देव गति की जघन्य स्थिति the shortest period of the state of being a god. क॰ प॰ २, ८६, ६, २०, —निक्खेव पुं॰ (-निक्षेप) જઘન્ય નિક્ષેપ થોડા કર્મ દલિયા નાખવા તે जघन्य - थोडे कर्मों के समुह को डालना. discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas क॰प॰ ३, ८; —बंध. पुं॰ (-बन्ध) જઘન્ય કર્મ બન્ધ. जघन्य कर्म बन्ध. incurring the karma of the lowest kind. क॰ प॰ १, ३२, —जहण्णग-य. त्रि॰ (-जघन्यक) જુઓ "जहण्णग" શબ્દ. देखो "जहण्णग" शब्द vide "जहण्णग" विशे॰ ५८७, अणुजो॰ १३२;

जहण्णओ. अ॰ (जघन्यतस्) જઘન્યથી. जघन्य से. From the shortest state प्रव॰ ६३८,

जहण्णग त्रि॰ (जघन्यक) જુઓ "जहण्णग" શબ્દ. देखो "जहण्णग" शब्द. Vide "जहण्णग" क॰ प॰ १, १५, —इयर त्रि॰ (-इतर) જઘન્યથી ઇતર-ભિન્ન, ઉત્કૃષ્ટ जघन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest, logn. क॰ प॰ १, १५;

जहाणय त्रि॰ (जघन्यक) જુઓ "जहण्ण" શબ્દ देखो "जहण्ण" शब्द vide "जहण्ण" उत्त॰ ३३, १३, सम॰ १२ वव॰ १०, १०,

जहत्थ न॰ (याथात्म्य) યથાતથ. यथातत्व Reality, truth, real nature. ठा॰ ४, १,

जहरिह न॰ (यथार्ह) યથાર્થ; ખરાખર; ખરેખર यथार्थ, सचमुच. As deserving, appropriate; actual. सु॰ च॰ ८, २३७,

जहवहि न॰ (यथावधि) જ્યાંસુધી जब तक, जहां तक. As long as, so logn as. सू॰ च॰ १, १६३,

जहवाय न॰ (यथावाद) કથા પ્રમાણે. कथनानुसार कहने के माफिक According to narration; as related. पि॰ नि॰ १८६,

जहसंभव. न॰ (यथा सम्भव) બનતા. યોગ્ય,

योग्य रीते. यथा योग्य. योग्य रीति से. Proper; right; properly पिं० नि० ११३;

अहसत्ति. स्त्री० न० (यथाशक्ति) यथाशक्ति; शक्ति प्रमाणे यथा शक्ति, शक्ति के अनुसार As far as possible, to the ut most of one's power पिं० नि० ३१५,

√ अहा. धा० I. (हा) तजवुं, छोडवुं. त्याग करना छोड देना. To abandon; to give up.

अहइ-ति श्रव० १०, ८, ९, भग० २५, ६; ७,

अहाइ आया० १, २, ६, ३८,

अहासि. उत्त० ३, ५१,

अहाय स० कृ० उत्त० १४, २,

अहित्ता स० कृ० उत्त० १, ५, पिं० नि० ४१७; आया० १, ४, ४, १३७,

अहमाया. भग० २५ ६, ७,

अहा अ० (यथा) जेवी रीते जेम, जे प्रमाणे, अनुसार जिस रीति से, यथा, जिस प्रकार. In which manner, just as भग० १, १ ३, ७, १ ३, १, २, ५, ४, ५, ६, ३, १२, १०, १८, २ १०, ११, १ १८, ५, ४१, ४. नाया० १, २ ५, ८ ३, १०, १५, १६, दस० ७, २१, २८, दस० १, २, ८, १, दसा० ६, १ पिं० नि० ११३, १६१, ज० प० अणुजो० १, उत्त० १, ४५, आया० १, ६, ३, १८२, सूय० १, १, १, ३, उवा० १, ७, ३, १२, ६६, ७, ६२, ८, २५३, क० ग० १, १६; ५३, ज० प० ५, ११८, ५, ११२,

अहाकाल. न० (यथाकाल) यथावसर, अवसर मले त्यारे. यथावसर. मौका मिले तब When proper time comes. भत्त० ४६;

अहागहिय. न० (यथागृहीत) जेवी रीते ग्रहण करेल छे ते प्रमाणे. जिस प्रकार ग्रहण किया हुआ है उस प्रकार As accepted or taken. दस० ५, १, ३०; नाया० १५;

अहाछंद. पुं० (यथाच्छंद) स्वच्छंद. स्वच्छंद. self-willed; unrestricted. ठा० ३, ३;

अहाजाय त्रि० (यथाजात) जन्मती वखतनी स्थिति जेवुं; नग्न. जन्म के समय की स्थिती के जैसा, नग्न. As born; naked. उत्त० २२, ३४; आघ० नि० भा०५८; सम० १२,

अहाजोग न० (यथायोग्य) यथायोग्य; जेम घटे तेम. यथा योग्य; जिस प्रकार उचित हो उस प्रकार Proper, appropriate. विशे० २३; ८०,

अहाट्ठाण. न० (यथास्थान) पोत पोताना अनुष्ठानने अनुरूप-उचित स्थान;-इंद्रादि पद. अपने अपने अनुष्ठान के अनुरूप उचित स्थान, इद्रादि पद Appropriate position suited to one's occupations, the position of India etc उत्त० ३, १७,

अहाणामय त्रि० (यथानामक) जेनो नाम निर्देश कर्यो नथी ते; कोई एक जिसका नाम निर्देश न किया हो; कोइ एक. Certain, some, any भग० २५, ११, पन्न० १६;

अहाणिसंत न० (यथानिशान्त) अवधार्या प्रमाणे, जेम धार्युं होय तेम. अनुमान के अनुसार, जैसा साचा हो वैसा. As guessed; as anticipated. सूय० १, ६, २,

अहाणुपुव्वि न० (यथानुपूर्वी) क्रमसर अनुक्रम प्रमाणे क्रमशः; अनुक्रम के अनुसार. Successively; in regular order.

-वाई. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. "जो जहावाइ तहाकारीयावि भवइ" ठा० ७;

अहाविभव न०(यथाविभव) वैभव प्रमाणे, शक्ति प्रमाणे. वैभव के अनुसार, शक्ति के प्रमाण में. In proportion to wealth, according to means. भग० ६, ३३,

अहासंख न० (यथासंख्य) संख्या प्रमाणे, क्रमवार क्रमश; संख्या के अनुसार Successively, respectively सु० च० ५, ६१,

अहासंभव न० (यथासम्भव) जेम संभवे तेम. यथासम्भव, जैसा सम्भव हो उसी प्रकार Possible, possibly. क० गं० ६, ३२,

अहासत्ति स्त्री० न० (यथाशक्ति) शक्ति प्रमाणे, यथा शक्ति शक्ति के अनुसार, यथा शक्ति As far as possible, to the utmost of one's power पंचा० ७, ३६,

अहासमाहि न० (यथासमाधि) समाधि प्रमाणे. समाधि के अनुसार According to agreement or promise पचा० १, ४;

अहासुय न० (यथाश्रुत) जेम सांभळ्युं होय तेम, सांभळ्या प्रमाणे. जिस प्रकार श्रवण किया हो उस प्रकार, श्रवणानुसार As heard of or listened to उत्त० १, २३, श्राया० १, ६, १, १,

अहासुह न० (यथासुख) जेम सुख पडे तेम जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार At ease; according to happiness. विवा० १,

अहिं. श्र० (यत्र) ज्यां; जे स्थाने; ज्यांपर जहां, जिस स्थान पर; जहांपर. Where; at which place. भग० १, ३; ७; ८, ८, ११, ११; १५, १; १८, ४; दस०४, १; ७७, नाया० १७; मग्गा० १७;

अहिच्छ न० (यथेच्छ) इच्छा प्रमाणे. यथेष्ट; इच्छा के अनुसार. Agreeably to desire. नाया० ७; सु० च० १, १७१;

अहिच्छियकामकामि. पुं० (यथेप्सितकामकामिन्-यथेप्सितान् मनोवाञ्छितान् कामान् शब्दादीन्-कामयन्त इत्येवंशीला यथेप्सितकामकामिनः) मनोवाञ्छित सुख भोगवनार मनोवाञ्छित सुख का भोगने वाला One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart "अहिच्छिय काम कामिणो" जं० प० जीवा० ३,

अहुत्त न० (यथोक्त) कह्या प्रमाणे. कथनानुसार; कहने के अनुसार. As said or told previously पंचा० १०, १२;

अहेट्ठ न० (यथेष्ट) मनगमतुं; इच्छानुकूल चित्त रोचक, दिलपसन्द; यथेष्ट As desired, as wished for, pleasing to the heart पिं० नि० ४०६,

अहेव श्र० (यथैव) जेम; जेवी रीते जिस प्रकार, जिस रीति से. As; in which manner. नाया० १, भग० ३, १; ७, २, १६, १, १८, ७, २८, ३८; २५, १; ३३,२.

अहोइय न० (यथोचित) यथोचित; यथायोग्य यथायोग्य. यथोचित. Proper, suitable विवा० २; पंचा० ३, ३८,

अहोचिस न० (यथोचित) जेम घटे तेम उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा० ७, ३७,

अहोचिय न० (यथोचित) जेम घटे तेम; यथा योग्य. उचित रीति से; यथायोग्य. Properly; suitably. निर० १, १.

आयारं० ९,

आओवइड्ड. अ० (अवोपदिष्ट) જેવી રીતે કહે વામાં ઉપદેશવામાં આવ્યુ હોય તે પ્રમાણે जिस रीति से कहने में-उपदेश में आया हो उस रीति से. According to advice or orders. " आओवइड्ड अभिकखमाए " दस० ६, ३, २ उत्त० १ ४४,

आइयी स्त्री० (आम्नवी) ગંગા નદી गंगा नदी The river Ganges ज० प०

√**आ** धा० I (जन) પેદા થવું, ઉત્પન્ન થવું पैदा होना उत्पन्न होना To be born or produced

आयइ आया० ७ १०, विशे० ४१८ उत्त० १६ ७६

आयउ विशे० ४१८

√**आ** धा० I (या) જવું ગતિ કરવી जाना; गति करना To go to walk

आइ उत्त० ३ १२ विशे० ६४४ १६०८ नाया० ५ ६

अति आया० १ ३ ४ १२१ सु० च० १ ६३३

आयमाण च० कु० म ० ६, ३

√**आ** धा० I (या+णि) નિગમન કરવુ નિર્વાહ કરવો निगमन करना निर्वाह करना To go out, to support oneself (२) આત્માની સંયમમાં પ્રવૃત્તિ કરાવવી आत्मा को संयम में प्रवृत्त करना to urge the soul in self restraint

आवेति प्रे० नि० नि० ६१६

आविसए हे० कृ० सूय० १, ३ २, १

अवित व० कृ० ज० प०

√**आ** धा० I (या+णि) વીતાવવું ગાળવું व्यतीत करना To cause to go to pass

आविंति प्रे० पि० नि० ६१६

आवए वि० सूय० १, १, ४, २,

आवेत व० कृ० अ० प्र० ३, ६७;

आ अ० (यावत्) જ્યાંસુધી ज्यवसाय; जबतक, जहांतक So long; as long as, as far as प्रव० ८१, क० ग० १, ३६, उवा० १, ८१,

आइ स्त्री० (जाति-जन्म जाति:) જન્મ; ઉત્પત્તિ जन्म उत्पत्ति Birth production आया० १ १, १ ११, उत्त० ६, १, ३२, ७, क० प० ६, ३, प्रव० १२७६, १०७०; क० ग० १, ३३, ५ ६१ (२) એકેંદ્રિય બેઇંદ્રિય આદિ પાંચ જાતિ एकेंद्रिय, द्वीन्द्रिय आदि पांच जाति five kinds (of creatures) viz one sensed two sensed etc क० प० ४ ६, भग० ६ ८, ७ ० ६ ३३, उत्त० ३ २, ६ २, अणुजो० १२७, ठा० ६, ४६, सम० १ क० गं० १ (३) જાતિ; જ્ઞાતી, વર્ણ, ક્ષત્રિય આદિ જાતિ जाति, ज्ञाति वर्ण क्षत्रिय आदि जाति kind caste Ksatriya etc उत्त० ३, ८ १२ ५ १३, १ विशे० १६१ पन्न० १ सु० च० ३, १६६ दस० ७ २१ ८ ३० ११० नि० ३१२, जीवा० ३ ३ नाया० ८ विवा० १ राय० २१५ (४) માતા પક્ષ माता पक्ष maternal side प्रव० सूय० १ ६ ११ (५) જાઈનું ફૂલ जूहिका फूल the jasmine flower राय० ५६, ज० प० —**अंध** पुं० (-अन्ध) જન્મ અંધ જન્મથીજ આંધળો जन्म से ही अंध, जन्मांध blind from the very birth, born blind ' केइ पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे " विवा० १, सूय० १ १, २ ३१; —**आजीव** त्रि० (-आजीवक) જાતિ જણાવી આહાર લેનાર जाति बतलाकर आहार लेने वाला (one) who accepts food having exposed one's caste ठा० ५, १; —**आजीवआ य** पुं० (-आजीवक)

-ઓ "आइआजीव" શબ્દ. देखो "आइआजीव" शब्द. vide "आइआजीव" ठा० २, १; —आरिय. पुं० (-आर्य) જાતિએ કરી આર્ય; ઇભ્ય જાતિની સ્ત્રીથી ઉત્પન્ન થયેલ જાતિ, અમ્બષ્ટ, કલિંદ, વિદેહ, વિદેહકા, હરિતા અને ચુંચુણા એ છ આર્ય જાતિ. जाति से कर के आर्य, इभ्य जाति की स्त्री से उत्पन्न हुइ जाति, अम्बष्ठ, कलिंद, विदेह, विदेहठा, हारिता व चुंचुणा ये छ आर्य जातियां Ārya by birth, the caste sprung from a woman of Ibhya caste; the six Āryan castes viz Ambaṣṭa, Kalinda, Videha, Videhathā, Haritā and Chuñchuṇā. ठा० ६, १; —आसीविस पुं० (-आशीविष—आशयो दंष्ट्राः तासु विषं येषां ते आशीविषाः) જન્મથીજ ઝેરી, સર્પ વિંછિ આદિ. जन्म ही से विषैला, सर्प, विच्छु वगैरह venomous from the very birth, a snake, a scorpion etc भग० ८, १. —कम्म न० (-कर्म) જન્મ સંસ્કાર. जन्म संस्कार ceremony connected with birth भग० ११, ११, —कहा स्त्री० (-कथा) અમુક જાતિ સારી અમુક ખરાબ ઇત્યાદિ કથા કરવી તે. अमुक जाति अच्छी या बुरी इत्यादि कथन करना सो. speaking of the superiority of a certain caste and inferiority of some other caste ठा० ४, २, —कुल न० (-कुल) જાતિ અને કુળ. जाति व कुल caste and lineage "तेसियं भंते जीवाणं कइ जाइ कुलकोडि जोणिप्पमुह सयसहस्सा पण्णत्ता" जीवा० ३; —गोय न० (-गोत्र) જાતિ અને ગોત્ર. जाति व गोत्र. caste and family. भग० ६ ८; —गोयनिउत्त. त्रि० (गोत्रनियुक्त) નિકાચિત જાતિ ગોત્રવાળો. निकाचित जाति गोत्र वाला. one of a settled caste and family. भग० ६, ८; —गोयनिहत्त त्रि० (-गोत्रनिधत्त) જાતિ ગોત્રને યોગ્ય કર્મ પુદ્ગલ સ્થાપન કરેલ. जाति गोत्र के योग्य कर्म पुद्गल स्थापन किया हुआ. one having Karma-atoms established according to caste and lineage. भग० ६, ८, —गोयनिउत्ताउय न० (-गोत्रनियुक्तायुष्क) જાતિ ગોત્રની સાથે નિકાચિત બાંધેલ આયુષ્ય. जाति गोत्र के साथ निकाचित बांधा हुआ आयुष्य life-period appointed or fixed along with caste and lineage. भग० ६, ८, —जरामरण नं० (-जरामरण) જન્મ જરા અને મરણ. जन्म जरा व मरण old-age and death. ज० प० ३, ७०; —णाम न० (-नामन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેથી જીવ જુદી જુદી જાતિમાં ઉત્પન્ન થાય. नामकर्म का एक प्रकृति कि जिससे जीव भिन्न भिन्न जाति में उत्पन्न हो a variety of Nāmakarma causing the birth of a soul in different castes or classes. "जात नामेणं भंते कम्मे पुच्छा" पन्न० २३, —णामगोयनिउत्त. त्रि० (-नामगोत्र नियुक्त) નિકાચિત જાતિ નામ ગોત્ર વાળો. નારકી આદિ. निकाचित जाति नाम गोत्र वाला, नारकी आदि (one) having an appointed class or caste, name and family, a hell being etc भग० ६, ८, —णामगोयनिउत्ताउय त्रि० (-नामगोत्रनियुक्तायुष्क) જાતિ નામ ગોત્ર સહિત નિકાચિત આયુષ્ય વાળો. जाति नाम गोत्र सहित निकाचित आयुष्यवाला. (one)

having the duration of life fixed along with caste name and family भग० ६, ८

—णामगोयनिहत्त त्रि० (–नामगोत्र निधत्त —जाति नाम गोत्र च निधत्त येस्ते तथा) જાતિ નામ અને ગોત્રની પ્રકૃતિ દૃઢ પણે બાંધી છે જેણે તે जिसने जात नाम व गोत्र की प्रकृति दृढता के साथ बांधी है वह (one) who has firmly united the characteristics of caste name, and lineage भग० ६ ८

—नामगोयनिहत्ताउय त्रि० (नाम गोत्रनिधत्तायुष्क—जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुर्यैस्ते तथा) જાતિ નામ ગોત્ર સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય વાળો जात नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुआ आयुष्यवाल (one) who has the duration of life fixed along with caste name and family भग० ६ ८

—णामनिउत्त त्रि० (नामनियुक्त—जातिनामनियुक्त नितरां युक्त सबद्ध निकाचित बद्ध वा नियुक्त यस्य तथा) નિકાચિત જાત નામ કર્મ વાળો જીવ निकाचित जाति नाम कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste name and Karma भग० ६ ८

—णामनिउत्ताउय त्रि० (नामनियुक्तायुष्क—जातिनाम्ना सह नियुक्त निकाचित वेदयितु मारब्ध बाऽऽयुर्यैस्ते तथा) જાતિનામ સહિત નિકાચિત આયુષ્ય વાળો जातिनाम सहित निकाचित आयुष्य वाला (one) having the duration of life fixed along with caste and name भग० ६, ८

—णामनिहत्ताउय न० (–नामनिधत्तायुष्क—जातिरेकेन्द्रियजात्यादि रूपया सैव नाम इति नामकर्मणः उत्तरप्रकृति विशेषो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्त निषिक्त यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायु) જાતિરૂપ નામકર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य life impregnated with kind or class form, name and Karma भग० ६, ८; (२) જાતિ રૂપ નામ કર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય વાળો જીવ जाति, रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य वाला जीव a being with his life impregnated with kind or class form name and Karma भग० ६, ८

—णिबद्ध न० (निबद्ध) સૂત્ર રચનાનો એક પ્રકાર, ગદ્યપદ્યાદિ સૂત્ર રચના सूत्र रचना का एक प्रकार, गद्यपद्यादि सूत्र रचना a method of the composition of Sutras (any work containing aphoristic rules) the composition of Sutras in prose or metre सूय० नि० १ १ १, २

—तिग न० (–त्रिक) પાંચ જાતિ ચાર ગતિ અને બે વિહાયોગતિ એ ત્રિપુટીની અગ્યાર પ્રકૃતીનો સમુદાય पांच जात चार गत व दो विहायोगति इस त्रिपुटी की ग्यारह प्रकृति का समुदाय a collection of eleven varieties of Tripuṭi consisting of five kinds four conditions and two Vihayogatis क० ग० ५ ७०

—थेर पु० (स्थविर) સાઠ અથવા વધારે વરસની ઉમરના સાધુ साठ या अधिक वर्ष की उम्र का साधु a Sādhu of sixty or more than sixty years of age " षष्टिवर्षजाताः समये जातस्थविराः " ठा० ३, २ अब० १०, १६

—दोस पु० (–दोष) जाति

दोष० જન્મનો દોષ. जाति दोषः जन्म का दोष. deficiency or evil connected with birth. तंदु० —धम्मय. त्रि० (-धर्मक) ઉત્પત્તિ સ્વભાવવાલો. उत्पत्ति स्वभाव वाला. possessed of natural or inherent characteristics. " इमं पि जाइधम्मयं " आया० १, १, ५, ४६, —नाम. न० (-नामन्) જુઓ " आइनाम " શબ્દ. देखो " जइनाम " शब्द. vide " आइनाम " भग० ५, ८; —नामगोयनिउत्त त्रि० (-नाम गोत्रनियुक्त) જુઓ 'आइनामगोयनिउत्त' શબ્દ. देखो "आइनामगोयनिउत्त" शब्द vide "आइनामगोयनिउत्त" भग० ६, ८, —नामगोयनिउत्ताउय त्रि० (-नाम-गोत्रनियुक्तायुष्क) જુઓ 'आइनामगोय-निउत्ताउय" શબ્દ. देखो "आइनामगोय-निउत्ताउय" शब्द. vide "आइनामगो-यनिउत्ताउय" भग० ६, ८, —नामगोय-निहत्त त्रि० (-नामगोत्रनिधत्त) જુઓ "आइनामगोयनिहत्त" શબ્દ. देखो आइनामगोयनिहत्त' शब्द vide "आइनाम गोत्रनिहत्त" भग० ६, ८, —नामगोयनि-हत्ताउय त्रि० (-नामगोत्रनियतायुष्क) જુઓ "आइनामगोयनिहत्ताउय" શબ્દ. देखो "आइनामनिहत्ताउय" शब्द vide "आइनामगोयनिहत्ताउय" भग० ६, ८, —नामनिउत्त त्रि०(-नामनियुक्त) જુઓ "जातिनामनिउत्त" શબ્દ देखो "जाति-नाम निउत्त" शब्द. vide "जातिनाम निउत्त" भग० ६, ८; —नामनिउत्ताउय त्रि० (-नामनियुक्तायुष्क) જુઓ "आइ-नामनिउत्ताउय" શબ્દ देखो "आइनाम निउत्ताउय" शब्द. vide "आइनाम निउत्ताउय" भग० ६, ८, —नामनिहत्त. त्रि० (-नामनिधत्त) જુઓ "आइनाम निहत्त" શબ્દ. देखो "आइनाम निहत्त" शब्द. vide "आइनाम निहत्त" भग० ६, ८; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नाम-निधत्तायुष्क) જુઓ "आइनामनिहत्ताउय" શબ્દ. देखो "आइनामनिहत्ताउय" शब्द. vide "आइनामनिहत्ताउय" भग० ६, ८; —पंगुल त्रि० (-पंगुल) જન્મથીજ પાંગલો; લુલો. जन्महो से लंगडा, लूला. lame from the very birth; crippled. विवा० १, —पह पुं० (-पथ—जातिजरा-केन्द्रियादीनां पंथाजाति पथ) જન્મ મરણનો માર્ગ, સંસાર. जन्ममरणका मार्ग; संसार मार्ग the way of birth and death, the way of worldly existence. " जाईपह अणुपरिवट्टमाणे " सूय० १, ७, ३, दसा० ६, १, ४, १०, १, १४, —पुड न० (-पुट—जाति पुष्पजाति विशेषः पुट पत्रादिमय तन्नाजन जातिपुट) જાઈનુ પત્રાદિમય ભાજન, જાઈનો પુડો. जूई का पत्रादिमय भाजन; जूई का दोना. a cup made of jasmine leaves "जाइ-पुडवासा" नाया० १, १७; —प्पसन्ना स्त्री० (-प्रसन्ना —जाति पुष्पवासिता तया प्रसन्ना जातिप्रसन्ना) એક જાતનો દારૂ. एक जात का दारु a kind of wine. " जाइप्पसण्णाइ वा " जीवा० ३, —ब-हिर. त्रि० (-बधिर) જન્મથીજ બહેરૂં. जन्महीसे बहिरा. deaf from the very birth विवा०१, —मंडव. पुं०(-मण्डप) જાઈનો મંડપ-માંડવો. जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. राय० १३७,—मंडवग. पु० (-मंडपक—जाती-मालती तन्मयो मण्डपको जातिमण्डपकः) જાઈનો માંડવો जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. जं०प०१; —मय. त्रि० (-मद) જાતિ મદ કુલાદિ જાતિનો

मद करनार. जाति का अभिमान करने वाला. (one) who is proud of his birth or caste दस० १०, १, १६; —मइ. पुं० (-मद) જાતિનું અભિમાન. जाति का अभिमान. pirde of caste ठा० ८,१;—मय. पुं० (-मद—जात्या मदो जातिमदः) જુઓ " जाइमद " શબ્દ देखो " जाइमद " शब्द vide "जाइमद" " जाइमएणवा " ठा० १०; सम० ७; —मयपडित्थद्ध पुं० (-मदप्रतिस्तब्ध) જાતિના અહંકારથી ઉદ્ધત. जातिमदसे उद्धत, जातिके अहंकार से उच्छृंखल haughty or rude in consequence of the pride of caste " जाइमयपडिथ हिंसगा अजिइंदिया" उत्त० १२, ४, —मरण. पुं० (-मरण) જન્મ મરણ જન્મ मरण, पैदा होना और मरना. birth and death दस० ६, ४, २, ३, १०, १, १४, २१, दसा०६, ३२, —मुअ त्रि० (-मूक) જન્મનો મુંગો. जन्मसे ही मूक-गूंगा dumb from the very birth विवा०१; — मूयत्त न० (-मूकत्व) જન્મથી મુંગાપણું जन्ममें ही गूंगापन dumbness from the very birth सूय० २, २, २१, —लिंग न० (लिङ्ग) જાતિ સૂચક લિંગ શરીર અવયવ जाति सूचक लिंग-शरीर अवयव. a caste mark, a limb of the body. सम० ३; —वंझा. स्त्री० (-वन्ध्या—जातेर्जन्मत आरभ्य वन्ध्या निर्बीजा जातिवन्ध्या) જન્મથીજ વંધ્યા; વાંઝણી. जन्म से ही वन्ध्या barren or sterile from birth. ठा० ५, २; —वर. पुं० (-वर) ઉત્તમ જાતિ. उत्तम जाति; श्रेष्ठ जाति. highest caste. " जाइवरसारसंविमय " पराह० २, ४; —संपएण. पुं० (-संपन्न) સંપૂર્ણ ગુણ-

વાળી જેની માતા હોય તે; માતાનો પક્ષ જેનો સારો હોય તે. जिसकी माता गुणवती हो वह, मातृपक्ष जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents, one having excellent maternal side भग० २, ५; ८, ७, १०, ५, नाया० १; ठा० ४, ३; ३; विवा०१, नाया०ध० —सर त्रि० (-स्मर) પૂર્વ જન્મનું સ્મરણ કરનાર पूर्व जन्मका स्मरण करने वाला (one) who remembers his past life. भग० ४१, —सरण न० (-स्मरण) ગત જન્મોના બનાવોનું સ્મરણ, મતિ જ્ઞાનનો એક ભેદ; જેનાથી વધારેમાં વધારે સંજ્ઞીના ૯૦૦ ભવની વાત જાણી શકાય-સંભારી શકાય તેવું જ્ઞાન. गत जन्मों की हकीकत का स्मरण; मति ज्ञान का एक भेद, जिसके द्वारा अधिक से अधिक ९०० भवों-जन्मों की बात जानी जा सकती है, एक प्रकार का ज्ञान memory of past lives, a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. " जाइ सरणं समुप्पएणं ' उत्त० १६, ७, ओव० ४१; प्रव० ५२८, नाया० १, ८, १३; दसा० ५, १६, —सरणावरणिज्ज न० (-स्मरणावरणीय) જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ; જાતિ સ્મરણને આવરનાર કર્મ પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जाति स्मरण-पूर्व जन्मों की स्मृति को आवृत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obs-

inducting Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया॰ १; —स्सर पुं॰ (-स्मर) જુઓ " आइसर " શબ્દ देखो "आइसर" शब्द. vide " आइसर " विशे॰ १६७१, —हिंगुलुय. पुं॰ (-हिंगुलक) સારો હીંગળો अच्छा–उत्तम हिंगुलक. superior vermillion. नाया॰ १, पन्न॰ १;

आइच्छिअ–य. त्रि॰ (याटच्छिक) ઇચ્છા પ્રમાણે કરનાર इच्छानुसार बर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish विशे॰ २५;

आइअंत. त्रि॰ (यात्यमान) પછાડવામાં આવતો पीछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat पराह॰ १, १,

आइमंत. त्रि॰ (जातिमत्) જાતવાન, સારી જાતનો. उत्तम जातिका Belonging to a high caste. नाया॰ ३,

आइमेत्त न॰ (जातिमात्र) જાતિજ, એકલી જાત. जाति मात्र, केवल जाति ही. Mere caste. " जे आसत्ता या आइमेत्तेण " पंचा॰ ३, ४७;

आइय त्रि॰ (याचित) જાચેલું, માગેલું. मांगा हुआ, याचित Begged, asked for नाया॰ ८; १८, उत्त॰ २, २८;

आइकवडंसय. पुं॰ (जातिकरावतंसक) એ નામનું ઇશાન ઇંદ્રનું ચોથું વિમાન. ईशानेंद्र का चौथा विमान. The 4th celestial abode of Īśānendra. भग॰ ४, १;

आई. स्त्री॰ (जाती) જુઓ " आइ " શબ્દ. देखो " आइ " शब्द Vide ' आइ " पन्न॰ १; जं॰ प॰ ५, ११२; कप्प॰ ३, ३७; —मंडवय. पुं॰ (-मण्डपक) જુઓ " आइमंडवग " देखो " आइमंडवग " शब्द. vide " आइमंडवग " जं॰ प॰

—सरण. न॰ (-स्मरण) જુઓ " आइसरण " શબ્દ. देखो " आइसरण " शब्द, vide " आइसरण " नाया॰ १; १४; भग॰ ११, ११; —सरणावरणिज्ज. न॰ (-स्मरणावरणीय) જુઓ " आइसरणावरणिज्ज " શબ્દ. देखो "आइसरणावरणिज्ज" शब्द " vide ' आइसरणावरणिज्ज ' नाया॰ १,— हिंगुलुय पुं॰(—हिंगुलक) જુઓ " आइहिंगुलुय " શબ્દ. देखो 'आइहिंगुलुय' शब्द vide'आइहिंगुलुय'नाया॰१;

आउ पुं॰ (आयु) દવા, ઓસડ दवा; औषध. A medicine पिं॰ नि॰ ६२५;

आउया. स्त्री॰ (यातृ) દેરાણી देवरानी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brother-in law's wife, wife of husband's brother "मम आउयाओ" नाया॰ १६;

आउल. पु॰ (आउल) એક પ્રકારની ગુચ્છ વનસ્પતિ एक तरह की गुच्छ वनस्पति A kind of vegetation growing in clusters. पन्न॰ १,

आउकरण. न॰ (आतूकर्ण) એ નામનું એક ગોત્ર एक गोत्र. Name of a family. जं॰ प॰ ७, १५९,

आऊकरणीय न॰ (आतूकर्णीय) એ નામના ગોત્ર વાળું इस गोत्र का One belonging to this family. सू॰ प॰ १०,

आंबूणय न॰(आम्बूनद) એક પ્રકારનું સોનું एक तरह का सुवर्ण A kind of gold. जं॰ प॰

आग पुं॰ (याग) યજ્ઞ; અશ્વમેધાદિ યજ્ઞ. यज्ञ, अश्वमेध प्रमुख यज्ञ A sacrifice such as Aśvamedha (horse-sacrifice) etc ओघ॰ पिं॰ नि॰ ४४०; जं॰ प॰ ५, ११५;

√ आगर. धा॰ I. (जागृ) જાગવું. जगना; जाग्रत होना. To be awake; to be

sleepless.

आगरे. सम० ३३;

आगरित्तए. हे० कृ० वेय० १, १४,

आगरमाण. व० कृ० भग० १, ७; २, १, ३, १; नाया० १; ५; १४; १६; दसा० ३, १८; सम० ३३; ठा० ३, ४, उवा० १, ६६, ७३; ८, २४२, दस० ४,

आयार. व० कृ० प्रव० १३४; कप्प० १, ६;

जागर. पुं० (जागर) અસંયમરૂપ નિદ્રાવગરનો, જાગતો; નિદ્રાના અભાવ વાળો. असंयमरूप निद्रा से रहित, जगता हुआ, निद्रा के अभाव वाला, प्रबुद्ध. One who is free from sleep of want of self-restraint, one who is wakeful or wide awake "सुत्ता अमुणी उसया मुणी उसुत्ता विजागरा होंति" आया० १, ३, १, १०८, ठा० ५, २, पन्न० ३; २३, भग० ११, ११; १२, १६,

जागरइत्तार त्रि० (जागरयितृ) જાગનાર. जगने वाला. Wakeful. भग० १२, २.

जागरण न० (जागरण) જાગરણ; નિદ્રાનો ક્ષય जगना, निद्रा का अभाव Wakefulness, sleeplessness नाया० १: २;

जागरित्तार त्रि० (जागरितृ) જાગનાર, जगने वाला, उनिद्र Wakeful, sleepless. ठा० ४, २;

जागरिय. त्रि० (जागृत) જાગેલ जगा हुआ. (One) who has kept awake. भग० १२, १, उवा० १, ७३; ८, २५२;

जागरियत्त. न० (जागरिकत्व) જાગતપણું; જાગરણ. जागरण; निद्रा का अभाव Wakefulness; sleeplessness. भग० १२, २;

जागरिया. स्त्री० (जागरिका) બાળકના જન્મ પછી છઠ્ઠી રાત્રે ઘરના માણસો રાત્રે જાગરણ કરે તે. बालक के जन्म के बाद छठी रात्रि में परिवार का जागरण करना A vigil kept by the relatives on the sixth night after the birth of a child "कइ विहाया भंते जागरिया पण्णत्ता ?" भग० ११, ११; ओव० ४०; नाया० १; राय० २८६; कप्प० ३, ९६;

जागरिया. स्त्री० (जागर्या) ચિંતવન; વિચારણા चिन्तन, विचारणा Contemplation, thought उवा० १, ७३; ८, २५२;

जाजीवं. अ० (यावज्जीवम्) જીંદગી પર્યંત. जीवन पर्यन्त, जिंदगी तक. Throughout life क० गं० १, १८,

√**जाण** धा० I (ज्ञा) જાણવું. जानना. To know

जाणइ भग० १, १; २, १, ३, ६, ५, ४, ६, ४, ८, २, १८, ८, नाया० १; ८; १६, पन्न० ३०; आया० १, १, ७, ५६; १, ७, १, १६६; ठा० २, २, ववः० २, ३३; विवा० ६, दस० ४, २३,

जाणति भग० ५, ४, ६, ४; १४, ८; १८, ३, विशे० ६१, नाया० १६;

जाणासि. नाया० १४; १६; भग० २, १; १५, १; उत्त० २५, ११,

जाणामि नाया० १, ७, ८; भग० ३, ६; ५, ४, १७, २;

जाणामो भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ८; १५, १; १८, ७;

जाणे. उत्त० १८, २९,

जाणि-ए-आ. दस० ७ ८; भग० २४, १; १२, वेय० २, २; ५, ६; पन्न० १७; अणुजो० ८; ३३१; आया० १, १, १, ४; १; ६, ४, १४१; [illegible] ५, १, ४२; दसा० ६, ३१; [illegible]

जाणइ. ओघ०नि०१७;विशे०४२; नाया०१७,
जाणंति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६;
जाणामि. सु० च० ७, १११;
जाणउ. विवा० १, भग० ३, २,
जाणंतु. दस० ५, २, ३६,
जाणसु. पिं०नि० भा० २५; पिं०नि० १०७, नंदी० ४५,
जाणाहि. आया०१, २,१, ७०, गच्छा० ७६,
जाणह. सु० च० ८, ५२, नाया० ६; १६, राय० ७७, भग० १, ६,
जाणिस्संति नाया० १६,
जाणिअ सं० कृ० दस० १०, १, १८,
जाणिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १०१; नाया० ६,
जाणित्ता. सं० कृ० नाया० ४, ५, ७, ८, ६, १२, १४, १६, १८, भग० २, १, ७, ६, ६, ३२, १५, १, ओव० ४०, उत्त० १४३,
जाणिया. सं० कृ० नाया० १६; दस०७,५६,
जाणिउं हे० कृ० आया० १, २, १, ६८, दस० ८, १३,
जाणित्तए हे० कृ० दसा० ५, १८, २३, सम० १०; नाया० ५, भग० ५, ८,
जाणेत्ता सं० कृ० भग० २, १, ३, १,
जाणमाण व० कृ० उत्त० १३, २६, सम० ३०; निसी० १, ४०, ज०प० २,३१, विशे० २३६, विवा० १, दसा० ६, १०, सु० च० १, १३८, कप्प० ६, १५८,
जाणंत व० कृ० सूय० १, १, १, १, दसा० ६, २, दस० ६, १०, ८, ३१, पिं० नि० भा० ३१; नाया० १४; विशे० ४२; पञ्च० ११; पिं० नि० १११,
जाण. न० (यान) ગાડી, ગાડાં, રથ, સઆમ વગેરે; સ્વારી. यान-गाडी, रथ आदि सवारी योग्य साधन. A vehicle, carriage chariot etc. उत्त० ५, १४; २५, ११; २७, ८; आया० २, ४, २, १३७; सूय० २, २, ६२, सु० च० २, २०८; ओव० भग० २, ५; ३, ३, ५, ७, ८, ६, ११, ११; नाया० ३; ७; उवा० १, ६१, ७, २०६; दस० ७, २६, जीवा० ३, ३, जं० प० दसा० ६,४;१०,१, प्रव०७२६, पण्ह० २,५; ठा०४, ३, सम० १; (२) વિમાન. विमान aeroplane नाया० ध० (३) યાનપાત્ર; વહાણ नौका, जहाज वगैरह a boat, a vessel etc भत्त० १६५, गच्छा० ८; —गय त्रि० (-गत) ગાડીમાં ગયેલ. यान-गत, गाडी में गया हुआ driven in a carriage. ओव० —गिह न०(-गृह)રથ મુકવાનુ ઘર रथशाला, गाडी आदि के रखन का घर a coach-house, a carriage-shed "जाणगिहाणिवा" आया० २, २, २, ८०, निसी० ८, ७, १५,२१, —पवर न० (-प्रवर) પ્રધાન રથ, ઉત્તમ વાહન उत्तम रथ, प्रधान गाडी. an excellent chariot, an excellent vehicle दसा० १०, १, भग० ६, ३३, —रह पुं० (-रथ) એક પ્રકારનો રથ एक प्रकार का रथ a kind of chariot. जीवा० ३,३; —रूव न० (-रूप) પાલખી આદિના રૂપ-આકાર यान-पालका वगैरह का आकार the shape of a palanquin etc "समोहयजाणरूवेण" भग० ३,४, —विमाण त्रि० (-विमान—यानाय गमनाय विमानं यानविमानम्) દેવ-તાને ગમન કરવા--મુસાફરી કરવાનુ વિમાન. देवताओंका मुसाफरी विमान; देवताओंके यात्रा करनेका विमान. a celestial car of the gods "दसयहं इंदाणं दस परियाणिया जाणविमाणापरणत्ता" ठा० १०; ४, ३; राय० ६७; ज० प० ५, ११३, ११५, ११६;

भग० १६, ९; —साला. स्त्री० (-शाला) ગાડી રથ વહેલ વગેરેને રાખવાની જગ્યા. रथ शाला; गाडी खाना a coach-house; a carriage shed. "जाणसालाओवा" आया० २, २, २, ८०; ओव० ३०; नाया० ५; १६; दसा० १०, १; पराह० २, ३; निसी०८, ७; —सालिआ. पुं० (-शालिक) ગાડાં રથ વગેરે રાખવાની યાનશાલાનો ઉપરી ભાગ. रथशाला के ऊपर की अटारी the upper floor of a coach-house or carriage shed. ओव० ३०; दसा० १०, १, —जाणअय. त्रि० (-ज्ञायक) જાણનાર, સમજનાર, જ્ઞાતા जानने वाला, समझने वाला, समझदार, ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands अणुजो० १४, ४०, आव० उवा० ७, १८३, विशे० ४४, ४६, (२) पुं० પોતે જાણે નહિ છતાં પોતાને જાણકાર માનનાર બૌદ્ધાદિ स्वयं कुछ भी न जानते हुए अपने को जानकार मानने वाला बौद्ध वगरह a follower of Buddha etc who pretends to know without knowing anything himself. सूय० १, १, १, १८, अणुजो० १४६, जं० प० ३, ४१, —सरीर. न० (-शरीर) આવશ્યક આદિ શાસ્ત્ર જાણનારનું પડયું રહેલું ચૈતન્યશૂન્ય શરીર आवश्यक सूत्र आदि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत –चैतन्य शून्य शरीर the lifeless body of one who knows scriptures such as Avaśyaka etc. अणुजो० १५;

आणग. पुं० (यानक) રથ रथ. A chariot. दसा० १०, १;

आणग. त्रि० (ज्ञायक) જાણનાર; સમજનાર. समझने वाला. (One) who knows or understands. पिं० नि० भा० ३१; ओघ० नि० ११८; पंचा० ५, ६;

आणण. न० (ज्ञान) જ્ઞાન; જાણવું તે. जानना; ज्ञान, समझ Knowing; knowledge; comprehension. प्रव० १; —निमित्त. न० (-निमित्त) જ્ઞાનના કારણ રૂપ. ज्ञान का कारण-हेतु. cause or motive of knowledge. प्रव० १;

आणणा स्त्री० (ज्ञान) જેનાથી વસ્તુનો નિર્ણય થાય તે जिससे वस्तु का सच्चा स्वरूप प्रतीत-जाना जा सके वह, ज्ञान That by which the real nature of a thing can be known, knowledge. अणुजो० १४६;

आणया स्त्री० (ज्ञान) જ્ઞાન ज्ञान Knowledge भग० १, ६;

आणवत्त. न० (यानपात्र) વહાણ. नौका; नाव A boat पंचा० ६, १८'

आणवय. त्रि० (जानपद) દેશમાં વસતા અથવા આવેલા લોકો. देश में सदा से बसते हुए या आये हुए लोग. People habitually residing in a country or emigrants. "बहवे जाणवया लुसिसु" विवा०३, भग०१,१,११,११,सू०प०१; ओव०

आणिअ. त्रि० (ज्ञात) જાણેલ. जाना हुआ Known नंदी० ४५,

आणियव्व त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય. जानने योग्य. Worth being known. भग० १, ५, ५, १; १२, ४; १६, १; १६, ७, २०, ७; ११; २४, १२; २०, २६, १; कप्प० ६, ४५;

आणु न० (जानु) ગોઠણ; ઘુંટણ; ઢીંચણ. घुटने. The knee. आया० १; २; ओव० १०, २१; भग० ८, ७; जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ३ आया० १, २, २, १६; पिं०

-सिं० ४२८; राय० २२; १६४; उवा० १, ६४; विवा० ६; प्रव० ७१; पंचा० ३, १८; कप्प० २, १४; —उस्सेहप्पमाणमित्त त्रि० (-उत्सेधप्रमाणमात्र) ढींचणु सुधी; ढिंचणुनी ऊंचाई प्रमाणे. घुटनो तक, जानु प्रमाण. reaching as far as the knees; equal to the knees in height. सम० ३४; —कोप्पर. न० (-कूर्पर) ढींचणु अने कुणी जानु-घुटने और कुहनी भुजाओं के बीच की ग्रंथी-गांठ. the knee and the elbow नाया० २; —कोप्परमाया स्त्री० (कूर्पर-मातृ) वंध्या स्त्री; वांझणी बन्ध्या, वांझ स्त्री a barren or sterile woman नाया० २; —पमाण त्रि० (-प्रमाण) घुटणु सुधीना प्रमाणु वाळु. घुटने तक का, जानु तक प्रमाण वाला. reaching the knees. प्रव० ५४१, —पायपडिय. त्रि० (-पादपतित) ढींचणुंपे पडेल घुटनों पर पड़ा हुआ; पगोंपर गिरा हुआ knelt down विवा०७; —मित्त त्रि० (-मात्र) ढींचन प्रमाणु. घुटनों तक प्रमाण. reaching the knees, knee-deep प्रव० २५५, —हिट्ठ अ० (-अध) ढींचणुनी नीचे. घुटनों के नीचे below the knees प्रव० १६०;

जाणु स्त्री० (ज्ञायक) समजी जाणीने करेली पापनी निवृत्ति समझ बुझकर की हुई पाप की निवृत्ति Deliberate abstinence from sin ठा० ३, ४,

जाणुश्र. पुं० (जानुक) जुओ 'जाणु' शब्द देखो 'जाणु' शब्द. Vide. 'जाणु' उवा० २, ६५;

जाणुय. त्रि० (ज्ञायक) शास्त्रनो जाणनार शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures.'जाणुयाय जाणुयपुत्ताय' नाया० १३; —पुत्त. पुं० (-पुत्र) शास्त्रना जाणनारनो पुत्र. शास्त्रज्ञ का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures. नाया० १३;

जाएहई स्त्री० (जाह्नवी) गंगानदी गंगा नदी The Ganges. ठा० ६;

जात त्रि० (जात) जन्मेल; उत्पन्न थयेल. जन्मा हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. नाया० १;६, भग० १५, १; (२) न० प्रकार प्रकार, भेद variety, species. पराह० २, ३; —कम्म. न० (-कर्मन) जन्म संस्कार जन्म संस्कार ceremony in connection with birth नाया० १. —सड्ढ त्रि० (श्रद्ध) जेने श्रद्धा-ईच्छा उत्पन्न थई छे एवा. जिसे श्रद्धाभिलाषा उत्पन्न हुई हो वह. one in whom faith has been inspired निर० १, १;

जातग त्रि० (जातक) जन्मेल. उत्पन्न, जन्मा हुआ. Produced, born नाया० १,

जातणा स्त्री० (यातना) पीडा पीडा; वेदना, दर्द Pain, agony. पराह० १, १;

जातरूव त्रि० (जातरूप) सुंदर, चळकतु सुन्दर, चमकताहुआ Shining; glittering (२) न० सोनुं. सुवर्ण. gold. ओव० १७, (३) पुं० जातरूप-सोनानो कांड; खरकांडनो १३ मो विभाग. जातरूप-सुवर्ण का कांड, खरकांड का १३ वां हिस्सा a lump of gold, the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जाति स्त्री० (जाति) जुओ "जाइ" शब्द. देखो "जाइ" शब्द Vide. "जाइ" ओव० १६; पन्न० २; १७; ३६; जीवा० ३, ४; जं० प० (३.) एक अनतनो डाक. एक

आइण्णए. हे० कृ० नाया० ७; १४;

आयंत. व० कृ० निसी० १,२०; पएह० १,३;

आय. पुं० (याग) यज्ञ; पूजा यज्ञ; पूजा A sacrifice; worship. नाया० १; २; भग० ११, ११; कप्प० ४, १०१;

आय-अ त्रि० (जात) उत्पन्न थयेल, उप जेल; जन्मेल जन्म पाया हुआ, जन्म प्राप्त Born, produced. नाया० १, २, ३; ४, ६, ७, ८, १२, १३, १४, १६, १८; भग० २, १; ३, २, ६, ३३, १२, ६, १५, १, २४, १, २, पिं० नि० १६६, १८०, दस०२, ६; ४, दसा०५,२७, ६, १, ८, १, वव० ६, ४१; सु० च० १, १८, ओव० ३८, उत्त० ७, २, विवा० ५, भत्त० ८१, कप्प० १, १, (२) पुत्र, दीकरो. पुत्र, लड़का a son. नाया० १; ५, ६, भग० ६, ३३, ११, ११; सूय० १, ४, २, १३, सु० च० ४, ३१२, पंचा० ८, ३, (३) त्रि० प्राप्त थयेल, मेल वेल प्राप्त किया हुआ obtained; got "सुद्धे सिया जाए न दूसएज्जा" सूय० १, १०; २३. (४) प्रकार, भेद प्रकार, भेद a variety, a division ठा० ४, १, १०, (५) त्रि० शुद्ध, जातिलो विकार रहित, शुद्ध pure, of a high caste "जायहिंगुलेति" राय० ५३, (६) अंकुर अंकुर, sprout दस० ८, (७) शास्त्रविधि जाणनार, गीतार्थ. शास्त्रविधि को जानने वाला one knowing the precepts of scriptures, a learned. प्रव०७८७, —अंधरूवग पुं० (-अंधरूपक-जात उत्पन्न अन्धकं नयनयो राहित एव अनिष्पत्ते कुत्सितं अङ्गरूपं यस्यासौ) आंधळो अने कुत्सित अंगवाळो, बेडोल शरीर वाळो अंध व कुत्सित अंग वाला, कुरूप शरीर वाला. one who is blind and deformed in body. विवा० १;

—कप्प. पुं० (-कल्प) गीतार्थनो कल्प. गीतार्थका कल्प a resolution of Gitārtha प्रव०२४, —कम्म. न० (-कर्म) जन्म संस्कार, नाडि छेदन विगेरे. जन्म संस्कार, नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies like cutting of the umbilical cord (navel cord) etc. after the birth of a child. "निव्वत्ते असुई जाय कम्म करणे" ठा० ९; ओव० ४०, नाया० ८, —कोऊहल. त्रि० (-कुतूहल-जातं कुतूहलं यस्य स जात-कुतूहलः) जेने कुतूहल उत्पन्न थयेल होय ते वह जिसको कुतूहल उत्पन्न हुआ हो (one) in whom curiosity is roused or excited नाया० १, —त्थाम त्रि० (-स्थामन्) बल उत्पन्न थयेल, बळवान् थयेल. बल-प्राप्त. grown strong. 'वसभो इव जायत्थामे" ठा०६, —निंदुया स्त्री० (-निन्दुता—जातान्यपत्यानि निर्दुतानि मृतानि यस्याःसा) जेना जन्मेल बाळक तरत ज मरण पामे छे अथवा मुवेला अवतरे छे ते माता. जिसके जन्म पाये हुए बालक तुरन्त मर जाते हैं अथवा मृतक पैदा होते है वह माता. a woman whose children die immediately after birth or are born dead "सुभद्दा नामं भारिया जायनिंदुया यावि होत्था" विवा० २; ७, —पइट्ठ न० (-प्रतिष्ठ) अंकुर उपर रहेलुं अंकुर पर रहा हुआ. anything resting upon or supported by a sprout दस० ४, —पक्ख. त्रि० (-पक्ष) जेने पांख उत्पन्न थयेल छे ते. जिसका पक्ष आ गये हैं वह (a bird) having wings "जायपक्खा जहा हंसा" उत्त० १७, १४; —मूक. पुं०

(–मूअ) જન્મથીજ મૂંગો. जन्म ही से मूक. dumb from birth. विवा॰ १; –विम्हय. त्रि॰ (*–विस्मय) વિસ્મય પામેલ. विस्मित; चकित. astonished, surprised. नाया॰ १२; –संवेग. त्रि॰ (–संवेग) જેને સંવેગ-મુમુક્ષુતા ઉત્પન્ન થઈ છે તે. जिसमें संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न हुई हो वह one seeking emancipation. भत्त॰ १३; –संसय त्रि॰ (–संशय—जात संशयो यस्य सजात संशयः) સંશય ઉત્પન્ન થયેલ संशय भ्रमित thrown into doubt, (one) in whom doubt or suspicion is engendered भग॰ १, १, १०, ५, नाया॰१,–सड्ढ त्रि॰ (–श्राद्ध-श्रद्धया यत् क्रियते तत् श्राद्धं जात उत्पन्न श्राद्धं इच्छा-विशेषो यस्यासौ जातश्राद्ध) શ્રદ્ધા ઉત્પન્ન થયેલ श्रद्धावान्. (one) in whom faith is born, having faith नाया॰ १, ६, भग॰ १, १, १०, ५, १४, ८,

आयग त्रि॰ (याजक) યાજક; યજ્ઞ કરનાર याजक; यज्ञ करनेवाला. (One) performing a sacrifice; a sacrificer "सो तत्थ एव पडिसिद्धो, आयगेण महा मुणी" उत्त॰ २५, ५;

आयण. न॰ (याचन) માગવું તે, યાચવું તે. मांगना, याचना Begging, soliciting उत्त॰ १२, १०, पंचा॰ १८, १; –जीवण. त्रि॰ (–जीवन-याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवन) જેના જીવનનો આધાર માગવા ઉપર છે તે, ભિક્ષુક भिक्षुक; जिसकी आजीविका भिक्षा पर निर्भर है वह (one) who lives by begging; a beggar. "आयाणहि मे आयण जी णि जोवित्ति" उत्त॰ ३१, १७;

आयण. न॰ (यातन) પીડા કરવી તે, દુઃખી करना; सताना Giving pain or trouble पण्ह॰ १, २;

आयणा. स्त्री॰ (याचना) યાચના; માંગણી; ભિક્ષા માગવી તે. भीख मांगना; याचना करना. Begging; solicitation. सूय॰ १, ३, १, ६; भग॰ ८, ८; प्रव॰ ६९२; –परिसह. पुं॰ (–परिषह–याचनं-याञ्चा प्रार्थना सैव परिषहो याञ्चापरिषहः) ભિક્ષાનો પરિષહ; પરિષહનો એક પ્રકાર. भिक्षा का परिषह, परिषह का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम॰ २२, –वत्थ. न॰ (–वस्त्र) ભાયવાનું વસ્ત્ર ઝોળી. भिक्षा का वस्त्र, झोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in निसी॰१५,१४;

आयणा स्त्री॰ (यातना) પીડા, દુઃખ; पीडा; कष्ट Pain; trouble, affliction. "आयाणाकरणसयाणि" पण्ह॰ १, १; १, ३;

आयणी. स्त्री॰ (याचनी) આહારાદિકની માગણી કરવાની ભાષા. आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. ठा॰ ४, १; पन्न॰ ११; भग॰ १०, ३; दसा॰ १, १; प्रव॰ ८, १,

आयतेअ-य. पुं॰ (जाततेजस्) અગ્નિ अग्नि. Fire "जायतेयं समारम्भ बहुणो संभिया जया" सम॰ ३०; दस॰ ६, ३३, भग॰ ३, ३; ६, १; सूय॰ २, ६, २८, दसा॰ ६, ४; जं॰ प॰ २, ३५,

आयमित्त न॰ (जातमात्र) જન્મ થતાંજ जन्म होते ही, जन्म ही से. Immediately upon being born; from the very birth. विवा॰ २;

आयमेत्त. त्रि॰ (जातमात्र) ઉત્પન્ન થતાં વેંત.

जन्म होते ही. From the very birth; immediately after birth विशे० २६८; विवा० ४;

आयरूव. न० (जातरूप) એક જાતનું સોનું सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. "जायरूवमईओ ओहारणीओ" जीवा० ३, ४; उत्त० २५, २१; राय० २६; २८६, नाया० १; भग० २, ५; ठा० ६, ओव० कप्प० २, २६; जं० प० २, ३२. (२) त्रि० રૂપાળું; सुन्दर; स्वरूपवान् beautiful कप्प० ५, ११६, —कंड. पुं० (-काण्ड) રત્નપ્રભા પૃથ્વીના ૧૬ કાણ્ડમાંનો ૧૩ મો કાણ્ડ रत्नप्रभा पृथ्वी के १६ काण्ड में से १३ वां काण्ड. the 13th of the 16 Kinds of the Ratnaprabhā world ठा० १०,

आयव पुं० (यादव) યદુવંશજ, જાદવ यदुवंशज, यादव One born in the Yadu family, a Yadava नाया० १६; पण्ह० १, ४,

आयवेय पुं० (जातवेदस्) અગ્નિ अग्नि Fire "जायवेयं पाएहिं हणह जे भिक्खुं भत्तमाह" उत्त० १२, २६,

आया. स्त्री० (यात्रा) યાત્રા, શરીર નિર્વાહ यात्रा, शरीर निर्वाह Livelihood सूय० १, ७, २६, नि० नि० ६४५; (२) સંયમ યાત્રા, સંયમનિર્વાહ संयम यात्रा, संयम निर्वाह, पंचमहाव्रतादि संयम यात्रा. maintenance of self restraint; observance of the five great vows etc. आया० १, ३, ३, ११६, नाया० १; भग० २, १; ७, १, नंदी० ४८, (३) વિહાર, પ્રવૃત્તિ विहार, प्रवृत्ति peregrination, sport; activity पण्ह० २, १; —मत्ता स्त्री० (-मात्रा — यात्रा संयमयात्रातस्यां मात्रा यात्रामात्रा) સંયમ નિર્વાહની મર્યાદા. संयमनिर्वाह की मर्यादा a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices "आयगुत्ते आयमीरे जायामायाए" आया० १, ३, ३, ११६; —मायाविति. स्त्री० (-मात्रावृत्ति) સંયમ નિર્વાહની મર્યાદાવાળું જીવન. संयम निर्वाह की मर्यादामय जीवन. life of self control guided by fixed principles of asceticism "जाया-मायाविति होत्था" सूय० २, २, ३८, भग० २५, ३, नंदी०

जाया स्त्री० (जाया) સ્ત્રી, ભાર્યા, स्त्री; भार्या A wife. "वाहिं जाया" जीवा० ३, भग० ८ ५, ठा० ३, ३,

जाया. स्त्री० (जाता) ચમરચમરેન્દ્ર વગેરેની બહારની સભા કે જે સભાસદો વગર બોલાવ્યે આવે. चमरेन्द्र इत्यादि की बाहरकी सभा कि जिसके सदस्यगण, बिना निमंत्रणें आते हैं The outer council of Camara etc. the members of which attend without invitation ठा० ३, २, जीवा० ३, ४; ४, २; भग० ३, १०,

जायाइ पुं० (यायाजिन्–यायजतीत्येवंशीलो याजाजी) અવશ્ય યજ્ઞ કરનાર अवश्य यज्ञ करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail "जायाई जमजन्नम्मि" उत्त० २५, १,

जार पुं० (जार) મણિનું એક લક્ષણ मणि का एक लक्षण A characteristic mark of a gem राय० ४५; जं० प०

जारा स्त्री० (जारा) જલચર પ્રાણીની એક જાત जलचर प्राणी की एक जाति. A class of aquatic animals. जीवा० ३, ४; राय० ६३;

आरायविजयक्ति. पुं० (आरामविभक्ति) એક પ્રકારની નાટક વિધિ; જરા-એક જાતનું જલચર પ્રાણી તેની એક પ્રકારની રચના વાળું નાટક. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e. a kind of aquatic animal राय० ८३,

आरामार पुं० (आरामार) જલચર પ્રાણીની એક જાત. जलचर प्राणी की एक जाति A kind of aquatic animal जीवा० ३, ४,

आरामारापविभक्ति. स्त्री० (आरामारप्रविभक्ति) જરામાર-જલચર પ્રાણીની એક જાત-તેની રચના વાળું ૩૨ નાટકમાંનું એક નાટક जारामार-जलचर प्राणी की एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक One of the 32 kinds of dramas, which a scenic representation of Jārāmāra i. e. a kind of aquatic animal राय० ८३,

जारिस त्रि० (यादृश) જેવું; જેવાપ્રકારનું. जैसा; जिस प्रकार का As, of the nature of which "जारिसओ ज नामा अहयकओ जारिसं फलदंति" पराह० १, १, पिं० नि० ५०८; भग० ३, १, उत्त० २७, ८; सूय० १, ५, २, २३;

जारिसय त्रि० (यादृशक) જેવું; જેવા પ્રકારનું. जैसा; जिस प्रकार का. As; of the nature or quality of which. नाया० ८; १६; भग० ३, २; १५, १;

आरु पुं० (*आरु) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ; કંદની એક જાતિ. इस नाम की साधारण वनस्पति; कंद की एक जाति A kind of plant; a kind of bulbous root. पन्न० १;

आरुकरुह पुं० (आरुकृष्ण) વશિષ્ઠ ગોત્રની એક શાખા. वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. An offshoot of the Vaśiṣṭha family-origin (२) તે ગોત્રનો પુરૂષ. उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. ठा० ७, १,

जाल. पुं० (जाल) માછલા પકડવાની જાળ. मच्छी पकडने की जाल A net to catch fish पन्न० ११; नाया० १; ३; पिं० नि० ६२०; विवा० ८; उत्त० १४, ३५, (२) મૃગ આદિ પશુને પકડવાનો પાશ मृग आदि पशु को पकडने का फन्दा. a snare to catch deer etc ज० प० (३) મુક્તાફલનો ગુચ્છો मुक्ताफल का गुच्छा a cluster of pearls कप्प० ३, ३६, (४) न० એક જાતનું પગનું ઘરેણું एक प्रकार का पैरोंमें पहिनने का जेवर. a kind of ornament for the feet. ओव० (५) જાળી, ન્હાનાં ન્હાનાં કાણાંવાળી બારી. जाली; छोटे छोटे छेद वाली खिडकी. a barred window; a window made up of small apertures. पन्न० २, नाया १; जीवा० ३, ४, ओव० ३१, सम० प० २१३; (५) સમૂહ समूह. a group, a collection राय० ४४; १०६, जीवा० ३, २; ज० प० ओव० १०; उवा० ७, २०६, —अंतर. न० (-अन्तर) જાળી-બારી વચ્ચેનું અંતર. जाली खिडकी के मध्य का अन्तर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc window. नाया० १; ८; —अंतररयण. त्रि० (-अंतररत्न) જેની

...मध्य भागमां रत्न छे एवी जाली (-बारी) जाली (खिड़की) कि जिसके मध्य भाग में रत्न है. a barred etc window bearing a gem in the middle. सम० राय० —उज्जल त्रि० (-उज्ज्वल) मुक्ताफलना गुच्छाथी उज्ज्वल. मुक्ताफल के गुच्छ से उज्वल. shining on account of a cluster of pearls. कप्प० ३, ३६,—कडग पुं० (-कटक) जालनो समूह जाल का समूह a collection of nets etc जीवा० ३, ४, —कडग. पुं० (-कटक) जेमा रमणिक आकृति कोतरी होय एवो जालीवालो प्रदेश जिसमें रमणिक आकृतिका नकशीका काम हो ऐसा जालिदार प्रदेश a wall etc in which windows are beautifully carved or engraved जीवा० ३, ४, ज० प० राय० ११३, —गंठिया स्त्री० (-ग्रन्थिका—जाल मत्स्य बधनं, तस्येव ग्रन्थयो यस्य। सा जालग्रन्थिका) जालनी गाठ जालकी गाठ a knot of a net. " जाल गंठियाइवा -आणुपुव्वि गढियावा " भग० ५, ३, —घर न० (-गृह) जालीवालु घर जाली दार घर a house having barred windows नाया० ३, —घरग न० (-गृहक) जाली बारीवालु घर जालीदार घर, मकान a house with barred windows or windows नाया० २, ३, राय० १३५, ओव० - घरय न० (- गृहक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० ८, —विंद. न० (-वृन्द) गोखनो समूह, बारी-जालीनो समूह जाली का समूह. a group of windows or barred windows जीवा० ३; —हरअ. न० (-गृहक) जाली वालु घर. जालीदार घर, मकान. a house with windows or barred windows. ओव०

जाल पुं० (ज्वाल) ज्वाला; अग्नि शिखा. ज्वाला, झाल. Fire; a flame of fire. जीवा० १, —उज्जल. त्रि० (-उज्ज्वल) घणुज ज्ञळहळमान अत्यंत प्रकाशमान. very bright; flashing. ओव०

जालंधर पुं०(जालंधर) देवानंदा ब्राम्हणीनुं गोत्र देवानंदाजा ब्राम्हणी का गोत्र the family-origin of Devānandā Brāhmaṇī (wife of a Brāhmaṇa). 'देवाणंदाएमाहणीए जालंधरसगुत्ताए' आया० २, १५, १७६; —सगुत्त त्रि० (-सगोत्र) जालंधर गोत्रमा उत्पन्न थयेल जो जालंधर गोत्र में उत्पन्न हुआ हो one born in the family of Jālandhara. कप्प० १, ७,

जालग पुं० (जालक) जाली; बारी. जाली, खिड़की A window, a barred window. नाया० १, ओव० (२) पगनुं एक जातनुं आभरण पैरो के लिये एक प्रकार का आभूषण. a kind of ornament for the feet. " खिंखिणीजाल परिक्खित्ताणं " ओव० (३) बे इंद्रिय जीव विशेष दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a kind of two-sensed living being. उत्त० ३६, १२८;

जालद्ध न० (जालार्द्ध) अर्धचंद्राकारे निसरणी अर्धचंद्राकार सीढी. A semicircular ladder. नाया० १;

जालपंजर. पुं० (जालपञ्जर) गोख. गोख. A cage-like window; a window jutting out from the main

building. जीवा॰ ३, ४; राय॰ १०७;

आलाण. पुं॰ (आलान) जुओ 'आलाण' शब्द. देखो 'आलाण' शब्द. Vide 'आलाण' जीवा॰ ३, ३;

आलाल. स्त्री॰ (ज्वाला) જ્વાલા-ઝાલ; અગ્નિની શિખા. अग्नि की ज्वाला. A flame of fire "जालाउलं वण खिज्जा" नाया॰ १; १६; भग॰ ३, २; १४, ७; पन्न॰ १, सु॰ च॰ १, ३०; दस॰ ४; ठा॰ ५, ३, उत्त॰ ३६, १०६; पंचा॰ ३, २२, (२) ૯ મા ચક્રવર્તીની માતા ६ वें चक्रवर्ती की माता. the mother of the 9th Chakravarti सम॰ प॰ २३४, (३) ચન્દ્રપ્રભ સ્વામીની શાસનદેવી चन्द्रप्रभ स्वामी की शासन देवी the tutelary goddess of Chandraprabha Svāmī. प्रव॰ ३७७, —उज्जल त्रि॰ (-उज्ज्वल) જ્વાલાથી ઉજ્જ્વલ ज्वाला से उज्ज्वल brightened with flame कप्प॰ ३, ४६, —पवर पुं॰ (-प्रकर) જ્વાલાઓનો સમૂહ ज्वालाओं का समूह a collection of flames कप्प॰ ३, ४६. —माला स्त्री॰ (-माला) જ્વાલાની માલા, પંક્તિ ज्वाला की माला, पंक्ति. a row of flames भग॰ ३, २,

आलाउ पुं॰ (जालायुष्) એક પ્રકારનો બે ઇંદ્રિય જીવ एक प्रकार का दो इन्द्रिय वाला जीव A kind of two-sensed living being पन्न॰ १;

आलाउय पुं॰(जालायुष्क) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above. पन्न॰१,

आलि पुं॰ (जालि) અંતગડસૂત્રના ચોથા વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम Name of the first chapter of the 4th section of Antagada Sūtra. अंत॰ ४, १; (२) વાસુદેવ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર, કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ બાર અંગનો અભ્યાસ કરી સોલ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી સિદ્ધ થયા. वासुदेव राजा की धारणी रानी के पुत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वादश अंगों का अभ्यास कर सोलह वर्ष की प्रव्रज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के ऊपर एक मास का संथारा कर सिद्ध हुए name of the son of queen Dhāraṇī, wife of the king Vāsudeva. He took Dīksa from Nemanātha Prabhu (lord), studied the 12 Aṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya, became a Siddha अंत॰ ४, १. (३) અણુત્તરોવવાઇસૂત્રના પ્રથમ વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाई सूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 1st section of Anuttarovavāī Sūtra. अणुत्त॰ १, १, (४) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સમીપે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ તપી સોલ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી કાલધર્મ પામી વિજય નામના અનુત્તર વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા શ્રેણિક राजा की धारणी रानी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप दीक्षा ले गुणरयण तप कर के सोलह वर्ष की प्रव्रज्या पालनकर विपुल पर्वत के ऊपर एक मासका संथारा कर काल धर्मको प्राप्त कर

अणुत्तर विमानमें उत्पन्न हुए. name of the son of queen Dhāraṇī, wife of king Śreṇika. He took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, practised Guṇarayaṇa austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya. अणुत्त० १, १.

आलिया स्त्री० (जालिका) જાળી લોઢાની ભારી જાળી, लोहे की खिडकी A latticed window. पराह० १, ३.

आव अ० (यावत्) જ્યાં સુધી, જ્યાં લગી, જેટલું जहां तक, जबतक; जितना As long as, as far as, as much as जं० प० ५, ११३, ११४, ११२, २, ३३, नाया० १, ८, १०, १४; १६, भग० १, १ ५, २, १, २४, १२, ओव० अणुजो० ३, सूय० १, ३, १, १; आया० १, २, १, ७१, उत्त० ८, १३, वेय० १, ६६, पिं० नि० ५३, पन्न० १, निसी० २०, १०, नदी० १२, विवा० ५, दसा० ६, १, दस० ७, २१, ८ ३६; निर० १, १, उवा० १, ७४, ८, २५३, कप्प० १, १०, प्रव० १२;

आव. पुं० (जाप) જાપ, મન્ત્રાદિકનું ઉચ્ચારણ. जाप; मंत्रादिक का उच्चारण. Telling beads upon a rosary, repetition of Mantras i. e. sacred charms etc. पराह० २, २;

आवक पुं० (यापक) કાલ વ્યતીત કરાવનાર હેતુ काल व्यतीत कराने वाला हेतु The cause to pass time. ठा० ४, ३,

आवइय. त्रि० (यावत्) જેટલું. जितना. (Lasting) as long as; (going) as far as. "जइया णं जावइयाओ" पंचा० ४, ५; भग० ३, ६; ७; ६, ३; ४; ६, ११ ७; ८; ८, १०; १४, ७; १५, १; १६, ४; दस० ५, ४१; जं० प० ६, १६;

आवई. स्त्री० (यावती) ગુચ્છ વનસ્પતિનો એક પ્રકાર गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार. A kind of vegetation growing in clusters पन्न० १, (२) એક જાતનો કંદ एक जाति का कंद. a kind of bulbous root उत्त० ३६, ९७;

आवं अ० (यावत्) જ્યાં સુધી यावत्: जहां तक, जबतक. As long as; till, up to भग० ३, १;

आवंचणं. अ० (यावच्च) જેટલામાં समय कि जिस दरम्यान Time etc. during which. सूय० २, १, ६;

आवन. त्रि० (यावन्) જેટલા जितने, जितना As many, as much "जावंति विज्जा पुरिसा" उत्त० ६, १; पिं० नि० १४०; भग० ३, १, दस० ६, १० (२) ભગવતી સૂત્રના પ્રથમ શતકના છઠ્ઠા ઉદ્દેશાનું નામ भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छठ्ठे उद्देश का नाम name of the 6th Uddesa of the 1st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १.

आवंतिम. अ० (यावदंतिम) છેલ્લે સુધી अन्त पर्यंत Up to the last विशे० २८४.

आवंताव. अ० (यावत्तावत्) એક પ્રકારનું ગણિત; સંખ્યાનો એક પ્રકાર. एक प्रकार का गणित, संख्या का एक प्रकार A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation. ठा० १०;

आवण. पुं० (यापक) કાલક્ષેપ કરનાર હેતુ;

हेतुनो એક પ્રકાર. हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. ठा० ४, ३;

आवंचणं. अ० (आवच) જુઓ "आवंचणं" शब्द. देखो " आवंचण " शब्द Vide " आवंचणं " भग० २, १; ३, ३, ५, ६;

आवज्जीव. अ० (यावज्जीव) જીવે ત્યાં સુધી, જીંદગી પર્યંત. जीवन पर्यंत; जीता रहे उस समय तक. Till death, as long as life endures. ठा० ३, १; आया० १, ७, ८, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७, नाया० १; १३; १६, दसा० ६, ४, दस० ६, २६, गच्छा० १०५; —बंधण. न० (-बन्धन) જીવે ત્યાં સુધી, બંધન जीवन पर्यंत बंधन. life long bondage दसा० ६, ४,

आवज्जीविय अ० (यावज्जीवितम्) જ્યાં સુધી જીવ રહે ત્યાં સુધી जीवन पर्यंत As long as life lasts. भग० ७, ६,

आवण न० (यापन) નિર્વાહ કરવો निर्वाह करना Supporting (life), spending, passing, (e g time) पि० नि० ३१०,

आवतिअ. त्रि० (यावत्) જેટલું जितना, जिस हद तक As much as, as many as, to the extent to which पि० नि० २८२; पन्न० १५, ज० प०

आवत्ती स्त्री० (जातिपत्री) જાવંત્રી; એ નામનું એક જાતનું વૃક્ષ जायपत्री, इस नाम का एक प्रकार का वृक्ष. The outer skin of the nutmeg, name of a tree पन्न० १,

आवद्दव्व. न० (यावद्द्रव्य) વસ્તુ રહે ત્યાં સુધી રહે તે. वस्तु के अस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts विशे०२५;

आवय , पुं० (यापयतीति यापकः) રાગ દ્વેષને જતા કરનાર. राग द्वेष का त्याग करने वाला One who abandons, renounces passion and hatred. नाया० १; ज० प० ४, ११५; सम० १; ओव० १२, कप्प० २, १५,

आवय. पु० (जापक) રાગ દ્વેષ જીતાવનાર. रागद्वेष जितानेवाला One that causes to conquer passion and hatred ओव० १२; सम० १,

आवसिअ. पु० (* आवासिक) ખડના ભારા લાવનાર घास के गट्ठे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling) ओघ० नि० २३८,

आस. पु० (जाप) પિશાચનો એક પ્રકાર पिशाच का एक प्रकार. A kind of ghost or fiend पन्न० १,

आसुअ. न० (जासूद) જાસુના ફુલ जासु क पुष्प A Jasu flower कप्प०४,६०;

आसुण पु० (जपासुमनस्) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above. नाया० १,

आसुमण न० (जपासुमनस्) જાસુના ફુલ. जपा कुसुम, जासु के फूल. A flower of the China-rose "जासुमण कुसुमेइवा" पन्न० १, नाया० १, राय०६६, अत० ३, ८, भग० १४, ६, जं० प०

आसुयण पु० (जपासुमनस्) જાસુના ફુલ. जासु के फूल A flower of the China-rose. जीवा० ३, ३, ४;

जिअत्त न० (जीवत्व) જીવપણું. जीवितता; जीवत्व. Life; the state of life क० गं० ४, ६६,

आहत्थ. न० (याथार्थ्य) યથાર્થ પણું. यथार्थता. Real or correct nature; true character विशे० १२७६;

जाहे. अ० (यदा) જ્યારે. जब. When (relative adv.). "जाहेणं सके देविंदे देवराया " भग० १६, १, २; ३, ३३, १४, ६; १५, १; २४, १६; २४; नाया० १; ८, ६, १८; ओघ० नि० ४६०; विवा० ५; जं० प० ७, १५१; विशे० ३३२४;

जिअ. पुं० (जीव) જીવ; પ્રાણી जीव; प्राणी A soul; a life, a living being. विशे० १४००; १६८४, चउ० १६; सूय० १, १, २, १, क० ग० १, १; १६, ४३, ४, १, ५, ७६, २१, ५४, नाया० १५, —अंग न० (-अङ्ग) જીવનું અંગ-શરીર. जीव का अंग-शरीर. the physical body in which life exists. क० ग० १, ४६, —ट्ठाण न० (-स्थान) જીવના સ્થાન-ભેદ; સૂક્ષ્મ એકેન્દ્રિયાદિ જીવના ૧૪ ભેદ-પ્રકાર जीव के स्थान-भेद, सूक्ष्म एकेंद्रियादि जीव के १४ भेद-प्रकार the different varieties of lives, the 14 divisions of one-sensed minute lives etc क० ग० ४, ५, —लक्खण न० (-लक्षण) જીવનું અસાધારણ સ્વરૂપ जीव का असाधारण स्वरूप the distinguishing quality of a living being क० ग० ४, ३३. —लक्खणुवओग पुं० (-लक्षणोपयोग) ત્રણ અજ્ઞાન, પાંચ જ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ-બાર જીવના લક્ષણ રૂપ ઉપયોગ तीन अज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्षण रूप उपयोग. the 12 characteristics of life viz three Ajñānas, five Jñānas and four Darśanas क० गं० ४, ३३, —विवागा स्त्री० (-विपाका) જીવ આશ્રી વિપાક પામનારી કર્મ પ્રકૃતિ जीवके संबंधमें विपाक पाने वाली कर्म प्रकृति a variety of Karma showing maturity to soul. क० गं० ५, २०;

जिअसत्तु. पुं० (जितशत्रु) મહાવીર સ્વામીના વખતમાં મિથિલા નગરીનો રાજા. महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvira Swāmī. जं० प० ५, ११५,

जाहग. पुं० (जाहक) સેહાઇ, કાંટાવાળું એક પ્રાણી. सेही Porcupine. भग० १५, १; पराह० १, १; नंदी० ४४; विशे० १४७२,

जिइंदिअ-य. त्रि० (जितेंद्रिय जितानि स्वविषय प्रवृत्तिनिषेधेन इंद्रियाणि येन स जितेन्द्रियः) ઇંદ્રિયોને વશ કરનાર, જિતેન્દ્રિય इंद्रियों को वश करने वाला One who has subdued or conquered his senses. दस० ३, १३, ८, ३२, ६४, ६, ३, ८, नाया० १, १४, भग० २, १, पचा० ११, ४०, गच्छा० ४२.

जिंघणा स्त्री० (घ्राण) સૂંઘવું તે सूंघना. Act of smelling. ओघ० नि० ३७६,

जिट्ठ त्रि० (ज्येष्ठ) મોટો श्रेष्ठ; वडिल. Elder गच्छा० ६०, कप्प० ५, १०६, ८, प्रव० १६८, (२) ઉત્કૃષ્ટ; શ્રેષ્ઠ उत्कृष्ट; श्रेष्ठ best विशे० ३३२३; क० गं० ६, ५७, ६, ८६; —ट्ठिइ स्त्री० (-स्थिति) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ उत्कृष्ट स्थिति best condition क० प० २, १०४; —पुत्त पुं० (-पुत्र) મોટો દીકરો. ज्येष्ठ पुत्र. the eldest son निर० ३, १; —वयण. न०(-वचन) મોટાનું વચન वडिलका वचन. words of an elderly person. गच्छा० ६०,

जिट्ठा स्त्री० (ज्येष्ठा) મોટી બ્હેન. ज्येष्ठ भगिनी, बड़ी बहिन. Eldest or elder sister. (२) જેઠાણી. जेठानी. wife of the husband's elder

brother. जं० प० ७, १५६;

जिट्ठामूल. पुं० (ज्येष्ठामूल) જેની પુનમે જ્યેષ્ઠા મૂલનક્ષત્રની સાથે ચંદ્રમા જોગ જોડે તે મહિનો; જેઠ માસ. जिसकी पूर्णिमा के दिन ज्येष्ठामूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग साधन करता है वह मास, ज्येष्ठ मास Name of a lunar month in which the full moon stands in the constellation Jyesthā (corresponding to May-June) उत्त० २६, १६,

जिबुह. न० (') એક જાતની રમત. एक प्रकार का खेल A kind of game प्रव० ४४१,

√**जिण** धा० I (जि) જીતવું जीतना, पराजित करना To win, to conquer

जिण क० वा० वि० उत्त० ५, २२,

जिणे वि० उत्त० ६, ३४, दस० ८, ३६,

जय आ० ओव० ३२,

जिणमाण क० वा० व० कृ० उत्त० ७, २२,

जिण पु० (जिन-जयति निराकरोति रागद्वेषादिरूपानरातीनितिजिनः) રાગદ્વેષને સર્વથા જીતનાર, તીર્થંકર, કેવલી આદિ, જિનભગવાન્ रागद्वेष का सर्वथा जीतनेवाला, तीर्थंकर, केवली आदि, जिनभगवान One who has completely subdued passion and hate, a Tirthankara, a Kevali etc "अणुत्तर धम्ममिणं जिणाणं" सूय० १, ६, ७, "जिणाणं जावयाणं" जीवा० ३, कप्प० नाया० १, ३, १५, भग० १, १, ३, २, १, ७, ९; १९, १ २५, ६, ७, दस० ४, २२, ५, १, ६३; पन्न० १, सू० प० १८, दसा० ६, १८, नंदी० ३, पिं० नि० १८४; अणुजो० १६; १२७; सम० १; ३०; ओव० उत्त० २, ४५; १०, ३१; आया० १, ५, ५, १६२; उवा० १, ७३; ७, १७८, कप्प० २, १६; क० गं० १, १, १, ५६, ६०, ६१; ४, ५६; आव० २, ५, प्रव० ३, जं० प० ५, ११२; ११५;

—**अंतर.** न० (-अन्तर) તીર્થંકરના અંતરનો કાલ; બે તીર્થંકર વચ્ચેનું કાલ પરત્વે અંતર तीर्थंकर के अंतर का काल, दो तीर्थंकरों के काल का मध्यस्थ अन्तर the interval of time between two Tirthankaras अम० २०, ८; प्रव० ४३४,

—**अणुमय** त्रि० (-अनुमत) જિન ભગવાનને અનુમત સમત जिन भगवान स अनुमत समत, acceptable to, permitted by a Tirthankara etc जीवा० १,

—**अभिहिय** त्रि० (-अभिहित) તીર્થંકરે કહેલું तीर्थंकरने कहा हुआ said by Tirthankara प्रव० ६७४;

—**आहिय** त्रि० (-आहित) જિને પ્રતિપાદન કરેલ जिन भगवानने प्रतिपादन किया हुआ. established by, propounded by a Tirthankara "चरे भिक्खू जिणाहिय" सूय० १, ६, ६;

—**इक्कार** न० (-एकादशक) જિનનામકર્મ, દેવત્રિક, વૈક્રિયદ્વિક, આહારકદ્વિક અને નરકત્રિક એ ૧૧ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. जिननामकर्म, देवत्रिक, वैक्रियद्विक, आहारकद्विक व नरक त्रिक इन ११ प्रकृतियों का समूह. a group of the eleven Prakritis viz Jinanāmakarma, Devatrika, Vaikriyakadvika, Āhārakadvika and Narakatrika

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th

कं० ग्रं० ३, १४; —इक्कारस. न० (-एकादशक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. क० गं० ३, १०; —ईसर. पुं० (-ईश्वर) तीर्थंकर. तीर्थंकर. Tirthankara प्रव० ४०६, —उत्तम. पुं० (-उत्तम) तीर्थंकर. तीर्थंकर Tirthankara. 'मग्गं विराहित्तु जिणुत्तमाणं' उत्त० २०, ४०; —उद्दिट्ठ. त्रि० (-उद्दिष्ट) आप्त पुरुषे दर्शावेल. आप्त पुरुषने दर्शाया हुआ shown by relatives गच्छा० २६, —उवएस पुं० (-उपदेश) तीर्थंकरनो उपदेश. तीर्थंकर का उपदेश. teachings of Tirthankara. "ठवि तत्ताओ जिणोवएसम्मि" सम० ३, भत्त० ८२, —कप्प. पुं० (-कल्प—जिनाः गच्छनिर्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्प. समाचार) उत्कृष्ट आचार पालनार साधुनो-जिनकल्पीनो कल्प-व्यवहारविधि. उत्कृष्ट आचार का पालन करनेवाले साधु का-जिनकल्पीका कल्पव्यवहार विधि the ascetic conduct or mode of life of a Jaina monk पंचा० १७, ४०, मग० २५, ६, प्रव० ५०२, ६२२; —कप्पट्ठिइ स्त्री० (-कल्पस्थिति) गच्छथी बहार नीकळी जिनकल्पीपणुं स्वीकारनार साधुना आचारनु स्वरूप गच्छ से बाहर निकलकर जिनकल्पीपना स्वीकार करने वाले साधु के आचार का स्वरूप. the mode of ascetic life of a Jaina monk who leaves his order but follows the conduct prescribed for Jaina monks वेय० ६, २०, —कप्पि. पुं० (-कल्पिन्) जिन कल्पी साधु जिन कल्पी साधु a Jaina ascetic. वव० ३३; प्रव० ५८५, —कप्पिय पुं० (-कल्पिक—जिनानां कल्प आचारो जिनकल्पः स विद्यते येषां ते) जिन कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. जिन कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. a Jaina monk, a Sādhu following the conduct prescribed for monks in Jaina Śāstras. वव० ५, २१; प्रव० १५; ४३६, ५४७, ६३०; —कालग. त्रि० (-कालक) जिन-तीर्थंकरना काळमां-तेनी हयातिमां जेनी हयाती होय ते. जिन-तीर्थंकरके कालमें-उनके अस्तित्वमें जो जीवित हो वह. contemporary to a Jaina Tirthankara "जिण कालगो मणुस्सो" क० प० ५, ३२, —गुण. पुं० (-गुण) तीर्थंकरना गुण तीर्थंकर के गुण. the attributes of a Tirthankara भत्त० १६८, —घर न० (-गृह) जिनगृह, देवमंदिर जिनगृह, देवमंदिर a Jaina temple. नाया० १६, पंचा० ७, १, —चंद पुं० (-चन्द्र) चंद्र जेवा सीतल जिन भगवान्. चंद्र जैसे शीतल जिन भगवान a Tirthankara, cool and cooling like the moon. पण्ह०२,१ क०गं० ३, १, —चिरण्ण त्रि० (-चीर्ण) जिने आचरेलु जिन द्वारा आचरित आचरण किया हुआ practised by a Tirthankara "आयरणं आइंइ जिणाचिरणो" पंचा० ४, २८, —जइ. पु० (-यति) जैन मुनि. जैन मुनि a Jaina ascetic प्रव० ६६२, —जक्ख. पु० (-यक्ष) तीर्थंकरनी भक्ति करवामां कुशल एवा गौमुख आदि यक्ष तीर्थंकर की भक्ति करने मे कुशल ऐसे गोमुख आदि यक्ष. a Yaksa (e g. Gaumukha etc) devoted to the worship of a Tirthankara.प्रव०७; —जणणी. स्त्री० (जननी) तीर्थंकरनी माता. तीर्थंकर की माता. the mother of Tirthan-

kara. प्रव॰४; —दिक्खा. स्त्री॰ (-दीक्षा) जैनधर्मनी रीत प्रमाणे दीक्षा-प्रवज्या लेवी ते. जैन धर्म की रीति के अनुसार दीक्षा-प्रव्रज्या लेना. entering into an order according to the prescribed rules. पचा॰२, १; —देसिय. त्रि॰ (-देशित) जिन भगवाने कहेल जिन भगवानने कहा हुआ. said by, propounded by a Tirthankara. "धम्मोय जिणदेसिओ" तंदु॰ जीवा॰ १, —धम्म. पुं॰ (-धर्म) जैन धर्म. जैन धर्म. Jainism. ठा॰ ४, २, क॰ ग॰ १, १६, —नाह पुं॰ (-नाथ) जिन-सामान्य केवलीना नाथ-स्वामी; तीर्थंकर. जिन-सामान्य केवलीके नाथ-स्वामी, तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type, a Tirthankara प्रव॰ १४, —पडिमा स्त्री॰ (-प्रतिमा) वृषभ, वर्द्धमान, चंद्रानन अने वारिसेण ए नामथी ओळखाती शाश्वती प्रतिमा ऋषभ, वर्धमान, चंद्रानन व वारिसेन इन नामों से संबोधित शाश्वती प्रतिमाएं the eternal idols called by the names Vrisabha, Vardhamān Chandrānana like the statute of Jina राय॰ १२८, नाया॰ १६, विशे॰ ५७. —पण्ण. न॰ (-पन्नक) जुओ "जिणपन्नग" शब्द. देखो "जिणपन्नग" शब्द. vide "जिणपण्णग" क॰ ग॰ ३, १२, —पण्णग. न॰ (-पञ्चक) जिन नामकर्म, देवद्विक अने वैक्रियद्विक ए पांच प्रकृतिओनो समूह. जिन नामकर्म, देवद्विक व वैक्रियद्विक इन पांच प्रकृतियों का समूह a group of the five varieties— Jinanāmakarma, Devadvika and Vaikriyadvika. क॰ गं॰ ३, १४;

—पण्णत्त. त्रि॰ (-प्रज्ञप्त) वीतरागे प्ररूपेल-कहेल. वीतरागने कहा हुआ. propounded by a Tirthankara etc सम॰१७०, नाया॰ १२; —परियाय. पुं॰ (-पर्याय) केवलीनो पर्याय, केवली प्रवज्या. केवली का पर्याय, केवली प्रव्रज्या. a Kevali ascetic भग॰ २०, ८; —पसत्थ त्रि॰ (-प्रशस्त) तीर्थंकरे वखाणेल तीर्थंकर द्वारा प्रशंसित. praised by a Tirthankara. "बहुस ठाणेसु जिणपसत्थेसु" पराह॰ २, ५; जीवा॰ १; —पायमूल न॰ (-पादमूल) तीर्थंकरना चरण कमलनी आगळ तीर्थंकर के चरण कमल के समीप. near the lotus-feet of a Tirthankara. प्रव॰१२६६; —पुत्त पुं॰ (-पुत्र) जिनना तीर्थंकरना शिष्य. जिनका -तीर्थंकर का शिष्य a disciple of a Tirthankara सम॰ १, —पूयट्ठि पुं॰ (-पूजार्थिन) —जिनदेव पूजामर्थयते य स जिन पूजार्थी) गोशालादिनी पेठे जिनतरीके पूजानी इच्छा राखनार. गोशालादिकके समान जिन भगवानसी पूजा की इच्छा रखने वाला one who desires to be worshipped like a Jina; e g Gośālā etc भग॰३०,दसा॰६,१०; —पणीय त्रि॰ (-प्रणीत) जिन भगवाने कहेलु. जिन भगवान ने कहाहुआ propounded by, uttered by a Tirthankara. "जिणमव जिणप्पणीयं" जीवा॰ १, —प्पवेइय त्रि॰ (-प्रवेदित) जिन भगवाने प्ररूपेल जिन भगवान ने कहा हुआ propounded by, taught by a Tirthankara etc. जीवा॰ १; —प्पलावि पुं॰ (-प्रलापिन) पोताने जिन तरीके कहेनार; गोशालादि स्वत. को जिन जैसा कहने वाला; गोशालादि.

one who poses himself as a Jina or Tīrthankara; e. g. Gośālā etc. "एवं खो आजीवो जिणप्पलावी विहरइ" भग० १५, १, —भत्ति स्त्री० (-भक्ति) जिन -तीर्थंकरनी भक्ति जिन तीर्थंकरकी भक्ति. devotion paid to a Tīrthankara. ज० प०५, ११५, भत्त० ७१, —भत्तिराग पु० (-भक्तिराग) जिन तीर्थंकरनो भक्ति पूर्वक अनुराग जिन तीर्थंकर का भक्ति पूर्वक अनुराग. pious or devotional love for a Tīrthankara. "जिण भत्ति रागेणं" राय० —भासिअ त्रि० (-भाषित) जिने-तीर्थंकरे भाखेलुं. जिन-तीर्थंकर द्वारा कहा हुआ described by a Jina Tīrthankara "मुंह जिण भासिय" गच्छा० ३३, —मय न० (-मत) श्रीतीर्थंकरनो मार्ग, जैन दर्शन श्री तीर्थंकरका मार्ग, जैन-दर्शन the path, creed shown by Śrī Tīrthankara विशे० ७२, गच्छा० २७, प्रव० १०२, पंचा० ३, ३२, —मयट्ठिय त्रि० (-मतस्थित) जैन दर्शनमां स्थिर थयेल सर्वज्ञके आगम मे स्थिर steadied in, having deep faith in the scriptures of the Tīrthankaras or omniscients "विसेसओ जिणमय ट्ठियाणं" जीवा० ८, —मयनिऊण त्रि० (-मतनिपुण) जैन मतमां प्रवीण थयेल जैन आगम म प्रवीण बना हुआ. well-versed or proficient in the Jaina scriptures or religion. दस० ६, ३, १५; —मुद्दा स्त्री० (-मुद्रा) बे पग वच्चे चार आंगळनुं अंतर राखी सरखा ऊभा रहीने काउसग्ग करवो ते दो पैरों के मध्यमे चार अंगुल का अंतर रखकर काउसग्ग करना a standing bodily posture, at the time of meditaton, in which the two feet are kept at an angle of 45 degrees. "चत्तारि अंगुलाई पुरओ ऊणाइं जत्थ पच्छिमओ पायाणं उस्सग्गो एसा पुण होइ जिणमुद्दा" प्रव० ७१; ७६; —वंस. पुं० (-वंश) जिननो परिवार जिन का परिवार. a family of a Jina. "वसाणं जिणवंसो" संथा० —वयण न० (-वदन) जिन तीर्थंकरनुं मुख. जिन- तीर्थंकर का मुख. the face of a Tīrthankara. ओव० —वयण न० (-वचन) तीर्थंकरनां वचन तीर्थंकर के वचन words of a Tīrthankara. पचा० १, २, नाया० १२, भत्त० ३, ५१, —वयणरत्त त्रि० (-वचनरक्त) जिनवचनमां अनुरक्त-रागी. जिनवचन मे अनुरक्त-रागी (one) who is a lover of the words of a Jina or Tīrthankara दस० ६, ४, ३, ३, —वयणसुइ स्त्री० (-वचनश्रुति) जिनवचननुं श्रवण जिनवचन का श्रवण hearing or listening to the words of a Jina i. e scriptures 'जिणवयण सुइ जए दुलहं' ठा० ६, —वर पु० (-वर) तीर्थंकरदेव तीर्थंकर देव. a Tīrthankara नाया० २; भग० ६, ३३, आव० २, ५, प्रव० ७७६, पचा० १०, २, —वसह. पु० (-वृषभ) जिन सामान्य केवलीओमां वृषभ-श्रेष्ठ जिन-सामान्य केवलियोंमें वृषभ-श्रेष्ठ. the best of Kevalis i. e omniscients. 'अरयजलं जिणवसहं' सम० प० २४०, —वाणी. स्त्री० (-वाणी) तीर्थंकरनी वाणी तीर्थंकर की वाणी speech of a Tīrthankara. जं० प० १;

—वीर. पुं० (-वीर) મહાવીર ભગવાન્. महावीर भगवान. the lord Mahāvira भग० १७१; —संकास. पुं० (-सङ्काश) સર્વજ્ઞ જેવા; જિનતુલ્ય. सर्वज्ञजैसा. जिनतुल्य. one who is like or similar to an omniscient i. e. a Tirthankara etc. 'अजिणाणं जिणसंकासाणं' ठा० ६, ४, १, २; कप्प० ६, १६४; —संथव पुं० (-संस्तव) જિન સ્તુતિ जिनस्तुति. praise in honour of a Tirthankara दस० ५, १, ९३; —सकहा. स्त्री० (-सक्थि) જિન ભગવાનની દાઢ जिनभगवान की डाढ the molar of a Tirthankara. भग० १०, ५, जं० प० ४, ८८; —सद्द पुं० (-शब्द) જિન વચન जिन वचन words of a Jina भग० १५, १; —सासण न० (-शासन) જૈન દર્શન, જૈન ધર્મ जैन दर्शन, जैनधर्म Jainism 'खिप्पता जिणसासण' उत्त० १८, १६, दस० ८, २५, सूय० १, ३, ४, ६, भत्त० ?, ?, प्रव० ? —सासणपरंमुह त्रि० (-शासनपराङ्मुख) જૈન શાસનથી વિમુખ जैन शासन से विमुख opposed to or averse to the tenets of Jainism "जिण सासण परमुहा" सूय० १ ३ ४ ६, —सीस पुं० (-शिष्य) જિનના શિષ્ય. ગણધરાદિ. जिनके शिष्य; गणधरादि a disciple of a Jina, a Gaṇadhara etc "जिणसीसाण चेव" सम० —हर न० (-गृह) દેવ મંદિર देव मंदिर. a temple विशे० ३४०४;

जिणंत. त्रि० (जयत्) પરિષહને જીતનાર. परिषह को जीतने वाला (One) who bears afflictions (Parisahas) without feeling mentally troubled. दस० ४, २७;

जिणदत्त. पुं०(जिनदत्त) ચંપા નગરી નિવાસી એક સાર્થવાહનું નામ. चंपा नगरी निवासी एक सार्थवाह का नाम Name of a merchant, a resident of the city Champā नाया० १६; —पुत्त. पुं० (—पुत्र) ચંપાનગરીના જિનદત્ત સાર્થવાહનો પુત્ર चंपा नगरी के जिनदत्त सार्थवाह का पुत्र. the son of the merchant Jinadatta of the city of Champā नाया० १, ३,

जिणपालय. पुं० (जिनपालक) એ નામનો એક સાર્થવાહ પુત્ર इस नामका एक सार्थवाह पुत्र Name of a merchant's son. नाया० ९

जिणरक्खिय पुं० (जिनरक्षित) જિનરક્ષિત નામે સાર્થવાહ. ચંપા નગરીના માકંદી શેઠનો પુત્ર કે જેને સમુદ્રની બારમી વાર મુસાફરી કરતાં તોફાન નડ્યો હતો. વ્હાણ ભાગ્યા અને રયણા દેવીના ફાંસમાં ફસાયા जिनरक्षित सार्थवाह, चंपा नगरी के माकंदी शेठ का पुत्र कि जिसको बारहवी बार मुसाफरी करते समय तूफान ने हैरान किया था और रयणा देवी के फन्दे में फंसा Name of a Jaina layman who was a trading merchant His father was Mākandī by name He (Jinaraksita) in his twelfth sea-voyage was troubled by a storm His vessels were wrecked and was caught in the trap of the goddess Rayaṇā. नाया० ६;

जिणपालिय. पुं० (जिनपालित) ચંપા નગરીનો રહેવાસી માકન્દી-સાર્થવાહનો

मुद्र जेनी कथा ज्ञाता सूत्रना नवमा अध्ययनमां छे. चंपा नगरी निवासी माकन्दी सार्थवाह का पुत्र उस की कथा ज्ञातासूत्र के नवमें अध्ययन में है. Name of the son of the merchant Mākandī residing in the city of Champā His story is naratted in the 9th chapter of Jñātā Sūtra. नाया० ६,

जिणिंद. पुं० (जिनेन्द्र) जिनेन्द्र भगवान्, तीर्थंकर. जिनेन्द्र भगवान्, तीर्थंकर Lord Jina, a Tirthaṅkara. उत्त० १४, २; राय० ६७; विशे० ११०३, नाया० ८, भत्त० ६, प्रव० ४; ४०६, पचा० ७, २५, —**नाम** न० (-नामन्) जिनेन्द्र-तीर्थंकरनुं नाम. जिनेन्द्र तीर्थंकर का नाम the name of a Tirthankara. विशे० ८७, —**पएणत्त** त्रि० (-प्रज्ञप्त) तीर्थंकरे कहेल तीर्थंकर ने कहा हुआ propounded by, laid down by a Tīrthankara. ज० प० ५, ११७ नाया० ६, —**वयण** न० (-वचन) जिनेंद्र तीर्थंकरना वचन. जिनेन्द्र-तीर्थंकर के वचन. the words of a Tirthankara "जिणिंदवयणं अलेसलत्तहिय" पचा० १६, ३६,

जिएण त्रि० (जीर्ण) जुनुं, जुनुं थयेल जीर्ण, पुराना Old, worn out, rotten नाया० १; २, भग० ८, ६, —**उज्जाण.** न० (-उद्यान) राजगृह नगरनी पश्चिममां आवेलुं एक उद्यान राजगृह नगर की पश्चिम में आया हुआ एक उद्यान. name of a garden in the west of Rājgṛiha. नाया० १; २. —**कुमारी** स्त्री० (-कुमारि) वृद्ध स्त्री; घडपण सुधी कुमारी रहेल स्त्री. वृद्धा स्त्री, वृद्धावस्था पर्यन्त कुमारी रही हुई स्त्री an old woman, a woman who has remained a virgin till old age. आया० १; —**गुल.** त्रि० (-गुड) जुनो गोळ. पुराना गुड. old molesses. भग० ८, ९; —**तंदुल.** पुं० (-तन्दुल) जुना चोखा. पुराने चावल. old rice. भग० ८, ६; —**सुरा.** स्त्री० (-सुरा) जुनो दारू. पुराना दारू (मद्य) old wine. भग० ८, ६;

जिएणासा स्त्री० (जिज्ञासा) जाणवानी इच्छा. जानने की इच्छा. Desire for knowing पंचा० १, २६;

जित. त्रि० (जित) जल्दी उपस्थित थाय तेवुं, याद आवे तेवुं जल्द उपस्थित हो ऐसा, स्मृतिगत तुरन्त हो ऐसा. quickly remembered or re-collected अणुजो० १३, (२) जीतायेलुं जीता हुआ conquered, defeated भग० ९, ३३; १५, १,

जितिंदिय त्रि० (जितेन्द्रिय) जुओ "जिइंदिय" शब्द देखो "जिइंदिय" शब्द Vide "जिइंदिय" सूय० २, ६, ४,

जितसत्तु पुं० (जितशत्रु) ए नामनो एक राजा इस नामका एक राजा. Name of a king सू० प० १,

जिन्न त्रि० (जीर्ण) जुनुं, जुनु जीर्ण, पुराना Old, worn out. उत्त० १४, ३३, विशे० २०८३,

जिब्भा स्त्री० (जिह्वा) जीभ. जिव्हा. The tongue सम० ११, आया० १, १, २, १६; उत्त० ३२, ६१; सूय० २, १, ४२, ओव० ३८; पन्न० १५, दसा० ६, ४, नाया० १, उवा० २, ६४;

जिब्भागार पुं० (जिव्हाकार) जीभनो आकार बनावनार एक प्रकारनो कारीगर. जिव्हा का आकार बनाने वाला एक प्रकारका कारागीर A craftsman who makes an artificial tongue. पन्न० १;

जिब्भामय. त्रि० (जिह्वामय) જીભ સંબંધી. जिह्वा के संबंध में. Relating to the tongue. ठा० ४. ४; **—दुक्ख** न० (-दुःख) જીભને પ્રતિકૂલ સંયોગથી થતું દુઃખ. जिह्वा को प्रतिकूल संयोग से होता हुआ दुःख. painful sensation to the tongue by contact with a uncongenial object. ठा० ४, ४; **—सोक्ख.** न० (-सौक्य) જીભને ઉત્તમ રસ આપવાથી થતું સુખ जिह्वा को उत्तम रस देने से होता हुआ सुख. pleasant sensation caused to the tongue by tasting of agreeable i. e. delicious substance. " जिब्भमयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ " ठा० ४, ४;

जिब्भिआ स्त्री० (जिह्विका) વિકસેલા મુખને આકારે પાણી નીકળવાની પરનાળ. विकसित मुख के आकार के समान पानी निकलने की परनाल. A spout or an out-let of water in the form of an open mouth; a gargoyle. "वइरामयाए जिब्भियाए' सम०जं०प०४,१४,

जिब्भिंदिय. न० (जिह्वेन्द्रिय) રસેંદ્રિય રસના, જીભ. रसनेन्द्रिय, रसना, जिह्वा The sense of taste, the tongue. नंदी० ४, विशे० ३०३, सम० ६, अणुजो० १४७; ओव० १६, भग० १, १, ८, १; २४, १२, ११, १; नाया० ५, १७, **—निग्गह.** पुं० (-निग्रह) જિહ્વા ઇંદ્રિયને કાબુમાં રાખવી તે. जिह्वा इन्द्रिय को वश में रखना controlling the sense of taste i. e tongue " जिब्भिंदिय निग्गहेणं भंते " उत्त० २६, ६५; **—पडिसंलीणया.** स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) જિહ્વા ઇંદ્રિયને અશુભ યોગથી અટકાવી શુભમાં લીન કરવી તે. जिह्वा इन्द्रिय को अशुभ योग से रोक कर शुभ में लीन करना. controlling the sense of taste (i e. tongue) so as to guard it against improper object and to direct it towards salutary object. ठा० ४, २; **—बल.** पुं० (-बल) બળનો એક પ્રકાર; રસેંદ્રિયની શક્તિ बल का एक प्रकार; रसेंद्रिय की शक्ति. the power of the sense of taste (i. e. tongue). ठा० १०; **—मुंड.** पुं० (-मुण्ड) જિહ્વા ઇંદ્રિયને જીતનાર. जिह्वा इन्द्रिय को जीतने वाला. one who has subdued the sense of taste ठा० १०; **—लद्धिया.** स्त्री० (-लब्धिका) રસેન્દ્રિયની પ્રાપ્તિ रसेन्द्रिय की प्राप्ति. the attainment of the sense of taste. भग० ८२; **—संवर.** नं० (-संवर) રસેન્દ્રિયનો સંવર, જીભને આશ્રવથી રોકવી તે. रसेन्द्रिय का संवर. stoppage of the influx of Karma due to (lack of control over) the sense of taste i e the tongue. पराह०२,५,

जिब्भिंदियत्ता. स्त्री० (जिह्वेन्द्रियता) રસના ઇન્દ્રિય પણું रसना इन्द्रियपना state of the sense of taste. भग० २५, ३;

जिमिय त्रि० (जिमित-कृतभोजने) ભોજન કરી લીધેલ. जिसने भोजन कर लिया है वह. (One) who has dined or taken his meal नाया० १; १२; १६; १८; विवा० ३, ६; उवा० १, ६६; कप्प० ४, १०३;

जिम्म. त्रि० (जिह्म) કપટી; માયા વાળો. कपटी, मायावान. Crooked; deceitful. " चाजिम्म अंतरचरया " जं० प०

(२) कपट; माया. कपट; माया. fraud; deceit. सम० ४२;

जिम्मगा, पुं० (जिह्वक) जिम्ह नामनो मेघ, जे वरसे त्यारे आये एक वरस स्नेह चाले. जिम्ह नामक मेघ. Name of a particular description of rain ठा० ४, ४,

जिम्ह. त्रि० (जिह्म) जुओ " जिम्म " शब्द. देखो " जिम्म " शब्द. Vide " जिम्म " जं० प०

जिम्हय. पुं० (जिह्मक) जुओ " जिम्मय " शब्द. देखो " जिम्मय " शब्द Vide " जिम्मय " ठा० ४, ४,

जिय-अ न० (जित) जित, जय. जीत, जय Victory; conquest. सूय० १, १, ४, १; (२) त्रि० जीतेल, वश करेल, रागद्वेषथी जीतायेल जीता हुआ; जिसने राग द्वेष वश किये हैं वह conquerd, subdued (passion and hatred) सूय० १, १, ४, ४, उत्त० ५, १६; ३, ३६, नाया० १, ३, भग० ३, ३३, ४२, १, पिं० नि० ८०; पचा० १७, ५२, ओव० १६; ठा० ५, २, दस० ८, ४६; जं० प० ३, ६७, (३) त्रि० जल्दी बोली शकाय तेवुं; जल्दी आवडे तेवुं तुरन्त बोला जासके ऐसा, तुरन्त सीखा जाय ऐसा. capable of being easily learnt or mastered reproduced विशे० ८४१, (४) पुं० जीत आचार - व्यवहार. जीत - आचार - व्यवहार. conduct; usage. नाया० ८. —इंदिय त्रि० (-इन्द्रिय) जितेन्द्रिय, इन्द्रियोने वश करनार. जितेन्द्रिय, इन्द्रियों को वश मे करने वाला. (one) who has conquered or subdued his senses, self-restrained भग० २, ५ —कसाय त्रि० (-कषाय) क्रोधादि कषायने जीतनार क्रोधादि कषाय को जीतने वाला (one) who has subdued evil passions such as anger etc. " जियकोह जियमाणे जियमायकसाए " पंचा० १०, १६; प्रव० १००१; —कोह. त्रि० (-क्रोध) क्रोधने जीतनार. क्रोध को जीतने वाला. (one) who has subdued anger. भग० २, ५, नाया० १, —णिद्द. त्रि० (-निद्र — जिता निद्रा येन स जितनिद्रः) निद्राने जीतनार, अप्रमादी. निद्रा —आलस्य को जीतने वाला, अप्रमादी. (one) who has acquired mastery over sleep i. e. idleness, (one) who is not lazy or idle. नाया० १, भग० २, ५; —परिस्सम. त्रि० (-परिश्रम) परिश्रमने जितनार. परिश्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i e does not feel fatigued. नाया० १, कप्प० ४, ६१, —परीसह. त्रि० (-परिषह) परिषह-कष्ट-दुःखने जीतनार परिषह-कष्ट दु.ख को जीतने वाला. (one) who has acquired victory over affliction i e does not feel troubled by them, नाया० १, भग० २, ५, गच्छा० ५२; —भय त्रि० (-भय) भयने जीतनार. भय को जीतने वाला (one) who has triumphed over fear, fearless " जिय भयाणं " आव० ६, ११; कप्प० २, १५, —माण त्रि० (-मान) मान-अहंकारने जीत्योछे जेणे एवो. मान, जिसने अहंकार को जीता है वह. (one) who has triumphed over pride or self-conceit i. e never feels proud नाया० १, भग० २, ५; —माय. त्रि० (-माय) मायाने जीतनार माया को जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया॰ १; भग॰ २, ५; —राग. त्रि॰ (-राग) રાગને જીતનાર. राग को जीतने वाला. (one) who has triumphed over passion or attachment i e does not feel it. सम॰ प॰ २४०; प्रव॰ ६८२, —रागदोस. त्रि॰ (-रागद्वेष) રાગદ્વેષને જીતનાર. रागद्वेषको जीतने वाला. (one who has subdued love or passion and hatred 'जियंति जिय रागदोसेहिं' पंचा॰ ४, ३६; प्रव॰ ११८; —लोभ त्रि॰ (-लोभ) લોભને જીતનાર लोभ को जीतनेवाला (one) who has subdued greed or avarice भग॰ २, ५; —लोय. त्रि॰ (-लोक) સંસારને જીતનાર. संसार को जीतनेवाला. (one) who has triumphed over the world i. e worldly existence, (one) not fettered by the bonds of worldly existence सु॰ च॰ १, २३५, —लोह. त्रि॰ (-लोभ) લોભને જીતનાર. लोभ को जीतनेवाला. (one) who has conquered greed or avarice i. e. subdued it नाया॰ १, —विग्घ त्रि॰ (-विघ्न) વિઘ્ન-અંતરાયને જીતનાર विघ्नों को जीतनेवाला (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया॰ १;

जियंतग. पुं॰ (जीवान्तक) એ નામની એક પ્રકારની વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति Name of a kind of vegetation. भग॰ २, ७;

जियंतय. न॰ (जीवान्तक) લીલી વનસ્પતિની એક જાત. हरी वनस्पति की एक जाति. A kind of green vegetation. पन॰ १;

जियंती स्त्री॰ (जीवन्ती) એક જાતની વેલ. एक जाति की लता. A kind of creeper. पन॰ १;

जियवंत. त्रि॰ (जितवत्) જય મેળવેલ. विजय-प्राप्त, जिसने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पण्ह॰ १, १;

जियसत्तु. पुं॰ (जितशत्रु) શત્રુને જીતનાર. शत्रु को जीतनेवाला. A conqueror of enemies पण्ह॰ २, ४; (२) અજિતનાથ સ્વામિના પિતાનું નામ. अजितनाथ स्वामी के पिता का नाम. name of the father of Ajitanātha Swāmi सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२३; (३) વાણિજ્ય ગામનો રાજા. वाणिज्य गांव का राजा. name of a king of Vāṇijy city 'तत्थणं वाणियगामे जियसत्तुराया' उवा॰ १, ३, (४) ચંપાનગરીનો રાજા चंपानगरी का राजा. name of a king of the city of Champā. 'चपानाम नयरी होत्था, पुण्णभद्दे चेइए जियसत्तूराया' उवा॰ २, ९२; आव॰ टी॰ नाया॰ १९; १५; (५) ઉજ્જયિની નગરીનો રાજા उज्जयनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain उत्त॰ टी॰ २, (६) સર્વતોભદ્ર નગરના રાજાનું નામ सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvatobhadra 'सव्वओ भद्दे णयरे जियसत्तू णामंराया होत्था' विवा॰ ५; (७) મિથિલા નગરીનો રાજા. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithilā. सू॰ प॰ १; जं॰ प॰ १, १; (८)

પાંચાલ દેશનો રાજા કે જેણે મલ્લીનાથની સાથે દીક્ષા લીધી હતી. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दीक्षा ली थी name of a king of the country of Pāñchāla He had taken Dīkṣā along with Mallinātha नाया० ८, ठा० ७, १; उवा० ६, १६३, (६) આમલકપ્પા નગરીનો રાજા. आमलकल्पा नगरी का राजा name of a king of the city of Āmalakalpā. नाया० ध० (१०) સાવથી નગરીનો રાજા. सावथी नगरी का राजा name of a king of the Sāvarthī city उवा० ६, २६७, २७२, नाया० ध० (११) વાણારસી નગરીનો રાજા वाणारसी नगरी का राजा name of a king of Vāṇārasī city. उवा० ३, १२६; ४, १४५, (१२) આલભિયા નગરીનો રાજા आलभिया नगरी का राजा name of a king of the city of Ālabhiyā उवा० ५, १४४, (१३) પોલાસપુર નગરનો રાજા पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the city of Polāsapura उवा० ७, १८०, —रायरिसि पु० (-राजर्षि) જિતશત્રુ રાજર્ષિ. जितशत्रु राजर्षि. the Rājarsi (a royal saint) named Jitaśatru नाया०१२, —राय पु० (-राज) જિતશત્રુ રાજા. जितशत्रु राजा. king Jitaśatru. नाया० १२,

जियसेण. पु० (जितसेन) ભરત ક્ષેત્રના ત્રીજા કુલકરનું નામ. भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर का नाम Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम० प० २२६;

जियारि. पुं० (जितारि) ત્રીજા તીર્થંકર સંભવનાથના પિતા. तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tirthaṅkara Sambhavanātha. "सेनाए जियारि तस्सयस्स" सम० प० २२४, प्रव० ३२३;

जीमूअ-य. पुं० (जीमूत) જીમૂત નામનો મેઘ કે જે એકવાર વરસે તો દસ વરસ સુધિ પૃથ્વીમાં તેનો ભેજ રહે. जीमूत नामक मेघ कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of a particular cloud which keeps the soil wet for ten years as a result of one downpour only. ठा० ४,४,

जमूित पु० (जीमूत) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द Vide above उत्त० ३४, ४, जीवा० ३, ४, राय०९०, पन्न०१७;

जीय पु० (जीव) જીવ. जीव Soul; a living being भत्त० १०३, जीवा० १; (२) જીવન, જીન્દગી जीवन. life सु०च० ३,२४३, पण्ह०१,१.—अट्ठ त्रि० (-अर्थ) જિવિતને અર્થે जीवन के लिये, जीवित के अर्थ for the sake of life. सु० च० ४, २८७.

जीय-अ. न० (जीत) પરંપરાથી ચાલ્યો આવતો વ્યવહાર वंशपरंपरा से प्रचलित व्यवहार. Traditional usage or convention. आया० २, १५, १७६; वव० १०, ३, जं० प० ३, ४५; भग० ८, ८, प्रव० ८६१; (२) ફરજ, કર્તવ્ય धर्म; कर्तव्य duty, that which ought to be done जं० प० ५, ११२, (३) શ્રુત श्रुत a scripture नंदी० (४) મર્યાદા. मर्यादा limit. नंदी० २६;

जीयकप्प. पुं० (जीतकल्प) પૂર્વાચાર્યોની પરંપરાથી ચાલ્યો આવતો આચાર. पूर्वाचार्यों

की परंपरा से प्रचलित आचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा० ६, १७;

जीयकप्पिय. त्रि० (जीतकल्पिक) જીતકલ્પિક-પરંપરાનુસારી આચારવાળો जीत कल्पिक-परंपरानुसारी आचार वाला One following the usage according to one's predecessors ठा० १०, कप्प० ५, १०४;

जीयधर पु० (जीतधर) એ નામના આર્ય ગોત્રમાં થયેલ આચાર્ય; શાણ્ડિલ્યના શિષ્ય इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य, शाण्डिल्य के शिष्य name of a preceptor born in an Ārya family and a disciple of Śāndilya "संडिल्लं अज्जजीयधर" नदी०

जीरय. न० (जीरक) જીરું जीरा cumin-seed. प्रव०१४२८. (२) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति a kind of vegetation भग० २१,८. —बब्बस न० (-बर्बस्) જીરા-વનસ્પતિ વિશેષનો કચરો-પાંદડા વગેરેનો ઢગલો जीरा-वनस्पति विशेष का कूड़ा-पत्ति इत्यादि का ढेर refuse of the Jiraka vegetation (cumin -seed) निसी० ३, ८०,

जीरुय. पु० (जीरुक) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation भग० २३, १,

√**जीव** धा० I (जीव्) જીવવું, પ્રાણ ધારણ કરવા जीना, प्राण धारण करना To live, to breathe, to have life.

जीव ति. भग० २, १; ६, १०; उत्त० ७,३;
जीवामो उत्त० ६, १४;
जीविस्सामो. आया० १, ६, ४, १८८;
जीविउं दे० कु० दस. ६, ११;
जीवत. राय० २४३; विवा० ४;

जीव पुं० (जीव) આત્મા ચૈતન્ય; જીવતત્વ; નવતત્વોમાનુ પ્રથમ તત્વ; છ દ્રવ્યમાંનું એક દ્રવ્ય आत्मा, चैतन्य, जीवतत्व, नवतत्वों में मे प्रथम तत्व; छ द्रव्य में का एक द्रव्य. Soul, consciousness; the first of the nine categories, one of the six substances उत्त०२,२७; २८, १४, ३६, १, ६५, ओव० १७, ३४; ४०, नाया० १; ५, ६; ८, ६, १०; ११, १६; १७, भग० १, १; ९, १; २, ५; ३,३; ५, ६; ६, ४, १०, ७, १०; ८, २; १०; १७, २; २०, २, २६, १; पन्न० १, ३; ३६; दस० ८, २, पिं० नि० ६३४. राय० २२४; अणुजो० ६, दसा० १०, ७, सू० प० १६; विशे० ५४२; २१२६, ३५०८; जीवा० ३, १, उवा० १, ४४, (२) જીવન जीवन. life सम० १, श्रोव० ज० प० २, ३१; क० गं० १, ४७, ५३, भत्त० ६१; प्रव० २३; पचा० २, ६; क० प० १, २६, गच्छा० ७६, —अणुकंपा स्त्री० (-अनुकम्पा) જીવની દયા, જીવની રક્ષા કરવાની લાગણી. जीव-दया, जीवों की रक्षा करने की वृत्ति. kindness to living beings, compassion for living beings. नाया० १, भग० ७, ६, —अणुसासन न० (-अनुशासन) જીવની-શિક્ષા -સમજ. जीव के सबध म शिक्षा (समझ). explanation, exposition of the nature of the soul. (२) એ નામનો એક ગ્રન્થ. इस नाम का एक ग्रन्थ name of a book जीवा० १; —(बा) अभिगम. पु० (-अभिगम) જીવની સમજ; જીવનુ જાણવું. जीव की समझ. knowledge of the soul. ठा० ३,

२८ (१) २९ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું જીવાભિગમ નામનું સૂત્ર. २९ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one of the 29 Utkālika Sūtras ज० प० ५, ११८; " सेकिंते जीवाभिगमे? जीवाभिगमे दुविहे पखत्ते " जीवा० १; भग० २, ३; ७; ६; ३, ३; ६; ५, ६; १०, ७; १६, ६; २५, ५; नंदी० ४३; —आरंभिआ. स्त्री० (-आरम्भिकी) જીવના આરમ્ભથી કર્મ બંધાય તે, ક્રિયાનો એક પ્રકાર जीव के आरंभ से कर्मों का बंधन होता है वह; क्रियाका एक प्रकार Karma incurred by killing or injuring a living being. "तंजहा जीवआरंभिया चेव अजीव आरंभिया चेव " ठा० २, १, —उद्धरण न० (-उद्धरण) મંત્ર શાસ્ત્રનો એક પ્રકાર मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार a varietyof Mantra Śāstra. ठा० ६, —काय पुं० -काय —जीवनं जीवो ज्ञाना ऽऽद्युपयोगस्तत्प्रधानः कायो जीवकायः) જીવલોક, જીવરાશિ जीव लोक, जीव राशी the aggregate of lives or living beings, the world of living beings सूय० २, १, २३, भग० ७, १०, आव० ४, ७, —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) જીવનો વ્યાપાર जीव का व्यापार an operation or activity of a living being "जावकिरिया दुविहा पन्नत्ता' ठा०२,१;—ग्गाह त्रि० (-ग्राह) જીવતાને ગ્રહણ કરનાર जीवित को ग्रहण करनेवाला. (one) who takes or catches alive. " जीवग्गाह गिण्हंति " नाया० १; २, विवा० ३, —घण पुं० (-घन) જીવઘન-અસંખ્યાત પ્રદેશના પિંડરૂપ जीवघन-असंख्यात प्रदेश के पिंडरूप an aggregate of innumerable soul-particles. " कइविहो जीवघणा " उत्त० ३६, ६५; भग० ५, ६; —णिकाय. न० (-षट्क) પૃથ્વીકાય આદિ છ પ્રકારના જીવોનો જથ્થો पृथ्वीकाय आदि छः प्रकार के जीवों का समूह. a group of six living beings viz. earth, bodies etc. प्रव० ६८६; —जोग. पुं० (—योग) જીવનો વ્યાપાર, (કેવલી સમુદ્ઘાત) जीवों का व्यापार; (केवली समुद्घात). operation or activity of the soul; (Kevali Samudghāta) विशे०३८३; —ट्ठाण न० (-स्थान) જીવસ્થાન ગુણસ્થાન. जीवस्थान-गुणस्थान life stage, spiritual stage क० गं० ६, ४, —णास पुं० (-नाश) મૃત્યુ, જીવનનો નાશ मृत्यु, जीवन का नाश death, destruction of life. " किं जीवनासाउ वरं न कुज्जा" दस० ६, १; ५, —णिकाय. पुं० (-निकाय —जीवानां निकायो राशिर्जीवनिकाय) જીવરાશી जीवराशि an aggregate of living beings " छ जिवनी काया पन्नत्ता " ठा० ६, २, ५, —णिज्जाणमग्ग पुं० (-निर्याणमार्ग— जीवस्य निर्याणं मरणकाले शरीरात् शरीराभिर्गमः शरीरनिर्गमः तस्य मार्गो जीवनिर्याणमार्गः) જીવ નિકળવાનો માર્ગ. जीव का निकलन का मार्ग. the path or way by which the soul goes out of the body ठा० ५, ३; —णिव्वत्ति स्त्री० (-निर्वृत्ति—निर्वर्तनं निर्वृत्तिः निष्पत्तिः जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्तिः जीवनिर्वृत्तिः) જીવની એકેન્દ્રિય આદિરૂપે નિર્વૃત્તિ-નિષ્પત્તિ जीवकी एकेंद्रिय आदि रूपमें निर्वृत्ति-निष्पत्ति. functioning of the soul as one-sensed etc. "कइ विहाणं भंते जीवनिव्वत्ती" भग०१६,८; —णिव-

-स्सिय. त्रि० (-निश्रित) જીવને આશ્રિત. जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. ठा० ७; —णिस्सिय. त्रि० (-निःसृत—जीवेभ्यो निःसृतो निर्गतो जीवनिःसृतः) જીવથી નીકળેલ. जीवसे निकला हुआ, जिवसे उत्पन्न issued out of a soul or a living being. ठा० ७; —तत्त न० (-तत्त्व) જીવતત્વ;ચેતન પદાર્થ. जीवतत्त्व;चेतन पदार्थ the soul regarded as an element. प्रव० १२११, —त्थिकाय. पुं० (-अस्तिकाय) ચૈતન્ય-ઉપયોગ લક્ષણવાળું, છ દ્રવ્યમાનું એક દ્રવ્ય. चैतन्य उपयोग लक्षणवाला, छ द्रव्य में से एक द्रव्य. one of the six substances having consciousness for its connotation "जीवत्थिकाएणं भंते। जीवाणं किं पवत्तइ" भग० १३,४,२, १०,७,१०,२०,२, सम०४, अणुजा० ६७, १३१; —दय पु० (-दय) સંયમરૂપી જીવના દાતા संयम रूपी जीवके दाता the giver of a life in the form of self restraint कप्प०२,१५, आव०६,११, —दय त्रि० (-दय - जीवेषु दया यस्य जीवदय) જીવદયા પાળનાર, દયાળુ जीवदया पालनेवाला, दयालु. one who is kind to living beings. सूय० १, ज० प० ५, ११२, —दया स्त्री० (-दया) જીવની દયા जीव-दया. compassion towards living beings भत्त० ६३, १०४, —दव्व न० (-द्रव्य) જીવદ્રવ્ય; છ દ્રવ્યમાંનું એક जीवद्रव्य, छ द्रव्य में से एक. soul, the element known as soul भग० ११,१०,१८, ४, २५, २, —दिट्ठिया स्त्री०(-दृष्टिका) જીવને જોતાં જતાં રાગદ્વેષાદિ કરવાથી લાગતી ક્રિયા. जीव को देखने में राग द्वेषादि करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being. ठा० २, १; —देस पुं० (-देश) જીવનો દેશ-એક વિભાગ. जीव का देश-एक विभाग a portion of the soul भग०१०,१;१३ ६; २०, २, क० प० १, २१, —नास पुं० (-नाश) જીવનનો નાશ. जीवन का नाश. death, destruction of life दस० ६, १, ५, —निव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) જીવનની નિર્વૃત્તિ-નિષ્પત્તિ; એકેન્દ્રિયાદિરૂપે ઉત્પત્તિ. जीवनकी निर्वृत्ति-निष्पत्ति; एकेन्द्रियादि रूपसे उत्पत्ति. birth of the soul in the form of one-sensed etc. living beings भग० १६, ८; —पइट्ठिय त्रि० (-प्रतिष्ठित) જીવની અંદર રહેલ जीव के भीतर रहा हुआ residing in a living being "अजीवा जीवपइट्ठिया" भग० १, ६, निसी० ७,२१; —पएस पु० (-प्रदेश) જીવના પ્રદેશ. અવિભાજ્ય અંશ जीव का प्रदेश-अविभाज्य अंश an indivisible particle of the soul. भग० २, १०, ८, ३, —पएसिय. पु० (-प्रदेशिक—जीव प्रदेशाएव जीव प्रादेशिका) જીવના અસંખ્યાત પ્રદેશમાં છેલ્લા પ્રદેશમાંજ જીવ માનનાર તિષ્યગુપ્ત આચાર્યનો અનુયાયી जीवके असंख्यात प्रदेशमें से अन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिष्यगुप्त आचार्य का अनुयायी a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or consciousness in it ठा०७;ओव०४१;—पओगबंध पुं०(-प्रयोगबन्ध) જીવના પ્રયોગ-વ્યા-

आश्रयी कर्मो थन्ध. जीवके प्रयोग–व्यापार से होता हुआ बंध. bondage caused by the activities of the soul. भग॰ २०, ७; —पच्चक्खाणकिरिया. स्त्री॰ (–प्रत्याख्यानक्रिया) જીવ પરત્વે પચ્ચખાણ ન કરવાથી થતી ક્રિયા ' जीवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो क्रिया लगती है वह Karma incurred by neglecting Pachchkhāṇa relating to living beings. ठा॰२,१,—पज्जव पुं॰ (–पर्याय) જીવના પર્યાય. जीवके पर्याय any of the modifications of the soul. भग॰ २५, ५. —पण्णवणा. स्त्री॰ (–प्रज्ञापना—जीवानां प्रज्ञापना जीवप्रज्ञापना) જીવની પ્રરૂપણા. जीवकी प्ररूपणा. exposition of the nature of living beings or souls. "से किं तं जीवपणवणा" पन्न॰१;—पद. न॰ (–पद) જીવનું પદ-સ્થાન जीवका पद-स्थान condition or, stage of a living being भग॰ १८, १; २४, १; २६, १, —पदेस पुं॰ (–प्रदेश) જીવના પ્રદેશ जीव-प्रदेश an indivisible particle of a soul भग॰ १५, ४, —परिणाम पुं॰ (–परिणाम) જીવના પરિણામ जीवके परिणाम modification, development of the soul भग॰ ६, ५; १४, ४, जं॰ प॰ ७, १७६; —पाउ-ओ-सिया स्त्री॰ (–प्राद्वेषिकी) કોઇપણ જીવ ઉપર દ્વેષ કરવાથી લાગતી ક્રિયા कोई भी जीव से द्वेष करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards and living being. भग॰ ३, ३; ठा॰ २, १; —पाडुच्चिया स्त्री॰ (–प्रातीत्यिका–जीवं प्रतीत्य यः कर्मबन्धः सा तथा) જીવને આશ્રી લાગતી ક્રિયા जीव के संबंधमें जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul. ठा॰ २,१;—प्पएस.पुं॰(–प्रदेश) જીવનો પ્રદેશ–અંશ जीव-प्रदेश जीव का अंश a portion, a particle of the soul-substance. भग॰ ८, ६; १०, १; —प्पदेस. पुं॰ (–प्रदेश) જીવનો પ્રદેશ-અંશ. जीव का प्रदेश-अंश. a portion, a particle of the soul-substance भग॰ १६, ६; —प्पाबहुत्त न॰ (–अल्पबहुत्व) જીવોનું અલ્પબહુત્વ. जीवों का अल्पबहुत्व. scantiness or the profusion of life क॰ प॰ १, ५१, —पुट्ठ त्रि॰ (–स्पृष्ट) જીવે સ્પર્શ કરેલ जीवने स्पर्श किया हुआ touched by, in contact with a soul or living being ठा॰ ४, ३, —भाव पुं॰ (–भाव) જીવપણું जीवत्व, जीवपना. state of being a living being "परक्कमे जीवभावेणं जीवभाव उवदंसेइ" भग॰ २, १०; १८, १ —भावकरण न॰ (–भावकरण) જીવ પર્યાયનું કરવું તે जीव पर्यायका करना modification of the soul विशे॰ ३३५४; —मज्झपएस पुं॰ (–मध्यप्रदेश) જીવના મધ્યપ્રદેશ. जीव का मध्यप्रदेश the middle portion of the particles of the soul. भग॰ ८,६, —मिस्सिया स्त्री॰(–मिश्रिता) સત્યામૃષા ભાષાનો એક પ્રકાર; જ્યાં થોડા મરાગયા હોય અને થોડા જીવતા હોય ત્યાં બધા મરીગયા છે એમ કહેવું તે. सत्या मृषा भाषा का एक प्रकार; जहां थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हों वहां सब मर गये है ऐसा कहना a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive पन्न० १; —रासि. पुं० (-राशि) જીવનો સમૂહ-જથ્થો. जीवों का समूह a group of a collection of living beings सम० २; आव० ७, १; —लोय. पुं० (-लोक) જીવ લોક; સંસાર जीव लोक, संसार. the world of living beings. नाया० १; कप्प० ४, ६०, क० प० ३, ४४; ज० प० ३, ६१, —वह. पु० (-वध) જીવનો વધ ઘાત. जीवों का वध-घात slaughter of animals भत्त० ६३; —वावार पु० (-व्यापार) જીવનો વ્યાપાર-ક્રિયા जीवों का व्यापार क्रिया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशे० ३६३. —विजय पु० (-विचय) જીવના સ્વરૂપનું ચિંતન કરવું તે जीव के स्वरूप का चिनवन करना meditation upon the nature of the soul सम० ३. —विप्पजढ त्रि० (-विप्रहीन) પ્રાસુક, જીવ રહીત जीव रहित, प्रासुक deprived of life, faultless "देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरं निप्पाणं णिचिट्ठं जीवविप्पजढं कूवए पक्खवेति" नाया० २; १६; १८, निर० १, १; —विभत्ति स्त्री० (-विभक्ति) જીવની વિભક્તિ-વિભાગ; જીવનુ પૃથક્કરણ-વિવેચન. जीव की विभक्ति-विभाग, जीव का पृथक्करण-विवेचन discussion upon, exposition of the nature of the soul. उत्त० ३६, ४७; —विवागा स्त्री० (-विपाका—जीव एव विपाक. स्वशक्तिदर्शनलक्षणो विद्यते यासां ता जीवविपाका:) જીવને વિપાક દર્શાવનાર કર્મપ્રકૃતિ. जीव को विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति Karmic nature which displays its maturity to the soul क०ग्रं०— संखा. स्त्री० (-सङ्ख्या) જીવોની સંખ્યા. जीवों की संख्या a number of living beings प्रव० ४८, —सखेव. पुं० (-संक्षेप—जीवानां संक्षेपा जीवसंक्षेपाः) અપર્યાપ્ત એકેંદ્રિય આદિ જીવનાં સ્થાન કે જ્યાં જીવને સક્ષેપ-સંકોચમાં રહેવું પડે છે अपर्याप्त एकेन्द्रिय आदि जीव के स्थान कि जहांपर जीव को संक्षेप-संकुचित स्थितिमें रहना पड़ता है any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc has to remain in a contracted condition क० ग० ६, ३६; —संगहिय. त्रि० (-संगृहीत —जीवैः सगृहीत· स्वीकृता जीवसगृहित) જીવથી સ્વીકારાયેલ. जीव ने स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. "अजीवा जीव संगहिया" ठा० २, १, —साहत्थिया. स्त्री० (-स्वाहस्तिका —यत्स्वहस्तेन गृहीतेन जीवं मारयति सा जीवस्वाहस्तिका) એક પ્રકારની ક્રિયા, પોતાના હાથથી જીવને મારવાથી લાગતી ક્રિયા एक प्रकार की क्रिया, अपने हाथ से जीव को मारने मे जो क्रिया लगती है वह Karma incurred by taking life i. e. killing with one's own hand ठा० २, १; —हिंसा स्त्री० (-हिंसा) જીવની હિંસા. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings भत्त० ६३; —हिय न०(-हित) જીવનું હિત. जीव का हित. welfare of the life भत्त० ६८;

जीवंत त्रि० (जीवत्) જીવતો. जीवित.

living; existing. विशे० २२५६,

जीवंजीव. पुं० (जीवजीव) જીવનનો આધાર जीवन का आधार. support of life, subsistence अणुत्त० ३, १; नाया० १, (२) જીવની શક્તિ. जीवकी शक्ति. the vital power of the soul भग० २, १, (३) એક જાતનું પક્ષી एक जाति का पक्षी a kind of bird जं० प० पन्न० १,

जीवंजीवक पुं० (जावजीवक) એક જાતનું પક્ષી, ચકોર एक जातिका पक्षी. चकोर A kind of bird, the Chakora bird. पगह० १, १, श्रोव०

जीवंजीवग पुं० (जीवञ्जीवक) ચકોર પક્ષી चकोर पक्षी The Chakora bird भग० १३, ६, (२) એક જાતની વનસ્પતિ एक प्रकार की वनस्पति a kind of vegetation भग० २३, ५,

जीवण न० (जीवन) જીવન; પ્રાણ ધારણ जीवन, प्राण धारण Life, living उत्त० १२, १०,

जीवणिज्ज त्रि० (जीवनीय) જીવવા યોગ્ય जीने के योग्य Worthy to live, fit to live सूय० २, २, ५६;

जीवत्त न० (जीवत्व) જીવપણું जीवत्व, जीव पना State of being a soul or living being भग०२,१,विशे०१८८,

जीवमुत्ति स्त्री० (जीवन्मुक्ति) જીવતા જીવ મોક્ષનો અનુભવ લેવો તે जीतेजी मोक्ष का अनुभव लेना. Experiencing of salvation in this life पचा० २, ४३,

जीववत त्रि० (जीवितवत्) પ્રાણી प्राणी Living; possessed of life. पगह० १, १;

जीवा. स्त्री० (जीवा-जीवनं जीवा) ધનુષ્યની પણછ; દોરી. धनुष्य की डोर A bowstring. (२) ધનુષ્યાકાર ક્ષેત્રના ધનુષ્ય સ્થાનીય પ્રદેશ; ભરત આદિ ક્ષેત્રના બે છેડાની પહોળાઈ. धनुष्याकार क्षेत्र के व्यास के समीपका प्रदेश; भरत आदि क्षेत्रके दोनों सिरे की चौड़ाई. space between the two ends of a region which is bow shaped, lengthwise space between the two ends of Bharataksetra etc सूय० २, ५, १२; राय० २५७, सू० प० १, (३) એક બાજુથી બીજી બાજુ સુધીની સીધી લીટી. एक बगल से दूसरे बगल तक की सीधी रेखा-लकीर. a straight line from one end to another सम० ६०००;

जीवाजीव पुं० (जीवाजीव) જીવ અને અજીવ પદાર્થ जीवाजीव, जीव और अजीव पदार्थ. The categories viz living and non-living beings. नाया० १२; १४, दस०४,१२, (२) न०જીવ અજીવની સમજ ઉત્તરાધ્યયનનું ૩૬ મું અધ્યયન जीव अजीव का समझ देने वाला उत्तराध्ययन का ३६ वां अध्ययन the 36th chapter of Uttarādhyayana explaining (the nature of) living and non-living beings उत्त० ३६. —अहिगम पुं० (-आगम) જીવ અજીવનો પરિચ્છેદ -સમજણ जीव अजीव का परिच्छेद समझ exposition or explanation of (the nature of) living and non-living beings " से किंत जीवाजीवाहिगमे " जीवा० १; दस० ४; —समाउत्त. त्रि० (-समायुक्त) જીવ અજીવ વાળું. जीव अजीव वाला possessed of soul or non-soul " जीवाजीव समाउत्ते सुह दुक्ख समप्पिए " सूय० १, १, ३, ६;

जीवि त्रि० (जीविन्) જીવન વાળો; જીવવા વાળો. जीवन वाला; जीनेवाला. living; possessed of life. अणुजो० १२८; (२) पुं० આયુધારક; જીવ. प्राण धारक; जीव. a soul; a living being. सूय० १, ३, १, ३;

जीविय-य न० (जीवित) જીવન અસંયમ जीवितव्य, जीवन; असंयम जीवितव्य. Life; livelihood; absence of asceticism. " जीवियं णाभिकंखिज्जा " आया० १, ८, ८, ४, १, १, १, ११; १, ६, ४, १६१; नाया० १, २; ४; १४; १५; १६, १८, दस० ८, ३४; १०, १, १०; भग० ७, १, १५, १, पण्ण० १; २२, राय० २१५; ओव० १४, सूय० १, १, १, ५; १, २, १, १; उत्त० ४, १, ८, १४; १०, १; ३२, २०, विशे० १३८, विवा० ६, निर० १, १, उवा० १, ५७, २, १०२, ४, १४०, भत्त० १३, १०३, कप्प० ६ ११८; अणुत्त० ४ ३, —अंत. पुं० (-अन्त) જીવનનો અંત; મૃત્યુ મરણ. जीव का अंत; मृत्यु; मरण. termination of life, death ज० प० २, ३१, उत्त० २२,१५. —अंतकरण पुं० (-अन्तकरण) જીવનનો અંત કરવો તે. जीवन का अंत करना putting an end to life नाया० ५, पण्ह० १, १, जं० प० ३, ४५, —आहि. त्रि० (-अर्थिन्) જીવવાની ઇચ્છાવાળો. जीने की इच्छा वाला; जीवित रहने को उत्सुक desirous of living or continuing to live "जोवा विसं खायइ जीवियट्ठि" दस० ६, १, ६; —अरिह त्रि० (-अर्ह) જીવવાને ઉચિત યોગ્ય; આ જીવવા આવે તેટલું. जीने के योग्य; जीवन निर्वाह के योग्य. sufficient to maintain life "वित्तं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ" नाया० १; भग० ११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; जं० प० ३, ४३; —आया. पुं० (-आत्मन्) જીવ સ્વરૂપ. जीवन स्वरूप. nature of life, नाया० १५; —आउ न० (-आयुष्) જીવની રૂપ આયુષ્ય. जीवन रूप आयुष्य. the duration of life नाया० ४; —आउय पुं० (-आयुष्क) જીવનપ્રદ આયુષ્ય. जीवनप्रद आयुष्य. duration of life नाया० ८; —आसंसा. स्त्री० (-आशंसा) જીવવાની આશા. जीने की आशा. hope of life उत्त० १, ५७; प्रव० २६६; —आसा स्त्री० (-आशा) જીવિતવ્યની ઇચ્છા-આશા. जीवितव्य की इच्छा-आशा; लोभ का पर्याय नाम desire to live long; hope of long life, a synonym of greed सम० ५२, भग० २, ५, ८ ७, १२, ५ नाया० १; ओव २६; निर० ३, ८, —उस्सविय त्रि० (-उत्स-विक जीवितस्योत्सव इव जीवितोत्सवः स एव जीवितोत्सविकः.) જીવવાના ઉત્સાહ વાળો. जीने के उत्साह वाला. (one) eager to live " जीवितोत्सव वेद " भग० ६, ३३, —उस्सासिय त्रि० (-उच्छ्वासिक) જીવનને વધારનાર, જીવનની વૃદ્ધિ કરનાર. जीवन वृद्धि करने वाला जीवन को दीर्घ बनाने वाला. (anything) which prolongs life. नाया० १; —ऊसासिय. त्रि० (उच्छ्वासिक जीवितमुच्छ्वासयति वर्धयतीति जीवितोच्छ्वासः स एव जीवितोच्छ्वासिकः) જીવન વધારનાર. जीवन को दीर्घ बनाने वाला life; prolonging, giving longevity भग० ६, ३३; —कारण पुं० (-कारण) જીવવાનો હેતુ. जीवन का हेतु motive of remaining alive or maintaining life. दस० २, ७; —फल. न० (-फल) જીવ-

-फल. न० जीवन का फल accomplished aim or object of life. नाया० ८; १३; १५; विर० ३, ४; —भावणा. स्त्री० (-भावना) જીવનનું સમાધાન કરનારી ભાવના. जीवन का समाधान करने वाली भावना. meditation which reconciles one to (his or her) life. सूय० १, १५, ४, —वसाण न० (-अवसान) જીવન-આયુષ્યનો છેડો जीवन-आयुष्य का अन्त. the end of life. क० प० २, ७७,

जीविआ-या. स्त्री० (जीविका) આજીવિકા, વૃત્તિ आजीविका; वृत्ति Livelihood; maintenance of life सूय० २, ६ २;नाया० ७, अणुजो० १३१, कप्प०४, ८२;

जीविउं हे० कृ० अ० (जीवितुं) જીવવા માટે जीवन के लिये In order to live or maintain life आया० १, १, ७, ५७,

जीविउकाम. त्रि० (जीवितुकाम) જીવવાની ઇચ્છાવાળો जीवित रहने को उत्सुक Desirous of continuing to live " जीविउकामे लालप्पमाणा " आया० १, २, ३, १६,

जीवितअ. त्रि० (जीवितक) અનુકંપિત જીવન; દયાપાત્ર જિંદગી अनुकंपित जीवन, दयापात्र जीवन Pitiable life, life deserving compassion. उत्त०१०,३;

जीवियरसम. पुं० (जीविकरसम) સાધારણ બાદર વનસ્પતિકાયનો એક પ્રકાર. साधारण बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vegetable life पन्न० १;

जीहा स्त्री० (जिह्वा) જીભ; રસેન્દ્રિય जिह्वा; रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. नाया० १, ८, ६; भग० ११, ११; १५, १; जं० प० पन्न० २; १५; सू० प० ४, २८४; ओव० १०; अणुजो० १२८; उत्त० ३२, ६२; ठा० ४, ४; राय० १६४; जीवा० ३, ३; उवा० २, ६४; १०७; भत्त० १०६, १४६, कप्प० ३, ३६; गच्छा० १६; —गार. पु० (-कार) જુઓ " जिब्भागार " શબ્દ. देखो " जिब्भागार " शब्द. vide " जिब्भागार " पन्न० १;

जीहामयदुक्ख न० (जिह्वामयदुःख) જુઓ " जिब्भामयदुक्ख " શબ્દ. देखो " जिब्भामयदुक्ख " शब्द Vide 'जिब्भामयदुक्ख' ठा० ५, २,

जीहामयसोक्ख. न० (जिह्वामयसौख्य) જુઓ " जिब्भामयसोक्ख " શબ્દ. देखो " जिब्भामयसोक्ख " शब्द Vide " जिब्भामयसोक्ख " ठा० ५, २,

जीहिंदिय न० (जिह्वेंद्रिय) જીભ, રસેન્દ્રિય जिह्वा, रसना, रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. पएह० १, १. —निग्गह पु० (-निग्रह) જુઓ " जिब्भिंदियनिग्गह " શબ્દ देखो "जिब्भिंदियनिग्गह " शब्द vide जिब्भिंदियनिग्गह' उत्त० २६, ६५, —संवर. पुं० (-संवर) જુઓ " जिब्भिंदियसंवर " શબ્દ देखो " जिब्भिंदियसंवर " शब्द vide. " जिब्भिन्दियसंवर " पएह० २, ५,

जुअ त्रि० (युत) યુક્ત, સહિત युक्त; सहित Accompanied with. क० गं० १, ६; प्रव० १२०६ १४२७, भग० १०६; जं० प० ७, १५१;

जुअणद्ध पुं० (युगनद्ध) એક પ્રકારનો ચન્દ્ર નક્ષત્રનો યોગ; ચન્દ્ર અને નક્ષત્રના યોગની સ્થિતિ બળદ ઉપરના ધોંસરાને આકારે થાય તે एक प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; चंद्रमा व नक्षत्र के योग की स्थिति जो कि बैलपर की जुड़ी की आकृति सी होती है A par-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke सू॰ प॰ १३;

जुगल. न॰ (युगल) જોડું; એની જોડી. युगल; दोका जोडा. A couple; a pair. जं॰ प॰ ५, १२३; ओव १०; प्रव॰ १०६६, क॰ गं॰ २, ६१, कप्प॰ ३, ३६; पंचा॰ ३, २; —दुग. न॰ (-द्विक) બે યુગલ दो युगल two pairs क॰ ग॰ ५, ४, —धम्म पुं॰ (-धर्म) જુગલીયાનો ધર્મ-જુગલપણે ઉત્પન્ન થવું વગેરે. युगलियोंका धर्म; युगल अवस्था में उत्पन्न होना इत्यादि taking of birth in the form of a pair i e Jugaliyās प्रव॰ १०६६,

जुइ. स्त्री॰ (द्युति) કાંતી, તેજ, દીપ્તિ. कांति, तेज; दीप्ति Lustre; light, splendour नाया॰ १, ८, १०; सम॰३०, भग॰ १५; १, विशे॰ २४४७; ओव॰ २८, उत्त॰ १, ४७, ५, २६, ठा॰ ७,३, (२) એ નામનું નિરયાવલિકા સૂત્રના પાંચમા વર્ગનું ૬ઠ્ઠું અધ્યયન. इस नाम का निरयावलिका सूत्र के पांचवें वर्ग का ६ठा अध्ययन name of the 6th chapter of the 5th section of Nirayāvalikā Sūtra. कप्प॰ ५, १०१,

जुइ. स्त्री॰ (युति) યુક્તિ, જોડાણ, સંયોગ युक्ति; संयोग Joining together, union; contact. ठा॰ ३, ३; नाया॰ १; प्रव॰ ६, उवा॰ ६, १६७;

जुइमंत. त्रि॰ (द्युतिमत् द्युतिर्दीप्तिरतिशायिनी विद्यते यस्य सः) કાન્તિવાન્; તેજસ્વી कान्तिवान्; तेजस्वी. Lustrous, bright, powerful. उत्त॰ ५, १८; (२) સંયમ. संयम asceticism; monkhood. आया॰ १, ७, ३, २०७; (३) મોક્ષ. मोक्ष. final emancipation. आया॰ १, ७, ३, २०७;

जुंगिअ त्रि॰ (जुङ्गित) જાતિ, કર્મ અને શરીરથી દૂષિત હોય તે. जाति, कर्म व शरीर से दूषित हो वह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव॰ ७६८; —अंग. त्रि॰ (-अंग) અપંગ; જેના હાથપગ વગેરે અવયવ કપાઇ ગયા હોય તેવો. अपंग, जिसके हाथ पैर इत्यादि अवयव कट गये हों ऐसा. mutilated or disabled in any of the limbs of the body e. g. a hand, a leg etc पिं॰ नि॰ ४४१; ठा॰ ५, ३,

√**जुंज** धा॰ I. (युज्) જોડવું. जोडना. To join together (२) સંઘટ્ટો કરવો. संगठन करना to unite. (३) ઉચિત કરવું उचित करना; योग्य करना to fit; to harmonise; to make fit for.

जुञ्जइ. पन्न॰ ३६,
जुंजंति सूय॰ १, ३, १, १०;
जुंजेज्जि उत्त॰ १, १८; दस॰ ८, ४३;
जुंजंत. पंचा॰ १०, ४६,
जुज्जइ क॰ वा॰ पिं॰ नि॰ ५६; १६३; सु॰ च॰ ४, ६५,
जुज्जए विशे॰ १०२, १२८८; पिं॰ नि॰ ७६; सु॰ च॰ २, ५४७;

जुंजण न॰ (योजन) યોજવું; જોડવું; વ્યાપાર કરવો તે योजना, जोडना; व्यापार करना. Joining together; uniting; conducting a business or an operation "इंदियाण व जुंजणे" उत्त॰ २४, २४; विशे॰ ३३५८;

जुंजणया. स्त्री॰ (* योजन) જુઓ ઉપલો

शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओव० २०;

जुम. न० (युग्म) राशि विशेष; બેકી સંખ્યા; સમ સંખ્યા. राशि विशेष; सम संख्या A particular sign of the zodiac (Gemini) even number ठा० ६, ३;

जुग. न० (युग) ચાર હાથ પરિમિત એક માપ. चार हाथ परिमित एक माप. A measure of length equal to four arms सम० ८६, भग० ६, ७, अणुजो० १३३, जं० प० (२) ધોંસરૂ, ધોંસરી. जुड़ी a yoke of a carriage उत्त० २७, ७; जीवा० ३, ३, पिं० नि० २६?, सूय० १, ५, २, ४, जं० प०७,१५१, पण्ह० २, १, ओघ० नि० ३२४, दसा० ६, ४, उवा० ७, २०६. (३) अ० ધોંસરાના આકારનું પુરુષના હાથ પગનું લક્ષણ પુરુષ के हाथ पैर मे धूंसरी की आकृति वाला लक्षण a mark of the shape of a yoke of a carriage in the hand or foot of a male human being (४) સત્ય, દ્વાપર, ત્રેતા અને કલિ, એ ચાર યુગ सत्य, द्वापर, त्रेता, कलि ये चार युग-काल any of the four ages viz Satya, Dwāpara, Tretā, and Kali विशे० २२८८, (५) પાંચવર્ષ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ पाच वर्ष प्रमाण का काल विभाग a period of time equal to five years भग० ६, ७; २५, ५; अणुजो० ११५, नाया० १६; सू० प० ८, पण्ह० १, ३. ठा० २, ४, सम० ६१; जं० प० जीवा० ३, ४; राय० ३२; (६) એક જાતનો મચ્છ एक जाति का मत्स्य. a kind of fish. पन्न० १; (७) ગોલ દેશ પ્રસિદ્ધ એક જાતનું બે હાથ પ્રમાણનું વાહન-પાલખી. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का दो हाथ प्रमाण का वाहन-पालकी. a kind of palanquin of the size of two arms length made in the country named Gola. जीवा ३, ३; —अंतर. न० (-अंतर) ધોંસરા પ્રમાણે આંતરૂ. जुड़ी के प्रमाणमें अंतर. an interval (in point of space) of the measure of a yoke of a carriage भग० २. ५; —आइजिण. पुं० (-आदिजिन) યુગના પહેલા તીર્થંકર શ્રી ઋષભદેવ સ્વામી युग के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी Ṛiṣabhadeva the first Tirthankara of the age. प्रव० १, —गिह न० (-गृह) પાલખી રાખવાનું ઘર पालकी-गृह a house or hall in which palanquins are kept निसी०८,७; —छिड्ड. न० (-छिद्र) ધોંસરીમાંનું છિદ્ર जुड़ी मे का छिद्र. a hole in the yoke of a carriage उत्त० टी० ३. —पहाण पु० (-प्रधान) યુગ પ્રધાન પુરુષ, યુગમાં થયેલ પ્રધાન મહાન પુરુષ. (ભદ્રબાહુ સ્વામી વગેરે) युग प्रधान युग का प्रधान महापुरुष भद्रबाहु स्वामी इत्यादि a prominent person of an age (Yuga), e g Bhadrabāhu Swāmī etc. विशे०१४२३; —प्पहाण. न० (-प्रधान) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द vide above. प्रव० ६२; २६४; —सूरि पुं० (-सूरि) યુગ પ્રધાન સૂરિ આચાર્ય. युग प्रधान सूरि-आचार्य. a preceptor etc. renowned in a certain age, प्रव० ६३; —माण. न० (-मान) પાંચ વર્ષ અથવા ચાલીસ માસ પ્રમાણ યુગનું માન पांच वर्ष किंवा चालीस

काल प्रमाण युग का अन्त a measure of time equal to five years or 62 months प्रव॰ ४०८,
—संठिय त्रि॰ (-संस्थित) ચાર હાથ પ્રમાણુના જેવુ चार हाथ प्रमाण के जैसा similar to, analogous to a measure of the length of four arms ' जुगसंठियपस पीवाहुय पीवर पउठ संठिय ' जीवा॰ ३, —संवच्छर पु॰ (—संवत्सर) પાચ સવત્સર પ્રમાણુ સમય, १८३० દિવસ પ્રમાણુ યુગ સવત્સર पांच संवत्सर प्रमाण समय, १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर a Yuga Samvatsara equal to 1830 days सू॰प॰ १० जं॰प॰ ७ १४१ ठा॰ ५,३, —साला स्त्री॰ (-शाला) પાલખી રાખવાની શાળા पालकी रखने की शाला A room a hall in which palanquins are kept निसी॰ ८ ,
जुगंतकडभूमि स्त्री॰ (युगान्तकृतभूमि - युगानि कालमानविशेषा तानि च क्रमवर्तीनि तत्साधर्म्याद्ये क्रमवर्तिनो गुरुशिष्य प्रशिष्यादिरूपा पुरुषा तेऽपि युगानि तं प्रमिता-न्तकरभूमियुगान्तकृतभूमि) ગુરુ શિષ્ય પરંપરાએ અર્થાત્ ક્રમશે સંસારનો અંત કરનાર ઝ્વોની પરંપરા गुरु शिष्य परम्परा से अविच्छिन्नता से संसार का अन्त करने वाले जीवों की परंपरा The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation ठा॰ ३ ४, नाया॰ ८ ज॰ प॰ २, ३१,
जुगंतकरभूमि स्त्री॰ (युगान्तकृतभूमि) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above नाया॰ ८,
जुगंतगडभूमी स्त्री॰ (युगान्तकृतभूमि) યુગનો અંત કરનારી ભૂમિ युग का अंत करने वाली भूमि A land or region finishing a Yuga (a period of time) कप्प॰ ५, १४५,
जुगंधर पु॰ (युगन्धर) રથ બનાવવાના ઉપયોગમાં આવતું એક જાતનું લાકડું रथ बनाने के उपयोग में आता हुआ एक प्रकार का लकड A kind of timber used in making chariots ज॰ प॰ ९,
जुगबाहु पु॰ (युगबाहु) ૯ મા તીર્થંકરનો પૂર્વ ભવનું નામ ९ वे तीर्थंकर के तृतीय पूर्व भव का नाम Name of the third previous birth of the 9th Tirthankara सम॰ प॰ २३० (२) લાંબા હાથ, लंबा हाथ, बाहु a long arm ठा॰ ६,
जुगणद्ध पु॰ (युगनद्ध) જુઓ ' जुयणद्ध ' શબ્દ देखो ' जुयणद्ध ' शब्द Vide ' जुयणद्ध ' सू॰ प॰ १२
जुगमच्छ पु॰ (युगमत्स्य) એક જાતનો મચ્છ एक प्रकार का मत्स्य A kind of fish विवा॰ ८ पण्ण॰ १ जावा॰
जुगमाय त्रि॰ (युगमात्र) ધોંસરા પ્રમાણનું जुड़ा के प्रमाण का Measuring a yoke आया॰ २ ३, ७ ११८ दसा॰ ६ २, दस॰ ५, १ ३,
जुगमित्त त्रि॰ (युगमात्र) જુઓ " जुगमाय " શબ્દ देखो " जुगमाय " शब्द Vide ' जुगमाय ' उत्त॰ २४, ७,
जुगमेत्त न॰ (युगमात्र) યુગ ધોંસરા પ્રમાણે ચાર હાથ પ્રમાણ युग जुडी के अनुसार, चार हाथ प्रमाण A particular measure equal to four arms प्रव॰ ७२८,

जुगल. न० (युगल) જોડી; જોડું. जोडा; युगल. A couple; a pair. (२) पुं० स्त्री० જુગલીયા. जुगलिया. Jugaliā. भग० ६, ५; १२, १; —धम्म. पुं० (-धर्म) જુગલીયાનો ધર્મ, યુગલ ધર્મ स्त्री पुरुष दोनों का धर्म, युगल धर्म a combination of the characteristic functions or qualities of both a male and female तदु० —धम्मिय पुं० (-धार्मिक) સ્ત્રી પુરુષ રૂપ યુગલના ધર્મવાળો स्त्री पुरुषरूप युगल के धर्म वाला one who combines within him the characteristic functions or qualities of both viz a male and female तदु०

जुगलग न० (युगलक) જોડલું; બેની જોડ जोडला, दो की जोड A pair, a couple ज० प०

जुगलय न० (युगलक) જુગલ; જોડું युगल, जोडा A couple, a pair सम० ७६,

जुगलिय त्रि० (युगलित) જોડી યુક્ત. युगल युक्त, सजोड Coupled together; consisting of a pair. " जिवं जुगलिया " नाया० १,

जुगवं त्रि० (युगवत्) કાલના ઉપદ્રવથી રહિત, ત્રીજા તથા ચોથા આરાના જન્મેલ काल के उपद्रव से रहित तृतीय व चतुर्थ आरेमें जन्म प्राप्त. Free from molestation caused by time, born in the third and the fourth Ārās (a part of a cycle of time). जीवा० ३, १; भग० १४, १, १६, ३; राय० ३, ३; उवा० ७, २१६;

जुगवं. अ० (युगपद्) એકી વખતે; એક કાલે; એક સાથે. एकही समय पर; एकही कालमें, एक साथ. Simultaneously. उत्त० २८, २९; १६, ५४; सू० च० ५, ६; २, १६१; ठा० ३, ४; विशे० १६६; प्रव० ६८८, ओघ० ४३;

जुग्ग त्रि० (योग्य) લાયક. योग्य. Proper. भत्त० १२, प्रव० ११७०;

जुग्ग न० (युग्य) ગોલ્લ દેશમાં પ્રસિદ્ધ એક જાતની પાલખી કે જેને ફરતી ચોખુણી બે હાથ પ્રમાણે વેદિકા-કઠેડો હોય છે. गोल्ल देश में प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि जिसके चारो ओर फिरती चौरस दो हाथ प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है A kind of palanquin with a square railing of the height of two arm's length. It is made in the country named Golla. भग० ३, ४, ४, ७, ८, ६. विशे० २६६२, ज० प० ५, १२७, ओव० अणुजो० १३४; (२) ધોંસરી जुडा a yoke, that part of the pole of a carriage which is fastened to the shoulder of an ox a horse etc ठा० ४, ३, भग० ६, ३३, (३) युग-धोंसरी વહેનાર ઘોડા બળદ વગેરે युग जुडा को उठानेवाला-घोडा, बैल इत्यादि an ox, a horse etc. harnessed to a carriage 'चत्तारि जुग्गा पण्णत्ता' ठा० ४, ३. (४) પુરૂષથી ઉડાય એવું વિમાન. पुरुष से उडा जा सके ऐसा आकाश विमान a kind of balloon. सूय० २, २, ६२, —आयरिया. स्त्री० (-आचर्या- युगस्याऽऽवहनं गमनं युग्याचर्या) યુગ-વાહનમાં જવું તે. युग-वाहन में जाना. going in, moving in a carriage or conveyance. ठा० ४, ३;

जुग्गआरिया स्त्री० (युग्याचर्या) જુઓ

ऊपरनो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. ठा॰ ४, ३; —सीय. त्रि॰ (-स्त) वाहन ऊपर बेठेल. वाहन के ऊपर आरूढ seated in a vehicle or carriage. ओघ॰

जुग्गाय. त्रि॰ (जुग्गक) जुओ 'जुग्ग' शब्द. देखो 'जुग्ग' शब्द. Vide 'जुग्ग' ठा॰ ४, ३;

जुज्ज. त्रि॰ (योज्य) योजना घटना करवा योग्य. योजना-घटना करने योग्य. Worthy of being united or joined together उत्त॰ २७, ८;

√ जुज्झ. धा॰ I. (युध्) युद्धकरवु, लडाई-करवी युद्ध करना; लडाईकरना To fight, to battle; to wage war.

जुज्झामि. नाया॰ १६;

जुज्झामो. नाया॰ १६;

जुज्झाहि. आया॰ १, ५, ३, १५३; उत्त॰ ६, ३५;

जुज्झहे. नाया॰ १६,

जुज्झत सूय॰ १. ३, १, १; सु॰ च॰ ७, ७८,

जुज्झित्ता ठा॰ ३, २,

जुज्झ. न॰ (युद्ध) युद्ध लडाई युद्ध, लडाई Battle, war. उत्त॰ ६, ३५, आया॰ १, ५, ३, १५३; नाया॰ ८, —कित्तिपुरिस. पु॰ (-कीर्तिपुरुष-युद्धर्जिता या कीर्ति. तत्प्रधानः पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुषः) युद्धथी कीर्तिवंत थयेल पुरुष. युद्ध से कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम॰ —ज्झाण. न॰ (-ध्यान) लडाईनुं ध्यान; ध्याननो एक प्रकार. लडाई का ध्यान; ध्यान का एक प्रकार. concentration or meditation upon battle; a variety of meditation. आउ॰ —सज्ज. पुं॰ (-सज्ज) युद्धमां तैयार; युद्धमां तत्पर युद्ध में तत्पर. one who is prepared for battle; one who is ready to fight. नाया॰ ८, १६; निर॰ १, १;—सड्ढ. त्रि॰ (-श्रद्ध-संग्रामस्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य सः) युद्धमां श्रद्धावान; युध्धने चाहनार. युद्ध में श्रद्धावान; युद्ध को चाहनेवाला. militarist; warlike पण्ह॰ १, ३; —सूर. पुं॰ (-शूर) युद्धमा शूर युद्ध में शूर. (one) who is brave in battle; a warrior. " जुज्झ सूरे वासुदेवे " ठा॰ ४, ३;

जुज्झाइजुज्झ न॰ (युद्धातियुद्ध) द्वंद्व युद्ध; ७२ कलामांनी एक कला द्वंद्व युद्ध; ७२ कलाओं में से एक कला. A single combat; a duel, one of the 72 arts. जं॰ प॰ ओव॰ सम॰

जुण्ण. त्रि॰ (जीर्ण) जीर्णुं; जुनु, वृद्ध जीर्ण; पुरातन, वृद्ध. Old, worn out, antiquated नाया॰ १, ११, भग॰ १६, ४, १६, ३. अणुजो॰ १२७, अणुत्त॰ ३, १, ओघ॰ नि॰ १३६, राय॰ २५८; —उज्जाण. न॰ (-उद्यान) जुओ "जिण्णुज्जाण " शब्द देखो " जिण्णुज्जाण " शब्द. vide " जिण्णुज्जाण " नाया॰ १; —कुमारी स्त्री॰ (-कुमारी) जुओ " जिण्णकुमारी " शब्द देखो " जिण्णकुमारी " vide " जिण्णकुमारी " नाया॰ १; नाया॰ ध॰ —गुल पुं॰ (-गुड) जुनो गोल. पुराना गुड old treacle. भग॰ ८, ६;—तंदुल न॰ (-तण्डुल) जुना चोखा. पुराने चावल old rice. भग॰ ८, ६; —सुरा. स्त्री॰ (-सुरा) जुनो दारु. पुराना दारु-मदिरा-मद्य. old wine. भग॰ ८,६;

जुण्णिय. त्रि॰ (जीर्णित) जीर्णुं जीर्ण. Old, worn out. नाया॰ १;

जुई. स्त्री० (द्युति.) કાન્તિ. कान्ति. Light; lustre. नाया० १; भग० ३, ६; ओव० २२; सू० प० १६; सम० १०;

जुत. त्रि० (युक्त) યુક્ત; સહિત. सहित, युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) જોડેલ. जुड़ा हुआ. joined, united. सू० प० ७, १६१; ३, ६४; २, २०; नाया० ३; ३; ४; ८, ६; १४; १६, भग० ७, ८, ६, ३३, दस० ३, १०, ८, ४३; ६४; ६,२, १४; ६, ४, २, ३; पिं० नि० १६४; नदी० ६; उत्त० १, ८; ६, २२; राय० २२९, दसा० ४, १२, १०, १, पंचा० ६, ४२, ३, २५; क० गं० १, ३७; ४४; क० गं० ४, प्रव० ८१२; गच्छा० १२८, कप्प० ३, ३६, ओव० १०; २६, अणुजो० १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६, (३) યોગ્ય. योग्य proper; fit, worthy. विशे०९; ११३; सु० च० १, १५४, २, ४५१; निर० १, १, नाया० ८, (३) અસખ્યાત અને અનતનો એક પ્રકાર. असख्यात व अनंत का एक प्रकार a variety of the innumerable and infinite अणुजो० १४६, —असंखेज्जय. पुं० (-असख्येयक) અસંખ્યાતનો એક પ્રકાર असंख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable अणुजो० १४६, क० ग० ४, ८१, —अहिगरण न० (-अधिकरण) અધિકરણ-હિંસાના ઉપકરણ અધિક અધિક યોજવા તે; આઠમા વ્રતનો પાંચમો અતિચાર अधिकरण-हिंसा के उपकरण अधिक अधिक योजना; आठवें व्रत का पाचवा अतिचार using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव०२८३;—जोग त्रि० (-योग) શરીર વિગેરેની યોગ્ય ચેષ્ટા વાલા. शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला (one) possessing proper activity of the body etc. पंचा० १२, २१; —परिवाय त्रि० (-परिवार) સારી સામગ્રીથી યુક્ત-પાલખી આદિ. शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e g a palanquin etc.). ठा० ४, ३, —पालिय त्रि० (-पालिक —युक्ता परस्परसंबद्धा न तु बृहदन्तरालाः पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपालिकः) પાસે પાસે-સડક-પૂલવાળુ पासपास-नजीक सड़क-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय० —फुसिय. न० (-स्पर्श) ઉચિત બિન્દુ-પાણીના છાંટાનુ પડવું उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water " जुतफुसिय निहयरयरेणुय " सम० ३४, —रूव त्रि० (-रूप) પ્રશસ્ત સ્વભાવ વાલો प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा० ४, ३, —सोह त्रि० (-शोभ—युक्ता शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्युक्तशोभम्) યોગ્ય શોભાવાળું योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. ठा० ४,३;

जुत्त. न० (योक्त्र) જોતર जोत का रस्सा. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त० १६, ५६;

जुत्ति. स्त्री० (युक्ति) યુક્તિ; કળા; રીતિ. युक्ति, कला; रीति Skill; art; mode; process विशे० १२४, ओघ० नि० ५८६; नाया० १०; अणुजो०१२८; (२) મેળવણી मिश्रण joining together; mixture; union पिंचा० ३, ३; पंचा०५,१;

(३) એ નામના એક કુમાર. इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). निर० ५, १; (४) એ નામનું વન્હિદશાસૂત્રનું એક અધ્યયન. इस नामका वन्हिदशा सूत्र का एक अध्ययन name of a chapter of Vahnidaśā Sūtra. निर०५,१, —खम. त्रि०(-क्षम) યુક્તિનું સહન કરવું તે युक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning "नागमजुत्ति क्खमं होइ" विशे० १६५. —खम त्रि० (-क्षम) યુક્તિ સહિત; યુક્તિવાળું, युक्ति सहित; युक्ति वाला. logical, possessing reason. पंचा० १२, १६, —रण (-ज्ञ-युक्तिं जानातीति) યુક્તિને જાણનાર, કલાબાજ युक्ति का जानने वाला, कलाबाज (one) well-versed or skilful in any art "गवारे गीयजुत्तिरणा" ठा० ७; —बाहिय त्रि० (-बाधित) યુક્તિથી બાધિત-ખંડિત થયેલ. युक्ति से बाधित-खण्डित. refuted by logical argument "जम्हाण जुत्तिबाहिय विसग्रो विसयागमो होइ" पचा० १८, ४४. —सुवगण. पुं० (-सुवर्ण) બનાવટી સોનું कृत्रिम सुवर्ण बनावटी सुवर्ण. artificial gold. पचा० १४, ३६,

जुत्तिसेण पुं० (युक्तिसेन) જમ્બુદ્વીપમાંના ઐરવતક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમાં થયેલ આઠમા તીર્થંકર. जंबूद्वीप में ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न आठवें तीर्थंकर. The eighth Tirthankara of the current Avasarpini in the Airavata region of the Jambū Dvīpa. सम० प० २४०; (२) ઐરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ૧૧ મા તીર્થંકર. ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थंकर. the present 11th Tirthaṅkara of the Airavata Kṣetra. प्रव० ३६६;

जुज्झ. पुं० (युद्ध) યુદ્ધ; લડાઇ; લડવાની કલા. युद्ध; विग्रह; लड़ने की कला. Battle; engagement, art of fighting a battle. ओव० ३०, ४०; नाया० १; २; १६; जीवा० ३, ३; ओघ० नि० ३२५; सूय० ५, १, १२, —अइजुज्झ. न० (-अतियुद्ध) દારૂણ યુદ્ધ; યુદ્ધમાં યુદ્ધ दारुण युद्ध, युद्ध में युद्ध. terrible battle; thick of the fight. नाया० १, ओव० ४७; —अरिह. न० (-अर्ह) કર્મની સાથે યુદ્ધ કરવામાં ઉપયોગી, ભાવ યુદ્ધમાં કામ લાગે તેવું. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी; भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma; useful in moral war e g. against passions आया० १, ५,३, १५४, —कित्ति-पुरिस पुं० (-कीर्तिपुरुष) જુઓ "जुज्झ-कित्तिपुरिस" શબ્દ देखो "जुज्झकित्ति-पुरिस" शब्द vide "जुज्झकित्तिपुरिस" सम० —नीति स्त्री० (-नीति) લડવાની નીતિ-વ્યવસ્થા युद्धनीति-व्यवस्था military tactics or strategy ज० प० —नीई स्त्री० (-नीति) યુદ્ધ કરવાની નીતિ युद्ध करने की नीति the tactics of fighting. प्रव० १२४०; —सज्ज त्रि० (-सज्ज) જુઓ "जुज्झसज्ज" શબ્દ. देखो "जुज्झसज्ज" शब्द vide 'जुज्झ सज्ज" राय० —सड्ढ. त्रि० (-श्रद्ध) જુઓ "जुज्झसड्ढ" શબ્દ. देखो "जुज्झ-सड्ढ" शब्द. vide "जुज्झसड्ढ" पराह०१, ३; —सूर. पुं० (-शूर) લડવૈયા; સુભટ. सैनिक, लड़वैया; सुभट. a warrior, a combatant. ठा० ४, ३;

जुग्ग. त्रि० (जीर्ण) જુઓ "जुग्ण" શબ્દ.

देखो "जुगल" शब्द. Vide "जुगल" ओव० नि० ३७७; सु० च० ७, २७१; नाया० १, ४, १, ११५;

जुम्हा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) ચાંદની રાત चांदनी रात. Moonlight. सु० च० ७, १४४,

जुम्म. न० (युग्म) જુગલ, જોડી, બેનું જોડું. युगल. जोडा. A pair, a coup'e. "कइ णं भंते जुम्मा पराणत्ता? गोयमा। चत्तारि जुम्मा पराणत्ता" ठा० ४, ३, भग० १८, ४, २५, ४, ३१, ७, ४१, ३; पिं० नि० २; —पएसिय. त्रि० (-प्रादेशिक) સમ સંખ્યા એકી પ્રદેશથી ઉત્પન્ન થયેલ. सम संख्या से उत्पन्न. produced from, resulting from an even number. भग० २५, ३.

जुय पुं० (युग) યુગ; પાંચ સંવત્સર પ્રમાણે કાલ વિભાગ. युग, पांच संवत्सर के प्रमाण काल विभाग A Yuga, a period of time measuring five Samvatsaras. भग० ५, १. (२) બે (સંખ્યા વાચક) दो; (संख्यावाचक) an expression for the number 2. सु० च० १, २७२;

जुय. पुं० (यूप) યજ્ઞસ્થંભ. यज्ञस्तंभ A sacrificial post पिं० नि० ३६,

जुयग. पु० (युगक) લવણ સમુદ્રમાંના ચાર મ્હોટા પાતાલકલશામાંનો એક. लवण समुद्र में के चार बडे पातालकलशमें का एक. One of the four nether world pots of the Lavana ocean. प्रव० १४८६,

जुयल. न० (युगल) જોડી; જોડું जोडा; युगल A pair, a couple नाया० १; ८; ९; जीवा० ३, १, ३, सु० च० १२, ८, राय० १२२; उवा० २, १०७, —धम्मिय पुं० (-धार्मिक) જુઓ "जुगलधम्मिय" શબ્દ देखो "जुगलधम्मिय" शब्द. vide "जुगलधम्मिय" शब्द०

जुव पुं० (युवन्) યુવાન; જુવાન युवकः जवान. A young man; a youth. दस० ७, २९; विशे० १६१४; नाया० १, ४, २, १३८, भग० १६, ३;

जुवइ स्त्री० (युवति) યુવતી; યુવાન સ્ત્રી. युवति, युवा (स्त्री) A youthful woman भग० १, १; ३, ५; ५, ६; नाया० ८, विशे० २३०, २५७२; ओव० सु० च० ४, १६८,—जण पुं० (-जन) યુવતી, સ્ત્રીજન. युवती; स्त्री-जन. a youthful woman; a woman. पण० १;

जुवग. पुं० (युवक) શુક્લ પક્ષની બીજ અને ત્રીજનો ચન્દ્રમા शुक्ल पक्ष की द्वितीया व तृतीया का चंद्र The moon of the 2nd and 3rd days of the bright half of a month जावा० ३, ३,

जुवति स्त्री० (युवति) યુવતિ, જુવાન સ્ત્રી. युवती, युवा स्त्री A youthful lady. सूय० १, ४, १, १२, भग० ३ १,

जुवरज्ज न० (यौवराज्य) યુવરાજ તરીકે અભિષિક્ત થયેલાનું રાજ્ય युवराज के समान अभिषिक्त जो है उसका राज्य Kingdom of one who is crowned while he is still an heir-apparent आया० २, ३, १, ११६,

जुवराय पुं०(युवराज) વર્તમાન રાજાપછી રાજનો હકદાર વારસદાર, ભવિષ્યનો રાજા, પાટવી કુમાર वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य का हकदार-वारस, भविष्य का राजा, पाटवी कुमार. A crown-prince; an heir-apparent उत्त० १९, २: पण्ण० १६; विवा० ९० जं० प० नाया० १२; पिं० नि० ५११;

जुवरायत्ता स्त्री० (युवराजता) યુવરાજપણું युवराजपना; युवराज पद. Status

of a crown-prince; state of being an heir-apparent. भग० १२,७;

जुयल. न० (युगल) જોડી. युगल; जोड़ा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११, ११;

जुयलग. पुं० (युगलक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. निर० ३, ४;

जुयलय. न० (युगलक) જુઓ ' जुयल ' શબ્દ. देखो " जुयल " शब्द Vide " जुयल " सु० च० १, ४७, पन्न० २;

जुयलिय. त्रि० (युगलित) જોડી રૂપે રહેલ. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple ओव० भग० १, १;

जुवाण. पु० (युवन्) જુવાન-યુવાવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ. युवक; युवावस्था का प्राप्त Youthful, attaining puberty नाया० १, ३, भग० ३, १, ६, ५ ६, ओघ० नि० ७२१, अणुजो० १३०, ठा० ५,२, प्रव० ५३०,

जुवाणग त्रि० (युवक) જવાન યુવક युवक Young; youthful सूय० १, ७, १०,

जुवाणय त्रि० (युवक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above भग० ६, ३३. उवा० ७, २०६,

जुव्वण. न० (यौवन) યુવાવસ્થા युवावस्था. Youth, puberty. नाया० ६, सु० च० १, ३१८, जं० प० ५, १२३; —अणुपत्त त्रि० (अनुप्राप्त) યુવાવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. दसा० १०, ३; —त्थी स्त्री० (-स्त्री) યુવાન સ્ત્રી. युवती. a youthful lady. ' सकडक्खं सवियारं सरहसिंह जुव्वणत्थीए " तडु०

जुव्वणग. न० (यौवनक) યુવાવસ્થાપણું; જુવાનપણું. युवावस्था. Youth; young-age. कप्प० ३, ३३;

जुव्वणत्त. न० (यौवनत्व) યુવાવસ્થાપણું. युवावस्था की स्थिति. Condition of youth or puberty. सु० च० ११,२१;

जुसिय. त्रि० (जुष्ट) પ્રસન્ન; પ્રીત. संतुष्ट; खुश. Pleased; propitiated. " वायवा देइ कोणो उवगारिसु परिसिय व जुसिए वा" ठा० ४, ४,

जुहिट्ठिल पु० (युधिष्ठिर) હસ્તિનાપુર નગરના પાંડુરાજાના મ્હોટા પુત્ર-ધર્મરાજ. हस्तिनापुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmarāja i e the eldest son of the king Pāṇḍu of Hastināpura " जुहिट्ठिल पामोक्खाणं पंचण्हं पडवाणं " अंत० २, १. नाया० १६,

जूआ-या स्त्री० (यूका) જુ, માથામાં થતો એક જન્તુ जूं, सिर में पैदा होनेवाला एक जन्तु A louse ज० प० २, १६; नदी० १४, आया० २, १३, १७२, पन्न० १, भग० ६, ५; १६, १, प्रव० ४४२, १४४५, (२) ચોસઠ વાલાગ્ર અથવા આઠ લિખ પ્રમાણ એક ભરપ ६४ वालाग्र अथवा ८ लिख प्रमाण का एक नाप a measure of length equal to 64 hair-points or 8 nits अणुजो० १३४, —सेज्जायर. पु० (-शय्यातर) જૂને સ્થાન આપનાર जूं को स्थान देनेवाला. one who gives a place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय. पुं० (यूप) યજ્ઞ સ્તંભ. यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post निर० ३, ५, (२) એ નામનું પુરૂષના હાથ અથવા પગનું લક્ષણ. इस नाम का पुरुष के हाथ या पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं॰ प॰ (३) એ નામનો પશ્ચિમ દિશાનો પાતાલ કલશો. इस नाम का पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction प्रव॰ १५८६; (४) ધોંસરી ધુંસરી. that part of the yoke which rests on the shoulder, a yoke पराह॰ १. १; —चिइ स्त्री॰ (-चिति) યજ્ઞની અન્દર સામગ્રી એકઠી કરવી તે यज्ञ में सामग्री एकत्रित करना collecting together materials required in a sacrifice ओव॰

जूय. न॰ (द्यूत) જુગટુ. जुआ. Gambling, playing at dice. प्रव॰ ४३८; (२) ७२ કલામાની એક કલા ७२ कलाओं में से एक कला one of the 72 arts नाया॰ १. ओव॰ ४०, कप्प॰ ५. ६६, —कर पुं॰ (-कर) જુગારી जुआरी a gambler पराह॰ १, १, ३. —कार पुं॰ (-कार) જુગાર રમનાર जुआ खेलने वाला a gambler नाया॰ १८, —खलय न॰ (-खलक) જુગાર ખેલવાનુ ઘર जुआ खलने का गृह, जुआखाना. a gambling house नाया॰ २, १८, —चिइ. स्त्री॰ (-चिति) જુગાર ખેલવો તે जुआ खेलना. gambling, playing at dice ओव॰ —पमाय. पुं॰ (-प्रमाद) જુગટા રૂપ પ્રમાદ. जुआरूपी प्रमाद negligence, error in the form of gambling. ठा॰ ६, १, —पसंगि त्रि॰ (-प्रसंगिन्) જુગારમા આસક્ત. जुआ में आसक्त addicted to gambling or playing at dice. नाया॰ २, —प्पसंगि. त्रि॰ (-प्रसङ्गिन्) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. नाया॰ १८;

जूयग. न॰ (यूपक) શુક્લ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસની સંધ્યા; ચંદ્ર અને સંધ્યાની પ્રભા મિશ્રિત થાય તે. शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या की प्रभा का मिश्रित होना Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month ठा॰ १०, १,

जूयग. पुं॰ (यूपक) શુક્લ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસની ચન્દ્રની કલા અને સન્ધ્યાનો પ્રકાશ મિશ્ર થાય તે शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की चन्द्रकी कला व सन्ध्या के प्रकाश का मिश्रित होना Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग॰ ५, ३, जीवा॰ (२) પશ્ચિમ દિશાનો એ નામનો પાતાલ કલશો. पश्चिम दिशा का इस नाम का पाताल कलश a pot of this name of the nether world of the western direction. सम॰ ५२;

जूयामाय. न॰ (यूकामात्र) જુ માત્ર; જું જેવડુ. जूं मात्र, जू के प्रमाण का Merely a louse, of the size of a louse "जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टत्ता" भग॰ ६, १०,

√जूर. धा॰ I (जूर्) ઝુરણ કરવી, પસ્તાવો કરવો पश्चाताप करना To pine away, to repent, to waste away;

जूरा-रइ. सूय॰ २, १, ३१, आया॰ १, २, ५, ५.३;

जूरंति. सूय॰ ३, २, ५५;

जूराविं. सुय० २, ३, २१;
जूरावे. सूय० १, ३, ७, ७;

जूरावणा. स्त्री० (जूरवणा) ઝૂરણા કરવી; સુકાવું. झूरना. Pining away; wasting away. सूय० २, ४, ६;

जूरावण. न० (जूरण) શરીરની જીર્ણતા થાય તે. शरीर का जीर्ण होना. Wearing or wasting away of the body. भग० १, ३;

जूरिअ. त्रि० (जीर्ण) જીર્ણ થયેલ जीर्ण Worn out; decayed; grown old अणुजो० १४६;

जूव. पुं० (यूप) યજ્ઞ સ્તંભ यज्ञ स्तंभ A sacrificial post to which the victim is fastened निर० ३, ३, उत्त० १२, ३६; भग० ३, ७, ११, ११; जं० प० (२) પશ્ચિમ દિશાનો પાતાલ કલશો पश्चिम दिशा का पाताल कलश a pot of the nether world in the western direction. जीवा० ३, ४, प्रव० १४६६, —चिह्न स्त्री० (-चिति) જુઓ "जूयचिह्न" શબ્દ देखो "जूयचिह्न" शब्द vide "जूयचिह्न" ओव०

जूवग पुं० (यूपक) જુઓ "जूयग" શબ્દ. देखो "जूयग" शब्द Vide "जूयग" ठा० १०,

जूवय. पुं० (यूपक) શુક્લ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસમાં સંધ્યાની પ્રભા અને ચંદ્રની પ્રભા એક થઇ જાય તે. शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन में सन्ध्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र होना Blending together of the light of the setting sun and the rising moon on the first three days of the bright half of a month. अणुजो० १२७; ठा० ४, ३;

जूस. पुं० (यूष) કઢી; ઓસામણ. कढी. Soup; broth. ओघ० नि० १४७; प्रव० १४२५;

जूसणा. स्त्री० (ध्वंसना) વિનાશ. विनाश. Destruction. कप्प० ८, ५१;

जूसणा. स्त्री० (जोसणा) સેવા; સેવન. सेवन. Service; worship ठा० ४, ३; ओव० ३४,

जूसिय. त्रि० (जुष्ट) સેવન કરેલ. सेवन किया हुआ Served; worshipped; resorted to नाया० १; ठा० ४, ३;

जूह पुं० (यूथ) જૂથ; ટોળું, સમૂહ; જત્થો. समूह, झुंड. A crowd; a band, a herd नाया० १; ४; पिं० नि० ५१६; उत्त० ११, १६; पगह० १, १; सु० च० ६, २२, विवा० ४; —अहिवइ पुं० (-अधिपति) ટોળાનો સ્વામી झुंड समूहका स्वामी. the head of a group or a band. उत्त० ११, १६; —वइ. पुं० (-पति) ટોળાનો માલિક-ધણી समूह का स्वामी. a owner of, a lord of crowds; the leader of a group नाया० १; सु० च० ६, २६; पिं० नि० ६१७;

जूहिअ-य न० (यूथिक) જુઇનાં ફુલ. जुई का फूल A jasmine flower. जं० प०

जूहिया. स्त्री० (यूथिका) જૂઇ जूई. A kind of jasmine राय० ५६; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —पुड. न० (-पुट) જુઇનો પડો. जूई का पुडा. a packet of jasmine flowers नाया० १७; —मंडव. पुं० (-मण्डप) જુઇનો માંડવો. जूई का मण्डप. a bowbr of jasmine. राय० १३७; —मंडवग. पुं० (-मण्डपक) જુઇનો માંડવો. जूई का

मंडव. a bower of jasmine. जीवा० ३, ४; प०
जूही. स्त्री० (जुथिका) जुईनो वेलो. जूई की बेल A jasmine creeper (२) जुईनुं फूल. जूई का फूल a jasmine flower. कप्प० ३, ३७,
जे. अ० (जे) पादपूरणु तथा वाक्यालंकारमां वपरातुं अव्यय पादपूरण व वाक्यालंकार में उपयोगी अव्यय. An indeclinable used expletively. नाया० ६,
जेट्ठ. त्रि० (ज्येष्ठ) ज्येष्ठ; म्होटुं, प्रथम उत्पन्न थयेल. ज्येष्ठ-बडील; प्रथम जो उत्पन्न हुआ हो वह Senior, eldest, first-born. भग० १, १, २, १, ५; ३, १, ५, १; ७, १०, १६, ९; १८, २; नाया० १; ५; ६; सु० च० २, ६६६; जं० प० सू० प० १; राय० २०३, ओव० ३८, विशे० ६४३; उवा० १, ६६, ६, १७८; ७, २३०, १०, २७४; क० प० १, ३७; ४, ६०; प्रव० २२६; क० प० ५, १०२, पंचा० १०, ६, —पुत्त पुं० (-पुत्र) म्होटो पुत्र जेष्ठ पुत्र the eldest son नाया० ५, ८; १२, १५, १८, —भाउ पुं० (-भ्रातृ) म्होटो भाई जेष्ठ भ्राता; वडील बंधु the eldest or senior brother नाया० १८; —लद्धि. त्रि० (-लब्धि) उत्कृष्ट लब्धिवालो. उत्कृष्ट लब्धि युक्त (one) possessing good powers क० प० ७, २३; —सुण्हा. स्त्री० (-स्नुषा) मोटी वहु ज्येष्ठ वधु wife of the eldest son; senior daughter-in-law. नाया० ७;
जेट्ठग. त्रि० (ज्येष्ठक) म्होटुं. ज्येष्ठ-वडील. Elder or eldest. पंचा० ५, ७;
जेट्ठा. स्त्री० (ज्येष्ठा) म्होटी व्हेन. ज्येष्ठ भगिनी. Elder or eldest sister. नाया० ८; (२) जेठाणी. जेठानी. wife of husband's elder brother. नाया० १६; (३) ज्येष्ठा नामनुं नक्षत्र. ज्येष्ठा नाम का नक्षत्र. name of a constellation. अणुजो० १३१; सम० ३; ठा० २, ३;
जेट्ठामूल. पुं० (ज्येष्ठामूल) जेठमास; जेठ महिनो ज्येष्ठ मास. The month of Jyestha "गिम्हकाल समयंमि जेट्ठामूलम्मि मासम्मि" ओव० ३६; ओघ० नि० २८६; भग० १८, १०; नाया० १; —मास. पुं० (-मास) जेठमास. ज्येष्ठ मास. the month of Jyestha नाया० १३;
जेट्ठामूली स्त्री० (ज्येष्ठामूली) जेठ महीनानी पुनम ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा. The full-moon day of the month of Jyestha. जं० प० ७, १६१,
जेणामेव अ० (*येनैव-यत्र) ज्यांहने जिस स्थान पर Place where. उवा० १, १०, नाया० १, १४; भग० ५, ७, जं० प० ३, ४३;
जेणेव अ० (यत्रैव) ज्यां, जे भागमां. जहां -जिस स्थान में Where, place where ओव० ११, अंत० १, १, नाया० १, ४, ५; ८, ६, १२; १४, १६, भग० १, ६, २, १, ९, ३, १, ५, ४, ७, ६, उवा० १, १०, ५८, २, ६१; जं० प० ९, ११२; ११४,
√जेम धा० II. (जिम्) जमवुं; भोजन करवुं. भोजन करना; जीमना. To dine, to take food.
जेमेइ. उत्त० १७, १६;
जेमिय. भग० ३, १,
जेमण. न० (जेमन) मिष्ट भोजन मिष्ट भोजन. Sweet food; dinner consisting of sweet or delicious food ओघ०नि० ८८; उवा० १, ५८; १०,

२०७; जं० ४४२;

जेमावण. न० (जेमन) ખાવાની શરૂઆત કરાવવી તે; બાળકને જે અન્ન પ્રાશન સંસ્કાર કરવામાં આવે તે. बालक का अन्न प्राशन संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय० २८८;

जेमावण. न० (जेमन) ભોજન કરાવવું તે भोजन कराना. Giving food, dinner. भग० ११, ११;

जेमिणि पुं० (जैमिनि) મીમાંસા દર્શનના સ્થાપક મુનિ मीमांसा दर्शन के स्थापक मुनि Name of a saint who was the founder of the Mimānsā school of philosophy नंदी०

जेयार त्रि० (जेतृ) જીતનાર; જય કરનાર जीतने वाला-विजयी (One) who conquers; a victor. " जेया-विवा " भग० १०, २; नाया० १, सूय० १, २, १,१,

जेहिल पुं० (जेहिल) એ નામના વસિષ્ઠ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ-આર્યનાગના શિષ્ય સ્થવિર મુનિ. इस नाम के वशिष्ठ गोत्रोत्पन्न आर्यनाग के शिष्य थिवर मुनि Name of a Sthavira ascetic born in the Vasiṣṭha family-origin and disciple of Āryanāga कप्प० ८,

जोअ पुं० (योग) સંયમ વ્યાપાર; ક્રિયા संयम व्यापार, क्रिया. ascetic practice viz. contemplation upon the soul; activity of the mind, speech or body. उत्त० २७, २; विशे० ११६,प्रव०८४७;दसा०५,२६; (२) ચંદ્રમાનો યોગ. चंद्र का योग. conjunction of the moon with a constellation etc ओव० ३१; सू० प० १२; (३) યોગ -મન વચન કાયાનો વ્યાપાર. योग-मन वचन काया का व्यापार. the activity of the mind, speech and body. नाया० ५; भग० १८, ८; प्रव० ७४८;

जोअण. न० (योजन) જોજન; ચાર ગાઉ અથવા ચાર હજાર ગાઉ પ્રમાણ એક ક્ષેત્રનું માપ जोजन; चार कोस प्रमाण अथवा ४००० कोस प्रमाण क्षेत्र का माप विशेष. A Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी० १०, जं० प० ४, ११२; ६, १२५;

जोइ पुं० (ज्योतिष्) અગ્નિ; પ્રકાશ, તેજ; જ્યોતિ. अग्नि, प्रकाश, तेज, ज्योति Fire; light; lustre दस० २, ६; ८, ६२; भग० ३, १, सूय० १, १६, ८; ओघ० नि० ६४२; राय० २५, ६; नंदी० १०; दसा० १०, ३; ठा० ४, ३; भग० ८, ६; (२) જ્ઞાન ચક્ષુવાળો. ज्ञानचक्षुयुक्त possessed of the vision of knowledge. ठा० ४, ३; (३) ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિ. ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि. a heavenly body such as a planet, star etc सम० ३, क० ग० ३, ११; (४) જ્યોતિષ લક્ષણનું વિમાન વિશેષ. ज्योतिष लक्षण का विमान विशेष. name of a particular lustrous heavenly abode (५) જ્યોતિષ સંબંધી જ્ઞાનવાળું શાસ્ત્ર ज्योतिष विषयक ज्ञान देनेवाला शास्त्र. the science of the astronomy or astrology. निसी० ३, ३, (६) નંદીવાની જ્યોત दीपक की ज्योति. lamp light प्रव० २००; (७) त्रि० સત્કાર્ય કરવાથી ઉજ્જ્વલ સ્વભાવવાળો. सत्कार्य करने से उज्ज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. ठा०

४, १; (क) જેમાંથી અગ્નિ ઉત્પન્ન થાય તેવી જાતનાં કલ્પવૃક્ષ. उस जाति के कल्पवृक्ष जिनमें से अग्नि उत्पन्न हो. a variety of Kalpavṛiksa (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव० १०८१; सम० १०; —अंग. पुं० (-अंग) જેમાં જ્યોતિ-પ્રકાશ જણાય તેવા-કલ્પ વૃક્ષની એક જાત. जिस में ज्योति-प्रकाश दृष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of Kalpavrikṣa (desire-yielding tree) emitting light. ठा० १०, तंडु० —ट्ठाण. न० (-स्थान) અગ્નિનું સ્થાન; અગ્નિનું ઠેકાણું अग्नि का स्थान place or abode of fire " केते जोई के व ते जोइट्ठाणं" उत्त०१२, ४३; —बल. त्रि० (-बल—ज्योतिर्ज्ञान बलं यस्य स तथा) સદાચાર વાળો; જ્ઞાન વાળો सदाचारी,ज्ञानी. possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा० ४, ३; —भंड, न० (—भाजन) અગ્નિનું ઠામ अग्नि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. " जोइभंडोव राणो विव सुइराग विरागाओ " तंडु०

जोइ. पुं० (योगिन्) યોગ મતનો અનુયાયી, યોગ દર્શનનેજ માનનાર. योग मत का अनुयायी-योग दर्शन को ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy ओव० ३८;

जोइक्ख. पुं० (ज्योतिष्क) દીવાની જ્યોત दीपक की ज्योत. The light of a lamp. प्रव० २००;

जोइभूय. त्रि० (ज्योतिर्भूत) જ્યોતિર્મય થયેલ. ज्योतिर्मय जो है वह. (That which has) become full of light and illumination. " अप्पं समजोइभूयं" विवा० १, ४; सूय० १, १,२, १६;

जोइय त्रि० (यौगिक) યૌગિક શબ્દ; જેના પ્રકૃતિ પ્રત્યયનો અર્થ શબ્દમાં ઘટે તે; यौगिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्यय का अर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वह A word bearing out its etymological sense. पराह० २, २; (२) યોગવાળા योग वाला. possessed of Yoga. भग० ६, ३३;

जोइय त्रि० (योजित) યોજેલ; જોડેલ. योजना किया हुआ, जुड़ा हुआ. Joined, united, planned. भत्त० २७, ८, दवा० ७, २०६,

जोइरस. न० (ज्योतिरस) એક જાતનું રત્ન एक जाति का रत्न. A kind of gem नाया० १; राय० २६; जीवा० १, ४; कप्प० २, २६,

जोइस. न० (ज्योतिष) જ્યોતિષ ચક્ર ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies जं० प० ५, ११७; पन्न० १; ओव० २५, (२) पुं० જ્યોતિષ ચક્રની અંદર રહેલા દેવો; સૂર્ય ચંદ્ર વગેરે. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कप्प० १, १४; उत्त० ३४, ५१; ३६, २०२; विसे० ७०१; १८७०; पिं० नि० ८७; भग० २, ७; पन्न० २; (३) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર. ज्योतिष शास्त्र. the science of Astronomy. भग० २, ३; सु० च० ४, ६; —अंगविउ. त्रि० (-अंगविद्—ज्योतिषं ज्योतिष्क

ज्योतिः शास्त्रादीनि च विदन्ति ये ते ज्योतिशास्त्रविदः), ज्योतिःशास्त्र वगेरे वेदनां अंगने जाणनार. ज्योतिष शास्त्र वगैरह वेद के अंगो को जानने वाला. (one) proficient in the Aṅgas (subsidiary or auxiliary branches) of Veda such as astronomy etc उत्त० २४, ७, —अत. पु० (-अत) ज्योतिष चक्रनो अन्त छेडो. ज्योतिष चक्र का अन्त. the boundary-line of the system of heavenly orbs. सम० ११, —आलय पुं० (-आलय—ज्योतिरालयो गृह येषां ते ज्योतिरालयाः) ज्योतिषना देव ज्योतिष के देव a heavenly body regarded as a deity, e g the sun, the moon etc " पंचहा ओइसालया " उत्त० ३६; २०४; ज्योतिष गण-तारे नक्षत्र इत्यादि का समूह उस का राजा चन्द्र वा सूर्य king of the heavenly bodies such as stars, constellations etc. the sun or the moon जं० प० १, —चक्क न० (-चक्र) ज्योतिष चक्र; सूर्य चन्द्र तारा नक्षत्र वगेरेनो समूह ज्योतिष चक्र, सूर्य चन्द्र तारे नक्षत्र वगैरह का समूह. the system or the group of the heavenly bodies such as the sun, moon and stars etc. —इंद पु० (-इंद्र) ज्योतिषीना इंद्र, सूर्य चंद्र ज्योतिष के इन्द्र, सूर्य, चन्द्र the Indra of the heavenly bodies; the sun or the moon " चंदिमसूरियाय एत्थ दुवे जोइसिंदा जोइसियरायाणो परिवसंति " चं० प० १; भग० ३, १; १०, ३; १२, ६; १८, ७, निर० ३, १, पंचा० २, १४; प्रव० ४७७; —गण-राय. पु० (-गणराज) ज्योतिषगण-तारा नक्षत्र वगेरेनो समुह, तेनो राजा चंद्र सूर्य. king of the planetary system viz. the sun or moon. सम० ११, क० ग० १, ४६; —पह. पुं० (-पथ) सूर्य चन्द्र आदि ज्योतिष चक्रनो मार्ग. सूर्य चंद्र आदि ज्योतिष चक्र का मार्ग. the path of the heavenly bodies such as the sun, the moon etc. सम०—पह त्रि० (-प्रभ) ज्योतिष्क देवना जेवी कांतिवाळो ज्योतिष्क देवके समान कान्तिवान. possessed of a lustre like that of a heavenly body सम० (२) अग्निना जेवी कान्तिवाळो अग्नि के समान कान्तिवान् possessed of a lustre like that of fire. सम० —पहा स्त्री० (-प्रभा) ज्योतिष-देव समान कान्ति प्रभा. ज्योतिष देव समान कान्ति, प्रभा lustre or brightness like that of a heavenly body. दसा०६,१; —राय पु० (-राज) चंद्र,सूर्य चन्द्र, सूर्य. the sun and moon. "जोइसराय सस चक्केति" चं०प०१; भग०३, १, १८, ७, —विमाण. न० (-विमान) ज्योतिषी देवना विमान ज्योतिषी देवो के विमान. a heavenly abode of the heavenly bodies such as the sun, moon etc भग०१,५, —विहूण (-विहीन) ज्योतिष रहित ज्योतिष रहित devoid of heavenly bodies भग० २, ६, —संचार. पुं० (-संचार) ज्योतिष चक्रनुं फरवुं. ज्योतिष चक्र का फिरना motions of the heavenly bodies. सम० ३;

ओइसमंडिडहेसग पुं० (ज्योतिर्मंडितोद्देशक) जीवाभिगम सूत्रनो ए नामनो एक

उद्देसो. जीवाभिगम सूत्र का इस नाम का एक उद्देशा. Name of an Uddeśā (a section) of Jīvābhigama Sūtra. भग० १६, ६;

ओइसामयग. न० (ज्योतिःशास्त्र) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર. ज्योतिष शास्त्र Astrology, astronomy. कप्प० १, ६,

ओइसिणा स्त्री० (ज्योत्स्ना) જ્યોત્સ્ના; કૌમુદી, ચાંદની ज्योत्स्ना; कौमुदी, चांदनी. Moonlight. "जोइ सिणाइ" ठा०२,४, —पक्ख पुं० (-पक्ष) શુક્લ પક્ષ शुक्ल पक्ष, the bright half of a month ज० प० १५, सू० प०

ओइसिणाभा स्त्री० (ज्योत्स्नाभा) ચન્દ્રની બીજી અગ્ર મહિષીનું નામ चन्द्र की दूसरी अग्र महिषी का नाम. Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५;

ओइसिय. पु० (ज्योतिष्क) સૂર્ય, ચન્દ્ર, ગ્રહ, નક્ષત્ર અને તારા એ પાંચ જાતના દેવતા. सूर्य चन्द्र, ग्रह, नक्षत्र व तारे इन पांच जाति के देवता The five kinds of deities viz. the sun, moon, planets, constellations and stars भग० ., १, ३, १, २, ४, ८; ७, ६, ८, १, ६, १२, १५, १; १६, ६. १८, ७, जीवा० १, नाया० ८; सु० च० ४, १८, पन्न०१, ओव० २५, ३८, अणुजो० १४०, सम० १, प्रव० ११२६, ४५, ठा० १, १, —देव पु० (-देव) જ્યોતિષી દેવ, ચન્દ્ર, સૂર્ય વગેરે. ज्योतिष के देव, चन्द्र सूर्य वगैरह a heavenly body regarded as a deity; e. g the sun, moon etc. सम० २४, १२, —देवित्थी. स्त्री० (-देवस्त्री) જ્યોતિષના દેવતાની સ્ત્રી. ज्योतिष के देवता की स्त्री. a wife of a heavenly body (regarded as a deity). "से किंतं जोइसियदेवित्थि- याओ" जीवा० १; —मंडल. न० (-मंडल) ચન્દ્ર, સૂર્ય, ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિનું મણ્ડલ चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि का मण्डल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc जं०प० २, ३३;—राय पुं० (-राज) ચન્દ્ર સૂર્ય चन्द्र, सूर्य the sun or moon. "जोइसिय रायाओ परिवसंति" पन्न० २, भग० १०, ५; निर० ३, १; —विमाण न० (-विमान) ચંદ્ર સુર્ય તારા આદિના વિમાન चन्द्र, सूर्य, तारे आदि के विमान a heavenly abode of the sun, moon, stars etc पन्न० ३;

ओई पु० (ज्योतिष) જુઓ "जोइ" શબ્દ. देखो 'जोइ' शब्द Vide 'जोइ' वेय० २, ६, ,पं० नि० २६६,

ओईरस न० (ज्योतीरस) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न A kind of gem राय० जीवा० ३,

ओईरसमय त्रि० (ज्योतीरसमय) જ્યોતિ- રસ-રત્ન મય. ज्योतिरस रत्नमय. Full of gems "जोईरसमया उवरंगा" राय०

ओईसर पुं० (योगीश्वर) યોગીશ્વર, યોગીઓના ઈશ્વર योगीश्वर; योगियोंके ईश्वर. The lord of Yogis (who concentrate) भग० १७१;

ओउक्करिणाअ पु० (योगकार्णिक) પૂર્વ- ભાદ્રપદા નક્ષત્રનું ગોત્ર पूर्वा भाद्रपदा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the constellation Pūrvā Bhādrapadā सू० प० १०;

ओएयव्व त्रि० (योजितव्य) જોડવા યોગ્ય. जोड़ने के योग्य; योजनीय. Worthy of

being united or joined with. प्रश्न० १८; नाया० ८;

जोग. पुं० (योग) સંબંધ; મિલાપ; જોડાણ. सम्बन्ध; मिलाप. Union; contact; combination. विशे० २; नाया० ११; पिं० नि० ४८. सम० ३; सू० प० ३; पन्न० ११; कप्प० १, ३; (२) ચંદ્રમા ને નક્ષત્રનો સંબંધ. चन्द्र व नक्षत्र का सम्बन्ध. conjunction of the moon with a constellation नाया० ८, (३) અપ્રાપ્ત વસ્તુની પ્રાપ્તિ अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति acquisition of an unacquired object भ० प० ७, १२६. १२१, १४६ नाया० ५, (४) યુક્તિ; ઉપાય युक्ति, उपाय. plan; means to accomplish an object पिं० नि० ४००; (५) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના પાંચમા દ્વારનું નામ पन्नवणा-सूत्र के तीसरे पद के पांचवे द्वार का नाम name of the 5th Dvāra of the third Pada of Pannavanā Sūtra पन्न० ३, (६) વશીકરણ આદિ-યોગ वशीकरण आदि योग the art of fascination etc पण्ह० २, २, निसी० १३, १२, दस० ८, ५१, पिं० नि० ४०१, (७) ચિત્તની વૃત્તિનો નિરોધ. चित्तवृत्ति का निरोध control of the vibratory activity of the mind. उत्त० ८ १४. (८) પડિલેહણ વગેરે શુભવ્યાપાર-પ્રવૃત્તિ पडिलेहण आदि शुभव्यापार-प्रवृत्ति salutary physical activity such as Padilehaṇa (inspection of clothes) etc. उत्त० ८; १४; (९) મન વચન અને કાયાનો વ્યાપાર. मन वचन व काया का व्यापार. vibratory activity of the mind speech and body. प्रव० ३ ३; ७, ५; ८, ७; १७; ३; २५, ३; २६, १; सूय० १, १, ४, ३; अणुजो० २१; क० प० १, ५. १४; पंचा० १, ८५; ७५. प्रव० २६२: दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १; उत्त० ३१. २०; सू० प० १; ओघ० निज्जु० ६३, १८; २१; नंदी० ११; विशे० ३५६; संथा० ३२; (१०) સંયમ संयम. self-restraint क० मं० १, ५४;

—क्खेम. न० (-क्षेम) યોગક્ષેમ; અપ્રાપ્તની પ્રાપ્તી અને પ્રાપ્તનું રક્ષણ योगक्षेम; अप्राप्त वस्तु का प्राप्ति व प्राप्त का रक्षण acquisition of a desired object and safe protection of what is already acquired नाया० ५;

—आयार पु० (-आचार) યોગાચાર. योगाचार the conduct of Yoga. सम० १,

—चलणा. स्त्री० (-चलन) મન વચનાદિ યોગોનું ચલવિચલપણું मनवचन आदि योगोंका चलविचलपना unstablitiy of the mind, speech and body भग० १७, ३,

—जहण्ण. न० (-जघन्य) જઘન્ય યોગ. जघन्य योग the lowest, shortest Yoga. क० प० २, ७५,

—अट्ठमज्झ न० (-अष्ट-मध्य) આઠ સમયવાળા યોગસ્થાનકો. आठ समय वाले योगस्थानक. the Yoga stages lasting for eight Samayas क० प० २, ७७,

—जुंजण न० (-योजन) સ્વાધ્યાય આદિમાં બીજાને યોજવું ते स्वाध्याय आदि में अन्य को योजना. setting (i. e. helping) another to study the scriptures etc सम० प० १६८;

—जुंजणया. स्त्री० (-योजन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. सम० ३५, ७;

—जुत्त. त्रि० (-युक्त) योग-मन वचन अने कायाना व्यापारथी युक्त-सहित. योग-मन वचन व कायाके व्यापार से युक्त-सहित possessed of the activity of the mind, speech and body. प्रव० ९७०; —ट्ठाण. न० (-स्थान—योगो वीर्यं तस्य स्थानं-योगस्थानम्) योग वीर्यनुं स्थान योग-वीर्य का स्थान the sack or repository of the seminal fluid or heroic power क० प० ७, ४६; क० गं० ५, ६५, —णि-ओग पुं० (-नियोग) वशीकरणआदि योगनुं जोडवुं ते. वशीकरण आदि योग का जोडना directing the activity of mind etc. towards fascination etc तंदु० —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) योगनी निष्पत्ति. योग की निष्पत्ति. accomplishment of Yoga. भग० १६,८,—(गा)णुयोग पुं०(-अनुयोग) वशीकरणादि उपाय बतावनार हरमेखलादि शास्त्र. वशीकरण आदि उपाय बताने वाला हरमेखलादि शास्त्र A science such as Haramekhalā etc dealing with the ways and means of fascination etc सम० २६; —नि-मित्त त्रि० (-निमित्त) मन वचन कायाना योगने निमिते थयेलु मन वचन काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह caused by the activities of the mind, speech and body भग० १, ३; —पच्चक्खाण न० (—प्रत्याख्यान) योग-मन वचन अने कायानो व्यापार-नेनो परिहार-त्याग. योग-मन वचन व काया का व्यापार-उस का परिहार-त्याग. abandonment of, giving up of the activities of the mind, speech and body. उत्त० २९,१८; —पडिक्कमण. न० (-प्रतिक्रमण) योग मन वचन अने कायाना योगनुं प्रतिक्रमण करवुं ते. योग-मन वचन व काया के योग का प्रतिक्रमण करना self-analysis and repentance for tbe faults connected with the activity of the mind, speech and body. ठा० ५, ३; —परिसं-लीणता. स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) मन, वचन अने कायाने वश राखवा ते. मन वचन व काया को वशीभूत करना. control over mind, speech and body भग० २५, ७, —परिणाम. न० (-परिणाम) जीवना परिणामनो एक प्रकार. जीव के परिणाम का एक प्रकार a kind of thought-activity of a soul or living being. ठा० ८; —परिव्वाइया स्त्री० (-परिव्राजिका) समाधिवाळी परिव्राजिका-सन्यासिनी. समाधिस्थ परिव्राजिका; सन्यासिनी a nun practising Samādhi or contemplation माया० ६; —भावि यमइ त्रि० (-भावितमति) धर्म व्यापारथी विशेष भावित बुद्धिवाळु धर्म व्यापार मे विशेष भावित बुद्धिवाला one whose knowledge is especially impressed by religious activities पवा०३,२५,—मग्ग पुं०(-मार्ग) अध्यात्म शास्त्रनो मार्ग अध्यात्म शास्त्रका मार्ग. the path of philosophy. पंचा०१६, ४२, —वस त्रि० (—वश) योगने वश. योग के आधीन. (one) dependent on Yoga क० प० ५, ६; —विसुद्ध. त्रि० (-विशुद्ध) निरवद्य व्यापार-विशुद्ध व्यापारवान्. निरवद्य व्यापार-विशुद्ध व्यापार वान्. (one) of pure, sinless

activity. "कयकसे ओगविसुद्धा" पंचा० १८, ४७; —ग्गाहि. त्रि० (—ग्राहिन्) આલાપોને ગ્રહ રાખનાર-મનન કરનાર सनका लिये हुये को स्मरण में रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard ठा० १०; —संग्गह. पुं० (—संग्रह) મન વચન-કાયાના વ્યાપારરૂપ પ્રશસ્ત યોગનો સંગ્રહ. मन-वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संग्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body सम० ३२; आव० ४, ७; —सुद्धि स्त्री० (—शुद्धि) યોગની શુદ્ધિ વિશુદ્ધિ. योग का शुद्धि-विशुद्धि. purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव०१५२४;—संपया स्त्री० (—सम्पत्) યોગની સંપદા-વિશિષ્ટ ઋદ્ધિ. योगकी सम्पदा-विशिष्ट ऋद्धि. the special power of the activity of the mind, speech and body. प्रव० ५५३, —सच्च न० (—सत्य) મન વચન અને કાયાના વ્યાપારને સત્ય પ્રવર્તાવવો તે. मन वचन व काया के व्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना. directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उत्त०२६,२;सम०२७,भग० १७, ३. —सत्थ. न० (—शास्त्र) યોગના શાસ્ત્ર, અધ્યાત્મ ગ્રંથ. योग के शास्त्र, अध्यात्म ग्रंथ. the scriptures dealing with metaphysics.पंचा०३,२७, —हीण. न० (—हीन) યોગ-સંયમ વ્યાપાર હીન. योग-संयम व्यापार हीन devoid of self-control or asceticism. ओघ० ४, ७;

ओगमुद्दा स्त्री० (योगमुद्रा) હાથની આંગળિઓ પરસ્પર અન્તરિત કરી-સંપુટ બનાવી કોણિનો ભાગ ઉદરપાસે રાખી વંદનાનો પાઠ ઉચ્ચારતાં પાંચઅંગ (બે ઢીંચણ, બે હાથ અને મસ્તક) નમાડવા તે. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तरित करके संपुट बनाकर कुहुनी का हिस्सा उदर के निकट रख कर वंदना के पाठ का उच्चार करते हुए पांच अंग (दो घुंटने, दो हाथ व मस्तक) झुकाना. Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and foldidg hands leaving some interval amongst the fingers पंचा० ३, १७, प्रव० ७१;

ओगंतिया. स्त्री० (योगान्तिका—योगिनि सयोगिकेवलिनि सकममर्तात्वान्तः पर्यन्तो यासां ता तथा) જે પ્રકૃતિઓનો તેરમે ગુણઠાણે અંત આવે છે તેવી કર્મ પ્રકૃતિઓ. जिन प्रकृतियों का तेरहवें गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतियां Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage. क०१० २, ३५,

ओगवंत. त्रि० (योगवत्) સંયમ યોગ યુક્ત. संयम यो। युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. सूय० १, २, १, ११; उत्त०११,१४;

ओगि. त्रि० (योगिन्) યોગ સહિત; સયોગી. योग सहित; सयोगी. With concentration, an ascetic सम० २; क० गं० ३, १६,क०प०४,४; —खाइ. न० (—ख्यात) જુઓ "ओइखाइ" શબ્દ. देखो "ओइखाइ" शब्द. vide "ओइखाइ" सम०२;

ओगिय त्रि० (यौगिक) જુઓ "ओइय"

शब्द; देखो "ओगुय" शब्द. Vide "ओगुय" पराइ० २, २;

ओगम्म. त्रि० (योग्य) योग्य; घटित; उचित, બરોબર; લાયક. योग्य; उचित, लायक. Proper; fit; worthy. विशे० ४;३३१; ३१०३; ओव० ३१; पि० नि० ८८; राय० २८; निर० १, १; क० प० ४, ३६; प्रव० ३४३; जं० प० ४, ११३;

ओगगया. स्त्री० (योग्यता) યોગ્યતા, લાયકાત योग्यता. Worthiness, fitness, propriety. सु० च० १, ३८०; पंचा० ३, ७, पंचा० १८, ४७, ६, १०;

ओगगा. स्त्री० (योग्या) ગુણાકાર કરવો તે गुणाकरना Multiplication भग० ११, ११; ओव० (२) અભ્યાસ अभ्यास study. (३) ગર્ભ ધારણ કરવાને લાયક યોનિ गर्भ धारण करने के योग्य योनि a womb fit for conception तंदु०

ओजित. त्रि० (योजित) જોડેલું, લગાડેલુ जुड़ाहुआ; लगाहुआ Joined, united, attached पंचा० १६, ७;

ओडिडं. सं० कृ० अ० (योजित्वा) જોડીને जोड़कर. Having joined or united. सु० च० १०, १४४,

ओडिय. त्रि० (योजित) જોડેલ. जोड़ा हुआ Joined, united सु० च० ७, ३४,

ओण. पुं० (योन) અનાર્ય દેશમાંનો એક. अनार्य देश में का एक One of the Anārya countries. नाया० १;

ओणअ. पुं० (यौनक) ઉત્તર ભરતમાંનો એક દેશ. उत्तर भरत का एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. जं० प०

ओणि. स्त्री० (योनि) યોનિ; ઉત્પત્તિ સ્થાન; યોનિ; મૂળ સ્થાન. योनि; उत्पत्ति स्थान; मूल स्थान. The womb; the origin; the female generative organ. भग० २, ५;६,३;४;६, ४;१०, १; २०, २;नाया० ७, तंदु० १०;पन्न०६;पिं०नि० भा० १३; पिं० नि० ४०७; जीवा० ३, ३; आया० १, १, १, ६; उत्त० ३, ६; कप्प० २, १८, अणुजो० १७;प्रव० १३७६; (२) પન્નવણા સૂત્રના નવમા પદનું નામ पन्नवणा सूत्र के नववें पद का नाम name of the 9th Pada of the Pannavaṇā Sūtra पन्न० १, (३) ગીતની એક જાત गीत की एक जाति a variety of song अणुजो० १२८; (४) આધાર. आधार a support; a prop. "इहेगतिया सत्ता पुढवी जोणिया" सूय० २, ३, १, (५) એ નામનો ભગ અપર નામધારી દેવ इस नाम का भग अपर नामधारी देव name of a god, also styled Bhaga ठा० २, ३; (६) જેનો દેવતા ભગ છે એવું પૂર્વાફાલ્ગુની નક્ષત્ર जिस का स्वामी भग है ऐसा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र the constellation Pūrvāfālgunī having Bhaga as its lord ठा० १, ३, (७) કારણ कारण. cause, reason पचा० ३, ३१, —पमुह त्रि० (-प्रमुख) યોનિ આદિ-વગેરે योनि आदि a womb etc. विवा० १; —प्पमुह. त्रि० (-प्रमुख) યોનિનું દ્વાર योनिद्वार. a mouth or entrance of the womb. विवा० १, सम० ८४; जीवा० ३; —मुहणिप्फडिय. त्रि० (-मुखनिष्पतित) યોનિના મુખમાંથી નીકળેલ. योनि के मुख में से निकला हुआ. come out of, issued from the mouth of a womb. तंदु० —लक्खचुलसी. स्त्री० (-लक्षचतुरशीति) ચોરાશી લક્ષ યોનિ. ८४ लक्ष योनि 84 lacs of lives प्रव०

३६; —विहाण. न० (-विधान) યોનિના પ્રકાર योनि के प्रकार any of the varieties of a birth विवा० १ —संगह पु (-संग्रह—योनिरुत्पत्ति हेतु जीवस्य तथा सग्रहाऽनेकेषामेकशब्दाभि धाप्यत्व योनिसग्रह) યોનિ ઉત્પત્તિસ્થાનોનો સગ્રહ यानि उत्पत्ति-स्थानो का सग्रह the word birth taken in the abstract or collective sense भग० ७ ५, ठा० ७ १, ८ जीवा० ३ —समुच्छेय पु० (-समुच्छेद) યોનિનો નાશ योनिका नाश destruction of birth ' एस आयी जगाण दिट्ठा न कप्पइ जाविमसुच्छओ पगह० ० ४ —सूल पु० (शूल) યોનિના રોગ यानि रोग a disease of the womb विवा० ० भग० ३, ७

जोणिभूय त्रि० (योनीभूत) યોનિ અવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ (બીજ આદિ) यानि अवस्थाको प्राप्त (बीज आदि) Developed into a womb or origin पश०१ भग०७ ४

जोणिय त्रि (यौनिक) યોનિમા ઉત્પન્ન થયેલ यानि मे उत्पन्न Born in a womb उवा० २ ११६ भग० २४ १ (२) યોન દેશમા ઉત્પન્ન થયેલ योन देश मे उत्पन्न produced or born in the country named Yona नया०१

जोणिया स्त्री० (योनिका) યોનિ ઉત્પત્તિ સ્થાન यानि-उत्पत्ति स्थान A womb origin भग० १४, ६

जोणिया स्त्री० (यौनिका) યોન નામના અનાર્ય દેશમા જન્મેલી દાસી यान नाम के अनार्य देशमें जन्म प्राप्त दासी A maid servant born in the Anarya country named Yona आव० ३३ जं० प० नाया० १, भग० ६ ३३

जोणीपद न० (योनिपद) યોનિના અધિકાર વાળા પન્નવણા સૂત્રનુ એક પદ योनिके अधिकार वाला पन्नवणा सूत्र का एक पद Name of a Pada of Pannavana Sutra dealing with the subject of births भग० १०, २

जोगहा स्त्री० (ज्योत्स्ना) ચાદની કૌમુદી चादनी Moonlight नदा० ६ जीवा० ३ ३ सू० च० २ ३०

जोति न० (ज्योतिष) જુઓ 'जोइ" શબ્દ देखा ' जोइ ' शब्द Vide जोइ सूय० १ १०, ८

जोतिय त्रि० (याजित) જોતરેલુ, जोता हुआ Yoked to a cart plough etc नाया० ३

जोतिरस पु० (ज्योतीरस) જ્યોતિરસ કાડ, ખરકાડનો નવમો ભાગ ज्योतिरस काण्ड, खर काण्ड का नवा भाग Jyotirasa Kanda i e the 9th division of Khara Kanda जावा० ३ १,

जोतिस्स न० (ज्योतिष) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર ज्योतिष शास्त्र Astronomy and astrology the science of the course of the heavenly bodies आव० ३८

जोतिसिय पु० (ज्योतिषिक) જુઓ जोइसिय શબ્દ देखा ' जोइसिय शब्द Vide जोइसिय राय० ३७,

जोतिसिंह पु० (ज्योतिरिंगुल) કલ્પવૃક્ષની એક જાત કે જેમાથી યુગલીયાને સૂર્ય જેવો પ્રકાશ મળે છે कल्पवृक्ष की एक जात कि जिस में से युगलिया को सूर्य समान प्रकाश मिलता है A species of Kalpa Vriksha (desire yielding tree) from which the Jugaliyas get light like that of the sun

जीवा० ३, ३;

जोत्त. न० (योक्त्र) જોતરૂં. जोत A rope by which animal is tied to the pole of a carriage. halter. "सुकिरण तवणिज्ज जोत्तकलिय" पराह० २, ५;उवा०७,२०६;सूय०२,२, १८, दसा०६,४, वव० १०, १, जं०प० ७, १६६;

√ जोय धा० I, II (युज्) જોડવું, યોજવું જોતરવું जोडना, योजना; जोतना. To join; to unite, to yoke.

जोएंति. ज० प० ७, १५१,

जोएइ ओव० ३०, उत्त० २७, ३; सम० ६, नाया० १७,

जोयति. सू० प० १०, नाया० ८ ज० प०

जोएंति ७, १५६,

जोएज्जा वि० विशे० ६, १२, पिं० नि० ७६,

जोभति ज० प० ७, १५१,

जोएत्ता नाया० १५, १७,

जोएमाण ज० प० ७, १६१;

जोयावेइ नाया० १२,

जोयावेत्ता. नाया० १५,

√ जोय धा० I, II (द्योत्) પ્રકાશ કરવો प्रकाश करना To shine, to emit light

जोयति. जीवा० ३, ४,

√ जोय. धा० I (द्युत्) જ્યોતિ મુકવી; પ્રકાશવું प्रकाशित होना, चमकना. To shine; to emit light

जोइति. सम० ४२;

जोइंसु. भू० ज० प० ७, १२६,

√ जोय. धा० I (दृश्) જોવું; દેખવું. देखना. To see, to perceive

जोयइ सु० च० १५, १००,

जोएंत सु० च० २, ३६५;

जोय. न० (योक्त्र) જોતરું, જોતર. जोत The rope by which an animal is tied to the pole of a carriage.

जोयग न० (द्योतक) દ્યોતક પદ; પ્ર, પર, વિગેરે ઉપસર્ગ. द्योतक पद; प्र, पर, इत्यादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed विशे० १००३,

जोयण न० (योजन) ચાર ગાઉ. ચાર ગાઉ પ્રમાણે ક્ષેત્ર चार कोस, चार कोस के प्रमाण का क्षेत्र A Yojana (8 miles), area covering eight miles. जं० प० ४, ११२, ११५, १, १२; सम० १, उत्त० ३६, ५७, ओव० ३४, अणुजो० १३४; नाया० ४, सू० प० १८, पंचा० १, १८; १५ ४०, प्रव० ८६६, कप्प० २, १६; भग० २. १, ६, ७, १५, १, १६, ८; ३६, १, नाया० १, ८, १६, विशे० ३८१; ३४६८, राय० २६, सु० च० २, ७०, ओव० ४२, उवा० १, ८३; ८, २५३; (२) જોડવું તે जोडना joining, uniting पराह० १, १;—निहारि. त्रि० (-निहारिन्) ચાર ગાઉમાં વિસ્તાર પામનાર चार कोस में विस्तृत extending, stretching over 8 miles "जोयण निहारिणा सरेण" सम० ३४;—परिमंडल त्रि० (-परिमण्डल-योजन योजनप्रमाणं परिमण्डलं गुणप्रधानोऽयं निर्देशःपरिमाण्डल्य यस्य स योजनपरिमण्डलः) એક યોજન પ્રમાણે મંડલ-વર્તુલ. एक योजन के प्रमाण का मण्डल-वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles) 'जोयणपरिमंडलं सुस्सरं घंटं" राय० —प्पमाण न० (-प्रमाण) યોજન-

आर गाउभात्र'. योजन-चार कोस प्रमाण. measure of a Yojana (8 miles). भग० ६, ७; जं० प० २, १३०. —मित्त. त्रि० (-मात्र) चार गाउभात्र; જોજન પ્રમાણ केवल चारकोस, जोजन प्रमाण measuring 8 miles only. प्रव० ४४८, —विच्छिन्न. त्रि० (-विस्तीर्ण) જોજનના વિસ્તારવાળું जोजन के विस्तार वाला. extending 8 miles. प्रव० १०३२, —वेला स्त्री०(-वेला) એક યોજન ચાલતા જેટલો વખત લાગે તેટલો एक योजन चलने में जितना समय लगता है उतना the time required in walking one Yojana (8 miles) निसी० १८, १२, —सयविच्छिन्न त्रि०(-शतविस्तीर्ण)એક સો જોજનમાં વિસ્તાર પામેલ. एक सौ योजन में विस्तृत extended as far as one hundred Yojanas प्रव० १४३०, —सयसहस्स. न० (-शतसहस्र) એક લાખ જોજન. एक लक्ष योजन. hundred thousand Yojanas (8 miles) भग० ३, ७, —सहस्स न० (-सहस्र) એક હજાર જોજન एक हजार योजन. एक सहस्र योजन. 1000 Yojanas ज० प० ६, क० गं० ४, ७६,

ओवण न० (यौवन) યુવાવસ્થા, જુવાની युवावस्था Youth, puberty जीवा० ३, ३, नाया० १६, राय० ८०;

ओवणग. न० (यौवनक) યુવાનપણું युवकत्व; युवावस्था Youth; puberty विवा० १, नाया० १,

ओव्वण. न० (यौवन) યૌવન, યુવાવસ્થા. यौवन, युवावस्था. Youth, puberty पञ्च० ६४, निर० ३, ४; ओव० २२, सूय० १, ३, ४, १४, आया० १, २, १, ६५, नाया० १, ३; ८; १४; १६; सू० प० २०, भग० ११, ११; मत्त० १२६; —गुण. पुं० (-गुण) યુવાવસ્થાના ગુણ. युवावस्था के गुण any of the characteristic qualities of puberty. नाया० १; —ट्ठाण. न० (-स्थान) યુવાવસ્થાનું સ્થાન युवावस्था का स्थान. condition, stage, of puberty भग० १२, ६; —त्थ. त्रि० (-स्थ) યુવાવસ્થા વાળો. युवावस्था वाला; युवक. in the prime of life; attaining puberty. भग० ६, ३३,

ओव्वणग न० (यौवनक) યુવાવસ્થા युवावस्था Youth, puberty नाया० १, १३, १४, भग० १५, १, कप्प० १, ६,

ओव्वणिया स्त्री० (यौवनिका) યુવાવસ્થા. युवावस्था. Youth राय०

√**ओस** धा० I. (जुष्) શોષણ કરવું; સુકાવવું, ક્ષય નાશ કરવો. शोषण करना; सुखाना, क्षय-नाश करना. To dry up; to destroy.

ओसइ आया० १, ३, २, ११२,

ओसयंत त्रि० (जुषत्) સેવા કરતો. सेवन करता हुआ. Serving, rendering service आया० १, ६, ४, १८८,

ओसणा स्त्री० (जोषणा) પ્રીત प्रीत. Affection, love (२) સેવા सेवा. service, devotion to. ओव० सम०

ओसिआ-या स्त्री० (योषित्) સ્ત્રી. स्त्री. A woman तंदु०

ओसिय त्रि० (जुष्ट) સેવેલ सेवन किया हुआ Accepted, resorted to; served. सूय० १, २, ३, २;

ओह पुं० (योध) યોદ્ધો; લડવૈયો; સુભટ. योद्धा; सुभट; सैनिक. A warrior; a combatant. ओव० १३, दसा० १०, १; सूय० १, ६, २२; जीवा० ३, ४; नाया० ८,

जं०प० भग०७,६; प्रव० १२४०; —ट्ठाण न० (-स्थान) લડાઈનું સ્થાન. युद्ध स्थान. a battle-field ठा० १; —बल न० (-बल) યોદ્ધાનું બલ. सैनिक का बल. strength, might of a combatant. विवा० ३;

ओहार पुं० (योद्ध) યોદ્ધા; યુદ્ધ કરનાર. योद्धा, युद्ध करने वाला A warrior; a combatant. नाया०१; भग०३, २, सूय० १, ३, २५,

ओहार पुं० (*) સત્કાર કરવાને હાથ દેવો કે સામસામે ભેટવું તે सत्कार करने के लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना. shaking of hands or embracing each other as a sign of hospitality. प्रव० ४४१;

ओहि त्रि० (योधिन्) યુદ્ધ કરનાર युद्ध करने वाला. A warrior, a combatant. ओव० ४०,

ओहिया. स्त्री० (योधिका) ચંદન ઘો; એક જાતનું પ્રાણી जोयरा; एक प्रकार का विषैला प्राणी. A kind of poisonous reptile. जीवा० १, २,

ओहुत्त. न० (योधत्व) યોદ્ધાપણું શૂરવીર પણું शूरवीरता, वीरत्व. Warlike quality; valour. नाया० १६;

√उज्जल धा० I (ज्वल्) બળવું, પ્રકાશવું. जलना; प्रकाशित होना To burn, to shine.

जलइ अणुजो० १३१;

जलंति जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११२; नाया० १७; उवा० १, ६६;

जले वि० दस० १०, १, २;

जलंत. नाया० १; २; ५; भग० २, १; ६, ५, १६, ६, कप्प० ३, ४२; ४६; ओव० १२, १७, नाया०ध० ४,६०; ५, ११६, उत्त० ११, २४; १८,४६; अणुजो० १४; नंदी० १२, विवा० १; ७, दसा० ७, १;

जलमाण पि० नि० ६५६;

जलावए क० वा० वि० दस० १०, १, २;

√उज्झा धा० I (ध्यै) ધ્યાન ધરવું, સ્મરણ કરવું ध्यान धरना, स्मरण करना To meditate upon, to recollect.

झाअइ आया० १,६,४, १५, उत्त० १८,५;

झायति ओघ० नि० ६६२,

झाइज वि० उत्त० १, १०,

झाएज वि० सु० च० ४, २६२;

झायमाण व० कृ० नाया० ६,

झायत व० कृ० पिं० नि० ६३१; सु० च० ६, २२,

√उज्झाम धा० I (ध्मा) ધમવું. फूकना, धौंकना To blow, e g a bellows (२) બાળવું जलाना to burn

झामेइ नाया०१,भग०१५,१.सूय०२,२,४४;

झामेन्ति ज० प० २, ३३,

झामेजा वि० दसा० ७, १,

झामावेइ प्रे० सूय० २, २, ४४,

झामत. व० कृ० सूय० २, २, ४४;

झामिजइ क० वा० राय० २६६;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

झ.

झंख. पुं० (*) વાર વાર બોલવું; જ ખના કરવી बार बार बोलना; भारी लालसा करना. To speak frequently; to long ardently. पिं० नि० २८६;

झंझ. पुं० (झञ्झ) ધંધ; કલહ; ટંટો. कलह, फिसाद; झगडा Quarrel, contest, turmoil. ओव० १६; (२) ભેદ. भेद difference; division; altercation. पराह० २, ३,

झंझा. स्त्री० (झञ्झा) વ્યાકુલતા, વિહ્વલતા. व्याकुलता, विह्वलता. Distraction, agitation नाया० १, ३. ३, १२०, (२) કલહ, કજીયો, તોફાન. कलह; झगडा, तोफान quarrel; strife, disturbance. सूय० २, १, ४१, —कर पु० (-कर) જેથી સંપ્રદાયમા ભેદ પડે તેવી ખટપટ કરનાર, અસમાધિનુ ૧૮મુ સ્થાનક સેવનાર. जिससे सप्रदाय मे भेद पडे ऐसी खटपट करने वाला, असमाधि के १८वें स्थान का सेवन करन वाला a person who resorts to the 18th cause or source of Asmādhi (lack of mind-control) i. e causes divisions in a sect by intrigues सम० २०; —वाय पु० (-वात) વર્ષા સહિત નિષ્ઠુર વાયુ वर्षा सहित तेज वायु violent wind accompanied with rain पन्न० १,

झंपित्ता. सं० कृ० अ० (अक्षिप्त्वा) અનિષ્ટ વચન બોલીને अनिष्ट वचन बोलकर. Having spoken harsh words. सम० ३०;

झगि. अ० (झगिति) શીઘ્ર; જલદી; शीघ्र; सत्वर. Quickly; at once. भग० ३, २,

झत्ति. अ० (झटिति) જુઓ " झगि " શબ્દ देखो " झगि " शब्द. Vide " झगि " भग० ३, २; सु० च० १, ७४; —वेग (-वेग) શીઘ્ર વેગ. शीघ्र वेग. Rapid, quick movement; rapid progress नाया० १६;

झअ (य) पु० (ध्वज) ધ્વજા; પતાકા. ध्वजा; पताका A flag; a banner भग० ७, ६, ११, ११, राय० ४७; १२३; विवा० ७; ओव० १०; जं० प० ४, ७४; —अग्ग न० (-अग्र) ધ્વજાનો અગ્રભાગ. ध्वजा का अग्रभाग the fore part of a flag or banner नाया० ८. —दंड. त्रि० (-दंड) ધ્વજાનો દંડ. ध्वजा का दंड. flag-staff नाया० ६;

झया. स्त्री० (ध्वजा) ધ્વજા ध्वजा. A flag; a banner जं० प० ४, ७४, जीवा० ३, २; नाया० १; ६, (२) ચૌદ સ્વપ્નામાનુ આઠમુ સ્વપ્ન દેખવનુ કે જે તીર્થંકર ચક્રવર્તિની માતાને ગર્ભાધાન સમયે જોવામાં આવે છે चोदह स्वप्न मे से आठवां ध्वजा का स्वप्न कि जो तीर्थंकर चक्रवर्ति की माता का गर्भाधानके समय देखनेमें आता है the 8th of the 14 dreams which a Tirthankara or Chakravarti's mother witnesses during her pregnancy, (in this dream she sees a flag). नाया० ८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

√झर. धा० I. (क्षर) ઝરવું; ઉપરથી ઝરકવું-પાવું करना; ऊपरसे गिरना. To drop down; to fall in drops झरइ. सु० च० २, ४८७; झरंति पिं० नि० ८४;

झरग. पुं० (*) સ્મરણકરનાર स्मरण करनेवाला (One) who remembers नंदी० स्थ० २८,

√झलहल धा० I (ज्वल्) સળગવું जलना To burn, to be kindled. झलहलइ. सु० च० ८, २१२,

झल्लरी स्त्री० (झल्लरी) ઝાલર झालर A fringe. जीवा० ३, १, निसी० १७, ३३, ठा० ७, १, ओव० ३१, राय० ८८; कप्प० ५, १०१; (२) ખંજરી, એક જાતનું વાજિંત્ર एक प्रकार का वाजिन्त्र, खंजरी. a kind of musical instrument played with the hand अणुजो० १२८, भग० ५, ४; पन्न० ३३, प्रव० १५००, (३) ઢક્કા, ડાકલું; એવા આકારે જ્યોતિષનું અવધિજ્ઞાન છે वाद्य विशेष कि जिसके आकारका ज्योतिषीका अवधि ज्ञान होता है. a sort of musical instrument narrow in the middle part and flat and round at the two ends with leather fastened on to them; (the Avadhijñāna of astrologers bears this shape) विशे० ७०६; (४) છમછમીયા, ઝાંઝર झांझ a sort of musical apparatus consisting of two mettalic dishes which when struck together make a jingling sound आया० २, ११, १६८; —संठाणट्ठिय. त्रि० (-संस्थानस्थित) ઝાલરને આકારે રહેલ झांझर के आकार के समान रहा हुआ. of the shape of a fringe प्रव० १५००, —संठिय. त्रि० (-संस्थित —असंख्येयद्वीपायतत्वान्महा विस्तार त्वाच्च तिर्यग्लोकक्षेत्र लोको झल्लरीसंस्थितः) ઝાલરને સંસ્થાને-આકારે રહેલ झांझर की आकृति में रहा हुआ of the shape of a fringe. भग० ११, १०;

झविय त्रि० (क्षपित) નિર્મૂલ કરેલ, ખપાવી નાખેલ निर्मूल कियाहुआ, जड से हटा दियाहुआ Destroyed, eradicated उत्त० १८, ५,

झस पुं० (झष) માછલું मच्छी A fish विशे० ४६६, १८५४, जीवा० १, ज० प० नाया० ६, ओव० १०, उत्त० २२, ६, प्रव० १५६, (२) નાની માછલી छोटी मच्छी. small fish पण्ह० १, १,

झाइ त्रि० (ध्यायिन्) ધ્યાનકરનાર ધ્યાન વાળો, સ્તુતિવાળો ध्यान करनेवाला, ध्यान वाला, स्तुतिवाला (One) who meditates upon, (one) who praises or extols. ओघ० नि० ६, आया० १, ६, ४, ३;

झाण. न० (ध्यान-ध्यायते चिन्त्यतेऽनेन) ધર્મધ્યાન વગેરે, અભ્યંતર તપનો એક પ્રકાર. धर्मध्यान वगैरह, अभ्यन्तर तप का एक प्रकार A kind of inner austerity such as religious meditation etc नाया० १, १६, भग० ८, ७, १८, १०, २५, ७; उवा० २, ६६, प्रव० २७२; भत्त० १६०; (२)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

झियवुं ओकाअ्रमधु चित्त की एकाग्रता. concentration of the mind. सम० ४,६; १२; ओव० २०; ३८; उत्त०२६, १२; पिं० नि० ५६०; सूय० १, ६, १६; विशे० ३०७; कप्प० ५, ११४; (३) મનન; સ્મૃતિ; मनन; स्मृति. meditation, recollection. सु० च० १, १; भग० २, ५; ३, २; दसा० ५, २७; —अंतरिया. स्त्री० (-अन्तरिका-अन्तरस्य विच्छेदस्य करणमन्तरिका ध्यानस्यान्तरिका ध्यानान्तरिका) આરંભેલ ધ્યાનની સમાપ્તિ અને અપૂર્વ ધ્યાનનો અનારંભ, એ ધ્યાનની મધ્યઅવસ્થા आरम्भ कियेहुए ध्यान की समाप्ति और अपूर्वध्यान का अनारम, ध्यान की मध्यावस्था. the state between the end of one meditation and the beginning of another, a temporary break in meditation भग० ५, ४, १२. १; (२) શુક્લધ્યાન વિશેષ. शुक्लध्यान विशेष. a particular kind of purifying meditation e g upon the soul etc जं० प० २, ३१. —कोट्ठ पुं० (-कोष्ठ) ધ્યાનરૂપ ભંડાર ध्यान रूप भंडार a treasure in the form of meditation विशा० १, —कोट्ठोवगअ पुं० (-कोष्ठोपगत) જે ધ્યાન રૂપી કોષ્ટમાં નિમગ્ન હોય તે जो ध्यान रूपी कोष्ठ में निमग्न हो वह. (one) who in immersed in the treasure of meditation ज० प० २, ३१, भग० १, १; —सेवण न० (-सेवन) ધ્યાનનું સેવન કરવું તે; ધ્યાન ધરવું તે ध्यान का सेवन करना; ध्यान धरना. act of practising meditation. अव० ११८;

झाणविभत्ति. स्त्री० (ध्यानविभक्ति-ध्यानानां विभजनं यस्यांसा) ૨૯ ઉત્કાલિકસૂત્રમાનું ૨૧ મું. २९ उत्कालिक सूत्र में से २१ वां सूत्र. The 21st of the 29 Utkālika Sūtras नंदी० ४३,

झाम त्रि० (ध्मात-दग्ध) બળેલું, દાઝેલું. जला हुआ Burnt; scalded आया० २, १, १, १; जीवा० ३, १, पराह० १, २; —वराण. न० (-वर्ण) ઉજ્વલતાથી રહિતવર્ણ, બળીગયેલનો રંગ-શામતા. उज्वलता से हीन वर्ण. जले हुए का रंग-कालापन. black clour like that of an object burnt. भग० ७, ६;

झामिय न० (ध्मापित) ઓલવાયેલું; બુઝાયેલ बुझाया हुआ. Extinguished भग० ५, २, सूय० २, १, १५;

झारी स्त्री० (*) કીટ વિશેષ. कीट. विशेष A kind of insect सु० च० १२, ५६,

झिंगिरा स्त्री० (झिंगिरा) તેઇદ્રિય જીવની એક જાત जिसको ३ इन्द्रियां हो ऐसा एक जीव. A kind of three-sensed living being. पन्न० १,

*झिंझिय. त्रि० (*) ભુખ્યો भूखा. Hungry वेय० ४, २६,

√झिझ. धा० I (क्षि) ક્ષયપામવું, ક્ષીણથવું क्षय का प्राप्त होना, क्षीण होना To be destroyed, to waste away; to decay

झिज्झइ विशे० १२०६,

झिंझिरी स्त्री० (झाझिरी) એક જાતની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट(*) Vide foot-note (*)p. 15th

-वेथडी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. नाया० २,१, ८, ४५;

खिमिया स्त्री० (*) જડતા; શરીરના અવયવો જકડાઈ જાયતે, સોળરોગમાંનો એક રોગ. जडता; शरीर के अवयवों का अकड जाना, १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz paralysis of the limbs of the body नाया० १, ६, १, १७२,

√खिया. धा I. (ध्यै) ધ્યાન ધરવું; ચિંતન કરવું ध्यान धरना; चिंतन करना To contemplate, to meditate upon

खियाइ. सूय० १, ६, १६; भग० ३, ७, नाया० १. १६; उवा० १, ७७,

खियायइ. नाया० १, ३, ६, १४,

खियायंति जं० प० ३, ५६,

खियायंति सूय० १, ११, १६, नाया० १६,

खियायासि नाया० १;

खियामि, नाया० १, ८, १६,

खियाए. वि० भग० २, ५,

खियाहि. नाया० १६;

खियायह. नाया० १; ८;

खियाइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

√खिया. धा० I (ध्मा) બળવું; દીપ્ત થવું. जलना; दीप्त होना. To burn, to be ignited. (२) બુઝાવવું बुझाना to extinguish.

खियाएज भग० ५, ७,

खियायइत्ता. भग० १४, ५; वेव० २, ६;

खियायमाण. नाया० १; १४; १६; भग० ९, १; ३, २; ८, ६; दसा० १०, ३; ५, २४;

खिहिया. स्त्री० (खिहिका) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાળા જીવની એક જાત. तीन इन्द्रिय वाला एक जीव A kind of three-sensed living being. पन्न० १;

खिछी. स्त्री० (खिछिका) એ નામની કોઈ વનસ્પતિ. इस नाम की कोई वनस्पति. Name of a kind of vegetation. पन्न० १;

खीण. त्रि० (क्षीण) ક્ષય પામેલ; નષ્ટ થયેલું. क्षयको प्राप्त, नष्ट. Destroyed; wasted away, consumed ओव० ३६;

खुंभिन. पु० (क्षुभित) ક્ષુધાથી પીડિત, ભુખ્યો क्षुधा से पीडित, भूखा Hungry, troubled by hunger भग० १६, ८,

खुंभिय त्रि० (क्षुभित) ક્ષુધાતુર, ભુખ્યો; દુર્બલ क्षुधातुर, भूखा, दुर्बल Hungry; weak on account of hunger नाया० १;

खुणि स्त्री० (क्वणि) અવાજ. आवाज. Sound क० ग० १, ५१,

√खुर धा० I (क्षुर) ઝુરણાકરવી રુદન કરવું झुरना, रुदन करन. To cry, to weep, to pine away

खुरंति. दसा० ६, १, ४,

खुरण पु० (क्षुरण) ઝુરવું, પસ્તાવવું. पश्चात्ताप करना, झुरना To pine away; to repent दसा० ६, १,

खुसदाह पु० (भुसदाह) ભુસાને બાળવાનું સ્થાન भसा को जलानेका स्थान. The place for burning chaff or husk निसी० ३, ६५,

खुसिर. त्रि० (शुषिर) છિદ્રવાળું; પોલું. छिद्र वाला, पोला. Having leaks or

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

holes; hollow. (२) न० छिद्र; पोल. छेद; पोलाई. hole hollowness. पएह० १, ९; सू० प०१, ३, निसी० १७,३६, दस० ४,१,६६;अं० प० उवा० २, ६४, नाया० ८; गच्छा०८८,(३)वांसळी आदि सछिद्र वाजित्र. बांसुरी आदि सछिद्र बाजत्र. a musical instrument with holes e. g. a flute etc. जीवा० ३, ४; राय० ६५; (४) आकाश आकाश sky भग० २०,२, (४) वांसळी आदि सछिद्र वाजित्रनो शब्द. बांसुरी आदि सछिद्र वाजेंत्रकी आवाज. sound of a flute etc भग० ५, ४, (५) खुल्ली जमीन खुली जमीन open space. नाया० १; —गोलसंठिय. त्रि० (-गोलसंस्थित) खाली गोळाने आकारे रहेल खाली गोल के आकार से स्थित of the shape of a hollow globe भग० ११, १०;

√झूस धा० II (जुष्) सेववु; आराधवु सेवन करना. To resort to, to worship (२) क्षय करवो, कृश करवु. क्षय करना. कृश करना. to destroy, to reduce

झूसइ. नाया० ५०

झूसंत. भग० १०, ४,

झूसित्ता. भग०३,१, नाया०१, उवा०१, ८६,

झूसेत्ता. नाया० ५०

झूसणा. स्त्री० (जोषणा) कर्मोनो क्षय करवो कर्मों का क्षय करना Act of destroying Karmas, भग० २, १, नाया० १, (२) सेवा करवी, ग्रहण करवुं सेवा करना, ग्रहण करना. act of worshipping, act of accepting. नाया०१, ठा०२,२;

झूसिय-य. त्रि० (जुष्ट) क्षीण करेल; शोषवेल. क्षीण कियाहुआ; शोषण कियाहुआ. Dried up; enfeebled, sucked up उवा० ८, २४२; जीवा० ३, १, भग० २, १; (२) सेवा करेल; आराधेल. सेवन किया हुआ; आराधन किया हुआ. worshipped, served. नाया० १, ठा० २, २;

झूसित. पुं० (जुष्ट) सेवेलु. सेवित Worshipped; served. (२) कर्मनो क्षय करेल. कर्मका क्षय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas भग० २, १,

झोड पु० (*) झाडमाथी पत्रादिनु खंखेरवु वृक्ष में से पत्रादिक नीचे गिराना Felling of leaves etc from a tree. (२) पत्र रहित वृक्ष पत्रों से रहित वृक्ष a bare tree नाया० ११.

झोडण न० (*) वृक्षादिकने खंखेरवु, फळादिने पाडवु वृक्षादिक को खखेरना, फलादिकों को गिराना Causing the fruits, leaves etc to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. पगह० १, १.

√झोस धा० II (वि जुष्) क्षय थवो क्षय होना, करना To waste away, to be destroyed (२) सेववु सेवन करना. to resort to, to serve.

झोसेइ. भग० १८, २,

झोसित्ता. सं०कृ०भग०१८,२;नाया०१४;१६;

झोसमाण. व०कृ०सु० च० १, ३८४. आया० १, ६, २, १८४;

झोसणा स्त्री० (जोषणा) सेवन. सेवन. Act

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

of resorting to; serving. सम॰ ७,

झोसिय. त्रि॰ (जुष्ट) ખપાવેલ, ક્ષય કરેલ. क्षय किया हुआ Destroyed; caused to waste away. आया॰ १,५,३,१६१;

ट.

टंक. पुं॰ (टङ्क) જેના કાંઠા તુટીગયા હોય તેવું તળાવ जिसका किनारा टूट गया हो वैसा तलाव A pond or a lake with its embankments broken नदी॰ ४७; (२) પર્વતની ટોચ-ટુક. पर्वत का सिरा-शिखर. the summit of a mountain अणुजो॰ १२४; (३) એક તરફથી તુટેલ પર્વત. एक तरफ से टूटा हुआ पर्वत. a mountain broken on one side नाया॰ १, भग॰ ५, ७, पन्न॰ २, (४) न॰ છાપેલું નાણું, સિક્કો, છાપ सिक्का ठप्पा दिया हुआ सिक्का a coin; a stamped coin पचा॰ ३, ३२,

टंकण पु॰ (टङ्कण) પર્વતવાસી મ્લેચ્છની એક જાત. म्लेच्छ की एक जाति, पर्वत का आश्रय करने वाली एक म्लेच्छ जाति A race of barbarians living in hilly districts सूय॰ १, ३, ३, १८, विशे॰ १४४४, (२) ટંકણ નામનો દેશ टंकण नाम का देश a country of that name भग॰ ३, २,

टकारवग्गपविभत्ति पु॰ न॰ (टकारवर्ग-प्रविभक्ति) ટકાર વર્ગના આકાર વિશેષથી યુક્ત, ૩૨ પ્રકારના નાટકમાનો એક પ્રકાર टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त; ३२ प्रकार के नाटक म से एक. Bearing the shape of any of the letters of the lingual class; one of the 32 varieties of dramas राय॰ ४४;

टाल न॰ (टाल) જેમાં ગોટલી કે ઠળિયા બંધાયા ન હોય તેવું ફલ. जिस फल में गुठली न बनी हो वह फल A fruit with its stone unformed आया॰ २, ४, २, १३८, दस॰ ७, ३२;

√**टिट्टियाव** धा॰ II (*) ખખડાવીને શબ્દ કરવો खड़खड़ाकर शब्द करना. To make a sound by shaking an object close to an ear

टिट्टियावेइ नाया॰ ३,

टिट्टिआविन्ति ज॰ प॰ ५, ११४;

टिट्टियाविजमाण नाया॰ ३,

टिट्टिभी स्त्री॰ (टिट्टिभी) ટિટોડી, ઊંધેમાથે લટકનાર એક પક્ષીની જાત टिटोडी; नीचे की ओर सिरकरके लटक ने वाला एक पक्षी। A kind of birds hanging head downwards, from trees विवा॰ ३; — **अंडअ** न॰ (-अण्डक) ટિટોડીના ઇંડા. टिटाडी-पक्षीविशेष का अंडा an egg of a kind of bird विवा॰ ३,

टोपिआ पु॰ (*) પાઘડી. ટોપી पगडी, टोपी A turban, a cap. सु॰ च॰ १५, १३५,

टोल पुं॰ (*शलभ) પતંગીઓ Moth. भग॰ ७, ६, (२) તીડ. टिड्डी, तीड. Locust. प्रव॰ १५०, —**गति** स्त्री॰ (-गति) પતંગીયાના જેવી ગતિ. पतं-

* જુઓ પુષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th.

पिया की सी गति. Gait like that of a moth. भग० ७, ६;

डोलगइ. स्त्री० (डोलगति) ટોલ-તીડની પેઠે કુદતો કુદતો વંદન કરે તે; વંદનાના બત્રીશ દોષમાંનો પાંચમો દોષ. अखफुडव जैसे कुदते हुए वंदना करने वाला; वन्दना के ३२ दोषो में से ५ वां दोष One of the 32 faults of salutation to a Guru viz hopping in the act like a grasshopper. प्रव०१५०;

√ट्ठव धा० I,II (स्था+णि) સ્થાપવું; સ્થાપના કરવી स्थापना, स्थापना करना To fix; to place, to set

ठवइ जं० प० ५, ११७,

ठवेइ जं० प० ५, ११७; वेय० १, ३७, ओव० ३२, निसी० ४ ३०, राय० ७३, नाया० १, २, ७, १६; नाया० ध० भग० ७, ६; २५, ७, उवा० १, ६८, ६, १६४,

ठवंति ओव० ३३;

ठविंति जं० प० ५, ११२,

ठवेंति. जं० प० ५, ११४, २, ३३,

ठवयंति सूय० २, ७, १०,

ठवेमि. नाया० १२;

ठविज्ज वि० उत्त० १, ६;

ठवेहि आ० पन्न० १.

ठवसु आ० सु० च० ४, १३६,

ठवित्तु सं० कृ० उत्त० ६, २,

ठवित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११२, ११४, नाया० ५, वव० ८, ५, वेय० २, १२, उवा० १, ६६. वव० २, १,

ठवेत्ता नाया० १, २, १६; नाया० ध० भग० ७, ६;

ठविज्जइ क० वा० नंदी० ४६; अणुजो०१०, पिं० नि० ५०६;

ठविज्जंति सु० च० २, ३१९;

ठवेउं. गच्छा० २०;

√ठा. धा० I. (स्था) ઉભા રહેવું; સ્થિર થવું. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी० ४६;

ठाइ. भग०५, ६; ७, ६; विसे०४७०; ६०४;

ठाइऊण. सं० कृ० जं० प० ३, ४२;

ठाइत्तए. हे० कृ० वेय० १, १६; आया० १, ६, २, १५,

ठाइत्ता भग० १८, ३;

ठिच्चा. सं० कृ० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; ६, ३३; ३३, १०, १; ११, १०; १५, १. १६, ८, १८, १०; राय० २४१, नाया० ३, १४, निसी०५, १; पन्न०१७; वेय०५,२२; उत्त०३, १७;

√ठा धा० I, II. (स्था) ઉભા રહેવું; સ્થિર થવું खडे रहना; स्थिर रहना. To stand; to be steady.

ठावेइ प्रे० भग० ६, ६, ११, ११; नाया० ५, ७, १६, दस० ६, ४, २;

ठावयइ प्रे० " ठिओ परं ठावयइ परंपि " दस० १०, १, २०;

ठावइंति प्रे० ओव० २७,

ठावेंति प्रे० विवा० ४, भग० १८, २;

ठावेमि प्रे० नाया० ५; ८; भग० १३, ६; १६, ५, १८, २;

ठावेमो प्रे० नाया० १६;

ठावेहि आ० नाया० १२;

ठावेह आ० नाया० ८. भग० १८ २,

ठावइस्सामि प्रे० दस० ६, ४, २;

ठावित्ता सं० कृ० ठा० ३, १, भग० ३, १; नाया० १६,

ठावेत्ता सं० कृ० नाया० ५; ७, ८; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० ६, ३२, भग०९,३३,११,११;१८,२;

ठाविंत व० कृ० सु० च० ३, ८७;

ठाविज्जंति. क० वा० सम० ३;

ठ.

ठइत्त त्रि० (स्थापित) સાધુ આવશે ત્યારે આપશુ એમ ધારી સ્થાપી રાખેલું, સાધુએ ટાળવા યોગ્ય ઠવણા નામના દોષ વાળું. साधु आवेंगे तब देंगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ, साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष वाला Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; (this sort of food etc is to be avoided by a Sādhu) ओव० ४,

ठइय त्रि० (स्थगित) ઢાંકેલું ढाका हुआ, Covered. " पिहियंतु फलादिणा ठइय " पचा० १३, २७;

ठंडिल न० (स्थंडिल) થંડિલ-દિશાએ જવાની ભૂમિ थंडिल टट्टी जाने की भूमि A ground for answering a call of nature on. नाया० १६,

***ठगिय.** त्रि० (-) છેતરાયેલા, ઠગાયેલ ठगाया हुआ, धोका खाया हुआ Deceived; cheated. सु० च० ४, २८८,

ठप्प. त्रि० (स्थाप्य) સ્થાપવા યોગ્ય, એક બાજુ મુકી દેવા યોગ્ય. स्थापने योग्य, एक तरफ रखने योग्य Worthy of being fixed or kept in some place पिं० नि० २१८, अणुजो० ७२, १३४, भग० १५, १; (२) વ્યવહાર કરવા યોગ્ય નહી, અસંવ્યવહાર્ય, લોકોના વ્યવહારમા અનુપયોગી व्यवहार करने में अयोग्य; असंव्यवहार्य; लोगों के व्यवहार में अनुपयोगी unworthy of practical purposes. अणुजो० ३;

ठवंक. पुं० (स्थापक) સ્થાપન કરનાર स्थापन करने वाला (One) who fixes, sets or places नाया० १८,

ठवण न० (स्थापन) સ્થાપન કરવું, મુકવું स्थापन करना; रखना Setting; placing, fixing पिं० नि० भा० २४; —**कुल** न० (-कुल) ભીક્ષાચરને માટે આહારાદિક થાપી મુકે તેવું કુલ. भिक्षाचर के लिये आहारादिक रख छोडे वह reserving food etc for Sādhus begging alms निसी० ४, २८, —**जिण** पु० (-जिन) કોઇ વસ્તુમા જિનની કલ્પના કરવી તે किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना imagining Jina in any particular object प्रव० ८७, —**पुरिस** पुं० (-पुरुष) પુરૂષની સ્થાપના. पुरुष की स्थापना setting or establishment by or of a person. ठा० ३, १. —**लोग** पु० (-लोक) ચૌદ રાજલોકની સ્થાપના. चौदह राजलोक की स्थापना establishment of the 14 Rājalokas ठा० ३, २,

ठवणा स्त्री० (स्थापना) જીવવાળી કે નિર્જીવ વસ્તુમા તેના જેવા આકારવાળી બીજી વસ્તુની કલ્પના કરવી તે, સ્થાપના નિક્ષેપો जीववाली या निर्जीव वस्तु में उसके जैसी भिन्न आकार वाली अन्य वस्तुकी कल्पनाका करना, स्थापना निक्षेप Imagining of one thing in another, animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

be another thing; Sthāpanā Nikṣepa. पन्न० ११; विशे० २६; ५४; पिं० नि० ५; अणुजो० ८; पंचा० २,१७; (२) સાધુને માટે અમુક કાલપર્યન્ત સ્થાપીને રાખેલ આહારાદિ આપવાથી લાગતો એક દોષ; ૧૫ ઉદ્ગમનમાંનો ૫ મો દોષ साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोड़ा हुआ आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष; १६ उद्गमनों में से ५ वां दोष the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time प्रव० ५७०, पचा० १३, ४, पिं० नि० ६४, (३) ધારણાનું એક નામ. धारणा का एक नाम another name for Dhāraṇā. नंदी० ३३, —अणंतय त्रि० (-अनन्तक) સ્થાપનાથી અનન્ત છેડો નહિ આવે તે स्थापना से अनंत-अंत नहीं आता वह endless in the matter of Sthāpanā ठा० ५, ३, —अणुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) સ્થાપેલી-કલ્પેલી અનુપૂર્વી-અનુક્રમ स्थापित कल्पित अनुपूर्वी-अनुक्रम imagined serial order; imagined graded order अणुजो० ७१, —(थि) इंद पु० (-इन्द्र) કોઈ પણ વસ્તુમાં ઈંદ્રની કલ્પના કરવી તે किसी भी वस्तु में इन्द्र की कल्पना करना. imagining a particular object to be Indra. ठा० ३, १; विशे० ५३. —कम्म न० (-कर्मन्) પરમતનું ઉત્થાપન કરી સ્વમતનું સ્થાપન કરવું તે अन्य मत का उत्थापन कर स्वमत का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. ठा० ४, ३; —करण. न० (-करण) દાતરડા તલવાર વગેરે કરણનો લાકડા કે પત્થર વગેરેમાં કરેલો આકાર. दरांता, तलवार आदि हथियार का लकड या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशे० ३३०२,

ठवणिज्ज त्रि० (स्थापनीय) સ્થાપવા યોગ્ય; એક બાજુ મૂકી દેવા યોગ્ય. स्थापित कर रखने के योग्य; एक ओर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed, worthy of being set aside. अणुजो० २, बव० २, १,

ठविअ-य त्रि० (स्थापित) સાધુ સાધ્વીને માટે સ્થાપી રાખેલ (આહાર વગેરે). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ Kept, reserved for a monk or nun; e g. food etc पराह० २, ५; दस० ५, १, ६५, बव० १, १६, नाया० १; २; भग० ५, ६,

ठवियग त्रि० (स्थापितक) જુઓ "ठविअ" શબ્દ देखो "ठविअ" शब्द. Vide "ठविअ" प्रव० १०६, —भोइ. त्रि० (-भोगिन्) સાધુને માટે સ્થાપી રાખ્યું હોય તેને ભોગવનાર. સ્થાપના દોષ સેવનાર (સાધુ). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे भोगनेवाला, स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु) (one) who enjoys food etc specially reserved for a Sādhu and thus incurring the fault known as Sthāpanā. प्रव० १०६;

ठविया. स्त्री० (स्थापिता) મલેલ પ્રાયશ્ચિત્ત સ્થાપી મુકે તે, આચાર્યાદિકની વૈયાવચ્ચમાં વ્યાઘાત પડે તેથી કરવાનું પ્રાયશ્ચિત્ત વર્ત-

આવમાં ન કરતાં આગળ ઉપર કરવાનું રાખે તે મિલા હુઆ પ્રાયશ્ચિત્ત સ્થાપન કર રખના; आचार्यादिक की वैयावच में व्याघात पड़े इसलिये करनेका प्रायश्चित्त वर्तमान में न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोड़ना Act of reserving an expiatory austerity for a future date in order to avoid disturbance in the service of a Guru etc ठा० ५, १;

ठाइ त्रि० (स्थायिन्) સ્થાયી, સ્થિર રહેનાર स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला Standing, stationary क०प०४,२३,

ठाइयव्व. त्रि० (स्थापितव्य) સ્થાપવા યોગ્ય, સ્થાપવું. स्थापन करना, स्थापने योग्य. Act of fixing or establishing, worthy of being fixed or established वव० ६, ४१;

ठाण. न० (स्थान) સ્થાન, ઠેકાણું જગ્યા, મકાન स्थान, ठिकाना, स्थल, मकान A place, a house an abode भग० १, १, २, ७, ३, ४; ५, ६; ११, ६, १३, ४, १४, १०, १६, ५, २४, १२, २५, ८, नाया० १; ८, १६; दस० ५, १, १६, ६, ७, ६, २, १७, निसी० ५, २, १३, १, ओव० १०, सम० १, १०, राय० २३, वव० ७, ३, पिं० नि० भा० ४७; नंदी० ११, उत्त० ५ २. आया० २, २. १६३, सु० च० ४, ६१, प्रव० ४८७, कप्प० ३, १५, गच्छा० १२५, क० प० १, ३१; (२) કાઉસગ્ગ; કાયાને જરીપણ હલાવવી નહી તે. काउसग्ग, काया को जरा भी न हिलाना. giving up attachment to the body and practising self-contemplation जं० प० ५, ११५; ओव० १६; सूय० १, २, २, १२; आया० १६; नाया० ध० सम० प० १६८; वेय० १, १६; (३) લેશ્યા કે અધ્યવસાયોનું સ્થાન. लेश्या या अध्यवसायों का स्थान an abode or source of matter or thought-tint or of thought activity. उत्त० ३४, १; भग० ४, १०, (४) કાર્ય. कार्य. an act; a deed. भग० ८, ६; (५) સ્થિતિ કરવી તે, અધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. स्थिति करना, अधर्मास्तिकाय का लक्षण act of remaining stationary; the characteristic (fulcrum of rest) of Adharmāstikāya उत्त० २८, ६, (६) આંકડાનું સ્થાન. अंक का स्थान the place of figure. अणुजो० १४५, (७) ઉત્પત્તિસ્થાન, ઉપજવાનું ઠેકાણું उत्पत्तिस्थान, उत्पन्न होनेका ठिकाना source of birth, origin अणुजो० १२८, (८) અવકાશ-ભૂમિપ્રદેશ अवकाश-भूमिप्रदेश space of land, ground नाया० २, (९) શરીરને અમુક સ્થિતિમાં રાખવું તે, આસન. शरीर को अमुक स्थिति में रखना; आसन. a particular posture of the body कप्प० ६, ५२, उत्त० ३०, ३६, (१०) પન્નવણાના બીજા પદનું નામ पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम name of the second Pada of Pannavaṇā पन्न० १; (११) ત્રીજું અંગસૂત્ર કે જેમાં એકથી દશ પ્રકારની વસ્તુઓનું વર્ણન છે तीसरा अंगसूत्र कि जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का वर्णन है the third Aṅga Sūtra containing an account of substances ranging from 1 to 10 kinds नंदी० ४४; अणुजो० ४२; सम० १; (१२) સ્થિતિ પરિણામ. स्थिति परिणाम. state of being motionless पिं०

वि० ४४०; विशे० ४४७; (१३) स्थान-स्थितिरूप गुण. स्थान-स्थितिरूप गुण. the quality of being stationary. ठा० २,१; (१४) योग-मन, वचन, कायाना व्यापारना स्थानक. योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक. an abode or source of the activity of the mind, speech or body. क०प०१,५; (१५) ઉભા રહેવું તે. खड़ा रहना act of standing. प्रव० ५२२; —अंतर. न० (-अन्तर) स्थानान्तर; योगना એક स्थानथी બીજું स्थान स्थानान्तर, योग के एक स्थान से दूसरा स्थान another place; change of stage e g from one sort of activity to another. क०प० १, ४८, —उक्कडियासणिया स्त्री० (-उत्कटिकासनिका) ઉકડું આસને બેસનાર સ્ત્રી. उकडु आसन से बैठनवाली स्त्री. a female sitting in a knee-chest posture वेय० ५, २४;—उक्कुडुय पु० स्त्री० (-उत्कुटुक) कायोत्सर्ग કરીને ઉકડુ આસને ઉભાપડીયે બેસના० कायोत्सर्ग करके उकडु आसनसे-उभखडिये बैठनेवाला one who sits on his legs after performing Kāyotsarga (meditation upon the soul) नाया० १, वेय० ५, २४, पण्ह०२, १, भग० २,१;—क्कम पुं० (-क्रम) स्थान योगादि स्थानकनो अनुक्रम. स्थान-योगादि स्थानकका अनुक्रम a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc. क०प० ४, २६. —गुण. पुं० (-गुण-स्थानं स्थितिर्गुणः कार्यं यस्य सः) अधर्मास्तिकाय; स्थितिमां સ્હાય કરવાનો જેનો ગુણ છે તે. अधर्मास्तिकाय; स्थिति में सहाय करने का जिस का गुण है वह one that has the property of helping stationary condition; Adharmāstikāya; fulcrum of rest. भग० २, १०,—ठाइत्ता स्त्री०(-स्थायिता)એક સ્થાને ઉભા રહેવું તે. एक स्थान पर खडे रहना. act of remaining stationary. प्रव० ५६१, —नवग. न० (-नवक) नव गुणठाणा नौ गुणस्थान. nine Guṇasthānas (stages of spiritual development) "नियमा ठाणनवगम्मि सब-खिज्ज" क० प० ७, ५; —ट्ठिय-य. त्रि० (-स्थित) संयमना स्थानकने विषे स्थिति पामेल. संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-प्राप्त. (one) who has reached the stage of asceticism सूय० १, २, १, १६, ज० प० ७, १४१, —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) स्थाननी प्रतिमा; आसन के काउसग्गसंबंधी अभिग्रह विशेष स्थान की प्रतिमा, आसन या काउसग्ग के संबंध में अभिग्रह विशेष a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul) ठा०४, ३;—भट्ठ. पु० (-भ्रष्ट) स्थानथी-संयमस्थानकथी भ्रष्ट-पडेलो स्थान से संयम-स्थानक से भ्रष्ट गिरा हुआ. degraded, fallen down from asceticism. नाया० ६; —म-ग्गणा स्त्री० (-मार्गणा-मार्ग्यते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) स्थाननी मार्गणा; अवतरण स्थान की मार्गणा; अवतरण the search for a way; descending of incarnation. जीवा० १, —लक्खण. त्रि० (-लक्षण) स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्ति काय).

स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्तिकाय) with the characteristic of Adharmāstikāya(fulcrum of rest) भग० १३;४, —विणिओग पुं० (-विनियोग-स्थाने विनियोग) ठीक ठेकाणे जोडवुं, योजवुं योग्य स्थान में जोडना, योजना करना apt or proper application, proper use. विशे० ३३२, —समवायधर पुं० (-समवायधर) ठाणांग अने समवायांग सूत्रनो धरनार-जाणनार ठाणांग और समवायांग सूत्र को धारण करने वाला-जाननेवाला one who knows the two Sūtras viz Thānānga and Samvāyānga वव० १०, १६;

ठाणओ अ० (स्थानत) એક ઠેકાણેથી एक ठिकाने से From one place. सूय० १, १, २, १,

ठाणपद. न० (स्थानपद-स्थानस्य पदम्) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના દ્વિતીય પદનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के द्वितीय पद का नाम Name of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra भग०२, ७; १७,४,३४,१,

ठाणाइय. त्रि० (स्थानायत) કાર્યોત્સર્ગ, કાઉસગ્ગને આસને બેઠેલ कार्योत्सर्ग-काउसग्गके आसन से बैठा हुआ. (One) seated in the Kāusagga (meditatvie) posture वेय० ४, २३, ठा० ५, १. भग० २५, ७,

ठायव्व. त्रि० (स्थातव्य) સ્થિર રહેવું स्थिर रहना Remaining stationary; state of being at rest प्रव० १५८१,

ठावअ. पुं० (स्थापक) પક્ષને સ્થાપન કરનાર હેતુ. पक्ष को स्थापन करने वाला हेतु A logical reason which establishes one's own tenet. ठा० ४, ३,

ठावइत्तार त्रि० (स्थापयितृ) સ્થાપનાર. स्थापन करने वाला (One) who places or establishes दसा०४, ७४;

ठावण न० (स्थापन) સ્થાપન કરવું તે स्थापन करना Act of placing or establishing पचा० ६, ३,

ठाविय त्रि० (स्थापित) સ્થાપન કરેલ स्थापन कियाहुआ. Placed, established सम०३४;

ठावेयव्व त्रि० (स्थापयितव्य) સ્થાપન કરવા યોગ્ય स्थापन करनेयोग्य. Worthy of being established, fit to be placed or established भग० ८, १०, १२, ७,

ठिअ-य त्रि० (स्थित) સ્થિર રહેલ, વ્યવસ્થિત કરેલ, ઊભું રાખેલ. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ, खडा किया हुआ Steady, kept in order, kept standing भग० ६, ३३. १४, ३; १७, २, २५, २, नाया० १६, ओव० २०; २६; उत्त० ३२, १७, दस० ६, ४, २, १०, १, २०, विशे० ५, ८५१, दसा० ४, १८, वव० ३, १३; पिं० नि० भा० ३२, सु० च० १, ३८, क० गं० १, ११, प्रव० २६३, कप्प० ५, १३१, प्रव० ४६१, —कप्प पुं० (-कल्प) ભરત અને ઇરવત ક્ષેત્રમાં પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના શાસનના સાધુઓને માટે નિયત કરેલ આચાર વ્યવસ્થા મર્યાદા भरत और इरवत क्षत्र में प्रथम और अन्तिम तीर्थंकर के शासन के साधुओं के लिये नियत की हुई आचार व्यवस्था-मर्यादा the course of conduct prescribed for Sādhus of the cult of the first and last Tirthankaras of Bharata and

Iravatā Kṣetras. भग० २४, ६, ७; विशे० १२६६; पंचा० १७, २; प्रव० १८; ५४६; —प्पा. पुं० (-आत्मन्) જેનું મન ધર્મમાં સ્થિર હોય તે जिस का मन धर्म में स्थिर हो वह. one whose mind is steady in the matter of religion दस० ६, ४०, १०, १, १७, (२) મોક્ષમાર્ગમાં રહેલ આત્મા. मोक्ष मार्ग में रही हुई आत्मा. a soul steady in the path of salvation आया० १, ६, ५; १६५.

ठिइ. स्त्री० (स्थिति) આયુષ્યમાન; જીવન કાલ आयुष्यमान, जीवन काल Period of life. life time नंदी० ११४, भग० १, १; ५, २, १, ३, २, ६, ५, १५, १, २४, १२, ३६, २, नाया० २, ८, ६, १६, १६, नाया० ध० २, जीवा० १, जं० प० ओव० ३८, पन्न० ४, अणुजो० १४०, क०प० ४, १४०, उवा० २, १२५, (२) પન્નવણાના ચોથા પદનું નામ पन्नवणा के चौथे पद का नाम name of the 4th Pada of Pannavaṇā पन्न० १. (३) જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મની સ્થિતિ-અવસ્થાન કાલ ज्ञानावरणीयादि कर्म की स्थिति, अवस्थान काल the duration of Karma such as Jñānāvaraṇīya etc क० ग० १, २, ५, ६६, सम० ४, भग० २, १; नाया० १, पि० नि० ६६, उत्त० ३४, ३, (४) બેસવું; સ્થિર થવું. बैठना; स्थिर होना remaining steady; act of sitting पन्न० २३, नाया० १; पि० नि० ५४, सु० च० २, ३४३, —कंडग (-कण्डक) કર્મના સ્થિતિ ખંડનો સમૂહ कर्म के स्थिति खंडों का समूह. a collection of the various durations of Karmas कप्प० ५, १३, ३६;—करम. न० (-कर्मन्) સ્થિતિ રૂપે બંધાયેલ કર્મ, કર્મની સ્થિતિ स्थिति रूप से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. duration of Karmas. ठा० ४, ४; (२) સ્થિતિ કર્મ, જન્મ સંસ્કાર. स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. Karma causing birth in a particular condition. नाया० १४, —कल्लाण त्रि० (-कल्याण-स्थितिः अयस्त्रिंशत्सागरोपमलक्षणा कल्याणा येषाते:) કલ્યાણરૂપ ઉત્કૃષ્ટમાં ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ વાલા स्थिति कल्याण; उत्कृष्ट में उत्कृष्ट स्थिति वाला possessed of the highest duration. सम० ८००, जं० प० २, ३१. —काल पुं० (-काल) સ્થિતિ-કર્મ સ્થિતિની ઉદીરણાનો કાલ-વખત. स्थिति -कर्म स्थिति की उदीरणा का काल-समय time of forcing up or hastening the maturity of Karmas क० प० ४, ४९; —क्खय. पु० (-क्षय) સ્થિતિનો ક્ષય, આયુષ્યની સમાપ્તિ स्थिति का क्षय; आयुष्य की समाप्त end of life-period, end of fixed duration. नाया० १, ८, १४; १६. भग० २ १; ६, ३३, २५, ८, कप्प० १, २, क०प० ६, ४, —खंड. पु० (-खण्ड) કર્મની સ્થિતિના ખંડ-કકડા कर्म की स्थिति के खंड-टुकड़े a division or detachment of the duration of Karma क० प० २, ६२;—ट्ठाण. न० (-स्थान) કર્મસ્થિતિના સ્થાનક कर्म स्थिति के स्थानक different conditions of Karmas क० गं० ५, ४४, —नामनिहत्ताउ. न० (-नामनिधत्तायुः) ગતિ જાતિ આદિ નામ કર્મની પ્રકૃતિની સ્થિતિને અનુસાર આયુકર્મનો બંધ થાય તે. गति जाति आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

आयुकर्म का बंध होना. the formation of Āyukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati, Jāti etc भग० ६, ७, —निसेग पुं० (-निषेक) કર્મની સ્થિતિમાં કર્મના દલિયા નાખવા તે कर्म की स्थिति में कर्मों के समूह को डालना incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क० प० २, ७५, ६, १५, —पडिहाअ पुं० (-प्रतिघात) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિનો નાશ થાય તે उच्च स्थिति का नाश होना destruction of maximum duration (of Karma) as such. ठा० ५, १, —भेअ पुं० (-भेद) સ્થિતિના ભેદ-પ્રકાર स्थिति के भेद-प्रकार a variety or mode of duration of Karma क० गं० ५, ६५; —रस. पुं० (-रस) કર્મની સ્થિતિ અને રસ कर्म की स्थिति और रस the duration and intensity of Karma क० प० ३, १०, —रसघाय पुं० (-रसघात) કર્મની સ્થિતિ અને રસનો ઘાત કરવો તે कर्म की स्थिति और रस का घात करना destruction of the duration and intensity of Karma क० प० ५, १२, —विसेस पुं० (-विशेष) કર્મની સ્થિતિ વિશેષ, વિશેષ પ્રકારની સ્થિતિ कर्मकी स्थिति विशेष, विशेष प्रकार की स्थिति a particular duration of Karma. क० प० ३, ४; क० गं० गं० ५, ८०; —संकम पुं० (-संक्रम) કર્મની એક સ્થિતિ ભોગવાતી હોય તેમાં બીજી સ્થિતિ નાખવી તે. कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति डालना. mixing up the duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. क० प० २, २८; ४, ३२; —संतठाण. न० (-सत्स्थान) કર્મ સંબંધી સ્થિતિના સ્થાનક कर्म संबंधी स्थिति के स्थानक the sources which determine the duration of Karmas क० प० ७, २०;

ठिइपद न० (स्थितिपद) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના ચતુર્થ પદનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के चतुर्थ पद का नाम Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ११, ११,

ठिइबंध पुं० (स्थितिबन्ध—अध्यवसायविशेषगृहीतस्य कर्मदलिकस्य स्थितिःकालनियमनम्) કર્મની સ્થિતિનો બન્ધ. કર્મનું કાલમાન कर्म की स्थिति का बन्ध, कर्म का कालमान Duration of the attachment of Karmic matter to the soul क० गं० ८, ८५, ५, २१; ६५, क० प० ५, १२, ठा० ८, २, —ज्झवसाय पुं० (-अध्यवसाय) સ્થિતિ બંધના હેતુભૂત અધ્યવસાયો स्थिति बंध के हेतुभूत अध्यवसाय thought-activity causing Karmic matter to remain attached to the soul for a certain fixed duration. क० गं० ४, ८५; ५, ६५; —ट्ठाण न० (-स्थान) સ્થિતિ બંધના સ્થાનક स्थिति बंध के स्थानक a source of or cause of the duration of Karma क० प० १, ५२;

ठिइवडिया स्त्री० (स्थितिपतिता—स्थितौ कुलस्य मर्यादायां पतिता पुत्रजन्मादिक्रिया) કુલ વા લોકની સ્થિતિ, મર્યાદા; કુલની પરંપરાથી ચાલી આવતી જન્મ મહોત્સવાદિ

क्रिया. कुल का लोककी स्थिति, मर्यादा; कुल परंपरासे चली आती जन्म महोत्सवादि क्रिया A practice handed down from one generation to another e.g. celebrating the birth of a son ओव० ४०; नाया० १; १४; भग० ११, ११, राय० २८६; कप्प० ५, १०१;

ठिइय त्रि० (स्थितिक) ઉભુ રહેલું, સ્થિર થયેલું खड़ा रहा हुआ, स्थिर. Become steady; standing. उवा० १, ७४, ओव० ३३. (२) સ્થિતિવાળો स्थितिवाला steady; standing भग० ३, ३३, १२, २;

ठिइया. स्त्री० (स्थितिका) સ્થિતિ स्थिति Condition; state, state of lasting उवा० ७, २०८; भग० १४, ६.

ठित त्रि० (स्थित) ચિત્તમાં સ્થિર રહેલું. चित्त में स्थिर रहा हुआ Steadily remaining in the mind अणुजो० १३;

ठिति पुं० (स्थिति) ગતિનો અભાવ गति का अभाव Absence of motion. जीवा० ३, ४, (२) સ્થિતિ, આયુષ્યકાલ आयुष्यकाल existence, duration of life. भग० २०, १, २८, २०. ज० प० जीवा० १, राय० २६३; सू० प० १८, (३) મર્યાદા मर्यादा. limit पंचा० २, २८; —**णाम.णिहत्ताउय.** पुं० (-नामनिधत्तायुष्क) એક પ્રકારનો આયુકર્મનો બન્ધ, નરકાદિ ચાર ગતિ એકેન્દ્રિયાદિ પાંચ જાતિ અને અવગાહનાદિરૂપ જે નામકર્મની પ્રકૃતિ તેની સાથે આયુકર્મનું નિધત્ત થવું नरकादि ४ गति एकेंद्रियादि पांच जाति और अवगाहनादि रूप जो नामकर्म की प्रकृति उसके साथ आयुकर्म का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to the various kinds of Nāmakarma; such as the four Gatis e g hell etc, the five Jatis e. g. possession of one-sense etc; a sort of Karmic bondage in relation to the duration of life. पन्न० ६; —**भेअ.** पुं० (-भेद) કર્મની જે સ્થિતિ બાંધેલ હોય તેમાં અધ્યવસાયાદિ બલથી ન્યૂનાધિકતા કરવી તે कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अध्यवसायादि बल से न्यूनाधिकता करना act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc अंत० ३, ८; —**वडिया.** स्त्री० (-पतिता) કુલક્રમાગત, કુલમાં આવેલી સ્થિતિ પ્રમાણે, જન્મોત્સવાદિ ક્રિયા कुलक्रमागत; कुल में आई हुई स्थितिके अनुसार जन्मोत्सवादि क्रिया traditionally handed down from one generation to another in a family निर० १, १, —**साहण** न० (-साधन) સ્થિતિ-આચાર મર્યાદા સાધી બતાવી-દર્શાવવી તે स्थिति-आचार मर्यादा की साधना कर दिखाना. act of pointing out rules of conduct by practising them पंचा० २, २८;

ठितिय पुं० (स्थितिक) ઉભો રહેનાર खड़ा रहने वाला One who stands. भग० २४, २०; (२) त्रि० સ્થિતિવાળો. स्थितिवाला. standing, steady; lasting. ठा० १, १,

ठिय त्रि० (स्थित) રહેલ. रहा हुआ Remaining, posted; standing प्रव० ७८२;

ड.

डड. पुं० (दण्ड) દંડ. દંડ; दंडा. A thick short stick. पण्ह० २;

डंडि पु० (दण्डिन्) દણ્ડધારી. दण्डधारी, दण्डका धारण करनेवाला. (One) with a stick in his hand. ओव० ६१;

डंडिखंड पुं० (दण्डिखण्ड) ટુકડા ટુકડા સીવીને જોડેલ વસ્ત્ર. टुकडे टुकडे सांकर जोडा हुआ वस्त्र. A garment made up of fragments stitched together. पण्ह० १, ३,

डंमण. न० (दंभन) દંભકારી બીજાને ઠગવું તે दंभ करके औरों को ठगना Act of deceiving another by hypocritical show प्रव० ११५;

√**डंस.** धा० I. (दश्) ડસવું, કરડવું. काटना, डंक मारना. To bite; to sting डसइ उत्त० २७, ४, सु० च० १, ३५५, डंसावेइ. सु० च० १३, ५५,

डंसण न० (दंशन) ડસવું; કરડવું डंक मारना; काटना Act of biting पिं० नि०३५८,

डक न० (दष्ट) જંગમ સર્પાદિનું ઝેર जंगम सर्पादिका विष Poisonous effect due to serpent bite etc ठा० ६, १, (२) त्रि० ડંક દિધેલ डक दिया हुआ bitten, stung पण्ह० १, १, २, ५,

डक्का. स्त्री० (ढक्का) શિવનું વાજું, ડમરૂ. शिव का वार्जित्र, डमरू A sort of small hand drum of the god Śiva सु० च० १३, ४५;

डगलग पुं० (*) નાના નાના પથ્થર, કાંકરા. छोटे छोटे पत्थर, कंकर. Small stones; a pebble पिं० नि० भा० १५;

डड्ढ त्रि० (दग्ध) બળી ગયેલું; ભસ્મ થયેલું जला हुआ; भस्मित. Burnt to ashes, burnt. सु० च० ४, २२२;

डमर. पु० (डमर) બે રાજ્યોના કે રાજકુમારોના પરસ્પર વિરોધથી થતો ઉપદ્રવ. दो राज्यों अथवा राजकुमारों के परस्पर विरोध से होता हुआ उपद्रव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family जीवा०३,३; भग०३,७, निसी० १२,३३, पण्ह०१,२,जं० प०१,१,ओव० ३१, सूय०२, १, १३, (२) હુલ્લડ, તોફાન, બળવો हुल्लड़; बखेडा. rebellion, commotion; riot. आया २, ११, १७०, उत्त० ११, १३, प्रव० ४५०, —कर त्रि० (-कर) બળવો કરનાર, તોફાન કરનાર बलवा करने वाला; तुफान करने वाला. a rebel, (one) who incites others to a rebellion. ओव० ३१,

डमरुय न० (डमरुक) ડમરૂ નામનો વાજીંત્ર डमरु नाम का वाजित्र A kind of drum निसी०१७,३३;

√**डह** धा० I,II. (दह) બળવું; દાઝવું जलना; दग्ध होना To burn; to get burnt

डहइ विवा० ७,

डहेइ नाया० २,

डहिहेआ. वि० दस० ९, १, ७; उत्त० १२, २८, जं० प० अणुजो० १३६:

डहह. आ०सूय०२,१,१७;सु०च० १०,११४,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

डहिस्संति. सु० च० १०, ११२;
डउमह्-ति. क० वा० उत्त० ६, १४, श्राया० १, २, ४, ८३; १, ३, ३, ११६, पिं० नि० ११४; २००;
डमंति. सु० च० ४, २११;
डज्झेज्ज क० वा० वि० विशे० २१०;
डज्झिहिइ क०वा०भ० प्र० ए०सु० च० ६,४७,
डज्झंत क० वा० व० कृ० नाया० १, सम० प० २१०, सु०च०२, ५६६, कप्प० ३, ३२;
डज्झमाण क० वा०व०कृ०सूय० १, ५, १, ७; उत्त० ६, १४, सु० च० ३. ३६;

डहण. त्रि० (दहन) બાળવુ. जलाना. Act of burning, setting fire to. पिं० नि० ४७९.

*डहर त्रि० (*) હલકુ; તુચ્છ, નાનું. हलका, तुच्छ; छोटा Mean, trivial; insignificant श्रोघ० नि० १७८, ७१५; श्रोघ० नि० भा० २६०, निसी० १२, ३४. क० प० १, ८०, (२) બાળક बालक a child सूय० १, २, १, २; २, ३, २३. श्राया० २, ११, १००, अंत० ६, ३; दसा० ६, ३, १२, (३) તરુણ, યુવક तरुण; युवक young; youthful दसा० ५, २, २६,

डाइणी स्त्री० (डाकिनी) ડાકણ. डाकन डाकनी. A female ghost; a wench पराह० १, ३,

डाग पुं० (डाक) વૃક્ષની ડાળખી, નાની ડાળ वृक्षकी डाली, छोटी शाखा A tender twig of a tree श्राया० २,१०;१६६, (२) ડાંભો શાક વગેરેની ભાજી भाजीके भिन्न २ प्रकार. varieties of vegetables used as salads प्रव० १४२५;

डामरिश्र. त्रि० (डामरिक) વિગ્રહ કરનાર. विग्रह करनेवाला. (One) who wages a war पराह० १,२;

डाय. पुं० (*) ડાંભો વત્થુઆ શાક વગેરેની ભાજી. भाजी के भिन्न २ प्रकार. A variety of vegetables used as salads. दसा० ३, १६, पिं० नि० २५०; प्रव० १४२६, श्राया० २, १. ४, २६;(२) त्रि० સારું अच्छा. good सम० ३३;

डायट्ठिई. स्त्री० (डायस्थिति) જે સ્થિતિથી માંડીને તે પ્રકૃતિની ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિનો બંધ થાય ત્યાં સુધીની બધી સ્થિતિઓની ડાય-સ્થિતિ એવી સંજ્ઞા છે. जिस स्थिति से लगाकर प्रकृति की उत्कृष्ट स्थिति का बंधन हो उस तक की सर्व स्थितियों को डायस्थिति ऐसी संज्ञा है A term denoting all the intermediate stages from a particular stage of duration to the highest stage of duration of a particular kind of Karma. क० प० १, ६६, ३, ६;

*डाल न० (*) શાખા, ઝાડની ડાળ शाखा, झाड की डाली A branch of a tree, a bough of a tree. महा० प० १००; पचा० १८३६,

*डालग. पुं० (*) શાખાનો એક ભાગ, ડાળખી शाखा का एक भाग, छोटी डाली. A small branch of a tree, an offshoot of a tree. श्राया० १,१, १०, ५८, (२) ફળના પતિકાં, ન્હાની કકડી. फल का छोटासा टुकड़ा–चीर a small slice

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट(*) Vide foot-note (*)p. 15th.

e. g of fruit आया॰ २, ७, २, १६०,

*डाला स्त्री॰ (*) શાખા; ડાલ शाखा, डाली. A branch of a tree, an offshoot of a tree. सु॰ च॰ ६, २०.

डाह पुं॰ (दाह) બળવું, દાઝવું जलना, दग्ध होना Act of burning, act of catching fire पिं॰ नि॰ ५७०.

डिंडिम न॰ (-डिंडिम) વાદ્ય વિશેષ, નાનો ઢોલ वाद्य विशेष. A kind of drum राय॰ ८८, जीवा॰ ३, १,

डिंडिमय पुं॰ (डिंडिमक) છોકરાને રમવાનો નાન્હો ઢોલ बालकों को खेलने का छोटा ढोल A small drum used as a toy by children सूय॰१, ४, २, १४,

डिंब पुं॰ (डिम्ब) ઉપદ્રવ, બળવો उपद्रव, बलवा. Trouble, rebellion (२) હરકત, વિઘ્ન. विघ्न, तुफान obstruction; riot जीवा॰ ३, ३, ओव॰ सूय॰ २, १, १३, आया॰ २, ११, १७०, भग॰ ३, ७, निसी॰ १२, ३३, जं॰ प॰ १, १०,

डिंभ पुं॰ (डिंभ) બાલક बालक A child. ओघ॰ नि॰ भा॰ २०७, पिं॰ नि॰ २१०;

डिंभअ य पुं॰ (डिंभक) બાળક बालक A child अंत॰ ६, १५, निर॰ ३ ४, नाया॰ २; ८; १८,

डिंभिया. स्त्री॰ (डिंभिका) બાલિકા, કન્યા बालिका, कन्या A young girl नाया॰ १८,

* डुंगर पुं॰ (*) ડુંગર; પર્વત पर्वत, पहाड़. A mountain; a hill जं॰प॰

* डुंब. पुं॰ (*) માવત मावत. An elephant-driver. पिं॰ नि॰ ३४७;

(२) ચાંડાલ (મહેતર). चांडाल (महेतर). a person belonging to the untouchable class सु॰ च॰ ८, ८२;

डुट्ठ त्रि॰ (दुष्ट) દુષ્ટ, દુર્જન दुष्ट, दुर्जन. Wicked, bad, evil दसा॰ ४, ८४;

डूतिपलासअ. पुं॰ (दूतिपलाशक) દુતિપલાશ નામે ઉદ્યાન दुतिपलाश नाम का उद्यान. A garden named Dūtipalāśa दसा॰ ५, ६,

* डेवण न॰ (*) ઉલ્લંઘન, ઓલંગવું. उलंघन, उलांघना Act of transgressing or going beyond; crossing ओघ॰ नि॰ ३१, गच्छा॰ ८२,

डेवेमाण त्रि॰ (*) અતિક્રમણ કરનો. अतिक्रमण करता हुआ (One) who transgresses, crosses or goes beyond भग॰ १३, ४,

*डोअ पुं॰ (*) લાકડાનો ચાટવો; लकड़ी का चाटू, दाल खीचड़ी हिलानेके काम में आने वाली वस्तु का नाम. A sort of ladle used for stirring broth etc. पिं॰ नि॰ २५०,

डोंगर पुं॰ (तुंगाःशिलावृन्दा औरवृन्दाश्च सन्ति यत्र) પર્વત, ચોરોને રહેવાનું સ્થાન. पर्वत, चोरों के रहने का स्थान A mountain, a place or abode of thieves " पव्वयगिरिडोंगर कुच्छुअमहिमादीए " भग॰ ७, ६, —डोंब. पुं॰ (डोंब) ડોંબ દેશ डोंब देश Domba country. (२) त्रि॰ ડોંબદેશ નિવાસી. डोम्ब देश निवासी an inhabitant of the country called Domba. पण्ह॰ १, १, पन्न॰ १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

डोंबिलग. त्रि॰ (डोम्बिलक) ડોંબિલદેશ નિવાસી. डोंबिल देश निवासी. An inhabitant of the country called Dombila. पराह॰ १, १; पन्न॰ १.

* **डोडिणी** स्त्री॰ (*) બ્રાહ્મણી; બ્રાહ્મણ જાતિની સ્ત્રી. ब्राम्हण जाति की स्त्री. A female Brāhmaṇa; a female of the Brāhmaṇa caste अणुजो॰ ४, ६६;

डोल. पुं॰ (*) મહુડાના ફલ महुवा का फल. A fruit of a Mahuā tree " बिगईओ सेसायं डोलाईया न विगईओ " प्रव॰ २२०

डोहल न॰ (दोहद) ત્રીજા મહિના દરમ્યાન ગર્ભવતી સ્ત્રીને ગર્ભના જીવના ભાવિ અનુસાર જુદી જુદી ઇચ્છા થાય તે, દોહલો. तीसरे महिने के दरम्यान गर्भवती स्त्री को गर्भ के जीव के भावी के अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A variety of desires experienced by a woman in the third month of her pregnancy, these desires foreshadowing the future of the child in the womb. नाया॰ १, ८, विवा॰७; तंदु॰ १६, सु॰ च॰ १, ३०६;

ढ.

ढंक पुं॰ (ढंक) ઢંક પક્ષી, પાણીના જીવો પર નિર્વાહ કરનાર એક પક્ષી ढक पक्षी, पानीके जीवोंपर निर्वाह करने वाला एक पक्षी A kind of bird feeding upon insects living in the water पन्न॰ १, जीवा॰ १; उत्त॰१६,५६; सूय॰१, १, ३, ३, १, ११, २७, भग॰ ७,६,१२,८, जं॰प॰

ढंकण पुं॰ (*) ચાર ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત. માંકડ चार इन्द्रिय वाला जीव; खटमल A four sensed being, a bug. पन्न॰१,

* **ढंकुण** पुं॰ (*) માંકડ खटमल A bug जं॰ प॰ (२) એક જાતનું વાજિત્ર एक जाति का वाजिंत्र a kind of musical instrument. आया॰ २,११, १६८, —**सद्द** न॰ (-शब्द) ઢાંકણ નામના વાજિત્રનો શબ્દ ढांकण नाम के वाजिन्त्र का शब्द. sound of a musical instrument named Dhānkaṇa निसी॰ १७, ३४,

ढंकवत्थुल. पुं॰ (ढंकवास्तुल) શાક વનસ્પતિની એક જાત કે જે ઉગતા અનન્તકાયિક હોય છે અને છેદ્યા પછી પ્રત્યેક થાય છે. शाक वनस्पति की एक जाति कि जो ऊगनेपर अनंत कायिक होती है और काट डालने के बाद प्रत्येक होती है. A sort of vegetable which contains infinite lives during growth but which becomes Pratyeka (having one life) after it is cut off प्रव॰२६२,

ढड्ढर पुं॰ (ढड्ढर) અનુકરણ સબ્દ, જે સ્વર-આવાજમાં ઢરઢર થાય તે, આભરો અવાજ अनुकरण शब्द, जिस स्वर की आवाज ढर ढर में होती है वह A sound resembling that produced by the pronunciation of Dhara-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

ḍhara, an onomatopoetic word पिं० नि० ४२५०, श्रोघ० नि० भा० ५१६, (२) राहुदेवनुं नाम राहुदेव का नाम name of the god Rāhu सू० प० २०, प्रव० १५४, —सर पुं० (-स्वर) म्होटो स्वर-आवाज बडा स्वर-आवाज. a loud sound. प्रव० १७३,

*ढिंकण पुं० (*) मांकड, ખटमल खटमल A bug उत्त० ३६, १४५,

ढेणियालग. पुं० (ढेणिकालक) पक्षि विशेष; ढेल विशेष पक्षी विशेष; मोरनी; मयुरी. A particular kind of bird resembling a pea-hen. पराह० १, १;

ढेणियालिया. स्त्री० (ढेणिकालिका) पक्षि. ढेल विशेष मोरनी; मयुरी A kind of bird, a bird resembling a pea-hen अणुत्त० ३, १;

ढोल पुं० (*) ઉંટ ऊंट. A camel. ज०प०

ण.

ण अ० (न) नकार; ना; नहि. निषेध नकार, ना, नहीं, निषेध A negative, not, no. नाया० १, २; ५. ८, १४, १५, १६, १८, भग० १, ६, २, १, ३, ७, २६, १, उत्त० १, १४, सूय० १,१, १, २०,

णई. स्त्री० (नदी) नदी नदी A river नाया० १, ओव० ३८; ज० प० १, १०, —कच्छ न० (-कच्छ) नदीनी पासेनी गीच झाडी नदी के नजदीक की घनी झाडी a dense thicket of trees in the vicinity of a river नाया० १,

णउअ-य त्रि० (नवत) ९०, नेवुं ९० नब्बे 90, ninety "सत्तणउए जोयणसए अबाहाए अंतरे पराणत्ते" भग० १४, ८, ज० प० ६, १२५,

णउअ-य. न० (नियुत) ८४ लाख नियुतांग प्रमाणु काल विशेष ८४लक्ष नियुतांग प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Niyutāngas. ठा० २, ४, भग० २५, ५;

णउअ(यं)ग. न० (नियुतांङ्ग) ८४ लाख अयुत प्रमाणु काल विशेष ८४ लक्ष अयुत प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Ayutas ठा० २, ४, भग०२५,५;

णउइ स्त्री० (नवति) नेवुं, ९० नब्बे, ९०. Ninety, 90 ज० प० भग० २०, ५;

णउल पुं० (नकुल) नोळीओ नेवला, नकुल. A weasel नाया० ८, १६, पराह० १, उवा० २, ६५, भग० १५, १, (२) न० वाद्य विशेष वाद्य विशेष a particular kind of musical instrument राय० ८८, (३) पुं० पाण्डुराजनो दीकरो, पांच पांडवमानो सौथी नानो भाई पाण्डु राजा का पुत्र, पांच पाण्डवों में से सब से छोटा भाई one of the five sons of the king Pāṇḍu, so named. नाया० १६,

णउली स्त्री० (नकुली) सर्पने वश करवानी विद्या सर्प को वश करने की विद्या The art of charming serpents. जीवा० १, कप०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

णं. अ॰ (*) વાક્યાલંકાર; વાક્યના અલંકાર રૂપ એક શબ્દ. वाक्यालंकार; वाक्य के अलंकार रूप एक शब्द. A particle used as an expletive. " ते णं कालेणं तेणं समएणं " नाया॰ १, अणुजो॰ ६; भग॰ १, १; ५, २; ६, ५, दस॰ ५, १, ६३, ६, ११; वव॰ १, २२; जं॰ प॰ वेय॰ १, १७; पन्न॰ २;

णंगर. पुं॰ (*) લંગર, વહાણને રોકી રાખવાના દોરડી કે સાંકલ लंगर, जहाज को रोकने का साकल आदि Anchor विवा॰ ६;

णंगल न॰ (लाङ्गल) હલ हल A plough पराह॰ १, १;

णंगलई स्त्री॰ (लाङ्गलकी) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ. इस नाम की एक साधारण वनस्पति A sort of vegetable containing infinite lives पन्न॰ १, भग॰ २३, ४.

णंगलिअ-य पुं॰ (लाङ्गलिक) સોનાનો હલ હાથમા લઇ સ્વારીમા આગલ ચલનાર સુભટ. सुवर्ण का हल हाथमें लेकर सवारी मे आगे चलनेवाला सुभट A warrior who moves in the van of a procession with a golden plough in the hand जं॰ प॰ ३, ६७; कप्प॰ आव॰ ३२; ३, ६७,

णंगोलिय. पु॰ (लाङ्गोलिक) લાંગુલિક નામનો અંતરદ્વીપ ५६ અંતરદ્વીપમાનો એક. लांगुलिक नाम का अंतरद्वीप, ५६ अंतरद्वीप में से एक Name of one of the 56 Antara Dvipas (islands) ठा॰ ४, २, (२) पुं॰ स्त्री॰ તે અંતરદ્વીપમાં વસનાર મનુષ્ય. उस अंतरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person residing in the above island. पन्न॰ १,

णंद. पु॰ (नन्द) સમૃદ્ધ समृद्ध. Prosperous " जय जय णंदा " कप्प॰ ४, १०८; नाया॰ १; (२) રાજગૃહ નગરીનો નન્દણમણીયાર નામનો શેઠ राजगृही नगरी का नंदनमनीयार नामका सेठ name of a merchant of the town of Rājagrihī, also styled Nandanamaṇiyāra नाया॰ १३; (३) ૧૧મા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ११वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देने वाला. name of the person who first gave alms to the 11th Tirthankara. सम॰ प॰ २३२; (४) આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર પ્રથમ વાસુદેવ. आगामी उत्सर्पिणी मे होने वाला प्रथम वासुदेव. the first would-be Vāsudeva in the coming Utsarpiṇī सम॰ (५) એક જાતનુ લોઢાનુ આસન. एक जाति का लोहे का आसन a sort of iron seat. नाया॰ १, (६) સાતમા દેવલોકનુ એક વિમાન એની સ્થિતિ ૧૫ સાગરોપમની છે, એ દેવતા પન્દર પખવાડીએ શ્વાસોછ્વાસ લે છે, અને પંદર હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે सातवें देवलोक का एक विमान-उसकी स्थिति १५ सागरोपम की होती है, ये देवता १५ पक्ष में श्वासोछ्वास लेते हैं, और उन्हें १५००० वर्षो में क्षुधा लगती है a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for 15 Sāgaro-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५; (७) બાર જાતના વાજીંત્રનો સાથે શબ્દ કરવો તે बारह जाति के वाजिन्त्रों का एक साथ शब्द करना a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once पचा० ७, १६, (८) એ નામનો એક રાજકુમાર इस नाम का एक राजकुमार name of a royal prince नाया० ८, (६) પડવો, છઠ અને અગીયારસ એ ત્રણ તિથિનું નામ જુઓ "चंदा" શબ્દ प्रतिपदा षष्ठि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम देखो "णंदा" शब्द a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight vide 'णंदा' ज० प०

णंदकंत पुं० (नन्दकन्त) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેની સ્થિતિ ૧૫ સાગરોપમની છે, એના દેવતા ૧૫ પખવાડીએ શ્વાસોછ્વાસ લે છે એને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે सातवें देवलोक का एक विमान कि जिसकी स्थिति १५ सागरोपमकी होती है उसके देवता १५ पक्षमें श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष में क्षुधा लगती है Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for fifteen Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

णंदकूड पुं० (नन्दकूट) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ વગેરે નન્દકન્ત વિમાન પ્રમાણે જ છે. सातवें देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति इत्यादि णंदकंत विमान के समान ही है Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to "णंदकंत" in point of duration of the life of its gods etc सम० १५;

णंदग पुं० (नन्दक) એ નામની કૃષ્ણવાસુદેવની તલવાર इस नामकी कृष्ण वासुदेव की तलवार. Name of the sword of Kṛṣṇa Vāsudeva पण्ह० १, ४;

णंदज्झय पुं० (नन्दध्वज) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વગેરે 'णंदकंत' વિમાન પ્રમાણે છે सातवें देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि 'णंदकंत' विमान के समान है A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to "णंदकंत" in the duration of the life of its gods etc सम० १५,

णंदण पुं० (नन्दन) સમૃદ્ધિ समृद्धि. Prosperity, wealth नंदी० (२) પુત્ર पुत्र, लडका a son पण्ह० १, १, (३) ભરતક્ષેત્રના સાતમા બલદેવ भरत क्षेत्र के सातवें बलदेव का नाम the 7th Baladeva of Bharatakṣetra प्रव० १२२५; सम० "दिसिभाए णंदणनाम चेइए होत्था" भग० ३, १, (४) મેરૂપર્વત ઉપરનું દેવતાઓને ક્રીડા કરવાનું વન मेरु पर्वत पर का देवताओंके क्रीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru mountain "वणेसु वा णंदण माहु सेठ्ठ" सूय० १ ६, १८, ठा० २, ३, (५) મલ્લિનાથ સ્વામિનો પૂર્વ ભવ मल्लिनाथ स्वामी का पूर्व भव. the previous birth of Mallinātha Svāmī. सम० (६) મોકાયા નગરીની બહારનું ઉદ્યાન. मोकाया नगरी के बाहिर का उद्यान.

the garden outside the city of Mokāyā "बीसेब मोयाए नयरीए बहिया उत्तर पुरच्छिमे" —कर त्रि॰ (-कर) આનંદ કરનાર; સમૃદ્ધિ કરનાર. आनंद करनेवाला, समृद्धि करनेवाला. (one) that delights; (one) that makes prosperous पराह॰ १, ४;

णंदणकूड पुं॰ (नन्दनकूट) નંદન વનના નવ કૂટમાંનું એક નंदनवन के नौ शिखरों में से एक. One of the nine summits of Nandanavana सम॰ ५००;

णंदणभद्द पुं॰ (नन्दनभद्र) માઠરમ ગોત્રના આર્ય સંભૂતિવિજયના પહેલા શિષ્ય माठरम गोत्र के आर्य संभूति विजय के पहिले शिष्य The first disciple of Ārya Sambhūti Vijaya of Māṭharasa family-origin कप्प॰ ८.

णंदणवण न॰ (नन्दनवन) જમીનની સપાટીથી પાંચસો યોજન ઉંચે મેરુ પર્વત ઉપર આવેલ એક વન जमीन के तल से पांचसौ योजन पर मेरु पर्वत के ऊपर का एक वन. A forest on Meru mount 500 Yojanas above the level of the plain "ना णंदणवणा" ठा॰ २, ३, नाया॰ ३. जं॰ प॰ भग॰११, ६, २०, ६, अंत॰ १,१ ९ १. (२) વિજયપુર નગરની પાસેનું ઉદ્યાન विजय नगर के निकट का उद्यान a garden in the vicinity of the town of Vijayapura. विवा॰ २, ४, —कूड. त्रि॰ (-कूट) નંદનવનના નવ કૂટમાંનું પહેલું કૂટ શિખર. नंदनवन के नौ कूट में से पहिला कूट शिखर the 1st of the nine summits of Nandanavana जं॰ प॰ —समाण. त्रि॰ (-समान) નંદનવન સમાન. नन्दनवन समान. similar to, equal to Nandanavana. नाया॰ ५;

णंदणवण न॰ (नन्दनवन) જુઓ "णंदणवण" શબ્દ. देखो "णंदणवण" शब्द. Vide "णंदणवण" जं॰ प॰ ५, १२०; नाया॰ ५;

णंदप्पभ पुं॰ (नन्दप्रभ) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન, એના દેવતા ૧૫ પખવાડીએ શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ભૂખ લાગે છે सातवें देवलोक का एक विमान, उसके देवता १५ पक्ष में श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष में क्षुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years सम॰ १५;

णंदमणियार पुं॰ (नन्दमणिकार) એ નામનો એક શેઠ શાહુકાર इस नाम का एक सेठ-साहूकार Name of a merchant नाया॰ १३,

णंदमाण त्रि॰ (नन्दत्) સુખ ભોગવતો सुख भोगता हुआ Rejoicing तडु॰

णंदलेस्स पुं॰ (नन्दलेश्य) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન-વધારે માટે જુઓ 'णंदकंत' શબ્દ सातवें देवलोक का एक विमान-विशेष खुलासे के लिये देखो "णंदकंत" शब्द. A heavenly abode of the 7th Devaloka For further information vide "णंदकंत" सम॰ १५.

णंदवण्ण पुं॰ (नन्दवर्ण) સાતમાં દેવલોકનું એક વિમાન सातवें देवलोक का विमान A heavenly abode of the 7th Devaloka. सम॰ १५;

णंदवद्धिणी. स्त्री॰ (नन्दवर्द्धिनी) પૂર્વ દિશાના રુચક પર્વત ઉપર વસનારી આઠમાંની ચોથી

दिशाकुमारी. पूर्व दिशा के रूचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से चौथी दिशाकुमारी. The fourth of the eight Diśākumāris residing on the Ruchaka mountain in the east. जं० प०

णंदसिंग. पुं० (नन्दशृंग) सातमा देवलोकनु એક વિમાન, જુઓ " णंदकंत " શબ્દ. सातवें देवलोक का एक विमान, देखो " णंदकंत " शब्द A heavenly abode of the 7th Devaloka; vide " णंदकंत " सम० १५,

णंदसिद्ध. पुं० (नन्दसिद्ध) સાતમા દેવલોકનુ એક વિમાન; જુઓ " णंदकंत " શબ્દ सातवें देवलोक का एक विमान, देखो " णंदकंत " शब्द A heavenly abode of the seventh Devaloka, vide " णंदकंत" सम० १५,

णंदा स्त्री० (नन्दा) પડવો, છઠ્ઠ અને અગીયારસ એ ત્રણ તિથીનુ નામ प्रतिपदा, षष्ठ और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम A term denoting the 1st 6th and 11th dates of a fortnight (२) શીતલ નાથની માતાનુ નામ. शीतल नाथ की माता का नाम name of the mother of Śītalanātha प्रव० ३२२, सम० (३) પૂર્વ રૂચક પર્વતપર વસનારી આઠમાની બીજી દિશા કુમારી पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठ में से दूसरी दिशा कुमारी the 2nd of the 8 Diśākumāris residing on the Ruchaka mount in the east. जं० प० (४) રતિકર પર્વત ઉપર ઇશાન ઈંદ્રની અગ્રમહિષીની રાજધાની. रतिकर पर्वत के ऊपर इशान इंद्र की अग्रमहिषी का पाट नगर. the capital city of the principal queen of Iśāna Indra on the mount Ratikara. ठा० ४, २; (५) અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવનું નામ કે જે એક લાખ જોજનની લાંબી પહોલી અને ૧૦ જોજનની ઉંડી છે अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम कि जो एक लाख योजन लंबी चौडी और दस योजन गहरी है. name of a well on the mount Añjana having length and breadth of one lac Yojanas and 10 Yojanas in depth. जीवा० ३,४, ठा० ४, २, नाया० १, निसी० १, १, अंत० ७, १, (६) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી श्रेणिक राजा का एक रानी a queen of the king Sreṇika जं० प० ५, ११४; १२३, नाया० १,

णंदापुक्खरिणी स्त्री० (नन्दापुष्करिणी) મેરૂથી વાયવ્ય ખુણે ૫૦ જોજન ઉપર ભદ્રસાલ વનમાની ચાર વાવડીઓ मेरु से वायव्य कोने में ५० योजन पर भद्रसाल बन की चार बावडी The 4 wells in Bhadrasāla forest at a distance of 50 Yojanas in the north-west of Meru जं० प० ४, १०३, नाया० १२; (२) સૂર્યાભના વનખંડમાના મહેન્દ્રધ્વજ આગલની એક વાવ કે જે ૧૦૦ જોજન લાંબી ૫૦ જોજન પહોલી અને દશ જોજન ઉંડી છે. सूर्याभके वनखंड में के महेन्द्रध्वज के आगे की एक बावडी कि जो १०० योजन लम्बी ५० योजन चौडी और दश योजन गहरी है a well 100 Yojanas in length, 50 Yojanas in breadth and 10 Yojanas in depth in the vicinity of Mahendradhvaja in a forest of Sūryābha. राय० १५७; (३) ચંપા નગરીની બહારની એક ખાવડીનુ

नाम. चंपा नगरी के बाहर की एक बावड़ी का नाम. name of a well outside the town named Champā नाया० २;

चंदापोक्खरिणी. स्त्री० (नन्दापुष्करिणी) જુઓ " णंदापुक्खरिणी " શબ્દ. देखो " णंदापुक्खरिणी " शब्द. Vide " णंदापुक्खरिणी " नाया० १३;

णंदावत्त. पु० (नन्दावर्त) પાંચમાં દેવલોકના ઇન્દ્રના વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવતા. पांचवें देवलोकके इंद्रके विमानका व्यवस्थापक देवता. The deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the 5th Devaloka. जं० प० ४, (२) આઠમા દેવલોકનું એક વિમાન. એની સ્થિતિ ૧૫ સાગરોપમની છે. એ દેવ ૧૫ પખવાડીએ શ્વાસોશ્વાસ લે છે, એને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ભૂખ લાગે છે. सातवें देवलोकका एक विमान इस की स्थिति १५ सागरोपम की है यहां के देवता १५ पक्ष से श्वासोच्छ्वास लेते हैं व १५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है name of a heavenly abode of the 7th Devaloka similar to Nandakānta in the matter of life of its gods etc समा० १५, (३) નવખુણા વાળો સાથીઓ. नौ कोने वाला साथिया. a kind of auspicious mark with nine angles जं० प०५, १२२; राय० पन्न० (४) ચાર ઇન્દ્રિય વાળો જીવ વિશેષ. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष a kind of four-sensed sentient being. जीवा० १,

णंदि. पुं० (नन्दि-नन्दनं नन्दिः, नन्दन्ति प्राणिनोऽनेनास्मिन् वेति नन्दिः) આનંદ; પ્રમોદ. आनन्द; प्रमोद. Joy; rejoicing. ठा० ४, २; आया० १, १, २, ३; नाया० १, (३) ગૌણ મોહનીય કર્મ. गौण मोहनीय कर्म. secondary or subordinate Mohanīya karmas. सम० ५१; (४) બાર પ્રકારના વાજીંત્રોનો સમુદાય. बारह प्रकारके वाजिंत्रोंका समुदाय. a collection or set of twelve kinds of musical instruments. राय०११४,उत्त०११, १७; (५) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का वृक्ष a kind of tree. नाया० १, (६) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island; also of an ocean. पन्न० १५, —**गर.** त्रि० (-कर) વૃદ્ધિ કરનાર वृद्धि करनेवाला (one) that causes prosperity. नाया०१,—**घोस.** पु० (-घोस) બાર પ્રકારના બાજીત્રની અવાજ बारह प्रकार के वाजिंत्रों की आवाज a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. जं० प० ५,११६, राय०११४,(२) નન્દિના જેવી અવાજ કરનાર नंदीके समान आवाज करने वाला (one) who produces the above kind of sound. ओव० ३०, तदु० —**चुराणग** पु० (-चूर्णक) અમુક દ્રવ્યના સંયોગથી બનાવેલું ચૂર્ણ. अमुक द्रव्यके संयोग मे बनाया हुआ चूर्ण. powder prepared by mixing together particular ingredients. सूय० १, ४, २, ६; —**राग** पु० (-राग) સમૃદ્ધિથી ઉત્પન્નથયેલ હર્ષ. समृद्धि से उत्पन्न हर्ष. joy arising from prosperity. भग० ३, ५; —**स्सर.** पुं० (-स्वर) બાર પ્રકારના વાજીત્રોનો અવાજ. बारह प्रकार के बाजिंत्रों की आवाज. chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा० ३, तंदु० राय० ११४,

णंदिआवत्त पुं० (नन्द्यावर्त) नवखुणावाले साथीओ नौ कोने वाला साथिया An auspicious mark with nine angles. ओव० जं० प० ५, ११८, (२) पांचमा देवलोकना ईंद्रनु विमान पांचवें देवलोक के इंद्र का विमान the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka ओव० २५.

णंदिघोसा स्त्री० (नन्दिघोषा) थणित कुमार देवतानी घंटा थणित कुमार देवता का घंटा The bell of the deity named Thaṇita Kumāra जं० प०

णंदिज्ज न० (नदेय) स्थविर आर्य रोहणुथी नीकलेल उद्देहगणनुं पांचमु कुल स्थावर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पांचवांकुल The 5th family off shoot of Uddehagaṇa originating from Sthavira Āryaroha̤ṇa कप्प० ८,

णंदिज्जमाण त्रि० (नन्द्यमान) समृद्धि वधारतो समृद्धि बढताहुआ Causing growth or advance in prosperity ओव०

णंदिणीपिय पुं० (नदिनीपितृ) सवर्थी नगरीनो रहेनारो ए नामनो गाथापति सावथी नगरी का रहनेवाला इस नामका गाथापति. Name of a Gāthāpati (merchant) residing in the town of Sāvarthi. 'सावत्थी सावत्थीए णंदिणी पिया नामं गाहावई' उवा० १, २६८,

णंदिपुर न० (नन्दिपुर) शांडिल्य देशनी राजधानी शांडिल्य देश का पाटनगर. The capital of the country called Śāṇḍila. प्रव० १६०३;

णंदिफल न० (नंदिफल) ए नामनुं वृक्ष इस नाम का वृक्ष Name of a tree. नाया० १५, (२) एनुं प्रतिपादन करनार ज्ञाता सूत्रनुं त्रीजुं अध्ययन. इसका प्रतिपादन करनेवाला ज्ञाता सूत्र का तीसरा अध्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above नाया० १,

णंदिमित्त पु० (नंदिमित्र) मल्लिनाथ साथे दीक्षा लेनार नंदिमित्र कुमार. मल्लिनाथ के साथ दीक्षा लेनेवाला नंदिमित्र कुमार Nandimitra prince or a young boy who took Dikṣā (entered the order of monks) along with Mallinātha नाया० ८;

णंदिमुइंग न० (नन्दिमृदंग) एक प्रकारनु वाजिंत्र एक प्रकार का वाजिंत्र A sort of musical instrument राय०

णंदिमुह पुं० (नन्दिमुख) बे आंगली प्रमाणु शरीरधारी पक्षी विशेष दो उंगलियो के प्रमाण का शरीरधारी पक्षी विशेष A kind of bird with a body of the size of two fingers पराह० १, १, ओव० जं० प०

णंदिया स्त्री० (नन्दिता) नंदिता नामनी गांधार ग्रामनी पहेली मूर्छना नादिता नाम की गांधार ग्राम की प्रथम मूर्छना The primary tune of the Gāndhāra pitch in music. ठा० ७, १,

णंदियावत्त पु० (नन्द्यावर्त) नवखुणावाळो साथीओ नव कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles जीवा० ३, ३, राय० (२) आठ-देवलोकना ईंद्रनुं मुसाफरी विमान. आठ देवलोक के इन्द्र का विमान. the heavenly

ear of the Indra of Brahma Devaloka. ठा० ८, १; (२) બે ઇંદ્રિયવાળો જીવવિશેષ. दो इंद्रिय वाला जीव विशेष. a kind of two sensed sentient being. पन्न० १; (४) ઘોષ અને મહાઘોષ ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. घोष और महा घोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghosa and Mahāghosa. ठा० ४, १,

णंदिरुक्ख. पुं० (नन्दिवृक्ष—वृत्वाणा भूमि निष्टर्तीति) પીપળો, એક જાતનું ઝાડ. पीपल, एक प्रकार का वृक्ष A kind of tree, the Pipala tree, ficus religiosa ओव० जीवा० भग० २२, ३, पन्न० १, सम० १० २३३,

णंदिवद्धण पुं० (नन्दिवर्द्धन) એ નામનો એક રાજકુમાર इस नाम का एक राजकुमार A prince of this name विवा० ६,

णंदिवद्धणा स्त्री० (नन्दिवर्द्धना) અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવડી જે એક લાખ જોજનની લાંબી પહોળી અને દસ જોજનની ઉંડી છે अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम, जो एक लक्ष योजन लंबी चौडी है और दश योजन गहरी है Name of a well on the mount Añjana, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth जीवा० ३ ४, ठा० ४, २ (२) રુચક પર્વત ઉપરની એક દિશા કુમારી रुचक पर्वत के ऊपर की एक दिशा कुमारी a Diśākumarī on the mountain Ruchaka ठा० ८; जं० प० ४, ११४,

णंदिसेणा. स्त्री०(नदिषेणा) પશ્ચિમ અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવડી. पश्चिम अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी. A well on the western Añjana mount. जीवा० ३, ४,

णंदिसेण. पुं० (नन्दिषेण) મથુરા નગરીના દામ રાજાના કુંવરનું નામ मथुरा नगरी के दाम राजा के कुंवर का नाम Name of the son of the king Dāma of the town of Mathurā ठा० १, (२) ગૌતમનો પુત્ર, નન્દિવર્ધનનો શિષ્ય गौतम का पुत्र, नन्दिवर्धन का शिष्य a son of Gautama and disciple of Nandivardhana तदु

णंदिसेणा स्त्री० (नदिषेणा) પૂર્વ અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવનું નામ. पूर्व अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम Name of a well on the eastern Añjana mount जीवा० ३, ४, (२) પૂર્વ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી દિશાકુમારી. पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर रहने वाली दिशाकुमारी the Diśākumārī residing on the eastern Ruchaka mount ain ठा० ८,

णंदिसेणिया स्त्री० (नन्दिषेणिका) શ્રેણિક રાજાની રાણી કે જેનો અધિકાર અંતગડદશા સૂત્રના સાતમા વર્ગના ચોથા અધ્યયનમાં છે श्रेणिक राजा की रानी कि जिसका अधिकार अंतगडदशा सूत्र के सातवें वर्ग के चौथे अध्ययन में है The queen of the king Śrenika mentioned in the 4th chapter of the 7th section of Antagaḍadaśā Sūtra अंत० ७, ४,

णंदिस्सर पुं० (नन्दीश्वर) આઠમો નંદીશ્વર નામનો દ્વીપ आठवां नंदीश्वर नाम का द्वीप Name of the 8th island or continent named Nandīśvāra, ठा०

४, ६;—दीव. पुं० (-द्वीप) नन्दीश्वर नामनो आठमो द्वीप. नन्दीश्वर नाम का आठवां द्वीप. the 8th island or continent named Nandiśvara. भग० २०, ६;

णंदिस्सरा स्त्री० (नन्दिस्वरा) वायुकुमार देवतानी घंटा वायुकुमार देवता का घंटा The bell of the deity named Vāyukumāra जं० प०

णंदी स्त्री० (नदी) जुओ "णंदि" शब्द देखो "णंदि" शब्द Vide "णंदि" जीवा० ३, ४, —चुण्णग न० (-चूर्णक) जुओ 'णंदिचुण्णग" शब्द देखो णंदिचुण्णग" शब्द vide "णंदिचुण्णग" सूय० १, ४, २, ६,

णंदीसर पुं० (नन्दीश्वर) जुओ "णंदिस्सर" शब्द. देखो "णंदिस्सर" शब्द Vide "णंदिस्सर" नाया० ८, जं० प० ५, ११७,

णंदीमुह पुं० (नन्दिमुख) पक्षि विशेष पक्षी विशेष A kind of bird पण्ह० १,१, —दीव पुं० (-द्वीप) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० ८;

णंदीसरवर. पुं० (नन्दीश्वरवर) ए नामनो एक द्वीप इस नाम का एक द्वीप Name of an island ठा० ४, २, ७, जीवा० ३,

णंदीसरवरोद पुं०(नन्दीश्वरवरोद) ए नामनो एक समुद्र इस नाम का एक समुद्र Name of an ocean. जीवा० ३,

णंदुत्तर पुं० (नन्दोत्तर) भवन पतिना इन्द्रना रथनो अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का अधिपति The person in charge of the chariot of the Indra of Bhavanapati gods. ठा० ५, १;

णंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) रतिकर पर्वत उपरनी ईशानेन्द्रनी अग्रमहीषीनी राजधानी. रतिकर पर्वत के ऊपर की इशान इंद्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. The capital of the principal queen of Iśāna Indra, on the mount Ratikara. जीवा० ३; (२) पूर्व अंजनपर्वत उपरनी एक वावडीनुं नाम. पूर्व अंजन पर्वत के ऊपर की बावड़ी का नाम name of a well on the eastern Añjana mount. ठा० ४, २, जीवा० ३; (३) मन्दर पर्वतना रिष्टकूट उपर वसनारी दिशाकुमारीमांनी एक. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट शिखर पर रहनेवाली दिशाकुमारियोंमें से एक. one of the Diśākumāris residing on the summit Riṣṭa of the Mandara mount जं०प०५,११४,(४) पूर्व दिशाना रुचक पर्वत उपरनी एक दिशाकुमारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की एक दिशाकुमारी a Diśākumārī residing on the eastern Ruchaka mount जं०प० (५) ए नामनी श्रेणिक महाराजनी राणी के जेनो अधिकार अंतगडसूत्रना सातमा वर्गना त्रीजा अध्ययनमां छे इस नाम की श्रेणिक महाराजा की रानी कि जिसका वर्णन अंतगड सूत्र के सातवें वर्ग के तीसरे अध्ययन में है a queen of the king Śrenika, so named, who is mentioned in the 3rd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. अंत० ७, ३,

णंदुत्तरावडिंसग. पुं० (नन्दोत्तरावतंसक) सातमा देवलोकनुं एक विमान; एनी स्थिति पंदर सागरोपमनी छे ए देवता पंदर पखवाडीए श्वासोच्छ्वास ले छे, एने १५००० वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देवलोकका एक विमान; उसकी स्थिति पंद्रह सागरोपम की है; ये देवता पंद्रह पखमें श्वासोच्छ्वास लेते हैं; इन्हें

उ.
णक्खत्त मंडल - नक्षत्र मंडल.
वा.
अभि.
प.
पू.
नै.
म.
कुल ८ मांडला
११० योजनमां.
द.
D.V.TALSNIA.

१५००० वर्ष में क्षुधा लगती है A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५,

णंदोत्तरा. स्त्री० (नदोत्तरा) જુઓ 'णंदुत्तरा' શબ્દ देखो 'णंदुत्तरा' शब्द Vide "णंदुत्तरा" जीवा० ३, ४, ज० प०

णक्क. पु० (*) નાક નાસિકા नाक नासिका The nose जीवा० ३, ३ ओव० ३८ विवा० १ १

णक्क. पु० (नक्र) એક જાતનો મગર. एक जातका मगर A kind of alligator पन्न० १ आया० १

णक्ख. पु० (नख) નખ નખ, नाखून A nail on a finger or a toe भग० १० जीवा० ३, ३ सू० प० १०

णक्खत्त. न० (नक्षत्र) અભિજિત વગેરે ૨૮ નક્ષત્ર આકાશમાં ચંદ્ર તથા સૂર્યની સાથે ગતિ કરનાર જ્યોતિષી દેવતાની એક જાત (આ બધા નક્ષત્રોના આકાર અને નામ ચિત્રમાં દર્શાવેલ છે) अभिजित इत्यादि २८ नक्षत्र, आकाशमें चंद्र और सूर्य के साथ गति करनेवाले ज्योतिषी देवता की एक जाति (इन २८ नक्षत्रों के आकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं) Any of the 28 constellations such as Abhijita etc a class of planetary deities associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations are given in the picture) नाया० १ ५,८, भग० १५, १;१८, ७, जीवा० ३, ४ पन्न० १५, ओव० २५ ४०, अणुजो० १३१ १४३ सम० २७, सू० प० १० १६, ज० प० ७, १४० १४६ —**मंडल** पु० (-मण्डल) નક્ષત્રોનો આકાશમાં ચાલવાનો રસ્તો નક્ષત્રના માંડલા અશ્વિની આદિ ૨૮ નક્ષત્રો આકાશમાં જે ભાગ ઉપર ફરે છે તે ભાગને નક્ષત્ર મંડલ કહેવામાં આવે છે તેવા નક્ષત્રના માંડલા ૮ છે જેટલા ભાગમાં સૂર્યના ૧૮૩ માંડલા છ ચન્દ્રના ૧૫ માંડલા છે એટલા ભાગમાં નક્ષત્રના ૮ માંડલા છે नक्षत्रों का फिरने का मार्ग नक्षत्र का मण्डल अश्विनी आदि २८ नक्षत्र आकाश में जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश को नक्षत्र मण्डल कहते हैं ऐसे नक्षत्र मण्डल ८ हैं जितने प्रदेश में सूर्य के १८३ मण्डल हैं और चन्द्र के १५ मण्डल हैं उतने ही प्रदेश में नक्षत्र के ८ मण्डल हैं the paths on which the constellations move the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon ज०प००,१४६, —**मास** पु० (-मास) નક્ષત્ર માસ ૨૮ નક્ષત્ર ચંદ્રમા સાથે જેને જોડીએ તેટલો વખત नक्षत्र मास २८ नक्षत्र चन्द्र के साथ योग करते उतना समय the lunar

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

month; the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon सम॰ २७; —विचय पु॰ (-विचय-विचयनं विचय. नक्षत्राणां विचय स्वरूपनिर्णयः) નક્ષત્રના સ્વરૂપનો નિર્ણય. नक्षत्र के स्वरूपका निर्णय determination of the form or nature of a constellation सू॰ प॰ १;—विमाण. न॰ (-विमान) નક્ષત્રનું વિમાન. नक्षत्र का विमान. a celestial abode of a constellation ज॰ प॰ ७, १७०, —संवच्छर. पु॰ (-सवत्सर) જેટલા વખતમાં સર્વ નક્ષત્રો સૂર્યની સાથે જોગ જોડી રહે તેટલો વખત, ૩૨૭ અહોરાત્ર અને એક અહોરાત્રના ૬૭ ભાગ કરીએ તેવા ૨૧ ભાગ પ્રમાણ નક્ષત્ર સંવત્સર. जितने समय में सब नक्षत्र सूर्य के साथ योग जोडकर रहते है उतना समय, ३२७ अहोरात्र और एक अहोरात्र के ६७ भाग करें ऐसा २१ भाग प्रमाण नक्षत्र संवत्सर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा॰ ५, ३, ज॰ प॰ ७, १४१, सू॰ प॰ १०,

खग्ग पु॰ (नख) નખ नख. A nail on a finger ज॰ प॰ —छेयणग. न॰ (-छेदनक) નખ હરણી નેયણી. नख हरणी; नेवणी. barber's instrument used in paring finger-nails निसी॰ १, १८;

खग. पुं॰ (नग—गच्छतीति गः न गः नगः) પર્વત. पर्वत. A mountain. "जहासे नगाणं पवरे सुमहं मंदरो गिरी" उत्त॰ ११, २६, सूय॰ १, ६, ६, नाया॰ १; —इंद. पुं॰ (-इन्द्र) મેરૂ. मेरु the mount Meru. सूय॰ १, ६, ११; —राय. पुं॰ (-राज) પર્વતનો રાજા, મેરૂ પર્વત पर्वत का राजा; बडा पर्वत मेरु. king of mountains i e Meru ठा॰ ६,

खगर न॰ (नगर—नास्मिन् करोऽस्तीति नगरम्) ૧૮ પ્રકારના કર રહિત શહેર. १८ प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes पन्न॰ १, ठा॰ २, ४ पराह॰ १, ३, अणुजो॰ १२७, १३१; आया॰ १, ६, ५, १६४, वेय॰ १, ६; जं॰ प॰ ३ ४०, नाया॰ १; २. १६; —आवास पु॰ (-आवास) નગરના લોકોના આવાસ મહેલ नगर के लोगों का आवास महल an urban mansion. सम॰ —गावी स्त्री॰ (-गौ) શહેરની ગાયો. शहर की गायें an urban cow "न-गहा य अगाहा य खगर गाविओ " विवा॰ २ —गुत्तिय पुं॰ (-गुप्तिक) નગરનું રક્ષણ કરનાર કોતવાલ नगर का रक्षण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town, a Kotwāla "ततेणं त णगर गुत्तिया सुभद्दं सत्थवाह कालगय जाणित्ता " विवा॰ ४, नाया॰ १८: पराह॰ १, ३, —गोरूव पु॰ (-गोरूप) નગરના ચોપગા-ગાય બળદ વગેરે. नगर के चौपाये-गाय बैल इत्यादि urban cattle e. g a cow, ox etc विवा॰ २, —घाय. पुं॰ (-घात) નગરને લુટનાર नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया॰ १८; —द्वाण न॰ (-स्थान) નગરના ખંડેર. नगर के खंडहर; टूटे फूटे मकान. ruined or devastated building in a

city. कप्प० ४, ८८; —निवासि. पुं० (-निवेश) નગરમાં નિવાસ કરવો તે. नगर में निवास करना residence in a town. सम० ७२;—दाह. पुं० (-दाह) શહેરમાં આગ લાગવી તે. शहर में आग लगना. outbreak of fire in a city or town जीवा० ३; —धम्म पुं० (-धर्म) શહેરનો આચાર. शहर का आचार. custom or usage of a city. ठा० १०; —निद्धमण न० (-निर्धमन) નગર-શહેરનું પાણી નીકળવાનો માર્ગ, ખાળ नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग, गटर, मोरी. an outlet for the water accumulating in a city, a main gutter. भग० ३ ७. नाया० २ —पड्डिया स्त्री० (*) નગરની પાડી नगर की पाडी (भईसीं) an urban young buffalo. विवा० २ —माण न० (-मान) નગર વસાવવાની વિધિ, ૭૨ કલામાંની ૪૫ મી કલા नगर बसाने की विधि; ७२ कलाओं में से ४५ वीं कला. the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town नाया० १, ज० प० सम०—मारी स्त्री० (-मारी) નગરના લોકોનો મરકીથી થતો ક્ષય, નગરની અંદર મરકી આવે તે नगर के लोगों का महामारी से होता हुआ क्षय; नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना havoc caused by plague in a town; outbreak of plague in a town जीवा० ३, —रक्खिय पुं० (-रक्षक- नगरं रक्षति य स नगर रक्षकः) નગરનું રક્ષણ કરનાર કોટવાલ नगर का रक्षण करने वाला; कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla. निसी० ४, ६; —वसभ. पुं० (-वृषभ) નગરનો બળદ. नगर के बैल an urban ox विवा० २;—वह पुं० (-वध) નગરના બધાં માણસોને મારી નાખવા તે नगर के सर्व मनुष्यों को मार डालना the massacre of the whole people of a town. "मे सुयाई नगर वहे व सह" मग० १, ४, १, १८,

णगरी. स्त्री० (नगरी) નગરી, પુરી. नगरी; पुरी, बडा शहर A city; a town. ओव० नाया० १६,

णगिण त्रि० (नग्न) નિષ્પરિગ્રહી; નિર્ગ્રંથ. निष्परिग्रहा. निर्ग्रंथ Possessionless (monk) nude in the sense of not possessed of worldly effects आया० १, ६, २, १८४;

णग्ग त्रि० (नग्न) નગ્ન, વસ્ત્ર રહિત दिगंबर, नग्न Naked, unclad नंदी० —भाव न० (-भाव) નગ્નપણું; સાધુપણું नग्नता, साधुपन. state of being an ascetic, nakedness. "समणाणं निग्गथाणं नग्गभावे मुंडभावे " ठा० ६; नाया० १६,

णग्गइ पुं० (नग्नजित्) ગંધાર (કન્દહાર) દેશનો રાજા गंधार (कन्दहार) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra " नमिराया विदेहसु गधारेसु य णग्गई " उत्त० १८, ४६ (२) એ નામનો એક ક્ષત્રિય રાજર્ષિ. इस नाम के एक क्षत्रिय राजर्षि-सन्यासी name of a royal

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

saint belonging to the Ksatriya caste. ओव० ३८;

णग्गोह. पुं० (न्यग्रोध) વડનું ઝાડ. बडका वृक्ष A banyan tree. जं०प०७, १६२;पन्न०१; भग०२२,३,(२) વડના આકારનું સંઠાણ बड के आकार का संठाण. a type of physical constitution resembling the shape of a banyan tree. भग० २४, १, —परिमंडल त्रि० (-परिमण्डल न्यग्रोधवत्परिमण्डलं यस्य स तथा) વડના ઝાડ જેવો આકાર હોય જેનો તે ન્યગ્રોધ પરિમંડલ સંઠાણ વાળો. जिसका आकार बड के वृक्ष जैसा हो वह, न्यग्रोध परिमंडल सठाण वाला (one) possessed of a type of physical constitution resembling a banyan tree in shape जं० प० ७ १६२, तदु० जीवा० १; —वरपायव पु० (-वरपादप-पादैर्भूम्यन्तरवर्तिमूलविशेषैः पिबतीति) વડ, મ્હોટો વડ बड, बडा बड a banyan tree; a large banyan tree अंत० १, ५, १,

णच. अ० (नच) નહિ नहीं No, not. नाया० १७,

णच्च न० (नृत्य) નાચવું તે, નાચ नाचना; नाच Dancing, a dance ठा० ६, पन्न० २,

णच्चंतिय त्रि० (नात्यन्तिक) અત્યંત-અતિશય નહિ તે अत्यंत-अतिशय नहीं वह Not excessive, short of excessive. सूय० २, ६, २४,

णच्चण न० (नर्तन) નાચ; નાચવું તે. नाच; नाचना. A dance; act of dancing. ओव० २४, —सीलय पुं० (-शीलक) નાચવાના સ્વભાવ વાળો; મોર. नाचने के स्वभाव वाला, मोर. one given to dancing; a peacock. नाया० ३;

णच्चा सं० कृ० अ० (ज्ञात्वा) જાણીને; સમજીને जानकर; समझकर Having known or understood. "सव्वं णच्चा अहिट्ठए" सूय० १, १, ३, १६; १, १, ३, २०, आया० १, ३, १, १०६; १,३,२, ११४; उत्त० १, ४१, २, १३;

णच्चाविअ-य न० (नर्तित) નચાવવું; હલાવવું તે नचाना; हिलाना. Act of causing to dance or move. ठा० ६, ओघ० नि० २६१;

णच्चासराण त्रि० (नात्यासन्न) બહુ પાસે નહિ તે बहुत निकट नहीं वह. Not close to, not very near नाया० १, १४, भग० १, १, राय० ७८, जं० प० ४, १२०,

णच्चिय त्रि० (नर्तित) નાચેલ नाचाहुआ Danced (one) that has danced नाया० १,

णट्ट न० (नाट्य) નાચ; નાટક, આંગિક, વચિક, આહાર્ય અને સાત્વિક એ ચાર પ્રકારના અભિનય સાથે રસ અને ભાવની અભિવ્યક્તિ કરાવનાર નર્તન नाट्य, नाटक, नाच, आंगक, वाचिक, आहार्य और सात्विक ये चार प्रकार के अभिनय सहित रस व भाव का अभिव्यक्ति कराने वाला नाच. A drama, a play; a dance accompanied with the four kinds of representations viz of movement, speech etc which display various kinds of sentiments. नाया० १, ८, ओव० ३२, जं० प० ७,१४०; सू० प० १८, निसी० १२, ३२, ठा० ४, ४; (२) નાટ્યકલા, નાટક સંબન્ધી વિજ્ઞાન. नाटय कला; नाटक के संबध का विज्ञान. dramaturgy ओव० सम० ३३; —करीय पुं० (-करीक) નાટક કરનાર

माणुसोनो समूह. नाट्यकारों का समूह. a group of actors or dramatists. जं० प० ५, ११७; भग० १४, ६;—विहि. पुं० (-विधि) नाट्यकला, नाटक करवानी विधि-रीति नाट्यकला; नाटक करने की विधि-रीति the art of dramatic representation भग० ११, ६, जीवा० ३; जं० प० ५, १२१,

णट्टग. त्रि० (नर्तक) नृत्य करनार नृत्य करने वाला. A dancer. ओव०

णट्टमाल पुं० (नक्तमाल) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष A particular kind of tree जीवा० ३, ३. जं० प० १, १४,

णट्टमालश्र-य. पुं० (नृत्यमालक) वैताढ्य पर्वतनी खण्डप्रपात गुफानो स्वामी देवता वैताढ्य पर्वत की खण्डप्रपात गुहा का स्वामी देवता The presiding deity of the cave Khanda Prapāta of the Vaitādhya mount ठा० २, ३,

णट्टवत्थु न० (नाट्यवस्तु) नाच, नाटकादिनुं प्रतिपादन करनार शास्त्र, २६ पापश्रुतमानुं एक नाच, नाटक आदि का प्रतिपादन करने वाला शास्त्र, २६ पापश्रुत में से एक One of the 29 Pāpa Srutas (secular sciences) viz the science of dramatic representation पगह० २, ५,

णट्ठ त्रि० (नष्ट) नाश पामेल, नष्ट थयेल नाश पाया हुआ, नष्ट Destroyed "णट्ठसप्पह सब्भावे" सूय० १, ३, ३, १० नाया० १८; १३, जीवा० ३, ४, राय० २१. भग० १४, १. (२) रातदिवसनं १७मुं मुहूर्त रात्र दिन का १७ वां मुहूर्त the 17th Muhūrta of a day and night. जं० प० ५, १२३, सम० ३०; —तेय. त्रि० (-तेजस्) तेज प्रकाश नाश पामेल छे जेनुं ते जिसका तेज-प्रकाश नष्ट होगया है वह. (one) whose lustre or brightness is destroyed; lack-lustre भग० १५, १; —मइय. त्रि० (-मतिक) नाश पामेल छे बुद्धि जेनी. नष्ट बुद्धि वाला. (one) whose intellect is destroyed; a block head. नाया० १६; १७; —रज त्रि० (रजस्—नष्ट सर्वथाऽदरवीभूतं रजो यत्र स तथा) रज वगरनुं रज रहित, स्वच्छ clean, free from dust or passion. जीवा० ३;—रय त्रि० (-रजस्) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above जं० प० ५, ११३; —सराण त्रि० (-सञ्ज) मननी भ्रान्तिवाळो, जेनी संज्ञा नाश पामेल छे ते मन की भ्रांतिवाला; नष्ट संज्ञा वाला deluded in mind, (one) whose intellıgence has faded away. नाया० १६, १७, —सुइय पुं० (-श्रुतिक) श्रुत जेनी नाश पामी छे एवो, शास्त्र अशास्त्रनो विचार करवाने अशक्त जिसकी श्रुति नष्ट होगई है ऐसा, शास्त्र अशास्त्र का विचार करने को अशक्त (one) incapable of distinguishing between true and false scriptures नाया० १, १७;

णट्ठवंत पुं० (नष्टवत्) अहोरात्रनुं २६मुं मुहूर्त अहोरात्र का २६ वां मुहूर्त. The 26th Muhūrta of a day and night. सम० ३०,

णड पुं० स्त्री० (नट) नाटक करनारनी एक जात, नट नाटक करनेवाला, नट An actor in a drama ओव० जं० प० ५, २४, ठा० ६, —खाइत्ता. स्त्री० (—खादित्वा — नरस्येव संवेगादिकधर्मकथाकरणे - पार्जितभोजनादीनां खादितं भक्षणं यस्यां सा

अदद्याविता) એક જાતની પ્રવ્રજ્યા; નાટકની માફક ધર્મશૂન્ય કથા કરીને આજીવિકા ચલાવવી તે. एक प्रकार की प्रव्रज्या; नाटक के समान धर्मशून्य कथा कर के आजीविका चलाना. a sort of asceticism, earning one's bread by empty talk like that of an actor in a drama, devoid of true religion. ठा॰ ४, ४; —पेच्छा. स्त्री॰ (-प्रेक्षा) નટને જોવું नट को देखना seeing a Nata-a dancer जं॰ प॰ २, २४;

णडिअ-य. त्रि॰ (*) પીડિત. पीडित Afflicted; distressed नाया॰ ६,

णणंदा. स्त्री॰ (ननान्द) નણંદ, પતિની બ્હેન नणद, पति की बहिन A husband's sister भग॰ १२, २,

णण्णत्त अ॰ (नाऽन्यत्र) જુઓ ' णण्णत्थ ' શબ્દ देखो " णण्णत्थ " शब्द Vide " णण्णत्थ " नाया॰ ६;

णण्णत्थ. अ॰ (नान्यत्र) એટલું વિશેષ, આ નહિ કે તે નહિ પણ એટલું इतना विशेष, ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना So much in particular, not this or that but this much ओव॰ ३८, नाया॰ १; २, १८; भग॰ ३, २, ६, ५, १६, ३; दसा॰ ७, १,

णण्णहा अ॰ (नान्यथा) બીજીરીતે નહિ अन्यरीतिसे नहीं Not otherwise पन्न॰ १,

णण्णहावाइ. पुं॰ (नान्यथावादिन्) અન્યથા વાદિ નહિ अन्यथा वादी नहीं (One) who does not speak or believe otherwise नाया॰ ८;

णत त्रि॰ (नत) નમેલ. झुका हुआ. Bent; bowed down. सू॰ प॰ २०; (२) पुं॰ નત નામે એક વિમાન; એની સ્થિતિ ૧૯ સાગરોપમની છે, એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોશ્વાસ લે છે અને ૧૯૦૦૦ વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. नत नाम का विमान, उसकी स्थिति १६ सागरोपम की है, ये देवता ६॥ मास में श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमें क्षुधा लगती है. name of a heavenly abode, the gods in which live for 19 Sāgaropamas, breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years सम॰ १६,

णत्त न॰ (नक्त) રાત્રિ रात्रि A night. च॰ प॰ १०,

णत्तिआ स्त्री॰ (नप्तृका) દીકરાની દીકરી અને દીકરીની દીકરી पुत्र की पुत्री और पुत्री की पुत्री A grand-daughter. विवा॰ ३,

णत्तुआ स्त्री॰ (नप्तृका) જુઓ ' णत्तिआ " શબ્દ देखो " णत्तिआ " शब्द. Vide "णत्तिआ' विवा॰ ३.—वइ. पुं॰ (-वर) પૌત્રીનો વર; દીકરીના દીકરીનો ધણી पौत्रीका पति, पुत्री की पुत्री का धनी. a grand daughter's husband विवा॰ ३,

णत्तुइणी. स्त्री॰ (नप्तृकिनी) દીકરાના દીકરા કે દીકરીના દીકરાની વહુ पुत्र के पुत्र की अथवा पुत्री के पुत्र की स्त्री Wife of a grandson. विवा॰ ३,

णत्तुई स्त्री॰ (नप्तृकी) દીકરા કે દીકરીની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

દીકરી. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा० ३;

णत्तुणिअ पुं० (नप्तृक) પુત્રનો પુત્ર;પૌત્ર पुत्र का पुत्र. पौत्र. A son's son; a grandson. दस० ७, १८,

णत्तुणिआ-या. स्त्री० (नप्तृका) દીકરાની દીકરી. पुत्री की पुत्री A daughter's daughter. दस० ७, १५,

णत्थ त्रि० (न्यस्त) સાધુને વાસ્તે સ્થાપી રાખેલ. साधु के वास्ते रख छोडा हुआ. Reserved for an ascetic सूय० १, ४; १, १५. (२) (नाश्यन्ते वशीक्रियन्ते वृषभादय दु र्दान्ताक्रियन्ते वाऽनेनेति) નથ; બળદની નાથ नथनी, बैल की नाथ a nose st ing by which an ox is led नाया० ३ भग० ६ ३३.

णत्थि अ० (नास्ति) નથી. है नहीं Is not अणुजो० १३६, नाया० २, ३, ८ १६, भग० ३५, १२, निसी० ५, ६५.

णत्थिअ पुं०(नास्तिक नास्ति जीव परलोका वा इत्येव मतिर्यस्य) નાસ્તિક, અક્રિયાવાદી नास्तिक, अक्रियावादी An atheist ठा० ८, ४;

णत्थित्त न० (नास्तित्व) નાસ્તિત્વ. અસ્તત્વનો અભાવ नास्तित्व, अस्तित्व का अभाव. Absence of existence, nihilism भग० १, ३.

णदी. स्त्री० (नदी) નદી, नदी A river अ० प० ठा० २, ४, (२) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island, also that of an ocean जीवा० ३,४, —मह. पु० (-मह) નદીનો મહોત્સવ नदी का महोत्सव festivity in honour of a river. राय० २१७,

णद्दिय न० (पूर्दित) બળદ વગેરેનો અવાજ बैल इत्यादि का आवाज. Bellowing as that of an ox etc. नाया० १.

णद्ध. त्रि० (नद्ध) બાંધેલ बधा हुआ Bound tied सदु०

णपुंसग न० (नपुंसक) નપુંસક; નામર્દ; પુરૂષ નહિ તેમ સ્ત્રી પણ નહિ नपुंसक; नामर्द; पुरुष भी नहीं और स्त्री भी नहीं. An impotent; hermaphrodite ' तिविहा णपुंसगा पराणत्ता ' ठा० ३, १, भग० ८ ८; --पराणवणी. स्त्री०(-प्रज्ञापनी) નપુંસકના લક્ષણ બતાવનારી ભાષા नपुंसक के लक्षण बताने वाली भाषा language bearing the marks of impotence. पन्न० ११. —लिंगसिद्ध पु० (-लिङ्गसिद्ध) નપુંસક પણે સિદ્ધ થાય તે नपुंसक पन से सिद्ध हो वह getting of salvation in the state of impotency नंदी० —वयण न० (-वचन) નાન્યતર જાતિના શબ્દ नान्यतर जाति क शब्द a word in the neuter gender जावा० १.—वेद पु०(-वेद — वेद्यत इति वेदः नपुंसकस्य वद' नपुंसकवेद) નપુંસક વેદ, ત્રણ વેદમાંનો એક नपुंसक वेद. तीन वेद मे से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz that of an impotent. भग० २०,७, मम० २१, —वेदग पु०(-वेदक) નપુંસકવેદવાળો જીવ नपुंसक वेद वाला जीव a soul with the sex-feeling of impotence भग० ११, १, १८, १. २४, १. ३५, १. —वेदय पु० (-वेदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द vide above. भग० २६, १: —वेय. पु०(-वेद) જુઓ "णपुंसगवेद" શબ્દ · देखो ' णपुंसगवेद ' शब्द. vide ' णपुंसगवेद " पन्न० २३; २३.

ठा० ६; सम० —वेयग. पुं०(-वेदक) जुओ "णपुंसगवेयग" शब्द. देखो 'णपुंसगवेयग' शब्द. vide "णपुंसगवेयग" ठा० ४, ४;

णपुंसय. न० (नपुंसक) जुओ "णपुंसग" शब्द. देखो "णपुंसग" शब्द Vide "णपुंसग" सम० २०, —वेयणिज्ज न० (-वेदनीय) जेथी नपुंसकपणुं वेदवामा आवे तेवी एक मोहनीय कर्मनी प्रकृति जिस से नपुंसकत्व-नामर्दाई का अनुभव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति a variety of Mohaniya Karma by which a soul experiences the sex feeling of an impotent सम० २०,

णभ. न०(नभस्) आकाश. आकाश Sky सूय० १, ६, ११, ओव० —सूर. पुं० (-सूर) राहु, चंद्र या सूर्यने ग्रहण करनार एक जातनो कालो पुद्गल. राहु; चंद्र या सूर्य को ग्रहण करने वाला एक जाति का काला पुद्गल the demon Rāhu, causing an eclipse of the sun or moon. सू० प० २०,

णमंसण न० (नमस्यन) नमस्कार करवो ते नमस्कार करना Act of bowing to, act of saluting भग० ६, ३३,

णमंसणया स्त्री० (नमस्यन) नमस्कार करवो ते. नमस्कार करना Act of bowing to, act of saluting. ओव०२७,

णमंसणिज्ज त्रि० (नमस्यनीय) नमस्कार करवा योग्य. नमस्कार करने योग्य Worthy of being bowed to, worthy of being saluted. भग० १०; ५;

णमंसिय त्रि० (*नमस्यित) नमस्कार करेल; नमेल नमस्कार किया हुआ; झुका हुआ. (One) who has bowed to; (one) who has saluted. भग० ४२, १;

णमण न० (नमन) नमन; प्रणाम. नमन; प्रणाम. A bow; a salutation. सूय० २, २, ७;

णमणी स्त्री० (नमनी) त्रीजी गौण आज्ञा. तीसरी गौण आज्ञा The third of the secondary commands नदी०

णमि पुं० (नमि) नमि नामना एक राजर्षि के जे अनेक कंकणु खडखडे छे अने एकनो खडखडाट थतो नथी एटला उपरथी वैराग्य पामी दीक्षा लई मोक्षे पहोंच्या; चार प्रत्येकबुद्धमाना एक प्रत्येकबुद्ध. नमि नाम का राजा कि जो अनक कंकण का खडखडाहट होता है परन्तु एक की अवाज नहीं होनेसे वैराग्य प्राप्त कर दीक्षा ले, मोक्ष को पहुंचे, चार प्रत्येक बुद्ध मे से एक प्रत्येक बुद्ध King Nami who marked that more bangles than one collide against each other (when the hand that wears them is in motion) and make a sound He also marked that one bangle does not produce that sort of sound So he became an ascetic and got salvation, he is one of the four Pratyeka Buddhas उत्त० १८, ४५, (२) एकवीशमा तीर्थंकरनु नाम एकवीसवें तीर्थंकर का नाम. name of the 21 st Tirthankara अणुजो० ११६, सम० १५, (३) वैताढ्यनी उत्तर श्रेणिमाना विद्याधरनो राजा वैताढ्य की उत्तर श्रेणिमें के विद्याधरों का राजा. name of a king of the Vidyādharas residing

in the northern part of Vaitādhya. अं० प० (४) અંતગડદશા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનમાં જેનો અધિકાર છે એવા એક સાધુ अंतगड दशा सूत्र के पहिले अध्ययन में जिसका अधिकार है ऐसा एक साधु name of an ascetic described or mentioned in the first chapter of Antagadadasā Sūtra. ठा० १०;

णमिपव्वज्जा स्त्री० (नमिप्रव्रज्या) એ નામનું ઉત્તરાધ્યયનનું ૮ મું અધ્યયન ૬। नामका उत्तराध्ययन का ८ वां अध्ययन। Name of the 8th chapter of Uttarādhyayana. सम०

णमिय त्रि० (नत) નમ્ર. नम्र Bent, low; humble bowed down 'कुसुम फलभार णमियपाला' जावा० ३, ज० प०

णमुकार पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર. नमस्कार A bow; a salutation. दस० ४ १, ६३;

णमुदय पुं० (नमुदय) એ નામનો ગોશાળનો એક શ્રાવક. इस नामका गोशाला का एक उपासक श्रावक A layman follower of Gosālā. भग० ७, १०

णमो. अ० (नमस्) નમસ્કાર કરવો તે. नमस्कार करना Act of bowing or saluting, salutation. नाया० १, ६; १३; १६; नाया० ध० भग० १५, १. २३, १, २५, १३, २६, १, जीवा० ३ ४; ओव० १२. अणुजो० १२६, ज० प० ५, ११९; ११२;११७, ११५;

णमोकार. पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર. नमस्कार. A bow or salutation. आव० १, २,

णमोक्कार. पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર नमस्कार A bow; a salutation. नाया० १;

णय. अ० (नच) નહિ. नहीं. No; not सम० प० २३१;

णय. त्रि० (नत) નમ્ર થયેલ; નમેલ. नम्र; झुका हुआ Bent low, modest; humble; (one) who has bowed. ज० प० ३, ५७, सूय० १, २, २, २७;

णय. पुं० (नय - नयत्यनेकांशात्मकं वस्त्वेकांशा वलम्बनेन प्रतीति पथमारोपयति नीयते ऽनेनास्मिन् वेति नय) અનેક ધર્મવાળી વસ્તુના એક ધર્મનો બોધ કરાવનાર અભિપ્રાય, નૈગમ આદિ સાત નયમાનો ગમે તે એક अनेक धर्मावलंबी वस्तु के एक धर्म का बोध कराने वाला अभिप्राय, नैगम आदि सात नय में से कोई भी एक. Any of the seven stand-points viz Naigama etc, a stand-point showing one of many aspects of a thing. पन्न० १, १६, नाया० १, भग० ७, ३, १८, ६, (२) મત, દૃષ્ટિ, અપેક્ષા. मत; दृष्टि; अपेक्षा view, point of view. सू० प० २०, —**अंतर** त्रि० (-अन्तर) બે નયની વચ્ચેનો તફાવત, દૃષ્ટિ-મત ભેદ. नय के मध्य का अंतर, दृष्टि-मत भेद difference between two points of view or stand-points. भग० १, ३; —**गइ** स्त्री० (-गति) નૈગમ આદિ નયોએ પોત પોતાના મતનું પોષણ-સ્થાપન કરવું તે, પરસ્પર સાપેક્ષ સર્વ નયોથી પ્રમાણને બાધ ન આવે તેવી રીતે વસ્તુનું વ્યવસ્થાપન કરવું તે नैगम आदि नयों से अपने अपने मत का पोषण स्थापन करना; परस्पर सापेक्ष सर्व नयों से प्रमाण का बाध न आवे इस रीति से वस्तु का व्यवस्थापन करना. establishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पन्न० १६; —निउण त्रि० (-नय निपुण) नैगम आदि नयमां निपुण -कुशल नैगम आदि नयमें निपुण कुशल proficient, well versed in the stand points viz. Naigama etc. सम० १, —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) नयनी अंदर प्रधान नय के अदर प्रधान. the chief or principal among the standpoints राय० —विहि पु० (-विधि) नयना प्रकार नय के प्रकार varieties of stand-points, various modes of stand points नाया० १; —विहिएणु त्रि० (-विधिज्ञ) नयना प्रकारने अनुसार नय के प्रकार को जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand points नाया० १;

णयण न० (नयन) आंख, नेत्र, चक्षु आंख, नेत्र, चक्षु An eye नाया० १, ८, ६, १७, भग० ३, २; ६, ३३; ११, ११, जीवा० ३, ३, राय० २७, ओव० —आणंद पुं० (-आनन्द) आंखनो आनन्द आंख का आनन्द delight of the eyes नाया० १. —विस न० (-विष) आंखनुं झेर-रोष-गुस्सो आंख का विष-रोष-कोप resentment or anger expressed in the eyes नाया० ६; —वएण पुं० (-वर्ण) आंखनो रंग. आंख का रंग colour of the eyes. नाया० ८; —माला स्त्री० (-माला) हारबंध ऊभेला माणसोनी आंखोनी पंक्ति श्रेणि में खड़े हुए मनुष्यों की आंखों की पंक्ति a line or series of the eyes of persons standing in rows. भग० ३, ३३; —कीया. स्त्री० (-कीका-कनीनिका) नेत्र-आंखनी कीकी. नेत्र-आंख की पुतली. the pupil of an eye राय० २७; ओव०

णयर न० (नगर) नगर; ज्यां हलकी वस्तु उपर कर न होय तेवुं शहेर नगर. जहां हलकी वस्तु के ऊपर कर न हो ऐसा शहर A town, a city, a town in which taxes are not levied on trivial articles नाया० १, ८; १३, १४, १५, भग० ३, १; ५, ६, १६, ७; ओव० १०, ३२, —गुत्तिअ-य पु० (-गोप्तृक) नगर रक्षक, कोटवाल नगर रक्षक, कोटवाल a protector or guard of a city, a Kotawāla. ओव. ३०, नाया० २. —णिगम पु० (-निगम) नगरना निगम-महाजन-व्यापारी नगर के निगम महाजन-व्यापारी a trader residing in a city नाया० २, —बलीवद्द पु० (-बलीवर्द) नगरनो छुट्टो धणी खुंट नगर का सांड a bull roaming a city विवा० ४, —महिला स्त्री० (-महिला) नगरनी स्त्री-नारी नगर की स्त्री-नारी. a woman residing in a city नाया० २;

णयरी स्त्री० (नगरी) नगरी. राजधानीनुं शहेर नगरी, पाटनगर. A city, a capital-city नाया० १, २, ४, ५, ६; भग० ३, १, ज० प० ७, १३८, १, १; राय० ४,

णर. पुं० (नर) नर; मनुष्य, पुरुष नर; मनुष्य, पुरुष A man, a person; a human being नाया० १, ७; ८, राय० ४३, ज० प० ५, ११५; —आहिव पु० (-आधिप) राजा राजा. a king.

" कुंथूणामणरविवो " उत्त० १८, ३६;
—(री) ईसर. पुं० (-ईश्वर) રાજા. राजा. a king. " इक्खा गुराय वसहो कुंथूणाम नरीसरो " उत्त० १८,३६, —देव. पुं० (-देव-नरेषु देवा नरदेवा.) ચક્રવર્તી चक्रवर्ती. a Chakravartī; a lord of men. ठा० ५, १; (२) એ નામનો ઋષભદેવ સ્વામિનો એક પુત્ર. इस नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र name of a son of Ṛṣabhadeva Swāmi. कप्प० ७, —णारीसंपरिवुड त्रि० (-नारीसंपरिवृत) નરનારીથી વેંટાયેલ. नरनारी से घिरा हुआ surrounded by men and women पराह० १, ३, —दुग न० (द्विक) મનુષ્ય ગતિ અને મનુષ્યાનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિ मनुष्य गति और मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृति two Karmic varieties named Manusya Gati and Manusyānupūrvī क० ग० ३, ८. —रुहिर न० (-रुधिर) મનુષ્યનું લોહી मनुष्य का रुधिर human blood राय० —वरीसर पुं० (-वरेश्वर) શ્રેષ્ઠ રાજા श्रेष्ठ राजा the best among kings, an excellent king " सगरत्त चइत्ताण भरह नरवरीसरो " उत्त० १८, ४०, —वसह पु० (-वृषभ) નરની અંદર પ્રધાન ગુણવાળો, ઉત્તમ પુરૂષ नरो मे प्रधान गुण वाला, उत्तम पुरुष the highest or best among men an excellent person पराह० १, ४, —विग्गहगइ. स्त्री० (-विग्रहगति) મનુષ્યની વિગ્રહ ગતિ; કોઇપણ ગતિમાંથી ચવી છળ-પાક ખાઇ મનુષ્યની ગતિમાં આવે તે मनुष्य की विग्रह गति, कोई भी गति मे से चवकर-चलायमान होकर जीव अनियमित रीति से मनुष्य गतिमें आता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process ठा० १०,—संघाडग. न० (-संघाटक) નર મનુષ્યનો સમૂહ नर-मनुष्य का समूह a multitude of men. जं० प० —सिरमाला. स्त्री० (-शिरोमाला) પુરૂષોના માથાની માળા पुरुषों की खोपडियों की माला a garland of human skulls नाया० ८, —सीह पु० (-सिंह) પુરૂષમાં સિંહ સમાન पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men. नाया० १६.

णरअ य पु०(नरक) નરક नरक Hell आया० १, ३, २, १६; दसा० ६, १, ४, नाया० ., १६, भग० १५, १,

णरकन्तप्पवाय न० (नरकान्ताप्रपात) જંબુદ્વીપના મન્દર પર્વતની ઉત્તરમા નરકાન્તા નદીનો ધોધ जम्बूद्वीप के मन्दर पर्वत के उत्तर की नरकान्ता नदी की धारा The fall of the river Narakānta in the north of the mount Mandara of Jambū Dvīpa ठा० २, ३.

णरकंता स्त्री० (नरकान्ता) રુક્મિ પર્વતના મહાપુંડરીક દ્રહમાંથી દક્ષિણ તરફ નીકળેલી મહાનદી रुक्मि पर्वत के महान्हद में से दक्षिण तरफ निकली हुई महानदी A great river rising from lake Mahāpuṇḍarika on mount Rukmi and flowing in the south ठा० ., ३, जं० प० ४, १११; —कूड न० (-कूट) રુક્મિ પર્વત ઉપરના આઠ કૂટમાનું ચોથુ કૂટ-શિખર. रुक्मि पर्वत के ऊपर के आठ कूट में से चौथा कूट

सिहर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. ज॰प॰

णरग. पुं॰ (नरक—नरान् कायन्ति शब्दयन्ति योग्यतायां अनियत क्रमेणाऽऽकारयन्ति जन्तून् स्वस्वस्थानं इति नरकाः) नरकावासा, नारकीना जीवोने रहेवाना स्थान नरकावासा, नारकी जीवों को रहन का स्थान A hell abode for sinners. ठा॰ ४, १, पन्न॰ २, —आवास पुं॰ (-आवास) नरकावासा, नारकीना स्थान नरकावासा; नारकों का स्थान a hell abode ठा॰ ८, —इंद पुं॰(-इन्द्र) म्होटामा म्होटो नरकावासो बड से बडा नरकावास the largest hell-abode ठा॰ ६,—तल न॰(-तल) नरकनुं तळ नरक का तल the bottom of hell दस॰ ६, १, —पाल पुं॰ (-पाल) नरकना रक्षक पंदर जातना परमाधार्मिक नरक के रक्षक, पन्द्रह जाति के परमाधार्मिक. any of the 15 kinds of the tormentors or guard of hell called paramā dhārmikas सूय॰ नि॰ १, ५, १, ७४, —विभत्ति स्त्री॰ (-विभक्ति विभाजिन विभावित नरकाणां विभक्ति नरक विभक्तिः) नरकना विभाग. नरक के विभाग sub-divisions of hell (२) तेनुं प्रतिपादन करनार सूयगडांग सूत्रनुं पांचमुं अध्ययन उसका प्रतिपादन करने वाला सूय गडांग सूत्र का ५वां अध्ययन the 5th chapter of Sūyagaḍāṅga dealing whith the above सूय॰ १,५,१, सम॰

णरगत्त न॰ (नरकत्व) नारकी पणुं नारकी पन. State of a hell-being. भग॰ १२, ७,

णरवइ पुं॰ (नरपति) माणुसनो स्वामि-नायक; राजा. मनुष्य का स्वामी-नायक; राजा. A lord of men; a king. नाया॰ १, ८, १६; ओव॰ ३१; पराह॰ २, ४; जं॰ प॰ ३, ४३; —दत्तपयार. पुं॰ (-दत्तप्रचार) राजाये आपेल सत्ता राजा की दी हुई सत्ता-अधिकार. power conferred by a king. नाया॰१६, —वितिण्णपयार पुं॰ (-दत्तप्रचार) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above नाया॰ १६,

णरिंद पुं॰ (नरेन्द्र नराधिन्द्रो नरेन्द्रः) राजा, चक्रवर्ती आदि राजा, चक्रवर्ती आदि. A king, a Chakravartī etc पराह॰ १, ४; ओव॰ नाया॰ १; ८, —वसह पुं॰ (-वृषभ) म्होटो राजा. बडा राजा. a great king, a sovereign prince " एव नरिंदवसहा निक्खंता जिणसासणे " उत्त॰ १८, ४७,

णरीसरत्तण न॰ (-नरेश्वरत्व) नरेश्वरपणुं राजापणुं राजापन, नृपत्व Kingship, royalty "माणुसत्ते मणुयत्ते धम्माओ णरीसरत्तणाए" पन्ना॰ ४, १२,

णल पुं॰ (नल) एक जातनी वनस्पति नल. एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation जीवा॰ ३, १ ठा॰ ४, १.

णलदाम न॰ (नलदामन्) ए नामनो एक वणकर. इस नाम का एक कपडा बुनने वाला, जुलाहा Name of a weaver. ठा॰ ४, ३

णलिण न॰ (नलिन) थोडुं रातुं कमल कमल, थोडा लाल कमल A lotus; a reddish lotus जीवा॰ ३, १; राय॰ ४८, नाया॰ ८, पन्न॰ १; (२) ८४ लाख नलिनांग प्रमाणनो काळ विभाग. ८४ लाख नलिनांग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 lacs of Nalināgnas. अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४; ठा० २, ४; अम० ५, १; २५, ५; (२) નલિન વિમાન; સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ સત્તર સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડાઆઠ માસે શ્વાસોશ્વાસ લે છે અને સત્તર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે नलिन विमान; सातवे देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति सतरह सागरोपम की है, ये देवता साडे आठ मास में श्वासोश्वास लेते हैं और उन्हें सतरह सहस्त्र वर्षो में क्षुधा लगता है a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sagaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years सम० १७ (४) પશ્ચિમ મહાવિદેહના દક્ષિણ ખંડ્યાની મેરુ તરફથી સાતમી વિજય पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की मेरु की तरफ से सातवीं विजय the 7th Vijaya of the southern part of western Mahāvideha from the side of Meru ज० प० (५) સાતમી વિજયને રાજા सातवीं विजय का राजा the king of the 7th Vijaya ज० प० (६) જમ્બુસુદર્શનની પૂર્વમાં આવેલી એક વાવ जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावडी a well in the east of Jambū Sudarsana ज० प०

णलिणंग. न० (नलिनाङ्ग) ८४ લાખ પદ્મ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ ८४ लक्ष पद्म प्रमाण का काल विभाग A period of time measuring 84 lacs of Padmas. अणुजो० ११५; ठा० २, ४, सम० ५, १; २५, ५.

णलिणकूड. पुं० (नलिनकूट) સીતા મહાનદીને ઉત્તર કિનારે અને આવર્ત વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરનો વખાર પર્વત. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर और आवर्त विजय की पूर्व सरहद के ऊपर आया हुआ वखारा पर्वत. A Vakhārā mount on the eastern border of Āvarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sitā. जं० प० ४, ६९. ठा० २, ३; ३, ३, ४, २;

णलिणगुम्म पु० (नलिनगुल्म) શ્રેણિક રાજાની સ્ત્રી નલિનગુલ્માનો પુત્ર. श्रेणिक राजा की स्त्री नलिनगुल्मा का पुत्र. A son of Nalinagulmā the wife of king Śrenika (२) મહાપદ્મ સ્વામીના વખતનો રાજા महापद्म स्वामी के समय का राजा a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmi ठा० ८, (३) આઠમા દેવલોકનું એ નામનું એક વિમાન आठवें देवलोक का इस नाम का एक विमान name of a heavenly abode in the 8th Devaloka सम० १८;

णलिणवण न० (नलिनवन) પુષ્કલાવતી વિજયમાં પુણ્ડરીક નગરીના ઉત્તર-પશ્ચિમ દિશામાં આવેલું એક ઉદ્યાન पुष्कलावती विजय में पुण्डरीक नगरी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान A garden in the north-west of the town named Pundarika in Puṣkalāvati Vijaya नाया० १८,१९;

णलिणा स्त्री० (नलिना) એક વાવનું નામ एक बावडी का नाम Name of a well. जीवा० ३, ४;

णलिणिवण न० (नलिनीवन) પદ્મલતાનું વન पद्मलता का वन A forest of lotus-creepers. नाया० १,

णलिणी. स्त्री॰ (नलिनी) કમલિની; પદ્મલતા. कमलिनी; पद्मलता A lotus-creepers ओव॰ नाया॰ १३,

णलिणीवण न॰ (नलिनीवन) એ નામનું એક ઉદ્યાન इस नाम का एक उद्यान-बगीचा. Name of a garden. नाया॰ १६,

णव त्रि॰ (नवन्) નવ; ૯ नौ, ६ Nine, 9 "णवएहमासाणं" नाया॰ १४. भग॰ १२, ६, १४, ६, २०, ६, २४, १, २५ ६, २६, ७; ३१, १, नाया॰ १; १४. १६, १६; निसी॰ १४, १२, सू॰प॰ १, जं॰प॰ ७, १४६,—**आयय** पु॰ (-आयत) નવ હાથ લાંબા नौ हाथ की लम्बाई length measuring nine arms (an arm from the tip of the middle finger to the elbow) नाया॰ १, —**कोडि परिसुद्ध** त्रि॰ (-कोटिपरिशुद्ध) નવ પ્રકારથી શુદ્ધ-નિર્દોષ नौ प्रकार से शुद्ध-निर्दोष faultless or pure in nine modes or ways "नवकोडि पारसुद्धे भिक्खे पराणत्ते" ठा॰ ६, —**छिड्ड** त्रि॰ (-छिद्र) નવ, ૯ છિદ્ર વાળું नौ छिद्र वाला. having nine holes तंदु॰ —**जोयण** पु॰ (-योजन) નવ યોજન नौ योजन nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles) नाया॰ ८, —**जोयण-विच्छिरणण** त्रि॰ (-योजनविस्तीर्ण) નવ યોજન વિસ્તૃત नौ योजन विस्तृत having an extent of 9 Yojanas नाया॰ ८, —**जोयणिय** त्रि॰ (-योजनिक) નવ યોજનની લંબાઇ વાળું. नौ योजनकी लम्बाई वाला. of the length of nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles) "जंबूदीवेणं दीवे नवजोयणिया मच्छा" ठा॰ ६; —**णउइ.** स्त्री॰ (-नवति) ૯૯; નવાણું. निन्यानवे. ninety-nine. सम॰ ६६; जं॰ प॰ ७, १३२; १४७; —**णव-मिया.** स्त्री॰ (-नवमिका-नव नवमानि दिनानि यस्यां सा नवनवमिका) નવ નવક-૮૧ દિવસનું એક અભિગ્રહ-તપ, જેમાં એકેક દિવસે અથવા નવનવ દિવસે એકેક દાત અન્ન પાણીની વધારતા નવ દાત સુધિ વધારી શકાય છે, નવ દાત ઉપરાંત કોઇપણ દિવસે અન્ન પાણી લેવાય નહિ એવી રીતે ૮૧ દિવસ સુધિ કરવાનું તપ नव नवक ८१ दिन का अभिग्रह-तप, जिसमें एक एक दिन को अथवा नौ नौ दिन का एक एक दात अन्न जल की दाते बढाते नौ दात पर्यन्त बढाई जा सकी है नव दात के सिवाय अन्य कोई भी दिन को अन्न पानी लिया न जाय इस प्रकार ८१ दिन तक करने का तप. an austerity, so named, lasting for 81 days, in this austerity food and water are limited to the maximum amount of 9 Datis (a measure) Starting with the minimum of one Dati The performer of this austerity may increase one Dati every day or every nine days अं॰ ९, ओव॰ १५; सम॰ —**पय** पु॰ (-पद) ચલમાણે, ચલિએ ઇત્યાદિ નવ પદ चलमाणे, चलिए इत्यादि नौ पद nine verbal forms such as Chalamāne, Chalie etc भग॰ १, १. —**पुव्व** न॰ (-पूर्व) નવ પૂર્વ-શાસ્ત્ર नौ पूर्व-शास्त्र nine Pūrvas or scriptures भग॰ २५, ६, —**बंभचेर.** न॰ (-ब्रह्मचर्य) નવ પ્રકારનું બ્રહ્મચર્યનું પ્રતિપાદન કરનાર આચારાંગ સૂત્રનો પ્રથમ શ્રુત સ્કંધ; આચારાંગના પહેલા

नव अध्ययन; नौ प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रतिपादन करनेवाला आचारांग सूत्र का प्रथम श्रुतस्कंध; आचारांग के प्रथम नौ अध्ययन The first nine chapters of Āchārānga explaining the nine modes of continence निसी० १६, १८; —विगइ स्त्री० (-विकृति) દૂધ દહિ ઘી તેલ વગેરે નવ પ્રકારની વિકૃતિ-વિગય दूध, दही, घी, तल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति विगय. nine kinds of transformations e g. milk, curds, ghee, oil etc " नव विगइओ पगणत्ताओ " ठा० ६, —हत्थुस्सेह पुं० (-हस्तोत्सेध) નવ હાથની ઉંચાઇ नौ हाथ की ऊंचाई height measuring nine arms-length नाया० ४०

णव त्रि० (नव) નવીન, નવું, તાજું. नवीन, नया, ताजा New, fresh, novel नाया० ५, १२; सम० २०, ओव० सु० च० १, ३१८, —गिम्हकालसमय पुं० (-ग्रीष्मकालसमय) નૂતન ગ્રીષ્મ કાલ. नया ग्रीष्म काल opening summer नाया० १; —ग्गह पुं० (-ग्रह) નવું ગ્રહણ કરવું તે नया ग्रहण करना new or fresh acceptance सूय० १, ३, २, ११, —घडय पुं० (-घटक) નવો ઘડો. नया घड़ा a new pot, a new-made pot नाया० १२, —पउणयण. न० (-पायन) લોઢાને તપાવી તીક્ષ્ણ કરી પાછું પાણીમાં નાખવું તે; નવું પાણી ચડાવવું તે लोहे को ताप में डाल ताक्ष्ण कर के पुन. पानी में डालना, नया पानी चढाना. act of dipping heated and sharpened iron again into water, with a view to make it stronger. "णवपज्जवएणं आसियव्व पाकसाडरिया " भग० १४; ७; नाया० ७; —सासुस्स. न० (-शादूल) તુરતનું ઉગેલું ઘાસ. ताजा उगा हुआ घास fresh-grown grass. नाया० १, —सुत्त त्रि० (-सूत्र) નવા સૂતર વાળું नये सूत वाला. having or consisting of new-spun thread. " आमलिय व नवसुत्तं पाइहाई सकमहाए " सूय० १, ४, २, १४; —सुरभि पुं० (-सुरभि) નૂતન સુગન્ધ. नया सुगन्ध fresh, new perfume नाया० १,

णवइ. स्त्री० (नवति) નેવુંની સંખ્યા; ६० नब्बे की संख्या, ६० Ninety, 90 जं० प० २, ३३.

णवंग. न० (नवाङ्ग) બે કાન, બે આંખ, બે નાસિકા (ફોણા) જીભ, સ્પર્શ અને મન એ નવ અંગ જાગૃત થતા જુવાની પ્રગટે છે दो कान, दो आंख, दो नासिका, जिव्हा, स्पर्श और मन ये नौ अंग जागृत होने पर युवावस्था प्रकट होती है. The nine organs or senses viz two ears, two eyes, two nostrils, tongue, touch and mind (which in their bloom cause puberty) राय० २६१; नाया० ३, —सुत्तपडिबोहिया स्त्री० (-सुप्तप्रतिबोधिता-नवाङ्गानि कर्णादि सुप्तानि सन्ति प्रतिबोधितानि यौवनेन यस्या. सा तथा) નવ યૌવના સ્ત્રી नव यौवना स्त्री. a woman in her prime. विवा० २, १, वव० १०;

णवणीइया. स्त्री० (नवनीतिका) એક પ્રકારની વનસ્પતિ. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation. " णवणीया गुम्मा " जं० प० पन्न० १;

णवणीअ-य. न०(नवनीत)માખણ मक्खन.

Butter. सम० ११, १३; १८, ६; नाया० ३; पत्र० ११; निसी० १, ५; ओव० ३८, ठा० ४, १;

णवणीत. न० (नवनीत) માખણ. मक्खन. Butter. सू० प० १०; जीवा० ३, ४, ओव०

णवम त्रि० (नवम) નવમો-મી-મું. नौवां-वीं. Ninth नाया० ६; १६; भग० २४, १२; २०; नाया० ध० ६,

णवमालिया स्त्री० (नवमालिका) એ નામની એક વેલ. इस नामकी एक बेल. A kind of creeper कप्प० ३, ३७;

णवमिया स्त्री० (नवमिका) કિંપુરુષના ઇન્દ્ર સુપુરૂષની બીજી પટ્ટરાણી किंपुरुष के इन्द्र सुपुरुष की दूसरी प्रधान रानी The 2nd crowned queen of Supurusa the Indra of the Kimpurusa kind of gods ठा० ४, १, (२) દેવેન્દ્રની છઠી પટ્ટરાણી, देवेन्द्र की छठी प्रधान रानी the 6th among the crowned queens of Devendra (३) મન્દર પર્વતની પશ્ચિમે આવેલા રૂચક પર્વતના રુચકોત્તમ નામના કૂટ-શિખર-ઉપર વસનારી એક દિશા કુમારી मन्दर पर्वत के पश्चिम ओर आये हुए रुचक पर्वत के रुचकोत्तम नाम के कूट शिखर के ऊपर बसने वाला एक दिशाकुमारी a Diśākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. ठा० ८, जं० प० ५, १२२; (४) નવમિકા દેવી. नवमिका देवी the goddess Navamikā. नाया० ध० ५; ६. जं० प० ५, ११४;

णवमी. स्त्री० (नवमी) નોમ. नौमि. The 9th day of a fortnight. जं० प० २, १०; —पक्ख पुं० (—पक्ष—अकरणदिवसं पक्षो अहो वयंच लिखितिकलालादिषु तथा दर्शनातिथि पाते तत्करण्यताद्यमे क्रियामात्रास्वासनवमीपक्ष) જેમાં નોમનો સમાવેશ થતો હોય તેવી આઠમ जिस में नौमि का समावेश होता हो ऐसी अष्टमी. the 8th day of a fortnight which includes also the 9th "चित्त बहुलस्स नवमी पक्खेणं." जं० प० ३;

णवय पु०(नवत) એક જાતનું ઉનનું કપડું. एक जात का ऊनी कपड़ा A kind of woolen cloth नाया० १,

णवर अ० (नवरम्) પણ આટલું વિશેષ परन्तु इतना अधिक But this much in addition, but this much besides ओव० नाया० १, ८, १२; १६, भग० १, १, ३, १, ३, २, ६, ४; ७, ३, १२, १, २४, १२, जं०प०० १३५ ५,११६,

णवरिं. अ० (नवर) અનન્તર, પૂર્વના અંતે કંઇક વિશેષતા દ્યોતક अनंतर, पूर्व के अन्तदश की अपेक्षा कुछ विशषता द्योतक Moreover, besides जं० प०

णवला पु० (नवलक) નવલ જાત A ... नई०

णवविसिय पु० (नवविशिष) એક જાતનું વૃક્ષ एक जाति का वृक्ष A kind of tree. नाया० १.

णवहा अ० (नवधा) નવ પ્રકારે नौ प्रकार से In nine modes or ways. भग० १२, ४,

णविय त्रि० (नव्य) નવું. नया. New; novel. नाया० १८;

णसण न० (न्यसन) મૂકવું; આરોપણ કરવું તે. रखना; आरोपण करना Act of leaving; act of attributing. जीवा० १;

णहसंकमाण. त्रि० (नश्यत्) सन्मार्गथी अव्रासमान थतो-विमुख थतो. सम्मार्ग से फिसलता हुआ Sliding back, falling off from the right path. उवा० ७, २१८;

णह. न० (नभस्) आकाश आकाश Sky. firmament दस० ७, ५२,

णह पुं० (नख) नख. नख; नाखुन. A finger-nail. नाया० १; ४; ८, भग० २, १, आया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३, जीवा० ३, ३. राय० २२; सूय० २, २, ६; (२) करज, देवु कर्जा, ऋण a debt तंदु० सम० —च्छेदणय. न० (-च्छेद नक) नख उतारवानुं हथीआर, नरेणी नाखुन उतारने का औजार, नेरनी an instrument for pairing finger-nails. आया० २, १, ७ १, —च्छेयण न० (-च्छेदन) नख छेदन करवुं ते. नख छुरन करना act of puring the finger-nails विवा० ६, --सिर. न० (—शिरस्) नखनो अग्र भाग नख का अग्रभाग the fore-part or tip of a finger-nail भग० ५, ४, —सिहा स्त्री० (-शिखा) नखनो अग्रभाग. नख का अग्रभाग the fore part of a finger-nail निसी० ३, ६१,

णहयल न०. (नभस्तल) आकाश आकाश. Sky, firmament. नाया० १;

णहु. अ० (नहि) नहि नहीं. No, not नाया० ६;

णाअ. त्रि० (ज्ञात) जाणेलुं. जाना हुआ Known ओघ० (२) न० दृष्टांत दृष्टांत. illustration. वेय० ३, २०,

णाई. अ० (नञ्) नहि नहीं. No,not. नाया० ५,७; – पुज्ज. त्रि० (-पूज्य) अपूजनीय; पूजवालायक नहि. अपूजनीय; पूजा के अयोग्य. not deserving worship or reverence.-नाया० ७;

णाइ स्त्री० (ज्ञाति) ज्ञाति; जाति; नात. ज्ञाति; जाति. A community; a caste; kin (२) सजातीय; मातापितादि संबंधी सजातीय, मातापितादि संबंधी. of the same class, relatives. नाया० १, २; ४; ५; ७; ८; १४; १६; १८; भग० १६,५; १८, २; ओव० ४०; उत्त० १३, २३; सूय० १, २, १, २२, २, १, ३५, नाया० ध० —संग. पुं० (-सङ्ग) माता, पिता, पुत्र, स्त्री आदिनो संग-साथ माता, पिता, पुत्र, स्त्री आदि का संग. a family consisting of mother, father, wife, son etc. सूय०, १, ३, २, ९;

णाइ त्रि० (ज्ञातिन्) जेने सर्व पदार्थो जात जाणेला छे ते, सर्वज्ञ जिसको सर्व पदार्थ ज्ञात विदित हैं वह; सर्वज्ञ Omniscient, (one) to whom all things are known. सूय० २, ६, २४, ठा० ५, ३,

णाइ अ० (नाति) थोडुं, अल्प थोडा, अल्प Not much, a little भग० ८, १०; --कडुय त्रि० (-कटुक) थोडुं कडवुं थोडा कडवा not very bitter. नाया० १, —विगट्ठ त्रि० (-विकृष्ट) अत्यन्त दीर्घ नहि अत्यन्त दीर्घ न हो वह not very long or far off, not excessively long विवा० ३.

णाइय-अ त्रि० (नादित) नाद करेल; पडघा पडेल नादित; नादसे गूंज रही हुई; गूंजाहुआ Sounded; reverberated; ringing with a loud sound. नाया० १; जं० प० ५, ११७;

ओव० ३१;

णाइल्ल. पुं० (नागिल) આર્ય વજ્રસેનના અંતેવાસી, કે જેના ઉપરથી આર્ય નાગિલા શાખા નિકળી आर्य वज्रसेन का शिष्य कि जिसके ऊपरसे आर्यनागिला शाखा निकली Name of the disciple of Ārya Vajrasena from whom the offshoot named Ārya Nāgilā originated कप्प० ८,

णाइवंत त्रि० (ज्ञातिमत्) સ્વજાતીય, નાતિલો. स्वजातीय अपनी ज्ञातिवाला Of one's own caste or community. 'मित्तव णाइवं होइ' उत्त० ३, १८,

णाऊण पुं० (ज्ञात्वा) જાણીને, સમજીને जान कर, समझ कर Having known or understood ओव०१४, पचा०६,८०;

णाग. पुं० (नाग- गच्छतीति गः, न ग अगः गतिहीन. न अग नाग., चलन धर्मसयुक्तः) ભવનપતિ દેવોની નાગકુમાર નામે એક જાત, જેના મુગટમાં સર્પની ફેણનું ચિન્હ છે તેવી એક દેવતાની જાત, નાગકુમાર भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक जाति, जिसके मुकुटमें सर्प के फण का एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति, नागकुमार. A class of Bhavanapati gods called Nāgakumāra gods, a class of gods whose diadem bears a sign of the hood of a serpent. नाया० २, ८, ओव० २३, जीवा० ३, ३, (२) નાગ વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ नाग वंशमें उत्पन्न born in the family of Nāgakumāra gods जं०प० ३, ४५ (३) હાથી हाथी an elephant. ओव० ३१, भग० ६, ३३; १२, ८, जीवा० ३, ३, (४) નાગકુમાર દેવતાનો મહોત્સવ नागकुमार देवता का महोत्सव. a festivity of the Nāgakumāra gods. नाया० १, (५) સર્પ सर्प a snake, a serpent. ओव० (६) આર્યરક્ષિતના શિષ્ય, એ નામના આચાર્ય आर्य रक्षित के शिष्य, इस नाम के आचार्य a preceptor so named, a disciple of Āryarakṣita कप्प० ८, (७) નાગ કેસર, એક જાતનું ઝાડ नागकेसर, एक जाति का वृक्ष a kind of tree (८) ૮ મા તીર્થંકરનું ચૈત્ય વૃક્ષ. ८वे तीर्थंकर का चैत्य वृक्ष a sacred tree in memory of the 8th Tīrthankara सम० प० २३३, (९) અમાવસ્યાની રાતે આવતું ચાર (ધ્રુવ) સ્થિરકરણમાંનું ત્રીજું કરણ अमावास्या की रात्रि को आने वाला चार (ध्रुव) स्थिर करण मे से तीसरा करण. the third of the four Dhruva Karaṇas falling on the night of the dark-half of a month जं० प० ८, ११६, (१०) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island, also name of an ocean पन्न०१५, सू० प० १६, जीवा० ३ ४; (११) વલ્ગુવિજયની પૂર્વ સરહદ પરનો વખારા પર્વત वल्गुविजय का पूर्व सीमा पर आया हुआ वखारा पर्वत. a Vakhārā mount on the eastern boundary of Valguvijaya जं० प० —**इंद.** पुं० (-इन्द्र) નાગકુમારના ઈંદ્ર नागकुमार का इन्द्र. the Indra of the Nāgakumāra gods 'असुरिंद सुरिंदणागिंदा' सम० कप्प० ८; नाया० ८; —**ग्गह** पुं० (-ग्रह) નાગદેવતાના આવેશથી થયેલ રોગ; જ્વર વગેરે. नाग

देवता के आवेश से उत्पन्न रोग; ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nāgakumāra god e g fever etc. जीवा॰ ३, ३; —घर. न॰ (-गृह) નાગદેવતાનું ઘર. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nāgakumāra god. नाया॰ ८, —जएण. पुं॰ (-यज्ञ) નાગ દેવતાની પૂજા, (મહોત્સવ). नाग देवता की पूजा; (महोत्सव). a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. नाया॰ ८; —जत्ता. स्त्री॰ (-यात्रा) નાગદેવતાની યાત્રા. नागदेवता की यात्रा a pilgrimage to propitiate Nāgakumāra gods नाया॰ ८, —धर पुं॰ (-धर) હાથીને પકડનાર માણસ. हाथी को पकडनेवाला मनुष्य. a person who catches an elephant ओव॰ —पडिमा. स्त्री॰ (-प्रतिमा) નાગદેવતાની પ્રતિમા नाग देवता की प्रतिमा an image of a Nāgakumāra god. 'तेसिणं जवा पडिमाणं पुरओ दो दो णागपडिमो पएण त्ताओ' जीवा॰ ३, ३, —परियावणिया. स्त्री॰(-परिज्ञा- नागा नागकुमारस्तेषां परिज्ञा यस्यां ग्रंथपद्धतौ सा नागपरिज्ञा) એ નામનું એક કાલિક શ્રુત इस नाम का एक कालिक श्रुत name of a Kālika scripture नंदी॰ —पुप्फ न॰ (-पुष्प) નાગ કેસરનું ફૂલ. नाग केसर का फूल a flower of the tree named Nāgakeśara. जं॰ प॰ —फडा. स्त्री॰ (-फणा) સર્પની ફેણ. सर्प का फण. the hood of a serpent. (२) નાગકુમાર દેવતાનું મુગુટમાં રહેલું ચિન્હ. नाग कुमार देवता का मुगुट में रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. ओव॰ ३३; —मह. पुं॰ (-मह) નાગદેવતાનો મહોત્સવ. नाग देवता का महोत्सव. a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. नाया॰ २, १, २, १२; राय॰ २१७, भग॰ ६, ३३. —वर. पुं॰ (-वर) પ્રધાન હાથી; ઉત્તમ હસ્તિ. प्रधान हाथी; उत्तम हाथी an excellent elephant ओव॰ जं॰ प॰ तंदु॰ भग॰ ६, ३३, (२) નાગસમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા नागसमुद्र का अधिपति देवता. the presiding deity of Nāgasamudra (ocean) सू॰ प॰ १६; —वीही. स्त्री॰ (-वीथी) શુક્રની નવ વીથીમાંની એક. शुक्र के नौ मार्ग में से एक one of the 9 orbits of the planet Venus. ठा॰ ६; —साहस्सी स्त्री॰ (-साहस्री) એકહજાર નાગકુમાર દેવતા. एक सहस्र नागकुमार देवता. a thousand deities of the Nāgakumāra class. सम॰ ७२.

णागकुमार. पुं॰ (नागकुमार) નાગકુમાર દેવતા, ભવનપતિની એક જાત नाग कुमार देवता; भवनपति की एक जाति A class of Bhavanapati gods; a deity of the Nagakumāra class of gods. भग॰१, १, २४, २०; ठा॰२,३; —(रिं)इंद पुं॰ (-इन्द्र) નાગકુમારના ઇન્દ્ર, ધરણેન્દ્ર नागकुमार का इन्द्र; धरणेन्द्र. Dharaṇendra, the king of Nāgakumāras भग॰ १०, ५; —राय पुं॰ (-राज) નાગ કુમારના રાજા-ધરણેન્દ. नागकुमार का राजा धरणेन्द्र. Dharaṇendra, the king of Nā-

gakumāras. भग० १०, ४;

णागज्जुण. पुं० (नागार्जुन) हिमवंत આચાર્યના શિષ્ય. हिमवंत आचार्य का शिष्य Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नंदी० ३५; ४०;

णागणिय. न० (नाग्न्य) નગ્ન ભાવ; નિર્ગ્રન્થ ભાવ, સંયમ અનુષ્ઠાન. नग्न भाव, निर्ग्रन्थ भाव, संयम अनुष्ठान Nudity, possessionlessness asceticism सूय० १,७, २१,

णागदंत पुं० (नागदन्त) અંકુટક, ખીંટી. खूंटा, खूंटी. A peg attached to a wall जीवा० ३४; राय०

णागदत्त. पुं० (नागदत्त) એ નામના એક રાજપુત્ર. इस नाम का एक राजपुत्र Name of a royal prince ठा० ३, ४; (२) બલરાજની સ્ત્રી સુભદ્રાના પુત્ર મહાબલરાજ કુમારનો પૂર્વ ભવ કે જેમાં તે મણિપુર નગરમાં એ નામ ધરાવતો હતો. बलराज की स्त्री सुभद्रा का पुत्र महाबलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम को धारण करता था the previous birth of prince Mahā bala son of Subhadrā queen of Balarāja In that birth he bore the name given and lived in the town of Maṇipura. विवा० ७,

णागदत्ता स्त्री० (नागदत्ता) ૧૬ મા તીર્થંકરની પ્રવજ્યા પાલખીનું નામ १६ वें तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tirthankara at the time of his initiation into the ascetic order. सम० प० २३१;

णागद्दार. न० (नागद्वार) સિદ્ધાયતનની પશ્ચિમ દિશામાં નાગકુમારના આવાસનું દ્વાર. सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमार के आवास का द्वार. The gate of the abode of Nāgakumāra in the west of Siddhāyatana. ठा० ४,१;

णागपव्वय. पुं० (नागपर्वत) જંબુદ્વીપના મંદર પર્વતની પશ્ચિમે શીતોદા નદીની ઉતરે આવેલો એક પર્વત. जंबूद्वीप के मंदर पर्वत के पश्चिम में शीतोदा नदीकी उत्तर में आया हुआ एक पर्वत Name of a mountain in the north of the river Sītodā in the west of the mount Mandara of Jambūdvīpa. ठा० २,३;

णागपुर. न० (नागपुर) હસ્તિનાપુર; કુરૂદેશનું મુખ્ય નગર. हस्तिनापुर, कुरु देश का मुख्य नगर The capital city of the country called Kuru. ठा० १०; नाया० ध० ५;

णागबाण पुं० (नागबाण) એક જાતનો દિવ્ય (દેવી) ઘોડો. एक जाति का दिव्य (दैवी) घोड़ा. A kind of celestial horse. जीवा० ३,

णागभद्द. पुं० (नागभद्र) નાગદ્વીપનો અધિપતિ દેવતા नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa सु० प० १९,

णागभूय न० (नागभूत) આર્યરોહણ સ્થવિરથી નીકળેલ ઉદ્દેહગણનું પ્રથમ કુલ. आर्यरोहण स्थविर से निकला हुआ उद्देहगणका प्रथम कुल. The first brotherhood of saints of Uddeha Gana originating from Āryarohaṇa. कप्प० ८;

णागमहाभद्द. पुं० (नागमहाभद्र) નાગદ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० प० १९;

रिक. A citizen; a person residing in a city. कप्प० ३, सूय० २, २, १६; —जण. पुं० (-जन) नगरना लोक. नगर के लोक A citizen; citizens.

णागमहाधर पुं० (नागमहाधर) नागसमुद्रनो अधिपति देवता. नागसमुद्र का अधि पति देवता. The presiding deity of Nāgasamudra सू० प० १६;

णागमित्त. पुं० (नागमित्र) आर्य महागिरीना एक शिष्य. आर्य महागिरी का एक शिष्य Name of a disciple of Ārya Mahāgirī. ठा० ३, ४,

णागर. पुं० (नागर) नगरमा रहेनार मनुष्य, नागरिक नगर मे रहने वाला मनुष्य, नाग नाया० १,

णागराज पुं० (नागराज) नागकुमार देवतानो राजा. नागकुमार देवता का राजा A king of the Nāgakumāra deities "वेलंधर नागराईण" सम० १७,

णागरुक्ख पुं० (नागवृक्ष) नाग वृक्ष नागवृक्ष. A kind of tree. " णाग रुक्खे भूयंगाणं " ठा० ८, भग० २०, २;

णागलया. स्त्री० (नागलता) नागलता, नागरवेल नागलता, नागर बेल, पान की बेल A creeper of betel-leaves. ओव० राय० १३७. —मंडल न० (-मण्डल) नागर वेलनो माडवो. नागर बेल का मण्डप. a bower of a creeping plant named Nāgaravela. राय० १३७, जीवा० ३, ३;

णागसिरी. स्त्री० (नागश्री) प्रतिष्ठानपुर नगरना नागवसु शेठनी स्त्री अने नागदत्तनी माता. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवसु शे० की स्त्री और नागदत्त की माता. The wife of Nāgavasu a merchant of the town of Pratiṣṭhānapura, and mother of Nāgadatta. नाया० १४; (२) चंपा नगरीना सोम ब्राह्मणनी स्त्री के जेणीये धर्मरुचि नामना तपस्वी मुनीने कडवी तुंबीनु शाक व्होराव्युं हतुं. चंपानगरी के सोम ब्राह्मण की स्त्री कि जिसने धर्मरुचि नामक तपस्वी मुनि को कटु तुंबी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmaṇa of Champānagarī who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया० १६;

णागसुहुम न० (नागसूक्ष्म) ए नामनुं एक लौकिक शास्त्र इस नाम का एक लौकिक शास्त्र Name of a secular science. अणुजो० ४१;

णागहत्थि पु० (नागहस्तिन्) आर्यनन्दि लक्ष्मणना शिष्य. आर्यनन्दि लक्ष्मण के शिष्य Name of a disciple of Ārya-Nandi Lakṣmaṇa कप्प० ८,

णागोद् पु० (नागोद) ए नामनो समुद्र. इस नाम का समुद्र Name of an ocean सू० प० १६,

णाडअय. न० (नाटक) नाटक नाटक A drama, a play. ज० प० ५, ११२, विवा० ३,

णाडइज्ज त्रि० (नाटकीय) नाटकनां पात्र, ॲक्टर नाटक के पात्र, एक्टर (One) acting in a drama, an actor in a drama नाया० १, जं० प० (२) नटी नटी an actress ठा० ९; जं० प०

णाडय पु० (नाटक) नाटक करनार; नाच करनार. नाटक करने वाला, नाचने वाला. A player in a drama; a dancer. नाया० १, ९;

णाण न० (ज्ञान) ज्ञान; समजण. बोध.

ज्ञान; समझ; बोध. Knowledge; understanding. भग० २, १; ५, ४; २४, १२; २५, ६, २६, १; नाया० १; २; ५; वेय० १, ३८; अणुजो० १४७; पन्न० १; सू० प० २०; आव० १, १; प्रव० ५५७, (२) आभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्यव ज्ञान, अने केवलज्ञान ए पांच प्रकारमांनुं गमे ते एक आभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान और केवलज्ञान इन पांच प्रकार में से चाहे सो एक any of the five varieties of knowledge viz Ābhinibodhika, Śruta, Avadhi, Manahparyāya, and Kevala. राय० (३) पन्नवणा सूत्रना त्रीजा पदना दशमा द्वारनुं नाम. पन्नवणा सूत्र के तृतीय पद के दसवें द्वार का नाम name of the 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० ३; —अंतराय. पुं० (-अन्तराय) ज्ञानमां अंतराय-विघ्न पाडवुं ते ज्ञान में अन्तराय विघ्न डालना obstruction in the acquirement of knowledge. भग० ८, ६; —आगम पुं० (-आगम) ज्ञाननी प्राप्ति ज्ञान की प्राप्ति acquirement of knowledge ठा० १, २; —आयार पुं० (-आचार) काले-अवसरे भणवुं, विनय सहित भणवुं, बहुमान पूर्वक भणवुं, उपधान तप सहित भणवुं, अनिन्हवपणे भणवुं, शब्द, अर्थ अने 'तदुभय' (शब्द अने अर्थ बन्ने) ने गोपव्या सिवाय भणवुं ए आठ ज्ञानाचारने अनुष्ठान ते ज्ञानाचार. नियम से सीखना, विनय के साथ सीखना, बहुमान पूर्वक सीखना; उपधान तप सहित सीखना, अनिन्हवताके सीखना, शब्द अर्थ और 'तदुभय' (शब्द व अर्थ) को बिना छुपा रक्खे सीखना ये आठ ज्ञानाचार का अनुष्ठान करना; ज्ञानाचार. due observance of the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) non-concealment (6) non-suppression of senses (7) non-suppression of words and (8) non suppression of both words and senses ठा० २, ३; ५, २; सम० ३३; —आराहण न० (-आराधन) ज्ञाननी आराधना करवी ते ज्ञान की आराधना करना devotion to, worship of knowledge ठा० ३, ४; —आराहणा स्त्री० (-आराधना) ज्ञाननी आराधना ज्ञान की आराधना devotion to, worship of knowledge भग० ८, १०; —आरिय पुं० (-आर्य) ज्ञानेकरी आर्य ज्ञान के कारण आर्य civilised (Ārya) by reason of the possession of knowledge पन्न० १; —इंद. पुं० (-इन्द्र) ज्ञान अथवा ज्ञानीमां इन्द्र-श्रेष्ठ; केवलज्ञानी ज्ञान अथवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठ, केवलज्ञानी highest among those who are possessed of knowledge; one possessed of perfect knowledge ठा० ३, ४; ३, १; —उप्पायन-महिमा. स्त्री० (-उत्पादमहिमा-महिमन्) तीर्थंकरने के केवलीने केवलज्ञान उपजे त्यारे करवामां आवतो ज्ञाननो महिमा-महोत्सव. तीर्थंकर या केवलीको जब केवलज्ञान प्राप्त होता है तब की जानेवाली ज्ञानकी महिमा-महोत्सव. a festivity celebrated at the

time when a Tīrthaṅkara or a Kevalī attains perfect knowledge. भग० ३, १, १४, २; ठा० ३. १; —उवओग. पुं० (-उपयोग) જ્ઞાનનો વ્યાપાર, જ્ઞાનમાં લક્ષ જોડવું તે. ज्ञान का व्यापार, ज्ञान में लक्ष जोडना. application use of knowledge, application to study प्रव० ३१०, —उवघाय पुं० (-उपघात) આલસથી જ્ઞાનનો નાશ आलस्य से ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness ठा०१०, —कसायकुसील पुं० (-कषाय-कुशील) જ્ઞાન આશ્રિત કષાય કુશીલ. ज्ञान आश्रित नैतिक बिगाड moral impurity tainting knowledge भग०२५, ६, —कुसील त्रि० (-कुशील) જ્ઞાનને દૂષિત બનાવનાર. ज्ञान को दूषित बनाने वाला. (any thing) that taints knowledge ठा० ५, ३, —(ऽ) च्चासायणा स्त्री० (-आत्या शातना) જ્ઞાનની અશાતના હીલણા. ज्ञान के प्रति दिखलाई जाती घृणा-तिरस्कार ज्ञान contempt or hatred shown towards knowledge भग० ८, ६, —ट्ठया स्त्री० (-अर्थता ज्ञानेनैवार्थोयस्या-सौज्ञानार्थस्तस्यभावस्तत्तथा) જ્ઞાનાર્થ પણું; જ્ઞાનની અભ્યર્થના કરવી તે. ज्ञानार्थपन, ज्ञान की अभ्यर्थना करना solicitation for knowledge, request for knowledge भग० १८, १०, ठा० ४, २, —णिण्हवया. स्त्री० (-निह्नव) શાસ્ત્રનો તથા શાસ્ત્ર ભણાવનારનો ઉપકાર ઓળવવો તે. शास्त्र का और शास्त्र को पढाने वाले का उपकार न मानना non-acknowledgment of the debt of gratitude due to scriptures and to one who teaches them भग०८, ६; —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) પાંચ પ્રકારના જ્ઞાનની નિષ્પત્તિ-સિદ્ધિ. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्पत्ति-सिद्धि acquisition or attainment of the five kinds of knowledge भग० १९, ८, २०, ४. —(ऽऽ) त्त पुं० (-आत्मन्) જ્ઞાની આત્મા; સમ્યગ્દૃષ્ટિ આત્મા ज्ञानी आत्मा, सम्यग् दृष्टि आत्मा a soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०,—दंसण पुं० न० (-दर्शन) જ્ઞાન અને દર્શન ज्ञान और दर्शन right knowledge and right faith ठा० ७, नाया० ४, —दंसणट्ठाय स्त्री० (-दर्शनार्थना) જ્ઞાન અને દર્શનની અપેક્ષા ज्ञान और दर्शन की अपेक्षा desire for or expectation of right knowledge and faith नाया० ४.—दंसणधर. पुं० (-दर्शनधर) જ્ઞાન અને દર્શનને ધરનાર કેવલજ્ઞાની ज्ञान और दर्शन को धारण करने वाला केवलज्ञानी (one) possessed of right knowledge and faith, an omniscient नाया० १; —दंसणलक्खण त्रि० (-दर्शनलक्षण-ज्ञानच दर्शनच लक्षण स्वरूप यस्यतत्तथा) સમ્યકજ્ઞાન અને સમ્યક્દર્શન જેનું લક્ષણ સ્વરૂપ હોય તે. सम्यक्ज्ञान और सम्यक्दर्शन जिसका लक्षण-स्वरूप हो वह (one) having as an essential quality right knowledge and right faith. "चडकरण-संजुत्तं नाणदंसण लक्खणं" उत्त० २८, १; —दंसणसमग्ग. त्रि० (-दर्शनसमग्र) જ્ઞાનદર્શનથી પૂર્ણ. ज्ञानदर्शन से पूर्ण.

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्तो बायदंसण सम्मग्गे" उत्त० ८, २; —दंसि पुं० (-दर्शिन्) ज्ञान दर्शन वाळो (જીવ) ज्ञान दर्शन वाला (जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२. १, —पज्जव पुं० (-पर्याय) ज्ञानना પર્યાય ज्ञान के पर्याय modifications of knowledge भग० २, १, —पडिणीयया स्त्री० (-प्रत्यनीकता) ज्ञानमां प्रतिकूलता-वैरभाव ज्ञानमें प्रतिकूलता-वैरभाव opposition to, hostility towards knowledge. भग० ८, ८; —पडिसेवणाकुसील. पुं० (-प्रतिसेवनाकुशील) ज्ञाननी प्रतिसेवामां दूषण करनार ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला one who taints the acquirement of right knowledge भग० २५, ६; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) ज्ञानलक्षणजीवना परिणाम ज्ञान लक्षण जीव के परिणाम a stage of development of the soul marked by possession of knowledge पन्न० १५; —परीसह पुं०(-परीषह—परीषहया परीषह ज्ञानस्य मत्याद्रे परिषहः) ज्ञाननो परिषह, ज्ञान न आववाथी थतुं कष्ट ज्ञान का परिषह, ज्ञान न आनेसे होता हुआ कष्ट. affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग० ८, ८; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) ज्ञानना अतिचारनी आलोचना; ज्ञाननी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित करवुं ते ज्ञान के अतिचार की आलोचना, ज्ञान की शुद्धिके लिये प्रायश्चित करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. ठा० ३, ४; ४, १, —पुरिस. पुं० (-पुरुष) ज्ञानवान पुरुष, ज्ञानप्रधान पुरुष. ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष a person possessed of knowledge; an educated person ठा० ३, १; भग० २, ५; —पुलाअ पुं० (-पुलाक) ज्ञानने निःसार बनावनार पुलाकलब्धिवाळो साधु ज्ञान को निःसार बनानेवाला पुलाकलब्धिवाला साधु an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. ठा० ४, ३, भग० २५, ६, —प्पओस पुं० (-प्रद्वेष) श्रुत आदि ज्ञानमां अथवा ज्ञानीमां अप्रीति द्वेष करवो ते; ज्ञानावरणीय कर्म बांधवानो एक हेतु श्रुत आदि ज्ञानमें अथवा ज्ञानीमें अप्रीति-द्वेष करना; ज्ञानावरणीय कर्म बांधनेका हेतु showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge obscuring Karma. भग० ८, ६, —प्पवाअ न० (प्रवाद) मतिज्ञान आदि पांच ज्ञान संबंधी प्ररूपणा करवी ते मति ज्ञान आदि पांच ज्ञान के संबंध में प्ररूपणा करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम० —फल. न० (-फल) ज्ञाननुं फल ज्ञान का फल. fruit of (right) knowledge भग० २, ५; —बल. पुं० (-बल) ज्ञानरूपी बल. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. ज्ञा॰ १०; —बुद्ध. त्रि॰ (-बुद्ध) ज्ञानावरणीयना क्षयोपशम आदिथी थयेल ज्ञानवडे बोध पामेल. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम आदि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बोध पाया हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc of knowledge-obscuring Karma ठा॰२,४,—बोहि स्त्री॰(-बोधि) ज्ञानावरणीयना क्षयोपशमथी धर्मनी प्राप्ति थवी ते ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम से धर्म की प्राप्ति होना attainment of true religion by the destruction, subsidence etc of knowledge-obscuring Karma ठा॰ ३, २. —भट्ठ त्रि॰ (-भ्रष्ट) ज्ञानथी भ्रष्ट थयेल. ज्ञान से भ्रष्ट degraded from right knowledge. आया॰ १,६,४,१९०, --भावणा स्त्री॰ (-भावना) ज्ञाननी भावना ज्ञान भावना meditation upon right knowledge आया॰ २, ३, १, १,—मूढ त्रि॰(-मूढ) ज्ञानावरणीय कर्मना उदयथी ज्ञानमां मूढ-मूर्ख ज्ञानावरणीय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढ मूर्ख. foolish, ignorant on account of the maturity of knowledge obscuring Karma ठा॰ २, ४; —मोह. पुं॰ (-मोह) ज्ञान संबंधी मोह. ज्ञान के संबंध में मोह infatuation, delusion in point of right knowledge. ठा॰ २, ४. —रासि. पुं॰ (-राशि) ज्ञाननो समूह ज्ञान का समूह. mass of knowledge पंचा॰ १६, ४५; —लोय. पुं॰ (-लोक) केवल ज्ञानादि लोक. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. ठा॰ ३, २; —विणय. पुं॰ (-विनय) पांच प्रकारना ज्ञाननो विनय करवो ते पांच प्रकार के ज्ञान का विनय करना showing reverence towards the five kinds of knowledge. भग॰ २५, ७; —विणयपरिहीण त्रि॰ (-विनयपरिहीन) ज्ञान आचारथी रहित ज्ञान आचार से रहित devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge व॰प॰ १०,—विराहणा स्त्री॰(-विराधना) ज्ञाननी विराधना करवी ते, ज्ञाननुं खंडन करवुं ते. ज्ञान की विराधना करना, ज्ञान का खंडन करना. act of offending against right knowledge i. e refuting it सम॰१,—विसंवायणाजोग पुं॰(विसंवादना योग) ज्ञानी साथे खोटा जघडा मिथ्या विवाद करवो ते, ज्ञानावरणीय कर्म बांधवानो एक हेतु ज्ञानी के साथ झूठे झगडे-मिथ्या विवाद, ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु. act of entering into false and vexatious discussions and disputes with persons possessed of right knowledge, this is a source of Jñānāvaraṇiya Karma भग॰ ८, ९, —विसोहि स्त्री॰ (-विशोधि) ज्ञानना आचारनुं पालन करवुं ते; ज्ञाननी शुद्धि करवी ते ज्ञान के आचार का पालन, शुद्धि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge, purification of knowledge by practice. ठा॰ १०;

—संका स्त्री० (-शङ्का) જ્ઞાનના વિષયમાં શંકા કરવી તે. ज्ञान के विषय में शङ्का करना. doubt or misgiving in the matter of knowledge. सूय० १, १३, ३. —संपराण त्रि० (-सम्पन्न) જ્ઞાન સંપન્ન, જ્ઞાનમાં પૂર્ણ. ज्ञान संपन्न, ज्ञान में पूर्ण possessed of knowledge, perfect in knowledge. भग० २, ५, २५, ७, —संपराणया स्त्री० (-सम्पन्नता) જ્ઞાનનું સંપાદન ज्ञान का संपादन acquirement of knowledge " णाण संपरणयाए णं भंते ' जीवे किं जणयइ ' उत्त० २६, ६६, भग० १७, ३,

णाणत्त पुं० न० (नानात्व) નાના પ્રકાર, નાનાભાવ; નાનાપણું. विविध प्रकार, विविध भाव, विविधता Variety, difference, state of being different or having difference. भग० १, १, ५, ३, १; १२, ७, १८, ३; १६, ३, २० १, २४, १, २६, २, नाया० ५, पन्न० १५, जं० प० ५, ११८, २, २६, ७, ७, १३५,

णाणप्पकार. त्रि० (नानाप्रकार) નાના પ્રકારનું; વિચિત્ર विविध प्रकारका, विचित्र. Of various modes, of different kinds, strange सूय० १, १३, १,

णाणा. अ० (नाना) નાના પ્રકાર, અનેક, વિવિધ विविध प्रकार, अनेक विधि से Various, of various modes or forms. नाया० १; ७, ६; भग० ३, ३, ८, २; २५, ६, राय० ४५; ओव० २५; ३३, उत्त० ३, २; अणुजो० २८, जं० प० ५, ११४;

णाणागार. त्रि० (नानाकार) વિવિધ આકારનું विविध आकार का Of various shapes; bearing various shapes or forms. प्रव० ११२०;

णाणाघोस पुं० (नानाघोष) નાના પ્રકારના આવાજ-સ્વર विविध प्रकार की आवाज-स्वर Various kinds of sounds or tunes भग० १, १,

णाणाछंद त्रि० (नानाच्छंद-नाना भिन्न. च्छन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) નાના પ્રકારના ભિન્ન ભિન્ન છંદ-અભિપ્રાયવાળા; જુદા જુદા અભિપ્રાયવાળા विविध प्रकार के भिन्न २ च्छंद-अभिप्राय वाला, भिन्न भिन्न अभिप्राय वाला of various, differing opinions or likes and dislikes सूय० २, ७, ३०;

णाणाट्ठ त्रि० (नानार्थ) નાના પ્રકારના અર્થ છે જેના તે, અનેક અર્થવાળું. नाना प्रकार के अर्थ वाला, अनेक अर्थ वाला. Possessed of, bearing various meanings, homonymous भग० १, १,

णाणादिट्ठि त्रि० (नानादृष्टि—नानारूपा दृष्टि-र्दर्शन येषां ते तथा) ભિન્ન ભિન્ન દૃષ્ટિદર્શનવાળા भिन्न भिन्न दृष्टिदर्शन वाला Possessed of, various creeds, possessed of various points of view सूय० २, २, ३०,

णाणादेस त्रि० (नानादेश) નાના પ્રકાર-જુદા જુદા દેશના વતની नानाप्रकार भिन्न भिन्न देश के वतनी (Persons) residing in various countries. भग० ६, ३३,

णाणापन्न त्रि० (नानाप्रज्ञ—नानाप्रकारा विचित्रक्षयोपशमात् प्रज्ञायतेऽनयेति प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा) નાના પ્રકારની મતિ વાળો. विविध प्रकार की मति वाला. Possessed of various moods of intellect. सूय० १, ७, १०;

णाणापिंडरय. त्रि० (नानापिंडरत) અનેક

प्रकारना आहारादि विषयमां आसक्त. अनेक प्रकार के आहारादि विषय में आसक्त. Attached to, passionately fond of various kinds of food etc " णाणापिंडरया दंता तेण वुच्चंति साहुणो " दस० १, ५;

णाणामणि. पुं० (नानामणि) नाना प्रकारनां मणी. नाना प्रकार के रत्न. Various kinds of gems " णाणामणि कणग-रयण-विमल " राय०

णाणामणिरयण न० (नानामणिरत्न) नाना प्रकारना मणिरत्न विविध प्रकार के मणिरत्न Various kinds of excellent gems विवा० २,

णाणामल्ल न० (नानामाल्य) नाना प्रकारना फूल नाना प्रकार के फूल Various kinds of flowers "णाणामल्लविवड्ढा" राय० जीवा० ३,

णाणारंभ त्रि० (नानारम्भ) नाना प्रकारना धर्मानुष्ठान वाळा नाना प्रकार के धर्मानुष्ठान वाला. Performing various kinds of religious practices सूय० ०, २, ३०,

णाणारुइ त्रि० (नानारुचि) नाना प्रकारनी रुचि-अभिप्राय वाळा विविध प्रकार की रुचि अभिप्राय वाला Possessed of, having various kinds of opinions or likes and dislikes सय० ०, २, ३०;

णाणावंजण न० (नानाव्यञ्जन) नाना प्रकारना ककारादि व्यंजन अक्षर. नाना प्रकार के ककारादि व्यञ्जन अक्षर. Various consonants such as Ka etc सम० १, ३;

णाणावरण. पुं० (ज्ञानावरण) ज्ञानावरण; ज्ञानप्राप्तिमां विघ्नकर्ता आठ कर्ममां- मांनु पहेलुं कर्म. ज्ञानावरण; ज्ञान प्राप्त करने में विघ्नकर्ता आठ कर्मों में से पहिला कर्म. The first of the eight divisions of Karmas called knowledge obscuring Karma. दसा० ५, ३२; ३३, नाया० ३,

णाणावरणिज्ज. न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञान शक्तिने दबावनार आठ कर्ममांनु पहेलुं कर्म ज्ञान शक्ति को दबाने वाला आठ कर्मों में से पहिला कर्म The first of the eight kinds of Karmas viz. that which obscures or checks the power of acquiring knowledge आव० २०, ठा० ४, १, भग० ६, ३ ८, ८, १०, ७, २५, १, ७, पन्न० २२,

णाणाविह. त्रि० (नानाविध) नाना प्रकारनुं, अनेक प्रकारनुं नाना प्रकार का, अनेक प्रकार का Of various kinds; of different kinds; नाया० १; ५, ८; ६, १६, ज० प० ५, ११६, ओव० पन्न० १; जावा० ३,

णाणासंठिय त्रि० (नानासंस्थित) नाना प्रकारना संस्थानवाळुं, जुदा जुदा आकारनुं नाना प्रकार के संस्थान वाला; भिन्न भिन्न आकार का Bearing various shapes or conformations भग० २४, १२,

णाणासील त्रि० (नानाशील – नानाप्रकार शीलमनुष्ठानं येषां ते तथा) नाना प्रकारना अनुष्ठानवाळा. नानाप्रकार के अनुष्ठानवाला. Given to various kinds of (religious) practices or performances. सूय० २, १, ३०,

णाणि पुं० (ज्ञानिन्) ज्ञानि; यथार्थ तत्त्वस्वरूपने जाणनार. ज्ञानी; यथार्थ तत्त्व स्वरूप को जानने वाला. A person

possessed of right knowledge, a true philosopher. भग० २, १; ८, १; ११, १; १४, १; १८, १, २४, १; २६, १; प्रव० ६६७;

णात. पुं० (ज्ञात) वंशविशेषमां उत्पन्न थयेल. वंशविशेषमें उत्पन्न Born in a particular family. नाया० ८; (२) ए नामनुं एक आर्य कुल के जेमां महावीर स्वामी उत्पन्न थया हता इस नामका एक आर्य कुल कि जिसमें महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे name of an Ārya (civilised) family in which Mahāvīra Svāmī was born पन्न० १, (३) त्रि० ज्ञात कुलमां उत्पन्न थयेल. ज्ञात कुलमें उत्पन्न born in the Jñāta family अणुजो० १३१,

णातकुमार पुं० (ज्ञातकुमार) ज्ञातवंशनो एक राजकुंवर ज्ञात वंशका एक राजकुमार. A prince born in the Jñāta family नाया० ८,

णातखंड. न० (ज्ञातखण्ड) ए नामनुं एक वन के ज्यां महावीर स्वामीए दीक्षा लीधी हती. इस नाम का एक बन कि जहां महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी. Name of a forest where Mahāvīra Svāmī was initiated into religious order. ठा० १०,

णाति. स्त्री० (ज्ञाति) स्वजन, संबंधी स्वजन; रिस्तेदार. A caste-fellow; a relative. सूय० २, ६, १०;

णाद. पुं० (नाद) घोष; अवाज. घोष; आवाज. Sound, loud sound जीवा० ३; सू० प० १६;

णादित. त्रि० (नादित) नाद करेल; अवाज करेल. नाद कियाहुआ; आवाज कियाहुआ Sounded. भग० १६, ५;

णादिय. त्रि० (नादित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जीवा० ३,

णाभि स्त्री० (नाभि) गाडानो एक भाग. गाडे-छकडे का एक भाग. A particular part of a cart. 'जंतवक्कीव णाभी वा' दस० ७, २८; (२) नाभि; डुंटी. नाभी; ढूंडी. the navel जं० प० ५, ११४; आया० १, १, २, १६, ओव० १०; जीवा० ३, ३, (३) पुं० ऋषभदेवप्रभुना पितानुं नाम, पंदरमा कुलकर ऋषभ देवप्रभु के पिता का नाम, पंद्रहवें कुलकर. name of the father of Lord Risabhadeva, the 15th Kulakara. सम० प०२२६. —प्पभव. त्रि० (-प्रभव) नाभिमांथी उत्पन्न थयेल नाभि में से उत्पन्न. born from the navel तंदु० —रस-हरणी स्त्री० (-रसहरणी) नाभिनी नाल. नाभिकी नाल. the navel duct or canal तंदु०

णाम पुं० न० (नाम-नमन नाम) परिणाम; भाव, संज्ञा विशेष परिणाम; भाव, संज्ञा विशेष Sense-perceptions and their objects, substance; a particular name. " कइ विहेणं भंते णामे पण्णत्ते " भग० २५, ५, ६; ३, १; १७, १;

णाम अ० (नामन्) वाक्यालंकार; पादपूरण वाक्यालंकार, पादपूरण An expletive used as an ornament of speech or completing metre. ठा० ४, १, पण्ह० १, १; (२) न० अभिधान, नाम. अभिधान; नाम a name. जं० प० ५, ११२; ११५; राय० २६; ३२; विवा० १; नाया० १; २; ४; ५; ८; ६;१२; १४; १६; १६; ओव० ११;

पन्न० १; (३) જેના યોગે શરીર, રૂપ, બાંધો, આકૃતિ, જાતિ વગેરે શારીરિક સંપત્તિ શુભ કે અશુભ પ્રાપ્ત થાય છે તે નામકર્મ. जिसके योग से शरीर, रूप, बनावट, आकृति, जाति इत्यादि शारीरिक सम्पत्ति शुभ वा अशुभ प्राप्त होती है वह नामकर्म Karmas by the rise of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc of a soul are determined. पन्न० २० भग० २४, ६, २६, १, ओव० २०, (२) સંભાવના सम्भावना an indeclinable expressing conjecture, possibility etc भग० ३, ३; —अंकिय त्रि० (-अङ्कित) નામાંકિત; નામવાળું नामवाला. having a name, marked by a name नाया० १६. —इंद पुं० (-इन्द्र) નામનો ઇંદ્ર, જેમાં ઇંદ્રના ગુણ નથી પણ કેવલ નામ જેનું ઇંદ્ર છે તે नाम का इन्द्र; जिसमें इंद्र के गुण नहीं है परन्तु केवल नाम जिसका इन्द्र है वह one who is Indra in name only ठा० ३, १; —कम्म न० (-कर्मन्) નામકર્મ, આઠકર્મમાંનું છઠ્ઠું કર્મ. नाम कर्म, आठ कर्म में से छठा कर्म the sixth of the eight kinds of Karmas "नामकम्म दुविहं पण्णत्तं" ठा० २, ४; सम० ४२, —करण. न० (-करण) નામકરણ સંસ્કાર, બારમા દિવસે બાળકનું નામ સ્થાપવું તે. नामकरण संस्कार; बारहवें दिनको बालक का नाम स्थापन करने का क्रिया. the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth. नाया० १; भ; —गुत्त. न० (-गोत्र) નામ અને ગોત્રકર્મની પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી આત્મા સારા વા નરસાં નામ ગોત્ર પામી શકે. नाम और गोत्र कर्म की प्रकृति कि जिसके उदय से आत्मा शुभ वा अशुभ नामगोत्र प्राप्त कर सके. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc. सू० प० १६; राय० —गोय न० (-गोत्र) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above नाया० १४, नाया० ध० दसा० १०, १, —णंतअ-य न० (-अनन्तक) નામથી અનંત. नाम से अनन्त. one endless in names; one named endless ठा० ४, ३, १०, —पुरिस. पु० (-पुरुष) નામનો પુરૂષ અથવા જેનું નામ પુરૂષ છે તે. नाम का पुरुष अथवा जिसका नाम पुरुष है वह a man in name only; (one) bearing the name "Man" ठा० ३, १, —लोग. पु० (-लोक) નામનો લોક; જેનું નામ લોક રાખવામાં આવ્યું હોય તે. नाम का लोक, जिसका नाम लोक रखनेमें आया है वह Loka or world in name only; (one) bearing the name a Loke or world. ठा० ३, २, —वग्ग पुं० (-वर्ग) નામ પ્રકૃતિનો સમુદાય. नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakritis जीवा० २; —वीर. पुं० (-वीर—यस्य जीवस्या जीवस्य वा ऽन्वर्थरहित वीर इति नाम क्रियते स नाम वीर. नामावीरः) વીર એવું નામ ધરાવનાર જીવ વા અજીવ પદાર્થ. वीर ऐसा नाम धारण करनेवाला जीव वा अजीव पदार्थ. anything or anybody bearing

the name "Valiant सू० प० २. —सच्च. न० (–सत्य-नाम अभिधानं तत्सत्यं नामसत्यम्) सत्य जेनुं नाम छे ते नामनुं सत्य. सत्य जिसका नाम है वह; नाम का सत्य. truth in name only, that which is named truth ठा० १०; —सव्व न० (–सर्व—नाम च तत्सर्वं च नामसर्वम्) नामे करीसर्व. नाम से ही सर्व. everything by reason of the name or so far as the name goes. ठा० ४, २;

णामधिज्ज. न० (नामधेय) नाम, अभिधान नाम, अभिधान. A name, denomination. ओव० २६, नाया० १.

णामधेज्ज. न० (नामधेय) नाम; अभिधान नाम; अभिधान A name; denomination. नाया० १; १६; पन्न० २, भग० १५, १; विवा० ५; जं० प० ७, १५८, ठा० ८, २; ओव० ४०, अणुजो० २८,

णामधेज्जवई स्त्री० (नामधेयवती) प्रशस्त नामवाळी प्रशस्त नाम वाली Bearing a famous name नाया० १,

णामधेय. न० (नामधेय) जुओ " णामधेज्ज " शब्द देखो " णामधेज्ज " शब्द. Vide " णामधेज्ज " जं० प० ५, ११५, ओव०

णामय पुं० (नामक) नाम; संभावना नाम; संभावना A name, possibility भग० १६, ३, नाया० १,

णाय. त्रि० (ज्ञात) जाणेलुं; समजेलुं. ज्ञात; समझा हुआ. Known, understood भग० १, ४, ७, ६; ६, ३१; १७, २; नाया० ७; राय० ३१; आया० १, १, १, २; (२) न० इक्ष्वाकु वंशनुं एक अवांतर कुळ; महावीर स्वामिनुं कुळ. इक्ष्वाकु वंश का एक कुल; महावीर स्वामी का कुल the family of the Lord Mahāvīra; a branch of the Ikṣvāku family. ओव० १४, पराह० १, १; भग० ६, ३३; (३) त्रि० ते वंशमां जन्म पामेल. उस वंश में जन्म प्राप्त born in the above family. भग० २०, ८, ओव० १४; (४) न० दृष्टांत. दृष्टांत an illustration. सम० ६; (५) ज्ञाता सूत्रनो अर्थ भतलब. ज्ञातासूत्र का अर्थ the purport or sense of Jñātā Sūtra नाया० ध० —विहि. पु० (–विधि) स्वजननो एक प्रकार. स्वजन का एक प्रकार a particular kind of relationship. वव० ६, १, दसा० ६, २.—संग पु० (–सङ्ग) परिचित जनोनो संग परिचित जनोंका संग company of acquainted persons सूय० १, ३, २, १२.

णाय पु० (नाद) नाद, अवाज; शुभ. नाद, आवाज; शोरगुल Sound, loud sound नाया० १,

णायअ पु० (ज्ञातक) ज्ञातीओ. ज्ञातिजन स्वजातीय, ज्ञातिजन A caste-fellow जं० प० सूय० १, ८, १२; २, १, ३५, वव० ६, ६, नाया० १,

णायअ य पु० (नायक) नायक, नेता. नायक, नेता A leader, a head सूय० १, १५, १. नाया० १, २;

णायक पु० (नायक) नायक, नेता नायक, नेता A leader, a head. पराह० १,४;

णायकुमार पु०(ज्ञातकुमार) जुओ "णातकुमार" शब्द. देखो " णातकुमार " शब्द. Vide " णातकुमार " नाया० ६;

णायखंड न० (ज्ञातखण्ड) जुओ " णातसंड " शब्द देखो " णातसंड " शब्द. Vide " णातसंड " आ० १०६.

णायग पुं० (ज्ञातक) जुओ " णायअ "

शब्द. देखो "णायग" शब्द. Vide "णायग" निसी० ८, १२;

णायग पुं० (नायक) नायक, नेता; राजा, अधिपति नायक; नेता; राजा, अधिपति. A leader; a king; a lord सम० १; ३०, दसा० ६, १६; पराह० २, ५; (२) प्ररूपणा करनार. प्ररूपणा करने वाला one who explains e. g. a religious text सूय० १, १४, १,

णायज्झयण न० (ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता सूत्रनुं अध्ययन ज्ञाता सूत्र का अध्ययन A chapter of Jñātā Sutra नाया० २; ४, ५, ८, १२, १४, १६;

णायपुत्त पुं० (ज्ञातपुत्र) ज्ञात वंशमा उत्पन्न थयेल, ज्ञात प्रख्यात-सिद्धार्थ राजना पुत्र महावीर स्वामी ज्ञात वंश में उत्पन्न ज्ञात प्रख्यात-सिद्धार्थ राजा के पुत्र महावीर स्वामी The Lord Mahāvīra, the son of the famous king Siddhārtha; born in the family named Jnāta उत्त० ६, १८, भग० १८, ७, सूय० १, ६, २४, —वयण न० (-वचन) महावीर स्वामिना वचन. महावीर स्वामी के बचन words of Mahāvīra Svāmī दस० १०, ६,

णायय त्रि० (ज्ञातक) जाणनार जानने वाला. (One) who knows नाया० २,

णायव्व त्रि० (ज्ञातव्य) जाणवा योग्य, अवबोधन करवु जानने योग्य, अववोधन करना. Worthy of being known, not of knowing. अणुजो० १२८ १३०, निसी० २०, १०; भग० १६, ८; नाया० ध० ६;

णायसंड. न० (ज्ञातखण्ड) क्षत्रिय कुण्ड-पुरनी बहारनुं उद्यान; ज्यां महावीर स्वामीए दीक्षा लीधी क्षत्रिय कुण्डपुर के बाहर का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीक्षा लीथी. The garden outside Ksatriya Kuṇḍapura where Mahāvīra Svāmī was initiated into the order of monks. आया० २, ३, १४, —वण न० (-वन) ज्ञातखंड नामनुं उद्यान ज्ञातखंड नाम का उद्यान a garden named Jñātakhaṇḍa कप्प० ५, ११३,

णाया. स्त्री० (ज्ञात) जेमां दृष्टांत सहित अधिकार छे एवुं ज्ञाता नामनुं छठुं अंग सूत्र. जिसमें दृष्टांत सहित अधिकार है ऐसा ज्ञाता नाम का छठा अंग सूत्र. The 6th Anga Sūtra so named abounding in illustrations of the subject matter नाया० १, —(ऽ) णायाज्झयण. न० (-ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता सूत्रनुं अध्ययन ज्ञाता सूत्र का अध्ययन a chapter of Jñātā Sūtra नाया० १, ६,

णायाधम्मकहा स्त्री० (ज्ञाताधर्मकथा-ज्ञातानि उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा ज्ञाताधर्म था) जेमां दृष्टांत सहित अधिकार छे एवुं ए नामनुं छठुं अंगसूत्र जिसमें दृष्टांत सहित अधिकार है ऐसा इस नाम का छठा अंगसूत्र The sixth Anga Sutra so named abounding in illustrations of the subject matter नाया० १ नाया० ध०

णारअ-य पुं० (नारद) नारद ऋषि ऋषि; नारद The saint Nārada ओव०३८, (२) सौर्यपुर नगरना राजा समुद्रविजयनो दीकरो सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र विजय का पुत्र. name of the son of Samudravijaya the king of

Souryapura. ओघ० (३) गन्धर्वना लश्करनो अधिपति गंधर्व. गन्धर्व के लश्करका अधिपति गंधर्व. the Gandharva commander-in-chief of the army of Gandharvas. ठा० ७,

णारयपुत्त. पुं० (नारदपुत्र) भगवान् महावीर स्वामीना ए नामना एक शिष्य भगवान् महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य Name of a disciple of lord Mahāvīra भग० ५, ८,

णाराय न० (नाराच) साम सामे बे वस्तुनो मर्कट बंध, छ संघयणमानुं त्रीजुं संघयण. आमने सामने दो वस्तुओं का मर्कट बंध, छ संघयण में से तृतीय संघयण The third of the six kinds of physical constitutions in which the bones are loosely tied together by the sinews जं०प०जीवा०१

णारायण पुं० (नारायण) दशरथ राजाना पुत्र रामना भाई लक्ष्मणनुं अपर नाम, भरत क्षेत्रना आ अवसर्पिणीना आठमा वासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई लक्ष्मण का अन्य नाम, भरत क्षेत्र की इस अवसर्पिणी का आठवा वासुदेव Another name of Laxamaṇa, son of Daśaratha and brother of Rāma the 8th Vāsudeva of Bharata ksetra in the current Avasarpiṇi. प्रव० १२२६, सम०

णारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) नीलवंत पर्वतथी नीकळी उत्तर तरफ रम्यकवास क्षेत्रमां व्हेती एक महानदी. नीलवंत पर्वत से निकलकर उत्तर तरफ रम्मकवास क्षेत्र में बहती हुई एक महानदी. Name of a great river issuing from the Nilavanta mountain and flowing in the north into Rammakavāsa Ksetra. जं०प०६,१२२। सम० सम० ठा० २, ३;

णारिकंताकूड. न० (नारीकान्ताकूट) नीलवंत पर्वतनुं छठुं कूट नीलवंत पर्वत का छट्ठा कूट The sixth summit of the Nilavanta mount. ठा० ६;

णारी स्त्री० (नारी) नारी, स्त्री जाति नारी; स्त्री जाति. A woman, womankind. सूय० १, ३, ४, १६,

णारीकंता स्त्री० (नारीकान्ता) जुओ "णारिकंता" शब्द देखो "णारिकंता" शब्द Vide "णारिकंता" जं० प०

णाल न० (नाल) कमळ आदिनो दांडो; कद उपरनो भाग कमल आदि का दंडा, कंद के ऊपर का भाग A stalk of a lotus plant etc आया० २, १, १, ८, (२) नाभ डूंटी नाल, डूंठी the navel जं० प० ४, ११६;

णालंदइज्ज न० (नालन्दीय) सूयगडांग सूत्रना बीजा श्रुतस्कंधना छठ्ठा अध्ययननुं नाम सूयगडांग सूत्र के द्वितीय श्रुतस्कंध के छट्ठे अध्ययन का नाम Name of the 6th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagaḍāṅga Sūtra सूय० २, ६;

णालंदा स्त्री० (नालन्दा) ए नामनो राजगृह नगरनो एक लत्तो. राजगृह नगर का एक मार्ग, इस नाम का एक मोहल्ला. Name of a street of the city of Rajagriha. सूय० २, ७, १,

णालंदिज्ज न० (नालन्दीय) नालंदीय नामे सूयगडांग सूत्रनुं २३ मुं अध्ययन. नालंदीय नाम का सूयगडांग सूत्र का २३ वां अध्ययन The 23rd chapter of the Sūyagaḍāṅga Sūtra so named. सम० २३;

णालिएर. पुं० (नारिकेल) નાળીએરી; નાળીએરનું ઝાડ. नारियल का वृक्ष. A cocoanut tree. पन्न० १; नाया० २, १, १, ८; जं० प० नाया० ६; (२) न० તેના ફલ; (નાળીએર). उस के फल; (नारियल) a cocoanut नंदी० नाया० ६, —तिल्ल. न० (-तैल) નાળિએરનું તેલ; ટોપરાનું તેલ. नारियल का तैल cocoanut oil. नाया० ६, —मत्थय. न० (-मस्तक) નાળિએરના ઝાડનો ઉપલો ભાગ. नारियल के वृक्ष का ऊपरका हिस्सा. the top of a cocoanut tree. नाया० २, १ १, ८,

णालिबद्ध न० (नालबद्ध) નાલ બંધ-નાળી વાળા ફૂલ; જાઇ જુઇ મોગરાદિ ડાંઠ-ડંડી वाले फूल, जाइ जूइ मोगरादि. A flower growing on a stalk पन्न० १;

णालिया. स्त्री० (नालिका) કમલ આદિની દાંડી; નાલિકા. कमल आदि की डंडी. A stalk of a lotus etc तदु० ८, विवा० १; (२) દ્યૂત ક્રીડા. द्यूत क्रीडा gambling. भग० ६, ७; सूय० १, ६, १८, (३) કલમ્બુકા નામનું ઝાડ कलम्बुका नाम का वृक्ष a tree named Kalambuka सू० प० ४; (४) એ નામની વેલ. इस नाम की बेल name of a creeper. पन्न० १,—बद्ध न० (-बद्ध) નાલિકા-ડાંડી વાળા ફૂલ डंडीवाले फूल a flower growing on a stalk. पन्न० १;

णालियाखेड्ड-ड्ड. न० (नालिकाखेट) દ્યૂત ક્રીડા વિશેષ, એક પ્રકારનો જુગાર. द्यूत क्रीडा विशेष; एक प्रकार का जुआ A kind of gambling. जं० प० नाया० (२) ગ્રહોની ગતિ સમજવાને માટે ઘડી જેવી નલી બનાવવામાં આવે તે. ग्रहों की गति जाननेकी घडी जैसी नली. a contrivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. ओव० ४०; (४) કમલ આદિની નાલિકા છેદવાની કલા. कमल आदि की डंडी काटनेकी कला. the art of cutting stalks of lotuses etc. नाया० १;

णाली. स्त्री० (नाडी) વખત માપવાની ઘડી. समय मापनेकी घडी A chronometre. जीवा० ३, (२) એક જાતની વેલ. एक प्रकार की बेल. a sort of creeper. पन्न० १,

णावा स्त्री० (नौ) નાવ, વહાણ; જહાજ. नाव; जहाज A ship, a boat. नाया० ८, ६, १६; भग० ३, ३, ५, ४; पन्न० १६; सू० प० १०, सूय० १,१, २. ३१; निसी० १८, १; १७, २०, वेय० ६, ३; जं० प० ७, १५६; ३, ६५; ६२; —उस्सिंचय. न० (-उत्सिंचक) નાવાની અંદર પાણી ભરાઇજાય તે ઉલેચવાનાં ઠામ ડોલ વગેરે. जहाज में पानी एकत्र हुआ हो उसे बाहर निकाल कर फेंकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc used for pumping out the water that accumulates in a ship निसी० १८, १७; —गय त्रि० (-गत) નૌકામાં બેઠેલ. नौका में बैठा हुआ seated in a boat: on board a ship निसी० १८, २०, —वणियग. पुं० (-वाणिज्यक) નૌકા દ્વારા વ્યાપાર કરનાર. नौका द्वारा व्यापार करने वाला. a naval merchant नाया० ८; १७; —संतारिम न० (-संतार्य) જ્યાં વહાણ ચાલી શકે તેટલું પાણી. जहां जहाज चल सके उतना पानी a navigable river, stream etc आया० १,१,३,१;

णाविय पुं० (नाविक -नावा जीवति

नाविक:) नाविक; नौका चलावनार; वहाणु ચલાવનાર. नाविक; नौका चलानेवाला; जहाजी; मल्लाह. A sailor, a boatsman नाया० ६; भग० ५, ४;

णाविया. स्त्री० (नौका) नौका, वहाणु नौका; जहाज. A boat; a ship भग० ५, ४;

णास पुं० (नासा) नाक नाक The nose. सम० ११,

णास. पुं० (न्यास) स्थापन; थापणु स्थापन, धरोत. Putting down, laying down, a deposit सम०

णासा स्त्री० (नासा) नासा, नाक, नासिका नाक; नासिका The nose ओव० १०; नाया० १, १, २, १६, जं०प० जीवा० ३, ३, निसी० ५, ४०, —च्छेयण न० (-च्छेदन) નાકનું છેદન કરવું તે. नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया० २;—णिस्सासवोज्झ त्रि० (-निश्वासवाह्य) નાકના ધીમા શ્વાસથી પણ ઉડી જાય તેવું હલકું. नाक के धीमे श्वास से भी उडजाय ऐसा हलका (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; —निस्सास. न० (-निःश्वास) નાસિકાનો વાયુ नासिका का वायु breath exhaled from the nose. नाया० १; —पुड. पुं० (-पुट) નાસા પુટ, નાકના ફોયણા-નસકોરા. नाकके पुट. the nostril. नाया०१४, —बंध. पुं० (-बंध) નાકનું બાંધવું તે. नाक को दाबना. act of closing up the nose नाया० १७; —भेय. पुं० (-भेद) નાસિકામાં છિદ્ર કરવું તે. नासिका में छिद्र करना. act of perforating the nose. पण्ह० १,१;

णासिक्कपुर. न० (नासिक्यपुर) ગોદાવરી નદીની દક્ષિણે આવેલું એ નામનું નગર. गोदावरी नदी के दक्षिण में आया हुआ इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godāvari. नदी०

णासियपुड. न० (नासिकापुट) જુઓ "णासापुड" શબ્દ. देखो "णासापुड" शब्द. Vide "णासापुड" नाया० ८;

णासियासिंघाणग न० (नासिकासिङ्घाणक) નાકનો મેલ; લીટ, ગુગા વગેરે. नाक का मल Dirt of the nose. तदु०

णाह पुं० (नाथ) નાથ, ધણી; રક્ષણ કરનાર, આશ્રય આપનાર, યોગક્ષેમ કરનાર. नाथ, स्वामी, रक्षक; आश्रय दाता. योगक्षेम करने वाला A lord; a master; a husband, a protector; a supporter नाया० ६; उत्त० २०, ११; सम० १,

णि अ० (नि) વધારાના અર્થમાં; નિશ્ચય विशेष के अर्थ में; निश्चय An indeclinable used to express the sense of "In addition to" 'Indeed' विवा० ६,

णिअ. त्रि० (निज) સ્વકીય, પોતાનું. निज का, अपना One's own, belonging to oneself. सू० प० २०,

णिअग त्रि० (निजक) પોતાનું, સ્વકીય अपना, स्वकीय One's own; belonging to oneself ओव० ३३; जं० प० ५, ११५; २, ३३;

णिअट्टिबादर. त्रि० (निवृत्तिबादर) આઠમા ગુણસ્થાનકમાં વર્તનાર. आठवें गुणस्थानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Guṇasthānaka, or stage of spiritual evolution. सम० १७;

णिअडिबहुया. स्त्री० (निकृति) કપટ; માયા. कपट; मायता, माया. Deceit; meanness. ओव० ३४;

णिअल. न० (निगड) પગની બેડી, લોઢાની સાંકલ पैर की बेडिया; लोहे की साकल. Iron chains; fetters ओव० ३८;

णिइय. त्रि० (नित्य) નિત્ય; સ્થિર સ્વભાવ વાલું; અવિનાશી. नित्य; स्थिर स्वभाव वाला; अविनाशी. Permanent, steady; everlasting. सूय० १, १, ४, ६; जं० प० ७, १५२,

णिउण त्रि० (निगुण) નિયત-નિશ્ચિત ગુણવાળું नियत-निश्चित गुणवाला Possessed of effective merits or virtues पंचा० ११, २०,

णिउण. त्रि० (निपुण) નિપુણ, હોશિયાર, કુશલ, ચતુર. ચાલાક निपुण, होशियार, कुशल, चतुर, चालाक Clever; efficient; skilful " संतिणिउण पागारं तिगुत्त दुप्प धंसयं " उत्त० ६, २०; नाया० १; ३; ६, ओव० २६; ३०, राय० ४४, ८०, सू० प० १, २०; —उविय. त्रि० (-उचित) નિપુણ શિલ્પીથી બના વેલ निपुण शिल्पी से बनाया हुआ. Made by a skilful artist. नाया० १, —कुसल त्रि० (-कुशल) ઘણો ચતુર-નિપુણ. अति चतुर-निपुण very clever, very skilful. राय० ८०; —णयजुत्त त्रि० (-नययुत) સૂક્ષ્મ નીતિનો વિચાર કરનાર सूक्ष्म नीति का विचार करने वाला (one) devoting attention to fine or minute points of ethics पंचा० २, १; —बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि) સૂક્ષ્મ બુદ્ધિ सूक्ष्म बुद्धि. sharp intellect. पंचा० ११, २०; —सिप्पोवगय. त्रि० (-शिल्पोपगत) શિલ્પકળા આદિમાં કુશલ થયેલ. शिल्पकला आदि में कुशल. (one) trained or skilful in a handicraft etc. नाया० १;

णिउणिय त्रि० (नैपुणिक—निपुणं सूक्ष्मं ज्ञानं तेन चरन्तीति नैपुणिकाः) સૂક્ષ્મ જ્ઞાન વાલા सूक्ष्म ज्ञानवाला. (One) possessed of expert knowledge. "नव णिउणिया वत्थु पएणता" ठा० ६;

णिउत्त त्रि० (नियुक्त) પ્રવૃત્ત કરેલુ; યોજેલ प्रवृत्त कियाहुआ, योजित. Set about; started; planned नाया० ६;

णिउदजीव पुं० (निगोदजीव) નિગોદના જીવ निगोद के जीव A sentient being residing in the Nigoda class of vegetation. जीवा० ६,

णिउर पुं० (निकुर) એક જાતનું ઝાડ. एक प्रकारका वृक्ष A kind of tree नाया० ८;

णिउरंब न० (निकुरम्ब) સમૂહ समूह A group, a collection "रम्मे-महामह णिउरंब भूए" नाया० १; १३; (२) पुं० વૃક્ષ વિશેષ वृक्ष विशेष. a particular kind of tree. नाया० ३,

णिओअ पुं० (नियोग) વ્યાપાર, ક્રિયા. व्यापार, क्रिया Process; action. ज० प०

णिओग पु० (नियोग) આજ્ઞા, હુકમ. आज्ञा, हुक्म Order, command. ज० प० ५, ११७, पंचा० ३, २८,

णिओद. पुं० (निगोद) એક શરીરમાં અનન્ત જીવ હોય એવી વનસ્પતિ; સાધારણ વનસ્પતિ एक शरीर में अनन्त जीव हों ऐसी वनस्पति A vegetation with infinite lives in its body भग० २५, ५;

णिओय-अ. पुं० (निगोद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

पन्न॰ १; ३; जीवा॰ ६; (२) કુટુંબ कुटुंब a family जं॰ प॰

णिंदण. न॰ (निन्दन) નિન્દા કરવી, હેલણા કરવી. *निन्दा* Act of censuring नाया॰ ८, भग॰ १७, ३, (२) પશ્ચાત્તાપ पश्चात्ताप act of repenting, penitence नाया॰ १६,

णिंदणया स्त्री॰ (*निन्दन) પોતાના કર્મ કે દોષની નિન્દા કરવી તે. अपने दोष या कर्म की निन्दा करना Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग॰ १७, ३,

णिंदणा स्त्री॰ (निन्दना) નિન્દા, નિંદવું, હેલના કરવી. निन्दा, निन्दा करना, अवगणना करना. Censure, act of censuring, speaking ill of ओव॰ ४०,

णिंदणिज्ज. त्रि॰ (निन्दनीय) નિન્દવા યોગ્ય, નિન્દા કરવા યોગ્ય निन्दा करने योग्य Deserving censure, censurable नाया॰ ३, १४;

णिंदिया. स्त्री॰ (निन्दिता) જેમાં એક વાર ઘાસ વગેરે નિંદવામાં આવે તે કૃષિ जिसमें एक बार घास इत्यादि नीदनेमें आता है वह कृषि Cultivation of land requiring weeding out of grass etc once ठा॰ ४, ४.

णिंदु स्त्री॰ (निन्दु) મૃતવત્સા સ્ત્રી, મુવા બાલકનો જન્મ આપનાર માતા मृत सतति जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली माता A woman who gives birth to dead children अंत॰ ३, ८;

णिंब पु॰ (निम्ब) લીંબડો निम्ब का वृक्ष. A Nimba tree. पन्न॰ १; भग॰ १८, ६; २२, ३, (२) न॰ લીંબોળી, લીંબડાના ફલ. निम्बोली; निम्ब के फल a seed of a Nimba tree. पन्न॰

णिंबोलिया. स्त्री॰ (निम्बगुलिका) લીંબોળી; લીંબડાનાં ફલ निम्बोली; निम्ब के फल A seed of the Nimba tree. नाया॰ १६;

णिकर पु॰ (निकर) સમૂહ. समूह. A collection, a group नाया॰ ६;

णिकरिय त्रि॰ (निकृत) જંતરડાના સારમાંથી ખેંચેલું जन्ती के छेद में से खींचा हुआ Drawn out like a wire from a die ओव॰ १०;

णिकाइय त्रि॰ (निकाचित निर्युक्तिसंग्रहणीहेतुदाहरणाऽऽदिभिः अनेकधा व्यवस्थापितम्) હેતુ ઉદાહરણ આદિથી સિદ્ધ કરેલું हेतु उदाहरण आदि से सिद्ध किया हुआ. Established or proved with the help of logical reason, illustration etc सम॰ प॰ १६६, (२) નિકાચિત, તુટે નહિ તેવું निकाचित, न टूटे ऐसा firmly fastened, such as would not break " चउव्विहे णिकाइए पण्णत्ते " ठा॰ ४, २,

णिकाय पु॰ (निकाय-निर्गत: काय औदारिकाऽऽदिर्यस्मात् यस्मिन् वा सति स निकाय:) મોક્ષ मोक्ष Salvation. आया॰ १, १, ३, १८, (२) પૃથ્વીકાય, અપકાય તેઉકાય, વાઉકાય, વનસ્પતિકાય, અને ત્રસ કાય એ છ પ્રકારના જીવનો સમૂહ. पृथ्वी काय, अप्काय, तेउकाय, वायुकाय, वनस्पति काय, और त्रसकाय इन छः प्रकार के जीवों का समूह a collection of the six kinds of sentient beings viz those with bodies of earth, water, fire, wind, vegetable, and mobile sentient beings (Trasakāya). ओघ॰ २४; सूय॰ २,

४, ३; पन्न० १२; दस० ४, —पडिवण्ण त्रि० (-प्रतिपन्न -निर्गतः काय औदारिकाऽऽदिर्यस्मात् यस्मिन् वा सति स निकायो मोक्षः तं प्रतिपन्नो निकायप्रतिपन्नः) મોક્ષને પ્રાપ્ત થયેલ. मोक्ष को प्राप्त. (one) who has attained salvation आया० १, १, ३, १८,

णिकाय. पुं० (निकाय -निकायनं निकाय) નિમંત્રણ કરવું; આમન્ત્રણ કરવું. निमन्त्रण करना; आमन्त्रण करना Act of calling or inviting सम० १२,

णिकाय सं० कृ० अ० (निकाय) સ્થાપીને स्थापन करके Having established, having placed. ' णिकाय समय पत्तेय पत्तेय पुच्छिस्सामो ' आया० १, ४, २, १३३,

णिकुञ्जिय सं० कृ० अ० (निकुञ्ज्य) શરીર નીચું કરીને शरीर को झुकाकर Having bent or lowered the body निसी० १७, २३.

णिकुरंब. न० (निकुरम्ब) સમૂહ समूह A group, a collection. ओव० भग० १, १, नाया० ७. (२) કાળી મેઘઘટા काली मेघघटा a series of black clouds जीवा० ३, ३,

णिकेअ-य पुं० (निकेत) આવાસ, ઘર आवास, घर. A house, an abode नाया० १६,

णिक्क त्रि० (*) શુદ્ધ; મેલવગરનું शुद्ध, निर्मल. Pure, free from dirt नाया० १,

णिक्कंकड. त्रि० (निष्कङ्कट) નિરાવરણ; આવરણ રહિત निरावरण. आवरण रहित. Uninterrupted, free from any obstacle. सम० जीवा० ३, ४; —च्छाय. त्रि० (-च्छाय) નિરાવરણ-આવરણ રહિત પ્રકાશવાળું निरावरण-आवरण रहित प्रकाश युक्त. having uninterrupted light राय० जं० प० १, १२,

णिक्कंखिय. त्रि० (निष्काङ्क्षित) અન્ય દર્શનની આકાંક્ષા રહિત अन्य दर्शनकी आकांक्षा रहित (One) free from a desire of knowing or practising another creed सूय० २, ७, ६६;

णिक्कट्ठ त्रि० (निष्कृष्ट) દુબળા શરીરવાળો. दुर्बल शरीरवाला Lean, reduced ठा० ४,४, (२) બહાર ખેંચેલ बाहर खींचा हुआ drawn out नाया० १८;

णिक्कतार त्रि० (निष्कान्तार-कान्तारमरण्यं निर्गत कान्ताराद् निष्कान्तारम्) જંગલથી બહાર કાઢેલ जंगल से बाहर निकाला हुआ. Taken out from a forest; led out of a forest. "कंताराओ णिक्कतार करेज्जा" ठा० ३, १,

णिक्कम्म पुं० (निष्कर्मन्-निष्क्रान्त कर्मणो निष्कर्मा) મોક્ષ मोक्ष. Salvation. (२) સંવર संवर ceassation of the influx of Karma "णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं" आया० १, ४, ४, १३८, —दंसि त्रि० (-दर्शिन् —निष्कर्मा मोक्ष संवरो वा त द्रष्टुं शीलमस्येति निष्कर्म-दर्शिन्) મોક્ષ માર્ગને જાણનાર, કર્મ બંધનથી મુક્ત मोक्ष मार्ग को जानने वाला, कर्मबंधन से मुक्त. (one) who knows the path of salvation; freed from Karmic bondage. आया० १, ३, ४, १३४,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

णिक्कलंक. त्रि० (निष्कलङ्क) કલંક રહિત. निष्कलंक; कलंकरहित. Spotless; stainless. भग० १५, १;

णिक्कलुण. त्रि० (निष्करुण) દયા રહિત. दया रहित; निर्दय Unkind; merciless पराह० १, १;

णिक्कवय. त्रि० (निष्कवच) આવરણ રહિત; કવચ વિનાનો. आवरण रहित, कवच रहित. Devoid of a covering, devoid of an armour ठा० ४, ३;

णिक्कासिय त्रि० (निष्कासित) નીકળેલ, કાઢી મુકેલ. निकला हुआ, निकाल दिया हुआ Turned out, got out, driven out ओव०

णिक्किंचण त्रि० (निष्किञ्चन) નિષ્પરિગ્રહી निष्परिग्रही Not possessed of anything; possession-less. सूय० १, १३, १२,

णिक्किरिय त्रि० (निष्क्रिय) ક્રિયારહિત क्रियारहित. Devoid of action, inert. पराह० १, २, नाया० ६,

णिक्किव त्रि० (निष्कृप) કૃપારહિત. कृपा रहित. Devoid of compassion, unkind नाया० ६,

णिक्कोडण. न० (निष्कोटन) બન્ધન વિશેષ बन्धन विशेष. A particular kind of bondage. पराह० १, ३,

णिक्खंत. त्रि० (निष्कान्त) નીકળેલ. निकलाहुआ Come out, got out, gone out. नाया० १, नाया० ध० २; (२) સંસારમાંથી નીકળીને દીક્ષા લીધેલ. संसार में से निकलाहुआ; दीक्षा लियाहुआ (one) who has freed himself from the world and has become a monk. सूय० १, ८, २४; उत्त० १८, १६;

णिक्खम न० (निष्क्रम) ઉપાધિ છોડી નીકળવું દીક્ષાલેવી તે; સુખનો એક પ્રકાર. उपाधि को त्याग कर निकलना, दीक्षा लेना; सुख का एक प्रकार Act of stepping out of worldly troubles and cares, entrance into the ascetic order ठा० १०;

णिक्खमण. न० (निष्क्रमण) સૂર્ય ચંદ્રનું તેના માંડલમાંથી બહાર નીકળવું તે. सूर्य चंद्र का उसके मंडल में से बाहर निकलना. The coming out of the sun and moon out of their orbits or circles सू०प०१३,(२) દીક્ષા લેવી. दीक्षा लेना entrance into the ascetic order. नाया०१,५,८;(३) ઘરમાંથી બહાર નીકળવું તે घर में से बाहर निकलना act of coming out of the house; coming out of the house. आया०नि० १, १, ६, १२८; वेय० १, १०;

—अभिमुह त्रि० (-अभिमुख) દીક્ષાની સન્મુખ, દીક્ષા લેવા તત્પર दीक्षा के सन्मुख, दीक्षा लेने को तत्पर. ready for or bent on initiation into the ascetic order. नाया० ५;

—अभिसेय-अ पु० (-अभिषेक) દીક્ષાનો અભિષેક, દીક્ષાની ક્રિયા दीक्षा का अभिषेक, दीक्षा की क्रिया the ceremony of initiation into the ascetic order भग० ६, ३३, नाया० ९, १६;

—चरियणिबद्ध न० (-चरितनिबद्ध) મહાવીર સ્વામી આદિ તીર્થંકરની દીક્ષા મહોત્સવ વગેરે દશ્ય બતાવનાર નાટ્ય વિધિ; ૩૨ નાટકમાંનુ એક. महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरके दीक्षा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने वाली नाट्य विधि; ३२ नाटकों में से एक. one of the 32 kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Dikṣā of the lord Mahāvīra etc. राय०—महिमा पुं० स्त्री० (–महिमन्) દીક્ષા મહોત્સવ. दीक्षा महोत्सव. festivity of Dikṣā i. e. initiation into the ascetic order. नाया० ८; —सक्कार. पुं० (–सत्कार) દીક્ષાનો સત્કાર. दीक्षा का सत्कार. honour paid to Dikṣā or initiation into an ascetic order. नाया० ५,

णिक्खित्त. त्रि० (निक्षिप्त) છોડેલ, મૂકેલ छोड़ दिया हुआ, रक्खा हुआ Kept, placed, put down, left नाया० १; भग० १२, १, पराह० १, ३, (२) વ્યવસ્થાપન કરેલ, રાખેલ. व्यवस्थापन किया हुआ; रक्खा हुआ. arranged; put into order आया० २, १, १, ७; —चरश्र त्रि० (–चरक) રસોઇના વાસણમાંથી બહાર કહાડયું ન હોય તેવા આહારની ગવેષણા કરનાર रसोई के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस आहार की गवेषणा करने वाला (one) who seeks only that food which is not taken out of a cooking-vessel ठा० ५, १, ओव० —दंड. त्रि० (–दण्ड –निक्षिप्ता निश्चयेन त्यक्ताः कायरूपा प्राणयुपमर्दकारिणो दण्डा येस्ते तथा) મન વચન અને કાયાના દંડને ત્યજનાર. मन, वचन, और कायाके दण्डको त्यागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech आया० १, ९, ३, १३४; —पुव्व. त्रि० (–पूर्व) પહેલાં પોતાને માટે બનાવેલ पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुआ. prepared in the first instance for oneself. आया० २, ३, ३, ८७; —सत्थमुसल. त्रि० (–शस्त्रमुसल) જેણે ખડગ આદિ શસ્ત્ર ત્યજી દીધા હોય તે. जिसने खड्ग आदि शस्त्रों को त्याग दिया हो. (one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग० ७, १,

णिक्खिप्पमाण त्रि० (निक्षिप्यमाण) પોતાને સ્થાને મુકતો योग्य स्थान में रखता हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place, "श्रग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए श्रग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं" आया० २, १, ४, २४;

√णिक्खिव धा० I, II (नि+क्षिप्) ફેંકવું; નાખવું फेंकना, डालना. To throw, to cast out

णिक्खिवइ नाया० १४;

णिक्खिवित्ता. नाया० १४; भग० १६, १; वव० १, १५;

णिक्खिवमाण भग० १६, १;

णिक्खिवियव्व. त्रि० (निक्षिप्तव्य) મુકવા યોગ્ય. रखने योग्य Worth being put or kept पराह० २, १,

णिक्कुड पुं० (निष्कुट) પર્વત વિશેષ पर्वत विशेष. A certain mountain. (२) નિષ્કંપ, સ્થિર निष्कम्प, स्थिर. steady, firm. जं० प० ३, ५२,

णिक्खेव. पुं० (निक्षेप) રાખવું તે. रखना. Act of putting or keeping. नाया० ८; (२) નામ સ્થાપનાદિરૂપે નિક્ષેપ કરવો તે नामस्थापनादि रूप से निक्षेप करना. attribution of a name without reference to its connotation. आया० नि० १, २, १, १६५;

णिक्खेवश्र. पुं० (निक्षेपक) આલાપક.

णिक्खेवक. A depositor; a speaker नाया० ध० १;(२) राभवुं ते. रखना. act of keeping or putting. भग० २०, ६;

णिक्खोभ. त्रि० (निःक्षोभ) क्षोभ रहित. क्षोभ रहित Free from agitation; free from disturbance. सम० २,

णिगच्छ धा० I. (निर्+गम्) नीકળવું निकलना. To come out, to get out.

णिगच्छइ. नाया० १, ६, १४, विवा० ७;

णिगच्छति नाया० १;

णिगच्छामि नाया० १४; १६, भग० १५,१;

णिगच्छाहि. आ० नाया० १६;

णिगच्छित्ता सं० कृ० नाया० २; ५; ८, १२; १४, भग० ११, ११; विवा० ७,

णिगच्छमाण. व० कृ० नाया० १, भग० ९,३३;

णिगम पु० (निगम) व्यापारीઓનું નિવાસ સ્થાન, જ્યાં ઘણા વાણિઆઓ વસતા હોય તે સ્થાન व्यापारियों का निवास स्थान; जहां पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान A place of abode for merchants or traders, a place where many traders reside. ठा० २, ४, उत्त० २, १८, नाया० १; दसा० ६, १६, पगह० १, ३; भग० १, १, (२) વાણીઆનો સમૂહ. वैश्य समूह a group of traders or merchants. ठा०३, ३. (३) અભિગ્રહ વિશેષ. अभिग्रह विशेष a particular kind of vow राय० (४) વ્યાપાર व्यापार, बैपार trade; commerce सम० ३०; (५) નિશ્ચિત અર્થનો બોધ. निश्चित अर्थ का बोध. knowledge of settled principles. भग० ७, ९, —रक्खिय त्रि० (रक्षित) જેણે વ્યાપારીઓની રક્ષા કરી હોય તે; વ્યાપારીઓમાં પ્રધાન-આગેવાન. जिसने व्यापारियों की रक्षा की हो वह, व्यापारियों में प्रधान-मुखिया. (one) who has protected merchants; a leading, prominent merchant. निसी० ४, ६;

णिगर. पुं० (निकर) સમૂહ; જથ્થો; ઢગલો. समूह, ढेर. A collection; a pile; a heap. नाया० ८; ६; भग० १५,१; जीवा० ३, ३; विवा० ६;

णिगरित. त्रि० (निगरित) શોધન કરેલ. शोधन किया हुआ. Refined; purified. जीवा० ३, ३,

णिगलिय. त्रि० (निगरित) ગાળીને શુદ્ધ કરેલ छानकर शुद्ध किया हुआ. Purified by filteration ज० प० तंडु०

णिगस. पुं० (निकष) રેખા. रेखा. A line पराह० १,४;

णिगाम. क्रि० वि० (निकाम) અતિશય; બહુ. अति; बहुत. Too much; excessive. ठा० ५,२, —पडिसेविणी. स्त्री० (-प्रति सेविनी--निकामयत्यर्थं बीजपातं यावत् पुरुषं प्रतिसेवते इत्येवंशीला निकामप्रतिसेविनी) ઇચ્છા પુરતો પતિનો સંગ કરનાર સ્ત્રી इच्छाके प्रमाणसे पतिका संग करनेवाली स्त्री a woman who cohabits with her husband not longer than the time of natural gratification ठा० ५, २,—साइ. पुं० (-शायिन्) હદ ઉપરાંત સુનાર. हदसे अधिक सोनेवाला; प्रमाणसे अधिक निद्रा लेनेवाला. (one) who sleeps too much. दस० ४,

णिगास. पुं० (निकर्ष) પરસ્પર મેળાપ કરવો તે आपस में मिलाना. Mutual union or intercourse. भग० १५, ७;

णिगिण त्रि० (नग्न) વસ્ત્ર રહિત. वस्त्र रहित; नंगा; नग्न. Naked; without clothes. सूय० १, ३, १, ५;

णिगिणिणिय. न० (नाग्न्य) नग्नता; नग्नपणुं. नग्नता; नागपन. Nakedness, nudity उत्त० ५, २१;

√णि-गिण्ह. धा० I, II. (नि+गृह) पकडवुं; निग्रह करवो. पकडना; निग्रह करना. To catch hold of; to control, to subdue.

णिगिण्हेइ. भग० ६, ३३;

णिगिण्हित्तार. त्रि० (निगृहीतृ) निग्रह करनार. निग्रह करने वाला. (One) who controls, checks or prevents. दसा० ४, ८४,

णिगुंजमाण त्रि० (निर्गुञ्जत) ખોંખારતો, ખોંખારા કરતો (ઘોડો). हिनहिनाता; हिनहिनाता हुआ घोड़ा Neighing (e g a horse) नाया० ६;

णिगूढ. त्रि० (निगूढ) गुप्त गुप्त. Hidden, secret (२) मौन रहेल मौन रहा हुआ, शान्त. silent. सूय० २, ७, ८१.

णिगोय. पु० (निगोद) એક શરીરમાં અનન્ત જીવ હોય તે; અનન્ત કાય एक शरीर में अनन्त जीव हों वह; अनन्तकाय A physical body with infinite lives or souls. जं० प० ३, ३६,

णिग्गअ. त्रि० (निर्गत) नीकलेल निकला हुआ. Come out; gone out; got out. नाया० १, ५, ६;

णिग्गंथ. न० (नैर्ग्रन्थ) निर्ग्रंथना सिद्धांत-प्रवचन. निर्ग्रंथ के सिद्धान्त-प्रवचन The religious creed of the Nirgranthas (ascetics). सूय० २, ६. ४२;

णिग्गंथ. पुं० (निर्ग्रन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो ग्रन्थो यस्मात् स निर्ग्रन्थः) ગાંઠ-ધન આદિ પરિગ્રહ અભ્યન્તર-અંદરનાં કષાયાદિ ગ્રંથથી રહિત; બાહ્યાભ્યન્તર પરિગ્રહ રહિત-નિસ્પૃહી જૈન સાધુ (સાધ્વી). बाह्य-धन आदि परिग्रह, अभ्यन्तर-अंदर के कषायादि ग्रंथ से रहित; बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित निस्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina monk (or a nun) free from the tie or fetter of internal impurity due to passions and also from that of worldly possessions नाया० १; २; ५; ६; १०, १५; भग० १, ३; ६, ९; १६, ४; निसी० १७, २०; ओव० १६; ३८; जं० प० आव० ४, ८; —धम्म. पुं० (-धर्म) નિર્ગ્રંથ ધર્મ; જૈન ધર્મ. सर्वज्ञ का धर्म; जैन धर्म the creed of the omniscients, Jainism. सूय० २, ६, ४२, —पावयण न० (-प्रवचन) જૈન સિદ્ધાંત, જૈન આગમ जैन सिद्धान्त -शास्त्र; जैन आगम The Jaina scriptures नाया० १; १२; १३; १४; नाया० ध०

णिग्गंथी स्त्री० (निर्ग्रन्थी) साध्वी. साध्वी. A nun. " चत्तारि णिग्गंथीओ पण्णत्ताओ " ठा० ४, १; ४ २; ५, २; नाया० २, ५; ६; १०, १४, १५, १६, नाया० ध०

णिग्गच्छमाण व० कृ० त्रि० (निर्गच्छत्) નીકળતું, બ્હારજતું. निकलता हुआ; बाहर जाता हुआ Coming out; going out ओव० ३२;

णिग्गम. पुं० (निर्गम) નિકળવું તે. निकलना. Act of coming out; coming out. नाया० ८; १८;

णिग्गमण न० (निर्गमन) નિકળવાનો માર્ગ. निकलने का मार्ग. A way out; an exit. नाया० २;

णिग्गय. भ० त्रि० (निर्गत) નિકળેલું. निकलाहुआ Come out; got out. नाया० १; ५, ५; १२; १३; १४; १८; १६;

१६; भग० ६, ३; १४, ९; जं० प० १, १; (२) रहित; अविद्यमान. रहित; अविद्यमान. devoid of; not possessed of. ठा० ९; —अग्गदंत त्रि० (-अग्रदन्त) आगला दांत बहार नीकलेला छे जेना एवो. जिसके आगे के दात बाहर निकले हुए हैं ऐसा. (one) whose fore-teeth are come out नाया० ८,

णिग्गह. पुं० (निग्रह) निग्रह, कबजामां राखवुं; निरोध करवो, अनाचारनी प्रवृत्तिनुं अटकाववुं. निग्रह; वश में रखना, निरोध करना; अनाचार की प्रवृत्ति को रोकना. Act of keeping under control, act of preventing or checking, act of checking sinful activity. नाया० १; ५; राय० २१४, दस० ३, ११, ओव० १४; निसी० १, १; भग० ७, ६, —ठाण. न० (-स्थान) वादमां प्रतिवादी जेनाथी पकडाय ते निग्रह स्थान वाद में प्रतिवादी जिससे पकड में आता है वह निग्रह स्थान. the weak point by which an adversary is defeated in argument ठा० १, —दोस पुं० (-दोष) पराजय स्थान रूप दोष. पराजय स्थान रूप दोष faultiness e. g. of an argument, which leads to a defeat ठा० १०, —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) अनाचार प्रवृत्तिनो निषेध करवामां प्रधान अनाचार प्रवृत्तिका निषेध करनेमें प्रधान. (one) who is foremost in preventing sinful activities. निसी० १, १; ओव०

णिग्गाहि. त्रि० (निग्राहिन्) निग्रह करनार. निग्रह करनेवाला. (One) who controls or subdues. दस० २४, २;

णिग्गुंडि. स्त्री० (निर्गुण्डि) एक प्रकारनी गुच्छ वनस्पति. एक प्रकारकी गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १;

णिग्गुण. त्रि० (निर्गुण) गुणरहित. गुणरहित. (One) not possessed of merits. ठा० ३, १; राय० २०८; जं० प० (२) गुणव्रतथी रहित गुणव्रतोंसे रहित (one) devoid of the three Guṇavratas. नाया० ८, भग० १२, ८;

णिग्गोह. पुं० (न्यग्रोध) वडनुं झाड. बडका वृक्ष A banyan tree. सम० प० २३३; जीवा० १; (२) पहेला तीर्थंकरनुं चैत्य वृक्ष पहिले तीर्थंकरका चैत्य वृक्ष the Chaitya tree of the first Tīrthankara सम० प० २३३, (३) नाभि उपरना अवयवो सुंदर होय अने तेनी नीचेना साधारण होय तेवुं शरीरनुं एक संठाण नाभिके ऊपरके अवयव सुंदर हों और उसके नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा a type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below it are plain. सम० प० २२७, —परिमंडल न० (-परिमण्डल) वडना वृक्षनी पेठे नाभि उपरना अवयवो सुंदर अने नीचेना बेडोल होय तेवी जातनुं शरीरनुं एक संठाण बड के वृक्ष के समान नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा. A type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below are ugly as in the case of a banyan tree. ठा० ६, १; पन्न० १४;

णिग्घंटु. पुं० (निघण्टु) वैदिक कोष; निघण्ट शास्त्र. वैदिक कोष; निघण्ट शास्त्र. The

lexicon of Vedic words. ओव० ३८;

णिग्घाइय. त्रि० (निर्घातित) બહાર નીકળેલ. बाहर निकला हुआ. Came out; got out. नाया० १२;

णिग्घाय. पुं० (निर्घात) વૈક્રિય કરેલ વજ્રનું પડવું. वैक्रिय से किया हुआ वज्रका गिरना. Falling of a thunderbolt created by Vaikriya process जीवा० १; पन्न० १; (२) વિજળીનું પડવું बिजलीका गिरना a lightning stroke जीवा० १, पन्न० १, (३) ગર્જનાના કડાકા गर्जनाका घोर शब्द. a peal of thunder. ठा० १०, अणुजो० १२७; (४) ઝરાનું વહેવું તે. झरनेका बहना flowing of a stream. " णिग्घायाय पवत्तग " सय० १, १२, २२,

णिग्घायण न० (निर्वातन) હણવું, મારવું; નાશ કરવો. हनना,मारना, नाशकरना. Act of killing or destroying. श्रोव० १७; जं० प०

णिग्घिण त्रि० (निर्घृण-न विद्यते घृणा पापजुगुप्सालक्षणा यत्र स निर्घृणः) ઘૃણા, દયા અનુકંપા રહિત, નિર્દય घृणा-दया अनुकंपा रहित, निर्दय Unkind, cruel, without compassion पण्ह० १, १, नाया० ९, —मइ त्रि० (-मति) પારકું દ્રવ્ય લેવાની જેની મતિ છે તે. जिसकी पराया धन लेनेकी मति है वह. (one) who is greedy, covetous of another's wealth. पण्ह० १, ३,

णिग्घोस. पुं० (निर्घोष) અવાજ, સ્વર; શબ્દ; મહાધ્વનિ. अवाज, स्वर; शब्द; महाध्वनि. Sound, a loud sound, voice. ओव० ३१; ३४; नाया० १, ८, जं० प० ५, ११६; ११७, भग० ६; ३३, पण्ह० १, १, राय०

णिघंडु. पुं० (निघण्टु) એ નામનો વૈદિક કોષ, इस नामका वैदिक कोष A Vedic dictionary of this name. " निघंटु छट्ठाणं संगोवंगाणं चउण्हं वेयाणं " अणु०२,१;

णिचय. पुं० (निचय) સમૂહ; જથ્થો. समूह; जत्था. A collection, a group. ओव० ११. (२) કર્મ સંચય; કર્મ બંધ. कर्मसंचय, कर्मबंध. a collection of Karmas; Karmic bondage. सूय० १, १०, ६;

णिचिय. त्रि० (निचित) નિબડ, ઘટ્ટ; ગાઢું निबड, घट, गाढा, Dense, thick. राय० ३२; जीवा० ३, १; भग० १६; ३;

णिच्च. त्रि० (नित्य) નિત્ય, હમેશનું, સદાનું, શાશ્વત, નાશરહિત नित्य, हमेशाका, सदाका, शाश्वत, नाशरहित Permanent; everlasting " जे भिक्खू कुणइ णिच्चं से न अच्छइ मंडले " उत्त० ३१, ६; नाया० १, २; ४, ९; भग० ६, ३३, १८, ७, ४२, ९, सम० १३; श्रोव० —अणिच्च त्रि० (अनित्य) नित्यानित्य नित्यानित्य permanent and impermanent. ठा० १; —उउआ. स्त्री० (-ऋतुका) નિત્ય રજસ્વલાવાળી સ્ત્રી કે જે ગર્ભ ધારણ કરી શકતી નથી नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भ धारण न कर सकती हो. a woman having daily menstrual discharge and so incapable of conceiving a child. ठा० ५, २, —उउग. त्रि० (-ऋतुक) જેની ઉપર બારેમાસ ફલફૂલ આવતાં હોય તે जिसके ऊपर बारह मास फलफूल लगते हों वह. (a tree) that puts forth flowers and fruits in all the seasons. सम० प० २३३, —उव्विग. त्रि० (उद्विग्न) સદા ઉદાસીન, હમેશ ખિન્न सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody दस० ४, २, २६; —छणिय. त्रि० (-क्षणिक-नित्यं सर्वदा क्षणा उत्सवा यस्याऽसौ नित्यक्षणिक) सर्वदा मोज उडावनार-माननार. सर्वदा चैनबाजी उडानेवाला, आनन्द मनानेवाला (one) who is always enjoying pleasure नाया० ४, —तल्लिच्छ त्रि० (-तल्लिप्स) सदैव तत्पर सदैव तत्पर. (one) who is always ready पचा० १७, ४१. —दुक्खिय त्रि० (-दुःखित) हमेशानो दुःखी थयेल निरंतर दुःखी (one) who is permanently miserable तदु०—दोस पुं० (-दोष) नाश न पामे तेवो दोष नष्ट न हो ऐसा दोष a permanent or constant fault ठा० १०, —भाव पुं० (-भाव) नित्य भाव नित्य भाव constant, permanent existence भग० १२, ७, —सति स्त्री० (-स्मृति) नित्य स्मरण करवु ते नित्य स्मरण करना constant remembrance पंचा० १, २६,

णिच्चंधकारतमस. त्रि० (नित्यान्धकारतमस-नित्यमेव अंधकारतमसं येषु ते तथा) हमेशा ज्यां अंधकार छे ते, नरक विगेरे जहां हमेशा अंधकार है वह, नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e g. hell etc. दसा० ६, १.

णिच्चभत्त. न० (नित्यभक्त) दररोज भोजन लेवुं ते. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal. सम० प० २३२;

णिच्चय. पुं० (निश्चय) निश्चय, चोक्कस करेल ठराव निश्चय, निर्णय, यथार्थता. Determination; decision; certainty. राय० २१०;

णिच्चल. त्रि० (निश्चल) स्थिर, अचल. स्थिर; अचल. Steady; permanent; motionless. नाया० ३; ८, १७; —पय. पुं० (-पद) निश्चलपद; मोक्ष. निश्चल पद मोक्ष. absolution, salvation. राय०

णिच्चालोग. पुं० (नित्यालोक) ६२ मो महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्तिनी गणत्री प्रमाणे अने ठाणांग सूत्रनी गणत्री प्रमाणे ६४ मो. ६२ वा महाग्रह (सूर्य प्रज्ञप्तिकी गिनतीके अनुसार) और ठाणांग सूत्र की गिनतीके हिसाबसे ६४ वा The 62nd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 64th according to that of Thāṇānga Sūtra " दो णिच्चालोगा " ठा० २, ३,

णिच्चालोय पुं० (नित्यालोक) जुओ "णिच्चालोग' शब्द. देखो "णिच्चालोग" शब्द Vide "णिच्चालोग" सू० प०२०;

णिच्चुज्जोतय. (नित्योद्द्योत) ६३ मो महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्तिनी गणत्री प्रमाणे अने ठाणांग सूत्रनी गणत्री प्रमाणे ६५ मो ६३ वां महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्ति की गिनती के अनुसार और ठाणांग सूत्र की गिनतीके अनुसार ६५ वां The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 65th according to that of Thāṇānga Sūtra. "दोणिच्चुज्जोया" ठा० २, ३.

णिच्चेट्ठ त्रि० (निश्चेष्ट) चेष्टा रहित चेष्टा रहित Motionless, actionless. नाया० २, १६,

णिच्चेयणय न० (निश्चेतनक) चैतन्य वगरनुं शरीर; मृतदेह चैतन्य रहित शरीर, मृतदेह A corpse, a dead body तंदु०

णिक्खुय. त्रि० (*) અવસરને અજાણ. योग्य प्रसंग या समय से अज्ञात (One) not knowing the proper or opportune time नाया० ६;

णिच्छय. पुं० (निश्चय) निश्चय, निश्चय निर्णय; निश्चय. Resolve; determinaton; decision. नाया०१; राय० २१४; भग० २, ४; १८, २, (२) અવ્યભિચારી નિયમ व्यभिचार रहित नियम. a vow free from any sin, discrepancy सम० ३. (३) निः निर्गत-નિકલી ગયેલ છે ચય કર્મ સમૂહ જેમાંથી કર્મનો સમૂહ નીકળી ગયેલ છે એવો મોક્ષ जिसमेंसे निः निर्गति निकल गया है चय-कर्मसमूह; कर्मका समूह निकलगया हो वह मोक्ष that from which the collection of Karmas has passed away i e salvation or final bliss पराह० १, १. (४) વાસ્તવિક પદાર્થને જ માનનાર દ્રવ્યાર્થિક નય वास्तविक पदार्थको हो माननेवाला द्रव्यार्थिक नय a real or essential point of view e g calling a thing in its reality सम० ३, —णय पु० (-नय) દ્રવ્યાર્થિક નય, નિશ્ચય નય द्रव्यार्थिक नय, निश्चय नय a real or essential point of view, e.g. calling a pitcher of clay a pitcher of clay. पचा०७, ४१,सम०३.

णिच्छयण्ण. त्रि० (निश्चयज्ञ) નિશ્ચયાર્થ જાણનાર. निश्चयार्थ जाननेवाला (One) whose knowledge is certain or positive सूय० २, ६, १६;

णिच्छाय. त्रि० (निश्छाय) શોભા વગરનો; કદરૂપો. शोभा रहित; कुरूप. Ugly; deformed. नाया० १; ६; पराह० १, २;

णिच्छारिय त्रि० (निस्सारित) પાર પહોંચાડેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out नाया० १;

णिच्छिण्णा त्रि० (निस्तीर्ण) પાર ગયેલ. किनारे को पहुचा हुआ. (One) who has gone to the opposite shore, crossed. पन्न० ३६,

णिच्छिद्द. त्रि० (निश्छिद्र) છિદ્રરહિત. छिद्ररहित Free from holes नाया०६,

णिच्छिय त्रि० (निश्चित) નિશ્ચિત. નક્કી કરેલ निश्चित, नक्की किया हुआ Certain, assured, undoubted नाया० १; ७, भग० ६, ३३, सम० ११.

णिच्छूढ त्रि० (नि.क्षिप्त) બહાર નીકળેલ बाहर निकला हुआ. Come out, taken out. नाया० ८, १६;

णिच्छुभणा स्त्री०(निक्षोभणा)ભર્ત્સના,તિરસ્કાર. भर्त्सना, तिरस्कार Act of rebuking, scolding or insulting नाया० १६;

णिच्छुभाविय. त्रि० (निक्षोभित) બહાર કાઢી મુકેલ बाहर निकाल दिया हुआ Driven out, pushed out नाया०८,

णिच्छूढ. न० (निष्ठ्यूत) થુંકવું ते थूकना Act of spitting "सो परिव्वायगं हीलिंजंतो णिच्छूढो' आव० १, २;

णिच्छूढ. त्रि० (नि.क्षिप्त) બહાર કાઢી મુકેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed out, driven out. नाया० १६;१८;

णिच्छोडणा स्त्री० (निश्छोटना) ભર્ત્સના; તિરસ્કાર भर्त्सना; तिरस्कार. Act of rebuking, scolding or insulting

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

भग० १३, १; नाया० १६;

√ णिज्जम. धा० I, II. (नि+यम् (यच्छ)=यम्) निश्चयथी प्राप्त करवुं; बांधवुं; बंधन करवुं. निश्चयसे प्राप्त करना; बांधना, बंधनकरना. To acquire; to tie; to fasten णियच्छति पन्न० २३; सूय० २, ६, ३६, णियच्छंति. सूय० १, ८, ८,

णिजुत्त. त्रि० (नियुक्त) निमेलुं; जोइए त्या गोठवेलुं नियत किया हुआ; योग्य स्थान पर जमाया हुआ Appointed; arranged in proper place ओव० २४,

णिजुद्ध न० (नियुद्ध) कोई पण जातनी सलाह संधि स्वीकारवामां न आवे तेवुं युद्ध कोई भी प्रकार की सुलह-संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्ध A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace. ओव० नाया० १;

णिज्जप्प त्रि० (निर्याप्य) सत्व रहित (भोजन) सत्व रहित (भोजन). (Food) devoid of substance पराह० २, ५; —पाणभोयण न० (—पानभोजन) सत्व रहित भोजन पाणी सत्व रहित भोजन पानी. food and drink devoid of substance or nutriment पराह० २, ५;

णिज्जरण न० (निर्जरण) निर्जरा; कर्मनुं खरवुं; निरस थयेल-भोगवायेल कर्मनुं खरीने दूर थवुं. निर्जरा. कर्म का गिर पड़ना, निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, frittering away of Karmas from the soul after bearing fruit. ओव० २१;

णिज्जरा. स्त्री० (निर्जरा) कर्मनुं एक देशथी खरवुं-खरवुं ते; आत्माथी कर्मनुं छूटा थवुं; नव तत्वमांनुं एक. एक देश से कर्म का झरना-गिरना; आत्मा से कर्म का पृथक् होना. Falling off of Karmas from the soul; e. g. after bearing their fruit. ठा० १, १; २, १; ३, ४; ४, ४; भग० ६, १; १८, ३; पन्न० १२; सम० १; ओव० ३४, ४२; पंचा० ६, १४; —पेहि. त्रि०(-प्रेक्षिन्-निर्जरां प्रेक्षितुं शीलमस्येतिनिर्जरा प्रेक्षी) निर्जरातत्व जाणनार. निर्जरातत्व जाननेवाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjarā. " मज्झत्थो णिज्जरापेही समाहिमणुपालए " आया०१,८,८,५, उत्त० २,३६,—पोग्गल. पुं०(-पुद्गल) आत्माथी छुटा थयेल कर्मना पुद्गल आत्मा से भिन्न हुए कर्म के पुद्गल Karmic matter separated from the soul by Nirjarā भग० १८, ३, —हेउ पुं० (-हेतु) निर्जरानुं कारण, कर्म क्षयनो हेतु निर्जरा का कारण, कर्म क्षय का हेतु. cause of Nirjarā or destruction of Karma पंचा० १२, २६;

णिज्जरिज्जमाण त्रि० (निर्जीर्यमान) कर्मना पुद्गलनो क्षय करतो कर्म के पुद्गलों का क्षय करता हुआ (One) who is destroying Karmic matter भग० १, १, २; ६, ३३,

णिज्जरिय. त्रि० (निर्जरित) क्षय करेल, निर्जरा करेल निर्जरित; क्षय किया हुआ (One) who has destroyed or caused to be wasted away. " णिज्जरिय जरामरणं वंदित्ताजिणवरं महावीर " तंदु०

णिज्जवग त्रि० (निर्यापक) मोटा प्रायश्चित्तनो निर्वाह करनार. बड़े प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला (One) who goes through a great expiation.

ठा० ८, १;

णिज्जवग. पुं० (निर्यापक-निर्यामयति तथा करोति गुर्वपि प्रायश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्यापकः) મોટા પ્રાયશ્ચિત્તને નિર્વાહ કરાવનાર. बडे प्रायश्चित्त को निर्वाह कराने वाला (गुरु). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० ८, १; १०; भग० २५, ७,

णिज्जवणा. स्त्री० (निर्यापना) પ્રાણિઓના પ્રાણને પ્રયાણ કરવાનું કૃત્ય, હિંસાનું એક નામ. प्राणियों के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्य, हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings, a sort of Hiṃsā पण्ह० १, १;

णिज्जाण. न० (निर्याण) જ્યાંથી પાછુ આવવું ન હોય તેવું ગમન, મોક્ષ ગમન जहां से वापिस आना न हो ऐसा गमन, मोक्ष गमन Going with retreat; salvation ओव० ३८; ज० प० ५, ११८; (२) સ્વતંત્ર ગમન स्वतंत्र गमन uncontrolled or independent movement. ओव० (३) મરણકાલે શરીરમાંથી આત્માનું બહાર નીકળવું તે मृत्यु के समय शरीर में से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. ठा० ३, ४; (४) નગરથી બહાર નીકળવું તે नगर से बाहर निकलना. act of going out of a town. ठा० ३, ४; (५) નગરમાંથી નીકળવાનો રસ્તો नगर में से निकलनेका रास्ता a road leading out of a town. " बाहरियाए णिज्जाणमग्गं णिज्जाणिया आगमन्ते या अंगण से णिज्जाण" निसी० चू० ८; सू० प० ४; चं० प० (५) નિસ્તાર; છેડો. निस्तार; अन्त. end; decision सूय० २, २, ५७; —कहा. स्त्री० (-कथा) રાજાની સ્વારી નીકળે તેની વાત કરવી તે; રાજકથાનો એક પ્રકાર राजा की सवारी निकलने की बात करना, राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा० ४, २; —भूमि स्त्री० (-भूमि) જે ઠેકાણે નિર્વાણપદ મળ્યું હોય તે ભૂમિ. जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि a place where one has attained salvation. जं०प० ५, ११८; —मग्ग. पु० न० (-मार्ग-निर्याणस्य मोक्षपदस्य मार्गो निर्याणमार्गः) મોક્ષમાર્ગ. मोक्षमार्ग the path of salvation. भ० ६, ३३; (२) જીવને નીકળવાનો માર્ગ जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body) ' पंचविहे जीवस्स णिज्जाणमग्गे पण्णत्ते " ठा० ५, ३; भग० १६, १, २६, २, दसा० ९; ३. (३) નીકળવાનો રસ્તો; બહાર જવાનો માર્ગ. निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out, an exit जं० प०

णिज्जाणियलेण न० (नैर्याणिकलयन) નગરમાંથી નિકળવાના માર્ગપરનું મકાન. नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A house on a road leading out of a town भग० १३, ६.

णिज्जामग्ग-य. पुं० (निर्यामक) ખલાસી; સુકાની नौका वाहक. A sailor; a helmsman. ओव० २१; नाया० १७;

णिज्जामग. पुं० (निर्यामक) ખલાસી. नाविक; मल्लाह A sailor; a mariner; ओव० विसे० राय०

णिज्जाय. त्रि० (निर्यात) નીકળેલ. निकला हुआ. Come out; got out. नाया० १; ६; —जायरूवरयय. त्रि० (-कपरजत) તજ્યું છે સોનું રૂપું જેણે તે. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. " णिज्जायरूवरयए गिहिजोगंपरिवज्जए जे से भिक्खू " दस० १०, ६;

णिज्जास. पुं० (निर्यास) ઝાડનો રસ; ગુંદર વગેરે ચીકણો પદાર્થ. वृक्ष का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. ओघ० नि०भा०१४२;

णिज्जिएण त्रि० (निर्जीर्ण) ક્ષીણ, ક્ષય કરેલ. क्षीण; क्षय किया हुआ Destroyed; wasted away भग० १, १; ६, ३३, १२, ४, १४, ४; पन्न० ३६;

णिज्जिय. त्रि० (निर्जित) જીતેલું. जीता हुआ. Conquered ज० प० —सत्तु त्रि० (-शत्रु) શત્રુને જિત્યા છે જેણે તે जिसने शत्रु को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय०

णिज्जीव न० (निर्जीव) સોનું આદિ ધાતુ મારવાં તે; ૭૧ મી કળા सोना आदि धातु को मारना, ७१ वीं कला The 71st art viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical process-es. जं० प० ओव० सम०

णिज्जुत्त. त्रि० (निर्युक्त) ખચીત. निश्चित; अवश्य. Certain; assured. नाया १; ओघ०

णिज्जुत्ति. स्त्री० (निर्युक्ति —निश्चयेनार्थ-प्रतिपादिका युक्तिर्निर्युक्तिः) યુક્તિ સહિત સૂત્રના અર્થ બતાવનાર ગ્રંથ. युक्ति सहित सूत्र के अर्थ बताने वाला ग्रंथ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. —कार. पुं० (-कार) નિર્યુક્તિ રચનાર ભદ્રબાહુ સ્વામિ વગેરે निर्युक्ति के रचयिता भद्रबाहु स्वामी इत्यादि an author of Niryuktis; e g. Bhadrabāhu etc. आया० नि० १, १, १;

णिज्जूढ. त्रि० (निर्यूढ) બહાર કાઢી મુકેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया० १;

णिज्जूह. न० (निर्यूह) બારસાખ પાસે બહાર કાઢેલું લાકડું; ઘોડલો किवाड के नजदीक बाहर निकाला हुआ लकड; चौखटा. A bent piece of wood project-ing out from the upper part of a door frame नाया० १; (२) ગોખ झरोखा. a balcony, a gallery. (३) ગોખ વાળું ઘર झरोखावाला मकान. a house having a balcony or a gallery. जीवा० ३, ३;

णिज्जूहग. पुं० (निर्यूहक) ઘોડલો; ટોડલો चौखटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of a house or window is set; (this is often used as a sort of shelf) पण्ह० १, १;

णिज्जूहित्तए हे० कृ० अ० (*निर्यूहितुम्) બહાર કાઢવાને. बाहर निकालने को In order to push out or drive away वव० २, ७;

णिज्जूहित्ता. सं० कृ० अ० (*निर्यूहित्वा) પાછળથીને; કાઢીમુકીને. पीछे हटा कर; निकाल कर Having driven back; pushing out. ठाणा० ४, १;

णिज्जोग. पुं० (निर्योग) सेवક. सेवक; चाकर. A servant; an attendant. नाया० १;

णिज्जोय. पुं० (निर्योग) सेवક. चाकर; सेवक. An attendant; a servant. नाया० १; (२) वस्त्र, पात्रादि ઉપકરણ. वस्त्र, पात्रादि उपकरण. articles of use for an ascetic such as clothes, vessels etc राय० ८०;

णिज्झर. पुं० (निर्झर) પહાડમાંથી ઝરતું પાણી, ઝરો. पहाड में से झरता हुआ पानी, झरना. A stream of water, a brook issuing from a mountain. पन्न० २; जीवा० ३, ३, नाया० १,

णिज्झाइत्ता. सं० कृ० अ० (निर्ध्याय) બારીકીથી અવલોકન કરીને; બારીકીથી ચિંતવન કરીને सूक्ष्म रीति से अवलोकन करके, लक्ष पूर्वक चिंतवन करके Having closely or minutely observed or thought upon आया० १, १, ६, ५०,

णिज्झाइत्तार त्रि० (निर्ध्यातृ) અતિ ચિંતા કરનાર. अति चिंता करने वाला. (One) given to excessive worry and anxiety. ठा० ६,

णिज्झोसइत्तार त्रि० (*निज्झोंषयितृ) પૂર્વના કરેલા કર્મને ખપાવનાર पूर्व के किये हुए कर्मों का क्षय करने वाला (One) who causes a destruction of the Karmas done by him in his past lives. आया० १, ३, ३, ११६;

√णि-ट्ठव धा० I, II. (नि+स्था+णि) સમાપ્ત કરવું, પુરું કરવું समाप्त करना. To complete; to bring to a close.

णिट्ठविंसु. भू० भग० २६, १, २;

णिट्ठवण न० (निष्ठापन) નિપજાવવું. पैदा करना; उत्पन्न करना. To produce; to cause to be produced. पण्ह० १, १;

णिट्ठा स्त्री० (निष्ठा) કાર્ય સિદ્ધિ; કાર્ય સમાપ્તિ. कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति. Successful termination of work; completion of work. सूय० १, १५, २१; भग० १६, ४;

णिट्ठाण. न० (निष्ठान) સારા ગુણવાળું-સંસ્કારેલ ભોજન. अच्छे गुण वाला भोजन. Wholesome food "णिट्ठाणरस निज्जूढं" दस० ८, २२, —कहा स्त्री० (कथा) ભોજનના રસ અને ખર્ચ સંબંધી બાતચીત કરવી તે भोजन के स्वाद और खर्च संबंधी वार्तालाप. a *talk about* taste and cost of food ठा० ४, २;

णिट्ठिक त्रि० (नैष्ठिक) ધર્મમાં શ્રદ્ધાપૂર્વક મગ્ન રહેનાર धर्म में श्रद्धापूर्वक तल्लीन रहने वाला, धर्म निष्ठ (One) who devotes himself faithfully to religion पण्ह० २, ३;

णिट्ठिय त्रि० (निष्ठित) સ્વકાર્ય સિદ્ધ કરેલ, પુરૂં કરેલ अपना कार्य सफल किया हुआ; पूर्ण किया हुआ (One) who has fulfilled his duties. पन्न० ३६; दस० ७, ४०; नाया० १, (२) पुं० મોક્ષ, પરિસમાપ્તિ मोक्ष, सिद्धि final liberation; completion आया० १, ५, ६, १६८; (३) त्रि० સત્તાવાળું; નિષ્ઠાવાળું. सत्तावान्; श्रद्धावान् potent; steadfast. भग० ६, १, (४) ખાત્રી, શ્રદ્ધા. भरोसा, श्रद्धा; विश्वास. conviction; assurance; faith "णिट्ठियंवयइ" भग० १८, १; —ट्ठ. त्रि० (-अर्थ) કૃતકૃત્ય, જેનો અર્થ મનવાંછિત સિદ્ધ થયો છે એવો. कृतकृत्य; जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one) whose object is fulfilled सूय० १, १५, १६; आया० १, ५, ६, १६८;

(२) विषय सुखनी पिपासा-લાલસાથી રહિત; મુમુક્ષુ. विषय सुख की इच्छा से रहित. (one) free from attachment to the pleasures of the senses. "पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे" आया० १, ६, ४, १६३, —ट्टि त्रि० (-आर्थिन्) મુમુક્ષુ-મોક્ષની ઇચ્છા રાખનાર. मुमुक्षु-मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance. आया० १, ५, ६, १६८;

णिट्‌ठुभय त्रि० (निष्ठीवक) થુંકનાર. थूंकने वाला. A spitter; one who spits. पराह० २, १;

णिट्ठुर. त्रि० (निष्ठुर) નિષ્ઠુર, કઠોર; કઠિન दुष्ट, कठोर, कठोरदिलवाला. Cruel, unfeeling, harsh. ओव० २०, नाया० ८, ९, भग० ५, ४; जीवा० ३, १; —गिरा. स्त्री० (-गिर्) નિષ્ઠુર ભાષા. क्रूर भाषा. harsh speech. गच्छा० २४,

णिट्ठुवण. न० (निष्ठीवन) થુંક; બળખો थूंक, कफ, बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (२) त्रि० थुंकनार, બળખા આદિ ફેંકનાર. थूंकनेवाला; मुँहसे कफ फेकने वाला (one) who spits or ejects cough etc. from the mouth. ठा० ५, १,

णिडाल न० (ललाट) લલાટ; કપાલ ललाट; कपाल. Forehead. आया० २, १, २, १६; ओव० १०; नाया० ८, जीवा० ३, ३; तंदु० जं० प० ३, ४५;

णिणाअ-य. पुं० (निनाद) અવાજ, ધ્વનિ. आवाज; ध्वनि. Loud sound; noise. आया० १; ५; १४; जीवा० ३, ४; जं० प०

णिराण. त्रि० (निम्न) નીચું. नीचा. Low. (२) न० નીચે; હેઠે. नीचे.below; downward दसा० ७, १; भग० १५, १; जं० प० ७, १५१;

णिराणक्खु त्रि० (*) કાઢી મુકવું તે. निकाल देना Casting out; ejection; driving out "बाहिरा वा णिराणक्खु" आया० २, ७, १, ६५;

णिराणगा स्त्री० (निम्नगा) નદી. नदी A river पन्न० १;

णिराणयर. त्रि० (निम्नतर) વધારે નીચું. अधिक नीचा Lower, at a lower level भग० ३, १,

णिराणार. त्रि० (*निर्नगर) નગર બ્હાર કાઢેલ शहर बाहर निकाला हुआ. निर्वासित Driven out from a town "अप्पेगइए णिराणारे करोहिंति" भग० १५, १,

णिरिणमेस त्रि० (निर्निमेष) આંખના પલકારા રહિત. जिसकी आंख के पलक नहीं लगते है वह, निमेष हीन. (One) with a fixed, stony gaze ठा० ५, २;

णिराहइया. स्त्री० (नैह्नविकी) એક પ્રકારની લિપિ एक प्रकार की लिपि. A kind of script. पन्न० १;

णिराहग पु० (निह्नव) સિદ્ધાંતના સત્ય અર્થને ગોપવનાર; સત્ય સિદ્ધાંતના ઉત્થાપક જમાલી આદિ. सिद्धान्त के सत्य अर्थ को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली आदि. (One) who conceals the true meaning of scriptures, (one) who refutes the true scriptures; e.g. Jamali etc. ओव० ४१; ठा० ७;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note(*) p. 15th.

णिगूहण. पुं० (निगूहन) જુઓ " णिगूहण " શબ્દ. देखो " णिगूहण " शब्द. Vide " णिगूहण " ठा० ७;

णिगूहणया. पुं० (निगूहन) छुपावयुं ते. छिपाना. Act of concealing विवा०२;

णितंब. पुं० (नितम्ब) પર્વતની કેડ, પર્વતનો અંત ભાગ. पर्वत के मध्य या आसपास का भाग. The lower or middle part of a mountain. (२) સ્ત્રીની કેડનો પાછલો ભાગ स्त्री का कमर का पिछला भाग. a hip of a woman behind her waist " थोरथणंतरबालहरए-वयस्स दाहिणिल्ले णितंबे " जं०प० १, १०,

णितिउमाण न० (नित्यावमान नित्यमवमान प्रवरा स्वपक्षपरपक्षयोर्येषु तानि तथा) જ્યાં સાધુ નિત્ય વહેરવા જાય તે કુલ जहा साधु नित्य गोचरी को जावे वह कुल A family where Jaina monks go for food every day. आया० २, १, १, ६,

णितिय त्रि० (नैतिक) નિયત. નિયમિત कायम; नियमित Regular, fixed भग० ६, ३३, (२) નિત્ય પિંડ લેનાર प्रतिदिन पिंड-दान लेने वाला a Jaina monk who receives his food at one and the same house every day. निसी० ४, ३२,

णितिय. त्रि० (नित्य) હમેશનું, સદાનું हमेशा का; नित्य का, सतत. Daily; every day, always. निसी० २, ३२,
—(या) वाइ. त्रि० (वादिन्) પદાર્થનું એકાંતપણે નિત્યપણું સ્થાપનાર. एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला. (one) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms दसा० ६, १; —(या) वास. पुं० (-वास) હમેશ એક ઠેકાણે નિવાસ કરવો; સ્થિરવાસ. हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास. permanent stay, living in one place only. निसी० २, ३७;

णितिया. स्त्री० (नित्या) જમ્બુસુદર્શનનું અપરનામ जम्बूसुदर्शन (वृक्ष) का दूसरा नाम-पर्याय A kind of tree also named the Jambū tree. जीवा० ३, ४,

णित्त न० (नेत्र) નેત્ર; આંખ आंख, नेत्र चक्षु An eye ठा० ६, १;

णित्तल. त्रि० (निस्तल) શરાણથી ન ઉતારેલ, અનિષ્પન્ન अधूरा, असमाप्त. Unfinished, incomplete. " तेवा णित्तल मणिरयणं पल्लादेंति" भग०१५;१;

णित्तुस त्रि० (निस्तुष) ફોતરા રહિત; વિશુદ્ધ छिलके रहित, विशुद्ध-बिना छिलके का Free from husk; clean. पराह० २, ४;

णित्तेय त्रि० (निस्तेजस्) તેજ રહિત. निस्तेज, प्रभाविहीन; तेजरहित. Without lustre. having no lustre नाया० १; (२) વીર્ય રહિત वीर्य रहित weak; impotent. भग० ६, ३३;

णित्थरण न० (निस्तरण) પાર પામવું पार होजाना; उसपार पहुंचजाना. Act of crossing or reaching the other end, a successful performance जं० प० नाया० १५; १८;

णित्थरियव्व. त्रि० (निस्तरितव्य) પાર પામવા યોગ્ય; જેનો અંત આવી શકે તે. पारपाने योग्य, अन्त आने जैसा Worthy or capable of being successfully performed; fit to be crossed नाया० ६, ८;

णित्थाण. त्रि॰ (निःस्थान) स्थान भ्रष्ट. स्थानभ्रष्ट; (अपने) स्थान से गिराहुआ; स्खलित. Fallen from one's place; degraded. नाया॰ १८, विवा॰ ३;

णित्थार. पुं॰ (निस्तार) पार, छेडो. अन्त; पार; छोर. End, completion e. g. of a journey. नाया॰ ६,

णित्थारणा स्त्री॰ (निस्तारणा) पार पामवुं ते. पारपाना, निस्तारहोना. Act of successfully going to the other end, act of finishing. ज॰प॰

णिदंसण. न॰ (निदर्शन) उदाहरण. उदाहरण; नमूना. Examp'e (२) निरंतर जोवुं ते बार २ देखना, सतत अवलोकन. seeing repeatedly ठा॰ १, १;

णिदा.स्त्री॰ (निदा—निन्दनं निदा) वेदना; पीडा. वेदना, पीडा, श्रम Pain; oppression., affliction. भग॰१६,५;

णिदाघ पुं॰ (निदाघ) जेठमहिनानुं लोको-त्तर नाम. ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नाम. The summer month of Jyeṣṭha so named ज॰ प॰

णिदाय. पुं॰ (निदाक) भान पूर्वक वेदना. ज्ञान-अनुभवपूर्ण वेदना Conscious pain. भग॰ १६, ५;

णिदाह पुं॰ (निदाघ) ज्येष्ठ मासनुं लोकोत्तर नाम ज्येष्ठ मासका विशिष्टनाम The month of Jyeṣṭha so named सू॰ प॰ १,

णिद्दड्ढ. पुं॰ (निर्दग्ध) सीमन्तकप्रभनामे नरकेन्द्रथी पूर्वनी आवलीकामांनो २१ मो नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नामक नरकेन्द्रसे पूर्व की आवलिका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the eastern line of the region of hell called Sīmantakaprbha Narakendra. ठा॰ ५,२;

णिद्दड्ढमज्झ. पुं॰ (निर्दग्धमध्य) सीमन्तक-प्रभ नरकेन्द्रनी उत्तर आवलिकामांनो २१ मो नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रका उत्तर आवलिकाका २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Sīmantaka Prabha Narakendra. ठा॰ ६,

णिद्दड्ढावत्त. पुं॰ (निर्दग्धाऽऽवर्त) सीमन्तक नरकेन्द्रनी पश्चिम आवलिकामांनो २१मो नरकावासो. सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम आवलीका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Sīmantaka Narakendra ठा॰ ६;

णिद्दड्ढावसिट्ठ पुं॰ (निर्दग्धावशिष्ट) सीमन्तक नरकेन्द्रनी दक्षिण आवलीकानो २१ मो नर-कावासो. सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण आवली-काका २१ वा नरकावास. The 21st abode of hell of the northern line of Sīmantaka Narakendra region of hell. ठा॰ ६;

णिद्दय. त्रि॰ (निर्दय) निर्दय, करुणारहित. नि-र्दय, कठोर, पाषाणहृदय Cruel; pitiless पण्ह॰ १, १,

√ णिद्द॰. धा॰ II. (नि+द्रा) ऊंघवुं; सुवुं ऊंघना; निद्रालेना; सोना. To sleep. णिद्दाएज्ज. जीवा॰ ३;

णिद्दा. स्त्री॰ (निद्रा) निद्रा; ऊंघ; निद्रा; नींद; ऊंघ sleep. जीव॰ १६; नाया॰ १, ६, ९, ५, नाया॰ १३; पन्न॰ २३; दसा॰ ६, १; राय॰ २१५; —क्खय. पुं॰ (-क्षय) नि-द्रानो क्षय. निद्राका क्षय, निद्राका न आना; एक रोग loss of sleep; insomnia.

ठा॰ ५, २; —णिद्दा. स्त्री॰ (-निद्रा) ગાઢ નિદ્રા. गहरी नींद. profound sleep. पण्ह॰ ५३; ठा॰ ४; सम॰ —पमाय पुं॰ (-प्रमाद) નિદ્રાથી પ્રમાદ. निद्राके कारण उत्पन्न प्रमाद, असावधानी; निद्राप्रमाद. inadvertence or negligence through sleep. ठा॰ ६, १;

णिद्दारिय. त्रि॰ (विदारित) ફાડેલ फाड़ा हुआ; विदारित. Torn; rent पण्ह॰ १,३,

णिद्दिट्ठ. त्रि॰ (निर्दिष्ट) કહેલ; દર્શાવેલ कहाहुआ; बतलायाहुआ Said pointed out; mentioned. पंचा ३, १२,

णिदुद्धिया स्त्री॰ (निर्दुग्धिका) દૂધ રહિત (ગાય વિગેરે) दूध विहीन (गाय आदि) (A cow etc) not giving milk तंदु॰

णिद्देस पुं॰ (निर्देश) આજ્ઞા. आज्ञा. हुक्म, अनुमति Command, order नाया॰ ६, १६, —वत्तिन् त्रि॰ (वर्तिन्) આજ્ઞા પ્રમાણે વર્તનાર आज्ञाधारक; हुक्मके मुताबिक काम करनेवाला obedient to a command "णिद्देस वत्ती पुण जे गुरूण" दस॰ ९, २, २३;

णिद्दोस त्रि॰ (निर्दोष) નિર્દોષ. દોષરહિત निर्दोष, दोषरहित; निर्मल. Blameless, innocent; free from fault or defect. ठा॰ ७, पंचा॰ ७, ३५,

णिद्ध. त्रि॰ (स्निग्ध) ચીકાસવાળુ, ચિગટું. चिकना, स्निग्ध Oily; greasy नाया॰ १; ५; ८; भग॰ १; १; ६, ६, १०, ६, २०, ५. ओव॰ पन्न॰ १; (२) સ્નેહવાળુ. स्नेहवाला; स्नेही affectionate, loving. सम॰ नाया॰ ८, (३) સુંવાળું सुंवाला. smooth; soft. जं॰ प॰ ७, १६६; २, २०, ३, ४५, (४) કાન્ત; તેજસ્વી, कान्त; तेजस्वी, दिव्य. lovely; lustrous पण्ह॰ १, ४; ओव॰ जीवा॰३; —ओभास. त्रि॰ (-अवभास) ચીકણા જેવુ ભાસતું-દેખાતું." चिकना दिखाई देता हुआ. oily in appearance. नाया॰ १; राय॰ —पोग्गल. न॰ (-पुद्गल) ચીકણા પુદ્ગલ. चिकने पुद्गल पदार्थ. oily, sticky substance. भग॰७, ३; —फास. पुं॰ (-स्पर्श) સ્નિગ્ધ સ્પર્શ; ચીકાશ चिकनाई, स्निग्ध स्पर्श; छूनेमें चिकना. oily; greasy in touch सम॰ २२,

णिद्धंत. त्रि॰ (निर्ध्मात) અગ્નિમાં નાખી ધમેલ, તપાવેલ; વિશુદ્ધ કરેલ. अग्निपूत; अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुआ Passed through the fire and purified; heated in a furnace. पन्न॰ २; जीवा॰ ३; ओव॰ १०; तंदु॰

णिद्धण. त्रि॰ (निर्धन) નિર્ધન; ગરીબ. निर्धन; आकिंचन, दीन, गरीब Without wealth; indigent; poor. नाया॰ १८; विवा॰३,

णिद्धण्णय त्रि॰ (निर्धान्यक) ધાન્ય અનાજ રહિત. अन्नरहित; धान्यविहीन. Without food-grain, barren of corn or food stuffs. तंदु॰

णिद्धमण न॰ (निर्धमन) ખાલ; મોરી. मोरी; नाली; गटर A duct or outlet of water ठा॰ २, १; तंदु॰

णिद्धम्म. त्रि॰ (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात् श्रुतचारित्रलक्षणादिति) ધર્મ રહિત. बिना धर्मका; अधर्म पूर्ण. Irreligious; unrighteous. पण्ह॰ १, १,

णिद्धूय. त्रि॰ (निर्धूत) દૂર કરેલ. दूरकिया हुआ; निष्कासित Thrown away; shaken off, removed राय॰

णिधण न॰ (निधन) નાશ; પર્યવસાન; છેડો. नाश; पर्यवसान; अन्तकाल, अन्त. Death; termination; end पण्ह॰ १, १;

णिबंध. न० (निबंध) એક પ્રકારનો કર્મનો બંધ. कर्मोंका एक बन्धन. A particular kind of Karmic bondage. "चउविहे णिबंधे पएणत्ते तंजहा पगइ णिबंधे ठिइणिबंधे" ठा० ४, २; भग० १, १;

णिहि पुं० (निधि) ભંડાર, ખજાનો કોષ. निधि, भंडार; आगार. Treasure, store सम० ३;

णिन्हइया स्त्री० (निन्हविका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपियों में से एक. One of the eighteen kinds of scripts. सम० १८;

√**णि-पड.** धा० I (नि+पत्) नीચे पडवु नीचे गिरना, अधःपात. To fall down णिवडइ नाया० ५,

णिवयन्ति. जीवा० ३, ४,

णिपतंत. त्रि० (निपतत्) नीચे पडतो नीचे की ओर गिरता हुआ. Falling down. पगह० १, १,

णिपुण त्रि० (निपुण) નિપુણ; હોશિયાર. ચતુર. चतुर, कुशल, निपुण, निष्णात Skilful; clever; ingenious भग० १६, ४;

णिप्पंक त्रि० (निष्पङ्क) ગારા વગરનું, કીચડ રહિત कीचड या कीच रहित, पंकविहीन Without mud, free from mud. जं० प० १, १२;

णिप्पकंप. त्रि० (निष्प्रकम्प) અતિ નિશ્ચલ नितान्त; निश्चल, जडवत्, निश्चल-अटल-स्थिर. Quite motionless, steady. सम० ३;

णिप्पच्चक्खाण. त्रि० (निष्प्रत्याख्यान) પ્રત્યાખ્યાન રહિત. प्रत्याख्यान (संकल्प) रहित. (One) who does not practise the vow called Pachchakkhāṇa i. e. abstaining from doing particular things for a fixed period. भग० १२, ८;

—**पोसहोववास** त्रि० (-पौषधोपवास) જે પોરસી આદિ પચ્ચખાણ તથા પર્વને દિવસે પણ પોષો ઉપવાસ વગેરે ન કરે તે. पच्चक्खाण तथा पर्व के अवसर पर भी उपवास पौषध आदि न करने वाला. (one) who does not observe any vow or fast even on sacred days. भग० ७, ६;

णिप्पच्छिम. त्रि० (निष्पश्चिम) પાછલો. पिछला Backward; latter. भग० ५, ७;

णिप्पट्ठ त्रि० (निष्पृष्ट) જેમાં પુછવું ન પડે તેવું; સ્પષ્ટ. અસંદિગ્ધ. स्पष्ट; जिस में पूछने का काम न पडे. शंकारहित, असंदिग्ध. Evident, manifest; doubtless. नाया० ५, भग० १८, १०, —**पसिण-वागरण** त्रि० (-प्रश्नव्याकरण) જેમાં પછી પુછવું ન પડે એવો જવાબ; છેલ્લો જવાબ अन्तिम उत्तर, एक बात, जिसके पूछने की पुनः जरूरत न हो. (an answer) which leaves no scope for further questions; final answer "णिप्पट्ठपसिणं वागरणं करेइ" भग० १५, १,

णिप्पडियार त्रि० (निष्प्रतिकार) ચિકિત્સા રહિત असाध्य, निरुपाय; चिकित्सा-रहित. Irremediable, devoid of remedy पगह० २, ४;

णिप्पएण. त्रि० (निष्पन्न) સિદ્ધ; નિષ્પન્ન થયેલ सिद्ध; निष्पन्न. Fully accomplished, final नाया० ८;

णिप्पत्ति स्त्री० (निष्पत्ति) સિદ્ધિ. सिद्धि; सफलता. Liberation; deliverance; fulfilment. ठा० ४;

णिप्पभ. त्रि० (निष्प्रभ) પ્રભા રહિત. प्रभा

रहित; निराश. Gloomy; dark. "पेये बहुसलमिति न य विभावा अरथाई णिप्पभाई भासिया" ठा॰ ३, ३;

णिप्परिग्गहरुइ. पुं॰ (निष्परिग्रहरुचि-निर्गता परिग्रहरुचिर्यस्य सः) परिग्रहनी ईच्छा वगरनो. जिसको परिग्रह की इच्छा न हो. Free from the desire of worldly belongings पण्ह॰ २, ५;

णिप्पाण. त्रि॰ (निष्प्राण) प्राणु रहित निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विहीन. Lifeless, dead नाया॰ २, १६, १८;

णिप्पाव. पुं॰ (निष्पाव) वाल, एक जातनुं धान्य. एक धान्य विशेष A kind of corn "णिप्पा इं भगवा गवे बाइगपत्तं ए'समुवा ऽऽ ई" ठा॰ ५, ३, जं॰ प॰

णिप्पिवास त्रि॰ (निष्पिपास) पिपासा-लालसा-रहित. लालसा इच्छा रहित, निरिच्छ, उदासीन Free from greed नाया॰ १, १६; पण्ह॰ १, २; (२) स्नेह रहित स्नेह रहित devoid of love पण्ह॰ १, १;

णिप्पुलाय. पुं॰ (निष्पुलाक) आवती उत्सर्पिणीमां भरतक्षेत्रमा थनार १४ मा तीर्थंकर आगामी उत्सर्पिणी मे भरत क्षेत्र में होने वाले १४ वें तीर्थंकर Name of the 14th would be Tirthankara in the coming Utsarpini cycle सम॰

णिप्फंद. त्रि॰ (निष्पन्द) चलन आदि क्रिया रहित; स्थिर गति हीन; स्थिर. Motionless; steady. नाया॰ २; ८; १७;

णिप्फण्ण त्रि॰ (निष्पन्न) पूर्णु, भरपूर; भरेलुं. पूर्ण; भरपूर; भरा हुआ Completed; full; perfect (२) पेदा थयेलुं; उत्पन्न थयेलुं उपजा हुआ. emerged; created; produced. ओव॰४०; पंचा॰ ८, १६;

णिप्फाइऊण. सं॰ कृ॰ अ॰ (निष्पाद्य) उत्पन्न करीने पेदा करके; उत्पन्न करके. Having produced पंचा॰ ७, ४३;

णिप्फाव. पुं॰ (निष्पाव) वाल; एक जातनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. पन्न॰ १; जं॰ प॰

णिप्फेडिय. त्रि॰ (निष्फेटित) हरेलु करेल; लई लीधेल. हरण किया हुआ, छीना हुआ; लिया हुआ. Taken away, seized. ठा॰ ३, ४;

√**णिबंध** धा॰ I. (नि+बंध्) बांधवुं. बांधना; फँसना. To bind, to fasten णिबंधइ सम॰ २८,

णिबंधण न॰ (निबन्धन) हेतु हेतु,उद्देश्य; लक्ष्य Cause; motive. नाया॰ ३५;

णिबद्ध त्रि॰ (निबद्ध) गुंथेल; बांधेल ग्रथित, गूथा हुआ, बांधा हुआ. Knitted; bound together नाया॰ १, सम॰ १; भग॰ १५, १; —**आउय** न॰ (-आयुष्क) बांधेल आयुष्य निश्चित आयुष्य. life-period pre-determined by Karma. नाया॰ १३,

णिब्बल त्रि॰ (निर्बल) बल हीन असक्त; कमजोर, निर्बल. Weak; feeble; lacking in strength. नाया॰ १, ५, ४, १५९, —**आसय** पुं॰ (-आशक) निर्बल-सत्व रहित खोराक लेवानो अभिग्रह धरनार साधु जिस साधुने सत्व-हीन अपौष्टिक अन्न ग्रहण करने का संकल्प किया हो वह. a Sādhu who has made up his mind to take only such food as is lacking strength giving or invigorating ingredients. नाया॰ १, ५, ४,१५६;

णिम्मच्छण न॰ (निर्मत्सन) आक्रोशथी

કડુવચન કહેવા; ઠપકો દેવો તે. आवेशमें आकर ऊंचेसे कटुवचन कहना, उलाहना देना. Act of reproaching or rebuking in loud and threatening words भग० १५, १; पराह० १, ३;

णिब्भच्छणा. स्त्री० (निर्भर्त्सना) ઠપકો દેવો उलाहना देना. Reproach, harsh words. भग० १५, १; नाया० १६;

णिब्भच्छिय त्रि० (निर्भर्त्सित) ઠપકો આપેલ. उपालम्भित; उलाहना दिया हुआ; भर्त्सना कियाहुआ Reproached; rebuked नाया० १८,

णिब्भय. त्रि० (निर्भय-निर्गतो भयात्) ભય રહિત. निर्भय; भयरहित, निडर Fearless नाया० १, ४; ८, १७, पराह० २, ३,

णिब्भिज्जमाण त्रि० (विभिद्यमान) અતિશય ભેદાતું खूब भेदा हुआ. Excessively pierced; excessively torn. "जाव केतइ पुडाणं वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाणं विभिज्जमा णाणं वा " भग० १८, २, जं० प० जीवा० ३,

णिभ. त्रि० (निभ) સદૃશ, સરખુ, તુલ્ય. समान, सरीखा, तुल्य. Like; similar, resembling, equal ओव० ३१, अणुजो० १३०, जं० प० ३,

णिभंग. पुं० (निभङ्ग) ભાગવું, તૂટવું તે. फूटना, टूटना Act of breaking or being broken. पराह० १, १,

√णि-भत्थ. धा० II (नि + भर्त्स्) નિરસ્કાર કરવો तिरस्कार करना. To reproach, to insult.

णिभत्थन्ति. नाया० १६;

णिभत्थेहिन्ति भग० १५, १;

णिभिंदिय. सं० कृ० अ० (विभिद्य) અતિ ભેદીને. अतिभेदन करके; बहुत खूब छेदकर Having broken or pierced too much. विशे० १७, १३१

√णि-मंत. धा० II. (नि + मन्त्र्) એકાંત વિચાર કરવો તે. एकांत विचार करना; गुप्त मंत्रणा करना. To think or consult in a private, retired place.

णिमंतयंति सूय० १, ३, २, १४;

णिमंतेंति. सूय० १, ३, २, १६;

णिमंतेमाण आया० २, २, ३, १०;

णिमंतणा. स्त्री० (निमंत्रणा) આમંત્રણ કરવું. आमंत्रणकरना. Act of inviting. (२) પ્રાર્થના કરવી. प्रार्थना करना act of requesting. भग० २५, ७; सूय० १, ३, २, २२; पचा० १२,

णिमग्ग त्रि० (निमग्न) ડુબેલ; ખુંચેલ; તલ્લીન डूबाहुआ, मग्न, तल्लीन; तन्मय. Drowned, sunk in mud; plunged or absorbed in. ओव० १०, जीवा० ३, ३; पराह० १, ३;

णिमग्गजला स्त्री० (निमग्नजला) તિમિસ્ત્ર ગુફાની અંદર વહેતી નદી तिमिस्र गुफा के भीतर बहनेवाली नदी A river flowing in a cave named Timisra. जं० प० ३, ५५,

√णि-मज्ज. धा० I. (नि+मस्ज) સ્નાન કરવુ. नहाना, स्नान करना. To bathe; to take bath.

णिमज्जावेइ प्रे० जं० प० ३, ५५;

णिमज्जग पुं० (निमज्जक) ડુબકી મારી સ્નાન કરનાર તાપસની એક જાત. डुबकी लगाकर स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति विशेष A class of ascetics whose characteristic is to remain submerged in water for some time while bathing. निर० ४, १; भग० ११, ९;

णिमज्जण. न० (निमज्जन) જળમાં પ્રવેશ કરવો; ડુબકી મારવી. जलमें घुसना; पानीमें डुबकी लगाना. Act of plunging oneself into water; act of diving into water. पराह० १, १;

णिमि. पुं० (निमि) પરિધ; વર્તુલ. चक्र; गोलाकार; परिधि; वर्तुल. A circle; a circumference जीवा० ३, ४;

णिमित्त. पुं० (निमित्त) કારણ; હેતુ. कारण; हेतु, उद्देश्य; मंशा Cause; immediate cause. नाया १; १४, पंचा० ७, २६; (२) એક પ્રકારનું જ્ઞાન, નિમિત્ત શાસ્ત્રથી ભૂત, ભવિષ્ય જાણવું તે. एक प्रकारका ज्ञान; निमित्त शास्त्र से भूत, भविष्य जानना a branch of knowledge; knowing past and future events by the help of omens etc प्रव० १३,—पिंड. पुं० (-पिण्ड) સાધુને નિમિત્ત બનાવેલો પિંડ-આહાર साधु के लिए तयार किया हुआ भाजन food prepared for a Sādhu आया० ठा० २, १, ६, ५०;

णिमिस पु० (निमिष) આંખનો પલકારો आंख का इशारा, पलक मारना A twinkling of an eye. भत० ६, ३,

णिमिसिअ पु० (नैमेषिक) આંખના પલકારા જેટલો વખત. पलक मारने इतना समय, निमिष. Time required for the twinkling of an eye जीवा० ३,

णिमेस. पुं० (निमेष) આંખનો પલકારો; આંખ ઉઘાડ મીચ કરવી તે आंख खोलना व मींचना; पलक मारना A twinkling of an eye; act of winking. भग० १४, १;

णिम्मंस त्रि० (निर्मांस) માંસ રહિત मांस हीन; बिना मांस का. Without flesh; fleshless आया० १;

Vol. II/121.

णिम्मद्दग. पु० (निर्मर्दक) આગળાને મારીને ચોરી કરનાર; લુંટારો. हत्या करके चोरी करने वाला; लुटेरा One who commits theft with murder; a robber पराह० १, ३;

णिम्महिय त्रि० (निर्मर्दित) મર્દન કરેલ; દળેલ. मर्दित, पीसा हुआ; दलन किया हुआ; चूरचूर किया हुआ Pressed; ground. पराह० १, ३;

णिम्मल. त्रि० (निर्मल) નિર્મલ; સ્વચ્છ. मलरहित; साफ; स्वच्छ. Pure; pellucid, stainless. नाया० १, भग० २, ६, १५, १; सम० प० २३३; जीवा० ३; संदु० पन्न० २, (२) पुं० કર્મરૂપી મેલથી વિશુદ્ધ થયેલ; સિદ્ધ ભગવાન. कर्मरूपी मैल से शुद्ध, सिद्ध भगवान free from the impurities of Karmas, a perfected soul. ओव० (३) બ્રહ્મલોકના છ વિમાનમાનું ચોથું વિમાન ब्रह्म लोक के छ विमानों-निवास स्थानोंमेंसे ४ था विमान the 4th of the 6 heavenly abodes of Brahmaloka. ठा० ६,

णिम्मवइत्तार. त्रि० (निर्मापयितृ) સફલતા પર્યંત કાર્ય કરનાર; કાર્યસિદ્ધિ મેળવનાર सफलता प्राप्ति तक कार्य करने वाला; दृढ निश्चयी, कार्यमें सफलता पानेवाला. (One) who works on till success is attained, (one) who accomplishes the work undertaken (by him). ठा० ४, ४;

णिम्महियरागदोस. त्रि० (निर्मथितरागदोष) જેણે રાગ દ્વેષ મથી નાખ્યા છે તે जिसने राग द्वेष पर विजय पाया है वह; राग द्वेष रहित. (One) who has subdued or crushed out attachment and hatred. जीवा० १;

णिम्माश्च. त्रि० (निर्मात) નિર્માણ કરેલ. बनाया हुआ; निर्मित. Produced or created. श्रोव० ११;

णिम्माय. पुं० (निर्मात) નિર્માણ કરેલ. बनाया हुआ. Made or created. नाया० १; अ० प० १, ४१,

णिम्मावित. त्रि० (निर्मापित) બનાવેલ; રચેલ. बनावाहुआ, रचित. Made, constructed, caused to be made "पच महब्भूया अणिम्मिया अणिम्माविया अकडाणोकिणिमा " सूय० २, १, १०;

णिम्मिय. त्रि० (निर्मित) નિર્માણ કરેલ. बनाया हुआ; रचित, निर्मित. Created, produced सूय० २, १, २२; नाया० १; ठा० ८, श्रोव० —वाइ त्रि० (-वादिन्) જગત ઇશ્વરે બનાવેલ છે એમ બોલનાર. ससार परमात्मा का बनाया हुआ है यों कहने वाला (one) who affirms that the universe is created by God ठा० ८,

णिम्मिसिय. त्रि० (निर्मिषित) આખ મીચેલ, આખનો પલકારો મારેલ आख बन्द किया हुआ, पलक मारा हुआ, निर्मिषित नेत्र (One) with eyes closed; (one) who has winked (his) eyes भग० १४, १;

णिम्मूल. त्रि० (निर्मूल) મૂલ વગરનું मूल रहित. Having no root, baseless. "निम्मूलखलुय कयपोट्ठ नासिका छिन्न हत्थ पाया " पगह० १, १, ३;

णिम्मेर. त्रि० (निर्मर्याद) મર્યાદ રહિત. निस्सीम; अपार; मर्यादा रहित, बेहद Disrespectful; immodest, unlimited. राय०२०८; ठा० ३, १; भग० १२, ८, जं० प० २;

णिम्मोयणी. स्त्री० (निर्मोचनी) સર્પની કાંચલી सांप की केंचुली. The slough of a serpent. " अहाय कोई सहुयं भुयंगो णिम्मोयणी हिच पलेइ मुत्तो " उत्त० १४, ३४;

णिय त्रि० (निज) પોતાનું; અંગત. निज; अपना; निजका. One's own; pertaining to one's self; personal. " जो अभंतरियं परिसाइं " श्रोव० १, १, २, ६, श्रोव० ४०; —कुच्छि. स्त्री० (-कुक्षि) પોતાની કુખ. निजकी कोख, कुक्षी. one's own womb नाया० २, —जोगपवित्ति स्त्री० (-योगप्रवृत्ति) પોતાના યોગની પ્રવૃત્તિ. अपनी निजकी कार्य योग प्रवृत्ति. one's own physical, mental or moral activity पंचा०२, १६;—लिंगि. त्रि० (-लिङ्गिन्) પોતાના મતવાલો નિજકી सम्प्रदाय-मतवाला (one) devoted to or holding one's own creed जीवा० ३,—समय पुं० (-समय) પોતાનો સમય; અવસર. निजका-अपना-खुद का अवसर. one's own time or opportunity पंचा० ६, २६,

णियइ. स्त्री० (नियति-नियमनं नियतिः) દૈવ, ભાગ્ય दैव. भाग्य Fate; destiny, providence सूय० टी० १, १, २, ३, ठा० ४, (२) ભાવી ભાવ होनहार, नियति. destined or fated event —कड त्रि० (-कृत) દૈવે કરેલ, ભાવિ ભાવથી બનેલ दैव सम्पादित; होनहार द्वारा घटित-किया हुआ. fated; decreed by fate; destined. सूय० १, १, २, ३; —वाइ. पुं० (-वादिन) ભાવી ભાવને માનનાર होनहार-भावी पर श्रद्धा रखने वाला. a fatalist, (one) who believes in the power of destiny

or fate. मंदी०

णियडि. स्त्री० (निकृति) માયા; કપટ. माया; कपट; छल. Dishonesty; cheating, deceit. पण्ह० १, २; सम० —कम्म. न० (-कर्मन्) માયા કરવી તે; ૨૯ મી ગૌણ ચોરી. कपट कार्य; प्रपंच; २९वीं गौण चोरी deceit; a deceitful act; 29th species of minor or secondary thefts. पण्ह० १, ३; —पण्णाण. त्रि० (-प्रज्ञान-निकृतिर्माया तद्विषये प्रज्ञानं यस्य स तथा) કપટ જાણનાર. कपटी, मायावी; छली. deceitful, (one) conscious of deceit. सम० ३०,

णियइपव्वय. पु० (नियतिपर्वत) એ નામનો એક પર્વત કે જ્યાં વાણવ્યંતર દેવો ક્રીડાર્થે વૈક્રિય શરીરના ભિન્ન ભિન્ન રૂપો ધારણ કરે છે एक पर्वत विशेष कि जहां वाणव्यंतर देवता क्रीडा के लिए वैक्रिय शरीर के भिन्न भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a mountain where the gods of the Vāṇavyantara class change their bodies into various shapes by the Vaikriya process for sport जीवा० ३; राय०

णियइय न० (नैयतिक) નિશ્ચય, અવશ્યપણું निश्चितता; स्थिरता; अनिवार्यता, नियति से सम्बद्ध Certainty; state of being absolutely certain पत्र० १५;

णियंठिय. त्रि० (नियन्त्रित) પ્રત્યાખ્યાનનો એક પ્રકાર; ગમે તેવી મુસીબત હોય છતાં પચ્ચખાણ ન છોડવાં તે. एक प्रकार का प्रत्याख्यान; चाहे जैसी कठिनाई मे भी प्रत्याख्यान-पच्चखान का न तोड़ना. A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any circumstance. ठा० १०;

णियंठ. पुं० (निर्ग्रन्थ) બાહ્ય અને અભ્યન્તર ગ્રન્થ-પરિગ્રહ રહિત; સાધુ. बाह्य आभ्यन्तर ग्रन्थ-परिग्रह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. भग० १, १; २५, ६; ठा० ३, २; ४, ३;

णियंठत्त. न० (निर्ग्रन्थत्व) નિર્ગ્રન્થપણું; મમત્વરહિત સાધુપણું निर्ग्रन्थता; ममत्व-विहीन-साधुता Asceticism; monkhood bereft of all attachments. भग० २५, ६;

णियंठिय त्रि० (नैर्ग्रन्थिक) નિર્ગ્રન્થ સંબધી निर्ग्रन्थ विषयक Pertaining to an ascetic, pertaining to a Tirthankara. सूय० १, ६, २६;

√णि-यंस धा० II (नि + वस्) પહેરવું; ધારણ કરવું पहिनना, धारण करना. To wear; to put on.

णियंसेइ जीवा० ३, ४, राय० १८६; नाया० १;

णियंसइ. जं० प०

णियंसिता जीवा० ३, ४, राय० १८६;

णियंसण. न० (निवसन) વસ્ત્ર; પોશાક वस्त्र; पोशाक Dress, garment; attire ओव० २४, पण्ह० १, ३; नाया० ८, पन्न० २; निसी० १५, १४;

णियग त्रि० (निजक) પોતાનું; સ્વકીય. अपना, निजका, स्वीय One's own नाया० १,२,४,७;८,६, भग० ६,३३; १२,६,१४,१; १६, ५, ६; विवा० ७; अ.या० १, २, १, ४४; —परिवाल पुं० (-परिवार) પોતાનો પરિવાર निज परिवार; अपना कुटुंब. one's own attendants, family. ' णियगपरिवालसद्धिं संपरिवुडे" राय० ओव०

णियडि. स्त्री० (निकृति) પ્રકૃતિ, સ્વભાવની

कैडे धर्मनो ढोंगथी लोकोने ठगवा ते, माया कपट करवुं ते. बगुला भक्ति; बकचेष्टा; बगुलेके समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फैलाकर-कपटपूर्वक-लोगोंको ठगना Hypocrisy, act of deluding others by affection of holiness. सूय० २, २, ६२, नाया० २; १८, पगह० १, ३; भग० १२, ५; --पराणाण त्रि० (-प्रज्ञान) माया कपट जाणनार. मायावी, कपटी. familiar with fraudulent and deceitful practices दसा० ६, २४, २५,

णियडिल्लया स्त्री० (निकृति) माया, कपट, माया; कपट, छल Deceit, fraud भग० ८, ६, ठा० ४, २;

णियाणिय. त्रि० (निजनिज) पोतपोतानु. अपना खुदका, अपना अपना One's own (the use of this is rather peculiar to Indian vernaculars; in English it can be conveyed by the following example—They went to their houses each to his own) पचा० २, १२,—तित्थ न० (-तीर्थ) पोतपोताना सिद्धांत-प्रवचन अपने २ सिद्धान्त प्रवचन. each one's religious creed पंचा० ६, ३६,

णियत. त्रि० (नियत) शाश्वत शाश्वत; निरंतर, सतत Everlasting; eternal ठा० ४, ३,

णियति स्त्री० (नियति) जुओ "णियइ" शब्द. देखो 'णियइ' शब्द. Vide 'णियइ' सूय० २, १, २६, --वाइअ. त्रि० (-वादिक) भावितव्य होय तेज थाने पुरुषार्थ अकिंचित्कर छे एम बोलनार दैववादी, भावी श्रद्धा रखने वाला; जो होनहार हो, वही होता है, आदमी कुछ नहीं कर सकता, आदि बातें कहनेवाला a fatalist;(one) who does not believe in the power of human effort. सूय० २, १; २६;

णियतिपव्वय पुं० (नियतिपर्वतक) ए नामनो एक पर्वत इस नाम का एक पर्वत. Name of a mountain जीवा० ३,४;

णियत्त त्रि० (निवृत्त) निवृत्त; निवृत्ति पामेल. निवृत्त, छूटाहुआ Retired; free; (one) who has abstained from "परिग्गहारम्भ नियत्त दोसा" उत्त० १४, ४१;

णियत्त त्रि० (निकृत) छेदन करेल, कापेल छेदाहुआ, काटाहुआ. Cut; mowed नाया० १, २, १८,

णियत्तणिय न० (निवर्तनिक) क्षेत्रनु माप विशेष, क्षेत्रका एक विशिष्ट माप A kind of measure of space. भग० ३, १. —मंडल पु० (-मण्डल) शरीर प्रमाणे भूमि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space measured by the length of the body भग० १०, १,

णियत्थ त्रि० (निवसित) पहेरेल; धारण करेल पहिनाहुआ धारण कियाहुआ Worn, put on. नाया० १, १६,

णियम. पुं० (नियम) नियम, अभिग्रह. नियम, अभिग्रह, संकल्प, A vow; a species of vow called Abhigraha भग० ६, ३४, १८, १०; २०, ८, ४२, १; नाया० १, १६, दस० २१२; सत्था० (२) पिंड विशुद्धी आदि उत्तर गुण. पिंड विशुद्धि आदि उत्तर गुण. minor qualities such as purity relating to food etc. सम० प० १६८, पगह० २,४, भग० २०,८, (३) निश्चय; नक्की, चोक्कस निश्चय, ठीकठीक. certainty; surety. पन्न० १; १७; भग०

१२, १०; ११, ८; अणुजो० ८१; (४) અવશ્ય ભાવના. अवश्य भावना. unavoidable necessity. सम० ६; सूय० नि० १, १३; १२३; —अंतर पुं० (-अन्तर) નિયમ વચ્ચે અંતર-શંકા-ભેદ. नियम विषयक अन्तर-भेद-शका. difference between one rule and another " णयंतरेहिं णियमतरेहिं " भग० १, ३, —णिप्पकंप. त्रि० (-निष्प्रकम्प) અપવાદ વિના નિયમ પાળનાર, નિયમ પાળવામાં ચુસ્ત-કડક कडक नियम पालक; दृढ सिद्धान्त वाला unfailing in the observance of vows पगह० १, १. —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) ઉત્તમ નિયમ-વ્રત અભિગ્રહ વાળો शुद्ध सकल्प, उत्तम नियम वाला (one) practising hard and austere vows राय०

णियमश्रो अ० (नियमतस्) નિયમથી नियम से, नियमानुसार. From a vow; through a vow, as a rule or vow. पचा० १०, ४०;

णियमण न० (नियमन) સંયમ सयम, आत्म वृत्ति निरोध Act of controlling, e g the sense, self-restraing. " उद्देसम्मि चउत्थे समास वयणेणणियमणं भणियं " आया० नि० १, ४, १, २१६;

णियय. त्रि० (नियत) શાશ્વત. નિત્ય રહેનાર. हमेशा रहने वाला, शाश्वत-स्थिर-स्थायी Eternal; everlasting सूय० १, ८, १२, जीवा० ३, १, - चारि त्रि० (-चारिन्) પ્રતિબંધ વગર વિહાર કરનાર स्वतंत्रचारी; यथेच्छाचारी. (one) roaming or moving unobstructed from one place to another " णियये णियये णियपयारी " सूय० १, ७, २८; —पिंड. पुं० (-पिण्ड) હમેશાં એક ઘરથી લેવામાં આવતો પિંડ આહાર. सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन food daily received as alms from one and the same house ठा० १०;

णियय त्रि० (निजक) પોતાનું. निजी; अपना; खुद का. One's own नाया० १; २; १८; भग०१२,६, —वयणिज्ज. त्रि० (-वचनीय) પોતાની દૃષ્ટિએ વિવેચન કરવા-નિરૂપણ કરવા યોગ્ય. अपनी दृष्टि से विवेचन करनेयोग्य, आत्म दृष्टि से निरूपण करने योग्य fit to be explained from a particular accepted standpoint " णिययवयणिज्जसच्चा सव्वनया परवियालणे मोहा " सम० १, —कज्ज. न०(-कार्य) પોતનું નક્કી કરેલું કર્તવ્ય. अपना-निजी-निश्चित कर्तव्य. one's own prescribed or settled duty. नाया० १६, —घर न० (-गृह) પોતાનું ઘર निज गृह, घर का घर. one's own house नाया० ६, —परिणाम न० (-परिणाम) સ્વાભિપ્રાય; પોતાનો મત स्वाभिप्राय, अपनी राय,निजकी सम्मति. one's own view or opinion, " णिययपरिणामा" जीवा० १; —बल पुं० (-बल) પોતાનું બલ, આત્મબલ आत्मबल, स्वशक्ति, आत्मपौरुष. one's own strength of the mind or body नाया० १६,

णियर पुं० (निकर) સમૂહ; જથ્થો समूह; झुंड A multitude, a collection नाया० १, ६, १७;

णियल त्रि० (निगड) બંધન, બેડી. बेडी, बन्धन; कैदी की जंजीर. Fetters. ओघ० नि० ४६७;

नियच्छ. पुं० (नियत) ૮૮ મહાગ્રહમાંનો ૫૩ મો મહાગ્રહ. ८८ महाग्रहोंमें से ५३ वां महाग्रह. The 53rd of the 88 great planets. " दो नियच्छा " ठा० २, ३;

नियाग. पुं० (नियाग) મોક્ષ. मोक्ष, मुक्ति; निर्वाण Final beatitude; salvation. सूय० १, १६, ४, —पडिवन्न त्रि०(—प्रतिपन्न) મોક્ષ માર્ગને પ્રાપ્ત થયેલ मोक्ष मार्ग को प्राप्त, मोक्ष मार्गी. (one) who has secured the path leading to salvation "धम्मविऊ नियागपडिवन्ने " सूय० १, १६, ४,

नियाण. न० (निदान) નિયાણું કરવું. તપસ્યા વગેરે કરણીના ફલની વાંછા કરવી, કરણીનું અમુક ફલ મળે એવી આશા રાખવી તે निदान लगाना, तपस्या आदि कर्मों की फला कांक्षा करना; अमुक कार्य से अमुक फल मिलने की आशा रखना Desire for future sense pleasures as a reward for austerities; hope of fruit for actions done नाया० १२; १६; ओव० १६; ३८; ठा० १०, सूय० २, ३, १, —करण. न० (—करण) નિયાણું બાંધવું તે, કરણીના ફલ તરીકે ચક્રવર્તિ ઇંદ્ર વગેરે થવાની પ્રાર્થના કરવી તે. निदान लगाना, कर्म फलानुसार इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना. act of praying that as a result of one's actions one might be an Indra, a Chakravartī etc ठा० १, ४; —दोस. पुं० (—दोष) નિયાણું બાંધવાથી લાગતો દોષ (कर्म फल) करने के कारण लगने वाला दोष. sin incurred by desire for reward of actions (religious etc.).नाया०१६; —मयग. पुं० (—मृतक) નિયાણું બાંધીને મરનાર. (कर्म फल) की इच्छा रखकर मरने वाला. (one) undergoing death with a heart full of desire for the reward of good actions done by him. ओव० —मरण. न० (—मरण) નિયાણું બાંધીને મરવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. कर्म फल की इच्छा सहित मरण, बालमृत्यु विशेष. an ignorant, non-religious mode of death; death in a state in which the heart is full of desire for the reward of meritorious deeds done. ठा० ६, —सल्ल न० (—शल्य) સંપત્તિ પામવાને નિયાણું કરવું તે; ત્રણ શલ્યમાંનું એક धन प्राप्ति के अर्थ नियाणा करना, फलाकांक्षा रखना, तीन शल्यों में से एक. one of the three thorns in the spiritual path; Niyāṇā for getting wealth etc ठा०३,३.सम०३;

नियाणओ. अ० (निदानतस्) કારણથી. कारणतः; कारण से Owing to, on account of. नाया० १, ६, ०, १०२;

नियाय. पु० (नियाग —नितरां यजन यागः पूजा यस्मिन् सः) મોક્ષ मोक्ष, मुक्ति Salvation सूय० १, १, २, २०, —ट्ठि. त्रि० (—र्थिन्) મોક્ષનો અર્થી मोक्ष प्राप्ति का इच्छुक, मोक्षार्थी; मुमुक्षु (one) desiring or aiming at salvation. " एवमेगं नियायट्ठी धम्ममाराहगावयं " सूय० १, १, २, २०; —पडिवन्न. त्रि० (—प्रतिपन्न) મોક્ષને પ્રાપ્ત થયેલ मोक्ष प्राप्त;मुक्त. (one) who has attained salvation, liberated."नियायपडिवन्ने अमायं कुव्वमाणे वियाहिए" आया०१, १, ३, १८;

नियायवादि. त्रि० (नियतवादिन्) પદાર્થો એકાન્તે નિત્ય છે એવા મતવાલો. सारे

पदार्थ एकान्त नित्य हैं ऐसे मत वाला. A believer in the doctrine that the things are everlasting ठा० ८, १;

णिजुत्त. त्रि० (नियुक्त) નિયુક્ત કરેલ; જોડેલ. नियुक्त किया हुआ; स्थापित, जुडा हुआ; लगाया हुआ. Employed, appointed; joined. नाया० ६,

णियुद्ध. न० (नियुद्ध) મલ્લનું યુદ્ધ. पहलवानों की कुश्ती, मल्लयुद्ध. Wrestling जं० प०

णियोग पुं० (नियोग—नियतो निश्चितो वा योगः सम्बंध इति नियोग) અનુયોગ, વ્યાપાર. अनुयोग, व्यापार Employment, application, activity (२) નિશ્ચય, ચોક્કસ निश्चय, चोकस certainty; surety पंचा० ८, १७,

णिरअ त्रि० (निरत) લીન, આસક્ત मग्न, हुवा हुआ, आसक्त, लीन Attached to, absorbed in पण्ह० २, १,

णिरइ स्त्री० (निर्ऋति) રાક્ષસ. राक्षस A kind of demon (२) મૂલ નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. presiding deity of the constellation Mūla. "दो णिरइ" ठा० २, ३, जं० प० ७, १५२;

णिरइयार पुं० (निरतिचार) પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના વખતમાં અતિચાર લાગ્યા વિના જે સામાયિક ચારિત્ર છોડી બીજું ચારિત્ર આરોપવામાં આવે છે તે; છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્રનો બીજો ભેદ पहिले और अन्तिम तीर्थंकर के समय में बिना अति चार लगाये सामायिक चारित्र के सिवाय दूसरे चारित्र का आरोपन, छेदो.स्थाप नीय चारित्र का दूसरा प्रकार. The 2nd variety of Chhedopasthāpaniya Chāritra; (during the times of the first and the last Tīrthaṅkaras) the practice of taking the second step of ascetic discipline passing over the 1st viz. Samāyika chāritra (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग० २५, ७; (२) त्रि० અતિચાર રહિત अतिचार रहित free from the sin of partial transgression. नाया० ७;

णिरंगण. त्रि० (*निरङ्गण) રાગ રહિત. रागरहित, विरागी Free from passion पण्ह० ११;

णिरंजण त्रि० (निरञ्जन-निर्गतो रञ्जनो यस्मात् स.) રાગથી રહિત; મુક્ત. राग रहित, मुक्त Devoid of attachment, liberated; free from worldly attachment "संख इव णिरंजणे" ठा० १, १,

णिरंतर न० (निरन्तर) નિરંતર, હમેશાં. हमेशा, सदैव Constantly, incessantly भग० ११, ६; १६, १; २, ७; ४१, १, राय० ३४, ओव० ठा० २, ३,

णिरंतरिय त्रि० (निरन्तरिक-निर्गतान्तरिका लघ्वन्तररूपा येषा ते निरन्तरिकाः) જરાપણ અંતર રહિત अंतर-अवधि रहित, भेद शून्य Without any interval. जीवा० ३; राय० जं० प०

णिरणुकंप. त्रि० (निरनुकम्प) અનુકંપા રહિત, નિર્દય अनुकम्पा विहीन; कठोर, निर्दय. Merciless, unsympathetic; cruel पण्ह० १, १, नाया० २;

णिरणुक्कोस. त्रि० (निरनुक्रोश) દયા રહિત. दयारहित; निर्दय. Callous; ruthless.

नाया० २;

णिरणुताव. त्रि० (निरनुताप) પશ્ચાતાપ રહિત. पश्चात्ताप रहित. Unrepented; remorseless. नाया० १;

णिरत्थय. त्रि० (निरर्थक) ફોકટ; નિરર્થક મુફત; निरर्थक; व्यर्थ; वृथा. Useless; in vain पण्ह० १, २,

णिरभिस्संग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) સંગ રહિત; બાહ્યાભ્યન્તર દ્રવ્ય પરિગ્રહ રહિત, નિસ્પૃહ संग रहित; बाह्याभ्यन्तर द्रव्य परिग्रह हीन; निरिच्छ, निस्पृह Free from attachment to worldly objects, free from desire. पंचा० २, १४;

णिरय त्रि० (निरत) આસક્ત. आसक्त, मोहमय, मग्न Attached to सम०

णिरय पुं० (निरय) નરક. नरक Hell (२) નરકના જીવ, નારકી. नरक के जीव. नारकी hell beings पन्न० २, पण्ह० १,१, दसा० ६, ४, —**आवलिया** स्त्री० (-आवलिका) નિરય-નરકની આવલિકા-શ્રેણી-પંક્તિ બન્ધ નરકાવાસ. नरक की आवलिका-श्रेणि, पंक्तबद्ध नरकावास a row of abodes in hell, a series of abodes of hellish beings पन्न० २, (२) એ નામનું એક સૂત્ર सूत्र विशेष name of a Sūtra. अं० प० १; निर० १, ५, —**आवास.** पुं० (-आवास—आवसन्ति येषु ते आवासा. निरयाश्च ते आवासाश्चेति) નરકાવાસો नरक वास, नरकस्थिति. an abode of hellish beings "इमीसे णं भंते रयणप्पभाए पुढवीए कइ निरयावाससय सहस्सा पण्णत्ता" भग० १, ४; सम० २५ ३०, ३५; ४०, ४२; ५१, ५५, ७४; ८४; —**गइ** स्त्री० (-गति) નરક ગતિ; ચાર ગતિમાંની એક. नरकगति; चार गतियों में से एक. existence in hell; one of the 4 conditions of existence. ठा० ५, ३, १०, —**गामि.** त्रि० (गामिन्) નરકમાં જનાર. नरक गामी; नरक में जाने वाला. (one) destined to hellish life. जं० प० २, २७; —**गोयर.** पुं० (-गोचर) નરકમા રહેનાર જીવ; નારકી. नरक में रहने वाला जीव; नारकी. an inmate of hell, a hellish being. पण्ह० १, २, —**पडिरूवय** त्रि० (-प्रतिरूपक) નરક સમાન, નરકનો નમુનો. नरकवत्, नरक समान प्रमाण hellish; like hell नाया० १; —**पत्थड** पुं० (-प्रस्तर) નરકનો પાથડો. नरक का प्रस्तर -थर. A stratum of hell पन्न० ३; —**परिसामंत** पुं० (-परिसामंत) નરકવાસની ફરતી બાજુ नरकवासकी सीमा. the boundary-line of a hellish abode भग० १३, ४; १३; ६; —**पाल** पुं० (-पाल) નરકને પાલનાર; પરમાધામી नरक पालक, परमाधामी. a custodian or sentinel of hell called Paramādhāmi. ठा० ४, १, —**वास.** पुं० (-वास) નરકરૂપ વાસ नरकरूप वास, नरकवास residence in hell. "णिरयवास गमणाणिच्छे" पण्ह० १, १;—**विभत्ति.** स्त्री० (विभक्ति) નરકના વિભાગ. नरक के विभाग; नरकप्रदेश. divisions of hell (२) એ નામનું સૂયગડાંગ સૂત્રનું પાંચમું અધ્યયન. सूयगडांग सूत्र के पांचवे अध्ययका नाम name of the fifth chapter of Sūyagadānga Sūtra. पण्ह० १,२,—**णिरयाणुगइ.** स्त्री० (-निरयानुगति—निरयाणां नरकाणां विम

हास् नेत्रविन्यासात्अतिक्रम्य गतिर्गमन निरय-विग्रहगतिः) नरकमां वक्रगतिએ જવું તે नरकमें टेढी गतिसे जाना passing of the soul to hell by an irregular motion or progress ठा० १०, —वेयणिज्ज. न० (-वेदनीय) नरकमां वेदवा योग्य कर्म नरकमं अनुभव लेनेयोग्य कर्म. Karma bearing fruit in hell "णेरइए णिरय वेयणिज्जसि कम्मंसि." ठा० ४, १,

णिरवकंखि. त्रि० (निरवकांक्षिन्) કાંક્ષા-ઇચ્છારહિત निरिच्छ, आकांक्षाहीन Having no desire, free from desire नाया० ६,

णिरवज्ज त्रि० (निरवद्य) નિર્દોષ निर्दोष, अनवद्य Innocent, harmless "स सजए समक्खाए णिरवज्जाहारे जे विऊ" दस० नि० ५, १,

णिरवयक्ख त्रि० (निरपेक्ष) પર પ્રાણ્યુ બચાવ બાબતે બેદરકાર. पर प्राणरक्षामें असावधान Careless as regards the safety of the lives of others पराह० १, १. नाया० १; ६;

णिरवलंब त्रि० (निरवलम्ब) અવલંબન રહિત, આધાર-ટેકા વગરનો निराधार, निरवलम्ब, आधाररहित Without any support to rest on पराह० १, ३

णिरवलाव त्रि० (निरपलाप) કોઈની વાત બીજાને ન કહી દેનાર दूसरेका किसीका बात न कहनेवाला (One) not communicating to others a secret confided to (him or her) मम० ३२,

णिरवसेस त्रि० (निरवशेष) સંપૂર્ણ, સમગ્ર सम्पूर्ण, समग्र, सारा Full, complete; whole भग० २, १, १२, ३, १४, १; १६, ८ १६, ८, २४, २०, २४, ३; ३४, ११; नाया० १;

णिरहिगरण. त्रि० (निरधिकरण) મોટા આરંભરૂપ શસ્ત્ર વગરનો. बडे आरंभरूप शस्त्रोंसे रहित. Not possessed of weapons used for inflicting injury. पंचा० १६, २२,

णिरहिगरणि त्रि० (निरधिकरणिन्) અધિકરણ રહિત, શસ્ત્ર રહિત अधिकरण शस्त्र-विहीन, निःशस्त्र Not possessed of offensive weapons भग० १६, १,

णिराकिच्चा. सं० कृ० अ० (निराकृत्य) દૂર કરીને; ત્યાગીને. दूर करके, त्यागकर, छोड़कर Having repudiated, having given up 'ततोवाय णिराकिच्चा" सूय० १, ३, ३, १३

णिराणंद त्रि० (निरानन्द) આનંદ રહિત. निरानन्द, आनन्द रहित. Devoid of the feeling of joy. जं० प० २, ३३; नाया० १,

णिरातंक त्रि० (निरातंक-निर्गतः आतङ्को रोगविशेषो यस्मात्) રોગ રહિત निरोग, निरामय, स्वस्थ, Healthy, free from disease पराह० १, ४, ओव० तदु०

णिराभिराम त्रि० (निराभिराम-नितरां अभि-रामो निराभिराम) અતિ સુંદર अति सुंदर, बहुत रम्य Surpassingly beautiful पराह० १, ४,

णिरामगंध त्रि० (निरामगन्ध) આમગંધ-મૂલોત્તર ગુણના દૂષણ તેથી રહિત आमगन्ध मूलोत्तर गुणदूषणरूपी दोषोंसे रहित. Free from the guilt of a breach of fundamental or secondary virtues " स सव्वदंसी अभिभूय णाणी णिरामगंधे धिइमं ठितप्पा " सूय० १, ६, ५;

णिरायंक त्रि० (निरातंक) જુઓ " णिरा-

तंक" शब्द. देखो "णिरातंक" शब्द. Vide 'णिरातंक' जीवा० ३, ३;

णिरायास. त्रि० (निरायास) ખેદના કારણથી રહિત. खेदरहित; कष्टरहित, सरल; सहज (One) having no cause for sorrow पगह० २, ४;

णिरालंबन. त्रि० (निरालम्बन) આલમ્બન આધાર રહિત निराधार; आधार-सहाय रहित. Having no support to rest on "गयणमिव णिरालंबणा" ठा० ६, नाया० ६;

णिरावकंखि त्रि० (निरवकांक्षिन्) આકાંક્ષા રહિત; નિસ્પૃહી आकांक्षा रहित, निरिच्छ, निस्पृह Having no desire; unselfish. "निक्खम गहाउ णिरावकंखी काय विऊ सेज्ज नियाणछन्ने" सुय० १, १०, २६,

णिरावयक्ख त्रि० (णिरपेक्ष) અપેક્ષા રહિત जिसे अपेक्षा न हो वह, निरपेक्ष Having no desire; unselfish नाया० ६; पगह० १, ३,

णिरावरण. त्रि० (निरावरण) આવરણ રહિત आवरण रहित Free from obstruction, unhindered नाया० १४,

णिरास त्रि० (निराश) નિરાશ થયેલ हतोत्साहित, निराशित Hopeless पगह० १,३;—बहुल त्रि०(-बहुल) અતિ નિરાશાવાળો अत्यधिक निराशापूर्ण extremely despondent पगह० १, ३,

णिरासव त्रि० (निराश्रव) આશ્રવ રહિત आश्रव रहित; पाप रहित Not incurring sin; free from inflow of Karmic matter पगह० २, ३;

णिरिंधणया स्त्री० (निरिन्धनता) ઈંધન-બળતણનો અભાવ ईंधन की कमी. जलाऊ लकड़ी का अभाव. Absence of fuel भग० ७, १;

णिरिक्खण. न० (निरीक्षण) બારીકીથી જોવું; અવલોકન કરવું તે. बारीकी से देखना; निरीक्षण करना. Minute examination; minute, careful observation. ओव०

णिरिक्खिय. त्रि० (निरीक्षित) અવલોકન કરેલ; નિરીક્ષણ કરેલ निरीक्षित; अवलोकित; देखाहुआ. Observed; scrutinized. नंदी०

√**णि-रुंभ** धा० I, II (नि-रुंध्) અટકાવવું; રોકવું, રૂંધવું अटकाना; रोकना; निरोध करना To obstruct; to detain, to hinder (२) સન્માર્ગે વ્યવસ્થા કરવી सन्मार्ग की व्यवस्था करना to devote to some good purpose
णिरुभंति सूय० १, ५, १, ८४,
णिरुंभेहिंति भग० १५, १;
णिरुभित्ता ओव० ४३, सूय० १, ४, २, २०,

णिरुंभण न० (निरोधन-निरंत रोधनं वरोधन) અટકાવન, રોકાણ, રૂંધવું. अटकाव. रोक; निरोध, विघ्न, अन्तराय Detention; obstruction, hindrance. पगह० १, १.

णिरुभा. स्त्री० (निरुभा) એ નામની એક દેવી इस नाम की एक देवी. Name of a goddess. नाया० ५०

णिरुच्चार न० (निरुच्चार) શૌચ ક્રિયાને વાસ્તે પણ ગામ બહાર જવાનો પ્રતિબંધ शौचक्रियार्थ भी ग्राम बाहर जाने का प्रतिबंध-मनाई Prohibition to go out of the city even for answering calls of nature. नाया० ८; पगह० १, ३;

णिरुच्छाह त्रि० (निरुत्साह) ઉત્સાહ રહિત. उत्साह रहित, निरुत्साह Devoid of energy; not industrious; inac-

ठिंड. अ० प० २, १६;

णिरुअ. न० (नीरुज्-रुजाभावो नीरुक्) रोगनो अभाव; निरोगता; रोगका अभाव Absence of disease; health पंचा० १६, २८;

णिरुत्त न० (निरुक्त) निरुक्त; वेदमां आवेलां शब्दोनी निरुक्ति-व्युत्पत्ति दर्शावनार शास्त्र. निरुक्त, वेदों में आये हुए शब्दों की व्युत्पत्ति बतलाने वाला शास्त्र A Vedic etymological lexicon. ओव० ३८;

णिरुवक्कम. त्रि० (निरुपक्रम) कोइपणु निमित्तथी जेटलुं आयुष्य त्रुटे नहीं ते, जेटलुं बांध्युं होय तेटलुंज आयुष्य भोगवे ते किसी भी कारण से जिसकी आयुष्य क्षय न हो; नियत आयुका भोक्ता (One) who is not liable to death by any accidental circumstances before the life-period fixed by Karma, is over नाया० २०, १०, (२) मनना शोक आदिथी रहित मानसिक शोक आदि से रहित. free from mental trouble or sorrow भग० २५, ७; —आउय त्रि० (-आयुष्क) निकाचित आयुष्य वाळो, अमे ते निमित्त थाय तो पण जेटलुं आयुष्य बांध्युं होय तेटलुं पुरे पुरुं भोगवे ते निकाचित आयु वाला; चाहे जिस कारण के रहते हुए भी निश्चित आयु का पूर्ण भोक्ता (one) who does not die before the life period fixed by Karma in spite of any kind of accidental circumstances whatever their nature भग० २०, १०, —भाव. पुं० (-भाव) कर्मनो अवश्य भोगवटो; निरुपक्रमपणुं; कर्मना उपक्रमनो अभाव. कर्मों का अनिवार्य भोग-निरुपक्रमता; कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable unavoidable bearing of the fruits of Karma. पंचा० ३, १५;

णिरुवकिट्ठ. त्रि० (निरुपक्लिष्ट) स्वगत शोक आदि क्लेश रहित. अन्त: शोक क्लेश आदि से रहित Free from mental or internal sorrow, untroubled in mind. "इहस्स पवगइस्स णिरुवकिट्ठस्स जंतुणो" अणुजो० भग० २५, ७, ज० प० २, १६,

णिरुवक्केस त्रि० (निरुपक्लेश) शोक आदि बाधा रहित शोक आदि बाधाओं से रहित Free from worry and sorrow ठा० ७;

णिरुवचरिय त्रि० (निरुपचरित) उपचार नहि करेल शिष्टाचार रहित, उपचार रहित (One) who has not observed proper forms of respect. नाया० ५;

णिरुवद्दव त्रि० (निरुपद्रव) उपद्रव रहित. निरुपद्रव; उपद्रव रहित Free from troubles or obstacles भग० १, १. ओव०

णिरुवम त्रि० (निरुपम) उपमा रहित. निरुपम, उपमा-तुलना रहित, अतुल, अनुपम. Matchless, incomparable. जीवा० ३, ३,

णिरुवयरिय त्रि० (निरुपचरित) जुओ 'णिरुवचरिय' शब्द. देखो "णिरुवचरिय" शब्द Vide "णिरुवचरिय" नाया० ५;

णिरुवलेव. त्रि० (निरुपलेप) कर्म लेप रहित कर्म बन्धन से रहित. Unsmeared by Karma, untouched by Karma जं० प० ३; (२) स्नेह वगरनो. स्नेह हीन. free from attachment.

पराह० २, ४;

णिरुवसग्ग. पुं० (निरुपसर्ग) જન્મ મરણ આદિ ઉપસર્ગ રહિત. મોક્ષ जन्ममरणादि उपसर्गो से रहित;मोक्ष Freedom from such troubles as birth, death, etc.; salvation नाया० ८;

णिरुवहत. त्रि० (निरुपहत) જુઓ "णिरुवहय" શબ્દ. देखो "णिरुवहय" शब्द Vide "णिरुवहय" नाया० १,

णिरुवहय. त्रि० (निरुपहत) રોગાદિથી નહિ હણાયેલ रोगादि से मुक्त Unharmed by unaffected with disease etc भग० ७, १, ६, २३, नाया० १, ३; ५, ६, ७, पराह० १, ४, (२) વિકાર રહિત अविकारी, विकार हीन free from transformation or modification ओव० राय० (३) જ્વરાદિ ઉપદ્રવ રહિત ज्वरादि उपद्रव रहित free from such troubles as fever etc जीवा० ३,

णिरुविग्ग त्रि० (निरुद्विग्न) ઉદ્વેગ રહિત, મનની વ્યાકુળતા વગરનો. विकलता विहीन, अव्याकुल, अनुद्वेगी Free from mental distress, unworried नाया० १, १७,

णिरुस्साह त्रि० (निरुत्साह) ઉત્સાહ-ઉદ્યમ રહિત उत्साह-जोश हीन Devoid of zeal or enthusiasm, lazy "बहु धम्मणिरुस्साहो" सूय० नि० १, ८, १, ६२,

णिरूविऊण सं० कृ० अ० (निरूप्य) આલોચના કરીને आलोचना करके, सूक्ष्म अवलोकन करके. Having made a full confession; having seen or perceived. पचा० ८, १०,

णिरूवियव्व. त्रि० (निरूपयितव्य) આલોચના યોગ્ય आलोचना के योग्य Worthy of being confessed; worthy of being seen or perceived. पंचा० ११, २०;

णिरूह. पुं० (निरूह) નાડીમાંથી લોહી કાઢવું તે नसमें से रक्त निकालना Act of letting out blood by opening a vein "अणुवासणेहिय वत्थि कम्मेहिय निरूहेहिय सिरावेहेहिय" नाया० १३;

णिरेय त्रि० (निरेज) નિષ્પ્રકમ્પ, નિશ્ચલ. निष्प्रकम्प, निश्चल, अटल Firm; steady, motionless भग० ५, ७, २५, ४,

णिरोदर त्रि० (निरूदर—निर्गता उदरविकारा येभ्यस्ते) નાનાં પેટવાળો, ઉદરના વિકાર વિનાનો सामान्य पेटवाला, पेट सम्बन्धी बीमारी से रहित (One) with a small belly, (one) free from any disease of the belly जीवा० ३, पराह० १, ४,

णिरोह. पु० (निरोध) નિરોધ; અટકાવ निरोध, अटकाव Obstruction; check; prohibition नाया० २, भग० २५, ७, (२) ઇંદ્રિયાદિનો નિગ્રહ કરવો તે इन्द्रिय निग्रह. act of subduing the senses etc उत्त० ४, ८,

√**णिर्-इक्ख.** धा० I (निर् + ईक्ष्) જોવું. નિરીક્ષણ કરવું देखना, निरीक्षण करना. To see, to observe carefully

णिरिक्खइ. नाया० ८,

णिरिक्खन्ति नाया० ८,

णिरिक्खमाण नाया० ८;

√**णिर्-तर** धा० I, II. (निर् + तृ) પાર પામવું; છેડો આણવો पारपाना; समाप्त करना. To complete, to bring to an end

णित्थारेमि प्रे० नाया० ६;

णित्थरइ. नाया० ८;

णित्थरेज्जामो. वि० नाया० १८;

णिस्सरिहिइ. भग० भ० नाया० १८;
णिस्सारिज्जंत. क० वा० व० कृ० संथा०

√णिर्-धाव. धा० I. (निर् + धाव) દોડવું, હડી કાઢવી दौड़ना; तेज़ीसे भागना. To run; to move swiftly
णिद्धावइ. नाया० ८; १७;

√णिर्-धुण धा० I. (निर्+धू) ખંખેરીને ફેંકીદેવું; ઝાટકી કાઢવું झटककर फेंकना; खंखेर डालना. To shake off; to remove by shaking
णिद्धुणे "सणिद्धुणे धुणमलं पुरेकडं" दस० ७, ५७,
णिद्धुणित्ताण उत्त० १९, ८८,

√णिर्-नम धा० I (निर् + नम्+णिच्) નિશ્ચયથી નમાડવું, દૂર કરવું निश्चयपूर्वक नमाना; दूर करना. To subdue entirely, to remove
णिन्नामए प्रे० वि० सूय०१, १३, १५;

√णिर्-ने धा० II (निर्+नी) બહાર લાવવું, કાઢવું बाहर लाना, निकालना To take out, to bring out
णीणेइति. ओव० ३०; निसी० २, ५३, नाया० ४, ८; दसा० १०, १,
णीणेत्ता. सं० कृ० ओव० ३०,

√णिर्-पज्ज धा० I (निर्+पद्) નિપજવું, ઉત્પન્ન થવું पैदाहोना; उत्पन्नहो । To be produced, to be born
णिप्पज्जइ. जं० प० ७, १६,
"णिप्पज्जिस्सइ भग० १५, १;

√णिर्-भच्छ धा० II (निर् + भर्त्स) તિરસ્કાર કરવો. तिरस्कार, अपमान या घृणा करना To show contempt towards, to scold.
णिब्भच्छेइ. भग० १५, १; नाया० १८;

√णिर्-भत्थ धा० II (निर् + भर्त्स) તિરસ્કાર કરવો; ભર્ત્સના કરવી. भर्त्सना करना, तिरस्कार करना. To scold; to threaten, to reproach.
णिब्भत्थेइ ठा० ५, १;

√णिर्-मिस. धा० I. (निर्+मिष्) આંખ ઉઘાડમીચ કરવી. आंख खोलना और मींचना, पलक मारना. To wink.
णिम्मिसेज्जा वि० भग० १४, १;

√णिर्-वुड्ड. धा० I,II. (निर्+वृद्) ટુંકુ કરવું, સંકોચવું. संकुचित करना; छोटा करना. To shorten; to contract.
णिवुड्डित्ता सं०कृ० "दिवसखेत्तस्स णिवुड्डित्ता रत्तिखेत्तस्स अभिणिवुड्डित्ता चारं चरति" सू० प० १;
णिवुड्डेमाण व० कृ० सू० प० २, जं० प० ७, १३२;

√णिर्-वत्त धा० III (निर्+वृत्) ઉત્પન્ન કરવું; બનાવવું उत्पन्नकरना, बनाना. To make; to produce (२) પુરૂ થવું, નિવૃત્તિ પામવી. पूर्णहोना, निवृत्ति पाना to complete; to retire from, to be free from.
णिव्वत्तेइ. नाया० ८,
णिव्वत्तयंति प्रे० भग० २५, २,
णिव्वत्तेह आ० नाया० ८,
णिव्वत्तिज्जइ क० वा० भग० १२, ४;
णिव्वत्तेमाण व०कृ० भग० १६, १,१७; १,
णिव्वत्तित्तए हे० कृ० नाया० ८,

√णिर्-वह धा० I,II. (निर्+वह्) નિર્વાહ કરવો; આજીવિકા ચલાવવી. निर्वाह करना; आजीविका चलाना To maintain, to maintain one's livelihood
णिव्वहेज्जा वि० सूय० १, ३, २३;
णिव्वहे सूय० १, १४, २०;
णिव्वाहित्तए. नाया० १८;

√णिर्-वा. धा० I. (निर् + वा+णि)

ओलवयुं; बुझावयुं, ठारी नाखयुं बुझाना, थंडाकरना. To extinguish; to put out.

णिव्वावेंति. जं॰ प॰ २, ३६;

णिव्वावेज्जा. वि॰ दस॰ ४, ८;

णिव्वाविया दस॰ ५, १, ६३;

णिव्वाविस्सति. भग॰ २, ३६;

√णिर्-विज्ज धा॰ I. (निर् + विद्) निर्वेद वैराग्य पामवो, वैराग्य पाना, उदासीन होना To be disgusted with and to be indifferent to the world and its ways; to renounce, (२) सुवु. सोना to lie down.

णिव्विज्जइ उत्त॰ २७, ४,

णिव्विज्जति उत्त॰ ३, ५;

√णिर्-विस धा॰ I. (निर्+विश्) काढी मुकवुं, देशपार करवुं निर्वासित करना, निकाल देना To drive out, to deport or transport

णिव्विसेज्जा. वि॰ "एगंत छकप्पा गठबइत्ता एग णिव्विसेज्जा" वव॰ २, २,

णिव्विस्समाण व॰ कृ॰ निसी॰ २०. १०, भग॰ २५, ७, ठा॰ ३, ४,

णिविसत. व॰ कृ॰ ठा॰ ५, १,

√णिर्-सर धा॰ I (निर्+सृ) हेरवुं फकदना To throw (२) निकळवु निकलना, त्यागना. To abandon, to leave

णिस्सरइत्ति नाया॰ १, ६, १६, भग॰ १५, १, राय॰ २८३,

√णिर्-हर धा॰ I, II (नी+हृ) शौच माटे जंगल जवु शौचके लिये जगलमे जाना To go to a forest for answering calls of nature

णीहारेति प्रे॰ अंत॰ ३, ४;

णिलय. न॰ (निलय) घर घर; गृह, सदन. A house; an abode. तंदु॰ नाया॰ १६;

णिलाड न॰ (ललाट) कपाळ; मस्तक. मस्तक; कपाल; ललाट The forehead; the head. पण्ह॰ १, ३; नाया॰ १६;

—पट्टिया स्त्री॰ (-पट्टिका) कपाळ उपर करवामां आवती कंकुनी पटी; पीळ भाल तिलक, भालकुंकुम; भालबिंदी. an auspicious mark on the forehead made with a sort of red powder राय॰ १६८;

णिलिंत व॰ कृ॰ त्रि॰ (निलीयमान) बेसतुं. बैठाहुआ; बैठता हुआ. Sitting ओव॰ राय॰

√णिलिज्ज धा॰ II (नि+ली) झाटकवुं झटकना To give a sudden jerky motion e g to a carpet etc; to get rid of dust and refuse

णिलिजज्जा वि॰ सूय॰ १, ४, २, २०,

णिलुक्क. त्रि॰ (निलीन) गुप्त. गुप्त, छिपा हुआ Hidden; secret. नाया॰ ८.

णिल्लछण न॰ (निर्लाञ्छन) नपुंसक करवुं ने; मुठीआ आदिने समारवा ते. नामर्द-नपुमक बनाना; खस्सी करना Emasculating castrating. पण्ह॰ १, २;

णिल्लज्ज त्रि॰ (निर्लज्ज) लज्जा शरम रहित निर्लज्ज, बेशरम Shameless, devoid of sense of shame पण्ह॰ १, २, नाया॰ ३,

णिल्लायंत व॰ कृ॰ त्रि॰ (निर्लयन्-निरन्तरं लयति गच्छतीति) आगतो भागताहुआ, Running away, escaping नाया॰ १,

णिल्लालिय त्रि॰ (निर्लालित) पसरेल; नीकळेल. फैलाहुआ; फूटाहुआ. Spread; extended, projected out नाया॰ १, ८; —अग्ग पुं॰ (-अग्र) उघाडा मोढामांथी लपलप थतो; बहार निकळतो ज-

अने. आगथी अग्र-टेरवे. खुले मुंह में से लपलपाती जीभका अग्रभाग; जिव्हाग्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth नाया० ८; —अग्गजीहा. स्त्री० (-अग्रजिह्वा) मोढामाथी लपलप थते। व्हार नीकळते। जीभने। आगळे। भाग मुंह में से लपलपातीहुई जीभका अग्र भाग. the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth नाया० ८,

णिल्लेव त्रि० (निर्लेप) लेप रहित निर्लेप, लेपहीन Free from smearing, dirt. भग० ६, ७;

णिल्लेवण. न० (निर्लेपन) लेपने। अभाव; मेलने। अभाव लेपका अभाव, निर्मल. Absence of smearing, absence of dirt भग० ७, ४,

णिव पु० (नृप) राजा, नरपति नृप, राजा A king, a lord of men पंचा० १८, २७; —कर पु० (-कर) राजाने। हाथ राजा का हाथ an arm of a king पंचा० १८, २७,

णिवइत्ता त्रि० (निपत्तृ) ऊतरनार, पडनार. गिरने वाला; उतरने वाला (One) coming down, falling down. ठा०४,४,

णिवइय त्रि० (निपतित) पडेल गिरा हुआ Fallen नाया० १, (२) न० एक प्रकारनु झेर, त्वचा झेर, दृष्टि झेर आदि एक प्रकारका विष, त्वचाविष, दृष्टिविष आदि a sort of poison e g of sight, of touch etc. ठा० ४, ४,

णिवउप्पय पु० (निपातोत्पात) जेमा ऊंचे चढवु पछी नीचे पडवु थाय तेवा प्रकारनु एक नाटक; ३२ नाटकमानु एक एक नाटक विशेष जिस में पहिले ऊंचे चढकर फिर नीचे गिरना हो; ३२ नाटकों में से एक. One of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down. ज० प०

णिवडण न० (निपतन) नीचे पडवुं. नीचे गिरना Act of falling down पयह० १, २,

णिवडिय त्रि० (निपतित) नीचे पडेल. निपतित; नीचे गिरा हुआ Fallen down भग० १५, १,

√णिवत्त. धा० I,II. (नि+वृत्) निवर्तवु, अटकवु. निवर्त होना, अटकना; दूर होना. To return; to desist from, to stop.

णिवट्टति. उत्त० २, ४३;

णिवत्तइ. नाया० ९;

णिवट्टमाण आया० १, ६, ४, १६०;

णिवत्त. त्रि० (निवृत्त) वीती गयेल; पसार थयेल बीता हुआ, भूत; गत. Past; elapsed, gone विवा० ५;—बारसग. त्रि० (-द्वादशक) बार दिवस विती गयेल-पसार थयेल जिस के बाद बारह दिन बीत गये हो वह. (that)' since the happening of which twelve days have passed विवा० ४;

णिवत्ति स्त्री० (निवृत्ति) अंत थवु, अटकवुं बंद होना, अटकना, रुकना. Act of coming to a close, act of stopping ठा० ४, १, (२) निष्पत्ति निष्पत्ति. production, result; coming into existence. ठा० ४, ४,

√णिवार. धा० II (नि+वृ) निवारण करवु. रोकवु. निवारण करना, रोकना To check; to stop; to restrain.

णिवारेइ प्रे० नाया० १६, १८; नाया० ध०

णिवारेसि नाया० ८;

णिवारेमि नाया० ५;

णिवारिसए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ५;
णिवारिआइ क॰ वा॰ भग॰ ६, ३३;
णिवारिज्जमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ भग॰ १९, १;

णिवसण न॰ (निवसन) વસ્ત્ર, वस्त्र, कपड़ा A cloth; a garment. नाया॰ १६;

णिवाइय. त्रि॰ (निपातित) નીચે પાડેલ नीचे गिराया हुआ, अधःपातित. Thrown down, caused to fall down नाया॰ १४,

णिवाएमाण. व॰ कृ॰ त्रि॰ (निपातयत्) નીચે પાડતો नीचे गिराता हुआ (One) causing to fall down नाया॰ २;

णिवाडेत्ता स॰ कृ॰ अ॰ (निपात्य) લગાડીને, નીચે પાડીને लगाकर, नीचे गिरा कर Having caused to fall down, having attached or applied "जाणुं धरणितलंसि णिहट्टु णिवाडेइत्ता" जीवा॰ ३;

णिवातित त्रि॰ (निपातित) નીચે પાડેલ नीचे गिरायाहुआ Fallen down भग॰ १५, १;

णिवातिय त्रि॰ (निपातित) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above. विवा॰ १;

णिवाय पुं॰ (निपात निपतन-निपात) નીચે પડવું. नीचे गिरना, अधःपतन निपात Act of falling down, downfall "आयवस्स णिवाएणं" उत्त॰ २, ३८, (२) બેસવું તે. बैठना act of sitting पगह॰ १, ३, (३) નિપાત, વ્યાકરણ શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ च, वा આદિ અવ્યય निपात, व्याकरण शास्त्र प्रसिद्ध च, वा आदि अव्यय. an indeclinable particle such as च वा etc. पगह॰ ३, २; नाया॰ (४) ચપટી વગાડવી તે चुटकी बजाना act of snapping the thumb with the middle finger पत्र॰ १६;

णिवाय. त्रि॰ (निवात-निर्गतो वातो यस्मात्:) વાયુ સંચાર રહિત निवात; वायुसंचार हीन. Free from draughts of wind. "तंसिप्पेगे अणगारा हिमवाए णिवायमे संति" आया॰ १, ६, २, १३; भग॰ ३, १, ७, ८; ११,११,नाया॰१६; —गंभीर. त्रि॰ (-गम्भीर) વાયુ આદિના પ્રવેશ રહિત, ગંભીર वायु आदि के प्रवेश से शून्य, गंभीर free from draughts of wind; calm भग॰ ७, ८,

णिवायण. न॰ (निपातन) ખાડામાં કે કવું खड्डे-गढे में फेंकना, गिराना Act of throwing into a ditch or pit पगह॰ १, २,

णिवारण न॰ (निवारण) અટકાવવું તે निवारण, रोक; अटकाव Act of restraining or checking भग॰ ६, ३३, (२) ટાઢ તાપને રોકનાર ઘર, હવેલી વગેરે थंड ताप से बचाने वा रोकने वाला घर, हवेली आदि a house, a mansion etc which checks the rigour of cold and heat उत्त॰ २, १७,

णिवारय त्रि॰ (निवारक) નિવારણ કરનાર, અટકાવ કરનાર निवारण करनेवाला; रोकने वाला, निवारक (One) who stops, checks. (one) who restrains or prohibits नाया॰ १६,

णिवास पुं॰ (निवास-निरन्तर वसन्ति जना येषु त) નિવાસ, રહેઠાણ निवास, रहने की जगह A place of residence, an abode निसी॰ १, १,

णिविट्ठ. त्रि॰ (निविष्ट) મેળવેલ; પ્રાપ્ત કરેલ लिया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Got;

acquired. "ओवं बहु णिविट्ठम्मि " ठा० ६, २५ (२) આસક્ત. आसक्त. attached; passionate. सूय० १, ६, ३; —कप्पठिइ. स्त्री० (-कल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ તપ પૂર્ણ કરેલની કલ્પસ્થિતિ. સાધુ સમાચારી વિશેષ परिहार विशुद्ध तप पूर्ण कियेहुए की कल्पस्थिति,साधु समाचारी विशेष a particular stage of ascetic-conduct to which a monk has risen ठा० ४, २, —काइयकप्पठिइ स्त्री० (-कायिककल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ તપ કરી બહાર નીકળેલ સાધુની કલ્પસ્થિતિ परिहार विशुद्ध तप के बाद बाहर निकल हुए साधु की कल्पस्थिति. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. वेय० ६, २०.

णिवित्ति स्त्री० (निवृत्ति विषयेभ्यो निवर्त्तन निवृत्ति) આરંભ વગેરે પાપથી નિવૃત્ત થવું તે आरंभ आदि पापों से निवृत्ति abstinance from actions which involve injury to or killing of living beings e g from flesh eating, drinking etc पंचा०७,३२, —पहाण त्रि०(-प्रधान) આરંભથી નિવૃત્ત થવામાં પ્રધાન–શ્રેષ્ઠ आरंभ से निवृत्त होने में प्रधान-श्रेष्ठ prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being पंचा० ७, ३२;

√णि-विस धा० II. (नि+विश) પ્રવેશ કરવો. प्रवेश करना. भीतर घुसना. To enter

णिविसेज्जा. वि० वेय० २, १२;

णिविसित्ता. सं० कृ० नाया० ८,

णिविसमाण. व० कृ० ववं० १, १६; २४;

णिवेसेइ प्रे० नाया० ८, १६;

णिवेसंति. नाया० १६,

णिवेसंतु. नाया० १६;

णिवेसेहि. आ० विवा० ६,

णिवेसेह आ० नाया० ८; १६;

णिवेसित्ता सं० कृ० नाया० १६; राय २२;

णिवेसिय निसी० ३, ४;

णिविसमाणकप्पठिइ स्त्री० (निर्विशमानकल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ કલ્પ આચારીની કલ્પસ્થિતિ परिहार विशुद्ध कल्पाचारी की कल्पस्थिति State of one who is going through the austerity known as Parihāraviśuddha वेय० ६, २०;

णिवेइय त्रि० (निवेदित) નિવેદન કરેલ. निवेदित प्रार्थित Made known; declared नाया० २,

√णि-वेद. धा० I II. (नि+विद्+णि) નિવેદન કરવું,જણાવવું; જાહેર કરવું निवेदन करना, प्रकट करना To declare or make known

णिवेदेइ नाया० ८ १६,

णिवेदति. नाया० २;

णिवेदेमि ओव० ११, नाया० १;

णिवेदेमो भग० ११, ११, दसा० १०, १;

णिवेदज्जा वि० दसा० १०, १,

णिवेदेह आ० १० १,

णिवेएइ. ओव० नाया० ६, १६; १८;

णिवेयइ. नाया० १८.

णिवेयंति. नाया० ८. १८,

णिवेएमो ज० प० नाया० ३; ५३;

णिवेएहि आ० नाया० १६;

णिवेयण न० (निवेदन) નિવેદન; જાહેર કરવું તે. निवेदन; प्रकाशन. Act of declaring; act of making known. नाया० ६;

णिवेस. पुं० (निवेश) स्थापन करवुं ते; बेसाडवुं ते. स्थापित करना; बैठाना; प्रतिष्ठा करना Act of fixing or establishing; placing. नाया० ८; १६;

णिव्वट्टण. न० (निर्वर्तन) नगर माथी नीकळवानो मार्ग. नगर बाहर होने का मार्ग A way leading out of a town; an exit from a town ना १० ३;

णिव्वट्टित्ता सं० कृ० अ० (निर्वर्त्य) जीव प्रदेशथी शरीरने जुदुं करीने जीव प्रदेश से शरीर को अलग करके Having dissociated the body from the soul. ठा० २, ४;

णिव्वण त्रि० (निर्व्रण) फोडा गुमडां आदि-जखम रहित. घाव रहित, व्रणरहित, फोडे फुंसी आदि से रहित. Free from boils, wounds etc ओव० १०, जीवा० ३, ३, नाया० ३, जं० प० ७, १६६;

णिव्वत त्रि० (निर्व्रत) व्रत रहित व्रत रहित, संकल्प हीन Vowless, devoid of a vow. राय० २०८,

णिव्वत्त त्रि० (निर्वृत्त) निवृत्त थयेल निवृत्त छुटाहुआ, मुक्त Retired from, turned back from ठा० ६; भग० ११, ११. (२) अतिक्रमण करेल अतिक्रमण किया हुआ. transgressed, crossed नाया० १; जं० प० ३, ५३, (३) उत्पन्न थयेल. उत्पन्न. born, produced नाया० १६; —मह पुं० (-मह) निवृत्त-पूर्ण थयेल महोत्सव निवृत्त महोत्सव, सानन्द समाप्त उत्सव A festivity which has been completed. नाया० १;

णिव्वत्तण न० (निर्वर्तन) उत्पन्न करवुं. उत्पन्न करना; जन्म देना. Act of producing; creation; production. पन्न० २१;

णिव्वत्तणया स्त्री० (निर्वर्तना) निष्पत्ति; सिद्धि. निष्पत्ति सिद्धि, सफलता Act of finishing; completion; final result. "तच्च णिव्वत्तणया तओ परियाइयत्ता" पन्न० १४,

णिव्वत्तणा स्त्री० (निर्वर्तना) छुटवुं निवर्तवुं ते मुक्त होना, छूटना State of being free from abstinence from भग० १०, ४, (२) उत्पन्न करवुं ते. उत्पात. act of making or producing. भग० १३, ३;—अहिगरणिया स्त्री० (-आधिकरणिकी) तलवार वगेरे अधिकरणने नवां नवीन तैयार करवाथी थाती क्रिया नितान्त नवीन तलवार आदि शस्त्रों को बनाने से लगने वाली क्रिया the sin incurred by preparing absolutely new weapons such as swords etc ठा० २, १. भग० ३, ३

णिव्वत्ति. स्त्री० (निर्वृत्ति) वस्तुनी उत्पत्ति, बनावट वस्तु की उत्पत्ति, बनावट, घटना विधि. Making or creation of a thing (२) निष्पत्ति निष्पत्ति creation, coming into existence "कइ विहाणं भंते जीवणिव्वत्ती पण्णत्ता" भग० १६, ८, पन्न० १,

णिव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) उत्पन्न करेल. बनावेल; उपार्जन करेल उत्पन्न किया हुआ, बनाया हुआ; उपार्जित Produced; made, acquired नाया० १; ८; भग० १६, १. पन्न० १४, ठा० २, ४. (२) व्यवस्थित करेल. व्यवस्थित किया हुआ arranged, managed. पन्न० २३;

णिव्वय त्रि० (निर्व्रत) व्रत रहित. व्रत रहित; संकल्प शून्य. Devoid of vow; vowless. ठा० ३, १; २; नाया० ८;

भग० १२,-८; सं० प० ३, ३६१

णिव्वयण. न० (निर्वचन) खुलासो; જવાબ. खुलासा; उत्तर. Decision; reply ठा० १०;

णिव्वाघाअ-य त्रि० (निर्व्याघात) વ્યાઘાત રહિત; વિઘ્ન વિના. व्याघात रहित, निर्विघ्न, विघ्न शून्य. Free from obstruction; unfettered by obstacles "णिव्वाघाएण पन्नरसकम्मभूमिसु" पन्न० २; नाया० १, १४ १६, भग० ११, ११; १७, ४; २५, २, ओव० ४०; (२) न० જેને કયાં રોકાણ અટકાવ ન હોય તેવું નિર્વિઘ્ન રહિત કેવલજ્ઞાન जिसको कहीं रुकाव—अटकाव न हो ऐसा विघ्न रहित केवलज्ञान Omniscience which is unfettered by any obstruction ओव० ४०;

णिव्वाघाइम त्रि० (निर्व्याघातिक) સ્વાભાવિક, કુદરતી, કોઈ વસ્તુના આવરણથી ન બનેલ प्राकृतिक; नैसर्गिक, कुदरती, अकृत्रिम Natural, not artificial सू०प०१८,

णिव्वाण. पुं० न० (निर्वाण) મોક્ષ मुक्ति, मोक्ष, निर्वाण, परमपद प्राप्ति. Salvation; freedom from Karma, final beatitude due to the destruction of all Karmas. नाया० १, ६, १९; १७; ठा० ३, ३, सूय० १, ६; २६, सूय० नि० १, ११, ११५; (२) જંબુદ્વીપના એરવત ક્ષેત્રમાં આવતી ચોવીસીમાં થનાર ત્રીજા તીર્થંકર. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी चौबीसीमें होने वाले तीसरे तीर्थंकर the 3rd would be Tīrthaṅkara of Airavata Kṣetra in Jambudvīpa in the coming Chauvisī सम० प० २४२, —अंग न० (-अङ्ग) મુક્તિનું કારણ मुक्तिका कारण; मोक्ष हेतु. cause or means of salvation. पंचा० १६, ४२; —गम पुं० (-गम) નિર્વાણ-મોક્ષ ગમન. निर्वाण गमन; मोक्ष-मुक्तिको जाना-प्राप्त होना. attainment of salvation; final emancipation. नाया० ९; —मग्ग पुं० (-मार्ग) મોક્ષનો માર્ગ मोक्षका मार्ग, मुक्तिपथ Path of salvation नाया० १. भग० ६, ३३;—वाइ. त्रि० (-वादिन्) મોક્ષમાર્ગનો ઉપદેશ આપનાર मोक्षमार्गका उपदेश देनेवाला. (one) who teaches the path of salvation. "पवनीसु वा गरुले वेणुदेवे णिव्वाणवादीणिह णायपुत्ते." सूय० १, ६, २१, —साहण. न० (-साधन) મોક્ષનું સાધન मोक्षका साधन. means of salvation, cause of final emancipation नाया० ६; —सुह न० (-सुख) મોક્ષનું સુખ, આનંદ मोक्षका सुख; मुक्तिका आनंद. bliss of salvation, final beatitude. नाया० नि० १, ३, १, २०८,

णिव्वाय त्रि० (निर्वात) વાયુ રહિત निर्वात, वायुरहित; बिना हवाका. Free from draughts of wind. नाया० १;

णिव्वाविय त्रि० (निर्वापित) શીતલ કરેલ; ઠંડુ પાડેલ ठंडा कियाहुआ, शान्त,-शीतल कियाहुआ. cooled, extinguished. नाया० १, १३.

णिव्वासिय त्रि० (निर्वासित) હદપાર કરેલ निर्वासित; हद बहार निकालाहुआ; Banished, driven out by a fiat. नाया० ८:

णिव्विगइय न० (निर्विकृतिक) दूध आदि રસનો પરિત્યાગ, વિગયના પચ્ચક્ખાણ. दूध आदि रसोंका परित्याग; विगयके प्रत्याख्यान

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations. भग० २५, ७.

णिव्विइ. पुं० (निर्विष्ट) જેણે પરિહારવિશુદ્ધ ચારિત્ર સેવેલ છે તે સાધુ जिसने परिहार विशुद्ध चारित्रको पाला है वह साधु An ascetic who has practised the austerity known as Parihāra-viśuddhi. ठा० ३, ४ नाया० १६; —कप्पट्ठिइ स्त्री० (-कल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ ચારિત્રને પૂર્ણ કરનાર સાધુની કલ્પ-સ્થિતિ परिहार विशुद्ध चारित्रको पूर्ण करनेवाले साधुकी कल्पस्थिति the stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra viśuddhi. ठा० ३, ४. —काइय पु० (-कायिक) પરિહાર વિશુદ્ધ ચારિત્રને પૂર્ણ કરીને એ ચારિત્રથી બહાર નીકલનાર સાધુ परिहार विशुद्ध चारित्रको समाप्तकर, इस चारित्रसे बाहर निकलाहुआ, आगे बढाहुआ साधु. an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāraviśuddhi and has stepped into the next higher stage. भग० २५, ७;

णिव्विण्ण. त्रि० (निर्विण्ण) ખિન્ન, ખેદયુક્ત खिन्न; दुःखित; खेदपूर्ण. Fatigued or afflicted in mind, sorrowful " जो एतियंपितिच्छे दुक्खइ सो को न णिव्विण्णो" नाया० १, ३, ३, १४४; नाया० ८; (२) નિવૃત્ત; નિવૃત્ત થયેલ. retired from; turned back from, abstaining from. नाया० ४, ६, १८; १६; —चारि. त्रि० (-चारिन्) ખિન્ન થઈ ફરનાર खिन्न-दुःखी होकर फिरनेवाला fatigued or troubled in mind, afflicted in mind "सेणिव्विण्णचारी अरते पयासु" आया० १, २, ३, १२४; —वरा. स्त्री० (-वरा निर्विण्णा वराः परिणेतारो यस्याः सा निर्विण्णवरा) વિરક્તપતિવાલી સ્ત્રી विरक्त पतिवाली स्त्री, वह स्त्री जिसका पती विरागी हो a woman whose husband is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit. नाया० ध० १.

णिव्वित्त. त्रि० (निर्वृत्त) નિવૃતિ પામેલ, પુરૂ થયેલ निवृत्ति प्राप्त, पूर्ण, समाप्त. Finished completed. ओव० ४०

णिव्वियतिग्र. त्रि० (निर्विकृतिक) જેમાં દૂધ ઘી વગેરે વિકૃતિનો ત્યાગ કરવામાં આવે છે તે તપ નીવી. वह तप जिसमें दूध और उसके विविध विकृतियों का त्याग किया जाता है. नीवी. A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products, this is also called Nivi. ओव० १९.

णिव्विस. त्रि० (निर्विष) વિષ-ઝેરથી-રહિત. विष हीन जहर रहित Free from poison " णिव्विस पवरं सोम्मं " ओव०

णिव्विसय. त्रि० (निर्विषय) વિષય અભિલાષા રહિત विषय वासना काम वासना रहित, विरक्त संयमी. Free from sensual lusts. उत्त० १४, ४९. (२) દેશ બહાર કરેલ, દેશ કે આપેલ निर्वासित, देश से निकाला हुआ. exiled, banished from a country पएह० १, ३; नाया० १६;

णिव्विसिय. त्रि० (निर्वासित) દેશથી બહાર કરેલ देश बाहर किया हुआ Banished, exiled; turned out of a

country. नाया॰ ८; १६; सम॰ १५, १;

णिव्विसेस. त्रि॰ (निर्विशेष) विशेषता रहित; साधारण; विशेषता रहित;सामान्य; साधारण. Common; free from peculiarity or particularity तंडु॰

णिव्वुअ. त्रि॰ (निर्वृत) शीतल थयेल शान्त थया, निर्वृत्त Cooled, cool नाया॰ १, ८, १, १००; (२) निर्वाणु-मोक्ष गयेल मोक्ष को प्राप्त, निर्वाण प्राप्त free from the cycle of birth and death, finally liberated प्रव॰ ३३, (३) स्वस्थ आत्मा स्वस्थ्य-सबल-निरोग आत्मा. a calm, peaceful soul नाया॰ १

णिव्वुइ. स्त्री॰ (निर्वृति) मननुं स्वस्थपणु समाधि मानसिक स्वस्थता, समाधि Calmness or tranquillity of mind; peace of mind पण्ह॰ १, २. (२) क्षीणु मोहावस्था. क्षीण मोहावस्था happiness freedom from delusion. भग॰ नि॰ १, ११. ११५. (३) ए नामना एक आचार्य के जेना उपरथी निर्वृत्ति शाखा नीकली इस नाम के एक आचार्य कि जिनके ऊपर से एक शाखा निकली name of a lineage styled after the preceptor of this name कप्प॰ ८, —कर त्रि॰ (-कर) सर्व कर्मनो क्षय करनार सर्व कर्मों का क्षय करने वाला. (one) that destroys all Karmas पच॰ १; तंदु॰ ज॰ प॰ २, ३०; (२) सुखकर; शाता उपजावनार; सुखकर. giving peace and happiness. राय॰ १११, नाया॰ १७, —पह. पुं॰ (पथ) मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. मुक्ति पन्थ. path of salvation. वंदी॰ —यार त्रि॰ (-कार) शाता करनार. शान्तिदाता, निवृत्तिकार. peace giving; happiness giving नाया॰ १;

णिव्वुक्कच्छिकुस त्रि॰ (*) निर्मूल करेल, जड मूलथी छेदेल. निर्मूलित; बे जड किया हुआ; जडमूल से छेदा हुआ; समूल नष्ट Rooted out; eradicated. पण्ह॰ १, ३,

णिव्वुड. त्रि॰ (निर्वृत) शीतल-ठंडु थयेल. शीतल-थंडा किया हुआ. Cooled, cool. आया॰ १, ४ ३; १३६, (२) निर्वाणु पामेल मोक्ष पामेल. निर्वाण पाया हुआ; मोक्ष पायाहुआ free from the cycle of birth and death, (one) who has attained final absolution. "अकिंचा णिव्वुडा एगे" सूय॰१,१५ २१;

णिव्वुडु त्रि॰ (*निमज्जित) डुबी गयेल. डूबाहुआ, निमज्जित. Drowned, sunk. नाया॰ ६;

णिव्वुत्ति स्त्री॰ (निर्वृत्ति) निर्वाणुसुख निर्वाण सुख, मोक्षसुख Happiness of salvation जीवा॰ ३, ४;

णिव्वुय त्रि॰ (निर्वृत) सुखी, सन्तोषी. सुखी, संतोषी Happy; contented. ओव॰ (२) क्रोध वगेरे दूर थवाथी शांत थयेल क्रोधादि दूर होने से शान्त tranquil on account of the banishment of anger etc. from the mind "जे णिव्वुया पावेहिं कम्मेहिं" आया॰ १, ७, १, २००;

णिव्वूह. पुं॰ (निर्व्यूह) द्वारनो एक भाग; टोडलो. द्वारका एक भाग; थांडला, दरवाजे

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) P. 15th

की ऊपरी बारसाख की दोनों बाजू ऊपर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house जीवा॰ ३, ४;

णिव्वेअणी. स्त्री॰ (निर्वेदिनी) સંસારથી વિરક્ત બનાવનાર વૈરાગ્યની કથા. संसार से विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces disgust with the world and its ways, in the mind of the hearer "णिव्वेअणी कहाचउ विहापराणत्ता" ठा॰ ४,,२, ओव॰ २१,

णिव्वेग. पुं॰ (निर्वेग-निर्वेद) સંસારથી વિરક્તિ. संसारसे विरक्ति, संसार से उदासीनता. Disgust with, repulsion from the world भग॰ १७, ३,

णिव्वेगणी. स्त्री॰ (*निर्वेगनी-निर्वेदनी) જુઓ "णिव्वेअणी" શબ્દ. देखो "णिव्वेअणी" शब्द. Vide 'णिव्वेअणी' ठा॰ ४, २,

णिव्वेय. पु॰ (निर्वेद) વૈરાગ્ય, સંસારથી વિરક્તતા. वैराग्य, संसार से विरक्ति Dislike for or disgust with the world and its ways; renunciation. आया॰ १, ४, १, १२७, उत्त॰ १८, १८, २६, २, (२) મોક્ષની અભિલાષા. मोक्षेच्छा; मुक्तिकी अभिलाषा desire, for salvation or final liberation. प्रव॰ १४;

णिव्वेस. पुं॰ (निर्वेश) લાભ. लाभ, फायदा Benefit; gain ठा॰ ५, २;

णिसंत. न॰ (निशान्त) વિશ્રામ. विश्राम; आराम. Shelter; rest आया॰ १८; (२) ઘર घर a house. राय ७४;१२;

णिसंत. त्रि॰ (नितान्त-नितरां शान्तो निशान्तः) અત્યંત શાંત પ્રકૃતિવાળો. अत्यंत शांत प्रकृतिवाला; अत्यंत शून्य; बंदे निशाजका. Extremely calm, serene. उत्त॰ १, ८, (२) સાંભળેલ. सुनाहुआ. heard. आया २ १, २, ८०; नाया॰ १; ६; १२; १४; १६, नाया॰ ध॰ भग॰ ६, ३३; १०, २; (३) (निशाया अन्तमवसानं निशान्तम्) પ્રભાતનો વખત, રાત્રિનો અંત. प्रात -काल; उष काल, प्रातःकालीन सन्ध्या dawn; time of day-break. दस॰ ६, १; नाया॰ ८; (४) અવધારણ કરેલ स्मृतिपथ मे अंकित, याद किया हुआ fixed or retained in the mind "अहासुतं वइस्सामि णिसंतं" सूय॰ १, ६, २.

णिसंस. त्रि॰ (नृशंस नृशान् शंसति हिनस्तीति) ક્રૂરકર્મ કરનાર क्रूर कर्म करनेवाला. कठोर कर्मी Wicked, cruel पराह॰ २, १, नाया॰ २.

णिसग्ग पु॰ (निसर्ग) સ્વભાવ; પ્રકૃતિ स्वभाव, प्रकृति, मिजाज Nature. ओव॰ २०,ठा॰२,१, —रुइ स्त्री॰ (-रुचि) ઉપદેશ સાંભળ્યા વગર કુદરતી રીતે થતી ધર્મ પરની શ્રદ્ધા-રૂચિ उपदेश के न सुनने हुए भी स्वाभाविकतया उत्पन्न होने वाली धार्मिक रुचि Intuitive liking for or faith in religion, inborn love of religion. ठा॰ ४, १, १०, भग॰ २५, ७, पन्न॰ १; नाया॰ ध॰ २;

णिसज्जिअ. त्रि॰ (नैषद्यिक) પલ્યંક આસને બેસનાર पल्यंक-एक आसन विशेषसे बैठनेवाला (One) sitting in a squatting posture. पराह॰ २, १;

णिसट्ठ. त्रि॰ (निसृष्ट) નિકળેલ निकलाहुआ; निसृत, प्रस्फुटित. Come out; got out. (२) આપેલ, दियाहुआ; प्रदत्त

given; presented. राय० आया० १, ८, ३, २०३; नाया० १; वव० ३, १३; (३) मुक्त; छूटो. मुक्त; छूटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम० ६, आया० २, ३, १, १४, (४) फेंकेल. फेंकाहुआ. thrown; flung. सम० १४, १:

णिसढ. पुं० (नियध नितरां सहते-स्कंधे ममा रोपितं भारमिति निषध) બળદ. बलद; वृषभ An ox चं० प० ४, (२) निषध नामे એક યાદવ કુમાર. निषध नामक एक यादव कुमार a Yādavakumāra so named नाया० १६. (३) મહાવિદેહની મર્યાદા બાંધનાર મેરૂથી દક્ષિણ તરફનો નિષધ નામે પર્વત महाविदेहका पारसामित-करनेवाला मेरुका दक्षिण ओरका निषध पर्वत. the mountain named Nisadha in the south of Meru, forming the boundary-line of Mahāvideha "कहिणं भंते जंबूद्दीवे दीव णिसढे णाम वासहरपव्वए पण्णत्ते" जं० प० ४ "दो णिसढा" ठा० २ ३, जीवा० ३, ४, — कूड न० (-कूट) નિષધ પર્વતનું બીજું કૂટ-શિખર निषध पर्वतका दूसरा चोटी शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha ठा० २, ३. जं० प० — द्दह पुं० (-ह्रद) મન્દર પર્વતની દક્ષિણે દેવકુરૂમાનો મોટો દ્રહ-ઝરો. मन्दर पर्वतकी दक्षिण दिशाके देवकुरुका बड़ा-विशाल स्रोत-झरना a large stream of water in Devakuru in the south of the Mandara mount. कहिणं भंते देव कुराए णिसढद्दहे णाम दहेपण्णत्ते जं० प० ४, ३४; ठा० ५, २; —वासहर. पुं० (वर्षधर) એ નામનો એક પર્વત इस नामका एक पर्वत name of a mountain. नाया० ८;

णिसण्ण. त्रि० (निषण्ण) બેઠેલું; बैठाहुआ. Seated. नाया० १, ५; १, १२; भग० ७, ६, नाया० ध० ओघ० नि० ५; ओघ० ११, ठा० ५, २;

णिसम्म. सं० कृ० अ० (निशम्य) વિચારીને, હૃદયથી અવધારીને. विचारकर; हृदयसे निश्चित करके. Having thought; having thought or decided in the mind नाया० १, ५, ८; ९; १२; १४; १६, १९, भग० ३ ३३, ११, ११, १५, १; जीवा० ३, ४, ओव० १२, आया० २, १, ३, १६, २, १, ६, ४९; ठा० ३, ३; —भासि त्रि० (भाषिन्) વિચારીને બોલનાર विचारपूर्वक बोलनेवाला. (one) who speaks thoughtfully; considerate in speech आया० २, ४, २, १४०, सूय० १, १०, १०,

√णि-सर धा० I (नि+सृ) બહાર નિકળવું बाहर निकलना. To get out; to come out

णिसरइ पन्न० ११

णिसरंति राय० २८

णिसरण न० (निसरण) નીકળવું તે निसरण, बाहर निकलनेका कार्य Act of getting out, moving out नाया० १६,

णिसल्ल त्रि० (निःशल्य) માયા, નિયાણું અને મિથ્યાદર્શન એ ત્રણ શલ્ય રહિત. माया, नियाण और मिथ्यादर्शन इन तीन शल्योंसे रहित Devoid of, free from the thorns in the form of deceit, desire for the fruit of actions and heresy महा० नि० १;

णिसह. पुं० (निषध) જુઓ "णिसढ" શબ્દ. देखो "णिसढ" शब्द. Vide "णिसढ" सूय० १, ६, १२; जं० प० पन्न० १६;

र्थं० प० ४, —कूड पुं० (कूट) જુઓ 'णिसहकूड' शब्द देखो "'णिसढकूड" vide "णिसढकूड" ठा० ६; ज० प० —दह पुं० (ह्रद) દેવકુરૂનો ચિત્ર વિચિત્ર કૂટ પર્વતથી ૮૩૪ જોજનને પાતાના ચાર ભાગ ઉત્તરે સીતા નદીની વચ્ચે આવેલ એક દહ देवकुरुके चित्रविचित्र कूट पर्वतसे ८३४ योजनके (अनुमानतः) चार भाग उत्तरकी ओर सीता नदीके बीचमें आनेवाला एक झरना a lake, stream in the middle of the river Sītā to the north of Chitravichitra peak of Devakuru at an approximate distance of 834 Yojanas ठा० ५, २, ज० प०

णिसा. स्त्री० (निशा) રાત્રીના જેવા અંધકારવાળી નરકભૂમિ तामिस्र नामक नरक, रात जैसे अंधेरेवाला नरक. Hell which is as dark as night. सूय०२, ६,४५,

√णि-साम. धा० I,II. (नि+शम्+णिच्) સાંભળવું, જાણવું सुनना, जानना To hear, to know.

णिसामेइ नाया० १६, भग० १५, १,
णिसामिज्जा वि० सूय० १, १, ४, ५,
णिसामेहि आ० भग० १५, १,
णिसामित्ता. सं० कृ० सूय० १, १४, २४, आया० १, ८, ३, २०७,
णिसामित्तए हे० कृ० नाया० ४, १२, १४,
णिसामेत्तए. हे० कृ० नाया० १४.

णिसिज्जा. स्त्री० (निषद्या) આસન, બેઠક आसन; बैठक. A seat, posture ठा० १, १; सूय० १, ६, २१,

णिसिय-य. त्रि० (निशित) તીક્ષ્ણ, પાણીદાર; તીખી ધારવાળું. तीक्ष्ण; पानीदार, तेज धारवाला. Sharp, sharp-edged, spirited. सूय० १, ५, १, ८; १, ६, १;

णिसिट्ठ त्रि० (निःसृष्ट) ફેંકેલ. फेंका हुआ. Thrown; flung. भग० १५, १; (२) મુકેલ, સ્વતંત્ર. released. सम० ६;

णिसिद्ध त्रि० (-निषिद्ध) નિષેધ કરેલ; અટકાવેલ मनाकियाहुआ, निषिद्ध. Checked, restrained; prohibited. पंचा० १२,२२,—जोग पुं० (योग) સદ્વ્યાપારનો અટકાવ નિષેધ કરેલ. सद्व्यापार का निषेध किया हुआ (One) prohibited from, checked in salutary activity पंचा० १२, २२,

√णि-सिर धा० I. (नि+सृज) નાખવું, ફેંકવું, છોડવું डालना, फेंकना, छोड़ना. To give, to hand over, to present, to throw, to fling, to leave

णिसिरइ नाया० १६,
णिसिरिंति सूय० २, २, ५,
णिसिरामि नाया० १६, भग० १५, १,
णिसिरामो आया० २, २, ३, ८१,
णिसिरित्ता सं० कृ० भग० १५, १,
णिसिरंत व० कृ० सूय० २, २, ७,
णिसिरावेति सूय० २, २, ६,

णिसिरण न० (निसर्जन) નીકળવું તે निस्सरण-बाहर आना, बहिरागमन Act of getting out; starting out पच० ११,

णिसिरणा स्त्री० (विसर्जन) દાન दान Act of giving away in charity. (२) ત્યાગ त्याग, abandoning आया०२, १, १०, ११,

णिसिरिज्जमाण. त्रि० (निःसृज्यमान) ફેંકાતો फेंकाजाता हुआ. फेंकता हुआ Throwing, being flung भग० ८, ७;

णिसिरिय. त्रि० (निसृष्ट) તજેલ, મુકેલ. त्यागा हुआ. छोड़ा हुआ Left, abandoned. भग० १२, ४;

णिसीइयव्व. त्रि० (निषीदितव्य). બેસવા લાયક (ભૂમિ) बैठने योग्य भूमि-स्थल. (Place) worthy of, fit for, being a seat. भग० १. १,

√णि-सीय. धा० I. (नि+षद्) બેસવુ बैठना. To sit.

णिसीयइ नाया० १, ८, १६, १६;

णिसजइ नाया० १६,

णिसीदंति जीवा० ३;

णिसीयंति. नाया० १, ६, १६, ज० प० ४, ११७;

णिसियाओ. सूय० २, ७, १४;

णिसीयह. नाया० १६;

णिसीइत्ता स० कृ० नाया० १६, भग० ११, ११,

णिसीइत्तए हे० कृ० भग० ११, ४, वेय० १, १६, ३, १;

णिसीयावेंति प्रे० जं० प० ५, ११८,

णिसीयाविता. प्रे० सं० कृ० ज० प० ५, ११४;

णिसीयण (निषीदन) બેસવું તે बैठने का कार्य, बैठना Act of sitting. भग० ११, ४; १५, ७, ठा० ७,

णिसीयव्व त्रि० (निषीदितव्य) બેસવા યોગ્ય बैठने योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or sitting place. नाया० १;

णिसीहिया. स्त्री० (नैषेधिकी) સ્વાધ્યાય કરવાની ભૂમિ स्वाध्याय करने की भूमि-स्थल. A place for the study of scriptures (२) પાપ ક્રિયાનો ત્યાગ. पाप कर्म का त्याग giving up o sinful activities नाया० १६; भग० १६, ५; जीवा० ३, ४; निसी० ५, २; (३) સામાચારીનો એક પ્રકાર. सामाचारी का एक प्रकार. a particular mode of ascetic-conduct पंचा० १२, २;

णिसीहिया. स्त्री० (निशीथिका) સ્વાધ્યાય ભૂમિ. स्वाध्याय-भूमि. A place for the study of scriptures or for meditation भग० १४, १०; नाया० ध० राय० १०६; निसी० १३, १;

णिसुंभा. स्त्री० (निशुम्भा) વૈરોચન ઇંદ્રની પાંચમી અગ્રમહિષી वैरोचन इन्द्र की पांचवीं अग्रमहिषी-पटरानी. The 5th of the principal queens of Vairochana Indra ठा० ४, २: नाया० ध० २, भग० १०, ५;

णिसुणिऊण स० कृ० अ० (निशम्य) સાંભળીને सुनकरके. Having heard. जीवा० १,

णिसेय. पु० (निषेक) કર્મ પુદ્‌ગલની પ્રતિ સમય અનુભાગ રચના कर्म पुद्गलों की प्रति सामयिक अनुभाग रचना. The intensity (of Karmic results) caused by a number of Karmic atoms operating in a particular instant ठा० ६;

णिसेवग. त्रि० (निषेवक) સેવનાર; આરાધનાર. सेवक, आराधक. (One) who worships or propitiates; (one) who resorts to, (one) who serves सूय० २, ६, ५,

णिसेविय. त्रि० (निषेवित) આશ્રય કરેલ. आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted to, depended upon. उत्त० १०, २;

णिसेहिया स्त्री० (नैषेधिकी-निषिध्यन्ते निराक्रियन्तेऽस्यां कर्माणीति नैषेधिकी) મોક્ષગતિ. मोक्षदशा, मुक्ति. State of salvation; final bliss. जीवा० ३;

णिस्संक. न० (निःशंक) નિઃશંક; ચોક્કસ. निःशंक; शंका रहित. Certain; un-

doubted; free from doubt. पचा० ६, २;

णिस्संचार. त्रि० (निस्संचार) संચાર રહિત; જે નગરમાં માણસોને આવવા જવાનું બંધ હોય તે સ્થાર आवागमन-रहित. वह नगर जिसमें आमद रफ्त का बंधन हो (A town etc.) where movement of men etc. is prohibited, free from movement of men etc, still. नाया० ८,

णिस्संत त्रि० (निःशान्त-नितरामतिशयेन शान्त.) અતિશય શાંત થયેલ अतिशय शान्त Extremely tranquil on account of control of anger etc उत्त० १, ८, राय०

णिस्संदिद्ध त्रि० (निःसंदिग्ध) સંદેહ રહિત संदेह रहित. निस्सन्देह Free from doubt, clear of doubt भग० १४,१

णिस्संदेह त्रि० (निस्सन्देह) સંદેહ રહિત. निस्सन्देह, शङ्का रहित. Free from doubt; clear of doubt नाया० २,

णिस्संधि. त्रि० (निस्संधि) સાંધ-છિદ્ર રહિત छिद्रशून्य; संधि रहित Having no joint or hole. "णिस्संधिवाराविराहिया" पराह० १, १;

णिस्संस. त्रि० (निःशंस) પ્રશંસા રહિત प्रशंसा रहित Free from praise, devoid of praise पराह० १, २,

णिस्संस. त्रि० (नृशंस) ઘાતકી, ક્રૂર घातकी, हत्यारा; क्रूर. Cruel wicked पराह० १, १; नाया० ५,

णिस्सराण त्रि० (निः संज्ञ) સંજ્ઞા રહિત संज्ञा रहित; बेनाम Devoid of name, consciousness etc सूय० नि० १, ५, १, ७१;

णिस्सरार. त्रि० (निःसरकर) કર્મને જુદા પાડનાર. कर्म को पृथक करने वाला. (One) who gets rid of Karmas; (one) who seperates himself from Karma आया० २, ४, १, ६;

णिस्सरण न० (निःसरण) બહાર નીકળવું बाहर निकलना, बहिर्गमन Act of coming out or getting out; exit ठा० ८,२. —णंदि. त्रि० (—नन्दिन्) બહાર નીકળવામાં આનંદ પામનાર बाहर निकलने मे सुख मानने वाला (one) who takes delight in getting out ठा० ८,०

णिस्सल्ल त्रि० (निःशल्य) માયા નિયાણું અને મિથ્યાદર્શન એ ત્રણ શલ્ય રહિત माया, निदाण और मिच्छादंसण इन तीन शल्यों से शून्य Free from the three thorns in the form of deceit, attachment to the fruit of actions and heresy सम० ६, आउ०

णिस्सासिय न० (निःश्वासित) નીચે શ્વાસ મૂકવો सांस छोडना दम लेना Act of breathing out act of exhaling नाया० १

णिस्सह त्रि० (निःसह) અતિ અશક્ત बहुत कमजोर Extremely weak or feeble सम०

णिस्सहड त्रि० (निःसहक) અતિશય અશક્ત. બહુ કમજોર अतिशय अशक्त Extremely weak or feeble सम० ६;

णिस्सा स्त्री० (निश्रा) આશ્રય; આલંબન आश्रय; आलम्बन. Shelter; resort भग० ३, २; निसी० १४, ४३; पण्ह० १, —ठाण. न० (—स्थान) આલંબન-આશ્રયનું સ્થાન. आलम्बन या आश्रय का स्थान. a place of resort; an object which serves as a sup-

port or resting place ठा० ५, ३; —वयण. न० (-वचन) કોઇને પ્રતિબોધ પમાડવાને કોઈ તેવા ગુણવાળાનું દૃષ્ટાંત આપવું તે. किसी को समझाने के लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण देकर समझाना an illustration or an example given to teach a moral or spiritual lesson. ठा० ४, ३;

णिस्साए सं० कृ० अ० (निश्रित्य) નેશ્રા-આશ્રય લઇને आश्रय लेकर. Having resorted to; having rested on, depending on. सूय० २, ७, ७,

णिस्साय सं० कृ० अ० (निश्रित्य) આશ્રિને आश्रित होकर Resting on, having resorted to; having connection with. भग० १५, १,

णिस्सास पु० (निःश्वास) નિશ્વાસ, અધોગામી શ્વાસ नीचे की ओर श्वास छोड़ना Sigh; downward breath भग० १६, ११;

णिस्सिंचिया सं० कृ० अ० (निषिच्य) એક વાસણમાંથી બીજા વાસણમાં નાખીને एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर Having poured from one vessel into another दस० ५, १, ६३,

णिस्सिय त्रि० (निः श्रित विशेषेण श्रित सबद्धो निःश्रित) મેળવેલ मिलाया हुआ Got, obtained, joined, mixed. सूय०१,२,३, ६; (२) નિશ્ચે બાંધેલ. निश्चय से बांधा हुआ. securely fastened, firmly bound. सूय० १, १, १, १०; २, ६,२३,(३)લિંગ; પ્રભિન. लिङ्ग a characteristic. (४) આશ્રિત आश्रित; आश्रय लिया हुआ.resting on, resorting to; depending on ठा० १०; सम० सूय० १, १, १, १०; अणुजो० १२८; (५) આસક્ત થયેલ आसक्त. attached to; passionately fond of. सूय० १, १, १, १०; ठा० ५, २; (६) पुं० રાગ, આહાર આદિની લોલુપતા राग, आहार आदि की इच्छा, लोलुपता. passion for, greed of food etc ठा० ८,

णिस्सिय त्रि० (निःसृत) નિકળેલ. निकला हुआ, निःसृत. Come out; got out started "तंव सकुणो जं चाणिस्सियामि" विशे० पत्र० १,

णिस्सील त्रि० (निःशील) સારા સ્વભાવથી રહિત, દુશીલ सद्भावशून्य, दुःशील; दुराचारी Of an evil nature or disposition. ठा० ३, १; २, नाया० १८, राय० २०८, (२) આચાર રહિત. आचार रहित. devoid of ascetic conduct जं० प० ०, ३६, (३) સમાધિ-શાન્તિ રહિત समाधि-शान्ति रहित devoid of concentration or calmness of mind. भग० १२, ८; (४) શીયલ વગરનો, બ્રહ્મચર્યવ્રત રહિત शील हीन, ब्रह्मचर्य शून्य, अब्रह्मचारी incontinent; unchaste ठा० ३, १, २, राय० २०८, (५) મહાવ્રત અને અણુવ્રત રહિત. महाव्रत और अणुव्रत रहित. not observing the major and the minor vows भग० ७, ६,

णिस्सेणि. स्त्री० (निःश्रेणि) નિસરણી निसैनी. A ladder पराह० १, १;

णिस्सेयस न० (निःश्रेयस्) કલ્યાણ कल्याण, भला Welfare, bliss. ठा० ३, ४; ६; —कर त्रि० (-कर) કલ્યાણ કરનાર कल्याण करने वाला. (one) causing or giving welfare. नाया० ८;

णिस्सेयसिय. त्रि० (नैःश्रेयसिक—निःश्रेयसं मोक्षमिच्छतीति नैःश्रेयसिक.) મોક્ષાભિલાષી, મુમુક્ષુ. मोक्ष की इच्छा वाला; मुमुक्षु. One desirous of or longing for final liberation भग० १५, १;

णिस्सेस. पुं० (निःश्रेयस्) મોક્ષ मोक्ष; मुक्ति. Salvation; final liberation " णिस्सेसाए अणुगामित्ताए " नाया० १, १३;

णिस्सेस त्रि० (निःशेष) સમ્પૂર્ણ सम्पूर्ण, समग्र. Complete, full, perfect. दस० ६, २, २; —कम्ममुक्क त्रि० (-कर्म-मुक्त) સકલ કર્મથી મુકાયેલ, કર્મ બન્ધનથી છુટેલ सर्व कर्मों से मुक्त, कर्म बन्ध रहित entirely freed from Karma, rid of Karmic bondage. पचा० २, ४३,

णिह त्रि० (निह-निहन्यते निह) માયાવી मायावी Deceitful आया० १, ?, ३, ८१; (२) ક્રોધ આદિથી પીડિત क्रोध आदि से पीड़ित troubled or afflicted on account of anger. सूय० १,२,१, १३, (३). (निहन्यन्ते प्राणिनःकर्मवशगा यस्मिन् तन्निहम्) આઘાતનું ઠેકાણું, યાતના સ્થાન. वदना स्थल, यातना स्थान, वह स्थान जहां मे पीड़ा होती हो source of punishment or affliction. सूय० १, ५, २, १३;

णिह त्रि० (स्निह-स्निह्यते स्निह्यते अष्टप्रकारेण कर्मणा-इति स्निह.) રાગી; મમતવાલો रागी; ममता वाला Full of attachment and hatred, full of egotism. आया० १, ४, ३, १३५; सूय० १, २, २, ३०; (२) न० તેલ तैल oil. जीवा० ३, ३;

√णि-हण. धा० I (नि + हन्) નાશ કરવો; હણવું. नाश करना; मारना To kill; to destroy.

णिहणांति जं० प० ५, ११४;

णिहणाहि. आ० नाया० ३;

णिहणित्ता सं० कृ० ज० प० ५, ११४;

णिहण पुं० (निधन) વિનાશ; છેડો. विनाश; अन्त Destruction; end. नाया० ६;

णिहत्त न० (निधत्त) પરસ્પર મલેલ કર્મ પુદ્ગલોને દૃઢપણે ધારણ કરવો તે, કર્મ બન્ધનો એક પ્રકાર परस्पर मिश्र कर्म पुद्गलों को दृढता पूर्वक धारण करने का कार्य, कर्म बन्धन विशेष. Firm adherence or holding together of Karmic molecules in mutual combination, a mode of Karmic bondage ठा० ४, २, भग० १, १,

णिहय. त्रि० (निहत) હણેલ, મારેલ. मारा हुआ, नष्ट Killed. destroyed " जक्खा हु वेयावडियं करेंति तम्हा उ एए णिहयाकुमारा " उत्त० १२, ३२; दसा० ५, १६, —कंटय त्रि० (-कण्टक) જેણે કાંટા જેવા પ્રતિપક્ષીને મારેલ છે તે. जिसने कटक रूप तिपक्षी का नाश किया है (वह) (one) who has destroyed adversaries who were troublesom like thorns. ठा० ६; —रय त्रि० (-रजस्) જેમા રજ-મેલ દૂર થયેલ છે તે जिसमें रज-मैल नहीं है वह निर्मल, रज रहित, मात्विक. freed from dirt or dust, clean " अप्पेगतिया देवा णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं" जीवा० ३, राय० —सत्तु. त्रि० (-शत्रु) શત્રુને માર્યા છે જેણે शत्रुहन्ता; रिपुघातक (one) who has destroyed enemies. " ओहयसत्तु णिहयसत्तु मलियसत्तु निज्जियसत्तु " राय०

√णि-हर. धा० I, II. (नि+हृ) એથી

કાઢવું. खींच निकालना. To extract; to pull out.
णिहरइ. निसी० ३, ४२; सूय० २, २, २०;
णिहरेइ. निसी० १, ३५,
णिहरित्ताणि. निसी० १, ३५;
णिहरित्तए हे० कृ० विवा० ८;
णिहरंत व० कृ० निसी० १, १२;
णिहरावेति. प्रे० सूय० २; २, २८;

णिहस पुं० (निकष) કસોટી, કસોટી કાઢવાનો પત્થર. कसौटी परीक्षापाषाण; निकषप्रावा A touch-stone पन्न० १७,

णिहा स्त्री० (निहा-निहन्यन्ते प्राणिन यस्यां सा निहा) માયા माया, छल; कपट Deceit, fraud "उवसते णिहं चरे" सूय १, ८, १८,

णिहाण न० (निधान) ચક્રવર્તીના નવ નિધાન, ખજાનો. चक्रवर्ति के नौनिधान कोष, नव निधि A treasure, the nine treasures of a Chakravarti. ठा० ४, १, अणुजो०

णिहाय. स० कृ० अ० (निधाय) સ્થાપીને स्थापना करके Having placed or established सूय० १, ७ २१; (२) તજીને छोडकरके, त्यागकर. having left or abandoned. सूय० १, १३, २३

णिहार न० (निहार) નિહાર, શૌચક્રિયા. शौच क्रिया; दिशा, जंगल को जाना Act of answering calls of nature; getting rid of excrements ठा० ८;

णिहि पु० (निधि) ભંડાર, ખજાનો भंडार; कोष, खजाना A treasure, a store "पंच णिहीं पण्णत्ता" ठा० ५, ३, नाया० ३; जीवा० ३, ३; निसी० १३, २८; (२) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island; also that of an ocean पन्न० १५; जीवा० ३, ४;
—पइ. पुं० (-पति) ભંડારી; ધાનનો ધણી. खजांची; कोषाध्यक्ष. a treasurer भग० १२; ९;
—रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીનું નિધાન-ખજાનો. चक्रवर्ती का कोष. a treasure belonging to a Chakravarti. ज० प०

णिही स्त्री० (निही) અનંત જીવવાળી વનસ્પતિની એક જાત अनन्त जीववाली वनस्पति की एक जाति A species of vegetation with infinite living beings in it पन्न० १,

णिहु पु० (स्निहु) એ નામની એક વનસ્પતિ કંદ વિશેષ इस नाम की एक वनस्पति; कंद विशेष A kind of vegetation; a particular sort of bulbous root. जीवा० १, पन्न० १;

णिहुय त्रि० (निभृत) નિવૃત્ત થયેલ, પ્રવૃત્તિ રહિત निवृत्त, प्रवृत्ति शून्य. Retired, free from activity. सूय० १,८, १८; (२) પ્રશાન્ત વૃત્તિ વાળો. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. ओव० २१, (३) નિશ્ચલ; અચલ. निश्चल; अचल, स्थिर. firm, steady, motionless उत्त० १९, ४१; पगह० १, ३;

णिहो अ० (न्यक्) નીચે. नीचे; अध. Low, below, down "णिहोणिण संगच्छति अतकाले" सूय० १, ५, १, ५;

णीआगोय न० (नीचगोत्र) ગોત્ર કર્મની અશુભ પ્રકૃતિ. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति. An evil variety or class of Gotra-Karma अणुजो० १२७;

णीइ स्त्री० (नीति) નૈગમ આદિ નય. नैगम आदि न्याय-नय. A logical standpoint such as Naigama etc. ठा० ३, ३. (२) નીતિ--ન્યાય, राजनीति;

समाजनीति वगेरे. नीति-न्याय; राजनीति; समाज नीति वगैरह. morals; justice; politics. "तिविहा णोई पएणत्ता ताओ एवं वेवं" ठा० ३, ३, नाया० १,

णीय. त्रि० (नीच) नीचो; हलके. नीचा; घटिया; उतरता हुआ. Low; mean. ठा०४, ३,

णीलूढ. न० (निष्ठ्यूत) थुंकेलु. थूंका हुआ. (Saliva) spit out or ejected from the mouth नंदी०

णीजूहग न० (निर्यूहक) બારણાનો ટોડલો, ઘોડલો. दरवाजे का घोडला A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया०१,

णीजूहयंतर. न० (निर्यूहकान्तर) બે ટોડલા વચ્ચેનું અતર २ घोडलों के बीच का अन्तर. The distance or space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house नाया० १,

णीणिय. त्रि० (निर्णित) બ્હાર કાઢેલ बहार निकाला हुआ Brought out नाया०४,

णिणिया स्त्री० (नीनिका) એક જાતનો ચાર ઇંદ્રિયવાળો જીવ चार इंद्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being जीवा० १, पन्न० १,

णीति. स्त्री० (नीति) नीति-न्याय नीति. न्याय, कायदा; इन्साफ, Politics, justice नाया० १;

णीम पुं० (नीप) કદંબનું ઝાડ. कदम्ब का वृक्ष, The Kadamba tree. पन्न०१.

णीय. त्रि० (नीत) લાવેલ; આણેલ. लाया हुआ Brought, carried. नाया० १, १६; १७;

णीय. त्रि० (नित्य) નિત્ય, હમેશ રહેનાર नित्य; सदा रहने वाला. Constant; permanent; eternal ठा० १०;

णीय-अ. त्रि० (नीच) નીચું; નાનું; ઠીંગણું. नीचा; ठिगना; छोटा. Low; dwarfish, small भग० ३, १; २; १५, १; (२) नीच; हलके; नीचा कुंळनो. नीच कुल का. mean; low-born ठा० ३, ४, भग० ३, १; अणुजो० १४७, —जण. त्रि० (-जन) નીચ જાતિનો માણસ. नीच जाति का मनुष्य a person of a low family or caste. "णीयजण णिसेविओ लोगगरहणिज्जा" पण्ह० १,२; —दुवार त्रि० (-द्वार) નીચા બારણાવાળું नीचे या छोटे दरवाजे वाला having low gates or doors दस०५, १, २०,

णीयत्तण. न० (नीचत्व) નીચ પણું. क्षुद्रता, नीचता Lowness, meanness "णियत्तणे वट्टइ सच्चवाई" दस० ९,२,३.

णीययर त्रि० (नीचतर) અતિ નીચું बहुत नीचा Very low भग० ३ १;

णीयागोय न० (नीचगोत्र) ગોત્રકર્મની અશુભ પ્રકૃતિ. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति Evil Gotra-Karma causing birth in a low family "उच्चागोया वेगे णीयागोयावेगे" सूय० २, १, १३, —कम्म न० (-कर्मन्) ગોત્રકર્મની અશુભ પ્રકૃતિ, કે જેના ઉદયથી જીવ નીચ ગોત્ર પ્રાપ્ત કરે गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो. a variety of Gotra-Karmas (family-determining Karmas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family भग० ८, ९,

णीरय. त्रि० (नीरजस्) રજરહિત; કર્મરૂપી રજ રહિત रजहीन; कर्मरूपी मल से

रहित. Free from dust or dirt, free from dirt in the form of Karmas जं॰ प॰ सम॰ १, १, ३, १२, १५, १,

णीरिति पुं॰ (नैर्ऋति) मूल नक्षत्रनो अधिष्ठाता देवता. मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of a constellation bearing the same name. सू॰ प॰ १;

णीरुव्विग्ग त्रि॰ (निरुद्विग्न) उद्वेग रहित; चिंता रहित. निश्चिन्त, उद्वेग विहीन, बेफिक्र Careless, free from worry नाया॰ ८,

णीरोग त्रि॰ (नीरोग) रोग रहित निरोग स्वरूप Free from disease, healthy ठा॰ १० नाया॰ १. (२) ग्लानि रहित अम्लान, निरालस्य, ग्लानि रहित free from mental distress or worry आव॰

णीरोगय त्रि॰ (नीरोगक) रोग रहित, व्याधि वगरनो. रोग रहित; व्याधि विहीन Free from disease, healthy जावा॰ ३,

णील. त्रि॰ (नील) श्याम, नीलुं श्याम, नीला, काला Dark, black, blue. ठा॰ १०, (२) पुं॰ नीलो रंग नीला रंग blue colour पन्न॰ १, राय॰ ५०, (३) नीलम; एक जातनो मणि. नीलम, एक जाति का मणि. a kind of gem; a sort of blue gem जीवा॰ ३, (४) २५ मा ग्रहनुं नाम २५ वे ग्रह का नाम. name of the 25th planet "कोणिग्रा" ठा॰ २, ३; सू॰ प॰ २०, (५) स्त्री॰ नील लेश्या; छ लेश्यामां बीजी लेश्या नीललेश्या, छ लेश्याओं में से दूसरी. the 2nd of the six kinds of thought or matter-tints, viz. blue tint. पन्न॰ १७; (६) बाणनो समूह बाणों का समूह, शर-समूह. a collection of arrows राय॰

—पत्त त्रि॰ (-पत्र) लीलां पांदडां वाळुं. हरे पत्तों वाला having green leaves. पन्न॰ १,

—पाणि त्रि॰ (-पाणि - नील: काण्डकलाप पाणौ येषां ते नीलपाणय) जेना हाथमां बाणनो समूह छे ते; शर समूह का धारण करने वाला; शरधारी. (one) holding a number of arrows in the hand. राय॰

—प्पभ त्रि॰ (-प्रभ) लीली प्रभावाळुं. हरी कान्ति वाला possessed of green lustre. नाया॰ १,

—वराण न॰ (-वर्ण) कृष्ण वर्ण, नीलो रंग. कालारंग, नीलारंग. black colour, blue colour भग॰ ८, १, २, ४,

—वराणपज्जव पुं॰ (-वर्ण पर्यव) काळा वर्णना-रंगना पर्याय काले रंग का पर्याय A modification of black colour. भग॰२५,३

—सालगणियत्थ त्रि॰(?)नीला रंगनी साडी पहेरेल. नील रंग की साडी पहिने हुए (one) who has put on a Sāri or garment of blue colour. विवा॰ १०;

णीलकंठ पुं॰ (नीलकंठ) शक्रेन्द्रनी महिष सेनानो अधिपति देवता. शक्रेन्द्र की महिष सेना का नायक देवता The commanding deity of the army of buffaloes belonging to Śakrendra. ठा॰ ४, २;

णीलकंठय पुं॰ (नीलकंठक) मोर; मयूर. मोर; मयूर. A peacock नाया॰ १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

णीलकणवीर. पुं० (नीलकरवीर) नीला रंगनी કણેરના વૃક્ષની એક જાત. नीले रंग की कनेर; वृक्ष विशेष. A kind of tree blue in colour राय०

णीलकूड. पुं० (नीलकूट) નીલવંત વર્ષધર પર્વતનું એક શિખર नीलवंत वर्षधर पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nīlavanta Varsadhara ठा० २, ३;

णीलगुलिया. स्त्री० (नीलगुटिका) એક જાતનું રત્ન एक रत्न विशेष, एक प्रकार का रत्न A kind of gem. " णीलगुलियागवलप्प गासा " जीवा० ३, ४, राय० नाया० १,

णीलबंधुजीव. पुं० (नीलबंधुजीव) નીલા રંગના પુષ્પ વાળું એક જાતનું ઝાડ नीले रंग के फूल वाला एक वृक्ष विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers. राय०

णीलय पुं० (नीलक) લીલો રંગ हरा रंग Green colour भग० १८, ६, २०५,

णीललेस्स. त्रि० (नीललेश्य) નીલ લેશ્યાવાળો જીવ. नील लेश्या वाला जीव. (A soul) having blue thought-tint (Leśyā). ठा० १, १, भग० १८, ३, २५, १; —**भवसिद्धिय.** पु० (-भवसिद्धिक) નીલ લેશ્યાવાળા ભવ્ય જીવ. नील लेश्या वाले भव्यजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. भग० ३५,७,

णीललेस्सा स्त्री० (नीललेश्या) ૬ લેશ્યામાંની બીજી લેશ્યા. ६ लेश्याओं में की दूसरी लेश्या. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Leśyās). पन्न० १, १७; भग० १, २;

णीलवंत. पु० (नीलवत्) જમગ પર્વતથી દક્ષિણ દિશાએ ૮૩૪ જોજન અને ૪ સાતીયા ભાગ ઉપર સીતા નદીને મધ્યભાગે આવેલ એ નામનો એક દ્રહ કે જેને બે પાસે વીશ કંચનક પર્વત છે. जमग पर्वत की दक्षिण दिशा में ८३४ योजन और चार सातीया भाग ऊपर और सीता नदी के मध्य में आने वाला एक जलाशय जिसके दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत हैं Name of a great lake in the south of Jamaga mount in the middle of the course of the river Sitā on two of its sides it is bounded by twenty Kañchanaka mountains जं० प० (२) તેના વાસી નાગકુમાર દેવ. उस द्रह के निवासी नागकुमार देव a Nāgakumāra kind of deities residing in the above lake जं० प० (३) મન્દર પર્વતનું બીજું શિખર मन्दर पर्वत का दूसरा शिखर. the second peak of Mandara mount जं० प० (४) નીલવંત પર્વત, મહાવિદેહની ઉત્તર તરફની સીમા બાંધનાર પર્વત नीलवंत पर्वत, महाविदेह की उत्तरी सीमा बनाने वाला पर्वत. the mount Nīlavanta forming the northern boundary of Mahāvideha " कहिणं भंते जंबुद्दीवे णीलवंते णाम वासहरपव्वए पएणत्ते " जं० प० ठा० २, ३; पन्न० १६, जीवा० ३, ४, —**कूड.** पुं० (-कूट) નીલવંત વર્ષધર પર્વતનું બીજું શિખર नीलवंत वर्षधर पर्वत का दूसरा शिखर कूट. the second peak of the Nīlavanta Varṣadhara mountain. " दो णीलवंत कूडा " ठा० २, ३; जं० प० —**द्दहकुमार.** पुं० (-द्रहकुमार) નીલવંત દ્રહનો અધિપતિ નાગકુમાર દેવ नीलवंत द्रह का अधिपति नागकुमार देव a

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nīlavanta. जीवा० ३, ४; —पव्वय पुं० (-पर्वत) नीलवंत पर्वत. नीलवत पर्वत. the mount Nīlavanta. नाया० १६.

णीला. स्त्री० (नीला) नील लेश्या. नील लेश्या. Blue thought-tint or matter-tint सम० (२) जम्बुद्वीपना मेरुनी उत्तरे रक्ता महानदीने मळती ए नामनी एक महानदी जबूद्वीप के मेरु की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक महानदी name of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru mount of Jambūdvīpa ठा० १०,

णीलाभास पुं० (नीलाभास) २६मो महाग्रह २६ वां महाग्रह The 26th of the great planets 'दा णीलाभासा' ठा० २, ३. च० प० सू० प०

णीलासोग पुं० (नीलाशोक) नीला रंगनुं अशोक वृक्ष नीला रंग का अशोक वृक्ष An Aśoka tree blue in colour राय० (२) ए नामनुं सुदर्शन शेठनुं उद्यान इस नाम का सुदर्शन सेठ का उद्यान name of a park owned by the merchant named Sudarsana नाया० ५, —उज्जाण न० (-उद्यान) ए नामनुं एक उद्यान. इस नाम का एक उद्यान -बगीचा name of a park or garden. विवा० ५,

णीलासोय न० (नीलाशोक) सौगंधिका नगरीनी बहारनुं एक उद्यान सौगंधिका नगरी के बाहर का एक उद्यान. Name of a garden or park outside the city of Saugandhikā. नाया० १; ५;

णीली. स्त्री० (नीली) नीली-गळी नील. Indigo नाया० १६; जीवा० ३, ४; जं० प० ३, ४५; (२) गुच्छ वनस्पतिनो एक प्रकार गुच्छेदार वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves पन्न० १;

णीलुप्पल न० (नीलोत्पल) नीलोत्पल, कमल. नीलोत्पल, नील कमल. A blue lotus नाया० १; ३, ५, ८, ६, १४; भग० ६,३३, —असि पुं० (-असि) नीलोत्पल कमल जेवी तलवार. नील कमल जैसी तलवार a sword like a blue lotus नाया० ८ —वण न० (-वन) नीलोत्पल कमळनुं वन नीलोत्पल कमल का वन. a forest of blue lotuses तदु०

णीलोभास त्रि० (नीलावभास) मयुरना गळा जेवुं प्रकाशमान मोर के कंठ के समान प्रकाशमान Shining, bright like the neck of a peacock. ओव० राय० (२) २६मा ग्रहनुं नाम २६ वे ग्रह का नाम. name of the 26th planet सू० प० २०;

णीव पुं० (नीप) कदम्बनुं झाड कदम्बका वृक्ष A Kadamba tree ओव० नाया० ६; (२) न० तेना फूल. उस (कदंब) के फल a fruit of a Kadamba tree नाया० १; भग० २२, ३;

णीवार पुं० न० (नीवार) खेड्या वगरनी जमीनमा उगेल धान्य विशेष; सामो चोखा प्रभृति बिना हल की हुई भूमिमें उत्पन्न धान्य विशेष, सांवा, चावल आदि. Rice etc. growing in uncultivated land सूय० १, ३, २, १८, १, १५, १२;

णीसंक. त्रि० (निःशङ्क) शंका रहित. शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt. भग० १, ३;

णीसट्ठ. त्रि० (निःसृष्ट) દૂર કેલ; મુકેલ. फेंका हुआ; त्यक्त; छोड़ा हुआ Left; abandoned; given up, freed; given out. पराह० १, १;

णीसासिऊच्छसियसम. न० (नि:श्वासितोच्छ्वसितसम) ઉંચા નીચા સ્વરવાળુ ગાન ऊंचे नीचे स्वर वाला गान A musical tune with rising and falling accents ठा० ७;

णीससिय. न० (नि श्वसित) નિશ્વાસ મુકવો निश्वासडालना Act of breathing out or exhaling, a sigh नाया० ६,

णीसा स्त्री० (*) ઘંટી. घट्टी, चक्की A mill to grind corn etc " दग वारापूरा गिहियं णीसाए पीडएणवा " दस० ५, १, ४५,

णीसास पुं० न० (निःश्वास) નીચે શ્વાસ મુકવો તે श्वास छोडना Act of exhaling or breathing out ओव० १६, नाया० १, ८, भग० १, १, १७, १२,

णीसासमाण. त्रि० (निःश्वसत्) શ્વાસ મુકતો सांस लेताहुआ, दम भरता हुआ Breathing out; exhaling नाया० ६;

णीसेयस. न० (निःश्रेयस) નિશ્ચિત કલ્યાણ, મોક્ષ निश्चित कल्याण; मोक्ष Final, certain bliss,salvation जीवा०३,४,

णीहडिया. स्त्री० (निर्हृतिका) પિરસણુ परोसा, कार्यवश आनेमें असमर्थ किसी मित्र आदिके यहां भेजीहुई भोजन की थाली A dish of food etc. sent to a relative or friend who has not been able to partake of a general feast. वेय० २, १७;

णीहरण न० (निर्हरण) મરણ સંસ્કાર. मृत्युसंस्कार; अन्त्येष्टि क्रिया. Funeral rite or ceremony विवा० ५, ८, नाया० १४, भग० १५, १, (२) નિકળવું તે. निकलना. getting out; starting out. नाया० २;

णीहरमाण त्रि० (नाहरत्) નિહાર કરતો मुक्त होता हुआ; फारिग होता हुआ Expelling; getting rid of; answering calls of nature वेय० ६, ३;

णीहरित्तए हे० कृ० अ० (निर्हर्तुम्) નિહાર કરવાને मुक्त होनेके लिए बाहर निकालने के लिए In order to expel, in order to clear or get rid of e g. excrements वेय० ६, ३.

णीहार. पु० (निहार) દિશાએ-શૌચક્રિયાએ જવું दिशा शौच क्रियाके लिए जाना Act of easing oneself, answering calls of nature सम० ३४;

णीहारण न० (निर्हारण) કાઢી મુકવું. निकाल देना धक्का देकर निकाल देना Act of driving away, pushing out ठा० २, ४,

णीहारि त्रि० (निर्हारिन्) વ્યાપી જનાર, વિસ્તાર પામનાર फैल जानेवाला, विस्तार पानेवाला Extending, pervading, having the property of extension. सम०३४,ओव०३४, (२)ઘોષ-અવાજ વાળુ घोष-शब्दवाला. full of sound; possessed of sound ठा० १०;

णीहारिम न० (*) જેના શબનું નિહ-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

रवुं-अग्निसंस्कार वगेरे मरणु संस्कार थई शके तेवा स्थले संथारो करवो ते ऐसे स्थानपर संथारा करना कि जिससे मृत्युकेबाद शवकी अन्त्येष्टि क्रियादि आसानी से होसकें. Act of giving up food and water in such a place so that after death the corpse can be removed for the purpose of funeral rites such as cremation etc. ठा० २,४, भग० २, २५, ७, १, १३, ७, (२) घणे दूर सुधी पहोंचे तेवुं बहुत दूरतक पहुचनेवाला. (one) reaching a long distant ओव०

णीहू स्री० (नीहू) कन्दनी एक जात कुक कन्द विशष A species of bulbous roots. भग० ७,३,२३,२, उत्त० ३६,६८.

णु अ० (नु) प्रश्न प्रश्न, अव्यय-प्रश्नचिन्ह An indeclinable marking question दस० ७, ५१, (२) वितर्क त्रिमर्क, आश्चर्य चिन्ह an indeclinable marking imagination or supposition विशे० ३०,

√णुक्-कर. धा० II (न्यक+कृ) धिक्कारवु धिक्कारना, बुराभला कहना To reproach to show contempt towards. णुक्कारेति राय० १८२,

णुक्कार. पु (न्यक्कार) तुकार शब्द करवो ते घृणाव्यजक शब्द A sound expressive of contempt राय०

णूणं अ० (नूनम) नक्की, चोकक्स ठीक-ठीक, निश्चित, स्पष्ट Indeed, assuredly नाया० १, ५, ६, १६, भग० १, १, २, १; ५, १, १, १५, १; उत्त० २, ४., ओव० ४१, पत्र० ११, (२) तर्क, प्रश्न, हेतु इत्यादि अर्थमा वपरातु अव्यय, तर्क, प्रश्न, हेतु आदि अर्थोपयोगी अव्यय. an indeclinable used to mark supposition, question, reason etc. श्रेम० २, ५; ६,

णूम. न० (नूम) गाढ अधारु. प्रगाढ अंधेरा; घनघोर अंधकार. Dense darkness. भग० १, ८; (२) पर्वतनी गुफा वगेरे; गुप्त स्थल a mountain-cave etc. निमी० १२, १२, सूय० १, ३, ३, १. २, २, ८, (३) ढाकवु ढाकना. covering; act of covering. पण्ह० १, २, (४) माया, कपट माया, कपट; छल. deceit, fraud भग० १२, ५, सम० ५२, सूय० १, १, ४, १२, (५) कर्म. कर्म action, Karma आया० १, ८, ८, २४, —गिह. न० (—गृह) गीच झाडीमा आवेलुं घर. कुञ्ज वाला घर a house surrounded by trees आया० २, ३, ३, १२७,

णे अ० (णं) पाद पूरणु पाद पूरक शब्द An expletive, an indeclinable used as an expletive जीवा० ३,

णे त्रि० (नः) अमे-अमारो-रीरे. हम, हमारा-री रे We, our भग० १, ८; २, ५, १५, १; दस० १, ६,

णेआउअ-य. त्रि० (नैयायिक) न्याय युक्त; युक्ति प्रयुक्ति सहित न्याययुक्त; युक्ति प्रयुक्ति सहित. Based on sound logical reasoning ओव० ३४; सूय० १, २, १, २१, (२) जेमा निश्चय मुक्ति मले तेवो मार्ग. ऐसा मार्ग कि जिसके द्वारा निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त हो सके a path surely and invariably leading to salvation उत्त० १०, ३१, (३) न्यायशास्त्र जाणनार न्यायाचार्य; न्यायविद् (one) proficient in logic ओव० ३४;

णेउणिअ न० (नैपुणिक) निपुण; चतुर.

निपुण; चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस० ६, २, १३;

णेउर. न० (नूपुर) પગનું આભરણુ, ઝાંઝર. पैर का भूषण; तोडा. A leg-ornament; an anklet. नाया० १, ४; १६; जीवा० ३, ३; (२) બે ઇંદ્રિય વાળો જીવ વિશેષ दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a species of living beings with two senses पन्न० १, (३) ચાર ઇંદ્રિય વાળો જીવ. चार इन्द्रिय वाला जीव a living being with four senses पन्न० १;

णेगम. पुं० (नैगम-निगमा वणिजस्तेषां स्थानं नैगमम्) વાણિયા-વ્યાપારીઓનું નિવાસ-સ્થાન. व्यापारिओंका निवासस्थान A quarter of a town etc where traders or merchants reside भग० १८, २;; (२) શાસ્ત્રના અર્થમાં કુશલ शास्त्रों के अर्थमें कुशल proficient in scriptural texts and their meaning ठा० ३, ३; (३) સાત નયમાંનો પહેલો નય सात नय में से प्रथम न्याय-नय the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy ठा० १; पन्न० १६. —नय पु० (-नय) જૈન દર્શન-અભિમત સાત નયમાંનો પ્રથમ નય जैन दर्शन के सात नयो में से पहिला नय. the first of the seven logical standpoints in the Jaina philosophy विशे० ३१; —पढमासणिय. त्रि० (-प्रथमासनिक) વ્યાપારીઓમાં પ્રથમ આસન ધરાવનાર व्यापारिओं में श्रेष्ठ-पहिले आसन का अधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants भग० १८, २;

णेच्छइय पुं० (नैश्चयिक) નિશ્ચય નય. निश्चय नामक नय. A standpoint by which a thing is named after the substance of which it is evidently made भग० १८, ६;

णेट्ठूर. पुं०(नेट्ठूर) એ નામનું એક અનાર્ય દેશ. एक अनार्य देश Name of a Anārya country. (२) તેના વાસી મનુષ્ય उस के निवासी लोग a person residing in the above country पराह० १, १;

णेतव्व न० (नेतव्य) સમજી લેવું. समझ लेना, जानजाना. Grasping the meaning of; understanding, comprehending सू० प० २०;

णेतव्व त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય जानने योग्य, ज्ञातव्य Worthy to be known भग० १, १; २४, २.

णेतार त्रि० (नेतृ) નાયક. अधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a leader जं० प०

णेत्त न० (नेत्र) આંખ आंख, नयन; चक्षु An eye पन्न० १८, २२; (२) નેતરું रस्सी a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking उत्त० २, ६४; (३) નેતરની છડી, સોટી. बेत, बेन वृक्ष की छडी a cane, a birch rod सूय० २, २, १८, —सूल न० (-शूल) નેત્ર શૂલ, આંખનો દુખાવો. नेत्र पीडा, आंख का दर्द pain in the eye; sore eye. नाया० १३.

णेम पु० स्त्री० (नेम) જમીનથી ઉંચો નીકળતો પ્રદેશ; ભિંતની કિનારી जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग, दिवाल का किनारा. Region or portion protruding from ground level जं० प० राय० १०४;

णेमि. पुं० (नेमि) પૈડાનો ઘેરાવો; પૈડાની ધાર. पहियेका घेराव; चक्रकी परिधि. Circumference of a wheel. ओव० ३१. जं० प० ३, ४७, ठा० ३, ३; सूय० १, ४, १, ६, —पडिरूवग. न० (-प्रतिरूपक) ચક્રધારા સમાન, વૃત્તસંસ્થાન. चक्रधारा समान; गोलाकार. (any thing) circular in shape like a wheel भग० १४, ६.

णेमित्तिय न० (निमित्त) નિમિત્તશાસ્ત્ર. ૨૯ પાપ શાસ્ત્રમાંનું એક. निमित्तशास्त्र, २६ पापशास्त्रों में से एक. The science of omens, one of the 29 Pāpa Śāstras (secular sciences) ठा० ६,

णेम्मा स्त्री० (*) જમીનથી ઊંચો પ્રદેશ. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग-प्रदेश Region higher in level than the ground राय० ४५;

णेय त्रि० (ज्ञेय) જાણવા યોગ્ય જ્ઞેય; जानने योग्य Worthy to be known राय० २१२. पन्न० २१, नाया० ११, १८;

णेयतिय त्रि० (नैयतिक) નિત્ય नित्य; शाश्वत Constant, permanent, eternal भग० १, २,

णेयव्व त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય जानने योग्य, ज्ञातव्य Worthy to be known, worth being known. ठा० २, २, भग० २, २; ५, ४, १२, १६, २५, ७, २८, ११, नाया० १६, निसी० ६, ५, ११, १२, १८, ०, दसा० १०, १, जं० प० ७, १३५; ६, १२४;

णेयव्व. त्रि० (नेतव्य) કહેવા વર્ણવવા યોગ્ય. कहने या वर्णन करने योग्य. Worthy to be told or described; worthy to be conveyed or communicated. ओव० २०; जं० प० ५, ११६,

णेयाउय त्रि० (नैयायिक-न्यायेन चरति नैयायिक) ન્યાય યુક્ત. न्याययुक्त; कायदे से चलने वाला. Logically sound; just, in accordance with justice. उत्त० ३, ६; दसा० १०, १, ६, १८; (२) ન્યાયદર્શન-ગૌતમશાસ્ત્રને જાણનાર. न्याय दर्शन गौतम शास्त्र को जानने वाला. (one) proficient in the system of logic propounded by Gautama सूय० टी० १, १, १, ६; (३) મોક્ષમાર્ગ બતાવનાર ન્યાયયુક્ત શાસ્ત્ર मोक्षमार्ग को बतलाने वाला न्यायशास्त्र a scripture based on logic and guiding one on the path to salvation नाया० १;

णेयार त्रि० (नेतृ) નેતા; નાયક नेता; नायक, अध्यक्ष. (One) who leads; a leader सूय० १, १, २, १८, १,६, ७;

णेरइय पुं० (नैरयिक) નરકમાં રહેનાર જીવ; નારકી नरकवासी जीव, नारकी. A hell-being, a soul born in hell. ठा० १, १; २, ४, ३, १; उत्त० १०, १४, ओव० २०; ३४, अणुजो० १४०; भग० २, १, ६, ८, ८, ८, १६, १; १६, ८, २०, १०, २४, १, ३२, १, नाया० २, दसा० ६, १. ४; पन्न० १; जीवा० १, (२) નરક ગતિ, નરકનો ભવ-અવતાર. नरकगति, नरक का भव-जन्म-अवतार.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५, की फुटनोट (*). Vide foo-note (*) p 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell. ओघ० १८; —आउअ-य. न० (-आयुष्) नारकीनुं आयुष्य. नारकीका आयुष्य life-period of a denizen of hell. भग० ८, ६; १०, १; ठा० ४, २; —आवास. पुं० (-आवास) नरकावासो. नरकावास; नरक में निवास स्थान abode in hell भग०१२, ५, १८, ५, ठा० २,४; —ठिति स्त्री० (-स्थिति) नारकीनी स्थिति नारकी की स्थिति-दशा condition of a hellish being भग० २४, १; —दुग्गइ स्त्री० (-दुर्गति) नरकरूप दुर्गति. नरकरूप दुर्गति bad plight in the form of birth in hell ठा० ४, १, —पवेसण न० (-प्रवेशन) नरकमां प्रवेश नरक में प्रवेश entrance into hell भग० ६, ३२, —भव पुं० (-भव) नारकीनो भव. नारकी का जन्म. birth as a denizen of hell ठा० ४, २, —संसार पुं० (-संसार) नरक गतिरूप संसार. नरक गतिरूप संसार, नारकी संसार worldly existence akin to an abode in hell ठा०४,२, भग०२५,१,

णेरइयत्त. न० (नैरयिकत्व) नारकीपणुं नारकी पन State of being a denizen of hell. भग० १२, ४;

णेरइयत्ता स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपणुं नारकी पन. State of being a denizen of hell नाया०२,१६, १६, भग० १२, ७; १५. १, १७, १, ठा० ४, ८; दसा० १०, ३;

णेरई. स्त्री० (नैर्ऋती) नैऋति-राक्षस जेनो देवता छे एवुं नक्षत्र, मूल नक्षत्र. नैर्ऋति राक्षस के अधिपत्य वाला मूल-नक्षत्र. A constellation named Mūla having for its presiding deity a demon. भग० ७, १;

णेल न० (नैल) गळीनो विकार. नील का विकार A product of indigo भग० १, १.

णेलवंत पुं० (नीलवत्) महाविदेहनी उत्तर सरहद उपरनो पर्वत. महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary of Mahāvideha (२) नीलवंत पर्वत उपर रहेनार तेनो अधिष्ठाता देवता. नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उसका अधिष्ठाता देवता the presiding deity of the Nīlavanta mount, residing upon that mount ज० प०

णेवत्थ न० (नेपथ्य) वेष; पोशाक. वेष; पोशाक Dress, e g in a drama ओव० २४, पन० २, पगह० १, ४, ठा० ४, २; नाया० १, १६, (२) पडदो परदा a curtain, e g in a drama नाया० १, (३) अलंकार, आभूषण अलंकार, आभूषण, जेवर, गहने. an ornament, a decoration पंचा० ८, २८, ज० प० ७, १५०;

णेव्वाण न० (निर्वाण) मुक्ति, मोक्ष मुक्ति, मोक्ष, मुगत Salvation, final bliss. " एतदि फल चेय परमं णेव्वाणमेव णियमेण " पंचा० ८, ३२,

णेसज्जि पुं० (नैषधिन्) निषिद्ध पलांठी आसने बेसनार आलथी पालथी मारकर आसन में बैठने वाला (One) who sits with his legs crossed. पंचा० १८, १२, प्रव० ५६१,

णेसज्जिया स्त्री० (नैषधिकी) निषिद्ध पलांठी आसने बेसनार (स्त्री). पलांठी मारकर

बैठने वाली(स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed. ठा० ५, १; वेय० ५, २६;

णेसत्थिया. स्त्री० (नैसृष्टिकी) पत्थर वगेरे फेंकवाथी लागती क्रिया. पत्थर आदि फेंकने से होने वाला कर्म बंध. Karma incurred by throwing a stone etc. ठा० २, १;

णेसप्प पुं० (नैसर्प) नव निधानमानो एक, जेमां ग्राम नगर आदिनुं वर्णन छे ते नव निधान में का एक निधान, जिस में ग्राम नगर आदि का वर्णन है One of the nine Nidhānas जं० प० ठा० ९,

णेसाय पुं० (निषाद) निषाद नामनो स्वर, सात पडजमानो एक निषाद नामका संगीत का एक स्वर, सात प्रकार के स्वर में से एक One of the seven musical notes so named ठा० ७, १

णेह पुं० (स्नेह) स्नेह, अनुराग, प्रीति स्नेह, अनुराग, प्रीति, प्रेम. Affection, love, attachment नाया० १, भाउ० (२) चिकाश चिकनापन stickiness नाया० १६; —अवगाढ. त्रि० (-अवगाढ) स्नेहथी व्याप्त स्नेह से परिपूर्ण full of, absorbed in the emotion of love. नाया० १६, —उत्तुप्पियगात्त. त्रि० (-उत्तोपितगात्र) स्नेह वाळुं शरीर. स्नेहपूर्ण शरीर,स्नेहमय गात्र a body full of the feeling of love विवा० २, —क्खय. पुं० (-क्षय) चिकाशनो नाश चिकनाई का क्षय नाश destruction of stickiness or viscosity नाया० १६,—ज्झाण न० (-ध्यान) पुत्र आदिना स्नेहनुं ध्यान. दुर्ध्याननो एक प्रकार पुत्र आदि के स्नेह का ध्यान; दुर्ध्यान विशेष a sort of undesirable contemplation, viz that upon filial affection, conjugal bliss etc. भाउ०

णो. त्रि० (अ०) अमारुं. हमारा. Our, ours. भग० ६, ३३;

णो. अ० (नो) नहिं; निषेध नहीं; निषेध. No, not भग० १, १, ३; ६; २, १; ५, ५, २; ६, ४; १६, ३, २०, १०; ३२, २, २५, २, ६, नाया० १; ५, ७, ८; १४, १५, १६; आया० १, १, १, १; १; १, १, २, अणुजो० २, ओव ३८,

णोअक्खरसंबद्ध त्रि० (नोअक्षरसम्बद्ध—अक्षरसम्बद्धादितरो नोऽक्षरसम्बद्धः) अक्षर संबंधथी भिन्न अक्षर सम्बन्ध से भिन्न. Bearing a relation different from that due to or caused by letters. ठा० २, ३,

णोअमण न० (नोऽमनस्) मन मात्र. केवल एक मन, मन मात्र. Mind alone, nothing except mind ठा० ३, ३;

णोअवयण न० (नोऽवचन) वचन मात्र. केवल वचन ही, मूक वचन मात्र. Speech alone, nothing except speech. ठा० ३, ३,

णोआउज्ज. पुं० (नोआतोद्य) ताडन कर्या वगर जे शब्द थाय ते, वांस वगेरे चीरता जे शब्द थाय ते ताडन विना उत्पन्न होने वाला शब्द, बांस आदि को चीरते समय उत्पन्न होने वाला शब्द. Sound produced by anything else than beating or striking, e. g that produced by tearing or rending. ठा० २, ३; —सद्द. पुं० (-शब्द) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above "णो आउज्जसद्दे दुविहे पन्नत्ते" ठा० २, ३;

णोआगास पुं० (नोआकाश) આકાશ ભિન્ન; આકાશ સદૃશ ધર્માસ્તિકાયાદિ आकाश भिन्न, आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि Dharmāstikāya etc as differentiated from Ākāśa etc ठा० २,१.

णोइंदिय न० (नोइन्द्रिय) ઇન્દ્રિય ભિન્ન અને ઇન્દ્રિયસદૃશ મન इन्द्रिय भिन्न एव इन्द्रिय सदृश, मन Mind ठा० ६ भग० १८, १०. —जवणिज्ज पुं० (-यापनीय) મન વશ કરવું તે मन का प्रथम निरोध control of mind भग० १८, १० नाया० ५. —त्थ पुं० (-अर्थ) મનનો વિષય मन का विषय an object of perception for the mind ठा० ६

णोउस्सासग पुं० (नोउच्छ्वासक) ઉચ્છ્વાસ પર્યાપ્તિ જેણે નથી પૂર્ણ કરી તે जिसने उच्छ्वास पर्याप्ति पूर्ण न की हो (One) that has not fully developed the power of respiration "बारसवा दुविहा पन्नत्ता तंजहा उस्सासगा चेव णोउस्सासगा चेव" ठा० २, २.

णोकसाय पुं० (नोकषाय) હાસ્ય, રતિ અરતિ, ભય, શોક, જુગુપ્સા આદિ; પુરૂષવેદ, નપુંસકવેદ એ નવ મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ કષાય ભિન્ન–કષાયસદૃશ ઉપર્યુક્ત ૯ પ્રકૃતિનો સમુદાય हास्य रति अरति भय, शोक जुगुप्सा, स्त्रीवेद पुरुषवेद नपुंसकवेद ये मोहनीय कर्म की नौ प्रकृति कषाय भिन्न –कषाय सदृश उपर्युक्त नौ प्रकृति का समुदाय The aggregate of the nine varieties of Mohanīya Karma not classed under Kaṣāya though akin to it viz laughter, pleasure, disgust, fear, grief, dismay, male sex feeling, female sex feeling, and neuter sex feeling. पन्न० १३; —वेयणिज्ज न० (-वेदनीय) નોકષાય રૂપ મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ मोहनीय कर्म की नोकषायादि नौ प्रकृति. the nine varieties of Mohanīya Karma e g. laughter etc नवविहे णोकसाय वेयणिज्जे कम्मे पन्नत्ते " ठा० ९,

णोकेवलणाण. न० (नोकेवलज्ञान) કેવળ જ્ઞાન ભિન્ન કેવળજ્ઞાન સદૃશ, અવધિ અને મનઃપર્યવજ્ઞાન केवलज्ञान भिन्न–केवलज्ञान सदृश अवधि और मनःपर्यवज्ञान Avadhi Jñāna and Manaparyava Jñāna as differentiated from Kevala Jñāna " णो केवलणाणे दुविहे पन्नत्ते तं जहा ओहिणाणे चेव मण [illegible] ठा० २, १.

णोणाणायार पुं० (नोज्ञानाचार) જ્ઞાનાચાર ભિન્ન, દર્શનાચાર વગેરે ज्ञानाचार भिन्न दर्शनाचार आदि Right faith etc as differentiated from right knowledge णोणाणायारे दुविहे पन्नत्ते दंसणायारे चेव णो दंसणायारे चेव ठा० २ १

णोतसथावर पुं० (नोत्रसनोस्थावर) ત્રસ નહિ અને સ્થાવર નહીં તે સિદ્ધ ભગવાન् जो त्रस और स्थावर दोनों नहीं है वह सिद्ध भगवान् A being neither mobile or immobile a liberated soul जीवा० १

णोदंसणायार पुं० (नोदर्शनाचार) દર્શનાચાર ભિન્ન જ્ઞાનાચાર વગેરે दर्शनाचार भिन्न, ज्ञानाचार आदि Right knowledge etc as differentiated from right faith दुविहे णोदंस- णायारे पन्नत्ते " ठा० २, १.

णोइंदिय त्रि० (नोइन्द्रिय) મૈથુન કૈસ, [illegible]

प्रेरणा करेल, प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित; प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward. नाया॰ ६;

णोअणंतपएसिय. पुं॰ (नोअनन्तप्रदेशिक) अपरमाणु पुद्गल, द्विप्रदेशी आदि स्कंध अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध An aggregation of atoms in any number beyond a single indivisible atom ठा॰ २, ३,

णोअबद्धपासपुट्ठ. पुं॰ (नोअबद्धपार्श्वस्पृष्ट) बद्ध नहीं किंतु एक पडखेथी स्पृष्ट-शब्द. रुका हुआ नहीं वरन् एक ओरसे स्पृष्ट तथा निकलता हुआ शब्द. A sound not altogether restrained but emerging from one side only ठा॰ २, ३,

णोभासासद्द पुं॰ (नोभाषाशब्द) अव्यक्त शब्द, भाषा पर्याप्ति वगरनो शब्द अव्यक्त शब्द; निरर्थक शब्द. An indistinct or inarticulate sound "णोभासासद्दे दुविहे पण्णत्ते" ठा॰ २, ३

णोभिउरधम्म पुं॰ (नोभिदुरधर्म-इयत एव नो भिद्यते इति नोभिदुरधर्मः) सुदृढ़धर्म धर्मप्राण, धर्म में दृढ One steadfast in religion. ठा॰ २, ३

णोभूसणसद्द. पुं॰ (नोभूषणशब्द) भूषण शब्द, भिन्न भूषण शब्द; सदृश शब्द. भूषण शब्द, भिन्न भूषण शब्द; सदृश शब्द. A sound rising from anything but an ornament 'णोभूसणसद्दे दुविहे पण्णत्ते" ठा॰ २, ३,

णोमल्लिया स्त्री॰ (नवमल्लिका) जुओ "णोमालिया" शब्द. देखो "णोमालिया" शब्द Vide "णोमालिया" जीवा॰ ३.

णोमालिया स्त्री॰ (नवमालिका) नवमालति नामनुं एक वृक्ष. नवमालती नामक एक वृक्ष. A plant of the jasmine species. पन्न॰ १, राय॰ ५१; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ४, ८३;

णोल्लिय. त्रि॰ (नोदित) प्रेरणा करेल. प्रेरित प्रचोदित Inspired; impelled. पण्ह॰ १, ३.

णोसंजयासंजय. पुं॰ (नोसंयतासंयत) संयत नहि अने असंयत पण नहि; सिद्ध भगवान संयत व असंयत दोनोंसे परे; सिद्ध भगवान One who is neither self-controlled nor otherwise; a perfected soul of a Siddha ठा॰ ४, ४;

णोसण्णोवउत्त. त्रि॰ (नोसंज्ञोपयुक्त) आहारादि संज्ञा-उपयोगथी रहित. आहारादि संज्ञा के उपयोगसे रहित. Devoid of any instinct for taking food etc, a being whose consciousness of hunger etc. has not developed भग॰ २६, १,

ण्हवण. न॰ (स्नपन) स्नान. स्नान, मज्जन. Bath, act of bathing. पण्ह॰ १ २, सु॰ च॰ ४, १५०,

ण्हविअ-य त्रि॰ (स्नापित) स्नान करेल, नाहेल स्नान किया हुआ; नहाया हुआ Bathed, (one) who has bathed उत्त॰ २२, ६, सु॰ च॰ २, १२;

ण्हविऊण. सं॰ कृ॰ अ॰ (स्नापयित्वा) स्नान करावीने स्नान कराकर Having caused to be bathed सु॰ च॰ २, ६०२;

ण्हविज्जत. त्रि॰ (स्नप्यमान) स्नान करातो. स्नान कराता हुआ. Bathing; (one) causing other to be bathed. सु॰ च॰ २, ४१;

ण्हाअ-य. त्रि॰ (स्नात) नाहेल; स्नान करेल नहाया हुआ, स्नान किया हुआ.

Bathed; (one) who has bathed. आया० १; ९; ५; ८, १२; १३; १४; १६; भग० २, ९; ६, ३३; १८, ७; दसा० १०, १; ओव० ११; उत्त० १२, ४९;

ण्हाण न० (स्नान) સ્નાન; નહાવું તે. स्नान; नहाना. Bath; bathing. सु० च० १, ३१२; भग० ११, ११; १०; विसे० १०२५; दसा० ६, ४; निसी० ३, ६; —उदय. न० (-उदक) નહાવાનું પાણી. स्नान करनेका पानी water for bathing. नाया० १२; —पीठ. न० (-पीठ) સ્નાન પીઠ; નહાવાનો બાજોઠ. स्नान पीठ; नहानेका बाजोठ, पाट आदि. a seat for taking bath. नाया० १, अं० प० ३, ४३; —मंडव पुं० (-मण्डप) સ્નાન કરવાનો માંડવો. स्नान मंडप. a bower used as a bath room. अं० प० ३, ४३; —मल्लिया. स्त्री० (-मल्लिका) સ્નાનમાં ઉપયોગી એક જાતનું સુગંધી વૃક્ષ; મોટી માલતી. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृक्ष विशेष; मोटी मालती jasmine, a plant bearing fragrant flowers. जीवा० ३; जं० प० राय० ५६;

ण्हारु. न० (स्नायु) સ્નાયુ; નસ. स्नायु; नस; नाडी. A muscle; a nerve; a sinew. भग० १, ५; ४, ६; १, ६; जीवा० १; —जाल. पुं० (-जाल) સ્નાયુની જાળ-સમૂહ. तंतुजाल; स्नायु समूह. a net-work of muscles or sinews. भग० ३, ३३;

ण्हारुवल्ली. स्त्री० (स्नायु) સ્નાયુ-માંસ તંતુ. स्नायु-मांस तंतु. A tendon; a muscle; a sinew. आया० १, १, ६, ५३; सूय० २, २, ६; जं० प०

ण्हाविया. स्त्री० (स्नापिका) સ્નાન કરાવનારી દાસી. स्नापिका; स्नानकराने वाली दासी. A maid-servant whose duty is to bathe her master or mistress. भग० ११, ११;

ण्हुसा. स्त्री० (स्नुषा) પુત્રની વહુ; છોકરાની સ્ત્રી. पुत्र वधु; बहु. A son's wife; a daughter-in-law सूय० १, ४, ५; उत्त० ६, ३; आया० १, २, १, ६२;

इति श्रीअजरामरसम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुलाबचन्द्र-
जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधानि-पण्डित
प्रवरमुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी
विरचिते वृहदर्धमागधीकोषे सप्तभाषाम्
णकारादिशब्दसङ्कलनं
समाप्तम् ।
इति
द्वितीयो भागः